प्रकाशक-बाबू रामलाल जैन नायब तहसीलदार
मंत्री-श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमिति
जैनस्थानक, रेल्वे रोड, गुडगाँव-छावनी
(पूर्वपंजाब)

मुद्रक—
लक्ष्मीबाई नारायण चौधरी, निर्णयसागर प्रेस,
२६।२८ कोलभाट स्ट्रीट, मुंबई नं. २

समप्पणं

जाण किवाए मम मणस्स चवलया नट्ठा, जेसिमुवएसेण मज्झंतक्करणे संतिसंचारो हूओ, जाणमब्भुअचरित्तजोगेण संपदाइगयाबंधणुम्मूलणनिच्छयं पत्तो, जेसिं बोहवयणेहिं अखंडअत्तसुहमग्गो लद्धो, जेसिमपारअणुग्गहवच्छल्लुच्छा-इदाणेण मह लेहणकल्लाए पवत्ती जाया, जेसि णं धारणाववहाराणुसारं पयासणमिणं वट्टए, तेसिमज्झप्पसत्थाणुराइअप्पडिबद्धविहारिक्क-वइनिक्कामपरोवयारिसंतमुद्दमब्भुद्धारगमहारिसिपवरथविरपय-विभूसियणायपुत्तमहावीरजइणसंघाणुयाइगयसग्गपरम-पुज्ज १०८ सिरिजइणमुणिफकीरचंदमहारायाणं पुणीयसमरणे हियय़विसुद्धभत्तिपुव्वगं एक्का-रसंगसंजुयमेयं सुत्तागमपढम-अंसं समप्पिणोमि।

पुप्फभिक्खू

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

कृतज्ञताप्रकाश

जिसप्रकार स्थापत्यकलाकोविद अपनी मस्तिष्क शक्तिका उपयोग करके मालिकके आदेश-निर्देशमें तत्पर होकर एक सुंदर प्रासादका निर्माण करता है उसी भाँति मेरे अन्तेवासी प्रशिष्य आयुष्मान् 'जिणचंदभिक्खू' ने अपनी विनयता, मृदुता, भक्ति-वैयावृत्य-सेवातत्परता, दक्षता और प्राकृतविज्ञानकलामर्मज्ञता आदि सद्भा-वनाओंमें तन्मय होकर 'सुत्तागमे' के प्रकाशन संबंधी कार्य तथा प्रूफसंशोधनादिकी सेवाका सहयोग देकर ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्की शासनसेवा, और जिनवाणीकी भक्तितत्परता द्वारा खूब ही साथ दिया है। भला इस क़ीमती सेवा के मृदु संस्मरणोंको कैसे भुलाया जासकता है। मैं इस मूल्यवान् सेवाकी बड़ी क़दर करता हूं। आख़िर मनुष्य दो प्रकारके ही तो होते हैं एक उपकार करनेवाला और दूसरा उपकारज्ञ।

पुप्फभिक्खू

प्रकाशकीय

१ आजके इस वैज्ञानिक युगमें जहां मनुष्यने विज्ञानके द्वारा नई २ व्यवहारोपयोगी वस्तुओंका आविष्कार किया है वहां महान् से महान् संहारक अणुवम जैसे शस्त्रोंका भी। यह सब किसलिए? मेरी सत्ता समस्त संसार पर छा जाए, मैं ही सबका प्रभु हो जाऊं, एक ओर तो शस्त्रोंकी होड़में एक देश दूसरे देशसे आगे निकल जाना चाहता है तब दूसरी ओर आधुनिक जनता का अधिक भाग युद्धको न चाहकर शांतिकी झंखना करता है परन्तु शांति शस्त्रोंके वलवूते पर किए गए युद्धोंसे नहीं मिल सकती शांतिका वास तो आध्यात्मिकतामें है भौतिकतामें नहीं और **ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्के** द्वारा प्रतिपादित आगम आध्यात्मिकतासे भरपूर है, उस आध्यात्मिकताके प्रसारके लिए ज्ञातपुत्र महावीर जैनसंघानुयायी उग्रविहारी जैन मुनि १०८ श्रीफूलचंद्रजी महाराज की विशुद्ध प्रेरणासे समितिने आगमोंके प्रकाशनका कार्य अपने हाथमें लिया है जिसका प्रथम फल आपके सन्मुख है। ३२ सूत्रोको **'सुत्तागम'** के रूपमें एक ही जिल्दमें देनेकी उत्कट इच्छा होते हुए भी ग्रंथराजका देह-सूत्र वढ़ जानेसे ११ अंगोका प्रथम अंश अलग वनाना पड़ा। इसके प्रकाशनमें जिन २ महानुभावोंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूपमें किसी भी प्रकारकी जिनवाणीकी सेवा की है उनका हम हार्दिक आभार मानते हैं, साथ ही सूत्रोंके निकले हुए अलग २ प्रकाशनों पर जिन २ मुनिवरोंने अपनी २ शुभ सम्मतिऐं भिजवाई हैं हम उनके अनुगृहीत हैं और सहधर्मा महानुभावोसे निवेदन है कि वे इस पवित्र कार्यमें सहयोग देकर हमारे उत्साह को वढ़ाएँ।

हम हैं जिनवाणीके सेवाकांक्षी,

प्रधान—मास्टर दुर्गाप्रसाद जैन B. A. B. T.

मंत्री—वावू रामलाल जैन नायव तहसीलदार

सुत्तागमे पर लोकमत

(नं. १) "श्रीपुप्फभिक्खु द्वारा सम्पादित 'आचारांग' का मैंने भली भांति अवलोकन किया है, धर्मोपदेष्टाजीका यह प्रयास प्रशंसनीय है, संपादन वहुत ही सुंदर बना है, विशेषतः स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए इस शैलीसे अन्य सूत्रोंका भी संपादन हो। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी रमणीय रहा है, आगमप्रेमी सज्जनगण इस प्रयासमें अधिकसे अधिक सहयोग देकर जिनवाणीका प्रचार करेंगे।"

पूज्य श्रीपृथिवीचंद्रजी महाराज, आगरा (लोहामंडी)

(नं. २) "श्रीधर्मोपदेष्टाजी द्वारा संपादित 'आचारांगसूत्र' मैंने ध्यानपूर्वक देखा है, संपादनकी शैली सुंदर और युगानुकूल है, स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए और साधु-साध्विओंके लिए यह संस्करण वहुत ही उपयुक्त सिद्ध होगा। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी प्रस्तुत ग्रंथ वड़ा रमणीय दीख पड़ता है, शुद्धिपर काफी ध्यान रक्खा गया है, आचारांग का प्रस्तुत संस्करण समाजमें अधिकाधिक स्थान ग्रहण करे, यही हार्दिक अभिलापा है, पुस्तक मुझे पसंद है।"

कविरत्न, उपाध्याय श्रीअमरचंद्जी महाराज, जैनमुनि
कुंदनभवन व्यावर

(नं. ३) "यह लघुपुस्तिका लघु होते हुए भी परमोपयोगी है, नित्यपाठ करनेवालोंके लिए यह नित्यकी सहायिका है, इसका प्रकाशन भी बहुत सुंदर हुआ है। इस प्रेमोपहारके लिए **जैनमुनि पं. श्रीहेमचंद्रजी महाराजने** आपका और णायपुत्तमहावीरजइणसंघाणुआई लहुअम पुप्फभिक्खू का शतशः धन्यवाद किया है और हार्दिक कृतज्ञता प्रगट की है, तथा मुनिश्रीको सस्नेह सुखसाता पूछी है।"

समाना मंडी पटियाला (पंजाव)
भगवानदास ब्रजलाल जैन वजाज

(नं. ४) "मैंने श्रद्धेय मुनि श्रीफूलचंदजी महाराज द्वारा संपादित आचारागसूत्रके प्रथमश्रुतस्कंध के मूल संस्करण को देखा, इसे पढ़कर मैं अत्यधिक आनंदित हुआ, इस प्रकार के सुंदर प्रकाशन के लिए मुनिश्री धन्यवाद के पात्र हैं।"

श्रीमान् श्रद्धेय प्रवर्तक स्वामीजी
श्री श्री हजारीमलजी म. जैन स्थानक व्यावर

(नं. ५) "जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी पं. मुनिश्री फूलचंद्रजी महाराज से संपादित होकर प्रकाशित मूल आचारांग सूत्रके प्रथम श्रुतस्कंधको देखकर मुझे वहुतही हर्ष हुआ, इस संस्करणके मूलपाठ वहुत शुद्ध हैं, अपने परिश्रममें मुनिश्री वहुत सफल वने हैं।"

जैन न्याय साहित्यतीर्थ तर्कमनीषी पं. मुनिश्री सिश्रीमलजी म. (मधुकर) प्रेषक धूलचंदजी महता व्यावर

(नं. ६) "सुत्तागमे (आयारे) पुस्तक पहुंच गई, यह उनकी वहुत कृपा है; उनको महाराज साहिव कोटि कोटि धन्यवाद करते हैं और अर्ज़ करते हैं कि और कोई पुस्तक अगर आपने छपवाई हो तो कृपा करके भेजे।"

गणावच्छेदक मुनिश्री रघुवरदयालजी महाराज प्रेषक तेलूराम जैन रईसेआज़म, जालंधर-छावनी (पू. पंजाव)

(नं. ७) "आचारांग सूत्र" जैसी पूर्ण वत्तीसी सूत्ररूपसे निकले, स्वाध्याय करनेवालोंके लिए वड़ी उच्चकोटीकी वस्तु होगी, ऐसा **श्रीमुनि हीरालालजी म.** ने फर्माया है।"

लालभवन जयपुर

(नं. ८) "तमारा तरफथी सुत्तागमे ए नामनुं पवित्र आगम आचारांगजी नो प्रथम भाग मूलपाठे सम्पादक भिक्खु फूलचंदजी महाराज! सदरहु पुस्तक तमोए रवाना करेल ते अमोने गई काले मल्यो छे अने ते **महाराज श्रीशामजीस्वामी** ने आपेल छे, पुस्तकनी शुद्धि अने व्यवस्थित जोई महाराजश्री घणा खुशी थया छे।"

शा. मोहनलाल रतनजी कच्छ मांडवी

(नं. ९) जैन जगतके सुप्रसिद्ध पर्य्यटक एवं जैन धर्मोपदेष्टा श्री पुप्फभिक्खू द्वारा संपादित सूत्रकृतांगसूत्रका मूलसंस्करण देखकर महती प्रसन्नता हुई। मूलपाठका शुद्धरूप उत्तम संपादन और नयनाभिराम प्रकाशन, वस्तुतः आजके युगमें सर्वतोभावेन आदरणीय है।

स्वाध्याय प्रेमी विद्वानोंके लिए यह प्रयत्न बहुत ही स्तुत्य प्रयत्न है। इस दिशामे श्रीपुप्फभिक्खूका यह सत्प्रयास चिरस्मरणीय रहेगा। मूल आगमों के प्रकाशनकी उनकी योजनाकी मैं हृदयसे सफलता चाहता हूं। सर्वसाधारण जनताके लिए बड़े काम की वस्तु है।

शंकरलाल वाटिका
१६ मई १९५१
ब्यावर

मुनि 'अमर'

(नोट) आपका पूरा नाम जगद्विख्यात कविरत्न, उपाध्याय, मुनि श्री १०८ श्री अमरचंद्रजी महाराज है।

(नं. १०) **श्रीमान् श्रद्धेय मुनिश्री हजारीमलजी महाराज** तथा **पंडित मुनिश्री मिश्रीमलजी (मधुकर) महाराज की सम्मति**

"आचारांग" की तरह **'सूत्रकृतांग'** का प्रकाशन भी बहुत सुंदर हुआ है। स्वाध्याय रसिकोंके लिए यह प्रकाशन बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी पंडित मुनिश्री फूलचंद (पुप्फभिक्खू) का आगम-साहित्यकी दिशामें यह सत्प्रयत्न हृदयसे अभिनंदनीय है। आशा है जैनसमाज मुनिश्री की इस विराट् आगमसंपादन योजनाका उदार हृदयसे स्वागत करेगा। हम मुनिश्रीके इस स्तुत्य प्रयासकी हार्दिक सफलता चाहते हैं।

प्रेषक श्रीधूलचंदजी महता ब्यावर

(नं. ११) "मैंने पंडितरत्न, मधुर व्याख्याता उग्रविहारी अनथक प्रचारक जैन धर्मोपदेष्टा मुनिश्रीफूलचंद्रजी महाराज द्वारा संपादित **सूत्रकृतांग** सूत्र सुत्तागमरूप पुस्तकाकार देखा। संपादकने इसमें पाठोंकी शुद्धि, उपकरणमें हलका तथा मुद्रणकलाकी दृष्टिसे सुंदर व्यवस्थित छपाई आदिका विशेष ध्यान रक्खा

है, अतः स्वाध्याय प्रेमिओंके लिए विशेष उपयोगी है । संपादक शतशः धन्यवादके पात्र हैं, क्योंकि सुत्तागम प्रकाशनरूप जिनवाणीकी अनथक रूपसे आप उपासना कर रहे हैं । मुझे यह भी आशा है कि आगे इसी प्रकार निर्विघ्नतया सेवा करते रहेंगे ।"

मुनि प्रेमचंद, मानसा (E. P.)

(नं. १२) "श्रीयुत पंडितरत्न, **सुत्तागम** संपादक, जैनधर्मोपदेष्टा, **'पुप्फभिक्खु'** द्वारा संपादित **ठाणांग** सूत्र देखा, जिसमे पाठशुद्धि, भारमें हलका और सुंदर छपाई आदिका ध्यान संपादकका खूब रहा है। इस नई शैलीके प्रकाशनको देखकर प्रत्येक व्यक्ति यह खुले दिलसे कह सकता है कि गागरमें सागरकी उक्ति साफ चरितार्थ है। मुझे पूरा संतोष तब ही होगा जब पूर्ण **आगम बत्तीसी** सुत्तागमरूपेण प्रकाशित होगी। संपादक और सहायक शतशः धन्यवादार्ह हैं।"

निवेदक मुनि प्रेमचंद मानसा (E. P.)

(नं. १३) श्रीमान् पूज्यवर जैनधर्मोपदेष्टा वीरशासन प्रभाकर विद्यावारिधि, धर्मनायक, पुप्फभिक्खू सादर स्नेहसुधासिक्त अनेक वंदन! और ऑग्लभाषा विशारद सुमित्त भिक्खूको सुखशांति पृच्छा । आपश्री का सुत्तागमे सूत्रोंके मूलपाठका संपादनका सुंदर कार्य जैन समाज पर, विशेषकर मुनि और साध्वीवर्ग पर महान उपकारी है। आपने समाजके लिए यह अपूर्व अवसर दिया है। आपका यह मंगलकार्य महान स्तुत्य है। मेरी चिरकालीन अभिलाषा साकार हो उठी। क्योंकि मेरी यह प्रबल इच्छा थी कि जिस प्रकार चार वेद हैं इसी प्रकार हमारे ३२ सूत्रोंका चार भागोंमें प्रकाशन हो । पहला मूलपाठके रूपमें, दूसरा शब्दार्थके रूपमें, तीसरा भावार्थके रूपमे और चौथा संस्कृतच्छाया तथा नई टीकाओंके रूपमें । मूलपाठ सुंदर अक्षरोंमे पुस्तकाकार हो । जैसे कुरान बाईबल ग्रंथसाहब आदि पाए जाते है । इसके उपरांत अंग्रेजी, जापानी, चीनी और फ्रेंच आदि पाश्चात्यभाषाओंमें भी अनुवाद हो । आपने तो मेरी सैकड़ों मीलकी दूर रही भावनाको जानकर यह मंगलकार्य बंबई नगरमे रह कर आरंभ किया है, मुझे तो ठीक यही भास हो उठा है। ठीक भी है क्योंकि मनको मनसे राहत होती है।

हे ज्योतिर्धर! वैसे तो आपके जीवनका प्रत्येक अमूल्य क्षण प्राणीमात्रके हित और जैनसमाजके उत्थानमें व्यतीत हुआ है। आपने भगवान् ज्ञातपुत्र महावीर प्रभुकी पवित्र वाणीको भारतवर्षके कोने कोनेमें पहुंचाकर सभ्य जनसमाज को सुनाया है। अपनी मधुर और ओजस्वी वाणी द्वारा पत्थर दिलोंको दयाके

पानीसे पिघला दिया है। कितने ही पशुओंकी वलिवेदीके अड्डोंको उखाड़ फेंका है। हजारो मूक प्राणिओंके प्राणोको मौतके घाट उतरनेसे वचाया है। धन्य है आपके विश्व वत्सल जीवन को, इस क्रूर हिंसाकी भयावह अंधियारी निशामें आप जैसे भिक्खु ही दयाके प्रकाशमान उडुपति हैं तथा लाइट ऑफ सिनार हैं। आपने अहिंसाके ऊंचे ध्वजको फहराया है यानी देशके वड़े वड़े नगरोंमें दयाधर्मके झंडेको हाथमें लेकर भ्रमण किया है। जैसे कश्मीर, कराची, कलकत्ता, झरिया, कानपुर आदि २ और अवकी वार विभवपूर्ण और सौंदर्य-सम्पन्न कुबेरनगरीके समान वंबई नगरमें जैनधर्मकी विजयपताका लहरा रहे हैं।

इतनी दूर जाकर वीरशासनकी सेवा करना अपनी उपमा आपही है। अस्तु!

मेरी तो शासनदेवसे यही प्रार्थना है कि आप दीर्घायु हों। और आपने जो जैनागम प्रचारका शुभसंकल्प किया है इस भगीरथ कार्यमें आपको महान सफलता मिले और तीर्थंकर पदके भागी वनें। यद्यपि आपके पावन दर्शनका अवसर मुझे नही मिला तव क्या मै यह आशा कर सकता हूं कि चतुर्मासके वाद इधर पधार कर दर्शनाभिलाषा पूरी करेंगे? क्योंकि आपके मनोहर और क्रांतिकारी उपदेश सुनने को दिल बहुत चाहता है और जो २ सूत्र प्रकाशित हों उन्हें भिजवानेकी कृपा करें आपकी बड़ी महरबानी होगी। भूलके लिए क्षमा!

प्रेषक
सेक्रेटरी S. S. जैन सभा
मूनक (पेप्सू)

आपका प्यारा दास
मुनि भागचंद

(नं. १४) **श्री १००८ श्री गणावच्छेदक श्रीरघुवरदयालजी महाराज** के पास अपका भेजा हुआ सूत्रकृतांग सूत्र मिला. "संपादन" सुंदर है। धर्मोपदेष्टा श्रीफूलचंदजी महाराजके परिश्रमका यह फल है। आपकी परिश्रमशीलताको देखकर कौनसा मानव है जो आपकी स्तुति न करे। आप जैन साहित्यका कार्य करके अपने जीवनका चरमलक्ष्य पूरा करेंगे। जिसके लिए आपने कदम उठाया है। महाराज श्री आपको धन्यवाद देते है।

निवेदक
५-१०-५१ लाला अछरूमल जैन रईसेआज़म
चौक कसेरान
पटियाला (E. P.)

(नं १५) ता. २०-९-५१ श्रीमान् बाबू रामलालजी साहब!

जय जिनेंद्र! आपका इरसाल करदह श्री **आचारांग** सूत्र तथा **सूत्रकृताङ्ग** सूत्र मोसूल हुए। मुलाहिजा **श्री १००८ श्रीबहुसूत्री पंडितरत्न श्रीमुनि नरपतरायजी महाराजने** अत्यन्त प्रसन्नता प्रगट की। नीज़ मुनि श्री फूलचंद्रजीके इस प्रयासकी अति प्रशंसा करते हैं और फर्माते है कि यह कार्य जो उन्होंने आरंभ किया है, भगवान् उनको सफलता दे।

संघ सेवक
मदनलाल जैन
फर्म-बंसीलाल बनारसीदास जैन
होशियारपुर E. P.

(नं. १६) **मेवाड़भूषण पूज्य श्री १००८ श्रीमोतीलालजी महाराज** फर्माते हे कि "आपकी तरफसे **'सुत्तागमे' सूयगडे** नामकी किताब मिली। पूज्यश्रीके नज़र(भेंट)करदी गई। पूज्यश्रीने फर्माया है कि पुस्तक बड़ी ही सराहनीय है। आपने बड़े परिश्रमके साथ आगमोद्धार करना आरंभ किया है। आपको हार्दिक धन्यवाद है।"

कालूराम हरकलाल जैन
कपासन (मेवाड़)

(नं. १७) "आपका भिजवाया हुआ (ठाणांग-समवायांग-मूल सूत्र दो प्रतिएँ) बुक-पोष्ट लाला परसराम जैन खत्री द्वारा हमें प्राप्त हुआ है। एतदर्थ सुमहान धन्यवाद! ये महान् अनमोल रत्न भिजवाकर हमे कृतार्थ किया है और भविष्यके लिए आशा करते हैं कि इसी प्रकार अन्य अनमोल रत्न भी भिजवाकर अनुगृहीत करते रहेंगे। पुस्तककी छपाई-शुद्धता-सुंदरता-लघुता-आकार-प्रकार सब कुछ वैसा ही है जैसा मै चाहता था, मानो मेरे विचारोंको समझकर ही आपने प्रकाशित करानेका प्रयत्न किया हो। यह संस्करण स्वाध्यायपरायण लघुविहारी मुनिराजोंके लिए परमोपयोगी है।"

रोपड़ १-९-१९५२ } **भवदीय**
मुनि फूलचंद्र (श्रमण)

(नं. १८) "श्रद्धेय धर्मोपदेष्टाजी जो आगमोंका संशोधित मूलपाठ प्रकाशित करवा रहे है इसकी परमावश्यकता थी, इस दिशाकी ओर बहुत कम विद्वान

मुनिओंका ध्यान गया है इस भगीरथ कार्यके लिए श्रीधर्मोपदेष्टाजीका जैनसमाज सदैव ही आभारी रहेगा।”

कविराज श्रीचंदनमुनि,
मु० गीदड़वहा मंडी E. P.

(नं १९)…श्री १००८ श्रीरघुवरदयालजी म० ठा० ६ सुखशांतिसे विराजमान है, आपके भेजे दो सूत्र प्राप्त हुए, वे अति सुंदर छपाई सफाई कागजादि सब दृष्टिसे विद्वानोंके लिए महतोपयोगी हैं। आपका कार्य केवल प्रशंसाके योग्य ही नहीं बल्कि आदर्श और आचरणके योग्य है और निःशुल्क भिजवाकर तो अपने समाज पर अपनी अति उदारताका परिचय दिया है अतः इसके लिए कोटि २ धन्यवाद!

ता. १-९-५२ } मंत्री S. S. जैनसभा.
मालेरकोटला. E. P.

(नं २०) श्री आंबाजी स्वामीए आपने बहुमानथी वंदणा करी सुखशाता पुछावेल छे. आपे भगवती सहित सात सूत्रो छुटक छुटक करी मोकल्या ते साते पुष्पो मल्या छे. ते सहर्ष स्वीकारी लीधा छे। तमो शास्त्रोद्धारनुं काम करी जैनसमाजनी सेवा बजावी रह्या छो. ते घणुं इच्छवा योग्य काम छे. तमोए तथा त्यांनी समितिना कार्यकर्ताओए सूत्रानुवाद गुजराती अने हिंदी तथा काव्योसां बनाववानी भावना प्रदर्शित कीधी छे ए अतिस्तुत्य छे.

पोरबंदर ता० १०-९-१९५२.

(नं. २१) तमारा तरफ थी मागधीभाषामां आपणा शास्त्रनी पुस्तिकाओ मोकली ते मळी छे ‘सुत्तागमे’ तेनी बे जुदी २ मळी छे. आप आ ज्ञानोद्धारक शास्त्रोद्धारने माटे कार्य करो छो ते माटे एमना मंत्रीश्रीने खरेखर धन्यवाद छे. ए प्रकाशन जगत्उपयोगी छे. ए आपनी परोपकारी भावनाने धन्यवाद घटे छे.

पोरबंदर ता. ३१-८-५२ मुनिश्री आंबाजी स्वामी

(नं. २२) जैन मुनि श्रीश्री हजारीमलजी महाराज व पं. मुनिश्री सिश्रीमलजी (मधुकर) महाराज की सम्मति

"स्थानांगसूत्रके दोनों अंश और समवायांगसूत्र हमने पढ़े। आचारांग और सूत्रकृतांगकी तरह ये प्रकाशन भी बहुत सुंदर निकले है। इन आगमोंके सम्पादनमें जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी मंत्री मुनि श्रीफूलचंद्रजी महाराजने जो परिश्रम उठाया है वह अत्यन्त प्रशंसाके योग्य है। स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए मुनिश्रीका यह प्रयास बहुत सफल सिद्ध हो रहा है।

भावना तो यह है कि आगेके प्रकाशनभी बहुत शीघ्र हमारे हाथोंमें आजाएँ।"

प्रेषक—गजमल विरधीचंद तातेड़ मु० पो० विजयनगर (अजमेर)

(नं. २३) मुनि श्रीफूलचंद्रजी म. द्वारा संपादित 'सुत्तागम' अंतर्गत आचारांग-सूत्रकृतांग-ठाणायंग और समवायांग पुस्तक नंग ४ भेंट मिली। 'सुत्तागमे' की उपरोक्त पुस्तकें स्वाध्याय योग्य होनेसे स्वाध्याय करके अतिप्रमोद प्राप्त हुआ है। जिज्ञासु और स्वाध्याय करनेवालो के लिए यह बहुत उपयोगी साधन है। विजय-डायरी पढ़नेसे मालूम हुआ है कि 'सुत्तागमप्रकाशकसमिति' (गुड़गॉव पंजाव)ने आगमप्रचारविषयक योजना विशाल रक्खी है। यदि सुत्तागमकी तरह सौ १०० भाषाओमें श्रीश्रमण भगवान महावीरस्वामी द्वारा निर्दिष्ट जगज्जंतुकल्याणक अनेकान्त स्याद्वादगर्भित जैनसिद्धान्त का प्रतिदेश प्रतिप्रान्त और प्रतिघरमें प्रचार हो तो इसके सिवाय दूसरा पुण्यकार्य क्या हो सकता है। यह धर्मप्रचारकी सर्वोपरि योजना है, यह कहते हुए हमें हर्ष होता है। जैनसमाजके श्रीमान् विद्वानोका और श्रीमान् लक्ष्मीनंदनोका इसमें पूरा साथ हो तो कार्य जल्दी सुचारुरूपसे हो सकता है अतः दोनो उदार वनें।

जामजोधपुर ता. २१-८-५२ शुभेच्छुक जैन भिक्खु गब्बुलालजी म०

(नं. २४) आपकी ओरसे सूत्रोंका बुकपोस्ट मिला, **मेवाड़ भूषण. चतुर्मास-विहारमंत्री श्री १००८ मोतीलालजी म.** की सेवामें प्रस्तुत किया. उत्तरमें फर्माया है कि आपको हार्दिक धन्यवाद है, आप बड़े परिश्रमपूर्वक शास्त्रोद्धार कर रहे है आपका शास्त्रोद्धार सराहनीय है। ऐसा परिश्रम करके

शास्त्रोद्धार करनेवाले विरले मुनि है। आपको जितनी उपमा दी जायँ थोड़ी है। आपश्री चतुर्विध संघके लिए वड़ा ही सराहनीय कार्य कर रहे हो। ऐसा कार्य करने ही से समाजमें ज्ञानप्रचार व शास्त्रोद्धार हो सकता है, थोड़ेसेमें वहुत समझे! श्रीमान्-श्रावक संघका पैसा भी सदुपयोगमें लग रहा है। श्रावकसंघको चाहिए कि ऐसे कार्यमें कंजूसी न करते हुए द्रव्यका इसके प्रचारमें सदुपयोग करें जिसमें सवका कल्याण समाया हुआ है।

ता० ३१-७-१९५२ आपका भँवरलाल जैन, खसनौर

(नोट) इनके अतिरिक्त और वहुतसी सम्मतिएँ ग्रंथ वढ़नेके भयसे नहीं दे रहे। आपने इन पृष्ठपटोपर अंकित सम्मतिओसे यह तो जान ही लिया होगा कि ये प्रकाशन कैसे है। वैसे तो सव संप्रदायोके मुनिओ और महासतिओकी ओरसे सूत्रोकी मांगे धड़ाधड़ आती रहती है, अर्थात् सूत्रोका प्रचार आशासे अधिक हो रहा है। इसी प्रकार ३२ आगमोंको यथासमय मुनिओ और महासतिओंके करकमलोंमे पहुंचाकर समिति अपना ध्येय पूरा करनेका प्रयत्न करेगी। समिति यही चाहती है कि हमारे मुनिगण प्रकाण्ड विद्वान् वन कर जिनशासनका उत्थान करें।

मंत्री

सूयणा

इक्कारसंगाइमिसाइमम्ह धम्मगुरूण गरिमजियमेरूण साहुकुलचूलामणीण अहिल-सग्गुणखणीण चत्तअदत्तकलत्तपुत्तमित्ताण पसंतचित्ताण अग्गिव्व उग्गतवतेयदित्ताण पोम्मं व अलित्ताण पागयजणमुच्छाविहाणनियाणविसयगामविरयाण पंचविहायार-निरइयारचरणनिरयाण भवोयहितारणतरंडाण अण्णाणतमोहपयंडमायंडाण मोहेभ-निवारणवरंडाण पासंडिमाणसेलसद्दणवज्जदंडाण वाउरिव अपडिबद्धाण तवसिरिस-मिद्धाण सम्मअवगयजिणमयसम्मयसुहुमयरवियारसयलभवसिद्धियलोयहिययंगमाण सुसंजयपंचपसियतरलयरकरणतुरंगमाण दुज्जयअणंगमायंगभंगसारंगपुंगवसरिच्छाण अक्कुव्व सुयणंवुरुहवोहणअण्णाणमोहतिमिरभरहरणधम्मुज्जोयकरणिक्कतल्लिच्छाण दुह-तरुउम्मूलणेक्कखरपवणाण चरित्तणाणदंसणफललुद्धमुणिंदसउणमेरुवणाण सारयस-लिलं व सुद्धमणाण पाविधणोहहुयासणाण संसारण्णवसज्जतजीवगणतारणसमत्थवो-हित्थाण अद्दिव्व धीरिमापडिहत्थाण जिणपवयणगयणनिसायराण मेराणाणचरणाइ-निम्मलगुणरयणरयणायराण नियसुद्धवएसदेसणाणिण्णासियभव्वजन्तुजायजीवियभू-यसम्मदंसणणासणपच्चलमिच्छादंसणुग्गगरलाण दुज्जणदुव्वयणपवणवाए वि अतर-लाण विसयसुहनिप्पिवासाण मुक्कगिहवासपासाण दूरपरिच्चत्तविइगिच्छाअरइरइभीइ-हासाण मित्तसत्तुजणजुम्मसमाणमणोविलासाण नवविहवंभचेरगुत्तिसम्मसंरक्खणेक्कप-रायणाण दुक्कम्मदइच्चनिवहविद्धंसणनारायणाण **सुत्तत्थविसारयाण** जिणधम्म-पसारयाण मरालुव्व परगुणखीरगहणदोसंवुविवज्जणवियक्खणाण कयछक्कायर-क्खणाण खं व अणप्पकुवियप्पसंकप्पसुण्णाण खंतिमुत्तिअज्जवमद्दवलाघवाइपुण्णाण धरामंडलव्व सव्वसहाण भवदुक्खायवसंतत्तपंथिसंतिदायगदहाण चंदणवणं व सुसीयलाण जसच्छाइयधरणीयलाण कंदप्पदप्पदलणिक्कमल्लाण नीसल्लाण नियनिरुव-मवयणकलारंजियसयललोगाण सव्वहा निम्ममयाए निरासीकयसोगाण आइच्चुव्व तेयसा फुरंताण धम्मुव्व मुत्तिमंताण जियतिजयदप्पकंदप्पमत्तगयवियडकुंभयड-दलणसीहाण निरीहाण जिणगणहरसमणुचिण्णसम्ममग्गाणुयाईण निहिलागमपार-याईण परजियपियहियमियफुडभासीण सयलगुणरासीण माणावमाणपसंसणिंदण-लाहालाहसुहदुहसमाणमणसाण अंसुमालिव्व फेडियदुम्मइतमसाण संतिसुत्तीण सियकित्तीण जीवुव्व अप्पडिहयगईण जिणपवयणाणुसारमईण अमयनिग्गमुव्व सोमसहावाण महापहावाण पंचाणणुव्व दुप्पधंसणिज्जाण सयलजणाभिगमणिज्जाण सासणपभावगाण जीवे सम्मग्गे ठावगाण जम्मजरमरणकल्लोललोलजलपडलपुण्ण-

विविहमहायंकसमुल्लसंतलक्खणक्कचक्कअणवरयविसप्पिररोगसोगमयराइभीसभवग्ग-वाउ भव्वे धम्मदोणीतारणसमट्ठकुसलकण्णधाराण धीरखुरधवलुव्व उव्वहिय-दुव्वहपंचमहव्वयगुरुभाराण उदहिविव गहीराण मोहमल्लिक्कवीराण पावदावग्गि-नीराण दुरियरयसमीराण जिणधम्मरहस्ससारहीण धम्मकहीण तिगुत्तिवग्गावसीक-यदुट्ठमणस्साण अवगयदुग्गमसिद्धंतरहस्साण अपसत्थासवदारनिरोहगाण बहुभव्व-जणसमाजबोहगाण जिइंदियाण धम्मपियाण पंचविहसज्झायविहिविहाणविहावग-सावहाणाण अहिलजगज्जंतुजायवियरंतअभयदाणाण भवजलहिवुड्डंतजंतुसंतरण-अणहवरजाणाण भवभयचारयबंधणविच्छेयनिमित्तसत्ताणाण समतिणमणिलेट्ठु-कंचणाण छड्डियमयतण्हावंचणाण अण्णाणतिमिरावरियअन्तरणयणजणताविड्ण्ण-तदुग्घाडणारिहतव्विमलयाहेउपरसणाणंजणाण सखुव्व निरंजणाण कम्ममहीरुहकु-मइलउप्पाडणगइंदाण परतित्थियमियमइंदाण कासकुसुमालिनिम्मलजसभरपरिभरिय-भुवणयलाण दारिद्ददुमदवानलाण सोमुव्व सोम्मयागुणगरिट्ठाण सव्वसाहुजणपगिट्ठाण सीहुव्व असंखोहाण आहिवाहिउवाहिकसायग्गिउलहवणमेहसंदोहाण वज्जियलोह-नियडिमयकोहाण पणट्ठसंपदायपक्खवायमोहाण अण्णाणंधयारावडियदावियमुत्ति-मग्गाण **गयसग्गाण** किं बहुणा सव्वसाहुगुणोवमाजुत्ताण ससहरुव्व विबुहजणम-णच्चओरामंदाणंददायगभव्वहिययकेरवविंयासगनियसियजसजुण्हाधवलियदियंतर-अण्णउत्थियचक्कविहडणपयडमहप्पपावकलंकवंकत्तणमुत्ताण अज्जपरमपुज्जाण वंदणि-ज्जाण ४ **सिरि १०८ सिरिफकीरचंदमहारायाण धारणाववहाराणु-सारं वट्टंति** जइ मे पयासेण कस्स वि किंचि वि लाहो होहिइ तो सपयत्तसाहल्लं मण्णिस्स, दिट्ठिमुद्दणक्खरजोजगदोसा कहिंपि कावि असुद्धी होउ सोहिज्जउ, पेसि-ज्जउ ससम्मई, इमाण सज्झायं कट्टु वुहा निरावाहं सुहं पाउणंतु त्ति ।

गुरुपयंबुरुहदुरेहो–**पुप्फभिक्खू**

सूचना

यह प्रकाशन मेरे धर्मगुरु धर्माचार्य साधुकुलशिरोमणि १०८ **श्रीफकीर-चंद्रजीमहाराज** (स्वर्गीय) के धारणाव्यवहारानुसार है, यदि कोई दृष्टि-मुद्रणादि दोष हो तो स्वाध्याय प्रेमी सज्जन सुधारकर पढ़े। यदि इस प्रयत्नसे मुमुक्षुओंको ज्ञानसाधनाका लाभ मिला तो परिश्रम सफल समझकर सन्तोष होगा। इन अंगसूत्रोंका अहर्निश स्वाध्याय करते हुए वे निराबाध सुख प्राप्त करें। मुनिगण अपनी सम्मति समितिको भेजें।

गुरुचरणचंचरीक

पुप्फभिक्खू

प्रस्तावना

इस अनादि अनंत संसारमें आत्माने अनन्त वार जन्म मरण किए है परन्तु अपने स्वरूपको भूलकर विभाव-परपरिणतिमें रच पचकर कर्मवश होकर अनन्तानन्त दुःख सहन करता रहा है । यद्यपि सुखको पानेके लिए अनेक प्रकारके पापड़ वेलता है लेकिन अवतक उसे वह सच्चा और टिकाऊ सुख नही मिल सका है कि जिसके द्वारा संसृतिके सब दुःखोंसे नितान्त छुटकारा पालेता, परन्तु धर्म पुरुषार्थके विना वह सुख कहां? **'धर्मात्सुखं'** धर्मसे सुख मिलता है, सुखके पानेमें धर्म कारणभूत है, तव कारणके विना कार्य कैसे संपन्न हो सकता है । साथ ही यह भी स्मरण रहे कि धर्मपुरुषार्थ ही मोक्षका वास्तविक मार्ग है जिसके मुख्य तीन प्रकार सर्वज्ञों द्वारा प्रतिपादित है, वे है सम्यग्ज्ञान, सम्यग्दर्शन और सम्यक्चरित्र। शरीर और मनके दुःखोंसे छुटकारा दिलाने वाला यही रत्नत्रय समर्थ साधन है । इस रत्नत्रयमें 'पढमं नाणं तओ दया'के अनुसार सम्यग्ज्ञानकी प्रधानता है । मोहरूपी महा अंधकारके समूहको नष्ट करनेमें ज्ञान सूर्यके समान है । इष्ट वस्तुको प्राप्त करानेमें ज्ञान कल्पवृक्ष है । दुर्जय कर्मरूपी हाथीको पछाड़नेमें ज्ञान सिंह जैसा है । ज्ञानके अभावमें मुँहपर दो आंखे होनेपर भी वह अन्धेके सदृश है । ज्ञानके भी पांच प्रकार है जिनमें 'श्रुतज्ञान' बड़े ही महत्वकी वस्तु और परोपकारी है । केवली भगवान्का केवलज्ञान उनके स्वयंके लिए लाभ दायक है औरोके लिए नहीं वे भी श्रुतज्ञानके द्वारा ही जगत्के असंख्य भव्यजीवोको प्रतिवोध देकर महान् उपकार करते है । लेकिन श्रुतज्ञानकी भी दो वीथियाँ है जिन्हें सम्यक्श्रुत और मिथ्याश्रुत कहते हैं । सम्यक्श्रुतके भी अनेक भेद है जिनमें वर्तमान समयमें केवल ३२ आगम ही उपलब्ध है और जो १४ पूर्वीय श्रुतज्ञान महान् समुद्रके समान था उसका काल दोषसे इस समय विच्छेद हो चुका है । यह हमारे मंदभाग्य ही का कारण है, तो भी ये वार्तमानिक आगम आजके सत्साहित्यके मूल स्रोतके समान है । इन्हीं स्रोतो द्वारा हमारा साहित्य अमर विभूति प्राप्त है । साहित्य वह वस्तु है जो प्रत्येक धर्म और राष्ट्रका प्राणभूत होता है । जिसका अपना निजीसाहित्य न हो वह धर्म मृतकके समान है ।

जैनसाहित्यमें आगमोंका स्थान—यो तो जैनसाहित्य अन्य साहित्योंकी अपेक्षा अत्यन्त विशाल है । कोई ऐसा विपय नहीं है जिसपर जैनसाहित्यकों की लेखनी न उठी हो, परन्तु उसमें भी आगमोंका स्थान सर्वोच्च है । या यो कहिए

कि ये आगमसूत्र जैनसाहित्यके लिए प्राणभूत है। इन आगमों का सहारा लेकर बड़े २ विद्वानोंने नाना प्रकारकी उत्तमोत्तम रचनाएँ की है। इससे यह पाया पड़ता है कि ये हमारे पवित्र आगम जिनशासनरूपी कल्पवृक्षके दृढ़तम मूल हैं।

आगम रचयिता—जिस समय तीर्थंकर भगवान् चारो तीर्थोंकी स्थापना करते है उस समय द्वादशांगीके वीजभूत महत्त्वपूर्ण तीन वचनोका प्रकाश गण-धरोके सन्मुख करते है, उस उत्पाद व्यय और ध्रौव्यरूप त्रिपदीके द्वारा गण-धरदेव द्वादशांगीकी रचना करते है * वर्तमानसमयमें जो ३२ आगम उपलब्ध है वे सव ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्‌के सदुपदेशोंसे भरपूर होनेंके कारण हमारे लिए अक्षय कोपके समान है।

वर्तमान आगमोंका इतिहास—भगवान् महावीर प्रभुके निर्वाणसे ९८० वर्ष तक उस समयके साधु साध्वियाँ सम्पूर्ण सिद्धान्त-आगमोंको अपनी तीक्ष्ण-वुद्धिके कारण कण्ठस्थ रखते रहे। वे दिन रातमें १२ घण्टे तक उनका स्वाध्यायके रूपमें परावर्तन किया करते थे † इसके पश्चात् कालदोषसे स्मरणशक्तिमें कमी आ जानेके कारण जहाँ तहाँ स्खलना पड़ने लगी। कहा जाता है कि उस समयके विद्यमान आचार्य देवर्द्धिगणि क्षमा-श्रमणने इस कमीको महसूस किया 'जिन-शासनकी रक्षा प्रत्येक प्रकारसे करनी चाहिए और शासनकी रक्षा सिद्धान्तकी रक्षा करनेसे ही हो सकती है, इस उद्देश्यसे उन्होने आगामी भव्यलोकोके उपकारके लिए वीरसवत् ९८० विक्रमसंवत् ५११, तदनुसार ई. सन् ४५४ मे वल्लभी नगरीमें तत्कालीन समस्त जैनमुनियोको एकत्रित किया ‡ जिसे जितना याद था सुना और फिर उस महान् ज्ञानको यथाक्रम पुस्तकारूढ़ किया। उस सम्मेलनके वाद मूलरूपसे गणधर भाषित होनेपर भी सब आगमोके संकलयिता देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण ही समझे जाने लगे, उदाहरणके लिए श्रीभगवतीसूत्र श्रीसुधर्माचार्य प्रणीत है और प्रज्ञा-पनासूत्र भगवान् महावीर प्रभुके निर्वाणके ३३५ वर्ष बाद श्रीश्यामाचार्य द्वारा संकलित किया गया पर भगवती मे कई स्थलोपर **'जहा पण्णवणाए'** ऐसा पाठ

---

* अत्थ भासइ अरिहा, सुत्तं गंथंति गणहरा निउण। † पडिक्कमामि चउक्काल सज्झा-यस्स अकरणयाए; अथ च उत्तराध्ययने समाचारी नाम षड्विंशतितमे अध्ययने प्रथमा समाचारी स्वाध्यायरूपा स्थापिता येन ज्ञानस्य विसरणं न भवेत्। ‡ इतना और स्मरण रहे कि इससे पहले पाटलीपुत्र का सम्मेलन और नागार्जुनक्षमाश्रमणके तत्त्वावधानमे माथुरीवाचना हो चुकी थी। देखो **'आगमोंकी भाषा'** का प्रकरण।

मिलता है। इसी भांति और अंगोमें भी उपांगोंकी साक्षियां पाई जाती हैं, अर्थात् अमुक उपांगोंसे समझ लेना चाहिए। इससे यह स्वयंसिद्ध है कि देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण वर्तमान आगमोके संकलयिता थे, उन्होने लिपिवद्ध करते समय पाठोमे साम्य देखकर समयका अपव्यय न हो इसलिए ऐसा किया। आगमोंको पुस्तकारूढ़ करके उन्होंने जैन समाज पर जो महान् उपकार किया है उसे कभी भी नही भुलाया जा सकता।

एक आगमका उसी आगममें निर्देश—आगमोमे प्रस्तुत आगमका प्रस्तुत आगममे भी निर्देश पाया जाता है, जैसे समवायांगसूत्रमे १२ अंगोंके वर्णन मे समवायांगका भी वर्णन है, यही क्रम और आगमोंमे भी मिलता है, इसका कारण आगमोकी प्राचीन शैली है, यही प्राचीन प्रद्धति वेदोमे भी पाई जाती है। जैसे "सुपर्णोऽसि गरुत्माँ स्त्रिवृत्ते शिरो गायत्रं चक्षुर्वृहद्रथन्तरे पक्षौ स्तोमं आत्मा छन्दाꣳस्यङ्गानि यजूꣳषि नाम।"

जैनसाहित्यपर नई २ आपत्तियाँ—जिसकालमें बौद्धों और जैनोके साथ हिंदुओंका महान् संघर्ष था उस समय धर्मके नाम पर बड़े से बड़े अत्याचार हुए, उस अंधड़मे साहित्यको भी भारी धक्का लगा, फिर भी जैनसमाजका शुभ उदय समझे या आगमोंका माहात्म्य! जिससे आगम वाल २ वचे और सुरक्षित रहे। परन्तु वड़ो पर आपत्तियाँ आया ही करती है। इसके अनन्तर चैत्यवासियोंका युग आया, उन्होने चैत्यवादका ज़ोर शोरसे आंदोलन किया और अपनी मान्यताको मजवूत करनेके लिए नई २ बातें घड़नी शुरू की, जैसे कि अंगूठे जितनी प्रतिमा वनवा देनेसे स्वर्गकी प्राप्ति होती है, जो पशु मंदिरकी ईटे ढोते है वे भी देवलोक जाते हैं, आदि २। वे यहां तक ही नही रुके वल्के उन्होने आगमोंमे भी अनेक वनावटी पाठ घुसेड़ दिए। जिस प्रकार रामायणमे क्षेपकोकी भरमार है उसी प्रकार आगमोमे भी। इसके वाद युगने करवट वदली और उसी कटाकटीके समय धर्मप्राण लोंकाशाह जैसे क्रान्तिकारी पुरुष प्रगट हुए। उन्होने जनताको सन्मार्ग सुझाया और उसपर चलनेकी प्रेरणा दी। चैत्यवासियोने तो उनको अनेक कष्ट दिए पर वे कहा टससे मस होनेवाले थे। '**धम्मो मंगलमुक्किट्ठं०**' गाथा पढ़कर और चैत्यवासियोमे आचार विचार संवंधी शिथिलता देखकर उन्होने वह आवाज उठाई कि जिससे लोगोमे क्रांति और जागृति उत्पन्न हुई तथा लवजी धर्मशी धर्मदासजी जीवराजजी जैसे भव्य-भावुकोने धर्मकी वास्तविकताको अपनाया और उसके स्वरूपका प्रचार आरंभ

किया। परिणाम स्वरूप आज भी उनकी प्रेरणाओंको जीवित रखनेवालोंकी संख्या ५ लाखसे कहीं अधिक पाई जाती है। लोंकाशाह सहित इन चारों महापुरुषोंने चैत्यवासी मान्य अन्य आगमोंमे परस्पर विरोध एवं मनं घड़न्त वाते देखकर ३२ आगमोंको ही मान्य किया।

आगमोंकी भाषा—समवायांग सूत्र तथा औपपातिकसूत्रमें क्रमशः पाठ आते है **"भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ" "तए णं समणे भगवं महावीरे कूणियस्स रण्णो भिंभिसारपुत्तस्स...... अद्धमागहाए भासाए भासइ। ...सा वि य णं अद्धमागहा भासा तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अप्पणो सभासाए परिणामेणं परिणमइ"** अर्थात् ज्ञातपुत्र-महावीर भगवान् अर्धमागधी भापामें उपदेश करते थे और वह भापा सब जीवोंकी अपनी २ भाषामें परिणत होती थी। उनके पांचवें गणधर श्रीसुधर्मा स्वामीने द्वादशांगीकी रचना भी अर्धमागधीमें ही की। दिगंबरोंके मतसे ये १२ अंग विच्छिन्न हो चुके हैं परन्तु अपने मतानुसार जैसा कि पहले लिखा जा चुका है देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमणने आगमोको लिपिवद्ध किया। इतने समयके बाद लिखे जानेपर भी भाषाकी प्राचीनतामें कमी नहीं आई। क्योंकि सैकड़ो वर्षोंतक जैसे ब्राह्मणोंने मुखपाठके द्वारा वेदोंकी रक्षा की उसी प्रकार जैन मुनिओंने भी लगभग १००० वर्ष पर्यन्त शिष्य परम्परासे इन पवित्र आगमोको स्मृतिपथमें रक्खा। दूसरा कारण यह है कि जैन धर्ममें शुद्धपाठोच्चारण पर खूब ज़ोर दिया गया है, और 'हीणक्खरं' आदि अतिचार वताए गए हैं। फिर भी वारीकीसे देखनेपर यह अवश्य मानना पड़ेगा कि चाहे जैसे भाषामें परिवर्तन ज़रूर हुआ है। इसका होना असंभव भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि आगम वेदोकी भान्ति शब्द-प्रधान न होकर अर्थ-प्रधान हैं। ये सूत्र उस समयकी जनसाधारणकी कथ्यभाषामें निर्मित हुए और समयानुसार वोलीमें (लोकभापामें) होनेवाले परिवर्तनका प्रभाव लोगोंके समझानेके लिए आगमोपर भी होना आश्चर्यजनक नहीं। इसका एक मुख्यकारण यह भी है कि ज्ञातपुत्र-महावीर भगवान् के मोक्ष जानेके लगभग २०० वर्ष पीछे, ई. स. पू. ३१० चन्द्रगुप्तके समयमें मगधमें १२ वर्षका भयानक अकाल पड़नेके कारण मुनिओंको संयम निभानेके लिए दक्षिण देशमें जाना पड़ा और परावर्तन

---

१ देखो 'एनुअल रिपोर्ट ऑफ एशियाटिक सोसायटी वेगाल' १८९८ डॉ. [illegible] का लेख।

न कर सकनेके कारण उन्हें भूल से गए। उसके बाद पाटलीपुत्रमें संघ एकत्र हुआ और जिसे जितना याद था सुनकर ११ अंगोका संकलन किया गया[1] अर्धमागधीमें मगधके आसपासके प्रदेशोंकी भाषाओंकी अपेक्षा दूरस्थ महाराष्ट्रकी भाषाका जो अधिक साम्य देखा जाता है उसका कारण भी यही है। इतिहास द्वारा यह भी सिद्ध है कि पुराने समयमें जैनधर्मका दक्षिणमें भली भांति प्रचार हुआ था, तब यह अनुमान असंगत नहीं हो सकता कि दुर्भिक्षकालमें मुनिवर्ग दक्षिणमें न गया हो, तद्देशीय भाषाज्ञानके विना प्रचार सम्यक्तया नहीं हो सकता, अतः उसका प्रभाव कंठस्थ आगमोंकी भाषा पर भी पड़ा, इसके द्वारा प्रभावित बहुतसे मुनि पूर्वोक्त सम्मेलनमें पधारे, इसलिए अंगोके सकलनमें भी इसका थोड़ा बहुत असर पड़ा। उससे लगभग ८०० वर्ष बाद थोड़े २ अंतरसे मथुरा और वल्लभीमें आगमोंको पुस्तकारूढ़ करनेके लिए साधुसम्मेलन हुए, जिनमें सब प्रान्तोंसे मुनि आए, जिनके मुखस्थ सूत्रोंपर तत्तत्प्रदेशोंमें बहुत समय तक विचरनेसे उस देशकी भाषा, उच्चारण और व्याकरणका कुछ न कुछ प्रभाव अंकित था। यही कारण है कि अंगोंमें एक ही अगके भिन्न २ भागोंमें और कहीं २ एक ही वाक्यमें भाषाभेद दृष्टिगोचर होता है। इस प्रकार भाषापरिवर्तनके बहुतसे कारणोंके उपस्थित होनेपर भी पाटलीपुत्रके सम्मेलनके बाद बिल्कुल अथवा अधिक परिवर्तन न होकर मात्र थोड़ा बहुत भाषा-भेद ही हुआ और अर्धमागधीके सैकड़ों प्राचीन रूप अपने स्वरूपमें सुरक्षित रह सके, इसका श्रेय अशुद्ध उच्चारणके लिए पापबंधके धार्मिक नियमको है जो कि सम्मेलनके पीछे और भी मजबूत किया गया। वर्तमान आगमोंमें कहीं २ जो पाठ-भेद मिलते हैं उनका कारण उपरोक्त वाचनाएँ है। समवायांग औपपातिक [2]व्याख्या-प्रज्ञप्ति और [3]प्रज्ञापनासूत्र तथा [4]बहुतसे प्राचीन ग्रंथोंमें जिसे अर्धमागधी कहा

---

१ देखो स्थविरावलिचरित्र सर्ग ९ श्लो. ५५ से ५८ तक। २ देवा ण भंते! कयराए भासाए भासंति? कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति? गोयमा! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सा वि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति। ३ से कि तं भासारिया? भासारिया जे णं अद्धमागहाए भासाए भासति। ४! आरिसवयणे सिद्धं, देवाण अद्धमागहा वाणी। (काव्यालंकारकी नमिसाधु कृत टीका २, १२) !! सर्वार्धमागधीं सर्वभाषासु परिणामिणीम्। सर्वेषां सर्वतो वाचं, सार्वज्ञी प्रणिदध्महे॥ (वाग्भट्टकाव्यानुशासन पृ० २) !!! अकृत्रिमस्वादुपदां, परमार्थाभिधायिनीम्। सर्वभाषापरिणतां, जैनी वाचमुपास्महे॥ (स्वोपज्ञ काव्यानुशासन, हेमचंद्राचार्य)

गया। स्थानांगसूत्र तथा अनुयोगद्वारमें जिसे 'इसिभासिया' कहा गया है और इसीके आधारपर हेमचंद्राचार्य आदिने इसका नाम 'आर्ष' रक्खा अर्थात् अर्धमागधी ऋषिभाषिता और आर्ष तीनों एक ही बात हैं। पहला नाम उत्पत्ति स्थान तथा अन्य उस भाषाको सर्वप्रथम साहित्यमें स्थान दायकोंसे संबंधित हैं। हेमचंद्राचार्यने अपने बनाए हुए प्राकृत व्याकरणमें आर्षके जो लक्षण तथा उदाहरण बताए हैं उनसे और **'अत एत् सौ पुंसि मागध्यां'** (हे.प्रा.४-२८७) इस सूत्रकी व्याख्यामें जो **"यदपि पोराणमद्धमागहभासानिययं हवइ सुत्तं' इत्यादिना आर्षस्यार्धमागधभाषानियतत्वमाम्नायि वृद्धैस्तदपि प्रायोऽस्यैव विधानात् न वक्ष्यमाणलक्षणस्य"** ऐसा कहकर उसके अनन्तर जो **'कयरे आगच्छइ' 'से तारिसे जिइंदिए'** के उदाहरण दिए हैं उनसे उक्त बात भली भांति सिद्ध हो जाती है, डॉक्टर हर्मन जेकोबीने जैनागमोंकी भाषाको प्राचीन महाराष्ट्री कहकर **'जैन महाराष्ट्री'** नाम दिया है। जिसका डॉ. पिशलने अपने विख्यात प्राकृत व्याकरणमें खंडन करके सप्रमाण सिद्ध किया है कि अर्धमागधीमें बहुलतासे ऐसी अनेक विशेषताएँ हैं जो महाराष्ट्री आदि किसी प्राकृतमें ढूंढ़नेसे भी नही मिलतीं। इसलिए उपरोक्त नाम नहीं दिया जा सकता। नाटकोंमें जो अर्धमागधी पाई जाती है उसमें और सूत्रोंकी अर्धमागधीमें समानताकी अपेक्षा अत्यधिक भेद है। भरत मार्कण्डेय और क्रमदीश्वरने अर्धमागधीके भिन्न २ लक्षण बताए हैं, लेकिन वे केवल नाटकीय अर्धमागधीके लिए हैं। हेमचंद्राचार्यने अपने व्याकरणमें अर्धमागधीको 'आर्ष प्राकृत' और अर्वाचीन रूपको महाराष्ट्री माना है। इससे यह सिद्ध होता है कि महाराष्ट्रीसे अर्धमागधी बहुत प्राचीन है। अथवा यों कहिए कि अर्धमागधी ही महाराष्ट्रीका मूल है।

---

१ सक्कता पागता चेव, दुहा भणितीओ आहिया। सरमडलम्मि गिज्जंते, पसत्था इसिभासिता। २ सक्काया पायया चेव, भणिईओ होति दोण्णि वा। सरमंडलम्मि गिज्जते, पसत्था इसिभासिआ॥ ३ देखो हेमचंद्राचार्यका प्राकृतव्याकरण सूत्र १-३। **आर्षोत्थमार्षतुल्यं च द्विविधं प्राकृतं विदुः।** (काव्यादर्श टीका १-३३ में प्रेमचद्र तर्कवागीशद्वारा उद्धृत पद्यांश)॥ ४ डॉ. हॉर्नलीने चंड कृत प्राकृत लक्षणके इन्ट्रोडक्शन पृ. १८-१९ में हेमाचार्यके मतमें पोराण आर्ष प्राकृतका नाम लिखा परतु वह बिल्कुल गलत है, कारण यह सूत्रका विशेषण है भाषाका नही। ५ इंट्रोडक्शन टु प्राकृत लक्षण ऑफ़ चंड पृ. १९ डॉ. हॉर्नली।

अर्धमागधीकी संगत व्युत्पत्ति—बहुतसे लोग इसकी व्युत्पत्ति 'अर्धं मागध्याः' करते है अर्थात् जिसका आधा अंश मागधी भाषा हो वह अर्धमागधी है, क्योंकि नाटकीय अर्धमागधीमे मागधीके लक्षण बहुलतासे पाए जाते हैं इसलिए वह अर्धमागधी है और जैनसूत्रोंमें मागधीके लक्षण बहुत कम मिलते हैं इसलिए वह अर्धमागधी नहीं। परन्तु उनकी यह व्युत्पत्ति भ्रमात्मक एवं असंगत है। इसकी वास्तविक व्युत्पत्ति है 'अर्धमगधस्येयं' अर्थात् मगधदेशके अर्धांशकी जो भाषा हो वह भाषा अर्धमागधी है। इसकी उत्पत्ति पश्चिम मगध अथवा मगध और शूरसेनका मध्यप्रदेश (अयोध्या) होनेपर भी इसमे मागधी और शौरसेनीके इतने लक्षण नहीं दिखते जितने महाराष्ट्रीके। इसका कारण पहले लिखा जा चुका है, दुष्काल और मुनिओका दक्षिण गमन एवं तद्देशीय भाषाका प्रभाव।

अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें भेद—(१) अर्धमागधीमें दो स्वरोंके मध्यवर्ती असंयुक्त 'क' के स्थानमें प्रायः सर्वत्र 'ग' और बहुतसी जगह 'त' और 'य' होता है। जैसे–लोक=लोग, आकाश=आगास आदि। 'त' सामाइक= सामातित इत्यादि। 'य' शोक=सोय, कायिक=काइय आदि।

(२) दो स्वरोंके बीचका असंयुक्त 'ग' प्रायः कायम रहता है, जैसे भगवन्= भगवं, आनुगामिक=आणुगामिय वगैरह। 'त' अतिग=अतित, 'य' सागर=सायर आदि।

(३) दो स्वरोंके बीचके असंयुक्त 'च' और 'ज' के स्थानमें 'त' और 'य' दोनों होते है। जैसे रुचि=रुति, वचस्=वति, लोच=लोय आदि। 'ज' के स्थानमें 'त' जैसे ओजस्=ओत, राजेश्वर=रातीसर इत्यादि। 'ज' के स्थानमें 'य' आत्मज= अत्तय, कामध्वजा=कामज्झया आदि।

(४) दो स्वरोंका मध्यवर्ती 'त' प्रायः कायम रहता है और कहीं २ 'य' भी होता है, जैसे कि जाति=जाति; 'य' करतल=करयल प्रभृति।

(५) स्वरोंके बीचमे स्थित 'द' का 'द' और 'त' ही अधिकांश देखा जाता है, कहीं २ 'य' भी होता है, जैसे–प्रदिशः=पदिसो, भेद=भेद आदि। 'त' यदि= जति, मृषावाद=मुसावात आदि। 'य' चतुष्पद=चउप्पय, पाद=पाय आदि।

(६) दो स्वरोंके मध्यमे स्थित 'प' के स्थानमे प्रायः सर्वत्र 'व' ही होता है जैसे–अध्युपपन्न=अज्झोववन्न, आधिपत्य=आहेवच्च वगैरह।

(७) स्वरोंका मध्यवर्ती 'य' प्रायः कायम रहता है जैसे–निरय=निरय, इंद्रिय=इंदिय आदि। अनेक स्थानोमे इसके स्थानपर 'त' भी देखा जाता है, जैसे–पर्याय=परियात इत्यादि।

(८) दो स्वरोंके बीचके 'व' के स्थानमे 'व' 'त' और 'य' होते है, जैसे गौरव=गारव; 'त' कवि=कति; 'य' परिवर्तना=परियट्टणा इत्यादि ।

(९) महाराष्ट्रीमे स्वरोंके मध्यवर्ती असंयुक्त 'क-ग-च-ज-त-द-प-य-व' का प्रायः सर्वत्र लोप होता है और कई व्याकरणोंके अनुसार इनके स्थानमें कोई अन्य वर्ण नहीं होता । हेमचंद्राचार्यके प्राकृतव्याकरणानुसार उक्त लुप्तव्यंजनोंके दोनों ओर 'अ' या 'आ' होनेपर उनके स्थानमें 'य' होता है, किन्तु जैन अर्धमागधीमे जैसा कि ऊपरके नियमोंसे घटित है, प्राय· उनके स्थानमें अन्य व्यंजन होते है, और कहीं २ तो वही कायम रहता है । कहीं २ दोनो बातें न होकर महाराष्ट्रीकी तरह लोप भी होता है परन्तु वहीं जहां उक्त व्यंजनोंके बाद अवर्णसे भिन्न कोई स्वर हो । जैसे–आतुर=आउर, लोक=लोओ प्रभृति ।

(१०) शब्दके आदि मध्य और संयोगमें सर्वत्र 'ण' की तरह 'न' भी होता है । जैसे–ज्ञातपुत्र=नायपुत्त; अनल=अनल; अन्योन्य=अन्नमन्न; सर्वज्ञ=सव्वन्नु इत्यादि ।

(११) एव से पूर्वके 'अम्' के स्थानमे 'आम्' होता है, जैसे यामेव=जामेव; क्षिप्रमेव=खिप्पामेव; एवमेव=एवामेव वगैरह ।

(१२) दीर्घ स्वरके बादके 'इति वा' के स्थानमें 'ति वा' और 'इ वा' होता है, जैसे–इन्द्रमह इति वा=इंदमहे ति वा–इंदमहे इ वा इत्यादि ।

(१३) 'यथा' और 'यावत्' शब्दके 'य' का लोप और 'ज' दोनों ही देखे जाते हैं जैसे–यथाख्यात=अहक्खाय; यथानामक=जहानामए; यावत्कथा=आवकहा; यावज्जीव=जावज्जीव ।

वर्णागम—अर्धमागधीमें गद्यमें भी अनेक जगह पर समासके उत्तर शब्दके पहले 'म्' का आगम होता है, जैसे–अजहन्नमणुक्कोस, अदुक्खमसुहा, गोणमाइ, णिरयंगामी, सामाइयमाइयाइं, उड्डंगारव आदि । महाराष्ट्रीमे पद्यमें ही पादपूर्तिके लिए कहीं २ 'म्' का आगम देखा जाता है गद्यमे नहीं ।

शब्दभेद—(१) अर्धमागधीमें ऐसे बहुतसे शब्द हैं जिनका प्रयोग महाराष्ट्रीमें प्रायः उपलब्ध नहीं होता, जैसे–अज्झत्थिय, अज्झोववन्न, अणुवीति, आघवणा, आघवेत्तग, आणापाणु, आवीकम्म, कण्हुइ, केमहालए, दुरूढ, पच्चत्थिमिल्ल, पाउकुव्वं, पुरत्थिमिल्ल, पोरेवच्च, महतिमहालिया, वक्क, विउस इत्यादि ।

(२) ऐसे शब्द भी प्रचुर संख्यामे पाए जाते हैं जिनके रूप अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें भिन्न २ प्रकारके होते हैं । जैसे कि–

अर्धमागधी	महाराष्ट्री	अर्धमागधी	महाराष्ट्री
अभियागम	अब्भाअम	नितिय	णिच्च
आउंटण	आउंचण	निएय	णिअअ
आहरण	उआहरण	पडुप्पन्न	पच्चुप्पन्न
उप्पिं	उवरिं-अवरिं	पच्छेकम्म	पच्छाकम्म
किया	किरिआ	पाय (पात्र)	पत्त
कीस-केस	केरिस	पुढो (पृथक्)	पुहं-पिहं
केवच्चिर	किअच्चिर	पुरेकम्म	पुराकम्म
गेहि	गिद्धि	पुव्विं	पुव्वं
चियत्त	चइअ	माय (मात्र)	मत्त-मेत्त
छच्च	छक्क	माहण	वम्हण
जाया	जत्ता	मिलक्खु-मेच्छ	मिलिच्छ
णिगण-णिगिण(नग्न)	णग्ग	वग्गू	वाआ
णिगिणिण (नाग्न्य)	णग्गत्तण	वाहणा (उपानह्)	उवाणआ
तच्च (तृतीय)	तइअ	सहेज्ज	सहाअ
तच्च (तथ्य)	तच्छ	सीआण-सुसाण	मसाण
तेगिच्छा	चिइच्छा	सुमिण	सिमिण
दुवालसंग	वारसंग	सुहम-सुहुम	सण्ह
दोच्च	दुइअ	सोहि	सुद्धि

और दुवालस, तेरस, अउणवीसड, वत्तीस, पणतीस, इगयाल, तेयालीस, पणयाल, अढयाल, एगट्ठि, वावट्ठि, तेवट्ठि, छावट्ठि, अडसट्ठि, अउणत्तरि, वावत्तरि, पण्णत्तरि, सत्तहत्तरि, तेयासी, छलसीइ, वाणउइ **प्रभृति संख्या शब्दोंके रूप जैसे अर्धमागधीसें पाए जाते हैं वैसे महाराष्ट्रीसें नहीं ।**

नामविभक्ति–(१) अर्धमागधीमें पुलिंग अकारांत शब्दके प्रथमाके एकवचनमें प्रायः सर्वत्र 'ए' और क्वचित् 'ओ' होता है जब कि महाराष्ट्रीमें केवल 'ओ' ही होता है ।

(२) सप्तमीका एक वचन 'स्सि' होता है किन्तु महाराष्ट्रीमें 'म्मि' ।

(३) चतुर्थीके एकवचनमे 'आए' या 'आते' होता है, जैसे-अट्ठाए, गमणाए, देवाए, सवणयाए, अहिताते इत्यादि । महाराष्ट्रीमें ऐसा नहीं ।

(४) अनेक शब्दोंके तृतीयाके एकवचनमें 'सा' होता है, जैसे–मणसा,

वयसा, कायसा, जोगसा, वलसा, चक्खुसा। महाराष्ट्रीमें अनुक्रमसे उनके स्थानमें मणेण, वएण, काएण, जोगेण, वलेण, चक्खुणा होते हैं।

(५) 'कम्म' और 'धम्म' शब्दके तृतीयाके एकवचनमें 'कम्मुणा' और 'धम्मुणा' होता है, जिसका अनुकरण पाली भाषा भी करती है, जबकि महाराष्ट्रीमें 'कम्मेण' और 'धम्मेण' होता है।

(६) अर्धमागधीमें 'तत्' शब्दके पंचमीके बहुवचनमें 'तब्भो' रूप भी देखा जाता है, जब कि महाराष्ट्रीमें इसका 'अदर्शनं लोपः' है।

(७) 'युष्मत्' शब्दका षष्ठीका एकवचन 'तव' और 'अस्मत्' का षष्ठीका बहुवचन 'अस्माकम्' जिसका अनुकरण संस्कृतभाषा भी करती है, अर्धमागधीमें है महाराष्ट्रीमे नही।

आख्यात-विभक्ति—अर्धमागधीमे भूतकालके बहुवचनमें 'इंसु' प्रत्ययका प्रयोग होता है, जैसे 'आभासिसु' 'गच्छिसु' 'पुच्छिसु' आदि। महाराष्ट्रीमे यह प्रयोग लुप्त है।

धातुरूप—अर्धमागधीमे अकासी-अब्बवी-आइक्खइ-आघं आहंसु-कुब्वइ-घेच्छिइ-तिउट्टई-तिउट्टिज्जा-तिवायए-दुरूहइ-पडिसंधयाति-पहारेत्था-भूया-भुवि-विगिंचए-समुच्छिहिति-सारयती-हुत्था-होक्खती-होत्था-प्रमृति प्रभूत प्रयोगोमे धातुकी प्रकृति प्रत्यय अथवा दोनो जिस आकारमें पाए जाते है महाराष्ट्रीमें वे अलग २ प्रकारके देखे जाते है।

धातुप्रत्यय—अर्धमागधीमें 'त्वा' प्रत्यय के रूप अनेक तरहके होते है।

(१) (अ) ट्टु; जैसे–अवहट्टु, कट्टु, साहट्टु आदि।

(आ) इत्ता, एत्ता, इत्ताणं और एत्ताणं; यथा–चइत्ता, पासित्ता, विउट्टित्ता, करेत्ता, पासित्ताणं, करेत्ताणं इत्यादि।

(इ) इत्तु; जैसे–जाणित्तु, दुरूहित्तु, वधित्तु वगैरह।

(ई) च्चा; यथा–किच्चा, चेच्चा, णच्चा, भोच्चा, सोच्चा प्रमृति।

(उ) इया; जैसे–दुरूहिया, परिजाणिया आदि।

इनके अतिरिक्त अणुवीति, निसम्म, विउक्कम्म, लद्धुं, लद्धूण, समिच्च, संखाए, दिस्सा आदि प्रयोगोमें 'त्वा' के रूप भिन्न २ प्रकारके पाए जाते हैं।

(२) 'तुम्' प्रत्ययके स्थानमें 'इत्तए' या 'इत्तते' प्राय. देखा जाता है। जैसे–करित्तए, गच्छित्तए, विहरित्तए, संभुंजित्तए, उवसामित्तते आदि।

(३) ऋकारांत धातुके 'त' प्रत्ययके स्थानमें 'ड' होता है, जैसे-कड, मड, अभिहड, वावड, संवुड, वियड, वित्थड प्रभृति।

तद्धित

(१) अर्धमागधीमें 'तर' प्रत्ययका 'तराय' रूप होता है, जैसे-अणिट्ठतराए, अप्पतराए, बहुतराए, कंततराए इत्यादि।

(२) आउसो, आउसंतो, गोमी, वुसिमं, भगवंतो, पुरत्थिम, पच्चत्थिम, ओयंसि, दोसिणो, पोरेवच्च आदि प्रयोगोमें 'मतुप्' और अन्य तद्धित प्रत्ययोके जैसे रूप जैन अर्धमागधीमें देखे जाते हैं महाराष्ट्रीमें वे भिन्न प्रकारके होते हैं।

महाराष्ट्री और अर्धमागधीमें इनके अतिरिक्त वहुतसे सूक्ष्म भेद हैं जिनका उल्लेख लेखका देहसूत्र बढ़नेके भयसे नहीं किया।

आगमोद्धार

जैसाकि हम ऊपर आगमोके इतिहास प्रकरणमें लिख चुके है स्थानकवासी समाजमे उत्तरोत्तर वृद्धि होती चली गई, अतः ज्ञानमे वृद्धि होनी ही थी। सबसे पहले श्रीधर्मशी स्वामीने मूलसूत्रोंपर 'टब्बे' लिखे, जो कि साधारण अभ्यासीके लिए अत्यंत उपयोगी है । क्या ही अच्छा होता यदि उन्हें प्रकाशित किया जाता। इसके बाद पूज्य श्रीअमोलक ऋषिजी म० ने बत्तीसों सूत्रोंका अनुवाद किया। जिसका प्रकाशन हज़ारों रुपया व्यय करके श्रीमान् राजा बहादुर शेठ दानवीर सुखदेवसहाय ज्वालाप्रसाद जौहरीने किया, इसके लिए वे अधिकाधिक धन्यवादके पात्र है । लेकिन पाठोकी अशुद्धि, काग़ज़की ख़राबी और मिश्रित हिन्दी होनेके कारण समाजको इतना लाभ न मिल सका जितना मिलना चाहिए था। इसके अनन्तर जैनाचार्य पूज्य श्रीआत्मारामजी महाराज और पूज्य श्री-हस्तीमलजी म० ने भी कई सूत्रोंके अनुवाद किए और घासीलालमुनि भी कर रहे है।

इसके अतिरिक्त रायबहादुर धनपतसिंह (मकसूदाबादवाले) और आगमोदय-समिति आदिने भी आगमोंका प्रकाशन किया है पर वे भी अशुद्धियोंसे ख़ाली नहीं। कई प्राध्यापकों ने भी इंग्लिश अनुवाद सहित कुछ सूत्र प्रकाशित किए, परंतु अतिसंक्षिप्त और महाराष्ट्री प्रधान होनेके कारण स्वाध्यायी के लिए अधिक उपयोगी नहीं।

सूत्रागमप्रकाशकसमिति

वैदिक प्रेस अजमेरकी छपी हुई चारो मूल वेदोकी पुस्तक एक किसानने गुरु महाराजकी सेवामे पेश की और पूछा कि आपके आगम भी एक जिल्दमे मिल

सकते है, गुरु महाराज क्या उत्तर देते ? अतः उन्होंने गुडगांव स्थानकवासी जैन संघको प्रेरणा दी और श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमितिकी स्थापना हुई। जिसका विस्तृत वर्णन 'विजय डायरी', 'मोहन डायरी', 'सामायिकसूत्र' हिन्दी 'शांति प्रकाश' और 'नेमराजुल बारहमासा' गुजरातीमें पढ़ सकते हैं। विस्तारभयसे उसका उल्लेख यहां नहीं किया गया। **सूत्रागमप्रकाशकसमितिका पहला ध्येय** ३२ आगमोको आगमत्रयकी पद्धतिसे प्रकाशित करना है।

मूलसूत्रोंका प्रकाशन

मूलसूत्रोंका प्रकाशन छुटक २ कई संस्थाओने किया है परन्तु पूरे सूत्र किसीने अब तक मूल रूपमें प्रकाशित नहीं किए। आज तक उत्तराध्ययन-दशवैकालिक-सुखविपाक-नंदी बहुतसे और सूयगडाग-आचारांग-अनुयोगद्वार न्यून संख्यामें मूलरूपमे छपे है। परन्तु अनुक्रमसे सबके सब आगम नहीं। सूत्रागमप्रकाशक-समितिकी योजना बत्तीसों सूत्रोको **'सुत्तागमे'** के रूपमें एकही पुस्तकमें प्रकाशित करनेकी थी, परन्तु ग्रन्थकी देहयष्टी बहुत बढ़ जानेसे वैसा न हो सका। इसलिए ११ अंगोका प्रथम खंड बनाना पड़ा जिसमे लगभग १४०० पृष्ठोमें ३५,००० श्लोक है यह जानकर किसे प्रसन्नता न होगी।

आगमोंमें ११ अंगोंका महत्व—यो तो सारे ही आगम अत्यन्त उपयोगी और ज्ञानके अगाध समुद्र रूप है, परन्तु उनमें भी ११ अगोका अनोखा स्थान है। **आचारांगमें** साधु साध्वियोके आचार, भगवान् महावीरकी परिषह-सहिष्णुता, एषणा, पाच महाव्रतोंकी २५ भावना आदिका वर्णन है। जो **'आचारः प्रथमो धर्मः'** की उक्तिको चरितार्थ करता है। **सूत्रकृतांगमें** अन्यमतोंका दिग्दर्शन, उनका खंडन और स्वसमयका मंडन किया गया है। **स्थानांगसूत्रमें** १ से लेकर १० पर्यत संख्याकी वस्तुओका वर्णन है। विशेष नौवे ठाणेमे श्रेणिक राजाके आगामी भव पर प्रकाश डाला है। **समवायांगसूत्रमें** १ से लगाकर कोडाकोडी सख्यातकके विषय वर्णित है। इसके अतिरिक्त द्वादशांगी स्वरूप भूत-भविष्यत्-वर्तमान त्रिषष्ठिशलाका पुरुषोके माता पिताओके नाम एवं उनके नाम, पूर्वभव और आगामी भवके नामोका वर्णन है। ठाणाग और समवायागकी यही विशेषता है कि कोई भी विषय इनसे अछूता नही। **भगवतीमें** भगवान् गौतम द्वारा पूछे गए ३६००० प्रश्नोके उत्तर है। इसके अतर्गत रोहा अणगार, स्कंदक, तामली तापस, शिवराजर्षि, महाबल, ऋषभदत्त-देवानंदा, जमालि, गागेय अणगार, अतिमुक्तकुमारश्रमण, गोशालक, उदायन, मृगावती, जयंती

श्राविका, सोमिल ब्राह्मण आदिके चरित्र भी है । **ज्ञाताधर्मकथांगमें** प्रथम-श्रुतस्कंधमें १९ कथाएं उपनय सहित है। जो कि रोचक होनेके साथ २ बोधप्रद भी हैं, मेघकुमारकी यावत् कंडरीक-पुंडरीककी । दूसरे श्रुतस्कंधमें शिथिलाचार द्वारा होनेवाले दोषोंका दिग्दर्शन करानेवाली कथाएँ है । **उपासकदशांगमें** ज्ञातपुत्र महावीर भगवान् के १० मुख्य श्रावकोंका वर्णन है। उनमे भी आनंद और कामदेव का मुख्य स्थान है। **अंतकृद्दशांगमें** उन ९० महापुरुषोका चरित्र है जिन्होंने कर्मोका निकंदन करके मोक्ष प्राप्त किया है । इसमे गजसुकुमाल, पद्मावती राणी, अर्जुन माली, अयवन्ताकुमारकी कथाएँ विशेष उल्लेखनीय है । **अनुत्तरोपपातिकसूत्रमे** अनुत्तरविमानमें उत्पन्न होनेवाले महापुरुषोंका वर्णन है। जिसमे महातपोधन धन्ना अणगार का वर्णन मुख्य है । **प्रश्न-व्याकरणमें** आस्रवद्वारमें हिंसा-असत्य-स्तेय-अब्रह्म और परिग्रह इन पांचोका स्वरूप समझाया है। इनके कर्ताओं और इनके फलका वर्णन भी है। संवरद्वारमें अहिंसा-सत्य-अचौर्य-ब्रह्मचर्य-अपरिग्रह, उनका फल और साथ ही उनकी भावनाएँ वर्णित हैं। **विपाकसूत्रके** प्रथम श्रुतस्कंधमें १० जीवोका वर्णन है। जिन्होने असीम पाप करके महान् कष्ट उठाए, मृगापुत्रका यावत् अंजूका । दूसरे श्रुतस्कं-धमें उन १० जीवोका वर्णन है जिन्होंने सुपात्र दान देकर सुख प्राप्त किया। सुबाहुकुमारका यावत् वरदत्तकुमारका ।

इन ११ अंगोंमें धर्मकथानुयोग (प्रथमानुयोग) गणितानुयोग, द्रव्यानुयोग और चरणकरणानुयोगके प्रायः सभी विषय वर्णित हैं । इनका अध्ययन-चिन्तन-मनन करके अनेक भव्य आत्माओंने उत्तरोत्तर संसारका अन्त करके मुक्तिको पाया है । इनकी अधिक महत्ता बताना सूर्यको दीपक दिखानेके समान है । ये सुभाषितोके महाभंडार हैं ।

प्रस्तुत प्रकाशनकी विशेषता-(१) पाठशुद्धिका पूरा २ खयाल रक्खा गया है ।

(२) इसके संपादनमें शुद्ध प्रतियोका उपयोग किया है ।

(३) संक्षिप्त अर्धमागधी व्याकरण भी दिया गया है ताकि समझनेमें सरलता हो सके ।

(४) पाठान्तर नवीन पद्धतिसे दिए है ।

कार्यविवरण-इसका आरभ पूना चातुर्मासमें हुआ । वहां केवल आचा-

रांग का प्रथम श्रुतस्कंध ही अलग रूपमें प्रगट हो सका जो कि बहुतसे साधु-साध्वियोंके करकमलोंमें पहुँचाया गया। इसके अनन्तर गुरुदेव घोड़नदी अहमदनगर आदि क्षेत्रोंमें विचरते हुए नासिक पधारे। वहां तक केवल स्थानांगसूत्र तक छप सका। तदनन्तर घाटकोपर चातुर्मासमें समवायांग और भगवतीसूत्र तैयार हुए। पूर्वोक्त सूत्र भी कई साधु-साध्वियोंके पास पहुँचाए गए। शुद्धपाठका निर्णय करनेमें काफ़ी से ज़्यादह परिश्रम उठाना पड़ा है। इसके बाद सादड़ी सम्मेलनमें जाना पड़ा। अतः लगभग पांच मास तक कार्य बंद रहा। **दोंडायचा** चतुर्मासमें फिर कार्य आरंभ हुआ। जहां से लगभग १००० सूत्र साधु-साध्वियोके हाथोंमें पहुँचाए गए। शनैः २ कार्य चलता रहा और **सिरपुर** में ११ अंगोके कार्यकी पूर्णाहुति हुई।

स्पष्टीकरण-(१) जिनका ११ अंगोंमें वर्णन है उन्होंने भी ११ अंगोका अध्ययन किया, इसका कारण यह कि इनके प्रणेता श्रीसुधर्मा स्वामी हैं। भगवान् महावीरके पश्चात् वे ही पट्टपर आए, और शासनकी बागडोर संभाली। जैसे अनुत्तरोपपातिकसूत्रमें धन्ना अणगारका वर्णन है। कई प्रतियोके आरंभमें पाठ मिलता है···**सेणिओ राया**···लेकिन श्रेणिक तो पहले ही मर चुके थे। अतः वह पाठ अशुद्ध है ऐसा जानना चाहिए।

(२) शब्दकोष गाथाबद्ध सानुवाद तैयार किया जा रहा है, अतः शब्दकोष नहीं दिया गया।

(३) अन्य उपयुक्त विषय जो कि ग्रंथके देहसूत्र बढ़ जानेके कारण नहीं दिए जा सके, वे अन्य पुस्तकमें दिए जायंगे।

जिणचंदभिक्खू

शांतिभवन
अंबरनाथ C. R.

ता० ७-२-१९५३

संक्षिप्त-अर्धमागधी-व्याकरण

स्वरोंका प्रयोग

(१) अर्धमागधीमें 'ऋ' 'लृ' 'ऐ' 'औ' का प्रयोग नहीं होता।

(२) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके दीर्घ स्वरके स्थानमें ह्रस्वका प्रयोग होता है, जैसे–आम्र=अंब इत्यादि।

(३) 'ऋ' के स्थानमें 'अ' और कहीं २ 'इ' 'उ' और 'रि' भी होता है। जैसे-घृत=घय; कृपा=किवा; स्पृष्ट=पुट्ठ; ऋद्धि=रिद्धि।

(४) 'लृ' के स्थानमें 'इलि' होता है, जैसे–क्लृप्त=किलित्त।

(५) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके 'इ' और 'उ' के स्थानमे 'ए' और 'ओ' का प्रयोग प्रायः होता है, जैसे–बिल्व=बेल्ल; पुष्करिणी=पोक्खरिणी।

(६) 'ऐ' और 'औ' के स्थानमे 'ए' 'अइ' और 'ओ' 'अउ' होता है, जैसे–वैद्य=वेज्ज; वैशाख=वइसाह; यौवन=जोव्वण; पौर=पउर; विशेष–सौन्दर्यम्=सुंदेरं; दौवारिकः=दुवारिओ; गौरवम्=गारवं–गउरवं; नौ=नावा इत्यादि।

व्यंजनोंका प्रयोग–(१) 'म्ह' 'ण्ह' और 'ल्ह' के अतिरिक्त विजातीय संयुक्त व्यंजन प्रयुक्त नहीं होते, जैसे–पक्व=पक्क।

(२) स्वर रहित केवल व्यंजनका प्रयोग नहीं होता, जैसे–राजन्=राय; तमस्=तम।

संयुक्त व्यंजनोंमें परिवर्तन–(१) क्त-क्य-क्र-क्ल-क्व-त्क-र्क-ल्क-के स्थानमे 'क्क' होता है। जैसे–मुक्त=मुक्क; शाक्य=सक्क; शक्र=सक्क; विक्लव=विक्कव; पक्व=पक्क; उत्कंठा=उक्कंठा; अर्क=अक्क; वल्कल=वक्कल।

(२) ख क्ष-ख्य–क्ष्य-त्क्ष–त्ख–ष्क-स्क–स्ख-के स्थानमें 'क्ख' होता है। जैसे–दुःख=दुक्ख; मक्षिका=मक्खिया; मुख्य=मुक्ख; भक्ष्य=भक्ख; उत्क्षिप्त=उक्खित्त; उत्खात=उक्खाय; पुष्कर=पोक्खर; प्रस्कंदन=पक्खंदण; प्रस्खलित=पक्खलिय।

(३) ग्न–ग्म-ग्य–ग्र–ङ्ग–द्ग–र्ग–ल्ग-के स्थानमें 'ग्ग' होता है। जैसे–संविग्न=संविग्ग; युग्म=जुग्ग; आरोग्य=आरोग्ग; समग्र=समग्ग, खड्ग=खग्ग; मुद्ग=मुग्ग; मार्ग=मग्ग; वल्ग=वग्ग।

(४) घ्न-घ्र-द्घ-र्घ-के स्थानमे 'ग्घ' होता है। जैसे–कृतघ्न=कयग्घ; शीघ्र=सिग्घ; उद्घाटन=उग्घाडण; दीर्घ=दिग्घ।

(५) च्य-त्य-त्व-थ्य-र्च-के स्थानमे 'च्च' होता है। जैसे–वाच्य=वच्च; अपत्य=अवच्च; कृत्वा=किच्चा; तथ्य=तच्च; वर्च=वच्च।

(६) थ्य-क्ष-क्ष्म-छ्र-त्स-त्स्य-थ्य-प्स-च्छ-श्च-स्त-के स्थानमे 'च्छ' होता है। जैसे–दक्ष=दच्छ; लक्ष्मी=लच्छी; कृच्छ्र=किच्छ; वत्सल=वच्छल; मत्स्य=मच्छ; नेपथ्य=नेवच्छ; अप्सरा=अच्छरा; मूर्च्छा=मुच्छा; पश्चात्=पच्छा; विस्तीर्ण=विच्छिन्न।

(७) ज्य-ज्र-ज्व-द्य-द्व-ब्ज-य्य-र्य-र्ज-र्ज्य-के स्थानमें 'ज्ज' होता है, जैसे–विभाज्य=विभज्ज; वज्र=वज्ज; प्रज्वलित=पज्जलिय; अनवद्य=अणवज्ज; विद्वान्=विज्जं; अब्ज=अज्ज; शय्या=सिज्जा; आर्या=अज्जा; तर्जनी=तज्जणी; वर्ज्य=वज्ज।

(८) ध्य-ध्व-ह्य-के स्थानमें 'ज्झ' होता है, जैसे–उपाध्याय=उवज्झाय; बुध्वा=बुज्झा; ग्राह्य=गेज्झ।

(९) र्त-त्त-र्त्त-के स्थानमे 'ट्ट' होता है। जैसे–वर्ती=वट्टी; पत्तन=पट्टण; नर्त्तक=नट्टग।

(१०) ष्ट-ष्ठ-र्थ-के स्थानमें 'ट्ठ' होता है, जैसे–संतुष्ट=संतुट्ठ; निष्ठुर=निट्ठुर; समर्थ=समट्ठ। र्त–र्द–के स्थानमे 'ड्ड' होता है, जैसे–गर्ता=गड्डा; विच्छर्द=विच्छड्ड। ढ्य-द्ध-र्ध-के स्थानमे 'ड्ढ' होता है, जैसे–धनाढ्य=धणड्ढ; वृद्धि=वुड्ढि; वर्धमान=वड्ढमाण।

(११) ज्ञ-ण्य-न्य-न्व-म्न-र्ण-के स्थानमे 'ण्ण' होता है, जैसे–विज्ञान=विन्नाण; हिरण्य=हिरण्ण; धन्य=धण्ण; अन्वर्थ=अण्णत्थ; निम्न=निण्ण; सुवर्ण=सुवण्ण।

(१२) क्ष्ण-श्न-ष्ण-स्न-ह्ण-ह्न-के स्थानमे 'ण्ह' होता है, जैसे–श्लक्ष्ण=सण्ह; प्रश्न=पण्ह; पृष्णि=पण्हि; स्नान=ण्हाण, पूर्वाह्ण=पुव्वण्ह; वह्नि=वण्हि।

(१३) क्त-त्न-त्म-त्र-त्व-प्त-र्त-के स्थानमे 'त्त' होता है, जैसे–भुक्त=भुत्त; प्रयत्न=पयत्त, आत्मा=अत्ता; पत्र=पत्त; तत्व=तत्त; प्राप्त=पत्त; कर्ता=कत्ता।

(१४) क्थ-त्र-र्थ-स्त-स्थ-के स्थानमे 'त्थ' होता है, जैसे–सिक्थ=सित्थ; तत्र=तत्थ, समर्थ=समत्थ; विस्तार=वित्थार; इन्द्रप्रस्थ=इंदपत्थ। द्र द्व ब्द-र्द-के स्थानमें 'द्द' होता है। जैसे–समुद्र=समुद्द; प्रद्वेप=पद्देस; शब्द=सद्द; कर्दम=कद्दम। ग्ध-ध्व-ब्ध-र्ध-के स्थानमे 'द्ध' होता है, जैसे–दुग्ध=दुद्ध; अध्वन्=अद्ध; लब्धि=लद्धि; वर्धमान=वद्धमाण।

(१५) क्म-त्प-त्म-प्य-प्र-प्ल-र्प-ल्प-के स्थानमे 'प्प' होता है, जैसे–रुक्मिणी=रुप्पिणी; उत्पल=उप्पल, परमात्मन्=परमप्प; क्षिप्र=खिप्प; विप्लव=विप्पव; सर्प=सप्प; जल्प=जप्प; कल्प=कप्प। त्फ-ष्प-ष्फ-स्प-स्फ-के स्थानमे 'प्फ' होता है, जैसे–उत्फुल्ल=उप्फुल्ल; पुष्प=पुप्फ; निष्फल=निप्फल; बृहस्पति=बिहप्फइ; प्रस्फो-

टित=पप्फोडिय। द्व-र्व-व्र-के स्थानमे 'व्व' होता है, जैसे-उद्वोधित=उव्वोहिय; निर्वल=निव्वल; अब्रह्म-अव्वंभ। ग्भ-द्भ-भ्य-भ्र-र्भ-व्ह-इनके स्थानमे 'व्भ' होता है, ईपत्प्राग्भार=ईसिपव्भार; सद्भूत=सव्भूय; अभ्यास=अव्भास; शुभ्र=सुव्भ; अर्भक=अव्भग; विव्हल=विव्भल।

(१६) ग्म-न्म-म्य-र्म-ल्म-द्म-र्म्य-के स्थानमें 'म्म' होता है, जैसे-युग्म=जुम्म; मन्मथ=वम्मह; साम्य=सम्म; धर्म=धम्म; गुल्म=गुम्म; पद्म=पोम्म; हर्म्य=हम्म। क्ष्म-श्म-ष्म-स्म-ह्म-के स्थानमें 'म्ह' होता है, जैसे-पक्ष्मन्=पम्ह; कुश्मान=कुम्हाण; ग्रीष्म=गिम्ह; विस्मय=विम्हय; ब्रह्मा=वम्हा; विशेप-ब्राह्मण=वम्हण, वंभण।

(१७) र्य-र्ल-ल्य-ल्व-के स्थानमें 'ल्ल' होता है, जैसे-पर्यस्त=पल्लत्थ; निर्लज्ज=निल्लज्ज; कल्याण=कल्लाण; पल्वल=पल्लल; 'ह्ल' को 'ल्ह' आह्लाद=आल्हाय। द्व-र्व-व्य-व्र-के स्थानमे 'व्व' होता है, जैसे-उद्वेग=उव्वेग; उर्वी=उव्वी; काव्य=कव्व; प्रव्रज्या=पव्वज्जा।

(१८) र्ष-श्म-श्य-श्र-श्व-ष्य-स्य-स्र-स्व-के स्थानमें 'स्स' होता है, जैसे-वर्ष=वस्स; रश्मि=रस्सि; लेश्या=लेस्सा; विश्राम=विस्साम; ईश्वर=इस्सर; दूष्य=दुस्स; तस्य=तस्स; सहस्र=सहस्स; ओजस्विन्=ओयस्सि।

असंयुक्त व्यंजनोंमें परिवर्तन

(१) क-ग-च-ज-त-द-प-य-व=लुक् और ण-न-के लिए देखो अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमे भेद (१) से (१०) तक।

(२) ख-घ-थ-ध-भ-के स्थानमें 'ह' होता है, जैसे-सुख=सुह; मेघ=मेह, रथ=रह; वधिर=वहिर; सफल=सहल; सभा=सहा।

(३) ट-ठ-ड-के स्थानमे ड-ढ-ल होते है जैसे-भट=भड; शठ=सढ; गुड=गुल।

(४) आदि के 'य' को 'ज' होता है और उपसर्ग के पीछे 'य' आनेपर कहीं २ 'ज' होता है, जैसे-यम=जम; संयोग=संजोग।

(५) कहीं २ 'र' को 'ल' होता है, जैसे-दरिद्र=दलिद्द।

(६) 'श' और 'ष' के स्थानमे 'स' होता है जैसे-विशेप=विसेस।

(७) अनुस्वारके पीछे 'ह' आवे तो उसे 'घ' विकल्पसे होता है, जैसे-संहारः=संघारो, संहारो।

शेष-(१) आदि के क्ष-स्क-त्य-द्य-ध्य-ध्व-स्त-स्थ-स्प और 'ज्ञ' के स्थानमे ख-छ-झ, ख, च, ज, झ, झ, थ, ठ-थ, फ और ण-न होते है, जैसे-क्षयः=खओ, क्षीर=छीर, क्षर=झर; स्कन्ध=खंध; त्यागः=चाओ; द्युति=जुइ; ध्यान=झाण; ध्वजः=झओ; स्तुति=थुइ;

स्थान-ठाण; स्थावर=थावर; स्पर्श=फास; ज्ञान=णाण-नाण; आदिके 'क' आदि के स्थानमे 'क' आदि होते है जैसे-क्रम=क्कम; ग्रसित=गसिय; घ्राण=घाण; द्रह=दह; प्रहार=पहार; भ्रम=भम; म्रक्षण=मक्खण; व्रण=वण; श्रम=सम; ह्रास=हास; त्रस=तस ।

(२) उष्ट्र, इष्टा, संदष्ट के 'ष्ट्र' और 'ष्ट' को 'ट्ठ' न होकर 'ट्ट' होता है, 'समस्त' और 'स्तब' के 'स्त' को 'त्थ' और 'थ' नही होता, समस्त=समत्त; स्तंब=तंब । 'ष्प' और 'स्प' को कहीं २ 'फ' नही होता । जैसे-निष्प्रभ=निप्पह; परस्पर=परोप्पर। 'ड्म' को 'प्प' होता है, जैसे-कुड्मल=कुप्पल । 'ज्ञ' के 'ञ' का लोप भी विकल्पसे होता है, मनोज्ञ=मणोज्ज-मणोण्ण ।

(३) द्विरुक्तिको पाए हुए ख्ख-छ्छ-ठ्ठ-थ्थ-फ्फ-घ्घ-झ्झ-ढ्ढ-ध्ध-भ्भ-के स्थानमें अनुक्रमसे क्ख-च्छ-ट्ठ-त्थ-प्फ-ग्घ-ज्झ-ड्ढ-द्ध-ब्भ होते हैं ।

(४) शब्दवर्ती 'र्य' का 'रिय' और 'र्ह' का 'रिह' होता है, इसी प्रकार श्री-ह्री-कृत्स्न-क्रिया इन शब्दोंमें संयुक्त अन्त्याक्षरके पूर्व 'इ' होता है, जैसे-भार्या=भारिया, गर्हा=गरिहा; श्रीः=सिरी; ह्रीः=हिरी; कृत्स्न=कसिण; क्रिया=किरिया ।

(५) संयुक्त 'ल'के पहले 'इ' होता है, जैसे-क्लेश=किलेस; श्लोक=सिलोग ।

(६) 'र्श' अथवा 'र्ष' को 'रिस' विकल्पसे होता है, और 'तप्त' 'वज्र' शब्दमें भी संयुक्त अन्त्याक्षर के पहले 'इ' का आगम विकल्पसे होता है, जैसे-दर्शन=दरिसण-दंसण; वर्षा=वरिसा-वासा; तप्तं=तवियं-तत्तं; वज्रं=वइरं-वज्जं ।

(७) स्याद् भव्य और चौर्य तथा उसके समान शब्दोंके संयुक्त व्यंजनोंके अन्त्याक्षरके पूर्व 'इ' होता है, जैसे-स्यात्=सिया; भव्यः=भविओ; सूर्यः=सूरिओ ।

(८) जिनके अन्तमे 'वी' सयुक्त व्यंजन हो ऐसे स्त्रीलिग नामोंमे उससे पूर्व 'उ' होता है, जैसे-तन्वी=तणुवी; पृथ्वी=पुहुवी ।

(९) जिस अव्ययके अन्तमे 'त्र' हो उसके स्थानमे हि-ह-त्थ होता है जैसे-तत्र=तहि-तह-तत्थ ।

(१०) य-र-व-श-ष-स ये श-ष-स-के साथ पहले या पीछे जुड़े हुए हो तो नियमानुसार लोप होनेपर श-ष स-को द्वित्व नही होता, परन्तु उसके पूर्वका स्वर प्रायः दीर्घ होता है, जैसे-पश्यति=पासइ; वर्षः=वासो; कस्यचित्=कासइ आदि ।

(११) अव्ययोमे तथा 'उत्खात' आदि शब्दोमे और 'घञ्' प्रत्ययके निमित्तसे वृद्धि पाए हुए 'आ' को 'अ' होता है, जैसे-यथा=जह-जहा । उत्खातं=उक्खयं-उक्खाय । प्रवाहः=पवहो-पवाहो आदि ।

(१२) 'उत्साह' और 'उत्सव' को छोड़कर जिन शब्दोंमें 'त्स' और 'च्छ' हो तो उनके पूर्वके 'उ' को 'ऊ' होता है, जैसे–उत्सुकः=ऊसुओ; उच्छ्वास=ऊसास।

(१३) 'दृश' के 'दृ' को 'रि' होता है एवं ऋण-ऋजु-ऋषभ-ऋतु-ऋषि इनमें 'ऋ' को 'रि' विकल्पसे होता है, जैसे–सदृश=सरिस; सदृक्ष=सरिच्छ; ऋण=रिण-अण; ऋजु=रिजु–उज्जु; ऋषभ=रिसह–उसह; ऋतु=रिउ–उउ; ऋषि=रिसि–इसि।

(१४) संख्यावाचक शब्दोंमें असंयुक्त 'द' को 'र' होता है और दश–पाषाण शब्दमें श–षको 'ह' विकल्पसे होता है, जैसे–एकादश=एयारह–एगारस; दश=दह–दस; पाषाण=पाहाण–पासाण।

(१५) शब्दके अन्त्य व्यंजनका लोप होता है। सामासिक शब्दोंमें प्रयोगके अनुसार (नित्य अथवा विकल्पसे) लोप होता है, जैसे–तावत्=ताव; सज्जन=सज्जण–सजण।

(१६) स्त्रीलिंगी शब्दोंके अन्त्य व्यंजनके स्थानमें 'आ' अथवा 'या' होता है जैसे–सरित्=सरिआ–सरिया; **अपवाद**—विद्युत्=विज्जु; क्षुध्=छुहा; दिक्=दिसा; अप्सरस्=अच्छरसा–अच्छरा; प्रावृष्=पाउस्; ककुभ्=कउहा। व्यंजनान्त स्त्रीलिंगमें अन्त्य 'र्' को 'रा' होता है, जैसे–धुर्=धुरा। शरद् आदि शब्दोंमें अन्त्य व्यंजनको 'अ' होता है जैसे–शरद्=सरओ; भिषक्=भिसओ **विशेष**—आयुष्=आउसो–आउ, धनुष्=धणुह–धणू।

(१७) दीर्घ स्वर और अनुस्वारके पीछे शेष व्यंजन और आदेशभूत व्यंजनको द्वित्व नही होता, एवं र-ह-को भी द्वित्व नही होता, जैसे—स्पर्श=फास; सन्ध्या=सञ्झा; ब्रह्मचर्य=बंभचेर; कार्षापण=काहावण। समासमे द्वित्व विकल्प से होता है, जैसे–देवस्तुति=देवत्थुइ–देवथुइ।

(१८) संयुक्त व्यंजनके अन्तमे म-न-य-ल-व-ब-र हो तो उसका और संयुक्त व्यंजनका पहला व्यंजन ल-व-ब-र हो तो लोप होता है। जहां दोनोंका लोप होता हो वहां प्रयोगानुसार दो मेंसे एक का लोप होता है, जैसे–स्मर=सर; श्याम=साम; श्लक्ष्ण=सण्ह-लण्ह आदि।

संधि

स्वरसंधि

(१) अर्धमागधीमें यदि एक ही पदमें दो स्वर साथमे आवें तो संधि नहीं होती, जैसे-कुणइ, करेइत्था, जिणाओ। अपवाद रूपसे कहीं २ एक पदमे भी संधि होती है, जैसे-होहिइ=होही, बिइओ=बीओ। भिन्न २ दो पदोंके स्वरोंकी संधि संस्कृतके समान विकल्पसे होती है और ये दोनों पद सामासिक होने चाहिएँ, जैसे-मगह+अहिवो=मगहाहिवो; सुर+ईसो=सुरेसो इत्यादि। कहीं २ असामासिक दो पदोंमे भी संधि होती है, जैसे-तत्थ+आगओ=तत्थागओ।

(२) समासमे ह्रस्व स्वरको दीर्घ और दीर्घको ह्रस्व प्रयोगानुसार होता है, जैसे-सत्त+वीसा=सत्तावीसा; नई+कूलं=नइकूलं।

(३) इ-ई अथवा उ-ऊ के पीछे विजातीय स्वर आवे तो संधि नही होती, इसी प्रकार ए और ओ के वाद कोई भी स्वर हो तो संधि नहीं होती, जैसे-वंदामि अज्जवइरं=वंदामि अज्जवइरं; नई एत्थ=,, माऊ एइ=,, वणे अडइ=,, अहो अच्छरियं=,,।

(४) स्वर परे हो तो पहले स्वरका प्रयोगानुसार प्रायः लोप होता है, जैसे-नीसास+ऊसासा=नीसासूसासा।

(५) 'त्यद्' आदि सर्वनाम तथा अव्ययके पीछे आए हुए 'त्यद्' आदि सर्वनाम अथवा अव्ययके प्रथम स्वरका प्रायः लोप होता है, जैसे-अम्हे+एत्थ=अम्हेत्थ; को+इमो=कोमो; जइ+अहं=जइहं।

(६) 'इ' आदि पुरुषबोधक प्रत्ययके पीछे स्वर आवे तो संधि नही होती, जैसे-होइ+इह=होइ इह।

(७) व्यंजन सहित स्वरमे से व्यंजनका लोप होने पर शेष स्वरकी पूर्वके स्वरके साथ संधि नहीं होती, जैसे-पयावई=पयावई। कहीं २ संधि भी देखी जाती है जैसे-कुंभआरो=कुंभारो।

व्यंजनसंधि

(१) अकारसे परे विसर्ग होनेपर पूर्वके स्वर सहित ओ होता है, जैसे-अग्रतः=अग्गओ; इसी प्रकार तस् प्रत्ययके स्थानमे त्तो, दो विकल्पसे होते है, जैसे-तत:=तओ, तत्तो, तदो इत्यादि।

(२) पदान्त 'म्' के पूर्वके अक्षरके ऊपर अनुस्वार होता है, यदि 'म्' के

पीछे स्वर हो तो अनुस्वार विकल्पसे होता है, जब अनुस्वार न हो तो 'म्' में पिछला स्वर मिल जाता है। जैसे–जिनम्=जिणं; उसभम् अजियं=उसभं अजियं, उसभमजियं; कहीं २ अन्त्य व्यंजनको भी अनुस्वार हो जाता है, जैसे–साक्षात्=सक्खं; यत्=जं; तत्=तं; सम्यक्=सम्मं।

(३) शब्दवर्ती 'ङ्-ञ्-ण्-न्' को अनुस्वार होता है, जैसे–पराङ्मुख=परंमुह; काञ्चनम्=कंचणं; उत्कण्ठा=उक्कंठा; वन्ध्या=वंझा।

(४) अनुस्वारको सवर्गी व्यंजन परे हो तो अनुनासिक विकल्पसे होता है, जैसे–गङ्गा, गंगा; लञ्छणं, लंछणं; कण्टए, कंटए; आणन्दे, आणंदे; चम्पा–चंपा।

(५) वक्रादि शब्दोंमें पहले दूसरे या तीसरे स्वर पर प्रयोगानुसार अनुस्वार होता है, जैसे–वक्रम्=वंकं; मनस्वी=मणंसी; उपरि=उवरिं।

(६) जहां स्वरादि पदोंकी द्विरुक्ति हो वहां विकल्पसे 'म्' का आगम होता है, जैसे–एक्क+एक्क=एक्कमेक्क, एक्केक्क।

(७) कई शब्दोंमें प्रयोगानुसार अनुस्वार का लोप होता है, जैसे–त्रिंशत्=तीसा; सिंह=सीह।

अव्ययसंधि

(१) अपि (अवि) अव्यय किसी भी पदके परे हो तो उसके आदिके 'अ' का लोप विकल्पसे होता है, जैसे–तं+अपि=तंपि–तमवि; केण+अवि=केणवि, केणावि।

(२) पदान्तमें स्वरसे परे 'इति' के स्थानमें 'त्ति' होता है, यदि पदान्तमें स्वर न हो तो 'त्ति' होता है; जैसे–तहा+इति=तहत्ति; जुत्तं+इति=जुत्तंति।

कारक

(१) अर्धमागधीमें द्विवचन नहीं होता बल्के उसके स्थानमें बहुवचन का ही प्रयोग होता है, जैसे–हस्तौ=हत्था।

(२) चतुर्थी विभक्ति के स्थानमें षष्ठीका प्रयोग होता है, जैसे–नमोऽर्हद्भ्य=णमो अरिहंताणं।

(३) एक विभक्तिके स्थानमें अन्य विभक्तिका प्रयोग भी देखा जाता है, जैसे–तृतीयाके स्थानमे छट्ठी–तैरेतदनाचीर्णं=तेसिं एयमणाइण्णं; सप्तमीके स्थानमें छट्ठी–दानेषु श्रेष्ठं=दाणाण सेट्ठं; सप्तमीके स्थानमें तृतीया–तस्मिन् काले तस्मिन् समये=तेणं कालेणं तेणं समएणं इत्यादि।

शब्दोंके रूप

अकारान्त पुल्लिंग

वद्धमाण

एकवचन	बहुवचन
पढमा–वद्धमाणे, वद्धमाणो	वद्धमाणा
बिइया–वद्धमाणं	वद्धमाणे, वद्धमाणा
तइया–वद्धमाणेण, वद्धमाणेणं	वद्धमाणेहिं, वद्धमाणेहिं-हिँ
चउत्थी–वद्धमाणस्स, वद्धमाणाए-ते	वद्धमाणाण, वद्धमाणाणं
पंचमी–वद्धमाणा, वद्धमाणत्तो, वद्धमाणाओ-तो-उ-तु-हि-हिंतो	वद्धमाणत्तो, वद्धमाणाओ-तो-उ-तु-हि-हिंतो-सुंतो, वद्धमाणेहि-हिंतो-सुंतो
छट्ठी–वद्धमाणस्स	वद्धमाणाण, वद्धमाणाणं
सत्तमी–वद्धमाणे, वद्धमाणंसि, वद्धमाणम्मि	वद्धमाणेसु, वद्धमाणेसुं
संबोहण–वद्धमाणे, वद्धमाणो, वद्धमाण, वद्धमाणा	वद्धमाणा

अकारान्त नपुंसक-लिंग

जल

प०–जलं	जलाणि, जलाइं-ईं-इ
बि०–,,	,, ,,–,,–,,

तृतीयासे सप्तमी तक 'वद्धमाण' की तरह जानें।

सं०–जल	(प्रथमाके अनुसार)

(नोट) पुल्लिंगके प्रथमाके एक वचन 'वद्धमाणे' की तरह नपुंसक-लिंगमे भी 'णयरे' 'उज्जाणे' आदि प्रथमाके एकवचनके रूप अर्द्धमागधीमें पाए जाते है।

इकारान्त पुल्लिंग

मुणि

प०–मुणी	मुणओ-उ, मुणिणो, मुणी
बि०–मुणिं	मुणिणो, मुणी
त०–मुणिणा	मुणीहि-हिं-हिँ
च०–मुणिणो, मुणिस्स	मुणीण, मुणीणं
पं०–मुणित्तो, मुणीओ-उ-हिंतो, मुणिणो	मुणित्तो, मुणीओ-उ-हिंतो-सुंतो
छ०–मुणिणो, मुणिस्स	मुणीण, मुणीणं
स०–मुणिंसि, मुणिम्मि	मुणीसु, मुणीसुं
सं०–मुणी, मुणि	(प्रथमाके अनुसार)

उकारान्त पुल्लिंग

साहु

प०–साहू	साहवो, साहवे, साहओ-उ, साहू, साहुणो
बि०–साहुं	साहुणो, साहू, साहवे.

इससे आगेके रूप इकारान्त 'मुणि' शब्दके समान जानने चाहिएँ।

इकारान्त नपुंसक-लिंग

दहि

प०–दहि	दहीणि, दहीइं-इँ
बि०–,,	,, ,, ,,

तृतीयासे सप्तमी तकके रूप 'मुणि' के समान समझें।

सं०–दहि	(प्रथमाके अनुसार)

उकारान्त नपुंसक-लिंग

महु

प०–महुं	महूणि-इं-इँ
बि०–,,	,,,,,,

तृतीयासे सप्तमी तक 'साहु' शब्दके समान जानें।

सं०–महु	(प्रथमाके अनुसार)

ऋकारान्त पुल्लिंग

पियर=पिउ (पितृ)

प०-पिया, पियरो	पियओ, पियवो, पियउ, पिऊ, पियरा, पिउणो
बि०-पियरं	पियरे, पियरा, पिउणो, पिऊ

तृतीयासे सप्तमी तक 'साहु' शब्दके समान जानें। 'पियर' के रूप 'वद्धमाण' के समान होते हैं।

विशेष-छठी विभक्तिके एकवचनमें 'पिउए' भी होता है।

सं०-हे पिय! पियर, पियरो	(प्रथमाके अनुसार)

(नोट) पितृ आदि शब्द विशेष्यवाची हैं, विशेष्यवाचक शब्दके अन्त्य 'ऋ' के स्थानमें 'उ' और 'अर' होता है, जैसे-पितृ=पिउ, पियर; जामातृ=जामाउ, जामायर। दातृ आदि शब्द विशेषण-वाचक हैं, इनके स्थानमें 'उ' और 'आर' होता है, जैसे-दातृ=दाउ, दायार; कर्तृ=कत्तु, कत्तार।

व्यंजनान्तनाम

(१) जिन नामोंके अंतमें मत्-वत् और अत् हो उनके अंतके अत्के स्थानमें अन्तका प्रयोग होता है और उनके रूप अकारान्त 'वद्धमाण' के समान चलते हैं। जैसे-भगवत्=भगवंत; भवत्=भवंत; धीमत्=धीमंत। भगवत् शब्दका प्रथमाका एकवचन 'भगवं' होता है जो कि शौरसेनीके समान है।

(२) जिन नामोंके अन्तमें 'अन्' है उन नामोंके अन्तके 'अन्' को 'आण' विकल्पसे होता है और उसके रूप अकारान्त पुल्लिंगके समान होते हैं। यथा-राजन्=रायाण, राय; आत्मन्=अप्पाण, अप्प।

'अन्' अंत वाले शब्दोंके और भी रूप होते हैं जो नीचे दिए जाते हैं।

अप्पा-अप्पाण

प०-अप्पा, अप्पो, अप्पाणो	अप्पा, अप्पाणा, अप्पाणो
बि०-अप्पं, अप्पाणं, अप्पिणं	अप्पे, अप्पा, अप्पाणे, अप्पाणा-णो
त०-अप्पेण-णं, अप्पाणेण-णं, अप्पणा	अप्पेहि-हिं-हिँ, अप्पाणेहि-हिं-हिँ
च०-अप्पस्स, अप्पाणस्स, अप्पणो	अप्पाण-णं, अप्पाणाण-णं, अप्पिणं
पं०-अप्पत्तो, अप्पाओ-उ-हि-हितो, अप्पा, अप्पाणो, अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ-उ-हि-हिंतो, अप्पाणा	अप्पत्तो, अप्पाओ-उ-हि-हिंतो-सुंतो, अप्पेहि-हिंतो-सुंतो, अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ-उ-हि-हिंतो-सुंतो, अप्पाणेहि-हिंतो-सुंतो
छ०-अप्पस्स, अप्पाणस्स, अप्पणो	अप्पाण-णं, अप्पाणाण-णं, अप्पिणं
स०-अप्पे, अप्पम्मि, अप्पाणे, अप्पाणम्मि	अप्पेसु-सुं, अप्पाणेसु-सुं
सं०-हे अप्प, अप्पो, अप्पा, अप्पाण, अप्पाणो, हे अप्पाणा	अप्पा, अप्पाणा, अप्पाणो

इस प्रकार 'अन्' अंत सब नामोंके रूप जानना।

विशेषः—'राय=रायाण' शब्दके रूपोंमें जो विशेषता है वह इस प्रकार है (१.) णो, णा, म्मि ये तीन प्रत्यय लगाते समय पूर्वके 'य' को विकल्पसे 'इ' होता है, जैसे—राइणो, रायणो; राइणा, रायणा; राइम्मि, रायम्मि।

(२) द्वितीयाके एकवचन और छट्ठीके बहुवचनमें प्रत्यय सहित 'राय' शब्दके 'य' को 'इणं' आदेश विकल्पसे होता है। जैसे—द्वि. ए. राइणं अथवा रायं, छ. व. राइणं अथवा रायाणं।

(३) तृतीया पंचमी और छट्ठीके एकवचनमें णा, णो प्रत्ययके पहले 'राय' शब्दके 'आय' को 'अण' विकल्पसे होता है

तृ. ए.	रण्णा	अथवा	राइणा,	रायणा
पं. ए.	रण्णो	अथवा	राइणो,	रायाणो
छ. ए.	रण्णो	अथवा	राइणो,	रायणो

(४) तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी और सप्तमीके बहुवचनमें प्रत्ययोंसे पहले 'राय' शब्दके 'य' को विकल्पसे 'ई' होता है

तृ. व.	राईहि	अथवा	राएहि	
च. छ. व.	राईणं	अथवा	राइणं,	रायाणं
पं. व.	राईओ, राईसुतो	अथवा	रायाओ,	रायासुंतो
स. व.	राईसु	अथवा	राएसुं	

आकारान्त स्त्रीलिंग

कहा

प्र०—कहा	कहाओ, कहाउ, कहा
बीया—कहं	,, ,, ,,
त०—कहाय, कहाइ, कहा(ते)ए	कहाहि, कहाहिँ, कहाहिं
च० छ०—,, ,, ,,	कहाण, कहाणं
पं०—कहाय, कहाइ, कहाए, कहत्तो, कहाओ-उ-हिंतो	कहत्तो, कहाओ-उ-हिंतो-सुंतो
स०—कहाय, कहाइ, कहाए	कहासु-सुं
सं०—कहे, कहा	(प्रथमाके अनुसार)

इकारान्त स्त्रीलिंग

मई

प्र०—मई	मईओ, मईउ, मई
बी०—मइं	,, ,, ,,
त०—मईय, मईइ, मईए	मईहि-हिँ-हि
च० छ०—,, ,, ,,	मईण, मईणं
पं०—,, ,, ,, मइत्तो, मईओ-उ-हिंतो	मइत्तो, मईओ-उ-हिंतो-सुंतो
स०—मईय, मईइ, मईए	मईसु, मईसुं
सं०—मइ, मई	(प्रथमाके अनुसार)

दीर्घ ईकारान्त ह्रस्व उकारान्त और दीर्घ ऊकारान्तके रूप भी 'मइ'के समान जानें।

ऋकारान्त स्त्रीलिंग

'मातृ' शब्दके स्थानमें 'माया' और 'मायरा' प्रयुक्त होते हैं, इसके सब रूप 'कहा' के समान हैं। केवल संबोधन प्रथमाकी तरह ही होता है।

सर्वनाम

अकारान्त पुल्लिंग सर्वनामके रूप 'वद्धमाण' शब्दकी तरह जानें, विशेषता निम्नलिखित है।

सव्व

प०-…	सव्वे
च०छ०-…	सव्वेसिं
पं०-सव्वम्हा	
स०-सव्वत्थ, सव्वस्सि, सव्वहिं, सव्वम्मि	

(नोट) 'एय' और 'इम' को 'हिं' प्रत्यय नहीं लगता।

आकारान्त स्त्रीलिंग सर्वनाम के रूप 'कहा' की तरह होते हैं। विशेष छट्ठीके बहुवचनमें 'सिं' प्रत्यय होता है।

अकारान्त नपुंसकलिंगके रूप 'जल' के समान जाने।

तुम्ह-अम्ह के उपयोगी रूप

तुम्ह

पं०-तं, तुं, तुमं	तुम्हे, तुब्भे, तुज्झे, भे
बी०-तं, तुं, तुमं	,, ,, ,, ,, वो
त०-तए, तुमए, तुमे	तुब्भेहिं, तुम्हेहिं, भे
च० छ०-ते, तुह, तुज्झ	तुब्भाण, तुम्हाण, भे, वो
पं०-तुमत्तो, तुमाओ	तुम्हत्तो, तुम्हाओ, तुब्भत्तो, तुब्भाओ
स०-तुमए, तए, तइ	तुब्भेसु, तुम्हेसु-सुं

अम्ह

प०-हं, अहं, अहयं	अम्हे, मो, वयं
बी०-मं, ममं	अम्हे, णे
त०-मइ, मए	अम्हेहि, णे
च० छ०-मे, मम, मज्झ, मह, मज्झं	अम्हं, अम्हाणं, णे, णो
पं०-ममत्तो, ममाओ	अम्हत्तो, अम्हाओ
स०-मइ, मज्झे, ममंसि, मम्हि	अम्हेसु

संख्यावाचक शब्द

एग-एक्क-इक्क शब्दके रूप तीनों लिंगोंमे प्रयुक्त होते है, उनके रूप 'सव्व' के समान जानना।

'दो' से 'अट्ठारह' तकके रूप बहुवचनमें प्रयुक्त होते हैं और तीनों लिंगोंमें समान रहते है। 'अट्ठारह' तकके संख्यावाचक शब्दोंके छट्ठीके बहुवचनमें 'ण्ह' और 'ण्हं' प्रत्यय लगता है।

दु-दो-वे

प० बी०–दुवे, दोण्णि, दुण्णि, वेण्णि, विण्णि, दो, वे

त०–दोहि–हिं-हिँ, वेहि–हिं-हिँ

च० छ०–दोण्ह, दोण्हं, दुण्ह, दुण्हं, वेण्ह, वेण्हं, विण्ह, विण्हं

पं०–दुत्तो, दोओ-उ-हिंतो-सुंतो, वित्तो, वेओ-उ-हिंतो-सुंतो

स०–दोसु-सुं, वेसु-सुं

ति

प० बी०–तिण्णि

च० छ०–तिण्ह, तिण्हं

शेष रूप 'मुणि' शब्दके बहुवचनानुसार जानें।

चउ

प० बी०–चत्तारो, चउरो, चत्तारि

त०–चउहि-हिं-हिँ, चऊहि-हिं-हिँ

च० छ०–चउण्ह, चउण्हं

शेष 'साहु' के बहुवचनानुसार जानें।

पंच

प० बी०–पंच

त०–पंचहि-हिं-हिँ

च० छ०–पंचण्ह, पंचण्हं

शेष 'वद्धमाण' के बहुवचनानुसार।

क्रियापद

जैसे संस्कृतमें दश गण और उनमे परस्मैपदी, आत्मनेपदी, उभयपदी धातु और उनके भिन्न २ प्रत्यय होते हैं, वैसे अर्धमागधीमें नही। अर्धमागधीमे वर्तमानकाल, भूतकाल (ह्यस्तन परोक्ष. अद्यतन भूतके स्थानमें) आज्ञार्थ, विध्यर्थ, भविष्यकाल (श्वस्तन भविष्य और सामान्य भविष्यके स्थानमें) और क्रियातिपत्त्यर्थ इतने कालोंका प्रयोग होता है।

स्वरान्त और व्यंजनान्त धातुमें भेद

व्यंजनान्त धातुके अन्तमें 'अ' अवश्य लगता है और स्वरान्त धातुको विकल्पसे ।

वर्तमान काल

हस्

	एकवचन	वहुवचन
प्र० पु०	हसइ, हसेइ, हसए	हसन्ति, हसन्ते, हसिरे, हसेंति, हसेते, हसेइरे, हसिंति, हसिंते, हसइरे
म० पु०	हससि, हसेसि, हससे	हसह, हसित्था, हसेह, हसेइत्था, हसइत्था, हसेत्था
उ० पु०	हसामि, हसमि, हसेमि	हसिमो, हसामो, हसमो, हसेमो

(नोट) उत्तम पुरुषके वहुवचनमें 'मो-मु-म' ये तीन प्रत्यय लगते हैं यहाँ केवल 'मो' के रूप दिए हैं 'मु' और 'म' के रूप भी इसी प्रकार जानलें ।

सर्ववचन सर्वपुरुष

हसेज्ज, हसेज्जा, हसिज्ज, हसिज्जा

'अस्' धातुके रूप

प्र० पु०	अत्थि	सन्ति
म० पु०	सि	ह
उ० पु०	मि, अंसि	मो

स्वरान्तधातु 'हो'

जब उपरोक्त नियमानुसार 'अ' लगता है तो इसके रूप 'हस्' की तरह होते है जैसे—होअइ, होअसि, होअमि इत्यादि ।

जव 'अ' नहीं लगता तो इसके रूप इस प्रकार होते हैं ।

प्र० पु०	होइ	होंति, हुंति, होंते, होइरे
म० पु०	होसि	होह, होइत्था
उ० पु०	होमि	होमो, होमु, होम

विशेष—स्वरान्त धातुओंमें 'दा' धातुको पुरुषबोधक प्रत्यय लगाते समय अन्त्य 'आ' को कहीं २ 'ए' होता है, जैसे-देइ, देंति, दिन्ति, देसि, देमि, देमु इत्यादि।

भूतकाल

व्यंजनान्त धातुओंके सर्ववचन और सर्वपुरुषमें 'ईअ' प्रत्यय लगता है, जैसे-वस्+ईअ=वसीअ।

स्वरान्त धातुओंको 'सी' 'ही' 'हीअ' प्रत्यय लगते हैं, जैसे-कासी-काही-काहीअ।

अस्

सर्ववचन सर्वपुरुष—आसि, अहेसि

परिवर्तनसे होनेवाले रूप—अवोच, अभू, आसी, आसिमो-मु, अदक्खु, अकासि।

(२) सर्ववचन और सर्वपुरुषमें धातुको 'त्था' और 'इंसु' प्रत्यय होता है, जैसे-होत्था, पलाइत्था। 'इंसु' प्रत्ययके लिए देखो आख्यात-विभक्ति प्रकरण।

विशेष-(१) कहीं २ 'इंसु' को गुण भी होता है, जैसे—परिकहेंसु।

(२) धातुके पूर्व कहीं २ 'अ' का आगम भी होता है, जैसे—अकहिंसु।

भविष्यकाल

हस्

प्र० पु०—हसिहिइ-हिए-स्सइ-स्सए	हसिहिंति-ते-हिरे
	हसेहिंति-,,- ,,
हसेहिइ-,,-,,-,,	हसिस्संति-ते, हसेस्संति-ते
म० पु०—हसिहिसि-हिसे-स्ससि-स्ससे-	हसिहिह-स्सह-हित्था
हसेहिसि- ,,- ,,- ,,	हसेहिह- ,,- ,,
उत्तम पु०—हसिस्सं-स्सामि-हामि-हिमि	हसिस्सामो-मु-म-हामो-मु-म-हिमो-मु-म-हिस्सा-हित्था
हसेस्सं-स्सामि-हामि-हिमि	हसेस्सामो-मु-म-हामो-मु-म-हिमो-मु-म-हिस्सा-हित्था

सर्वपुरुष-सर्ववचन—हसेज्ज-ज्जा, हसिज्ज-ज्जा

हो

उपरोक्त नियमानुसार 'हो' और 'होअ' दोनोंको हस्के समान प्रत्यय लगाएं।

विशेष—कर् धातुको भविष्यकालमें 'का' आदेश विकल्पसे होता है, और उत्तम पुरुषके एक वचनमे 'काहं' विकल्पसे होता है। ऐसे ही 'दा' धातुके विषयमें भी जानें।

आज्ञार्थ और विध्यर्थ

हस्

प्र० पु०—हसउ, हसेउ, हसए, हसे	हसंतु, हसेंतु, हसितु
म० पु०—हसहि, हससु, हसिज्जसु-ज्जहि-ज्जे-ज्जसि-ज्जासि-ज्जाहि, हसेहि-सु-ज्जसु-ज्जहि ज्जे-ज्जसि-ज्जासि-ज्जाहि, हस, हसे, हसाहि	हसह, हसेह, हसिज्जाह, हसेज्जाह
उ० पु०—हससु, हसामु, हसिमु, हसेमु	हसमो, हसामो, हसिमो, हसेमो

सर्वपुरुष-सर्ववचन—हसेज्ज-ज्जा, हसिज्ज-ज्जा

हो

(१) 'होअ' में हस्के समान प्रत्यय जुड़ते हैं।

(२) केवल 'हो' के रूप नीचे लिखे अनुसार हैं।

प्र०पु०—होउ	होंतु
म०पु०—होसु, होहि	होह
उ०पु०—होमु	होमो

क्रियातिपत्यर्थ

'क्रियातिपत्यर्थ' क्रियाकी निष्फलताका सूचक है जैसे—'ऐसा हुआ होता तो ऐसा होता' पर पहला कार्य न होने से दूसरा कार्य भी न बना।

प्रत्यय—विशेष्य के लिंगानुसार प्रथमा के एकवचन और बहुवचनके उस २ लिंगके प्रत्यय, 'न्त' लगाकर तैयार किए गए प्रत्यय और सर्ववचन सर्वपुरुषमे ज्ज-ज्जा प्रत्यय लगानेसे क्रियातिपत्यर्थके रूप होते हैं।

पुल्लिंग-हस्-हसन्ते, हसन्तो	हसन्ता
हो-होन्ते, हुन्ते, होतो, हुंतो	होन्ता, हुन्ता
स्त्रीलिंग-हस्-हसन्ती, हसन्ता हो-होन्ती, हुन्ती, होंता, हुन्ता	'ओ' और जोड़ देनेसे बहुवचनके रूप बन जाते हैं।
नपुंसकलिंग-हस्-हसंतं	हसन्ताइं
हो-होन्तं, हुन्तं	होन्ताइं, हुंताइं

'होअ' अंगके रूप

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**नपुंसकलिंग**
होअन्तो {होअन्ता	होअन्ती {होअन्ता	होअन्तं {होअन्ताइं

सर्ववचन सर्वपुरुष

हस्-हसेज्ज, हसेज्जा

हो-होज्ज, होज्जा, होएज्ज, होएज्जा

कर्मणि

जो धातु सकर्मक हो उसका कर्मणि प्रयोग होता है, कर्तामे तृतीया विभक्ति और कर्ममें प्रथमा विभक्ति होती है तथा कर्मके आधार पर क्रियापद होता है जैसे-बालो पुत्थयं पढइ—बालेण पुत्थयं पढिज्जइ इत्यादि। भाव प्रयोगमे कर्ताके स्थानमें तृतीया विभक्तिका प्रयोग होता है और कर्म न होनेके कारण क्रियापद प्रथम पुरुपके एकवचनमें प्रयुक्त होता है, जैसे-सो गच्छइ-तेण गम्मइ आदि।

धातुसे कर्म और भावमे रूप बनानेके लिए 'ईअ' अथवा 'इज्ज' प्रत्यय प्रयुक्त होता है, इसके बाद काल के पुरुपबोधक प्रत्यय लगते है।

भविष्यकाल क्रियातिपत्त्यर्थ आदिके रूप भाव और कर्मसे कर्ताके समान होते हैं।

कर्म और भावमें प्रयुक्त होनेवाले कुछ धातु

कर्तरि	कर्मणि	
वय्	वुच्च	
सुण्	सुव्व	
हण्	हम्म	
उह्	उज्झ	
भण्	भण्ण	
लह्	लब्भ	
हर्	हीर	
कर्	कीर	
जाण्	नज्ज	इत्यादि विकल्पसे
पास्	दीस	आदि नित्य

कृदन्त

वर्तमानकृदन्त

हसन्त, हसेन्त, हसमाण, हसेमाण (पुल्लिंगके रूप वद्धमाणके समान और नपुंसकलिंगके रूप जलके समान होते हैं)

स्त्रीलिंग-हसन्ती, हसन्ता, हसेन्ती, हसेंता, हसमाणी-माणा, हसेमाणी-माणा (आकारान्त कहाके समान और ईकारान्त मइ के समान)

हो

पुल्लिंग-होन्त, हुन्त, होमाण, होअन्त, होएन्त, होअमाण, होएमाण (पुल्लिंग वद्धमाणकी तरह नपुंसकलिंग जलकी तरह)

स्त्रीलिंग-होन्ती, हुन्ती, होन्ता, हुन्ता, होमाणी-माणा-ई-अई-एई-अन्ती-अन्ता-एन्ती-एन्ता-अमाणी-एमाणी-अमाणा-एमाणा (आकारान्त कहाकी भांति और ईकारान्त मइकी भांति)

धातुके कर्मणि अंगको ये ही प्रत्यय लगानेसे कर्मणि वर्तमान कृदन्त होता है।

विध्यर्थ कृदन्त

धातुके अंगको तव्व-यव्व-अणीअ और अणिज्ज प्रत्यय लगानेसे विध्यर्थ कर्मणि कृदन्त होता है, यदि 'तव्व' और 'यव्व' प्रत्यय लगाते समय पूर्वमें 'अ' हो तो उसे 'इ' अथवा 'ए' होता है, जैसे—झाइतव्वं-झाएतव्वं-झाइयव्वं-झाएयव्वं-झाअणीअं-झाअणिज्जं इत्यादि।

पुल्लिंग–हस्–हसन्ते, हसन्तो हो–होन्ते, हुन्ते, होतो, हुंतो	हसन्ता होन्ता, हुन्ता
स्त्रीलिंग–हस्–हसन्ती, हसन्ता हो–होन्ती, हुन्ती, होंता, हुन्ता	'ओ' और जोड़ देनेसे बहुवचनके रूप बन जाते हैं।
नपुंसकलिंग–हस्–हसंतं हो–होन्तं, हुन्तं	हसन्ताइं होन्ताइं, हुंताइं

'होअ' अंगके रूप

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
होअन्तो {होअन्ता	होअन्ती {होअन्ता	होअन्तं {होअन्ताइं

सर्ववचन सर्वपुरुष

हस्–हसेज्ज, हसेज्जा

हो–होज्ज, होज्जा, होएज्ज, होएज्जा

कर्मणि

जो धातु सकर्मक हो उसका कर्मणि प्रयोग होता है, कर्तामे तृतीया विभक्ति और कर्ममें प्रथमा विभक्ति होती है तथा कर्मके आधार पर क्रियापद होता है जैसे–बालो पुत्थयं पढइ—बालेण पुत्थयं पढिज्जइ इत्यादि। भाव प्रयोगमें कर्ताके स्थानमे तृतीया विभक्तिका प्रयोग होता है और कर्म न होनेके कारण क्रियापद प्रथम पुरुषके एकवचनमें प्रयुक्त होता है, जैसे–सो गच्छइ–तेण गम्मइ आदि।

धातुसे कर्म और भावमे रूप बनानेके लिए 'ईअ' अथवा 'इज्ज' प्रत्यय प्रयुक्त होता है, इसके बाद काल के पुरुषबोधक प्रत्यय लगते है।

भविष्यकाल क्रियातिपत्यर्थ आदिके रूप भाव और कर्ममे कर्ताके समान होते हैं।

कर्म और भावमें प्रयुक्त होनेवाले कुछ धातु

कर्तरि	कर्मणि	
वय्	वुच	
सुण्	सुव्व	
हण्	हम्म	
उह्	उज्झ	
भण्	भण्ण	
लह्	लब्भ	
हर्	हीर	
कर्	कीर	
जाण्	नज्ज	इत्यादि विकल्पसे
पास्	दीस	आदि नित्य

कृदन्त

वर्तमानकृदन्त

हसन्त, हसेन्त, हसमाण, हसेमाण (पुल्लिंगके रूप वद्धमाणके समान और नपुंसकलिंगके रूप जलके समान होते हैं)

स्त्रीलिंग–हसन्ती, हसन्ता, हसेन्ती, हसेंता, हसमाणी–माणा, हसेमाणी–माणा (आकारान्त कहाके समान और ईकारान्त मइ के समान)

हो

पुल्लिंग–होन्त, हुन्त, होमाण, होअन्त, होएन्त, होअमाण, होएमाण (पुल्लिंग वद्धमाणकी तरह नपुंसकलिंग जलकी तरह)

स्त्रीलिंग–होन्ती, हुन्ती, होन्ता, हुन्ता, होमाणी-माणा-ई-अई-एई-अन्ती-अन्ता-एन्ती-एन्ता-अमाणी-एमाणी-अमाणा-एमाणा (आकारान्त कहाकी भांति और ईकारान्त मइकी भांति)

धातुके कर्मणि अंगको ये ही प्रत्यय लगानेसे कर्मणि वर्तमान कृदन्त होता है।

विध्यर्थ कृदन्त

धातुके अंगको तव्व–यव्व-अणीअ और अणिज्ज प्रत्यय लगानेसे विध्यर्थ कर्मणि कृदन्त होता है, यदि 'तव्व' और 'यव्व' प्रत्यय लगाते समय पूर्वमें 'अ' हो तो उसे 'इ' अथवा 'ए' होता है, जैसे—झाइतव्वं-झाएतव्वं-झाइयव्वं-झाएयव्वं-झाअणीअं-झाअणिज्जं इत्यादि।

भूत-कृदन्त

धातुको 'य' अथवा 'त' प्रत्यय लगानेसे कर्मणि भूत कृदन्त होता है। प्रत्यय लगाते समय 'अ' को 'इ' होता है और यह कृदन्त विशेषण होता है। तथा स्त्रीलिंग करना हो तो 'आ' लगानेसे वैसा हो जाता है। जैसे-हसियं-हसितं, हसिए-ते, हसिओ-तो, हसिया-ता, हू+अ=हूअ-हूइअ-हूइत, हू=हूअ, हूत।

हेत्वर्थ कृदन्त

धातुके अंगको उं-तुं-त्तुं-इत्तए प्रत्यय लगानेसे हेत्वर्थ कृदन्त होता है, पूर्वमें यदि 'अ' हो तो उसे 'इ' अथवा 'ए' होता है, जैसे-हसिउं, हसेउं, हसितुं, हसेतुं, हसित्तुं, हसेत्तुं। 'इत्तए' के लिए देखो धातु-प्रत्यय नियम नं० २।

संबंधक भूत कृदन्त

धातुके अंगको तुं-उं-य-तूण-ऊण-तुआण-तूणं-ऊणं-तुआणं-उआणं-उआण प्रत्यय लगानेसे संबंधक भूत कृदन्त होता है तथा पूर्वके 'अ' को 'इ' अथवा 'ए' होता है। जैसे-हसितुं-उं-य-तूण-ऊण-तुआण-तूणं-ऊणं-तुआणं-उआणं-उआण, हसेतुं-उं-तूण-; यावत् उआण। विशेषताके लिए देखो धातु-प्रत्यय नियम नं० १।

समास

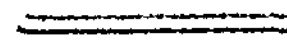
संस्कृतके समान अर्धमागधीमें भी सात समास होते है।

गाहा-दंदे य बहुव्वीही, कम्मधारयए दिगुयए चेव।
तप्पुरिसे अव्वईभावे, एगसेसे य सत्तमे ॥ १ ॥ (अनुयोगद्वारसूत्र)

विशेषता यह है कि संस्कृतके स्थानमें अर्धमागधी शब्दोंका प्रयोग होता है।

सुत्ताणुक्कमणिया

सुत्तणामं	पिट्ठसंखा
आयारे	१
सूयगडं	१०१
ठाणे	१८३
समवाए	३१६
भगवई-विवाहपण्णत्ती	३८४
णायाधम्मकहाओ	९४१
उवासगदसाओ	११२७
अंतगडदसाओ	११६१
अणुत्तरोववाइयदसाओ	११९१
पण्हावागरणं	११९९
विवागसुयं	१२४१



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

आयारे

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ इह-मेगेसि णो सण्णा भवइ, तंजहा-पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि? दाहिणाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, पच्चत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उत्तराओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उड्ढाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि? अहो दिसाओ वा आगओ अहमंसि? अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि? एवमेगेसिं णो णायं भवइ. अत्थि मे आया उववाइए. णत्थि मे आया उववाइए के अहं आसि? के वा इओ चुओ इह पेच्चा भविस्सामि? ॥ २ ॥ से जं पुण जाणेज्जा सहसंमइयाए परवागरणेणं. अण्णेसिं अंतिए वा सोच्चा. तंजहा— पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि. जाव अण्णयरीओ दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि. एवमेगेसिं जं णायं भवइ. अत्थि मे आया उववाइए. जो इमाओ-दिसाओ अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ सोहं, सव्वाओ दिसाओ-अणुदिसाओ जो आगओ अणुसंचरइ, सोहं। से आयावाई, लोयावाई, कम्मावाई, किरियावाई ॥ ३ ॥ अकरिस्सं चाहं कारवेसुं चऽहं करओ यावि समणुन्ने भविस्सामि; एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ४ ॥ अपरिण्णायकम्मे खलु अयं पुरिसे, जो इमाओ दिसाओ अणुदिसाओ अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ साहेइ, अणेगरूवाओ जोणीओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ॥ ५ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया ॥ ६ ॥ इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाईमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं ॥ ७ ॥ एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ८ ॥ जस्सेते लोगसि कम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ९ ॥ **पढमो उद्देसो ॥**

अट्टे लोए परिजुण्णे दुस्संबोहे अविजाणए अस्सि लोए पव्वहिए तत्थ तत्थ पुढो पास आतुरा अस्सि परितावेंति ॥ १० ॥ संति पाणा पुढोसिया, लज्जमाणा पुढो

पास ॥ ११ ॥ अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेणं पुढविसत्थं समारंभेमाणे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ १२ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइआ । इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव पुढविसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा पुढविसत्थं समारंभावेइ । अण्णेवा पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणइ । तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥ १३ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ, अणगाराणं अंतिए; इहमेगेसि णातं भवति-एस खलु, गंथे एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेण पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ १४ ॥ से बेमि-अप्पेगे अधमब्भे, अप्पेगे अंधमच्छे; अप्पेगे पायमब्भे, अप्पेगे पायमच्छे, अप्पेगे गुप्फमब्भे, २ अप्पेगे जंघमब्भे, २ अप्पेगे जाणुमब्भे २ अप्पेगे ऊरुमब्भे, २ अप्पेगे कडिमब्भे, २ अप्पेगे णाभिमब्भे, २ अप्पेगे उयरमब्भे, २ अप्पेगे पासमब्भे, २ अप्पेगे पिट्ठिमब्भे, २ अप्पेगे उरमब्भे, २ अप्पेगे हिययमब्भे, २ अप्पेगे थणमब्भे, २ अप्पेगे खंधमब्भे, २ अप्पेगे बाहुमब्भे, २ अप्पेगे हत्थमब्भे, २ अप्पेगे अंगुलिमब्भे, २ अप्पेगे णहमब्भे, २ अप्पेगे गीवमब्भे, २ अप्पेगे हणुमब्भे, २ अप्पेगे होट्ठमब्भे, २ अप्पेगे दंतमब्भे, २ अप्पेगे जिब्भमब्भे, २ अप्पेगे तालुमब्भे, २ अप्पेगे गलमब्भे, २ अप्पेगे गंडमब्भे, २ अप्पेगे कण्णमब्भे, २ अप्पेगे णासमब्भे, २ अप्पेगे अच्छिमब्भे, २ अप्पेगे भमुहमब्भे, २ अप्पेगे णिडालमब्भे, २ अप्पेगे सीसमब्भे, २ अप्पेगे संपमारए, अप्पेगे उद्दवए ॥ १५ ॥ इत्थं सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाता भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाता भवंति ॥ १६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी नेव सयं पुढवि सत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहि पुढविसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्सेते पुढविकम्मसमारंभा परिण्णाता भवंति से हु मुणी परिण्णातकम्मेत्ति बेमि ॥ १७ ॥ **बीयो उद्देसो ॥**

से बेमि, जहावि अणगारे उज्जुकडे, णियायपडिवण्णे अमायं कुव्वमाणे वियाहिते, जाए सद्धाए णिक्खंतो तमेवअणुपालिया वियहित्तु विसोत्तियं- ॥ १८ ॥ पणया वीरा महावीहिं, लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुओभयं ॥ १९ ॥ से बेमि णेव सयं लोगं अब्भाइक्खिज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खिज्जा । जे लोयं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोयं अब्भा-

इक्खइ ॥ २० ॥ लज्जमाणा पुढो, पास, अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहि उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ २१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव उदयसत्थं समारभति, अण्णेहिं वा उदयसत्थं समारंभावेति, अन्ने उदयसत्थं समारंभंते समणुजाणति, तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥ २२ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं अंतिए इहमेगेसि णायं भवति, एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ २३ ॥ से बेमि, संति पाणा उदयनिस्सिया जीवा अणेगे, इह च खलु भो! अणगाराणं उदयजीवा वियाहिया। सत्थं चेत्थं अणुवीइ पासा। पुढो सत्थं पवेदितं ॥ २४ ॥ अदुवा अदिन्नादाणं ॥ २५ ॥ कप्पइ णे कप्पइ णे पाउं, अदुवा विभूसाए, पुढो सत्थेहिं विउट्टंति एत्थऽवि तेसिं णो णिकरणाए ॥ २६ ॥ एत्थ सत्थं समारभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति। तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं उदयसत्थं समारंभेज्जा, णेवन्नेहिं उदयसत्थं समारंभावेज्जा उदयसत्थं समारंभंतेऽवि अण्णे ण समणुजाणेज्जा, जस्सेते उदयसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णातकम्मे त्ति बेमि ॥ २७ ॥ **तइओद्देसो ॥**

से बेमि णेव सयं लोयं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा, जे लोगं अब्भाइक्खति, से अत्ताणं अब्भाइक्खति, जे अत्ताणं अब्भाइक्खति, से लोगं अब्भाइक्खति ॥ २८ ॥ जे दीहलोगसत्थस्स खेयन्ने, से असत्थस्स खेयन्ने; जे असत्थस्स खेयन्ने, से दीहलोगसत्थस्स खेयन्ने ॥ २९ ॥ वीरेहि एयं अभिभूय दिट्ठं, संजतेहिं सया जत्तेहिं सया अप्पमत्तेहिं ॥ ३० ॥ जे पमत्ते गुणट्ठीए, से हु दंडे त्ति पवुच्चति। तं परिण्णाय मेहावी इयाणिं णो जमहं पुव्वमकासी पमादेणं ॥ ३१ ॥ लज्जमाणा पुढो पास–अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारभमाणे, अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ३२ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव अगणिसत्थं समारंभति, अण्णेहिं वा अगणिसत्थं समारंभावेइ अण्णेवा अगणिसत्थं समारभमाणे समणुजाणति। तं से अहियाए तं से अबोहिए ॥ ३३ ॥ से तं संबुज्झमाणे आया-

णीयं समुट्ठाय सोच्चा भगवओ अणगाराणं इहमेगेसि णायं भवति-एस खलु गंथे एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए। इच्चत्थं गढ़िए लोए जमिणं विरूव-रूवेहि सत्थेहिं अगणिकम्मसमारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ३४ ॥ से बेमि, संति पाणा, पुढविणिस्सिया, तणणिस्सिया, पत्तणिस्सिया, कट्ठणिस्सिया, गोमयणिस्सिया, कयवरणिस्सिया; सन्ति संपातिमा पाणा, आहच्च संपयंति। अगणिं च खलु पुट्ठा, एगे संघायमावज्जंति। जे तत्थ संघायमावज्जंति, ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दायंति ॥ ३५ ॥ एत्थ सत्थं अस-मारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ३६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी नेव सयं अगणिसत्थं समारंभेज्जा, नेवन्नेहिं अगणिसत्थं समारंभावेज्जा, अगणिसत्थं समा-रंभमाणे अन्ने न समणुजाणेज्जा। जस्सेते अगणिकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ३७ ॥ **चउत्थोद्देसो** ॥

तं णो करिस्सामि समुट्ठाए मत्ता मतिमं, अभयं विदित्ता, तं जे णो करए, एसो-वरए, एत्थोवरए, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ॥ ३८ ॥ जे गुणेसे आवट्टे जे आवट्टे से गुणे ॥ ३९ ॥ उड्ढं-अहं-तिरियं-पाईणं पासमाणे रूवाइं पासइ, सुणमाणे सद्दाइं सुणइ, उड्ढं-अहं-तिरियं पाईणं मुच्छमाणे रूवेसु मुच्छति, सद्देसु यावि एस लोगे वियाहिए। एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाते वंकसमायारे पमत्तेऽगार-मावसे ॥ ४० ॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवदमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारभमाणा अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसंति ॥ ४१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जातिमरण मोयणाए दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव वणस्सइसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वणस्सइसत्थं समारभमाणे समणुजाणइ, तं से अहियाए, तं से अवोहीए ॥४२॥ से तं संवुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इह मेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए। इच्चत्थं गढ़िए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अन्ने अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ४३ ॥ से बेमि,-इमंपि जाइधम्मयं, एयंपि जाइधम्मयं, इमंपि वुड्ढिधम्मयं एयंपि वुड्ढिधम्मयं; इमंपि चित्तमंतयं एयंपि चित्तमंतयं; इमंपि छिन्नं मिलाति, एयंपि छिन्नं मिलाति; इमंपि आहारगं, एयंपि आहारगं, इमंपि अणिच्चयं, एयंपि अणिच्चयं; इमंपि असासयं, एयंपि असासयं; इमंपि चओवचइयं, एयंपि चओवचइयं; इमंपि विपरिणामधम्मयं, एयंपि

विपरिणामधम्मयं ॥ ४४ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाता भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वणस्सइसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं वणस्सइसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे वणस्सइसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते वणस्सइसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ४५ ॥ **पंचमोद्देसो** ॥

से बेमि, संतिमे तसा पाणा, तंजहा–अंडया, पोयया, जराउया, रसया, संसेयया, संमुच्छिमा, उब्भियया, उववातिया, एस संसारेत्ति पवुच्चति, मंदस्स अवियाणतो ॥४६॥ णिज्झाइत्ता पडिलेहित्ता पत्तेयं परिणिव्वाणं सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसिं भूयाणं, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असातं अपरिणिव्वाणं, महब्भयं दुक्खं त्ति बेमि ॥ ४७ ॥ तसंति पाणा पदिसोदिसासुय । तत्थ तत्थ पुढो पास आउरा परितावेंति । संति पाणा पुढोसिता ॥४८॥ लज्जमाणा पुढो पास अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ४९ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता । इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव तसकायसत्थं समारंभति, अण्णेहि वा तसकायसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा तसकायसत्थं समारभमाणे समणुजाणति; तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥ ५० ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा भगवओ, अणगाराणं अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ–एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ५१ ॥ से बेमि–अप्पेगे अच्चाए वहंति, अप्पेगे अजिणाए वहंति, अप्पेगे मंसाए वहंति, अप्पेगे सोणिताए वहंति, अप्पेगे हिययाए वहंति, एवंपित्ताए वसाए-पिच्छाए-पुच्छाए-वालाए-विसाणाए-दंताए-दाढाए-णहाए-ण्हारुणीए-अट्ठीए-अट्ठीमिंजाए-अट्ठाए-अणट्ठाए-अप्पेगे हिंसिंसु मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसंति मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसिस्संति मेत्ति वा वहंति ॥ ५२ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ५३ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेवसयं तसकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं तसकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे तसकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते तसकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥५४॥ **इइ छट्ठोद्देसो** ॥

पहू एजस्स दुगंछणाए, आयंकदंसी अहियंति नच्चा । जे अज्झत्थं जाणइ, से बहिया जाणइ, जे बहिया जाणइ, से अज्झत्थं जाणइ । एयं तुलमन्नेसिं । इह संतिगया दविया णावकंखंति जीविउं ॥५५॥ लज्जमाणा पुढो, पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं, वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ५६ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव वाउसत्थं समारंभति, अन्नेहिं वा वाउसत्थं समारंभावेति, अन्ने वा वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणति, तं से अहियाए तं से अबोहीए ॥ ५७ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराणं अंतिए इहमेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अन्ने अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ५८ ॥ से बेमि, संति संपाइमा पाणा, आहच्च संपयंति य फरिसं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति । जे तत्थ संघायमावज्जंति, ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति, ते तत्थ उद्दायंति ॥ ५९ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ६० ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वाउसत्थं समारंभेज्जा, णेवन्नेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा, णेवन्ने वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्सेते वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६१ ॥ एत्थं पि जाणे उवादीयमाणा जे आयारे न रमंति, आरंभमाणा विणयं वयंति, छंदोवणीया, अज्झोववण्णा, आरंभसत्ता पकरंति संगं ॥ ६२ ॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं णो अन्नेसि ॥६३॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवन्नेहिं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवन्ने छज्जीवणिकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्सेते छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मेत्ति बेमि ॥ ६४ ॥ **सत्तमोद्देसो** ॥

॥ सत्थपरिण्णा णाम पढमज्झयणं समत्तं ॥

जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे, इति से गुणट्ठी महता परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते, तंजहा-माया मे, पिया मे, भाया मे, भइणी मे, भज्जा मे, पुत्ता मे, धूया मे, ण्हुसा मे, सहि-सयण-संगंथ-संथुया मे, विवित्तुवगरण-परिवट्टण-भोयण-

च्छायगं मे, इच्चत्थं गढ्ढिए लोए वसे पमत्ते ॥ ६५ ॥ अहोय राओ परियप्पमाणे, कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो ॥६६॥ अप्पं च खलु आउयं इहमेगेसि माणवाणं; तंजहा सोयपरिण्णाणेहिं, परिहायमाणेहिं, चक्खुपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, घाणपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, रसणापरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, फासपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, अभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए तओ से एगया मूढभावं जणयंति ॥ ६७ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति, तेविणं एगया णियगा पुव्विं परिव्वयंति । सो वि ते णियगे पच्छा परिवएज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा । तुमं पि तेसिं नालं ताणाए वा, सरणाए वा । से ण हासाए, ण किड्डाए, ण रतीए, ण विभूसाए, ॥६८॥ इच्चेवं समुट्ठिए अहोविहाराए अंतरं च खलु इमं संपेहाए धीरो मुहुत्तमवि णो पमायए । वओ अच्चेइ जोव्वणं च ॥ ६९ ॥ इह जीविए जे पमत्ता । से हंता, छेत्ता, भेत्ता, लुंपित्ता, विलुंपित्ता, उद्दवित्ता, उत्तासइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे ॥ ७० ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं पोसेंति, सो वा ते नियगे पच्छा पोसिज्जा । णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा । तुमंपि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥ ७१ ॥ उवाईयसेसेण वा संणिहिसंणियओ-किज्जति, इहमेगेसिं असंजताणं भोयणाए । तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥ ७२ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं परिहरंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिहरिज्जा । णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा तुमं पि तेसिं नालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७३॥ एवं जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं, अणभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए खणं जाणाहि पंडिए ॥ ७४ ॥ जाव सोयपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव णेत्तपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव घाणपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव जीहपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव फासपरिण्णाणा अपरिहीणा, इच्चेतेहिं विरूवरूवेहिं पन्नाणेहिं अपरिहीणेहिं आयट्ठं सम्मं समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ ७५ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

अरइं आउट्टे से मेहावी; खणंसि मुक्के ॥ ७६ ॥ अणाणाय पुट्ठावि एगे णियट्टंति मंदा मोहेण पाउडा ॥ ७७ ॥ "अपरिग्गहा भविस्सामो" समुट्ठाय लद्धे कामे अभिगाहेंति, अणाणाए मुणिणो, पडिलेहंति, एत्थं मोहे पुणो पुणो सण्णा, णो हव्वाए णो, पाराए ॥ ७८ ॥ विमुत्ता हु ते जणा, जे जणा पारगामिणो लोभं अलोभेण दुगुंछमाणे लद्धे कामे णाभिगाहइ, विणावि लोभं निक्खम्म एस अकम्मे जाणति पासति । पडिलेहाए णावकंखति, एस अणगारित्तिपवुच्चति ॥ ७९ ॥ अहोयराओ

परितप्पमाणे कालाकालसमुट्ठाइ, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ, सत्थे पुणो पुणो ॥ ८० ॥ से आयबले, से णाइबले, से सयणबले, से मित्तबले, से पिच्चबले, से देवबले, से रायबले, से चोरबले, से अतिहिबले, से किविणबले, से समणबले, इच्चेतेहि विरूवरूवेहि कज्जेहि दंडसमायाणं संपेहाए भया कज्जति । पावमुक्खुत्ति मण्णमाणे अदुवा आसंसाए ॥ ८१ ॥ तं परिण्णाय मेहावी, णेव सयं एएहि कज्जेहिं दंडं समारंभिज्जा, णेवण्णं एएहि कज्जेहि दंडं समारंभाविज्जा, एएहि कज्जेहि दंडं समारंभंतेवि अण्णे णो समणुजाणिज्जा ॥ ८२ ॥ एस मग्गे आयरिएहि पवेदिए, जहेत्थ कुसले णोवलिप्पिज्जासि-त्ति बेमि ॥ ८३ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

से असइं उच्चागोए, असइं णीयागोए । णो हीणे, णो अइरित्ते, णोऽपीहए, इय संखाय को गोयावादी, को माणावादी, कंसि वा एगे गिज्झा ॥ ८४ ॥ तम्हा पंडिए णो हरिसे, णो कुप्पे, भूएहि जाण पडिलेह सातं, समिते एयाणुपस्सी, तंजहा— अंधत्तं, बहिरत्तं, मूयत्तं, काणत्तं, कुंटत्तं, खुज्जत्तं, वडभत्तं, सामत्तं, सबलत्तं, सहपमाएणं, अणेगरूवाओ जोणीओ, संधायति, विरूवरूवे फासे परिसंवेदेइ ॥ ८५ ॥ से अबुज्झमाणे हतोवहते जाइमरणमणुपरियट्टमाणे ॥ ८६ ॥ जीवियं पुढो पियं इहमेगेसि माणवाणं खित्तवत्थुममायमाणाणं ॥ ८७ ॥ आरत्तं विरत्तं मणिकुंडलं, सह हिरण्णेण इत्थियाओ परिगिज्झति तत्थेव रत्ता ॥ ८८ ॥ "ण इत्थ तवो वा, दमो वा, णियमो वा, दिस्सति," संपुण्णं बाले जीविउकामे लालप्पमाणे मूढे विप्परियासमुवेति ॥ ८९ ॥ इणमेव णावकंखंति, जे जणा धुवचारिणो; जातीमरणं परिन्नाय, चरे संकमणे दढे ॥ ९० ॥ णत्थि कालस्स णागमो ॥ ९१ ॥ सव्वे पाणा पियाउया, सुहसाया, दुक्खपडिकूला, अप्पियवहा, पियजीविणो, जीविउकामा, ॥ ९२ ॥ सव्वेसिं जीवियं पियं ॥ ९३ ॥ तं परिगिज्झ दुपयं चउप्पयं अभिजुंजिया णं, संसिंचियाणं, तिविधेण जावि से तत्थ मत्ता भवइ अप्पा वा बहुगा वा से तत्थ गड्ढिए चिट्ठइ, भोयणाए ॥ ९४ ॥ तओ से एगया विविहं परिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवति । तंपि से एगया दायाया वा विभयंति, अदत्तहारो वा से अवहरति, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सति वा से, विणस्सति वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥९५॥ इय से परस्सट्ठाए कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण संमूढे विप्परियासमुवेति ॥ ९६ ॥ मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥ ९७ ॥ अणोहंतरा एते, णय ओहं तरित्तए, अतीरंगमा एते, णयतीरं गमित्तए । अपारंगमा एते णय पारं गमित्तए ॥ ९८ ॥ आयाणिज्जं च आयाय, तंमि ठाणे ण चिट्ठइ । वितहं पप्पऽखेयन्ने

तंमि ठाणंमि चिट्ठइ ॥ ९९ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १०० ॥ बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमितदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि॥१०१॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

ततो से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥ १०२ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति, ते वा णं एगया णियया पुव्विं परिवयंति । सो वा ते णियगे पच्छा परिवइज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥ १०३ ॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ १०४ ॥ भोगा मे व अणुसोयंति– इहमेगेसिं माणवाणं, तिविहेण, जावि से तत्थ मत्ता भवइ, अप्पा वा, बहुगा वा, से तत्थ गढिए चिट्ठति, भोयणाए ॥ १०५ ॥ ततो से एगया विपरिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवति, तंपि से एगया दायाया विभयंति, अदत्तहारो वा से हरति, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारडाहेण वा से डज्झइ ॥ १०६ ॥ इय, से बाले परस्स अट्ठाए कूराणि कम्माणि पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेति ॥ १०७ ॥ आसं च छंदं च विगिंच धीरे ॥ १०८ ॥ तुमं चेव तं सल्लमाहट्टु ॥ १०९ ॥ जेणसिया तेण णो सिया ॥ ११० ॥ इणमेव णावबुज्झंति, जे जणा मोहपाउडा ॥ १११ ॥ थीलोएपव्वहिए ते भो वयंति "एयाइं आयतणाइं" ॥ ११२ ॥ से दुक्खाए-मोहाए-माराए-णरगाए-णरगतिरिक्खाए ॥ ११३ ॥ सततं मूढे धम्मं णाभिजाणाति ॥ ११४ ॥ उदाहु वीरे, अप्पमादो महामोहे ॥ ११५ ॥ अलं कुसलस्स पमादेणं, संति मरणं संपेहाए, भेउरधम्मं संपेहाए ॥११६॥ णालं पास अलं ते एएहिं, एयं पस्स, मुणी ? महब्भयं ॥११७॥ णातिवाइज्ज कंचणं ॥ ११८ ॥ एस वीरे पसंसिए–जे ण णिविज्जति आदाणाए ॥ ११९ ॥ "ण मे देति" ण कुप्पिज्जा, थोवं लद्धुं ण खिसए, पडिसेहियो परिणमिज्जा, पडिलाभिओ परिणमेज्जा ॥ १२० ॥ एयं मोणं समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ १२१ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो** ॥

जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं लोगस्स कम्मसमारंभा कज्जंति, तंजहा–अप्पणो से पुत्ताणं, धूयाणं, सुण्हाणं, णातीणं, धातीणं, राईणं, दासाणं, दासीणं, कम्मकराणं, कम्मकरीणं, आएसाए, पुढोपेहणाए, सामासाए, पायरासाए, संणिहि-संनिचओ कज्जई, इह मेगेसिं माणवाणं भोयणाए ॥ १२२ ॥ समुट्ठिते अणगारे आरिए आरियदंसी, आरियपण्णे, अयंसंधित्ति, अदक्खु, से णादिए, णादिआवए, णादियंतं समणुजाणइ ॥ १२३ ॥ सव्वामगंधं परिण्णाय णिरामगंधो परिव्वए ॥ १२४ ॥ अदिस्समाणे कयविक्कएसु; से ण किणे, ण किणावए, किणंतं ण समणुजाणइ ॥१२५॥

से भिक्खु कालण्णे-बालण्णे-मायण्णे-खेयण्णे-खणयण्णे-विणयण्णे-ससमयण्णे-परसमयण्णे-भावण्णे-परिग्गहं अममायमाणे, कालाणुट्ठाई, अपडिन्ने दुहओ छेत्ता, नियाइ ॥ १२६ ॥ वत्थं-पडिग्गहं-कंबलं-पायपुंछणं-उग्गहं च कडासणं, एतेसु चेव जाणिज्जा ॥ १२७ ॥ लद्धे आहारे, अणगारो मायं जाणिज्जा, से जहेयं भगवया पवेइयं ॥ १२८ ॥ लाभुत्ति ण मज्जिज्जा, अलाभुत्ति ण सोइज्जा, बहुंपि लद्धुं ण णिहे, परिग्गहाओ अप्पाणं अवसक्किज्जा, अण्णहा णं पासए परिहरिज्जा ॥ १२९ ॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेदिते, जहित्थ कुसले णोवलिम्पिज्जासित्ति बेमि ॥ १३० ॥ कामा दुरतिक्कमा, जीवियं दुप्पडिवूहणं, कामकामी खलु अयं पुरिसे, से सोयति, जूरति, तिप्पति, पिड्डति, परितप्पति ॥ १३१ ॥ आययचक्खू लोगविपासी लोगस्स अहो भागं जाणति, उड्ढं भागं जाणति, तिरियंभागं जाणति ॥ १३२ ॥ गढिए लोए अणुपरियट्टमाणे, संधिं विदित्ता इह मच्चिएहिं, एस वीरे पसंसिए जे बद्धे पडिमोयए ॥ १३३ ॥ जहा अंतो तहा बाहिं जहा बाहिं तहा अंतो ॥ १३४ ॥ अंतो पूतिदेहंतराणि पासति पुढोवि सवंताइं पंडिए पडिलेहाए ॥ १३५ ॥ से मइमं परिण्णाय माय हु लालं पच्चासी, मा तेसु तिरिच्छमप्पाणमावायए ॥ १३६ ॥ कासंकासे खलु अयं पुरिसे, बहुमाई, कडेण मूढे, पुणो तं करेइ लोभं, वेरं वड्ढेति अप्पणो ॥ १३७ ॥ जमिणं परिकहिज्जइ इमस्स चेव पडिवूहणयाए अमराय महासड्ढी अट्टमेतं तु पेहाए ॥ १३८ ॥ अपरिन्नाय कंदति, से तं जाणह जमहं बेमि ॥ १३९ ॥ ते इच्छं पंडिते पवयमाणे, से हंता, छित्ता भित्ता, लुंपइत्ता, विलुंपइत्ता उद्दवइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे, जस्सवि य णं करेइ, अलं बालस्स संगेणं, जे वा से कारइ बाले, ण एवं अणगारस्स जायतित्ति बेमि ॥ १४० ॥

पंचमोद्देसो समत्तो ॥

से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय तम्हा पावकम्मं णेव कुज्जा, ण कारवेज्जा ॥ १४१ ॥ सिया तत्थएगयरं विप्परामुसति, छसु अण्णयरंसि, कप्पति ॥१४२॥ सुहट्ठी लालप्पमाणो सएण दुक्खेण मूढे विप्परियाससुवेति । सएण विप्पमाएण पुढो वयं पकुव्वति, जं सि मे पाणा पव्वहिया, पडिलेहाए णो णिकरणयाए एस परिण्णा पवुच्चति, कम्मोवसंती ॥ १४३ ॥ जे ममाइयमतिं जहाति, से चयइ ममाइयं से हु दिट्ठपहे मुणी जस्स, णत्थि ममाइतं ॥ १४४ ॥ तं परिण्णाय मेहावी विदित्ता लोगं वंता लोगसण्णं से मतिमं परिक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥ १४५ ॥ णारतिं सहते वीरे, वीरे णो सहते रतिं । जम्हा अविमणे वीरे, तम्हा वीरे ण रज्जति ॥ १४६ ॥ सद्दे फासे अहियासमाणे, णिव्विंद णंदिं इह जीवियस्स ॥ १४७ ॥ मुणी मोणं समायाय,

धुणे कम्मसरीरगं; पंतं लूहं च सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥ १४८ ॥ एस ओघंतरे मुणी, तिन्ने मुत्ते, विरते वियाहितेत्ति बेमि ॥ १४९ ॥ दुव्वसुमुणी अणाणाए० तुच्छए गिलाइ वत्तए ॥ १५० ॥ एस वीरे पसंसिए, अच्चेइ लोयसंजोयं, ॥ १५१ ॥ एस णाए पवुच्चइ, जं दुक्खं पवेदितं इह माणवाणं, तस्स दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति ॥ १५२ ॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥ १५३ ॥ जे अणन्नदंसी से अणण्णारामे, जे अणण्णारामे से अणण्णदंसी ॥ १५४ ॥ जहा पुण्णस्स कत्थति तहा तुच्छस्स कत्थति, जहा तुच्छस्स कत्थति तहा पुण्णस्स कत्थति ॥ १५५ ॥ अविय हणो अणातियमाणे । एत्थंपि जाण, सेयंति णत्थि ॥ १५६ ॥ केयं पुरिसे कंच णए ? एस वीरे पसंसिए, जे बद्धे पडिमोयए, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु ॥१५७॥ से सव्वतो सव्वपरिण्णाचारि ण लिप्पति छणपएण, वीरे ॥ १५८ ॥ से, मेहावी अणुग्घायणखेयन्ने जे य बंधपमुक्खमन्नेसी ॥ १५९ ॥ कुसले पुण णो बद्धे, णो मुक्के ॥ १६० ॥ से जं च आरभे जं च णारभे । अणारद्धं च ण आरभे ॥१६१॥ छणं छणं परिण्णाय लोगसन्नं च सव्वसो ॥ १६२ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १६३ ॥ बाले पुणे णिहे कामसमणुन्ने असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइत्ति बेमि ॥ १६४ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

लोगविजय णाम बीअमज्झयणं समत्तं ॥

सुत्ता असुणी मुणिणो सया जागरंति ॥ १६५ ॥ लोयंसि जाण अहियाय दुक्खं ॥ १६६ ॥ समयं लोगस्स जाणित्ता, इत्थ सत्थोवरए ॥ १६७ ॥ जस्सिमे सद्दा य-रूवा य-गंधा य-रसा य-फासा य-अहिसमन्नागया भवंति, से आयवं-णाणवं-वेयवं-धम्मवं-बंभवं- पन्नाणेहिं परियाणइ लोयं, मुणीति वुच्चे धम्मविऊ, उज्जू आवट्टसोए संगमभिजाणति, सीउसिणच्चाई, से निग्गंथे, अरइरइसहे फरुसयं णो वेदेति, जागरे-वेरोवरए-धीरे एवं दुक्खा पमुच्चति ॥ १६८ ॥ जरामच्चुवसोवणीए णरे सययं मूढे धम्मं णाभिजाणाति ॥१६९॥ पासिय आउरपाणे, अप्पमत्तो परिव्वए ॥१७०॥ मंता य, मइमं-पास ॥ १७१ ॥ आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, माइ पमाइ पुण-एइ गब्भं, उवेहमाणो सद्दरूवेसु उज्जू, माराभिसंकी मरणा पमुच्चति ॥ १७२ ॥ अप्पमत्तो कामेहिं, उवरतो पावकम्मेहिं, वीरे आयगुत्ते खेयन्ने ॥ १७३ ॥ जे पज्जवजायसत्थस्स खेयन्ने, से असत्थस्स खेयन्ने; जे असत्थस्स खेयन्ने, से पज्जवजाय सत्थस्स खेयन्ने ॥ १७४ ॥ अकम्मस्स ववहारो न विज्जइ, कम्मुणा उवाही जायइ ॥ १७५ ॥ कम्मं च पडिलेहाए, कम्ममूलं च जं छणं ॥ १७६ ॥ पडिलेहिय, सव्वं समायाय

दोहि अंतेहि अदिस्समाणे ॥ १७७ ॥ तं परिण्णाय मेहावी विदित्ता लोगं, वंता लोगसन्नं से मइमं परक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥ १७८ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जातिं च वुड्ढि च इहज्ज पासे, भूतेहि जाणे पडिलेह सातं । तम्हाऽतिविज्जो परमंति णच्चा, संमत्तदंसी ण करेति पावं ॥ १७९ ॥ उम्मुंच पासं इह मच्चिएहि, आरंभजीवी उभयाणुपस्सी । कामेसु गिद्धा णिचयं करेंति । संसिच्चमाणा पुणरिंति गब्भं ॥ १८० ॥ अवि से हासमासज्ज, हंता णंदीति मन्नति । अलं बालस्स संगेणं वेरं वड्ढेति अप्पणो ॥१८१॥ तम्हा-तिविज्जो परमंति णच्चा, आयंकदंसी ण करेति पावं ॥ १८२ ॥ अग्गं च मूलं च विगिंच धीरे, पलिच्छिंदिया णं णिक्कम्मदंसी ॥ १८३ ॥ एस मरणा पमुच्चति, से हु दिट्ठभए मुणी, लोयंसी परमदंसी विवित्तजीवी उवसंते समिते सहिते सयाजए कालकंखी परिव्वए ॥ १८४ ॥ वहुं च खलु पावकम्मं पगडं, सच्चंमि धिइं कुव्वहा, एत्थोवरए मेहावी सव्वं पावकम्मं झोसति ॥ १८५ ॥ अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे, से केयणं अरिहए पूरिण्णए से अन्नवहाए, अण्णपरियावाए अण्णप्परिग्गहाए, जणवयवहाए, जणवयपरियावाए, जणवयपरिग्गहाए ॥ १८६ ॥ आसेवित्ता एतमट्ठं इच्चेवेगे समुट्ठिया, तम्हा तं विइयं नो सेवे णिस्सारं पासिय णाणी ॥ १८७ ॥ उववायं चवणं णच्चा, अणण्णं चर माहणे ॥ १८८ ॥ से ण छणेण छणावए, छणंतं णाणुजाणइ ॥ १८९ ॥ णिव्विद णंदि अरते पयासु, अणोमदंसी णिसन्ने पावेहि कम्मेहि ॥ १९० ॥ कोहाइमाणं हणिया य वीरे, लोभस्स पासे णिरयं महंतं । तम्हाय वीरे विरते वहाओ, छिंदिज्ज सोयं लहुभूयगामी ॥ १९१ ॥ गंथं परिन्नाय इहज्ज वीरे, सोयं परिण्णाय चरिज्ज दंते । उम्मज्ज लद्धुं इह माणवेहिं, णो पाणिणं पाणे समारभिज्जासि-त्ति बेमि ॥ १९२ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

संधिं लोगस्स जाणित्ता ॥ १९३ ॥ आयओ बहिया पास, तम्हा ण हंताण-विघायये ॥ १९४ ॥ जमिणं अन्नमन्नवितिगिच्छाए पडिलेहाए ण करेइ पावं कम्मं, किं तत्थ मुणी कारणं सिया ? समयं तत्थुवेहाए अप्पाणं विप्पसायए ॥ १९५ ॥ अणण्णपरमं नाणी, णो पमाए कयाइवि । आयगुत्ते सया धीरे, जायामायाइ जावए ॥ १९६ ॥ विरागं रूवेहि गच्छिज्जा महता खुड्डएहिं य ॥ १९७ ॥ आगतिं गतिं परिण्णाय दोहिवि अंतेहि अदिस्समाणेहिं से ण छिज्जइ, ण भिज्जइ, ण डज्झइ, ण हम्मइ कंचणं सव्वलोए ॥ १९८ ॥ अवरेण पुव्विं ण सरंति एगे, किमस्सतीतं किंवाऽऽगमिस्सं । भासंति एगे इह माणवाओ, जमस्सतीतं तं आगमिस्सं ॥१९९॥ णातीतमट्ठं णय आगमिस्सं, अट्ठं निअच्छंति तहागया उ; विधूतकप्पे एताणुपस्सी, णिज्झोसइत्ता खवगे महेसी ॥ २०० ॥ का अरई ! के आणंदे ? एत्थंपि अग्गहे

चरे। सव्वं हासं परिच्चज्ज, आलीणगुत्तो परिव्वए ॥ २०१ ॥ **पुरिसा, तुममेव तुमं मित्तं, किं वहिया मित्तमिच्छसि** ॥ २०२ ॥ जं जाणिज्जा उच्चालइयं तं जाणिज्जा दूरालइयं, जं जाणिज्जा दूरालइयं तं जाणेज्जा उच्चालइयं ॥ २०३ ॥ पुरिसा! अत्ताणमेवं अभिणिगिज्झ एवं दुक्खा पमुच्चसि ॥ २०४ ॥ पुरिसा! सच्चमेव समभिजाणाहि, सच्चस्साणाए से उवट्ठिए मेहावी मारं तरति, सहिओ धम्ममायाय सेयं समणुपस्सति ॥ २०५ ॥ दुहओ, जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जंसि एगे पमायंति ॥ २०६ ॥ सहिओ दुक्खमत्ताए पुट्ठो णो झंझाए; पासिमं दविए लोए लोयालोयपवंचाओ मुच्चइत्ति बेमि ॥ २०७ ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

से वंता कोहं च, माणं च, मायं च, लोभं च, एयं पासगस्स दंसणं, उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स आयाणं सगडब्भि ॥ २०८ ॥ **जे एगं जाणइ से सव्वं जाणइ, जे सव्वं जाणइ से एगं जाणइ** ॥ २०९ ॥ **सव्वतो पमत्तस्स भयं, सव्वतो अप्पमत्तस्स णत्थि भयं** ॥ २१० ॥ जे एगं णामे से वहुं णामे, जे वहुं णामे से एगं णामे ॥ २११ ॥ दुक्खं लोयस्स जाणित्ता, वंता लोगस्स संजोगं, जंति वीरा महाजाणं, परेण परं जंति, नावकंखंति जीवियं ॥२१२॥ एगं विगिंचमाणे पुढो विगिंचइ पुढो विगिंचमाणे एगं विगिंचइ ॥ २१३ ॥ सड्ढी आणाए मेहावी ॥ २१४ ॥ लोगं च आणाए अभिसमेच्च अकुओभयं ॥ २१५ ॥ अत्थि सत्थं परेण परं, णत्थि असत्थं परेण परं ॥ २१६ ॥ जे कोहदंसी से माणदंसी, जे माणदंसी से मायादंसी, जे मायादंसी से लोभदंसी, जे लोभदंसी से पिज्जदंसी, जे पिज्जदंसी से दोसदंसी, जे दोसदंसी से मोहदंसी, जे मोहदंसी से गब्भदंसी, जे गब्भदंसी से जम्मदंसी, जे जम्मदंसी से मारदंसी, जे मारदंसी से णरयदंसी, जे णरयदंसी से तिरियदंसी, जे तिरियदंसी से दुक्खदंसी ॥ २१७ ॥ से मेहावी अभिनिवट्टिज्जा, कोहं च-माणं च-मायं च-लोहं च-पिज्जं च-दोसं च-मोहं च-गब्भं च-जम्मं च-मरणं च-णरगं च-तिरियं च-दुक्खं च-एयं पासगस्स दंसणं उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स ॥ २१८ ॥ आयाणं णिसिद्धा सगडब्भि ॥ २१९ ॥ किमत्थि ओवाहि पासगस्स? ण विज्जइ? णत्थित्ति, बेमि ॥ २२० ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

सीयोसणीयं तइयज्झयणं समत्तं

से बेमि—जेय अईया, जेय पडुप्पन्ना, जेय आगमिस्सा-अरहंता भगवंतो ते सव्वे, एव-माइक्खंति-एवं भासंति-एवं पण्णविंति, एवं परूविंति—सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघितव्वा, ण

परितावेयव्वा, ण उद्दवेयव्वा, ॥ २२१ ॥ एस धम्मे सुद्धे, णिइए-सासए-समिच्च लोयं खेयन्नेहि पवेइए, तंजहा-उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा, उवट्ठिय-अणुवट्ठिएसु वा, उवरयदंडेसु वा, अणुवरयदंडेसु वा, सोवहिएसु वा, अणोवहिएसु वा, संजोगरएसु वा, असंजोगरएसु वा ॥ २२२ ॥ तच्चं चेयं तहा चेयं अस्सिं चेयं पवुच्चइ ॥ २२३ ॥ तं आइत्तु ण णिहे ण णिक्खिवे, जाणित्तु धम्मं जहा तहा ॥२२४॥ दिट्ठेहिं णिव्वेयं गच्छिज्जा ॥ २२५ ॥ णो लोगस्सेसणं चरे ॥ २२६ ॥ जस्स णत्थि इमा जाई अन्ना तस्स कओ सिया ! ॥ २२७ ॥ दिट्ठं सुयं मयं विन्नायं, जमेयं परिकहिज्जइ ॥२२८॥ समेमाणा पलेमाणा पुणो पुणो जातिं पकप्पंति ॥ २२९ ॥ अहोय राओय जयमाणे धीरे सया आगयपन्नाणे, पमत्ते बहिया पास अप्पमत्ते सया परिक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥ २३० ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जे आसवा ते परिस्सवा, जे परिस्सवा ते आसवा ॥ २३१ ॥ जे अणासवा ते अपरिस्सवा, जे अपरिस्सवा ते अणासवा ॥ २३२ ॥ एए पए संवुज्झमाणे लोयं च आणाए अभिसमिच्चा पुढो पवेइयं ॥ २३३ ॥ आघाइ णाणी इह माणवाणं संसारपडिवन्नाणं संवुज्झमाणाणं विन्नाणपत्ताणं, अट्टावि संता अदुवा पमत्ता, अहा सच्च मिणंत्ति-बेमि ॥ २३४ ॥ नाणागमो मच्चुमुहस्स अत्थि । इच्छापणीया वंकाणिकेया कालग्गहीआ णिचयणिविट्ठा पुढो पुढो जाइं पकप्पयंति, ॥ २३५ ॥ इहमेगेसिं तत्थ तत्थ संथवो भवति । अहोववाइए फासे पडिसंवेयंति ॥ २३६ ॥ चिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं, चिट्ठं परिचिट्ठति; अचिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं णो चिट्ठं परिचिट्ठति ॥२३७॥ एगे वयंति अदुवावि णाणी, णाणी वयंति अदुवावि एगे ॥२३८॥ आवंती केयावंती लोयंसि समणा य माहणाय पुढो विवायं वदंति, "से दिट्ठं च णे, सुयं च णे, मयं च णे, विण्णायं च णे, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वतो सुपडिलेहियं च णे सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता-हंतव्वा-अज्जावेयव्वा-परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा । एत्थं पि जाणह, णत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयणमेयं ॥२३९॥ तत्थ जे ते आरिया, ते एवं वयासी—"से दुद्दिट्ठं च भे, दुस्सुयं च भे, दुम्मयं च भे, दुव्विन्नायं च भे, उड्ढं, अहं, तिरियंदिसासु सव्वतो दुप्पडिलेहियं च भे; जं णं तुब्भे एवमाइक्खह, एवं भासह, एवं परूवेह-एवं पन्नवेह-सव्वे पाणा-सव्वे भूया-सव्वे जीवा-सव्वेसत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा-एत्थवि जाणह नत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयणमेयं ॥ २४० ॥ वयं पुण एवमाइक्खामो, एवं भासामो, एवं परूवेमो, एवं पन्नवेमो, "सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेतव्वा, ण परिघेतव्वा, ण परियावेयव्वा, ण उद्द-

वेयव्वा, एत्थवि जाणह, णत्थित्थ दोसो।" आरियवयणमेयं ॥ २४१ ॥ पुव्वं निकायसमयं, पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो, हं भो पवादिया, किं भे सायं दुक्खं उदाहु असायं? समिया पडिवन्ने यावि एवं बूया,—सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसि भूयाणं, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसि सत्ताणं, असायं, अपरिणिव्वाणं महब्भयं दुक्खं त्ति बेमि ॥ २४२ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

उवेहि णं बहिया य लोयं, से सव्वलोयंसि जे केइ विन्नू ॥ २४३ ॥ अणुवीइ पास, णिक्खित्तदंडा जे केइ सत्ता पलियं चयंति, णरे मुयच्चा धम्मविदुत्ति अंजू; आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, एवमाहु संमत्तदंसिणो ॥ २४४ ॥ ते सव्वे पावाइया दुक्खस्स कुसला परिन्नमुदाहरंति, इति कम्मं परिन्नाय सव्वसो ॥ २४५ ॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, एगमप्पाणं संपेहाए धुणे सरीरं ॥ २४६ ॥ कसेहि अप्पाणं, जरेहि अप्पाणं ॥ २४७ ॥ जहा जुन्नाइं कट्ठाइं हव्ववाहो पमत्थति, एवं अत्तसमाहिए अणिहे ॥२४८॥ विगिंच कोहं अविकंपमाणे, इमं णिरुद्धाउयं संपेहाए ॥२४९॥ दुक्खं च जाण अदुवागमेस्सं, पुढो फासाइं च फासे, लोयं च पास, विप्फंदमाणं ॥ २५० ॥ जे णिव्वुडा, पावेहि कम्मेहि अणियाणा ते वियाहिया ॥२५१॥ तम्हाऽतिविज्जो णो पडिसंजलिज्जासित्ति बेमि ॥२५२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

आवीलए पवीलए निप्पीलए, जहित्ता पुव्वसंजोगं हिच्चा उवसमं ॥ २५३ ॥ तम्हा अविमणे वीरे, सारए समिए सहिते सया जए ॥ २५४ ॥ दुरणुचरो मग्गो वीराणं अणियट्टगामीणं ॥ २५५ ॥ विगिंच मंससोणियं, एस पुरिसे दवीए वीरे आयाणिज्जे वियाहिए, जे धुणाइ समुस्सयं वसित्ता बंभचेरंसि ॥ २५६ ॥ णित्तेहिं पलिछिन्नेहिं आयाणसोयगढिए बाले, अव्वोच्छिन्नबंधणे अणभिक्कंतसंजोए। तमंसि अविजाणओ आणाए लंभो णत्थि-त्ति बेमि ॥ २५७ ॥ जस्स नत्थि पुरा पच्छा, मज्झे तस्स कुओ सिया? ॥ २५८ ॥ से हु पन्नाणमंते बुद्धे आरंभोवरए, सम्ममेयंति पासह, जेण बंधं वहं घोरं परितावं च दारुणं ॥ २५९ ॥ पलिछिंदिय बाहिरगं च सोयं, णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहि ॥ २६० ॥ कम्माणं सफलं दट्ठूण तओ णिज्जइ पुव्ववी ॥ २६१ ॥ जे खलु भो! वीरा ते समिता सहिता सयाजता संघडदंसिणो आतोवरया अहातहं लोगमुवेहमाणा पाईणं पडीणं दाहीणं उदीणं इति सच्चंसि परिचिट्ठिसु ॥ २६२ ॥ साहिस्सामो णाणं वीराणं समियाणं सहियाणं, सयाजताणं संघडदंसिणं आतोवरयाणं अहातहं लोगंसमुवेहमाणाणं किमत्थि उवाधी? पासगस्स ण विज्जति णत्थित्ति बेमि ॥ २६३ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

सम्मत्तं णाम चउत्थमज्झयणं समत्तं

आवंती केयावंती लोयंसि विप्परामुसंति अट्ठाए अणट्ठाए वा । एएसु चेव विप्परामुसंति, गुरु से कामा, तओ से मारंते, जओ से मारंते, तओ से दूरे, णेव से अंतो णेव से दूरे ॥ २६४ ॥ से पासति फुसियमिव कुसग्गे पणुन्नं णिवइतं वातेरितं, एवं वालस्स जीवियं मंदस्स अविजाणओ ॥ २६५ ॥ कूराइं कम्माइं वाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विपरियाससुवेति, मोहेण गब्भं मरणाइ एति, एत्थ मोहे पुणो पुणो ॥ २६६ ॥ संसयं परियाणतो संसारे परिण्णाते भवति, संसयं अपरिजाणओ संसारे अपरिण्णाते भवति ॥ २६७ ॥ जे छेए से सागारियं ण सेवइ ॥ २६८ ॥ कट्टु एवं अविजाणओ बितिया मंदस्स बालया ॥ २६९ ॥ लद्धा हुरत्था पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणयत्ति बेमि ॥ २७० ॥ पासह एगे रूवेसु गिद्धे परिणिज्जमाणे, इत्थ फासे पुणो पुणो, आवंती केयावंती लोयंसि आरंभजीवी ॥ २७१ ॥ एएसु चेव आरंभजीवी, इत्थवि वाले परिपच्चमाणे रमति पावेहि कम्मेहि असरणे सरणंत्ति मण्णमाणे ॥ २७२ ॥ एहमेगेसि एगचरिया भवति, से वहुकोहे,-बहुमाणे-बहुमाए-बहुलोहे-बहुरए-बहुनडे-बहुसढे-वहुसंकप्पे, आसवसत्ती पलिउच्छन्ने उट्ठियवायं पवयमाणे "मा मे केइ अदक्खू" अण्णाणपमायदोसेणं, सययं मूढे धम्मं णाभिजाणाइ ॥ २७३ ॥ अट्टा पया माणव? कम्मकोविया जे अणुवरया अविज्जाए पलिमुक्खमाहु आवट्टमेव अणुपरियट्टंतित्ति बेमि ॥ २७४ ॥

पढमोद्देसो समत्तो ॥

आवंती केयावंती लोए अणारंभजीविणो तेसु ॥ २७५ ॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे "अयं संधीति" अदक्खु, जे इमस्स विग्गहस्स अयं खणेत्ति अन्नेसी ॥ २७६ ॥ एस मग्गे आरिएहि पवेदिते, **उट्ठिए णो पमायए,** जाणि त्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ २७७ ॥ पुढो छंदा इह माणवा, पुढो दुक्खं पवेदितं, से अविहिंसमाणे अणवयमाणे, पुट्ठो फासे विप्पणुन्नए । एस समिया परियाए वियाहिते ॥ २७८ ॥ जे असत्ता पावेहि कम्मेहि उदाहु ते आयंका फुसंति इति उदाहु धीरे ते फासे पुट्ठो अहियासइ ॥ २७९ ॥ से पुव्वं पेयं, पच्छापेयं भिउरधम्मं विद्धंसणधम्मं–अधुवं अणितियं असासयं चयावचइयं विप्परिण्णामधम्मं, पासह एयं रूवसंधिं ॥ २८० ॥ समुप्पेहमाणस्स इक्कायतणरयस्स इह विप्पमुक्कस्स णत्थि मग्गे विरयस्सत्ति बेमि ॥ २८१ ॥ आवंती केयावंती लोगंसि परिग्गहावंती;–से अप्पं वा, बहुयं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, एतेसु चेव परिग्गहावंती ॥२८२॥ एवमेगेसि महब्भयं भवति, लोगवित्तं च णं उवेहाए ॥ २८३ ॥ एए संगे अविजाणतो से सुपडिवद्धं सूवणीयंति णच्चा, पुरिसा! परमचक्खू विप्परिक्कमा, एतेसु

चेव वंभचेरं ति बेमि ॥ २८४ ॥ से सुयं च मे, अज्झत्थयं च मे, वंधपमुक्खो अज्झत्थेव ॥ २८५ ॥ इत्थ विरते अणगारे दीहरायं तितिक्खए ॥ २८६ ॥ पमत्ते वहिया पास, अप्पमत्तो परिव्वए ॥ २८७ ॥ एयं मोणं सम्मं अणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ २८८ ॥ **वीयोद्देसो समत्तो** ॥

आवंती के यावंती लोयंसि अपरिग्गहावंती एएसु चेव अपरिग्गहावंती सुच्चा वई मेहावी, पंडियाण णिसामिया ॥ २८९ ॥ समियाए धम्मे आरिएहि पवेदित्ते जहित्थ मए संधी झोसिए एवमण्णत्थ संधी दुज्झोसए भवति, तम्हा वेमि णो णिहणिज्ज वीरियं ॥ २९० ॥ जे पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, जे पुव्वुट्ठाई पच्छाणि-वाई, जे णो पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, सेऽवि तारिसिए सिया, जे परिण्णाय लोग-मण्णेसयंति, एयं णियाय मुणिणा पवेदितं ॥ २९१ ॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, पुव्वावररायं जयमाणे सया सीलं सुपेहाए ॥ २९२ ॥ सुणिया भवे अकामे अझंझे ॥ २९३ ॥ इमेण चेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण बज्झओ? जुद्धारिहं खलु दुल्लहं ॥ २९४ ॥ जहित्थ कुसलेहिं परिन्नाविवेगे भासिए, चुए हु बाले गब्भाइसु रज्जइ ॥ २९५ ॥ अस्सिं चेयं पव्वुच्चति, रूवंसि वा छणंसि वा ॥ २९६ ॥ से हु एगे संविद्धपहे मुणी, अण्णहा लोगमुवेहमाणे ॥ २९७ ॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो से ण हिंसति संजमति णो पगब्भति, उवेहमाणो पत्तेयं सायं ॥ २९८ ॥ वन्नाएसी णारभे कंचणं सव्वलोए, एगप्पमुहे विदिसप्पइन्ने निव्विन्नचारी अरए पयासु ॥ २९९ ॥ से वसुमं सव्वसमन्नागयपन्नाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं तं णो अन्नेसी ॥ ३०० ॥ जं सम्मं ति पासहा तं मोणं ति पासहा, जं मोणं ति पासहा तं सम्मं ति पासहा ॥ ३०१ ॥ ण इमं सक्कं सिढिलेहि अद्दिज्जमाणेहिं गुणासाएहि वंकसमायारेहिं पमत्तेहिं गारमावसंतेहि ॥ ३०२ ॥ मुणी मोणं समायाए, धुणे कम्मसरीरगं, पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥ एस ओहं तरे मुणी, तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥ ३०३ ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

गामाणुगामं दूइज्जमाणस्स दुज्जातं दुप्परक्कंतं भवति अवियत्तस्स भिक्खुणो ॥ ३०४ ॥ वयसावि एगे वुइया कुप्पंति माणवा, उन्नयमाणे य णरे महता मोहेण मुज्झति, संवाहा वहवे भुज्जो २ दुरतिक्कमा अजाणतो, अपासतो, एयं ते मा होउ, एयं कुसलस्स दंसणं ॥ ३०५ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सन्नी तन्निवेसणे जयं विहारी चित्तणिवाती पंथणिज्झाती पलिबाहिरे, पासिय पाणे गच्छिज्जा । से अभिक्कममाणे पडिक्कममाणे संकुचमाणे पसारेमाणे विणिवट्टमाणे संपलिमज्जमाणे ॥ ३०६ ॥ एगया गुणसमियस्स रीयतो कायसंफासं समणुचिन्ना एगतिया पाणा

उद्दायंति; इहलोगवेयणविज्जावडियं, जं आउट्टिकयं कम्मं तं परिन्नाय विवेगमेति, एवं से अप्पमाएणं विवेगं किट्टति पुव्ववी ॥ ३०७ ॥ से पभूयदंसी पभूयपरिन्नाणे उवसंते समिए सहिते सयाजए, दट्ठुं विप्पडिवेदेति अप्पाणं, "किमेस जणो करिस्सति! एस से परमारामो जाओ लोगंमि इत्थीओ", मुणिणा हु एतं पवेदितं ॥ ३०८ ॥ उब्बाहिज्जमाणे गामधम्मेहिं अवि णिब्बलासए, अवि ओमोयरियं कुज्जा, अवि उड्ढं ठाणं ठाइज्जा, अवि गामाणुगामं दूइज्जिज्जा, अवि आहारं वुच्छिदिज्जा, अवि चए इत्थिसु मणं ॥ ३०९ ॥ पुव्वं दंडा पच्छा फासा, पुव्वं फासा पच्छा दंडा, इच्चेते कलहासंगकरा भवंति । पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥ ३१० ॥ से णो काहिए, णो पासणिए, णो मामए, णो कयकिरिए, वइगुत्ते, अज्झप्पसवुडे, परिवज्जइ सदा पावं, एयं मोणं समणुवासिज्जासि–त्ति बेमि ॥ ३११ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से बेमि—तंजहा, अवि हरए पडिपुन्ने समंसि भोमे चिट्ठइ उवसंतरए सारक्खमाणे, से चिट्ठति सोयमज्झगए, से पास, सव्वतो गुत्ते, पास, लोए महेसिणो, जे य पन्नाणमंता पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह, कालस्स कंखाए परिव्वयंति त्ति बेमि ॥ ३१२ ॥ वितिगिच्छसमावन्नेणं अप्पाणेणं णो लभति समाधिं ॥ ३१३ ॥ सिया वेगे अणुगच्छंति, असिया वेगे अणुगच्छंति, अणुगच्छमाणेहिं अणणुगच्छमाणे कहं ण णिव्विज्जे, तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ॥ ३१४ ॥ सड्ढिस्स णं समणुन्नस्स सपव्वयमाणस्स समियंति मण्णमाणस्स एगया समिया होति, समियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होति, असमयंति मण्णमाणस्स एगया समिया होति, असमियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होति ॥ ३१५ ॥ समियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, समिया होति उवेहाए ॥ ३१६ ॥ असमियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, असमिया होति उवेहाए ॥ ३१७ ॥ उवेहमाणो अणुवेहमाणं बूया—"उवेहाहि समियाए इच्चेवं तत्थ संधी झोसितो भवति" ॥ ३१८ ॥ से उट्ठियस्स ठियस्स गतिं समणुपासह, एत्थवि वालभावे अप्पाणं णो उवदंसेज्जा ॥ ३१९ ॥ तुमंसि नाम सच्चेव, जं हंतव्वंति मन्नसि, तुमंसि नाम सच्चेव, जं अज्जावेतव्वंति मन्नसि, तुमंसि नाम सच्चेव, जं परितावेयव्वंति मन्नसि, एवं जं परिवित्तव्वंति मन्नसि, जं उद्दवेयव्वंति मन्नसि । अंजू चेयपडिवुद्धजीवी तम्हा ण हंता, ण विघायए; अणुसंवेयणमप्पाणेणं जं हंतव्वं णाभिपत्थए ॥ ३२० ॥ जे आया से विन्नाया, जे विन्नाया से आया, जेण विजाणति से आया, तं पडुच्च परिसंखाए, एस आयावादी समियाए परियाए वियाहितेत्ति बेमि ॥ ३२१ ॥ **पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

अणाणाए एगे सोवट्ठाणा आणाए एगे निरुवट्ठाणा एतं ते मा होउ, एयं कुसलस्स दंसणं ॥ ३२२ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे, अभिभूय अदक्खू, अणभिभूते पभू निरालंवणयाए; जे महं अवहिमणे ॥ ३२३ ॥ पवाएणं पवायं जाणिज्जा,सहसम्मइयाए,परवागरणेणं अन्नेसिं वा अंतिए सोच्चा॥३२४॥ णिद्देसं णातिवट्टेज्जा मेहावी सुपडिलेहिया सव्वतो सव्वप्पणा सम्ममेव समभिण्णाय ॥ ३२५ ॥ इह आरामं परिण्णाय अल्लीणगुत्तो आरामो परिव्वए, णिट्ठियट्ठी वीरे आगमेण सदा परिक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥३२६॥ उड्ढं सोता, अहे सोता, तिरियं सोता वियाहिया; एते सोया वियक्खाया, जेहिं संगंति पासहा ॥ ३२७ ॥ आवट्टं तु उवेहाए, एत्थ विरमिज्ज पुव्ववी ॥ ३२८ ॥ विणइत्तु सोयं णिक्खम्म एसमहं अकम्मा जाणति, पासति, पडिलेहाए णावकंखति, इह आगतिं गतिं परिण्णाय अच्चेइ जातिमरणस्स वट्टमग्गं विक्खायरए ॥ ३२९ ॥ सव्वे सरा णियट्टंति, तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई तत्थ ण गाहिता, ओए अप्पतिट्ठाणस्स खेयन्ने ॥ ३३० ॥ से ण दीहे ण हस्से ण वट्टे ण तंसे ण चउरंसे ण परिमंडले, न किण्हे, न णीले, ण लोहिए, ण हालिद्दे ण सुक्किल्ले ण सुरहिगंधे ण दुरहिगंधे ण तित्ते ण कडुए, ण कसाए ण अंबिले ण महुरे ण कक्खडे ण मउए ण गरुए ण लहुए ण सीए ण उण्हे ण णिद्धे ण लुक्खे ण काऊ ण रुहे ण संगे ण इत्थी ण पुरिसे ण अन्नहा परिण्णे, सण्णे ॥ ३३१ ॥ उवमा ण विज्जए, अरूवी सत्ता, अपयस्स पयं णत्थि ॥ ३३२ ॥ से ण सद्दे ण रूवे ण गंधे- ण रसे ण फासे इच्चेवत्ति बेमि ॥ ३३३ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

॥ लोकसारणाम पंचमज्झयणं समत्तं ॥

ओवुज्झमाणे इह माणवेसु आघाइ से णरे, जस्सिमाओ जाइओ सव्वओ सुपडिलेहियाओ भवंति, आघाइ से णाणमणेलिसं ॥ ३३४ ॥ से किट्टति तेसि समुट्ठियाणं णिक्खित्तदंडाणं समाहियाणं पन्नाणमंताणं इह मुत्तिमग्गं, एवं एगे महावीरा विप्परिक्कमंति, पासह एगे अविसीयमाणे अणत्तपन्ने ॥ ३३५॥ से बेमि से जहावि कुम्मे हरए विणिविट्ठचित्ते पच्छन्नपलासे उम्मग्गं से णो लहइ ॥ ३३६ ॥ भंजगा इव सन्निवेसं णो चयंति, एवं एगे अणेगरूवेहिं कुलेहिं जाया, रूवेहिं सत्ता, कलुणं थणंति, णियाणओ ते ण लभंति मुक्खं ॥ ३३७॥ अह पास तेहिं कुलेहिं आयत्ताए जाया ॥ ३३८ ॥ गंडी अदुवा कुट्ठी, रायंसी अवमारियं । काणियं झिमियं चेव, कुणियं खुज्जियं तहा ॥ उअरिं पास मूयं च, सूणिअं च गिलासिणिं, वेवइं पीढसप्पिं च, सिलिवयं महुमेहणिं सोलस एते रोगा, अक्खाया अणुपुव्वसो, अह णं फुसंति

आयंका, फासाय असमंजसा ॥ मरणं तेसिं संपेहाए, उववायं चवणं णच्चा; परियागं च संपेहाए, तं सुणेह जहा तहा ॥ ३३९ ॥ संति पाणा अंधा तमंसि वियाहिया; तामेव सइं असइं अइ अच्च उच्चावयफासे पडिसंवेदेति, बुद्धेहिं एवं पवेदितं ॥ ३४० ॥ संति पाणा वासगा, रसगा उदए उदएचरा आगासगामिणो पाणा पाणे किलेसंति ॥ ३४१ ॥ पास लोए महब्भयं ॥ ३४२ ॥ बहुदुक्खाहु जंतवो ॥ ३४३ ॥ सत्ता कामेसु माणवा, अबलेण वहं गच्छंति सरीरेणं पभंगुरेण ॥ ३४४ ॥ अट्टे से बहुदुक्खे, इति बाले पकुव्वइ; एते रोगा बहु णच्चा, आउरा परितावए ॥ ३४५ ॥ णालं पास, अलं तवेएहिं । एयं पास मुणी ! महब्भयं, णातिवाएज्ज कंचणं ॥ ३४६ ॥ आयाणं भो ! सुस्सूस ! भो धूयवादं पवेदइस्सामि इह खलु अत्तत्ताए तेहिं तेहिं कुलेहिं अभिसेएण, अभिसंभूता, अभिसंजाता, अभिणिव्वुडा, अभिसंवुड्ढा, अविसंबुद्धा अभिणिक्कंता अणुपुव्वेणं महासुणी ॥ ३४७ ॥ तं परिक्कमंतं परिदेवमाणा मा चयाहि इति ते वदंति; "छंदोवणीया अज्झोववन्ना," अक्कंदकारी जणगा रुवंति । अतारिसे मुणी णो ओहंतरए, जणगा जेण विप्पजढा ॥ ३४८ ॥ सरणं तत्थ णो समेति कहं नु णाम से तत्थ रमति ? एवं णाणं सया समणुवासिज्जासि-त्ति बेमि ॥ ३४९ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

आतुरं लोयमायाए चइत्ता पुव्वसंजोगं, हिच्चा उवसमं, वसित्ता बंभचेरंसि, वसु वा अणुवसु वा जाणित्तु धम्मं अहा तहा, अहेगे तमचाइ कुसीला, वत्थं पडिग्गहं कंवलं पायपुंछणं विउसिज्जा, अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए, कामे ममायमाणस्स, इयाणिं मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए भेए, एवं से अंतराएहिं कामेहिं आकेवलिएहिं अवइन्नाचेए ॥ ३५० ॥ अहेगे धम्ममादाय आयाणप्पभिइसु पणिहिए चरे अप्पलीयमाणे दढे ॥ ३५१ ॥ सव्वं गिद्धिं परिण्णाय एस पणए महासुणी ॥ ३५२ ॥ अइअच्च सव्वतो संगं "णमहं अत्थित्ति इति एगोहमंसि" जयमाणे एत्थ विरते, अणगारे, सव्वओ मुंडे, रीयंते, जे अचेले परिवुसिए संचिक्खति ओमोयरियाए ॥ ३५३ ॥ से आकुट्ठो वा, हए वा, लुंचिए वा, पलियं पकत्थ, अदुवा पकत्थ, अतहेहिं सद्दफासेहिं, इति संखाए एगतरे अन्नयरे अभिन्नाय तितिक्खमाणे परिव्वए, जे य हिरी जे य अहिरीमाणा, चिच्चा सव्वं विसोत्तियं संफासे फासे समियदंसणे ॥ ३५४ ॥ एते भो णगिणा वुत्ता, जे लोगंसि अणागमणधम्मिणो, ॥ ३५५ ॥ "आणाए मामगं धम्मं" एस उत्तरवादे इह माणवाणं वियाहिते ॥ ३५६ ॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे, आयाणिज्जं परिण्णाय परियाएणं विगिंचइ ॥ ३५७ ॥ इह मेगेसिं एगचरिया होति, तत्थियरा इयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मेहावी परिव्वए, सुब्भि अदुवा दुब्भि अदुवा तत्थ भेरवा पाणापाणे किलेसंति ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासेज्जासि-त्ति बेमि ॥ ३५८ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

एयं खु मुणी आयाणं सया सुअक्खायधम्मे विधूतकप्पे णिज्झोसइत्ता ॥३५९॥ जे अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स णो एवं भवइ परिजुण्णे मे वत्थे वत्थं जाइस्सामि, सुत्तं जाइस्सामि, सूइं जाइस्सामि, संधिस्सामि, सीविस्सामि, उक्कसिस्सामि वोक्कसिस्सामि, परिहिस्सामि पाउणिस्सामि ॥ ३६० ॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, तेउफासा सीयफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अन्नयरे विरूवरूवे फासे अहियासेति, अचेले लाघवं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवति ॥ ३६१ ॥ जहेयं भगवता पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा सव्वतो सव्वत्ताए समत्तमेव समभिजाणिज्जा एवं तेसि महावीराणं चिरराइं पुव्वाइं वासाणि रीयमाणाणं दवियाणं पास, अहियासियं ॥ ३६२ ॥ आगयपन्नाणाणं किसा बाहवो भवंति, पयणुए मंससोणिए, विस्सेणिं कट्टु परिण्णाए, एस तिन्ने मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥ ३६३ ॥ विरयं भिक्खुं रीयंतं चिररातोसियं अरती तत्थ किं विहारए ॥३६४॥ संधेमाणे समुट्ठिए, जहासे दीवे असंदीणे ॥३६५॥ एवं से धम्मे आयरियपदेसिए ॥३६६॥ ते अणवकंखमाणा, पाणे अणतिवातेमाणा जइया मेहाविणो पंडिया ॥ ३६७ ॥ एवं तेसिं भगवओ अणुट्ठाणे जहा से दियापोए एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइय त्ति बेमि ॥३६८॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइया तेहिं महावीरेहिं पण्णाणमंतेहिं तेसिमंतिए पण्णाणमुवलब्भ हिच्चा उवसमं फारुसियं समादियंति ॥ ३६९ ॥ वसित्ता बंभचेरंसि आणं तं णो त्ति मण्णमाणा ॥३७०॥ अग्घायं तु सोच्चा णिसम्म "समणुन्ना जीविस्सामो" एगे णिक्खमंते असंभवेंता विडज्झमाणा कामेहिं गिद्धा अज्झोववण्णा समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेव फरुसं वदंति ॥ ३७१ ॥ सीलमंता उवसंता संखाए रीयमाणा "असीला" अणुवयमाणस्स बितिया मंदस्स बालया ॥ ३७२ ॥ णियट्टमाणा वेगे आयारगोयरमाइक्खंति ॥ ३७३ ॥ णाणभट्ठा दंसणलूसिणो णममाणा एगे जीवितं विप्परिणामंति ॥ ३७४ ॥ पुट्ठावेगे णियट्टंति जीवियस्सेव कारणा, णिक्खंतंपि तेसिं दुन्निक्खंतं भवति ॥ ३७५ ॥ बालवयणिज्जा हु ते नरा पुणो पुणो जातिं पकप्पंति अहे संभवंता विद्दायमाणा अहमंसि ति विउक्कसे उदासीणे फरुसं वदंति, पलियं पकत्थे अदुवा पकत्थे अतहेहिं तं मेहावी जाणिज्जा धम्मं ॥ ३७६ ॥ अहम्मट्ठी तुमंसि णामबाले, आरंभट्ठी अणुवयमाणे "हणपाणे" घायमाणे, हणओयावि समणुजाणमाणे "घोरे धम्मे उदीरिए" उवेहइ णं अणाणाए एस विसण्णे वियद्दे वियाहिते त्ति बेमि ॥ ३७७ ॥ किमणेणं भो जणेण करिस्सामि त्ति मण्णमाणा एवं एगे वइत्ता, मातरं पितरं हिच्चा, णातओ य

परिग्गहं, वीरायमाणा समुट्ठाए, अविहिंसा सुव्वया दंता, पस्स दीणे उप्पइए पडिवयमाणे ॥ ३७८ ॥ वसट्टा कायरा य जणा लूसगा भवंति ॥ ३७९ ॥ अहमेगेसिं सिलोए पावए भवइ, से समणो भवित्ता विब्भंते२ ॥ ३८० ॥ पासहेगे समन्नागएहिं सह असमण्णागए, णममाणेहिं अणममाणे विरतेहिं अविरते दविएहिं अदविए ॥ ३८१ ॥ अभिसमेच्चा पंडिए मेहावी णिट्ठियट्ठे वीरे आगमेणं सया परक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥ ३८२ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से गिहेसु वा, गिहंतरेसु वा, गामेसु वा, गामंतरेसु वा, नगरेसु वा, नगरंतरेसु वा, जणवएसु वा, जणवयंतरेसु वा, गामजणवयंतरे वा गामणयरंतरे वा, णगरजगवयंतरे वा, संतेगतिया जणा लूसगा भवंति, अदुवा फासा फुसंति, ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासए ओए समियदंसणे ॥ ३८३ ॥ दयं लोगस्स, जाणित्ता पादीणं पडीणं, दाहीणं उदीणं, आइक्खे, विभये, किट्टे, पुव्ववी ॥ ३८४ ॥ से उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेदए, संति, विरति, उवसमं, णिव्वाणं सोयं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवत्तियं ॥ ३८५ ॥ सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं जीवाण सव्वेसिं सत्ताणं अणुवीइ भिक्खु धम्ममाइक्खेज्जा ॥ ३८६ ॥ अणुवीइ भिक्खु धम्ममाइक्खमाणे णो अत्ताणं आसाइज्जा, णो परं आसाइज्जा, णो अन्नाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं आसाएज्जा ॥ ३८७ ॥ से अणासादए अणासादमाणे वज्झमाणाणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं, जहा से दीवे असंदीणे एवं से भवति सरणं महामुणी ॥ ३८८ ॥ एवं से उट्ठिए ठियप्पा अणिहे अचले चले अबहिल्लेस्से परिव्वए ॥ ३८९ ॥ संखाय पेसलं धम्मं, दिट्ठिमं परिणिव्वुडे ॥ ३९० ॥ तम्हा संगं ति पासह, गंथेहिं गढिया णरा विसण्णा कामक्कंता, तम्हा लूहाओ णो परिवित्तसेज्जा ॥ ३९१ ॥ जस्सिमे आरंभा सव्वतो सव्वप्पयाए सुपरिण्णाया भवंति जेसिमे लूसिणो णो परिवित्तसंति से वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च, एस तुट्टे वियाहिते त्ति बेमि ॥ ३९२ ॥ कायस्स वियाघाए संगामसीसे वियाहिए, से हु पारंगमे मुणी, अविहम्ममाणे फलगावयट्ठि कालोवणीते कंखेज्जकालं जाव सरीरभेउत्ति बेमि ॥ ३९३ ॥ **पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

॥ धूताक्खं छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥

महापरिण्णा णामं सत्तमज्झयणं वोच्छिण्णं

से बेमि समणुन्नस्स वा असमणुन्नस्स वा असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंच्छणं वा णो पाएज्जा, णो णिमंतिज्जा

णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणेत्ति बेमि ॥ ३९४ ॥ धुवं चेतं जाणेज्जा असणं वा जाव पायपुंछणं वा, लभिया णो लभिया, भुंजिया णो भुंजिया पंथं विउत्ता विउकम्म विभत्तं धम्मं जोसेमाणे समेमाणे चलेमाणे पाएज्जा वा णिमंतेज्जा वा कुज्जा वेयावडियं परं अणाढायमाणेत्ति बेमि ॥ ३९५ ॥ इहमेगेसिं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवति, ते इह आरंभट्ठी अणुवयमाणा "हण पाणा" घायमाणा हणतो यावि समणुजाणमाणा अदुवा अदिन्नमाययंति, अदुवा वायाओ विउज्जंति; तंजहा-अत्थि लोए णत्थि लोए धुवे लोए अधुवे लोए सादिए लोए अणादिए लोए सपज्जवसिते लोए अपज्जवसिते लोए सुकडेत्ति वा दुक्कडेत्ति वा कल्लाणेत्ति वा पावेत्ति वा साहुत्ति वा असाहुत्ति वा सिद्धीत्ति वा, असिद्धीत्ति वा, णिरएत्ति वा अणिरएत्ति वा ॥ ३९६ ॥ जमिणं विप्पडिवण्णा "मामगं धम्मं" पन्नवेमाणा, इत्थवि जाणह अकम्हा । एवं तेसिं णो सुअक्खाए सुपन्नत्ते धम्मे भवति, से जहेयं भगवया पवेदितं आसुपण्णेण जाणया पासया, अदुवा गुत्ती वओगोयरस्स त्ति बेमि ॥३९७॥ सव्वत्थ संमयं पावं, तमेव उवाइकम्म, एस महं विवेगे वियाहिते ॥ ३९८ ॥ गामे अदुवा रण्णे, णेव गामे णेव रण्णे, धम्ममायाणह पवेदितं माहणेण मईमया ॥३९९॥ जामा तिण्णि उदाहिया, जेसु इमे आयरिया संबुज्झमाणा समुट्ठिया ॥४००॥ जे णिव्वुया पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥ ४०१ ॥ उड्ढं अहे तिरियं दिसासु सव्वतो सव्वावंति च णं पाडियक्कं जीवेहिं कम्मसमारंभे णं ॥ ४०२ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं एतेहिं कायेहिं दंडं समारंभेज्जा, णेवण्णे एतेहिं कायेहिं दंडं समारंभावेज्जा, नेवन्ने एएहिं काएहिं दंडं समारंभंतेवि समणुजाणेज्जा ॥४०३॥ जेयन्ने एतेहिं काएहिं दंडं समारंभंति तेसिंपि वयं लज्जामो ॥४०४॥ तं परिण्णाय मेहावी तं वा दंडं अण्णं वा णो दंडेमि, दंडं समारंभिज्जासि त्ति बेमि ॥ ४०५ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खु परक्कमेज्ज वा, चिट्ठेज्ज वा, णिसीएज्ज वा, तुयट्टेज्ज वा, सुसाणंसि वा, सुन्नागारंसि वा, गिरिगुहंसि वा, रुक्खमूलंसि वा, कुंभाराययणंसि वा, हुरत्था वा, कहिं चि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावती बूया आउसंतो समणा! अहं खलु तव अट्ठाए असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंछणं वा, पाणाइं, भूयाइं, जीवाइं, सत्ताइं, समारब्भ समुद्दिस्स कीयं, पामिच्चं, अच्छिज्जं, अणिसट्ठं, अभिहडं आहट्टु चेतेमि, आवसहं वा समुस्सिणोमि, से भुंजह, वसह ॥ ४०६ ॥ आउसंतो समणा! भिक्खु तं गाहावतिं समणसं सवयसं संपडियाइक्खे आउसंतो गाहावति! णो खलु ते वयणं आढामि, णो खलु ते वयणं परिजाणामि, जो तुमं मम अट्ठाए असणं वा (४) वत्थं वा (४) पाणाइं

वा (४) जाव समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं, अच्छिज्जं, अणिसट्ठं, अभिहडं आहट्टु चेएसि, आवसहं वा समुस्सिणासि, से विरतो आउसो! गाहावती! एयस्स अकरणयाए ॥ ४०७ ॥ से भिक्खुं परिक्कमेज्ज वा जाव हुरत्था वा कहिंचि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावइ आयगयाए पेहाए असणं वा (४) वत्थं वा (४) पाणाइं (४) जाव आहट्टु चेएति आवसहं वा समुस्सिणाति भिक्खुं परिघासिउं, तं च भिक्खु जाणेज्जा सह संमइयाए परवागरणेणं अण्णेसिं वा सोच्चा "अय खलु गाहावइ! मम अट्ठाए असणं वा (४) वत्थं वा (४) पाणाइं वा (४) समारब्भ जाव चेएति आवसहं वा समुस्सिणाति" तं च भिक्खु संपडिलेहाए आगमेत्ता आणवेज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥ ४०८ ॥ भिक्खुं च खलु पुट्ठा वा अपुट्ठा वा जे इमे आहच्च गंथा फुसंति से हंता "हणह खणह छिंदह दहह पयह आलुंपह विलुंपह सहसा कारेह विप्परामुसह" ते फासे पुट्ठो धीरो. अहियासए अदुवा आयारगोयरमाइक्खे तक्कियाणमणेलिसं, अदुवा वइगुत्तिए गोयरस्स अणुपुव्वेण सम्मं पडिलेहाए आयगुत्ते जिणेहिं एयं पवेदितं ॥ ४०९ ॥ से समणुन्ने असमणुन्नस्स असणंवा (४) वत्थं वा (४) नोपाएज्जा, नोनिमंतेज्जा, नो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणेत्ति बेमि ॥ ४१० ॥ धम्ममायाणह पवेइयं माहणेण मतिमया समणुन्ने समणुन्नस्स असणं वा, (४) वत्थं वा (४) पाएज्जा णिमंतेज्जा कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणेत्ति बेमि ॥ ४११ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

मज्झिमेणं वयसावि एगे संबुज्झमाणा समुट्ठिता ॥ ४१२ ॥ सोच्चा मेहावी वयणं पंडियाणं निसामित्ता ॥ ४१३ ॥ समियाए धम्मे आरिएहिं पवेदिते ॥ ४१४ ॥ ते अणवकंखमाणा अणतिवाएमाणा अपरिग्गहमाणा णो परिग्गहावंति सव्वावंति च णं लोगंसि । णिहाय दंडं पाणेहिं पावं कम्मं अकुव्वमाणे एस महं अगंथे वियाहिए, ओए जुतिमस्स खेयन्ने उववायं चवणं च णच्चा ॥ ४१५ ॥ आहारोवचया देहा, परिसह पभंगुरा । पासहेगे सव्विंदिएहिं परिगिलायमाणेहिं ॥ ४१६ ॥ ओए दयं दयइ ॥ ४१७ ॥ जे सन्निहाणसत्थस्स खेयन्ने से भिक्खु कालण्णे बलण्णे मायण्णे खणण्णे विणयण्णे समयण्णे परिग्गहं अममायमाणे कालेणुट्ठाइ अपडिन्ने दुहओ छेत्ता णियाति ॥ ४१८ ॥ तं भिक्खुं सीयफासपरिवेवमाणगायं उवसंकमित्तु गाहावइ बूया, "आउसंतो समणा, णो खलु ते गामधम्मा उव्वाहंति" आउसंतो गाहावइ! णो खलु मम गामधम्मा उव्वाहंति सीयफासं च णो खलु अहं संचाएमि अहियासित्तए । णो खलु मे कप्पति अगणिकायं उज्जालेत्तए पज्जालेत्तए वा कायं आयावेत्तए पयावेत्तए वा, अण्णेसिं वा वयणाओ ॥ ४१९ ॥ सिया से एवं वदंतस्स परो अगणिकायं

उज्जालेत्ता पज्जालेत्ता कायं आयावेज्जा वा पयावेज्जा वा, तं च भिक्खु पडिलेहाए आगमेत्ता आणविज्जा, अणासेवणाए त्ति बेमि ॥४२०॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खु तिवत्थेहिं परिवुसिते पायचउत्थेहिं तस्स णं णो एवं भवति "चउत्थं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोविज्जा णो रएज्जा णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा, अपलिओवमाणे, गामंतरेसु, ओमचेलिए, एयं खु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ४२१ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा; उवातिक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवन्ने अहापरिजुन्नाइं वत्थाइं परिट्ठविज्जा, अदुवा संतरुत्तरे, अदुवा ओमचेले, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमन्नागए भवति । जमेयं भगवया पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा, सव्वतो सव्वत्ताए समत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४२२ ॥ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवति, पुट्ठो खलु अहमंसि, नालमहमंसि सीयफासं अहियासित्तए, से वसुमं सव्वसमण्णागयपन्नाणेणं अप्पाणेणं केइ अकरणयाए आउट्टे, तवस्सिणो हु तं सेयं जमेगे विहमाइए, तत्थवि तस्स कालपरियाए, से वि तत्थ विअंतिकारए, इच्चेतं विमोहायतणं हियंसुहंखमंणिस्सेयसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥४२३॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खु दोहिं वत्थेहिं परिवुसिते, पायतइएहिं, तस्स णं णो एवं भवति, तइयं वत्थं जाइस्सामि, से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, जाव एवं खलु तस्स भिक्खुस्स सामग्गियं ॥ ४२४ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा, उवाइक्कंते खलु हेमते, गिम्हे पडिवन्ने, अहा परिजुण्णाइं वत्थाइं परिट्ठवेज्जा २ अदुवा संतरुत्तरे, अदुवा ओमचेलए, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवति, जहेयं भगवता पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा सव्वतो सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४२५ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति, पुट्ठो अवलो अहमंसि, नालमहमंसि गिहंतरसंकमणं भिक्खायरियं गमणाए, से चेवं वदंतस्स परो अभिहडं असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसंतो गाहावती णो खलु मे कप्पइ अभिहडं असणं वा (४) भोत्तए वा, पायए वा, अन्ने वा एयप्पगारे ॥ ४२६ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स अयं पगप्पे; अहं च खलु पडिण्णत्तो अपडिन्नत्तेहिं, गिलाणो अगिलाणेहिं, अभिकंख साहम्मिएहिं, कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि । अहं वा वि खलु अपडिन्नत्तो पडिण्णत्तस्स अगिलाणे गिलाणस्स, अभिकंख साहम्मिअस्स कुज्जा वेयावडिअं करणाए ॥ ४२७ ॥ आहट्टु परिण्णं अणुक्खिस्सामि, आहडं च सातिज्जिस्सामि, (१) आहट्टु परिण्णं आणक्खेस्सामि, आहडं च णो सातिज्जिस्सामि (२) आहट्टु परिण्णं, णो आणक्खेस्सामि, आहडं

च सातिज्जिस्सामि (३) आहट्टु परिण्णं णो आणक्खेस्सामि, आहडं च णो सातिज्जिस्सामि (४) एवं से अहाकिट्टियमेव, धम्मं समहिजाणमाणे संते विरते सुसमाहितलेस्से तत्थवि तस्स कालपरियाए, से तत्थ विअंतिकारए, इच्चेतं विमोहायतणं हितं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥ ४२८ ॥ **पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खु एगेण वत्थेण परिवुसिते पायवितिएण, तस्सणं णो एवं भवइ, "बितियं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जं वत्थं जाएज्जा, अहापरिग्गहियं वा वत्थं धारेज्जा, जाव गिम्हे पडिवण्णे अहा परिजुन्नं वत्थं परिठ्ठवेज्जा २ अदुवा एग साडे अदुवा अचेले लाघवियं आगममाणे, जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया, जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ एगे अहमंसि न मे अत्थि कोइ न याहमवि कस्स वि, एवं से एगागिणमेव अप्पाणं समभिजाणिज्जा लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमन्नागए भवइ जाव समभिजाणिया ॥ ४२९ ॥ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा असणं वा (४) आहारेमाणे णो वामाओ हणुयाओ दाहिगं हणुयं संचारेज्जा आसाएमाणे, दाहिणाओ वा हणुयाओ वामं हणुयं णो संचारेज्जा आसाएमाणे, से अणासायमाणे लाघवियं आगममाणे, तवेसे अभिसमन्नागए भवइ। जहेयं भगवता पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वतो सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३० ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति, से गिलामि च खलु अहं इमंमि समए णो संचाएमि इमं सरीरगं अणुपुव्वेण परिवहित्तए, से अणुपुव्वेगं आहारं संवट्टेज्जा, आहारं अणुपुव्वेण संवट्टित्ता, कसाए पयणुए किच्चा, समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खु अभिनिव्वुडच्चे अणुपविसित्ता गामं वा, णगरं वा, खेडं वा, कव्वडं वा, मंडवं वा, पट्टगं वा,दोणमुहं वा, आगरं वा, आसमं वा, संणिवेसं वा, णिगमं वा, रायहाणिं वा, तणाइं जाएज्जा, तणाइं जाइत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए-अप्पहरिए-अप्पोसे-अप्पोदए-अप्पुत्तिग-पणय-दग-मट्टियमक्कडासंताणए पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तणाइं संथरेज्जा, तणाइं संथरेत्ता एत्थवि समए इत्तरियं कुज्जा ॥ ४३१ ॥ तं सच्चं सच्चवादी ओए तिण्णे, छिण्णकहंकहे, आतीतट्ठे अणातीते चिच्चाण भिउरं कायं संविहूय विरूवरूवे परिसहोवसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणुचिण्णे, तत्थवि तस्स कालपरियाए, जाव आणुगामियं त्ति बेमि ॥४३२॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खु अचेले परिवुसिते, तस्स णं एवं भवति, चाएमि अहं तणफासं अहियासित्तए, सीयफासं अहियासित्तए, तेउफासं अहियासित्तए, दंसमसगफासं अहियासित्तए, एगतरे अन्नतरे विरूवरूवे फासे अहियासित्तए हिरिपडिच्छादणं चऽहं

णो संचाएमि अहियासित्तए, एवं से कप्पति कडिबंधणं धारित्तए ॥ ४३३ ॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दसमसगफासा फुसंति, एगयरे अन्नयरे विरूवरूवे फासे अहियासेति अचेले लाघवियं आगममाणे, जाव समभिजाणिया ॥ ४३४ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति; अहं च खलु अन्नेसिं भिक्खूणं असणं वा (४) आहट्टु दलइस्सामि, आहडं च सातिज्जिस्सामि [१] जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति, अहं च खलु अन्नेसि भिक्खूणं असणं वा (४) आहट्टु दलइस्सामि आहडं च णो सातिज्जिस्सामि (२) जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति; अहं च खलु असणं वा (४) आहट्टु नो दलइस्सामि आहडं च सातिज्जिस्सामि (३) जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति अहं च खलु अण्णेसि भिक्खूणं असणं वा (४) आहट्टु नो दलइस्सामि आहडं च णो सातिज्जिस्सामि ॥ ४ ॥ अहं च खलु तेण अहाइरित्तेणं अहेसणिज्जेण अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा (४) अभिकंख साहम्मियस्स कुज्जा वेयावडियं करणाए, अहं वावि तेण अहातिरित्तेणं अहेसणिज्जेणं अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा (४) अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं सातिज्जिस्सामि लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३५ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति से गिलामि खलु अहं इमम्मि समये इमं सरीरं अणुपुव्वेणं परिवहित्तए, से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा, संवट्टइत्ता कसाए पयणुए किच्चा समाहिअच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे, अणुपविसित्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा तणाइं जाएज्जा, तणाइं जाएत्ता, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अप्पंडे जाव तणाइं संथरेज्जा, इत्थवि समए कायं च, जोगं च, इरियं च, पच्चक्खाएज्जा ॥ ४३६ ॥ तं सच्चं सच्चावादीओए तिन्ने छिन्नकहंकहे आतीतट्ठे अणातीते चेच्चाण भिउरं कायं संविहूणिय विरूवरूवे परिसहोवसग्गे अस्सि विसंभणाए भेरवमणुचिन्ने तत्थवि तस्सकालपरियाए से तत्थ विअंतिकारए इच्चेयं विमोहायतणं हियं सुहं खमं णिस्सेयसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥ ४३७ ॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो** ॥

अणुपुव्वेण विमोहाइं, जाइं धीरा समासज्ज; वसुमंतो मइमंतो, सव्वं णच्चा अणेलिसं ॥१॥४३८॥ दुविहंपि विदित्ताणं, जिणा धम्मस्स पारगा; अणुपुव्वीइ संखाए, कम्मुणाउ तिउट्टति ॥२॥४३९॥ कसाए पयणू किच्चा, अप्पाहारो तितिक्खए; अह भिक्खु गिलाएज्जा, आहारस्सेव अंतियं ॥ ३ ॥ ४४० ॥ जीवियं णाभिकंखेज्जा, मरणं णोवि पत्थए; दुहतोवि ण सज्जेज्जा, जीविते मरणे तहा ॥४॥ मज्झत्थो णिज्जरापेही, समा-

हिमणुपालए; अंतो बहिं विउस्सिज्ज, अज्झत्थं सुद्धमेसए ॥५॥४४१॥ जं किंचुवक्कमं जाणे, आउक्खेमस्स अप्पणो; तस्सेव अंतरद्धाए, खिप्पं सिक्खेज्ज पंडिए ॥६॥४४२॥ गामे वा अदुवा रण्णे, थंडिलं पडिलेहिया; अप्पपाणं तु विन्नाय, तणाइं संथरे मुणी ॥७॥४४३॥ अणाहारो तुअट्टेज्जा, पुट्ठो तत्थ हियासए; णातिवेलं उवचरे, माणुस्सेहिं विपुट्ठवं ॥८॥४४४॥ संसप्पगा य जे पाणा, जे उ उड्ढमहाचरा; भुंजंति मंससोणितं, ण छणे ण पमज्जए ॥ ९ ॥ ४४५ ॥ पाणा देहं विहिंसंति, ठाणाओ ण वि उब्भमे; आसवेहिं विवित्तेहिं, तिप्पमाणोऽहियासए ॥ १० ॥ गंथेहिं विवित्तेहिं, आउकालस्स पारए ॥४४६॥ पग्गहियतरगं चेयं, दवियस्स वियाणतो ॥११॥४४७॥ अयं से अवरे धम्मे, **णायपुत्तेण** साहिए; आयवज्जं पडीयारं, विजहिज्जा तिहा तिहा ॥ १२ ॥ ४४८ ॥ हरिएसु ण णिवज्जेज्जा, थंडिलं मुणिआ सए; विउस्सिज्ज अणाहारो, पुट्ठो तत्थ हियासए ॥ १३ ॥ ४४९ ॥ इंदिएहिं गिलायंते, समियं आहरे मुणी; तहावि से अगरिहे, अचले जे समाहिए ॥ १४ ॥ ४५० ॥ अभिक्कमे पडिक्कमे, संकुचए पसारए; कायसाहारणट्ठाए, इत्थं वा वि अचेयणे ॥१५॥४५१॥ परिक्कमे परिकिलंते, अदुवा चिट्ठे अहायते; ठाणेण परिकिलंते, णिसिइज्जाय अंतसो ॥ १६ ॥ ४५२ ॥ आसीणे णेलिसं मरणं, इंदियाणि समीरए; कोलावासं समासज्ज, वितहं पादुरेसए ॥ १७ ॥ ४५३ ॥ जओ वज्जं समुप्पज्जे, ण तत्थ अवलंबए; ततो उक्कसे अप्पाणं, सव्वे फासे अहियासए ॥ १८ ॥ ४५४ ॥ अयं चायततरे सिया, जो एवं अणुपालए; सव्वगायणिरोधेवि, ठाणातो णवि उब्भमे ॥१९॥४५५॥ अयं से उत्तमे धम्मे, पुव्वट्ठाणस्स पग्गहे; अचिरं पडिलेहित्ता, विहरे चिट्ठ माहणो ॥ २० ॥ ४५६ ॥ अचित्तं तु समासज्ज, ठावए तत्थ अप्पगं; वोसिरे सव्वसो कायं, ण मे देहे परीसहा ॥ २१ ॥ ४५७ ॥ जावज्जीवं परीसहा, उवसग्गा इति संखया; संवुडे देहभेयाए, इति पण्णे हियासए ॥२२॥४५८॥ भेउरेसु न रज्जेज्जा, कामेसु बहुतरेसु वि; इच्छा लोभं ण सेवेज्जा, धुवं वन्नं सपेहिया ॥ २३ ॥ ४५९ ॥ सासएहिं णिमंतेज्जा, दिव्वमायं ण सद्दहे; तं पडिबुज्झ माहणे, सव्वं नूमं विधूणिया ॥ २४ ॥ ४६० ॥ सव्वट्ठेहिं अमुच्छिए, आउकालस्स पारए; तितिक्खं परमं णच्चा, विमोहन्नतरं हितं त्ति बेमि ॥ २५ ॥ ४६१ ॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

॥ विमोक्खणामसट्ठमज्झयणं समत्तं ॥

अहासुयं वदिस्सामि, जहा से समणे भगवं उट्ठाय; संखाय तंसि हेमंते, अहुणा पव्वइए रीयत्था ॥ ४६२ ॥ णो चेविमेण वत्थेण, पिहिस्सामि तंसि हेमंते; से पारए आवकहाए, एवं खु अणुधम्मियं तस्स ॥ ४६३ ॥ चत्तारि साहिए मासे, बहवे पाणजाइया आगम्म; अभिरुज्झकायं विहरिंसु, आरुहियाणं तत्थ हिंसिसु ॥ ४६४ ॥ संवच्छरं साहियं मासं, जं ण रिक्कासि वत्थगं भगवं; अचेलए ततो चाई, तं वोसिरिज्ज वत्थमणगारे ॥ ४६५ ॥ अदु पोरिसिं तिरियंभित्ति, चक्खुमासज्ज अंतसो झायति; अह चक्खुभीया संहिया, ते हंता बहवे कंदिंसु ॥ ४६६ ॥ सयणेहिं वितिमिस्सेहिं, इत्थीओ तत्थसे परिण्णाय; सागारियं ण सेवेइ, य इति से सयं पवेसिया झाति ॥४६७॥ जे केइ इमे अगारत्था, मीसीभावं पहाय ते झाति; पुट्ठो वि णाभिभासिसु, गच्छति णाइवत्तइ अंजू ॥ ४६८ ॥ णो सुगरमेतमेगेसि, णाभिभासे अभिवायमाणे; हयपुव्वो तत्थ दंडेहिं, लूसियपुव्वो अप्पपुण्णेहिं ॥ ४६९ ॥ फरुसाइं दुत्तितिक्खाइं, अतिअच्च मुणी परक्कममाणे; आघायणट्टगीताइं, दंडजुज्झाइं मुट्ठिजुज्झाइं ॥ ४७० ॥ गढिए मिहो कहासु, समयंमि **णायसुए** विसोगे अदक्खू; एताइं सो उरालाइं, गच्छइ णायपुत्ते असरणाए ॥ ४७१ ॥ अविसाहिए दुवे वासे, सीतोदं अभोच्चा णिक्खंते; एगत्तगए पिहियच्चे, से अहिन्नायदंसणे संते ॥ ४७२ ॥ पुढविं च आउक्कायं, तेउक्कायं च वाउकायं च; पणगाइं बीयहरियाइं, तसकायं च सव्वसो णच्चा "एयाइं संति" पडिलेहे, चित्तमंताइं से अभिन्नाय; परिवज्जिय विहरित्था, इति संखाय से महावीरे ॥ ४७३ ॥ अदु थावरा तसत्ताए, तसजीवाय थावरत्ताए; अदुवा सव्वजोणीया, सत्ता कम्मुणा कप्पिया पुढो बाला ॥ ४७४ ॥ भगवं च एवमन्नेसि, सोवहिए हु लुप्पती बाले; कम्मं च सव्वसो णच्चा, तं पडियाइक्खे पावगं भगवं ॥ ४७५ ॥ दुविहं समिच्च मेहावी, किरियमक्खायमणेलिसं णाणी; आयाणसोयमतिवायसोयं जोगं च सव्वसोणच्चा ॥ ४७६ ॥ अइवत्तियं अणाउट्टिं, सयमन्नेसि अकरणयाए; जस्सित्थिओ परिण्णाया, सव्वकम्मावहाउसे अदक्खू ॥ ४७७ ॥ अहाकडं न से सेवे, सव्वसो कम्मुणा बंधं अदक्खू; जं किंचि पावगं भगवं, तं अकुव्वं वियडं भुंजित्था ॥४७८॥ णो सेवती य परवत्थं, परपाएवि से ण भुंजित्था; परिवज्जियाण ओमाणं, गच्छति संखडिं असरणयाए ॥ ४७९ ॥ मायन्ने असणपाणस्स, णाणुगिद्धे रसेसु अपडिण्णे; अच्छिंपि णो पमज्जिज्जा, णोवि य कंडूयये मुणी गायं ॥ ४८० ॥ अप्पं तिरियं पेहाए, अप्पं पिट्ठओ व पेहाए; अप्पं बुइए पडिभाणी, पंथपेही चरे जयमाणे ॥ ४८१ ॥ सिसिरंसि अद्धपडिवन्ने, तं वोसिज्ज वत्थमणगारे; पसारित्तु बाहूं परक्कमे, णो अवलंबिया ण खंधंमि ॥ ४८२ ॥ एस

विही अणुक्कंतो, माहणेण मइमया; वहुसो अप्पडिन्नेण, भगवया एवं रियंति त्ति वेमि ॥ ४८३ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो** ॥

चरियासणाइं सेज्जाओ, एगतियाओ जाओ वुइयाओ; आइक्खताइं सयणासणाइं, जाइं सेवित्था से महावीरो ॥ ४८४ ॥ आवेसणसभापवासु, पणियसालासु, एगदा वासो; अदुवा पलियट्ठाणेसु, पलालपुंजेसु एगदा वासो ॥ ४८५ ॥ आगंतारे आरामागारे तह य णगरे वि एगदा वासो, सुसाणे सुण्णागारे वा, रुक्खमूले वि एगदा वासो ॥ ४८६ ॥ एतेहिं मुणी सयणेहिं, समणे आसी पत्तेरसवासे; राइं दिवं पि जयमाणे, अप्पमत्ते समाहिए झाति ॥ ४८७ ॥ णिद्दंपि णो पगामाए, सेवइ य भगवं उठ्ठाए; जग्गावती य अप्पाणं, ईसि साति य अपडिन्ने ॥ ४८८ ॥ संवुज्झमाणे पुणरवि, आसिंसु भगवं उठ्ठाए; णिक्खम्म एगया राओ, बहिं चंकमित्ता मुहुत्तागं ॥ ४८९ ॥ सयणेहिं तत्थुवसग्गा, भीमा आसी अणेगरूवाय; संसप्पगाय जे पाणा, अदुवा जे पक्खिणो उवचरंति ॥ ४९० ॥ अदुवा कुचरा उवचरंति, गामरक्खाय सत्तिहत्थाय; अदुगामिया उवसग्गा इत्थी एगतिया पुरिसा य ॥ ४९१ ॥ इहलोइयाइं परलोइयाइं, भीमाइं अणेगरूवाइं; अवि सुब्भिदुब्भिगंधाइं, सद्दाइं अणेगरूवाइं अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ॥ ४९२ ॥ अरइं रइं अभिभूय, रीयई माहणे अबहुवाई ॥ ४९३ ॥ स जणेहिं तत्थ पुच्छिंसु, एगचरा वि एगदा राओ; अव्वाहिए कसाइत्था, पेहमाणे समाहिं अपडिन्ने ॥ ४९४ ॥ अयमंतरंसि को एत्थ, अहमंसिति भिक्खू आहट्टु; अयमुत्तमे से धम्मे तुसिणीए सकसाइए झाति ॥ ४९५ ॥ जंसिप्पेगे पवेयंति, सिसिरे मारुए पवायंते; तंसिप्पेगे अणगारा, हिमवाए णिवायमेसंति ॥ संघाडिओ पवेसिस्सामो, एहा य समादहमाणा, पिहिया वा सक्खामो, अतिदुक्खे हिमगसंफासा ॥ तंसि भगवं अपडिण्णे, अहे वियडे अहियासए दविए, णिक्खम्म एगदा राओ, ठाइए भगवं समियाए ॥ ४९६ ॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडिण्णेण, भगवया एवं रीयंति त्ति वेमि ॥ ४९७ ॥ **वितिओद्देसो समत्तो** ॥

तणफासे, सीयफासे, तेउफासे य, दंसमसगे य, अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ॥ ४९८ ॥ अह दुच्चरलाढमचारी, वज्जभूमिं च सुब्भभूमिं च; पंतं सेज्जं सेविंसु, आसणगाइं चेव पंताइं ॥ ४९९ ॥ लाढेसु तस्सुवसग्गा, वहवे जाणवया लूसिंसु, अह लूहदेसिए भत्ते, कुक्कुरा तत्थ हिंसिंसु णिवतिंसु ॥ ५०० ॥ अप्पे जणे णिवारेइ, लूसणए सुणए डसमाणे; छुछुकारंति आहंसु 'समणं कुक्कुरा डसंतु' त्ति ॥ ५०१ ॥ एलिक्खए जणा भुज्जो, वहवे वज्जभूमि फरुसासी; लट्ठि गहाय णालीयं,

समणा तत्थ य विहरिंसु ॥ ५०२ ॥ एवं पि तत्थ विहरंता, पुट्ठपुव्वा अहेसि सुणएहिं; संलुंचमाणा सुणएहिं, दुच्चरगाणि तत्थ लाढेहिं ॥ निधाय दंडं पाणेहिं, तं कायं वोसिज्जमणगारे ॥ अह गामकंटए भगवं, ते अहियासए अभिसमेच्चा ॥५०२॥ णागो संगामसीसे वा, पारए तत्थ से महावीरे ॥ ५०३ ॥ एवं पि तत्थ लाढेहिं, अलद्धपुव्वो वि एगदा गामे उवसंकमंतमपडिन्नं, गामंतियंमि अप्पत्तं; पडिणिक्खमित्तु लूसिंसु, एतातो परं पलेहित्ति ॥ ५०४ ॥ हयपुव्वो तत्थ दंडेण, अदुवा मुट्ठिणा, अदु कुंताइफलेणं; अदु लेलुणा कवालेणं, हंता हंता वहवे कंदिंसु ॥५०५॥ मंसाणि छिन्नपुव्वाइं, उट्ठंभिया एगया कायं; परीसहाइं लुंचिंसु, अहवा पंसुणा उवकरिंसु ॥ उच्चालइय णिहणिंसु, अदुवा आसणाओ खलइंसु; वोसट्ठकाये पणयासी, दुक्खसहे भगवं अपडिन्ने ॥ ५०६ ॥ सूरो संगामसीसे वा, संवुडे तत्थ से महावीरे; पडिसेवमाणे फरुसाइं, अचले भगवं रीइत्था ॥ ५०७ ॥ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया; वहुसो अपडिन्नेणं, भगवया एवं रीयंति, त्ति वेमि ॥ ५०८ ॥

तइओद्देसो समत्तो ॥

ओमोदरियं चाएति, अपुट्ठेवि भगवं रोगेहिं; पुट्ठो वा से अपुट्ठो वा, णो से सातिज्जति तेइच्छं ॥ ५०९ ॥ संसोहणं च वमणं च, गायब्भंगणं च सिणाणं च; संवाहणं ण से कप्पे, दंतपक्खालण परिण्णाए ॥ ५१० ॥ विरए य गामधम्मेहिं, रीयति माहणो अवहुवाई ॥ ५११ ॥ सिसिरंमि एगदा भगवं, छायाए झाई आसीया ॥ आयावई य गिम्हाणं, अच्छति उक्कुडुए अभित्तावे ॥ ५१२ ॥ अदु जावइत्थ लूहेणं, ओयणमंथुकुम्मासेणं ॥ एयाणि तिन्नि पडिसेवे, अट्ठमासे य जावयं भगवं ॥ ५१३ ॥ अवि इत्थ एगया भगवं, अद्धमासं अदुवा मासंपि ॥ अविसाहिए दुवे मासे, छप्पिमासे अदुवा विहरित्था ॥ रायोवरायं अपडिन्ने, अन्नगिलायमेगया भुंजे; छट्ठेण एगया भुंजे, अदुवा अट्ठमेणं दसमेणं; दुवालसमेण एगया भुंजे, पेहमाणे समाहिं अपडिन्ने ॥ ५१४ ॥ णच्चा णं से महावीरे, णोवि य पावगं सयमकासी ॥ अन्नेहिं वा ण कारित्था, कीरंतंपि णाणुजाणित्था ॥ ५१५ ॥ गामं पविस्स णयरं वा, घासमेसे कडं परट्ठाए; सुविसुद्धमेसिया भगवं, आयतजोगयाए सेवित्था ॥ ५१६ ॥ अदु वायसा दिगिंच्छित्ता, जे अन्ने रसेसिणो सत्ता; घासेसणाए चिट्ठंति, सययं णिवत्तिए य पेहाए ॥ ५१७ ॥ अदु माहणं व समणं वा, गामपिंडोलगं च अतिहिं वा; सोवागं मूसियारं वा कुकुरं वा विठ्ठितं पुरतो ॥ वित्तिच्छेदं वज्जंतो, तेसिमप्पत्तियं परिहरंतो; मंदं परक्कमे भगवं, अहिंसमाणो घासमेसित्था ॥५१८॥ अविसूइयं वा सुक्कं वा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं; अदु वुक्कसं पुलागं वा, लद्धे पिंडे

अलद्धए दविए ॥ ५१९ ॥ अवि झाति से महावीरे, आसणत्थे अकुकुए झाणं; उड्ढमहेयं तिरियं च, पेहमाणे समाहिमपडिन्ने ॥ ५२० ॥ अकसायी विगय-गेही य, सद्दरूवेसु अमुच्छिए झाति; छउमत्थो वि परक्कममाणो, ण पमायं सइंपि कुव्वित्था ॥ ५२१ ॥ सयमेव अभिसमागम्म, आयतजोगमायसोहीए। अभिणिव्वुडे अमाइल्ले आवकहं भगवं समिआसी ॥ एस विधी अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडिन्नेणं भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥५२२॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

॥ उवहाणसुयं नवमज्झयणं समत्तं ॥

॥ बंभचेरणाम पढमे सुयक्खंधे संपुण्णे ॥

णमो त्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

बिइये सुयक्खंधे

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जं पुणजाणेज्जा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पाणेहिं वा पणएहिं वा वीएहिं वा, हरिएहिं वा, संसत्तं उम्मिस्सं सीओदएण वा ओसित्तं, रयसा वा परिघासियं, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा, परहत्थंसि वा परपायंसि वा, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभेवि संते णो पडिगाहेज्जा ॥ ५२३ ॥ से य आहच्च पडिग्गहिए सिया से तं आयाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अहे आरामसि वा अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पवीए, अप्पहरिए, अप्पोसे, अप्पोदए, अप्पुत्तिंग-पणग-दग-मट्टियमक्कडासंताणए विगिंचिय विगिंचिय उम्मीसं विसोहिय विसोहिय तओ संजयामेव भुंजिज्ज वा, पीइज्ज वा, जं च णो संचाइज्जा भोत्तए वा पायए वा, से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अहे ज्झामथंडिलंसि वा, किट्टरासिंसि वा, तुसरासिंसि वा, सुक्कगोमयरासिंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव परिट्ठविज्जा ॥ ५२४ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा कसिणाओ सासिआओ अविदलकडाओ अतिरिच्छछिन्नाओ, अव्वोच्छिन्नाओ तरुणियं वा छिवाडि अणभिक्कंतभज्जियं पेहाए, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५२५ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव. पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा, अकसिणाओ असासियाओ, विदलकडाओ, तिरिच्छछिन्नाओ, वोच्छिण्णाओ, तरुणिअं वा छिवाडिं अभिक्कंतं भज्जियं पेहाए फासुयं एसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते पडिगाहेज्जा ॥ ५२६ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिहुयं वा वहुरयं वा, भुज्जियं वा, मंथुं वा, चाउलं वा, चाउलपलंवं वा, सइं संभज्जियं, अफासुयं अणेसणिज्जं मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५२७ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा असइं भज्जियं दुक्खुत्तो वा भज्जियं तिक्खुत्तो वा भज्जियं फासुयं एसणिज्जं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥५२८॥ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे णो अन्नउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएणं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए

पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५२९॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, वहिया वियारभूमिं वा, विहारभूमि वा, णिक्खसमाणे पविसमाणे वा, णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण सद्धिं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥५३०॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से णो अण्णउत्थिअस्स वा गारत्थियस्स वा परिहारिओ वा अपरिहारिअस्स वा असणं पाणं खाइमं साइमं वा देज्जा अणुपदेज्जा वा ॥ ५३१ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा, परिहारिओ अपरिहारिएण वा, सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ५३२ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा (४) अस्संपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं, भूयाइं जीवाइं, सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएइ तं तहप्पगारं असणं वा (४) पुरिसंतरकडं अपुरिसंतरकडं वा बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अत्तट्ठियं वा अणत्तट्ठियं वा, परिभुत्तं वा अपरिभुत्तं वा आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५३३ ॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगा साहम्मिणी, बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ॥ ५३४ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा (४) बहवे समणमाहणअतिहिकिविणवणीमए पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं वा ४ जाव समारब्भ आसेवियं वा अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५३५ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) बहवे समणमाहणअतिहिकिविणवणीमए समुद्दिस्स पाणाइं (४) आहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा (४) अपुरिसंतरकडं अबहिया णीहडं अणत्तट्ठियं अपरिभुत्तं अणासेवितं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५३६ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं बहिया णीहडं अत्तट्ठियं परिभुत्तं आसेवियं फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५३७ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसित्तु कामे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, इमेसु खलु कुलेसु णितिए पिंडे दिज्जइ, णितिए अग्गपिंडे दिज्जइ, णितिए भाए दिज्जइ, अवड्ढभाए दिज्जइ, तहप्पगाराइं कुलाइं णितियाइं णितिओमाणाइं, णो भत्ताए वा णो पाणाए वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥ ५३८ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ५३९ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) अट्ठमिपोसहिएसु वा, अद्धमासिएसु वा, मासिएसु वा, दोमासिएसु वा, तिमासिएसु वा, चाउमासिएसु वा, पंचमासिएसु वा, छमासिएसु वा, उऊसु वा, उऊसंधीसु वा, उउपरियट्टेसु वा, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगे एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, तिहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, चउहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, कुंभीमुहाओ वा कलोवाइओ वा, संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं (४) अपुरिसंतरकडं जाव अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४० ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा; तंजहा–उग्गकुलाणि वा भोगकुलाणि वा, राइण्णकुलाणि वा, खत्तियकुलाणि वा, इक्खागकुलाणि वा, हरिवंसकुलाणि वा, एसियकुलाणि वा, वेसियकुलाणि वा, गंडागकुलाणि वा, कोट्टागकुलाणि वा, गामरक्खकुलाणि वा, वोक्कसालियकुलाणि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु कुलेसु अदुगुंछिएसु अगरहिएसु वा, असणं वा (४) फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४२ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) समवाएसु वा, पिंडणियरेसु वा, इंदमहेसु वा, खंदमहेसु वा, रुद्दमहेसु वा, मुगुंदमहेसु वा, भूयमहेसु वा, जक्खमहेसु वा, णागमहेसु वा, थूभमहेसु वा, रुक्खमहेसु वा, गिरिमहेसु वा, दरिमहेसु वा, अगडमहेसु वा, तडागमहेसु वा, दहमहेसु वा, णईमहेसु वा, सरमहेसु वा, सागरमहेसु वा, आगरमहेसु वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु विरूवरूवेसु महामहेसु वट्टमाणेसु, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं जाव संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा (४) अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४३ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, दिण्णं जं तेसिं दायव्वं, अह तत्थ भुंजमाणे पेहाए गाहावइभारियं वा, गाहावइभगिणिं वा, गाहावइपुत्तं वा, गाहावइधूयं वा, सुण्हं वा, धाइं वा, दासं वा, दासिं वा, कम्मकरं वा, कम्मकरिं वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणित्ति वा, दाहिसि मे इत्तो अन्नयरं भोयणजायं? से सेवं वयंतस्स परो असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं असणं वा (४) सयं वा पुण जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४४ ॥ से भिक्खू वा (२) परं अद्धजोयणमेराए

संखडिं णच्चा संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५४५ ॥ से भिक्खू वा (२) पाईणं संखडिं णच्चा पडीणं गच्छे आणाढायमाणे पडीणं संखडिं णच्चा पाईणं गच्छे अणाढायमाणे दाहिणं संखडि णच्चा उदीणं गच्छे अणाढायमाणे, उदीणं संखडि णच्चा दाहिणं गच्छे अणाढायमाणे ॥ ५४६ ॥ जत्थेव सा संखडी सिया, तंजहा गामंसि वा, णगरंसि वा, खेडंसि वा, कब्बडंसि वा, मंडवंसि वा, पट्टणंसि वा, आगरंसि वा, दोणमुहंसि वा, णिगमंसि वा, आसमंसि वा, रायहाणिंसि वा, जाव संणिवेसंसि वा, संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ॥ ५४७ ॥ संखडि संखडिपडियाए अभिसंधारेमाणे आहाकम्मियं वा उद्देसियं, मीसजायं वा, कीयगडं वा पामिच्चं वा, अच्छेज्जं वा, अणिसट्ठं वा, अभिहडं वा, आहट्टु दिज्जमाणं भुंजिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए, खुड्डियदुवारियाओ महल्लियदुवारियाओ कुज्जा, महल्लियदुवारियाओ खुड्डियदुवारियाओ कुज्जा, समाओ सिज्जाओ विसमाओ कुज्जा, विसमाओ सिज्जाओ समाओ कुज्जा, पवायाओ सिज्जाओ णिवायाओ कुज्जा, णिवायाओ सिज्जाओ पवायाओ कुज्जा, अंतो वा, बहिं वा उवस्सयस्स हरियाणिं छिंदिय २ दालिय २ संथारगं संथारिज्जा एस बिलुंगयामो सिज्जाए तम्हा से संजए णियंठे अण्णयरं वा तहप्पगारं पुरे संखडिं वा पच्छासंखडि वा संखडि संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्ज गमणाए ॥ ५४८ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ५४९ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

से एगया अण्णतरं संखडिं आसित्ता पिवित्ता छड्डेज्ज वा वमेज्ज वा, भुत्ते वा से णो सम्मं परिणमिज्जा अण्णतरे वा से दुक्खे रोयातंके समुपज्जिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५५० ॥ इह खलु भिक्खू गाहावइहिं वा, गाहावइणीहिं वा, परिवायएहिं वा, परिवाइयाहिं वा, एगज्जं सद्धिं सोंडं पाउं भो वतिमिस्सं हुरत्था वा, उवस्सयं पडिलेहेमाणे णो लभिज्जा, तमेव उवस्सयं संमिस्सिभावमावज्जिज्जा अण्णमण्णे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिविग्गहे वा किलीबे वा तं भिक्खुं उवसंकमित्तु बूया 'आउसंतो समणा अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, राओ वा, वियाले वा, गामधम्मणियंतियं कट्टु, रहस्सियंमेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टामो' तं चेवेगइओ साइज्जिज्जा, अकरणिज्जं चेयं संखाए । एते आयतणाणि संति संचिज्जमाणा पच्चवाया भवंति, तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडि वा संखडिं संखडिसंपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ ५५१ ॥ से भिक्खू वा (२) अन्नयरिं संखडिं वा सोच्चा णिसम्म संपरिहावइ उस्सुयभूयेण अप्पाणेणं 'धुवा संखडी' णो संचाएइ, तत्थ इयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगा-

हित्ता आहारं आहारेत्तए, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, से तत्थ कालेण अणुपविसित्ता तत्थेयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा ॥ ५५२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणेज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संखडि सिया तंपि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५५३ ॥ आइण्णा अवमा णं संखडिं अणुपविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कंतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा मुट्ठिणा वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे वा भवइ, सीओदएण वा उस्सित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिघासियपुव्वे भवइ, अणेसणिज्जेण वा परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा दिज्जमाणे पडिगाहियपुव्वे भवइ, तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णाऽवमा णं संखडिं संखडिपडियाए नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ ५५४ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) एसणिज्जं सिया अणेसणिज्जं सिया वितिगिच्छसमावण्णेणं अप्पाणेणं असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५५५ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पविसित्तु कामे सव्वं भंडगमायाय गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥ ५५६ ॥ से भिक्खू वा (२) वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खममाणे पविसमाणे वा सव्वं भंडगमायाए वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥ ५५७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे सव्वं भंडगमायाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ५५८ ॥ से भिक्खू वा (२) अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वासं वासेमाणं पेहाए, तिव्वदेसियं महियं संणिच्चयमाणं पेहाए महावाएण वा रयं समुद्धुयं पेहाए तिरिच्छसंपाइमा वा तसा पाणा संथडा सन्निच्चयमाणा पेहाए, से एवं णच्चा णो सव्वं भंडगमायाय गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ५५९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, तंजहा–खत्तियाण वा, राईण वा, कुराईण वा, रायपेसियाण वा, रायवंसट्ठियाण वा अंतो वा बहिं वा संणिविट्ठाण वा, गच्छंताण वा णिमंतेमाणाण वा अणिमंतेमाणाण वा असणं वा (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा त्ति बेमि ॥ ५६० ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, आहेणं वा पहेणं वा, हिंगोलं वा, संमेलं वा हीरमाणं संपेहाए अंतरा से मग्गा वहुपाणा, वहुवीया, बहुहरिया, वहुओसा, वहुउदया, वहुउत्तिंगपणगदगमट्टियमक्कडासंताणगा, वहवे तत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागता उवागमिस्संति तत्थाइण्णावित्ती णो पण्णस्सणि क्खमणपवेसाए, णो वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचिंताए, सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥५६१॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, आहेणं वा जाव संमेलं वा हीरमाणं पेहाए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव अप्पसंताणगा णो जत्थ वहवे समणमाहणा जाव उवागमिस्संति, अप्पाइण्णावित्ती पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए पण्णस्स वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिपडियाए अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ५६२ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे जं पुण जाणेज्जा, खीरिणियाओ गावीओ खीरिज्जमाणीओ पेहाए असणं वा (४) उवसंखडिज्जमाणं पेहाए पुरा अप्पजूहिए सेवं णच्चा णो गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, अह पुण एवं जाणेज्जा खीरिणीओ गावीओ खीरियाओ पेहाए, असणं वा (४) उवक्खडियं पेहाए पुराए जूहिए से एवं णच्चा तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्जवा णिक्खमिज्ज वा ॥ ५६३ ॥ भिक्खागाणामेगे एवमाहंसु समाणा वा वसमाणा वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे 'खुड्डाए खलु अयं गामे संणिरुद्धाए णो महालए से हंता, भयंतारो वाहिरगाणि गामाणि भिक्खायरियाए वयह ॥ ५६४ ॥ संति तत्थेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे संथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तंजहा-गाहावइ वा, गाहावइणीओ वा, गाहावइपुत्ता वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, धाईओ वा, दासा वा, दासीओ वा, कम्मकरा वा, कम्मकरीओ वा, तहप्पगाराइं कुलाइं पुरे संथुयाणि वा पच्छासंथुयाणि वा, पुव्वामेव भिक्खायरियाए अणुपविसिस्सामि अविय इत्थ लभिस्सामि, पिंडं वा लोयं वा, असणं वा, पाणं वा, खीरं वा, दधि वा, घयं वा, गुलं वा, तेल्लं वा, सक्कुलि, फाणियं वा, पूयं वा, सिहरिणि वा, तं पुव्वामेव भुच्चा पिच्चा पडिग्गहं संलिहिय संमज्जिय तओ पच्छा भिक्खूहिं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिस्सामि णिक्खमिस्सामि वा, माइट्ठाणं संफासे, तं णो एवं करेज्जा, से तत्थ भिक्खूहिं सद्धिं कालेण अणुपविसित्ता, तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं

वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा ॥ ५६६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५६६ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अग्गपिंडं उक्खिप्पमाणं पेहाए, अग्गपिंडं णिक्खिप्पमाणं पेहाए अग्गपिंडं हीरमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभाइज्जमाणं पेहाए, परिभुंजमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिट्ठविज्जमाणं पेहाए, पुरा असिणाइ वा, अवहाराइ वा पुरा जत्थन्ने समणमाहणअतिहिकिवण-वणीमगा खद्धं खद्धं उवसंकमंति, से हंता अहमवि खद्धं २ उवसंकमासि, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा ॥ ५६७ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव पविट्ठे समाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमिज्जा, णो उज्जुयं गच्छिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५६८ ॥ से तत्थ परक्कममाणे पयलिज्ज वा, पक्ख-लेज्ज वा पवडिज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पक्खलेज्जमाणे पवडमाणे वा, तत्थ से काये उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणेण वा, वंतेण वा पित्तेण वा, पूएण वा, सुक्केण वा, सोणिएण वा, उवलित्ते सिया, तहप्पगारं कायं णो अणंतरहि-याए पुढवीए णो ससिणिद्धाए पुढवीए, णो ससरक्खाए पुढवीए, णो चित्तमंताए सिलाए, णो चित्तमंताए लेलूए, कोलावासंसि वा, दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे जाव ससंताणए, णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा, संलिहिज्ज वा, विलिहिज्ज वा, उव्व-लिज्ज वा, उवट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा, पयाविज्ज वा, से पुव्वामेव अप्पससरक्खं तणं वा, पत्तं वा, कट्ठं वा, सक्करं वा, जाइज्जा, जाइत्ता सेतमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, २ अहे झामथंडिलंसि वा, जाव अण्णयरंसि वा, तहप्पगारंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ५६९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा गोणं वियालं पडिपहे पेहाए, महिसं वियालं पडिपहे पेहाए एवं मणुस्सं आसं हत्थिं सीहं वग्घं विगं दीवियं अच्छं तरच्छं परिसरं सियालं विरालं सुणयं कोलसुणयं कोकंतियं चित्ताचेल्लरयं वियालं पडिपहे पेहाए सइपरक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥ ५७० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे अंतरा से ओवाओ वा, खाणू वा, कंटए वा, घसी वा, भिलुगा वा, विसमे वा, विज्जले वा, परियावज्जिज्जा, सति परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥५७१॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलस्स दुवार-वाहं कंटकबोंदियाए परिपिहियं पेहाए तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणणुन्नविय अपडि-लेहिय अपमज्जिय णो अवंगुणिज्ज वा, पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा, तेसिं पुव्वामेव

उग्गहं अणुन्नविय पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव अवंगुणिज्ज वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥५७२॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, समणं वा, माहणं वा, गामपिंडोलगं वा, अतिहिं वा, पुव्वपविट्ठं पेहाए णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५७३ ॥ पुरा पेहाए तस्सट्ठाए परो असणं वा, (४) आहट्टु दलएज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना एस हेऊ, एस उवएसो, जं णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा ॥ ५७४ ॥ से परो अणावायमसंलोए चिट्ठमाणस्स असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा से य वदेज्जा "आउसंतो समणा इमे भे असणे वा (४) सव्वजणाए निसिट्ठे, तं भुंजह च णं परिभाएह च णं" तं चेगइओ पडिगाहेत्ता तुसिणीओ उवेहेज्जा, अवियाइ एयं ममेव सिया एवं माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा (२) से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसंतो समणा, इमे भे असणं वा (४) सव्व जणाए णिसिट्ठे तं भुंजह च णं परिभाएह च णं" सेवं वदंतं परो वएज्जा 'आउसंतो समणा, तुमं चेव णं परिभाएहि, से तत्थ परिभाएमाणे णो अप्पगो खद्धं २ डायं २ ऊसढं २ रसियं २ मणुन्नं २ णिद्धं २ लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे, बहुसममेव, परिभाएज्जा ॥ ५७५ ॥ से णं परिभाएमाणं परो वएज्जा 'आउसंतो समणा मा णं तुमं परिभाएहि सव्वे वेगतिया ठिया उ भोक्खामो वा पाहामो वा" से तत्थ भुंजमाणे णो अप्पणा खद्धं २ जाव लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए (४) बहुसममेव भुंजिज्ज वा पीइज्ज वा ॥ ५७६ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, समणं वा, माहणं वा, गामपिंडोलगं वा, अतिहिं वा, पुव्वपविट्ठं पेहाए णो ते उवाइक्कम्म पविसेज्ज वा ओभासेज्ज वा से तमायाय एगंतमवक्कमेज्जा अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा, पडिसेहिए वा दिन्ने वा तओ तंमि णियत्तिए संजयामेव पविसिज्ज वा ओभासिज्ज वा ॥ ५७७ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५७८ ॥ **पंचमोद्देसो समत्तो** ॥

से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, रसेसिणो बहवे पाणा घासेसणाए संथडे संणिवइए पेहाए तंजहा—कुक्कुडजाइयं वा, सूयरजाइयं वा अग्गपिंडंसि वा वायसा संथडा संणिवइया पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा नो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥ ५७९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे नो गाहावइकुलस्स दुवारसाहं अवलंबिय २ चिट्ठेज्जा, नो गाहावइकुलस्स दगच्छड्डणमत्तए

चिट्ठिज्जा, नो गाहावइकुलस्स चंदणिउयए चिट्ठेज्जा, णो० सिणाणस्स वा वच्चस्स वा संलोए सपडिदुवारे चिट्ठिज्जा, णो गाहावइकुलस्स आलोयं वा थिग्गलं वा संधिं वा दगभवणं वा बाहाउ पगिज्झिय २ अंगुलियाए वा उद्दिसिय २ उण्णमिय २ अवनमिय २ णिज्झाइज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए उद्दिसिय २ जाइज्जा, णो गाहावइं अंगुलियए चालिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियए तज्जिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए उक्खुलंपिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं वंदिय २ जाएज्जा, णो वयगं फरुसं वइज्जा ॥ ५८० ॥ अह तत्थ कंचि भुंजमाणं पेहाए, तंजहा-गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोइज्जा, "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अन्नयरं भोयणजायं" से एवं वयंतस्स परो हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा भायणं वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति, वा भइणित्ति वा, मा एयं तुमं हत्थं वा, मत्तं वा, दव्विं वा, भायणं वा, सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेहि वा पहोवेहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा (४) सीओदगवियडेण वा २ उच्छोलेत्ता पहोइत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारेण पुरे कम्मकएणं हत्थेण वा (४) असणं वा (४) अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा णो पुरेकम्मएणं उदउल्लेणं तहप्पगारेणं वा ससिणिद्धेण वा हत्थेण वा (४) असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा अह पुण एवं जाणेज्जा णो उदउल्लेग ससिणिद्धेणं सेसं तं चेव, एवं ससरक्खे, मट्टिया, ऊसे हरियाले, हिंगुलए, मणोसिला, अंजणे, लोणे, गेरुय, वन्निय, सेढिय, सोरट्ठिय पिट्ठ कुक्कस उकुट्ठ संसट्ठेणं ॥ ५८१ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, णो असंसट्ठे, संसट्ठे तहप्पगारेण संसट्ठेण हत्थेण वा (४) असणं वा (४) फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५८२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणेज्जा पिहुयं वा बहुरयं वा जाव चाउलपलंबं वा, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव मक्कडासंताणाए कुट्टिंसु वा, कुट्टिंति वा, कुट्टिस्संति वा, उप्फणिसु वा (३) तहप्पगारं पिहुयं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा विलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव संताणाए भिंदिंसु वा, भिंदंति वा, भिंदिस्संति वा, रुचिंसु वा (३) बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८४ ॥ से भिक्खू वा जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) अगणिणिक्खित्तं तहप्पगारं

असणं वा (४) अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, केवली बूया, "आयाण-मेयं" असंजए भिक्खुपडियाए उस्सिंचमाणे वा, निस्सिंचमाणे वा, आमज्जमाणे वा, पमज्जमाणे वा, ओयारेमाणे वा, उव्वत्तमाणे वा, अगणिजीवे हिंसिज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस कारणे, एसुवएसे, जं तहप्पगारं असणं वा, (४) अगणिणिक्खित्तं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८५ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५८६ ॥

छट्ठोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) खंधंसि वा थंभंसि वा, मंचंसि वा, मालंसि वा, पासायंसि वा, हम्मियतलंसि वा, अन्नय-रंसि वा, तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि उवणिक्खित्ते सिया, तहप्पगारं मालोहडं असणं वा (४) जाव अफासुयं णो पडिगाहिज्जा, केवली बूया "आयाणमेयं" असंजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा, णिस्सेणिं वा, उदूहलं वा, आहट्टु उस्सविय दुरुहेज्जा, से तत्थ दुरुहमाणे, पयलेज्जा वा पवडेज्जा वा, से तत्थ पयले-माणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा, पायं वा, बाहु वा, ऊरुं वा, उदरं वा, सीसं वा, अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसिज्ज वा, पाणाणि वा, भूयाणि वा, जीवाणि वा, सत्ताणि वा, अभिहणिज्ज वा, वित्तासिज्ज वा, लेसिज्ज वा, संघसिज्ज वा, संघ-ट्टिज्ज वा, परियाविज्ज वा, किलामिज्ज वा, ठाणाओ ठाणं संकामिज्ज वा, तं तहप्प-गारं मालोहडं असणं वा, (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८७ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) कुट्ठियाओ वा कोलेज्जाओ वा, असंजए भिक्खुपडियाए, उक्कुज्जिय अवउज्जिय ओहरिय, आहट्टु, दलइज्जा, तहप्पगारं असणं वा, (४) मालोहडंति णच्चा लाभे संते णो पडिगा-हिज्जा ॥ ५८८ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) मट्टियाओलित्तं तहप्पगारं असणं वा (४) जाव लाभे संते णो पडिगा-हिज्जा । केवली बूया 'आयाण, मेयं' असंजए भिक्खुपडियाए मट्टिओलित्तं असणं वा (४) उब्भिंदमाणे पुढवीकायं समारंभिज्जा, तहा तेऊ-वाऊ-वणस्सइ-तस कायं समारंभिज्जा पुणरवि ओलिंपमाणे पच्छाकम्मं करिज्जा । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं मट्टिओलित्तं असणं वा, (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) पुढविकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडि-गाहिज्जा ॥ ५९० ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा

(४) आउकायपइट्ठियं चेव एवं अगणिकायपइट्ठियं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, 'केवलीबूया' "आयाणमेयं" असंजए भिक्खूपडियाए अगणि उस्सक्किय २ णिसक्किय २ ओहरिय २ आहट्टु, दलएज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा (४) अच्चुसिणं असंजए भिक्खुपडियाए, सुप्पेण वा, विहुयणेण वा, तालियंटेण वा, पत्तेण वा, साहाए वा, साहाभंगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणहत्थेण वा, चेलेण वा, चेलकन्नेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, फुमिज्ज वा, वीएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणि त्ति वा, मा एयं तुमं, असणं वा, (४) अच्चुसिणं सुप्पेण वा जाव फुमाहि वा, वीयाहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो सुप्पेण वा जाव वीइत्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) वणस्सइकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा (४) वणस्सइकायपइट्ठियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, एवं तसकाएवि ॥ ५९३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा–उस्सेइमं वा, संसेइमं वा, चाउलोदगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं, अहुणाधोयं, अणंबिलं, अवोक्कंतं, अपरिणयं अविद्धत्थं, अफासुयं, अणेसणिज्जं, मण्णमाणे णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९४ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, चिराधोयं, अंबिलं, वुक्कंतं, परिणयं, विद्धत्थं, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५९५ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा–तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा, आयामं वा, सोवीरं वा, सुद्धवियडं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणित्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अन्नयरं पाणगजायं ?" से सेवं वयंतं परो वएज्जा "आउसंतो समणा, तुमं चेवेदं पाणगजायं पडिग्गहेण वा उस्सिंचियाणं २ ओयत्तियाणं गिण्हाहि" तहप्पगारं पाणगजायं सयं वा गिण्हिज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुयं लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ ५९६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण पाणगं जाणेज्जा अणंतरहियाए पुढवीए जाव संताणए ओहट्टु निक्खित्ते सिया असंजए भिक्खुपडियाए, उदउल्लेण वा, ससिणिद्धेण वा, सकसाएण वा, मत्तेण वा सीओदएण वा, संभोएत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९७ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५९८ ॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा-अंबपाणगं वा, अंबाडगपाणगं वा, कविट्ठपाणगं वा, माउलिंगपाणगं वा, मुद्दियापाणगं वा, दाडिमपाणगं वा, खज्जूरपाणगं वा, णालिएरपाणगं वा, करीर-पाणगं वा, कोलपाणगं वा, आमलगपाणगं वा, चिंचापाणगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं सकणुयं सबीयगं असंजए भिक्खुपडियाए छव्वेण वा दूसेण वा, वालगेण वा, आवीलियाण वा, पवीलियाण परिसाइयाण आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे, से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा, परियावसहेसु वा, अन्नगंधाणि वा, पाणगंधाणि वा, सुरभिगंधाणि वा, अग्घाय २ से तत्थ आसायवडियाए मुच्छिए, गिद्धे, गढिए, अज्झोववन्ने 'अहो गंधो २' णो गंधमाघाइज्जा ॥ ६०० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे, से जं पुण जाणेज्जा, सालुयं वा, विरालियं वा, सासवणालियं वा, अण्णतरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिप्पलिं वा, पिप्पलि-चुण्णं वा, मिरियं वा, मिरियचुन्नं वा, सिंगबेरं वा, सिंगबेरचुन्नं वा, अण्णतरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पलंबजायं तंजहा-अंबपलंबं वा, अंबाडगपलंबं वा, तालपलंबं वा, झिज्झिरिपलंबं वा, सुरभिपलंबं वा, सल्लइपलंबं वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं पलंबजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पवालजायं जाणिज्जा, तंजहा-आसोत्थपवालं वा, णग्गोह-पवालं वा, पिलुंखुपवालं वा, णीपूरपवालं वा, सल्लइपवालं वा, अन्नयरं तहप्पगारं पवालजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०४ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण सरडुयजायं जाणिज्जा, तंजहा-अंबसरडुयं वा, कविट्ठसरडुयं वा, दाडिमसरडुयं वा, बिल्लसरडुयं वा, अण्ण-यरं वा तहप्पगारं सरडुयजायं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०५ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे, से जं पुण मंथुजायं जाणिज्जा, तंजहा-उंबरमंथुं वा, णग्गोहमंथुं वा, पिलुंक्खुमंथुं वा, आसोत्थमंथुं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं मंथुजायं आमयं दुरुक्कं साणुबीयं अफासुयं णो पडिगा-हिज्जा ॥ ६०६ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, आमडागं

वा, पूइपिण्णागं वा, सप्पिं वा, पेज्जं वा लेज्झं वा खाइमं वा साइमं वा, पुराणं एत्थ पाणा, अणुप्पसूया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा अवुक्कंता, एत्थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था, णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०७ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा, कसेरुगं वा, सिंग्घाडगं वा, पूतिआलुगं वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, उप्पलं वा, उप्पल नालं वा, भिसं वा, भिसमुणालं वा, पोक्खलं वा, पोक्खलविभंगं वा, अण्णतरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०९ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गवीयाणि वा, मूलवीयाणि वा, खंधबीयाणि वा, पोरबीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खंधजायाणि वा, पोरजायाणि वा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थएण वा, तालमत्थएण वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुं वा, काणगं, अंगारियं संमिस्सं, विगदूसियं, वेत्तग्गं वा, कंदलीऊसयं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६११ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्तं वा, लसुणनालं वा, लसुणकंदं वा, लसुणचोयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं कंदजायं णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अंच्छिअं वा, कुंभिपक्कं, तिंदुगं वा, टिंबरुयं वा, विलुयं वा, पलगं वा, कासवणालियं वा, अण्णतरं वा आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१३ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, कणं वा कणकुंडगं वा, कणपूयलियं वा, चाउलं वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा, तिलपप्पडगं वा, अन्नतरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१४ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६१५ ॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

इह खलु पाईणं वा, पडीणं वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा; तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवंतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणं वा (४) भोइत्तए वा पाइत्तए वा; से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा—असणं वा (४) सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वय पच्छा अप्पणो अट्ठाए असणं

वा (४) चेइस्सामो एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं असणं वा (४) अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१६ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे वसमाणे वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे से जं पुण जाणिज्जा, गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संतेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे संथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तंजहा–गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा तहप्पगाराइं कुलाइं णो पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं'। पुरा पेहाए तस्स परो अट्ठाए असणं वा (४) उवकरेज्ज वा, उवक्खडेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा (४) जं णो तहप्पगाराइं कुलाइं पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा। से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा, से तत्थ कालेणं अणुपविसिज्जा (२) तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं एसित्ता आहारं आहारिज्जा ॥ ६१७ ॥ सिया से परो कालेण अणुपविट्ठस्स आहाकम्मियं असणं वा (४) उवकरेज्ज वा उवक्खडेज्ज वा, तं चेगइओ तूसणीओ उवेहेज्जा, 'आहडमेव पच्चाइक्खिस्सामि' माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा 'आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मियं असणं वा (४) भोत्तए वा पायए वा। मा उवकरेहि, मा उवक्खडेहि, से सेवं वयंतस्स परो आहाकम्मियं असणं वा (४) उवक्खडावित्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा (४) अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१८ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ आएसाए उवक्खडिज्जमाणं पेहाए णो खद्धं २ उवसंकमित्तु ओभासेज्जा णन्नत्थ गिलाणणीसाए ॥६१९॥ से भिक्खू वा जाव समाणे अण्णतरं भोयणजायं पडिगाहित्ता सुब्भि सुब्भि भोच्चा दुब्भिं दुब्भिं परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, सुब्भि वा दुब्भिं वा सव्वं भुंजे न छड्डए ॥ ६२० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे अण्णतरं वा पाणयजायं पडिगाहित्ता पुप्फं २ आसाइत्ता कसायं २ परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, पुप्फं पुप्फेति वा कसायं कसाएत्ति वा सव्वमेयं भुंजिज्जा णो किंचिवि परिट्ठवेज्जा ॥६२१॥ से भिक्खू वा (२) बहुपरियावण्णं भोयणजायं पडिगाहित्ता बहवे साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया, समणुण्णा अपरिहारिया, अदूरगया तेसिं अणालोइया अणामंतिय परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से तमादाय तत्थ गच्छेज्जा (२) से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसंतो समणा इमे मे असणं वा (४) बहुपरियावण्णे, तं भुंजह च णं" से सेवं वयंतं परो वएज्जा "आउसंतो समणा आहारमेयं असणं वा

(४) जावइयं (२) परिसडइ तावइयं (२) भोक्खामो वा, पाहामो वा, सव्वमेयं परिसडइ, सव्वमेयं भोक्खामो वा" २ ॥ ६२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, परं समुद्दिस्स बहिया णीहडं तं परेहिं असमणुन्नायं अणिसिट्ठं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, तं परेहिं समणुन्नायं संणिसिट्ठं फासुयं लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥ ६२३ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६२४ ॥ **नवमोद्देसो समत्तो** ॥

१ से एगइओ साहारणं वा पिंडवायं पडिगाहित्ता, ते साहम्मिए अणापुच्छित्ता जस्स जस्स इच्छइ तस्स तस्स खद्धं खद्धं दलयइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा (२) पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसंतो समणा, संति मम पुरे संथुया वा पच्छासंथुया वा, तंजहा–आयरिए वा, उवज्झाए वा, पवित्ती वा, थेरे वा, गणी वा, गणहरे वा, गणावच्छेइए वा, अवियाइं एएसिं खद्धं खद्धं दाहामि" से सेवं वयंतं परो वएज्जा, कामं खलु आउसो अहापज्जत्तं णिसिराहि जावइयं २ परो वयइ तावइयं २ णिसिरेज्जा, सव्वमेयं परो वयइ सव्वमेयं णिसिरेज्जा ॥ ६२५ ॥ से एगइओ मणुन्नं भोयणजायं पडिगाहित्ता पंतेण भोयणेण पलिच्छाएति "मामेयं दाइयं संतं, दट्ठूणं सयमायए, आयरिए वा जाव गणावच्छेइए वा, णो खलु मे कस्सवि किंचि दायव्वं सिया" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, (२) पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे पडिग्गहं कट्टु "इमं खलु इमं खलु त्ति" आलोएज्जा, णो किंचिवि णिगूहेज्जा ॥ ६२६ ॥ से एगइओ अण्णतरं भोयणजायं पडिगाहित्ता, भद्दयं भद्दयं भोच्चा, विवन्नं विरसमाहरइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करिज्जा ॥ ६२७ ॥ से भिक्खू वा, (२) से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छियं वा, उच्छुगंडियं वा, उच्छुचोयगं वा, उच्छुमेरगं वा, उच्छुसालगं वा, उच्छुडालगं वा, सिंबलिं वा, सिंबलथालगं वा, अस्सि खलु पडिग्गहियंसि अप्पे सिया भोयणजाए, बहुउज्झियधम्मिए, तहप्पगारं अंतरुच्छुयं जाव सिंबली थालगं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६२८ ॥ से भिक्खु वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, बहुबीयगं-बहुकंटगं-फलं अस्सिं खलु पडिगाहियंसि अप्पेसिया भोयणजाए बहुउज्झियधम्मिए-तहप्पगारं बहुबीयगं बहुकंटगं फलं लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६२९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे, सिया णं परो बहुबीयएण, बहुकंटगेण फलेण उवणिमंतेज्जा "आउसंतो समणा अभिकंखसि! बहुबीयअं-बहुकंटगं फलं पडिगाहित्तए?" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणित्ति वा. णो खलु मे कप्पइ से बहुकंटयं बहु-

बीयअं फलं पडिगाहित्तए, अभिकंखसि मे दाउं, जावइयं तावइयं फलस्स सार-भागं दलयाहि, मा य बीयाइं "से सेवं वयंतस्स परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गह-गंसि बहुबीयअं २ फलं परिभाएत्ता णिहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, से आहच्च पडिगाहिए सिया तं णो हिं त्ति वएज्जा, णो अणहित्ति वएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा (२) अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडए जाव अप्पसंताणए, ,फलस्स सारभागं भुच्चा बीयाइं कंटए गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, अहे ज्झामथंडिलंसि वा, जाव पमज्जिय २ परिट्ठविज्जा ॥ ६३० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे सिया परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गहए बिलं वा लोणं, उब्भियं वा लोणं, परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहगं परह-त्थंसि वा, परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा से आहच्च पडिग्गाहिए सिया तं च णाइदूरगए जाणिज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छिज्जा (२) पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा, इमं ते किं जाणया दिन्नं उदाहु अजाणया ? सो य भणेज्जा, णो खलु मे जाणया दिन्नं अजाणया दिन्नं, कामं खलु आउसो इदाणिं णिसिरामि तं भुंजह च णं परिभाएह च णं, तं परेहिं समणुन्नायं समणुसिट्ठं तओ संजयामेव, भुंजेज्ज वा पीएज्ज वा, जं च णो संचाएति भोत्तए वा पायए वा साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया समणुन्ना अपरिहारिया अदूरगया तेसिं अणुपयायव्वं, सिया णो जत्थ साहम्मिया जहेव बहुपरियावन्ने कीरति तहेव कायव्वं सिया ॥ ६३१ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६३२ ॥ **दसमोद्देसो समत्तो** ॥

भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता "से य भिक्खू गिलाई से हंदह णं तस्साहरह से य भिक्खू णो भुंजिज्जा आहरिज्जा तुमं चेव णं भुंजिज्जासि" से एगइओ भोक्खामित्ति कट्टु पलिउंचिय २ आलोएज्जा, तंजहा-इमे पिंडे इमे लोए इमे तित्तए इमे कडुए इमे कसाए इमे अविले इमे महुरे णो खलु एत्तो किंचि गिलाणस्स सयइत्ति माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, तहेव तं आलोएज्जा, जहेव तं गिलाणस्स सयइत्ति, तंजहा-तित्तयं तित्तएत्ति वा, कडुयं कडुएत्ति वा, कसायं कसाएत्ति वा, अंविलं अंविलेत्ति वा, महुरं महुरेत्ति वा ॥ ६३३ ॥ भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु, समाणे वा वसमाणे वा, गामाणुगामं दूइज्जमाणे मणुन्नं भोयणजायं लभित्ता से भिक्खू गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह सेय भिक्खू णो भुंजिज्जा, आहरेज्जा, से णं

णो खलु मे अंतराए आहरिस्सामि इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइक्कम्म ॥ ६३४ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा सत्त पिंडेसणाओ सत्त पाणेसणाओ तत्थ खलु इमा पढमा पिंडेसणा असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते, तहप्पगारेण असंसट्ठेण हत्थेण वा मत्तेण वा, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **इति पढमा पिंडेसणा** ॥ ६३५ ॥ **अहावरा दोच्चा पिंडेसणा,** संसट्ठे हत्थे संसट्ठे मत्तए तहेव दोच्चा पिंडेसणा **इति दोच्चा पिंडेसणा** ॥ ६३६ ॥ अहावरा **तच्चा पिंडेसणा,** इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया सड्ढा भवंति गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा, तेसिं च णं अण्णतरेसु विरूवरूवेसु भायणजाएसु उवणिक्खित्तपुव्वे सिया तंजहा थालंसि वा, पिढरंसि वा सरगंसि वा, परगंसि वा, वरगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा, असंसट्ठे हत्थे संसट्ठे मत्ते, संसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते से य पडिग्गहधारी सिया पाणिपडिग्गहिए वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसोत्ति वा, भगिणि त्ति-वा, एएणं तुमं असंसट्ठेण हत्थेण संसट्ठेण मत्तेण संसट्ठेण वा हत्थेण असंसट्ठेण मत्तेण अस्सि पडिग्गहगंसि वा पाणिंसि वा णिहट्टु उचित्तु दलयाहि" तहप्पगारं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **तच्चा पिंडेसणा** ॥ ६३७ ॥ अहावरा **चउत्था पिंडेसणा** ॥ से भिक्खू वा, (२) से जं पुण जाणिज्जा, पिहुअं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे अप्पे पज्जवजाए, तहप्पगारं पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा सयं वा जाएज्जा जाव पडिगाहिज्जा । **इति चउत्था पिंडेसणा** ॥ ६३८ ॥ अहावरा **पंचमा पिंडेसणा** से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, जाव समाणे, उग्गहितमेव भोयणजायं जाणिज्जा, तंजहा–सरावंसि वा, डिंडिमंसि वा, कोसगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा बहुपरियावन्ने पाणीसु उदगलेवे तहप्पगारं असणं वा (४) सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा ॥ **पंचमा पिंडेसणा** ॥ ६३९ ॥ अहावरा **छट्ठा पिंडेसणा,** से भिक्खू वा (२) पग्गहियमेव भोयणजायं जाणिज्जा, जं च सयट्ठाए पग्गहियं जं च परट्ठाए पग्गहियं तं पायपरियावन्नं तं पाणिपरियावण्णं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **छट्ठा पिंडेसणा** ॥ ६४० ॥ अहावरा **सत्तमा पिंडेसणा,** से भिक्खू वा (२) जाव समाणे बहु उज्झियधम्मियं भोयणजायं जाणिज्जा, जं चऽन्ने बहवे दुपय-चउप्पय-समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमगा णावकंखंति तहप्पगारं उज्झियधम्मियं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से दिज्जा जाव फासुयं पडिगाहिज्जा ॥ **सत्तमा पिंडेसणा** ॥ **इच्चेयाओ सत्त पिंडेसणाओ** ॥ ६४१ ॥ अहावराओ सत्त पाणेसणाओ, तत्थ

खलु इमा पढमा पाणेसणा, असंसट्ठे हत्थे २ तं चेव भाणियव्वं, णवरं चउत्थाए णाणत्तं, से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा– तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा, आयामं वा, सोवीरं वा, सुद्धवियडं वा, अस्सि खलु पडिग्गाहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे, तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥ ६४२ ॥ इच्चेयासि सत्तण्हं पिंडेसणाणं सत्तण्हं पाणेसणाणं अण्णतरं पडिमं पडिवज्जमाणे णो एवं वएज्जा "मिच्छापडिवण्णा खलु एते भयतारो अहमेगे सम्मं पडिवन्ने, जे एते भयंतारो एयाओ पडिमाओ पडिवज्जित्ताणं विहरंति, जो य अहमंसि एयं पडिमं पडिवज्जित्ताणं विहरामि सव्वेऽवि ते उ जिणाणाए उवट्ठिया अन्नोन्नसमाहीए एवं च णं विहरंति ॥ ६४३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६४४॥

पिंडेसणा णामज्झयणस्स एगारसमोद्देसो, बिइयसुयक्खंधस्स पिंडेसणा णामं पढमज्झयणं समत्तं ॥

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा, **उवस्सयं** एसित्तए, से अणुपविसे गामं वा जाव रायहाणिं वा ॥ ६४५ ॥ से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, सअंडं जाव ससंताणयं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६४६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, अप्पंडं अप्पपाणं जाव अप्पसंताणयं तहप्पगारे उवस्सए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६४७ ॥ से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा अस्सिपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएति तहप्पगारे **उवस्सए** पुरिसंतरगडे वा अपुरिसंतरगडे वा जाव अणासेविते वा णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा । एवं बहवे साहम्मिया एगा साहम्मिणी बहवे साहम्मिणीओ॥६४८॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा असंजए भिक्खुपडियाए बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं जाव चेएइ तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६४९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कडिए वा, उक्कंबिए वा, छन्ने वा, लित्ते वा, घट्ठे वा, मट्ठे वा, संमट्ठे वा, संपधूमिए वा, तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए, णो ठाणं वा, सेज्जं वा, णिसीहियं वा, चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसे-

विए, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव जाव चेतेज्जा ॥ ६५० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए खुड्डियाओ दुवारियाओ महल्लिआओ कुज्जा, जहा पिंडेसणाए जाव संथारगं संथारिज्जा, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविते णो ठाणं वा, सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव जाव चेतेज्जा ॥ ६५१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए उदगप्पसूयाणि वा, कंदाणि वा, मूलाणि वा, पत्ताणि वा, पुप्फाणि वा, फलाणि वा, बीयाणि वा, हरियाणि वा, ठाणाओ ठाणं साहरति, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा। अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरगडे जाव चेतेज्जा ॥ ६५२ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, से जं पुण जाणिज्जा, असंजए भिक्खूपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा उदूहलं वा ठाणाओ ठाणं साहरइ बहिया वा णिण्णक्खु, तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव चेतेज्जा ॥ ६५३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तंजहा खंधंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अन्नतरंसि वा तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि, णण्णत्थ आगाढाणागाढेहिं कारणेहिं, ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा णो चेतेज्जा ॥ ६५४ ॥ से आहच्च चेतिते सिया णो तत्थ सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, हत्थाणि वा, पादाणि वा, अच्छीणि वा, दंताणि वा, मुहं वा, उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा, णो तत्थ ऊसढं पगरेज्जा, तंजहा–उच्चारं वा, पासवणं वा, खेलं वा, सिंघाणं वा, वंतं वा, पित्तं वा, पूयं वा, सोणियं वा, अन्नयरं वा सरीरावयवं केवली बूया "आयाण मेयं" से तत्थ ऊसढं पगरेमाणे पयलेज्ज वा, पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे पवडेमाणे वा हत्थं वा, जाव सीसं वा अन्नतरं वा कायंसि इंदियजालं लूसेज्जा पाणाणि वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** अंतलिक्खजाए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा सइत्थियं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइकुलेण सद्धिं संवसमाणस्स अलसए वा, विसूइया वा छड्डी वा उव्वाहिज्जा अन्नतरे वा से दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा असं-

जए कलुणपडियाए तं भिक्खुस्स गातं तेल्लेण वा, घएण वा, उव्वट्टणेण वा अब्भं- गेज्ज मक्खिज्ज वा, सिणाणेण वा, कक्केण वा, लोद्देण वा, वण्णेण वा चुन्नेण वा, पउमेण वा, आघंसेज्ज वा, पघंसेज्ज वा, उव्वलेज्ज वा, उवट्टेज्ज वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, सिणाविज्ज वा, सिंचिज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु, अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालिज्ज वा, उज्जालित्ता २ कायं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५६ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स सागारिए **उवस्सए** वसमाणस्स इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा अन्नमन्नं अक्कोसंति वा, पचंति वा रुंभंति वा उद्दविंति वा अह भिक्खूणं उच्चावयं मणं णियंछेज्जा एते खलु अन्नमन्नं उक्कोसंतु वा मा वा उक्कोसंतु जाव मा वा उद्दविंतु। अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जाव जं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५७ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइ अप्पणो सअट्ठाए अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा विज्झावेज्ज वा, अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियंछेज्जा, एते खलु अगणिकायं उज्जालेंतु वा जाव मा वा विज्झावेंतु अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए नो ठाणं वा सेज्जं वा, निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५८ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स कुंडले वा, गुणे वा, मणी वा, मोत्तिए वा, हिरण्णे वा, सुवण्णे वा, कडगाणि वा, तुडियाणि वा, तिसरगाणि वा, पालंबाणि वा, हारे वा, अद्धहारे वा, एगावली वा, मुत्तावली वा, कणगावली वा, रयणावली वा, तरुणियं वा कुमारिं अलंकियविभूसियं पेहाए, अह भिक्खू उच्चावयं मणं, णियंछेज्जा, "एरिसिया वा सा णो वा एरिसिया" इति वा णं बूया, इति वा णं मणं साएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा ४ जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६५९ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइणीओ वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, गाहावइधाईओ वा, गाहावइदासीओ वा, गाहावइकम्मकरीओ वा, तासिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो जाव उवरया मेहुणधम्माओ णो खलु एतेसि कप्पइ मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टित्तए, जा य खलु एएहिं सद्धिं मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टाविज्जा पुत्तं खलु सा लभेज्जा, ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं संपराइयं आलोयणदरिसिणिज्जं," एयप्पगारं

णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तासिं च णं अण्णयरी सड्ढी तं तवस्सिं भिक्खुं मेहुण-धम्मपरियारणाए आउट्टावेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६६० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६६१ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो** ॥

गाहावइ णामेगे सुइसमायारा भवंति से भिक्खू य असिणाणाए से तग्गंधे दुग्गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, जं पुव्वकम्मं तं पच्छाकम्मं, जं पच्छाकम्मं तं पुव्वकम्मं तं भिक्खुपडियाए वट्टमाणे करेज्जा वा नो करेज्जा वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६६२ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सअट्ठाए विरूवरूवे भोयणजाए उवक्खडिए सिया अह पच्छा भिक्खुपडियाए असणं वा (४) उवक्खडेज्ज वा उवकरेज्ज वा तं च भिक्खू अभिकंखेज्जा भोत्तए वा पायए वा वियट्टित्तए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं नो तहप्पगारे उवस्सए ठाणं चेतेज्जा ॥ ६६३ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइणा सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयट्ठाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिन्नपुव्वाइं भवंति, अह पच्छा भिक्खुपडियाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिंदेज्ज वा, किणेज्ज वा पामिच्चेज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा, तत्थ भिक्खू अभिकंखेज्ज वा आतावेत्तए वा, पयावेत्तए वा, वियट्टित्तए वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं चेतेज्जा ॥ ६६४ ॥ से भिक्खू वा (२) उच्चारपासवणेणं उब्बाहिज्जमाणे राओ वा विआले वा, गाहावइकुलस्स दुवारबाहं अवंगुणेज्जा तेणे य तस्संधिचारी अणुपविसेज्जा, तस्स भिक्खुस्स णो कप्पइ एवं वदित्तए "अयं तेणे पविसइ वा णो वा पविसइ, उवल्लियइ वा णो वा उवल्लियइ, आवयति वा णो वा आवयति, वदति वा णो वा वदति, तेण हडं अण्णेण हडं, तस्स हडं अण्णस्स हडं, अयं तेणे अयं उवयरए, अयं हंता, अयं एत्थमकासी," तं तवस्सिं भिक्खुं अतेणं तेणं ति संकइ, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो चेतेज्जा ॥ ६६५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा तणपुंजेसु पलालपुंजेसु वा, सअंडे जाव ससंताणए तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६६६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तणपुंजेसु वा, पलालपुंजेसु वा अप्पंडे जाव चेएज्जा ॥ ६६७ ॥ से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा

परियावसहेसु वा अभिक्खणं अभिक्खणं साहम्मिएहिं ओवयमाणेहिं णो ओवएज्जा ॥ ६६८ ॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उडुवद्धियं वासावासियं वा कप्पं उवातिणित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो कालाइक्कंतकिरिया भवइ ॥ ६६९ ॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उडुवद्धियं वा, वासावासियं वा, कप्पं उवातिणावित्ता तं दुगुणा दुगुणेण अपरिहरित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो इत्तरा उवट्ठाणकिरिया यावि भवइ ॥ ६७० ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तेसि च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ तं सद्दहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं, तं रोयमाणेहिं वहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेतिआइं भवंति, तंजहा-आएसणाणि वा आयतणाणि वा देवकुलाणि वा सहाओ वा पवाणि वा पणियगिहाणि वा पणियसालाओ वा जाणगिहाणि वा जाणसालाओ वा सुहाकम्मंताणि वा दब्भकम्मंताणि वा वद्धकम्मंताणि वा, वक्कयकम्मंताणि वा, वणकम्मंताणि वा इंगालकम्मंताणि वा कठ्ठकम्मंताणि वा सुसाणकम्मंताणि वा संति कम्मंताणि वा सुण्णागारकम्मंताणि वा गिरिकम्मंताणि वा कंदराकम्मंताणि वा सेलोवट्ठाणकम्मंताणि वा भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं ओवयमाणेहिं ओवयंति, अयमाउसो अभिक्कंतकिरिया या वि भवइ ॥ ६७१ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं वहवे समण जाव वणीमए समुद्दिस्स, तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेतिआइं भवंति, तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं अणोवयमाणेहिं ओवयंति अयमाउसो ! अणभिक्कंतकिरिया या वि भवति ॥ ६७२ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइआ सड्ढा भवंति, तंजहा-गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो सीलमंता जाव उवरया मेहुणधम्माओ, णो खलु एएसिं भयंताराणं कप्पइ आहाकम्मिए **उवस्सए** वत्थए, से जाणि इमाणि अम्हं अप्पणो सअट्ठाए चेतिताइं भवंति, तंजहा आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, सव्वाणि ताणि समणाणं णिसिरामो अवियाइं वयं पच्छा अप्पणो सअट्ठाए चेतिस्सामो तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति उवा-

गच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो वज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७३॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ, जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण जाव वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेतिताइं भवंति तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति, इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो महावज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७४॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण० जाव समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेतिआइं भवंति-तंजहा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति, अयमाउसो सावज्जकिरिया या वि भवइ ॥ ६७५ ॥ इह खलु पाईणं वा जाव उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा-गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ जाव तं रोयमाणेहिं एक्कं समणजायं समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेतिताइं भवंति, तंजहा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढवीकायसमारंभेणं एवं महया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ-तसकायसमारंभेणं महया संरंभेणं महया आरंभेणं महया विरूवरूवेहिं पावकम्मेहिं तंजहा छायणओ, लेवणओ, संथारदुवारपिहणाओ, सीतोदए वा, परिट्ठवियपुव्वे भवइ, अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति दुपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो महासावज्जकिरिया या वि भवइ ॥ ६७६ ॥ इह खलु पाईणं वा जाव तं रोयमाणेहिं अप्पणो सअट्ठाए तत्थ २ अगारीहिं जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढविकायसमारंभेणं जाव अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति एगपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो अप्पसावज्जा किरिया या वि भवइ ॥ ६७७ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६७८ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥**

"से य णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे णो य खलु सुद्धे इमेहिं पाहुडेहिं, तंजहा-छायणओ, लेवणओ संथारदुवारपिहणओ पिंडवाएसणाओ से य भिक्खू चरियारए ठाणरए निसीहियारए सेज्जासंथारपिंडवाएसणारए" संति भिक्खुणो एव मक्खाइणो उज्जुया णियागपडिवन्ना अमायं कुव्वमाणा वियाहिया ॥ ६७९ ॥ संते-

गइआ पाहुडिया उक्खित्तपुव्वा भवइ एवं णिक्खित्तपुव्वा भवइ परिभाइयपुव्वा भवइ परिभुत्तपुव्वा भवइ परिट्ठवियपुव्वा भवइ एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरेति ? हंता भवइ ॥ ६८० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा खुड्डियाओ खुड्डदुवारियाओ नीयाओ संनिरुद्धाओ भवंति, तहप्पगारे **उवस्सए** राओ वा विआले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पुरा हत्थेण वा पच्छा पाएण वा तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं' जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा छत्तए वा मत्तए वा दडए वा लट्ठिआ वा भिसिया वा नालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्म-छेदणए वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले भिक्खू य राओ वा वियाले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलिज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा पायं वा जाव इंदियजायं वा लूसेज्ज वा, पाणाणि जाव सत्ताणि वा, अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** पुरा हत्थेणं पच्छा पाएणं तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ६८१ ॥ से आगंतारेसु वा अणुवीइ **उवस्सयं** जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए, ते **उवस्सयं** अणुण्णवेज्जा, कामं खलु आउसो अहालंदं अहापरिण्णातं वसिस्सामो जाव आउसंतो जाव आउसंतस्स **उवस्सए** जाव साहम्मियाए तओ **उवस्सयं** गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥६८२॥ से भिक्खू वा (२) **जस्सुवस्सए** संवसिज्जा तस्स णामगोयं पुव्वामेव जाणिज्जा तओ पच्छा तस्स गिहे णिमंतेमाणस्स अणिमंतेमाणस्स वा असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ६८३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उव-स्सयं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं णो पण्णस्स निक्खमणपवेसणाए, णो पण्णस्स वायण जाव चिंताए, तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६८४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झं मज्झेणं गंतुं पंथए पएपएपडिबद्धं णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६८५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णमक्कोसंति वा जाव उद्दवेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा अब्भंगेति वा

मक्खेति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा, अण्णमण्णस्स गायं सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्देण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा, आघंसंति वा पघंसंति वा उव्वलंति वा उव्वट्टिंति वा णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिताए तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलंति वा पधोवेंति वा सिचंति वा सिणावेंति वा णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा णिगिणा ठिआ णिगिणा उल्लीणा मेहुणधम्मं विण्णवेंति रहस्सियं वा मंतं मंतेंति णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६९० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खं णो पण्णस्स जाव चिंताए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६९१ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा संथारं एसित्तए ॥ ६९२ ॥ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणगं तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं गरुयं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं अपाडिहारियं तहप्पगारं सेज्जा संथारयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं णो अहावद्धं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं अहावद्धं तहप्पगारं संथारयं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ ६९७ ॥ इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइक्कम्म अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं चउहिं पडिमाहिं संथारगं एसित्तए तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा;-से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय उद्दिसिय संथारगं जाएज्जा, तंजहा-इक्कडं वा कढिणं वा जंतुयं वा परगं वा मोरगं वा तणं वा सोरगं वा कुसं वा कुच्चगं वा पव्वगं वा पिप्पलगं वा पलालगं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भगिणी त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारगं ? तहप्पगारं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं एसणिज्जं लाभे संते पडिगाहिज्जा **पढमा पडिमा**

॥ ६९८ ॥ **अहावरा दोच्चा पडिमा,** से भिक्खू वा (२) पेहाए संथारगं जाएज्जा तंजहा-गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारगं ?" तहप्पगारं संथारगं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा **दोच्चा पडिमा** ॥ ६९९ ॥ **अहावरा तच्चा पडिमा,** से भिक्खू वा (२) **जस्सुवस्सए** संवसेज्जा जे तत्थ अहासमण्णागए तंजहा-इक्कडेइ वा जाव पलालेइवा तस्स लाभे संवसेज्जा तस्स अलाभे उक्कुडुए वा निसज्जिए वा विहरेज्जा **तच्चा पडिमा** ॥ ७०० ॥ **अहावरा चउत्था पडिमा,** से भिक्खू वा (२) अहा संथडमेव संथारगं जाइज्जा तंजहा-पुढविसिलं कट्ठसिलं वा, अहा संथडमेव तस्स लाभे संते संवसेज्जा, अलाभे उक्कुडुए वा निसज्जिए वा विहरेज्जा, **चउत्था पडिमा,** ॥७०१॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं पडिवज्जमाणे तं चेव जाव अन्नोन्नसमाहीए एवं चणं विहरंति ॥ ७०२ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा संथारं पच्चप्पिणित्तए से जं पुण संथारगं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं णो पच्चप्पिणिज्जा ॥ ७०३ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा संथारगं पच्चप्पिणित्तए, से जं पुण संथारगं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं पडिलेहिय २ पमज्जिय २ आयाविय २ विधूणिय २ तओ संजयामेव पच्चप्पिणेज्जा ॥ ७०४ ॥ से भिक्खू वा (२) समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुव्वामेव णं पण्णस्स उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहिज्जा केवली बूया 'आयाणमेयं' अपडिलेहियाए उच्चारपासवणभूमिए भिक्खू वा भिक्खुणी वा राओ वा वियाले वा उच्चारपासवणं परिठ्ठवेमाणे, पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयलेमाणे पवडमाणे वा हत्थं वा पायं वा जाव लूसिज्जा पाणाणि वा ४ जाव ववरोवेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिठ्ठा जाव जं पुव्वामेव पण्णस्स उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेज्जा ॥ ७०५ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा सेज्जासंथारगभूमिं पडिलेहित्तए णण्णत्थ आयरिएण वा उवज्झाएण वा जाव गणावच्छेएण वा बालेण वा वुड्ढेण वा सेहेण वा गिलाणेण वा आएसेण वा अंतेण वा मज्झेण वा समेण वा विसमेण वा पवाएण वा णिवाएण वा तओ संजयामेव पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव बहुफासुयं सिज्जासंथारगं संथरिज्जा ॥ ७०६ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुफासुयं सेज्जासंथारगं संथरित्ता अभिकंखेज्जा, बहुफासुए सेज्जासंथारए दुरुहित्तए ॥ ७०७ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुफासुए सेज्जासंथारए दुरुहमाणे से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जिय २ तओ संजयामेव बहुफासुए सिज्जासंथारगे दुरुहित्ता तओ संज-

यामेव वहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥ ७०८ ॥ से भिक्खू वा (२) वहुफासुए सेज्जा संथारए सयमाणे णो अण्णमण्णस्स हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं, आसाएज्जा, से अणासायमाणे तओ संजयामेव वहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥ ७०९ ॥ से भिक्खू वा (२) उस्सासमाणे वा णीसासमाणे वा कासमाणे वा छीयमाणे वा जंभायमाणे वा उड्डुए वा वायणिसग्गे वा करेमाणे पुव्वामेव आसयं वा पोसयं वा पाणिणा परिपिहित्ता तओ संजयामेव ऊससेज्ज वा जाव वायणिसग्गं वा करेज्जा, ॥ ७१० ॥ से भिक्खू वा (२) समावेगया सेज्जा भवेज्जा, विसमा वेगया सेज्जा भवेज्जा, पवाता वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिवाता वेगया सेज्जा भवेज्जा, ससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सउवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिरुवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, तहप्पगाराहिं सेज्जाहिं संविज्जमाणाहिं पग्गहिततरागं विहारं विहरेज्जा, णो किंचिवि गिलाएज्जा ॥ ७११ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति वेमि ॥ ७१२ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स तइओद्देसो समत्तो ॥**

॥ सेज्जाणामविइयमज्झयणं समत्तं ॥

"अब्भुवगए खलु वासावासे अभिपवुट्ठे वहवे पाणा अभिसंभूया, वहवे वीया-अहुणुब्भिन्ना, अंतरा से मग्गा, वहुपाणा वहुवीया, जाव संताणगा, अणभिक्कंता पंथा णो विण्णाया मग्गा" सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा, तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि रायहाणिंसि वा णो महती विहारभूमी णो महती विचारभूमी, णो सुलभे पीढफलगसेज्जासंथारए णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे वहवे जत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागया उवागमिस्संति य अच्चाइण्णा वित्ती णो पण्णस्स निक्खमणपवेसाए जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा णो वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा महती विहारभूमी महती विचारभूमी सुलभे जत्थ पीढफलगसेज्जासंथारए सुलभे फासुए उंच्छे अहेसणिज्जे णो जत्थ वहवे समण

जाव उवागया उवागमिस्संति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिंसि वा तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१५ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासावासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंचदसरायकप्पे परिवुसिए अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समण जाव उवागया उवागमिस्संति य सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७१६॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासा वासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंच दस रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा बहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्संति य सेवं णच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७१७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पायं रीएज्जा साहट्टु पायं रीएज्जा उक्खिप्पपायं रीएज्जा तिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा सति परक्कमे संजतामेव परिक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१८ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्थे सइ परक्कमे जाव णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतिकाणि दस्सुगायतणाणि मिलक्खूणि अणायरियाणि दुस्सन्नप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकालपरिभोईणि सति लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जाणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्जा गमणाए केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला "अयं तेणे अयं उवचरए अयं तओ आगए" त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं अच्छिदेज्ज वा अभिंदेज्ज वा अवहरिज्ज वा, परिठ्ठविज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिठ्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंतियाणि दस्सुगायतणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवज्जेज्जा गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से अरायाणि वा, गणरायाणि वा, जुवरायाणि वा, दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्जगमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला 'अयं तेणे' तं चेव जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२१॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, एगाहेण वा, दुयाहेण वा, तियाहेण वा, चउयाहेण वा, पंचाहेण वा, पाउणिज्ज वा, नो पाउणिज्ज वा, तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं सति लाढे जाव

णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतरा से वासे सिया, पाणेसु वा, पणएसु वा, बीएसु वा, हरिएसु वा, उदएसु वा, मट्टियाए वा, अविद्धत्थाए, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं अणेगाहगमणिज्जं जाव णो गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा गमणाए ॥७२२॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से णावा संतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए किणेज्ज वा, पामिच्चेज्ज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्टु, थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलावेज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा, अहेगामिणिं वा, तिरियगामिणिं वा, परं जोयणमेराए अद्धजोयणमेराए अप्पतरो वा, भुज्जतरो वा, णो दुरुहेज्ज गमणाए ॥ ७२३ ॥ से भिक्खू वा (२) पुव्वामेव तिरिच्छसंपातिमं णावं जाणिज्जा जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, भंडगं पडिलेहिज्जा, पडिलेहित्ता एगओ भोयणभंडगं करेज्जा २ ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता सागारियभत्तं पच्चक्खाएज्जा पच्चक्खाइत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ॥ ७२४ ॥ से भिक्खू वा (२) णावं दुरुहमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए अग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झतो दुरुहेज्जा, णो वाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय अंगुलिए उवदंसिय २ ओणमिय २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा ॥ ७२५ ॥ से णं परो णावागतो णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि" णो से तं परिन्नं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२६ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा णो संचाएसि णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए आहर एतं णावाए रज्जूयं सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा जाव रज्जूए वा गहाय आकसिस्सामो" णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२७ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावं आलित्तेण वा, पीढेण वा वंसेण वा वलएण वा अवलुएण वा वाहेहिं णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२८ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वदेज्जा "आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिंचणेण वा उस्सिंचाहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२९ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, आउसंतो समणा एतं तो तुमं णावाए उत्तिंगं हत्थेण

वा पाएण वा बाहुणा वा उरुणा वा उदरेण वा सीसेण वा काएण वा णावा उस्सिं-चणेण चेलेण वा मट्टियाए वा कुसपत्तएण वा कुरुविंदेण वा पिहेहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा ॥ ७३० ॥ से भिक्खू वा (२) णावाए उत्तिंगेणं उदयं आस-वमाणं पेहाए उवरुवरि णावं कज्जलावेमाणि पेहाए णो परं उवसंकमित्तु एवं बूया, "आउसंतो गाहावइ एयं ते णावाए उदयं उत्तिंगेण आसवति, उवरुवरिं वा णावा कज्जलावेति" एतप्पगारं मणं वा वायं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए अबहिल्लेस्से एगंतगएणं अप्पाणं विउसेज्ज समाहीए, तओ संजयामेव णावासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥ ७३१ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सदा जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७३२ ॥ **इरिया-ज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो** ॥

से णं परो णावागओ णावागयं वदेज्जा, "आउसंतो समणा एयं ता तुमं छत्तगं वा जाव चम्मछेयणगं वा गिण्हाहि, एयाणि तुमं विरूवरूवाणि सत्थजायाणि धारेहि, एयं ता तुमं दारगं वा, पज्जेहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७३३ ॥ से णं परो णावागए णावागयं वदेज्जा एसणं समणे णावाए भंडभारिए भवइ से णं बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह" एतप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से य चीवरधारी सिया खिप्पामेव चीवराणि उव्वेढिज्ज वा णिव्वेढिज्ज वा उप्फेसं वा करिज्जा ॥ ७३४ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा अभिक्कंत-कूरकम्मा खलु बाला बाहाहिं गहाय नावाओ उदगंसि पक्खिविज्जा से पुव्वामेव वएज्जा 'आउसंतो! गाहावइ! मा मेत्तो बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह सयं चेव णं अहं णावातो उदगंसि ओगाहिस्सामि,' से णेवं वयंतं परो सहसा बलसा बाहाहिं गहाय उदगंसि पक्खिविज्जा तं णो सुमणे सिया णो दुम्मणे सिया णो उच्चा-वयं मणं णियंछिज्जा, णो तेसिं बालाणं घातए वहाए समुट्ठिज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहिए तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७३५ ॥ से भिक्खू वा (२) उद-गंसि पवमाणे णो हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं आसाएज्जा, से अणासाय-णाए अणासायमाणे तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७३६ ॥ से भिक्खू वा (२) उदगंसि पवमाणे णो उम्मुग्गणिम्मुग्गियं करिज्जा, मामेयं उदगं कण्णेसु वा अच्छीसु वा णक्कंसि वा मुहंसि वा परियावज्जिज्जा, तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७३७ ॥ से भिक्खू वा (२) उदगंसि पवमाणे दोब्बलियं पाउणिज्जा खिप्पामेव उवहिं विगिंचिज्ज वा विसोहिज्ज वा, णो चेव णं सातिज्जिज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण

वा काएण उदगतीरे चिट्ठिज्जा ॥ ७३८ ॥ से भिक्खू वा (२) उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा काय णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा संलिहिज्ज वा णिल्लिहिज्ज वा उव्वलिज्ज वा उव्वट्टिज्ज वा, आयाविज्ज पयाविज्ज वा, अह पु० विगओदओ मे काए छिन्नसिणेहे काए त० आ० पयाविज्ज वा० तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७३९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो परेहिं सद्धिं परिजविय परिजविय गामाणुगामं दूइज्जिज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७४० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जंघासंतारिमे उदए सिया से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पादे य पमज्जेज्जा से पुव्वामेव पमज्जित्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥ ७४१ ॥ से भिक्खू वा (२) जंघासंतारिमे उदगे अहारियं रीयमाणे णो हत्थेण वा हत्थं पाएण वा पायं काएण वा कायं आसाएज्जा, से अणासायए अणासायमाणे तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥ ७४२ ॥ से भिक्खू वा (२) जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो सायावडियाए णो परिदाहवडियाए महइ महालयंसि उदगंसि कायं विउसिज्जा, तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण उदगतीरे चिट्ठेज्जा ॥ ७४३ ॥ से भिक्खू वा (२) उदउल्लं वा कायं ससिणिद्धं वा कायं णो आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, अह पुण एवं जाणिज्जा विगतोदए मे काए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं कायं आमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४४ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो मट्टियामएहिं पाएहिं हरियाणि छिंदिय २ विकुज्जिय २ विफालिय २ उम्मग्गेणं हरियवहाए गच्छेज्जा "जहेयं पाएहिं मट्टियं खिप्पामेव हरियाणि अवहरंतु" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से पुव्वामेव अप्पहरियं मग्गं पडिलेहेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४५ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा, गड्ढाओ वा, दरीओ वा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा, केवली बूया 'आयाणमेयं' से तत्थ परक्कममाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा ॥ ७४६ ॥ से तत्थ पयलमाणे वा, पवडेमाणे वा, रुक्खाणि वा, गुच्छाणि वा, गुम्माणि वा, लयाओ वा, वल्लीओ वा, तणाणि वा, गहणाणि वा, हरियाणि वा, अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, जे तत्थ पाडिपहिया उवागच्छंति, ते पाणी

जाएज्जा, तओ संजयामेव अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, तओ गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जवसाणि वा, सगडाणि वा, रहाणि वा, सचक्काणि वा, परचक्काणि वा, से णं वा विरूवरूवं संणिरुद्धं पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥ ७४८ ॥ से णं परो सेणागओ वएज्जा, आउसंतो एसणं समणे सेणाए अभिनिवारियं करेइ, से णं बाहाए गहाय आगसह सेणं परो बाहाहिं गहाय आगसेज्जा, तं णो सुमणे सिया जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४९ ॥ से भिक्खू वा (२) अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा तेणं पाडिपहिया एवं वदेज्जा आउसंतो समणा केवइए एस गामे वा रायहाणी वा केवइया एत्थ आसा हत्थी गामपिंडोलगा मणुस्सा परिवसंति ? से बहुभत्ते बहुउदए बहुजणे बहुजवसे से अप्पुदए अप्पभत्ते अप्पजणे अप्पजवसे, एयप्पगाराणि पसिणाणि पुट्ठो वा अपुट्ठो वा णो आइक्खेज्जा, एतप्पगाराणि पसिणाणि णो पुच्छेज्जा ॥ ७५० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ७५१ ॥ **इरियाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, जाव दरीओ वा, कूडागाराणि वा, पासादाणि वा, णूमगिहाणि वा, रुक्खगिहाणि वा, पव्वयगिहाणि वा, आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय २ अंगुलियाए उद्दिसिय २ ओ०२ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७५२ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से कच्छाणि वा, दवियाणि वा, णूमाणि वा, वलयाणि वा, गहणाणि वा, गहणविदुग्गाणि वा, वणाणि वा, वणपव्वयाणि वा, पव्वतविदुग्गाणि वा, पव्वतगिहाणि वा, अगडाणि वा, तलागाणि वा, दहाणि वा, णदीओ वा, वावीओ वा, पुक्खरणीओ वा, दीहियाओ वा, गुंजालियाओ वा, सराणि वा, सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय जाव णिज्झाएज्जा, केवली बूया 'आयाण-मेयं' जे तत्थ मिगा वा, पसू वा, पक्खी वा, सिरीसिवा वा, सीहा वा, जलचरा वा, थलचरा वा, खहचरा वा, सत्ता ते उत्तसेज्ज वा, वित्तसेज्ज वा, वाडं वा सरणं वा कंखेज्जा, "चारित्ति मे अयं समणे" अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जं णो बाहाओ पगिज्झिय २ जाव णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव आयरिय उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७५३ ॥ से भिक्खू वा (२) आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जमाणे, णो आयरियउवज्झायस्स हत्थेण वा हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं जाव दूइ-

ज्जिज्जा ॥ ७५४ ॥ से भिक्खू वा (२) आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया से एवं वएज्जा "आउसंतो समणा के तुब्भे ? कओ वा एह ? कहिं वा गच्छिहिह" जे तत्थ आयरियउवज्झाए से भासेज्ज वा, वियागरेज्ज वा, आयरियोवज्झायस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं करेज्जा, तओ संजयामेव अहारातिणिए वा० दूइज्जेज्जा ॥ ७५५ ॥ से भिक्खू वा (२) अहारातिणियं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अहारातिणियस्स हत्थेण हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव अहारातिणियं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७५६ ॥ से भिक्खू वा (२) अहारातिणियं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वदेज्जा, आउसंतो समणा के तुब्भे ? कओ वा एह ? कहिं वा गच्छिहिह ? जे तत्थ सव्वरातिणिए से भासेज्ज वा वागरेज्ज वा अहारातिणियस्स भासमाणस्स वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं भासेज्जा, तओ संजयामेव अहाराइणियाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७५७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया आगच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वदेज्जा "आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह तंजहा– मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा पसुं वा पक्खि वा, सिरीसिवं वा जलयरं वा से आइक्खह दंसेह" तं णो आइक्खेज्जा णो दंसेज्जा णो तेसिं तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा, **जाणं वा, णो जाणंति वएज्जा,** तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७५८ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया आगच्छेज्जा ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा "आउसंतो समणा अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह उदगपसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदगं वा संणिहियं अगणिं वा संणिक्खित्तं, सेसं तं चेव से आइक्खह, जाव दूइज्जेज्जा ॥ ७५९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा, आउसंतो समणा अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह, जवसाणि वा, जाव से णं वा, विरूवरूवं संणिविट्ठं, से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया जाव "आउसंतो समणा ! केवइए एत्तो गामे वा जाव रायहाणी वा से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६१ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया जाव "आउसंतो समणा केवइए एत्तो गामस्स णगरस्स वा जाव रायहाणीए वा मग्गे, से आइक्खह तहेव जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६२ ॥ से भिक्खु वा

(२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से गोणं वियालं पडिपहे पेहाए जाव चित्तचिल्लडं वियालं पडिपहे पेहाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा, णो मग्गाओ उम्मग्गं संकमिज्जा, णो गहणं वा वणं वा दुग्गं वा अणुपविसेज्जा, णो रुक्खंसि दुरुहेज्जा, णो महइमहालयंसि उदयंसि कायं विउसेज्जा, णो वाडं वा सरणं वा सेणं वा सत्थं वा कंखेज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७६३ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा उवगरणपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा, णो तेसिं भीओ उम्मग्गेण गच्छेज्जा, जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७६४ ॥ से भिक्खु वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा संपिंडिया गच्छेज्जा ते णं आमोसगा एवं वदेज्जा, आउसंतो समणा, आहर एयं वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं वा देहि णिक्खिवाहि, तं णो देज्जा णिक्खिवेज्जा, णो वंदिय २ जाएज्जा, णो अंजलिं कट्टु जाएज्जा, णो कलुणपडियाए जाएज्जा, धम्मियाए जाएज्जा, तुसिणीयभावेण वा उवेहिज्जा, ते णं आमोसगा 'सयं करणिज्जं' त्ति कट्टु, अक्कोसंति वा जाव उवद्दवंति वा वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा, जाव परिठ्ठवेज्ज वा, तं णं णो गामसंसारियं कुज्जा, णो रायसंसारियं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु बूया, आउसंतो गाहावइ एए खलु मे आमोसगा उवगरणपडियाए सयं करणिज्जं त्ति कट्टु अक्कोसंति वा जाव परिठ्ठवेंति वा, एयप्पगारं मणं वा वयणं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७६५ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं, जं सव्वठ्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७६६ ॥

इरियाज्झयणस्स तइओद्देसो समत्तो ॥ तइयं इरियाज्झयणं समत्तं ॥

से भिक्खू वा (२) इमाइं वयायाराइं सोच्चा णिसम्म इमाइं अणायाराइं अणायरियपुव्वाइं जाणिज्जा, जे कोहा वा माणा वा मायाए वा लोहा वा वायं विउंजंति, जाणओ वा फरुसं वयंति, अजाणओ वा फरुसं वयंति, सव्वमेयं सावज्जं वज्जेज्जा, विवेगमायाए ॥ ७६७ ॥ धुवं चेयं जाणिज्जा, अधुवं चेयं जाणिज्जा, असणं वा (४) लभिय णो लभिय, भुंजिय णो भुंजिय, अदुवा आगए णो आगए, अदुवा एइ णो एइ, अदुवा एहिति णो एहिति, एत्थवि आगए णो आगए, एत्थवि एइ णो एइ, एत्थवि एहिति णो एहिति ॥ ७६८ ॥ अणुवीइ णिठ्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासेज्जा, तंजहा-एगवयणं, दुवयणं, बहुवयणं, इत्थिवयणं, पुरिसवयणं, णपुंसगवयणं,

अज्झत्थवयणं, उवणीयवयणं, अवणीयवयणं, उवणीयावणीयवयणं, अवणीयोवणीयवयणं, तीयवयणं, पडुप्पन्नवयणं, अणागयवयणं, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ॥ ७६९ ॥ से एगवयणं वदिस्सामीति एगवयणं वएज्जा, जाव परोक्खवयणं वइस्सामीति परोक्खवयणं वएज्जा, इत्थी वेस पुरिसो वेस, णपुंसगं वेस, एवं वा चेयं, अण्णं वा चेयं, अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासिज्जा, इच्चेयाइं आयतणाइं उवातिकम्म ॥ ७७० ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तंजहा-सच्चमेगं पढमं भासज्जायं, वीयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, जं णेव सच्चं णेव मोसं नेव सच्चामोसं "असच्चामोसं" णाम तं चउत्थं भासजातं ॥ ७७१ ॥ से बेमि जे अतीता जे य पडुप्पन्ना जे य अणागया अरहंता भगवंतो सव्वे ते एयाणि चेव चत्तारि भासाजायाइं भासिंसु वा भासंति वा भासिस्संति वा, पण्णविंसु वा, पण्णवेंति वा, पण्णविस्संति वा, सव्वाइं च णं एयाइं अचित्ताणि वण्णमंताणि गंधमंताणि रसमंताणि फासमंताणि चओवचइयाइं विपरिणामधम्माइं भवंतीति समक्खायाइं ॥ ७७२ ॥ से भिक्खू वा (२) पुव्विं भासा अभासा भासमाणा भासा भासा, भासासमयविइक्कंता च णं भासिया भासा अभासा ॥७७३॥ से भिक्खू वा (२) जाय भासा सच्चा, जाय भासा मोसा, जाय भासा सच्चामोसा, जाय भासा असच्चामोसा, तहप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं कक्कसं कडुयं निट्ठुरं फरुसं अण्हयकरिं छेयणभेयणकरिं परितावणकरिं उद्दवकरिं भूतोवघाइयं अभिकंख भासं णो भासेज्जा ॥ ७७४ ॥ से भिक्खू वा (२) जा य भासा सच्चा सुहुमा जाय भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भासं असावज्जं अकिरियं जाव अभूतोवघाइयं अभिकंख भासं भासेज्जा, अदुवा य पुमं आमंतेमाणे आमंतिते वा अपडिसुणेमाणं णो एवं वएज्जा, होले त्ति वा गोले त्ति वा वसुले त्ति वा कुपक्खे त्ति वा घडदासे त्ति वा साणे त्ति वा तेणे त्ति वा चारिए त्ति वा माई त्ति वा मुसावाई त्ति वा एयाइं तुमं ते जणगा वा, एतप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं जाव अभिकंख नो भासेज्जा ॥ ७७५ ॥ से भिक्खू वा (२) पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणे एवं वएज्जा, अमुगे त्ति वा आउसोत्ति वा आउसंतोत्ति वा सावगे त्ति वा उपासगेत्ति वा धम्मिएत्ति वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूतोवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ॥ ७७६ ॥ से भिक्खू वा (२) इत्थिं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणीं नो एवं वएज्जा, होली इ वा गोली इ वा इत्थीगमेणं णेतव्वं ॥ ७७७ ॥ से भिक्खू वा (२) इत्थियं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणीं एवं वएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणि त्ति वा भगवइ त्ति वा साविगे त्ति वा उवासिए त्ति वा धम्मिए त्ति

वा धम्मपियेत्ति वा एतप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासेज्जा ॥ ७७८ ॥ से भिक्खू वा (२) णो एवं वएज्जा, णभोदेवेत्ति वा गज्जदेवेत्ति वा विज्जुदेवे त्ति वा पवुठ्ठदेवेत्ति वा निवुठ्ठदेवेत्ति वा पडउ वा वासं मा वा पडउ णिप्फज्जउ वा सस्सं मा वा णिप्फज्जउ विभाउ वा रयणी मा वा विभाउ उदेउ वा सूरिए मा वा उदेउ सो वा राया जयउ मा वा जयउ णो एतप्पगारं भासं भासिज्जा, पण्णवं ॥ ७७९ ॥ से भिक्खू वा (२) अंतलिक्खेत्ति वा गुज्झाणुचरिएत्ति वा संमुच्छिए वा णिवइए वा पओवएज्जा वा वुठ्ठबलाहगेत्ति वा ॥७८०॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वठ्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७८१ ॥ **भासाज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा-गंडी गंडीति वा, कुठ्ठी कुठ्ठीति वा, जाव महुमेहुणीति वा, हत्थछिन्नं हत्थछिन्नेत्ति वा, एवं पादणक्ककण्णउठ्ठच्छिण्णेति वा । जे या वण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं वुइया वुइया कुप्पंति माणवा, तेयावि तहप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख णो भासेज्जा ॥ ७८२ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा तहावि ताइं एवं वएज्जा तंजहा-ओयंसी ओयंसीति वा, तेयंसी तेयंसी ति वा, वच्चंसी वच्चंसीति वा, जसंसी जसंसीति वा, अभिरूवं अभिरूवेति वा पडिरूवं पडिरूवेति वा, पासाइयं पासाइयंति वा दरिसणिज्जं दरिसणीएति वा, जेया वण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं वुइया वुइया णो कुप्पंति माणवा, तेयावि तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख भासिज्जा । तहप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८३ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तंजहा-वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा-सुकडे इ वा सुठ्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भास सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७८४ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा, तंजहा-वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तहावि ताइं एवं वएज्जा, तंजहा-आरंभकडेइ वा सावज्जकडे इ वा पयत्तकडे इ वा पासाइयं पासाइएत्ति वा दरिसणीयं दरिसणीएत्ति वा अभिरूवं अभिरूवेत्ति वा पडिरूवं पडिरूवेत्ति वा एयप्पगारं भास असावज्जं जाव भासेज्जा ॥७८५॥ से भिक्खू वा (२) असणं वा (४) उवक्खडियं पेहाए तहाविहं तं णो एवं वएज्जा, तंजहा-सुकडेत्ति वा सुठ्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७८६ ॥ से भिक्खू वा (२) असणं वा (४) उवक्खडियं

पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा-आरंभकडे त्ति वा सावज्जकडे त्ति वा पयत्तकडेत्ति वा भद्दयं भद्दए त्ति वा ऊसढं ऊसढे त्ति वा रसियं रसिए त्ति वा मणुण्णं मणुण्णे त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८७ ॥ से भिक्खू वा (२) मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा मिगं वा पसुं वा पक्खि वा सरीसिवं वा जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए णो एवं वएज्जा थूलेइ वा पमेइलेइ वा वट्टेइ वा वज्झे इ वा पाइमे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७८८ ॥ से भिक्खू वा (२) मणुस्सं जाव जलयरं वा से तं परिवूढकायं पेहाए एवं वएज्जा, परिवूढकाएत्ति वा, उवचियकाए त्ति वा थिरसंघयणेत्ति वा उवचियमंस-सोणिएत्ति वा वहुपडिपुण्णइंदिएत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासिज्जा ॥ ७८९ ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाओ गाओ पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा-गाओ दोज्झाओ त्ति वा दम्मेत्ति वा गोरहत्ति वा वाहिमत्ति वा रहजोग्गत्ति वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९० ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाओ गाओ पेहाए एवं वएज्जा तंजहा-जुवंगवेत्ति वा धेणु त्ति वा रसवइ त्ति वा हस्से इ वा महल्लए इ वा महव्वए इ वा संवहणि त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९१ ॥ से भिक्खू वा (२) तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाइं वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा-पासायजोग्गा ति वा तोरणजोग्गाति वा गिहजोग्गा इ वा फलिहजोग्गाइ वा अग्गल-नावा-उदगदोणि-पीढ-चंगबेर-णंगल-कुलिय-जंतलट्ठी-णाभि-गंडी-आसण-सयण-जाण-उवस्सय-जोग्गा इ वा, एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९२ ॥ से भिक्खू वा (२) तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्व-याणि वणाणि य रुक्खा महल्ला पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा-जातिमंता इ वा दीहवट्टा इ वा महालया इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा पासाइया इ वा जाव पडिरूवा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९३ ॥ से भिक्खू वा (२) वहुसंभूया वणफला पेहाए तहावि ते णो एवं वएज्जा तंजहा-पक्का ति वा पायक्खज्जाइ वा वेलोइयाति वा टालाइ वा वेहिया इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९४ ॥ से भिक्खू वा (२) वहुसंभूयाफला अंवा पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा-असंथडा इ वा वहुणिवट्टिमफला इ वा वहुसंभूया इ वा भूयरूवेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९५ ॥ से भिक्खू वा (२) वहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ णो एवं वएज्जा, तंजहा-पक्का इ वा नीलिया इ वा छवीइ वा

लाइमा इ वा भज्जिमा इ वा बहुखज्जा इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७९६ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि एवं वएज्जा, तंजहा-रूढा इ वा बहुसंभूया इ वा थिरा इ वा ऊसढा इ वा गब्भिया इ वा पसूया इ वा ससारा इ वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९७ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा, तहावि एयाइं णो एवं वएज्जा, तंजहा-सुसद्दे इ वा दुसद्दे इ वा एयप्पगारं सावज्जं जाव णो भासेज्जा, तहावि ताइं एवं वएज्जा, तंजहा-सुसद्दं सुसद्दे त्ति वा दुसद्दं दुसद्दे त्ति वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९८ ॥ एवं रूवाइं कण्हे त्ति वा ५ गंधाइं सुब्भिगंधे त्ति वा २ रसाइं तित्ताणि वा ५ फासाइं कक्खडाणि वा ८ ॥ ७९९ ॥ से भिक्खू वा (२) वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च अणुवीइ णिट्ठाभासी णिसम्म भासी अतुरियभासी विवेगभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा ॥ ८०० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ८०१ ॥ **भासाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥**
चउत्थं भासाज्झयणं समत्तं ॥

से भिक्खु वा (२) अभिकंखेज्जा वत्थं एसित्तए, से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, तंजहा-जंगियं-साणयं-पोत्तयं-खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं ॥ ८०२ ॥ जे णिग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे से एगं वत्थं धारेज्जा णो वितियं, जा णिग्गंथी सा चत्तारि संघाडीओ धारेज्जा, एगं दुहत्थवित्थारं, दो तिहत्थवित्थाराओ, एगं चउहत्थवित्थारं, एएहिं वत्थेहिं असंधिज्जमाणेहिं अह पच्छा एगमेगं संसीविज्जा ॥ ८०३ ॥ से भिक्खू वा (२) परं अद्धजोयणमेराए वत्थपडियाए नो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ८०४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं (जहा पिंडेसणाए) ॥ ८०५ ॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगं साहम्मिणिं, बहवे साहम्मिणीओ, बहवे समणमाहणा, तहेव पुरिसंतरकडं (जहा पिंडेसणाए) ॥ ८०६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कीय वा धोयं रत्तं वा घट्ठं वा मट्ठं वा संसट्ठं वा संपधूमियं वा तहप्पगारं वत्थं अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव पडिगाहेज्जा ॥ ८०७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण वत्थाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं तंजहा-आजिणगाणि वा, सहिणाणि वा, सहिणकल्लाणाणि वा, आयाणि वा, कायकाणि वा, खोमियाणि वा, दुगुल्लाणि वा, पट्टाणि वा, मलयाणि वा, पत्तुण्णाणि वा, अंसुयाणि

वा, चीणंसुयाणि वा, देसरागाणि वा, अमिलाणि वा, गज्जफलाणि वा, फालियाणि वा, कोयवाणि वा, कंबलगाणि वा, पावरणाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं वत्थाइं महद्धणमोल्लाइं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण आईणपाउरणाणि वत्थाणि जाणिज्जा, तंजहा–उद्दाणि वा पेसाणि वा, पेसलाणि वा किण्हमिगाईणगाणि वा णीलमिगाईणगाणि वा गोरमिगाईण-गाणि वा कणगाणि वा कणगकंताणि वा कणगपट्टाणि वा कणगखइयाणि वा कणगफुसियाणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा आभरणाणि वा आभरणविचि-त्ताणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि आईणपाउरणाणि वत्थाणि लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८०९ ॥ इच्चेइयाइं आयतणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा, चउहिं पडिमाहिं वत्थं एसित्तए ॥ ८१० ॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा, से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा–जंगियं वा साणयं वा पोत्तयं वा खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा णं देज्जा, फासुयं एसणीयं लाभे संते पडिगाहिज्जा, **पढमा पडिमा** ॥ ८११ ॥ **अहावरा दोच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) पेहाए २ जाएज्जा, तंजहा–गाहावई वा जाव कम्मकरी वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अण्णतरं वत्थं ? तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, जाव फासुयं एसणीयं लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ **दोच्चा पडिमा,** ॥ ८१२ ॥ **अहावरा तच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा तंजहा–अंतरिज्जगं वा उत्तरिज्जगं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहिज्जा ॥ **तच्चा पडिमा** ॥ ८१३ ॥ **अहावरा चउत्था पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) उज्झियधम्मियं वत्थं जाएज्जा, जं चऽण्णे बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं उज्झियधम्मियं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं जाव पडिगाहेज्जा, **चउत्था पडिमा** ॥ ८१४ ॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं जहा पिंडेसणाए ॥ ८१५ ॥ सिया णं एयाए एसणाए एसमाणं परो वएज्जा आउसंतो समणा एज्जाहि तुमं मासेण वा दसराएण वा पंचराएण वा सुए वा सुयतरे वा तो ते वयं आउसो अण्णयरं वत्थं दाहामो ।" तहप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगारे वयणे पडिसुणेत्तए अभिकंखसि मे दाउं इयाणिमेव दलयाहि, से णेवं वयंतं परो वएज्जा आउसंतो समणा अणुगच्छाहि तो ते वयं अण्णतरं वत्थं दाहामो से पुव्वामेव आलोएज्जा

आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगारवयणे पडिसुणेत्तए, अभिकंखसि मे दाउं इयाणिमेव दलयाहि।" से सेवं वयंतं परो णेया वदेज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं समणस्स दाहामो अवियाइं वयं पच्छावि अप्पणो सयट्ठाए पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स जाव चेइस्सामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१६ ॥ सिया णं परो णेया वएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं सिणाणेण वा ४ जाव आघंसित्ता वा पघंसित्ता वा समणस्स णं दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा मा एयं तुमं वत्थं सिणाणेण वा जाव पघंसाहि वा अभिकंखसि मे दाउं, एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो सिणाणेण वा जाव पघंसित्ता दलएज्जा, तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१७ ॥ से णं परो णेया वएज्जा, "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहर एयं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेत्ता वा पधोवेत्ता वा समणस्स दाहामो एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा मा एयं तुमं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेहि वा पहोवेहि वा अभिकंखसि सेसं तहेव जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१८ ॥ से णं परो णेया वएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं कंदाणि वा जाव हरियाणि वा विसोहित्ता रामणस्स दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जाव "भइणि त्ति वा मा एयाणि तुमं कंदाणि वा जाव विसोहेहि णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे वत्थे पडिगाहित्तए" से सेवं वयंतस्स परो कंदाणि वा जाव विसोहित्ता दलएज्जा तहप्पगारं वत्थं अफासुयं णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८१९ ॥ सिया से परो णेया वत्थं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा तुमं चेवणं संतियं वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जिस्सामि" केवली बूया आयाणमेयं वत्थंतेण वद्धे सिया कुंडले वा गुणे वा हिरण्णे वा सुवण्णे वा मणी वा जाव रयणावली वा पाणे वा बीए वा हरिए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं पुव्वामेव वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥ ८२० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८२१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अणलं अथिरं अधुवं अधारणिज्जं रोइज्जंतं ण रोच्चइ तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ५२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं

जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं रोइज्जंतं रुच्चइ तहप्पगारं वत्थं फासुयं जाव पडिग्गाहेज्जा ॥ णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा जाव पघंसेज्जा ॥ ८२३ ॥ पुण णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सीतोदगवियडेण वा जाव पहोवेज्जा ॥ ८२४ ॥ पुण दुब्भिगंधे मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा तहेव सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा (आलावओ) ॥ ८२५ ॥ पुण अभिकंखेज्ज वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं णो अणंतरहियाए जाव पुढवीए णो ससिणद्धाए जाव संताणाए आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२६ ॥ पुण अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं थूणंसि वा गिहेलुगंसि वा उसुयालंसि वा कामजलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे दुन्निक्खित्ते अणिकंपे चलाचले णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२७ ॥ पुण अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं कुडियंसि भित्तिंसि सिलंसि वा लेलुंसि वा अण्णतरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२८ ॥ पुण अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारे वत्थे खंधंसि वा मंचंसि-मालंसि-पासायंसि-हम्मियतलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२९ ॥ से तमादाय एगंतमवक्कमेज्जा अहे ज्झामथंडिलंसि वा जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव वत्थं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं सया जइज्जासि त्ति बेमि ॥ ८३१ ॥

वत्थेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा, णो रएज्जा, णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा अपलिउंचमाणे गामंतरेसु ओमचेलिए, एयं खलु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ८३२ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइ कुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे सव्वं चीवरमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, एवं बहिया विचारभूमिं विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जेज्जा । अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासमाणं पेहाए जहा पिंडेसणाए णवरं सव्वं चीवरमायाए ॥ ८३३ ॥ से एगइओ मुहुत्तगं २ पाडिहारियं वीयं वत्थं जाएज्जा, जाव एगाहेण वा दुयाहेण वा तिया-चउ-पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छेज्जा, तहप्पगारं वत्थं णो अप्पणा गिण्हेज्जा, णो अण्णमण्णस्स देज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा, णो वत्थेण वत्थपरिणामं

करेज्जा, णो परं उवसंकमित्ता एवं वएज्जा "आउसंतो समणा अभिकंखसि वत्थं धारेत्तए परिहरित्तए वा" थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिंदिय २ परिट्ठवेज्जा, तहप्पगारं ससंधितं वत्थं तस्स चेव णिसिरेज्जा, णो अत्ताणं साइज्जेज्जा ॥ ८३४ ॥ से एगइओ तहप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराणि वत्थाणि ससंधियाणि मुहुत्तगं २ जाइत्ता जाव एगाहेण वा जाव पंचाहेण वा विप्पवसिय विप्पवसिय उवागच्छंति, तहप्पगाराणि वत्थाणि णो अप्पणा गिण्हंति. नो अण्णमण्णस्स दलयंति अणुवयंति, तं चेव जाव णो साइज्जंति वहुवयणेण भाणियव्वं ॥ ८३५ ॥ से हंता "अहमवि मुहुत्तं पाडिहारियं वत्थं जाइत्ता जाव एगाहेण वा जाव पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छिस्सामि, अवियाइं एयं ममेव सिया" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा ॥ ८३६ ॥ पुण णो वण्णमंताइं वत्थाइं विवण्णाइं करेज्जा, णो विवण्णाइं वण्णमंताइं करेज्जा, "अन्नं वा वत्थं लभिस्सामि त्ति" कट्टु नो अण्णमण्णस्स दिज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा, णो वत्थेण वत्थपरिणामं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु एवं वएज्जा, "आउसंतो समणा अभिकंखसि मे वत्थं धारित्तए वा परिहरित्तए वा" थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिंदिय २ परिट्ठविज्जा, जहा मेयं वत्थं पावगं परो मन्नइ, परं च णं अदत्तहारि पडिपहे पेहाए तस्स वत्थस्स णिदाणाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा । जाव अप्पुस्सुए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ८३७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, इमंसि खलु विहंसि वहवे आमोसगा वत्थपडियाए संपिडिया गच्छेज्जा णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा, जाव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ८३८ ॥ पुण गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा पडियागच्छेज्जा, ते णं आमोसगा एवं वएज्जा "आउसंतो समणा आहरेयं वत्थं देहि निक्खिवाहि" जहा इरियाए णाणत्तं वत्थपडियाए ॥ ८३९ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ८४० ॥ **वत्थेसणाज्झयणे बीओद्देसो ॥ पंचमं वत्थेसणाज्झयणं समत्तं ॥**

से भिक्खू वा (२) अभिकंखिज्जा पायं एसित्तए, से जं पुण पायं जाणिज्जा तंजहा अलाउयपायं वा दारुपायं मट्टियापायं वा तहप्पगारं पायं जे णिग्गंथे तरुणे जाव थिरसंघयणे से एगं पायं धारेज्जा णो बीयं ॥ ८४१ ॥ पुण परं अद्धजोयणमेराए पायपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ८४२ ॥ से जं पुण पायं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं ४ जहा पिंडेसणाए चत्तारि

आलावगा, पंचमे वहवे समणमाहणा पगणिय २ तहेव ॥ ८४३ ॥ पुण असंजए भिक्खुपडियाए वहवे समणमाहणा (वत्थेसणाऽऽलावओ) ॥ ८४४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण पादाइं जाणिज्जा विरूवरूवाइं महद्धणमुल्लाइं तंजहा-अयपादाणि वा तउ० तंवपादाणि वा सीसग-हिरण्ण-सुवण्ण-रीरिय-हारपुड-पायाणि वा मणि-काय-कंस-संख-सिंग-दंत-चेल-सेल-पायाणि वा चम्मपायाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं पायाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८४५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण पायाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणवंधणाइं तं० अयवंधणाणि वा जाव चम्मवंधणाणि वा अन्नयराइं तहप्पगाराइं महद्धणवंधणाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा, इच्चेइयाइं आयतणाइं उवातिकम्म ॥ ८४६ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चउहिं पडिमाहिं पायं एसित्तए, तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय २ पायं जाएज्जा, तंजहा-अलाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा ॥ **पढमा-पडिमा** ॥ ८४७ ॥ **अहावरा दोच्चा पडिमा,** से भिक्खू वा (२) पेहाए पायं जाएज्जा, तंजहा-गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पायं, तंजहा-अलाउयपायं वा" जाव तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा जाव पडिगाहेज्जा ॥ **दोच्चा पडिमा** ॥ ८४८ ॥ **अहावरा तच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण पायं जाणिज्जा, संगतियं वा वेजइयंतियं वा तहप्पगारं पायं सयं वा जाव पडिगाहिज्जा ॥ **तच्चा पडिमा** ॥ ८४९ ॥ **अहावरा चउत्था पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) उज्झियधम्मियं पायं जाएज्जा, जं चऽण्णे वहवे समणमाहणा जाव वणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाव पडिगाहिज्जा, **चउत्था पडिमा** ॥ ८५० ॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं (जहा पिंडेसणाए) ॥ ८५१ ॥ से णं एताए एसणाए एसमाणं पासित्ता परो वएज्जा, "आउसंतो समणा एज्जासि तुमं मासेण वा जाव" **जहा वत्थेसणाए** ॥ ८५२ ॥ से णं परो णेया वएज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं पायं तेल्लेण वा घएण वा अब्भंगेत्ता वा तहेव सिणाणाइ तहेव सीओदगकंदाइं तहेव ॥ ८५३ ॥ से णं परो णेया वएज्जा, "आउसंतो समणा मुहुत्तगं २ अच्छाहि जाव ताव अम्हे असणं वा उवकरेंसु उवक्खडेंसु वा, तो ते वयं आउसो सपाणं सभोयणं पडिग्गहगं दाहामो, तुच्छए पडिग्गहए दिण्णे समणस्स णो सुट्ठु साहु भवइ" से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो

त्ति वा भइणि त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मिए असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा भोत्तए वा पायए वा मा उवकरेहि मा उवक्खडेहि, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि से सेवं वयंतस्स परो असणं वा जाव उवकरित्ता उवक्खडित्ता, सपाणगं सभोयणं पडिग्गहगं दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८५४ ॥ सिया से परो उवणेत्ता पडिग्गहं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा तुमं चेव णं संतियं पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिस्सामि ॥ ८५५ ॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहंसि पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा जाव अह भिक्खूणं एस पइण्णा जं पुव्वामेव पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥ ८५६ ॥ सअंडाइं सव्वे आलावगा भाणियव्वा जहा वत्थेसणाए, णाणत्तं तेल्लेण वा घएण वा सिणाणाइ जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्जा ॥८५७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिएहि सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ८५८ ॥ **पत्तेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे, पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहगं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं ततो संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ८५९ ॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहगंसि पाणे वा बीए वा रए वा परियावज्जेज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जं पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥ ८६० ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइ० जाव० समाणे सिया से परो आहट्टु अंतो पडिग्गहगंसि सीओदगं परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८६१ ॥ सेय आहच्च पडिग्गहिए सिया से खिप्पामेव उदगंसि साहरिज्जा, से पडिग्गहमायाए पाणं परिट्ठवेज्जा, ससणिद्धाए वा भूमीए णियमिज्जा ॥ ८६२ ॥ से भिक्खू वा (२) उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा पडिग्गहं णो आमज्जिज्ज वा जाव पयावेज्ज वा ॥ ८६३ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा-विगओदए मे पडिग्गहए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं पडिग्गहं तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ८६४ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं वा० पविसिउकामे से पडिग्गहमायाए गाहा० पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा एवं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥८६५॥ तिव्वदेसियाए जहा बिइयाए वत्थेसणाए णवरं एत्थ पडिग्गहे ॥८६६॥

एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ८६७ ॥ **पत्तेसणाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥ छट्ठं पत्तेसणाज्झयणं समत्तं ॥**

समणे भविस्सामि अणगारे अकिंचणे अपुत्ते अपसू परदत्तभोई पावं कम्मं णो करिस्सामि त्ति समुट्ठाए सव्वं भंते अदिण्णादाणं पच्चक्खामि ॥ ८६८ ॥ से अणुपविसित्ता गामं वा जाव० णेव सयं अदिन्नं गिण्हिज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हावेज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हंतं समणुजाणेज्जा । जेहिवि सद्धिं संपव्वइए तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुण्णविय अपडिलेहिय अपमज्जिय णो गिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा तेसि पुव्वामेव उग्गहं जाइज्जा अणुण्णविय पडिलेहिय पमज्जिय तओ सं० उगिण्हिज्ज वा पगिण्हिज्ज वा ॥ ८६९ ॥ से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुण्णवेज्जा कामं खलु आउसो अहालंदं अहापरिण्णातं वसामो जाव आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मिया एइ ताव उग्गहं गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८७० ॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि **एवोग्गहियंसि ?** जे तत्थ साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा, जे तेण सयमेसित्तए असणे वा (४) तेण ते साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवणिमंतेज्जा, णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७१ ॥ से आगंतारेसु वा (४) जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि, जे तत्थ साहम्मिया अण्णसंभोइया समणुन्ना उवागच्छेज्जा जे तेणं सयमेसित्तए पीढे वा फलए वा सेज्जासंथारए वा, तेण ते साहम्मिए अण्णसंभोइए समणुन्ने उवणिमंतेज्जा णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७२ ॥ से आगंतारेसु वा (४) जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा अप्पणो तं एगस्स अट्ठाए पाडिहारियं जाइत्ता णो अण्णमण्णस्स देज्ज वा अणुपदेज्ज वा सयं करणिज्जं त्ति कट्टु से तमादाए तत्थ गच्छेज्जा गच्छित्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे त्ति कट्टु भूमीए वा ठवेत्ता 'इमं खलु इमं खलु' त्ति आलोएज्जा, णो चेव णं सयं पाणिणा परपाणिसि पच्चप्पिणेज्जा ॥ ८७३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा अणंतरहियाए पुढवीए ससणिद्धाए पुढवीए जाव संताणाए तहप्पगारं उग्गहं णो उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८७४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणंसि वा (४) तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा

॥ ८७५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा कुलियंसि वा जाव णो उगिण्हेज्ज वा (२) ॥ ८७६ ॥ से भिक्खू वा (२) खंधंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे जाव णो उगिण्हेज्ज वा (२) ॥ ८७७ ॥ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं सइत्थि सखुड्डं सपसुं सभत्तपागं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसे जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे **उवस्सए** ससागारिए जाव सखुड्ड-पसु-भत्तपाणे णो उग्गहं उगिण्हेज्जा वा २ ॥ ८७८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथे पडिवद्धं वा णो पण्णस्स जाव से एवं णच्चा तहप्पगारे **उवस्सए** णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८७९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा तहेव तेल्ल-सिणाण-सीओदगवियडणिगिणाइ य जहा सिज्जाए आलावगा णवरं उग्गहवत्तवया ॥८८०॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खे णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे **उवस्सए** णो उग्गहं उगिण्हिज्ज वा २ ॥ ८८१ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं ॥ ८८२ ॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे पढमोद्देसो** ॥

से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुण्णविज्जा कामं खलु आउसो अहालंदं अहा परिण्णायं वसामो जाव आउसो, आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मियाए ताव उग्गहं उगिगण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८८३ ॥ से किं पुण तत्थ उग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा दंडए वा छत्तए वा जाव चम्मछेदणए वा तं णो अंतोहिंतो वाहिं णीणेज्जा, वहियाओ वा णो अंतो पवेसेज्जा, णो सुत्तं वा णं पडिवोहेज्जा, णो तेसिं किंचिवि अप्पत्तियं पडिणीयं करेज्जा ॥ ८८४ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा **अंबवणं** उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुजाणावेज्जा, कामं खलु जाव विहरिस्सामो ॥ ८८५ ॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि अह भिक्खु इच्छेज्जा **अंबं** भोत्तए वा से जं पुण अंबं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणं तहप्पगारं अंबं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, ॥ ८८६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **अंबं** जाणिज्जा, अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अतिरिच्छछिन्नं अवोच्छिन्नं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ८८७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **अंबं** जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छच्छिण्णं वोच्छिन्नं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ८८८ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा **अंबभित्तगं** वा **अंबपेसियं** वा **अंबचोयगं** वा **अंबसालगं** वा **अंबडालगं** वा

भोत्तए वा पायए वा से जं पुण जाणिज्जा, **अंवभित्तगं** वा जाव **अंवडालगं** वा सअंडं जाव संताणगं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८८९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, **अंवभित्तगं** वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं अतिरिच्छच्छिन्नं वा अवोच्छिन्नं वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा **अंवभित्तगं** वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छछिन्नं वोच्छिन्नं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९१ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा **उच्छुवणं** उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जाव उग्गहंसि० ॥ ८९२ ॥ अह भिक्खू इच्छेज्जा **उच्छुं** भोत्तए वा पायए वा से जं उच्छुं जाणिज्जा, सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ अतिरिच्छच्छिन्नं तहेव, तिरिच्छच्छिन्ने वि तहेव ॥ ८९३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण अभिकंखेज्जा **अंतरुच्छुयं उच्छुगंडियं वा उच्छुचोयगं** वा **उच्छुसालगं** वा उच्छुडालगं वा सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा अप्पंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा, अतिरिच्छच्छिन्नं तहेव ॥ ८९६ ॥ तिरिच्छच्छिन्नं तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९७ ॥ से भिक्खू वा (२) आगंतारेसु वा (४) जाव उग्गहियंसि जे तत्थ, गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइकम्म ॥ ८९८ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं सत्तहिं पडिमाहिं उग्गहं उगिण्हित्तए ॥ ८९९ ॥ **पढमा पडिमा,** से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा जाव० विहरिस्सामो ॥ ९०० ॥ **दोच्चा पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं गिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूणं उग्गहिए उग्गहे उवल्लिस्सामि, ॥ ९०१ ॥ **तच्चा पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसि भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, अण्णेसि च उग्गहिए उग्गहे णो उवल्लिस्सामि ॥ ९०२ ॥ **चउत्था पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं णो उगिण्हिस्सामि अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि ॥ ९०३ ॥ **पंचमा पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, अहं च खलु अप्पणो अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, णो दोण्हं, णो तिण्हं, णो चउण्हं, णो पंचण्हं, ॥ ९०४ ॥ **छट्ठा पडिमा,** जस्सेव उग्गहे उवल्लिएज्जा, जे तत्थ अहा समण्णागए, तंजहा-इक्कडे जाव पलाले वा तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा ॥ ९०५ ॥ **सत्तमा**

पडिमा, से भिक्खू वा, अहासंथडमेव उग्गहं जाएज्जा, तंजहा-पुढविसिलं वा, कट्ठसिलं वा, अहासंथडमेव तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुओ वा णेसज्जिओ वा, विहरेज्जा ॥ ९०६ ॥ इच्चेसिं सत्तण्हं पडिमाणं अण्णयरं, जहा पिंडे-सणाए ॥ ९०७ ॥ सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तंजहा-देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ ९०८ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं ॥ ९०९ ॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे वीओद्देसो समत्तो ॥ सत्तमं उग्गहपडिमाज्झयणं समत्तं, पढमा चूडा समत्ता ॥**

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा ठाणं ठाइत्तए से अणुपविसिज्जा, गामं वा, नगरं वा, जाव सण्णिवेसं वा, से अणुपविसित्ता, गामं वा जाव सण्णिवेसं वा, से जं पुण ठाणं जाणिज्जा, सअंडं जाव समक्कडासंताणयं तं तहप्पगारं ठाणं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, एवं सेज्जागमेण णेयव्वं, जाव उदयपसूया-इंति ॥९१०॥ इच्चेयाइं आयतणाइं उवातिकम्म अह भिक्खू इच्छेज्जा, चउहिं पडिमाहिं ठाणं ठाइत्तए ॥९११॥ **पढमा पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्मादि सवियारं ठाणं ठाइस्सामि ॥" ॥ ९१२ ॥ **दोच्चा पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्माइ णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि ॥९१३॥ **तच्चा पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा णो काएण, विपरि-कम्माइं णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति ॥ ९१४ ॥ **चउत्था पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, णो अवलंबेज्जा काएण, णो विपरिकम्माइं णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति वोसट्ठकाए वोसट्ठकेसमंसुलोमणहे संणिरुद्धं वा ठाणं ठाइस्सामि त्ति ॥ ९१५ ॥ इच्चेयासिं चउण्हं पडिमाणं जाव पग्गहियतरायं विहरेज्जा, णो तत्थ किंचिवि वएज्जा ॥ ९१६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ९१७ ॥ **ठाणसत्तिक्कयं अट्ठमं अज्झयणं समत्तं, पढमं सत्तिक्कयं समत्तं ॥**

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा णिसीहियं फासुयं गमणाए से पुण णिसीहियं जाणिज्जा, सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं अणेसणिज्जं लाभे संते णो चेतिस्सामि ॥ ९१८ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा णिसीहियं गमणाए से जं पुण णिसीहियं जाणिज्जा अप्पंडं अप्पपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं फासुयं एसणिज्जं लाभे संते चेतिस्सामि एवं सेज्जागमेणं

णेयव्वं जाव उदगप्पसूयाइं ॥ ९१९ ॥ जे तत्थ दुवग्गा जाव पंचवग्गा वा अभिसंधारेंति णिसीहियं गमणाए ते णो अण्णमण्णस्स कायं आलिंगेज्ज वा विलिंगेज्ज वा चुंबेज्ज वा दंतेहिं णहेहिं वा अच्छिंदेज्ज वा वुच्छिंदेज्ज वा ॥ ९२० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स (२) वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जएज्जा सेयमिणं मण्णिज्जासि त्ति वेमि ॥ ९२१ ॥ **णवमं णिसीहियाज्झयणं समत्तं, णिसीहियासत्तिक्कयं समत्तं वीयं ॥**

से भिक्खू वा (२) उच्चारपासवणकिरियाए उव्वाहिज्जमाणे सयस्स पायपुंछणस्स असईए तओ पच्छा साहम्मियं जाएज्जा ॥ ९२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अप्पपाणं अप्पवीयं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए वहवे साहम्मिया समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए एगं साहम्मिणिं समुद्दिस्स अस्सिं पडियाए वहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स अस्सिं० वहवे समणमाहणवणीमया पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं (४) जाव उद्देसियं चेतेति, तहप्पगारं थंडिलं पुरिसंतरकडं जाव वहिया णीहडं वा अनीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, वहवे समणमाहणकिवणवणीमगअतिही समुद्दिस्स पाणाइं (४) जाव उद्देसियं चेतेति, तहप्पगारं थंडिलं अपुरिसंतरकडं जाव वहिया अणीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२६ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरकडं जाव वहिया णीहडं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए कयं वा कारियं वा पामिच्चियं वा छण्णं वा घट्ठं वा मट्ठं वा लित्तं वा संपधूमियं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा मूलाणि वा जाव हरियाणि वा अंतराओ वा वाहिं णीहरंति वहियाओ वा अंतो साहरंति अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, खंधंसि वा पीढंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा

अट्टंसि वा पासायंसि वा अण्णयरंसि वा थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अणंतरहियाए पुढवीए ससिणिद्धाए पुढवीए ससरक्खाए पुढवीए मट्टियामक्कडाए चित्तमंताए सिलाए चित्तमंताए लेलुयाए कोलावासंसि वा दारुयंसि वा जीवपइट्ठियंसि वा जाव मक्कडासंताणयंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा जाव बीयाणि वा परिसाडेंसु वा परिसाडिंति वा परिसाडिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३२॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा गाहावइपुत्ता वा सालीणि वा वीहीणि वा मुग्गाणि वा मासाणि वा कुलत्थाणि वा जवाणि वा जवजवाणि वा पतिरिंसु वा पतिरिंति वा पतिरिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आमोयाणि वा घासाणि वा भिलुयाणि वा विज्जलयाणि वा खाणुयाणि वा कडयाणि वा पगडाणि वा दरीणि वा पदुग्गाणि वा समाणि वा विसमाणि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, माणुसरंधणाणि वा, महिसकरणाणि वा, वसभकरणाणि वा, अस्सकरणाणि वा, कुक्कुडकरणाणि वा, मक्कडकरणाणि वा लावयकरणाणि वा, वट्टयकरणाणि वा, त्तित्तिरकरणाणि वा, कवोयकरणाणि वा, कपिंजलकरणाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, वेहाणसट्ठाणेसु वा, गिद्धपिट्ठठाणेसु वा, तरुपडणट्ठाणेसु वा, मेरुपडणट्ठाणेसु वा, विसभक्खणयट्ठाणेसु वा, अगणिपडणठाणेसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा, सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, तिगाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउमुहाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं

वोसिरेज्जा ॥ ९३९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इगारडाहेसु वा, खारडाहेसु वा, मडयडाहेसु वा, मडयथूभियासु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा णदियाययणेसु वा, पंकाययणेसु वा, ओघाययणेसु वा, सेयणवहंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, णवियासु वा मट्टियखाणियासु णवियासु गोप्पहिलियासु वा, गवाणीसु वा, खाणीसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, डागवच्चंसि वा, सागवच्चंसि वा, मूलगवच्चंसि वा, हत्थंकरवच्चंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, असणवणंसि वा, सणवणंसि वा, धायइवणंसि वा, केयइवणंसि वा, अंबवणंसि वा, असोगवणंसि वा, णागवणंसि वा, पुण्णागवणंसि वा, चुल्लगवणंसि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु वा पत्तोवेएसु वा, पुप्फोवेएसु वा, फलोवेएसु वा, बीओवेएसु वा, हरिओवेएसु वा णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४४ ॥ से भिक्खू वा (२) सयपाययं वा परपाययं वा गहाय सेतमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि असंलोइयंसि अप्पपाणंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा **उवस्सयं**सि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा, उच्चारपासवणं वोसिरित्ता सेतमायाए एगंतमवक्कमे अणावाहंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा, ज्झामथंडिलसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि अचित्तंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं परिट्ठवेज्जा ॥ ९४५ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्तिबेमि ॥ ९४६ ॥ **उच्चारपासवणसत्तिक्कयं दसममज्झयणं समत्तं ॥ सत्तिक्कयं समत्तं तइयं ॥**

से भिक्खू वा (२) मुइंगसद्दाणि वा, नंदीसद्दाणि वा, झल्लरीसद्दाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि वितताइं सद्दाइं कण्णसोयणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४७ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा–वीणासद्दाणि वा, विपंचीसद्दाणि वा, पिप्पीसगसद्दाणि वा, तूणयसद्दाणि वा, वणयसद्दाणि वा, तुंबवीणियसद्दाणि वा, ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाणि सद्दाणि वितताइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४८ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–

तालसद्दाणि वा, कंसतालसद्दाणि वा, लत्तियसद्दाणि वा, गोहियसद्दाणि वा, किरिकिरियसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४९ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–संखसद्दाणि वा, वेणुसद्दाणि वा, वंससद्दाणि वा, खरमुहीसद्दाणि वा, पिरिपिरियसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं झुसिराइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५० ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, जाव सराणि वा, सागराणि वा सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, अण्णयराइं तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५१ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–कच्छाणि वा, णूमाणि वा, गहणाणि वा, वणाणि वा, वणदुग्गाणि वा, पव्वयाणि वा, पव्वयदुग्गाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९५२॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–गामाणि वा, णगराणि वा, णिगमाणि वा, रायहाणिआसमपट्टणसंनिवेसाणि वा, अण्णयराइं तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५३ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५४ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा अट्टाणि वा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५५ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउम्मुहाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५६ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–महिसट्ठाणकरणाणि वा, वसभट्ठाणकरणाणि वा, अस्सट्ठाणकरणाणि वा, हत्थिट्ठाणकरणाणि वा जाव कविंजलट्ठाणकरणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५७ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–महिसजुद्धाणि वा, वसभजुद्धाणि वा, अस्सजुद्धाणि वा, हत्थिजुद्धाणि वा जाव कविंजलजुद्धाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५८ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–जूहियट्ठाणाणि वा, हयजूहियट्ठाणाणि अण्णयराइं

तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९५९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव सुणेति तंजहा–अक्खाइयट्ठाणाणि वा, माणुम्माणियट्ठाणाणि वा, महयाऽऽहयणट्टगीयवाइयतंतितलतालतुडियपडुप्पवाइयट्ठाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव सुणेति तंजहा–कलहाणि वा, डिंवाणि वा, डमराणि वा, दोरज्जाणि वा, वेररज्जाणि वा विरुद्धरज्जाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥९६१॥ से भिक्खू वा (२) जाव सद्दाइं सुणेइ खुड्डियं दारियं परिभुत्तमंडियालंकियनिवुज्झमाणिं पेहाए एगं पुरिसं वा वहाए णीणिज्जमाणं पेहाए अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६२ ॥ से भिक्खू वा (२) अण्णयराइं विरूवरूवाइं महासवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा बहुसगडाणि वा, बहुरहाणि वा, बहुमिलक्खूणि वा, बहुपच्चंताणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महासवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६३ ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाइं महुस्सवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा–इत्थीणि वा, पुरिसाणि वा, थेराणि वा, डहराणि वा, मज्झिमाणि वा, आभरणविभूसियाणि वा, गायंताणि वायंताणि वा, णच्चंताणि वा, हसंताणि वा, रमंताणि वा, मोहंताणि वा, विउलं असणपाणखाइमसाइमं परिभुंजंताणि वा, परिभाइंताणि वा, विच्छड्डियमाणाणि वा, विगोवयमाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महुस्सवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६४ ॥ से भिक्खू वा (२) णो इहलोइएहिं सद्देहिं णो परलोइएहिं सद्देहिं, णो सुएहिं सद्देहिं, णो असुएहिं सद्देहिं, णो दिट्ठेहिं सद्देहिं णो अदिट्ठेहिं सद्देहिं, णो कंतेहिं सद्देहिं सज्जिज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा ॥ ९६५ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ९६६ ॥ **सद्दसत्तिक्कयं एयारहममज्झयणं समत्तं सद्दसत्तिक्कयं चउत्थं ॥**

से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं रूवाइं पासइ तंजहा–गंथिमाणि वा, वेढिमाणि वा, पूरिमाणि वा, संघाइमाणि वा, कट्ठकम्माणि वा, पोत्थकम्माणि वा, चित्तकम्माणि वा, मणिकम्माणि वा, दंतकम्माणि वा, पत्तच्छेज्जकम्माणि वा, विविहाणि वा वेढिमाइं जाव अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं चक्खुदंसणपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६७ ॥ एवं णायव्वं जहा सद्दपडियाए सव्वा वाइत्तवज्जा रूवपडियाएवि ॥ ९६८ ॥ **रूवसत्तिक्कयं दुवालसममज्झयणं समत्तं रूवसत्तिक्कयं पंचमं ॥**

परकिरियं अज्झत्थियं संसेसियं णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९६९ ॥ सिया

से परो पाए आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पादाइं संवाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं फुसेज्ज वा रएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पादाइं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भिगिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो पादाइं लोद्देण वा कक्केण वा चुन्नेण वा वन्नेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो पादाइं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पादाइं अण्णयरेण विलेवणजाएण आलिपेज्ज वा विलिपेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो पादाइं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पादाओ खाणुं वा कंटयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे । सिया से परो पादाओ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९७० ॥ सिया से परो कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोद्देण वा संवाहिज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं अण्णयरेणं विलेवणजाएणं आलिपेज्ज वा, विलिपेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं णियमे । सिया से परो कायं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा, पधूवेज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९७१ ॥ सिया से परो कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि वणं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भंगिज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे । सिया से परो कायंसि वणं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वल्लेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिया परो कायंसि वणं अन्नयरेणं विलेवणजाएणं आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा नो तं २। सिया से परो कायंसि वणं अन्नयरेणं धूवणजाएणं धूवेज्ज वा प० नो तं० २। सिया से परो कायंसि

चगं अन्नयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदिज्ज वा विच्छिंदिज्ज वा प० नो तं० २। सिया से परो कायंसि वणं अन्न० सत्थजाएणं आच्छिंदित्ता वा विच्छिंदित्ता वा पूयं वा सोणियं वा नीहरिज्ज वा वि० नो तं० २। सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे । सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइयं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भिंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे । सिया से कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, लोद्धेण वा, कक्केण वा चुन्नेण वा, वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा, उव्वलेज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे । सिया से परो कायंसि गंडं वा भगंदलं वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पधोवेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिदेज्ज विच्छिंदेज्ज वा, सिया से परो अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता वा २ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७३॥ सिया से परो कायाओ सेयं वा जल्लं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७४॥ सिया से परो अच्छिमलं, कण्णमलं वा, दंतमलं वा णहमलं वा, णीहरिज्ज वा विसोहिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७५॥ सिया से परो दीहाइं वालाइं, दीहाइं रोमाइं, दीहाइं भमुहाइं, दीहाइं कक्खरोमाइं, दीहाइं वत्थिरोमाइं, कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७६॥ सिया से परो सीसाओ लिक्खं वा जूयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७७ ॥ सिया से परो अंकंसि पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता पादाइं आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा एवं हिट्ठिमो गमो पायादि भाणियव्वो, सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता, हारं वा अद्धहारं वा उरत्थं वा, गेवेयं वा, मउडं वा, पालंबं वा सुवण्णसुत्तं वा, आविहिज्ज वा, पिणहिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७८ ॥ सिया से परो आरामंसि वा, उज्जाणंसि वा, णीहरित्ता वा पविसित्ता वा पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७९ ॥ एवं णेयव्वा अण्णमण्णकिरियावि ॥ ९८० ॥ सिया से परो सुद्धेणं वइवलेणं तेइच्छं आउट्टे सिया से परो असुद्धेणं वतिवलेणं तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो गिलाणस्स सचित्ताणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा हरियाणि वा खणित्तु वा कढित्तु वा कड्ढावित्तु वा तेइच्छं आउट्टाविज्जा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९८१ ॥ कडुवेयणा पाणभूयजीवसत्ता वेयणं वेइंति ॥ ९८२ ॥

एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिते समिते सदा जए सेयमिणं मण्णेज्जासि त्ति बेमि ॥ ९८३ ॥ **परकिरियासत्तिक्कयं समत्तं छट्ठं, तेरहममज्झयणं समत्तं** ॥

से भिक्खू वा (२) अण्णमण्णकिरियं अज्झत्थियं संसेइयं णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९८४ ॥ सिया से अण्णमण्णं पाए आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९८५॥ सेसं तं चेव ॥९८६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं ॥ ९८७ ॥ **अन्नुन्नकिरिया सत्तिक्कयं समत्तं सत्तमं, चउद्दसममज्झयणं समत्तं, बीया चूडा समत्ता** ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे यावि होत्था, तंजहा-हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए, हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए, हत्थुत्तराहिं कसिणे पडिपुण्णे अव्वाघाए निरावरणे अणंते अणुत्तरे केवलवरनाणदंसणे समुप्पण्णे, साइणा परिनिव्वुए भगवं ॥ ९८८ ॥ समणे भगवं महावीरे, इमाए ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए विइक्कंताए, सुसमाए समाए वीतिक्कंताए, सुसमदुसमाए समाए वीतिक्कंताए, दुसमसुसमाए समाए बहुवीतिक्कंताए, पण्णहत्तरीए वासेहिं मासेहि य अद्धणवयसेसेहिं, जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे, आसाढसुद्धे,तस्सणं आसाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं, महाविजयसिद्धत्थपुप्फुत्तरपवरपुंडरीयदिसासोवत्थियवद्धमाणाओ महाविमाणाओ वीसंसागरोवमाइं आउयं पालइत्ता, आउक्खएणं, भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए चइत्ता इह खलु जंवुद्दीवे दीवे, भारहे वासे, दाहिणड्ढभरहे दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसंमि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरस्स गुत्ताए सीहुब्भवभूएणं अप्पाणेणं कुच्छिसि गब्भं वक्कंते, समणे भगवं महावीरे तिन्नाणोवगए यावि होत्था, चइस्सामित्ति जाणइ चुएमित्ति जाणइ, चयमाणे न जाणेइ, सुहुमे णं से काले पन्नत्ते। तओ णं समणे भगवं महावीरे **हियाणुकंपए** णं देवेणं जीयमेयं त्ति कट्टु जे से वासाणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स णं आसोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं बासीहिं राइंदिएहिं विइक्कंतेहिं तेसीइमस्स राइंदियस्स परियाए वट्टमाणे दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसाओ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंनिवेसंसि णायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स तिसलाए खत्तियाणीए वासिट्ठसगुत्ताए असुभाणं पुग्गलाणं अवहारं करित्ता, सुभाणं पुग्गलाणं पक्खेवं करित्ता कुच्छिसि **गब्भं साहरइ**, जेविय से

तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे तंपि य दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसंसि उस...को...देवा...जालंधरायणगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भं साहरइ ॥ ९८९ ॥ समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, साहरिज्जिस्सामित्ति जाणइ, साहरिज्जमाणे न जाणइ साहरिएमित्ति जाणइ समणाउसो ! ॥ ९९० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं तिसलाए खत्तियाणीए अह अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं वीतिक्कंताणं जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चित्तसुद्धे तस्सणं चित्तसुद्धस्स तेरसीपक्खेणं, हत्थुत्तराहिं जोगमुवागएणं समणं भगवं महावीरं आरोग्गारोग्गं पसूया ॥९९१॥ जं णं राइं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं राइं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहि य देवीहि य उवयंतेहि य उप्पयंतेहि य एगे महं दिव्वे देवुज्जोए देवसण्णिवाते देवकहक्कहे उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥ ९९२ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं वहवे देवा य देवीओ य एगं महं अमयवासं च, गंधवासं च, चुण्णवासं च, पुप्फवासं च, हिरण्णवासं च, रयणवासं च वासिंसु ॥ ९९३ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं रयणिं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स सूइकम्माइं तित्थयराभिसेयं च करिंसु ॥ ९९४ ॥ जओ णं पभिइ भगवं महावीरे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भं आगए ततो णं पभिइ तं कुलं विपुलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ, ततो णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो एयमट्ठं जाणित्ता णिव्वत्तदसाहंसि वोक्कंतंसि सुचिभूयंसि विपुलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेंति उवक्खडावेत्ता मित्तणातिसयणसंबंधिवग्गं उवणिमंतेंति उवणिमंतेत्ता वहवे समणमाहणकिवणवणिमगाहिं भिच्छुंडगपंडरगातीण विच्छड्डेंति विग्गोवेंति विस्साणेंति दातारेसु णं दाणं पज्जभाइंति, विच्छड्डित्ता विग्गोवित्ता विस्साणित्ता दायारेसु णं दाणं पज्जभाइत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं भुंजावेंति भुंजावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गेण इमेयारूवं णामधेज्जं कारवेंति, जओ णं पभिइ इमे कुमारे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे आगए, तओणं पभिइ इमं कुलं, विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ तं होउ णं कुमारे "वद्धमाणे" ॥ ९९५ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पंचधातिपरिवुडे तंजहा–खीरधाईए-मज्जणधाईए-मंडावणधाइए-खेल्लावणधाइए-अंकधाईए अंकाओ अंकं साहरिज्जमाणे रम्मे मणिकोट्टिमतले गिरिकंदरस-

मल्लीणे विव चंपयपायवे अहाणुपुव्वीए संवड्ढइ ॥ ९९६ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे विण्णायपरिणये विणियत्तबालभावे अणुस्सुयाइं उरालाइं माणुस्सगाइं पंचलक्खणाइं कामभोगाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं परियारेमाणे एवं च णं विहरइ ॥ ९९७ ॥ समणे भगवं महावीरे कासवगोत्ते तस्सणं इमे तिण्णि णाम धेज्जा एवमाहिज्जंति, अम्मापिउसंतिए "वद्धमाणे," सहसम्मइए "समणे" भीमभयभेरवं उरालं अचेलयं परिसहं सहइ त्ति कट्टु देवेहिं से णामं कयं "समणे भगवं महावीरे" ॥ ९९८ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पिआ कासवगोत्तेणं तस्स णं तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा–सिद्धत्थे त्ति वा, सेज्जंसेत्ति वा, जसंसे त्ति वा ॥ ९९९ ॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मा वासिट्ठसगोत्ता तीसेणं तिण्णि णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति तंजहा–तिसला इ वा, विदेहदिण्णा इ वा, पियकारिणी इ वा ॥ १००० ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पित्तियए 'सुपासे' कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठे भाया णंदिवद्धणे कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठा भइणी सुदंसणा कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स भज्जा जसोया गोत्तेणं कोडिण्णा, समणस्स भगवओ महावीरस्स धूया कासवगोत्तेणं, तीसेणं दो णाम धेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा–अणोज्जा इ वा, पियदंसणा इ वा, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णत्तुई कोसियगोत्तेणं तीसेणं दो णामधेज्जा, एव माहिज्जंति, तंजहा–सेसवई इ वा, जसवती इ वा ॥ १००१ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो पासावच्चिज्जा, समणोवासगा यावि होत्था, ते णं बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पालइत्ता, छण्हं जीवनिकायाणं संरक्खणनिमित्तं आलोइत्ता निंदित्ता गरहित्ता पडिक्कमित्ता अहारिहं उत्तरगुणपायच्छित्तं पडिवज्जित्ता कुससंथारं दुरुहित्ता, भत्तं पच्चक्खाइंति, भत्तं पच्चक्खाइत्ता अपच्छिमाए मारणंतियाए संलेहणाए झुसियसरीरा कालमासे कालं किच्चा तं सरीरं विप्पजहित्ता अच्चुए कप्पए देवत्ताए उववण्णा, तओणं आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए चइत्ता महाविदेहवासे चरिमेणं ऊसासेणं सिज्झिस्संति, बुज्झिस्संति, मुच्चिस्संति, परिणिव्वाइस्संति, सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १००२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे **णाए णायपुत्ते णायकुलणिव्वत्ते** विदेहे विदेहदिण्णे विदेहजच्चे विदेहसूमाले तीसं वासाइं विदेहंसित्ति कट्टु अगारमज्झे वसित्ता अम्मापिऊहिं कालगएहिं देवलोगमणुपत्तेहिं समत्तपइण्णे चिच्चा हिरण्णं, चिच्चा सुवण्णं, चिच्चा बलं, चिच्चा वाहणं चिच्चा धणधण्णकणयरयणसंतसारसावइज्जं, विच्छड्डेत्ता, विगोवित्ता, विस्साणित्ता, दायारेसु

दाणं दाइत्ता परिभाइत्ता, संवच्छरं दलइत्ता, जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सणं मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं अभिणिक्खमणाभिप्पाए यावि होत्था ॥ १००३ ॥ संवच्छरेण होहिति अभिणिक्खमणं तु जिणवरिंदाणं, तो अत्थि संपदाणं, पव्वत्तई पुव्वसूराओ ॥ १००४ ॥ एगा हिरण्णकोडी, अट्ठेव अणूणया सयसहस्सा, सूरोदयमाईयं दिज्जइ जा पायरासोत्ति ॥ १००५ ॥ तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीइं च होंति कोडीओ, असिइं च सयसहस्सा, एवं संवच्छरे दिण्णं ॥ १००६ ॥ वेसमणकुंडलधरा, देवा लोगंतिया महिड्ढिया । बोहिंति य तित्थयरं, पण्णरससु कम्मभूमिसु ॥ १००७ ॥ बंभंमि य कप्पंमि य बोद्धव्वा कण्हराइणो मज्झे; लोगंतिया विमाणा, अट्ठसुवत्था असंखेज्जा ॥ १००८ ॥ एते देवणिकाया, भगवं बोहिति जिणवरं वीरं, सव्वजगज्जीवहियं, अरहं तित्थं पव्वत्तेहि ॥ १००९ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अभिणिक्खमणाभिप्पायं जाणेत्ता भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य सएहिं सएहिं रूवेहिं, सएहिं सएहिं णेवत्थेहिं, सएहिं सएहिं चिंधेहिं, सव्विड्ढीए, सव्वजुईए, सव्वबलसमुदएणं, सयाइं सयाइं जाणविमाणाइं दुरुहंति सयाइं २ जाणविमाणाइं दुरुहित्ता, अहा बादराइं पोग्गलाइं परिसाडेंति परिसाडित्ता, अहासुहुमाइं पोग्गलाइं परियाइंति परियाइत्ता, उड्ढं उप्पयंति उप्पइत्ता, ताए उक्किट्ठाए सिग्घाए चवलाए तुरियाए दिव्वाए देवगईए अहेणं उवयमाणा २ तिरिएणं असंखेज्जाइं दीवसमुद्दाइं वीतिक्कममाणा २ जेणेव जंबुद्दीवे दीवे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता, जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसे तेणेव उवागच्छित्ता; तस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए तेणेव झत्तिवेगेण उवट्ठिया ॥ १०१० ॥ तओ णं सक्के देविंदे देवराया सणियं सणियं जाणविमाणं ठवेति ठवेत्ता, सणियं २ जाणविमाणाओ पच्चोत्तरति, पच्चोत्तरित्ता एगंतमवक्कमेति एगंतमवक्कमेत्ता, महया वेउव्विएणं समुग्घाएणं समोहणति, महया वेउव्विएणं समुग्घाएणं समोहणित्ता, एगं महं णाणामणिकणगरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं देवच्छंदयं विउव्वति, तस्सणं देवच्छंदयस्स बहुमज्झदेसभाए एगं महं सपायपीढं सीहासणं णाणामणिकणयरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं विउव्वइ विउव्वित्ता, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, समणं भगवं महावीरं वंदति णमंसति, वंदित्ता णमंसित्ता समणं भगवं महावीरं गहाय जेणेव देवच्छंदए तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता, सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयावेइ णिसीयावेत्ता सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भंगेति

अब्भंगेत्ता गंधकासाइएहिं उल्लोलेति उल्लोलित्ता, सुद्धोदएणं मज्जावेइ मज्जावित्ता, जस्स णं मुल्लं सयसहस्सेणं तिपडोलतित्तिएणं साहिएणं सीएणं गोसीसरत्तचंदणेणं अणुलिंपति अणुलिंपित्ता ईसिंणिस्सासवातवोज्झं वरणगरपट्टणुग्गयं कुसलणरपसंसितं अस्सलालापेलवं छेयायरियकणगखचियंतकम्मं हंसलक्खणं, पट्टजुयलं णियंसावेइ, णियंसावेत्ता हारं अद्धहारं उरत्थं नेवत्थं एगावलिं पालंवसुत्तं पट्टमउडरयणमालाओ आविंधावेति आविधावेत्ता गंठिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं मल्लेणं कप्परुक्खमिव समलंकरेति २ दोच्चंपि महया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता एगं महं चंदप्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं विउव्वइ तंजहा—ईहामियउसभतुरगणरमकरविहगवाणरकुंजररुरुसरभचमरसद्दूलसीहवणलयपउमलयभत्तिचित्तलयविचित्तविज्जाहरमिहुणजुयलजंतजोगजुत्तं, अच्चीसहस्समालिणीयं सुणिरूवियं मिसिमिसिंतरूवगसहस्सकलियं, ईसिभिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं, मुत्ताहलमुत्तजालंतरोपियंतवणीयपवरलंवूसगपलंवंतमुत्तदामं, हारद्धहारभूसणसमोणयं अहियपिच्छणिज्जं पउमलयभत्तिचित्तं, असोककुंदणाणालयभत्तिचित्तं विरइयं सुभं चारुकंतरूवं णाणामणिपंचवण्णघंटापडायपरिमंडियग्गसिहरं पासादीयं दरिसणीयं सुरूवं ॥१०११॥ सीया उवणीया जिणवरस्स जरमरणविप्पमुक्कस्स; ओसत्तमल्लदामा, जलथलयदिव्वकुसुमेहिं ॥ १ ॥ सिवियाइ मज्झयारे, दिव्वं वररयणरूवचिंचइयं; सीहासणं महरिहं सपादपीढं जिणवरस्स ॥ २ ॥ आलइयमालमउडो भासुरबोंदी वराभरणधारी; खोमियवत्थणियत्थो, जस्स य मोल्लं सयसहस्सं ॥ ३ ॥ छठ्ठेण उ भत्तेणं अज्झवसाणेण सोहणेण जिणो, लेसाहि विसुज्झंतो, आरुहइ उत्तमं सीयं ॥ ४ ॥ सीहासणे णिविठ्ठो सक्कीसाणा य दोहिं पासेहिं, वीयंति चामराहिं मणिरयणविचित्तदंडाहिं ॥ ५ ॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहठ्ठरोमपुलएहि, पच्छा वहंति देवा, सुरअसुरगरुलणागिंदा ॥ ६ ॥ पुरओ सुरा वहंती असुरा पुण दाहिणंमि पासंमि। अवरे वहंति गरुला, णागा पुण उत्तरे पासे ॥ ७ ॥ वणसंडं व कुसुमियं, पउमसरो वा जहा सरयकाले; सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ८ ॥ सिद्धत्थवणं व जहा, कणियारवणं व चंपयवणं वा, सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ९ ॥ वरपडहभेरिज्झल्लरिसंखसयसहस्सिएहि तूरेहिं। गगणतले धरणितले तूरणिणाओ परमरम्मो ॥ १० ॥ ततविततं घणझुसिरं आउज्जं चउविहं बहुविहीयं; वायंति तत्थ देवा, वहुहिं आणट्टगसएहिं ॥ ११ ॥ १०१२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सणं मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं, सुव्वएणं दिवसेणं, विजएणं मुहुत्तेणं, हत्थुत्तराणक्खत्तेणं जोगोवगएणं

पाईणगामिणीए छायाए बिइयाए पोरिसीए छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं, एगसाडगमायाए, चंदप्पहाए सिवियाए सहस्सवाहिणीए सदेवमणुयासुराएपरिसाए समणिज्जमाणे २ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसस्स मज्झंमज्झेणं णिगच्छित्ता जेणेव णायसंडे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ईसिंरयणिप्पमाणं अच्छोप्पेणं भूमिभागेणं सणियं २ चंदप्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं ठवेइ ठवेत्ता सणियं २ चंदप्पभाओ सिवियाओ सहस्सवाहिणीओ पच्चोयरइ, पच्चोयरित्ता सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयेइ, आभरणालंकारं ओमुयइ, तओणं वेसमणे देवे जन्नुव्वायपडिओ समणस्स भगवओ महावीरस्स हंसलक्खणेणं पडेणं आभरणालंकारं पडिच्छइ; तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, तओ णं सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स जन्नुव्वायपडिए वयरामयेणं थालेणं केसाइं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता "अणुजाणेसि भंते" त्ति कट्टु खीरोयसायरं साहरइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता सिद्धाणं णमोक्कारं करेइ करेत्ता, **"सव्वं मे अकरणिज्जं पावकम्मं"**ति कट्टु सामाइयं चरित्तं पडिवज्जइ, सामाइयं चरित्तं पडिवज्जित्ता देवपरिसं मणुयपरिसं च आलिक्खचित्तभूयमिव ठवेइ ॥ १०१३ ॥ दिव्वो मणुस्सघोसो, तुरियणिणाओ य सक्कवयणेण, खिप्पामेव णिलुक्को, जाहे पडिवज्जइ चरित्तं ॥ १ ॥ पडिवज्जित्तु चरित्तं अहोणिसिं सव्वपाणभूतहितं; साहट्टु लोमपुलया, सव्वे देवा निसामिंति २ ॥ १०१४॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सामाइयं खाओवसमियं चरित्तं पडिवन्नस्स मणपज्जवणाणे णामं णाणे समुप्पन्ने, अड्ढाइज्जेहिं दीवेहिं दोहिं य समुद्देहिं सण्णीणं पंचेंदियाणं पज्जत्ताणं वियत्तमणसाणं मणोगयाइं भावाइं जाणेइ ॥ १०१५ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पव्वइते समाणे मित्तणातिसयणसंबंधिवग्गं पडिविसज्जेति, पडिविसज्जित्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, "बारसवासाइं वोसट्ठकाए चत्तदेहे जे केइ उवसग्गा समुप्पज्जंति, तंजहा–दिव्वा वा, माणुस्सा वा, तेरिच्छिया वा, ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे सम्मं सहिस्सामि, खमिस्सामि अहियासइस्सामि" ॥ १०१६ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हित्ता वोसट्ठकाए चत्तदेहे दिवसे मुहुत्तसेसे कुमारगामं समणुपत्ते ॥ १०१७ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे वोसट्ठचत्तदेहे अणुत्तरेणं आलएणं, अणुत्तरेणं विहारेणं, एवं संजमेणं, पग्गहेणं, संवरेणं तवेणं, बंभचेरवासेणं, खंतीए, मोत्तीए, तुट्ठीए, समितीए, गुत्तीए, ठाणेणं, कम्मेणं, सुचरियफलणिव्वाणमुत्तिमग्गेणं, अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १०१८ ॥ एवं वा विहरमाणस्स जे केइ उवसग्गा समुपज्जंति दिव्वा

वा माणुस्सा वा तेरिच्छिया वा ते सव्वे उवसग्गे समुप्पन्ने समाणे अणाउले अव्व-हिए अदीणमाणसे तिविहमणवयणकायगुत्ते सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ १०१९ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स एएणं विहारेणं विहरमाणस्स वारसवासा विइक्कंता, तेरसमस्स वासस्स परियाए वट्टमाणस्स जे से गिम्हाणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे वइसाहसुद्धे, तस्सणं वइसाहसुद्धस्स दसमीपक्खेणं सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगोवगतेणं पाईणगामिणीए छायाए वियत्ताए पोरिसीए जंभियगामस्स णगरस्स बहिया णईए उज्जुवालियाए उत्तरे कूले, सामागस्स गाहावइस्स कट्ठकरणंसि वेयावत्तस्स चेइयस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सालरुक्खस्स अदूरसामंते उक्कुडुयस्स गोदोहियाए आयावणाए आयावे-माणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं उड्ढंजाणुअहोसिरस्स धम्मज्झाणकोट्ठोवगयस्स सुक्कज्झाणंतरियाए वट्टमाणस्स निव्वाणे, कसिणे, पडिपुण्णे, अव्वाहए, णिरावरणे, अणंते, अणुत्तरे, केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥ १०२० ॥ से भयवं अरहा जिणे जाए, केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी, सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पज्जाए जाणइ, तंजहा–आगतिं गतिं ठितिं चवणं, उववायं भुत्तं पीयं कडं पडिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वलोए सव्वजीवाणं, सव्व-भावाइं जाणमाणे पासमाणे एवं च णं विहरइ ॥ १०२१ ॥ जण्णं दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स णिव्वाणे कसिणे जाव समुप्पण्णे, तण्णं दिवसं भवणवइवाण-मंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहिं य देवीहि य उव्वयंतेहिं य जाव उप्पिंजलग-भूए यावि होत्था ॥१०२२॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णवरणाणदंसणधरे अप्पाणं च लोगं च अभिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइक्खति तओ पच्छा मणुस्साणं ॥ १०२३ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे गोय-माईणं समणाणं णिग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छज्जीवनिकायाइं आइक्खइ, भासइ, परूवेइ, तंजहा–पुढविकाए जाव तसकाए ॥१०२४॥ पढमं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि, सव्वं पाणाइवायं से सुहुमं वा वायरं वा तसं वा थावरं वा णेव सयं पाणाइवायं करेज्जा ३ जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा, तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १०२५ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०२६ ॥ **तत्थिमा पढमा भावणा,** इरियासमिए से णिग्गंथे, णो अणइरियासमिए त्ति, केवली बूया अणइरियासमिए से णिग्गंथे, पाणाइं ४ अभिहणेज्ज वा, वत्तेज्ज वा, परियावेज्ज वा, लेसेज्ज वा, उद्दवेज्ज वा, इरियासमिए से णिग्गंथे, णो अणइरियासमिए त्ति **पढमा भावणा** ॥ १०२७ ॥

अहावरा दोच्चा भावणा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे, जे य मणे पावए सावज्जे सकिरिए अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे अधिकरणिए पाउसिए, परिताविए पाणाइवाइए, भूओवघाइए तहप्पगारं मणं णो पधारेज्जा, मणं परिजाणाति से णिग्गंथे जे य मणे अपावए त्ति **दोच्चा भावणा** ॥ १०२८ ॥ अहावरा तच्चा भावणा ॥ वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई पाविया सावज्जा सकिरिया जाव भूओवघाइया तहप्पगारं वइं णो उच्चारिज्जा, जे वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जाय वई अपाविय त्ति **तच्चा भावणा** ॥ १०२९ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,** आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे, णो अणायाणभंडमत्तणिक्खेणासमिए णिग्गंथे केवली वूया, आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए णिग्गंथे पाणाइंभूयाइंजीवाइं सत्ताइं अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे णो आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३० ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई, केवली वूया, अणालोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पाणाइं वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोइ त्ति पंचमा भावणा ॥ १०३१ ॥ एतावता पढमे महव्वए सम्मं काएण फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ ॥ १०३२ ॥ पढमे भंते ! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १०३३ ॥ **अहावरं दोच्चं महव्वयं** पच्चक्खामि सव्वं मुसावायं वइदोसं से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, णेव सयं मुसं भासेज्जा, णेवन्नेणं मुसं भासावेज्जा, अण्णं पि मुसं भासंतं ण समणुजाणेज्जा, तिविहं तिविहेणं मणसा वायसा कायसा तस्स भंते पडिक्कमामि जाव वोसिरामि ॥ १०३४ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०३५ ॥ **तत्थिमा पढमा भावणा,** अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासी; केवली वूया, अणणुवीइभासी से णिग्गंथे समावज्जिज्ज मोसं वयणाए, अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासि त्ति पढमा भावणा ॥ १०३६ ॥ **अहावरा दोच्चा भावणा,** कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो कोहणे सिया, केवली वूया, कोहपत्ते कोहत्तं समावदेज्जा मोसं वयणाए, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णय कोहणे सियत्ति दोच्चा भावणा ॥ १०३७ ॥ **अहावरा तच्चा भावणा,** लोभं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सिया, केवली वूया, लोभपत्ते लोभी समावदेज्जा मोसं वयणाए, लोभं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०३८ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,**

भयं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो भयभीरुए सिया; केवली बूया, भयप्पत्ते भीरू समावदेज्जा मोसं वयणाए, भयं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो भयभीरुए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३९ ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिया, केवली बूया, हासप्पत्ते हासी समावदेज्जा मोसं वयणाए, हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिय त्ति पंचमा भावणा ॥ १०४० ॥ एतावता दोच्चे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आणाए आराहिए या वि भवति ॥ **दोच्चे भंते महव्वए०** ॥ १०४१ ॥ **अहावरं तच्चं भंते ! महव्वयं** पच्चक्खामि सव्वं अदिण्णादाणं; से गामे वा, णगरे वा, अरण्णे वा, अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा, णेवण्णेहिं अदिण्णं गेण्हावेज्जा अण्णंपि अदिण्णं गिण्हंतं न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए जाव वोसिरामि ॥ १०४२ ॥ तस्सिमाओ **पंचभावणाओ** भवंति तत्थिमा **पढमा भावणा,** अणुवीइ मिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीईमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे केवली बूया अणणुवीईमिओग्गहं जाई से णिग्गंथे अदिण्णं गिण्हेज्जा अणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीइमिओग्गहंजाइ त्ति पढमा भावणा ॥ १०४३ ॥ **अहावरा दोच्चा भावणा,** अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे अदिण्णं भुंजेज्जा, तम्हा अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोइ त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०४४ ॥ **अहावरा तच्चा भावणा,** णिग्गंथे णं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं उग्गहंसि अणुग्गहियंसि एतावताव अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०४५ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,** णिग्गथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा णिग्गंथे उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०४६ ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** अणुवीइमितोग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई, केवली बूया, अणणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु अदिण्णं उगिण्हेज्जा, अणुवीइमिओग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिओग्गहजाई इइ पंचमा भावणा ॥ १०४७ ॥ एतावताव तच्चे महव्वए सम्मं जाव आणाए आराहिए यावि भवइ, तच्चं भंते मह-

व्वयं ॥ १०४८ ॥ अहावरं **चउत्थं महव्वयं** पच्चक्खामि सव्वं मेहुणं, से दिव्वं वा, माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, णेव सयं मेहुणं गच्छेज्जा तं चेव अदिण्णादाणवत्तव्वया भाणियव्वा, जाव वोसिरामि ॥ १०४९ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०५० ॥ तत्थिमा **पढमा भावणा,** णो णिग्गंथे अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहेमाणे संतिभेदा संतिविभंगा संतिकेवलीपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहित्तए सिय त्ति पढमा भावणा ॥१०५१॥ अहावरा **दोच्चा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएमाणे णिज्झाएमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिय त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०५२ ॥ अहावरा **तच्चा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०५३ ॥ अहावरा **चउत्था भावणा,** णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो पणीयरसभोयणभोई, केवली बूया, अइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पणीयरसभोयणभोई य संतिभेदा जाव भंसेज्जा, णोऽतिमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरसभोयणभोइ त्ति **चउत्था भावणा,** ॥ १०५४ ॥ अहावरा **पंचमा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवेमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सियत्ति पंचमा भावणा ॥१०५५॥ एतावताव चउत्थे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आराहिए या वि भवइ, चउत्थं भंते ! महव्वयं० ॥१०५६॥ अहावरं पंचमं भंते ! महव्वयं सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि, से अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं परिग्गहं गिण्हेज्जा, णेवण्णेहिं परिग्गहं गिण्हाविज्जा, अण्णंपि परिग्गहं गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा, जाव वोसिरामि ॥ १०५७ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, सोयओणं जीवे मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथेणं मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं सज्जमाणे

जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०५८ ॥ ण सक्का ण सोउं सद्दा, सोयविसयमागता; रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०५९ ॥ सोयओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ० ॥ १०६० ॥ अहावरा **दोच्चा भावणा,** चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ, मणुण्णामणुण्णेहि रूवेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०६१ ॥ ण सक्का रूवमदट्ठुं चक्खुविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥१०६२॥ चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ ॥ १०६३ ॥ अहावरा **तच्चा भावणा,** घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेदा संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०६४ ॥ णो सक्का गंधमग्घाउं णासाविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०६५ ॥ घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ० ॥ १०६६ ॥ अहावरा **चउत्था भावणा,** जिब्भाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्सादेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेदा जाव भंसेज्जा ॥ १०६७ ॥ णो सक्का रसमस्साउं, जीहाविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०६८ ॥ जीहाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्सादेइ० ॥ १०६९ ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** फासओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेदेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे, संतिभेदा संतिविभंगा, संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०७० ॥ णो सक्का फासमवेदेउं फासविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०७१ ॥ फासओ मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेदेइ० ॥ १०७२ ॥ एतावताव पंचमे महव्वए सम्मं काएण फासिएपालिएतीरिएकिट्टिए अहिट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ, पंचमं भंते ! महव्वयं ॥ १०७३ ॥ इच्चेएहिं पंचमहव्वएहिं पणवीसाहिं य भावणाहिं संपण्णे अणगारे अहासुयं अहाकप्पं अहामग्गं सम्मं काएण फासित्ता,

पालित्ता, तीरित्ता, किट्टित्ता, आणाए आराहिए यावि भवइ ॥१०७४॥ **भावणाज्झयणं पणरहमं समत्तं इय तइआ चूला समत्ता ॥**

अणिच्चमावासमुवेंति जंतुणो, पलोयए सुच्चमिदं अणुत्तरं; विऊसिरे विन्नु अगारबंधणं, अभीरु आरंभपरिग्गहं चए ॥ १०७५ ॥ तहागअं भिक्खुमणंतसंजयं, अणेलिसं विन्नु चरंतमेसणं; तुदंति वायाहिं अभिद्दवं णरा, सरेहिं संगामगयं व कुंजरं ॥ १०७६ ॥ तहप्पगारेहिं जणेहिं हीलिए, ससद्दफासा फरुसा उईरिया; तितिक्खए णाणि अदुट्ठचेयसा, गिरिव्व वाएण ण संपवेयए ॥१०७७॥ उवेहमाणे कुसलेहिं संवसे, अकंतदुक्खी तसथावरा दुही; अलूसए सव्वसहे महामुणी, तहा हि से सुस्समणे समाहिए ॥ १०७८ ॥ विऊ णए धम्मपयं अणुत्तरं, विणीयतण्हस्स मुणिस्स ज्झायओ; समाहियस्सऽग्गिसिहा व तेयसा, तवो य पण्णा य जसो य वड्ढइ ॥ १०७९ ॥ दिसोदिसिंऽणंतजिणेण ताइणा, महव्वया खेमपदा पवेदिता; महागुरू णिस्सयरा उदीरिया, तमेव तेऊत्तिदिसं पगासया ॥ १०८० ॥ सिएहिं भिक्खू असिए परिव्वए, असज्जमित्थीसु चएज्ज पूअणं; अणिस्सिओ लोगमिणं तहा परं, णमिज्जइ कामगुणेहिं पंडिए ॥ १०८१ ॥ तहा विमुक्कस्स परिण्णचारिणो धिईमओ दुक्खखमस्स भिक्खुणो; विसुज्झई जंसि मलं पुरेकडं, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा ॥ १०८२ ॥ से हु प्परिण्णा समयंमि वट्टइ, णिराससे उवरय मेहुणा चरे; भुजंगमे जुण्णतयं जहा जहे, विमुच्चइ से दुहसेज्ज माहणे ॥ १०८३ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारगं, महासमुद्दं व भुयाहिं दुत्तरं; अहे य णं परिजाणाहि पंडिए, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०८४ ॥ जहा हि बद्धं इह माणवेहिं, जहा य तेसिं तु विमोक्ख आहिओ; अहा तहा बंधविमोक्ख जे विऊ, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०८५ ॥ इमंमि लोए परए य दोसुवि, ण विज्जइ बंधणं जस्स किंचिवि; से हु णिरालंबणमप्पइट्ठिए, कलंकली भावपहं विमुच्चइ त्ति बेमि ॥ १०८६ ॥ **सोलहमं विमुत्तिज्झयणं समत्तं ॥ सदाचारणाम बीओ सुयक्खंधो संपुण्णो, चउत्था चूडा समत्ता ॥**

इइ आयारे



णमो त्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

सूयगडं

पढमे सुयक्खंधे

समयज्झयणे पढमे

बुज्झिज्ज त्ति तिउट्टिज्जा बन्धणं परिजाणिया । किमाह बन्धणं वीरो किं वा जाणं तिउट्टइ ॥ १ ॥ १ ॥ चित्तमन्तमचित्तं वा परिगिज्झ किसामवि । अन्नं वा अणुजाणाइ एवं दुक्खा न मुच्चई ॥ २ ॥ २ ॥ सयं तिवायए पाणे अदुवऽन्नेहि घायए । हणन्तं वाऽणुजाणाइ वेरं वड्ढेइ अप्पणो ॥ ३ ॥ ३ ॥ जस्सिं कुले समुप्पन्ने जेहिं वा संवसे नरे । ममाइ लुप्पई वाले अन्ने अन्नेहि मुच्छिए ॥ ४ ॥ ४ ॥ वित्तं सोयरिया चेव सव्वमेयं न ताणइ । संखाएँ जीवियं चेवं कम्मुणा उ तिउट्टइ ॥ ५ ॥ ५ ॥ एए गन्थे विउक्कम्म एगे समणमाहणा । अयाणन्ता विउस्सित्ता सत्ता कामेहि माणवा ॥ ६ ॥ ६ ॥ सन्ति पञ्च महब्भूया इहमेगेसिमाहिया । पुढवी आउ तेऊ वा वाउ आगासपञ्चमा ॥ ७ ॥ ७ ॥ एए पञ्च महब्भूया तेब्भो एगो त्ति आहिया । अह तेसिं विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥ ८ ॥ ८ ॥ जहा य पुढवीथूभे एगे नाणाहि दीसइ । एवं भो कसिणे लोए विन्नू नाणाहि दीसइ ॥ ९ ॥ ९ ॥ एवमेगे त्ति जम्पन्ति मन्दा आरम्भनिस्सिया । एगे किच्चा सयं पावं तिव्वं दुक्खं नियच्छइ ॥१०॥१०॥ पत्तेयं कसिणे आया जे वाला जे य पण्डिया । सन्ति पिच्चा न ते सन्ति नत्थि सत्तोववाइया ॥ ११ ॥ ११ ॥ नत्थि पुण्णे व पावे वा नत्थि लोए इओवरे । सरीरस्स विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥ १२ ॥ १२ ॥ कुव्वं च कारयं चेव सव्वं कुव्वं न विज्जई । एवं अकारओ अप्पा एवं ते उ पगब्भिया ॥ १३ ॥ १३ ॥ जे ते उ वाइणो एवं लोए तेसिं कओ सिया । तमाओ ते तमं जन्ति मन्दा आरम्भनिस्सिया ॥ १४ ॥ १४ ॥ सन्ति पञ्च महब्भूया इहमेगेसिमाहिया । आयछट्ठा पुणो आहु आया लोगे य सासए ॥ १५ ॥ १५ ॥ दुहओ न विणस्सन्ति नो य उप्पज्जए असं । सव्वे वि सव्वहा भावा नियत्तीभावमागया ॥ १६ ॥ १६ ॥ पञ्च खन्धे वयन्तेगे बाला उ खणजोइणो । अन्नो अणन्नो नेवाहु हेउयं च अहेउयं ॥१७॥१७॥ पुढवी आउ तेऊ य तहा वाऊ य एगओ । चत्तारि धाउणो रूवं एवमाहंसु आवरे ॥ १८ ॥ १८ ॥ अगारमावसन्ता वि अरण्णा वा वि पव्वया । इमं दरिसणमावन्ना सव्वदुक्खा विमुच्चई ॥१९॥१९॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा ।

जे ते उ वाइणो एवं न ते ओहंतराऽऽहिया ॥ २० ॥ २० ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं न ते संसारपारगा ॥ २१ ॥ २१ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं न ते गब्भस्स पारगा ॥ २२ ॥ २२ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं न ते जम्मस्स पारगा ॥ २३ ॥ २३ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं न ते दुक्खस्स पारगा ॥ २४ ॥ २४ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं न ते मारस्स पारगा ॥ २५ ॥ २५ ॥ नाणाविहाइं दुक्खाइं अणुहोन्ति पुणो पुणो। संसारचक्कवालम्मि मच्चुवाहिजराकुले ॥ २६ ॥ २६ ॥ उच्चावयाणि गच्छन्ता गब्भमेस्सन्ति णन्तसो। **नायपुत्ते महावीरे** एवमाह जिणुत्तमे ॥ २७ ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥

समयज्झयणे पढमुद्देसो ॥

आघायं पुण एगेसिं उववन्ना पुढो जिया। वेदयन्ति सुहं दुक्खं अदु वा लुप्पन्ति ठाणओ ॥ १ ॥ २८ ॥ न तं सयं कडं दुक्खं कओ अन्नकडं च णं। सुहं वा जइ वा दुक्खं सेहियं वा असेहियं ॥ २ ॥ २९ ॥ सयं कडं न अन्नेहिं वेदयन्ति पुढो जिया। संगइयं तं तहा तेसिं इहमेगेसिमाहियं ॥ ३ ॥ ३० ॥ एवमेयाणि जम्पन्ता बाला पण्डियमाणिणो। निययानिययं सन्तं अयाणन्ता अबुद्धिया ॥ ४ ॥ ३१ ॥ एवमेगे उ पासत्था ते भुज्जो विप्पगब्भिया। एवं उवट्ठिया सन्ता न ते दुक्खविमोक्खगा ॥ ५ ॥ ३२ ॥ जविणो मिगा जहा सन्ता परियाणेण वज्जिया। असङ्कियाइं सङ्कन्ति सङ्कियाइं असङ्किणो ॥ ६ ॥ ३३ ॥ परियाणियाणि सङ्कन्ता पासियाणि असङ्किणो। अन्नाणभयसंविग्गा संपलिन्ति तहिं तहिं ॥ ७ ॥ ३४ ॥ अह तं पवेज्ज वज्झं अहे वज्झस्स वा वए। मुच्चेज्ज पयपासाओ तं तु मन्दे न देहई ॥ ८ ॥ ३५ ॥ अहियप्पाहियपन्नाणे विसमन्तेणुवागए। स बद्धे पयपासेणं तत्थ घायं नियच्छइ ॥ ९ ॥ ३६ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया। असङ्कियाइं सङ्कन्ति सङ्कियाइं असङ्किणो ॥ १० ॥ ३७ ॥ धम्मपन्नवणा जा सा तं तु सङ्कन्ति मूढगा। आरम्भाइं न सङ्कन्ति अवियत्ता अकोविया ॥ ११ ॥ ३८ ॥ सव्वप्पगं विउक्कस्सं सव्वं नूमं विहूणिया। अप्पत्तियं अकम्मंसे एयमट्ठं मिगे चुए ॥ १२ ॥ ३९ ॥ जे एयं नाभिजाणन्ति मिच्छदिट्ठी अणारिया। मिगा वा पासबद्धा ते घायमेस्सन्ति णन्तसो ॥ १३ ॥ ४० ॥ माहणा समणा एगे सव्वे नाणं सयं वए। सव्वलोगे वि जे पाणा न ते जाणन्ति किंचण ॥ १४ ॥ ४१ ॥ मिलक्खू अमिलक्खुस्स जहा वुत्ताणुभासए। न हेउं से वियाणाइ भासियं तऽणुभासए ॥ १५ ॥

॥ ४२ ॥ एवमन्नाणिया नाणं वयन्ता वि सयं सयं । निच्छयत्थं ण जाणन्ति मिलक्खु व्व अबोहिया ॥ १६ ॥ ४३ ॥ अन्नाणियाणं वीमंसा अन्नाणे न नियच्छइ । अप्पणो य परं नालं कुतो अन्नाणुसासिउं ॥ १७ ॥ ४४ ॥ वणे मूढे जहा जन्तू मूढे नेयाणुगामिए । दो वि एए अकोविया तिव्वं सोयं नियच्छई ॥ १८ ॥ ४५ ॥ अन्धो अन्धं पहं नेन्तो दूरमद्धाणुगच्छइ । आवज्जे उप्पहं जन्तू अदु वा पन्थाणुगामिए ॥ १९ ॥ ४६ ॥ एवमेगे नियागट्ठी धम्ममाराहगा वयं । अदु वा अहम्ममावज्जे न ते सव्वज्जुयं वए ॥ २० ॥ ४७ ॥ एवमेगे वियक्काहिं नो अन्नं पज्जुवासिया । अप्पणो य वियक्काहिं अयमञ्जू हि दुम्मई ॥ २१ ॥ ४८ ॥ एवं तक्काइ साहेन्ता धम्माधम्मे अकोविया । दुक्खं ते नाइतुट्टन्ति सउणी पञ्जरं जहा ॥ २२ ॥ ॥ ४९ ॥ सयं सयं पसंसन्ता गरहन्ता परं वयं । जे उ तत्थ विउस्सन्ति संसारं ते विउस्सिया ॥ २३ ॥ ५० ॥ अहावरं पुरक्खायं किरियावाइदरिसणं । कम्मचिन्तापणट्ठाणं संसारस्स पवड्ढणं ॥ २४ ॥ ५१ ॥ जाणं काएणऽणाउट्टी अबुहो जं च हिंसइ । पुट्ठो संवेयइ परं अवियत्तं खु सावज्जं ॥ २५ ॥ ५२ ॥ सन्तिमे तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । अभिकम्मा य पेसा य मणसा अणुजाणिया ॥ २६ ॥ ५३ ॥ एए उ तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । एवं भावविसोहीए निव्वाणमभिगच्छई ॥ २७ ॥ ५४ ॥ पुत्तं पिया समारब्भ आहारेज्ज असंजए । भुञ्जमाणो य मेहावी कम्मुणा नोवलिप्पई ॥ २८ ॥ ५५ ॥ मणसा जे पउस्सन्ति चित्तं तेसिं न विज्जइ । अणवज्जमतहं तेसिं न ते संवुडचारिणो ॥२९॥ ॥ ५६ ॥ इच्चेयाहि य दिट्ठीहि सायागारवनिस्सिया । सरणं ति मन्नमाणा सेवन्ती पावगं जणा ॥ ३० ॥ ५७ ॥ जहा अस्साविणिं नावं जाइअन्धो दुरूहिया । इच्छई पारमागन्तुं अन्तरा य विसीयई ॥ ३१ ॥ ५८ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । संसारपारकंखी ते संसारं अणुपरियट्टन्ति ॥ ३२ ॥ ५९ ॥ त्ति बेमि ॥

समयज्झयणे बिइयुद्देसो ॥

जं किंचि उ पूइकडं सड्ढीमागन्तुमीहियं । सहस्सन्तरियं भुञ्जे दुपक्खं चेव सेवई ॥ १ ॥ ६० ॥ तमेव अवियाणन्ता विसमंसि अकोविया । मच्छा वेसालिया चेव उदगस्सभियागमे ॥ २ ॥ ६१ ॥ उदगस्स पहावेणं सुक्कं सिग्घं तमेन्ति उ । ढङ्केहि य कङ्केहि य आमिसत्थेहि ते दुही ॥ ३ ॥ ६२ ॥ एवं तु समणा एगे वट्टमाणसुहेसिणो । मच्छा वेसालिया चेव घायमेस्सन्ति णन्तसो ॥ ४ ॥ ६३ ॥ इणमन्नं तु अन्नाणं इहमेगेसिमाहियं । देवउत्ते अयं लोए बम्भउत्ते इ आवरे ॥ ५ ॥ ॥ ६४ ॥ ईसरेण कडे लोए पहाणाइ तहावरे । जीवाजीवसमाउत्ते सुहदुक्खसम-

न्निए ॥ ६ ॥ ६५ ॥ सयंभुणा कडे लोए इइ वुत्तं महेसिणा । मारेण संथुया माया तेण लोए असासए ॥ ७ ॥ ६६ ॥ माहणा समणा एगे आह अण्डकडे जए । असो तत्तमकासी य अयाणन्ता मुसं वए ॥ ८ ॥ ६७ ॥ सएहिं परियाएहिं लोगं बूया कडे त्ति य । तत्तं ते न वियाणन्ति न विणासी कयाइ वि ॥ ९ ॥ ६८ ॥ अमणुन्नसमुप्पायं दुक्खमेव वियाणिया । समुप्पायमयाणन्ता कहं नायन्ति संवरं ॥ १० ॥ ६९ ॥ सुद्धे अपावए आया इहमेगेसिमाहियं । पुणो किड्डापदोसेणं सो तत्थ अवरज्झई ॥ ११ ॥ ७० ॥ इह संवुडे मुणी जाए पच्छा होइ अपावए । वियडम्बु जहा भुज्जो नीरयं सरयं तहा ॥ १२ ॥ ७१ ॥ एयाणुवीइ मेहावी बम्भ-चेरेण ते वसे । पुढो पावाउया सव्वे अक्खायारो सयं सयं ॥ १३ ॥ ७२ ॥ सए सए उवट्ठाणे सिद्धिमेव न अन्नहा । अहे इहेव वसवत्ती सव्वकामसमप्पिए ॥ १४ ॥ ॥ ७३ ॥ सिद्धा य ते अरोगे य इहमेगेसिमाहियं । सिद्धिमेव पुरो काउं सासए गढिया नरा ॥ १५ ॥ ७४ ॥ असंवुडा अणाईयं भमिहिन्ति पुणो पुणो । कप्प-कालमुवज्जन्ति ठाणा आसुरकिब्बिसिय ॥ १६ ॥ ७५ ॥ त्ति बेमि ॥ **समय-ज्झयणे तइयुद्देसो** ॥

एए जिया भो न सरणं बाला पण्डियमाणिणो । हिच्चा णं पुव्वसंजोयं सिया किच्चोवएसगा ॥ १ ॥ ७६ ॥ तं च भिक्खू परिन्नाय वियं तेसु न मुच्छए । अणु-क्कस्से अप्पलीणे मज्झेण मुणि जावए ॥ २ ॥ ७७ ॥ सपरिग्गहा य सारम्भा इहमेगेसिमाहियं । अपरिग्गहा अणारम्भा भिक्खू ताणं परिव्वए ॥ ३ ॥ ७८ ॥ कडेसु घासमेसेज्जा विऊ दत्तेसणं चरे । अगिद्धो विप्पमुक्को य ओमाणं परिवज्जए ॥ ४ ॥ ७९ ॥ लोगवायं निसामेज्जा इहमेगेसिमाहियं । विवरीयपन्नसंभूयं अन्नउत्तं तयाणुयं ॥ ५ ॥ ८० ॥ अणन्ते निइए लोए सासए न विणस्सई । अन्तवं निइए लोए इइ धीरोऽतिपासई ॥ ६ ॥ ८१ ॥ अपरिमाणं वियाणाइ इहमेगेसिमाहियं । सव्वत्थ सपरिमाणं इइ धीरोऽतिपासई ॥ ७ ॥ ८२ ॥ जे केइ तसा पाणा चिट्ठन्ति अदु थावरा । परियाए अत्थि से अञ्जु जेण ते तसथावरा ॥ ८ ॥ ८३ ॥ उरालं जगओ जोगं विवज्जासं पलेन्ति य । सव्वे अक्कन्तदुक्खा य अओ सव्वे अहिंसिया ॥ ९ ॥ ८४ ॥ एयं खु नाणिणो सारं जं न हिंसइ किंचण । अहिंसासमयं चेव एयावन्तं वियाणिया ॥ १० ॥ ८५ ॥ वुसिए य विगयगेही आयाणं सम्म रक्खए । चरियासणसेज्जासु भत्तपाणे य अन्तसो ॥ ११ ॥ ८६ ॥ एएहिं तिहि ठाणेहिं संजए सययं मुणी । उक्कसं जलणं नूमं मज्झत्थं च विगिञ्चए ॥ १२ ॥ ८७ ॥ समिए उ सया साहू पञ्चसंवरसंवुडे । सिएहि असिए भिक्खू आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ १३ ॥ ८८ ॥ त्ति बेमि ॥ **समयज्झयणं पढमं** ॥

वेयालियज्झयणे बिइए

संवुज्झह किं न वुज्झह संवोही खलु पेच्च दुल्लहा। नो हूवणमन्ति राइयो नो सुलभं पुणरावि जीवियं ॥ १ ॥ ८९ ॥ डहरा वुड्ढा य पासह गब्भत्था वि चयन्ति माणवा। सेणे जह वट्टयं हरे एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ २ ॥ ९० ॥ मायाहि पियाहिं लुप्पई नो सुलहा सुगई य पेच्चओ। एयाइ भयाइ पेहिया आरम्भा विरमेज्ज सुव्वए ॥ ३ ॥ ९१ ॥ जमिणं जगई पुढो जगा कम्मेहिं लुप्पन्ति पाणिणो। सयमेव कडेहि गाहई नो तस्स मुच्चेज्जऽपुट्ठयं ॥ ४ ॥ ९२ ॥ देवा गन्धव्वरक्खसा असुरा भूमिचरा सरीसिवा। राया नरसेट्ठिमाहणा ठाणा ते वि चयन्ति दुक्खिया ॥ ५ ॥ ९३ ॥ कामेहि य संथवेहि गिद्धा कम्मसहा कालेण जन्तवो। ताले जह बन्धणच्चुए एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ ६ ॥ ९४ ॥ जे यावि वहुस्सुए सिया धम्मिय माहण भिक्खुए सिया। अभिनूमकडेहि मुच्छिए तिव्वं ते कम्मेहि किच्चई ॥ ७ ॥ ९५ ॥ अह पास विवेगमुट्ठिए अवितिण्णे इह भासई धुवं। नाहिसि आरं कओ परं वेहासे कम्मेहि किच्चई ॥ ८ ॥ ९६ ॥ जइ वि य नगिणे किसे चरे जइ वि य भुञ्जिय मासमन्तसो। जे इह मायाहि मिज्जई आगन्ता गब्भाय णन्तसो ॥ ९ ॥ ९७ ॥ पुरिसोरम पावकम्मुणा पलियन्तं मणुयाण जीवियं। सन्ना इह काममुच्छिया मोहं जन्ति नरा असंवुडा ॥ १० ॥ ९८ ॥ जययं विहराहि जोगवं अणुपाणा पन्था दुरुत्तरा। अणुसासणमेव पक्कमे वीरेहिं सम्मं पवेइयं ॥ ११ ॥ ९९ ॥ विरया वीरा समुट्ठिया कोहकायरियाइपीसणा। पाणे न हणन्ति सव्वसो पावाओ विरयाऽभिनिव्वुडा ॥ १२ ॥ १०० ॥ न वि ता अहमेव लुप्पए लुप्पन्ती लोगंसि पाणिणो। एवं सहिएहि पासए अणिहे से पुट्ठेऽहियासए ॥ १३ ॥ १०१ ॥ धुणिया कुलियं व लेववं किसए देहमणासणाइहिं। अविहिंसामेव पव्वए अणुधम्मो मुणिणा पवेइयो ॥ १४ ॥ १०२ ॥ सउणी जह पंसुगुण्डिया विहुणिय धंसयई सियं रयं। एवं दविओवहाणवं कम्मं खवइ तवस्सि माहणे ॥ १५ ॥ १०३ ॥ उट्ठियमणगारमेसणं समणं ठाणठियं तवस्सिणं। डहरा वुड्ढा य पत्थए अवि सुस्से न य तं लभेज्ज नो ॥ १६ ॥ १०४ ॥ जइ कालुणियाणि कासिया जइ रोयन्ति य पुत्तकारणा। दवियं भिक्खुं समुट्ठियं नो लब्भन्ति न संठवित्तए ॥ १७ ॥ १०५ ॥ जइ वि य कामेहि लाविया जइ नेज्जाहि ण वन्धिउं घरं। जइ जीविय नावकङ्खए नो लब्भन्ति न संठवित्तए ॥ १८ ॥ १०६ ॥ सेहन्ति य णं ममाइणो माय पिया य सुया य भारिया। पोसाहि ण पासओ तुमं लोग परं पि जहासि पोसणो ॥ १९ ॥ १०७ ॥ अन्ने अन्नेहि मुच्छिया मोहं जन्ति नरा असंवुडा। विसमं विसमेहि गाहिया ते

पावेहिं पुणो पगब्भिया ॥ २० ॥ १०८ ॥ तम्हा दवि इक्ख पण्डिए पावाओ विरएऽभिनिव्वुडे । पणए वीरं महाविहिं सिद्धिपहं नेयाउयं धुवं ॥ २१ ॥ १०९ ॥ वेयालियमग्गमागओ मणवयसा काएण निव्वुडो । चिच्चा वित्तं च नायओ आरम्भं च सुसंवुडं चरे ॥ २२ ॥ ११० ॥ त्ति बेमि **वेयालियज्झयणे पढमुद्देसो ॥**

तयसं व जहाइ से रयं इइ संखाय मुणी न मज्जई । गोयन्नतरेण माहणे अहसेयकरी अन्नेसि इंखिणी ॥ १ ॥ १११ ॥ जो परिभवई परं जणं संसारे परिवत्तई महं । अदु इंखिणिया उ पाविया इइ संखाय मुणी न मज्जई ॥ २ ॥ ११२ ॥ जे यावि अणायगे सिया जे वि य पेसगपेसगे सिया । जे मोणपयं उवट्ठिए नो लज्जे समयं सया चरे ॥ ३ ॥ ११३ ॥ सम अन्नयरम्मि संजमे संसुद्धे समणे परिव्वए । जे आवकहा समाहिए दविए कालमकासि पण्डिए ॥ ४ ॥ ११४ ॥ दूरं अणुपस्सिया मुणी तीयं धम्ममणागयं तहा । पुट्ठे फरुसेहि माहणे अवि हण्णू समयम्मि रीयइ ॥ ५ ॥ ११५ ॥ पन्नसमत्ते सया जए समताधम्ममुदाहरे मुणी । सुहुमे उ सया अलूसए नो कुज्झे नो माणि माहणे ॥ ६ ॥ ११६ ॥ बहुजणनमणम्मि संवुडो सव्वट्ठेहि नरे अणिस्सिए । हरए व सया अणाविले धम्मं पादुरकासि कासवं ॥ ७ ॥ ११७ ॥ बहवे पाणा पुढो सिया पत्तेयं समयं समीहिया । जे मोणपयं उवट्ठिए विरइं तत्थ अकासि पण्डिए ॥ ८ ॥ ११८ ॥ धम्मस्स य पारगे मुणी आरम्भस्स य अन्तए ठिए । सोयन्ति य णं ममाइणो नो लब्भन्ति नियं परिग्गहं ॥ ९ ॥ ११९ ॥ इहलोगदुहावहं विऊ परलोगे य दुहं दुहावहं । विद्धंसणधम्ममेव तं इइ विज्जं को गारमावसे ॥ १० ॥ १२० ॥ महयं पलिगोव जाणिया जा वि य वंदणपूयणा इहं । सुहुमे सल्ले दुरुद्धरे विउमंता पयहिज्ज संथवं ॥ ११ ॥ १२१ ॥ एगे चर ठाणमासणे सयणे एग समाहिए सिया । भिक्खू उवहाणवीरिए वइगुत्ते अज्झत्तसंवुडो ॥ १२ ॥ १२२ ॥ नो पीहे न यावपंगुणे दारं सुन्नघरस्स संजए । पुट्ठे न उदाहरे वयं न समुच्छे नो संथरे तणं ॥ १३ ॥ १२३ ॥ जत्थत्थमिए अणाउले समविसमाइं मुणी हियासए । चरगा अदु वा वि भेरवा अदु वा तत्थ सरीसिवा सिया ॥ १४ ॥ १२४ ॥ तिरिया मणुया य दिव्वगा उवसग्गा तिविहा हियासिया । लोमादीयं न हारिसे सुन्नागारगओ महामुणी ॥ १५ ॥ १२५ ॥ नो अभिकंखेज्ज जीवियं नो वि य पूयणपत्थए सिया । अब्भत्थमुवेन्ति भेरवा सुन्नागारगयस्स भिक्खुणो ॥ १६ ॥ १२६ ॥ उवणीयतरस्स ताइणो भयमाणस्स विविक्कमासणं । सामाइयमाहु तस्स जं जो अप्पाण भए न दंसए ॥ १७ ॥ १२७ ॥ उसिणोदगतत्तभोइणो धम्मठियस्स मुणिस्स हीमतो । संसग्गे असाहु राईहिं

असमाही उ तहागयस्स वि ॥ १८ ॥ १२८ ॥ अहिगरणकडस्स भिक्खुणो वयमाणस्स पसज्झ दारुणं । अट्ठे परिहायई बहू अहिगरणं न करेज्ज पण्डिए ॥ १९ ॥ १२९ ॥ सीओदग पडि दुगुंछिणो अपडिन्नस्स लवावसप्पिणो । सामाइयमाहु तस्स जं जो गिहिमत्तेऽसणं न भुञ्जई ॥ २० ॥ १३० ॥ न य संखयमाहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई । बाले पावेहि मिज्जई इइ संखाय मुणी न मज्जई ॥ २१ ॥ १३१ ॥ छंदेण पले इमा पया बहुमाया मोहेण पाउडा । वियडेण पलेन्ति माहणे सीउण्हं वयसा हियासए ॥ २२ ॥ १३२ ॥ कुजए अपराजिए जहा अक्खेहिं कुसलेहिं दीवयं । कडमेव गहाय नो कलिं नो तीयं नो चेव दावरं ॥ २३ ॥ १३३ ॥ एवं लोगम्मि ताइणा बुइए जे धम्मे अणुत्तरे । तं गिण्ह हियं ति उत्तमं कडमिव सेसऽवहाय पण्डिए ॥ २४ ॥ १३४ ॥ उत्तर मणुयाण आहिया गामधम्म इइ मे अणुस्सुयं । जंसी विरया समुट्ठिया कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २५ ॥ १३५ ॥ जे एय चरन्ति आहियं नाएणं महया महेसिणा । ते उट्ठिय ते समुट्ठिया अन्नोन्नं सारेन्ति धम्मओ ॥ २६ ॥ १३६ ॥ मा पेह पुरा पणामए अभिकंखे उवहिं धुणित्तए । जे दूमण तेहि नो नया ते जाणन्ति समाहिमाहियं ॥ २७ ॥ १३७ ॥ नो काहिएँ होज्ज संजए पासणिए न य संपसारए । नच्चा धम्मं अणुत्तरं कयकिरिए न यावि मामए ॥ २८ ॥ १३८ ॥ छन्नं च पसंस नो करे न य उक्कोस पगास माहणे । तेसिं सुविवेगमाहिए पणया जेहि सुजोसियं धुयं ॥२९॥ ॥ १३९ ॥ अनिहे सहिए सुसंवुडे धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । विहरेज्ज समाहिइंदिए अत्तहियं खु दुहेण लब्भइ ॥ ३० ॥ १४० ॥ न हि नूण पुरा अणुस्सुयं अदु वा तं तह नो समुट्ठियं । मुणिणा सामाइ आहियं नाएणं जगसव्वदंसिणा ॥३१॥१४१॥ एवं मत्ता महन्तरं धम्ममिणं सहिया वहू जणा । गुरुणो छंदाणुवत्तगा विरया तिण्ण महोघमाहियं ॥३२॥१४२॥ ति बेमि ॥ **वेयालियज्झयणम्मि बिइयुद्देसो ॥**

संवुडकम्मस्स भिक्खुणो जं दुक्खं पुट्ठं अबोहिए । तं संजमओऽवचिज्जई मरणं हेच्च वयन्ति पण्डिया ॥१॥१४३॥ जे विन्नवणाहिजोसिया संतिण्णेहि समं वियाहिया । तम्हा उड्ढं ति पासहा अदक्खु कामाइँ रोगवं ॥ २ ॥ १४४ ॥ अग्गं वणिएहिं आहियं धारेन्ती राइणिया इहं । एवं परमा महव्वया अक्खाया उ सराइभोयणा ॥ ३ ॥ १४५ ॥ जे इह सायाणुगा नरा अज्झोववन्ना कामेहि मुच्छिया । किवणेण समं पगब्भिया न वि जाणन्ति समाहिमाहियं ॥ ४ ॥ १४६ ॥ वाहेण जहा व विच्छए अबले होइ गवं पचोइए । से अन्तसो अप्पथामए नाइवहे अबले विसीयइ ॥ ५ ॥ १४७ ॥ एवं कामेसणं विऊ अज्ज सुए पयहेज्ज संथवं । कामी कामे न

कामए लद्धे वा वि अलद्ध कण्हुई ॥ ६ ॥ १४८ ॥ मा पच्छ असाहुया भवे अच्चेही अणुसास अप्पगं । अहियं च असाहु सोयई से थणई परिदेवई बहुं ॥ ७ ॥ १४९ ॥ इह जीवियमेव पासहा तरुणे वा ससयस्स तुट्टई । इत्तरवासे य वुज्झह गिद्ध नरा कामेसु मुच्छिया ॥ ८ ॥ १५० ॥ जे इह आरम्भनिस्सिया आयदण्ड एगन्तलूसगा । गन्ता ते पावलोगयं चिररायं आसुरियं दिसं ॥ ९ ॥ १५१ ॥ न य संखयमाहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई ॥ पच्चुप्पन्नेण कारियं को दट्ठुं परलोगमागए ॥ १० ॥ १५२ ॥ अदक्खुव दक्खुवाहियं तं सद्दहसु अदक्खुदंसणा । हंदि हु सुनिरुद्धदंसणे मोहणिएण कडेण कम्मुणा ॥ ११ ॥ १५३ ॥ दुक्खी मोहे पुणो पुणो निव्विन्देज्ज सिलोगपूयणं । एवं सहिए हिपासए आयतुलं पाणेहि संजए ॥१२॥ ॥ १५४ ॥ गारं पि य आवसे नरे अणुपुव्वं पाणेहि संजए । समया सव्वत्थ सुव्वए देवाणं गच्छे सलोगयं ॥ १३ ॥ १५५ ॥ सोच्चा भगवाणुसासणं सच्चे तत्थ करेज्जु-वक्कमं । सव्वत्थ विणीयमच्छरे उञ्छं भिक्खु विसुद्धमाहरे ॥ १४ ॥ १५६ ॥ सव्वं नच्चा अहिट्ठए धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । गुत्ते जुत्ते सया जए आयपरे परमायतट्ठिए ॥ १५ ॥ १५७ ॥ वित्तं पसवो य नाइओ तं बाले सरणं ति मन्नई । एए मम तेसु वी अहं नो ताणं सरणं न विज्जई ॥ १६ ॥ १५८ ॥ अब्भागमियम्मि वा दुहे अहवा उक्कमिए भवन्तिए । एगस्स गई य आगई विदुमन्ता सरणं न मन्नई ॥ १७ ॥ १५९ ॥ सव्वे सयकम्मकप्पिया अवियत्तेण दुहेण पाणिगो । हिण्डन्ति भयाउला सढा जाइजरामरणेहिऽभिद्दुया ॥ १८ ॥ १६० ॥ इणमेव खणं वियाणिया नो सुलभं बोहिं च आहियं । एवं सहिए हिपासए आह जिणे इणमेव सेसगा ॥ १९ ॥ १६१ ॥ अभविंसु पुरा वि भिक्खुवो आएसा वि भवन्ति सुव्वया । एयाइँ गुणाइँ आहु ते कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २० ॥ १६२ ॥ तिविहेण वि पाण मा हणे आयहिए अणियाण संवुडे । एवं सिद्धा अणन्तसो संपइ जे य अणागयावरे ॥ २१ ॥ १६३ ॥ एवं से उदाहु अणुत्तरनाणी अणुत्तरदंसी अणुत्तर-नाणदंसणधरे । अरहा नायपुत्ते भगवं वेसालिए वियाहिए ॥ २२ ॥ १६४ ॥ त्ति बेमि ॥ **वेयालियज्झयणं विइयं ॥**

उवसग्गज्झयणे तइए

सूरं मन्नइ अप्पाणं जाव जेयं न पस्सई । जुज्झन्तं दढधम्माणं सिसुपालो व महारहं ॥ १ ॥ १६५ ॥ पयाया सूरा रणसीसे संगामम्मि उवट्ठिए । माया पुत्तं

न जाणाइ जेएण परिविच्छए ॥ २ ॥ १६६ ॥ एवं सेहे वि अप्पुट्ठे भिक्खायरिया-अकोविए । सूरं मन्नइ अप्पाणं जाव लूहं न सेवए ॥ ३ ॥ १६७ ॥ जया हेमन्तमासम्मि सीयं फुसइ सव्वगं । तत्थ मन्दा विसीयन्ति रज्जहीणा व खत्तिया ॥ ४ ॥ ॥ १६८ ॥ पुट्ठे गिम्हाहितावेणं विमणे सुपिवासिए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति मच्छा अप्पोदए जहा ॥ ५ ॥ १६९ ॥ सया दत्तेसणा दुक्खा जायणा दुप्पणोल्लिया । कम्मत्ता दुब्भगा चेव इच्चाहंसु पुढोजणा ॥ ६ ॥ १७० ॥ एए सद्दे अचायन्ता गामेसु नगरेसु वा । तत्थ मन्दा विसीयन्ति संगामम्मि व भीरुया ॥ ७ ॥ १७१ ॥ अप्पेगे खुहियं भिक्खुं सुणी डंसइ लूसए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति तेउपुट्ठा व पाणिणो ॥ ८ ॥ १७२ ॥ अप्पेगे पडिभासन्ति पडिपन्थियमागया । पडियारगया एए जे एए एवजीविणो ॥ ९ ॥ १७३ ॥ अप्पेगे वइ जुञ्जन्ति नगिणा पिण्डोलगाहमा । मुण्डा कण्डूविणट्ठङ्गा उज्जल्ला असमाहिया ॥ १० ॥ १७४ ॥ एवं विप्पडिवन्नेगे अप्पणा उ अजाणया । तमाओ ते तमं जन्ति मन्दा मोहेण पाउडा ॥ ११ ॥ १७५ ॥ पुट्ठो य दंसमसगेहिं तणफासमचाइया । न मे दिट्ठे परे लोए जइ परं मरणं सिया ॥ १२ ॥ १७६ ॥ संतत्ता केसलोएणं बम्भचेरपराइया । तत्थ मन्दा विसीयन्ति मच्छा विद्धा व केयणे ॥ १३ ॥ १७७ ॥ आयदण्डसमायारे मिच्छासंठियभावणा । हरिसप्पओसमावन्ना केई लूसन्तिऽनारिया ॥ १४ ॥ १७८ ॥ अप्पेगे पलियन्तेसिं चारो चोरो त्ति सुव्वयं । बन्धन्ति भिक्खुयं बाला कसायवयणेहि य ॥ १५ ॥ १७९ ॥ तत्थ दण्डेण संवीते मुट्ठिणा अदु फलेण वा । नाईणं सरई बाले इत्थी वा कुद्धगामिणी ॥ १६ ॥ १८० ॥ एए भो कसिणा फासा फरुसा दुरहियासया । हत्थी वा सरसंवित्ता कीवावस गया गिहं ॥ १७ ॥ १८१ ॥ त्ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे पढमुद्देसे ॥**

अहिमे सुहुमा संगा भिक्खूणं जे दुरुत्तरा । जत्थ एगे विसीयन्ति न चयन्ति जवित्तए ॥ १ ॥ १८२ ॥ अप्पेगे नायओ दिस्स रोयन्ति परिवारिया । पोस णे ताय पुट्ठो सि कस्स ताय जहासि णे ॥ २ ॥ १८३ ॥ पिया ते थेरओ ताय ससा ते खुड्डिया इमा । भायरो ते सगा ताय सोयरा किं जहासि णे ॥ ३ ॥ १८४ ॥ मायरं पियरं पोस एवं लोगो भविस्सइ । एवं खु लोइयं ताय जे पालेन्ति य मायरं ॥ ४ ॥ १८५ ॥ उत्तरा महुरुल्लावा पुत्ता ते ताय खुड्डया । भारिया ते नवा ताय मा सा अन्नं जणं गमे ॥ ५ ॥ १८६ ॥ एहि ताय घरं जामो मा य कम्मे सहा वयं । बिइयं पि ताय पासामो जामु ताव सयं गिहं ॥६॥१८७॥ गन्तुं ताय पुणो गच्छे न तेणा समणो सिया । अकामगं परिक्कम्मं को ते वारिउमरिहइ ॥७॥१८८॥

जं किंचि अणगं ताय तं पि सव्वं समीकयं । हिरण्णं ववहाराइ तं पि दाहामु ते वयं ॥८॥१८९॥ इच्चेव णं सुसेहन्ति कालुणीयसमुट्ठिया । विबद्धो नाइसंगेहिं तओऽगारं पहावइ ॥ ९ ॥ १९० ॥ जहा रुक्खं वणे जायं मालुया पडिबन्धइ । एवं णं पडिबन्धन्ति नाइओ असमाहिणा ॥ १० ॥ १९१ ॥ विबद्धो नाइसंगेहिं हत्थी वा वि नवग्गहे । पिट्ठओ परिसप्पन्ति सुय गो व्व अदूरए ॥ ११ ॥ १९२ ॥ एए संगा मणूसाणं पायाला व अतारिमा । कीवा जत्थ य किस्सन्ति नाइसंगेहिं मुच्छिया ॥ १२ ॥ १९३ ॥ तं च भिक्खू परिन्नाय सव्वे संगा महासवा । जीवियं नावकंखिज्जा सोच्चा धम्ममणुत्तरं ॥ १३ ॥ १९४ ॥ अहिमे सन्ति आवट्टा कासवेणं पवेइया । बुद्धा जत्थावसप्पन्ति सीयन्ति अबुहा जहिं ॥ १४ ॥ १९५ ॥ रायाणो रायऽमच्चा य माहणा अदु व खत्तिया । निमन्तयन्ति भोगेहिं भिक्खुयं साहुजीविणं ॥ १५ ॥ १९६ ॥ हत्थस्सरहजाणेहिं विहारगमणेहि य । भुञ्ज भोगे इमे सग्घे महरिसी पूजयामु तं ॥ १६ ॥ १९७ ॥ वत्थगन्धमलंकारं इत्थीओ सयणाणि य । भुञ्जाहिमाइं भोगाइं आउसो पूजयामु तं ॥ १७ ॥ १९८ ॥ जो तुमे नियमो चिण्णो भिक्खु भावम्मि सुव्वया । अगारमावसन्तस्स सव्वो संविज्जए तहा ॥ १८॥१९९॥ चिरं दूइज्जमाणस्स दोसो दाणि कुओ तव । इच्चेव णं निमन्तेन्ति नीवारेण व सूयरं ॥ १९ ॥ २०० ॥ चोइया भिक्खचरियाए अचयन्ता जवित्तए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति उज्जाणंसि व दुब्बला ॥ २० ॥ २०१ ॥ अचयन्ता व लूहेणं उवहाणेण तज्जिया । तत्थ मन्दा विसीयन्ति उज्जाणंसि जरग्गवा ॥ २१ ॥ २०२ ॥ एवं निमन्तणं लद्धुं मुच्छिया गिद्ध इत्थिसु । अज्झोववन्ना कामेहिं चोइज्जन्ता गया गिहं ॥ २२ ॥ २०३ ॥ ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे बिइयुद्देसे ॥**

जहा संगामकालम्मि पिट्ठओ भीरु वेहइ । वलयं गहणं नूमं को जाणइ पराजयं ॥ १ ॥ २०४ ॥ मुहुत्ताणं मुहुत्तस्स मुहुत्तो होइ तारिसो । पराजियाऽवसप्पामो इइ भीरू उवेहई ॥ २ ॥ २०५ ॥ एवं उ समणा एगे अबलं नच्चाण अप्पगं । अणागयं भयं दिस्स अवकप्पन्तिमं सुयं ॥ ३ ॥ २०६ ॥ को जाणइ विऊवायं इत्थीओ उदगाउ वा । चोइज्जन्ता पवक्खामो न नो अत्थि पकप्पियं ॥ ४ ॥ २०७ ॥ इच्चेव पडिलेहन्ति वलया पडिलेहिणो । वितिगिच्छसमावन्ना पन्थाणं च अकोविया ॥ ५ ॥ २०८ ॥ जे उ संगामकालम्मि नाया सूरपुरंगमा । नो ते पिट्ठमुवेहिन्ति किं परं मरणं सिया ॥ ६ ॥ २०९ ॥ एवं समुट्ठिए भिक्खू वोसिज्जा-गारबन्धणं । आरम्भं तिरियं कट्टु अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ७ ॥ २१० ॥ तमेगे परिभासन्ति भिक्खुयं साहुजीविणं । जे एवं परिभासन्ति अन्तए ते समाहिए ॥ ८ ॥ २११ ॥

संबद्धसमकप्पा उ अन्नमन्नेसु मुच्छिया । पिण्डवायं गिलाणस्स जं सारेह दलाह य ॥ ९ ॥ २१२ ॥ एवं तुब्भे सरागत्था अन्नमन्नमणुव्वसा । नट्ठसप्पहसब्भावा संसारस्स अपारगा ॥ १० ॥ २१३ ॥ अह ते परिभासेज्जा भिक्खु मोक्खविसारए । एवं तुब्भे पभासन्ता दुपक्खं चेव सेवह ॥ ११ ॥ २१४ ॥ तुब्भे भुञ्जह पाएसु गिलाणो अभिहडम्मि य । तं च बीओदगं भोच्चा तमुद्दिस्सादि जं कडं ॥ १२ ॥ २१५ ॥ लित्ता तिव्वाभितावेणं उज्झिया असमाहिया । नाइकण्डूइयं सेयं अरुयस्सावरज्झई ॥ १३ ॥ २१६ ॥ तत्तेण अणुसिट्ठा ते अपडिन्नेण जाणया । न एस नियए मग्गे असमिक्खा वई किई ॥ १४ ॥ २१७ ॥ एरिसा जा वई एसा अग्गवेणु व्व करिसिया । गिहिणो अभिहडं सेयं भुञ्जिउं न उ भिक्खुणं ॥ १५ ॥ २१८ ॥ धम्मपन्नवणा जा सा सारम्भा न विसोहिया । न उ एयाहि दिट्ठीहिं पुव्वमासिं पगप्पियं ॥ १६ ॥ २१९ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं अचयन्ता जवित्तए । तओ वायं निराकिच्चा ते भुज्जो वि पगब्भिया ॥ १७ ॥ २२० ॥ रागदोसाभिभूयप्पा मिच्छत्तेण अभिद्दुया । आउस्से सरणं जन्ति टंकणा इव पव्वयं ॥ १८ ॥ २२१ ॥ बहुगुणप्पगप्पाइं कुज्जा अत्तसमाहिए । जेणन्ने न विरुज्झेज्जा तेण तं तं समायरे ॥ १९ ॥ २२२ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २० ॥ २२३ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिनिव्वुडे । उवसग्गे नियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥२१॥२२४॥ त्ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे तइयुद्देसे** ॥

आहंसु महापुरिसा पुव्विं तत्ततवोधणा । उदएण सिद्धिमावन्ना तत्थ मन्दो विसीयइ ॥ १ ॥ २२५ ॥ अभुञ्जिया नमी विदेही रामगुत्ते य भुञ्जिया । बाहुए उदगं भोच्चा तहा नारायणे रिसी ॥ २ ॥ २२६ ॥ आसिले देविले चेव दीवायण महारिसी । पारासरे दगं भोच्चा बीयाणि हरियाणि य ॥ ३ ॥ २२७ ॥ एए पुव्वं महापुरिसा आहिया इह संमया । भोच्चा बीयोदगं सिद्धा इइ मेयमणुस्सुयं ॥ ४ ॥ २२८ ॥ तत्थ मन्दा विसीयन्ति वाहच्छिन्ना व गद्दभा । पिट्ठओ परिसप्पन्ति पिट्ठसप्पी य संभमे ॥ ५ ॥ २२९ ॥ इहमेगे उ भासन्ति सायं साएण विज्जई । जे तत्थ आरियं मग्गं परमं च समाहियं ॥ ६ ॥ २३० ॥ मा एयं अवमन्नन्ता अप्पेणं लुम्पहा बहुं । एयस्स उ अमोक्खाए अयोहारि व्व जूरह ॥ ७ ॥ २३१ ॥ पाणाइवाए वट्टन्ता मुसावाए असंजया । अदिन्नादाणे वट्टन्ता मेहुणे य परिग्गहे ॥ ८ ॥ २३२ ॥ एवमेगे उ पासत्था पन्नवन्ति अणारिया । इत्थीवसं गया बाला जिणसासणपरंमुहा ॥ ९ ॥ २३३ ॥ जहा गण्डं पिलागं वा परिपीलेज्ज मुहुत्तगं । एवं विन्नवणित्थीसु

दोसो तत्थ कओ सिया ॥ १० ॥ २३४ ॥ जहा मन्धादणे नाम थिमियं भुञ्जई दगं । एवं विन्नवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ॥ ११ ॥ २३५ ॥ जहा विहंगमा पिङ्गा थिमियं भुञ्जई दगं । एवं विन्नवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ॥ १२ ॥ २३६ ॥ एवमेगे उ पासत्था मिच्छदिट्ठी अणारिया । अज्झोववन्ना कामेहिं पूयणा इव तरुणए ॥ १३ ॥ २३७ ॥ अणागयमपस्सन्ता पच्चुप्पन्नगवेसगा । ते पच्छा परितप्पंति खीणे आउम्मि जोव्वणे ॥ १४ ॥ २३८ ॥ जेहिं काले परिक्कन्तं न पच्छा परितप्पए । ते धीरा बंधणुम्मुक्का नावकंखन्ति जीवियं ॥ १५ ॥ २३९ ॥ जहा नई वेयरणी दुत्तरा इह संमया । एवं लोगंसि नारीओ दुत्तरा अमईमया ॥१६॥२४०॥ जेहिं नारीण संजोगा पूयणा पिट्ठओ कया । सव्वमेयं निराकिच्चा ते ठिया सुसमाहिए ॥ १७ ॥ २४१ ॥ एए ओघं तरिस्सन्ति समुद्दं ववहारिणो । जत्थ पाणा विसन्नासि किच्चन्ती सयकम्मुणा ॥ १८ ॥ २४२ ॥ तं च भिक्खू परिन्नाय सुव्वए समिए चरे । मुसावायं च वज्जिज्जा अदिन्नादाणं च वोसिरे ॥ १९ ॥ २४३ ॥ उड्ढमहे तिरियं वा जे केई तसथावरा । सव्वत्थ विरइं कुज्जा सन्ति निव्वाणमाहियं ॥ २० ॥ २४४ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २१ ॥ २४५ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिनिव्वुडे । उवसग्गे नियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ २४६ ॥ त्ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणं तइयं ॥**

इत्थिपरिन्नज्झयणे चउत्थे

जे मायरं च पियरं च विप्पजहाय पुव्वसंजोगं । एगे सहिए चरिस्सामि आरयमेहुणो विवित्तेसु ॥ १ ॥ २४७ ॥ सुहुमेणं तं परिक्कम्म छन्नपएण इत्थिओ मन्दा । उव्वायं पि ताउ जाणंसु जहा लिस्सन्ति भिक्खुणो एगे ॥ २ ॥ २४८ ॥ पासे भिसं निसीयन्ति अभिक्खणं पोसवत्थं परिहिन्ति । कायं अहे वि दंसन्ति बाहू उद्धट्टु कक्खमणुव्वए ॥ ३ ॥ २४९ ॥ सयणासणेहिं जोगेहिं इत्थियो एगया निमन्तेन्ति । एयाणि चेव से जाणे पासाणि विरूवरूवाणि ॥ ४ ॥ २५० ॥ नो तासु चक्खु संधेज्जा नो वि य साहसं समभिजाणे । नो सहियं पि विहरेज्जा एवमप्पा सुरक्खिओ होइ ॥ ५ ॥ २५१ ॥ आमन्तिय उस्सविया भिक्खुं आयसा निमन्तेन्ति । एयाणि चेव से जाणे सद्दाणि विरूवरूवाणि ॥ ६ ॥ २५२ ॥ मणबन्धणेहिं णेगेहिं कलुणविणीयमुवगसित्ताणं । अदु मञ्जुलाइँ भासन्ति आणवयन्ति भिन्नकहाहिं ॥ ७ ॥ २५३ ॥

सीहं जहा व कुणिमेणं निब्भयमेगचरं ति पासेणं। एवित्थियाउ बन्धन्ति संवुडं एगइयमणगारं ॥ ८ ॥ २५४ ॥ अह तत्थ पुणो नमयन्ती रहकारो व नेमि आणुपुव्वीए। बद्धो मिए व पासेणं फन्दन्ते वि न मुच्चए ताहे ॥ ९ ॥ २५५ ॥ अह सेऽणुतप्पई पच्छा भोच्चा पायसं व विसमिस्सं। एवं विवेगमायाय संवासो न वि कप्पए दविए ॥ १० ॥ २५६ ॥ तम्हा उ वज्जए इत्थी विसलित्तं व कण्टगं नच्चा। ओए कुलाणि वसवत्ती आघाए न से वि निग्गन्थे ॥ ११ ॥ २५७ ॥ जे एयं उञ्छं अणुगिद्धा अन्नयरा होन्ति कुसीलाणं। सुतवस्सिए वि से भिक्खू नो विहरे सह णमित्थीसु ॥ १२॥ २५८ ॥ अवि धूयराहि सुण्हाहिं धाईहिं अदुव दासीहिं। महईहि वा कुमारीहिं संथवं से न कुज्जा अणगारे ॥ १३ ॥ २५९ ॥ अदु नाइणं च सुहीणं वा अप्पियं दट्ठु एगया होइ। गिद्धा सत्ता कामेहिं रक्खणपोसणे मणुस्सोऽसि ॥ १४ ॥ ॥ २६० ॥ समणं पि दट्ठुदासीणं तत्थ वि ताव एगे कुप्पन्ति। अदु वा भोयणेहिं नत्थेहिं इत्थीदोसं संकिणो होन्ति ॥ १५ ॥ २६१ ॥ कुव्वन्ति संथवं ताहिं पब्भट्ठा समाहिजोगेहिं। तम्हा समणा न समेन्ति आयहियाए संनिसेज्जाओ ॥१६॥२६२॥ बहवे गिहाईं अवहट्टु मिस्सीभावं पत्थुया य एगे। धुवमग्गमेव पवयन्ति वायावीरियं कुसीलाणं ॥ १७ ॥ २६३ ॥ सुद्धं रवइ परिसाए अह रहस्सम्मि दुक्कडं करेन्ति। जाणन्ति य णं तहाविऊ माइल्ले महासढेऽयं ति ॥ १८ ॥ २६४ ॥ सयं दुक्कडं च न वयइ आइट्ठो वि पकत्थइ वाले। वेयाणुवीइ मा कासी चोइज्जन्तो गिलाइ से भुज्जो ॥ १९ ॥ २६५ ॥ ओसिया वि इत्थिपोसेसु पुरिसा इत्थिवेयखेयन्ना। पन्नासमन्निया वेगे नारीणं वसं उवकसन्ति ॥ २० ॥ २६६ ॥ अवि हत्थपायछेयाए अदु वा वद्धमंसउक्कन्ते। अवि तेयसाभितावणाणि तच्छिय खारसिंचणाईं य ॥२१॥२६७॥ अदु कण्णनासछेयं कण्ठच्छेयणं तिइक्खन्ती। इइ एत्थ पावसंतत्ता न वेन्ति पुणो न काहिन्ति ॥ २२ ॥ २६८ ॥ सुयमेयमेवमेगेसिं इत्थीवेय त्ति हु सुयक्खायं। एयं पि ता वइत्ताणं अदु वा कम्मुणा अवकरेन्ति ॥ २३ ॥ २६९ ॥ अन्नं मणेण चिन्तेन्ति वाया अन्नं च कम्मुणा अन्नं। तम्हा न सद्दहे भिक्खू बहुमायाओ इत्थिओ नच्चा ॥ २४ ॥ २७० ॥ जुवई समणं वूया विचित्तलंकारवत्थगाणि परिहित्ता। विरया चरिस्सहं रुक्खं धम्ममाइक्ख णे भयन्तारो ॥ २५ ॥ २७१ ॥ अदु साविyापवाएणं अहमंसि साहम्मिणी य समणाणं। जउकुम्भे जहा उवज्जोई संवासे विऊ विसीएज्जा ॥ २६ ॥ २७२ ॥ जउकुम्भे जोइउवगूढे आसुभितत्ते नासमुवयाइ। एवित्थियाहि अणगारा संवासेण नासमुवयन्ति ॥ २७ ॥ २७३ ॥ कुव्वन्ति पावगं कम्मं पुट्ठा वेगेवमाहिंसु। नो हं करेमि पावं ति अंकेसाइणी ममेस त्ति ॥२८॥२७४॥

वालस्स मन्दयं बीयं जं च कडं अवजाणइ भुज्जो । दुगुणं करेइ से पावं पूयणकामो विसन्नेसी ॥ २९ ॥ २७५ ॥ संलोकणिज्जमणगारं आयगयं निमन्तणेणाहंसु । वत्थं च ताइ पायं वा अन्नं पाणगं पडिग्गाहे ॥ ३० ॥ २७६ ॥ नीवारमेवं बुज्झेज्जा नो इच्छे अगारमागन्तुं । बद्धे विसयपासेहिं मोहमावज्जइ पुणो मन्दे ॥ ३१ ॥ २७७ ॥ त्ति बेमि ॥ **इत्थिपरिन्नज्झयणे पढमुद्देसे** ॥

ओए सया न रज्जेज्जा भोगकामी पुणो विरज्जेज्जा । भोगे समणाण सुणेह जह भुञ्जन्ति भिक्खुणो एगे ॥ १ ॥ २७८ ॥ अह तं तु भेयमावन्नं मुच्छियं भिक्खुं काममइवट्टं । पलिभिन्दिया णं तो पच्छा पादुद्धट्टु मुद्धि पहणन्ति ॥ २ ॥ २७९ ॥ जइ केसिया णं मए भिक्खु नो विहरे सह णमित्थीए । केसाणवि हं लुञ्चिस्सं नन्नत्थ मए चरेज्जासि ॥ ३ ॥ २८० ॥ अह णं से होइ उवलद्धो तो पेसन्ति तहाभूएहिं । अलाउच्छेयं पेहेहि वग्गुफलाइं आहराहि त्ति ॥ ४ ॥ २८१ ॥ दारूणि सागपागाए पज्जोओ वा भविस्सई राओ । पायाणि य मे रयावेहि एहि ता मे पिट्ठओमद्दे ॥५॥ ॥ २८२ ॥ वत्थाणि य मे पडिलेहेहि अन्नं पाणं च आहराहि त्ति । गन्धं च रओहरणं च कासवगं च मे समणुजाणाहि ॥ ६ ॥ २८३ ॥ अदु अञ्जणिं अलंकारं कुक्कययं मे पयच्छाहि । लोद्धं च लोद्धकुसुमं च वेणुपलासियं च गुलियं च ॥ ७ ॥ ॥ २८४ ॥ कुट्ठं तगरं च अगरुं संपिट्ठं सम्मं उसिरेणं । तेल्लं मुहभिंजाए वेणुफलाइं संनिहाणाए ॥ ८ ॥ २८५ ॥ नन्दीचुण्णगाइं पाहराहि छत्तोवाणहं च जाणाहि । सत्थं च सूवच्छेज्जाए आणीलं च वत्थयं रयावेहि ॥ ९ ॥ २८६ ॥ सुफणिं च सागपागाए आमलगाइं दगाहरणं च । तिलगकरणिमञ्जणसलागं घिंसु मे विहूणयं विजाणेहि ॥ १० ॥ २८७ ॥ संडासगं च फणिहं च सीहलिपासगं च आणाहि । आदंसगं च पयच्छाहि दन्तपक्खालणं पवेसाहि ॥११॥२८८॥ पूगफलं तंबोल्लयं सूइ सुत्तगं च जाणाहि । कोसं च मोयमेहाए सुप्पुक्खलगं च खारगालणं च ॥ १२ ॥ ॥ २८९ ॥ चन्दालगं च करगं च वच्चघरं च आउसो खणाहि । सरपाययं च जायाए गोरहगं च सामणेराए ॥ १३ ॥ २९० ॥ घडिगं च सडिण्डिमयं च चेलगोलं कुमारभूयाए । वासं समभिआवण्णं आवसहं च जाण भत्तं च ॥ १४ ॥ २९१ ॥ आसन्दियं च नवसुत्तं पाउल्लाइं संकमट्ठाए । अदु पुत्तदोहलट्ठाए आणप्पा हवन्ति दासा वा ॥ १५ ॥ २९२ ॥ जाए फले समुप्पन्ने गेण्हसु वा णं अहवा जहाहि । अह पुत्तपोसिणो एगे भारवहा हवन्ति उट्टा वा ॥ १६ ॥ २९३ ॥ राओ वि उट्ठिया सन्ता दारगं च संठवन्ति धाई वा । सुहिरामणा वि ते सन्ता वत्थधोवा हवन्ति हंसा वा ॥ १७ ॥ २९४ ॥ एवं बहुहिं कयपुव्वं भोगत्थाए जेऽभियावन्ना ।

दासे मिए व पेसे व पसुभूए वा से न वा केई ॥ १८ ॥ २९५ ॥ एवं खु तासु विन्नप्पं संथवं संवासं च वज्जेजा । तज्जातिया इमे कामा वज्जकरा य एवमक्खाए ॥ १९ ॥ २९६ ॥ एयं भयं न सेयाए इइ से अप्पगं निरुम्भित्ता । नो इत्थिं नो पसुं भिक्खु नो सयं पाणिणा निलिज्जेजा ॥ २० ॥ २९७ ॥ सुविसुद्धलेसे मेहावी परकिरियं च वज्जए नाणी । मणसा वयसा काएणं सव्वफाससहे अणगारे ॥ २१ ॥ ॥ २९८ ॥ इच्चेवमाहु से वीरे धुयरए धुयमोहे से भिक्खु । तम्हा अज्झत्तविसुद्धे सुविमुक्के आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ २९९ ॥ त्ति बेमि ॥ **इत्थिपरिन्नज्झयणं चउत्थं ॥**

निरयविभत्तियज्झयणे पञ्चमे

पुच्छिस्सहं केवलियं महेसिं कहं भितावा नरगा पुरत्था । अजाणओ मे मुणि बूहि जाणं कहिं नु बाला नरगं उवेन्ति ॥ १ ॥ ३०० ॥ एवं मए पुट्ठे महाणुभावे इणमोऽब्बवी कासवे आसुपन्ने । पवेयइस्सं दुहमट्ठदुग्गं आईणियं दुक्कडिणं पुरत्था ॥ २ ॥ ३०१ ॥ जे केइ बाला इह जीवियट्ठी पावाइँ कम्माइँ करेन्ति रुद्दा । ते घोररूवे तमिसन्धयारे तिव्वाभितावे नरगे पडन्ति ॥ ३ ॥ ३०२ ॥ तिव्वं तसे पाणिणो थावरे य जे हिंसई आयसुहं पडुच्चा । जे लूसए होइ अदत्तहारी न सिक्खई सेयवियस्स किंचि ॥ ४ ॥ ३०३ ॥ पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई अनिव्वुए घायमुवेइ बाले । निहो निसं गच्छइ अन्तकाले अहोसिरं कट्टु उवेइ दुग्गं ॥ ५ ॥ ३०४ ॥ हण छिन्दह भिन्दह णं दहेति सद्दे सुणेन्ता परधम्मियाणं । ते नारगाओ भयभिन्नसन्ना कंखन्ति कं नाम दिसं वयामो ॥ ६ ॥ ३०५ ॥ इङ्गालरासिं जलियं सजोइं तत्तोवमं भूमिमणुक्कमन्ता । ते डज्झमाणा कलुणं थणन्ति अरहस्सरा तत्थ चिरट्ठिईया ॥ ७ ॥ ३०६ ॥ जइ ते सुया वेयरणी भिदुग्गा निसिओ जहा खुर इव तिक्खसोया । तरन्ति ते वेयरणिं भिदुग्गं उसुचोइया सत्तिसु हम्ममाणा ॥ ८ ॥ ॥ ३०७ ॥ कीलेहि विज्झन्ति असाहुकम्मा नावं उवेन्ते सइविप्पहूणा । अन्ने उ सूलाहि तिसूलियाहिं दीहाहि विद्धूण अहे करेन्ति ॥ ९ ॥ ३०८ ॥ केसि च बन्धित्तु गले सिलाओ उदगंसि बोलेन्ति महालयंसि । कलंबुयावालुयमुम्मुरे य लोलन्ति पच्चन्ति य तत्थ अन्ने ॥ १० ॥ ३०९ ॥ आसूरियं नाम महाभितावं अन्धंतमं दुप्पतरं महन्तं । उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु समाहिओ जत्थगणी झियाइ ॥ ११ ॥ ३१० ॥ जंसी गुहाए जलणेऽतिउट्टे अविजाणओ डज्झइ लुत्तपन्नो । सया य कलुणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं ॥ १२ ॥ ३११ ॥ चत्तारि

अगणीओ समारभेत्ता जहिँ कूरकम्मा भितवेन्ति बालं । ते तत्थ चिट्ठन्तभितप्पमाणा मच्छा व जीवन्तो व जोइपत्ता ॥ १३ ॥ ३१२ ॥ संतच्छणं नाम महाभितावं ते नारगा जत्थ असाहुकम्मा । हत्थेहि पाएहि य बन्धिऊणं फलगं व तच्छन्ति कुहाडहत्था ॥ १४ ॥ ३१३ ॥ रुहिरे पुणो वच्चसमुस्सियंगे भिन्नुत्तमंगे परिवत्तयन्ता । पयन्ति णं नेरइए फुरन्ते सजीवमच्छे व अयोकवल्ले ॥ १५ ॥ ३१४ ॥ नो चेव ते तत्थ मसीभवन्ति न मिज्जई तिव्वभिवेयणाए । तमाणुभागं अणुवेययन्ता दुक्खन्ति दुक्खी इह दुक्कडेणं ॥ १६ ॥ ३१५ ॥ तहि च ते लोलणसंपगाढे गाढं सुतत्तं अगणिं वयन्ति । न तत्थ सायं लहई भिदुग्गे अरहियाभितावा तह वी तवेन्ति ॥ १७ ॥ ३१६ ॥ से सुच्चई नगरवहे व सद्दे दुहोवणीयाणि पयाणि तत्थ । उदिण्णकम्माण उदिण्णकम्मा पुणो पुणो ते सरहं दुहेन्ति ॥ १८ ॥ ३१७ ॥ पाणेहिं णं पाव वियोजयन्ति तं भे पवक्खामि जहातहेणं । दण्डेहिं तत्था सरयन्ति बाला सव्वेहि दण्डेहि पुराकएहिं ॥ १९ ॥ ३१८ ॥ ते हम्ममाणा नरगे पडन्ति पुण्णे दुरूवस्स महाभितावे । ते तत्थ चिट्ठन्ति दुरूवभक्खी तुट्टन्ति कम्मोवगया किमीहिं ॥ २० ॥ ३१९ ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं । अन्दूसु पक्खिप्प विहत्तु देहं वेहेण सीसं सेऽभितावयन्ति ॥ २१ ॥ ३२० ॥ छिन्दन्ति बालस्स खुरेण नक्कं ओट्ठे वि छिन्दन्ति दुवे वि कण्णे । जिब्भं विणिक्कस्स विहत्थिमेत्तं तिक्खाहि सूलाहि भितावयन्ति ॥ २२ ॥ ३२१ ॥ ते तिप्पमाणा तलसंपुडं व राइंदियं तत्थ थणन्ति बाला । गलन्ति ते सोणियपूयमंसं पज्जोइया खारपइद्धियंगा ॥ २३ ॥ ३२२ ॥ जइ ते सुया लोहियपूयपाई बालागणी तेअगुणा परेणं । कुम्भी महन्ताहियपोरुसीया समूसिया लोहियपूयपुण्णा ॥ २४ ॥ ३२३ ॥ पक्खिप्प तासुं पययन्ति बाले अट्टस्सरे ते कलुणं रसन्ते । तण्हाइया ते तउतम्बतत्तं पज्जिज्जमाणट्टयरं रसन्ति ॥ २५ ॥ ३२४ ॥ अप्पेण अप्पं इह वञ्चइत्ता भवाहमे पुव्वसए सहस्से । चिट्ठन्ति तत्था बहुकूरकम्मा जहा कडं कम्म तहासि भारे ॥ २६ ॥ ३२५ ॥ समज्जिणित्ता कलुसं अणज्जा इट्ठेहि कन्तेहि य विप्पहूणा । ते दुब्भिगन्धे कसिणे य फासे कम्मोवगा कुणिमे आवसन्ति ॥ २७ ॥ ३२६ ॥ त्ति बेमि **निरयविभत्तियज्झयणे पढमुद्देसे ॥**

अहावरं सासयदुक्खधम्मं तं भे पवक्खामि जहातहेणं । बाला जहा दुक्कडकम्मकारी वेयन्ति कम्माइँ पुरेकडाइं ॥ १ ॥ ३२७ ॥ हत्थेहि पाएहि य बन्धिऊणं उयरं विकत्तन्ति खुरासिएहिं । गिण्हित्तु बालस्स विहत्तु देहं वद्धं थिरं पिट्ठउ उद्धरन्ति ॥ २ ॥ ३२८ ॥ बाहू पकत्तन्ति य मूलओ से थूलं वियासं मुहे आड-

हन्ति । रहंसि जुत्तं सरयन्ति वालं आरुस्स विज्झन्ति तुदेण पिट्ठे ॥ ३ ॥ ३२९ ॥ अयं व तत्तं जलियं सजोइ तऊवमं भूमिमणुक्कमन्ता । ते डज्झमाणा कलुणं थणन्ति उसुचोइया तत्तजुगेसु जुत्ता ॥ ४ ॥ ३३० ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमन्ता पविज्जलं लोहपहं च तत्तं । जंसी भिदुग्गंसि पवज्जमाणा पेसे व दण्डेहिं पुरा करेन्ति ॥ ५ ॥ ॥ ३३१ ॥ ते संपगाढंसि पवज्जमाणा सिलाहि हम्मन्ति निपातिणीहिं । संतावणी नाम चिरट्ठिईया संतप्पई जत्थ असाहुकम्मा ॥ ६ ॥ ३३२ ॥ कन्दूसु पक्खिप्प पयन्ति बालं तओ वि दड्ढा पुण उप्पयन्ति । ते उड्ढकाएहि पखज्जमाणा अवरेहिं खज्जन्ति सणप्फएहिं ॥ ७ ॥ ३३३ ॥ समूसियं नाम विधूमठाणं जं सोयतत्ता कलुणं थणन्ति । अहोसिरं कट्टु विगत्तिऊणं अयं व सत्थेहि समोसवेन्ति ॥ ८ ॥ ॥ ३३४ ॥ समूसिया तत्थ विसूणियंगा पक्खीहिं खज्जन्ति अयोमुहेहिं । संजीवणी नाम चिरट्ठिईया जंसी पया हम्मइ पावचेया ॥ ९ ॥ ३३५ ॥ तिक्खाहिं सूलाहिं निवाययन्ति वसोगयं सावययं व लद्धं । ते सूलविद्धा कलुणं थणन्ति एगन्तदुक्खं दुहओ गिलाणा ॥ १० ॥ ३३६ ॥ सया जलं नाम निहं महन्तं जंसी जलन्तो अगणी अकट्ठो । चिट्ठन्ति बद्धा बहुकूरकम्मा अरहस्सरा केइ चिरट्ठिईया ॥ ११ ॥ ॥ ३३७ ॥ चिया महन्तीउ समारभित्ता छुब्भन्ति ते तं कलुणं रसन्ति । आवट्टई तत्थ असाहुकम्मा सप्पी जहा पडियं जोइमज्झे ॥ १२ ॥ ३३८ ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं । हत्थेहिं पाएहि य बन्धिऊणं सत्तुव्वदण्डेहि समारभन्ति ॥ १३ ॥ ३३९ ॥ भज्जन्ति बालस्स वहेण पुट्ठी सीसं पि भिन्दन्ति अयोघणेहिं । ते भिन्नदेहा फलगं व तच्छा तत्ताहि आराहि नियोजयन्ति ॥ १४ ॥ ३४० ॥ अभिजुंजिया रुद्द असाहुकम्मा उसुचोइया हत्थिवहं वहन्ति । एगं दुरूहित्तु दुवे तओ वा आरुस्स विज्झन्ति ककाणओ से ॥ १५ ॥ ३४१ ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमन्ता पविज्जलं कण्टइलं महन्तं । विवद्धतप्पेहि विवण्णचित्ते समीरिया कोट्टबलिं करेन्ति ॥ १६ ॥ ३४२ ॥ वेयालिए नाम महाभितावे एगायए पव्वयमन्तलिक्खे । हम्मन्ति तत्था बहुकूरकम्मा परं सहस्साण मुहुत्तगाणं ॥ १७ ॥ ॥ ३४३ ॥ संबाहिया दुक्कडिणो थणन्ति अहो य राओ परितप्पमाणा । एगन्तकूडे नरगे महन्ते कूडेण तत्था विसमे हया उ ॥ १८ ॥ ३४४ ॥ भञ्जन्ति णं पुव्वमरी सरोसं समुग्गरे ते मुसले गहेउं । ते भिन्नदेहा रुहिरं वमन्ता ओमुद्धगा धरणितले पडन्ति ॥ १९ ॥ ३४५ ॥ अणासिया नाम महासियाला पागब्भिणो तत्थ सयावकोवा । खज्जन्ति तत्था बहुकूरकम्मा अदूरगा संखलियाहि बद्धा ॥ २० ॥ ॥ ३४६ ॥ सयाजला नाम नई भिदुग्गा पविज्जलं लोहविलीणतत्ता । जंसी भिदु-

ग्गंसि पवज्जमाणा एगायतणुक्कमणं करेन्ति ॥ २१ ॥ ३४७ ॥ एयाइँ फासाइँ फुसन्ति बालं निरन्तरं तत्थ चिरट्ठिईयं । न हम्ममाणस्स उ होइ ताणं एगो सयं पच्चणुहोइ दुक्खं ॥ २२ ॥ ३४८ ॥ जं जारिसं पुव्वमकासि कम्मं तमेव आगच्छइ संपराए । एगन्तदुक्खं भवमज्जणित्ता वेयन्ति दुक्खी तमणन्तदुक्खं ॥ २३ ॥ ॥ ३४९ ॥ एयाणि सोच्चा नरगाणि धीरे न हिंसए किंचण सव्वलोए । एगन्तदिट्ठी अपरिग्गहे उ बुज्झिज्ज लोगस्स वसं न गच्छे ॥ २४ ॥ ३५० ॥ एवं तिरिक्खे मणुयामरेसुं चउरन्तणन्तं तयणुव्विवागं । स सव्वमेयं इइ वेयइत्ता कंखेज्ज कालं धुयमायरेज्ज ॥ २५ ॥ ३५१ ॥ त्ति बेमि ॥ **निरयविभत्तियज्झयणं पञ्चमं ॥**

सिरिवीरत्थुइयज्झयणे छट्ठे

पुच्छिस्सु णं समणा माहणा य अगारिणो या परतित्थिया य । से केइ नेगंतहियं धम्ममाहु अणेलिसं साहुसमिक्खयाए ॥ १ ॥ ३५२ ॥ कहं च नाणं कह दंसणं से सीलं कहं नायसुयस्स आसि । जाणासि णं भिक्खु जहातहेणं अहासुयं बूहि जहा निसन्तं ॥ २ ॥ ३५३ ॥ खेयन्नए से कुसलासुपन्ने अणन्तनाणी य अणन्तदंसी । जसंसिणो चक्खुपहे ठियस्स जाणाहि धम्मं च धिइं च पेहि ॥ ३ ॥ ३५४ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । से निच्चनिच्चेहि समिक्ख पन्ने दीवे व धम्मं समियं उदाहु ॥ ४ ॥ ३५५ ॥ से सव्वदंसी अभिभूयनाणी निरामगन्धे धिइमं ठियप्पा । अणुत्तरे सव्वजगंसि विज्जं गन्था अईए अभए अणाऊ ॥ ५ ॥ ३५६ ॥ से भूइपन्ने अणिएअचारी ओहंतरे धीरे अणन्तचक्खू । अणुत्तरं तप्पइ सूरिए वा वइरोयणिन्दे व तमं पगासे ॥ ६ ॥ ३५७ ॥ अणुत्तरं धम्ममिणं जिणाणं नेया मुणी कासव आसुपन्ने । इन्दे व देवाण महाणुभावे सहस्सणेया दिवि णं विसिट्ठे ॥ ७ ॥ ३५८ ॥ से पन्नया अक्खयसागरे वा महोदही वा वि अणन्त-पारे । अणाविले वा अकसाइ मुक्के सक्के व देवाहिवई जुईमं ॥ ८ ॥ ३५९ ॥ से वीरिएणं पडिपुण्णवीरिए सुदंसणे वा नगसव्वसेट्ठे । सुरालए वा सि मुदागरे से विरायए नेगगुणोववेए ॥ ९ ॥ ३६० ॥ सयं सहस्साण उ जोयणाणं तिकण्डगे पण्डगवेजयन्ते । से जोयणे नवनवते सहस्से उद्धुस्सियो हेट्ठ सहस्समेगं ॥ १० ॥ ॥ ३६१ ॥ पुट्ठे नमे चिट्ठइ भूमिवट्ठिए जं सूरिया अणुपरिवट्टयन्ति । से हेमवण्णे बहुनन्दणे य जंसी रइं वेययई महिन्दा ॥ ११ ॥ ३६२ ॥ से पव्वए सद्दमहप्पगासे विरायई कञ्चणमट्ठवण्णे । अणुत्तरे गिरिसु य पव्वदुग्गे गिरीवरे से जलिए व भोमे

॥ १२ ॥ ३६३ ॥ महीइ मज्झम्मि ठिए नगिन्दे पन्नायए सूरियसुद्धलेसे । एवं सिरीए उ स भूरिवण्णे मणोरमे जोयइ अच्चिमाली ॥ १३ ॥ ३६४ ॥ सुदंसणस्सेव जसो गिरिस्स पवुच्चई महओ पव्वयस्स । एओवमे समणे नायपुत्ते जाईजसोदंसणनाणसीले ॥ १४ ॥ ३६५ ॥ गिरीवरे वा निसहाययागं रुयए व सेट्ठे वलयाययाणं । तओवमे से जगभूइपन्ने मुणीण मज्झे तमुदाहु पन्ने ॥ १५ ॥ ३६६ ॥ अणुत्तरं धम्ममुईरइत्ता अणुत्तरं झाणवरं झियाइ । सुसुक्कसुक्कं अपगण्डसुक्कं संखिन्दुएगन्तवदायसुक्कं ॥ १६ ॥ ३६७ ॥ अणुत्तरग्गं परमं महेसी असेसकम्मं स विसोहइत्ता । सिद्धिं गए साइमणन्तपत्ते नाणेण सीलेण य दंसणेण ॥ १७ ॥ ३६८ ॥ रुक्खेसु णाए जह सामली वा जस्सिं रइं वेययई सुवण्णा । वणेसु वा नन्दणमाहु सेट्ठं नाणेण सीलेण य भूइपन्ने ॥ १८ ॥ ३६९ ॥ थणियं व सद्दाण अणुत्तरे उ चन्दो व ताराण महाणुभावे । गन्धेसु वा चन्दणमाहु सेट्ठं एवं मुणीणं अपडिन्नमाहु ॥१९॥३७०॥ जहा सयंभू उदहीण सेट्ठे नागेसु वा धरणिन्दमाहु सेट्ठं । खोओदए वा रस वेजयन्ते तवोवहाणे मुणि वेजयन्ते ॥ २० ॥ ३७१ ॥ हत्थीसु एरावणमाहु नाए सीहो मिगाणं सलिलाण गङ्गा । पक्खीसु वा गरुळे वेणुदेवो निव्वाणवादीणिह नायपुत्ते ॥ २१ ॥ ॥ ३७२ ॥ जोहेसु नाए जह वीससेणे पुप्फेसु वा जह अरविन्दमाहु । खत्तीण सेट्ठे जह दन्तवक्के इसीण सेट्ठे तह वद्धमाणे ॥ २२ ॥ ३७३ ॥ दाणाण सेट्ठं अभयप्पयाणं सच्चेसु वा अणवज्जं वयन्ति । तवेसु वा उत्तमं बम्भचेरं लोगुत्तमे समणे नायपुत्ते ॥ २३ ॥ ३७४ ॥ ठिईण सेट्ठा लवसत्तमा वा सभा सुहम्मा व सभाण सेट्ठा । निव्वाणसेट्ठा जह सव्वधम्मा न नायपुत्ता परमत्थि नाणी ॥ २४ ॥ ३७५ ॥ पुढोवमे धुणइ विगयगेही न संनिहिं कुव्वइ आसुपन्ने । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं अभयंकरे वीर अणन्तचक्खू ॥ २५ ॥ ३७६ ॥ कोहं च माणं च तहेव मायं लोभं चउत्थं अज्झत्तदोसा । एयाणि वन्ता अरहा महेसी न कुव्वई पाव न कारवेइ ॥ २६ ॥ ३७७ ॥ किरियाकिरियं वेणइयाणुवायं अन्नाणियाणं पडियच्च ठाणं । से सव्ववायं इइ वेयइत्ता उवट्ठिए संजमदीहरायं ॥ २७ ॥ ३७८ ॥ से वारिया इत्थि सराइभत्तं उवहाणवं दुक्खखयट्ठयाए । लोगं विदित्ता आरं परं च सव्वं पभू वारिय सव्ववारं ॥ २८ ॥ ३७९ ॥ सोच्चा य धम्मं अरहन्तभासियं समाहियं अट्ठपदोवसुद्धं । तं सद्दहाणा य जणा अणाऊ इन्दा व देवाहिव आगमिस्सन्ति ॥२९॥३८०॥

त्ति बेमि ॥ **सिरिवीरत्थुइज्झयणं छट्ठं** ॥

कुसीलपरिभासियज्झयणे सत्तमे

पुढवी य आऊ अगणी य वाऊ तण रुक्ख बीया य तसा य पाणा। जे अण्डया जे य जराउ पाणा संसेयया जे रसयाभिहाणा ॥ १ ॥ ३८१ ॥ एयाइँ कायाइँ पवेइयाइं एएसु जाणे पडिलेह सायं। एएण काएण य आयदण्डे एएसु या विप्परियासुवेन्ति ॥ २ ॥ ३८२ ॥ जाईपहं अणुपरिवट्टमाणे तसथावरेहिं विणिघायमेइ। से जाइ जाइं बहुकूरकम्मे जं कुव्वई मिज्जइ तेण बाले ॥ ३ ॥ ३८३ ॥ अस्सिं च लोए अदु वा परत्था सयग्गसो वा तह अन्नहा वा। संसारमावन्न परं परं ते बन्धन्ति वेयन्ति य दुन्नियाणि ॥ ४ ॥ ३८४ ॥ जे मायरं वा पियरं च हिच्चा समणव्वए अगणि समारभिज्जा। अहाहु से लोएँ कुसीलधम्मे भूयाइँ जे हिंसइ आयसाए ॥५॥ ॥ ३८५ ॥ उज्जालओ पाण निवायएज्जा निव्वावओ अगणिं निवायवेज्जा। तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं न पण्डिए अगणिं समारभिज्जा ॥ ६ ॥ ३८६ ॥ पुढवी वि जीवा आऊ वि जीवा पाणा य संपाइम संपयन्ति। संसेयया कट्ठसमस्सिया य एए दहे अगणिं समारभन्ते ॥ ७ ॥ ३८७ ॥ हरियाणि भूयाणि विलम्बगाणि आहार देहा य पुढो सियाइ। जे छिन्दई आयसुहं पडुच्च पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई ॥ ८ ॥ ३८८ ॥ जाइं च वुड्ढिं च विणासयन्ते बीयाइ अस्संजय आयदण्डे। अहाहु से लोएँ अणज्जधम्मे बीयाइ से हिंसइ आयसाए ॥ ९ ॥ ३८९ ॥ गब्भाइ मिज्जन्ति वुयावुयाणा नरा परे पञ्चसिहा कुमारा। जुवाणगा मज्झिम थेरगा य चयन्ति ते आउखए पलीणा ॥ १० ॥ ३९० ॥ संबुज्झहा जन्तवो माणुसत्तं दट्ठुं भयं बालिसेणं अलम्भो। एगन्तदुक्खे जरिए व लोए सकम्मुणा विप्परियासुवेइ ॥ ११ ॥ ३९१ ॥ इहेग मूढा पवयन्ति मोक्खं आहारसंपज्जणवज्जणेगं। एगे य सीओदगसेवणेणं हुएण एगे पवयन्ति मोक्खं ॥ १२ ॥ ३९२ ॥ पाओसिणाणाइसु नत्थि मोक्खो खारस्स लोणस्स अणासणेणं। ते **मज्जमंसं लसुणं** च भोच्चा अन्नत्थ वासं परिकप्पयन्ति ॥ १३ ॥ ३९३ ॥ उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति सायं च पायं उदगं फुसन्ता। उदगस्स फासेण सिया य सिद्धी सिज्झिसु पाणा बहवे दगंसि ॥ १४ ॥ ३९४ ॥ मच्छा य कुम्मा य सिरीसिवा य मग्गू य उट्टा दगरक्खसा य। अट्ठाणमेयं कुसला वयन्ति उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति ॥ १५ ॥ ३९५ ॥ उदगं जई कम्ममलं हरेज्जा एवं सुहं इच्छामित्तमेव। अन्धं व नेयारमणुस्सरित्ता पाणाणि चेवं विणिहन्ति मन्दा ॥ १६ ॥ ३९६ ॥ पावाइँ कम्माइँ पकुव्वओ हि सिओदगं ऊ जइ तं हरेज्जा। सिज्झिसु एगे दगसत्तघाई मुसं वयन्ते जलसिद्धिमाहु ॥ १७ ॥ ॥ ३९७ ॥ हुएण जे सिद्धिमुदाहरन्ति सायं च पायं अगणि फुसन्ता। एवं सिया

सिद्धिं हवेज्ज तम्हा अगणि फुसन्ताण कुकम्मिणं पि ॥ १८ ॥ ३९८ ॥ अपरिक्ख दिट्ठं न हु एव सिद्धी एहिन्ति ते घायमवुज्झमाणा । भूएहिं जाणं पडिलेह सायं विज्जं गहायं तसथावरेहिं ॥ १९ ॥ ३९९ ॥ थणन्ति लुप्पन्ति तसन्ति कम्मी पुढो जगा परिसंखाय भिक्खू । तम्हा विऊ विरओ आयगुत्ते दट्ठुं तसे या पडिसंहरेज्जा ॥ २० ॥ ४०० ॥ जे धम्मलद्धं विणिहाय भुञ्जे वियडेण साहट्टु य जे सिणाइं । जे धोवई लूसयई व वत्थं अहाहु ते नागणियस्स दूरे ॥ २१ ॥ ४०१ ॥ कम्मं परिन्नाय दगंसि धीरे वियडेण जीवेज्ज य आदिमोक्खं । से वीयकन्दाइ अभुञ्जमाणे विरए सिणाणाइसु इत्थियासु ॥ २२ ॥ ४०२ ॥ जे मायरं च पियरं च हिच्चा गारं तहा पुत्तपसुं धणं च । कुलाइँ जे धावइ साउगाइं अहाहु से सामणियस्स दूरे ॥ २३ ॥ ॥ ४०३ ॥ कुलाइँ जे धावइ साउगाइं आघाइ धम्मं उयराणुगिद्धे । अहाहु से आयरियाण सयंसे जे लावएज्जा असणस्स हेऊ ॥ २४ ॥ ४०४ ॥ निक्खम्म दीणे परभोयणम्मि मुहमङ्गलीए उयराणुगिद्धे । नीवारगिद्धे व महावराहे अदूरए एहिइ घायमेव ॥ २५ ॥ ४०५ ॥ अन्नस्स पाणस्सिहलोइयस्स अणुप्पियं भासइ सेवमाणे । पासत्थयं चेव कुसीलयं च निस्सारए होइ जहा पुलाए ॥ २६ ॥ ४०६ ॥ अन्नाय-पिण्डेण हियासएज्जा नो पूयणं तवसा आवहेज्जा । सद्देहि रूवेहि असज्जमाणं सव्वेहिं कामेहि विणीय गेहिं ॥ २७ ॥ ४०७ ॥ सव्वाइँ संगाइँ अइच्च धीरे सव्वाइँ दुक्खाइं तितिक्खमाणे । अखिले अगिद्धे अणिएयचारी अभयंकरे भिक्खु अणाविलप्पा ॥ २८ ॥ ४०८ ॥ भारस्स जाआ मुणि भुञ्जएज्जा कंखेज्ज पावस्स विवेग भिक्खू । दुक्खेण पुट्ठे धुयमाइएज्जा संगामसीसे व परं दमेज्जा ॥ २९ ॥ ४०९ ॥ अवि हम्ममाणे फलगावतट्ठी समागमं कंखइ अन्तगस्स । निधूय कम्मं न पवञ्चुवेइ अक्खक्खए वा सगडं ति बेमि ॥ ३० ॥ ४१० ॥ **कुसीलपरिभासियज्झयणं सत्तमं ॥**

वीरियज्झयणे अट्ठमे

दुहा वेयं सुयक्खायं वीरियं ति पवुच्चई । किं नु वीरस्स वीरत्तं कहं चेयं पवुच्चई ॥ १ ॥ ४११ ॥ कम्ममेगे पवेदेन्ति अकम्मं वा वि सुव्वया । एएहिं दोहि ठाणेहिं जेहिं दीसन्ति मच्चिया ॥ २ ॥ ४१२ ॥ पमायं कम्ममाहंसु अप्पमायं तहावरं । तब्भावादेसओ वा वि बालं पण्डियमेव वा ॥ ३ ॥ ४१३ ॥ सत्थमेगे तु सिक्खन्ता अइवायाय पाणिणं । एगे मन्ते अहिज्जन्ति पाणभूयविहेडिणो ॥ ४ ॥ ४१४ ॥ मायिणो कट्टु माया य कामभोगे समारभे । हन्ता छेत्ता पगब्भित्ता आयसायाणु-

गामिणो ॥ ५ ॥ ४१५ ॥ मणसा वयसा चेव कायसा चेव अन्तसो । आरओ परओ वा वि दुहा वि य असंजया ॥ ६ ॥ ४१६ ॥ वेराइं कुव्वई वेरी तओ वेरेहिं रज्जई । पावोवगा य आरम्भा दुक्खफासा य अन्तसो ॥ ७ ॥ ४१७ ॥ संपरायं नियच्छन्ति अत्तदुक्कडकारिणो । रागदोसस्सिया बाला पावं कुव्वन्ति ते बहुं ॥ ८ ॥ ४१८ ॥ एवं सकम्मविरियं बालाणं तु पवेइयं । इत्तो अकम्मविरियं पण्डियाणं सुणेह मे ॥ ९ ॥ ॥ ४१९ ॥ दविए वन्धणुम्मुक्के सव्वओ छिन्नबन्धणे । पणोल्ल पावगं कम्मं सल्लं कंतइ अन्तसो ॥ १० ॥ ४२० ॥ नेयाउयं सुयक्खायं उवायाय समीहए । भुज्जो भुज्जो दुहावासं असुहत्तं तहा तहा ॥ ११ ॥ ४२१ ॥ ठाणी विविहठाणाणि चइस्सन्ति न संसओ । अणियए अयं वासे नायएहि सुहीहि य ॥ १२ ॥ ४२२ ॥ एवमायाय मेहावी अप्पणो गिद्धिमुद्धरे । आरियं उवसंपज्जे सव्वधम्ममकोवियं ॥ १३ ॥ ४२३ ॥ सहसंमइए नच्चा धम्मसारं सुणेत्तु वा । समुवट्ठिए उ अणगारे पच्चक्खायपावए ॥ १४ ॥ ४२४ ॥ जं किंचुवक्कमं जाणे आउक्खेमस्स अप्पणो । तस्सेव अन्तरा खिप्पं सिक्खं सिक्खेज्ज पण्डिए ॥ १५ ॥ ४२५ ॥ जहा कुम्मे सअङ्गाइं सए देहे समाहरे । एवं पावाइं मेहावी अज्झप्पेण समाहरे ॥ १६ ॥ ॥ ४२६ ॥ साहरे हत्थपाए य मणं पञ्चिन्दियाणि य । पावगं च परीणामं भासादोसं च तारिसं ॥ १७ ॥ ४२७ ॥ अणु माणं च मायं च तं परिन्नाय पण्डिए । सायागारवणिहुए उवसन्ते निहे चरे ॥ १८ ॥ ४२८ ॥ पाणे य नाइवाएज्जा अदिन्नं पि य नायए । साइयं न मुसं बूया एस धम्मे वुसीमओ ॥ १९ ॥ ४२९ ॥ अइक्कम्मन्ति वायाए मणसा वि न पत्थए । सव्वओ संवुडे दन्ते आयाणं सुसमाहरे ॥ २० ॥ ४३० ॥ कडं च कज्जमाणं च आगमिस्सं च पावगं । सव्वं तं नाणुजाणन्ति आयगुत्ता जिइन्दिया ॥ २१ ॥ ४३१ ॥ जे याऽबुद्धा महाभागा वीरा असमत्तदंसिणो । असुद्धं तेसि परक्कन्तं सफलं होइ सव्वसो ॥ २२ ॥ ४३२ ॥ जे य बुद्धा महाभागा वीरा सम्मत्तदंसिणो । सुद्धं तेसिं परक्कन्तं अफलं होइ सव्वसो ॥ २३ ॥ ४३३ ॥ तेसिं पि न तवो सुद्धो निक्खन्ता जे महाकुला । जं नेवन्ने वियाणन्ति न सिलोगं पवेज्जए ॥ २४ ॥ ४३४ ॥ अप्पपिण्डासि पाणासि अप्पं भासेज्ज सुव्वए । खन्ते भिनिव्वुडे दन्ते वीयगिद्धी सया जए ॥ २५ ॥ ४३५ ॥ झाणजोगं समाहट्टु कायं विउसेज्ज सव्वसो । तितिक्खं परमं नच्चा आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २६ ॥ ४३६ ॥ त्ति बेमि ॥ **वीरियज्झयणं अट्ठमं** ॥

धम्मज्झयणे नवमे

१ कयरे धम्मे अक्खाए माहणेण मईमया । अञ्जु धम्मं जहातच्चं जिणाणं तं सुणेह मे ॥ १ ॥ ४३७ ॥ माहणा खत्तिया वेस्सा चण्डाला अदु वोक्कसा । एसिया वेसिया सुद्दा जे य आरम्भनिस्सिया ॥ २ ॥ ४३८ ॥ परिग्गहनिविट्ठाणं पावं तेसिं पवड्ढई । आरम्भसंभिया कामा न ते दुक्खविमोयगा ॥ ३ ॥ ४३९ ॥ आघायकिच्चमाहेउं नाइओ विसएसिणो । अन्ने हरन्ति तं वित्तं कम्मी कम्मेहिं किच्चई ॥ ४ ॥ ४४० ॥ माया पिया ण्हुसा भाया भज्जा पुत्ता य ओरसा । नालं ते तव ताणाय लुप्पन्तस्स सकम्मुणा ॥ ५ ॥ ४४१ ॥ एयमट्ठं सपेहाए परमट्ठाणुगामियं । निम्ममो निरहंकारो चरे भिक्खू जिणाहियं ॥ ६ ॥ ४४२ ॥ चिच्चा वित्तं च पुत्ते य नाइओ य परिग्गहं । चिच्चा णॅ अन्तगं सोयं निरवेक्खो परिव्वए ॥ ७ ॥ ४४३ ॥ पुढवी अगणी वाऊ तणरुक्ख सबीयगा । अण्डया पोयजराऊ रससंसेयउब्भिया ॥ ८ ॥ ४४४ ॥ एएहिं छहिं काएहिं तं विज्जं परिजाणिया । मणसा कायवक्केणं नारम्भी न परिग्गही ॥ ९ ॥ ४४५ ॥ मुसावायं बहिद्धं च उग्गहं च अजाइया । सत्थादाणाइ लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ १० ॥ ४४६ ॥ पलिउञ्चणं च भयणं च थण्डिल्लुस्सयणाणि य । धूणादाणाइ लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ ११ ॥ ४४७ ॥ धोयणं रयणं चेव वत्थीकम्मं विरेयणं । वमणञ्जणपलीमंथं तं विज्जं परिजाणिया ॥ १२ ॥ ४४८ ॥ गन्धमल्लसिणाणं च दन्तपक्खालणं तहा । परिग्गहित्थिकम्मं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १३ ॥ ४४९ ॥ उद्देसियं कीयगडं पामिच्चं चेव आहडं । पूयं अणेसणिज्जं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १४ ॥ ४५० ॥ आसूणिमक्खिरागं च गिद्धुवघायकम्मगं । उच्छोलणं च कक्कं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १५ ॥ ४५१ ॥ संपसारी कयकिरिए पसिणायतणाणि य । सागारियं च पिण्डं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १६ ॥ ४५२ ॥ अट्ठावयं न सिक्खिज्जा वेहाईयं च नो वए । हत्थकम्मं विवायं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १७ ॥ ४५३ ॥ पाणहाओ य छत्तं च नालीयं वालवीयणं । परकिरियं अन्नमन्नं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १८ ॥ ४५४ ॥ उच्चारं पासवणं हरिएसु न करे मुणी । वियडेण वा वि साहट्टु नावमज्जे कयाइ वि ॥ १९ ॥ ४५५ ॥ परमत्ते अन्नपाणं न भुञ्जेज्ज कयाइ वि । परवत्थं अचेलो वि तं विज्जं परिजाणिया ॥ २० ॥ ४५६ ॥ आसन्दी पलियङ्के य निसिज्जं च गिहन्तरे । संपुच्छणं सरणं वा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २१ ॥ ४५७ ॥ जसं कित्तिं सिलोगं च जा य वन्दणपूयणा । सव्वलोयंसि जे कामा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २२ ॥ ४५८ ॥ जेणेहं निव्वहे भिक्खू

अन्नपाणं तहाविहं । अणुप्पयाणमन्नेसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ २३ ॥ ४५९ ॥ एवं उदाहु निग्गन्थे महावीरे महामुणी । अणन्तनाणदंसी से धम्मं, देसितवं सुयं ॥ २४ ॥ ४६० ॥ भासमाणो न भासेज्जा नेव वम्फेज्ज मम्मयं । माइट्ठाणं विवज्जेज्जा अणुचिन्तिय वियागरे ॥ २५ ॥ ४६१ ॥ तत्थिमा तइया भासा जं वइत्ताणुतप्पई । जं छन्नं तं न वत्तव्वं एसा आणा नियण्ठिया ॥ २६ ॥ ४६२ ॥ होलावायं सहीवायं गोयावायं च नो वए । तुमं तुमं ति अमणुन्नं सव्वसो तं न वत्तए ॥ २७ ॥ ४६३ ॥ अकुसीले सया भिक्खू नेव संसग्गियं भए । सुहरूवा तत्थुवस्सग्गा पडिवुज्झेज्ज ते विऊ ॥ २८ ॥ ४६४ ॥ नन्नत्थ अन्तराएणं परगेहे न निसीयए । गामकुमारियं किड्डं नाइवेलं हसे मुणी ॥ २९ ॥ ४६५ ॥ अणुस्सुओ उरालेसु जयमाणो परिव्वए । चरियाए अप्पमत्तो पुट्ठो तत्थ हियासए ॥ ३० ॥ ॥ ४६६ ॥ हम्ममाणो न कुप्पेज्ज वुच्चमाणो न संजले । सुमणे अहियासेज्जा न य कोलाहलं करे ॥ ३१ ॥ ४६७ ॥ लद्धे कामे न पत्थेज्जा विवेगे एवमाहिए । आयरियाइं सिक्खेज्जा गुरूणं अन्तिए सया ॥ ३२ ॥ ४६८ ॥ सुस्सूसमाणो उवासेज्जा सुप्पन्नं सुतवस्सियं । वीरा जे अत्तपन्नेसी धिइमन्ता जिइन्दिया ॥ ३३ ॥ ॥ ४६९ ॥ गिहे दीवमपासन्ता पुरिसादाणिया नरा । ते वीरा बन्धणुम्मुक्का नावकंखन्ति जीवियं ॥ ३४ ॥ ४७० ॥ अगिद्धे सद्दफासेसु आरम्भेसु अनिस्सिए । सव्वं तं समयातीयं जमेयं लवियं बहु ॥ ३५ ॥ ४७१ ॥ अइमाणं च मायं च तं परिन्नाय पण्डिए । गारवाणि य सव्वाणि निव्वाणं संधए मुणि ॥ ३६ ॥ ४७२ ॥ त्ति बेमि ॥ **धम्मज्झयणं नवमं** ॥

समाहियज्झयणे दसमे

आघं मईमं अणुवीइ धम्मं अञ्जू समाहिं तमिमं सुणेह । अपडिन्न भिक्खू उ समाहिपत्ते अणियाण भूएसु परिव्वएज्जा ॥ १ ॥ ४७३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । हत्थेहि पाएहि य संजमित्ता अदिन्नमन्नेसु य नो गहेज्जा ॥ २ ॥ ४७४ ॥ सुयक्खायधम्मे वितिगिच्छतिण्णे लाढे चरे आयतुले पयासु । आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी चयं न कुज्जा सुतवस्सि भिक्खू ॥ ३ ॥ ॥ ४७५ ॥ सव्विन्दियाभिनिव्वुडे पयासु चरे मुणी सव्वउ विप्पमुक्के । पासाहि पाणे य पुढो वि सत्ते दुक्खेण अट्टे परितप्पमाणे ॥ ४ ॥ ४७६ ॥ एएसु बाले य पकुव्वमाणे आवट्टई कम्मसु पावएसु । अइवायओ कीरइ पावकम्मं निउञ्जमाणे उ करेइ कम्मं ॥ ५ ॥ ४७७ ॥ आदीणवित्ती व करेइ पावं मन्ता उ एगन्तसमाहिमाहु । बुद्धे समाहीय रए विवेगे पाणाइवाया विरए ठियप्पा ॥ ६ ॥ ४७८ ॥

सव्वं जगं तू समयाणुपेही पियमप्पियं कस्स वि नो करेज्जा । उट्ठाय दीणो य पुणो विसण्णो संपूयणं चेव सिलोयकामी ॥ ७ ॥ ४७९ ॥ आहाकडं चेव निकाममीणे नियामचारी य विसण्णमेसी । इत्थीसु सत्ते य पुढो य बाले परिग्गहं चेव पकुव्वमाणे ॥ ८ ॥ ४८० ॥ वेराणुगिद्धे निचयं करेइ इओ चुए से इहमट्ठदुग्गं । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं चरे मुणि सव्वउ विप्पमुक्के ॥ ९ ॥ ४८१ ॥ आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी असज्जमाणो य परिव्वएज्जा । निसम्मभासी य विणीय गिद्धिं हिंसन्नियं वा न कहं करेज्जा ॥ १० ॥ ४८२ ॥ आहाकडं वा न निकामएज्जा निकामयन्ते य न संथवेज्जा । धुणे उरालं अणुवेहमाणे चिच्चा न सोयं अणवेक्खमाणो ॥ ११ ॥ ४८३ ॥ एगत्तमेयं अभिपत्थएज्जा एवं पमोक्खो न मुसं ति पासं । एसप्पमोक्खो अमुसे वरे वि अकोहणे सच्चरए तवस्सी ॥ १२ ॥ ४८४ ॥ इत्थीसु या आरय मेहुणाओ परिग्गहं चेव अकुव्वमाणे । उच्चावएसुं विसएसु ताई निस्संसयं भिक्खु समाहिपत्ते ॥ १३ ॥ ४८५ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू तणाइफासं तह सीयफासं । उण्हं च दंसं चऽहियासएज्जा सुब्भिं व दुब्भिं व तितिक्खएज्जा ॥ १४ ॥ ४८६ ॥ गुत्तो वईए य समाहिपत्तो लेसं समाहट्टु परिव्वएज्जा । गिहं न छाए न वि छायएज्जा संमिस्सभावं पयहे पयासु ॥ १५ ॥ ४८७ ॥ जे केइ लोगम्मि उ अकिरियआया अन्नेण पुट्ठा धुयमादिसन्ति । आरम्भसत्ता गढिया य लोए धम्मं न जाणन्ति विमोक्खहेउं ॥ १६ ॥ ४८८ ॥ पुढो य छन्दा इह माणवा उ किरियाकिरीयं च पुढो य वायं । जायस्स बालस्स पकुव्व देहं पवड्ढई वेरमसंजयस्स ॥ १७ ॥ ४८९ ॥ आउक्खयं चेव अबुज्झमाणे ममाइ से साहसकारि मन्दे । अहो य राओ परितप्पमाणे अट्टेसु मूढे अजरामरे व्व ॥ १८ ॥ ४९० ॥ जहाहि वित्तं पसवो य सव्वं जे बन्धवा जे य पिया य मित्ता । लालप्पई से वि य एइ मोहं अन्ने जणा तंसि हरन्ति वित्तं ॥ १९ ॥ ४९१ ॥ सीहं जहा खुड्डमिगा चरन्ता दूरे चरन्ति परिसंकमाणा । एवं तु मेहावि समिक्ख धम्मं दूरेण पावं परिवज्जएज्जा ॥ २० ॥ ४९२ ॥ संबुज्झमाणे उ नरे मईमं पावाउ अप्पाण निवट्टएज्जा । हिंसप्पसूयाइँ दुहाइँ मत्ता वेराणुबन्धीणि महब्भयाणि ॥ २१ ॥ ४९३ ॥ मुसं न बूया मुणि अत्तगामी निव्वाणमेयं कसिणं समाहिं । सयं न कुज्जा न य कारवेज्जा करन्तमन्नं पि य नाणुजाणे ॥ २२ ॥ ४९४ ॥ सुद्धे सिया जाएँ न दूसएज्जा अमुच्छिए न य अज्झोववन्ने । धिइमं विमुक्के न य पूयणट्ठी न सिलोयगामी य परिव्वएज्जा ॥ २३ ॥ ४९५ ॥ निक्खम्म गेहाउ निरावकंखी कायं विउस्सेज्ज नियाणछिन्ने । नो जीवियं नो मरणाभिकंखी चरेज्ज भिक्खू वलया विमुक्के ॥ २४ ॥ ॥ ४९६ ॥ त्ति बेमि ॥ **समाहियज्झयणं दसमं** ॥

मग्गज्झयणे एयारहमे

कयरे मग्गे अक्खाए माहणेणं मईमया। जं मग्गं उज्जु पावित्ता ओहं तरइ दुत्तरं ॥ १ ॥ ४९७ ॥ जं मग्गं णुत्तरं सुद्धं सव्वदुक्खविमोक्खणं । जाणासि णं जहा भिक्खू तं णो बूहि महामुणी ॥ २ ॥ ४९८ ॥ जइ णो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा। तेसि तु कयरं मग्गं आइक्खेज्ज कहाहि णो ॥ ३ ॥ ४९९ ॥ जइ वो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा। तेसिमं पडिसाहेज्जा मग्गसारं सुणेह मे ॥ ४ ॥ ५०० ॥ अणुपुव्वेण महाघोरं कासवेण पवेइयं। जमायाय इओ पुव्वं समुद्दं ववहारिणो ॥ ५ ॥ ५०१ ॥ अतरिसु तरन्तेगे तरिस्सन्ति अणागया। तं सोच्चा पडिवक्खामि जन्तवो तं सुणेह मे ॥ ६ ॥ ५०२ ॥ पुढवीजीवा पुढो सत्ता आउजीवा तहागणी। वाउजीवा पुढो सत्ता तणरुक्खा सबीयगा ॥ ७ ॥ ५०३ ॥ अहावरा तसा पाणा एवं छक्काय आहिया। एयावए जीवकाए नावरे कोइ विज्जई ॥ ८ ॥ ५०४ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं मइमं पडिलेहिया। सव्वे अक्कन्तदुक्खा य अओ सव्वे न हिंसया ॥ ९ ॥ ५०५ ॥ एयं खु नाणिणो सारं जं न हिंसइ कंचण। अहिंसा समयं चेव एयावन्तं वियाणिया ॥ १० ॥ ५०६ ॥ उड्ढं अहे य तिरियं जे केइ तसथावरा। सव्वत्थ विरइं विज्जा सन्ति निव्वाणमाहियं ॥ ११ ॥ ५०७ ॥ पभू दोसे निराकिच्चा न विरुज्झेज्ज केण वि। मणसा वयसा चेव कायसा चेव अन्तसो ॥ १२ ॥ ५०८ ॥ संवुडे से महापन्ने धीरे दत्तेसणं चरे। एसणासमिए निच्चं वज्जयन्ते अणेसणं ॥ १३ ॥ ५०९ ॥ भूयाइं च समारम्भ तमुद्दिस्सा य जं कडं। तारिसं तु न गिण्हेज्जा अन्नपाणं सुसंजए ॥ १४ ॥ ५१० ॥ पूईकम्मं न सेवेज्जा एस धम्मे वुसीमओ। जं किंचि अभिकंखेज्जा सव्वसो तं न कप्पए ॥ १५ ॥ ॥ ५११ ॥ हणन्तं नाणुजाणेज्जा आयगुत्ते जिइन्दिए। ठाणाइँ सन्ति सड्ढीणं गामेसु नगरेसु वा ॥ १६ ॥ ५१२ ॥ तहा गिरं समारब्भ अत्थि पुण्णं ति नो वए। अहवा नत्थि पुण्णं ति एवमेयं महब्भयं ॥ १७ ॥ ५१३ ॥ दाणट्ठया य जे पाणा हम्मन्ति तसथावरा। तेसिं सारक्खणट्ठाए तम्हा अत्थि त्ति नो वए ॥ १८ ॥ ५१४ ॥ जेसिं तं उवकप्पन्ति अन्नपाणं तहाविहं। तेसिं लाभन्तरायं ति तम्हा नत्थि त्ति नो वए ॥ १९ ॥ ५१५ ॥ जे य दाणं पसंसन्ति वहमिच्छन्ति पाणिणं। जे य णं पडिसेहन्ति वित्तिच्छेयं करन्ति ते ॥ २० ॥ ५१६ ॥ दुहओ वि ते न भासन्ति अत्थि वा नत्थि वा पुणो। आयं रयस्स हेच्चा णं निव्वाणं पाउणन्ति ते ॥ २१ ॥ ॥ ५१७ ॥ निव्वाणं परमं बुद्धा नक्खत्ताण व चन्दिमा। तम्हा सया जए दन्ते निव्वाणं संधए मुणी ॥ २२ ॥ ५१८ ॥ वुज्झमाणाण पाणाणं किच्चन्ताण सकम्मुणा।

आघाइ साहु तं दीवं पइट्ठेसा पवुचई ॥ २३ ॥ ५१९ ॥ आयगुत्ते सया दन्ते छिन्नसोए अणासवे । जे धम्मं सुद्धमक्खाइ पडिपुण्णमणोलिसं ॥ २४ ॥ ५२० ॥ तमेव अवियाणन्ता अवुद्धा वुद्धमाणिणो । वुद्धा मो त्ति य मन्नन्ता अन्त एए समाहिए ॥ २५ ॥ ५२१ ॥ ते य बीयोदगं चेव तमुद्दिस्सा य जं कडं । भोच्चा झाणं झियायन्ति अखेयन्नासमाहिया ॥ २६ ॥ ५२२ ॥ जहा ढंका य कंका य कुलला मग्गुका सिही । मच्छेसणं झियायन्ति झाणं ते कलुसाधमं ॥ २७ ॥ ५२३ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । विसएसणं झियायन्ति कंका वा कलुसाहमा ॥ २८ ॥ ५२४ ॥ सुद्धं मग्गं विराहित्ता इहमेगे उ दुम्मई । उम्मग्गगया दुक्खं घायमेसन्ति तं तहा ॥ २९ ॥ ५२५ ॥ जहा आसाविणिं नावं जाइअन्धो दुरूहिया । इच्छई पारमागन्तुं अन्तरा य विसीयइ ॥ ३० ॥ ५२६ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । सोयं कसिणमावन्ना आगन्तारो महब्भयं ॥ ३१ ॥ ५२७ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । तरे सोयं महाघोरं अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ३२ ॥ ५२८ ॥ विरए गामधम्मेहिं जे केइ जगई जगा । तेसिं अत्तुवमायाए थामं कुव्वं परिव्वए ॥ ३३ ॥ ५२९ ॥ अइमाणं च मायं च तं परिन्नाय पण्डिए । सव्वमेयं निराकिच्चा निव्वाणं संधए मुणी ॥ ३४ ॥ ५३० ॥ संधए साहुधम्मं च पावधम्मं निराकरे । उवहाणवीरिए भिक्खू कोहं माणं न पत्थए ॥ ३५ ॥ ५३१ ॥ जे य वुद्धा अतिक्कन्ता जे य वुद्धा अणागया । सन्ति तेसिं पइट्ठाणं भूयाणं जगई जहा ॥ ३६ ॥ ५३२ ॥ अह णं वयमावन्नं फासा उच्चावया फुसे । न तेसु विणिहण्णेज्जा वाएण व महागिरी ॥ ३७ ॥ ५३३ ॥ संवुडे से महापन्ने धीरे दत्तेसणं चरे । निव्वुडे कालमाकंखी एवं केवलिणो मयं ॥ ३८ ॥ ५३४ ॥ ति बेमि ॥ **मग्गज्झयणं एयारहमं ॥**

समोसरणज्झयणे बारहमे

चत्तारि समोसरणाणिमाणि पावादुया जाइँ पुढो वयन्ति । किरियं अकिरियं विणयं ति तइयं अन्नाणमाहंसु चउत्थमेव ॥ १ ॥ ५३५ ॥ अन्नाणिया ता कुसला वि सन्ता असंथुया नो वितिगिच्छतिण्णा । अकोविया आहु अकोवियेहिं अणाणुवीइत्तु मुसं वयन्ति ॥ २ ॥ ५३६ ॥ सच्चं असच्चं इति चिन्तयन्ता असाहु साहु त्ति उदाहरन्ता । जेमे जणा वेणइया अणेगे पुट्ठा वि भावं विणइंसु नाम ॥ ३ ॥ ॥ ५३७ ॥ अणोवसंखा इइ ते उदाहु अट्ठे स ओभासइ अम्ह एवं । लवावसंकी

य अणागएहिं नो किरियमाहंसु अकिरियवाई ॥ ४ ॥ ५३८ ॥ संमिस्सभावं च गिरा गहीए से मुम्मुई होइ अणाणुवाई । इमं दुपक्खं इममेगपक्खं आहंसु छलाययणं च कम्मं ॥ ५ ॥ ५३९ ॥ ते एवमक्खन्ति अबुज्झमाणा विरूवरूवाणि अकिरियवाई । जे मायइत्ता बहवे मणूसा भमन्ति संसारमणोवदग्गं ॥ ६ ॥ ॥ ५४० ॥ नाइच्चो उदेइ न अत्थमेइ न चन्दिमा वड्ढइ हायई वा । सलिला न सन्दन्ति न वन्ति वाया वञ्झो नियओ कसिणे हु लोए ॥ ७ ॥ ५४१ ॥ जहा हि अन्धे सह जोइणा वि रूवाइँ नो पस्सइ हीणनेत्ते । सन्तं पि ते एवमकिरियवाई किरियं न पस्सन्ति निरुद्धपन्ना ॥ ८ ॥ ५४२ ॥ संवच्छरं सुविणं लक्खणं च निमित्तदेहं च उप्पाइयं च । अट्ठङ्गमेयं बहवे अहित्ता लोगंसि जाणन्ति अणागयाइं ॥ ९ ॥ ५४३ ॥ केई निमित्ता तहिया भवन्ति केसिंचि तं विप्पडिएइ नाणं । ते विज्जभावं अणहिज्जमाणा आहंसु विज्जा परिमोक्खमेव ॥ १० ॥ ५४४ ॥ ते एवमक्खन्ति समिच्च लोगं तहा तहा समणा माहणा य । सयंकडं नन्नकडं च दुक्खं आहंसु विज्जाचरणं पमोक्खं ॥ ११ ॥ ५४५ ॥ ते चक्खु लोगंसिह नायगा उ मग्गाणुसासन्ति हियं पयाणं । तहा तहा सासयमाहु लोए जंसी पया माणव संपगाढा ॥ १२ ॥ ५४६ ॥ जे रक्खसा वा जमलोइया वा जे वा सुरा गंधव्वा य काया । आगासगामी य पुढोसिया जे पुणो पुणो विप्परियासुवेन्ति ॥ १३ ॥ ॥ ५४७ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारगं जाणाहि णं भवगहणं दुमोक्खं । जंसी विसण्णा विसयङ्गणाहिं दुहओ वि लोयं अणुसंचरन्ति ॥ १४ ॥ ५४८ ॥ न कम्मुणा कम्म खवेन्ति बाला अकम्मुणा कम्म खवेन्ति धीरा । मेहाविणो लोभभयावईया संतोसिणो नो पकरेन्ति पावं ॥ १५ ॥ ५४९ ॥ ते तीयउप्पन्नमणागयाइं लोगस्स जाणन्ति तहागयाइं । नेयारो अन्नेसि अणन्ननेया बुद्धा हु ते अन्तकडा भवन्ति ॥ १६ ॥ ५५० ॥ ते नेव कुव्वन्ति न कारवेन्ति भूयाहिसंकाइ दुगुन्छमाणा । सया जया विप्पणमन्ति धीरा विण्णत्ति धीरा य हवन्ति एगे ॥ १७ ॥ ५५१ ॥ डहरे य पाणे वुड्ढे य पाणे ते अत्तओ पासइ सव्वलोए । उव्वेहई लोगमिणं महन्तं बुद्धेपमत्तेसु परिव्वएज्जा ॥ १८ ॥ ५५२ ॥ जे आयओ परओ वा वि नच्चा अलमप्पणो होन्ति अलं परेसिं । तं जोइभूयं च सयावसेज्जा जे पाउकुज्जा अणुवीइ धम्मं ॥ १९ ॥ ५५३ ॥ अत्ताण जो जाणइ जो य लोगं गइं च जो जाणइ नागइं च । जो सासयं जाण असासयं च जाइं च मरणं च जणोववायं ॥ २० ॥ ५५४ ॥ अहो वि सत्ताण विउट्टणं च जो आसवं जाणइ संवरं च । दुक्खं च जो जाणइ निज्जरं च सो भासिउमरिहइ किरियवायं ॥ २१ ॥

॥ ५५५ ॥ सद्देसु रूवेसु असज्जमाणे गन्धेसु रसेसु अदुस्समाणे । नो जीवियं नो मरणाहिकंखी आयाणगुत्ते वलया विमुक्के ॥ २२ ॥ ५५६ ॥ त्ति बेमि ॥ **समोसरणज्झयणं बारहमं ॥**

आहत्तहीयज्झयणे तेरहमे

आहत्तहीयं तु पवेयइस्सं नाणप्पकारं पुरिसस्स जायं । सओ य धम्मं असओ असीलं सन्ति असन्ति करिस्सामि पाउं ॥ १ ॥ ५५७ ॥ अहो य राओ य समुट्ठिएहिं तहागएहिं पडिलब्भ धम्मं । समाहिमाघायमजोसयन्ता सत्थारमेवं फरुसं वयन्ति ॥ २ ॥ ५५८ ॥ विसोहियं ते अणुकाहयन्ते जे आयभावेण वियागरेज्जा । अट्ठाणिए होइ बहूगुणाणं जे नाणसंकाइ मुसं वएज्जा ॥ ३ ॥ ५५९ ॥ जे यावि पुट्ठा पलिउञ्चयन्ति आयाणमट्ठं खलु वञ्चइत्ता । असाहुणो ते इह साहुमाणी मायण्णि एस्सन्ति अणन्तघायं ॥ ४ ॥ ५६० ॥ जे कोहणे होइ जयट्ठभासी विओसियं जे उ उदीरएज्जा । अन्धे व से दण्डपहं गहाय अविओसिए धासइ पावकम्मी ॥ ५ ॥ ५६१ ॥ जे विग्गहीए अन्नायभासी न से समे होइ अझञ्झपत्ते । ओवायकारी य हिरीमणे य एगन्तदिट्ठी य अमाइरूवे ॥ ६ ॥ ५६२ ॥ से पेसले सुहुमे पुरिसजाए जच्चन्निए चेव सुउज्जुयारे । बहुं पि अणुसासिऍ जे तहच्चा समे हु से होइ अझञ्झपत्ते ॥ ७ ॥ ५६३ ॥ जे यावि अप्पं वसुमं ति मत्ता संखाय वायं अपरिक्ख कुज्जा । तवेण वाहं सहिउ त्ति मत्ता अन्नं जणं पस्सइ बिम्बभूयं ॥ ८ ॥ ५६४ ॥ एगन्तकूडेण उ से पलेइ न विज्जई मोणपयंसि गोत्ते । जे माणणट्ठेण विउक्कसेज्जा वसुमन्नतरेण अवुज्झमाणे ॥ ९ ॥ ५६५ ॥ जे माहणे खत्तियजायए वा तहुग्गपुत्ते तह लेच्छई वा । जे पव्वईए परदत्तभोई गोत्ते न जे थब्भइ माणबद्धे ॥ १० ॥ ५६६ ॥ न तस्स जाई व कुलं व ताणं नन्नत्थ विज्जाचरणं सुचिण्णं । निक्खम्म से सेवइऽगारिकम्मं न से पारए होइ विमोयणाए ॥ ११ ॥ ५६७ ॥ निक्किंचणे भिक्खु सुलूहजीवी जे गारवं होइ सिलोगकामी । आजीवमेयं तु अवुज्झमाणो पुणो पुणो विप्परियासुवेन्ति ॥ १२ ॥ ५६८ ॥ जे भासवं भिक्खु सुसाहुवाई पडिहाणवं होइ विसारए य । आगाढपन्ने सुविभावियप्पा अन्नं जणं पन्नया परिहवेज्जा ॥ १३ ॥ ५६९ ॥ एवं न से होइ समाहिपत्ते जे पन्नवं भिक्खु विउक्कसेज्जा । अहवा वि जे लाहमयावलित्ते अन्नं जणं खिंसइ बालपन्ने ॥ १४ ॥ ५७० ॥ पन्नामयं चेव तवोमयं च निन्नामए गोयमयं च भिक्खू ।

आजीवगं चेव चउत्थमाहु से पण्डिए उत्तमपोग्गले से ॥ १५ ॥ ५७१ ॥ मयाई एयाइँ विगिञ्च धीरा न ताणि सेवन्ति सुधीरधम्मा । ते सव्वगोत्तावगया महेसी उच्चं अगोत्तं च गतिं वयन्ति ॥ १६ ॥ ५७२ ॥ भिक्खू मुयच्चे तह दिट्ठधम्मे गामं च नगरं च अणुप्पविस्सा । से एसणं जाणमणेसणं च अन्नस्स पाणस्स अणाणुगिद्धे ॥ १७ ॥ ५७३ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू बहूजणे वा तह एगचारी । एगन्तमोणेण वियागरेज्जा एगस्स जन्तो गइरागई य ॥ १८ ॥ ॥ ५७४ ॥ सयं समेच्चा अदुवा वि सोच्चा भासेज्ज धम्मं हिययं पयाणं । जे गरहिया सणियाणप्पओगा न ताणि सेवन्ति सुधीरधम्मा ॥ १९ ॥ ५७५ ॥ केसिंचि तक्काइ अबुज्झ भावं खुद्दं पि गच्छेज्ज असद्दहाणे । आउस्स कालाइयारं वघाए लद्धाणुमाणे य परेसु अट्ठे ॥ २० ॥ ५७६ ॥ कम्मं च छन्दं च विगिञ्च धीरे विणइज्ज ऊ सव्वउ आयभावं । रूवेहिं लुप्पन्ति भयावहेहिं विज्जं गहाया तसथावरेहिं ॥ २१ ॥ ५७७ ॥ न पूयणं चेव सिलोयकामी पियमप्पियं कस्सइ नो करेज्जा । सव्वे अणट्ठे परिवज्जयन्ते अणाउले या अकसाइ भिक्खू ॥ २२ ॥ ॥ ५७८ ॥ आहत्तहीयं समुपेहमाणे सव्वेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं । नो जीवियं नो मरणाहिकंखी परिव्वएज्जा वलया विमुक्के ॥ २३ ॥ ५७९ ॥ त्ति बेमि ॥ **आहत्तहीयज्झयणं तेरहमं ॥**

गन्थज्झयणे चोद्दहमे

गन्थं विहाय इह सिक्खमाणो उट्ठाय सुबम्भचेरं वसेज्जा । ओवायकारी विणयं सुसिक्खे जे छेय से विप्पमायं न कुज्जा ॥ १ ॥ ५८० ॥ जहा दियापोयमपत्तजायं सावासगा पविउं मन्नमाणं । तमचाइयं तरुणमपत्तजायं ढंकाइ अव्वत्तगमं हरेज्जा ॥ २ ॥ ५८१ ॥ एवं तु सेहं पि अपुट्ठधम्मं निस्सारियं वुसिमं मन्नमाणा । दियस्स छायं व अपत्तजायं हरिंसु णं पावधम्मा अणेगे ॥ ३ ॥ ५८२ ॥ ओसाणमिच्छे मणुए समाहिं अणोसिए णन्तकरिं ति नच्चा । ओभासमाणे दवियस्स वित्तं न निक्कसे वहिया आसुपन्नो ॥ ४ ॥ ५८३ ॥ जे ठाणओ य सयणासणे य परक्कमे यावि सुसाहुजुत्ते । समिईसु गुत्तीसु य आयपन्ने वियागरिं ते य पुढो वएज्जा ॥५॥५८४॥ सद्दाणि सोच्चा अदु भेरवाणि अणासवे तेसु परिव्वएज्जा । निद्दं च भिक्खू न पमाय कुज्जा कहंकहं वा वितिगिच्छतिण्णे ॥ ६ ॥ ५८५ ॥ डहरेण वुड्ढेणऽणुसासिए उ राइणिएणावि समव्वएणं । सम्मं तयं थिरओ नाभिगच्छे निज्जन्तए वावि अपारए से ॥ ७ ॥ ५८६ ॥ विउट्ठिएणं समयाणुसिट्ठे डहरेण वुड्ढेण उ चोइए य । अच्चुट्ठि-

याए घडदासिए वा अगारिणं वा समयाणुसिट्ठे ॥ ८ ॥ ५८७ ॥ न तेसु कुज्झे न य पव्वहेज्जा न यावि किंची फरुसं वएज्जा । तहा करिस्सं ति पडिस्सुणेज्जा सेयं खु मेयं न पमाय कुज्जा ॥ ९ ॥ ५८८ ॥ वणंसि मूढस्स जहा अमूढा मग्गाणुसासन्ति हियं पयाणं । तेणेव मज्झं इणमेव सेयं जं मे बुहा समणुसासयन्ति ॥१०॥५८९॥ अह तेण मूढेण अमूढगस्स कायव्व पूया सविसेसजुत्ता । एओवमं तत्थ उदाहु वीरे अणुगम्म अत्थं उवणेइ सम्मं ॥ ११ ॥ ५९० ॥ नेया जहा अन्धकारंसि राओ मग्गं न जाणाइ अपस्समाणे । से सूरियस्स अब्भुग्गमेणं मग्गं वियाणाइ पगासियंसि ॥ १२ ॥ ५९१ ॥ एवं तु सेहे वि अपुट्ठधम्मे धम्मं न जाणाइ अबुज्झमाणे । से कोविए जिणवयणेण पच्छा सूरोदए पासइ चक्खुणेव ॥ १३ ॥ ५९२ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । सया जए तेसु परिव्वएज्जा मणप्पओसं अविकम्पमाणे ॥ १४ ॥ ५९३ ॥ कालेण पुच्छे समियं पयासु आइक्खमाणो दवियस्स वित्तं । तं सोयकारी य पुढो पवेसे संखा इमं केवलियं समाहिं ॥ १५ ॥ ५९४ ॥ अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण तायी एएसु या सन्ति निरोहमाहु । ते एवमक्खन्ति तिलोगदंसी न भुज्जमेयन्ति पमायसंगं ॥ १६ ॥ ५९५ ॥ निसम्म से भिक्खु समीहियट्ठं पडिभाणवं होइ विसारए य । आयाणअट्ठी वोदाणमोणं उवेच्च सुद्धेण उवेइ मोक्खं ॥ १७ ॥ ५९६ ॥ संखाइ धम्मं च वियागरन्ति बुद्धा हु ते अन्तकरा भवन्ति । ते पारगा दोण्ह वि मोयणाए संसोधियं पण्हमुदाहरन्ति ॥ १८ ॥ ५९७ ॥ नो छायए नो वि य लूसएज्जा माणं न सेवेज्ज पगासणं च । न यावि पन्ने परिहास कुज्जा न याऽऽसियावाय वियागरेज्जा ॥ १९ ॥ ५९८ ॥ भूयाभिसंकाइ दुगुञ्छमाणे न निव्वहे मन्तपएण गोयं । न किंचिमिच्छे मणुए पयासुं असाहुधम्माणि न संवएज्जा ॥ २० ॥ ५९९ ॥ हासं पि नो संधइ पावधम्मे ओए तहीयं फरुसं वियाणे । नो तुच्छए नो य विकंथइज्जा अणाइले या अकसाइ भिक्खू ॥ २१ ॥ ६०० ॥ संकेज्ज याऽसंकियभाव भिक्खू विभज्जवायं च वियागरेज्जा । भासादुयं धम्मसमुट्ठिएहिं वियागरेज्जा समयासुपन्ने ॥ २२ ॥ ६०१ ॥ अणुगच्छमाणे वितहं विजाणे तहा तहा साहु अकक्कसेणं । न कत्थई भास विहिंसइज्जा निरुद्धगं वावि न दीहइज्जा ॥ २३ ॥ ६०२ ॥ समालवेज्जा पडिपुण्णभासी निसामिया समियाअट्ठदंसी । आणाइ सुद्धं वयणं भिउञ्जे अभिसंधए पावविवेग भिक्खू ॥ २४ ॥ ६०३ ॥ अहाबुइयाइं सुसिक्खएज्जा जइज्जया नाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि न लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं ॥२५॥६०४॥ अलूसए नो पच्छन्नभासी नो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइ वायं

सुयं च सम्मं पडिवाययन्ति ॥ २६ ॥ ६०५ ॥ से सुद्धसुत्ते उवहाणवं च धम्मं च जे विन्दइ तत्थ तत्थ। आएज्जवक्के कुसले वियत्ते स अरिहइ भासिउं तं समाहिं ॥ २७ ॥ ६०६ ॥ त्ति बेमि ॥ **गन्थज्झयणं चोद्दहमं** ॥

आयाणियज्झयणे पण्णरहमे

जमईअं पडुप्पन्नं आगमिस्सं च नायओ। सव्वं मन्नइ तं ताई दंसणावरणन्तए ॥ १ ॥ ६०७ ॥ अन्तए वितिगिच्छाए से जाणइ अणेलिसं। अणेलिसस्स अक्खाया न से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ ६०८ ॥ तहिं तहिं सुयक्खायं से य सच्चे सुआहिए। सया सच्चेण संपन्ने मेत्तिं भूएहिं कप्पए ॥ ३ ॥ ६०९ ॥ भूएहिं न विरुज्झेज्जा एस धम्मे वुसीमओ। वुसिमं जगं परिन्नाय अस्सिं जीवियभावणा ॥ ४ ॥ ६१० ॥ भावणाजोगसुद्धप्पा जले नावा व आहिया। नावा व तीरसंपन्ना सव्वदुक्खा तिउट्टइ ॥ ५ ॥ ६११ ॥ तिउट्टई उ मेहावी जाणं लोगंसि पावगं। तुट्टन्ति पावकम्माणि नवं कम्ममकुव्वओ ॥ ६ ॥ ६१२ ॥ अकुव्वओ नवं नत्थि कम्मं नाम विजाणइ। विन्नाय से महावीरे जेण जाई न मिज्जई ॥ ७ ॥ ६१३ ॥ न मिज्जई महावीरे जस्स नत्थि पुरेकडं। वाउ व्व जालमच्चेइ पिया लोगंसि इत्थियो ॥ ८ ॥ ६१४ ॥ इत्थियो जे न सेवन्ति आइमोक्खा हु ते जणा। ते जणा बन्धणुम्मुक्का नावकंखन्ति जीवियं ॥ ९ ॥ ६१५ ॥ जीवियं पिट्ठओ किच्चा अन्तं पावन्ति कम्मुणं। कम्मुणा संमुहीभूया जे मग्गमणुसासई ॥ १० ॥ ६१६ ॥ अणुसासणं पुढो पाणी वसुमं पूयणासु ते। अणासए जए दन्ते दढे आरयमेहुणे ॥ ११ ॥ ६१७ ॥ नीवारे व न लीएज्जा छिन्नसोए अणाविले। अणाइले सया दन्ते संधिं पत्ते अणेलिसं ॥१२॥ ॥६१८॥ अणेलिसस्स खेयन्ने न विरुज्झेज्ज केणइ। मणसा वयसा चेव कायसा चेव चक्खुमं ॥ १३ ॥ ६१९ ॥ से हु चक्खू मणुस्साणं जे कंखाए य अन्तए। अन्तेण खुरो वहई चक्कं अन्तेण लोट्टई ॥ १४ ॥ ६२० ॥ अन्ताणि धीरा सेवन्ति तेण अन्तकरा इह। इह माणुस्सए ठाणे धम्ममाराहिउं नरा ॥ १५ ॥ ६२१ ॥ निट्ठियट्ठा व देवा वा उत्तरीए इयं सुयं। सुयं च मेयमेगेसिं अमणुस्सेसु नो तहा ॥१६॥ ॥ ६२२ ॥ अन्तं करन्ति दुक्खाणं इहमेगेसिमाहियं। आघायं पुण एगेसिं दुल्लभेऽयं समुस्सए ॥ १७ ॥ ६२३ ॥ इओ विद्धंसमाणस्स पुणो संबोहि दुल्लहा। दुल्लहाओ तहच्चाओ जे धम्मट्ठं वियागरे ॥ १८ ॥ ६२४ ॥ जे धम्मं सुद्धमक्खन्ति पडिपुण्णमणेलिसं। अणेलिसस्स जं ठाणं तस्स जम्मकहा कओ ॥ १९ ॥ ६२५ ॥ कओ कयाइ मेहावी उप्पज्जन्ति तहागया। तहागया अप्पडिन्ना चक्खू लोगस्सणुत्तरा

॥ २० ॥ ६२६ ॥ अणुत्तरे य ठाणे से कासवेण पवेइए। जं किच्चा निव्वुडा एगे निट्ठं पावन्ति पण्डिया ॥ २१ ॥ ६२७ ॥ पण्डिए वीरियं लद्धुं निग्घायाय पवत्तगं धुणे पुव्वकडं कम्मं नवं वा वि न कुव्वई ॥ २२ ॥ ६२८ ॥ न कुव्वई महावीरे अणुपुव्वकडं रयं। रयसा संमुहीभूया कम्मं हेच्चाण जं मयं ॥ २३ ॥ ६२९ ॥ जं मयं सव्वसाहूणं तं मयं सल्लगत्तणं। साहइत्ताण तं तिण्णा देवा वा अभविंसु ते ॥२४॥६३०॥ अभविंसु पुरा धीरा आगमिस्सा वि सुव्वया। दुन्निबोहस्स मग्गस्स अन्तं पाउकरा तिण्णे ॥२५॥६३१॥ त्ति बेमि ॥ **आयाणियज्झयणं पण्णरहमं** ॥

गाहज्झयणे सोळसमे

अहाह भगवं—एवं से दन्ते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा १ समणे त्ति वा २ भिक्खु त्ति वा ३ निग्गन्थे त्ति वा ४। पडिआह-भन्ते कहं नु दन्ते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा समणे त्ति वा भिक्खु त्ति वा निग्गन्थे त्ति वा। तं नो बूहि महामुणी॥ इति विरए सव्वपावकम्मेहिं पिज्जदोसकलह० अब्भक्खाण० पेसुन्न० परपरिवाय० अरइरइ० मायामोस० मिच्छादंसणसल्लविरए समिए सहिए सया जए नो कुज्झे नो माणी माहणे त्ति वच्चे ॥ १ ॥ ६३२ ॥ एत्थ वि समणे अनिस्सिए अणियाणे आयाणं च अइवायं च मुसावायं च बहिद्धं च कोहं च माणं च मायं च लोहं च पिज्जं च दोसं च इच्चेव जओ जओ आयाणं अप्पणो पद्दोसहेऊ तओ तओ आयाणाओ पुव्वं पडिविरए पाणाइवाया सिंआ दन्ते दविए वोसट्ठकाए समणे त्ति वच्चे ॥ २ ॥ ६३३ ॥ एत्थ वि भिक्खू अणुन्नए विणीए नामए दन्ते दविए वोसट्ठकाए संविधुणीय विरूवरूवे परीसहोवसग्गे अज्झप्पजोगसुद्धादाणे उवट्ठिए ठिअप्पा संखाए परदत्तभोई भिक्खु त्ति वच्चे ॥ ३ ॥ ६३४ ॥ एत्थ वि निग्गन्थे एगे एगविऊ बुद्धे संछिन्नसोए सुसंजए सुसमिए सुसामाइए आयवायपत्ते विऊ दुहओ वि सोयपलिछिन्ने णो पूयणसक्कारलाभट्ठी धम्मट्ठी धम्मविऊ नियागपडिवन्ने समियं चरे दन्ते दविए वोसट्ठकाए निग्गन्थे त्ति वच्चे ॥ ४ ॥ ६३५ ॥ से एवमेव जाणह जमहं भयन्तारो ॥ त्ति बेमि ॥ **गाहज्झयणं सोळसमं, पढमे सुयक्खन्धे समत्ते** ॥

पोण्डरियज्झयणे पढमे

सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु पोण्डरीए नामज्झयणे

तस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते। से जहानामए पुक्खरिणी सिया वहुउदगा बहुसेया बहु-पुक्खला लद्धट्ठा पुण्डरिकिणी पासादिया दरिसणिया अभिरूवा पडिरूवा। तीसे णं पुक्खरिणीए तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे पउमवरपोण्डरीया वुइया, अणुपुव्वुट्ठिया ऊसिया रुइला वण्णमन्ता गन्धमन्ता रसमन्ता फासमन्ता पासादिया दरिसणिया अभिरूवा पडिरूवा। तीसे णं पुक्खरिणीए बहुमज्झदेसभाए एगे महं पउमवरपोण्डरीए वुइए, अणुपुव्वुट्ठिए ऊसिए रुइले वण्णमन्ते गन्धमन्ते रसमन्ते फासमन्ते पासादीए जाव पडिरूवे। सव्वावन्ति च णं तीसे पुक्खरिणीए तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे पउमवरपोण्डरीया वुइया अणुपुव्वुट्ठिया ऊसिया रुइला जाव पडिरूवा। सव्वावन्ति च णं तीसे णं पुक्खरिणीए बहुमज्झदेसभाए एगे महं पउमवरपोण्डरीए वुइए अणुपुव्वुट्ठिए जाव पडिरूवे॥ १॥ ६३६॥ अह पुरिसे पुरित्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं ऊसियं जाव पडिरूवं। तए णं से पुरिसे एवं वयासी—अहमंसि पुरिसे खेयन्ने कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू। अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुया से पुरिसे अभिक्कमेइ तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमेइ तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे पढमे पुरिसजाए॥ २॥ ६३७॥ अहावरे दोच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे दक्खिणाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवर-पोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं पासादीयं जाव पडिरूवं। तं च एत्थ एगं पुरिसजायं पासइ पहीणतीरं अपत्तपउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णं। तए णं से पुरिसे तं पुरिसं एवं वयासी—अहो णं इमे पुरिसे अखेयन्ने अकुसले अपण्डिए अवियत्ते अमेहावी बाले नो मग्गट्ठे नो मग्गविऊ नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एस पुरिसे। अहमंसि खेयन्ने कुसले जाव पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि। नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एस पुरिसे मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुया से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमेइ तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे दोच्चे पुरिसजाए॥ ३॥ ६३८॥

अहावरे तच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे पच्चत्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं एगं महं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ दोण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए जाव सेयंसि निसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना अकुसला अपण्डिया अवियत्ता अमेहावी बाला नो मग्गट्ठा नो मग्गविऊ नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एए पुरिसा एवं मन्ने-अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए जाव अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे तच्चे पुरिसजाए ॥ ४ ॥ ६३९ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए। अह पुरिसे उत्तराओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ तिण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव सेयंसि निसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना जाव नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एए पुरिसा एवं मन्ने-अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने जाव मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए जाव निसण्णे चउत्थे पुरिसजाए ॥ ५ ॥ ६४० ॥ अह भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयन्ने जाव गइपरिक्कमन्नू अन्नयराओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं जाव पडिरूवं। ते तत्थ चत्तारि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे। तए णं से भिक्खू एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना जाव नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं एए पुरिसा एवं मन्ने अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो, नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयन्ने जाव गइपरिक्कमन्नू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से भिक्खू

नो अभिक्कमे तं पुक्खरिणि तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा सद्दं कुज्जा-उप्पयाहि खलु भो पउमवरपोण्डरीया उप्पयाहि। अह उप्पइए से पउमवरपोण्डरीए ॥ ६ ॥ ॥ ६४१ ॥ किट्टिए नाए समणाउसो, अट्ठे पुण से जाणियव्वे भवइ। भन्ते त्ति समणं भगवं महावीरं निग्गन्था य निग्गन्थीओ य वन्दन्ति नमंसन्ति वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-किट्टिए नाए समणाउसो, अट्ठं पुण से न जाणामो समणाउसो त्ति। समणे भगवं महावीरे ते य बहवे निग्गन्थे य निग्गन्थीओ य आमन्तेत्ता एवं वयासी-हन्त समणाउसो आइक्खामि विभावेमि कित्तेमि पवेएमि सअट्ठं सहेउं सनिमित्तं भुज्जो भुज्जो उवदंसेमि। से बेमि ॥ ७ ॥ ६४२ ॥ लोयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो पुक्खरिणी बुइया। कम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से उदए बुइए। कामभोगे य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से सेए बुइए। जण-जाणवयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ते बहवे पउमवरपोण्डरीए बुइए। रायाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से एगे महं पउमवरपोण्डरीए बुइए। अन्नतित्थिया य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ते चत्तारि पुरिसजाया बुइया। धम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से भिक्खू बुइए। धम्मतित्थं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से तीरे बुइए। धम्मकहं च खलु मए अप्पाहट्टु सम-णाउसो से सद्दे बुइए। निव्वाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से उप्पाए बुइए। एवमेयं च मए अप्पाहट्टु समणाउसो से एवमेयं बुइयं ॥ ८ ॥ ६४३ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति अणुपुव्वेणं लोगं उववन्ना। तंजहा-आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोत्ता वेगे णीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे रहस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं मणुयाणं एगे राया भवइ महया हिमवन्तमलयमन्दर-महिन्दसारे अच्चन्तविसुद्धरायकुलवंसप्पसूए निरन्तररायलक्खणविराइयङ्गमङ्गे बहु-जणबहुमाणपूइए सव्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुदिए मुद्धाभिसित्ते माउपिउसुजाए दय-प्पिए सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे मणुस्सिंदे जणवयपिया जणवयपुरोहिए सेउकरे केउकरे नरपवरे पुरिसपवरे पुरिससीहे पुरिसआसीविसे पुरिसवरपोण्डरीए पुरिसवरगंधहत्थी अड्ढे दित्ते वित्ते वित्थिण्णविउलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरयए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदास-गोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुण्णजंतकोसकोट्ठागाराउहागारे बलवं दुब्बलपच्चामित्ते ओहयकण्टयं निहयकण्टयं मलियकण्टयं उद्धियकण्टयं अकण्टयं ओहयसत्तू निहयसत्तू मलियसत्तू उद्धियसत्तू निज्जियसत्तू पराइयसत्तू ववगयदुब्भिक्खमारिभयविप्पमुक्कं

(रायवण्णओ जहा ओववाइए) जाव पसंतडिम्बडमरं रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तस्स णं रन्नो परिसा भवइ उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता इक्खागाइ इक्खागाइ-पुत्ता नाया नायपुत्ता कोरव्वा कोरव्वपुत्ता भट्टा भट्टपुत्ता माहणा माहणपुत्ता लेच्छइ लेच्छइपुत्ता पसत्थारो पसत्थपुत्ता सेणावई सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा वा माहणा वा संपहारिंसु गमणाए। तत्थ अन्नयरेणं धम्मेणं पन्नत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पन्नवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपन्नत्ते भवइ। तं जहा–उड्ढं पायतला अहे केसग्गमत्थया तिरियं तयपरियंते जीवे एस आयापज्जवे कसिणे एस जीवे जीवइ, एस मए नो जीवइ, सरीरे धरमाणे धरइ विणट्ठम्मि य नो धरइ। एयं तं जीवियं भवइ, आदहणाए परेहिं निज्जइ, अगणिज्झामिए सरीरे कवोयवण्णाणि अट्ठीणि भवंति, आसंदीपञ्चमा पुरिसा गामं पच्चागच्छंति, एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं असंते असंविज्जमाणे तेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अन्नो भवइ जीवो अन्नं सरीरं, तम्हा ते एवं नो विपडिवे-देंति–अयमाउसो आया दीहे त्ति वा हस्से त्ति वा परिमण्डले त्ति वा वट्टे त्ति वा तंसे त्ति वा चउरंसे त्ति वा आयए त्ति वा छलंसिए त्ति वा अट्ठंसे त्ति वा किण्हे त्ति वा नीले त्ति वा लोहियहालिद्दे त्ति वा सुक्किल्ले त्ति वा सुब्भिगंधे त्ति वा दुब्भिगंधे त्ति वा तित्ते त्ति वा कडुए त्ति वा कसाए त्ति वा अम्बिले त्ति वा महुरे त्ति वा कक्खडे त्ति वा मउए त्ति वा गुरुए त्ति वा लहुए त्ति वा सीए त्ति वा उसिणे त्ति वा निद्धे त्ति वा लुक्खे त्ति वा। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अन्नो जीवो अन्नं सरीरं, तम्हा ते नो एवं उवलब्भंति। से जहानामए–केइ पुरिसे कोसीओ असिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो असी अयं कोसी, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए केइ पुरिसे मुञ्जाओ इसियं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो मुञ्जे इयं इसियं, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे मंसाओ अट्ठिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो मंसे अयं अट्ठी, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे करयलाओ आमलकं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदं-सेज्जा अयमाउसो करयले अयं आमलए, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अय-माउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे दहीओ नवणीयं अभिनिव्व-ट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो नवणीयं अयं तु दही, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे जाव सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे तिलेहिंतो तेल्लं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा

अयमाउसो तेल्लं अयं पिण्णाए, एवमेव जाव सरीरं। से जहानामए-केइ पुरिसे इक्खूओ खोयरसं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो खोयरसे अयं छोए, एवमेव जाव सरीरं। से जहानामए-केइ पुरिसे अरणीओ अग्गिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो अरणी अयं अग्गी, एवमेव जाव सरीरं। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ तं जहा-अन्नो जीवो अन्नं सरीरं। तम्हा ते मिच्छा ॥ से हंता तं हणह खणह छणह डहह पयह आलुम्पह विलुम्पह सहसक्कारेह विपरामुसह, एयावया जीवे नत्थि परलोए। ते नो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा-किरिया इ वा अकिरिया इ वा सुक्कडे इ वा दुक्कडे इ वा कल्लाणे इ वा पावए इ वा साहु इ वा असाहु इ वा सिद्धी इ वा असिद्धी इ वा निरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभन्ति भोयणाए ॥ एवं एगे पागब्भिया निक्खम्म मामगं धम्मं पन्नवेंति। तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा तं रोएमाणा साहु सुयक्खाए समणे त्ति वा माहणे त्ति वा कामं खलु आउसो तुमं पूययामि, तं जहा-असणेण वा पाणेण वा खाइमेण वा साइमेण वा वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुञ्छणेण वा। तत्थेगे पूयणाए समाउट्टिंसु तत्थेगे पूयणाए निकाइंसु ॥ पुव्वमेव तेसिं नायं भवइ-समणा भविस्सामो अणगारा अकिंचणा अपुत्ता अपसू परदत्तभोइणो भिक्खुणो पावं कम्मं नो करिस्सामो समुट्ठाए। ते अप्पणा अप्पडिविरया भवंति, सयमाइयंति अन्ने वि आइयावेंति अन्नं पि आययंतं समणुजाणंति एवमेव ते इत्थिकामभोगेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववन्ना लुद्धा रागदोसवसट्टा। ते नो अप्पाणं समुच्छेदेंति ते नो परं समुच्छेदेंति ते नो अन्नाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समुच्छेदेंति, पहीणा पुव्वसंजोगं आयरियं मग्गं असंपत्ता इति ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा। इति पढमे पुरिसजाए तज्जीवतच्छरीरए त्ति आहिए ॥ ९ ॥ ६४४ ॥

अहावरे दोच्चे पुरिसजाए पञ्चमहब्भूइए त्ति आहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ६ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति अणुपुव्वेण लोयं उववन्ना, तं जहा-आरिया वेगे अणारिया वेगे एवं जाव दुरूवा वेगे। तेसिं च णं महं एगे राया भवइ महया एवं चेव निरवसेसं जाव सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवति कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए। तत्थ अन्नयरेणं धम्मेणं पन्नत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पन्नवइस्सामो से एवमायाणह भयन्तारो जहा मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपन्नत्ते भवइ। इह खलु पञ्चमहब्भूया जेहिं नो विज्जइ किरिय त्ति वा अकिरिय त्ति वा सुक्कडे त्ति वा दुक्कडे त्ति वा कल्लाणे त्ति वा पावए त्ति वा साहु त्ति वा असाहु त्ति

वा सिद्धि त्ति वाअसिद्धि त्ति वा निरए त्ति वा अनिरए त्ति वा अवि अन्तसो तणमायमवि ॥ तं च पिहुद्देसेणं पुढोभूयसमवायं जाणेज्जा । तं जहा पुढवी एगे महब्भूए, आऊ दुच्चे महब्भूए, तेऊ तच्चे महब्भूए, वाऊ चउत्थे महब्भूए, आगासे पञ्चमे महब्भूए । इच्चेए पञ्च महब्भूया अनिम्मिया अनिम्माविया अकडा नो कित्तिमा नो कडगा अणाइया अणिहणा अवञ्झा अपुरोहिया सतंता सासया आयछट्ठा । पुण एगे एवमाहु—सओ नत्थि विणासो असओ नत्थि संभवो । एयावया व जीवकाए एयावया व अत्थिकाए एयावया व सव्वलोए, एयं मुहं लोगस्स करणयाए, अवि अन्तसो तणमायमवि । से किणं किणावेमाणे हणं घायमाणे पयं पयावेमाणे अवि अन्तसो पुरिसमवि कीणित्ता घायइत्ता एत्थं पि जाणाहि नत्थित्थ दोसो। ते नो एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा—किरिया इ वा जाव अनिरए इ वा । एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए । एवमेव ते अणारिया विप्पडिवन्ना तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा जाव ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । दोच्चे पुरिसजाए पञ्चमहब्भूइए त्ति आहिए ॥ १० ॥ ६४५ ॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोयं उववन्ना । तं जहा—आरिया वेगे जाव तेसिं च णं महंते एगे राया भवइ जाव सेणावइपुत्ता । तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए जाव जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपन्नत्ते भवइ । इह खलु धम्मा पुरिसादिया पुरिसोत्तरिया पुरिसप्पणीया पुरिससंभूया पुरिसपज्जोइया पुरिसमभिसमन्नागया पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए—गण्डे सिया सरीरे जाए सरीरे संवुड्ढे सरीरे अभिसमन्नागए सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए—अरई सिया सरीरे जाया सरीरे संवुड्ढा सरीरे अभिसमन्नागया सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति से जहानामए—वम्मिए सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमन्नागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति, से जहानामए—रुक्खे सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमन्नागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए—पुक्खरिणी सिया पुढविजाया जाव पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए—उदगपुक्खले सिया उदगजाए जाव

उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए-उदगबुब्बुए सिया उदगजाए जाव उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । जं पि य इमं समणाणं निग्गंथाणं उद्दिट्ठं पणीयं वियञ्जियं दुवालसङ्गं गणिपिडगं, तं जहा-आयारो सूयगडो जाव दिट्ठिवाओ, सव्वमेवं मिच्छा, न एयं तहियं न एयं आहातहियं, इमं सच्चं इमं तहियं इमं आहातहियं । ते एवं सन्नं कुव्वंति, ते एवं सन्नं संठवेंति, ते एवं सन्नं सोवट्ठवंति । तमेवं ते तज्जाइयं दुक्खं नाइउट्टंति सउणी पञ्जरं जहा । ते नो एवं विप्पडिवेदेंति तं जहा-किरिया इ वा जाव अणिरए इ वा, एवामेव ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारम्भंति भोयणाए । एवामेव ते अणारिया विप्पडिवन्ना एवं सद्दहमाणा जाव इति ते नो हव्वाए नो पाराए, अंतरा कामभोगेसु विसण्णे त्ति, तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिए ॥ ११ ॥ ६४६ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए नियइवाइए त्ति आहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ६ तहेव जाव सेणावइपुत्ता वा । तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य संपहारिंसु गमणाए जाव मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपन्नत्ते भवइ । इह खलु दुवे पुरिसा भवंति-एगे पुरिसे किरियमाइक्खइ एगे पुरिसे नोकिरिय माइक्खइ । जे य पुरिसे किरियमाइक्खइ जे य पुरिसे नोकिरियमाइक्खइ दो वि ते पुरिसा तुल्ला एगट्ठा कारणमावन्ना । बाले पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारण-मावन्ने-अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा अहमेयमकासि, परो वा जं दुक्खइ वा सोयइ वा जूरइ वा तिप्पइ वा पीडइ वा परितप्पइ वा परो एवमकासि । एवं से बाले सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावन्ने । मेहावी पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारण-मावन्ने-अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा, नो अहं एवमकासि । परो वा जं दुक्खइ वा जाव परितप्पइ वा नो परो एवमकासि, एवं से मेहावी सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेति कारणमावन्ने । से बेमि पाईणं वा ६ जे तसथावरा पाणा ते एवं संघायमागच्छंति ते एवं विप्परियासमावज्जंति ते एवं विवेगमागच्छंति ते एवं विहाणमागच्छंति ते एवं संगइयन्ति उवेहाए ! नो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा-किरिया इ वा जाव निरए इ वा अनिरए इ वा । एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए । एवमेव ते अणारिया विप्पडिवन्ना तं सद्दह-माणा जाव इति ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । चउत्थे

पुरिसजाए नियइवाइए त्ति आहिए ॥ इच्चेए चत्तारि पुरिसजाया नाणापन्ना नाणाछंदा नाणासीला नाणादिट्ठी नाणारुई नाणारम्भा नाणाअज्झवसाणसंजुत्ता पहीणपुव्वसंजोगा आरियं मग्गं असंपत्ता इति ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा ॥ १२ ॥ ६४७ ॥ से बेमि पाईणं वा ६ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा-आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे हस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे । तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाणि भवंति, तं जहा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा। तेसिं च णं जणजाणवयाइं परिग्गहियाइं भवन्ति, तं जहा अप्पयरा भुज्जयरा वा । तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म अभिभूय एगे भिक्खायरियाए समुट्ठिया । सओ वा वि एगे नायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया । असओ वा वि एगे नायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया । [जे ते सओ वा असओ वा नायओ य अणायओ य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया] पुव्वमेवं तेहिं नायं भवइ । तं जहा-इह खलु पुरिसे अन्नमन्नं ममट्ठाए एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा-खेत्तं मे वत्थू मे हिरण्णं मे सुवण्णं मे धणं मे धन्नं में कंसं मे दूसं मे विपुलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएयं मे । सद्दा मे रूवा मे गंधा मे रसा मे फासा मे । एए खलु मे कामभोगा अहमवि एएसिं । से मेहावी पुव्वामेव अप्पणो एवं समभिजाणेज्जा । तं जहा-इह खलु मम अन्नयरे दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुन्ने अमणामे दुक्खे नो सुहे । से हंता भयंतारो कामभोगाइं मम अन्नयरं दुक्खं रोगायंकं परियाइयह अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुन्नं अमणामं दुक्खं नो सुहं । ता अहं दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा इमाओ मे अन्नयराओ दुक्खाओ रोगायंकाओ पडिमोयह अणिट्ठाओ अकंताओ अप्पियाओ असुभाओ अमणुन्नाओ अमणामाओ दुक्खाओ नो सुहाओ । एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ । इह खलु कामभोगा नो ताणाए वा नो सरणाए वा । पुरिसे वा एगया पुव्विं कामभोगे विप्पजहइ, कामभोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहन्ति । अन्ने खलु कामभोगा अन्नो अहमंसि । से किमंग पुण वयं अन्नमन्नेहिं कामभोगेहिं मुच्छामो । इति संखाए णं वयं च कामभोगेहिं विप्पजहिस्सामो । से मेहावी जाणेज्जा बहिरङ्गमेयं इणमेव उवणीययरागं । तं जहा-माया मे पिया मे भाया मे भगिणी मे भज्जा मे पुत्ता मे धूया मे पेसा मे नत्ता मे सुण्हा मे सुहा मे पिया मे सहा मे सयणसंगंथसंथुया मे । एए खलु मम नायओ

अहमवि एएसिं। एवं से मेहावी पुव्वामेव अप्पणा एवं समभिजाणेज्जा। इह खलु मम अन्नयरे दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव दुक्खे नो सुहे। से हंता भयंतारो नायओ इमं मम अन्नयरं दुक्खं रोगायंकं परियाइयह अणिट्ठं जाव नो सुहं। ता अहं दुक्खामि वा सोयामि वा जाव परितप्पामि वा, इमाओ मे अन्नयराओ दुक्खाओ रोगायंकाओ परिमोएह अणिट्ठाओ जाव नो सुहाओ, एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। तेसिं वा वि भयंताराणं मम नाययाणं अन्नयरे दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव नो सुहे, से हंता अहमेएसिं भयंताराणं नाययाणं इमं अन्नयरं दुक्खं रोगायंकं परियाइयामि अणिट्ठं जाव नो सुहे, मा मे दुक्खंतु वा जाव मा मे परितप्पंतु वा, इमाओ णं अन्नयराओ दुक्खाओ रोगायंकाओ परिमोएमि अणिट्ठाओ जाव नो सुहाओ, एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। अन्नस्स दुक्खं अन्नो न परियाइयइ अन्नेण कडं अन्नो नो पडिसंवेदेइ पत्तेयं जायइ पत्तेयं मरइ पत्तेयं चयइ पत्तेयं उववज्जइ पत्तेयं झंझा पत्तेयं सन्ना पत्तेयं मन्ना एवं विन्नू वेयणा। इइ खलु नाइसंजोगा नो ताणाए वा नो सरणाए वा। पुरिसे वा एगया पुव्विं नाइसंजोगे विप्पजहइ, नाइसंजोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहन्ति, अन्ने खलु नाइसंजोगा अन्नो अहमंसि, से किमंग पुण वयं अन्नमन्नेहिं नाइसंजोगेहिं मुच्छामो, इति संखाए णं वयं नाइसंजोगं विप्पजहिस्सामो। से मेहावी जाणेज्जा बहिरङ्गमेयं, इणमेव उवणीययरागं। तं जहा—हत्था मे पाया मे बाहा मे उरू मे उयरं मे सीसं मे सीलं मे आऊ मे बलं मे वण्णो मे तया मे छाया मे सोयं मे चक्खू मे घाणं मे जिब्भा मे फासा मे ममाइज्जइ, वयाउ पडिजूरइ। तं जहा—आउओ बलाओ वण्णाओ तयाओ छायाओ सोयाओ जाव फासाओ। सुसंधिओ संधी विसंधीभवइ, वलियतरंगे गाए भवइ, किण्हा केसा पलिया भवन्ति। तं जहा—जं पि य इमं सरीरगं उरालं आहारोवइयं एयं पि य अणुपुव्वेणं विप्पजहियव्वं भविस्सइ। एयं संखाए से भिक्खू भिक्खायरियाए समुट्ठिए दुहओ लोगं जाणेज्जा, तं जहा—जीवा चेव अजीवा चेव, तसा चेव थावरा चेव ॥ १३ ॥ ६४८ ॥ इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे तसा थावरा पाणा ते सयं समारभन्ति अन्नेण वि समारम्भावेंति अन्नं पि समारभंतं समणुजाणन्ति। इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते सयं परिगिण्हन्ति अन्नेण वि परिगिण्हावेन्ति अन्नं पि परिगिण्हंतं समणुजाणंति। इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि

सारम्भा सपरिग्गहा, अहं खलु अणारम्भे अपरिग्गहे, जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, एएसिं चेव निस्साए बम्भचेरवासं वसिस्सामो। कस्स णं तं हेउं? जहा पुव्वं तहा अवरं जहा अवरं तहा पुव्वं, अञ्जू एए अणुवरया अणुवट्ठिया पुणरवि तारिसगा चेव। जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, दुहओ पावाइं कुव्वंति इति संखाए दोहि वि अंतेहिं अदिस्समाणो इति भिक्खू रीएज्जा। से बेमि पाईणं वा ६ जाव एवं से परिन्नायकम्मे, एवं से ववेयकम्मे, एवं से विअंतकारए भवइ त्ति-मक्खायं ॥ १४ ॥ ६४९ ॥ तत्थ खलु भगवया छज्जीवनिकायहेऊ पन्नत्ता। तं जहा-पुढवीकाए जाव तसकाए। से जहानामए-मम असायं दण्डेण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आउट्टिज्जमाणस्स वा हम्ममाणस्स वा तज्जिज्जमाणस्स वा ताडिज्जमाणस्स वा परियाविज्जमाणस्स वा किलामिज्जमाणस्स वा उद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेवं जाण सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वे पाणा सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आउट्टिज्जमाणा वा हम्ममाणा वा तज्जिज्जमाणा वा ताडिज्जमाणा वा परियाविज्जमाणा वा किलामिज्जमाणा वा उद्दविज्जमाणा वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेंति। एवं नच्चा सव्वे पाणा जाव सत्ता न हंतव्वा न अज्जावेयव्वा न परिघेयव्वा न परितावेयव्वा न उद्दवेयव्वा। से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पन्ना जे य आगमिस्सा अरिहंता भगवंता सव्वे ते एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पन्नवेंति एवं परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता न हंतव्वा न परिघेयव्वा न अज्जावेयव्वा न परितावेयव्वा न उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे नीइए सासए समिच्च लोगं खेयन्नेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव विरए परिग्गहाओ नो दंतपक्खालणेणं दंते पक्खालेज्जा नो अञ्जणं नो वमणं नो धूवणे नो तं परिआविएज्जा॥ से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे अमाणे अमाए अलोहे उवसंते परिनिव्वुडे नो आसंसं पुरओ करेज्जा इमेण मे दिट्ठेण वा सुएण वा मएण वा विन्नाएण वा इमेण वा सुचरियतवनियमबम्भचेरवासेण इमेण वा जायामायावुत्तिएणं धम्मेणं इओ चुए पेच्चा देवे सिया कामभोगाण वसवत्ती सिद्धे वा अदुक्खमसुभे एत्थ वि सिया एत्थ वि नो सिया। से भिक्खू सद्देहिं अमुच्छिए रूवेहिं अमुच्छिए गंधेहिं अमुच्छिए रसेहिं अमुच्छिए फासेहिं अमुच्छिए विरए कोहाओ माणाओ मायाओ लोभाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खाणाओ पेसुन्नाओ परपरिवायाओ

अरइरईओ मायामोसाओ मिच्छादंसणसल्लाओ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू। जे इमे तसथावरा पाणा भवंति ते नो सयं समारम्भइ नो वन्नेहिं समारम्भावेइ अन्ने समारम्भंते वि न समणुजाणइ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते णो सयं परिगिण्हंति णो अण्णेणं परिगिण्हावेंति अन्नं परिगिण्हंतंपि न समणुजाणंति इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरओ से भिक्खू। जं पि य इमं संपराइयं कम्मं किज्जइ, नो तं सयं करेइ नो अन्नाणं कारवेइ अन्नं पि करेंतं न समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए। से भिक्खू जाणेज्जा असणं वा ४ अस्सिं पडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अनिसट्ठं अभिहडं आहट्टुद्देसियं तं चेइयं सिया तं नो सयं भुञ्जइ नो अन्नेणं भुञ्जावेइ अन्नं पि भुञ्जंतं न समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू अह पुण एवं जाणेज्जा तं विज्जइ तेसिं परक्कमे। (जस्सट्ठा ते चेइयं सिया तंजहा अप्पणो पुत्ताइणट्ठाए जाव आएसाए पुढो पहेणाए सामासाए पायरासाए संनिहिसंनिचओ किज्जइ इह एएसिं माणवाणं भोयणाए) तत्थ भिक्खू परकडं परनिट्ठियमुग्गमुप्पायणेसणासुद्धं सत्थाईयं सत्थपरिणामियं अविहिंसियं एसियं वेसियं सामुदाणियं पत्तमसणं कारणट्ठा पमाणजुत्तं अक्खोवञ्जणवणलेवणभूयं संजमजायामायावत्तियं बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं आहारं आहारेज्जा अन्नं अन्नकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले। से भिक्खू मायन्ने अन्नयरं दिसं अणुदिसं वा पडिवन्ने धम्मं आइक्खे विभए किट्टे उवट्ठिएसु वा अणुवट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए, संतिविरइं उवसमं निव्वाणं सोयवियं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवाइयं सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं जाव सत्ताणं अणुवाइं किट्टए धम्मं। से भिक्खू धम्मं किट्टमाणे नो अन्नस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो पाणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो वत्थस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो लेणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो सयणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो अन्नेसिं विरूवरूवाणं कामभोगाणं हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, अगिलाए धम्ममाइक्खेज्जा, नन्नत्थ कम्मनिज्जरट्ठाए धम्ममाइक्खेज्जा। इह खलु तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया। जे तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म सम्मं उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया ते एवं सव्वोवगया ते एवं सव्वोवरया ते एवं सव्वोवसंता ते एवं सव्वत्ताए परिणिव्वुडे त्ति बेमि। एवं

से भिक्खू धम्मट्ठी धम्मविऊ नियागपडिवन्ने से जहेयं वुइयं अदुवा पत्ते पउमवरपोण्डरीयं अदुवा अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं, एवं से भिक्खू परिन्नायकम्मे परिन्नाय संगे परिन्नायगेहवासे उवसंते समिए सहिए सयाजए। सेयं वयणिज्जे तं जहा--समणे त्ति वा माहणे त्ति वा खंते त्ति वा दंते त्ति वा गुत्ते त्ति वा मुत्ते त्ति वा इसि त्ति वा मुणि त्ति वा कइ त्ति वा विउ त्ति वा भिक्खु त्ति वा लूहे त्ति वा तीरट्ठि त्ति वा चरणकरणपारविउ त्ति बेमि ॥ १५ ॥ ६५० ॥ **पोण्डरियज्झयणं पढमं समत्तं ॥**

किरियाठाणज्झयणे बिइये

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु किरियाठाणे नामज्झयणे पन्नत्ते, तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु संजूहेणं दुवे ठाणे एवमाहिज्जंति। तं जहा। धम्मे चेव अधम्मे चेव उवसंते चेव अणुवसंते चेव। तत्थ णं जे से पढमस्स ठाणस्स अहम्मपक्खस्स विभङ्गे तस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते। इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा–आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं इमं एयारूवं दण्डसमादाणं संपेहाए। तं जहा–नेरइएसु वा तिरिक्खजोणिएसु वा मणुस्सेसु वा देवेसु वा जे यावन्ने तहप्पगारा पाणा विन्नू वेयणं वेयंति॥ तेसिं पि य णं इमाइं तेरस किरियाठाणाइं भवंतीतिमक्खायं। तं जहा–अट्ठादण्डे १, अणट्ठादण्डे २, हिंसादण्डे ३, अकम्हादण्डे ४, दिट्ठिविपरियासियादण्डे ५, मोसवत्तिए ६, अदिन्नादाणवत्तिए ७, अज्झत्थवत्तिए ८, माणवत्तिए ९, मित्तदोसवत्तिए १०, मायावत्तिए ११, लोभवत्तिए १२, इरियावहिए १३ ॥१॥६५१॥ पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए–केइ पुरिसे आयहेउं वा नाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा मित्तहेउं वा नागहेउं वा भूयहेउं वा जक्खहेउं वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव निसिरइ अन्नेण वि निसिरावेइ अन्नं पि निसिरंतं समणुयाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ २ ॥ ६५२ ॥ अहावरे दोच्चे दण्डसमादाणे अणट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए–केइ पुरिसे जे इमे तसा पाणा भवंति ते नो अच्चाए नो अजिणाए नो मंसाए नो सोणियाए एवं हिययाए पित्ताए वसाए पिच्छाए पुच्छाए वालाए सिंगाए विसाणाए

दंताए दाढाए नहाए ण्हारुणिए अट्ठीए अट्ठिमज्जाए नो हिंसिंसु मे त्ति नो हिंसंति मे त्ति नो हिंसिस्संति मे त्ति नो पुत्तपोसणाए नो पसुपोसणाए नो अगारपरिवूहणयाए नो समणमाहणवत्तणाहेउं नो तस्स सरीरगस्स किंचि विप्परियाइत्ता भवंति। से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं बाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे। से जहानामए केइ पुरिसे जे इमे थावरा पाणा भवंति। तं जहा-इक्कडा इ वा कडिणा इ वा जंतुगा इ वा परगा इ वा मोक्खा इ वा तणा इ वा कुसा इ वा कुच्छगा इ वा पव्वगा इ वा पलाला इ वा, ते नो पुत्तपोसणाए नो पसुपोसणाए नो अगारपरिवूहणयाए नो समणमाहणपोसणयाए नो तस्स सरीरगस्स किंचि विपरियाइत्ता भवंति। से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं बाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे॥ से जहानामए केइ पुरिसे कच्छंसि वा दहंसि वा उदगंसि वा दवियंसि वा वलयंसि वा नूमंसि वा गहणंसि वा गहणविदुग्गंसि वा वणंसि वा वणविदुग्गंसि वा पव्वयंसि वा पव्वयविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय ऊसविय सयमेव अगणिकायं निसिरइ अन्नेण वि अगणिकायं निसिरावेइ अन्नं पि अगणिकायं निसिरंतं समणुजाणइ अणट्ठादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दोच्चे दण्डसमादाणे अणट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥ २॥ ६५३॥ अहावरे तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे ममं वा ममिं वा अन्नं वा अन्नि वा हिंसिंसु वा हिंसइ वा हिंसिस्सइ वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव निसिरइ अन्नेण वि निसिरावेइ अन्नं पि निसिरंतं समणुजाणइ हिंसादण्डे, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥४॥६५४॥ अहावरे चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवत्तिए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिय त्ति काउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए उसुं आयामेत्ता णं निसिरेज्जा, स मियं वहिस्सामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा चडगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविं वा कविंजलं वा विंधित्ता भवइ, इह खलु से अन्नस्स अट्ठाए अन्नं फुसइ अकम्हादण्डे। से जहानामए केइ पुरिसे सालीणि वा वीहीणि वा कोद्दवाणि वा कंगूणि वा परगाणि वा रालाणि वा निलिज्जमाणे अन्नयरस्स तणस्स वहाए सत्थं निसिरेज्जा, से सामगं तणगं कुमुदुगं वीहीऊसियं कलेसुयं तणं छिन्दिस्सामि त्ति कट्टु सालिं वा वीहिं वा कोद्दवं वा कंगुं वा परगं वा रालयं वा छिन्दित्ता भवइ। इति खलु से अन्नस्स अट्ठाए अन्नं फुसइ अकम्हादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं

सावज्जं आहिज्जइ। चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए आहिए ॥५॥६५५॥ अहावरे पञ्चमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भगिणीहिं वा भज्जाहिं वा पुत्तेहिं वा धूयाहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे मित्तं अमित्तमेव मन्नमाणे मित्ते हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे। से जहानामए-केइ पुरिसे गामघायंसि वा नगरघायंसि वा खेडघायंसि कव्वडघायंसि मडंबघायंसि वा दोणमुहघायंसि वा पट्टणघायंसि वा आसमघायंसि वा संनिवेसघायंसि वा निग्गमघायंसि वा रायहाणिघायंसि वा अतेणं तेणमिति मन्नमाणे अतेणे हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। पञ्चमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥ ६ ॥ ६५६ ॥ अहावरे छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा नाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा सयमेव मुसं वयइ अण्णेण वि मुसं वाएइ मुसं वयन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिए॥७॥६५७॥ अहावरे सत्तमे किरियट्ठाणे अदिन्नादाणवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा जाव परिवारहेउं वा सयमेव अदिन्नं आदियइ अन्नेणं वि अदिन्नं आदियावेइ अदिन्नं आदियन्तं अन्नं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। सत्तमे किरियट्ठाणे अदिन्नादाणवत्तिए त्ति आहिए ॥८॥६५८॥ अहावरे अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे नत्थि णं केइ किंचि विसंवादेइ सयमेव हीणे दीणे दुट्ठे दुम्मणे ओहयमणसंकप्पे चिन्तासोगसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठिए झियाइ, तस्स णं अज्झत्थया आसंसइया चत्तारि ठाणा एवमाहिज्जन्ति। तं जहा-कोहे माणे माया लोहे। अज्झत्थमेव कोहमाणमायालोहे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिए॥९॥६५९॥ अहावरे नवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे जाइमएण वा कुलमएण वा बलमएण वा रूवमएण वा तवमएण वा सुयमएण वा लाभमएण वा इस्सरियमएण वा पन्नामएण वा अन्नयरेण वा मयट्ठाणेणं मत्ते समाणे परं हीलेइ निन्देइ खिंसइ गरहइ परिभवइ अवमन्नेइ, इत्तरिए अयं, अहमंसि पुण विसिट्ठजाइकुलबलाइगुणोववेए। एवं अप्पाणं समुक्कस्से, देहच्चुए कम्मविइए अवसे पयाइ। तं जहा-गब्भाओ गब्भं ४ जम्माओ जम्मं माराओ मारं नरगाओ नरगं चण्डे थद्धे चवले माणी यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं

ति आहिज्जइ । नवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिए ॥ १० ॥ ६६० ॥ अहावरे दसमे किरियट्ठाणे मित्तदोसवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भइणीहिं वा भज्जाहिं वा धूयाहिं वा पुत्तेहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे तेसिं अन्नयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं निवत्तेइ। तं जहा-सीओदगवियडंसि वा कायं उच्छोलित्ता भवइ, उसिणोदगवियडेण वा कायं ओसिञ्चित्ता भवइ, अगणिकायेणं कायं उवडहित्ता भवइ, जोत्तेण वा वेत्तेण वा नेत्तेण वा तयाइ वा [कण्णेण वा छियाए वा] लयाए वा (अन्नयरेण वा दवरएण) पासाइं उद्दालित्ता भवइ, दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेळूण वा कवालेण वा कायं आउट्टित्ता भवइ। तहप्पगारे पुरिसजाए संवसमाणे दुम्मणा भवइ, पवसमाणे सुमणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दण्डपासी दण्डगुरुए दण्डपुरक्कडे अहिए इमंसि लोगंसि अहिए परंसि लोगंसि संजलणे कोहणे पिट्ठिमंसी यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दसमे किरियट्ठाणे मित्तदोसवत्तिए त्ति आहिए ॥ ११ ॥ ६६१ ॥ अहावरे एक्कारसमे किरियट्ठाणे मायावत्तिए त्ति आहिज्जइ । जे इमे भवन्ति-गूढायारा तमोकसिया उलुगपत्तलहुया पव्वयगुरुया ते आरिया वि सन्ता अणारियाओ भासाओ वि पउज्जन्ति, अन्नहासन्तं अप्पाणं अन्नहा मन्नन्ति, अन्नं पुट्ठा अन्नं वागरंति, अन्नं आइक्खियव्वं अन्नं आइक्खंति । से जहानामए केइ पुरिसे अंतोसल्ले तं सल्लं नो सयं निहरइ नो अन्नेण निहरावेइ नो पडिविद्धंसेइ, एवमेव निण्हवेइ, अविउट्टमाणे अंतोअंतो रियइ, एवमेव माई मायं कट्टु नो आलोएइ नो पडिक्कमेइ नो निन्दइ नो गरहइ नो विउट्टइ नो विसोहेइ नो अकरणाए अब्भुट्ठेइ नो अहारिहं तवोकम्मं पायच्छित्तं पडिवज्जइ, माई अस्सिं लोए पच्चायाइ माई परंसि लोए पुणो पुणो पच्चायाइ निन्दइ गरहइ पसंसइ निच्चरइ न नियट्टइ निसिरियं दण्डं छाएइ, माइ असमाहडसुहलेस्से यावि भवइ । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । एक्कारसमे किरियट्ठाणे मायावत्तिए त्ति आहिए ॥ १२ ॥ ६६२ ॥ अहावरे वारसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिज्जइ । जे इमे भवंति, तं जहा-आरण्णिया आवसहिया गामन्तिया कण्हुईरहस्सिया नो बहुसंजया नो बहुपडिविरया सव्वपाणभूयजीवसत्तेहिं ते अप्पणो सच्चामोसाइं एवं विउज्जंति । अहं न हन्तव्वो अन्ने हन्तव्वा, अहं न अज्जावेयव्वो अन्ने अज्जावेयव्वा, अहं न परिघेयव्वो अन्ने परिघेयव्वा, अहं न परितावेयव्वो, अन्ने परितावेयव्वा, अहं न उद्दवेयव्वो अन्ने उद्दवेयव्वा, एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया गरहिया

अज्झोववन्ना जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा भुञ्जित्तु भोगभोगाइं कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु आसुरिएसु किब्बिसिएसु ठाणेसु उववत्तारो भवन्ति। तओ विप्पमुच्चमाणे भुज्जो भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए जाइमूयत्ताए पच्चायन्ति। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दुवालसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिए। इच्चेयाइं दुवालस किरियट्ठाणाइं दविएणं समणेण वा माहणेण वा सम्मं सुपरिजाणियव्वाइं भवन्ति ॥ १३ ॥ ६६३ ॥ अहावरे तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ। इह खलु अत्तत्ताए संवुडस्स अणगारस्स इरियासमियस्स भासासमियस्स एसणासमियस्स आयाणभण्डमत्तनिक्खेवणासमियस्स उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमियस्स मणसमियस्स वयसमियस्स कायसमियस्स मणगुत्तस्स वयगुत्तस्स कायगुत्तस्स गुत्तिन्दियस्स गुत्तबम्भयारिस्स आउत्तं चिट्ठमाणस्स आउत्तं निसीयमाणस्स आउत्तं तुयट्टमाणस्स आउत्तं भुञ्जमाणस्स आउत्तं गच्छमाणस्स आउत्तं भासमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कम्बलं पायपुञ्छणं गिण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा जाव चक्खुपम्हनिवायमवि अत्थि विमाया सुहुमा किरिया इरियावहिया नाम कज्जइ। सा पढमसमए बद्धा पुट्ठा बिइयसमए वेइया तइयसमए निज्जिण्णा सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेइया निज्जिण्णा सेयकाले अकम्मे यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ, तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ। से बेमि, जे य अईया जे य पडुप्पन्ना जे य आगमिस्सा अरिहन्ता भगवन्ता सव्वे ते एयाइं चेव तेरस किरियट्ठाणाइं भासिंसु वा भासेन्ति वा भासिस्सन्ति वा पन्नविंसु वा पन्नवेन्ति वा पन्नविस्सन्ति वा, एवं चेव तेरसमं किरियट्ठाणं सेविंसु वा सेवन्ति वा सेविस्सन्ति वा ॥ १४ ॥ ६६४ ॥ अदुत्तरं च णं पुरिसविजयं विभङ्गमाइक्खिस्सामि। इह खलु नाणापन्नाणं नाणाछन्दाणं नाणासीलाणं नाणादिट्ठीणं नाणारुईणं नाणारम्भाणं नाणाज्झवसाणसंजुत्ताणं नाणाविहपावसुयज्झयणं एवं भवइ। तं जहा—भोमं उप्पायं सुविणं अन्तलिक्खं अङ्गं सरं लक्खणं वञ्जणं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं मेण्ढलक्खणं कुक्कुडलक्खणं तित्तिरलक्खणं वट्टगलक्खणं लावयलक्खणं चक्कलक्खणं छत्तलक्खणं चम्मलक्खणं दण्डलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं कागिणिलक्खणं सुभगाकरं दुब्भगाकरं गब्भाकरं मोहणकरं आहव्वणिं पागसासणिं दव्वहोमं खत्तियविज्जं चन्दचरियं सूरचरियं सुक्कचरियं वहस्सइचरियं उक्कापायं दिसादाहं मियचक्कं वायसपरिमण्डलं पंसुवुट्ठिं केसवुट्ठिं मंसवुट्ठिं रुहिरवुट्ठिं वेयालिं अद्धवेयालिं ओसोवणिं तालुग्घाडणिं सोवागिं सोवारिं दामिलिं कालिङ्गिं

गोरिं गन्धारिं ओवयणिं उप्पयणिं जम्भणिं थम्भणिं लेसणिं आमयकरणिं विसल्लकरणिं पक्कमणिं अन्तद्धाणिं आयमिणिं, एवमाइयाओ विज्जाओ अन्नस्स हेउं पउञ्जन्ति पाणस्स हेउं पउञ्जन्ति वत्थस्स हेउं पउञ्जन्ति लेणस्स हेउं पउञ्जन्ति सयणस्स हेउं पउञ्जन्ति, अन्नेसिं वा विरूवरूवाणं कामभोगाण हेउं पउञ्जंति। तिरिच्छं ते विज्जं सेवन्ति, ते अणारिया विप्पडिवन्ना कालमासे कालं किच्चा अन्नयराइं आसुरियाइं किब्बिसयाइं ठाणाइं उववत्तारो भवन्ति। तओ वि विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूययाए तमअन्धयाए पच्चायन्ति ॥ १५ ॥ ६६५ ॥ से एगइओ आयहेउं वा नायहेउं वा सयणहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा नायगं वा सहवासियं वा निस्साए अदुवा अणुगामिए १ अदुवा उवचरए २ अदुवा पडिपहिए ३ अदुवा संधिच्छेयए ४ अदुवा गण्ठिच्छेयए ५ अदुवा उरब्भिए ६ अदुवा सोवरिए ७ अदुवा वागुरिए ८ अदुवा साउणिए ९ अदुवा मच्छिए १० अदुवा गोघायए ११ अदुवा गोवालए १२ अदुवा सोवणिए १३ अदुवा सोवणियंतिए १४। एगइओ आणुगामियभावं पडिसंधाय तमेव अणुगामियाणुगामियं हन्ता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ, इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ उवचरयभावं पडिसंधाय तमेव उवचरियं हन्ता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ। इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ पाडिपहियभावं पडिसंधाय तमेव पडिपहे ठिच्चा हन्ता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ, इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ संधिच्छेदगभावं पडिसंधाय तमेव संधिं छेत्ता भेत्ता जाव इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गण्ठिच्छेदगभावं पडिसंधाय तमेव गण्ठिं छेत्ता भेत्ता जाव इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ उरब्भियभावं पडिसंधाय उरब्भं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। (एसो अभिलावो सव्वत्थ) से एगइओ सोयरियभावं पडिसंधाय महिसं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ वागुरियभावं पडिसंधाय मियं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सउणियभावं पडिसंधाय सउणिं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ मच्छियभावं पडिसंधाय मच्छं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गोघायभावं पडिसंधाय तमेव गोणं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ

गोवालभावं पडिसंधाय तमेव गोवालं वा परिजविय परिजविय हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियभावं पडिसंधाय तमेव सुणगं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियन्तियभावं पडिसंधाय तमेव मणुस्सं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव आहारं आहारेइ इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ ॥ १६ ॥ ६६६ ॥ से एगइओ परिसामज्झाओ उट्ठित्ता अहमेयं हणामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविञ्जलं वा अन्नयरं वा तसं वा पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं सस्साइं झामेइ अन्नेण वि अगणिकाएणं सस्साइं झामावेइ अगणिकाएणं सस्साइं झामन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अन्नेण वि कप्पावेइ कप्पन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा गोणसालाओ वा घोडगसालाओ वा गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाए पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ अन्नेण वि झामावेइ झामन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा कुण्डलं वा मणिं वा मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ अन्नेण वि अवहरावेइ अवहरन्तं पि अन्नं समणुजाणइ इति से महया जाव भवइ॥ से एगइओ केणइ वि आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा भण्डगं वा मत्तगं वा लट्ठिं वा भिसिगं वा चेलगं वा चिलिमिलिगं वा चम्मयं वा छेयणगं वा चम्मकोसियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ॥ से एगइओ नो वितिगिञ्छइ। तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं ओसहीओ झामेइ जाव अन्नं पि झामन्तं समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ नो वितिगिञ्छइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अन्नेण वि कप्पावेइ अन्नं पि कप्पन्तं समणुजाणइ। से एगइओ

नो वितिगिञ्छइ, तं जहा–गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा जाव गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाहिं पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ नो वितिगिञ्छइ, तं जहा–गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा जाव मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ नो वितिगिञ्छइ तं जहा–समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा जाव चम्मछेयणगं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ समणं वा माहणं वा दिस्सा नाणाविहेहिं पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ, अदुवा णं अच्छराए आफालित्ता भवइ, अदुवा णं फरुसं वदित्ता भवइ, कालेण वि से अणुपविट्ठस्स असणं वा पाणं वा जाव नो दवावेत्ता भवइ, जे इमे भवन्ति वोणमन्ता भारक्कन्ता अलसगा वसलगा किवणगा समणगा निउज्जमा वणगा पव्वयन्ति ते इणमेव जीवियं धिज्जीवियं संपडिवूहेन्ति, नाइ ते परलोगस्स अट्ठाए किंचि वि सिलीसन्ति, ते दुक्खन्ति ते सोयन्ति ते जूरन्ति ते तिप्पन्ति ते पिट्टन्ति ते परितप्पन्ति ते दुक्खणजूरणसोयणतिप्पणपिट्टणपरितिप्पणवहबन्धणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति। ते महया आरम्भेण ते महया समारम्भेण ते महया आरम्भसमारम्भेण विरूवरूवेहिं पावकम्मकिच्चेहिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुञ्जित्तारो भवन्ति। तं जहा–अन्नं अन्नकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले सपुव्वावरं च णं ण्हाए कण्ठेमालाकडे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियमालामउली पडिबद्धसरीरे वग्घारियसोणिसुत्तगमल्लदामकलावे अहयवत्थपरिहिए चन्दणोक्खित्तगायसरीरे महइमहालियाए कूडागारसालाए महइमहालयंसि सीहासणंसि इत्थीगुम्मसंपरिवुडे सव्वराइएणं जोइणा झियायमाणेणं महयाहयनट्टगीयवाइयतन्तीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणे विहरइ। तस्स णं एगमवि आणवेमाणस्स जाव चत्तारि पञ्च जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठन्ति। भणह देवाणुप्पिया किं करेमो? किं आहरेमो? किं उवणेमो? किं आचिट्ठामो? किं भे हियं इच्छियं? किं भे आसगस्स सयइ? तमेव पासित्ता अणारिया एवं वयन्ति–देवे खलु अयं पुरिसे, देवसिणाए खलु अयं पुरिसे, देवजीवणिज्जे खलु अयं पुरिसे, अन्ने वि य णं उवजीवन्ति। तमेव पासित्ता आरिया वयन्ति–अभिक्कन्तकूरकम्मे खलु अयं पुरिसे अइधुए अइयायरक्खे दाहिणगामिए नेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहियाए यावि भविस्सइ। इच्चेयस्स ठाणस्स उट्ठिया वेगे अभिगिज्झन्ति अणुट्ठिया वेगे अभिगिज्झन्ति अभिझंझाउरा अभि-

गिज्झन्ति। एस ठाणे अणारिए अकेवले अप्पडिपुण्णे अणेयाउए असंसुद्धे असल्लगत्तणे असिद्धिमग्गे अमुत्तिमग्गे अनिव्वाणमग्गे अनिज्जाणमग्गे असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहु। एस खलु पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए॥१७॥६६७॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा–आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे हस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाइं भवन्ति, एसो आलावगो जहा पोण्डरीए तहा नेयव्वो, तेणेव अभिलावेण जाव सव्वोवसन्ता सव्वत्ताए परिनिव्वुडे त्ति बेमि॥ एस ठाणे आरिए केवले जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगन्तसम्मे साहु। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए॥१८॥६६८॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ। जे इमे भवन्ति आरण्णिया आवसहिया गामणियन्तिया कण्हुईरहस्सिया जाव ते तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूयाए तमूयत्ताए पच्चायन्ति। एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहू। एस खलु तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभङ्गे एवमाहिए॥ १९ ॥ ६६९॥ अहावरे पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति–गिहत्था महिच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अधम्मिया अधम्माणुया अधम्मिट्ठा अधम्मक्खाई अधम्मपायजीविणो अधम्मपलोई अधम्मपलज्जणा अधम्मसीलसमुदायारा अधम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति। हण छिन्द भिन्द विगत्तगा लोहियपाणी चण्डा रुद्दा खुद्दा साहस्सिया उक्कुञ्चणवञ्चणमायानियडिकूडकवडसाइसंपओगबहुला दुस्सीला दुव्वया दुप्पडियाणन्दा असाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कोहाओ जाव मिच्छादंसणसल्लाओ अप्पडिविरया, सव्वाओ ण्हाणुम्मद्दणवण्णगन्धविलेवणसद्दफरिसरसरूवगन्धमल्लालंकाराओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसियासंदमाणियासयणासणजाणवाहणभोगभोयणपवित्थरविहीओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कयविक्कयमासद्धमासरूवगसंववहाराओ अप्पडिविरया, जावज्जीवाए, सव्वाओ हिरण्णसुवण्णधणधन्नमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कूडतुलकूडमाणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ आरम्भसमारम्भाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ करणकारावणाओ अप्पडिविरया

जावज्जीवाए सव्वाओ पयणपयावणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कुट्टणपिट्टणतज्जणताडणवहबन्धपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए । जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मन्ता परपाणपरियावणकरा जे अणारिएहिं कज्जन्ति तओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए । से जहानामए केइ पुरिसे कलममसूरतिलमुग्गमासनिप्फावकुलत्थआलिसन्दगपलिमन्थगमादिएहिं अयन्ते कूरे मिच्छादण्डं पउञ्जन्ति, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए तित्तिरवट्टगलावगकवोयकविञ्जलमियमहिसवराहगाहगोहकुम्मसिरिसिवमादिएहिं अयन्ते कूरे मिच्छादण्डं पउञ्जन्ति जा वि य से बाहिरिया परिसा भवइ, तं जहा–दासे इ वा पेसे इ वा भयए इ वा भाइल्ले इ वा कम्मकरए इ वा भोगपुरिसे इ वा तेसिं पि य णं अन्नयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं निवत्तेइ । तं जहा–इमं दण्डेह इमं मुण्डेह इमं तज्जेह इमं तालेह इमं अदुयबन्धणं करेह इमं नियलबन्धणं करेह इमं हड्डिबन्धणं करेह इमं चारगबन्धणं करेह इमं नियलजुयलसंकोचियमोडियं करेह इमं हत्थच्छिन्नयं करेह इमं पायच्छिन्नयं करेह इमं कण्णछिन्नयं करेह इमं नक्कओट्ठसीसमुहच्छिन्नयं करेह वेयगच्छहियं अङ्गच्छहियं पक्खाफोडियं करेह इमं नयणुप्पाडियं करेह इमं दंसणुप्पाडियं वसणुप्पाडियं जिब्भुप्पाडियं ओलम्बियं करेह घसियं करेह घोलियं करेह सूलाइयं करेह सूलाभिन्नयं करेह खारवत्तियं करेह वज्झवत्तियं करेह सीहपुच्छियगं करेह वसभपुच्छियगं करेह दवग्गिदड्ढयङ्गं कागणिमंसखावियङ्गं भत्तपाणनिरुद्धगं इमं जावज्जीवं वहबन्धणं करेह इमं अन्नयरेण असुभेणं कुमारेणं मारेह । जा वि य से अब्भिन्तरिया परिसा भवइ, तं जहा–माया इ वा पिया इ वा भाया इ वा भगिणी इ वा भज्जा इ वा पुत्ता इ वा धूया इ वा सुण्हा इ वा, तेसिं पि य णं अन्नयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं निवत्तेइ, सीओदगवियडंसि उच्छोलित्ता भवइ जहा मित्तदोसवत्तिए जाव अहिए परंसि लोगंसि । ते दुक्खन्ति सोयन्ति जूरन्ति तिप्पन्ति पिट्टन्ति परितप्पन्ति ते दुक्खणसोयणजूरणतिप्पणपिट्टणपरितप्पणवहबन्धणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति । एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववन्ना जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छद्दसमाइं वा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा कालं भुञ्जित्तु भोगभोगाइं पविसुइत्ता वेरायतणाइं संचिणित्ता बहूइं पावाइं कम्माइं उस्सन्नाइं संभारकडेण कम्मुणा से जहानामए अयगोले इ वा सेलगोले इ वा उदगंसि पक्खित्ते समाणे उदगयलमइवइत्ता अहे धरणियलपइट्ठाणे भवइ, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए वज्जबहुले धूयबहुले पङ्कबहुले वेरबहुले अप्पत्तियबहुले दम्भबहुले नियडिबहुले साइबहुले अयसबहुले उस्सन्नतसपाणघाई कालमासे

कालं किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे नरगयलपइट्ठाणे भवइ ॥ २० ॥ ६७० ॥ ते णं नरगा अन्तो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया निच्चन्धकारतमसा ववगयगहचन्दसूरनक्खत्तजोइसप्पहा मेदवसामंसरुहिरपूयपडलचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणयला असुई वीसा परमदुब्भिगन्धा कण्हा अगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरएसु वेयणाओ ॥ नो चेव नरएसु नेरइया निद्दायन्ति वा पयलायन्ति वा सुइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभन्ते । ते णं तत्थ उज्जलं विउलं पगाढं कडुयं कक्कसं चण्डं दुक्खं दुग्गं तिव्वं दुरहियासं नेरइया वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ २१ ॥ ६७१ ॥ से जहानामए रुक्खे सिया पव्वयग्गे जाए मूले छिन्ने अग्गे गरुए जओ निण्णं जओ विसमं जओ दुग्गं तओ पवडइ, एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए गब्भाओ गब्भं जम्माओ जम्मं माराओ मारं नरगाओ नरगं दुक्खाओ दुक्खं दाहिणगामिए नेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहिए यावि भवइ । एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहू । पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥ २२ ॥ ६७२ ॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा—अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुगा धम्मिट्ठा जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति, सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणन्दा सुसाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जीवाए जाव जे यावन्ने तहप्पगारा सावज्जा अवोहिया कम्मन्ता परपाणपरियावणकरा कज्जन्ति तओ वि पडिविरया जावज्जीवाए ॥ से जहानामए—अणगारा भगवन्तो इरियासमिया भासासमिया एसणासमिया आयाणभण्डमत्तनिक्खेवणसमिया उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपरिट्ठावणियासमिया मणसमिया वयसमिया कायसमिया मणगुत्ता वयगुत्ता कायगुत्ता गुत्ता गुत्तिन्दिया गुत्तबम्भयारी अकोहा अमाणा अमाया अलोभा सन्ता पसन्ता उवसन्ता परिनिव्वुडा अणासवा अग्गन्था छिन्नसोया निरुवलेवा कंसपाइ व्व मुक्कतोया संखो इव निरञ्जणा जीव इव अपडिहयगई गगणतलं पिव निरालम्बणा वाउरिव अपडिबद्धा सारदसलिलं व सुद्धहियया पुक्खरपत्तं व निरुवलेवा कुम्मो इव गुत्तिन्दिया विहग इव विप्पमुक्का खग्गिविसाणं व एगजाया भारुण्डपक्खी व अप्पमत्ता कुञ्जरो इव सोण्डीरा वसभो इव जायत्थामा सीहो इव दुद्धरिसा मन्दरो इव अप्पकम्पा सागरो इव गम्भीरा चन्दो इव सोमलेसा सूरो इव दित्ततेया जच्चकञ्चणगं व जायरूवा वसुंधरा इव सव्वफासविसहा सुहुयहुयासणो विय तेयसा जलन्ता । नत्थि णं तेसिं भगवन्ताणं

कत्थ वि पडिबन्धे भवइ। से पडिबन्धे चउव्विहे पन्नत्ते। तं जहा–अण्डए इ वा पोयए इ वा उग्गहे इ वा पग्गहे इ वा जं णं जं णं दिसं इच्छन्ति तं णं तं णं दिसं अपडिबद्धा सुइभूया लहुभूया अप्पग्गन्था संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरन्ति॥ तेसिं णं भगवन्ताणं इमा एयारूवा जायामायावित्ती होत्था। तं जहा–चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउदसमे भत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए तिमासिए चाउम्मासिए पञ्चमासिए छम्मासिए अदुत्तरं च णं उक्खित्तचरया निक्खित्तचरया उक्खित्तनिक्खित्तचरया अन्तचरगा पन्तचरगा लूहचरगा समुदाणचरगा संसट्ठचरगा असंसट्ठचरगा तज्जायसंसट्ठचरगा दिट्ठलाभिया अदिट्ठलाभिया पुट्ठलाभिया अपुट्ठलाभिया भिक्खलाभिया अभिक्खलाभिया अन्नायचरगा उवनिहिया संखादत्तिया परिमियपिण्डवाइया सुद्धेसणिया अन्ताहारा पन्ताहारा अरसाहारा विरसाहारा लूहाहारा तुच्छाहारा अन्तजीवी पन्तजीवी आयम्बिलिया पुरिमड्ढिया निव्विगइया अमज्जमंसासिणो नो नियामरसभोई ठाणाइया पडिमाठाणाइया उक्कुडुआसणिया नेसज्जिया वीरासणिया दण्डायइया लगण्डसाइणो अप्पाउडा अगत्तया अकण्डुया अणिट्ठुहा (एवं जहोववाइए) धुयकेसमंसुरोमनहा सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्का चिट्ठन्ति। ते णं एएणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणन्ति २ बहुबहु आबाहंसि उप्पन्नंसि वा अणुप्पन्नंसि वा बहूइं भत्ताइं पच्चक्खन्ति पच्चक्खाइत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेन्ति, अणसणाए छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे मुण्डभावे अण्हाणभावे अदन्तवणगे अछत्तए अणोवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बम्भचेरवासे परघरपवेसे लद्धावलद्धे माणावमाणणाओ हीलणाओ निन्दणाओ खिंसणाओ गरहणाओ तज्जणाओ तालणाओ उच्चावया गामकण्टगा बावीसं परीसहोवसग्गा अहियासिज्जन्ति तमट्ठं आराहेन्ति तमट्ठं आराहित्ता चरमेहिं उस्सासनिस्सासेहिं अणन्तं अणुत्तरं निव्वाघायं निरावरणं कसिणं पडिपुण्णं केवलवरनाणदंसणं समुप्पाडेन्ति, समुप्पाडित्ता तओ पच्छा सिज्झन्ति बुज्झन्ति मुच्चन्ति परिणिव्वायन्ति सव्वदुक्खाणं अन्तं करन्ति। एगच्चाए पुण एगे भयन्तारो भवन्ति, अवरे पुण पुव्वकम्मावसेसेणं कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति। तं जहा–महड्ढिएसु महज्जुइएसु महापरक्कमेसु महाजसेसु महाबलेसु महाणुभावेसु महासुक्खेसु। ते णं तत्थ देवा भवन्ति महड्ढिया महज्जुइया जाव महासुक्खा हारविराइयवच्छा कडगतुडियथम्भियभुया अङ्गयकुण्डलमट्ठगण्डयलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउलिमउडा कल्लाणगन्धपवरवत्थपरिहिया कल्लाणग-

पवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोंदी पलम्बवणमालाधरा दिव्वेणं रूवेणं दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गन्धेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चाए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा गइकल्लाणा ठिइकल्लाणा आगमेसिभद्दया यावि भवन्ति । एस ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तसम्मे सुसाहू। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥ २३ ॥ ६७३ ॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्सविभङ्गे एवमाहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा-अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणन्दा साहू एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावजीवाए एगच्चाओ अप्पडिविरया जाव जे यावन्ने तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मन्ता परपाणपरितावणकरा कज्जन्ति तओ वि एगच्चाओ अप्पडिविरया । से जहानामए समणोवासगा भवन्ति अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसंवरवेयणानिज्जराकिरियाहिगरणबन्धमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगरुलगन्धव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गन्थाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा, इणमेव निग्गन्थे पावयणे निस्संकिया निक्कंखिया निव्विइगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा अट्ठिमिञ्जपेम्माणुरागरत्ता । अयमाउसो निग्गन्थे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे उसियफलिहा अवंगुयदुवाराअचियत्तन्तेउरपरघरपवेसा चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे निग्गन्थे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुञ्छणेणं ओसहभेसज्जेणं पीठफलगसेज्जासन्थारएणं पडिलाभेमाणा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरन्ति ॥ ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता आबाहंसि उप्पण्णंसि वा, अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएन्ति बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेन्ति बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तंजहा-महड्ढिएसु महज्जुइएसु जाव महासोक्खेसु सेसं तहेव जाव एसट्ठाणे आयरिए जाव एगंतसम्मे साहू तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २४ ॥ ६७४ ॥ अविरइं पडुच्च बाले आहिज्जइ विरइं पडुच्च पंडिए आहिज्जइ विरयाविरइं पडुच्च बालपंडिए आहिज्जइ, तत्थणं

जा सा सव्वओ अविरइ एसठ्ठाणे आरंभठ्ठाणे अणारिए जाव असव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरइ एसठ्ठाणे अणारंभठ्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरयाविरइ एसठ्ठाणे आरंभणोरंआभठ्ठाणे एसठ्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू ॥ २५ ॥ ६७५ ॥ एवमेव समणुगम्ममाणा इमेहिं चेव दोहिं ठाणेहिं समोअरंति, तंजहा–धम्मे चेव अधम्मे चेव, उवसंते चेव अणुवसंते चेव, तत्थणं जे से पढमठ्ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए तस्सणं इमाइं तिन्नि तेवठ्ठाइं पावादुयसयाइं भवंतीति मक्खायाइं, तंजहा–किरियावाईणं अकिरियावाईणं अन्नाणियवाईणं वेणइयवाईणं तेवि परिनिव्वाणमाहंसु तेवि परिमोक्खमाहंसु तेवि लवंति सावगा तेवि लवंति सावइत्तारो ॥ २६ ॥ ६७६ ॥ ते सव्वे पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापन्ना णाणाछंदा णाणासीला णाणादिठ्ठी णाणारुई णाणारंभा णाणाज्झवसाणसंजुत्ता एगं महं मंडलिबंधं किच्चा सव्वे एगओ चिठ्ठंति ॥ २७ ॥ ६७७ ॥ पुरिसेय सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुन्नं अओमएणं संडासएणं गहाय ते सव्वे पावाउए आइगरा धम्माणं णाणापन्ना जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ते एवं वयासी–हंभो पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापन्ना जाव णाणाअज्झवसाणसंजुत्ता इमं ताव तुब्भे सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुन्नं गहाय मुहुत्तयं २ पाणिणा धरेह णो बहुसंडासगं संसारियं कुज्जा, णो बहुअग्गिथंभणियं कुज्जा णो बहु साहम्मियवेयावडियं कुज्जा णो बहु परधम्मियवेयावडियं कुज्जा, उज्जुया णियागपडिवन्ना अमायं कुव्वमाणा पाणिं पसारेह इतिवुच्चा से पुरिसे तेसिं पावादुयाणं तं सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुन्नं अउमएणं संडासएणं गहाय पाणिंसु णिसिरति तएणं ते पावादुया आइगरा धम्माणं णाणापन्ना जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता पाणिं पडिसाहरंति तएणं से पुरिसे ते सव्वे पावाउए आइगरे धम्माणं जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता एवं वयासी हंभो ! पावादुया आइगरा धम्माणं णाणापन्ना जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता कम्हाणं तुब्भे पाणिं पडिसाहरह पाणिं णो डहिज्जा, दड्ढे किं भविस्सइ दुक्खं दुक्खं ति मण्णमाणा पडिसाहरह एस तुला एसप्पमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे तत्थणं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खंति, जाव परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता हंतव्वा अज्जावेयव्वा परिघेतव्वा परियावेयव्वा किलामेयव्वा उद्दवेयव्वा ते आगंतु छेयाए ते आगंतु भेयाए जाव ते आगंतु जाइजरामरणजोणिजम्मणसंसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्संति, ते बहूणं दंडणाणं बहूणं मुंडणाणं तज्जणाणं तालणाणं अंदुबंधणाणं जाव घोलणाणं माइमरणाणं पिइमरणाणं

भाइमरणाणं भगिणीमरणाणं भज्जापुत्तधूयासुण्हामरणाणं दारिद्दाणं दोहग्गाणं अप्पियसंवासाणं पियविप्पओगाणं बहूणं दुक्खदोमणस्साणं आभागिणो भविस्संति अणादियं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो अणुपरियट्टिस्संति ते णो सिज्झिस्संति णो बुज्झिस्संति जाव णो सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति एस तुला एस पमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे। तत्थ णं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खन्ति जाव परूवेन्ति। सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता न हन्तव्वा न अज्जावेयव्वा न परिघेयव्वा न उद्दवेयव्वा ते नो आगन्तुच्छेयाए ते नो आगन्तुभेयाए जाव जाइजरामरणजोणिजम्मणसंसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्सन्ति, जाव अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरन्तसंसारकन्तारं भुज्जो भुज्जो नो अणुपरियट्टिस्सन्ति, ते सिज्झिस्सन्ति जाव सव्वदुक्खाणं अन्तं करिस्सन्ति ॥ २८ ॥ ६७८ ॥ इच्चेएहिं बारसहिं किरियाठाणेहिं वट्टमाणा जीवा नो सिज्झिंसु नो बुज्झिंसु नो मुच्चिंसु नो परिणिव्वाइंसु जाव नो सव्वदुक्खाणं अन्तं करेंसु वा नो करेन्ति वा नो करिस्सन्ति वा। एयंसि चेव तेरसमे किरियाठाणे वट्टमाणा जीवा सिज्झिंसु बुज्झिंसु मुच्चिंसु परिणिव्वाइंसु जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा करंति वा करिस्संति वा। एवं से भिक्खू आयट्ठी आयहिए आयगुत्ते आयजोगे आयपरक्कमे आयरक्खिए आयाणुकम्पए आयणिप्फेडए आयाणमेव पडिसाहरेज्जासि त्ति बेमि **किरियाट्ठाणज्झयणं बिइयं** ॥२९॥६७९॥

आहारपरिन्नज्झयणे तइये

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु आहारपरिन्ना नामज्झयणे तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु पाईणं वा ४ सव्वओ सव्वावंति य णं लोगंसि चत्तारि बीयकाया एवमाहिज्जंति। तं जहा—अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया। तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढवीसंभवा पुढवीवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणियासु पुढवीसु रुक्खत्ताए विउट्टंति॥ ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउसरीरं तेउसरीरं वाउसरीरं वणस्सइसरीरं। नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं। तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणयं सारूवियकडं संतं। अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा नाणावण्णा नाणागंधा नाणारसा

नाणाफासा नाणासंठाणसंठिया नाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववन्नगा भवन्तीति मक्खायं ॥ १ ॥ ६८० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं पुढवीजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइसरीरं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं । तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विप्परिणामियं सारूवियकडं सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा नाणावण्णा नाणागन्धा नाणारसा नाणाफासा नाणासंठाणसंठिया नाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववन्नगा भवन्तीति मक्खायं ॥ २ ॥ ६८१ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति, पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइसरीरं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणामियं सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा जाव ते जीवा कम्मोववन्नगा भवंति त्ति मक्खायं ॥ ३ ॥ ६८२ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खेसु मूलत्ताए कंदत्ताए, खंधत्ताए तयत्ताए सालत्ताए पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसि रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरगं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवियणं तेसिं रुक्खजोणियाणं मूलाणं कंदाणं खंधाणं तयाणं सालाणं पवालाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जाव णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववन्नगा भवंति त्ति मक्खायं ॥ ४ ॥ ६८३ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोववन्नगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारुहाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं

॥ ५ ॥ ६८४ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थ वुक्कमा रुक्खजोणिएसु अज्झारोहेसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसि अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ६ ॥ ६८५ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थ वुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति-पुढविसरीरं आउसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसि अज्झारोह जोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ७ ॥ ६८६ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति जाव अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं मूलाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ८ ॥ ६८७ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढविजोणिया पुढविसंभवा जाव णाणाविहजोणियासु पुढवीसु तणत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति जाव ते जीवा कम्मोववन्ना भवंति त्ति मक्खायं-एवं पुढविजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति जाव मक्खायं-एवं तणजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति तणजोणियं तणसरीरं च आहारेंति, जावमक्खायं-एवं तणजोणिएसु तणेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा जाव एवमक्खायं-एवं ओसहीणं वि चत्तारि आलावगा-एवं हरियाणवि चत्तारि आलावगा-॥ ९-१० ॥ ६८८-६८९ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढविसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणियासु पुढवीसु आयत्ताए वायत्ताए कायत्ताए कूहणत्ताए कन्दुकत्ताए उव्वेहणियत्ताए निव्वेहणियत्ताए सछत्ताए छत्तगत्ताए वासाणियत्ताए कूरत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेन्ति । ते वि जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं आयत्ताणं जाव कूराणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । एगो चेव आलावगो सेसा तिण्णि नत्थि । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणिएसु उदएसु रुक्खत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं

उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसि उदगजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । जहा पुढविजोणियाणं रुक्खाणं चत्तारि गमा अज्झारुहाण वि तहेव, तणाणं ओसहीणं हरियाणं चत्तारि आलावगा भाणियव्वा एक्केके, अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसम्भवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए अवगत्ताए पणगत्ताए सेवालत्ताए कलम्बुगत्ताए हडत्ताए कसेरुगत्ताए कच्छभाणियत्ताए उप्पलत्ताए पउमत्ताए कुमुयत्ताए नलिणत्ताए सुभगत्ताए सोगन्धियत्ताए पोण्डरीयमहापोण्डरीयत्ताए सयपत्तत्ताए सहस्सपत्तत्ताए एवं कल्हारकोकणयत्ताए अरविन्दत्ताए तामरसत्ताए भिसभिसमुणालपुक्खलत्ताए पुक्खलच्छिभगत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसि नाणाविहजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढवीसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । एगो चेव आलावगो ॥ ११ ॥ ६९० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता तेसि चेव पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहि रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहि रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं, रुक्खजोणिएहि अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं मूलेहि जाव बीएहिं, पुढविजोणिएहि तणेहिं तणजोणिएहिं तणेहि तणजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं । एवं ओसहीहि वि तिण्णि आलावगा एवं हरिएहि वि तिण्णि आलावगा । पुढविजोणिएहि वि आएहिं काएहिं जाव कूरेहिं उदगजोणिएहि रुक्खेहिं रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं एवं अज्झारोहेहि वि तिण्णि । तणेहिं पि तिण्णि आलावगा । ओसहीहिं पि तिण्णि, हरिएहिं पि तिण्णि, उदगजोणिएहिं, उदएहिं अवएहिं जाव पुक्खलच्छिभएहिं तसपाणत्ताए विउट्टन्ति ॥ ते जीवा तेसिं पुढवीजोणियाणं उदगजोणियाणं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहीजोणियाणं हरियजोणियाणं रुक्खाणं अज्झारोहाणं तणाणं ओसहीणं हरियाणं मूलाणं जाव बीयाणं आयाणं कायाणं जाव कुरवाणं [कूराणं] उदगाणं अवगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढवीसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसि रुक्खजोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहिजोणियाणं हरियजोणियाणं मूलजोणियाणं कन्दजोणियाणं जाव बीयजोणियाणं आयजोणियाणं कायजोणियाणं जाव कूरजोणियाणं उदगजोणियाणं अवगजोणियाणं जाव पुक्खलच्छिभगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं ॥ १२ ॥ ६९१ ॥ अहावरं पुरक्खायं नाणाविहाणं मणुस्साणं । तं जहा—कम्मभूम-

गाणं अकम्मभूमगाणं अन्तरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खुयाणं। तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणिए एत्थ णं मेहुणवत्तियाए (व) नामं संजोगे समुप्पज्जइ। ते दुहओ वि सिणेहं संचिणन्ति। तत्थ णं जीवा इत्थित्ताए पुरिसत्ताए नपुंसगत्ताए विउट्टन्ति, ते जीवा माओउयं पिउसुक्कं तं तदुभयं संसट्ठं कलुसं किव्बिसं तं पढमत्ताए आहारमाहारेंति तओ पच्छा जं से माया णाणाविहाओ रसविहीओ आहारमाहारेंति तओ एगदेसेणं ओयमाहारेंति अणुपुव्वेण वुड्ढा पलिपागमणुपवन्ना तओ कायाओ अभिनिवट्टमाणा इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसं वेगया जणयंति, णपुंसगं वेगया जणयंति, ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा ओयणं कुम्मासं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं मणुस्सगाणं कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खूणं सरीरा णाणावण्णा भवंति त्तिमक्खायं ॥ ६९२ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं जलचराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा–मच्छाणं जाव सुंसुमाराणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडा तहेव जाव तओ पच्छा एगदेसेणं ओयमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा पलिपागमणुपवन्ना तओ कायाओ अभिनिवट्टमाणा अंडं वेगया जणयंति पोयं वेगया जणयंति, से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगया जणयंति, पुरिसं वेगया जणयंति, णपुंसगं वेगया जणयंति, ते जीवा डहरा समाणा आउसिणेहमाहारेंति, आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसि णाणाविहाणं जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणिआणं मच्छाणं सुंसुमाराणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ६९३ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तंजहा एगखुराणं दुखुराणं गंडीपदाणं सणप्पयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिपुरिसस्स य कम्म जाव मेहुणवत्तिए णामं संजोगे समुप्पज्जइ ते दुहओ सिणेहं संचिणंति तत्थणं जीवा इत्थित्ताए पुरिसत्ताए जाव विउट्टंति ते जीवा माउओयं पिउसुक्कं एवं जहा माणुस्साणं इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसंपि नपुंसगंपि ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एगखुराणं जाव सणप्पयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ६९४ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तंजहा–अहीणं अयगराणं आसालियाणं महोरगाणं तेसिं च

णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स जाव एत्थणं मेहुणे एवं तं चेव नाणत्तं अंडं वेगइया जणयंति पोयं वेगइया जणयंति से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगइया जणयंति पुरिसंपि णपुंसगंपि, ते जीवा डहरा समाणा वाउकायमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरपाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्ख० अहीणं जाव महोरगाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जावमक्खायं ॥ ६९५ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा–गोहाणं नउलाणं सिहाणं सरडाणं सल्लाणं सरघाणं खराणं घरकोइलियाणं विस्संभराणं मुसगाणं मंगुसाणं पयलाइयाणं बिरालियाणं जोहाणं चउप्पाइयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिए पुरिसस्स य जहा उरपरिसप्पाणं तहा भाणियव्वं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पपंचिंदियथलयरतिरिक्खाणं तं० गोहाणं जावमक्खायं ॥ ६९६ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं खहचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा—चम्मपक्खीणं लोमपक्खीणं समुग्गपक्खीणं विततपक्खीणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए जहा उरपरिसप्पाणं नाणत्तं ते जीवा डहरा समाणा माउगात्तसिणेहमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं नाणाविहाणं खहचरपञ्चिन्दियतिरिक्खजोणियाणं चम्मपक्खीणं जाव मक्खायं ॥ १३ ॥ ६९७ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया नाणाविहसंभवा नाणाविहवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पोग्गलाणं सरीरेसु वा सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा अणुसूयत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अणुसूयगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । एवं दुरूवसंभवत्ताए । एवं खुरदुगत्ताए ॥ १४ ॥ ६९८ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा तं सरीरगं वायसंसिद्धं वा वायसंगहियं वा वायपरिग्गहियं उड्ढवाएसु उड्ढभागी भवइ, अहेवाएसु अहेभागी भवइ, तिरियवाएसु तिरियभागी भवइ । तं जहा–ओसा हिमए महिया करए हरतणुए सुद्धोदए । ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणि-

याणं ओसाणं जाव सुद्धोदगाणं सरीरा नाणावण्णा जावमक्खायं । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा तसथावरजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा उदगजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टन्ति ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा उदग-जोणिएसु उदएसु तसपाणत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं ॥ १५ ॥ ६९९ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा अगणिकायत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अगणीणं सरीरा नाणावण्णा जावमक्खायं । सेसा तिण्णि आलावगा जहा उदगाणं । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणियाणं जाव कम्मनियाणेणं तत्थ-वुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा वाउ-कायत्ताए विउट्टन्ति । जहा अगणीणं तहा भाणियव्वा चत्तारि गमा ॥ १६ ॥ ॥ ७०० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मणिया-णेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा पुढवित्ताए सक्करत्ताए वालुयत्ताए । इमाओ गाहाओ अणुगन्तव्वाओ–पुढवी य सक्करा वालुया य उवले सिला य लोणूसे । अय तउय तम्ब सीसग रुप्प सुवण्णेय वइरे य (१) हरियाले हिंगुलए, मणोसिला सासगंजणपवाले, अब्भपडलब्भवा-लुय, वायरकाए मणिविहाणा (२) गोमेज्जए य रुयए, अंके फलिहे य लोहियक्खेय, मरगयमसारगल्ले भुयमोयगइंदनीले य (३) चंदणगेरुयहंसगब्भे, पुलए सोगंधिए य बोद्धव्वे, चंदप्पभवेरुलिए, जलकंते सूरकंते य (४) एयाओ एएसु भाणियव्वाओ गाहाओ जाव सूरकंतत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं

पाणाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं पुढवीणं जाव सूरकंताणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं, सेसं तिण्णि आलावगा जहा उदगाणं ॥ ७०१ ॥ अहावरं पुरक्खायं सव्वे पाणा सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, णाणाविहजोणिया, णाणाविहसंभवा, णाणाविहवुक्कमा, सरीरजोणिया, सरीरसंभवा, सरीरवुक्कमा, सरीराहारा, कम्मोवगा, कम्मनियाणा, कम्मगईया, कम्मठिईया, कम्मणा चेव विप्परियासमुवेंति ॥ ७०२ ॥ सेएवमायाणह से एवमायाणित्ता आहारगुत्ते सहिए समिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ७०३ ॥

आहारपरिण्णयज्झयणं तइयं ॥

पच्चक्खाणकिरियज्झयणे चउत्थे

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु पच्चक्खाणकिरियाणामज्झयणे तस्सणं अयमट्ठे पण्णत्ते, आया अपच्चक्खाणीयावि भवइ, आया अकिरिया कुसलेयावि भवइ, आया मिच्छासंठिएयावि भवइ, आया एगंतदंडेयावि भवइ, आया एगंतबालेयावि भवइ, आया एगंतसुत्तेयावि भवइ, आया अवियारमणवयणकायवक्केयावि भवइ, आया अप्पडिहयअपच्चक्खायपावकम्मेयावि भवइ, एस खलु भगवया अक्खाए, असंजए, अविरए, अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, सकिरिए, असंवुडे, एगंतदंडे, एगंतबाले, एगंतसुत्ते से बाले, अवियारमणवयकायवक्के, सुविणमवि ण पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥ ७०४ ॥ तत्थ चोयए पन्नवगं एवं वयासी, असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स, अवियारमणवयकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावकम्मे णो कज्जइ कस्सणं तं हेउं चोयए एवं बवीइ अन्नयरेण मणेणं पावएणं मणवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अन्नयरीए वईए पावियाए वतिवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अन्नयरेणं काएणं पावएणं कायवत्तिए पावेकम्मे कज्जइ, हणंतस्स समणक्खस्स सवियारमणवयकायवक्कस्स सुविणमवि पासओ, एवं गुणजाईयस्स पावेकम्मे कज्जइ, पुणरवि चोयए, एव्र बवीइ तत्थणं जे ते एवमाहंसु असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, तत्थ णं जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु ॥ ७०५ ॥ तत्थ पन्नवए चोयगं एवं वयासी–तं सम्मं जं मए पुव्वं वुत्तं असंतएणं मणेणं पावएणं, असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं, अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ

पावे कम्मे कज्जइ, तं सम्मं कस्स णं तं हेउं? आयरिय आह, तत्थ खलु भगवया छज्जीवणिकायहेऊ पण्णत्ता, तंजहा पुढविकाइया जाव तसकाइया इच्चेएहिं छहिं जीवणिकाएहिं आया अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, निच्चं पसढविउवातचित्तदंडे, तंजहा- पाणाइवाए जाव परिग्गहे, कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ ७०६ ॥ आयरिय आह तत्थ खलु भगवया वहए दिट्ठन्ते पण्णत्ते। से जहानामए-वहए सिया गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि संपहारेमाणे से किं नु हु नाम से वहए तस्स गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ? एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरे चोयए-हंता भवइ। आयरिय आह-जहा से वहए तस्स गाहावइस्स वा तस्स गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि त्ति पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे, एवमेव बाले वि सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एवं खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगन्तदण्डे एगन्तबाले एगन्तसुत्ते यावि भवइ। से बाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि न पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ। जहा से वहए तस्स वा गाहावइस्स जाव तस्स वा रायपुरिसस्स पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमादाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ, एवमेव बाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमादाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ ॥२॥७०७॥ नो इणट्ठे समट्ठे [चोयए]। इह खलु बहवे पाणा० जे इमेणं सरीरसमुस्सएणं नो दिट्ठा वा सुया वा नाभिमया वा विन्नाया वा जेसिं नो पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। तं जहा पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले॥३॥७०८॥ आयरिय आह-तत्थ खलु भगवया दुवे दिट्ठन्ता पण्णत्ता। तं जहा-सन्निदिट्ठन्ते य असन्निदिट्ठन्ते य। से किं तं सन्निदिट्ठन्ते? जे इमे सन्निपंचिन्दिया पज्जत्तगा एएसिं णं छजीवनिकाए पडुच्च, तं जहा-पुढवी-

कार्यं जाव तसकार्यं । से एगइओ पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि । तस्स णं एवं भवइ-एवं खलु अहं पुढवीकाएणं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि, नो चेव णं से एवं भवइ-इमेण वा इमेण वा से एएगं पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। से णं तओ पुढवीकायाओ असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे यावि भवइ । एवं जाव तसकाए त्ति भाणियव्वं । से एगइओ छजीवनिकाएहिं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि । तस्स णं एवं भवइ-एवं खलु छजीवनिकाएहिं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि। नो चेव णं से एवं भवइ-इमेहिं वा २, से य तेहिं छहिं जीवनिकाएहिं जाव कारवेइ वि । से य तेहिं छहिं जीवनिकाएहिं असंजयअविरयअप्पडिहय-पच्चक्खायपावकम्मे, तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले । एस खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सुविणमवि अपस्सओ । पावे य से कम्मे कज्जइ । से तं सन्निदिट्ठन्ते ॥ से किं तं असन्निदिट्ठन्ते ? जे इमे असन्निणो पाणा, तं जहा-पुढवीकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा वेगइया तसा पाणा, जेसि नो तक्का इ वा सन्ना इ वा पन्ना इ वा मणा इ वा वई इ वा सयं वा करणाए अन्नेहि वा कारवेत्तए करन्तं वा समणुजाणित्तए, ते वि णं वाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्त-भूया मिच्छासंठिया निच्चं पसढविउवायचित्तदंडा तं० पाणाइवाए जाव मिच्छा-दंसणसल्ले । इच्चेव जाव नो चेव मणो नो चेव वई पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खण-याए सोयणयाए जूरणयाए तिप्पणयाए पिट्टणयाए परितप्पणयाए । ते दुक्ख-णसोयण जाव परितप्पणवहवन्धणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति । इति खलु से असन्निणो वि सत्ता अहोनिसिं पाणाइवाए उवक्खाइज्जन्ति जाव अहोनिसि परिग्गहे उवक्खाइज्जन्ति जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जन्ति [एवं भूयवाई] । सव्वजोणिया वि खलु सत्ता सन्निणो हुच्चा असन्निणो होन्ति असन्निणो हुच्चा सन्निणो होन्ति, होच्चा सन्नी अदुवा असन्नी, तत्थ से अविविचित्ता अविधूणित्ता असंमुच्छित्ता अणणुतावित्ता असन्निकायाओ वा सन्निकाए संकमन्ति सन्निकायाओ वा असन्निकायं संकमन्ति, सन्निकायाओ वा सन्निकायं संकमन्ति असन्निकायाओ वा असन्निकायं संकमन्ति । जे एए सन्नि वा असन्नि वा सव्वे ते मिच्छायारा निच्चं पसढविउवाय-चित्तदण्डा । तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले । एवं खलु भगवया अ-क्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगन्तदण्डे एगन्तवाले एगन्तसुत्ते से बाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि न पासइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥ ४ ॥ ७०९ ॥ चोयए-से किं कुव्वं किं कारवं कहं संजयविर-

ग्पपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे भवइ? आयरिय आह-तत्थ खलु भगवया छज्जीव-निकायहेऊ पन्नत्ता, तं जहा-पुढवीकाइया जाव तसकाइया। से जहानामए मम अस्सायं दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आतोडिज्जमाणस्स वा जाव उवद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेवं जाण सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आतोडिज्जमाणे वा हम्ममाणे वा तज्जिज्जमाणे वा तालिज्जमाणे जाव उवद्दविज्जमाणे वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेन्ति। एवं नच्चा सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता न हन्तव्वा जाव न उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे निइए सासए समिच्च लोगं खेयन्नेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव मिच्छा-दंसणसल्लाओ। से भिक्खू नो दन्तपक्खालणेणं दन्ते पक्खालेज्जा, नो अञ्जणं नो वमणं नो धूवणित्तं पि आइए। से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे जाव अलोभे उवसन्ते परिनिव्वुडे। एस खलु भगवया अक्खाए संजयविरयपडिहयपच्चक्खाय-पावकम्मे अकिरिए संवुडे एगन्तपण्डिए भवइ त्ति बेमि ॥ ५ ॥ ७१० ॥ **पच्च-क्खाणकिरियज्झयणं चउत्थं ॥**

आयारसुयज्झयणे पञ्चमे

आदाय बम्भचेरं च आसुपन्ने इमं वइं। अस्सि धम्मे अणायारं नायरेज्ज कयाइ वि ॥ १ ॥ ७११ ॥ अणाईयं परिन्नाय अणवदग्गे त्ति वा पुणो। सासयमसासए वा इइ दिट्ठिं न धारए ॥ २ ॥ ७१२ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ३ ॥ ७१३ ॥ समुच्छिहिन्ति सत्थारो सव्वे पाणा अणेलिसा। गण्ठिगा वा भविस्सन्ति सासयं ति व नो वए ॥ ४ ॥ ॥ ७१४ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ५ ॥ ७१५ ॥ जे केइ खुद्दगा पाणा अदुवा सन्ति महालया। सरिसं तेहि वेरं ति असरिसं ति य नो वए ॥ ६ ॥ ७१६ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ७ ॥ ७१७ ॥ अहाकम्माणि भुञ्जन्ति, अन्नमन्ने सकम्मुणा। उवलित्ते त्ति जाणिज्जा अणुवलित्ते त्ति वा पुणो ॥ ८ ॥ ७१८ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ९ ॥ ७१९ ॥ जमिदं ओरालमाहारं कम्मगं च तहेव य। सव्वत्थ वीरियं अत्थि नत्थि सव्वत्थ वीरियं ॥ १० ॥ ७२० ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ११ ॥ ७२१ ॥

नत्थि लोए अलोए वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि लोए अलोए वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १२ ॥ ७२२ ॥ नत्थि जीवा अजीवा वा नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि जीवा अजीवा वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १३ ॥ ७२३ ॥ नत्थि धम्मे अधम्मे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि धम्मे अधम्मे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १४ ॥ ७२४ ॥ नत्थि बन्धे व मोक्खे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि बन्धे व मोक्खे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १५ ॥ ७२५ ॥ नत्थि पुण्णे व पावे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि पुण्णे व पावे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १६ ॥ ७२६ ॥ नत्थि आसवे संवरे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि आसवे संवरे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १७ ॥ ७२७ ॥ नत्थि वेयणा निज्जरा वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि वेयणा निज्जरा वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १८ ॥ ७२८ ॥ नत्थि किरिया अकिरिया वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि किरिया अकिरिया वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १९ ॥ ७२९ ॥ नत्थि कोहे व माणे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि कोहे व माणे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २० ॥ ७३० ॥ नत्थि माया व लोभे वा नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि माया व लोभे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २१ ॥ ७३१ ॥ नत्थि पेज्जे व दोसे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि पेज्जे व दोसे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २२ ॥ ७३२ ॥ नत्थि चाउरन्ते संसारे नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि चाउरन्ते संसारे एवं सन्नं निवेसए ॥ २३ ॥ ७३३ ॥ नत्थि देवो व देवी वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि देवो व देवी वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २४ ॥ ७३४ ॥ नत्थि सिद्धी असिद्धी वा नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि सिद्धी असिद्धी वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २५ ॥ ७३५ ॥ नत्थि सिद्धी नियं ठाणं नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि सिद्धी नियं ठाणं एवं सन्नं निवेसए ॥ २६ ॥ ७३६ ॥ नत्थि साहू असाहू वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि साहू असाहू वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २७ ॥ ७३७ ॥ नत्थि कल्लाण पावे वा नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि कल्लाण पावे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २८ ॥ ७३८ ॥ कल्लाणे पावए वा वि ववहारो न विज्जइ। जं वेरं तं न जाणन्ति समणा वालपण्डिया ॥ २९ ॥ ७३९ ॥ असेसं अक्खयं वावि सव्वदुक्खे इ वा पुणो। वज्झा पाणा न वज्झ त्ति इइ वायं न नीसरे ॥ ३० ॥ ७४० ॥ दीसन्ति समियायारा भिक्खुणो साहुजीविणो । एए मिच्छोवजीवन्ति इइ दिट्ठिं न धारए ॥ ३१ ॥ ७४१ ॥ दक्खिणाए पडिलम्भो अत्थि वा नत्थि वा पुणो। न वियागरेज्ज मेहावी सन्तिमग्गं च वूहए ॥ ३२ ॥ ७४२ ॥ इच्चेएहिं ठाणेहिं जिणदिट्ठेहिं संजए। धारयन्ते उ अप्पाणं आ मोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ ३३ ॥ ७४३ ॥ त्ति बेमि ॥ आयारसुयज्झयणं पञ्चमं ॥

अद्दइज्झयणे छट्ठे

पुराकडं अद्द इमं सुणेह मेगन्तयारी समणे पुरासी । से भिक्खुणो उवणेत्ता अणेगे आइक्खएण्हिं पुढो वित्थरेणं ॥ १ ॥ ७४४ ॥ साऽऽजीविया पट्ठवियाऽथिरेणं सभागओ गणओ भिक्खुमज्झे । आइक्खमाणो बहुजन्नमत्थं न संधयाई अवरेण पुव्वं ॥ २ ॥ ७४५ ॥ एगन्तमेवं अदुवा वि एण्हिं दोऽवन्नमन्नं न समेइ जम्हा । पुव्विं च एण्हिं च अणागयं वा एगन्तमेवं पडिसंधयाइ ॥ ३ ॥ ७४६ ॥ समिच्च लोगं तसथावराणं खेमंकरे समणे माहणे वा । आइक्खमाणो वि सहस्समज्झे एगन्तयं सारयई तहच्चे ॥ ४ ॥ ७४७ ॥ धम्मं कहन्तस्स उ नत्थि दोसो खन्तस्स दन्तस्स जिइन्दियस्स । भासाय दोसे य विवज्जगस्स गुणे य भासाय निसेवगस्स ॥ ५ ॥ ७४८ ॥ महव्वए पञ्च अणुव्वए य तहेव पञ्चासव संवरे य । विरइं इह स्सामणियम्मि पण्णे लवावसक्की समणे त्ति बेमि ॥ ६ ॥ ७४९ ॥ सीओदगं सेवउ बीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एगन्तचारिस्सिह अम्ह धम्मे तवस्सिणो नाभिसमेइ पावं ॥ ७ ॥ ७५० ॥ सीओदगं वा तह बीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एयाइ जाणं पडिसेवमाणा अगारिणो अस्समणा भवन्ति ॥ ८ ॥ ॥ ७५१ ॥ सिया य बीयोदगइत्थियाओ पडिसेवमाणा समणा भवन्तु । अगारिणो वि समणा भवन्तु सेवन्ति ऊ ते पि तहप्पगारं ॥ ९ ॥ ७५२ ॥ जे यावि बीयोदगभोइ भिक्खू भिक्खं विहं जायइ जीवियट्ठी । ते नाइसंजोगमविप्पहाय कायोवगा नन्तकरा भवन्ति ॥ १० ॥ ७५३ ॥ इमं वयं तु तुम पाउकुव्वं पावाइणो गरिहसि सव्व एव । पावाइणो पुढो किट्टयन्ता सयं सयं दिट्ठि करेन्ति पाउ ॥ ११ ॥ ॥ ७५४ ॥ ते अन्नमन्नस्स उ गरहमाणा अक्खन्ति भो समणा माहणा य । सओ य अत्थी असओ य नत्थि गरहामु दिट्ठिं न गरहामु किंचि ॥ १२ ॥ ७५५ ॥ न किंचि रूवेणऽभिधारयामो सदिट्ठिमग्गं तु करेमु पाउं । मग्गे इमे किट्टिए आरिएहिं अणुत्तरे सप्पुरिसेहिं अञ्जू ॥ १३ ॥ ७५६ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । भूयाहिसंकाभिदुगुञ्छमाणा नो गरहइ वुसिमं किंचि लोए ॥ १४ ॥ ७५७ ॥ आगन्तगारे आरामगारे समणे उ भीए न उवेइ वासं । दक्खा हु सन्ती बहवे मणुस्सा ऊणाइरित्ता य लवालवा य ॥ १५ ॥ ७५८ ॥ मेहाविणो सिक्खिय बुद्धिमन्ता सुत्तेहि अत्थेहि य निच्छयन्ना । पुच्छिसु मा णे अणगार अन्ने इइ संकमाणो न उवेइ तत्थ ॥ १६ ॥ ७५९ ॥ नो कामकिच्चा न य बालकिच्चा रायाभियोगेण कुओ भएणं । वियागरेज्ज पसिणं न वा वि सकामकिच्चेणिह आरियाणं ॥ १७ ॥ ७६० ॥ गन्ता च तत्था अदुवा अगन्ता वियागरेज्जा समियासुपन्ने ।

अणारिया दंसणओ परित्ता इइ संकमाणो न उवेइ तत्थ ॥ १८ ॥ ७६१ ॥ पण्णं जहा वणिए उदयट्ठी आयस्स हेउं पगरेइ सङ्गं । तयोवमे समणे **नायपुत्ते** इच्चेव मे होइ मई वियक्को ॥ १९ ॥ ७६२ ॥ नवं न कुज्जा विहुणे पुराणं चिच्चाऽमइं ताइ य साह एवं । एयावया बम्भवइ त्ति वुत्ता तस्सोदयट्ठी समणे त्ति बेमि ॥ २० ॥ ॥ ७६३ ॥ समारभन्ते वणिया भूयगामं परिग्गहं चेव ममायमाणा । ते नाइसंजोगमविप्पहाय आयस्स हेउं पगरेन्ति सङ्गं ॥ २१ ॥ ७६४ ॥ वित्तेसिणो मेहुणसंपगाढा ते भोयणट्ठा वणिया वयन्ति । वयं तु कामेसु अज्झोववन्ना अणारिया पेमरसेसु गिद्धा ॥ २२ ॥ ७६५ ॥ आरम्भगं चेव परिग्गहं च अविउस्सिया निस्सिय आयदण्डा । तेसिं च से उदए जं वयासी चउरन्तणन्ताय दुहाय नेह ॥ २३ ॥ ७६६ ॥ नेगन्ति नच्चन्ति य ओदए सो वयन्ति ते दो वि गुणोदयम्मि । से उदए साइमणन्तपत्ते तमुदयं साहयइ ताइ नाई ॥ २४ ॥ ७६७ ॥ अहिंसयं सव्वपयाणुकम्पी धम्मे ठियं कम्मविवेगहेउं । तमायदण्डेहिं समायरन्ता अबोहिए ते पडिरूवमेयं ॥ २५ ॥ ७६८ ॥ पिण्णागपिण्डीमवि विद्ध सूले केई पएज्जा पुरिसे इमे त्ति । अलाउयं वा वि कुमारए त्ति स लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥२६॥ ७६९ ॥ अहवा वि विद्धूण मिलक्खु सूले पिण्णागबुद्धीइ नरं पएज्जा । कुमारगं वा वि अलाबुयं ति न लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥ २७ ॥ ७७० ॥ पुरिसं च विद्धूण कुमारगं वा सूलंमि केई पएँ जायतेए । पिण्णागपिण्डं सइमारुहेत्ता बुद्धाण तं कप्पइ पारणाए ॥ २८ ॥ ७७१ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए भिक्खुयाणं । ते पुण्णखन्धं सुमहं जिणित्ता भवन्ति आरोप्प महन्त सत्ता ॥ २९ ॥ ७७२ ॥ अजोगरूवं इह संजयाणं पावं तु पाणा ण पसज्झ काउं । अबोहिए दोण्ह वि तं असाहु वयन्ति जे यावि पडिस्सुणन्ति ॥ ३० ॥ ७७३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु विन्नाय लिङ्गं तसथावराणं । भूयाभिसंकाइ दुगुञ्छमाणे वए करेज्जा व कुओ विहऽत्थि ॥ ३१ ॥ ७७४ ॥ पुरिसे त्ति विन्नत्ति न एवमत्थि अणारिए से पुरिसे तहा हु । को संभवो पिण्णगपिण्डियाए वाया वि एसा बुइया असच्चा ॥ ३२ ॥ ७७५ ॥ वायाभियोगेण जमावहेज्जा नो तारिसं वायमुदाहरेज्जा । अट्ठाणमेयं वयणं गुणाणं नो दिक्खिए बूयसुरालमेयं ॥ ३३ ॥ ७७६ ॥ लद्धे अट्ठे अहो एव तुब्भे जीवाणुभागे सुविचिन्तिए व । पुव्वं समुद्दं अवरं च पुट्ठे ओलोइए पाणितले ठिए वा ॥ ३४ ॥ ७७७ ॥ जीवाणुभागं सुविचिन्तयन्ता आहारिया अन्नविहीएँ सोहिं । न वियागरे छन्नपओपजीवी एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥ ३५ ॥ ७७८ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए भिक्खुयाणं । असंजए लोहियपाणि से ऊ

नियच्छई गरिहमिहेव लोए ॥ ३६ ॥ ७७९ ॥ थूलं उरब्भं इह मारियाणं उद्दिट्ठभत्तं च पगप्पएत्ता । तं लोणतेल्लेण उवक्खडेत्ता सपिप्पलीयं पगरन्ति मंसं ॥३७॥ ॥ ७८० ॥ तं भुञ्जमाणा पिसियं पभूयं नो ओवलिप्पामु वयं रएणं । इच्चेवमाहंसु अणज्जधम्मा अणारिया वाल रसेसु गिद्धा ॥ ३८ ॥ ७८१ ॥ जे यावि भुञ्जन्ति तहप्पगारं सेवन्ति ते पावमजाणमाणा । मणं न एयं कुसला करेन्ति वाया वि एसा वुइया उ मिच्छा ॥ ३९ ॥ ७८२ ॥ सव्वेसि जीवाण दयट्ठयाए सावज्जदोसं परिवज्जयन्ता । तस्संकिणो इसिणो **नायपुत्ता** उद्दिट्ठभत्तं परिवज्जयन्ति ॥ ४० ॥ ॥ ७८३ ॥ भूयाभिसंकाए दुगुञ्छमाणा सव्वेसि पाणाण निहाय दण्डं । तम्हा न भुञ्जन्ति तहप्पगारं एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥ ४१ ॥ ७८४ ॥ निग्गन्थधम्मम्मि इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा अणिहे चरेज्जा । वुद्धे मुणी सीलगुणोववेए अच्चत्थयं पाउणई सिलोगं ॥ ४२ ॥ ७८५ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए माहणाणं । ते पुण्णखन्धे सुमहऽज्जणित्ता भवन्ति देवा इइ वेयवाओ ॥४३॥७८६॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए कुलालयाणं । से गच्छई लोलुवसंपगाढे तिव्वाभितावी नरगाभिसेवी ॥ ४४ ॥ ७८७ ॥ दयावरं धम्म दुगुञ्छमाणा वहावहं धम्म पसंसमाणा । एगं पि जे भोययई असीलं निवो निसं जाइ कुओऽसुरेहिं ॥ ४५ ॥ ७८८ ॥ दुहओ वि धम्मम्मि समुट्ठियामो अस्सिं सुट्ठिच्चा तह एसकालं । आयारसीले वुइएह नाणी न संपरायम्मि विसेसमत्थि ॥ ४६ ॥ ७८९ ॥ अव्वत्तरूवं पुरिसं महन्तं सणातणं अक्खयमव्वयं च । सव्वेसु भूएसु वि सव्वओ से चन्दो व ताराहि समत्तरूवे ॥ ४७ ॥ ७९० ॥ एवं न मिज्जन्ति न संसरन्ति न माहणा खत्तिय वेस पेसा । कीडा य पक्खी य सरीसिवा य नरा य सव्वे तह देवलोगा ॥ ४८ ॥ ७९१ ॥ लोगं अयाणित्तिह केवलेणं कहन्ति जे धम्ममजाणमाणा । नासन्ति अप्पाण परं च नट्ठा संसार घोरम्मि अणोरपारे ॥ ४९ ॥ ७९२ ॥ लोगं विजाणन्तिह केवलेणं पुण्णेण नाणेण समाहिजुत्ता । धम्मं समत्तं च कहन्ति जे उ तारन्ति अप्पाण परं च तिण्णा ॥ ५० ॥ ७९३ ॥ जे गरहियं ठाणमिहावसन्ति जे यावि लोए चरणोववेया । उदाहडं तं तु समं मईए अहाउसो विप्परियासमेव ॥ ५१ ॥ ७९४ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं बाणेण मारेउ महागयं तु । सेसाण जीवाण दयट्ठयाए वासं वयं वित्ति पकप्पयामो ॥ ५२ ॥ ७९५ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं पाणं हणन्ता अणियत्तदोसा । सेसाण जीवाण वहेण लग्गा सिया य थोवं गिहिणो वि तम्हा ॥ ५३ ॥ ७९६ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं पाणं हणन्ता समणव्वएसु । आयाहिए से पुरिसे अणज्जे न तारिसे केवलिणो भवन्ति

॥ ५४ ॥ ७९७ ॥ बुद्धस्स आणाए इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण ताई । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं आयाणवं धम्ममुदाहरेज्ज ॥ ५५ ॥ ७९८ ॥ त्ति बेमि ॥ अद्दइज्जज्झयणं छट्ठं ॥

नालन्दइज्जज्झयणे सत्तमे

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे (वण्णओ) जाव पडिरूवे । तस्स णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं नालन्दा नामं बाहिरिया होत्था अणेगभवणसयसंनिविट्ठा जाव पडिरूवा । तत्थ णं नालन्दाए बाहिरियाए लेवे नामं गाहावई होत्था अड्ढे दित्ते वित्ते वित्थिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरजए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था ॥ १ ॥ ७९९ ॥ से णं लेवे नामं गाहावई समणोवासए यावि होत्था अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ निग्गन्थे पावयणे निस्संकिए निक्कंखिए निव्विइगिच्छे लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगहियट्ठे अट्ठिमिञ्जा पेमाणुरागरत्ते । अयमाउसो निग्गन्थे पावयणे, अयं अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे अणट्ठे, उस्सियफलिहे अप्पावयदुवारे चियत्तन्तेउरप्पवेसे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणे समणे निग्गन्थे तहाविहेणं एसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे बहूहिं सीलव्वयगुणविरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणे एवं च णं विहरइ ॥ २ ॥ ८०० ॥ तस्स णं लेवस्स गाहावइस्स नालन्दाए बाहिरियाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं सेसदविया नामं उदगसाला होत्था अणेगखम्भसयसंनिविट्ठा पासादीया जाव पडिरूवा । तीसे णं सेसदवियाए उदगसालाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं हत्थिजामे नामं वणसण्डे होत्था किण्हे (वण्णओ वणसण्डस्स) ॥ ३ ॥ ८०१ ॥ तस्सिं च णं गिहपदेसम्मि भगवं गोयमे विहरइ, भगवं च णं अहे आरामंसि । अहे णं उदए पेढालपुत्ते भगवं पासावच्चिज्जे निग्गण्ठे मेयज्जे गोत्तेणं जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी–आउसंतो गोयमा, अत्थि खलु मे केइ पदेसे पुच्छियव्वे, तं च आउसो अहासुयं अहादरिसियं मे वियागरेहि सवायं । भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–अवियाइ आउसो, सोच्चा निसम्म जाणिस्सामो सवायं । उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी ॥ ४ ॥

॥ ८०२ ॥ आउसो गोयमा, अत्थि खलु कुमारपुत्तिया नाम समणा निग्गन्था तुम्हागं पवयणं पवयमाणा गाहावइं समणोवासगं उवसंपन्नं एवं पच्चक्खावेन्ति। नन्नत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं। एवं ण्हं पच्चक्खन्ताणं दुप्पच्चक्खायं भवइ। एवं ण्हं पच्चक्खावेमाणाणं दुपच्चक्खावियव्वं भवइ। एवं ते परं पच्चक्खावेमाणा अइयरन्ति सयं पइण्णं। कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायंसि उववज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जन्ति। तेसिं च णं थावरकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं घत्तं ॥५॥८०३॥ एवं ण्हं पच्चक्खन्ताणं सुपच्चक्खाय भवइ। एवं ण्हं पच्चक्खावेमाणाणं सुपच्चक्खावियं भवइ। एवं ते पर पच्चक्खावेमाणा नाइयरन्ति सयं पइण्णं नन्नत्थ अभियोगेणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसभूएहिं पाणेहिं निहाय दण्डं। एवमेव सइ भासाए परक्कमे विज्जमाणे जे ते कोहा वा लोहा वा परं पच्चक्खावेन्ति अयं पि नो उवएसे नो नेयाउए भवइ। अवियाइ आउसो गोयमा तुब्भं पि एवं रोयइ? ॥६॥८०४॥ सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–आउसन्तो उदगा, नो खलु अम्हे एवं रोयइ। जे ते समणा वा माहणा वा एवमाइक्खन्ति जाव परूवेन्ति नो खलु ते समणा वा निग्गन्था भासं भासन्ति, अणुतावियं खलु ते भासं भासन्ति, अब्भाइक्खन्ति खलु ते समणे समणोवासए वा जेहिं पि अन्नेहिं जीवेहिं पाणेहि भूएहिं सत्तेहिं संजमयन्ति ताण वि ते अब्भाइक्खन्ति। कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति थावरा वि वा पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायंसि उववज्जन्ति, तेसिं च णं तसकायंसि उववन्नाणं ठाणमेयं अघत्तं ॥ ७ ॥ ८०५ ॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–कयरे खलु ते आउसन्तो गोयमा तुब्भे वयह तसा पाणा तसा आउ अन्नहा? सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–आउसन्तो उदगा जे तुब्भे वयह तसभूया पाणा तसा ते वयं वयामो तसा पाणा, जे वयं वयामो तसा पाणा ते तुब्भे वयह तसभूया पाणा। एए सन्ति दुवे ठाणा तुल्ला एगट्ठा। किमाउसो इमे भे सुप्पणीयतराए भवइ तसभूया पाणा तसा, इमे भे दुप्पणीयतराए भवइ–तसा पाणा तसा। तओ एगमाउसो पडिक्कोसह एक्कं अभिनन्दह। अयं पि भेदो से नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु–सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–नो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए।

सावयं ण्हं अणुपुव्वेणं गुत्तस्स लिसिस्सामो। ते एवं संखवेन्ति, ते एवं संखं ठवयन्ति ते एवं संखं ठावयन्ति नन्नत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं। तं पि तेसिं कुसलमेव भवइ ॥८॥८०६॥ तसा वि वुच्चन्ति तसा तससंभारकडेणं कम्मुणा नामं च णं अब्भुवगयं भवइ, तसाउयं च णं पलिक्खीणं भवइ, तसकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहन्ति । ते तओ आउयं विप्पजहित्ता थावरत्ताए पच्चायन्ति । थावरा वि वुच्चन्ति थावरा थावरसंभारकडेणं कम्मुणा नामं च णं अब्भुवगयं भवइ थावराउयं च णं पलिक्खीणं भवइ। थावरकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहन्ति तओ आउयं विप्पजहित्ता भुज्जो परलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ॥ ९ ॥ ८०७ ॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भयवं गोयमं एवं वयासी–आउसन्तो गोयमा नत्थि णं से केइ परियाए जं णं समणोवासगस्स एगपाणाइवायविरए वि दण्डे निक्खित्ते । कस्स णं तं हेउं ? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जन्ति, तेसिं च णं थावरकायंसि उववन्नाणं ठाणमेयं घत्तं । सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–नो खलु आउसो अम्हाकं वत्तव्वएणं तुब्भं चेव अणुप्पवाएणं अत्थि णं से परियाए जे णं समणोवासगस्स सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते भवइ । कस्स णं तं हेउं ? संसारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जन्ति, तेसिं च णं तसकायंसि उववन्नाणं ठाणमेयं अघत्तं । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ। से महया तसकायाओ उवसन्तस्स उवट्ठियस्स पडिविरयस्स जं णं तुब्भे वा अन्नो वा एवं वयह–नत्थि णं से केइ परियाए जंसि समणोवासगस्स एगपाणाए वि दण्डे निक्खित्ते। अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ १० ॥ ८०८ ॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा। आउसन्तो नियण्ठा इह खलु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तेसिं च एवं वुत्तपुव्वं भवइ–जे इमे मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए एसिं च णं आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते। जे इमे अगारमावसन्ति एएसिं

णं आमरणन्ताए दण्डे नो निक्खित्ते। केई च णं समणा जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छट्ठद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जित्ता अगारमावसेज्जा? हंता-वसेज्जा। तस्स णं तं गारत्थं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे भङ्गे भवइ? नो इणट्ठे समट्ठे। एवमेव समणोवासगस्स वि तसेहिं पाणेहिं दण्डे निक्खित्ते, थावरेहिं पाणेहिं दण्डे नो निक्खित्ते। तस्स णं तं थावरकायं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे नो भङ्गे भवइ। से एवमायाणह? नियण्ठा। एवमायाणियव्वं॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसन्तो नियण्ठा इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्तो वा तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा? हन्ता उवसंकमेज्जा। तेसिं च णं तहप्पगाराणं धम्मं आइक्खियव्वे? हन्ता आइक्खियव्वे। किं ते तहप्पगारं धम्मं सोच्चा निसम्म एवं वएज्जा इणमेव निग्गन्थं पावयणं सच्चं अणुत्तरं केवलियं पडिपुण्णं संसुद्धं नेयाउयं सल्लकत्तणं सिद्धिमग्गं मुत्तिमग्गं निज्जाणमग्गं निव्वाणमग्गं अवितहमसंदिद्धं सव्वदुक्खप्पहीणमग्गं। एत्थ ठिया जीवा सिज्झन्ति वुज्झन्ति मुच्चन्ति परिणिव्वायन्ति सव्वदुक्खाणमन्तं करेन्ति। तमाणाए तहा गच्छामो तहा चिट्ठामो तहा निसीयामो तहा तुयट्टामो तहा भुञ्जामो तहा भासामो तहा अब्भुट्ठामो तहा उट्ठाए उट्ठेमो त्ति पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं संजमेणं संजमामो त्ति वएज्जा? हन्ता वएज्जा। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति पव्वावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति मुण्डावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति सिक्खावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति उवट्ठावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। तेसिं च णं तहप्पगाराणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते? हंता निक्खित्ते। से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छट्ठद्दसमाइं वा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जेत्ता अगारं वएज्जा? हन्ता वएज्जा। तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते? नो इणट्ठे समट्ठे। से जे से जीवे जस्स परेणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स आरेणं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स इयाणिं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहि दण्डे नो निक्खित्ते भवइ, परेणं असंजए आरेणं संजए, इयाणिं असंजए, असंजयस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते भवइ। से एवमायाणह? नियण्ठा से एवमायाणियव्वं॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसन्तो नियण्ठा इह खलु परिव्वाइया वा परिव्वाइयाओ वा अन्नयरेहितो तित्थाययणेहिंतो आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा? हन्ता उवसंकमेज्जा।

किं तेसिं तहप्पगारेणं धम्मे आइक्खियव्वे ? हन्ता आइक्खियव्वे । तं चेव उव-ट्ठावित्तए जाव कप्पन्ति ? हन्ता कप्पन्ति । किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति संभुञ्जित्तए ? हन्ता कप्पंति । ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा तं चेव जाव अगारं वएज्जा ? हन्ता वएज्जा । ते णं तहप्पगारा कप्पन्ति संभुञ्जित्तए ? नो इणट्ठे समट्ठे । से जे से जीवे जे परेणं नो कप्पन्ति संभुञ्जित्तए । से जे से जीवे आरेणं कप्पन्ति संभुञ्जित्तए । से जे से जीवे जे इयाणिं नो कप्पन्ति संभुञ्जित्तए । परेणं अस्समणे आरेणं समणे, इयाणिं अस्समणे, अस्समणेणं सद्धिं नो कप्पन्ति समणाणं निग्गंथाणं संभुञ्जित्तए । से एवमायाणह ? नियण्ठा से एवमायाणियव्वं ॥ ११ ॥ ८०९ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ-नो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । वयं णं चाउद्दसट्ठ-मुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा विहरिस्सामो । थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो, एवं थूलगं मुसावायं थूलगं अदिन्नादाणं थूलगं मेहुणं थूलगं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो । इच्छापरिमाणं करिस्सामो, दुविहं तिविहेणं । मा खलु ममट्ठाए किंचि करेह वा करावेह वा तत्थ वि पच्चक्खाइस्सामो । ते णं अभोच्चा अपिच्चा असिणाइत्ता आसन्दीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता, ते तहा कालगया किं वत्तव्वं सिया-सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चन्ति ते तसा वि वुच्चन्ति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणो-वासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्च-क्खायं भवइ । इति से महयाओ जं णं तुब्भे वयह तं चेव जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ-नो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वइत्तए । नो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जाव अणुपाले-माणे विहरित्तए । वयं णं अपच्छिममारणन्तियं संलेहणाजूसणाजूसिया भत्तपाणं पडियाइक्खिया जाव कालं अणवकंखमाणा विहरिस्सामो । सव्वं पाणाइवायं पच्च-क्खाइस्सामो जाव सव्वं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो तिविहं तिविहेणं मा खलु मम-ट्ठाए किंचि वि जाव आसन्दीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता एए तहा कालगया, किं वत्तव्वं सिया सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा-महइच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अहम्मिया जाव दुप्पडियाणंदा जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो

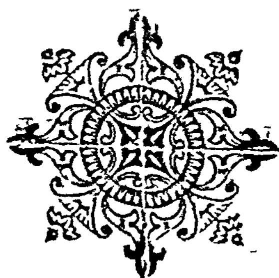
आमरणंताए दंडे निक्खित्ते ते तओ आउगं विप्पजहंति तओ भुज्जो सगमादाए दुग्गइगामिणो भवंति, ते पाणावि वुच्चंति ते तसावि वुच्चंति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते बहुयरगा आयाणसो इति से महयाओ णं जण्णं तुब्भे वदह तं चेव अयंपि भेदे से णो णेयाउए भवइ–भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा–अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया जावज्जीवाए, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते, ते तओ आउगं विप्पजहन्ति, ते तओ भुज्जो सगमायाए सोग्गइगामिणो भवन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा–अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव एगच्चाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते। ते तओ आउगं विप्पजहन्ति, तओ भुज्जो सगमादाए सोग्गइगामिणो भवन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा–आरण्णिया आवसहिया गामणियन्तिया कण्हुईरहस्सिया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते भवइ। नो वहुसंजया नो वहुपडिविरया पाणभूयजीवसत्तेहिं अप्पणा सच्चामोसाइं एवं विप्पडिवेदेन्ति–अहं न हन्तव्वो अन्ने हन्तव्वा जाव कालमासे कालं किच्चा अन्नयराइं आसुरियाइं किव्विसियाइं जाव उववत्तारो भवन्ति, तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमुयत्ताए तमोरूवत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया पाणा दीहाउया जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेन्ति करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति। ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते दीहाउया ते बहुयरगा, पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया पाणा समाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते सयमेव कालं करेन्ति, करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते समाउया ते बहुयरगा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया पाणा अप्पाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेन्ति, करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि

वुच्चन्ति, ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ । भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–नो खलु वयं संचाएमो मुण्डे भवित्ता जाव पव्वइत्तए । नो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं अणुपालित्तए । नो खलु वयं संचाएमो अपच्छिमं जाव विहरित्तए वयं च णं सामाइयं देसावगासियं पुरत्था पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा एयावया जाव सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते सव्वपाणभूयजीवसत्तेहिं खेमंकरे अहमंसि । तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते । तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे जाव नेयाउए भवइ ॥ ८१० ॥ तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहन्ति । विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अनिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अनिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे निक्खित्ते, ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा ते चिरट्ठिइया जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...तेसु पच्चायन्ति, तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहन्ति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए... तेसु पच्चायन्ति, तेसु समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे ते आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते, ते तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता ते तत्थ आरेणं चेव जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणट्ठाए ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो...। तत्थ जे ते आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते, अणट्ठाए निक्खित्ते तओ आउं विप्पज-

हन्ति । विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० तेसु पच्चायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ । तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० ते तओ आउं विप्पजहन्ति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...तेसु पच्चायन्ति । तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ । तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...ते तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणिक्खित्ते, अणट्ठाए निक्खित्ते जाव ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो...। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए... ते तओ आउं विप्पजहन्ति । विप्पजहित्ता ते तत्थ परेणं चेव जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो...। भगवं च णं उदाहु न एयं भूयं न एयं भव्वं न एयं भविस्सइ जं णं तसा पाणा वोच्छिज्जिहिन्ति थावरा पाणा भविस्सन्ति, थावरा पाणा वि वोच्छिज्जिहिन्ति तसा पाणा भविस्सन्ति । अवोच्छिन्नेहिं तसथावरेहिं पाणेहिं जं णं तुब्भे वा अन्नो वा एवं वदह–नत्थि णं से केइ परियाए जाव नो नेयाउए भवइ ॥ ८११ ॥ भगवं च णं उदाहु आउसन्तो उदगा जे खलु समणं वा माहणं वा परिभासेइ मित्ति मन्नन्ति आगमित्ता नाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अकरणयाए से खलु परलोगपलिमन्थत्ताए चिट्ठइ, जे खलु समणं वा माहणं वा नो परिभासइ मित्ति मन्नन्ति आगमित्ता णाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अकरणयाए से खलु परलोगविसुद्धीए चिट्ठइ । तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं अणाढायमाणे जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पहारेत्थ गमणाए । भगवं च णं उदाहु आउसन्तो उदगा जे खलु तहाभूयस्स समणस्स वा माहणस्स वा अन्तिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म अप्पणो चेव सुहुमाए पडिलेहाए अणुत्तरं जोगखेमपयं लम्भिए समाणे सो वि ताव तं आढाइ परिजाणेइ वन्दइ नमंसइ सक्कारेइ सम्माणेइ जाव कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ । तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–एएसिं णं भन्ते पदाणं पुव्वि

अन्नाणयाए असवणयाए अबोहिए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं असुयाणं अमुयाणं अविन्नायाणं अव्वोगडाणं अविगूढाणं अविच्छिन्नाणं अणिसिट्ठाणं अणिवूढाणं अणुवहारियाणं एयमट्ठं नो सद्दहियं नो पत्तियं नो रोइयं। एएसिं णं भन्ते पदाणं एण्हिं जाणयाए सवणयाए बोहिए जाव उवहारणयाए एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एवमेव से जहेयं तुब्भे वदह। तए णं भगवं गोयमे उदगं पेढालपुत्तं एवं वयासी सद्दहाहि णं अज्जो पत्तियाहि णं अज्जो रोएहि णं अज्जो एवमेयं जहा णं अम्हे वयामो। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–इच्छामि णं भन्ते तुब्भं अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए॥ तए णं से भगवं गोयमे उदगं पेढालपुत्तं गहाय जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करित्ता वन्दइ नमंसइ वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भन्ते तुब्भं अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए। तए णं समणे भगवं महावीरे उदगं एवं वयासी–अहासुहं देवाणुप्पिया मा पडिबन्धं करेहि। तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ त्ति बेमि॥ १४॥ ८१२॥ **नालन्दइज्जज्झयणं सत्तमं॥**

सूयगडं समत्तं॥



णमो त्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

ठाणे

पढमं ठाणं

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं, एगे आया ॥ १ ॥ एगे दंडे ॥ २ ॥ एगा किरिया ॥ ३ ॥ एगे लोए ॥ ४ ॥ एगे अलोए ॥ ५ ॥ एगे धम्मे ॥ ६ ॥ एगे अहम्मे ॥ ७ ॥ एगे बंधे ॥ ८ ॥ एगे मोक्खे ॥ ९ ॥ एगे पुण्णे ॥ १० ॥ एगे पावे ॥ ११ ॥ एगे आसवे ॥ १२ ॥ एगे संवरे ॥ १३ ॥ एगा वेयणा ॥ १४ ॥ एगा णिज्जरा ॥ १५ ॥ एगे जीवे पाडिक्कएणं सरीरएणं ॥ १६ ॥ एगा जीवाणं अपरिआइत्ता विगुव्वणा ॥ १७ ॥ एगे मणे ॥ १८ ॥ एगा वई ॥ १९ ॥ एगे कायवायामे ॥ २० ॥ एगा उप्पा ॥ २१ ॥ एगा वियती ॥ २२ ॥ एगा वियच्चा ॥ २३ ॥ एगा गई ॥ २४ ॥ एगा आगई ॥ २५ ॥ एगे चयणे ॥ २६ ॥ एगे उववाए ॥ २७ ॥ एगा तक्का ॥ २८ ॥ एगा सन्ना ॥ २९ ॥ एगा मन्ना ॥ ३० ॥ एगा विन्नू ॥ ३१ ॥ एगा वेयणा ॥ ३२ ॥ एगा छेयणा ॥ ३३ ॥ एगा भेयणा ॥ ३४ ॥ एगे मरणे अंतिमसारीरियाणं ॥ ३५ ॥ एगे संसुद्धे अहाभूते पत्ते ॥ ३६ ॥ एगे दुक्खे जीवाणं ॥ ३७ ॥ एगे भूए ॥ ३८ ॥ एगा अहम्मपडिमा जं से आया पडिकिलेसइ ॥ ३९ ॥ एगा धम्मपडिमा जं से आया पज्जवजाए ॥ ४० ॥ एगे मणे देवासुरमणुआणं तंसि तंसि समयंसि; एगा वई देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि; एगे कायवायामे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि ॥ ४१ ॥ एगे नाणे ॥ ४२ ॥ एगे दंसणे ॥ ४३ ॥ एगे चरित्ते ॥ ४४ ॥ एगे समए ॥ ४५ ॥ एगे पएसे ॥ ४६ ॥ एगे परमाणू ॥ ४७ ॥ एगा सिद्धी ॥ ४८ ॥ एगे सिद्धे ॥ ४९ ॥ एगे परिनिव्वाणे ॥ ५० ॥ एगे परिनिव्वुए ॥ ५१ ॥ एगे सद्दे ॥ ५२ ॥ एगे रूवे ॥ ५३ ॥ एगे गंधे ॥ ५४ ॥ एगे रसे ॥ ५५ ॥ एगे फासे ॥ ५६ ॥ एगे सुब्भिसद्दे, एगे दुब्भिसद्दे ॥ ५७ ॥ एगे सुरूवे एगे दुरूवे ॥ ५८ ॥ एगे दीहे एगे हस्से ॥ ५९ ॥ एगे वट्टे-एगे तंसे-एगे चउरंसे-एगे पिहुले-एगे परिमंडले ॥ ६० ॥ एगे किण्हे-एगे नीले एगे लोहिए-एगे हालिद्दे-एगे सुक्किल्ले ॥ ६१ ॥ एगे सुब्भिगंधे-एगे दुब्भिगंधे ॥ ६२ ॥ एगे तित्ते-एगे कडुए-एगे कसाए एगे अंबिले-एगे महुरे ॥ ६३ ॥ एगे कक्खडे-जाव एगे लुक्खे ॥ ६४ ॥ एगे

पाणाइवाए जाव एगे परिग्गहे ॥ एगे कोहे जाव लोहे, एगे पेज्जे, एगे दोसे, जाव एगे परपरिवाए, एगा अरइरइ, एगे मायामोसे एगे मिच्छादंसणसल्ले ॥ ६५ ॥ एगे पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, एगे कोहविवेगे, जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे ॥६६॥ एगा ओसप्पिणी एगा सुसमसुसमा जाव एगा दुसमदुसमा, एगा उस्सप्पिणी, एगा दुसमदुसमा जाव एगा सुसमसुसमा ॥ ६७ ॥ एगा णेरइयाणं वग्गणा, एगा असुरकुमाराणं वग्गणा, चउवीसदंडओ जाव एगा वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६८ ॥ एगा भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा भवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव एगा भवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा एगा अभवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६९ ॥ एगा सम्मदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्मदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा सम्ममिच्छादिट्ठियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव थणियकुमाराणं, एगा मिच्छदिट्ठियाणं पुढवीकाइयाणं वग्गणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, एगासम्मदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एवं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं वि सेसा जहा नेरइया, जाव एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ७० ॥ एगा कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हपक्खियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं चउवीसदंडओवि भाणियव्वो ॥ ७१ ॥ एगा कण्हलेस्साणं वग्गणा, एगा णीललेस्साणं वग्गणा,एवं जाव सुक्कलेस्साणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं नेरइयाणं वग्गणा, जाव काउलेस्साणं नेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जति लेस्साओ, भवणवइवाणमंतरपुढविआउवणस्सइकाइयाणं च चत्तारि लेस्साओ तेऊवाउवेंदियतेइंदियचउरिंदियाणं तिन्निलेस्साओ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं छल्लेस्साओ, जोइसियाणं एगा तेउलेस्सा, वेमाणियाणं तिन्निउवरिमलेस्साओ एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु दो दो पयाणि भाणियव्वाणि, एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जति लेस्साओ तस्स तति भाणियव्वाओ, जाव वेमाणियाणं। एगा कण्हलेस्साणं समदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं मिच्छादिट्ठियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु जाव वेमाणियाणं जेसिं जइ दिट्ठीओ, एगा कण्हलेस्साणं कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सुक्कपक्खियाणं

वग्गणा, एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स जइ लेस्साओ, एए अठ्ठ चउवीसदंडया ॥७२॥ एगा तित्थसिद्धाणं वग्गणा, एगा अतित्थसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव एगा एगसिद्धाणं वग्गणा, एगा अणेगसिद्धाणं वग्गणा, एगा पढमसमयसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव अणंतसमयसिद्धाणं वग्गणा ॥ ७३ ॥ एगा परमाणुपोग्गलाणं वग्गणा, एवं जाव एगा अणंतपएसियाणं खंधाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव असंखेज्जसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्ज एगा अणंतगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एवं वण्णगंधरसफासा भाणियव्वा जाव एगा अणंतगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा जहन्नपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा उक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा अजहन्नुक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एवं जहन्नोगाहणगाणं, उक्कोसोगाहणगाणं, अजहन्नुक्कोसोगाहणगाणं, जहन्नठिइयाणं, उक्कोसठिइयाणं, अजहन्नक्कोसठिइयाणं, जहन्नगुणकालगाणं, उक्कोसगुणकालगाणं, अजहन्नुक्कोसगुणकालगाणं, एवं वण्णगंधरसफासाणं वग्गणा भाणियव्वा, जाव एगा अजहन्नक्कोसगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा ॥ ७४ ॥ एगे जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं जाव अद्धंगुलगं च किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं ॥ ७५ ॥ एगे समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थगराणं चरमतित्थयरे सिद्धे बुद्धे मुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ७६ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं एगा रयणी उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता ॥ ७७ ॥ अद्दानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते, चित्तानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते, साईनक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते ॥ ७८ ॥ एगपएसोगाढा पोग्गला अणंता पन्नत्ता, एवमेगसमयठिइया, एगगुणकालगा पोग्गला अणंता पन्नत्ता, जाव एगगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता ॥ ७९ ॥ **पढमं ठाणं समत्तं ॥**

जदत्थि णं लोए तं सव्वं दुपडोआरं, तंजहा–जीवा चेव अजीवा चेव, तसे चेव थावरे चेव, सजोणिया चेव अजोणिया चेव, साउया चेव अणाउया चेव, सइंदिया चेव अणिंदिया चेव, सवेयगा चेव अवेयगा चेव, सरूवि चेव अरूवि चेव, सपोग्गला चेव अपोग्गला चेव, संसारसमावन्नगा चेव असंसारसमावन्नगा चेव, सासया चेव असासया चेव, आगासे चेव नो आगासे चेव, धम्मे चेव अधम्मे चेव, बंधे चेव मोक्खे चेव, पुण्णे चेव पावे चेव, आसवे चेव संवरे चेव, वेयणा चेव, णिज्जरा चेव ॥ ८० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा–जीवकिरिया चेव अजीवकिरिया चेव, जीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–सम्मत्तकिरिया चेव मिच्छत्त-

किरिया चेव, अजीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-इरियावहिया चेव संपराइया चेव ॥ ८१ ॥ दो किरियाओ पं० तंजहा-काइया चेव अहिगरणिया चेव, काइया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-अणुवरयकायकिरिया चेव, दुप्पउत्तकायकिरिया चेव, अहिगरणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-संजोयणाहिगरणिया चेव णिव्वत्तणाहिगरणिया चेव ॥ ८२ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पाउसिया चेव पारियावणिया चेव, पाउसिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवपाउसिया चेव अजीवपाउसिया चेव, पारियावणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-सहत्थपारियावणिया चेव, परहत्थपारियावणिया चेव ॥ ८३ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पाणाइवायकिरिया चेव, अपच्चक्खाणकिरिया चेव, पाणाइवायकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-सहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, परहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, अपच्चक्खाणकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव, अजीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव ॥ ८४ ॥ दो किरियाओ पं० तंजहा-आरंभिया चेव परिग्गहिया चेव, आरंभियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवआरंभिया चेव अजीवआरंभिया चेव, एवं परिग्गहियावि ॥ ८५ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-मायावत्तिआ चेव, मिच्छादंसणवत्तिआ चेव, मायावत्तिआकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-आयभाववंकणया चेव परभाववंकणया चेव, मिच्छादंसणवत्तिआकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-ऊणाइरित्तमिच्छादंसणवत्तिआ चेव तव्वइरित्तमिच्छादंसणवत्तिआ चेव ॥ ८६ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-दिट्ठिया चेव पुट्ठिया चेव, दिट्ठियाकिरिया दुविहा प० तंजहा-जीवदिट्ठिया चेव अजीवदिट्ठिया चेव, एवं पुट्ठियावि ॥ ८७ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पाडुच्चिया चेव सामंतोवणिवाइया चेव, पाडुच्चियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवपाडुच्चिया चेव अजीवपाडुच्चिया चेव, एवं सामंतोवणिवाइयावि ॥ ८८ ॥ दो किरियाओ पं० तंजहा-साहत्थिया चेव, णेसत्थिया चेव, साहत्थियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवसाहत्थिया चेव, अजीवसाहत्थिया चेव, एवं णेसत्थियावि ॥ ८९ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-आणवणिया चेव वेयारणिया चेव, जहेव नेसत्थिया ॥ ९० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-अणाभोगवत्तिया चेव अणवकंखवत्तिया चेव, अणाभोगवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-अणाउत्तआइयणया चेव, अणाउत्तपमज्जणया चेव, अणवकंखवत्तिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-आयसरीरअणवकंखवत्तिया चेव, परसरीरअणवकंखवत्तिया चेव ॥ ९१ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव, पेज्जवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-माया-

वत्तिया चेव, लोहवत्तिया चेव, दोसवत्तिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-कोहे चेव माणे चेव ॥ ९२ ॥ दुविहा गरिहा पन्नत्ता, तंजहा-मणसावेगे गरिहइ वयसावेगे गरिहइ, अहवा गरिहा दुविहा प० दीहं एगे अद्धं गरिहइ, रहस्सं एगे अद्धं गरिहइ ॥ ९३ ॥ दुविहे पच्चक्खाणे, मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, अहवा पच्चक्खाणे दुविहे, दीहं एगे अद्धं पच्चक्खाइ, रहस्सं एगे अद्धं पच्चक्खाइ ॥ ९४ ॥ दोहिं ठाणेहिं अणगारे संपन्ने अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंत-संसारकंतारं वीइवएज्जा, तंजहा-विज्जाए चेव, चरणेण चेव ॥ ९५ ॥ दो ठाणाइं अपरियाणित्ता आया णो केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, दो ठाणाइं अपरिआणित्ता आया णो केवलं बोहिं बुज्झेज्जा तं० आरंभे चेव परिग्गहे चेव, दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारिअं पव्वइज्जा, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं णो केवलं बंभचेरवासमावसेज्जा णो केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, णो केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, णो केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, एवं सुअणाणं, ओहिणाणं, मणपज्जवणाणं, केवलणाणं ॥ ९६ ॥ दो ठाणाइं परियाइत्ता आया केवलीपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं जाव केवलणाणमुप्पाडेज्जा ॥ ९७ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तंजहा सोच्चा चेव, अभिसमेच्चा चेव, जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ॥ ९८ ॥ **दो समाओ पन्नत्ताओ,** तंजहा-**उस्सप्पिणिसमा** चेव, **ओसप्पिणिसमा** चेव ॥ ९९ ॥ दुविहे उम्माए पन्नत्ते, तंजहा-जक्खावेसे चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं, तत्थणं जे से जक्खावेसे से णं सुहवेयतराए चेव सुहविमोयतराए चेव, तत्थणं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, से णं दुहवेयतराए चेव दुहविमोयतराए चेव ॥१००॥ दो दंडा पन्नत्ता, तंजहा-अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव, नेरइयाणं दो दंडा पन्नत्ता तंजहा-अट्ठादंडे चेव अणट्ठादंडे य एवं चउवीसदंडओ जाव वेमाणियाणं ॥१०१॥ दुविहे दंसणे० सम्मदंसणे चेव, मिच्छादंसणे चेव, सम्मदंसणे दुविहे० णिसग्ग-सम्मदंसणे चेव, अभिगमसम्मदंसणे चेव, णिसग्गसम्मदंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव, अपडिवाई चेव, अभिगमसम्मदंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव, अपडिवाई चेव, मिच्छादंसणे दुविहे० तं जहा अभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव, अणभिग्गहियमिच्छा-दंसणे चेव, अभिग्गहियमिच्छादंसणे दुविहे० सपज्जवसिए चेव, अपज्जवसिए चेव, एवमणभिग्गहियमिच्छादंसणेवि ॥ १०२ ॥ दुविहे नाणे० पच्चक्खे चेव, परोक्खे चेव, पच्चक्खनाणे दुविहे० केवलनाणे चेव, नो केवलनाणे चेव, केवलनाणे दुविहे०

भवत्थकेवलनाणे चेव सिद्धकेवलनाणे चेव, भवत्थकेवलनाणे दुविहे० सजोगिभवत्थ-केवलनाणे चेव अजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, सजोगिभवत्थकेवलनाणे दुविहे० पढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अपढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अहवा, चरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अचरिमसमयसजोगिभवत्थकेवल-नाणे चेव, एवं अजोगिभवत्थकेवलनाणे वि, सिद्धकेवलनाणे दुविहे०, अणंतर-सिद्धकेवलनाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणंतरसिद्धकेवलनाणे दुविहे० एक्काणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्काणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, परंपरसिद्धकेवल-नाणे दुविहे० एक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, णो केवलनाणे दुविहे० ओहिनाणे चेव, मणपज्जवनाणे चेव, ओहिनाणे दुविहे० भव-पच्चइए चेव, खओवसमिए चेव, दोण्हं भवपच्चइए० देवाणं चेव, णेरइयाणं चेव, दोण्हं खओवसमिए० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, मणपज्जव-णाणे दुविहे० उज्जुमई चेव, विउलमई चेव, परोक्खणाणे दुविहे० आभिणिवोहिय-णाणे चेव, सुअणाणे चेव, आभिणिवोहियणाणे दुविहे० सुयनिस्सिए चेव, असुय-निस्सिए चेव, सुयनिस्सिए दुविहे० अत्थोग्गहे चेव, वंजणोग्गहे चेव, असुय-निस्सिएवि एवमेव, सुयणाणे दुविहे० अंगपविट्ठे चेव, अंगवाहिरे चेव, अंगवाहिरे दुविहे० आवस्सए चेव आवस्सयवइरित्ते चेव, आवस्सयवइरित्ते दुविहे० कालिए चेव, उक्कालिए चेव ॥ १०३ ॥ दुविहे धम्मे० सुअधम्मे चेव, चरित्तधम्मे चेव, सुअधम्मे दुविहे० **सुत्तसुअधम्मे** चेव, **अत्थसुअधम्मे** चेव, चरित्तधम्मे दुविहे० अगारचरित्तधम्मे चेव, अणगारचरित्तधम्मे चेव, संजमे दुविहे० सरागसंजमे चेव, वीयरागसंजमे चेव, सरागसंजमे दुविहे० सुहुमसंपराय-सरागसंजमे चेव बादरसंपरायसरागसंजमे चेव, सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अहवा चरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अचरिमसमयसुहुमसंपरायसराग-संजमे चेव, अहवा सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० संकिलेसमाणए चेव, विसुज्झ-माणए चेव, वादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयवादरसंपरायसरागसंजमे, अपढमसमयवादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अचरिमसमयवादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा वादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पडिवाइए चेव, अपडिवाइए चेव, वीयरागसंजमे दुविहे० उवसंतकसायवीयराग-संजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे चेव, उवसंतकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अपढमसमयउवसंतकसायवीयराग-

संजमे चेव, अहवा चरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अचरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे चेव, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे चेव, छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे अचरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, सजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे अपढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयअयोगिकेवलिखीणकसायवीयरायसंजमे, अचरिमसमयअयोगिकेवलिखीणकसायवीयरायसंजमे ॥ १०४ ॥ दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तंजहा–सुहुमा चेव, बायरा चेव, एवं जाव दुविहा वणस्सइकाइया पन्नत्ता तंजहा–सुहुमा चेव बायरा चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तंजहा–पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तंजहा–परिणया चेव, अपरिणया चेव, जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा० परिणया चेव अपरिणया चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, दुविहा पुढविकाइया० अणंतरोगाढगा चेव परंपरोगाढगा चेव, जाव दव्वा ॥ १०५ ॥ दुविहे काले० ओसप्पिणीकाले चेव, उस्सप्पिणीकाले चेव ॥ १०६ ॥ दुविहे आगासे० लोगागासे चेव, अलोगागासे चेव ॥ १०७ ॥ णेरइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरए कम्मए, बाहिरए वेउव्विए,

एवं देवाणं भाणियव्वं, पुढविकाइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरए कम्मए, बाहिरगे उरालिए, जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं दोसरीरगा० अब्भंतरए चेव बाहिरए चेव, अब्भंतरए कम्मए, अट्ठिमंससोणित-बद्धे बाहिरए उरालिए, जाव चउरिंदियाणं, पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं दो सरी-रगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरगे कम्मए, अट्ठिमंससोणियण्हा-रुच्छिरावद्धे, बाहिरए उरालिए, मणुस्साणवि एवं चेव, विग्गहगतिसमावन्नगाणं णेरइयाणं दो सरीरगा० तेयए चेव कम्मए चेव, निरंतरं जाव वेमाणियाणं, नेरइ-याणं दोहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया, तं० रागेणं चेव, दोसेणं चेव, जाव वेमाणियाणं, नेरइयाणं दुट्ठाणनिव्वत्तिए सरीरगे० रागनिव्वत्तिए चेव दोसनिव्वत्तिए चेव, जाव वेमाणिआणं ॥ १०८ ॥ दो काया० तसकाए चेव, थावरकाए चेव, तसकाए दुविहे पण्णत्ते० भवसिद्धिए चेव, अभवसिद्धिए चेव, एवं थावरकाए वि ॥ १०९ ॥ दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा, णिग्गंथीणं वा, पव्वावित्तए, पाईणं चेव, उदीणं चेव, एवं मुंडावित्तए सिक्खावित्तए, उवट्ठावित्तए, संभुंजित्तए, संवसित्तए, सज्झायं उद्दिसित्तए, सज्झायं समुद्दिसित्तए, सज्झायमणु-जाणित्तए, आलोइत्तए, पडिक्कमित्तए, निंदित्तए, गरिहित्तए, विउट्टित्तए, विसोहित्तए, अकरणयाए अब्भुट्ठित्तए, अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जित्तए, दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा, अपच्छिममारणंतिए-संलेहणा-झूसणा झूसियाणं भत्तपाणपडियाइक्खियाणं पाओवगयाणं कालं अणवकंखमाणाणं विहरित्तए, तंजहा–पाईणं चेव उदीणं चेव ॥ ११० ॥ **बीयट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जे देवा उड्ढोववण्णगा कप्पोववण्णगा, विमाणोववण्णगा, चारोववण्णगा, चारट्ठिइया, गइरइया, गइसमावण्णगा, तेसिं देवाणं सयाससियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अन्नत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति नेरइयाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अन्नत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, मणुस्साणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ, इहगयावि एगइया वेयणं वेयंति अन्नत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, मणुस्सवज्जा सेसा एक्कगमा ॥ १११ ॥ नेरइया दुगइया दुयागइया प० तं० नेरइए नेरइएसु उववज्जमाणे मणुस्सेहिंतो वा पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से नेरइए नेरइयत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं असुरकुमारावि,

णवरं से चेवणं से असुरकुमारत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा तिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं सव्वदेवा, पुढविकाइया दुगइया दुयागइया प० तं०–पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा णो पुढविकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेवणं से पुढविकाइयत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा णो पुढविकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं जाव मणुस्सा ॥ ११२ ॥ दुविहा णेरइया प० तं० भवसिद्धिया चेव, अभवसिद्धिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० अणंतरोववन्नगा चेव परंपरोववन्नगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० गइसमावन्नगा चेव, अगइसमावन्नगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० पढमसमयउववन्नगा चेव अपढमसमयउववन्नगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० आहारगा चेव अणाहारगा चेव, एवं जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया पन्नत्ता तं०, उस्सासगा चेव नोउस्सासगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० सन्नी चेव असन्नी चेव, एवं जाव पंचिंदिया सव्वे विगलिंदियवज्जा, जाव वाणमंतरा। दुविहा णेरइया प० तं० भासगा चेव अभासगा चेव, एवमेगेंदियवज्जा सव्वे, दुविहा णेरइया प० तं० समदिट्ठिया चेव मिच्छदिट्ठिया चेव, एगिंदियवज्जा सव्वे, दुविहा णेरइया प० तं० परित्तसंसारिया चेव, अणंतसंसारिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० संखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव असंखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव, एवं पंचिंदिया, एगिंदिया विगलिंदियवज्जा जाव वाणमंतरा, दुविहा णेरइया प० तं० सुलभबोहिया य दुल्लभबोहिया य जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० कण्हपक्खिया चेव सुक्कपक्खिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० चरिमा चेव अचरिमा चेव, जाव वेमाणिया ॥ ११३ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, तं० समोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, असमोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, आधोहि समोहया समोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ । एवं तिरियलोगं उड्ढलोगं केवलकप्पं लोगं। दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, तंजहा–विउव्विएणं चेव अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, अविउव्विएणं चेव अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, आहोहि विउव्वियाविउव्विएणं चेव अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, एवंतिरियलोगं उड्ढलोगं केवलकप्पं लोगं ॥ ११४ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया सद्दाइं सुणेइ, तंजहा–देसेणवि आया सद्दाइं सुणेइ,

सव्वेणवि आया सद्दाइं सुणेइ, एवं रूवाइं पासइ, गंधाइं आघायइ, रसाइं आसाएइ, फासाइं पडिसंवेएइ, दोहिं ठाणेहिं आया ओभासइ, तंजहा–देसेणवि आया ओभासइ, सव्वेण वि आया ओभासइ, एवं पभासइ, विउव्वइ, परियारेइ, भासं भासइ, आहारेइ, परिणामेइ, वेएइ, निज्जरेइ, दोहिं ठाणेहिं देवे सद्दाइं सुणेइ, तंजहा– देसेणवि देवे सद्दाइं सुणेइ, सव्वेण वि सद्दाइं सुणेइ, जाव णिज्जरेइ ॥ ११५ ॥ मरुया देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव विसरीरी चेव, एवं किन्नरा, किंपुरिसा, गंधव्वा, णागकुमारा, सुवन्नकुमारा अग्गि कुमारा, वाउकुमारा देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव विसरीरी चेव ॥११६॥ **बीयट्ठाणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥**

दुविहे सद्दे प० तं० भासासद्दे चेव नोभासासद्दे चेव । भासासद्दे दुविहे प० तं० अक्खरसंबद्धे चेव, नोअक्खरसंबद्धे चेव । णोभासासद्दे दुविहे प० तं० आउज्जसद्दे चेव, णोआउज्जसद्दे चेव, आउज्जसद्दे दुविहे प० तं० तते चेव, वितते चेव, तते दुविहे प० तं० घणे चेव झुसिरे चेव, एवं विततेवि, णोआउज्जसद्दे दुविहे प० तं० भूसणसद्दे चेव, णोभूसणसद्दे चेव, णोभूसणसद्दे दुविहे प० तं० तालसद्दे चेव लत्तियासद्दे चेव, दोहिं ठाणेहिं सद्दुप्पाए सिया तंजहा–साहन्नंताणं चेव, पुग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया भिज्जंताणं चेव पोग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया ॥ ११७ ॥ दोहिं ठाणेहिं पोग्गला साहन्नंति, तंजहा–सयं वा पोग्गला साहन्नंति परेण वा पोग्गला साहन्नंति, दोहिं ठाणेहिं पोग्गला भिज्जंति, तंजहा–सयं वा पोग्गला भिज्जंति, परेण वा पोग्गला भिज्जंति, दोहिं ठाणेहिं पोग्गला परिसडंति, सयं वा पोग्गला परिसडंति, परेण वा पोग्गला परिसाडिज्जंति, एवं परिपडंति, विद्धंसंति ॥११८॥ दुविहा पोग्गला प०तं० भिन्ना चेव अभिन्ना चेव, दुविहा पोग्गला प०तं० भिउरधम्मा चेव नोभिउरधम्मा चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० परमाणुपोग्गला चेव नोपरमाणुपोग्गला चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० सुहुमा चेव बायरा चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० बद्धपासपुट्ठा चेव नोबद्धपासपुट्ठा चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० परियादितच्चेव, अपरियादितच्चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० अत्ताचेव अणत्ताचेव, दुविहा पोग्गला प० तं० इट्ठा चेव अणिट्ठा चेव, एवं कंता, पिया, मणुन्ना, मणामा । दुविहा सद्दा प० तं० अत्ता चेव, अणत्ता चेव एवं इट्ठा जाव मणामा, दुविहा रूवा प० तं० अत्ता चेव अणत्ता चेव, जाव मणामा । एवं गंधा, रसा, फासा, एवमिक्किक्के छआलावगा भाणियव्वा ॥ ११९ ॥ दुविहे आयारे प० तं० णाणायारे चेव णो णाणायारे चेव, णोणाणायारे दुविहे प० तं० दंसणायारे चेव, णोदंसणायारे चेव, णोदंसणायारे दुविहे पण्णत्ते, चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे दुविहे

प० तं० तवायारे चेव, वीरियायारे चेव ॥ १२० ॥ दो पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा चेव, उवहाणपडिमा चेव, दो पडिमाओ प० तं० विवेगपडिमा चेव, विउसग्गपडिमा चेव, दोपडिमाओ प०तं० भद्दा चेव, सुभद्दा चेव, दो पडिमाओ प०तं० महाभद्दा चेव सव्वतोभद्दा चेव, दो पडिमाओ प० तं० खुड्डिया चेव मोयपडिमा महल्लिया चेव मोयपडिमा, दोपडिमाओ प० तं० जवमज्झे चेव चंदपडिमा वइरमज्झे चेव चंदपडिमा ॥ १२१ ॥ दुविहे सामाइए प० तं० **आगारसामाइए** चेव, **अणगारसामाइए** चेव ॥ १२२ ॥ दोण्हं उववाए प० तं० देवाणं चेव, नेरइयाणं चेव, दोण्हं उव्वट्टणा प० तं० नेरइयाणं चेव, भवणवासीणं चेव, दोण्हं चयणे प० तं० जोइसियाणं चेव, वेमाणियाणं चेव, दोण्हं गब्भवक्कंती प० तं० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोण्हं गब्भत्थाणं आहारे प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव दोण्हं गब्भत्थाणं वुड्ढी प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, एवं निव्वुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे आयाइ मरणे, दोण्हं छविपव्वा प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, दो सुक्कसोणिअसंभवा, प० तं० मणुस्सा चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चेव, दुविहा ठिई, कायट्ठिई चेव, भवट्ठिई चेव, दोण्हं कायट्ठिई, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, दोण्हं भवट्ठिई, देवाणं चेव णेरइयाणं चेव, दुविहे आउए, अद्धाउए चेव, भवाउए चेव, दोण्हं अद्धाउए, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, दोण्हं भवाउए देवाणं चेव, णेरइयाणं चेव, दुविहे कम्मे, पएसकम्मे चेव, अणुभावकम्मे चेव, दो अहाउयं पालेंति, देवच्चेव णेरइयच्चेव, दोण्हं आउयसंवट्टए प० तं० मणुस्साण चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण चेव ॥ १२३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा वहुसमउल्ला अविसेसमणाणत्ता अन्नमण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा–भरहे चेव, एरवए चेव, एवमेएणं अहिलावेणं नेयव्वं, हेमवए चेव हेरण्णवए चेव, हरिवरिसे चेव, रम्मयवरिसे चेव ॥ १२४ ॥ जंवुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं दो खित्ता, वहुसमउल्ला अविसेस जाव पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव ॥१२५॥ जंवूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोकुराओ, वहुसमउल्लाओ अविसेसा जाव देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव, तत्थ णं दो महइ महालया महादुमा, वहुसमउल्ला, अविसेसमणाणत्ता अन्नमन्नं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेहसंठाणपरिणाहेणं तंजहा कूडसामली चेव, जंवू चेव सुदंसणा, तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव महासोक्खा,

पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तंजहा–गरुले चेव वेणुदेवे अणाढिए चेव जंबूदीवाहिवई ॥ १२६ ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासहरपव्वया, बहुसमतुल्ला, अविसेसमणाणत्ता, अन्नमन्नं नाइवट्टंति, आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेहसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा–चुल्लहिमवंते चेव सिहरी चेव एवं महाहिमवंते चेव, रुप्पी चेव, एवं णिसढे चेव, णीलवंते चेव ॥ १२७ ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं हेमवएरन्नवएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमतुल्ला, अविसेसमणाणत्ता जाव सद्दावाई चेव वियडावाई चेव, तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तंजहा–साई चेव पभासे चेव ॥ १२८ ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं हरिवासरम्मएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमतुल्ला, जाव गंधावाई चेव, मालवंतपरियाए चेव, तत्थणं दोदेवा महिड्ढिया, जाव पलिओवमठिइया परिवसंति, तंजहा–अरुणे चेव, पउमे चेव ॥१२९॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं देवकुराए पुव्वावरे पासे, एत्थणं आसक्खंधगसरिसा, अद्धचंदसंठाणसंठिया दोवक्खारपव्वया, बहुसमतुल्ला जाव, सोमणसे चेव विज्जुप्पभे चेव, जंबूमंदरस्स उत्तरेणं उत्तरकुराए पुव्वावरे पासे एत्थणं आसक्खंधगसरिसा अद्धचंदसंठाणसंठिया दो वक्खारपव्वया प० तं० बहु० जाव, गंधमायणे चेव, मालवंते चेव ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोदीहवेयड्ढपव्वया, बहुसमतुल्ला जाव भारहे चेव दीहवेयड्ढे एरावए चेव दीहवेयड्ढे, भारहेणं दीहवेयड्ढे दोगुहाओ, बहुसमतुल्लाओ अविसेसमणाणत्ताओ अन्नमन्नं णाइवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा–तिमिसगुहा चेव, खंडगप्पवायगुहा चेव, तत्थणं दोदेवा महिड्ढिया, जाव पलिओवमठिइया परिवसंति, तंजहा–कयमालए चेव, णट्टमालए चेव, एरावएणं दीहवेयड्ढे दोगुहा, जाव कयमालए चेव णट्टमालए चेव ॥ १३० ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला, जाव विक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा–चुल्लहिमवंतकूडे चेव वेसमणकूडे चेव, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव महाहिमवतकूडे चेव, वेरुलियकूडे चेव, एवं निसढे वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव० निसढकूडे चेव, रुयगप्पभे चेव, जंबूमंदरस्स उत्तरेणं नीलवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव० नीलवंतकूडे चेव, उवदंसणकूडे चेव, एवं रुप्पिम्मि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव० तंजहा रुप्पिकूडे चेव, मणिकंचणकूडे चेव, एवं सिहरिम्मि वि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला तंजहा–सिहरिकूडे चेव, तिगिच्छिकूडे चेव ॥ १३१ ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं चुल्लहिमवंतसिहरीसु वासहरपव्वएसु दो महद्दहा, बहुसम-

उल्ला, अविसेसमणाणत्ता अण्णमण्णं नाइवट्टंति, आयामविक्खंभउव्वेहसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा-पउमद्दहे चेव, पुंडरीयद्दहे चेव, तत्थणं दो देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिइयाओ परिवसंति, तं० सिरी चेव लच्छी चेव, एवं महाहिमवंतरुप्पीसु वासहरपव्वएसु दो महद्दहा प० वहुसमउल्ला जाव महापउमद्दहे चेव, महापोंडरीयद्दहे चेव, देवताओ हिरिच्चेव बुद्धिच्चेव, एवं निसहनीलवंतेसु तिगिच्छिद्दहे चेच, केसरिद्दहे चेच, देवताओ धिई चेव कित्ति च्चेव ॥ १२२ ॥ जंवूमंदरदाहिणेणं महाहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ महापउमद्दहाओ दो महाणईओ पवहंति तंजहा रोहियच्चेव हरिकंतच्चेव, एवं निसहाओ वासहरपव्वयाओ तिगिच्छिद्दहाओ दोमहानईओ पवहंति तं०हरिच्चेव, सीतोअच्चेव। जंवूमंदरस्स उत्तरेणं नीलवंताओ वासहरपव्वयाओ केसरिद्दहाओ दो महाणईओ पवहंति तं० सीता चेव, नारिकंता चेव, एवं रुप्पिवासहरपव्वयाओ महापोंडरीयद्दहाओ दोमहाणईओ पवहंति, तंजहा णरकंता चेव रुप्पकूला चेव। जंवूमंदरदाहिणेणं भारहेवासे दोपवायद्दहा प० तं० वहुसमउल्ला जाव गंगप्पवायद्दहे चेव सिंधुप्पवायद्दहे चेव। एवं हेमवएवासे दोपवायद्दहा प० वहुसमउल्ला तं० रोहियप्पवायद्दहे चेव, रोहियंसप्पवायद्दहे चेव, जंवूमंदरदाहिणे णं हरिवासे वासे दोपवायद्दहा प०वहुसमउल्ला तं०हरिप्पवायद्दहे चेव हरिकंतप्पवायद्दहे चेव, जंवूमंदरउत्तरदाहिणेणं महाविदेहे वासे दोपवायद्दहा प० तं० बहुसमउल्ला जाव० सीयप्पवायद्दहे चेव, सीओयप्पवायद्दहे चेव, जंवूमंदरउत्तरेणं रम्मएवासे दोपवायद्दहा प० वहुसमउल्ला जाव नरकंतप्पवायद्दहे चेव णारिकंतप्पवायद्दहे चेव, एवं हेरन्नवएवासे दोपवायद्दहा प० वहुसमउल्ला जाव० सुवन्नकूलप्पवायद्दहे चेव, रुप्पकूलप्पवायद्दहे चेव, जंवूमंदरउत्तरेणं एरवएवासे दोपवायद्दहा, प० वहुसमउल्ला जाव० रत्तप्पवायद्दहे चेव रत्तावइप्पवायद्दहे चेव, जंवूमंदरदाहिणेणं भरहेवासे दोमहानईओ प० वहुसमउल्ला गंगा चेव, सिंधू चेव, एवं जहा प्पवायद्दहा एवं णईओ भाणियव्वाओ, जाव एरवए वासे दोमहानईओ प० वहुसमउल्लाओ जाव रत्ता चेव रत्तवई चेव ॥१२३॥ जंवुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसुऽतीताए उस्सप्पिणीए सुसमदुसमाए समाए दो सागरोवमकोडाकोडीओ काले होत्था, एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव प० एवं आगमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव भविस्सइ। जंवुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए मणुया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, दोण्णियपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पालइत्था, एवमागमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव पालइस्संति ॥ १२४ ॥ जंवुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगसमए एगजुगे दो अरहंतवंसा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जि-

स्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा, जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टिणो बलदेवा वासुदेवा, जाव उपज्जिस्संति वा ॥ १३५ ॥ जंबू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमुत्तम-मिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा–हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव, जंबु० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुस-सुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–हेमवए चेव एरन्नवए चेव, जंबु-द्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विह-रंति, तंजहा–पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपिकालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–भरहे चेव, एरवए चेव ॥ १३६ ॥ जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिया तवइंसु वा, तवंति वा, तविस्संति वा, दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अद्दाओ, एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य। तत्तोवि अस्सलेसा, महा य दो फग्गुणीओ य १ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव २ अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया, रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा आणुपुव्वीए ३ एवं गाहानुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ, दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअइई दोबहस्सई दोसप्पी दोपीई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोनिरई दोआऊ दोविस्सा दोबह्मा दोविण्हू दोवसू दोव-रुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्चरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकण-कणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जो-वगा दोकब्बडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवन्ना दोसंखवन्नाभा दोकंसा दोकंसवन्ना दोकंसवन्नाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोनीला दोनीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवन्ना दोदगा दोदगपंचवन्ना दोकाका दोकक्कंधा दोइंदग्गीवा दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोबुहा दोसुक्का दोबहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोनियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंबा दोनिच्चा-लोगा दोनिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा

दोपभंकरा दोअपराजिता दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवितत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥१३७॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥१३८॥ धायईखंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा,-बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव, एवं जहा जंबूदीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं, जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा—भरहे चेव एरवए चेव, णवरं कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे सुदंसणेचेव, धायईखंडदीवपच्चच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, णवरं कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पियदंसणे चेव, धायईखंडेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवंताइं दो हेरण्णवयाइं दोहरिवासाइं दोरम्मगवासाइं, दोपुव्वविदेहाइं दोअवरविदेहाइं दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा दोचुल्लहिमवंता दोमहाहिमवंता दोनिसहा दोनीलवंता दोरुप्पी दोसिहरी दोसद्दावाई दोसद्दावायवासी साई देवा, दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगंधावाई दोगंधावाईवासी अरुणादेवा दोमालवंतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा दोमालवंता दोचित्तकूडा दोपउमकूडा दोनलिनकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा दोअंजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअंकावई दोपम्हावई दोआसीविसा दोसुहावहा दोचंदपव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंधमायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवंतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवंतकूडा दोवेरुलियकूडा दोनिसहकूडा दोरुयगकूडा दोनीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा दोमणिकंचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एवं जाव दोपुंडरीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ दोगंगप्पवायद्दहा जाव दोरत्तवईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपंकवईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ दोअंतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगभीरमालिणीओ दोक-

च्छा दोसुकच्छा दोमहाकच्छा दोकच्छगावई दोआवत्ता दोमंगलावत्ता दोपुक्खला दोपुक्खलावई दोवच्छा दोसुवच्छा दोमहावच्छा दोवच्छगावई दोरम्मा दोरम्मगा दोरमणिज्जा दोमंगलावई दोपम्हा दोसुपम्हा दोमहापम्हा दोपम्हगावई दोसंखा दोणलिणा दोकुमुया दोसलिलावई दोनलिणावई दोवप्पा दोसुवप्पा दोमहावप्पा दोवप्पगावई दोवग्गू दोसुवग्गू दोगंधिला दोगंधिलावई दोखेमाओ दोखेमपुरीओ दोरिट्ठाओ दोरिट्ठपुरीओ दोखग्गीओ दोमंजूसाओ दोओसहीओ दोपुण्डरीगिणीओ दोसुसीमाओ दोकुंडलाओ दोअपराइआओ दोप्पभंकराओ दोअंकावईओ दोपम्हावईओ दोसुभाओ दोरयणसंचयाओ दोआसपुराओ दोसीहपुराओ दोमहापुराओ दोविजयपुराओ दोअवराजियाओ दोअवराओ दोअसोयाओ दोविगयसोयाओ दोविजयाओ दोवेजयंतीओ दोजयंतीओ दोअपराजियाओ दोचक्कपुराओ दोखग्गपुराओ दोअवज्झाओ दोअओज्झाओ दोभद्दसालवणा दोणंदणवणा दोसोमणसवणा दोपंडगवणा दोपंडुकंबलसिलाओ दोअतिपंडुकंबलसिलाओ दोरत्तकंबलसिलाओ दोअइरत्तकंबलसिलाओ दोमंदरा दोमंदरचूलियाओ, धायइखंडस्सणं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता, कालोदस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता पुक्खरवरदीवद्धपुरच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव जाव दोकुराओ पण्णत्ताओ देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव। तत्थणं दोमहइमहालया महद्दुमा प० तं० कूडसामली चेव, पउमरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पउमे चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, पुक्खरवरदीवद्धपच्चत्थिमद्धेणं मंदरपव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प०तं० तहेव णाणत्तं कूडसामली चेव, महापउमरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव, वेणुदेवे पुंडरीए चेव, पुक्खरवरदीवद्धेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं जाव दोमंदरा दोमंदरचूलाओ, पुक्खरवरस्स णं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० सव्वेसिं पि णं दीवसमुद्दाणं वेइयाओ दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ताओ ॥ १३९ ॥ दो असुरकुमारिंदा प० तं० चमरे चेव बली चेव, दोनागकुमारिंदा प० तं० धरणे चेव भूयाणंदे चेव, दोसुवण्णकुमारिंदा प० तं० वेणुदेवे चेव वेणुदाली चेव, दोविज्जुकुमारिंदा प०तं० हरी चेव हरिस्सहे चेव, दोअग्गिकुमारिंदा प०तं० अग्गिसिहे चेव अग्गिमाणवे चेव, दोदीवकुमारिंदा प०तं०पुण्णे चेव, विसिट्ठे चेव, दोउदधिकुमारिंदा प० तं० जलकंते चेव जलप्पभे चेव, दोदिसाकुमारिंदा प० तं० अमियगई चेव, अमियवाहणे चेव, दोवाउकुमारिंदा प० तं० वेलंबे चेव पभंजणे चेव, दोथणियकुमारिंदा प० तं० घोसे चेव महाघोसे चेव, दोपिसायइंदा प० तं० काले चेव महा-

काले चेव, दोभूयइंदा प० तं० सुरूवे चेव पडिरूवे चेव, दोजक्खिंदा प० तं० पुण्णभद्दे चेव माणिभद्दे चेव, दोरक्खसिंदा प० तं० भीमे चेव महाभीमे चेव, दोकिन्नरिंदा प० तं० किन्नरे चेव किंपुरिसे चेव, दोकिंपुरिसिंदा प० तं० सप्पुरिसे चेव महापुरिसे चेव, दोमहोरगिंदा प० तं० अइकाये चेव महाकाये चेव, दोगंधव्विंदा प० तं० गीयरई चेव गीयजसे चेव, दोअणपण्णिंदा प० तं० संनिहिए चेव, सामण्णे चेव, दोपणपन्निंदा प० तं० धाए चेव विहाए चेव, दोइसिवाइंदा प० तं० इसि चेव इसिवालए चेव, दोभूयवाइंदा प० तं० ईसरे चेव महिस्सरे चेव, दोकंदिंदा प० तं० सुवच्छे चेव विसाले चेव, दोमहाकंदिंदा प० तं० हासे चेव हासरई चेव, दोकुभंडिंदा प० तं० सेए चेव महासेए चेव,दोपयगिंदा प० तं० पयए चेव पयगवई चेव, जोइसियाणं देवाणं दोइंदा प० तं० चंदे चेव सूरे चेव, सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु दोइंदा प० तं० सक्के चेव ईसाणे चेव, एवं सणंकुमारमहिंदेसु कप्पेसु दोइंदा प० तं० सणंकुमारे चेव माहिंदे चेव, बंभलोयलंतगेसु णं दोइंदा प० तं० बंभे चेव लंतए चेव, महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु दोइंदा पन्नत्ता तंजहा-महासुक्के चेव सहस्सारे चेव, आणयपाणयारणच्चुएसु णं कप्पेसु दोइंदा प०तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥ १४० ॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा दुवण्णा प० तं० हालिद्दा चेव सुक्किल्ला चेव, गेविज्जगाणं देवाणं **दोरयणीओ** उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता ॥१४१॥

वीयट्ठाणस्स तइओद्देसो समत्तो ॥

समयाइ वा आवलियाइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, आणापाणूइ वा, थोवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, खणाइ वा लवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, एवं मुहुत्ताइ वा, अहोरत्ताइ वा, पक्खाइ वा, मासाइ वा, उऊइ वा, अयणाइ वा, संवच्छराइ वा, जुगाइ वा, वाससयाइ वा, वाससहस्साइ वा, वाससयसहस्साइ वा, वासकोडीइ वा, पुव्वंगाइ वा, पुव्वाइ वा, तुडियंगाइ वा तुडियाइ वा अडडंगाइ वा, अडडाइ वा, अववंगाइ वा, अववाइ वा हूहूअंगाइ वा, हूहूयाइ वा, उप्पलंगाइ वा, उप्पलाइ वा, पउमंगाइ वा, पउमाइ वा, णलिणंगाइ वा, णलिणाइ वा, **अच्छणिउरंगाइ** वा, **अच्छणिउराइ** वा, अउअंगाइ वा अउआइ वा, णउअंगाइ वा, णउआइ वा पउअंगाइ वा, पउयाइ वा, चूलिअंगाइ वा चूलियाइ वा, सीसप्पहेलिअंगाइ वा, सीसप्पहेलियाइ वा, पलिओवमाइ वा, सागरोवमाइ वा उस्सप्पिणीइ वा, ओसप्पिणीइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४२ ॥ गामाइ वा, णगराइ वा, निगमाइ वा, रायहाणीइ वा, खेडाइ वा, कव्वडाइ वा, मडंबाइ वा, दोणमुहाइ वा, पट्टणाइ वा, आगराइ वा, आस-

माइ वा, संवाहाइ वा, संनिवेसाइ वा, घोसाइ वा, आरामाइ वा, उज्जाणाइ वा, वणाइ वा, वणखंडाइ वा, वावीइ वा, पुक्खरणीइ वा, सराइ वा, सरपंतीइ वा, अगडाइ वा, तडागाइं वा, दहाइ वा, णदीइ वा, पुढवीइ वा, उदहीइ वा, वातखंधाइ वा, उवासंतराइ वा, वलयाइ वा, विग्गहाइ वा, दीवाइ वा, समुद्दाइ वा, वेलाइ वा, वेइयाइ वा, दाराइ वा, तोरणाइ वा, णेरइयाइ वा, णेरइयावासाइ वा, जाव वेमाणियावासाइ वा, कप्पाइ वा, कप्पविमाणवासाइ वा, वासाइ वा, वासहरपव्वयाइ वा, कूडाइ वा, कूडागाराइ वा, विजयाइ वा, रायहाणीइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४३ ॥ छायाइ वा, आतवाइ वा, जोसिणाइ वा, अंधगाराइ वा, ओमाणाइ वा, पमाणाइ वा, उम्माणाइ वा, अतिताणगिहाइ वा, उज्जाणगिहाइ वा, अवलिम्बाइ वा, सणिप्पवायाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४४ ॥ दोरासी प० तं० जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव, दुविहे बंधे प० तं० पेज्जबंधे चेव, दोसबंधे चेव, जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं बंधन्ति तं० रागेण चेव, दोसेण चेव, जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं उदीरेन्ति तं० अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए एवं वेदेंति एवं णिज्जरेंति अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए, दोहिं ठाणेहिं आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति तं० देसेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति सव्वेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति, एवं फुरित्ताणं एवं फुडित्ताणं एवं संवट्टित्ताणं निव्वट्टित्ताणं, दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए तंजहा—खएण चेव उवसमेण चेव, एवं जाव मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा तं० खएण चेव उवसमेण चेव ॥ १४५ ॥ दुविहे अद्धोवमिए प० तं० पलिओवमे चेव सागरोवमे चेव । से किं तं पलिओवमे ? पलिओवमे जं जोयणविच्छिन्नं पल्लं एगाहियप्परूढाणं होज्ज णिरंतरणिच्चियं भरियं वालग्गकोडीणं १ वाससए वाससए एक्केक्के, अवहडंमि जो कालो; सो कालो बोद्धव्वो, उवमा एगस्स पल्लस्स २ एतेसि पल्लाणं कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया; तं सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परीमाणं ३—॥ १४६ ॥ दुविहे कोहे प० तं० आयपइट्ठिए चेव, परपइट्ठिए चेव, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ १४७ ॥ दुविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० तसा चेव, थावरा चेव, दुविहा सव्वजीवा प० तं० सिद्धा चेव असिद्धा चेव । दुविहा सव्वजीवा प० तं० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव, एवं एसा गाहा फासेयव्वा जाव ससरीरी चेव असरीरी चेव; सिद्धसइंदियकाए, जोगे वेए कसायलेसा य, णाणुवओगाहारे भासगचरिमे य ससरीरी (१) ॥ १४८ ॥ दोमरणाइं समणेणं

भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णो णिच्चं वण्णियाइं कित्तियाइं णो णिच्चं वुइयाइं णो णिच्चं पसत्थाइं णो णिच्चं अब्भणुन्नायाइं भवंति तं० वलयमरणे चेव, वसट्टमरणे चेव, एवं णियाणमरणे चेव, तब्भवमरणे चेव, गिरिपडणे चेव, तरुपडणे चेव, जलप्पवेसे चेव, जलणप्पवेसे चेव, विसभक्खणे चेव, सत्थोवाडणे चेव, दोमरणाइं जाव णो णिच्चं अब्भणुन्नायाइं भवंति, कारणेणं पुण अप्पडिकुट्ठाइं तंजहा-वेहाणसे चेव गिद्धपिट्ठे चेव ॥ १४९ ॥ दोमरणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं जाव अब्भणुन्नायाइं भवंति तं०पाओवगमणे चेव भत्तपच्चक्खाणे चेव, पाओवगमणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव अणीहारिमे चेव, णियमं अप्पडिकम्मे, भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव, अणीहारिमे चेव, णियमं सप्पडिकम्मे ॥ १५० ॥ के अयं लोए ? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के अणंतालोए ? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के सासया लोए ? जीवच्चेव अजीवच्चेव ॥ १५१ ॥ दुविहा वोही, णाणवोही चेव, दंसणवोही चेव । दुविहा वुद्धा-णाणवुद्धा चेव दंसण-वुद्धा चेव, एवं मोहे मूढा ॥ १५२ ॥ णाणावरणिज्जे कम्मे दुविहे पन्नत्ते तं० देस-णाणावरणिज्जे चेव, सव्वणाणावरणिज्जे चेव, दंसणावरणिज्जे कम्मे एवं चेव वेय-णिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० सायावेयणिज्जे चेव असायावेयणिज्जे चेव मोहणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० दंसणमोहणिज्जे चेव चरित्तमोहणिज्जे चेव, आउकम्मे दुविहे प० तं० अद्धाउए चेव, भवाउए चेव, णामकम्मे दुविहे प० तं० सुभणामे चेव असुभणामे चेव, गोत्तकम्मे दुविहे प० तं० उच्चागोए चेव णीयागोए चेव, अंत-राइएकम्मे दुविहे प० तं० पडुप्पण्णविणासिए चेव पिहियआगामिपहं ॥ १५३ ॥ दुविहा मुच्छा प० तं० पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव, पेज्जवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० माए चेव लोहे चेव, दोसवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० कोहे चेव माणे चेव ॥ १५४ ॥ दुविहा आराहणा प० तं० धम्मियाराहणा चेव केवलि-आराहणा चेव, धम्मियाराहणा दुविहा प० तं० सुयधम्माराहणा चेव चरित्त-धम्माराहणा चेव, केवलिआराहणा दुविहा प० तं० अंतकिरिया चेव कप्पवि-माणोववत्तिया चेव ॥ १५५ ॥ दोतित्थयरा नीलुप्पलसमावन्नेणं प० तं० मुणिसुव्वए चेव, अरिट्ठणेमी चेव, दोतित्थयरा पियंगुसमावन्नेणं प० तं० मल्ली चेव पासे चेव, दोतित्थयरा पउमगोरा वण्णेणं, प० तं० पउमप्पहे चेव, वासुपुज्जे चेव, दोतित्थयरा चंदगोरा वण्णेणं प० तं० चंदप्पभे चेव पुप्फदंते चेव ॥ १५६ ॥ सच्चप्पवाय-पुव्वस्सणं दुवे वत्थू पन्नत्ता, पुव्वभद्दवयानक्खत्ते दुतारे प० उत्तरभद्दवयानक्खत्ते दुतारे प०-एवं पुव्वफग्गुणी, उत्तरफग्गुणी ॥ १५७ ॥ अंतोणं मणुस्सखेत्तस्स दो

समुद्दा, प० तं० लवणे चेव कालोदे चेव, दोचक्कवट्टी अपरिचत्तकामभोगा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणनरए नेरइयत्ताए उववन्ना तं० सुभूमे चेव बंभदत्ते चेव ॥ १५८ ॥ असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं देसूणाइं दोपलिओवमाइं ठिई प० सोहम्मे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दोसागरोवमाइं ठिई प० ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई प० सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहन्नेणं दोसागरोवमाइं ठिई प० माहिंदे कप्पे देवाणं जहन्नेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १५९ ॥ दोसु कप्पेसु कप्पत्थियाओ पण्णत्ताओ तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा तेउलेस्सा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा फासपरियारगा प० तं० सणंकुमारे चेव, माहिंदे चेव, दोसु कप्पेसु देवा रूवपरियारगा प० तं० बंभलोए चेव, लंतए चेव, दोसु कप्पेसु देवा सद्दपरियारगा प० तं० महासुक्के चेव, सहस्सारे चेव, दोइंदा मणपरियारगा, प० तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥ १६० ॥ जीवाणं दोट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा–तसकायनिव्वत्तिए चेव, थावरकायनिव्वत्तिए चेव, एवं उवचिणिसु वा, उवचिणंति वा, उवचिणिस्संति वा, बंधिंसु वा, बंधंति वा, बंधिस्संति वा, उदीरिंसु वा, उदीरेंति वा, उदीरिस्संति वा, वेदिंसु वा, वेदिंति वा, वेदिस्संति वा, णिज्जरिंसु वा, णिज्जरेंति वा, णिज्जरिस्संति वा ॥ १६१ ॥ दुप्पएसिया खंधा अणंता प० दुपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० एवं जाव दुगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ १६२ ॥

बीयट्ठाणस्स चउत्थोद्देसो समत्तो, बीयं ठाणं समत्तं ॥

तइयट्ठाणं

तओ इंदा प० तं० णामिंदे-दव्विंदे-भाविंदे ॥ तओ इंदा प० तं० णाणिंदे-दंसणिंदे-चरित्तिंदे, तओ इंदा प० तं० देविंदे-असुरिंदे-मणुस्सिंदे ॥ १६३ ॥ तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरए पोग्गलए परियाइत्ता एगा विउव्वणा, बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा, बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता वि अपरियाइत्ता वि एगा विउव्वणा तिविहा विउव्वणा, प० तं० अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा, तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता

एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा ॥ १६४ ॥ तिविहा नेरइया प० तं० कतिसंचिया, अकतिसंचिया अवत्तव्वगसंचिया एवमेगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया ॥ १६५ ॥ तिविहा परियारणा प० तं० एगे देवे अन्ने देवे अन्नेसिं देवाणं देवीओ य अभिजुंजिय २ परियारेइ, अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ एगे देवे णो अन्नेदेवे णो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ। एगे देवे णो अन्नेदेवे णो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ, णो अप्पणिज्जियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ॥ १६६ ॥ तिविहे मेहुणे प० तं० दिव्वे माणुस्सए तिरिक्खजोणिए, तओ मेहुणं गच्छंति तं०देवा मणुस्सा तिरिक्खजोणिया, तओ मेहुणं सेवंति तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १६७ ॥ तिविहे जोगे प० तं० मणजोगे वयजोगे कायजोगे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं, तिविहे पओगे प० तं० मणपओगे, वयपओगे, कायपओगे; जहा जोगो विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं तहा पओगेवि। तिविहे करणे प० तं० मणकरणे, वयकरणे, कायकरणे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं । तिविहे करणे पन्नत्ते तं० आरंभकरणे, संरंभकरणे समारंभकरणे, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ १६८ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसंवइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा, णिग्गंथं वा, अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभित्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउअत्ताए कम्मं पगरेंति। तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तंजहा–णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं णं समणं णिग्गंथं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति ॥ १६९ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं णिग्गंथं वा हीलेत्ता निंदेत्ता खिंसेत्ता गरिहित्ता अवमाणित्ता अन्नयरेणं अमणुन्नेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं वा पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहि ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति, तिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति, तंजहा–णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा णिग्गंथं वा वंदित्ता नमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता

मणुन्नेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा सुहदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति ॥१७०॥ तओ गुत्तीओ पन्नत्ताओ तं०मणगुत्ती, वयगुत्ती, कायगुत्ती, संजयमणुस्साणं तओ गुत्तीओ प० तं० मण, वय, काय०। तओ अगुत्तीओ प० तं० मणअगुत्ती, वयअगुत्ती, कायअगुत्ती, एवं णेरइयाणं जाव० थणियकुमाराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं असंजयमणुस्साणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं। तओ दंडा प० तं० मणदंडे, वयदंडे, कायदंडे, णेरइयाणं तओ दंडा प० मणदंडे, जाव कायदंडे विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥१७१॥ तिविहा गरिहा प० तं० मणसावेगे गरहइ, वयसावेगे गरहइ, कायसावेगे गरहइ, पावाणं कम्माणं अकरणयाए। अहवा गरहा तिविहा प० तं० दीहंवेगे अद्धं गरहइ, रहस्सं वेगे अद्धं गरहइ, कायंवेगे पडिसाहरइ पावाणं कम्माणं अकरणयाए, तिविहे पच्चक्खाणे प० तं० मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, कायसावेगे पच्चक्खाइ, एवं जहा गरहा तहा पच्चक्खाणेवि दो आलावगा भाणियव्वा ॥ १७२ ॥ तओ रुक्खा, प० तं० पत्तोवए, फलोवए, पुप्फोवए, एवामेव तओ पुरिसजाया प० तं० पत्तो वा रुक्खसमाणे, पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे ॥ तओ पुरिसजाया प० तं० णामपुरिसे, दव्वपुरिसे, भावपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० तं० णाणपुरिसे, दंसणपुरिसे, चरित्तपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० तं० वेदपुरिसे, चिंधपुरिसे, अभिलावपुरिसे ॥ १७३ ॥ तिविहा पुरिसा प० तं० उत्तमपुरिसा, मज्झिमपुरिसा जहन्नपुरिसा, उत्तमपुरिसा तिविहा प० तं० धम्मपुरिसा, भोगपुरिसा, कम्मपुरिसा, धम्मपुरिसा अरिहंता, भोगपुरिसा चक्कवट्टी, कम्मपुरिसा वासुदेवा, मज्झिमपुरिसा तिविहा—उग्गा भोगा राइण्णा, जहन्नपुरिसा तिविहा, प० तं० दासा, भयगा, भाइल्लगा ॥ १७४ ॥ तिविहा मच्छा प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा, अंडया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा; पोयया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा ॥ १७५ ॥ तिविहा पक्खी प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा, अंडया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी पुरिसा, णपुंसगा, पोयया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा, एवमेएणं अभिलावेणं उरपरिसप्पावि भाणियव्वा, भुजपरिसप्पा वि णेयव्वा, एवं चेव ॥ १७६ ॥ तिविहाओ इत्थीओ पन्नत्ताओ तं० तिरिक्खजोणित्थीओ, मणुस्सित्थीओ, देवित्थीओ, तिरिक्खजोणित्थीओ तिविहाओ प० तं० जलचरीओ, थलचरीओ, खहचरीओ, मणुस्सित्थीओ तिविहाओ पण्णत्ताओ, तं० कम्मभूमियाओ, अकम्मभूमियाओ, अंतरदीवियाओ ॥ १७७ ॥ तिविहा पुरिसा तिरिक्खजोणियपुरिसा,

मणुस्सपुरिसा, देवपुरिसा, तिरिक्खजोणियपुरिसा तिविहा प० तं० जलयरा, थलयरा, खहयरा, मणुस्सपुरिसा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया, अकम्मभूमिया अंतरदीवया ॥१७८॥ तिविहा णपुंसगा, णेरइयणपुंसगा, तिरिक्खजोणियणपुंसगा मणुस्सणपुंसगा, तिरिक्खजोणियणपुंसगा तिविहा–जलयरा थलयरा खहयरा ॥ १७९ ॥ मणुस्सणपुंसगा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया अकम्मभूमिया अंतरदीवगा, तिविहा तिरिक्खजोणिया, इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १८० ॥ णेरइयाणं तओ लेस्साओ प० तं० कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा, असुरकुमाराणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प० तं० कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा एवं जाव थणियकुमाराणं । एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वि तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वि तओ लेस्सा जहा णेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प० तं० कण्हनीलकाउलेस्सा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ असंकिलिट्ठाओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा एवं मणुस्साणवि वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं, वेमाणियाणं तओ लेस्साओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा ॥ १८१ ॥ तिहिं ठाणेहिं ताराख्वे चलेज्जा तं० विकुव्वमाणे वा परियारेमाणे वा, ठाणाओ वा ठाणं संकममाणे ताराख्वे चलेज्जा । तिहिं ठाणेहिं देवे विज्जुयारं करेज्जा तं० विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा तहारूवस्स समणस्स वा णिग्गंथस्स वा इड्ढिं जुइं जसं वलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे देवे विज्जुयारं करेज्जा, तिहिं ठाणेहिं देवे थणियसद्दं करेज्जा तं० विउव्वमाणे एवं जहा विज्जुयारं तहेव थणियसद्दंपि ॥ १८२ ॥ तिहिं ठाणेहिं लोगंधयारे सिया तंजहा–अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहि अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे । तिहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेसु पव्वयमाणेसु, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु । तिहिं ठाणेहिं देवंधयारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे । तिहि ठाणेहिं देवुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहि, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु । तिहिं ठाणेहि देवसन्निवाए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु । एवं देवुक्कलिया, देवकहकहए, तिहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति तं० अरिहंतेहि जायमाणेहि अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, एवं सामाणिया, तायत्तीसगा लोगपाला देवा अग्गमहिसीओ देवीओ परिसोववन्नगा देवा, अणियाहिवई देवा, आयरक्खा देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति, तिहिं ठाणेहिं देवा अब्भुट्ठेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं

जाव तं चेव। एवमासणाइं चलेज्जा, सीहणायं करेज्जा, चेलुक्खेवं करेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवाणं रुक्खा चलेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, जाव तं चेव। तिहिं ठाणेहिं लोगंतिया देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु ॥ १८३ ॥ तिण्हं दुप्पडियारं समणाउसो तंजहा–अम्मापिउणो भट्टिस्स धम्मायरियस्स, संपाओवि य णं केइ पुरिसे अम्मापियरं सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेत्ता, सुरभिणा गंधट्टएणं उव्वट्टित्ता, तिहिं उदगेहिं मज्जावेत्ता, सव्वालंकारविभूसियं करेत्ता, मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोअणं भोआवेत्ता जावज्जीवं पिट्ठिवडिंसियाए परिवहेज्जा, तेणावि तस्स अम्मापिउस्स दुप्पडियारं भवइ। अहेणं से तं अम्मापियरं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पन्नवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स अम्मापिउस्स सुप्पडियारं भवइ। समणाउसो केइ महच्चे दरिद्दं समुक्कसेज्जा तएणं से दरिद्दे समुक्किट्ठे समाणे पच्छा पुरं च णं विउलभोगसमिइसमण्णागए या वि विहरेज्जा, तएणं से महच्चे अन्नया कयाइं दरिद्दी हूए समाणे तस्स दरिद्दस्स अंतिए हव्वमागच्छेज्जा तएणं से दरिद्दे तस्स भट्टिस्स सव्वस्समवि दलयमाणे तेणावि तस्स दुप्पडियारं भवइ, अहेणं से तं भट्टिं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पण्णवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स भट्टिस्स सुप्पडियारं भवइ। केइ तहारूवस्स समणस्स वा णिग्गंथस्स वा अंतियमेगमवि आरियं जिणभासियं धम्मं सुवयणं सोच्चा निसम्म कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने, तएणं से देवे तं धम्मायरियं दुब्भिक्खाओ वा देसाओ सुभिक्खं देसं साहरेज्जा, कंताराओ वा णिक्कंतारं करेज्जा, दीहकालिएणं वा रोआतंकेणं अभिभूयं समाणं विमोइज्जा, तेणावि तस्स धम्मायरियस्स दुप्पडियारं भवइ, अहेणं से तं धम्मायरियं केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भट्ठं समाणं भुज्जोवि केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता जाव ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स धम्मायरियस्स सुप्पडियारं भवइ ॥ १८४ ॥ तिहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइवएज्जा, तंजहा–अणियाणयाए, दिट्ठिसंपन्नयाए, जोगवाहियाए ॥ १८५ ॥ तिविहा ओसप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना, एवं छप्पिसमाओ भाणियव्वाओ जाव दुसमदुसमा, तिविहा उस्सप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना एवं छप्पिसमाओ भाणियव्वाओ, जाव सुसमसुसमा ॥ १८६ ॥ तिहिं ठाणेहिं अच्छिन्ने पोग्गले चलेज्जा तं० आहारिज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा, विउव्वमाणे वा पोग्गले चलेज्जा, ठाणाओ ठाणं संकामेज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा ॥ १८७ ॥ तिविहा उवही प० तं० कम्मोवही

सरीरोवही बाहिरभंडमत्तोवही, एवं असुरकुमाराणं भाणियव्वं, एवं एगिंदियनेरइयवज्जं जाव वेमाणियाणं। अहवा तिविहा उवही प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया। एवं नेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं, तिविहे परिग्गहे प० तं० कम्मपरिग्गहे सरीरपरिग्गहे बाहिरभंडमत्तपरिग्गहे, एवं असुरकुमाराणं, एवं एगिंदियनेरइयवज्जं जाव वेमाणियाणं, अहवा तिविहे परिग्गहे प० तं० सचित्ते अचित्ते मीसए एवं णेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ १८८ ॥ तिविहे पणिहाणे प० तं० मणपणिहाणे वयपणिहाणे कायपणिहाणे एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, संजयमणुस्साणं तिविहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, तिविहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे वयदुप्पणिहाणे कायदुप्पणिहाणे, एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं ॥ १८९ ॥ तिविहा जोणी पण्णत्ता तंजहा-सीआ उसिणा सीओसिणा। एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं तेउकाइयवज्जाणं संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य, तिविहा जोणी प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य। तिविहा जोणी प० तं० संवुडा, वियडा संवुडवियडा। तिविहा जोणी प० तं० कुम्मुन्नया संखावत्ता वंसीवत्तिया, कुम्मुन्नयाणं जोणी उत्तमपुरिसमाऊणं, कुम्मुन्नयाएणं जोणीए तिविहा उत्तमपुरिसा गब्भं वक्कमंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा, संखावत्ता जोणी इत्थीरयणस्स संखावत्ताएणं जोणीए बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति नो चेव णं णिप्पज्जंति। वंसीपत्तियाणं जोणी पिहज्जणस्स वंसीवत्तियाएणं जोणीए बहवे पिहज्जणे गब्भं वक्कमंति ॥ १९० ॥ तिविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० संखेज्जजीविया असंखेज्जजीविया अणंतजीविया ॥ १९१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहेवासे तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे एवं एरवएवि। जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहवासे एगमेगे चक्कवट्टिविजए तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे। एवं धायइखंडे दीवे पुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि पुक्खरवदीवड्ढपुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि ॥ १९२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीआए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए तिन्निसागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था। एवं ओसप्पिणीए णवरं प० आगमेस्साए उस्सप्पिणीए भविस्सइ। एवं धायइखंडे पुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि। एवं पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धे पच्चत्थिमद्धेवि कालो भाणियव्वो ॥ १९३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए मणुया तिन्नि गाउआइं

उड्ढं उच्चत्तेणं तिण्णिपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था एवं इमीसे ओसप्पिणीए आगमेस्साए उस्सप्पिणीए। जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया तिन्नि गाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० तिन्निपलिओवमाइं परमाउं पालयंति । एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे ॥ १९४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणिउस्सप्पिणीए तओ वंसा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंतवंसे चक्कवट्टिवंसे दसारवंसे । एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे । जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेववासुदेवा । एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे । तओ अहाउयं पालेंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा, तओ मज्झिममाउयं पालयंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा ॥ १९५ ॥ बायरतेऊकाइयाणं उक्कोसेणं तिन्नि राइंदियाइं ठिई प० बायरवाउकाइयाणं उक्कोसेणं तिन्निवाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता ॥ १९६ ॥ अह भंते सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसिणं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं लंछियाणं मुद्दियाणं पिहियाणं केवइयं कालं **जोणी** संचिट्ठइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्निसंवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ पविद्धंसइ विद्धंसइ तेण परं **बीए अबीए** भवइ तेण परं जोणी वोच्छेदे प० ॥ १९७ ॥ दोच्चाएणं सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेणं तिन्निसागरोवमाइं ठिई प० तच्चाएणं वालुयप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं णेरइयाणं तिन्निसागरोवमाइं ठिई प० । पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिन्निनिरयावाससयसहस्सा प० तिसु णं पुढवीसु णेरइया उसिणं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० पढमाए दोच्चाए तच्चाए ॥ १९८ ॥ तओ लोगे समा सपक्खि सपडिदिसिं प०तं० अप्पइट्ठाणे णरए जंबुद्दीवे दीवे सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे । तओ लोगे समा सपक्खि सपडिदिसि प० तं० सीमंतएणं णरए समयक्खेत्ते ईसिपब्भारापुढवी ॥ १९९ ॥ तओ समुद्दा पगईए उदगरसेणं प० तं० कालोदे पुक्खरोदे सयंभुरमणे, तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइण्णा प० तं० लवणे कालोदे सयंभुरमणे ॥ २०० ॥ तओ लोगे णिस्सीला णिव्वया णिग्गुणा णिम्मेरा णिपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववज्जंति तं० रायाणो मंडलिया जे य महारंभा कोडुंबी । तओ लोए सुसीला सुव्वया सगुणा सम्मेरा सपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० रायाणो परिचत्तकामभोगा सेणावई पसत्थारो ॥ २०१ ॥ बंभलोगलंतएसु णं

कप्पेसु विमाणा तिवन्ना पन्नत्ता तं० किण्हा नीला लोहिया। आणयपाणयारणच्चुएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं तिन्नि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ २०२ ॥ तओ पन्नत्तीओ कालेणं अहिज्जन्ति तं० चंदपन्नत्ती सूरपन्नत्ती दीवसागरपन्नत्ती ॥ २०३ ॥ **तइयट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

तिविहे लोगे पन्नत्ते तं० णामलोगे ठवणलोगे दव्वलोगे, तिविहे लोगे प० तं० णाणलोगे दंसणलोगे चरित्तलोगे, तिविहे लोगे प० तं० उड्ढलोगे अहोलोगे तिरियलोगे ॥ २०४ ॥ चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया चंडा जाया अब्भितरिया समिया मज्झमिया चंडा वाहिरया जाया, चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सामाणियाणं देवाणं तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया जहेव चमरस्स। एवं तायत्तीसगाणवि लोगपालाणं तुंबा तुडिया पव्वा एवं अग्गमहिसीण वि। बलिस्स वि एवं चेव जाव अग्गमहिसीणं। धरणस्स य सामाणियतायत्तीसगाणं च समिया चंडा जाया, लोगपालाणं अग्गमहिसीणं ईसा तुडिया दढरहा, जहा धरणस्स तहा सेसाणं भवणवासीणं, कालस्सणं पिसाइंदस्स पिसायरन्नो तओ परिसाओ पन्नत्ताओ, तं० ईसा तुडिया दढरहा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं वि एवं जाव गीयरइ गीयजसाणं चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो तओ परिसाओ, तुंबा तुडिया पव्वा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं, एव सूरस्स वि, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो तओ परिसाओ पन्नत्ताओ तं० समिया चंडा जाया, एवं जहा चमरस्स जाव अग्गमहिसीणं, एवं जाव अच्चुयस्स लोगपालाणं ॥ २०५ ॥ तओ जामा प० तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, तिहिं जामेहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, एवं जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे। तओ वया प० तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, तिहिं वएहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, एसो चेव गमो णेयव्वो, जाव केवलनाणंति ॥ २०६ ॥ तिविहा बोही प० तं० णाणबोही दंसणबोही चरित्तबोही, तिविहा **बुद्धा** प० तं० णाणबुद्धा दंसणबुद्धा चरित्तबुद्धा, एवं मोहे मूढा ॥ २०७ ॥ तिविहा पव्वज्जा प० तं० इहलोगपडिबद्धा, परलोगपडिबद्धा, दुहओ पडिबद्धा, तिविहा पव्वज्जा प० तं० पुरओपडिबद्धा, मग्गओपडिबद्धा, उभओपडिबद्धा, तिविहा पव्वज्जा प० तं० तुयावइत्ता पुयावइत्ता बुयावइत्ता, तिविहा पव्वज्जा पण्णत्ता तं० उवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा ॥ २०८ ॥ तओ णियंठा णोसण्णोवउत्ता प० तं० पुलाए

णियंठे सिणाए, तओ णियंठा सण्णणोसण्णोवउत्ता प० तं० वउसे पडिसेवणाकुसीले कसायकुसीले ॥ २०९ ॥ तओ सेहभूमीओ प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा उक्कोसा छम्मासा मज्झिमा चउमासा, जहन्ना सत्तराइंदिया ॥ २१० ॥ तओ थेरभूमीओ पन्नत्ताओ तं० जाइथेरे सुयथेरे परियायथेरे। सट्ठिवासजाए समणे णिग्गंथे जाइथेरे, ठाणसमवायधरे णं समणे णिग्गंथे सुयथेरे, वीसवासपरियाए णं समणे णिग्गंथे परियायथेरे ॥ २११ ॥ तओ पुरिसजाया प० सुमणे दुम्मणे णोसुमणेणोदुम्मणे, तओ पुरिसजाया प० गंताणामेगे सुमणे भवइ गंताणामेगे दुम्मणे भवइ गंताणामेगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, तओ पुरिसजाया प० तं० जामि एगे सुमणे भवइ, जामि एगे दुम्मणे भवइ, जामि एगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, एवं जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया पण्णत्ता तं० अगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं आगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) एमि एगे सुमणे भवइ, एस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं एएणं अभिलावेणं गंता य अगंता य आगंता खलु तहा अणागंता। चिट्ठित्तमचिट्ठित्ता, णिसिइत्ता चेव नो चेव 1 हंता य अहंता य छिदित्ता खलु तहा अछिंदित्ता, वूइत्ता अवूइत्ता, भासित्ता चेव णो चेव 2 दच्चा य अदच्चा य, भुंजित्ता खलु तहा अभुंजित्ता, लंभित्ता अलंभित्ता, पिइत्ता चेव नो चेव 3 सुइत्ता असुइत्ता, जुज्झित्ता खलु तहा अजुज्झित्ता; जइत्ता अजइत्ता य, पराजिणित्ता चेव नो चेव 4 सद्दा रूवा गंधा, रसा य फासा तहेव ठाणा य; निस्सीलस्स गरहिया, पसत्था पुग सीलवंतस्स 5 एवमेक्केक्के तिन्नितिन्निउ आलावगा भाणियव्वा। सद्दं सुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) एवं सुणेमित्ति (३) सुणेस्सामित्ति ३ एवं असुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) न सुणेमि त्ति ३ न सुणेस्सामित्ति ३ एवं रूवाइं गंधाइं रसाइं फासाइं इक्केक्के छछ आलावगा भाणियव्वा, एवं १२७ आलावगा भवंति ॥ २१२ ॥ तओ ठाणा णिस्सीलस्स णिव्वयस्स णिग्गुणस्स णिम्मेरस्स णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासस्स गरहिया भवंति तं० अस्सिं लोगे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ। तओ ठाणा सुसीलस्स सुव्वयस्स सगुणस्स समेरस्स सपच्चक्खाणपोसहोववासस्स पसत्था भवंति तं० अस्सिं लोगे पसत्थे भवइ उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ ॥ २१३ ॥ तिविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा। तिविहा सव्वजीवा प० तं० सम्मदिट्ठी मिच्छदिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी य। अहवा तिविहा सव्वजीवा प० तं० पज्जत्तगा

अपज्जत्तगा नोपज्जत्तगानोअपज्जत्तगा । एवं सम्मदिट्ठिपरित्तापज्जत्तगसुहुमसन्नि-भविया य ॥ २१४ ॥ तिविहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही उदहीपइट्ठिया पुढवी । तओ दिसाओ प० तं० उड्ढा अहा तिरिया, तिहिं दिसाहिं जीवाणं गई पवत्तई तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं आगई वक्कंती आहारे वुड्ढी णिवुड्ढी गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे दंसणाभिगमे णाणाभिगमे जीवाभि-गमे । तिहिं दिसाहिं जीवाणं अजीवाभिगमे प० तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं । एवं मणुस्साणवि ॥ २१५ ॥ तिविहा तसा प० तं० तेउकाइया, वाउकाइया उराला तसा पाणा, तिविहा थावरा प० तं० पुढविकाइया आउकाइया वणस्सइकाइया ॥ २१६ ॥ तओ अच्छेज्जा प० तं० समए पएसे परमाणू; एवमभेज्जा अडज्झा अगिज्झा अणड्ढा अमज्झा अपएसा । तओ अवि-भाइमा प० तं० समए पएसे परमाणू ॥ २१७ ॥ अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी ! किं भया पाणा समणाउसो ? गोयमाई समणा णिग्गंथा समणं भगवं महावीरं उवसंकमंति, उवसंकमित्ता वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी णो खलु वयं देवाणुप्पिया ! एयमट्ठं जाणामो वा पासामो वा तं जइणं देवाणुप्पिया ! एयमट्ठं नो **गिलायंति** परिकहेत्तए तमि-च्छामो णं देवाणुप्पियाणं अंतिए एयमट्ठं जाणित्तए, अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी, दुक्ख भया पाणा समणाउसो, से णं भंते दुक्खे केण कडे ? जीवेण कडे पमाएणं, से णं भंते दुक्खे कहं वेइज्जति ? अप्पमाएणं ॥ २१८ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते एवमाइक्खन्ति, एवं भासेन्ति एवं परूवेन्ति कहण्णं समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जइ तत्थ जासा कडा कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा कडा नो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा नो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा कज्जइ तं पुच्छंति, से एवं वत्तव्वं सिया अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं जे ते एवमाहंसु ते मिच्छा, अहं पुण एवमाइक्खामि, एवं भासामि, एवं पन्नवेमि, एवं परूवेमि, किच्चं दुक्खं फुसं दुक्खं कज्जमाणं कडं दुक्खं कट्टु २ पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं सिया ॥ २१९ ॥

तइयट्ठाणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥

तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा, णो णिंदिज्जा णो गर-हेज्जा णो विउट्टेज्जा णो विसोहेज्जा णो अकरणयाए अब्भुट्ठेज्जा णो अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जिज्जा तं० अकरिंसु वाहं करेमि वाहं करिस्सामि वाहं ॥ २२० ॥

तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० अकित्ती वा मे सिया अवन्ने वा मे सिया अविणए वा मे सिया, तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसो वा मे परिहाइस्सइ पूयासक्कारे वा मे परिहाइस्सइ, तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा निंदेज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तंजहा मायिस्स णं अस्सिं लोगे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ। तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० अमायिस्स णं अस्सिं लोगे पसत्थे भवइ, उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ; तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए ॥२२१॥ तओ पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे अत्थधरे तदुभयधरे ॥२२२॥ कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा तओ वत्थाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए साणिए खोमिए। कप्पइ निग्गंथाणं वा निग्गंथीणं वा तओ पायाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० लाउयपाए वा दारुपाए वा मट्टियापाए वा, तिहिं ठाणेहिं वत्थं धरेज्जा तं० हिरिवत्तियं दुगुंछावत्तियं परीसहवत्तियं ॥२२३॥ तओ आयरक्खा प० तं० धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएत्ता भवइ तुसिणीए वा सिया उट्ठित्ता वा आयाए एगंतमन्तमवक्कमेज्जा ॥ २२४ ॥ निग्गंथस्स णं गिलायमाणस्स कप्पंति तओ वियडदत्तीओ पडिगाहित्तए तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना ॥ २२५ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे साहम्मियं संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ तं० सयं वा दट्ठुं सड्ढस्स वा निसम्म तच्चं मोसं आउट्टइ चउत्थं नो आउट्टइ ॥ २२६ ॥ तिविहा अणुन्ना प० तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, तिविहा समणुन्ना प०तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, एवं उवसंपया एवं विजहणा ॥ २२७ ॥ तिविहे वयणे प० तं० तव्वयणे तदन्नवयणे णो अवयणे, तिविहे अवयणे प० तं० णो तव्वयणे णो तदन्नवयणे अवयणे, तिविहे मणे प० तं० तम्मणे तयन्नमणे णो अमणे; तिविहे अमणे णो तंमणे णो तयन्नमणे अमणे ॥ २२८ ॥ तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाए सिया तं० तस्सिं च णं देसंसि वा पएसंसि वा णो बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति पडिलोमवाऊ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं अण्णं देसं साहरइ, अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं वाउकाए विहुणेइ इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाये सिया। तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया तं० तंसि च णं देसंसि वा पएसंसि वा बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्क-

मंति, चयंति उववज्जंति अणुलोमवाऊ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं तं देसं साहरंति अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं णो वाउकाओ विहुणेति, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया ॥ २२९ ॥ तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइप्पकप्पं पकरेइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने तस्स णं माणुस्सए पेम्मे वोच्छिन्ने दिव्वे संकंते भवइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने तस्स णमेवं भवइ इयण्हिं न गच्छं मुहुत्तं गच्छं तेणं कालेणमप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छित्तए नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुस्सलोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा, उवज्झाएइ वा पवत्तेइ वा थेरेइ वा, गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेणं मए इमा एया रूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाणं मंगलं देवयं जाव पज्जुवासामि अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवइ, एसण माणुस्सए भवे णाणीइ वा, तवस्सीइ वा, अइदुक्करदुक्करकारगे तं गच्छामि णं भगवंतं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि अहुणोववण्णे देवे देवलोगेसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि, पासंतु ता मे इमं एयारूवं दिव्वं देविड्ढिं, दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं इच्चेएहिं तिहि ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ २३० ॥ तओ ठाणाइं देवे पीहेज्जा तं० माणुस्सगं भवं, आरिए खेत्ते जम्मं, सुकुलपच्चायाइं ॥ २३१ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे परितप्पेज्जा तं० अहो णं मए संते बले संते वीरिए संते पुरिसक्कारपरक्कमे खेमंसि सुभिक्खंसि आयरियउवज्झाएहिं विज्जमाणेहिं कल्लसरीरेणं णो बहुए

सुए अहीए अहो णं मए इहलोगपडिबद्धेणं परलोगपरंमुहेणं विसयतिसिएणं णो दीहे सामन्नपरियाए अणुपालिए । अहो णं मए इड्ढिरससायगरुएणं भोगामिसगिद्धेणं णो विसुद्धे चरित्ते फासिए इच्चेएहिं० ॥ २३२ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे चइस्सामीति जाणइ, तं० विमाणाभरणाइं णिप्पभाइं पासित्ता, कप्परुक्खगं मिलायमाणं पासित्ता अप्पणो तेयलेस्सं परिहायमाणिं जाणित्ता, इच्चेएहिं०, तिहिं ठाणेहिं देवे उव्वेगमागच्छेज्जा तं०-अहो णं मए इमाओ एयारूवाओ दिव्वाओ देविड्ढीओ दिव्वाओ देवजुईओ, दिव्वाओ देवाणुभावाओ पत्ताओ लद्धाओ अभिसमण्णागयाओ चइयव्वं भविस्सइ । अहो णं मए माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं तप्पढमयाए आहारो आहारेयव्वो भविस्सइ । अहो णं मए कलमलजंबालाए असुईए उव्वेयणियाए भीमाए गब्भवसहीए वसियव्वं भविस्सइ । इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं० ॥ २३३ ॥ तिसंठिया विमाणा प० तं० वट्टा तंसा चउरंसा । तत्थ णं जे ते वट्टविमाणा ते णं पुक्खरकण्णिगया संठाणसंठिया सव्वओ समंता पागारपरिक्खित्ता एगदुवारा प० । तत्थ णं जे ते तंसविमाणा ते सिंघाडगसंठाणसंठिया दुहओ पागारपरिक्खित्ता एगओ वेइया परिक्खित्ता तिदुवारा प० । तत्थ णं जे ते चउरंसविमाणा ते णं अक्खाडगसंठाणसंठिया सव्वओ समंता वेइया परिक्खित्ता चउदुवारा प० । तिपइट्ठिया विमाणा प० तं० घणोदहिपइट्ठिया, घणवायपइट्ठिया, उवासंतरपइट्ठिया । तिविहा विमाणा प० तं० अवट्ठिया वेउव्विया परिजाणिया ॥ २३४ ॥ तिविहा णेरइया प० तं० सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी । एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं । तओ दुग्गईओ पण्णत्ताओ तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई मणुयदुग्गई । तओ सुगईओ प० तं० सिद्धिसोग्गई देवसोग्गई मणुस्ससोग्गई । तओ दुग्गया प० तं० णेरइयदुग्गया तिरिक्खजोणियदुग्गया, मणुस्सदुग्गया, तओ सुगया प० तं० सिद्धसुगया देवसुगया मणुस्ससुगया ॥ २३५ ॥ चउत्थभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तं० उस्सेइमे संसेइमे चाउलधोवणे । छट्ठभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा-तिलोदए तुसोदए जवोदए, अट्ठमभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तंजहा-आयामए सोवीरए सुद्धवियडे ॥ २३६ ॥ तिविहे उवहडे प० तं० फलिओवहडे सुद्धोवहडे संसट्ठोवहडे, तिविहे ओग्गहिए प० तं० जं च ओगिण्हइ जं च साहरइ जं च आसगंसि पक्खिवइ ॥ २३७ ॥ तिविहा ओमोयरिया प० तं० उवगरणोमोयरिया, भत्तपाणोमोयरिया, भावोमोयरिया; उवगरणोमोयरिया तिविहा प० तं० **एगे वत्थे, एगे पाये** चियत्तोवहि-

साइज्जणया ॥ २३८ ॥ तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा अहियाए असुहाए अक्खमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवन्ति, तं० कूअणया, कक्करणया अवज्झाणया, तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवन्ति, तं० अकूअणया अकक्करणया अणवज्झाणया ॥ २३९ ॥ तओ सल्ला प० तं० मायासल्ले णियाणसल्ले मिच्छादंसणसल्ले ॥ २४० ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संखित्तविउलतेउलेस्से भवइ तं० आयावणयाए खंतिखमाए अपाणगेणं तवोकम्मेणं ॥ २४१ ॥ तिमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स कप्पंति तओ दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहित्तए तओ पाणगस्स, एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० उम्मायं वा लभेज्जा, दीहकालियं वा रोयातकं पाउणेज्जा, केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा । एगराइयं णं भिक्खुपडिमं सम्ममणुपालेमाणस्स अणगारस्स तओ ठाणा हियाए सुभाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवंति तं० ओहिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा मणपज्जवणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, केवलणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा ॥ २४२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे तओ कम्मभूमीओ प० तं० भरहे, एरवए, महाविदेहे । एवं धायइखंडे दीवे पुरच्छिमद्धे जाव पुक्खर-वर-दीवड्ढ-पच्चत्थिमद्धे ॥ २४३ ॥ तिविहे दंसणे सम्मदंसणे, मिच्छादंसणे, सम्ममिच्छादंसणे, तिविहा रुई प० तं० सम्मरुई, मिच्छरुई, सम्ममिच्छरुई, तिविहे पओगे प० तं० सम्मप्पओगे, मिच्छप्पओगे, सम्ममिच्छप्पओगे ॥ २४४ ॥ तिविहे ववसाए प० तं० धम्मिए ववसाए अहम्मिए ववसाए, धम्मियाधम्मिए ववसाए, अहवा तिविहे ववसाए, प० तं० पच्चक्खे, पच्चइए, आणुगामिए, अहवा तिविहे ववसाए प० तं० इहलोइए, परलोइए, इहलोइयपरलोइए, इहलोइए ववसाए तिविहे प० तं० लोइए वेइए सामइए, लोइए ववसाए तिविहे प० तं० अत्थे धम्मे कामे, वेइए ववसाए तिविहे प० तं० रिउव्वेए जजुव्वेए सामवेए, सामइए ववसाए तिविहे प० तं० णाणे दंसणे चरित्ते ॥ २४५ ॥ तिविहा अत्थजोणी प० तं० सामे दंडे भेए ॥ २४६ ॥ तिविहा पोग्गला प० तं० पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ॥ २४७ ॥ तिपइट्ठिया णरगा प० तं० पुढवीपइट्ठिया आगासपइट्ठिया आयपइट्ठिया, णेगमसंगहववहाराणं पुढवीपइट्ठिया, उज्जुसुयस्स आगासपइट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपइट्ठिया ॥ २४८ ॥ तिविहे मिच्छत्ते प० तं० अकिरिया अविणए अण्णाणे, अकिरिया तिविहा प० तं० पओगकिरिया, समुदाणकिरिया अन्नाणकिरिया, पओगकिरिया तिविहा प०

तं० मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया, समुदाणकिरिया तिविहा प० तं० अणंतरसमुदाणकिरिया, परंपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकिरिया, अण्णाणकिरिया तिविहा प० तं० मइअण्णाणकिरिया, सुयअण्णाणकिरिया, विभंगअण्णाणकिरिया, अविणए तिविहे प० तं० देसच्चाई, णिरालंबणया, णाणापेज्जदोसे, अण्णाणे तिविहे प० तं० देसअण्णाणे, सव्वअण्णाणे, भावअण्णाणे ॥ २४९ ॥ तिविहे धम्मे प० तं० सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे, तिविहे उवक्कमे प० तं० धम्मिए उवक्कमे, अहम्मिए उवक्कमे, धम्मियाधम्मिए उवक्कमे, अहवा तिविहे उवक्कमे प० तं० आओवक्कमे, परोवक्कमे, तदुभयोवक्कमे, एवं वेयावच्चे, अणुग्गहे, अणुसिट्ठि, उवालंभं, एवमिक्केक्के तिन्नि २ आलावगा जहेव उवक्कमे ॥ २५० ॥ तिविहा कहा प० तं० अत्थकहा, धम्मकहा, कामकहा, तिविहे विणिच्छए प० तं० अत्थविणिच्छए धम्मविणिच्छए कामविणिच्छए ॥ २५१ ॥ तहारूवं णं भंते समणं वा णिग्गंथं वा सेवमाणस्स किं फला सेवणया ? सवणफला, से णं भंते सवणे किं फले ? णाणफले, से णं भंते णाणे किं फले ? विण्णाण फले, एवमेएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्वा–"सवणे णाणे य विण्णाणे, पच्चक्खाणे य संजमे । अणण्हए तवे चेव, वोदाणे अकिरिय णिव्वाणे (१) जाव से णं भंते अकिरिया किं फला ? णिव्वाणफला, से णं भंते णिव्वाणे किं फले ? सिद्धिगइगमणपज्जवसाणफले पण्णत्ते समणाउसो ! ॥ २५२ ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ उवस्सया पडिलेहित्तए तं०–अहे आगमणगिहंसि वा, अहे वियडगिहंसि वा, अहे रुक्खमूलगिहंसि वा, एवमणुन्नवेत्तए, उवाइणित्तए, पडिमापडिवन्नस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ संथारगा पडिलेहित्तए तं० पुढवीसिला, कट्ठसिला, अहासंथडमेव, एवमणुन्नवित्तए उवाइणित्तए ॥ २५३ ॥ तिविहे काले प० तं० तीए पडुप्पन्ने अणागए, तिविहे समए प० तं० तीए, पडुप्पन्ने, अणागए, एवं आवलिया, आणापाणू, थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते, जाव वाससयसहस्से पुव्वंगे, पुव्वे, जाव ओसप्पिणी, तिविहे पोग्गलपरियट्टे प० तं० तीते पडुप्पन्ने अणागए ॥ २५४ ॥ तिविहे वयणे प० तं०–एगवयणे, दुवयणे, बहुवयणे, अहवा तिविहे वयणे प० तं० इत्थिवयणे, पुंवयणे, णपुंसगवयणे, अहवा तिविहे वयणे प० तं० तीतवयणे, पडुप्पण्णवयणे, अणागयवयणे ॥ २५५ ॥ तिविहा पन्नवणा तं० णाणपण्णवणा, दंसणपण्णवणा, चरित्तपण्णवणा, तिविहे सम्मे प० तं० णाणसम्मे, दंसणसम्मे, चरित्तसम्मे ॥ २५६ ॥ तिविहे उवघाए प० तं० उग्गमोवघाए, उप्पायणोवघाए, एसणोवघाए, एवं विसोही

॥ २५७ ॥ तिविहा आराहणा प० तं० णाणाराहणा, दंसणाराहणा, चरित्ताराहणा, णाणाराहणा तिविहा प० तं० उक्कोसा, मज्झिमा, जहन्ना, एवं दंसणाराहणावि, चरित्ताराहणावि, तिविहे संकिलेसे प० तं० णाणसंकिलेसे, दंसणसंकिलेसे, चरित्तसंकिलेसे, एवं असंकिलेसेवि, एवं अइक्कमे वि, वइक्कमे वि, अइयारे वि, अणायारे वि, तिण्हमइक्कमाणं आलोएज्जा, पडिक्कमेज्जा, णिंदेज्जा, गरहिज्जा जाव पडिवज्जिज्जा, तं० णाणाइक्कमस्स, दंसणाइक्कमस्स, चरित्ताइक्कमस्स, एवं वइक्कमाणं, अइयाराणं, अणायाराणं ॥ २५८ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे, पडिक्कमणारिहे, तदुभयारिहे ॥ २५९ ॥ जंवुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हरिवासे देवकुरा, जंवुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० उत्तरकुरा, रम्मगवासे, एरन्नवए, जंवुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं तओ वासा प० तं० भरहे, हेमवए, हरिवासे, जंवूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासा प० तं० रम्मगवासे, हेरन्नवए, एरवए, जंवूमंदरस्स दाहिणेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते, महाहिमवंते, णिसढे, जंवूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० णीलवंते, रुप्पी, सिहरी, जंवूमंदरस्स दाहिणेणं तओ महादहा प० तं० पउमद्दहे, महापउमद्दहे, तिगिच्छिद्दहे, तत्थ णं तओ देवयाओ महिड्डियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० सिरी, हिरी, धिई । एवं उत्तरेण वि, णवरं केसरिद्दहे, महापोंडरीयद्दहे, पोंडरीयद्दहे, देवयाओ कित्ती, वुद्धी, लच्छी, जंवूमंदरस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ पउमद्दहाओ महादहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० गंगा सिन्धू रोहियंसा। जंवूमंदरस्स उत्तरेणं सिहरीओ वासहरपव्वयाओ पोंडरीयद्दहाओ महद्दहाओ तओ महाणदीओ पवहंति तं० सुवन्नकूला रत्ता रत्तवई । जंवूमंदरस्स पुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० तं० गाहावई, दहवई, पंकवई, जंवूमंदरस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंतरणईओ प० तं० तत्तजला, मत्तजला, उम्मत्तजला, जंवूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंतरणईओ प० तं० खीरोदा, सीहसोया, अंतोवाहिणी, जंवूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० तं० उम्मिमालिणी, फेणमालिणी, गंभीरमालिणी, एवं धायइखडे दीवे पुरच्छिमद्धेवि अकम्मभूमीओ आढवेत्ता जाव अंतरणईओत्ति, णिरवसेसं भाणियव्वं, जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ २६० ॥ तिहिं ठाणेहिं देसे पुढवीए चलेज्जा तंजहा–अहेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए

उराला पोग्गला णिवतेज्जा, तएणं ते उराला पोग्गला णिवयमाणा देसं पुढवीए चलेज्जा । महोरए वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उम्मज्जणिमज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा । णागसुवण्णाण वा संगामंसि वट्टमाणंसि देसं पुढवीए चलेज्जा, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा तं० अहेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए गुप्पेज्जा, तएणं से घणवाए गुविए समाणे घणोदहिमेएज्जा, तएणं से घणोदही एइए समाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा । देवे वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स णिग्गंथस्स वा इड्ढि जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा । देवासुरसंगामंसि वा वट्टमाणंसि केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा इच्चेएहिं तिहिं० ॥ २६१ ॥ तिविहा देवा किब्बिसिया प० तं० तिपलिओवमट्ठिईया, तिसागरोवमट्ठिईया, तेरससागरोवमट्ठिईया, कहि णं भंते तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थणं तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति, कहि णं भंते तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं, हेट्ठिं सणंकुमारमाहिंदकप्पेसु एत्थ णं तिसायरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति । कहि णं भंते तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं बंभलोयस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतगे कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ॥ २६२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवाणं तिन्निपलिओवमाइं ठिई प०—सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवीणं तिन्निपलिओवमाइं ठिई प० ईसाणस्सणं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवीणं तिन्निपलिओवमाइं ठिई प० ॥ २६३ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० णाणपायच्छित्ते, दंसणपायच्छित्ते, चरित्तपायच्छित्ते । तओ अणुग्घाइमा प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे, मेहुणं सेवेमाणे, राइभोयणं भुंजमाणे, तओ पारंचिया प० तं० दुट्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अण्णमण्णं करेमाणे पारंचिए, तओ अणवट्ठप्पा प० तं० साहम्मियाणं तेणं करेमाणे, अण्णधम्मियाणं तेणं करेमाणे, हत्थतालं दलयमाणे, तओ णो कप्पंति पव्वावेत्तए, पंडए, वाइए, कीवे, एवं मुंडावेत्तए, सिक्खावेत्तए, उवट्ठावेत्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए ॥ २६४ ॥ तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिवद्धे, अविओसियपाहुडे । तओ कप्पंति वाइत्तए तं० विणीए अविगइपडिवद्धे विओसियपाहुडे ॥ २६५ ॥ तओ दुसण्णप्पा प० तं० दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए, तओ सुसन्नप्पा प० तं० अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए ॥ २६६ ॥ तओ

मंडलियपव्वया प० तं० माणुसुत्तरे कुंडलवरे रुयगवरे, तओ महइमहालया प० तं० जंबुद्दीवे दीवे मंदरे मंदरेसु, सयंभुरमणसमुद्दे समुद्देसु, बंभलोए कप्पे कप्पेसु ॥ २६७ ॥ तिविहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेदोवट्ठावणियकप्पठिई निव्विसमाणकप्पठिई, अहवा तिविहा कप्पठिई प० तं० णिविट्ठकप्पठिई, जिणकप्पठिई, थेरकप्पठिई ॥ २६८ ॥ णेरइयाणं तओ सरीरगा प० तं० वेउव्विए, तेयए, कम्मए, असुरकुमाराणं तओ सरीरगा, एवं चेव सव्वेसिं देवाणं, पुढवीकाइयाणं तओ सरीरगा प० तं० ओरालिए, तेयए, कम्मए, एवं वाउकाइयवज्जाणं जाव चउरिंदियाणं ॥ २६९ ॥ गुरुं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए, गइं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० इहलोयपडिणीए, परलोयपडिणीए, दुहओलोयपडिणीए । समूहं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए, अणुकंपं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए, भावं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए, सुयं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए ॥ २७० ॥ तओ पितियंगा प० तं० अट्ठी, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोमनहे । तओ माउयंगा प० तं० मंसे, सोणिए, मत्थुलिंगे ॥ २७१ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कया णं अहं अप्पं वा बहुं वा सुयं अहिज्जिस्सामि, कया णं अहं एकल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सामि, कया णं अहं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरिस्सामि । एवं समणसा सवयसा सकायसा, पागडेमाणे निग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ २७२ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणोवासए महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कयाणमहमप्पं वा, बहुअं वा परिग्गहं परिच्चइस्सामि, कयाणमहं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामि, कयाणमपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरिस्सामि, एवं समणसा सवयसा सकायसा जागरमाणे समणोवासए महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ २७३ ॥ तिविहे पोग्गलपडिघाए प० तं० परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलं पप्प पडिहण्णिज्जा, लुक्खत्ताए वा पडिहण्णिज्जा, लोगंते वा पडिहण्णिज्जा ॥ २७४ ॥ तिविहे चक्खू प० तं० एगचक्खू, बिचक्खू, तिचक्खू; छउमत्थेणं मणुस्से एगचक्खू, देवे बिचक्खू, तहारूवे समणे वा णिग्गंथे वा उप्पन्नणाणदंसणधरे से णं तिचक्खुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ २७५ ॥ तिविहे अभि-

समागमे प० तं० उड्ढं अहं तिरियं, जया णं तहारूवस्स समणस्स वा णिग्गंथस्स वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जइ सेणं तप्पढमयाए उड्ढमभिसमेइ, तओ तिरियं तओ पच्छा अहे अहोलोगेणं दुरभिगमे प० समणाउसो ॥ २७६ ॥ तिविहा इड्ढी प० तं० देविड्ढी-राइड्ढी-गणिड्ढी, देविड्ढी तिविहा प० तं० विमाणिड्ढी, विगुव्विणिड्ढी, परियारणिड्ढी, अहवा देविड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया, राइड्ढी तिविहा प० तं० रण्णो अइयाणिड्ढी, रण्णो णिज्जाणिड्ढी, रण्णो बलवाहणकोसकोट्ठागारिड्ढी, अहवा राइड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया, गणिड्ढी तिविहा प० तं० णाणिड्ढी, दंसणिड्ढी, चरित्तिड्ढी, अहवा गणिड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया ॥ २७७ ॥ तओ गारवा प० तं० इड्ढीगारवे, रसगारवे, सायागारवे । करणे तिविहे प० तं० धम्मिए करणे, अधम्मिए करणे, धम्मियाधम्मिए करणे ॥ २७८ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० तं० सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए जया सुअहिज्जियं भवइ, तदा सुज्झाइयं भवइ, जया सुज्झाइयं भवइ तया सुतवस्सियं भवइ, से सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए, सुयक्खाएणं भगवया धम्मे पन्नत्ते ॥ २७९ ॥ तिविहा वावत्ती प० तं० जाणू, अजाणू, वितिगिच्छा, एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ २८० ॥ तिविहे अंते प० तं० लोगंते, वेयंते, समयंते ॥ २८१ ॥ तओ जिणा प० तं० ओहिणाणजिणे, मणपज्जवणाणजिणे, केवलणाणजिणे, तओ केवली प० तं० ओहिनाणकेवली, मणपज्जवनाणकेवली, केवलनाणकेवली, तओ अरहा प० तं० ओहिनाणअरहा, मणपज्जवणाणअरहा, केवलनाणअरहा ॥ २८२ ॥ तओ लेस्साओ दुब्भिगंधाओ प० तं० कण्हलेस्सा, नीललेस्सा, काउलेस्सा, तओ लेस्साओ सुब्भिगंधाओ प० तं० तेऊ पम्ह सुक्कलेस्सा । एवं तिदुग्गइगामिणीओ, तिसुगइगामिणीओ तओ संकिलिट्ठाओ, असंकिलिट्ठाओ, अमणुन्नाओ, मणुन्नाओ, अविसुद्धाओ, विसुद्धाओ, अप्पसत्थाओ, पसत्थाओ, सीअलुक्खाओ, णिद्धुण्हाओ ॥ २८३ ॥ तिविहे मरणे प० तं० बालमरणे, पंडियमरणे, बालपंडियमरणे, बालमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, संकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से । पंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, असंकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से, बालपंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से असंकिलिट्ठलेस्से अपज्जवजायलेस्से ॥ २८४ ॥ तओ ठाणा अव्ववसिअस्स अहियाए, असुभाए, अखमाए, अणिस्सेसाए, अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावन्ने कलुससमावन्ने णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ, णो

रोएइ, तं परीसहा अभिजुंजिय अभिजुंजिय अभिभवंति, नो से परीसहे अभिजुंजिय अभिजुंजिय अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए, पंचहिं महव्वएहिं संकिए जाव कलुससमावण्णे, पंचमहव्वयाइं णो सद्दहइ जाव नो से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए छहिं जीवनिकाएहिं जाव अभिभवइ, तओ ठाणा ववसिअस्स हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए जाव णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, सेणं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे पंचहि महव्वएहिं णिस्संकिए-णिक्कंखिए जाव, परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, से णं जाव छहिं जीवनिकाएहिं णिस्संकिए जाव परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति ॥ २८५ ॥ एगमेगाणं पुढवी तिहिं वलएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता तंजहा–घणोदहिवलएणं, घणवायवलएणं, तणुवायवलएणं ॥ २८६ ॥ णेरइयाणं उक्कोसेणं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जंति एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥ २८७ ॥ खीणमोहस्सणं अरहओ तओ कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, अंतराइयं ॥ २८८ ॥ अभीइणक्खत्ते तितारे प० एवं सवणे अस्सिणी भरणी मगसिरे पूसे जेट्ठा ॥ २८९ ॥ धम्माओ णं अरहाओ संती अरहा तिहिं सागरोवमेहिं तिचउब्भागं पलिओवमऊणएहिं वीइक्कंतेहिं समुप्पन्ने । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जाव तच्चाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकडभूमी, मल्लीणं अरहा तिहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवेत्ता जाव पव्वइए, एवं पासेवि, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तिन्निसया चोद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसन्निवाईणं जिण इव अवितहवागरमाणाणं उक्कोसिया चोद्दसपुव्विसंपया होत्था, तओ तित्थयरा चक्कवट्टी होत्था तं० संती कुंथू अरो ॥ २९० ॥ तओ गेविज्जविमाणपत्थडा प० तं० हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० तं० हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, हिट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हिट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, तिविहे प० तं० मज्झिमहिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० तं० उवरिमहिट्ठिमगेविज्ज-

विमाणपत्थडे, उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ २९१ ॥ जीवाणं तिठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा-इत्थिणिव्वत्तिए, पुरिसणिव्वत्तिए, णपुंसगणिव्वत्तिए, एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥ २९२ ॥ तिपएसिया खंधा अणंता पण्णत्ता, एवं जाव तिगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता ॥ २९३ ॥ **तिट्ठाणं समत्तं** ॥

चउत्थट्ठाणं

चत्तारि अंतकिरियाओ प० तं० तत्थ खलु इमा **पढमा अंतकिरिया,** अप्पकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिअं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले समाहिबहुले लूहे तीरट्ठी उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्सणं णो तहप्पगारे तवे भवइ णो तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दीहेणं परियाएगं सिज्झइ, बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी पढमा अंतकिरिया, अहावरा **दोच्चा अंतकिरिया,** महाकम्मपच्चायाए यावि भवइ से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिअं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले······जाव उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्स णं तहप्पगारे तवे भवइ, तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ० जाव अंतं करेइ जहा से गजसूमाले अणगारे, दोच्चा अंतकिरिया, अहावरा **तच्चा अंतकिरिया,** महाकम्मपच्चायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए जहा दोच्चा, णवरं दीहेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से सणंकुमारे राया चाउरंतचक्कवट्टी तच्चा अंतकिरिया, **अहावरा चउत्था अंतकिरिया,** अप्पकम्मपच्चायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए संजमबहुले जाव तस्स णं णो तहप्पगारे तवे भवइ नो तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ जहा सा मरुदेवा भगवई, चउत्था अंतकिरिया ॥ २९४ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए, उन्नए णाममेगे पणए, पणए णाममेगे उन्नए, पणए णाममेगे पणए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए, तहेव जाव पणए णाममेगे पणए। चत्तारि रुक्खा प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयपरिणए, उन्नए णाममेगे पणयपरिणए, पणए णाममेगे उन्नयपरिणए, पणए णाममेगे पणयपरिणए। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयपरिणए, चउभंगो। चत्तारि रुक्खा प० तं० उन्नए

णाममेगे उन्नए रूवे, तहेव चउभंगो, एवमेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णामं ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए मणे, उन्न० एवं संकप्पे-पन्ने-दिट्ठी-सीलाचारे-ववहारे-परक्कमे-एगे पुरिसजाए पडिवक्खो णत्थि ॥ २९५ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू, उज्जूणाममेगे वंके, चउभंगो। एवमेव चत्तारि पुरिसजाया, प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू ४ एवं जहा उन्नयपणएहिं गमो तहा उज्जुवंकेहिं वि भाणियव्वो, जाव परक्कमे ॥ २९६ ॥ पडिमापडिवन्नस्सणं अणगारस्स कप्पंति **चत्तारि भासाओ** भासित्तए तं० जायणी पुच्छणी अणुन्नवणी पुट्ठस्स वागरणी। **चत्तारिभासजाया** प० तं० सच्चमेगं भासजायं, बीयं मोसं तइयं सच्चमोसं चउत्थं असच्चमोसं ॥ २९७ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे, सुद्धे णाममेगे असुद्धे, असुद्धे णाममेगे सुद्धे, असुद्धे णाममेगे असुद्धे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे चउभंगो। एवं परिणयरूवे वत्था सपडिवक्खा ॥ २९८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धमणे चउभंगो, एवं संकप्पे जाव परक्कमे ॥ २९९ ॥ चत्तारि **सुया** प० तं० अइजाए, अणुजाए, अवजाए, कुलिंगाले ॥ ३०० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सच्चे णाममेगे सच्चे, सच्चे णाममेगे असच्चे (४) एवं परिणए जाव परक्कमे ॥ ३०१ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुई णाममेगे सुई, सुई णाममेगे असुई, चउभंगो, एवमेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुई णाममेगे सुई, चउभंगो। एवं जहेव सुद्धेणं वत्थेणं भणियं, तहेव सुइणावि जाव परक्कमे ॥ ३०२ ॥ चत्तारि कोरवा प० तं० अंबपलंबकोरवे, **तालपलंबकोरवे,** वल्लिपलंबकोरवे, मिंढविसाणकोरवे, एवमेव चत्तारि पुरिस जाया प० तं० अंबपलंबकोरवसमाणे, **तालपंलबकोरवसमाणे,** वल्लिपलंबकोरवसमाणे, मिंढविसाणकोरवसमाणे ॥ ३०३ ॥ चत्तारि **घुणा** प० तं० तयक्खाए, छल्लिक्खाए, कट्ठक्खाए, सारक्खाए, एवमेव चत्तारि भिक्खायरा प० तं० तयक्खायसमाणे, जाव सारक्खायसमाणे, तयक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स सारक्खायसमाणे तवे प० सारक्खायसमाणस्सणं भिक्खागस्स तयक्खायसमाणे तवे पन्नत्ते, छल्लिक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स कट्ठक्खायसमाणे तवे प० कट्ठक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स छल्लिक्खायसमाणे तवे प० ॥ ३०४ ॥ चउव्विहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया ॥ ३०५ ॥ चउहि ठाणेहिं अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेवणं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि समुब्भूयं वेयणं वेयमाणे

इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववन्ने णेरइए णिरयलोगंसि णिरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिट्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववन्ने णेरइए णिरयवेयणिज्जंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अणिज्जिण्णंसि इच्छेज्जा० नो चेव णं संचाएइ, हव्वमागच्छित्तए, एवं णिरयाउअंसि कम्मंसि अक्खीणंसि, जाव णो संचाएइ हव्वमागच्छित्तए इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने नेरइए जाव णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ३०६ ॥ कप्पंति णिग्गंथीणं चत्तारि संघाडीओ धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० एगं दुहत्थवित्थारं, दोतिहत्थवित्थाराओ, एगं चउहत्थवित्थारं ॥ ३०७ ॥ चत्तारि **झाणा** प० तं० अट्टे झाणे, रोद्दे झाणे, धम्मे झाणे, सुक्के झाणे, **अट्टे झाणे** चउव्विहे प० तं० अमणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, मणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसति-समण्णागए यावि भवइ, परिजुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसति-समण्णागए यावि भवइ, अट्टस्सणं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० कंदणया, सोयणया, तिप्पणया परिदेवणया, **रोद्दे झाणे** चउव्विहे प० तं० हिंसाणुबंधि, मोसाणुबंधि तेणाणुबंधि संरक्खणाणुबंधि । रोद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० ओसन्नदोसे, बहुलदोसे, अन्नाणदोसे आमरणंतदोसे । **धम्मे झाणे** चउव्विहे चउपडोयारे प० तं० आणाविजए, अवायविजए, विवागविजए, संठाण-विजए । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० आणारुई, णिसग्गरुई, सुत्तरुई, ओगाढरुई । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० वायणा, पडिपुच्छणा, परियट्टणा, अणुप्पेहा । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० एगाणुप्पेहा, अणिच्चाणुप्पेहा, असरणाणुप्पेहा, संसाराणुप्पेहा । **सुक्के-झाणे** चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० पुहुत्तवियक्केसवियारी, एगत्तवियक्के अवि-यारी, सुहुमकिरिए अणियट्टी, समुच्छिन्नकिरिए अपडिवाई । सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० अव्वहे असम्मोहे विवेगे विउस्सग्गे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० खंती मुत्ती मद्दवे अज्जवे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० अणंतवत्तियाणुप्पेहा, विपरिणामाणुप्पेहा, असुभाणुप्पेहा, अवायाणुप्पेहा ॥ ३०८ ॥ चउव्विहा देवाणं ठिई प० तं० देवेगामेगे, देवसिणाए णामेगे, देवपुरोहिए णामेगे, देवपज्जलणे णामेगे ॥ ३०९ ॥ चउव्विहे संवासे प० तं० देवेणामेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, देवेणामेगे छवीए सद्धिं संवासं

गच्छेज्जा, छवीणाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, छवीणाममेगे छवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा ॥३१०॥ चत्तारि **कसाया** प०तं० कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, चउप्पइट्ठिए कोहे प० तं० आयपइट्ठिए, परपइट्ठिए, तदुभयपइट्ठिए, अपइट्ठिए, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं, चउहिं ठाणेहिं कोधुप्पत्ती सिया तं० खेत्त पडुच्च, वत्थुं पडुच्च, सरीरं पडुच्च, उवहिं पडुच्च, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोहे वेमाणियाणं, चउव्विहे कोहे प० तं० अणंताणुबंधिकोहे, अपच्चक्खाणकोहे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, संजलणे कोहे, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं, चउव्विहे कोहे पण्णत्ते, आभोगनिव्वत्तिए, अणाभोगनिव्वत्तिए, उवसंते, अणुवसंते, एवं नेरइयाणं, जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे, जाव वेमाणियाणं ॥ ३११ ॥ जीवा णं चउहिं ठाणेहिं अट्ठकम्मपगडीओ चिणिंसु तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं चिणंति एस दंडओ। एवं चिणिस्संति एस दंडओ, एवमेएणं तिन्नि दंडगा, एवं उवचिणिसु, उवचिणंति, उवचिणिस्संति, बंधिंसु ३। उदीरिंसु ३। वेदेंसु ३। णिज्जरेंसु णिज्जरेंति णिज्जरिस्संति, जाव वेमाणियाणमेवमेक्किक्के पदे तिन्नि २ दंडगा भाणियव्वा, जाव निज्जरिस्संति ॥ ३१२ ॥ चत्तारि पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा, उवहाणपडिमा, विवेगपडिमा, विउस्सग्गपडिमा, चत्तारि पडिमाओ प० तं० भद्दा, सुभद्दा, महाभद्दा, सव्वओभद्दा, चत्तारि पडिमाओ प० तं० खुड्डियामोयपडिमा, महल्लियामोयपडिमा, जवमज्झा, वइरमज्झा ॥ ३१३ ॥ चत्तारि अत्थिकाया अजीवकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, पोग्गलत्थिकाए, चत्तारि अत्थिकाया अरूविकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए ॥ ३१४॥ चत्तारि फला प०तं० आमेणाममेगे आममहुरे, आमेणाममेगे पक्कमहुरे, पक्केणाममेगे आममहुरे, पक्केणाममेगे पक्कमहुरे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आमेणाममेगे आममहुरफलसमाणे (४) ॥ ३१५ ॥ चउव्विहे **सच्चे** प० तं० काउज्जुयया, भासुज्जुयया, भावुज्जुयया, अविसंवायणाजोगे, चउव्विहे मोसे प० तं०–कायअणुज्जुयया, भासअणुज्जुयया, भावअणुज्जुयया, विसंवादणाजोगे ॥ ३१६ ॥ चउव्विहे पणिहाणे प० तं० मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, उवगरणपणिहाणे । एवं नेरइयाणं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं, चउव्विहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे जाव उवगरणसुप्पणिहाणे, एवं संजयमणुस्साणवि, चउव्विहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे जाव उवगरण

दु० एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं ॥ ३१७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आवायभद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए, संवासभद्दए णाममेगे णो आवायभद्दए, एगे आवायभद्दएवि संवासभद्दएवि, एगे णो आवायभद्दए णो संवासभद्दए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं पासइ णो परस्स, परस्स णाममेगे वज्जं पासइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प०तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उदीरेति णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उवसामेइ णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प०तं० अब्भुट्ठेइ णाममेगे णो अब्भुट्ठावेइ ४। एवं वंदइ णाममेगे णो वंदावेइ ४। एवं सक्कारेइ, सम्माणेइ ४। पूएइ वाएइ पडिपुच्छइ पुच्छइ वागरेइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे णाममेगे णो अत्थधरे, अत्थधरे णाममेगे णो सुत्तधरे, एगे सुत्तधरेवि अत्थधरेवि, एगे णो सुत्तधरे णो अत्थधरे ॥ ३१८ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चत्तारि लोगपाला प० तं० सोमे जमे वरुणे वेसमणे; एवं बलिस्सवि सोमे जमे वेसमणे वरुणे, धरणस्स कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले। एवं भूताणंदस्स कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले, वेणुदेवस्स चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, वेणुदालिस्स चित्ते विचित्ते विचित्तपक्खे चित्तपक्खे। हरिकंतस्स पभे सुप्पभे पभकंते सुप्पभकंते; हरिसहस्स पभे सुप्पभे सुप्पभकंते पभकंते; अग्गिसिहस्स तेऊ तेउसिहे तेउकंते तेउप्पभे, अग्गिमाणवस्स तेऊ तेउसिहे तेउप्पभे तेउकंते, पुन्नस्स रुए रुयंसे रुयकंते रुयप्पभे, विसिट्ठस्स रुए रुयंसे रुयप्पभे रुयकते। जलकंतस्स जले जलरए जलकंते जलप्पभे। जलप्पभस्स जले जलरए जलप्पभे जलकंते। अमियगइस्स तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई, असियवाहणस्स तुरियगई खिप्पगई सीहविक्कमगई सीहगई; वेलंबस्स काले महाकाले अंजणे रिट्ठे। पभंजणस्स काले महाकाले रिट्ठे अंजणे। घोसस्स आवत्ते वियावत्ते णंदियावत्ते महाणंदियावत्ते। महाघोसस्स आवत्ते वियावत्ते महाणंदियावत्ते णंदियावत्ते, सक्कस्स सोमे जमे वरुणे वेसमणे। ईसाणस्स सोमे जमे वेसमणे वरुणे, एवं एगंतरिया जाव अच्चुयस्स ॥ ३१९ ॥ चउव्विहा वाउकुमारा प० तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे, चउव्विहा **देवा** प० तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया विमाणवासी ॥ ३२० ॥ चउव्विहे **पमाणे** प० तं० दव्वप्पमाणे खेत्तप्पमाणे कालप्पमाणे भावप्पमाणे ॥ ३२१ ॥ चत्तारि दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूवावई। चत्तारि विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० चित्ता चित्तकणगा सेयंसा सोयामणी ॥ ३२२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो मज्झिमपरिसाए देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प०; ईसाणस्स णं देविंदस्स देव-

रन्नो मज्झिमपरिसाए देवीणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ३२३ ॥ चउव्विहे **संसारे** दव्वसंसारे खेत्तसंसारे कालसंसारे भावसंसारे ॥ ३२४ ॥ चउव्विहे **दिट्ठिवाए** प० तं० परिकम्मं सुत्ताइं पुव्वगए अणुजोगे ॥ ३२५ ॥ चउव्विहे **पायच्छित्ते,** णाणपायच्छित्ते दंसणपायच्छित्ते चरित्तपायच्छित्ते वियत्तकिच्चपायच्छित्ते, चउव्विहे पायच्छित्ते, पडिसेवणापायच्छित्ते संजोयणापायच्छित्ते, आरोवणापायच्छित्ते, पलिउंचणापायच्छित्ते ॥३२६॥ चउव्विहे **काले** पमाणकाले अहाउयणिव्वत्तिकाले मरणकाले अद्धाकाले ॥ ३२७ ॥ चउव्विहे पोग्गलपरिणामे, वण्णपरिणामे गंधपरिणामे रसपरिणामे फासपरिणामे ॥ ३२८ ॥ भरहेरवएसु णं वासेसु पुरिमपच्छिमवज्जा मज्झिमगा बावीसं अरहंता भगवंता चाउज्जामं धम्मं पन्नविंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, एवं मुसावायाओ, अदिन्नादाणाओ, सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं । सव्वेसु णं महाविदेहेसु अरहंता भगवंता चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं ॥३२९॥ चत्तारि **दुग्गईओ** प० तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई, मणुस्सदुग्गई, देवदुग्गई, चत्तारि **सोग्गई** प० तं० सिद्धसोग्गई, देवसोग्गई, मणुयसोग्गई, सुकुले पच्चायाई, चत्तारि दुग्गया प० तं० णेरइयदु० जाव देवदुग्गया, चत्तारि सुगया प० तं० सिद्धसुगया जाव सुकुलपच्चायाया ॥ ३३० ॥ पढमसमयजिणस्स णं चत्तारि कम्मंसा खीणा भवंति तं० णाणावरणिज्जं, दरिसणावरणिज्जं, मोहणिज्जं, अंतराइयं । उप्पन्नणाणदंसणधरे णं अरहा जिणे केवली चत्तारि कम्मंसे वेदेति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं । पढमसमयसिद्धस्स णं चत्तारि कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं ॥ ३३१ ॥ चउहिं ठाणेहिं **हासुप्पत्ती सिया** तं० पासेत्ता भासेत्ता सुणेत्ता संभरेत्ता ॥ ३३२ ॥ चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरे पम्हंतरे लोहंतरे पत्थरंतरे । एवामेव इत्थीए वा पुरिसस्स वा, चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरसमाणे, पम्हंतरसमाणे, लोहंतरसमाणे, पत्थरंतरसमाणे ॥ ३३३ ॥ चत्तारि भयगा प० तं० दिवसभयए जत्ताभयए उच्चत्तभयए कव्वालभयए ॥ ३३४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे णो पच्छण्णपडिसेवी, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे णो संपागडपडिसेवी, एगे संपागडपडिसेवीवि पच्छण्णपडिसेवीवि, एगे णो संपागडपडिसेवी णो पच्छण्णपडिसेवी ॥ ३३५ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, एवं जमस्स वरुणस्स वेसमणस्स, बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो, सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० मित्तगा सुभद्दा विज्जुया असणी, एवं जमस्स वेस-

सणस्स वरुणस्स;धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, एवं जाव संखवालस्स । भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा । एवं जाव सेलवालस्स जहा धरणस्स, एवं सव्वेसिं दाहिणिंदलोगपालाणं जाव घोसस्स जहा भूयाणंदस्स एवं जाव महाघोसस्स लोगपालाणं । कालस्स णं पिसाइंदस्स पिसायरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, एवं महाकालस्स वि । सुरूवस्स णं भूइंदस्स भूयरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा । एवं पडिरूवस्स वि, पुण्णभद्दस्स णं जक्खिंदस्स जक्खरण्णो चत्तारि. अग्गमहिसीओ प० तं० पुत्ता बहुपुत्तिया उत्तमा तारगा, एवं माणिभद्दस्स वि । भीमस्स णं रक्खसिंदस्स रक्खसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पउमा वसुमई कणगा रयणप्पभा । एवं महाभीमस्स वि किन्नरस्स णं किन्नरिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० वडिंसा केउमई रइसेणा रइप्पभा । एवं किंपुरिसस्स वि सुपुरिसस्स णं किंपुरिसिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी णवमिया हिरी पुप्फवई । एवं महापुरिसस्स वि, अइकायस्स णं महोरगिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प०तं० भुयगा भुयगवई महाकच्छा फुडा, एवं महाकायस्स वि, गीयरइस्स णं गंधव्विंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, एवं गीयजसस्स वि, चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० चंदप्पभा दोसिनाभा अच्चिमाली पभंकरा । एवं सूरस्स वि, णवरं सूरप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा। इंगालस्स णं महग्गहस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिता । एवं सव्वेसि महग्गहाणं जाव भावकेउस्स । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी मयणा चित्ता सोमा, एवं जाव वेसमणस्स ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुढवी राई रयणी विज्जू, एवं जाव वरुणस्स ॥ २३६ ॥ चत्तारि **गोरसविगई**ओ प० तं० खीरं दहिं सप्पिं णवणीअं, चत्तारि सिणेहविगईओ प० तं० तेल्लं घयं वसा णवणीअं, **चत्तारि महाविगईओ वज्जणीयाओ** त०महुं मंसं मज्जं णवणीयं ॥ २३७ ॥ चत्तारि कूडागारा प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते गुत्तेणाममेगे अगुत्ते अगुत्ते णाममेगे गुत्ते,अगुत्ते णाममेगे अगुत्ते। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते ४। चत्तारि कूडागारसालाओ प०तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, गुत्ताणाममेगा

अगुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा अगुत्तदुवारा, एवामेव चत्तारित्थीओ प० तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तिंदिया, गुत्ता णाममेगा अगुत्तिंदिया ४। ॥ ३३८ ॥ चउव्विहा ओगाहणा प० तं० दव्वोगाहणा खेत्तोगाहणा कालोगाहणा भावोगाहणा ॥ ३३९ ॥ चत्तारि पण्णत्तीओ अंगवाहिरियाओ प० तं० चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती जंबुद्दीवपण्णत्ती, **दीवसागरपण्णत्ती** ॥ ३४० ॥ **चउट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो** ॥

चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० कोहपडिसंलीणे माणपडिसंलीणे मायापडिसंलीणे लोभपडिसंलीणे, चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० कोहअपडिसंलीणे जाव लोभअपडिसंलीणे। चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० मणपडिसंलीणे, वइपडिसंलीणे, कायपडिसंलीणे, इंदियपडिसंलीणे; चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० मणअपडिसंलीणे जाव इंदिय० ॥ ३४१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणे, दीणे णाममेगे अदीणे, अदीणे णाममेगे दीणे, अदीणे णाममेगे अदीणे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरिणए, दीणे णाममेगे अदीणपरिणए, अदीणे णाममेगे दीणपरिणए, अदीणे णाममेगे अदीणपरिणए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणरूवे ४। एवं दीणमणे दीणसंकप्पे दीणपण्णे दीणदिट्ठी दीणसीलायारे दीणववहारे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरक्कमे, दीणे णाममेगे अदीणपरक्कमे ४। एवं सव्वेसिं चउभंगो भाणियव्वो। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणवित्ती ४। एवं दीणजाई दीणभासी दीणोभासी, चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता प० तं० दीणे णाममेगे दीणसेवी ४। एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाए ४ एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाले ४। सव्वत्थ चउभंगो ॥३४२॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जपरिणए ४। एवं अज्जरूवे ४। अज्जमणे ४। अज्जसंकप्पे ४। अज्जपण्णे ४। अज्जदिट्ठी ४। अज्जसीलायारे ४। अज्जववहारे ४। अज्ज परक्कमे ४। अज्जवित्ती ४। अज्जजाई ४। अज्जभासी ४। अज्ज ओभासी ४। अज्जसेवी ४। एवं अज्जपरियाए ४। अज्जपरियाले ४। एवं सत्तरस आलावगा, जहा दीणेण भणिया तहा अज्जेणवि भाणियव्वा। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जभावे, अज्जे णाममेगे अणज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अणज्जभावे ॥ ३४३ ॥ चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने वलसंपन्ने रूवसंपण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने वलसंपन्ने रूवसंपन्ने, चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने, कुलसंपन्ने णाममेगे णो

जाइसंपन्ने, एगे कुलसंपन्नेवि जाइसंपन्नेवि, एगे णो जाइसंपन्ने णो कुलसंपण्णे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो वलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो वलसपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे नो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइ-संपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो वलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० वलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४॥ ३४४॥ चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे, चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिस-जाया प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे, चत्तारि हत्थी प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, मंदे णाममेगे मंदमणे मंदे णाममेगे मियमणे, मंदे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, मिए णाममेगे मंदमणे, मिए णाममेगे मियमणे, मिए णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, संकिण्णे णाममेगे मंदमणे, संकिण्णे णाममेगे मियमणे, संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। एवामेव चत्तारि पुरि-सजाया प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव जाव संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। **गाथा**=मधुगुलियपिंगलक्खो, अणुपुव्वसुजायदीहलंगूलो; पुरओ उदग्गधीरो, सव्वंगसमाहिओ **भद्दो**॥ ३४५॥ (१) चलबहलविसमचम्मो थूलसिरो थूलएण पेएण; थूलणहदंतवालो, हरिपिंगललोयणो **मंदो**॥ ३४६॥ (२) तणुओ तणुयग्गीवो, तणुयतओ तणुयदंतणहवालो; भीरू तत्थुव्विग्गो; तासी य भवे **मिए** णामं॥ ३४७॥ (३) एएसिं हत्थीणं, थोवं थोवं तु जो अणुहरइ हत्थी; रूवेण व सीलेण व, सो **संकिण्णो** त्ति णायव्वो॥ ३४८॥ (४) भद्दो मज्जइ सरए, मंदो उण मज्जए वसंतम्मि; मिउ मज्जइ हेमंते, संकिण्णो सव्व-

कालम्मि (५) ॥ ३४९ ॥ **चत्तारि विकहाओ** प० तं० इत्थिकहा भत्तकहा देसकहा रायकहा। **इत्थिकहा चउव्विहा** प० तं० इत्थीणं जाइकहा, इत्थीणं कुलकहा, इत्थीणं रूवकहा, इत्थीणं नेवत्थकहा, **भत्तकहा** चउव्विहा प० तं० भत्तस्स आवावकहा, भत्तस्स निव्वावकहा, भत्तस्स आरंभकहा, भत्तस्स णिट्ठाणकहा। **देसकहा** चउव्विहा प० तं० देसविहिकहा, देसविकप्पकहा, देसच्छंदकहा, देसनेवत्थकहा, **रायकहा** चउव्विहा प० तं० रण्णो अइयाणकहा रण्णो निज्जाणकहा, रण्णो बलवाहणकहा, रण्णो कोसकोट्ठागारकहा ॥३५०॥ चउव्विहा **धम्मकहा** प० तं० अक्खेवणी विक्खेवणी संवेगणी णिव्वेगणी। **अक्खेवणी कहा** चउव्विहा प० तं० आयारऽक्खेवणी ववहारऽक्खेवणी पण्णत्तिऽक्खेवणी दिट्ठिवायअक्खेवणी। **विक्खेवणी कहा** चउव्विहा प० तं० ससमयं कहेइ, ससमयं कहेत्ता परसमयं कहेइ, परसमयं कहेत्ता ससमयं ठावित्ता भवइ, सम्मावायं कहेइ, सम्मावायं कहेत्ता मिच्छावायं कहेइ, मिच्छावायं कहेत्ता सम्मावायं ठावइत्ता भवइ। **संवेगणी कहा** चउव्विहा प० तं० इहलोगसंवेगणी परलोगसंवेगणी आयसरीरसंवेगणी परसरीरसंवेगणी। **णिव्वेगणी कहा** चउव्विहा प० तं० इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति। परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति। इहलोगे सुच्चिण्णाकम्मा इहलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, इहलोगे सुच्चिण्णा कम्मा परलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, एवं चउभंगो तहेव ॥ ३५१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किसे, किसे णाममेगे दढे, दढे णाममेगे किसे, दढे णाममेगे दढे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किससरीरे, किसे णाममेगे दढसरीरे, दढे णाममेगे किससरीरे, दढे णाममेगे दढसरीरे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किससरीरस्स णाममेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स, दढसरीरस्स णाममेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो किससरीरस्स, एगस्स किससरीरस्स वि णाणदंसणे समुप्पज्जइ दढसरीरस्स वि, एगस्स णो किससरीरस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स ॥ ३५२ ॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा, णिग्गंथीण वा अस्सि समयंसि अइसेसे णाणदंसणे समुपज्जिउकामेवि णो समुप्पज्जेज्जा तं० अभिक्खणं अभिक्खण इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं कहेत्ता भवइ, विवेगेणं विउसग्गेणं णो सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि णो धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उञ्छस्स सामुदाणियस्स णो सम्मं

गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा जाव णो समुप्पज्जेज्जा, चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे समुप्पज्जेज्जा तं० इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं णो कहेत्ता भवइ, विवेगेण विउसग्गेणं सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उञ्छस्स सामुदाणियस्स सम्मं गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा जाव समुप्पज्जेज्जा ॥ ३५३ ॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं महापाडिवएहिं सज्झायं करेत्तए तं० आसाढपाडिवए इंदमहपाडिवए कत्तियपाडिवए सुगिम्हपाडिवए, णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं संझाहिं सज्झायं करेत्तए तं० पढमाए पच्छिमाए मज्झण्हे अड्ढरत्ते । कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चाउक्कालं सज्झायं करेत्तए तं० पुव्वण्हे अवरण्हे पओसे पच्चूसे ॥ ३५४ ॥ चउव्विहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए, वायपइट्ठिए उदही, उदहिपइट्ठिया पुढवी, पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ॥ ३५५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तहे णाममेगे णोतहे णाममेगे सोवत्थी णाममेगे पहाणे णाममेगे ॥ ३५६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतकरे णाममेगे णो परंतकरे, परंतकरे णाममेगे णो आयंतकरे, एगे आयंतकरेवि परंतकरेवि, एगे णो आयंतकरे णो परंतकरे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतमे णाममेगे णो परंतमे परंतमे णाममेगे णो आयंतमे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंदमे णाममेगे णो परंदमे, परंदमे णाममेगे णो आयंदमे, एगे आयंदमेवि परंदमेवि, एगे णो आयंदमे णो परंदमे ॥ ३५७ ॥ **चउव्विहा** गरहा प० तं० उवसंपज्जामित्ति एगा गरहा, वितिगिच्छामित्ति एगा गरहा, जं किंचिमिच्छामित्ति एगा गरहा, एवंपि पण्णत्ते एगा गरहा ॥ ३५८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे अलमंथू भवइ णो परस्स, परस्स णाममेगे अलमंथू भवइ णो अप्पणो, एगे अप्पणोवि अलमंथू भवइ परस्सवि, एगे णो अप्पणो अलमंथू भवइ णो परस्स ॥ ३५९ ॥ चत्तारि **मग्गा** प०तं० उज्जू णाममेगे उज्जू, उज्जू णाममेगे वंके, वंके णाममेगे उज्जू, वंके णाममेगे वंके । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उज्जू णाममेगे उज्जू ४ । चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमे, खेमे णाममेगे अखेमे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० खेमे णाममेगे खेमे ४ । चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे, खेमे णाममेगे अखेमरूवे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे ४ ॥ ३६० ॥ चत्तारि संबुक्का प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते, वामे णाममेगे दाहिणावत्ते,

दाहिणे णाममेगे वामावत्ते, दाहिणे णाममेगे दाहिणावत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। चत्तारि धूमसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि अग्गिसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वायमंडलिया, वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वणखंडा प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४॥ ३६१॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथे णिग्गंथिं आलवमाणे वा संलवमाणे वा णाइक्कमइ, तं० पंथं पुच्छमाणे वा पंथं देसमाणे वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दलयमाणे वा, दलावेमाणे वा ॥३६२॥ तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० तमेइ वा, तमुक्काएइ वा, अंधयारेइ वा, महंधयारेइ वा, तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० लोगंधयारेइ वा, लोगतमसेइ वा, देवंधयारेइ वा, देवतमसेइ वा, तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० वायफलिहेइ वा, वायफलिहखोभेइ वा, देवरण्णेइ वा, देववूहेइ वा, तमुक्काए णं चत्तारि कप्पे आवरित्ता चिट्ठइ तं० सोहम्मीसाणं सणंकुमारमाहिंदं ॥ ३६३॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे, पडुप्पण्णणंदी णाममेगे, णिस्सरणणंदी णाममेगे ॥ ३६४॥ चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा णो पराजिणित्ता, पराजिणित्ता णाममेगा णो जइत्ता, एगा जइत्ता वि पराजिणित्तावि, एगा णो जइत्ता णो पराजिणित्ता। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे णो पराजिणित्ता ४। चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा जयइ, जइत्ता णाममेगा पराजिणइ, पराजिणित्ता णाममेगा जयइ, पराजिणित्ता णाममेगा पराजिणइ, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे जयइ॥ ३६५॥ चत्तारि केअणा प० तं० वंसीमूलकेअणए, मेंढविसाणकेअणए, गोमुत्तिकेअणए, अवलेहणियकेअणए। एवामेव चउव्विहा माया प० तं० वंसीमूलकेअणासमाणा जाव अवलेहणियाकेअणासमाणा, वंसीमूलकेअणासमाणं मायं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, मेंढविसाणकेअणासमाणं मायमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, गोमुत्तिअं जाव कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, अवलेहणिया जाव देवेसु उववज्जइ॥ ३६६॥ चत्तारि थंभा प० तं० सेलथंभे अट्ठिथंभे दारुथंभे, तिणिसलयाथंभे; एवामेव चउव्विहे माणे प० तं० सेलथंभसमाणे जाव तिणि-

सलयाथंभसमाणे । सेलथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, एवं जाव तिणिसलयाथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ३६७ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० किमिरागरत्ते कद्दमरागरत्ते खंजणरागरत्ते हलिद्दरागरत्ते एवामेव चउव्विहे लोभे प० तं० किमिरागरत्तवत्थ-समाणे कद्दमरागरत्तवत्थसमाणे खंजणरागरत्तवत्थसमाणे हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणे, किमिरागरत्तवत्थसमाण लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ नेरइएसु उववज्जइ, तहेव जाव हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ३६८ ॥ चउव्विहे संसारे प० तं० णेरइयसंसारे जाव देवसंसारे, चउव्विहे आउए प० तं० णेरइयआउए जाव देवाउए, चउव्विहे भवे प० तं० णेरइयभवे जाव देवभवे ॥ ३६९ ॥ चउव्विहे आहारे प० तं० असणे पाणे खाइमे साइमे । चउव्विहे आहारे प० तं० उवक्खरसंपन्ने, उवक्खडसंपन्ने, सभावसंपन्ने, परि-जुसियसंपन्ने ॥ ३७० ॥ चउव्विहे बंधे प० तं० पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे, चउव्विहे उवक्कमे प० तं० बंधणोवक्कमे उदीरणोवक्कमे उवसमणोवक्कमे विप्परिणामणोवक्कमे, बंधणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइबंधणोवक्कमे ठिइबंधणो-वक्कमे अणुभावबंधणोवक्कमे पएसबंधणोवक्कमे, उदीरणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउदीरणोवक्कमे ठिइउदीरणोवक्कमे अणुभागउदीरणोवक्कमे पएसउदीरणोवक्कमे, उवसामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउवसामणोवक्कमे ठिइअणुभावपएसउव-सामणोवक्कमे । विपरिणामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइठिइअणुभावपएस-विपरिणामणोवक्कमे । चउव्विहे अप्पाबहुए प० तं० पगइअप्पाबहुए ठिइअणु-भावपएसअप्पाबहुए; चउव्विहे संकमे, पगइसंकमे ठिइअणुभावपएससंकमे । चउव्विहे निधत्ते प० तं० पगइनिधत्ते, ठिइअणुभावपएसनिधत्ते । चउव्विहे निगाइए प० तं० पगइनिगाइए, ठिइनिगाइए, अणुभावनिगाइए, पएसनिगाइए ॥ ३७१ ॥ चत्तारि एक्का प० तं० दविए एक्कए माउएक्कए पज्जएएक्कए संगहएक्कए, चत्तारि कई प० तं० दवियकई माउयकई पज्जवकई संगहकई, चत्तारि सव्वा प० तं० णामसव्वए ठवणसव्वए आएससव्वए निरवसेससव्वए ॥ ३७२ ॥ माणुसुत्त-रस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसि चत्तारि कूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए सव्वरयणए रयणसंचए ॥ ३७३ ॥ जंबुद्दीवे २ भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसु-समाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था, जंबुद्दीवे २ भरहेरवए इमीसे ओसप्पिणीए दुसमसुसमाए समाए जहण्णपए णं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था । जंबुद्दीवे दीवे जाव आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए

चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो भविस्सइ, जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरुवज्जाओ चत्तारि अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे, चत्तारि वट्टवेयड्ढपव्वया प० तं० सद्दावई वियडावई गंधावई मालवंतपरियाए। तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति तं० साई पभासे अरुणे पउमे, जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहेवासे चउव्विहे प० तं० पुव्वविदेहे, अवरविदेहे, देवकुरा, उत्तरकुरा, सव्वेवि णं णिसढणीलवंतवासहरपव्वया चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीआए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले, जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीआए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओआए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओआए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० चंदपव्वए सूरपव्वए देवपव्वए णागपव्वए, जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स चउसु विदिसासु चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० सोमणसे विज्जुप्पभे गंधमायणे मालवंते, जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे जहण्णपए चत्तारि अरिहंता, चत्तारि चक्कवट्टी, चत्तारि बलदेवा, चत्तारि वासुदेवा, उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए चत्तारि वणा प० तं० भद्दसालवणे, णंदणवणे, सोमणसवणे, पंडगवणे, जंबूमंदरपव्वयपंडगवणे चत्तारि अभिसेगसिलाओ प० तं० पंडुकंबलसिला, अतिपंडुकंबलसिला, रत्तकंबलसिला, अइरत्तकंबलसिला, मंदरचूलिया णं उवरिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं पण्णत्ता, एवं धायइखंडदीवपुरच्छिमद्धेवि कालं आइं करित्ता जाव मंदरचूलियत्ति। एवं जाव पुक्खरवरदीवपच्चत्थिमद्धे जाव मंदरचूलियत्ति, जंबूदीवगआवस्सगं तु कालाओ चूलिया जाव धायइखंडे पुक्खरवरे य पुव्वावरे पासे। जंबूदीवस्स णं दीवस्स चत्तारि दारा प० तं० विजये वेजयंते जयंते अपराजिए, ते णं दारा चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं प० तत्थ ण चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए॥ ३७४॥ जवुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्द तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे ओभासिअदीवे वेसाणियदीवे णंगोलियदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति, एगरूया

पन्नत्ते, तं जहा-दुहविवागे चेव सुहविवागे चेव । तत्थ णं दस दुहविवागाणि दस सुहविवागाणि । से किं तं दुहविवागाणि ? दुहविवागेसु णं दुहविवागाणं नगराइं उज्जाणाइं वणखंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ नगरगमणाइं संसारपबंधे दुहपरंपराओ य आघविज्जंति । से त्तं दुहविवागाणि । से किं तं सुहविवागाइं ? सुहविवागेसु सुहविवागाणं णगराइं उज्जाणाइं वणखंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्डिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियागा पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुण बोहिलाहा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति । दुहविवागेसु णं पाणाइवायअलियवयणचोरिक्करणपरदारमेहुणससंगयाए महतिव्वकसायइंदियप्पमायपावप्पओयअसुहज्झवसाणसंचियाणं कम्माणं पावगाणं पावअणुभागफलविवागा णिरयगतितिरिक्खजोणिबहुविहवसणसयपरंपरापबद्धाणं मणुयत्ते वि आगयाणं जहा पावकम्मसेसेण पावगा होंति फलविवागा वहवसणविणासनासाकन्नुट्ठंगुट्ठकरचरणनहच्छेयणजिब्भच्छेअणअंजणकडग्गिदाहगयचलणमलणफालणउल्लंबणसूललयालउडलट्ठिभंजणतउसीसगतत्ततेल्लकलकलअहिसिंचणकुंभिपागकंपणथिरबंधणवेहवज्झकत्तणपतिभयकरकरपल्लीवणादिदारुणाणि दुक्खाणि अणोवमाणि । बहुविविहपरंपराणुबद्धा ण मुच्चंति पावकम्मवल्लीए, अवेयइत्ता हु णत्थि मोक्खो तवेण धिइधणियबद्धकच्छेण सोहणं तस्स वावि हुज्जा । एत्तो य सुहविवागेसु णं सीलसंजमणियमगुणतवोवहाणेसु साहूसु सुविहिएसु अणुकंपासयप्पओगतिकालमइविसुद्धभत्तपाणाइं पययमणसा हियसुहनीसेसतिव्वपरिणामनिच्छियमई पयच्छिऊणं पयोगसुद्धाइं जह य निव्वत्तेति उ बोहिलाभं जह य परित्तीकरेंति नरनरयतिरियसुरगमणविपुलपरियट्टअरतिभयविसायसोगमिच्छत्तसेलसंकडं अन्नाणतमंधकारं चिक्खिल्लसुदुत्तारं जरमरणजोणिसंखुभियचक्कवालं सोलसकसायसावयपयंडचंडं अणाइअं अणवदग्गं संसारसागरमिणं । जह य णिबंधंति आउगं सुरगणेसु जह य अणुभवंति सुरगणविमाणसोक्खाणि अणोवमाणि ततो य कालंतरे चुआणं इहेव नरलोगमागयाणं आउवपुपु(व)ण्णरूवजातिकुलजम्मआरोग्गबुद्धिमेहाविसेसा मित्तजणसयणधणधण्णविभवसमिद्धसारसमुदयविसेसा बहुविहकामभोगुब्भवाण सोक्खाण सुहविवागोत्तमेसु अणुवरयपरंपराणुबद्धा असुभाणं सुभाणं चे कम्माणं भासिआ बहुविहा विवागा विवागसुयम्मि भगवया जिणवरेण संवेगकार णत्था अन्ने वि य एवमाइया बहुविहा वित्थरेणं अत्थपरूवणया आघविज्जंति । विवा गसुअस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ

से णं अंगट्टयाए एक्कारसमे अंगे वीसं अज्झयणा वीसं उद्देसणकाला वीसं समुद्देसणकाला। संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पन्नत्ता। संखेज्जाणि अक्खराणि अणंता गमा अणंता पज्जवा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं विवागसुए ॥ २२० ॥ से किं तं दिट्ठिवाए? दिट्ठिवाए णं सव्वभावपरूवणया आघविज्जंति। से समासओ पंचविहे पन्नत्ते, तं जहा–परिकम्मं, सुत्ताइं, पुव्वगयं, अणुओगो, चूलिया। से किं तं परिकम्मे? परिकम्मे सत्तविहे पन्नत्ते, तं जहा–सिद्धसेणियापरिकम्मे, मणुस्ससेणियापरिकम्मे, पुट्ठसेणियापरिकम्मे, ओगाहणसेणियापरिकम्मे, उवसंपज्जसेणियापरिकम्मे, विप्पजहसेणियापरिकम्मे, चुआचुअसेणियापरिकम्मे। से किं तं सिद्धसेणियापरिकम्मे? सिद्धसेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे पन्नत्ते, तं जहा–माउयापयाणि, एगट्ठियपयाणि, पादोट्ठपयाणि, आगासपयाणि, केउभूयं, रासिवद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूयं, पडिग्गहो, संसारपडिग्गहो, नंदावत्तं, सिद्धवद्धं, से त्तं सिद्धसेणियापरिकम्मे। से किं तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे? मणुस्ससेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे पन्नत्ते, तं जहा–ताइं चेव माउआपयाणि जाव नंदावत्तं मणुस्सवद्धं, से त्तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे। अवसेसा परिकम्माइं पुट्ठाइयाइं एक्कारसविहाइं पन्नत्ताइं। इच्चेयाइं सत्त परिकम्माइं, छ ससमइयाइं सत्त आजीवियाइं, छ चउक्कणइयाइं सत्त तेरासियाइं, एवामेव सपुव्वावरेणं सत्त परिकम्माइं तेसीति भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं परिकम्माइं ॥ २२१ ॥ से किं तं सुत्ताइं? सुत्ताइं अट्ठासीति भवंतीति मक्खायाइं, तं जहा–उजुगं परिणयापरिणयं वहुभंगियं विप्पच्चइयं [विन(ज)यचरियं] अणंतरं परंपरं समाणं संजूहं [मासाणं] संभिन्नं अहाच्चयं [अहव्वायं नन्दीए] सोवत्थि(वत्तं) यं णंदावत्तं वहुलं पुट्ठापुट्ठं वियावत्तं एवंभूय दुआवत्तं वत्तमाणपयं समभिरूढं सव्वओभद्दं पणासं[पस्सासं नन्दीए] दुपडिग्गहं इच्चेयाइं वावीसं सुत्ताइं छिण्णछेअणइआइं ससमयसुत्तपरिवाडीए इच्चेयाइं वावीसं सुत्ताइं अछिन्नछेअणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेआइं वावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेआइं वावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठासीति सुत्ताइं भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं सुत्ताइं ॥२२२॥ से किं तं पुव्वगयं? पुव्वगयं चउद्दसविहं पन्नत्तं, तं जहा–उप्पायपुव्वं, अग्गेणीयं, वीरियं, अत्थिणत्थिप्पवायं, नाणप्पवायं, सच्चप्पवायं, आयप्पवायं, कम्मप्पवायं, पच्चक्खाणप्पवायं, विज्जाणुप्पवायं, अवंझं, पाणाऊ, किरियाविसालं, लोगविंदुसारं। उप्पायपुव्वस्स णं दसवत्थू पन्नत्ता, चत्तारि चूलियावत्थू पन्नत्ता। अग्गेणियस्स णं पुव्वस्स चोद्दसवत्थू प०, वारस चूलियावत्थू प०। वीरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स

अट्ठ वत्थू प०, अट्ठ चूलियावत्थू प० । अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठारस वत्थू प०, दस चूलियावत्थू प० । नाणप्पवायस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प० । सच्चप्पवायस्स णं पुव्वस्स दो वत्थू प० । आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स सोलस वत्थू प० । कम्मप्पवायपुव्वस्स णं तीसं वत्थू प० । पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प० । विज्जाणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पनरस वत्थू प० । अवंझस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प० । पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प० । किरियाविसालस्स णं पुव्वस्स तीसं वत्थू प० । लोगबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प० । "दस चोद्दस अट्ठट्ठारसे व बारस दुवे य वत्थूणि । सोलस तीसा वीसा पन्नरस अणुप्पवायम्मि ॥ बारस एक्कारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि । तीसा पुण तेरसमे चउदसमे पन्नवीसाओ । चत्तारि दुवालस अट्ठ चेव दस चेव चूलवत्थूणि । आतिल्लाण चउण्हं, सेसाणं चूलिया णत्थि" से त्तं पुव्वगयं ॥ २२३ ॥ से किं तं अणुओगे? अणुओगे दुविहे पन्नत्ते, तं जहा–मूलपढमाणुओगे य गंडियाणुओगे य । से किं तं मूलपढमाणुओगे? एत्थ णं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा देवलोगगमणाणि आउं चवणाणि जम्मणाणि अ अभिसेया रायवरसिरीओ सीयाओ पव्वज्जाओ तवा य भत्ता केवलणाणुप्पाया अ तित्थपवत्तणाणि अ संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउं वन्नविभागो सीसा गणा गणहरा य अज्जा पवत्तणीओ संघस्स चउव्विहस्स जं वावि परिमाणं जिणमणपज्जवओहिनाणसम्मत्तसुयनाणिणो य वाई अणुत्तरगई य जत्तिया सिद्धा पाओवगया य जे जहिं जत्तियाइं भत्ताइं छेअइत्ता अंतगडा मुणिवरुत्तमा तमरओघविप्पमुक्का सिद्धिपहमणुत्तरं च पत्ता, एए अन्ने य एवमाइया भावा मूलपढमाणुओगे कहिआ आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं मूलपढमाणुओगे । से किं तं गंडियाणुओगे? (गंडियाणुओगे) अणेगविहे पन्नत्ते, तं जहा–कुलगरगंडियाओ तित्थगरगंडियाओ गणहरगंडियाओ चक्कहरगंडियाओ दसारगंडियाओ बलदेवगंडियाओ वासुदेवगंडियाओ हरिवंसगंडियाओ भद्दबाहुगंडियाओ तवोकम्मगंडियाओ चित्तंतरगंडियाओ उस्सप्पिणीगंडियाओ ओसप्पिणीगंडियाओ अमरनरतिरियनिरयगइगमणविविहपरियट्टणाणुओगे, एवमाइयाओ गंडियाओ आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं गंडियाणुओगे ॥ २२४ ॥ से किं तं चूलियाओ? जण्णं आइल्लाणं चउण्हं पुव्वाणं चूलियाओ सेसाइं पुव्वाइं अचूलियाइं, से त्तं चूलियाओ ॥ २२५ ॥ दिट्ठिवायस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ संगहणीओ, से णं अंगट्ठयाए बारसमे अंगे एगे सुयक्खंधे चउद्दस पुव्वाइं संखेज्जा वत्थू संखेज्जा चूलवत्थू संखेज्जा

पाहुडा संखेज्जा पाहुडपाहुडा संखेज्जाओ पाहुडियाओ संखेज्जाओ पाहुडपाहुडियाओ संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं पन्नत्ता, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति, एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति, से त्तं दिट्ठिवाए, से त्तं दुवालसंगे गणिपिडगे ॥ २२६ ॥ इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिंसु, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं पडुप्पण्णे काले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्संति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं वीईवइंसु, एवं पडुप्पण्णेऽवि, एवं अणागएऽवि । दुवालसंगे णं गणिपिडगे ण कयावि णत्थि, ण कयाइ णासी, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवति य भविस्सति य (अयले) धुवे णितिए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, से जहा णामए पंच अत्थिकाया ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सति, भुविं च भवति य भविस्सति य, (अयला) धुवा णितिया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा, एवामेव दुवालसंगे गणिपिडगे ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवति य भविस्सइ य, (अयले) धुवे जाव अवट्ठिए णिच्चे । एत्थ णं दुवालसंगे गणिपिडगे अणंता भावा अणंता अभावा अणंता हेऊ अणंता अहेऊ अणंता कारणा अणंता अकारणा अणंता जीवा अणंता अजीवा अणंता भवसिद्धिया अणंता अभवसिद्धिया अणंता सिद्धा अणंता असिद्धा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । एवं दुवालसंगं गणिपिडगं इति ॥ २२७ ॥ दुवे रासी प० तं जहा–जीवरासी अजीवरासी य । अजीवरासी दुविहा प० तं जहा–रूवी अजीवरासी अरूवी अजीवरासी य । से किं तं अरूवी अजीवरासी ? अरूवी अजीवरासी दसविहा प० तं जहा–धम्मत्थिकाए जाव अद्धासमए । रूवी अजीवरासी अणेगविहा प० । जाव से कि तं अणुत्तरोववाइआ ? अणुत्तरोववाइआ पंचविहा प० तं जहा–विजयवेजयंतजयंतअपराजितसव्वट्ठसिद्धिआ, से त्तं अणुत्तरोववाइआ, से त्तं पंचिंदियसंसारसमावण्णजीवरासी । दुविहा णेरइया प० तं जहा–पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, एवं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणिय त्ति । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए केवइयं खेत्तं ओगाहेत्ता केवइया णिरयावासा प० ?, गोयमा ! इमीसे

णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं तीसं णिरयावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खाया। ते णं णिरयावासा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा जाव असुभा णिरया असुभाओ णिरएसु वेयणाओ, एवं सत्त वि भाणियव्वाओ जं जासु जुज्जइ–आसीयं बत्तीसं अट्ठावीसं तहेव वीसं च। अट्ठारस सोलसगं अट्ठुत्तरमेव बाहल्लं ॥ १ ॥ तीसा य पण्णवीसा पन्नरस दसेव सयसहस्साइं। तिण्णेगं पंचूणं पंचेव अणुत्तरा नरगा ॥२॥ चउसट्ठी असुराणं चउरासीइं च होइ नागाणं। बावत्तरि सुवन्नाण वाउकुमाराण छण्णउइ ॥ ३ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं। छण्हं पि जुवलयाणं बावत्तरिमो य सयसहसा(स्सा) ॥ ४ ॥ बत्तीसट्ठावीसा बारस अड चउरो य सयसहस्सा। पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ ५ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिन्नि। सत्त विमाणसयाइं चउसु वि एएसु कप्पेसु ॥ ६ ॥ एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए। सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ ७ ॥ दोच्चाए णं पुढवीए तच्चाए णं पुढवीए चउत्थीए पुढवीए पंचमीए पुढवीए छट्ठीए पुढवीए सत्तमीए पुढवीए गाहाहिं भाणियव्वा। सत्तमाए पुढवीए पुच्छा, गोयमा! सत्तमाए पुढवीए अट्ठुत्तरजोयणसयसहस्साइं बाहल्लाए उवरिं अद्धतेवन्नं जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता हेट्ठा वि अद्धतेवन्नं जोयणसहस्साइं वज्जित्ता मज्झे तिसु जोयणसहस्सेसु एत्थ णं सत्तमाए पुढवीए नेरइयाणं पंच अणुत्तरा महइमहालया महानिरया प० तं जहा–काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे नामं पंचमे। ते णं निरया वट्टे य तंसा य अहे खुरप्पसंठाणसंठिया जाव असुभा नरगा असुभाओ नरएसु वेयणाओ ॥ २२८ ॥ केवइया णं भंते! असुरकुमारावासा प०? गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए चउसट्ठि असुरकुमारावाससयसहस्सा प०। ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा अहे पोक्खरकण्णिआसंठाणसंठिया उक्किण्णंतरविउलगंभीरखायफलिहा अट्टालयचरियदारगोउरकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा जंतमुसलमुसंढिसयग्घिपरिवारिया अउज्झा अडयालकोट्ठरइया अडयालकयवणमाला लाउल्लोइयमहिया गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिण्णपंचंगुलितला कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघेतगंधुद्धुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्टिभूया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा नीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सप्पभा समि-

रीया सउज्जोआ पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, एवं जं जस्स कमती तं तस्स जं जं गाहाहिं भणियं तह चेव वण्णओ ॥ २२९ ॥ केवइया णं भंते! पुढविकाइयावासा प० गोयमा! असंखेज्जा पुढवीकाइयावासा प० एवं जाव मणुस्स त्ति। केवइया णं भंते! वाणमंतरावासा प० गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सवाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जा नगरावाससयसहस्सा पन्नत्ता, ते णं भोमेज्जा नगरा वाहिं वट्टा अंतो चउरंसा, एवं जहा भवणवासीणं तहेव णेयव्वा, णवरं पडागमालाउला सुरम्मा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा॥ २३० ॥ केवइया णं भंते! जोइसियाणं विमाणावासा पन्नत्ता? गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्तनउयाइं जोयणसयाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं दसुत्तरजोयणसयवाहल्ले तिरियं जोइसविसए जोइसियाणं देवाणं असंखेज्जा जोइसियविमाणावासा पन्नत्ता, ते णं जोइसियविमाणावासा अब्भुग्गयमूसियपहसिया विविहरमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागछत्ताइछत्तकलिया तुंगा गगणतलमणुलिहंतसिहरा जालंतररयणपञ्जरुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियागा वियसियसयपत्तपुंडरीयतिलयरयणद्धचंदचित्ता अंतो वाहिं च सण्हा तवणिज्जवालुआपत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया दरिसणिज्जा ॥ २३१ ॥ केवइया णं भंते! वेमाणियावासा पन्नत्ता? गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणनक्खत्ततारारूवाणं वीइवइत्ता वहूणि जोयणाणि वहूणि जोयणसयाणि वहूणि जोयणसहस्साणि वहूणि जोयणसयसहस्साणि वहुइओ जोयणकोडीओ वहुइओ जोयणकोडाकोडीओ असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं वीइवइत्ता एत्थ णं विमाणियाणं देवाणं सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदवंभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुएसु गेवेज्जगमणुत्तरेसु य चउरासीइं विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खाया, ते णं विमाणा अच्चिमालिप्पभा भासरासिवण्णाभा अरया नीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा घट्ठा मट्ठा णिप्पंका णिक्कंकडच्छाया सप्पभा समरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा। सोहम्मे णं भंते! कप्पे केवइया विमाणावासा प०? गोयमा! वत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, एवं ईसाणाइसु अट्ठावीस वारस अट्ठ चत्तारि एयाइं सयसहस्साइं पण्णासं चत्तालीसं छ एयाइं सहस्साइं आणए पाणए चत्तारि आरणच्चुए तिन्नि एयाणि सयाणि, एवं गाहाहिं भाणियव्वं ॥ २३२ ॥

नेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अपज्जत्तगाणं नेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए एवं जाव विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं देवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं बत्तीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । सव्वट्ठे अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ २३३ ॥ कति णं भंते सरीरा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरा प०, तं जहा–ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए । ओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते, तं जहा–एगिंदियओरालियसरीरे जाव गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरे य । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलअसंखेज्जतिभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं, एवं जहा ओगाहणसंठाणे ओरालियपमाणं तहा निरवसेसं, एवं जाव मणुस्से त्ति उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । कइविहे णं भंते ! वेउव्वियसरीरे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते–एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरे य, एवं जाव सणंकुमारे आढत्तं जाव अणुत्तराणं भवधारणिज्जा जाव तेसिं रयणी रयणी परिहायइ । आहारयसरीरे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! एगाकारे प० । जइ एगाकारे प० किं मणुस्सआहारयसरीरे अमणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! मणुस्सआहारगसरीरे णो अमणुस्सआहारगसरीरे, एवं जइ मणुस्सआहारगसरीरे किं गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारगसरीरे संमुच्छिममणुस्सआहारगसरीरे ? गोयमा ! गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारगसरीरे नो संमुच्छिममणुस्सआहारगसरीरे । जइ गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे किं कम्मभूमिगा० अकम्मभूमिगा० ? गोयमा ! कम्मभूमिगा० नो अकम्मभूमिगा० । जइ कम्मभूमिगा० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० नो असंखेज्जवासाउय० । जइ संखेज्जवासाउय० किं पज्जत्तय० अपज्जत्तय० ? गोयमा ! पज्जत्तय० नो अपज्जत्तय० । जइ पज्जत्तय० किं सम्मदिट्ठी० मिच्छदिट्ठी० सम्मामिच्छदिट्ठी० ? गोयमा ! सम्मदिट्ठी० नो मिच्छदिट्ठी० नो सम्मामिच्छदिट्ठी० । जइ सम्मदिट्ठी० किं संजय० असंजय० संजयासंजय० ? गोयमा ! संजय० नो असंजय० नो संजयासंजय० । जइ संजय० किं पमत्तसंजय० अपमत्तसंजय० ? गोयमा ! पमत्तसंजय० नो अपमत्तसंजय० । जइ पमत्तसंजय० किं इड्ढिपत्त० अणिड्ढिपत्त० ? गोयमा ! इड्ढिपत्त० नो अणिड्ढिपत्त०

चयणा विभाणियव्वा आहारयसरीरे समचउरंससंठाणसंठिए। आहारयसरीरस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं देसूणा रयणी उक्कोसेणं पडिपुण्णा रयणी। तेआसरीरे णं भंते ! कतिविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते–एगिंदियतेयसरीरे बितिचउपंच० एवं जाव गेवेज्जस्स णं भंते ! देवस्स णं मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स समाणस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जहन्नेणं अहे जाव विज्जाहरसेढीओ उक्कोसेणं जाव अहोलोइयग्गामाओ, उड्ढं जाव सयाइं विमाणाइं, तिरियं जाव मणुस्सखेत्तं, एवं जाव अणुत्तरोववाइया। एवं कम्मयसरीरं भाणियव्वं ॥ २३४ ॥ भेय विसयसंठाणे, अब्भितर बाहिरे य देसोही। ओहिस्स वुड्ढिहाणी, पडिवाई चेव अपडिवाई ॥ १ ॥ २३५ ॥ कइविहे णं भंते ! ओही प० ? गोयमा ! दुविहा प०–भवपच्चइए य खओवसमिए य, एवं सव्वं ओहिपदं भाणियव्वं ॥ २३६ ॥ सीया य दव्व सारीर साता तह वेयणा भवे दुक्खा। अब्भुवगमुवक्कमिया णीयाए चेव अणियाए ॥ १ ॥ नेरइया णं भंते ! किं सीतं वेयणं वेयंति उसिणं वेयणं वेयंति सीतोसिणं वेयणं वेयंति ? गोयमा ! नेरइया० एवं चेव वेयणापदं भाणियव्वं ॥ २३७ ॥ कइ णं भंते ! लेसाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! छ लेसाओ पन्नत्ताओ, तं जहा–किण्हा नीला काऊ तेऊ पम्हा सुक्का, एवं लेसापयं भाणियव्वं ॥ २३८ ॥ अणंतरा य आहारे, आहाराभोगणा इय। पोग्गला नेव जाणंति, अज्झवसाणे य सम्मत्ते ॥ १ ॥ नेरइया णं भंते ! अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया तओ परियाइयणया तओ परिणामणया तओ परियारणया तओ पच्छा विकुव्वणया ? हंता गोयमा ! एवं आहारपदं भाणियव्वं ॥ २३९ ॥ कइविहे णं भंते ! आउगबंधे प० ? गोयमा ! छव्विहे आउगबंधे प०, तं जहा–जाइनामनिहत्ताउए गतिनामनिहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएसनामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगाहणानामनिहत्ताउए। नेरइयाणं भंते ! कइविहे आउगबंधे प० ? गोयमा ! छव्विहे प०, तं जहा–जातिनामनिहत्ताउए गइनामनिहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएसनामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगाहणानामनिहत्ताउए। एवं जाव वेमाणियाणं ॥ २४० ॥ निरयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं प० ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ते, एवं तिरियगई मणुस्सगई देवगई। सिद्धिगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणयाए प० ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासे, एवं सिद्धिवज्जा उव्वट्टणा। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया केवइयं कालं विरहिया उववाएणं ? एवं उववायदंडओ

भाणियव्वो उव्वट्टणादंडओ य । नेरइया णं भंते! जातिनामनिहत्ताउगं कति आगरिसेहिं पगरेंति ? गोयमा ! सिय १ सिय २ सिय ३ सिय ४ सिय ५ सिय ६ सिय ७ सिय अट्ठहिं, नो चेव णं नवहिं । एवं सेसाण वि आउगाणि जाव वेमाणिय त्ति ॥ २४१ ॥ कइविहे णं भंते ! संघयणे पन्नत्ते ? गोयमा ! छव्विहे संघयणे पन्नत्ते, तं जहा–वइरोसभनारायसंघयणे रिसभनारायसंघयणे नारायसंघयणे अद्धनारायसंघयणे कीलियासंघयणे छेवट्ठसंघयणे । नेरइया णं भंते ! किंसंघयणी ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी णेव अट्ठि णेव छिरा णेव ण्हारू जे पोग्गला अणिट्ठा अकंता अप्पिया अणाएज्जा असुभा अमणुण्णा अमणामा अमणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमंति । असुरकुमाराणं भंते ! किंसंघयणा प० ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारू जे पोग्गला इट्ठा कंता पिया मणुण्णा मणामा मणाभिरामा ते तेसि असंघयणत्ताए परिणमंति, एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढवीकाइया णं भंते ! किंसंघयणी प० ? गोयमा ! छेवट्ठसंघयणी प०, एवं जाव संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिय त्ति । गब्भवक्कंतिया छव्विहसंघयणी, संमुच्छिममणुस्सा छेवट्ठसंघयणी, गब्भवक्कंतियमणुस्सा छव्विहे संघयणे प० । जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य ॥ २४२ ॥ कइविहे णं भंते ! संठाणे पन्नत्ते ? गोयमा छव्विहे संठाणे पन्नत्ते, तं जहा–समचउरंसे १ णिग्गोहपरिमंडले २ साइए ३ वामणे ४ खुज्जे ५ हुंडे ६ । णेरइया णं भंते ! किंसंठाणी प० ? गोयमा ! हुंडसंठाणी प० । असुरकुमारा णं भंते ! किंसंठाणी प० ? गोयमा ! समचउरंससंठाणसंठिया प०, एवं जाव थणियकुमारा । पुढवी मसूरसंठाणा प०, आऊ थिवुयसंठाणा प०, तेऊ सूइकलावसंठाणा प०, वाऊ पडागासंठाणा प०, वणस्सई नाणासंठाणसंठिया प०, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिय-संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खा हुंडसंठाणा प०, गब्भवक्कंतिया छव्विहसंठाणा प०, संमुच्छिममणुस्सा हुंडसंठाणसंठिया प०, गब्भवक्कंतियाणं मणुस्साणं छव्विहा संठाणा प० । जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया वि ॥ २४३ ॥ कइविहे णं भंते ! वेए पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे वेए प०, तं जहा–इत्थीवेए पुरिसवेए नपुंसवेए । नेरइया णं भंते ! कि इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया प० ? गोयमा ! णो इत्थीवेए णो पुंवेए णपुंसगवेया प० । असुरकुमारा णं भंते ! किं इत्थीवेया पुरिसवेया नपुंसगवेया ? गोयमा ! इत्थीवेया पुरिसवेया णो णपुंसगवेया, जाव थणियकुमारा, पुढवी आऊ तेऊ वाऊ वणस्सई बितिचउरिंदियसंमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खसंमुच्छिममणुस्सा णपुंसगवेया, गब्भवक्कंतियमणुस्सा पंचिंदियतिरिया

य तिवेया, जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरा जोइसियवेमाणिया वि ॥ २४४ ॥ ते णं काले णं ते णं समए णं कप्पस्स समोसरणं णेयव्वं, जाव गणहरा सावच्चा निरवच्चा वोच्छिण्णा ॥ २४५ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीआए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तं जहा-मित्तदामे सुदामे य, सुपासे य सयंपभे । विमलघोसे सुघोसे य, महाघोसे य सत्तमे ॥ १ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीयाए ओसप्पिणीए दस कुलगरा होत्था, तं जहा-सयंजले सयाऊ य, अजियसेणे अणंतसेणे य । कज्जसेणे भीमसेणे, महाभीमसेणे य सत्तमे ॥ २ ॥ दढरहे दसरहे सयरहे ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए समाए सत्त कुलगरा होत्था, तं जहा-पढमेत्थ विमलवाहण [चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे । तत्तो य पसेणईए मरुदेवे चेव नाभी य ॥ ३ ॥] एतेसि णं सत्तण्हं कुलगराण सत्त भारिया होत्था, तं जहा-चंदजसा चंदकंता [सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य । सिरिकंता मरुदेवी कुलगरपत्तीण णामाइं ॥ ४ ॥] २४६ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगराणं पियरो होत्था, तं जहा-णाभी य जियसत्तू य[जियारी संवरे इय । मेहे धरे पइट्ठे य महसेणे य खत्तिए ॥ ५ ॥ सुग्गीवे दढरहे विण्हू वसुपुज्जे य खत्तिए । कयवम्मा सीहसेणे भाणू विस्ससेणे इय ॥ ६ ॥ सूरे सुदंसणे कुंभे, सुमित्तविजए समुद्दविजए य । राया य आससेणे य सिद्धत्थेच्चिय खत्तिए ॥ ७ ॥] उदितोदियकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया । तित्थप्पवत्तयाणं एए पियरो जिणवराणं ॥ ८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगराणं मायरो होत्था, तं जहा-मरुदेवी विजया सेणा [सिद्धत्था मंगला सुसीमा य । पुहवी लक्खणा रामा नंदा विण्हू जया सामा ॥ ९ ॥ सुजसा सुव्वय अइरा सिरिया देवी पभावई पउमा । वप्पा सिवा य वामा तिसला देवी य जिणमाया ॥ १० ॥] २४७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगरा होत्था, तं जहा-उसभ अजिय संभव अभिनंदण सुमइ पउमप्पह सुपास चंदप्पभ सुविहि=पुप्फदंत सीयल सिज्जंस वासुपुज्ज विमल अणंत धम्म संति कुंथु अर मल्लि मुणिसुव्वय णमि णेमि पास वद्धमाणो य ॥ २४८ ॥ एएसिं चउवीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं पुव्वभवया णामधेया होत्था, तं जहा-पढमेत्थ वइरणाभे विमले तह विमलवाहणे चेव । तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह धम्ममित्ते य ॥ ११ ॥ सुंदरबाहु तह दीहबाहु जुगबाहू लट्ठबाहू य । दिण्णे य इंददत्ते सुंदर माहिंदरे चेव ॥ १२ ॥ सीहरहे मेहरहे रुप्पी अ सुदंसणे य बोद्धव्वे । तत्तो य नंदणे खलु सीहगिरी चेव वीसइमे ॥ १३ ॥ अदीणसत्तु संखे सुदंसणे नंदणे य

वोद्धव्वे । ओसप्पिणीए एए तित्थकराणं तु पुव्वभवा ॥ १४ ॥ २४९ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं सीयाओ होत्था, तं जहा–सीया सुदंसणा सुप्पभा य सिद्धत्थ सुप्पसिद्धा य । विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया चेव ॥ १५ ॥ अरुणप्पभ चंदप्पभ सूरप्पह अग्गि सुप्पभा चेव । विमला य पंचवण्णा सागरदत्ता य णागदत्ता य ॥ १६ ॥ अभयकर निव्वुइकरा मणोरमा तह मणोहरा चेव । देवकुरुत्तरकुरा विसाल चंदप्पभा सीया ॥ १७ ॥ एआओ सीआओ सव्वेसि चेव जिणवरिंदाणं । सव्वजगवच्छलाणं सव्वोउगसुभाए छायाए ॥ १८ ॥ पुव्विं ओक्खित्ता माणुसेहिं साहट्ठ(ट्ठ) रोमकूवेहिं । पच्छा वहंति सीअं असुरिंदसुरिंदनागिंदा ॥ १९ ॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी । सुरअसुरवंदिआणं वहंति सीअं जिणंदाणं ॥ २० ॥ पुरओ वहंति देवा नागा पुण दाहिणम्मि पासम्मि । पच्चच्छिमेण असुरा गरुला पुण उत्तरे पासे ॥ २१ ॥ उसभो अ विणीयाए वारवईए अरिट्ठवरणेमी । अवसेसा तित्थयरा निक्खंता जम्मभूमीसु ॥ २२ ॥ सव्वे वि एगदूसेण [णिग्गया जिणवरा चउव्वीसं । ण य णाम अण्णलिंगे ण य गिहिलिंगे कुलिंगे य ॥ २३ ॥] एक्को भगवं वीरो [पासो मल्ली य तिहिं तिहिं सएहिं । भगवं पि वासुपुज्जो छहिं पुरिससएहिं निक्खंतो ॥ २४ ॥] उग्गाणं भोगाणं राइण्णाणं [च खत्तियाणं च । चउहिं सहस्सेहिं उसभो सेसा उ सहस्सपरिवारा ॥ २५ ॥] सुमइत्थ णिच्चभत्तेण[णिग्गओ वासुपुज्ज चोत्थेणं । पासो मल्ली य अट्ठमेण सेसा उ छट्ठेणं ॥ २६ ॥] एएसिं णं चउव्वीसाए तित्थगराण चउव्वीसं पढमभिक्खादायारो होत्था, तं जहा–सिज्जंस वंभदत्ते सुरिददत्ते य इंददत्ते य । पउमे य सोमदेवे माहिंदे तह सोमदत्ते य । पुस्से पुणव्वसू पुण्णणंद सुणंदे जये य विजये य । तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह वग्गसीहे अ ॥ २७ ॥ अपराजिय विस्ससेणे वीसइमे होइ उसभसेणे य । दिण्णे वरदत्ते धणे वहुले य आणुपुव्वीए ॥ २८ ॥ एए विसुद्धलेसा जिणवरभत्तीइ पंजलिउडा उ । तं कालं तं समयं पडिलाभेई जिणवरिंदे ॥ २९ ॥ संवच्छरेण भिक्खा लद्धा उसभेण लोयणाहेण । सेसेहिं वीयदिवसे लद्धाओ पढमभिक्खाओ ॥ ३० ॥ उसभस्स पढमभिक्खा खोयरसो आसि लोगणाहस्स । सेसाणं परमण्णं अमियरसरसोवमं आसि ॥ ३१ ॥ सव्वेसिं पि जिणाणं जहियं लद्धाउ पढमभिक्खाउ । तहियं वसुधाराओ सरीरमेत्तीओ वुट्ठाओ ॥ ३२ ॥ २५० ॥ एएसिं चउव्वीसाए तित्थगराणं चउवीसं चेइयरुक्खा [वद्धपीढरुक्खा जेसिं अहे केवलाइं उप्पण्णाइं ति] होत्था, तं जहा–णग्गोह सत्तिवण्णे साले पियए पियंगु छत्ताहे । सिरिसे य णागरुक्खे माली य पिलंक्खुरुक्खे य ॥ ३३ ॥

तिंदुग पाडल जंवू आसत्थे खलु तहेव दहिवण्णे। णंदीरुक्खे तिलए अंवयरुक्खे असोगे य ॥ ३४ ॥ चंपय वउले य तहा वेडसरुक्खे य धायईरुक्खे। साले य वद्धमाणस्स चेइयरुक्खा जिणवराणं ॥ ३५ ॥ वत्तीसं धणुयाइं चेइयरुक्खो य वद्धमाणस्स। णिच्चोउगो असोगो ओच्छण्णो सालरुक्खेणं ॥ ३६ ॥ तिण्णे व गाउआइं चेइयरुक्खो जिणस्स उसभस्स। सेसाणं पुण रुक्खा सरीरओ वारसगुणा उ ॥ ३७ ॥ सच्छत्ता सपडागा सवेइया तोरणेहिं उववेया। सुरअसुरगरुलमहिया चेइयरुक्खा जिणवराणं ॥ ३८ ॥ २५१ ॥ एएसिं चउवीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं पढमसीसा होत्था, तं जहा-पढमेत्थ उसभसेणे वीइए पुण होइ सीहसेणे य। चारू य वज्जणाभे चमरे तह सुव्वय विदब्भे ॥ ३९ ॥ दिण्णे य वराहे पुण आणंदे गोथुभे सुहम्मे य। मंदर जसे अरिट्ठे चक्काह सयंभु कुंभे य ॥ ४० ॥ इंदे कुंभे य सुभे वरदत्ते दिण्ण इंदभूई य। उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया। तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सा जिणवराणं ॥ ४१ ॥ २५२ ॥ एएसि णं चउवीसाए तित्थगराणं चउवीसं पढमसिस्सिणी होत्था, तं जहा-वंभी य फग्गु सामा अजिया कासवीरई सोमा। सुमणा वारुणि सुलसा धारणि धरणी य धरणिधरा ॥ ४२ ॥ पउमा सिवासुयी तह अंजुया भावियप्पा य रक्खी य। वंधुवती पुप्फवती अज्जा अमिला य अहिया य ॥ ४३ ॥ जक्खिणी पुप्फचूला य चंदणऽज्जा य आहियाउ। उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहिं उववेया। तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सी जिणवराणं ॥ ४४ ॥ २५३ ॥ जंवुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए वारह चक्कवट्टिपियरो होत्था, तं जहा-उसभे सुमित्ते विजए समुद्दविजए य आससेणे य। विस्ससेणे य सूरे सुदंसणे कत्तवीरिए चेव ॥ ४५ ॥ पउमुत्तरे महाहरी विजए राया तहेव य। वंभे वारसमे उत्ते पिउनामा चक्कवट्टीणं ॥ ४६ ॥ २५४ ॥ जंवुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए वारस चक्कवट्टिमायरो होत्था, तं जहा-सुमंगला जसवती भद्दा सहदेवी अइरा सिरिदेवी। तारा जाला (जाला तारा) मेरा वप्पा चुल्लणि अपच्छिमा ॥ २५५ ॥ जंवुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए वारस चक्कवट्टी होत्था, तं जहा-भरहो सगरो मघवं [सणंकुमारो य रायसद्दूलो। संती कुंथू य अरो हवइ सुभूमो य कोरव्वो ॥ ४७ ॥ नवमो य महापउमो हरिसेणो चेव रायसद्दूलो। जयनामो य नरवई, वारसमो वंभदत्तो य ॥ ४८ ॥] एएसिं वारसण्हं चक्कवट्टीणं वारस इत्थिरयणा होत्था, तं जहा-पढमा होइ सुभद्दा भद्द सुणंदा जया य विजया य। किण्हसिरी सूरसिरी पउमसिरी वसुंधरा देवी ॥ ४९ ॥ लच्छिमई कुरुमई इत्थिरयणाण नामाइं ॥ २५६ ॥ जंवुद्दीवे णं दीवे

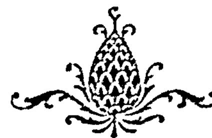
भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए नवबलदेवनववासुदेवपियरो होत्था, तं जहा–पयावई य बंभो [सोमो रुद्दो सिवो महसिवो य। अग्गिसिहो य दसरहो नवमो भणिओ य वसुदेवो ॥ ५० ॥] जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव वासुदेवमायरो होत्था, तं जहा–मियावई उमा चेव पुहवी सीया य अम्मया। लच्छिमई सेसमई केकई देवई तहा ॥ ५१ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णवबलदेवमायरो होत्था, तं जहा–भद्दा तह सुभद्दा य सुप्पभा य सुदंसणा। विजया वेजयंती य जयंती अपराजिया ॥ ५२ ॥ णवमीया रोहिणी य बलदेवाण मायरो ॥ २५७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए नव दसारमंडला होत्था, तं जहा–उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी छायंसी कंता सोमा सुभगा पियदंसणा सुरूआ सुहसीलसुहाभिगमसव्वजणणयणकंता ओहबला अतिबला महाबला अनिहता अपराइया सत्तुमद्दणा रिपुसहस्समाणमहणा साणुक्कोसा अमच्छरा अचवला अचंडा मियमंजुलपलावहसियगंभीरमधुरपडिपुण्णसच्चवयणा अब्भुवगयवच्छला सरण्णा लक्खणवंजणगुणोववेआ माणुम्माणपमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगा ससिसोमागारकंतपियदंसणा अमरिसणा पयंडदंडप्पयारा(र)गंभीरदर(रि)सणिज्जा तालद्धओव्विद्धगरुलकेऊ महाधणुविकट्टया महासत्तसाअरा दुद्धरा धणुद्धरा धीरपुरिसा जुद्धकित्तिपुरिसा विउलकुलसमुब्भवा महारयणविहाडगा अद्धभरहसामी सोमा रायकुलवंसतिलया अजिया अजियरहा हलमुसलकणकपाणी संखचक्कगयसत्तिनंदगधरा पवरुज्जलसुक्कंतविमलगोत्थुभतिरीडधारी कुंडलउज्जोइयाणणा पुंडरीयणयणा एकावलिकंठलइयवच्छा सिरिवच्छसुलंछणा वरजसा सव्वोउयसुरभिकुसुमरचितपलंबसोभंतकंतविकसंतविचित्तवरमालरइयवच्छा अट्ठसयविभत्तलक्खणपसत्थसुंदरविरइयंगमंगा मत्तगयवरिंदललियविक्कमविलसियगई सारयनवथणियमहुरगंभीरकुंचनिग्घोसदुंदुभिसरा कडिसुत्तगनीलपीयकोसेज्जवाससा पवरदित्ततेया नरसीहा नरवई नरिंदा नरवसहा मरुयवसभकप्पा अब्भहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणा नीलगपीयगवसणा दुवे दुवे रामकेसवा भायरो होत्था, तं जहा–तिविट्ठू जाव कण्हे अयले जाव रामे यावि अपच्छिमे ॥ ५३ ॥ २५८ ॥ एएसि णं णवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया नव नामधेज्जा होत्था, तं जहा–विस्सभूई पव्वयए धणदत्त समुद्ददत्त इसिवाले। पियमित्त ललियमित्ते पुणव्वसू गंगदत्ते य ॥ ५४ ॥ एयाइं नामाइं पुव्वभवे आसि वासुदेवाणं। एत्तो बलदेवाणं जहक्कमं कित्तइस्सामि ॥ ५५ ॥ विसनंदी य सुबंधू सागरदत्ते असोगललिए य। वाराह धम्मसेणे अपराइय रायललिए य ॥ ५६ ॥ २५९ ॥ एएसि नवण्हं बलदेव-

वासुदेवाणं पुव्वभविया नव धम्मायरिया होत्था, तं जहा–संभूय सुभद्द सुदंसणे य सेयंस कण्ह गंगदत्ते अ। सागरसमुद्दनामे दुमसेणे य णवमए ॥ ५७ ॥ एए धम्मायरिया कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं। पुव्वभवे एआसिं जत्थ नियाणाइं कासी य ॥ ५८ ॥ २६० ॥ एएसिं नवण्हं वासुदेवाणं पुव्वभवे नव नियाणभूमिओ होत्था, तं जहा–महुरा य० हत्थिणाउरं च ॥ ५९ ॥ २६१ ॥ एएसि णं नवण्हं वासुदेवाणं नव नियाणकारणा होत्था, तं जहा–गावी जुवे जाव माउआ ॥ ६० ॥ २६२ ॥ एएसिं नवण्हं वासुदेवाणं नव पडिसत्तू होत्था, तं जहा–अस्सग्गीवे जाव जरासंधे ॥ ६१ ॥ एए खलु पडिसत्तू जाव सचक्केहिं ॥ ६२ ॥ एक्को य सत्तमीए पंच य छट्ठीए पंचमी एक्को। एक्को य चउत्थीए कण्हो पुण तच्चपुढवीए ॥ ६३ ॥ अणिदाणकडा रामा [सव्वे वि य केसवा नियाणकडा। उड्ढंगामी रामा केसव सव्वे अहोगामी ॥ ६४ ॥] अट्ठंतकडा रामा एगो पुण बंभलोयकप्पम्मि। एक्का से गब्भवसही सिज्झिस्सइ आगमिस्सेणं ॥ ६५ ॥ २६३ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे एरवए वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउव्वीसं तित्थयरा होत्था, तं जहा–चंदाणणं सुचंदं अग्गीसेणं च नंदिसेणं च। इसिदिण्णं वइ(व)हारिं वंदिमो सोमचंदं च ॥६६॥ वंदामि जुत्तिसेणं अजियसेणं तहेव सिवसेणं। बुद्धं च देवसम्मं सययं निक्खित्तसत्थं च ॥ ६७ ॥ असंजलं जिणवसहं वंदे य अणंतयं अमियणाणिं। उवसंतं च धुयरयं वंदे खलु गुत्तिसेणं च ॥ ६८ ॥ अतिपासं च सुपासं देवेसरवंदियं च मरुदेवं। निव्वाणगयं च ध(व)रं खीणदुहं सामकोट्ठं च ॥६९॥ जियरागमग्गिसेणं वंदे खीणरायमग्गिउत्तं च। वोक्कसियपिज्जदोसं वारिसेणं गयं सिद्धिं ॥ ७० ॥ २६४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए भारहे वासे सत्त कुलगरा भविस्संति, तं जहा–मियवाहणे सुभूमे य सुप्पभे य सयंपभे। दत्ते सुहुमे सुबंधू य आगमिस्साण होक्खंति ॥ ७१ ॥ ॥ २६५॥ जंबुद्दीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए एरवए वासे दस कुलगरा भविस्संति, तं जहा–विमलवाहणे सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे दढधणू दसधणू सयधणू पडिसूई सुमइ त्ति ॥ २६६ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउवीसं तित्थगरा भविस्संति, तं जहा–महापउमे सूरदेवे, सुपासे य सयंपभे। सव्वाणुभूई अरहा, देवस्सुए य होक्खई ॥ ७२ ॥ उदए पेढालपुत्ते य, पोट्टिले सत(त्त)कित्ति य। मुणिसुव्वए य अरहा, सव्वभावविऊ जिणे ॥ ७३ ॥ अममे णिक्कसाए य, निप्पुलाए य निम्ममे। चित्तउत्ते समाही य, आगमिस्सेण होक्खई ॥ ७४॥ संवरे (जसोहरे) अणियट्टी य, विजए विमलेति य। देवोववाए अरहा, अणंतविजए इय ॥ ७५ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, भरहे वासम्मि

केवली । आगमिस्सेण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ७६ ॥ २६७ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थकराणं पुव्वभविया चउव्वीसं नामधेज्जा भविस्संति, तं जहा-सेणिय सुपास उदए पोट्टिल्ल अणगार तह दढाऊ य । कत्तिय संखे य तहा नंद सुनंदे य सतए य ॥ ७७ ॥ वोद्धव्वा देवई य सच्चइ तह वासुदेव वलदेवे । रोहिणि सुलसा चेव तत्तो खलु रेवई चेव ॥ ७८ ॥ ततो हवइ सयाली वोद्धव्वे खलु तहा भयाली य । दीवायणे य कण्हे तत्तो खलु नारए चेव ॥ ७९ ॥ अंवड दारुमडे य साईवुद्धे य होइ वोद्धव्वे । भावीतित्थगराणं णामाइं पुव्वभवियाइं ॥ ८० ॥ २६८ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं पियरो भविस्संति, चउव्वीसं मायरो भविस्संति, चउव्वीसं पढमसीसा भविस्संति, चउव्वीसं पढमसिस्सणीओ भविस्संति, चउव्वीसं पढमभिक्खादायगा भविस्संति, चउव्वीसं चेइयरुक्खा भविस्संति ॥ २६९ ॥ जंवुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए वारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, तं जहा-भरहे य दीहदंते गूढदंते य सुद्धदंते य । सिरिउत्ते सिरिभूई सिरिसोमे य सत्तमे ॥ ८१ ॥ पउमे य महापउमे विमलवाहणे विपुलवाहणे चेव । वरिट्ठे वारसमे वुत्ते आगमिसा भरहाहिवा ॥८२॥ एएसि णं वारसण्हं चक्कवट्टीणं वारस पियरो भविस्संति वारस मायरो भविस्संति वारस इत्थीरयणा भविस्संति ॥ २७० ॥ जंवुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए नव वलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, नव वासुदेवमायरो भविस्संति, नव वलदेवमायरो भविस्संति, नव दसारमंडला भविस्संति, तं जहा-उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी एवं सो चेव वण्णओ भाणियव्वो जाव नीलगपीतगवसणा दुवे दुवे रामकेसवा भायरो भविस्संति, तं जहा-नंदे य नंदमित्ते दीहबाहू तहा महावाहू । अइवले महावले वलभद्दे य सत्तमे ॥ ८३ ॥ दुविट्ठू य तिविट्ठू य आगमिस्साण विण्हुणो । जयंते विजये भद्दे सुप्पभे य सुदंसणे । आणंदे नंदणे पउमे संकरिसणे य अपच्छिमे ॥ ८४ ॥ २७१ ॥ एएसि णं नवण्हं वलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया णव नामधेज्जा भविस्संति, नव धम्मायरिया भविस्संति, नव नियाणभूमीओ भविस्संति, नव नियाणकारणा भविस्संति, नव पडिसत्तू भविस्संति, तं जहा-तिलए य लोहजंघे वइरजंघे य केसरी पहराए । अपराइए य भीमे महाभीमे य सुग्गीवे ॥ ८५ ॥ एए खलु पडिसत्तू कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं । सव्वे वि चक्कजोही हम्मिहिंति सचक्केहिं ॥ ८६ ॥ २७२ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे एरवए वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउव्वीसं तित्थगरा भविस्संति, तं जहा-सुमंगले अ सिद्धत्थे, निव्वाणे य महाजसे । धम्मज्झए य अरहा, आग-

मिस्साण होक्खई ॥ ८७ ॥ सिरिचंदे पुप्फकेऊ, महाचंदे य केवली । सुयसायरे य अरहा, आगमिस्साण होक्खई ॥ ८८ ॥ सिद्धत्थे पुण्णघोसे य, महाघोसे य केवली । सच्चसेणे य अरहा, आगमिस्साण होक्खई ॥ ८९ ॥ सूरसेणे य अरहा, महासेणे य केवली । सव्वाणंदे य अरहा, देवउत्ते य होक्खई ॥ ९० ॥ सुपासे सुव्वए अरहा, अरहे य सुकोसले । अरहा अणंतविजए, आगमिस्साण होक्खई ॥ ९१ ॥ विमले उत्तरे अरहा, अरहा य महाबले । देवाणंदे य अरहा, आगमिस्साण होक्खई ॥ ९२ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, एरवयंमि केवली । आगमिस्साण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ९३ ॥ २७३ ॥ बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिपियरो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिमायरो भविस्संति, बारस इत्थीरयणा भविस्संति ॥ नव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, णव वासुदेवमायरो भविस्संति, णव बलदेवमायरो भविस्संति, णव दसारमंडला भविस्संति, तं जहा—उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा जाव दुवे दुवे रामकेसवा भायरो भविस्संति, णव पडिसत्तू भविस्संति, नव पुव्वभवणामधेज्जा, नव धम्मायरिया, णव णियाणभूमीओ, णव णियाणकारणा, आयाए एरवए आगमिस्साए भाणियव्वा । एवं दोसु वि आगमिस्साए भाणियव्वा ॥ २७४ ॥ इच्चेयं एवमाहिज्जंति, तं जहा—कुलगरवंसेइ य एवं तित्थगरवंसेइ य चक्कवट्टिवंसेइ य दसारवंसेइ य गणधरवंसेइ य इसिवंसेइ य जइवंसेइ य मुणिवंसेइ य । सुएइ वा सुअंगेइ वा सुयसमासेइ वा सुयखंधेइ वा समवाएइ वा संखेइ वा सम्मत्तमंगमक्खायं अज्झयणं ति बेमि ॥२७५॥

समवायं चउत्थमंगं समत्तं ॥



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

भगवई-विवाहपण्णत्ती

णमो अरिहंताणं णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं णमो उवज्झायाणं णमो लोए सव्वसाहूणं ॥ १ ॥ णमो बंभीयस्स लिवीयस्स ॥ २ ॥ णमो सुयस्स[1] ॥ ३ ॥ ते णं काले णं ते णं समए णं रायगिहे नामं णयरे होत्था, वण्णओ, तस्स णं रायगिहस्स णगरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गुणसिलए णामं उज्जाणे होत्था, सेणिए राया, चिल्लणा देवी ॥ ४ ॥ ते णं काले णं ते णं समए णं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे सहसंबुद्धे पुरिसुत्तमे पुरिससीहे पुरिसवरपुंडरीए पुरिसवरगंधहत्थीए लोगुत्तमे लोगनाहे लोगप्पदीवे लोगपज्जोयगरे अभयदए चक्खुदए मग्गदए सरणदए [धम्मदए] धम्मदेसए धम्मसारहीए धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टी अप्पडिहयवरनाणदंसणधरे वियट्टछउमे जिणे जाणए बुद्धे बोहए मुत्ते मोयए सव्वन्नू सव्वदरिसी सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावत्तयं सिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपाविउकामे जाव समोसरणं ॥ ५ ॥ परिसा निग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया ॥ ६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूती नामं अणगारे गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वज्जरिसहनारायसंघयणे कणगपुलगणिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे ओराले घोरे घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेयलेस्से चोद्दसपुव्वी चउनाणोवगए सव्वक्खरसन्निवाई समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ७ ॥ तए णं से भगवं गोयमे जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले उप्पन्नसड्ढे उप्पन्नसंसए उप्पन्नकोउहल्ले संजायसड्ढे संजायसंसए संजायकोउहल्ले समुप्पन्नसड्ढे समुप्पन्नसंसए समुप्पन्नकोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ २ त्ता णच्चासन्ने णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी–से नूणं भंते ! चलमाणे चलिए १, उदीरिज्जमाणे उदीरिए २, वेइज्जमाणे वेइए ३, पहिज्जमाणे पहीणे

---

१ रायगिह चलण दुक्खे कंखपओसे य पगइ पुढवीओ, जावंते नेरइए बाले गुरुए य चलणाओ ॥ १ ॥

४, छिज्जमाणे छिन्ने ५, भिज्जमाणे भिन्ने ६, दड्ढ (डज्झ) माणे दड्ढे ७, मिज्जमाणे मए ८, निज्जरिज्जमाणे निज्जिन्ने ९, हंता गोयमा ! चलमाणे चलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे ॥ एए णं भंते ! नव पया किं एगट्ठा णाणाघोसा नाणावंजणा उदाहु नाणट्ठा नाणाघोसा नाणावंजणा ?, गोयमा ! चलमाणे चलिए १ उदीरिज्जमाणे उदीरिए २ वेइज्जमाणे वेइए ३ पहिज्जमाणे पहीणे ४ ते एए णं चत्तारि पया एगट्ठा नाणाघोसा नाणावंजणा उप्पन्नपक्खस्स, छिज्जमाणे छिन्ने भिज्जमाणे भिन्ने दड्ढ-(डज्झ)-माणे दड्ढे मिज्जमाणे मडे निज्जरिज्जमाणे निज्जिण्णे एए णं पंच पया णाणट्ठा नाणाघोसा नाणावंजणा विगयपक्खस्स ॥ ८ ॥ नेरइयाणं भंते ! केवइकालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० १ । नेरइयाणं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा ?, जहा ऊसासपए २ । नेरइया णं भंते आहारट्ठी ?, जहा पन्नवणाए पढमए आहारुद्देसए तहा भाणियव्वं ३ । ठिइ उस्सासाहारे किं वाऽऽहारेंति ३६ सव्वओ वावि ३७ । कतिभागं ? ३८ सव्वाणि व ३९ कीस व भुज्जो परिणमंति ? ४० ॥ १ ॥ ९ ॥ नेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया १ ? आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया २ ?, अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ३ ?, अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ४ ?, गोयमा ! नेरइयाणं पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया १, आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया परिणमंति य २, अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला नो परिणया परिणमिस्संति ३, अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला नो परिणता णो परिणमिस्संति ४ ॥ १० ॥ नेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला चिया पुच्छा, जहा परिणया तहा चियावि, एवं चिया उवचिया उदीरिया वेइया निज्जिन्ना, गाहा–परिणय चिया उवचिय उदीरिया वेइया य निज्जिन्ना । एक्केक्कंमि पदंमि(मी) चउव्विहा पोग्गला होंति ॥ १ ॥ ११ ॥ नेरइयाणं भंते ! कइविहा पोग्गला भिज्जंति ?, गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला भिज्जति, तंजहा–अणू चेव बायरा चेव १ । नेरइयाणं भंते ! कतिविहा पोग्गला चिज्जंति ?, गोयमा ! आहारदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला चिज्जंति, तंजहा–अणूं चेव बायरा चेव २ । एवं उवचिज्जंति ३ । नेर० क० पो० उदीरेंति ?, गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहे पोग्गले उदीरेंति, तंजहा–अणू चेव बायरा चेव, सेसावि एवं चेव भाणियव्वा, एवं वेदेंति ५ निज्जरेंति ६ उयट्टिंसु ७ उव्वट्टेंति ८ उव्वट्टिस्संति ९ संकामिंसु १० संकामेंति ११ संकामिस्संति १२ निहत्तिंसु १३ निहत्तेंति १४ निह-

त्तिस्संति १५ निकायंसु १६ निकायंति १७ निकाइस्संति १८, सव्वेसुवि कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च गाहा-भेइयचिया उवचिया उदीरिया वेइया य निज्जिन्ना। उयट्टणसंकामणनिहत्तणनिकायणे तिविह कालो ॥ १ ॥ १२ ॥ नेरइयाणं भंते! जे पोग्गले तेयाकम्मत्ताए गेण्हंति ते किं तीतकालसमए गेण्हंति? पडुप्पन्नकालसमए गेण्हंति? अणा० का० समए गेण्हंति?, गोयमा! नो तीयकालसमए गेण्हंति पडुप्पन्नकालसमए गेण्हंति नो अणा० समए गिण्हंति १। नेरइयाणं भंते! जे पोग्गला तेयाकम्मत्ताए गहिए उदीरेंति ते किं तीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति पडुप्पन्नकालसमए घेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति?, गोयमा! अतीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति नो पडुप्पन्नकालसमए घेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति नो गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति २, एवं वेदेंति ३ निज्जरेंति ॥ १३ ॥ नेरइयाणं भंते! जीवाओ किं चलियं कम्मं बंधंति अचलियं कम्मं बंधंति?, गोयमा! नो चलियं कम्मं बंधंति अचलियं कम्मं बंधंति १। नेरइयाणं भंते! जीवाओ किं चलियं कम्मं उदीरेंति अचलियं कम्मं उदीरेंति?, गोयमा! नो चलियं कम्मं उदीरेंति अचलियं कम्मं उदीरेंति २। एवं वेदेंति ३ उयट्टेंति ४ संकामेंति ५ निहत्तेति ६ निकायेंति ७, सव्वेसु अचलियं नो चलियं। नेरइयाणं भंते! जीवाओ किं चलियं कम्मं निज्जरेंति अचलियं कम्मं निज्जरेंति?, गोयमा! चलियं कम्मं निज्जरेंति नो अचलियं कम्मं निज्जरेंति ८, गाहा-बंधोदयवेदोयट्टसंकमे तह निहत्तणनिकाये। अचलियं कम्मं तु भवे चलियं जीवाउ निज्जरए ॥ १ ॥ १४ ॥ एवं ठिई आहारो य भाणियव्वो, ठिती-जहा ठितिपदे तहा भाणियव्वा, सव्वजीवाणं आहारोऽवि जहा पन्नवणाए पढमे आहारुद्देसए तहा भाणियव्वो, एत्तो आढत्तो-नेरइयाणं भंते! आहारट्ठी? जाव दुक्खत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, गोयमा!०। असुरकुमाराणं भंते! केवइयं कालं ठिई प०?, जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं सातिरेगं सागरोवमं, असुरकुमाराणं भंते! केवइयं कालस्स आणमंति वा पाणमंति वा?, गोयमा! जहन्नेणं सत्तण्हं थोवाणं उक्कोसेणं साइरेगस्स पक्खस्स आणमंति वा पाणमंति वा, असुरकुमाराणं भंते! आहारट्ठी?, हंता आहारट्ठी, असुरकुमाराणं भंते! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ?, गोयमा! असुरकुमाराणं दुविहे आहारे पन्नत्ते, तंजहा-आभोगनिव्वत्तिए य अणाभोगनिव्वत्तिए य, तत्थ णं जे से अणाभोगनिव्वत्तिए से अणुसमयं अविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से जहन्नेणं चउत्थभत्तस्स उक्कोसेणं साइरेगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, असुरकुमाराणं

भंते ! किमाहारमाहारेंति ?, गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं खित्तकालभावपन्नवणागमेणं सेसं जहा नेरइयाणं जाव तेणं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?, गोयमा ! सोइंदियत्ताए सुरूवत्ताए सुवन्नत्ताए ४ इट्ठत्ताए इच्छियत्ताए भिज्जियत्ताए उड्ढत्ताए णो अहत्ताए सुहत्ताए णो दुहत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, असुरकुमारा णं पुव्वाहारिया पुग्गला परिणया असुरकुमाराभिलावेण जहा नेरइयाणं जाव नो अचलियं कम्मं निज्जरेंति । नागकुमाराणं भंते ! केवइयं कालं ठिती प० ?, गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं, नागकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पा० ?, गोयमा ! जहन्नेणं सत्तण्हं थोवाणं उक्कोसेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स आणमंति वा पा०, नागकुमाराणं आहारट्ठी ?, हंता आहारट्ठी, नागकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ?, गोयमा ! नागकुमाराणं दुविहे आहारे पन्नत्ते, तंजहा—आभोगनिव्वत्तिए य अणाभोगनिव्वत्तिए य, तत्थ णं जे से अणाभोगनिव्वत्तिए से अणुसमयमविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से जहन्नेणं चउत्थभत्तस्स उक्कोसेणं दिवसपुहुत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव नो अचलियं कम्मं निज्जरंति । एवं सुवन्नकुमारावि जाव थणियकुमाराणंति । पुढविक्काइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, पुढविक्काइया केवइकालस्स आणमंति वा पा० ?, गो० वेमाय० आणमंति वा पा० ? पुढविक्काइयाणं आहारट्ठी ?, हंता आहारट्ठी, पुढविक्काइयाणं केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ?, गोयमा ! अणुसमयं अविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, पुढविक्काइया किमाहारेंति !, गोयमा ! दव्वओ जहा नेरइयाणं जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसि सिय चउद्दिसि सिय पंचदिसिं, वन्नओ कालनीलपीतलोहियहालिद्दसुक्किल्लाणि, गंधओ सुरभिगंध २ रसओ तित्त ५ फासओ कक्खड ८ सेसं तहेव, णाणत्तं कइभागं आहारेंति ? कइभागं फासाइंति ?, गोयमा ! असंखिज्जइभागं आहारेन्ति अणंतभागं फासाइंति जाव तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?, गोयमा ! फासिंदियवेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा नेरइयाणं जाव नो अचलियं कम्मं निज्जरंति । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, नवरं ठिती वन्नेयव्वा जाव (इया) जस्स, उस्सासो वेमायाए । बेइंदियाणं ठिई भाणियव्वा ऊसासो वेमायाए, बेइंदियाणं आहारे पुच्छा, गोयमा ! आभोगनिव्वत्तिए य अणाभोगनिव्वत्तिए य तहेव, तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से णं असंखेज्जसमए अंतोमुहुत्तिए वेमायाए आहारट्ठे समु-

प्पज्जइ, सेसं तहेव जाव अणंतभागं आसायंति, बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते किं सव्वे आहारेंति णो सव्वे आहारेंति ?, गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहे आहारे पन्नत्ते, तंजहा–लोमाहारे पक्खेवाहारे य, जे पोग्गले लोमाहारत्ताए गिण्हंति ते सव्वे अपरिसेसिए आहारेंति, जे पोग्गले पक्खेवाहारत्ताए गिण्हंति तेसिणं पोग्गलाणं असंखिज्जइभागं आहारेंति अणेगाइं च णं भागसहस्साइं अणासाइज्जमाणाइं अफासिज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छंति, एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाण य कयरे कयरे अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा पुग्गला अणासाइज्जमाणा अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा, बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गला आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेसिं पुग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?, गोयमा ! जिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, बेइंदियाणं भंते ! पुव्वाहारिया पुग्गला परिणया तहेव जाव चलियं कम्मं निज्जरंति । तेइंदियचउरिंदियाणं णाणत्तं ठिइए जाव णेगाइं च णं भागसहस्साइं अणाघाइज्जमाणाइं अणासाइज्जमाणाइं अफासाइज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छंति, एएसिणं भंते ! पोग्गलाणं अणाघाइज्जमाणाइं ३ पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला अणाघाइज्जमाणा अणासाइज्जमाणा अणंतगुणा अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा, तेइंदियाणं घाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियवेमायाए भुज्जो २ परिणमंति, चउरिंदियाणं चक्खिदियघाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं ठिई भणिऊणं ऊसासो वेमायाए,आहारो अणाभोगनिव्वत्तिए अणुसमयं अविरहिओ, आभोगनिव्वत्तओ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तस्स उक्कोसेणं अट्ठभत्तस्स, सेसं जहा चउरिंदियाणं जाव चलियं कम्मं निज्जरेंति । एवं मणुस्साणवि, नवरं आभोगनिव्वत्तिए जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठमभत्तस्स सोइंदियवेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति सेसं जहा चउरिंदियाणं, तहेव जाव निज्जरेंति । वाणमंतराणं ठिईए नाणत्तं, परिणमंति अवसेसं जहा नागकुमाराणं, एवं जोइसियाणवि, नवरं उस्सासो जहन्नेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि मुहुत्तपुहुत्तस्स, आहारो जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि दिवसपुहुत्तस्स सेसं तहेव । वेमाणियाणं ठिई भाणियव्वा ओहिया, ऊसासो जहन्नेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं, आहारो आभोगनिव्वत्तिओ जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं, सेसं चलियाइयं तहेव जाव निज्जरेंति ॥ १५ ॥ जीवा णं भंते ! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अनारम्भा ?, गोयमा ! अत्थेगइया जीवा आयारंभावि परारंभावि तदुभयारंभावि नो अणारंभा अत्थेगइया जीवा नो आयारंभा

नो परारंभा नो तदुभयारंभा अणारंभा ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइया जीवा आयारंभावि ? एवं पडिउच्चारेयव्वं, गोयमा ! जीवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-संसारसमावन्नगा य असंसारसमावन्नगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावन्नगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं नो आयारंभा जाव अणारम्भा, तत्थ णं जे ते संसारसमावन्नगा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-संजया य असंजया य, तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-पमत्तसंजया य अप्पमत्तसंजया य, तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया ते णं नो आयारंभा नो परारंभा जाव अणारंभा, तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया ते सुहं जोगं पडुच्च नो आयारंभा नो परारंभा जाव अणारंभा, असुभं जोगं पडुच्च आयारंभावि जाव नो अणारंभा, तत्थ णं जे ते असंजया ते अविरतिं पडुच्च आयारंभावि जाव नो अणारंभा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइया जीवा जाव अणारंभा ॥ नेरइयाणं भंते ! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अणारंभा ?, गोयमा ! नेरइया आयारंभावि जाव नो अणारंभा, से केणट्ठेणं भन्ते एवं वुच्चइ ?, गोयमा ! अविरतिं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव नो अणारंभा, एवं जाव असुरकुमाराणवि जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा जीवा, नवरं सिद्धविरहिया भाणियव्वा, वाणमंतरा जाव वेमाणिया जहा नेरइया । सलेस्सा जहा ओहिया, कण्हलेसस्स नीललेसस्स काउलेसस्स जहा ओहिया जीवा, नवरं पमत्तअप्पमत्ता न भाणियव्वा, तेउलेसस्स पम्हलेसस्स सुक्कलेसस्स जहा ओहिया जीवा, नवरं सिद्धा न भाणियव्वा ॥ १६ ॥ इहभविए भंते ! नाणे परभविए नाणे तदुभयभविए नाणे ?, गोयमा ! इहभविएवि नाणे परभविएवि नाणे तदुभयभविएवि णाणे । दंसणंपि एवमेव । इहभविए भंते ! चरित्ते परभविए चरित्ते तदुभयभविए चरित्ते ?, गोयमा ! इहभविए चरित्ते नो परभविए चरित्ते नो तदुभयभविए चरित्ते । एवं तवे संजमे ॥ १७ ॥ असंवुडे णं भंते ! अणगारे किं सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ ?, गोयमा !, नो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं जाव नो अंतं करेइ ?, गोयमा ! असंवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ हस्सकालठिइयाओ दीहकालठिइयाओ पकरेइ मंदाणुभावाओ तिव्वाणुभावाओ पकरेइ अप्पपएसग्गाओ बहुप्पएसग्गाओ पकरेइ आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय नो बंधइ अस्सायावेयणिज्जं च णं कम्मं भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! असंवुडे अणगारे णो सिज्झइ ५ । संवुडे णं भंते ! अणगारे सिज्झइ ५ ?, हंता सिज्झइ जाव अंतं

करेइ, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! संवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ धणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ दीहकालठिईयाओ हस्सकालट्ठिइयाओ पकरेइ तिव्वाणुभावाओ मंदाणुभावाओ पकरेइ बहुप्पएसग्गाओ अप्पपएसग्गाओ पकरेइ, आउयं च णं कम्मं न बंधइ, अस्सायावेयणिज्जं च णं कम्मं नो भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ, अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइवयइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-संवुडे अणगारे सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ १८ ॥ जीवे णं भंते ! अस्संजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे इओ चुए पेच्चा देवे सिया ?, गोयमा ! अत्थेगइए देवे सिया अत्थेगइए नो देवे सिया । से केणट्ठेणं जाव इओ चुए पेच्चा अत्थेगइए देवे सिया अत्थेगइए नो देवे सिया ?, गोयमा ! जे इमे जीवा गामागरनगरनिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंवदोणमुहपट्टणासमसन्निवेसेसु अकामतण्हाए अकामछुहाए अकामबंभचेरवासेणं अकामसीतातवदंसमसगअण्हाणगसेयजल्लमलपंकपरिदाहेणं अप्पतरं वा भुज्जतरं वा कालं अप्पाणं परिकिलेसंति अप्पाणं परिकिलेसित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु वाणमंतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति ॥ केरिसाणं भंते ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा पण्णत्ता ?, गोयमा ! से जहानामए-इहं मणुस्सलोगंमि असोगवणे इ वा सत्तवन्नवणे इ वा चंपयवणे इ वा चूयवणे इ वा तिलगवणे इ वा लाउयवणे इ वा निग्गोहवणे इ वा छत्तोववणे इ वा असणवणे इ वा सणवणे इ वा अयसिवणे इ वा कुसुंभवणे इ वा सिद्धत्थवणे इ वा बंधुजीवगवणे इ वा णिच्चं कुसुमियमाइयलवइयथवइयगुलइयगुच्छियजमलियजुवलियविणमियपणमियसुविभत्तपिडिमंजरिवडेंसगधरे सिरीए अतीव अतीव उवसोभेमाणे उवसोभेमाणे चिट्ठइ, एवामेव तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठितीएहिं उक्कोसेणं पलिओवमट्ठितीएहिं बहूहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं तद्देवीहि य आइण्णा वितिकिण्णा उवत्थडा संथडा फुडा अवगाढगाढसिरीए अतीव अतीव उवसोभेमाणा चिट्ठंति, एरिसगाणं गोयमा ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा प०, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जीवे णं असंजए जाव देवे सिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति वंदइत्ता नमंसइत्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति ॥ १९ ॥ **पढमे सए पढमो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे नगरे समोसरणं, परिसा निग्गया जाव एवं वयासी-जीवे णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेदेइ ?, गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ— अत्थेगइयं वेदेइ अत्थेगइयं नो वेएइ ?, गोयमा ! उदिन्नं वेएइ

अणुदिन्नं नो वेएइ, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ-अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगतियं नो वेएइ, एवं चउव्वीसदंडएणं जाव वेमाणिए ॥ जीवा णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेएन्ति ?, गोयमा ! अत्थेगइयं वेयन्ति अत्थेगइयं णो वेयन्ति, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! उदिन्नं वेयन्ति नो अणुदिन्नं वेयन्ति, से तेणट्ठेणं, एवं जाव वेमाणिया ॥ जीवे णं भंते ! सयंकडं आउयं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ जहा दुक्खेणं दो दंडगा तहा आउएणावि दो दंडगा एगत्तपुहुत्तिया, एगत्तेणं जाव वेमाणिया पुहुत्तेणावि तहेव ॥ २० ॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा सव्वे समुस्सासनीसासा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया नो सव्वे समाहारा नो सव्वे समसरीरा नो सव्वे समुस्सासनिस्सासा ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-महासरीरा य अप्पसरीरा य, तत्थ णं जे ते महासरीरा ते वहुतराए पोग्गले आहारेंति वहुतराए पोग्गले परिणामेंति वहुतराए पोग्गले उस्ससंति वहुतराए पोग्गले नीससंति अभिक्खणं आहारेंति अभिक्खणं परिणामेंति अभिक्खणं ऊससंति अभिक्खणं नी०, तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पुग्गले आहारेंति अप्पतराए पुग्गले परिणामेंति अप्पतराए पोग्गले उस्ससंति अप्पतराए पोग्गले नीससंति आहच्च आहारेंति आहच्च परिणामेंति आहच्च उस्ससंति आहच्च नीससंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-नेरइया नो सव्वे समाहारा जाव नो सव्वे समुस्सासनिस्सासा ॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समकम्मा ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं अप्पकम्मतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा !० ॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समवन्ना ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं तहेव ? गोयमा ! जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं विसुद्धवन्नतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अविसुद्धवन्नतरागा तहेव से तेणट्ठेणं एवं०॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समलेस्सा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं जाव नो सव्वे समलेस्सा ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं विसुद्धलेस्सतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अविसुद्धलेस्सतरागा, से तेणट्ठेणं० ॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-सन्निभूया य असन्निभूया य, तत्थ णं जे ते सन्निभूया ते णं महावेयणा, तत्थ णं जे ते असन्निभूया ते णं अप्पवेयणतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा !० ॥ नेरइया

सव्वे समकिरिया ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया तिविहा प०, तंजहा–सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी, तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी तेसि णं चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—आरंभिया १ परि० २ माया० ३ अप्पच्च० ४, तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी तेसि णं पंच किरियाओ कज्जंति–आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, एवं सम्मामिच्छादिट्ठीणंपि, से तेणट्ठेणं गोयमा !० ॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समाउया सव्वे समोववन्नगा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया चउव्विहा प०, तंजहा–अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा १ अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा २ अत्थेगइया विसमाउया समोववन्नगा ३ अत्थेगइया विसमाउया विसमोववन्नगा ४ से तेणट्ठेणं गोयमा !० ॥ असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा, जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, नवरं कम्मवन्नलेस्साओ परिवण्णेयव्वाओ, पुव्वोववन्नगा महाकम्मतरागा अविसुद्धवन्नतरागा अविसुद्धलेसतरागा, पच्छोववन्नगा पसत्था, सेसं तहेव, एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढविक्काइयाणं आहारकम्मवन्नलेस्सा जहा नेरइयाणं ॥ पुढविक्काइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा ?, हंता समवेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! समवेयणा ?, गोयमा ! पुढविक्काइया सव्वे असन्नी असन्निभूया अणिदाए वेयणं वेदेंति से तेणट्ठेणं ॥ पुढविक्काइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? हंता समकिरिया, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! पुढविक्काइया सव्वे माई मिच्छादिट्ठी ताणं णिययाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, से तेणट्ठेणं समाउया समोववन्नगा, जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, जहा पुढविक्काइया तहा जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया नाणत्तं किरियासु, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ?, गो०, णो ति०, से केणट्ठेणं ? गो० पंचिंदियतिरिक्खजोणिया तिविहा प०, तंजहा–सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ णं जे ते सम्मद्दिट्ठी ते दुविहा प०, तंजहा–अस्संजया य संजयासंजया य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिणं तिन्नि किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया, असंजयाणं चत्तारि, मिच्छादिट्ठीणं पंच, सम्मामिच्छादिट्ठीणं पंच, मणुस्सा जहा नेरइया नाणत्तं जे महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति आहच्च आहारेंति जे अप्पसरीरा ते अप्पतराए आहारेंति अभिक्खणं आहारेंति सेसं जहा नेरइयाणं जाव वेयणा । मणुस्सा णं भंते ! सव्वे समकिरिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! मणुस्सा तिविहा प०, तंजहा–सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ णं

जे ते सम्मदिट्ठी ते तिविहा प०, तंजहा-संजया अस्संजया संजयासंजया य, तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा प०, तंजहा-सरागसंजया य वीयरागसंजया य, तत्थ णं जे ते वीयरागसंजया ते णं अकिरिया, तत्थ णं जे ते सरागसंजया ते दुविहा प०, तंजहा-पमत्तसंजया य अपमत्तसंजया य, तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया तेसिणं एगा मायावत्तिया किरिया कज्जइ, तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया तेसिणं दो किरियाओ कज्जंति, तं०-आरंभिया य मायावत्तिया य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसि णं आइल्लाओ तिन्नि किरियाओ कज्जंति, तंजहा-आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३, अस्संजयाणं चत्तारि किरियाओ कज्जंति-आरं० १ परि० २ मायावत्तिया ३ अप्पच्च० ४, मिच्छादिट्ठीणं पंच-आरंभि० १ परि० २ माया० ३ अप्पच्च० ४ मिच्छादंसण० ५, सम्मामिच्छदिट्ठीणं पंच ५। वाणमंतरजोतिसवेमाणिया जहा असुरकुमारा, नवरं वेयणाए नाणत्तं-मायिमिच्छादिट्ठीउववन्नगा य अप्पवेदणतरा अमायिसम्मदिट्ठीउववन्नगा य महावेयणतरागा भाणियव्वा, जोतिसवेमाणिया॥ सलेस्सा णं भंते! नेरइया सव्वे समाहारगा?, ओहिया णं सलेस्साणं सुक्कलेस्साणं, एएसि णं तिण्हं एक्को गमो, कण्हलेस्साणं नीललेस्साणंपि एक्को गमो नवरं वेदणाए मायिमिच्छादिट्ठीउववन्नगा य अमायिसम्मदिट्ठीउवव० भाणियव्वा। मणुस्सा किरियासु सरागवीयरागपमत्तापमत्ता ण भाणियव्वा। काउलेसाएवि एसेव गमो, नवरं नेरइए जहा ओहिए दंडए तहा भाणियव्वा, तेउलेस्सा पम्हलेस्सा जस्स अत्थि जहा ओहिओ दंडओ तहा भाणियव्वा नवरं मणुस्सा सरागा वीयरागा य न भाणियव्वा, गाहा-दुक्खाउए उदिन्ने आहारे कम्मवन्नलेस्सा य। समवेयणसमकिरिया समाउए चेव बोद्धव्वा॥१॥२१॥ कइ णं भंते! लेस्साओ पन्नत्ताओ?, गोयमा! छल्लेसाओ पन्नत्ता, तंजहा-लेसाणं बीयओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव इड्ढी॥ २२॥ जीवस्स णं भंते! तीतद्धाए आदिट्ठस्स कइविहे संसारसंचिट्ठणकाले पण्णत्ते?, गोयमा! चउव्विहे संसारसंचिट्ठणकाले पण्णत्ते, तंजहा-णेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले तिरिक्ख० मणुस्स० देवसंसारसंचिट्ठणकाले य पण्णत्ते॥ नेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले णं भंते! कतिविहे पण्णत्ते?, गोयमा! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा-सुन्नकाले असुन्नकाले मिस्सकाले॥ तिरिक्खजोणियसंसार पुच्छा, गोयमा! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-असुन्नकाले य मिस्सकाले य, मणुस्साण य देवाण य जहा नेरइयाणं॥ एयस्स णं भंते! नेरइयसंसारसंचिट्ठणकालस्स सुन्नकालस्स असुन्नकालस्स मीसकालस्स य कयरे२हिंतो अप्पा वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा?, गोयमा! सव्व० असुन्नकाले मिस्सकाले अणंतगुणे सुन्नकाले अणंतगुणे॥ तिरि० जो० भंते! सव्व० असुन्नकाले मिस्सकाले अणंतगुणे,

मणुस्सदेवाण य जहा नेरइयाणं ॥ एयस्स णं भंते ! नेरइयस्स संसारसंचिट्ठणकालस्स जाव देवसंसारसंचिट्ठण जाव विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे मणुस्ससंसारसंचिट्ठणकाले, नेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेज्जगुणे, देवसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणिए अणंतगुणे ॥ २३ ॥ जीवे णं भंते ! अंतकिरियं करेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगतिया करेज्जा अत्थेगतिया नो करेज्जा, अंतकिरियापयं नेयव्वं ॥ २४ ॥ अह भंते ! असंजयभवियदव्वदेवाणं १ अविराहियसंजमाणं २ विराहियसं० ३ अविराहियसंजमासंज० ४ विराहियसंजमासं० ५ असन्नीणं ६ तावसाणं ७ कंदप्पियाणं ८ चरगपरिव्वायगाणं ९ किव्विसियाणं १० तेरिच्छियाणं ११ आजीवियाणं १२ आभिओगियाणं १३ सलिंगीणं दंसणवावन्नगाणं १४ एएसि णं देवलोगेसु उववज्जमाणाणं कस्स कहिं उववाए पण्णत्ते ?, गोयमा ! अस्संजयभवियदव्वदेवाणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं उवरिमगेविज्जएसु १, अविराहियसंजमाणं जहन्नेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सव्वट्ठसिद्धे विमाणे २, विराहियसंजमाणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे ३, अविराहियसंजमा० २ णं जह० सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे ४, विराहियसंजमासं० जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं जोतिसिएसु ५, असन्नीणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं वाणमंतरेसु ६, अवसेसा सव्वे जह० भवणवा० उक्कोसगं वोच्छामि–तावसाणं जोतिसिएसु, कंदप्पियाणं सोहम्मे, चरगपरिव्वायगाणं बंभलोए कप्पे, किव्विसियाणं लंतगे कप्पे, तेरिच्छियाणं सहस्सारे कप्पे, आजीवियाणं अच्चुए कप्पे, आभिओगियाणं अच्चुए कप्पे, सलिंगीणं दंसणवावन्नगाणं उवरिमगेवेज्जएसु १४ ॥ २५ ॥ कतिविहे णं भंते ! असन्निआउए पण्णत्ते ?, गोयमा ! चउव्विहे असन्निआउए पण्णत्ते, तंजहा–नेरइयअसन्निआउए तिरिक्ख० मणुस्स० देव० । असन्नी णं भंते ! जीवे किं नेरइयाउयं पकरेइ तिरि० मणु० देवाउयं पकरेइ ?, हंता गोयमा ! नेरइयाउयंपि पकरेइ तिरि० मणु० देवाउयंपि पकरेइ, नेरइयाउयं पकरेमाणे जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ, मणुस्साउएवि एवं चेव, देवाउयं जहा नेरइया ॥ एयस्स णं भंते ! नेरइयअसन्निआउयस्स तिरि० मणु० देवअसन्निआउयस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे देवअसन्निआउए, मणुस्स० असंखेज्जगुणे, तिरिय० असंखेज्जगुणे, नेरइए० असंखेज्जगुणे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २६ ॥ **बितिओ उद्देसओ समत्तो ॥**

जीवाणं भंते ! कंखामोहणिज्जे कम्मे कडे ?, हंता कडे ॥ से भंते ! किं देसेणं

देसे कडे ? १ देसेणं सव्वे कडे ? २ सव्वेणं देसे कडे ? ३ सव्वेणं सव्वे कडे ? ४, गोयमा ! नो देसेणं देसे कडे १ नो देसेणं सव्वे कडे २ नो सव्वेणं देसे कडे ३ सव्वेणं सव्वे कडे ४ ॥ नेरइया णं भंते ! कंखामोहणिज्जे कम्मे कडे ?, हंता कडे, जाव सव्वेणं सव्वे कडे ४ । एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ भाणियव्वो ॥ २७ ॥ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं करिंसु ?, हंता करिंसु । तं भंते ! किं देसेणं देसं करिंसु ?, एएणं अभिलावेणं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं, एवं करेंति एत्थवि दंडओ जाव वेमाणियाणं, एवं करेस्संति, एत्थवि दंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ एवं चिए चिणिंसु चिणंति चिणिस्संति, उवचिए उवचिणिंसु उवचिणंति उवचिणिस्संति, उदीरेंसु उदीरेंति उदीरिस्संति, वेदिंसु वेदंति वेदिस्संति, निज्जरेंसु निज्जरेंति निज्जरिस्संति, गाहा–कडचिया उवचिया उदीरिया वेदिया य निज्जिन्ना । आदितिए चउभेदा तियभेदा पच्छिमा तिन्नि ॥ १ ॥ २८ ॥ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ?, हंता वेदेंति । कहन्नं भंते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ?, गोयमा ! तेहिं तेहिं कारणेहिं संकिया कंखिया वितिगिच्छिया भेदसमावन्ना कलुससमावन्ना, एवं खलु जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ॥ २९ ॥ से नूणं भंते ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ?, हंता गोयमा ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेदितं ॥ ३० ॥ से नूणं भंते ! एवं मणं धारेमाणे एवं पकरेमाणे एवं चिट्ठेमाणे एवं संवरेमाणे आणाए आराहए भवति ?, हंता गोयमा ! एवं मणं धारेमाणे जाव भवइ ॥ ३१ ॥ से नूणं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ ?, हंता गोयमा ! जाव परिणमइ ॥ जण्णं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तं किं पयोगसा वीससा ?, गोयमा ! पयोगसावि तं वीससावि तं, जहा ते भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ तहा ते नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ ? जहा ते नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तहा ते अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ ?, हंता गोयमा ! जहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ तहा मे नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ, जहा मे नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ ॥ से णूणं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं जहा परिणमइ दो आलावगा तहा ते इह गमणिज्जेणवि दो आलावगा भाणियव्वा जाव जहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं ॥३२॥ जहा ते भंते ! एत्थ गमणिज्जं तहा ते इहं गमणिज्जं जहा ते इहं गमणिज्जं तहा ते एत्थं गमणिज्जं ?, हंता ! गोयमा !, जहा मे एत्थं गमणिज्जं जाव तहा मे एत्थं (इहं) गमणिज्जं ॥३३॥ जीवाणं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ?, हंता ! बंधंति । कहं णं भंते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ?, गोयमा ! पमादपच्चया

जोगनिमित्तं च ॥ से णं भंते ! पमाए किंपवहे ?, गोयमा ! जोगप्पवहे । से णं भंते ! जोए किंपवहे ?, गोयमा ! वीरियप्पवहे । से णं भंते वीरिए किंपवहे ?, गोयमा ! सरीरप्पवहे । से णं भंते ! सरीरे किंपवहे ?, गोयमा ! जीवप्पवहे । एवं सति अत्थि उट्ठाणे ति वा कम्मे ति वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा ॥ ३४ ॥ से णूणं भंते ! अप्पणा चेव उदीरेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव संवरइ ?, हंता ! गोयमा ! अप्पणा चेव तं चेव उच्चारेयव्वं ३ ॥ जं तं भंते ! अप्पणा चेव उदीरेइ अप्पणा चेव गरहेइ अप्पणा चेव संवरेइ तं किं उदिन्नं उदीरेइ १ अणुदिन्नं उदीरेइ २ अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ ३ उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ४ ?, गोयमा ! नो उदिण्णं उदीरेइ १ नो अणुदिन्नं उदीरेइ २ अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ ३ णो उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ४ ॥ जं तं भंते ! अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ तं किं उट्ठाणेणं कम्मेणं बलेणं वीरिएणं पुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिन्नं उदीरणाभवियं क० उदी० ? उदाहु तं अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं अबलेणं अवीरिएणं अपुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदी० ?, गोयमा ! तं० उट्ठाणेणवि कम्मे० बले० वीरिए० पुरिसक्कारपरक्कमेणवि अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, णो तं अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं अबलेणं अवीरिएणं अपुरिसक्कार० अणुदिन्नं उदी० भ० क० उदी०, एवं सति अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा ॥ से नूणं भंते ! अप्पणा चेव उवसामेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव संवरइ ?, हंता गोयमा ! एत्थ वि तहेव भाणियव्वं, नवरं अणुदिन्नं उवसामेइ सेसा पडिसेहेयव्वा तिन्नि ॥ जं तं भंते ! अणुदिन्नं उवसामेइ तं किं उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेति वा, से नूणं भंते ! अप्पणा चेव वेदेइ अप्पणा चेव गरहइ ?, एत्थवि सच्चेव परिवाडी, नवरं उदिन्नं वेएइ नो अणुदिन्नं वेएइ, एवं जाव पुरिसक्कारपरिक्कमे इ वा । से नूणं भंते ! अप्पणा चेव निज्जरेति अप्पणा चेव गरहइ, एत्थवि सच्चेव परिवाडी नवरं उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं निज्जरेइ एवं जाव परिक्कमेइ वा ॥ ३५ ॥ नेरइयाणं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएन्ति ?, जहा ओहिया जीवा तहा नेरइया, जाव थणियकुमारा ॥ पुढविकाइयाणं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेइंति, हंता वेइंति, कहण्णं भंते ! पुढविका० कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ?, गोयमा ! तेसिणं जीवाणं णो एवं तक्का इ वा सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणे इ वा वइ ति वा—अम्हे णं कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएमो, वेएंति पुण ते । से णूणं भंते ! तमेव सच्चं नीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं, सेसं तं चेव, जाव पुरिसक्कारपरिक्कमेइ वा ।

एवं जाव चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा ओहिया जीवा ॥ ३६ ॥ अत्थि णं भंते ! समणावि निग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएन्ति ?, हंता अत्थि, कहन्नं भंते ! समणा निग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएन्ति ?, गोयमा तेहिं २ नाणंतरेहिं दंसणंतरेहिं चरित्तंतरेहिं लिंगंतरेहिं पवयणंतरेहिं पावयणंतरेहिं कप्पंतरेहिं मग्गंतरेहिं मतंतरेहिं भंगंतरेहिं णयंतरेहिं नियमंतरेहि पमाणंतरेहिं संकिया कंखिया वितिगिच्छिया भेयसमावन्ना कलुससमावन्ना, एवं खलु समणा निग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेइंति, से नूणं भंते ! तमेव सच्चं नीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं, हंता गोयमा ! तमेव सच्चं नीसंकं, जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥ ३७ ॥ **पढमसए ततिओ उद्देसओ समत्तो ॥**

कति णं भंते ! कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, कम्मप्पगडीए पढमो उद्देसो नेयव्वो जाव अणुभागो सम्मत्तो । गाहा–कइ पयडी कह बंधइ कइहि व ठाणेहि बंधई पयडी । कइ वेदेइ य पयडी अणुभागो कइविहो कस्स ? ॥ १ ॥ ३८ ॥ जीवे णं भंते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्मेणं उदिन्नेणं उवट्ठाएज्जा ? हंता उवट्ठाएज्जा । से भंते ! किं वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ? गोयमा ! वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा नो अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, जइ वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा किं बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ?, गोयमा ! बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा । जीवे णं भंते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्मेणं उदिन्नेणं अवक्कमेज्जा ? हंता अवक्कमेज्जा, से भंते ! जाव बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा ३?, गोयमा ! बालवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा नो पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा, सिय बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा । जहा उदिन्नेणं दो आलावगा तहा उवसंतेणवि दो आलावगा भाणियव्वा, नवरं उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा बालपंडियवीरियत्ताए ॥ से भंते ! किं आयाए अवक्कमइ ? अणायाए अवक्कमइ ? गोयमा ! आयाए अवक्कमइ णो अणायाए अवक्कमइ, मोहणिज्जं कम्मं वेएमाणे से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! पुव्विं से एयं एवं रोयइ इयाणिं से एयं एवं नो रोयइ एवं खलु एवं ॥ ३९ ॥ से नूणं भंते ! नेरइयस्स वा तिरिक्खजोणियस्स वा मणूसस्स वा देवस्स वा जे कडे पावे कम्मे नत्थि तस्स अवेइत्ता मोक्खो ?, हंता गोयमा ! नेरइयस्स वा तिरिक्ख० मणु० देवस्स वा जे कडे पावे कम्मे नत्थि तस्स अवेइत्ता मोक्खो । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति–नेरइयस्स वा जाव मोक्खो, एवं खलु मए गोयमा ! दुविहे कम्मे पण्णत्ते, तंजहा–पएसकम्मे य अणुभागकम्मे य,

तत्थ णं जं तं पएसकम्मं तं नियमा वेएइ, तत्थ णं जं तं अणुभागकम्मं तं अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ। णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विन्नायमेयं अरहया इमं कम्मं अयं जीवे अज्झोवगमियाए वेयणाए वेदिस्सइ इमं कम्मं अयं जीवे उवक्कमियाए वेदणाए वेदिस्सइ, अहाकम्मं अहानिकरणं जहा जहा तं भगवया दिट्ठं तहा तहा तं विप्परिणमिस्सतीति, से तेणट्ठेणं गोयमा! नेरइयस्स वा ४ जाव मोक्खो ॥ ४० ॥ एस णं भंते! पोग्गले तीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया?, हंता गोयमा! एस णं पोग्गले अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया। एस णं भंते! पोग्गले पडुप्पन्नसासयं समयं भवतीति वत्तव्वं सिया?, हंता गोयमा! तं चेव उच्चारेयव्वं। एस णं भंते! पोग्गले अणागयमणंतं सासयं समयं भविस्सतीति वत्तव्वं सिया?, हन्ता गोयमा! तं चेव उच्चारेयव्वं। एवं खंधेणवि तिन्नि आलावगा, एवं जीवेणवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा ॥४१॥ छउमत्थे णं भंते! मणूसे अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति केवलेणं संजमेणं केवलेणं संवरेणं केवलेणं बंभचेरवासेणं केवलाहिं पवयणमाईहिं सिज्झिसु बुज्झिसु जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ तं चेव जाव अंतं करेंसु? गोयमा! जे केइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुचंति परिनिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु०, पडुप्पन्नेऽवि एवं चेव नवरं सिज्झंति भाणियव्वं, अणागएवि एवं चेव, नवरं सिज्झिस्संति भाणियव्वं, जहा छउमत्थो तहा आहोहिओवि तहा परमाहोहिओऽवि तिन्नि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा। केवली णं भंते! मणूसे तीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेंसु? हंता सिज्झिसु जाव अंतं करेंसु, एते तिन्नि आलावगा भाणियव्वा छउमत्थस्स जहा नवरं सिज्झिसु सिज्झंति सिज्झिस्संति। से णूणं भंते! तीतमणंतं सासयं समयं पडुप्पन्नं वा सासयं समयं अणागयमणंतं वा सासयं समयं जे केइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेस्संति वा? हंता गोयमा! तीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेस्संति वा। से नूणं भंते! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया? हंता गोयमा! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४२॥ **चउत्थो उद्देसो समत्तो॥**

कति णं भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! सत्त पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा—रयणप्पभा जाव तमतमा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए कति निरयावाससयसहस्सा प० ?, गोयमा ! तीसं निरयावाससयसहस्सा प०, गाहा—तीसा य पन्नवीसा पन्नरस दसेव या सयसहस्सा । तिन्नेगं पंचूणं पंचेव अणुत्तरा निरया ॥ १ ॥ केवइया णं भंते ? असुरकुमारावाससयसहस्सा प० ?, एवं—चउसट्ठी असुराणं चउरासीई य होइ नागाणं । बावत्तरिं सुवन्नाण वाउकुमाराण छन्नउई ॥ १ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं । छण्हंपि जुयलयाणं छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ २ ॥ केवइया णं भंते ! पुढविक्काइयावाससयसहस्सा प० ?, गोयमा ! असंखेज्जा पुढविक्काइयावाससयसहस्सा प०, गोयमा ! जाव असंखिज्जा जोतिसियविमाणावाससयसहस्सा प० । सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा प० ?, गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, एवं-बत्तीसट्ठावीसा बारस अट्ठ चउरो सयसहस्सा । पन्ना चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ १ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिन्नि । सत्त विमाणसयाइं चउसुवि एएसु कप्पेसुं ॥ २ ॥ एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं सयं च मज्झिमए । सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ ३ ॥ ४३ ॥ पुढवि ट्ठिति ओगाहणसरीरसंघयणमेव संठाणे । लेस्सा दिट्ठी णाणे जोगुवओगे य दस ठाणा ॥ १ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं केवइया ठितिठाणा प० ?, गोयमा ! असंखेज्जा ठितिठाणा प०, तंजहा—जहन्निया ठिती समयाहिया जहन्निया ठिई दुसमयाहिया जाव असंखेज्जसमयाहिया जहन्निया ठिई तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिती ॥ इमीसे णं भंते रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि जहन्नियाए ठितीए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! सव्वेवि ताव होज्जा कोहोवउत्ता १, अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य २, अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य ३, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ते य ४, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ता य ५, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ते य ६, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ता य ७ । अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य १, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ता य २, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ते य ३, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ता य ४ एवं कोहमाणलोभेणवि चउ ४, एवं कोहमायालोभेणवि चउ ४ एवं १२, पच्छा माणेण मायाए लोभेण य कोहो भइयव्वो, ते कोहं अमुंचता ८,

एवं सत्तावीसं भंगा णेयव्वा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि समयाहियाए जहन्नट्ठितीए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य लोभोवउत्ते य, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ता य लोभोवउत्ता य, अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य, अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ता य एवं असीति भंगा नेयव्वा, एवं जाव संखिज्जसमयाहिया ठिई असंखेज्जसमयाहियाए ठिईए तप्पाउग्गुक्कोसियाए ठिईए सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा ॥ ४४ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं केवइया ओगाहणाठाणा पन्नत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा ओगाहणाठाणा पन्नत्ता, तंजहा–जहन्निया ओगाहणा अंगुलस्स असंखेज्जइभागं जहण्णिया ओगाहणा एगपदेसाहिया जहन्निया ओगाहणा, दुप्पएसाहिया जहन्निया ओगाहणा, जाव असंखिज्जपएसाहिया जहन्निया ओगाहणा, तप्पाउग्गुक्कोसिया ओगाहणा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि जहन्नियाए ओगाहणाए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता ?, असीइभंगा भाणियव्वा जाव संखिज्जपएसाहिया जहन्निया ओगाहणा, असंखेज्जपएसाहियाए जहन्नियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं तप्पाउग्गुक्कोसियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं नेरइयाणं दोसुवि सत्तावीसं भंगा ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० जाव एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं कइ सरीरया पण्णत्ता ?, गोयमा ! तिन्नि सरीरया पण्णत्ता, तंजहा–वेउव्विए तेयए कम्मए ॥ इमीसे णं भंते ! जाव वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा, एएणं गमएणं तिन्नि सरीरा भाणियव्वा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव नेरइयाणं सरीरया किं संघयणी पन्नत्ता ?, गोयमा ! छण्हं संघयणाणं अस्संघयणी, नेवट्ठी नेव छिरा नेव ण्हारूणि जे पोग्गला अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुहा अमणुन्ना अमणामा, एतेसिं सरीरसंघायत्ताए परिणमंति ॥ इमीसे णं भंते ! जाव छण्हं संघयणाणं असंघयणे वट्टमाणाणं नेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभा जाव सरीरिया किंसंठिया पन्नत्ता ?, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–भवधारणिज्जा य उत्तरविउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया पण्णत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया पण्णत्ता । इमीसे णं जाव हुंडसंठाणे वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं कति लेस्साओ पन्नत्ता ?, गोयमा !

एगा काउलेस्सा पण्णत्ता । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव काउलेस्साए वट्टमाणा सत्तावीसं भंगा ॥ ४५ ॥ इमीसे णं जाव किं सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ?, तिन्निवि । इमीसे णं जाव सम्मद्दंसणे वट्टमाणा नेरइया सत्तावीसं भंगा, एवं मिच्छादंसणेवि, सम्मामिच्छादंसणे असीति भंगा ॥ इमीसे णं भंते ! जाव किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, तिन्नि नाणाइं नियमा, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । इमीसे णं भंते ! जाव आभिणिबोहियनाणे वट्टमाणा सत्तावीसं भंगा, एवं तिन्नि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भाणियव्वाइं ॥ इमीसे णं जाव किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी, ? तिन्निवि । इमीसे णं जाव मणजोए वट्टमाणा कोहोवउत्ता ?, सत्तावीसं भंगा । एवं वइजोए एवं कायजोए ॥ इमीसे णं जाव नेरइया किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ?, गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि । इमीसे णं जाव सागारोवओगे वट्टमाणा किं कोहोवउत्ता ?, सत्तावीसं भंगा । एवं अणागारोवउत्तावि सत्तावीसं भंगा ॥ एवं सत्तवि पुढवीओ नेयव्वाओ, णाणत्तं लेसासु गाहा—काऊ य दोसु तइयाए मीसिया नीलिया चउत्थीए । पंचमियाए मीसा कण्हा तत्तो परमकण्हा ॥ १ ॥ ४६ ॥ चउसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमाराणं केवइया ठिइठाणा प० ?, गोयमा ! असंखेज्जा ठितिठाणा प०, जहन्निया ठिई जहा नेरइया तहा, नवरं पडिलोमा भंगा भाणियव्वा—सव्वेवि ताव होज्ज लोभोवउत्ता, अहवा लोभोवउत्ता य मायोवउत्ते य, अहवा लोभोवउत्ता य मायोवउत्ता य, एएणं गमेणं नेयव्वं जाव थणियकुमाराणं, नवरं णाणत्तं जाणियव्वं ॥ ४७ ॥ असंखेज्जेसु णं भंते ! पुढविक्काइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविक्काइयावासंसि पुढविक्काइयाणं केवतिया ठितिठाणा प० ?, गोयमा ! असंखेज्जा ठितिठाणा प०, तंजहा—जहन्निया ठिई जाव तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिई । असंखेज्जेसु णं भंते ! पुढविक्काइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविक्काइयावासंसि जहन्नियाए ठितीए वट्टमाणा पुढविक्काइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! कोहोवउत्तावि माणोवउत्तावि मायोवउत्तावि लोभोवउत्तावि, एवं पुढविक्काइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभंगयं, नवरं तेउलेस्साए असीति भंगा, एवं आउक्काइयावि, तेउक्काइयवाउक्काइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभंगयं ॥ वणस्सइकाइया जहा पुढविक्काइया ॥ ४८ ॥ बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं जेहिं ठाणेहिं नेरइयाणं असीइभंगा तेहिं ठाणेहिं असीइं चेव, नवरं अब्भहिया सम्मत्ते आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे य, एएहिं असीइभंगा, जेहिं ठाणेहिं नेरइयाणं सत्तावीसं भंगा तेसु ठाणेसु सव्वेसु अभंगयं ॥ पंचिंदिय-

तिरिक्खजोणिया जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, नवरं जेहिं सत्तावीसं भंगा तेहिं अभंगयं कायव्वं जत्थ असीति तत्थ असीतिं चेव ॥ मणुस्साणवि जेहिं ठाणेहिं नेरइयाणं असीतिभंगा तेहिं ठाणेहिं मणुस्साणवि असीतिभंगा भाणियव्वा, जेसु ठाणेसु सत्तावीसा तेसु अभंगयं, नवरं मणुस्साणं अब्भहियं जहन्निया ठिई आहारए य असीति भंगा ॥ वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा भवणवासी, नवरं णाणत्तं जाणियव्वं जं जस्स, जाव अणुत्तरा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४९ ॥

पढमसयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

जावइयाओ य णं भंते ! उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति अत्थमंतेविय णं सूरिए तावइयाओ चेव उवासंतराओ चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति ?, हंता ! गोयमा ! जावइयाओ णं उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति अत्थमंतेवि सूरिए जाव हव्वमागच्छति । जावइयण्णं भंते ! खित्तं उदयंते सूरिए आतावेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ, अत्थमंतेविय णं सूरिए तावइयं चेव खित्तं आयावेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ ?, हंता गोयमा ! जावतियण्णं खेत्तं जाव पभासेइ ॥ तं भंते ! किं पुट्ठं ओभासेइ अपुट्ठं ओभासेइ ?, जाव छद्दिसिं ओभासेति, एवं उज्जोवेइ तवेइ पभासेइ जाव नियमा छद्दिसि ॥ से नूणं भंते ! सव्वंति सव्वावंति फुसमाणकालसमयंसि जावतियं खेत्तं फुसइ तावतियं फुसमाणे पुट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया ?, हंता ! गोयमा ! सव्वंति जाव वत्तव्वं सिया ॥ तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव नियमा छद्दिसि ॥ ५० ॥ लोयंते भंते ! अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ ?, हंता गोयमा ! लोयंते अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ २ । तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव नियमा छद्दिसि फुसइ । दीवंते भंते ! सागरंतं फुसइ सागरंतेवि दीवंतं फुसइ ?, हंता जाव नियमा छद्दिसि फुसइ, एवं एएणं अभिलावेणं उदयंते पोयंतं फुसइ छिद्दंते दूसंतं छायंते आयवंतं जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ ॥ ५१ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ?, हंता अत्थि । सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ?, जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसि सिय पंचदिसि । सा भंते ! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ ?, गोयमा ! कडा कज्जइ नो अकडा कज्जइ । सा भंते ! किं अत्तकडा कज्जइ परकडा कज्जइ तदुभयकडा कज्जइ ?, गोयमा ! अत्तकडा कज्जइ णो परकडा कज्जइ णो तदुभयकडा कज्जइ । सा भंते ! किं आणुपुव्वि कडा कज्जइ अणाणुपुव्विं कडा कज्जइ ?, गोयमा ! आणुपुव्वि कडा कज्जइ नो अणाणुपुव्वि कडा

कज्जइ, जा य कडा जा य कज्जइ जा य कज्जिस्सइ सव्वा सा आणुपुव्विं कडा नो अणाणुपुव्विं कडत्ति वत्तव्वं सिया। अत्थि णं भंते! नेरइयाणं पाणाइवायकिरिया कज्जइ?, हंता अत्थि। सा भंते! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ जाव नियमा छद्दिसिं कज्जइ, सा भंते! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ?, तं चेव जाव नो अणाणुपुव्विं कडत्ति वत्तव्वं सिया, जहा नेरइया तहा एगिंदियवज्जा भाणियव्वा, जाव वेमाणिया, एगिंदिया जहा जीवा तहा भाणियव्वा, जहा पाणाइवाए तहा मुसावाए तहा अदिन्नादाणे मेहुणे परिग्गहे कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले, एवं एए अट्ठारस, चउवीसं दंडगा भाणियव्वा, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं जाव विहरति ॥ ५२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी रोहे नामं अणगारे पगइभद्दए पगइमउए पगइविणीए पगइउवसंते पगइपयणुकोहमाणमायालोभे मिउमद्दवसंपन्ने अल्लीणे भद्दए विणीए समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से रोहे नामं अणगारे जायसड्ढे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी–पुव्विं भंते! लोए पच्छा अलोए पुव्विं अलोए पच्छा लोए?, रोहा! लोए य अलोए य पुव्विंपेते पच्छापेते दोवि एए सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा!। पुव्विं भंते! जीवा पच्छा अजीवा पुव्विं अजीवा पच्छा जीवा?, जहेव लोए य अलोए य तहेव जीवा य अजीवा य, एवं भवसिद्धिया य अभवसिद्धिया य सिद्धी असिद्धी सिद्धा असिद्धा, पुव्विं भंते! अंडए पच्छा कुक्कुडी पुव्विं कुक्कुडी पच्छा अंडए?, रोहा! से णं अंडए कओ?, भयवं! कुक्कुडीओ, सा णं कुक्कुडी कओ?, भंते! अंडयाओ, एवामेव रोहा! से य अंडए सा य कुक्कुडी, पुव्विंपेते पच्छापेते दुवेते सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा!। पुव्विं भंते! लोयंते पच्छा अलोयंते पुव्विं अलोयंते पच्छा लोयंते?, रोहा! लोयंते य अलोयंते य जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा!। पुव्विं भंते! लोयंते पच्छा सत्तमे उवासंतरे पुच्छा, रोहा! लोयंते य सत्तमे उवासंतरे पुव्विंपि दोवि एते जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा!। एवं लोयंते य सत्तमे य तणुवाए, एवं घणवाए घणोदही सत्तमा पुढवी, एवं लोयंते एक्केक्केणं संजोएयव्वे इमेहिं ठाणेहिं–तंजहा–ओवासवायघणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा। नेरइयाई अत्थिय समया कम्माइं लेस्साओ ॥ १ ॥ दिट्ठी दंसण णाणा सन्न सरीरा य जोग उवओगे। दव्वपएसा पज्जव अद्धा किं पुव्विं लोयंते? ॥ २ ॥ पुव्विं भंते! लोयंते पच्छा सव्वद्धा?। जहा लोयंतेणं संजोइया सव्वे ठाणा एते एवं अलोयंतेणवि संजोएयव्वा सव्वे। पुव्विं भंते!

सत्तमे उवासंतरे पच्छा सत्तमे तणुवाए?, एवं सत्तमं उवासंतरं सव्वेहिं समं संजोएयव्वं जाव सव्वद्धाए। पुव्विं भंते! सत्तमे तणुवाए पच्छा सत्तमे घणवाए?, एयंपि तहेव नेयव्वं जाव सव्वद्धा, एवं उवरिल्लं एक्केक्कं संजोयंतेणं जो जो हिट्ठिल्लो तं तं छड्डंतेणं नेयव्वं जाव अतीयअणागयद्धा पच्छा सव्वद्धा जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा! सेवं भंते! सेवं भंतेत्ति! जाव विहरइ ॥ ५३ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं जाव एवं वयासी–कतिविहा णं भंते! लोयट्ठिती प० ?, गोयमा! अट्ठविहा लोयट्ठिती प०, तंजहा–आगासपइट्ठिए वाए १ वायपइट्ठिए उदही २ उदहीपइट्ठिया पुढवी ३ पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ४ अजीवा जीवपइट्ठिया ५ जीवा कम्मपइट्ठिया ६ अजीवा जीवसंगहिया ७ जीवा कम्मसंगहिया ८ । से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ?–अट्ठविहा जाव जीवा कम्मसंगहिया?, गोयमा! से जहानामए–केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ वत्थिमाडोवित्ता उप्पिं सितं बंधइ २ मज्झेणं गंठिं बंधइ २ उवरिल्लं गंठिं मुयइ २ उवरिल्लं देसं वामेइ २ उवरिल्लं देसं वामेत्ता उवरिल्लं देसं आउयायस्स पूरेइ २ उप्पिंसि तं बंधइ २ मज्झिल्लं गंठिं मुयइ । से नूणं गोयमा! से आउयाए तस्स वाउयायस्स उप्पिं उवरितले चिट्ठइ?, हंता चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं जाव जीवा कम्मसंगहिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ २ कडीए बंधइ २ अत्थाहमतारमपोरसियंसि उदगंसि ओगाहेज्जा, से नूणं गोयमा! से पुरिसे तस्स आउयायस्स उवरिमतले चिट्ठइ?, हंता चिट्ठइ, एवं वा अट्ठविहा लोयट्ठिई पण्णत्ता जाव जीवा कम्मसंगहिया ॥५४॥ अत्थि णं भंते! जीवा य पोग्गला य अन्नमन्नबद्धा अन्नमन्नपुट्ठा अन्नमन्नमोगाढा अन्नमन्नसिणेहपडिबद्धा अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति?, हंता! अत्थि । से केणट्ठेणं भंते! जाव चिट्ठंति?, गोयमा! से जहानामए–हरदे सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्टमाणे वोसट्टमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठइ, अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरदंसि एगं महं नावं सयासवं सयछिड्डं ओगाहेज्जा, से नूणं गोयमा! सा णावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठइ?, हंता चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! अत्थि णं जीवा य जाव चिट्ठंति ॥ ५५ ॥ अत्थि णं भंते! सया समियं सुहुमे सिणेहकाए पवडइ?, हंता अत्थि । से भंते! किं उड्ढे पवडइ अहे पवडइ तिरिए पवडइ?, गोयमा! उड्ढेवि पवडइ अहे पवडइ तिरिएवि पवडइ, जहा से बादरे आउयाए अन्नमन्नसमाउत्ते चिरंपि दीहकालं चिट्ठइ तहा णं सेवि?, नो इणट्ठे समट्ठे, से णं खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ । सेवं भंते! सेवं भंतेत्ति! ॥ १ ॥ ५६ ॥ **छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

नेरइए णं भंते! नेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं उववज्जइ देसेणं सव्वं

उववज्जइ सव्वेणं देसं उववज्जइ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ?, गोयमा! नो देसेणं देसं उववज्जइ नो देसेणं सव्वं उववज्जइ नो सव्वेण देसं उववज्जइ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ, जहा नेरइए एवं जाव वेमाणिए ॥ १ ॥ ५७ ॥ नेरइए णं भंते! नेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ १ देसेणं सव्वं आहारेइ २ सव्वेणं देसं आहारेइ ३ सव्वेणं सव्वं आहारेइ? ४, गोयमा! नो देसेणं देसं आहारेइ नो देसेणं सव्वं आहारेइ सव्वेण वा देसं आहारेइ सव्वेण वा सव्वं आहारेइ, एव जाव वेमाणिए २। नेरइए णं भंते! नेरइएहिंतो उव्वट्टमाणे किं देसेणं देसं उववट्टइ? जहा उववज्जमाणे तहेव उववट्टमाणेऽवि दंडगो भाणियव्वो ३ । नेरइए णं भंते! नेरइएहिंतो उववट्टमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ तहेव जाव सव्वेण वा देसं आहारेइ?, सव्वेण वा सव्वं आ० १, एवं जाव वेमाणिए ४ । नेरइ० भंते! नेर० उववन्ने किं देसेणं देसं उववन्ने, एसोऽवि तहेव जाव सव्वेणं सव्वं उववन्ने?, जहा उववज्जमाणे उववट्टमाणे य चत्तारि दंडगा तहा उववन्नेणं उव्वट्टेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, सव्वेणं सव्वं उववन्ने सव्वेण वा देसं आहारेइ सव्वेण वा सव्वं आहारेइ, एएणं अभिलावेणं उववन्नेवि उव्वट्टणेवि नेयव्वं ८ ॥ नेरइए णं भंते! नेरइएसु उववज्जमाणे किं अद्धेणं अद्धं उववज्जइ? १ अद्धेणं सव्वं उववज्जइ? २ सव्वेणं अद्धं उववज्जइ? ३ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ० ? ४, जहा पढमिल्लेणं अट्ठ दंडगा तहा अद्धेणवि अट्ठ दंडगा भाणियव्वा, नवरं जहिं देसेणं देसं उववज्जइ तहिं अद्धेणं अद्धं उववज्जइ इति भाणियव्वं, एवं णाणत्तं, एते सव्वेवि सोलसदंडगा भाणियव्वा ॥ ५८ ॥ जीवे णं भंते! किं विग्गहगतिसमावन्नए अविग्गहगतिसमावन्नए?, गोयमा! सिय विग्गहगइसमावन्नए सिय अविग्गहगतिसमावन्नगे, एवं जाव वेमाणिए। जीवा णं भंते! किं विग्गहगइसमावन्नया अविग्गहगइसमावन्नगा?, गोयमा! विग्गहगइसमावन्नगावि अविग्गहगइसमावन्नगावि। नेरइया णं भंते! किं विग्गहगतिसमावन्नया अविग्गहगतिसमावन्नगा?, गोयमा! सव्वेवि ताव होज्जा अविग्गहगतिसमावन्नगा १। अहवा अविग्गहगतिसमावन्नगा य विग्गहगतिसमावन्ने य २ अहवा अविग्गहगतिसमावन्नगा य विग्गहगइसमावन्नगा य ३ ॥ एवं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥५९॥ देवे णं भंते! महिड्ढिए महज्जुईए महब्बले महायसे महासुक्खे महाणुभावे अविउक्कंतियं चयमाणे किंचिविकालं हिरिवत्तियं दुगुंछावत्तियं परिसहवत्तियं आहारं नो आहारेइ, अहे णं आहारेइ, आहारिज्जमाणे आहारिए परिणामिज्जमाणे परिणामिए पहीणे य आउए भवइ जत्थ उववज्जइ तमाउयं पडिसंवेएइ, तंजहा—तिरिक्खजोणियाउयं वा मणुस्साउयं वा?, हंता गोयमा! देवे णं महिड्ढिए

जाव मणुस्साउयं वा ॥६०॥ जीवे णं भंते गब्भं वक्कममाणे किं सइंदिए वक्कमइ अणिं-दिए वक्कमइ ?, गोयमा ! सिय सइंदिए वक्कमइ सिय अणिंदिए वक्कमइ, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! दव्विंदियाइं पडुच्च अणिंदिए वक्कमइ भाविंदियाइं पडुच्च सइंदिए वक्कमइ, से तेणट्ठेणं० । जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे किं ससरीरी वक्कमइ असरीरी वक्कमइ ?, गोयमा ! सिय ससरीरी व० सिय असरीरी वक्कमइ, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! ओरालियवेउव्वियआहारयाइं पडुच्च असरीरी व० तेयाकम्मा० प० सस० वक्क० से तेणट्ठेणं गोयमा !० । जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे तप्पढमयाए किमाहारमाहारेइ ?, गोयमा ! माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं कलुसं किव्विसं तप्पढमयाए आहारमाहारेइ । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे किमाहारमाहारेइ ?, गोयमा ! जं से माया नाणाविहाओ रसविगईओ आहारमाहारेइ तदेक्कदेसेणं ओय-माहारेइ । जीवस्स णं भंते ! गब्भगयस्स समाणस्स अत्थि उच्चारेइ वा पासवणेइ वा खेलेइ वा सिंघाणेइ वा वंतेइ वा पित्तेइ वा ?, णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जमाहारेइ तं चिणाइ तं सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए अट्ठिअट्ठिमिंजकेसमंसुरोमनहत्ताए, से तेणट्ठेणं० । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे सव्वओ आहारेइ सव्वओ परिणामेइ सव्वओ उस्ससइ सव्वओ निस्ससइ अभिक्खणं आहारेइ अभिक्खणं परिणामेइ अभिक्खणं उस्ससइ अभिक्खणं निस्ससइ आहच्च आहारेइ आहच्च परिणामेइ आहच्च उस्ससइ आहच्च नीससइ ॥ माउजीवरसहरणी पुत्तजीवरसहरणी माउजीवपडिबद्धा पुत्तजीवं फुडा तम्हा आहारेइ तम्हा परिणामेइ, अवरावि य णं पुत्तजीवपडिबद्धा माउजीवफुडा तम्हा चिणाइ तम्हा उवचिणाइ से तेणट्ठेणं० जाव नो पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए ॥ कइ णं भंते ! माइअंगा प० ?, गोयमा ! तओ माइयंगा प०, तंजहा–मंसे सोणिए मत्थुलुंगे । कइ णं भंते ! पिइ-यंगा प० ?, गोयमा ! तओ पिइयंगा प०, तंजहा–अट्ठि अट्ठिमिंजा केसमंसुरोमनहे । अम्मापिइए णं भंते ! सरीरए केवइयं कालं संचिट्ठइ ?, गोयमा ! जावइयं से कालं भवधारणिज्जे सरीरए अव्वावन्ने भवइ एवतियं कालं संचिट्ठइ, अहे णं समए समए वोक्कसिज्जमाणे २ चरमकालसमयंसि वोच्छिन्ने भवइ ॥ ६१ ॥ जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे नेरइएसु उववज्जेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! से णं सन्नी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए पराणीएणं आगयं सोच्चा निसम्म पएसे

निच्छुभइ नि० २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ समो० २ चाउरंगिणिं सेन्नं विउव्वइ चाउरंगिणीसेन्नं विउव्वेत्ता चाउरंगिणीए सेणाए पराणीएणं सद्धिं संगामं संगामेइ, से णं जीवे अत्थकामए रज्जकामए भोगकामए कामकामए अत्थकंखिए रज्जकंखिए भोगकंखिए कामकंखिए अत्थपिवासिए रज्जपिवासिए भोगपिवासिए कामपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करेज्ज नेरइएसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे देवलोगेसु उववज्जेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! से णं सन्नी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म तओ भवइ संवेगजायसड्ढे तिव्वधम्माणुरागरत्ते, से णं जीवे धम्मकामए पुण्णकामए सग्गकामए मोक्खकामए धम्मकंखिए पुण्णकंखिए सग्गमोक्खकं० धम्मपिवासिए पुण्णसग्गमोक्खपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करे० देवलो० उव०, से तेणट्ठेणं गोयमा !० । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे उत्ताणए वा पासिल्लए वा अंबखुज्जए वा अच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा निसीएज्ज वा तुयट्टेज्ज वा माऊए सुयमाणीए सुवइ जागरमाणीए जागरइ सुहियाए सुहिए भवइ दुहियाए दुहिए भवइ ?, हंता गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जाव दुहियाए दुहिए भवइ, अहे णं पसवणकालसमयंसि सीसेण वा पाएहिं वा आगच्छइ सममागच्छइ तिरियमागच्छइ विणिहायमागच्छइ ॥ वण्णवज्झाणि य से कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं निहत्ताइं कडाइं पट्ठवियाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं उदिन्नाइं नो उवसंताइं भवंति तओ भवइ दुरूवे दुव्वन्ने दुग्गंधे दुरसे दुप्फासे अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुन्ने अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठस्सरे अकंतस्सरे अप्पियस्सरे असुभस्सरे अमणुन्नस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणे पच्चायाए यावि भवइ, वन्नवज्झाणि य से कम्माइं नो बद्धाइं पसत्थं नेयव्वं जाव आदेज्जवयणे पच्चायाए यावि भवइ, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥६२॥ **पढमसयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे समोसरणं जाव एवं वयासी–एगंतबाले णं भंते ! मणूसे किं नेरइयाउयं पकरेइ तिरिक्ख० मणु० देवा० पक० ?, नेरइयाउयं किच्चा नेरइएसु उव० तिरियाउयं कि० तिरिएसु उवव० मणुस्साउयं किच्चा मणुस्से० उव० देवाउ० कि० देव-

लोएसु उववज्जइ ?, गोयमा ! एगंतबाले णं मणुस्से नेरइयाउयंपि पकरेइ तिरि० मणु० देवाउयंपि पकरेइ, नेरइयाउयंपि किच्चा नेरइएसु उव० तिरि० मणु० देवाउयं किच्चा तिरि० मणु० देवलोएसु उववज्जइ ॥ ६३ ॥ एगंतपंडिए णं भंते ! मणुस्से किं नेर० पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवलोएसु उवव० ?, गोयमा ! एगंतपंडिए णं मणुस्से आउयं सिय पकरेइ सिय नो पकरेइ, जइ पकरेइ नो नेरइया० पकरेइ नो तिरि० नो मणु० देवाउयं पकरेइ, नो नेरइयाउयं किच्चा नेर० उव० णो तिरि० णो मणुस्स० देवाउयं किच्चा देवेसु उव०, से केणट्ठेणं जाव देवा० किच्चा देवेसु उववज्जइ ?, गोयमा ! एगंतपंडियस्स णं मणुस्सस्स केवलमेव दो गईओ पन्नायंति, तंजहा-अंतकिरिया चेव कप्पोववत्तिया चेव, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ॥ बालपंडिए णं भंते ! मणुस्से किं नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से केणट्ठेणं जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?, गोयमा ! बालपंडिए णं मणुस्से तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म देसं उवरमइ देसं नो उवरमइ देसं पच्चक्खाइ देसं णो पच्चक्खाइ, से तेणट्ठेणं देसोवरमदेसपच्चक्खाणेणं नो नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव देवेसु उववज्जइ ॥ ६४ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा १ दहंसि वा २ उदगंसि वा ३ दवियंसि वा ४ वलयंसि वा ५ नूमंसि वा ६ गहणंसि वा ७ गहणविदुग्गंसि वा ८ पव्वयंसि ९ पव्वयविदुग्गंसि वा १० वणंसि वा ११ वणविदुग्गंसि वा १२ मियवित्तीए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिएत्तिकाउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए कूडपासं उद्दाइ, ततो णं भंते ! से पुरिसे कतिकिरिए पण्णत्ते ?, गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे कच्छंसि वा १० (१२) जाव कूडपासं उद्दाइ तावं च णं से पुरिसे सिय तिकि० सिय चउ० सिय पंच०, से केणट्ठेणं सिय ति० सिय च० सिय पं० ?, गोयमा ! जे भविए उद्दवणयाए णो बंधणयाए णो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए तिहिं किरियाहि पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि णो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि मारणयाएवि तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए जाव पंचहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं जाव पंचकिरिए ॥ ६५ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय २ अगणिकायं निस्सरइ तावं च णं से भंते ! से पुरिसे कति-

किरिए?, गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकि० सिय पंच०, से केणट्ठेणं?, गोयमा! जे भविए उस्सवणयाए तिहिं, उस्सवणयाएवि निस्सिरणयाएवि नो दहणयाए चउहिं, जे भविए उस्सवणयाएवि निस्सिरणयाएवि दहणयाएवि तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेण० गोयमा! ॥ ६६ ॥ पुरिसे णं भंते! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवित्तीए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिएत्तिकाउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए उसुं निसिरइ, ततो णं भंते! से पुरिसे कइकिरिए?, गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, से केणट्ठेणं?, गोयमा! जे भविए निस्सिरणयाए नो विद्धंसणयाएवि नो मारणयाए तिहि, जे भविए निस्सिरणयाएवि विद्धंसणयाएवि नो मारणयाए चउहिं, जे भविए निस्सिरणयाएवि वि० मा० तावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ॥ ६७ ॥ पुरिसे णं भंते! कच्छंसि वा जाव अन्नयरस्स मियस्स वहाए आययकन्नाययं उसुं आयामेत्ता चिट्ठिज्जा, अन्नयरे पुरिसे मग्गओ आगम्म सयपाणिणा असिणा सीसं छिंदेज्जा से य उसुं ताए चेव पुव्वायामणयाए तं विंधेज्जा से णं भंते! पुरिसे किं मियवेरेणं पुट्ठे पुरिसवेरेणं पुट्ठे?, गोयमा! जे मियं मारेइ से मियवेरेणं पुट्ठे, जे पुरिसं मारेइ से पुरिसवेरेणं पुट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव से पुरिसवेरेणं पुट्ठे?, से नूणं गोयमा! कज्जमाणे कडे संधिज्जमाणे संधिए निव्वत्तिज्जमाणे निव्वत्तिए निसिरिज्जमाणे निसिट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया?, हंता भगवं! कज्जमाणे कडे जाव निसिट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा! जे मियं मारेइ से मियवेरेणं पुट्ठे, जे पुरिसं मारेइ से पुरिसवेरेणं पुट्ठे ॥ अंतो छण्हं मासाणं मरइ काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, बाहिं छण्हं मासाणं मरइ काइयाए जाव पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे ॥ ६८ ॥ पुरिसे णं भंते! पुरिसं सत्तीए समभिधंसेज्जा सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदेज्जा तओ णं भंते! से पुरिसे कतिकिरिए?, गोयमा! जावं च णं से पुरिसे तं पुरिसं सत्तीए अभिसंधेइ सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणि० जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, आसन्नवहएण य अणवकंखवत्तिएणं पुरिसवेरेणं पुट्ठे ॥ ६९ ॥ दो भंते! पुरिसा सरिसया सरित्तया सरिव्वया सरिसभंडमत्तोवगरणा अन्नमन्नेणं सद्धिं संगामं संगामेन्ति, तत्थ णं एगे पुरिसे पराइणइ एगे पुरिसे पराइज्जइ, से कहमेयं भंते! एवं?, गोयमा! सवीरिए पराइणइ अवीरिए पराइज्जइ, से केणट्ठेणं जाव पराइज्जइ?, गोयमा! जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं णो बद्धाइं णो पुट्ठाइं जाव

नो अभिसमन्नागयाइं नो उदिन्नाइं उवसंताइं भवंति से णं पराइणइ, जस्स णं वीरि-यवज्झाइं कम्माइं बद्धाइं जाव उदिन्नाइं नो उवसंताइं भवंति से णं पुरिसे पराइ-ज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-सवीरिए पराइणइ अवीरिए पराइज्जइ ॥ ७० ॥ जीवा णं भंते ! किं सवीरिया अवीरिया ?, गोयमा ! सवीरियावि अवीरियावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जीवा दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-संसारसमावन्नगा य असंसार-समावन्नगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावन्नगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अवीरिया, तत्थ णं जे ते संसारसमावन्नगा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-सेलेसिपडिवन्नगा य असेलेसिपडिवन्नगा य, तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवन्नगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवी-रिया करणवीरिएणं अवीरिया, तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवन्नगा ते णं लद्धिवीरि-एणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जीवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सवीरियावि अवीरियावि । नेरइया णं भंते ! किं सवीरिया अवीरिया ?, गोयमा ! नेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जेसि णं नेरइयाणं अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे ते णं नेरइया लद्धिवीरिएणवि सवीरिया करण-वीरिएणवि सवीरिया, जेसि णं नेरइयाणं नत्थि उट्ठाणे जाव परक्कमे ते णं नेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं अवीरिया, से तेणट्ठेणं०, जहा नेरइया एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा ओहिया जीवा, नवरं सिद्धवज्जा भाणियव्वा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा नेरइया, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७१ ॥ **पढमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो** ॥

कहन्नं भंते ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छन्ति ?, गोयमा ! पाणाइवाएणं मुसा-वाएणं अदिन्ना० मेहुण० परि० कोह० माण० माया० लोभ० पे० दोस० कलह० अब्भक्खाण० पेसुन्न० रतिअरति० परपरिवाय० मायामोसमिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति । कहन्नं भंते ! जीवा लहुयत्तं हव्व-मागच्छंति ?, गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं एवं खलु गोयमा ! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छन्ति, एवं संसारं आउलीकरेंति एवं परि-त्तीकरेंति दीहीकरेंति हस्सीकरेंति एवं अणुपरियट्टंति एवं वीइवयंति-पसत्था चत्तारि अप्पसत्था चत्तारि ॥ ७२ ॥ सत्तमे णं भंते ओवासंतरे किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा ! नो गुरुए नो लहुए नो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए । सत्तमे णं भंते ! तणुवाए किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा ! नो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुए नो अगुरुयलहुए । एवं सत्तमे घणवाए सत्तमे घणोदही सत्तमा

पुढवी, उवासंतराइं सव्वाइं जहा सत्तमे ओवासंतरे, (सेसा) जहा तणुवाए, एवं-ओवासवायघणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा । नेरइया णं भंते ! किं गुरुया जाव अगुरुलहुया ?, गोयमा ! नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुलहुयावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! वेउव्वियतेयाइं पडुच्च नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुआ नो अगुरुलहुया, जीवं च कम्मणं च पडुच्च नो गुरुया नो लहुया नो गुरुयलहुया अगुरुयलहुया, से तेणट्ठेणं जाव वेमाणिया, नवरं णाणत्तं जाणियव्वं सरीरेहिं । धम्मत्थिकाए जाव जीवत्थिकाए चउत्थपएणं । पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! कि गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा ! णो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुएवि अगुरुयलहुएवि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! गुरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च नो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुए नो अगुरुयलहुए, अगुरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च नो गुरुए नो लहुए नो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए, समया कम्माणि य चउत्थपदेणं । कण्हलेसा णं भंते ! किं गुरुया जाव अगुरुयलहुया ?, गोयमा ! नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुयलहुयावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! दव्वलेसं पडुच्च ततियपदेणं भावलेसं पडुच्च चउत्थपदेणं, एवं जाव सुक्कलेसा, दिट्ठीदंसणनाणअन्नाणसण्णा चउत्थपदेणं णेयव्वाओ, हेट्ठिल्ला चत्तारि सरीरा नायव्वा ततियपदेणं, कम्मं य चउत्थयपएणं, मणजोगो वइजोगो चउत्थएणं पदेणं, कायजोगो ततिएणं पदेणं, सागारोवओगो अणागारोवओगो चउत्थपदेणं, सव्वपदेसा सव्वदव्वा सव्वपज्जवा जहा पोग्गलत्थिकाओ, तीतद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा चउत्थएणं पदेणं ॥ ७३ ॥ से नूणं भंते ! लाघवियं अप्पिच्छा अमुच्छा अगेही अपडिबद्धया समणाणं णिग्गंथाणं पसत्थं ?, हंता गोयमा ! लाघवियं जाव पसत्थं ॥ से नूणं भंते ! अकोहत्तं अमाणत्तं अमायत्तं अलोभत्तं समणाणं निग्गंथाणं पसत्थं ?, हंता गोयमा ! अकोहत्तं अमाणत्तं जाव पसत्थं ॥ से नूणं भंते ! कंखापदोसे खीणे समणे निग्गंथे अंतकरे भवति अंतिमसारीरिए वा बहुमोहेवि य णं पुव्विं विहरित्ता अह पच्छा संवुडे कालं करेति तओ पच्छा सिज्झति ३ जाव अंतं करेइ ?, हंता गोयमा ! कंखापदोसे खीणे जाव अंतं करेति ॥ ७४ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति एवं भासेति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति-एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पकरेति, तंजहा-इहभवियाउयं च परभवियाउयं च, जं समयं इहभवियाउयं पकरेति तं समयं परभवियाउयं पकरेति, जं समयं परभवियाउयं पकरेति तं समयं इहभवियाउयं पकरेति, इहभवियाउयस्स पकरणयाए परभवियाउयं पकरेइ, परभवियाउयस्स पकरणयाए इहभवियाउयं पकरेति, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं

पकरेति, तं०-इहभवियाउयं च परभवियाउयं च, से कहमेयं भंते ! एवं ?, खलु गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव परभवियाउयं च, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेति, तं०-इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, जं समयं इहभवियाउयं पकरेति णो तं समयं परभवियाउयं पकरेति, जं समयं परभवियाउयं पकरेइ णो तं समयं इहभवियाउयं पकरेइ, इहभवियाउयस्स पकरणताए णो परभवियाउयं पकरेति, परभवियाउयस्स पकरणताए णो इहभवियाउयं पकरेति, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेति, तं०-इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरति ॥ ७५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे कालासवेसियपुत्ते णामं अणगारे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छति २ त्ता थेरे भगवंते एवं वयासी-थेरा सामाइयं ण जाणंति थेरा सामाइयस्स अट्ठं ण याणंति थेरा पच्चक्खाणं ण याणंति थेरा पच्चक्खाणस्स अट्ठं ण याणंति थेरा संजमं ण याणंति थेरा संजमस्स अट्ठं ण याणंति थेरा संवरं ण याणंति थेरा संवरस्स अट्ठं ण याणंति थेरा विवेगं ण याणंति थेरा विवेगस्स अट्ठं ण याणंति थेरा विउस्सग्गं ण याणंति थेरा विउस्सग्गस्स अट्ठं ण याणंति ६। तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी-जाणामो णं अज्जो ! सामाइयं जाणामो णं अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणामो णं अज्जो ! विउस्सग्गस्स अट्ठं। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी—जति णं अज्जो ! तुब्भे जाणह सामाइयं जाणह सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणह विउस्सग्गस्स अट्ठं किं भे अज्जो ! सामाइए किं भे अज्जो सामाइयस्स अट्ठे ? जाव किं भे विउस्सग्गस्स अट्ठे ?, तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी-आया णे अज्जो ! सामाइए आया णे अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठे जाव विउस्सग्गस्स अट्ठे। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी-'जति भे अज्जो ! आया सामाइए आया सामाइयस्स अट्ठे एवं जाव आया विउस्सग्गस्स अट्ठे अवहट्टु कोहमाणमायालोभे किमट्ठं अज्जो ! गरहह ?, कालास० संजमट्ठयाए, से भंते ! किं गरहा संजमे अगरहा संजमे ?, कालास० गरहा संजमे नो अगरहासंजमे, गरहावि य णं सव्वं दोसं पविणेति सव्वं बालियं परिण्णाए, एवं खु णे आया संजमे उवहिए भवति, एवं खु णे आया संजमे उवचिए भवति, एवं खु णे आया संजमे उवट्ठिए भवति, एत्थ णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे संबुद्धे थेरे भगवंते वंदति णमंसति २ एवं

वयासी-एएसि णं भंते ! पयाणं पुव्विं अण्णाणयाए असवणयाए अबोहियाए अण-भिगमेणं अदिट्ठाणं अस्सुयाणं असुयाणं अविण्णायाणं अव्वोगडाणं अव्वोच्छिन्नाणं अणिज्जूढाणं अणुवधारियाणं एयमट्ठं णो सद्दहिए णो पत्तिइए णो रोइए इयाणिं भंते ! एतेसि पयाणं जाणणयाए सवणयाए बोहीए अभिगमेणं दिट्ठाणं सुयाणं मुयाणं विण्णायाणं वोगडाणं वोच्छिन्नाणं णिज्जूढाणं उवधारियाणं एयमट्ठं सद्दहामि पत्ति-यामि रोएमि एवमेयं से जहेयं तुब्भे वदह, तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसि-यपुत्तं अणगारं एवं वयासी-सद्दहाहि अज्जो ! पत्तियाहि अज्जो ! रोएहि अज्जो ! से जहेयं अम्हे वदामो । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंतो वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिवंधं । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ जस्सट्ठाए कीरइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे मुंडभावे अण्हाणयं अदंतधु-वणयं अच्छत्तयं अणोवाहणयं भूमिसेज्जा फलहसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोओ बंभचेर-वासो परघरपवेसो लद्धावलद्धी उच्चावया गामकंटगा बावीसं परिसहोवसग्गा अहि-यासिज्जंति तमट्ठं आराहेइ २ चरिमेहिं उस्सासनीसासेहिं सिद्धे बुद्धे मुक्के परिनिव्वुडे सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ७६ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमं-सति २ एवं वदासी-से नूणं भंते ! सेट्ठियस्स य तणुयस्स य किवणस्स य खत्ति-यस्स य समं चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ?, हंता गोयमा ! सेट्ठियस्स य जाव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते ! ?, गोयमा ! अविरतिं पडुच्च से तेण० गोयमा ! एवं वुच्चइ-सेट्ठियस्स य तणु० जाव कज्जइ ॥ ७७ ॥ आहाकम्मं भुंजमाणे समणे निग्गंथे किं बंधइ किं पकरेइ किं चिणाइ किं उवचिणाइ ?, गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ जाव अणुपरियट्टइ, से केणट्ठेणं जाव अणुपरियट्टइ ?, गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आयाए धम्मं अइक्कमइ आयाए धम्मं अइक्कम-माणे पुढविक्कायं णावकंखइ जाव तसकायं णावकंखइ, जेसिंपि य णं जीवाणं सरी-राइं आहारमाहारेइ तेवि जीवे नावकंखइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-आहा-कम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ जाव अणुपरियट्टइ ॥ फासुए-सणिज्जं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ जाव उवचिणाइ ?, गोयमा ! फासुएसणिज्जं णं

भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ धणियबंधणवद्धाओ सिढिलबंधणवद्धाओ पकरेइ जहा संवुडे णं नवरं आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय नो बंधइ, सेसं तहेव जाव वीईवयइ, से केणट्ठेणं जाव वीईवयइ ?, गोयमा ! फासुएसणिज्जं भुंजमाणे समणे निग्गंथे आयाए धम्मं नो अइक्कमइ, आयाए धम्मं अणइक्कमाणे पुढविक्काइयं अवकंखति जाव तसकायं अवकंखइ, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीराइं आहारेइ तेऽवि जीवे अवकंखति से तेणट्ठेणं जाव वीईवयइ ॥ ७८ ॥ से नूणं भंते ! अथिरे पलोट्टइ नो थिरे पलोट्टति अथिरे भज्जइ नो थिरे भज्जइ सासए वालए वालियत्तं असासयं सासए पंडिए पंडियत्तं असासयं ?, हंता गोयमा ! अथिरे पलोट्टइ जाव पंडियत्तं असासयं सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ॥७९॥ **पढमसए, नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव एवं परूवेंति–एवं खलु चलमाणे अचलिए जाव निज्जरिज्जमाणे अणिज्जिण्णे, दो परमाणुपोग्गला एगयओ न साहणंति, कम्हा दो परमाणुपोग्गला एगततो न साहणंति ?, दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं नत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ न साहणंति, तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, कम्हा ? तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ सा०, ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जंति, दुहा कज्जमाणा एगयओ दिवड्ढे परमाणुपोग्गले भवति एगयओवि दिवड्ढे पर० पो० भवति, तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति, एवं जाव चत्तारि पंचपरमाणुपो० एगयओ साहणंति, एगयओ साहणित्ता दुक्खत्ताए कज्जंति, दुक्खेवि य णं से सासए सया समियं उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य पुव्विं भासा भासा भासिज्जमाणी भासा अभासा भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा, जा सा पुव्विं भासा भासा भासिज्जमाणी भासा अभासा भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा सा किं भासओ भासा अभासओ भासा ?, अभासओ णं सा भासा नो खलु सा भासओ भासा । पुव्विं किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया अदुक्खा किरियासमयवीतिक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा, जा सा पुव्विं किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया अदुक्खा किरियासमयवीइक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा सा किं करणओ दुक्खा अकरणओ दुक्खा ?, अकरणओ णं सा दुक्खा णो खलु सा करणओ दुक्खा, सेवं वत्तव्वं सिया–अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणभूयजीवसत्ता वेदणं वेदंतीति वत्तव्वं सिया ॥ से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमातिक्खंति जाव वेदणं

वेदेंति, वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि, एवं खलु चलमाणे चलिए जाव निज्जरिज्जमाणे निज्जिण्णे, दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, कम्हा ? दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति ?, दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ सा०, ते भिज्जमाणा दुहा कज्जंति, दुहा कज्जमाणे एगयओ पर० पोग्गले एगयओ प० पोग्गले भवंति, तिण्णि परमा० एगओ साह०, कम्हा ? तिन्नि परमाणुपोग्गले एग० सा० ?, तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जंति, दुहा कज्जमाणा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपदेसिए खंधे भवति, तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति, एवं जाव चत्तारिपंचपरमाणुपो० एगओ साहणित्ता २ खंधत्ताए कज्जंति, खंधेवि य णं से असासए सया समियं उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य । पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा अभासा जा सा पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा अभासा सा किं भासओ भासा अभासओ भासा ?, भासओ णं भासा नो खलु सा अभासओ भासा । पुव्विं किरिया अदुक्खा जहा भासा तहा भाणियव्वा, किरियावि जाव करणओ णं सा दुक्खा नो खलु सा अकरणओ दुक्खा, सेवं वत्तव्वं सिया—किच्चं फुसं दुक्खं कज्जमाणकडं कट्टु २ पाणभूयजीवसत्ता वेदणं वेदेंतीति वत्तव्वं सिया ॥ ८० ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव—एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—इरियावहियं च संपराइयं च, [जं समयं इरियावहियं पकरेइ तं समयं संपराइयं पकरेइ, जं समयं संपराइयं पकरेइ तं समयं इरियावहियं पकरेइ, इरियावहियाए पकरणताए संपराइयं पकरेइ संपराइयपकरणयाए इरियावहियं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेति, तंजहा—इरियावहियं च संपराइयं च । से कहमेयं भंते एवं ?, गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति तं चेव जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि ४—एवं खलु एगे जीवे एगसमए एक्कं किरियं पकरेइ] परउत्थियवत्तव्वं णेयव्वं, ससमयवत्तव्वयाए नेयव्वं जाव इरियावहियं संपराइयं वा ॥ ८१ ॥ निरयगई णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं प० ?, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता, एवं वक्कंतीपयं भाणियव्वं निरवसेसं, सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति जाव विहरइ ॥ ८२ ॥ **दसमो उद्देसओ ॥ पढमं सयं समत्तं ॥**

गाहा—ऊसासखंदए वि य १ समुग्घाय २ पुढविं ३ दिय ४ अन्नउत्थिभासा ५ य । देवा य ६ चमरचंचा ७ समय ८ खित्त ९ त्थिकाय १० बीयसए ॥१॥८३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था, वण्णओ, सामी समोसढे परिसा निग्गया धम्मो कहिओ पडिगया परिसा । तेणं कालेणं २ जेट्ठे अंतेवासी जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–जे इमे भंते ! बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा नीसासं वा जाणामो पासामो, जे इमे पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया एगिंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा निस्सासं वा ण याणामो ण पासामो, एएसि णं भंते ! जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा ? हंता गोयमा ! एएवि य णं जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा ॥ ८४ ॥ किण्णं भंते ! जीवा आण० पा० उ० नी० ?, गोयमा ! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं खेत्तओ णं असंखपएसोगाढाइं कालओ अन्नयरट्ठितीयाइं भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा, जाइं भावओ वण्णमंताइं आण० पाण० ऊस० नीस० ताइं किं एगवण्णाइं आणमंति पाणमंति ऊस० नीस० ?, आहारगमो नेयव्वो जाव तिचउपंचदिसिं । किण्णं भंते ! नेरइया आ० पा० उ० नी० तं चेव जाव नियमा छद्दिसिं आ० पा० उ० नी० जीवा एगिंदिया वाघाया य निव्वाघाया य भाणियव्वा, सेसा नियमा छद्दिसिं ॥ वाउयाए णं भंते ! वाउयाए चेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ?, हंता गोयमा ! वाउयाए णं जाव नीससंति वा ॥ ८५ ॥ वाउयाए णं भंते ! वाउयाए चेव अणेगसयसहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव भुज्जो भुज्जो पच्चायाति ?, हंता गोयमा ! जाव पच्चायाति । से भंते किं पुट्ठे उद्दाति अपुट्ठे उद्दाति ?, गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ नो अपुट्ठे उद्दाइ । से भंते ! किं ससरीरी निक्खमइ असरीरी निक्खमइ ?, गोयमा ! सिय ससरीरी निक्खमइ सिय असरीरी निक्खमइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सिय ससरीरी निक्खमइ सिय असरीरी निक्खमइ ?, गोयमा ! वाउकायस्स णं चत्तारि सरीरया पन्नत्ता, तंजहा–ओरालिए वेउव्विए तेयए कम्मए, ओरालियवेउव्वियाइं विप्पजहाय तेयकम्मएहिं निक्खमति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–सिय ससरीरी सिय असरीरी निक्खमइ ॥ ८६ ॥ मडाई णं भंते ! नियंठे नो निरुद्धभवे नो निरुद्धभवपवंचे णो पहीणसंसारे णो पहीणसंसारवेयणिज्जे णो वोच्छिण्णसंसारे णो वोच्छिण्णसंसारवेयणिज्जे नो निट्ठियट्ठे नो निट्ठियट्ठकरणिज्जे पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति ?, हंता गोयमा !

मडाई णं नियंठे जाव पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छइ ॥ ८७ ॥ से णं भंते ! किं वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! पाणेति वत्तव्वं सिया भूतेति वत्तव्वं सिया जीवेत्ति वत्तव्वं० सत्तेत्ति वत्तव्वं० विन्नुत्ति वत्तव्वं० वेदेति वत्तव्वं सिया पाणे भूए जीवे सत्ते विन्नू वेएति वत्तव्वं सिया, से केणट्ठेणं भंते ! पाणेत्ति वत्तव्वं सिया जाव वेदेति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! जम्हा आ० पा० उ० नी० तम्हा पाणेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा भूते भवति भविस्सति य तम्हा भूएत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा जीवे जीवइ जीवत्तं आउयं च कम्मं उवजीवइ तम्हा जीवेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा सत्ते सुहासुहेहिं कम्मेहिं तम्हा सत्तेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा तित्तकडुयकसायअंबिलमहुरे रसे जाणइ तम्हा विन्नुत्ति वत्तव्वं सिया, वेदेइ य सुहदुक्खं तम्हा वेदेति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं जाव पाणेत्ति वत्तव्वं सिया जाव वेदेति वत्तव्वं सिया ॥ ८८ ॥ मडाई णं भंते ! नियंठे निरुद्धभवे निरुद्धभवपवंचे जाव निट्ठियट्ठकरणिज्जे णो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति ?, हंता गोयमा ! मडाई णं नियंठे जाव नो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति से णं भंते ! किंति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! सिद्धेत्ति वत्तव्वं सिया बुद्धेत्ति वत्तव्वं सिया मुत्तेत्ति वत्तव्वं० पारगएत्ति व० परंपरगएत्ति व० सिद्धे बुद्धे मुत्ते परिनिव्वुडे अंतकडे सव्वदुक्खप्पहीणेत्ति वत्तव्वं सिया, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति ॥ ८९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं कयंगलानामं नगरी होत्था वण्णओ, तीसे णं कयंगलाए नगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए छत्तपलासए नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ, तए णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णनाणदंसणधरे जाव समोसरणं परिसा निग्गच्छति, तीसे णं कयंगलाए नगरीए अदूरसामंते सावत्थी नामं नयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए नामं कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायगे परिवसइ रिउव्वेदजजुव्वेदसामवेदअहव्वणवेदइतिहासपंचमाणं निग्घंटुछट्ठाणं चउण्हं वेदाणं संगोवंगाणं सरहस्साणं सारए वारए धारए पारए सडंगवी सट्ठितंतविसारए संखाणे सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे निरुत्ते जोतिसामयणे अन्नेसु य बहूसु बंभण्णएसु परिव्वायएसु य नयेसु सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए पिंगलए नामं नियंठे वेसालियसावए परिवसइ, तए णं से पिंगलए णामं णियंठे वेसालियसावए अण्णया कयाइं जेणेव

खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ खंदगं कच्चायणस्सगोत्तं इणमक्खेवं पुच्छे–मागहा! किं सअंते लोए अणंते लोए १ सअंते जीवे अणंते जीवे २ सअंता सिद्धी अणंता सिद्धी ३ सअंते सिद्धे अणंते सिद्धे ४ केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढति वा हायति वा ५?, एतावं ताव आयक्खाहि वुच्चमाणे एवं, तए णं से खंदए कच्चा० गोत्ते पिंगलएणं णियंठेणं वेसालीसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावन्ने कलुससमावन्ने णो संचाएइ पिंगलयस्स नियंठस्स वेसालियसावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाइउं, तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं से पिंगले नियंठे वेसालीसावए खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं दोच्चंपि तच्चंपि इणमक्खेवं पुच्छे–मागहा! किं सअंते लोए जाव केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायति वा? एतावं ताव आइक्खाहि वुच्चमाणे एवं, तते णं से खंदए कच्चा० गोत्ते पिंगलएणं नियंठेणं वेसालीसावएणं दोच्चंपि तच्चंपि इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावण्णे कलुससमावण्णे नो संचाएइ पिंगलयस्स नियंठस्स वेसालिसावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाउं तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव महापहेसु महया जणसंमद्दे इ वा जणवूहे इ वा परिसा निग्गच्छइ। तए णं तस्स खंदयस्स कच्चायणस्सगोत्तस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म इमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे भगवं महावीरे कयंगलाए नयरीए बहिया छत्तपलासए उज्जाणे संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि नमंसामि, सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणित्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासित्ता इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं पुच्छित्तएत्ति कट्टु एवं संपेहेइ २ जेणेव परिव्वायावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तिदंडं च कुंडियं च कंचणियं च करोडियं च भिसियं च केसरियं च छन्नालयं च अंकुसयं च पवित्तयं च गणेत्तियं च छत्तयं च वाहणाओ य पाउयाओ य धाउरत्ताओ य गेण्हइ गेण्हइत्ता परिव्वायावसहीओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमइत्ता तिदंडकुंडियकंचणियकरोडियभिसियकेसरियछन्नालयअंकुसयपवित्त-गणेत्तियहत्थगए छत्तोवाहणसंजुत्ते धाउरत्तवत्थपरिहिए सावत्थीए नगरीए मज्झं-मज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छइत्ता जेणेव कयंगला नगरी जेणेव छत्तपलासए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–दच्छिसि णं गोयमा! पुव्वसंगतियं, कहं भंते!?, खंदयं नाम, से काहं वा किहं वा केवच्चिरेण वा?, एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं

२ सावत्थीनामं नगरी होत्था वन्नओ, तत्थ णं सावत्थीए नगरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए णामं कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायए परिवसइ तं चेव जाव जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, से तं अदूरागते बहुसंपत्ते अद्धाणपडिवण्णे अंतरापहे वट्टइ । अज्जेव णं दच्छिसि गोयमा !, भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी-पहू णं भंते ! खंदए कच्चायणस्सगोत्ते देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ?, हंता पभू, जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तं देसं हव्वमागते, तए णं भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं अदूरआगयं जाणित्ता खिप्पामेव अब्भुट्ठेति खिप्पामेव पच्चुवगच्छइ २ जेणेव खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी-हे खंदया ! सागयं खंदया ! सुसागयं खंदया ! अणुरागयं खंदया ! सागयमणुरागयं खंदया ! से नूणं तुमं खंदया ! सावत्थीए नयरीए पिंगलएणं नियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए—मागहा ! किं सअंते लोगे अणंते लोगे ? एवं तं चेव जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया ! अट्ठे समट्ठे ?, हंता अत्थि, तए णं से खंदए कच्चा० भगवं गोयमं एवं वयासी-से केणट्ठेणं गोयमा ! तहारूवे नाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए ? जओ णं तुमं जाणसि, तए णं से भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी-एवं खलु खंदया ! मम धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली तीयपच्चुप्पन्नमणागयवियाणए सव्वन्नू सव्वदरिसी जेणं ममं एस अट्ठे तव ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं अहं जाणामि खंदया ! तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी—गच्छामो णं गोयमा ! तव धम्मायरियं धम्मोवदेसयं समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं, तए णं से भगवं गोयमे खंदएणं कच्चायणस्सगोत्तेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणयाए । तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे वियडभोई यावि होत्था, तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्टभोइस्स सरीरं ओरालं सिंगारं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं सस्सिरीयं अणलंकियविभूसियं लक्खणवंजणगुणोववेयं सिरीए अतीव २ उवसोभेमाणे चिट्ठइ । तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्टभोइस्स सरीरं ओरालं जाव अतीव २ उवसोभेमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए जेणेव

समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणप्पयाहिणं करेइ जाव पज्जुवासइ। खंदयाति समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चाय० एवं वयासी–से नूणं तुमं खंदया! सावत्थीए नयरीए पिंगलएणं णियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए मागहा! किं सअंते लोए अणंते लोए एवं तं जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया! अयमट्ठे समट्ठे?, हंता अत्थि, जेविय ते खंदया! अयमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–किं सअंते लोए अणंते लोए? तस्सवि य णं अयमट्ठे–एवं खलु मए खंदया! चउव्विहे लोए पन्नत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ। दव्वओ णं एगे लोए सअंते १, खेत्तओ णं लोए असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयाम-विक्खंभेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं प० अत्थि पुण सअंते २, कालओ णं लोए ण कयावि न आसी न कयावि न भवति न कयावि न भविस्सति भविंसु य भवति य भविस्सइ य धुवे णितिए सासते अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, णत्थि पुण से अंते ३, भावओ णं लोए अणंता वण्णपज्जवा गंध० रस० फासपज्जवा अणंता संठाणपज्जवा अणंता गरुयलहुयपज्जवा अणंता अगरुयलहुय-पज्जवा, नत्थि पुण से अंते ४, सेत्तं खंदगा! दव्वओ लोए सअंते खेत्तओ लोए सअंते कालतो लोए अणंते भावओ लोए अणंते। जेवि य ते खंदया! जाव सअंते जीवे अणंते जीवे, तस्सावि य णं अयमट्ठे–एवं खलु जाव दव्वओ णं एगे जीवे सअंते, खेत्तओ णं जीवे असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपदेसोगाढे अत्थि पुण से अंते, कालओ णं जीवे न कयावि न आसि जाव निच्चे नत्थि पुण से अंते, भावओ णं जीवे अणंता णाणपज्जवा अणंता दंसणप० अणंता चरित्तप० अणंता अगुरुलहुयप० नत्थि पुण से अंते, सेत्तं दव्वओ जीवे सअंते खेत्तओ जीवे सअंते कालओ जीवे अणंते भावओ जीवे अणंते। जेवि य ते खंदया पुच्छा [इमेयारूवे चिंतिए जाव सअंता सिद्धी अणंता सिद्धी, तस्सवि य णं अयमट्ठे खंदया!–मए एवं खलु चउ-व्विहा सिद्धी प०, तं०–दव्वओ ४, दव्वओ णं एगा सिद्धी सअंता खेत्तओ णं सिद्धी पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च जोयणसयसहस्साइं तीसं च जोयणसहस्साइं दोन्नि य अउणापन्नजोयणसए किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं अत्थि पुण से अंते, कालओ णं सिद्धी न कयावि न आसि० भावओ य जहा लोयस्स तहा भाणियव्वा, तत्थ दव्वओ सिद्धी सअंता खे० सिद्धी सअंता का० सिद्धी अणंता भावओ सिद्धी अणंता। जेवि य ते खंदया! जाव किं अणंते सिद्धे तं चेव जाव दव्वओ णं एगे सिद्धे सअंते, खे० सिद्धे अस-

खेज्जपएसिए असंखेज्जपदेसोगाढे, अत्थि पुण से अंते, कालओ णं सिद्धे साइए अपज्जवसिए नत्थि पुण से अंते, भा० सिद्धे अणंता णाणपज्जवा अणंता दंसणपज्जवा जाव अणंता अगुरुलहुयप० नत्थि पुण से अंते, सेत्तं दव्वओ सिद्धे सअंते खेत्तओ सिद्धे सअंते का० सिद्धे अणंते भा० सिद्धे अणंते। जेवि य ते खंदया! इमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढति वा हायति वा?, तस्सवि य णं अयमट्ठे एवं खलु खंदया! मए दुविहे मरणे पण्णत्ते, तंजहा–वालमरणे य पंडियमरणे य, से किं तं वालमरणे?, २ दुवालसविहे प०, तं०वलयमरणे वसट्टमरणे अंतोसल्लमरणे तब्भवमरणे गिरिपडणे तरुपडणे जलप्पवेसे जलणप्प० विसभक्खणे सत्थोवाडणे वेहाणसे गिद्धपट्ठे। इच्चेतेणं खंदया! दुवालसविहेणं वालमरणेणं मरमाणे जीवे अणंतेहिं नेरइयभवग्गहणेहिं अप्पाणं संजोएइ तिरियमणुदेव० अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टइ, सेत्तं मरमाणे वड्ढइ २, सेत्तं बालमरणे। से किं तं पंडियमरणे?, २ दुविहे प०, तं० पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य। से किं तं पाओवगमणे?, २ दुविहे प०, तं०–नीहारिमे य अनीहारिमे य नियमा अप्पडिक्कमे, सेत्तं पाओवगमणे। से किं तं भत्तपच्चक्खाणे?, २ दुविहे प०, तं०–नीहारिमे य अनीहारिमे य, नियमा सपडिक्कमे, सेत्तं भत्तपच्चक्खाणे। इच्चेते खंदया! दुविहेणं पंडियमरणेणं मरमाणे जीवे अणंतेहिं नेरइयभवग्गहणेहिं अप्पाणं विसंजोएइ जाव वीईवयति, सेत्तं मरमाणे हायइ, सेत्तं पंडियमरणे। इच्चेएणं खंदया! दुविहेणं मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायति वा ॥ ९० ॥ एत्थ णं से खंदए कच्चायणस्स गोत्ते संवुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी–इच्छामि णं भंते! तुब्भं अंतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं निसामेत्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिवंधं। तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयस्स कच्चायणस्सगोत्तस्स तीसे महतिमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ, धम्मकहा भाणियव्वा। तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोचा निसम्म हट्ठतुट्ठे जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ एवं वदासी–सद्दहामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते! निग्गंथं पा०, एवमेयं भंते! तहमेयं भंते! अवितहमेयं भंते! असंदिद्धमेयं भंते! इच्छियमेयं भंते! पडिच्छियमेयं भंते! इच्छियपडिच्छियमेयं भंते! से जहेयं तुब्भे वदहत्ति कट्टु समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ उत्तर-

पुरच्छिमं दिसीभायं अवक्कमइ २ तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ य एगंते एडेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेइत्ता जाव नमंसित्ता एवं वदासी—आलित्ते णं भंते! लोए पलित्ते णं भंते! लोए आ० प० भं० लो० जरामरणेण य, से जहानामए—केइ गाहावती आगारंसि झियायमाणंसि जे से तत्थ भंडे भवइ अप्पभारे मोल्लगरुए तं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्कमइत्ति, एस मे नित्थारिए समाणे पच्छा पुरा हियाए सुहाए खमाए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ, एवामेव देवाणुप्पिया! मज्झवि आया एगे भंडे इट्ठे कंते पिए मणुन्ने मणामे थेज्जे वेसासिए संमए बहुमए अणुमए भंडकरंडगसमाणे मा णं सीयं मा णं उण्हं मा णं खुहा मा णं पिवासा मा णं चोरा मा णं वाला मा णं दंसा मा णं मसगा मा णं वाइयपित्तियसंभियसंनिवाइयविविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा फुसंतुत्ति कट्टु एस मे नित्थारिए समाणे परलोयस्स हियाए सुहाए खमाए नीसेसाए अणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं सयमेव सेहावियं सयमेव सिक्खावियं सयमेव आयारगोयरं विणयवेणइयचरणकरणजायामायावत्तियं धम्ममाइक्खिअं। तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममातिक्खइ, एवं देवाणुप्पिया! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं एवं निसीतियव्वं एवं तुयट्टियव्वं एवं भुंजियव्वं एवं भासियव्वं एवं उट्ठाए पाणेहिं भूएहिं जीवेहि सत्तेहि संजमेणं संजमियव्वं, अस्सिं च णं अट्ठे णो किंचिवि पमाइयव्वं। तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जति तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ तह निसीयति तह तुयट्टइ तह भुंजइ तह भासइ तह उट्ठाए २ पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमियव्वमिति, अस्सिं च णं अट्ठे णो पमायइ। तए णं से खंदए कच्चाय० अणगारे जाते इरियासमिए भासासमिए एसणासमिए आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिए उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिए मणसमिए वयसमिए कायसमिए मणगुत्ते वइगुत्ते कायगुत्ते गुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तबंभयारी चाई लज्जू धण्णे खंतिखमे जिइंदिए सोहिए अणियाणे अप्पुस्सुए अबहिल्लेस्से सुसामण्णरए दंते इणमेव णिग्गंथं पावयणं पुरओ काउं विहरइ॥ ९१॥ तए णं समणे भगवं महावीरे कयंगलाओ नयरीओ छत्तपलासयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरति। तए णं से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, जेणेव समणे

भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिवंधं । तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठे जाव नमंसित्ता मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, तए णं से खंदए अणगारे मासियभिक्खुपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्मं काएण फासेति पालेति सोभेति तीरेति पूरेति किट्टेति अणुपालेइ आणाए आराहेइ संमं काएण फासित्ता जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं जाव नमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहि अब्भणुण्णाए समाणे दोमासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिवंधं, तं चेव, एवं तेमासियं चाउम्मासियं पंचछसत्तमा०, पढमं सत्तराइंदियं दोच्चं सत्तराइंदियं तच्चं सत्तरातिंदियं, अहोरातिंदियं एगरा०, तए णं से खंदए अणगारे एगराइंदियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे० तेणेव उवागच्छति २ समणं भगवं म० जाव नमंसित्ता एवं वदासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिवंधं । तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे जाव नमंसित्ता गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरति, तं०-पढमं मासं चउत्थंचउत्थेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं—दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेण य । एवं दोच्चं मासं छट्ठंछट्ठेणं एवं तच्चं मासं अट्ठमंअट्ठमेणं चउत्थं मासं दसमंदसमेणं पंचमं मासं वारसमंवारसमेणं छट्ठं मासं चोद्दसमंचोद्दसमेणं सत्तमं मासं सोलसमं २ अट्ठमं मासं अट्ठारसमं २ नवमं मासं वीसतिमं २ दसमं मासं वावीसं २ एक्कारसमं मासं चउव्वीसतिमं २ वारसमं मासं छव्वीसतिमं २ तेरसमं मासं अट्ठावीसतिमं २ चोद्दसमं मासं तीसइमं २ पन्नरसमं मासं वत्तीसतिमं २ सोलसमं मासं चोत्तीसइमं २ अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं, तए णं से खंदए अणगारे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं अहासुत्तं अहाकप्पं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ वहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरति । तए णं से खंदए अणगारे तेणं ओरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्ग-

हिएणं कल्लाणेणं सिवेणं धन्नेणं मंगल्लेणं सस्सिरीएणं उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं उदारेणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के लुक्खे निम्मंसे अट्ठिचम्मावणद्धे किडिकिडियाभूए किसे धमणिसंतए जाते यावि होत्था, जीवंजीवेण गच्छइ जीवंजीवेण चिट्ठइ भासं भासित्तावि गिलाइ भासं भासमाणे गिलाति भासं भासिस्सामीति गिलायति, से जहा नामए-कट्ठसगडिया इ वा पत्तसगडिया इ वा पत्ततिलभंडगसगडिया इ वा एरंडकट्ठसगडिया इ वा इंगालसगडिया इ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ एवामेव खंदएवि अणगारे ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ उवचिते तवेणं अवचिए मंससोणिएणं हुयासणेविव भासरासिपडिच्छन्ने तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अतीव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ ॥ ९२ ॥ तेणं कालेणं २ रायगिहे नगरे जाव समोसरणं जाव परिसा पडिगया, तए णं तस्स खंदयस्स अण० अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं ओरालेणं जाव किसे धमणिसंतए जाते जीवंजीवेणं गच्छामि जीवंजीवेणं चिट्ठामि जाव गिलामि जाव एवामेव अहंपि ससद्दं गच्छामि ससद्दं चिट्ठामि तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवदेसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिलियंमि अहापांडुरे पभाए रत्तासोयप्पकासकिंसुयसुयमुहगुंजद्धरागसरिसे कमलागरसंडबोहए उट्ठियंमि सूरे सहस्सरस्सिमि दिणयरे तेयसा जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवेत्ता समणा य समणीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुल पव्वयं सणियं २ दुरूहित्ता मेघघणसन्निगासं देवसन्निवातं पुढवीसिलावट्टयं पडिलेहित्ता दब्भसंथारयं संथरित्ता दब्भसंथारोवगयस्स संलेहणाजोसणाजूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्ति कट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते जेणेव समणे भग० जाव पज्जुवासति, खंदयाइ समणे भगवं महावीरे खंदयं अणगारं एवं वयासी-से नूणं तव खंदया! पुव्वरत्तावरत्तकालस० जाव जागरमाणस्स इमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं तवेणं ओरालेणं विपुलेणं तं चेव जाव कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्ति कट्टु एवं संपेहेति २ कल्लं पाउप्पभाए जाव जलंते जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया!

अट्ठे समट्ठे ?, हंता अत्थि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं ॥ ९३ ॥ तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भगवं महा० तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ जाव नमंसित्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता समणे य समणीओ य खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहेइ मेहघणसन्निगासं देवसन्निवायं पुढविसिलावट्टयं पडिलेहेइ २ उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ दब्भसंथारयं संथरइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसन्ने करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वदासी–नमोऽत्थु णं अरहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ म० जाव संपाविउकामस्स, वंदामि णं भगवंतं तत्थ गयं इहगते, पासउ मे भयवं तत्थगए इहगयंति कट्टु वंदइ नमंसति २ एवं वदासी—पुव्विंपि मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए जावज्जीवाए इयाणिंपि य णं समणस्स भ० म० अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि, एवं सव्वं असणं पाणं खा० सा० चउव्विहंपि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं जाव फुसंतुत्तिकट्टु एयंपि णं चरिमेहिं उस्सासनीसासेहिं वोसिरामित्तिकट्टु संलेहणाजूसणाजूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरति । तए णं से खंदए अण० समणस्स भ० म० तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं इक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए ॥ ९४ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो खंदयं अण० कालगयं जाणित्ता परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ पत्तचीवराणि गिण्हंति २ विपुलाओ पव्वयाओ सणियं २ पच्चोरुहंति २ जेणेव समणे भगवं म० तेणेव उवा० समणं भगवं म० वंदंति नमंसंति २ एवं वदासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए नामं अणगारे पगइभद्दए पगतिविणीए पगतिउवसंते पगतिपयणुकोहमाणमायालोभे मिउमद्दवसंपन्ने अल्लीणे भद्दए विणीए, से णं देवाणुप्पिएहिं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवित्ता समणे य समणीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं तं चेव निरवसेसं जाव आणुपुव्वीए कालगए इमे य से आयारभंडए । भंते त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं म० वंदति नमंसति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी

खंदए नामं अण० कालमासे कालं किच्चा कहिं गए? कहिं उववण्णे?, गोयमाइ समणे भगवं महा० भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा! मम अंतेवासी खंदए नामं अणगारे पगतिभ० जाव से णं मए अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता तं चेव सव्वं अविसेसियं नेयव्वं जाव आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिती प०, तस्स णं खंदयस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिती प०। से णं भंते! खंदए देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिति? कहिं उववज्जिहिति?, गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति बुज्झिहिति मुच्चिहिति परिनिव्वाहिति सव्वदुक्खाणमंतं करेहिति ॥ ९५ ॥ **खंदओ समत्तो ॥ बितीयसयस्स पढमो ॥**

कति णं भंते! समुग्घाया पण्णत्ता?, गोयमा! सत्त समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा–वेदणासमुग्घाए एवं समुग्घायपदं छाउमत्थियसमुग्घायवज्जं भाणियव्वं, जाव वेमाणियाणं कसायसमुग्घाया अप्पाबहुयं। अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो केवलिसमुग्घाय जाव सासयमणागयद्धं चिट्ठंति, समुग्घायपदं नेयव्वं ॥ ९६ ॥ **बितीयसए बितीयोद्देसो भाणियव्वो ॥**

कति णं भंते! पुढवीओ पन्नत्ताओ?, जीवाभिगमे नेरइयाणं जो बितिओ उद्देसो सो नेयव्वो, पुढविं ओगाहित्ता निरया संठाणमेव बाहल्लं। [विक्खंभपरिक्खेवो वण्णो गंधो य फासो य ॥ १ ॥] जाव किं सव्वपाणा उववण्णपुव्वा?, हंता गोयमा! असतिं अदुवा अणंतखुत्तो ॥ ९७ ॥ **पुढवी उद्देसो तइओ ॥**

कति णं भंते! इंदिया पन्नत्ता?, गोयमा! पंचिंदिया पन्नत्ता, तंजहा–पढमिल्लो इंदियउद्देसो नेयव्वो, संठाणं बाहल्लं पोहत्तं जाव अलोगो ॥ ९८ ॥ **इंदियउद्देसो ॥**

अण्णउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति भासंति पन्नवेंति परूवेंति, तंजहा–एवं खलु नियंठे कालगए समाणे देवब्भूएणं अप्पाणेणं से णं तत्थ णो अन्ने देवे नो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अहिजुंजिय २ परियारेइ १ णो अप्पणच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ २ अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ३ एगेवि य णं जीवे एगेणं समएणं दो वेदे वेदेइ, तंजहा–इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च, एवं परउत्थियवत्तव्वया नेयव्वा जाव इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च। से कहमेयं भंते! एवं?, गोयमा! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा! एवमातिक्खामि भा० प० परू०–एवं खलु नियंठे कालगए समाणे अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो

भवन्ति महिड्डिएसु जाव महाणुभागेसु दूरगतीसु चिरट्ठितीएसु, से णं तत्थ देवे भवति महिड्डिए जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे जाव पडिरूवे। से णं तत्थ अन्ने देवे अन्नेसि देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ १ अप्पणच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ २ नो अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ३, एगेविय णं जीवे एगेणं समएणं एगं वेदं वेदेइ, तंजहा–इत्थिवेदं वा पुरिसवेदं वा, जं समयं इत्थिवेदं वेदेइ णो तं समयं पुरुसवेयं वेएइ जं समयं पुरिसवेयं वेएइ नो तं समयं इत्थिवेयं वेदेइ, इत्थिवेयस्स उदएणं नो पुरिसवेदं वेएइ, पुरिसवेयस्स उदएणं नो इत्थिवेयं वेएइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं वेदं वेदेइ, तंजहा–इत्थीवेयं वा पुरिसवेयं वा, इत्थी इत्थिवेएणं उदिन्नेणं पुरिसं पत्थेइ, पुरिसो पुरिसवेएणं उदिन्नेणं इत्थिं पत्थेइ, दोवि ते अन्नमन्नं पत्थेति, तंजहा–इत्थी वा पुरिसं पुरिसे वा इत्थिं ॥९९॥ उदगगब्भे णं भंते ! उदगगब्भेत्ति कालतो केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा ॥ तिरिक्खजोणियगब्भे णं भंते ! तिरिक्खजोणियगब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होति ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठ संवच्छराइं ॥ मणुस्सीगब्भे णं भंते ! मणुस्सीगब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं ॥ १०० ॥ कायभवत्थे णं भंते ! कायभवत्थेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं चउव्वीसं संवच्छराइं ॥ १०१ ॥ मणुस्सपंचेंदियतिरिक्खजोणियबीए णं भंते ! जोणियब्भूए केवतियं कालं संचिट्ठइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता ॥ १०२ ॥ एगजीवे णं भंते ! जोणिए बीयब्भूए केवतियाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं इक्कस्स वा दोण्हं वा तिण्हं वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तस्स जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छति ॥ १०३ ॥ एगजीवस्स णं भंते ! एगभवग्गहणेणं केवइया जीवा पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जहन्नेणं इक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं सयसहस्सपुहत्तं जीवा णं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जाव हव्वमागच्छइ ?, गोयमा ! इत्थीए य पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणीए मेहुणवत्तिए नामं संजोए समुप्पज्जइ, ते दुहओ सिणेहं संचिणंति २ तत्थ णं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयसहस्सपुहत्तं जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति, से तेणट्ठेणं जाव हव्वमागच्छइ ॥ १०४ ॥ मेहुणे णं भंते ! सेवमाणस्स केरिसिए असंजमे कज्जइ ?, गोयमा ! से जहानामए केइ पुरिसे रूयनालियं वा बूरनालियं वा तत्तेणं कणएणं समभिधंसेज्जा एरिसए णं गोयमा ! मेहुणं सेवमाणस्स असंजमे कज्जइ, सेवं भंते ! सेवं भंते ! जाव विहरति ॥ १०५ ॥ तए णं

समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरति। तेणं कालेणं २ तुंगिया नामं नगरी होत्था वण्णओ, तीसे णं तुंगियाए नगरीए वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए पुप्फवतिए नामं उज्जाणे होत्था, वण्णओ, तत्थ णं तुंगियाए नयरीए वहवे समणोवासया परिवसंति अड्ढा दित्ता विच्छिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णा वहुधणवहुजायरूवरयया आओगपओगसंपउत्ता विच्छड्डियविपुलभत्तपाणा बहुदासीदासगोमहिसगवेलयप्पभूया बहुजणस्स अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसंवरनिज्जरकिरियाहिकरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गंथाओ पावयणाओ अणतिक्कमणिज्जा णिग्गंथे पावयणे निस्संकिया निक्कंखिया निव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिजपेम्माणुरागरत्ता अयमाउसो ! निग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा चियत्तंतेउरघरप्पवेसा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं, चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुन्नं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे निग्गंथे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणेणं पीढफलगसेज्जासंथारएणं ओसहभेसज्जेण य पडिलाभेमाणा अहापडिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १०६ ॥ तेणं कालेणं २ पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जातिसंपन्ना कुलसंपन्ना बलसंपन्ना रूवसंपन्ना विणयसंपन्ना णाणसंपन्ना दंसणसंपन्ना चरित्तसंपन्ना लज्जासंपन्ना लाघवसंपन्ना ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहा जियमाणा जियलोभा जियनिद्दा जितिंदिया जियपरीसहा जीवियासमरणभयविप्पमुक्का जाव कुत्तियावणभूता बहुस्सुया वहुपरिवारा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा अहाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव तुंगिया नगरी जेणेव पुप्फवतीए उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १०७ ॥ तए णं तुंगियाए नगरीए सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरमहापहपहेसु जाव एगदिसाभिमुहा णिज्जायंति, तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा जाव सद्दावेंति २ एवं वदासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! पासावच्चेज्जा थेरा भगवंतो जातिसंपन्ना जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं थेराणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणनमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए ? जाव गहणयाए ?, तं

गच्छामो णं देवाणुप्पिया! थेरे भगवंते वंदामो नमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयं णं इह भवे वा परभवे वा जाव अणुगामियत्ताए भविस्सतीतिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवराइं परिहिया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा सएहिं २ गेहेहिंतो पडिनिक्खमंति २ त्ता एगयओ मेलायंति २ पायविहारचारेणं तुंगियाए नगरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ जेणेव पुप्फवतीए उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ थेरे भगवंते पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छंति, तंजहा-सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए १ अचित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए २ एगसाडिएणं उत्तरासंगकरणेणं ३ चक्खुप्फासे अंजलिप्पग्गहेणं ४ मणसो एगत्तीकरणेणं ५ जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेन्ति २ जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासंति ॥ १०८ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं तीसे य महतिमहालियाए चाउज्जामं धम्मं परिकहेंति जहा केसि-सामिस्स जाव समणोवासियत्ताए आणाए आराहगे भवति जाव धम्मो कहिओ। तए णं ते समणोवासया थेराणं भगवंताणं अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ तुट्ठ जाव हयहियया तिक्खुत्तो आयाहिणप्पयाहिणं करेंति २ जाव तिविहाए पज्जुवास-णाए पज्जुवासंति २ एवं वदासी-संजमे णं भंते! किंफले? तवे णं भंते! किंफले?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वदासी-संजमे णं अज्जो! अणण्हय-फले तवे वोदाणफले, तए णं ते समणोवासया थेरे भगवंते एवं वदासी-जति णं भंते! संजमे अणण्हयफले तवे वोदाणफले किंपत्तियं णं भंते! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं कालियपुत्ते नामं थेरे ते समणोवासए एवं वदासी-पुव्वतवेणं अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं मेहिले नामं थेरे ते समणोवासए एवं वदासी-पुव्वसंजमेणं अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं आणंदरक्खिए णामं थेरे ते समणोवासए एवं वदासी-कम्मियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उव-वज्जंति, तत्थ णं कासवे णामं थेरे ते समणोवासए एवं वदासी-संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एस अट्ठे नो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, तए णं ते समणोवासया थेरेहिं भगवंतेहि इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वाग-रिया समाणा हट्ठतुट्ठा थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति २ पसिणाइं पुच्छंति २ अट्ठाइं उवादियंति २ उट्ठाइ उट्ठेति २ थेरे भगवंते तिक्खुत्तो वंदंति णमंसंति २ थेराणं भगवं० अंतियाओ पुप्फवतियाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति २ जामेव दिसिं

पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ तए णं ते थेरा अन्नया कयाइं तुंगियाओ पुप्फवतिउज्जाणाओ पडिनिग्गच्छन्ति २ वहिया जणवयविहारं विहरन्ति ॥ १०९ ॥ तेणं कालेणं २ रायगिहे नामं नगरे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूतीनामं अणगारे जाव संखित्तविउलतेयलेस्से छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे जाव विहरति। तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ बीयाए पोरिसीए झाणं झियायइ तइयाए पोरिसीए अतुरियमचवलमसंभंते मुहपोत्तियं पडिलेहेइ २ भायणाइं वत्थाइं पडिलेहेइ २ भायणाइं पमज्जइ २ भायणाइं उग्गाहेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए छट्ठक्खमणपारणगंसि रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं, तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ अतुरियमचवलमसंभंते जुगंतरपलोयणाए दिट्ठीए पुरओ रियं सोहेमाणे २ जेणेव रायगिहे नगरे तेणेव उवागच्छइ २ रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियं अडइ। तए णं से भगवं गोयमे रायगिहे न० जाव अडमाणे वहुजणसद्दं निसामेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुङ्गियाए नगरीए बहिया पुप्फवतीए उज्जाणे पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया–संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे णं भंते ! किंफले ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वदासी–संजमे णं अज्जो ! अणण्हयफले तवे वोदाणफले तं चेव जाव पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ॥ से कहमेयं मण्णे एवं ?, तए णं समणे० गोयमे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जायसड्ढे जाव समुप्पन्नकोउहल्ले अहापज्जत्तं समुदाणं गेण्हइ २ रायगिहाओ नगराओ पडिनिक्खमइ २ अतुरियं जाव सोहेमाणे जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवा० सम० भ० महावीरस्स अदूरसामंते गमणागमणाए पडिक्कमइ एसणमणेसणं आलोएइ २ भत्तपाणं पडिदंसेइ २ समणं भ० महावीरं जाव एवं वयासी–एवं खलु भंते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाणि कुलाणि घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे वहुजणसद्दं निसामेति(मि);

एवं खलु देवा०तुंगियाए नगरीए बहिया पुप्फवईए उज्जाणे पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया—संजमे णं भंते! किंफले? तवे किंफले? तं चेव जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, तं पभू णं भंते! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अप्पभू?, समिया णं भंते! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु असमिया? आउज्जिया णं भंते! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए? उदाहु अणाउज्जिया? पलिउज्जिया णं भंते! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अपलिउज्जिया?, पुव्वतवेणं अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, पभू णं गोयमा! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, णो चेव णं अप्पभू, तह चेव नेयव्वं अवसेसियं जाव पभू समियं आउज्जिया पलिउज्जिया जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, अहंपि णं गोयमा! एवमाइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि पुव्वतवेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति कम्मियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति संगियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ॥११०॥ तहारूवं भंते! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किंफला पज्जुवासणा?, गोयमा! सवणफला, से णं भंते! सवणे किंफले?, णाणफले, से णं भंते! नाणे किंफले?, विण्णाणफले, से णं भंते! विन्नाणे किंफले?, पच्चक्खाणफले, से णं भंते! पच्चक्खाणे किंफले?, संजमफले, से णं भंते! संजमे किंफले?, अणण्हयफले, एवं अणण्हए तवफले, तवे वोदाणफले, वोदाणे अकिरियाफले, से णं भंते! अकिरिया किंफला?, सिद्धिपज्जवसाणफला पण्णत्ता गोयमा!, गाहा—सवणे णाणे य विण्णाणे पच्चक्खाणे य संजमे। अणण्हए तवे चेव वोदाणे अकिरिया सिद्धी ॥१॥ १११ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते! एवमातिक्खंति भासंति पण्णवेंति परूवेंति—एवं खलु रायगिहस्स नगरस्स बहिया वेभारस्स पव्वयस्स अहे एत्थ णं महं एगे हरए अघे पन्नत्ते अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं नाणादुमसंडमंडितउद्देसे सस्सिरीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं बहवे ओराला बलाहया संसेयंति सम्मुच्छिंति वासंति तव्वतिरित्ते य णं सया समिओ उसिणे २ आउकाए अभिनिस्सवइ। से कहमेयं

भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमातिक्खंति जाव जे ते एवं परूवेंति मिच्छं ते एवमातिक्खंति जाव सव्वं नेयव्वं, जाव अहं पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि भा० प० प० एवं खलु रायगिहस्स नगरस्स बहिया वेभारपव्वयस्स अदूरसामंते, एत्थ णं महातवोवतीरप्पभवे नामं पासवणे पन्नत्ते पंचधणुसयाणि आयामविक्खंभेणं नाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए पासाइए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे तत्थ णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति तव्वतिरित्तेवि य णं सया समियं उसिणे २ आउयाए अभिनिस्सवइ, एस णं गोयमा ! महातवोवतीरप्पभवे पासवणे एस णं गोयमा ! महातवोवतीरप्पभवस्स पासवणस्स अट्ठे पन्नत्ते, सेवं भंते २ त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति ॥ ११२ ॥ **बीए सए पंचमो उद्देसो ॥**

से णूणं भंते ! मण्णामीति ओहारिणी भासा, एवं भासापदं भाणियव्वं ॥११३॥

बीए सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

कतिविहा णं भंते ! देवा प० ?, गोयमा ! चउव्विहा देवा प०, तंजहा–भवणवइवाणमंतरजोतिसवेमाणिया । कहि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं ठाणा प० ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जहा ठाणपदे देवाणं वत्तव्वया सा भाणियव्वा, नवरं भवणा प०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, एवं सव्वं भाणियव्वं जाव सिद्धगंडिया समत्ता–कप्पाण पइट्ठाणं बाहुल्लुच्चत्तमेव संठाणं । जीवाभिगमे जाव वेमाणियउद्देसो भाणियव्वो सव्वो ॥ ११४ ॥ **बीए सए सत्तमो उद्देसो ॥**

कहि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सभा सुहम्मा प० ?, गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीईवइत्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ अरुणोदयं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तिगिच्छियकूडे नामं उप्पायपव्वए पण्णत्ते, सत्तरसएक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि तीसे जोयणसए कोसं च उव्वेहेणं गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पमाणेणं णेयव्वं नवरं उवरिल्लं पमाणं मज्झे भाणियव्वं [मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं मज्झे चत्तारि चउवीसे जोयणसते विक्खंभेणं उवरिं सत्ततेवीसे जोयणसते विक्खंभेणं मूले तिण्णि जोयणसहस्साइं दोण्णि य बत्तीसुत्तरे जोयणसते किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं मज्झे एगं जोयणसहस्सं तिण्णि य इगयाले जोयणसते किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं उवरिं दोण्णि य जोयणसहस्साइं दोण्णि य छलसीते जोयणसते किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं] जाव मूले वित्थडे मज्झे संखित्ते उप्पिं

विसाले मज्झे वरवइरविग्गहिए महामउंदसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेणं वणसंडेण य सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, पउमवरवेइयाए वणसंडस्स य वण्णओ, तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स उप्पायपव्वयस्स उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, वण्णओ, तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं एगे पासायवडिंसए पन्नत्ते, अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, पासायवण्णओ उल्लोयभूमिवन्नओ अट्ठ जोयणाइं मणिपेढिया चमरस्स सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं, तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स दाहिणेणं छक्कोडिसए पणपन्नं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पण्णासं च सहस्साइं अरुणोदे समुद्दे तिरियं वीइवइत्ता अहे रयणप्पभाए पुढवीए चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचा नामं रायहाणी प० एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबुद्दीवप्पमाणं, पागारो दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पन्नासं जोयणाइं विक्खंभेणं उवरिं अद्धतेरसजोयणा कविसीसगा अद्धजोयणआयामं कोसं विक्खंभेणं देसूणं अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं एगमेगाए बाहाए पंच २ दारसया अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं २५० उड्ढं उच्चत्तेणं १२५ अद्धं विक्खंभेणं उवरियलेणं सोलसजोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पन्नासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउयजोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं सव्वप्पमाणं वेमाणियप्पमाणस्स अद्धं नेयव्वं, सभा सुहम्मा, तओ उववायसभा हरओ अभिसेय० अलंकारो जहा विजयस्स अभिसेयविभूसणा य ववसाओ । चमरपरिवार इड्ढत्तं ॥ ११५ ॥ **बीयसए अट्ठमो उद्देसओ समत्तो ॥**

किमिदं भंते ! समयखेत्तेत्ति पवुच्चति ?, गोयमा ! अड्ढाइज्जा दीवा दो य समुद्दा एस णं एवइए समयखेत्तेति पवुच्चति, तत्थ णं अयं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतरे एवं जीवाभिगमवत्तव्वया (जोइसविहूणं) नेयव्वा जाव अब्भितरं पुक्खरद्धं जोइसविहूणं (इमा गाहा) ॥ ११६ ॥ **वितीयस्स नवमो उद्देसो ॥**

कति णं भंते ! अत्थिकाया प० ?, गोयमा ! पंच अत्थिकाया प०, तंजहा–धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! कतिवन्ने कतिगंधे कतिरसे कतिफासे ?, गोयमा ! अवण्णे अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ, दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगे दव्वे, खेत्तओ णं लोगप्पमाणमेत्ते, कालओ न कयावि न आसि न कयाइ

नत्थि जाव निच्चे, भावओ अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे। अहम्मत्थिकाएवि एवं चेव, नवरं गुणओ ठाणगुणे, आगासत्थिकाएवि एवं चेव, नवरं खेत्तओ णं आगासत्थिकाए लोयालोयप्पमाणमेत्ते अणंते चेव जाव गुणओ अवगाहणागुणे। जीवत्थिकाए णं भंते! कतिवन्ने कतिगंधे कतिरसे कइफासे?, गोयमा! अवण्णे जाव अरूवी जीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ जाव गुणओ, दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं जीवदव्वाइं, खेत्तओ लोगप्पमाणमेत्ते कालओ न कयाइ न आसि जाव निच्चे, भावओ पुण अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ उवओगगुणे। पोग्गलत्थिकाए णं भंते! कतिवण्णे कतिगंधे० रसे० फासे?, गोयमा! पंचवण्णे पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे रूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ, दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, खेत्तओ लोयप्पमाणमेत्ते, कालओ न कयाइ न आसि जाव निच्चे, भावओ वण्णमंते गंध० रस० फासमंते, गुणओ गहणगुणे ॥ ११७ ॥ एगे भंते! धम्मत्थिकायपदेसे धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं दोन्निवि तिन्निवि चत्तारि पंच छ सत्त अट्ठ नव दस संखेज्जा, असंखेज्जा भंते! धम्मत्थिकायप्पएसा धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, एगपदेसूणेवि य णं भंते! धम्मत्थिकाए २ त्ति वत्तव्वं सिया? णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ? एगे धम्मत्थिकायपदेसे नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया जाव एगपदेसूणेवि य णं धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया?, से नूणं गोयमा! खंडे चक्के सगले चक्के?, भगवं! नो खंडे चक्के सकले चक्के, एवं छत्ते चम्मे दंडे दूसे आउ पहे मोयए, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–एगे धम्मत्थिकायपदेसे नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया जाव एगपदेसूणेवि य णं धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ॥ से किंखातिए णं भंते! धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! असंखेज्जा धम्मत्थिकायपएसा ते सव्वे कसिणा पडिपुण्णा निरवसेसा एगगहणगहिया एस णं गोयमा! धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया, एवं अहम्मत्थिकाएवि, आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायावि एवं चेव, नवरं तिण्हंपि पदेसा अणंता भाणियव्वा, सेसं तं चेव ॥ ११८ ॥ जीवे णं भंते! सउट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे आयभावेणं जीवभावं उवदंसेतीति वत्तव्वं सिया?, हंता गोयमा! जीवे णं सउट्ठाणे जाव उवदंसेतीति वत्तव्वं सिया। से केणट्ठेणं जाव वत्तव्वं सिया?, गोयमा! जीवे णं अणं-

ताणं आभिणिबोहियनाणपज्जवाणं एवं सुयनाणपज्जवाणं ओहिनाणपज्जवाणं मणपज्जवनाणप० केवलनाणप० मइअन्नाणप० सुयअन्नाणप० विभंगणाणपज्जवाणं चक्खुदंसणप० अचक्खुदंसणप० ओहिदंसणप० केवलदंसणप० उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ-गोयमा! जीवे णं सउट्ठाणे जाव वत्तव्वं सिया ॥ ११९ ॥ कतिविहे णं भंते! आगासे पण्णत्ते?, गोयमा! दुविहे आगासे प०, तंजहा-लोयागासे य अलोयागासे य ॥ लोयागासे णं भंते! किं जीवा जीवदेसा जीवपदेसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा?, गोयमा! जीवावि जीवदेसावि जीवपदेसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपदेसावि जे जीवा ते नियमा एगिंदिया बेंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवपदेसा ते नियमा एगिंदियपदेसा जाव अणिंदियपदेसा, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-रूवी य अरूवी य, जे रूवी ते चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा-खंधा खंधदेसा खंधपदेसा परमाणुपोग्गला, जे अरूवी ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा-धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पदेसा अधम्मत्थिकाए नो अधम्मत्थिकायस्स देसे अधम्मत्थिकायस्स पदेसा अद्धासमए ॥ १२० ॥ अलोगागासे णं भंते! किं जीवा? पुच्छा तह चेव, गोयमा! नो जीवा जाव नो अजीवप्पएसा एगे अजीवदव्वदेसे अगुरुयलहुए अणंतेहिं अगुरुयलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासे अणंतभागूणे ॥ १२१ ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते! किं (के) महालए पण्णत्ते?, गोयमा! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव फुसित्ता णं चिट्ठइ, एवं अहम्मत्थिकाए लोयागासे जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए पंचवि एक्काभिलावा ॥ १२२ ॥ अहेलोए णं भंते! धम्मत्थिकायस्स केवइयं फुसति?, गोयमा! सातिरेगं अद्धं फुसति। तिरियलोए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! असंखेज्जइभागं फुसइ। उड्ढलोए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! देसूणं अद्धं फुसइ ॥ १२३ ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जइभागं फुसति? असंखेज्जइभागं फुसइ? संखिज्जे भागे फुसति? असंखेज्जे भागे फुसति? सव्वं फुसति?, गोयमा! णो संखेज्जइभागं फुसति असंखेज्जइभागं फुसइ णो संखेज्जे णो असंखेज्जे नो सव्वं फुसति। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरे घणोदही धम्मत्थिकायस्स पुच्छा, किं संखेज्जइभागं फुसति? जहा रयणप्पभा तहा घणोदहिघणवायतणुवाया। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरे धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जतिभागं फुसति असंखेज्जइभागं फुसइ जाव सव्वं फुसइ?, गोयमा! संखेज्जइभागं फुसइ णो असंखेज्जइभागं फुसइ नो संखेज्जे०

नो असंखेज्जे० नो सव्वं फुसइ, उवासंतराइं सव्वाइं जहा रयणप्पभाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया, एवं जाव अहेसत्तमाए, जंबुद्दीवाइया दीवा लवणसमुद्दाइया समुद्दा, एवं सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपब्भारापुढवीए, एते सव्वेऽवि असंखेज्जतिभागं फुसति, सेसा पडिसेहेयव्वा । एवं अधम्मत्थिकाए, एवं लोयागासेवि, गाहा— पुढवोदहीघणतणुकप्पा गेवेज्जणुत्तरा सिद्धी । संखेज्जतिभागं अंतरेसु सेसा असंखेज्जा ॥ १ ॥ १२४ ॥ **दसमो उद्देसो, वितियं सयं समत्तं** ॥

गाहा—केरिसविउव्वणा चमर किरिय जाणित्थि नगर पाला य । अहिवइ इंदियपरिसा ततियम्मि सए दसुद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मोया नामं नगरी होत्था, वण्णओ, तीसे णं मोयाए नगरीए वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे णं नंदणे नामं उज्जाणे होत्था, वण्णओ, तेणं कालेणं २ सामी समोसढे, परिसा निग्गच्छइ पडिगया परिसा, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स दोच्चे अंतेवासी अग्गिभूती नामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी—चमरे णं भंते ! असुरिंदे असुरराया केमहिड्डिए ? केमहज्जुईए ? केमहाबले ? केमहायसे ? केमहासोक्खे ? केमहाणुभागे ? केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! चमरे णं असुरिंदे असुरराया महिड्डिए जाव महाणुभागे से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं जाव विहरइ, एवंमहिड्डिए जाव महाणुभागे, एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए से जहानामए—जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरगाउत्ता सिया, एवामेव गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ संखेज्जाइं जोयणाइं उड्ढं दंडं निसिरइ, तंजहा—रयणाणं जाव रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ अहासुहुमे पोग्गले परियाएति २ दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणति २, पभू णं गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णं वितिकिण्णं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढाऽवगाढं करेत्तए। अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे वितिकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए, एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए णो चेव णं संपत्तीए विकुव्विसु वा विकुव्वति वा विकुव्विस्सति वा ॥ १२५ ॥ जति णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिड्डिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो

सामाणिया देवा केमहिड्डिया जाव केवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए?, गोयमा! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो सामाणिया देवा महिड्डिया जाव महाणुभागा, ते णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियाणं साणं २ अग्गमहिसीणं जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति, एवंमहिड्डिया जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, से जहानामए-जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरयाउत्ता सिया एवामेव गोयमा! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणिए देवे वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणति २ पभू णं गोयमा! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणिए देवे केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइन्नं वितिकिन्नं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए, अदुत्तरं च णं गोयमा! पभू चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणियदेवे तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे वितिकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए, एस णं गोयमा! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगस्स सामाणियदेवस्स अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए णो चेव णं संपत्तीए विकुव्विसु वा विकुव्वति वा विकुव्विस्सति वा। जति णं भंते! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो सामाणिया देवा एवंमहिड्डिया जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुररन्नो तायत्तीसिया देवा केमहिड्डिया?, तायत्तीसिया देवा जहा सामाणिया तहा नेयव्वा, लोयपाला तहेव, नवरं संखेज्जा दीवसमुद्दा भाणियव्वा, बहूहिं असुरकुमारेहिं २ आइन्ने जाव विउव्विस्संति वा। जति णं भंते! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो लोगपाला देवा एवंमहिड्डिया जाव एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुररन्नो अग्गमहिसीओ देवीओ केमहिड्डियाओ जाव केवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए?, गोयमा! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररन्नो अग्गमहिसीओ महिड्डियाओ जाव महाणुभागाओ, ताओ णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं साणं २ महत्तरियाणं साणं २ परिसाणं जाव एमहिड्डियाओ अन्नं जहा लोगपालाणं अपरिसेसं। सेवं भंते! २ त्ति ॥ १२६ ॥ भगवं दोच्चे गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ जेणेव तच्चे गोयमे वायुभूतिअणगारे तेणेव उवागच्छति २ तच्चं गोयमं वायुभूतिं अणगारं एवं वदासी-एवं खलु गोयमा! चमरे असुरिंदे असुरराया एवंमहिड्डिए तं चेव एवं सव्वं अपुट्ठवागरणं नेयव्वं अपरिसेसियं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता। तए णं से तच्चे गोयमे वायुभूती अणगारे दोच्चस्स गोयमस्स अग्गिभूइस्स अणगा-

रस्स एवमाइक्खमाणस्स भा० प० परू० एयमट्ठं नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोयइ एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे उट्ठाए उट्ठेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-एवं खलु भंते ! दोच्चे गोयमे अग्गिभूतिअणगारे मम एवमातिक्खइ भासइ पन्नवेइ परूवेइ-एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया महिड्ढिए जाव महाणुभावे से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं एवं तं चेव सव्वं अपरिसेसं भाणियव्वं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता, से कहमेयं भंते !, एवं ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे तच्चं गोयमं वाउभूतिं अणगारं एवं वदासी-जण्णं गोयमा ! दोच्चे गो० अग्गिभूइअणगारे तव एवमातिक्खइ ४-एवं खलु गोयमा ! चमरे ३ महिड्ढिए एवं तं चेव सव्वं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता, सच्चे णं एसमट्ठे, अहंपि णं गोयमा ! एवमातिक्खामि भा० प० परू०, एवं खलु गोयमा !-चमरे ३ जाव महिड्ढिए सो चेव वितिओ गमो भाणियव्वो जाव अग्गमहिसीओ, सच्चे णं एसमट्ठे, सेवं भंते २, तच्चे गोयमे ! वायुभूती अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ जेणेव दोच्चे गोयमे अग्गिभूती अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ दोच्चं गो० अग्गिभूतिं अणगारं वंदइ नमंसति २ एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेति ॥ १२७ ॥ तए णं से तच्चे गोयमे वाउभूती अणगारे दोच्चेणं गोयमेणं अग्गिभूतीणामेणं अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जति णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एवंमहिड्ढिए जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए वली णं भंते ! वइरोयणिंदे वइरोयणराया केमहिड्ढिए जाव केवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! वली णं वइरोयणिंदे वइरोयणराया महिड्ढिए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ तीसाए भवणावाससयसहस्साणं सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं सेसं जहा चमरस्स तहा वलियस्सवि णेयव्वं, णवरं सातिरेगं केवलकप्पं जंवुद्दीवंति भाणियव्वं, सेसं तं चेव णिरवसेसं णेयव्वं, णवरं णाणत्तं जाणियव्वं भवणेहिं सामाणिएहिं, सेवं भंते २ त्ति तच्चे गोयमे वायुभूती जाव विहरति । भंते त्ति भगवं दोच्चे गोयमे अग्गिभूती अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ २ एवं वदासी—जइ णं भंते ! वली वइरोयणिंदे वइरोयणराया एमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए धरणे णं भंते ! नागकुमारिंदे नागकुमारराया केमहिड्ढिए जाव केवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! धरणे णं नागकुमारिंदे नागकुमारराया एमहिड्ढिए जाव से णं तत्थ चोयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं छण्हं सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं छण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं

तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं चउवीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च जाव विहरइ, एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए से जहानामए—जुवतिं जुवाणे जाव पभू केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ जाव तिरियं संखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं नागकुमारेहिं २ जाव विउव्विस्संति वा, सामाणिया तायत्तीसलोगपालगा महिसीओ य तहेव, जहा चमरस्स एवं धरणे णं नागकुमारराया महिड्ढिए जाव एवतियं जहा चमरे तहा धरणेणवि, नवरं संखेज्जे दीवसमुद्दे भाणियव्वं, एवं जाव थणियकुमारा वाणमंतरा जोइसियावि, नवरं दाहिणिल्ले सव्वे अग्गिभूती पुच्छति, उत्तरिल्ले सव्वे वाउभूती पुच्छइ, भंतेत्ति भगवं दोच्चे गोयमे अग्गिभूती अणगारे समणं भगवं म० वंदति नमंसति २ एवं वयासी—जति णं भंते! जोइसिंदे जोतिसराया एवंमहिड्ढिए जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए सक्के णं भंते! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए जाव केवतियं च णं पभू विउव्वित्तए?, गोयमा! सक्के णं देविंदे देवराया महिड्ढिए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं जाव चउण्हं चउरासीणं आयरक्ख (देव) साहस्सीणं अन्नेसिं च जाव विहरइ, एवंमहिड्ढिए जाव एवतियं च ण पभू विकुव्वित्तए, एवं जहेव चमरस्स तहेव भाणियव्वं, नवरं दो केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ अवसेसं तं चेव, एस णं गोयमा! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते णं बुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वति वा विउव्विस्सति वा ॥ १२८ ॥ जइ णं भंते! सक्के देविंदे देवराया एमहिड्ढिए जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए ॥ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी तीसए णामं अणगारे पगतिभद्दए जाव विणीए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं अट्ठ संवच्छराइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सयंसि विमाणंसि उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सामाणियदेवत्ताए उववण्णे, तए णं तीसए देवे अहुणोववन्नमेत्ते समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा—आहारपज्जत्तीए सरीर० इंदिय० आणुपाणुपज्जत्तीए भासामणपज्जत्तीए, तए णं तं तीसयं देवं पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गयं समाणं सामाणियपरिसोववन्नया देवा करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धाविंति २ एवं वदासी—अहो णं देवाणुप्पिए! दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागते, जारिसिया णं

देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागते तारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया, जारिसिया णं (सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया तारिसिया णं) देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया । से णं भंते ! तीसए देवे केमहिड्ढिए जाव केवतियं च णं पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ सयस्स विमाणस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य जाव विहरति, एवंमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, से जहाणामए जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा जहेव सक्कस्स तहेव जाव एस णं गोयमा ! तीसयस्स देवस्स अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा ३ । जति णं भंते ! तीसए देवे महिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो अवसेसा सामाणिया देवा केमहिड्ढिया तहेव सव्वं जाव एस णं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो एगमेगस्स सामाणियस्स देवस्स इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्विंति वा विउव्विस्संति वा तायत्तीसा य लोगपालअग्गमहिसीणं जहेव चमरस्स नवरं दो केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ अण्णं तं चेव, सेवं भंते २ त्ति दोच्चे गोयमे जाव विहरति ॥ १२९ ॥ भंतेत्ति भगवं तच्चे गोयमे वाउभूती अणगारे समणं भगवं जाव एवं वदासी–जति णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया एमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ईसाणे णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए ? एवं तहेव, नवरं साहिए दो केवलकप्पे जंबूदीवे २ अवसेसं तहेव ॥१३०॥ जति णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया एमहिड्ढिए जाव एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए ॥ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुरुदत्तपुत्ते नामं पगतिभद्दए जाव विणीए अट्ठमंअट्ठमेणं अणिक्खित्तेणं पारणए आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे बहुपडिपुन्ने छम्मासे सामण्णपरियागं पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसित्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे सयंसि विमाणंसि जा चेव तीसए वत्तव्वया ता सव्वेव अपरिसेसा कुरुदत्तपुत्तेवि, नवरं सातिरेगे दो केवलकप्पे जंबुद्दीवे २, अवसेसं तं चेव, एवं सामाणियतायत्तीसलोगपालअग्गमहिसीणं जाव एस णं गोयमा ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो एवं एगमेगाए अग्गमहिसीए देवीए

अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा ३ ॥१३१॥ एवं सणंकुमारेवि, नवरं चत्तारि केवलकप्पे जंबुद्दीवे दीवे अदुत्तरं च णं तिरियमसंखेज्जे, एवं सामाणियतायत्तीसलोगपालअग्गमहिसीणं असंखेज्जे दीवसमुद्दे सव्वे विउव्वंति, सणंकुमाराओ आरद्धा उवरिल्ला लोगपाला सव्वेवि असंखेज्जे दीवसमुद्दे विउव्विंति, एवं माहिंदेवि, नवरं सातिरेगे चत्तारि केवलकप्पे जंबुद्दीवे २, एवं बंभलोएवि, नवरं अट्ठ केवलकप्पे, एवं लंतएवि, नवरं सातिरेगे अट्ठ केवलकप्पे, महासुक्के सोलस केवलकप्पे, सहस्सारे सातिरेगे सोलस, एवं पाणएवि, नवरं बत्तीसं केवल०, एव अच्चुएवि नवरं सातिरेगे बत्तीसं केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ अन्नं तं चेव; सेवं भंते २ त्ति तच्चे गोयमे वायुभूती अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसति जाव विहरति। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ मोयाओ नगरीओ नंदणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ १३२॥ तेणं कालेणं तेणं० रायगिहे नामं नगरे होत्था, वन्नओ, जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं २ ईसाणे देविंदे देवराया सूलपाणी वसभवाहणे उत्तरड्ढलोगाहिवई अट्ठावीसविमाणावाससयसहस्साहिवई अयरंबरवत्थधरे आलइयमालमउडे नवहेमचारुचित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगंडे जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे जहेव रायप्पसेणइज्जे जाव दिव्वं देविड्ढिं जाव जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति णमंसति २ एवं वदासी–अहो णं भंते! ईसाणे देविंदे देवराया महिड्ढिए ईसाणस्स णं भंते! सा दिव्वा देविड्ढी कहिं गता कहिं अणुपविट्ठा?, गोयमा! सरीरं गता २, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चति सरीरं गता? २, गोयमा! से जहानामए–कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा णिवाया णिवायगंभीरा तीसे णं कूडागारे जाव कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो। ईसाणेणं भंते! देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभागे किण्णा लद्धे किन्ना पत्ते किण्णा अभिसमन्नागए के वा एस आसि पुव्वभवे किण्णामए वा किंगोत्ते वा कयरंसि वा गामंसि वा नगरंसि वा जाव संनिवेसंसि वा किं वा सुच्चा किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा किच्चा किं वा समायरित्ता कस्स वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म [जण्णं] ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया?, एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं २ इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे तामलित्ती नामं नगरी होत्था, वन्नओ, तत्थ णं तामलित्तीए नगरीए तामली नामं मोरियपुत्ते गाहावती

होत्था, अड्ढे दित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था, तए णं तस्स मोरियपुत्तस्स तामलित्तस्स गाहावइयस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुटुंबजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि ता मे पुरा पोराणाणं सुचिन्नाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणफलवित्तिविसेसो जेणाहं हिरण्णेणं वड्ढामि सुवन्नेणं वड्ढामि धणेणं वड्ढामि धन्नेणं वड्ढामि पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएज्जेणं अतीव २ अभिवड्ढामि, तं किण्णं अहं पुण पोराणाणं सुचिन्नाणं जाव कडाणं कम्माणं एगंतसोक्खयं उवेहेमाणे विहरामि ?, तं जाव ताव अहं हिरण्णेणं वड्ढामि जाव अतीव २ अभिवड्ढामि जावं च णं मे मित्तनातिनियगसंबंधिपरियणो आढाति परियाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं विणएणं पज्जुवासइ ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते सयमेव दारुमयं पडिग्गहियं करेत्ता विउलं असणं पाणं खातिमं सातिमं उवक्खडावेत्ता मित्तणातिनियगसयणसंबंधिपरियणं आमंतेत्ता तं मित्तनाइनियगसंबंधिपरियणं विउलेणं असणपाणखातिमसातिमेणं वत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तणाइनियगसंबंधिपरियणस्स पुरतो जेट्ठपुत्तं कुटुंबे ठावेत्ता तं मित्तणातिणियगसंबंधिपरियणं जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए, पव्वइएऽवि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढंबाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरित्तए, छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीतो पच्चोरुभित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहयं गहाय तामलित्तीए नगरीए उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्ता सुद्धोदणं पडिग्गाहेत्ता तं तिसत्तखुत्तो उदएणं पक्खालेत्ता तओ पच्छा आहारं आहारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते सयमेव दारुमयं पडिग्गहयं करेइ २ विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ २ तओ पच्छा ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए तए णं मित्तणाइनियगसयणसंबंधिपरिजणेणं सद्धिं तं विउलं असणं पाणं खातिमं साइमं आसादेमाणे वीसाएमाणे परिभाएमाणे परिभुंजेमाणे विहरइ । जिमियभुत्तुत्तरागएऽवि य णं समाणे आयंते चोक्खे परमसुइभूए तं मित्तं जाव परियणं विउलेणं असणपाण ४–पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेइ २ तस्सेव मित्तणाइ जाव परियणस्स पुरओ

जेट्ठं पुत्तं कुडुंबे ठावेइ २ त्ता तस्सेव तं मित्तनाइणियगसयणसंबंधिपरिजणं जेट्ठपुत्तं च आपुच्छइ २ मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए, पव्वइएवि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव आहारित्तएत्तिकट्टु इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ त्ता जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ २ सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय तामलित्तीए नगरीए उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडइ २ सुद्धोयणं पडिग्गाहेइ २ तिसत्तखुत्तो उदएणं पक्खालेइ, तओ पच्छा आहारं आहारेइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–पाणामा पव्वज्जा २ ?, गोयमा! पाणामाए णं पव्वज्जाए पव्वइए समाणे जं जत्थ पासइ इंदं वा खंदं वा रुद्दं वा सिवं वा वेसमणं वा अज्जं वा कोट्टकिरियं वा रायं वा जाव सत्थवाहं वा कागं वा साणं वा पाणं वा उच्चं पासइ उच्चं पणामं करेइ नीयं पासइ नीयं पणामं करेइ, जं जहा पासति तस्स तहा पणामं करेइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—पाणामा जाव पव्वज्जा ॥ १३३ ॥ तए णं से तामली मोरियपुत्ते तेणं ओरालेणं विपुलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बालतवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे जाव धमणिसंतए जाए यावि होत्था, तए णं तस्स तामलित्तस्स बालतवस्सिस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अणिच्चजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं ओरालेणं विपुलेणं जाव उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे जाव धमणिसंतए जाए, तं अत्थि जा मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे ताव ता मे सेयं कल्लं जाव जलंते तामलित्तीए नगरीए दिट्ठाभट्ठे य पासंडत्थे य पुव्वसंगतिए य गिहत्थे य पच्छासंगतिए य परियायसंगतिए य आपुच्छित्ता तामलित्तीए नगरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छित्ता पाउग्गं कुंडियमादीयं उवकरणं दारुमयं च पडिग्गहियं एगंते [एडेइ] एडित्ता तामलित्तीए नगरीए उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए णियत्तणियमंडलं [आलिहइ] आलिहित्ता संलेहणाझूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहेत्ता कल्लं जाव जलंते जाव आपुच्छइ २ तामलित्तीए [एगंते एडेइ] जाव जलंते जाव भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं निवन्ने। तेणं कालेणं २ बलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं ओहिणा आहोयंति २ अन्नमन्नं

सद्दावेंति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! वलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया अम्हे णं देवाणुप्पिया! इंदाहीणा इंदाधिट्ठिया इंदाहीणकज्जा अयं च णं देवाणुप्पिया! तामली बालतवस्सी तामलित्तीए नगरीए वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए नियत्तणियमंडलं आलिहित्ता संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं निवन्ने, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं तामलिं वालतवस्सि वलिचंचाए रायहाणीए ठितिपकप्पं पकरावेत्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ वलिचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छन्ति २ जेणेव रुयगिंदे उप्पायपव्वए तेणेव उवागच्छन्ति २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विकुव्वंति, ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए जइणाए छेयाए सीहाए सिग्घाए दिव्वाए उद्धुयाए देवगतीए तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंवुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती[ए]नगरी[ए]जेणेव तामलित्ती मोरियपुत्ते तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तामलिस्स वालतवस्सिस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं ठिच्चा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं बत्तीसविहं नट्टविहिं उवदंसंति २ तामलिं बालतवस्सिं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति वंदंति नमंसंति २ एवं वदासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे वलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पियं वंदामो नमंसामो जाव पज्जुवासामो, अम्हाणं देवाणुप्पिया! वलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया अम्हेऽवि य णं देवाणुप्पिया! इंदाहीणा इंदाहिट्ठिया इंदाहीणकज्जा तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया! वलिचंचारायहाणिं आढाह परियाणह सुमरह अट्ठं बंधह निदानं पकरेह ठितिपकप्पं पकरेह, तते णं तुब्भे कालमासे कालं किच्चा वलिचंचारायहाणीए उववज्जिस्सह, तते णं तुब्भे अम्हं इंदा भविस्सह, तए णं तुब्भे अम्हेहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरिस्सह। तए णं से तामली वालतवस्सी तेहिं वलिचंचारायहाणिवत्थव्वेहिं बहूहि असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एवं वुत्ते समाणे एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणेइ तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं ते वलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं मोरियपुत्तं दोच्चंपि तच्चंपि तिक्खुत्तो आयाहिणप्पयाहिणं करेंति २ जाव अम्हं च णं देवाणुप्पिया! बलिचंचारायहाणी अणिंदा जाव ठितिपकप्पं पकरेह जाव दोच्चंपि तच्चंपि, एवं वुत्ते समाणे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं ते वलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिणा वालतवस्सिणा अणाढाइज्जमाणा अपरियाणिज्जमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव

दिसिं पडिगया ॥ १३४ ॥ तेणं कालेणं २ ईसाणे कप्पे अणिंदे अपुरोहिए यावि होत्था, तत्ते णं से तामली बालतवस्सी बहुपडिपुन्नाइं सट्ठिं वाससहस्साइं परियागं पाउणित्ता दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सवीसं भत्तसयं अणसणाए छेदित्ता कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्ताए ओगाहणाए ईसाणदेविंदविरहकालसमयंसि ईसाणदेविंदत्ताए उववण्णे, तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया अहुणोववन्ने पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छति, तंजहा–आहारप० जाव भासामणपज्जत्तीए, तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं कालगयं जाणित्ता ईसाणे य कप्पे देविंदत्ताए उववण्णं पासित्ता आसुरुत्ता कुविया चंडिक्किया मिसिमिसेमाणा बलिचंचाराय० मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती [ए] नयरी [ए] जेणेव तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरए तेणेव उवागच्छंति २ वामे पाए सुंबेणं बंधंति २ तिक्खुत्तो मुहे उट्ठूहंति २ तामलित्तीए नगरीए सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु आकड्ढविकड्ढिं करेमाणा महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयासी–केस णं भो से तामली बालतव० सयंगहियलिंगे पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए? केस णं भंते (भो)! ईसाणे कप्पे ईसाणे देविंदे देवरायाइतिकट्टु तामलिस्स बालतव० सरीरयं हीलंति निंदंति खिंसति गरिहिंति अवमन्नंति तज्जंति तालेंति परिवहेंति पव्वहेंति आकड्ढविकड्ढिं करेंति हीलेत्ता जाव आकड्ढविकड्ढिं करेत्ता एगंते एडेंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगयां ॥ १३५ ॥ तए णं ते ईसाणकप्पवासी बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य बलिचंचारायहाणिवत्थव्वएहि असुरकुमारेहि देवेहिं देवीहि य तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरयं हीलिज्जमाणं निंदिज्जमाणं जाव आकड्ढविकड्ढिं कीरमाणं पासंति २ आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव ईसाणे देविंदे देवराया तेणेव उवागच्छंति २ करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वदासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पिए कालगए जाणित्ता ईसाणे कप्पे इंदत्ताए उववन्ने पासेत्ता आसुरुत्ता जाव एगंते एडेंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया तेसिं ईसाणकप्पवासीणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तत्थेव सयणिज्जवरगए तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु बलिचंचा-

रायहाणि अहे सपक्खि सपडिदिसि समभिलोएइ, तए णं सा बलिचंचारायहाणी ईसाणेणं देविंदेणं देवरन्ना अहे सपक्खि सपडिदिसिं समभिलोइया समाणी तेणं दिव्वप्पभावेणं इंगालब्भूया मुम्मुरभूया छारियब्भूया तत्तकवेल्लकब्भूया तत्ता समजोइभूया जाया यावि होत्था, तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तं बलिचंचं रायहाणिं इंगालब्भूयं जाव समजोतिब्भूयं पासंति २ भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया सव्वओ समंता आधावेंति परिधावेंति २ अन्नमन्नस्स कायं समतुरंगेमाणा २ चिट्ठंति, तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंदं देवरायं परिकुवियं जाणित्ता ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो तं दिव्वं देविड्ढि दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणा सव्वे सपक्खि सपडिदिसिं ठिच्चा करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलि कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वयासी-अहो णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागता तं दिव्वा णं देवाणुप्पियाणं दिव्वा देविड्ढी जाव लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु णं देवाणुप्पिया! [खमंतु] मरिहंतु णं देवाणुप्पिया! णाइ भुज्जो २ एवंकरणयाएत्तिकट्टु एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति, तते णं से ईसाणे देविंदे देवराया तेहिं बलिचंचारायहाणिवत्थव्वेहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामिए समाणे तं दिव्वं देविड्ढि जाव तेयलेस्सं पडिसाहरइ, तप्पभिति च णं गोयमा!, ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंदं देवरायं आढंति जाव पज्जुवासंति, ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति, एवं खलु गोयमा! ईसाणेणं देविंदेणं देवरन्ना सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया। ईसाणस्स णं भंते! देविंदस्स देवरन्नो केवतियं कालं ठिती पण्णत्ता?, गोयमा! सातिरेगाइं दो सागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता ईसाणे णं भंते! देविंदे देवराया ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं गच्छिहिति? कहिं उववज्जिहिति?, गो०! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं काहेति ॥ १३६ ॥ सक्कस्स णं भंते! देविंदस्स देवरन्नो विमाणेहिंतो ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो विमाणा ईसिं उच्चयरा चेव ईसिं उन्नयतरा चेव ईसाणस्स वा देविंदस्स देवरन्नो विमाणेहिंतो सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो विमाणा णीययरा चेव ईसिं निन्नयरा चेव?, हंता! गोयमा! सक्कस्स तं चेव सव्वं नेयव्वं। से केणट्ठेणं?, गोयमा! से जहानामए-करयले सिया देसे उच्चे देसे उन्नए देसे णीए देसे निन्ने, से तेणट्ठेणं

गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जाव ईसिं निण्णतरा चेव ॥ १३७ ॥ पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवित्तए ?, हंता पभू, से णं भंते ! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू ?, गोयमा ! आढायमाणे पभू नो अणाढायमाणे पभू, पभू णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवित्तए ?, हंता पभू, से भंते ! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू ?, गोयमा ! आढायमाणेवि पभू अणाढायमाणेवि पभू। पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया ईसाणं देविंदं देवरायं सपक्खि सपडिदिसि समभिलोएत्तए जहा पादुब्भवणा तहा दोवि आलावगा नेयव्वा। पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया ईसाणेणं देविंदेणं देवरन्ना सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए ?, हंता ! पभू जहा पादुब्भवणा। अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं किच्चाइं करणिज्जाइं समुप्पज्जंति ?, हंता ! अत्थि, से कहमिदाणिं पकरेंति ?, गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवति, ईसाणे णं देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरायस्स अंतियं पाउब्भवइ, इति भो ! सक्का देविंदा देवराया दाहिणड्ढलोगाहिवई, इति भो ! ईसाणा देविंदा देवराया उत्तरड्ढलोगाहिवई, इति भो ! इति भो त्ति ते अन्नमन्नस्स किच्चाइं करणिज्जाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ १३८ ॥ अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं विवादा समुप्पज्जंति ?, हंता ! अत्थि। से कहमिदाणिं पकरेंति ?, गोयमा ! ताहे चेव णं ते सक्कीसाणा देविंदा देवरायाणो सणंकुमारं देविंदं देवरायं मणसीकरेंति, तए णं से सणंकुमारे देविंदे देवराया तेहिं सक्कीसाणेहिं देविंदेहिं देवराईहि मणसीकए समाणे खिप्पामेव सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं अंतिय पाउब्भवति, जं से वदइ तस्स आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति ॥ १३९ ॥ सणंकुमारे णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए सम्मद्दिट्ठी मिच्छदिट्ठी परित्तसंसारए अणंतससारए सुलभबोहिए दुलभबोहिए आराहए विराहए चरिमे अचरिमे ?, गोयमा ! सणंकुमारे णं देविंदे देवराया भवसिद्धिए नो अभवसिद्धिए, एवं सम्मद्दिट्ठी परित्तसंसारए सुलभबोहिए आराहए चरिमे पसत्थं नेयव्वं। से केणट्ठेणं भंते ! ?, गोयमा ! सणंकुमारे देविंदे देवराया बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए निस्सेयसिए हियसुहनिस्सेसकामए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! सणंकुमारे णं भवसिद्धिए जाव नो अचरिमे। सणंकुमारस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो केवतियं कालं ठिती पन्नत्ता ?, गोयमा !

सत्त सागरोवमाणि ठिती पन्नत्ता। से णं भंते! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिति? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं करेहिति, सेवं भंते! सेवं भंते! २। गाहाओ–छट्ठट्ठममासो अद्धमासो वासाइं अट्ठ छम्मासा। तीसगकुरुदत्ताणं तवभत्तपरिण्णपरियाओ ॥ १ ॥ उच्चत्तविमाणाणं पाउब्भव पेच्छणा य संलावे। किंचि विवादुप्पत्ती सणंकुमारे य भवियव्वं (त्तं) ॥ २ ॥ १४० ॥ **मोया समत्ता। तईयसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था जाव परिसा पज्जुवासइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे असुरराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव नट्टविहिं उवदंसेत्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वदासी–अत्थि णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति?, गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, सोहम्मस्स कप्पस्स अहे जाव अत्थि णं भंते! ईसिपब्भाराए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति?, णो इणट्ठे समट्ठे। से कहिं खाइ णं भंते! असुरकुमारा देवा परिवसंति?, गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए, एवं असुरकुमारदेववत्तव्वया जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति। अत्थि णं भंते! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गतिविसए?, हंता अत्थि, केवतियं च णं पभू! ते असुरकुमाराणं देवाणं अहे गतिविसए पन्नत्ते?, गोयमा! जाव अहेसत्तमाए पुढवीए तच्चं पुण पुढविं गया य गमिस्संति य। किं पत्तियन्नं भंते! असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य?, गोयमा! पुव्ववेरियस्स वा वेदणउदीरणयाए पुव्वसंगइयस्स वा वेदणउवसामणयाए, एवं खलु असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य। अत्थि णं भंते! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गतिविसए पन्नत्ते?, हंता अत्थि, केवतियं च णं भंते! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पन्नत्ते?, गोयमा! जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा नंदिस्सरवरं पुण दीवं गया य गमिस्संति य। किं पत्तियन्नं भंते! असुरकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्संति य?, गोयमा जे इमे अरिहंता भगवंता एएसि णं जम्मणमहेसु वा निक्खमणमहेसु वा णाणुप्पायमहिमासु वा परिनिव्वाणमहिमासु वा, एवं खलु असुरकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्संति य। अत्थि णं भंते! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गतिविसए?, हंता! अत्थि। केवतियं च णं भंते! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गतिविसए?, गोयमा! जावऽच्चुए

कप्पे सोहम्मं पुण कप्पं गया य गमिस्संति य । किं पत्तियण्णं भंते! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ?, गोयमा! तेसि णं देवाणं भवपच्चइय-वेराणुबंधे, ते णं देवा विकुव्वेमाणा परियारेमाणा वा आयरक्खे देवे वित्तासेंति अहालहुस्सगाइं रयणाइं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्कमंति । अत्थि णं भंते! तेसिं देवाणं अहालहुस्सगाइं रयणाइं ?, हंता अत्थि । से कहमियाणि पकरेंति ?, तओ से पच्छा कायं पव्वहंति । पभू णं भंते! ते असुरकुमारा देवा तत्थ गया चेव समाणा ताहि अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, ते णं तओ पडिनियत्तंति २ त्ता इहमागच्छंति २ जति णं ताओ अच्छराओ आढायंति परियाणंति । पभू णं ते असुरकुमारा देवा ताहि अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए अहन्नं ताओ अच्छराओ नो आढायंति नो परियाणंति णो णं पभू ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए, एवं खलु गोयमा! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ॥ १४१ ॥ केवइकालस्स णं भंते! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ?, गोयमा! अणंताहिं उस्सप्पिणीहिं अणंताहिं अवसप्पिणीहि समइक्कंताहिं, अत्थि णं एस भावे लोयच्छेरयभूए समुप्पज्जइ जन्नं असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो, किं निस्साए णं भंते! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?, गोयमा! से जहानामए-इह सबरा इ वा बब्बरा इ वा टंकणा इ वा भुत्तुया इ वा पल्हया इ वा पुलिंदा इ वा एगं महं गड्ढं वा खड्ढं वा दुग्गं वा दरिं वा विसमं वा पव्वयं वा णीसाए सुमहल्लमवि आसवलं वा हत्थिवलं वा जोहवलं वा धणुवलं वा आगलेंति, एवामेव असुरकुमारावि देवा, णण्णत्थ अरिहंते वा अणगारे वा भावियप्पणो निस्साए उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो । सव्वेवि णं भंते! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?, गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, महिड्ढिया णं असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो । एसवि णं भंते! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया उड्ढं उप्पइयपुव्विं जाव सोहम्मो कप्पो ?, हंता गोयमा! २ । अहो णं भंते! चमरे असुरिंदे असुरकुमार-राया महिड्ढिए महज्जुईए जाव कहिं पविट्ठा ?, कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो ॥ १४२ ॥ चमरेणं भंते! असुरिंदेणं असुररन्ना सा दिव्वा देविड्ढी तं चेव जाव किन्ना लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले वेभेले नामं संनिवेसे होत्था, वन्नओ,

तत्थ णं बेभेले संनिवेसे पूरणे नामं गाहावई परिवसति अड्ढे दित्ते जहा तामलिस्स वत्तव्वया तहा नेयव्वा, नवरं चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहयं करेत्ता जाव विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं जाव सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहयं गहाय मुंडे भवित्ता दाणामाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए पव्वइएऽवि य णं समाणे तं चेव, जाव आयावणभूमीओ पच्चोरुभइ २ त्ता सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहियं गहाय बेभेले सन्निवेसे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडेत्ता जं मे पढमे पुडए पडइ कप्पइ मे तं पंथे पहियाणं दलइत्तए जं मे दोच्चे पुडए पडइ कप्पइ मे तं कागसुणयाणं दलइत्तए जं मे तच्चे पुडए पडइ कप्पइ मे तं मच्छकच्छभाणं दलइत्तए जं मे चउत्थे पुडए पडइ कप्पइ मे तं अप्पणा आहारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए तं चेव निरवसेसं जाव जं मे (से) चउत्थे पुडए पडइ तं अप्पणा आहारं आहारेइ, तए णं से पूरणे बालतवस्सी तेणं ओरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बालतवोकम्मेणं तं चेव जाव बेभेलस्स सन्निवेसस्स मज्झंमज्झेणं निग्गच्छति २ पाउयं कुंडियमादीयं उवगरणं चउप्पुडयं च दारुमयं पडिग्गहियं एगंतमंते एडेइ २ बेभेलस्स सन्निवेसस्स दाहिणपुरच्छिमे दिसीभागे अद्धनियत्तणियमंडलं आलिहित्ता संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं निवण्णे। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा! छउमत्थकालियाए एक्कारसवासपरियाए छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सुंसमारपुरे नगरे जेणेव असोयवणसंडे उज्जाणे जेणेव असोयवरपायवे जेणेव पुढविसिलापट्टए तेणेव उवागच्छामि २ असोगवरपायवस्स हेट्ठा पुढविसिलापट्टयंसि अट्ठमभत्तं परिगिण्हामि, दोवि पाए साहट्टु वग्घारियपाणी एगपोग्गलनिविट्ठदिट्ठी अणिमिसनयणे ईसिंपब्भारगएणं काएणं अहापणिहिएहिं गत्तेहिं सव्विंदिएहि गुत्तेहिं एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि। तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरचंचारायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था, तए णं से पूरणे बालतवस्सी बहुपडिपुन्नाइं दुवालसवासाइं परियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता कालमासे कालं किच्चा चमरचंचाए रायहाणीए उववायसभाए जाव इंदत्ताए उववन्ने, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया अहुणोववन्ने पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा-आहारपज्जत्तीए जाव भासामणपज्जत्तीए, तए ण से चमरे असुरिंदे असुरराया पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गए समाणे उड्ढं वीससाए ओहिणा आभोएइ जाव सोहम्मो कप्पो, पासइ य तत्थ

सक्कं देविंदं देवरायं मघवं पाकसासणं सयक्कतुं सहस्सक्खं वज्जपाणिं पुरंदरं जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सक्कंसि सीहासणंसि जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-केस णं एस अपत्थियपत्थए दुरंत-पंतलक्खणे हिरिसिरिपरिवज्जिए हीणपुन्नचाउद्दसे जन्नं ममं इमाए एयारूवाए दिव्वाए देविड्ढीए जाव दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए उप्पिं अप्पुस्सुए दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, एवं संपेहेइ २ सामाणियपरिसोववन्नए देवे सद्दावेइ २ एवं वयासी-केस णं एस देवाणुप्पिया अपत्थियपत्थए जाव भुंजमाणे विहरइ ?, तए णं ते सामाणियपरिसोववन्नगा देवा चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया जाव विहरइ, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तेसिं सामाणियपरिसोववन्नगाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते रुट्ठे कुविए चंडिक्किए मिसिमिसेमाणे ते सामाणियपरिसोववन्नए देवे एवं वयासी-अन्ने खलु भो! (से)सक्के देविंदे देवराया अन्ने खलु भो! से चमरे असुरिंदे असुरराया, महिड्ढिए खलु भो! से सक्के देविंदे देवराया, अप्पड्ढिए खलु भो! से चमरे असुरिंदे असुरराया, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासादेत्तएत्तिकट्टु उसिणे उसिणब्भूए जाए यावि होत्था, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया ओहिं पउंजइ २ ममं ओहिणा आभोएइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे २ भारहे वासे सुंसमारपुरे नगरे असोगवणसंडे उज्जाणे असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि अट्ठमभत्तं पडिगिण्हित्ता एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरति, तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं नीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासादेत्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता देवदूसं परिहेइ २ उववायसभाए पुरच्छिमिल्लेणं दारेणं णिग्गच्छइ, जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव चोप्पाले पहरणकोसे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता फलिहरयणं परामुसइ २ एगे अबीए फलिहरयणमायाए महया अमरिसं वहमाणे चमरचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ जेणेव तिगिच्छिकूडे उप्पायपव्वए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं जाव उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव पुढविसिलापट्टए जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छति २ मम तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेति जाव

नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं नीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासादित्तएत्तिकट्टु उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे अवक्कमइ २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ एगं महं घोरं घोरागारं भीमं भीमागारं भासुरं भयाणीयं गंभीरं उत्तासणयं कालड्ढरत्तमासरासिसंकासं जोयणसयसाहस्सीयं महाबोंदिं विउव्वइ २ अप्फोडेइ २ वग्गइ २ गज्जइ २ हयहेसियं करेइ २ हत्थिगुलगुलाइयं करेइ २ रहघणघणाइयं करेइ २ पायदद्दरगं करेइ २ भूमिचवेडयं दलयइ २ सीहणादं नदइ २ उच्छोलेइ २ पच्छोलेइ २ तिपइं छिंदइ २ वामं भुयं ऊसवेइ २ दाहिणहत्थपदेसिणीए य अंगुट्ठणहेण य वितिरिच्छमुहं विडंबेइ २ महया २ सद्देणं कलकलरवं करेइ, एगे अबीए फलिहरयणमायाए उड्ढं वेहासं उप्पइए, खोभंते चेव अहेलोयं कंपेमाणे च मेयणितलं आकड्ढं (साकड्ढं) तेव तिरियलोयं फोडेमाणेव अबरतलं कत्थइ गज्जंतो कत्थइ विज्जुयायंते कत्थइ वासं वासमाणे कत्थइ रउग्घायं पकरेमाणे कत्थइ तमुक्कायं पकरेमाणे वाणमंतरदेवे वित्तासेमाणे जोइसिए देवे दुहा विभयमाणे २ आयरक्खे देवे विपलायमाणे २ फलिहरयणं अंबरतलंसि वियड्ढमाणे २ विउज्झाएमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीइवयमाणे २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सोहम्मवडेंसए विमाणे जेणेव सभा सुधम्मा तेणेव उवागच्छइ २ एगं पायं पउमवरवेइयाए करेइ एगं पायं सभाए सुहम्माए करेइ फलिहरयणेणं महया २ सद्देणं तिक्खुत्तो इंदकीलं आउडेइ २ एवं वयासी–कहि णं भो ! सक्के देविंदे देवराया ? कहि णं ताओ चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ ? जाव कहि णं ताओ चत्तारि चउरासीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ ? कहि णं ताओ अणेगाओ अच्छराकोडीओ ? अज्ज हणामि अज्ज महेमि अज्ज वहेमि अज्ज ममं अवसाओ अच्छराओ वसमुवणमंतुत्तिकट्टु तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुण्णं अमणामं फरुसं गिरं निसिरइ, तए णं से सक्के देविंदे देवराया तं अणिट्ठं जाव अमणामं अस्सुयपुव्वं फरुसं गिरं सोचा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वदासी–हं भो चमरा ! असुरिंदा ! असुरराया ! अपत्थियपत्थया ! जाव हीणपुन्नचाउद्दसा ! अज्जं न भवसि नाहि ते सुहमत्थीतिकट्टु तत्थेव सीहासणवरगए वज्जं परामुसइ २ तं जलंतं फुडंतं तडतडंतं उक्कासहस्साइं विणिम्मुयमाणं जालासहस्साइं पमुंचमाणं इंगालसहस्साइं पविक्खिरमाणं २ फुलिंगजालामालासहस्सेहिं चक्खुविक्खेवदिट्ठिपडिघायं पकरेमाणं हुयवहअइरेगतेयदिप्पंतं जइणवेगं फुल्लकिंसुयसमाणं महब्भयं भयंकरं चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो वहाए

वज्जं निसिरइ। तते णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तं जलंतं जाव भयंकरं वज्ज-मभिमुहं आवयमाणं पासइ पासइत्ता झियाति पिहाइ झियाइत्ता पिहाइत्ता तहेव संभग्गमउडविडए सालंबहत्थाभरणे उड्ढंपाए अहोसिरे कक्खागयसेयंपि व विणिम्मुयमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ जेणेव जंबुद्दीवे २ जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भीए भयगग्गरसरे भगवं सरणमिति बुयमाणे ममं दोण्हवि पायाणं अंतरंसि झत्तिवेगेण समोवडिए ॥१४३॥ तए णं तस्स सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—नो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया नो खलु समत्थे चमरे असुरिंदे असुरराया नो खलु विसए चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो अप्पणो निस्साए उड्ढं उप्पइत्ता जाव सोहम्मो कप्पो णण्णत्थ अरिहंते वा अणगारे वा भावियप्पणो णीसाए उड्ढं उप्पयति जाव सोहम्मो कप्पो, तं महादुक्खं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं अणगाराण य अच्चासायणाए-त्तिकट्टु ओहिं पउंजति २ ममं ओहिणा आभोएति २ हा हा अहो हतोऽहमंसित्तिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव दिव्वाए देवगतीए वज्जस्स वीहिं अणुगच्छमाणे २ तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरइ ॥ १४४ ॥ अवियाइं मे गोयमा! मुट्ठिवाएणं केसग्गे वीइत्था, तए णं से सक्के देविंदे देवराया वज्जं पडिसाहरित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी—एवं खलु भंते! अहं तुब्भं नीसाए चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना सयमेव अच्चासाइए, तए णं मए परिकुविएणं समाणेणं चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो वहाए वज्जे निसिट्ठे, तए णं मे इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—नो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तहेव जाव ओहिं पउंजामि देवाणुप्पिए ओहिणा आभोएमि हा हा अहो हतोमीतिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव देवाणुप्पिए तेणेव उवागच्छामि देवाणुप्पियाणं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरामि वज्जपडिसाहरणट्ठयाए णं इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ता णं विहरामि, तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु णं देवाणुप्पिया! [खमंतु] मरहंतु णं देवाणुप्पिया! णाइभुज्जो एवं पकरणयाएत्तिकट्टु ममं वंदइ नमंसइ २ उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ वामेणं पादेणं तिक्खुत्तो भूमिं दलेइ २ चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वदासी—मुक्कोऽसि णं भो चमरा! असुरिंदा! असुरराया! समणस्स भगवओ महावीरस्स पभावेणं नाहि ते दाणिं ममाओ भयमत्थीतिकट्टु जामेव दिसिं पाउ-

ब्भूए तामेव दिसि पडिगए ॥ १४५ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति २ एवं वदासी-देवे णं भंते ! महिड्ढिए महज्जुतीए जाव महाणुभागे पुव्वा-मेव पोग्गलं खिवित्ता पभू तमेव अणुपरियट्टित्ता णं गिण्हित्तए ?, हंता पभू ॥ से केणट्ठेणं भंते ! जाव गिण्हित्तए ?, गोयमा ! पोग्गले निक्खित्ते समाणे पुव्वामेव सिग्घगती भवित्ता ततो पच्छा मंदगती भवति, देवे णं महिड्ढिए पुव्विंपिय पच्छावि सीहे सीहगती चेव तुरिए तुरियगती चेव, से तेणट्ठेणं जाव पभू गेण्हित्तए । जति णं भंते ! देवे महिड्ढिए जाव अणुपरियट्टित्ता णं गेण्हित्तए कम्हा णं भंते ! सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना (राया) चमरे असुरिंदे असुरराया नो संचाएति साहत्थिं गेण्हित्तए ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गतिविसए सीहे २ चेव तुरिए २ चेव उड्ढं गतिविसए अप्पे २ चेव मंदे मंदे चेव वेमाणियाणं देवाणं उड्ढं गति-विसए सीहे २ चेव तुरिए २ चेव अहे गतिविसए अप्पे २ चेव मंदे २ चेव, जावतियं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया उड्ढं उप्पयति एक्केणं समएणं तं वज्जे दोहिं, जं वज्जे दोहिं तं चमरे तिहिं, सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो उड्ढलोयकंडए अहेलोयकंडए संखेज्जगुणे, जावतियं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया अहे ओवयति एक्केणं समएणं तं सक्के दोहिं जं सक्के दोहि तं वज्जे तिहिं, सव्वत्थोवे चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो अहेलोयकंडए उड्ढलोयकंडए संखेज्जगुणे । एवं खलु गोयमा ! सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा चमरे असुरिंदे असुरराया नो संचाएति साहत्थिं गेण्हि-त्तए ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो उड्ढं अहे तिरियं च गतिविसयस्स कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया अहे ओवयइ एक्केणं समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ उड्ढं संखेज्जे भागे गच्छइ । चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो उड्ढं अहे तिरियं च गतिविसयस्स कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया उड्ढं उप्पयति एक्केणं समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ अहे संखेज्जे भागे गच्छइ, वज्जं जहा सक्कस्स देविंदस्स तहेव नवरं विसेसाहियं कायव्वं ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो ओवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो उड्ढं उप्पयणकाले ओवयणकाले संखेज्जगुणे ॥ चमरस्सवि जहा सक्कस्स णवरं सव्वत्थोवे ओवयणकाले उप्पयणकाले संखेज्जगुणे ॥ वज्जस्स पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवे उप्पयणकाले ओवयणकाले विसेसाहिए ॥ एयस्स णं भंते ! वज्जस्स वज्जाहिवइस्स चमरस्स य

असुरिंदस्स असुररन्नो ओवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे २ हिंतो अप्पे वा ४?, गोयमा! सक्कस्स य उप्पयणकाले चमरस्स य ओवयणकाले एए णं दोन्निवि तुल्ला सव्वत्थोवा, सक्कस्स य ओवयणकाले वज्जस्स य उप्पयणकाले एस णं दोण्हवि तुल्ले संखेज्जगुणे चमरस्स य उप्पयणकाले वज्जस्स य ओवयणकाले एस णं दोण्हवि तुल्ले विसेसाहिए ॥ १४६ ॥ तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया वज्जभयविप्पमुक्के सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना महया अवमाणेणं अवमाणिए समाणे चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि ओहयमणसंकप्पे चितासोयसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठीए झियाति, तते णं तं चमरं असुरिंदं असुररायं सामाणियपरिसोववन्नया देवा ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासंति २ करयल जाव एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह?, तए णं से चमरे असुरिंदे असुर० ते सामाणियपरिसोववन्नए देवे एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मए समणं भगवं महावीरं नीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासादिए, तए णं तेणं परिकुविएणं समाणेणं ममं वहाए वज्जे निसिट्ठे तं भद्दण्णं भवतु देवाणुप्पिया! समणस्स भगवओ महावीरस्स जस्स मम्हिमनुपभावेण अक्किट्ठे अव्वहिए अपरिताविए इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्जं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामोत्तिकट्टु चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव सव्विड्ढीए जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वदासी–एवं खलु भंते! मए तुब्भं नीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासादिए जाव तं भद्दं णं भवतु देवाणुप्पियाणं मम्हि जस्स अणुपभावेणं अक्किट्ठे जाव विहरामि तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता जाव बत्तीसइबद्धं नट्टविहिं उवदंसेइ २ जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए, एवं खलु गोयमा! चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा पत्ता जाव अभिसमन्नागया, ठिती सागरोवमं, महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं काहिति ॥ १४७ ॥ किं पत्तिए णं भंते! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो?, गोयमा! तेसि णं देवाणं अहुणोववन्नगाण वा चरिमभवत्थाण वा इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जइ–अहो णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी लद्धा पत्ता जाव अभिसमन्नागया जारिसिया णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया तारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया जारिसिया

णं सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना जाव अभिसमन्नागया तारिसिया णं अम्हेहिवि जाव अभिसमन्नागया तं गच्छामो णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवामो पासामो ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमन्नागयं पासतु ताव अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं, तं जाणामो ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमन्नागयं जाणउ ताव अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं, एवं खलु गोयमा! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ १४८ ॥ **चमरो समत्तो ॥ तइयसए बीओ उद्देसओ समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव अंतेवासी मंडियपुत्ते णामं अणगारे पगतिभद्दए जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी-कति णं भंते! किरियाओ पण्णत्ताओ?, मंडियपुत्ता! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-काइयाअ हिगरणिया पाओसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया। काइया णं भंते! किरिया कतिविहा पण्णत्ता?, मंडियपुत्ता! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-अणुवरयकायकिरिया य दुप्पउत्तकायकिरिया य। अहिगरणिया णं भंते! किरिया कतिविहा पण्णत्ता?, मंडियपुत्ता! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-संजोयणाहिगरणकिरिया य निव्वत्तणाहिगरणकिरिया य। पाओसिया णं भंते! किरिया कतिविहा पण्णत्ता?, मंडियपुत्ता! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-जीवपाओसिया य अजीवपाओसिया य। पारियावणिया णं भंते! किरिया कइविहा प०?, मंडियपुत्ता! दुविहा प०, तंजहा-सहत्थपारियावणिया य। परहत्थपारियावणिया य। पाणाइवायकिरिया णं भंते! पुच्छा, पाणाइवायकिरिया कइविहा प०?, मंडियपुत्ता! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सहत्थपा० परहत्थपा० किरिया य ॥ १४९ ॥ पुव्विं भंते! किरिया पच्छा वेदणा पुव्विं वेदणा पच्छा किरिया?, मंडियपुत्ता! पुव्वि किरिया पच्छा वेदणा, णो पुव्विं वेदणा पच्छा किरिया ॥ १५० ॥ अत्थि णं भंते! समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जइ?, हंता! अत्थि। कहं णं भंते! समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जइ?, मंडियपुत्ता! पमायपच्चया जोगनिमित्तं च, एवं खलु समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जति ॥ १५१ ॥ जीवे णं भंते! सया समियं एयति वेयति चलति फंदइ घट्टइ खुब्भइ उदीरइ तं तं भावं परिणमति?, हन्ता! मंडियपुत्ता! जीवे णं सया समियं एयति जाव तं तं भावं परिणमइ। जावं च णं भंते! से जीवे सया समितं जाव परिणमइ तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवति?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-जावं च णं

से जीवे सया समितं जाव अंते अंतकिरिया न भवति?, मंडियपुत्ता! जावं च णं से जीवे सया समितं जाव परिणमति तावं च णं से जीवे आरंभइ सारंभइ समारंभइ आरंभे वट्टइ सारंभे वट्टइ समारंभे वट्टइ आरंभमाणे सारंभमाणे समारंभमाणे आरंभे वट्टमाणे सारंभे वट्टमाणे समारंभे वट्टमाणे बहूणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं दुक्खावणयाए सोयावणयाए जूरावणयाए तिप्पावणयाए पिट्टावणयाए परियावणयाए वट्टइ, से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता! एवं वुच्चइ–जावं च णं से जीवे सया समियं एयति जाव परिणमति तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया न भवइ॥ जीवे णं भंते! सया समियं णो एयइ जाव नो तं तं भावं परिणमइ?, हंता मंडियपुत्ता! जीवे णं सया समियं जाव नो परिणमति। जावं च णं भंते! से जीवे नो एयति जाव नो तं तं भावं परिणमति तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवइ? हंता! जाव भवति। से केणट्ठेणं भंते! जाव भवति?, मंडियपुत्ता! जावं च णं से जीवे सया समियं णो एयति जाव णो परिणमइ तावं च णं से जीवे नो आरंभइ नो सारंभइ नो समारंभइ नो आरंभे वट्टइ णो सारंभे वट्टइ णो समारंभे वट्टइ अणारंभमाणे असारंभमाणे असमारंभमाणे आरंभे अवट्टमाणे सारंभे अवट्टमाणे समारंभे अवट्टमाणे बहूणं पाणाणं ४ अदुक्खावणयाए जाव अपरियावणयाए वट्टइ। से जहानामए केइ पुरिसे सुक्कं तणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, से नूणं मंडियपुत्ता! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसाविज्जइ? हंता! मसमसाविज्जइ, से जहानामए–केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदयबिंदू पक्खिवेज्जा, से नूणं मंडियपुत्ता! से उदयबिंदू तत्तंसि अयकवल्लंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ?, हंता! विद्धंसमागच्छइ, से जहानामए हरए सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्टमाणे वोसट्टमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठति?, हंता! चिट्ठति, अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरयंसि एगं महं णावं सतासवं सयच्छिद्दं ओगाहेज्जा से नूणं मंडियपुत्ता! सा नावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरेमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठति? हंता! चिट्ठति, अहे णं केइ पुरिसे तीसे नावाए सव्वतो समंता आसवदाराइं पिहेइ २ नावाउस्सिंचणएणं उदयं उस्सिंचिज्जा से नूणं मंडियपुत्ता! सा नावा तंसि उदयंसि उस्सिंचिज्जंसि समाणंसि खिप्पामेव उड्ढं उदाइ?, हंता! उदाइज्जा, एवामेव मंडियपुत्ता! अत्तत्तासंवुडस्स अणगारस्स इरियासमियस्स जाव गुत्तबंभयारिस्स आउत्तं गच्छमाणस्स चिट्ठमाणस्स निसीयमाणस्स तुयट्टमाणस्स आउत्तं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणं गेण्हमाणस्स णिक्खिवमाणस्स जाव चक्खुपम्हनिवाय-

मवि वेमाया सुहुमा इरियावहिया किरिया कज्जइ, सा पढमसमयबद्धपुट्ठा बितियसमयवेइया तइयसमयनिज्जरिया सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेदिया निज्जिण्णा सेयकाले अकम्मं वावि भवति, से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चति—जावं च णं से जीवे सया समियं नो एयति जाव अंते अंतकिरिया भवति ॥ १५२ ॥ पमत्तसंजयस्स णं भंते ! पमत्तसंजमे वट्टमाणस्स सव्वावि य णं पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ ?, मंडियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धा ॥ अप्पमत्तसंजयस्स णं भंते ! अप्पमत्तसंजमे वट्टमाणस्स सव्वावि य णं अप्पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ ?, मंडियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० पुव्वकोडी देसूणा, णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धं, सेवं भंते ! २ त्ति भयवं मंडियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १५३ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ त्ता एवं वयासी—कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्दे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुन्नमासिणीसु अतिरेयं वड्ढति वा हायति वा ?, जहा जीवाभिगमे लवणसमुद्दवत्तव्वया नेयव्वा जाव लोयट्ठिती, जण्णं लवणसमुद्दे जंबुद्दीवं २ णो उप्पीलेति णो चेव णं एगोदगं करेइ (लोयट्ठिई) लोयाणुभावे। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति ॥ किरिया समत्ता ॥ १५४ ॥ **तइयस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देवं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ? गोयमा ! अत्थेगइए देवं पासइ णो जाणं पासइ १ अत्थेगइए जाणं पासइ नो देवं पासइ २ अत्थेगइए देवंपि पासइ जाणंपि पासइ ३ अत्थेगइए नो देवं पासइ नो जाणं पासइ ४ ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देविं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! एवं चेव ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देवं सदेवीयं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! अत्थेगइए देवं सदेवीयं पासइ नो जाणं पासइ, एएणं अभिलावेणं चत्तारि भंगा ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं अंतो पासइ बाहिं पासइ ? चउभंगो। एवं किं मूलं पासइ कंदं पा० ?, चउभंगो, मूलं पा० खंधं पा० ? चउभंगो, एवं मूलेणं बीजं संजोएयव्वं, एवं कंदेणवि समं संजोएयव्वं जाव बीयं, एवं जाव पुप्फेण समं बीयं संजोएयव्वं ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं फलं पा० बीयं पा० ?, चउभंगो ॥१५५॥ पभू णं भंते ! वाउकाए एगं महं इत्थिरूवं वा पुरिसरूवं वा हत्थिरूवं वा जाणरूवं वा एवं जुग्गगिल्लिथिल्लिसीयसंदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, वाउकाए णं विकुव्वमाणे एगं

महं पडागासंठियं रूवं विकुव्वइ। पभू णं भंते! वाउकाए एगं महं पडागासंठियं रूवं विउव्वित्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए?, हंता! पभू। से भंते! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ?, गोयमा! आयड्ढीए ग० णो परिड्ढीए ग० जहा आयड्ढीए एवं चेव आयकम्मुणावि आयप्पओगेणवि भाणियव्वं। से भंते! किं ऊसिओदगं गच्छइ पयोदगं ग०?, गोयमा! ऊसिओदयंपि ग० पयोदयंपि ग०, से भंते! किं एगओपडागं गच्छइ दुहओपडागं गच्छइ?, गोयमा! एगओपडागं गच्छइ नो दुहओपडागं गच्छइ, से णं भंते! किं वाउकाए पडागा?, गोयमा! वाउकाए णं से नो खलु सा पडागा ॥१५६॥ पभू णं भंते! बलाहगे एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा परिणामेत्तए?, हंता! पभू। पभू णं भंते! बलाहए एगं महं इत्थिरूवं परिणामेत्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए?, हंता! पभू, से भंते! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ?, गोयमा! नो आयड्ढीए गच्छति, परिड्ढीए ग० एवं नो आयकम्मुणा परकम्मुणा नो आयपओगेणं परप्पओगेणं ऊसितोदयं वा गच्छइ पयोदयं वा गच्छइ, से भंते! किं बलाहए इत्थी?, गोयमा! बलाहए णं से णो खलु सा इत्थी, एवं पुरिसे आसे हत्थी॥ पभू णं भंते! बलाहए एगं महं जाणरूवं परिणामेत्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए? जहा इत्थिरूवं तहा भाणियव्वं, णवरं एगओचक्कवालंपि दुहओचक्कवालंपि गच्छइ (त्ति) भाणियव्वं, जुग्गगिल्लिथिल्लिसीयासंदमाणियाणं तहेव ॥ १५७ ॥ जीवे णं भंते! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! किंलेसेसु उववज्जति?, गोयमा! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं०—कण्हलेसेसु वा नीललेसेसु वा काउलेसेसु वा, एवं जस्स जा लेस्सा सा तस्स भाणियव्वा जाव जीवे णं भंते! जे भविए जोतिसिएसु उववज्जित्तए? पुच्छा, गोयमा! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं०—तेउलेस्सेसु। जीवे णं भंते! जे भविए वेमाणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! किंलेस्सेसु उववज्जइ?, गोयमा! जल्लेस्साइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं०—तेउलेस्सेसु वा पम्हलेसेसु वा सुक्कलेसेसु वा ॥ १५८ ॥ अणगारे णं भंते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा पलंघेत्तए वा?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे। अणगारे णं भंते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा पलंघेत्तए वा?, हंता! पभू। अणगारे णं भंते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता जावइयाइं रायगिहे नगरे रूवाइं एवइयाइं विकुव्वित्ता वेभारं पव्वयं अंतो अणुप्पविसित्ता पभू समं वा विसमं करेत्तए विसमं वा समं करेत्तए?, गोयमा!

णो इणट्ठे समट्ठे, एवं चेव बितिओऽवि आलावगो णवरं परिवाडीए पंच ॥ माई णं
भंते ! किं माई विकुव्वति अमाई विकुव्वइ ?, गोयमा ! माई विकुव्वइ नो अमाई
विकुव्वति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो अमाई विकुव्वइ ?, गोयमा !
माइए पणीयं पाणभोयणं भोच्चा २ वामेति तस्स णं तेणं पणीएणं पाणभोयणेणं
अट्ठि अट्ठिमिंजा बहलीभवंति पयणुए मंससोणिए भवति, जेवि य से अहाबायरा
पोग्गला तेविय से परिणमंति, तं जहा-सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए अट्ठि-
अट्ठिमिजकेसमंसुरोमनहत्ताए सुक्कत्ताए सोणियत्ताए, अमाई णं लूहं पाणभोयणं भोच्चा
२ णो वामेइ, तस्स णं तेणं लूहेणं पाणभोयणेणं अट्ठि अट्ठिमिंजा० पयणु भवंति
बहले मंससोणिए, जेविय से अहाबादरा पोग्गला तेविय से परिणमंति, तं जहा-
उच्चारत्ताए पासवणत्ताए जाव सोणियत्ताए, से तेणट्ठेणं जाव नो अमाई विकुव्वइ ॥
माई णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा ।
अमाई णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ।
सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ १५९ ॥ **तइयसए चउत्थो उद्देसो समत्तो** ॥

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ? णो ति०, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ?, हंता ! पभू, अणगारे णं भंते ! भावि० केवतियाइं पभू इत्थिरूवाइं विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! से जहानामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरगाउत्ता सिया एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ जाव पभू णं गोयमा ! अणगारे णं भावियप्पा केवलकप्पं जंबुद्दीवं बहूहिं इत्थिरूवेहिं आइन्नं वितिकिन्नं जाव एस णं गोयमा ! अणगारस्स भावि० अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुच्चइ नो चेव णं संपत्तीए विकुव्विंसु वा ३, एवं परिवाडीए नेयव्वं जाव संदमाणिया । से जहानामए केइ पुरिसे असिचम्मपायं गहाय गच्छेज्जा एवामेव भावियप्पा अणगारेवि असिचम्मपायहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पइज्जा ?, हंता ! उप्पइज्जा, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू असिचम्मपायहत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए ?, गोयमा ! से जहानामए-जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विउव्विंसु वा ३ । से जहानामए केइ पुरिसे एगओपडागं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एगओपडागाहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू एगओपडागाहत्थकिच्चग-

याइं रूवाइं विउव्वित्तए? एवं चेव जाव विकुव्विंसु वा ३। एवं दुहओपडागंपि। से जहानामए-केइ पुरिसे एगओजण्णोवइयं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अण० भा० एगओजण्णोवइयकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा? हंता! उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवतियाइं पभू एगओजण्णोवइयकिच्चगयाइं रूवाइं विकुव्वित्तए? तं चेव जाव विकुव्विंसु वा ३, एवं दुहओजण्णोवइयंपि। से जहानामए-केइ पुरिसे एगओपल्हत्थियं काउं चिट्ठेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एवं चेव जाव विकुव्विंसु वा ३ एवं दुहओपलियंकं पि। अणगारे णं भंते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं आसरूवं वा हत्थिरूवं वा सीहरूवं वा वग्घवगदीवियअच्छतरच्छपरासररूवं वा अभिजुंजित्तए?, णो तिणट्ठे समट्ठे, अणगारे णं एवं बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू। अणगारे णं भंते! भा० एगं महं आसरूवं वा अभिजुंजित्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए? हंता! पभू, से भंते! किं आयड्ढीए गच्छति परिड्ढीए गच्छति?, गोयमा! आयड्ढीए गच्छइ नो परिड्ढीए, एवं आयकम्मुणा नो परकम्मुणा आयप्पओगेणं नो परप्पओगेणं उस्सिओदयं वा गच्छइ पयोदगं वा गच्छइ। से णं भंते! किं अणगारे आसे?, गोयमा! अणगारे णं से नो खलु से आसे, एवं जाव परासररूवं वा। से भंते! किं माई विकुव्वति अमाई विकुव्वति?, गोयमा! माई विकुव्वति नो अमाई विकुव्वति, माई णं भंते! तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ कहिं उववज्जति?, गोयमा! अन्नयरेसु आभियोगेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववज्जइ, अमाई णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ कहिं उववज्जति?, गोयमा! अन्नयरेसु अणाभिओगेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववज्जइ, सेवं भंते २ त्ति, गाहा-इत्थीअसीपडागा जण्णोवइए य होइ बोद्धव्वे। पल्हत्थियपलियंके अभिओगविकुव्वणा माई ॥ १ ॥ ॥ १६० ॥ **तइए सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

अणगारे णं भंते! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए विभंगनाणलद्धीए वाणारसिं नगरिं समोहए समोहणित्ता, रायगिहे नगरे रूवाइं जाणति पासति?, हंता! जाणइ पासइ। से भंते! कि तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जा० पा०?, गोयमा! णो तहाभावं जाणइ पा० अण्णहाभावं जा० पा०। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ नो तहाभावं जा० पा० अन्नहाभावं जाणइ पा०?, गोयमा! तस्स णं एवं भवति-एवं खलु अहं रायगिहे नगरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव पासति। अणगारे णं भंते! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी

जाव रायगिहे नगरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणइ पासइ ?, हंता ! जाणइ पासइ, तं चेव जाव तस्स णं एवं होइ-एवं खलु अहं वाणारसीए नगरीए समोहए २ रायगिहे नगरे रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव अन्नहाभावं जाणइ पासइ ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए विभंगणाणलद्धीए वाणारसिं नगरिं रायगिहं च नगर अंतरा एगं महं जणवयवग्गं समोहए २ वाणारसिं नगरिं रायगिहं च नगरं अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणति पासति ? हंता ! जाणइ पासइ, से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पा० ?, गोयमा ! णो तहाभावं जाणति पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ, से केणट्ठेणं जाव पासइ ?, गोयमा ! तस्स खलु एवं भवति एस खलु वाणारसी [ए] नगरी एस खलु रायगिहे नगरे एस खलु अंतरा एगे महं जणवयवग्गे नो खलु एस महं वीरियलद्धी वेउव्वियलद्धी विभंगनाणलद्धी इड्ढी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए, से से दंसणे-विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव पासति ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए ओहिनाणलद्धीए रायगिहे नगरे समोहए २ वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणइ पासइ ?, हंता !, से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणति पासति ?, गोयमा ! तहाभावं जाणति पासति नो अन्नहाभावं जाणति पासति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?, गोयमा ! तस्स णं एवं भवति-एवं खलु अहं रायगिहे नगरे समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे अविवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति, बीओ आलावगो एवं चेव नवरं वाणारसीए नगरीए समोहणा नेयव्वा रायगिहे नगरे रूवाइं जाणइ पासइ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए ओहिनाणलद्धीए रायगिहं नगरं वाणारसिं नगरिं च अंतरा एगं महं जणवयवग्गं समोहए २ रायगिहं नगरं वाणारसिं च नगरिं तं च अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणइ पासइ ?, हंता ! जा०पा०, से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! तहाभावं जाणइ पा०, णो अन्नहाभावं जा० पा०, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवति-नो खलु एस रायगिहे णगरे णो खलु एस वाणारसी नगरी नो खलु एस अंतरा एगे जणवयवग्गे एस खलु ममं वीरियलद्धी वेउव्वियलद्धी ओहिणाणलद्धी इड्ढी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए से से दंसणे अविवच्चासे भवति से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति तहाभावं जाणति पासति नो अन्नहाभावं

जाणति पासति । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं गामरूवं वा नगररूवं वा जाव सन्निवेसरूवं वा विकुव्वित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, एवं बितिओवि आलावगो, णवरं बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू गामरूवाइं विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! से जहानामए जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विकुव्विंसु वा ३ एवं जाव सन्निवेसरूवं वा ॥ १६१ ॥ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो कति आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि चउसट्ठीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, ते णं आयरक्खा वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे, एवं सव्वेसिं इंदाणं जस्स जत्तिया आयरक्खा भाणियव्वा । सेवं भंते २ त्ति ॥ १६२ ॥

तइयसए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे नगरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो कति लोगपाला पण्णत्ता ?, गोयमा ! चत्तारि लोगपाला पण्णत्ता, तंजहा–सोमे जमे वरुणे वेसमणे । एएसि णं भंते ! चउण्हं लोगपालाणं कति विमाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि विमाणा प०, तंजहा–संझप्पभे वरसिट्ठे सयंजले वग्गू । कहिं णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारन्नो संझप्पभे णामं महाविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणाइं जाव पंच वडिंसया पण्णत्ता, तंजहा–असोयवडेंसए सत्तवन्नवडिंसए चंपयवडिंसए अंबवडिंसए मज्झे सोहम्मवडिंसए, तस्स णं सोहम्मवडेंसयस्स महाविमाणस्स पुरच्छिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणाइं वीइवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो संझप्पभे नामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं उयालीसं जोयणसयसहस्साइं बावन्नं च सहस्साइं अट्ठ य अडयाले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं प० जा सूरियाभविमाणस्स वत्तव्वया सा अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अभिसेओ नवरं सोमे देवे ॥ संझप्पभस्स णं महाविमाणस्स अहे सपक्खिं सपडिदिसिं असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सोमा नामं रायहाणी पण्णत्ता एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबुद्दीवपमाणे (ण) वेमाणियाणं पमाणस्स अद्धं नेयव्वं जाव उवरियलेणं सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पन्नासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउए जोयणसते किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते, पासायाणं चत्तारि परि-

वाडीओ नेयव्वाओ, सेसा नत्थि । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो इमे देवा आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा–सोमकाइयाइ वा सोमदेवकाइयाइ वा विज्जुकुमारा विज्जुकुमारीओ अग्गिकुमारा अग्गिकुमारीओ वाउकुमारा वाउकुमारीओ चंदा सूरा गहा णक्खत्ता तारारूवा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति । जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तं जहा–गहदंडाइ वा गहमुसलाइ वा गहगज्जियाइ वा, एवं गहजुद्धाइ वा गहसिंघाडगाइ वा गहावसव्वाइ वा अब्भाइ वा अब्भरुक्खाइ वा संझाइ वा गंधव्वनगराइ वा उक्कापायाइ वा दिसीदाहाइ वा गज्जियाइ वा विज्जुयाइ वा पंसुवुट्ठीइ वा जूवेत्ति वा जक्खालित्तयत्ति वा धूमियाइ वा महियाइ वा रउग्घायाइ वा चंदोवरागाइ वा सूरोवरागाइ वा चंदपरिवेसाइ वा सूरपरिवेसाइ वा पडिचंदाइ वा पडिसूराइ वा इंदधणूइ वा उदगमच्छकपिहसियअमोहापाईणवायाइ वा पडीणवाताइ वा जाव संवट्टयवाताइ वा गामदाहाइ वा जाव सन्निवेसदाहाइ वा पाणक्खया जणक्खया धणक्खया कुलक्खया वसणब्भूया अणारिया जे यावन्ने तहप्पगारा ण ते सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो अण्णाया अदिट्ठा असुया अमुया अविण्णाया तेसिं वा सोमकाइयाणं देवाणं, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो इमे अहावच्चा देवा अभिन्नाया होत्था, तं जहा–इंगालए वियालए लोहियक्खे सणिच्चरे चंदे सूरे सुक्के बुहे बहस्सती राहू ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सत्तिभागं पलिओवमं ठिती पण्णत्ता, अहावच्चाभिन्नायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एवंमहिड्ढिए जाव महाणुभागे सोमे महाराया ॥ १६३ ॥ कहिं णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो वरसिट्ठे णामं महाविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! सोहम्मवडिसयस्स महाविमाणस्स दाहिणेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीइवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो वरसिट्ठे णामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं जहा सोमस्स विमाणे तहा जाव अभिसेओ रायहाणी तहेव जाव पासायपंतीओ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो इमे देवा आणा० जाव चिट्ठंति, तं जहा–जमकाइयाइ वा जमदेवकाइयाइ वा पेयकाइयाइ वा पेयदेवकाइयाइ वा असुरकुमारा असुरकुमारीओ कंदप्पा निरयवाला आभिओगा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिगा तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो आणाए जाव चिट्ठंति ॥ जंबुद्दीवे २ मंदरस्स

पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा-डिंवाइ वा डमराइ वा कलहाइ वा वोलाइ वा खाराइ वा महाजुद्धाइ वा महासंगामाइ वा महासत्थनिवडणाइ वा एवं पुरिसनिवडणाइ वा महारुधिरनिवडणाइ वा दुब्भूयाइ वा कुलरोगाइ वा गामरोगाइ वा मंडलरोगाइ वा नगररोगाइ वा सीसवेयणाइ वा अच्छिवेयणाइ वा कन्ननहदंतवेयणाइ वा इंदगाहाइ वा खंदगाहाइ वा कुमारगाह जक्खगाहा० भूयगाहा० एगाहियाइ वा वेआहियाइ वा तेयाहियाइ वा चाउत्थहियाइ वा उव्वेयगाइ वा कासा० सासाइ वा सोसेइ वा जराइ वा दाहा० कच्छकोहाइ वा अजीरया पंडुरगा हरिसाइ वा भगंदराइ वा हियसूलाइ वा मत्थयसू० जोणिसू० पाससू० कुच्छिसू० गाममारीइ वा नगर० खेड० कव्वड० दोणमुह० मडंव० पट्टण० आसम० संवाह० संनिवेसमारीइ वा पाणक्खया धणक्खया जणक्खया कुलक्खया वसणब्भूयमणारिया जे यावन्ने तहप्पगारा न ते सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो अण्णाया०५ तेसिं वा जमकाइयाणं देवाणं ॥१६४॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारन्नो इमे देवा अहावच्चा अभिण्णाया होत्था, तंजहा-अंबे १ अंबरिसे चेव २, सामे ३ सवलेत्ति यावरे ४ । रुद्दो ५-वरुद्दे ६ काले ७ य, महाकालेत्ति यावरे ८ ॥ १ ॥ असिपत्ते ९ धणू १० कुंभे ११ (असी य असिपत्ते कुंभे) वालू १२ वेयरणीति य १३ । खरस्सरे १४ महाघोसे १५, एए पन्नरसाहिया ॥ २ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो सत्तिभागं पलिओवमं ठिई प०, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता, एवंमहिड्ढिए जाव जमे महाराया २ ॥१६५॥ कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो सयंजले नामं महाविमाणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! तस्स णं सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स पच्चत्थिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जहा सोमस्स तहा विमाणरायहाणीओ भाणियव्वा जाव पासायवडिसया नवरं नामणाणत्तं । सक्कस्स णं ३ वरुणस्स महारन्नो इमे देवा आणा० जाव चिट्ठंति, तं०-वरुणकाइयाइ वा वरुणदेवकाइयाइ वा नागकुमारा नागकुमारीओ उदहिकुमारा उदहिकुमारीओ थणियकुमारा थणियकुमारीओ जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया जाव चिट्ठंति ॥ जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा-अइवासाइ वा मंदवासाइ वा सुवुट्ठीइ वा दुव्वुट्ठीइ वा उदब्भेयाइ वा उदप्पीलाइ वा उदवाहाइ वा पव्वाहाइ वा गामवाहाइ वा जाव सन्निवेसवाहाइ वा पाणक्खया जाव तेसिं वा वरुणकाइयाणं देवाणं, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो जाव अहावच्चाभिन्नाया होत्था, तंजहा-कक्कोडए कद्दमए अंजणे संखवालए पुंडे पलासे

मोएजए दहिमुहे अयंपुले कायरिए। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारण्णो देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिन्नायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एवंमहिड्ढिए जाव वरुणे महाराया २॥ १६६॥ कहि णं भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो वग्गू णामं महाविमाणे पण्णत्ते?, गोयमा! तस्स णं सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स उत्तरेणं जहा सोमस्स विमाणरायहाणिवत्तव्वया तहा नेयव्वा जाव पासायवडिंसया। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो इमे देवा आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा—वेसमणकाइयाइ वा वेसमणदेवकाइयाइ वा सुवन्नकुमारा सुवन्नकुमारीओ दीवकुमारा दीवकुमारीओ दिसाकुमारा दिसाकुमारीओ वाणमंतरा वाणमंतरीओ जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया जाव चिट्ठंति॥ जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा—अयागराइ वा तउयागराइ वा तंबयागराइ वा एवं सीसागराइ वा हिरन्न० सुवन्न० रयण० वयरागराइ वा वसुहाराइ वा हिरन्नवासाइ वा सुवन्नवासाइ वा रयण० वइर० आभरण० पत्त० पुप्फ० फल० बीय० मल्ल० वण्ण० चुन्न० गंध० वत्थवासाइ वा हिरन्नवुट्ठीइ वा सु० र० व० आ० प० पु० फ० बी० व० चुन्न० गंधवुट्ठी० वत्थवुट्ठीइ वा भायणवुट्ठीइ वा खीरवुट्ठीइ वा सुयालाइ वा दुक्कालाइ वा अप्पग्घाइ वा महग्घाइ वा सुभिक्खाइ वा दुभिक्खाइ वा कयविक्कयाइ वा सन्निहियाइ वा संनिचयाइ वा निहीइ वा णिहाणाइ वा चिरपोराणाइं पहीणसामियाइ वा पहीणसेउयाइ वा [पहीणमग्गाणि वा] पहीणगोत्तागाराइ वा उच्छिन्नसामियाइ वा उच्छिन्नसेउयाइ वा उच्छिन्नगोत्तागाराइ वा सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु नगरनिद्धमणेसु वा सुसाणगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठाणभवणगिहेसु संनिक्खित्ताइं चिट्ठंति, एयाइं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो ण अण्णायाइं अदिट्ठाइं असुयाइं अविन्नायाइं तेसिं वा वेसमणकाइयाणं देवाणं, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो इमे देवा अहावच्चाभिन्नाया होत्था, तंजहा—पुन्नभद्दे माणिभद्दे सालिभद्दे सुमणभद्दे चक्के रक्खे पुन्नरक्खे सव्वाणे [पव्वाणे] सव्वजसे सव्वकामे समिद्धे असोहे असंगे, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो दो पलिओवमाणि ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एमहिड्ढिए जाव वेसमणे महाराया सेवं भंते! २ त्ति॥१६७॥ **तइए सए सत्तमो उद्देसओ समत्तो॥**

रायगिहे नगरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी—असुरकुमाराणं भंते! देवाणं कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति?, गोयमा! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति,

तंजहा–चमरे असुरिंदे असुररायां सोमे जमे वरुणे वेसमणे वली वइरोयणिंदे वइरोयणराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे। नागकुमाराणं भंते! पुच्छा, गोयमा! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा–धरणे नागकुमारिंदे नागकुमारराया कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले भूयाणंदे नागकुमारिंदे णागकुमारराया कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले, जहा नागकुमारिंदाणं एयाए वत्तव्वयाए णेयव्वं एवं इमाणं नेयव्वं, सुवन्नकुमाराणं वेणुदेवे वेणुदाली चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, विज्जुकुमाराणं हरिक्कंते हरिस्सहे पभे १ सुप्पभे २ पभकंते ३ सुप्पभकंते ४, अग्गिकुमाराणं अग्गिसीहे अग्गिमाणवे तेऊ तेउसीहे तेउकंते तेउप्पभे, दीवकुमाराणं पुण्णविसिट्ठरूयसुरूयरूयकंत(रूयंस, रूयसीह)रूयप्पभा, उदहिकुमाराणं जलकंतजलप्पभजलजलरूयजलकंतजलप्पभा, दिसाकुमाराणं अमियगई अमियवाहणे तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई, वाउकुमाराणं वेलंबपभंजणकालमहाकालअंजणरिट्ठा, थणियकुमाराणं घोसमहाघोसआवत्तवियावत्तनंदियावत्तमहानंदियावत्ता, एवं भाणियव्वं जहा असुरकुमाराणं। सो० १ का० २ चि० ३ प० ४ ते० ५ रु० ६ ज० ७ तु० ८ का० ९ आ० १० सोमे य महाकाले, चित्तप्पभ तेउ तह रुए चेव। जल तह तुरियगई य काले आउत्त पढमा उ। पिसायकुमाराणं पुच्छा, गोयमा! दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा–काले य महाकाले सुरूवपडिरूव पुन्नभद्दे य। अमरवइ माणिभद्दे भीमे य तहा महाभीमे ॥१॥ किंनरकिंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे। अइकाय महाकाए गीयरई चेव गीयजसे ॥ २ ॥ एए वाणमंतराणं देवाणं। जोइसियाणं देवाणं दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा–चंदे य सूरे य। सोहम्मीसाणेसु णं भंते! कप्पेसु कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति? गोयमा! दस देवा जाव विहरंति, तंजहा–सक्के देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, ईसाणे देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, एसा वत्तव्वया सव्वेसुवि कप्पेसु, एए चेव भाणियव्वा, जे य इंदा ते य भाणियव्वा सेवं भंते! २ त्ति ॥ १६८ ॥

तइए सए अट्ठमो उद्देसओ समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वदासी–कइविहे णं भंते! इंदियविसए पण्णत्ते?, गोयमा! पंचविहे इंदियविसए पण्णत्ते, तं०–सोतिंदियविसए० जीवाभिगमे जोइसियउद्देसो नेयव्वो अपरिसेसो, से०२त्ति ॥१६९॥ **तइए सए नवमो उद्देसओ समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुररन्नो कइ परिसाओ पण्णत्ताओ?, गोयमा! तओ परिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–समिया चंडा जाया, एवं जहाणुपुव्वीए जावऽच्चुओ कप्पो, सेवं भंते! २ त्ति ॥१७०॥ **तइयसए दसमो उद्देसो समत्तो, तइयं सयं समत्तं ॥**

चत्तारि विमाणेहिं चत्तारि य होंति रायहाणीहिं। नेरइए लेस्साहि य दस उद्देसा चउत्थसए ॥ १ ॥ रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी-ईसाणस्स णं भंते! देविंदस्स देवरण्णो कइ लोगपाला प० ?, गोयमा! चत्तारि लोगपाला प०, तंजहा-सोमे जमे वेसमणे वरुणे । एएसि णं भंते! लोगपालाणं कइ विमाणा प० ?, गोयमा! चत्तारि विमाणा प०, तंजहा-सुमणे सव्वओभद्दे वग्गू सुवग्गू । कहि णं भंते! ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सुमणे नामं महाविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव ईसाणे णामं कप्पे पण्णत्ते, तत्थ णं जाव पंचवडेंसया प०, तंजहा-अंकवडेंसए फलिहवडिसए रयणवडेंसए जायरूववडिसए मज्झे य तत्थ ईसाणवडेंसए, तस्स णं ईसाणवडेसयस्स महाविमाणस्स पुरच्छिमेणं तिरियमसंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीइवइत्ता एत्थ णं ईसाणस्स ३ सोमस्स २ सुमणे नामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरसजोयण जहा सक्कस्स वत्तव्वया तइयसए तहा ईसाणस्सावि। चउण्हवि लोगपालाणं विमाणे २ उद्देसओ, चउसु विमाणेसु चत्तारि उद्देसा अपरिसेसा, नवरं ठिईए नाणत्तं-आदिदुय तिभागूणा पलिया धणयस्स होंति दो चेव। दो सतिभागा वरुणे पलियमहावच्चदेवाणं १ ॥ १७१ ॥ **चउत्थे सए पढमबिइयतइयचउत्था उद्देसा समत्ता ॥**

रायहाणीसुवि चत्तारि उद्देसा भाणियव्वा जाव एवंमहिड्ढिए जाव वरुणे महाराया ॥ १७२ ॥ **चउत्थे सए पंचमछट्ठसत्तमट्ठमा उद्देसा समत्ता ॥**

नेरइए णं भंते! नेरइएसु उववज्जइ अनेरइए नेरइएसु उववज्जइ ? पन्नवणाए लेस्सापए तइओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव नाणाइं ॥ १७३ ॥ **चउत्थसए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

से नूणं भंते! कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए एवं चउत्थो उद्देसओ पन्नवणाए चेव लेस्सापदे नेयव्वो जाव-परिणामवण्णरसगंधसुद्धअपसत्थसंकिलिट्ठुण्हा। गइपरिणामपदेसोगाहणवग्गणाठाणमप्पबहुं ॥ १ ॥ सेवं भंते! २ त्ति ॥ १७४ ॥ **चउत्थसए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ चउत्थं सयं समत्तं ॥**

चंप(चंपाए)रवि १ अनिल २ गंठिय ३ सद्दे ४ छउमाउ ५-६ एयण ७ णियंठे ८। रायगिहं ९ चंपाचंदिमा १० य दस पंचमंमि सए ॥१॥ तेणं कालेणं २ चंपा नामं नगरी होत्था, वन्नओ, तीसे णं चंपाए णगरीए पुण्णभद्दे नामं उज्जाणे होत्था, वण्णओ, सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं जाव एवं वदासी-जंबू-

दीवे णं भंते! दीवे सूरिया उदीणपाईणमुग्गच्छ पाईणदाहिणमागच्छंति, पाईण-दाहिणमुग्गच्छ दाहिणपडीणमागच्छंति, दाहिणपडीणमुग्गच्छ पडीणउदीणमागच्छंति पडीणउदीणं उग्गच्छ उदीचिपाईणमागच्छंति ?, हंता! गोयमा! जंबूदीवे णं दीवे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जाव उदीचिपाईणमागच्छंति ॥ १७५ ॥ जया णं भंते! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तदा णं उत्तरड्ढे दिवसे भवइ जदा णं उत्तरड्ढेवि दिवसे भवइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिम-पच्चत्थिमेणं राई भवइ?, हंता गोयमा! जया णं जंबूदीवे २ दाहिणड्ढेवि दिवसे जाव राई भवइ। जदा णं भंते! जंबु० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं दिवसे भवइ तदा णं पच्चत्थिमेणवि दिवसे भवइ जया णं पच्चत्थिमेणं दिवसे भवइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं राई भवइ?, हंता गोयमा! जदा णं जंबू० मंदरपुरच्छिमेणं दिवसे जाव राई भवइ, जदा णं भंते! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तदा णं उत्तरड्ढेवि उक्कोसए अट्ठा-रसमुहुत्ते दिवसे भवइ जदा णं उत्तरद्धे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ?, हंता गोयमा! जदा णं जंबू० जाव दुवालसमुहुत्ता राई भवइ। जदा णं जंबू० मंदरस्स पुरच्छिमेणं उक्कोसए अट्ठारस जाव तदा णं जंबूदीवे २ पच्चत्थिमेणवि उक्को० अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जया णं पच्चत्थिमेणं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तदा णं भंते! जंबुद्दीवे २ उत्तर० दुवालसमुहुत्ता जाव राई भवइ?, हंता गोयमा! जाव भवइ। जया णं भंते! जंबू० दाहिणड्ढे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा णं उत्तरे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ जदा णं उत्तरे अट्ठा-रसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा णं जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं सातिरेगा दुवालसमुहुत्ता राई भवइ?, हंता गोयमा! जदा णं जंबू० जाव राई भवइ। जदा णं भंते! जंबूदीवे २ पुरच्छिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा णं पच्चत्थिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ जदा णं पच्चत्थिमेणं अट्ठार-समुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा णं जंबू० २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं साइ-रेगा दुवालसमुहुत्ता राई भवइ?, हंता गोयमा! जाव भवइ॥ एवं एएणं कमेणं उच्चारेयव्वं सत्तरसमुहुत्ते दिवसे तेरसमुहुत्ता राई भवइ सत्तरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा तेरसमुहुत्ता राई सोलसमुहुत्ते दिवसे चोद्दसमुहुत्ता राई सोलसमुहुत्ताणं-तरे दिवसे सातिरेगचोद्दसमुहुत्ता राई पन्नरसमुहुत्ते दिवसे पन्नरसमुहुत्ता राई भवइ पन्नरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा पन्नरसमुहुत्ता राई चोद्दसमुहुत्ते

दिवसे सोलसमुहुत्ता राई चोद्दसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा सोलसमुहुत्ता राई तेरसमुहुत्ते दिवसे सत्तरसमुहुत्ता राई तेरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा सत्तरसमुहुत्ता राई । जया णं जंबू० दाहिणड्ढे जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि, जया णं उत्तरड्ढे तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ ?, हंता गोयमा ! एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव राई भवइ । जया णं भंते ! जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं जहन्नए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं पच्चत्थिमेणवि० तया णं जंबू० मंदरस्स उत्तरदाहिणेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ ?, हंता गोयमा ! जाव राई भवइ ॥ १७६ ॥ जया णं भंते ! जंबू० दाहिणड्ढे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ जया णं उत्तरड्ढेवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं अणंतरपुरक्खडसमयंसि वासाणं प० स० प० ?, हंता गोयमा ! जया णं जंबू० २ दाहिणड्ढे वासाणं प० स० पडिवज्जइ तह चेव जाव पडिवज्जइ । जया णं भंते ! जंबू० मंदरस्स० पुरच्छिमेणं वासाणं पढमे स० पडिवज्जइ तया णं पच्चत्थिमेणवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ, जया णं पच्चत्थिमेणवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जाव मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं अणंतरपच्छाकडसमयंसि वासाणं प० स० पडिवन्ने भवइ ?, हंता गोयमा ! जया णं जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं, एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव पडिवन्ने भवइ ॥ एवं जहा समएणं अभिलावो भणिओ वासाणं तहा आवलियाएवि २ भाणियव्वो, आणापाणुणावि ३ थोवेणवि ४ लवेणवि ५ मुहुत्तेणवि ६ अहोरत्तेणवि ७ पक्खेणवि ८ मासेणवि ९ उउणावि १०, एएसिं सव्वेसि जहा समयस्स अभिलावो तहा भाणियव्वो । जया णं भंते ! जंबू० दाहिणड्ढे हेमंताणं पढमे समए पडिवज्जइ जहेव वासाणं अभिलावो तहेव हेमंताणवि २० गिम्हाणवि ३० भाणियव्वो जाव उऊ, एवं एए तिन्निवि, एएसिं तीसं आलावगा भाणियव्वा । जया णं भंते ! जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणड्ढे पढमे अयणे पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमे अयणे पडिवज्जइ, जहा समएणं अभिलावो तहेव अयणेणवि भाणियव्वो जाव अणंतरपच्छाकडसमयंसि पढमे अयणे पडिवन्ने भवइ, जहा अयणेणं अभिलावो तहा संवच्छरेणवि भाणियव्वो जुएणवि वाससएणवि वाससहस्सेणवि वाससयसहस्सेणवि, पुव्वंगेणवि पुव्वेणवि तुडियंगेणवि तुडिएणवि, एवं पुव्वे २ तुडिए २ अडडे २ अववे २ हूहूए २ उप्पले २ पउमे २ नलिणे २ अच्छ(अत्थि)णिउरे २ अउए २ णउए २ पउए २ चूलिया

२-सीसपहेलिया २ पलिओवमेणवि सागरोवमेणवि भाणियव्वो। जया णं भंते! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ, जया णं उत्तरड्ढेवि पडिवज्जइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणवि णेवत्थि ओसप्पिणी नेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले पन्नत्ते? समणाउसो!, हंता गोयमा! तं चेव उच्चारेयव्वं जाव समणाउसो!, जहा ओसप्पिणीए आलावओ भणिओ एवं उस्सप्पिणीएवि भाणियव्वो॥ १७७॥ लवणे णं भंते! समुद्दे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जच्चेव जंबूदीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव सव्वा अपरिसेसिया लवणसमुद्दस्सवि भाणियव्वा, नवरं अभिलावो इमो णेयव्वो-जया णं भंते! लवणे समुद्दे दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तं चेव जाव तदा णं लवणे समुद्दे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं राई भवइ, एएणं अभिलावेणं नेयव्वं। जदा णं भंते! लवणसमुद्दे दाहिणड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तदा णं उत्तरड्ढेवि पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ, जदा णं उत्तरड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तदा णं लवणसमुद्दे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नेवत्थि ओसप्पिणी २ समणाउसो!?, हंता गोयमा! जाव समणाउसो!॥ धायइसंडे णं भंते! दीवे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जहेव जंबूदीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव धायइसंडस्सवि भाणियव्वा, नवरं इमेणं अभिलावेणं सव्वे आलावगा भाणियव्वा। जया णं भंते! धायइसंडे दीवे दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तदा णं उत्तरड्ढेवि जया णं उत्तरड्ढेवि तदा णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं राई भवइ?, हंता गोयमा! एवं चेव जाव राई भवइ। जदा णं भंते! धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरच्छिमेण दिवसे भवइ तदा णं पच्चत्थिमेणवि, जदा णं पच्चत्थिमेणवि तदा णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं उत्तरेणं दाहिणेणं राई भवइ?, हंता गोयमा! जाव भवइ, एवं एएणं अभिलावेणं नेयव्वं जाव जया णं भंते! दाहिणड्ढे पढमा ओस० तया णं उत्तरड्ढे जया णं उत्तरड्ढे तया णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नत्थि ओस० जाव समणाउसो!,? हंता गोयमा! जाव समणाउसो!, जहा लवणसमुद्दस्स वत्तव्वया तहा कालोदस्सवि भाणियव्वा, नवरं कालोदस्स नामं भाणियव्वं। अब्भिंतरपुक्खरद्धे णं भंते! सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जहेव धायइसंडस्स वत्तव्वया तहेव अब्भिंतरपुक्खरद्धस्सवि भाणियव्वा नवरं अभिलावो जाव जाणेयव्वो जाव तया णं अब्भिंतरपुक्खरद्धे मंदराणं पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नेवत्थि ओस० नेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले पन्नत्ते समणाउसो! सेवं भंते! २ त्ति॥ १७८॥ **पंचमसए पढमो उद्देसो समत्तो**॥

रायगिहे नगरे जाव एवं वदासी—अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि, अत्थि णं भंते ! पुरच्छिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि । एवं पच्चत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं पुरच्छिमदाहिणेणं दाहिणपच्चत्थिमेणं पच्छिमउत्तरेणं ॥ जया णं भंते ! पुरच्छिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं पुरेवाया जया णं पच्चत्थिमेणं ईसिं पुरेवाया तया णं पुरच्छिमेणवि ?, हंता गोयमा ! जया णं पुरच्छिमेणं तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं जया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं तया णं पुरच्छिमेणवि ईसिं, एवं दिसासु विदिसासु ॥ अत्थि णं भंते ! दीविच्चया ईसिं ?, हंता ! अत्थि । अत्थि णं भंते ! सामुद्दया ईसिं ?, हंता ! अत्थि । जया णं भंते ! दीविच्चया ईसिं तया णं सामुद्दयावि ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं तया णं दीविच्चयावि ईसिं ?, णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जया णं दीविच्चया ईसिं णो णं तया सामुद्दया ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं णो णं तया दीविच्चया ईसि ?, गोयमा ! तेसि णं वायाणं अन्नमन्नस्स विवच्चासेणं लवणे समुद्दे वेलं नाइक्कमइ से तेणट्ठेणं जाव वाया वायंति ॥ अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ?, हंता ! अत्थि । कया णं भंते ! ईसि जाव वायंति ?, गोयमा ! जया णं वाउयाए अहारियं रियंति तया णं ईसिं जाव वायंति । अत्थि णं भंते ! ईसि० ? हंता ! अत्थि, कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्था० ?, गोयमा ! जया णं वाउयाए उत्तरकिरियं रियइ तया णं ईसि जाव वायंति । अत्थि णं भंते ! ईसि० ?, हंता ! अत्थि, कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्था० ?, गोयमा ! जया णं वाउकुमारा वाउकुमारीओ वा अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा अट्ठाए वाउकायं उदीरेंति तया णं ईसिं पुरेवाया जाव वायंति ॥ वाउकाए णं भंते ! वाउकायं चेव आणमंति पाण० जहा खंदए तहा चत्तारि आलावगा नेयव्वा अणेगसयसहस्स० पुट्ठे उद्दाइ वा, ससरीरी निक्खमइ ॥ १७९ ॥ अह भंते ! ओदणे कुम्मासे सुरा एए णं किंसरीराति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! ओदणे कुम्मासे सुराए य जे घणे दव्वे एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च वणस्सइजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया सत्थपरिणामिआ अगणिज्झामिया अगणिज्झूसिया अगणिसेविया अगणिपरिणामिया अगणिजीवसरीराति वत्तव्व सिया, सुराए य जे दवे दव्वे एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च आउजीवसरीरा, तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिकायसरीराति वत्तव्वं सिया । अहन्नं भंते ! अए तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया एए णं किंसरीराइ वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! अए तंबे तउए

सीसए उवले कसट्टिया, एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च पुढविजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिजीवसरीराति वत्तव्वं सिया। अहण्णं भंते! अट्ठी अट्ठिज्झामे चम्मे चम्मज्झामे रोमे २ सिंगे २ खुरे २ नखे २ एए णं किंसरीराति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! अट्ठी चम्मे रोमे सिंगे खुरे नहे एए णं तसपाणजीवसरीरा अट्ठिज्झामे चम्मज्झामे रोमज्झामे सिंग० खुर० णहज्झामे एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च तसपाणजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिजीव० त्ति वत्तव्वं सिया। अह भंते! इंगाले छारिए भुसे गोमए एए णं किंसरीराइ वत्तव्वं सिया?, गोयमा! इंगाले छारिए भुसे गोमए एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एगिंदियजीवसरीरप्पओगपरिणामियावि जाव पंचिंदियजीवसरीरप्पओगपरिणामियावि तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिजीवसरीराति वत्तव्वं सिया॥ १८०॥ लवणे णं भंते! समुद्दे केवइयं चक्कवालविक्खंभेणं पन्नत्ते?, एवं नेयव्वं जाव लोगट्ठिई लोगाणुभावे, सेवं भंते! २ त्ति भगवं जाव विहरइ॥ १८१॥

पंचमे सए बीओ उद्देसो समत्तो॥

अण्णउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति भा० प० एवं प० से जहानामए जालगंठिया सिया आणुपुव्विगढिया अणंतरगढिया परंपरगढिया अन्नमन्नगढिया अन्नमन्नगुरुयत्ताए अन्नमन्नभारियत्ताए अन्नमन्नगुरुयसंभारियत्ताए अण्णमण्णघडत्ताए जाव चिट्ठंति, एवामेव बहूणं जीवाणं बहूसु आजाइसयसहस्सेसु बहूइं आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइं जाव चिट्ठंति, एगेऽविय णं जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पडिसंवेदेइ, तंजहा–इहभवियाउयं च परभवियाउयं च, जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ तं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेइ जाव से कहमेयं भंते! एवं?, गोयमा! जन्नं ते अन्नउत्थिया तं चेव जाव परभवियाउयं च, जे ते एवमाहंसु तं मिच्छा, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति, एवामेव एगमेगस्स जीवस्स बहूहिं आजाइसहस्सेहिं बहूइं आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइं जाव चिट्ठंति, एगेऽविय णं जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पडिसंवेदेइ, तंजहा–इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ नो तं समयं पर० पडिसंवेदेइ जं समयं प० नो तं समयं इहभवियाउयं प०, इहभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए नो परभवियाउयं पडिसंवेदेइ परभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए नो इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं प० तंजहा–इहभ० वा परभ० वा॥ १८२॥ जीवे णं भंते! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! किं साउए संकमइ निराउए संकमइ?,

गोयमा! साउए संकमइ नो निराउए संकमइ । से णं भंते! आउए कहिं कडे कहिं समाइण्णे?, गोयमा! पुरिमे भवे कडे पुरिमे भवे समाइण्णे, एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ । से नूणं भंते! जे जंभविए जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तंजहा–नेरइयाउयं वा जाव देवाउयं वा?, हंता गोयमा! जे जंभविए जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तंजहा–नेरइयाउयं वा तिरि० मणु० देवाउयं वा, नेरइयाउयं पकरेमाणे सत्तविहं पकरेइ, तंजहा–रयणप्पभापुढविनेरइयाउयं वा जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयाउयं वा, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे पंचविहं पकरेइ, तंजहा–एगिंदियतिरिक्खजोणियाउयं वा, भेदो सव्वो भाणियव्वो, मणुस्साउयं दुविहं, देवाउयं चउव्विहं, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ १८३ ॥ **पंचमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

छउमत्थे णं भंते! मणुस्से आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइ, तंजहा–संखसद्दाणि वा सिंगस० संखियस० खरमुहिस० पोयास० परिपिरियास० पणवस० पडहस० भंभास० होरंभस० भेरिसद्दाणि वा झल्लरिस० दुंदुहिस० तयाणि वा वितयाणि वा घणाणि वा झुसिराणि वा?, हंता गोयमा! छउमत्थे णं मणूसे आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइ, तंजहा–संखसद्दाणि वा जाव झुसिराणि वा । ताइं भंते! किं पुट्ठाइं सुणेइ अपुट्ठाइं सुणेइ?, गोयमा! पुट्ठाइं सुणेइ नो अपुट्ठाइं सुणेइ, जाव नियमा छद्दिसिं सुणेइ । छउमत्थे णं मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ?, गोयमा! आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ नो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ । जहा णं भंते! छउमत्थे मणुस्से आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ नो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ तहा णं भंते! केवली मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ?, गोयमा! केवली णं आरगयं वा पारगयं वा सव्वदूरमूलमणंतियं सद्दं जाणेइ पासेइ, से केणट्ठेणं तं चेव केवली णं आरगयं वा पारगयं वा जाव पासइ?, गोयमा! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जा० एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं उड्ढं अहे मियंपि जाणइ अमियंपि जा० सव्वं जाणइ केवली सव्वं पासइ केवली सव्वओ जाणइ पासइ सव्वकालं जा० पा० सव्वभावे जाणइ केवली सव्वभावे पासइ केवली ॥ अणंते नाणे केवलिस्स अणंते दंसणे केवलिस्स निव्वुडे नाणे केवलिस्स निव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेणट्ठेणं जाव पासइ ॥ १८४ ॥ छउमत्थे णं भंते! मणुस्से हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा?, हंता! हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा, जहा णं भंते! छउमत्थे मणुस्से हसेज्ज जाव उस्सु० तहा णं केवलीवि हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा?, गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! जाव

नो णं तहा केवली हसेज्ज वा जाव उस्सुयाएज्ज वा ?, गोयमा ! जण्णं जीवा चरित्तमोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं हसंति वा उस्सुयायंति वा से णं केवलिस्स नत्थि, से तेणट्ठेणं जाव नो णं तहा केवली हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा। जीवे ण भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, णेरइएणं भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, जीवा णं भंते ! हसमाणा वा उस्सुयायमाणा वा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा, णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य। एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे निद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा ? हंता ! निद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा, जहा हसेज्ज वा तहा नवरं दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं निद्दायंति वा पयलायंति वा, से णं केवलिस्स नत्थि, अन्नं तं चेव। जीवे णं भंते ! निद्दायमाणे वा पयलायमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥ १८५ ॥ हरी णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कदूए इत्थीगब्भं संहरणमाणे किं गब्भाओ गब्भं साहरइ १ गब्भाओ जोणिं साहरइ २ जोणीओ गब्भं साहरइ ३ जोणीओ जोणिं साहरइ ४ ?, गोयमा ! नो गब्भाओ गब्भं साहरइ नो गब्भाओ जोणिं साहरइ नो जोणीओ जोणिं साहरइ परामुसिय २ अव्वाबाहेणं अव्वाबाहं जोणीओ गब्भं साहरइ ॥ पभू णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कस्स णं दूए इत्थीगब्भं नहसिरंसि वा रोमकूवंसि वा साहरित्तए वा नीहरित्तए वा ?, हंता ! पभू, नो चेव णं तस्स गब्भस्स किंचिवि आवाहं वा विवाहं वा उप्पाएज्जा छविच्छेदं पुण करेज्जा, एसुहुमं च णं साहरिज्ज वा नीहरिज्ज वा ॥ १८६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभद्दए जाव विणीए, तए णं से अइमुत्ते कुमारसमणे अण्णया कयाइ महावुट्ठिकायंसि निवयमाणंसि कक्खपडिग्गहरयहरणमायाए बहिया संपट्ठिए विहाराए, तए णं से अइमुत्ते कुमारसमणे वाहयं वहमाणं पासइ २ मट्टियाए पालिं बंधइ २ णाविया मे २ नाविओविव णावमयं पडिग्गहगं उदगंसि कट्टु पव्वाहमाणे २ अभिरमइ, तं च थेरा अद्दक्खु, जेणेव समणे भगवं० तेणेव उवागच्छंति २ एवं वदासी—एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे से णं भंते !

अइमुत्ते कुमारसमणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ?, अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते थेरे एवं वयासी–एवं खलु अज्जो ! मम अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभद्दए जाव विणीए से णं अइमुत्ते कुमारसमणे इमेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ, तं मा णं अज्जो ! तुब्भे अइमुत्तं कुमारसमणं हीलेह निंदह खिंसह गरहह अवमन्नह, तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हह अगिलाए उवगिण्हह अगिलाए भत्तेणं पाणेणं विणएणं वेयावडियं करेह, अइमुत्ते णं कुमारसमणे अंतकरे चेव अंतिमसरीरिए चेव, तए णं ते थेरा भगवंतो समणेणं भगवया म० एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हंति जाव वेयावडियं करेंति ॥ १८७ ॥ तेणं कालेणं २ महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्ढिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया, तए णं ते देवा समणं भगवं महावीरं मणसा चेव वंदंति नमंसंति मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं पुच्छंति–कइ णं भंते ! देवाणुप्पियाणं अंतेवासिसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति ?, तए णं समणे भगवं महावीरे तेहिं देवेहिं मणसा पुट्ठे तेसिं देवाणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम सत्त अंतेवासिसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति, तए णं ते देवा समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति २ त्ता मणसा चेव सुस्सूसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा जाव पज्जुवासंति । तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव अदूरसामंते उड्ढंजाणू जाव विहरइ, तए णं तस्स भगवओ गोयमस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था, एवं खलु दो देवा महिड्ढिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया तं नो खलु अहं ते देवे जाणामि कयराओ कप्पाओ वा सग्गाओ वा विमाणाओ वा कस्स वा अत्थस्स अट्ठाए इहं हव्वमागया ?, तं गच्छामि णं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि इमाइं च णं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामित्ति कट्टु एवं संपेहेइ २ उट्ठाए उट्ठेइ २ जेणेव समणे भगवं महा० जाव पज्जुवासइ, गोयमादि समणे भगवं म० भगवं गोयमं एवं वयासी–से णूणं तव गोयमा ! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए से णूणं गोयमा ! अत्थे समत्थे ?, हंता ! अत्थि, तं गच्छाहि णं गोयमा ! एए चेव देवा

इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेहिंति, तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ जेणेव ते देवा तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं ते देवा भगवं गोयमं एज्जमाणं पासंति २ हट्ठा जाव हयहियया खिप्पामेव अब्भुट्ठेति २ खिप्पामेव पच्चुवागच्छंति २ जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते! अम्हे महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्ढिया जाव पाउब्भूआ तए णं अम्हे समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो २ मणसा चेव इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छामो-कइ णं भंते! देवाणुप्पियाणं अंतेवासिसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति?, तए णं समणे भगवं महावीरे अम्हेहिं मणसा पुट्ठे अम्हं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ-एवं खलु देवाणु० मम सत्त अतेवासिसयाइं जाव अंतं करेहिंति, तए णं अम्हे समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा चेव पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा समणं भगवं महावीरं वंदामो नमंसामो २ जाव पज्जुवासामोत्तिकट्टु भगवं गोयमं वंदंति नमंसंति २ जामेव दिसिं पाउ० तामेव दिसिं प० ॥ १८८ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं जाव एवं वदासी-देवा णं भंते! संजयाति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे, अब्भक्खाणमेयं, देवा णं भंते! असंजयाइ वत्तव्वं सिया?, गोयमा! णो तिणट्ठे०, णिट्ठुरवयणमेयं, देवा णं भंते! संजयासंजयाति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे, असब्भूयमेयं देवाणं, से किं खाइ णं भंते! देवाति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! देवा णं नोसंजयाति वत्तव्वं सिया ॥ १८९ ॥ देवा णं भंते! कयराए भासाए भासंति?, कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ?, गोयमा! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सावि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ ॥ १९० ॥ केवली णं भंते! अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ?, हंता! गोयमा! जाणइ पासइ। जहा णं भंते! केवली अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणति पासति तहा णं छउमत्थेवि अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे, सोच्चा जाणइ पासइ, पमाणओ वा, से किं तं सोच्चा?, सोच्चा णं केवलिस्स वा केवलिसावयस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा से तं सोच्चा ॥ १९१ ॥ से किं तं पमाणे?, पमाणे चउव्विहे प० तंजहा-पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे, जहा

अणुओगदारे तहा णेयव्वं पमाणं जाव तेण परं नो अत्तागमे नो अणंतरागमे परंपरागमे ॥ १९२ ॥ केवली णं भंते! चरिमकम्मं वा चरिमणिज्जरं वा जाणइ पासइ?, हंता गोयमा! जाणइ पासइ । जहा णं भंते! केवली चरिमकम्मं वा जहा णं अंतकरेणं आलावगो तहा चरिमकम्मेणवि अपरिसेसिओ णेयव्वो ॥१९३॥ केवली णं भंते! पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा?, हंता! धारेज्जा, जहा णं भंते! केवली पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा ते णं वेमाणिया देवा जाणंति पासंति?, गोयमा! अत्थेगइया जाणंति पा० अत्थेगइया न जाणंति न पा०, से केणट्ठेणं जाव ण जाणंति ण पासंति?, गोयमा! वेमाणिया देवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-माइमिच्छादिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे ते माइमिच्छादिट्ठिउववन्नगा ते न जाणंति न पासंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नगा ते णं जाणंति पासंति, से केणट्ठेणं एवं वु० अमाई सम्मदिट्ठी जाव पा०?, गोयमा! अमाई सम्मदिट्ठी दुविहा पण्णत्ता-अणंतरोववन्नगा य परंपरोववन्नगा य, तत्थ अणंतरोववन्नगा न जा० परंपरोववन्नगा जाणंति, से केणट्ठेणं भंते! एवं० परंपरोववन्नगा जाव जाणंति?, गोयमा! परंपरोववन्नगा दुविहा पण्णत्ता-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, पज्जत्ता जा० अपज्जत्ता न जा०, एवं अणंतरपरंपरपज्जत्तअपज्जत्ता य उवउत्ता अणुवउत्ता, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जा० पा० से तेणट्ठेणं तं चेव ॥ १९४ ॥ पभू णं भंते! अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा इहगएणं केवलिणा सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए?, हंता! पभू, से केणट्ठेणं जाव पभू णं अणुत्तरोववाइया देवा जाव करेत्तए?, गोयमा! जण्णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा वागरणं वा कारणं वा पुच्छंति तण्णं इहगए केवली अट्ठं वा जाव वागरणं वा वागरेइ से तेणट्ठेणं। जन्नं भंते! इहगए चेव केवली अट्ठं वा जाव वागरेइ तण्णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा जा० पा०?, हंता! जाणंति पासंति, से केणट्ठेणं जाव पासंति?, गोयमा! तेसि णं देवाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमन्नागयाओ भवंति से तेणट्ठेणं जण्णं इहगए केवली जाव पा० ॥ १९५ ॥ अणुत्तरोववाइया णं भंते! देवा किं उदिन्नमोहा उवसंतमोहा खीणमोहा?, गोयमा! नो उदिन्नमोहा उवसंतमोहा णो खीणमोहा ॥ १९६ ॥ केवली णं भंते! आयाणेहिं जा० पा०?, गोयमा! णो तिणट्ठे स०, से केणट्ठेणं जाव केवली णं आयाणेहिं न जाणइ न पासइ?, गोयमा! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जा० जाव निव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेण० ॥ १९७ ॥ केवली णं

भंते ! अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा ओगाहित्ता णं चिट्ठइ पभू णं भंते ! केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव ओगाहित्ता णं चिट्ठित्तए ?, गोयमा ! णो ति०, से केणट्ठेणं भंते ! जाव केवली णं अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठइ णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठित्तए ?, गो० ! केवलिस्स णं वीरियसजोगसद्दव्वयाए चलाइं उवगरणाइं भवंति, चलोवगरणट्ठयाए य णं केवली अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठइ णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव जाव चिट्ठित्तए, से तेणट्ठेणं जाव वुच्चइ–केवली णं अस्सिं समयंसि जाव चिट्ठित्तए ॥ १९८ ॥ पभू णं भंते ! चोद्दसपुव्वी घडाओ घडसहस्सं पडाओ पडसहस्सं कडाओ २ रहाओ २ छत्ताओ छत्तसहस्सं दंडाओ दंडसहस्सं अभिनिव्वट्टेत्ता उवदंसेत्तए ?, हंता ! पभू, से केणट्ठेणं पभू चोद्दसपुव्वी जाव उवदंसेत्तए ? गोयमा ! चउद्दसपुव्विस्स णं अणंताइं दव्वाइं उक्करियाभेएणं भिज्जमाणाइं लद्धाइं पत्ताइं अभिसमन्नागयाइं भवंति, से तेणट्ठेणं जाव उवदंसित्तए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥१९९॥ **पंचमे सए चउत्थो उद्देसो ॥**

छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं जहा पढमसए चउत्थुद्देसे आलावगा तहा नेयव्वा जाव अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया ॥२००॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वेदेंति जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेदणं वेदेंति, से केणट्ठेणं अत्थेगइया ? तं चेव उच्चारेयव्वं, गोयमा ! जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा तहा वेदणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति, जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा नो तहा वेदणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेदणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं तहेव। नेरइया णं भंते ! किं एवंभूयं वेदणं वेदेंति अणेवंभूयं वेदणं वेदंति ?, गोयमा ! नेरइया णं एवंभूयं वेदणं वेदेंति अणेवंभूयंपि वेदणं वेदंति। से केणट्ठेणं तं चेव ? गोयमा ! जे णं नेरइया जहा कडा कम्मा तहा वेयणं वेदेंति ते णं नेरइया एवंभूयं वेदणं वेदेंति जे णं नेरइया जहा कडा कम्मा णो तहा वेदणं वेदेंति ते णं नेरइया अणेवंभूयं वेदणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं, एवं जाव वेमाणिया ससारमंडलं नेयव्वं

॥ २०१ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! भारहे वासे इमीसे ओस० कइ कुलगरा होत्था ?, गोयमा ! सत्त एवं तित्थयरा तित्थयरमायरो पियरो पढमा सिस्सिणीओ चक्कवट्टी-मायरो पियरो इत्थिरयणं बलदेवा वासुदेवा वासुदेवमायरो पियरो, एएसिं पडिसत्तू जहा समवाए णामपरिवाडी तहा णेयव्वा, सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥२०२॥

पंचमसए पंचमो उद्देसओ समत्तो ॥

कहण्णं भंते ! जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं, तंजहा-पाणे अइवाएत्ता मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता, एवं खलु जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेन्ति ॥ कहण्णं भंते ! जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं-नो पाणे अइवाइत्ता नो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ कहन्नं भंते ! जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! पाणे अइवाइत्ता मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा हीलित्ता निंदित्ता खिंसित्ता गरहित्ता अवमन्नित्ता अन्नयरेणं अमणुन्नेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ कहन्नं भंते ! जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! नो पाणे अइवाइत्ता नो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता नमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता अन्नयरेणं मणुन्नेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ २०३ ॥ गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा तस्स णं भंते ! तं भंडं अणुगवेसमाणस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ परिग्गहिया० माया० अप० मिच्छा० ?, गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ परि० माया० अपच्च० मिच्छादंसणकिरिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ ॥ अह से भंडे अभिसमन्नागए भवइ, तओ से पच्छा सव्वाओ ताओ पयणुईभवंति ॥ गाहावइस्स णं भंते ! तं भंडं विक्किणमाणस्स कइए भंडं साइज्जा भंडे य से अणुवणीए सिया, गाहावइस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ ? कइयस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ ?, गोयमा ! गाहावइस्स ताओ भंडाओ आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपच्चक्खाणिया मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ, कइयस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति । गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स जाव भंडे से उवणीए

सिया कइयस्स णं भंते! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ?, गाहावइस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ?, गोयमा! कइयस्स ताओ भंडाओ हेट्ठिल्लाओ चत्तारि किरियाओ कज्जंति मिच्छादंसणकिरिया भयणाए गाहावइस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति । गाहावइस्स णं भंते! भंडं जाव धणे य से अणुवणीए सिया एवंपि जहा भंडे उवणीए तहा नेयव्वं चउत्थो आलावगो, धणे से उवणीए सिया जहा पढमो आलावगो भंडे य से अणुवणीए सिया तहा नेयव्वो पढमचउत्थाणं एक्को गमो बिइयतइयाणं एक्को गमो ॥ अगणिकाए णं भंते! अहुणोज्जलिए समाणे महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव भवइ, अहे णं समए २ वोक्कसिज्जमाणे २ चरिमकालसमयंसि इंगालभूए मुम्मुरभूए छारियभूए तओ पच्छा अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए चेव भवइ?, हंता गोयमा! अगणिकाए णं अहुणोज्जलिए समाणे तं चेव ॥ २०४ ॥ पुरिसे णं भंते! धणुं परामुसइ धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ २ ठाणं ठाइ ठाणं ठिच्चा आययकण्णाययं उसुं करेइ आययकन्नाययं उसुं करेत्ता उड्ढं वेहासं उसुं उव्विहइ २ तओ णं से उसुं उड्ढं वेहासं उव्विहिए समाणे जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणइ वत्तेइ लेस्सेइ संघाएइ संघट्टेइ परियावेइ किलामेइ ठाणाओ ठाणं संकामेइ जीवियाओ ववरोवेइ तए णं भंते! से पुरिसे कइकिरिए?, गोयमा! जावं च णं से पुरिसे धणुं परामुसइ २ जाव उव्विहइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणू निव्वत्तिए तेऽवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे(ट्ठा) एवं धणुपुट्ठे पंचहिं किरियाहिं, जीवा पंचहिं, ण्हारू पंचहिं, उसू पंचहिं, सरे पत्तणे फले ण्हारू पंचहिं ॥ २०५ ॥ अहे णं से उसुं अप्पणो गुरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुयसंभारियत्ताए अहे वीससाए पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे कइकिरिए?, गोयमा! जावं च णं से उसुं अप्पणो गुरुयत्ताए जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणू निव्वत्तिए तेवि जीवा चउहिं किरियाहिं, धणुपुट्ठे चउहिं, जीवा चउहिं, ण्हारू चउहिं, उसू पंचहिं, सरे पत्तणे फले ण्हारू पंचहिं, जेवि य से जीवा अहे पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे चिट्ठंति तेवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ २०६ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति से जहानामए-जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा

चक्कस्स वा नाभी अरगाउत्ता सिया एवामेव जाव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहुसमाइन्ने मणुयलोए मणुस्सेहिं, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया जाव मणुस्सेहिं जे ते एवमाहंसु मिच्छा०, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवामेव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहुसमाइण्णे निरयलोए नेरइएहिं ॥ २०७ ॥ नेरइया णं भंते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ?, जहा जीवाभिगमे आलावगो तहा नेयव्वो जाव दुरहियासे ॥ २०८ ॥ आहाकम्मं अणवज्जेत्ति मणं पहारेत्ता भवइ, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा, एएणं गमेणं नेयव्वं–कीयगडं ठवियं रइयं कंतारभत्तं दुब्भिक्खभत्तं वद्दलियाभत्तं गिलाणभत्तं सेज्जायरपिंडं रायपिंडं । आहाकम्मं अणवज्जेत्ति बहुजणमज्झे भासित्ता सयमेव परिभुंजित्ता भवइ से णं तस्स ठाणस्स जाव अत्थि तस्स आराहणा, एयंपि तह चेव जाव रायपिंडं । आहाकम्मं अणवज्जेत्ति सयं अन्नमन्नस्स अणुप्पदावेत्ता भवइ, से णं तस्स एयं तह चेव जाव रायपिंडं । आहाकम्मं णं अणवज्जेत्ति बहुजणमज्झे पन्नवइत्ता भवइ से णं तस्स जाव अत्थि आराहणा जाव रायपिंडं ॥ २०९ ॥ आयरियउवज्झाए णं भंते ! सविसयंसि गणं अगिलाए संगिण्हमाणे अगिलाए उवगिण्हमाणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ?, गोयमा ! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ तच्चं पुण भवग्गहणं णाइक्कमइ ॥ २१० ॥ जे णं भंते ! परं अलिएणं असब्भूएणं अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाइ तस्स णं कहप्पगारा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! जे णं परं अलिएणं असंत(एणं)वयणेणं अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाइ तस्स णं तहप्पगारा चेव कम्मा कज्जंति, जत्थेव णं अभिसमागच्छंति तत्थेव णं पडिसंवेदेंति तओ से पच्छा वेदेंति सेवं भंते ! २ त्ति ॥२११॥

पंचमसए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

परमाणुपोग्गले णं भंते ! एयइ वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ?, गोयमा ! सिय एयइ वेयइ जाव परिणमइ सिय णो एयइ जाव णो परिणमइ । दुपदेसिए णं भंते ! खंधे एयइ जाव परिणमइ ?, गोयमा ! सिय एयइ जाव परिणमइ सिय णो एयइ जाव णो परिणमइ, सिय देसे एयइ देसे नो एयइ । तिपएसिए णं भंते ! खंधे एयइ० ?, गोयमा ! सिय एयइ सिय नो एयइ, सिय देसे एयइ नो देसे एयइ सिय देसे एयइ नो देसा एयंति सिय देसा एयंति नो देसे एयइ । चउप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयइ० ?, गोयमा ! सिय एयइ सिय नो एयइ सिय देसे

एयइ णो देसे एयइ सिय देसे एयइ णो देसा एयंति सिय देसा एयंति नो देसे एयइ सिय देसा एयंति नो देसा एयंति जहा चउप्पदेसिओ तहा पंचपदेसिओ तहा जाव अणंतपदेसिओ ॥ २१२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ?, हंता ! ओगाहेज्जा ! से णं भंते ! तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, एवं जाव असंखेज्जपएसिओ । अणंतपदेसिए णं भंते ! खंधे असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ?, हंता ! ओगाहेज्जा, से णं तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ?, गोयमा ! अत्थेगइए छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा अत्थेगइए नो छिज्जेज्ज वा नो भिज्जेज्ज वा, एवं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं तहिं णवरं झियाएज्जा भाणियव्वं, एवं पुक्खलसंवट्टगस्स महामेहस्स मज्झंमज्झेणं तहिं उल्ले सिया, एवं गंगाए महाणईए पडिसोयं हव्वमागच्छेज्जा, तहिं विणिहायमावज्जेज्जा, उदगावत्तं वा उदगविंदुं वा ओगाहेज्जा से णं तत्थ परियावज्जेज्जा ॥ २१३ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सअड्ढे समज्झे सपएसे ? उदाहु अणड्ढे अमज्झे अपएसे ?, गोयमा ! अणड्ढे अमज्झे अपएसे नो सअड्ढे नो समज्झे नो सपएसे ॥ दुपदेसिए णं भंते ! खंधे किं सअद्धे समज्झे सपदेसे उदाहु अणद्धे अमज्झे अपदेसे ?, गोयमा ! सअद्धे अमज्झे सपदेसे णो अणद्धे णो समज्झे णो अपदेसे । तिपदेसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा, गोयमा ! अणद्धे समज्झे सपदेसे नो सअद्धे णो अमज्झे णो अपदेसे, जहा दुपदेसिओ तहा जे समा ते भाणियव्वा, जे विसमा ते जहा तिपएसिओ तहा भाणियव्वा । संखेज्जपदेसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे ६ ? पुच्छा, गोयमा ! सिय सअद्धे अमज्झे सपदेसे सिय अणड्ढे समज्झे सपदेसे जहा संखेज्जपदेसिओ तहा असंखेज्जपदेसिओऽवि अणंतपदेसिओऽवि ॥२१४॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! परमाणुपोग्गलं फुसमाणे किं देसेणं देसं फुसइ १ देसेणं देसे फुसइ २ देसेणं सव्वं फुसइ ३ देसेहिं देसं फुसइ ४ देसेहिं देसे फुसइ ५ देसेहिं सव्वं फुसइ ६ सव्वेणं देसं फुसइ ७ सव्वेणं देसे फुसइ ८ सव्वेणं सव्वं फुसइ ९ ?, गोयमा ! णो देसेणं देसं फुसइ णो देसेणं देसे फुसइ णो देसेणं सव्वं फुसइ णो देसेहिं देसं फुसइ नो देसेहिं देसे फुसइ नो देसेहिं सव्वं फुसइ णो सव्वेणं देसं फुसइ णो सव्वेणं देसे फुसइ सव्वेणं सव्वं फुसइ, एवं परमाणुपोग्गले दुपदेसियं फुसमाणे सत्तमणवमेहिं फुसइ, परमाणुपोग्गले तिपएसियं फुसमाणे णिप्पच्छिमएहिं तिहिं फु०, जहा परमाणुपोग्गले तिपएसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंतपएसिओ ॥ दुपएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा, तइयनवमेहिं फुसइ, दुपदेसियं फुसमाणो पढमतइयसत्तमणवमेहिं फुसइ,

दुपदेसिओ तिपदेसियं फुसमाणो आदिल्लएहि य पच्छिल्लएहि य तिहिं फुसइ, मज्झिमएहिं तिहिं विपडिसेहेयव्वं, दुपदेसिओ जहा तिपदेसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंतपएसियं। तिपएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा, तइयछट्ठणवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ दुपएसियं फुसमाणो पढमएणं तइएणं चउत्थछट्ठसत्तमणवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ तिपएसियं फुसमाणो सव्वेसुवि ठाणेसु फुसइ, जहा तिपएसिओ तिपदेसियं फुसाविओ एवं तिपदेसिओ जाव अणंतपएसिएणं संजोएयव्वो, जहा तिपएसिओ एवं जाव अणंतपएसिओ भाणियव्वो ॥२१५॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिओ। एगपदेसोगाढे णं भंते ! पोग्गले सेए तम्मि वा ठाणे अन्नंमि वा ठाणे कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जह० एगं समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं जाव असंखेज्जपदेसोगाढे। एगपदेसोगाढे णं भंते ! पोग्गले निरेए कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव असंखेज्जपदेसोगाढे। एगगुणकालए णं भंते ! पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जह० एगं समयं उ० असंखेज्जं कालं एवं जाव अणंतगुणकालए, एवं वन्नगंधरसफास० जाव अणंतगुणलुक्खे, एवं सुहुमपरिणए पोग्गले एवं बायरपरिणए पोग्गले। सद्दपरिणए णं भंते ! पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! ज० एगं समयं उ० आवलियाए असंखेज्जइभागं, असद्दपरिणए जहा एगगुणकालए ॥ परमाणुपोग्गलस्स णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसिओ। एगपएसोगाढस्स णं भंते ! पोग्गलस्स सेयस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। एगपएसोगाढस्स णं भंते ! पोग्गलस्स निरेयस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। वन्नगंधरसफाससुहुमपरिणयबायरपरिणयाणं एएसिं जं चेव संचिट्ठणा तं चेव अंतरंपि भाणियव्वं। सद्दपरिणयस्स णं भंते ! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। असद्दपरिणयस्स णं भंते ! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ॥ २१६ ॥ एयस्स णं

भंते ! दव्वट्ठाणाउयस्स खेत्तट्ठाणाउयस्स ओगाहणट्ठाणाउयस्स भावट्ठाणाउयस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे खेत्तट्ठाणाउए ओगाहणट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे दव्वट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे भावट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे-खेत्तोगाहणदव्वे भावट्ठाणाउयं च अप्पवहुं । खेत्ते सव्वत्थोवे सेसा ठाणा असंखेज्जा ॥ १ ॥ २१७ ॥ नेरइया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा उदाहु अणारंभा अपरिग्गहा ?, गोयमा ! नेरइया सारंभा सपरिग्गहा नो अणारंभा णो अपरिग्गहा । से केणट्ठेणं जाव अपरिग्गहा ?, गोयमा ! नेरइया णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्गहिया भवंति सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परि० भ०, से तेणट्ठेणं तं चेव । असुरकुमारा णं भंते ! किं सारंभा ४ ? पुच्छा, गोयमा ! असुरकुमारा सारंभा सपरिग्गहा नो अणारंभा अप० । से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! असुरकुमारा णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्गहिया भवंति भवणा परि० भवंति देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ परिग्गहियाओ भवंति आसणसयणभंडमत्तोवगरणा परिग्गहिया भवंति सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति से तेणट्ठेणं तहेव एवं जाव थणियकुमारा । एगिंदिया जहा नेरइया । बेइंदिया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा तं चेव जाव सरीरा परिग्गहिया भवंति वाहिरिया भंडमत्तोवगरणा परि० भवंति सचित्ताचित्त० जाव भवंति एवं जाव चउरिंदिया । पंचेंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! तं चेव जाव कम्मा परि० भवन्ति टंका कूडा सेला सिहरी पब्भारा परिग्गहिया भवंति जलथलविलगुहालेणा परिग्गहिया भवंति उज्झरनिज्झरचिल्लपल्लवप्पिणा परिग्गहिया भवंति अगडतडागदहनईओ वाविपुक्खरिणीदीहिया गुंजालिया सरा सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ विलपंतियाओ परिग्गहियाओ भवंति आरामुज्जाणा काणणा वणाइं वणसंडाइं वणराईओ परिग्गहियाओ भवन्ति देवउलसभापवाथूभाखाइयपरिखाओ परिग्गहियाओ भवंति पागारट्टालगचरियदारगोपुरा परिग्गहिया भवंति पासायघरसरणलेणआवणा परिग्गहिया भवंति सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहा परिग्गहिया भवंति सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसीयसंदमाणियाओ परिग्गहियाओ भवंति लोहीलोहकडाहकडुच्छुया परिग्गहिया भवंति भवणा परिग्गहिया भवंति देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिआ तिरिक्खजोणिणीओ आसणसयणखंभभंडसचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति से तेणट्ठेणं०, (जहा) तिरिक्खजोणिया तहा मणुस्सावि

भाणियव्वा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा भवणवासी तहा नेयव्वा ॥ २१८ ॥ पंच हेऊ पण्णत्ता, तंजहा-हेउं जाणइ हेउं पासइ हेउं बुज्झइ हेउं अभिसमागच्छइ हेउं छउमत्थमरणं मरइ ॥ पंच हेऊ प०, तंजहा-हेउणा जाणइ जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरइ ॥ पंच हेऊ पण्णत्ता, तंजहा-हेउं न जाणइ जाव हेउं अन्नाणमरणं मरइ ॥ पंच हेऊ पन्नत्ता, तंजहा-हेउणा ण जाणइ जाव हेउणा अण्णाणमरणं मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा-अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा-अहेउणा जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा-अहेउं न जाणइ जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरइ ॥ पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा-अहेउणा न जाणइ जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २१९ ॥ **पंचमे सए सत्तमो उद्देसो समत्तो** ॥

तेणं कालेणं २ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं २ समणस्स ३ जाव अंतेवासी नारयपुत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विहरइ, तेणं कालेणं २ समणस्स ३ जाव अंतेवासी नियंठिपुत्ते णामं अण० पगइभद्दए जाव विहरइ, तए णं से नियंठिपुत्ते अण० जेणामेव नारयपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ नारयपुत्तं अण० एवं वयासी-सव्वा पोग्गला ते अज्जो ! किं सअड्ढा समज्झा सपएसा उदाहु अणड्ढा अमज्झा अपएसा ?, अज्जोत्ति नारयपुत्ते अणगारे नियंठिपुत्तं अणगारं एवं वयासी-सव्वपोग्गला मे अज्जो ! सअड्ढा समज्झा सपदेसा नो अणड्ढा अमज्झा अपएसा, तए णं से नियंठिपुत्ते अणगारे नारयपुत्तं अ० एवं वदासी-जइ णं ते अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपदेसा नो अणड्ढा अमज्झा अपदेसा किं दव्वादेसेणं अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपदेसा नो अणड्ढा अमज्झा अपदेसा ? खेत्तादेसेणं अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा तहेव चेव, कालादेसेणं तं चेव, भावादेसेणं अज्जो ! तं चेव, तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियंठिपुत्तं अणगारं एवं वदासी-दव्वादेसेणवि मे अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपदेसा नो अणड्ढा अमज्झा अपदेसा खेत्ताएसेणवि सव्वे पोग्गला सअड्ढा तह चेव कालादेसेणवि, तं चेव भावादेसेण वि । तए णं से नियंठिपुत्ते अण० नारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी-जइ णं अज्जो ! दव्वादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा नो अणड्ढा अमज्झा अपएसा, एवं ते परमाणुपोग्गलेवि सअड्ढे समज्झे सपएसे णो अणड्ढे अमज्झे अपएसे, जइ णं अज्जो ! खेत्तादेसेणवि सव्वपोग्गला सअ० ३ जाव एवं ते एगपएसोगाढेवि पोग्गले सअड्ढे समज्झे सपएसे, जइ णं अज्जो ! कालादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा, एवं

ते एगसमयठिइएवि पोग्गले ३ तं चेव, जइ णं अज्जो! भावादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा, एवं ते एगगुणकालएवि पोग्गले सअ० ३ तं चेव, अह ते एवं न भवइ तो जं वयसि दव्वादेसेणवि सव्वपोग्गला सअ० ३ नो अणड्ढा अमज्झा अपदेसा एवं खेत्तादेसेणवि काला० भावादेसेणवि तन्नं मिच्छा, तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियंठिपुत्तं अ० एवं वयासी–नो खलु वयं देवा० एयमट्ठं जाणामो पासामो, जइ णं देवा० नो गिलायंति परिकहित्तए तं इच्छामि णं देवा० अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जाणित्तए, तए णं से नियंठिपुत्ते अणगारे नारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी–दव्वादेसेणवि मे अज्जो सव्वे पोग्गला सपदेसावि अपदेसावि अणंता खेत्तादेसेणवि एवं चेव कालादेसेणवि भावादेसेणवि एवं चेव ॥ जे दव्वओ अपदेसे से खेत्तओ नियमा अपदेसे कालओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे भावओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे । जे खेत्तओ अपदेसे से दव्वओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए । जहा खेत्तओ एवं कालओ भावओ ॥ जे दव्वओ सपदेसे से खेत्तओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे, एवं कालओ भावओवि, जे खेत्तओ सपदेसे से दव्वओ नियमा सपदेसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए जहा दव्वओ तहा कालओ भावओवि ॥ एएसि णं भंते! पोग्गलाणं दव्वादेसेणं खेत्तादेसेणं कालादेसेणं भावादेसेणं सपदेसाण य अपदेसाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा?, नारयपुत्ता! सव्वत्थोवा पोग्गला भावादेसेणं अपदेसा कालादेसेणं अपदेसा असंखेज्जगुणा दव्वादेसेणं अपदेसा असंखेज्जगुणा खेत्तादेसेणं अपदेसा असंखेज्जगुणा खेत्तादेसेणं चेव सपदेसा असंखेज्जगुणा दव्वादेसेणं सपदेसा विसेसाहिया कालादेसेणं सपदेसा विसेसाहिया भावादेसेणं सपदेसा विसेसाहिया । तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियंठिपुत्तं अणगारं वंदइ नमंसइ नियंठिपुत्तं अणगारं वंदित्ता णमंसित्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ २२० ॥ भन्तेत्ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी–जीवा णं भंते! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया?, गोयमा! जीवा णो वड्ढंति नो हायंति अवट्ठिया । नेरइया णं भंते! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया?, गोयमा! नेरइया वड्ढंतिवि हायंतिवि अवट्ठियावि, जहा नेरइया एवं जाव वेमाणिया । सिद्धा णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सिद्धा वड्ढंति नो हायंति अवट्ठियावि ॥ जीवा णं भंते! केवइयं कालं अवट्ठिया [वि]?, सव्वद्धं । नेरइया णं भंते! केवइयं कालं वड्ढंति?, गोयमा! ज० एगं समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं हायंति, नेरइया णं भंते! केवइयं कालं अवट्ठिया?,

गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्को० चउव्वीसं मुहुत्ता, एवं सत्तसुवि पुढवीसु वड्ढंति हायंति भाणियव्वं, नवरं अवट्ठिएसु इमं नाणत्तं, तंजहा-रयणप्पभाए पुढवीए अडतालीसं मुहुत्ता सक्कर० चोद्दस राइंदियाइं वालु० मासं पंक० दो मासा धूम० चत्तारि मासा तमाए अट्ठ मासा तमतमाए बारस मासा। असुरकुमारावि वड्ढंति हायंति जहा नेरइया, अवट्ठिया जह० एगं समयं उक्को० अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता, एवं दसविहावि, एगिंदिया वड्ढंतिवि हायंतिवि अवट्ठियावि, एएहिं तिहिंवि जहन्नेणं एक्कं समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं, बेइंदिया वड्ढंति हायंति तहेव, अवट्ठिया ज० एक्कं समयं उक्को० दो अंतोमुहुत्ता, एवं जाव चउरिंदिया, अवसेसा सव्वे वड्ढंति हायंति तहेव, अवट्ठियाणं णाणत्तं इमं, तं०-संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दो अंतोमुहुत्ता, गब्भवक्कंतियाणं चउव्वीसं मुहुत्ता, संमुच्छिममणुस्साणं अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता, गब्भवक्कंतियमणुस्साणं चउव्वीसं मुहुत्ता, वाणमंतरजोइससोहम्मीसाणेसु अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता, सणंकुमारे अट्ठारस राइंदियाइं चत्तालीस य मुहुत्ता, माहिंदे चउवीसं राइंदियाइं वीस य मु०, बंभलोए पंचचत्तालीसं राइंदियाइं, लंतए नउइ राइंदियाइं, महासुक्के सट्ठि राइंदियसयं, सहस्सारे दो राइंदियसयाइं, आणयपाणयाणं संखेज्जा मासा, आरणच्चुयाणं संखेज्जाइं वासाइं, एवं गेवेज्जदेवाणं विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं असंखेज्जाइं वाससहस्साइं, सव्वट्ठसिद्धे य पलिओवमस्स असंखेज्जइभागो, एवं भाणियव्वं, वड्ढंति हायंति जह० एक्कं समयं उ० आवलियाए असंखेज्जइभागं, अवट्ठियाणं जं भणियं। सिद्धा णं भंते! केवइयं कालं वड्ढंति ?, गोयमा! जह० एक्कं समयं उक्को० अट्ठ समया, केवइयं कालं अवट्ठिया ?, गोयमा! जह० एक्कसमयं उक्को० छम्मासा॥ जीवा णं भंते! किं सोवचया सावचया सोवचयसावचया निरुवचयनिरवचया ?, गोयमा! जीवा णो सोवचया नो सावचया णो सोवचयसावचया निरुवचयनिरवचया। एगिंदिया तइयपए, सेसा जीवा चउहिंवि पएहिंवि भाणियव्वा, सिद्धा णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सिद्धा सोवचया णो सावचया णो सोवचयसावचया निरुवचयनिरवचया। जीवा णं भंते! केवइयं कालं निरुवचयनिरवचया ?, गोयमा! सव्वद्धं, नेरइया णं भंते! केवइयं कालं सोवचया ?, गोयमा! जह० एक्कं समयं उ० आवलियाए असंखेज्जइभागं। केवइयं कालं सावचया ? एवं चेव। केवइयं कालं सोवचयसावचया ?, एवं चेव। केवइयं कालं निरुवचयनिरवचया ?, गोयमा! ज० एक्कं समयं उक्को० बारसमु० एगिंदिया सव्वे सोवचयसावचया सव्वद्धं सेसा सव्वे सोवचयावि सावचयावि सोवचयसावचयावि निरुवचयनिरवचयावि जहन्नेणं

एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं अवट्ठिएहिं वक्कंतियकालो भाणियव्वो सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं सोवचया ?, गोयमा ! जह० एक्कं समयं उक्को० अट्ठ समया, केवइयं कालं निरुवचयनिरवचया ?, जह० एक्कं समयं उ० छम्मासा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २२१ ॥ **पंचमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी-किमिदं भंते ! नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ?, किं पुढवी नगरं रायगिहंति पवुच्चइ, आऊ नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ? जाव वणस्सइ ?, जहा एयणुद्देसए पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं वत्तव्वया तहा भाणियव्वं जाव सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ?, गोयमा ! पुढवीवि नगरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्तमीसियाइं दव्वाइं नगरं रायगिहंति पवुच्चइ । से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! पुढवी जीवाइय अजीवाइय नगरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्तमीसियाइं दव्वाइं जीवाइय अजीवाइय नगरं रायगिहंति पवुच्चइ से तेणट्ठेणं तं चेव ॥ २२२ ॥ से नूणं भंते ! दिया उज्जोए राइं अंधयारे ?, हंता गोयमा ! जाव अंधयारे । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! दिया सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे राइं असुभा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे से तेणट्ठेणं० । नेरइयाणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! नेरइयाणं नो उज्जोए अंधयारे, से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! नेरइयाणं असुहा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे से तेणट्ठेणं० । असुरकुमाराणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं उज्जोए नो अंधयारे । से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइया जाव तेइंदिया जहा नेरइया । चउरिंदियाणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! उज्जोएवि अंधयारेवि, से तेणट्ठेणं० ?, गोयमा ! चउरिंदियाणं सुभासुभा पोग्गला सुभासुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं एवं जाव मणुस्साणं । वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ २२३ ॥ अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं तत्थगयाणं एवं पन्नायइ-समयाइ वा आवलियाइ वा जाव ओसप्पिणीइ वा उस्सप्पिणीइ वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं जाव समयाइ वा आवलियाइ वा ओसप्पिणीइ वा उस्सप्पिणीइ वा ?, गोयमा ! इहं तेसिं माणं इहं तेसि पमाणं इहं तेसि पण्णायइ, तंजहा-समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा, से तेणट्ठेणं जाव नो एवं पण्णायए, तंजहा-समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा, एवं जाव पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं, अत्थि ण भंते ! मणुस्साणं इहगयाणं एवं पन्नायइ, तंजहा-समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा ?, हंता ! अत्थि । से केणट्ठेणं ? गोयमा !

इहं तेसिं माणं इहं चेव तेसि एवं पण्णायइ, तंजहा–समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा से तेण० वाणमंतरजोइसवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ २२४ ॥ तेणं कालेणं २ पासावच्चिज्जा [ते] थेरा भगवंतो जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वदासी–से नूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा विगच्छिसु वा विगच्छंति वा विगच्छिस्संति वा परित्ता राइंदिया उप्पज्जिसु वा ३ विगच्छिसु वा ३ ?, हंता अज्जो ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया तं चेव, से केणट्ठेणं जाव विगच्छिस्संति वा ?, से नूणं भंते ! अज्जो ! पासेणं अरहया पुरिसादाणिएणं सासए लोए वुइए अणाइए अणवदग्गे परित्ते परिवुडे हेट्ठा विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं विसाले अहे पलियंकसंठिए मज्झे वरवइरविग्गहिए उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठिए तेसिं च णं सासयंसि लोगंसि अणादियंसि अणवदग्गंसि परित्तंसि परिवुडंसि हेट्ठा विच्छिन्नंसि मज्झे संखित्तंसि उप्पिं विसालंसि अहे पलियंकसंठियंसि मज्झे वरवइरविग्गहियंसि उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठियंसि अणंता जीवघणा उप्पज्जित्ता २ निलीयंति परित्ता जीवघणा उप्पज्जित्ता २ निलीयंति से नूणं भूए उप्पन्ने विगए परिणए अजीवेहिं लोक्कइ पलोक्कइ, जे लोक्कइ से लोए ?, हंता भगवं [ते] !, से तेणट्ठेणं अज्जो ! एवं वुच्चइ असंखेज्जे तं चेव । तप्पभिइं च णं ते पासावच्चेज्जा थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणंति सव्वन्नुं सव्वदरिसिं तए णं ते थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति २ एवं वदासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सप्पडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह, तए णं ते पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाव चरिमेहिं उस्सासनिस्सासेहिं सिद्धा जाव सव्वदुक्खप्पहीणा अत्थेगइया देवा देवलोएसु उववन्ना ॥ २२५ ॥ कइविहा णं भंते ! देवलोगा पण्णत्ता ?, गोयमा ! चउव्विहा देवलोगा पण्णत्ता, तंजहा—भवणवासिवाणमंतरजोइसियवेमाणियभेएण, भवणवासी दसविहा वाणमंतरा अट्ठविहा जोइसिया पंचविहा वेमाणिया दुविहा । गाहा–किमियं रायगिहंति य उज्जोए अंधयार समए य । पासंतिवासि पुच्छा राइंदिय देवलोगा य ॥ १ ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २२६ ॥ **पंचमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी जहा पढमिल्लो उद्देसओ तहा नेयव्वो एसोवि, नवरं चंदिमा भाणियव्वा ॥ २२७ ॥ **पंचमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ पंचमं सयं समत्तं ॥**

गाहा—वेयण १ आहार २ महस्सवे य ३ सपएस ४ तमुए य ५ भविए। ६ साली ७ पुढवी ८ कम्म ९ अन्नउत्थि १० दस छट्ठगंमि सए ॥ १ ॥ से नूणं भंते! जे महावेयणे से महानिज्जरे जे महानिज्जरे से महावेदणे, महावेदणस्स य अप्पवेदणस्स य से सेए जे पसत्थनिज्जराए?, हंता गोयमा! जे महावेदणे एवं चेव। छट्ठसत्तमासु णं भंते! पुढवीसु नेरइया महावेयणा?, हंता! महावेयणा, ते णं भंते! समणेहिंतो निग्गंथेहिंतो महानिज्जरतरा?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जे महावेदणे जाव पसत्थनिज्जराए?, गोयमा! से जहानामए-दुवे वत्था सिया, एगे वत्थे कद्दमरागरत्ते एगे वत्थे खंजणरागरत्ते एएसि णं गोयमा! दोण्हं वत्थाणं कयरे वत्थे दुधोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुपरिकम्मतराए चेव कयरे वा वत्थे सुधोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव, जे वा से वत्थे कद्दमरागरत्ते जे वा से वत्थे खंजणरागरत्ते?, भगवं! तत्थ णं जे से वत्थे कद्दमरागरत्ते से णं वत्थे दुधोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुप्परिकम्मतराए चेव; एवामेव गोयमा! नेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं (अ) सिढिलीकयाइं खिलीभूयाइं भवंति संपगाढंपि य णं ते वेयणं वेदेमाणा णो महानिज्जरा णो महापज्जवसाणा भवंति, से जहा वा केइ पुरिसे अहिगरणं आउडेमाणे महया २ सद्देणं महया २ घोसेणं महया २ परंपराघाएणं णो संचाएइ तीसे अहिगरणीए अहावायरे पोग्गले परिसाडित्तए एवामेव गोयमा! नेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं जाव नो महापज्जवसाणा भवंति, भगवं! तत्थ जे से वत्थे खंजणरागरत्ते से णं वत्थे सुधोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव, एवामेव गोयमा! समणाणं निग्गंथाणं अहावायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं निट्ठियाइं कडाइं विप्परिणामियाइं खिप्पामेव विद्धत्थाइं भवंति, जावइयं तावइयंपि णं ते वेयणं वेदेमाणा महानिज्जरा महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए-केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसाविज्जइ?, हंता! मसमसाविज्जइ, एवामेव गोयमा! समणाणं निग्गंथाणं अहावायराइं कम्माइं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदगबिंदू जाव हंता! विद्धंसमागच्छइ, एवामेव गोयमा! समणाणं निग्गंथाणं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से तेणट्ठेणं जे महावेदणे से महानिज्जरे जाव निज्जराए ॥ २२८ ॥ कइविहे णं भंते! करणे पन्नत्ते?, गोयमा! चउव्विहे करणे पन्नत्ते, तंजहा-मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे। णेरइयाणं भंते! कइविहे करणे पन्नत्ते?, गोयमा!

चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे ४ [चउ०], एवं पंचिंदियाणं सव्वेसि चउव्विहे करणे पन्नत्ते। एगिंदियाणं दुविहे–कायकरणे य कम्मकरणे य, विगलेंदियाणं ३–वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे। नेरइयाणं भंते! किं करणओ असायं वेयणं वेयंति अकरणओ असायं वेयणं वेदेंति?, गोयमा! नेरइयाणं करणओ असायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ असायं वेयणं वेयंति, से केणट्ठेणं०,? गोयमा! नेरइयाणं चउव्विहे करणे पन्नत्ते, तंजहा—मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे, इच्चेएणं चउव्विहेणं असुभेणं करणेणं नेरइया करणओ असायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ, से तेणट्ठेणं०। असुरकुमाराणं किं करणओ अकरणओ?, गोयमा! करणओ नो अकरणओ, से केणट्ठेणं०?, गोयमा! असुरकुमाराणं चउव्विहे करणे पण्णत्ते, तंजहा—मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे, इच्चेएणं सुभेणं करणेणं असुरकुमाराणं करणओ सायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं एवामेव पुच्छा, नवरं इच्चेएणं सुभासुभेणं करणेणं पुढविकाइया करणओ वेमायाए वेयणं वेयंति नो अकरणओ, ओरालियसरीरा सव्वे सुभासुभेणं वेमायाए। देवा सुभेणं सायं वेयणं वेयन्ति ॥ २२९ ॥ जीवा णं भंते! किं महावेयणा महानिज्जरा १ महावेदणा अप्पनिज्जरा २ अप्पवेदणा महानिज्जरा ३ अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा ४?, गोयमा! अत्थेगइया जीवा महावेदणा महानिज्जरा १ अत्थेगइया जीवा महावेयणा अप्पनिज्जरा २ अत्थेगइया जीवा अप्पवेदणा महानिज्जरा ३ अत्थेगइया जीवा अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा ४। से केणट्ठेणं०?, गोयमा! पडिमापडिवन्नए अणगारे महावेदणे महानिज्जरे छट्ठसत्तमासु पुढवीसु नेरइया महावेदणा अप्पनिज्जरा सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे अप्पवेदणे महानिज्जरे अणुत्तरोववाइया देवा अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा, सेवं भंते! २ त्ति ॥–महवेदणे य वत्थे कद्दमखंजणमए य अहिगरणी। तणहत्थे य कवल्ले करण महावेदणा जीवा ॥ १ ॥ ॥२३०॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ **छट्ठसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहं नगरं जाव एवं वयासी–आहारुद्देसो जो पन्नवणाए सो सव्वो निरवसेसो नेयव्वो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥२३१॥ **छट्ठे सए बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

बहुकम्मवत्थपोग्गलपयोगसावीससा य साईए। कम्मट्ठिईत्थिसंजय सम्मदिट्ठी य सन्नी य ॥ १ ॥ भविए दंसण पज्जत्ते भासअपरित्त नाणजोगे य। उवओगाहारगसुहुमचरिमबंधी य अप्पवहुं ॥ २ ॥ से नूणं भंते! महाकम्मस्स महाकिरियस्स महासवस्स महावेदणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति सव्वओ पोग्गला उवचिज्जंति सया समियं च णं पोग्गला बज्झंति सया

समियं पोग्गला चिज्जंति सया समियं पोग्गला उवचिज्जंति सया समियं च णं तस्स आया दुरूवत्ताए दुवन्नत्ताए दुगंधत्ताए दुरसत्ताए दुफासत्ताए अणिट्ठत्ताए अकंत० अप्पिय० असुभ० अमणुन्न० अमणामत्ताए अणिच्छियत्ताए अभिज्झियत्ताए अहत्ताए नो उड्ढत्ताए दुक्खत्ताए नो सुहत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, हंता गोयमा ! महाकम्मस्स तं चेव । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! से जहानामए–वत्थस्स अहयस्स वा धोयस्स वा तंतुगयस्स वा आणुपुव्वीए परिभुज्जमाणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति जाव परिणमंति से तेणट्ठेणं० । से नूणं भंते ! अप्पासवस्स अप्पकम्मस्स अप्पकिरियस्स अप्पवेदणस्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति सव्वओ पोग्गला छिज्जंति सव्वओ पोग्गला विद्धंसंति सव्वओ पोग्गला परिविद्धंसंति सया समियं पोग्गला भिज्जंति सव्वओ पोग्गला छिज्जंति विद्धंसंति परिविद्धंसंति सया समियं च णं तस्स आया सुरूवत्ताए पसत्थं नेयव्वं जाव सुहत्ताए नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, हंता गोयमा ! जाव परिणमंति । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! से जहानामए–वत्थस्स जल्लियस्स वा पंकियस्स वा मइल्लियस्स वा रइल्लियस्स वा आणुपुव्वीए परिकम्मिज्जमाणस्स सुद्धेणं वारिणा धोवेमाणस्स पोग्गला भिज्जंति जाव परिणमंति से तेणट्ठेणं० ॥ २३२ ॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं पयोगसा वीससा ?, गोयमा ! पओगसावि वीससावि । जहा णं भंते ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए पओगसावि वीससावि तहा णं जीवाणं कम्मोवचए किं पओगसा वीससा ?, गोयमा ! पओगसा नो वीससा, से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! जीवाणं तिविहे पओगे पण्णत्ते, तंजहा–मणप्पओगे वइ० का०, इच्चेएणं तिविहेणं पओगेणं जीवाणं कम्मोवचए पओगसा नो वीससा, एवं सव्वेसिं पंचेदियाणं तिविहे पओगे भाणियव्वे, पुढविकाइयाणं एगविहेणं पओगेणं एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, विगलिंदियाणं दुविहे पओगे पण्णत्ते, तंजहा–वइपओगे य कायप्पओगे य, इच्चेएणं दुविहेणं पओगेणं कम्मोवचए पओगसा नो वीससा, से एएणट्ठेणं जाव नो वीससा एवं जस्स जो पओगो जाव वेमाणियाणं ॥ २३३ ॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं साइए सपज्जवसिए १ साइए अपज्जवसिए २ अणाइए सपज्ज० ३ अणा० अप० ४ ?, गोयमा ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए साइए सपज्जवसिए नो साइए अप० नो अणा० स० नो अणा० अप० । जहा णं भंते ! वत्थस्स पोग्गलोवचए साइए सपज्ज० नो साइए अप० नो अणा० सप० नो अणा० अप० तहा णं जीवाणं कम्मोवचए पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइयाणं जीवाणं कम्मोवचए साइए सपज्जवसिए अत्थे० अणाइए सपज्जवसिए अत्थे० अणाइए अप-

ज्जवसिए नो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए साइए अप० । से केण० ?, गोयमा ! इरियावहियावंधयस्स कम्मोवचए साइए सप० भवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणाइए सपज्जवसिए अभवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणाइए अपज्जवसिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ अत्थे० जीवाणं कम्मोवचए साइए नो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए साइए अपज्जवसिए, वत्थे णं भंते ! किं साइए सपज्जवसिए चउभंगो ?, गोयमा ! वत्थे साइए सपज्जवसिए अवसेसा तिन्निवि पडिसेहेयव्वा । जहा णं भंते ! वत्थे साइए सपज्जवसिए नो साइए अपज्ज० नो अणाइए सप० नो अणाइए अपज्जवसिए तहा णं जीवाणं किं साइया सपज्जवसिया ? चउभंगो पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइया साइया सपज्जवसिया चत्तारिवि भाणियव्वा । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! नेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा गइरागइं पडुच्च साइया सपज्जवसिया सिद्धि (द्धा) गइं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, भवसिद्धिया लद्धिं पडुच्च अणाइया सपज्जवसिया अभवसिद्धिया संसारं पडुच्च अणाइया अपज्जवसिया, से तेणट्ठेणं० ॥ २३४ ॥ कइ णं भंते ! कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तंजहा–णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । नाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं वंधठिई प० ?, गोयमा ! जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ तिन्नि य वाससहस्साइं अवाहा अवाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ, एवं दरिसणावरणिज्जंपि, वेदणिज्जं जह० दो समया उक्को० जहा नाणावरणिज्जं, मोहणिज्जं जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीओ, सत्त य वाससहस्साणि अबाहा, अवाहूणिया कम्मठिई कम्मनिसेगो, आउगं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाणि पुव्वकोडितिभागमब्भहियाणि, (पुव्वकोडितिभागो अवाहा, अबाहूणिया) कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ, नामगोयाणं जह० अट्ठ मुहुत्ता उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ दोण्णि य वाससहस्साणि अवाहा, अवाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ, अंतराइयं जहा नाणावरणिज्जं ॥ २३५ ॥ नाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी वंधइ पुरिसो वंधइ नपुंसओ वंधइ ? णोइत्थी नोपुरिसो नोनपुंसओ वंधइ ? गोयमा ! इत्थीवि बंधइ पुरिसोवि वंधइ नपुंसओवि वंधइ नोइत्थी नोपुरिसो नोनपुंसओ सिय वंधइ सिय नो वंधइ एवं आउगवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ ॥ आउगं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी वंधइ पुरिसो वंधइ नपुंसओ वंधइ० ? पुच्छा, गोयमा ! इत्थी सिय वंधइ सिय नो वंधइ, एवं तिन्निवि भाणियव्वा, नोइत्थी नोपुरिसो नोनपुंसओ न वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं संजए वंधइ असंजए० एवं संजयासंजए वंधइ

नोसंजएनोअसंजएनोसंजयासंजए बंधइ ?, गोयमा ! संजए सिय बंधइ सिय नो बंधइ असंजए बंधइ संजयासंजएवि बंधइ नोसंजएनोअसंजएनोसंजयासंजए न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउगे हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ ॥ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सम्मदिट्ठी बंधइ मिच्छादिट्ठी बंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी बंधइ ?, गोयमा ! सम्मद्दिट्ठी सिय बंधइ सिय नो बंधइ मिच्छदिट्ठी बंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउए हेट्ठिल्ला दो भयणाए सम्मामिच्छदिट्ठी न बंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं सण्णी बंधइ असन्नी बंधइ नोसण्णीनोअसण्णी बंधइ ?, गोयमा ! सन्नी सिय बंधइ सिय नो बंधइ असन्नी बंधइ नोसन्नीनोअसन्नी न बंधइ, एवं वेदणिज्जाउगवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला दो बंधंति, उवरिल्ले भयणाए, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए, उवरिल्लो न बंधइ ॥ णाणावरणिज्जं कम्मं किं भवसिद्धिए बंधइ अभवसिद्धिए बंधइ नोभवसिद्धिएनोअभवसिद्धिए बंधइ ?, गोयमा ! भवसिद्धिए भयणाए अभवसिद्धिए बंधइ नोभवसिद्धिएनोअभवसिद्धिए न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्लो न बंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं चक्खुदंसणी बंधइ अचक्खुदंस० ओहिदंस० केवलदं० ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ, एवं वेदणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला तिन्नि बंधंति केवलदंसणी भयणाए ॥ णाणावरणिज्जं कम्मं किं पज्जत्तओ बंधइ अपज्जत्तओ बंधइ नोपज्जत्तएनोअपज्जत्तए बंधइ ?, गोयमा ! पज्जत्तए भयणाए, अपज्जत्तए बंधइ, नोपज्जत्तएनोअपज्जत्तए न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ; आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ ॥ नाणावरणिज्जं किं भासए बंधइ अभासए० ?, गोयमा ! दोवि भयणाए, एवं वेयणिज्जवज्जाओ सत्त, वेदणिज्जं भासए बंधइ अभासए भयणाए ॥ णाणावरणिज्जं किं परित्ते बंधइ अपरित्ते बंधइ नोपरित्तेनोअपरित्ते बंधइ ?, गोयमा ! परित्ते भयणाए अपरित्ते बंधइ नोपरित्तेनोअपरित्ते न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ, आउए परित्तोवि अपरित्तोवि भयणाए, नोपरित्तोनोअपरित्तो न बंधइ ॥ णाणावरणिज्जं कम्मं किं आभिणिबोहियनाणी बंधइ सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी केवलनाणी बं० ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला चत्तारि भयणाए केवलनाणी न बंधइ, एवं वेदणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला चत्तारि बंधंति केवलनाणी भयणाए । णाणावरणिज्जं किं मइअन्नाणी बंधइ सुय० विभंग० ?, गोयमा ! (सव्वेवि) आउगवज्जाओ सत्तवि बंधंति, आउगं भयणाए ॥ णाणावरणिज्जं किं मणजोगी बंधइ वय० काय० अजोगी बंधइ ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए अजोगी न बंधइ, एवं वेदणिज्ज-

वज्जाओ, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला वंधंति अजोगी न वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं सागारो- वउत्ते वंधइ अणागारोवउत्ते वंधइ ?, गोयमा ! अट्ठसुवि भयणाए ॥ णाणावरणिज्जं किं आहारए वंधइ अणाहारए वंधइ ?, गोयमा ! दोवि भयणाए, एवं वेदणिज्जा- उगवज्जाणं छण्हं, वेदणिज्जं आहारए बंधइ अणाहारए भयणाए, आउए आहा- रए भयणाए, अणाहारए न वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं सुहुमे वंधइ बायरे वंधइ नोसुहुमेनोबादरे बंधइ ?, गोयमा ! सुहुमे वंधइ बायरे भयणाए नोसुहुमेनोबादरे न वंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउए सुहुमे बायरे भयणाए नोसुहुमेनोबायरे ण वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं चरिमे अचरिमे वं० ?, गोयमा ! अट्ठवि भयणाए ॥२३६॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं इत्थिवेदगाणं पुरिसवेदगाणं नपुंसगवेदगाणं अवेयगाण य कयरे २ अप्पा वा ४ ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेदगा इत्थिवेदगा संखेज्जगुणा अवेदगा अणंतगुणा नपुंसगवेदगा अणंतगुणा ॥ एएसिं सव्वेसिं पदाणं अप्पबहुगाइं उच्चारेयव्वाइं जाव सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा चरिमा अणंतगुणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २३७ ॥ **छट्ठसए तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

जीवे णं भंते ! कालाएसेणं कि सपदेसे अपदेसे ?, गोयमा ! नियमा सपदेसे । नेरइए णं भंते ! कालादेसेणं कि सपदेसे अपदेसे ?, गोयमा ! सिय सपदेसे सिय अपदेसे, एवं जाव सिद्धे । जीवा णं भंते ! कालादेसेणं किं सपदेसा अपदेसा ?, गोयमा ! नियमा सपदेसा । नेरइया णं भंते ! कालादेसेणं किं सपदेसा अपदेसा ?, गोयमा ! सव्वेवि ताव होज्जा सपदेसा १ अहवा सपएसा य अपदेसे य २ अहवा सपदेसा य अपदेसा य ३, एवं जाव थणियकुमारा ॥ पुढविकाइया णं भंते ! किं सपदेसा अपदेसा ?, गोयमा ! सपदेसावि अपदेसावि, एवं जाव वणप्फइकाइया, सेसा जहा नेरइया तहा जाव सिद्धा ॥ आहारगाणं जीवेगेंदियवज्जो तियभंगो, अणाहारगाणं जीवेगिंदियवज्जा छब्भंगा एवं भाणियव्वा–सपदेसा वा १ अपएसा वा २ अहवा सपदेसे य अपदेसे य ३ अहवा सपदेसे य अपदेसा य ४ अहवा सपदेसा य अपदेसे य ५ अहवा सपदेसा य अपदेसा य ६, सिद्धेहिं तियभंगो, भवसिद्धिया अभवसिद्धिया [भवसिद्धिया] जहा ओहिया, नोभवसिद्धियनोअभ- वसिद्धिया जीवसिद्धेहिं तियभंगो, सण्णीहिं जीवादिओ तियभंगो, असण्णीहिं एगिं- दियवज्जो तियभंगो, नेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगो, नोसन्निनोअसन्निजीवमणुयसिद्धेहिं तियभंगो सलेसा जहा ओहिया ॥ कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा जहा आहारओ नवरं जस्स अत्थि एयाओ, तेउलेस्साए जीवादिओ तियभंगो, नवरं पुढविकाइएसु आउवणप्फईसु छब्भंगा, पम्हलेससुक्कलेस्साए जीवादिओ तियभंगो, अलेसीहिं

जीवसिद्धेहिं तियभंगो मणुस्से(सु) छब्भंगा, सम्मद्दिट्ठीहिं जीवाइ(य)तियभंगो, विगलिंदिएसु छब्भंगा, मिच्छद्दिट्ठीहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो, सम्मामिच्छद्दिट्ठीहिं छब्भंगा, संजएहि जीवाइओ तियभंगो, असंजएहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो, संजयासंजएहिं तियभंगो जीवादिओ, नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजयजीवसिद्धेहिं तियभंगो, सकसाईहिं जीवादिओ तियभंगो, एगिंदिएसु अभंगयं, कोहकसाईहिं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, देवेहिं छब्भंगा, माणकसाई मायाकसाई जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, नेरइयदेवेहिं छब्भंगा, लोभकसाईहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, नेरइएसु छब्भंगा, अकसाईजीवमणुएहिं सिद्धेहिं तियभंगो, ओहियनाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे जीवादिओ तियभंगो, विगलिंदिएहिं छब्भंगा, ओहिनाणे मण० केवलनाणे जीवादिओ तियभंगो, ओहिए अन्नाणे मइअण्णाणे सुयअण्णाणे एगिंदियवज्जो तियभंगो, विभंगनाणे जीवादिओ तियभंगो, सजोगी जहा ओहिओ, मणजोगी वयजोगी कायजोगी जीवादिओ तियभंगो नवरं कायजोगी एगिंदिया तेसु अभंगयं, अजोगी जहा अलेसा, सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, सवेयगा य जहा सकसाई, इत्थिवेयगपुरिसवेयगनपुंसगवेयगेसु जीवादिओ तियभंगो, नवरं नपुंसगवेदे एगिंदिएसु अभंगयं, अवेयगा जहा अकसाई, ससरीरी जहा ओहिओ, ओरालियवेउव्वियसरीराणं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, आहारगसरीरे जीवमणुएसु छब्भंगा, तेयगकम्मगाणं जहा ओहिया, असरीरेहिं जीवसिद्धेहिं तियभंगो, आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणापाणुपज्जत्तीए जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, भासामणपज्जत्तीए जहा सण्णी, आहारअपज्जत्तीए जहा अणाहारगा, सरीरअपज्जत्तीए इंदियअपज्जत्तीए आणापाणअपज्जत्तीए जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, नेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगा, भासामणअपज्जत्तीए जीवादिओ तियभंगो, णेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगा ॥ गाहा—सपदेसा आहारगभवियसन्निलेस्सा दिट्ठी संजयकसाए । णाणे जोगुवओगे वेदे य सरीरपज्जत्ती ॥ १ ॥ २३८ ॥ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा पच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि पच्चक्खाणापच्चक्खाणीवि । सव्वजीवाणं एवं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया अपच्चक्खाणी जाव चउरिंदिया, सेसा दो पडिसेहेयव्वा, पंचेंदियतिरिक्खजोणिया नो पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणीवि पच्चक्खाणापच्चक्खाणीवि, मणुस्सा तिन्निवि, सेसा जहा नेरइया ॥ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं जाणंति अपच्चक्खाणं जाणंति पच्चक्खाणापच्चक्खाणं जाणंति ?, गोयमा ! जे पंचेंदिया ते तिन्निवि जाणंति अवसेसा पच्चक्खाणं न जाणंति ३॥ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं कुव्वंति अपच्चक्खाणं कुव्वंति पच्चक्खाणापच्चक्खाणं

कुव्वंति ?, जहा ओहिया तहा कुव्वणा ॥ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया अपच्चक्खाणणि० पच्चक्खाणापच्चक्खाणनि० ?, गोयमा ! जीवा य वेमाणिया य पच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया तिन्निवि अवसेसा अपच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया ॥ पच्चक्खाणं १ जाणइ २ कुव्वंति ३ तिन्नेव(तेणे)व आउनिव्वत्ती ४ । सपदेसुद्देसंमि य एमेए दंडगा चउरो ॥ १ ॥ २३९ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ **छट्ठे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

किमियं भंते ! तमुक्काएत्ति पवुच्चइ कि पुढवी तमुक्काएत्ति पवुच्चइ आऊ तमुक्काएत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! नो पुढवी तमुक्काएत्ति पवुच्चइ आऊ तमुक्काएत्ति पवुच्चइ । से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! पुढविकाए णं अत्थेगइए सुभे देसं पकासेइ अत्थेगइए देसं नो पकासेइ, से तेणट्ठेणं० । तमुक्काए णं भंते ! कहिं समुट्ठिए कहिं संनिट्ठिए ?, गोयमा ! जंबुद्दीवस्स २ बहिया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीईवइत्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयन्ताओ अरुणोदयं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साणि ओगाहित्ता उवरिल्लाओ जलंताओ एगपदेसियाए सेढीए इत्थ णं तमुक्काए समुट्ठिए, सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उप्पइत्ता तओ पच्छा तिरियं पवित्थरमाणे २ सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदे चत्तारिवि कप्पे आवरित्ता णं उड्ढंपि य णं जाव बंभलोगे कप्पे रिट्ठविमाणपत्थडं संपत्ते एत्थ णं तमुक्काए णं संनिट्ठिए ॥ तमुक्काए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ?, गोयमा ! अहे मल्लगमूलसंठिए उप्पिं कुक्कडगपंजरगसंठिए पण्णत्ते ॥ तमुक्काए णं भंते ! केवइयं विक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडे य, तत्थ णं जे से संखेज्जवित्थडे से णं संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं प०, तत्थ णं जे से असंखेज्जवित्थडे से णं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं प० । तमुक्काए णं भंते ! केमहालए प० ?, गोयमा ! अयं णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतराए जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते ॥ देवे णं महिड्डिए जाव महाणुभावे इणामेव २ त्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ तिहिं अच्छरानिवाएहि तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ता णं हव्वमागच्छिज्जा से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए जाव देवगईए वीईवयमाणे २ जाव एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे वीईवएज्जा अत्थेगइए(यं) तमुक्कायं वीईवएज्जा अत्थेगइए नो तमुक्कायं वीईवएज्जा, एमहालए णं गोयमा ! तमुक्काए पन्नत्ते । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए गेहाइ वा गेहावणाइ वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं भंते ! तमुक्काए गामाइ वा जाव संनिवेसाइ वा ?, णो तिणट्ठे

समट्ठे । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए ओराला वलाहया संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति वा ?, हंता ! अत्थि, तं भंते ! किं देवो पकरेइ असुरो पकरेइ नागो पकरेइ ?, गोयमा ! देवोवि पकरेइ असुरोवि पकरेइ णागोवि पकरेइ । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए वादरे थणियसद्दे वायरे विज्जुए ?, हंता ! अत्थि, तं भंते ! किं देवो पकरेइ ३?, तिन्निवि पकरेन्ति, अत्थि णं भंते ! तमुक्काए वायरे पुढविकाए वादरे अगणिकाए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे णण्णत्थ विग्गहगइसमावन्नएणं । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, पलियस्सतो पुण अत्थि । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदाभाइ वा सूराभाइ वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, कादूसणिया पुण सा । तमुक्काए णं भंते ! केरिसए वन्नेणं पण्णत्ते ?, गोयमा ! काले कालावभासे गंभीरलोमहरिसजणणे भीमे उत्तासणए परमकिण्हे वन्नेणं पण्णत्ते, देवेवि णं अत्थेगइए जे णं तप्पढमयाए पासित्ता णं खुभाएज्जा अहे णं अभिसमागच्छेज्जा तओ पच्छा सीहं २ तुरियं २ खिप्पामेव वीईवएज्जा ॥ तमुक्कायस्स णं भंते ! कइ नामधेज्जा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तेरस नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा– तमेइ वा तमुक्काएइ वा अंधकारेइ वा महंधकारेइ वा लोगंधकारेइ वा लोगतमिस्सेइ वा देवंधकारेइ वा देवतमिस्सेइ वा देवारन्नेइ वा देववूहेइ वा देवफलिहेइ वा देवपडिक्खोभेइ वा अरुणोदएइ वा समुद्दे ॥ तमुक्काए णं भंते ! किं पुढविपरिणामे आउपरिणामे जीवपरिणामे पोग्गलपरिणामे ?, गोयमा ! नो पुढविपरिणामे आउपरिणामेवि जीवपरिणामेवि पोग्गलपरिणामेवि । तमुक्काए णं भंते ! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता पुढविकाइयत्ताए जाव तसकाइयत्ताए उववन्नपुव्वा ?, हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो णो चेव णं वादरपुढविकाइयत्ताए वादरअगणिकाइयत्ताए वा ॥ २४० ॥ कइ णं भंते ! कण्हराईओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ । कहि णं भंते ! एयाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हिट्ठिं वंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणे पत्थडे, एत्थ णं अक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ, तंजहा– पुरच्छिमेणं दो पच्चत्थिमेणं दो दाहिणेणं दो उत्तरेणं दो, पुरच्छिमब्भंतरा कण्हराई दाहिणं वाहिरं कण्हराइं पुट्ठा दाहिणब्भंतरा कण्हराई पच्चत्थिमवाहिरं कण्हराइं पुट्ठा पच्चत्थिमब्भंतरा कण्हराई उत्तरवाहिरं कण्हराइं पुट्ठा उत्तरमब्भंतरा कण्हराई पुरच्छिमवाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, दो पुरच्छिमपच्चत्थिमाओ वाहिराओ कण्हराईओ छलंसाओ दो उत्तरदाहिणवाहिराओ कण्हराईओ तंसाओ दो पुरच्छिमपच्चत्थिमाओ अब्भितराओ कण्हराईओ चउरंसाओ दो उत्तरदाहिणाओ अब्भितराओ कण्हरा-

ईओ चउरंसाओ 'पुव्वावरा छलंसा तंसा पुण दाहिणुत्तरा वज्झा । अब्भंतर (अवसेसा)चउरंसा सव्वावि य कण्हराईओ ॥ १ ॥' कण्हराईओ णं भंते! केवइयं आयामेणं केवइयं विक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ता? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं आयामेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ताओ । कण्हराईओ णं भंते! केमहालियाओ पण्णत्ता? गोयमा! अयण्णं जंबुद्दीवे २ जाव अ(द्ध)द्धमासं वीईवएज्जा अत्थेगइयं कण्हराइं वीईवएज्जा अत्थेगइयं कण्हराइं णो वीईवएज्जा, एमहालियाओ णं गोयमा! कण्हराईओ पण्णत्ताओ । अत्थि णं भंते! कण्हराईसु गेहाइ वा गेहावणाइ वा?, नो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते! कण्हराईसु गामाइ वा०?, णो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते! कण्ह० ओराला बलाहया संमुच्छंति ३?, हंता! अत्थि, तं भंते! किं देवो प० ३?, गो० देवो पकरेइ नो सुरो नो नागो य । अत्थि णं भंते! कण्हराईसु बादरे थणियसद्दे जहा ओराला तहा । अत्थि णं भंते! कण्हराईए बादरे आउकाए बादरे अगणिकाए वायरे वणप्फइकाए?, णो तिणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ विग्गहगइसमावन्नएणं । अत्थि णं० चंदिमसूरिय ४ प०?, णो तिण० । अत्थि णं कण्ह० चंदाभाइ वा २?, णो तिणट्ठे समट्ठे । कण्हराईओ णं भंते! केरिसियाओ वन्नेणं पन्नत्ताओ?, गोयमा! कालाओ जाव खिप्पामेव वीईवएज्जा । कण्हराईओ णं भंते! कइ नामधेज्जा पण्णत्ता? गोयमा! अट्ठ नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा-कण्हराइत्ति वा मेहराईइ वा मघावई(घे)इ वा माघवईइ वा वायफलिहेइ वा वायपलिक्खोभेइ वा देवफलिहेइ वा देवपलिक्खोभेइ वा, कण्हराईओ णं भंते! किं पुढविपरिणामाओ आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओ पोग्गलपरिणामाओ?, गोयमा! पुढविपरिणामाओ नो आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओवि पोग्गलपरिणामाओवि । कण्हराईसु णं भंते! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता उववन्नपुव्वा?, हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो नो चेव णं बादरआउकाइयत्ताए बादरअगणिकाइयत्ताए वा बादरवणप्फइकाइयत्ताए वा ॥ २४१ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठ लोगंतियविमाणा पण्णत्ता, तंजहा-१ अच्ची २ अच्चिमाली ३ वइरोयणे ४ पभंकरे ५ चंदाभे ६ सूराभे ७ सुक्काभे ८ सुपइट्ठाभे ९ मज्झे रिट्ठाभे । कहि णं भंते! अच्चिविमाणे प०?, गोयमा! उत्तरपुरच्छिमेणं, कहि णं भंते! अच्चिमालिविमाणे प०?; गोयमा! पुरच्छिमेणं, एवं परिवाडीए नेयव्वं जाव कहि णं भंते! रिट्ठे विमाणे पण्णत्ते?, गोयमा! बहुमज्झदेसभागे । एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतियदेवा परिवसंति, तंजहा-सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा

य गद्दतोया य। तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य ॥ १ ॥ कहि णं भंते! सारस्सया देवा परिवसंति?, गोयमा! अच्चिविमाणे परिवसंति, कहि णं भंते! आइच्चा देवा परिवसंति?, गोयमा! अच्चिमालिविमाणे, एवं नेयव्वं जहाणुपुव्वीए जाव कहि णं भंते! रिट्ठा देवा परिवसंति?, गोयमा! रिट्ठविमाणे ॥ सारस्सयमाइच्चाणं भंते! देवाणं कइ देवा कइ देवसया पण्णत्ता?, गोयमा! सत्त देवा सत्त देवसया परिवारो पण्णत्तो, वण्हीवरुणाणं देवाणं चउद्दस देवा चउद्दस देवसहस्सा परिवारो पण्णत्तो, गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा पण्णत्ता, अवसेसाणं नव देवा नव देवसया पण्णत्ता–'पढमजुगलम्मि सत्त उ सयाणि वीयंमि चोद्दससहस्सा। तइए सत्तसहस्सा नव चेव सयाणि सेसेसु ॥ १ ॥' लोगंतियविमाणा णं भंते! किंपइट्ठिया पण्णत्ता?, गोयमा! वाउपइट्ठिया तदुभयपइट्ठिया प०, एवं नेयव्वं–'विमाणाणं पइट्ठाणं बाहल्लुच्चत्तमेव संठाणं।' बंभलोयवत्तव्वया नेयव्वा [जहा जीवाभिगमे देवुद्देसए] जाव हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो। नो चेव णं देवित्ताए। लोगंतियविमाणेसु णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता?, गोयमा! अट्ठ सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। लोगंतियविमाणेहिंतो णं भंते! केवइयं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते?, गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ २४२ ॥ **छट्ठसए पंचमो उद्देसओ समत्तो** ॥

कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ?, गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव तमतमा, रयणप्पभाईणं आवासा भाणियव्वा (जाव) अहेसत्तमाए, एवं जे जत्तिया आवासा ते भाणियव्वा जाव कइ णं भंते! अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता?, गोयमा! पंच अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता, तंजहा–विजए जाव सव्वट्ठसिद्धे ॥ २४३ ॥ जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा?, गोयमा! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा अत्थेगइए तओ पडिनियत्तइ, तओ पडिनियत्तित्ता इहमागच्छइ २ दोच्चंपि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणइ २ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जित्तए, तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा एवं जाव अहेसत्तमा पुढवी। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए चउसट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि असुरकुमारावासंसि असु-

रकुमारत्ताए उववज्जित्तए जहा नेरइया तहा भाणियव्वा जाव थणियकुमारा। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए असंखेज्जेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं केवइयं गच्छेज्जा केवइयं पाउणेज्जा?, गोयमा! लोयंतं गच्छेज्जा लोयंतं पाउणिज्जा, से णं भंते! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा?, गोयमा! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा अत्थेगइए तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इह हव्वमागच्छइ २ त्ता दोच्चंपि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्तं वा संखेज्जइभागमेत्तं वा वालग्गं वा वालग्गपुहुत्तं वा एवं लिक्खं जूयं जवं अंगुलं जाव जोयणकोडिं वा जोयणकोडाकोडिं वा संखेज्जेसु वा असंखेज्जेसु वा जोयणसहस्सेसु लोगंते वा एगपदेसियं सेढिं मोत्तूण असंखेज्जेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जेत्ता तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा, जहा पुरच्छिमेणं मंदरस्स पव्वयस्स आलावओ भणिओ एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं उड्ढे अहे, जहा पुढविकाइया तहा एगिंदियाणं सव्वेसिं, एक्केक्कस्स छ आलावया भाणियव्वा। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ त्ता जे भविए असंखेज्जेसु बेंदियावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि बेंदियावासंसि बेइंदियत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! तत्थगए चेव जहा नेरइया, एवं जाव अणुत्तरोववाइया। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए एवं पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु अन्नयरंसि अणुत्तरविमाणंसि अणुत्तरोववाइयदेवत्ताए उववज्जित्तए; से णं भंते! तत्थगए चेव जाव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा?०। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥२४४॥ **पुढविउद्देसो समत्तो। छट्ठसए छट्ठो उद्देसो समत्तो॥**

अह णं भंते! सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसि णं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं उल्लित्ताणं लित्ताणं पिहियाणं मुद्दियाणं लंछियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ?, गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ तेण परं जोणी पविद्धंसइ तेण परं बीए अबीए भवइ तेण परं जोणीवोच्छेदे पन्नत्ते समणाउसो!। अह भंते! कलायमसूरतिलमुग्गमासनिप्फावकुलत्थआलिसंदगसतीणपलिमंथगमाईणं एएसि णं धन्नाणं जहा सालीणं तहा एयाणिवि, नवरं पंच संवच्छराइं, सेसं तं चेव। अह

भंते ! अयसिकुसुंभगकोद्दवकंगुवरगरालगकोदूसगसणसरिसवमूलगबीयमाईणं एएसि णं धन्नाणं, एयाणिवि तहेव, नवरं सत्त संवच्छराइं, सेसं तं चेव ॥ २४५ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! मुहुत्तस्स केवइया ऊसासद्धा वियाहिया ?, गोयमा ! असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जा आवलिया ऊसासो संखेज्जा आवलिया निस्सासो–हट्ठस्स अणवगल्लस्स, निरुवकिट्ठस्स जंतुणो । एगे ऊसासनीसासे, एस पाणुत्ति वुच्चइ ॥ १ ॥ सत्त पाणूणि से थोवे, सत्त थोवाइं से लवे । लवाणं सत्तहत्तरिए, एस मुहुत्ते वियाहिए ॥ २ ॥ तिन्नि सहस्सा सत्त य सयाइं तेवत्तरिं च ऊसासा । एस मुहुत्तो दिट्ठो सव्वेहिं अणंतनाणीहिं ॥ ३ ॥ एएणं मुहुत्तपमाणेणं तीसमुहुत्तो अहोरत्तो, पन्नरस अहोरत्ता पक्खो, दो पक्खा मासे, दो मासा उऊ, तिन्नि उउए अयणे, दो अयणे संवच्छरे, पंचसंवच्छरिए जुगे, वीसं जुगाइं वाससयं, दस वाससयाइं वाससहस्सं, सयं वाससहस्साइं वाससयसहस्सं, चउरासीइ वाससयसहस्साणि से एगे पुव्वंगे, चउरासीइ पुव्वंगसयसहस्साइं से एगे पुव्वे, [एवं पुव्वे] २ तुडिए २ अडडे २ अववे २ हूहूए २ उप्पले २ पउमे २ नलिणे २ अच्छणिउरे २ अउए २ पउए य २ नउए य २ चूलिया २ सीसपहेलिया २ एताव ताव गणिए एताव ताव गणियस्स विसए, तेण परं ? ओवमिए । से किं तं ओवमिए ?, २ दुविहे पण्णत्ते तंजहा पलिओवमे य सागरोवमे य, से किं तं पलिओवमे ? से किं तं सागरोवमे ? ॥ सत्थेण सुतिक्खेणवि छेत्तुं भेत्तुं च जं न किर सक्का । तं परमाणुं सिद्धा वयंति आइं पमाणाणं ॥ १ ॥ अणंताणं परमाणुपोग्गलाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा उस्सण्हसण्हियाइ वा सण्हसण्हियाइ वा उड्ढरेणूइ वा तसरेणूइ वा रहरेणूइ वा वालग्गेइ वा लिक्खाइ वा जूयाइ वा जवमज्झेइ वा अंगुलेइ वा, अट्ठ उस्सण्हसण्हियाओ सा एगा सण्हसण्हिया, अट्ठ सण्हसण्हियाओ सा एगा उड्ढरेणू, अट्ठ उड्ढरेणूओ सा एगा तसरेणू, अट्ठ तसरेणूओ सा एगा रहरेणू, अट्ठ रहरेणूओ से एगे देवकुरुउत्तरकुरुगाणं मणूसाणं वालग्गे, एवं हरिवासरम्मगहेमवएरन्नवयाणं पुव्वविदेहाणं मणूसाणं अट्ठ वालग्गा सा एगा लिक्खा, अट्ठ लिक्खाओ सा एगा जूया, अट्ठ जूयाओ से एगे जवमज्झे, अट्ठ जवमज्झाओ से एगे अंगुले, एएणं अंगुलपमाणेणं छ अंगुलाणि पाओ, बारस अंगुलाइं विहत्थी, चउव्वीसं अंगुलाइं रयणी, अडयालीसं अंगुलाइं कुच्छी, छन्नउइ अंगुलाणि से एगे दंडेइ वा धणूइ वा जूएइ वा नालियाइ वा अक्खेइ वा मुसलेइ वा, एएणं धणुप्पमाणेणं दो धणुसहस्साइं गाउयं, चत्तारि गाउयाइं जोयणं, एएणं जोयणप्पमाणेणं जे पल्ले जोयणं आयाम-

विक्खंभेणं जोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं तं तिउणं सविसेसं परिरएणं, से णं एगाहियबेयाहियतेयाहिय उक्कोसं सत्तरत्तप्परूढाणं संमट्ठे संनिचिए भरिए वालग्गकोडीणं [ते], से णं वालग्गे नो अग्गी दहेज्जा नो वाऊ हरेज्जा नो कुत्थेज्जा नो परिविद्धंसेज्जा नो पूइत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, तओ णं वाससए २ एगमेगं वालग्गं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे नीरए निम्मले निट्ठिए निल्लेवे अवहडे विसुद्धे भवइ, से तं पलिओवमे। गाहा—एएसि पल्लाणं कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया । तं सागरोवमस्स उ एक्कस्स भवे परिमाणं ॥ १ ॥ एएणं सागरोवमपमाणेणं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा १ तिन्नि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमा २ दो सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमदुसमा ३ एगा सागरोवमकोडाकोडी बायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणिया कालो दुसमसुसमा ४ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमा ५ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा ६ । पुणरवि ओसप्पिणीए एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा १ एक्कवीसं वाससहस्साइं जाव चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा, दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणी वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी य उस्सप्पिणी य ॥ २४६ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए उत्तमट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे होत्था ?, गोयमा ! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे होत्था, से जहानामए—आलिंगपुक्खरेइ वा एवं उत्तरकुरुवत्तव्वया नेयव्वा जाव आसयंति सयंति, तीसे णं समाए भारहे वासे तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे ओराला कुद्दाला जाव कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला जाव छव्विहा मणुस्सा अणुसज्जित्था प०, तं०—पम्हगंधा १ मियगंधा २ अममा ३ तेयली ४ सहा ५ सणिचारी ६ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २४७ ॥ **छट्ठसए सत्तमो उद्देसओ समत्तो** ॥

कइ णं भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! अट्ठ पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—रयणप्पभा जाव ईसिप्पब्भारा । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे गेहाइ वा गेहावणाइ वा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए अहे गामाइ वा जाव संनिवेसाइ वा ? नो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उराला बलाहया संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति ?, हंता ! अत्थि, तिन्निवि पकरेंति देवोवि पकरेइ असुरोवि प० नागोवि प० । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयण० बादरे थणियसद्दे ?, हंता ! अत्थि, तिन्निवि पकरेन्ति । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयण० अहे बादरे अगणिकाए ?, गोयमा ! नो

तिणट्ठे समट्ठे, नन्नत्थ विग्गहगइसमावन्नएणं। अत्थि णं भंते! इमीसे रयण० अहे चंदिम जाव ताराख्वा ?, नो तिणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चंदाभाइ वा २ ?, णो इणट्ठे समट्ठे, एवं दोच्चाएवि पुढवीए भाणियव्वं, एवं तच्चाएवि भाणियव्वं, नवरं देवोवि पकरेइ असुरोवि पकरेइ णो णागो पकरेइ, चउत्थाएवि एवं नवरं देवो एक्को पकरेइ नो असुरो० नो नागो पकरेइ, एवं हेट्ठिल्लासु सव्वासु देवो एक्को पकरेइ। अत्थि णं भंते! सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं अहे गेहाइ वा २ ? नो इणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते! उराला बलाहया ? हंता! अत्थि, देवो पकरेइ असुरोवि पकरेइ नो नाओ पकरेइ, एवं थणियसद्देवि। अत्थि णं भंते! वायरे पुढविकाए वादरे अगणिकाए ?, णो इणट्ठे समट्ठे, नण्णत्थ विग्गहगइसमावन्नएणं। अत्थि णं भंते! चंदिम० ?, णो तिणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते! गामाइ वा० ?, णो तिणट्ठे स०। अत्थि णं भंते! चंदाभाइ वा २ ?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे। एवं सणंकुमारमाहिंदेसु नवरं देवो एगो पकरेइ। एवं बंभलोएवि। एवं बंभलोगस्स उवरिं सव्वहिं देवो पकरेइ, पुच्छियव्वो य, बायरे आउकाए बायरे अगणिकाए बायरे वणस्सइकाए अन्नं तं चेव॥ गाहा—तमुकाए कप्पपणए अगणी पुढवी य अगणि पुढवीसु। आऊतेउवणस्सइ कप्पुवरिमकण्हराईसु॥ १॥ ॥ २४८॥ कइविहे णं भंते! आउयबंधए पन्नत्ते ?, गोयमा! छव्विहा आउयबंधा पन्नत्ता, तंजहा—जाइनामनिहत्ताउए १ गइनामनिहत्ताउए २ ठिइनामनिहत्ताउए ३ ओगाहणानामनिहत्ताउए ४ पएसनामनिहत्ताउए ५ अणुभागनामनिहत्ताउए ६ दंडओ जाव वेमाणियाणं॥ जीवा णं भंते! किं जाइनामनिहत्ता जाव अणुभागनामनिहत्ता ?, गोयमा! जाइनामनिहत्तावि जाव अणुभागनामनिहत्तावि, दंडओ जाव वेमाणियाणं। जीवा णं भंते! किं जाइनामनिहत्ताउया जाव अणुभागनामनिहत्ताउया ?, गोयमा! जाइनामनिहत्ताउयावि जाव अणुभागनामनिहत्ताउयावि, दंडओ जाव वेमाणियाणं। एवं एए दुवालस दंडगा भाणियव्वा। जीवा णं भंते! किं जाइनामनिहत्ता १ जाइनामनिहत्ताउया २ ?, १२। जीवा णं भंते! किं जाइनामनिउत्ता ३ जाइनामनिउत्ताउया ४ जाइगोयनिहत्ता ५ जाइगोयनिहत्ताउया ६ जाइगोयनिउत्ता ७ जाइगोयनिउत्ताउया ८ जाइणामगोयनिहत्ता ९ जाइणामगोयनिहत्ताउया १० जाइणामगोयनिउत्ता ११ ? जीवा णं भंते! किं जाइनामगोयनिउत्ताउया १२ जाव अणुभागनामगोयनिउत्ताउया ?, गोयमा! जाइनामगोयनिउत्ताउयावि जाव अणुभागनामगोयनिउत्ताउयावि दंडओ जाव वेमाणियाणं॥ २४९॥ लवणे णं भंते! समुद्दे किं उस्सिओदए पत्थडोदए खुभियजले अखु-

भियजले ?, गोयमा ! लवणे णं समुद्दे ऊसिओदए नो पत्थडोदए खुभियजले नो अखुभियजले एत्तो आढत्तं जहा जीवाभिगमे जाव से तेण० गोयमा ! बाहिरया णं दीवसमुद्दा पुन्ना पुन्नप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठंति संठाणओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा दुगुणादुगुणप्पमाणओ जाव अस्सि तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्दा सयंभुरमणपज्जवसाणा पन्नत्ता समणाउसो !। दीवसमुद्दा णं भंते ! केवइया नामधेज्जेहिं पन्नत्ता ?, गोयमा ! जावइया लोए सुभा नामा सुभा रूवा सुभा गंधा सुभा रसा सुभा फासा एवइया णं दीवसमुद्दा नामधेज्जेहिं पन्नत्ता, एवं नेयव्वा सुभा नामा उद्धारो परिणामो सव्वजीवाणं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २५० ॥ **छट्ठसयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा, बंधुद्देसो पन्नवणाए नेयव्वो ॥ २५१ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवन्नं एगरूवं विउव्वित्तए ?, गोयमा ! नो तिणट्ठे० । देवे णं भंते ! बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू ? हंता ! पभू, से णं भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ?, गोयमा ! नो इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, नो अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, एवं एएणं गमेणं जाव एगवन्नं एगरूवं १ एगवण्णं अणेगरूवं २ अणेगवन्नं एगरूवं ३ अणेगवन्नं अणेगरूवं ४ चउभंगो । देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू कालयं पोग्गलं नीलगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए नीलगं पोग्गलं वा कालगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ?, गोयमा ! नो तिणट्ठे समट्ठे, परियाइत्ता पभू । से णं भंते ! कि इहगए पोग्गले तं चेव नवरं परिणामेइत्ति भाणियव्वं, एवं कालगपोग्गलं लोहियपोग्गलत्ताए, एवं कालएणं जाव सुक्किलं, एवं णीलएणं जाव सुक्किलं, एवं लोहियपोग्गलं जाव सुक्किलत्ताए, एवं हालिद्दएणं जाव सुक्किलं, तंजहा–एवं एयाए परिवाडीए गंधरसफास० कक्खडफासपोग्गलं मउयफासपोग्गलत्ताए २ एवं दो दो गरुयलहुय २ सीयउसिण २ णिद्धलुक्ख २, वन्नाइ सव्वत्थ परिणामेइ, आलावगा य दो दो पोग्गले अपरियाइत्ता परियाइत्ता ॥२५२॥ अविसुद्धलेसे णं भंते ! देवे असमोहएणं अप्पाणएणं अविसुद्धलेसं देवं देविं अन्नयरं जाणइ पासइ १? णो तिणट्ठे समट्ठे, एवं अविसुद्धलेसे देवे असमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३, २ । अविसुद्धलेसे समोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३, ३ । अवि-

सुद्धलेसे देवे समोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३, ४। अविसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेस देवं ३, ५। अविसुद्धलेसे समोहया० विसुद्धलेसं देवं ३, ६॥ विसुद्धलेसे असमो० अविसुद्धलेसं देवं ३, १। विसुद्धलेसे असमोहएणं विसुद्धलेसं देवं ३, २। विसुद्धलेसे णं भंते! देवे समोहएणं अविसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ०?, हंता! जाणइ०, एवं विसुद्ध० समो० विसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ?, हंता! जाणइ ४। विसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अविसुद्धलेसं देवं ३, ५। विसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं विसुद्धलेसं देवं ३, ६। एवं हेट्ठिल्लएहिं अट्ठहिं न जाणइ न पासइ उवरिल्लएहिं चउहिं जाणइ पासइ। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ २५३॥

छट्ठसए नवमो उद्देसो समत्तो॥

अन्नउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति जावइया रायगिहे नयरे जीवा एवइयाणं जीवाणं नो चक्किया केइ सुहं वा दुहं वा जाव कोलट्ठिगमायमवि निप्फावमायमवि कलममायमवि मासमायमवि मुग्गमायमवि जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिनिवट्टेत्ता उवदंसित्तए, से कहमेयं भंते! एवं?, गोयमा! जन्नं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि सव्वलोएवि य णं सव्वजीवाणं णो चक्किया कोई सुहं वा तं चेव जाव उवदंसित्तए। से केणट्ठेणं?, गोयमा! अयन्नं जंबुद्दीवे २ जाव विसेसाहिए परिक्खेवेणं पन्नत्ते, देवे णं महिड्ढिए जाव महाणुभागे एगं महं सविलेवणं गंधसमुग्गगं गहाय तं अवद्दालेइ तं अवद्दालेत्ता जाव इणामेव कट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ता णं हव्वमागच्छेज्जा, से नूणं गोयमा! से केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ तेहिं घाणपोग्गलेहि फुडे?, हंता! फुडे, चक्किया णं गोयमा! केइ तेसिं घाणपोग्गलाणं कोलट्ठियामायमवि जाव उवदंसित्तए?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेणं जाव उवदंसेत्तए॥ २५४॥ जीवे णं भंते! जीवे २ जीवे?, गोयमा! जीवे ताव नियमा जीवे जीवेवि नियमा जीवे। जीवे णं भंते! नेरइए नेरइए जीवे?, गोयमा! नेरइए ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय नेरइए सिय अनेरइए, जीवे णं भंते! असुरकुमारे असुरकुमारे जीवे?, गोयमा! असुरकुमारे ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय असुरकुमारे सिय णो असुरकुमारे, एवं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं। जीवइ भंते! जीवे जीवे जीवइ?, गोयमा! जीवइ ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय जीवइ सिय नो जीवइ, जीवइ भंते! नेरइए २ जीवइ?, गोयमा! नेरइए ताव नियमा जीवइ २ पुण सिय नेरइए सिय अनेरइए, एवं दंडओ नेयव्वो जाव वेमाणियाणं। भवसिद्धिए णं भंते! नेरइए २ भवसिद्धिए?, गोयमा! भवसिद्धिए

सिय नेरइए सिय अनेरइए नेरइए ऽविय सिय भवसिद्धिए सिय अभवसिद्धिए, एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ २५५ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति एवं खलु सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति, से कह-मेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जन्नं ते अन्नउत्थिया जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति आहच्च सायं, अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंत-सायं वेयणं वेयंति आहच्च असायं, अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता वेमायाए वेयणं वेयंति आहच्च सायमसायं । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! नेरइया एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति [आहच्च सायमसायं] आहच्च सायं, भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया एगंतसायं वेयणं वेयंति आहच्च असायं, पुढविकाइया जाव मणुस्सा वेमायाए वेयणं वेयंति आहच्च सायमसायं, से तेणट्ठेणं० ॥ २५६ ॥ नेरइया णं भंते ! जे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ते किं आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति अणंतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति परंपरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ?, गोयमा ! आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति नो अणंतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति नो परंपरखेत्तोगाढे, जहा नेरइया तहा जाव वेमाणियाणं दंडओ ॥ २५७ ॥ केवली णं भंते ! आया-णेहिं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! नो तिणट्ठे० । से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ जाव निव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेण-ट्ठेणं० । गाहा-जीवाण सुहं दुक्खं जीवे जीवइ तहेव भविया य । एगंतदुक्खवेयण अत्तमाया य केवली ॥१॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२५८॥ **छट्ठं सयं समत्तं ॥**

गाहा—आहार १ विरइ २ थावर ३ जीवा ४ पक्खी य ५ आउ ६ अण-गारे ७ । छउमत्थ ८ असंवुड ९ अन्नउत्थि १० दस सत्तमंमि सए ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! कं समयमणाहारए भवइ ?, गोयमा ! पढमे समए सिय आहारए सिय अणाहारए बिइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए तइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए चउत्थे समए नियमा आहारए, एवं दंडओ, जीवा य एगिंदिया य चउत्थे समए सेसा तइए समए ॥ जीवे णं भंते ! कं समयं सव्वप्पाहारए भवइ ?, गोयमा ! पढमसमयोववन्नए वा चरमसमए भवत्थे वा एत्थ णं जीवे णं सव्वप्पाहारए भवइ, दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं ॥ २५९ ॥ किंसंठिए णं भंते ! लोए पन्नत्ते ?, गोयमा ! सुपइट्ठ-गसंठिएलोए पन्नत्ते, हेट्ठा विच्छिन्ने जाव उप्पिं उड्ढमुइंगागारसंठिए, तेसि च णं

सासयंसि लोगंसि हेट्ठा विच्छिन्नंसि जाव उप्पिं उद्धमुइंगागारसंठियंसि उप्पन्ननाण-दंसणधरे अरहा जिणे केवली जीवेवि जाणइ पासइ अजीवेवि जाणइ पासइ तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ २६० ॥ समणोवासगस्स णं भंते ! सामाइय-कडस्स समणोवासए अच्छमाणस्स तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! समणोवासयस्स णं सामाइयकडस्स समणोवासए अच्छमाणस्स आया अहिगरणीभवइ आयाहिगरणवत्तियं च णं तस्स नो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव संपरा-इया० ॥ २६१ ॥ समणोवासगस्स णं भंते ! पुव्वामेव तसपाणसमारंभे पच्चक्खाए भवइ पुढविसमारंभे अपच्चक्खाए भवइ से य पुढविं खणमाणेऽण्णयरं तसं पाणं विहिंसेज्जा से णं भंते ! तं वयं अइचरइ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु से तस्स अइवायाए आउट्टइ । समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव वणस्सइसमारंभे पच्च-क्खाए से य पुढविं खणमाणे अन्नयरस्स रुक्खस्स मूलं छिंदेज्जा से णं भंते ! तं वयं अइचरइ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तस्स अइवायाए आउट्टइ ॥ २६२ ॥ समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाण-खाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे किं लब्भइ ?, गोयमा ! समणोवासए णं तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा समाहिं उप्पाएइ, समाहिकारएणं तमेव समाहिं पडिलभइ । समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे किं चयइ ?, गोयमा ! जीवियं चयइ दुच्चयं चयइ दुक्करं करेइ दुल्लहं लहइ बोहिं बुज्झइ तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ २६३ ॥ अत्थि णं भंते ! अकम्मस्स गई पन्नायइ ?, हंता ! अत्थि ॥ कहन्नं भंते ! अक-म्मस्स गई पन्नायइ ?, गोयमा ! निस्संगयाए निरंगणयाए गइपरिणामेणं बंधण-छेयणयाए निरंधणयाए पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ॥ कहन्नं भंते ! निस्संग-याए निरंगणयाए गइपरिणामेणं बंधणछेयणयाए निरंधणयाए पुव्वप्पओगेणं अक-म्मस्स गई पन्नायइ ?, से जहानामए-केइ पुरिसे सुक्कं तुंबं निच्छिड्डं निरुवहयंति आणुपुव्वीए परिकम्मेमाणे २ दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ अट्ठहिं मट्टियालेवेहिं लिंपइ २ उण्हे दलयइ भूइं २ सुक्कं समाणं अत्थाहमतारमपोरसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा, से नूणं गोयमा ! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं गुरुयत्ताए भारिय-त्ताए गुरुसंभारियत्ताए सलिलतलमइवइत्ता अहे धरणितलपइट्ठाणे भवइ ?, हंता ! भवइ, अहे णं से तुंबे अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं परिक्खएणं धरणितलमइवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ ?, हंता ! भवइ, एवं खलु गोयमा ! निस्संगयाए निरंगण-

याए गइपरिणामेणं अकम्मस्स गई पन्नायइ । कहन्नं भंते ! बंधणछेयणयाए अकम्मस्स गई प० ?, गोयमा ! से जहानामए–कलसिंबलियाइ वा मुग्गसिंबलियाइ वा माससिंबलियाइ वा सिंबलिसिंबलियाइ वा एरंडमिंजियाइ वा उण्हे दिन्ना सुक्का-समाणी फुडित्ता णं एगंतमंतं गच्छइ, एवं खलु गोयमा ! ० । कहन्नं भंते ! निरंधणयाए अकम्मस्स गई प० ?, गोयमा ! से जहानामए–धूमस्स इंधणविप्पमुक्कस्स उड्ढं वीससाए निव्वाघाएणं गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा ! ० । कहन्नं भंते ! पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ?, गोयमा ! से जहानामए कंडस्स कोदंडविप्पमुक्कस्स लक्खाभिमुही निव्वाघाएणं गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा ! नीसंगयाए निरंगणयाए जाव पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ॥ २६४ ॥ दुक्खी भंते ! दुक्खेणं फुडे अदुक्खी दुक्खेणं फुडे ?, गोयमा ! दुक्खी दुक्खेणं फुडे नो अदुक्खी दुक्खेणं फुडे । दुक्खी णं भंते ! नेरइए दुक्खेणं फुडे अदुक्खी नेरइए दुक्खेणं फुडे ?, गोयमा ! दुक्खी नेरइए दुक्खेणं फुडे नो अदुक्खी नेरइए दुक्खेणं फुडे, एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं, एवं पंच दंडगा नेयव्वा–दुक्खी दुक्खेणं फुडे १ दुक्खी दुक्खं परियायइ २ दुक्खी दुक्खं उदीरेइ ३ दुक्खी दुक्खं वेदेइ ४ दुक्खी दुक्खं निज्जरेइ ५ ॥ २६५ ॥ अणगारस्स णं भंते ! अणाउत्तं गच्छमाणस्स वा चिट्ठमाणस्स वा निसीयमाणस्स (वा) तुयट्टमाणस्स वा अणाउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंवलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ ? संपराइया किरिया कज्जइ ?, गो० नो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना भवंति तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ नो संपराइया किरिया कज्जइ, जस्स णं कोहमाणमायालोभा अवोच्छिन्ना भवंति तस्स णं संपराइया किरिया कज्जइ नो इरियावहिया, अहासुत्तं रीयमाणस्स इरियावहिया किरिया कज्जइ उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ, से णं उस्सुत्तमेव रियइ, से तेणट्ठेणं० ॥ २६६ ॥ अह भंते ! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ?, गोयमा ! जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असणपाण ४ पडिगाहित्ता मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने आहारं आहारेइ एस णं गोयमा ! सइंगाले पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असणपाण ४ पडिगाहित्ता महया २ अप्पत्तियकोहकिलामं करेमाणे आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! सधूमे पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा २ जाव पडिगाहेत्ता गुणुप्पायणहेउं अन्नदव्वेण सद्धिं संजोएत्ता आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! संजोयणा-

दोसदुट्ठे पाणभोयणे, एस णं गोयमा! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते। अह भंते! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते?, गोयमा! जे णं णिग्गंथे वा जाव पडिगाहेत्ता अमुच्छिए जाव आहारेइ एस णं गोयमा! वीतिंगाले पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा जाव पडिगाहेत्ता णो महया अप्पत्तियं जाव आहारेइ, एस णं गोयमा! वीयधूमे पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा जाव पडिगाहेत्ता जहालद्धं तहा आहारमाहारेइ एस णं गोयमा! संजोयणादोसविप्पमुक्के पाणभोयणे, एस णं गोयमा! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते॥ २६७॥ अह भंते! खेत्ताइक्कंतस्स कालाइक्कंतस्स मग्गाइक्कंतस्स पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते?, गो० जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं णं असणं ४ अणुग्गए सूरिए पडिगाहित्ता उग्गए सूरिए आहारमाहारेइ एस णं गोयमा! खेत्ताइक्कंते पाणभोयणे, जे णं निग्गंथो वा २ जाव साइमं पढमाए पोरिसीए पडिगाहेत्ता पच्छिमं पोरिसिं उवायणावेत्ता आहारं आहारेइ एस णं गोयमा! कालाइक्कंते पाणभोयणे, जे णं निग्गंथो वा २ जाव साइमं पडिगाहित्ता परं अद्धजोयणमेराए वीइक्कमावइत्ता आहारमाहारेइ एस णं गोयमा! मग्गाइक्कंते पाणभोयणे, जे णं निग्गंथो वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं जाव साइमं पडिगाहित्ता परं बत्तीसाए पमाणमेत्ताणं कवलाणं आहारमाहारेइ एस णं गोयमा! पमाणाइक्कंते पाणभोयणे, अट्ठपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अप्पाहारे दुवालसपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अवड्ढोमोयरिया सोलसपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे दुभागपत्ते चउव्वीसं पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे ओमोयरिए बत्तीसं पमाणमेत्ते कवले (जत्तिओ जस्स पुरिसस्स आहारो तस्साहारस्स बत्तीसइमो भागो तप्पुरिसावेक्खाए कवले, इणमेव 'कवल' पमाणं ति,) आहारमाहारेमाणे पमाणपत्ते, एत्तो एक्केणवि गासेणं ऊणगं आहारमाहारेमाणे समणे निग्गंथे नो पकामरसभोईति वत्तव्वं सिया, एस णं गोयमा! खेत्ताइक्कंतस्स कालाइक्कंतस्स मग्गाइक्कंतस्स पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते॥ २६८॥ अह भंते! सत्थाईयस्स सत्थपरिणामियस्स एसियस्स वेसियस्स समुदाणियस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते?, गोयमा! जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा निक्खित्तसत्थमुसले ववगयमालावन्नगविलेवणे ववगयचुयचइयचत्तदेहं जीवविप्पजढं अकयमकारियमसंकप्पियमणाहूयमकीयकडमणुद्दिट्ठं नवकोडीपरिसुद्धं दसदोसविप्पमुक्कं उग्गमुप्पायणेसणासुपरिसुद्धं वीतिंगालं वीयधूमं संजोयणादोसविप्पमुक्कं असुरसुरं

अच्चवचवं अदुयमविलंबियं अपरिसाडि अक्खोवंजणवणाणुलेवणभूयं संजमजायामायावत्तियं संजमभारवहणट्ठयाए बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं आहारमाहारेइ एस णं गोयमा! सत्थाईयस्स सत्थपरिणामियस्स जाव पाणभोयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ २६९ ॥ **सत्तमसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

से नूणं भंते! सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सुपच्चक्खायं भवइ दुपच्चक्खायं भवइ?, गोयमा! सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सिय सुपच्चक्खायं भवइ सिय दुपच्चक्खायं भवइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सव्वपाणेहिं जाव सिय दुपच्चक्खायं भवइ?, गोयमा! जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स णो एवं अभिसमन्नागयं भवइ इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स नो सुपच्चक्खायं भवइ दुपच्चक्खायं भवइ, एवं खलु से दुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणो नो सच्चं भासं भासइ मोसं भासं भासइ, एवं खलु से मुसावाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं असंजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले यावि भवइ, जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स एवं अभिसमन्नागयं भवइ-इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा, तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सुपच्चक्खायं भवइ नो दुपच्चक्खायं भवइ, एवं खलु से सुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणे सच्चं भासं भासइ नो मोसं भासं भासइ, एवं खलु से सच्चवाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अकिरिए संवुडे एगंतपंडिए यावि भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव सिय दुपच्चक्खायं भवइ ॥ २७० ॥ कइविहे णं भंते! पच्चक्खाणे पन्नत्ते?, गोयमा! दुविहे पच्चक्खाणे पन्नत्ते, तंजहा-मूलगुणपच्चक्खाणे य उत्तरगुणपच्चक्खाणे य। मूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते?, गोयमा! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे य देसमूलगुणपच्चक्खाणे य, सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते?, गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा-सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं। देसमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते?, गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा-थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव थूलाओ परिग्गहाओ वेरमणं। उत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते,

तंजहा–सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे य देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे य, सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दसविहे पन्नत्ते, तंजहा–अणागय १ मइक्कंतं २ कोडीसहियं ३ नियंटियं ४ चेव । सागार ५ मणागारं ६ परिमाणकडं ७ निरवसेसं ८ ॥ १ ॥ सा(सं)केयं ९ चेव अद्धाए १० पच्चक्खाणं भवे दसहा । देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा–दिसिव्वयं १ उवभोगपरिभोगपरिमाणं २ अणत्थदंडवेरमणं ३ सामाइयं ४ देसावगासियं ५ पोसहोववासो ६ अतिहिसंविभागो ७ अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाराहणया ॥ २७१ ॥ जीवा णं भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा मूलगुणपच्चक्खाणीवि उत्तरगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि । नेरइया णं भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी० पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो मूलगुणपच्चक्खाणी नो उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं मूलगुणपच्चक्खाणीणं उत्तरगुणपच्चक्खाणीणं अपच्चक्खाणीण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा । एएसि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! मणुस्साणं मूलगुणपच्चक्खाणीणं० पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी संखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा । जीवा णं भंते ! किं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणीवि देसमूलगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि । नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी नो देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्ख० नो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा नेरइया । एएसि णं भंते ! जीवाणं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणीणं देसमूलगुणपच्चक्खाणीणं अपच्चक्खाणीण य कयरे २ हितो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा । एवं अप्पाबहुगाणि तिन्निवि जहा पढमिल्लए दंडए, नवरं सव्वत्थोवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी

असंखेज्जगुणा । जीवा णं भंते ! किं सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणी देसुत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणीवि तिन्निवि, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य एवं चेव, सेसा अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया । एएसि णं भंते ! जीवाणं सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणीणं० अप्पाबहुगाणि, तिन्निवि जहा पढमे दंडए जाव मणूसाणं ॥ जीवा णं भंते ! किं संजया असंजया संजयासंजया ? गोयमा ! जीवा संजयावि असंजयावि संजयासंजयावि, एवं जहेव पन्नवणाए तहेव भाणियव्वं जाव वेमाणिया, अप्पाबहुगं तहेव तिण्हवि भाणियव्वं ॥ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा पच्चक्खाणीवि एवं तिन्निवि, एवं मणुस्सावि तिन्निवि, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया आइल्लविरहिया सेसा सव्वे अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया । एएसि णं भंते ! जीवाणं पच्चक्खाणीणं जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा, पंचेंदियतिरिक्खजोणिया सव्वत्थोवा पच्चक्खाणापच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा, मणुस्सा सव्वत्थोवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी संखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा ॥२७२॥ जीवा णं भंते ! किं सासया असासया ?, गोयमा ! जीवा सिय सासया सिय असासया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-जीवा सिय सासया सिय असासया ?, गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासया भावट्ठयाए असासया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जाव सिय असासया । नेरइया णं भंते ! किं सासया असासया ?, एवं जहा जीवा तहा नेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया जाव सिय सासया सिय असासया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २७३ ॥ **सत्तमस्स बिइओ उद्देसो समत्तो ॥**

वणस्सइकाइया णं भंते ! किंकालं सव्वप्पाहारगा वा सव्वमहाहारगा वा भवंति ?, गोयमा ! पाउसवरिसारत्तेसु णं एत्थ णं वणस्सइकाइया सव्वमहाहारगा भवंति तयाणंतरं च णं सरए, तयाणंतरं च णं हेमंते, तयाणंतरं च णं वसंते, तयाणंतरं च णं गिम्हे, गिम्हासु णं वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति, जइ णं भंते ! गिम्हासु वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति, कम्हा णं भंते ! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणा उवसोभेमाणा चिट्ठंति ?, गोयमा ! गिम्हासु णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य पोग्गला य वणस्सइकाइयत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, एवं खलु गोयमा ! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया जाव चिट्ठंति ॥ २७४ ॥ से नूणं भंते ! मूला मूलजीवफुडा कंदा कंदजीवफुडा जाव बीया बीय-

जीवफुडा ?, हंता गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा । जइ णं भंते ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा कम्हा णं भंते ! वणस्सइकाइया आहारेंति कम्हा परिणामेंति ?, गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा पुढविजीवपडिवद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति, कंदा कंदजीवफुडा मूलजीवपडिवद्धा तम्हा आहारेन्ति तम्हा परिणामेन्ति, एवं जाव बीया बीयजीवफुडा फलजीवपडिवद्धा तम्हा आहारेन्ति तम्हा परिणामेन्ति ॥ २७५ ॥ अह भंते ! आलुए मूलए सिंगबेरे हिरिली सिरिली सिस्सिरिली किट्ठिया छिरिया छीरिविरालिया कण्हकंदे वज्जकंदे सूरणकंदे खेलूडे अद्दए भद्दमुत्था पिंडहलिद्दा लोही णीहू थीहू थिरूगा मुग्गकन्नी अस्सकन्नी सीहकण्णी मुसुंढी जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते अणंतजीवा विविहसत्ता ?, हंता गोयमा ! आलुए मूलए जाव अणंतजीवा विविहसत्ता ॥ २७६ ॥ सिय भंते ! कण्हलेसे नेरइए अप्पकम्मतराए नीललेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, हंता ! सिया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–कण्हलेसे नेरइए अप्पकम्मतराए नीललेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए । सिय भंते ! नीललेसे नेरइए अप्पकम्मतराए काउलेसे नेरइए महाकम्मतराए ? हंता ! सिया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–नीललेसे नेरइए अप्पकम्मतराए काउलेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए । एवं असुरकुमारेवि, नवरं तेउलेसा अब्भहिया एवं जाव वेमाणिया, जस्स जइ लेसाओ तस्स तत्तिया भाणियव्वाओ, जोइसियस्स न भन्नइ, जाव सिय भंते ! पम्हलेसे वेमाणिए अप्पकम्मतराए सुक्कलेसे वेमाणिए महाकम्मतराए ?, हंता ! सिया, से केणट्ठेणं० ? सेसं जहा नेरइयस्स जाव महाकम्मतराए ॥ २७७ ॥ से नूणं भंते ! जा वेयणा सा निज्जरा जा निज्जरा सा वेयणा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जा वेयणा न सा निज्जरा जा निज्जरा न सा वेयणा ?, गोयमा ! कम्म वेयणा णोकम्म निज्जरा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव न सा वेयणा । नेरइयाणं भंते ! जा वेयणा सा निज्जरा जा निज्जरा सा वेयणा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयाणं जा वेयणा न सा निज्जरा जा निज्जरा न सा वेयणा ?, गोयमा ! नेरइयाणं कम्म वेयणा णोकम्म निज्जरा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव न सा वेयणा, एवं जाव वेमाणियाणं । से नूणं भंते ! जं वेदेंसु तं निज्जरिंसु जं निज्जरिंसु तं वेदेंसु ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जं वेदेंसु नो तं निज्जरेंसु जं निज्जरेंसु नो तं वेदेंसु ?, गोयमा ! कम्मं वेदेंसु नोकम्मं निज्जरिंसु, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो तं वेदेंसु, नेरइया णं भंते !

जं वेदेंसु तं निज्जरिंसु ? एवं नेरइयावि एवं जाव वेमाणिया । से नूणं भंते ! जं वेदेंति तं निज्जरेंति जं निज्जरिंति तं वेदेंति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो तं वेदेंति ?, गोयमा ! कम्मं वेदेंति नोकम्मं निज्जरेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो तं वेदेंति, एवं नेरइयावि जाव वेमाणिया । से नूणं भंते ! जं वेदिस्संति तं निज्जरिस्संति जं निज्जरिस्संति तं वेदिस्संति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं जाव णो तं वेदिस्संति ?, गोयमा ! कम्मं वेदिस्संति नोकम्मं निज्जरिस्संति, से तेणट्ठेणं जाव नो तं निज्जरिस्संति, एवं नेरइयावि जाव वेमाणिया । से णूणं भंते ! जे वेयणासमए से निज्जरासमए जे निज्जरासमए से वेयणासमए ?, नो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जे वेयणासमए न से निज्जरासमए जे निज्जरासमए न से वेयणासमए ?, गोयमा ! जं समयं वेदेंति नो तं समयं निज्जरेंति जं समयं निज्जरेंति नो तं समयं वेदेंति, अन्नम्मि समए वेदेंति अन्नम्मि समए निज्जरेंति अन्ने से वेयणासमए अन्ने से निज्जरासमए, से तेणट्ठेणं जाव न से वेयणासमए न से निज्जरासमए । नेरइयाणं भंते ! जे वेयणासमए से निज्जरासमए जे निज्जरासमए से वेयणासमए ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयाणं जे वेयणासमए न से निज्जरासमए जे निज्जरासमए न से वेयणासमए ?, गोयमा ! नेरइया णं जं समयं वेदेंति णो तं समयं निज्जरेंति जं समयं निज्जरेंति नो तं समयं वेदेंति अन्नम्मि समए वेदेंति अन्नम्मि समए निज्जरेंति अन्ने से वेयणासमए अन्ने से निज्जरासमए, से तेणट्ठेणं जाव न से वेयणासमए एवं जाव वेमाणिया ॥ २७८ ॥ नेरइया णं भंते ! किं सासया असासया ?, गोयमा ! सिय सासया सिय असासया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया सिय सासया सिय असासया ?, गोयमा ! अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाए सासया वोच्छित्तिणयट्ठयाए असासया, से तेणट्ठेणं जाव सिय सासया सिय असासया, एवं जाव वेमाणिया जाव सिय असासया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२७९॥

सत्तमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी–कइविहा णं भंते ! संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता ?, गोयमा ! छव्विहा संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता, तंजहा—पुढविकाइया एवं जहा जीवाभिगमे जाव सम्मत्तकिरियं वा मिच्छत्तकिरियं वा ॥ जीवा छव्विह पुढवी जीवाण ठिई भवट्ठिई काए । निल्लेवण अणगारे किरिया सम्मत्तमिच्छत्ता ॥१॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२८०॥ **सत्तमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइविहे

णं जोणीसंगहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! तिविहे जोणीसंगहे पण्णत्ते, तंजहा–अंडया पोयया संमुच्छिमा, एवं जहा जीवाभिगमे जाव नो चेव णं ते विमाणे वीईवएज्जा । एवंमहालयाणं गोयमा ! ते विमाणा पन्नत्ता ॥ 'जोणीसंगह लेसा दिट्ठी नाणे य जोग उवओगे । उववायठिइसमुग्घायचवणजाईकुलविहीओ' ॥ १ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २८१ ॥ **सत्तमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं इहगए नेरइयाउयं पकरेइ उववज्जमाणे नेरइयाउयं पकरेइ उववन्ने नेरइयाउयं पकरेइ ?, गोयमा ! इहगए नेरइयाउयं पकरेइ नो उववज्जमाणे नेरइयाउयं पकरेइ नो उववन्ने नेरइयाउयं पकरेइ, एवं असुरकुमारेसुवि एवं जाव वेमाणिएसु । जीवे णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं इहगए नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववज्जमाणे नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववन्ने नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ ?, गोयमा ! णो इहगए नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववज्जमाणे नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववन्नेवि नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, एवं जाव वेमाणिएसु । जीवे णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं इहगए महावेयणे उववज्जमाणे महावेयणे उववन्ने महावेयणे ?, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे अहे णं उववन्ने भवइ तओ पच्छा एगंतदुक्खं वेयणं वेयइ आहच्च सायं । जीवे णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे अहे णं उववन्ने भवइ तओ पच्छा एगंतसायं वेयणं वेदेइ आहच्च असायं, एवं जाव थणियकुमारेसु । जीवे णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे, एवं उववज्जमाणेवि, अहे णं उववन्ने भवइ तओ पच्छा वेमायाए वेयणं वेयइ, एवं जाव मणुस्सेसु, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु जहा असुरकुमारेसु ॥ २८२ ॥ जीवा णं भंते ! किं आभोगनिव्वत्तियाउया अणाभोगनिव्वत्तियाउया ?, गोयमा ! नो आभोगनिव्वत्तियाउया अणाभोगनिव्वत्तियाउया, एवं नेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया ॥ २८३ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, [गोयमा !] हंता ! अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति । अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, [एवं चेव] एवं जाव वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा

कम्मा कज्जंति ?, हन्ता ! अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं कोहविवेगेणं जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति । अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, एवं जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्साणं जहा जीवाणं ॥ २८४ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, हंता ! अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! पाणाणुकंपाए भूयाणुकंपाए जीवाणुकंपाए सत्ताणुकंपाए बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए असोयणयाए अजूरणयाए अतिप्पणयाए अपिट्टणयाए अपरियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति, एवं नेरइयाणवि, एवं जाव वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, हंता ! अत्थि । कहन्नं भंते ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए परजूरणयाए परतिप्पणयाए परपिट्टणयाए परपरियावणयाए बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति, एवं नेरइयाणवि, एवं जाव वेमाणियाणं ॥२८५॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दुसमदुसमाए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भारहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ?, गोयमा ! कालो भविस्सइ हाहाभूए भंभाभूए कोलाहलभूए समयाणुभावेण य णं खरफरुसधूलिमइला दुव्विसहा वाउला भयंकरा वाया संवट्टगा य वाहिंति, इह अभिक्खं २ धूमाहिंति य दिसा सव्वओ समंता रउस्सला रेणुकलुसतमपडलनिरालोगा समयलुक्खयाए य णं अहियं चंदा सीयं मोच्छंति अहियं सूरिया तवइस्संति अदुत्तरं च णं अभिक्खणं वहवे अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खट्टमेहा अग्गिमेहा विज्जुमेहा विसमेहा असणिमेहा अप्पवणिज्जोदगा (अजवणिज्जोदया) वाहिरोगवेयणोदीरणापरिणामसलिला अमणुन्नपाणियगा चंडानिलपहयतिक्खधारानिवायपउरवासं वासिहिंति । जे णं भारहे वासे गामागरनगरखेडकव्वडमडंबदोणमुहपट्टणासमगयं जणवयं चउप्पयगवेलगए खहयरे य पक्खिसंघे गामारन्नपयारनिरए तसे य पाणे वहुप्पगारे रुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लितणपव्वगहरियोसहिपवालंकुरमाइए य तणवणस्सइकाइए विद्धंसेहिंति, पव्वयगिरिडोंगरउच्छ(त्थ)लभट्ठिमाइए य वेयड्ढगिरिवज्जे विरावेहिंति सलिलबिलगड्डदुग्गविसमं निण्णुन्नयाइं च गंगासिंधुवज्जाइं समीकरेहिंति ॥ तीसे णं भंते ! समाए भरहवासस्स भूमीए केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ?, गोयमा ! भूमी भविस्सइ

इंगालभूया मुम्मुरभूया छारियभूया तत्तकवेल्लयभूया तत्तसमजोइभूया धूलिबहुला रेणुबहुला पंकबहुला पणगबहुला चलणिबहुला बहूणं धरणिगोयराणं सत्ताणं दुन्निक्कमा यावि भविस्सइ ॥ २८६ ॥ तीसे णं भंते ! समाए भारहे वासे मणुयाणं केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ?, गोयमा ! मणुया भविस्संति दुरूवा दुवन्ना दुगंधा दुरसा दुफासा अणिट्ठा अकंता जाव अमणामा हीणस्सरा दीणस्सरा अणिट्ठस्सरा जाव अमणामस्सरा अणादेज्जवयणपच्चायाया निल्लज्जा कूडकवडकलहवहबंधवेरनिरया मज्जायाइक्कमप्पहाणा अकज्जनिच्चुज्जया गुरुनियोयविणयरहिया य विकलरूवा परूढनहकेसमंसुरोमा काला खरफरुसझामवन्ना फुट्टसिरा कविलपलियकेसा बहुण्हारु[णि]संपिणद्धदुद्दंसणिज्जरूवा संकुडियवलितरंगपरिवेढियंगमंगा जरापरिणयव्व थेरगनरा पविरलपरिसडियदंतसेढी उब्भडघडमुहा विसमनयणा वंकनासा वंगवलिविगयभेसणमुहा कच्छुकसराभिभूया खरतिक्खनहकंडूइयविक्खयतणू दद्दुकिडिभसिंझफुडियफरुसच्छवी चित्तलंगा टोलागइविसमसंधिबंधणउक्कुडुअट्ठिगविभत्तदुब्बलकुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा कुठाणासणकुसेज्जकुभोइणो असुइणो अणेगवाहिपरिपीलियंगमंगा खलंतविब्भलगई निरुच्छाहा सत्तपरिवज्जिया विगयचिट्ठा नट्ठतेया अभिक्खणं सीयउण्हखरफरुसवायविज्झडिया मलिणपंसुरयगुंडियंगमंगा बहुकोहमाणमाया बहुलोभा असुहदुक्खभोगी ओसन्नं धम्मसण्णसम्मत्तपरिब्भट्ठा उक्कोसेणं रयणिप्पमाणमेत्ता सोलसवीसइवासपरमाउसो पुत्तनत्तुपरियालपणयबहुला गंगासिंधूओ महानईओ वेयड्ढं च पव्वयं निस्साए बावत्तरिं निओदा बीयं बीयामेत्ता बिलवासिणो भविस्संति ॥ ते णं भंते ! मणुया किमाहारमाहारेहिंति ?, गोयमा ! ते णं काले णं ते णं समए णं गंगासिंधूओ महानईओ रहपहवित्थराओ अक्खसोयप्पमाणमेत्तं जलं वोज्झिहिंति सेवि य णं जले बहुमच्छकच्छभाइन्ने णो चेव णं आउबहुले भविस्सइ, तए णं ते मणुया सूरुग्गमणमुहुत्तंसि य सूरत्थमणमुहुत्तंसि य बिलेहितो निद्धाहिंति निद्धाइत्ता मच्छकच्छभे थलाइं गाहेहिंति सीयायवतत्तएहिं मच्छकच्छएहिं एक्कवीसं वाससहस्साइं वित्तिं कप्पेमाणा विहरिस्संति ॥ ते णं भंते ! मणुया निस्सीला निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा ओसण्णं मंसाहारा मच्छाहारा खोद्दाहारा कुणिमाहारा कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंते ?, गोयमा ! ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति, ते णं भंते ! सीहा वग्घा वगा दीविया अच्छा तरच्छा परस्सरा निस्सीला तहेव जाव कहिं उववज्जिहिंति ?, गोयमा ! ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति, ते णं भंते ! ढंका कंका विलका मद्दुगा सिही निस्सीला तहेव जाव ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२८७॥ **सत्तमस्स छट्ठो उद्देसओ ॥**

संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स आउत्तं गच्छमाणस्स जाव आउत्तं तुयट्टमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ णो संपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-संवुडस्स णं जाव संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना भवंति तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, तहेव जाव उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ, से णं अहासुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो संपराइया किरिया कज्जइ ॥ २८८ ॥ रूवी भंते ! कामा अरूवी कामा ? गोयमा ! रूवी कामा समणाउसो ! नो अरूवी कामा । सच्चित्ता भंते ! कामा अच्चित्ता कामा ?, गोयमा ! सच्चित्तावि कामा अच्चित्तावि कामा । जीवा भंते ! कामा अजीवा कामा ?, गोयमा ! जीवावि कामा अजीवावि कामा । जीवाणं भंते ! कामा अजीवाणं कामा ?, गोयमा ! जीवाणं कामा नो अजीवाणं कामा, कइविहा णं भंते ! कामा पन्नत्ता ?, गोयमा ! दुविहा कामा पन्नत्ता, तंजहा-सद्दा य रूवा य, रूवी भंते ! भोगा अरूवी भोगा ?, गोयमा ! रूवी भोगा नो अरूवी भोगा, सच्चित्ता भंते ! भोगा अच्चित्ता भोगा ?, गोयमा ! सच्चित्तावि भोगा अच्चित्तावि भोगा, जीवा भंते ! भोगा अजीवा भोगा ?, गोयमा ! जीवावि भोगा अजीवावि भोगा, जीवाणं भंते ! भोगा अजीवाणं भोगा ?, गोयमा ! जीवाणं भोगा नो अजीवाणं भोगा, कइविहा णं भंते ! भोगा पन्नत्ता ?, गोयमा ! तिविहा भोगा पन्नत्ता तंजहा-गंधा रसा फासा । कइविहा णं भंते ! कामभोगा पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा कामभोगा पन्नत्ता, तंजहा-सद्दा रूवा गंधा रसा फासा । जीवा णं भंते ! किं कामी भोगी ?, गोयमा ! जीवा कामीवि भोगीवि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवा कामीवि भोगीवि ?, गोयमा ! सोइंदियचक्खिदियाइं पडुच्च कामी घाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव भोगीवि । नेरइया णं भंते ! किं कामी भोगी ?, एवं चेव एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो कामी भोगी, से केणट्ठेणं जाव भोगी ?, गोयमा ! फासिंदियं पडुच्च से तेणट्ठेणं जाव भोगी, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया एवं चेव नवरं जिब्भिदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी, तेइंदियावि एवं चेव नवरं घाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी चउरिंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! चउरिंदिया कामीवि भोगीवि, से केणट्ठेणं जाव भोगीवि ?, गोयमा ! चक्खिदियं पडुच्च कामी घाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी,

से तेणट्ठेणं जाव भोगीवि, अवसेसा जहा जीवा जाव वेमाणिया। एएसि णं भंते! जीवाणं कामभोगीणं नोकामीणं नोभोगीणं भोगीण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा?, गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा कामभोगी नोकामीनोभोगी अणंतगुणा भोगी अणंतगुणा ॥ २८९ ॥ छउमत्थे णं भंते! मणूसे जे भविए अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जित्तए, से नूणं भंते! से खीणभोगी नो पभू उट्ठाणेणं कम्मेणं बलेणं वीरिएणं पुरिसक्कारपरक्कमेणं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए, से नूणं भंते! एयमट्ठं एवं वयह?, गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ? गोयमा! पभू णं से उट्ठाणेणवि कम्मेणवि बलेणवि वीरिएणवि पुरिसक्कारपरक्कमेणवि अन्नयराइं विपुलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए, तम्हा भोगी भोगे परिच्चयमाणे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ। आहोहिए णं भंते! मणुस्से जे भविए अन्नयरेसु देवलोएसु एवं चेव जहा छउमत्थे जाव महापज्जवसाणे भवइ। परमाहोहिए णं भंते! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झित्तए जाव अंतं करेत्तए, से नूणं भंते! से खीणभोगी सेसं जहा छउमत्थस्स। केवली णं भंते! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं एवं जहा परमाहोहिए जाव महापज्जवसाणे भवइ ॥ २९० ॥ जे इमे भंते! असन्निणो पाणा, तंजहा–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य एगइया तसा, एए णं अंधा मूढा तमंपविट्ठा तमपडलमोहजालपडिच्छण्णा अकामनिकरणं वेयणं वेदंतीति वत्तव्वं सिया?, हंता गोयमा! जे इमे असन्निणो पाणा पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य जाव वेयणं वेदेंतीति वत्तव्वं सिया॥ अत्थि णं भंते! पभूवि अकामनिकरणं वेयणं वेएइ?, हंता गोयमा! अत्थि, कहन्नं भंते! पभूवि अकामनिकरणं वेयणं वेदेइ?, गोयमा! जे णं णो पभू विणा दीवेणं अंधकारंसि रूवाइं पासित्तए जे णं नो पभू पुरओ रूवाइं अणिज्झाइत्ता णं पासित्तए जे णं नो पभू मग्गओ रूवाइं अणवयक्खित्ता णं पासित्तए [जे णं नो पभू पासओ रूवाइं अणुलोइत्ता णं पासित्तए जे णं नो पभू उड्ढं रूवाइं अणालोएत्ता णं पासित्तए जे णं नो पभू अहे रूवाइं अणालोएत्ता णं पासित्तए] एस णं गोयमा! पभूवि अकामनिकरणं वेयणं वेदेइ॥ अत्थि णं भंते! पभूवि पकामनिकरणं वेयणं वेदेइ?, हंता! अत्थि, कहन्नं भंते! पभूवि पकामनिकरणं वेयणं वेदेइ?, गोयमा! जे णं नो पभू समुद्दस्स पारं गमित्तए जे णं नो पभू समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं पासित्तए जे णं नो पभू देवलोगं गमित्तए जे णं नो पभू देवलोगगयाइं रूवाइं पासित्तए एस णं गोयमा! पभूवि पकामनिकरणं वेयणं वेदेइ। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ २९१ ॥ **सत्तमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसओ समत्तो ॥**

छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं एवं जहा पढमसए चउत्थे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव अलमत्थु० ॥२९२॥ से णूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ?, हंता गोयमा ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव खुड्डियं वा महालियं वा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव समे चेव जीवे ॥ २९३ ॥ नेरइयाणं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे जे य कज्जइ जे य कज्जिस्सइ सव्वे से दुक्खे जे निज्जिन्ने से सुहे ?, हंता गोयमा ! नेरइयाणं पावे कम्मे जाव सुहे, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ २९४ ॥ कइ णं भंते ! सन्नाओ पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! दस सन्नाओ पन्नत्ताओ, तंजहा–आहारसन्ना १ भयसन्ना २ मेहुणसन्ना ३ परिग्गहसन्ना ४ कोहसन्ना ५ माणसन्ना ६ मायासन्ना ७ लोभसन्ना ८ लोगसन्ना ९ ओहसन्ना १०, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ नेरइया दसविहं वेयणिज्जं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं जरं दाहं भयं सोगं ॥२९५॥ से नूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समा चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ?, हंता गोयमा ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य जाव कज्जइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जइ ?, गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव कज्जइ ॥ २९६ ॥ आहाकम्मण्णं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ ? किं पकरेइ ? किं चिणाइ ? किं उवचिणाइ ? एवं जहा पढमे सए नवमे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव सासए पंडिए पंडियत्तं असासयं, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२९७॥ **सत्तमसयस्स अट्ठमो उद्देसो ॥**

असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवन्नं एगरूवं विउव्वित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे । असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगवन्नं एगरूवं जाव हंता ! पभू । से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ?, गोयमा ! इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ नो तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ नो अन्नत्थगए पोग्गले जाव विउव्वइ, एवं एगवन्नं अणेगरूवं चउभंगो जहा छट्ठसए नवमे उद्देसए तहा इहावि भाणियव्वं, नवरं अणगारे इहगए चेव पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, सेसं तं चेव जाव लुक्खपोग्गलं निद्धपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ?, हंता ! पभू, से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता जाव नो अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ॥ २९८ ॥ णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विन्नायमेयं अरहया महासिलाकंटए संगामे ॥ महासिलाकंटए णं भंते ! संगामे वट्टमाणे के जइत्था के पराजइत्था ?, गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते जइत्था, नवमल्लई नवलेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो पराजइत्था ॥

तए णं से कोणिए राया महासिलाकंटगं संगामं उवट्ठियं जाणित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेह हयगयरहजोहकलियं चाउरंगिणिं सेणं सन्नाहेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा कोणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव अंजलिं कट्टु एवं सामी ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति २ खिप्पामेव छेयायरियोवएसमइकप्पणाविकप्पेहिं सुनिउणेहिं एवं जहा उववाइए जाव भीमं संगामियं अउज्झं उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेंति हयगय जाव सन्नाहेंति २ जेणेव कूणिए राया तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल०कूणियस्स रन्नो तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति, तए णं से कूणिए राया जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता मज्जणघरं अणुपविसइ मज्जणघरं अणुपविसित्ता ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए सन्नद्धबद्धवम्मियकवए उप्पीलियसरासणपट्टिए पिणद्धगेवेज्जे विमलवरवद्धचिंधपट्टे गहियाउहप्पहरणे सकोरिंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामरवालवीइयंगे मंगलजयसद्दकयालोए एवं जहा उववाइए जाव उवागच्छित्ता उदाइं हत्थिरायं दुरूढे, तए णं से कूणिए राया हारोत्थयसुकयरइयवच्छे जहा उववाइए जाव सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं उद्धुव्वमाणीहिं हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे महया भडचडगरविंदपरिक्खित्ते जेणेव महासिलाकंटए संगामे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता महासिलाकंटयं संगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया एगं महं अभेज्जकवयं वइरपडिरूवगं विउव्वित्ता णं चिट्ठइ, एवं खलु दो इंदा संगामं संगामेंति, तंजहा–देविंदे य मणुइंदे य, एगहत्थिणावि णं पभू कूणिए राया पराजिणित्तए, तए णं से कूणिए राया महासिलाकंटयं संगामं संगामेमाणे नव मल्लई नव लेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो हयमहियपवरवीरघाइयवियडियचिंधद्धयपडागे किच्छपाणगए दिसो दिसिं पडिसेहित्था ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ महासिलाकंटए संगामे ?, गोयमा ! महासिलाकंटए णं संगामे वट्टमाणे जे तत्थ आसे वा हत्थी वा जोहे वा सारही वा तणेण वा पत्तेण वा कट्ठेण वा सक्कराए वा अभिहम्मइ सव्वे से जाणइ महासिलाए अहं अभिहए म० २, से तेणट्ठेणं गोयमा ! महासिलाकंटए संगामे । महासिलाकंटए णं भंते ! संगामे वट्टमाणे कइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ?, गोयमा ! चउरासीइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ । ते णं भंते ! मणुया निस्सीला जाव निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा रुट्ठा परिकुविया समरवहिया अणुवसंता कालमासे कालं किच्चा कहिं गया कहिं उववन्ना ?, गोयमा !

ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववन्ना ॥ २९९ ॥ णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विन्नायमेयं अरहया रहमुसले संगामे, रहमुसले णं भंते ! संगामे वट्टमाणे के जइत्था के पराजइत्था ?, गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया जइत्था नव मल्लई नव लेच्छई पराजइत्था, तए णं से कूणिए राया रहमुसलं संगामं उवट्ठियं सेसं जहा महासिलाकंटए नवरं भूयाणंदे हत्थिराया जाव रहमुसलं संगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया, एवं तहेव जाव चिट्ठंति, मग्गओ य से चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया एगं महं आयसं किढिणपडिरूवगं विउव्वित्ता णं चिट्ठइ, एवं खलु तओ इंदा संगामं संगामेंति, तंजहा–देविंदे य मणुइंदे य असुरिंदे य, एगहत्थिणावि णं पभू कूणिए राया जइत्तए तहेव जाव दिसो दिसिं पडिसेहित्था । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ रहमुसले संगामे ?, गोयमा ! रहमुसले णं संगामे वट्टमाणे एगे रहे अणासए असारहिए अणारोहए समुसले महया जणक्खयं जणवहं जणप्पमद्दं जणसंवट्टकप्पं रुहिरकद्दमं करेमाणे सव्वओ समंता परिधावित्था से तेणट्ठेणं जाव रहमुसले संगामे । रहमुसले णं भंते ! संगामे वट्टमाणे कइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ?, गोयमा ! छन्नउइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ । ते णं भंते ! मणुया निस्सीला जाव उववन्ना ?, गोयमा ! तत्थ णं दस साहस्सीओ एगाए मच्छीए कुच्छिंसि उववन्नाओ, एगे देवलोगेसु उववन्ने, एगे सुकुले पच्चायाए, अवसेसा ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववन्ना ॥ ३०० ॥ कम्हा णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रन्नो साहेज्जं दलइत्था ?, गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया पुव्वसंगइए चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया परियायसंगइए, एवं खलु गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया चमरे य असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रन्नो साहिज्जं दलइत्था ॥ ३०१ ॥ बहुजणे णं भंते ! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ एवं खलु बहवे मणुस्सा अन्नयरेसु उच्चावएसु संगामेसु अभिमुहा चेव पहया समाणा कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं से बहुजणो अन्नमन्नस्स एवं आइक्खइ जाव उववत्तारो भवंति जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वेसाली नामं नगरी होत्था, वण्णओ, तत्थ णं वेसालीए णगरीए वरुणे नामं णागनत्तुए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से वरुणे णागनत्तुए अन्नया कयाइ रायाभिओगेणं गणाभिओगेणं बलाभि-

ओगेणं रहमुसले संगामे आणत्ते समाणे छट्ठभत्तिए अट्ठमभत्तं अणुवट्टे(ड्ढे)इ अट्ठमभत्तं अणुवट्टेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठावेह हयगयरहपवर जाव सन्नाहेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सच्छत्तं सज्झयं जाव उवट्ठावेंति हयगयरह जाव सन्नाहेंति २ जेणेव वरुणे नागनत्तुए जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से वरुणे नागनत्तुए जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ जहा कूणिओ सव्वालंकारविभूसिए सन्नद्धवद्धे सकोरेंटमल्लदामेणं जाव धरिज्जमाणेणं अणेगगणनायग जाव दूयसंधिवालसद्धिं संपरिवुडे मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ २ हयगयरह जाव संपरिवुडे महया भडचडगर० जाव परिक्खित्ते जेणेव रहमुसले संगामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहमुसलं संगामं ओयाए, तए णं से वरुणे णागणत्तुए रहमुसलं संगामं ओयाए समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पइ मे रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स जे पुव्विं पहणइ से पडिहणित्तए अवसेसे नो कप्पइ त्ति, अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ अभिगेण्हित्ता रहमुसलं संगामं संगामेइ, तए णं तस्स वरुणस्स नागनत्तुयस्स रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स एगे पुरिसे सरिसए सरिसत्तए सरिसव्वए सरिसभंडमत्तोवगरणे रहेणं पडिरहं हव्वमागए, तए णं से पुरिसे वरुणं णागणत्तुयं एवं वयासी–पहण भो वरुणा ! णागणत्तुया ! प० २, तए णं से वरुणे णागणत्तुए तं पुरिसं एवं वयासी–नो खलु मे कप्पइ देवाणुप्पिया ! पुव्विं अहयस्स पहणित्तए, तुमं चेव णं पुव्विं पहणाहि, तए णं से पुरिसे वरुणेणं णागणत्तुएणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं परामुसइ २ उसुं परामुसइ उसुं परामुसित्ता ठाणं ठाइ ठाणं ठिच्चा आययकन्नाययं उसुं करेइ आययकन्नाययं उसुं करेत्ता वरुणं णागणत्तुयं गाढप्पहारी करेइ, तए णं से वरुणे णागनत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं परामुसइ धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ उसुं परामुसित्ता आययकन्नाययं उसुं करेइ आययकन्नाययं० २ तं पुरिसं एगाहच्चं कूडाहच्चं जीवियाओ ववरोवेइ, तए णं से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे अवले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता रहं परावत्तेइ रहं परावत्तित्ता रहमुसलाओ संगामाओ पडिनिक्खमइ २ एगंतमंतं अवक्कमइ एगंतमंतं अवक्कमित्ता तुरए निगिण्हइ २ रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहाओ २ रहाओ तुरए मोएइ

तुरए मोएत्ता तुरए विसज्जेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता [पुरच्छाभिमुहे दुरूहइ दब्भसं० २] पुरच्छाभिमुहे संपलियंकनिसन्ने करयल जाव कट्टु एवं वयासी-नमोत्थु णं अरिहंताणं जाव संपत्ताणं नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स आइगरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स वंदामि णं भगवन्तं तत्थगयं इहगए पासउ मे से भगवं तत्थगए जाव वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी-पुव्विंपि णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए एवं जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए जावज्जीवाए, इयाणिंपि णं अहं तस्सेव अरिहंतस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए एवं जहा खंदओ जाव एयंपि णं चरमेहिं ऊसासनीसासेहिं वोसिरामित्तिकट्टु सन्नाहपट्टं मुयइ सन्नाहपट्टं मुइत्ता सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए, तए णं तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स एगे पियवालवयंसए रहमुसलं संगामं संगामेमाणे एगेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे अबले जाव अधारणिज्जमितिकट्टु वरुणं णागनत्तुयं रहमुसलाओ संगामाओ पडिनिक्खममाणं पासइ पासित्ता तुरए निगेण्हइ तुरए निगेण्हित्ता जहा वरुणे जाव तुरए विसज्जेइ पडिसंथारगं दुरूहइ पडिसंथारगं दुरुहित्ता पुरत्थाभिमुहे जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी-जाइं णं मम पियवालवयस्सस्स वरुणस्स नागनत्तुयस्स सीलाइं वयाइं गुणाइं वेरमणाइं पच्चक्खाणपोसहोववासाइं ताइं णं ममंपि भवंतुत्तिकट्टु सन्नाहपट्टं मुयइ २ सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आणुपुव्वीए कालगए, तए णं तं वरुणं णागणत्तुयं कालगयं जाणित्ता अहासन्निहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं दिव्वे सुरभिगंधोदगवासे वुट्ठे दसद्धवन्ने कुसुमे निवाडिए दिव्वे य गीयगंधव्वनिनाए कए यावि होत्था, तए णं तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स तं दिव्वं देविड्ढि दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं सुणित्ता य पासित्ता य बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया! वहवे मणुस्सा जाव उववत्तारो भवंति ॥ ३०२ ॥ वरुणे णं भंते! नागनत्तुए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने?, गोयमा! सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाणि ठिई पन्नत्ता, तत्थ णं वरुणस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। से णं भंते! वरुणे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ। वरुणस्स णं भंते! णागणत्तुयस्स पियबालवयंसए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने?, गोयमा! सुकुले पच्चायाए।

से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ?, गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३०३ ॥ **सत्तमस्स सयस्स णवमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ, जाव पुढविसिलापट्टए वण्णओ, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते बहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तंजहा-कालोदाई सेलोदाई सेवालोदाई उदए नामुदए नमुदए अन्नवालए सेलवालए संखवालए सुहत्थी गाहावई, तए णं तेसिं अन्नउत्थियाणं अन्नया कयाइं एगयओ समुवागयाणं सन्निविट्ठाणं सन्निसन्नाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे नायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेइ, तंजहा-धम्मत्थिकायं जाव आगासत्थिकायं, तत्थ णं समणे नायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अजीवकाए पन्नवेइ, तंजहा-धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं पोग्गलत्थिकायं, एगं च णं समणे णायपुत्ते जीवत्थिकायं अरूविकायं जीवकायं पन्नवेइ, तत्थ णं समणे नायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अरूविकाए पन्नवेइ, तंजहा-धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवत्थिकायं, एगं च णं समणे णायपुत्ते पोग्गलत्थिकायं रूविकायं अजीवकायं पन्नवेइ, से कहमेयं मन्ने एवं ?, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव गुणसिलए उज्जाणे समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं एवं जहा बिइयसए नियंठुद्देसए जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्तं भत्तपाणं पडिगाहित्ता रायगिहाओ जाव अतुरियमचवलमसंभंतं जाव रियं सोहेमाणे सोहेमाणे तेसिं अन्नउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीइवयइ, तए णं ते अन्नउत्थिया भगवं गोयमं अदूरसामंतेणं वीइवयमाणं पासंति पासेत्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति अन्नमन्नं सद्दावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमा कहा अविप्पकडा अयं च णं गोयमे अम्हं अदूरसामंतेणं वीइवयइ तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं गोयमं एयमट्ठं पुच्छित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता ते भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेइ, तंजहा-धम्मत्थिकायं जाव आगासत्थिकायं, तं चेव जाव रूविकायं अजीवकायं पन्नवेइ से कहमेयं भंते ! गोयमा ! एवं ?, तए णं से भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-नो खलु वयं देवाणुप्पिया ! अत्थिभावं नत्थित्ति वयामो नत्थिभावं

अत्थित्ति वयामो, अम्हे णं देवाणुप्पिया! सव्वं अत्थिभावं अत्थित्ति वयामो सव्वं नत्थिभावं नत्थित्ति वयामो, तं चेयसा खलु तुब्भे देवाणुप्पिया! एयमट्ठं सयमेव पच्चुवेक्खहत्तिकट्टु ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-एवं २, जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे एवं जहा नियंठुद्देसए जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ भत्त-पाणं पडिदंसेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे महाकहापडिवन्ने यावि होत्था, कालोदाई य तं देसं हव्वमागए, कालोदाईति समणे भगवं महावीरे कालोदाई एवं वयासी-से नूणं कालोदाई! अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवाग-याणं सन्निविट्ठाणं तहेव जाव से कहमेयं मन्ने एवं?, से नूणं कालोदाई! अट्ठे समट्ठे?, हंता! अत्थि, तं सच्चे णं एसमट्ठे कालोदाई! अहं पंचत्थिकायं पन्नवेमि, तंजहा-धम्मत्थिकायं जाव पोग्गलत्थिकायं, तत्थ णं अहं चत्तारि अत्थिकाए अजी-वत्थिकाए अजीवत्ताए पण्णवेमि तहेव जाव एगं च णं अहं पोग्गलत्थिकायं रूविकायं पण्णवेमि, तए णं से कालोदाई समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-एयंसि णं भंते! धम्मत्थिकायंसि अधम्मत्थिकायंसि आगासत्थिकायंसि अरूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा १ सइत्तए वा २ चिट्ठइत्तए वा ३ निसीइत्तए वा ४ तुयट्टित्तए वा ५?, णो तिणट्ठे०, कालोदाई! एगंसि णं पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा सइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा, एयंसि णं भंते! पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पाव-कम्मफलविवागसंजुत्ता कज्जंति?, णो इणट्ठे समट्ठे कालोदाई!, एयंसि णं जीवत्थि-कायंसि अरूविकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति?, हंता! कज्जंति, एत्थ णं से कालोदाई संबुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तुब्भं अंतियं धम्मं निसामेत्तए एवं जहा खंदए तहेव पव्वइए तहेव एक्कारस अंगाइं जाव विहरइ॥ ३०४॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नगराओ गुणसिलयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे गुणसिलए णामं उज्जाणे होत्था, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ जाव समोसढे० परिसा पडिगया, तए णं से कालोदाई अणगारे अन्नया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमं-सइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी अत्थि णं भंते! जीवाणं पावा कम्मा पावफल-विवागसंजुत्ता कज्जंति?, हंता! अत्थि। कहण्णं भंते! जीवाणं पावा कम्मा पावफ-

लविवागसंजुत्ता कज्जंति ?, कालोदाई ! से जहानामए केइ पुरिसे मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं विससंमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे परि० दुरूवत्ताए दुगंधत्ताए जहा महासवए जाव भुज्जो २ परिणमइ, एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले तस्स णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणे २ दुरूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ, एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति । अत्थि णं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा कल्लाणफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ?, हंता ! अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ?, कालोदाई ! से जहानामए केइ पुरिसे मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं ओसहमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए नो भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए सुवन्नत्ताए जाव सुहत्ताए नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे तस्स णं आवाए नो भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए जाव नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ॥ ३०५ ॥ दो भंते ! पुरिसा सरिसया जाव सरिसभंडमत्तोवगरणा अन्नमन्नेणं सद्धिं अगणिकायं समारंभंति तत्थ णं एगे पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ एगे पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ, एएसि णं भंते ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव कयरे वा पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, जे वा से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ जे वा से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ ?, कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–तत्थ णं जे से पुरिसे जाव अप्पवेयणतराए चेव ?, कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे बहुतरागं पुढविकायं समारंभइ बहुतरागं आउक्कायं समारंभइ अप्पतरायं तेउकायं समारंभइ बहुतरागं वाउकायं समारंभइ बहुतरायं वणस्सइकायं समारंभइ बहुतरागं तसकायं समारंभइ, तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पतरायं पुढविक्कायं समारंभइ अप्पतरागं आउक्कायं समारंभइ बहुतरागं तेउक्कायं समारंभइ अप्पतरागं वाउक्कायं समारंभइ अप्पतरागं वणस्सइकायं समारंभइ अप्पतरागं तसकायं समारंभइ,

से तेणट्ठेणं कालोदाई! जाव अप्पवेयणतराए चेव ॥ ३०६ ॥ अत्थि णं भंते! अचित्तावि पोग्गला ओभासंति उज्जोवेंति तवेंति पभासेंति?, हंता! अत्थि। कयरे णं भंते! अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति?, कालोदाई! कुद्धस्स अणगारस्स तेयलेस्सा निसट्ठा समाणी दूरं गंता दूरं निवयइ देसं गंता देसं निवयइ जहिं जहिं च णं सा निवयइ तहिं तहिं च णं ते अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासंति, एएणं कालोदाई! ते अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति, तए णं से कालोदाई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे जहा पढमसए कालासवेसियपुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ३०७ ॥ **सत्तमं सयं समत्तं** ॥

गाहा—पोग्गल १ आसीविस २ रुक्ख ३ किरिय ४ आजीव ५ फासुग ६ मदत्ते ७। पडिणीय ८ बंध ९ आराहणा य १० दस अट्ठमंमि सए ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—कइविहा णं भंते! पोग्गला पन्नत्ता?, गोयमा! तिविहा पोग्गला पन्नत्ता, तंजहा—पओगपरिणया मीससापरिणया वीससापरिणया ॥ ३०८ ॥ पओगपरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पन्नत्ता?, गोयमा! पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा—एगिंदियपओगपरिणया बेइंदियपओगपरिणया जाव पंचिंदियपओगपरिणया। एगिंदियपओगपरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पन्नत्ता?, गोयमा! पंचविहा प० तंजहा—पुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिणया जाव वणस्सइकाइयएगिंदियपओगपरिणया। पुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पन्नत्ता?, गोयमा! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—सुहुमपुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिणया बायरपुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिणया, आउक्काइयएगिंदियपओगपरिणया एवं चेव, एवं दुयओ भेओ जाव वणस्सइकाइयएगिंदियपओगपरिणया। बेइंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! अणेगविहा पन्नत्ता, एवं तेइंदियचउरिंदियपओगपरिणयावि। पंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा—नेरइयपंचिंदियपओगपरिणया तिरिक्ख० एवं मणुस्स० देवपंचिंदिय०, नेरइयपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! सत्तविहा पन्नत्ता, तंजहा—रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया य जाव अहेसत्तमपुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया य, तिरिक्खजोणियपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! तिविहा पन्नत्ता, तंजहा—जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय० थलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय० खहयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय०, जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा—संमुच्छिमजलयर०, गब्भवक्कंतियजलयर०, थलयरतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०,

तंजहा-चउप्पयथलयर०परिसप्पथलयर०, चउप्पयथलयर०पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा-संमुच्छिमचउप्पयथलयर० गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयर०, एवं एएणं अभिलावेणं परिसप्प० दुविहा प०, तंजहा-उरपरिसप्प० य भुयपरिसप्प० य, उरपरिसप्प० दुविहा प०, तंजहा-संमुच्छिम० य गब्भवक्कंतिय० य, एवं भुयपरिसप्प० वि, एवं खहयर०वि। मणुस्सपंचिंदियपओग० पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा-संमुच्छिममणुस्स० गब्भवक्कंतियमणुस्स०। देवपंचिंदियपओग०पुच्छा, गोयमा! चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा-भवणवासिदेवपंचिंदियपओग० एवं जाव वेमाणिय०। भवणवासिदेवपंचिंदिय०पुच्छा, गोयमा! दसविहा प०, तंजहा-असुरकुमार० जाव थणियकुमार०, एवं एएणं अभिलावेणं अट्ठविहा वाणमंतर० पिसाय० जाव गंधव्व०, जोइसिय० पंचविहा प०, तंजहा-चंदविमाणजोइसिय० जाव ताराविमाणजोइसियदेव०, वेमाणिय० दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-कप्पोववन्न० कप्पाईयगवेमाणिय०, कप्पोवन्नग० दुवालसविहा पण्णत्ता, तंजहा-सोहम्मकप्पोववण्णग० जाव अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय०। कप्पाईय० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-गेवेज्जकप्पातीयवे० अणुत्तरोववाइयकप्पाईयवे०, गेवेज्जकप्पातीयग० नवविहा पण्णत्ता, तंजहा-हेट्ठिम २ गेवेज्जगकप्पातीयग० जाव उवरिम २ गेविज्जगकप्पाईय०। अणुत्तरोववाइयकप्पाईयगवेमाणियदेवपंचिंदियपओगपरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा प० ?, गोयमा! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा-विजयअणुत्तरोववाइय जाव परिणया जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय० देवपंचिंदियपओगपरिणया॥ सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, [केइ अपज्जत्तगं पढमं भणंति पच्छा पज्जत्तगं] पज्जत्तगसुहुमपुढविकाइय जाव परिणया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइय जाव परिणया य, बायरपुढविकाइयएगिंदिय० वि एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइय०, एक्केक्का दुविहा पोग्गला-सुहुमा य बायरा य, पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य भाणियव्वा। बेदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-पज्जत्तगबेंदियपओगपरिणया य अपज्जत्तग जाव परिणया य, एवं तेइंदिय०वि एवं चउरिंदिय०वि। रयणप्पभापुढविनेरइय० पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा-पज्जत्तगरयणप्पभापुढवि जाव परिणया य अपज्जत्तग जाव परिणया य, एवं जाव अहेसत्तम०। संमुच्छिमजलयरतिरिक्ख०पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा-पज्जत्तग० अपज्जत्तग०, एवं गब्भवक्कंतिय०वि, संमुच्छिमचउप्पयथलयर०वि एवं चेव, एवं गब्भवक्कंतिय०वि, एवं जाव संमुच्छिमखहयर०गब्भवक्कंतिय०य, एक्केक्के पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य भाणियव्वा। संमुच्छिममणुस्सपंचिंदिय०पुच्छा, गोयमा! एगविहा प०,

अपज्जत्तग० चेव । गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदिय० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा–पज्जत्तगगब्भवक्कंतिय०अपज्जत्तगगब्भवक्कंतिय० । असुरकुमारभवणवासिदेव० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा–पज्जत्तगअसुरकुमार० अपज्जत्तगअसुर०, एवं जाव पज्जत्तगथणियकुमार० एवं अपज्जत्तग० य, एवं एएणं अभिलावेणं दुयएणं भेएणं पिसाय० य जाव गंधव्व०, चंद० जाव ताराविमाण०, सोहम्मकप्पोववण्णग० जाव अच्चुय०, हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जकप्पाईय० जाव उवरिमउवरिमगेविज्ज०, एवं विजय-अणुत्तरो० जाव अपराजिय०, सव्वट्ठसिद्धकप्पाईय० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा–पज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० अपज्जत्तगसव्वट्ठ जाव परिणया य, २ दंडगा ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुम० जाव परिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया एवं जाव पज्जत्तगचउरिंदिय०, नवरं जे पज्जत्तबायरवाउकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया, सेसं तं चेव, जे अपज्जत्तरयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया ते वेउव्वियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया,एवं पज्जत्तय० वि, एवं जाव अहेसत्तम० । जे अपज्जत्तगसंमुच्छिमजलयर जाव परिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया एवं पज्जत्तग० वि, अपज्जत्तगगब्भवक्कंतिय० वि एवं चेव, पज्जत्तय० वि एवं चेव नवरं सरीरगाणि चत्तारि जहा बायरवाउक्काइयाणं पज्जत्तगाणं, एवं जहा जलयरेसु चत्तारि आलावगा भणिया एवं चउप्पयउरपरिसप्पभुयपरिसप्पखहयरेसुवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा । जे संमुच्छिममणुस्सपंचिंदियपओगपरिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया, एवं गब्भवक्कंतियावि अपज्जत्तगा, पज्जत्तगावि एवं चेव, नवरं सरीरगाणि पंच भाणियव्वाणि, जे अपज्जत्ता असुरकुमारभवणवासि० जहा नेरइय० तहेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं दुयएणं भेएणं जाव थणियकुमार०, एवं पिसाय० जाव गंधव्व०, चंद० जाव ताराविमाण०, एवं सोहम्मकप्पो० जाव अच्चुअ०, हेट्ठिम २ गेवेज्ज०जाव उवरिम२ गेवेज्ज०,विजयअणुत्तरोववाइय०जाव सव्वट्ठसिद्धअणु०,एक्केक्केणं दुयओ भेओ भाणियव्वो जाव जे पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते वेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया, दंडगा ३ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते फासिंदियपओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय० एवं चेव, जे अपज्जत्ता बादरपुढविक्काइय० एवं चेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं चउक्कएणं भेएणं जाव वणस्सइकाइय०, जे अपज्जत्ता बेइंदियपओगपरिणया ते जिब्भिंदियफासिंदियपओगपरिणया जे पज्जत्ता बेइंदिय० एवं चेव, एवं जाव चउरिंदिय० नवरं एक्केक्कं इंदियं वड्ढे-

यव्वं। जे अपज्जत्ता रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया ते सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियपओगपरिणया, एवं पज्जत्तगावि, एवं सव्वे भाणियव्वा, तिरिक्खजोणिय०मणुस्स०देव० जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते सोइंदियचक्खिंदिय जाव परिणया४ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया ते फासिंदियपओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहु० एवं चेव,अपज्जत्तबायर० एवं चेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं एएणं अभिलावेणं जस्स जइ इंदियाणि सरीराणि य ताणि भाणियव्वाणि जाव जे य पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया ते सोइंदियचक्खिंदिय जाव फासिंदियपओगपरिणया ५ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि नील० लोहिय० हालिद्द० सुक्किल्ल०, गंधओ सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि, रसओ तित्तरसपरिणयावि कडुयरसपरिणयावि कसायरसप० अंबिलरसप० महुररसप०, फासओ कक्खडफासपरि० जाव लुक्खफासपरि०, संठाणओ परिमंडलसंठाणपरिणयावि वट्ट० तंस० चउरंस० आययसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए नेयव्वं जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ६ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढवि० एगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरि० जाव आययसंठाणपरि०, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए नेयव्वं जस्स जइ सरीराणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय० देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ७ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियफासिंदियपओगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ इंदियाणि तस्स तत्तियाणि भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० देवपंचिंदियसोइंदिय जाव फासिंदियपओगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ८ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरफासिंदियपओगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणप०, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ सरीराणि इंदियाणि य तस्स तइ भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरसोइंदिय जाव फासिंदियपओगपरि० ते वन्नओ कालवन्नपरि० जाव आययसंठा-

णपरिणयावि, एवं एए नव दंडगा ९ ॥ ३०९ ॥ मीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–एगिंदियमीसापरिणया जाव पंचिंदियमीसापरिणया, एगिंदियमीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ?, एवं जहा पओगपरिणएहिं नव दंडगा भणिया एवं मीसापरिणएहिंवि नव दंडगा भाणियव्वा, तहेव सव्वं निरवसेसं, नवरं अभिलावो मीसापरिणया भाणियव्वो, सेसं तं चेव, जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० जाव आययसंठाणपरिणयावि ॥ ३१० ॥ वीससापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा–वन्नपरिणया गंधपरिणया रसपरिणया फासपरिणया संठाणपरिणया, जे वन्नपरिणया ते पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा–कालवन्नपरिणया जाव सुक्किल्लवन्नपरिणया, जे गंधपरिणया ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि, एवं जहा पन्नवणापए तहेव निरवसेसं जाव जे संठाणओ आययसंठाणपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव लुक्खफासपरिणयावि ॥ ३११ ॥ एगे भंते ! दव्वे किं पओगपरिणए मीसापरिणए वीससापरिणए ?, गोयमा ! पओगपरिणए वा मीसापरिणए वा वीससापरिणए वा । जइ पओगपरिणए किं मणप्पओगपरिणए वइप्पओगपरिणए कायप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! मणप्पओगपरिणए वा वइप्पओगपरिणए वा कायप्पओगपरिणए वा, जइ मणप्पओगपरिणए किं सच्चमणप्पओगपरिणए मोसमणप्पओग० सच्चामोसमणप्पओ० असच्चामोसमणप्पओ० ?, गोयमा ! सच्चमणप्पओगपरिणए वा मोसमणप्पओग० सच्चामोसमणप्प० असच्चामोसमणप्प०, जइ सच्चमणप्पओगप० किं आरंभसच्चमणप्पओ० अणारंभसच्चमणप्पओगपरि० सारंभसच्चमणप्पओग० असारंभसच्चमण० समारंभसच्चमणप्पओगपरि० असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! आरंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा जाव असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा, जइ मोसमणप्पओगपरिणए किं आरंभमोसमणप्पओगपरिणए० ? एवं जहा सच्चेणं तहा मोसेणवि, एवं सच्चामोसमणप्पओगपरिणएवि, एवं असच्चामोसमणप्पओगेणावि । जइ वइपओगपरिणए किं सच्चवइप्पओगपरिणए मोसवइप्पओगपरिणए ? एवं जहा मणप्पओगपरिणए तहा वइप्पओगपरिणएवि जाव असमारंभवइप्पओगपरिणए वा । जइ कायप्पओगपरिणए किं ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ओरालियमीसासरीरकायप्पओ० वेउव्वियसरीरकायप्प० वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए आहारगसरीरकायप्पओगपरिणए आहारगमीसासरीरकायप्पओगपरिणए कम्मासरीरकायप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए वा जाव कम्मासरीरकायप्पओगपरिणए वा, जइ

ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए एवं जाव पंचिंदियओरालिय जाव परि० ?, गोयमा ! एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए वा बेंदिय जाव परिणए वा जाव पंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं पुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए जाव वणस्सइकाइयएगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! पुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए वा जाव वणस्सइकाइयएगिंदिय जाव परिणए वा, जइ पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीर जाव परिणए किं सुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए बायरपुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ?, गोयमा ! सुहुमपुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए वा बायरपुढविक्काइय जाव परिणए वा, जइ सुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए कि पज्जत्तसुहुमपुढवि जाव परिणए अपज्जत्तसुहुमपुढवि जाव परिणए ?, गोयमा ! पज्जत्तसुहुमपुढविकाइय जाव परिणए वा अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइय जाव परिणए वा, एवं बायरावि, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं चउक्कओ भेओ, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं दुयओ भेओ पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । जइ पंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए ?, गोयमा ! तिरिक्खजोणिय जाव परिणए वा मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ तिरिक्खजोणिय जाव परिणए किं जलयरतिरिक्खजोणिय जाव परिणए थलयरखहयर० ? एवं चउक्कओ भेओ जाव खहयराणं । जइ मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए कि संमुच्छिममणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव परिणए ?, गोयमा ! दोसुवि, जइ गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव परिणए किं पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए अपज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा अपज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा १ । जइ ओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए कि एगिंदियओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए बेइंदिय जाव परिणए जाव पंचेंदियओरालिय जाव परिणए ?, गोयमा ! एगिंदियओरालिय जाव परिणए एवं जहा ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणएणं आलावगो भणिओ तहा ओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणएवि आलावगो भाणियव्वो, नवरं बायरवाउक्काइयगब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियगब्भवक्कंतियमणुस्साणं एएसि णं पज्जत्तापज्जत्तगाणं सेसाणं अपज्जत्तगाणं २ । जइ वेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए कि एगिंदियवेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदियवेउव्वियसरीर जाव परिणए ?, गोयमा ! एगिंदिय जाव परिणए वा पंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ एगिंदिय

जाव परिणए किं वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए अवाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ?, गोयमा ! वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए नो अवाउक्काइय जाव परिणए, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरं भणियं तहा इहवि भाणियव्वं जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्ध०कायप्पओगपरिणए वा ३ । जइ वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए ?, एवं जहा वेउव्वियं तहा वेउव्वियमीसगंपि, नवरं देवनेरइयाणं अपज्जत्तगाणं सेसाणं पज्जत्तगाणं तहेव जाव नो पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० जाव पओग० अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयदेवपंचिंदियवेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए ४ । जइ आहारगसरीरकायप्पओगपरिणए किं मणुस्साहारगसरीरकायप्पओगपरिणए अमणुस्साहारग जाव प० ?, एवं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउय जाव परिणए नो अणिड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठिपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव प० ५ । जइ आहारगमीसासरीरकायप्पओगप० किं मणुस्साहारगमीसासरीर० ? एवं जहा आहारगं तहेव मीसगंपि निरवसेसं भाणियव्वं ६ । जइ कम्मासरीरकायप्पओगप० किं एगिंदियकम्मासरीरकायप्पओगप० जाव पंचिंदियकम्मासरीर जाव प० ?, गोयमा ! एगिंदियकम्मासरीरकायप्पओ० एवं जहा ओगाहणसंठाणे कम्मगस्स भेओ तहेव इहावि जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियकम्मासरीरकायप्पओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणु० जाव परिणए वा ७ ॥ जइ मीसापरिणए किं मणमीसापरिणए वइमीसापरिणए कायमीसापरिणए ?, गोयमा ! मणमीसापरिणए वा वइमीसा० वा कायमीसापरिणए वा, जइ मणमीसापरिणए किं सच्चमणमीसापरिणए मोसमणमीसापरिणए ? जहा पओगपरिणए तहा मीसापरिणएवि भाणियव्वं निरवसेसं जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियकम्मासरीरमीसापरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणु० जाव कम्मासरीरमीसापरिणए वा । जइ वीससापरिणए किं वन्नपरिणए गंधपरिणए रसपरिणए फासपरिणए संठाणपरिणए ?, गोयमा ! वन्नपरिणए वा गंधपरिणए वा रसपरिणए वा फासपरिणए वा संठाणपरिणए वा, जइ वन्नपरिणए किं कालवन्नपरिणए नील जाव सुक्किल्लवन्नपरिणए ?, गोयमा ! कालवन्नपरिणए वा जाव सुक्किल्लवन्नपरिणए वा, जइ गंधपरिणए किं सुब्भिगंधपरिणए दुब्भिगंधपरिणए ?, गोयमा ! सुब्भिगंधपरिणए वा दुब्भिगंधपरिणए वा, जइ रसपरिणए किं तित्तरसपरिणए ५, पुच्छा, गोयमा ! तित्तरसपरिणए वा जाव महुर-

रसपरिणए वा, जइ फासपरिणए किं कक्खडफासपरिणए जाव लुक्खफासपरिणए ?, गोयमा! कक्खडफासपरिणए वा जाव लुक्खफासपरिणए वा, जइ संठाणपरिणए पुच्छा, गोयमा ! परिमंडलसंठाणपरिणए वा जाव आययसंठाणपरिणए वा ॥ २१२॥ दो भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया मीसापरिणया वीससापरिणया ?, गोयमा ! पओगपरिणया वा १ मीसापरिणया वा २ वीससापरिणया वा ३ अहवा एगे पओगपरिणए एगे मीसापरिणए ४ अहवेगे पओगप० एगे वीससापरि० ५ अहवा एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए एवं ६ । जइ पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया वइप्पओग० कायप्पओगपरिणया ?, गोयमा ! मणप्पओ० वइप्पओगप० कायप्पओगपरिणया वा अहवेगे मणप्पओगप० एगे वइप्पओगप०, अहवेगे मणप्पओगपरिणए एगे कायप०, अहवेगे वइप्पओगप० एगे कायप्पओगपरि०, जइ मणप्पओगप० किं सच्चमणप्पओगप०४ ?, गोयमा ! सच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असच्चामोसमणप्पओगप० वा १ अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए एगे मोसमणप्पओगपरिणए १ अहवा एगे सच्चमणप्पओगप० एगे सच्चामोसमणप्पओगपरिणए २ अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए एगे असच्चामोसमणप्पओगपरिणए ३ अहवा एगे मोसमणप्पओगप० एगे सच्चामोसमणप्पओगप० ४ अहवा एगे मोसमणप्पओगप० एगे असच्चामोसमणप्पओगप० ५ अहवा एगे सच्चामोसमणप्पओगप० एगे असच्चामोसमणप्पओगप०६ । जइ सच्चमणप्पओगप० किं आरंभसच्चमणप्पओगपरिणया जाव असमारंभसच्चमणप्पओगप० ?, गोयमा ! आरंभसच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणया वा, अहवा एगे आरंभसच्चमणप्पओगप० एगे अणारंभसच्चमणप्पओगप० एवं एएणं गमएणं दुयसंजोएणं नेयव्वं, सव्वे संजोगा जत्थ जत्तिया उट्ठेंति ते भाणियव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धगत्ति । जइ मीसाप० किं मणमीसापरि० ? एवं मीसापरि० वि । जइ वीससापरिणया किं वन्नपरिणया गंधप० ? एवं वीससापरिणयावि जाव अहवा एगे चउरंससंठाणपरि० एगे आययसंठाणपरिणए वा ॥ तिन्नि भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया मीसाप० वीससाप० ?, गोयमा ! पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा । अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसाप० १ अहवेगे पओगपरिणए दो वीससाप०२ अहवा दो पओगपरिणया एगे मीससापरिणए ३ अहवा दो पओगप० एगे वीससाप० ४ अहवा एगे मीसापरिणए दो वीससाप० ५ अहवा दो मीससाप० एगे वीससाप० ६ अहवा एगे पओगप० एगे मीसापरि० एगे वीससाप० ७ । जइ पओगप० किं मणप्पओगपरिणया वइप्पओगप० कायप्पओगप० ?, गोयमा ! मणप्पओगपरिणया वा एवं एक्कगसंजोगो दुयासंजोगो तियासंजोगो भाणि-

यव्वो, जइ मणप्पओगपरि० किं सच्चमणप्पओगपरिणया ४?, गोयमा! सच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असच्चामोसमणप्पओगपरिणया वा ४, अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए दो मोसमणप्पओगपरिणया, एवं दुयासंजोगो तियासंजोगो भाणियव्वो, एत्थवि तहेव जाव अहवा एगे तंससंठाणपरिणए वा एगे चउरंससंठाणपरिणए वा एगे आययसंठाणपरिणए वा॥ चत्तारि भंते! दव्वा किं पओगपरिणया ३?, गोयमा! पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा, अहवा एगे पओगपरिणए तिन्नि मीसापरिणया १ अहवा एगे पओगपरिणए तिन्नि वीससापरिणया २ अहवा दो पओगपरिणया दो मीसापरिणया ३ अहवा दो पओगपरिणया दो वीससापरिणया ४ अहवा तिन्नि पओगपरिणया एगे मीससापरिणए ५ अहवा तिन्नि पओगपरिणया एगे वीससापरिणए ६ अहवा एगे मीससापरिणए तिन्नि वीससापरिणया ७ अहवा दो मीसापरिणया दो वीससापरिणया ८ अहवा तिन्नि मीसापरिणया एगे वीससापरिणए ९ अहवा एगे पओगपरिणए दो वीससापरिणया (एगे मीसापरिणए) १ अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसापरिणया एगे वीससापरिणए २ अहवा दो पओगपरिणया एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए ३। जइ पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया ३?॥ एवं एएणं कमेणं पंच छ सत्त जाव दस संखेज्जा असंखेज्जा अणंता य दव्वा भाणियव्वा (एक्कगसंजोगेणं) दुयासंजोएणं तियासंजोएणं जाव दससंजोएणं बारससंजोएणं उवजुंजिऊणं जत्थ जत्तिया संजोगा उट्ठेति ते सव्वे भाणियव्वा, एए पुण जहा नवमसए पवेसणए भणिहामि तहा उवजुंजिऊण भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अणंता एवं चेव, नवरं एगं पयं अब्भहियं, जाव अहवा अणंता परिमंडलसंठाणपरिणया जाव अणंता आययसंठाणपरिणया॥ ३१३॥ एएसि णं भंते! पोग्गलाणं पओगपरिणयाणं मीसापरिणयाणं वीससापरिणयाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा?, गोयमा! सव्वत्थोवा पोग्गला पओगपरिणया मीसापरिणया अणंतगुणा वीससापरिणया अणन्तगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ३१४॥ **अट्ठमसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो॥**

कइविहा णं भंते! आसीविसा पन्नत्ता?, गोयमा! दुविहा आसीविसा पन्नत्ता, तंजहा–जाइआसीविसा य कम्मआसीविसा य, जाइआसीविसा णं भंते! कइविहा प०?, गोयमा! चउव्विहा प०, तंजहा–विच्छुयजाइआसीविसे मंडुक्कजाइआसीविसे उरगजाइआसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे, विच्छुयजाइआसीविसस्स णं भंते! केवइए विसए पन्नत्ते?, गोयमा! पभू णं विच्छुयजाइआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं विसट्टमाणं पकरेत्तए, विसए से विसट्टयाए नो चेव णं

संपत्तीए करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा १, मंडुक्कजाइआसीविसपुच्छा, गोयमा ! पभू णं मंडुक्कजाइआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा २, एवं उरगजाइआसीविसस्सवि नवरं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा ३, मणुस्सजाइआसीविसस्सवि एवं चेव नवरं समयखेत्तप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा ४। जइ कम्मआसीविसे किं नेरइयकम्मआसीविसे तिरिक्खजोणियकम्मआसीविसे मणुस्सकम्मआसीविसे देवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! नो नेरइयकम्मासीविसे तिरिक्खजोणियकम्मासीविसेवि मणुस्सकम्मा० देवकम्मासी०, जइ तिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ?, गोयमा ! नो एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे जाव नो चउरिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे, पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे, जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ?, एवं जहा वेउव्वियसरीरस्स भेओ जाव पज्जत्तासंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे नो अपज्जत्तासंखेज्जवासाउय जाव कम्मासीविसे। जइ मणुस्सकम्मासीविसे किं संमुच्छिममणुस्सकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे ?, गोयमा ! णो संमुच्छिममणुस्सकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे एवं जहा वेउव्वियसरीरं जाव पज्जत्तासंखेज्जवासाउयकम्मभूमियगब्भवक्कंतियमणूसकम्मासीविसे नो अपज्जत्ता जाव कम्मासीविसे। जइ देवकम्मासीविसे किं भवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव वेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! भवणवासिदेवकम्मासीविसेवि वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवकम्मासीविसेवि, जइ भवणवासिदेवकम्मासीविसे किं असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव थणियकुमार जाव कम्मासीविसे ?, गोयमा ! असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसेवि जाव थणियकुमार० आसीविसेवि, जइ असुरकुमार जाव कम्मासीविसे किं पज्जत्तअसुरकुमार जाव कम्मासीविसे अपज्जत्तअसुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे ? गोयमा ! नो पज्जत्तअसुरकुमार जाव कम्मासीविसे अपज्जत्तअसुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे, एवं थणियकुमाराणं, जइ वाणमंतरदेवकम्मासीविसे किं पिसायवाणमंतर० एवं सव्वेसिंपि अपजत्तगाणं, जोइसियाणं सव्वेसिं अपज्जत्तगाणं, जइ वेमाणियदेवकम्मासीविसे किं कप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसे कप्पाईयवेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसे नो कप्पातीयवेमाणियदेवकम्मासीविसे, जइ कप्पोववण्णगवे-

माणियदेवकम्मासीविसे किं सोहम्मकप्पोव० जाव कम्मासीविसे जाव अच्चुयकप्पोवग जाव कम्मासीविसे ?, गोयमा ! सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि जाव सहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि, नो आणयकप्पोववण्णग० जाव नो अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणियदेव०, जइ सोहम्मकप्पोववण्णग जाव कम्मासीविसे किं पज्जत्तसोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० अपज्जत्तगसोहम्मक० ?, गोयमा ! नो पज्जत्तसोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० अपज्जत्तसोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसे, एवं जाव नो पज्जत्तसहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसे, अपज्जत्तसहस्सारकप्पोववण्णग जाव कम्मासीविसे ॥ ३१५ ॥ दस ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं न जाणइ न पासइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं १ अधम्मत्थिकायं २ आगासत्थिकायं ३ जीवं असरीरपडिबद्धं ४ परमाणुपोग्गलं ५ सद्दं ६ गंधं ७ वायं ८ अयं जिणे भविस्सइ ण वा भविस्सइ ९ अयं सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्सइ न वा करेस्सइ १० ॥ एयाणि चेव उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेणं जाणइ पासइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव करेस्सइ न वा करेस्सइ ॥ ३१६ ॥ कइविहे णं भंते ! नाणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे नाणे पन्नत्ते, तंजहा–आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे मणपज्जवनाणे केवलनाणे, से किं तं आभिणिबोहियनाणे ?, आभिणिबोहियनाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–उग्गहो ईहा अवाओ धारणा, एवं जहा रायप्पसेणीए णाणाणं भेओ तहेव इहवि भाणियव्वो जाव सेत्तं केवलनाणे ॥ अन्नाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–मइअन्नाणे सुयअन्नाणे विभंगणाणे । से किं तं मइअन्नाणे ?, २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–उग्गहो जाव धारणा । से किं तं उग्गहे ?, २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य, एवं जहेव आभिणिबोहियनाणं तहेव, नवरं एगट्ठियवज्जं जाव नोइंदियधारणा, सेत्तं धारणा, सेत्तं मइअन्नाणे । से किं तं सुयअन्नाणे ?, २ जं इमं अन्नाणिएहिं मिच्छदिट्ठिएहिं जहा नंदीए जाव चत्तारि वेया संगोवंगा, सेत्तं सुयअन्नाणे । से कि तं विभंगनाणे ?, २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा–गामसंठिए नगरसंठिए जाव संनिवेससंठिए दीवसंठिए समुद्दसंठिए वाससंठिए वासहरसंठिए पव्वयसंठिए रुक्खसंठिए थूभसंठिए हयसंठिए गयसंठिए नरसंठिए किनरसंठिए किंपुरिससंठिए महोरगसंठिए गंधव्वसंठिए उसभसंठिए पसुपसयविहगवानरणाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते ॥ जीवा णं भंते ! किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! जीवा नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगइया दुन्नाणी अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी अत्थेगइया एगनाणी, जे दुन्नाणी ते आभिणि-

बोहियनाणी य सुयनाणी य, जे तिन्नाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी अहवा आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी मणपज्जवनाणी, जे चउनाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी, जे एगनाणी ते नियमा केवलनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगइया दुअन्नाणी अत्थेगइया तिअन्नाणी, जे दुअन्नाणी ते मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, जे तियअन्नाणी ते मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी । नेरइया णं भंते ! किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा तिन्नाणी, तंजहा–आभिणिवोहि० सुयनाणी ओहिनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगइया दुअन्नाणी अत्थेगइया तिअन्नाणी, एवं तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए । असुरकुमारा णं भंते ! कि नाणी अन्नाणी ?, जहेव नेरइया तहेव तिन्नि नाणाणि नियमा, तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया णं भंते ! कि नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, एवं जाव वणस्सइकाइया । बेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा दुन्नाणी, तंजहा–आभिणिवोहियनाणी य सुयनाणी य, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी तं० आभिणिवोहियअन्नाणी सुयअन्नाणी, एवं तेइंदियचउरिंदियावि, पंचिंदियतिरिक्खजो० पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थे० दुन्नाणी अत्थे० तिन्नाणी एवं तिन्नि नाणाणि तिन्नि अन्नाणाणि य भयणाए । मणुस्सा जहा जीवा तहेव पंच नाणाणि तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए । वाणमंतरा जहा ने०, जोइसियवेमाणियाणं तिन्नि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं नियमा । सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णाणी नो अन्नाणी, नियमा एगनाणी केवलनाणी ॥ २१७ ॥ निरयगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, तिन्नि नाणाइं नियमा तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । तिरियगइया णं भंते ! जीवा कि नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! दो नाणाइं दो अन्नाणाइं नियमा । मणुस्सगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! तिन्नि नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा, देवगइया जहा निरयगइया । सिद्धगइया णं भंते ! जहा सिद्धा ॥ सइंदिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! चत्तारि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । एगिंदिया णं भंते ! जीवा कि नाणी० ?, जहा पुढविकाइया, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं दो नाणाइं दो अन्नाणाइं नियमा । पंचिंदिया जहा सइंदिया । अणिंदिया णं भंते ! जीवा किं नाणी० ?, जहा सिद्धा ॥ सकाइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! पंच नाणाणि तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । पुढविकाइया

जाव वणस्सइकाइया नो नाणी अन्नाणी नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, तसकाइया जहा सकाइया। अकाइया णं भंते! जीवा किं नाणी० ?, जहा सिद्धा ३ ॥ सुहुमा णं भंते! जीवा किं नाणी० ? जहा पुढविकाइया। बायरा णं भंते! जीवा किं नाणी० ? जहा सकाइया। नोसुहुमानोबायरा णं भंते! जीवा० जहा सिद्धा ४ ॥ पज्जत्ता णं भंते! जीवा किं नाणी० ?, जहा सकाइया। पज्जत्ता णं भंते! नेरइया किं नाणी० ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा जहा नेरइया एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया जहा एगिंदिया, एवं जाव चउरिंदिया। पज्जत्ता णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए। मणुस्सा जहा सकाइया। वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया जहा नेरइया। अपज्जत्ता णं भंते! जीवा किं नाणी० ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए। अपज्जत्ता णं भंते! नेरइया किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा नियमा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया जहा एगिंदिया। बेइंदियाणं पुच्छा, दो नाणा दो अन्नाणा णियमा, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। अपज्जत्तगा णं भंते! मणुस्सा किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा, वाणमंतरा जहा नेरइया, अपज्जत्तगा जोइसियवेमाणियाणं तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा। नोपज्जत्तगनोअपज्जत्तगा णं भंते! जीवा किं नाणी० ?, जहा सिद्धा ५ ॥ निरयभवत्था णं भंते! जीवा किं नाणी-अन्नाणी ?, जहा निरयगइया। तिरियभवत्था णं भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए। मणुस्सभवत्था णं० जहा सकाइया। देवभवत्था णं भंते! जहा निरयभवत्था। अभवत्था जहा सिद्धा ६ ॥ भवसिद्धिया णं भंते! जीवा किं नाणी० ?, जहा सकाइया, अभवसिद्धियाणं पुच्छा, गोयमा! नो नाणी अन्नाणी तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए। नो भवसिद्धिया-नोअभवसिद्धिया णं भंते! जीवा० जहा सिद्धा ७ ॥ सन्नीणं पुच्छा जहा सइंदिया, असन्नी जहा बेइंदिया, नोसन्नीनोअसन्नी जहा सिद्धा ८ ॥ २१८ ॥ कइविहा णं भंते! लद्धी पण्णत्ता ?, गोयमा! दसविहा लद्धी प०, तंजहा–नाणलद्धी १ दंसणलद्धी २ चरित्तलद्धी ३ चरित्ताचरित्तलद्धी ४ दाणलद्धी ५ लाभलद्धी ६ भोगलद्धी ७ उवभोगलद्धी ८ वीरियलद्धी ९ इंदियलद्धी १०। णाणलद्धी णं भंते! कइविहा प० ?, गोयमा! पंचविहा प०, तंजहा–आभिणिबोहियणाणलद्धी जाव केवलणाणलद्धी ॥ अन्नाणलद्धी णं भंते! कइविहा प० ?, गोयमा! तिविहा प०, तंजहा–मइअन्नाणलद्धी सुयअन्नाणलद्धी विभंगनाणलद्धी ॥ दंसणलद्धी णं भंते!

कइविहा प० ?, गोयमा ! तिविहा प०, तंजहा-सम्मद्दंसणलद्धी मिच्छादंसणलद्धी सम्मामिच्छादंसणलद्धी ॥ चरित्तलद्धी णं भंते ! कइविहा प०?, गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा-सामाइयचरित्तलद्धी छेदोवट्ठावणियलद्धी परिहारविसुद्धचरित्तलद्धी सुहुमसंपरायचरित्तलद्धी अहक्खायचरित्तलद्धी ॥ चरित्ताचरित्तलद्धी णं भंते ! कइविहा प०?, गोयमा ! एगागारा प०; एवं जाव उवभोगलद्धी एगागारा प० ॥ वीरियलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ?, गोयमा ! तिविहा प०, तंजहा-बालवीरियलद्धी पंडियवीरियलद्धी बालपंडियवीरियलद्धी । इंदियलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ?, गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा-सोइंदियलद्धी जाव फासिंदियलद्धी ॥ नाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया दुन्नाणी, एवं पंच नाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, अत्थेगइया दुअन्नाणी तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए । आभिणिबोहियणाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया दुन्नाणी तिनाणी, चत्तारि नाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा एगनाणी केवलनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगइया दुअन्नाणी तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । एवं सुयनाणलद्धियावि, तस्स अलद्धियावि जहा आभिणिबोहियनाणस्स लद्धिया । ओहिनाणलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे चउनाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुय० ओहि० मणपज्जवनाणी । तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी०?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि । एवं ओहिनाणवज्जाइं चत्तारि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । मणपज्जवनाणलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणी णो अन्नाणी, अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयणाणी मणपज्जवणाणी, जे चउनाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, मणपज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । केवलनाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, नियमा एगणाणी केवलनाणी, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, केवलनाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ॥ अन्नाणलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो

अन्नाणी, पंच नाणाइं भयणाए जहा अन्नाणस्स लद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स य लद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा । विभंगनाण-लद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाइं नियमा, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा ॥ दंसणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! तस्स अलद्धिया नत्थि । सम्मद्दंसणलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, मिच्छादंसणलद्धिया णं भंते ! पुच्छा, णो नाणी अण्णाणी, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, सम्मामिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया य जहा मिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया तहेव भाणियव्वा ॥ चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अण्णाणी पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अल-द्धियाणं मणपज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, सामाइय-चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी० केवलवज्जाइं चत्तारि नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, एवं जहा सामाइयचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं जाव अहक्खायचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा, नवरं अहक्खायचरित्तलद्धियाणं पंच नाणाइं भ०, चरित्ता-चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया दुण्णाणी अत्थेगइया तिन्नाणी, जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य, जे तिन्नाणी ते आभि० सुयनाणी ओहिनाणी, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ४ ॥ दाणलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अ० पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, नियमा एगनाणी केवल-नाणी । एवं जाव वीरियलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा ॥ बालवीरियलद्धियाणं तिन्नि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए । पंडियवीरियलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवनाणव-ज्जाइं णाणाइं अन्नाणाणि तिन्नि य भयणाए । बालपंडियवीरियलद्धिया णं भंते ! जीवा० तिन्नि नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ॥ इंदियलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! चत्तारि णाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी नियमा एगनाणी केवलनाणी, सोइंदियलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थे-

गइया दुन्नाणी अत्थेगइया एगणाणी जे दुन्नाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी, जे एगनाणी ते केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, चक्खिंदियघाणिंदियलद्धियाणं अलद्धियाण य जहेव सोइंदियलद्धिया अलद्धिया य, जिब्भिंदियलद्धियाणं चत्तारि णाणाइं तिन्नि य अन्नाणाणि भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा एगनाणी केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, फासिंदियलद्धियाणं अलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया य अलद्धिया य ॥ ३१९ ॥ सागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ॥ आभिणिवोहियनाणसागारोवउत्ता णं भंते ! चत्तारि णाणाइं भयणाए। एवं सुयनाणसागारोवउत्तावि । ओहिनाणसागारोवउत्ता जहा ओहिनाणलद्धिया, मणपज्जवनाणसागारोवउत्ता जहा मणपज्जवनाणलद्धिया, केवलनाणसागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया, मइअन्नाणसागारोवउत्ताणं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, एवं सुयअन्नाणसागारोवउत्तावि, विभंगनाणसागारोवउत्ताणं तिन्नि अन्नाणाइं नियमा ॥ अणागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । एवं चक्खुदंसणअचक्खुदंसणअणागारोवउत्तावि, नवरं चत्तारि णाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, ओहिदंसणअणागारोवउत्ताणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे चउणाणी ते आभिणिवोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा तिअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी, केवलदंसणअणागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया ॥ सजोगी णं भंते ! जीवा किं नाणी० ? जहा सकाइया, एवं मणजोगी वइजोगी कायजोगीवि, अजोगी जहा सिद्धा ॥ सलेस्सा णं भंते ! जीवा कि णाणी० ? जहा सकाइया, कण्हलेस्सा णं भंते ! जहा सकाइया सइंदिया, एवं जाव पम्हलेसा, सुक्कलेस्सा जहा सलेस्सा, अलेस्सा जहा सिद्धा ॥ सकसाई णं भंते ! जहा सइंदिया, एव जाव लोहकसाई, अकसाई णं भंते !०? पंच नाणाइं भयणाए ॥ सवेयगा णं भंते ! जहा सइंदिया, एवं इत्थिवेयगावि, एवं पुरिसवेयगावि, एवं नपुंसगवे०, अवेयगा जहा अकसाई ॥ आहारगा णं भंते ! जीवा०? जहा सकसाई, नवरं केवलनाणंपि, अणाहारगा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? मणपज्जवनाणवज्जाइं नाणाइं अन्नाणाणि य तिन्नि भयणाए॥ ३२०॥ आभिणिवोहियनाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पन्नत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे प०, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ

कालओ भावओ, दव्वओ णं आभिणिवोहियनाणी आएसेणं सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ, खेत्तओ णं आभिणिवोहियणाणी आएसेणं सव्वखेत्तं जाणइ पासइ, एवं कालओवि, एवं भावओवि । सुयनाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ ४, दव्वओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ, एवं खेत्तओवि कालओवि, भावओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वभावे जाणइ पासइ । ओहिनाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पन्नत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ ४, दव्वओ णं ओहिनाणी रूविदव्वाइं जाणइ पासइ जहा नंदीए जाव भावओ । मणपज्जवनाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ ४, दव्वओ णं उज्जुमई अणंते अणंतपएसिए जहा नंदीए जाव भावओ । केवलनाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं केवलनाणी सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ एवं जाव भावओ ॥ मइअन्नाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पन्नत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं मइअन्नाणी मइअन्नाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ मइअन्नाणी मइअन्नाणपरिगए भावे जाणइ पासइ । सुयअन्नाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ ४, दव्वओ णं सुयअन्नाणी सुयअन्नाणपरिगयाइं दव्वाइं आघवेइ पन्नवेइ परूवेइ, एवं खेत्तओ कालओ, भावओ णं सुयअन्नाणी सुयअन्नाणपरिगए भावे आघवेइ तं चेव । विभंगणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ ४, दव्वओ णं विभंगनाणी विभंगनाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ णं विभंगनाणी विभंगनाणपरिगए भावे जाणइ पासइ ॥ ३२१ ॥ णाणी णं भंते ! णाणीति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! नाणी दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–साइए वा अपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं छावट्ठि सागरोवमाइं साइरेगाइं । आभिणिवोहियणाणी णं भंते ! आभिणिवोहिय० एवं नाणी आभिणिवोहियनाणी जाव केवलनाणी । अन्नाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी, एएसिं दसण्हवि संचिट्ठणा जहा कायठिईए ॥ अंतरं सव्वं जहा जीवाभिगमे ॥ अप्पाबहुगाणि तिन्नि जहा बहुवत्तव्वयाए ॥ केवइया णं भंते ! आभिणिवोहियणाणपज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता आभिणिवोहियणाणपज्जवा पण्णत्ता । केवइया णं भंते !

सुयनाणपज्जवा प० ? एवं चेव एवं जाव केवलनाणस्स। एवं मइअन्नाणस्स सुय-अन्नाणस्स, केवइया णं भंते! विभंगनाणपज्जवा प० ? गोयमा! अणंता विभंग-नाणपज्जवा प०, एएसि णं भंते! आभिणिबोहियनाणपज्जवाणं सुयनाण० ओहि-नाण० मणपज्जवनाण० केवलनाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाणपज्जवा ओहिनाणपज्जवा अणंतगुणा सुयनाणप-ज्जवा अणंतगुणा आभिणिबोहियनाणपज्जवा अणंतगुणा केवलणाणपज्जवा अणंत-गुणा॥ एएसि णं भंते! मइअन्नाणपज्जवाणं सुयअन्नाण० विभंगनाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा विभंगनाणपज्जवा सुयअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा मइअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा॥ एएसि णं भंते! आभिणिबोहि-यणाणपज्जवाणं जाव केवलनाणप० मइअन्नाणप० सुयअन्नाणप० विभंगनाणप० कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाणपज्जवा विभंग-नाणपज्जवा अणंतगुणा ओहिणाणपज्जवा अणंतगुणा सुयअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा सुयनाणपज्जवा विसेसाहिया मइअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा आभिणिबोहियनाणपज्जवा विसेसाहिया केवलणाणपज्जवा अणंतगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ३२२॥

अट्ठमस्स सयस्स बिइओ उद्देसो समत्तो॥

कइविहा णं भंते! रुक्खा पन्नत्ता ? गोयमा! तिविहा रुक्खा प०, तंजहा-संखेज्जजीविया असंखेज्जजीविया अणंतजीविया। से किं तं संखेज्जजीविया ? संखेज्ज० अणेगविहा प०, तंजहा-ताले तमाले तक्कलि तेतलि जहा पन्नवणाए जाव नालि-एरी, जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं संखेज्जजीविया। से किं तं असंखेज्जजीविया ? असंखेज्जजीविया दुविहा प०, तंजहा-एगट्ठिया य बहुबीयगा य। से किं तं एग-ट्ठिया ? २ अणेगविहा प०, तंजहा-निंबंबजंबू० एवं जहा पन्नवणापए जाव फला बहुबीयगा, सेत्तं बहुबीयगा, सेत्तं असंखेज्जजीविया। से किं तं अणंतजीविया ? अणंतजीविया अणेगविहा प०, तंजहा-आलुए मूलए सिंगबेरे, एवं जहा सत्तमसए जाव सीउण्हे सिउंढी मुसुंढी, जे यावन्ने त०, सेत्तं अणंतजीविया॥ ३२३॥ अह भंते! कुम्मे कुम्मावलिया गोहे गोहावलिया गोणे गोणावलिया मणुस्से मणुस्सा-वलिया महिसे महिसावलिया एएसि णं दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिन्नाणं जे अंतरा तेवि णं तेहिं जीवपएसेहिं फुडा ? हंता! फुडा। पुरिसे णं भंते! (जं अंतरं) ते अंतरे हत्थेण वा पाएण वा अंगुलियाए वा सलागाए वा कट्ठेण वा कलिंचेण वा आमुसमाणे वा संमुसमाणे वा आलिहमाणे वा विलिहमाणे वा अन्नयरेण वा तिक्खेणं सत्थजाएणं आच्छिंदमाणे वा विच्छिंदमाणे वा अगणिकाएणं वा समोड-

हमाणे तेसिं जीवपएसाणं किंचि आबाहं वा विबाहं वा उप्पायइ छविच्छेदं वा करेइ? णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं संकमइ ॥ ३२४ ॥ कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा पुढविईसिपब्भारा। इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी किं चरिमा अचरिमा? चरिमपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वेमाणिया णं भंते! फासचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा? गोयमा! चरिमावि अचरिमावि। सेवं भंते! २ त्ति भगवं गो० ॥ ३२५ ॥ **अट्ठमसए तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते! किरियाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पन्नत्ताओ, तंजहा-काइया अहिगरणिया, एवं किरियापयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव मायावत्तियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे० ॥ ३२६ ॥ **अट्ठमसए चउत्थो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-आजीविया णं भंते! थेरे भगवंते एवं वयासी-समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा से णं भंते! तं भंडं अणुगवेसमाणे किं सयं भंडं अणुगवेसइ परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसेइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं से भंडे अभंडे भवइ? हंता! भवइ ॥ से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ-णो मे हिरन्ने नो मे सुवन्ने नो मे कंसे नो मे दूसे नो मे विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणमाइए संतसारसावएज्जे, ममत्तभावे पुण से अपरिण्णाए भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ ॥ समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ जायं चरेज्जा से णं भंते! किं जायं चरइ अजायं चरइ? गोयमा! जायं चरइ नो अजायं चरइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं सा जाया अजाया भवइ? हंता! भवइ, से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-जायं चरइ नो अजायं चरइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ-णो मे माया णो मे पिया णो मे भाया णो मे भगिणी णो मे भज्जा णो मे पुत्ता णो मे धूया नो मे सुण्हा, पेज्जबंधणे पुण से अवोच्छिन्ने भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव नो अजायं चरइ ॥ ३२७ ॥ समणोवासगस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ? गोयमा! तीयं पडिक-

मइ पडुप्पन्नं संवरेइ अणागयं पच्चक्खाइ ॥ तीयं पडिक्कममाणे किं तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ १ तिविहं दुविहेणं पडिक्कमइ २ तिविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ३ दुविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ४ दुविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ५ दुविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ६ एक्कविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ७ एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ८ एक्कविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ९? गोयमा ! तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ तिविहं दुविहेण वा पडिक्कमइ तं चेव जाव एक्कविहं वा एक्कविहेणं पडिक्कमइ, तिविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १, तिविहं दुविहेणं पडि० न क० न का० करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा २, अहवा न करेइ न का० करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३, अहवा न करेइ ३ वयसा कायसा ४, तिविहं एगविहेणं पडि० न करेइ ३ मणसा ५, अहवा न करेइ ३ वयसा ६, अहवा न करेइ ३ कायसा ७, दुविहं ति० प० न करेइ न का० मणसा वयसा कायसा ८, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ९, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १०, दु० दु० प० न क० न का० म० व० ११, अहवा न क० न का० म० कायसा १२, अहवा न क० न का० वयसा कायसा १३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १५, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा १६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १७, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १८, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा १९, दुविहं एक्कविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ मणसा २०, अहवा न करेइ न कारवेइ वयसा २१, अहवा न करेइ न कारवेइ कायसा २२, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा २३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २५, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा २६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २७, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २८, एगविहं तिविहेणं पडि० न करेइ मणसा वयसा कायसा २९, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा कायसा ३०, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा ३।३१, एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ मणसा वयसा ३२, अहवा न करेइ मणसा कायसा ३३, अहवा न करेइ वयसा कायसा ३४, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा ३५, अहवा न कारवेइ मणसा कायसा ३६, अहवा न कारवेइ वयसा कायसा ३७, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा ३८, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३९, अहवा करेंतं नाणुजाणइ

वयसा कायसा ४०, एक्कविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ मणसा ४१, अहवा न करेइ वयसा ४२, अहवा न करेइ कायसा ४३, अहवा न कारवेइ मणसा ४४, अहवा न कारवेइ वयसा ४५, अहवा न कारवेइ कायसा ४६, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा ४७, अहवा करेंतं नाणुजाणइ वयसा ४८, अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा ४९। पडुप्पन्नं संवरेमाणे किं तिविहं तिविहेणं संवरेइ? एवं जहा पडिक्कममाणेणं एगूणपन्नं भंगा भणिया एवं संवरमाणेणवि एगूणपन्नं भंगा भाणियव्वा। अणागयं पच्चक्खमाणे किं तिविहं तिविहेणं पच्चक्खाइ? एवं ते चेव भंगा एगूणपण्णं भाणियव्वा जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा॥ समणोवासगस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए मुसावाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे एवं जहा पाणाइवायस्स सीयालं भंगसयं भणियं तहा मुसावायस्सवि भाणियव्वं। एवं अदिन्नादाणस्सवि, एवं थूलगस्स मेहुणस्सवि थूलगस्स परिग्गहस्सवि जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा॥ एए खलु एरिसगा समणोवासगा भवंति, नो खलु एरिसगा आजीवियोवासगा भवंति॥ ३२८॥ आजीवियसमयस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते अक्खीणपडिभोइणो सव्वे सत्ता से हंता छेत्ता भेत्ता लुंपित्ता विलुंपित्ता उद्दवइत्ता आहारमाहारेंति, तत्थ खलु इमे दुवालस आजीवियोवासगा भवंति, तंजहा–ताले, १ तालपलंबे, २ उव्विहे, ३ संविहे, ४ अवविहे, ५ उदए, ६ नामुदए, ७ णमुदए, ८ अणुवालए, ९ संखवालए, १० अयंपुले, ११ कायरिए, १२, इच्चेए दुवालस आजीवियोवासगा अरिहंतदेवयागा अम्मापिउसुस्सूसगा पंचफलपडिक्कंता तंजहा उंबरेहिं, वडेहिं, बोरेहिं, सतरेहिं, पिलंखूहिं, पलंडुल्हस(सु)णकंदमूलविवज्जगा अणिल्लंछिएहिं अणक्कभिन्नेहिं गोणेहि तसपाणविवज्जिएहिं चि(वि)त्तेहिं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएवि ताव एवं इच्छंति, किमंग पुण जे इमे समणोवासगा भवंति जेसिं नो कप्पंति इमाइं पन्नरस कम्मादाणाइं सयं करेत्तए वा कारवेत्तए वा करेंतं वा अन्नं समणुजाणेत्तए तंजहा–इंगालकम्मे, वणकम्मे, साडीकम्मे, भाडीकम्मे, फोडीकम्मे, दंतवाणिज्जे, लक्खवाणिज्जे, केसवाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विसवाणिज्जे, जंतपीलणकम्मे, निल्लंछणकम्मे, दवग्गिदावणया, सरदहतलायपरिसोसणया, असईपोसणया, इच्चेए समणोवासगा सुक्का सुक्काभिजाइया भविया भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति॥ ३२९॥ कइविहा णं भंते! [देवा] देवलोगा पण्णत्ता? गोयमा! चउव्विहा देवलोगा प०, तंजहा–भवणवासिवाणमंतरजोइसवेमाणिया, सेवं भंते! २ त्ति॥ ३३०॥ **अट्ठमसयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो॥**

समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ? गोयमा! एगंतसो निज्जरा कज्जइ नत्थि य से पावे कम्मे कज्जइ। समणोवासगस्स णं भंते! तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाण जाव पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ? गोयमा! बहुतरिया से निज्जरा कज्जइ अप्पतराए से पावे कम्मे कज्जइ। समणोवासगस्स णं भंते! तहारूवं असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मं फासुएण वा अफासुएण वा एसणिज्जेण वा अणेसणिज्जेण वा असणपाण जाव कि कज्जइ? गोयमा! एगंतसो से पावे कम्मे कज्जइ नत्थि से काइ निज्जरा कज्जइ, [मोक्खत्थं जं दाणं, तं पइ एसो विही समक्खाओ। अणुकंपादाणं पुण, जिणेहिं न कयाइ पडिसिद्धं]॥३२१॥ निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ दोहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा–एगं आउसो! अप्पणा भुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि,से य तं पिण्डं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसियव्वा सिया जत्थेव अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्ज तत्थेव अणुप्पदायव्वे सिया नो चेव णं अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तं नो अप्पणा भुंजेज्जा नो अन्नेसिं दावए एगंते अणावाए अचित्ते बहुफासुए थंडिल्ले पडिलेहेत्ता पमज्जित्ता परिट्ठावेयव्वे सिया। निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ तिहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा–एगं आउसो! अप्पणा भुंजाहि दो थेराणं दलयाहि, से य तं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसेयव्वा सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा नवरं एगं आउसो! अप्पणा भुंजाहि नव थेराणं दलयाहि सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया। निग्गंथं च णं गाहावइकुलं जाव केइ दोहिं पडिग्गहेहिं उवनिमंतेज्जा एगं आउसो! अप्पणा पडिभुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि, से य तं पडिग्गाहेज्जा, तहेव जाव तं नो अप्पणा पडिभुंजेज्जा नो अन्नेसि दावए सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पडिग्गहेहिं, एवं जहा पडिग्गहवत्तव्वया भणिया एवं गोच्छगरयहरणचोलपट्टगकंबललट्ठिसंथारगवत्तव्वया य भाणियव्वा जाव दसहिं संथारएहिं उवनिमंतेज्जा जाव परिट्ठावेयव्वे सिया॥ ३२२॥ निग्गंथेण य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए, तस्स णं एवं भवइ–इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि विउट्टामि विसोहेमि अकरणयाए अब्भुट्ठेमि अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जामि, तओ पच्छा थेराणं अंतियं आलोएस्सामि जाव तवोकम्मं पडिवज्जिस्सामि, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य पुव्वामेव अमुहा सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विरा-

हए १। से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव अमुहे सिया से णं भंते! कि आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए २, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य कालं करेज्जा से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए ३, से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव कालं करेज्जा से णं भंते! कि आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए ४, से य संपट्ठिए संपत्ते थेरा य अमुहा सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए, से य संपट्ठिए संपत्ते अप्पणा य० एवं संपत्तेणवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा जहेव असंपत्तेणं। निग्गंथेण य बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खंतेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवइ-इहेव ताव अहं० एवं एत्थवि एए चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए। निग्गंथेण य गामाणुगामं दूइज्जमाणेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवइ इहेव ताव अहं० एत्थवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए॥ निग्गंथीए य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तीसे णं एवं भवइ इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि जाव तवोकम्मं पडिवज्जामि तओ पच्छा पवत्तिणीए अंतियं आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, सा य संपट्ठिया असंपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया सा णं भंते! कि आराहिया विराहिया? गोयमा! आराहिया नो विराहिया, सा य संपट्ठिया जहा निग्गंथस्स तिन्निगमा भणिया एवं निग्गंथीएवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा जाव आराहिया नो विराहिया॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-आराहए नो विराहए? गोयमा! से जहा नामए-केइ पुरिसे एगं महं उन्नालोमं वा गयलोमं वा सणलोमं वा कप्पासलोमं वा तणसूयं वा दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिंदित्ता अगणिकायंसि पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा! छिज्जमाणे छिन्ने पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते दज्झमाणे दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया? हंता भगवं! छिज्जमाणे छिन्ने जाव दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहयं वा धोयं वा तंतुग्गयं वा मंजिट्ठादोणीए पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते रज्जमाणे रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया? हंता भगवं! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते जाव रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-आराहए नो विराहए॥ ३२३॥ पईवस्स णं भंते! झियायमाणस्स किं पईवे झियाइ लट्ठी झियाइ वत्ती झियाइ तेल्ले झियाइ पईवचंपए झियाइ जोई झियाइ? गोयमा! नो पईवे झियाइ जाव नो पईवचंपए झियाइ, जोई झियाइ॥ अगारस्स णं भंते! झियाय-

माणस्स किं अगारे झियाइ कुट्टा झियाइ कडणा झि० धारणा झि० वलहरणे झि० वंसा० मल्ला झि० वग्गा झियाइ छित्तरा झियाइ छाणे झियाइ जोई झियाइ? गोयमा! नो अगारे झियाइ नो कुट्टा झियाइ जाव नो छाणे झियाइ, जोई झियाइ ॥ ३३४ ॥ जीवे णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए सिय अकिरिए ॥ नेरइए णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए। असुरकुमारे णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिए? एव चेव, एवं जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवे णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए जाव सिय अकिरिए। नेरइए णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए? एवं एसो जहा पढमो दंडओ तहा इमोवि अपरिसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवा णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिया? गोयमा! सिय तिकिरिया जाव सिय अकिरिया, नेरइया णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिया? एवं एसोवि जहा पढमो दंडओ तहा भाणियव्वो, जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्सा जहा जीवा। जीवा णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि अकिरियावि, नेरइया णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि एवं जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्सा जहा जीवा ॥ जीवे णं भंते! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय अकिरिए, नेरइए णं भंते! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए एवं जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे, एवं जहा ओरालियसरीरेणं चत्तारि दंडगा तहा वेउव्वियसरीरेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, नवरं पंचमकिरिया न भन्नइ, सेसं तं चेव, एवं जहा वेउव्वियं तहा आहारगंपि तेयगंपि कम्मगंपि भाणियव्वं, एक्केक्के चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव वेमाणिया णं भंते! कम्मगसरीरेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरियावि चउकिरियावि। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ३३५ ॥ **अट्ठमसयस्स छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥**

तेणं कालेणं २ रायगिहे नगरे वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ, जाव पुढविसिलापट्टए, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते वहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स वहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना कुलसंपन्ना जहा बिइयसए जाव जीवियासामरणभयविप्पमुक्का

समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरा झाणकोट्ठोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, तए णं ते अन्नउत्थिया जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो! तिविहं तिविहेणं असंजयअविरयअप्पडिहय जहा सत्तमसए विइए उद्देसए जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो! अदिन्नं गेण्हह अदिन्नं भुंजह अदिन्नं साइज्जह, तए णं ते तुब्भे अदिन्नं गेण्हमाणा अदिन्नं भुंजमाणा अदिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो! अम्हे अदिन्नं गेण्हामो अदिन्नं भुंजामो अदिन्नं साइज्जामो, जएणं अम्हे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव अदिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुम्हे णं अज्जो! दिज्जमाणे अदिन्ने पडिग्गाहेज्जमाणे अपडिग्गहिए निस्सिरिज्जमाणे अणिसिट्ठे, तुब्भे णं अज्जो! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरिज्जा, गाहावइस्स णं तं भंते! नो खलु तं तुब्भं, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हह जाव अदिन्नं साइज्जह, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो! अम्हे अदिन्नं गिण्हामो अदिन्नं भुंजामो अदिन्नं साइज्जामो अम्हे णं अज्जो! दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुंजामो दिन्नं साइज्जामो, तएणं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा दिन्नं भुंजमाणा दिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजयविरयपडिहय जहा सत्तमसए जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तएणं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो! तुम्हे दिन्नं गेण्हह जाव दिन्नं साइज्जह, जएणं तुज्झे दिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंतपंडिया यावि भवह?, तएणं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–अम्हे णं अज्जो! दिज्जमाणे दिन्ने पडिग्गाहेज्जमाणे पडिग्गहिए निसिरिज्जमाणे निसिट्ठे। अम्हे णं अज्जो! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरेज्जा अम्हाणं तं णो खलु तं गाहावइस्स, जएणं अम्हे दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुंजामो दिन्नं साइज्जामो तएणं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा जाव दिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुज्झे णं अज्जो! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे

भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं जाव एगंतवाला यावि भवामो?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो! अदिन्नं गेण्हह ३, तए णं तु अज्जो! तुब्भे अदिन्नं गे० जाव एगंत०, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो! अम्हे अदिन्नं गेण्हामो जाव एगंतवा०?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिंए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो! दिज्जमाणे अदिन्ने तं चेव जाव गाहावइस्स णं णो खलु तं तुज्झे, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हह, तं चेव जाव एगंतवाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भ० एवं व०–तुज्झे णं अज्जो! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतवा० भवह, तए णं ते थेरा भ० ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतवाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह अभिहणह वत्तेह लेसेह संघाएह संघट्टेह परियावेह किलामेह उवद्दवेह तएणं तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतवाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो! अम्हे रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो अम्हे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा कायं वा जोगं वा रीयं वा पडुच्च देसं देसेणं वयामो पएसं पएसेणं वयामो तेणं अम्हे देसं देसेणं वयमाणा पएसं पएसेणं वयमाणा नो पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो, तएणं अम्हे पुढविं अपेच्चेमाणा अणभिहणेमाणा जाव अणुवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुज्झे णं अज्जो! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंत वाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतवाला यावि भवामो?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह जाव उवद्दवेह, तए णं तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतवाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो! गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं नगरं संपाविउकामे असंपत्ते, तए ण ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो! अम्हे गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं नगरं जाव असंपत्ते, अम्हे णं अज्जो! गममाणे गए वीइक्कमिज्जमाणे वीइक्कंते रायगिहं नगरं संपाविउकामे संपत्ते, तुज्झे णं अप्पणा चेव गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं नगरं जाव असंपत्ते, तए

णं ते थेरा भगवंतो अन्नउत्थिए एवं पडिहणेन्ति पडिहणित्ता गइप्पवायनामं अज्झयणं पन्नवइंसु ॥ ३३६ ॥ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पण्णत्ते, तंजहा–पओगगई, ततगई, बंधणछेयणगई, उववायगई, विहायगई, एत्तो आरब्भ पओगपयं निरवसेसं भाणियव्वं, जाव सेत्तं विहायगई । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३३७ ॥ **अट्ठमसयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे नयरे जाव एवं वयासी–गुरुणं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए ॥ गइं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–इहलोगपडिणीए, परलोगपडिणीए, दुहओलोगपडिणीए ॥ समूहण्णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए ॥ अणुकंपं भंते ! पडुच्च० पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए ॥ सुयण्णं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए । भावं णं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा–नाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए ॥ ३३८ ॥ कइविहे णं भंते ! ववहारे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे ववहारे पन्नत्ते, तंजहा–आगमे, सुए, आणा, धारणा, जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुए सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ सुए सिया जहा से तत्थ आणा सिया आणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आणा सिया जहा से तत्थ धारणा सिया धारणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ धारणा सिया जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, तंजहा–आगमेणं, सुएणं, आणाए, धारणाए, जीएणं, जहा २ से आगमे सुए आणा धारणा जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा ॥ से किमाहु भंते ! आगमबलिया समणा निग्गंथा इच्चेयं पंचविहं ववहारं जहा २ जहिं २ तहा २ तहिं २ अणिस्सिओवसियं सम्मं ववहरमाणे समणे निग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥ ३३९ ॥ कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे बंधे पन्नत्ते, तंजहा–इरियावहियबंधे य संपराइयबंधे य । इरियावहियण्णं भंते ! कम्मं किं नेरइओ बंधइ तिरिक्खजोणिओ बंधइ तिरिक्खजोणिणी बंधइ मणुस्सो बंधइ मणुस्सी बंधइ देवो बंधइ देवी बंधइ ? गोयमा ! नो नेरइओ बंधइ नो तिरिक्खजोणिओ बंधइ नो तिरिक्खजोणिणी बंधइ नो देवो बंधइ नो देवी बंधइ,

पुव्वपडिवन्नए पडुच्च मणुस्सा य मणुस्सीओ य वंधंति, पडिवज्जमाणए पडुच्च मणुस्सो वा वंधइ १ मणुस्सी वा वंधइ २ मणुस्सा वा वंधंति ३ मणुस्सीओ वा बंधंति ४ अहवा मणुस्सो य मणुस्सी य बंधइ ५ अहवा मणुस्सो य मणुस्सीओ य वंधन्ति ६ अहवा मणुस्सा य मणुस्सी य वंधइ ७ अहवा मणुस्सा य मणुस्सीओ य वंधंति ॥ तं भंते! किं इत्थी वंधइ पुरिसो वंधइ नपुंसगो वंधइ, इत्थीओ वंधन्ति पुरिसा वंधंति नपुंसगा वंधन्ति, नोइत्थीनोपुरिसोनोनपुंसओ वंधइ? गोयमा! नो इत्थी बंधइ नो पुरिसो वंधइ जाव नो नपुंसगा वंधन्ति, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च अवगयवेया वंधंति, पडिवज्जमाणए य पडुच्च अवगयवेओ वा वंधइ अवगयवेया वा वंधंति ॥ जइ भंते! अवगयवेओ वा बंधइ अवगयवेया वा वंधंति तं भंते! किं इत्थीपच्छाकडो वंधइ १ पुरिसपच्छाकडो वंधइ २ नपुंसगपच्छाकडो बंधइ ३ इत्थीपच्छाकडा वंधंति ४ पुरिसपच्छाकडा वंधंति ५ नपुंसगपच्छाकडा वंधंति ६ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य वंधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडा य वंधंति, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडो य वंधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य वंधंति, उदाहु इत्थीपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य वंधइ ४ उदाहु पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधइ ४ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य(वंधइ)भाणियव्वं ८, एवं एए छव्वीसं भंगा २६ जाव उदाहु इत्थीपच्छाकडा य पुरिसप० नपुंसगप० वंधंति? गोयमा! इत्थिपच्छाकडोवि वंधइ १ पुरिसपच्छाकडोवि वंधइ २ नपुंसगपच्छाकडोवि वंधइ ३ इत्थीपच्छाकडावि वंधंति ४ पुरिसपच्छाकडावि वंधति ५ नपुंसगपच्छाकडावि बंधंति ६ अहवा इत्थीपच्छाकडो पुरिसपच्छाकडो य वंधइ ७ एवं एए चेव छव्वीसं भंगा भाणियव्वा, जाव अहवा इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य नपुंसगपच्छाकडा य वंधंति ॥ तं भंते! किं वंधी वंधइ वंधिस्सइ १ वंधी वंधइ न वंधिस्सइ २ वंधी न वंधइ वंधिस्सइ ३ वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ४ न वंधी वंधइ वंधिस्सइ ५ न वंधी वंधइ न वंधिस्सइ ६ न वंधी न वंधइ वंधिस्सइ ७ न वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ८? गोयमा! भवागरिसं पडुच्च अत्थेगइए वंधी वंधइ वंधिस्सइ अत्थेगइए वंधी वंधइ न वंधिस्सइ, एवं तं चेव सव्वं जाव अत्थेगइए न वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ, गहणागरिसं पडुच्च अत्थेगइए वंधी वंधइ वंधिस्सइ एवं जाव अत्थेगइए न वंधी वंधइ वंधिस्सइ, णो चेव णं न वंधी वंधइ न वंधिस्सइ, अत्थेगइए न वंधी न वंधइ वंधिस्सइ अत्थेगइए न वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ॥ तं भंते! कि साइयं सपज्जवसियं वंधइ साइयं अपज्जवसियं

वंधइ अणाइयं सपज्जवसियं वंधइ अणाइयं अपज्जवसियं वंधइ ? गोयमा ! साइयं सपज्जवसियं वंधइ नो साइयं अपज्जवसियं वंधइ नो अणाइयं सपज्जवसियं वंधइ नो अणाइयं अपज्जवसियं वंधइ ॥ तं भंते ! किं देसेणं देसं वंधइ देसेणं सव्वं वंधइ सव्वेणं देसं वंधइ सव्वेणं सव्वं वंधइ ? गोयमा ! नो देसेणं देसं वंधइ णो देसेणं सव्वं वंधइ नो सव्वेणं देसं वंधइ सव्वेणं सव्वं वंधइ ॥ ३४० ॥ संपराइयण्णं भंते ! कम्मं किं नेरइओ वंधइ तिरिक्खजोणिओ वंधइ जाव देवी वंधइ ? गोयमा ! नेरइओवि वंधइ तिरिक्खजोणिओवि वंधइ तिरिक्खजोणिणीवि वंधइ मणुस्सोवि वंधइ मणुस्सीवि वंधइ देवोवि वंधइ देवीवि वंधइ ॥ तं भंते ! कि इत्थी वंधइ पुरिसो वंधइ तहेव जाव नोइत्थीनोपुरिसोनोनपुंसओ वंधइ ? गोयमा ! इत्थीवि वंधइ पुरिसोवि वंधइ जाव नपुंसगावि वंधन्ति अहवेए य अवगयवेओ य वंधइ अहवेए य अवगयवेया य वंधन्ति । जइ भंते ! अवगयवेओ य वंधइ अवगयवेया य वंधन्ति तं भंते ! कि इत्थीपच्छाकडो वंधइ पुरिसपच्छाकडो वंधइ ? एवं जहेव इरियावहियावंधगस्स तहेव निरवसेसं जाव अहवा इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य [वंधइ] नपुंसगपच्छाकडा य बंधंति ॥ तं भंते ! कि वंधी वधइ वंधिस्सइ १ वंधी वंधइ न वंधिस्सइ २ वंधी न वंधइ वंधिस्सइ ३ वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ४ ? गोयमा ! अत्थेगइए वंधी वंधइ वंधिस्सइ १ अत्थेगइए वंधी वंधइ न वंधिस्सइ २ अत्थेगइए वंधी न वंधइ वंधिस्सइ ३ अत्थेगइए वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ॥ तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं वंधइ ? पुच्छा तहेव, गोयमा ! साइयं वा सपज्जवसियं वंधइ अणाइयं वा सपज्जवसियं वंधइ अणाइयं वा अपज्जवसियं वंधइ णो चेव णं साइयं अपज्जवसियं वंधइ । तं भंते ! किं देसेणं देसं वंधइ० एवं जहेव इरियावहियावंधगस्स जाव सव्वेणं सव्वं वंधइ ॥३४१॥ कइ णं भंते ! कम्मपयडीओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपयडीओ पन्नत्ताओ ?, तंजहा-णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं ॥ कइ णं भंते ! परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! वावीसं परीसहा प०, तंजहा-दिगिंछापरीसहे, पिवासापरीसहे, जाव दंसणपरीसहे । एए णं भंते ! वावीसं परीसहा कइसु कम्मपगडीसु समोयरंति ? गोयमा ! चउसु कम्मपयडीसु समोयरंति, तंजहा-नाणावरणिज्जे, वेयणिज्जे, मोहणिज्जे, अंतराइए । नाणावरणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! दो परीसहा समोयरंति, तं०-पन्नापरीसहे अण्णाणपरीसहे य, वेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा समोयरंति, तंजहा-पंचेव आणुपुव्वी चरिया सेज्जा वहे य रोगे य । तणफास जल्लमेव य एक्कारस वेयणिज्जंमि ॥ १ ॥ दंसणमोहणिज्जे णं

भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! एगे दंसणपरीसहे समोयरइ, चरित्तमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! सत्त परीसहा समोयरंति, तंजहा-अरई अचेल इत्थी निसीहिया जायणा य अक्कोसे । सक्कारपुरक्कारे चरित्तमोहंमि सत्तेए ॥ १ ॥ अंतराइए णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयंति ? गोयमा ! एगे अलाभपरीसहे समोयरइ ॥ सत्तविहबंधगस्स णं भंते ! कइरं परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, वीसं पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेइ णो तं समयं निसीहियापरीसहं वेदेइ जं समयं निसीहियापरीसहं वेदेइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ । अट्ठविहबंधगस्स णं भंते ! कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, तंजहा-छुहापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीयप०, दंसमसगप० जाव अलाभप०, एवं अट्ठविहबंधगस्सवि सत्तविहबंधगस्सवि । छव्विहबंधगस्स णं भंते ! सरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! चोद्दस परीसहा पण्णत्ता बारस पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ नो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समय चरियापरीसहं वेदेइ णो तं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ जं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ । एक्कविहबंधगस्स णं भंते ! वीयरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं चेव जहेव छव्विहबंधगस्स । एगविहबंधगस्स णं भंते ! सजोगिभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, नव पुण वेदेइ, सेसं जहा छव्विहबंधगस्स । अबंधगस्स णं भंते ! अजोगिभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, नव पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेइ नो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ नो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेइ नो तं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ जं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ नो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ ॥३४२॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ? हंता गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य तं चेव जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, जंबूदीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि मज्झंतियमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं ? हंता गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमण जाव उच्चत्तेणं । जइ णं

भंते! जंबुद्दीवे २ सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि य मज्झंतिय० अत्थमणमुहुत्तंसि मूले जाव उच्चत्तेणं से केणं खाइणं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति? गोयमा! लेसापडिघाएणं उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति लेसाभितावेणं मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति लेसापडिघाएणं अत्थमण-मुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसन्ति जाव अत्थमण जाव दीसंति। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं गच्छंति पडुप्पन्नं खेत्तं गच्छंति अणागयं खेत्तं गच्छंति? गोयमा! णो तीयं खेत्तं गच्छंति पडुप्पन्नं खेत्तं गच्छंति णो अणागयं खेत्तं गच्छंति, जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं ओभासंति पडुप्पन्नं खेत्तं ओभासंति अणागयं खेत्तं ओभासंति? गोयमा! नो तीयं खेत्तं ओभासंति पडुप्पन्नं खेत्तं ओभासंति नो अणागयं खेत्तं ओभासंति, तं भंते! किं पुट्ठं ओभासंति अपुट्ठं ओभासेति? गोयमा! पुट्ठं ओभासंति नो अपुट्ठं ओभासंति जाव नियमा छद्दिसिं। जंबूदीवे णं भंते! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं उज्जोवेंति एवं चेव जाव नियमा छद्दिसिं, एवं तवेंति एवं भासेंति जाव नियमा छद्दिसिं॥ जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे सूरियाणं किं तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिया कज्जइ अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ? गोयमा! नो तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिया कज्जइ णो अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ, सा भंते! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ? गोयमा! पुट्ठा कज्जइ नो अपुट्ठा कज्जइ जाव नियमा छद्दिसिं। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे सूरिया केवइयं खेत्तं उड्ढं तवेंति केवइयं खेत्तं अहे तवेंति केवइयं खेत्तं तिरियं तवेंति? गोयमा! एगं जोयणसयं उड्ढं तवेंति अट्ठारस जोयणसयाइं अहे तवेंति सीयालीसं जोयणसहस्साइं दोन्नि य तेवट्ठे जोयणसए एक्कवीसं च सट्ठिभाए जोयणस्स तिरियं तवेंति॥ अंतो णं भंते! माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स जे चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवा ते णं भंते! देवा किं उड्ढोववन्नगा जहा जीवाभिगमे तहेव निरवसेसं जाव उक्कोसेणं छम्मासा। बहिया णं भंते! माणुसुत्तरस्स जहा जीवाभिगमे जाव इंदट्ठाणे णं भंते! केवइयं कालं उववाएणं विरहिए पन्नत्ते? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ३४३॥ **अट्ठमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो॥**

कइविहे णं भंते! बंधे पण्णत्ते? गोयमा! दुविहे बंधे पण्णत्ते, तंजहा-पओगबंधे य वीससाबंधे य॥ ३४४॥ वीससाबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा!

दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–साइयवीससावंधे य अणाइयवीससावंधे य। अणाइयवीससावंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–धम्मत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे, अधम्मत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे, आगासत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे। धम्मत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे णं भंते! किं देसवंधे सव्ववंधे? गोयमा! देसवंधे नो सव्ववंधे, एवं अधम्मत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधेवि, एवमागासत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधेवि। धम्मत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्वद्धं, एवं अधम्मत्थिकाए, एवं आगासत्थिकाए। साइयवीससावंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–वंधणपच्चइए, भायणपच्चइए, परिणामपच्चइए। से किं तं वंधणपच्चइए? २ जन्नं परमाणुपोग्गला दुपएसिया तिपएसिया जाव दसपएसिया संखेज्जपएसिया असंखेज्जपएसिया, अणंतपएसियाणं खंधाणं वेमायनिद्धयाए वेमायलुक्खयाए वेमायनिद्धलुक्खयाए एवं वंधणपच्चइए णं वंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, सेत्तं वंधणपच्चइए। से किं तं भायणपच्चइए? भायणपच्चइए जन्नं जुन्नसुराजुन्नगुलजुन्नतंदुलाणं भायणपच्चइएणं वंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं भायणपच्चइए। से किं तं परिणामपच्चइए? परिणामपच्चइए जन्नं अब्भाणं अब्भरुक्खाणं जहा तइयसए जाव अमोहाणं परिणामपच्चइए णं वंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सेत्तं परिणामपच्चइए, सेत्तं साइयवीससावंधे, सेत्तं वीससावंधे॥ ३४५॥ से किं तं पओगवंधे? पओगवंधे तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए, साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से अणाइए अपज्जवसिए से णं अट्ठण्हं जीवमज्झपएसाणं॥ तत्थवि णं तिण्हं २ अणाइए अपज्जवसिए सेसाणं साइए, तत्थ णं जे से साइए अपज्जवसिए से णं सिद्धाणं, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से णं चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–आलावणवंधे, अल्लियावणवंधे, सरीरवंधे, सरीरप्पओगवंधे॥ से किं तं आलावणवंधे, आलावणवंधे, जण्णं तणभाराण वा कट्ठभाराण वा पत्तभाराण वा पलालभाराण वा वेल्लभाराण वा वेत्तलयावागवरत्तरज्जुवल्लिकुसदब्भमाइएहिं आलावणवंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं आलावणवंधे। से किं तं अल्लियावणवंधे? अल्लियावणवंधे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–लेसणावंधे, उच्चयवंधे, समुच्चयवंधे, साहणणावंधे, से किं तं लेसणावंधे? लेसणावंधे जन्नं कुड्डा(ड्डा)णं कोट्टिमाणं खंभाणं पासायाणं कट्ठाणं चम्माणं घडाणं पडाणं कडाणं छुहाचिक्खिल्लसिलेसलक्खमहुसित्थमाइएहिं लेसणएहिं

वंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं लेसणावंधे, से किं तं उच्चयवंधे? उच्चयवंधे जन्नं तणरासीण वा कट्ठरासीण वा पत्तरासीण वा तुसरासीण वा भुसरासीण वा गोमयरासीण वा अवगररासीण वा उच्चएणं वंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं उच्चयवंधे, से किं तं समुच्चयवंधे? समुच्चयवंधे जन्नं अगडतडागनईदहवावीपुक्खरिणीदीहियाणं गुंजालियाणं सराणं सरपंतिआणं सरसरपंतियाणं बिलपंतियाणं देवकुलसभापव्वथूभखाइयाणं फरिहाणं पागारट्टालगचरियदारगोपुरतोरणाणं पासायघरसरणलेणआवणाणं सिंघाडगतियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहमाईणं छुहाचिक्खिल्लसिलेससमुच्चएणं वंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं समुच्चयवंधे, से किं तं साहणणावंधे? साहणणावंधे दुविहे पन्नत्ते, तंजहा–देससाहणणावंधे य सव्वसाहणणाबंधे य, से किं तं देससाहणणावंधे? देससाहणणावंधे जन्नं सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसीयसंदमाणियलोहीलोहकडाहकडुच्छुयआसणसयणखंभभंडमत्तोवगरणमाईणं देससाहणणाबंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं देससाहणणावंधे, से किं तं सव्वसाहणणावंधे? सव्वसाहणणावंधे से णं खीरोदगमाईणं, सेत्तं सव्वसाहणणावंधे, सेत्तं साहणणाबंधे, सेत्तं अल्लियावणवंधे ॥३४६॥ से किं तं सरीरवंधे? सरीरवंधे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–पुव्वप्पओगपच्चइए य पडुप्पन्नपओगपच्चइए य, से किं तं पुव्वप्पओगपच्चइए? पुव्वपओगपच्चइए जन्नं नेरइयाणं संसारत्थाणं सव्वजीवाणं तत्थ २ तेसु २ कारणेसु समोहणमाणाणं जीवप्पएसाणं बंधे समुप्पज्जइ सेत्तं पुव्वप्पओगपच्चइए, से किं तं पडुप्पन्नप्पओगपच्चइए? २ जन्नं केवलनाणिस्स अणगारस्स केवलिसमुग्घाएणं समोहयस्स ताओ समुग्घायाओ पडिनियत्तेमाणस्स अंतरा मंथे वट्टमाणस्स तेयाकम्माणं वंधे समुप्पज्जइ, किं कारणं? ताहे से पएसा एगत्तीगया भवंतित्ति, सेत्तं पडुप्पन्नप्पओगपच्चइए, सेत्तं सरीरबंधे ॥ से किं तं सरीरप्पओगवंधे? सरीरप्पओगवंधे पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा–ओरालियसरीरप्पओगबंधे, वेउव्वियसरीरप्पओगवंधे, आहारगसरीरप्पओगवंधे, तेयासरीरप्पओगबंधे, कम्मासरीरप्पओगबंधे। ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा–एगिंदियओरालियसरीरप्पओगवंधे बेंदियओ० जाव पंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे। एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–पुढविकाइयएगिंदिय० एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा ओगाहणसंठाणे ओरालियसरीरस्स तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरा-

लियसरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्स जाव बंधे य ॥ ओरालिय॰सरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए पमादपच्चया कम्मं च जोगं च भवं च आउयं च पडुच्च ओरालियसरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं ओरालियसरीरप्पओगबंधे ॥ एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? एवं चेव, पुढविक्काइयएगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधेवि एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, एवं बेइंदिया, एवं तेइंदिया, एवं चउरिंदिया, तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? एवं चेव, मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए पमादपच्चया जाव आउयं च पडुच्च मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं ॥ ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि, एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? एवं चेव, एवं पुढविकाइया, एवं जाव मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि ॥ ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं समयऊणाइं, एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयऊणाइं, पुढविकाइयएगिंदियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयऊणाइं, एवं सव्वेसिं सव्वबंधो एक्कं समयं, देसबंधो जेसिं नत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं जा जस्स उक्कोसिया ठिई सा समयऊणा कायव्वा, जेसिं पुण अत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं देसबंधो जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयऊणा कायव्वा जाव मणुस्साणं देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं समयऊणाइं ॥ ओरालियसरीरप्पओगबंधंतरे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडिसमयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं तिसमयाहियाइं, एगिंदियओरालियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, पुढविकाइयएगिंदियपुच्छा

गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहेव एगिंदियस्स तहेव भाणियव्वं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिन्नि समया, जहा पुढविक्काइयाणं एवं जाव चउरिंदियाणं वाउक्काइयवज्जाणं, नवरं सव्वबंधंतरं उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयाहिया कायव्वा, वाउक्काइयाणं सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं तिन्नि वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियओरालियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी समयाहिया, देसबंधंतरं जहा एगिंदियाणं तहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, एवं मणुस्साणवि निरवसेसं भाणियव्वं जाव उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥ जीवस्स णं भंते ! एगिंदियत्ते णोएगिंदियत्ते पुणरवि एगिंदियत्ते एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दो खुड्डागभवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं, जीवस्स णं भंते ! पुढविकाइयत्ते नोपुढविकाइयत्ते पुणरवि पुढविकाइयत्ते पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दो खुड्डागभवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा असंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा ते णं पोग्गलपरियट्टा आवलियाए असंखेज्जइभागो, देसबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो, जहा पुढविक्काइयाणं एवं वणस्सइकाइयवज्जाणं जाव मणुस्साणं, वणस्सइकाइयाणं दोन्नि खुड्डाइं, एवं चेव उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा, एवं देसबंधंतरंपि उक्कोसेणं पुढविकालो ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं ओरालियसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा ओरालियसरीरस्स सव्वबंधगा, अबंधगा विसेसाहिया, देसबंधगा असंखेज्जगुणा ॥ ३४७॥ वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य । जइ एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे किं वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे अवाउक्काइयएगिंदिय० एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरभेओ तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव पओ-

गवंधे य । वेउव्वियसरीरप्पओगवंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं वा लद्धिं वा पडुच्च वेउव्वियसरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं वेउव्वियसरीरप्पओगवंधे । वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओग० पुच्छा, गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए एवं चेव जाव लद्धिं च पडुच्च जाव वाउक्काइयएगिंदियवेउव्विय जाव वंधे । रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगवंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं वा पडुच्च रयणप्पभापुढवि जाव वंधे, एवं जाव अहेसत्तमाए । तिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरपुच्छा, गोयमा ! वीरिय० जाव जहा वाउक्काइयाणं, मणुस्सपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओग० पुच्छा, एवं चेव, असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्विय जाव वंधे, जहा रयणप्पभापुढविनेरइयाणं एवं जाव थणियकुमारा, एवं वाणमंतरा, एवं जोइसिया, एवं सोहम्मकप्पोवगया वेमाणिया एवं जाव अच्चुयगेवेज्जगकप्पाईयवेमाणिया णेयव्वा, अणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणिया एवं चेव । वेउव्वियसरीरप्पओगवंधे णं भंते ! किं देसवंधे सव्ववंधे ? गोयमा ! देसवंधेवि सव्ववंधेवि, वाउक्काइयएगिंदिय० एवं चेव, रयणप्पभापुढविनेरइया एवं चेव, एवं जाव अणुत्तरोववाइया ॥ वेउव्वियसरीरप्पओगवंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्ववंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं दो समया, देसवंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समयऊणाइं ॥ वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियपुच्छा, गोयमा ! सव्ववंधे एक्कं समयं, देसवंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥ रयणप्पभापुढविनेरइयपुच्छा, गोयमा ! सव्ववंधे एक्कं समयं, देसवंधे जहन्नेणं दसवाससहस्साइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं सागरोवमं समयऊणं, एवं जाव अहेसत्तमाए, नवरं देसवंधे जस्स जा जहन्निया ठिई सा तिसमयऊणा कायव्वा जाव उक्कोसा समयऊणा ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साण य जहा वाउक्काइयाणं । असुरकुमारनागकुमार जाव अणुत्तरोववाइयाणं जहा नेरइयाणं नवरं जस्स जा ठिई सा भाणियव्वा जाव अणुत्तरोववाइयाणं सव्ववंधे एक्कं समयं, देसवंधे जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समयऊणाइं ॥ वेउव्वियसरीरप्पओगवंधंतरे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो, एवं देसवंधंतरंपि ॥ वाउक्काइयवेउव्वियसरीरपुच्छा, गोयमा ! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं, एवं देसवंधंतरंपि ॥ तिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगवंधंतरं पुच्छा, गोयमा ! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं

अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं, एवं देसवंधंतरंपि, एवं मणुस्सस्सवि ॥ जीवस्स णं भंते! वाउकाइयत्ते नोवाउकाइयत्ते पुणरवि वाउकाइयत्ते वाउकाइयएगिंदियवेउव्वियपुच्छा, गोयमा! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं देसवंधंतरंपि ॥ जीवस्स णं भंते! रयणप्पभापुढविनेरइयत्ते णोरयणप्पभापुढवि० पुच्छा, गोयमा! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो, देसवंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अहेसत्तमाए, नवरं जा जस्स ठिई जहन्निया सा सव्ववंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्साण य जहा वाउकाइयाणं। असुरकुमारनागकुमार जाव सहस्सारदेवाणं एएसिं जहा रयणप्पभापुढविनेरइयाणं नवरं सव्ववंधंतर जस्स जा ठिई जहन्निया सा अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव ॥ जीवस्स णं भंते! आणयदेवत्ते नोआणयदेवत्तेपुच्छा, गोयमा! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसवंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अच्चुए नवरं जस्स जा ठिई सा सव्ववंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तमब्भहिया कायव्वा सेसं तं चेव। गेवेज्जकप्पातीयपुच्छा, गोयमा! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं वावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसवंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइकालो ॥ जीवस्स णं भंते! अणुत्तरोववाइयपुच्छा, गोयमा! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं, देसवंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं वेउव्वियसरीरस्स देसवंधगाणं सव्ववंधगाणं अवंधगाण य कयरे२हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा वेउव्वियसरीरस्स सव्ववंधगा, देसवंधगा असंखेज्जगुणा, अवंधगा अणंतगुणा ॥ आहारगसरीरप्पओगवंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! एगागारे पण्णत्ते। जइ एगागारे पण्णत्ते किं मणुस्साहारगसरीरप्पओगवंधे अमणुस्साहारगसरीरप्पओगवंधे? गोयमा! मणुस्साहारगसरीरप्पओगवंधे नो अमणुस्साहारगसरीरप्पओगवंधे, एवं एएणं अभिलावेण जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठिपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमियगब्भवक्कंतियमणुस्साहारगसरीरप्पओगवंधे, णो अणिड्ढिपत्तपमत्त जाव आहारगसरीरप्पओगवंधे। आहारगसरीरप्पओगवंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव लद्धिं वा

पडुच्च आहारगसरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं आहारगसरीरप्पओगवंधे। आहारगसरीरप्पओगवंधे णं भंते! कि देसवंधे सव्ववंधे? गोयमा! देसवंधेवि सव्ववंधेवि। आहारगसरीरप्पओगवंधे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्ववंधे एक्कं समयं, देसवंधे जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं॥ आहारगसरीरप्पओगवंधंतरे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्ववंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोया अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं देसवंधंतरंपि॥ एएसि णं भंते! जीवाणं आहारगसरीरस्स देसवंधगाणं सव्ववंधगाणं अवंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्ववंधगा, देसवंधगा संखेज्जगुणा, अवंधगा अणंतगुणा ३॥३४८॥ तेयासरीरप्पओगवंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा-एगिंदियतेयासरीरप्पओगवंधे य बेइंदिय० तेइंदिय० जाव पंचिंदियतेयासरीरप्पओगवंधे य। एगिंदियतेयासरीरप्पओगवधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा ओगाहणसंठाणे जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पातीयवेमाणियदेवपंचिंदियतेयासरीरप्पओगवंधे य अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव वंधे य। तेयासरीरप्पओगवंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं च पडुच्च तेयासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं तेयासरीरप्पओगवंधे। तेयासरीरप्पओगवंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्ववंधे? गोयमा! देसवंधे नो सव्ववंधे॥ तेयासरीरप्पओगवंधे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए॥ तेयासरीरप्पओगवंधंतरे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! अणाइयस्स अपज्जवसियस्स नत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स नत्थि अंतरं॥ एएसि णं भंते! जीवाणं तेयासरीरस्स देसवंधगाणं अवंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा तेयासरीरस्स अवंधगा, देसवंधगा अणंतगुणा ४॥३४९॥ कम्मासरीरप्पओगवंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! अट्ठविहे पण्णत्ते, तंजहा-नाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगवंधे जाव अंतराइयकम्मासरीरप्पओगवंधे। णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगवंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! नाणपडिणीययाए, णाणणिण्हवणयाए, णाणंतराएणं, णाणप्पओसेणं, णाणच्चासायणाए, णाणविसंवायणाजोगेणं, णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगवंधे। दरिसणावरणिज्जक-

म्मासरीरप्पओगवंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! दंसणपडिणीय-याए एवं जहा णाणावरणिज्जं नवरं दंसणनाम घेत्तव्वं जाव दंसणविसंवायणाजोगेणं दरिसणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं जाव पओगवंधे । साया-वेयणिज्जकम्मासरीरप्पओगवंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! पाणा-णुकंपयाए भूयाणुकंपयाए एवं जहा सत्तमसए दसमोद्देसए जाव अपरियावणयाए सायावेयणिज्जकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं सायावेयणिज्जकम्मा जाव वंधे। असायावेयणिज्जपुच्छा, गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए जहा सत्तमसए दसमोद्देसए जाव परियावणयाए असायावेयणिज्जकम्मा जाव पओगवंधे । मोहणिज्ज-कम्मासरीरप्पओगपुच्छा, गोयमा ! तिव्वकोहयाए, तिव्वमाणयाए, तिव्वमाययाए, तिव्वलोहयाए, तिव्वदंसणमोहणिज्जयाए, तिव्वचरित्तमोहणिज्जयाए, मोहणिज्जकम्मास-रीरप्पओग जाव पओगवंधे । नेरइयाउयकम्मासरीरप्पओगवंधे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! महारंभयाए, महापरिग्गहयाए, कुणिमाहारेणं, पंचिंदियवहेणं, नेरइयाउय-कम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं नेरइयाउयकम्मासरीर जाव पओगवंधे । तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीरप्पओगपुच्छा, गोयमा ! माइल्लयाए, नियडिल्लयाए, अलियवयणेणं, कूडतुलकूडमाणेणं, तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीर जाव पओगवंधे । मणुस्सआउयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! पगइभद्दयाए, पगइविणीययाए, साणुक्को-सयाए, अमच्छरियाए, मणुस्साउयकम्मा जाव पओगवंधे । देवाउयकम्मासरीर-पुच्छा, गोयमा ! सरागसंजमेणं, संजमासंजमेणं, वालतवोकम्मेणं, अकामनिज्जराए, देवाउयकम्मासरीर जाव पओगवंधे ॥ सुभनामकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! काय-उज्जुययाए, भावुज्जुययाए, भासुज्जुययाए, अविसंवायणाजोगेणं, सुभनामकम्मासरीर जाव पओगवंधे ॥ असुभनामकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! कायअणुज्जुययाए, भाव-अणुज्जुययाए, भासअणुज्जुययाए, विसंवायणाजोगेणं, असुभनामकम्मा जाव पओग-वंधे । उच्चागोयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! जाइअमएणं, कुलअमएणं, वलअमएणं, रूवअमएणं, तवअमएणं, सुयअमएणं, लाभअमएणं, इस्सरियअमएणं, उच्चागोय-कम्मासरीर जाव पओगबंधे, नीयागोयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! जाइमएणं, कुलमएणं, बलमएणं, जाव इस्सरियमएणं, णीयागोयकम्मासरीर जाव पओगवंधे । अंतराइयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! दाणंतराएणं, लाभंतराएणं, भोगंतराएणं, उवभोगंतराएणं, वीरियंतराएणं, अंतराइयकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं अंतराइयकम्मासरीरप्पओगबंधे ॥ णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगवंधे णं भंते ! किं देसवंधे सव्ववंधे ? गोयमा ! देसवंधे णो सव्वबंधे, एवं जाव

अंतराइयकम्मा० । णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! णाणा० दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-अणाइए सपज्जवसिए अणाइए अपज्जवसिए, एवं जहा तेयगस्स संचिट्ठणा तहेव एवं जाव अंतराइयकम्मस्स । णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधंतरे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! अणाइयस्स एवं जहा तेयगसरीरस्स अंतरं तहेव एवं जाव अंतराइयस्स । एएसि णं भंते ! जीवाणं नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स देसबंधगाणं अबंधगाण य कयरे२ जाव अप्पाबहुगं जहा तेयगस्स, एवं आउयवज्जं जाव अंतराइयं ॥ आउयस्स पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आउयस्स कम्मस्स देसबंधगा, अबंधगा संखेज्जगुणा ५ ॥३५०॥ जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! नो बंधए अबंधए, आहारगसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! नो बंधए अबंधए, तेयासरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! बंधए नो अबंधए, जइ बंधए कि देसबंधए सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए नो सव्वबंधए, कम्मासरीरस्स कि बंधए अबंधए ? जहेव तेयगस्स जाव देसबंधए नो सव्वबंधए ॥ जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! नो बंधए अबंधए, एवं जहेव सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स कि बंधए अबंधए ? गोयमा ! नो बंधए अबंधए, आहारगसरीरस्स एवं चेव, तेयगस्स कम्मगस्स य जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं जाव देसबंधए नो सव्वबंधए । जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! नो बंधए अबंधए, एवं जहा सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! नो बंधए अबंधए, एवं वेउव्वियस्सवि, तेयाकम्माणं जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं । जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स एवं जहा आहारगसरीरस्स सव्वबंधेणं भणियं तहा देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स णं भंते ! तेयासरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! बंधए वा अबंधए वा, जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए वा सव्वबंधए वा, वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? एवं चेव, एवं आहारगसरीरस्सवि, कम्मगसरीरस्स किं बंधए

अबंधए? गोयमा! बंधए नो अबंधए, जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए? गोयमा! देसबंधए नो सव्वबंधए। जस्स णं भंते! कम्मगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते! ओरालियसरीरस्स जहा तेयगस्स वत्तव्वया भणिया तहा कम्मगस्सवि भाणियव्वा जाव तेयासरीरस्स जाव देसबंधए नो सव्वबंधए ॥ ३५१ ॥ एएसि णं भंते! सव्वजीवाणं ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मासरीरगाणं देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्वबंधगा १ तस्स चेव देसबंधगा संखेज्जगुणा २ वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा असंखेज्जगुणा ३ तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा ४ तेयाकम्मगाणं दुण्हवि तुल्ला अबंधगा अणंतगुणा ५ ओरालियसरीरस्स सव्वबंधगा अणंतगुणा ६ तस्स चेव अबंधगा विसेसाहिया ७ तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा ८ तेयाकम्मगाणं देसबंधगा विसेसाहिया ९ वेउव्वियसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया १० आहारगसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया ११। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ३५२ ॥ **अट्ठमसयस्स नवमो उद्देसओ समत्तो ॥**

रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी–अन्नउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति जाव एवं परूवेंति–एवं खलु सीलं सेयं, सुयं सेयं, सुयं सेयं सीलं सेयं, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! जन्नं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि, एवं खलु मए चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा–सीलसंपन्ने णामं एगे णो सुयसंपन्ने १ सुयसंपन्ने नामं एगे नो सीलसंपन्ने २ एगे सीलसंपन्नेवि सुयसंपन्नेवि ३ एगे णो सीलसंपन्ने नो सुयसपन्ने ४, तत्थ णं जे से पढमे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं असुयवं, उवरए अविन्नायधम्मे, एस णं गोयमा! मए पुरिसे देसाराहए पण्णत्ते, तत्थ णं जे से दोच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं सुयवं, अणुवरए विन्नायधम्मे, एस णं गोयमा! मए पुरिसे देसविराहए पण्णत्ते, तत्थ णं जे से तच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं सुयवं, उवरए विन्नायधम्मे, एस णं गोयमा! मए पुरिसे सव्वाराहए पन्नत्ते, तत्थ णं जे से चउत्थे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं असुयवं, अणुवरए अविण्णायधम्मे, एस णं गोयमा! मए पुरिसे सव्वविराहए पन्नत्ते ॥ ३५३ ॥ कइविहा णं भंते! आराहणा पण्णत्ता? गोयमा! तिविहा आराहणा पण्णत्ता, तंजहा–नाणाराहणा दंसणाराहणा चरित्ताराहणा। णाणाराहणा णं भंते! कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–उक्कोसिया मज्झिमा जहन्ना। दंसणाराहणा णं भंते! कइविहा प०? एवं चेव तिविहावि। एवं चरित्ताराहणावि॥ जस्स णं भंते!

उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा जस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स उक्कोसिया णाणाराहणा? गोयमा! जस्स उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स दंसणाराहणा उक्कोसिया वा अजहन्नउक्कोसिया वा, जस्स पुण उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स नाणाराहणा उक्कोसा वा जहन्ना वा अजहन्नमणुक्कोसा वा। जस्स णं भंते! उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा जस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्सुक्कोसिया णाणाराहणा? जहा उक्कोसिया णाणाराहणा य दंसणाराहणा य भणिया तहा उक्कोसिया नाणाराहणा य चरित्ताराहणा य भाणियव्वा॥ जस्स णं भंते! उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा जस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्सुक्कोसिया दंसणाराहणा? गोयमा! जस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स चरित्ताराहणा उक्कोसा वा जहन्ना वा अजहन्नमणुक्कोसा वा जस्स पुण उक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्स दंसणाराहणा नियमा उक्कोसा॥ उक्कोसियं णं भंते! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ? गोयमा! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ, अत्थेगइए कप्पोवएसु वा कप्पातीयएसु वा उववज्जइ, उक्कोसियं णं भंते! दंसणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं० एवं चेव, उक्कोसियण्णं भंते! चरित्ताराहणं आराहेत्ता० एवं चेव, नवरं अत्थेगइए कप्पातीयएसु उववज्जइ। मज्झिमियं णं भंते! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहि सिज्झइ जाव अंतं करेइ? गोयमा! अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ तच्चं पुण भवग्गहणं नाइक्कमइ, मज्झिमियं णं भंते! दंसणाराहणं आराहेत्ता० एवं चेव, एवं मज्झिमियं चरित्ताराहणंपि। जहन्नियन्नं भंते! नाणाराहणं आराहेत्ता कइहि भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ? गोयमा! अत्थेगइए तच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ सत्तट्ठभवग्गहणाइं पुण नाइक्कमइ, एवं दंसणाराहणंपि, एवं चरित्ताराहणंपि॥३५४॥ कइविहे णं भंते! पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते, तंजहा—वन्नपरिणामे १ गंधप० २ रसप० ३ फासप० ४ संठाणप० ५, वन्नपरिणामे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—कालवन्नपरिणामे जाव सुक्किल्लवन्नपरिणामे, एवं एएणं अभिलावेणं गंधपरिणामे दुविहे, रसपरिणामे पंचविहे, फासपरिणामे अट्ठविहे, संठाणपरिणामे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—परिमंडलसंठाणपरिणामे जाव आययसंठाणपरिणामे॥३५५॥ एगे भंते! पोग्गलत्थिकायपएसे किं दव्वं १ दव्वदेसे २ दव्वाइं ३ दव्वदेसा ४ उदाहु दव्वं च दव्वदेसे य ५ उदाहु दव्वं च दव्वदेसा य ६ उदाहु दव्वाइं च

दव्वदेसे य ७ उदाहु दव्वाइं च दव्वदेसा य ८? गोयमा! सिय दव्वं सिय दव्वदेसे नो दव्वाइं नो दव्वदेसा नो दव्वं च दव्वदेसे य जाव नो दव्वाइं च दव्वदेसा य ॥ दो भंते! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे? पुच्छा तहेव, गोयमा! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ सिय दव्वाइं ३ सिय दव्वदेसा ४ सिय दव्वं च दव्वदेसे य ५ नो दव्वं च दव्वदेसा य ६ सेसा पडिसेहेयव्वा ॥ तिन्नि भंते! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे०? पुच्छा, गोयमा! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ एवं सत्त भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसे य नो दव्वाइं च दव्वदेसा य। चत्तारि भंते! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं०? पुच्छा, गोयमा! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ अट्ठवि भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य ८। जहा चत्तारि भणिया एवं पंच छ सत्त जाव संखेज्जा असंखेज्जा। अणंता भंते! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं०? एवं चेव जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य ॥३५६॥ केवइया णं भंते! लोयागासपएसा प०? गोयमा! असंखेज्जा लोयागासपएसा प० ॥ एगमेगस्स णं भंते! जीवस्स केवइया जीवपएसा प०? गोयमा! जावइया लोगागासपएसा एगमेगस्स णं जीवस्स एवइया जीवपएसा पण्णत्ता ॥३५७॥ कइ णं भंते! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, नेरइयाणं भंते! कइ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ, एवं सव्वजीवाणं अट्ठ कम्मपगडीओ ठावेयव्वाओ जाव वेमाणियाणं। नाणावरणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया प०? गोयमा! अणंता अविभागपलिच्छेया प०, नेरइयाणं भंते! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया प०? गोयमा! अणंता अविभागपलिच्छेया प०, एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं पुच्छा, गोयमा! अणंता अविभागपलिच्छेया प०, एवं जहा णाणावरणिज्जस्स अविभागपलिच्छेया भणिया तहा अट्ठण्हवि कम्मपगडीणं भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं अंतराइयस्स। एगमेगस्स णं भंते! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं आवेढिए परिवेढिए? गोयमा! सिय आवेढियपरिवेढिए सिय नो आवेढियपरिवेढिए, जइ आवेढियपरिवेढिए नियमा अणंतेहिं, एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं आवेढिए परिवेढिए? गोयमा! नियमा अणंतेहिं, जहा नेरइयस्स एवं जाव वेमाणियस्स, नवरं मणूसस्स जहा जीवस्स। एगमेगस्स णं भंते! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं० एवं जहेव नाणावरणिज्जस्स

तहेव दंडगो भाणियव्वो जाव वेमाणियस्स, एवं जाव अंतराइयस्स भाणियव्वं, नवरं वेयणिज्जस्स आउयस्स णामस्स गोयस्स एएसिं चउण्हवि कम्माणं मणूसस्स जहा नेरइयस्स तहा भाणियव्वं सेसं तं चेव ॥ ३५८ ॥ जस्स णं भंते ! नाणावरणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं जस्स दंसणावरणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं? गोयमा! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स दंसणावरणिज्जं नियमा अत्थि, जस्स दरिसणावरणिज्जं तस्सवि नाणावरणिज्जं नियमा अत्थि । जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं? गोयमा ! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि, जस्स पुण वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि । जस्स णं भंते ! नाणावरणिज्जं 'तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं? गोयमा ! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं नियमा अत्थि । जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स आउयं०? एवं जहा वेयणिज्जेण समं भणियं तहा आउएणवि समं भाणियव्वं, एवं नामेणवि एवं गोएणवि समं, अंतराइएण समं जहा दरिसणावरणिज्जेण समं तहेव नियमा परोप्परं भाणियव्वाणि १ ॥ जस्स णं भंते ! दरिसणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं? जहा नाणावरणिज्जं उवरिमेहिं सत्तहिं कम्मेहिं समं भणियं तहा दरिसणावरणिज्जंपि उवरिमेहिं छहिं कम्मेहिं समं भाणियव्वं जाव अंतराइएणं २ । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं? गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स आउयं०? एवं एयाणि परोप्परं नियमा, जहा आउएण समं एवं नामेणवि गोएणवि समं भाणियव्वं । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं०? पुच्छा, गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि ३ । जस्स णं भंते ! मोहणिज्जं तस्स आउयं जस्स आउयं तस्स मोहणिज्जं? गोयमा ! जस्स मोहणिज्जं तस्स आउयं नियमा अत्थि, जस्स पुण आउयं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, एवं नामं गोयं अंतराइयं च भाणियव्वं ४, जस्स णं भंते ! आउयं तस्स नामं०? पुच्छा, गोयमा ! दोवि परोप्परं नियमं, एवं गोत्तेणवि समं भाणियव्वं, जस्स णं भंते ! आउयं तस्स अंतराइयं०? पुच्छा, गोयमा ! जस्स आउयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स आउयं नियमा अत्थि ५ । जस्स णं भंते ! नामं तस्स गोयं जस्स गोयं तस्स नामं?

गोयमा ! जस्स णामं तस्स नियमा गोयं, जस्स गोयं तस्स नियमा नामं, गोयमा ! दोवि एए परोप्परं नियमा, जस्स णं भंते ! णामं तस्स अंतराइयं० ? पुच्छा, गोयमा ! जस्स नामं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स नामं नियमा अत्थि ६ । जस्स णं भंते ! गोयं तस्स अंतराइयं० ? पुच्छा, गोयमा ! जस्स गोयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स गोयं नियमा अत्थि ७ ॥ ३५९ ॥ जीवे णं भंते ! किं पोग्गली पोग्गले ? गोयमा ! जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि ? गोयमा ! से जहानासए छत्तेणं छत्ती, दंडेणं दंडी, घडेणं घडी, पडेणं पडी, करेणं करी, एवामेव गोयमा ! जीवेवि सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च पोग्गली, जीवं पडुच्च पोग्गले, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि । नेरइए णं भंते ! किं पोग्गली० ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए नवरं जस्स जइ इंदियाइं तस्स तइ भाणियव्वाइं । सिद्धे णं भंते ! किं पोग्गली पोग्गले ? गोयमा ! नो पोग्गली पोग्गले, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव पोग्गले ? गोयमा ! जीवं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ सिद्धे नो पोग्गली पोग्गले । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६० ॥ **अट्ठमसए दसमो उद्देसो समत्तो, अट्ठमं सयं समत्तं ॥**

जंबुद्दीवे १ जोइस २ अंतरदीवा ३० असोच्च ३१ गंगेय ३२ । कुंडग्गामे ३३ पुरिसे ३४ नवमंमि सए चउत्तीसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मिहिला नामं नगरी होत्था वन्नओ, माणिभद्दे उज्जाणे वन्नओ, सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव भगवं गोयमे पज्जुवासमाणे एवं वयासी–कहि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे ? किंसंठिए णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे ? एवं जंबुद्दीवपन्नत्ती भाणियव्वा जाव एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे २ चोद्दस सलिला सयसहस्सा छप्पन्नं च सहस्सा भवंतीतिमक्खाया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६१ ॥ **नवमसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–जम्बुद्दीवे णं भंते ! दीवे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासेंति वा पभासिस्संति वा ? एवं जहा जीवाभिगमे जाव–'एगं च सयसहस्सं तेत्तीसं खलु भवे सहस्साइं । नव य सया पन्नासा तारागणकोडिकोडीणं ॥ १ ॥ सोभं सोभिंसु सोभिंति सोभिस्संति ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा ३ एवं जहा जीवाभिगमे जाव ताराओ ॥ धायइसंडे कालोदे पुक्खरवरे अब्भितरपुक्खरद्धे मणुस्सखेत्ते, एएसु सव्वेसु जहा जीवाभिगमे जाव–'एगससीपरिवारो तारागणकोडा(कोडि)कोडीणं ।' पुक्खरद्धे णं भंते

समुद्दे केवइया चंदा पभासिंसु वा ३ ? एवं सव्वेसु दीवसमुद्देसु जोइसियाणं भाणियव्वं जाव सयंभुरमणे जाव सोभं सोभिंसु वा सोभंति वा सोभिस्संति वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६२ ॥ **नवमसए बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं एगो(गू)रुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पन्नत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं उत्तरपुरच्छिमे णं तिन्नि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं दाहिणिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे नामं दीवे पण्णत्ते, तं गोयमा ! तिन्नि जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं णवएगूणवण्णे जोयणसए किंचिविसे(साहिए)सूणे परिक्खेवेणं पन्नत्ते, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते दोण्हवि पमाणं वन्नओ य, एवं एएणं कमेणं जहा जीवाभिगमे जाव सुद्धदंतदीवे जाव देवलोगपरिग्गहिया णं ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो ! । एवं अट्ठावीसं अंतरदीवा सएणं २ आयामविक्खंभेणं भाणियव्वा, नवरं दीवे २ उद्देसओ, एवं सव्वेवि अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६३ ॥ **नवमस्स सयस्स तइयाइआ तीसंता उद्देसा समत्ता, तीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा केवलिसावगस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्ज सवणयाए ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–असोच्चा णं जाव नो लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्ज सवणयाए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–तं चेव जाव नो लभेज्ज सवणयाए ॥ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलं बोहिं बुज्झेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा ॥ से केणट्ठेणं भंते ! जाव नो बुज्झेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं दरिसणाव-

रणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं वोहिं वुज्झेज्जा, जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं वोहि णो वुज्झेज्जा, से तेणट्ठेगं जाव णो वुज्झेज्जा ॥ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइज्जा, अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं नो पव्वएज्जा, से केणट्ठेणं जाव नो पव्वएज्जा ? गोयमा ! जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव मुंडे भवित्ता जाव णो पव्वएज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो पव्वएज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलं वंभचेरवासं आवसेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं वंभचेरवासं आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलं वंभचेरवासं नो आवसेज्जा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो आवसेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो आवसेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो आवसेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा जाव अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं नो संजमेज्जा, से केणट्ठेणं जाव नो संजमेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो संजमेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अत्थेगइए नो संजमेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलेगं संवरेणं संवरेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं जाव नो संवरेज्जा, से केणट्ठेणं जाव नो संवरेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा. जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे

णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो संवरेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो संवरेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिवोहियनाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं आभिणिवोहियनाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलं आभिणिवोहियनाणं नो उप्पाडेज्जा, से केणट्ठेणं जाव नो उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं आभिणिवोहिय-नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिवोहियनाणं उप्पाडेज्जा, जस्स णं आभिणिवोहियनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणि-वोहियनाणं नो उप्पाडेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो उप्पाडेज्जा, असोच्चा णं भंते ! केव-लिस्स वा जाव केवलं सुयनाणं उप्पाडेज्जा ? एवं जहा आभिणिवोहियनाणस्स वत्तव्वया भणिया तहा सुयनाणस्सवि भाणियव्वा, नवरं सुयनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओव-समे भाणियव्वे। एवं चेव केवलं ओहिनाणं भाणियव्वं, नवरं ओहिणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे, एवं केवलं मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा, नवरं मणप-ज्जवणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे, असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलनाणं उप्पाडेज्जा ? एवं चेव नवरं केवल-नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए भाणियव्वे, सेसं तं चेव, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्प-क्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए केवलं वोहिं वुज्झेज्जा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा केवलं वंभचेरवासं आवसेज्जा केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा केवलं आभिणिवोहियनाणं उप्पाडेज्जा जाव केवलं मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा केवलनाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलं वोहिं वुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं वोहिं णो वुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, अत्थेगइए जाव नो पव्वएज्जा, अत्थेगइए केवलं वंभचेरवासं आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलं वंभचेरवासं नो आवसेज्जा, अत्थेगइए केव-लेणं संजमेणं संजमेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं नो संजमेज्जा, एवं संवरेणवि, अत्थेगइए केवलं आभिणिवोहियनाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए जाव नो उप्पाडेज्जा, एवं जाव मणपज्जवनाणं, अत्थेगइए केवलनाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ असोच्चा णं तं चेव जाव अत्थेगइए

केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ १ जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ २ जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ ३ एवं चरित्तावरणिज्जाणं ४ जयणावरणिज्जाणं ५ अज्झवसाणावरणिज्जाणं ६ आभिणिबोहियनाणावरणिज्जाणं ७ जाव मणपज्जवनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ १० जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं जाव खए नो कडे भवइ ११ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं नो बुज्झेज्जा जाव केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा, जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं धम्मंतराइयाणं एवं जाव जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ॥ ३६४ ॥ तस्स णं भंते ! छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए पगइउवसंतयाए पगइपयणुकोहमाणमायालोभयाए मिउमद्दवसंपन्नयाए अल्लीणयाए भद्दयाए विणीययाए अन्नया कयाइ सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं २ तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स विभंगे नामं अन्नाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगनाणेणं समुप्पन्नेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं जाणइ पासइ, से णं तेणं विभंगनाणेणं समुप्पन्नेणं जीवेवि जाणइ अजीवेवि जाणइ पासंडत्थे सारंभे सपरिग्गहे संकिलिस्समाणेवि जाणइ विसुज्झमाणेवि जाणइ से णं पुव्वामेव सम्मत्तं पडिवज्जइ सम्मत्तं पडिवज्जित्ता समणधम्मं रोएइ समणधम्मं रोएत्ता चरित्तं पडिवज्जइ चरित्तं पडिवज्जित्ता लिंगं पडिवज्जइ, तस्स णं तेहिं मिच्छत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ सम्मदंसणपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं २ से विभंगे अन्नाणे सम्मत्तपरिग्गहिए खिप्पामेव ओही परावत्तइ ॥ ३६५ ॥ से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तंजहा—तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए । से णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा । से णं भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? गोयमा ! सजोगी होज्जा नो अजोगी होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा ? गोयमा ! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा । से णं भंते ! किं सागारोवउत्ते

होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि संघयणे होज्जा ? गोयमा ! वइरोसभनारायसंघयणे होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि संठाणे होज्जा ? गोयमा ! छण्हं संठाणाणं अन्नयरे संठाणे होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि उच्चत्ते होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्त रयणी उक्कोसेणं पंचधणुसइए होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि आउए होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगट्ठवासाउए उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउए होज्जा । से णं भंते ! किं सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा ? गोयमा ! सवेदए होज्जा नो अवेदए होज्जा, जइ सवेदए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेदए होज्जा नपुंसगवेदए होज्जा पुरिस-नपुंसगवेदए होज्जा ? गोयमा ! नो इत्थिवेदए होज्जा पुरिसवेदए वा होज्जा नो नपुंसगवेदए होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए वा होज्जा । से णं भंते ! कि सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु संजलणकोहमाणमाया-लोभेसु होज्जा । तस्स णं भंते ! केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्था नो अप्प-सत्था, से णं भंते ! तेहिं पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं वड्ढमाणेहिं अणंतेहिं नेरइयभव-ग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं तिरिक्खजोणिय जाव विसंजोएइ अणंतेहिं मणुस्सभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं देवभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ,जाओवि य से इमाओ नेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवगइनामाओ चत्तारि उत्तरपयडीओ तासिं च णं उवग्गहिए अणंताणुबंधी कोहमाणमायालोभे खवेइ अणं० २ त्ता अपच्चक्खाणकसाए कोहमाणमायालोभे खवेइ अप० २ त्ता पच्चक्खाणावरणकोह-माणमायालोभे खवेइ पच्च० २ त्ता संजलणकोहमाणमायालोभे खवेइ संज० २त्ता पंचविहं नाणावरणिज्जं नवविहं दरिसणावरणिज्जं पंचविहमंतराइयं तालमत्थकडं च णं मोहणिज्जं कट्टु कम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरा-वरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जइ ॥३६६॥ से णं भंते ! केवलि-पन्नत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा ? नो तिणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ एग-णाएण वा एगवागरणेण वा, से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? णो तिणट्ठे समट्ठे, उवएसं पुण करेज्जा, से णं भंते ! कि सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ ३६७ ॥ से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा अहो होज्जा तिरियं होज्जा ? गोयमा ! उड्ढं वा होज्जा अहे वा होज्जा तिरियं वा होज्जा, उड्ढं होज्जमाणे सद्दावइ-वियडावइगंधावइमालवंतपरियाएसु वट्टवेयड्ढपव्वएसु होज्जा, साहरणं पडुच्च सोम-

णसवणे वा पंडगवणे वा होज्जा, अहे होज्जमाणे गड्डाए वा दरीए वा होज्जा, साहरणं पडुच्च पायाले वा भवणे वा होज्जा, तिरियं होज्जमाणे पन्नरससु कम्मभूमीसु होज्जा, साहरणं पडुच्च अड्ढाइज्जे दीवसमुद्दे तदेक्कदेसभाए होज्जा, ते णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं दस, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव नो लभेज्ज सवणयाए जाव अत्थेगइए केवलनाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा ॥३६८॥ सोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलिपन्नत्तं धम्मं एवं जा चेव असोच्चाए वत्तव्वया सा चेव सोच्चाएवि भाणियव्वा, नवरं अभिलावो सोच्चत्ति, सेसं तं चेव निरवसेसं जाव जस्स णं मणपज्जवनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ से णं सोच्चा केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा, तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स पगइभद्दयाए तहेव जाव गवेसणं करेमाणस्स ओहिणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं ओहिनाणेणं समुप्पन्नेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खण्डाइं जाणइ पासइ ॥ से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! छसु लेस्सासु होज्जा, तंजहा–कण्हलेसाए जाव सुक्कलेसाए । से णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे आभि० सुय० ओहि० मणपज्जवणाणेसु होज्जा । से णं भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? एवं जोगोवओगो संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च, एयाणि सव्वाणि जहा असोच्चाए तहेव भाणियव्वाणि । से णं भंते ! किं सवेदए० ? पुच्छा, गोयमा ! सवेदए वा होज्जा अवेदए वा होज्जा, जइ अवेदए होज्जा किं उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा ? गोयमा ! नो उवसंतवेदए होज्जा खीणवेदए होज्जा, जइ सवेदए होज्जा किं इत्थिवेदए होज्जा पुरिसवेदए होज्जा नपुंसगवेदए होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए होज्जा ? पुच्छा, गोयमा ! इत्थिवेदए वा होज्जा पुरिसवेदए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए वा होज्जा । से णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई वा होज्जा अकसाई वा होज्जा, जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा ? गोयमा !

नो उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एक्कंमि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगंमि होज्जमाणे एगंमि संजलणे लोभे होज्जा। तस्स णं भंते! केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता? गोयमा! असंखेज्जा, एवं जहा असोच्चाए तहेव जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जइ, से णं भंते! केवलिपन्नत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा? हंता गोयमा! आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा। से णं भंते! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा? हंता गोयमा! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा, तस्स णं भंते! सिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा? हंता पव्वावेज्ज वा मुण्डावेज्ज वा, तस्स णं भंते! पसिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा? हंता पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा। से णं भंते! सिज्झइ बुज्झइ जाव अंतं करेइ? हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ, तस्स णं भंते! सिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति? हंता सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति, तस्स णं भंते! पसिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति? एवं चेव जाव अंतं करेन्ति। से णं भंते! किं उड्ढं होज्जा जहेव असोच्चाए जाव तदेक्कदेसभाए होज्जा। ते णं भंते! एगसमएणं केवइया होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं १०८, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलिउवासियाए वा जाव अत्थेगइए केवलनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगइए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा। सेवं भंते! २ त्ति॥ ३६९॥

नवमसयस्स इगतीसइमो उद्देसो समत्तो॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नगरे होत्था वन्नओ, दूइपलासे उज्जाणे सामी समोसढे, परिसा निग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे गंगेए नामं अणगारे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–संतरं भंते! नेरइया उववज्जंति निरंतरं नेरइया उववज्जंति? गंगेया! संतरंपि नेरइया उववज्जंति निरंतरंपि नेरइया उववज्जंति, संतरं भंते! असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति? गंगेया! संतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति, एवं जाव थणियकुमारा, संतरं भंते! पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति? गंगेया! नो संतरं पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति, एवं जाव वणस्सइ-

काइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया एए जहा णेरइया ॥ ३७० ॥ संतरं भंते ! नेरइया उववट्टंति निरंतरं नेरइया उववट्टंति ? गंगेया ! संतरंपि नेरइया उववट्टंति निरंतरंपि नेरइया उववट्टंति, एवं जाव थणियकुमारा, संतरं भंते ! पुढविकाइया उववट्टंति० ? पुच्छा, गंगेया ! णो संतरं पुढविक्काइया उव्वट्टंति निरंतरं पुढविक्काइया उव्वट्टंति, एवं जाव वणस्सइकाइया नो संतरं निरंतरं उव्वट्टंति, संतरं भंते ! बेइंदिया उव्वट्टंति निरंतरं बेदिया उव्वट्टंति ? गंगेया ! संतरंपि बेइंदिया उव्वट्टंति निरंतरंपि बेइंदिया उव्वट्टंति, एवं जाव वाणमंतरा, संतरं भंते ! जोइसिया चयंति० ? पुच्छा, गंगेया ! संतरंपि जोइसिया चयंति निरंतरंपि जोइसिया चयंति, एवं जाव वेमाणिया ॥ ३७१ ॥ कइविहे णं भंते ! पवेसणए प० ? गंगेया ! चउव्विहे पवेसणए पन्नत्ते तंजहा–नेरइयपवेसणए, तिरिक्खजोणियपवेसणए, मणुस्सपवेसणए, देवपवेसणए । नेरइयपवेसणए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गंगेया ! सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा–रयणप्पभापुढविनेरइयपवेसणए जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयपवेसणए ॥ एगे णं भंते ! नेरइए नेरइयपवेसणएणं पविसमाणे किं रयणप्पभाए होज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । दो भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव एगे रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, एवं एक्केक्का पुढवी छड्डेयव्वा जाव अहवा एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥ तिन्नि भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ एवं जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया तहा सव्वपुढवीणं भाणियव्वा जाव अहवा दो

तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, ४-४-३-३-२-२-१-१ (४२) अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा २ जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा ६ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा ७ एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९, अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १० जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १७ जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २० जाव अहवा एगे सक्कर० एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २३ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २४ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २५ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २६ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा २७ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २८ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २९ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३५॥ चत्तारि भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १२,

अहवा तिन्नि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा, एवं जाव अहवा तिन्नि रयण॰प्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८, अहवा एगे सक्करप्पभाए तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा, एवं जहेव रयणप्पभाए उवरिमाहिं समं संचारियं तहा सक्करप्पभाएवि उवरिमाहिं समं संचारेयव्वं ५, एवं एक्केक्काए समं संचारियव्वं जाव अहवा तिन्नि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२-६-३-(६३) अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर॰प्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर॰ दो पंक॰ होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर॰ दो अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण॰ दो सक्कर॰ एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण॰ दो सक्कर॰ एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा दो रयण॰ एगे सक्कर॰ एगे वालुय॰प्पभाए होज्जा, एवं जाव अहवा दो रयण॰ एगे सक्कर॰ एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे रयण॰ एगे वालुय॰ दो पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुय॰ दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ एवं एएणं गमएणं जहा तिण्हं तियसंजोगे तहा भाणियव्वो जाव अहवा दो धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १०५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर॰ एगे वालुय॰ एगे धूमप्पभाए होज्जा २ अहवा एगे रयण॰ एगे सक्कर॰ एगे वालुय॰ एगे तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण॰ एगे सक्कर॰ एगे पंक॰ एगे धूमप्पभाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण॰ एगे सक्कर॰ एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा ६ अहवा एगे रयण॰ एगे सक्कर॰ एगे पंक॰ एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर॰ एगे धूम॰ एगे तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण॰ एगे सक्कर॰ एगे धूम॰ एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयण॰ एगे सक्करप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयण॰ एगे वालुय॰ एगे पंक॰ एगे धूमप्पभाए होज्जा ११ अहवा एगे रयण॰ एगे वालुय॰ एगे पंक॰ एगे तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयण॰ एगे वालुय॰ एगे पंक॰ एगे अहेसत्तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयण॰ एगे वालुय॰ एगे धूम॰ एगे तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुय॰ एगे धूम॰ एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे रयण॰ एगे वालुय॰ एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा एगे रयण॰ एगे पंक॰ एगे धूम॰ एगे तमाए होज्जा १७ अहवा एगे रयण॰ एगे पंक॰ एगे धूम॰ एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे रयण॰ एगे पंक॰ एगे तमाए एगे

अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे रयण० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए होज्जा २१ एवं जहा रयणप्पभाए उवरिमाओ पुढवीओ संचारियाओ तहा सक्करप्पभाएवि उवरिमाओ चा(उच्चा)रियव्वाओ जाव अहवा एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३५ ॥ पंच भंते! नेरइया नेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा०? पुच्छा, गंगेया! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयण० चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा तिण्णि रयणप्पभाए दोण्णि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा चत्तारि रयण० एगे सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा चत्तारि रयण० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्कर० चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जहा रयणप्पभाए समं उवरिमपुढवीओ संचारियाओ तहा सक्करप्पभाएवि समं चा(उच्चा)रेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा एवं एक्केक्काए समं चा(उच्चा)रेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० दो वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० तिन्नि सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० तिन्नि सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० दो सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव दो रयण० दो सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० एगे सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा तिन्नि रयण० एगे सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे वालुय० तिन्नि पंकप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा चउण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा पंचण्हवि तियासंजोगो भाणियव्वो

नवरं तत्थ एगो संचारिज्जइ इह दोन्नि सेसं तं चेव जाव अहवा तिन्नि धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० दो पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० दो वालुय० एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० दो वालुय० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८, अहवा एगे रयण० दो सक्करप्पभाए एगे वालुय० एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० एगे वालुय० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा, एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० दो धूमप्पभाए होज्जा एवं जहा चउण्हं चउक्कसंजोगो भणिओ तहा पंचण्हवि चउक्कसंजोगो भाणियव्वो, नवरं अब्भहियं एगो संचारेयव्वो, एवं जाव अहवा दो पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० जाव एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे धूमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ११ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयण० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे तमाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्कर० जाव एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा एगे सक्कर० जाव एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे धूम०

एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्कर० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे वालुय० जाव एगे अहे सत्तमाए होज्जा २१ ॥ छब्भंते ! नेरइया नेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयण० पंच सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयण० पंच वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० पंच अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयण० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं दुयासंजोगो तहा छण्हवि भाणियव्वो नवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव अहवा पंच तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा छण्हवि भाणियव्वो णवरं एक्को अब्भहिओ उच्चारेयव्वो, सेसं तं चेव ३४, चउक्कसंजोगोवि तहेव, पंचगसंजोगोवि तहेव, नवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव पच्छिमो भंगो अहवा दो वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० जाव एगे तमाए होज्जा १ अहवा एगे रयण० जाव एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० जाव एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयण० जाव एगे वालुय० एगे धूम० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७ ॥ सत्त भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहे सत्तमाए वा होज्जा ७, अहवा एगे रयणप्पभाए छ सक्करप्पभाए होज्जा एवं एएणं कमेणं जहा छण्हं दुयासंजोगो तहा सत्तण्हवि भाणियव्वं नवरं एगो अब्भहिओ संचारिज्जइ, सेसं तं चेव, तियासंजोगो चउक्कसंजोगो पंचसंजोगो छक्कसंजोगो य छण्हं जहा तहा सत्तण्हवि भाणियव्वं, नवरं एक्केको अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव छक्कगसंजोगो अहवा दो सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥ अट्ठ भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए

वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयण० सत्त सक्करप्पभाए होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव छक्कसंजोगो य जहा सत्तण्हं भणि(यं)ओ तहा अट्ठण्हवि भाणि-यव्वं नवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो सेसं तं चेव जाव छक्कसंजोगस्स अहवा तिन्नि सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० जाव एगे तमाए दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० जाव दो तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा एवं संचारेयव्वं जाव अहवा दो रयण० एगे सक्कर० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥ नव भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयण० अट्ठ सक्करप्पभाए होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा अट्ठण्हं भणियं तहा नवण्हंपि भाणियव्वं नवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो, सेसं तं चेव पच्छिमो आलावगो अहवा तिन्नि रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेस-त्तमाए होज्जा ॥ दस भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा०पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पभाए नव सक्करप्पभाए होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव सत्तसंजोगो य जहा नवण्हं नवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो सेसं तं चेव पच्छिमो आलावगो अहवा चत्तारि रयण० एगे सक्करप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥ संखेज्जा भंते ! नेरइया नेरइयप्प-वेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयण० संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयण० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं एएणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा दस रयण० संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दस रयण० संखेज्जा अहेसत्त-माए होज्जा अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा एवं जहा रयणप्पभा उवरिमपुढवी(ए)हिं समं चारिया एवं सक्करप्पभा-(ए)वि उवरिमपुढवीहिं समं चारेयव्वा, एवं एक्केक्का पुढवी उवरिमपुढवी(ए)हिं समं चारेयव्वा जाव अहवा संखेज्जा तमाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा

जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० तिन्नि सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को रयणप्पभाए संचारेयव्वो जाव अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे वालुय० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० एगे वालुय० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो वालुय० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं तियासंजोगो चउक्कसंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा दसण्हं तहेव भाणियव्वो पच्छिमो आलावगो सत्तसंजोगस्स अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० जाव संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ॥ असंखेज्जा भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयण० असंखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा, एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा संखेज्जाणं भणिओ तहा असंखेज्जाणवि भाणियव्वो, नवरं असंखेज्जाओ अब्भहिओ भाणियव्वो, सेसं तं चेव जाव सत्तगसंजोगस्स पच्छिमो आलावगो अहवा असंखेज्जा रयण० असंखेज्जा सक्कर० जाव असंखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ॥ उक्कोसेणं भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव रयणप्पभाए होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा एवं जाव अहवा रयण० य सक्करप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयण० य वालुय० य पंकप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयण० य वालुय० य अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण० य पंकप्पभाए य धूमाए य होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा तिण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा १५ अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुय० य पंकप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुय० य धूमप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुय० य अहेसत्तमाए य

होज्जा ४ अहवा रयण० य सक्कर० य पंक० य धूमप्पभाए य होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा चउण्हं चउक्कसंजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० य धूम० य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयग० य सक्कर० य वालुय० य पंक० य धूमप्पभाए य होज्जा १ अहवा रयणप्पभाए य जाव पंक० य तमाए य होज्जा २ अहवा रयण० य जाव पंकप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण० य सक्कर० य वालुय० य धूम० य तमाए य होज्जा ४ एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा पंचण्हं पञ्चगसंजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण०य पंकप्पभाए य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयण० य सक्कर० य जाव धूमप्पभाए य तमाए य होज्जा १ अहवा रयण०य जाव धूम० य अहेसत्तमाए य होज्जा २ अहवा रयण० य सक्कर० य जाव पंक० य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण० य सक्कर० य वालुय० य धूमप्पभाए य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण० य सक्कर० य पंक० य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयण० य वालुय० य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ६ अहवा रयणप्पभाए य सक्कर० य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ७ ॥ एयस्स णं भंते ! रयणप्पभापुढविनेरइयपवेसणगस्स सक्करप्पभापुढवि० जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गंगेया ! सव्वत्थोवे अहेसत्तमापुढविनेरइयपवेसणए, तमापुढविनेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे, एवं पडिलोमगं जाव रयणप्पभापुढविनेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ ३७२ ॥ तिरिक्खजोणियपवेसणए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते? गंगेया ! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा–एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए जाव पंचेंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए । एगे भंते ! तिरिक्खजोणिए तिरिक्खजोणियपवेसणएणं पविसमाणे किं एगिंदिएसु होज्जा जाव पंचिंदिएसु होज्जा? गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा । दो भंते ! तिरिक्खजोणिया० पुच्छा, गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा, अहवा एगे एगिंदिएसु होज्जा एगे बेइंदिएसु होज्जा एवं जहा नेरइयपवेसणए तहा तिरिक्खजोणियपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असंखेज्जा । उक्कोसा भंते ! तिरिक्खजोणिया० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव एगिंदिएसु होज्जा अहवा एगिंदिएसु य बेइंदिएसु य होज्जा, एवं जहा नेरइया संचारिया तहा तिरिक्खजोणियावि संचारेयव्वा; एगिंदिया अमुयंतेसु दुयासंजोगो तियासंजोगो चउक्कसंजोगो पंचसंजोगो उव(उज्जि)उंजिऊण भाणियव्वो जाव अहवा एगिंदिएसु य बेइंदिएसु य जाव पंचिंदिएसु य होज्जा ॥ एयस्स णं भंते ! एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणगस्स जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणयस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा?

गंगेया ! सव्वत्थोवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए, चउरिंदियतिरिक्खजोणिय० विसेसाहिए, तेइंदिय० विसेसाहिए, बेइंदिय० विसेसाहिए, एगिंदियतिरिक्ख० विसेसाहिए ॥ ३७३ ॥ मणुस्सपवेसणए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गंगेया ! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा–संमुच्छिममणुस्सपवेसणए य गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणए य । एगे भंते ! मणुस्से मणुस्सपवेसणएणं पविसमाणे किं संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ? गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा । दो भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा नेरइयपवेसणए तहा मणुस्सपवेसणए वि भाणियव्वे एवं जाव दस ॥ संखेज्जा भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा अहवा दो संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं एक्केक्कं उस्सारिंते(रिए)सु जाव अहवा संखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ॥ असंखेज्जा भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा अहवा असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु दो गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं जाव असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ॥ उक्कोसा भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा संमुच्छिममणुस्सेसु य गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु य होज्जा । एयस्स णं भंते ! संमुच्छिममणुस्सपवेसणगस्स गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गंगेया ! सव्वत्थोवे गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणए, संमुच्छिममणुस्सपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ ३७४ ॥ देवपवेसणए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गंगेया ! चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–भवणवासिदेवपवेसणए जाव वेमाणियदेवपवेसणए । एगे भंते ! देवे देवपवेसणएणं पविसमाणे किं भवणवासीसु होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु होज्जा ? गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु वा होज्जा । दो भंते ! देवा देवपवेसणएणं० पुच्छा, गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु वा होज्जा अहवा एगे भवणवासीसु एगे वाणमंतरेसु होज्जा एवं जहा तिरिक्खजोणियपवेसणए तहा देवपवेसणए वि भाणियव्वे जाव असंखेज्जत्ति । उक्कोसा भंते !० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव जोइसिएसु होज्जा अहवा जोइसियभ-

वणवासीसु य होज्जा अहवा जोइसियवाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसियवेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा। एयस्स णं भंते ! भवणवासिदेवपवेसणगस्स वाणमंतरदेवपवेसणगस्स जोइसियदेवपवेसणगस्स वेमाणियदेवपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गंगेया ! सव्वत्थोवे वेमाणियदेवपवेसणए, भवणवासिदेवपवेसणए असंखेज्जगुणे, वाणमंतरदेवपवेसणए असंखेज्जगुणे, जोइसियदेवपवेसणए संखेज्जगुणे ॥ ३७५ ॥ एयस्स णं भंते ! नेरइयपवेसणगस्स तिरिक्ख० मणुस्स० देवपवेसणगस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिया वा ? गंगेया ! सव्वत्थोवे मणुस्सपवेसणए, नेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे, देवपवेसणए असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणियपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ ३७६ ॥ संतरं भंते ! नेरइया उववज्जंति निरंतरं नेरइया उववज्जंति संतरं असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति जाव संतरं वेमाणिया उववज्जंति निरंतरं वेमाणिया उववज्जंति संतरं नेरइया उववट्टंति निरंतरं नेरइया उववट्टंति जाव संतरं वाणमंतरा उववट्टंति निरंतरं वाणमंतरा उववट्टंति संतरं जोइसिया चयंति निरंतरं जोइसिया चयंति संतरं वेमाणिया चयंति निरंतरं वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! संतरंपि नेरइया उववज्जंति निरंतरंपि नेरइया उववज्जंति जाव संतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति निरंतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति नो संतरं पुढविक्काइया उववज्जंति निरंतरं पुढविक्काइया उववज्जंति एवं जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया जाव संतरंपि वेमाणिया उववज्जंति निरतरंपि वेमाणिया उववज्जंति, संतरंपि नेरइया उववट्टंति निरंतरंपि नेरइया उववट्टंति एवं जाव थणियकुमारा नो संतरं पुढविक्काइया उववट्टंति निरंतरं पुढविक्काइया उववट्टंति एवं जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया, नवरं जोइसियवेमाणिया चयंति अभिलावो, जाव संतरंपि वेमाणिया चयंति निरंतरंपि वेमाणिया चयंति ॥ सओ भंते ! नेरइया उववज्जंति असओ भंते ! नेरइया उववज्जंति ? गंगेया ! सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया, सओ भंते ! नेरइया उववट्टंति असओ नेरइया उववट्टंति ? गंगेया ! सओ नेरइया उववट्टंति नो असओ नेरइया उववट्टंति, एवं जाव वेमाणिया, नवरं जोइसियवेमाणिएसु चयंति भाणियव्वं । सओ भंते ! नेरइया उववज्जंति असओ भंते ! नेरइया उववज्जंति सओ असुरकुमारा उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया उववज्जंति असओ वेमाणिया उववज्जंति सओ नेरइया उववट्टंति असओ नेरइया उववट्टंति

सओ असुरकुमारा उववट्टंति जाव सओ वेमाणिया चयंति असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति सओ असुरकुमारा उववज्जंति नो असओ असुरकुमारा उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया उववज्जंति नो असओ वेमाणिया उववज्जंति, सओ नेरइया उववट्टंति नो असओ नेरइया उववट्टंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति ? से नूणं भो ! गंगेया ! पासेणं अरहया पुरिसादाणिएणं सासए लोए बुइए अणाइए अणवयग्गे जहा पंचमसए जाव जे लोक्कइ से लोए, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति ॥ सयं भंते ! एए एवं जाणह उदाहु असयं, असोच्चा एए एवं जाणह उदाहु सोच्चा, सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! सयं एए एवं जाणामि नो असयं, असोच्चा एए एवं जाणामि नो सोच्चा सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव नो असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ दाहिणेणं एवं जहा स(हु)गउद्देसए जाव निव्वुडे नाणे केवलिस्स, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव नो असओ वेमाणिया चयंति ॥ सयं भंते ! नेरइया नेरइएसु उववज्जन्ति असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति ? गंगेया ! सयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति नो असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुयसंभारियत्ताए असुभाणं कम्माणं उदएणं असुभाणं कम्माणं विवागेणं असुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति नो असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं गंगेया ! जाव उववज्जंति ॥ सयं भंते ! असुरकुमारा० पुच्छा, गंगेया ! सयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति नो असयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति, से केणट्ठेणं तं चेव जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मोवसमेणं कम्मविगईए कम्मविसोहीए कम्मविसुद्धीए सुभाणं कम्माणं उदएणं सुभाणं कम्माणं विवागेणं सुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए जाव उववज्जंति नो असयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए जाव उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति, एवं जाव थणियकुमारा ॥ सयं भंते ! पुढविकाइया० पुच्छा, गंगेया ! सयं पुढविकाइया जाव

उववज्जंति नो असयं जाव उववज्जंति, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति? गंगेया! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुयसंभारियत्ताए सुभासुभाणं कम्माणं उदएणं सुभासुभाणं कम्माणं विवागेणं सुभासुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं पुढविकाइया जाव उववज्जंति नो असयं पुढविकाइया जाव उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा, से तेणट्ठेणं गंगेया! एवं वुच्चइ सयं वेमाणिया जाव उववज्जंति नो असयं वेमाणिया जाव उववज्जंति ॥ ३७७ ॥ तप्पभिइं च णं से गंगेए अणगारे समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणइ सव्वण्णू सव्वदरिसी, तए णं से गंगेए अणगारे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेत्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी—इच्छामि णं भंते! तुज्झं अंतियं चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं एवं जहा कालासवेसियपुत्ते अणगारे तहेव भाणियव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ३७८॥ **गंगेयो समत्तो ॥९।३२॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं माहणकुंडग्गामे णामं नयरे होत्था वन्नओ, बहुसालए उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं माहणकुंडग्गामे नयरे उसभदत्ते नामं माहणे परिवसइ अड्ढे दित्ते वित्ते जाव अपरिभूए रिउव्वेयजजुव्वेयसामवेयअथव्वणवेय जहा खन्दओ जाव अन्नेसु य बहुसु बंभन्नएसु नएसु सुपरिनिट्ठिए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे उवलद्धपुण्णपावे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तस्स णं उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदा नामं माहणी होत्था, सुकुमालपाणिपाया जाव पियदंसणा सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुन्नपावा जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासइ, तए णं से उसभदत्ते माहणे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठ जाव हियए जेणेव देवाणंदा माहणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवाणंदं माहणिं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिए! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे बहुसालए उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरइ, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिए! जाव तहारूवाणं अरिहंताणं भगवंताणं नामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणनमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए, एगस्सवि आ(य)रियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिए! समणं भगवं महावीरं वंदामो नमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयण्णं इहभवे य परभवे य हियाए सुहाए खमाए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ। तए णं सा देवाणंदा माहणी उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ जाव हियया करयल जाव कट्टु

उसभदत्तस्स माहणस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, तए णं से उसभदत्ते माहणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्तजोइयसमखुरवालिहाणसमलिहियसिंगेहिं जंबूणयामयकलावजुत्तपरिविसिट्ठेहिं रययामयघंटसुत्तरज्जुयपवरकंचणनत्थपग्गहोग्गहियएहिं नीलुप्पलकयामेलएहिं पवरगोणजुवाणएहिं नाणामणि(मय)रयणघंटियाजालपरिगयं सुजायजुग्गजोत्तरज्जुयजुगपसत्थसुविरइयनिम्मियं पवरलक्खणोववेयं धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ जाव हियया करयल जाव एवं सामी! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव लहुकरणजुत्त जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेत्ता जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति, तए णं से उसभदत्ते माहणे ण्हाए जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ साओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे। तए णं सा देवाणंदा माहणी अंतो अंतेउरंसि ण्हाया किच्च वरपायपत्तनेउरमणिमेहलाहारविरइयउचियकडगखुड्डा(इ)यएगावलीकंठसुत्तउरत्थगेवेज्जसोणिसुत्तगनाणामणिरयणभूसणविराइयंगी चीणंसुयवत्थपवरपरिहिया दुगुल्लसुकुमालउत्तरिज्जा सव्वोउयसुरभिकुसुमव(ध)रियसिरया वरचंदणवंदिया वरा(भूसण)भरणभूसियंगी कालागु(ग)रुधूवधूविया सिरिसमाणवेसा जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा बहूहिं खुज्जाहिं चिलाइयाहिं वामणियाहिं वडहियाहिं बब्बरियाहिं पओसियाहिं ईसिगणियाहिं जोण्हियाहिं चारु(वास)गणियाहि पल्हवियाहिं ल्हासियाहिं लउसियाहिं आरबीहिं दमिलाहिं सिंघलीहिं पुलिंदीहिं पुक्खली(पक्कणी)हि बहलीहिं मुरुंडीहिं सबरीहिं पारसीहि नाणादेसीहिं विदेसपरिपिंडियाहिं इंगियचिंतियपत्थियवियाणियाहि सदेसनेवत्थगहियवेसाहिं कुसलाहिं विणीयाहि य चेडियाचक्कवालवरिसधरथेरकंचुइज्जमहत्तरगविंदपरिक्खित्ता अंतेउराओ निग्गच्छइ अंतेउराओ निग्गच्छित्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता जाव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा॥ तए णं से उसभदत्ते माहणे देवाणंदाए माहणीए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे समाणे णियगपरियालसंपरिवुडे माहणकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छइत्ता जेणेव बहुसालए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता छत्ताइए तित्थयराइसए पासइ छ०२ त्ता धम्मियं जाणप्पवरं ठवेइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ ध० २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभि(समा)गच्छइ, तंजहा-सच्चित्ताणं

दव्वाणं विउसरणयाए एवं जहा विइयसए जाव तिविहाए पज्जुवासणयाए पज्जुवासइ; तए णं सा देवाणंदा माहणी धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहित्ता बहूहिं खुज्जाहिं जाव महत्तरगवंदपरिक्खित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तंजहा–सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अचित्ताणं दव्वाणं अविमोयणयाए, विणयोणयाए गायलट्ठीए, चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं, मणस्स एगत्तीभावकरणेणं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता उसभदत्तं माहणं पुरओ कट्टु ठिया चेव सपरिवारा सुस्सूसमाणी णमंसमाणी अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा जाव पज्जुवासइ ॥३७९॥ तए णं सा देवाणंदा माहणी आगयपण्हया पप्फुयलोयणा संवरियवलयबाहा कंचुयपरिक्खित्तिया धाराहयकलंबपुप्फगंपिव स(मुस्ससिय)मूसवियरोमकूवा समणं भगवं महावीरं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–किण्णं भंते ! एसा देवाणंदा माहणी आगयपण्हया तं चेव जाव रोमकूवा देवाणुप्पिए अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! देवाणंदा माहणी मम अम्मगा, अहन्नं देवाणंदाए माहणीए अत्तए, तए णं सा देवाणंदा माहणी तेणं पुव्वपुत्तसिणेहाणुराएणं आगयपण्हया जाव समूसवियरोमकूवा ममं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ॥ ३८० ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदाए माहणीए तीसे य महइमहालियाए इसिपरिसाए जाव परिसा पडिगया। तए णं से उसभदत्ते माहणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी–एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वदहत्ति कट्टु उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ उत्तरपु० २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ सयमे० २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमे० २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासी–आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते ! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जराए मरणेण य, एवं एएणं कमेणं जहा खंदओ तहेव पव्वइओ जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसम जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए

अत्ताणं झूसेइ मासि० २ त्ता सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदेइ सट्ठिं० २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ जिणकप्पभावे थेरकप्पभावे जाव तमट्ठं आराहेइ तमट्ठं आराहेत्ता तए णं सो जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । तए णं सा देवाणंदा माहणी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासी–एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! एवं जहा उसभदत्तो तहेव जाव धम्ममाइ(क्खइ)क्खियं । तए णं समणे भगवं महावीरे देवाणंदं माहणिं सयमेव पव्वावेइ सय० २ त्ता सयमेव अज्जचंदणाए अज्जाए सीसिणित्ताए दलयइ ॥ तए णं सा अज्जचंदणा अज्जा देवाणंदं माहणिं सयमेव मुंडावेइ सयमेव सेहावेइ एवं जहेव उसभदत्तो तहेव अज्जचंदणाए अज्जाए इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ जाव संजमेणं संजमेइ, तए णं सा देवाणंदा अज्जा अज्जचंदणाए अज्जाए अंतियं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ सेसं तं चेव जाव सव्वदुक्खप्पहीणा ॥ ३८१ ॥ तस्स णं माहणकुंडग्गामस्स नगरस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे नामं नगरे होत्था वन्नओ, तत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे नयरे जमाली नामं खत्तियकुमारे परिवसइ अड्ढे दित्ते जाव अपरिभूए उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहि मुइंगमत्थएहिं बत्तीसइबद्धेहिं नाडएहिं णाणाविहवरतरुणीसंपउत्तेहिं उवनच्चिज्जमाणे उवनच्चिज्जमाणे उवगिज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ पाउसवासारत्तसरयहेमंतसिसिरवसंतगिम्हपज्जंते छप्पिउऊ जहा विभवेणं माणमाणे २ कालं गालेमाणे इट्ठे सद्दफरिसरसरूवगंधे पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरइ । तए णं खत्तियकुंडग्गामे नगरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चर जाव बहुजणसद्दे इ वा जहा उववाइए जाव एवं पन्नवेइ एवं परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स नगरस्स बहिया बहुसालए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं महप्फलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं जहा उववाइए जाव एगाभिमुहे खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे नगरे जेणेव बहुसालए उज्जाणे एवं जहा उववाइए जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ । तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जाव जणसन्निवायं वा सुणमाणस्स वा पासमाणस्स वा अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–किन्नं अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नगरे इंदमहेइ वा खंदमहेइ वा मुगुंदमहेइ वा णागमहेइ वा जक्खमहेइ वा भूयमहेइ वा कूवमहेइ वा तडागमहेइ वा नइमहेइ वा दहमहेइ वा पव्वयमहेइ वा रुक्खमहेइ वा

थूभमहेइ वा जण्णं एए बहवे उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा णाया कोरव्वा खत्तिया खत्तियपुत्ता भडा भडपुत्ता० जहा उववाइए जाव सत्थवाहप्पभिइ(य)ओ ण्हाया जहा उववाइए जाव निग्गच्छंति ? एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ कंचु० २ त्ता एवं वयासी-किण्णं देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नगरे इंदमहेइ वा जाव निग्गच्छंति ?, तए णं से कंचुइज्जपुरिसे जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल० जमालिं खत्तियकुमारं जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी-णो खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नयरे इंदमहेइ वा जाव निग्गच्छन्ति, एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज समणे भगवं महावीरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स नयरस्स बहिया बहुसालए उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरइ, तए णं एए बहवे उग्गा भोगा जाव अप्पेगइया वंदणवत्तियं जाव निग्गच्छंति । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावइत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से जमाली खत्तियकुमारे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता ण्हाए जहा उववाइए परिसावन्नओ तहा भाणियव्वं जाव चंद(णु-क्खित्त)णाकिन्नगायसरीरे सव्वालंकारविभूसिए मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ मज्जणघराओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरुहेइ चाउ० २ त्ता सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भडचडगरपहकरवंदपरिक्खित्ते खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे नगरे जेणेव बहुसालए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए निगिण्हेइ २ त्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहा० २ त्ता पुप्फतंबोलाउहमाइयं वा(णहा)हणाओ य विसज्जेइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ उत्तरासंगं करेत्ता आयंते चोक्खे परमसुइब्भूए अंजलिमउलियहत्थे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तीसे य महइमहालियाए इसि० जाव धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणस्स भग-

वओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वदह, जं नवरं देवाणुप्पिया ! अम्मापियरो आपुच्छामि । तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं ॥ ३८२ ॥ तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे जाव समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता तमेव चाउग्घंटं आसरहं दुरुहेइ दुरुहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता सकोरंट० जाव धरिज्जमाणेणं महया भडचडगर जाव परिक्खित्ते जेणेव खत्तियकुंडग्गामे नयरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अब्भितरिया उवट्ठाणसाला जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अम्मापियरो जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्मताओ ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे निसंते, सेवि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–धन्नेसि णं तुमं जाया ! कयत्थेसि णं तुमं जाया ! कयपुन्नेसि णं तुमं जाया ! कयलक्खणेसि णं तुमं जाया ! जन्नं तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे निसंते सेवि य धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो दोच्चंपि एवं वयासी–एवं खलु मए अम्मताओ ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते जाव अभिरुइए, तए णं अहं अम्मताओ ! संसारभयउव्विग्गे भीए जम्मजरामरणेणं तं इच्छामि णं अम्म ! ताओ ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं अमणुन्नं अमणामं असुयपुव्वं गिरं सोच्चा निसम्म सेयागयरोमकूवपगलंतविलीणगत्ता सोगभरपवेवियंगमंगी नित्तेया दीणविमणवयणा करयलमलियव्व कमलमाला तक्खणओलुग्गदुब्बलसरीरलायन्नसुन्ननिच्छाया गयसिरीया पसिढिलभूसणप(डिय)डंतखुण्णियसंचु-

न्नियधवलवलयपब्भट्टउत्तरिज्जा मुच्छावसणट्टचेयगु(ग)रुई सुकुमालविकिन्नकेसहत्था परसुणियत्तव्व चंपगलया निव्वत्तमहे व्व इंदलट्ठी विमुक्कसंधिबंधणा कोट्टिमतलंसि धसत्ति सव्वंगेहिं संनिवडिया, तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ससंभमोयत्तियाए तुरियं कंचणभिंगारमुहविणिग्गयसीयलविमलजलधारपरिसिंचमाणनिव्वावियगायलट्ठी उक्खेवयतालियंटवीयणगजणियवाएणं सफुसिएणं अंतेउरपरिजणेणं आसासिया समाणी रोयमाणी कंदमाणी सोयमाणी विलवमाणी जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी–तुमंसि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते पिए मणुन्ने मणामे थेज्जे वेसासिए संमए वहुमए अणुमए भंडकरंडगसमाणे रयणे रयणब्भूए जीविऊसविए हिययानंदिजणणे उंबरपुप्फमिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए, तं नो खलु जाया! अम्हे इच्छामो तुज्झं खणमवि विप्पओगं, तं अच्छाहि ताव जाया! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवए वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जंमि निरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–तहावि णं तं अम्म! ताओ! जण्णं तुब्भे ममं एवं वदह तुमंसि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्म! ताओ! माणुस्सए भवे अणेगजाइजरामरणरोगसारीरमाणसपकामदुक्खवेयणवसणसओवद्दवाभिभूए अधुवे अणिइए असासए संझब्भरागसरिसे जलवुब्बुयसमाणे कुसग्गजलबिंदुसन्निभे सुविणगदंसणोवमे विज्जुलयाचंचले अणिच्चे सडणपडणविद्धंसणधम्मे पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ अम्म! ताओ! के पुव्विं गमणयाए के पच्छा गमणयाए, तं इच्छामि णं अम्मताओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमं च णं ते जाया! सरीरगं पविसिट्ठरूवलक्खणवंजणगुणोववेयं उत्तमबलवीरियसत्तजुत्तं विण्णाणवियक्खणं ससोहग्गगुणसमुस्सियं अभिजायमहक्खमं विविहवाहिरोगरहियं निरुवहयउदत्तलट्ठं पंचिंदियपडुपढमजोव्वणत्थं अणेगउत्तमगुणेहिं संजुत्तं तं अणुहोहि ताव जाव जाया! नियगसरीररूवसोहग्गजोव्वणगुणे, तओ पच्छा अणुभूयनियगसरीररूवसोहग्गजोव्वणगुणे अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवए वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जंमि निरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि, तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्मताओ! जन्नं तुब्भे ममं एवं

वदह-इमं च णं ते जाया ! सरीरगं तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मताओ ! माणुस्सगं सरीरं दुक्खाययणं विविहवाहिसयसंनिकेयं अट्ठियकट्ठुट्ठियं छिराण्हारुजालओणद्धसंपिणद्धं मट्टियभंडं व दुब्बलं असुइसंकिलिट्ठं अणिट्ठवियसव्वकालसंठप्पयं जराकुणिमजज्जरघरं व सडणपडणविद्धंसणधम्मं पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्वं भविस्सइ, से केस णं जाणइ, अम्मताओ ! के पुव्विं तं चेव जाव पव्वइत्तए । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमाओ य ते जाया ! विउलकुलबालियाओ सरिसयाओ सरित्तयाओ सरिव्वयाओ सरिसलावन्नरूवजोव्वणगुणोववेयाओ सरिसएहिंतो अ कुलेहिंतो आणिएल्लियाओ कलाकुसलसव्वकाललालियसुहोचियाओ मद्दवगुणजुत्तनिउणविणओवयारपंडियवियक्खणाओ मंजुलमियमहुरभणियविहसियविप्पेक्खियगइविलासचिट्ठियविसारयाओ अविकलकुलसीलसालिणीओ विसुद्धकुलवंससंताणतंतुवद्धणप्पग(ब्भु)ब्भव(य)प्प-भाविणीओ मणाणुकूलहियइच्छियाओ अट्ठ तुज्झ गुणवल्लहाओ उत्तमाओ निच्चं भावाणु(रत्त)त्तरसव्वंगसुंदरीओ भारियाओ, तं भुंजाहि ताव जाव जाया ! एयाहिं सद्धिं विउले माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी विसयविगयवोच्छिन्नकोउहल्ले अम्हेहिं कालगएहिं जाव पव्वइहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी-तहावि णं तं अम्म ! ताओ ! जन्नं तुब्भे मम एवं वयह इमाओ य ते जाया ! विउलकुल जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्म ! ताओ ! माणुस्सया कामभोगा असुई असासया वंतासवा पित्तासवा खेलासवा सुक्कासवा सोणियासवा उच्चारपासवणखेलसिंघाणगवंतपित्तपूयसुक्कसोणियसमुब्भवा अमणुन्नदुरूवमुत्तपूइयपुरीसपुन्ना मयगंधुस्सासअसुभनिस्सासउव्वेयणगा बीभच्छा अप्पकालिया लहूसगा कलमलाहिया सदुक्खबहुजणसाहारणा परिकिलेसकिच्छदुक्खसज्झा अबुहजणणिसेविया सया साहुगरहणिज्जा अणंतसंसारवद्धणा कडुयफलविवागा चु(डु)डलिव्व अमुच्चमाणदुक्खाणुबंधिणो सिद्धिगमणविग्घा, से केस णं जाणइ अम्मताओ ! के पुव्विं गमणयाए के पच्छा गमणयाए, तं इच्छामि णं अम्मताओ ! जाव पव्वइत्तए । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमे य ते जाया ! अज्जयपज्जयपिउपज्जयागए बहु हिरन्ने य सुवन्ने य कंसे य दूसे य विउलधणकणग जाव संतसारसावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं तं अणुहोहि ताव जाया ! विउले माणुस्सए इड्ढिसक्कारसमुदए, तओ पच्छा अणुभूयकल्लाणे वड्ढियकुलवंसतंतु जाव पव्वइहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्मताओ ! जन्नं तुज्झे ममं एवं वदह-इमं

च ते जाया ! अज्जयपज्जय जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मताओ ! हिरन्ने य सुवन्ने य जाव सावएज्जे अग्गिसाहिए चोरसाहिए रायसाहिए मच्चुसाहिए दाइयसाहिए अग्गिसामन्ने जाव दाइयसामन्ने अधुवे अणिइए असासए पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ तं चेव जाव पव्वइत्तए। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मताओ जाहे नो संचाएन्ति विसयाणुलोमाहिं बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहिं य विन्नवणाहि य आघवेत्तए वा पन्नवेत्तए वा सन्नवेत्तए वा विन्नवेत्तए वा ताहे विसयपडिकूलाहिं संजमभयउव्वेयणकराहिं पन्नवणाहिं पन्नवेमाणा एवं वयासी—एवं खलु जाया ! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले जहा आवस्सए जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति अहीव एगंतदिट्ठीए खुरो इव एगंतधाराए लोहमया जवा चावेयव्वा वालुयाकवले इव निस्सा(रे)ए गंगा वा महानई पडिसोयगमणयाए महासमुद्दोव्व भुयाहिं दुत्तरो तिक्खं कमियव्वं ग(गु)रुयं लंबेयव्वं असिधारगं वयं चरियव्वं, नो खलु कप्पइ जाया ! समणाणं निग्गंथाणं आहाकम्मिएइ वा उद्देसिएइ वा मिस्सजाएइ वा अज्झोयरएइ वा पूइएइ वा कीएइ वा पामिच्चेइ वा अच्छेज्जेइ वा अणिसिट्ठेइ वा अभिहडेइ वा कंतारभत्तेइ वा दुब्भिक्खभत्तेइ वा गिलाणभत्तेइ वा वद्दलियाभत्तेइ वा पाहुणगभत्तेइ वा सेज्जायरपिंडेइ वा रायपिंडेइ वा मूलभोयणेइ वा कंदभोयणेइ वा फलभोयणेइ वा वीयभोयणेइ वा हरियभोयणेइ वा भुत्तए वा पायए वा, तुमं च णं जाया ! सुहसमुचिए णो चेव णं दुहसमुचिए नालं सीयं नालं उण्हं नालं खुहा नालं पिवासा नालं चोरा नालं वाला नालं दंसा नालं मसगा नालं वाइयपित्तियसेंभियसन्निवाइए विविहे रोगायंके परीसहोवसग्गे उदिन्ने अहियासेत्तए, तं नो खलु जाया ! अम्हे इच्छामो तुज्झं खणमवि विप्पओगं तं अच्छाहि ताव जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहि कालगएहिं जाव पव्वइहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्म ! ताओ ! जन्नं तुज्झे ममं एवं वयह—एवं खलु जाया ! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मताओ ! निग्गंथे पावयणे कीवाणं कायराणं कापुरिसाणं इहलोगपडिबद्धाणं परलोगपरंमुहाणं विसयतिसियाणं दुरणुचरे पागयजणस्स, धीरस्स निच्छियस्स ववसियस्स नो खलु एत्थं किंचिवि दुक्करं करणयाए, तं इच्छामि णं अम्म ! ताओ ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य ४ आघवेत्तए वा जाव विन्नवेत्तए वा ताहे अकामए

च्चेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स निक्खमणं अणुमन्नित्था ॥ ३८३ ॥ तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! खत्तियकुंडग्गामं नगरं सब्भितरबाहिरियं आसिय-संमज्जिओवलित्तं जहा उववाइए जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से जमालिस्स खत्तिय-कुमारस्स पिया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावइत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! जमालिस्स खत्तियकुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विपुलं निक्खमणा-भिसेयं उवट्ठवेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव पच्चप्पिणंति, तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं निसीयावेंति निसीयावेत्ता अट्ठसएणं सोवन्नियाणं कलसाणं एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया महया निक्खमणाभिसेगेणं अभिसिंचन्ति निक्खमणाभिसेगेणं अभिसिंचित्ता करयल जाव जएणं विजएणं वद्धावेन्ति, जएणं विजएणं वद्धावेत्ता एवं वयासी-भण जाया! किं देमो किं पयच्छामो किणा वा ते अट्ठो?, तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी-इच्छामि णं अम्म! ताओ! कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणिउं कासवगं च सद्दा-विउं, तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणेह सयसहस्सेणं कासवगं च सद्दावेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा करयल जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं तहेव जाव कासवगं सद्दावेंति । तए णं से कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविए समाणे हट्ठे तुट्ठे ण्हाए जाव सरीरे जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवा-गच्छित्ता करयल० जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पियरं जएणं विजएणं वद्धावेइ जएणं विजएणं वद्धावित्ता एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं मए करणिज्जं, तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कासवगं एवं वयासी-तुमं देवाणुप्पिया! जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेणं चउरंगुलवज्जे निक्खमणपओगे अग्गकेसे (कप्पेह) पडिकप्पेहि, तए णं से कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे करयल जाव एवं सामी! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं हत्थपाए पक्खालेइ सुरभिणा० २ त्ता सुद्धाए अट्ठपडलाए पोत्तीए मुहं बंधइ मुहं बंधित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेणं चउ-

रंगुलवज्जे निक्खमणपओगे अग्गकेसे कप्पेइ । तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं अग्गकेसे पडिच्छइ अग्गकेसे पडिच्छित्ता सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेइ सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेत्ता अग्गेहिं वरेहिं गंधेहिं मल्लेहिं अच्चेइ २ त्ता सुद्धवत्थेणं बंधेइ सुद्धवत्थेणं बंधित्ता रयणकरंडगंसि पक्खिवइ २ त्ता हारवारिधारसिंदुवारछिन्नमुत्तावलिप्पगासाइं सुयविओगदूसहाइं अंसूइं विणिम्मुयमाणी २ एवं वयासी–एस णं अम्हं जमालिस्स खत्तियकुमारस्स बहूसु तिहीसु य पव्वणीसु य उस्सवेसु य जन्नेसु य छणेसु य अपच्छिमे दरिसणे भविस्सतीतिकट्टु ओसीसगमूले ठवेइ, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेंति २ त्ता दोच्चंपि जमालिं खत्तियकुमारं सीयापीयएहिं कलसेहिं ण्हाणेंति सीयापीयएहिं कलसेहि ण्हावेत्ता पम्हलसुकुमालाए सुरभिएणं गंधकासाइएणं गायाइं लूहेंति सुरभिएणं गंधकासाइएणं गायाइं लूहेत्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपन्ति गायाइं अणुलिंपित्ता नासानिस्सासवायवोज्झं चक्खुहरं वन्नफरिसजुत्तं हयलालापेलवाइरेगं धवलं कणगखचियंतकम्मं महरिहं हंसलक्खणपडसाडगं परिहिंति २ त्ता हारं पिणद्धेंति २ त्ता अद्धहारं पिणद्धेंति २ त्ता० एवं जहा सूरियाभस्स अलंकारो तहेव जाव चित्तं रयणसंकडुक्कडं मउडं पिणद्धेंति, किं बहुणा गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगं पिव अलंकियविभूसियं करेंति । तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखंभसयसन्निविट्ठं लीलट्ठियसालिभंजियागं जहा रायप्पसेणइज्जे विमाणवन्नओ जाव मणिरयणघंटियाजालपरिक्खित्तं पुरिससहस्सवाहिणीयं सीयं उवट्ठवेह उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे केसालंकारेणं वत्थालंकारेणं मल्लालंकारेणं आभरणालंकारेणं चउव्विहेणं अलंकारेणं अलंकारिए समाणे पडिपुन्नालंकारे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ सीहासणाओ अब्भुट्ठेत्ता सीयं अणुप्पयाहिणीकरेमाणे सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे । तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ण्हाया जाव सरीरा हंसलक्खणं पडसाडगं गहाय सीयं अणुप्पयाहिणीकरेमाणी सीयं दुरूहइ सीयं दुरूहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणवरंसि संनिसन्ना, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मधाई ण्हाया जाव सरीरा रयहरणं च पडिग्गहं च गहाय सीयं अणुप्पयाहिणी करेमाणी सीयं दुरूहइ सीयं दुरूहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स वामे पासे भद्दासणवरंसि संनिसन्ना । तए णं

तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा संगयगय जाव नवजोव्वणविलासकलिया सुंदरथण० हिमरययकुमुयकुंदेंदुप्पगासं सकोरेंटमल्लदामं धवलं आयवत्तं गहाय सलीलं उवरिं धारेमाणी २ चिट्ठइ, तए णं तस्स जमालिस्स उभओपासिं दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारु जाव कलियाओ नाणामणिकणगरयणविमलमहरिहतवणिज्जुज्जलविचित्तदंडाओ चिल्लियाओ संखंककुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसन्निगासाओ धवलाओ चामराओ गहाय सलीलं वीयमाणीओ वीयमाणीओ चिट्ठंति, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स उत्तरपुरच्छिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया सेयरययामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगयमहामुहाकिइसमाणं भिंगारं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणपुरच्छिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया चित्तकणगदंडं तालवेंटं गहाय चिट्ठइ, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ को० २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सरिसयं सरित्तयं सरिव्वयं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयं एगाभरणवसणगहियनिज्जोयं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं सद्दावेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सरिसयं सरित्तयं जाव सद्दावेंति, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ० ण्हाया एगाभरणवसणगहियनिज्जोया जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छन्ति ते० २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं अम्हेहिं करणिज्जं, तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कोडुंबियवरतरुणसहस्संपि एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! ण्हाया जाव गहियनिज्जोगा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स जाव पडिसुणेत्ता ण्हाया जाव गहियनिज्जोगा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहंति। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूढस्स समाणस्स तप्पढमयाए इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तं०-सोत्थिय सिरिवच्छ जाव दप्पणं, तयाणंतरं च णं पुण्णकलसभिंगारं जहा उववाइए जाव गगणतलमणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, एवं जहा उववाइए तहेव भाणियव्वं जाव आलोयं वा करेमाणा जय २ सद्दं च पउंजमाणा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तयाणंतरं च णं बहवे उग्गा भोगा जहा उववाइए जाव महापुरिसवग्गुरापरिक्खित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ य मग्गओ य पासओ य अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमा-

रस्स पिया ण्हाए जाव विभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्ज-माणेणं सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणे २ हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे महया भडचडगर जाव परिक्खित्ते जमालिस्स खत्तियकुमा-रस्स पिट्ठओ २ अणुगच्छइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ महं आसा आसवरा उभओ पासिं णागा णागवरा पिट्ठओ रहा रहसंगेल्ली। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अब्भुग्गयभिंगारे परिग्गहियतालियंटे ऊसवियसेयछत्ते पवीइयसेयचामरवालवीयणीए सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं। तयाणंतरं च णं बहवे लट्ठिग्गाहा कुंतग्गाहा जाव पुत्थयग्गाहा जाव वीणग्गाहा, तयाणंतरं च णं अट्ठसयं गयाणं अट्ठसयं तुरयाणं अट्ठसयं रहाणं, तयाणंतरं च णं लउडअसिकोंतहत्थाणं बहूणं पायत्ताणीणं पुरओ संपट्ठियं, तयाणंतरं च णं बहवे राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभि-इओ पुरओ संपट्ठिया जाव णाइयरवेणं खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव माहणकुंडग्गामे नयरे जेणेव बहुसालए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छमाणस्स सिंघाडगतियचउक्क जाव पहेसु बहवे अत्थत्थिया जहा उववाइए जाव अभिनंदंता य अभित्थुणंता य एवं वयासी-जय जय णंदा धम्मेणं, जय जय णंदा तवेणं, जय जय णंदा! भद्दं ते अभग्गेहिं णाणदंसणचरित्तमुत्तमेहिं अजियाइं जिणाहि इंदियाइं जियं च पालेहि समणधम्मं जियविग्घोऽवि य वसाहि तं देव! सिद्धिमज्झे णिहणाहि य रागदोसमल्ले तवेण धिइधणियबद्धकच्छे मद्दाहि अट्ठ-कम्मसत्तू झाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं अप्पमत्तो हराहि आराहणपडागं च धीर! तेलो-क्करंगमज्झे पावय वितिमिरमणुत्तरं च केवलणाणं गच्छय मोक्खं परं पयं जिणव-रोवइट्ठेणं सिद्धिमग्गेणं अकुडिलेणं हंता परीसहचमूं अभिभविय गामकंटगोवसग्गाणं धम्मे ते अविग्घमत्थुत्तिकट्टु अभिनंदंति य अभिथुणंति य। तए णं से जमाली खत्ति-यकुमारे नयणमालासहस्सेहिं पिच्छिज्जमाणे २ एवं जहा उववाइए कूणिओ जाव णिग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे नयरे जेणेव बहुसालए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता छत्ताइए तित्थगराइसए पासइ पासित्ता पुरिससह-स्सवाहिणिं सीयं ठवेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ पच्चोरुहइ, तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो पुरओ काउं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते! जमाली खत्तियकुमारे अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग पुण पासणयाए, से जहानामए-उप्पलेइ वा पउमेइ वा जाव सहस्सपत्तेइ वा पंके

जाए जले संवुड्ढे णोवलिप्पइ पंकरएणं णोवलिप्पइ जलरएणं एवामेव जमालीवि खत्तियकुमारे कामेहिं जाए भोगेहिं संवुड्ढे णोवलिप्पइ कामरएणं णोवलिप्पइ भोगरएणं णोवलिप्पइ मित्तणाइनियगसयणसंबंधिपरिजणेणं, एस णं देवाणुप्पिया! संसारभयउव्विग्गे भीए जम्मजरामरणेणं इच्छइ देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए, तं एयन्नं देवाणुप्पियाणं अम्हे सीसभिक्खं दलयामो, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सीसभिक्खं, तए णं समणे० ३ तं जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी–अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ, तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं आभरणमल्लालंकारं पडिच्छइ पडिच्छित्ता हारवारि जाव विणिम्मुयमाणी २ जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी–घडियव्वं जाया! जइयव्वं जाया! परक्कमियव्वं जाया! अस्सि च णं अट्ठे णो पमायेयव्वंति कट्टु जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो समणं भगवं महावीरं वंदन्ति णमंसन्ति वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता एवं जहा उसभदत्तो तहेव पव्वइओ नवरं पंचहिं पुरिससएहिं सद्धिं तहेव जाव सव्वं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ अहिज्जेत्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ३८४ ॥

तए णं से जमाली अणगारे अन्नया कयाइं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरित्तए, तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं णो आढाइ णो परिजाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं जाव विहरित्तए, तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स दोच्चंपि तच्चंपि एयमट्ठं णो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया

जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं णयरी होत्था वन्नओ, कोट्ठए उज्जाणे वन्नओ जाव वणसंडस्स, तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था वन्नओ, पुन्नभद्दे उज्जाणे वन्नओ जाव पुढविसिलापट्टए। तए णं से जमाली अणगारे अन्नया कयाइ पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव कोट्ठए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हइ अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपानगरी जेणेव पुन्नभद्दे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हइ अहा० २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ॥ तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स तेहिं अरसेहि य विरसेहि य अंतेहि य पंतेहि य लूहेहि य तुच्छेहि य कालाइक्कंतेहि य पमाणाइक्कंतेहि य सीयएहि य पाणभोयणेहिं अन्नया कयाइ सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले विउले पगाढे कक्कसे कडुए चंडे दुक्खे दुग्गे तिव्वे दुरहियासे पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतिए यावि विहरइ। तए णं से जमाली अणगारे वेयणाए अभिभूए समाणे समणे णिग्गंथे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम सेज्जासंथारगं संथरेह, तए णं ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति पडिसुणेत्ता जमालिस्स अणगारस्स सेज्जासंथारगं संथरेंति, तए णं से जमाली अणगारे बलियतरं वेयणाए अभिभूए समाणे दोच्चंपि समणे निग्गंथे सद्दावेइ २ त्ता दोच्चंपि एवं वयासी–ममण्णं देवाणुप्पिया! सेज्जासंथारए किं कडे कज्जइ? (एवं वुत्ते समाणे समणा निग्गंथा विंति–भो सामी! कीरइ) तए णं ते समणा निग्गंथा जमालिं अणगारं एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पियाणं सेज्जासंथारए कडे कज्जइ, तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जन्नं समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एवं खलु चलमाणे चलिए उदीरिज्जमाणे उदीरिए जाव निज्जरिज्जमाणे णिज्जिन्ने तं णं मिच्छा इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए जम्हा णं सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए तम्हा चलमाणेवि अचलिए जाव निज्जरिज्जमाणेवि अणिज्जिन्ने, एवं संपेहेइ एवं संपेहेत्ता समणे निग्गंथे सद्दावेइ समणे निग्गंथे सद्दावेत्ता एवं वयासी–जन्नं देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु चलमाणे चलिए तं चेव सव्वं जाव णिज्जरिज्जमाणे अणिज्जिन्ने। तए

णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स एवं आइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स अत्थेगइया समणा निग्गंथा एयमट्ठं सद्दहंति पत्तियंति रोयंति, अत्थेगइया समणा निग्गंथा एयमट्ठं णो सद्दहंति ३, तत्थ णं जे ते समणा निग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं सद्दहंति ३ ते णं जमालिं चेव अणगारं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति, तत्थ णं जे ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं णो सद्दहंति णो पत्तियंति णो रोयंति ते णं जमालिस्स अणगारस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा जेणेव चंपानयरी जेणेव पुन्नभद्दे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ त्ता वंदंति णमंसंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति ॥ ३८५ ॥ तए णं से जमाली अणगारे अन्नया कयाइ ताओ रोगायंकाओ विप्पमुक्के हट्ठे तुट्ठे जाए अरोए बलियसरीरे सावत्थीओ नयरीओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपानयरी जेणेव पुन्नभद्दे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–जहा णं देवाणुप्पियाणं बहवे अंतेवासी समणा निग्गंथा छउमत्था भवेत्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कंता णो खलु अहं तहा चेव छउमत्थे भवित्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कमिए, अहन्नं उप्पन्नणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेणं अवक्कमिए, तए णं भगवं गोयमे जमालिं अणगारं एवं वयासी–णो खलु जमाली! केवलिस्स णाणे वा दंसणे वा सेलंसि वा थंभंसि वा थूभंसि वा आवरिज्जइ वा णिवारिज्जइ वा, जइ णं तुमं जमाली! उप्पन्नणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेणं अवक्कंते तो णं इमाइं दो वागरणाइं वागरेहि–सासए लोए जमाली! असासए लोए जमाली? सासए जीवे जमाली! असासए जीवे जमाली? तए णं से जमाली अणगारे भगवया गोयमेणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए जाव कलुससमावन्ने जाए यावि होत्था, णो संचाएइ भगवओ गोयमस्स किंचिवि पमोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीए संचिट्ठइ, जमालीति समणे भगवं महावीरे जमालिं अणगारं एवं वयासी–अत्थि णं जमाली! ममं बहवे अंतेवासी समणा निग्गंथा छउमत्था जे णं पभू एयं वागरणं वागरित्तए जहा णं अहं, नो चेव णं एयप्पगारं भासं भासित्तए जहा णं तुमं, सासए लोए जमाली! जन्न कयाइ णासि ण कयाइ ण भवइ ण कयाइ ण भविस्सइ भुविं च भवइ य भविस्सइ य धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, असासए लोए जमाली! जओ

ओसप्पिणी भवित्ता उस्सप्पिणी भवइ उस्सप्पिणी भवित्ता ओसप्पिणी भवइ, सासए जीवे जमाली ! जं न कयाइ णासि जाव णिच्चे, असासए जीवे जमाली ! जन्नं नेरइए भवित्ता तिरिक्खजोणिए भवइ तिरिक्खजोणिए भवित्ता मणुस्से भवइ मणुस्से भवित्ता देवे भवइ। तए णं से जमाली अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे दोच्चंपि समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमइ दोच्चंपि आयाए अवक्कमित्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाणं च परं च तदुभयं च वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ अ० २ त्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरससागरोवमठिइएसु देवकिव्विसिएसु देवेसु देवकिव्विसियत्ताए उववन्ने ॥३८६॥ तए णं से भगवं गोयमे जमालिं अणगारं कालगयं जाणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से जमाली णामं अणगारे से णं भंते ! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने ? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी कुसिस्से जमाली नामं अणगारे से णं तया मम एवं आइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं णो सद्दहइ ३ एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ दोच्चंपि ममं अंतियाओ आयाए अवक्कमइ २ त्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहि तं चेव जाव देवकिव्विसियत्ताए उववन्ने ॥ ३८७ ॥ कइविहा णं भंते ! देवकिव्विसिया प० ? गोयमा ! तिविहा देवकिव्विसिया प०, तंजहा–तिपलिओवमट्ठिइया तिसागरोवमट्ठिइया तेरससागरोवमट्ठिइया, कहि णं भंते ! तिपलिओवमट्ठिइया देवकिव्विसिया परिवसंति ? गोयमा ! उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थ णं तिपलिओवमट्ठिइया देवकिव्विसिया परिवसंति। कहि णं भंते ! तिसागरोवमट्ठिइया देवकिव्विसिया परिवसंति ? गोयमा ! उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं हिट्ठिं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिइया देवकिव्विसिया परिवसंति, कहि णं भंते ! तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिव्विसिया देवा परिवसंति ? गोयमा ! उप्पिं बंभलोगस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतए कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिव्विसिया देवा परिवसंति। देवकिव्विसिया णं भंते ! केसु कम्मादाणेसु देवकिव्विसियत्ताए उववत्तारो भवंति ? गोयमा ! जे इमे जीवा आयरियपडिणीया उवज्झायपडिणीया कुलपडिणीया गणपडिणीया संघ-

पडिणीया आयरियउवज्झायाणं अयसकरा अवन्नकरा अकित्तिकरा बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेहि य अप्पाणं च ३ वुग्गाहेमाणा वुप्पाएमाणा बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवकिव्विसिएसु देवकिव्विसियत्ताए उववत्तारो भवंति, तंजहा–तिपलिओवमट्ठिइएसु वा तिसागरोवमट्ठिइएसु वा तेरससागरोवमट्ठिइएसु वा। देवकिव्विसिया णं भंते! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति? गोयमा! जाव चत्तारि पंच नेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवभवग्गहणाइं संसारं अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति जाव अंतं करेंति, अत्थेगइया अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति॥ जमाली णं भंते! अणगारे अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे तुच्छाहारे अरसजीवी विरसजीवी जाव तुच्छजीवी उवसंतजीवी पसंतजीवी विवित्तजीवी? हंता गोयमा! जमाली णं अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी। जइ णं भंते! जमाली अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी कम्हा णं भंते! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरससागरोवमट्ठिइएसु देवकिव्विसिएसु देवेसु देवकिव्विसियत्ताए उववन्ने? गोयमा! जमाली णं अणगारे आयरियपडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए जाव वुप्पाएमाणे बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ तीसं० २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे जाव उववन्ने ॥ ३८८ ॥ जमाली णं भंते! देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! चत्तारि पंच तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवभवग्गहणाइं ससारं अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते! २ त्ति ॥३८९॥ **जमाली समत्तो ॥ नवमसए ३३ इमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी–पुरिसे णं भंते! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसं हणइ नोपुरिसं हणइ? गोयमा! पुरिसंपि हणइ नोपुरि(सेवि)संपि हणइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ पुरिसंपि हणइ नोपुरिसंपि हणइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं पुरिसं हणामि से णं एगं पुरिसं हणमाणे अणेगजीवा हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ पुरिसंपि हणइ नोपुरिसंपि हणइ। पुरिसे णं भंते! आसं हणमाणे किं आसं हणइ नोआसे हणइ? गोयमा! आसंपि हणइ नोआसेवि हणइ, से केणट्ठेणं अट्ठो तहेव, एवं हत्थिं सीहं वग्घं जाव चिल्ल-

ल्लगं। पुरिसे णं भंते! अन्नयरं तसपाणं हणमाणे किं अन्नयरं तसपाणं हणइ नोअन्नयरे तसपाणे हणइ? गोयमा! अन्नयरंपि तसपाणं हणइ नोअन्नयरेवि तसे पाणे हणइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अन्नयरंपि तसं पाणं हणइ नोअन्नयरेवि तसे पाणे हणइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं अन्नयरं तसं पाणं हणामि से णं एगं अन्नयरं तसं पाणं हणमाणे अणेगे जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! तं चेव, एए सव्वेवि एक्कगमा। पुरिसे णं भंते! इसिं हणमाणे किं इसिं हणइ नोइसिं हणइ? गोयमा! इसिंपि हणइ नोइसिंपि हणइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव नोइसिंपि हणइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं इसिं हणामि, से णं एगं इसिं हणमाणे अणंते जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं निक्खेवओ। पुरिसे णं भंते! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसवेरेणं पुट्ठे नोपुरिसवेरेणं पुट्ठे? गोयमा! नियमा ताव पुरिसवेरेणं पुट्ठे, अहवा पुरिसवेरेण य णोपुरिसवेरेण य पुट्ठे अहवा पुरिसवेरेण य नोपुरिसवेरेहिं य पुट्ठे, एवं आसं एवं जाव चिल्ललगं जाव अहवा चिल्ललगवेरेण य णोचिल्ललगवेरेहिं य पुट्ठे, पुरिसे णं भंते! इसिं हणमाणे किं इसिवेरेणं पुट्ठे नोइसिवेरेणं पुट्ठे? गोयमा! नियमा इसिवेरेण य नोइसिवेरेहिं य पुट्ठे॥३९०॥ पुढविक्काइया णं भंते! पुढविक्काइयं चेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा? हंता गोयमा! पुढविक्काइया पुढविक्काइयं चेव आणमंति वा जाव नीससंति वा। पुढविक्काइया णं भंते! आउक्काइयं आणमंति वा जाव नीससंति वा? हंता गोयमा! पुढविक्काइया आउक्काइयं आणमंति वा जाव नीससंति वा, एवं तेउक्काइयं वाउक्काइयं एवं वणस्सइकाइयं। आउक्काइया णं भंते! पुढविक्काइयं आणमंति वा पाणमंति वा०? एवं चेव, आउक्काइया णं भंते! आउक्काइयं चेव आणमंति वा०? एवं चेव, एवं तेउवाउवणस्सइकाइयं। तेउक्काइया णं भंते! पुढविक्काइयं आणमंति वा०? एवं जाव वणस्सइकाइया णं भंते! वणस्सइकाइयं चेव आणमंति वा०? तहेव। पुढविक्काइए णं भंते! पुढविकाइयं चेव आणममाणे वा पाणममाणे वा ऊससमाणे वा नीससमाणे वा कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, पुढविक्काइए णं भंते! आउक्काइय आणममाणे वा०? एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइयं, एवं आउकाइएणवि सव्वे भाणियव्वा, एवं तेउक्काइएणवि, एवं वाउक्काइएणवि, जाव वणस्सइकाइए णं भंते! वणस्सइकाइयं चेव आणममाणे वा०? पुच्छा, गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए॥३९१॥ वाउक्काइए णं भंते! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए। एवं कंदं एवं जाव मूलं, बीयं पचालेमाणे वा० पुच्छा, गोयमा! सिय तिकिरिए

सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ३९२॥ **नवमसए चउत्तीसइमो उद्देसो समत्तो॥ नवमं सयं समत्तं॥**

गाहा—दिसि १ संवुडअणगारे २ आइड्डी ३ सामहत्थि ४ देवि ५ सभा ६। उत्तरअंतरदीवा २८ दसमंमि सयंमि चोत्तीसा॥३४॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—किमियं भंते! पाईणत्ति पवुच्चइ? गोयमा! जीवा चेव अजीवा चेव, किमियं भंते! पडीणत्ति पवुच्चइ? गोयमा! एवं चेव, एवं दाहिणा, एवं उदीणा, एवं उड्ढा, एवं अहोवि। कइ णं भंते! दिसाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! दस दिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-पुरच्छिमा १ पुरच्छिमदाहिणा २ दाहिणा ३ दाहिणपच्चत्थिमा ४ पच्चत्थिमा ५ पच्चत्थिमुत्तरा ६ उत्तरा ७ उत्तरपुरच्छिमा ८ उड्ढा ९ अहो १०। एयासि णं भंते! दसण्हं दिसाणं कइ णामधेज्जा पण्णत्ता? गोयमा! दस नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा-इंदा १ अग्गेई २ जमा य ३ नेरई ४ वारुणी य ५ वायव्वा ६, सोमा ७ ईसाणी य ८ विमला य ९ तमा य १० बोद्धव्वा। इंदा णं भंते! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा? गोयमा! जीवावि ३ तं चेव जाव अजीवपएसावि, जे जीवा ते नियमा एगिंदिया बेइंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवपएसा ते नियमा एगिंदियपएसा बेइंदियपएसा जाव अणिंदियपएसा, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा-खंधा १ खंधदेसा २ खंधपएसा ३ परमाणुपोग्गला ४, जे अरूवी अजीवा ते सत्तविहा पन्नत्ता, तंजहा-नोधम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा, नोअधम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकायस्स देसे, अधम्मत्थिकायस्स पएसा, नोआगासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे, आगासत्थिकायस्स पएसा, अद्धासमए॥ अग्गेई णं भंते! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा०? पुच्छा, गोयमा! णोजीवा जीवदेसावि १ जीवपएसावि २ अजीवावि १ अजीवदेसावि २ अजीवपएसावि ३, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे १ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसा २ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा ३ अहवा एगिंदियदेसा तेइंदियस्स देसे एवं चेव तियभंगो भाणियव्वो एवं जाव अणिंदियाणं तियभंगो, जे जीवपएसा ते नियमा एगिंदियपएसा अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियस्स पएसा अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा एवं आइल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा

पन्नत्ता, तंजहा-खंधा जाव परमाणुपोग्गला ४, जे अरूवी अजीवा ते सत्तविहा पन्नत्ता, तंजहा-नोधम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पएसा एव अधम्मत्थिकायस्सवि जाव आगासत्थिकायस्स पएसा अद्धासमए। विदिसासु नत्थि जीवा देसे भंगो य होइ सव्वत्थ। जमा णं भंते! दिसा किं जीवा० ? जहा इंदा तहेव निरवसेसा, नेरई य जहा अग्गेई, वारुणी जहा इंदा, वायव्वा जहा अग्गेई, सोमा जहा इंदा, ईसाणी जहा अग्गेई, विमलाए जीवा जहा अग्गेई, अजीवा जहा इंदा, एवं तमाएवि, नवरं अरूवी छव्विहा अद्धासमओ न भन्नइ ॥ ३९३ ॥ कइ णं भंते! सरीरा पन्नत्ता ? गोयमा! पंच सरीरा पन्नत्ता, तंजहा-ओरालिए जाव कम्मए। ओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते ? एवं ओगाहणसंठाणं निरवसेसं भाणियव्वं जाव अप्पाबहुगंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ३९४ ॥ **दसमे सए पढमो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-संवुडस्स णं भंते! अणगारस्स वीइपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं निज्झायमाणस्स मग्गओ रूवाइं अवयक्खमाणस्स पासओ रूवाइं अवलोएमाणस्स उड्ढं रूवाइं ओलोएमाणस्स अहे रूवाइं आलोएमाणस्स तस्स णं भंते! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा! संवुडस्स णं अणगारस्स वीइपंथे ठिच्चा जाव तस्स णं णो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ संवुडस्स जाव संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा! जस्स णं कोहमाणमायालोभा एवं जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव से णं उस्सुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं जाव संपराइया किरिया कज्जइ। संवुडस्स णं भंते! अणगारस्स अवीइपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं निज्झायमाणस्स जाव तस्स णं भंते! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ० ? पुच्छा, गोयमा! संवुड० जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ नो संपराइया किरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जहा सत्तमे सए पढमोद्देसए जाव से णं अहासुत्तमेव रीयइ से तेणट्ठेणं जाव नो संपराइया किरिया कज्जइ ॥ ३९५ ॥ कइविहा णं भंते! जोणी प० ? गोयमा! तिविहा जोणी प०, तंजहा-सीया उसिणा सीओसिणा, एवं जोणीपयं निरवसेसं भाणियव्वं ॥ ३९६ ॥ कइविहा णं भंते! वेयणा प० ? गोयमा! तिविहा वेयणा प०, तंजहा-सीया उसिणा सीओसिणा, एवं वेयणापयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव नेरइया णं भंते! किं दुक्खं वेयणं वेदेंति सुहं वेयणं वेयंति अदुक्खमसुहं वेयणं वेयंति ? गोयमा! दुक्खंपि वेयणं वेयंति सुहंपि वेयणं वेयंति अदुक्खमसुहंपि वेयणं वेयंति ॥ ३९७ ॥ मासियण्णं भंते! भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स

निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे, एवं मासिया भिक्खुपडिमा निरवसेसा भाणियव्वा [जहा दसाहिं] जाव आराहिया भवइ ॥ ३९८ ॥ भिक्खू य अन्नयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा, भिक्खू य अन्नयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता तस्स णं एवं भवइ पच्छावि णं अहं च(रि)रमकालसमयंसि एयस्स ठाणस्स आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते जाव नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स अराहणा, भिक्खू य अन्नयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता तस्स णं एवं भवइ–जइ ताव समणोवासगावि कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति किमंग पुण अहं अन्नपन्नियदेवत्तणंपि नो लभिस्सामित्ति कट्टु से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३९९ ॥ **दसमसयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–आइड्ढीए णं भंते ! देवे जाव चत्तारि पंच देवावासंतराइं वीइक्कंते तेण परं परिड्ढीए ? हंता गोयमा ! आइड्ढीए णं तं चेव, एवं असुरकुमारेवि, नवरं असुरकुमारावासंतराइं सेसं तं चेव, एवं एएणं कमेणं जाव थणियकुमारे, एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जाव तेण परं परिड्ढीए। अप्पिड्ढिए णं भंते ! देवे से महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । समिड्ढिए णं भंते ! देवे समिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, पमत्तं पुण वीइवएज्जा, से णं भंते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहित्ता पभू ? गोयमा ! विमोहेत्ता पभू नो अविमोहेत्ता पभू । से भंते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा णो पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा । महिड्ढिए णं भंते ! देवे अप्पिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता वीइवएज्जा, से णं भंते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहेत्ता पभू ? गोयमा ! विमोहेत्तावि पभू अविमोहेत्तावि पभू, से भंते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवइज्जा पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं वा विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वा वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा । अप्पिड्ढिए णं भंते ! असुरकुमारे महिड्ढियस्स असुरकुमारस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं असुरकुमारेणवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा जहा ओहिएणं देवेणं भणिया, एवं जाव थणियकुमा(रा)रेणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएणं

एवं चेव । अप्पिड्ढिए णं भंते ! देवे महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा? णो इणट्ठे समट्ठे, समिड्ढिए णं भंते ! देवे समिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं०; एवं तहेव देवेण य देवी(ण)ए य दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणि(या)ए । अप्पिड्ढिया णं भंते ! देवी महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं एवं एसोवि तइओ दंडओ भाणियव्वो जाव महिड्ढिया वेमाणिणी अप्पिड्ढियस्स वेमाणियस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता वीइवएज्जा । अप्पिड्ढिया णं भंते ! देवी महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं समिड्ढिया देवी समिड्ढियाए देवीए तहेव, महिड्ढियावि देवी अप्पिड्ढियाए देवीए तहेव, एवं एक्केक्के तिन्नि २ आलावगा भाणियव्वा जाव महिड्ढिया णं भंते ! वेमाणिणी अप्पिड्ढियाए वेमाणिणीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता वीइवएज्जा, सा भंते ! किं विमोहित्ता पभू तहेव जाव पुव्विं वा वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा एए चत्तारि दंडगा ॥ ४०० ॥ आसस्स णं भंते ! धावमाणस्स किं खुखुत्ति करेइ ? गोयमा ! आसस्स णं धावमाणस्स हिययस्स य जगयस्स य अंतरा एत्थ णं क(क्क)ब्बडए नामं वाए संमुच्छइ जे णं आसस्स धावमाणस्स खुखुत्ति करेइ ॥ ४०१ ॥ अह भंते ! आसइस्सामो सइस्सामो चिट्ठिस्सामो निसीइस्सामो तुयट्टिस्सामो, आमंतणि आणवणी जायणी तह पुच्छणी य पण्णवणी । पच्चक्खाणी भासा भासा इच्छाणुलोमा य ॥१॥ अणभिग्गहिया भासा भासा य अभिग्गहंमि बोद्धव्वा । संसयकरणी भासा वोयडमव्वोयडा चेव ॥ २ ॥ पन्नवणी णं एसा भासा न एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! आसइस्सामो तं चेव जाव न एसा भासा मोसा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४०२॥ **दसमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था वन्नओ, दूइपलासए उज्जाणे, सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नामं अणगारे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सामहत्थी नामं अणगारे पगइभद्दए जहा रोहे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ, तए णं से सामहत्थी अणगारे जायसड्ढे जाव उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता भगवं गोयमं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? एवं खलु सामहत्थी ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे कायंदी नामं नयरी होत्था वन्नओ, तत्थ णं कायंदीए नय-

रीए तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा परिवसन्ति अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा जाव विहरन्ति, तए णं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा पुव्विं उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी भवित्ता तओ पच्छा पासत्था पासत्थविहारी ओसन्ना ओसन्नविहारी कुसीला कुसीलविहारी अहाछंदा अहाछंदविहारी बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति २ त्ता अद्ध-मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेंति अत्ताणं झूसेत्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगदेवत्ताए उववन्ना, जप्पभिइं च णं भंते! कायंदगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो ताय-त्तीसगदेवत्ताए उववन्ना तप्पभिइं च णं भंते! एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असु-रकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा २? (तत्थ)तए णं भगवं गोयमे सामहत्थिणा अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता सामह-त्थिणा अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी– अत्थि णं भंते! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो तायत्तीसगा देवा २? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ? एवं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तप्पभिइं च णं एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा २? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं खलु गोयमा! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगाणं देवाणं सासए नामधेज्जे पण्णत्ते, जं न कयाइ नासी न कयाइ न भवइ ण कयाइ ण भविस्सइ जाव निच्चे अव्वोच्छित्तिनयट्ठयाए अन्ने चयंति अन्ने उववज्जंति। अत्थि णं भंते! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो तायत्तीसगा देवा २? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ बलिस्स वइरोयणिंदस्स जाव तायत्तीसगा देवा २? एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे बिभेले णाम संनिवेसे होत्था वन्नओ, तत्थ णं बिभेले संनिवेसे जहा चमरस्स जाव उव-वन्ना, जप्पभिइं च णं भंते! ते बिभेलगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवा-सगा बलिस्स वइरोयणिंदस्स सेसं तं चेव जाव निच्चे अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाए अन्ने चयंति अन्ने उववज्जंति। अत्थि णं भंते! धरणस्स णागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा २? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं जाव तायत्तीसगा देवा २? गोयमा! धरणस्स नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो तायत्तीसगाणं देवाणं सासए नामधेज्जे पन्नत्ते जं न कयाइ नासी जाव अन्ने चयंति अन्ने उववज्जंति, एवं भूयाणंदस्सवि,

एवं जाव महाघोसस्स । अत्थि णं भंते ! सक्करस देविंदस्स देवरन्नो० पुच्छा, हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! जाव तायत्तीसगा देवा २? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पालासए(वालाए) नामं संनिवेसे होत्था वन्नओ, तत्थ णं पालासए सन्निवेसे तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा जहा चमरस्स जाव विहरंति, तए णं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा पुव्विंपि पच्छावि उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेन्ति झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति २ त्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा जाव उववन्ना, जप्पभिइं च णं भंते ! पालासिगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा सेसं जहा चमरस्स जाव अण्णे उववज्जंति । अत्थि णं भंते ! ईसाणस्स ३ एवं जहा सक्कस्स नवरं चंपाए नयरीए जाव उववन्ना, जप्पभिइं च णं भंते ! चंपिज्जा तायत्तीसं सहाया० सेसं तं चेव जाव अन्ने उववज्जंति । अत्थि णं भंते ! सणंकुमारस्स देविंदस्स देवरन्नो० पुच्छा, हंता अत्थि, से केणट्ठेणं जहा धरणस्स तहेव एवं जाव पाणयस्स एवं अच्चुयस्स जाव अन्ने उववज्जंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४०३॥

दसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसओ समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे गुणसिलए उज्जाणे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना जहा अट्ठमे सए सत्तमुद्देसए जाव विहरंति । तए णं ते थेरा भगवंतो जायसड्ढा जाव संसया जहा गोयमसामी जाव पज्जुवासमाणा एवं वयासी–चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! पंच अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–काली राई रयणी विज्जू मेहा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ देविसहस्सा परिवारो पन्नत्तो, पभू णं भंते ! ताओ एगमेगा देवी अन्नाइं अट्ठट्ठदेवीसहस्साइं परि(या)वारं विउव्वित्तए ? एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तालीसं देवीसहस्सा, से त्तं तुडिए, पभू णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए ? नो इणट्ठे समट्ठे । पभू णं अज्जो ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं तायत्तीसाए जाव अन्नेहिं च बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महयाहय जाव भुंजमाणे विहरित्तए० केवलं परियारिड्ढीए नो चेव णं मेहुणवत्तियं ॥ ४०४ ॥ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुर-

कुमाररन्नो सोमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं परिवारो पन्नत्तो, पभू णं ताओ एगमेगा(ए) देवी(ए) अन्नं एगमेगं देविसहस्सं परियारं विउव्वित्तए, एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तारि देविसहस्सा, सेत्तं तुडिए, पभू णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सोमे महाराया सोमाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए सोमंसि सीहासणंसि तुडिएणं अवसेसं जहा चमरस्स, नवरं परियारो जहा सूरियाभस्स, सेसं तं चेव, जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं । चमरस्स णं भंते ! जाव रन्नो जमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ ? एवं चेव नवरं जमाए रायहाणीए सेसं जहा सोमस्स, एवं वरुणस्सवि, नवरं वरुणाए रायहाणीए, एवं वेसमणस्सवि नवरं वेसमणाए रायहाणीए सेसं तं चेव जाव मेहुणवत्तियं । बलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स पुच्छा, अज्जो ! पंच अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-सुभा निसुंभा रंभा निरंभा मयणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ सेसं जहा चमरस्स, नवरं बलिंचंचाए रायहाणीए परिया(वा)रो जहा मोउद्देसए, सेसं तं चेव जाव मेहुणवत्तियं । बलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो सोमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-मीणगा सुभद्दा वि(ज्जु)जया असणी, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सेसं जहा चमर(सोम)स्स, एवं जाव वेसमणस्स ॥ धरणस्स णं भंते ! नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! छ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-इ(अ)ला सु(स)क्का स(ते)दारा सोयामणी इंदा घणविज्जुया, तत्थ णं एगमेगाए देवीए छ छ देविसहस्सा परिवारो पन्नत्तो, पभू णं भंते ! ताओ एगमेगा(ए) देवी(ए) अन्नाइं छ छ देविसहस्साइं परियार विउव्वित्तए एवामेव सपुव्वावरेणं छत्तीसं देविसहस्साइं, सेत्तं तुडिए । पभू णं भंते ! धरणे सेसं तं चेव, नवरं धरणाए रायहाणीए धरणंसि सीहासणंसि सओ परिवारो सेसं तं चेव । धरणस्स णं भंते ! नागकुमारिंदस्स कालवालस्स लोगवालस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अवसेसं जहा चमरस्स लोगपालाणं, एवं सेसाणं तिण्हवि । भूयाणंदस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! छ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-रूया रूयंसा सुरूया रु(रू)यगावई रूयकंता रूयप्पभा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अवसेसं जहा धरणस्स, भूयाणंदस्स णं भंते ! नागकुमारस्स वि(चि)त्तस्स पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा, तत्थ णं एगमेगाए

देवीए अवसेसं जहा चमरलोगपालाणं एवं सेसाणं तिण्हवि लोगपालाणं, जे दाहिणिल्लाणिंदा तेसिं जहा धरणिंदस्स, लोगपालाणंपि तेसिं जहा धरणस्स लोगपालाणं, उत्तरिल्लाणं इंदाणं जहा भूयाणंदस्स, लोगपालाणवि तेसिं जहा भूयाणंदस्स लोगपालाणं, नवरं इंदाणं सव्वेसि रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसणामगाणि, परिवारो जहा तइयसए पढमे उद्देसए, लोगपालाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसनामगाणि, परिवारो जहा चमरस्स लोगपालाणं। कालस्स णं भंते ! पिसाइंदस्स पिसायरन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं सेसं जहा चमरलोगपालाणं, परिवारो तहेव, नवरं कालाए रायहाणीए कालंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव, एवं महाकालस्सवि। सुरूवस्स णं भंते ! भूइंदस्स भूयरन्नो पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा, तत्थ णं एगमेगा(ए) सेसं जहा कालस्स, एवं पडिरूवस्सवि। पुन्नभद्दस्स णं भंते ! जक्खिदस्स पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–पुन्ना बहुपुत्तिया उत्तमा तारया, तत्थ णं एगमेगाए सेसं जहा कालस्स, एवं माणिभद्दस्सवि। भीमस्स णं भंते ! रक्खसिंदस्स पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–पउमा पउमावई कणगा रयणप्पभा, तत्थ णं एगमेगा देवी सेसं जहा कालस्स। एवं महाभीमस्सवि। किन्नरस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–वडेंसा केउमई रइसेणा रइप्पिया, तत्थ णं सेसं तं चेव, एवं किंपुरिसस्सवि। स(सु)प्पुरिसस्स णं पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रोहिणी नवमिया हिरी पुप्फवई, तत्थ णं एगमेगा देवी सेसं तं चेव, एवं महापुरिसस्सवि। अइकायस्स णं पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ प०, तंजहा–भु(य)यंगा भुयंगवई महाकच्छा फुडा, तत्थ णं०, सेसं तं चेव, एवं महाकायस्सवि। गीयरइस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ प०, तंजहा–सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, तत्थ णं०, सेसं तं चेव, एवं गीयजसस्सवि, सव्वेसिं एएसिं जहा कालस्स, नवरं सरिसना(मगा)मियाओ रायहाणीओ सीहासणाणि य, सेस तं चेव। चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरन्नो पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–चंदप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा, एवं जहा जीवाभिगमे जोइसियउद्देसए तहेव, सूरस्सवि सूरप्पभा आ(इच्चा)यवाभा अच्चिमाली पभंकरा, सेसं तं चेव, जाव नो चेव णं मेहुणवत्तियं। इंगालस्स णं भंते ! महग्गहस्स कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ

पन्नत्ताओ, तंजहा–विजया वेजयंती जयंती अपराजिया, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सेसं तं चेव जहा चंदस्स, नवरं इंगालवडेंसए विमाणे इंगालगंसि सीहासणंसि सेसं तं चेव, एवं वियालगस्सवि, एवं अट्ठासी(ई)एवि महागहाणं भाणियव्वं जाव भावकेउस्स, नवरं वडेसगा सीहासणाणि य सरिसनामगाणि, सेसं तं चेव। सक्कस्स णं भंते! देविंदस्स देवरन्नो पुच्छा, अज्जो! अट्ठ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–पउमा सिवा से(वा)या अंजू अमला अच्छरा नवमिया रोहिणी, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सोलस सोलस देविसहस्सा परिवारो पन्नत्तो, पभू णं ताओ एगमेगा देवी अन्नाइं सोलस २ देविसहस्सपरियारं विउव्वित्तए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठावीसुत्तरं देविसयसहस्सं परियारं विउव्वित्तए, सेत्तं तुडिए। पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेसए विमाणे सभाए सुहम्माए सक्कंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं सेसं जहा चमरस्स नवरं परिवारो जहा मोउद्देसए। सक्कस्स णं भंते! देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रोहिणी मयणा चित्ता सोमा, तत्थ णं एगमेगा० सेसं जहा चमरलोगपालाणं, नवरं सयंपभे विमाणे सभाए सुहम्माए सोमंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव, एवं जाव वेसमणस्स, नवरं विमाणाइं जहा तइयसए। ईसाणस्स णं भंते! पुच्छा, अज्जो! अट्ठ अग्गमहिसीओ प०, तंजहा–कण्हा कण्हराई रामा रामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा, तत्थ णं एगमेगाए० सेसं जहा सक्कस्स। ईसाणस्स णं भंते! देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ प०, तंजहा–पुढवी राई रयणी विज्जू, तत्थ णं०, सेसं जहा सक्कस्स लोगपालाणं, एवं जाव वरुणस्स, नवरं विमाणा जहा चउत्थसए, सेसं तं चेव, जाव नो चेव णं मेहुणवत्तियं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥४०५॥ **दसमसए पंचमो उद्देसो समत्तो** ॥

कहि णं भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सभा सुहम्मा पन्नत्ता? गोयमा! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पंच वडेंसगा पन्नत्ता, तंजहा–असोगवडेंसए जाव मज्झे सोहम्मवडेंसए, से णं सोहम्मवडेंसए महाविमाणे अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं,–एवं जह सूरियाभे तहेव माणं तहेव उववाओ। सक्कस्स य अभिसेओ तहेव जह सूरियाभस्स ॥ १ ॥ अलंकारो तहेव जाव आयरक्खदेवत्ति, दो सागरोवमाइं ठिई। सक्के णं भंते! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए जाव केम(हेस)हासोक्खे? गोयमा! महिड्ढिए जाव महासोक्खे, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं

जाव विहरइ, एवंमहिड्ढिए जाव महासोक्खे सक्के देविंदे देवराया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४०६॥ **दसमसए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

कहिन्नं भंते ! उत्तरिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे नामं दीवे पन्नत्ते ? एवं जहा जीवाभिगमे तहेव निरवसेसं जाव सुद्धदंतदीवोत्ति, एए अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४०७ ॥ **दसमसए चउत्तीसइमो उद्देसो समत्तो ॥ दसमं सयं समत्तं ॥**

उप्पल १ सालु २ पलासे ३ कुंभी ४ नाली य ५ पउम ६ कन्नी ७ य । नलिण ८ सिव ९ लोग १० काला ११ लंभिय १२ दस दो य एक्कारे ॥ १ ॥ उववाओ १ परिमाणं २ अवहारु ३ च्चत्त ४ वंध ५ वेए ६ य । उदए ७ उदीरणाए ८ लेसा ९ दिट्ठी १० य नाणे ११ य ॥ १ ॥ जोगु १२ वओगे १३ वन्न १४ रसमाई १५ ऊसासगे १६ य आहारे १७ । विरई १८ किरिया १९ वंधे २० सन्न २१ कसायि २२ त्थि २३ वंधे २४ य ॥ २ ॥ सन्नि २५ दिय २६ अणुवंधे २७ संवेहा २८ हार २९ ठिइ ३० समुग्घाए ३१ । चयणं ३२ मूलाईसु य उववाओ ३३ सव्वजीवाणं ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—उप्पले णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ? गोयमा ! एगजीवे नो अणेगजीवे, तेण परं जे अन्ने जीवा उववज्जंति ते णं णो एगजीवा अणेगजीवा । ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खमणुस्सदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नो नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जन्ति मणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति देवेहिंतोवि उववज्जंति, एवं उववाओ भाणियव्वो जहा वक्कंतीए वणस्सइकाइयाणं जाव ईसाणेत्ति १ । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति २ । ते णं भंते ! जीवा समए २ अवहीरमाणा २ केवइयकालेणं अवहीरंति ? गोयमा ! ते णं असंखेज्जा समए २ अवहीरमाणा २ असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति नो चेव णं अवहिया सिया ३ । तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं ४ । ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वंधगा अवंधगा ? गोयमा ! नो अवंधगा बंधए वा वंधगा वा एवं जाव अंतराइयस्स, नवरं आउयस्स पुच्छा, गोयमा ! बंधए वा अवंधए वा वंधगा वा अवंधगा वा अहवा बंधए य अवंधए य अहवा वंधए य अवंधगाय अहवा वंधगा य अवंधए य अहवा वंधगा य अबंधगा य ८ एए अट्ठ

भंगा ५। ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वेयगा अवेयगा? गोयमा! नो अवेयगा वेदए वा वेयगा वा एवं जाव अंतराइयस्स, ते णं भंते! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा? गोयमा! सायावेयए वा असायावेयए वा अट्ठ भंगा ६। ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदई अणुदई? गोयमा! नो अणुदई उदई वा उदइणो वा, एवं जाव अंतराइयस्स ७॥ ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदीरगा०? गोयमा! नो अणुदीरगा उदीरए वा उदीरगा वा, एवं जाव अंतराइयस्स, नवरं वेयणिज्जाउएसु अट्ठ भंगा ८। ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा तेउलेसा? गोयमा! कण्हलेसे वा जाव तेउलेसे वा कण्हलेस्सा वा नीललेस्सा वा काउलेस्सा वा तेउलेसा वा अहवा कण्हलेसे य नीललेस्से य एवं एए दुयासंजोगतियासंजोगचउक्कसंजोगेणं असीइ भंगा भवंति ९॥ ते णं भंते! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मा-मिच्छादिट्ठी? गोयमा! नो सम्मदिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी वा मिच्छा-दिट्ठिणो वा १०। ते णं भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी? गोयमा! नो नाणी अण्णाणी वा अन्नाणिणो वा ११। ते णं भंते! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी? गोयमा! नो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी वा कायजोगिणो वा १२। ते णं भंते! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता? गोयमा! सागा-रोवउत्ते वा अणागारोवउत्ते वा अट्ठ भंगा १३। तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा कइवन्ना कइगंधा कइरसा कइफासा प०? गोयमा! पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा अट्ठ-फासा प०, ते पुण अप्पणा अवन्ना अगंधा अरसा अफासा प० १४-१५॥ ते णं भंते! जीवा किं उस्सासा निस्सासा नो उस्सासनिस्सासा? गोयमा! उस्सासए वा १ निस्सासए वा २ नो उस्सासनिस्सासए वा ३ उस्सासगा वा ४ निस्सासगा वा ५ नो उस्सासनीसासगा वा ६, अहवा उस्सासए य निस्सासए य ४ अहवा उस्सासए य नो उस्सासनिस्सासए य ४ अहवा निस्सासए य नो उस्सासनीसासए य ४, अहवा ऊसासए य नीसासए य नो उस्सासनिस्सासए य अट्ठ भंगा, एए छव्वीसं भंगा भवंति ॥१६॥ ते णं भंते! जीवा कि आहारगा अणाहारगा? गोयमा! नो अणाहारगा आहारए वा अणाहारए वा एवं अट्ठ भंगा १७। ते णं भंते! जीवा कि विरया अविरया विरयाविरया? गोयमा! नो विरया नो विरयाविरया अविरए वा अविरया वा १८। ते णं भंते! जीवा किं सकिरिया अकिरिया? गोयमा! नो अकिरिया सकिरिए वा सकिरिया वा १९। ते णं भंते! जीवा किं सत्तविहबंधगा अट्ठविहबंधगा? गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा अट्ठ भंगा २०। ते

णं भंते ! जीवा किं आहारसन्नोवउत्ता भयसन्नोवउत्ता मेहुणसन्नोवउत्ता परिग्गहसन्नोवउत्ता ? गोयमा ! आहारसन्नोवउ(त्ते)त्ता वा असीइ भंगा २१ । ते णं भंते ! जीवा किं कोहकसाई माणकसाई मायाकसाई लोभकसाई ? गोयमा ! कोहकसाई वा असीइ भंगा २२ । ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेदगा पुरिसवेदगा नपुंसगवेदगा ? गोयमा ! नो इत्थिवेदगा नो पुरिसवेदगा नपुंसगवेदए वा नपुंसगवेदगा वा २३ । ते णं भंते ! जीवा कि इत्थिवेदबंधगा पुरिसवेदबंधगा नपुंसगवेदबंधगा ? गोयमा ! इत्थिवेदबंधए वा पुरिसवेदबंधए वा नपुंसगवेयबंधए वा, छव्वीसं भंगा २४ । ते णं भंते ! जीवा कि सन्नी असन्नी ? गोयमा ! नो सन्नी असन्नी वा असन्निणो वा २५ । ते णं भंते ! जीवा कि सइंदिया अणिंदिया ? गोयमा ! नो अणिंदिया सइंदिए वा सइंदिया वा २६ । से णं भंते ! उप्पलजीवेति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं २७ । से णं भंते ! उप्पलजीवे पुढविजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेण दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, से णं भंते ! उप्पलजीवे आउजीवे एवं चेव एवं जहा पुढविजीवे भणिए तहा जाव वाउजीवे भाणियव्वे, से णं भंते ! उप्पलजीवे से वणस्सइजीवे से पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अणंतं कालं तरुकालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, से णं भंते ! उप्पलजीवे बेइंदियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जं कालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एवं तेइंदियजीवि, एवं चउरिंदियजीवेवि, से णं भंते ! उप्पलजीवे पंचेंदियतिरिक्खजोणियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति पुच्छा, गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ताइं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्ताइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एवं मणुस्सेणवि समं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २८ । ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा आहारुद्देसए वणस्सइकाइयाणं आहारो तहेव जाव

सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति नवरं निय(मं)मा छद्दिसि सेसं तं चेव २९। तेसि णं भंते! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं ३० । तेसि णं भंते! जीवाणं कइ समुग्घाया प० ? गोयमा! तओ समुग्घाया प०, तंजहा–वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए ३१। ते णं भंते! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति ३२। ते णं भंते! जीवा अणतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति किं नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति एवं जहा वक्कंतीए उव्वट्टणाए वणस्सइकाइयाणं तहा भाणियव्वं। अह भंते! सव्वपाणा सव्वभूया सव्वजीवा सव्वसत्ता उप्पलमूलत्ताए उप्पलकंदत्ताए उप्पलनालत्ताए उप्पलपत्तत्ताए उप्पलकेसरत्ताए उप्पलकन्नियत्ताए उप्पलथिभुगत्ताए उववन्नपुव्वा ? हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ३३ ॥ ४०८ ॥ **एक्कारसमस्स सयस्स पढमो उप्पलुद्देसओ समत्तो ॥**

सालुए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ? गोयमा! एगजीवे, एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अणंतखुत्तो, नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४०९॥११–२॥ पलासे णं भंते! एगपत्तए कि एगजीवे अणेगजीवे ? एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा, नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं गाउयपुहु(त्तं)त्ता, देवा एएसु न उववज्जंति। लेसासु ते णं भंते! जीवा कि कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा० ? गोयमा! कण्हलेस्से वा नीललेस्से वा काउलेस्से वा छव्वीसं भंगा, सेसं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४१० ॥ ११–३ ॥ कुंभिए णं भंते एगपत्तए कि एगजीवे अणेगजीवे ? एवं जहा पलासुद्देसए तहा भाणियव्वे, नवरं ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, सेसं तं चेव । सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४११ ॥ ११–४ ॥ नालिए णं भंते! एगपत्तए कि एगजीवे अणेगजीवे ? एवं कुंभिउद्देसगवत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१२ ॥ ११–५ ॥ पउमे णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ? एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१३ ॥ ११–६ ॥ कन्निए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे० ? एवं चेव निरवसेसं भाणियव्वं । सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१४ ॥ ११–७ ॥ नलिणे णं भंते! एगपत्तए कि एगजीवे अणेगजीवे ? एवं चेव निरवसेसं जाव अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१५ ॥ **एयारहमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स णं हत्थिणापुरस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे एत्थ णं सहसंबवणे णामं उज्जाणे होत्था सव्वोउयपुप्फफलसमिद्धे रम्मे णंदणवणसंनिगासे सुहसीयलच्छाए मणोरमे साउफले अकंटए पासाईए जाव पडिरूवे, तत्थ णं हत्थिणापुरे नयरे सिवे नामं राया होत्था महयाहिमवंत० वन्नओ, तस्स णं सिवस्स रन्नो धारिणी नामं देवी होत्था सुकुमालपाणिपाया वन्नओ, तस्स णं सिवस्स रन्नो पुत्ते धारिणीए अत्तए सिवभद्दए नामं कुमारे होत्था सुकुमाल० जहा सूरियकंते जाव पच्चुवेक्खमाणे पच्चुवेक्खमाणे विहरइ, तए णं तस्स सिवस्स रन्नो अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि रज्जधुरं चिंतेमाणस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि ता मे पुरा पोराणाणं जहा तामलिस्स जाव पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि रज्जेणं वड्ढामि एवं रट्ठेणं बलेणं वाहणेणं कोसेण कोट्ठागारेणं पुरेणं अंतेउरेणं वड्ढामि विपुलधणकणगरयण जाव संतसारसावएज्जेणं अईव २ अभिवड्ढामि, तं किन्नं अहं पुरा पोराणाणं जाव एगंतसोक्खयं उव्वेहमाणे विहरामि ? तं जाव ताव अहं हिरन्नेणं वड्ढामि तं चेव जाव अभिवड्ढामि जाव मे सामंतरायाणोवि वसे वट्टंति ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं घडावेत्ता सिवभद्दं कुमारं रज्जे ठावेत्ता तं सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं गहाय जे इमे गंगाकूले वाणपत्था तावसा भवंति, तं०–होत्तिया पोत्तिया को(सो)त्तिया जन्नई सड्ढई थालई हुंबउट्ठा दंतुक्खलिया उम्मज्जगा संमज्जगा निम्मज्जगा संपक्खाला उद्धकंडूयगा अहोकंडूयगा दाहिणकूलगा उत्तरकूलगा संखधमगा कूलधमगा मियलुद्धया हत्थितावसा जलाभिसेयक(कि)ढिणगाया अंबुवासिणो वाउवासिणो जलवासिणो वे(चे)लवासिणो अंबुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदाहारा पत्ताहारा तयाहारा पुप्फाहारा फलाहारा बीयाहारा परिसडियकंदमूलतयपंडुपत्तपुप्फफलाहारा उद्दंडगा रुक्खमूलिया विलवासिणो वक्क(ल)वासिणो दिसापोक्खिणो आयावणाहिं पंचग्गितावेहि इंगालसोल्लियंपिव कंडुसोल्लियंपिव कट्ठसोल्लियंपिव जाव अप्पाणं करेमाणा विहरंति ॥ तत्थ णं जे ते दिसापोक्खियतावसा तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोक्खियतावसत्ताए पव्वइत्तए, पव्वइएवि य णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरित्तएत्तिकट्टु, एवं संपेहेइ संपेहेत्ता कल्लं जाव जलंते सुबहुं लोहीलोह जाव घडावेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरं नयरं सब्भिंतरबाहिरियं

आसिय जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति, तए णं से सिवे राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सिवभद्दस्स कुमारस्स महत्थं २ विउलं रायाभिसेयं उवट्ठवेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव उवट्ठवेंति, तए णं से सिवे राया अणेगगणनायगदंडनायग जाव संधिवाल सद्धिं संपरिवुडे सिवभद्दं कुमारं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं निसीयावे(न्ति)इ २त्ता अट्ठसएणं सोवन्नियाणं कलसाणं जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया२ रायाभिसेएणं अभिसिंच(न्ति)इ २ त्ता पम्हलसुकुमालाए सुरभिए गंधकासाईए गायाइं लूहे(न्ति)इ पम्ह० २ त्ता सरसेणं गोसीसेणं एवं जहेव जमालिस्स अलंकारो तहेव जाव कप्परुक्खगंपिव अलंकियविभूसियं करेंति २ त्ता करयल जाव कट्टु सिवभद्दं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं एवं जहा उववाइए कोणियस्स जाव परमाउं पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुडे हत्थिणापुरस्स नयरस्स अन्नेसिं च बहूणं गामागरनगर जाव विहराहित्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति, तए णं से सिवभद्दे कुमारे राया जाए महया हिमवंत० वन्नओ जाव विहरइ, तए णं से सिवे राया अन्नया कयाइं सोहणंसि तिहिकरणदिवसमुहुत्तनक्खत्तंसि विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ उवक्खडावेत्ता मित्तणाइनियग जाव परिजणं रायाणो खत्तिए य आमंतेइ आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जाव सरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए तेणं मित्तणाइनियगसयण जाव परिजणेणं राएहि य खत्तिएहि य सद्धिं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं एवं जहा तामली जाव सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तं मित्तणाइणियग जाव परिजणं रायाणो य खत्तिए य सिवभद्दं च रायाणं आपुच्छइ आपुच्छित्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं जाव भंडगं गहाय जे इमे गंगाकूलगा वाणपत्था तावसा भवंति तं चेव जाव तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोक्खियतावसत्ताए पव्वइए, पव्वइएऽविय णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठं तं चेव जाव अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ त्ता पढमं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ। तए णं से सिवे रायरिसी पढमछट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीए पच्चोरुहइ आयावणभूमीए पच्चोरुहित्ता वागलवत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता किढिणसंकाइयगं गिण्हइ गिण्हित्ता पुरच्छिमं दिसिं पोक्खेइ पुरच्छिमाए दिसाए सोमे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवं रायरिसिं अभि० २, जाणि य तत्थ कंदाणि य मूलाणि य तयाणि य पत्ताणि य पुप्फाणि य फलाणि य बीयाणि य हरियाणि य ताणि अणुजाणउत्ति कट्टु पुरच्छिमं दिसं पसरइ पुर० २ त्ता जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताइं

गेण्हइ २ त्ता किढिणसंकाइयं भरेइ किढि० २ त्ता दब्भे य कुसे य समिहाओ य पत्तामोडं च गेण्हेइ २ त्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता किढिणसंकाइयगं ठवेइ किढि० २ त्ता वेइं वड्डेइ २ त्ता उवलेवणसंमज्जणं करेइ उ० २ त्ता दब्भसगब्भकल-साहत्थगए जेणेव गंगा महानई तेणेव उवागच्छइ गंगामहानइं ओगाहेइ २ त्ता जल-मज्जणं करेइ २ त्ता जलकीडं करेइ २ त्ता जलाभिसेयं करेइ २ त्ता आयंते चोक्खे पर-मसुइभूए देवयपिइकयकज्जे दब्भसगब्भकलसाहत्थगए गंगाओ महानईओ पच्चुत्तरइ २ त्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता दब्भेहि य कुसेहि य वालुयाए य वेइं रएइ वेइं रएत्ता सरएणं अरणिं महेइ सर० २ त्ता अग्गिं पाडेइ २ त्ता अग्गिं संधुक्केइ २ त्ता समिहाकट्ठाइं पक्खिवइ समिहाकट्ठाइं पक्खिवित्ता अग्गिं उज्जालेइ अग्गिं उज्जालेत्ता–'अग्गिस्स दाहिणे पासे, सत्तंगाइं समादहे । तं०–सकहं वक्कलं ठाणं, सिज्जाभंडं कमंडलुं ॥१॥ दंडदारुं त(हप्पा)हा पाणं अहेताइं समादहे ॥ महुणा य घएण य तंदुलेहि य अग्गिं हुणइ, अग्गिं हुणित्ता चरुं साहेइ, चरुं साहेत्ता बलिं वइस्सदेवं करेइ बलिं वइस्सदेवं करेत्ता अतिहिपूयं करेइ अतिहिपूयं करेत्ता तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ, तए णं से सिवे रायरिसी दोच्चं छट्ठक्खमणं उवसंप-ज्जित्ताणं विहरइ, तए णं से सिवे रायरिसी दोच्चे छट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभू-मीओ पच्चोरुहइ आयावण० २ त्ता एवं जहा पढमपारणगं नवरं दाहिणं दिसं पोक्खेइ २ त्ता दाहिणाए दिसाए जमे महाराया पत्थाणे पत्थियं सेसं तं चेव जाव आहार-माहारेइ, तए णं से सिवरायरिसी तच्चं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, तए णं से सिवे रायरिसी सेसं तं चेव नवरं पच्चत्थिमं दिसिं पोक्खेइ पच्चत्थिमाए दिसाए वरुणे महाराया पत्थाणे पत्थियं सेसं तं चेव जाव आहारमाहारेइ, तए णं से सिवे रायरिसी चउत्थं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, तए णं से सिवे रायरिसी चउत्थछट्ठक्खमण एवं तं चेव नवरं उत्तरं दिसं पोक्खेइ उत्तराए दिसाए वेसमणे-महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवं० सेसं तं चेव जाव तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ ॥ ४१६ ॥ तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं जाव आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए जाव विणीययाए अन्नया कयाइ तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमा-णस्स विभंगे नामं अन्नाणे समुप्पन्ने, से णं तेणं विभंगनाणेणं समुप्पन्नेणं पासइ अस्सिं लोए सत्त दीवे सत्त समुद्दे तेण परं न जाणइ न पासइ, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि णं ममं अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने एवं खलु अस्सि लोए सत्त दीवा सत्त समुद्दा तेण परं

वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, एवं संपेहेइ २ त्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता वागलवत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं जाव भंडगं किढिणसंकाइयं च गेण्हइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंडनिक्खेवं करेइ २ त्ता हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, एवं खलु अस्सिं लोए जाव दीवा य समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे नाणदंसणे समुप्पण्णे जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं मन्ने एवं ? । तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा जाव पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जहा बिइयसए नियंठुद्देसए जाव अडमाणे बहुजणसद्दं निसामेइ बहुजणो अन्नमन्नस्स एवं आइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! तं चेव जाव वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं मन्ने एवं ? तए णं भगवं गोयमे बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जायसड्ढे जहा नियंठुद्देसए जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–जन्नं गोयमा ! से बहुजणे अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव भंडनिक्खेवं करेइ हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग० तं चेव जाव वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य तण्णं मिच्छा, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु जंबुद्दीवाईया दीवा लवणाईया समुद्दा संठाणओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा एवं जहा जीवाभिगमे जाव सयंभूरमणसमुद्दपज्जवसाणा अस्सिं तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्दा पन्नत्ता समणाउसो ! ॥ अत्थि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि सगंधाइंपि अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि । अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि सगंधाइंपि अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि

अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि । अत्थि णं भंते ! धायइसंडे दीवे दव्वाइं सवन्नाइंपि० एवं चेव, एवं जाव सयंभूरमणसमुद्दे जाव हंता अत्थि । तए णं सा महइमहालिया महच्चपरिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया, तए णं हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–जन्नं देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे नाणदंसणे जाव समुद्दा य, तं नो इणट्ठे समट्ठे, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु एयस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठेणं तं चेव जाव भंडनिक्खेवं करेइ भंडनिक्खेवं करेत्ता हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग जाव समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जाव समुद्दा य, तण्णं मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ०–एवं खलु जंबुद्दीवाईया दीवा लवणाईया समुद्दा तं चेव जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा पन्नत्ता समणाउसो ! । तए णं से सिवे रायरिसी बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावन्ने कलुससमावन्ने जाए यावि होत्था, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स संकियस्स कंखियस्स जाव कलुससमावन्नस्स से विभंगे अन्नाणे खिप्पामेव परिवडिए, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सहसंबवणे उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं महाफलं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं नामगोयस्स जहा उववाइए जाव गहणयाए, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि जाव पज्जुवासामि, एयं णे इहभवे य परभवे य जाव भविस्सइत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तावसावसहं अणुप्पविसइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाह जाव किढिणसंकाइगं च गेण्हइ गेण्हित्ता तावसावसहाओ पडिनिक्खमइ ताव० २ त्ता परिवडियविभंगे हत्थिणापुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता नच्चासन्ने नाइदूरे जाव पंजलिउडे पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे सिवस्स रायरिसिस्स तीसे य महइमहालियाए जाव आणाए आराहए भवइ, तए णं से सिवे रायरिसी समणस्स

भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोचा निसम्म जहा खंदओ जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाह जाव किढिणसंकाइगं च एगंते एडेइ एडित्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमे० २ त्ता समणं भगवं महावीरं एवं जहेव उसभदत्तो तहेव पव्वइओ तहेव एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ तहेव सव्वं जाव सव्व-दुक्खप्पहीणे ॥ ४१७ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि संघयणे सिज्झंति ? गोयमा ! वइरोसभणारायसंघयणे सिज्झंति, एवं जहेव उववाइए तहेव संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च परिवसणा, एवं सिद्धिगंडिया निरवसेसा भाणियव्वा जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुहवं (हुंती) ति सास(यं)या सिद्धा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ॥ ४१८ ॥ **सिवो समत्तो ॥ एक्कारसमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–कइविहे णं भंते ! लोए पन्नत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे लोए पन्नत्ते, तंजहा–दव्वलोए, खेत्तलोए, काललोए, भावलोए । खेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते, तंजहा–अहोलोयखेत्तलोए १ तिरियलोयखेत्तलोए २ उड्ढलोयखेत्तलोए ३ । अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा–रयणप्पभापुढविअहेलोयखेत्तलोए जाव अहेसत्तमापुढविअहोलोयखेत्तलोए । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जविहे पन्नत्ते, तंजहा–जंबुद्दीवे २ तिरियलोयखेत्तलोए जाव सयंभूरमणसमुद्दे तिरियलोयखेत्तलोए । उड्ढलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पन्नरसविहे पन्नत्ते, तंजहा–सोहम्मकप्पउड्ढलोयखेत्तलोए जाव अच्चुयकप्पउड्ढलोयखेत्तलोए गेवेज्जविमाणउड्ढलोयखेत्तलोए अणुत्तरविमाणउड्ढलोयखेत्तलोए ईसिंपब्भारपुढविउड्ढलोयखेत्तलोए । अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! तप्पागारसंठिए पन्नत्ते । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! झल्लरिसंठिए पन्नत्ते । उड्ढलोयखेत्तलोय० पुच्छा, गोयमा ! उड्ढमुइंगागारसंठिए पन्नत्ते । लोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! सुपइट्ठगसंठिए लोए पन्नत्ते, तंजहा–हेट्ठा विच्छिन्ने मज्झे संखित्ते जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव अंतं करेति । अलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! झुसिरगोलसंठिए पन्नत्ते ॥ अहेलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा० ? एवं जहा इंदा दिसा तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव अद्धासमए । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा० ? एवं चेव, एवं उड्ढलोयखेत्तलोएवि, नवरं अरूवी छव्विहा अद्धासमओ नत्थि ॥ लोए णं भंते ! किं जीवा० ? जहा बिइयसए अत्थिउद्देसए लोगागासे, नवरं अरूवी सत्तविहा जाव अहम्मत्थिकायस्स पएसा नो आगासत्थिकाए

आगासत्थिकायस्स देसे आगासत्थिकायस्स पएसा अद्धासमए, सेसं तं चेव ॥ अलोए णं भंते ! किं जीवा० ? एवं जहा अत्थिकायउद्देसए अलोगागासे तहेव निरवसेसं जाव अणंतभागूणे ॥ अहेलोगखेत्तलोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे किं जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा ? गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवपएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपएसावि, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा १ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे २ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा ३ एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदिएसु जाव अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियाणयदेसा, जे जीवपएसा ते नियमा एगिंदियपएसा १ अहवा एगिंदियपएसा य बेंदियस्स पएसा २ अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा ३ एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदिएसु अणिंदिएसु तियभंगो, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, रूवी तहेव, जे अरूवी अजीवा ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–नो धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे १ धम्मत्थिकायस्स पएसे २ एवं अहम्मत्थिकायस्सवि ४ अद्धासमए ५ । तिरियलोगखेत्तलोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे किं जीवा० ? एवं जहा अहोलोगखेत्तलोगस्स तहेव, एवं उड्ढलोगखेत्तलोगस्सवि, नवरं अद्धासमओ नत्थि, अरूवी चउव्विहा लोगस्स जहा अहेलोगखेत्तलोगस्स एगंमि आगासपएसे ॥ अलोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा नो जीवदेसा तं चेव जाव अणंतेहिं अगुरुयलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासस्स अणंतभागूणे ॥ दव्वओ णं अहेलोयखेत्तलोए अणंताइं जीवदव्वाइं अणंताइं अजीवदव्वाइं अणंता जीवाजीवदव्वा एवं तिरियलोयखेत्तलोएवि, एवं उड्ढलोयखेत्तलोएवि, दव्वओ णं अलोए णेवत्थि जीवदव्वा नेवत्थि अजीवदव्वा नेवत्थि जीवाजीवदव्वा एगे अजीवदव्वदेसे जाव सव्वागासस्स अणंतभागूणे । कालओ णं अहेलोयखेत्तलोए न कयाइ नासि जाव निच्चे एवं जाव अलोए । भावओ णं अहेलोयखेत्तलोए अणंता वन्नपज्जवा जहा खंदए जाव अणंता अगुरुयलहुयपज्जवा एवं जाव लोए, भावओ णं अलोए नेवत्थि वन्नपज्जवा जाव नेवत्थि अगुरुयलहुयपज्जवा एगे अजीवदव्वदेसे जाव अणंतभागूणे ॥ ४१९ ॥ लोए णं भंते ! केमहालए पन्नत्ते ? गोयमा ! अयन्नं जंबुद्दीवे २ सव्वदीव० जाव परिक्खेवेणं, तेणं कालेणं तेणं समएणं छ देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा जंबुद्दीवे २ मंदरे पव्वए मंदरचूलियं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठेज्जा, अहे णं चत्तारि दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ चत्तारि बलिपिंडे गहाय जंबुद्दीवस्स २ चउसुवि दिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा ते चत्तारि बलिपिंडे जमगसमगं

बहियाभिमुहे पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा! तओ एगमेगे देवे ते चत्तारि बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए एगे देवे पुरच्छाभिमुहे पयाए एवं दाहिणाभिमुहे एवं पच्चत्थाभिमुहे एवं उत्तराभिमुहे एवं उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए, तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स आउए पहीणे भवइ णो चेव णं जाव संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स अट्ठिमिंजा पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स आसत्तमेवि कुलवंसे पहीणे भवइ णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स नामगोएवि पहीणे भवइ णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तेसि णं भंते! देवाणं किं गए बहुए अगए बहुए? गोयमा! गए बहुए नो अगए बहुए, गया(ओ)उ से अगए असंखेज्जइभागे अगयाउ से गए असंखेज्जगुणे, लोए णं गोयमा! एमहालए पन्नत्ते। अलोए णं भंते! केमहालए पन्नत्ते? गोयमा! अयन्नं समयखेत्ते पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं जहा खंदए जाव परिक्खेवेणं, तेणं कालेणं तेणं समएणं दस देवा महिड्ढिया तहेव जाव संपरिक्खित्ताणं संचिट्ठेज्जा, अहे णं अट्ठ दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ अट्ठ बलिपिंडे गहाय माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स चउसुवि दिसासु चउसुवि विदिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा अट्ठ बलिपिंडे जमगसमगं बहियाभिमुहीओ पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा! तओ एगमेगे देवे ते अट्ठ बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए लोगंते ठिच्चा असब्भावपट्ठवणाए एगे देवे पुरच्छाभिमुहे पयाए एगे देवे दाहिणपुरच्छाभिमुहे पयाए एवं जाव उत्तरपुरच्छाभिमुहे पयाए एगे देवे उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए, तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससयसहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति नो चेव णं ते देवा अलोयंतं संपाउणंति, तं चेव जाव तेसि णं भंते! देवाणं कि गए बहुए अगए बहुए? गोयमा! नो गए बहुए अगए बहुए, गयाउ से अगए अणंतगुणे अगयाउ से गए अणंतभागे, अलोए णं गोयमा! एमहालए पन्नत्ते ॥४२०॥ लोगस्स णं भंते! एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव पंचिंदियपएसा अणिंदियपएसा अन्नमन्नबद्धा अन्नमन्नपुट्ठा जाव अन्नमन्नसमभरघडत्ताए चिट्ठंति, अत्थि णं भंते! अन्नमन्नस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पायंति छविच्छेदं वा करेंति? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ लोगस्स णं एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव चिट्ठंति णत्थि

णं अन्नमन्नस्स किंचि आवाहं वा जाव करेंति ? गोयमा ! से जहानामए नट्टिया सिया सिंगारागारचारुवेसा जाव कलिया रंगट्ठाणंसि जणसयाउलंसि जणसयसहस्साउलंसि बत्तीसइविहस्स नट्टस्स अन्नयरं नट्टविहिं उवदंसेज्जा, से नूणं गोयमा ! ते पेच्छगा तं नट्टियं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएंति ? हंता भंते ! समभिलोएंति, ताओ णं गोयमा ! दिट्ठीओ तंसि नट्टियंसि सव्वओ समंता संणिपडियाओ ? हंता सन्नि(ण्ण)पडियाओ, अत्थि णं गोयमा ! ताओ दिट्ठीओ तीसे नट्टियाए किंचिवि आवाहं वा वावाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, अहवा सा नट्टिया तासिं दिट्ठीणं किंचि आवाहं वा वावाहं वा उप्पाएइ छविच्छेदं वा करेइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, ताओ वा दिट्ठीओ अन्नमन्नाए दिट्ठीए किंचि आवाहं वा वावाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेन्ति ? णो इणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव छविच्छेदं वा करेंति ॥ ४२१ ॥ लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे जहन्नपए जीवपएसाणं उक्कोसपए जीवपएसाणं सव्वजीवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा लोगस्स एगंमि आगासपएसे जहन्नपए जीवपएसा, सव्वजीवा असंखेज्जगुणा, उक्कोसपए जीवपएसा विसेसाहिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४२२ ॥ **एक्कारसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था वन्नओ, दूइपलासे उज्जाणे वन्नओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तत्थ णं वाणियगामे नयरे सुदंसणे नामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं से सुदंसणे सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ साओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं पायविहारचारेणं महया पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ते वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव दूइपलासे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तं०–सचित्ताणं दव्वाणं जहा उसभदत्तो जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स सेट्ठिस्स तीसे य महइमहालियाए जाव आराहए भवइ । तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी–कइविहे णं भंते ! काले पन्नत्ते ? सुदंसणा ! चउव्विहे काले

पन्नत्ते, तंजहा–पमाणकाले १ अहाउनिव्वत्तिकाले २ मरणकाले ३ अद्धाकाले ४, से किं तं पमाणकाले? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–दिवसप्पमाणकाले य १ राइप्पमाणकाले य २, चउपोरिसिए दिवसे चउपोरिसिया राई भवइ ॥ ४२३ ॥ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी २ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी २ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ? सुदंसणा ! जया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीससयभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी २ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जया णं जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीससयभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी परिवड्ढमाणी उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ। कया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ कया वा जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ? सुदंसणा ! जया णं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ तया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ जहन्निया तिमुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ, जया णं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्तिया राई भवइ जहन्निए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ। कया णं भंते ! उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ कया वा उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ जहन्नए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ? सुदंसणा ! आसाढपुन्निमाए णं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, पोसस्स पुन्निमाए णं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ जहन्नए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ ॥ अत्थि णं भंते ! दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति? हंता ! अत्थि, कया णं भंते ! दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति? सुदंसणा ! चित्तासोयपुन्निमासु णं, एत्थ णं दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति, पन्नरसमुहुत्ते दिवसे पन्नरसमुहुत्ता राई भवइ चउभागमुहुत्तभागूणा चउमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, सेत्तं पमाणकाले ॥ ४२४ ॥ से किं तं अहाउनिव्वत्तिकाले? अहाउनिव्वत्तिकाले जन्नं जेणं नेरइएण वा तिरिक्खजोणिएण वा मणुस्सेण वा देवेण वा अहाउयं

निव्वत्तियं सेत्तं पालेमाणे अहाउनिव्वत्तिकाले। से किं तं मरणकाले? २ जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ, सेत्तं मरणकाले॥ से किं तं अद्धाकाले? अद्धाकाले अणेगविहे पन्नत्ते, तं० समयट्ठयाए आवलियट्ठयाए जाव उस्सप्पिणीट्ठयाए। एस णं सुदंसणा! अद्धा दोहारच्छेयणेणं छिज्जमाणी जाहे विभागं नो हव्वमागच्छइ सेत्तं समए, समयट्ठयाए असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जाओ आवलियाओ जहा सालिउद्देसए जाव तं सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परिमाणं। एएहि णं भंते! पलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं? सुदंसणा! एएहिं पलिओवमसागरोवमेहिं नेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवाणं आउयाइं माविज्जंति॥ ४२५॥ नेरइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता? एवं ठिइपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता॥ ४२६॥ अत्थि णं भंते! एएसिं पलिओवमसागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थि णं एएसि णं पलिओवमसागरोवमाणं जाव अवचएइ वा?। एवं खलु सुदंसणा! तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, सहसंबवणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं हत्थिणापुरे नयरे बले नामं राया होत्था वन्नओ, तस्स णं बलस्स रन्नो पभावई नामं देवी होत्था सुकुमाल० वन्नओ जाव विहरइ। तए णं सा पभावई देवी अन्नया कयाइ तंसि तारिसगंसि वासघरंसि अब्भितरओ सचित्तकम्मे बाहिरओ दूमियघट्ठमट्ठे विचित्तउल्लोगचिल्लियतले मणिरयणपणासियंधयारे बहुसमसुविभत्तदेसभाए पंचवन्नसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिए कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामे सुगंधिवरगंधिए गंधवट्टिभूए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए उभओ बिब्बोयणे दुहओ उन्नए मज्झेणयगंभीरे गंगापुलिणवालुयउद्दालसालिसए उवचियखोमियदुगुल्लपट्टपडिच्छायणे सुविरइयरयत्ताणे रत्तंसुयसंवुडे सुरम्मे आइणगरूयबूरणवणीयतूलफासे सुगंधवरकुसुमचुन्नसयणोवयारकलिए अद्धरत्तकालसमयंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ अयमेयारूवं ओरालं कल्लाणं सिवं धन्नं मंगल्लं सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा तं० हाररययखीरसागरससंककिरणदगरययरययमहासेलपंडुरतरोरुरमणिज्जपेच्छणिज्जं थिरलट्ठपउट्ठवट्टपीवरसुसिलिट्ठविसिट्ठतिक्खदाढाविडंबियमुहं परिकम्मियजच्चकमलकोमलमाइयसोहंतलट्ठउट्ठं रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुजीहं मूसागयपवरकणगताविय‌आवत्तायंतवट्टतडिविमलसरिसनयणं विसालपीवरोरुपडिपुन्नविउलखंधं मिउविसयसुहुमलक्खणपसत्थविच्छिन्नकेसरसडोवसोहियं ऊसियसुनिम्मियसुजायअप्फोडियलंगूलं सोमं सोमाकारं लीलायंतं जंभायंतं नहयलाओ

ओवयमाणं निययवयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा। तए णं सा पभावई देवी अयमेयारूवं ओरालं जाव सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठ जाव हियया धाराहयकलंवपुप्फगंपिव समूससियरोमकूवा तं सुविणं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता अतुरियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणेव बलस्स रन्नो सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहि मणुन्नाहिं मणामाहिं ओरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहि धन्नाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं मिउमहुरमंजुलाहिं गिराहिं संलवमाणी संलवमाणी पडिबोहेइ पडिबोहेत्ता बलेणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी नाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि णिसीयइ णिसीइत्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणी २ एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगण० तं चेव जाव नियगवयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा, तण्णं देवाणुप्पिया! एयस्स ओरालस्स जाव महासुविणस्स के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ? तए णं से बले राया पभावईए देवीए अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए धाराहयनीवसुरभिकुसुमचंचुमालइयतणुयऊसवियरोमकूवे तं सुविणं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता ईहं पविसइ ईहं पविसित्ता अप्पणो साभाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविन्नाणेणं तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करेइ तस्स० २ त्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव मंगल्लाहिं मिउमहुरसस्सिरीयाहिं संलवमाणे २ एवं वयासी–ओराले णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, कल्लाणे णं तुमे देवी! सुमिणे दिट्ठे जाव सस्सिरीए णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगलकारए णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिए! भोगलाभो देवाणुप्पिए! पुत्तलाभो देवाणुप्पिए! रज्जलाभो देवाणुप्पिए!, एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए! णवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाण राइंदियाणं वीइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं कुलदीवं कुलपव्वयं कुलवडेंसयं कुलतिलगं कुलकित्तिकरं कुलनंदिकरं कुलजसकरं कुलाधारं कुलपायवं कुलविवद्धणकरं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरं जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं देवकुमारसमप्पभं दारगं पयाहिसि। सेऽवि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते विच्छिन्नविउलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ, तं उराले णं तुमे देवी! सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव मंगलकारए णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठेत्तिकट्टु पभावइं देविं ताहि इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं दोच्चंपि तच्चंपि अणुवूहइ। तए

णं सा पभावई देवी वलस्स रन्नो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० करयल
जाव एवं वयासी-एवमेयं देवाणुप्पिया! तहमेयं देवाणुप्पिया! अवितहमेयं देवाणु-
प्पिया! असंदिद्धमेयं देवाणुप्पिया! इच्छियमेयं देवाणुप्पिया! पडिच्छियमेयं
देवाणुप्पिया! इच्छियपडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया! से जहेयं तुब्भे वदहत्तिकट्टु तं
सुविणं सम्मं पडिच्छइ पडिच्छित्ता वलेणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी णाणामणिरयण-
भत्तिचित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता अतुरियमचवल जाव गईए जेणेव सए
सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सयणिज्जंसि निसीयइ निसीइत्ता एवं
वयासी-मा मे से उत्तमे पहाणे मंगल्ले सुविणे अन्नेहिं पावसुमिणेहिं पडिहम्मिस्सइत्तिकट्टु
देवगुरुजणसंवद्धाहि पसत्थाहिं मंगल्लाहि धम्मियाहिं कहाहिं सुविणजागरियं पडिजा-
गरमाणी २ विहरइ । तए णं से वले राया कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं
वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अज्ज सविसेसं वाहिरियं उवट्ठाणसालं गंधो-
दयसित्तसुइयसंमज्जिओवलित्तं सुगंधपवरपंचवन्नपुप्फोवयारकलियं कालागुरुपवरकुंदुरुक्क
जाव गंधवट्टिभूयं करेह य करावेह य करेत्ता करावेत्ता सीहासणं रयावेह सीहासणं
रयावेत्ता ममेयं जाव पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंवियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पा-
मेव सविसेसं वाहिरियं उवट्ठाणसालं जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से वले राया पच्चूस-
कालसमयंसि सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ
पायपीढाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसालं अणु-
पविसइ जहा उववाइए तहेव अट्टणसाला तहेव मज्जणघरे जाव ससिव्व पियदंसणे
नरवई मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला
तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ निसी-
इत्ता अप्पणो उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थग-
कयमंगलोवयाराइं रयावेइ रयावेत्ता अप्पणो अदूरसामंते णाणामणिरयणमंडियं
अहियपेच्छणिज्जं महग्घवरपट्टणुग्गयं सण्हपट्टबहुभत्तिसयचित्तताणं ईहामियउसभ
जाव भत्तिचित्तं अब्भितरियं जवणियं अंछावेइ अंछावेत्ता नाणामणिरयणभत्तिचित्तं
अत्थरयमउयमसूरगोच्छगं सेयवत्थपच्चुत्थुयं अंगसुहफासयं सुमउयं पभावईए देवीए
भद्दासणं रयावेइ रयावेत्ता कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव
भो देवाणुप्पिया! अट्ठंगमहानिमित्तसुत्तत्थधारए विविहसत्थकुसले सुविणलक्खणपाढए
सद्दावेह, तए णं ते कोडुंवियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता वलस्स रन्नो अंतियाओ पडि-
निक्खमन्ति पडिनिक्खमित्ता सिग्घं तुरियं चवलं चंडं वेइयं हत्थिणापुरं नयरं मज्झं-
मज्झेणं निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव तेसिं सुविणलक्खणपाढगाणं गिहाइं तेणेव उवाग-

च्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता ते सुविणलक्खणपाढए सद्दावेंति । तए णं ते सुविण-लक्खणपाढगा बलस्स रन्नो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठा ण्हाया जाव सरीरा सिद्धत्थगहरियालियाकयमंगलमुद्धाणा सएहिं २ गिहेहिंतो निग्गच्छंति स० २ त्ता हत्थिणापुर नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव बलस्स रन्नो भवणवरवडेंसए तेणेव उवा-गच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता भवणवरवडेंसगपडिदुवारंसि एगओ मिलंति एगओ मिलित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल० बले रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति । तए णं ते सुविणलक्खण-पाढगा बलेणं रन्ना वंदियपूइयसक्कारियसम्माणिया समाणा पत्तेयं २ पुव्वन्नत्थेसु भद्दासणेसु निसीयंति, तए णं से बले राया पभावइं देविं जवणियंतरियं ठावेइ ठावेत्ता पुप्फफलपडिपुन्नहत्थे परेणं विणएणं ते सुविणलक्खणपाढए एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! पभावई देवी अज्ज तंसि तारिसगंसि वासघरंसि जाव सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा, तण्णं देवाणुप्पिया ! एयस्स ओरालस्स जाव के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ? तए णं ते सुविणलक्खणपाढगा बलस्स रन्नो अंतियं एय-मट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० तं सुविणं ओगिण्हन्ति २ त्ता ईहं अणुप्पविसन्ति अणुप्प-विसित्ता तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करेन्ति तस्स० २ त्ता अन्नमन्नेणं सद्धिं संचालेंति २ त्ता तस्स सुविणस्स लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा बलस्स रन्नो पुरओ सुविणसत्थाइं उच्चारेमाणा २ एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा बावत्तरिं सव्वसुविणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिया ! तित्थगरमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा तित्थगरंसि वा चक्कवट्टिंसि वा गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, तंजहा-गयवसहसीहअभिसेयदामससिदिणयरं झयं कुंभं । पउमसर-सागरविमाणभवणरयणुच्चयसिहिं च १४ ॥ १ ॥ वासुदेवमायरो वा वासुदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे सत्त महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, बलदेवमायरो वा बलदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, मंडलियमायरो वा मंडलियंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसि णं चउदसण्हं महासुविणाणं अन्नयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्झन्ति, इमे य णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए एगे महासुविणे दिट्ठे, तं ओराले णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव मंगलकारए णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिया ! भोग० पुत्त० रज्जलाभो देवाणुप्पिया ! एवं खलु देवाणु-

प्पिया ! पभावई देवी नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं जाव वीइक्कंताणं तुम्हं कुलकेउं जाव दारगं पयाहिइ, सेऽविय णं दारए उम्मुक्कबालभावे जाव रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराले णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठिदीहाउयकल्लाण जाव दिट्ठे । तए णं से बले राया सुविणलक्खणपाढगाणं अंतियं एयमट्ठं सोचा निसम्म हट्ठतुट्ठ करयल जाव कट्टु ते सुविणलक्खणपाढगे एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया ! जाव से जहेयं तुब्भे वदहत्तिकट्टु तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ तं० २ त्ता सुविणलक्खणपाढए विउलेणं असणपाणखाइमसाइमपुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ पडिविसज्जेत्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता जेणेव पभावई देवी तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणे संलवमाणे एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए ! सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा बावत्तरिं सव्वसुविणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिए ! तित्थगरमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा तं चेव जाव अन्नयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति, इमे य णं तुमे देवाणुप्पिए ! एगे महासुविणे दिट्ठे, तं ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव दिट्ठेत्तिकट्टु पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहि कंताहि जाव दोच्चंपि तच्चंपि अणुवूहइ, तए णं सा पभावई देवी बलस्स रन्नो अंतियं एयमट्ठं सोचा निसम्म हट्ठतुट्ठ० करयल जाव एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया ! जाव तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ तं सुविणं सम्मं पडिच्छित्ता बलेणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी नाणामणिरयणभत्तिचित्त जाव अब्भुट्ठेइ अतुरियमचवल जाव गईए जेणेव सए भवणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सयं भवणमणुपविट्ठा । तए णं सा पभावई देवी ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया तं गब्भं णाइसीएहिं नाइउण्हेहिं नाइतित्तेहि नाइकडुएहि नाइकसाएहि नाइअंबिलेहिं नाइमहुरेहिं उउभयमाणसुहेहिं भोयणच्छायणगंधमल्लेहिं जं तस्स गब्भस्स हियं मियं पत्थं गब्भपोसणं तं देसे य काले य आहारमाहारेमाणी विवित्तमउएहि सयणासणेहिं पइरिक्कसुहाए मणाणुकूलाए विहारभूमीए पसत्थदोहला संपुन्नदोहला सम्माणियदोहला अवमाणियदोहला वोच्छिन्नदोहला विणीयदोहला ववगयरोगसोगमोहभयपरित्तासा तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ । तए णं सा पभावई देवी नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाण राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुन्नपंचिंदियसरीरं लक्खणवंजणगुणोववेयं जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं दारयं पयाया । तए णं

तीसे पभावईए देवीए अंगपडियारियाओ पभावइं देविं पसूयं जाणेत्ता जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल जाव बलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! पभावई देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव दारगं पयाया तं एयण्णं देवाणुप्पियाणं पियट्ठयाए पियं निवेदेमो पियं भे भवउ । तए णं से बले राया अंगपडियारियाणं अंतियं एयमट्ठं सोचा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव धाराहयणीव जाव रोमकूवे तासिं अंगपडियारियाणं मउडवज्जं जहामालियं ओमोयं दलयइ २ त्ता सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं भिंगारं च गिण्हइ गिण्हित्ता मत्थए धोवइ मत्थए धोवित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ पीइदाणं दलइत्ता सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ ॥ ४२७ ॥ तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! हत्थिणापुरे नयरे चारगसोहणं करेह चारग० २ त्ता माणुम्माण(प्पमाण)वड्ढणं करेह मा० २ त्ता हत्थिणापुरं नयरं सब्भिंतरबाहिरियं आसियसंमज्जिओवलित्तं जाव करेह य कारवेह य करेत्ता य कारवेत्ता य जूयसहस्सं वा चक्कसहस्सं वा पूयामहामहिमसक्कारं वा उस्सवेह २ त्ता ममेयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा बलेणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से बले राया जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तं चेव जाव मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं अभडप्पवेसं अदंडकोदंडिमं अधरिमं गणियावरनाडइज्जकलियं अणेगतालाचराणुचरियं अणुद्धुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं पमुइयपक्कीलियं सपुरजणजाणवयं दसदिवसे ठिइवडियं करेइ, तए णं से बले राया दसाहियाए ठिइवडियाए वट्टमाणीए सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य जाए य दाए य भाए य दलमाणे य दवावेमाणे य सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य लंभे पडिच्छमाणे य पडिच्छावेमाणे य एवं विहरइ । तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठिइवडियं करेन्ति, तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेन्ति, छट्ठे दिवसे जागरियं करेन्ति, एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते निव्वत्ते असुइजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाहदिवसे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता जहा सिवो जाव खत्तिए य आमंतेंति २ त्ता तओ पच्छा ण्हाया तं चेव जाव सक्कारेंति सम्माणेंति स०२ त्ता तस्सेव मित्तणाइ जाव राईण य खत्तियाण य पुरओ अज्जयपज्जयपिउपज्जयागयं बहुपुरिसपरंपरप्परूढं कुलाणुरूवं कुलसरिसं कुलसंताणतंतुविवद्धणकरं अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति–जम्हा णं अम्हं इमे दारए बलस्स

रन्नो पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए तं होउ णं अम्हं एयस्स दारगस्स नामधेज्जं महब्बले, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति महब्बलेत्ति । तए णं से महब्बले दारए पंचधाईपरिग्गहिए, तंजहा-खीरधाईए एवं जहा दढपइन्ने जाव निवायनिव्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवड्ढइ । तए णं तस्स महब्बलस्स दारगस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं ठिइवडियं वा चंदसूरदंसावणियं वा जागरियं वा नामकरणं वा परंगामणं वा पयचंकामणं वा जेमा(म)वणं वा पिंडवद्धणं वा पजंपावणं वा कण्णवेहणं वा संवच्छरपडिलेहणं वा चोलोयणगं च उवणयणं च अन्नाणि य वहूणि गब्भाहाणजम्मणमाइयाइं कोउयाइं करेंति । तए णं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासगं जाणित्ता सोभणंसि तिहिकरणमुहुत्तंसि एवं जहा दढप्पइन्ने जाव अलं भोगसमत्थे जाए यावि होत्था । तए णं तं महब्बलं कुमारं उम्मुक्कवालभावं जाव अलं भोगसमत्थं विजाणित्ता अम्मापियरो अट्ठ पासायवडेंसए कारेंति अब्भुग्गयमूसियपहसिए इव वन्नओ जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पडिरूवे, तेसि णं पासायवडेंसगाणं वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगं भवणं कारेंति अणेगखंभसयसंनिविट्ठं वन्नओ जहा रायप्पसेणइज्जे पेच्छाघरमंडवंसि जाव पडिरूवे ॥ ४२८ ॥ तए णं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो अन्नया कयाइ सोभणंसि तिहिकरणदिवसनक्खत्तमुहुत्तंसि ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं पमक्खणगण्हाणगीयवाइयपसाहणट्ठंगतिलगकंकणअविहववहुउवणीयं मंगलसुजंपिएहि य वरकोउयमंगलोवयारकयसंतिकम्मं सरिसियाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिसलावन्नरूवजोव्वणगुणोववेयाणं विणीयाणं सरिसएहिं रायकुलेहितो आणिल्लियाणं अट्ठण्हं रायवरकन्नाणं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हाविंसु । तए णं तस्स महाबलस्स कुमारस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं पीइदाणं दलयंति तं०-अट्ठ हिरन्नकोडीओ अट्ठ सुवन्नकोडीओ अट्ठ मउडे मउडप्पवरे अट्ठ कुंडलजोए कुंडलजोयप्पवरे अट्ठ हारे हारप्पवरे अट्ठ अद्धहारे अद्धहारप्पवरे अट्ठ एगावलीओ एगावलिप्पवराओ एवं मुत्तावलीओ एवं कणगावलीओ एवं रयणावलीओ अट्ठ कडगजोए कडगजोयप्पवरे एवं तुडियजोए अट्ठ खोमजुयलाइं खोमजुयलप्पवराइं एवं वडगजुयलाइं एवं पट्टजुयलाइं एवं दुगुल्लजुयलाइं अट्ठ सिरीओ अट्ठ हिरीओ एवं धिईओ कित्तीओ वुद्धीओ लच्छीओ अट्ठ नंदाइं अट्ठ भद्दाइं अट्ठ तले तलप्पवरे सव्वरयणामए णियगवरभवणकेऊ अट्ठ झए झयप्पवरे अट्ठ वए वयप्पवरे दसगोसाहस्सिएणं वएणं अट्ठ नाडगाइं नाडगप्पवराइं वत्तीसवद्धेणं नाडएणं अट्ठ आसे आसप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए अट्ठ जाणाइं जाणप्पवराइं अट्ठ जुग्गाइं जुग्गप्पवराइं एवं सिवियाओ

एवं संदमाणीओ एवं गिल्लीओ थिल्लीओ अट्ठ वियडजाणाइं वियडजाणप्पवराइं अट्ठ रहे पारिजाणिए अट्ठ रहे संगामिए अट्ठ आसे आसप्पवरे अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे अट्ठ गामे गामप्पवरे दसकुलसाहस्सिएणं गामेणं अट्ठ दासे दासप्पवरे एवं दासीओ एवं किंकरे एवं कंचुइज्जे एवं वरिसधरे एवं महत्तरए अट्ठ सोवन्निए ओलंवणदीवे अट्ठ रुप्पमए ओलंवणदीवे अट्ठ सुवन्नरुप्पमए ओलंवणदीवे अट्ठ सोवन्निए उक्कंचणदीवे एवं चेव तिन्निवि, अट्ठ सोवण्णिए पंजरदीवे एवं चेव तिण्णिवि, अट्ठ सोवण्णिए थाले अट्ठ रुप्पमए थाले अट्ठ सुवन्नरुप्पमए थाले अट्ठ सोवन्नियाओ पत्तीओ ३ अट्ठ सोवन्नियाइं थासयाइं ३ अट्ठ सोवन्नियाइं मंगल्ला(मल्लगा)इं ३ अट्ठ सोवन्नियाओ तलियाओ ३ अट्ठ सोवन्नियाओ कविच्चियाओ ३ अट्ठ सोवन्निए अवएडए अट्ठ सोवन्नियाओ अवयक्काओ ३ अट्ठ सोवण्णिए पायपीढए ३ अट्ठ सोवन्नियाओ भिसियाओ ३ अट्ठ सोवन्नियाओ करोडियाओ ३ अट्ठ सोवन्निए पल्लंके ३ अट्ठ सोवन्नियाओ पडिसेज्जाओ ३ अट्ठ हंसासणाइं अट्ठ कोंचासणाइं एवं गरुलासणाइं उन्नयासणाइं पणयासणाइं दीहासणाइं भद्दासणाइं पक्खासणाइं मगरासणाइं अट्ठ पउमासणाइं अट्ठ दिसासोवत्थियासणाइं अट्ठ तेल्लसमुग्गे जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठ सरिसवसमुग्गे अट्ठ खुज्जाओ जहा उववाइए जाव अट्ठ पारिसीओ अट्ठ छत्ते अट्ठ छत्तधारीओ चेडीओ अट्ठ चामराओ अट्ठ चामरधारीओ चेडीओ अट्ठ तालियंटे अट्ठ तालियंटधारीओ चेडीओ अट्ठ करोडियाधारीओ चेडीओ अट्ठ खीरधाईओ जाव अट्ठ अंकधाईओ अट्ठ अंगमद्दियाओ अट्ठ उम्मद्दियाओ अट्ठ ण्हावियाओ अट्ठ पसाहियाओ अट्ठ वन्नग(चंदण)पेसीओ अट्ठ चुन्नगपेसीओ अट्ठ कोट्ठागारीओ अट्ठ दवकारीओ अट्ठ उवत्थाणियाओ अट्ठ नाडइज्जाओ अट्ठ कोडुंबिणीओ अट्ठ महाणसिणीओ अट्ठ भंडागारिणीओ अट्ठ अ(ब्भा)ज्झाधारिणीओ अट्ठ पुप्फधारिणीओ अट्ठ पाणिधारिणीओ अट्ठ वलिकारीओ अट्ठ सेज्जाकारीओ अट्ठ अब्भितरियाओ पडिहारीओ अट्ठ बाहिरियाओ पडिहारीओ अट्ठ मालाकारीओ अट्ठ पेसणकारीओ अन्नं च सुबहुं हिरन्नं वा सुवन्नं वा कंसं वा दूसं वा विउलधणकणग जाव संतसारसावएज्जं अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं। तए णं से महब्बले कुमारे एगमेगाए भज्जाए एगमेगं हिरन्नकोडिं दलयइ एगमेगं सुवन्नकोडिं दलयइ एगमेगं मउडं मउडप्पवरं दलयइ एवं तं चेव सव्वं जाव एगमेगं पेसणकारिं दलयइ अन्नं च सुबहुं हिरन्नं वा सुवण्णं वा जाव परिभाएउं, तए णं से महब्बले कुमारे उप्पिं पासायवरगए जहा जमाली जाव विहरइ ॥ ४२९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पओप्पए धम्मघोसे नामं अणगारे जाइसंपन्ने

धम्मओ जहा केसिसामिस्स जाव पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव सहसंववणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडगतिय जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं तस्स महव्वलस्स कुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जणवूहं वा एवं जहा जमाली तहेव चिंता तहेव कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ, कंचुइज्जपुरिसोवि तहेव अक्खाइ, नवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल जाव निग्गच्छइ, एवं खलु देवाणुप्पिया! विमलस्स अरहओ पउप्पए धम्मघोसे नामं अणगारे सेसं तं चेव जाव सोवि तहेव रहवरेणं निग्गच्छइ, धम्मकहा जहा केसिसामिस्स, सोवि तहेव अम्मापियरो आपुच्छइ, नवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए तहेव वुत्तपडिवुत्तया नवरं इमाओ य ते जाया विउलरायकुलबालियाओ कला० सेसं तं चेव जाव ताहे अकामाइं चेव महव्वलकुमारं एवं वयासी–तं इच्छामो ते जाया! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए, तए णं से महव्वले कुमारे अम्मापियराण वयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से वले राया कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ एवं जहा सिवभद्दस्स तहेव रायाभिसेओ भाणियव्वो जाव अभिसिंचइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं महव्वलं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावित्ता एवं वयासी–भण जाया! किं देमो किं पयच्छामो सेसं जहा जमालिस्स तहेव जाव तए णं से महव्वले अणगारे धम्मघोसरस अणगारस्स अंतियं सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ २ त्ता वहूहिं चउत्थ जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे वहुपडिपुन्नाइं दुवालस वासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जहा अम्मडो जाव वंभलोए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं महव्वलस्सवि देवस्स दस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, से णं तुमं सुदंसणा! वंभलोए कप्पे दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्ता ताओ चेव देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव वाणियगामे नयरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाए ॥४३०॥ तए णं तुमे सुदंसणा! उम्मुक्कवालभावेणं विन्नायपरिणयमेत्तेणं जोव्वणगमणुप्पत्तेणं तहारूवाणं थेराणं अंतियं केवलिपन्नत्ते धम्मे निसंते, सेऽविय धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए तं सुट्ठु ण तुमं सुदंसणा! इदाणिं पकरेसि। से तेणट्ठेणं सुदंसणा!

एवं वुच्चइ-अत्थि णं एएसिं पलिओवमसागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा, तए णं तस्स सुदंसणस्स सेट्ठिस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सन्नीपुव्वजाईसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठं सम्मं अभिसमेइ, तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणेणं भगवया महावीरेणं संभारियपुव्वभवे दुगुणाणीयसड्ढसंवेगे आणंदंसुपुन्ननयणे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आ० २ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवमेयं भंते! जाव से जहेयं तुब्भे वदहत्तिकट्टु उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, नवरं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ, बहुपडिपुन्नाइं दुवालस वासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४३१॥

महब्बलो समत्तो ॥ एगारसमे सए एगारसमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं आलंभिया नामं नयरी होत्था वन्नओ, संखवणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं आलंभियाए नयरीए बहवे इसिभद्दपुत्तपामोक्खा समणोवासगा परिवसंति, अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति। तए णं तेसिं समणोवासयाणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवागयाणं संनि(समु)विट्ठाणं सन्निसन्नाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-देवलोगेसु णं अज्जो! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? तए णं से इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवट्ठिइगहियट्ठे ते समणोवासए एवं वयासी-देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव दससमयाहिया संखेज्जसमयाहिया असंखेज्जसमयाहिया उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य। तए णं ते समणोवासगा इसिभद्दपुत्तस्स समणोवासगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति नो पत्तियंति नो रोयंति एयमट्ठं असद्दहमाणा अपत्तियमाणा अरोएमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ४३२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं ते समणोवासगा इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा एवं जहा तुंगिउद्देसए जाव पज्जुवासंति। तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महइ० धम्मकहा जाव आणाए आराहए भवइ। तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा उट्ठाए उट्ठेन्ति उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदन्ति नमंसन्ति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए

अम्हं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-देवलोएसु णं अज्जो ! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, से कहमेयं भंते ! एवं ? अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी-जन्नं अज्जो ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तुब्भं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-देवलोगेसु णं अज्जो ! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमट्ठे, अहं पुण अज्जो ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-देवलोगेसु ण अज्जो ! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं तं चेव जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमट्ठे। तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म समणं भगवं महावीरं वंदन्ति नमंसन्ति वं० २ त्ता जेणेव इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता इसिभद्दपुत्तं समणोवासगं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति। तए णं ते समणोवासगा पसिणाइं पुच्छंति २ त्ता अट्ठाइं परियादियंति अ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ४३३ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-पभू णं भंते ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! इसिभद्दपुत्ते णं समणोवासए बहूहिं सीलव्वयगुणवयवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणिहिइ प० २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेहिइ मा० २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेहिइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प०, तत्थ णं इसिभद्दपुत्तस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई भविस्सइ। से णं भंते ! इसिभद्दपुत्ते देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ४३४ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ आलंभियाओ नयरीओ संखवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं आलंभिया नामं नयरी होत्था वन्नओ, तत्थ णं संखवणे णामं उज्जाणे होत्था वन्नओ, तस्स णं संखवणस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते पोग्गले नामं परिव्वायए परिवसइ रिउ-

च्चेयजजुव्वेय जाव नएसु सुपरिनिट्ठिए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ जाव आयावेमाणे विहरइ। तए णं तस्स पोग्गलस्स छट्ठंछट्ठेणं जाव आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए जहा सिवस्स जाव विभंगे नामं अन्नाणे समुप्पन्ने, से णं तेणं विभंगेणं अण्णाणेणं समुप्पन्नेणं बंभलोए कप्पे देवाणं ठिइं जाणइ पासइ। तए णं तस्स पोग्गलस्स परिव्वायगस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि णं ममं अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं ठिई प०, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव असंखेज्जसमयाहिया उक्कोसेणं दससागरोवमाइं ठिई प०, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, एवं संपेहेइ २ त्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता तिदंडकुंडिया जाव धाउरत्ताओ य गेण्हइ २ त्ता जेणेव आलंभिया णयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंडनिक्खेवं करेइ भं० २ त्ता आलंभियाए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं तहेव जाव वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य। तए णं आलंभियाए नयरीए एएणं अभिलावेणं जहा सिवस्स तं चेव जाव से कहमेयं मन्ने एवं? सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया, भगवं गोयमे तहेव भिक्खायरियाए तहेव बहुजणसद्दं निसामेइ तहेव बहुजणसद्दं निसामेत्ता तहेव सव्वं भाणियव्वं जाव अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि एवं भासामि जाव परूवेमि–देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य। अत्थि णं भंते ! सोहम्मे कप्पे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि तहेव जाव हंता अत्थि, एवं ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुए, एवं गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसुवि, ईसिपब्भाराएवि जाव हंता अत्थि, तए णं सा महइमहालिया जाव पडिगया, तए णं आलंभियाए नयरीए सिंघाडगतिय० अवसेसं जहा सिवस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे नवरं तिदंडकुंडियं जाव धाउरत्तवत्थपरिहिए परिवडियविभंगे आलंभियं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता तिदंडं कुंडियं च जहा खंदओ जाव पव्वइओ सेसं जहा सिवस्स जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुभवंति सासयं सिद्धा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४३५ ॥ **एक्कारसमे सए बारहमो उद्देसो समत्तो, एक्कारसमं सयं समत्तं ॥**

संखे १ जयंति २ पुढवी ३ पोग्गल ४ अइवाय ५ राहु ६ लोगे य ७ । नागे य ८ देव ९ आया १० वारसमसए दसुद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं नयरी होत्था वन्नओ, कोट्ठए उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए वहवे संखप्पामोक्खा समणोवासगा परिवसंति, अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति, तस्स णं संखस्स समणोवासगस्स उप्पला नामं भारिया होत्था, सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरइ, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए पोक्खली नामं समणोवासए परिवसइ अड्ढे अभिगय जाव विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ, तए णं ते समणोवासगा इमीसे कहाए जहा आलंभियाए जाव पज्जुवासन्ति, तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महइ० धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमसंति वं० २ त्ता पसिणाइं पुच्छंति २ त्ता अट्ठाइं परियादियंति अ० २ त्ता उट्ठाए उट्ठेति उ० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमन्ति २ त्ता जेणेव सावत्थी नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ ४३६ ॥ तए णं से संखे समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह, तए णं अम्हे तं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा विस्साएमाणा परिभुंजेमाणा परिभाएमाणा पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणा विहरिस्सामो, तए णं ते समणोवासगा संखस्स समणोवासगस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणंति, तए णं तस्स संखस्स समणोवासगस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-नो खलु मे सेयं तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणस्स ४ पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, सेयं खलु मे पोसहसालाए पोसहियस्स वंभयारिस्स उम्मुक्कमणिसुवन्नस्स ववगयमालावन्नगविलेवणस्स निक्खित्तसत्थमुसलस्स एगस्स अविइयस्स दब्भसंथारोवगयस्स पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव सए गिहे जेणेव उप्पला समणोवासिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उप्पलं समणोवासियं आपुच्छइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं अणुपविसइ २ त्ता पोसहसालं पमज्जइ पो० २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ उ० २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ दब्भ० २ त्ता दब्भसंथारगं दुरुहइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए वंभयारी जाव पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणे विहरइ, तए

णं ते समणोवासगा जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव साइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता अन्नमन्ने सद्दावेंति अ० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असणपाणखाइमसाइमे उवक्खडाविए, संखे य णं समणोवासए नो हव्वमागच्छइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं संखं समणोवासगं सद्दावेत्तए। तए णं से पोक्खली समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी–अच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सुनिव्वुया वीसत्था अहन्नं संखं समणोवासगं सद्दावेमित्तिकट्टु तेसिं समणोवासगाणं अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सावत्थीए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखस्स समणोवासगस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता संखस्स समणोवासगस्स गिहं अणुपविट्ठे। तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासगं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता पोक्खलिं समणोवासगं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता आसणेणं उवनिमंतेइ आ० २ त्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणप्पओयणं? तए णं से पोक्खली समणोवासए उप्पलं समणोवासियं एवं वयासी–कहिन्नं देवाणुप्पिए! संखे समणोवासए? तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासयं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव विहरइ। तए णं से पोक्खली समणोवासए जेणेव पोसहसाला जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गमणागमणाए पडिक्कमइ ग० २ त्ता संखं समणोवासगं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असण जाव साइमे उवक्खडाविए तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणा जाव पडिजागरमाणा विहरामो, तए णं से संखे समणोवासए पोक्खलिं समणोवासगं एवं वयासी–णो खलु कप्पइ मे देवाणुप्पिया! तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणस्स जाव पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, कप्पइ मे पोसहसालाए पोसहियस्स जाव विहरित्तए, तं छंदेणं देवाणुप्पिया! तुब्भे तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा जाव विहरह, तए णं से पोक्खली समणोवासए संखस्स समणोवासगस्स अंतियाओ पोसहसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव ते समणोवासगा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते समणोवासए एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए जाव विहरइ, तं छंदेणं देवाणुप्पिया! तुब्भे विउलं असणपाणखाइमसाइमं जाव विहरह, संखे णं समणोवासए नो

हव्वमागच्छइ । तए णं ते समणोवासगा तं विउलं असणं ४ आसाएमाणा जाव विहरंति । तए णं तस्स संखस्स समणोवासगस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता नमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता तओ पडिनियत्तस्स पक्खियं पोसहं पारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते पोसहसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता पायविहारचारेणं सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जाव पज्जुवासइ, अभिगमो नत्थि । तए णं ते समणोवासगा कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते ण्हाया जाव सरीरा सएहिं सएहिं गेहेहिंतो पडिनिक्खमंति २ त्ता एगयओ मिलायंति २ त्ता सेसं जहा पढमं जाव पज्जुवासंति । तए णं समणे भगवं महावीरे तेसि समणोवासगाणं तीसे य धम्मकहा जाव आणाए आराहए भवइ । तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा उट्ठाए उट्ठेंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता संखं समणोवासगं एवं वयासी-तुमं देवाणुप्पिया ! हिज्जो अम्हे अप्पणा चेव एवं वयासी-तुम्हे णं देवाणुप्पिया ! विउलं असणं जाव विहरिस्सामो, तए णं तुमं पोसहसालाए जाव विहरिए तं सुट्ठु णं तुमं देवाणुप्पिया ! अम्हं हीलसि, अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी-मा णं अज्जो ! तुब्भे संखं समणोवासगं हीलह निंदह खिंसह गरहह अवमन्नह, संखे णं समणोवासए पियधम्मे चेव दढधम्मे चेव सुदक्खुजागरियं जागरिए ॥४३७॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-कइविहा णं भंते ! जागरिया प० ? गोयमा ! तिविहा जागरिया प०, तंजहा-बुद्धजागरिया, अबुद्धजागरिया, सुदक्खुजागरिया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिविहा जागरिया प० तंजहा-बुद्धजागरिया १ अबुद्धजागरिया २ सुदक्खुजागरिया ३ ? गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पन्नणाणदंसणधरा जहा खंदए जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी एए णं बुद्धा बुद्धजागरियं जागरंति, जे इमे अणगारा भगवंतो इरियासमिया भासासमिया जाव गुत्तबंभयारी एए णं अबुद्धा अबुद्धजागरियं जागरंति, जे इमे समणोवासगा अभिगयजीवाजीवा जाव विहरन्ति एए णं सुदक्खुजागरियं जागरंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तिविहा जागरिया जाव सुदक्खुजागरिया ॥४३८॥ तए णं से संखे समणोवासए समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-कोहवसट्टे णं भंते ! जीवे किं बंधइ किं पकरेइ किं चिणाइ

किं उवचिणाइ? संखा! कोहवसट्टे णं जीवे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ एवं जहा पढमसए असंवुडस्स अणगारस्स जाव अणुपरियट्टइ। माणवसट्टे णं भंते! जीवे एवं चेव। एवं मायावसट्टेवि, एवं लोभवसट्टेवि जाव अणुपरियट्टइ। तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया तत्था तसिया संसारभउव्विग्गा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता संखं समणोवासगं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति। तए णं ते समणोवासगा सेसं जहा आलंभियाए जाव पडिगया, भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते! संखे समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं सेसं जहा इसिभद्दपुत्तस्स जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४३९ ॥ **बारहमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं कोसंबी नामं नयरी होत्था वन्नओ, चंदो(त्तराय)वतरणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं कोसंबीए नयरीए सहस्साणीयस्स रन्नो पोत्ते सयाणीयस्स रन्नो पुत्ते चेडगस्स रन्नो नत्तुए मिगावईए देवीए अत्तए जयंतीए समणोवासियाए भत्तिज्जए उदायणे नामं राया होत्था वन्नओ, तत्थ णं कोसंबीए नयरीए सहस्साणीयस्स रन्नो सुण्हा सयाणीयस्स रन्नो भज्जा चेडगस्स रन्नो धूया उदायणस्स रन्नो माया जयंतीए समणोवासियाए भाउज्जा मियावई नामं देवी होत्था वन्नओ सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया जाव विहरइ, तत्थ णं कोसंबीए नयरीए सहस्साणीयस्स रन्नो धूया सयाणीयस्स रन्नो भगिणी उदायणस्स रन्नो पिउच्छा मिगावईए देवीए नणंदा वेसालीसावयाणं अरहंताणं पुव्वसिज्जायरी जयंती नामं समणोवासिया होत्था सुकुमाल जाव सुरूवा अभिगय जाव विहरइ ॥४४०॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! कोसंबिं नयरिं सब्भिंतरबाहिरियं एवं जहा कूणिओ तहेव सव्वं जाव पज्जुवासइ। तए णं सा जयंती समणोवासिया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठतुट्ठा जेणेव मिगावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मियावइं देविं एवं वयासी–एवं जहा नवमसए उसभदत्तो जाव भविस्सइ। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए जहा देवाणंदा जाव पडिसुणेइ। तए णं सा मियावई देवी कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्तजोइय जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति जाव पच्चप्पिणंति। तए णं सा मियावई देवी

जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं ण्हाया जाव सरीरा वहूहिं खुज्जाहिं जाव अंतेउराओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव दुरूढा। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा समाणी नियगपरियालगा जहा उसभदत्तो जाव धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं वहूहिं खुज्जाहिं जहा देवाणंदा जाव वंदइ नमंसइ उदायणं रायं पुरओ कट्टु ठिइया चेव जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रन्नो मियावईए देवीए जयंतीए समणोवासियाए तीसे य महइ० जाव धम्मं परिकहेइ जाव परिसा पडिगया उदायणे पडिगए मियावई देवीवि पडिगया ॥ ४४१ ॥ तए णं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–कहन्नं भंते! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छन्ति? जयंती! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति एवं जहा पढमसए जाव वीईवयंति। भवसिद्धियत्तणं भंते! जीवाणं किं सभावओ परिणामओ? जयंती! सभावओ नो परिणामओ। सव्वेवि णं भंते! भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति? हंता जयंती! सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति। जइ णं भंते! सव्वेवि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति तम्हा णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणं खाइएणं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति नो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ? जयंती! से जहानामए सव्वागाससेढी सिया अणाइया अणवदग्गा परित्ता परिवुडा सा णं परमाणुपोग्गलमेत्तेहि खंडेहिं समए २ अवहीरमाणी २ अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहि अवहीरइ नो चेव णं अवहिया सिया, से तेणट्ठेणं जयंती! एवं वुच्चइ सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति नो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ॥ सुत्तत्तं भंते! साहू जागरियत्तं साहू? जयंती! अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जाव साहू? जयंती! जे इमे जीवा अहम्मिया अहम्माणुया अहम्मिट्ठा अहम्मक्खाई अहम्मपलोई अहम्मपलज्जमाणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि णं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, एए णं जीवा सुत्ता समाणा नो वहूणं पाणभूयजीवसत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वट्टंति, एए णं जीवा सुत्ता समाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा नो वहूहिं अहम्मियाहि संजोयणाहि संजोएत्तारो

भवंति, एएसिं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, जयंती! जे इमे जीवा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि णं जीवाणं जागरियत्तं साहू, एए णं जीवा जागरा समाणा बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए जाव अपरियावणयाए वट्टंति, ते णं जीवा जागरमाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा बहूहिं धम्मियाहिं संजोयणाहिं संजोएत्तारो भवंति, एए णं जीवा जागरमाणा धम्मजागरियाए अप्पाणं जागरइत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं जागरियत्तं साहू, से तेणट्ठेणं जयंती! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू॥ वलियत्तं भंते! साहू दुव्वलियत्तं साहू? जयंती! अत्थेगइयाणं जीवाणं वलियत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं दुव्वलियत्तं साहू, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव साहू? जयंती! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरंति एएसि णं जीवाणं दुव्वलियत्तं साहू, एए णं जीवा एवं जहा सुत्तस्स तहा दुव्वलियस्स वत्तव्वया भाणियव्वा, वलियस्स जहा जागरस्स तहा भाणियव्वं जाव संजोएत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं वलियत्तं साहू, से तेणट्ठेणं जयंती! एवं वुच्चइ तं चेव जाव साहू॥ दक्खत्तं भंते! साहू आलसियत्तं साहू? जयंती! अत्थेगइयाणं जीवाणं दक्खत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं आलसियत्तं साहू, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ तं चेव जाव साहू? जयंती! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरंति एएसि णं जीवाणं आलसियत्तं साहू, एए णं जीवा आलसा समाणा नो बहूणं जहा सुत्ता तहा आलसा भाणियव्वा, जहा जागरा तहा दक्खा भाणियव्वा जाव संजोएत्तारो भवंति, एए णं जीवा दक्खा समाणा बहूहिं आयरियवेयावच्चेहिं उवज्झाय० थेर० तवस्सि० गिलाणवेयावच्चेहिं सेहवेयावच्चेहिं कुलवेयावच्चेहिं गणवेयावच्चेहिं संघवेयावच्चेहिं साहम्मियवेयावच्चेहिं अत्ताणं संजोएत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं दक्खत्तं साहू, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव साहू॥ सोइंदियवसट्टे णं भंते! जीवे किं बंधइ? एवं जहा कोहवसट्टे तहेव जाव अणुपरियट्टइ। एवं चक्खिंदियवसट्टेवि, एवं जाव फासिंदियवसट्टेवि जाव अणुपरियट्टइ। तए णं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा सेसं जहा देवाणंदाए तहेव पव्वइया जाव सव्वदुक्खप्पहीणा। सेवं भंते! २ त्ति॥ ४४२॥

बारहमे सए बीओ उद्देसो समत्तो॥

रायगिहे जाव एवं वयासी—कइ णं भंते! पुढवीओ पन्नत्ताओ? गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—पढमा दोच्चा जाव सत्तमा। पढमा णं भंते! पुढवी किंनामा किंगोत्ता पण्णत्ता? गोयमा! घम्मा नामेणं रयणप्पभा गोत्तेणं, एवं जहा

जीवाभिगमे पढमो नेरइयउद्देसओ सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो जाव अप्पाबहुगंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥४४३॥ **बारहमे सए तइओ उद्देसो समत्तो**॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-दो भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति एगयओ साहणित्ता किं भवइ? गोयमा! दुप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा कज्जइ एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ परमाणुपोग्गले भवइ। तिन्नि भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति २ त्ता किं भवइ? गोयमा! तिपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति। चत्तारि भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति० पुच्छा, गोयमा! चउपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा दो दुपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे चत्तारि परमाणुपोग्गला भवंति। पंच भंते! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा! पंचपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि पंचहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ, पंचहा कज्जमाणे पंच परमाणुपोग्गला भवंति। छब्भंते! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा! छप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव छव्विहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा दो तिपएसिया खंधा भवन्ति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा तिन्नि दुपएसिया खंधा भवन्ति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला भवंति एगयओ दो दुप्पएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, छहा कज्जमाणे छ परमाणुपोग्गला भवंति। सत्त भंते! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा! सत्तपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव

सत्तहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिप्पएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, सत्तहा कज्जमाणे सत्त परमाणुपोग्गला भवंति। अट्ठ भंते! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा! अट्ठपएसिए खंधे भवइ जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा दो चउप्पएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दोन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ तिपए-

सिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवन्ति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ अट्ठहा कज्जमाणे अट्ठ परमाणुपोग्गला भवंति ॥ नव भंते ! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! जाव नवविहा कज्जंति, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ, एवं एक्केक्कं संचा(रिए)रेंतेहिं जाव अहवा एगयओ चउप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा तिन्नि तिपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो तिपएसिया खधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि दुप्पएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुप्पएसिया खंधा भवंति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, नवहा कज्जमाणे नव परमाणुपोग्गला भवंति ॥ दस भंते ! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ

नवपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ एवं एक्केक्कं संचारेयव्वंति जाव अहवा दो पंचपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउप्पएसिए० एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो तिपएसिया खंधा० एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ तिपएसिए० एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा० एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ छपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणु० एग० दो दुपएसिया खंधा एग० चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे० एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि दुपएसिया० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा पंच दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० ४२ सुत्ता०

एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, नवहा कज्जमाणे एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ दसहा कज्जमाणे दस परमाणुपोग्गला भवंति। संखेज्जा णं भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति एगयओ साहणित्ता किं भवइ? गोयमा! संखेज्जपएसिए खंधे भवइ से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो सखेज्जपएसिया खंधा भवंति, एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए० एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ, एवं जाव अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दसपएसिए० एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा

चत्तारि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, एवं एएणं कमेणं पंचगसंजोगोवि भाणियव्वो जाव नवगसंजोगो, दसहा कज्जमाणे एगयओ नव परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को पूरेयव्वो जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ नव संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा दस संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, संखेज्जहा कज्जमाणे संखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति। असंखेज्जा णं भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति एगयओ साहणित्ता किं भवइ? गोयमा! असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि असंखेज्जहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ संखेज्जपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए० एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं चउक्कगसंजोगो जाव दसगसंजोगो ए(वं)ए जहेव संखेज्जपएसियस्स नवरं असंखेज्जयं एगं अहिगं भाणियव्वं जाव अहवा दस असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, संखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ संखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा दुपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा दसपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा संखेज्जपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा संखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, असंखेज्जहा कज्जमाणे असंखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति। अणंता णं भंते! परमाणुपोग्गला जाव किं भवंति? गोयमा! अणंतपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव दसहावि संखेज्जहा असंखेज्जहा अणंतहावि कज्जइ,

दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा दो अणंतपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असंखेज्जपएसिए० एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि अणंतपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ एवं चउक्कसंजोगो जाव असंखेज्जगसंजोगो, एए सव्वे जहेव असंखेज्जाणं भणिया तहेव अणंताणवि भाणियव्वा नवरं एक्कं अणंतगं अब्भहियं भाणियव्वं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा संखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा संखेज्जा अणंतपएसिया खंधा भवंति, असंखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ असंखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ असंखेज्जा दुपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ असंखेज्जा संखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ असंखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा असंखेज्जा अणंतपएसिया खंधा भवंति, अणंतहा कज्जमाणे अणंता परमाणुपोग्गला भवंति ॥ ४४४ ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं साहणणाभेदाणुवाएणं अणंताणं पोग्गलपरियट्टाणं अणंताणंता पोग्गलपरियट्टा समणुगंतव्वा भवंतीति मक्खाया ? हंता गोयमा ! एएसि णं परमाणुपोग्गलाणं साहणणाभेदाणु जाव मक्खाया ॥ कइविहे णं भंते ! पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते, तंजहा-ओरालियपोग्गलपरियट्टे वेउव्विय० तेयापोग्गलपरियट्टे कम्मापोग्गलपरियट्टे मणपोग्गलपरियट्टे वइपोग्गलपरियट्टे आणापाणुपोग्गलपरियट्टे । नेरइयाणं भंते ! कइविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते, तंजहा-ओरालियपोग्गलपरियट्टे वेउव्वियपोग्गलपरियट्टे जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टे, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा ! अणंता, केवइया पुरक्खडा ?

गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सऽत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा० ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियस्स। एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवइया वेउव्वियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा ! अणंता, एवं जहेव ओरालियपोग्गलपरियट्टा तहेव वेउव्वियपोग्गलपरियट्टावि भाणियव्वा, एवं जाव वेमाणियस्स एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टा,एए एगत्ति(इ)या सत्त दंडगा भवंति। नेरइयाणं भंते ! केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा ! अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टावि एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टावि जाव वेमाणियाणं, एवं एए पोहत्तिया सत्तचउव्वीसइ दंडगा ॥ एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा ! नत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? नत्थि एक्कोवि, एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा० ? एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारत्ते जहा असुरकुमारत्ते। एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स पुढविक्काइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणंता, केवइया पुरक्खडा ? कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि तस्स जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमंतरजोइसियवेमाणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते। एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स नेरइयत्ते केवइया अतीया ओरालियपोग्गलपरियट्टा एवं जहा नेरइयस्स वत्तव्वया भणिया तहा असुरकुमारस्सवि भाणियव्वा जाव वेमाणियत्ते, एवं जाव थणियकुमारस्स, एवं पुढविकाइयस्सवि, एवं जाव वेमाणियस्स, सव्वेसिं एक्को गमो। एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया वेउव्वियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणंता, केवइया पुरक्खडा ? एगुत्तरिया जाव अणंता, एवं जाव थणियकुमारत्ते, पुढविकाइयत्ते पुच्छा, नत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? नत्थि एक्कोवि, एवं जत्थ वेउव्वियसरीरं अत्थि तत्थ एगुत्तरि(या)ओ जत्थ नत्थि तत्थ जहा पुढविकाइयत्ते तहा भाणियव्वं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। तेयापोग्गलपरियट्टा कम्मापोग्गलपरियट्टा य सव्वत्थ एगुत्तरिया भाणियव्वा, मणपोग्गलपरियट्टा सव्वेसु पंचिंदिएसु एगुत्तरिया, विगलिंदिएसु नत्थि, वइपोग्गलपरियट्टा एवं चेव, नवरं एगिंदिएसु नत्थि भाणियव्वा। आणापाणुपोग्गलपरियट्टा सव्वत्थ एगुत्तरिया एवं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? नत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? नत्थि एक्कोवि, एवं जाव थणि-

यकुमारत्ते, पुढविकाइयत्ते पुच्छा, गोयमा ! अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता, एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमंतरजोइसियवेमाणियत्ते जहा नेरइयत्ते एवं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवं सत्तवि पोग्गलपरियट्टा भाणियव्वा, जत्थ अत्थि तत्थ अतीयावि पुरक्खडावि अणंता भाणियव्वा, जत्थ नत्थि तत्थ दोवि नत्थि भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते केवइया आणापाणुपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता ॥ ४४५ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–ओरालियपोग्गलपरियट्टे २ ? गोयमा ! जण्णं जीवेणं ओरालियसरीरे वट्टमाणेणं ओरालियसरीरपाउग्गाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए गहियाइं बद्धाइं पुट्ठाइं कडाइं पट्ठवियाइं निविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं परिया(ग)इयाइं परिणामियाइं निज्जिन्नाइं निसिरियाइं निसिट्ठाइं भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ओरालियपोग्गलपरियट्टे २, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टेवि, नवरं वेउव्वियसरीरे वट्टमाणेणं वेउव्वियसरीरप्पाउग्गाइं सेसं तं चेव सव्वं एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टे, नवरं आणापाणुपाउग्गाइं सव्वदव्वाइं आणापाणुत्ताए सेसं तं चेव ॥ ओरालियपोग्गलपरियट्टे णं भंते ! केवइकालस्स निव्वत्तिज्जइ ? गोयमा ! अणंताहि उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं एवइकालस्स निव्वत्तिज्जइ, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टेवि, एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टेवि ॥ एयस्स णं भंते ! ओरालियपोग्गलपरियट्टनिव्वत्तणाकालस्स वेउव्वियपोग्गल० जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टनिव्वत्तणाकालस्स कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे कम्मगपोग्गलपरियट्टनिव्वत्तणाकाले, तेयापोग्गलपरियट्टनिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे, ओरालियपोग्गलपरियट्ट० अणंतगुणे, आणापाणुपोग्गल० अणंतगुणे, मणपोग्गल० अणंतगुणे, वइपोग्गल० अणंतगुणे, वेउव्वियपोग्गलपरियट्टनिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे ॥ ४४६ ॥ एएसि णं भंते ! ओरालियपोग्गलपरियट्टाणं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेउव्वियपोग्गलपरियट्टा, वइपोग्गलपरियट्टा अणंतगुणा, मणपोग्गलपरियट्टा अणंतगुणा, आणापाणुपोग्गल० अणंतगुणा, ओरालियपोग्गल० अणंतगुणा, तेयापोग्गल० अणंतगुणा, कम्मगपोग्गल० अणंतगुणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं जाव विहरइ ॥ ४४७ ॥ **बारहमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए अदिण्णादाणे मेहुणे परिग्गहे, एस णं कइवन्ने कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे चउफासे पण्णत्ते ॥ अह भंते ! कोहे १ कोवे २ रोसे ३ दोसे ४ अख(मा)मे ५ संजलणे ६ कलहे ७ चंडिक्के ८ भंडणे ९ विवाए १०, एस णं कइवन्ने जाव कइफासे

पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे चउफासे पण्णत्ते ॥ अह भंते ! माणे मदे दप्पे थंभे गव्वे अ(णु)त्तुक्कोसे परपरिवाए उक्कासे अवक्कासे उन्नए उन्नामे दुन्नामे १२, एस णं कइवन्ने ४ प० ? गोयमा ! पंचवन्ने जहा कोहे तहेव। अह भंते ! माया उवही नियडी वलए गहणे णूमे कक्के कुरुए जिम्हे किव्विसे १० आयरणया गूहणया वंचणया पलिउंचणया साइजोगे य १५, एस णं कइवन्ने ४ प० ? गोयमा ! पंचवन्ने जहेव कोहे ॥ अह भंते ! लोभे इच्छा मुच्छा कंखा गेही तण्हा भिज्झा अभिज्झा आसासणया पत्थणया १० लालप्पणया कामासा भोगासा जीवियासा मरणासा नंदिरागे १६, एस णं कइवन्ने ४ प०? गोयमा ! जहेव कोहे। अह भंते ! पेज्जे दोसे कलहे जाव मिच्छादंसणसल्ले एस णं कइवन्ने ४ प० ? जहेव कोहे तहेव जाव चउफासे ॥४४८॥ अह भंते ! पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे एस णं कइवन्ने जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! अवन्ने अगंधे अरसे अफासे पण्णत्ते ॥ अह भंते ! उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया परिणामिया एस णं कइवन्ना ४ प० ? तं चेव जाव अफासा पन्नत्ता ॥ अह भंते ! उग्गहे ईहा अवाए धारणा एस णं कइवन्ना ४ प० ? एवं चेव जाव अफासा पन्नत्ता ॥ अह भंते ! उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे एस णं कइवन्ने ४ प० ? तं चेव जाव अफासे पन्नत्ते। सत्तमे णं भंते ! उवासंतरे कइवन्ने ४ प० ? एवं चेव जाव अफासे पन्नत्ते। सत्तमे णं भंते ! तणुवाए कइवन्ने ४ प० ? जहा पाणाइवाए, नवरं अट्ठफासे पण्णत्ते, एवं जहा सत्तमे, तणुवाए तहा सत्तमे घणवाए घणोदही पुढवी, छट्ठे उवासंतरे अवन्ने, तणुवाए जाव छट्ठी पुढवी एयाइं अट्ठ फासाइं, एवं जहा सत्तमाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया तहा जाव पढमाए पुढवीए भाणियव्वं, जंबुद्दीवे २ जाव सयंभुरमणे समुद्दे, सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपब्भारा पुढवी, नेरइयावासा जाव वेमाणियावासा एयाणि सव्वाणि अट्ठफासाणि। नेरइया णं भंते ! कइवन्ना जाव कइफासा पन्नत्ता ? गोयमा ! वेउव्वियतेयाइं पडुच्च पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा चउफासा पण्णत्ता, जीवं पडुच्च अवन्ना जाव अफासा पण्णत्ता, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! ओरालियतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च जहा नेरइयाणं, जीवं पडुच्च तहेव, एवं जाव चउरिंदिया, नवरं वाउक्काइया ओरालियवेउव्वियतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, सेसं जहा नेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा वाउक्काइया, मणुस्साणं पुच्छा, गोयमा ! ओरालियवेउव्वियआहारगतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं जीवं च पडुच्च जहा नेरइयाणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया

जहा नेरइया, धम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए एए सव्वे अवन्ना जाव अफासा, नवरं पोग्गलत्थिकाए पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे पण्णत्ते, णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए एयाणि जाव चउफासाणि, कण्हलेसा णं भंते ! कइवन्ना ४ प० ? गोयमा ! दव्वलेसं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, भावलेसं पडुच्च अवन्ना ४, एवं जाव सुक्कलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी ३ चक्खुद्दंसणे ४ आभिणिवोहियणाणे ५ जाव विभंगणाणे आहारसन्ना जाव परिग्गहसन्ना एयाणि अवन्नाणि ४, ओरालियसरीरे जाव तेयगसरीरे एयाणि अट्ठफासाणि, कम्मगसरीरे चउफासे, मणजोगे य वइजोगे य चउफासे, कायजोगे अट्ठफासे, सागारोवओगे य अणागारोवओगे य अवन्ना । सव्वदव्वा णं भंते ! कइवन्ना० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइया सव्वदव्वा पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा पंचवन्ना जाव चउफासा पण्णत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा एगगंधा एगवण्णा एगरसा दुफासा पन्नत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा अवन्ना जाव अफासा पन्नत्ता, एवं सव्वपएसावि सव्वपज्जवावि, तीयद्धा अवन्ना जाव अफासा पण्णत्ता, एवं जाव अणागयद्धावि, एवं सव्वद्धावि ॥ ४४९ ॥ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे कइवन्नं कइगंधं कइरसं कइफासं परिणामं परिणमइ ? गोयमा ! पंचवन्नं पंचरसं दुगंधं अट्ठफासं परिणामं परिणमइ ॥ ४५० ॥ कम्मओ णं भंते ! जीवे नो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ कम्मओ णं जए नो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ ? हंता गोयमा ! कम्मओ णं तं चेव जाव परिणमइ नो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४५१ ॥ **बारहमे सए पञ्चमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–बहुजणे णं भंते ! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एवं खलु राहू चंदं गेण्हइ एवं० २, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जन्नं से बहुजणे णं अन्नमन्नस्स जाव मिच्छं ते एव माहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवं परूवेमि–एवं खलु राहू देवे महिड्ढिए जाव महेसक्खे वरवत्थधरे वरमल्लधरे वरगंधधरे वराभरणधारी, राहुस्स णं देवस्स नव नामधेज्जा प०, तंजहा–सिंघाडए १ जडिलए २ खंभए [खत्तए] ३ खरए ४ दद्दुरे ५ मगरे ६ मच्छे ७ कच्छभे ८ कण्हसप्पे ९, राहुस्स णं देवस्स विमाणा पंचवन्ना पण्णत्ता, तंजहा–किण्हा नीला लोहिया हालिद्दा सुक्किला, अत्थि कालए राहुविमाणे खंजणवन्नाभे पण्णत्ते, अत्थि नीलए राहुविमाणे लाउयवन्नाभे प०, अत्थि लोहिए राहुविमाणे मंजिट्ठवन्नाभे प०, अत्थि पीयए राहुविमाणे हालिद्दवन्नाभे पन्नत्ते, अत्थि सुक्किल्लए राहुविमाणे भासरासिवन्नाभे पन्नत्ते ॥ जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे

वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं पुरच्छिमेणं आवरेत्ता णं पच्चच्छिमेणं वीईवयइ, तया णं पुरच्छिमेणं चंदे उवदंसेइ पच्चच्छिमेणं राहू, जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं पच्चच्छिमेणं आवरेत्ताणं पुरच्छिमेणं वीईवयइ, तया णं पच्चच्छिमेणं चंदे उवदंसेइ पुरच्छिमेणं राहू, एवं जहा पुरच्छिमेणं पच्चच्छिमेण य दो आलावगा भणिया तहा दाहिणेणं उत्तरेण य दो आलावगा भाणियव्वा, एवं उत्तरपुरच्छिमेणं दाहिणपच्चच्छिमेण य दो आलावगा भाणियव्वा, एवं दाहिणपुरच्छिमेणं उत्तरपच्चच्छिमेण य दो आलावगा भाणियव्वा एवं चेव जाव तया णं उत्तरपच्चच्छिमेणं चंदे उवदंसेइ दाहिणपुरच्छिमेणं राहू, जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठइ, तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एवं खलु राहू चंदं गेण्हइ एवं०, जया णं राहू आगच्छमाणे वा ४ चंदस्स लेस्सं आवरेत्ताणं पासेणं वीईवयइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एवं खलु चंदेणं राहुस्स कुच्छी भिन्ना एवं०, जया णं राहू आगच्छमाणे वा ४ चंदस्स लेसं आवरेत्ताणं पच्चोसक्कइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एवं खलु राहुणा चंदे वंते एवं०, जया णं राहू आगच्छमाणे वा जाव परियारेमाणे वा चंदलेस्सं अहे सपक्खि सपडिदिसिं आवरेत्ताणं चिट्ठइ, तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एवं खलु राहुणा चंदे घत्थे एवं० ॥ कइविहे णं भंते ! राहू पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे राहू पन्नत्ते, तंजहा-धुवराहू य पव्वराहू य, तत्थ णं जे से धुवराहू से णं बहुलपक्खस्स पाडिवए पन्नरसतिभागेणं पन्नरसभागं चंदस्स लेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठइ, तंजहा-पढमाए पढमं भागं बिइयाए बिइयं भागं जाव पन्नरसेसु पन्नरसमं भागं, चरिमसमए चंदे रत्ते भवइ अवसेसे समए चंदे रत्ते वा विरत्ते वा भवइ, तमेव सुक्कपक्खस्स उवदंसेमाणे २ चिट्ठइ तं० पढमाए पढमं भागं जाव पन्नरसेसु पन्नरसमं भागं, चरिमसमए चंदे विरत्ते भवइ अवसेसे समए चंदे रत्ते वा विरत्ते वा भवइ, तत्थ णं जे से पव्वराहू से जहन्नेणं छण्हं मासाणं उक्कोसेणं बायालीसाए मासाणं चंदस्स, अडयालीसाए संवच्छराणं सूरस्स ॥४५२॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-चंदे ससी २ ? गोयमा ! चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो मियंके विमाणे कंता देवा कंताओ देवीओ कंताइं आसणसयणखंभभंडमत्तोवगरणाइं अप्पणोवि य णं चंदे जोइसिंदे जोइसराया सोमे कंते सुभगे पियदंसणे सुरूवे से तेणट्ठेणं जाव ससी ॥ ४५३ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-सूरे आइच्चे सूरे० २ ? गोयमा ! सूराइया णं समयाइ वा आवलियाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा अवसप्पिणीइ वा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव आइच्चे० २ ॥४५४॥ चंदस्स णं

भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरन्नो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? जहा दसमसए जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं । सूरस्सवि तहेव । चंदिमसूरिया णं भंते ! जोइसिंदा जोइसरायाणो केरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! से जहानामए केइ पुरिसे पढमजोव्वणुट्ठाणबलत्थे पढमजोव्वणुट्ठाणबलत्थाए भारियाए सद्धिं अचिरवत्तविवाहकज्जे अत्थगवेसणयाए सोलसवासविप्पवासिए से णं तओ लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसम(ए)ग्गे पुणरवि नियगगिहं हव्वमागए ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोयणं भुत्ते समाणे तंसि तारिसगंसि वासघरंसि वन्नओ महब्बले जाव सयणोवयारकलिए ताए तारिसियाए भारियाए सिंगारागारचारुवेसाए जाव कलियाए अणुरत्ताए अविरत्ताए मणाणुकूलाए सद्धिं इट्ठे सद्दे फरिसे जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरइ, ता से णं गोयमा ! पुरिसे विउसमणकालसमयंसि केरिसयं सायासोक्खं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? ओरालं समणाउसो !, तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स कामभोगेहिंतो वाणमंतराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, वाणमंतराणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, असुरिंदवज्जियाणं भवणवासियाणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरकुमाराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, असुरकुमाराणं देवाणं कामभोगेहिंतो गहगणनक्खत्ततारारूवाणं जोइसियाणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, गहगणनक्खत्त० जाव कामभोगेहिंतो चंदिमसूरियाणं जोइसियाणं जोइसराईणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, चंदिमसूरिया णं गोयमा ! जोइसिंदा जोइसरायाणो एरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव विहरइ ॥ ४५५ ॥ **बारहमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–केमहालए णं भंते ! लोए पन्नत्ते ? गोयमा ! महइमहालए लोए पन्नत्ते, पुरच्छिमेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ दाहिणेणं असंखेज्जाओ एवं चेव, एवं पच्चच्छिमेणवि, एवं उत्तरेणवि, एवं उड्ढंपि, अहे असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं । एयंसि णं भंते ! एमहालयंसि लोगंसि अत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे न जाए वा न मए वावि ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एयंसि णं एमहालयंसि लोगंसि नत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा न मए वावि ? गोयमा ! से जहानामए–केइ पुरिसे अयासयस्स एगं महं

अयावयं करेजा, से णं तत्थ जहन्नेणं एगं वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अयासहस्सं पक्खिवेज्जा, ताओ णं तत्थ पउरगोयराओ पउरपाणियाओ जहन्नेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे परिवसेज्जा, अत्थि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे णं तासिं अयाणं उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणएण वा वंतेण वा पित्तेण वा पूएण वा सुक्केण वा सोणिएण वा चम्मेहिं वा रोमेहिं वा सिंगेहि वा खुरेहिं वा नहेहिं वा अणाकंतपुव्वे भवइ ? भगवं ! णो इणट्ठे समट्ठे, होज्जावि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे णं तासिं अयाणं उच्चारेण वा जाव णहेहि वा अणक्कंतपुव्वे णो चेव णं एयंसि एमहालयंसि लोगंसि लोगस्स सासयं भावं संसारस्स य अणाइभावं जीवस्स य णिच्चभावं कम्मबहुत्तं जम्मणमरणबाहुल्लं च पडुच्च नत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे न जाए वा न मए वावि, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव न मए वावि ॥ ४५६ ॥ कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ जहा पढमसए पंचमउद्देसए तहेव आवासा ठावेयव्वा जाव अणुत्तरविमाणेत्ति जाव अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे । अयन्नं भंते ! जीवे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए नरगत्ताए नेरइयत्ताए उववन्नपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो, अयन्नं भंते ! जीवे सक्करप्पभाए पुढवीए पणवीसाए एवं जहा रयणप्पभाए तहेव दो आलावगा भाणियव्वा, एवं जाव धूमप्पभाए । अयन्नं भंते ! जीवे तमाए पुढवीए पंचूणे निरयावाससयसहस्से एगमेगंसि सेसं तं चेव, अयन्नं भंते ! जीवे अहेसत्तमाए पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महानिरएसु एगमेगंसि निरयावाससि सेसं जहा रयणप्पभाए, अयन्नं भंते ! जीवे चोसट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए देवत्ताए देवित्ताए आसणसयणभंडमत्तोवगरणत्ताए उववन्नपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवावि णं भंते ! एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारेसु, नाणत्तं आवासेसु, आवासा पुव्वभणिया, अयन्नं भंते ! जीवे असंखेज्जेसु पुढविक्काइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए उववन्नपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, एवं सव्वजीवावि, एवं जाव वणस्सइकाइएसु, अयण्णं भंते ! जीवे असंखेज्जेसु बेंदियावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि बेंदियावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए बेइंदियत्ताए उववन्नपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, सव्वजी-

वावि णं एवं चेव, एवं जाव मणुस्सेसु, नवरं तेइंदिएसु जाव वणस्सइकाइयत्ताए तेइंदियत्ताए चउरिंदिएसु चउरिंदियत्ताए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए मणुस्सेसु मणुस्सत्ताए सेसं जहा बेंदियाणं, वाणमंतरजोइसियसोहम्मीसाणेसु य जहा असुरकुमाराणं, अयण्णं भंते! जीवे सणंकुमारे कप्पे बारससु विमाणावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि वेमाणियावासंसि पुढविकाइयत्ताए सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव अणंतखुत्तो, नो चेव णं देवित्ताए, एवं सव्वजीवावि, एवं जाव आणयपाणएसु, एवं आरणच्चुएसुवि, अयन्नं भंते! जीवे तिसुवि अट्ठारसुत्तरेसु गेविज्जविमाणावाससएसु एवं चेव, अयन्नं भंते! जीवे पंचसु अणुत्तरविमाणेसु एगमेगंसि अणुत्तरविमाणंसि पुढवि तहेव जाव अणंतखुत्तो, नो चेव णं देवत्ताए वा देवित्ताए वा एवं सव्वजीवावि। अयन्नं भंते! जीवे सव्वजीवाणं माइत्ताए पियत्ताए भाइत्ताए भगिणित्ताए भज्जत्ताए पुत्तत्ताए धूयत्ताए सुण्हत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो, सव्वजीवावि णं भंते! इमस्स जीवस्स माइत्ताए जाव उववन्नपुव्वा? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो, अयण्णं भंते! जीवे सव्वजीवाणं अरित्ताए वेरियत्ताए घायगत्ताए वहगत्ताए पडिणीयत्ताए पच्चामित्तत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवावि णं भंते! एवं चेव, अयन्नं भंते! जीवे सव्वजीवाणं रायत्ताए जुवरायत्ताए जाव सत्थवाहत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! असइं जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवाणं एवं चेव। अयन्नं भंते! जीवे सव्वजीवाणं दासत्ताए पेसत्ताए भयगत्ताए भाइल्लगत्ताए भोगपुरिसत्ताए सीसत्ताए वेसत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो, एवं सव्वजीवावि जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४५७ ॥ **बारहमे सए सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–देवे णं भंते! महिड्ढिए जाव महेसक्खे अणंतरं चयं चइत्ता बिसरीरेसु नागेसु उववज्जेज्जा? हंता गोयमा! उववज्जेज्जा, से णं तत्थ अच्चियवंदियपूइयसक्कारियसम्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए संनिहियपाडिहेरे यावि भवेज्जा? हंता भवेज्जा, से णं भंते! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता सिज्झेज्जा बुज्झेज्जा जाव अंतं करेज्जा? हंता सिज्झेज्जा जाव अंतं करेज्जा, देवे णं भंते! महिड्ढिए एवं चेव जाव बिसरीरेसु मणीसु उववज्जेज्जा, एवं चेव जहा नागाणं, देवे णं भंते! महिड्ढिए जाव बिसरीरेसु रुक्खेसु उववज्जेज्जा? हंता उववज्जेज्जा, एवं चेव, नवरं इमं नाणत्तं जाव सन्निहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए यावि भवेज्जा? हंता भवेज्जा, सेसं तं चेव जाव अंतं करेज्जा ॥ ४५८ ॥ अह

भंते! गोलंगूलवसभे कुक्कुडवसभे मंडुक्कवसभे एए णं निस्सीला निव्वया निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिइयंसि नरगंसि नेरइयत्ताए उववज्जेज्जा? समणे भगवं महावीरे वागरेइ–उववज्जमाणे उववन्नेत्ति वत्तव्वं सिया। अह भंते! सीहे वग्घे जहा उस्सप्पिणीउद्देसए जाव परस्सरे एए णं निस्सीला एवं चेव जाव वत्तव्वं सिया, अह भंते! ढंके कंके विलए मग्गुए सिखीए, एए णं निस्सीला० सेसं तं चेव जाव वत्तव्वं सिया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४५९ ॥

बारहमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहा णं भंते! देवा पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा देवा पण्णत्ता, तंजहा–भवियदव्वदेवा १ नरदेवा २ धम्मदेवा ३ देवा(इ)हिदेवा ४ भावदेवा ५, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा भवियदव्वदेवा? गोयमा! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवेसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा २, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ नरदेवा नरदेवा? गोयमा! जे इमे रायाणो चाउरंतचक्कवट्टी उप्पन्नसमत्तचक्करयणप्पहाणा नवनिहिपइणो समिद्धकोसा बत्तीस रायवरसहस्साणुजायमग्गा सागरवरमेहलाहिवइणो मणुस्सिंदा से तेणट्ठेणं जाव नरदेवा २, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ धम्मदेवा धम्मदेवा? गोयमा! जे इमे अणगारा भगवंतो इरियासमिया जाव गुत्तबंभयारी से तेणट्ठेणं जाव धम्मदेवा २, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ देवाहिदेवा देवाहिदेवा? गोयमा! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पन्ननाणदंसणधरा जाव सव्वदरिसी से तेणट्ठेणं जाव देवाहिदेवा २, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–भावदेवा भावदेवा? गोयमा! जे इमे भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिया देवा देवगइनामगोयाइं कम्माइं वेदेंति से तेणट्ठेणं जाव भावदेवा ॥ ४६० ॥ भवियदव्वदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्स० देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, भेओ जहा वक्कंतीए सव्वेसु उववाएयव्वा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति, नवरं असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमियअंतरदीवगसव्वट्ठसिद्धवज्जं जाव अपराजियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, णो सव्वट्ठसिद्धदेवेहिंतो उववज्जंति। नरदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति कि नेरइए० पुच्छा, गोयमा! नेरइएहिंतो उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ नेरइएहिंतो उववज्जंति कि रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति?

गोयमा ! रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति नो सक्कर जाव नो अहेसत्तमा-पुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति, जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतोवि उववज्जंति वाणमंतर एवं सव्वदेवेसु उववाएयव्वा वक्कंतीभेएणं जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, धम्मदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो० ? एवं वक्कंतीभेएणं सव्वेसु उववाएयव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, नवरं तमा अहेसत्तमाए तेउवाउअसंखेज्जवासाउयअकम्मभूमियअंतरदीवगवज्जेसु, देवाहिदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति पुच्छा, गोयमा ! नेरइएहिंतो उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ नेरइएहिंतो एवं तिसु पुढवीसु उववज्जंति सेसाओ खोडेयव्वाओ, जइ देवेहिंतो० वेमाणिएसु सव्वेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, सेसा खोडेयव्वा, भावदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहा वक्कंतीए भवणवासीणं उववाओ तहा भाणियव्वं ॥ ४६१ ॥ भवियदव्वदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, नरदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं सत्त वाससयाइं उक्कोसेणं चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं, धम्मदेवाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, देवाहिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं बावत्तरिं वासाइं उक्कोसेणं चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं, भावदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ॥ ४६२ ॥ भवियदव्वदेवा णं भंते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! एगत्तंपि पभू विउव्वित्तए पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए, एगत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवं वा जाव पंचिंदियरूवं वा पुहुत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवाणि वा जाव पंचिंदियरूवाणि वा ताइं संखेज्जाणि वा असंखेज्जाणि वा संबद्धाणि वा असंबद्धाणि वा सरिसाणि वा असरिसाणि वा विउव्वंति विउव्वित्ता तओ पच्छा अप्पणो जहिच्छियाइं कज्जाइं करेंति, एवं नरदेवावि, एवं धम्मदेवावि, देवाहिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! एगत्तंपि पभू विउव्वित्तए पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए, नो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्विंति वा विउव्विस्संति वा । भावदेवाणं पुच्छा, जहा भवियदव्वदेवा ॥ ४६३ ॥ भवियदव्वदेवाणं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति किं नेरइएसु उववज्जंति जाव देवेसु उववज्जंति ? गोयमा ! नो नेरइएसु उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेसु उववज्जंति, जइ देवेसु उववज्जंति सव्वदेवेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति । नरदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, गोयमा ! नेरइ-

एसु उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० णो देवेसु उववज्जंति, जइ नेरइएसु उववज्जंति० सत्तसुवि पुढवीसु उववज्जंति। धम्मदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइएसु उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेसु उववज्जंति, जइ देवेसु उववज्जंति किं भवणवासि० पुच्छा, गोयमा ! नो भवणवासिदेवेसु उववज्जंति नो वाणमंतर० नो जोइसिय० वेमाणियदेवेसु उववज्जंति, सव्वेसु वेमाणिएसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइएसु उववज्जंति, अत्थेगइया सिज्झंति जाव अंतं करेंति। देवाहिदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? गोयमा ! सिज्झंति जाव अंतं करेंति । भावदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, जहा वक्कंतीए असुरकुमाराणं उव्वट्टणा तहा भाणियव्वा ॥ भवियदव्वदेवे णं भंते ! भवियदव्वदेवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, एवं जहेव ठिई सच्चेव संचिट्ठणावि जाव भावदेवस्स, नवरं धम्मदेवस्स जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ॥ भवियदव्वदेवस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो । नरदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगं सागरोवमं उक्कोसेणं अणंतं कालं अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं । धम्मदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं । देवाहिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! नत्थि अंतरं । भावदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो ॥ एएसि णं भंते ! भवियदव्वदेवाणं नरदेवाणं जाव भावदेवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा नरदेवा, देवाहिदेवा संखेज्जगुणा, धम्मदेवा संखेज्जगुणा, भवियदव्वदेवा असंखेज्जगुणा, भावदेवा असंखेज्जगुणा ॥ ४६४ ॥ एएसि णं भंते ! भावदेवाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं सोहम्मगाणं जाव अच्चुयगाणं गेवेज्जगाणं अणुत्तरोववाइयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइया भावदेवा, उवरिमगेवेज्जा भावदेवा संखेज्जगुणा, मज्झिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, हेट्ठिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, अच्चुए कप्पे देवा संखेज्जगुणा जाव आणयकप्पे भावदेवा संखेज्जगुणा एवं जहा जीवाभिगमे तिविहे देवपुरिसे अप्पाबहुयं जाव जोइसिया भावदेवा असंखेज्जगुणा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४६५ ॥ **बारहमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते ! आया पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठविहा आया पण्णत्ता, तंजहा–दवियाया कसायाया जोगाया उवओगाया णाणाया दंसणाया चरित्ताया वीरियाया ॥

जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स कसायाया जस्स कसायाया तस्स दवियाया ? गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण कसायाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि। जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स जोगाया ? एवं जहा दवियाया कसायाया भणिया तहा दवियाया जोगायावि भाणियव्वा। जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स उवओगाया एवं सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा, गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स उवओगाया नियमं अत्थि, जस्सवि उवओगाया तस्सवि दवियाया नियमं अत्थि, जस्स दवियाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स पुण णाणाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि, जस्स दवियाया तस्स दंसणाया नियमं अत्थि, जस्सवि दंसणाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि, जस्स दवियाया तस्स चरित्ताया भयणाए, जस्स पुण चरित्ताया तस्स दवियाया नियमं अत्थि, एवं वीरियायाएवि समं। जस्स णं भंते ! कसायाया तस्स जोगाया पुच्छा, गोयमा ! जस्स कसायाया तस्स जोगाया नियमं अत्थि, जस्स पुण जोगाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय नत्थि, एवं उवओगायाएवि समं कसायाया नेयव्वा, कसायाया य णाणाया य परोप्परं दोवि भइयव्वाओ, जहा कसायाया य उवओगाया य तहा कसायाया य दंसणाया य कसायाया य चरित्ताया य दोवि परोप्परं भइयव्वाओ, जहा कसायाया य जोगाया य तहा कसायाया य वीरियाया य भाणियव्वाओ, एवं जहा कसायायाएँ वत्तव्वया भणिया तहा जोगायाएवि उवरिमाहिं समं भाणियव्वा। जहा दवियायाए वत्तव्वया भणिया तहा उवओगायाएवि उवरिल्लाहिं समं भाणियव्वा। जस्स नाणाया तस्स दंसणाया नियमं अत्थि, जस्स पुण दंसणाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स नाणाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण चरित्ताया तस्स नाणाया नियमं अत्थि, णाणाया वीरियाया दोवि परोप्परं भयणाए। जस्स दंसणाया तस्स उवरिमाओ दोवि भयणाए, जस्स पुण ताओ तस्स दंसणाया नियमं अत्थि। जस्स चरित्ताया तस्स वीरियाया नियमं अत्थि, जस्स पुण वीरियाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि ॥ एयासि णं भंते ! दवियायाणं कसायायाणं जाव वीरियायाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ चरित्तायाओ, नाणायाओ अणंतगुणाओ, कसायायाओ अणंतगुणाओ, जोगायाओ विसेसाहियाओ, वीरियायाओ विसेसाहियाओ; उवओगदवियदंसणायाओ तिन्निवि तुल्लाओ विसेसाहियाओ ॥ ४६६ ॥ आया भंते ! नाणे अन्नाणे ? गोयमा ! आया सिय नाणे सिय अन्नाणे, णाणे पुण नियमं आया ॥ आया भंते ! नेरइयाणं नाणे अन्ने नेरइयाणं नाणे ? गोयमा ! आया नेरइयाणं

सिय नाणे सिय अन्नाणे, नाणे पुण से नियमं आया, एवं जाव थणियकुमाराणं, आया भंते ! पुढविकाइयाणं अन्नाणे अन्ने पुढविकाइयाणं अन्नाणे ? गोयमा ! आया पुढविकाइयाणं नियमं अन्नाणे अन्नाणेवि नियमं आया, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियतेइंदिय जाव वेमाणियाणं जहा नेरइयाणं । आया भंते ! दंसणे अन्ने दंसणे ? गोयमा ! आया नियमं दंसणे दंसणेवि नियमं आया । आया भंते ! नेरइयाणं दंसणे अण्णे नेरइयाणं दंसणे ? गोयमा ! आया नेरइयाणं नियमं दंसणे दंसणेवि से नियमं आया, एवं जाव वेमाणियाणं निरंतरं दंडओ ॥४६७॥ आया भंते ! रयणप्पभापुढवी अन्ना रयणप्पभापुढवी ? गोयमा ! रयणप्पभापुढवी सिय आया सिय नो आया सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ रयणप्पभापुढवी सिय आया सिय नो आया सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे नो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं रयणप्पभापुढवी आयाइ य नो आयाइ य, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव नो आयाइ य । आया भंते ! सक्करप्पभापुढवी जहा रयणप्पभापुढवी तहा सक्करप्पभा(ए)वि एवं जाव अहे सत्तमा(ए) । आया भंते ! सोहम्मकप्पे पुच्छा, गोयमा ! सोहम्मे कप्पे सिय आया सिय नो आया जाव नो आयाइ य, से केणट्ठेणं भंते ! जाव नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे नो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य, से तेणट्ठेणं गोयमा ! तं चेव जाव नो आयाइ य, एवं जाव अच्चुए कप्पे । आया भंते ! गेविज्जविमाणे अन्ने गेविज्जविमाणे ? एवं जहा रयणप्पभापुढवी तहेव, एवं अणुत्तरविमाणावि, एवं ईसिपब्भारावि । आया भंते ! परमाणुपोग्गले अन्ने परमाणुपोग्गले ? एवं जहा सोहम्मे कप्पे तहा परमाणुपोग्गलेवि भाणियव्वे ॥ आया भंते ! दुपएसिए खंधे अन्ने दुपएसिए खंधे ? गोयमा ! दुपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ५ सिय नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ६, से केणट्ठेणं भंते ! एवं तं चेव जाव नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं दुपएसिए खंधे आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे दुप्पएसिए खंधे आया य नो आया य ४ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ५ देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे

नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ६, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव नो आयाइ य ॥ आया भंते ! तिपएसिए खंधे अन्ने तिपएसिए खंधे ? गोयमा ! तिपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य नो आयाओ य ५ सिय आयाओ य नो आया य ६ सिय आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ७ सिय आया य अवत्तव्वाइं आया(इ)ओ य नो आयाओ य ८ सिय आयाओ य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ९ सिय नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १० सिय(नो) आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ११ सिय नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १२ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १३, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आया य ४ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य नो आयाओ य ५ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य नो आया य ६ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ९, एए तिन्नि भंगा, देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १० देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ११ देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १२ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १३, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया तं चेव जाव नो आयाइ य ॥ आया भंते ! चउप्पएसिए खंधे अन्ने० पुच्छा, गोयमा ! चउप्पएसिए खंधे सिय

आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्वं ४ सिय नो आया य अवत्तव्वं ४ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १६ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य १७ सिय आया य नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १८ सिय आयाओ य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १९ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चउप्पएसिए खंधे सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं तं चेव अट्ठे पडिउच्चारेयव्वं, गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे चउभंगो, सब्भावपज्जवेणं तदुभएण य चउभंगो, असब्भावेणं तदुभएण य चउभंगो, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा चउप्पएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य १७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नोआयाइ य १८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आयाओ य नोआया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १९, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ चउप्पएसिए खंधे सिय आया सिय नो आया सिय अवत्तव्वं निक्खेवे ते चेव भंगा उच्चारेयव्वा जाव नो आयाइ य ॥ आया भंते ! पंचपएसिए खंधे अन्ने पंचपएसिए खंधे ? गोयमा ! पंचपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय अवत्तव्वं (४) आया य नो आया य ४ (नोआया य अवत्तव्वेण य ४) तियगसंजोगे एक्को ण पडइ, से केणट्ठेणं भंते ! तं चेव पडिउच्चारेयव्वं ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे एवं दुयगसंजोगे सव्वे पडंति तियगसंजोगे एक्को ण पडइ । छप्पएसियस्स सव्वे पडंति; जहा छप्पएसिए एवं जाव अणंतपएसिए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४६८ ॥ **दसमो उद्देसो समत्तो, बारसमं सयं समत्तं ॥**

पुढवी १ देव २ मणंतर ३ पुढवी ४ आहारमेव ५ उववाए ६ । भासा ७

कम्म ८ अणगारे केयाघडिया ९ समुग्घाए १० ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा ! तीसं निरयावाससयसहस्सा पन्नत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि, इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं केवइया नेरइया उववज्जंति १? केवइया काउलेस्सा उववज्जंति २? केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति ३? केवइया सुक्कपक्खिया उववज्जति ४? केवइया सन्नी उववज्जंति ५? केवइया असन्नी उववज्जंति ६? केवइया भवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ७? केवइया अभवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ८? केवइया आभिणिबोहियनाणी उववज्जंति ९? केवइया सुयनाणी उववज्जंति १०? केवइया ओहिनाणी उववज्जंति ११? केवइया मइअन्नाणी उववज्जंति १२? केवइया सुयअन्नाणी उववज्जंति १३? केवइया विभंगनाणी उववज्जंति १४? केवइया चक्खुदंसणी उववज्जंति १५? केवइया अचक्खुदंसणी उववज्जंति १६? केवइया ओहिदंसणी उववज्जंति १७? केवइया आहारसन्नोवउत्ता उववज्जंति १८? केवइया भयसन्नोवउत्ता उववज्जंति १९? केवइया मेहुणसन्नोवउत्ता उववज्जंति २०? केवइया परिग्गहसन्नोवउत्ता उववज्जंति २१? केवइया इत्थिवेयगा उववज्जंति २२? केवइया पुरिसवेयगा उववज्जंति २३? केवइया नपुंसगवेयगा उववज्जंति २४? केवइया कोहकसाई उववज्जंति २५ जाव केवइया लोभकसाई उववज्जंति २८? केवइया सोइंदियउवउत्ता उववज्जंति २९ जाव केवइया फासिंदियोवउत्ता उववज्जंति ३३? केवइया नोइंदियोवउत्ता उववज्जंति ३४? केवइया मणजोगी उववज्जंति ३५? केवइया वइजोगी उववज्जंति ३६? केवइया कायजोगी उववज्जंति ३७? केवइया सागारोवउत्ता उववज्जंति ३८? केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ३९? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा नेरइया उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा काउलेस्सा उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा कण्हपक्खिया उववज्जंति, एवं सुक्कपक्खियावि, एवं सन्नीवि एवं असन्नीवि, एवं भवसिद्धिया एवं अभवसिद्धिया, आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी एवं चेव, चक्खुदंसणी ण उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खु-

दंसणी उववज्जंति, एवं ओहिदंसणीवि, एवं आहारसन्नोवउत्तावि जाव परिग्गहसन्नोवउत्तावि, इत्थीवेयगा न उववज्जंति पुरिसवेयगावि न उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा नपुंसगवेयगा उववज्जंति, एवं कोहकसाई जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता न उववज्जंति एवं जाव फासिंदिओवउत्ता न उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा नोइंदिओवउत्ता उववज्जंति, मणजोगी ण उववज्जंति, एवं वइजोगीवि, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा कायजोगी उववज्जंति, एवं सागारोवउत्तावि एवं अणागारोवउत्तावि ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं केवइया नेरइया उववट्टंति, केवइया काउलेस्सा उववट्टंति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उव्वट्टंति? गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा नेरइया उववट्टंति, एवं जाव सन्नी, असन्नी ण उव्वट्टंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा भवसिद्धिया उव्वट्टंति एवं जाव सुयअन्नाणी विभंगनाणी ण उववट्टंति, चक्खुदंसणी ण उव्वट्टंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खुदंसणी उव्वट्टंति, एवं जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता ण उव्वट्टंति एवं जाव फासिंदियोवउत्ता न उव्वट्टंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिंन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा नोइंदियोवउत्ता उव्वट्टंति, मणजोगी न उव्वट्टंति एवं वइजोगीवि, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा कायजोगी उव्वट्टंति, एवं सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु केवइया नेरइया पन्नत्ता? केवइया काउलेस्सा प० जाव केवइया अणागारोवउत्ता पन्नत्ता? केवइया अणंतरोववन्नगा पन्नत्ता १? केवइया परंपरोववन्नगा पन्नत्ता २? केवइया अणंतरोगाढा पन्नत्ता ३? केवइया परंपरोगाढा प० ४? केवइया अणंतराहारा प० ५? केवइया परंपराहारा प० ६? केवइया अणंतरपज्जत्ता प० ७? केवइया परंपरपज्जत्ता पन्नत्ता ८? केवइया चरिमा प० ९? केवइया अचरिमा प० १०? गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु संखेज्जा नेरइया प०, संखेज्जा काउलेस्सा प०, एवं जाव संखेज्जा सन्नी प०, असन्नी सिय-अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा प०, संखेज्जा भवसिद्धिया प०, एवं जाव संखेज्जा परिग्गहसन्नोवउत्ता प०, इत्थिवेयगा नत्थि पुरिसवेयगा नत्थि, संखेज्जा नपुंसगवेयगा प०, एवं कोहकसा-

ईवि, माणकसाई जहा असन्नी, एवं जाव लोभकसाई, संखेज्जा सोइंदियोवउत्ता प०, एवं जाव फासिंदियोवउत्ता, नोइंदियोवउत्ता जहा असन्नी, संखेज्जा मणजोगी प०, एवं जाव अणागारोवउत्ता, अणंतरोववन्नगा सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहा असन्नी, संखेज्जा परंपरोववन्नगा प०, एवं जहा अणंतरोववन्नगा तहा अणंतरोगाढगा अणंतराहारगा अणंतरपज्जत्तगा चरिमा, परंपरोगाढगा जाव अचरिमा जहा परंपरोववन्नगा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु असंखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं केवइया नेरइया उववज्जंति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु असंखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं असंखेज्जा नेरइया उववज्जंति, एवं जहेव संखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा तहा असंखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा, नवरं असंखेज्जा भाणियव्वा सेसं तं चेव जाव असंखेज्जा अचरिमा प०; नाणत्तं लेस्सासु लेसाओ जहा पढमसए नवरं संखेज्जवित्थडेसुवि असंखेज्जवित्थडेसुवि ओहिनाणी ओहिदंसणी य संखेज्जा उव्वट्टावेयव्वा, सेसं तं चेव ॥ सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए केवइया निरयावास० पुच्छा, गोयमा ! पणवीसं निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? एवं जहा रयणप्पभाए तहा सक्करप्पभाएवि, नवरं असन्नी तिसुवि गमएसु न भन्नइ, सेसं तं चेव । वालुयप्पभाए णं पुच्छा, गोयमा ! पन्नरस निरयावाससयसहस्सा प०, सेसं जहा सक्करप्पभाए णाणत्तं लेसासु लेसाओ जहा पढमसए ॥ पंकप्पभाए णं पुच्छा, गोयमा ! दस निरयावाससयसहस्सा प०, एवं जहा सक्करप्पभाए नवरं ओहिनाणी ओहिदंसणी य न उव्वट्टंति, सेसं तं चेव ॥ धूमप्पभाए णं पुच्छा, गोयमा ! तिन्नि निरयावाससयसहस्सा एवं जहा पंकप्पभाए ॥ तमाए णं भंते ! पुढवीए केवइया निरयावास० पुच्छा, गोयमा ! एगे पंचूणे निरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, सेसं जहा पंकप्पभाए ॥ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए कइ अणुत्तरा महइमहालया महानिरया पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच अणुत्तरा जाव अपइट्ठाणे, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य, अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालया जाव महानिरएसु संखेज्जवित्थडे नरए एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? एवं जहा पंकप्पभाए नवरं तिसु नाणेसु न उववज्जंति न उव्वट्टंति, पन्नत्तएसु तहेव अत्थि, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि नवरं असंखेज्जा भाणियव्वा ॥४६९॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु किं सम्मद्दिट्ठी नेरइया उववज्जंति मिच्छ-

दिट्ठी नेरइया उववज्जंति सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया उववज्जंति? गोयमा! सम्मदिट्ठीवि नेरइया उववज्जंति, मिच्छादिट्ठीवि नेरइया उववज्जंति, नो सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया उववज्जंति। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु किं सम्मदिट्ठी नेरइया उव्वट्टंति? एवं चेव। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडा नरगा किं सम्मद्दिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया सम्मामिच्छदिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया? गोयमा! सम्मद्दिट्ठीहिवि नेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिवि नेरइएहिं अविरहिया, सम्मामिच्छादिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया विरहिया वा, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा भाणियव्वा, एवं सक्करप्पभाएवि, एवं जाव तमाएवि। अहेसत्तमाए णं भंते! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु जाव संखेज्जवित्थडे नरए किं सम्मद्दिट्ठी नेरइया पुच्छा, गोयमा! सम्मद्दिट्ठी नेरइया न उववज्जंति, मिच्छादिट्ठी नेरइया उववज्जंति, सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया न उववज्जंति, एवं उव्वट्टंतिवि, अविरहिए जहेव रयणप्पभाए, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा ॥ ४७० ॥ से नूणं भंते! कण्हलेस्से नीललेस्से जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु नेरइएसु उववज्जंति? हंता गोयमा! कण्हलेस्से जाव उववज्जंति, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ कण्हलेस्से जाव उववज्जंति? गोयमा! लेस्सट्ठाणेसु संकिलिस्समाणेसु २ कण्हलेसं परिणमइ २ त्ता कण्हलेसेसु नेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति। से नूणं भंते! कण्हलेस्से जाव सुक्कलेसे भवित्ता नीललेस्सेसु नेरइएसु उववज्जंति? हंता गोयमा! जाव उववज्जंति, से केणट्ठेणं जाव उववज्जंति? गोयमा! लेस्सट्ठाणेसु संकिलिस्समाणेसु वा विसुज्झमाणेसु नीललेस्सं परिणमइ २ त्ता नीललेस्सेसु नेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव उववज्जंति, से नूणं भंते! कण्हलेस्से नीललेस्से जाव भवित्ता काउलेस्सेसु नेरइएसु उववज्जंति? एवं जहा नीललेस्साए तहा काउलेस्सा(ए)वि भाणियव्वा जाव से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४७१ ॥ **तेरहमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते! देवा पण्णत्ता? गोयमा! चउव्विहा देवा पन्नत्ता, तंजहा–भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया। भवणवासी णं भंते! देवा कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! दसविहा पण्णत्ता, तंजहा–असुरकुमारा एवं भेओ जहा बिइयसए देवुद्देसए जाव अपराजिया सव्वट्ठसिद्धगा। केवइया णं भंते! असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा! चोसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा! संखेज्जवित्थडावि

असंखेज्जवित्थडावि, चोसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु एगसमएणं केवइया असुरकुमारा उववज्जंति केवइया तेउलेसा उववज्जंति केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए तहेव पुच्छा, तहेव वागरणं, नवरं दोहिं वेदेहिं उववज्जंति, नपुंसगवेयगा न उववज्जंति, सेसं तं चेव, उव्वट्टंतगावि तहेव नवरं असन्नी उव्वट्टंति, ओहिनाणी ओहिदंसणी य ण उव्वट्टंति, सेसं तं चेव, पन्नत्तएसु तहेव नवरं संखेज्जगा इत्थिवेदगा पण्णत्ता, एवं पुरिसवेदगावि, नपुंसगवेदगा नत्थि, कोहकसाई सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा पण्णत्ता, एवं माण माया संखेज्जा लोभकसाई पण्णत्ता, सेसं तं चेव तिसुवि गमएसु संखेज्जवित्थडेसु चत्तारि लेस्साओ भाणियव्वाओ, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि नवरं तिसुवि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता। केवइया णं भंते ! नागकुमारावास० एवं जाव थणियकुमारावास नवरं जत्थ जत्तिया भवणा ॥ केवइया णं भंते ! वाणमंतरावाससयसहस्सा पन्नत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा वाणमंतरावाससयसहस्सा पन्नत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडा नो असंखेज्जवित्थडा, संखेज्जेसु णं भंते ! वाणमंतरावाससयसहस्सेसु एगसमएणं केवइया वाणमंतरा उववज्जंति ? एवं जहा असुरकुमाराणं संखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा तहेव भाणियव्वा वाणमंतराणवि तिन्नि गमगा । केवइया णं भंते ! जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा० ? एवं जहा वाणमंतराण तहा जोइसियाणवि तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं एगा तेउलेस्सा, उववज्जंतेसु पन्नत्तेसु य असन्नी नत्थि, सेसं तं चेव ॥ सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा पन्नत्ता ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि, सोहम्मे णं भंते ! कप्पे बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु विमाणेसु एगसमएणं केवइया सोहम्मगा देवा उववज्जंति केवइया तेउलेसा उववज्जंति ? एवं जहा जोइसियाणं तिन्नि गमगा तहेव तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं तिसुवि संखेज्जा भाणियव्वा, ओहिनाणी ओहिदंसणी य चयावेयव्वा, सेसं तं चेव । असंखेज्जवित्थडेसु एवं चेव तिन्नि गमगा णवरं तिसुवि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा, ओहिनाणी य ओहिदंसणी य संखेज्जा चयंति, सेसं तं चेव, एवं जहा सोहम्मे वत्तव्वया भणिया तहा ईसाणेवि छ गमगा भाणियव्वा, सणंकुमारेवि एवं

चेव नवरं इत्थीवेयगा न उववज्जंति पन्नत्तेसु य न भण्णंति, असन्नी तिसुवि गमएसु न भण्णंति, सेसं तं चेव, एवं जाव सहस्सारे, नाणत्तं विमाणेसु लेस्सासु य, सेसं तं चेव॥ आणयपाणएसु णं भंते! कप्पेसु केवइया विमाणावाससया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि विमाणावाससया पण्णत्ता, ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि, एवं संखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा जहा सहस्सारे असंखेज्जवित्थडेसु उववज्जंतेसु य चयंतेसु य एवं चेव संखेज्जा भाणियव्वा पन्नत्तेसु असंखेज्जा नवरं नोइंदियोवउत्ता अणंतरोववन्नगा अणंतरोगाढगा अणंतराहारगा अणंतरपज्जत्तगा य एएसिं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा प०, सेसा असंखेज्जा भाणियव्वा। आरणच्चुएसु एवं चेव जहा आणयपाणएसु नाणत्तं विमाणेसु, एवं गेवेज्जगावि। कइ णं भंते! अणुत्तरविमाणा पन्नत्ता? गोयमा! पंच अणुत्तरविमाणा पन्नत्ता, ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य, पंचसु णं भंते! अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे विमाणे एगसमएणं केवइया अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जंति केवइया सुक्कलेस्सा उववज्जंति पुच्छा तहेव, गोयमा! पंचसु णं अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे अणुत्तरविमाणे एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जंति, एवं जहा गेवेज्जविमाणेसु संखेज्जवित्थडेसु नवरं किण्हपक्खिया अभवसिद्धिया तिसु अन्नाणेसु एए न उववज्जंति न चयंति नवि पन्नत्तएसु भाणियव्वा अचरिमावि खोडिज्जंति जाव संखेज्जा चरिमा प०, सेसं तं चेव, असंखेज्जवित्थडेसुवि एए न भन्नंति नवरं अचरिमा अत्थि, सेसं जहा गेवेज्जएसु असंखेज्जवित्थडेसु जाव असंखेज्जा अचरिमा प०। चोसट्ठीए णं भंते! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु किं सम्मद्दिट्ठी असुरकुमारा उववज्जंति मिच्छादिट्ठी, एवं जहा रयणप्पभाए तिन्नि आलावगा भणिया तहा भाणियव्वा, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा, एवं जाव गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसु एवं चेव, नवरं तिसुवि आलावएसु मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी य न भन्नंति, सेसं तं चेव। से नूणं भंते! कण्हलेस्से नील जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु देवेसु उववज्जंति? हंता गोयमा! एवं जहेव नेरइएसु पढमे उद्देसए तहेव भाणियव्वं, नीललेसाएवि जहेव नेरइयाणं, जहा नीललेस्साए एवं जाव पम्हलेस्सेसु सुक्कलेस्सेसु एवं चेव, नवरं लेस्सट्ठाणेसु विसुज्झमाणेसु २ सुक्कलेस्सं परिणमइ २त्ता सुक्कलेस्सेसु देवेसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ४७२॥ **तेरहमे सए बीओ उद्देसो समत्तो॥**

नेरइया णं भंते! अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया एवं परियारणापयं निरवसेसं भाणियव्वं । सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४७३ ॥ **तेरहमे सए तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

कइ णं भंते! पुढवीओ पन्नत्ताओ? गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा, अहेसत्तमाए णं भंते! पुढवीए पंच अणुत्तरा महइमहालया जाव अपइट्ठाणे, ते णं णरगा छट्ठीए तमाए पुढवीए नरएहिंतो महंततरा चेव १ महाविच्छिन्नतरा चेव २ महावासतरा चेव ३ महापइरिक्कतरा चेव ४, णो तहा महापवेसणतरा चेव १ नो आइन्नतरा चेव २ नो आउलतरा चेव ३ नो अणो(मा)यणतरा चेव ४, तेसु णं नरएसु नेरइया छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेब १ महाकिरियतरा चेव २ महासवतरा चेव ३ महावेयणतरा चेव ४ नो तहा अप्पकम्मतरा चेव १ नो अप्पकिरियतरा चेव २ नो अप्पासवतरा चेव ३ नो अप्पवेयणतरा चेव ४ अप्पिड्ढियतरा चेव १ अप्पजुइयतरा चेव २ नो तहा महिड्ढियतरा चेव १ नो महाजुइयतरा चेव २ । छट्ठीए णं तमाए पुढवीए एगे पंचूणे निरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, ते णं नरगा अहेसत्तमाए पुढवीए नरएहिंतो नो तहा महत्तरा चेव महाविच्छिन्नतरा चेव ४, महप्पवेसणतरा चेव आइन्नतरा चेव ४, तेसु णं नरएसु नेरइया अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइएहिंतो अप्पकम्मतरा चेव अप्पकिरियतरा चेव ४ नो तहा महाकम्मतरा चेव महाकिरियतरा चेव ४ महिड्ढियतरा चेव महाजुइयतरा चेव, नो तहा अप्पिड्ढियतरा चेव अप्पजुइयतरा चेव । छट्ठीए णं तमाए पुढवीए नरगा पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नरएहितो महत्तरा चेव ४ नो तहा महप्पवेसणतरा चेव ४, तेसु णं नरएसु नेरइया पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव ४ नो तहा अप्पकम्मतरा चेव ४ अप्पिड्ढियतरा चेव २ नो तहा महिड्ढियतरा चेव २, पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिन्नि निरयावाससयसहस्सा पन्नत्ता, एवं जहा छट्ठीए भणिया एवं सत्तवि पुढवीओ परोप्परं भण्णंति जाव रयणप्पभत्ति जाव नो तहा महिड्ढियतरा चेव अप्पजुइयतरा चेव ॥ ४७४ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते! केरिसयं पुढविफासं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया, एवं आउफासं एवं जाव वणस्सइफासं ॥ ४७५ ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी दोच्चं सक्करप्पभं पुढवि पणिहाय सव्वमहंतिया बाहल्लेणं सव्वखुड्डिया सव्वंतेसु एवं जहा जीवाभिगमे बिइए नेरइयउद्देसए ॥ ४७६ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए णिरयपरिसामंतेसु जे पुढविक्काइया एवं जहा नेरइ-

चउद्देसए जाव अहेसत्तमाए ॥४७७॥ कहि णं भंते ! लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए उवासंतरस्स असंखेज्जइभागं ओगाहेत्ता एत्थ णं लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते । कहि णं भंते ! अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए उवासंतरस्स साइरेगं अद्धं ओगाहित्ता एत्थ णं अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते, कहि णं भंते ! उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हेट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठविमाणे पत्थडे एत्थ णं उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते । कहिणं भंते ! तिरियलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं तिरियलोगस्स मज्झे अट्ठपएसिए रुयए पण्णत्ते, जओ णं इमाओ दस दिसाओ पवहंति, तंजहा–पुरच्छिमा पुरच्छिमदाहिणा एवं जहा दसमसए नामधेज्जंति ॥ ४७८ ॥ इंदा णं भंते ! दिसा किमाइया किंपवहा कइपएसाइया कइपएसुत्तरा कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसंठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! इंदा णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा दुपएसाइया दुपएसुत्तरा लोगं पडुच्च असंखेज्जपएसिया, अलोगं पडुच्च अणंतपएसिया, लोगं पडुच्च साइया सपज्जवसिया, अलोगं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, लोगं पडुच्च मुरजसंठिया, अलोगं पडुच्च सगडुद्धिसंठिया पन्नत्ता । अग्गेई णं भंते ! दिसा किमाइया किंपवहा कइपएसाइया कइपएसविच्छिन्ना कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसंठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! अग्गेई णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा एगपएसाइया एगपएसविच्छिन्ना अणुत्तरा लोगं पडुच्च असंखेज्जपएसिया अलोगं पडुच्च अणंतपएसिया, लोगं पडुच्च साइया सपज्जवसिया अलोगं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, छिन्नमुत्तावलिसंठिया पण्णत्ता । जमा जहा इंदा, नेरई जहा अग्गेई, एवं जहा इंदा तहा दिसाओ चत्तारि, जहा अग्गेई तहा चत्तारिवि विदिसाओ । विमला णं भंते ! दिसा किमाइया० पुच्छा जहा अग्गेईए, गोयमा ! विमला णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा चउप्पएसाइया दुपएसविच्छिन्ना अणुत्तरा लोगं पडुच्च सेसं जहा अग्गेईए नवरं रुयगसंठिया पण्णत्ता, एवं तमावि ॥ ४७९ ॥ किमियं भंते ! लोएत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! पंचत्थिकाया, एस णं एवइए लोएत्ति पवुच्चइ, तंजहा–धम्मत्थिकाए अहम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए । धम्मत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ? गोयमा ! धम्मत्थिकाएणं जीवाणं आगमणगमणभासुम्मेसमणजोगा वइजोगा कायजोगा जे यावन्ने तहप्पगारा चला भावा सव्वे ते धम्मत्थिकाए पवत्तंति, गइलक्खणे णं धम्मत्थिकाए । अहम्मत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ? गोयमा !

अहम्मत्थिकाएणं जीवाणं ठाणनिसीयणतुयट्टण मणस्स य एगत्तीभावकरणया जे यावन्ने तहप्पगारा थिरा भावा सव्वे ते अहम्मत्थिकाए पवत्तंति, ठाणलक्खणे णं अहम्मत्थिकाए ॥ आगासत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं अजीवाण य किं पवत्तइ ? गोयमा ! आगासत्थिकाएणं जीवदव्वाण य अजीवदव्वाण य भायणभूए-एगेणवि से पुन्ने दोहिवि पुन्ने सयंपि माएज्जा। कोडिसएणवि पुन्ने कोडिसहस्संपि माएज्जा ॥१॥ अवगाहणालक्खणे णं आगासत्थिकाए ॥ जीवत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं कि पवत्तइ ? गोयमा ! जीवत्थिकाएणं जीवे अणंताणं आभिणिबोहियनाणपज्जवाणं अणंताणं सुयनाणपज्जवाणं एवं जहा बिइयसए अत्थिकायउद्देसए जाव उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे ॥ पोग्गलत्थिकाए णं पुच्छा, गोयमा ! पोग्गलत्थिकाएणं जीवाणं ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मा सोइंदियचक्खिदियघाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियमणजोगवइजोगकायजोगआणापाणूणं च गहणं पवत्तइ, गहणलक्खणे णं पोग्गलत्थिकाए ॥ ४८० ॥ एगे भंते ! धम्मत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए तिहिं उक्कोसपए छहिं । केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं । केवइएहिं आगासत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सत्तहिं । केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणंतेहिं । केवइएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणंतेहिं । केवइएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे जइ पुट्ठे नियमं अणंतेहिं ॥ एगे भंते ! अहम्मत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं । केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए तिहिं उक्कोसपए छहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ एगे भंते ! आगासत्थिकायपएसे केवइएहि धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे जहन्नपए एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायप्पएसेहिवि । केवइएहिं आगासत्थिकाय० ? गोयमा ! छहिं, केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे नियमं अणंतेहि । एवं पोग्गलत्थिकायपएसेहिवि अद्धासमएहिवि ॥ ४८१ ॥ एगे भंते ! जीवत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकाय० पुच्छा, जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थिकाय० ? सत्तहिं । केवइएहिं जीवत्थि० ? सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे केवइएहि धम्मत्थिकायपएसेहिं० ? एवं जहेव जीवत्थिकायस्स ॥ दो भंते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? जहन्नपए छहिं उक्कोसपए बारसहि, एवं अहम्मत्थिकायप्पएसेहिवि । केवइएहिं आगा-

सत्थिकाय० ? वारसहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ तिन्नि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? जहन्नपए अट्ठहिं उक्कोसपए सत्तरसहिं । एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थि० ? सत्तरसहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । एवं एएणं गमेणं भाणियव्वं जाव दस, नवरं जहन्नपए दोन्नि पक्खिवियव्वा उक्कोसपए पंच । चत्तारि पोग्गलत्थिकायपएसे० जहन्नपए दसहिं उक्कोसपए वावीसाए, पंच पोग्गलत्थिकाय० जहण्णपए वारसहिं उक्कोसपए सत्तावीसाए, छ पोग्गल० जहण्णपए चोद्दसहिं उक्कोसेणं वत्तीसाए, सत्त पोग्गल० जहन्नेणं सोलसहिं उक्कोसपए सत्ततीसाए, अट्ठ पोग्गल० जहन्नपए अट्ठारसहिं उक्कोसेणं वायालीसाए, नव पोग्गल० जहन्नपए वीसाए उक्कोसपए सीयालीसाए, दस पोग्गल० जहण्णपए वावीसाए उक्कोसपए वावन्नाए । आगासत्थिकायस्स सव्वत्थ उक्कोसगं भाणियव्वं ॥ संखेज्जा णं भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? जहन्नपए तेणेव संखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिएणं, उक्कोसपए तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, केवइएहिं अधम्मत्थिकाएहिं ? एवं चेव, केवइएहिं आगासत्थिकाय० तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, केवइएहिं जीवत्थिकाय० ? अणंतेहिं, केवइएहिं पोग्गलत्थिकाय० ? अणंतेहिं, केवइएहि अद्धासमएहिं ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे जाव अणंतेहिं । असंखेज्जा भंते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? जहन्नपए तेणेव असंखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिएणं, उक्कोसपए तेणेव असंखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, सेसं जहा संखेज्जाणं जाव नियमं अणंतेहिं ॥ अणंता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० एवं जहा असंखेज्जा तहा अणंतावि निरवसेसं ॥ एगे भंते ! अद्धासमए केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? सत्तहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि० ? एवं चेव, एवं आगासत्थिकायपएसेहिंवि, केवइएहिं जीवत्थिकाय० ? अणंतेहिं, एवं जाव अद्धासमएहिं ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकायप्पएसेहिं पुट्ठे ? नत्थि एक्केणवि, केवइएहिं अधम्मत्थिकायप्पएसेहिं ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं आगासत्थिकायप० ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं ? अणंतेहिं, केवइएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं० ? अणंतेहिं, केवइएहिं अद्धासमएहि ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे नियमा अणंतेहिं । अहम्मत्थिकाए णं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि० ? णत्थि एक्केणवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स, एवं एएणं गमएणं सव्वेवि सट्ठाणए नत्थि एक्केणवि पुट्ठा, परट्ठाणए आइल्लएहिं तिहिं असंखेज्जेहिं भाणियव्वं, पच्छिल्लएसु तिसु अणंता भाणियव्वा जाव अद्धासमओत्ति जाव केवइएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे ? नत्थि

एक्कोणवि ॥ जत्थ णं भंते ! एगे धम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायप्पएसा ओगाढा ? नत्थि एक्कोवि, केवइया अहम्मत्थिकायप्पएसा ओगाढा ? एक्को, केवइया आगासत्थिकाय० ? एक्को, केवइया जीवत्थिकाय० ? अणंता, केवइया पोग्गलत्थिकाय० ? अणंता, केवइया अद्धासमया ? सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा जइ ओगाढा अणंता । जत्थ णं भंते ! एगे अहम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एक्को, केवइया अहम्मत्थि० ? नत्थि एक्कोवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! एगे आगासत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा, जइ ओगाढा एक्को, एवं अहम्मत्थिकायपएसावि, केवइया आगासत्थिकाय० ? नत्थि एक्कोवि, केवइया जीवत्थि० ? सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा, जइ ओगाढा अणंता, एवं जाव अद्धासमया । जत्थ णं भंते ! एगे जीवत्थिकायपएसे ओगाढे, तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एक्को, एवं अहम्मत्थिकायपएसावि, एवं आगासत्थिकायपएसावि, केवइया जीवत्थिकाय० ? अणंता, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! एगे पोग्गलत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एवं जहा जीवत्थिकायपएसे तहेव निरवसेसं । जत्थ णं भंते ! दो पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? सिय एक्को सिय दोन्नि, एवं अहम्मत्थिकायस्सवि, एवं आगासत्थिकायस्सवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! तिन्नि पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? सिय एक्को सिय दोन्नि सिय तिन्नि, एवं अहम्मत्थिकायस्सवि, एवं आगासत्थिकायस्सवि, सेसं जहेव दोण्हं, एवं एक्केक्को वड्ढियव्वो पएसो आइल्लएहिं तिहि अत्थिकाएहिं, सेसं जहेव दोण्हं जाव दसण्हं सिय एक्को सिय दोन्नि सिय तिन्नि जाव सिय दस, संखेज्जाणं सिय एक्को सिय दोन्नि जाव सिय दस सिय संखेज्जा, असंखेज्जाणं सिय एक्को जाव सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, जहा असंखेज्जा एवं अणंतावि । जत्थ ण भंते ! एगे अद्धासमए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एक्को, केवइया अहम्मत्थिकाय० ? एक्को, केवइया आगासत्थिकाय० ? एक्को, केवइया जीवत्थि० ? अणंता, एवं जाव अद्धासमया । जत्थ णं भंते ! धम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायपएसा ओगाढा ? नत्थि एक्कोवि, केवइया अहम्मत्थिकाय० ? असंखेज्जा, केवइया आगासत्थि० ? असंखेज्जा, केवइया जीवत्थिकाय० ? अणंता, एवं जाव अद्धासमया । जत्थ णं भंते ! अहम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? असंखेज्जा, केवइया अहम्मत्थिकाय० ? नत्थि एक्कोवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स, एवं सव्वे सट्ठाणे नत्थि एक्कोवि

भाणियव्वं, परट्ठाणे आइल्लगा तिन्नि असंखेज्जा भाणियव्वा, पच्छिल्लगा तिन्नि अणंता भाणियव्वा जाव अद्धासमओत्ति जाव केवइया अद्धासमया ओगाढा? नत्थि एक्कोवि ॥ ४८२ ॥ जत्थ णं भंते! एगे पुढविकाइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढविक्काइया ओगाढा? असंखेज्जा, केवइया आउक्काइया ओगाढा? असंखेज्जा, केवइया तेउक्काइया ओगाढा? असंखेज्जा, केवइया वाउकाइया ओगाढा? असंखेज्जा, केवइया वणस्सइक्काइया ओगाढा? अणंता, जत्थ णं भंते! एगे आउकाइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढवि०? असंखेज्जा, केवइया आउ०? असंखेज्जा, एवं जहेव पुढविक्काइयाणं वत्तव्वया तहेव सव्वेसिं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वणस्सइक्काइयाणं जाव केवइया वणस्सइक्काइया ओगाढा? अणंता ॥ ४८३ ॥ एयंसि णं भंते! धम्मत्थिकाय० अधम्मत्थिकाय० आगासत्थिकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा सुइत्तए वा चिट्ठित्तए वा निसीइत्तए वा तुयट्टित्तए वा? नो इणट्ठे समट्ठे, अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ एयंसि णं धम्मत्थि० जाव आगासत्थिकायंसि णो चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव ओगाढा? गोयमा! से जहा नामए-कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा जहा रायप्पसेणइज्जे जाव दुवारवयणाइं पिहेइ दु० २ त्ता तीसे कूडागारसालाए बहुमज्झदेसभाए जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं पईवसहस्सं पलीवेज्जा, से नूणं गोयमा! ताओ पईवलेस्साओ अन्नमन्नसंबद्धाओ अन्नमन्नपुट्ठाओ जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति? हंता चिट्ठंति, चक्किया णं गोयमा! केइ तासु पईवलेस्सासु आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा? भगवं! णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव ओगाढा ॥ ४८४ ॥ कहि णं भंते! लोए बहुसमे, कहि णं भंते! लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते? गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं लोए बहुसमे एत्थ णं लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते। कहि णं भंते! विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते? गोयमा! विग्गहकंडए एत्थ णं विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते ॥ ४८५ ॥ किंसंठिए णं भंते! लोए पण्णत्ते? गोयमा! सुपइट्ठियसंठिए लोए पण्णत्ते, हेट्ठा विच्छिन्ने मज्झे संखित्ते जहा सत्तमसए पढमुद्देसए जाव अंतं करेइ ॥ एयस्स णं भंते! अहेलोगस्स तिरियलोगस्स उड्ढलोगस्स य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे तिरियलोए, उड्ढलोए असंखेज्जगुणे, अहेलोए विसेसाहिए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४८६ ॥ **तेरहमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

नेरइया णं भंते! किं सचित्ताहारा अचित्ताहारा मीसाहारा? गोयमा! नो सचित्ताहारा अचित्ताहारा नो मीसाहारा, एवं असुरकुमारा पढमो नेरइयउद्देसओ

निरवसेसो भाणियव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४८७ ॥ **तेरहमे सए पञ्चमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-संतरं भंते ! नेरइया उववज्जंति, निरंतरं नेरइया उववज्जंति ? गोयमा ! संतरंपि नेरइया उववज्जंति, निरंतरंपि नेरइया उववज्जंति, एवं असुरकुमारावि, एवं जहा गंगेए तहेव दो दंडगा जाव संतरंपि वेमाणिया चयंति निरंतरंपि वेमाणिया चयंति ॥ ४८८ ॥ कहिन्नं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो चमरचंचा नामं आवासे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे एवं जहा बिइयसए सभाए उद्देसए वत्तव्वया सच्चेव अपरिसेसा नेयव्वा, नवरं इमं नाणत्तं जाव तिगिच्छिकूडस्स उप्पायपव्वयस्स चमरचंचाए रायहाणीए चमरचंचस्स आवासपव्वयस्स अन्नेसिं च बहूणं सेसं तं चेव जाव तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलं च किंचिविसेसाहिया परिक्खेवेणं, तीसे णं चमरचंचाए रायहाणीए दाहिणपच्चच्छिमेणं छक्कोडिसए पणपन्नं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पन्नासं च सहस्साइं अरुणोदगसमुद्दं तिरियं वीईवइत्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चमरचंचे नामं आवासे पण्णत्ते, चउरासीइं जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं दो जोयणसयसहस्सा पन्नट्ठिं च सहस्साइं छच्चवत्तीसे जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं, से णं एगेणं पागारेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, से णं पागारे दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं, एवं चमरचंचाए रायहाणीए वत्तव्वया भाणियव्वा सभाविहूणा जाव चत्तारि पासायपंतीओ । चमरे णं भंते ! असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचे आवासे वसहिं उवेइ ? नो इणट्ठे समट्ठे, से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चमरचंचे आवासे २ ? गोयमा ! से जहानामए-इहं मणुस्सलोगंसि उवगारियलेणाइ वा उज्जाणियलेणाइ वा णिज्जाणियलेणाइ वा वारिधारियलेणाइ वा तत्थ णं बहवे मणुस्सा य मणुस्सीओ य आसयंति सयंति जहा रायप्पसेणइज्जे जाव कल्लाणफलवित्तिविसेसं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, अन्नत्थ पुण वसहिं उवेंति, एवामेव गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चमरचंचे आवासे केवलं किड्डारइपत्तियं अन्नत्थ पुण वसहिं उवेइ, से तेणट्ठेणं जाव आवासे, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४८९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नयराओ गुणसिलाओ जाव विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था वन्नओ, पुन्नभद्दे उज्जाणे वन्नओ, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव विहरमाणे जेणेव चंपा नयरी जेणेव पुन्नभद्दे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

जाव विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सिंधुसोवीरेसु जणवएसु वीइभए नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स णं वीइभयस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं मियवणे नामं उज्जाणे होत्था सव्वोउय० वन्नओ; तत्थ णं वीइभए नयरे उदायणे नामं राया होत्था महया वन्नओ, तस्स णं उदायणस्स रन्नो प(उमा)भावई नामं देवी होत्था सुकुमाल० वन्नओ, तस्स णं उदायणस्स रन्नो पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए अभीइनामं कुमारे होत्था सुकुमाल जहा सिवभद्दे जाव पच्चुवेक्खमाणे विहरइ, तस्स णं उदायणस्स रन्नो नियए भायणेज्जे केसीनामं कुमारे होत्था सुकुमाल जाव सुरूवे, से णं उदायणे राया सिंधुसोवीरप्पामोक्खाणं सोलसण्हं जणवयाणं, वीइभयप्पामोक्खाणं तिण्हं तेसट्ठीणं नगरागरसयाणं, महसेणप्पामोक्खाणं दसण्हं राईणं बद्धमउडाणं विइन्नछत्तचामरवालवीयणाणं अन्नेसिं च बहूणं राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिईणं आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव कारेमाणे पालेमाणे समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तए णं से उदायणे राया अन्नया कयाइ जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जहा संखे जाव विहरइ। तए णं तस्स उदायणस्स रन्नो पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–धन्ना णं ते गामागरनगरखेडकव्वडमडंवदोणमुहपट्टणासमसंबाहसन्निवेसा जत्थ णं समणे भगवं महावीरे विहरइ, धन्ना णं ते राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिइओ जे णं समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति जाव पज्जुवासंति, जइ णं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव विहरमाणे इहमागच्छेज्जा इह समोसरेज्जा, इहेव वीइभयस्स नयरस्स वहिया मियवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा जाव विहरेज्जा, तो णं अहं समणं भगवं महावीरं वंदेज्जा नमंसेज्जा जाव पज्जुवासेज्जा, तए णं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रन्नो अयमेयारूवं अज्झत्थियं जाव समुप्पन्नं विजाणित्ता चंपाओ नयरीओ पुन्नभद्दाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव विहरमाणे जेणेव सिंधुसोवीरे जणवए जेणेव वीइभए णयरे जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव विहरइ। तए णं वीइभए नयरे सिंघाडग जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ० कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! वीइभयं नयरं सब्भितरबाहिरियं जहा कूणिओ उववाइए जाव पज्जुवासइ, पभावईपामोक्खाओ देवीओ तहेव जाव वज्जुवासंति, धम्मकहा। तए णं से उदायणे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं

भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी-एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वदहत्तिकट्टु जं नवरं देवाणुप्पिया ! अभीइकुमारं रज्जे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से उदायणे राया समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता तमेव आभिसेक्कं हत्थिं दुरूहइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ मियवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव वीइभए नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं तस्स उदायणस्स रन्नो अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अभीइकुमारे ममं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग पुण पासणयाए, तं जइ णं अहं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामि तो णं अभीइकुमारे रज्जे य रट्ठे य जाव जणवए य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्सइ, तं नो खलु मे सेयं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, सेयं खलु मे णियगं भाइणेज्जं केसिकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव वीइभए नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वीइभयं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गेहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आभिसेक्कं हत्थिं ठवेइ आभि० २ त्ता आभिसेक्काओ हत्थीओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! वीइभयं नयरं सब्भिंतरबाहिरियं जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से उदायणे राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! केसिस्स कुमारस्स महत्थं ३ एवं रायाभिसेओ जहा सिवभद्दस्स कुमारस्स तहेव भाणियव्वो जाव परमाउं पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुडे सिंधुसोवीरपामोक्खाणं सोलसण्हं जणवयाणं, वीइभयपामोक्खाणं तिण्णि तेसट्ठीणं नगरागरसयाणं, महसेणपामोक्खाणं दसण्हं राईणं अन्नेसिं च बहूणं राईसर जाव कारेमाणे पालेमाणे विहराहित्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति । तए णं से केसीकुमारे राया जाए महया जाव विहरइ । तए णं से उदायणे राया केसिं रायाणं आपुच्छइ, तए णं से केसीराया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ एवं जहा जमालिस्स तहेव सब्भिंतरबाहिरियं तहेव जाव निक्खमणाभिसेयं उवट्ठवेइ, तए णं से केसीराया अणेगगणणायग जाव संपरिवुडे उदायणं रायं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसी-

यावेइ २ त्ता अट्ठसएणं सोवन्नियाणं एवं जहा जमालिस्स जाव एवं वयासी-भण सामी ! किं देमो किं पयच्छामो किणा वा ते अट्ठो ? तए णं से उदायणे राया केसिं रायं एवं वयासी-इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! कुत्तियावणाओ एवं जहा जमालिस्स णवरं पउमावई अग्गकेसे पडिच्छइ पियविप्पओगदूस(णा)हा, तए णं से केसी राया दोचंपि उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेइ दो० २ त्ता उदायणं रायं सेयापीयएहिं कलसेहि सेसं जहा जमालिस्स जाव सन्निसन्ने, तहेव अम्मधाई नवरं पउमावई हंसलक्खणं पडसाडगं गहाय सेसं तं चेव जाव सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं तं चेव जाव पउमावई पडिच्छइ जाव घडियव्वं सामी ! जाव नो पमाएयव्वंतिकट्टु केसी राया पउमावई य समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जाव पडिगया । तए णं से उदायणे राया सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ४९० ॥ तए णं तस्स अभीइकुमारस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं उदायणस्स पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए, तए णं से उदायणे राया ममं अवहाय नियगं भायणिज्जं केसिकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइए, इमेणं एयारूवेणं महया अप्पत्तिएणं मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे अंतेउरपरियालसंपरिवुडे सभंडमत्तोवगरणमायाए वीइभयाओ नयराओ निग्गच्छइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपा नयरी जेणेव कूणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कूणियं रायं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तत्थवि णं से विउलभोगसमिइसमन्नागए यावि होत्था, तए णं से अभीइकुमारे समणोवासए यावि होत्था, अभिगय जाव विहरइ, उदायणंमि रायरिसिंमि समणुबद्धवेरे यावि होत्था, तेणं कालेणं तेणं समएणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए निरयपरिसामंतेसु चो(य)सट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा पन्नत्ता, तए णं से अभीइकुमारे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयपरिसामंतेसु चोयट्ठीए आयावा जाव सहस्सेसु अन्नयरंसि आयावा असुरकुमारा(आया)वाससि असुरकुमारदेवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइयाणं आयावगाणं असुरकुमाराणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई प०, तस्स णं अभीइस्सवि देवस्स एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! अभीइदेवे

ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४९१ ॥ **तेरहमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-आया भंते! भासा अन्ना भासा? गोयमा! नो आया भासा अन्ना भासा, रू(वि)वी भंते! भासा अरूवी भासा? गोयमा! रूवी भासा नो अरूवी भासा, सचित्ता भंते! भासा अचित्ता भासा? गोयमा! नो सचित्ता भासा अचित्ता भासा, जीवा भंते! भासा अजीवा भासा? गोयमा! नो जीवा भासा अजीवा भासा। जीवाणं भंते! भासा अजीवाणं भासा? गोयमा! जीवाणं भासा नो अजीवाणं भासा, पुव्विं भंते! भासा भासिज्जमाणी भासा भासासमयवीइक्कंता भासा? गोयमा! नो पुव्विं भासा भासिज्जमाणी भासा णो भासासमयवीइक्कंता भासा, पुव्विं भंते! भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ? गोयमा! नो पुव्विं भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, नो भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ। कइविहा णं भंते! भासा पण्णत्ता? गोयमा! चउव्विहा भासा पण्णत्ता, तंजहा-सच्चा, मोसा, सच्चामोसा, असच्चामोसा ॥ ४९२ ॥ आया भंते! मणे अन्ने मणे? गोयमा! नो आया मणे अन्ने मणे, जहा भासा तहा मणेवि जाव नो अजीवाणं मणे, पुव्विं भंते! मणे मणिज्जमाणे मणे०? एवं जहेव भासा, पुव्विं भंते! मणे भिज्जइ, मणिज्जमाणे मणे भिज्जइ, मणसमयवीइक्कंते मणे भिज्जइ? एवं जहेव भासा। कइविहे णं भंते! मणे पण्णत्ते? गोयमा! चउव्विहे मणे पन्नत्ते, तंजहा-सच्चे जाव असच्चामोसे ॥४९३॥ आया भंते! काए अन्ने काए? गोयमा! आयावि काए अन्नेवि काए, रूवी भंते! काए अरूवी काए? गोयमा! रूवींवि काए अरूवीवि काए, एवं एक्केक्के पुच्छा, गोयमा! सचित्तेवि काए अचित्तेवि काए, जीवेवि काए अजीवेवि काए, जीवाणवि काए अजीवाणवि काए, पुव्विं भंते! काए पुच्छा, गोयमा! पुव्विंपि काए काइज्जमाणेवि काए कायसमयवीइक्कंतेवि काए, पुव्विं भंते! काए भिज्जइ पुच्छा, गोयमा! पुव्विंपि काए भिज्जइ काइज्जमाणेवि काए भिज्जइ, कायसमयवीइक्कंतेविकाए भिज्जइ ॥ कइविहे णं भंते! काए पन्नत्ते? गोयमा! सत्तविहे काए पन्नत्ते, तंजहा-ओरालिए ओरालियमीसए वेउव्विए वेउव्वियमीसए आहारए आहारगमीसए कम्मए ॥४९४॥ कइविहे णं भंते! मरणे पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे मरणे पण्णत्ते, तंजहा—आवीचियमरणे ओहिमरणे आइंतियमरणे बालमरणे पंडियमरणे। आवीचियमरणे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा-दव्वा-

वीचियमरणे खेत्तावीचियमरणे कालावीचियमरणे भवावीचियमरणे भावावीचियमरणे, दव्वावीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–नेरइयदव्वावीचियमरणे, तिरिक्खजोणियदव्वावीचियमरणे, मणुस्सदव्वावीचियमरणे, देवदव्वावीचियमरणे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयदव्वावीचियमरणे नेरइयदव्वावीचियमरणे ? गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं नेरइयाउयत्ताए गहियाइं बद्धाइं पुट्ठाइं कडाइं पट्ठवियाइं निविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं भवंति ताइं दव्वाइं आवी(चियं)ची अणुसमयं निरंतरं मरंतितिकट्टु से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ नेरइयदव्वावीचियमरणे, एवं जाव देवदव्वावीचियमरणे । खेत्तावीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–नेरइयखेत्तावीचियमरणे जाव देवखेत्तावीचियमरणे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयखेत्तावीचियमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयखेत्ते वट्टमाणा जाइं दव्वाइं नेरइयाउयत्ताए एवं जहेव दव्वावीचियमरणे तहेव खेत्तावीचियमरणेवि, एवं जाव भावावीचियमरणे । ओहिमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वोहिमरणे खेत्तोहिमरणे जाव भावोहिमरणे । दव्वोहिमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–नेरइयदव्वोहिमरणे जाव देवदव्वोहिमरणे, से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ नेरइयदव्वोहिमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति जण्णं नेरइया ताइं दव्वाइं अणागए काले पुणोवि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव दव्वोहिमरणे, एवं तिरिक्खजोणिय० मणुस्स० देवदव्वोहिमरणेवि, एवं एएणं गमेणं खेत्तोहिमरणेवि कालोहिमरणेवि भवोहिमरणेवि भावोहिमरणेवि । आइंतियमरणे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते, तं०–दव्वाइंतियमरणे खेत्ताइंतियमरणे जाव भावाइंतियमरणे, दव्वाइंतियमरणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प० तं०–नेरइयदव्वाइंतियमरणे जाव देवदव्वाइंतियमरणे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयदव्वाइंतियमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति जे णं नेरइया ताइं दव्वाइं अणागए काले नो पुणोवि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं जाव मरणे, एवं तिरिक्ख० मणुस्स० देवाइंतियमरणे, एवं खेत्ताइंतियमरणेवि, एवं जाव भावाइंतियमरणेवि । बालमरणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुवालसविहे प० तं०—वलयमरणे जहा खंदए जाव गिद्धपिट्ठे ॥ पंडियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य । पाओवगमणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे

प०, तं०–णीहारिमे य अनीहारिमे य जाव नियमं अपडि(क्कमे)कम्मे। भत्तपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे प०? एवं तं चेव नवरं नियमं सपडिकम्मे। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४९५ ॥ **तेरहमे सए सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ, एवं बंधट्ठिइउद्देसो भाणियव्वो निरवसेसो जहा पन्नवणाए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४९६ ॥ **तेरहमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–से जहानामए–केइ पुरिसे केयाघडियं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा केयाघडियाकिच्चहत्थगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा? हंता गोयमा! जाव समुप्पएज्जा, अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवइयाइं पभू केयाघडियाकिच्चहत्थगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए? गोयमा! से जहानामए–जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे एवं जहा तइयसए पंचमुद्देसए जाव नो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्विति वा विउव्विस्संति वा, से जहानामए–केइ पुरिसे हिरन्नपे(डि)लं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा हिरण्णपेलहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं सेसं तं चेव, एवं सुवन्नपेलं, एवं रयणपेलं वइ(य)रपेलं वत्थपेलं आभरणपेलं, एवं वियलकि(डं)ड्डं सुंबकिड्डं चम्मकिड्डं कंबलकिड्डं, एवं अयभारं तंबभारं तउयभारं सीसगभारं हिरन्नभारं सुवन्नभारं वइरभारं, से जहानामए–वग्गुली सिया दोवि पाए उल्लंबिय २ उड्ढंपाया अहोसिरा चिट्ठेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वग्गुलीकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं एवं जन्नोवइयवत्तव्वया भाणियव्वा जाव विउव्विस्संति वा, से जहानामए–जलोया सिया उदगंसि कायं उव्विहिय २ गच्छेज्जा, एवामेव सेसं जहा वग्गुलीए, से जहाणामए–बीयंबीयगसउणे सिया दोवि पाए समतुरंगेमाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे सेसं तं चेव, से जहाणामए–पक्खिविरालए सिया रुक्खाओ रुक्खं डेवेमाणे गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे सेसं तं चेव, से जहानामए–जीवंजीवगसउणे सिया दोवि पाए समतुरंगेमाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे सेसं तं चेव, से जहाणामए–हंसे सिया तीराओ तीरं अभिरममाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे हंसकिच्चगएणं अप्पाणेणं सेसं तं चेव, से जहानामए–समुद्दवायसए सिया वीईओ वीइं डेवेमाणे गच्छेज्जा, एवामेव तहेव, से जहानामए–केइ पुरिसे चक्कं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा चक्ककिच्चहत्थगएणं अप्पाणेणं सेसं जहा केयाघडियाए, एवं छत्तं, एवं चामरं, से जहानामए–केइ पुरिसे रयणं गहाय गच्छेज्जा, एवं चेव, एवं वइरं वेरुलियं जाव रिट्ठं, एवं उप्पलहत्थगं पउमहत्थगं कुमुदहत्थगं, एवं जाव से जहानामए–केइ पुरिसे सहस्सपत्तगं

गहाय गच्छेज्जा, एवं चेव, से जहानामए-केइ पुरिसे भिसं अवद्दालिय २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भिसकिच्चगएणं अप्पाणेणं तं चेव, से जहानामए-मुणालिया सिया उदगंसि कायं उम्मज्जिय २ चिट्ठिज्जा, एवामेव सेसं जहा वग्गुलीए, से जहानामए-वण(खं)संडे सिया किण्हे किण्होभासे जाव निकुरुंबभूए पासादीए ४, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वणसंडकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा, सेसं तं चेव, से जहानामए-पुक्खरिणी सिया चउक्कोणा समतीरा अणुपुव्वसुजाय जावसद्दुन्नइयमहुरसरणाइया पासाईया ४, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा पोक्खरिणीकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा? हंता उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवइयाइं पभू पोक्खरिणीकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए, सेसं तं चेव जाव विउव्विस्संति वा। से भंते! किं माई विउव्वइ अमाई विउव्वइ? गोयमा! माई विउव्वइ नो अमाई विउव्वइ, माई णं तस्स ठाणस्स अणालोइय० एवं जहा तइयसए चउत्थुद्देसए जाव अत्थि तस्स आराहणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४९७ ॥ **तेरहमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते! छाउमत्थियसमुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! छ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता, तंजहा-वेयणासमुग्घाए एवं छाउमत्थियसमुग्घाया नेयव्वा जहा पन्नवणाए जाव आहारगसमुग्घाएत्ति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४९८ ॥ **तेरहमे सए दसमो उद्देसो समत्तो, तेरसमं सयं समत्तं ॥**

चर १ उम्माय २ सरीरे ३ पोग्गल ४ अगणी ५ तहा किमाहारे ६। संसिट्ठ ७ मंतरे खलु ८ अणगारे ९ केवली चेव १० ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-अणगारे णं भंते! भावियप्पा चरमं देवावासं वीइक्कंते परमं देवावासमसंपत्ते एत्थ णं अंतरा कालं करेज्जा, तस्स णं भंते! कहिं गई कहिं उववाए पन्नत्ते? गोयमा! जे से तत्थ परि(य)स्सओ तल्लेसा देवावासा तहिं तस्स गई तहिं तस्स उववाए पन्नत्ते, से य तत्थगए विराहेज्जा कम्मलेस्सामेव पडि(म)वडइ, से य तत्थ गए नो विराहेज्जा तामेव लेस्सं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ॥ अणगारे णं भंते! भावियप्पा चरमं असुरकुमारावासं वीइक्कंते परमं असुरकुमारा० एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारावासं जोइसियावासं, एवं वेमाणियावासं जाव विहरइ ॥ ४९९ ॥ नेरइयाणं भंते! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते? गोयमा! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं जुगवं जाव निउणसिप्पोवगए आउंटियं बाहं पसारेज्जा पसारियं वा बाहं आउंटेज्जा, विक्खिण्णं वा मुट्ठिं साहरेज्जा साहरियं वा मुट्ठिं विक्खिरेज्जा, उम्मिसियं वा अच्छिं निम्मिसेज्जा निम्मिसियं वा अच्छिं उम्मिसेज्जा, भवे एयारूवे? णो इणट्ठे

समट्ठे, नेरइया णं एगसमएण वा दुसमएण वा तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति, नेरइयाणं गोयमा! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं एगिंदियाणं चउसमइए विग्गहे भाणियव्वे, सेसं तं चेव ॥ ५०० ॥ नेरइया णं भंते! किं अणंतरोववन्नगा परंपरोववन्नगा अणंतरपरंपरअणुववन्नगा? गोयमा! नेरइया णं अणंतरोववन्नगावि परंपरोववन्नगावि अणंतरपरंपरअणुववन्नगावि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव अणंतरपरंपरअणुववन्नगावि? गोयमा! जे णं नेरइया पढमसमयोववन्नगा ते णं नेरइया अणंतरोववन्नगा, जे णं नेरइया अपढमसमयोववन्नगा ते णं नेरइया परंपरोववन्नगा, जे णं नेरइया विग्गहगइसमावन्नगा ते णं नेरइया अणंतरपरंपरअणुववन्नगा, से तेणट्ठेणं जाव अणुववन्नगावि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया १ । अणंतरोववन्नगा णं भंते! नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्ख० मणुस्स० देवाउयं पकरेंति? गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेंति। परंपरोववन्नगा णं भंते! नेरइया कि नेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति? गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयंपि पकरेंति, नो देवाउयं पकरेंति। अणंतरपरंपरअणुववन्नगा णं भंते! नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेंति पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेन्ति, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य परंपरोववन्नगा चत्तारिवि आउयाइं पकरें(बंधं)ति, सेसं तं चेव २ ॥ नेरइया णं भंते! किं अणंतरनिग्गया परंपरनिग्गया अणंतरपरंपरअणिग्गया? गोयमा! नेरइया णं अणंतरनिग्गयावि जाव अणंतरपरंपरअणिग्गयावि, से केणट्ठेणं भंते! जाव अणिग्गयावि? गोयमा! जे णं नेरइया पढमसमयणिग्गया ते णं नेरइया अणंतरणिग्गया, जे णं नेरइया अपढमसमयणिग्गया ते णं नेरइया परंपरणिग्गया, जे णं नेरइया विग्गहगइसमावन्नगा ते णं नेरइया अणंतरपरंपरअणिग्गया, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव अणिग्गयावि, एवं जाव वेमाणिया ३ ॥ अणंतरणिग्गया णं भंते! नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति? गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेंति। परंपरणिग्गया णं भंते! नेरइया किं नेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा! नेरइयाउयंपि पकरेंति जाव देवाउयंपि पकरेंति। अणंतरपरंपरअणिग्गया णं भंते! नेरइया पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेंति, एवं निरवसेसं जाव वेमाणिया ४ ॥ नेरइया णं भंते! कि अणंतरखेदोववन्नगा परंपरखेदोववन्नगा अणंतरपरंपरखेदाणुववन्नगा? गोयमा! नेरइया० एवं एएणं अभिलावेणं तं चेव चत्तारि दंडगा भाणियव्वा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥५०१॥ **चोद्दसमसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! उम्माए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तंजहा-जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं, तत्थ णं जे से जक्खावेसे से णं सुहवेयणतराए चेव सुहविमोयणतराए चेव, तत्थ णं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं से णं दुहवेयणतराए चेव दुहविमोयणतराए चेव ॥ नेरइयाणं भंते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तंजहा-जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयाणं दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तंजहा-जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! देवे वा से असुभे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से णं तेसिं असुभाणं पोग्गलाणं पक्खिवणयाए जक्खावेसं उम्मायं पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा कम्मस्स उदएणं मोहणिज्जं उम्मायं पाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उदएणं । असुरकुमाराणं भंते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ? एवं जहेव नेरइयाणं नवरं देवे वा से महिड्ढियतराए चेव असुभे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से णं तेसिं असुभाणं पोग्गलाणं पक्खिवणयाए जक्खा(ए)वेसं उम्मायं पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा सेसं तं चेव, से तेणट्ठेणं जाव उदएणं, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं जाव मणुस्साणं एएसिं जहा नेरइयाणं; वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ५०२ ॥ अत्थि णं भंते ! पज्जुन्ने कालवासी वुट्ठिकायं पकरेइ ? हंता अत्थि ॥ जाहे णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया वुट्ठिकायं काउंकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया अब्भितरपरि(सा)सए देवे सद्दावेइ, तए णं ते अब्भितरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा मज्झिमपरिसए देवे सद्दावेंति, तए णं ते मज्झिमपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा बाहिरंपरिसए देवे सद्दावेंति, तए णं ते बाहिरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा बाहिरंबाहिरगा देवा सद्दावेंति, तए णं ते बाहिरबाहिरगा देवा सद्दाविया समाणा आभिओगिए देवे सद्दावेंति, तए णं ते जाव सद्दाविया समाणा वुट्ठिकाइए देवे सद्दावेंति, तए णं ते वुट्ठिकाइया देवा सद्दाविया समाणा वुट्ठिकायं पकरेंति, एवं खलु गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया वुट्ठिकायं पकरेइ ॥ अत्थि णं भंते ! असुरकुमारावि देवा वुट्ठिकायं पकरेंति ? हंता अत्थि, किं पत्तियन्नं भंते ! असुरकुमारा देवा वुट्ठिकायं पकरेंति ? गोयमा ! जे इमे अरहंता भगवंता एएसि णं जम्मणमहिमासु वा, निक्खमणमहिमासु वा, णाणुप्पायमहिमासु वा, परिनिव्वाणमहिमासु वा, एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारावि देवा वुट्ठिकायं पकरेंति, एवं नागकुमारावि, एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ ५०३ ॥ जाहे णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया तमुकायं काउंकामे भवइ से

कहमियाणिं पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से ईसाणे देविंदे देवराया अब्भिंतरपरिसए देवे सद्दावेइ, तए णं ते अब्भिंतरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा एवं जहेव सक्कस्स जाव तए णं ते आभिओगिया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्काइए देवे सद्दावेंति, तए णं ते तमुक्काइया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्कायं पकरेंति, एवं खलु गोयमा ! ईसाणे देविंदे देवराया तमुक्कायं पकरेइ ॥ अत्थि णं भंते ! असुरकुमारावि देवा तमुक्कायं पकरेंति ? हंता अत्थि । किं पत्तियन्नं भंते ! असुरकुमारा देवा तमुक्कायं पकरेंति ? गोयमा ! किड्डारइपत्तियं वा पडिणीयविमोहणट्ठयाए वा गुत्तीसंरक्खणहेउं वा अप्पणो वा सरीरपच्छायणट्ठयाए, एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारावि देवा तमुक्कायं पकरेंति, एवं जाव वेमाणिया । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५०४ ॥ **चोद्दसमसयस्स बीओ उद्देसो समत्तो** ॥

देवे णं भंते ! महाकाए महासरीरे अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा ? गोयमा ! देवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–माइमिच्छादिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे से माइमिच्छदिट्ठिउववन्नए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं पासइ २ त्ता नो वंदइ नो नमंसइ नो सक्कारेइ नो सम्माणेइ नो कल्लाणं मंगलं देवयं जाव पज्जुवासइ, से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा, तत्थ णं जे से अमाइ सम्मदिट्ठिउववन्नए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं पासइ पासित्ता वंदइ नमंसइ जाव पज्जुवासइ, से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं नो वीईवएज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव नो वीईवएज्जा । असुरकुमारे णं भंते ! महाकाए महासरीरे एवं चेव, एवं देवदंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणिए ॥ ५०५ ॥ अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा किइकम्मेइ वा अब्भुट्ठाणेइ वा अंजलिपग्गहेइ वा आसणाभिग्गहेइ वा आसणाणुप्पदाणेइ वा इंतस्स पच्चुग्गच्छणया ठियस्स पज्जुवासणया गच्छंतस्स पडिसंसाहणया ? नो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जाव पडिसंसाहणया ? हंता अत्थि, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं जाव चउरिंदियाणं एएसि जहा नेरइयाणं, अत्थि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सक्कारेइ वा जाव पडिसंसाहणया ? हंता अत्थि, नो चेव णं आसणाभिग्गहेइ वा आसणाणुप्पदाणेइ वा, मणुस्साणं जाव वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ५०६ ॥ अप्पिड्ढिए णं भंते ! देवे महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा ? नो इणट्ठे समट्ठे, समिड्ढिए

णं भंते! देवे समिड्डियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा? णो इणट्ठे समट्ठे, पमत्तं पुण वीईवएज्जा, से णं भंते! किं सत्थेणं अक्कमित्ता पभू अणक्कमित्ता पभू? गोयमा! अक्कमित्ता पभू नो अणक्कमित्ता पभू; से णं भंते! किं पुव्विं सत्थेणं अक्कमित्ता पच्छा वीईवएज्जा, पुव्विं वीईवएज्जा पच्छा सत्थेणं अक्कमेज्जा? एवं एएणं अभिलावेणं जहा दसमसए आइड्डिउद्देसए तहेव निरवसेसं चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव महिड्डिया वेमाणिणी अप्पिड्डियाए वेमाणिणीए ॥५०७॥ रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते! केरिसयं पोग्गलपरिणामं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया, एवं वेयणापरिणामं, एव जहा जीवाभिगमे बिइए नेरइयउद्देसए जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया णं भंते! केरिसयं परिग्गहसन्नापरिणामं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिट्ठं जाव अमणामं। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ५०८ ॥ **चोद्दसमसयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

एस णं भंते! पोग्गले तीतमणंतं सासयं समयं लुक्खी समयं अलुक्खी समयं लुक्खी वा अलुक्खी वा, पुव्विं च णं करणेणं अणेगवन्नं अणेगरूवं परिणामं परिणमइ, अह से परिणामे निज्जिन्ने भवइ तओ पच्छा एगवन्ने एगरूवे सिया? हंता गोयमा! एस णं पोग्गले तीतं तं चेव जाव एगरूवे सिया ॥ एस णं भंते! पोग्गले पडुप्पन्नं सासयं समयं०? एवं चेव, एवं अणागयमणंतंपि॥ एस णं भंते! खंधे तीतमणंतं०? एवं चेव, खंधेवि जहा पोग्गले ॥ ५०९ ॥ एस णं भंते! जीवे तीतमणंतं सासयं समयं दुक्खी समयं अदुक्खी समयं दुक्खी वा अदुक्खी वा, पुव्विं च णं करणेणं अणेगभावं अणेगभूयं परिणामं परिणमइ, अह से वेयणिज्जे निज्जिन्ने भवइ तओ पच्छा एगभावे एगभूए सिया? हंता गोयमा! एस णं जीवे जाव एगभूए सिया, एवं पडुप्पन्नं सासयं समयं, एवं अणागयमणंतं सासयं समयं ॥ ५१० ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! किं सासए असासए? गोयमा! सिय सासए सिय असासए, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सिय सासए सिय असासए? गोयमा! दव्वट्ठयाए सासए, वन्नपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासए, से तेणट्ठेणं जाव सिय सासए सिय असासए ॥ ५११ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! किं चरिमे अचरिमे? गोयमा! दव्वादेसेणं नो चरिमे अचरिमे, खेत्तादेसेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, कालादेसेण सिय चरिमे सिय अचरिमे, भावादेसेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे ॥ ५१२ ॥ कइविहे णं भंते! परिणामे पण्णत्ते? गोयमा! दुविहे परिणामे पण्णत्ते, तंजहा—जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य, एवं परिणामपयं निरवसेसं भाणियव्वं। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५१३ ॥ **चोद्दसमसयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

नेरइए णं भंते ! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा ? गोयमा ! नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, तत्थ णं जे से विग्गहगइ-समावन्नए नेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा, से णं तत्थ झियाएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ णं जे से अविग्गहगइसमावन्नए नेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं णो वीईवएज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो वीईवएज्जा ॥ असुरकुमारे णं भंते ! अगणिकायस्स० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा से केणट्ठेणं जाव नो वीईवएज्जा ? गोयमा ! असुरकुमारा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावन्नए असुरकुमारे से णं एवं जहेव नेरइए जाव कमइ, तत्थ णं जे से अविग्गहगइसमावन्नए असुर-कुमारे से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा, अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा ? नो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, से तेणट्ठेणं एवं जाव थणियकुमारे, एगिंदिया जहा नेरइया । बेइंदिए णं भंते ! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं जहा असुरकुमारे तहा बेइंदिएवि, नवरं जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा ? हंता झियाएज्जा, सेसं तं चेव एवं जाव चउरिंदिए ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! अगणिकाय० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, विग्गहगइसमावन्नए जहेव नेरइए जाव नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, अविग्गहगइसमावन्नगा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-इड्ढिप्पत्ता य अणिड्ढिप्पत्ता य, तत्थ णं जे से इड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा ? नो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ णं जे से अणिड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्खजोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा, जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा ? हंता झियाएज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो वीईव-(झिया)एज्जा, एवं मणुस्सेवि, वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जहा असुरकुमारे ॥५१४॥ नेरइया दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-अणिट्ठा सद्दा अणिट्ठा रूवा

अणिट्ठा गंधा अणिट्ठा रसा अणिट्ठा फासा अणिट्ठा गई अणिट्ठा ठिई अणिट्ठे लायन्ने अणिट्ठे जसोकित्ती अणिट्ठे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे । असुरकुमारा दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-इट्ठा सद्दा इट्ठा रूवा जाव इट्ठे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे, एवं जाव थणियकुमारा ॥ पुढविक्काइया छट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं०-इट्ठाणिट्ठा फासा इट्ठाणिट्ठा गई एवं जाव परक्कमे, एवं जाव वणस्सइकाइया । बेइंदिया सत्तट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-इट्ठाणिट्ठा रसा सेसं जहा एगिंदियाणं, तेइंदिया णं अट्ठट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं०-इट्ठाणिट्ठा गंधा सेसं जहा बेइंदियाणं, चउरिंदिया णं नवट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं०-इट्ठाणिट्ठा रूवा सेस जहा तेइंदियाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-इट्ठाणिट्ठा सद्दा जाव परक्कमे, एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ ५१५ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू तिरियपव्वयं वा तिरियभित्तिं वा उल्लंघेत्तए वा पल्लंघेत्तए वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू तिरिय जाव पल्लंघेत्तए वा ? हंता पभू । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५१६ ॥

चोद्दसमे सए पञ्चमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-नेरइया णं भंते ! किमाहारा किंपरिणामा किंजोणिया किंठिईया पण्णत्ता ? गोयमा ! नेरइया णं पोग्गलाहारा पोग्गलपरिणामा पोग्गलजोणिया पोग्गलट्ठिईया कम्मोवगा कम्मनियाणा कम्मट्ठिईया कम्मुणा(चे)मेव विप्परियासमेंति, एवं जाव वेमाणिया ॥५१७॥ नेरइया णं भंते ! किं वीचिदव्वाइं आहारेंति अवीचिदव्वाइं आहारेंति ? गोयमा ! नेरइया वीचिदव्वाइंपि आहारेंति अवीचिदव्वाइंपि आहारेंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया वीचि० तं चेव जाव आहारेंति ? गोयमा ! जे णं नेरइया एगपएसूणाइंपि दव्वाइं आहारेंति ते णं नेरइया वीचिदव्वाइं आहारेंति, जे णं नेरइया पडिपुन्नाइं दव्वाइं आहारेंति ते णं नेरइया अवीचिदव्वाइं आहारेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव आहारेंति, एवं जाव वेमाणिया आहारेंति ॥ ५१८ ॥ जाहे णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजिउंकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया एगं महं नेमिपडिरूवगं विउव्वइ, एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिन्नि जोयणसयसहस्साइं जाव अद्धंगुलं च किंचिविसेसाहियं परिक्खेवेणं, तस्स णं नेमिपडिरूवस्स उवरिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पन्नत्ते

जाव मणीणं फासे, तस्स णं नेमिपडिरूवगस्स बहुमज्झदेसभागे तत्थ णं महं एगं पासायवडिंसगं विउव्वइ पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, अब्भुग्गयमूसियवन्नओ जाव पडिरूवं, तस्स णं पासायवडिसगस्स उल्लोए पउमलयभत्तिचित्ते जाव पडिरूवे, तस्स णं पासायवडिसगस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभाए जाव मणीणं फासो, मणिपेढिया अट्ठजोयणिया जहा वेमाणियाणं, तीसे णं मणिपेढियाए उवरि महं एगे देवसयणिज्जे विउव्वइ सयणिज्जवन्नओ जाव पडिरूवे, तत्थ णं से सक्के देविंदे देवराया अट्ठहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहि य अणिएहिं तं०–नट्टाणिएण य गंधव्वाणिएण य सद्धिं महयाहयनट्ट जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ ॥ जाहे णं ईसाणे देविंदे देवराया दिव्वाइं जहा सक्के तहा ईसाणेवि निरवसेसं, एवं सणंकुमारेवि, नवरं पासायवडिंसओ छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं तिन्नि जोयणसयाइं विक्खंभेणं, मणिपेढिया तहेव अट्ठजोयणिया, तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं एत्थ णं महेगं सीहासणं विउव्वइ सपरिवारं भाणियव्वं, तत्थ णं सणंकुमारे देविंदे देवराया बावत्तरीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव चउहिं बावत्तरीहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहि य बहूहि सणंकुमारकप्पवासीहिं वेमाणिएहि देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महया जाव विहरइ। एवं जहा सणंकुमारे तहा जाव पाणओ अच्चुओ, नवरं जो जस्स परिवारो सो तस्स भाणियव्वो, पासायउच्चत्तं जं सएसु २ कप्पेसु विमाणाणं उच्चत्तं अद्धद्धं वित्थारो जाव अच्चुयस्स नवजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धपंचमाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, तत्थ णं गोयमा ! अच्चुए देविंदे देवराया दसहिं सामाणियसाहस्सीहि जाव विहरइ, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५१९ ॥ **चोद्दसमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव परिसा पडिगया, गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं आमंतेत्ता एवं वयासी–चिरसंसिट्ठोऽसि मे गोयमा ! चिरसंथुओऽसि मे गोयमा ! चिरपरिचिओऽसि मे गोयमा ! चिरजुसिओऽसि मे गोयमा ! चिराणुगओऽसि मे गोयमा ! चिराणुवत्तीसि मे गोयमा ! अणंतरं देवलोए अणंतरं माणुस्सए भवे किं परं मरणा कायस्स भेदा इओ चुया दोवि तुल्ला एगट्ठा अविसेसमणाणत्ता भविस्सामो ॥ ५२० ॥ जहा णं भंते ! वयं एयमट्ठं जाणामो पासामो तहा णं अणुत्तरोववाइया देवावि एयमट्ठं जाणंति पासंति ? हंता गोयमा ! जहा णं वयं एयमट्ठं जाणामो पासामो तहा णं अणुत्तरोववाइया देवावि एयमट्ठं जाणंति पासंति, से केणट्ठेणं जाव पासंति ? गोयमा ! अणुत्तरोववाइयाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमन्नागयाओ भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव

पासंति ॥ ५२१ ॥ कइविहे णं भंते ! तुल्लए पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे तुल्लए पण्णत्ते, तंजहा–दव्वतुल्लए, खेत्ततुल्लए, कालतुल्लए, भवतुल्लए, भावतुल्लए, संठाणतुल्लए, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ दव्वतुल्लए २ ? गोयमा ! परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलस्स दव्वओ तुल्ले, परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलवइरित्तस्स दव्वओ णो तुल्ले, दुपएसिए खंधे दुपएसियस्स खंधस्स दव्वओ तुल्ले, दुपएसिए खंधे दुपएसियवइरित्तस्स खंधस्स दव्वओ णो तुल्ले, एवं जाव दसपएसिए, तुल्लसंखेज्जपएसिए खंधे तुल्लसंखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वओ तुल्ले, तुल्लसंखेज्जपएसिए खंधे तुल्लसंखेज्जपएसियवइरित्तस्स खंधस्स दव्वओ णो तुल्ले, एवं तुल्लअसंखेज्जपएसिएवि, एवं तुल्लअणंतपएसिएवि, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ दव्वतुल्लए। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ खेत्ततुल्लए २ ? गोयमा ! एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढस्स पोग्गलस्स खेत्तओ तुल्ले, एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढवइरित्तस्स पोग्गलस्स खेत्तओ णो तुल्ले, एव जाव दसपएसोगाढे, तुल्लसंखेज्जपएसोगाढेवि एवं चेव, एवं तुल्लअसंखेज्जपएसोगाढेवि, से तेणट्ठेणं जाव खेत्ततुल्लए। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ कालतुल्लए २ ? गोयमा ! एगसमयठिईए पोग्गले एगसमयठिईयस्स पोग्गलस्स कालओ तुल्ले, एगसमयठिईए पोग्गले एगसमयठिईयवइरित्तस्स पोग्गलस्स कालओ णो तुल्ले, एवं जाव दससमयट्ठिइए, तुल्लसंखेज्जसमयठिइए एवं चेव, एवं तुल्लअसंखेज्जसमयट्ठिईएवि, से तेणट्ठेणं जाव कालतुल्लए। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भवतुल्लए २ ? गोयमा ! नेरइए नेरइयस्स भवट्ठयाए तुल्ले, नेरइए नेरइयवइरित्तस्स भवट्ठयाए नो तुल्ले, तिरिक्खजोणिए एवं चेव, एवं मणुस्सेवि, एवं देवेवि, से तेणट्ठेणं जाव भवतुल्लए। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भावतुल्लए भावतुल्लए ? गोयमा ! एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालयस्स पोग्गलस्स भावओ तुल्ले, एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालगवइरित्तस्स पोग्गलस्स भावओ णो तुल्ले, एवं जाव दसगुणकालए, एवं तुल्लसंखेज्जगुणकालए पोग्गले, एवं तुल्लअसंखेज्जगुणकालएवि, एवं तुल्लअणंतगुणकालएवि, जहा कालए एवं नीलए लोहियए हालिद्दए सुक्किलए, एवं सुब्भिगंधे, एवं दुब्भिगंधे, एवं तित्ते जाव महुरे, एवं कक्खडे जाव लुक्खे, उदइए भावे उदइयस्स भावस्स भावओ तुल्ले, उदइए भावे उदइयभाववइरित्तस्स भावस्स भावओ नो तुल्ले, एवं उवसमिएवि, खइए० खओवसमिए० पारिणामिए० संनिवाइए भावे संनिवाइयस्स भावस्स, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ भावतुल्लए २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ संठाणतुल्लए २ ? गोयमा ! परिमंडले संठाणे परिमंडलस्स संठाणस्स संठाणओ तुल्ले, परिमंडलसंठाणे परिमंडलसंठाणवइरित्तस्स संठाणस्स संठाणओ नो तुल्ले, एवं वट्टे तंसे चउरंसे आयए, समचउरंससंठाणे सम-

चउरंसस्स संठाणस्स संठाणओ तुल्ले, समचउरंसे संठाणे समचउरंससंठाणवइरित्तस्स संठाणस्स संठाणओ नो तुल्ले, एवं परिमंडले, एवं जाव हुंडे, से तेणट्ठेणं जाव संठाणतुल्लए २ ॥ ५२२ ॥ भत्तपच्चक्खायए णं भंते ! अणगारे मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने आहारमाहारेइ अहे णं वीससाए कालं करेइ तओ पच्छा अमुच्छिए अगिद्धे जाव अणज्झोववन्ने आहारमाहारेइ? हंता गोयमा! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे तं चेव, से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ भत्तपच्चक्खायए णं तं चेव, गोयमा! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने आहारे भवइ, अहे णं वीससाए कालं करेइ तओ पच्छा अमुच्छिए जाव आहारे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव आहारमाहारेइ ॥ ५२३ ॥ अत्थि णं भंते! लवसत्तमा देवा २? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ लवसत्तमा देवा २? गोयमा! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे जाव निउणसिप्पोवगए सालीण वा वीहीण वा गोधूमाण वा जवाण वा जवजवाण वा प(पि)क्काणं परियाताणं हरियाणं हरियकंडाणं तिक्खेणं णवपज्जणएणं असिअएणं पडिसाहरिया २ पडिसंखिविया २ जाव इणामेव (२) त्तिकट्टु सत्तलवए लुएज्जा, जइ णं गोयमा! तेसिं देवाणं एवइयं कालं आउए पहुप्पए तो णं ते देवा तेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झं(ता)ति जाव अंतं करेंति, से तेणट्ठेणं जाव लवसत्तमा देवा लवसत्तमा देवा ॥ ५२४ ॥ अत्थि णं भंते! अणुत्तरोववाइया देवा २? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अणुत्तरोववाइया देवा २? गोयमा! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं अणुत्तरा सद्दा अणुत्तरा रूवा जाव अणुत्तरा फासा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव अणुत्तरोववाइया देवा २। अणुत्तरोववाइया णं भंते! देवा केवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइयदेवत्ताए उववन्ना? गोयमा! जावइयं छट्ठभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइया देवा देवत्ताए उववन्ना। सेवं भंते! २ त्ति ॥५२५॥ **चोद्दसमे सए सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए य पुढवीए केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते, सक्करप्पभाए णं भंते! पुढवीए वालुयप्पभाए य पुढवीए केवइयं०? एवं चेव, एवं जाव तमाए अहेसत्तमाए य, अहेसत्तमाए णं भंते! पुढवीए अलोगस्स य केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए जोइसियस्स य केवइयं पुच्छा, गोयमा! सत्तनउए जोयणसए अबाहाए अंतरे पण्णत्ते, जोइसियस्स णं भंते! सोहम्मीसाणाण य कप्पाणं केवइयं पुच्छा, गोयमा! असंखेज्जाइं जोयण जाव

अंतरे पण्णत्ते, सोहम्मीसाणाणं भंते ! सणंकुमारमाहिंदाण य केवइयं० ? एवं चेव, सणंकुमारमाहिंदाणं भंते ! बंभलोगस्स य कप्पस्स केवइयं० ? एवं चेव, बंभलोगस्स णं भंते ! लंतगस्स य कप्पस्स केवइयं० ? एवं चेव, लंतगस्स णं भंते ! महासुक्कस्स य कप्पस्स केवइयं० ? एवं चेव, एवं महासुक्कस्स य कप्पस्स सहस्सारस्स य, एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाणं, एवं आणयपाणयाण य कप्पाणं आरणच्चुयाण य कप्पाणं, एवं आरणच्चुयाणं गेविज्जविमाणाण य, एवं गेविज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य। अणुत्तरविमाणाणं भंते ! ईसिप्पब्भाराए य पुढवीए केवइयं० पुच्छा, गोयमा ! दुवालसजोयणे अबाहाए अंतरे पण्णत्ते, ईसिप्पब्भाराए णं भंते ! पुढवीए अलोगस्स य केवइए अबाहाए० पुच्छा, गोयमा ! देसूणं जोयणं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥५२६॥ एस णं भंते ! सालरुक्खे उण्हाभिहए तण्हाभिहए दवग्गिजालाभिहए कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव रायगिहे नयरे सालरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अच्चियवंदियपूइयसक्कारियसम्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए सन्निहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए यावि भविस्सइ, से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गमिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ एस णं भंते ! साललट्ठिया उण्हाभिहया तण्हाभिहया दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विञ्झगिरिपायमूले महेस्सरीए नयरीए सामलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, सा णं तत्थ अच्चियवंदियपूइय जाव लाउल्लोइयमहिया यावि भविस्सइ, से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता सेसं जहा सालरुक्खस्स जाव अंतं काहिइ। एस णं भंते ! उंबरलट्ठिया उण्हाभिहया ३ कालमासे कालं किच्चा जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पाडलिपुत्ते नयरे पाडलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अच्चियवंदिय जाव भविस्सइ, से णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता सेसं तं चेव जाव अंतं काहिइ ॥ ५२७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अम्मडस्स परिव्वायगस्स सत्त अंतेवासीसया गिम्हकालसमयंसि एवं जहा उववाइए जाव आराहगा ॥ ५२८ ॥ बहुजणे णं भंते ! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४ एवं खलु अम्मडे परिव्वायगे कंपिल्लपुरे नयरे घरसए एवं जहा उववाइए अम्मडस्स वत्तव्वया जाव दढप्पइण्णो अंतं काहिइ ॥ ५२९ ॥ अत्थि णं भंते ! अव्वाबाहा देवा अव्वाबाहा देवा ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अव्वाबाहा देवा २ ? गोयमा ! पभू णं एगमेगे अव्वाबाहे देवे एगमेगस्स पुरिसस्स एगमेगंसि अच्छिपत्तंसि दिव्वं

देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभा(वं)गं दिव्वं बत्तीसइविहं नट्टविहिं उवदंसेत्तए, णो चेव णं तस्स पुरिसस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएइ छविच्छेदं वा करेइ, एसुहुमं च णं उवदंसेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव अव्वाबाहा देवा २ ॥५३०॥ पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया पुरिसस्स सीसं सपाणिणा असिणा छिंदित्ता कमंडलुंमि पक्खिवित्तए ? हंता पभू, से कहमिदाणिं पकरेइ ? गोयमा ! छिंदिया छिंदिया च णं वा पक्खिवेज्जा, भिंदिया भिंदिया च णं वा पक्खिवेज्जा, कुट्टिया कुट्टिया च णं वा पक्खिवेज्जा, चुन्निया चुन्निया च णं वा पक्खिवेज्जा, तओ पच्छा खिप्पामेव पडिसंघाएज्जा, नो चेव णं तस्स पुरिसस्स किंचिवि आवाहं वा वाबाहं वा उप्पाएज्जा, छविच्छेदं पुण करेइ, एसुहुमं च णं पक्खिवेज्जा ॥५३१॥ अत्थि णं भंते ! जंभया देवा जंभया देवा ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जंभया देवा जंभया देवा ? गोयमा ! जंभगा णं देवा निच्चं पमुइयपक्कीलिया कंदप्परइमोहणसीला जे णं ते देवे कुद्धे पासेज्जा से णं पुरिसे महंतं अयसं पाउणिज्जा, जे णं ते देवे तुट्ठे पासेज्जा से णं महंतं जसं पाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जंभगा देवा २ ॥ कइविहा णं भंते ! जंभगा देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तंजहा–अन्नजंभगा पाणजंभगा वत्थजंभगा लेणजंभगा सयणजंभगा पुप्फजंभगा फलजंभगा पुप्फफलजंभगा विज्जाजंभगा अवियत्तजंभगा, जंभगा णं भंते ! देवा कहिं वसहिं उवेंति ? गोयमा ! सव्वेसु चेव दीहवेयड्ढेसु चित्तविचित्तजमगपव्वएसु कुंचणपव्वएसु य एत्थ णं जंभगा देवा वसहिं उवेंति । जंभगाणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥५३२॥ **चोद्दसमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अप्पणो कम्मलेस्सं न जाणइ न पासइ तं पुण जीवं सरूविं सकम्मलेस्सं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! अणगारे णं भावियप्पा अप्पणो जाव पासइ ॥ अत्थि णं भंते ! सरू(वी)वि सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासंति ४ ? हंता अत्थि ॥ कयरे णं भंते ! सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति ? गोयमा ! जाओ इमाओ चंदिमसूरियाणं देवाणं विमाणेहिंतो लेस्साओ बहिया अभिनिस्सडाओ ताओ ओभासेंति जाव पभासेंति एवं एएणं गोयमा ! ते सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासेंति ४ ॥ ५३३ ॥ नेरइयाणं भंते ! किं अत्ता पोग्गला अणत्ता पोग्गला ? गोयमा ! नो अत्ता पोग्गला अणत्ता पोग्गला, असुरकुमाराणं भंते ! किं अत्ता पोग्गला अणत्ता पोग्गला ? गोयमा ! अत्ता पोग्गला णो अणत्ता पोग्गला, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! अत्तावि पोग्गला

अणत्तावि पोग्गला, एवं जाव मणुस्साणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं, नेरइयाणं भंते ! किं इट्ठा पोग्गला अणिट्ठा पोग्गला ? गोयमा ! नो इट्ठा पोग्गला अणिट्ठा पोग्गला, जहा अत्ता भणिया एवं इट्ठावि कंतावि पियावि मणुन्नावि भाणियव्वा ए(वं)ए पंच दंडगा ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे रूवसहस्सं विउव्वित्ता पभू भासासहस्सं भासित्तए ? हंता पभू, सा णं भंते ! किं एगा भासा भासासहस्सं ? गोयमा ! एगा णं सा भासा णो खलु तं भासासहस्सं ॥ ५३४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं गोयमे अचिरुग्गयं बालसूरियं जासुमणाकुसुमपुंजप्पगासं लोहितगं पासइ पासित्ता जायसड्ढे जाव समुप्पन्नकोउहल्ले जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव नमंसित्ता एवं वयासी–किमिदं भंते ! सूरिए किमिदं भंते ! सूरियस्स अट्ठे ? गोयमा ! सुभे सूरिए सुभे सूरियस्स अट्ठे । किमिदं भंते ! सूरिए किमिदं भंते ! सूरियस्स पभा ? एवं चेव, एवं छाया, एवं लेस्सा ॥५३५॥ जे इमे भंते ! अज्जत्ताए समणा निग्गंथा विहरंति एए णं कस्स ते(उ)यलेस्सं वीईवयंति ? गोयमा ! मासपरियाए समणे निग्गंथे वाणमंतराणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, दुमासपरियाए समणे निग्गंथे असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, एवं एएणं अभिलावेणं तिमासपरियाए समणे निग्गंथे असुरकुमाराणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, चउम्मासपरियाए समणे निग्गंथे गहगणनक्खत्ततारारूवाणं जोइसियाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, पंचमासपरियाए समणे निग्गंथे चंदिमसूरियाणं जोइसिंदाणं जोइसरायाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, छम्मासपरियाए समणे निग्गंथे सोहम्मीसाणाणं देवाणं० सत्तमासपरियाए० सणंकुमारमाहिंदाणं देवाणं० अट्ठमासपरियाए समणे निग्गंथे बंभलोगलंतगाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, नवमासपरियाए समणे निग्गंथे महासुक्कसहस्साराणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, दसमासपरियाए समणे निग्गंथे आणयपाणयआरणच्चुयाणं देवाणं० एक्कारसमासपरियाए समणे निग्गंथे गेवेज्जगाणं देवाणं० बारसमासपरियाए समणे निग्गंथे अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, तेण परं सुक्के सुक्काभिजाए भवित्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५३६ ॥ **चोद्दसमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

केवली णं भंते ! छउमत्थं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, जहा णं भंते ! केवली छउमत्थं जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि छउमत्थं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, केवली णं भंते ! आहोहियं जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं परमाहोहियं, एवं केवलिं एवं सिद्धं जाव जहा णं भंते ! केवली सिद्धं जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि सिद्धं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ । केवली णं भंते ! भासेज्ज वा

वागरेज्ज वा ? हंता भासेज्ज वा वागरेज्ज वा, जहा णं भंते ! केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा तहा णं सिद्धेवि भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केण-ट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जहा णं केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा णो तहा णं सिद्धे भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ? गोयमा ! केवली णं सउट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे, सिद्धे णं अणुट्ठाणे जाव अपुरिसक्कारपरक्कमे, से तेणट्ठेणं जाव नो वागरेज्ज वा, केवली णं भंते ! उम्मिसेज्ज वा निम्मिसेज्ज वा ? हंता गोयमा ! उम्मि-सेज्ज वा निम्मिसेज्ज वा एवं चेव, एवं आउट्टेज्ज वा पसारेज्ज वा, एवं ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएज्जा, केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ, जहा णं भंते ! केवली इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि इमं रयणप्पभं पुढविं रय-णप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, केवली णं भंते ! सक्करप्पभं पुढविं सक्करप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं जाव अहेसत्तमं, केवली णं भंते ! सोहम्मं कप्पं सोहम्मकप्पेति जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, एवं ईसाणं एवं जाव अच्चुयं, केवली णं भंते ! गेवेज्जविमाणं गेवेज्जविमाणेति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं अणुत्तरविमाणेवि, केवली णं भंते ! ईसिप्पब्भारं पुढविं ईसिप्पब्भार-पुढवीति जाणइ पासइ ? एवं चेव, केवली णं भंते ! परमाणुपोग्गलं परमाणुपोग्गलेत्ति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं दुपएसियं खंधं एवं जाव जहा णं भंते ! केवली अणंतपएसियं खंधं अणंतपएसिए खंधेत्ति जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि अणंतपएसियं खंधं जाव पासइ ? हंता जाणइ पासइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५३७ ॥

चोद्दसमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ चोद्दसमं सयं समत्तं ॥

नमो सुयदेवयाए भगवईए । तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं नयरी होत्था वन्नओ, तीसे णं सावत्थीए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए तत्थ णं कोट्ठए नामं उज्जाणे होत्था वन्नओ, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए हालाहला नामं कुंभकारी आजीवियोवासिया परिवसइ, अड्ढा जाव अपरिभूया आजीविय-समयंसि लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता अय-माउसो ! आजीवियसमए अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठेत्ति आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं गोसाले मंखलिपुत्ते चउव्वीसवास-परियाए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजी-वियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अन्नया कयाइ इमे छ दिसाचरा अंतियं पाउब्भवित्था, तंजहा–साणे क(णं)लंदे

कणियारे अच्छिद्दे अग्गिवेसायणे अज्जुणे गोमायुपुत्ते, तए णं ते छ दिसाचरा अट्ठविहं पुव्वगयं मग्गदसमं सएहिं २ मइदंसणेहिं निज्जूहंति स० २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं उवट्ठाइंसु, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तेणं अट्ठंगस्स महानिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेणं सव्वेसिं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं इमाइं छ अणइक्कमणिज्जाइं वागरणाइं वागरेइ, तं०-लाभं अलाभं सुहं दुक्खं जीवियं मरणं तहा। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तेणं अट्ठंगस्स महानिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेणं सावत्थीए नयरीए अजिणे जिणप्पलावी अणरहा अरहप्पलावी अकेवली केवलिप्पलावी असव्वन्नू सव्वन्नुप्पलावी अजिणे जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ ॥ ५३८ ॥ तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं मन्ने एवं ?, तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं जाव छट्ठंछट्ठेणं एवं जहा विइयसए नियंठुद्देसए जाव अडमाणे वहुजणसद्दं निसामेइ, वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४-एवं खलु देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं मन्ने एवं ?, तए णं भगवं गोयमे वहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जाव जायसड्ढे जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-एवं खलु अहं भंते! छट्ठं तं चेव जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं भंते! एवं ? तं इच्छामि णं भंते! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स उट्ठाणपरियाणियं परिकहियं, गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-जण्णं गोयमा! से वहुजणे अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४-एवं खलु गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ तण्णं मिच्छा, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु एयस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मंखलिनामं मंखे पिया होत्था, तस्स णं मंखलिस्स मंखस्स भद्दा नामं भारिया होत्था सुकुमाल जाव पडिरूवा, तए णं सा भद्दा भारिया अन्नया कयाइ गुव्विणी यावि होत्था, तेणं कालेणं तेणं समएणं सरवणे नामं सन्निवेसे होत्था रिद्धत्थिमिय जाव सन्निभप्पगासे पासाईए ४, तत्थ णं सरवणे सन्निवेसे गोवहुले नामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था, तस्स णं गोवहुलस्स माहणस्स गोसाला यावि होत्था, तए णं से मंखलीमंखे नामं अन्नया कयाइ भद्दाए भारियाए गुव्विणीए सद्धिं चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाण

भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सरवणे सन्निवेसे जेणेव गोवहुलस्स माहणस्स गोसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोवहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि भंडनिक्खेवं करेइ भंड० २ त्ता सरवणे सन्निवेसे उच्चनीय-मज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे वसहीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, वसहीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणे अन्नत्थ वसहिं अलभमाणे तस्सेव गोवहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए, तए णं सा भद्दा भारिया नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाण राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमाल जाव पडिरूवं दारगं पयाया, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव बारसाहे दिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुण-निप्फन्नं नामधेज्जं करेंति-जम्हा णं अम्हं इमे दारए गोवहुलस्स माहणस्स गोसालाए जाए, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स नामधेज्जं गोसाले गोसालेत्ति, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति गोसालेति, तए णं से गोसाले दारए उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सयमेव पाडिएक्कं चित्तफलगं करेइ २ त्ता चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ५३९ ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं एवं जहा भावणाए जाव एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए, तए णं अहं गोयमा ! पढमं वासं अद्धमासं-अद्धमासेणं खममाणे अट्ठियगामं निस्साए पढमं अंतरावासं वासावासं उवागए, दोच्चं वासं मासंमासेणं खममाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे नयरे जेणेव नालिंदा बाहिरिया जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवा-गच्छामि ते० २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हामि अहा० २ त्ता तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए, तए णं अहं गोयमा ! पढमं मासक्खमणं उवसंप-ज्जित्ताणं विहरामि। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे नयरे जेणेव नालिंदा बाहिरिया जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता तंतुवायसालाए एगदेसंसि भंडनिक्खेवं करेइ भं० २ त्ता रायगिहे नयरे उच्चनीय जाव अन्नत्थ कत्थवि वसहिं अलभमाणे तीसे य तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासा-वासं उवागए जत्थेव णं अहं गोयमा !, तए णं अहं गोयमा ! पढममासक्ख-मणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि तंतु० २ त्ता णालिंदाबाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायगिहे नयरे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता रायगिहे नयरे

उच्चनीय जाव अडमाणे विजयस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से विजए गाहावई ममं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ खि० २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ पा० २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ त्ता अंजलिमउलियहत्थे ममं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता ममं वंदइ नमंसइ वं०२ त्ता ममं विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभिस्सामित्तिकट्टु तुट्ठे पडिलाभेमाणेवि तुट्ठे पडिलाभिएवि तुट्ठे, तए णं तस्स विजयस्स गाहावइस्स तेणं दव्वसुद्धेणं दायगसुद्धेणं [तवस्सिविसुद्धेणं तिकरणसुद्धेणं] पडिगाहगसुद्धेणं तिविहेणं तिकरणसुद्धेणं दाणेणं मए पडिलाभिए समाणे देवाउए निबद्धे संसारे परित्तीकए गिहंसि य से इमाइं पंच दिव्वाइं पाउब्भूयाइं, तंजहा–वसुहारा वुट्ठा १ दसद्धवन्ने कुसुमे निवाइए २ चेलुक्खेवे कए ३ आहयाओ देवदुंदुभीओ ४ अंतरावि य णं आगासे अहो दाणे २ त्ति घुट्ठे ५, तए णं रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–धन्ने णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयत्थे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयपुन्ने णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयलक्खणे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कया णं लोया देवाणुप्पिया! विजयस्स गाहावइस्स, सुलद्धे णं देवाणुप्पिया! माणुस्सए जम्मजीवियफले विजयस्स गाहावइस्स जस्स णं गिहंसि तहारूवे साहू साहुरूवे पडिलाभिए समाणे इमाइं पंच दिव्वाइं पाउब्भूयाइं, तंजहा–वसुहारा वुट्ठा जाव अहो दाणे २ घुट्ठे, तं धन्नेणं० कयत्थे० कयपुन्ने० कयलक्खणे० कया णं लोया० सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले विजयस्स गाहावइस्स विजय० २। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म समुप्पन्नसंसए समुप्पन्नकोउहल्ले जेणेव विजयस्स गाहावइस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासइ विजयस्स गाहावइस्स गिहंसि वसुहारं वुट्ठं दसद्धवन्नं कुसुमं निवडियं ममं च णं विजयस्स गाहावइस्स गिहाओ पडिनिक्खममाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता ममं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता ममं एवं वयासी–तुब्भे णं भंते! ममं धम्मायरिया अहन्नं तुब्भं धम्मंतेवासी, तए णं अहं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं नो आढामि नो परिजाणामि तुसिणीए संचिट्ठामि, तए णं अहं गोयमा! रायगिहाओ नयराओ पडिनिक्खमामि २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छामि २ त्ता दोच्चं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि, तए णं अहं गोयमा! दोच्चं मासक्खमणपारणगंसि

तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि तं० २ त्ता नालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायगिहे नयरे जाव अडमाणे आणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से आणंदे गाहावई ममं एज्जमाणं पासइ २ त्ता एवं जहेव विजयस्स, नवरं ममं विउलाए खज्जगविहीए पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे सेसं तं चेव जाव तच्चं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि, तए णं अहं गोयमा! तच्चं मासक्खमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि तं० २ त्ता तहेव जाव अडमाणे सुणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से सु(दंसणे)णंदे गाहावई एवं जहेव विजयगाहावई, नवरं ममं सव्वकामगुणिएणं भोयणेणं पडिलाभेइ सेसं तं चेव जाव चउत्थं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि, तीसे णं नालंदाए बाहिरियाए अदूरसामंते एत्थ णं कोल्लाए नामं सन्निवेसे होत्था सन्निवेस० वन्नओ, तत्थ णं कोल्लाए संनिवेसे बहुले नामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था, तए णं से बहुले माहणे कत्तियचाउम्मासियपाडिवयंसि विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमण्णेणं माहणे आयामेत्था, तए णं अहं गोयमा! चउत्थमासक्खमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छामि २ त्ता जेणेव कोल्लाए संनिवेसे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता कोल्लाए सन्निवेसे उच्चनीय जाव अडमाणे बहुलस्स माहणस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से बहुले माहणे ममं एज्जमाणं तहेव जाव ममं विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमन्नेणं पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे सेसं जहा विजयस्स जाव बहुले माहणे बहु० २। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं तंतुवायसालाए अपासमाणे रायगिहे नयरे सब्भिंतरबाहिरियाए ममं सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, ममं कत्थवि सुइं वा खुइं वा पवित्तिं वा अलभमाणे जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता साडियाओ य पाडियाओ य कुंडियाओ य पाहणा(वाणहा)ओ य चित्तफलगं च माहणे आयामेइ आयामेत्ता सउत्तरोट्ठं मुंडं करेइ स० २ त्ता तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमइ तं० २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव कोल्लागसन्निवेसे तेणेव उवागच्छइ, तए णं तस्स कोल्लागस्स संनिवेसस्स बहिया बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–धन्ने णं देवाणुप्पिया! बहुले माहणे तं चेव जाव जीवियफले बहुलस्स माहणस्स ब० २, तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जारिसिया णं मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स इड्ढी जु(त्ती)ई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए, नो खलु अत्थि

तारिसिया णं अन्नस्स कस्स(वि)इ तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा इड्डी जुई जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए, तं निस्संदिद्धं च णं एत्थ ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे भविस्सतीतिकट्टु कोल्लागसन्निवेसे सब्भितरबाहिरिए ममं सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, ममं सव्वओ जाव करेमाणे कोल्लागसंनिवेसस्स बहिया पणियभूमीए मए सद्धिं अभिसमन्नागए, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हट्टतुट्ठे ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासी–तुब्भे णं भंते! ममं धम्मायरिया अहन्नं तुब्भं अंतेवासी, तए णं अहं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेमि, तए णं अहं गोयमा! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं पणियभूमीए छव्वासाइं लाभं अलाभं सुहं दुक्खं सक्कारमसक्कारं पच्चणुब्भवमाणे अणिच्चजागरियं विहरित्था ॥ ५४० ॥ तए णं अहं गोयमा! अन्नया कयाइ पढमसरदकालसमयंसि अप्पवुट्ठिकायंसि गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं सिद्धत्थगामाओ नयराओ कुम्मारगामं नयरं संपट्ठिए विहाराए, तस्स णं सिद्धत्थगामस्स नयरस्स कु(म्म)म्मारगामस्स नयरस्स य अंतरा एत्थ णं महं एगे तिलथंभए पत्तिए पुप्फिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तं तिलथंभगं पासइ २ त्ता ममं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एस णं भंते! तिलथंभए किं निप्फज्जिस्सइ नो निप्फज्जिस्सइ, एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंति?, तए णं अहं गोयमा! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–गोसाला! एस णं तिलथंभए निप्फज्जिस्सइ नो न निप्फज्जिस्सइ, एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसं(गु)गलियाए सत्त तिला पच्चायाइस्संति, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं आइक्खमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ, एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे ममं पणिहाय अयण्णं मिच्छावाई भवउत्तिकट्टु ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ २ त्ता जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं तिलथंभगं सलेट्ठुयायं चेव उप्पाडेइ २ त्ता एगंते एडेइ, तक्खणमेत्तं च णं गोयमा! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए, तए णं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव पतणतणा(य)ए-इ २ त्ता खिप्पामेव पविज्जुयाइ २ त्ता खिप्पामेव नच्चोदगं णाइमट्टियं पविरलपप्फुसियं रयरेणुविणासणं दिव्वं सलिलोदगं वासं वासइ, जेणं से तिलथंभए आसत्थे वीसत्थए पच्चायाए तत्थेव बद्धमूले तत्थेव पइट्ठिए, ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ तस्सेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया ॥ ५४१ ॥ तए णं

अहं गोयमा ! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं जेणेव कुंडग्गामे नयरे तेणेव उवागच्छामि, तए णं तस्स कुंडग्गामस्स नयरस्स बहिया वेसियायणे नामं बालतवस्सी छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, आइच्चतेयतवियाओ य से छप्पदीओ सव्वओ समंता अभिनिस्सवंति पाणभूयजीवसत्तदयट्ठयाए च णं पडियाओ २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चोरुहेइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवस्सिं पासइ २ त्ता ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ ममं० २ त्ता जेणेव वेसियायणे बालतवस्सी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वेसियायणं बालतवस्सिं एवं वयासी-किं भवं मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए ?, तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं णो आढाइ नो परिजाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवस्सिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-किं भवं मुणी मुणिए जाव सेज्जायरए ?, तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता तेयासमुग्घाएणं समोहणइ तेयासमुग्घाएणं समोहणित्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्कइ स० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वहाए सरीरगंसि तेयं निसिरइ, तए णं अहं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अणुकंपणट्ठयाए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स सीओसिणतेयलेस्सा-(तेय)पडिसाहरणट्ठयाए एत्थ णं अंतरा अहं सीयलियं तेयलेस्सं निसिरामि, जाए सा ममं सीयलियाए तेयलेस्साए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स सीओ(सा-उ)सिणा तेयलेस्सा पडिहया, तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी ममं सीयलियाए तेयलेस्साए सीओसिणं तेयलेस्सं पडिहयं जाणित्ता गोसालस्स य मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेदं वा अकीरमाणं पासित्ता सीओसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरइ सीओ० २ त्ता ममं एवं वयासी-से गयमेयं भगवं ! गयगयमेयं भगवं !, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी-किण्णं भंते ! एस जूयासिज्जायरए तुब्भे एवं वयासी-से गयमेयं भगवं ! गयगयमेयं भगवं !, तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी-तुमं णं गोसाला ! वेसियायणं बालतवस्सिं पास(इ)सि पासित्ता ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कसि जेणेव वेसियायणे बालतवस्सी तेणेव उवागच्छसि ते० २ त्ता वेसियायणं बालतवस्सिं एवं वयासी-किं भवं मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए ?, तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी तव एयमट्ठं नो आढाइ नो परिजाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं तुमं गोसाला ! वेसियायणं बालतवस्सिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-किं भवं

सुणी मुणिए जाव जूयासेज्जायरए ?, तए णं से वेसियायणे वालतवस्सी तुमं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव पच्चोसक्कइ २ त्ता तव वहाए सरीरगं(सि) तेयलेस्सं निस्सिरइ, तए णं अहं गोसाला ! तव अणुकंपणट्ठयाए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स सीयतेयलेस्सापडिसाहरणट्ठयाए एत्थ णं अंतरा सीयलियं तेयलेस्सं निसिरामि जाव पडिहयं जाणित्ता तव य सरीरगस्स किंचि आवाहं वा वावाहं वा छविच्छेदं वा अकीरमाणं पासित्ता सीओसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरइ सी० २ त्ता ममं एवं वयासी-से गयमेयं भगवं ! गयगयमेयं भगवं !, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं अंतियाओ एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीए जाव संजायभए ममं वंदइ नमंसइ ममं वं० २ त्ता एवं वयासी-कहन्नं भंते ! संखित्तविउलतेयलेस्से भवइ ?, तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी-जे णं गोसाला ! एगाए सणहाए कुम्मास-पिंडियाए एगेण य वियडासएणं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं वाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरइ, से णं अंतो छण्हं मासाणं संखित्तविउलतेयलेस्से भवइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एयमट्ठं सम्मं विणएणं पडिसुणेइ ॥ ५४२ ॥ तए णं अहं गोयमा ! अन्नया कयाइ गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं कुम्मगामाओ नयराओ सिद्धत्थगामं नयरं संपट्ठिए विहाराए, जाहे य मो तं देसं हव्वमागया जत्थ णं से तिलथंभए, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी-तु(ज्झे)ब्भे णं भंते ! तया ममं एवं आइक्खह जाव एवं परूवेह-गोसाला ! एस णं तिलथंभए निप्फज्जिस्सइ नो नो निप्पज्जिस्सइ तं चेव जाव पच्चायाइस्संति तण्णं मिच्छा, इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ एस णं से तिलथंभए णो निप्फन्ने अनिप्फन्नमेव ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ नो एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलि-याए सत्त तिला पच्चायाया, तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी-तुमं णं गोसाला ! तदा ममं एवं आइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहसि नो पत्तियसि नो रोयसि, एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे ममं पणिहा(ए)य अयन्नं मिच्छावाई भवउत्तिकट्टु ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोस-क्कसि २ त्ता जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छसि २ त्ता जाव एगंतमंते एडेसि, तक्खणमेत्तं गोसाला ! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए, तए णं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव तं चेव जाव तस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया, तं एस णं गोसाला ! से तिलथंभए निप्फन्ने णो अनिप्फन्नमेव, ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया, एवं खलु गोसाला ! वणस्सइकाइया पउट्टपरिहारं परिहरंति,

तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहइ ३ एयमट्ठं असद्दहमाणे जाव अरोएमाणे जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताओ तिलथंभयाओ तं तिलसंगलियं खुड्डइ खुड्डित्ता करयलंसि सत्त तिले पप्फोडेइ, तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ते सत्त तिले गणमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु सव्वजीवावि पउट्टपरिहारं परिहरंति, एस णं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स पउट्टे, एस णं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ममं अंतियाओ आया(ओ)ए अवक्कमणे प० ॥ ५४३ ॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते एगाए सणहाए कुम्मासपिंडियाए एगेण य वियडासएणं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते अंतो छण्हं मासाणं संखित्तविउलतेयलेस्से जाए ॥ ५४४ ॥ तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अन्नया कयाइ इमे छद्दिसाचरा अंतियं पाउब्भवित्था तं०-साणे तं चेव सव्वं जाव अजिणे जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तं नो खलु गोयमा! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, तए णं सा महइमहालिया महच्चपरिसा जहा सिवे जाव पडिगया। तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स जाव परूवेइ-जन्नं देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ तं णं मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मंखली नामं मंखे पिया होत्था, तए णं तस्स मंखलिस्स एवं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव अजिणे जिणप्पलावी जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तं नो खलु गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आयावणभूमीओ पच्चोरुहइत्ता सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे एवं वावि विहरइ ॥ ५४५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी आणंदे नामं थेरे पगइभद्दए जाव विणीए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से आणंदे थेरे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए एवं जहा

गोयमसामी तहेव आपुच्छइ, तहेव जाव उच्चनीयमज्झिम जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणंदं थेरं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासइ २ त्ता एवं वयासी-एहि ताव आणंदा! इओ एगं महं उवमियं निसामेहि; तए णं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणंदं थेरं एवं वयासी-एवं खलु आणंदा! इओ चिरा(ती)ईयाए अद्धाए केइ उच्चावया वणिया अत्यत्थी अत्थलुद्धा अत्थगवेसी अत्थकंखिया अत्थपिवासिया अत्थगवेसणयाए णाणाविहविउलपणियभंडमायाय सगडीसागडेणं सुबहुं भत्तपाणपत्थयणं गहाय एगं महं अगामियं अणोहियं छिन्नावायं दीहमद्धं अडविं अणुप्पविट्ठा, तए णं तेसिं वणियाणं तीसे अगामियाए अणोहियाए छिन्नावायाए दीहमद्धाए अडवीए किंचि देसं अणुप्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परि(भुज्ज)भुंजेमाणे २ खीणे, तए णं ते वणिया खीणोदगा समाणा तण्हाए परिब्भवमाणा अन्नमन्नं सद्दावेंति अन्न० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए किंचि देसं अणुप्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परिभुंजेमाणे २ खीणे, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेत्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति अन्न० २ त्ता तीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेंति, उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा एगं महं वणसंडं आसादेंति, किण्हं किण्होभासं जाव निकुरं(रुं)वभूयं पासाईयं जाव पडिरूवं, तस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगं वम्मीयं आसादेंति, तस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ अभिनिस(डा)ढाओ तिरियं सुसंपग्गहियाओ अहे पन्नगद्धरूवाओ पन्नगद्धसंठाणसंठियाओ पासाईयाओ जाव पडिरूवाओ, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा अन्नमन्नं सद्दावेंति अ० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणेहिं इमे वणसंडे आसादिए किण्हे किण्होभासे० इमस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए इमे वम्मीए आसादिए, इमस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ जाव पडिरूवाओ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिन्दित्तए, अवि याइं ओरालं उदगरयणं अस्सादेस्सामो, तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता तस्स

वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ अच्छं पत्थं जच्चं तणुयं फालियवन्नाभं उरालं उदगरयणं आसादेंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा पाणियं पिवंति २ त्ता वाहणाइं पज्जेति वा० २ त्ता भायणाइं भरेंति भा० २ त्ता दोच्चंपि अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हेहिं इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे अस्सादिए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवि याइं एत्थ ओरालं सुवन्नरयणं अस्सादेस्सामो, तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता तस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ अच्छं जच्चं तावणिज्जं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं सुवन्नरयणं अस्सादेंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा भायणाइं भरेंति २ त्ता पवहणाइं भरेंति २ त्ता तच्चंपि अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे अस्सादिए, दोच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले सुवन्नरयणे अस्सादिए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स तच्चंपि व(प्पं)प्पिं भिंदित्तए, अवि याइं एत्थं ओरालं मणिरयणं अस्सादेस्सामो, तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता तस्स वम्मीयस्स तच्चंपि वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ विमलं निम्मलं नित्तलं निक्कलं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं मणिरयणं अस्सादेंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा भायणाइं भरेंति भा० २ त्ता पवहणाइं भरेंति २ त्ता चउत्थंपि अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे अस्सादिए, दोच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले सुवण्णरयणे अस्सादिए, तच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले मणिरयणे अस्सादिए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स चउत्थंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवि याइं इत्थं उत्तमं महग्घं महत्थं महरिहं ओरालं वइररयणं अस्सादेस्सामो, तए णं तेसिं वणियाणं एगे वणिए हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए निस्सेयसिए हियसुहनिस्सेसकामए ते वणिए एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे जाव तच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले मणिरयणे अस्सादिए, तं होउ अलाहि पज्जत्तं णे एसा चउत्थी वप्पा मा भिज्जउ, चउत्थी णं वप्पा सउवसग्गा यावि हो(त्था)ज्जा, तए णं ते वणिया तस्स वणियस्स हियकामगस्स सुहकामगस्स जाव हियसुहनिस्सेसकामगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति जाव नो रोयंति, एयमट्ठं असद्दहमाणा जाव अरोएमाणा तस्स वम्मीयस्स चउत्थंपि वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ उग्गविसं

चंडविसं घोरविसं महाविसं अइकायमहाकायं मसिमूसाकालगं नयणविसरोसपुन्नं अंजणपुंजनिगरप्पगासं रत्तच्छं जमलजुयलचंचलचलंतजीहं धरणितलवेणिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडुलकक्खडविकडफडाडोवकरणदच्छं लोहागरधम्ममाणधमधमेंतघोसं अणागलियचंडतिव्वरोसं समुहिं तुरियं चवलं धमंतं दिट्ठिविसं सप्पं संघट्टेंति, तए णं से दिट्ठिविसे सप्पे तेहिं वणिएहिं संघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सणियं २ उट्ठेइ २ त्ता सरसरसरस्स वम्मीयस्स सिहरतलं दुरूहइ सि० २ त्ता आइच्चं णिज्झाइ आ० २ त्ता ते वणिए अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएइ, तए णं ते वणिया तेणं दिट्ठिविसेणं सप्पेणं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोइया समाणा खिप्पामेव सभंडमत्तोवगरणमायाए एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासी कया यावि होत्था, तत्थ णं जे से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए जाव हियसुहनिस्सेसकामए से णं अणुकं(प)पियाए देवयाए सभंडमत्तोवगरणमायाए नियगं नयरं साहिए, एवामेव आणंदा ! तववि धम्मायरिएणं धम्मोवएसएणं समणेणं नायपुत्तेणं ओराले परियाए अस्सादिए, ओराला कित्तिवन्नसद्दसिलोगा सदेवमणुयासुरे लोए पुव्वंति गुवंति थुवंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इति० २, तं जइ मे से अज्ज किंचिवि वदइ, तो णं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेमि जहा वा वालेणं ते वणिया, तुमं च णं आणंदा ! सारक्खामि संगोवयामि जहा वा से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए जाव निस्सेसकामए अणुकंपियाए देवयाए सभंडमत्तोव० जाव साहिए, तं गच्छह णं तुमं आणंदा ! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स नायपुत्तस्स एयमट्ठं परिकहेहि । तए णं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे भीए जाव संजायभए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सिग्घं तुरियं सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अहं भंते ! छट्ठक्खमणपारणगंसि तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे सावत्थीए नयरीए उच्चनीय जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए जाव वीईवयामि, तए णं गोसाले मंखलिपुत्ते ममं हालाहलाए जाव पासित्ता एवं वयासी—एहि ताव आणंदा ! इओ एगं महं उवमियं निसामेहि, तए णं अहं गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छामि, तए णं से गोसाले

मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी–एवं खलु आणंदा! इओ चिराईयाए अद्धाए केइ उच्चावया वणिया एवं तं चेव सव्वं निरवसेसं भाणियव्वं जाव नियगं नयरं साहिए तं गच्छह णं तुमं आणंदा! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स जाव परिकहेहि ॥ ५४६ ॥ तं पभू णं भंते! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेत्तए, विसए णं भंते! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स जाव करेत्तए; समत्थे णं भंते! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए? पभू णं आणंदा! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा! गोसाले जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा! गोसाले जाव करेत्तए, नो चेव णं अरिहंते भगवंते, परियावणियं पुण करेज्जा, जावइएणं आणंदा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए अणगाराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अणगारा भगवंतो, जावइएणं आणंदा! अणगाराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए थेराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण थेरा भगवंतो, जावइएणं आणंदा! थेराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए अरिहंताणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अरहंता भगवंतो, तं पभू णं आणंदा! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा! जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा! जाव करेत्तए, नो चेव णं अरिहंते भगवंते, पारियावणियं पुण करेज्जा ॥ ५४७ ॥ तं गच्छ णं तुमं आणंदा! गोयमाईणं समणाणं निग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेहि–मा णं अज्जो! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ, धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेउ, धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेउ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, तए णं से आणंदे थेरे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव गोयमाइसमणा निग्गंथा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोयमाइसमणे निग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अज्जो! छट्ठक्खमणपारणगंसि समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे सावत्थीए नयरीए उच्चनीय तं चेव सव्वं जाव णायपुत्तस्स एयमट्ठं परिकहेहि, तं मा णं अज्जो! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ जाव मिच्छं विप्पडिवन्ने ॥ ५४८ ॥ जावं च णं आणंदे थेरे गोयमाईणं समणाणं निग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे सिग्घं तुरियं जाव सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं

महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-सुट्ठु णं आउसो ! कासवा ! ममं एवं वयासी साहु णं आउसो ! कासवा ! ममं एवं वयासी-गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासी गोसाले० २, जे णं गोसाले मंखलिपुत्ते तव धम्मंतेवासी से णं सुक्के सुक्काभिजाइए भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने, अहण्णं उदाई नामं कुंडियायणीए अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अ० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि गो० २ त्ता इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, जेवि आ(या)ई आउसो ! कासवा ! अम्हं समयंसि केइ सिज्झिसु वा सिज्झंति वा सिज्झिस्संति वा सव्वे ते चउरासीइ महाकप्पसयसहस्साइं सत्त दिव्वे सत्त संजूहे सत्त सण्णिगब्भे सत्त पउट्टपरिहारे पंच कम्मणिसयसहस्साइं सट्ठिं च सहस्साइं छच्च सए तिन्नि य कम्मंसे अणुपुव्वेणं खवइत्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वाइंति सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, से जहा वा गंगा महानई जओ पवूढा जहिं वा पज्जुवत्थिया एस णं अद्धपंचजोयणसयाइं आयामेणं अद्धजोयणं विक्खंभेणं पंच धणुहसयाइं उव्वेहेणं एएणं गंगापमाणेणं सत्त गंगाओ सा एगा महागंगा, सत्त महागंगाओ सा एगा साईणगंगा, सत्त साईणगंगाओ सा एगा मच्चुगंगा, सत्त मच्चुगंगाओ सा एगा लोहियगंगा, सत्त लोहियगंगाओ सा एगा आवईगंगा, सत्त आवईगंगाओ सा एगा परमावई, एवामेव सपुव्वावरेणं एगं गंगासयसहस्सं सत्तरस य सहस्सा छच्चगुणपन्नगंगासया भवंतीति मक्खाया, तासिं दुविहे उद्धारे पण्णत्ते, तंजहा-सुहुमबोंदिकलेवरे चेव बायरबोंदिकलेवरे चेव, तत्थ णं जे से सुहुमबोंदिकलेवरे से ठप्पे, तत्थ णं जे से बायरबोंदिकलेवरे तओ णं वाससए २ गए २ एगमेगं गंगावालुयं अवहाय जावइएणं कालेणं से कोट्ठे खीणे णी(र)रेए निल्लेवे निट्ठिए भवइ, सेत्तं सरे सरप्पमाणे, एएणं सरप्पमाणेणं तिन्नि सरसयसाहस्सीओ से एगे महाकप्पे, चउरासीइ महाकप्पसयसहस्साइं से एगे महामाणसे, अणंताओ संजूहाओ जीवे चयं चइत्ता उवरिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता पढमे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मज्झिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं जाव विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चइत्ता दोच्चे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता हेट्ठिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ

दिव्वाइं जाव चइत्ता तच्चे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो जाव उव्व-ट्टित्ता उवरिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता चउत्थे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मज्झिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता पंचमे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता हिट्ठिल्ले माणु-सुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता छट्ठे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता बंभलोगे नामं से कप्पे पन्नत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिन्ने जहा ठाणपए जाव पंच वडेंसगा प०, तंजहा–असोगवडेंसए जाव पडिरूवा, से णं तत्थ देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता सत्तमे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तत्थ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाण जाव वीइक्कंताणं सुकुमालगभद्दलए मिउकुंडलकुंचियकेसए मट्ठगंडतलकन्नपीढए देवकुमारस(म)प्पभए दारए पया(ए)-यइ, से णं अहं कासवा ! ते (तए)णं अहं आउसो ! कासवा ! कोमारियाए पव्वज्जाए कोमारएणं बंभचेरवासेणं अविद्धकन्नए चेव संखाणं पडिलभामि सं० २ त्ता इमे सत्त पउट्टपरिहारे परिहरामि, तंजहा–एणेज्जगस्स, मल्लरामस्स, मंडियस्स, रोहस्स, भार-द्दाइस्स, अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स, गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स, तत्थ णं जे से पढमे पउट्टपरिहारे से णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया मंडियकुच्छिंसि उज्जाणंसि उदा(यण)-इस्स कुंडियायणस्स सरीरं विप्पजहामि उदा० २ त्ता एणेज्जगस्स सरीरगं अणुप्प-विसामि एणे० २ त्ता बावीसं वासाइं पढमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से दोच्चे पउट्टपरिहारे से णं उद्दंडपुरस्स नयरस्स बहिया चंदोयरणंसि उज्जाणंसि एणेज्जगस्स सरीरगं विप्पजहामि २ त्ता मल्लरामस्स सरीरगं अणुप्पविसामि मल्ल० २ त्ता एगवीसं वासाइं दोच्चं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से तच्चे पउट्टपरिहारे से णं चंपाए नयरीए बहिया अंगमंदिरंमि उज्जाणंसि मल्लरामस्स सरीरगं विप्पजहामि मल्ल० २ त्ता मंडियस्स सरीरगं अणुप्पविसामि मंडि० २ त्ता वीसं वासाइं तच्चं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से चउत्थे पउट्टपरिहारे से णं वाणारसीए नयरीए बहिया काममहावणंसि उज्जाणंसि मंडियस्स सरीरगं विप्प-जहामि मंडि० २ त्ता रोहस्स सरीरगं अणुप्पविसामि रोह० २ त्ता एगूणवीसं वासाइं चउत्थं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से पंचमे पउट्टपरिहारे से णं आलंभियाए नयरीए बहिया पत्तकालगंसि उज्जाणंसि रोहस्स सरीरगं विप्पज-हामि रोह० २ त्ता भारद्दाइस्स सरीरगं अणुप्पविसामि भा० २ त्ता अट्ठारस

वासाइं पंचमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से छट्ठे पउट्टपरिहारे से णं वेसालीए नयरीए बहिया कों(कं)डियायणंसि उज्जाणंसि भारद्दाइस्स सरीरगं विप्पजहामि भा० २ त्ता अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि अ० २ त्ता सत्तरस वासाइं छट्ठं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से सत्तमे पउट्टपरिहारे से णं इहेव सावत्थीए नयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अज्जुणगस्स० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं सीयसहं उण्हसहं खुहासहं विविहदंसमसग-परीसहोवसग्गसहं थिरसंघयणंतिकट्टु तं अणुप्पविसामि २ त्ता तं सोलस वासाइं इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, एवामेव आउसो! कासवा! एगेणं तेत्तीसेणं वाससएणं सत्त पउट्टपरिहारा परिहरिया भवंतीति मक्खाया, तं सुट्ठु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी साहु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी–गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासित्ति गोसाले० २ ॥ ५४९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–गोसाला! से जहा-नामए तेणए सिया गामेल्लएहि परब्भ(व)माणे २ कत्थ(वि)इ ग(त्तं)ड्डं वा दरिं वा दुग्गं वा निन्नं वा पव्वयं वा विसमं वा अणस्सादेमाणे एगेण महं उन्नालोमेण वा सणलोमेण वा कप्पासपम्हेण वा तणसूएण वा अत्ताणं आवरेत्ताणं चिट्ठेज्जा, से णं अणावरिए आवरियमिति अप्पाणं मन्नइ, अपच्छण्णे य पच्छण्णमिति अप्पाणं मन्नइ, अ(ण)णिलुक्के णिलुक्कमिति अप्पाणं मन्नइ, अपलायए पलायमिति अप्पाणं मन्नइ, एवामेव तुमंपि गोसाला! अणन्ने संते अन्नमिति अप्पाणं उपलभसि, तं मा एवं गोसाला! नारिहसि गोसाला! सच्चेव ते सा छाया नो अन्ना ॥ ५५० ॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ उच्चा० २ त्ता उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेइ उद्धंसेत्ता उच्चावयाहिं निब्भंछणाहिं निब्भंछेइ उ० २ त्ता उच्चावयाहिं निच्छोडणाहिं निच्छोडेइ उ० २ त्ता एवं वयासी–नट्ठेसि कयाइ, विणट्ठेसि कयाइ, भट्ठेसि कयाइ, नट्ठविणट्ठभट्ठेसि कयाइ, अज्ज न भवसि नाहि ते ममाहिंतो सुहमत्थि ॥ ५५१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए धम्मायरियाणुरागेणं एयमट्ठं असद्दहमाणे उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–जेवि ताव गोसाला! तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतियं एगमवि आ(य)रियं धम्मियं सुवयणं निसामेइ सेवि ताव तं

वंदइ नमंसइ जाव कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ, किमंग पुण तुमं गोसाला ! भगवया चेव पव्वाविए, भगवया चेव मुंडाविए, भगवया चेव सेहाविए, भगवया चेव सिक्खाविए, भगवया चेव बहुस्सुईकए, भगवओ चेव मिच्छं विप्पडिवन्ने, तं मा एवं गोसाला ! नारिहसि गोसाला ! सच्चेव ते सा छाया नो अन्ना, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइणामेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं जाव भासरासिं करेइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं जाव भासरासिं करेत्ता दोच्चंपि समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ जाव सुहं नत्थि । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी कोसलजाणवए सुणक्खत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए धम्मायरियाणुरागेणं जहा सव्वाणुभूई तहेव जाव सच्चेव ते सा छाया नो अन्ना । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सुणक्खत्तेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ सुनक्खत्तं अणगारं तवेणं तेएणं परितावेइ, तए णं से सुनक्खत्ते अणगारे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ स० २ त्ता समणा य समणीओ य खामेइ सम० २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सुनक्खत्तं अणगारं तवेणं तेएणं परितावेत्ता तच्चंपि समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ सव्वं तं चेव जाव सुहं नत्थि । तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–जेवि ताव गोसाला ! तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा तं चेव जाव पज्जुवासइ, किमंग पुण गोसाला ! तुमं मए चेव पव्वाविए जाव मए चेव बहुस्सुईकए ममं चेव मिच्छं विप्पडिवन्ने, तं मा एवं गोसाला ! जाव नो अन्ना, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ तेयासमुग्घाएणं समोहणइ तेया० २ त्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्कइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए सरीरगंसि तेयं निसिरइ, से जहानामए वाउक्कलियाइ वा वायमंडलियाइ वा सेलंसि वा कुड्डंसि वा थंभंसि वा थूभंसि वा आवरिज्जमा(णा)णी वा निवारिज्जमाणी वा सा णं तत्थ णो कमइ नो पक्कमइ, एवामेव गोसालस्सवि मंखलिपुत्तस्स तवे तेए समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए सरीरगंसि निसिट्ठे समाणे से णं तत्थ नो कमइ नो पक्कमइ, अंचियंचिं करेइ अंचि० २ त्ता आयाहिणं पयाहिणं करेइ आ०

२ त्ता उड्ढं वेहासं उप्पइए, से णं तओ पडिहए पडिनियत्ते समाणे त(स्से)मेव गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुडहमाणे २ अंतो २ अणुप्पविट्ठे, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सएणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे समणं भगवं महावीरं एवं वयासी– तुमं णं आउसो! कासवा! ममं तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करिस्ससि, तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–नो खलु अहं गोसाला! तव तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करिस्सामि, अहन्नं अन्नाइं सोलसवासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि, तुमं णं गोसाला! अप्पणा चेव सएणं तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे जाव छउमत्थे चेव कालं करिस्ससि, तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया! सावत्थीए नयरीए बहिया कोट्ठए उज्जाणे दुवे जिणा संलवंति, एगे एवं वदंति–तुमं पुव्विं कालं करिस्ससि एगे एवं वदंति तुमं पुव्विं कालं करिस्ससि, तत्थ णं के पुण सम्मावाई के पुण मिच्छावाई? तत्थ णं जे से अहप्पहाणे जणे से वदइ–समणे भगवं महावीरे सम्मावाई गोसाले मंखलिपुत्ते मिच्छावाई, अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी–अज्जो! से जहानामए तणरासीइ वा कट्ठरासीइ वा पत्तरासीइ वा तयारासीइ वा तुसरासीइ वा भुसरासीइ वा गोमयरासीइ वा अवकररासीइ वा अगणिज्झामिए अगणिज्झूसिए अगणिपरिणामिए हयतेए गयतेए नट्ठतेए भट्ठतेए लुत्ततेए विणट्ठतेए जाव एवामेव गोसाले मंखलिपुत्ते ममं वहाए सरीरगंसि तेयं निसिरित्ता हयतेए गयतेए जाव विणट्ठतेए जाए, तं छंदेणं अज्जो! तुब्भे गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएह धम्मि० २ त्ता धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेह धम्मि० २ त्ता धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेह धम्मि० २ त्ता अट्ठेहि य हेऊहि य पसिणेहि य वागरणेहि य कारणेहि य निप्पट्ठपसिणवागरणं करेह, तए णं ते समणा निग्गंथा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएंति ध० २ त्ता धम्मियाए पडिसा(ह)रणाए पडिसारेंति ध० २ त्ता धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेंति ध० २ त्ता अट्ठेहि य हेऊहि य कारणेहि य जाव वागरणं क(वाग)रेंति। तए ण से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेहिं निग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोइज्जमाणे जाव निप्पट्ठपसिणवागरणे कीरमाणे आसुरुत्ते जाव

मिसिमिसेमाणे नो संचाएइ समणाणं निग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आवाहं वा वाबाहं वा उप्पाएत्तए छविच्छेदं वा करेत्तए, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं समणेहिं निग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएज्जमाणं धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारिज्जमाणं धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारिज्जमाणं अट्ठेहि य हेऊहि य जाव कीरमाणं आसुरुत्तं जाव मिसिमिसेमाणं समणाणं निग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेदं वा अकरेमाणं पासंति २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमंति आयाए अवक्कमित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं० वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति, अत्थेगइया आजीविया थेरा गोसालं चेव मंखलिपुत्तं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते जस्सट्ठाए हव्वमागए तमट्ठं असाहेमाणे रुंदाइं पलोएमाणे दीहुण्हाइं नी(स)सासमाणे दाढियाए लोमा(इं)ए लुंचमाणे अवडुं कंडूयमाणे पुयलिं पप्फोडेमाणे हत्थे विणिद्धुणमाणे दोहिवि पाएहिं भूमिं कोट्टेमाणे हाहा अहो! हओऽहमस्सीतिकट्टु समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए मज्जपाणगं पियमाणे अभिक्खणं गायमाणे अभिक्खणं नच्चमाणे अभिक्खणं हालाहलाए कुंभकारीए अंजलिकम्मं करेमाणे सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ ॥ ५५२ ॥ अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी-जावइएणं अज्जो! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं ममं वहाए सरीरगंसि तेए निसट्ठे से णं अलाहि पज्जंते सोलसण्हं जणवयाणं, तं०-अंगाणं वंगाणं मगहाणं मलयाणं मालवगाणं अ(च्छा)त्थाणं वत्थाणं कोत्थाणं पाढाणं लाढाणं वज्जीणं मोलीणं कासीणं कोसलगाणं अवाहाणं सुंभुत्तराणं घायाए वहाए उच्छादणट्ठयाए भासीकरणयाए, जंपि य अज्जो! गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए मज्जपाणं पियमाणे अभिक्खणं जाव अंजलिकम्मं करेमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं अट्ठ चरिमाइं पन्नवेइ, तंजहा-चरिमे पाणे, चरिमे गेए, चरिमे नट्टे, चरिमे अंजलिकम्मे, चरिमे पोक्खलसंवट्टए महामेहे, चरिमे सेयणए गंधहत्थी, चरिमे महासिलाकंटए संगामे, अहं च णं इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थंकराणं चरिमे तित्थंकरे सिज्झिस्सं जाव अंतं करेस्सं ति, जंपि य अज्जो!

गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पन्नवेइ, से किं तं पाणए? पाणए चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा-गोपुट्ठए, हत्थमद्दियए, आयवतत्तए, सिलापब्भट्ठए, सेत्तं पाणए, से किं तं अपाणए? अपाणए चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-थालपाणए, तयापाणए, सिंबलिपाणए, सुद्धपाणए, से किं तं थालपाणए? २ जण्णं (जेणं) दाथालगं वा दावारगं वा दाकुंभगं वा दाकलसं वा सीयलगं (वा) उल्लगं हत्थेहिं परामुसइ न य पाणियं पियइ, सेत्तं थालपाणए, से किं तं तयापाणए? २ जण्णं अंबं वा अंबाडगं वा जहा पओगपए जाव बोरं वा तिंदुरुयं वा [तरुयं] वा तरुणगं वा आमगं वा आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा न य पाणियं पियइ, सेत्तं तयापाणए, से किं तं सिंबलिपाणए? २ जण्णं कलसंगलियं वा मुग्गसंगलियं वा माससंगलियं वा सिंबलिसंगलियं वा तरुणियं आमियं आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा ण य पाणियं पियइ, सेत्तं सिंबलिपाणए, से कि तं सुद्धपाणए? सुद्धपाणए जण्णं छम्मासे सुद्धखाइमं खाइ दो मासे पुढविसंथारोवगए दो मासे कट्ठसंथारोवगए दो मासे दब्भसंथारोवगए, तस्स णं बहुपडिपुन्नाणं छण्हं मासाणं अंतिमराइए इमे दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा अंतियं पाउब्भवंति, तं०-पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य, तए णं ते देवा सीयलएहिं उल्लएहिं हत्थेहिं गायाइं परामुसंति, जे णं ते देवे साइज्जइ से णं आसीविसत्ताए कम्मं पकरेइ, जे णं ते देवे नो साइज्जइ तस्स णं संसि सरीरगंसि अगणिकाए संभवइ, से णं सएणं तेएणं सरीरगं झामेइ स० २ त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ, सेत्तं सुद्धपाणए। तत्थ णं सावत्थीए नयरीए अयंपुले णामं आजीवियोवासए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए जहा हालाहला जाव आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियोवासगस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-किंसठिया हल्ला पण्णत्ता?, तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियोवासगस्स दोच्चंपि अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु मम धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते उप्पन्ननाणदंसणधरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी इहेव सावत्थीए नयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते गोसालं मंखलिपुत्तं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एया(णु)रूवं वागरणं वागरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ संपेहित्ता कल्लं जाव जलंते ण्हाए जाव

अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ सा० २ त्ता पाय-विहारचारेणं सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासइ गोसालं मंखलिपुत्तं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगयं जाव अंजलिकम्मं करेमाणं सीयलयाएणं मट्टिया जाव गायाइं परिसिंचमाणं पासइ २ त्ता लज्जिए विलिए विड्डे सणियं २ पच्चोसक्कइ, तए णं ते आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं लज्जियं जाव पच्चोसक्कमाणं पासेंति २ त्ता एवं वयासी-एहि ताव अयंपुला! एत्त(इ)ओ, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीवियथेरेहिं एवं वुत्ते समाणे जेणेव आजीविया थेरा तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता आजीविए थेरे वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, अयंपुलाइ आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी-से नूणं ते(भे) अयंपुला! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता?, तए णं तव अयंपुला! दोच्चंपि अयमेया० तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, से नूणं ते अयंपुला! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि, जंपि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए जाव अंजलिं करेमाणे विहरइ, तत्थवि णं भगवं इमाइं अट्ठ चरिमाइं पन्नवेइ, तं०-चरिमे पाणे जाव अंतं करेस्सइ, जेवि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलयाएणं मट्टिया जाव विहरइ, तत्थवि णं भगवं इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पन्नवेइ, से किं तं पाणए? पाणए जाव तओ पच्छा सिज्झ(न्ति)इ जाव अंतं करे(न्ति)इ, तं गच्छह णं तुमं अयंपुला! एस चेव तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते इमं एयारूवं वागरणं वाग(रेही)रित्तएत्ति, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीविएहिं थेरेहिं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंबकूणगप(ए)डावणट्ठयाए एगंतमंते संगारं कुव्वंति, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आजीवियाणं थेराणं संगारं पडिच्छइ २ त्ता अंबकूणगं एगंतमंते एडेइ, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासइ, अयंपुलाइ गोसाले मंखलिपुत्ते अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी-से नूणं अयंपुला! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव जेणेव ममं अंतियं तेणेव हव्वमागए, से नूणं अयंपुला! अट्ठे समट्ठे? हंता

अत्थि, तं नो खलु एस अंबकूणए अंबचोयए णं एसे, किंसंठिया हल्ला पन्न० वंसीमूलसंठिया हल्ला पण्णत्ता, वीणं वाएहि रे वीरगा वी० २, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं इमं एयारूवं वागरणं वागरिए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता पसिणाइं पुच्छइ २ त्ता अट्ठाइं परियादियइ अ० २ त्ता उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते अप्पणो मरणं आभोएइ २ त्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! ममं कालगयं जाणित्ता सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेह सु० २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाईए गायाइं लूहेह गा० २ त्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपह स० २ त्ता महरिहं हंसलक्खणं पाडसाडगं नियंसेह मह० २ त्ता सव्वालंकार-विभूसियं करेह स० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहेह पुरि० २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु महया महया सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वदह–एवं खलु देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरित्ता इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरिमे तित्थयरे सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, इड्ढीसक्कारसमुदएणं ममं सरीरगस्स णीहरणं करेह, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति ॥ ५५३ ॥ तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सत्तरत्तंसि परिणम-माणंसि पडिलद्धसम्मत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–णो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, अहं णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए समणमारए समणपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयस-कारए अवन्नकारए अकित्तिकारए बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेहि-य अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहरित्ता सएणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करेस्सं, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता उच्चावय-सवहसाविए करेइ उच्चा० २ त्ता एवं वयासी–नो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, अहन्नं गोसाले मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सं, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगा-सेमाणे विहरइ, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया! ममं कालगयं जाणित्ता वामे पाए सुंबेणं बंधह वा० २ त्ता तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुभह ति० २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग

अप्प॰पहेसु आकड्ढविकड्ढिं करेमाणा महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वदह–नो खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विह(रइ)रिए, एस णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, अणिड्ढीअसक्कारसमुदएणं ममं सरीरगस्स नीहरणं करेज्जाह, एवं वदित्ता कालगए ॥५५४॥ तए णं ते आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं कालगयं जाणित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवाराइं पिहेंति दु० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स बहुमज्झदेस-भाए सावत्थिं नयरिं आलिहंति सा० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं वामे पाए सुंबेणं बंधंति वा० २ त्ता तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुभंति २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु आकड्ढविकड्ढि करेमाणा णीयं २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयासी–नो खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरिए, एस णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, सवहपडिमोक्खणगं करेंति स० २ त्ता दोच्चंपि पूयासक्कारथिरीकरणट्ठयाए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वामाओ पायाओ सुंबं मुयंति सु० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवारवयणाइं अवगुणंति २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेंति तं चेव जाव महया २ इड्ढीसक्कारसमुदएणं गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स नीहरणं करेंति ॥ ५५५ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ सावत्थीओ नयरीओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं मिंढियगामे नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स णं मेंढियगामस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं सालकोट्ठए नामं उज्जाणे होत्था वन्नओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तस्स णं सालकोट्ठगस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते एत्थ णं महेगे मालुयाकच्छए यावि होत्था किण्हे किण्होभासे जाव निकुरंबभूए पत्तिए पुप्फिए फलिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, तत्थ णं मेंढियगामे नयरे रेवई नामं गाहावइणी परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव मेंढियगामे नयरे जेणेव साण(ल)कोट्ठए उज्जाणे जाव परिसा पडिगया । तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव दुरहियासे पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरइ, अवियाइं लोहियवच्चाइंपि पकरेइ, चाउव्वन्नं वागरेइ–एवं खलु

समणे भगवं महावीरे गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे स-अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करिस्सइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सीहे नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए मालुयाकच्छगस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं वाहाओ जाव विहरइ, तए णं तस्स सीहस्स अणगारस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सइ, वदिस्संति य णं अन्नउत्थिया छउमत्थे चेव कालगए, इमेणं एयारूवेणं महया मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आया० २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मालुयाकच्छयं अंतो २ अणुप्पविसइ मालुया० २ त्ता महया २ सद्देणं कुहुकुहुस्स परुन्ने। अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जो! ममं अंतेवासी सीहे नामं अणगारे पगइभद्दए तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव परुन्ने, तं गच्छह णं अज्जो! तुब्भे सीहं अणगारं सद्दह, तए णं ते समणा निग्गंथा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति सा० २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता सीहं अणगारं एवं वयासी-सीहा! तव धम्मायरिया सद्दावेंति, तए णं से सीहे अणगारे समणेहिं निग्गंथेहिं सद्धिं मालुयाकच्छयाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सालकोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं २ जाव पज्जुवासइ, सीहादि समणे भगवं महावीरे सीहं अणगारं एवं वयासी-से नूणं ते सीहा! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव परुन्ने, से नूणं ते सीहा! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि, तं नो खलु अहं सीहा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करेस्सं, अहन्नं अन्नाइं अद्धसोलसवासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि, तं गच्छह णं तुमं सीहा! मेंढियगामं नयरं रेवईए गाहावइणीए गिहे, तत्थ णं रेवईए गाहावइणीए ममं अट्ठाए दुवे (कोहंडफला) उवक्खडिया तेहिं नो अट्ठो, अत्थि से अन्ने पारियासिए [फासुए बीयऊरए] तमाहराहि तेणं अट्ठो, तए णं से सीहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता

असंभंतं मुहपोत्तियं पडिलेहेइ मु० २ त्ता जहा गोयमसामी ७२ ण भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं १२ नमंसइ वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता अतुरिय जाव जेणेव मेंढियगामे नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मेंढियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव रेवईए गाहावइणीए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रेवईए गाहावइणीए गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सीहं अणगारं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ स० २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं० वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणप्पओयणं?, तए णं से सीहे अणगारे रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी–एवं खलु तुमे देवाणुप्पिए! समणस्स भगवओ महावीरस्स अट्ठाए दुवे [कोहंडफला] उवक्खडिया तेहिं नो अट्ठो, अत्थि ते अन्ने पारियासिए (फासुए वीयऊरए) तमाहराहि तेणं अट्ठो, तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एवं वयासी–केस णं सीहा! से णाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं तुमं जाणासि? एवं जहा खंदए जाव जओ णं अहं जाणामि, तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहस्स अणगारस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पत्तगं मोएइ पत्तगं मोएत्ता जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहस्स अणगारस्स पडिग्गहगंसि तं सव्वं सम्मं निस्सिरइ, तए णं तीए रेवईए गाहावइणीए तेणं दव्वसुद्धेणं जाव दाणेणं सीहे अणगारे पडिलाभिए समाणे देवाउए निबद्धे जहा विजयस्स जाव जम्मजीवियफले रेवईए गाहावइणीए रेवईए गाहावणीए, तए णं से सीहे अणगारे रेवईए गाहावइणीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मेंढियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छइत्ता जहा गोयमसामी जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स पाणिंसि तं सव्वं सम्मं निस्सिरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अमुच्छिए जाव अणज्झोववन्ने बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं तमाहारं सरीरकोट्ठगंसि पक्खिवइ, तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स तमाहारं आहारियस्स समाणस्स से विउले रोगायंके खिप्पामेव उवसमं पत्ते हट्ठे जाए आरोग्गे बलियसरीरे तुट्ठा समणा तुट्ठाओ समणीओ तुट्ठा सावया तुट्ठाओ सावियाओ तुट्ठा देवा तुट्ठाओ देवीओ सदेवमणुयासुरे लोए तुट्ठे हट्ठे जाए समणे भगवं महावीरे हट्ठे० २ ॥ ५५६ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं

महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे उड्ढं चंदिमसूरिय जाव बंभलंतगमहासुक्के कप्पे वीईवइत्ता सहस्सारे कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तत्थ णं सव्वाणुभूइस्सवि देवस्स अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, से णं सव्वाणुभूई देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ। एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कोसलजाणवए सुनक्खत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेण तवेणं तेएणं परिताविए समाणे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी सुनक्खत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता समणा य समणीओ य खामेइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जाव आणयपाणयारणकप्पे वीईवइत्ता अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं सुनक्खत्तस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं सेसं जहा सव्वाणुभूइस्स जाव अंतं काहिइ ॥ ५५७ ॥ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले नामं मंखलिपुत्ते से णं भंते! गोसाले मंखलिपुत्ते कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले नामं मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जाव अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तत्थ णं गोसालस्सवि देवस्स बावीस सागरोवमाइं ठिई प०। से णं भंते! गोसाले देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! इहेव जंबूदीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे नयरे संमु(सुम)इस्स रन्नो भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं जाव वीइक्कंताणं जाव सुरूवे दारए पयाहिइ, जं रयणिं च णं से

दारए जाइ(पया)हिइ तं रयणिं च णं सयदुवारे नयरे सब्भिंतरबाहिरिए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिइ, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव संपत्ते बारसाहदिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं काहिंति-जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे नयरे सब्भिंतरबाहिरिए जाव रयणवासे य वासे वुट्ठे, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स नामधेज्जं महापउमे महापउमे, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेहिंति महापउमेत्ति, तए णं तं महापउमं दारगं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासजायगं जाणित्ता सोहणंसि तिहिकरणदिवसनक्खत्तमुहुत्तंसि महया २ रायाभिसेगेणं अभिसिंचेहिंति, से णं तत्थ राया भविस्सइ महया हिमवंतमहंत० वन्नओ जाव विहरिस्सइ, तए णं तस्स महापउमस्स रन्नो अन्नया कयाइ दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति, तं०-पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य, तए णं सयदुवारे नयरे बहवे राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिईओ अन्नमन्नं सद्दावेहिंति अ० २ त्ता एवं वदेहिंति-जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रन्नो दो देवा महिड्ढिया जाव सेणाकम्मं करेंति तं०-पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य, तं होउ णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रन्नो दोच्चेवि नामधेज्जे देवसेणे २, तए णं तस्स महापउमस्स रन्नो दोच्चेवि नामधेज्जे भविस्सइ देवसेणेति, तए णं तस्स देवसेणस्स रन्नो अन्नया कयाइ सेए संखतलविमलसन्निगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिस्सइ, तए णं से देवसेणे राया तं सेयं संखतलविमलसन्निगासं चउद्दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सयदुवारं नयरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अ(भि)इजाहिइ य निज्जाहिइ य, तए णं सयदुवारे नयरे बहवे राईसर जाव पभिईओ अन्नमन्नं सद्दावेहिंति अ० २ त्ता वदेहिंति-जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रन्नो सेए संखतलसन्निगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पन्ने, तं होउ णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रन्नो तच्चेवि नामधेज्जे विमलवाहणे २, तए णं तस्स देवसेणस्स रन्नो तच्चेवि नामधेज्जे भविस्सइ विमलवाहणेत्ति। तए णं से विमलवाहणे राया अन्नया कयाइ समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवज्जिहिइ, अ(प्पे)प्पेगइए आउसेहिइ, अप्पेगइए अ(उ)वहसिहिइ, अप्पेगइए निच्छोडेहिइ, अप्पेगइए निब्भच्छेहिइ, अप्पेगइए बंधेहिइ, अप्पेगइए णिरुंभेहिइ, अप्पेगइयाणं छविच्छेदं करेहिइ, अप्पेगइए पमारेहिइ, अप्पेगइयाणं उद्दवेहिइ, अप्पेगइयाणं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं आच्छिंदिहिइ विच्छिंदिहिइ भिंदिहिइ अवहरिहिइ, अप्पेगइयाणं भत्तपाणं वोच्छिंदिहिइ, अप्पेगइ(याणं)ए णिन्नगरे करेहिइ, अप्पेगइए

निव्विसए करेहि(न्ति)इ, तए णं सयदुवारे नयरे बहवे राईसर जाव वदिहिंति–एवं खलु देवाणुप्पिया! विमलवाहणे राया समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, अप्पेगइए आउसइ जाव निव्विसए करेइ, तं नो खलु देवाणुप्पिया! एयं अम्हं सेयं, नो खलु एयं विमलवाहणस्स रन्नो सेयं, नो खलु एयं रज्जस्स वा रट्ठस्स वा बलस्स वा वाहणस्स वा पुरस्स वा अंतेउरस्स वा जणवयस्स वा सेयं जण्णं विमलवाहणे राया समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं विमलवाहणं रायं एयमट्ठं विन्नवित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता जेणेव विमलवाहणे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं विमलवाहणं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति ज० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ना, अप्पेगइए आउस्संति जाव अप्पेगइए निव्विसए करेंति, तं नो खलु एयं देवाणुप्पियाणं सेयं, नो खलु एयं अम्हं सेयं, नो खलु एयं रज्जस्स वा जाव जणवयस्स वा सेयं जं णं देवाणुप्पिया! समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ना, तं विरमंतु णं देवाणुप्पिया! एयस्स अट्ठस्स अकरणयाए, तए णं से विमलवाहणे राया तेहिं बहूहिं राईसर जाव सत्थवाहप्पभिईहिं एयमट्ठं विन्नत्ते समाणे नो धम्मोत्ति नो तवोत्ति मिच्छाविणएणं एयमट्ठं पडिसुणेहिइ, तस्स णं सयदुवारस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं सुभूमिभागे नामं उज्जाणे भविस्सइ सव्वोउय० वन्नओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पउप्पए सुमंगले नामं अणगारे जाइसंपन्ने जहा धम्मघोसस्स वन्नओ जाव संखित्तविउलतेयलेस्से तिन्नाणोवगए सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ। तए णं से विमलवाहणे राया अन्नया कयाइ रहचरियं काउं निज्जाहिइ, तए णं से विमलवाहणे राया सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते रहचरियं करेमाणे सुमंगलं अणगारं छट्ठंछट्ठेणं जाव आयावेमाणं पासिहिइ २ त्ता आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं रहसिरेणं णोल्लावेहिइ, तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रन्ना रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता दोच्चंपि उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ, तए ण से विमलवाहणे राया सुमंगलं अणगारं दोच्चंपि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ, तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रन्ना दोच्चंपि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता ओहिं पउंजेहिइ २ त्ता विमलवाहणस्स रण्णो तीतद्धं ओहिणा आभोएहिइ, २ त्ता विमलवाहणं रायं एवं वदिहिइ–नो खलु तुमं विमलवाहणे राया, नो खलु तुमं देवसेणे राया, नो खलु

तुमं महापउमे राया, तुमण्णं इओ तच्चे भवग्गहणे गोसाले नामं मंखलिपुत्ते होत्था, समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तं जइ ते तया सव्वाणुभूइणा अणगारेणं पभुणावि होऊणं सम्मं सहियं खमियं तितिक्खियं अहियासियं, जइ ते तया सुनक्खत्तेणं अणगारेणं पभुणावि होऊणं जाव अहियासियं, जइ ते तया समणेणं भगवया महावीरेणं पभुणावि जाव अहियासियं, तं नो खलु अहं ते तहा सम्मं सहिस्सं जाव अहियासिस्सं, अहं ते नवरं सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेज्जामि, तए णं से विमलवाहणे राया सुमंगलेण अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं तच्चंपि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ, तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा तच्चंपि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता तेयासमुग्घाएणं समोहणिहिइ तेया० २ त्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्किहिइ सत्तट्ठ० २ त्ता विमलवाहण रायं सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं जाव भासरासिं करेहिइ। सुमंगले णं भंते! अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासिं करेत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! सुमंगले णं अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासि करेत्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालस जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणिहिइ बहू० २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए जाव छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते उड्ढं चंदिमसूरिय जाव गेविज्जविमाणावाससयं वीईवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं देवाणं अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तत्थ णं सुमंगलस्सवि देवस्स अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। से णं भंते! सुमंगले देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ॥५५८॥ विमलवाहणे णं भंते! राया सुमंगलेणं अणगारेणं सहए जाव भासरासीकए समाणे कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! विमलवाहणे णं राया सुमंगलेणं अणगारेणं सहए जाव भासरासीकए समाणे अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता मच्छेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा दोच्चंपि अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता दोच्चंपि मच्छेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता इत्थियासु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं

सत्थवज्झे दाह जाव दोच्चंपि छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि इत्थियासु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि जाव उव्वट्टित्ता उरएसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि पंचमाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि उरएसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि जाव उव्वट्टित्ता सीहेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे तहेव जाव कालं किच्चा दोच्चंपि चउत्थीए पंकप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि सीहेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता पक्खीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि तच्चाए वालुय० जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि पक्खीसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता सिरीसवेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि सिरीसवेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ जाव उव्वट्टित्ता सण्णीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा असन्नीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिइयंसि णरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ जाव उव्वट्टित्ता जाइं इमाइं खहचरविहाणाइं भवंति, तं०-चम्मपक्खीणं, लोमपक्खीणं, समुग्गपक्खीणं, विययपक्खीणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायाहिइ, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा जाइं इमाइं भुयपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तंजहा-गोहाणं नउलाणं जहा पन्नवणापए जाव जाहगाणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो सेसं जहा खहचराणं जाव किच्चा जाइं इमाइं उरपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तं०-अहीणं अयगराणं आसालियाणं महोरगाणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो जाव किच्चा जाइं इमाइं चउप्पयविहाणाइं भवंति, तं०-एगखुराणं दुखुराणं गंडीपयाणं सणहपयाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं जलचरविहाणाइं भवंति, तं०-मच्छाणं कच्छभाणं जाव सुंसुमाराणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं चउरिंदियविहाणाइं भवंति, तं०-अंधियाणं पोत्तियाणं जहा पन्नवणापए जाव गोमयकीडाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं तेइंदियविहाणाइं भवंति, तं०-उ(ओ)वचियाणं जाव हत्थिसोंडाणं, तेसु अणेग जाव किच्चा जाइं इमाइं वेइंदियविहाणाइं भवंति, तं०-पुलाकिमियाणं जाव समुद्दलिक्खाणं, तेसु अणेगसय जाव किच्चा जाइं इमाइं वणस्सइविहाणाइं भवंति, तं०-रुक्खाणं गुच्छाणं जाव कुह(हु)णाणं,

तेसु अणेगसय जाव पच्चायाइस्सइ, उस्सन्नं च णं कडुयरुक्खेसु कडुयवल्लीसु सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं वाउक्काइयविहाणाइं भवंति, तंजहा–पाईणवायाणं जाव सुद्धवायाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं तेउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०–इंगालाणं जाव सूरियकंतमणिनिस्सियाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं आउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०–उस्साणं जाव खातोदगाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव पच्चायाइस्सइ, उस्सण्णं च णं खारोदएसु खातोदएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं पुढविक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०–पुढवीणं सक्कराणं जाव सूरकंताणं, तेसु अणेगसय जाव पच्चायाहिइ, उस्सन्नं च णं खरवायरपुढविक्काइएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा रायगिहे नयरे बाहिं खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि रायगिहे नयरे अंतो खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले विभेले सन्निवेसे माहणकुलंसि दारियत्ताए पच्चायाहिइ। तए णं तं दारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं जोव्वणगमणुप्पत्तं पडिरूवएणं सुक्केणं पडिरूवएणं विणएणं पडिरूवियस्स भत्तारस्स भारियत्ताए दलइस्संति, सा णं तस्स भारिया भविस्सइ इट्ठा कंता जाव अणुमया भंडकरंडगसमाणा तेल्लकेला इव सुसंगोविया चेलपे(ला)डा इव सुसंपरिग्गहिया रयणकरंडओविव सुसारक्खिया सुसंगोविया मा णं सीयं मा णं उण्हं जाव परिस्सहोवसग्गा फुसंतु। तए णं सा दारिया अन्नया कयाइ गुव्विणी ससुरकुलाओ कुलघरं निज्जमाणी अंतरा दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु अग्गिकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ माणुस्सं० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ के० २ त्ता केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिइ, तत्थविय णं विराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु असुरकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं तं चेव जाव तत्थवि णं विराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु नागकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता एवं एएणं अभिलावेणं दाहिणिल्लेसु सुवन्नकुमारेसु एवं विज्जुकुमारेसु एवं अग्गिकुमारवज्जं जाव दाहिणिल्लेसु थणियकुमारेसु से णं तओ जाव उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव विराहियसामन्ने जोइसिएसु देवेसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं

चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ, केवलं वोहिं बुज्झिहिइ, तत्थवि णं अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ० चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ० तत्थवि णं अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सणंकुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो एवं जहा सणंकुमारे तहा बंभलोए महासुक्के आणए आरणे, से णं तओ जाव अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति—अड्ढाइं जाव अपरिभूयाइं, तहप्पगारेसु कुलेसु पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, एवं जहा उववाइए दढप्पइन्नवत्तव्वया सच्चेव वत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ, तए णं से दढप्पइन्ने केवली अप्पणो तीतद्धं आभोएहिइ अप्प० २ त्ता समणे निग्गंथे सद्दावेहिइ सम० २ त्ता एवं वदिहिइ—एवं खलु अहं अज्जो ! इओ चिरातीयाए अद्धाए गोसाले नामं मंखलिपुत्ते होत्था समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तम्मूलगं च णं अहं अज्जो ! अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिए, तं मा णं अज्जो ! तुब्भंपि केइ भवउ आयरियपडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए अवन्नकारए अकित्तिकारए, मा णं सेऽवि एवं चेव अणादीयं अणवदग्गं जाव संसारकंतारं अणुपरियट्टिहिइ जहा णं अहं । तए णं ते समणा निग्गंथा दढप्पइन्नस्स केवलिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया तत्था तसिया संसारभयउव्विग्गा दढप्पइन्नं केवलिं वंदिहिंति नमंसिहिंति वं० २ त्ता तस्स ठाणस्स आलोइएहिंति निंदिहिंति जाव पडिवज्जिहिंति, तए णं से दढप्पइन्ने केवली वहूइं वासाइं केवलपरियागं पाउणिहिइ वहूइं० २ त्ता अप्पणो आउसेसं जाणित्ता भत्तं पच्चक्खाहिइ, एवं जहा उववाइए जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५५९ ॥ **तेयनिसग्गो समत्तो (अद्धेणं) ॥ समत्तं च पन्नरसमं सयं एक्कसरयं ॥**

अहिगरणि जरा कम्मे जावइयं गंगदत्त सुमिणे य । उवओग लोग बलि ओहि दीव उदही दिसा थणिया ॥१॥ चउद्दस० सोलसमे ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! अहिगरणिंसि वाउयाए वक्कमइ ? हंता अत्थि, से भंते ! किं पुट्ठे उद्दाइ अपुट्ठे उद्दाइ ? गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ नो अपुट्ठे उद्दाइ, से भंते ! किं ससरीरी निक्खमइ असरीरी निक्खमइ ? एवं जहा खंदए जाव से तेणट्ठेणं जाव नो असरीरी निक्खमइ ॥५६०॥ इंगालकारियाए णं भंते ! अगणिकाए केवइयं कालं संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि राइंदियाइं,

अन्नेवि तत्थ वाउयाए वक्कमइ, न विणा वाउयाएणं अगणिकाए उज्जलइ ॥ ५६१ ॥ पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहमाणे वा पव्विहमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहिइ वा पव्विहिइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो अए निव्वत्तिए अयकोट्ठे निव्वत्तिए संडासए निव्वत्तिए इंगाला निव्वत्तिया इंगालकड्ढिणी निव्वत्तिया भत्था निव्वत्तिया तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा । पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठाओ अयोमएणं संडासएणं गहाय अहिगरणिंसि उक्खिवमाणे वा निक्खिवमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठाओ जाव निक्खिवइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहि किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो अए निव्वत्तिए संडासए निव्वत्तिए चम्मेट्ठे निव्वत्तिए मुट्ठिए निव्वत्तिए अहिगरणी निव्वत्ति(ए)या अहिगरणिखोडी णिव्वत्तिया उदगदोणी णिव्वत्तिया अहिगरणसाला निव्वत्तिया तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥५६२॥ जीवे णं भंते ! किं अहिगरणी अहिगरणं ? गोयमा ! जीवे अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवे अहिगरणीवि अहिगरणंपि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि ॥ नेरइए णं भंते ! कि अधिगरणी अधिगरणं ? गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, एवं जहेव जीवे तहेव नेरइएवि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए ॥ जीवे णं भंते ! किं साहिगरणी निरहिगरणी ? गोयमा ! साहिगरणी नो निरहिगरणी, से केणट्ठेणं पुच्छा, गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव नो निरहिगरणी, एवं जाव वेमाणिए ॥ जीवे णं भंते ! कि आयाहिगरणी पराहिगरणी तदुभयाहिगरणी ? गोयमा ! आयाहिगरणीवि पराहिगरणीवि तदुभयाहिगरणीवि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव तदुभयाहिगरणीवि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव तदुभयाहिगरणीवि, एवं जाव वेमाणिए ॥ जीवाणं भंते ! अहिगरणे किं आयप्पओगनिव्वत्तिए परप्पओगनिव्वत्तिए तदुभयप्पओगनिव्वत्तिए ? गोयमा ! आयप्पओगनिव्वत्तिएवि परप्पओगनिव्वत्तिएवि तदुभयप्पओगनिव्वत्तिएवि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव तदुभयप्पओगनिव्वत्तिएवि, एवं जाव वेमाणियाणं ॥५६३॥ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए । कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच इंदिया पण्णत्ता,

तंजहा-सोइंदिए जाव फासिंदिए, कइविहे णं भंते ! जोए पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोए पण्णत्ते, तंजहा-मणजोए वइजोए कायजोए ॥ जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अहिगरणीवि अहिगरणंपि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि, पुढविकाइए णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं चेव, एवं जाव मणुस्से । एवं वेउव्वियसरीरंपि, नवरं जस्स अत्थि । जीवे णं भंते ! आहारगसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी० पुच्छा, गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि ? गोयमा ! पमायं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि, एवं मणुस्सेवि, तेयासरीरं जहा ओरालियं, नवरं सव्वजीवाणं भाणियव्वं, एवं कम्मगसरीरंपि । जीवे णं भंते ! सोइंदियं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं जहेव ओरालियसरीरं तहेव सोइंदियंपि भाणियव्वं, नवरं जस्स अत्थि सोइंदियं, एवं चक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाणवि, नवरं जाणियव्वं जस्स जं अत्थि । जीवे णं भंते ! मणजोगं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं जहेव सोइंदियं तहेव निरवसेसं, वइजोगो एवं चेव, नवरं एगिंदियवज्जाणं, एवं कायजोगोवि, नवरं सव्वजीवाणं जाव वेमाणिए । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५६४ ॥ **सोलसमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-जीवाणं भंते ! किं जरा सोगे ? गोयमा ! जीवाणं जरावि सोगेवि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव सोगेवि ? गोयमा ! जे णं जीवा सारीरं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं जरा, जे णं जीवा माणसं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं सोगे, से तेणट्ठेणं जाव सोगेवि, एवं नेरइयाणवि, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं भंते ! किं जरा सोगे ? गोयमा ! पुढविकाइयाणं जरा नो सोगे, से केणट्ठेणं जाव नो सोगे ? गोयमा ! पुढविकाइया णं सारीरं वेयणं वेदेंति नो माणसं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं जाव नो सोगे, एवं जाव चउरिंदियाणं, सेसाणं जहा जीवाणं जाव वेमाणियाणं, सेवं भंते ! २ त्ति जाव पज्जुवासइ ॥ ५६५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे जाव भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ पासइ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहा ईसाणे तइयसए तहेव सक्कोवि नवरं आभिओगे ण सद्दावेइ हरी पायत्ताणियाहिवई, सुघोसा घंटा, पालओ विमाणकारी पालगं विमाणं, उत्तरिल्ले निज्जाणमग्गे, दाहिणपुरच्छिमिल्ले रइकरगपव्वए सेसं तं चेव

जाव नामगं सावेत्ता पज्जुवासइ, धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए णं से सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोचा निसम्म हट्ठ-तुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-कइविहे णं भंते ! उग्गहे पन्नत्ते ? सक्का ! पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तंजहा-देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ जे इमे भंते ! अज्जत्ताए समणा निग्गंथा विहरंति, एएसि णं अहं उग्गहं अणुजाणामीतिकट्टु समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरुहइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसि पडिगए। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-जं णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया तुब्भे एवं वदइ सच्चे णं एसमट्ठे ? हंता सच्चे ॥ ५६६ ॥ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सम्मावाई मिच्छावाई ? गोयमा ! सम्मावाई नो मिच्छावाई ॥ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सच्चं भासं भासइ, मोसं भासं भासइ, सच्चामोसं भासं भासइ, असच्चामोसं भासं भासइ ? गोयमा ! सच्चंपि भासं भासइ जाव असच्चामोसंपि भासं भासइ ॥ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सावज्जं भासं भासइ अणवज्जं भासं भासइ ? गोयमा ! सावज्जंपि भासं भासइ अणवज्जंपि भासं भासइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-सावज्जंपि जाव अणवज्जंपि भासं भासइ ? गोयमा ! जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं अणिजूहित्ताणं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया सावज्जं भासं भासइ, जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं निजूहित्ताणं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया अणवज्जं भासं भासइ, से तेणट्ठेणं जाव भासइ, सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए सम्मद्दिट्ठिए मिच्छादिट्ठिए एवं जहा मोउद्देसए सणंकुमारे जाव नो अचरिमे ॥५६७॥ जीवाणं भंते ! किं चेयकडा कम्मा कज्जंति अचेयकडा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! जीवाणं चेयकडा कम्मा कज्जंति नो अचेयकडा कम्मा कज्जंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जंति ? गोयमा ! जीवाण आहारोवचिया पोग्गला, बोंदिचिया पोग्गला, क(डे)लेवरचिया पोग्गला तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो !, दुट्ठाणेसु दुसेज्जासु दुन्निसीहियासु तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो !, आयंके से वहाए होइ संकप्पे से वहाए होइ मरणंते से वहाए होइ तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो !, से तेणट्ठेणं जाव कम्मा कज्जंति, एवं नेरइयाणवि एवं जाव वेमाणियाणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५६८ ॥ **सोलसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवे णं भंते ! नाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कइ कम्मपगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ, एवं जहा पन्नवणाए वेयावेउद्देसओ सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो, वेदावंधोवि तहेव, वंधावेदोवि तहेव, वंधावंधोवि तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियाणंति। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ॥ ५६९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नयराओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयातीरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स णं उल्लुयातीरस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं एगजंबुए नामं उज्जाणे होत्था वन्नओ, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव एगजंबुए समोसढे जाव परिसा पडिगया, भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणस्स तस्स णं पुरच्छिमेणं अवड्ढं दिवसं नो कप्पइ हत्थं वा पायं वा बाहं वा ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, पच्चच्छिमेणं से अवड्ढं दिवसं कप्पइ हत्थं वा पायं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, तस्स णं अंसियाओ लंबंति, तं च वेज्जे अदक्खु इ(ई)सिं पाडेइ २ त्ता अंसियाओ छिंदेज्जा, से नूणं भंते ! जे छिंदइ तस्स किरिया कज्जइ, जस्स छिज्जइ नो तस्स किरिया कज्जइ णण्णत्थेगेणं धम्मंतराइएणं ? हंता गोयमा ! जे छिंदइ जाव धम्मंतराइएणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५७०॥ **सोलसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–जावइयन्नं भंते ! अन्नगिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइयाणं वासेण वा वासेहिं वा वाससए(ण)हिं वा खविंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयण्णं भंते ! चउत्थभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससएण वा वाससएहिं वा वाससहस्से(ण)हिं वा वाससयसहस्से(ण)हिं वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते ! छट्ठभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससहस्सेण वा वाससहस्सेहिं वा वाससयसहस्से(हि)ण वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते ! अट्ठमभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससयसहस्सेण वा वाससयसहस्सेहिं वा वासकोडीए वा खवयंति ? नो

इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते ! दसमभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वासकोडीए वा वासकोडीहिं वा वासकोडाकोडीए वा खवयंति ? नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जावइयं अन्न(इ)गिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वासेण वा वासेहिं वा वाससएण वा (जाव) वास-(सय) सहस्सेण वा नो खवयंति, जावइयं चउत्थभत्तिए एवं तं चेव पुव्वभणियं उच्चारेयव्वं जाव वासकोडाकोडीए वा नो खवयंति ? गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे जुन्ने जराजज्जरियदेहे सिढिलतयावलितरंगसंपिणद्धगत्ते पविरलपरिसडियदंतसेढी उण्हाभिहए तण्हाभिहए आउरे झुंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते एगं महं कोसंबगंडियं सुक्कं जडिलं गंठिल्लं चिक्कणं वाइद्धं अपत्तियं मुंडेण परसुणा अक्कमेज्जा, तए णं से पुरिसे महंताइं २ सद्दाइं करेइ नो महंताइं २ दलाइं अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! नेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं एवं जहा छट्ठसए जाव नो महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए-केइ पुरिसे अहिगरणिं आउडेमाणे महया जाव नो महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव मेहावी निउणसिप्पोवगए एगं महं सामलिगंडियं उल्लं अजडिलं अगंठिल्लं अचिक्कणं अवाइद्धं सपत्तियं अइतिक्खेण परसुणा अक्कमेज्जा, तए णं से पुरिसे नो महंताइं २ सद्दाइं करेइ, महंताइं २ दलाइं अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! समणाणं निग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं णिट्ठियाइं कयाइं जाव खिप्पामेव परिविद्धत्थाइं भवंति, जावइयं तावइयं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से जहा वा केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थगं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, एवं जहा छट्ठसए तहा अयोकवल्लेवि जाव महापज्जवसाणा भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जावइयं अन्नगिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ तं चेव जाव वासकोडाकोडीए वा नो खवयंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५७१ ॥ **सोलसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयातीरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, एगजंबुए उज्जाणे वन्नओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी एवं जहेव बिइए उद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छेइ २ त्ता जाव नमंसित्ता एवं वयासी—देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू आगमित्तए ? नो इणट्ठे समट्ठे, देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू आग-

मित्तए ? हंता पभू, देवे णं भंते ! महिड्ढिए एवं एएणं अभिलावेणं गमित्तए २, एवं भासित्तए वा वा(विया)गरित्तए वा ३, उम्मिसावेत्तए वा निम्मिसावेत्तए वा ४, आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ५, ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेइत्तए वा ६, एवं विउव्वित्तए वा ७, एवं परियारावेत्तए वा ८ जाव हंता पभू, इमाइं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ इमाइं० २ त्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ संभंतिय० २ त्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरूहइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसि पडिगए ॥५७२॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं०२ त्ता एवं वयासी–अन्नया णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं वंदइ नमंसइ सक्कारेइ जाव पज्जुवासइ, किण्णं भंते ! अज्ज सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ २ त्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा एगविमाणंसि देवत्ताए उववन्ना, तं०–माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नए य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए य, तए णं से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे तं अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला नो परिणया अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला नो परिणया अपरिणया, तए णं से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए देवे तं माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला परिणया नो अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला परिणया नो अपरिणया, तं माइमिच्छदिट्ठिउववन्नगं देवं एवं पडिहणइ २ त्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता ममं ओहिणा आभोएइ ममं० २ त्ता अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयातीरे नयरे जेणेव एगजंबुए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एयारूवं वागरणं पुच्छित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता चउहिवि सामाणियसाहस्सीहिं परियारो जहा सूरियाभस्स जाव निग्घोसनाइयरवेणं जेणेव जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयातीरे नयरे जेणेव एगजंबुए उज्जाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से सक्के देविंदे देवराया तस्स देवस्स तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभा(वं)गं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणे ममं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ २ त्ता संभंतिय जाव पडिगए ॥५७३॥ जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से देवे तं देसं हव्वमागए, तए णं से देवे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ

नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु भंते ! महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे एगे माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे ममं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला नो परिणया अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला नो परिणया अपरिणया, तए णं अहं तं माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला परिणया नो अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला परिणया णो अपरिणया, से कहमेयं भंते ! एवं ? गंगदत्तादि समणे भगवं महावीरे गंगदत्तं देवं एवं वयासी–अहंपि णं गंगदत्ता ! एवमाइक्खामि ४–परिणममाणा पोग्गला जाव नो अपरिणया सच्चमेसे अट्ठे, तए णं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे गंगदत्तस्स देवस्स तीसे य जाव धम्मं परिकहेइ जाव आराहए भवइ, तए णं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहण्णं भंते ! गंगदत्ते देवे किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए ? एवं जहा सूरियाभो जाव बत्तीसइविहं नट्टविहं उवदंसेइ २ त्ता जाव तामेव दिसिं पडिगए ॥ ५७४ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी–गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई जाव अणुप्पविट्ठा ? गोयमा ! सरीरं गया सरीरं अणुप्पविट्ठा कूडागारसालादिट्ठंतो जाव सरीरं अणुप्पविट्ठा । अहो णं भंते ! गंगदत्ते देवे महिड्ढिए जाव महेसक्खे, गंगदत्तेणं भंते ! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई किण्णा लद्धा जाव जं णं गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणापुरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, सहसंबवणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं हत्थिणापुरे नयरे गंगदत्ते नामं गाहावई परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए, तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव पकड्ढिज्जमाणेणं २ सीसगणसंपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जाव विहरइ, परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ, तए णं से गंगदत्ते गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं हत्थिणाउरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव मुणिसुव्वए अरहा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मुणिसुव्वयं अरहं तिक्खुत्तो

आयाहिणं पयाहिणं जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ, तए णं मुणिसुव्वए अरहा गंगदत्तस्स गाहावइस्स तीसे य महइ जाव परिसा पडिगया, तए णं से गंगदत्ते गाहावई मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वदह, जं नवरं देवाणुप्पिया ! जेट्ठपुत्त कुडुंबे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं, तए णं से गंगदत्ते गाहावई मुणिसुव्वएणं अरहया एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियाओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विउलं असणं पाणं जाव उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणाइणियग जाव आमंतेइ आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जहा पूरणे जाव जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेइ, तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्तं च आपुच्छइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहइ पुरिससह० २ त्ता मित्तणाइनियग जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेण य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्डीए जाव णाइयरवेणं हत्थिणापुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता छत्ताइए तित्थगराइसए पासइ एवं जहा उदायणे जाव सयमेव आभरणं उमुयइ स० २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ स० २ त्ता जेणेव मुणिसुव्वए अरहा एवं जहेव उदायणे तहेव पव्वइए, तहेव एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए (जाव) छेदेइ सट्ठिं भत्ताइं० २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव गंगदत्तदेवत्ताए उववन्ने, तए णं से गंगदत्ते देवे अहुणोववन्नमेत्तए समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा–आहारपज्जत्तीए जाव भासामणपज्जत्तीए, एवं खलु गोयमा ! गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्डी जाव अभिसमन्नागया । गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! सत्तर ससागरोवमाइं ठिई प०, गंगदत्ते णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५७५ ॥ **सोलसमस्स सयस्स पञ्चमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! सुविणदंसणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे सुविणदंसणे पण्णत्ते, तंजहा–अहातच्चे पयाणे चिंतासुविणे तव्विवरीए अव्वत्तदंसणे ॥ सुत्ते णं भंते ! सुविणं पासइ, जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ? गोयमा ! नो सुत्ते सुविणं पासइ,

नो जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ॥ जीवा णं भंते ! किं सुत्ता जागरा सुत्तजागरा ? गोयमा ! जीवा सुत्तावि जागरावि सुत्तजागरावि, नेरइया णं भंते ! किं सुत्ता० पुच्छा, गोयमा ! नेरइया सुत्ता नो जागरा नो सुत्तजागरा, एवं जाव चउ-रिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सुत्ता० पुच्छा, गोयमा ! सुत्ता नो जागरा सुत्तजागरावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५७६ ॥ संवुडे णं, भंते ! सुविणं पासइ, असंवुडे सुविणं पासइ, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ ? गोयमा ! संवुडेवि सुविणं पासइ, असंवुडेवि सुविणं पासइ, संवुडासंवुडेवि सुविणं पासइ, संवुडे सुविणं पासइ अहातचं पासइ, असंवुडे सुविणं पासइ तहा वा तं होज्जा अन्नहा वा तं होज्जा, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ एवं चेव ॥ जीवा णं भंते ! किं संवुडा असंवुडा संवुडासंवुडा ? गोयमा ! जीवा संवुडावि असंवुडावि संवुडासंवु-डावि, एवं जहेव सुत्ताणं दंडओ तहेव भाणियव्वो ॥ कइ णं भंते ! सुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बायालीसं सुविणा पन्नत्ता, कइ णं भंते ! महासुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं महासुविणा पण्णत्ता, कइ णं भंते ! सव्वसुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावत्तरिं सव्वसुविणा पण्णत्ता । तित्थगरमायरो णं भंते ! तित्थगरंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! तित्थगरमायरो णं तित्थगरंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति, तं०-गयउसभसीहअभिसेय जाव सिहिं च । चक्कवट्टिमायरो णं भंते ! चक्कवट्टिंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुमिणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! चक्कवट्टिमायरो चक्कवट्टिंसि जाव वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं एवं जहा तित्थगरमायरो जाव सिहिं च । वासुदेवमायरो णं पुच्छा, गोयमा ! वासुदेव-मायरो जाव वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे सत्त महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति । बलदेवमायरो णं पुच्छा, गोयमा ! बलदेवमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ताणं पडि-बुज्झंति । मंडलियमायरो णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! मंडलियमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरं एगं महासुविणं जाव पडिबुज्झंति ॥ ५७७ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे, तं०-एगं च णं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिबुद्धे १, एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे २, एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ३, एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ताणं

पडिबुद्धे ४, एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ५, एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ६, एगं च णं महं सागरं उम्मीवीईसहस्सकलियं भुयाहिं तिन्नं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ७, एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ८, एगं च णं महं हरिवेरुलियवन्नाभेणं नियगेणं अतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परिवेढियं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ९, एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं सीहासणवरगयं अप्पाणं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे १० । जण्ण समणे भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिबुद्धे, तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १, जन्नं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किल्ल जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्तविचित्त जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे विचित्तं ससमयपरसमइयं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पन्नवेइ परूवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ, तंजहा–आयारं सूयगडं जाव दिट्ठिवायं ३, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पन्नवेइ, तं०–आगारधम्मं वा अणागारधम्मं वा ४, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयगोवग्गं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइन्ने समणसंघे प०, तं०–समणा समणीओ सावया सावियाओ ५, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पन्नवेइ, तं०–भवणवासी वाणमंतरे जोइसिए वेमाणिए ६, जन्नं समणे भगवं महावीरे एगं महं सागरं जाव पडिबुद्धे, तन्नं समणेणं भगवया महावीरेणं अणादीए अणवदग्गे जाव संसारकंतारे तिन्ने ७, जन्नं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे, तन्नं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ८, जण्णं समणे जाव वीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स ओरांला कित्तिवन्नसद्दसिलोया सदेवमणुयासुरे लोगे परिभ(वं)मंति–इति खलु समणे भगवं महावीरे इति खलु समणे भगवं महावीरे ९, जन्नं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलीपन्नत्तं धम्मं आघवेइ जाव उवदंसेइ ॥५७८॥ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हयपंतिं वा गयपंतिं वा जाव उसभपंतिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ,

तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं दामिणिं पाईणपडीणाययं दुहओ समुद्दे पुट्ठं पासमाणे पासइ, संवेल्लेमाणे संवेल्लेइ, संवेल्लियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं रज्जुं पाईणपडीणाययं दुहओ लोगंते पुट्ठं पासमाणे पासइ, छिंदमाणे छिंदइ, छिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं किण्हसुत्तगं वा जाव सुक्किल्लसुत्तगं वा पासमाणे पासइ, उग्गोवेमाणे उग्गोवेइ, उग्गोवियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं अयरासिं वा तंबरासिं वा तउयरासिं वा सीसगरासिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हिरन्नरासिं वा सुवन्नरासिं वा रयणरासिं वा वइररासिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं तणरासिं वा जहा तेयनिसग्गे जाव अवकररासिं वा पासमाणे पासइ, विक्खिरमाणे विक्खिरइ, विकिण्णमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सरथंभं वा वीरिणथंभं वा वंसीमूलथंभं वा वल्लीमूलथंभं वा पासमाणे पासइ, उम्मूलेमाणे उम्मूलेइ, उम्मूलियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं खीरकुंभं वा दहिकुंभं वा घयकुंभं वा महुकुंभं वा पासमाणे पासइ, उप्पाडेमाणे उप्पाडेइ, उप्पाडियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सुरावियडकुंभं वा सोवीरवियडकुंभं वा तेल्लकुंभं वा वसाकुंभं वा पासमाणे पासइ, भिंदमाणे भिंदइ, भिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं पउमसरं कुसुमियं पासमाणे पासइ, ओगाहेमाणे ओगाहेइ, ओगाढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं सागरं उम्मीवीई जाव कलियं पासमाणे पासइ, तरमाणे तरइ, तिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं भवणं सव्वरयणामयं पासमाणे पासइ, [दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मण्णइ,] अणुप्पविसमाणे अणुप्पविसइ, अणुप्पविट्ठमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा

सुविणंते एगं महं विमाणं सव्वरयणामयं पासमाणे पासइ, दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ ॥ ५७९ ॥ अह भंते ! कोट्ठपुडाण वा जाव केयईपुडाण वा अणुवायंसि उब्भिज्जमाणाण वा जाव ठाणाओ वा ठाणं संकामिज्जमाणाणं कि कोट्ठे वाइ जाव केयई वाइ ? गोयमा ! नो कोट्ठे वाइ जाव नो केयई वाइ, घाणसहगया पोग्गला वाइ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५८० ॥ **सोलसमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! उवओगे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे उवओगे पन्नत्ते, एवं जहा उवओगपयं पन्नवणाए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं, पासणयापयं च निरवसेसं नेयव्व । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५८१॥ **सोलसमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

केमहालए णं भंते ! लोए पन्नत्ते ? गोयमा ! महइमहालए जहा बारसमसए तहेव जाव असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं, लोगस्स णं भंते ! पुरच्छिमिल्ले चरिमंते कि जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवप्पएसा ? गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवपएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपएसावि ॥ जे जीवदेसा ते नियमं एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे एवं जहा दसमसए अग्गेईदिसा तहेव, नवरं देसेसु अणिंदियाणं आइल्लविरहिओ । जे अरूवी अजीवा ते छव्विहा, अद्धासमओ नत्थि, सेसं तं चेव सव्वं निरवसेसं । लोगस्स णं भंते ! दाहिणिल्ले चरिमंते कि जीवा० ? एवं चेव, एवं पच्चच्छिमिल्लेवि, एवं उत्तरिल्लेवि, लोगस्स णं भंते ! उवरिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि । जे जीवदेसा ते नियमं एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे, अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा, एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाणं, जे जीवप्पएसा ते नियमं एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य बेइंदियस्स पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य बेइंदियाण य पएसा, एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाणं, अजीवा जहा दसमसए तमाए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं ॥ लोगस्स णं भंते ! हेट्ठिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि, जे जीवदेसा ते नियमं एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे अहवा एगिंदियदेसा बेइंदियाण य देसा, एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदियाण पएसा,

आइल्लविरहिओ सव्वेसिं जहा पुरच्छिमिल्ले चरिमंते तहेव, अजीवा जहेव उवरिल्ले चरिमंते तहेव ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा एवं जहेव लोगस्स तहेव चत्तारिवि चरिमंता जाव उत्तरिल्ले, उवरिल्ले तहेव जहा दसमसए विमला दिसा तहेव निरवसेसं, हेट्ठिल्ले चरिमंते जहेव लोगस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते तहेव, नवरं देसे पंचिंदिएसु तियभंगोत्ति सेसं तं चेव, एवं जहा रयणप्पभाए चत्तारि चरिमंता भणिया एवं सक्करप्पभाएवि, उवरिमहेट्ठिल्ला जहा रयणप्पभाए हेट्ठिल्ले, एवं जाव अहे सत्तमाए, एवं सोहम्मस्सवि जाव अच्चुयस्स, गेविज्जविमाणाणं एवं चेव, नवरं उवरिमहेट्ठिल्लेसु चरिमंतेसु देसेसु पंचिंदियाणवि मज्झिल्लविरहिओ सेसं तहेव, एवं जहा गेवेज्जविमाणा तहा अणुत्तरविमाणावि, ईसिप्पब्भारावि ॥५८२॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! लोगस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ पच्चच्छिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, पच्चच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ पुरच्छिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, दाहिणिल्लाओ चरिमंताओ उत्तरिल्लं जाव गच्छइ, उत्तरिल्लाओ चरिमंताओ दाहिणिल्लं चरिमतं जाव गच्छइ, उवरिल्लाओ चरिमंताओ हेट्ठिल्लं चरिमंतं जाव गच्छइ, हेट्ठिल्लाओ चरिमंताओ उवरिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ ? हंता गोयमा ! परमाणुपोग्गले णं लोगस्स पुरच्छिमिल्लं तं चेव जाव उवरिल्लं चरिमंतं गच्छइ ॥ ५८३ ॥ पुरिसे णं भंते ! वासं वासइ नो वासइत्ति हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा आउंटावेमाणे वा पसारेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे वासं वासइ वासं नो वासतीति हत्थं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेइ वा पसारेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे ॥५८४॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे लोगंते ठिच्चा पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ देवे णं महिड्ढिए जाव महेसक्खे लोगंते ठिच्चा णो पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव पसारेत्तए वा ? गोयमा ! जीवाणं आहारोवचिया पोग्गला बोंदिचिया पोग्गला कलेवरचिया पोग्गला पोग्गला(चे)मेव पप्प जीवाण य अजीवाण य गइपरियाए आहिज्जइ, अलोए णं नेवत्थि जीवा नेवत्थि पोग्गला से तेणट्ठेणं जाव पसारेत्तए वा ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥५८५॥ **सोलसमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो** ॥

कहिन्नं भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो सभा सुहम्मा प० ? गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं तिरियमसंखेज्जे जहेव चमरस्स जाव बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो रुयगिंदे नामं उप्पायपव्वए पन्नत्ते, सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए एवं

परिमाणं जहेव तिगिच्छिकूडस्स पासायवडिंसगस्सवि तं चेव पमाणं सीहासणं सपरिवारं वलिस्स परि(वा)यारेणं अट्ठो तहेव, नवरं रुयगिदप्पभाइं ३ सेसं तं चेव जाव बलिचंचाए रायहाणीए अन्नेसिं च जाव (णिच्चे) रुयगिदस्स णं उप्पायपव्वयस्स उत्तरेणं छक्कोडिसए तहेव जाव चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं वलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो वलिचंचा नामं रायहाणी प० एगं जोयणसयसहस्सं पमाणं तहेव उववाओ जाव आयरक्खा सव्वं तहेव निरवसेसं, नवरं साइरेगं सागरोवमं ठिई प०, सेसं तं चेव जाव वली वइरोयणिंदे वली० २॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥५८६॥ **सोलसमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! ओही पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहा ओही प०, तं०-ओहीपयं निरवसेसं भाणियव्वं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५८७ ॥ **सोलसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥**

दीवकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समुस्सासनिस्सासा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जहा पढमसए विइयउद्देसए दीवकुमाराणं वत्तव्वया तहेव जाव समाउया समुस्सासनिस्सासा। एवं नागावि, दीवकुमाराणं भंते ! कइ लेस्साओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ पन्नत्ताओ, तंजहा-कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा। एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दीवकुमारा तेउलेस्सा, काउलेस्सा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया। एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पिड्ढिया वा महिड्ढिया वा ? गोयमा ! कण्हलेस्साहिंतो नीललेस्सा महिड्ढिया जाव सव्वमहिड्ढिया तेउलेस्सा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ १६ ॥ ११ ॥ उदहिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १२ ॥ एवं दिसाकुमारावि सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १३ ॥ एवं थणियकुमारावि, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५८८ ॥ **सोलसमस्स सयस्स चउद्दसमो उद्देसो समत्तो ॥ सोलसमं सयं समत्तं ॥**

नमो सुयदेवयाए भगवईए ॥ कुंजर १ संजय २ सेलेसि ३ किरिय ४ ईसाण ५ पुढवि ६-७ दग ८-९ वाऊ १०-११। एगिंदिय १२ नाग १३ सुवन्न १४ विज्जु १५ वाउ १६ ऽग्गि १७ सत्तरसे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-उदाई णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरायत्ताए उववन्ने ? गोयमा ! असुरकुमारेहिंतो देवेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरा-

यत्ताए उववन्ने, उदाई णं भंते ! हत्थिराया कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोससागरोवमट्ठिइयंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ भूयाणंदे णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता भूयाणंदे हत्थिरायत्ताए एवं जहेव उदाई जाव अंतं काहिइ ॥ ५८९ ॥ पुरिसे णं भंते ! तालमारुहइ ता० २ त्ता तालाओ तालफलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालमारुहइ तालमारुहित्ता तालाओ तालफलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तले निव्वत्तिए तालफले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ अहे णं भंते ! से तालफले अप्पणो गरुयत्ताए जाव पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तए णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालप्फले अप्पणो ग(गु)रुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहि किरियाहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तालप्फले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेविय से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहि किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे रुक्खस्स मूलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहि किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहि पुट्ठा, अहे णं भंते ! से मूले अप्पणो गुरुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से मूले अप्पणो जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहि किरियाहि पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेविय णं से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स

कंदं पचाले० ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि णं जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, अहे णं भंते ! से कंदे अप्पणो जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए खंधे निव्वत्तिए जाव चउहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे निव्वत्तिए तेवि णं जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेवि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स जाव पंचहिं पुट्ठा जहा (कंदे) खंधो एवं जाव बीयं ॥५९०॥ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पन्नत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए। कइ णं भंते ! इंदिया प० ? गोयमा ! पंच इंदिया प०, तं०–सोइंदिए जाव फासिंदिए। कइविहे णं भंते ! जोए प० ? गोयमा ! तिविहे जोए प०, तं०–मणजोए वइजोए कायजोए। जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, एवं पुढविक्काइएवि, एवं जाव मणुस्से। जीवा णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणा कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि, एवं पुढविकाइयावि, एवं जाव मणुस्सा, एवं वेउव्वियसरीरेणवि दो दंडगा नवरं जस्स अत्थि वेउव्वियं, एवं जाव कम्मगसरीरं, एवं सोइंदियं जाव फासिंदियं, एवं मणजोगं वइजोगं कायजोगं जस्स जं अत्थि तं भाणियव्वं, एए एगत्तपुहुत्तेणं छव्वीसं दंडगा ॥ ५९१ ॥ कइविहे णं भंते ! भावे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे भावे प०, तं०–उदइए उवसमिए जाव सन्निवाइए, से किं तं उदइए भावे ? उदइए भावे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–उदइए य उदयनिप्फन्ने य, एवं एएणं अभिलावेणं जहा अणुओगदारे छन्नामं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव से तं सन्निवाइए भावे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५९२॥ **सत्तरसमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

से नूणं भंते ! संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे धम्मे ठिए, असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अहम्मे ठिए, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए ? हंता गोयमा ! संजयविरय जाव धम्माधम्मे ठिए, एएसि णं भंते ! धम्मंसि वा अहम्मंसि वा धम्माधम्मंसि वा चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणं खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव धम्माधम्मे ठिए ? गोयमा ! संजयविरय जाव पावकम्मे धम्मे ठिए धम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, असंजय जाव पावकम्मे अहम्मे ठिए अहम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए धम्माधम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव ठिए ॥ जीवा णं भंते ! किं धम्मे ठिया अहम्मे ठिया धम्माधम्मे ठिया ?

गोयमा ! जीवा धम्मेवि ठिया अहम्मेवि ठिया धम्माधम्मेवि ठिया, नेरइयाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णेरइया णो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, णो धम्माधम्मे ठिया, एवं जाव चउरिंदियाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया नो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, धम्माधम्मेवि ठिया, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५९३ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति-एवं खलु समणा पंडिया समणोवासगा वालपंडिया, जस्स णं एगपाणाएवि दंडे अणिक्खित्ते से णं एगंतवालेत्ति वत्तव्वं सिया, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु समणा पंडिया, समणोवासगा वालपंडिया, जस्स णं एगपाणाएवि दंडे निक्खित्ते से णं नो एगंतवालेत्ति वत्तव्वं सिया ॥ जीवा णं भंते ! किं बाला पंडिया वालपंडिया ? गोयमा ! जीवा वालावि पंडियावि वालपंडियावि, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया वाला नो पंडिया नो वालपंडिया, एवं जाव चउरिंदियाणं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया बाला नो पंडिया बालपंडियावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५९४ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति-एवं खलु पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उप्पत्तियाए जाव पारिणामियाए वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उग्गहे ईहा अवाए धारणाए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, उट्ठाणे जाव परक्कमे वट्टमाणस्स जाव जीवाया, नेरइयत्ते तिरिक्खमणुस्सदेवत्ते वट्टमाणस्स जाव जीवाया, नाणावरणिज्जे जाव अंतराइए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, एवं कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मदिट्ठीए ३, एवं चक्खुदंसणे ४, आभिणिबोहियनाणे ५, मइअन्नाणे ३, आहारसन्नाए ४, एवं ओरालियसरीरे ५, एवं मणजोए ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे वट्टमाणस्स अण्णे जीवे अन्ने जीवाया, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया जाव अणागारोवओगे वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया ॥ ५९५ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पुव्वामेव रूवी भवित्ता पभू अरूवि विउ-

व्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ देवे णं जाव नो पभू अरूविं विउव्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? गोयमा ! अहमेयं जाणामि, अहमेयं पासामि, अहमेयं बुज्झामि, अहमेयं अभिसमन्नागच्छामि, मए एयं नायं, मए एयं दिट्ठं, मए एयं बुद्धं, मए एयं अभिसमन्नागयं–जण्णं तहागयस्स जीवस्स सरूविस्स सकम्मस्स सरागस्स सवेयस्स समोहस्स सलेसस्स ससरीरस्स ताओ सरीराओ अविप्पमुक्कस्स एवं पन्नायइ, तंजहा–कालत्ते वा जाव सुक्किलत्ते वा, सुब्भिगंधत्ते वा दुब्भिगंधत्ते वा, तित्तत्ते वा जाव महुरत्ते वा, कक्खडत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव चिट्ठित्तए ॥ सच्चेव णं भंते ! से जीवे पुव्वामेव अरूवी भवित्ता पभू रूविं विउव्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं जाव चिट्ठित्तए ? गोयमा ! अहमेयं जाणामि जाव जन्नं तहागयस्स जीवस्स अरूविस्स अकम्मस्स अरागस्स अवेयस्स अमोहस्स अलेसस्स असरीरस्स ताओ सरीराओ विप्पमुक्कस्स णो एवं पन्नायइ, तं०–कालत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेणं जाव चिट्ठित्तए वा ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५९६ ॥ **सत्तरसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

सेलेसिं पडिवन्नए णं भंते ! अणगारे सया समियं एयइ वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थेगेणं परप्पओगेणं ॥ कइविहा णं भंते ! एयणा प० ? गोयमा ! पंचविहा एयणा प०, तंजहा–दव्वेयणा खेत्तेयणा कालेयणा भवेयणा भावेयणा, दव्वेयणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! चउव्विहा प०, तंजहा–नेरइयदव्वेयणा, तिरिक्खदव्वेयणा, मणुस्सदव्वेयणा, देवदव्वेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–नेरइयदव्वेयणा २ ? गोयमा ! जन्नं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टिंसु वा वट्टंति वा वट्टिस्संति वा ते णं तत्थ नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा नेरइयदव्वेयणं एइंसु वा एयंति वा एइस्संति वा, से तेणट्ठेणं जाव दव्वेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिरिक्खजोणियदव्वेयणा २ ? एवं चेव, नवरं तिरिक्खजोणियदव्वे० भाणियव्वं, सेसं तं चेव, एवं जाव देवदव्वेयणा । खेत्तेयणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! चउव्विहा प०, तं०–नेरइयखेत्तेयणा जाव देवखेत्तेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयखेत्तेयणा २ ? एवं चेव, नवरं नेरइयखेत्तेयणा भाणियव्वा, एवं जाव देवखेत्तेयणा, एवं कालेयणावि, एवं भवेयणावि, एवं जाव देवभावेयणावि ॥ ५९७ ॥ कइविहा णं भंते ! चलणा प० ? गोयमा ! तिविहा चलणा प०, तं०–सरीरचलणा इंदियचलणा जोगचलणा, सरीरचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तं०–ओरालियसरीरचलणा जाव कम्मगसरीरचलणा, इंदियचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा—

सोइंदियचलणा जाव फासिंदियचलणा, जोगचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! तिविहा प०, तं०—मणजोगचलणा वइजोगचलणा कायजोगचलणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ओरालियसरीरचलणा २ ? गोयमा ! जं णं जीवा ओरालियसरीरे वट्टमाणा ओरालियसरीरप्पाओगाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए परिणामेमाणा ओरालियसरीरचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव ओरालियसरीरचलणा २, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ वेउव्वियसरीरचलणा २ ? एवं चेव, नवरं वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा एवं जाव कम्मगसरीरचलणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सोइंदियचलणा २ ? गोयमा ! जन्नं जीवा सोइंदिए वट्टमाणा सोइंदियप्पाओगाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए परिणामेमाणा सोइंदियचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव सोइंदियचलणा २, एवं जाव फासिंदियचलणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ मणजोगचलणा २ ? गोयमा ! जण्णं जीवा मणजोए वट्टमाणा मणजोगप्पाओगाइं दव्वाइं मणजोगत्ताए परिणामेमाणा मणजोगचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव मणजोगचलणा २, एवं वइजोगचलणावि, एवं कायजोगचलणावि ॥ ५९८ ॥ अह भंते ! संवेगे निव्वे(गे)ए गुरुसाहम्मियसुस्सूसणया आलोयणया निंदणया गरहणया खमावणया सुयसहायया विउसमणया भावे अप्पडिबद्धया विणिवट्टणया विवित्तसयणासणसेवणया सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे जोगपच्चक्खाणे सरीरपच्चक्खाणे कसायपच्चक्खाणे संभोगपच्चक्खाणे उवहिपच्चक्खाणे भत्तपच्चक्खाणे खमा विरागया भावसच्चे जोगसच्चे करणसच्चे मणसमण्णाहरणया वइसमन्नाहरणया कायसमन्नाहरणया कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे णाणसंपन्नया दंसणसंपन्नया चरित्तसंपन्नया वेयणअहियासणया मारणंतियअहियासणया एए णं भन्ते ! पया किंपज्जवसाणफला पण्णत्ता ? समणाउसो ! गोयमा ! संवेगे निव्वेए जाव मारणंतियअहियासणया एए णं सिद्धिपज्जवसाणफला प० समणाउसो ! ॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५९९ ॥ **सत्तरसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे जाव एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि, सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? गोयमा ! पुट्ठा कज्जइ नो अपुट्ठा कज्जइ, एवं जहा पढमसए छट्ठुद्देसए जाव नो अणाणुपुव्विकडत्ति वत्तव्वं सिया, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं जीवाणं एगिंदियाण य निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं सेसाणं नियमं छद्दिसिं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं मुसा-

वाएणं किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि, सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? जहा पाणाइवाएणं दंडओ एवं मुसावाएणवि, एवं अदिन्नादाणेणवि मेहुणेणवि परिग्गहेणवि, एवं एए पंच दंडगा ५। जंसमयन्नं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? एवं तहेव जाव वत्तव्वं सिया जाव वेमाणियाणं, एवं जाव परिग्गहेणं, एवं एएवि पंच दंडगा १०। जदेसेणं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ एवं चेव जाव परिग्गहेणं, एवं एएवि पंच दंडगा १५। जंपएसन्नं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ एवं तहेव दण्डओ, एवं जाव परिग्गहेणं २०, एवं एए वीसं दंडगा ॥ ६०० ॥ जीवाणं भंते ! किं अत्तकडे दुक्खे, परकडे दुक्खे, तदुभयकडे दुक्खे ? गोयमा ! अत्तकडे दुक्खे, नो परकडे दुक्खे, नो तदुभयकडे दुक्खे, एवं जाव वेमाणियाणं, जीवा णं भंते ! किं अत्तकडं दुक्खं वेदेंति, परकडं दुक्खं वेदेंति, तदुभयकडं दुक्खं वेदेंति ? गोयमा ! अत्तकडं दुक्खं वेदेंति, नो परकडं दुक्खं वेदेंति, नो तदुभयकडं दुक्खं वेदेंति, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवाणं भंते ! किं अत्तकडा वेयणा, परकडा वेयणा, तदुभयकडा वेयणा ? गोयमा ! अत्तकडा वेयणा, णो परकडा वेयणा, णो तदुभयकडा वेयणा, एवं जाव वेमाणियाणं, जीवा णं भंते ! किं अत्तकडं वेयणं वेदेंति, परकडं वेयणं वेदेंति, तदुभयकडं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! जीवा अत्तकडं वेयणं वेदेंति, नो परकडं वेयणं वेदेंति, नो तदुभयकडं वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणियाणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६०१ ॥ **सत्तरसमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

कहि णं भंते ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो सभा सुहम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरिय जहा ठाणपए जाव मज्झे ईसाणवडिसए महाविमाणे से णं ईसाणवडिसए महाविमाणे अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं० एवं जहा दसमसए सक्कविमाणवत्तव्वया सा इहवि ईसाणस्स निरवसेसा भाणियव्वा जाव आयरक्खत्ति, ठिई साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, सेसं तं चेव जाव ईसाणे देविंदे देवराया २, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥६०२॥ **सत्तरसमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से भंते ! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं वा उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं जाव पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा ! पुढविकाइयाणं तओ समुग्घाया प०, तं०-

वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणमाणे देसेणं वा समोहणइ सव्वेण वा समोहणइ, देसेणं समोहणमाणे पुव्विं संपाउणित्ता पच्छा उववज्जिज्जा, सव्वेणं समोहणमाणे पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा। पुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव समोहए २ त्ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढवि० एवं चेव ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुयगेविज्जविमाणे, अणुत्तरविमाणे ईसिप्पब्भाराए य एवं चेव। पुढविकाइए णं भंते! सक्करप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढवि० एवं जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ उववाइओ एवं सक्करप्पभाएवि पुढविकाइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहेसत्तमाए समोहए ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। सेवं भंते! २ त्ति (१७-६) ॥६०३॥ पुढविकाइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! किं पुव्विं सेसं तं चेव जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए ताव उववाइओ एवं सोहम्मपुढविकाइओवि सत्तसुवि पुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहेसत्तमाए, एवं जहा सोहम्मपुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भारापुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहेसत्तमाए, सेवं भंते! २ त्ति (१७-७) ॥६०४॥ आउकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा पुढविकाइओ तहा आउकाइओवि सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए तहेव उववाएयव्वो, एवं जहा रयणप्पभाआउकाइओ उववाइओ तहा जाव अहेसत्तमापुढविआउकाइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए, सेवं भंते! २ त्ति (१७-८) ॥६०५॥ आउकाइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिवलएसु आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! सेसं तं चेव एवं जाव अहेसत्तमाए जहा सोहम्मआउकाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराआउकाइओ जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, सेवं भंते! २ त्ति (१७-९) ॥६०६॥ वाउकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं जहा पुढविकाइओ तहा वाउकाइओवि नवरं वाउकाइयाणं चत्तारि समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणमाणे देसेण वा समो० सेसं तं चेव जाव अहेसत्तमाए समोहओ ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो, सेवं भंते! २ त्ति (१७-१०) ॥ ६०७ ॥ वाउकाइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए २ त्ता जे

भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए तणुवाए घणवायवलएसु तणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! सेसं तं चेव एवं जहा सोहम्मकप्पवाउकाइओ सत्तसुवि पुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराए वाउक्काइओ अहे सत्तमाए जाव उववाएयव्वो, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-११) ॥ ६०८ ॥ एगिंदिया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे (समसरीरा) समुस्सासणीसासा एवं जहा पढमसए बिइयउद्देसए पुढविक्काइयाणं वत्तव्वया भणिया सा चेव एगिंदियाणं इह भाणियव्वा जाव समाउया समोववन्नगा। एगिंदियाणं भंते ! कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा। एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्साणं जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदियाणं तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणंतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया। एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्सा इड्ढी जहेव दीवकुमाराणं, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१२) ॥ ६०९ ॥ नागकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव इड्ढीति, सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ (१७-१३) ॥ ६१० ॥ सुवन्नकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१४) ॥ ६११ ॥ विज्जुकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१५) ॥ ६१२ ॥ वाउकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१६) ॥ ६१३ ॥ अग्गिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥६१४॥ **सत्तरसमस्स सयस्स सत्तरसमो उद्देसो समत्तो ॥ सत्तरसमं सयं समत्तं ॥**

पढमे १ विसाह २ मायंदिए य ३ पाणाइवाय ४ असुरे य ५। गुल ६ केवलि ७ अणगारे ८ भविए ९ तह सोमिलऽट्ठारसे १० ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! जीवभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एवं नेरइए जाव वेमाणिए । सिद्धे णं भंते ! सिद्धभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! पढमे नो अपढमे, जीवा णं भंते ! जीवभावेणं किं पढमा अपढमा ? गोयमा ! नो पढमा अपढमा, एवं जाव वेमाणियाणं १ ॥ सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा ! पढमा नो अपढमा ॥ आहारए णं भंते ! जीवे आहारभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएवि एवं चेव । अणाहारए णं भंते ! जीवे अणाहारभावेणं पुच्छा, गोयमा ! सिय पढमे सिय अपढमे । नेरइए णं भंते ! एवं नेरइए जाव वेमाणिए नो पढमे अपढमे, सिद्धे पढमे नो अपढमे । अणाहारगा णं भंते ! जीवा अणाहारभावेणं

पुच्छा, गोयमा ! पढमावि अपढमावि, नेरइया जाव वेमाणिया णो पढमा अपढमा, सिद्धा पढमा नो अपढमा, एक्केक्के पुच्छा भाणियव्वा २ ॥ भवसिद्धिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, एवं अभवसिद्धिएवि, नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिए णं भंते ! जीवे नोभव० पुच्छा, गोयमा ! पढमे नो अपढमे, णोभवसिद्धिय नोअभवसिद्धिया णं भंते ! सिद्धा नोभ० अभव०, एवं चेव पुहुत्तेणवि दोण्हवि ॥ सन्नी णं भंते ! जीवे सण्णिभावेणं किं पढमे पुच्छा, गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि ३ ॥ असन्नी एवं चेव एगत्तपुहुत्तेणं नवरं जाव वाणमंतरा, नोसन्नीनोअसन्नी जीवे मणुस्से सिद्धे पढमे नो अपढमे, एवं पुहुत्तेणवि ४ ॥ सलेस्से णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जहा आहारए एवं पुहुत्तेणवि, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा एवं चेव नवरं जस्स जा लेस्सा अत्थि । अलेस्से णं जीवमणुस्ससिद्धे जहा नोसन्नीनोअसन्नी ५ ॥ सम्मद्दिट्ठिए णं भंते ! जीवे सम्मद्दिट्ठिभावेणं किं पढमे पुच्छा, गोयमा ! सिय पढमे सिय अपढमे, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, सिद्धे पढमे नो अपढमे, पुहुत्तिया जीवा पढमावि अपढमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा पढमा नो अपढमा, मिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारगा, सम्मामिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, नवरं जस्स अत्थि सम्मामिच्छत्तं ६ ॥ संजए जीवे मणुस्से य एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, असंजए जहा आहारए, संजयासंजए जीवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सा एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, नोसंजएनोअसंजएनोसंजयासंजए जीवे सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमे नो अपढमे ७ ॥ सकसाई कोहकसाई जाव लोभकसाई एए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, अकसाई जीवे सिय पढमे सिय अपढमे, एवं मणुस्सेवि, सिद्धे पढमे नो अपढमे, पुहुत्तेणं जीवा मणुस्सा पढमावि अपढमावि, सिद्धा पढमा नो अपढमा ८ ॥ णाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी एगत्तपुहुत्तेणं एवं चेव, नवरं जस्स जं अत्थि, केवलनाणी जीवे मणुस्से सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमा नो अपढमा । अन्नाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए ९ ॥ सजोगी मणजोगी वइजोगी कायजोगी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, नवरं जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी जीवमणुस्ससिद्धा एगत्तपुहुत्तेणं पढमा नो अपढमा १० ॥ सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता एगत्तपुहुत्तेणं जहा अणाहारए ११ ॥ सवेदगो जाव नपुंसगवेदगो एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए नवरं जस्स जो वेदो अत्थि, अवेदओ एगत्तपुहुत्तेणं तिसुवि पएसु जहा अकसाई १२ ॥ ससरीरी जहा आहारए, एवं जाव कम्मगसरीरी जस्स जं अत्थि

सरीरं, नवरं आहारगसरीरी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, असरीरी जीवो सिद्धो एगत्तपुहुत्तेणं पढमो नो अपढमो १३ ॥ पंचहिं पज्जत्तीहि पंचहिं अपज्जत्तीहिं एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए, नवरं जस्स जा अत्थि जाव वेमाणिया नो पढमा अपढमा १४ ॥ इमा लक्खणगाहा—जो जेण पत्तपुव्वो भावो सो तेण अपढमो होइ। सेसेसु होइ पढमो अपत्तपुव्वेसु भावेसु ॥ १ ॥ जीवे णं भंते! जीवभावेणं किं चरिमे अचरिमे? गोयमा! नो चरिमे अचरिमे । नेरइए णं भंते! नेरइयभावेणं पुच्छा, गोयमा! सिय चरिमे सिय अचरिमे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे। जीवाणं पुच्छा, गोयमा! जीवा नो चरिमा अचरिमा, नेरइया चरिमावि अचरिमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा १॥ आहारए सव्वत्थ एगत्तेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि, अणाहारओ जीवो सिद्धो य एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि नो चरिमो अचरिमो, सेसट्ठाणेसु एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारओ २ ॥ भवसिद्धीओ जीवपए एगत्तपुहुत्तेणं चरिमे नो अचरिमे, सेसट्ठाणेसु जहा आहारओ । अभवसिद्धीओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं नो चरिमे अचरिमे, नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीय जीवा सिद्धा य एगत्तपुहुत्तेणं जहा अभवसिद्धीओ ३ ॥ सन्नी जहा आहारओ, एवं असन्नीवि, नोसन्नीनोअसन्नी जीवपए सिद्धपए य अचरिमो, मणुस्सपए चरिमो एगत्तपुहुत्तेणं ४॥ सलेस्सो जाव सुक्कलेस्सो जहा आहारओ नवरं जस्स जा अत्थि, अलेस्सो जहा नोसन्नीनोअसन्नी ५ ॥ सम्मद्दिट्ठी जहा अणाहारओ, मिच्छादिट्ठी जहा आहारओ, सम्मामिच्छादिट्ठी एगिंदियविगलिंदियवज्जं सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि ६ ॥ संजओ जीवो मणुस्सो य जहा आहारओ, असंजओवि तहेव, संजयासंजओवि तहेव, नवरं जस्स जं अत्थि, नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजय जहा नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीओ ७ ॥ सकसाई जाव लोभकसाई सव्वट्ठाणेसु जहा आहारओ, अकसाई जीवपए सिद्धपए य नो चरिमो अचरिमो, मणुस्सपए सिय चरिमो सिय अचरिमो ८॥ णाणी जहा सम्मद्दिट्ठी सव्वत्थ आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी जहा आहारओ नवरं जस्स जं अत्थि, केवलनाणी जहा नोसन्नीनोअसन्नी, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा आहारओ ९ ॥ सजोगी जाव कायजोगी जहा आहारओ जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी, जहा नोसन्नीनोअसन्नी १० ॥ सागारोवउत्तो अणागारोवउत्तो य जहा अणाहारओ ११ ॥ सवेदओ जाव नपुंसगवेदओ जहा आहारओ, अवेदओ जहा अकसाई १२ ॥ ससरीरी जाव कम्मगसरीरी जहा आहारओ नवर जस्स जं अत्थि, असरीरी जहा नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीय १३ ॥ पचहि पजत्तीहि पंचहि

अपज्जत्तीहिं जहा आहारओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं दंडगा भाणियव्वा १४ ॥ इमा लक्खणगाहा—जो जं पाविहिइ पुणो भावं सो तेण अचरिमो होइ। अच्चंतवियोगो जस्स जेण भावेण सो चरिमो ॥ १ ॥ सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६१५ ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं विसाहा नामं नगरी होत्था वन्नओ, बहुपुत्तिए उज्जाणे वन्नओ, सामी समोसढे जाव पज्जुवासइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे एवं जहा सोलसमसए बिइयउद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ नवरं एत्थ आभिओगा(वि)इ अत्थि जाव बत्तीसइविहं नट्टविहिं उवदंसेइ २ त्ता जाव पडिगए। भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी-जहा तइयसए ईसाणस्स तहेव कूडागारसालादिट्ठंतो तहेव पुव्वभवपुच्छा जाव अभिसमन्नागया? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, सहसंबवणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे कत्तिए नामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए णेगमपढमासणिए णेगमट्ठसहस्सस्स बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य कोडुंबेसु य एवं जहा रायप्पसेणइज्जे चित्ते जाव चक्खुभूए णेगमट्ठसहस्सस्स स(सी)यस्स य कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव कारेमाणे पालेमाणे य समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जहा सोलसमसए तहेव जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं से कत्तिए सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ० एवं जहा एक्कारसमसए सुदंसणे तहेव निग्गओ जाव पज्जुवासइ, तए णं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियस्स सेट्ठिस्स धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए णं से कत्तिए सेट्ठी मुणिसुव्वयस्स जाव निसम्म हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता मुणिसुव्वयं जाव एवं वयासी-एवमेयं भंते! जाव से जहेयं तुज्झे वदह, जं नवरं देवाणुप्पिया! नेगमट्ठसहस्सं आपुच्छामि जेट्ठपुत्तं च कुडुंबे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं पव्वयामि, अहासुहं जाव मा पडिबंधं, तए णं से कत्तिए सेट्ठी जाव पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव सए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता णेगमट्ठसहस्सं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मए मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मे निसन्ते सेविय मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं अहं देवाणुप्पिया! संसारभयउव्विग्गे जाव पव्वयामि, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया! किं करेह किं ववसह कि मे हियइच्छिए किं मे सामत्थे?, तए णं

तं णेगमट्ठसहस्संपि तं कत्तियं सेट्ठिं एवं वयासी-जइ णं देवाणुप्पिया ! संसारभय-उव्विग्गा भीया जाव पव्वइस्संति अम्हं देवाणुप्पिया ! किं अन्ने आलंवणे वा आहारे वा पडिवंधे वा ? अम्हेवि णं देवाणुप्पिया ! संसारभयउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पिएहिं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं मुं(डे)डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वयामो, तए णं से कत्तिए सेट्ठी तं नेगमट्ठसहस्सं एवं वयासी-जइ णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं मए सद्धिं मुणिसुव्वय जाव पव्वयह तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सएसु २ गिहेसु विउलं असणं जाव उवक्खडावेह मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुंवे ठावेह जेट्ठ० २ त्ता तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते आपुच्छह २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहह पु० २ त्ता मित्तनाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेणं अकालपरिहीणं चेव ममं अंतियं पाउब्भवह, तए णं ते नेगमट्ठसहस्संपि कत्तियस्स सेट्ठिस्स एय-मट्ठं विणएणं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव साइं साइं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता विपुलं असणं जाव उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तणाइ जाव तस्सेव मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुंवे ठावेंति जेट्ठपुत्ते० २ त्ता तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते य आपुच्छंति जेट्ठ० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहंति २ त्ता मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेणं अकाल-परिहीणं चेव कत्तियस्स सेट्ठिस्स अंतियं पाउब्भवंति, तए णं से कत्तिए सेट्ठी विपुलं असणं ४ जहा गंगदत्तो जाव मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेणं णेगमट्ठसहस्सेण य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्ढीए जाव रवेणं हत्थिणापुरं नयरं मज्झंमज्झेणं जहा गंगदत्तो जाव आलित्ते णं भंते ! लोए पलित्ते णं भंते ! लोए आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जाव आणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि णं भंते ! णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं जाव धम्ममाइक्खियं, तए णं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियं सेट्ठिं णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममाइक्खइ, एवं देवाणु-प्पिया ! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं जाव संजमियव्वं, तए णं से कत्तिए सेट्ठी नेगमट्ठसह-स्सेणं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ, तमाणाए तहा गच्छइ जाव संजमेइ, तए णं से कत्तिए सेट्ठी णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं अणगारे जाए इरियासमिए जाव गुत्तवंभयारी, तए णं से कत्तिए अणगारे मुणि-सुव्वयस्स अरहओ तहारूवाणं थेराणं अंतियं सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ सा० २ त्ता वहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे वहुपडिपुन्नाइं दुवालसवासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेइ

मा० २ त्ता सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदेइ स० २ त्ता आलोइयपडिक्कंते जाव कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव सक्के देविंदत्ताए उववन्ने, तए णं से सक्के देविंदे देवराया अहुणोववण्णे सेसं जहा गंगदत्तस्स जाव अंतं काहिइ, नवरं ठिई दो सागरोवमाइं प० सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६१६ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव अंतेवासी मागंदियपुत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जहा मंडियपुत्ते जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-से नूणं भंते ! काउलेस्से पुढविकाइए काउलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुसं विग्गहं लभइ मा० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ के० २ त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता मागंदियपुत्ता ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ । से नूणं भंते ! काउलेस्से आउकाइए काउलेस्सेहिंतो आउकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुसं विग्गहं लभइ मा० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता मागंदियपुत्ता ! जाव अंतं करेइ । से नूणं भंते ! काउलेस्से वणस्सइकाइए एवं चेव जाव अंतं करेइ, सेवं भंते ! २ त्ति मागंदियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं जाव नमंसित्ता जेणेव समणे निग्गंथे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणे निग्गंथे एवं वयासी-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए तहेव जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइए जाव अंतं करेइ, तए णं ते समणा निग्गंथा मा(कं)गंदियपुत्तस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति ३ एयमट्ठं असद्दहमाणा ३ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते ! मागंदियपुत्ते अणगारे अम्हं एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु० वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ, से कहमेयं भंते ! एवं ? अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी-जण्णं अज्जो ! मागंदियपुत्ते अणगारे तुज्झे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढवीकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ, सच्चे णं एसमट्ठे, अहंपि णं अज्जो ! एवमाइक्खामि ४-एवं खलु

अज्जो ! कण्हलेस्से पुढविकाइए कण्हलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! नीललेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं काउलेस्सेवि जहा पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं आउकाइएवि, एवं वणस्सइकाइएवि, सच्चे णं एसमट्ठे ॥ सेवं भंते ! २ त्ति समणा निग्गंथा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जेणेव मागंदियपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मागंदियपुत्तं अणगारं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति ॥६१७॥ तए णं से मागंदियपुत्ते अणगारे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो सव्वं कम्मं वेदेमाणस्स सव्वं कम्मं निज्जरेमाणस्स सव्वं मारं मरमाणस्स सव्वं सरीरं विप्पजहमाणस्स चरिमं कम्मं वेदेमाणस्स चरिमं कम्मं निज्जरेमाणस्स चरिमं मार मरमाणस्स चरिमं सरीरं विप्पजहमाणस्स मारणंतियं कम्मं वेदेमाणस्स मारणंतियं कम्मं निज्जरेमाणस्स मारणंतियं मारं मरमाणस्स मारणंतियं सरीरं विप्पजहमाणस्स जे चरिमा निज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला प०, समणाउसो ! सव्वं लोगंपिणं ते उग्गाहित्ताणं चिट्ठंति ? हंता मागंदियपुत्ता ! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव ओगाहित्ताणं चिट्ठंति, छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से तेसिं निज्जरापोग्गलाणं किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा एवं जहा इंदियउद्देसए पढमे जाव वेमाणिया जाव तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति पासंति आहारेंति, से तेणट्ठेणं निक्खेवो भाणियव्वोत्ति न पासंति आहारेंति, नेरइया णं भंते ! निज्जरापोग्गला न जाणंति न पासंति आहारेंति, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, मणुस्सा णं भंते ! निज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेंति उदाहु न जाणंति न पासंति न आहारेंति ? गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति ३ अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेंति, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति ? गोयमा ! मणुस्सा दुविहा प०, तंजहा–सन्निभूया य असन्निभूया य, तत्थ णं जे ते असन्निभूया ते न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते सन्निभूया ते दुविहा प०, तं०–उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति ३, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया न जाणंति २ आहारेंति, अत्थेगइया जाणंति ३, वाणमंतरजोइसिया जहा नेरइया । वेमाणिया णं भंते ! ते निज्जरापोग्गले किं जाणंति ६ ? गोयमा ! जहा मणुस्सा नवरं वेमाणिया दुविहा प०, तं०–माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा य अमा-

इसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे ते माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा ते दुविहा प०, तं०-अणंतरोववन्नगा य परंपरोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते अणंतरोववन्नगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते परंपरोववन्नगा ते दुविहा प०, तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा प०, तं०-उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं न जाणंति २ आहारेंति ॥६१८॥ कइविहे णं भन्ते! बंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे बंधे प०, तं०-दव्वबंधे य भावबंधे य, दव्वबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-पओगबंधे य वीससाबंधे य, वीससाबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-साईयवीससाबंधे य अणाईयवीससाबंधे य, पओगबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-सिढिलबंधणबन्धे य धणियबंधणबन्धे य, भावबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, नेरइयाणं भंते! कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं, नाणावरणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, नेरइयाणं भंते! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं, जहा नाणावरणिज्जेणं दंडओ भणिओ एवं जाव अंतराइएणं भाणियव्वो ॥ ६१९ ॥ जीवाणं भंते! पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स केइ णाणत्ते ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवाणं पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स णाणत्ते ? मागंदियपुत्ता! से जहानामए-केइ पुरिसे धणुं परामुसइ २ त्ता उसुं परामुसइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता आययकन्नाययं उसुं करेइ आ० २ त्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ से नूणं मागंदियपुत्ता! तस्स उसुस्स उड्ढं वेहासं उव्वीढस्स समाणस्स एयइवि णाणत्तं जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं ? हंता भगवं! एयइवि णाणत्तं जाव परिणमइवि णाणत्तं, से तेणट्ठेणं मागंदियपुत्ता! एवं वुच्चइ जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं, नेरइयाणं भंते! पावे कम्मे जे य कडे एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ६२० ॥ नेरइया णं भंते! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति तेसि णं भंते! पोग्गलाणं सेयकालंसि कइभागं आहारेंति, कइभागं निज्जरेंति ?

मागंदियपुत्ता! असंखेज्जइभागं आहारेंति अणंतभागं निज्जरेंति, चक्किया णं भंते! केइ तेसु निज्जरापोग्गलेसु आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा? णो इणट्ठे समट्ठे, अणाहरणमेयं वुइयं समणाउसो! एवं जाव वेमाणियाणं । सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ६२१ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव भगवं गोयमे एवं वयासी-अह भंते! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे मुसावाय० जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणे, पुढविक्काइए जाव वणस्सइकाइए, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवे असरीरपडिबद्धे परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति? गोयमा! पाणाइवाए जाव एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य अत्थेगइया जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, अत्थेगइया जीवाणं जाव नो हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ पाणाइवाए जाव नो हव्वमागच्छंति? गोयमा! पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पुढविकाइए जाव वणस्सइकाइए, सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए नो हव्वमागच्छन्ति, से तेणट्ठेणं जाव नो हव्वमागच्छंति ॥ ६२२ ॥ कइ णं भंते! कसाया पन्नत्ता? गोयमा! चत्तारि कसाया प०, तं०-कसायपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव निज्जरिस्संति लोभेणं ॥ कइ णं भंते! जुम्मा पन्नत्ता? गोयमा! चत्तारि जुम्मा पन्नत्ता, तं०-कडजुम्मे तेओगे दावरजुम्मे कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव कलिओगे? गोयमा! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं कडजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए सेत्तं तेओगे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे (२) दुपज्जवसिए सेत्तं दावरजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं कलिओगे, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव कलिओगे ॥ नेरइया णं भंते! किं कडजुम्मा तेओगा दावरजुम्मा कलिओगा? गोयमा! जहन्नपए कडजुम्मा, उक्कोसपए तेओगा, अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एवं जाव थणियकुमारा। वणस्सइकाइयाणं पुच्छा, गोयमा! जहन्नपए अपया उक्कोसपए य अपया अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा। बेइंदि-

याणं पुच्छा, गोयमा! जहन्नपए कडजुम्मा, उक्कोसपए दावरजुम्मा, अजहन्नमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एवं जाव चउरिंदिया, सेसा एगिंदिया जहा बेइंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया, सिद्धा जहा वणस्सइकाइया। इत्थीओ णं भंते! किं कडजुम्माओ० पुच्छा, गोयमा! जहन्नपए कडजुम्माओ, उक्कोसपए कडजुम्माओ, अजहन्नमणुक्कोसपए सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ, एवं असुरकुमारइत्थीओवि जाव थणियकुमारइत्थीओवि, एवं तिरिक्खजोणियइत्थीओवि, एवं मणुस्सइत्थीओवि, एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणियदेवइत्थीओवि ॥ ६२३ ॥ जावइयाणं भंते! वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा? हंता गोयमा! जावइया वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६२४ ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

दो भंते! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववन्ना, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे पासादीए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे, एगे असुरकुमारे देवे से णं नो पासादीए नो दरिसणिज्जे नो अभिरूवे नो पडिरूवे, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, तं०-वेउव्वियसरीरा य अवेउव्वियसरीरा य, तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं पासादीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से अवेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं नो पासादीए जाव नो पडिरूवे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे तं चेव जाव णो पडिरूवे? गोयमा! से जहानामए-इहं मणुस्सलोगंसि दुवे पुरिसा भवंति, एगे पुरिसे अलंकियविभूसिए, एगे पुरिसे अणलंकियविभूसिए, एएसि णं गोयमा! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे पासादीए जाव पडिरूवे, कयरे पुरिसे नो पासादीए जाव नो पडिरूवे, जे वा से पुरिसे अलंकियविभूसिए जे वा से पुरिसे अणलंकियविभूसिए? भगवं! तत्थ जे से पुरिसे अलंकियविभूसिए से णं पुरिसे पासादीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से पुरिसे अणलंकियविभूसिए से णं पुरिसे नो पासादीए जाव नो पडिरूवे, से तेणट्ठेणं जाव नो पडिरूवे। दो भंते! नागकुमारा देवा एगंसि नागकुमारावासंसि एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ ६२५ ॥ दो भंते! नेरइया एगंसि नेरइयावासंसि नेरइयत्ताए उववन्ना, तत्थ णं एगे नेरइए महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, एगे नेरइए अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! नेरइया दुविहा प०, तं०-माइमिच्छादिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मदिट्ठि-

उववन्नगा य, तत्थ णं जे से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए नेरइए से णं महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, तत्थ णं जे से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए नेरइए से णं अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, दो भंते! असुरकुमारा एवं चेव, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिया ॥ ६२६ ॥ नेरइ(या)ए णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! कयरं आउयं पडिसंवेदेइ? गोयमा! नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं मणुस्सेवि, नवरं मणुस्साउए से पुरओ कडे चिट्ठइ। असुरकुमारा णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा! असुरकुमाराउयं पडिसंवेदेइ, पुढविकाइयाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं जो जहिं भविओ उववज्जित्तए तस्स तं पुरओ कडं चिट्ठइ, जत्थ ठिओ तं पडिसंवेदेइ जाव वेमाणिए, नवरं पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जइ पुढविकाइयाउयं पडिसंवेदेइ, अन्ने य से पुढविकाइयाउए पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं जाव मणुस्सो सट्ठाणे उववाएयव्वो परट्ठाणे तहेव ॥ ६२७ ॥ दो भंते! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववन्ना, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सामित्ति उज्जुयं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामित्ति वंकं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ तं तहा विउव्वइ, एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सामित्ति वंकं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामित्ति उज्जुयं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ णो तं तहा विउव्वइ, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, तं०-माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए असुरकुमारे देवे से णं उज्जुयं विउव्विस्सामित्ति वंकं विउव्वइ जाव णो तं तहा विउव्वइ, तत्थ णं जे से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए असुरकुमारे देवे से णं उज्जुयं विउव्विस्सामीति उज्जुयं विउव्वइ जाव तं तहा विउव्वइ। दो भंते! नागकुमारा एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६२८ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो** ॥

फाणियगुले णं भंते! कइवन्ने कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते? गोयमा! एत्थ णं दो नया भवंति, तं०-निच्छइयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स गोड्डे फाणियगुले, नेच्छइयनयस्स पंचवन्ने दुगंधे पंचरसे अट्ठफासे प०। भमरे णं भंते! कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा! एत्थ णं दो नया भवंति, तं०-निच्छइयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स कालए भमरे, नेच्छइयनयस्स पंचवन्ने जाव अट्ठफासे प०। सुयपिच्छे णं भंते! कइवन्ने० प०? एवं चेव, नवरं वावहारियनयस्स

नीलए सुयपिच्छे, नेच्छइयनयस्स पंचवण्णे सेसं तं चेव, एवं एएणं अभिलावेणं लोहि(ति)या मंजिट्ठिया, पीतिया हालिद्दा, सुक्किलए संखे, सुब्भिगंधे कोट्ठे, दुब्भिगंधे मियगसरीरे, तित्ते निंबे, कडुया सुंठी, कसाए कविट्ठे, अंबा अंबिलिया, महुरे खंडे, कक्खडे वइरे, मउए नवणीए, गुरुए अए, लहुए उलुयपत्ते, सीए हिमे, उसिणे अगणिकाए, णिद्धे तेल्ले। छारिया णं भंते! पुच्छा, गोयमा! एत्थ णं दो नया भवंति, तं०-निच्छइयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स लुक्खा छारिया, नेच्छइयनयस्स पंचवन्ना जाव अट्ठफासा प० ॥ ६२९ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! कइवन्ने जाव कइफासे पन्नत्ते? गोयमा! एगवन्ने एगगंधे एगरसे दुफासे पन्नत्ते ॥ दुपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने सिय दुवन्ने, सिय एगगंधे सिय दुगंधे, सिय एगरसे सिय दुरसे, सिय दुफासे सिय तिफासे सिय चउफासे पन्नत्ते, एवं तिपएसिएवि, नवरं सिय एगवन्ने सिय दुवन्ने सिय तिवन्ने, एवं रसेसुवि, सेसं जहा दुपएसियस्स, एवं चउप्पएसिएवि, नवरं सिय एगवन्ने जाव सिय चउवन्ने, एवं रसेसुवि, सेसं तं चेव, एवं पंचपएसिएवि, नवरं सिय एगवन्ने जाव सिय पंचवन्ने, एवं रसेसुवि, गंधफासा तहेव, जहा पंचपएसिओ एवं जाव असंखेज्जपएसिओ ॥ सुहुमपरिणए णं भंते! अणंतपएसिए खंधे कइवन्ने०? जहा पंचपएसिए तहेव निरवसेसं, बायरपरिणए णं भंते! अणंतपएसिए खंधे कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जाव सिय पंचवन्ने, सिय एगगंधे सिय दुगंधे, सिय एगरसे जाव सिय पंचरसे, सिय चउफासे जाव सिय अट्ठफासे प० ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ६३० ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-अन्नउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति-एवं खलु केवली जक्खाएसेणं आइस्सइ, एवं खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०-मोसं वा सच्चामोसं वा, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! जण्णं ते अन्नउत्थिया जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि ४-नो खलु केवली जक्खाएसेणं आइस्सइ, नो खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०-मोसं वा सच्चामोसं वा, केवली णं असावज्जाओ अपरोवघाइयाओ आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०-सच्चं वा असच्चामोसं वा ॥ ६३१ ॥ कइविहे णं भंते! उवही पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे उवही प०, तं०-कम्मोवही, सरीरोवही, बाहिरभंडमत्तोवगरणोवही, नेरइयाणं भंते! पुच्छा, गोयमा! दुविहे उवही प०, तं०-कम्मोवही य सरीरोवही य, सेसाणं तिविहे उवही एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं, एगिंदियाणं

दुविहे उवही प०, तंजहा-कम्मोवही य सरीरोवही य, कइविहे णं भंते! उवही प०? गोयमा! तिविहे उवही प०, तंजहा-सचित्ते, अचित्ते, मीसए, एवं नेरइयाणवि, एवं निरवसे(सा)सं जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते! परिग्गहे प०? गोयमा! तिविहे परिग्गहे प०, तं०-कम्मपरिग्गहे, सरीरपरिग्गहे, बाहिरभंडमत्तोवगरण-परिग्गहे, नेरइयाणं भंते! एवं जहा उवहिणा दो दंडगा भणिया तहेव परिग्गहेणवि दो दंडगा भाणियव्वा, कइविहे णं भंते! पणिहाणे प०? गोयमा! तिविहे पणिहाणे प०,तं०-मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, नेरइयाणं भंते! कइविहे पणिहाणे प०? एवं चेव, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा! एगे कायपणिहाणे प०, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा! दुविहे पणिहाणे प०, तं०-वइपणिहाणे य कायपणिहाणे य, एवं जाव चउरिंदियाणं, सेसाणं तिविहेवि जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते! दुप्पणिहाणे प०? गोयमा! तिविहे दुप्पणिहाणे प०, तं०-मणदुप्पणिहाणे, वइदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, जहेव पणिहाणेणं दंडगो भणिओ तहेव दुप्पणिहाणेणवि भाणियव्वो। कइविहे णं भंते! सुप्पणिहाणे प०? गोयमा! तिविहे सुप्पणिहाणे प०, तंजहा-मणसुप्प-णिहाणे, वइसुप्पणिहाणे, कायसुप्पणिहाणे, मणुस्साणं भंते! कइविहे सुप्पणिहाणे प०? एवं चेव जाव वेमाणियाणं, सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ॥ ६३२॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ जाव पुढविसिला-पट्टओ, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते बहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तं०-कालोदाई सेलोदाई एवं जहा सत्तमसए अन्नउत्थिउद्देसए जाव से कहमेयं मन्ने एवं? तत्थ णं रायगिहे नयरे मद्दुए नामं समणोवासए परिवसइ, अड्ढे जाव अपरि-भूए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासइ, तए णं म(द्दु)-द्दुए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए ण्हाए जाव सरीरे सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ स० २ त्ता पायविहारचारेणं रायगिहं नयरं जाव निग्गच्छइ २ त्ता तेसिं अन्नउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तए णं ते अन्नउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासंति २ त्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमा कहा अविउप्पकडा इमं च णं मद्दुए समणोवासए अम्हं अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तं सेयं खलु देवाणु-प्पिया! अम्हं मद्दुयं समणोवासगं एयमट्ठं पुच्छित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतियं

एयमट्ठं पडिसुणेंति अन्नमन्नस्स० २ त्ता जेणेव मद्दुए समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मद्दुयं समणोवासगं एवं वयासी-एवं खलु मद्दु(मंडु)या ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेइ जहा सत्तमे सए अन्नउत्थिय-उद्देसए जाव से कहमेयं मद्दुया ! एवं ?, तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-जइ कज्जं कज्जइ जाणामो पासामो, अह कज्जं न कज्जइ न जाणामो न पासामो, तए णं ते अन्नउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी-केस णं तुमं मद्दुया ! समणोवासगाणं भवसि, जे णं तुमं एयमट्ठं न जाणसि न पाससि ?, तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एवं वयासी—अत्थि णं आउसो ! वाउयाए वाइ ? हंता मद्दुया ! वाइ, तु(ज्झे)ब्भे णं आउसो ! वाउयायस्स वायमाणस्स रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! घाणसहगया पोग्गला ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! घाणसहगयाणं पोग्गलाणं रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! अरणिसहगए अगणिकाए ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! अरणिसहगयस्स अगणिकायस्स रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! देवलोगगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! देवलोगगयाइं रूवाइं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवामेव आउसो ! अहं वा तुब्भे वा अन्नो वा छउमत्थो जइ जो जं न जाणइ न पासइ तं सव्वं न भवइ एवं भे सुबहुए लोए ण भविस्सतीतिकट्टु ते अन्नउत्थिए एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभि० जाव पज्जुवासइ। मद्दुयादि ! समणे भगवं महावीरे मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी-सुट्ठु णं मद्दुया ! तुमं ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं मद्दुया ! तुमं ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, जे णं मद्दुया ! अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा वागरणं वा अन्नायं अदिट्ठं अस्सुयं अमयं अविण्णायं बहुजणमज्झे आघवेइ पन्नवेइ जाव उवदंसेइ, से णं अरिहंताणं आसायणाए वट्टइ, अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, केवलीणं आसायणाए वट्टइ, केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, तं सुट्ठु णं तुमं मद्दुया ! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं मद्दुया ! जाव एवं वयासी, तए णं मद्दुए समणोवासए समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता णच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे मद्दुयस्स समणोवासगस्स तीसे य जाव परिसा पडिगया, तए णं मद्दुए

समणोवासए समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव निसम्म हट्ठतुट्ठे पसिणाइं (वागरणाइं) पुच्छइ प० २ त्ता अट्ठाइं परियादियइ २ त्ता उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए। भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते! मद्दुए समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं जाव पव्वइत्तए? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जहेव संखे तहेव अरुणाभे जाव अंतं करे(का)हिइ ॥ ६३३ ॥ देवे णं भंते! महिड्ढिए जाव महेसक्खे रूवसहस्स विउव्वित्ता पभू अन्नमन्नेणं सद्धिं संगामं संगामेत्तए? हंता पभू। ताओ णं भंते! बोंदीओ किं एगजीवफुडाओ अणेगजीवफुडाओ? गोयमा! एगजीवफुडाओ णो अणेगजीवफुडाओ, तेसि णं भंते! बोदीणं अंतरा किं एगजीवफुडा अणेगजीवफुडा? गोयमा! एगजीवफुडा नो अणेगजीवफुडा। पुरिसे णं भंते! अंतरेणं हत्थेण वा एवं जहा अट्ठमसए तइए उद्देसए जाव नो खलु तत्थ सत्थं कमइ ॥ ६३४ ॥ अत्थि णं भंते! देवासुराणं संगामे २? हंता अत्थि, देवासुरेसु णं भंते! संगामेसु वट्टमाणेसु किन्नं तेसिं देवाणं पहरणरयणत्ताए परिणमइ? गोयमा! जन्नं ते देवा तणं वा कट्ठं वा पत्तं वा सक्करं वा परामुसंति तं (णं) तं तेसि देवाणं पहरणरयणत्ताए परिणमइ, जहेव देवाणं तहेव असुरकुमाराणं? णो इणट्ठे समट्ठे, असुरकुमाराणं देवाणं निच्चं विउव्विया पहरणरयणा प० ॥ ६३५ ॥ देवे णं भंते! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पभू लवणसमुद्दं अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छित्तए? हंता पभू, देवे णं भंते! महिड्ढिए एवं धायइसंडं दीवं जाव हंता पभू, एवं जाव रुयगवरं दीवं जाव हंता पभू, ते णं पर वीईवएज्जा नो चेव णं अणुपरियट्टेज्जा ॥ ६३६ ॥ अत्थि णं भंते! देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहि वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहि खवयंति? हंता अत्थि, अत्थि णं भंते! देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहि वा तिहि वा उक्कोसेणं पंचहिं वास सहस्सेहि खवयंति? हंता अत्थि, अत्थि णं भंते! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहि वा उक्कोसेणं पंचहि वाससयसहस्सेहि खवयंति? हंता अत्थि, कयरे णं भंते! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहि वा जाव पंचहि वाससएहिं खवयंति, कयरे णं भंते! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, कयरे णं भंते! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहि खवयंति? गोयमा! वाणमंतरा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससएणं खवयंति, असुरिंदवज्जिया णं भवणवासी देवा अणंते कम्मंसे दोहि वाससएहि खवयंति, असुरकुमारा णं देवा अणंते कम्मंसे ति(ती)हिं वाससएहि खवयंति, गहगणनक्खत्ततारारूवा जोइसिय

देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वास जाव खवयंति, चंदिमसूरिया जोइसिंदा जोइसरायाणो अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससएहिं खवयंति, सोहम्मीसाणगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससहस्सेणं (जाव) खवयंति, सणंकुमारमाहिंदगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, एवं एएणं अभिलावेणं बंभलोगलंतगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, महासुक्कसहस्सारगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, आणयपाणयआरणअच्चुयगा देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससयसहस्सेणं खवयंति, मज्झिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, उवरिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, विजयवेजयंतजयंतअपराजियगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, सव्वट्ठसिद्धगा देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, एएणं गोयमा! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति, एएणं गोयमा! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, एएणट्ठेणं गोयमा! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ६३७ ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो पुरओ दुहओ जुगमायाए पेहाए रीयं रीयमाणस्स पायस्स अहे कुक्कुडपोए वा वट्टापोए वा कुलिंगच्छाए वा परियावज्जेज्जा, तस्स णं भंते! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ? गोयमा! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, नो संपराइया किरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? जहा सत्तमसए संवुडुद्देसए जाव अट्ठो निक्खित्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे बहिया जाव विहरइ ॥ ६३८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पुढविसिलापट्टए, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते बहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नामं अणगारे जाव उड्ढं जाणू जाव विहरइ, तए णं ते अन्नउत्थिया जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छन्ति उवागच्छइत्ता भगवं गोयमं एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–से केणं कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्न-

उत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह अभिहणह जाव उ(व)द्दवेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो! अम्हे रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेमो जाव उद्दवेमो, अम्हे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा कायं च जोयं च रीयं च पडुच्च दिस्सा २ पदिस्सा २ वयामो, तए णं अम्हे दिस्सा दिस्सा वयमाणा पदिस्सा पदिस्सा वयमाणा णो पाणे पेच्चेमो जाव णो उद्दवेमो, तए णं अम्हे पाणे अपेच्चेमाणा जाव अणोद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुब्भे णं अज्जो! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी–केणं कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव भवामो?, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तु(ज्झे)ब्भे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह जाव उद्दवेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविहं जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता णच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, गोयमादि! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–सुट्ठु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, अत्थि णं गोयमा! ममं बहवे अंतेवासी समणा निग्गंथा छउमत्था जे णं नो पभू एयं वागरणं वागरेत्तए जहा णं तुमं, तं सुट्ठु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी ॥ ६३९ ॥ तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–छउमत्थे णं भंते! मणुस्से परमाणुपोग्गलं किं जाणइ पासइ उदाहु न जाणइ न पासइ? गोयमा! अत्थेगइए जाणइ पासइ, अत्थेगइए न जाणइ न पासइ, छउमत्थे णं भंते! मणूसे दुपएसियं खंधं किं जाणइ पासइ? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसियं, छउमत्थे णं भंते! मणूसे अणंतपएसियं खंधं किं पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए जाणइ पासइ १, अत्थेगइए जाणइ न पासइ २, अत्थेगइए न जाणइ पासइ ३, अत्थेगइए न जाणइ न पासइ ४, आहोहिए णं भंते! मणुस्से परमाणुपोग्गलं जहा छउमत्थे एवं आहोहिएवि जाव अणंतपएसियं, परमाहोहिए णं भंते! मणूसे परमाणुपोग्गलं जं समयं जाणइ तं समयं पासइ, जं समयं पासइ तं समयं जाणइ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ परमाहोहिए णं मणूसे पर-

माणुपोग्गलं जं समयं जाणइ नो तं समयं पासइ, जं समयं पासइ नो तं समयं जाणइ ? गोयमा ! सागारे से नाणे भवइ, अणागारे से दंसणे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव नो तं समयं जाणइ, एवं जाव अणंतपएसियं । केवली णं भंते ! मणुस्से परमाणुपोग्गलं जहा परमाहोहिए तहा केवलीवि जाव अणंतपएसियं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६४० ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! भवियदव्वनेरइया २ ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भवियदव्वनेरइया २ ? गोयमा ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा नेरइएसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं, एवं जाव थणियकुमारा, अत्थि णं भंते ! भवियदव्वपुढविकाइया २ ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं० ? गोयमा ! जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं, आउक्काइयवणस्सइकाइयाणं एवं चेव उववाओ, तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाण य जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जे भविए नेरइए वा तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पंचिंदियतिरिक्खजोणिए(वा)सु उववज्जित्तए एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ भवियदव्वनेरइयस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, भवियदव्वअसुरकुमारस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, एवं जाव थणियकुमारस्स । भवियदव्वपुढविकाइयस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, एवं आउक्काइयस्सवि, तेउवाऊ जहा नेरइयस्स, वणस्सइकाइयस्स जहा पुढविकाइयस्स, बेइंदियस्स तेइंदियस्स चउरिंदियस्स जहा नेरइयस्स, पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स जहा असुरकुमारस्स ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६४१ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–अणगारे णं भंते ! भावियप्पा असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ? हंता ओगाहेज्जा, से णं तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ, एवं जहा पंचमसए परमाणुपोग्गलवत्तव्वया जाव अणगारे णं भंते ! भावियप्पा उदावत्तं वा जाव नो खलु तत्थ सत्थं कमइ ॥ ६४२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! वाउयाएणं फुडे वाउयाए वा परमाणुपोग्गलेणं फुडे ? गोयमा ! परमाणुपोग्गले वाउयाएणं फुडे नो वाउयाए परमाणुपोग्गलेणं

फुडे । दुपएसिए णं भंते! खंधे वाउयाएणं एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसिए ॥ अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे वाउयाए० पुच्छा, गोयमा ! अणंतपएसिए खंधे वाउयाएणं फुडे वाउयाए अणंतपएसिएणं खंधेणं सिय फुडे सिय नो फुडे ॥ वत्थी णं भंते ! वाउयाएणं फुडे वाउयाए वत्थिणा फुडे ? गोयमा ! वत्थी वाउयाएणं फुडे नो वाउयाए वत्थिणा फुडे ॥६४३॥ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे दव्वाइं वन्नओ कालनीललोहियहालिद्दसुक्किल्लाइं, गंधओ सुब्भिगंधाइं दुब्भिगंधाइं, रसओ तित्तकडुयकसायअंबिलमहुराइं, फासओ कक्खडमउयगुरुयलहुयसीयउसिण-निद्धलुक्खाइं, अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए । अत्थि णं भंते ! सोहम्मस्स कप्पस्स अहे० एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥६४४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था वन्नओ, दूइपलासए उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं वाणियगामे नयरे सोमिले नामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए, रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए पंचण्हं खंडियसयाणं सयस्स कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे णायपुत्ते पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं जाव इहमागए जाव दूइपलासए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणस्स नायपुत्तस्स अंतियं पाउब्भवामि, इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं पुच्छिस्सामि, तं जइ मे से इमाइं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं वागरेहिइ तओ णं वं(दी)दिहामि नमं(सी)सिहामि जाव पज्जुवासिहामि, अहमेयं से इमाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं नो वागरेहिइ तो णं एएहि चेव अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य निप्पट्ठपसिणवागरणं करेस्सामित्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं एगेणं खंडियसएण सद्धिं संपरिवुडे वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव दूइपलासए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-जत्ता ते भंते ! जवणिज्जं ते भंते ! अव्वाबाहं ते भंते ! फासुयविहारं ते भंते ! ? सोमिला ! जत्तावि मे, जवणिज्जंपि मे, अव्वाबाहंपि मे, फासुयविहारंपि मे, किं ते भंते ! जत्ता ? सोमिला ! जं मे तवनियमसंजमसज्झायज्झाणावस्सयमाइएसु जोगेसु जयणा सेत्तं जत्ता, किं ते

भंते ! जवणिज्जं ? सोमिला ! जवणिज्जे दुविहे प०, तं०-इंदियजवणिज्जे य नोइंदियजवणिज्जे य, से कि तं इंदियजवणिज्जे ? इंदियजवणिज्जे जं मे सोइंदियचक्खिदियघाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियाइं निरुवहयाइं वसे वट्टंति सेत्तं इंदियजवणिज्जे, से किं तं नोइंदियजवणिज्जे ? २ जं मे कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना नो उदीरेंति सेत्तं नोइंदियजवणिज्जे, सेत्त जवणिज्जे, से किं ते भंते ! अव्वाबाहं ? सोमिला ! जं मे वाइयपित्तियसिंभियसन्निवाइया विविहा रोगायंका सरीरगया दोसा उवसंता नो उदीरेंति सेत्तं अव्वाबाहं, किं ते भंते ! फासुयविहारं ? सोमिला ! जन्नं आरामेसु उज्जाणेसु देवकुलेसु सभासु पवासु इत्थीपसुपंडगविवज्जियासु वसहीसु फासुएसणिज्जं पीढफलगसेज्जासंथारगं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि सेत्तं फासुयविहारं ॥ सरिसवा ते भंते ! कि भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि ? से नूणं ते सोमिला ! बंभन्नएसु नएसु दुविहा सरिसवा पन्नत्ता, तंजहा-मित्तसरिसवा य धन्नसरिसवा य, तत्थ णं जे ते मित्तसरिसवा ते तिविहा प०, तं०-सहजायया सहवड्ढि(य)या सहपंसुकीलि(य)या, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धन्नसरिसवा ते दुविहा प०, तं०-सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, तत्थ णं जे ते असत्थपरिणया ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते सत्थपरिणया ते दुविहा प०, तं०-एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य, तत्थ णं जे ते अणेसणिज्जा ते समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते एसणिज्जा ते दुविहा प०, तं०-जाइया य अजाइया य, तत्थ णं जे ते अजाइया ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते जाइया ते दुविहा प०, तं०-लद्धा य अलद्धा य, तत्थ णं जे ते अलद्धा ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते लद्धा ते णं समणाणं निग्गंथाणं भक्खेया, से तेणट्ठेणं सोमिला ! एवं वुच्चइ जाव अभक्खेयावि। मासा ते भंते ! कि भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! मासा मे भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेणं भंते ! जाव अभक्खेयावि ? से नूणं ते सोमिला ! बंभन्नएसु नएसु दुविहा मासा प०, तं०-दव्वमासा य कालमासा य, तत्थ णं जे ते कालमासा ते णं सावणादीया आसाढपज्जवसाणा दुवालस प०, तं०-सावणे भद्दवए आसोए कत्तिए मग्गसिरे पोसे माहे फागुणे चेत्ते वइसाहे जेट्ठामूले आसाढे, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते दव्वमासा ते दुविहा प०, तं०-अत्थमासा य धण्णमासा य, तत्थ णं जे ते अत्थमासा ते दुविहा प०, तं०-सुवन्नमासा य रुप्पमासा य, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते

धन्नमासा ते दुविहा प०, तं०–सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, एवं जहा धन्नसरिसवा जाव से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि । कुलत्था ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! कुलत्था मे भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि ? से नूणं ते सोमिला ! बंभन्नएसु नएसु दुविहा कुलत्था प०, तं०–इत्थिकुलत्था य धन्नकुलत्था य, तत्थ णं जे ते इत्थिकुलत्था ते तिविहा प०, तंजहा–कुलकन्नयाइ वा कुलवहू(धू)याइ वा कुलमाउयाइ वा, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धन्नकुलत्था एवं जहा धन्नसरिसवा, से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि ॥ ६४५ ॥ एगे भवं दुवे भवं अक्खए भवं अव्वए भवं अवट्ठिए भवं अणेगभूयभावभविए भवं ? सोमिला ! एगेवि अहं जाव अणेगभूयभावभविएवि अहं, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव भविएवि अहं ? सोमिला ! दव्वट्ठयाए एगे अहं, नाणदंसणट्ठयाए दुविहे अहं, पएसट्ठयाए अक्खएवि अहं अव्वएवि अहं अवट्ठिएवि अहं, उवओगट्ठयाए अणेगभूयभावभविएवि अहं, से तेणट्ठेणं जाव भविएवि अहं, एत्थ णं से सोमिले माहणे संबुद्धे, तए णं से समणं भगवं महावीरं जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वदह जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतियं बहवे राईसर एवं जहा रायप्पसेणइज्जे चित्तो जाव दुवालसविहं सावगधम्मं पडिवज्जइ पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए, तए णं से सोमिले माहणे समणोवासए जाए अभिगयजीवा जाव विहरइ । भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते ! सोमिले माहणे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जहेव संखे तहेव निरवसेसं जाव अंतं काहिइ । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६४६ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥ अट्ठारसमं सयं समत्तं ॥**

लेस्सा य १ गब्भ २ पुढवी ३ महासवा ४ चरम ५ दीव ६ भवणा ७ य । निव्वत्ति ८ करण ९ वणचरसुरा य १० एगूणवीसइमे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! लेस्साओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पन्नत्ताओ, तंजहा–एवं जहा पन्नवणाए चउत्थो लेसुद्देसओ भाणियव्वो निरवसेसो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६४७ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते ! लेस्साओ प०? एवं जहा पन्नवणाए गब्भुद्देसो सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति (१९–२) ॥ ६४८ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच पुढविकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधति एग० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति ? नो इणट्ठे

समट्ठे, पुढविक्काइयाणं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयं सरीरं बंधंति प० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति १, तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा! चत्तारि लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा, नीललेस्सा, काउलेस्सा, तेउलेस्सा २, ते णं भंते! जीवा किं सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा! मिच्छादिट्ठी नो सम्मद्दिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी ३, ते णं भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा! नो नाणी अन्नाणी, नियमा दुअन्नाणी, तं०–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य ४, ते णं भंते! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा! नो मणजोगी, नो वइजोगी, कायजोगी ५, ते णं भंते! जीवा कि सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ६, ते णं भंते! जीवा किमाहारमाहारेंति ? गोयमा! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा पन्नवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति ७, ते णं भन्ते! जीवा जमाहारेंति तं चिज्जंति, जं नो आहारेंति तं नो चिज्जंति, चिन्ने वा से उद्दाइ पलिसप्पइ वा ? हंता गोयमा! ते णं जीवा जमाहारेंति तं चिज्जंति, जं नो जाव पलिसप्पइ वा ८, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणोइ वा वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, आहारेंति पुण ते ९, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे फासेयरे वेदेमो पडिसंवेदेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, पडिसंवेदेंति पुण ते १०, ते णं भंते! जीवा कि पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति, मुसावाए अदिन्नादाणे जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति ? गोयमा! पाणाइवाएवि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्लेवि उवक्खाइज्जंति, जेसिपिय णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिंपिय णं जीवाणं नो वि(ण्णा)ज्जाए नाणत्ते ११ ॥ ते णं भंते! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति ? एवं जहा वक्कंतीए पुढविक्काइयाणं उववाओ तहा भाणियव्वो १२। तेसि णं भंते! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं १३ ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ समुग्घाया प० ? गोयमा! तओ समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए। ते णं भंते! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा! समोहयावि मरंति, असमोहयावि मरंति ॥ ते णं भंते! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? एवं उव्वट्टणा जहा वक्कंतीए १४। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच आउक्काइया एगयओ साहारणं सरीरं बंधंति २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति एवं जो पुढविक्काइयाणं गमो

सो चेव भाणियव्वो जाव उव्वट्टंति, नवरं ठिई सत्तवाससहस्साइं उक्कोसेणं सेसं तं चेव । सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच तेउक्काइया एवं चेव नवरं उववाओ ठिई उव्वट्टणा य जहा पन्नवणाए सेसं तं चेव । वाउकाइयाणं एवं चेव नाणत्तं नवरं चत्तारि समुग्घाया । सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच वणस्सइकाइया पुच्छा, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता वणस्सइकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति एग० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सेसं जहा तेउकाइयाणं जाव उव्वट्टंति, नवरं आहारो नियमं छद्दिसिं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव ॥ ६४९ ॥ एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइकाइयाणं सुहुमाणं बायराणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं जाव जहन्नुक्कोसियाए ओगाहणाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुमनिगोयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा १, सुहुमवाउक्काइयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा २, सुहुमतेउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३, सुहुमआउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४, सुहुमपुढविअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ५, बायरवाउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ६, बायरतेउअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ७, बायरआउअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ८, बायरपुढविकाइयअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ९, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स बायरनिगोयस्स एएसि णं पज्जत्तगाणं एएसि णं अपज्जत्तगाणं जहन्निया ओगाहणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १०-११, सुहुमनिओयस्स पज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १२, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १३, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १४, सुहुमवाउकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १५, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १६, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १७, एवं सुहुमतेउक्काइयस्स विसे० १८।१९।२०। एवं सहुमआउक्काइयस्सवि २१।२२।२३। एवं सुहुमपुढविकाइयस्स विसेसाहिया २४।२५।२६। एवं बायरवाउकाइयस्स विसेसाहिया २७।२८। २९। एवं बायरतेउक्काइयस्स विसेसाहिया ३०।३१।३२। एवं बायरआउकाइयस्स विसेसाहिया ३३।३४।३५। एवं बायरपुढविकाइयस्स विसेसाहिया ३६।३७।३८। सव्वेसिं तिविहेणं गमेणं भाणियव्वं, बायरनिगोयस्स पज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३९, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसा-

हिया ४०, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ४१, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४२, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४३, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४४ ॥ ६५० ॥ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! वणस्सइकाइए सव्वसुहुमे वणस्सइकाइए सव्वसुहुमतराए १, एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! वाउकाइए सव्वसुहुमे वाउकाइए सव्वसुहुमतराए २, एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! तेउक्काए सव्वसुहुमे तेउकाए सव्वसुहुमतराए ३, एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वसुहुमे आउक्काए सव्वसुहुमतराए ४ ॥ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्ववादरे कयरे काए सव्ववादरतराए ? गोयमा ! वणस्सइकाइए सव्ववादरे वणस्सइकाइए सव्ववादरतराए १, एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्वबादरतराए ? गोयमा ! पुढविक्काए सव्वबादरे पुढविक्काए सव्वबादरतराए २, एयस्स णं भंते ! आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्ववादरतराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वबादरे आउक्काए सव्वबादरतराए ३, एयस्स णं भंते ! तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्वबादरतराए ? गोयमा ! तेउक्काए सव्वबादरे तेउक्काए सव्वबादरतराए ४ ॥ केमहालए णं भंते ! पुढविसरीरे पन्नत्ते ? गोयमा ! अणंताणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमवाउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमवाउसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमतेउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमतेउकाइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमआउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमआउक्काइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमपुढविसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमपुढविकाइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे बायरवाउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरवाउक्काइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरतेउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरतेउकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरआउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरआउक्काइयाणं जावइया सरीरा

से एगे बायरपुढविसरीरे, एमहालए णं गोयमा ! पुढविसरीरे पन्नत्ते ॥ ६५१ ॥ पुढविकाइयस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! से जहानामए रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स वन्नगपेसिया तरुणी बलवं जुगवं जुवाणी अप्पायंका वन्नओ जाव निउणसिप्पोवगया नवरं चम्मेट्ठदुहणमुट्ठियसमाहयणिचियगत्तकाया न भण्णइ सेसं तं चेव जाव निउणसिप्पोवगया तिक्खाए वइरामईए सण्हकरणीए तिक्खेणं वइरामएणं वट्टावरएणं एगं महं पुढविकाइयं जउगोलासमाणं गहाय पडिसाहरिय २ पडिसंखिविय २ जाव इणामेवत्तिकट्टु तिसत्तखुत्तो उप्पीसेज्जा, तत्थ णं गोयमा ! अत्थेगइया पुढविकाइया आलिद्धा, अत्थेगइया पुढविकाइया नो आलिद्धा, अत्थेगइया संघट्टि(ट्टि)या, अत्थेगइया नो संघट्टि(ट्टि)या, अत्थेगइया परियाविया, अत्थेगइया नो परियाविया, अत्थेगइया उद्दविया, अत्थेगइया नो उद्दविया, अत्थेगइया पिट्ठा, अत्थेगइया नो पिट्ठा, पुढविकाइयस्स णं गोयमा ! एमहालिया सरीरोगाहणा प० ॥ पुढविकाइए णं भंते ! अक्कंते समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव निउणसिप्पोवगए एगं पुरिसं जुन्नं जराजज्जरियदेहं जाव दुब्बलं किलंतं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहणिज्जा, से णं गोयमा ! पुरिसे तेणं पुरिसेणं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? अणिट्ठं समणाउसो !, तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स वेयणाहिंतो पुढविकाइए अक्कंते समाणे एत्तो अणिट्ठतरियं चेव अकंततरियं चेव जाव अमणामतरियं चेव वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ । आउयाए णं भंते ! संघट्टिए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? गोयमा ! जहा पुढविकाइए एवं आउकाएवि, एवं तेउकाएवि, एवं वाउकाएवि, एवं वणस्सइकाएवि जाव विहरइ, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५२ ॥ **एगूणवीसइमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे १, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? हंता सिया २, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ३, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ४, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ५, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे ६, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ७, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया

अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे ८, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ९, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १०, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ११, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १२, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १३, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १४, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १५, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १६, एए सोलस भंगा । सिय भंते ! असुरकुमारा महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं चउत्थो भंगो भाणियव्वो, सेसा पन्नरस भंगा खोडेयव्वा, एवं जाव थणियकुमारा, सिय भंते ! पुढविकाइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? हंता सिया, एवं जाव सिय भंते ! पुढविकाइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? हंता सिया, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५३ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

अत्थि णं भंते ! चरिमावि नेरइया परमावि नेरइया ? हंता अत्थि, से नूणं भंते ! चरिमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा नेरइया महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव, परमेहिंतो वा नेरइएहिंतो चरमा नेरइया अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए चेव ? हंता गोयमा ! चरमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा जाव महावेयगतराए चेव, परमेहिंतो नेरइएहिंतो चरमा नेरइया जाव अप्पवेयणतरा चेव, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव ? गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव । अत्थि णं भंते ! चरमावि असुरकुमारा परमावि असुरकुमारा ? एवं चेव, नवरं विवरीयं भाणियव्वं, परमा अप्पकम्मा, चरमा महाकम्मा, सेसं तं चेव जाव थणियकुमारा ताव एवमेव, पुढविकाइया जाव मणुस्सा एए जहा नेरइया, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥६५४॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा प० ? गोयमा ! दुविहा वेयणा प०, तं०-निदा य अनिदा य । नेरइया णं भंते ! किं निदायं वेयणं वेदेंति अनिदायं वेयणं वेदेंति ? जहा पन्न-

वणाए जाव वेमाणियत्ति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ६५५ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो** ॥

कहिं णं भंते! दीवसमुद्दा, केवइया णं भंते! दीवसमुद्दा, किंसंठिया णं भंते! दीवसमुद्दा? एवं जहा जीवाभिगमे दीवसमुद्दुद्देसो सो चेव इहवि जोइसियमंडिउद्देसगवज्जो भाणियव्वो जाव परिणामो जीवउववाओ जाव अणंतखुत्तो, सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६५६ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो** ॥

केवइया णं भंते! असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प०? गोयमा! चउसट्ठिं असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते! किंमया प०? गोयमा! सव्वरयणामया अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा, तत्थ णं वहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, सासया णं ते भवणा दव्वट्ठयाए, वन्नपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासया, एवं जाव थणियकुमारावासा, केवइया णं भंते! वाणमंतरभोमेज्जनयरावाससयसहस्सा प०? गोयमा! असंखेज्जा वाणमंतरभोमेज्जनयरावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते! किमया प०? सेसं तं चेव, केवइया णं भंते! जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पुच्छा, गोयमा! असंखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते! किमया प०? गोयमा! सव्वफालिहामया अच्छा सेसं तं चेव, सोहम्मे णं भंते! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा प०? गोयमा! वत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते! किंमया प०? गोयमा! सव्वरयणामया अच्छा सेसं तं चेव, एवं जाव अणुत्तरविमाणा, नवरं जाणियव्वा जत्थ जत्तिया भवणा विमाणा वा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६५७ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो** ॥

कइविहा णं भंते! जीवनिव्वत्ती प०? गोयमा! पंचविहा जीवनिव्वत्ती प०, तं०–एगिंदियजीवनिव्वत्ती जाव पंचिंदियजीवनिव्वत्ती, एगिंदियजीवनिव्वत्ती णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! पंचविहा प०, तं०–पुढविक्काइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती जाव वणस्सइकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती, पुढविकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! दुविहा प०, तं०–सुहुमपुढविकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती य बायरपुढवीकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती य, एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा वड्डगवंधो तेयगसरीरस्स जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पातीतवेमाणियदेवपंचिंदियजीवनिव्वत्ती णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! दुविहा प०, तं०–पज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवनिव्वत्ती य अपज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवनिव्वत्ती य। कइविहा णं भंते! कम्मनिव्वत्ती प०? गोयमा!

अट्ठविहा कम्मनिव्वत्ती प०, तं०-नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मनिव्वत्ती, नेरइयाणं भंते ! कइविहा कम्मनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! अट्ठविहा कम्मनिव्वत्ती प०, तं०-नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! सरीरनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा सरीरनिव्वत्ती प०, तं०-ओरालियसरीरनिव्वत्ती जाव कम्मगसरीरनिव्वत्ती । नेरइयाणं भंते ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं नायव्वं जस्स जइ सरीराणि । कइविहा णं भंते ! सव्विंदियनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा सव्विंदियनिव्वत्ती प०, तं०-सोइंदियनिव्वत्ती जाव फासिंदियनिव्वत्ती, एवं (जाव) नेरइया जाव थणियकुमारा णं, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा फासिंदियनिव्वत्ती प०, एवं जस्स जइ इंदियाणि जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! भासानिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा भासानिव्वत्ती प०, तं०-सच्चाभासानिव्वत्ती, मोसाभासानिव्वत्ती, सच्चामोसभासानिव्वत्ती, असच्चामोसभासानिव्वत्ती, एवं एगिंदियवज्जं जस्स जा भासा जाव वेमाणियाणं, कइविहा णं भंते ! मणनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा मणनिव्वत्ती प०, तं०-सच्चमणनिव्वत्ती जाव असच्चामोसमणनिव्वत्ती, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! कसायनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा कसायनिव्वत्ती प०, तं०-कोहकसायनिव्वत्ती जाव लोभकसायनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! वन्ननिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा वन्ननिव्वत्ती प०, तं०-कालवन्ननिव्वत्ती जाव सुक्किल्लवन्ननिव्वत्ती, एवं निरवसेसं जाव वेमाणियाणं, एवं गंधनिव्वत्ती दुविहा जाव वेमाणियाणं, रसनिव्वत्ती पंचविहा जाव वेमाणियाणं, फासनिव्वत्ती अट्ठविहा जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! संठाणनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! छव्विहा संठाणनिव्वत्ती प०, तं०-समचउरंससंठाणनिव्वत्ती जाव हुंडसंठाणनिव्वत्ती, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा हुंडसंठाणनिव्वत्ती प०, असुरकुमाराणं पुच्छा, गोयमा ! एगा समचउरंससंठाणनिव्वत्ती प०, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा मसूरचंदसंठाणनिव्वत्ती प०, एवं जस्स जं संठाणं जाव वेमाणियाणं, कइविहा णं भंते ! सन्नानिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा सन्ना निव्वत्ती प०, तं०-आहारसन्नानिव्वत्ती जाव परिग्गहसन्नानिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं, कइविहा णं भंते ! लेस्सानिव्वत्ती प० ? गोयमा ! छव्विहा लेस्सानिव्वत्ती प०, तं०-कण्हलेस्सानिव्वत्ती जाव सुक्कलेस्सानिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ लेस्साओ तस्स तत्तिया भाणियव्वा । कइविहा णं भंते ! दिट्ठिनिव्वत्ती

प० ? गोयमा ! तिविहा दिट्ठिनिव्वत्ती प०, तंजहा–सम्मादिट्ठिनिव्वत्ती, मिच्छादिट्ठिनिव्वत्ती, सम्मामिच्छादिट्ठिनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइविहा दिट्ठी। कइविहा णं भंते ! णाणनिव्वत्ती पन्नत्ता ? गोयमा ! पंचविहा णाणनिव्वत्ती प०, तं०–आभिणिबोहियणाणनिव्वत्ती जाव केवलनाणनिव्वत्ती, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ णाणाइं। कइविहा णं भंते ! अन्नाणनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! तिविहा अन्नाणनिव्वत्ती प०, तं०–मइअन्नाणनिव्वत्ती, सुयअण्णाणनिव्वत्ती, विभंगनाणनिव्वत्ती, एवं जस्स जइ अन्नाणा जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! जोगनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! तिविहा जोगनिव्वत्ती प०, तं०–मणजोगनिव्वत्ती, वइजोगनिव्वत्ती, कायजोगनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइविहो जोगो। कइविहा णं भंते ! उवओगनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! दुविहा उवओगनिव्वत्ती प०, तं०–सागारोवओगनिव्वत्ती अणागारोवओगनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं, संगहगाहा–जीवाणं निव्वत्ती कम्मप्पगडी सरीरनिव्वत्ती। सव्विंदियनिव्वत्ती भासा य मणे कसाया य ॥ १ ॥ वन्ने गंधे रसे फासे संठाणविही य होइ बोद्धव्वो। लेस्सा दिट्ठी णाणे उवओगे चेव जोगे य ॥ २ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५८ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! करणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे करणे पन्नत्ते, तंजहा–दव्वकरणे, खेत्तकरणे, कालकरणे, भवकरणे, भावकरणे, नेरइयाणं भंते ! कइविहे करणे प० ? गोयमा ! पंचविहे करणे प०, तं०–दव्वकरणे, जाव भावकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं, कइविहे णं भंते ! सरीरकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे सरीरकरणे पन्नत्ते, तंजहा–ओरालियसरीरकरणे जाव कम्मगसरीरकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ सरीराणि। कइविहे णं भंते ! इंदियकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे इंदियकरणे प०, तंजहा–सोइंदियकरणे जाव फासिंदियकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ इंदियाइं, एवं एएणं कमेणं भासाकरणे चउव्विहे, मणकरणे चउव्विहे, कसायकरणे चउव्विहे, समुग्घायकरणे सत्तविहे, सन्नाकरणे चउव्विहे, लेस्साकरणे छव्विहे, दिट्ठिकरणे तिविहे, वेयकरणे तिविहे पन्नत्ते, तंजहा–इत्थिवेयकरणे, पुरिसवेयकरणे, नपुंसगवेयकरणे, एए सव्वे नेरइयादिदंडगा जाव वेमाणियाणं जस्स जं अत्थि तं तस्स सव्वं भाणियव्वं। कइविहे णं भंते ! पाणाइवायकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे पाणाइवायकरणे प०, तं०–एगिंदियपाणाइवायकरणे जाव पंचिंदियपाणाइवायकरणे, एवं निरवसेसं जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! पोग्गलकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे पोग्गलकरणे प०, तं०–वन्नकरणे, गंधकरणे,

रसकरणे, फासकरणे, संठाणकरणे, वन्नकरणे णं भंते! कइविहे प०? गोयमा! पंचविहे प०, तंजहा–कालवन्नकरणे जाव सुक्किल्लवन्नकरणे, एवं भेदो, गंधकरणे दुविहे, रसकरणे पंचविहे, फासकरणे अट्ठविहे, संठाणकरणे णं भंते! कइविहे प०? गोयमा! पंचविहे प०, तंजहा–परिमंडलसंठाणकरणे जाव आययसंठाणकरणे, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ६५९ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

वाणमंतराणं भंते! सव्वे समाहारा एवं जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसए जाव अप्पिड्ढियत्ति, सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६६० ॥ **एगूणवीसइमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ एगूणवीसइमं सयं समत्तं ॥ १९ ॥**

बेइंदिय १ मागासे २ पाणवहे ३ उवचए ४ य परमाणू ५। अंतर ६ बंधे ७ भूमी ८ चारण ९ सोवक्कमा जीवा १० ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–सिय भंते! जाव चत्तारि पंच बेइंदिया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति? णो इणट्ठे समट्ठे, बेइंदिया णं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयसरीरं बंधंति प० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति, तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ प०? गोयमा! तओ लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा, एवं जहा एगूणवीसइमे सए तेउकाइयाणं जाव उव्वट्टंति, नवरं सम्मद्दिट्ठीवि मिच्छद्दिट्ठीवि, नो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो नाणा दो अन्नाणा नियमं, नो मणजोगी, वइजोगीवि कायजोगीवि, आहारो नियमं छद्दिसि, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणेइ वा वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे रसे इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो? णो इणट्ठे समट्ठे, पडिसंवेदेंति पुण ते, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारससंवच्छराइं, सेसं तं चेव, एवं तेइंदिया(ण)वि, एवं चउरिंदियावि, नाणत्तं इंदिएसु ठिईए य सेसं तं चेव ठिई जहा पन्नवणाए। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच पंचिंदिया एगयओ साहारणसरीरं एवं जहा बेइंदियाणं नवरं छल्लेस्साओ, दिट्ठी तिविहावि, चत्तारि नाणा, तिन्नि अन्नाणा भयणाए, तिविहा जोगा, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो? गोयमा! अत्थेगइयाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणोइ वा वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो, अत्थेगइयाणं नो एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो, आहारेंति पुण ते, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे, इट्ठाणिट्ठे रूवे, इट्ठाणिट्ठे गंधे, इट्ठाणिट्ठे रसे, इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसं-

वेदेमो ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, अत्थेगइयाणं नो एवं सन्नाइ वा पण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, पडिसंवेदेंति पुण ते, ते णं भंते ! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति० ? गोयमा ! अत्थेगइया पाणाइवाएवि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्लेवि उवक्खाइज्जंति, अत्थेगइया नो पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति नो मुसावाए उवक्खाइज्जंति जाव नो मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति, जेसिंपिय णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिपि णं जीवाणं अत्थेगइयाणं विन्नाए नाणत्ते, अत्थेगइयाणं नो विण्णाए नाणत्ते, उववाओ सव्वओ जाव सव्वट्ठसिद्धाओ, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, छस्समुग्घाया केवलिवज्जा, उव्वट्टणा सव्वत्थ गच्छंति जाव सव्वट्ठसिद्धंति, सेसं जहा बेइंदियाणं । एएसि णं भंते ! बेइंदियाणं जाव पंचिंदियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया, चउरिंदिया विसेसाहिया, तेइंदिया विसेसाहिया, बेइंदिया विसेसाहिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६६१ ॥ **वीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! आगासे प० ? गोयमा ! दुविहे आगासे प०, तं०–लोयागासे य अलोयागासे य, लोयागासे णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा० ? एवं जहा बिइयसए अत्थिउद्देसए तह चेव इहवि भाणियव्वं, नवरं अभिलावो जाव धम्मत्थिकाए णं भंते ! केमहालए प० ? गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव ओगाहित्ताणं चिट्ठइ, एवं जाव पोग्गलत्थिकाए । अहेलोए णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स केवइयं ओगाढे ? गोयमा ! साइरेगं अद्धं ओगाढे, एवं एएणं अभिलावेणं जहा बिइयसए जाव ईसिप्पब्भारा णं भंते ! पुढवी लोयागासस्स किं संखेज्जइभागं ओगाढा० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जइभागं ओगाढा, असंखेज्जइभागं ओगाढा, नो संखेज्जे भागे ओगाढा, नो असंखेज्जे भागे ओगाढा, नो सव्वलोयं ओगाढा, सेसं तं चेव ॥ ६६२ ॥ धम्मत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा प० ? गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तंजहा–धम्मेइ वा धम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवायवेरमणेइ वा मुसावायवेरमणेइ वा एवं जाव परिग्गहवेरमणेइ वा कोहविवेगेइ वा जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेइ वा इरियासमि(ए)ईइ वा भासासमिईइ वा एसणासमिईइ वा आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिईइ वा उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिईइ वा मणगुत्तीइ वा वइगुत्तीइ वा कायगुत्तीइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते धम्मत्थिकायस्स अभिवयणा, अहम्मत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा प० ?

गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०–अधम्मेइ वा अधम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवाएइ वा जाव मिच्छादंसणसल्लेइ वा इरियाअसमिईइ वा जाव उच्चारपासवण जाव पारिट्ठावणियाअसमिईइ वा मणअगुत्तीइ वा वइअगुत्तीइ वा कायअगुत्तीइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते अहम्मत्थिकायस्स अभिवयणा, आगासत्थिकायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०–आगासेइ वा आगासत्थिकाएइ वा गगणेइ वा नभेइ वा समेइ वा विसमेइ वा खहेइ वा विहेइ वा वीईइ वा विवरेइ वा अंबरेइ वा अंबरसेइ वा छिड्डेइ वा झुसिरेइ वा मग्गेइ वा विमुहेइ वा अ(ट्टे)ट्टेइ वा विय(ट्टे)ट्टेइ वा आधारेइ वा वोमेइ वा भायणेइ वा अंतरिक्खेइ वा सामेइ वा उवासंतरेइ वा अगमेइ वा फलिहेइ वा अणंतेइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते आगासत्थिकायस्स अभिवयणा प०। जीवत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा प० ? गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०–जीवेइ वा जीवत्थिकाएइ वा पाणेइ वा भूएइ वा सत्तेइ वा विन्नूइ वा चेयाइ वा जेयाइ वा आयाइ वा रंगणेइ वा हिंडुएइ वा पोग्गलेइ वा माणवेइ वा कत्ताइ वा विकत्ताइ वा जएइ वा जंतूइ वा जोणीइ वा सयंभूइ वा ससरीरीइ वा नायएइ वा अंतरप्पाइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते जीवअभिवयणा प० । पोग्गलत्थिकायस्स णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०–पोग्गलेइ वा पोग्गलत्थिकाएइ वा परमाणुपोग्गलेइ वा दुपएसिएइ वा तिपएसिएइ वा जाव असंखेज्जपएसिएइ वा अणंतपएसिएइ वा (खंधे) जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते पोग्गलत्थिकायस्स अभिवयणा प० । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६६३ ॥ **वीसइमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, उप्पत्तिया जाव पारिणामिया, उग्गहे जाव धारणा, उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे, नेरइयत्ते असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते, नाणावरणिज्जे जाव अंतराइए, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी ३, चक्खुदंसणे ४, आभिणिबोहियणाणे जाव विभंगनाणे, आहारसन्ना ४, ओरालियसरीरे ५, मणजोगे ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति ? हंता गोयमा ! पाणाइवाए जाव सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति ॥ ६६४ ॥ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे कइवन्नं कइगंधं एवं जहा बारसमसए पंचमुद्देसए जाव कम्मओ णं जए णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६६५ ॥ **वीसइमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! इंदियउवचए पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे इंदियउवचए प०,

तं०-सोइंदियउवचए एवं विइओ इंदियउद्देसओ निरवसेसो भाणियव्वो जहा पन्नवणाए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ ॥ ६६६ ॥

वीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

परमाणुपोग्गले णं भंते! कइवन्ने कइगंधे कइरसे कइफासे पन्नत्ते? गोयमा! एगवन्ने एगगंधे एगरसे दुफासे पन्नत्ते, तंजहा-जइ एगवन्ने सिय कालए सिय नीलए सिय लोहिए सिय हालिद्दए सिय सुक्किल्लए, जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ एगरसे सिय तित्ते सिय कडुए सिय कसाए सिय अंबिले सिय महुरे, जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य १, सिय सीए य लुक्खे य २, सिय उसिणे य निद्धे य ३, सिय उसिणे य लुक्खे य ४ ॥ दुपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० ? एवं जहा अट्ठारसमसए छट्ठुद्देसए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते। जइ एगवन्ने सिय कालए जाव सिय सुक्किल्लए, जइ दुवन्ने सिय कालए य नीलए य १, सिय कालए य लोहिए य २, सिय कालए य हालिद्दए य ३, सिय कालए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य ५, सिय नीलए य हालिद्दए य ६, सिय नीलए य सुक्किल्लए य ७, सिय लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय लोहियए य सुक्किलए य ९, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य १०, एवं एए दुयासंजोगे दस भंगा। जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे। जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य, रसेसु जहा वन्नेसु, जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य एवं जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे २, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ३, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, एए नव भंगा फासेसु ॥ तिपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० जहा अट्ठारसमसए छट्ठुद्देसे जाव चउफासे प०, जइ एगवन्ने सिय कालए जाव सुक्किल्लए ५, जइ दुवन्ने सिय कालए य सिय नीलए य १, सिय कालए य नीलगा य २, सिय कालगा य नीलए य ३, सिय कालए य लोहियए य १, सिय कालए य लोहियगा य २, सिय कालगा य लोहियए य ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं ३, सिय नीलए य लोहियए य एत्थंपि भंगा ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय लोहियए य हालिद्दए य भङ्गा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य भंगा ३, एवं सव्वेते दस दुयासंजोगा भंगा तीसं भवंति, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य २, सिय कालए य नीलए य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य लोहियए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए

य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ६, सिय नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ७, सिय नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य ८, सिय नीलए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ९, सिय लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १०, एवं एए दस तियासंजोगा। जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य भंगा ३। रसा जहा वन्ना। जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य एवं जहेव दुपएसियस्स तहेव चत्तारि भंगा, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि भंगा तिन्नि ६, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिन्नि ९, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिन्नि एवं १२, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसा लुक्खा ५, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसे लुक्खे ६, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ७, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ९, एवं एए तिपएसिए फासेसु पणवीसं भंगा॥ चउप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते, जइ एगवन्ने सिय कालए य जाव सुक्किल्लए य ५, जइ दुवन्ने सिय कालए य नीलए य १, सिय कालए य नीलगा य २, सिय कालगा य नीलए य ३, सिय कालगा य नीलगा य ४, सिय कालए य लोहियए य एत्थवि चत्तारि भंगा ४, सिय कालए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य ४, सिय नीलए य हालिद्दए य ४, सिय नीलए य सुक्किल्लए य ४, सिय लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय लोहियए य सुक्किल्लए य ४, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, एवं एए दस दुयासंजोगा भंगा पुण चत्तालीसं ४०, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य २, सिय काल(ए)गा य नीलगा य लोहियए य ३, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य, एए णं चत्तारि भंगा, एवं कालनीलहालिद्दएहिं भंगा ४, कालनील-सुक्किल्ल० ४, काललोहियहालिद्द० ४, काललोहियसुक्किल्ल० ४, कालहालिद्दसुक्किल्ल० ४, नीललोहियहालिद्दगाणं भंगा ४, नीललोहियसुक्किल्ल० ४, नीलहालिद्दसुक्किल्ल० ४, लोहिय-हालिद्दसुक्किल्लगाणं भंगा ४, एवं एए दसतियासंजोगा एक्केक्के संजोए चत्तारि भंगा सव्वे ते चत्तालीसं भंगा ४०, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए

य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य २, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, एवमेए चउक्कगसंजोए पंच भंगा, एए सव्वे नउइभंगा, जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य। रसा जहा वन्ना। जइ दुफासे जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे सीए देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं भंगा ४, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए तिफासे सोलस भंगा, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ५, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसा लुक्खा ६, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसे लुक्खे ७, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ९, एवं एए चउफासे सोलस भंगा भाणियव्वा जाव देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा, सव्वे एए फासेसु छत्तीसं भंगा ॥ पंचपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्ना जहेव चउप्पएसिए, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य २, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य ३, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य ४, सिय काल(गा)ए य नीलए य लोहियए य ५, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य ६, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य ७, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य एत्थवि सत्त भंगा ७, एवं कालगनीलगसुक्किल्लएसु सत्त भंगा ७, कालगलोहियहालिद्देसु ७, कालगलोहियसुक्किल्लेसु ७, कालगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, नीलगलोहियहालिद्देसु ७, नीलगलोहियसुक्किल्लेसु सत्त भंगा ७, नीलगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, लोहियहालिद्दसुक्किल्लेसुवि सत्त भंगा ७, एवमेए तियासंजोएणं सत्तरि भंगा, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगे य ३, सिय कालए य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दगे य ४, सिय कालगा य नीलए य लोहियगे य हालिद्दगे य ५, एए पंच भंगा, सिय कालए य नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य एत्थवि पंच भंगा, एवं कालगनीलग-

हालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा, कालगलोहियहालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा ५, नीलगलोहियहालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा, एवमेए चउक्कगसंजोएणं पणवीसं भंगा, जइ पंचवन्ने कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य सव्वमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कपंचगसंजोगेणं ईयालं भंगसयं भवइ। गंधा जहा चउप्पएसियस्स। रसा जहा वन्ना। फासा जहा चउप्पएसियस्स॥ छप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० ? एवं जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्ना जहा पंचपएसियस्स, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य एवं जहेव पंचपएसियस्स सत्त भंगा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य ७, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य ८, एए अट्ठ भङ्गा, एवमेए दस तियासंजोगा एक्केक्कए संजोगे अट्ठ भंगा, एवं सव्वेवि तियगसंजोगे असीइ भंगा, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य ४, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ५, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य ६, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य ७, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य ९, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य १०, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ११, एए एक्कारस भंगा, एवमेए पंचचउक्कासंजोगा कायव्वा, एक्केक्कसंजोए एक्कारस भंगा, सव्वेते चउक्कगसंजोगेणं पणपन्नं भंगा, जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ६, एवं एए छब्भंगा भाणियव्वा, एवमेए सव्वेवि एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेसु छासीयं भंगसयं भवइ। गंधा जहा पंचपएसियस्स। रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स॥ सत्तपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० ? जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एवं एगवन्नदुवण्णतिवन्ना जहा छप्पएसियस्स, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य

३, एवमेते चउक्कगसंजोगेणं पन्नरस भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य १५, एवमेए पंचचउक्कसंजोगा नेयव्वा एक्केक्के संजोए पन्नरस भंगा, सव्वमेए पंचसत्तरिं भंगा भवंति। जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगा य ४, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ६, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ७, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ८, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ९, सिय कालगे य नीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य १०, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ११, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १२, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य १३, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १४, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, एए सोलस भंगा, एवं सव्वमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेणं दो सोलस भंगसया भवंति, गंधा जहा चउप्पएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स ॥ अट्ठपएसिए णं भंते! खंधे० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा सत्तपएसियस्स जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एवं एगवन्नदुवन्नतिवन्ना जहेव सत्तपएसिए, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, एवं जहेव सत्तपएसिए जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगे य १५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य १६, एए सोलस भंगा, एवमेए पंच चउक्कसंजोगा, एवमेए असीइ भंगा ८०, जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, एवं एएणं कमेणं भंगा चा(उच्चा)रेयव्वा जाव सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १५, एसो पन्नरसमो भंगो, सिय कालगा य नीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, सिय कालगा य नीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य

१७, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य १८, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लगा य १९, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २०, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २१, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य २२, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २३, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २४, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य २५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २६, एए पंचसंजोएणं छव्वीसं भंगा भवंति, एवामेव सपुव्वावरेणं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेहिं दो एक्कतीसं भंगसया भवंति, गंधा जहा सत्तपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स ॥ नवपएसियस्स पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा अट्ठपएसिए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव अट्ठपएसियस्स, जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, एवं परिवाडीए एक्कतीसं भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ३१, एवं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेहिं दो छत्तीसा भंगसया भवंति, गंधा जहा अट्ठपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउपएसियस्स। दसपएसिए णं भंते! खंधे० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा नवपएसिए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव नवपएसियस्स, पंचवन्नेवि तहेव नवरं बत्तीसइमोवि भंगो भन्नइ, एवमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोएसु दोन्नि सत्तती(सं)सा भंगसया भवंति, गंधा जहा नवपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स। जहा दसपएसिओ एवं संखेज्जपएसिओवि, एवं असंखेज्जपएसिओवि, सुहुमपरिणओवि अणंतपएसिओवि एवं चेव ॥ ६६७ ॥ बायरपरिणए णं भंते! अणंतपएसिए खंधे कइवन्ने० ? एवं जहा अट्ठारसमसए जाव सिय अट्ठफासे पन्नत्ते, वन्नगंधरसा जहा दसपएसियस्स, जइ चउफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे २, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे ५, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे ६, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे

उसिणे सव्वे णिद्धे ७, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ८, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे ९, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १०, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे ११, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १२, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे १३, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १४, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे १५, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १६, एए सोलस भंगा ॥ जइ पंचफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसा णिद्धा दे(सा)से लुक्खे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसा णिद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे । ४ । एवं एए कक्खडेणं सोलस भंगा। सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, एवं मउएणवि समं सोलस भंगा, एवं बत्तीसं भंगा । सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे णिद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए बत्तीसं भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए सव्वे णिद्धे देसे गुरुए देसे लहुए ४, एत्थवि बत्तीसं भंगा, सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे देसे कक्खडे देसे मउए ४, एत्थवि बत्तीसं भंगा, एवं सव्वेते पंचफासे अट्ठावीसं भंगसयं भवइ । जइ छप्फासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, एवं जाव सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसा सीया देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा १६, एए सोलस भंगा । सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, सव्वे मउए सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, सव्वे मउए सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए देसे गुरुए देसे लहुए देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं जाव सव्वे मउए सव्वे उसिणे देसा गुरुया देसा लहुया देसा णिद्धा देसा लुक्खा एत्थवि चउसट्ठिं भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे णिद्धे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे मउए सव्वे लुक्खे देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा

१६, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं जाव सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसा कक्खडा देसा निद्धा देसा मउया देसा लुक्खा, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे गुरुए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे लहुए सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा सीया देसा उसिणा, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे सीए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए जाव सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा गुरुया देसा लहुया, एवमेए चउसट्ठि भंगा, सव्वे ते छप्फासे तिन्निचउरासीया भंगसया भवंति ३८४। जइ सत्तफासे सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे दे(से)सा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे, सव्वेए सोलस भंगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे, एवं गुरुएगं एगत्तेगं लहुएणं पुहुत्तेणं एएवि सोलस भंगा, सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा भाणियव्वा, एवमेए चउसट्ठिं भंगा कक्खडेण समं, सव्वे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे। एवं मउएणावि समं चउसट्ठि भंगा भाणियव्वा, सव्वे गुरुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं गुरुएणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे लहुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं लहुएणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं सीएणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे उसिणे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं उसिणेणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं निद्धेणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे लुक्खे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं लुक्खेणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा जाव सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा

मउया देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा, एवं सत्तफासे पंचवारसुत्तरा भंगसया भवंति । जइ अट्ठफासे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया दे(सा)से उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, एए चत्तारि चउक्का सोलस भंगा, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे, एवं एए गुरुएणं एगत्तएणं लहुएणं पोहत्तएणं सोलस भंगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गुरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गुरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा कायव्वा, सव्वेऽवि ते चउसट्ठिं भंगा कक्खडमउएहिं एगत्तएहिं, ताहे कक्खडेणं एगत्तएणं मउएणं पुहत्तेणं एए चेव चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, ताहे कक्खडेणं पुहत्तएणं मउएणं एगत्तएणं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, ताहे एएहिं चेव दोहिवि पुहुत्तेहिं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा जाव देसा कक्खडा देसा मउया देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा एसो अपच्छिमो भंगो, सव्वेते अट्ठफासे दो छप्पन्ना भंगसया भवंति । एवं एए बायरपरिणए अणंतपएसिए खंधे सव्वेसु संजोएसु बारस छन्नउया भंगसया भवंति ॥ ६६८ ॥ कइविहे णं भंते ! परमाणू प० ? गोयमा ! चउव्विहे परमाणू प०, तं०–दव्वपरमाणू, खेत्तपरमाणू, कालपरमाणू, भावपरमाणू, दव्वपरमाणू णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प०, तं०–अच्छेज्जे, अभेज्जे, अडज्झे, अगेज्झे, खेत्तपरमाणू णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प०, तं०–अणड्ढे, अमज्झे, अपएसे, अविभाइमे, कालपरमाणू पुच्छा, गोयमा ! चउव्विहे प०, तं०–अवन्ने, अगंधे, अरसे, अफासे, भावपरमाणू णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प०, तं०–वन्नमंते, गंधमंते, रसमंते, फासमंते । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६६९ ॥ **वीसइमस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पुढविक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा पुव्विं आहारित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं वा उववज्जित्ता एवं जहा सत्तरसमसए छट्ठुद्देसए जाव से तेणट्ठेणं गोयमा !

एवं वुच्चइ पुव्विं वा जाव उववज्जेज्जा नवरं तहिं संपाउणेज्जा इमेहिं आहारो भन्नइ सेसं तं चेव। पुढविक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए जे भविए ईसाणे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। पुढविक्काइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए वालुयप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। पुढविक्काइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव णिक्खेवओ। पुढविक्काइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एव चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एवं सणंकुमारमाहिंदाणं बंभलोगस्स कप्पस्स अंतरा समोहए समोहणित्ता पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एवं बंभलोगस्स लंतगस्स य कप्पस्स अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं लंतगस्से महासुक्कस्स कप्पस्स य अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं महासुक्कस्स सहस्सारस्स य कप्पस्स अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आणयपाणयाणं आरणअच्चुयाण य कप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आरणअच्चुयाणं गेवेज्जविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं गेवेज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ॥ ६७० ॥ आउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं जहा पुढविक्काइयस्स जाव से तेणट्ठेणं, एवं पढमादोच्चाणं अंतरा समोहओ जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो, एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो आउक्काइयत्ताए, आउक्काइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहि(२)-वलएसु आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं तं चेव एवं एएहिं चेव अंतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए पुढवीए घणोदहिवलएसु

आउक्काइयत्ताए उववाएयव्वो, एवं जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए पुढवीए अंतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए घणोदहिवलएसु उववाएयव्वो ॥ ६७१ ॥ वाउक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा सत्तरसमसए वाउक्काइयउद्देसए तहा इहवि, नवरं अंतरेसु समोहणा नेयव्वा सेसं तं चेव जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए घणवायतणुवाए घणवायतणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६७२ ॥

वीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहे णं भंते! बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प०, तं०-जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे। नेरइयाणं भंते! कइविहे बंधे प०? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं। नाणावरणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प०, त०-जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परपरबंधे, नेरइयाणं भंते! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे बंधे प०? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव अंतराइयस्स। णाणावरणिज्जोदयस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प० एवं चेव, एवं नेरइयाणवि एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव अतराइयउदयस्स, इत्थीवेयस्स णं भंते! कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प० एवं चेव, असुरकुमाराणं भंते! इत्थीवेयस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प० एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स इत्थिवेदो अत्थि, एवं पुरिसवेयस्सवि, एवं नपुंसगवेयस्सवि जाव वेमाणियाण, नवरं जस्स जो अत्थि वेदो, दंसणमोहणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे बंधे प०? एवं चेव निरंतरं जाव वेमाणियाणं, एवं चरित्तमोहणिज्जस्सवि जाव वेमाणियाणं, एवं एएणं कमेणं ओरालियसरीरस्स जाव कम्मगसरीरस्स, आहारसन्नाए जाव परिग्गहसण्णाए, कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मदिट्ठीए मिच्छादिट्ठीए सम्मामिच्छादिट्ठीए, आभिणिबोहियणाणस्स जाव केवलनाणस्स, मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स विभंगनाणस्स, एवं आभिणिबोहियणाणविसयस्स णं भंते! कइविहे बंधे प० जाव केवलनाणविसयस्स मइअन्नाणविसयस्स सुयअन्नाणविसयस्स विभंगणाणविसयस्स एएसिं सव्वेसिं पयाणं तिविहे बंधे प०, सव्वेते चउव्वीसं दंडगा भाणियव्वा, नवर जाणियव्व जस्स जइ अत्थि जाव वेमाणियाणं भंते! विभंगणाणविसयस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प०, तं०-जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे, सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६७३ ॥ **वीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते ! कम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! पन्नरस कम्मभूमीओ प०, तं०–पंच भरहाइं, पंच एरवयाइं, पंच महाविदेहाइं, कइ णं भंते ! अकम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! तीसं अकम्मभूमीओ प०,तं०–पंच हेमवयाइं, पंच हे(ए)रन्नवयाइं, पंच हरिवासाइं, पंच रम्मगवासाइं, पंच देवकुराइं, पंच उत्तरकुराइं, एयासु णं भंते ! तीसासु अकम्मभूमीसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एएसु णं भंते ! पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? हंता अत्थि, एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु०, णेवत्थि उस्सप्पिणी नेवत्थि ओसप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले प० समणाउसो ! ॥ ६७४ ॥ एएसु णं भंते ! पंचसु महाविदेहेसु अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पन्नवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, एएसु णं पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु पु(रिम)रच्छिमप(च्च)च्छिमगा दुवे अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं पंचाणुव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पन्न(वें)वयंति, अवसेसा णं अरिहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति, एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति । जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए कइ तित्थगरा पन्नत्ता ? गोयमा ! चउव्वीसं तित्थगरा पन्नत्ता, तंजहा–उसभअजियसंभवअभिनंदणसुमइसुप्पभसुपासससिपुप्फदंतसीयलसेज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लिमुणिसुव्वयनमिनेमिपासवद्धमाणा २४ ॥ ६७५ ॥ एएसि णं भंते ! चउवीसाए तित्थगराणं कइ जिणंतरा प० ? गोयमा ! तेवीसं जिणंतरा प० । एएसु णं भंते ! तेवीसाए जिणंतरेसु कस्स कहिं कालियसुयस्स वोच्छेदे प० ? गोयमा ! एएसु णं तेवीसाए जिणंतरेसु पुरिमपच्छिमएसु अट्ठसु २ जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स अवोच्छेदे प०, मज्झिमएसु सत्तसु जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स वोच्छेदे प०, सव्वत्थवि णं वोच्छिन्ने दिट्ठिवाए ॥ ६७६ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं पुव्वगए अणु(सि)सज्जिस्सइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ, जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए अवसेसाणं तित्थगराणं केवइयं कालं पुव्वगए अणुसज्जित्था ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं संखेज्जं कालं अत्थेगइयाणं असंखेज्जं कालं ॥ ६७७ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगवीसं वाससहस्साइं

तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥ ६७८ ॥ जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एक्कवीसं वाससहस्साइं तित्थे अणुसिज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जावइए णं उसभस्स अरहओ कोसलियस्स जिणपरियाए एवइयाइं संखेज्जाइं आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥६७९॥ तित्थं भंते ! ति(त्थे)त्थं तित्थगरे तित्थं ? गोयमा ! अरहा ताव नियमं तित्थगरे, तित्थं पुण चाउवन्नाइन्ने समणसघे, तं०–समणा समणीओ सावगा सावियाओ ॥६८०॥ पवयणं भंते ! पवयणं पावयणी पवयणं ? गोयमा ! अरहा ताव नियमं पावयणी, पवयणं पुण दुवालसंगे गणिपिडगे, तं०–आयारो जाव दिट्ठिवाओ ॥ जे इमे भंते ! उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा नाया कोरव्वा एए णं अस्सिं धम्मे ओगाहंति अस्सिं० २ त्ता अट्ठविहं कम्मरयमलं पवाहेंति पवाहित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? हंता गोयमा ! जे इमे उग्गा भोगा तं चेव जाव अंतं करेंति, अत्थेगइया अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति । कइविहा णं भंते ! देवलोया प० ? गोयमा ! चउव्विहा देवलोया प०, तं०–भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६८१ ॥ **वीसइमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते ! चारणा प० ? गोयमा ! दुविहा चारणा प०, तंजहा–विज्जाचारणा य जंघाचारणा य, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ विज्जाचारणा विज्जाचारणा ? गोयमा ! तस्स णं छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं विज्जाए उत्तरगुणलद्धिं खममाणस्स विज्जाचारणलद्धी नामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव विज्जाचारणा २, विज्जाचारणस्स णं भंते ! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयन्नं जंबूदीवे दीवे जाव किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं देवे णं महिड्डिए जाव महेसक्खे जाव इणामेवत्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिक्खुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते । विज्जाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं माणुसुत्तरे पव्वए समोसरणं करेइ करेत्ता बिइएणं उप्पाएणं नंदीसरवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ, विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते, विज्जाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं नंदणवणे समोसरणं करेइ करेत्ता बिइएणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ,

विज्जाचारणस्स णं गोयमा! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ॥६८२॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जंघाचार(णे)णा २ ? गोयमा! तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स जंघाचारणलद्धी नामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव जंघाचारणा २, जंघाचारणस्स णं भंते! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते? गोयमा! अयन्नं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहेव विज्जाचारणस्स नवरं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, जंघाचारणस्स णं गोयमा! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते सेसं तं चेव। जंघाचारणस्स णं भंते! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते? गोयमा! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं रुयगवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तमाणे बिइएणं उप्पाएणं नंदीसरवर-दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता इह(हव्व)मागच्छइ। जंघाचारणस्स णं गोयमा! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते, जंघाचारणस्स णं भंते! उड्ढं केवइए गइविसए पन्नत्ते? गोयमा! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तमाणे विइएणं उप्पाएणं नंदणवणे समोसरणं करेइ २ त्ता इहमागच्छइ, जंघा-चारणस्स णं गोयमा! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणा-लोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयप-डिक्कते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ६८३ ॥ **वीसइमे सए नवमो उद्देसो समत्तो** ॥

जीवा णं भंते! किं सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया? गोयमा! जीवा सोवक्कमा-उयावि निरुवक्कमाउयावि, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा! नेरइया नो सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया जहा जीवा, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥६८४॥ नेरइया णं भंते! किं आओवक्कमेणं उववज्जंति, परोवक्कमेणं उववज्जंति, निरुवक्कमेणं उववज्जंति? गोयमा! आओवक्कमेणवि उववज्जंति, परोवक्कमेणवि उववज्जंति, निरुवक्कमेणवि उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया णं। नेरइया णं भंते! किं आओवक्कमेणं उववट्टंति, परोवक्क-मेण उववट्टंति, निरुवक्कमेणं उववट्टंति? गोयमा! नो आओवक्कमेणं उव्वट्टंति, नो परोवक्कमेणं उववट्टंति, निरुवक्कमेणं उव्वट्टंति, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया जाव मणुस्सा तिसु उव्वट्टंति, सेसा जहा नेरइया नवरं जोइसियवेमाणिया चयंति॥ नेरइया णं भंते! कि आ(य)इड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति? गोयमा! आइड्ढीए

उववज्जंति नो परिड्ढीए उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया णं। नेरइया णं भंते! किं आइड्ढीए उववट्टंति परिड्ढीए उववट्टंति? गोयमा! आइड्ढीए उव्वट्टंति नो परिड्ढीए उववट्टंति, एवं जाव वेमाणिया, नवरं जोइसियवेमाणिया चयंतीति अभिलावो। नेरइया णं भंते! किं आयकम्मुणा उववज्जंति परकम्मुणा उववज्जंति? गोयमा! आयकम्मुणा उववज्जंति नो परकम्मुणा उववज्जति, एवं जाव वेमाणिया, एवं उव्वट्टणादंडओवि। नेरइया णं भंते! कि आयप्पओगेणं उववज्जंति परप्पओगेणं उववज्जंति? गोयमा! आयप्पओगेणं उववज्जंति नो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया, एवं उव्वट्टणादंडओवि ॥ ६८५ ॥ नेरइया णं भंते! कि कइसंचिया अकइसंचिया अव्वत्त(व)गसंचिया? गोयमा! नेरइया कइसंचियावि अकइसंचियावि अव्वत्तगसंचियावि, से केणट्ठेणं जाव अव्वत्तगसंचियावि? गोयमा! जे णं नेरइया संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया कइसंचिया, जे णं नेरइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया अकइसंचिया, जे णं नेरइया एक्कएगं पवेसणएगं पविसंति ते णं नेरइया अव्वत्तगसंचिया, से तेणट्ठेगं गोयमा! जाव अव्वत्तगसंचियावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइयाणं पुच्छा, गोयमा! पुढविक्काइया नो कइसंचिया अकइसंचिया नो अव्वत्तगसंचिया, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव नो अव्वत्तगसंचिया? गोयमा! पुढविक्काइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति से तेणट्ठेणं जाव नो अव्वत्तगसंचिया, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया, सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा! सिद्धा कइसंचिया नो अकइसंचिया अव्वत्त(व्व)गसंचियावि, से केणट्ठेणं भंते! जाव अव्वत्तगसंचियावि? गोयमा! जे ण सिद्धा संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा कइसंचिया, जे णं सिद्धा एक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा अव्वत्तगसंचिया, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव अव्वत्तगसंचियावि ॥ एएसि णं भंते! नेरइयाणं कइसंचियाणं अकइसंचियाणं अव्वत्तगसंचियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा नेरइया अव्वत्तगसंचिया, कइसंचिया संखेज्जगुणा, अकइसंचिया असंखेज्जगुणा, एवं एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं अप्पाबहुगं, एगिंदियाणं नत्थि अप्पाबहुगं। एएसि णं भंते! सिद्धाणं कइसंचियाणं अव्वत्तगसंचियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा सिद्धा कइसंचिया, अव्वत्तगसंचिया संखेज्जगुणा ॥ नेरइया णं भंते! कि छक्कसमज्जिया १, नोछक्कसमज्जिया २, छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया ३, छक्केहि य समज्जिया ४, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया ५? गोयमा! नेरइया छक्कसमज्जियावि १, नोछक्कसमज्जियावि २, छक्केण य नोछक्केण य समज्जियावि ३,

छक्केहिं समज्जियावि ४, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियावि ५, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया छक्कसमज्जियावि जाव छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियावि ? गोयमा ! जे णं नेरइया छक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्कसमज्जिया १, जे णं नेरइया जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा ति(ती)हिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया नोछक्कसमज्जिया २, जे णं नेरइया एगेणं छक्कएणं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया ३, जे णं नेरइया अणेगेहिं छक्केहिं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्केहिं समज्जिया ४, जे णं नेरइया अणेगेहिं छक्केहिं अण्णेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहि वा तिहि वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो छक्कसमज्जिया १, नो नोछक्कसमज्जिया २, णो छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया ३, छक्केहिं समज्जियावि ४, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियावि ५, से केणट्ठेणं भंते ! जाव समज्जियावि ? गोयमा ! जे णं पुढविकाइया णेगेहिं छक्कएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं पुढविकाइया छक्केहि समज्जिया, जे णं पुढविकाइया णेगेहिं छक्कएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविकाइया छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया सिद्धा एए जहा नेरइया । एएसि णं भंते ! नेरइयाणं छक्कसमज्जियाणं नोछक्कसमज्जियाणं छक्केण य नोछक्केण य समज्जियाणं छक्केहि य समज्जियाणं छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा नेरइया छक्कसमज्जिया, नोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केहि य समज्जिया असंखेज्जगुणा, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, एवं जाव थणियकुमारा । एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं छक्केहिं समज्जियाणं छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुढविकाइया छक्केहिं समज्जिया, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं जाव वेमाणियाणं जहा नेरइयाणं । एएसि णं भंते ! सिद्धाणं छक्कसमज्जियाणं नोछक्कसमज्जियाणं जाव छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया, छक्केहिं समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य नोछक्केण य सम-

ज्जिया संखेज्जगुणा, छक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, नोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा। नेरइया णं भंते! किं बारससमज्जिया १, नोबारससमज्जिया २, बारसएण य नोबारसएण य समज्जिया ३, बारसएहिं समज्जिया ४, बारसएहि य नोबारसएण य समज्जिया ५? गोयमा! नेरइया बारससमज्जियावि जाव बारसएहि य नोबारसएण य समज्जियावि, से केणट्ठेणं भंते! एवं जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं नेरइया बारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया बारससमज्जिया १, जे णं नेरइया जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया नोबारससमज्जिया २, जे णं नेरइया बारसएणं पवेसणएणं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहि वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया बारसएण य नोबारसएण य समज्जिया ३, जे णं नेरइया णेगेहिं बारसएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं नेरइया बारसएहिं समज्जिया ४, जे णं नेरइया णेगेहिं बारसएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया बारसएहि य नोबारसएण य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा! पुढविकाइया नो बारससमज्जिया १, नो नोबारससमज्जिया २, नो बारसएण य नोबारसएण य समज्जिया ३, बारसएहिं समज्जिया ४, बारसएहि य नो बारसएण य समज्जियावि ५, से केणट्ठेणं भंते! जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं पुढविकाइया णेगेहि बारसएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं पुढविकाइया बारसएहि समज्जिया, जे णं पुढविकाइया णेगेहिं बारसएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविकाइया बारसएहि य नोबारसएण य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव सिद्धा जहा नेरइया। एएसि णं भंते! नेरइयाणं बारससमज्जियाणं० सव्वेसिं अप्पाबहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं नवरं बारसाभिलावो सेसं तं चेव। नेरइया णं भंते! किं चुलसीइसमज्जिया १, नोचुलसीइसमज्जिया २, चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया ३, चुलसीईहि समज्जिया ४, चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जिया ५? गोयमा! नेरइया चुलसीइसमज्जियावि जाव चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जियावि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं नेरइया चुलसी(ई)इएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया चुलसीइसमज्जिया १, जे णं नेरइया जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइपवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया नोचुलसीइसमज्जिया २, जे णं नेरइया चुलसी-

इएणं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया ३, जे णं नेरइया णेगेहिं चुलसीइएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं नेरइया चुलसीई(ए)हिं समज्जिया ४, जे णं नेरइया णेगेहिं चुलसीइएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा जाव उक्कोसेणं तेसीइएणं जाव पविसंति ते णं नेरइया चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइया तहेव पच्छिल्लएहिं दोहि २ नवरं अभिलावो चुलसीइओ भंगो एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया। सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा! सिद्धा चुलसीइसमज्जियावि १, नोचुलसीइसमज्जियावि २, चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जियावि ३, नो चुलसीईहिं समज्जिया ४, नो चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जिया ५, से केणट्ठेणं भंते! जाव समज्जिया? गोयमा! जे णं सिद्धा चुलसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीइसमज्जिया, जे णं सिद्धा जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा नोचुलसीइसमज्जिया, जे णं सिद्धा चुलसीइएणं अन्नेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जिया। एएसि णं भंते! नेरइयाणं चुलसीइसमज्जियाणं नोचुलसीइसमज्जियाणं० सव्वेसि अप्पाबहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं जाव वेमाणियाणं, नवरं अभिलावो चुलसीइओ। एएसि णं भंते! सिद्धाणं चुलसीइसमज्जियाणं नोचुलसीइसमज्जियाणं चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जियाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा सिद्धा चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया, चुलसीइसमज्जिया अणंतगुणा, नोचुलसीइसमज्जिया अणंतगुणा। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६८६ ॥ **वीसइमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥ वीसइमं सयं समत्तं ॥ २० ॥**

सालि कल अयसि वंसे इक्खू दब्भे य अब्भ तुलसी य। अट्ठेए दस वग्गा असीइं पुण होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—अह भंते! साली वीही गोधूम जाव जवजवाणं एएसि णं भंते! जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतो० जहा वक्कंतीए तहेव उववाओ नवरं देववज्जं, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, अवहारो जहा उप्पलुद्देसए, तेसि णं भंते! जीवाणं केमहालिया सरी-

रोगाहणा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, ते णं भंते ! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा ? तहेव जहा उप्पलुद्देसए, एवं वेदेवि उदएवि उदीरणाएवि । ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा छव्वीसं भंगा, दिट्ठी जाव इंदिया जहा उप्पलुद्देसए, ते णं भंते ! साली वीही गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ॥ से णं भंते ! साली वीही गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे पुढवीजीवे पुणरवि साली वीही जाव जवजवगमूलगजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइ करेज्जा ? एवं जहा उप्पलुद्देसए, एएणं अभिलावेणं जाव मणुस्सजीवे, आहारो जहा उप्पलुद्देसे ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, समुग्घायसमोहया उव्वट्टणा य जहा उप्पलुद्देसे । अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता साली वीही जाव जवजवगमूलगजीवत्ताए उववन्नपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६८७ ॥ **एगवीसइमे सए पढमवग्गस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥२१-१-१ ॥**

अह भंते ! साली वीही जाव जवजवाणं एएसि णं जे जीवा कंदत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति एवं कंदाहिगारेण सो चेव मूलुद्देसो अपरिसेसो भाणियव्वो जाव असइं अदुवा अणंतखुत्तो, सेवं भंते ! २ त्ति (२१-१-२) एवं खंधेवि उद्देसओ णेयव्वो (२१-१-३) एवं तयाएवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-४) सालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-५) पवालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-६) पत्तेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-७) एए सत्तवि उद्देसगा अपरिसेसं जहा मूले तहा णेयव्वा । एवं पुप्फेवि उद्देसओ णवरं देवो उववज्जइ जहा उप्पलुद्देसे चत्तारि लेस्साओ असीइ भंगा ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं अंगुलपुहुत्तं सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (२१-१-८) जहा पुप्फे एवं फलेवि उद्देसओ अपरिसेसो भाणियव्वो (२१-१-९) एवं बीएवि उद्देसओ (२१-१-१०) एए दस उद्देसगा ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥ २१-१ ॥ अह भंते ! कलायमसूरतिलमुग्गमासनिप्फावकुलत्थआलिसंदगसइणपलिमंथगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं मूलादीया दस उद्देसगा भाणियव्वा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव ॥ बिइओ वग्गो समत्तो ॥ ॥ २१-२ ॥ अह भंते ! अयसिकुसुंभकोद्दवकंगुरालगतुवरीकोदूसासणसरिसवमूलगबीयाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव भाणि-

यव्वं ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २१-३ ॥ अह भंते ! वंसवेणुकणगकक्कावंसवारुवंस-दंडाकुडाविमाचंडावेणुयाकल्लाणीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं, णवरं देवो सव्वत्थवि न उववज्जइ, तिण्णि लेस्साओ, सव्वत्थवि छव्वीसं भंगा सेसं तं चेव ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २१-४॥ अह भंते ! उक्खुइक्खुवाडियावीरणाइक्कडभमाससुंठिसत्तवेत्ततिमिरसयपोरगनलाण एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं जहेव वंसवग्गो तहेव एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा,णवरं खंधुद्देसे देवा उववज्जंति, चत्तारि लेस्साओ प०, सेसं तं चेव ॥ पंचमो वग्गो समत्तो ॥ २१-५ ॥ अह भंते ! सेडियभंडियदब्भकोतियदब्भकुसदब्भगयो-इदलअंजुलआसाढगरोहियंसमुतवखीरभुसएरिंडकुरुभकुंदकरवरसुंठविभंगुमहुवयणथु-रगसिप्पियसुंकलितणाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्दे-सगा निरवसेसं जहेव वंस(वग्गो)स्स ॥ छट्ठो वग्गो समत्तो ॥२१-६॥ अह भंते ! अब्भ-रुहवोयाणहरितगतंदुलेज्जगतणवत्थुलचोरगमज्जारयाईचिल्लियालक्कदगपिप्पलियदव्वि-सोत्थिकसायमंडुक्किमूलगसरिसवअंबिलसागजिवंतगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्देसगा जहेव वंसस्स ॥ सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ २१-७ ॥ अह भंते ! तुलसीकण्हदलफणेज्जाअज्जाचूयणाचोराजीरादमणामरुयाइंदीवरसय-पुप्फाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एत्थवि दस उद्देसगा निरवसेसं जहा वंसाणं ॥ अट्ठमो वग्गो समत्तो ॥ २१-८ ॥ एवं एएसु अट्ठसु वग्गेसु असीइं उद्देसगा भवंति ॥ ६८८ ॥ **एक्कवीसइमं सयं समत्तं** ॥

तालेगट्ठियबहुबीयगा य गुच्छा य गुम्म वल्ली य । छद्दस वग्गा एए सट्ठिं पुण होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–अह भंते ! तालतमालतक्कलितेतलिसालसरलासारगल्लाणं जाव केयतिकदलचम्मरुक्खगुंतरुक्खहिंगुरुक्खलवंगरुक्ख-पूयफलखज्जूरिनालिएरीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहेव सालीणं-णवरं इमं णाणत्तं मूले कंदे खंधे तयाए साले य एएसु पंचसु उद्देसएसु देवो न उव-वज्जइ, तिण्णि लेस्साओ, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं, उव-रिल्लेसु पंचसु उद्देसएसु देवो उववज्जइ, चत्तारि लेस्साओ, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, ओगाहणा मूले कंदे धणुहपुहुत्तं, खंधे तयाय साले य गाउय-पुहुत्तं, पवाले पत्ते धणुहपुहुत्तं, पुप्फे हत्थपुहुत्तं, फले बीए य अंगुलपुहुत्तं, सव्वेसिं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं सेसं जहा सालीणं, एवं एए दस उद्देसगा ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥ २२-१ ॥ अह भंते ! निंबंबजंबुकोसंबतालअंकोल्लपीलुसेलुस-

ल्लइमोयइमालुयचउलपलासकरंजपुत्तंजीवगरिट्ठवहेडगहरियगभल्लायउंबरियखीरणिधायइपियालपूइयणिवायगसेण्हयपासियसीसवअयसिपुण्णागनागरुक्खसीवण्णअसोगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा निरवसेसं जहा तालवग्गो ॥ बिइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-२ ॥ अह भंते ! अत्थियातिदुयवोरकविट्ठअंबाडगमाउलिंगबिल्लआमलगफणसदाडिमआसत्थउंबरवडणग्गोहनंदिरुक्खपिप्पलिसतरपिलक्खुरुक्खकाउंवरियकुच्छुंभरियदेवदालितिलगलउयछत्तोहसिरीससत्तवण्णदहिवण्णलोद्धधवचंदणअज्जुणणीवकुडुगकलंवाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव वीयं ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-३ ॥ अह भंते ! वाइंगणिअल्लइपोडइ एवं जहा पण्णवणाए गाहाणुसारेणं णेयव्वं जाव गंजपाडलावासिअंकोल्लाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव बीयंति निरवसेसं जहा वंसवग्गो ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २२-४ ॥ अह भंते ! सिरियकाणवनालियकोरंटगवंधुजीवगमणोज्जा जहा पण्णवणाए पढमपए गाहाणुसारेणं जाव नलणी य कुंदमहाजाईणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा निरवसेसं जहा सालीणं ॥ पंचमो वग्गो समत्तो ॥ ॥ २२-५ ॥ अह भंते ! पूसफलिकालिंगीतुंबीतउसीएलावालुंकी एवं पयाणि छिंदियव्वाणि पण्णवणागाहाणुसारेणं जहा तालवग्गे जाव दधिफोल्लइकाकलिसोक्कलिअक्कवोंदीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहा तालवग्गो, णवरं फलउद्देसे ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, ठिई सव्वत्थ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं सेसं तं चेव ॥ छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ २२-६ ॥ एवं छसुवि वग्गेसु सट्ठि उद्देसगा भवंति ॥ ६८९ ॥ **बावीसइमं सयं समत्तं ॥**

णमो सुयदेवयाए भगवईए। आलुयलोही अवया पाढी तह मासवण्णिवल्ली य। पंचेते दसवग्गा पण्णासं होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—अह भंते ! आलुयमूलगसिंगबेरहालिद्दरुक्खकंडरियजारुच्छीरबिरालिकिट्ठिकुंदुकण्हकडडसुमहुपयलइमहुसिंगिणिरुहासप्पसुगंधाछिण्णरुहावीयरुहाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा वंसवग्गसरिसा णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, अवहारो गोयमा ! ते णं अणंता समए २ अवहीरमाणा २ अणंताहि ओसप्पिणीहिं उस्सप्पिणीहि एवइयकालेणं अवहीरंति णो चेव णं अवहरिया सिया,

ठिई जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥ २३-१ ॥ अह भंते ! लोहीणीहूथीहूथिवगाअस्सकण्णीसीहकण्णीसीउंढीमुसंढीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्देसगा जहेव आलुयवग्गे, णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ बिइओ वग्गो समत्तो ॥ २३-२ ॥ अह भंते ! आयकायकुहुणकुंदुरुक्कउव्वेहलियासफासज्जाछत्तावंसाणियकुमाराणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा निरवसेसं जहा आलुवग्गो णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २३-३ ॥ अह भंते ! पाढामियवालुंकिमहुररसारावल्लिपउमामोढरिदंतिचंडीणं एएसि णं जे जीवा मूल० एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा आलुयवग्गसरिसा णवरं ओगाहणा जहा वल्लीणं, सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २३-४ ॥ अह भंते ! मासपण्णीमुग्गपण्णीजीवसरिसवकएणुयकाओलिखीरकाकोलिभंगिणहिंकिसिरासिभद्दमुच्छणंगलइपओयकिंणापउलपाढेहरेणुयालोहीणं एएसि णं जे जीवा मूल० एवं एत्थवि दस उद्देसगा णिरवसेसं आलुयवग्गसरिसा ॥ पंचमो वग्गो समत्तो ॥ २३-५ ॥

एवं एत्थ पंचसुवि वग्गेसु पन्नासं उद्देसगा भाणियव्वा सव्वत्थ देवा ण उववज्जंति, तिन्नि लेस्साओ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९० ॥ **तेवीसइमं सयं समत्तं** ॥

उववायपरीमाणं संघयणुच्चत्तमेव संठाणं । लेस्सा दिट्ठी णाणे अन्नाणे जोग उवओगे ॥ १ ॥ सन्नाकसायइंदियसमुग्घाया वेयणा य वेदे य । आउं अज्झवसाणा अणुबंधो कायसंवेहो ॥ २ ॥ जीवपदे जीवपदे जीवाणं दंडगंमि उद्देसो । चउवीसइमंमि सए चउवीसं होंति उद्देसा ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–णेरइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, किं नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! णो नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जंति, मणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति, णो देवेहिंतो उववज्जंति, जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, बेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० तेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० चउरिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! नो एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो बेइंदिय० णो तेइंदिय० णो चउरिंदिय० पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा ! सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणि

एहिंतोवि उववज्जंति, जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जंति थलचरेहिंतो उववज्जंति खहचरेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जलचरेहिंतो उववज्जंति, थलचरेहिंतोवि उववज्जंति, खहचरेहिंतोवि उववज्जंति, जइ जलचरे० थलचरे० खहचरेहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति, पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगाए रयणप्पभाए पुढवीए उववज्जेज्जा, पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा १, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति २, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी पन्नत्ता ? गोयमा ! छेवट्ठसंघयणी प० ३, तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं ४, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! हुंडसठाणसठिया पन्नत्ता ५, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! तिन्नि लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा ६, ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी ७, ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अन्नाणी ? गोयमा ! णो णाणी अन्नाणी नियमा दुअन्नाणी तं०–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य ८–९, ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी वइजोगीवि कायजोगीवि १०, ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ११, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सन्नाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि सन्नाओ प०, तं०–आहारसन्ना भयसन्ना मेहुणसन्ना परिग्गहसन्ना १२, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ कसाया प० ? गोयमा ! चत्तारि कसाया प०, तं०–कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए १३, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ इंदिया प० ? गोयमा ! पंचिंदिया प०, तं०–सोइंदिए चक्खिदिए जाव फासिंदिए १४, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तओ समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए १५,

ते णं भंते! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा? गोयमा! सायावेयगावि असायावेयगावि १६, ते णं भंते! जीवा किं इत्थीवेयगा पुरिसवेयगा नपुंसगवेयगा? गोयमा! णो इत्थीवेयगा णो पुरिसवेयगा नपुंसगवेयगा १७, तेसि णं भंते! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प०? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी १८, तेसि णं भंते! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा प०? गोयमा! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते णं भंते! किं पसत्था अप्पसत्था? गोयमा! पसत्थावि अप्पसत्थावि १९, से णं भंते! पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी २०, से णं भंते! पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए रयणप्पभापुढवीणेरइए पुणरवि पज्जत्तअसन्निपंचिदियतिरिक्खजोणिएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २१। पज्जत्तअसन्निपंचिदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? एवं सच्चेव वत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा जाव अणुबंधोत्ति, से णं भंते! पज्जत्तअसन्निपंचिदियतिरिक्खजोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभापुढविणेरइए जहन्नकाल० २ पुणरवि पज्जत्तअसन्नि जाव गइरागइं करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २। पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा अवसेसं तं चेव जाव अणुबंधो। से णं भंते! पज्जत्तअसन्निपंचिदियतिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभापुढविनेरइए उक्कोस पुणरवि पज्जत्त जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिअब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा

एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ३। जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया अवसेसं तं चेव णवरं इमाइं तिन्नि णाणत्ताइं आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य, जहन्नेणं ठिई अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, तेसि णं भंते! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा प०? गोयमा! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते णं भंते! किं पसत्था अप्पसत्था? गोयमा! णो पसत्था अप्पसत्था, अणुबंधो अंतोमुहुत्तं सेसं तं चेव। से णं भंते! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदिय० रयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव गइरागइं करेज्जा ४। जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा सेसं तं चेव ताइं चेव तिन्नि णाणत्ताइं जाव से णं भंते! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव जोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभा पुणरवि जाव गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणवि दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ५। जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणियाणं भंते! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठि(इ)ईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा अवसेसं तं चेव ताइं चेव तिन्नि णाणत्ताइं जाव से णं भंते! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकाल(ट्ठिई)स्स जाव उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठि-

ईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं अवसेसं जहेव ओहियगमएणं तहेव अणुगंतव्वं, नवरं (जाव) इमाइं दोन्नि नाणत्ताइं–ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, अवसेसं तं चेव, से णं भंते! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्नि जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहि अब्भहिया उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं जाव करेज्जा ७। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्ततिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ जाव उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! सेसं तं चेव जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते! उक्कोसकालट्ठिई जाव तिरिक्खजोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणवि पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइयं जाव करेज्जा ८। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकाल जाव उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं सेसं जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव गइरागइं करेज्जा ९। एवं एए ओहिया तिन्नि गमगा ३, जहन्नकालट्ठिईएसु तिन्नि गमगा ६, उक्कोसकालट्ठिईएसु तिन्नि गमगा ९, सव्वेते णव गमगा भवंति ॥ ६९१–२ ॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्ख जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति णो असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति, जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जंति पुच्छा, गोयमा! जलचरेहिंतो उववज्जंति जहा असन्नी जाव पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति,

पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा? गोयमा! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तंजहा-रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? जहेव असन्नी, तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प०? गोयमा! छव्विहसंघयणी प०, तं०-वइरोसभनारायसंघयणी उसभनारायसंघयणी जाव छेवट्ठसंघयणी, सरीरोगाहणा जहेव असन्नीणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प०? गोयमा! छव्विहसंठिया प०, तंजहा-समचउरंस० णग्गोह० जाव हुंड०, तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ प०? गोयमा! छल्लेस्साओ पन्नत्ताओ, तंजहा-कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, दिट्ठी तिविहावि, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि सेसं जहा असन्नीणं जाव अणुबंधो, नवरं पंच समुग्घाया प० आइल्लगा, वेदो तिविहोवि, अवसेसं तं चेव जाव से णं भंते! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहि अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा १। पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव जे भविए जहन्नकाल जाव से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एवं सो चेव पढमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं काल सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसो परि(णामा)माणादीओ भवादेसपज्जवसाणो सो चेव पढमगमगो णेयव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहि पुव्वकोडीहि अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ३, जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढवि जाव उववज्जित्तए से णं भंते!

केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसो सो चेव गमओ नवरं इमाइं अट्ठ णाणत्ताइं–सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, लेस्साओ तिन्नि आदिल्लाओ, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मा-मिच्छादिट्ठी, णो णाणी दो अन्नाणा णियमं, समुग्घाया आदिल्ला तिन्नि, आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य जहेव असन्नीणं अवसेसं जहा पढमगमए जाव काला-देसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोव-माइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ४, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससह-स्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ५ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं साग-रोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६ । उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसो परिमाणादीओ भवादेसपज्जवसाणो एएसि चेव पढमो गमओ णेयव्वो नवरं ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७ । सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उवव-ज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा सो चेव सत्तमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव भवा-देसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं जाव करेज्जा ८, उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईय जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं

सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा सो चेव सत्तमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ९। एवं एए णव गमगा उक्खेवनिक्खेवओ नवसुवि जहेव असन्नीणं ॥ ६९३ ॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं एवं जहेव रयणप्पभाए उववज्जंत(गम)गस्स लद्धी सच्चेव निरवसेसा भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बारससागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, एवं रयणप्पभापुढविगमगसरिसा णववि गमगा भाणियव्वा नवरं सव्वगमएसुवि नेरइयट्ठिई(य)संवेहेसु सागरोवमा भाणियव्वा एवं जाव छट्ठीपुढवित्ति, णवरं नेरइयठिई जा जत्थ पुढवीए जहन्नुक्कोसिया सा तेणं चेव कमेणं चउग्गुणा कायव्वा, वालुयप्पभाए पुढवीए अट्ठावीसं सागरोवमा चउगुणिया भवंति, पंकप्पभाए चत्तालीसं, धूमप्पभाए अट्ठसट्ठिं, तमाए अट्ठासीइं, संघयणाइं वालुयप्पभाए पंचविहसंघयणी तं०—वइरोसभनारायसंघयणी जाव कीलियासंघयणी, पंकप्पभाए चउव्विहसंघयणी, धूमप्पभाए तिविहसंघयणी, तमाए दुविहसंघयणी तं०—वइरोसभनारायसंघयणी य उसभनारायसंघयणी य, सेसं तं चेव ॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव रयणप्पभाए णव गमगा लद्धीवि सच्चेव णवरं वइरोसभणारायसंघयणी, इत्थिवेदगा न उववज्जंति सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, संवेहो भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं कालादेसोवि तहेव जाव चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं

उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहि अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव रयणप्पभापुढविजहन्नकालट्ठिईयवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, नवरं पढमसंघयणं णो इत्थिवेदगा, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइय जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसोत्ति ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठि सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भते! अवसेसा सच्चेव सत्तमपुढविपढमगमगवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, नवरं ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहि अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहि अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी संवेहोवि तहेव सत्तमगमगसरिसो ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठि सागरोवमाइं तिहि पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ॥ ६९४ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो असण्णिमणुस्सेहितो उववज्जंति, जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जन्ति किं संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उ० णो असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति, जइ संखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति अपज्जत्त जाव उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति नो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्नि-

मणुस्से णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तं०-रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिइएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिइएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा (वा) उववज्जंति, संघयणा छ, सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, एवं सेसं जहा सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जाव भवादेसोत्ति, नवरं चत्तारि णाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, छ समुग्घाया केवलिवज्जा, ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिइएसु उववन्नो सा चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं जाव करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिइएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिइओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं इमाइं पंच नाणत्ताइं-सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणवि अंगुलपुहुत्तं, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, पंच समुग्घाया आइल्ला, ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणवि मासपुहुत्तं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिइएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया चउत्थगमगसरिसा णेयव्वा नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिइएसु उववन्नो एस चेव गमगो नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिइओ जाओ सो चेव पढमगमओ णेयव्वो नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं

उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव रयणप्पभापुढविजहन्नकालट्ठिईयवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, नवरं पढमसंघयणं णो इत्थिवेदगा, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइय जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसोत्ति ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहि अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! अवसेसा सच्चेव सत्तमपुढविपढमगमगवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, नवरं ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहि पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी संवेहोवि तहेव सत्तमगमगसरिसो ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहि पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ॥ ६९४ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जन्ति किं संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उ० णो असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति, जइ संखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति अपज्जत्त जाव उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति नो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्नि-

मणुस्से णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तं०-रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा (वा) उववज्जंति, संघयणा छ, सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, एवं सेसं जहा सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जाव भवादेसोत्ति, नवरं चत्तारि णाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, छ समुग्घाया केवलिवज्जा, ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सा चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं जाव करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं इमाइं पंच नाणत्ताइं-सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणवि अंगुलपुहुत्तं, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, पंच समुग्घाया आइल्ला, ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणवि मासपुहुत्तं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहि मासपुहुत्तेहि अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया चउत्थगमगसरिसा णेयव्वा नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं मासपुहुत्तेहि अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव गमगो नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमओ णेयव्वो नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं

पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं जाव करेज्जा ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सा चेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं एगं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ९॥ ६९५॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइएसु जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकाल जाव उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! एवं सो चेव रयणप्पभापुढविगमओ णेयव्वो नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं वासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, एवं एसा ओहिएसु तिसु गमएसु मणूसस्स लद्धी नाणत्तं नेरइयट्ठिई कालादेसेणं संवेहं च जाणेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तिसुवि गमएसु एस चेव लद्धी नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं, ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि, सेसं जहा ओहियाणं संवेहो सव्वो उव(जुज्जि)जुंजिऊण भाणियव्वो ४-५-६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु इमं णाणत्तं-सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, सेसं जहा पढमगमए नवरं नेरइयठि(ई) इं कायसंवेहं च जाणेज्जा ९, एवं जाव छट्ठपुढवी नवरं तच्चाए आढवेत्ता एक्केक्कं संघयणं परिहायइ जहेव तिरिक्खजोणियाणं कालादेसोवि तहेव नवरं मणुस्सट्ठिई भाणियव्वा॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए अहेसत्तमापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं बावीसं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं अवसेसो सो चेव सक्करप्पभापुढविगमओ णेयव्वो नवरं पढमं संघयणं इत्थिवेयगा न उववज्जंति सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं

कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइ एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं नेरइयट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं संवेहं च जाणेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं, ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि, संवेहो उवउंजिऊण भाणियव्वो ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि णवसुवि एएसु गमएसु नेरइयट्ठि(इं)ई संवेहं च जाणेज्जा, सव्वत्थ भवग्गहणाइं दोन्नि जाव णवमगमए कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ९। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६९६ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–असुरकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जति तिरिक्ख० मणुस्से० देवेहितो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति नो देवेहितो उववज्जंति, एवं जहेव नेरइयउद्देसए जाव पज्जत्तअसन्निपंचिदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं रयणप्पभागमगसरिसा णववि गमा भाणियव्वा नवरं जाहे अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे अज्झवसाणा पसत्था णो अप्पसत्था तिसुवि गमएसु अवसेसं तं चेव ९॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति कि संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा

उववज्जंति, वइरोसभनारायसंघयणी, ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं छ गाउयाइं, समचउरंससंठाणसंठिया प०, चत्तारि लेस्साओ आइल्लाओ, णो सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी अन्नाणी नियमं दुअन्नाणी मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, जोगो तिविहोवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, पंच इंदिया, तिन्नि समुग्घाया आइल्लगा, समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, वेयणा दुविहावि सायावेयगावि असायावेयगावि, वेदो दुविहोवि इत्थिवेयगावि पुरिसवेयगावि णो नपुंसगवेयगा, ठिई जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेण तिन्नि पलिओवमाइं, अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि, अणुबंधो जहेव ठिई, कायसंवेहो भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठि(इं)इं संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई से जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं सेसं तं चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! अवसेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, नवरं ओगाहणा जहन्नेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगं धणुहसहस्सं, ठिई जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेणवि साइरेगा पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं० ४, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं साइरेगपुव्वकोडिआउएसु उक्कोसेणवि साइरेगपुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा सेसं तं चेव, नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ उक्कोसेणवि साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं कालं सेवेज्जा० ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमगो भाणियव्वो नवरं ठिई जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छ पलिओवमाइं एवइयं० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो

जहण्णेणं तिपलिओव० उक्कोसेणवि तिपलिओव० एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं० ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति किं जलचर० एवं जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं एवं एएसिं रयणप्पभपुढविगमगसरिसा नव गमगा णेयव्वा, नवरं जाहे अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु इमं णाणत्तं चत्तारि लेस्साओ अज्झवसाणा पसत्था नो अप्पसत्था सेसं तं चेव संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणुस्सेहिंतो उ० असन्निमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सन्निमणुस्सेहिंतो उ० नो असन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं असंखेज्जवासाउयतिरिक्खजोणियसरिसा आइल्ला तिन्नि गमगा नेयव्वा, नवरं सरीरोगाहणा पढमबिइएसु गमएसु जहन्नेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं सेसं तं चेव, तइयगमे ओगाहणा जहन्नेणं तिन्नि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं सेसं जहेव तिरिक्खजोणियाणं ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि जहन्नकालट्ठिईयतिरिक्खजोणियसरिसा तिन्नि गमगा भाणियव्वा, नवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहण्णेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं सेसं तं चेव ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि ते चेव पच्छिल्लगा तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहन्नेणं तिन्नि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं अवसेसं तं चेव ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्ज जाव उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्ज० णो अपज्जत्तसंखेज्ज०, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव

एएसिं रयणप्पभाए उववज्जमाणाणं णव गमगा तहेव इहवि णव गमगा भाणियव्वा णवरं संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो सेसं तं चेव ९, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९७ ॥ **चउवीसइमे सए बीओ उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–नागकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति नो देवेहिंतो उववज्जंति, जइ तिरिक्खजोणि० एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया तहा एएसिंपि जाव असण्णित्ति, जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए नागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालट्ठिई० ? गोयमा ! जहन्नेणंदस वाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदुपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसो सो चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स गमगो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो तस्सवि एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई जहन्नेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं देसूणाइं चत्तारि पलिओवमाइं उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं कालं० ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जहन्नकालट्ठिईयस्स तहेव निरवसेसं ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तहेव तिन्नि गमगा जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स नवरं नागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० णो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय०, पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठि० उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठि० एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स वत्तव्वया तहेव इहवि णवसुवि गमएसु, णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणु० असण्णिमणु० ? गोयमा ! सन्निमणु० णो असन्निमणुस्से० जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जाव असंखेज्जवा-

साउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जइ ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु एवं जहेव असंखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं नागकुमारेसु आइल्ला तिन्नि गमगा तहेव इमस्सवि, नवरं पढमबिइएसु गमएसु सरीरोगाहणा जहन्नेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, तइयगमे ओगाहणा जहन्नेणं देसूणाइं दो गाउयाइं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं सेसं तं चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव निरवसेसं ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव उक्कोसकालट्ठिईयस्स असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स नवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निमणु० किं पज्जत्तसंखेज्ज० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्ज० णो अपज्जत्तसंखेज्ज०, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु उ० एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स सच्चेव लद्धी निरवसेसा नवसु गमएसु णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९८ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

अवसेसा सुवन्नकुमाराई जाव थणियकुमारा एएवि अट्ठ उद्देसगा जहेव नागकुमाराणं तहेव निरवसेसा भाणियव्वा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६९९ ॥
चउवीसइमस्स सयस्स एक्कारसमो उद्देसो समत्तो ॥

पुढविकाइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं एगिंदियतिरिक्खजोणिए० एवं जहा वक्कंतीए उववाओ जाव जइ बायरपुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तबादर जाव उववज्जंति अपज्जत्तबादरपुढवि जाव उ० ? गोयमा ! पज्जत्तबादरपुढवि० अपज्जत्तबादरपुढवि जाव उववज्जंति, पुढविकाइए णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उववज्जंति, छेवट्ठसंघयणी, सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, मसूरचंदसंठिया, चत्तारि लेस्साओ, णो

सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी अन्नाणी दो अन्नाणा नियमं, णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, एगे फासिंदिए पन्नत्ते, तिन्नि समुग्घाया, वेयणा दुविहा, णो इत्थिवेदगा णो पुरिसवेदगा नपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वावीसं वाससहस्साइं, अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि अणुवंधो जहा ठिई १, से णं भंते ! पुढविकाइए पुणरवि पुढविकाइएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु एवं चेव वत्तव्वया निरवसेसा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं वावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि वावीसवाससहस्सट्ठिईएसु सेसं तं चेव जाव अणुवंधोत्ति, णवरं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जेज्जा, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं वावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावत्तरिं वाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं एवइयं कालं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमिल्लओ गमओ भाणियव्वो नवरं लेस्साओ तिन्नि, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्झवसाणा, अणुवंधो जहा ठिई सेसं तं चेव ४, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव चउत्थगमगवत्तव्वया भाणियव्वा ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा जाव भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं वावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एवं तइयगमगसरिसो निरवसेसो भाणियव्वो नवरं अप्पणा से ठिई जहन्नेणं वावीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणवि वावीसं वाससहस्साइं ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, एव जहा सत्तमगमगो जाव भवादेसो, कालादेसेणं जहन्नेण वावीस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहि अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं वावीस वाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि वावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु एस

चेव सत्तमगमगवत्तव्वया जाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं चोयालीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणं छावत्तरिवाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं एवइयं० ९ ॥ जइ आउक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सुहुमआउ० बादर-आउ० एवं चउक्कओ भेदो भाणियव्वो जहा पुढविक्काइयाणं, आउक्काइयाणं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं पुढविक्काइयगमगसरिसा नव गमगा भाणियव्वा ९, नवरं थिबुगबिंदुसंठिए, ठिई जहन्नेण अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं, एवं अणुबंधोवि एवं तिसुवि गमएसु, ठिई संवेहो तइयछट्ठसत्तमट्ठमणवमगमएसु भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, सेसेसु चउसु गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, तइयगमए कालादेसेण जहन्नेणं बावीसं वासस-हस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सोलसुत्तर वाससयसहस्सं एवइयं०, छट्ठे गमए कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, सत्तमे गमए कालादेसेण जहन्नेणं सत्त वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सोलसुत्त-रवाससयसहस्सं एवइयं०, अट्ठमे गमए कालादेसेणं जहन्नेणं सत्त वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठावीसं वाससहस्साइं चउहि अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, णवमे गमए भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं एगूणतीस वाससहस्साइं उक्कोसेणं सोलसु-त्तरं वाससयसहस्सं एवइयं०, एवं णवसुवि गमएसु आउक्काइयठिई जाणियव्वा ९ ॥ जइ तेउक्काइएहिंतो उववज्जंति तेउक्काइयाणवि एस चेव वत्तव्वया नवरं नवसुवि गमएसु तिन्नि लेस्साओ तेउक्काइयाणं सु(सू)ईकलावसंठिया ठिई जाणियव्वा तइय-गमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं बारसहिं राइंदिएहिं अब्भहियाइं एवइयं एवं संवेहो उवजुंजि-ऊण भाणियव्वो ९॥ जइ वाउक्काइएहिंतो उववज्जंति वाउक्काइयाणवि एवं चेव णव गमगा जहेव तेउक्काइयाणं णवरं पडागासंठिया प० संवेहो वाससहस्सेहि कायव्वो तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं एगं वाससयसहस्सं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ॥ जइ वणस्सइ-काइएहिंतो उववज्जंति वणस्सइकाइयाणं आउकाइयगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा नवरं णाणासंठिया सरीरोगाहणा प० पढमएसु पच्छिल्लएसु

य तिसु गमएसु जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं मज्झिल्लएसु तिसु तहेव जहा पुढविकाइयाणं संवेहो ठिई य जाणियव्वा तइयगमए कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठावीसुत्तरं वाससयसहस्सं एवइयं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ॥ ७०० ॥ जइ बेइंदिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तबेइंदिएहिंतोवि उववज्जंति, बेइंदिए णं भंते! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइकाल०? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं०? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, छेवट्ठसंघयणी, ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं बारस जोयणाइं, हुंडसंठिया, तिन्नि लेस्साओ, सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि नो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो णाणा दो अन्नाणा नियमं, णो मणजोगी वइजोगीवि कायजोगीवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, दो इंदिया प०, तं०-जिब्भिदिए य फासिंदिए य, तिन्नि समुग्घाया सेसं जहा पुढविकाइयाणं णवरं ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जं कालं एवइयं० १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया सव्वा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एसा चेव बेइंदियस्स लद्धी नवरं भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि एस चेव वत्तव्वया तिसुवि गमएसु नवरं इमाइं सत्त णाणत्ताइं सरीरोगाहणा जहा पुढविकाइयाणं, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो अन्नाणा णियमं, णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अज्झवसाणा अप्पसत्था, अणुबंधो जहा ठिई, संवेहो तहेव आइल्लेसु दोसु गमएसु तइयगमए भवादेसो तहेव अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एयस्सवि ओहियगमगसरिसा तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं तिसुवि गमएसु ठिई जहन्नेणं

बारस संवच्छराइं उक्कोसेणवि बारस संवच्छराइं, एवं अणुबंधोवि, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं जाव णवमे गमए जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं बारसहिं संवच्छरेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइ वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ तेइंदिएहिंतो पुढविकाइएसु उववज्जन्ति एवं चेव नव गमगा भाणियव्वा नवरं आइल्लेसु तिसुवि गमएसु सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, तिन्नि इंदियाइं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं एगूणपन्नं राइंदियाइं, तइयगमए कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं छन्नउइं राइंदियसयमब्भहियाइं एवइयं०, मज्झिमगा तिन्नि गमगा तहेव पच्छिमगावि तिन्नि गमगा तहेव नवरं ठिई जहन्नेणं एगूणपन्नं राइंदियाइं उक्कोसेणवि एगूणपन्नं राइंदियाइं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ९ ॥ जइ चउरिंदिएहिंतो उववज्जन्ति एवं चेव चउरिंदियाणवि नव गमगा भाणियव्वा नवरं एएसु चेव ठाणेसु नाणत्ता भाणियव्वा सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं छम्मासा एवं अणुबंधोवि, चत्तारि इंदियाइं सेसं तं चेव जाव नवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं छहिं मासेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउवीसाए मासेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए०? गोयमा ! सन्निपंचिंदिय०, असण्णिपंचिंदिय०, जइ असण्णिपंचिंदिय जाव उ० किं जलचरेहिंतो उववज्जंति जाव किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति, असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव बेइंदियस्स ओहियगमए लद्धी तहेव नवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, पंचिंदिया, ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं० णवसुवि गमएसु कायसंवेहो भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं, नवरं मज्झिमएसु तिसु गमएसु जहेव बेइंदियस्स

मज्झिमएसु तिसु गमएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहा एयस्स चेव पढमगमए, नवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तं चेव जाव नवम गमए जहण्णेणं पुव्वकोडी बावीसाए वाससहस्सेहि अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं सेवेज्जा० ९ ॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणि जाव उ० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय जाव उ०, जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं जलचरेहिंतो सेसं जहा असन्नीणं जाव ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स सन्निपंचिंदियस्स तहेव इहवि, नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तहेव जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं०, एवं संवेहो णवसुवि गमएसु जहा असन्नीणं तहेव निरवसेसं लद्धी से आइल्लएसु तिसुवि गमएसु एस चेव मज्झिल्लएसुवि तिसु गमएसु एस चेव नवरं इमाइं नव णाणत्ताइं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, तिन्नि लेस्साओ, मिच्छादिट्ठी, दो अन्नाणा, कायजोगी, तिन्नि समुग्घाया, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्झवसाणा, अणुबंधो जहा ठिई सेसं तं चेव, पच्छिल्लएसु तिसुवि गमएसु जहेव पढमगमए णवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तं चेव ९ ॥ ७०१ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति, असन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु० से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु एवं जहा असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहन्नकालट्ठिईयस्स तिन्नि गमगा तहा एयस्सवि ओहिया तिन्नि गमगा भाणियव्वा तहेव निरवसेसा सेसा छ न भण्णंति १ ॥ जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उ० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय जाव उ०, जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं पज्जत्त० अपज्जत्त० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्जवासा जाव उ०, सन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स तहेव तिसुवि गमएसु लद्धी नवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को-

सेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, संवेहो नवसु गमएसु जहेव सन्निपंचिंदियस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु लद्धी जहेव सन्निपंचिंदियस्स म० सेसं तं चेव निरवसेसं, पच्छिल्ला तिन्नि गमगा जहा एयस्स चेव ओहिया गमगा नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तहेव नवरं पच्छिल्लएसु गमएसु संखेज्जा उववज्जंति नो असंखेज्जा उववज्जंति ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतोवि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति किं असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं ठिई, ते णं भंते ! जीवा पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प० ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी जाव परिणमंति, तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त रयणीओ, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते समचउरंससंठाणसंठिया प०, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णाणासंठाणसंठिया प०, लेस्साओ चत्तारि, दिट्ठी तिविहावि, तिन्नि णाणा नियमं, तिन्नि अन्नाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, पंच इंदिया, पंच समुग्घाया, वेयणा दुविहावि, इत्थिवेदगावि पुरिसवेदगावि णो णपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं, अज्झवसाणा असंखेज्जा पसत्थावि अप्पसत्थावि, अणुबंधो जहा ठिई, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं०, एवं णववि गमा णेयव्वा नवरं मज्झिल्लएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु असुरकुमाराणं ठिइविसेसो जाणियव्वो सेसा ओहिया चेव

लद्धी कायसंवेहं च जाणेज्जा, सव्वत्थ दो भवग्गहणाइं जाव णवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं उक्कोसेणवि साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं० ९ ॥ णागकुमारा णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइए एस चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, णवरं ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं, एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं, एवं णववि गमगा असुरकुमारगमगसरिसा नवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा, एवं जाव थणियकुमाराणं ॥ जइ वाणमंतरदेवेहिंतो उववज्जंति किं पिसायवाणमंतर० जाव गंधव्ववाणमंतर० ? गोयमा ! पिसायवाणमंतर० जाव गंधव्ववाणमंतर०, वाणमंतरदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइए एएसिंपि असुरकुमारगमगसरिसा नव गमगा भाणियव्वा, नवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमं सेसं तहेव ॥ जइ जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति किं चंदविमाणजोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति जाव ताराविमाणजोइसियदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! चंदविमाण जाव उ० जाव ताराविमाण जाव उ०, जोइसियदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइए लद्धी जहा असुरकुमाराणं णवरं एगा तेउलेस्सा प०, तिन्नि णाणा तिन्नि अन्नाणा णियमं, ठिई जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्सेणं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा ॥ जइ वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं कप्पोववण्णगवेमाणिय० कप्पातीयवेमाणिएहिंतो उ० ? गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० णो कप्पातीतवेमाणिय जाव उ०, जइ कप्पोववन्नग जाव उ० किं सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० जाव अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० ? गोयमा ! सोहम्मकप्पोववन्नगवेमाणिय० ईसाणकप्पोववन्नगवेमाणिय जाव उ०, णो सणंकुमार जाव णो अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ०, सोहम्मगदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय० एवं जहा जोइसियस्स गमगो णवरं ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं पलिओवमं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा । ईसाणदेवे णं भंते ! जे भविए एवं ईसाणदेवेणवि णव गमगा भाणियव्वा नवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं

साइरेगं पलिओवमं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०२ ॥ **चउवीसइमे सए बारहमो उद्देसो समत्तो ॥**

आउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहेव पुढविक्काइयउद्देसए जाव पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए आउक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्तवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो भाणियव्वो णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०३ ॥ **चउवीसइमे सए तेरहमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं (णवरं) पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो उद्देसो भाणियव्वो नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, देवेहिंतो ण उववज्जंति, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०४ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स चउद्दसमो उद्देसो समत्तो ॥**

वाउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहेव तेउक्काइयउद्देसओ तहेव नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०५ ॥ **चउवीसइमे सए पण्णरहमो उद्देसो समत्तो ॥**

वणस्सइकाइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं पुढविक्काइयसरिसो उद्देसो नवरं जाहे वणस्सइकाइया वणस्सइकाइएसु उववज्जन्ति ताहे पढमबिइयचउत्थपंचमेसु गमएसु परिमाणं अणुसमयं अविरहियं अणंता उववज्जंति, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अणंतं कालं एवइयं०, सेसा पंच गमा अट्ठभवग्गहणिया तहेव नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥७०६॥ **चउवीसइमस्स सयस्स सोलहमो उद्देसो समत्तो ॥**

बेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति जाव पुढविकाइए णं भंते ! जे भविए बेइंदिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० सच्चेव पुढविकाइयस्स लद्धी जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं एवइयं०, एवं तेसु चेव चउसु गमएसु संवेहो सेसेसु पंचसु गमएसु तहेव अट्ठ भवा । एवं जाव चउरिंदिएणं समं चउसु संखेज्जा भवा, पंचसु अट्ठ भवा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सेसु समं तहेव अट्ठ भवा, देवे चेव न उववज्जंति, ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०७ ॥ २४-१७ ॥ तेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं तेइंदियाणं जहेव बेइंदियाणं उद्देसो नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, तेउक्काइएसु समं तइयगमो उक्कोसेणं अट्ठुत्तराइं बेराइंदियसयाइं बेइंदिएहिं समं तइयगमे

उक्कोसेणं अडयालीसं संवच्छराइं छन्नउयराइंदियसयमब्भहियाइं तेइंदिएहिं समं तइयगमे उक्कोसेणं बाणउयाइं तिन्नि राइंदियसयाइं एवं सव्वत्थ जाणेज्जा जाव सन्निमणुस्सत्ति, सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७०८ ॥ २४-१८ ॥ चउरिंदिया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति? जहा तेइंदियाणं उद्देसओ तहेव चउरिंदियाणवि नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ७०९ ॥ २४-१९ ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइ० तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! नेरइएहिंतोवि उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतोवि उ० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतोवि उववज्जंति, रयणप्पभापुढविनेरइए णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया नवरं संघयणे पोग्गला अणिट्ठा अकंता जाव परिणमंति, ओगाहणा दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिन्नि रयणीओ छच्चंगुलाइं, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्कोसेणं पन्नरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ, तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प०? गोयमा! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया प०, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया प०, एगा काउलेस्सा प०, समुग्घाया चत्तारि, णो इत्थिवेदगा णो पुरिसवेदगा णपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं सागरोवमं एवं अणुबंधोवि, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु अवसेसं तहेव, नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं तहेव उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं० २, एवं सेसावि सत्त गमगा भाणियव्वा जहेव नेरइयउद्देसए सन्निपंचिंदिए(णं)हिं समं णेरइयाणं मज्झिमएसु य तिसुवि गमएसु पच्छिमएसु तिसुवि गमएसु ठिइणाणत्तं

भवइ, सेसं तं चेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ सक्करप्पभापुढविनेरइए णं भंते! जे भविए एवं जहा रयणप्पभाए णव गमगा तहेव सक्करप्पभाएवि, नवरं सरीरोगाहणा जहा ओगाहणासंठाणे, तिन्नि णाणा तिन्नि अन्नाणा नियमं, ठिई अणुबंधो य पुव्वभणिया, एवं णववि गमगा उवजुंजिऊण भाणियव्वा, एवं जाव छट्ठपुढवी, नवरं ओगाहणा लेस्सा ठिई अणुबंधो संवेहो य जाणियव्वा, अहेसत्तमापुढवीनेरइए णं भंते! जे भविए एवं चेव णव गमगा, णवरं ओगाहणा लेस्सा ठिई अणुबंधा जाणियव्वा, संवेहो भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छब्भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, आइल्लएसु छसुवि गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं, लद्धी नवसुवि गमएसु जहा पढमगमए नवरं ठिईविसेसो कालादे(सेणं)सो य बिइयगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, तइयगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहि अब्भहियाइं, चउत्थगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहि पुव्वकोडीहि अब्भहियाइं, पंचमगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, छट्ठगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, सत्तमगमए जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं (अंतोमुहुत्तेहिं) पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, अट्ठमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, णवमगमए जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० एवं उववाओ जहा पुढविकाइयउद्देसए जाव पुढविकाइए णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ० ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एवं परिमाणादीया अणुबंधपज्जवसाणा जच्चेव अप्पणो सट्ठाणे वत्तव्वया सच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसुवि उववज्जमाणस्स

भाणियव्वा णवरं णवसुवि गमएसु परिमाणो जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, भवादेसेणवि णवसुवि गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, सेसं तं चेव, कालादेसेणं उभओ ठि(इं)ई पकरेज्जा । जइ आउक्काइएहिंतो उववज्जन्ति एवं आउक्काइ(ए)याणवि एवं जाव चउरिंदिया उववाएयव्वा, नवरं सव्वत्थ अप्पणो लद्धी भाणियव्वा, णवसुवि गमएसु भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उभओ ठिइं करेज्जा सव्वेसिं सव्वगमएसु, जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणाणं लद्धी तहेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ॥ जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सन्निपंचिंदिय० असन्निपंचिंदिय०, भेदो जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स जाव असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उवव०, ते णं भंते ! अवसेसं जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेसं जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं एवइयं० १, बिइयगमए एस चेव लद्धी नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइयं० २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जइ, ते णं भंते ! जीवा एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेसं जाव कालादेसोत्ति, नवरं परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! अवसेसं जहा एयस्स पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहा इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ४, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अट्ठ अंतोमुहुत्ता एवइयं० ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पुव्वकोडिआउएसु उक्कोसेणवि पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जाणेज्जा ६, सो चेव

अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया नवरं ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं एवइयं० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया जहा सत्तमगमए नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइयं० ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं, एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असन्निस्स नवमगमए तहेव निरवसेसं जाव कालादेसोत्ति, नवरं परिमाणं जहा एयस्सेव तइयगमे सेसं तं चेव ९॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासा० असंखेज्जवासा० ? गोयमा ! संखेज्ज० णो असंखेज्ज०, जइ संखेज्जवासाउय जाव किं पज्जत्तसंखेज्ज० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? दोसुवि, संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! अवसेसं जहा एयस्स चेव सन्निस्स रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स पढमगमए, नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोअणसहस्सं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया नवरं परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, लद्धी से जहा एयस्स चेव सन्निपंचिंदियस्स पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु सच्चेव इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु कायव्वा, संवेहो जहेव एत्थ चेव असन्निस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहा पढमगमए णवरं

ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु अवसेसं तं चेव, नवरं परिमाणं ओगाहणा य जहा एयस्सेव तइयगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ९॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणु० असन्निमणु०? गोयमा! सन्निमणु० असन्निमणु०, असन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइकाल०? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जंति, लद्धी से तिसुवि गमएसु जहा पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स संवेहो जहा एत्थ चेव असन्निपंचिंदियस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहेव निरवसेसो भाणियव्वो, जइ सन्निमणुस्स० किं संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्स० असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्स०? गोयमा! संखेज्जवासाउय० नो असंखेज्जवासाउय०, जइ संखेज्ज० कि पज्जत्त० अपज्जत्त०? गोयमा! पज्जत्त० अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय०, सन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! लद्धी से जहा एयस्सेव सन्निमणुस्सस्स पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स पढमगमए जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं ति(ण्णि)पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु सच्चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंच धणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहा सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु वत्तव्वया भणिया सच्चेव

एयस्सवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु निरवसेसा भाणियव्वा, नवरं परिमाणं उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहि अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं, एस चेव लद्धी जहेव सत्तमगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतो उ० जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उ०, जइ भवणवासि जाव उ० किं असुरकुमारभवण० जाव थणियकुमारभवण० ? गोयमा ! असुरकुमार० जाव थणियकुमारभवण०, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, असुरकुमाराणं लद्धी णवसुवि गमएसु जहा पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स एवं जाव ईसाणदेवस्स तहेव लद्धी भवादेसेणं सव्वत्थ अट्ठ भवग्गहणाइं उक्कोसेणं जहण्णेणं दोन्नि, भवट्ठिइं संवेहं च सव्वत्थ जाणेज्जा ९॥ नागकुमारा णं भंते ! जे भविए एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव थणियकुमारे ९। जइ वाणमंतरेहितो उ० किं पिसाय० तहेव जाव वाणमंतरे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख० एवं चेव नवर ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९, जइ जोइसिय० उववाओ तहेव जाव जोइसिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख० एस चेव वत्तव्वया जहा पुढविकाइयउद्देसए भवग्गहणाइं णवसुवि गमएसु अट्ठ जाव कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं चउहि पुव्वकोडीहिं चउहि य वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं नवसुवि गमएसु नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९॥ जइ वेमाणियदेवे० किं कप्पोववन्नग० कप्पातीतवेमाणिय० ? गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणिय० नो कप्पातीतवेमाणिय०, जइ कप्पोववण्णग० जाव सहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, नो आणय जाव णो

अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय०, सोहम्मगदेवे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्त० उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु सेसं जहेव पुढविकाइयउद्देसए नवसुवि गमएसु नवरं नवसुवि गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा, एवं ईसाणदेवेवि, एवं एएणं कमेणं अवसेसावि जाव सहस्सारदेवेसु उववाएयव्वा नवरं ओगाहणा जहा ओगाहणासंठाणे, लेस्सा सणंकुमारमाहिंदबंभलोएसु एगा पम्हलेस्सा सेसाणं एगा सुक्कलेस्सा, वेदे नो इत्थिवेदगा पुरिसवेदगा णो नपुंसगवेदगा, आउअणुबंधा जहा ठिइपदे सेसं जहेव ईसाणगाणं कायसंवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ७१० ॥ **चउवीसइमे सए वीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

मणुस्सा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति जाव देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णेरइएहिंतोवि उववज्जंति जाव देवेहिंतोवि उववज्जंति, एवं उववाओ जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए जाव तमापुढविनेरइएहिंतोवि उववज्जंति णो अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति, रयणप्पभापुढविनेरइए णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु अवसेसा वत्तव्वया जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणिए उववज्जंतस्स तहेव नवरं परिमाणे जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, जहा तहिं अंतोमुहुत्तेहिं तहा इहं मासपुहुत्तेहिं संवेहं करेज्जा सेसं तं चेव ९ ॥ जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया तहा सक्करप्पभाएवि वत्तव्वया नवरं जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडि०, ओगाहणालेस्साणाणट्ठिइअणुबंधसंवेहं णाणत्तं च जाणेज्जा जहेव तिरिक्खजोणियउद्देसए एवं जाव तमापुढविनेरइए ९ ॥ जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! एगिंदियतिरिक्खजोणिए० भेदो जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए नवरं तेउवाऊ पडिसेहेयव्वा, सेसं तं चेव जाव पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं जच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स पुढविक्काइयस्स वत्तव्वया सा चेव इहवि उववज्जमाणस्स भाणियव्वा णवसुवि गमएसु, नवरं तइयछट्ठणवमेसु गमएसु परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, जाहे अप्पणा

जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे पढमगमए अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि, विइयगमए अप्पसत्था, तइयगमए पसत्था भवंति सेसं तं चेव निरवसेसं ९ ॥ जइ आउक्काइए एवं आउक्काइयाणवि, एवं वणस्सइकाइयाणवि, एवं जाव चउरिंदियाणवि, असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिया सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिया असन्निमणुस्सा सन्निमणुस्सा य एए सव्वेवि जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए तहेव भाणियव्वा, नवरं एयाणि चेव परिमाणअज्झवसाणणाणत्ताणि जाणिज्जा, पुढविकाइयस्स एत्थ चेव उद्देसए भणियाणि सेसं तहेव निरवसेसं ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासि० जाव वेमाणिय जाव उ०, जइ भवण० किं असुर० जाव थणिय० ? गोयमा ! असुर० जाव थणिय०, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, एवं जच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए वत्तव्वया सच्चेव एत्थवि भाणियव्वा, नवरं जहा तहिं जहन्नगं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु तहा इहं मासपुहुत्तट्ठिईएसु, परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव, एवं जाव ईसाणदेवोत्ति, एयाणि चेव णाणत्ताणि सणंकुमारादीया जाव सहस्सारोत्ति जहेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए, नवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, उववाओ जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जंति, सेसं तं चेव संवेहं वा(मा)सपुहुत्तपुव्वकोडीसु करेज्जा ॥ सणंकुमारे ठिई चउगुणिया अट्ठावीसं सागरोवमा भवंति, माहिंदे ताणि चेव साइरेगाणि, बंभलोए चत्तालीसं, लंतए छप्पन्नं, महासुक्के अट्ठसट्ठिं, सहस्सारे बावत्तरिं सागरोवमाइं एसा उक्कोसा ठिई भाणियव्वा जहन्नट्ठिइंपि चउ गुणेज्जा ९ ॥ आणयदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं पुव्वकोडिठिईएसु, ते णं भंते ! एवं जहेव सहस्सारदेवाणं वत्तव्वया नवरं ओगाहणा ठिई अणुबंधो य जाणेज्जा, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावन्नं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, एवं णववि गमगा, नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव अच्चुयदेवो, नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, पाणयदेवस्स ठिई तिगुणिया सट्ठिं सागरोवमाइं, आरणगस्स तेवट्ठिं सागरोवमाइं, अच्चुयदेवस्स छावट्ठिं सागरो-

वमाइं ॥ जइ कप्पातीतवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं गेवेज्जकप्पातीत० अणुत्तरोववाइयकप्पातीत जाव उ० ? गोयमा ! गेवेज्ज० अणुत्तरोववाइय०, जइ गेवेज्ज० किं हेट्ठिम २ गेविज्जगकप्पातीत० जाव उवरिम २ गेवेज्ज० ? गोयमा ! हेट्ठिम २ गेवेज्ज० जाव उवरिम २ गेवेज्ज०, गेवेज्जगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उ० अवसेसं जहा आणयदेवस्स वत्तव्वया नवरं ओगाहणा० गोयमा ! एगे भवधारणिज्जे सरीरए से जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं दो रयणीओ, संठाणं, गोयमा ! एगे भवधारणिज्जे सरीरए से समचउरंससंठाणसंठिए प०, पंच समुग्घाया प०, तं०– वेयणासमुग्घाए जाव तेयगसमुग्घाए णो चेव णं वेउव्वियतेयगसमुग्घाएहिंतो समोहणिंसु वा समोहणंति वा समोहणिस्संति वा, ठिई अणुबंधो जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं, सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेणउइं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसेसुवि अट्ठगमएसु नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९॥ जइ अणुत्तरोववाइयकप्पातीतवेमाणिय जाव उ० किं विजयअणुत्तरोववाइय० वेजयंतअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्ध० ? गोयमा ! विजयअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय०, विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? एवं जहेव गेवेज्जगदेवाणं नवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं एगा रयणी, सम्मद्दिट्ठी णो मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणी णो अन्नाणी नियमं तिन्नाणी तं०– आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिणाणी, ठिई जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव ॥ सव्वट्ठसिद्धगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए सा चेव विजयादिदेववत्तव्वया भाणियव्वा णवरं ठिई अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० १। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं

उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया, नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं०३, एए चेव तिन्नि गमगा सेसा न भण्णंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७११ ॥ **चउवीसइमे सए एक्कवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

वाणमन्तरा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० एवं जहेव णागकुमारउद्देसए असन्नी तहेव निरवसेसं। जइ सन्निपंचिंदिय० जाव असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिदिय० जे भविए वाणमंतर० से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमट्ठिईएसु सेसं तं चेव जहा नागकुमारउद्देसए जाव कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं०, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहेव णागकुमाराणं बिइयगमे वत्तव्वया २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमट्ठिईएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई से जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, संवेहो जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं० ३, मज्झिमगमगा तिन्निवि जहेव नागकुमारेसु पच्छिमेसु तिसु गमएसु तं चेव जहा नागकुमारुद्देसए नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, संखेज्जवासाउय तहेव नवरं ठिई अणुबंधो संवेहं च उभओ ठिईएसु जाणेज्जा, जइ मणुस्स० असंखेज्जवासाउयाणं जहेव नागकुमाराणं उद्देसए तहेव वत्तव्वया नवरं तइयगमए ठिई जहन्नेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, ओगाहणा जहण्णेणं गाउयं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं सेसं तं चेव, संवेहो से जहा एत्थ चेव उद्देसए असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियाणं, संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से जहेव नागकुमारुद्देसए नवरं वाणमंतरे ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७१२ ॥ **चउवीसइमे सए बावीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

जोइसिया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइए० भेदो जाव सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति नो असन्निपंचिंदियतिरिक्ख०, जइ सन्नि० किं संखेज्ज० असंखेज्ज०? गोयमा! संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उ०, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमवाससयसहस्समब्भहियट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसं जहा असुरकुमारुद्देसए नवरं ठिई जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि सेसं

तहेव, नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अट्ठभागपलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं वाससयसहस्समब्भहियाइं एवइयं० १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उ०, एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसं जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं ठिई जहण्णेणं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं दोहिं वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं वाससयसहस्समब्भहियाइं ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणवि अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमए एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहन्नेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं अट्ठारसधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणवि अट्ठभागपलिओवमं, एवं अणुबंधोवि सेसं तहेव, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अट्ठभागपलिओवमाइं उक्कोसेणवि दो अट्ठभागपलिओवमाइं एवइयं० जहन्नकालट्ठिईयस्स एस चेव एक्को गमो ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सा चेव ओहिया वत्तव्वया नवरं ठिई जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, एवं पच्छिमा तिन्नि गमगा णेयव्वा नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एए सत्त गमगा । जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय० संखेज्जवासाउयाणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव नववि गमा भाणियव्वा नवरं जोइसियठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेस तहेव निरवसेसं भाणियव्वं. जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति भेदो तहेव जाव असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! एवं जहा असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियस्स जोइसिएसु चेव उववज्जमाणस्स सत्त गमगा तहेव मणुस्साणवि नवरं ओगाहणाविसेसो पढमेसु तिसु गमएसु ओगाहणा जहन्नेणं साइरेगाइं नव धणुहसयाइं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, मज्झिमगमए जहण्णेणं साइरेगाइं नव धणुहसयाइं उक्कोसेणवि साइरेगाइं नव धणुहसयाइं, पच्छिमेसु तिसुवि गमएसु जहण्णेणं तिन्नि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं, सेसं तहेव निरवसेसं जाव संवेहोत्ति, जइ संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से० संखेज्जवासाउयाणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव नव गमगा भाणियव्वा, नवरं जोइसियठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७१३ ॥

चउवीसइमे सए तेवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

सोहम्मगदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति० ? भेदो

जहा जोइसियउद्देसए, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सोहम्मगदेवेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उ० उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! अवसेसं जहा जोइसिएसु उववज्जमाणस्स नवरं सम्मद्दिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणीवि अन्नाणीवि दो णाणा दो अन्नाणा नियमं, ठिई जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि सेसं तहेव, कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं एवइयं० १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं० २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओव० उक्कोसेणवि तिपलिओव० एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं० ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमट्ठिईएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं दो गाउयाइं, ठिई जहन्नेणं पलिओवमं उक्कोसेणवि पलिओवमं सेसं तहेव, कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणंपि दो पलिओवमाइं एवइयं० ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ आइल्लगमगसरिसा तिन्नि गमगा णेयव्वा नवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय० संखेज्जवासाउयस्स जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव नववि गमगा, नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, जाहे य अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु सम्मद्दिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो नाणा दो अन्नाणा नियमं सेसं तं चेव ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति भेदो जहेव जोइसिएसु उववज्जमाणस्स जाव असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जित्तए एवं जहेव असंखेज्जवासाउयस्स सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स सोहम्मे कप्पे उववज्जमाणस्स तहेव सत्त गमगा नवरं आइल्लएसु दोसु गमएसु ओगाहणा जहन्नेणं गाउयं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, तइयगमे जहन्नेणं तिन्नि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं, चउत्थगमए जहन्नेणं गाउयं उक्कोसेणवि गाउयं, पच्छिमएसु तिसु गमएसु जहण्णेणं तिन्नि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं सेसं तहेव निरवसेसं ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो० एवं संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्साणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव णव गमगा भाणियव्वा नवरं सोहम्मगदेवट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९ ॥ ईसाणदेवा णं भंते ! कओहिंतो

उववज्जंति० ईसाणदेवाणं एस चेव सोहम्मगदेवसरिसा वत्तव्वया नवरं असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जेसु ठाणेसु सोहम्मे उववज्जमाणस्स पलिओवमट्ठिई तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं पलिओवमं कायव्वं, चउत्थगमे ओगाहणा जहन्नेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो गाउयाइं सेसं तं चेव ९ ॥ असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सस्सवि तहेव ठिई जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स असंखेज्जवासाउयस्स ओगाहणावि जेसु ठाणेसु गाउयं तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं गाउयं सेसं तहेव ९ ॥ संखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साण य जहेव सोहम्मेसु उववज्जमाणाणं तहेव निरवसेसं णववि गमगा नवरं ईसाणट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ सणंकुमारगदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहा सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सणंकुमारगदेवेसु उववज्जित्तए अवसेसा परिमाणादीया भवादेसपज्जवसाणा सच्चेव वत्तव्वया भाणियव्वा जहा सोहम्मे उववज्जमाणस्स नवरं सणंकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, जाहे य अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु पंच लेस्साओ आइल्लाओ कायव्वाओ सेसं तं चेव ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति मणुस्साणं जहेव सक्करप्पभाए उववज्जमाणाणं तहेव णववि गमा भाणियव्वा नवरं सणंकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ माहिंदगदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० जहा सणंकुमारदेवाणं वत्तव्वया तहा माहिंदगदेवाणवि भाणियव्वा, नवरं माहिंदगदेवाणं ठिई साइरेगा जा(भा)णियव्वा सा चेव, एवं बंभलोगदेवाणवि वत्तव्वया नवरं बंभलोगट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव सहस्सारो, णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, लंतगाईणं जहन्नकालट्ठिईयस्स तिरिक्खजोणियस्स तिसुवि गमएसु छप्पि लेस्साओ कायव्वाओ, संघयणाइं बंभलोगलंतएसु पंच आइल्लगाणि, महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि, तिरिक्खजोणियाणवि मणुस्साणवि, सेसं तं चेव ९ ॥ आणयदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति०उववाओ जहा सहस्सारे देवाणं णवरं तिरिक्खजोणिया खोडेयव्वा जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणु(स्सा)स्से णं भंते ! जे भविए आणयदेवेसु उववज्जित्तए मणुस्साणं वत्तव्वया जहेव सहस्सारेसु उववज्जमाणाणं णवरं तिन्नि संघयणाणि सेसं तहेव जाव अणुबंधो भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावन्नं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव ९ ॥ एवं जाव अच्चयदेवा, नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ चउसुवि संघयणा तिन्नि

आणयाईसु। गेवेज्जगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया नवरं दो संघयणा, ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया निरवसेसा जाव अणुबंधोत्ति, नवरं पढमं संघयणं, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, मणूसे लद्धी णवसुवि गमएसु जहा गेवेज्जेसु उववज्जमाणस्स नवरं पढमं संघयणं। सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहेव विजयाईणं जाव से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसा जहा विजयाईसु उववज्जंताणं नवरं भवादेसेणं तिन्नि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ सो चेव अप्पगा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणाठिईओ रयणिपुहुत्तवासपुहुत्ताणि सेसं तहेव संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एए तिन्नि गमगा सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं। सेवं भंते! २ त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ ॥७१४॥ **चउवीसइमस्स सयस्स चउवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥ चउवीसइमं सयं समत्तं ॥**

लेस्सा य १ दव्व २ संठाण ३ जुम्म ४ पज्जव ५ नियंठ ६ समणा य ७ ओहे ८ भविया ९ भविए १० सम्मा ११ मिच्छे य १२ उद्देसा ॥१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते! लेस्साओ प०? गोयमा! छल्लेस्साओ प०, तं०-कण्हलेस्सा जहा पढमसए बिइए उद्देसए तहेव लेस्साविभागो अप्पाबहुगं च जाव चउव्विहाणं देवाणं चउव्विहाणं देवीणं मीसगं अप्पाबहुगंति ॥ ७१५ ॥ कइविहा णं भंते! संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता? गोयमा! चउद्दसविहा संसारसमावन्नगा जीवा प०, तं०-सुहुमअपज्जत्तगा १, सुहुमपज्जत्तगा २, बायरअपज्जत्तगा ३, बायरपज्जत्तगा ४, बेइंदिया अपज्जत्तगा ५, बेइंदिया पज्जत्तगा ६, एवं तेइं-

दिया ८, एवं चउरिंदिया १०, असन्निपंचिंदिया अपज्जत्तगा ११, असन्निपंचिंदिया पज्जत्तगा १२, सन्निपंचिंदिया अपज्जत्तगा १३, सन्निपंचिंदिया पज्जत्तगा १४। एएसि णं भंते! चउद्दसविहाणं संसारसमावन्नगाणं जीवाणं जहन्नुक्कोसगस्स जोगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए १, बायरस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे २, बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ३, एवं तेइंदियस्स ४, एवं चउरिंदियस्स ५, असन्निपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ६, सन्निपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ७, सुहुमस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ८, बायरस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ९, सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १०, बायरस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ११, सुहुमस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १२, बायरस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १४, एवं तेइंदियस्सवि १५, एवं जाव सन्निपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १८, बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १९, एवं तेइंदियस्सवि २०, एवं चउरिंदियस्सवि २१, एवं जाव सन्निपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २४, एवं तेइंदियस्सवि पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २५, चउरिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २६, असन्निपंचिंदियपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २७, एवं सन्निपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥ २८ ॥ ७१६ ॥ दो भंते! नेरइया पढमसमयोववन्नगा किं समजोगी किं विसमजोगी? गोयमा! सिय समजोगी सिय विसमजोगी, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सिय समजोगी सिय विसमजोगी? गोयमा! आहारयाओ वा से अणाहारए अणाहारयाओ वा से आहारए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भहिए असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा, से तेणट्ठेणं जाव सिय समजोगी सिय विसमजोगी, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७१७ ॥ कइविहे णं भंते! जोए प०? गोयमा! पन्नरसविहे जोए प०, तं०—सच्चमणजोए मोसमणजोए सच्चामोसमणजोए असच्चामोसमणजोए सच्चवइजोए मोसवइजोए सच्चामोसवइजोए असच्चामोसवइजोए ओरालियसरीरकायजोए ओरालि-

यमीसासरीरकायजोए वेउव्वियसरीरकायजोए वेउव्वियमीसासरीरकायजोए आहारगसरीरकायजोए आहारगमीसासरीरकायजोए कम्मासरीरकायजोए १५॥ एयस्स णं भंते! पन्नरसविहस्स जहन्नुक्कोसगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे कम्मगसरीरस्स जहन्नए जोए १, ओरालियमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे २, वेउव्वियमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ३, ओरालियसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ४, वेउव्वियसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ५, कम्मगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ६, आहारगमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ७, आहारगमीसगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ८, ओरालियमीसगस्स वेउव्वियमीसगस्स एएसि णं उक्कोसए जोए दोण्हवि तुल्ले असंखेज्जगुणे ९-१०, असच्चामोसमणजोगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ११, आहारगसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १२, तिविहस्स मणजोगस्स चउव्विहस्स वइजोगस्स एएसि णं सत्तण्हवि तुल्ले जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १९, आहारगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २०, ओरालियसरीरस्स वेउव्वियसरीरस्स चउव्विहस्स य मणजोगस्स चउव्विहस्स य वइजोगस्स एएसि णं दसण्हवि तुल्ले उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ३०, सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७१८ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते! दव्वा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा दव्वा प०, तं०-जीवदव्वा य अजीवदव्वा य, अजीवदव्वा णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! दुविहा प०, तंजहा-रूविअजीवदव्वा य अरूविअजीवदव्वा य, एवं एएणं अभिलावेणं जहा अजीवपज्जवा जाव से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ ते णं नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता। जीवदव्वा णं भंते! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता? गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवदव्वा णं नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता? गोयमा! असंखेज्जा नेरइया जाव असंखेज्जा वाउक्काइया, वणस्सइकाइया अणंता, असंखेज्जा बेइंदिया एवं जाव वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से तेणट्ठेणं जाव अणंता॥ ७१९ ॥ जीवदव्वाणं भंते! अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति? गोयमा! जीवदव्वाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति नो अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव हव्वमागच्छंति? गोयमा! जीवदव्वा णं अजीवदव्वे परियादियंति अजीव० २ त्ता ओरालियं वेउव्वियं आहारगं तेयगं कम्मगं सोइंदियं जाव फासिंदियं मणजोगं वइजोगं कायजोगं आणापाणुत्तं च निव्व(त्त)त्तियंति, से तेणट्ठेणं जाव हव्वमागच्छंति, नेरइयाणं भंते! अजीवदव्वा परिभोग-

त्ताए हव्वमागच्छंति अजीवदव्वाणं नेरइया परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! नेरइयाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति नो अजीवदव्वाणं नेरइया जाव हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! नेरइया णं अजीवदव्वे परियादियंति अ० २ त्ता वेउव्वियं तेयगं कम्मगं सोइंदियं जाव फासिंदियं आणापाणुत्तं च निव्वत्तियंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ०, एवं जाव वेमाणिया नवरं सरीरइंदियजोगा भाणियव्वा जस्स जे अत्थि ॥ ७२० ॥ से नूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंताइं दव्वाइं आगासे भइयव्वाइं ? हंता गोयमा ! असंखेज्जे लोए जाव भइयव्वाइं ॥ लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं, लोगस्स णं भंते ! एगंसि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला छिज्जंति ? एवं चेव, एवं उवचिज्जंति एवं अवचिज्जंति ॥ ७२१ ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ अठियाइं गेण्हइ ? गोयमा ! ठियाइंपि गेण्हइ अठियाइंपि गेण्हइ, ताइं भंते ! किं दव्वओ गेण्हइ खेत्तओ गेण्हइ कालओ गेण्हइ भावओ गेण्हइ ? गोयमा ! दव्वओवि गेण्हइ खेत्तओवि गेण्हइ कालओवि गेण्हइ भावओवि गेण्हइ, ताइं दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं खेत्तओ असंखेज्जपएसोगाढाइं एवं जहा पन्नवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं वेउव्वियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ अठियाइं गेण्हइ ? एवं चेव नवरं नियमं छद्दिसिं, एवं आहारगसरीरत्ताएवि ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं तेयगसरीरत्ताए गिण्हइ पुच्छा, गोयमा ! ठियाइं गेण्हइ नो अठियाइं गेण्हइ सेसं जहा ओरालियसरीरस्स कम्मगसरीरे एवं चेव एवं जाव भावओवि गेण्हइ, जाइं दव्वाइं दव्वओ गेण्हइ ताइं किं एगपएसियाइं गेण्हइ दुपएसियाइं गेण्हइ ? एवं जहा भासापए जाव आणुपुव्विं गेण्हइ नो अणाणुपुव्विं गेण्हइ, ताइं भंते ! कइदिसिं गेण्हइ ? गोयमा ! निव्वाघाएणं जहा ओरालियस्स ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए गेण्हइ जहा वेउव्वियसरीरं एवं जाव जिब्भिंदियत्ताए फासिंदियत्ताए जहा ओरालियसरीरं मणजोगत्ताए जहा कम्मगसरीरं नवरं नियमं छद्दिसिं एवं वइजोगत्ताएवि कायजोगत्ताएवि जहा ओरालियसरीरस्स । जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं आणापाणुत्ताए गेण्हइ जहेव ओरालियसरीरत्ताए जाव सिय पंचदिसिं । सेवं भंते ! २ त्ति । केइ चउवीसदंडएणं एयाणि पयाणि भन्नंति जस्स जं अत्थि ॥७२२॥

पणवीसइमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते ! संठाणा प० ? गोयमा ! छ संठाणा प०, तं०–परिमंडले वट्टे तंसे चउरंसे आयए अणित्थंथे, परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा० एवं चेव, एवं जाव अणित्थंथा, एवं पएसट्ठयाएवि, एवं दव्वट्ठपएसट्ठयाएवि, एएसि णं भंते ! परिमंडलवट्टतंसचउरंसआययअणित्थंथाणं संठाणाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए, वट्टा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, चउरंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, तंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, आययसंठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसट्ठयाएवि जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए सो चेव गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा सठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणित्थंथेहिंतो संठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए (हिंतो) परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, सो चेव पएसट्ठयाए गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ॥७२३॥ कइ णं भंते ! संठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा प०, तं०–परिमंडले जाव आयए। परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव आयया। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा०? एवं चेव, एवं जाव आयया। सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं जाव अहेसत्तमाए। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव अच्चुए, गेवेज्जगविमाणाणं भंते ! परिमंडलसंठाणा एवं चेव, एवं अणुत्तरविमाणेसुवि, एवं ईसिप्पब्भाराएवि ॥ जत्थ णं भंते ! एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा कि संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता। वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? एवं चेव, एवं जाव आयया। जत्थ णं भंते ! एगे वट्टे संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा एवं चेव, वट्टा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं एक्केक्केणं संठाणेणं पंचवि चारेयव्वा, जत्थ णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ

णं परिमंडलसंठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते! संठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, एवं (चेव) जाव आयया, तत्थ णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे वट्टे संठाणे जवमज्झे तत्थ णं परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं पुणरवि एक्केक्केणं संठाणेणं पंचवि चारेयव्वा जहेव हेट्ठिल्ला जाव आय(ए)याणं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं कप्पेसुवि जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए ॥ ७२४ ॥ वट्टे णं भंते! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प०? गोयमा! वट्टे संठाणे दुविहे प०, तं०–घणवट्टे य पयरवट्टे य, तत्थ णं जे से पयरवट्टे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए पयरवट्टे से जहन्नेणं पंचपएसिए पंचपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं बारसपएसिए बारसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे, तत्थ णं जे से घणवट्टे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं सत्तपएसिए सत्तपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं बत्तीसपएसिए बत्तीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प० ॥ तंसे णं भंते! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प०? गोयमा! तंसे णं संठाणे दुविहे प०, तं०–घणतंसे य पयरतंसे य, तत्थ णं जे से पयरतंसे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से घणतंसे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं पणतीसपएसिए पणतीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं चउप्पएसिए चउप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव ॥ चउरंसे णं भंते! संठाणे कइपएसिए० पुच्छा, गोयमा! चउरंसे संठाणे दुविहे प०, भेदो जहेव वट्टस्स जाव तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं नवपएसिए नवपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं चउप्पएसिए चउप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से घणचउरंसे से दुविहे प०, तंजहा–ओयपएसिए

य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं सत्तावीसइपएसिए सत्तावीसइपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं अट्ठपएसिए अट्ठपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव ॥ आयए णं भंते! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प० ? गोयमा! आयए णं संठाणे तिविहे प०, तं०–सेढिआयए पयरायए घणायए, तत्थ णं जे से सेढिआयए से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जेसे ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं दुपएसिए दुपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से पयरायए से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं पन्नरसपएसिए पन्नरसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से घणायए से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं पणयालीसपएसिए पणयालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेण बारसपएसिए बारसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंत० तहेव ॥ परिमंडले णं भंते! संठाणे कइपएसिए० पुच्छा, गोयमा! परिमंडले णं संठाणे दुविहे प०, तं०–घणपरिमंडले य पयरपरिमंडले य, तत्थ णं जे से पयरपरिमंडले से जहन्नेणं वीसइपएसिए वीसइपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव, तत्थ णं जे से घणपरिमंडले से जहन्नेणं चत्तालीसपएसिए चत्तालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे पन्नत्ते ॥ ७२५ ॥ परिमंडले णं भंते! संठाणे दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए? गोयमा! नो कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे कलिओए, वट्टे णं भंते! संठाणे दव्वट्ठयाए एवं चेव, एवं जाव आयए ॥ परिमंडला णं भंते! संठाणा दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा तेओगा दावरजुम्मा कलिओगा पुच्छा, गोयमा! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा सिय तेओगा सिय दावरजुम्मा सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव आयया ॥ परिमंडले णं भंते! संठाणे पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्मे सिय तेओगे सिय दावरजुम्मे सिय कलिओगे, एवं जाव आयए, परिमंडला णं भंते! संठाणा पएसट्ठयाए कि कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि तेओगावि दावरजुम्मावि कलिओगावि, एवं जाव आयया ॥ परिमंडले णं

भंते ! संठाणे किं कडजुम्मपएसोगाढे जाव कलिओगपएसोगाढे ? गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओगपएसोगाढे नो दावरजुम्मपएसोगाढे नो कलिओगपएसोगाढे ॥ वट्टे णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्म० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे नो दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ॥ तंसे णं भंते ! संठाणे पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय दावरजुम्मपएसोगाढे नो कलिओगपएसोगाढे । चउरंसे णं भंते ! संठाणे जहा वट्टे तहा चउरंसेवि । आयए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा तेओगपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओगपएसोगाढा नो दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा । वट्टा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओग०, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि तेओगपएसोगाढावि णो दावरजुम्मपएसोगाढा कलिओगपएसोगाढावि, तंसा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि तेओगपएसोगाढावि (नो) दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा । चउरंसा जहा वट्टा, आयया णं भंते ! संठाणा पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओगपएसोगाढा नो दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्मसमयठिइए तेओगसमयठिइए दावरजुम्मसमयठिइए कलिओगसमयठिइए ? गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयठिइए जाव सिय कलिओगसमयठिइए, एवं जाव आयए । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मसमयठिइया० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिइया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिइया, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयठिइयावि जाव कलिओगसमयठिइयावि, एवं जाव आयया ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ठिइए एवं नीलवन्नपज्जवेहिं, एवं पंचहिं वन्नेहिं, दोहिं गंधेहिं, पंचहिं रसेहिं, अट्ठहिं फासेहिं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं ॥ ७२९ ॥ सेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ ? गोयमा ! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, पाईणपडीणाययाओ णं भंते !

सेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ ३ एवं चेव, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि। लोगागाससेढीओ णं भंते! दव्वट्ठयाए कि संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ? गोयमा! नो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ नो अणंताओ, पाईणपडीणाययाओ णं भंते! लोगागाससेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ० एवं चेव, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि। अलोगागाससेढीओ णं भंते! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ? गोयमा! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि। सेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए कि संखेज्जाओ० जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसट्ठयाएवि जाव उड्ढमहाययाओवि सव्वाओ अणंताओ। लोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए किं सखेज्जाओ० पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ नो अणंताओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं चेव उड्ढमहाययाओवि नो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ नो अणंताओ॥ अलोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ, पाईणपडीणाययाओ णं भंते! अलोया० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, उड्ढमहाययाओ पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ ॥ ७२७ ॥ सेढीओ णं भंते! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ १, साइयाओ अपज्जवसियाओ २, अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४? गोयमा! नो साइयाओ सपज्जवसियाओ, नो साइयाओ अपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ, लोगागाससेढीओ णं भंते! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, गोयमा! साइयाओ सपज्जवसियाओ, नो साइयाओ अपज्जवसियाओ, नो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, नो अणाइयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ। अलोगागाससेढीओ णं भंते! कि साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, गोयमा! सिय साइयाओ सपज्जवसियाओ १, सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ २, सिय अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, सिय अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४, पाईणपडीणाययाओ दाहिणुत्तरायययाओ य एवं चेव, नवरं नो साइयाओ सपज्जवसियाओ सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ सेसं तं चेव, उड्ढमहाययाओ जहा ओहियाओ तहेव चउभंगो। सेढीओ णं भंते! दव्वट्ठयाए कि कडजुम्माओ तेओयाओ० पुच्छा, गोयमा! कडजुम्माओ नो तेओगाओ नो दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ, लोगागाससेढीओ

एवं चेव, एवं अलोगागाससेढीओवि। सेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए किं कडजुम्माओ० पुच्छा, एवं चेव, एवं जाव उड्ढमहाययाओ। लोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्माओ नो तेओगाओ सिय दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि दाहिणुत्तराययाओवि, उड्ढमहाययाओ णं पुच्छा, गोयमा! कडजुम्माओ नो तेओगाओ नो दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ। अलोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, उड्ढमहाययाओवि एवं चेव, नवरं नो कलिओगाओ सेसं तं चेव ॥ ७२८ ॥ कइ णं भंते! सेढीओ प०? गोयमा! सत्त सेढीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखहा दुहओखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ॥ परमाणु-पोग्गलाणं भंते! किं अणुसेढिं(ढी) गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ? गोयमा! अणु-सेढिं गई पवत्तइ नो विसेढिं गई पवत्तइ। दुपएसियाणं भंते! खंधाणं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ? एवं चेव, एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं। नेरइयाणं भंते! कि अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७२९ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया निरयावाससयसहस्सा प०? गोयमा! तीसं निरयावाससयसहस्सा प०, एवं जहा पढमसए पंचमुद्देसए जाव अणुत्तरविमाणत्ति ॥ ७३० ॥ कइविहे णं भंते! गणिपिडए प०? गोयमा! दुवालसंगे गणिपिडए प०, तं०–आयारो जाव दिट्ठिवाओ, से किं तं आयारो? आयारे णं समणाणं निग्गंथाणं आयारगोयर० एवं अंगपरूवणा भाणियव्वा जहा नंदीए जाव सुत्तत्थो खलु पढमो बीओ निज्जुत्तिमीसिओ भणिओ। तइओ य निर-वसेसो एस विही होइ अणुओगे ॥ १ ॥ ७३१ ॥ एएसि णं भंते! नेरइयाणं जाव देवाणं सिद्धाण य पंचगइसमासेणं कयरे २ हिंतो० पुच्छा, गोयमा! अप्पाबहुयं जहा बहुवत्तव्वयाए अट्ठगइसमासअप्पाबहुगं च। एएसि णं भंते! सइंदियाणं एगिं-दियाणं जाव अणिंदियाण य कयरे०? एयंपि जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव ओहियं पयं भाणियव्वं, सकाइयअप्पाबहुगं तहेव ओहियं भाणियव्वं ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं पोग्गलाणं जाव सव्वपज्जवाण य कयरे २ जाव बहुवत्तव्वयाए एएसि णं भंते! जीवाणं आउयस्स कम्मस्स बंधगाणं अबंधगाणं जहा बहुवत्तव्वयाए जाव आउयस्स कम्मस्स अबंधगा विसेसाहिया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ७३२ ॥

पणवीसइमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते! जुम्मा पन्नत्ता? गोयमा! चत्तारि जुम्मा प०, तं०–कडजुम्मे जाव

कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चत्तारि जुम्मा प० कडजुम्मे जाव कलिओगे एवं जहा अट्ठारसमसए चउत्थे उद्देसए तहेव जाव से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ। नेरइयाणं भंते ! कइ जुम्मा प० ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा प०, तंजहा-कडजुम्मे जाव कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयाणं चत्तारि जुम्मा प०, तं०-कडजुम्मे अट्ठो तहेव, एवं जाव वाउकाइयाणं, वणस्सइकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! वणस्सइकाइया सिय कडजुम्मा सिय तेओया सिय दावरजुम्मा सिय कलिओया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ वणस्सइकाइया जाव कलिओगा ? गोयमा ! उववायं पडुच्च, से तेणट्ठेणं तं चेव, बेइंदियाणं जहा नेरइयाणं, एवं जाव वेमाणियाणं, सिद्धाणं जहा वणस्सइकाइयाणं ॥ कइविहा णं भंते ! सव्वदव्वा प० ? गोयमा ! छव्विहा सव्वदव्वा प०, तंजहा-धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव अद्धासमए। धम्मत्थिकाए णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे कलिओगे, एवं अहम्मत्थिकाएवि, एवं आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, अद्धासमए जहा जीवत्थिकाए ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, एवं जाव अद्धासमए ॥ एएसि णं भंते ! धम्मत्थिकायअहम्मत्थिकाय जाव अद्धासमयाणं दव्वट्ठयाए० एएसि णं अप्पाबहुगं जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव निरवसेसं ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! किं ओगाढे अणोगाढे ? गोयमा ! ओगाढे नो अणोगाढे, जइ ओगाढे किं संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे अणंतपएसोगाढे ? गोयमा ! नो संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे नो अणंतपएसोगाढे, जइ असंखेज्जपएसोगाढे किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगपएसोगाढे, एवं अहम्मत्थिकाएवि, एवं आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए अद्धासमए एवं चेव ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभ पुढवी किं ओगाढा अणोगाढा जहेव धम्मत्थिकाए एवं जाव अहेसत्तमा, सोहम्मे एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भारापुढवी ॥ ७२२ ॥ जीवे णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे कलिओगे, एवं नेरइएवि, एवं जाव सिद्धे। जीवा णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, नेरइया णं भंते

दव्वट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव सिद्धा ॥ जीवे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे, सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं जाव वेमाणिए। सिद्धे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे। जीवा णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, सरीरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं नेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया। सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा ॥ ७३४ ॥ जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे, एवं जाव सिद्धे। जीवा णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, नेरइया णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मपएसोगाढा जाव सिय कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, एवं एगिंदियसिद्धवज्जा (जाव वेमाणिया) सव्वेवि, सिद्धा एगिंदिया य जहा जीवा। जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मसमयट्ठिईए नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगसमयट्ठिईए। नेरइए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे। जीवा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मसमयट्ठिईया नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगसमयट्ठिईया, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा ॥ ७३५ ॥ जीवे णं भंते ! कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च णो कडजुम्मे जाव णो कलिओगे, सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धो चेव न पुच्छिज्जइ।

जीवा णं भंते! कालवन्नपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि णो कडजुम्मा जाव णो कलिओगा, सरिरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं जाव वेमाणिया, एवं नीलवन्नपज्जवेहिं दंडओ भाणियव्वो एगत्तपुहत्तेणं एवं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं ॥ जीवे णं भंते! आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए। जीवा णं भंते! आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिया, एवं सुयणाणपज्जवेहिवि, ओहिणाणपज्जवेहिवि एवं चेव, नवरं विगलिंदियाणं नत्थि ओहिनाणं, मणपज्जवनाणंपि एवं चेव, नवरं जीवाणं मणुस्साण य, सेसाणं नत्थि, जीवे णं भंते! केवलनाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा! कडजुम्मे णो तेओगे णो दावरजुम्मे णो कलिओगे, एवं मणुस्सेवि, एवं सिद्धेवि, जीवा णं भंते! केवलनाण०पुच्छा, गोयमा! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा णो कलिओगा, एवं मणुस्सावि, एवं सिद्धावि। जीवे णं भंते! मइअन्नाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे०? जहा आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तहेव दो दंडगा, एवं सुयअन्नाणपज्जवेहिवि, एवं विभंगनाणपज्जवेहिवि। चक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसणपज्जवेहिवि एवं चेव, नवरं जस्स जं अत्थि तस्स तं भाणियव्वं, केवलदंसणपज्जवेहिं जहा केवलनाणपज्जवेहिं ॥ ७३६ ॥ कइ णं भंते! सरीरगा प०? गोयमा! पंच सरीरगा प०, तं०—ओरालिए जाव कम्मए, एत्थं सरीरपदं निरवसेसं भाणियव्वं जहा पन्नवणाए ॥ ७३७ ॥ जीवा णं भंते! किं सेया णिरेया? गोयमा! जीवा सेयावि निरेयावि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवा सेयावि निरेयावि? गोयमा! जीवा दुविहा प०, तंजहा—संसारसमावन्नगा य असंसारसमावन्नगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावन्नगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं दुविहा प०, तंजहा—अणंतरसिद्धा य परंपरसिद्धा य, तत्थ णं जे ते परंपरसिद्धा ते णं निरेया, तत्थ णं जे ते अणंतरसिद्धा ते णं सेया, ते णं भंते! किं देसेया सव्वेया? गोयमा! णो देसेया सव्वेया, तत्थ णं जे ते संसारसमावन्नगा ते दुविहा प०, तंजहा—सेलेसिपडिवन्नगा य असेलेसिपडिवन्नगा य, तत्थ णं जे ते सेलेसीपडिवन्नगा ते णं निरेया, तत्थ णं जे ते असेलेसीपडिवन्नगा ते णं सेया, ते णं भंते! कि देसेया सव्वेया? गोयमा! देसेयावि सव्वेयावि, से तेणट्ठेणं जाव निरेयावि। नेरइया णं भंते! किं देसेया सव्वेया? गोयमा! देसे-

यावि सव्वेयावि, से केणट्ठेणं जाव सव्वेयावि ? गोयमा ! नेरइया दुविहा प०, तं०–विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, तत्थ णं जे ते विग्गहगइसमावन्नगा ते णं सव्वेया, तत्थ णं जे ते अविग्गहगइसमावन्नगा ते णं देसेया, से तेणट्ठेणं जाव सव्वेयावि, एवं जाव वेमाणिया ॥ ७३८ ॥ परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, एवं जाव अणंतपएसिया खंधा । एगपएसोगाढा णं भंते ! पोग्गला किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढा । एगसमयट्ठिईया णं भंते ! पोग्गला किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जसमयट्ठिईया । एगगुणकालगा णं भंते ! पोग्गला किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव अणंतगुणकालगा, एवं अवसेसावि वण्णगंधरसफासा णेयव्वा जाव अणंतगुणलुक्खत्ति । एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं दुपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! दुपएसिएहिंतो खंधेहिंतो परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते ! दुपएसियाणं तिपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए कयरे२हिंतो बहुया ? गोयमा ! तिपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दुपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एवं एएणं गमएणं जाव दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो नवपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते ! दसपएसि० पुच्छा, गोयमा ! दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते ! संखेज्ज० पुच्छा, गोयमा ! संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते ! असंखेज्जपएसि० पुच्छा, गोयमा ! अ(संखेज्ज)णंतपएसिएहिंतो खंधेहिंतो अ(णंत) संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं दुपएसियाण य खंधाणं पएसट्ठयाए कयरे२हिंतो बहुया ? गोयमा ! परमाणुपोग्गलेहिंतो दुपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एवं एएणं गमएणं जाव नवपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दसपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एवं सव्वत्थ पुच्छियव्वं, दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते ! असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! अणंतपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया ॥ एएसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए कयरे२हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! दुपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एवं एएणं गमएणं तिपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया जाव दसपए-

सोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो नवपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एएसि णं भंते ! दसपए०पुच्छा, गोयमा ! दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, पुच्छा सव्वत्थ भाणियव्वा। एएसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं पएसट्ठयाए कयरे२हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! एगपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव नवपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते ! एगसमयट्ठिईयाणं दुसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए जहा ओगाहणाए वत्तव्वया एवं ठिईएवि। एएसि णं भंते ! एगगुणकालयाणं दुगुणकालयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए एएसि णं जहा परमाणुपोग्गलाईणं तहेव वत्तव्वया निरवसेसा, एवं सव्वेसिं वन्नगंधरसाणं, एएसि णं भंते ! एगगुणकक्खडाणं दुगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव नवगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, दसगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, असंखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, एवं पएसट्ठयाए सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा, जहा कक्खडा एवं मउयगुरुयलहुयावि, सीयउसिणनिद्धलुक्खा जहा वन्ना ॥ ७३९ ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए सखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्ठयाए, परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए सखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए

अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगपएसोगाढाणं संखेज्जपएसोगाढाणं असंखेज्ज-पएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला(अ)पए-सट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए(अ)संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असं-खेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगसमयट्ठिईयाणं संखेज्जसमयट्ठिईयाणं असंखेज्जसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं जहा ओगाहणाए तहा ठिईएवि भाणियव्वं अप्पाबहुगं। एएसि णं भंते! एगगुणकालगाणं संखेज्जगुण-कालगाणं असंखेज्जगुणकालगाणं अणंतगुणकालगाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पए-सट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए एएसि णं जहा परमाणुपोग्गलाणं अप्पाबहुगं तहा एएसिंपि अप्पाबहुगं, एवं सेसाणवि वन्नगंधरसाणं। एएसि णं भंते! एगगुण-कक्खडाणं संखेज्जगुणकक्खडाणं असंखेज्जगुणकक्खडाणं अणंतगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्ज-गुणा, अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, पएसट्ठयाए एवं चेव नवरं संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जगुणकक्खडा पो० दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणंतगुणकक्खडा पो० दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ते चेव पएसट्ठयाए अ(संखेज्ज) णंतगुणा, एवं मउयगुरुय-लहुयाणवि अप्पाबहुगं, सीयउसिणनिद्धलुक्खाणं जहा वन्नाणं तहेव॥ ७४०॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए? गोयमा! नो कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे कलिओए, एवं जाव अणंतपएसिए

खंधे । परमाणुपोग्गला णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव अणंतपएसिया खंधा । परमाणुपोग्गले णं भंते ! पएसट्ठयाए कि कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे कलिओए, दुपएसिए पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओए दावरजुम्मे नो कलिओए, तिपएसिए पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, चउप्पएसिए पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, पंचपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, छप्पएसिए जहा दुपएसिए, सत्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा चउप्पएसिए, नवपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, दसपएसिए जहा दुपएसिए, संखेज्जपएसिए णं भंते ! पोग्गले पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं असंखेज्जपएसिएवि, एवं अणंतपएसिएवि । परमाणुपोग्गला णं भंते ! पएसट्ठयाए कि कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, दुपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा नो तेओगा सिय दावरजुम्मा नो कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा दावरजुम्मा नो कलिओगा, तिपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, चउप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, पंचपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, छप्पएसिया जहा दुपएसिया, सत्तपएसिया जहा तिपएसिया, अट्ठपएसिया जहा चउप्पएसिया, नवपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, दसपएसिया जहा दुपएसिया, संखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं असंखेज्जपएसियावि अणंतपएसियावि ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! (णो)कडजुम्मपएसोगाढे नो तेओग० नो दावरजुम्म० कलिओगपएसोगाढे । दुपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओग० सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे । तिपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ३ । चउप्पएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे ४, एवं जाव

अणंतपएसिए ॥ परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० नो दावर० नो कलिओग०, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० नो दावर० कलिओगपए-सोगाढा । दुपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मपए-सोगाढा नो तेओगपएसोगाढा दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसोगाढावि । तिपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मपएसोगाढा तेओगपए-सोगाढावि दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसोगाढावि ३ । चउप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपए-सोगाढावि, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्म-समयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओग-समयट्ठिईए, एवं जाव अणंतपएसिए । परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्म-समयठिईया० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया ४, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओग-समयट्ठिईयावि ४, एवं जाव अणंतपएसिया । परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालवन्न-पज्जवेहिं किं कडजुम्मे तेओगे० जहा ठिईए वत्तव्वया एवं वन्नेसुवि सव्वेसु गंधेसुवि एवं चेव रसेसुवि जाव महुरो रसोत्ति, अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे कक्खडफास-पज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे । अणंतपएसिया णं भंते ! खंधा कक्खडफासपज्जवेहिं किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा ४, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि ४, एवं मउयगुरुयलहुयावि भाणियव्वा, सीयउसिणनिद्धलुक्खा जहा वन्ना ॥ ७४१ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं स(अ)ड्ढे अणड्ढे ? गोयमा ! नो सड्ढे अणड्ढे । दुपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! सड्ढे नो अणड्ढे, तिपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, चउप्पएसिए जहा दुपएसिए, पंचपएसिए जहा तिपएसिए, छप्पए-सिए जहा दुपएसिए, सत्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा दुपएसिए, नवपएसिए जहा तिपएसिए, दसपएसिए जहा दुपएसिए, संखेज्जपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा, गोयमा ! सिय सड्ढे सिय अणड्ढे, एवं असंखेज्जपएसिएवि, एवं अणंतपएसिएवि । परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं सड्ढा अणड्ढा ?

गोयमा! सड्ढा वा अणड्ढा वा, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ ७४२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! किं सेए निरेए? गोयमा! सिय सेए सिय निरेए, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! किं सेया निरेया? गोयमा! सेयावि निरेयावि, एवं जाव अणंतपएसिया॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! सेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परमाणुपोग्गले णं भंते! निरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिए, परमाणुपोग्गला णं भंते! सेया कालओ केवच्चिरं हो(इ)न्ति? गोयमा! सव्वद्धं, परमाणुपोग्गला णं भंते! निरेया कालओ केवच्चिरं होन्ति? गोयमा! सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया॥ परमाणुपोग्गलस्स णं भंते! सेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखे(ज्जइ)ज्जं कालं। दुपएसियस्स णं भंते! खंधस्स सेयस्स पुच्छा, गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं। निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स। परमाणुपोग्गलाणं भंते! सेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! नत्थि अंतरं, निरेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! नत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं॥ एएसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं सेयाणं निरेयाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सेया, निरेया असंखेज्जगुणा एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं। एएसि णं भंते! अणंतपएसियाणं खंधाणं सेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा निरेया, सेया अणंतगुणा॥ एएसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं सेयाणं निरेयाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए १, अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा २, परमाणुपोग्गला सेया दव्व-

ट्ठयाए अणंतगुणा ३, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ४, असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ५, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, पएसट्ठयाए एवं चेव नवरं परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए १, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४, परमाणुपोग्गला सेया दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए अणंतगुणा ५, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १०, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १२, असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १३, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४। परमाणुपोग्गले णं भंते! किं देसेए सव्वेए निरेए? गोयमा! नो देसेए सिय सव्वेए सिय निरेए, दुपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा, गोयमा! सिय देसेए सिय सव्वेए सिय निरेए, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! कि देसेया सव्वेया निरेया? गोयमा! नो देसेया सव्वेयावि निरेयावि, दुपएसिया णं भंते! खंधा पुच्छा, गोयमा! देसेयावि सव्वेयावि निरेयावि, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गले णं भंते! सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, निरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसिए णं भंते! खंधे देसेए कालओ केव(च्चि)च्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, निरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं, निरेया कालओ केवच्चिरं हो(न्ति)इ? गोयमा! सव्वद्धं। दुपएसिया णं भंते! खंधा देसेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं, सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं, निरेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्ग-

लस्स णं भंते ! सव्वेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स देसेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, सव्वेयस्स केवइयं कालं० ? एवं चेव जहा देसेयस्स, निरेयस्स केवइयं कालं० ? सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स ॥ परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सव्वेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! नत्थि अंतरं, निरेयाणं केवइयं० ? नत्थि अंतरं, दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं देसेयाणं केवइयं कालं० ? नत्थि अंतरं, सव्वेयाणं केवइयं कालं० ? नत्थि अतरं, निरेयाणं केवइयं कालं० ? नत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सव्वेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सव्वेया, निरेया असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते ! दुपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दुपएसिया खंधा सव्वेया, देसेया असंखेज्जगुणा, निरेया असंखेज्जगुणा, एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं। एएसि णं भंते ! अणंतपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया, निरेया अणंतगुणा, देसेया अणंतगुणा। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १, अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अ(णंत)संखेज्जगुणा ४, संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ५, परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्व-

ट्ठयाए संखेज्जगुणा १०, असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्ठयाए एवं पएसट्ठयाएवि नवरं परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ५, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ६, असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ७, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १०, परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १२, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १३, असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १५, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १६, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा १७, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा १८, असंखेज्जपएसिया निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १९, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा २० ॥ ७४३ ॥ कइ णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० । कइ णं भंते ! अहम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! एवं चेव, कइ णं भंते ! आगासत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? एवं चेव । कइ णं भंते ! जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प०, एए णं भंते ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा कइसु आगासपएसेसु ओगाहंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कंसि वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा पंचहिं वा छहिं वा उक्कोसेणं अट्ठसु, नो चेव णं सत्तसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७४४ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते ! पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पज्जवा प०, तं०-जीवपज्जवा य अजीवपज्जवा य, पज्जवपयं निरवसेसं भाणियव्वं जहा पन्नवणाए ॥ ७४५ ॥ आवलियाणं भंते ! किं संखेज्जा समया असंखेज्जा समया अणंता समया ? गोयमा ! नो संखेज्जा समया असंखेज्जा समया नो अणंता समया, आणापाणूणं भंते ! कि संखेज्जा० ? एवं चेव, थोवे णं भंते ! कि संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं लवेवि मुहुत्तेवि, एवं अहोरत्तेवि, एवं पक्खे मासे उ(ऊ)इ अयणे संवच्छरे जुगे वाससए

वाससहस्से वाससयसहस्से पुव्वंगे पुव्वे तुडियंगे तुडिए अडडंगे अडडे अववंगे अववे हुहुअंगे हुहुए उप्पलंगे उप्पले पउमंगे पउमे नलिणंगे नलिणे अच्छिणि(उ)-पूरंगे अच्छिणि(उ)पूरे अउयंगे अउए नउयंगे नउए पउयंगे पउए चूलियंगे चूलि(या)ए सीसपहेलियंगे सीसपहेलिया पलिओवमे सागरोवमे ओसप्पिणी एवं उस्सप्पिणीवि, पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! किं संखेज्जा समया असंखेज्जा समया अणंता समया ? गोयमा ! नो संखेज्जा समया नो असंखेज्जा समया अणंता समया, एवं तीयद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा ॥ आवलियाओ णं भंते ! कि संखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जा समया सिय असंखेज्जा समया सिय अणंता समया, आणापाणूणं भंते ! कि संखेज्जा समया० पुच्छा, एवं चेव, थोवाणं भंते ! किं संखेज्जा समया ३ ? एवं चेव एवं जाव उस्सप्पिणीओत्ति, पोग्गलपरियट्टाणं भंते ! किं संखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा ! णो सखेज्जा समया णो असंखेज्जा समया अणंता समया, आणापाणूणं भंते ! कि संखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा ! संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ नो अणंताओ आवलियाओ, एवं थोवेवि, एवं जाव सीसप्पहेलियत्ति । पलिओवमे णं भंते ! कि संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ असंखेज्जाओ आवलियाओ नो अणंताओ आवलियाओ, एवं सागरोवमेवि, एवं ओसप्पिणीवि उस्सप्पिणीवि, पोग्गलपरियट्टे पुच्छा, गोयमा ! नो सखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ अणंताओ आवलियाओ, एवं जाव सव्वद्धा । आणापाणूणं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा ! सिय सखेज्जाओ आवलियाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ, एवं जाव सीसप्पहेलियाओ, पलिओवमाणं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ सिय असंखेज्जाओ आवलियाओ सिय अणंताओ आवलियाओ, एवं जाव उस्सप्पिणीओत्ति, पोग्गलपरियट्टाणं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ अणंताओ आवलियाओ । थोवे णं भंते ! किं सखेज्जाओ आणापाणूओ असंखेज्जाओ जहा आवलियाए वत्तव्वया एवं आणापाणूओवि निरवसेसा, एवं एएणं गमएणं जाव सीसप्पहेलिया भाणियव्वा । सागरोवमे णं भंते ! कि संखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा ! संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा णो अणंता पलिओवमा, एवं ओसप्पिणीएवि उस्सप्पिणीएवि, पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा अणंता पलिओवमा, एवं जाव सव्वद्धा । सागरोवमाणं भंते ! किं संखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जा

पलिओवमा सिय असंखेज्जा पलिओवमा सिय अणंता पलिओवमा, एवं जाव ओसप्पिणी(ओ)वि उस्सप्पिणीवि । पोग्गलपरियट्टाणं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा अणंता पलिओवमा । ओसप्पिणी णं भंते ! किं संखेज्जा सागरोवमा जहा पलिओवमस्स वत्तव्वया तहा सागरोवमस्सवि, पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! कि संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणीओ, पोग्गलपरियट्टाणं भंते ! कि संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! कि संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ, एवं जाव सव्वद्धा, पोग्गलपरियट्टाणं भंते ! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ । तीतद्धाणं भंते ! कि संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा नो असंखेज्जा अणंता पोग्गलपरियट्टा, एवं अणागयद्धावि, एवं सव्वद्धावि ॥७४६॥ अणागयद्धाणं भंते ! कि संखेज्जाओ तीतद्धाओ असंखेज्जाओ० अणंताओ० ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ तीतद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीतद्धाओ णो अणंताओ तीतद्धाओ, अणागयद्धा णं तीतद्धाओ समयाहिया, तीतद्धा णं अणागयद्धाओ समयऊणा । सव्वद्धाणं भंते ! कि संखेज्जाओ तीतद्धाओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ तीतद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीतद्धाओ णो अणंताओ तीतद्धाओ, सव्वद्धा णं तीतद्धाओ साइरेगदुगुणा तीतद्धा णं सव्वद्धाओ थोवूणए अद्धे, सव्वद्धाणं भन्ते ! कि संखेज्जाओ अणागयद्धाओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो असंखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो अणंताओ अणागयद्धाओ, सव्वद्धा णं अणागयद्धाओ थोवूणगदुगुणा अणागयद्धा णं सव्वद्धाओ साइरेगे अद्धे ॥ ७४७ ॥ कइविहा णं भंते ! णिओदा प० ? गोयमा ! दुविहा णिओदा प०, तं०—णिओ(य)गा य णिओयजीवा य, णिओदा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—सुहुमनिओदा य बायरनिओ(दा)गा य, एवं निओदा भाणियव्वा जहा जीवाभिगमे तहेव निरवसेसं ॥ ७४८ ॥ कइविहे णं भंते ! णामे पन्नत्ते ? गोयमा ! छव्विहे णामे पन्नत्ते, तंजहा—उदइए जाव सन्निवाइए । से कि तं उदइए णामे ? उदइए णामे दुविहे प०, तं०—उद(इ)ए य उदयनिप्फन्ने य, एवं जहा सत्तरसमसए पढमे उद्देसए भावो तहेव इहवि, नवरं इमं नामणाणत्तं, सेसं तहेव जाव सन्निवाइए । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७४९ ॥ **पणवीसइमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पन्नवण १ वेय २ रागे ३ कप्प ४ चरित्त ५ पडिसेवणा ६ णाणे ७ । तित्थे ८ लिंग ९ सरीरे १० खेत्ते ११ काले १२ गइ १३ संजम १४ निगासे १५ ॥ १ ॥ जोगु १६ वओग १७ कसाए १८ लेसा १९ परिणाम २० बंध २१ वेदे य २२ । कम्मोदीरण २३ उवसंपजहन्न २४ सन्ना य २५ आहारे २६ ॥ २ ॥ भव २७ आगरिसे २८ कालं २९ तरे य ३० समुग्घाय ३१ खेत्त ३२ फुसणा य ३३ । भावे ३४ परि(माणे)णामे ३५ (खलु)विय अप्पाबहुयं ३६ नियंठाणं ३७ ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! णियंठा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच णियंठा पन्नत्ता, तंजहा–पुलाए वउसे कुसीले णियंठे सिणाए ॥ पुलाए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–नाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे । वउसे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–आभोगवउसे अणाभोगवउसे संवुडवउसे असंवुडवउसे अहासुहुमवउसे णामं पंचमे । कुसीले णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे प०, तं०–पडिसेवणाकुसीले य कसायकुसीले य, पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा–नाणपडिसेवणाकुसीले दंसणपडिसेवणाकुसीले चरित्तपडिसेवणाकुसीले लिंगपडिसेवणाकुसीले अहासुहुमपडिसेवणाकुसीले णामं पंचमें, कसायकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–नाणकसायकुसीले दंसणकसायकुसीले चरित्तकसायकुसीले लिंगकसायकुसीले अहासुहुमकसायकुसीले णामं पंचमे । नियंठे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा–पढमसमयनियंठे अपढमसमयनियंठे चरिमसमयनियंठे अचरिमसमयनियंठे अहासुहुमनियंठे णामं पंचमे । सिणाए णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–अच्छवी १, असबले २, अकम्मंसे ३, संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली ४, अपरिस्सावी ५।१। पुलाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! नो इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा । वउसे णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! इत्थिवेयए वा होज्जा पुरिसवेयए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं भंते ! किं सवेयए होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! सवेयए वा होज्जा अवेयए वा होज्जा, जइ अवेदए होज्जा किं उवसंतवेदए होज्जा

खीणवेदए होज्जा ? गोयमा ! उवसंतवेदए वा होज्जा खीणवेदए वा होज्जा, जइ सवेदए होज्जा किं इत्थिवेदए होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! तिसुवि जहा बउसे। णियंठे णं भंते ! किं सवेदए० पुच्छा, गोयमा ! णो सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा, जइ अवेदए होज्जा कि उवसंत० पुच्छा, गोयमा ! उवसंतवेदए वा होज्जा खीणवेदए वा होज्जा। सिणाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा० ? जहा नियंठे तहा सिणाएवि, नवरं णो उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा २ ॥ ७५० ॥ पुलाए णं भंते ! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा ? गोयमा ! सरागे होज्जा णो वीयरागे होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं भंते ! किं सरागे होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा, जइ वीयरागे होज्जा कि उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीणकसायवीयरागे होज्जा ? गोयमा ! उवसंतकसायवीयरागे वा होज्जा खीणकसायवीयरागे वा होज्जा, सिणाए एवं चेव, नवरं णो उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीणकसायवीयरागे होज्जा ३ ॥ ७५१ ॥ पुलाए णं भंते ! कि ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा, एवं जाव सिणाए। पुलाए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा ? गोयमा ! नो जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा णो कप्पातीते होज्जा। बउसे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा नो कप्पातीते होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा कप्पातीते वा होज्जा। नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! नो जिणकप्पे होज्जा नो थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा, एवं सिणाएवि ४ ॥ ७५२ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सामाइयसंजमे होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे होज्जा परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा ? गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे वा होज्जा णो परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा जाव सुहुमसंपरायसंजमे वा होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा। नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! णो सामाइयसंजमे होज्जा जाव णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा, एवं सिणाएवि ५ ॥ ७५३ ॥ पुलाए णं भंते ! कि पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा कि मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! मूलगुणपडिसेवए वा होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए वा होज्जा, मूलगुणपडिसेवमाणे पंचण्हं आसवाणं

अन्नयरं पडिसेवेज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अन्नयरं पडिसेवेज्जा। वउसे णं पुच्छा, गोयमा! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा? गोयमा! णो मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अन्नयरं पडिसेवेज्जा, पडिसेवणाकुसीले जहा पुलाए। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! णो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एवं नियंठेवि, एवं सिणाएवि ६ ॥ ७५४ ॥ पुलाए णं भंते! कइसु नाणेसु होज्जा? गोयमा! दोसु वा तिसु वा होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु आभिणिबोहियनाणे सुअनाणे होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे होज्जा, एवं वउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! दोसु वा तिसु वा चउसु वा होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा अहवा तिसु होज्जमाणे आभिणिबोहियनाणसुयनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, एवं नियंठेवि। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! एगंमि केवलनाणे होज्जा ॥ ७५५ ॥ पुलाए णं भंते! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं नवमस्स पुव्वस्स तइयं आयारवत्थुं, उक्कोसेणं नव पुव्वाइं अहिज्जेज्जा। वउसे णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा। एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं चउद्दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा, एवं नियंठेवि। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! सुयवइरित्ते होज्जा ७॥७५६॥ पुलाए णं भंते! किं तित्थे होज्जा अतित्थे होज्जा? गोयमा! तित्थे होज्जा णो अतित्थे होज्जा, एवं वउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा, जइ अतित्थे होज्जा किं तित्थयरे होज्जा पत्तेयबुद्धे होज्जा? गोयमा! तित्थगरे वा होज्जा पत्तेयबुद्धे वा होज्जा, एवं नियंठेवि, एवं सिणाएवि ८॥७५७॥ पुलाए णं भंते! किं सलिंगे होज्जा अन्नलिंगे होज्जा गिहिलिंगे होज्जा? गोयमा! दव्वलिंगं पडुच्च सलिंगे वा होज्जा अन्नलिंगे वा होज्जा गिहिलिंगे वा होज्जा, भावलिंगं पडुच्च निय(मं)मा सलिंगे होज्जा, एवं जाव सिणाए ९॥७५८॥ पुलाए णं भंते! कइसु सरीरेसु होज्जा? गोयमा! तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, बउसे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु ओरालिय-

वेउव्वियतेयाकम्मएसु होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मएसु होज्जा, पंचसु होज्जमाणे पंचसु ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मएसु होज्जा, णियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ॥१०॥ ७५९॥ पुलाए णं भंते ! किं कम्मभूमी(सु)ए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा? गोयमा ! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा, बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा, साहरणं पडुच्च कम्मभूमीए वा होज्जा अकम्मभूमीए वा होज्जा, एवं जाव सिणाए॥ ११ ॥ ७६० ॥ पुलाए णं भंते ! कि ओसप्पिणिकाले होज्जा उस्सप्पिणिकाले होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा ? गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा कि सुसमसुसमाकाले होज्जा १, सुसमाकाले होज्जा २, सुसमदूसमाकाले होज्जा ३, दूसमसुसमाकाले होज्जा ४, दूसमाकाले होज्जा ५, दूसमदूसमाकाले होज्जा ६? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा १, णो सुसमाकाले होज्जा २, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ३, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ४, णो दूसमाकाले होज्जा ५, णो दूसमदूसमाकाले होज्जा ६, संतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दूसमसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा, जइ उस्सप्पिणिकाले होज्जा कि दूसमदूसमाकाले होज्जा दूसमाकाले होज्जा दूसमसुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले होज्जा सुसमाकाले होज्जा सुसमसुसमाकाले होज्जा? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १, दूसमाकाले वा होज्जा २, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४, णो सुसमाकाले होज्जा ५, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६, संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १, (नो)दूसमाकाले होज्जा २, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४, णो सुसमाकाले होज्जा ५, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६। जइ णोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होज्जा कि सुसमसुसमापलिभागे होज्जा सुसमापलिभागे होज्जा सुसमदूसमापलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा? गोयमा ! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा णो सुसमापलिभागे होज्जा णो दू(सु)समदूसमापलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा। बउसे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्स-

प्पिणिकाले वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा कि सुसमसुसमाकाले० पुच्छा, गोयमा ! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे समाकाले होज्जा । जइ उस्सप्पिणिकाले होज्जा कि दूसमदूसमाकाले होज्जा ६ पुच्छा, गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा जहेव पुलाए, संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा णो दूसमाकाले होज्जा एवं संतिभावेणावि जहा पुलाए जाव णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे समाकाले होज्जा । जइ नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! जम्मणसंतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा जहेव पुलाए जाव दूसमसुसमापलिभागे होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे पलिभागे होज्जा, जहा वउसे एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ, नवरं एएसिं अब्भहियं साहरणं भाणियव्वं, सेसं तं चेव १२॥ ७६१ ॥ पुलाए णं भंते ! कालगए समाणे (कि)कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! देवगइं गच्छइ, देवगइं गच्छमाणे कि भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसियवेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो भवणवासीसु उ० णो वाणमंतरेसु उ० णो जोइसिएसु उ० वेमाणिएसु उववज्जेज्जा, वेमाणिएसु उववज्जमाणे जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे उववज्जेज्जा, वउसे णं एवं चेव नवरं उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे, पडिसेवणाकुसीले जहा वउसे, कसायकुसीले जहा पुलाए, नवरं उक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, णियंठे णं भंते ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिएसु उववज्जमाणे अजहन्नमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, सिणाए णं भंते ! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! सिद्धिगइं गच्छइ । पुलाए णं भंते ! देवेसु उववज्जमाणे कि इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा तायत्तीसगत्ताए उववज्जेज्जा लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा लोगपालत्ताए वा उववज्जेज्जा तायत्तीसगत्ताए वा उववज्जेज्जा नो अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा, एवं वउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए वा उववज्जेज्जा जाव अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा, नियंठे पुच्छा, गोयमा अविराहणं पडुच्च णो इंदत्ताए उववज्जेज्जा जाव णो लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा ॥ पुलागस्स णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स

केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठारससागरोवमाइं, वउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं, एवं पडिसेवणाकुसीलस्सवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, णियंठस्स पुच्छा, गोयमा ! अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं १३ ॥ ७६२ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प०, एवं जाव कसायकुसीलस्स। नियंठस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प०, एवं सिणायस्सवि, एएसि णं भंते ! पुलागवउसपडिसेवणाकसायकुसीलनियंठसिणायाणं संजमट्ठाणाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवे नियंठस्स सिणायस्स य एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे, पुलागस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, वउसस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७६३ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव सिणायस्स । पुलाए णं भंते ! पुलागस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे १, सिय तुल्ले २, सिय अब्भहिए ३, जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा, अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिए वा असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा ॥ पुलाए णं भंते ! वउसस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलेण समं छट्ठाणवडिए जहेव सट्ठाणे, नियंठस्स जहा वउसस्स, एवं सिणायस्सवि ॥ वउसे णं भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए । वउसे णं भंते ! वउसस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे छट्ठाणवडिए । वउसे णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे० ? छट्ठाणवडिए, एवं कसायकुसीलस्सवि ॥ वउसे णं भंते ! नियंठस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं सिणायस्सवि, पडिसेवणाकुसीलस्स एस चेव वउसवत्तव्वया भाणियव्वा, कसायकुसीलस्स सण्णिगासेणं एस चेव

बउसवत्तव्वया नवरं पुलाएणवि समं छट्ठाणवडिए। णियंठे णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं जाव कसायकुसीलस्स। णियंठे णं भंते! णियंठस्स सट्ठाणसन्निगासेणं पुच्छा, गोयमा! नो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए, एवं सिणायस्सवि। सिणाए णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं एवं जहा नियंठस्स वत्तव्वया तहा सिणायस्सवि भाणियव्वा जाव सिणाए णं भंते! सिणायस्स सट्ठाणसन्निगासेणं पुच्छा, गोयमा! णो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए॥ एएसि णं भंते! पुलागबउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलनियंठसिणायाणं जहन्नुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! पुलागस्स कसायकुसीलस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, पुलागस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, बउसस्स पडिसेवणाकुसीलस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा, बउसस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, कसायकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, णियंठस्स सिणायस्स य एएसि णं अजहन्नमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा १५॥ ७६४॥ पुलाए णं भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? गोयमा! सजोगी होज्जा नो अजोगी होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा? गोयमा! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा, एवं जाव नियंठे। सिणाए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सजोगी वा होज्जा अजोगी वा होज्जा, जइ सजोगी होज्जा कि मणजोगी होज्जा सेसं जहा पुलागस्स १६॥ ७६५॥ पुलाए णं भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा? गोयमा! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा, एवं जाव सिणाए १७॥ ७६६॥ पुलाए णं भंते! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा? गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु कोहमाणमायालोभेसु होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एगम्मि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगम्मि होज्जमाणे एगम्मि संजलणलोभे होज्जा, नियंठे णं पुच्छा, गोयमा! णो सकसाई

होज्जा अकसाई होज्जा, जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा? गोयमा! उवसंतकसाई वा होज्जा खीणकसाई वा होज्जा, सिणाए एवं चेव, नवरं णो उवसंतकसाई होज्जा, खीणकसाई होज्जा १८ ॥७६७॥ पुलाए णं भंते! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा? गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तं०-तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए, एवं बउसस्सवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! छसु लेस्सासु होज्जा, तं०-कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, नियंठे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा, सिणाए पुच्छा, गोयमा! सलेस्से वा होज्जा अलेस्से वा होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! एगाए परमसुक्कलेस्साए होज्जा १९ ॥ ७६८ ॥ पुलाए णं भंते! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ही(हा)यमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं पुच्छा, गोयमा! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा, णो हीयमाणपरिणामे होज्जा, अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा, एवं सिणाएवि ॥ पुलाए णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं सत्त समया, एवं जाव कसायकुसीले। नियंठे णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। सिणाए णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी २० ॥ ७६९ ॥ पुलाए णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ। बउसे पुच्छा, गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा!

सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा, सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, छ बंधमाणे आउयमोहणिज्जवज्जाओ छक्कम्मप्पगडीओ बंधइ । नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! एगविहबंधए वा अबंधए वा, एगं बंधमाणे एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ २१ ॥ ७७० ॥ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! नियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव कसायकुसीले, नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! वेयणिज्जआउयनामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२ ॥ ७७१ ॥ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पडिसेवणाकुसीले एवं चेव, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! पंचविहउदीरए वा दुविहउदीरए वा, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! दुविहउदीरए वा अणुदीरए वा, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ २३ ॥ ७७२ ॥ पुलाए णं भंते ! पुलायत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! पुलायत्तं जहइ कसायकुसीलं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ, बउसे णं भंते ! बउसत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! बउसत्तं जहइ पडिसेवणाकुसीलं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलत्तं० पुच्छा, गोयमा ! पडिसेवणाकुसीलत्तं जहइ बउसं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! कसायकुसीलत्तं जहइ पुलायं वा बउसं वा पडिसेवणाकुसीलं वा णियंठं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! नियंठत्तं जहइ कसाय-

कुसीलं वा सिणायं वा अस्संजमं वा उवसंपज्जइ। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! सिणायत्तं जहइ सिद्धिगइं उवसंपज्जइ २४ ॥ ७७३ ॥ पुलाए णं भंते! किं सन्नोवउत्ते होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा? गोयमा! णो सन्नोवउत्ते होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा। वउसे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सन्नोवउत्ते वा होज्जा नोसन्नोवउत्ते वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियंठे सिणाए य जहा पुलाए २५ ॥ ७७४ ॥ पुलाए णं भंते! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा? गोयमा! आहारए होज्जा णो अणाहारए होज्जा, एवं जाव नियंठे। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! आहारए वा होज्जा अणाहारए वा होज्जा २६ ॥ ७७५ ॥ पुलाए णं भंते! कइ भवग्गहणाइं होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं तिन्नि। वउसे णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं अट्ठ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियंठे जहा पुलाए। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! एक्कं २७ ॥ ७७६ ॥ पुलागस्स णं भंते! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प०? गोयमा! जहन्नेणं एक्को उक्कोसेणं तिन्नि। वउसस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं एक्को उक्कोसेणं सयग्गसो, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले एवं चेव। णियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं एक्को उक्कोसेणं दोन्नि। सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा! एक्को ॥ पुलागस्स णं भंते! नाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प०? गोयमा! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं सत्त। वउसस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं सहस्सग्गसो, एवं जाव कसायकुसीलस्स। नियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं पंच। सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा! नत्थि एक्कोवि २८ ॥ ७७७ ॥ पुलाए णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं। वउसे णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलेवि एवं चेव। नियंठे णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ॥ पुलागा णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। वउसा णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सव्वद्धं, एवं जाव कसायकुसीला, नियंठा जहा पुलागा, सिणाया जहा वउसा २९ ॥ ७७८ ॥ पुलागस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं जाव नियंठस्स। सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा! नत्थि अंतरं ॥ पुलागाणं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं संखे-

ज्जाइं वासाइं । बउसाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! नत्थि अंतरं, एवं जाव कसाय-कुसीलाणं । नियंठाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सिणायाणं जहा बउसाणं ३० ॥ ७७९ ॥ पुलागस्स णं भंते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तिन्नि समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए, बउसस्स णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! पंच समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए जाव तेयासमुग्घाए, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! छ समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए जाव आहारगसमुग्घाए, नियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा ! नत्थि एक्कोवि, सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! एगे केवलिसमुग्घाए प० ३१ ॥ ७८० ॥ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा १, असंखेज्जइभागे होज्जा २, संखेज्जेसु भागेसु होज्जा ३, असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा ४, सव्वलोए होज्जा ५ ? गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, णो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, (णो) असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, णो सव्वलोए होज्जा, एवं जाव नियंठे । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा असंखेज्जइभागे होज्जा णो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा सव्वलोए वा होज्जा ३२ ॥ ७८१ ॥ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ असंखेज्जइभागं फुसइ० ? एवं जहा ओगाहणा भणिया तहा फुसणावि भाणियव्वा जाव सिणाए ३३ ॥ ७८२ ॥ पुलाए णं भंते ! कयरम्मि भावे होज्जा ? गोयमा ! खओवसमिए भावे होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले । नियंठे पुच्छा, गोयमा ! उवसमिए वा भावे होज्जा खइए वा भावे होज्जा । सिणाए पुच्छा, गोयमा ! खइए भावे होज्जा ३४ ॥ ७८३ ॥ पुलाया णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं । बउसा णं भंते ! एगसमएणं० पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिसयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्तं, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीलाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं (कोडि)सहस्सपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिसहस्सपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसहस्सपुहुत्तं । नियंठाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ

अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं बावट्ठं सयं, अट्ठसयं खवगाणं चउप्पन्नं उव(स)सामगाणं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं। सिणायाणं पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं ॥ एएसि णं भंते! पुलागवउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलनियंठसिणायाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा नियंठा, पुलागा संखेज्जगुणा, सिणाया संखेज्जगुणा, वउसा संखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीला संखेज्जगुणा, कसायकुसीला संखेज्जगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ७८४ ॥

पणवीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते! संजया प०? गोयमा! पंच संजया प०, तं०–सामाइयसंजए छेओवट्ठावणियसंजए परिहारविसुद्धियसंजए सुहुमसंपरायसंजए अहक्खायसंजए, सामाइयसंजए णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—इत्तरिए य आवकहिए य, छेओवट्ठावणियसंजए णं पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०—साइयारे य निरइयारे य, परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०–णिव्विसमाणए य निव्विट्ठकाइए य, सुहुमसंपराय० पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०–संकिलिस्समाणए य विसुद्धमाणए य, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०–छउमत्थे य केवली य ॥ गाहाओ–सामाइयंमि उ कए चाउज्जामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेण फासयंतो सामाइयसंजओ स खलु ॥ १ ॥ छेत्तूण उ परियागं पोराणं जो ठवेइ अप्पाणं। धम्मंमि पंचजामे छेदोवट्ठावणो स खलु ॥ २ ॥ परिहरइ जो विसुद्धं तु पंचजामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेण फासयंतो परिहारियसंजओ स खलु ॥ ३ ॥ लोभाणु वेययंतो जो खलु उवसामओ व खवओ वा। सो सुहुमसंपराओ अहखाया ऊणओ किंचि ॥ ४ ॥ उवसंते खीणंमि व जो खलु कम्मंमि मोहणिज्जंमि। छउमत्थो व जिणो वा अहखाओ संजओ स खलु ॥ ५ ॥ ७८५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा? गोयमा! सवेदए वा होज्जा अवेदए वा होज्जा, जइ सवेदए होज्जा० एवं जहा कसायकुसीले तहेव निरवसेसं, एवं छेदोवट्ठावणियसंजएवि, परिहारविसुद्धियसंजओ जहा पुलाओ, सुहुमसंपरायसंजओ अहक्खायसंजओ य जहा नियंठो २। सामाइयसंजए णं भंते! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा? गोयमा! सरागे होज्जा नो वीयरागे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खायसंजए जहा नियंठे ३ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं

ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा, छेदोवट्ठावणियसंजए पुच्छा, गोयमा ! ठियकप्पे होज्जा नो अट्ठियकप्पे होज्जा, एवं परिहारविसुद्धियसंजएवि, सेसा जहा सामाइयसजए । सामाइयसंजए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा ? गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा जहा कसायकुसीले तहेव निरवसेसं, छेदोवट्ठावणिओ परिहार-विसुद्धिओ य जहा बउसो, सेसा जहा नियंठे ४ ॥ ७८६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कि पुलाए होज्जा बउसे जाव सिणाए होज्जा ? गोयमा ! पुलाए वा होज्जा बउसे जाव कसायकुसीले वा होज्जा, नो नियंठे होज्जा नो सिणाए होज्जा, एवं छेदो-वट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! नो पुलाए नो बउसे नो पडिसेवणाकुसीले होज्जा, कसायकुसीले होज्जा, नो नियंठे होज्जा नो सिणाए होज्जा, एवं सुहुमसंपराएवि, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! नो पुलाए होज्जा जाव नो कसायकुसीले होज्जा, नियंठे वा होज्जा सिणाए वा होज्जा ५ ॥ सामाइय-संजए णं भंते ! कि पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए वा होज्जा अपडिसेवए वा होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा० सेसं जहा पुलागस्स, जहा सामाइयसंजए एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिय-संजए पुच्छा, गोयमा ! नो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एवं जाव अह-क्खायसंजए ६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइसु नाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा नाणेसु होज्जा, एवं जहा कसायकुसीलस्स तहेव चत्तारि नाणाइं भयणाए, एवं जाव सुहुमसंपरा(इ)ए, अहक्खायसंजयस्स पंच नाणाइं भय-णाए जहा नाणुद्देसए । सामाइयसंजए णं भंते ! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहार-विसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं नवमस्स पुव्वस्स तइयं आयारवत्थुं उक्कोसेणं असंपुन्नाइं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा, सुहुमसंपरायसंजए जहा सामाइयसंजए, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं चउद्दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा सुयवइरित्ते वा होज्जा ७ । सामाइयसंजए णं भंते ! किं तित्थे होज्जा अतित्थे होज्जा ? गोयमा ! तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा जहा कसाय-कुसीले, छेदोवट्ठावणिए परिहारविसुद्धिए (सुहुमसंपराए) य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ८ । सामाइयसंजए णं भंते ! कि सलिंगे होज्जा अन्नलिंगे होज्जा गिहि-लिंगे होज्जा ? जहा पुलाए, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! किं० पुच्छा, गोयमा ! दव्वलिंगंपि भावलिंगंपि पडुच्च सलिंगे होज्जा नो अन्नलिंगे

होज्जा नो गिहिलिंगे होज्जा, सेसा जहा सामाइयसंजए ९ । सामाइयसंजए णं भंते ! कइसु सरीरेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि, सेसा जहा पुलाए १० । सामाइयसंजए णं भंते ! किं कम्मभूमीए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा ? गोयमा ! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा नो अकम्मभूमीए जहा बउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ११ ॥ ७८७ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं ओसप्पिणीकाले होज्जा उस्सप्पिणीकाले होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होज्जा ? गोयमा ! ओसप्पिणीकाले जहा बउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि, नवरं जम्मणं संतिभावं (च) पडुच्च चउसुवि पलिभागेसु नत्थि, साहरणं पडुच्च अन्नयरे पलिभागे होज्जा, सेसं तं चेव, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा जहा पुलाओ, उस्सप्पिणिकालेवि जहा पुलाओ, सुहुमसंपरा(इ)ओ जहा नियंठो, एवं अहक्खाओवि १२ ॥ ७८८ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कालगए समाणे किं गइं गच्छइ ? गोयमा ! देवगइं गच्छइ, देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसिएसु उववज्जेज्जा वेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो भवणवासीसु उववज्जेज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए पुच्छा, गोयमा ! एवं अहक्खायसंजएवि जाव अजहन्नमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, अत्थेगइ(या)ए सिज्झ(न्ति)इ जाव अंतं करे(न्ति)इ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जइ पुच्छा, गोयमा ! अविराहणं पडुच्च एवं जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सेसा जहा नियंठे । सामाइयसंजयस्स णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं, सेसाणं जहा नियंठस्स १३ ॥ ७८९ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प०, एवं जाव परिहारविसुद्धियस्स, सुहुमसंपरायसंजयस्स पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जा अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा प०, अहक्खायसंजयस्स पुच्छा, गोयमा ! एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प० । एएसि णं भंते ! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं संजमट्ठाणाणं

कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे अहक्खायसंजयस्स एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे, सुहुमसंपरायसंजयस्स अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं संजमट्ठाणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७९० ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! केवइया चरित्तपज्जवा प०? गोयमा! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव अहक्खायसंजयस्स ॥ सामाइयसंजए णं भंते! सामाइयसंजयस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए? गोयमा! सिय हीणे छट्ठाणवडिए, सामाइयसंजए णं भंते! छेदोवट्ठावणियसंजयस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! सिय हीणे छट्ठाणवडिए, एवं परिहारविसुद्धियस्सवि, सामाइयसंजए णं भंते! सुहुमसंपरायसंजयस्स परट्ठाण-सन्निगासेणं चरित्तपज्जवे० पुच्छा, गोयमा! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुण-हीणे, एवं अहक्खायसंजयस्सवि, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, हेट्ठिल्लेसु तिसुवि समं छट्ठाणवडिए, उवरिल्लेसु दोसुवि तहेव हीणे, जहा छेदोवट्ठावणिए तहा परिहारविसुद्धि-एवि, सुहुमसंपरागसंजए णं भंते! सामाइयसंजयस्स परट्ठाण० पुच्छा, गोयमा! नो हीणे नो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं छेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धिएसुवि समं सट्ठाणे सिय हीणे नो (सिय)तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे अणंतगुणहीणे, अह (जइ) अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, सुहुमसंपरायसंजयस्स अहक्खायसंजयस्स पर-ट्ठाण० पुच्छा, गोयमा! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, अहक्खाए हेट्ठि-ल्लाणं चउण्हवि नो हीणे नो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, सट्ठाणे नो हीणे तुल्ले नो अब्भहिए। एएसि णं भंते! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपराय-अहक्खायसंजयाणं जहन्नुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स जहन्नगा चरित्त-पज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं उक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंत-गुणा, सुहुमसंपरायसंजयस्स जहन्नगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, अहक्खायसंजयस्स अजहन्नमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा १५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? गोयमा! सजोगी जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खाए जहा सिणाए १६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते

होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते जहा पुलाए, एवं जाव अहक्खाए, नवरं सुहुमसंपराए सागारोवउत्ते होज्जा नो अणागारोवउत्ते होज्जा १७ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा, जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा, गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! एगम्मि संजलणलोभे होज्जा, अहक्खायसंजए जहा नियंठे १८ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए जहा सिणाए, नवरं जइ सलेस्से होज्जा एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा १९ ॥ ७९१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा हीयमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराय० पुच्छा, गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा नो अवट्ठियपरिणामे होज्जा, अहक्खाए जहा नियंठे। सामाइयसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा एवं चेव, अहक्खायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी २० ॥ ७९२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा एवं जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा, गोयमा ! आउयमोहणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ बंधइ, अहक्खायसंजए जहा सिणाए २१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! नियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खाए पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहवेदए वा चउव्विहवेदए वा, सत्त वेदेमाणे मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ, चत्तारि वेदेमाणे वेयणिज्जआउयनामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! सत्तविह० जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराए पुच्छा, गोयमा ! छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जव-

ज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! पंचविहउदीरए वा दुविहउदीरए वा अणुदीरए वा, पंच उदीरेमाणे आउय० सेसं जहा नियंठस्स २३ ॥ ७९३ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! सामाइयसंजयत्तं जहइ छेदोवट्ठावणियसंज(यं)मं वा सुहुमसंपरायसंज(यं)मं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा ! छेदोवट्ठावणियसंजयत्तं जहइ सामाइयसंजमं वा परिहारविसुद्धियसंजमं वा सुहुमसंपरायसंजमं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! परिहारविसुद्धियसंजयत्तं जहइ छेदोवट्ठावणियसंज(यं)मं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ, सुहुमसंपराए पुच्छा, गोयमा ! सुहुमसंपरायसंजयत्तं जहइ सामाइयसंज(यं)मं वा छेदोवट्ठावणियसंज(यं)मं वा अहक्खायसंज(यं)मं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ, अहक्खायसंजए णं पुच्छा, गोयमा ! अहक्खायसंजयत्तं जहइ सुहुमसंपरायसंज(यं)मं वा असंजमं वा सिद्धिगइं वा उवसंपज्जइ २४ ॥ ७९४ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सन्नोवउत्ते होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सन्नोवउत्ते होज्जा जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराए अहक्खाए य जहा पुलाए २५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा ? जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खायसंजए जहा सिणाए २६॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ भवग्गहणाइं होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं (समयं) उक्कोसेणं अट्ठ, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं तिन्नि, एवं जाव अहक्खाए २७ ॥ ७९५ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं जहा बउसस्स, छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं वीसपुहुत्तं, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं तिन्नि, सुहुमसंपरायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं ए(क्को)क्कं उक्कोसेणं चत्तारि, अहक्खायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं दोन्नि । सामाइयसंजयस्स णं भंते ! नाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहा बउसे, छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं उवरिं नवण्हं सयाणं अंतो सहस्सस्स, परिहारविसुद्धियस्स जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं सत्त, सुहुमसंपरायस्स जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं नव, अहक्खायस्स जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं पंच २८ ॥७९६॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणएहिं नवहिं वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी, एवं छेदोवट्ठावणिएवि,

परिहारविसुद्धिए जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणएहिं एगूणतीसाए वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए जहा सामाइयसंजए। सामाइयसंजया णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्व(द्धं)द्धा, छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अड्ढाइज्जाइं वाससयाइं उक्कोसेणं पन्नासं सागरोवमकोडिसयसहस्साइं, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं देसूणाइं दो वाससयाइं उक्कोसेणं देसूणाओ दो पुव्वकोडीओ, सुहुमसंपरायसंजया णं भंते! पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, अहक्खायसंजया जहा सामाइयसंजया २९ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं जहा पुलागस्स एवं जाव अहक्खायसंजयस्स, सामाइयसंजयाणं भंते! पुच्छा, गोयमा! नत्थि अंतरं, छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं तेवट्ठिं वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं चउरासीइं वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, सुहुमसंपरायाणं जहा नियंठाणं, अहक्खायाणं जहा सामाइयसंजयाणं ३० ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! कइ समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! छ समुग्घाया पन्नत्ता, जहा कसायकुसीलस्स, एवं छेदोवट्ठावणियस्सवि, परिहारविसुद्धियस्स जहा पुलागस्स, सुहुमसंपरागस्स जहा नियंठस्स, अहक्खायस्स जहा सिणायस्स ३१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा असंखेज्जइभागे० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जइ० जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपराए। अहक्खायसंजए जहा सिणाए ३२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ जहेव होज्जा तहेव फुसइ ३३ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! कयरम्मि भावे होज्जा? गोयमा! उ(खओ)वसमिए भावे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा! उवसमिए वा खइए वा भावे होज्जा ३४। सामाइयसंजया णं भंते! एगसमएणं केवइया होज्जा? गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च जहा कसायकुसीला तहेव निरवसेसं, छेदोवट्ठावणिया पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं कोडिसयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्तं, परिहारविसुद्धिया जहा पुलागा, सुहुमसंपराया जहा नियंठा, अहक्खायसंजयाणं पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं बावट्ठसयं अट्ठुत्तरसयं खवगाणं चउप्पन्नं उवसामगाणं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिपुहुत्तं

उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं ॥ एएसि णं भंते ! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुमसंपरायसंजया, परिहारविसुद्धियसंजया संखेज्जगुणा, अहक्खायसंजया संखेज्जगुणा, छेदोवट्ठावणियसंजया संखेज्जगुणा, सामाइयसंजया संखेज्जगुणा ३६ ॥७९७॥ पडिसेवण दोसालोयणा य आलोयणारिहे चेव । तत्तो सामायारी पायच्छित्ते तवे चेव ॥१॥ कइविहा णं भंते ! पडिसेवणा प० ? गोयमा ! दसविहा पडिसेवणा प०, तं०—दप्प १ प्पमाद २ ऽणाभोगे ३, आउरे ४ आवती ५ ति य । संकिन्ने ६ सहसक्कारे, ७ भय ८ प्पओसा ९ य वीमंसा १० ॥ १ ॥ दस आलोयणादोसा प०, तंजहा—आकंपइत्ता १ अणुमाणइत्ता २ जं दिट्ठं ३ बायरं च ४ सुहुमं (च) वा ५ । छन्नं ६ सद्दाउलयं ७ बहुजण ८ अव्वत्त ९ तस्सेवी १० ॥ २ ॥ दसहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ अत्तदोसं आलोइत्तए, तंजहा—जाइसंपन्ने १, कुलसंपन्ने २, विणयसंपन्ने ३, णाणसंपन्ने ४, दंसणसंपन्ने ५, चरित्तसंपन्ने ६, खंते ७, दंते ८, अमाई ९, अपच्छाणुतावी १० । अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए, तंजहा—आयारवं १, आहारवं २, ववहारवं ३, उव्वीलए ४, पकुव्वए ५, अपरिस्सावी ६, निज्जवए ७, अवायदंसी ८ ॥ ७९८ ॥ दसविहा सामायारी प०, तं०—इच्छा १ मिच्छा २ तहक्कारे ३, आवस्सिया य ४ निसीहिया ५ । आपुच्छणा य ६ पडिपुच्छा ७, छंदणा य ८ निमंतणा ९ ॥ १ ॥ उवसंपया १० य काले, सामायारी भवे दसहा ॥ ७९९ ॥ दसविहे पायच्छित्ते प०, तं०—आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउसग्गारिहे तवारिहे छेदारिहे मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे ॥ ८०० ॥ दुविहे तवे पन्नत्ते, तंजहा—बाहि(रि)रए य अब्भिंतरए य, से किं तं बाहिरए तवे ? बाहिरए तवे छव्विहे प०, तं०—अणसण ऊणोयरिया भिक्खायरिया य रसपरिच्चाओ । कायकिलेसो पडिसंलीणया (बज्झो तवो होइ) ॥ १ ॥ से किं तं अणसणे ? अणसणे दुविहे प०, तं०—इत्तरिए य आवकहिए य, से किं तं इत्तरिए ? इत्तरिए अणेगविहे पन्नत्ते, तंजहा—चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउद्दसमे भत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए भत्ते ते(ति)मासिए भत्ते जाव छम्मासिए भत्ते, सेत्तं इत्तरिए । से किं तं आवकहिए ? आवकहिए दुविहे प०, तं०—पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य, से किं तं पाओवगमणे ? पाओवगमणे दुविहे प०, तं०—नीहारिमे य अणीहारिमे य निय(मा)मं अपडिक्कमे, से तं पाओवगमणे, से किं तं भत्तपच्चक्खाणे ? भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प०, तं०—नीहारिमे य अनीहारिमे य नियमं सपडिक्कमे, सेत्तं भत्तपच्चक्खाणे, सेत्तं आवकहिए, सेत्तं

अणसणे। से किं तं ओमोयरिया ? ओमोयरिया दुविहा प०, तं०—दव्वोमोयरिया य भावोमोयरिया य, से किं तं दव्वोमोयरिया ? दव्वोमोयरिया दुविहा प०, तं०—उवगरणदव्वोमोयरिया य भत्तपाणदव्वोमोयरिया य, से किं तं उवगरणदव्वोमोयरिया ? उवगरणदव्वोमोयरिया एगे वत्थे एगे पाए चियत्तोवगरणसाइज्जणया, सेत्तं उवगरणदव्वोमोयरिया, से किं तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया ? भत्तपाणदव्वोमोयरिया अट्ठ कवले आहारं आहारेमा(णे)णस्स अप्पाहारे दुवालस० जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव नो पकामरसभोईति वत्तव्वं सिया, सेत्तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया, सेत्तं दव्वोमोयरिया, से किं तं भावोमोयरिया ? भावोमोयरिया अणेगविहा प०, तं०—अप्पकोहे जाव अप्पलोभे अप्पसद्दे अप्पझञ्झे अप्पतुमंतुमे, सेत्तं भावोमोयरिया, सेत्तं ओमोयरिया। से किं तं भिक्खायरिया ? भिक्खायरिया अणेगविहा प०, तं०—दव्वाभिग्गहचरए जहा उववाइए जाव सुद्धेसणिए संखादत्तिए, सेत्तं भिक्खायरिया। से किं तं रसपरिच्चाए ? रसपरिच्चाए अणेगविहे प०, तं०—निव्विगइए पणीयरसविवज्जए जहा उववाइए जाव लूहाहारे, सेत्तं रसपरिच्चाए। से किं तं कायकिलेसे ? कायकिलेसे अणेगविहे प०, तं०—ठाणाइए उक्कुडुयासणिए जहा उववाइए जाव सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्के, सेत्तं कायकिलेसे। से किं तं पडिसंलीणया ? पडिसंलीणया चउव्विहा प०, तं०—इंदियपडिसंलीणया कसायपडिसंलीणया जोगपडिसंलीणया विवित्तसयणासणसेवणया। से किं तं इंदियपडिसंलीणया ? इंदियपडिसंलीणया पंचविहा प०, तं०—सोइंदियविसयप्पयारणिरोहो वा सोइंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो चक्खिंदियविसय० एवं जाव फासिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा फासिंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो, सेत्तं इंदियपडिसंलीणया, से किं तं कसायपडिसंलीणया ? कसायपडिसंलीणया चउव्विहा प०, तंजहा—कोहोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा कोहस्स विफलीकरणं एवं जाव लोभोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा लोभस्स विफलीकरणं, सेत्तं कसायपडिसंलीणया, से किं तं जोगपडिसंलीणया ? जोगपडिसंलीणया तिविहा प०, तं०—मणजोगप० वइजोगप० कायजोगपडिसंलीणया, से किं तं मणजोगपडिसंलीणया ? २ तिविहा प०, तं०—अकुसलमणनिरोहो वा कुसलमणउदीरणं वा मणस्स वा एगत्तीभावकरणं, से किं तं वइजोगपडिसंलीणया ? २ तिविहा प०, तं०—अकुसलवइनिरोहो वा कुसलवइउदीरणं वा वईए वा एगत्तीभावकरणं, से किं तं कायपडिसंलीणया ? कायपडिसंलीणया जन्नं सुसमाहियपसंतसाहरियपाणिपाए कुम्मो इव गुत्तिंदिए अल्लीणे पल्लीणे चिट्ठइ, सेत्तं कायपडिसंलीणया, सेत्तं जोगपडिसंलीणया, से किं तं विवित्तसयणासणसेवणया ? विवित्तसयणासणसेवणया जन्नं आरामेसु

चा उज्जाणेसु वा जहा सोमिलुद्देसए जाव सेज्जासंथारगं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, सेत्तं विवित्तसयणासणसेवणया, सेत्तं पडिसंलीणया, सेत्तं बाहिरए तवे १ ॥ से किं तं अब्भितरए तवे ? अब्भितरए तवे छव्विहे प०, तं०–पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ । झाणं विउसग्गो । से कि तं पायच्छित्ते ? पायच्छित्ते दसविहे प०, तं०–आलोयणारिहे जाव पारंचियारिहे, सेत्तं पायच्छित्ते । से किं तं विणए ? विणए सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा–नाणविणए दंसणविणए चरित्तविणए मणविणए वइविणए कायविणए लोगोवयारविणए, से किं तं नाणविणए ? नाणविणए पंचविहे प०, तं०–आभिणिबोहियनाणविणए जाव केवलनाणविणए, सेत्तं नाणविणए, से कि तं दंसणविणए ? दंसणविणए दुविहे प०, तं०–सुस्सूसणाविणए य अणच्चासायणाविणए य, से किं तं सुस्सूसणाविणए ? सुस्सूसणाविणए अणेगविहे प०, तं०–सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जहा चउद्दसमसए तइए उद्देसए जाव पडिसंसाह(र)णया, सेत्तं सुस्सूसणाविणए, से किं तं अणच्चासायणाविणए ? अणच्चासायणाविणए पणयालीसइविहे प०, तं०–अरिहंताणं अणच्चासायणया अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स अणच्चासायणया आयरियाणं अणच्चासायणया उवज्झायाणं अणच्चासायणया थेराणं अणच्चासायणया कुलस्स अणच्चासायणया गणस्स अणच्चासायणया संघस्स अणच्चासायणया किरियाए अणच्चासायणया संभोगस्स अणच्चासायणया आभिणिबोहियनाणस्स अणच्चासायणया जाव केवलनाणस्स अणच्चासायणया १५, एएसिं चेव भत्तिबहुमाणेणं एएसिं चेव वन्नसंजलणया, सेत्तं अणच्चासायणयाविणए, सेत्तं दंसणविणए, से किं तं चरित्तविणए ? चरित्तविणए पंचविहे प०, तं०–सामाइयचरित्तविणए जाव अहक्खायचरित्तविणए, सेत्तं चरित्तविणए, से किं तं मणविणए ? मणविणए दुविहे प०, तं०–पसत्थमणविणए य अपसत्थमणविणए य, से किं तं पसत्थमणविणए ? पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, तंजहा–अपावए असावज्जे अकिरिए निरुवक्केसे अणण्हयकरे अच्छविकरे अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थमणविणए, से किं तं अपसत्थमणविणए ? अप्पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, तं०–पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हयकरे छविकरे भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थमणविणए, सेत्तं मणविणए, से कि तं वइविणए ? वइविणए दुविहे प०, तं०–पसत्थवइविणए य अप्पसत्थवइविणए य, से किं तं पसत्थवइविणए ? पसत्थवइविणए सत्तविहे प०, तं०–अपावए जाव अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थवइविणए, से किं तं अप्पसत्थवइविणए ? अप्पसत्थवइविणए सत्तविहे प०, तं०–पावए सावज्जे जाव भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थवइविणए, से तं वइविणए, से किं तं कायविणए ? कायविणए दुविहे प०, तं०–पसत्थकायविणए य अप्पसत्थकायविणए

य, से किं तं पसत्थकायविणए? पसत्थकायविणए सत्तविहे प०, तंजहा–आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं निसीयणं आउत्तं तुयट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया, सेत्तं पसत्थकायविणए, से किं तं अप्पसत्थकायविणए? अप्पसत्थकायविणए सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा–अणाउत्तं गमणं जाव अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया, सेत्तं अप्पसत्थकायविणए, सेत्तं कायविणए, से किं तं लोगोवयारविणए? लोगोवयारविणए सत्तविहे प०, तं०–अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेऊं कयपडिकिइया अत्तगवेसणया देसकालण्णया सव्वत्थेसु अप्पडिलोमया, सेत्तं लोगोवयारविणए, सेत्तं विणए। से किं तं वेयावच्चे? वेयावच्चे दसविहे प०, तं०–आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सिवेयावच्चे गिलाणवेयावच्चे सेहवेयावच्चे कुलवेयावच्चे गणवेयावच्चे संघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे, सेत्तं वेयावच्चे। से किं तं सज्झाए? सज्झाए पंचविहे पन्नत्ते, तं०–वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा, सेत्तं सज्झाए॥ ८०१॥ से किं तं झाणे? झाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–अट्टे झाणे रोद्दे झाणे धम्मे झाणे सुक्के झाणे, अट्टे झाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा—अमणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ १, मणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ २, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ ३, परिज्जुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ ४, अट्टस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०–कंदणया सोयणया तिप्पणया परिदेवणया १। रोद्दज्झाणे चउव्विहे प०, तं०–हिंसाणुबंधी मोसाणुबंधी तेयाणुबंधी सारक्खणाणुबंधी, रोद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०–ओसन्नदोसे बहुलदोसे अण्णाणदोसे आमरणांतदोसे २। धम्मे झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प०, तं०—आणाविजए अवायविजए विवागविजए संठाणविजए, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०–आणारुई निसग्गरुई सुत्तरुई ओगाढरुई, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प०, तं०—वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा धम्मकहा, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प०, तं०—एगत्ताणुप्पेहा अणिच्चाणुप्पेहा असरणाणुप्पेहा संसाराणुप्पेहा ३। सुक्के झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प०, तं०—पुहुत्तवियक्के सवियारी १, एगंतवियक्के अवियारी २, सुहुमकिरिए अनियट्टी ३, समुच्छिन्नकिरिए अप्पडिवाई ४, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०—खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प०, तं०–अव्वहे असंमोहे विवेगे विउसग्गे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि

अणुप्पेहाओ प०, तं०—अणंतवत्तियाणुप्पेहा विप्परिणामाणुप्पेहा असुभाणुप्पेहा अवायाणुप्पेहा ४, सेत्तं झाणे ॥ ८०२ ॥ से किं तं विउसग्गे? विउसग्गे दुविहे प०, तं०—दव्वविउसग्गे य भावविउसग्गे य, से किं तं दव्वविउसग्गे? दव्वविउसग्गे चउव्विहे प०, तं०—गणविउसग्गे सरीरविउसग्गे उवहिविउसग्गे भत्तपाणविउसग्गे, सेत्तं दव्वविउसग्गे, से किं तं भावविउसग्गे? भावविउसग्गे तिविहे प०, तं०—कसायविउसग्गे संसारविउसग्गे कम्मविउसग्गे, से किं तं कसायविउसग्गे? कसायविउसग्गे चउव्विहे प०, तंजहा-कोहविउसग्गे माणविउसग्गे मायाविउसग्गे लोभविउसग्गे, सेत्तं कसायविउसग्गे, से किं तं संसारविउसग्गे? संसारविउसग्गे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा—नेरइयसंसारविउसग्गे जाव देवसंसारविउसग्गे, सेत्तं संसारविउसग्गे, से किं तं कम्मविउसग्गे? कम्मविउसग्गे अट्ठविहे प०, तंजहा—णाणावरणिज्जकम्मविउसग्गे जाव अंतराइयकम्मविउसग्गे, सेत्तं कम्मविउसग्गे, सेत्तं भावविउसग्गे, सेत्तं अब्भित(र)रिए तवे। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८०३ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-नेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहानामए पवए पवमाणे अज्झवसाणनिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं ठाणं विप्पजहित्ता पुरिमं ठाणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ एवामेव एए(ते)वि जीवा पवओविव पवमाणा अज्झवसाणनिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं भवं विप्पजहित्ता पुरिमं भवं उवसंपज्जित्ताणं विहरन्ति। तेसि णं भंते! जीवाणं कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए प०? गोयमा! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं एवं जहा चउद्दसमसए पढमुद्देसए जाव तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति, तेसि णं जीवाणं तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए प० । ते णं भंते! जीवा कहं परभवियाउयं पकरेंति? गोयमा! अज्झवसाण(जोग)निव्वत्तिएणं करणोवाएणं एवं खलु ते जीवा परभवियाउयं पकरेन्ति, तेसि णं भंते! जीवाणं कहं गई पवत्तइ? गोयमा! आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं, एवं खलु तेसिं जीवाणं गई पवत्तइ, ते णं भंते! जीवा किं आइड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति? गोयमा! आइड्ढीए उववज्जंति नो परिड्ढीए उववज्जंति। ते णं भंते! जीवा किं आयकम्मुणा उववज्जंति परकम्मुणा उववज्जंति? गोयमा! आयकम्मुणा उववज्जंति नो परकम्मुणा उववज्जंति, ते णं भंते! जीवा किं आयप्पओगेणं उववज्जंति परप्पओगेणं उववज्जंति? गोयमा! आयप्पओगेणं उववज्जंति नो परप्पओगेणं उववज्जंति । असुरकुमारा णं भंते! कहं उववज्जंति? जहा नेरइया तहेव निरवसेसं जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं

एगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया, एगिंदिया तं (एवं) चेव नवरं चउसमइओ विग्गहो, सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८०४ ॥ २५ । ८ ॥ भवसिद्धिय-नेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव जाव वेमाणिए, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८०५ ॥ २५ । ९ ॥ अभवसिद्धिय-नेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं जाव वेमाणि(ए)या, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८०६ ॥ २५।१० ॥ सम्मद्दिट्ठि-नेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणि(ए)या, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८०७ ॥ २५।११ ॥ मिच्छादिट्ठिनेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहानामए-पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं जाव वेमाणिए, सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८०८ ॥ २५।१२ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स बारहमो उद्देसो समत्तो ॥ पण-वीसइमं सयं समत्तं ॥**

नमो सुयदेवयाए भगवईए। जीवा १ य लेस्स२ पक्खिय ३ दिट्ठी ४ अन्नाण ५ नाण ६ सन्नाओ ७। वेय ८ कसा(य)ए ९ उवओ(गे)ग १० जोग ११ एक्कार(स)वि ठाणा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी-जीवे णं भंते ! पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १, बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ २, बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३, बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४ ? गोयमा ! अत्थेगइए (जीवे) बंधी बंधइ बंधिस्सइ १, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ २, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ३, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४-१ ॥ सलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए एवं चउभंगो । कण्हलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधि-स्सइ अत्थेगइए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ एवं जाव पम्हलेस्से सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, सुक्कलेस्से जहा सलेस्से तहेव चउभंगो । अलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ २ ॥ कण्हपक्खिए णं भंते ! जीवे पावं कम्मं० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया भंगा। सुक्कपक्खिए णं भंते ! जीवे पुच्छा, गोयमा ! चउभंगो भाणियव्वो ॥ ८०९ ॥ सम्मद्दिट्ठीणं चत्तारि भंगा, मिच्छादिट्ठीणं पढमबिइया भंगा, सम्मामिच्छादिट्ठीणं एवं चेव । नाणीणं चत्तारि भंगा, आभिणिबोहियणाणीणं जाव मणपज्जवणाणीणं चत्तारि भंगा, केवलनाणीणं चरिमो भंगो जहा अलेस्साणं ५, अन्नाणीणं पढमबिइया,

एवं मइअन्नाणीणं सुयअन्नाणीणं विभंगणाणीणवि ६ । आहारसन्नोवउत्ताणं जाव
परिग्गहसन्नोवउत्ताणं पढमविइया नोसन्नोवउत्ताणं चत्तारि ७ । सवेदगाणं पढम-
बिइया, एवं इत्थिवेदगाणं पुरिसवेदगाणं नपुंसगवेदगाणवि, अवेदगाणं चत्तारि भंगा ॥
सकसाईणं चत्तारि, कोहकसाईणं पढमविइया भंगा, एवं माणकसा(य)इस्सवि माया-
कसाइस्सवि लोभकसाइस्सवि चत्तारि भंगा, अकसाई णं भंते ! जीवे पावं कम्मं
किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३, अत्थेगइए
बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४ । सजोगिस्स चउभंगो, एवं मणजो(ग)गिस्सवि वइ-
जोगिस्सवि कायजोगिस्सवि, अजोगिस्स चरिमो, सागारोवउत्ते चत्तारि, अणागारो-
वउत्तेवि चत्तारि भंगा ११ ॥ ८१० ॥ नेरइए णं भंते ! पावं कम्मं किं बंधी
बंधइ बंधिस्सइ० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया १, सलेस्से णं भंते !
नेरइए पावं कम्मं० एवं चेव, एवं कण्हलेस्सेवि नीललेस्सेवि काउलेस्सेवि, एवं कण्हप-
क्खिए(वि) सुक्कपक्खिए(वि), सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणी आभि-
णिवोहियनाणी सुयनाणी ओहिणाणी अन्नाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी
आहारसन्नोवउत्ते जाव परिग्गहसन्नोवउत्ते, सवेदए जाव नपुंसगवेदए, सकसाई जाव
लोभकसाई, सजोगी मणजोगी वइजोगी कायजोगी, सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते,
एएसु सव्वेसु पएसु पढमविइया भंगा भाणियव्वा, एवं असुरकुमारस्सवि वत्तव्वया
भाणियव्वा नवरं तेउलेस्सा इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा य अब्भहिया नपुंसगवेदगा न
भन्नंति सेसं तं चेव सव्वत्थ पढमविइया भंगा, एवं जाव थणियकुमारस्स, एवं पुढ-
विकाइयस्सवि आउकाइयस्सवि जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्सवि सव्वत्थवि पढम-
बिइया भंगा नवरं जस्स जा लेस्सा दिट्ठी णाणं अन्नाणं वेदो जोगो य जं जस्स
अत्थि तं तस्स भाणियव्वं सेसं तहेव, मणूसस्स जच्चेव जीवपदे वत्तव्वया सच्चेव
निरवसेसा भाणियव्वा, वाणमंतरस्स जहा असुरकुमारस्स, जोइसियस्स वेमाणियस्स
एवं चेव नवरं लेस्साओ जाणियव्वाओ, सेसं तहेव भाणियव्वं ॥ ८११ ॥
जीवे णं भंते ! नाणावरणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ एवं जहेव पावकम्मस्स
वत्तव्वया भणिया तहेव नाणावरणिज्जस्सवि वत्तव्वया भाणियव्वा नवरं जीवपदे
मणुस्सपदे य सकसाई जाव लोभकसाइंमि य पढमविइया भंगा अवसेसं तं चेव
जाव वेमाणिए, एवं दरिसणावरणिज्जेणवि दंडगो भाणियव्वो निरवसेसो ॥ जीवे
णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधि-
स्सइ १, अत्थेगइए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २, अत्थेगइए बंधी न बंधइ न बंधि-
स्सइ ४, सलेस्सेवि एवं चेव तइयविहूणा भंगा, कण्हलेस्से जाव पम्हलेस्से पढम-

विइया भंगा, सुक्कलेस्से तइयविहूणा भंगा, अलेस्से चरिमो भंगो, कण्हपक्खिए पढमविइया भंगा, सुक्कपक्खिया तइयविहूणा, एवं सम्मद्दिट्ठिस्सवि, मिच्छादिट्ठिस्स सम्मामिच्छादिट्ठिस्स य पढमविइया, णा(ण)णिस्स तइयविहूणा, आभिणिवोहियनाणी जाव मणपज्जवणाणी पढमविइया, केवलनाणी तइयविहूणा, एवं नोसन्नोवउत्ते अवेदए अकसाई सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते एएसु तइयविहूणा, अजोगिम्मि य चरिमो, सेसेसु पढमविइया । नेरइए णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं किं वंधी वंधइ वंधिस्सइ० एवं नेरइया(दीया) जाव वेमाणियत्ति जस्स जं अत्थि सव्वत्थवि पढमविइया, नवरं मणुस्से(सु) जहा जीवे, जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं कम्मं किं वंधी वंधइ० जहेव पावं कम्मं तहेव मोहणिज्जंपि निरवसेसं जाव वेमाणिए ॥ ८१२ ॥ जीवे णं भंते ! आउयं कम्मं किं वंधी वंधइ० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए वंधी चउभंगो, सलेस्से जाव सुक्कलेस्से चत्तारि भंगा, अलेस्से चरिमो भंगो । कण्हपक्खिए णं पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए वंधी वंधइ वंधिस्सइ अत्थेगइए वंधी न वंधइ वंधिस्सइ, सुक्कपक्खिए सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी चत्तारि भंगा, सम्मामिच्छादिट्ठी पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए वंधी न वंधइ वंधिस्सइ अत्थेगइए वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ, नाणी जाव ओहिनाणी चत्तारि भंगा, मणपज्जवनाणी पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए वंधी वंधइ वंधिस्सइ, अत्थेगइए वंधी न वंधइ वंधिस्सइ, अत्थेगइए वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ, केवलना(णी)णे चरिमो भंगो, एवं एएणं कमेणं नोसन्नोवउत्ते विइयविहूणा जहेव मणपज्जवनाणे, अवेदए अकसाई य तइयचउत्था जहेव सम्मामिच्छत्ते, अजोगिम्मि चरिमो, सेसेसु पदेसु चत्तारि भंगा जाव अणागारोवउत्ते ॥ नेरइए णं भंते ! आउयं कम्मं किं वंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए चत्तारि भंगा एवं सव्वत्थवि नेरइयाणं चत्तारि भंगा नवरं कण्हलेस्से कण्हपक्खिए य पढमतइया भंगा, सम्मामिच्छत्ते तइयचउत्था, असुरकुमारे एवं चेव, नवरं कण्हलेस्से(सु)वि चत्तारि भंगा भाणियव्वा सेसं जहा नेरइयाणं एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविक्काइयाणं सव्वत्थवि चत्तारि भंगा, नवरं कण्हपक्खिए पढमतइया भंगा, तेउलेस्से पुच्छा, गोयमा ! वंधी न वंधइ वंधिस्सइ, सेसेसु सव्वत्थ चत्तारि भंगा, एवं आउक्काइयवणस्सइकाइयाणवि निरवसेसं, तेउक्काइयवाउक्काइयाणं सव्वत्थवि पढमतइया भंगा, वेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणंपि सव्वत्थवि पढमतइया भंगा, नवरं सम्मत्ते नाणे आभिणिवोहियनाणे सुयनाणे तइओ भंगो । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हपक्खिए पढमतइया भंगा, सम्मामिच्छत्ते तइयचउत्था भंगा, सम्मत्ते नाणे आभिणिवोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे एएसु पंचसुवि पदेसु विइयविहूणा भंगा, सेसेसु चत्तारि भंगा, मणुस्साणं

जहा जीवाणं, नवरं सम्मत्ते ओहिए नाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे एएसु बिइयविहूणा भंगा, सेसं तं चेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा, नामं गोयं अंतरा(इ)यं च एयाणि जहा नाणावरणिज्जं। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१३ ॥ **बंधिसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

अणंतरोववन्नए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा तहेव, गोयमा! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया भंगा। सलेस्से णं भंते! अणंतरोववन्नए नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! पढमबिइया भंगा, एवं खलु सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, नवरं सम्मामिच्छत्तं मणजोगो वइजोगो य न पुच्छिज्जइ, एवं जाव थणियकुमाराणं, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वइजोगो न भन्नइ, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणंपि सम्मामिच्छत्तं ओहिनाणं विभंगनाणं मणजोगो वइजोगो एयाणि पंच पदाणि ण भन्नंति। मणुस्साणं अलेस्ससम्मामिच्छत्तमणपज्जवणाणकेवलनाणविभंगनाणनोसन्नोवउत्तअवेदगअकसाईमणजो(गि)गवइजोगअजोगी एयाणि एक्कारस पयाणि ण भन्नंति, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं तहेव ते तिन्नि न भन्नंति सव्वेसिं, जाणि सेसाणि ठाणाणि सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, एगिंदियाणं सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, जहा पावे एवं नाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एवं आउयवज्जेसु जाव अंतराइए दंडओ ॥ अणंतरोववन्नए णं भंते! नेरइए आउयं कम्मं कि बंधी० पुच्छा, गोयमा! बंधी न बंधइ बंधिस्सइ। सलेस्से णं भंते! अणंतरोववन्नए नेरइए आउयं कम्मं कि बंधी०? एवं चेव तइओ भंगो, एवं जाव अणागारोवउत्ते, सव्वत्थवि तइओ भंगो, एवं मणुस्सवज्जं जाव वेमाणियाणं, मणुस्साणं सव्वत्थ तइयचउत्था भंगा, नवरं कण्हपक्खिएसु तइओ भंगो सव्वेसि नाणत्ताइं ताइं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१४ ॥ **बंधिसयस्स बिइओ उद्देसो समत्तो ॥**

परंपरोववन्नए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए पढमबिइया, एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव परंपरोववन्नएहिवि उद्देसओ भाणियव्वो नेरइयाइओ तहेव नवदंडगसंगहिओ, अट्ठण्हवि कम्मप्पगडीणं जा जस्स कम्मस्स वत्तव्वया सा तस्स अहीणमइरित्ता नेयव्वा जाव वेमाणिया अणागारोवउत्ता। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१५ ॥ **बंधिसयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

अणंतरोगाढए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए० एवं जहेव अणंतरोववन्नएहिं नवदंडगसंगहिओ उद्देसओ भणिओ तहेव अणंतरोगाढएहिवि अहीणमइरित्तो भाणियव्वो नेरइयाईए जाव वेमाणिए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ २६-४ ॥ परंपरोगाढए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० जहेव

परंपरोववन्नएहिं उद्देसो सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते! २ त्ति ॥२६-५॥ अणंतराहारए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! एवं जहेव अणंतरोववन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसे(सो)सं। सेवं भंते! २ त्ति ॥ २६-६ ॥ परंपराहारए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! एवं जहेव परंपरोववन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ २६-७ ॥ अणंतरपज्जत्तए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! एवं जहेव अणंतरोववन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसेसं। सेवं भंते! २ त्ति ॥ २६-८ ॥ परंपरपज्जत्तए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! एवं जहेव परंपरोववन्नएहिं उद्देसो तहेव निरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ २६-९ ॥ चरिमे णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! एवं जहेव परंपरोववन्नएहिं उद्देसो तहेव चरिमेहिं निरवसे(सं)सो। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ २६-१० ॥ अचरिमे णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए एवं जहेव पढमोद्देसए तहेव पढमबिइया भंगा भाणियव्वा सव्वत्थ जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। अचरिमे णं भंते! मणुस्से पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी न बंधइ(न) बंधिस्सइ। सलेस्से णं भंते! अचरिमे मणुस्से पावं कम्मं कि बंधी०? एवं चेव तिन्नि भंगा चरिमविहूणा भाणियव्वा एवं जहेव पढमुद्देसे, नवरं जेसु तत्थ वीससु पदेसु चत्तारि भंगा तेसु इह आदिल्ला तिन्नि भंगा भाणियव्वा चरिमभंगवज्जा, अलेस्से केवलनाणी य अजोगी य एए तिन्निवि न पुच्छिज्जंति, सेसं तहेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणि(ए)या जहा नेरइए। अचरिमे णं भंते! नेरइए नाणावरणिज्जं कम्मं कि बंधी० पुच्छा, गोयमा! एवं जहेव पावं नवरं मणुस्सेसु सकसाईसु लोभकसाईसु य पढमबिइया भंगा, सेसा अट्ठारस चरिमविहूणा सेसं तहेव जाव वेमाणियाणं, दरिसणावरणिज्जंपि एवं चेव निरवसेसं, वेयणिज्जे सव्वत्थवि पढमबिइया भंगा जाव वेमाणियाणं नवरं मणुस्सेसु अलेस्से केवली अजोगी य नत्थि। अचरिमे णं भंते! नेरइए मोहणिज्जं कम्मं कि बंधी० पुच्छा, गोयमा! जहेव पावं तहेव निरवसेसं जाव वेमाणिए ॥ अचरिमे णं भंते! नेरइए आउयं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! पढमबि(त)इया भंगा, एवं सव्वपदेसुवि, नेरइयाणं पढमतइया भंगा नवरं सम्मामिच्छत्ते तइओ भंगो, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविक्काइयआउक्काइयवणस्सइकाइयाणं तेउलेस्साए तइओ भंगो सेसेसु पदेसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, तेउक्काइयवाउक्काइयाणं सव्वत्थ

पढमतइया भंगा, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं एवं चेव नवरं सम्मत्ते ओहिनाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे एएसु चउसुवि ठाणेसु तइओ भंगो, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सम्मामिच्छत्ते तइओ भंगो, सेसेसु पदेसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, मणुस्साणं सम्मामिच्छत्ते अवेदए अकसाइम्मि य तइओ भंगो, अलेस्स केवलनाण अजोगी य न पुच्छिज्जंति, सेसपदेसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया । नामं गोयं अंतराइयं च जहेव नाणावरणिज्जं तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१६ ॥ **छव्वीसइमे बंधिसए एयारहमो उद्देसो समत्तो ॥ छव्वीसइमं बंधिसयं समत्तं ॥**

जीवा णं भंते ! पावं कम्मं किं करिंसु करेन्ति करिस्संति १, करिंसु करेंति न करिस्संति २, करिंसु न करेंति करिस्संति ३, करिंसु न करेंति न करिस्संति ४? गोयमा ! अत्थेगइए करिंसु करेंति करिस्संति १, अत्थेगइए करिंसु करेंति न करिस्संति २, अत्थेगइए करिंसु न करेंति करिस्संति ३, अत्थेगइए करिंसु न करेंति न करिस्संति ४ । सलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं एवं एएणं अभिलावेणं जच्चेव बंधिसए वत्तव्वया सच्चेव निरवसेसा भाणियव्वा, तहेव नवदंडगसंगहिया एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा ॥ ८१७ ॥ **सत्तावीसइमं करिंसुगसयं समत्तं ॥**

जीवा णं भंते ! पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा १ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य होज्जा २ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य मणुस्सेसु य होज्जा ३ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य देवेसु य होज्जा ४ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य मणुस्सेसु य होज्जा ५ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य देवेसु य होज्जा ६ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य मणुस्सेसु य देवेसु य होज्जा ७ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य मणुस्सेसु य देवेसु य होज्जा ८ । सलेस्सा णं भंते ! जीवा पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु? एवं चेव, एवं कण्हलेस्सा जाव अलेस्सा, कण्हपक्खिया सुक्कपक्खिया एवं जाव अणागारोवउत्ता । नेरइया णं भंते ! पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जत्ति एवं चेव अट्ठ भंगा भाणियव्वा, एवं सव्वत्थ अट्ठ भंगा, एवं जाव अणागारोवउत्तावि, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं नाणावरणिज्जेणवि दंडओ; एवं जाव अंतराइएणं, एवं एए जीवादीया वेमाणियपज्जवसाणा नव दंडगा भवंति । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१८ ॥ २८।१ ॥ अणंतरोववन्नगा णं भंते ! नेरइया पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा,

एवं एत्थवि अट्ठ भंगा, एवं अणंतरोववन्नगाणं नेरइयाईणं जस्स जं अत्थि लेस्सा-दीयं अणागारोवओगपज्जवसाणं तं सव्वं एयाए भयणाए भाणियव्वं जाव वेमा-णियाणं, नवरं अणंतरेसु जे परिहरियव्वा ते जहा बंधिसए तहा इहंपि, एवं नाणावरणिज्जेणवि दंडओ एवं जाव अंतराइएणं निरवसेसं एसोवि नवदंडगसंग-हिओ उद्देसओ भाणियव्वो। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१९ ॥ २८।२ ॥ एवं एएणं कमेणं जहेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी तहेव इहंपि अट्ठसु भंगेसु नेयव्वा नवरं जाणियव्वं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं जाव (अ)चरिमुद्देसो। सव्वेवि एए एक्कारस उद्देसगा। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८२० ॥ **अट्ठावीसइमं कम्मसमज्जणणसयं समत्तं** ॥

जीवा णं भंते! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु १, समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु २, विसमायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु ३, विसमायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु ४? गोयमा! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु जाव अत्थेगइया विसमायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु? तं चेव, गोयमा! जीवा चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा-अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा १, अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा २, अत्थेगइया विसमाउया समोववन्नगा ३, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववन्नगा ४, तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववन्नगा ते णं पावं कम्मं विसमायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमो-ववन्नगा ते णं पावं कम्मं विसमायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु, से तेणट्ठेणं गोयमा! तं चेव। सलेस्सा णं भंते! जीवा पावं कम्मं एवं चेव, एवं सव्वट्ठाणेसुवि जाव अणागारोवउत्ता, एए सव्वेवि पया एयाए वत्तव्वयाए भाणियव्वा। नेरइया णं भंते! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु एवं जहेव जीवाणं तहेव भाणियव्वं जाव अणागारोवउत्ता, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जं अत्थि तं एएणं चेव कमेणं भाणियव्वं जहा पावेण कम्मेण दंडओ, एवं एएणं कमेणं अट्ठसुवि कम्मप्पगडीसु अट्ठ दंडगा भाणियव्वा जीवादीया वेमाणियपज्जवसाणा एसो नवदंडगसंगहिओ पढमो उद्देसओ भाणियव्वो। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८२१ ॥ **एगूणतीसइमे सए पढमो उद्देसो समत्तो** ॥

अणंतरोववन्नगा णं भंते! नेरइया पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं

निट्ठविंसु० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु तं चेव, गोयमा ! अणंतरोववन्नगा नेरइया दुविहा प०, तं०—अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा, तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से तेणट्ठेणं तं चेव । सलेस्सा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा नेरइया पावं कम्मं एवं चेव, एवं जाव अणागारोवउत्ता, एवं असुरकुमाराचि एवं जाव वेमाणिया नवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं, एवं नाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एवं निरवसेसं जाव अंतराइएणं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ २९।२ ॥ एवं एएणं गमएणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगपरिवाडी सच्चेव इहवि भाणियव्वा जाव अचरिमोत्ति, अणंतरउद्देसगाणं चउण्हवि एक्का वत्तव्वया सेसाणं सत्तण्हं एक्का वत्तव्वया ॥ ८२२ ॥

एगूणतीसइमं कम्मपट्ठवणसयं समत्तं ॥

कइ णं भंते ! समोसरणा प० ? गोयमा ! चत्तारि (चउव्विहा) समोसरणा प०, तंजहा—किरियावाई अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई, जीवा णं भंते ! किं किरियावाई अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई ? गोयमा ! जीवा किरियावाईवि अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सलेस्सा णं भंते ! जीवा किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, एवं जाव सुक्कलेस्सा, अलेस्सा णं भंते ! जीवा पुच्छा, गोयमा ! किरियावाई नो अकिरियावाई नो अन्नाणियवाई नो वेणइयवाई । कण्हपक्खिया णं भंते ! जीवा किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! नो किरियावाई अकिरियावाई अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी जहा अलेस्सा, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठीणं पुच्छा, गोयमा ! नो किरियावाई नो अकिरियावाई अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, णाणी जाव केवलनाणी जहा अलेस्सा, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता जहा सलेस्सा, नोसन्नोवउत्ता जहा अलेस्सा, सवेदगा जाव नपुंसगवेदगा जहा सलेस्सा, अवेदगा जहा अलेस्सा, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा अलेस्सा, सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता जहा सलेस्सा । नेरइया णं भंते ! किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि

जाव वेणइयवाईवि, सलेस्सा णं भंते ! नेरइया किं किरियावाई० ? एवं चेव, एवं जाव काउलेस्सा, कण्हपक्खिया किरियाविवज्जिया, एवं एएणं कमेणं जच्चेव जीवाणं वत्तव्वया सच्चेव नेरइयाणवि वत्तव्वया जाव अणागारोवउत्ता नवरं जं अत्थि तं भाणियव्वं सेसं न भण्णइ, जहा नेरइया एवं जाव थणियकुमारा ॥ पुढविकाइया णं भंते ! किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! नो किरियावाई अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि नो वेणइयवाई, एवं पुढविकाइयाणं जं अत्थि तत्थ सव्वत्थवि एयाइं दो मज्झिल्लाइं समोसरणाइं जाव अणागारोवउत्तावि, एवं जाव चउरिंदियाणं सव्वट्ठाणेसु एयाइं चेव मज्झिल्लगाइं दो समोसरणाइं, सम्मत्तनाणेहिवि एयाणि चेव मज्झिल्लगाइं दो समोसरणाइं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा जीवा नवरं जं अत्थि तं भाणियव्वं, मणुस्सा जहा जीवा तहेव निरवसेसं, वाणमंतरजोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ किरियावाई णं भंते ! जीवा किं नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयं पकरेन्ति देवाउयं पकरेन्ति ? गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवा-उयंपि पकरेन्ति, जइ देवाउयं पकरेन्ति किं भवणवासिदेवाउयं पकरेन्ति जाव वेमाणि-यदेवाउयं पकरेन्ति ? गोयमा ! नो भवणवासिदेवाउयं पकरेन्ति नो वाणमंतरदेवाउयं पकरेन्ति नो जोइसियदेवाउयं पकरेन्ति वेमाणियदेवाउयं पकरेन्ति । अकिरियावाई णं भंते ! जीवा किं नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! नेरइयाउयंपि पकरेन्ति जाव देवाउयंपि पकरेन्ति, एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं एवं जहेव जीवा तहेव सलेस्सावि चउहिवि समोसरणेहिं भाणियव्वा, कण्हलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइया-उयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयं पकरेन्ति नो देवाउयं पक-रेन्ति, अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई य चत्तारिवि आउयाइं पकरेन्ति, एवं नीललेस्सावि काउलेस्सावि, तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयंपि पकरेन्ति, जइ देवाउयं पकरेन्ति तहेव, तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं नेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेंति देवाउयंपि पकरेन्ति, एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, जहा तेउलेस्सा एवं पम्हलेस्सावि सुक्कलेस्सावि नेयव्वा ॥ अलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं

णेरइयाउयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेंति नो तिरिक्ख० नो मणुस्स० नो देवाउयं पकरेंति, कण्हपक्खिया णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं नेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! नेरइयाउयंपि पकरेन्ति एवं चउव्विहंपि, एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी णं भंते ! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयंपि पकरेन्ति, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठी णं भंते ! जीवा अन्नाणियवाई किं नेरइयाउयं० जहा अलेस्सा, एवं वेणइयवाईवि, णाणी आभिणिवोहियनाणी य सुयनाणी य ओहिनाणी य जहा सम्मद्दिट्ठी, मणपज्जवणाणी णं भंते ! किं० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्ख० नो मणुस्साउयं पकरेंति देवाउयं पकरेन्ति, जइ देवाउयं पकरेन्ति किं भवणवासि० पुच्छा, गोयमा ! नो भवणवासिदेवाउयं पकरेन्ति नो वाणमंतर० नो जोइसिय० वेमाणियदेवाउयं पकरेन्ति, केवलनाणी जहा अलेस्सा, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सन्नासु चउसुवि जहा सलेस्सा, नोसन्नोवउत्ता जहा मणपज्जवनाणी, सवेदगा जाव नपुंसगवेदगा जहा सलेस्सा, अवेदगा जहा अलेस्सा, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा अलेस्सा, सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्ता य अणागारोवउत्ता य जहा सलेस्सा ॥ ८२३ ॥ किरियावाई णं भंते ! नेरइया किं नेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरे(इ)न्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयं पकरेन्ति नो देवाउयं पकरेन्ति, अकिरियावाई णं भंते ! नेरइया पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति नो देवाउयं पकरेन्ति, एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि। सलेस्सा णं भंते ! नेरइया किरियावाई किं नेरइयाउयं० एवं सव्वेवि नेरइया जे किरियावाई ते मणुस्साउयं एगं पकरेन्ति, जे अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई ते सव्वट्ठाणेसुवि नो नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति नो देवाउयं पकरेन्ति, नवरं सम्मामिच्छत्ते उवरिल्लेहिं दोहिवि समोसरणेहिं न किंचिवि पकरेन्ति जहेव जीवपए, एवं जाव थणियकुमारा जहेव नेरइया। अकिरियावाई णं भंते ! पुढविकाइया पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयं पकरेन्ति नो देवाउयं पकरेन्ति, एवं अन्नाणियवाईवि। सलेस्सा णं भंते ! एवं जं जं पदं अत्थि पुढविकाइयाणं तहिं २ मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु एवं चेव दुविहं आउयं पकरेन्ति नवरं तेउलेस्साए न किंपि पकरेन्ति,

एवं आउकाइयाणवि, एवं वणस्सइकाइयाणवि, तेउकाइया वाउकाइया सव्वट्ठाणेसु मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु नो नेरइयाउयं पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति नो मणुस्साउयं पकरेंति नो देवाउयं पकरेन्ति, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं जहा पुढविकाइयाणं नवरं सम्मत्तनाणेसु न एक्कंपि आउयं पकरेन्ति ॥ किरियावाई णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा ! जहा मणपज्जवनाणी, अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई य चउव्विहंपि पकरेन्ति, जहा ओहिया तहा सलेस्सावि । कण्हलेस्सा णं भंते ! किरियावाई पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं नेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति णो तिरिक्ख० नो मणुस्साउयं पकरेंति नो देवाउयं पकरेन्ति, अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई चउव्विहंपि पकरेन्ति, जहा कण्हलेस्सा एवं नीललेस्सावि काउलेस्सावि, तेउलेस्सा जहा सलेस्सा, नवरं अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई य णो नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयंपि पकरेंति, एवं पम्हलेस्सावि, एवं सुक्कलेस्सावि भाणियव्वा, कण्हपक्खिया तिहिं समोसरणेहिं चउव्विहंपि आउयं पकरेन्ति, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मदिट्ठी जहा मणपज्जवनाणी तहेव वेमाणियाउयं पकरेन्ति, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठी ण य एक्कंपि आउयं पकरेन्ति जहेव नेरइया, णाणी जाव ओहिनाणी जहा सम्मदिट्ठी, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सेसा जाव अणागारोवउत्ता सव्वे जहा सलेस्सा तहा चेव भाणियव्वा, जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं वत्तव्वया भणिया एवं मणुस्साणवि वत्तव्वया भाणियव्वा, नवरं मणपज्जवनाणी नोसन्नोवउत्ता य जहा सम्मदिट्ठी तिरिक्खजोणिया तहेव भाणियव्वा, अलेस्सा केवलनाणी अवेदगा अकसाई अजोगी य एए एक्कंपि आउयं न पकरेन्ति जहा ओहिया जीवा सेसं तं चेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ किरियावाई णं भंते ! जीवा किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया । अकिरियावाई णं भंते ! जीवा कि भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अन्नाणियवाईवि, वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया । सलेस्सा णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि जहा सलेस्सा, एवं जाव सुक्कलेस्सा, अलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, एवं एएणं अभिलावेणं कण्हपक्खिया

तिसुवि समोसरणेसु भयणाए, सुक्कपक्खिया चउसुवि समोसरणेसु भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, सम्मद्दिट्ठी जहा अलेस्सा, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठी दोसुवि समोसरणेसु जहा अलेस्सा, नाणी जाव केवलनाणी भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सन्नासु चउसुवि जहा सलेस्सा, नोसन्नोवउत्ता जहा सम्मद्दिट्ठी, सवेदगा जाव नपुंसगवेदगा जहा सलेस्सा, अवेदगा जहा सम्मद्दिट्ठी, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा सम्मद्दिट्ठी, सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा सम्मद्दिट्ठी, सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता जहा सलेस्सा, एवं नेरइयावि भाणियव्वा नवरं नायव्वं जं अत्थि, एवं असुरकुमारावि जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइया सव्वट्ठाणेसुवि मज्झिल्लेसु दोसुवि समोसरणेसु भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिया एवं चेव नवरं सम्मत्ते ओहिनाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे एएसु चेव दोसु मज्झिमेसु समोसरणेसु भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, सेसं तं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया नवरं नायव्वं जं अत्थि, मणुस्सा जहा ओहिया जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८२४ ॥ **तीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

अणंतरोववन्नगा णं भंते ! नेरइया किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि जाव वेणइयवाईवि, सलेस्सा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा नेरइया किं किरियावाई० एवं चेव, एवं जहेव पढमुद्देसे नेरइयाणं वत्तव्वया तहेव इहवि भाणियव्वा, नवरं जं जस्स अत्थि अणंतरोववन्नगाणं नेरइयाणं तं तस्स भाणियव्वं, एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं, नवरं अणंतरोववन्नगाणं जं जहिं अत्थि तं तहिं भाणियव्वं । किरियावाई णं भंते ! अणंतरोववन्नगा नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेंति नो तिरि० नो मणु० नो देवाउयं पकरेन्ति, एवं अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! किरियावाई अणंतरोववन्नगा नेरइया किं नेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति जाव नो देवाउयं पकरेन्ति, एवं जाव वेमाणिया, एवं सव्वट्ठाणेसुवि अणंतरोववन्नगा नेरइया न किंचिवि आउयं पकरेन्ति जाव अणागारोवउत्तत्ति, एवं जाव वेमाणिया नवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं । किरियावाई णं भंते ! अणंतरोववन्नगा नेरइया किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया । अकिरियावाईणं पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धियावि

अभवसिद्धियावि, एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! किरियावाई अणंतरोववन्नगा नेरइया किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिए उद्देसए नेरइयाणं वत्तव्वया भणिया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव अणागारोवउत्तत्ति, एवं जाव वेमाणियाणं नवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं, इमं से लक्खणं-जे किरियावाई सुक्कपक्खिया सम्मामिच्छादिट्ठिया एए सव्वे भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, सेसा सव्वे भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि । सेवं भंते ! २ त्ति ॥८२५॥ ॥ ३०१२ ॥ परंपरोववन्नगा णं भंते ! नेरइया किं किरियावाई० एवं जहेव ओहिओ उद्देसओ तहेव परंपरोववन्नएसुवि नेरइयाईओ तहेव निरवसेसं भाणियव्वं तहेव तियदंडगसंगहिओ । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८२६ ॥ ३०१३ ॥ एवं एएणं कमेणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी सच्चेव इहंपि जाव अचरिमो उद्देसओ, नवरं अणंतरा चत्तारिवि एक्कगमगा, परंपरा चत्तारिवि एक्कगमएणं, एवं चरिमावि, अचरिमावि एवं चेव नवरं अलेस्सो केवली अजोगी न भन्नइ, सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति । एए एक्कारसवि उद्देसगा ॥ ८२७ ॥ **तीसइमं समोसरणसयं समत्तं** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! खुड्डा(ग) जुम्मा प० ? गोयमा ! चत्तारि खुड्डा(ग) जुम्मा प०, तं०-कडजुम्मे १, तेओगे २, दावरजुम्मे ३, कलिओगे ४, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चत्तारि खुड्डा(ग) जुम्मा प० तं०-कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागकडजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागतेओगे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागदावरजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागकलिओगे, से तेणट्ठेणं जाव कलिओगे । खुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइएहिंतो उववज्जंति एवं नेरइयाणं उववाओ जहा वक्कंतीए तहा भाणियव्वो । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । ते णं भंते ! जीवा कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे अज्झवसाण० एवं जहा पंचवीसइमे सए अट्ठमुद्देसए नेरइयाणं वत्तव्वया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव आयप्पओगेणं उववज्जंति नो परप्पओगेणं उववज्जंति । रयणप्पभापुढविखुड्डागकडजुम्म-

नेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहा ओहियनेरइयाणं वत्तव्वया सच्चेव रयणप्पभाएवि भाणियव्वा जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं सक्करप्पभाएवि, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं उववाओ जहा वक्कंतीए, असन्नी खलु पढमं दोच्चं व सरीसवा तइय पक्खी । गाहाए उववाएयव्वा, सेसं तहेव । खुड्डागतेओगनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो० ? उववाओ जहा वक्कंतीए, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! तिन्नि वा सत्त वा एक्कारस वा पन्नरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, सेसं जहा कडजुम्मस्स, एवं जाव अहेसत्तमाए । खुड्डागदावरजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव खुड्डागकडजुम्मे नवरं परिमाणं दो वा छ वा दस वा चउद्दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा सेसं तं चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए । खुड्डागकलिओगनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव खुड्डागकडजुम्मे नवरं परिमाणं एक्को वा पंच वा नव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, सेसं तं चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८२८ ॥ ३१।१ ॥ कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव जहा ओहियगमो जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति, नवरं उववाओ जहा वक्कंतीए, धूमप्पभापुढविनेरइया णं सेसं तहेव, धूमप्पभापुढविकण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव निरवसेसं, एवं तमाएवि एवं अहेसत्तमाएवि, नवरं उववाओ सव्वत्थ जहा वक्कंतीए । कण्हलेस्सखुड्डागतेओगनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव नवरं तिन्नि वा सत्त वा एक्कारस वा पन्नरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा सेसं तहेव एवं जाव अहेसत्तमाएवि । कण्हलेस्सखुड्डागदावरजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव नवरं दो वा छ वा दस वा चउद्दस वा सेसं तं चेव, एवं धूमप्पभाएवि जाव अहेसत्तमाएवि । कण्हलेस्सखुड्डागकलिओगनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव नवरं एक्को वा पंच वा नव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा सेसं तं चेव, एवं धूमप्पभाएवि तमाएवि अहेसत्तमाएवि । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८२९ ॥ ३१।२ ॥ नीललेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० एवं जहेव कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मा नवरं उववाओ जो वालुयप्पभाए सेसं तं चेव, वालुयप्पभापुढविनीललेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया एवं चेव, एवं पंकप्पभाएवि, एवं धूमप्पभाएवि, एवं चउसुवि जुम्मेसु नवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं जहा कण्हलेस्सउद्देसए । सेसं तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८३० ॥ ३१।३ ॥ काउलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ?

एवं जहेव कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया नवरं उववाओ जो रयणप्पभाए सेसं तहेव। रयणप्पभापुढविकाउलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव, एवं सक्करप्पभाएवि, एवं वालुयप्पभाएवि, एवं चउसुवि जुम्मेसु, नवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं जहा कण्हलेस्सउद्देसए सेसं तं चेव, सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८३१ ॥ ३१।४ ॥ भवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति किं नेरइए० ? एवं जहेव ओहिओ गमओ तहेव निरवसेसं जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति। रयणप्पभापुढविभवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! एवं चेव निरवसेसं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं भवसिद्धियखुड्डागतेओगनेरइयावि एवं जाव कलिओगत्ति, नवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं पुव्वभणियं जहा पढमुद्देसए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८३२ ॥ ३१।५ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव ओहिओ कण्हलेस्सउद्देसओ तहेव निरवसेसं चउसुवि जुम्मेसु भाणियव्वो जाव अहेसत्तमपुढविकण्हलेस्सभवसिद्धियखुड्डागकलिओगनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? तहेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८३३ ॥ ३१।६ ॥ नीललेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव भाणियव्वा जहा ओहिए नीललेस्सउद्देसए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ८३४ ॥ ३१।७ ॥ काउलेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव उववाएयव्वा जहेव ओहिए काउलेस्सउद्देसए। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८३५ ॥ ॥ ३१।८ ॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि उद्देसगा भणिया एवं अभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव काउलेस्साउद्देसओत्ति। सेवं भंते! २त्ति ॥८३६॥ ॥ ३१।१२ ॥ एवं सम्मद्दिट्ठीहिवि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा, नवरं सम्मद्दिट्ठी पढमबिइएसु दोसुवि उद्देसएसु अहेसत्तमापुढवीए न उववाएयव्वो, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ८३७ ॥ ३१।१६ ॥ मिच्छादिट्ठीहिवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहा भवसिद्धियाणं। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८३८ ॥ ॥ ३१।२० ॥ एवं कण्हपक्खिएहिवि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहेव भवसिद्धिएहिं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ८३९ ॥ ३१।२४ ॥ सुक्कपक्खिएहिं एवं चेव चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव वालुयप्पभापुढविकाउलेस्ससुक्कपक्खियखुड्डागकलिओगनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? तहेव जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८४० ॥ ३१ ॥ २८ ॥ सव्वेवि एए अट्ठावीसं उद्देसगा ॥ **एक्कतीसइमं उववायसयं समत्तं** ॥

खुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उवव-

ज्जंति किं नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति० उव्वट्टणा जहा वक्कंतीए । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उव्वट्टंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उव्वट्टंति, ते णं भंते ! जीवा कहं उव्वट्टंति ? गोयमा ! से जहानामए पवए एवं तहेव, एवं सो चेव गमओ जाव आयप्पओगेण उव्वट्टंति नो परप्पओगेणं उव्वट्टंति, रयणप्पभापुढवि-(नेरइए) खुड्डागकडजुम्म० एव रयणप्पभाएवि एवं जाव अहेसत्तमाएवि, एवं खुड्डाग-तेओगखुड्डागदावरजुम्मखुड्डागकलिओगा नवरं परिमाणं जाणियव्वं, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८४१ ॥ ३२।१ ॥ कण्हलेस्सकडजुम्मनेरइया एव एएणं कमेणं जहेव उववायसए अट्ठावीसं उद्देसगा भणिया तहेव उव्वट्टणासएवि अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा निरवसेसा नवरं उव्वट्टंतित्ति अभिलावो भाणियव्वो, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥८४२॥ **बत्तीसइमं उववट्टणासयं समत्तं ॥**

कइविहा णं भंते ! एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया प०, तं०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया, पुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, सुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा-पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य, बायरपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! एवं चेव, एवं आउकाइयावि चउक्कएणं भेदेणं भाणियव्वा एवं जाव वणस्सइकाइया(णं) । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, पज्जत्त-सुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तंजहा-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । अपज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! एवं चेव ८, पज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं चेव ८, एवं एएणं कमेण जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणंति । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि सत्त बंधमाणा आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधंति अट्ठ बंधमाणा पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधंति, पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? एवं चेव, एवं सव्वे जाव पज्जत्तबायरवणस्सइकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? एवं चेव । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, तं०-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, सोइंदियवज्झं चक्खि-

दियवज्जं घाणिंदियवज्जं जिब्भिंदियवज्जं इत्थिवेयवज्जं पुरिसवेयवज्जं, एवं चउक्कएणं भेदेणं जाव पज्जत्तवायरवणस्सइकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति? गोयमा! एवं चेव चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८४३॥ ३३-१-१॥ कइविहा णं भंते! अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प०? गोयमा! पंचविहा अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प०, तं०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया, अणंतरोववन्नगा णं भंते! पुढविक्काइया कइविहा प०? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-सुहुमपुढविकाइया य वायरपुढविकाइया य, एवं दुपएणं भेदेणं जाव वणस्सइकाइया। अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ प०? गोयमा! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, अणंतरोववन्नगवायरपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ प०? गोयमा! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं(चेव) जाव अणंतरोववन्नगवायरवणस्सइकाइयाणंति, अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ वधंति? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वंधंति, एवं जाव अणंतरोववन्नगवायरवणस्सइकाइयत्ति। अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति? गोयमा! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, तं०-नाणावरणिज्जं तहेव जाव पुरिसवेयवज्जं, एवं जाव अणंतरोववन्नगवायरवणस्सइकाइयत्ति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥८४४॥ ३३-१-२॥ कइविहा णं भंते! परंपरोववन्नगा एगिंदिया प०? गोयमा! पंचविहा परंपरोववन्नगा एगिंदिया प०, तं०-पुढविक्काइया एवं चउक्कओ भेदो जहा ओहि(य)उद्देसए। परंपरोववन्नगअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ प०? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहि(य)उद्देसए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव चउद्दस वेदेंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८४५ ॥ ॥ ३३-१-३ ॥ अणंतरोगाढा जहा अणंतरोववन्नगा ४॥ परंपरोगाढा जहा परंपरोववन्नगा ५॥ अणंतराहारगा जहा अणंतरोववन्नगा ६ ॥ परंपराहारगा जहा परंपरोववन्नगा ७॥ अणंतरपज्जत्तगा जहा अणंतरोववन्नगा ८ ॥ परंपरपज्जत्तगा जहा परंपरोववन्नगा ९ ॥ चरिमावि जहा परंपरोववन्नगा तहेव १० ॥ एवं अचरिमावि ११॥ एवं एए एक्कारस उद्देसगा। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८४६ ॥ पढमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ १ ॥ कइविहा णं भंते! कण्हलेस्सा एगिंदिया प०? गोयमा! पंचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया प०, तं०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया। कण्हलेस्सा णं भंते! पुढविकाइया कइविहा प०? गोयमा! दुविहा प०, तं०-सुहुमपुढविकाइया य वायरपुढविकाइया य, कण्हलेस्सा णं भंते! सुहुमपुढविकाइया कइविहा

प० ? गोयमा ! एवं एएणं अभिलावेणं चउक्कभेदो जहेव ओहिए उद्देसए जाव वणस्सइकाइयत्ति, (अणंतरोववन्नग) कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं चेव एएणं अभिलावेणं जहेव ओहि (ओ अणंतरोववण्णग) उद्देस(ओ)ए तहेव पन्नत्ताओ तहेव बंधंति तहेव वेदेंति । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ कइविहा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पन्नत्ता ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववन्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया एवं एएणं अभिलावेणं तहेव दुपओ भेदो जाव वणस्सइकाइयत्ति, अणंतरोववन्नगकण्हलेस्ससुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहिओ अणंतरोववन्नगाणं उद्देसओ तहेव जाव वेदेंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ कइविहा णं भंते ! परंपरोववन्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा परंपरोववन्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पन्नत्ता, तंजहा–पुढविकाइया एवं एएणं अभिलावेणं तहेव चउक्कओ भेदो जाव वणस्सइकाइयत्ति, परंपरोववन्नगकण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ परंपरोववन्नगउद्देसओ तहेव जाव वेदेंति, एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिएगिंदियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहेव कण्हलेस्ससएवि भाणियव्वा जाव अचरिमचरिमकण्हलेस्सा एगिंदिया ॥ ८४७ ॥ बिइयं एगिंदियसयं समत्तं ॥ २ ॥ जहा कण्हलेस्सेहिं भणियं एवं नीललेस्सेहिवि सयं भाणियव्वं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ तइयं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ३ ॥ एवं काउलेस्सेहिवि सयं भाणियव्वं नवरं काउलेस्सेत्ति अभिलावो भाणियव्वो ॥ चउत्थं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ४ ॥ कइविहा णं भंते ! भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा भवसिद्धिया एगिंदिया प०, तं०–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया भेदो चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । भवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमिल्लगं एगिंदियसयं तहेव भवसिद्धियसयंपि भाणियव्वं, उद्देसगपरिवाडी तहेव जाव अचरिमोत्ति । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ पंचमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ५ ॥ कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प०, तं०–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया, कण्हलेस्सभवसिद्धियपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०–सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, कण्हलेस्सभवसिद्धियसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा–पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, एवं बायरावि, एवं एएणं अभिलावेणं तहेव चउक्कओ भेदो भाणि-

यव्वो, कण्हलेस्सभवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिउद्देसए तहेव जाव वेदेंति । कइविहा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववन्नगा जाव वणस्सइकाइया, अणंतरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०–सुहुमपुढविकाइया (य बायरपुढविकाइया य) एवं दुपओ भेदो । अणंतरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मपगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ अणंतरोववन्नगउद्देसओ तहेव जाव वेदेंति, एवं एएणं अभिलावेणं एक्कारसवि उद्देसगा तहेव भाणियव्वा जहा ओहियसए जाव अचरिमोत्ति ॥ छट्ठं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ६ ॥ जहा कण्हलेस्सभवसिद्धिएहिं सयं भणियं एवं नीललेस्सभवसिद्धिएहिवि सयं भाणियव्वं ॥ सत्तमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ७ ॥ एवं काउलेस्सभवसिद्धिएहिवि सयं ॥ अट्ठमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ८ ॥ कइविहा णं भंते ! अभवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अभवसिद्धिया एगिंदिया प०, तं०–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया एवं जहेव भवसिद्धियसयं भणियं नवरं नव उद्देसगा चरिमअचरिमउद्देसगवज्जा सेसं तहेव ॥ नवमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ९ ॥ एवं कण्हलेस्सअभवसिद्धियएगिंदियसयंपि ॥ दसमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ १० ॥ नीललेस्सअभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं ॥ ११ ॥ काउलेस्सअभवसिद्धियसयं, एवं चत्तारिवि अभवसिद्धियसयाणि णव २ उद्देसगा भवंति, एवं एयाणि बारस एगिंदियसयाणि भवंति ॥ ८४८ ॥ **तेत्तीसइमं सयं समत्तं** ॥

कइविहा णं भंते ! एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया प०, तं०–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया, एवं एएणं चेव चउक्कएगं भेदेणं भाणियव्वा जाव वणस्सइकाइया, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ एगसमइएण वा दुसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तं०–उज्जुआयया सेढी एगओवंका दुहओवंका एगओखहा दुहओखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ७, उज्जुआययाए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेजा, दुहओवंकाए

सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव उववज्जेज्जा। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेण उववज्जेज्जा? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव विग्गहेणं उववज्जेज्जा, एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ पुर(त्थि)च्छिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते बायरपुढविकाइएसु अपज्जत्तएसु उववाएयव्वो, ताहे तेसु चेव पज्जत्तएसु ४, एवं आउक्काइएसुवि चत्तारि आलावगा सुहुमेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं बायरेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहि उववाएयव्वो ४, एवं चेव सुहुमतेउक्काइएहिवि अपज्जत्तएहिं १ ताहे पज्जत्तएहिं उववाएयव्वो २, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहइत्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? सेसं तं चेव, एवं पज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताए उववाएयव्वो ४, वाउक्काइए(सु) सुहुमबायरेसु जहा आउक्काइएसु उववाइओ तहा उववाएयव्वो ४, एवं वणस्सइकाइएसुवि २०, पज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एवं पज्जत्तसुहुमपुढविकाइओवि पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता एएणं चेव कमेणं एएसु चेव वी(साए)सस ठाणेसु उववाएयव्वो जाव बायरवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसुवि ४०, एवं अपज्जत्तबायरपुढविकाइओवि ६०, एवं पज्जत्तबायरपुढविकाइओवि ८०, एवं आउकाइओवि चउसुवि गमएसु पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए एयाए चेव वत्तव्वयाए एएसु चेव वीसइठाणेसु उववाएयव्वो १६०, सुहुमतेउक्काइओवि अपज्जत्तओ पज्जत्तओ य एएसु चेव वीससु ठाणेसु उववाएयव्वो, अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते! मणुस्सखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा सेसं तहेव जाव से तेणट्ठेणं० एवं पुढविकाइएसु चउव्विहेसुवि उववाएयव्वो, एवं आउकाइएसु चउव्विहेसुवि, तेउकाइएसु सुहुमेसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य एवं चेव उववाएयव्वो, अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते! मणुस्सखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं० सेसं तं चेव, एवं पज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताएवि उववाएयव्वो, वाउकाइयत्ताए य वणस्सइकाइयत्ताए य जहा पुढविकाइएसु तहेव चउक्कएणं भेदेणं

उववाएयव्वो, एवं पज्जत्तबायरतेउकाइओवि समयखेत्ते समोहणावेत्ता एएसु चेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो जहेव अपज्जत्तओ उववाइओ, एवं सव्वत्थवि बायर-तेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते उववाएयव्वा समोहणावेयव्वावि २४०, वाउकाइया वणस्सइकाइया य जहा पुढविकाइया तहेव चउक्कएगं भेदेणं उववाएयव्वा जाव पज्जत्ता ४०० ॥ बायरवणस्सइकाइए णं भंते ! इमीसे रयण-प्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहएत्ता जे भविए इमीसे रय-णप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते पज्जत्तबायरवणस्सइकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं० सेसं तहेव जाव से तेणट्ठेणं०, अपज्जत्तसुहुमपुढविका-इए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइ-यत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसम(इ)एणं० सेसं तहेव निरवसेसं, एवं जहेव पुरच्छिमिल्ले चरिमंते सव्वपएसुवि समोहया पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया जे य समयखेत्ते समोहया पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया एवं एएणं चेव कमेणं पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य समोहया पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं, एवं एएणं गमएणं दाहिणिल्ले चरिमंते (समयखेत्ते य) समोहयाणं उत्तरिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाओ एवं चेव उत्तरिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य समोहया दाहिणिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरच्छि-मिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहेव रयणप्पभाए जाव से तेणट्ठेण० एवं एएणं कमेणं जाव पज्जत्तएसु सुहुमतेउकाइएसु, अपज्जत्तसुहुमपुढवि-काइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहइत्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसम-इएणं पुच्छा, गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केण-ट्ठेणं भंते !०पुच्छा, एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तं०-उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं०, एवं पज्जत्तएसुवि बायरतेउकाइएसु, सेसं जहा रयणप्पभाए, जेऽवि बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते समोहणित्ता दोच्चाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते पुढविकाइएसु चउव्विहेसु आउकाइएसु चउव्विहेसु तेउकाइएसु दुविहेसु

वाउकाइएसु चउव्विहेसु वणस्सइकाइएसु चउव्विहेसु उववज्जंति तेऽवि एवं चेव दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववाएयव्वा, बायरतेउक्काइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य जाहे तेसु चेव उववज्जंति ताहे जहेव रयणप्पभाए तहेव एगसमइय-दुसमइयतिसमइयविग्गहा भाणियव्वा सेसं जहा रयणप्पभाए तहेव निरवसेसं, जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहेसत्तमाए भाणियव्वा ॥ ८४९ ॥ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! अहोलोयखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं अहोलोयखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए एगपयरंसि अणुसेढीए उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा जे भविए विसेढीए उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा, एवं पज्जत्तसुहुम-पुढविकाइयत्ताएवि, एवं जाव पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! अहोलोग जाव समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइय-त्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं० ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तं०-उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं०, एवं पज्जत्तएसुवि बायरतेउकाइएसुवि उववाएयव्वो, वाउकाइयवणस्सइकाइयत्ताए चउक्कएणं भेदेणं जहा आउक्काइयत्ताए तहेव उववाएयव्वो २०, एवं जहा अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइयस्स गमओ भणिओ एवं पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयस्सवि भाणियव्वो तहेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो ४०, अहोलोयखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए समोहएत्ता एवं बायरपुढविकाइयस्सवि अपज्जत्तगस्स पज्जत्तगस्स य भाणियव्वं ८०, एवं आउ-क्काइयस्स चउव्विहस्सवि भाणियव्वं १६०, सुहुमतेउक्काइयस्स दुविहस्सवि एवं चेव २००, अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण

वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं० अट्ठो जहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ एवं जाव अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते (अ)-पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! सेसं तं चेव, अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं० अट्ठो जहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ, एवं पज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताएवि, वाउकाइएसु वणस्सइकाइएसु य जहा पुढविकाइएसु उववाइओ तहेव चउक्कएणं भेदेणं उववाएयव्वो, एवं पज्जत्तबायरतेउकाइओवि एएसु चेव ठाणेसु उववाएयव्वो, वाउकाइयवणस्सइकाइयाणं जहेव पुढविकाइ(ओ)यत्ते उववा(इ)ओ तहेव भाणियव्वो। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! उड्ढलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए समोहणित्ता जे भविए अहेलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं०? एवं उड्ढलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहयाणं अहेलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते उववज्जयाणं सो चेव गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव बायरवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ बायरवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु उववाइओ। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ एगसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा? एवं खलु गोयमा! मए सत्त सेढीओ प०, तंजहा—उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, उज्जुआययाए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढी(ए) उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा जे भविए विसे(ढीए)ढि उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा, एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमपुढविकाइएसु सुहुमआउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमतेउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमवाउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य बायरवाउकाइएसु अपज्जत्तएसु

पज्जत्तएसु य सुहुमवणस्सइकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य बारससुवि ठाणेसु एएणं चेव कमेणं भाणियव्वो, सुहुमपुढविकाइओ (अ)पज्जत्तओ एवं चेव निरवसेसो बारससुवि ठाणेसु उववाएयव्वो २४, एवं एएणं गमएणं जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव भाणियव्वो ॥ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? एवं खलु गोयमा! मए सत्त सेढीओ पन्नत्ताओ, तंजहा—उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढी(ए)ओ उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा जे भविए विसे(ढीओ)ढिं उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं गोयमा!०, एवं एएण गमएणं पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए दाहिणिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव, सव्वेसिं दुसमइओ तिसमइओ चउसमइओ विग्गहो भाणियव्वो। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं०? एवं जहेव पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहया पुरच्छिमिल्ले चेव चरिमंते उववाइया तहेव पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहया पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते उववाएयव्वा सव्वे, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स उत्तरिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! एवं जहा पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहओ दाहिणिल्ले चरिमंते उववाइओ तहा पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहओ उत्तरिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा पुरच्छिमिल्ले समोहओ पुरच्छिमिल्ले चेव उववाइओ तहेव दाहिणिल्ले समोहओ दाहिणिल्ले चेव उववाएयव्वो, तहेव निरवसेसं जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु चेव पज्जत्तएसु दाहिणिल्ले चरिमंते उववाइओ एवं दाहिणिल्ले

समोहओ पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो नवरं दुसमइयतिसमइयचउसमइय-विग्गहो सेसं तहेव, दाहिणिल्ले समोहओ उत्तरिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो जहेव सट्ठाणे तहेव एगसमइयदुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो, पुरच्छिमिल्ले जहा पच्चच्छिमिल्ले तहेव दुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो, पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समोहयाणं पच्चच्छिमिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे, उत्तरिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो नत्थि, सेसं तहेव, पुरच्छिमिल्ले जहा सट्ठाणे, दाहिणिल्ले एगसमइओ विग्गहो नत्थि, सेसं तहेव, उत्तरिल्ले समोहयाणं उत्तरिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहेव सट्ठाणे, उत्तरिल्ले समोहयाणं पुरच्छिमिल्ले उववज्जमाणाणं एवं चेव, नवरं एगसमइओ विग्गहो नत्थि, उत्तरिल्ले समोहयाणं दाहिणिल्ले उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे, उत्तरिल्ले समोहयाणं पच्चच्छिमिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो नत्थि, सेसं तहेव जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव ॥ कहिन्नं भंते ! बायरपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु जहा ठाणपए जाव सुहुमवणस्सइकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोगपरियावन्ना प० समणाउसो ! । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०—नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं चउक्कएणं भेदेणं जहेव एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाण, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि जहा एगिंदियसएसु जाव पज्जत्ता बायरवणस्सइकाइया । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, तंजहा—नाणावरणिज्जं जहा एगिंदियसएसु जाव पुरिसवेयवज्झं एवं जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं, एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति० ? जहा वक्कंतीए पुढविक्काइयाणं उववाओ, एगिंदियाणं भंते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! चत्तारि समुग्घाया प०, तंजहा—वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए ॥ एगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं

पकरेंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! एगिंदिया चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा-अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा १, अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा २, अत्थेगइया विसमाउया समोववन्नगा ३, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववन्नगा ४। तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति १, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति २, तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववन्नगा ते णं वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ३, तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमोववन्नगा ते णं वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ४। से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८५० ॥ ३४-१-१ ॥ कइविहा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प०, तंजहा-पुढविकाइया दुयाभेदो जहा एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइया य, कहिन्नं भंते ! अणंतरोववन्नगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा प० ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु, तं०-रयणप्पभाए जहा ठाणपए जाव दीवेसु समुद्देसु एत्थ णं अणंतरोववन्नगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा प०, उववाएणं सव्वलोए समुग्घाएणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोगस्स असंखेज्जइभागे, अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइया णं एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोए परियावन्ना प० समणाउसो !, एवं एएणं कमेणं सव्वे एगिंदिया भाणियव्वा, सट्ठा(णेणं)णाईं सव्वेसिं जहा ठाणपए तेसिं पज्जत्तगाणं बायराणं उववायसमुग्घायसट्ठाणाणि जहा तेसिं चेव अपज्जत्तगाणं, बायराणं सुहुमाणं सव्वेसिं जहा पुढविकाइयाणं भणिया तहेव भाणियव्वा जाव वणस्सइकाइयत्ति । अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पन्नत्ताओ एवं जहा एगिंदियसएसु अणंतरोववन्नगउद्देसए तहेव पन्नत्ताओ तहेव बंधंति तहेव वेदेंति जाव अणंतरोववन्नगा बायरवणस्सइकाइया । अणंतरोववन्नगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहेव ओहिए उद्देसओ भणिओ तहेव । अणंतरोववन्नगएगिंदियाणं भंते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! दोन्नि समुग्घाया प०, तं०-वेयणासमुग्घाए य कसायसमुग्घाए य । अणंतरोववन्नगएगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति पुच्छा तहेव, गोयमा ! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, से केणट्ठेणं भंते ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! अणंतरोववन्नगा एगिं-

दिया दुविहा प०, तं०–अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा, तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, से तेणट्ठेणं जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८५१ ॥ ३४–१–२ ॥ कइविहा णं भंते! परंपरोववन्नगा एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा परंपरोववन्नगा एगिंदिया प०, तं०–पुढविक्काइया भेदो चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । परंपरोववन्नगअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमो उद्देसओ जाव लोगचरिमंतोत्ति। कहिन्नं भंते! परंपरोववन्नगपज्जत्तगबायरपुढविक्काइयाणं ठाणा प०? गोयमा! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु एवं एएणं अभिलावेण जहा पढमे उद्देसए जाव तुल्लट्ठिईयत्ति । सेवं भंते! २ त्ति ॥ ३४–१–३ ॥ एवं सेसावि अट्ठ उद्देसगा जाव अचरिमोत्ति, नवरं अणंतरा अणंतरसरिसा परंपरा परंपरसरिसा चरिमा य अचरिमा य एवं चेव, एवं एए एक्कारस उद्देसगा ॥ ८५२ ॥ ३४–१–११ ॥ पढमं एगिंदियसेढिसयं समत्तं ॥ कइविहा णं भंते! कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया प० भेदो चउक्कओ जहा कण्हलेस्सएगिंदियसए जाव वणस्सइकाइयत्ति । कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिउद्देसओ जाव लोगचरिमंतेत्ति सव्वत्थ कण्हलेस्सेसु चेव उववाएयव्वो । कहिन्नं भंते! कण्हलेस्सअपज्जत्तगबायरपुढविकाइयाणं ठाणा प०? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहि(य)उद्देसओ जाव तुल्लट्ठिईयत्ति । सेवं भंते! २ त्ति ॥ एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमसेढिसय तहेव एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा ॥ ३४–२–११ ॥ बिइयं एगिंदियसेढिसयं समत्तं ॥ एवं नीललेस्सेहिवि तइयं सयं। काउलेस्सेहिवि सयं, एवं चेव चउत्थं सय । भवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं पंचमं समत्तं ॥ कइविहा णं भंते! कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिया प०? एवं जहेव ओहियउद्देसओ, कइविहा णं भंते! अणंतरोववन्नगा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प० जहेव अणंतरोववन्नगउद्देसओ ओहिओ तहेव ॥ कइविहा णं भंते! परंपरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा परंपरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिया प० ओहिओ भेदो चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । परंपरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्प-

भाए पुढवीए एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ उद्देसओ जाव लोयचरिमंतेत्ति, सव्वत्थ कण्हलेस्सेसु भवसिद्धिएसु उववाएयव्वो । कहिन्नं भंते ! परंपरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियपज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं ठाणा प० एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ उद्देसओ जाव तुल्लट्ठिईयत्ति, एवं एएणं अभिलावेणं कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि तहेव एक्कारसउद्देसगसंजुत्त सयं, छट्ठं सयं समत्तं ॥ नीललेस्सभवसिद्धियएगिंदिएसु सत्तमं सयं समत्तं । एवं काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं अट्ठमं सयं । जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि सयाणि भणियाणि एव अभवसिद्धिएहिवि चत्तारि सयाणि भाणियव्वाणि, नवरं चरिमअचरिमवज्जा नव उद्देसगा भाणियव्वा, सेसं तं चेव, एवं एयाइं बारस एगिंदियसेढीसयाइं भाणियव्वाइं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८५३ ॥ **एगिंदियसेढीसयाइं समत्ताइं ॥ एगिंदियसेढिसयं चउत्तीसइमं समत्तं ॥**

कइ ण भंते ! महाजुम्मा पन्नत्ता ? गोयमा ! सोलस महाजुम्मा प०, तं०-कडजुम्मकडजुम्मे १, कडजुम्मतेओगे २, कडजुम्मदावरजुम्मे ३, कडजुम्मकलिओगे ४, तेओगकडजुम्मे ५, तेओगतेओगे ६, तेओगदावरजुम्मे ७, तेओगकलिओगे ८, दावरजुम्मकडजुम्मे ९, दावरजुम्मतेओगे १०, दावरजुम्मदावरजुम्मे ११, दावरजुम्मकलिओगे १२, कलिओगकडजुम्मे १३, कलिओगतेओगे १४, कलिओगदावरजुम्मे १५, कलिओगकलिओगे १६ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सोलस महाजुम्मा प० तं०-कडजुम्मकडजुम्मे जाव कलिओगकलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेऽवि कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मकडजुम्मे १, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मतेओगे २, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मदावरजुम्मे ३, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मकलिओगे ४, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगकडजुम्मे ५, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगतेओगे ६, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगदावरजुम्मे ७, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे

एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगकलिओगे ८, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकडजुम्मे ९, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मतेओगे १०, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मदावरजुम्मे ११, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकलिओगे १२, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकडजुम्मे १३, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगतेओगे १४, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगदावरजुम्मे १५, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकलिओगे १६। से तेणट्ठेणं जाव कलिओगकलिओगे ॥८५४॥ कडजुम्मकडजुम्मएगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो जहा उप्पलुद्देसए तहा उववाओ। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, ते णं भंते! जीवा समए समए० पुच्छा, गोयमा! ते णं अणंता समए समए अवहीरमाणा २ अणंताहिं ओसप्पिणीउस्सप्पिणीहिं अवहीरंति णो चेव णं अवहिरिया सिया, उच्चत्तं जहा उप्पलुद्देसए, ते णं भंते! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा? गोयमा! बंधगा नो अबंधगा, एवं सव्वेसिं आउयवज्जाणं, आउयस्स बंधगा वा अबंधगा वा, ते णं भंते! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स वेदगा पुच्छा, गोयमा! वेदगा नो अवेदगा, एवं सव्वेसिं, ते णं भंते! जीवा किं सायावेदगा असायावेदगा पुच्छा, गोयमा! सायावेदगा वा असायावेदगा वा, एवं (खलु) उप्पलुद्देसगपरिवाडी, सव्वेसिं कम्माणं उदई नो अणुदई, छण्हं कम्माणं उदीरगा नो अणुदीरगा, वेयणिज्जाउयाणं उदीरगा वा अणुदीरगा वा, ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेस्सा पुच्छा, गोयमा! कण्हलेस्सा वा नीललेस्सा वा काउलेस्सा वा तेउलेस्सा वा, नो सम्मद्दिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी, नो नाणी अन्नाणी नियमं दुअन्नाणी तं०-मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, नो मणजोगी नो वइजोगी

कायजोगी, सागारोवउत्ता वा अणागारोवउत्ता वा, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरा कइवण्णा जहा उप्पलुद्देसए सव्वत्थ पुच्छा, गोयमा ! जहा उप्पलुद्देसए ऊसासगा वा नीसासगा वा नो उस्सासनीसासगा वा, आहारगा वा अणाहारगा वा, नो विरया अविरया नो विरयाविरया, सकिरिया नो अकिरिया, सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा, आहारसन्नोवउत्ता वा जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता वा, कोहकसाई वा जाव लोभकसाई वा, नो इत्थिवेदगा नो पुरिसवेदगा नपुंसगवेदगा, इत्थिवेद-बंधगा वा पुरिसवेदबंधगा वा नपुंसगवेदबन्धगा वा, नो सन्नी असन्नी, सइंदिया नो अणिंदिया, ते णं भंते ! कडजुम्मकडजुम्मएगिंदियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ वणस्सइकाइयकालो, संवेहो न भन्नइ, आहारो जहा उप्पलुद्देसए नवरं निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं सेसं तहेव, ठिई जहन्नेणं (एक्कं समयं) अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, समुग्घाया आइल्ला चत्तारि, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, उव्वट्टणा जहा उप्पलुद्देसए, अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता कडजुम्म २-एगिंदियत्ताए उववन्नपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो, कडजुम्मते-ओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव, ते णं भंते ! जीवा एगसमए० पुच्छा, गोयमा ! एगूणवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, सेसं जहा कडजुम्मकडजुम्माणं जाव अणंतखुत्तो, कडजुम्मदावरजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! अट्ठारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, कडजुम्मकलिओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, तेओगकडजुम्मएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, तेओगतेओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं पन्नरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं एएसु सोलससु महाजुम्मेसु एक्को गमओ नवरं परिमाणे नाणत्तं तेओगदावरजुम्मेसु परिमाणं चउद्दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, तेओगकलिओगेसु तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मकडजुम्मेसु अट्ठ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा

अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मतेओगेसु एक्कारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मदावरजुम्मेसु दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मकलिओगेसु नव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, कलिओगकडजुम्मेसु चत्तारि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, कलिओगतेओगेसु सत्त वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, कलिओगदावरजुम्मेसु छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, कलिओगकलिओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं पंच वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८५५ ॥ ३५-१-१ ॥ पढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? गोयमा ! तहेव एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव सोलसखुत्तो विइओवि भाणियव्वो, तहेव सव्वं, नवरं इमाणि दस नाणत्ताणि–ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइ भागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, आउयकम्मस्स नो बंधगा अबंधगा आउयस्स नो उदीरगा अणुदीरगा, नो उस्सासगा नो निस्सासगा नो उस्सास-निस्सासगा, सत्तविहबंधगा नो अट्ठविहबंधगा । ते णं भंते ! पढमसमयकडजुम्म २-एगिंदियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! एक्कं समयं, एवं ठिईएवि, समुग्घाया आइल्ला दोन्नि, समोहया न पुच्छिज्जंति उव्वट्टणा न पुच्छिज्जइ, सेसं तहेव सव्वं निरवसेसं, सोलससुवि गमएसु जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८५६ ॥ ३५-१-२ ॥ अपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एसो जहा पढमुद्देसो सोलसहिवि जुम्मेसु तहेव नेयव्वो जाव कलिओ-गकलिओगत्ताए जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-३ ॥ चरिमसमयकड-जुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव पढमसम-यउद्देसओ नवरं देवा न उववज्जंति तेउलेस्सा न पुच्छिज्जंति, सेसं तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३५-१-४ ॥ अचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा (अ)पढमसमयउद्देसो तहेव निरवसेसो भाणियव्वो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-५ ॥ पढमपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ३५-१-६ ॥ पढमअपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव भाणियव्वो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-७ ॥ पढमचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ

उववज्जंति०? जहा चरिमुद्देसओ तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥३५-१-८॥ पढमअचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा (पढमुद्देसओ) बीओ उद्देसओ तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥३५-१-९॥ चरिम२समयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा चउत्थो उद्देसओ तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥३५-१-१०॥ चरिमअचरिम-समयकडजुम्म२एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ३५-१-११ ॥ एवं एएणं कमेणं एक्कारस उद्देसगा, पढमो तइओ पंचमओ य सरिसगमगा सेसा अट्ठ सरिसगमगा, नवरं चउत्थे छट्ठे अट्ठमे दसमे य देवा न उववज्जंति तेउलेस्सा नत्थि ॥ ८५७ ॥ पणतीसइमे सए पढमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ १ ॥

कण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? गोयमा ! उववाओ तहेव एवं जहा ओहियउद्देसए नवरं इमं नाणत्तं ते णं भंते ! जीवा कण्हलेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा, ते णं भंते ! कण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, एवं ठिईएवि, सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलसवि जुम्मा भाणियव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥३५-२-१॥ पढमसमयकण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा पढम-समयउद्देसओ नवरं ते णं भंते ! जीवा कण्हलेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा, सेसं तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३५-२-२ ॥ एवं जहा ओहियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहा कण्हलेस्ससएवि एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा, पढमो तइओ पंचमो य सरिसगमगा सेसा अट्ठवि सरिसगमगा नवरं चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु उववाओ नत्थि देवस्स । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५ इमे सए बिइयं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥२॥ एवं नीललेस्सेहिवि सयं कण्हलेस्ससयसरिसं एक्कारस उद्देसगा तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ तइयं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥३॥ एवं काउलेस्सेहिवि सयं कण्हलेस्ससयसरिसं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ चउत्थं एगिंदियमहाजुम्मसयं ॥४॥ भवसि-द्धियकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा ओहियसयं तहेव नवरं एक्कारससुवि उद्देसएसु, अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता भवसिद्धियकडजुम्म२-एगिंदियत्ताए उववन्नपुव्वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ पंचमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ५ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियकडजुम्म२-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं बिइयसयकण्हलेस्ससयसरिसं भाणियव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ छट्ठं

एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ६ ॥ एवं नीललेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ सत्तमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ७ ॥ एवं काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि तहेव एक्कारसउद्देसगसंजुत्तं सयं, एवं एयाणि चत्तारि भवसिद्धियसयाणि, चउसुवि सएसु सव्वपाणा जाव उववन्नपुव्वा ? नो इणट्ठे समट्ठे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ अट्ठमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ८ ॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि सयाइं भणियाइं एवं अभवसिद्धिएहिवि चत्तारि सयाणि लेस्सासंजुत्ताणि भाणियव्वाणि, सव्वपाणा तहेव नो इणट्ठे समट्ठे, एवं एयाइं बारस एगिंदियमहाजुम्मसयाइं भवंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८५८ ॥ **पणतीसइमं सयं समत्तं ॥**

कडजुम्म२वेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? उववाओ जहा वक्कंतीए, परिमाणं सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, अवहारो जहा उप्पलुद्देसए, ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं बारस जोयणाइं, एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमुद्देसए तहेव नवरं तिन्नि लेस्साओ देवा न उववज्जति सम्मद्दिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा नो सम्मामिच्छादिट्ठी नाणी वा अन्नाणी वा नो मणजोगी वइजोगी वा कायजोगी वा, ते णं भंते ! कडजुम्म२वेइंदिया कालओ केवच्चिर होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, ठिई जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं, आहारो नियमं छद्दिसिं, तिन्नि समुग्घाया सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलससुवि जुम्मेसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ वेइंदियमहाजुम्मसए पढमो उद्देसो समत्तो॥ ३६-१-१॥ पढमसमयकडजुम्म२-वेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमसमय-उद्देसए दस नाणत्ताइं ताइं चेव दस इहवि, एक्कारसमं इमं नाणत्तं-नो मणजोगी नो वइजोगी कायजोगी सेसं जहा वेइंदियाणं चेव पढमुद्देसए । सेव भंते ! २ त्ति ॥ एवं एएवि जहा एगिंदियमहाजुम्मेसु एक्कारस उद्देसगा तहेव भाणियव्वा नवरं चउत्थछट्ठ-अट्ठमदसमेसु सम्मत्तनाणाणि न भण्णंति, जहेव एगिंदिएसु पढमो तइओ पंचमो य एक्कगमा सेसा अट्ठ एक्कगमा ॥ ३६ इमे सए पढमं वेइंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥१॥ कण्हलेस्सकडजुम्म२वेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति० ? एव चेव कण्हलेस्सेसुवि एक्कारसउद्देसगसंजुत्तं सयं, नवरं लेस्सा संचिट्ठणा ठिई जहा एगिंदियकण्हलेस्साणं ॥ बिइयं वेइंदियसयं समत्तं ॥२॥ एवं नीललेस्सेहिवि सयं ॥ तइय सयं समत्तं ॥३॥ एवं काउलेस्सेहिवि, सयं चउत्थं समत्तं ॥४॥ भवसिद्धियकडजुम्म२वेइंदिया णं भंते ! एवं भवसिद्धियसयावि चत्तारि तेणेव पुव्वगमएणं नेयव्वा नवरं सव्वे पाणा० णो

इणट्ठे समट्ठे, सेसं तहेव ओहियसयाणि चत्तारि । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ छत्तीसइमे सए अट्ठमं सयं समत्तं ॥ ८ ॥ जहा भवसिद्धियसयाणि चत्तारि एवं अभवसिद्धियसयाणि चत्तारि भाणियव्वाणि नवरं सम्मत्तनाणाणि (सव्वहा) नत्थि, सेसं तं चेव, एवं एयाणि बारस बेइंदियमहाजुम्मसयाणि भवंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८५९ ॥ बेइंदियमहाजुम्मसया समत्ता ॥ १२ ॥ **छत्तीसइमं सयं समत्तं ॥**

कडजुम्म२तेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं तेइंदिएसुवि बारस सया कायव्वा बेइंदियसयसरिसा नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, ठिई जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं एगूणपन्नं राइंदियाइं सेसं तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८६० ॥ तेइंदियमहाजुम्मसया समत्ता ॥ १२ ॥ **सत्ततीसइमं सयं समत्तं ॥**

चउरिंदिएहिवि एवं चेव बारस सया कायव्वा नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं, ठिई जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा सेसं जहा बेइंदियाणं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८६१ ॥ चउरिंदियमहाजुम्मसया समत्ता ॥ १२ ॥ **अट्ठतीसइमं सयं समत्तं ॥**

कडजुम्म२असन्निपंचिंदिया ण भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा बेइन्दियाणं तहेव असण्णिसुवि बारस सया कायव्वा नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सन्चिट्ठणा जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं ठिई जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं जहा बेइंदियाणं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८६२ ॥ असण्णिपंचिदियमहाजुम्मसया समत्ता ॥ १२ ॥ **एगूणयालीसइमं सयं समत्तं ॥** कडजुम्म२सन्निपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? उववाओ चउसुवि गईसु, संखेज्जवासाउयअसंखेज्जवासाउयपज्जत्तअपज्जत्तएसु य न कओवि पडिसेहो जाव अणुत्तरविमाणत्ति, परिमाणं अवहारो ओगाहणा य जहा असन्निपंचिंदियाणं, वेयणिज्जवज्जाणं सत्तण्हं कम्मपगडीणं बंधगा वा अबंधगा वा, वेयणिज्जस्स बंधगा नो अबंधगा, मोहणिज्जस्स वेदगा वा अवेदगा वा सेसाणं सत्तण्हवि वेदगा नो अवेदगा, सायावेदगा वा असायावेदगा वा, मोहणिज्जस्स उदई वा अणुदई वा सेसाणं सत्तण्हवि उदई नो अणुदई, नामस्स गोयस्स य उदीरगा नो अणुदीरगा सेसाणं छण्हवि उदीरगा वा अणुदीरगा वा, कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा, सम्मद्दिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा सम्मामिच्छादिट्ठी वा, णाणी वा अन्नाणी वा, मणजोगी(वा) वइजोगी कायजोगी, उवओगो वन्नमाई उस्सासगा

(वा नीमासगा वा) आहारगा य जहा एगिंदियाग, विरया य अविरया य विरयाविरया य, सकिरिया नो अकिरिया । ते णं भंते ! जीवा किं सत्तविहबंधगा अट्ठविहबंधगा(वा) छव्विहबंधगा एगविहबंधगा ? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वा जाव एगविहबंधगा वा, ते णं भंते ! जीवा किं आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता नोसन्नोवउत्ता ? गोयमा ! आहारसन्नोवउत्ता वा जाव नोसन्नोवउत्ता वा, सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा कोहकसाई वा जाव लोभकसाई वा अकसाई वा, इत्थीवेदगा वा पुरिसवेदगा वा नपुंसगवेदगा वा अवेदगा वा, इत्थीवेदबंधगा वा पुरिसवेदबंधगा वा नपुंसगवेदबंधगा वा अबंधगा वा, सन्नी नो असन्नी, सइंदिया नो अणिंदिया, सच्चिट्ठणा जहन्नगं एक्कं समयं उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं, आहारो तहेव जाव नियमं छद्दिसिं, ठिई जहन्नेगं एक्कं समय उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइं, छ समुग्घाया आइल्लगा मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, उव्वट्टणा जहेव उववाओ न कत्थइ पडिसेहो जाव अणुत्तरविमाणत्ति, अह भंते ! सव्वपाणा जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलससुवि जुम्मेसु भाणियव्वं जाव अणंतखुत्तो, नवरं परिमाणं जहा बेइंदियाणं सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४०-१-१ ॥ पढमसमयकडजुम्म२सन्निपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? उववाओ परिमाणं आहारो जहा एएसिं चेव पढमोद्देसए ओगाहणा बंधो वेदो वेयणा उदई उदीरगा य जहा बेइन्दियाणं पढमसमइयाणं तहेव कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा, सेस जहा बेइन्दियाणं पढमसमइयाणं जाव अणंतखुत्तो नवरं इत्थिवेदगा वा पुरिसवेदगा वा नपुसगवेदगा वा सन्निणो असण्णिणो सेस तहेव एवं सोलससुवि जुम्मेसु परिमाण तहेव सव्वं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४०-१-२ ॥ एवं एत्थवि एक्कारस उद्देसगा तहेव, पढमो तइओ पंचमो य सरिसगमगा सेसा अट्ठवि सरिसगमगा, चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु नत्थि विसेसो (कोइवि) कायव्वो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८६३ ॥ चत्तालीसइमे सए पढमं सन्निपंचिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ १ ॥

कण्हलेस्सकडजुम्म २ सन्निपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? तहेव जहा पढमुद्देसओ सन्नीणं, नवर बन्धो वेओ उदई उदीरणा लेस्सा बन्धगसन्ना कसायवेयबंधगा य एयाणि जहा बेइंदियाणं, कण्हलेस्साण वेदो तिविहो अवेदगा नत्थि संचिट्ठणा जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं एवं ठिईएवि नवरं ठिईए अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं न भन्नंति सेसं जहा एएसिं चेव पढमे उद्देसए जाव अणंतखुत्तो । एवं सोलससुवि जुम्मेसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ पढमसमयकण्हलेस्सकडजुम्म२सन्निपंचिंदिया ण भते ! कओ उववज्जन्ति० ? जहा

सन्निपंचिंदियपढमसमयउद्देसए तहेव निरवसेसं नवरं ते णं भंते ! जीवा कण्ह-लेस्सा? हंता कण्हलेस्सा सेसं तहेव, एवं सोलससुवि जुम्मेसु। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ एवं एएवि एक्कारस उद्देसगा कण्हलेस्सासए, पढमतइयपंचमा सरिसगमगा सेसा अट्ठवि एक्क(सरिस)गमगा। सेव भंते ! २ त्ति ॥ बिइयं सयं समत्तं ॥ २ ॥ एवं नीललेस्सेसुवि सयं, नवरं संचिट्ठणा जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, एवं तिसु उद्देसएसु, सेसं तहेव। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ तइयं सयं समत्तं ॥ ३ ॥ एवं काउलेस्ससयंपि, नवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तिन्नि साग-रोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, एवं तिसुवि उद्देसएसु, सेसं तहेव। सेवं भंते ! २ त्ति॥ चउत्थं सयं ॥ ४ ॥ एवं तेउलेस्सेसुवि सयं, नवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइ एवं ठिईएवि नवरं नोसन्नोवउत्ता वा, एवं तिसुवि(गमएसु) उद्देसएसु सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ पंचमं सयं ॥ ५ ॥ जहा तेउलेस्सा-सयं तहा पम्हलेस्सासयपि नवरं संचिट्ठणा जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, नवरं अंतोमुहुत्तं न भन्नइ सेसं तहेव, एवं एएसु पंचसु सएसु जहा कण्हलेस्सासए गमओ तहा नेयव्वो जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ छट्ठं सयं समत्तं ॥ ६ ॥ सुक्कलेस्ससयं जहा ओहियसयं नवरं संचिट्ठणा ठिई य जहा कण्हलेस्ससए सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ सत्तमं सय समत्तं ॥ ७ ॥ भवसिद्धियकडजुम्म २ सन्निपं-चिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? जहा पढमं सन्निसयं तहा णेयव्वं भवसिद्धि-याभिलावेणं नवरं सव्वपाणा० ? णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ अट्ठमं सयं समत्तं ॥ ८ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियकडजुम्म २ सन्निपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहियकण्हलेस्ससयं। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ नवमं सयं ॥ ९ ॥ एवं नीललेस्सभवसिद्धिएवि सयं। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ दसमं सयं ॥१०॥ एव जहा ओहियाणि सन्निपंचिंदियाणं सत्त सयाणि भणियाणि एवं भवसिद्धिएहिवि सत्त सयाणि कायव्वाणि, नवरं सत्तसुवि सएसु सव्वपाणा जाव णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ भवसिद्धियसया समत्ता ॥ चउद्दसमं सयं समत्तं ॥ १४ ॥ अभवसिद्धियकडजुम्म २ सन्निपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? उववाओ तहेव अणुत्तरविमाणवज्जो परिमाणं अव(आ)हारो उच्चत्तं बंधो वेदो वेदणं उदओ उदीरणा य जहा कण्हलेस्ससए कण्हलेस्सा वा जाव

सुक्कलेस्सा वा नो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी नो नाणी अन्नाणी एवं जहा कण्हलेस्ससए नवरं नो विरया अविरया नो विरयाविरया संचिट्ठणा ठिई य जहा ओहियउद्देसए समुग्घाया आइल्लगा पंच उव्वट्टणा तहेव अणुत्तरविमाणवज्जं सव्वपाणा० णो इणट्ठे समट्ठे सेसं जहा कण्हलेस्ससए जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलससुवि जुम्मेसु। सेवं भंते! २ त्ति ॥ पढमसमयअभवसिद्धियकडजुम्म २ सन्निपंचिंदिया णं भंते! कओ उववज्जन्ति०? जहा सन्नीणं पढमसमयउद्देसए तहेव नवरं सम्मत्तं सम्मामिच्छत्तं नाणं च सव्वत्थ नत्थि सेसं तहेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ एवं एत्थवि एक्कारस उद्देसगा कायव्वा पढमतइयपंचमा एक्कगमा सेसा अट्ठवि एक्कगमा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ पढमं अभवसिद्धियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ चत्तालीसइमे सए पन्नरसमं सयं समत्तं ॥ १५ ॥ कण्हलेस्सअभवसिद्धियकडजुम्म२सन्निपंचिंदिया णं भंते! कओ उववज्जन्ति०? जहा एएसिं चेव ओहियसयं तहा कण्हलेस्ससयंपि नवरं ते णं भंते! जीवा कण्हलेस्सा? हंता कण्हलेस्सा, ठिई संचिट्ठणा य जहा कण्हलेस्ससए सेसं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ बिइयं अभवसिद्धियमहाजुम्मसयं ॥ चत्तालीसइमे सए सोलसमं सयं समत्तं ॥ १६ ॥ एवं छहिवि लेस्साहिं छ सया कायव्वा जहा कण्हलेस्ससयं नवरं संचिट्ठणा ठिई य जहेव ओहियसए तहेव भाणियव्वा, नवरं सुक्कलेस्साए उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, ठिई एवं चेव नवरं अंतोमुहुत्तं नत्थि जहन्नगं तहेव सव्वत्थ सम्मत्तनाणाणि नत्थि विरई विरयाविरई अणुत्तरविमाणोववत्ति एयाणि नत्थि, सव्वपाणा० णो इणट्ठे समट्ठे। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ एवं एयाणि सत्त अभवसिद्धियमहाजुम्मसयाणि भवन्ति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ एवं एयाणि एक्कवीसं सन्निमहाजुम्मसयाणि। सव्वाणिवि एक्कासीइमहाजुम्मसया समत्ता ॥ ८६४ ॥

चत्तालीसइमं सयं समत्तं ॥

कइ णं भंते! रासीजुम्मा पन्नत्ता? गोयमा! चत्तारि रासीजुम्मा पन्नत्ता, तंजहा-कडजुम्मे जाव कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ चत्तारि रासीजुम्मा पन्नत्ता तंजहा—कडजुम्मे जाव कलिओगे? गोयमा! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं रासीजुम्मकडजुम्मे, एवं जाव जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं रासीजुम्मकलिओगे, से तेणट्ठेणं जाव कलिओगे। रासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जन्ति०? उववाओ जहा वक्कंतीए, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जन्ति? गोयमा! चत्तारि वा अट्ठ वा

बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, ते णं भंते ! जीवा किं संतरं उववज्जन्ति निरंतरं उववज्जन्ति ? गोयमा ! संतरंपि उववज्जन्ति निरंतरंपि उववज्जंति, संतरं उववज्जमाणा जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जा समया अंतरं कट्टु उववज्जन्ति, निरंतरं उववज्जमाणा जहन्नेणं दो समया उक्कोसेणं असंखेज्जा समया अणुसमयं अविरहियं निरंतरं उववज्जन्ति, ते णं भंते ! जीवा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं तेओगा जंसमयं तेओगा तंसमयं कडजुम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, जंसमयं कडजुम्मा तंसमय दावरजुम्मा जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं कडजुम्मा ? नो इणट्ठे समट्ठे, जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं कलिओगा जंसमयं कलिओगा तंसमयं कडजुम्मा ? णो इणट्ठे समट्ठे । ते णं भंते ! जीवा कहं उववज्जन्ति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे एवं जहा उववायसए जाव नो परप्पओगेणं उववज्जन्ति । ते णं भंते ! जीवा किं आयजसेणं उववज्जन्ति आयअजसेणं उववज्जन्ति ? गोयमा ! नो आयजसेणं उववज्जंति आयअजसेणं उववज्जन्ति, जइ आयअजसेणं उववज्जन्ति किं आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा ! नो आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति, जइ आयअजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सा नो अलेस्सा, जइ सलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया नो अकिरिया, जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे । रासीजुम्मकडजुम्मअसुरकुमारा णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? जहेव नेरइया तहेव निरवसेसं एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया नवरं वणस्सइकाइया जाव असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तं चेव, मणुस्सावि एवं चेव जाव नो आयजसेणं उववज्जन्ति आयअजसेणं उववज्जंति, जइ आयअजसेणं उववज्जन्ति किं आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा ! आयजसंपि उवजीवंति आयअजसंपि उवजीवंति, जइ आयजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सावि अलेस्सावि, जइ अलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! नो सकिरिया अकिरिया, जइ अकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? हंता सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति, जइ सलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया नो अकिरिया, जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति ? गोयमा ! अत्थेगइया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति अत्थेगइया नो तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति, जइ आयअजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सा नो अलेस्सा, जइ सलेस्सा

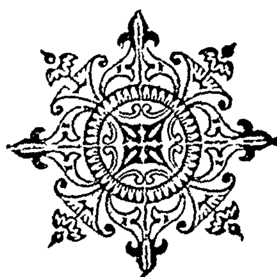
कि सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया नो अकिरिया, जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे। वाणमंतरजोइसिय-वेमाणिया जहा नेरइया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ इक्कचत्तालीसइमे रासीजुम्मसए पढमो उद्देसो ॥ ४१।१ ॥ रासीजुम्मतेओगनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव उद्देसओ भाणियव्वो नवरं परिमाणं तिन्नि वा सत्त वा एक्कारस वा पन्नरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जति संतरं तहेव, ते णं भंते ! जीवा जंसमयं तेओगा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं तेओगा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, जंसमयं तेओगा तसमयं दावरजुम्मा जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं तेओगा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं कलिओगेणवि समं, सेसं तं चेव जाव वेमाणिया नवरं उववाओ सव्वेसिं जहा वक्कंतीए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४१।२ ॥ रासीजुम्मदावर-जुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? एवं चेव उद्देसओ नवरं परिमाणं दो वा छ वा दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति संवेहो, ते णं भंते ! जीवा जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं दावरजुम्मा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं तेओएणवि समं, एवं कलिओगेणवि समं, सेसं जहा पढमुद्दे-सए जाव वेमाणिया। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१।३ ॥ रासीजुम्मकलिओगनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एव चेव नवरं परिमाणं एक्को वा पंच वा नव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जन्ति संवेहो, ते णं भंते ! जीवा जसमयं कलिओगा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं कलिओगा ? नो इणट्ठे समट्ठे, एवं तेओगेणवि समं, एवं दावरजुम्मेणवि समं, सेसं जहा पढमुद्देसए एवं जाव वेमाणिया। सेवं भंते ! २ त्ति ॥४१।४॥ कण्हलेस्सरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? उववाओ जहा धूमप्पभाए सेसं जहा पढमुद्देसए, असुरकुमाराणं तहेव एवं जाव वाणमंतराणं मणुस्साणवि जहेव नेरइयाणं आय-अजस उवजीवंति अलेस्सा अकिरिया तेणेव भवग्गहणेण सिज्झंति एवं (न) भाणि-यव्वं सेसं जहा पढमुद्देसए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४१।५ ॥ कण्हलेस्सतेओ-गेहिवि एवं चेव उद्देसओ, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१।६ ॥ कण्हलेस्सदावरजुम्मेहिवि एवं चेव उद्देसओ। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१।७ ॥ कण्हलेस्सकलिओगेहिवि एवं चेव उद्देसओ परिमाणं संवेहो य जहा ओहिएसु उद्देसएसु। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१।८ ॥ जहा कण्हलेस्सेहिं एवं नीललेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा निरवसेसा, नवरं नेरइयाणं उववाओ जहा वालुयप्पभाए सेसं तं चेव। सेवं भंते !

सेवं भंते ! त्ति ॥ ४१।१२ ॥ काउलेस्सेहिवि एवं चेव चत्तारि उद्देसगा कायव्वा नवरं नेरइयाणं उववाओ जहा रयणप्पभाए, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४१।१६ ॥ तेउलेस्सरासीजुम्मकडजुम्मअसुरकुमारा णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? एवं चेव नवरं जेसु तेउलेस्सा अत्थि तेसु भाणियव्व, एवं एएवि कण्हलेस्ससरिसा चत्तारि उद्दसगा कायव्वा । सेवं भते ! २ त्ति ॥ ४१।२० ॥ एवं पम्हलेस्साएवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं वेमाणियाण य एएसिं पम्हलेस्सा सेसाणं नत्थि । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१।२४ ॥ जहा पम्हलेस्साए एवं सुक्कलेस्साएवि चत्तारि उद्दसगा कायव्वा नवरं मणुस्साणं गमओ जहा ओहियउद्देसएसु सेस तं चेव, एव एए छसु लेस्सासु चउव्वीसं उद्देसगा ओहिया चत्तारि, सव्वेते अट्ठावीस उद्देसगा भवंति । सेवं भंते ! २ त्ति ॥४१।२८॥ भवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भते ! कओ उववज्जंति० ? जहा ओहिया पढमगा चत्तारि उद्दसगा तहेव निरवसेसं एए चत्तारि उद्देसगा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१।३२ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा कण्हलेस्साए चत्तारि उद्देसगा भवंति तहा इमेवि भवसिद्धियकण्हलेस्सेहि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा ॥ ४१।३६ ॥ एवं नीललेस्सभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा ॥४१।४०॥ एवं काउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्दसगा ॥४१।४४॥ तेउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ओहियसरिसा ॥ ४१।४८ ॥ पम्हलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ॥ ४१।५२ ॥ सुक्कलेस्सेहिवि चत्तारि उद्दसगा ओहियसरिसा, एवं एएवि भवसिद्धिएहिवि अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति । सेव भंते ! सेवं भते ! त्ति ॥ ४१।५६ ॥ अभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? जहा पढमो उद्देसओ नवरं मणुस्सा नेरइया य सरिसा भाणियव्वा, सेस तहेव । सेव भंते ! २ त्ति । एवं चउसुवि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा । कण्हलेस्सअभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव चत्तारि उद्देसगा, एवं नीललेस्सअभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा एवं काउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा एवं तेउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा पम्हलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा सुक्कलेस्सअभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा, एवं एएसु अट्ठावीसाएवि अभवसिद्धियउद्देसएसु मणुस्सा नेरइयगमेणं नेयव्वा । सेव भंते ! २ त्ति । एवं एएवि अट्ठावीसं उद्देसगा ॥ ४१।८४ ॥ सम्मद्दिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहा पढमो उद्देसओ एवं चउसुवि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा भवसिद्धियसरिसा कायव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ कण्हलेस्ससम्मद्दिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ

उववज्जंति० ? एएवि कण्हलेस्ससरिसा चत्तारिवि उद्देसगा कायव्वा, एवं सम्मदिट्ठीसुवि भवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४१।११२ ॥ मिच्छादिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं एत्थवि मिच्छादिट्ठिअभिलावेणं अभवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा। सेवं भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ४१।१४० ॥ कण्हपक्खियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं एत्थवि अभवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१।१६८ ॥ सुक्कपक्खियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं एत्थवि भवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति, एवं एए सव्वेवि छन्नउयं उद्देसगसयं भवन्ति रासीजुम्मसयं ॥ ४१।१९६ ॥ जाव सुक्कलेस्सा सुक्कपक्खियरासीजुम्मकलिओगवेमाणिया जाव जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८६५ ॥ भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छियपडिच्छियमेयं भंते ! सच्चे णं एसमट्ठे जे णं तुब्भे वदहत्तिकट्टु अपूइवयणा खलु अरिहंता भगवंतो, समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ८६६ ॥ **इक्कचत्तालीसइमं रासीजुम्मसयं समत्तं** ॥ सव्वाए भगवईए अट्ठतीसं सयं सयाणं १३८ उद्देसगाणं १९२५ ॥ चुलसीयसयसहस्सा पयाण पवरवरणाणदसीहिं। भावाभावमणंता पन्नत्ता एत्थमंगंमि ॥ १ ॥ तवनियमविणयवेलो जयइ सया नाणविमलविउलजलो। हेउसयविउलवेगो संघसमुद्दो गुणविसालो ॥ २ ॥ णमो गोयमाईणं गणहराणं, णमो भगवईए विवाहपन्नत्तीए, णमो दुवालसंगस्स गणिपिडगस्स ॥ **गाहा**-[कुसुम] कुम्मसुसंठियचलणा, अमलियकोरंटवेटसंकासा। सुयदेवया भगवई मम मइतिमिरं पणासेउ ॥ १ ॥ पन्नत्तीए आइमाणं अट्ठण्हं सयाणं दो दो उद्देसगा उद्दिसिज्जन्ति णवरं चउत्थे सए पढमदिवसे अट्ठ विइयदिवसे दो उद्देसगा उद्दिसिज्जंति, (नवरं) नवमाओ सयाओ आरद्धं जावइयं जावइयं एइ तावइयं तावइयं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ उक्कोसेणं सयंपि एगदिवसेणं मज्झिमेणं दोहिं दिवसेहिं सयं जहन्नेणं तिहिं दिवसेहिं सयं एवं जाव वीसइमं सयं, णवरं गोसालो एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ जइ ठिओ एगेण चेव आयंबिलेण अणुन्न(विज्जइ)ज्जिहीइ अह ण ठिओ आयंबिलेणं छट्ठेणं अणुण्णवइ, एक्कवीसबावीसतेवीसइमाइं सयाइं एक्केक्कदिवसेणं उद्दिसिज्जन्ति, चउ-

वीसइमं सयं दोहिं दिवसेहिं छ छ उद्देसगा, पंचवीसइमं दोहिं दिवसेहिं छ छ उद्देसगा, वधिसयाइ अट्ठसयाइं एगेणं दिवसेणं सेढिसयाइं बारस एगेणं एगिंदियमहाजुम्मसयाइं बारस एगेणं एवं बेइंदियाणं बारस तेइंदियाणं बारस चउरिंदियाणं बारस एगेण असन्निपंचिंदियाणं बारस सन्निपंचिंदियमहाजुम्मसयाइं एक्कवीसं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जन्ति रासीजुम्मसयं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ ॥ **गाहाओ**-वियसियअरविंदकरा नासियतिमिरा सुयाहि(वा)या देवी । मज्झंपि देउ मेह बुहविबुहणमंसिया णिच्चं ॥ १ ॥ सुयदेवयाए पणमिमो जीए पसाएण सिक्खियं नाणं । अण्णं पवयणदे(विं)वी संतिक(रिं)री तं (इं)नमंसामि ॥ २ ॥ सुयदेवया य जक्खो कुंभधरो बंभसंति वेरोट्टा । विज्जा य अंतहुंडी देउ अविग्घं लिहंतस्स ॥ ३ ॥ ८६७ ॥

सिरिविवाहपन्नत्ती समत्ता, पंचमं अंगं समत्तं ॥



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

॥ नायाधम्मकहाओ ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था। वण्णओ ॥ १ ॥ तीसे णं चंपाए नयरीए वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए (एत्थ णं) पुण्णभद्दे नामं उज्जाणे होत्था। वण्णओ ॥ २ ॥ तत्थ णं चंपाए नयरीए कोणिए नामं राया होत्था। वण्णओ ॥ ३ ॥ तेणं कालेण तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मे नामं थेरे जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने बलरूवविणयनाणदसणचरित्तलाघवसंपन्ने ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोहे जिइंदिए जियनिद्दे जियपरीसहे जीवियासामरणभयविप्पमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे एवं करणचरण-निग्गहनिच्छयअज्जवमद्दवलाघवखंतिगुत्तिमुत्तिविज्जामंतबंभ(चेर)वयनयनियमसच्च-सोयनाणदंसणचारित्तप्पहाणे उ(ओ)राले घोरे घोरव्वए घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलते(य)उलेसे चोद्दसपुव्वी चउनाणोवगए पंचहिं अणगारस-एहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपा नयरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडि-रूवं उग्गहं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ४ ॥ तए णं चंपाए नयरीए परिसा निग्गया। कोणिओ निग्गओ। धम्मो कहिओ। परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्ज-सुहम्मस्स अणगारस्स जेट्ठे अंतेवासी अज्जजंबू नामं अणगारे कासवगोत्तेणं सत्तु-स्सेहे जाव अज्जसुहम्मस्स थेरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से अज्जजंबूनामे जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले संजायसड्ढे संजायसंसए संजायकोउहल्ले उप्पन्नसड्ढे उप्पन्नसंसए उप्पन्नकोउहल्ले समुप्पन्नसड्ढे समुप्पन्नसंसए समुप्पन्नकोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता जेणामेव अज्जसुहम्मे थेरे तेणामेव उवागच्छइ २त्ता अज्जसुहम्मे थेरे तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता अज्जसुहम्मस्स थेरस्स

नच्चासन्ने नाइदूरे सुस्सूसमाणे नमंसमाणे अभिमुहे पंजलिउडे विणएणं पज्जुवासमाणे एवं वयासी-जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसुत्तमेणं पुरिससीहेणं पुरिस(वरपुंडरीएणं)वग्घेणं पुरिसवरगंधहत्थिणा लोगुत्तमेणं लोगनाहेणं लोगहिएणं लोगपईवेणं लोगपज्जोयगरेणं अभयदएणं सरणदएणं चक्खुद-एणं मग्गदएणं बोहिदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मनायगेणं धम्मसारहिणा धम्म-वरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरनाणदंसणधरेणं वियट्टछउमेणं जिणेणं जा(व)ण-एणं तिण्णेणं तारएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं सव्वण्णेणं सव्वदरिसिणा सिवमय-लमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तियं सासयं ठाणमुवगएणं पंचमस्स अंगस्स अयमट्ठे पन्नत्ते, छट्ठस्स णं अंगस्स भंते ! नायाधम्मकहाणं के अट्ठे पन्नत्ते ? जंबु-त्ति अज्जसुहम्मे थेरे अज्जजंबूनामं अणगारं एवं वयासी-एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स दो सुयक्खंधा पन्नत्ता, तंजहा-नायाणि य धम्मकहाओ य । जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स दो सुयक्खंधा पन्नत्ता तंजहा-नायाणि य धम्मकहाओ य, पढमस्स णं भंते ! सुयक्खंधस्स समणेणं जाव संपत्तेणं नायाणं कइ अज्झ-यणा पन्नत्ता ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेण नायाणं एगूणवीसं अज्झयणा पन्नत्ता, तंजहा-उक्खित्तणाए संघाडे अंडे कुम्मे य सेलगे । तुंबे य रोहिणी मल्ली मायंदी चंदिमाइय ॥ १ ॥ दावद्दवे उदगणाए मंडुक्के तेयली वि य । नंदीफले अवरकंका आइन्ने सुसुमाइय ॥ २ ॥ अवरे य पुंडरीए नायए एगूणवीसइमे ॥ ५ ॥ जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं नायाणं एगूणवीसं अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा-उक्खित्तणाए जाव पुंडरीए (त्ति) य, पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे रायगिहे नामं नयरे होत्था । वण्णओ । गुणसिलए उज्जाणे । वण्णओ । तत्थ णं रायगिहे नयरे सेणिए नामं राया होत्था । महया हिमवंत० वण्णओ । तस्स णं सेणियस्स रन्नो नंदा नामं देवी होत्था सुकुमालपाणिपाया वण्णओ ॥ ६ ॥ तस्स णं सेणियस्स पुत्ते नंदाए देवीए अत्तए अभए नामं कुमारे होत्था अहीणपंचिंदियसरीरे जाव सुरूवे सामदंडभेयउवप्पयाणनीइसुप्पउत्तनयविहिन्नू ईहापोहमग्गणगवेसणअत्थसत्थमइवि-सारए उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए चउव्विहाए बुद्धीए उववेए सेणियस्स रन्नो बहुसु कज्जेसु य कुडुंबेसु य मंतेसु य गुज्झेसु य रहस्सेसु य निच्छ-एसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमाणं आहारे आलंबणं चक्खू मेढीभूए पमाणभूए आहारभूए आलंबणभूए चक्खुभूए सव्वकज्जेसु सव्वभूमियासु लद्धपच्चए

विइण्णवियारे रज्जधुरचितए यावि होत्था। सेणियस्स रन्नो रज्जं च रट्ठं च कोसं च कोट्ठागारं च बलं च वाहणं च पुरं च अंतेउरं च सयमेव समु(वे)पेक्खमाणे २ विहरइ॥७॥ तस्स णं सेणियस्स रन्नो धारिणी नामं देवी होत्था जाव सेणियस्स रन्नो इट्ठा जाव विहरइ॥ ८॥ तए णं सा धारिणी देवी अन्नया कयाइ तंसि तारिसगंसि छक्कट्ठगलट्ठमट्ठसंठियखंभुग्गयपवरवरसालभंजियउज्जलमणिकणगरयणथूभियविडंक-जालद्धचंदनिज्जूहकंतरकणयालिचंदसालियाविभत्तिकलिए सरसच्छधाऊवलवण्णरइए बाहिरओ दूमियघट्ठमट्ठे अब्भिंतरओ पसत्तसुविलिहियचित्तकम्मे नाणाविह-पंचवण्णमणिरयणकोट्टिमतले पउमलयाफुल्लवल्लिवरपुप्फजाइउल्लोयचित्तियतले चं(वं)-दणवरकणगकलससु(वि)णिम्मियपडिपुंजियसरसपउमसोहंतदारभाए पयरग्गलं-वंतमणिमुत्तदामसुविरइयदारसोहे सुगंधवरकुसुममउयपम्हलसयणोवयारमणहिययनि-व्वुइयरे कप्पूरलवंगमलयचंदणकालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवडज्झंतसुरभिमघमघंतगं-धुद्धुयाभिरामे सुगंधवरगंधिए गंधवट्टिभूए मणिकिरणपणासियंधयारे किं बहुणा? जुइ-गुणेहि सुरवरविमाणवेलं(विय)ववरघरए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए उभओ विब्बोयणे दुहओ उन्नए मज्झे णयगंभीरे गंगापुलिणवालुयाउद्दालसालिसए उयचियखोमदुगुल्लपट्टपडि(च्छण्णे)च्छायणे अत्थरयमलयनवतयकुसत्तलिंबसीहके-सरपच्चुत्थए सुविरइयरयत्ताणे रत्तंसुयसंवुए सुरम्मे आइणगरूयबूरनवणीयतुल्लफासे पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी ओहीरमाणी एगं महं सत्तुस्सेहं रययकूडसन्निहं नहयलंसि सोमं सोमागारं लीलायंतं जंभा(यंतं)यमाणं मुहमइगयं गयं पासित्ता णं पडिवुद्धा। तए णं सा धारिणी देवी अयमेयारूवं उरालं कल्लाण सिवं धन्नं मंगल्लं सस्सिरीयं महासुमिणं पासित्ता णं पडिवुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठा चित्तमाणंदिया पीइमणा परमसोमणस्सिया हरिसवसविसप्पमाणहियया धाराहयकलंवपुप्फगं पिव समूससियरोमकूवा तं सुमिणं ओगिण्हइ २ त्ता सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता अतुरियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणामेव से सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं ताहि इट्ठाहि कंताहि पियाहि मणुन्नाहिं मणामाहिं उरालाहिं कल्लाणाहि सिवाहिं धन्नाहि मंगल्लाहि सस्सिरीयाहि हिययगमणिज्जाहिं हिययपल्हायणिज्जाहिं मियमहुररिभियगंभीरसस्सि-रीयाहिं गिराहिं संलवमाणी २ पडिवोहेइ २ त्ता सेणिएणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी नाणामणिकणगरयणभत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि निसीयइ २ त्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु सेणियं रायं एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि

सालिंगणवट्टिए जाव नियगवयणमइवयंतं गयं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धा । तं एयस्स णं देवाणुप्पिया ! उरालस्स जाव सुमिणस्स के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ? ॥ ९ ॥ तए णं से सेणिए राया धारिणीए देवीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए धाराहयनीवसुरभिकुसुमचंचुमालइयतणू ऊस(सि)वियरोमकूवे तं सुमिणं उग्गिण्हइ २ त्ता ईहं पविसइ २ त्ता अप्पणो साभाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविन्नाणेणं तस्स सुमिणस्स अत्थोग्गहं करेइ २ त्ता धारिणिं देविं ताहिं जाव हिययपल्हायणिज्जाहिं मि(उ)यमहुररिभियगंभीरसस्सिरीयाहिं वग्गूहिं अणुवूहेमाणे २ एवं वयासी–उराले णं तुमे देवाणुप्पिए! सुमिणे दिट्ठे, कल्लाणे णं तुमे देवाणुप्पिए! सुमिणे दिट्ठे, सिवे धन्ने मंगल्ले सस्सिरीए ण तुमे देवाणुप्पिए! सुमिणे दिट्ठे, आरोग्गतुट्ठिदीहाउयकल्लाणमंगल्लकारए णं तुमे देवी! सुमिणे दिट्ठे, अत्थलाभो ते देवाणुप्पिए! पुत्तलाभो ते देवाणुप्पिए! रज्जलाभो भोगलाभो सोक्खलाभो ते देवाणुप्पिए! एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए! नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाण अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं कुलदीव कुलपव्वयं कुलवडिंसयं कुलतिलय कुलकित्तिकरं कुलवित्तिकरं कुलनंदिकरं कुलजसकरं कुलाधारं कुलपायव कुलविवद्धणकरं सुकुमालपाणिपायं जाव दारयं पयाहिसि । से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते वित्थिण्णविउलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ । तं उराले णं तुमे देवी! सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणकारए णं तुमे देवी! सुमिणे दिट्ठे त्ति कट्टु भुज्जो २ अणुवूहेइ ॥१०॥ तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणी हट्ठतुट्ठा जाव हियया करयलपरिग्गहियं जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया! तहमेयं देवाणुप्पिया! अवितहमेयं असंदिद्धमेयं इच्छियमेयं (देवाणुप्पिया!) पडिच्छियमेयं इच्छियपडिच्छियमेयं सच्चे णं एसमट्ठे जं णं तुब्भे वयह त्ति कट्टु तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता सेणिएणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी नाणामणिकणगरयणभत्तिचित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयंसि सयणिज्जंसि निसीयइ २ त्ता एवं वयासी-मा मे से उत्तमे पहाणे मंगल्ले सुमिणे अन्नेहिं पावसुमिणेहिं पडिहम्मिहित्ति कट्टु देवयगुरुजणसंबद्धाहिं पसत्थाहिं धम्मियाहिं कहाहिं सुमिणजागरियं पडिजागरमाणी (२)विहरइ ॥ ११ ॥ तए णं से सेणिए राया पच्चूसकालसमयंसि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! बाहिरियं उवट्ठाणसालं अज्ज सविसेसं परमरम्मं गंधोदगसित्तसुइयसम्मज्जिओवलित्तं पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं कालागरुपवरकुंदुरुक्क-

तुरुक्कधूवडज्झंतमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य करित्ता य कारवित्ता य ए(व)यमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिलियंमि अहापंडुरे पभाए रत्तासोगप्पगासकिंसुयसुयमुहगुंजद्ध(राग)वंधुजीवगपारावयचलणनयणपरहुयसुरत्तलोयणजासुमणकुसुमजलियजलणतवणिज्जकलसहिंगुलयनिगररूवाइरेगरेहन्तसस्सिरीए दिवा(ग)यरे अहक्कमेण उदिए तस्स दिण(कर)करपरंपरावयारपारद्धंमि अंधयारे वालायवकुंकुमेण खइयव्व जीवलोए लोयणविसयाणुयासविगसंतविसददंसियंमि लोए कमलागरसंडवोहए उट्ठियंमि सूरे सहस्सरस्सिंमि दिणयरे तेयसा जलंते सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसालं अणुपविसइ २ त्ता अणेगवायामजोगवग्गणवामद्दणमल्लजुद्धकरणेहिं संते परिस्संते सयपागसहस्सपागेहिं सुगंधवरतेल्लमाइएहि पीणणिज्जेहिं दीवणिज्जेहिं दप्पणिज्जेहि मयणिज्जेहि विंहणिज्जेहिं सव्विंदियगायपल्हायणिज्जेहिं अब्भंगएहिं अब्भंगिए समाणे तेल्लचम्मंसि पडिपुण्णपाणिपायसुकुमालकोमलतलेहिं पुरिसेहिं छेएहिं दक्खेहि पट्ठेहि कुसलेहिं मेहावीहिं निउणेहिं निउणसिप्पोवगएहि जियपरिस्समेहिं अब्भंगणपरिमद्दणुव्वलणकरणगुणनिम्माएहिं अट्ठिसुहाए मंससुहाए तयासुहाए रोमसुहाए चउव्विहाए सं(वा)वाहणाए संवाहिए समाणे अवगयपरिस्समे नरिंदे अट्टणसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता स(मु)म(न्त)त्तजालाभिरामे विचित्तमणिरयणकोट्टिमतले रमणिज्जे ण्हाणमंडवंसि नाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि ण्हाणपीढंसि सुहनिसण्णे सुहोदगेहिं पुप्फोदएहिं गंधोदएहिं सुद्धोदएहि य पुणो पुणो कल्लाणगपवरमज्जणविहीए मज्जिए तत्थ कोउयसएहिं वहुविहेहिं कल्लाणगपवरमज्जणावसाणे पम्हलसुकुमालगंधकासा(ई)यलूहियंगे अहयसुमहग्घदूसरयणसुसंवुए सरससुरभिगोसीसचंदणाणुलित्तगत्ते सुइमालावण्णगविलेवणे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियहारद्धहारतिसरयपालंवपलंबमाणकडिसुत्तसुकयसोहे पि(ण)णिद्धगेविज्जे अंगुलेज्जगललियंग(य)ललियकयाभरणे नाणामणिकडगतुडियथंभियभुए अहियरूवसस्सिरीए कुंडलुज्जोइयाणणे मउडदित्तसिरए हारोत्थयसुकयरइयवच्छे पालंबपलंबमाणसुकयपडउत्तरिज्जे मुद्दियापिंगलंगुलीए नाणामणिकणगरयणविमलमहरिहनिउणोवियमिसिमिसंतविरइयसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसंठियपसत्थआविद्धवीरवलए, किं वहुणा? कप्परुक्खए चेव सुअलंकियविभूसिए नरिंदे सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं (उभओ)चउचामरवालवीइयंगे मंगलजयसद्दकयालोए अणेगगणनायगदंडनायगराईसरतलवरमाडविय-

कोडुंवियमंतिमहामंतिगणगदोवारियअमच्चचेडपीढमद्दनगरनिगमसेट्ठिसेणावइसत्थवाहदूयसंधिवालसद्धिं संपरिवुडे धवलमहामेहनिग्गए विव गहगणदिप्पंतरिक्खतारागणाण मज्झे ससि व्व पियदंसणे नरवई मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे । तए णं से सेणिए राया अप्पणो अदूरसामंते उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चत्थुयाइं सिद्धत्थमंगलोवयारकयसंतिकम्माइं रयावेइ २ त्ता (अप्पणो अदूरसामंते) नाणामणिरयणमंडियं अहियपेच्छणिज्जरुवं महग्घवरपट्टणुग्गयं सण्हवहुभत्तिसयचित्त(ट्ठा)ठाणं ईहामियउसभतुरयनरमगरविहगवालगकिन्नररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं सुखचियवरकणगपवरपेरंतदेसभागं अब्भितरियं जवणियं अंछावेइ २ त्ता अ(च्छ)त्थरगमउअमसूरगउच्छइयं धवलवत्थपच्चत्थुयं विसिट्ठं अंगसुहफासयं सुमउयं धारिणीए देवीए भद्दासणं रयावेइ २ त्ता कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अट्ठंगमहानिमित्तसुत्तत्थपाढए विविहसत्थकुसले सुमिणपाढए सद्दावेह २ त्ता एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंवियपुरिसा सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेंति २ त्ता सेणियस्स रन्नो अंतियाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता रायगिहस्स नयरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सुमिणपाढगगिहाणि तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सुमिणपाढए सद्दावेंति । तए णं ते सुमिणपाढगा सेणियस्स रन्नो कोडुंवियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा हरियालियसिद्धत्थयकयमुद्धाणा सएहिं सएहिं गिहेहिंतो पडिनिक्खमंति २ त्ता रायगिहस्स नयरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सेणियस्स रण्णो भवणव(डे)डिंसगदुवारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एगयओ मि(ल)लायंति २ त्ता सेणियस्स रन्नो भवणवडिंसगदुवारेणं अणुपविसंति २ त्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति, सेणिएणं रन्ना अच्चियवंदियपूइयमाणियसक्कारियसम्माणिया समाणा पत्तेयं २ पुव्वन्नत्थेसु भद्दासणेसु निसीयंति । तए णं सेणिए राया जवणियंतरियं धारिणिं देविं ठवेइ २ त्ता पुप्फफलपडिपुण्णहत्थे परेणं विणएणं ते सुमिणपाढए एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! धारिणी देवी अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि जाव महासुमिणं पासित्ता णं पडिवुद्धा, तं एयस्स णं देवाणुप्पिया! उरालस्स जाव सस्सिरीयस्स महासुमिणस्स के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ?। तए णं ते सुमिणपाढगा

सेणियस्स रन्नो अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया तं सुमिणं सम्मं ओगिण्हंति २ त्ता ईहं अणुपविसंति २ त्ता अन्नमन्नेण सद्धिं संचालेंति २ त्ता तस्स सुमिणस्स लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा सेणियस्स रन्नो पुरओ सुमिणसत्थाइं उच्चारेमाणा (२) एवं वयासी–एवं खलु अम्हं सामी! सुमिणसत्थंसि बायालीसं सुमिणा तीसं महासुमिणा बावत्तरिं सव्वसुमिणा दिट्ठा। तत्थ णं सामी! अरहंतमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा अरहंतंसि वा चक्कवट्टिंसि वा गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुमिणाणं इमे चउद्दस महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति तंजहा–गयवसहसीहअभिसेयदामससिदिणयरं झयं कुंभं। पउमसरसागरविमाणभवणरयणुच्चय-सिहिं च ॥ १ ॥ वासुदेवमायरो वा वासुदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं अन्नयरे सत्त महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति। बलदेवमायरो वा बलदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं अन्नयरे चत्तारि महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति। मंडलियमायरो वा मंडलियंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुमिणाणं अन्नयरं एगं महासुमिणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति। इमे य(णं) सामी! धारिणीए देवीए एगे महासुमिणे दिट्ठे। तं उराले णं सामी! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगल्लकारए णं सामी! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे। अत्थलाभो सामी! सोक्खलाभो सामी! भोगलाभो सामी! पुत्तलाभो रज्जलाभो, एवं खलु सामी! धारिणी देवी नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव दारगं पयाहि(सि)इ। से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते वित्थिण्णविउलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा। तं उराले णं सामी! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव दिट्ठे–त्तिकट्टु भुज्जो २ अणु(वू)वूहेंति। तए णं सेणिए राया तेसिं सुमिणपाढगाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियए करयल जाव एवं वयासी—एवमेयं देवाणुप्पिया! जाव जं णं तुब्भे वयह–त्तिकट्टु तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता ते सुमिणपाढए विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से सेणिए राया सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव धारिणी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धारि(णीदेविं)णिं देविं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए! सुमिणसत्थंसि बायालीसं सुमिणा तीस महासुमिणा जाव एगं महासुमिणं जाव भुज्जो २ अणुवूहेइ। तए णं सा धारिणी देवी सेणियस्स रन्नो अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियया

तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता जेणेव सए वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा विपुलाइं जाव विहरइ ॥ १२ ॥ तए णं तीसे धारिणीए देवीए दोसु मासेसु वीइक्कंतेसु तइए मासे वट्टमाणे तस्स गब्भस्स दोहलकालसमयंसि अयमेयारूवे अकालमेहेसु दोहले पाउब्भवित्था–धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ सपुण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ (णं ताओ०) कयपुण्णाओ कयलक्खणाओ कयविहवाओ सुलद्धे णं तासिं माणुस्सए जम्मजीवियफले जाओ णं मेहेसु अब्भुग्गएसु अब्भुज्जएसु अब्भुन्नएसु अब्भुट्ठिएसु सगज्जिएसु सविज्जुएसु सफुसिएसु सथणिएसु धंतधोयरुप्पपट्टअंकसंखचंदकुंदसालिपिट्ठरासिसमप्पभेसु चिउरहरियालभेयचंपगसणकोरंटसरिस(य)वपउमरयसमप्पभेसु लक्खारससरसरत्तकिंसुयजासुमणरत्तबंधुजीवगजाइहिंगुलयसरसकुंकुमउरब्भससरुहिरइंदगोवगसमप्पभेसु बरहिणनीलगुलियासुगचासपिच्छभिंगपत्तसासगनीलुप्पलनियरनवसिरीसकुसुमनवसद्दलसमप्पभेसु जच्चंजणभिंगभेयरिट्ठगभसरावलिगवलगुलियकज्जलसमप्पभेसु फुरंतविज्जुयसगज्जिएसु वायवसविपुलगगणचवलपरिसक्किरेसु निम्मलवरवारिधाराप(ग)यलियपयंडमारुयसमाहयसमोत्थरंतउवरिउवरितुरियवासं पवासिएसु धारापहकरनिवायनिव्वावि(य)यं मेइणितले हरिय(ग)गणकंचुए पल्लविय पायवगणेसु वल्लिवियाणेसु पसरिएसु उन्नएसु सोहग्गमुवागएसु (नगेसु नएसु वा) वेभारगिरिप्पवायतडकडगविमुक्केसु उज्झरेसु तुरियपहावियपल्लोट्टफेणाउलं सकलुसं जलं वहंतीसु गिरिनईसु सज्जज्जुणनीवकुडयकंदलसिलिंधकलिएसु उववणेसु मेहरसियहट्ठतुट्ठचिट्ठियहरिसवसपमुक्ककंठकेकारवं मुयंतेसु बरहिणेसु उउवससमयजणियतरुणसहयरिपणच्चिएसु नवसुरभिसिलिंधकुडयकंदलकलंबगंधद्धणिं मुयंतेसु उववणेसु परहुयरुयरिभियसंकुलेसु उद्दा(यं)इंतरत्तइंदगोवयथोवयकारुण्णविलविएसु उन्न(ओण)यतणमंडिएसु दद्दुरपयंपिएसु संपिंडियदरियभमरमहुयरिपहकरपरिलिंतमत्तछप्पयकुसुमासवलोलमहुरगुंजंतदेसभाएसु उववणेसु परिसामियचंदसूरगहगणपणट्ठनक्खत्ततारगपहे इंदाउहबद्धचिंधपट्टंसि अंबरतले उड्डीणबलागपंतिसोहंतमेहविन्दे कारंडगचक्कवायकलहंसउस्सुयकरे संपत्ते पाउसंमि काले ण्हायाओ किं ते वरपायपत्तनेउरमणिमेहलहाररइयउ(व)चियकडगखुड्डयविचित्तवरवलयथंभियभुयाओ कुंडलउज्जोवियाणणाओ रयणभूसियं(गा)गीओ नासानीसासवायवोज्झं चक्खुहरं वण्णफरिससंजुत्तं हयलालापेलवाइरेयं धवलकणयखचियंतकम्मं आगासफलिहसरिसप्पभं अंसुयं पवरपरिहियाओ दुगुल्लसुकुमालउत्तरिज्जाओ सव्वोउयसुरभिकुसुमपवरमल्लसोहियसिराओ कालागरु(पवर)धूवधूवियाओ सिरीसमाणवेसाओ सेयणयगंधहत्थिरयणं दुरुढाओ समाणीओ सकोरंटमल्लदामेणं

छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चंदप्पभवइरवेरुलियविमलदंडसंखकुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसन्निगासचउचामरवालवीजियंगीओ सेणिएणं रन्ना सद्धिं हत्थिखंधवरगएणं पिट्ठओ (२) समणुगच्छमाणीओ चाउरंगिणीए सेणाए महया हयाणीएणं गयाणीएणं रहाणीएणं पायत्ताणीएणं सव्विड्ढीए सव्वज्जुईए जाव निग्घोसनाइयरवेणं रायगिहं नयरं सिंघाडगति(य)गचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु आसित्तसित्तसु(चि)इयसंमज्जिओवलित्तं जाव सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं अवलोएमाणीओ नागरजणेणं अभिनंदिज्जमाणीओ गुच्छलयारुक्खगुम्मवल्लिगुच्छओच्छाइयं सुरम्मं वेभारगिरिकडगपायमूलं सव्वओ समंता आहिंडेमाणीओ २ दोहलं वि(णि)णयंति । तं जइ णं अहमवि मेहेसु अब्भु(व)ग्गएसु जाव दोहलं विणिज्जामि ॥ १३॥ तए णं सा धारिणी देवी तंसि डोहलंसि अविणिज्जमाणंसि असंप(ण्ण)त्तदोहला असंपुण्णदोहला असंमाणियदोहला सुक्का भुक्खा निम्मंसा ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा पमइलदुब्बला किलंता ओमंथियवयणनयणकमला पंडुइयमुही करयलमलियव्व चंपगमाला नित्तेया दीणविवण्णवयणा जहोचियपुप्फगंधमल्लालंकारहारं अणभिलसमाणी कीडारमणकिरियं च परिहावेमाणी दीणा दुम्मणा निराणंदा भूमिगयदिट्ठीया ओहयमणसंकप्पा जाव झिया(य)इ । तए णं तीसे धारिणीए देवीए अंगपडियारियाओ अब्भिंतरियाओ दासचेडियाओ धारिणिं देविं ओलुग्गं जाव झियायमाणिं पासंति २ त्ता एवं वयासी-किन्नं तुमे देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव झियायसि ?, तए णं सा धारिणी देवी ताहिं अंगपडियारियाहिं अब्भिंतरियाहिं दासचेडियाहिं(य) एवं वुत्ता समाणी ताओ (दास)-चेडियाओ नो आढाइ नो(य) परियाणाइ अणाढायमाणी अपरियाणमाणी तुसिणीया संचिट्ठइ । तए णं ताओ अंगपडियारियाओ अब्भिंतरियाओ दासचे(डी)डियाओ धारिणिं देविं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-किन्नं तुमे देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव झियायसि ?, तए णं सा धारिणी देवी ताहिं अंगपडियारियाहिं अब्भितरियाहिं (य) दासचे(डी)डियाहिं दोच्चंपि तच्चपि एवं वुत्ता समाणी नो आढाइ नो परियाणाइ अणाढायमाणी अपरियाणमाणी तुसिणीया संचिट्ठइ । तए णं ताओ अंगपडियारियाओ अब्भिंतरियाओ दासचेडियाओ (य)धारिणीए देवीए अणाढाइज्जमाणीओ अपरि(याण)जाणिज्जमाणीओ तहेव संभंताओ समाणीओ धारिणीए देवीए अंतियाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं जाव कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी! किंपि अज्ज धारिणी देवी ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायइ। तए णं से सेणिए राया तासिं अंगपडियारियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म तहेव संभंते समाणे सिग्घं तुरियं

चवल वेइयं जेणेव धारिणी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धारिणिं देविं ओलुग्गं ओलुग्गसरीरं जाव अट्टज्झाणोवगयं झियायमाणिं पासइ २ त्ता एवं वयासी–किन्नं तु(मे)मं देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायसि ?, तए णं सा धारिणी देवी सेणिएगं रन्ना एवं वुत्ता समाणी नो आढाइ जाव तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया धारि(णीं)णिं दे(वी)विं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–किन्नं तुमं देवाणुप्पिए! ओलुग्गा जाव झियायसि ?, तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ता समाणी नो आढाइ नो परिजाणाइ तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया धारिणिं देविं सवहसावियं करेइ २ त्ता एवं वयासी–किं णं तुमं देवाणुप्पिए! अहमेयस्स अट्ठस्स अणरिहे सवणयाए ता णं तुमं ममं अयमेयारूवं मणोमाणसियं दुक्खं रहस्सीकरेसि ?। तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना सवहसाविया समाणी सेणियं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी! मम तस्स उरालस्स जाव महासुमिणस्स तिण्हं मासाणं वहुपडिपुण्गाणं अयमेयारूवे अकालमेहेसु डोहले पाउब्भूए—धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव वेभारगिरिपायमूलं आहिंडमाणीओ दोहलं विणिंति, तं जइ णं अहमवि जाव दोहलं विणिज्जामि। तए णं हं सामी! अयमेयारूवंसि अकालदोहलंसि अविणिज्जमाणंसि ओलुग्गा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायामि। एएणं अहं कारणेणं सामी! ओलुग्गा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायामि। तए णं से सेणिए राया धारिणीए देवीए अंतिए एयमट्ठं सोचा निसम्म धारिणिं देविं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिए! ओलुग्गा जाव झियाहि, अहं णं तहा करिस्सामि जहा णं तुब्भं अयमेयारूवस्स अकालदोहलस्स मणोरहसंपत्ती भविस्सइ–त्तिकट्टु धारिणिं देविं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुन्नाहिं मणामाहिं वग्गूहिं समासासेइ २ त्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे धारिणीए देवीए एयं अकालदोहलं वहूहिं आएहि य उवाएहि य उप्पत्तियाहि य वेणइयाहि य कम्मियाहि य पा(प)रिणामियाहि य चउव्विहाहिं वुद्धीहिं अणुचिंतेमाणे २ तस्स दोहलस्स आयं वा उवायं वा ठिइं वा उप्पत्तिं वा अविंदमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ ॥ १४ ॥ तयाणंतरं च णं अभए कुमारे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए पायवंदए पहारेत्थ गमणाए। तए णं से अभयकुमारे जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता अयमेयारूवे अ(ब्भ)ज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–अन्नया(य)ममं सेणिए राया एज्जमाणं पासइ पासित्ता आढाइ परिजाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ आलवइ संलवइ अद्धासणेणं

उवनिमंतेइ मत्थयंसि अग्घाइ । इयाणि ममं सेणिए राया नो आढाइ नो परियाणइ नो सक्कारेइ नो सम्माणेइ नो इट्ठाहिं कंताहिं पियाहि मणुन्नाहिं ओरालाहिं वग्गूहिं आलवइ संलवइ नो अद्धासणेणं उवनिमतेइ नो मत्थयंसि अग्घा(य)इ(य) किंपि ओहयमणसंकप्पे झियायइ । तं भवियव्वं णं एत्थ कारणेणं । तं सेयं खलु(मे) ममं सेणियं रायं एयमट्ठं पुच्छित्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं ताओ ! अन्नया ममं एज्जमाणं पासित्ता आढाह परिजाणह जाव मत्थयंसि अग्घायह आसणेणं उवनिमंतेह, इयाणिं ताओ ! तुब्भे ममं नो आढाह जाव नो आसणेणं उवनिमंतेह किंपि ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह, तं भवियव्वं ताओ ! एत्थ कारणेणं, तओ तुब्भे म(म)मं ताओ ! एयं कारणं अगूहेमाणा असंकेमाणा अनिण्हवेमाणा अपच्छाएमाणा जहाभूयमवितहमसंदिद्धं एयमट्ठं आइक्खह । तए णं हं तस्स कारणस्स अंतगमणं गमिस्सामि । तए णं से सेणिए राया अभएणं कुमारेणं एवं वुत्ते समाणे अभयकुमारं एवं वयासी-एवं खलु पुत्ता ! तव चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए तस्स गब्भस्स दोसु मासेसु अइक्कंतेसु तइयमासे वट्टमाणे दोहलकालसमयंसि अयमेयारूवे दोहले पाउब्भवित्था-धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव विणिंति । तए णं अहं पुत्ता ! धारिणीए देवीए तस्स अकालदोहलस्स बहूहिं आएहि य उवाएहि जाव उप्पत्तिं अविंदमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायामि तुमं आगयंपि न याणामि, तं एएणं कारणेणं अहं पुत्ता ! ओहयमणसंकप्पे जाव झियामि । तए णं से अभए कुमारे सेणियस्स रण्णो अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियए सेणियं रायं एवं वयासी-मा णं तुब्भे ताओ ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह । अहं णं तहा करिस्सामि जहा णं मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवस्स अकालडो-हलस्स मणोरहसंपत्ती भविस्सइ-त्तिकट्टु सेणियं रायं ताहि इट्ठाहि कंताहि जाव समासासेइ । तए णं सेणिए राया अभएणं कुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे जाव अभयं कुमारं सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता पडिविसज्जेइ ॥ १५ ॥ तए णं से अभए कुमारे सक्कारिए सम्माणिए पडिविसज्जिए समाणे सेणियस्स रण्णो अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणे निसण्णे । तए णं तस्स अभयकुमारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-नो खलु सक्का माणुस्सएणं उवाएणं मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अकालडोहलमणोरहसंपत्तिं करित्तए नन्नत्थ दिव्वेणं उवाएणं । अत्थि णं

मज्झ सोहम्मकप्पवासी पुव्वसंगइए देवे महिड्ढिए जाव महासोक्खे। तं सेयं खलु मम पोसहसालाए पोसहियस्स बंभयारिस्स उम्मुक्कमणिसुवण्णस्स ववगयमालावण्णगविलेवणस्स निक्खित्तसत्थमुसलस्स एगस्स अबीयस्स दब्भसंथारोवगयस्स अट्ठमभत्तं प(रि)गिण्हित्ता पुव्वसंगइयं देवं मण(सि)सीकरेमाणस्स विहरित्तए। तए णं पुव्वसंगइए देवे मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारू(वे)वं अकालमेहेसु डोहलं विणेहिइ। एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं पमज्जइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरुहइ २ त्ता अट्ठमभत्तं पगिण्हइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव पुव्वसंगइयं देवं मणसीकरेमाणे २ चिट्ठइ। तए णं तस्स अभयकुमारस्स अट्ठमभत्ते परिणममाणे पुव्वसंगइयस्स देवस्स आसणं चलइ। तए णं पुव्वसंगइए सोहम्मकप्पवासी देवे आसणं चलियं पासइ २ त्ता ओहिं पउंजइ। तए णं तस्स पुव्वसंगइयस्स देवस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु मम पुव्वसंगइए जंबुद्दीवे २ भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे रायगिहे नयरे पोसहसालाए पोसहिए अभए नामं कुमारे अट्ठमभत्तं पगिण्हित्ता णं मम मणसीकरेमाणे २ चिट्ठइ। तं सेयं खलु मम अभयस्स कुमारस्स अंतिए पाउब्भवित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निसिरइ। तंजहा—रयणाणं वयराणं वेरुलियाणं लोहियक्खाणं मसारगल्लाणं हंसगब्भाणं पुलगाणं सोगंधियाणं जोइरसाणं अंकाणं अंजणाणं रयणाणं जायरूवाणं अंजणपुलगाणं फलिहाणं रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ त्ता अहासुहुमे पोग्गले परिगिण्हइ २ त्ता अभयकुमारमणुकंपमाणे देवे पुव्वभवजणियनेहपीइबहुमाणजायसोगे तओ विमाणवरपुंडरीयाओ रयणुत्तमाओ धरणियलगमणतुरियसंजणियगमणपया(रो)रे वाघुण्णियविमलकणगपयरगवडिंसगमउडउक्कडाडोवदंसणि(ज्जो)ज्जे अणेगमणिकणगरयणपहकरपरिमंडियभत्तिचित्तविणिउत्त(मणुगुण)गमणगजणियहरिसे पेंखोलमाणवरललियकुंडलुज्जलियवयणगुणजणियसोमरूवे उदिओ विव कोमुदीनिसाए सणिच्छरंगारकुज्जलियमज्झभागत्थे नयणाणं(दो)दे सरयचंदे दिव्वोसहिपज्जलुज्जलियदंसणाभिरा(मो)मे उउलच्छिसमत्तजायसोहे पइट्ठगंधुद्धुयाभिरामे मेरुरिव नगव(रो)रे विउव्वियविचित्तवेसे दीवसमुद्दाणं असंखपरिमाणनामधेज्जाणं मज्झयारेणं वीइवयमा(णो)णे उज्जोयंतो पभाए विमलाए जीवलोयं रायगिहं पुरवरं च अभयस्स (य तस्स) पासं ओवयइ दिव्वरूवधारी ॥ १६ ॥ तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवन्ने दसद्धवण्णाइं सखिं-

खिणियाइं पवरवत्थाइं परिहिए। एक्को ताव एसो गमो। अन्नोऽवि गमो-ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए सीहाए उद्धुयाए ज(इ)यणाए छेयाए दिव्वाए देवगईए जेणामेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जेणामेव दाहिणद्धभरहे रायगिहे नयरे पोसहसालाए अभए कुमारे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अंत(रि)लिक्खपडिवन्ने दसद्धवण्णाइं सखिंखिणियाइं पवरवत्थाइं परिहिए अभयं कुमारं एवं वयासी-अहं णं देवाणुप्पिया! पुव्वसंगइए सोहम्मकप्पवासी देवे महड्ढिए जं णं तुमं पोसहसालाए अट्ठमभत्तं पगिण्हित्ता णं ममं मणसीकरेमाणे चिट्ठसि, तं एस णं देवाणुप्पिया! अहं इहं हव्वमागए। संदिसाहि णं देवाणुप्पिया! किं करेमि किं दलामि किं पयच्छामि किं वा ते हियइच्छियं?। तए णं से अभए कुमारे तं पुव्वसंगइयं देवं अंतलिक्खपडिवन्नं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे पोसहं पारेइ २ त्ता करयल जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवे अकालडोहले पाउब्भूए-धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ तहेव पुव्वगमेणं जाव विणिज्जामि। तं णं तुमं देवाणुप्पिया! मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवं अकालडोहलं विणेहि। तए णं से देवे अभएणं कुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे अभयं कुमारं एवं वयासी-तुमं णं देवाणुप्पिया! सुनिव्वुयवीसत्थे अच्छाहि, अहं णं तव चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवं डोहलं विणेमित्तिकट्टु अभयस्स कुमारस्स अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता उत्तरपुरच्छिमे णं वेभारपव्वए वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निस्सरइ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता खिप्पामेव सगज्जइयं सविज्जुयं सफुसियं (तं) पंचवण्णमेहणिणाओवसोहियं दिव्वं पाउससिरिं विउव्वइ २ त्ता जेणेव अभए कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अभयं कुमारं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मए तव पियट्ठयाए सगज्जिया सफुसिया सविज्जुया दिव्वा पाउससिरी विउव्विया, तं विणेउ णं देवाणुप्पिया! तव चुल्लमाउया धारिणी देवी अयमेयारूवं अकाल(मेह)डोहलं। तए णं से अभए कुमारे तस्स पुव्वसंगइयस्स सोहम्मकप्पवासिस्स देवस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे सयाओ भवणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी-एवं खलु ताओ! मम पुव्वसंगइएण सोहम्मकप्पवासिणा देवेणं खिप्पामेव सगज्जियसविज्जुय-(सफुसिय)पंचवण्णमेहनिणाओवसोभिया दिव्वा पाउससिरी विउव्विया। तं विणेउ णं मम चुल्लमाउया धारिणी देवी अकालदोहलं। तए णं से सेणिए राया अभयस्स कुमारस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ

२ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायगिहं नयरं सिंघाडगतिगचउक्कचच्चर०आसित्तसित्त जाव सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य करित्ता य कराविता य मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हयगयरहजोहपवरकलियं चाउरंगिणिं से(ण्णं)णं सन्नाहेह सेयणयं च गंधहत्थिं परिकप्पेह। तेवि तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया जेणेव धारिणी देवी तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता धारिणिं देविं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए! सगज्जिया जाव पाउससिरी पाउब्भूया, तं णं तुमं देवाणुप्पिए! एयं अकालदोहलं विणेहि। तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणी हट्ठतुट्ठा जेणामेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुप्पविसइ २ त्ता अंतो अंतेउरंसि ण्हाया कि ते वरपायपत्तनेउर जाव आगासफालियसमप्पभं अंसुयं नियत्था सेयणयं गंधहत्थिं दुरूढा समाणी अमयमहियफेणपुंजसन्निगासाहिं सेयचामरवालवीयणीहिं वीइज्जमाणी २ संपत्थिया। तए णं से सेणिए राया ण्हाए सस्सिरीए हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामराहिं वीइज्जमाणे धारिणीदेविं पिट्ठओ अणुगच्छइ। तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना हत्थिखंधवरगएणं पिट्ठओ २ समणुगम्ममाणमग्गा हयगयरहजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवु(ए)डा महया भडचडगरवंदपरिक्खित्ता सव्विड्ढीए सव्वज्जुईए जाव दुंदुभिनिग्घोसनाइयरवेणं रायगिहे नयरे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चर जाव महापहेसु नागरजणेणं अभिनंदिज्जमा(णा)णी २ जेणामेव वेभारगिरिपव्वए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता वेभारगिरिकडगतडपायमूले आरामेसु य उज्जाणेसु य काणणेसु य वणेसु य वणसंडेसु य रुक्खेसु य गुच्छेसु य गुम्मेसु य लयासु य वल्लीसु य कंदरासु य दरीसु य चुण्ढीसु य दहेसु य कच्छेसु य नईसु य संगमेसु य विवरएसु य अच्छमाणी य पेच्छमाणी य मज्जमाणी य पत्ताणि य पुप्फाणि य फलाणि य पल्लवाणि य गिण्हमाणी य माणेमाणी य अग्घायमाणी य परिभुंजमाणी य परिभाएमाणी य वेभारगिरिपायमूले दोहलं विणेमाणी सव्वओ समंता आहिंडइ। तए णं सा धारिणी देवी (तंसि अकालदोहलंसि विणीयंसि सम्माणियदोहला) विणीयदोहला संपुण्णदोहला संपन्नदोहला जाया यावि होत्था। तए णं सा धारिणी देवी सेयणयगंधहत्थिं दूरूढा समाणी सेणिएणं हत्थिखंधवरगएणं पिट्ठओ २ समणुगम्ममाणमग्गा हयगय जाव र(हे)वेणं जेणेव रायगिहे नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता विउलाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं जाव विहरइ ॥ १७ ॥ तए णं से अभए कुमारे जेणामेव पोसहसाला तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता पुव्वसंगइय देवं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से देवे सगज्जियं पंचवण्णमेहोवसोहियं दिव्वं पाउससिरिं पडिसाहरइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १८ ॥ तए णं सा धारिणी देवी तंसि अकालदोहलंसि विणीयंसि सम्माणियडोहला तस्स गब्भस्स अणुकंपणट्ठाए जयं चिट्ठइ जयं आस(य)इ जयं सुवइ आहारं पि य णं आहारेमाणी नाइतित्तं नाइकडुयं नाइकसायं नाइअंबिलं नाइमहुरं जं तस्स गब्भस्स हियं मियं पत्थयं देसे य काले य आहारं आहारेमाणी नाइचिंतं नाइसोगं (णाइदेण्णं)नाइमोहं नाइभयं नाइपरित्तासं ववगयचिंतासोयमोहभयपरित्तासा उउभयमाणसुहेहिं भोयणच्छायणगंधमल्लालंकारेहिं तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ ॥ १९ ॥ तए णं सा धारिणी देवी नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं अद्धरत्तकालसमयंसि सुकुमालपाणिपायं जाव सव्वंगसुंदरं(गं) दारगं पयाया । तए ण ताओ अगपडियारियाओ धारिणिं देविं नवण्हं मासाणं जाव दारगं पयायं पासंति २ त्ता सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! धारिणी देवी नवण्हं मासाणं जाव दारगं पयाया, तं णं अम्हे देवाणुप्पियाणं पियं निवेएमो पियं भे भवउ । तए ण से सेणिए राया तासिं अगपडियारियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० ताओ अंगपडियारियाओ महुरेहिं वयणेहिं विउलेण य पुप्फगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता मत्थयधोयाओ करेइ पुत्ताणुपुत्तियं वित्तिं कप्पेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से सेणिए राया (पच्चूसकालसमयंसि) कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! रायगिहं नयरं आसिय जाव परिगीयं करेह २ त्ता चारगपरिसोहणं करेह २ त्ता माणुम्माणवद्धणं करेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से सेणिए राया अट्ठारससेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! रायगिहे नयरे अब्भिंतरबाहिरिए उस्सुक्कं उक्करं अभडप्पवेसं अ(डं)दंडिमकुदंडिमं अधरिमं अधारणिज्जं अणुद्धुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं गणियावरनाडइज्जकलियं अणेगतालायराणुचरियं पमुइयपक्कीलियाभिरामं जहारिहं ठिइवडियं दसदिवसियं करेह २ त्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणह तेवि करेंति (२) तहेव पच्चप्पिणंति । तए णं से सेणिए राया बाहिरियाए

उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे स(य)इएहि य साहस्सिएहि य सयसाहस्सिएहि ग जाए(हिं)हिं य दाएहि य भाएहि य दलयमाणे २ पडिच्छेमाणे २ एवं च णं विहरइ। तए णं तस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे जायकम्मं करेंति २ त्ता विइयदिवसे जागरियं करेति २ त्ता तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेंति २ त्ता एवामेव निव्वत्ते असुइजायकम्मकरणे संपत्ते वारसाहदिवसे विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तनाइनियगसयणसंवंधिपरिजणं वलं च वहवे गणनायगदंड-नायग जाव आमंतेंति तओ पच्छा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया महइमहालयंसि भोयणमंडवंसि तं विपुलं असणं पाण खाइमं साइमं मित्तनाइ० गणनायग जाव सद्धिं आसाएमाणा विसाएमाणा परिभाएमाणा परिभुंजेमाणा एवं च णं विहरंति जिमिय-भुत्तुत्तरागयावि य णं समाणा आयंता चोक्खा परमसुइभूया तं मित्तनाइनियगसयण-संवंधिपरियणं वलं च वहवे गणनायग जाव विपुलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्का-रेंति सम्माणेति स० २ त्ता एवं वयासी–जम्हा णं अम्हं इमस्स दारगस्स गब्भत्थस्स चेव समाणस्स अकालमेहेसु डोहले पाउब्भूए तं होउ णं अम्हं दारए मेहे नामेणं मे(हकुमारे)हे। तस्स दारगस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फण्णं नामधेज्जं करेंति मेहेइ। तए णं से मेहे कुमारे पंचधाईपरिग्गहिए तंजहा–खीरधाईए मंडण-धाईए मज्जणधाईए कीलावणधाईए अंकधाईए अन्नाहि य वहूहि खुज्जाहिं चिलाइयाहिं वामणिवडभिवव्वरिवउसिजोणि(याहिं)यपल्हवियईसिणि(य)धोरु(णि)गिणिलासियल-उसियदमिलिसिंहलिआरविपुलिंदिपक्कणिवहलिमुरुंडिसवरिपारसीहिं नानादेसीहिं विदे-सपरिमंडियाहिं इंगियचिंतियपत्थियवियाणियाहि सदेसनेवत्थगहियवेसाहिं निउण-कुसलाहि विणीयाहि चेडियाचक्कवालवरिसधरकंचुइज्जमहयरगवंदपरिक्खित्ते हत्थाओ हत्थं सा(सं)हरिज्जमाणे अंकाओ अंकं परिभुज्जमाणे परिगिज्जमाणे उवला(चा)लिज्जमाणे रम्मंसि मणिकोट्टिमतलंसि परिमिज्जमाणे २ निव्वायनिव्वाघायंसि गिरिकंदरमल्लीणेव चंपगपायवे सुहंसुहेणं वड्ढइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं नामकरणं च पजेमणगं च एवं चंकमणगं च चोलोवणयं च महया २ इड्ढीसक्कारसमुदएणं करिंसु। तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासजायगं चेव गब्भट्ठमे वासे सोहणंसि तिहिकरणमुहुत्तंसि कलायरियस्स उवणेंति। तए णं से कलायरिए मेहं कुमारं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्जवसाणाओ वावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहावेइ सिक्खावेइ तंजहा–लेहं गणियं रूवं नट्टं गीयं वाइयं सरगयं पोक्खरगयं समतालं जूयं जणवायं पासयं अट्ठावयं पोरेकच्चं दगमट्टियं अन्नविहिं पाणविहिं वत्थविहिं विलेवणविहिं सयणविहिं

अज्जं पहेलियं मागहियं गाहं गीइयं सिलोयं हिरण्णजुत्तिं सुवण्णजुत्तिं चुण्णजुत्तिं आभरणविहिं तरुणीपडिकम्मं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं कुक्कुडलक्खणं छत्तलक्खणं दंडलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं का(ग)गिणिलक्खणं वत्थुविज्जं खंधारमाणं नगरमाणं वूहं पडिवूहं चारं पडिचारं चक्कवूहं गरुलवूहं सगडवूहं जुद्धं निजुद्धं जुद्धाइजुद्धं लट्ठिजुद्धं मुट्ठिजुद्धं बाहुजुद्धं लयाजुद्धं ईसत्थं छरुप्पवायं धणुव्वेयं हिरण्णपागं सुवण्णपागं सुत्तखेडं वट्टखेडं नालियाखेडं पत्तच्छेज्जं कड(ग)च्छेज्जं सज्जीवं निज्जीवं सउणरुयं ति ॥ २० ॥ तए णं से कलायरिए मेहं कुमारं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्जवसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहावेइ सिक्खावेइ सेहावित्ता सिक्खावित्ता अम्मापिऊणं उवणेइ। तए णं मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो तं कलायरियं महुरेहिं वयणेहिं विउलेणं वत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयंति २ त्ता पडिविसज्जेंति ॥२१॥ तए णं से मेहे कुमारे बावत्तरिकलापंडिए नवंगसुत्तपडिबोहिए अट्ठारसविहिप्पगारदेसीभासाविसारए गी(इरई)यरइयगंधव्वनट्टकुसले हयजोही गयजोही रहजोही बाहुजोही बाहुप्पमद्दी अलंभोगसमत्थे साहसिए वियालचारी जाए यावि होत्था ॥२२॥ तए णं तस्स मेहकुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं बावत्तरिकलापंडियं जाव वियालचारिं जायं पासंति २ त्ता अट्ठ पासायवडिंसए का(क)रेंति अब्भुग्गयमूसियपहसिए विव मणिकणगरयणभत्तिचित्ते वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागाछत्ताइच्छत्तकलिए तुंगे गगणतलमभिलंघमाणसिहरे जालंतररयणपंजरुम्मिल्लि(य)एव्व मणिकणगथूभियाए वियसियसयपत्तपुंडरीए तिलयरयणद्ध(य)चंदच्चिए नानामणिमयदामालंकिए अतो बहिं च सण्हे तवणिज्जरुइलवालुयापत्थरे सुहफासे सस्सिरीयरूवे पासाईए जाव पडिरूवे। एगं च णं महं भवणं कारेंति अणेगखंभसयसन्निविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं अब्भुग्गयसुकयवइरवेइयातोरणवररइयसालभंजियासुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसंठियपसत्थवेरुलियखंभनाणामणिकणगरयणखचियउज्जलं बहुसमसुविभत्तानिचियरमणिज्जभूमिभागं ईहामिय जाव भत्तिचित्तं खंभुग्गयवयरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्तंपिव अच्चीसहस्समालणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरूवं कंचणमणिरयणथूभियागं नाणाविहपंचवण्णघंटापडागपरिमंडियग्गसिहरं धवलमि(म)रीचिकवयं विणिम्मुयंतं लाउल्लोइयमहियं जाव गंधवट्टिभूयं पासाईयं दरिसणिज्जं अभिरूवं पडिरूवं ॥ २३ ॥ तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि सरिसियाणं सरि(स)व्वयाणं सरि(स)त्तयाणं सरिस-

लावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाणं सरिसएहिंतो रायकुलेहिंतो आणि(अ)ल्लियाणं पसाहणट्ठंगअविहववहुओवयणमंगलसुजंपिएहिं अट्ठहिं रायवरकन्नाहिं सद्धिं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हाविंसु। तए णं तस्स मेहस्स अम्मापियरो इमं एयारूवं पीइदाणं दलयंति-अट्ठ हिरण्णकोडीओ अट्ठ सुवण्णकोडीओ गाहाणुसारेण भा(वि)णियव्व जाव पेसणकारियाओ अन्नं च विपुलं धणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएज्जं अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं । तए णं से मेहे कुमारे एगमेगाए भारियाए एगमेगं हिरण्णकोडिं दलयइ एगमेगं सुवण्णकोडिं दलयइ जाव एगमेगं पेसणकारिं दलयइ अन्नं च विउलं धणकणग जाव परिभाएउं दलयइ । तए णं से मेहे कुमारे उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं वरतरुणिसंपउत्तेहि बत्तीसइबद्धएहिं नाडएहिं उवगिज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ सद्दफरिसरसरूवगंधविउले माणुस्सए कामभोगे पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥ २४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणामेव रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे जाव विहरइ। तए णं (से)रायगिहे नयरे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चर० महया बहुजणसद्देइ वा जाव बहवे उग्गा भोगा जाव रायगिहस्स नयरस्स मज्झंमज्झेणं एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छंति, इमं च णं मेहे कुमारे उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुयंगमत्थएहिं जाव माणुस्सए कामभोगे भुंजमाणे रायमग्गं च आलोएमाणे २ एवं च णं विहरइ। तए णं (से)मेहे कुमारे ते बहवे उग्गे भोगे जाव एगदिसाभिमुहे निग्गच्छमाणे पासइ २ त्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-किन्नं भो देवाणुप्पिया! अज्ज रायगिहे नयरे इंदमहेइ वा खंदमहेइ वा एवं रुद्दसिववेसमणनागजक्खभूयनईतलायरुक्खपव्वयउज्जाणगिरिजत्ताइ वा जओ णं बहवे उग्गा भोगा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छंति । तए णं से कंचुइज्जपुरिसे समणस्स भगवओ महावीरस्स गहियागमणपवित्तीए मेहं कुमारं एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया! अज्ज रायगिहे नयरे इंदमहेइ वा जाव गिरिजत्ताइ वा जं णं एए उग्गा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छंति, एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे इहमागए इह संपत्ते इह समोसढे इह चेव रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ ॥ २५ ॥ तए ण से मेहे कुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह (तहत्ति) जाव उवणेंति । तए णं से

मेहे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए चाउग्घंटं आसरहं दुरूढे समाणे सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भडचडगरविंदपरियालसंपरिवुडे रायगिहस्स नयरस्स मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणामेव गुणसिलए उज्जाणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स छत्ताइच्छत्तं पडागाइपडागं विज्जाहरचारणे जंभए य देवे ओवयमाणे उप्पयमाणे पासइ २ त्ता चाउग्घंटाओ आसरहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ तंजहा—सच्चित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अच्चित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए, एगसाडियं उत्तरासंगकरणेणं, चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं, मणसो एगत्तीकरणेणं। जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स नच्चासन्ने नाइदूरे सुस्सूसमाणे नमंसमाणे पं(अं)-जलि(य)उडे अभिमुहे विणएणं पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे मेहस्स कुमारस्स तीसे य महइमहालियाए (महच्च)परिसाए मज्झगए विचित्तं धम्ममाइ-क्खइ जहा जीवा वज्झंति मुच्चंति जह य संकिलिस्संति, धम्मकहा भाणियव्वा जाव परिसा पडिगया ॥ २६ ॥ तए णं से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महा-वीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आया-हिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—सद्दहामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं एवं पत्तियामि णं रोएमि णं अब्भुट्ठेमि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते! तहमेयं अवितहमेयं इच्छियमेयं पडिच्छियमेयं भंते! इच्छियपडिच्छियमेय भंते! से जहेव तं तुब्भे वयह जं नवरं देवाणुप्पिया! अम्मा-पियरो आपुच्छामि तओ पच्छा मुंडे भवित्ता णं पव्वइस्सामि। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं से मेहे कुमारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणामेव चाउग्घंटे आसरहे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरुहइ २ त्ता महया भडचडगरपहकरेणं रायगिहस्स नगरस्स मज्झंमज्झेणं जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटाओ आसरहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणामेव अम्मापियरो तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अम्मापिऊणं पायवडणं करेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अम्मयाओ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए। तए णं तस्स मेहस्स अम्मा-पियरो एवं वयासी—धन्नोसि तुमं जाया! संपुण्णोसि० कयत्थोसि० कयलक्खणोसि तुमं जाया! जन्नं तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते, से वि

य ते धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरो दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते, से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता णं अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। तए णं सा धारिणी देवी तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं अमणुन्नं अमणामं असुयपुव्वं फरुसं गिरं सोच्चा निसम्म इमेणं एयारूवेणं मणोमाणसिएणं महया पुत्तदुक्खेणं अभिभूया समाणी सेयागयरोमकूवपगलंतविलीणगाया सोयभरपवेवियंगी नित्तेया दीणविमणवयणा करयलमलियव्व कमलमाला तक्खणओलुग्गदुब्बलसरीरा लावण्णसुन्ननिच्छायगयसिरीया पसिढिलभूसणपडंतखुम्मियसंचुण्णियधवलवलयपब्भट्ठउत्तरिज्जा सूमालविकिण्णकेसहत्था मुच्छावसनट्ठचेयगरुई परसुनियत्तव्व चंपगलया निव्वत्तम(हिमव्व)हे व इंदलट्ठी विमुक्कसंधिबंधणा कोट्टिमतलंसि सव्वंगेहिं धसत्ति पडिया। तए णं सा धारिणी देवी ससंभमोवत्तियाए तुरियं कंचणभिंगारमुहविणिग्गयसीयलजलविमलधाराए परिसिंचमाणा निव्वावियगायलट्ठी उक्खेवणतालविंटवीयणगजणियवाएणं सफुसिएणं अंतेउरपरियणेणं आसासिया समाणी मुत्तावलिसन्निगासपवडंतअंसुधाराहि सिंचमाणी पओहरे कलुणविमणदीणा रोयमाणी कंदमाणी तिप्पमाणी सोयमाणी विलवमाणी मेहं कुमारं एवं वयासी–तुमं सि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते पिए मणुन्ने मणामे थेज्जे वेसासिए सम्मए बहुमए अणुमए भंडकरंडगसमाणे रयणे रयणभूए जीवियउस्सासए हिययाणंदजणणे उंबरपुप्फं पिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए, नो खलु जाया! अम्हे इच्छामो खणमवि विप्पओगं सहित्तए, तं भुंजाहि ताव जाया! विपुले माणुस्सए कामभोगे जाव ताव वयं जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहि परिणयवए वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जंमि निरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्ससि ॥ २७ ॥ तए णं से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे अम्मापियरो एवं वयासी–तहेव णं तं अ(म्मो!)म्मताओ! जहेव णं तुम्हे ममं एवं वयह–तुमं सि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते तं चेव जाव निरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ! माणुस्सए भवे अधुवे अणियए असासए वसणसउवद्दवाभिभूए विज्जुलयाचंचले अणिच्चे जलबुब्बुयसमाणे कुसग्गजलबिंदुसन्निभे संझब्भरागसरिसे सुविणदंसणोवमे सडणपडणविद्धंसणधम्मे पच्छा पुरं च णं अवस्सविप्पजहणिज्जे, से के णं जाणइ अम्मयाओ! के पुव्विं गमणाए के पच्छा गमणाए?

तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए। तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी-इमाओ ते जाया! सरिसियाओ सरि(स)त्तयाओ सरि(स)व्वयाओ सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाओ सरिसेहिंतो रायकुलेहिंतो आणियल्लियाओ भारियाओ, तं भुंजाहि णं जाया! एयाहिं सद्धिं विउले माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरं एवं वयासी-तहेव णं अम्मयाओ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह-इमाओ ते जाया! सरिसियाओ जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ! माणुस्सगा कामभोगा असुई असासया वंतासवा पित्तासवा खेलासवा सुक्कासवा सोणियासवा दुरुस्सासनीसा(स-वा)सा दुरु(य)वमुत्तपुरीसपूयबहुपडिपुण्णा उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणगवंतपित्तसुक्कसोणियसंभवा अधुवा अणि(इ)यया असासया सडणपडणविद्धंसणधम्मा पच्छा पुरं च णं अवस्सविप्पजहणिज्जा, से के णं अम्मयाओ! जाण(न्ति)इ के पुव्विं गमणाए के पच्छा गमणाए? त इच्छामि णं अम्मयाओ! जाव पव्वइत्तए। तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी-इमे(य) ते जाया! अज्जयपज्जयपिउपज्जयागए सुबहु हिरण्णे य सुवण्णे य कंसे य दूसे य मणिमोत्ति(ए य)यसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएज्जे य अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पगामं दाउं पगामं भोत्तुं पगामं परिभाएउं, तं अणुहोहि ताव (जाव) जाया! विपुलं माणुस्सगं इड्ढिसक्कारसमुदयं, तओ पच्छा अणुभूयकल्लाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए जाव पव्वइस्ससि। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरं एवं वयासी-तहेव णं अम्मयाओ! जं णं तं वयह-इमे ते जाया! अज्जगपज्जगपिउपज्जयागए जाव तओ पच्छा अणुभूयकल्लाणे जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ! हिरण्णे य सुवण्णे य जाव सावएज्जे अग्गिसाहिए चोरसाहिए रायसाहिए दाइयसाहिए मच्चुसाहिए अग्गिसामन्ने जाव मच्चुसामन्ने सडणपडणविद्धंसणधम्मे पच्छा पुर च णं अवस्सविप्पजहणिज्जे, से के णं जाणइ अम्मयाओ! के पुव्विं जाव गमणाए? तं इच्छामि णं जाव पव्वइत्तए। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो जाहे नो संचाइंति मेहं कुमारं बहूहिं विसयाणुलोमाहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नवणाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा सन्नवित्तए वा विन्नवित्तए वा ताहे विसयपडिकूलाहिं संजमभउव्वेयकारियाहिं पन्नवणाहिं पन्नवेमाणा एवं वयासी-एस णं जाया! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवलिए पडिपुण्णे नेयाउए संसुद्धे सल्लगत्तणे सिद्धिमग्गे मुत्तिमग्गे निज्जाणमग्गे निव्वाणमग्गे सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे अहीव एगंतदि-

ह्वीए खुरो इव एगंतधाराए लोहमया इव जवा चावेयव्वा वालुयाकवले इव निरस्साए गंगा इव महानई पडिसोयगमणाए महासमुद्दो इव भुयाहिं दुत्तरे तिक्खं कमियव्वं गरुअं लंबेयव्वं असिधारव्वयं (च)चरियव्वं । नो (य) खलु कप्पइ जाया ! समणाणं निग्गंथाणं आहाकम्मिए वा उद्देसिए वा कीयगडे वा ठविए वा रइए वा दुब्भिक्खभत्ते वा कंतारभत्ते वा वद्दलियाभत्ते वा गिलाणभत्ते वा मूलभोयणे वा कंदभोयणे वा फलभोयणे वा बीयभोयणे वा हरियभोयणे वा भोत्तए वा पायए वा । तुमं च णं जाया ! सुहसमुचिए नो चेव णं दुहसमुचिए नालं सीयं नालं उण्हं नालं खुहं नालं पिवासं नालं वाइयपित्तियसिंभियसन्निवाइयविविहे रोगायंके उच्चावए गामकंटए बावीसं परीसहोवसग्गे उदिण्णे सम्मं अहियासित्तए । भुंजाहि ताव जाया ! माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि । तए णं से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे अम्मापियरं एवं वयासी–तहेव णं तं अम्मयाओ ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह–एस णं जाया ! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे पुणरवि तं चेव जाव तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ ! निग्गंथे पावयणे की(वा)वाणं कायराणं कापुरिसाणं इहलोगपडिबद्धाणं परलोगनिप्पिवासाणं दुरणुचरे पाययजणस्स नो चेव णं धीरस्स निच्छियस्स ववसियस्स एत्थ किं दुक्करं करणयाए ? तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए ॥ २८ ॥ तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो जाहे नो संचाइंति बहूहिं विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नवणाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा सन्नवित्तए वा विन्नवित्तए वा ताहे अका(मए)माइं चेव मेहं कुमारं एवं वयासी–इच्छामो ताव जाया ! एगदिवसमवि ते रायसिरिं पासित्तए । तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरमणुवत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! मेहस्स कुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विउलं रायाभिसेयं उवट्ठवेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव तेवि तहेव उवट्ठवेंति । तए णं से सेणिए राया बहूहिं गणनायगदंडनायगेहि य जाव संपरिवुडे मेहं कुमारं अट्ठसएणं सोवण्णियाणं कलसाणं एवं रुप्पमयाणं कलसाणं सुवण्णरुप्पमयाणं कलसाणं मणिमयाणं कलसाणं सुवण्णमणिमयाणं कलसाणं रुप्पमणिमयाणं कलसाणं सुवण्णरुप्पमणिमयाणं कलसाणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्वोदएहिं सव्वमट्टियाहिं सव्वपुप्फेहिं सव्वगंधेहिं सव्वमल्लेहिं सव्वोसहीहि य सिद्धत्थएहि य सव्विड्ढीए सव्वज्जुईए सव्वबलेणं जाव दुंदुभिनिग्घो-

सणाइयरवेणं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ २ त्ता करयल जाव कट्टु एवं वयासी-जय २ नंदा! जय २ भद्दा! जय-नंदा! भद्दं ते अजियं जि(णे)णाहि जियं पालयाहि जियमज्झे वसाहि अजियं जिणेहि सत्तुपक्खं जियं च पालेहि मित्तपक्खं जाव भरहो इव मणुयाणं रायगिहस्स नगरस्स अन्नेसिं च बहूणं गामागरनगर जाव सन्निवेसाणं आहेवच्चं जाव विहराहि त्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति। तए णं से मेहे राया जाए महया जाव विहरइ। तए णं तस्स मेहस्स रन्नो अम्मापियरो एवं वयासी-भण जाया! किं दलयामो किं पयच्छामो किं वा ते हियइच्छिए सामत्थे(मंते)?, तए णं से मेहे राया अम्मापियरो एवं वयासी-इच्छामि णं अम्मयाओ! कुत्तियावणाओ रयहरणं पडिग्ग(हगं)हं च (आणियं) उवणेह कासवयं च सद्दा(विउं)वेह। तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरणं पडिग्गहं च उवणेह सयसहस्सेणं कासवयं सद्दावेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं गहाय कुत्तियावणाओ दोहिं सयसहस्सेहिं रयहरणं पडिग्गहं च उवणेंति सयसहस्सेणं कासवयं सद्दावेंति। तए णं से कासवए तेहिं कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव (हय)हियए ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं (मंगल्लाइं)वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं करयलमंजलिं कट्टु एवं वयासी-संदिसह णं देवाणुप्पिया! जं मए करणिज्जं। तए णं से सेणिए राया कासवयं एवं वयासी-गच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिया! सुरभिणा गंधोदएणं निक्के हत्थपाए पक्खालेहि सेयाए चउप्फालाए पोत्तीए मुहं बंधित्ता मेहस्स कुमारस्स चउरंगुलवज्जे निक्खमणपाउग्गे अग्गकेसे कप्पेहि। तए णं से कासवए सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए जाव पडिसुणेइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं हत्थपाए पक्खालेइ २ त्ता सुद्धवत्थेणं मुहं बंधइ २ त्ता परेणं जत्तेणं मेहस्स कुमारस्स चउरंगुलवज्जे निक्खमणपाउग्गे अग्गकेसे कप्पइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स माया महरिहेणं हंसलक्खणेणं पडसाडएणं अग्गकेसे पडिच्छइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेइ २ त्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं चच्चाओ दलयइ २ त्ता सेयाए पोत्तीए बंधइ २ त्ता रयणसमुग्गयंसि पक्खिवइ २ त्ता मंजूसाए पक्खिवइ २ त्ता हारवारिधारसिंदुवारछिन्नमुत्तावलिप्पगासाइं अंसूइं विणिम्मुयमाणी २ रोयमाणी २ कंदमाणी २ विलवमाणी २ एवं वयासी-एस णं अम्हं मेहस्स कुमारस्स अब्भुदएसु य उस्सवेसु य पसवेसु य तिहीसु य छणेसु य जन्नेसु य पव्वणीसु य अपच्छिमे

दरिसणे भविस्सइ–त्तिकट्टु उस्सीसामूले ठवेइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेंति मेहं कुमारं दोच्चपि तच्चंपि सेयापीयएहिं कलसेहिं ण्हावेंति २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाइयाए गायाइं लूहेंति २ त्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपंति २ त्ता नासानीसासवायवोज्झं जाव हंसलक्खणं पड(ग)साडगं नियंसेंति २ त्ता हारं पिणद्धेंति २ त्ता अद्धहारं पिणद्धेंति २ त्ता (एवं) एगावलिं (२) मुत्तावलिं (२) कणगावलिं (२) रयणावलिं (२) पालंबं(२) पायपलंबं कडगाइं (२) तुडिगाइं (२) केऊराइं (२) अंगयाइं (२) दसमुद्दियाणंतयं कडिसुत्तयं (२) कुंडलाइ चूडामणिं रयणुक्कडं मउडं पिणद्धेंति २ त्ता दिव्वं सुमणदामं पिणद्धेति २ त्ता दद्दरमलयसुगंधिए गंधे पिणद्धेंति। तए णं तं मेहं कुमारं गंठिमवेढिमपूरिमसंघाइमेण चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगं पिव अलंकियविभूसियं करेंति। तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अणेगखंभसयसन्निविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं ईहामियउसभतुरयनरमगरविहगवालगकिन्नररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं घंटावलिमहुरमणहरसरं सुभकंतदरिसणिज्जं निउणो(चि)वियमिसिमिसिंतमणिरयणघंटियाजालपरिक्खित्तं खं (अब्भु)भुग्गयवइरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहरजमलजंतजुत्तं पिव अच्चीसहस्समालणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेस्सं सुहफासं सस्सिरीयरूवं सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं पुरिससहस्सवाहि(णीयं)णीं सीयं उवट्ठवेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा हट्ठतुट्ठ जाव उवट्ठवेंति। तए णं से मेहे कुमारे सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स माया ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा सीयं दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणंसि निसीयइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अंबधाई रयहरणं च पडिग्गहगं च गहाय सीयं दु(रु)रूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स वामे पासे भद्दासणंसि निसीयइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसियभणियचेट्ठियविलाससंलावुल्लावनिउणजुत्तोवयारकुसला आमेलगजमलजुयलवट्टियअब्भुन्नयपीणरइयसंठियपओहरा हिमरययकुंदेंदुपगासं सकोरेंटमल्लदामधवलं आयवत्तं गहाय सलीलं ओहारेमाणी २ चिट्ठइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारुवेसाओ जाव कुसलाओ सीयं दुरूहंति २ त्ता मेहस्स कुमारस्स उभओ पा(सिं)सं नानामणिकणगरयणमहरिहतवणिज्ज उज्जलविचित्तदंडाओ चिल्लियाओ सुहुमवरदीहवालाओ संखकुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसन्निगासाओ

चामराओ गहाय सलीलं ओहारेमाणीओ २ चिट्ठंति। तए णं तस्स मेहकुमारस्स एगा वरतरुणी सिंगारा जाव कुसला सीयं जाव दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स पुरओ पुरत्थिमेणं चंदप्पभवइरवेरुलियविमलदंडं ता(लविं)लियंटं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स एगा वरतरुणी जाव सुरूवा सीयं दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स पुव्वदक्खिणेण सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगयमहामुहाकिइसमाणं भिंगारं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सरिसयाणं सरि(स)त्तयाणं सरि(स)-व्वयाणं एगाभरणगहियनिज्जोयाणं कोडुंबियवरतरुणाणं सहस्सं सद्दावेह जाव सद्दा-वेंति। तए णं (ते) कोडुंबियवरतरुणपुरिसा सेणियस्स रन्नो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दा-विया समाणा हट्ठा ण्हाया एगाभरणगहियणिज्जोया जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं एवं वयासी-संदिसह णं देवाणुप्पिया! जं णं अम्हेहिं करणिज्जं। तए णं से सेणिए राया तं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं एवं वयासी-गच्छह णं (तुब्भे)देवाणुप्पिया! मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं परिव(हे)-हह। तए णं तं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं सेणिएणं रन्ना एवं वुत्तं संतं हट्ठं तुट्ठ तस्स मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं परिवहइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूढस्स समाणस्स इमे अट्ठट्ठमंगलया तप्पढमयाए पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तंजहा-सोत्थिय सिरिवच्छ नंदियावत्त वद्धमाणग भद्दासण कलस मच्छ दप्पण जाव बहवे अत्थत्थिया जाव ताहिं इट्ठाहिं जाव अण-वरयं अभिनंदंता य अभिथुणंता य एवं वयासी-जय २ नंदा! जय २ भद्दा! जयनंदा! भद्दं ते अजि(य)याइं जिणाहि इंदियाइं जियं च पालेहि समणधम्मं जियविग्घोऽविय वसाहि तं देव! सिद्धिमज्झे निहणाहि रागदोसमल्ले तवेणं धिइ-धणियबद्धकच्छे मद्दाहि य अट्ठकम्मसत्तू झाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं अप्पमत्तो पावय वितिमिरमणुत्तरं केवलं नाणं गच्छ य मोक्खं परमं पयं सासयं च अयलं हंता परीसहच(मुं)मूणं अभीओ परीसहोवसग्गाणं धम्मे ते अविग्घ भवउ-त्तिकट्टु पुणो २ मंगलजयसद्दं पउंजंति। तए णं से मेहे कुमारे रायगिहस्स नयरस्स मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ पच्चोरुहइ॥ २९॥ तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं पुरओ कट्टु जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ त्ता वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एस ण देवाणुप्पिया! मेहे कुमारे अम्हं एगे

पुत्ते इट्ठे कंते जाव जीवियऊसासए हिययनंदिजणए उंबरपुप्फं पिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण दरिसणयाए? से जहानामए उप्पलेइ वा पउमेइ वा कुमुदेइ वा पंके जाए जले संवड्ढिए नोवलिप्पइ पंकरएण नोवलिप्पइ जलरएणं एवामेव मेहे कुमारे कामेसु जाए भोगेसु संवुड्ढे नोवलिप्पइ कामरएणं नोवलिप्पइ भोगरएणं, एस णं देवाणुप्पिया! संसारभउव्विग्गे भीए जम्मण(जर)मरणाणं इच्छइ देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। अम्हे णं देवाणुप्पियाणं सिस्सभिक्खं दलयामो। पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सिस्सभिक्खं। तए णं से समणे भगवं महावीरे मेहस्स कुमारस्स अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे एयमट्ठं सम्मं पडिसुणेइ। तए णं से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ। तए णं (से) तस्स मेहकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं आभरणमल्लालंकारं पडिच्छइ २ त्ता हारवारिधारसिंदुवारछिन्नमुत्तावलिप्पगासाइं अंसूणि विणिम्मुयमाणी २ रोयमाणी २ कंदमाणी २ विलवमाणी २ एवं वयासी—जइयव्वं जाया! घडियव्वं जाया! परक्कमियव्वं जाया! अस्सिं च णं अट्ठे नो पमाएयव्वं, अम्हंपि णं ए(मे)मेव मग्गे भवउ—त्तिकट्टु मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो समणं भगवं महावीरं वंदंति नमसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ३० ॥ तए णं से मेहे कुमारे सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—आलित्ते णं भंते! लोए, पलित्ते णं भंते! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते! लोए जराए मरणेण य। से जहानामए केइ गाहावई अगारंसि झियायमाणंसि जे तत्थ भंडे भवइ अप्पभारे मोल्लगुरुए तं गहाय आयाए एगंतं अवक्कमइ—एस मे नित्थारिए समाणे पच्छा पुरा (लोए)हियाए सुहाए खे(ख)माए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ—एवामेव ममवि एगे आयाभंडे इट्ठे कंते पिए मणुन्ने मणामे एस मे नित्थारिए समाणे संसारवोच्छेयकरे भविस्सइ, तं इच्छामि णं देवाणुप्पि(या)एहिं सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं सेहावियं सिक्खावियं सयमेव आयारगोयरविणयवेणइयचरणकरणजायामायावत्तियं धम्ममाइक्खियं। तए णं समणे भगवं महावीरे मेहं कुमारं सयमेव पव्वावेइ सयमेव आयार जाव धम्ममाइक्खइ—एवं देवाणुप्पिया! गंतव्वं चिट्ठियव्वं निसीयव्वं तुयट्टियव्वं भुंजियव्वं भासियव्वं एवं उट्ठाए उट्ठाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमियव्वं अस्सिं च णं अट्ठे नो

पमाएयव्वं। तए णं से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं निसम्म सम्मं पडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ जाव उट्ठाए उट्ठाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहि संजमइ ॥ ३१ ॥ जं दिवसं च णं मेहे कुमारे मुंडे भवित्ता अ(आ)गाराओ अणगारियं पव्वइए तस्स णं दिवसस्स पच्चावरण्हकालसमयंसि समणाणं निग्गंथाणं अहाराइणियाए सेज्जासंथारएसु विभज्जमाणेसु मेहकुमारस्स दारमूले सेज्जासंथारए जाए यावि होत्था। तए णं समणा निग्गंथा पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए पुच्छणाए परियट्टणाए धम्माणुजोगचिंताए य उच्चारस्स य पासवणस्स य अइगच्छमाणा य निग्गच्छमाणा य अप्पेगइया मेहं कुमारं हत्थेहिं संघट्टेंति एवं पाएहि सीसे पोट्टे कायंसि अप्पेगइया ओलंडेंति अप्पेगइया पोलंडेंति अप्पेगइया पायरयरेणुगुंडियं करेंति। एवं महालियं च णं रयणिं मेहे कुमारे नो संचाएइ खणमवि अ(च्छि)च्छी निमीलित्तए। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं सेणियस्स रन्नो पुत्ते धारिणीए देवीए अत्तए मेहे जाव सवणयाए, तं जया णं अहं अगारमज्झे वसामि तया णं मम समणा निग्गंथा आढायंति परिजाणंति सक्कारेंति सम्माणेंति अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं आइक्खंति इट्ठाहिं कंताहिं वग्गूहिं आलवेंति संलवेंति, जप्पभिइं च णं अहं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए तप्पभिइं च णं म(म)मं समणा नो आढायंति जाव नो संलवेंति, अदुत्तरं च णं ममं समणा निग्गंथा राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए पुच्छणाए जाव महालियं च णं रत्तिं नो संचाएमि अच्छिं निमि(ला)ल्लावेत्तए, तं सेयं खलु मज्झ कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलंते समणं भगवं महावीरं आपुच्छित्ता पुणरवि अगारमज्झे वसित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता अट्टदुहट्टवसट्टमाणसगए निरयपडिरूवियं च णं तं रयणिं खवेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए सुविमलाए रयणीए जाव तेयसा जलंते जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पज्जुवासइ ॥ ३२ ॥ तए णं मेहाइ समणे भगवं महावीरे मेहं कुमारं एवं वयासी-से नूणं तुमं मेहा! राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि समणेहिं निग्गंथेहिं वायणाए पुच्छणाए जाव महालियं च णं राइं नो संचाए(मि)सि मुहुत्तमवि अच्छि निमिल्लावेत्तए, तए णं तु(ब्भं)ब्भे मेहा! इमे एयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जया णं अहं अगारमज्झे वसामि तया णं मम समणा निग्गंथा आढायंति जाव संलवेंति, जप्पभिइं च णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि

तप्पभिइं च णं मम समणा नो आढायंति जाव नो (परियाणंति) संलवेंति अदुत्तरं च णं मम समणा निग्गंथा राओ अप्पेगइया वायणाए जाव पायरयरेणुगुंडियं करेंति, तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए समणं भगवं महावीरं आपुच्छित्ता पुणरवि अगारमज्झे आवसित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेसि २ त्ता अट्टदुहट्टवसट्टमाणसे जाव रयणिं खवेसि २ त्ता जेणामेव अहं तेणामेव हव्वमागए, से नूणं मेहा! एस अट्ठे समट्ठे? हंता अट्ठे समट्ठे। एवं खलु मेहा! तुमं इओ तच्चे अईए भवग्गहणे वेयड्ढगिरिपायमूले वणयरेहिं निव्वत्तियनामधेज्जे सेए संखदलउज्जलविमल-निम्मलदहिघणगोखीरफेणरयणियर(दगरयरययनियर)प्पयासे सत्तुस्सेहे नवायए दसपरिणाहे सत्तंगपइट्ठिए सोमे समिए सुरूवे पुरओ उदग्गे समूसियसिरे सुहासणे पिट्ठओ वराहे अइयाकुच्छी अच्छिद्दकुच्छी अलंबकुच्छी पलंबलंबोदराहरकरे धणुपट्ठागिइविसिट्ठपुट्ठे अल्लीणपमाणजुत्तवट्टियपीवरगत्तावरे अल्लीणपमाणजुत्तपुच्छे पडिपुण्णसुचारुकुम्मचलणे पंडुरसुविसुद्धनिद्धनिरुवहयविंसतिनहे छद्दंते सुमेरुप्पभे नामं हत्थिराया होत्था। तत्थ णं तुमं मेहा! बहूहिं हत्थीहि य हत्थिणियाहि य लोट्टएहि य लोट्टियाहि य कलभेहि य कलभियाहि य सद्धिं संपरिवुडे हत्थिसहस्सनायए देसए पागट्ठी पट्ठवए जूहवई वंदपरियट्टए अन्नेसिं च बहूणं एकल्लाणं हत्थिकलभाणं आहेवच्चं जाव विहरसि। तए णं तुमं मेहा! निच्चप्पमत्ते सइं पललिए कंदप्परई मोहण-सीले अवितण्हे कामभोगतिसिए बहूहिं हत्थीहि य जाव संपरिवुडे वेयड्ढगिरिपायमूले गिरीसु य दरीसु य कुहरेसु य कंदरासु य उज्झरेसु य निज्झरेसु य वियरएसु य गड्डासु य पल्ललेसु य चिल्ललेसु य कडगेसु य कडयपल्ललेसु य तडीसु य वियडीसु य टंकेसु य कूडेसु य सिहरेसु य पब्भारेसु य मंचेसु य मालेसु य काणणेसु य वणेसु य वणसंडेसु य वणराईसु य नईसु य नईकच्छेसु य जूहेसु य संगमेसु य वावीसु य पोक्खरिणीसु य दीहियासु य गुंजालियासु य सरेसु य सरपंतियासु य सरसरपंतियासु य वणयरेहिं दिन्नवियारे बहूहिं हत्थीहि य जाव सद्धिं संपरिवुडे बहुविहतरुपल्लवपउरपाणियतणे निब्भए निरुव्विग्गे सुहंसुहेणं विहरसि। तए णं तुमं मेहा! अन्नया कयाइ पाउस-वरिसारत्तसरयहेमंतवसंतेसु कमेण पंचसु उऊसु समइक्कंतेसु गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामू-लमासे पायवघंससमुट्ठिएणं सुक्कतणपत्तकयवरमारुयसंजोगदीविएणं महाभयंकरेणं हुयवहेणं वणदवजालासंपलित्तेसु वणंतेसु धूमाउलासु दिसासु महावायवेगेणं संघट्टिएसु छिन्नजालेसु आवयमाणेसु पोल्लरुक्खेसु अंतो अंतो झियायमाणेसु मयकुहियवि(णिवि)-णट्ठकिमियकद्दमनईवियरग(जिण्ण)ज्झीणपाणीयतेसु वणंतेसु भिंगारकदीणकंदियर-वेसु खरफरुसअणिट्ठरिट्ठवाहि(त)त्तविद्दुमग्गेसु दुमेसु तण्हावसमुक्कपक्खपयडियजिब्भ-

तालुयअसपुडियतुंडपक्खिसंघेसु ससंतेसु गिम्हउम्हउण्हवायखरफरुसचंडमारुय-सुक्कतणपत्तकयवरवाउलिभमंतदि(त्त)त्तसंभंतसावयाउलमिगतण्हाबद्धचिंधपट्टेसु गिरि-वरेसु संवट्टिएसु तत्थमियपस(व)यमरीसिवेसु अवदालियवयणविवरनिल्लालियग्गजीहे महंततुंवइयपुण्णकण्णे संकुचियथोरपीवरकरे ऊसियनं(लं)गूले पीणाइयविरसरडिय-सद्देण फोडयतेव अंबरतलं पायदद्दरएणं कंपयंतेव मेइणितलं विणिम्मुयमाणे य सीयारं सव्वओ समंता वल्लिवियाणाइं छिंदमाणे रुक्खसहस्साइं तत्थ सुबहूणि नो(ल्ला)ल्लयंते विणट्ठरट्ठेव्व नरवरिंदे वायाइद्धेव्व पोए मंडलवाएव्व परिब्भमंते अभिक्खणं २ लिंडनियरं पमुंचमाणे २ बहूहिं हत्थीहि य जाव सद्धिं दिसोदिसिं विप्पलाइत्था। तत्थ णं तुमं मेहा! जुण्णे जराजज्जरियदेहे आउरे झंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते नट्ठसुइए मूढदिसाए सयाओ जूहाओ विप्पहूणे वणदवजालापारद्धे उण्हेण य तण्हाए य छुहाए य परब्भाहए समाणे भीए तत्थे तसिए उव्विग्गे संजायभए सव्वओ समंता आधावमाणे परिधावमाणे एगं च णं महं सरं अप्पोदयं पंकबहुलं अति(त्थि)त्थेणं पाणियपाए (उइण्णो) ओइण्णे। तत्थ णं तुमं मेहा! तीरमइगए पाणियं असंपत्ते अतरा चेव सेयंसि विसण्णे। तत्थ णं तुमं मेहा! पाणियं पाइस्सामि-त्तिकट्टु हत्थं पसारेसि, से वि य ते हत्थे उदगं न पावइ। तए णं तुमं मेहा! पुणरवि कायं पच्चुद्धरिस्सामि-त्तिकट्टु बलियतरायं पंकंसि खुत्ते। तए णं तुमं मेहा! अन्नया कयाइ एगे चिरनिज्जूढे गयवरजुवाणए सगाओ जूहाओ करचरणदंतमुसलप्पहारेहिं विप्परद्धे समाणे तं चेव महद्दहं पाणी(यं पाएउं)यपाए समोयरइ। तए णं से कलभए तुमं पासइ २ त्ता तं पुव्ववेरं समरइ २ त्ता आसुरुत्ते रुट्ठे कुविए चंडिक्किए मिसिमिसेमाणे जेणेव तुमं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तुमं तिक्खेहिं दंतमुसलेहिं तिक्खुत्तो पिट्ठओ उच्छुभइ २ त्ता पुव्ववेरं निज्जाएइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे पाणियं पियइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं तव मेहा! सरीरगंसि वेयणा पाउब्भवित्था उज्जला विउला (तिउला) कक्खडा जाव दुरहियासा पित्तज्जरपरिगय-सरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरित्था। तए ण तुमं मेहा! तं उज्जलं जाव दुरहियासं सत्तराइंदियं वेयणं वेदेसि सवीसं वाससयं परमाउं पालइत्ता अट्टवसट्टदुहट्टे कालमासे कालं किच्चा इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे गंगाए महानईए दाहिणे कूले विंझगिरिपायमूले एगेणं मत्तवरगंधहत्थिणा एगाए गयवरकरेणूए कुच्छिंसि गयकलभए जणिए। तए णं सा गयकलभिया नवण्हं मासाणं वसंतमासम्मि तुमं पयाया। तए णं तुमं मेहा! गब्भवासाओ विप्पमुक्के समाणे गयकलभए यावि होत्था रत्तुप्पलरत्तसूमालए जासुमणारत्तपारिजत्तय-

लक्खारससरसकुंकुमसंझब्भरागवण्णे इट्ठे नियगस्स जूहवइगो गणि(या)यारकणेरु-कोत्थहत्थी अणेगहत्थिसयसंपरिवुडे रम्मेसु गिरिकाणणेसु सुहंसुहेणं विहरसि। तए णं तुमं मेहा! उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते जूहवइणा कालधम्मुणा संजुत्तेणं तं जूहं सयमेव पडिवज्जसि। तए णं तुमं मेहा! वणयरेहिं निव्वत्तियनामधेज्जे जाव चउदंते मेरुप्पभे हत्थिरयणे होत्था। तत्थ णं तुमं मेहा! सत्तंगपइट्ठिए तहेव जाव पडिरूवे। तत्थ णं तुमं मेहा! सत्तसइयस्स जूहस्स आहेवच्च जाव अभिरमेत्था। तए णं तुम अन्नया कयाइ गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूले वणदवजालापलित्तेसु वणंतेसु(सु)धूमाउलासु दिसासु जाव मंडलवाएव्व परिब्भमंते भीए तत्थे जाव संजायभए बहूहिं हत्थीहि य जाव कलभियाहि य सद्धिं संपरिवुडे सव्वओ समंता दिसोदिसिं विप्पलाइत्था। तए णं तव मेहा! तं वणदवं पासित्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-कहिं णं मन्ने मए अयमेयारूवे अग्गिसंभवे अणुभूयपुव्वे ?, तए णं तव मेहा! लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं अज्झवसाणेणं सोहणेणं सुभेणं परिणामेणं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सन्निपुव्वे जा(ई)इसरणे समुप्पज्जित्था। तए णं तुमं मेहा! एयमट्ठं सम्मं अभिसमेसि-एवं खलु मया अईए दोच्चे भवग्गहणे इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले जाव (सुहंसुहेणं विहरइ)तत्थ णं महया अयमेयारूवे अग्गिसंभवे समणुभूए। तए णं तुमं मेहा! तस्सेव दिवसस्स पच्चावरण्हकालसमयंसि नियएणं जूहेणं सद्धिं समन्नागए यावि होत्था। तए णं तुमं मेहा! सत्तुस्सेहे जाव सन्निजाइस्सरणे चउदंते मेरुप्पभे नामं हत्थी (राया) होत्था। तए णं तुज्झं मेहा! अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-(तं)सेयं खलु मम इयाणिं गंगाए महानईए दाहिणिल्लंसि कूलंसि विंझगिरिपायमूले दवग्गिसं(ताण)जायकारणट्ठा सएणं जूहेणं (महइ)महालयं मंडलं घाइत्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेसि २ त्ता सुहंसुहेणं विहरसि। तए णं तुमं मेहा! अन्नया कयाइं पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि सन्निवइयंसि गंगाए महानईए अदूरसामंते बहूहिं हत्थीहिं जाव कलभियाहि य सत्तहि य हत्थिसएहिं संपरिवुडे एगं महं जोयणपरिमंडलं महइमहालयं मंडलं घाएसि जं तत्थ तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा कंटए वा लया वा वल्ली वा खाणुं वा रुक्खे वा खु(वे)वं वा तं सव्वं तिक्खुत्तो आहुणिय २ पाएणं उ(ट्ठवे)द्धरेसि हत्थेणं गेण्हसि एगंते ए(पा)डेसि। तए णं तुमं मेहा! तस्सेव मंडलस्स अदूरसामंते गंगाए महानईए दाहिणिल्ले कूले विंझगिरिपायमूले गिरीसु य जाव विहरसि। तए णं तुमं मेहा! अन्नया कयाइ मज्झिमए वरिसारत्तंसि

महावुट्ठिकायंसि सन्निवइयंसि जेणेव से मंडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता दोच्चंपि मंडलं घाएसि, एव चरिमवासारत्तंसि महावुट्ठिकायंसि सन्निव(इ)यमाणंसि जेणेव से मंडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता तच्चंपि मंडलघायं करेसि जं तत्थ तणं वा जाव सुहंसुहेणं विहरसि। अह मेहा! तुमं गइंदभावम्मि वट्टमा(णे)णो कमेणं नलिणिवणावि(वह)हवणगरे हेमंते कुंदलोद्धउद्धुयनुसारपउरम्मि अइक्कंते अहिगवे गिम्हसमयंसि पत्ते वियट्टमा(णे)णो वणेसु वगकरेणुविविहदिन्नकयपसवघाओ तुमं उउयकुसुमकयचामरकण्णपूरपरिमंडियाभिरामो मयवसविगसंतकडतडकिलिन्नगंधमदवारिणा सुरभिजणियगंधो करेणुपरिवारिओ उउसमत्तजणियसोहो काले दिणयरकरपयडे परिसोसियतरुवरसि(रि)हरभीमतरदंसणिज्जे भिंगाररवंतभेरवरवे नागाविहपत्तकट्ठतणकयवरु(द्ध)द्धुयपइमारुयाइद्धनहयलदुमगणे वाउलि(या)दारुणतरे तण्हावसदोसदूसियभमंतविविहसावयसमाउले भीमदरिसणिज्जे वट्टंते दारुणम्मि गिम्हे मारुयवसपसरपसरियवियंभिएणं अब्भहियभीमभेरवरवप्पगारेणं महुधारापडियसित्तउद्धायमाण(धग)धगधगेंतसद्दु(द्धु)द्धुएणं दित्ततरसफुलिंगेणं धूममालाउलेगं सावयसयंतकरणेणं (अब्भहिय)वणदवेणं जालालोवियनिरुद्धधूमंधकारभीओ आयवालोयमहंततुंबइयपुण्णकण्णो आकुंचियथोरपीवरकरो भयवसभयंतदित्तनयणो वेगेणं महामेहोव्व वाय(पव)णोल्लियमहल्लरूवो जे(णेव)ण कओ ते(ण) पुरा दवग्गिभयभीयहियएगं अवगयतणप्पएसरुक्खो रुक्खोद्देसो दवग्गिसंताणकारणट्ठा (ए) जेणेव मंडले तेणेव पहारेत्थ गमणाए। एक्को ताव एस गमो। तए णं तुमं मेहा! अन्नया कयाइं कमेणं पंचसु उऊसु समइक्कंतेसु गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूले मासे पायवसंघंससमुट्ठिएणं जाव संवट्टिएसु मियपसुपक्खिसरीसिवे(सु) दिसोदिसिं विप्पलायमाणेसु तेहिं वहूहिं हत्थीहिं य सद्धिं जेणेव (से) मंडले तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तत्थ णं अन्ने वहवे सीहा य वग्घा य विगा य दीविया अच्छा य तरच्छा य पारासरा य सरभा य सियाला विराला सुणहा कोला ससा कोकतिया चित्ता चिल्लला पुव्वपविट्ठा अग्गिभयविद्दुया एगयओ विलधम्मेणं चिट्ठंति। तए णं तुमं मेहा! जेणेव से मंडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता तेहिं वहूहिं सीहेहिं जाव चिल्ललेहि य एगयओ बिलधम्मेणं चिट्ठसि। तए णं तुमं मेहा! पाएणं गत्तं कंडुइस्सामीतिकट्टु पाए उक्खित्ते, तंसि च णं अंतरंसि अन्नेहिं वलवंतेहिं सत्तेहिं पणो(लि)ल्लिज्जमाणे २ ससए अणुप्पविट्ठे। तए णं तुमं मेहा! गायं कंडुइत्ता पुणरवि पायं पडिनि(क्खमि)क्खेविस्सामि–त्तिकट्टु तं ससयं अणुपविट्ठं पाससि २ त्ता पाणाणुकंपयाए भूयाणुकंपयाए जीवाणुकंपयाए सत्ताणुकंपयाए से पाए अंतरा चेव संधारिए नो चेव णं निक्खित्ते। तए णं तुमं मेहा! ताए पाणाणुकंपयाए जाव सत्ताणुकंपयाए

संसारे परित्तीकए माणुस्साउए निबद्धे। तए णं से वणदवे अड्डाइज्जाइं राइंदियाइं तं वणं झामेइ २ त्ता निट्ठिए उवरए उवसंते विज्झाए यावि होत्था। तए णं ते बहवे सीहा य जाव चिल्लला य तं वणदवं निट्ठियं जाव विज्झायं पासंति २ त्ता अग्गिभयविप्पमुक्का तण्हाए य छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ)मंडलाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता सव्वओ समंता विप्पसरित्था। तए णं ते बहवे हत्थी जाव छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ मंडलाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता दिसोदिसिं विप्पसरित्था। तए णं तुमं मेहा! जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिढिलवलितयापिणिद्धगत्ते दुब्बले किलंते जुंजिए पिवासिए अत्थामे अबले अपरक्कमे अचंकमणो वा ठाणुखंडे वेगेण विप्पसरिस्सामि-त्तिकट्टु पाए पसारेमाणे विज्जुहए विव रययगिरिपब्भारे धरणितलंसि सव्वंगेहिं सन्निवइए। तए ण तव मेहा! सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दाहवक्कंतिए यावि विहरसि। तए णं तुमं मेहा! तं उज्जलं जाव दुरहियासं तिन्नि राइंदियाइं वेयणं वेएमाणे विहरित्ता एगं वाससयं परमाउं पालइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे रायगिहे नयरे सेणियस्स रन्नो धारिणीए देवीए कुच्छिंसि कुमारत्ताए पच्चायाए ॥ ३३ ॥ तए णं तुमं मेहा! आ(अ)णुपुव्वेणं गब्भवासाओ निक्खंते समाणे उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते मम अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए। तं जइ ता(जा)व तुमे मेहा! तिरिक्खजोणियभावमुवगएणं अपडिलद्धसम्मत्तरयणलंभेणं से पाए पाणाणुकंपयाए जाव अंतरा चेव संधारिए नो चेव णं निक्खित्ते किमंग पुण तुमं मेहा! इयाणिं विपुलकुलसमुब्भवेणं निरुवहयसरीर(दंत)पत्तलद्धपंचिंदिएणं एव उट्ठाणबलवीरियपुरिस(क्का)गारपरक्कमसंजुत्तेण म(म)मं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे समणाणं निग्गंथाणं राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए जाव धम्माणुओगचिंताए य उच्चारस्स वा पासवणस्स वा अइगच्छमाणाण य निग्गच्छमाणाण य हत्थसंघट्टणाणि य पायसंघट्टणाणि य जाव रयरेणुगुंडणाणि य नो सम्मं सहसि खमसि तितिक्खसि अहियासेसि ?, तए णं तस्स मेहस्स अणगारस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सुभेहिं परिणामेहिं पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सन्निपुव्वे जाईसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठं सम्मं अभिसमेइ। तए णं से मेहे कुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं संभारियपुव्वजाईसरणे दुगुणाणीयसंवेगे आणंदयंसुपुण्णमुहे हरिसवसेणं धाराहयकयंबकं पिव समूससियरोमकूवे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-

अज्जप्पभिई णं भंते ! मम दो अच्छीणि मोत्तूणं अवसेसे काए समणाणं निग्गंथाणं निसट्ठे–त्तिकट्टु पुणरवि समण भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! इयाणिं दोच्चंपि सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं जाव सयमेव आयारगोयरं जायामायावत्तियं धम्ममाइक्ख(ह)न्तु । तए णं समणे भगवं महावीरे मेहं कुमारं सयमेव पव्वावेइ जाव जायामायावत्तियं धम्ममाइक्खइ–एवं देवाणुप्पिया ! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं एवं णिसीयव्वं एवं तुयट्टियव्वं एवं भुंजियव्वं एवं भासियव्वं उट्ठाय २ पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं संजमेणं संजमियव्वं। तए णं से मेहे समणस्स भगवओ महावीरस्स अयमेयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं पडि-(च्छइ)वज्जइ २ त्ता तह (चिट्ठइ) गच्छइ जाव संजमेणं संजमइ। तए णं से मेहे अणगारे जाए इरियासमिए अणगारवण्णओ भाणियव्वो। तए णं से मेहे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए तहा(एया)रूवाणं थेराणं सामाइयमाइयाणि एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासख-मणेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ नय-राओ गुणसिलयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता वहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ३४ ॥ तए णं से मेहे अणगारे अन्नया कयाइ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमं-सइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह। तए णं से मेहे अणगारे समणेण भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, मासियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहा-मग्गं सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोभेइ तीरेइ किट्टेइ सम्मं काएण फासेत्ता पालित्ता सोभेत्ता तीरेत्ता किट्टेत्ता पुणरवि समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि ण भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे दोमासियं भिक्खुपडिमं उव-संपज्जित्ताणं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह। जहा पढमाए अभिलावो तहा दोच्चाए तच्चाए चउत्थाए पंचमाए छम्मासियाए सत्तमासियाए पढ-मसत्तरा(यं)इंदियाए दोच्चं सत्तराइदियाए तइयं सत्तराइंदियाए अहोराइंदियाएवि एग-राइंदियाएवि। तए णं से मेहे अणगारे वारस भिक्खुपडिमाओ सम्मं काएणं फासेत्ता पालेत्ता सोभेत्ता तीरेत्ता किट्टेत्ता पुणरवि वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह। तए णं से मेहे अणगारे पढमं मासं चउत्थंचउत्थेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे

आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं । दोच्चं मासं छट्ठंछट्ठेणं० । तच्चं मासं अट्ठमंअट्ठमेणं० । चउत्थं मासं दसमंदसमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं । पंचमं मासं दुवालसमंदुवालसमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं । एवं खलु एएणं अभिलावेणं छट्ठे चोद्दसमं २ सत्तमे सोलसमं २ अट्ठमे अट्ठारसमं २ नवमे वीसइमं २ दसमे बावीसइमं २ एक्कारसमे चउव्वीसइमं २ बारसमे छव्वीसइमं २ तेरसमे अट्ठावीसइमं २ चोद्दसमे तीसइमं २ पन्नर(पंचद)समे बत्तीसइमं २ सोलसमे(मासे) चउत्तीसइमं २ अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए (णं) सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण य अवाउडएण य । तए णं से मेहे अणगारे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं अहासुत्तं जाव सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोभेइ तीरेइ किट्टेइ अहासुत्तं अहाकप्पं जाव किट्टेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता बहूहिं छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ३५ ॥ तए णं से मेहे अणगारे तेणं उरालेणं विपुलेणं सस्सिरीएणं पयत्तेणं पग्गहिएणं कल्लाणेणं सिवेणं धन्नेणं मंगल्लेणं उदग्गेणं उदारएणं उत्तमेणं महाणुभावेणं तवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे लुक्खे निम्मंसे निरसोणिए किडिकिडियाभूए अट्ठिचम्मावणद्धे किसे धमणिसंतए जाए यावि होत्था, जीवंजीवेणं गच्छइ जीवंजीवेणं चिट्ठइ भासं भासित्ता गिला(य)इ भासं भासमाणे गिलायइ भासं भासिस्सामित्ति गिलायइ । से जहानामए इंगालसगडियाइ वा कट्ठसगडियाइ वा पत्तसगडियाइ वा तिलसगडियाइ वा एरंडकट्ठसगडियाइ वा उण्हे दिन्ना सुक्का समाणीससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ एवामेव मेहे अणगारे ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ उवचिए तवेणं अवचिए मंससोणिएणं हुयासणे इव भासरासिपरिच्छन्ने तवेण तेएणं तवतेयसिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे जाव पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहसुहेण विहरमाणे जेणामेव रायगिहे नयरे जेणामेव गुणसिलए उज्जाणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं तस्स मेहस्स अणगारस्स राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं तहेव जाव भासं भासिस्सामित्ति गिलामि, तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धा धिई संवेगे तं जाव

ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे वले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धा धिई संवेगे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव(ताव)मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलंते (सूरे)समणं भगवं महावीरं वंदित्ता नमंसित्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नायस्स समाणस्स सयमेव पंच महव्वयाइं आ(रु)राहित्ता गोयमाइए समणे निग्गथे निग्गंथीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं कडाईहि थेरेहिं सद्धिं विउलं पव्वयं सणियं २ दुरूहित्ता सयमेव मेहघणसन्निगासं पुढविसिलापट्टयं पडिलेहित्ता संलेहणाझूसणा(ए)झूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकखमाणस्स विहरित्तए। एवं सपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलते जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने नाइदूरे सुस्सूसमाणे नमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासइ। मे(हेत्ति)हाइ समणे भगवं महावीरे मेहं अणगार एवं वयासी–से नूणं तव मेहा! राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरिय जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव रामुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं जाव जेणेव अ(इ)हं तेणेव हव्वमागए। से नूणं मेहा! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं से मेहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे हट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता गोयमाइ समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य खामेइ २ त्ता तहारूवेहि कडाईहिं थेरेहि सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता सयमेव मेहघणसन्निगास पुढविसिलापट्टयं पडिलेहेइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे सपलियंकनिसण्णे करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अजलिं कट्टु एवं वयासी–नमोत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, नमोत्थु ण समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए पासउ मे भगवं तत्थगए इहगयं–तिकट्टु वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पुव्विं पि(य) णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए मुसावाए अदिन्नादाणे मेहुणे परिग्गहे कोहे माणे माया लोहे पेज्जे दोसे कलहे अब्भक्खाणे पेसुन्ने परपरिवाए अरइरइ मायामोसे मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए। इयाणिं पि णं अहं तस्सेव अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव मिच्छा-

दंसणसल्लं पच्चक्खामि सव्वं असणपाणखाइमसाइमं चउव्विहंपि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए। जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं जाव विविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा फुसंतीतिकट्टु एयं पि य णं चरमेहिं ऊसासनीसासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं ते थेरा भगवंतो मेहस्स अणगारस्स अगिलाए वेयावडियं करेंति। तए णं से मेहे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवरिसाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेएत्ता आलोइयपडिक्कंते उद्धियसल्ले समाहिपत्ते आणुपुव्वेणं कालगए। तए णं(ते) थेरा भगवंतो मेहं अणगारं आणुपुव्वेणं कालगयं पासेंति २ त्ता परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ त्ता मेहस्स आयारभंडगं गेण्हंति २ त्ता विउलाओ पव्वयाओ सणियं २ पच्चोरुहंति २ त्ता जेणामेव गुणसिलए उज्जाणे जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी मेहे नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए। से ण देवाणुप्पिएहिं अब्भणुन्नाए समाणे गोयमाइए समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता सयमेव मेघघणसन्निगासं पुढविसिलं (पट्टयं)पडिलेहेइ २ त्ता भत्तपाणपडियाइक्खिए अणुपुव्वेणं कालगए। एस णं देवाणुप्पिया! मेहस्स अणगारस्स आयारभंडए ॥ ३६ ॥ भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी मेहे नामं अणगारे, से णं भंते! मेहे अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा! मम अंतेवासी मेहे नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बारस भिक्खुपडिमाओ गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं काएणं फासेत्ता जाव किट्टेत्ता मए अब्भणुन्नाए समाणे गोयमाइ थेरे खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं जाव विउलं पव्वयं दुरूहइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारोवगए सयमेव पंचमहव्वए उच्चारेइ बारस वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते उद्धियसल्ले समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरगहगणनक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं

बहूइं जोयणसयसहस्साइं बहू(इं)इ जोयणकोडीओ बहूइ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलंतगमहासुक्कसहस्साराणयपाणयारणच्चुए तिण्णि य अट्ठारसुत्तरे गेवेज्जविमा(ण)णावाससए वीइवइत्ता विजए महाविमाणे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं ते(ब)त्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ णं मेहस्सवि देवस्स तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। एस णं भंते! मेहे देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिनिव्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं जाव संपत्तेणं अप्पोपालंभनिमित्तं पढमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ३७ ॥ **गाहा**–महुरेहिं निउणेहिं वयणेहिं चोययंति आयरिया। सीसे कहिंचि खलिए जह मेहमुणिं महावीरो ॥ १ ॥ **पढमं अज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते बिइयस्स णं भंते! नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वण्णओ। [तत्थ णं रायगिहे नयरे सेणिए नामं राया होत्था महया वण्णओ] त(त्थ)स्स णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गुणसिलए नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ। तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे (पडिय) जिण्णुज्जाणे यावि होत्था विणट्ठदेवउले परिसडियतोरणघरे नाणाविहगुच्छगुम्मलयावल्लिवच्छच्छाइए अणेगवालसयसंकणिज्जे यावि होत्था। तस्स णं जिण्णुज्जाणस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे भग्गकूवए यावि होत्था। तस्स णं भग्गकूवस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे मालुयाकच्छए यावि होत्था किण्हे किण्होभासे जाव रम्मे महामेहनिउरंबभूए बहूहिं रुक्खेहि य गुच्छेहि य गुम्मेहि य लयाहि य वल्लीहि य (तणेहि य) कुसेहि य खाणुएहि य संछन्ने पलिच्छन्ने अंतो झुसिरे बाहिं गंभीरे अणेगवालसयसंकणिज्जे यावि होत्था ॥ ३८ ॥ तत्थ ण रायगिहे नयरे ध(णे)ण्णे नामं सत्थवाहे अड्ढे दित्ते जाव विउलभत्तपाणे। तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स भद्दा नामं भारिया होत्था सुकुमालपाणिपाया अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगी ससिसोमागारा कंता पियदंसणा सुरूवा करयलपरिमियतिवलियमज्झा कुंडलुल्लिहियगंडलेहा कोमुइ(य)रयणियरपडिपुण्णसोमवयणा सिंगारागारचारुवेसा जाव पडिरूवा वंझा अवियाउरी जाणुकोप्परमाया

यावि होत्था ॥३९॥ तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स पंथए ना(म)मं दासचेडे होत्था सव्वंगसुंदरंगे मंसोवचिए बालकीलावणकुसले यावि होत्था। तए णं से धण्णे सत्थवाहे रायगिहे नयरे बहूणं नगरनिगमसेट्ठिसत्थवाहाणं अट्ठारसण्ह य सेणिप्पसेणीणं ब(हु)हूसु कज्जेसु य कुडुंबेसु य (मंतेसु य) जाव चक्खुभूए यावि होत्था नियगस्स वि य णं कुडुंबस्स बहूसु(य) कज्जेसु जाव चक्खुभूए यावि होत्था ॥४०॥ तत्थ णं रायगिहे नयरे विजए नामं तक्करे होत्था पावे चंडालरूवे भीमतररुद्दकम्मे आरुसियदित्तरत्तनयणे खरफरुसमहल्लविगयबीभ(त्थ)च्छदाढिए असंपुडियउट्ठे उद्धुयपइण्णलंबंतमुद्धए भमरराहुवण्णे निरणुक्कोसे निरणुतावे दारुणे पइभए निसंसइए निरणुकंपे अ(हिव्व)हीव एगंतदि(ट्ठि)ट्ठीए खुरेव एगंतधाराए गिद्धेव आमिसतल्लिच्छे अग्गिमिव सव्वभ(क्खे)क्खी जलमिव सव्व(गा)ग्गाही उक्कंचणवंचणमायानियडिकूडकवडसाइसंपओगबहुले चिरनगरविणट्ठदुट्ठसीलायारचरित्ते जूय(प)प्पसंगी मज्जप्पसंगी भोज्जप्पसंगी मंसप्पसंगी दारुणे हिययदारए साहसिए संधिच्छेयए उवहिए विस्संभघाई आलीयगतित्थभेयलहुहत्थसंपउत्ते परस्स दव्वहरणंमि निच्चं अणुबद्धे तिव्ववेरे रायगिहस्स नगरस्स बहूणि अइगमणाणि य निग्गमणाणि य वा(दा)राणि य अवद्दाराणि य छिं(डि)डीओ य खंडीओ य नगरनिद्धमणाणि य संवट्टणाणि य निव्वट्टणाणि य जू(व)यखलयाणि य पाणागाराणि य वेसागाराणि य (तद्दारट्ठाणाणि य) तक्करट्ठाणाणि य तक्करघराणि य सिं(गा)घाडगाणि य ति(या)गाणि य चउक्काणि य चच्चराणि य नागघराणि य भूयघराणि य जक्खदेउलाणि य सभाणि य पवाणि य पणियसालाणि य सुन्नघराणि य आभोएमाणे (२) मग्गमाणे गवेसमाणे बहुजणस्स छिद्देसु य विसमेसु य विहुरेसु य वसणेसु य अब्भुदएसु य उस्सवेसु य पसवेसु य तिहीसु य छणेसु य जन्नेसु य पव्वणीसु य मत्तपमत्तस्स य वक्खित्तस्स य वाउलस्स य सुहियस्स य दु(क्खि)हियस्स य विदेसत्थस्स य विप्पवसियस्स य मग्गं च छिद्दं च विरहं च अंतरं च मग्गमाणे गवेसमाणे एवं च णं विहरइ, बहिया वि य णं रायगिहस्स नगरस्स आरामेसु य उज्जाणेसु य वाविपोक्खरणीदीहियागुंजालिया(सरेसु य)सरपंति(सु य)यसरसरपंतियासु य जिण्णुज्जाणेसु य भग्गकूवएसु य मालुयाकच्छएसु य सुसाणेसु य गिरिकंदरलेणउवट्ठाणेसु य बहुजणस्स छिद्देसु य जाव एवं च णं विहरइ ॥ ४१ ॥ तए णं तीसे भद्दाए भारियाए अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-अहं धण्णेणं सत्थवाहेणं सद्धिं बहूणि वासाणि सद्दफरिसरस(गंध)रूवाणि माणुस्सगाइं कामभोगाइं पच्चणुब्भवमाणी विहरामि नो चेव णं अहं दारगं वा दारि(गं)यं वा प(या)यामि। तं धन्नाओ णं ताओ

अम्मयाओ जाव सुलद्धे णं माणुस्सए जम्मजीवियफले तासिं अम्मयाणं जासिं मन्ने नियगकुच्छिसंभूयाइं थणदुद्धलुद्धयाइं महुरसमुल्लावगाइं मम्मणपयंपियाइं थणमू(ल)ला कक्खदेसभागं अभिसरमाणाइं मुद्धयाइं थणयं पि(वं)यंति तओ य कोमलकमलोव- मेहिं हत्थेहिं गिण्हिऊणं उच्छंगे निवेसियाइं देंति समुल्लावए पिए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए। (तं) अहं णं अधन्ना अपुण्णा अ[कय]लक्खणा (अकयपुण्णा) एत्तो एगमवि न पत्ता। तं सेयं मम कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते धण्णं सत्थवाहं आपुच्छित्ता धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुन्नाया समाणी सुबहुं विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता सुबहुं पुप्फ(वत्थ)गंधमल्लालंकारं गहाय बहूहिं मित्तनाइनियगसयण- संबंधिपरिजणमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुडा जाइं इमाइं रायगिहस्स नयरस्स बहिया नागाणि य भूयाणि य जक्खाणि य इंदाणि य खंदाणि य रुद्दाणि य सि(से)वाणि य वेसमणाणि य तत्थ णं बहूणं नागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य महरिहं पुप्फच्चणियं करेत्ता जन्नु(जाणु)पायपडियाए एवं वइत्तए–जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारगं वा दारिगं वा पयायामि तो णं अहं तुब्भं जायं च दायं च भायं च अक्ख- यणिहिं च अणुवड्ढेमि त्तिकट्टु उवाइयं उवाइत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणामेव धण्णे सत्थवाहे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं सद्धिं बहूइं वासाइं जाव देंति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए, तं णं अहं अहन्ना अपुण्णा अकयलक्खणा एत्तो एगमवि न पत्ता, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी विपुलं असणं ४ जाव अणुवड्ढेमि उवाइयं क(रे)रित्तए। तए णं धण्णे सत्थवाहे भद्दं भारियं एवं वयासी– ममं पि य णं (खलु) देवाणुप्पिए! एस चेव मणोरहे–कहं णं तुमं दारगं वा दारियं वा पयाए(ज)ज्जासि (?) भद्दाए सत्थवाहीए एयमट्ठं अणुजाणइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुन्नाया समाणी हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता सुबहुं पुप्फगंध(वत्थ)मल्लालंकारं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुक्खरिणीए तीरे सुबहुं पुप्फ जाव मल्लालंकारं ठवेइ २ त्ता पुक्खरिणिं ओगाहेइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ जल(कीडं)किड्डं करेइ २ त्ता ण्हाया उल्लपडसाडिगा जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हइ २ त्ता पुक्खरिणीओ पच्चोरुहइ २ त्ता तं सुबहुं पुप्फ[वत्थ]गंधमल्लं गेण्हइ २ त्ता जेणामेव नागघरए (य) जाव वेसमणघरए य तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता तत्थ णं नागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य आलोए पणामं करेइ ईसिं पच्चुन्नमइ

२ त्ता लोमहत्थगं परामुसइ २ त्ता नागपडिमाओ य जाव वेसमणपडिमाओ य लोमहत्थेणं पमज्जइ उदगधाराए अब्भुक्खेइ २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासा(ई)इए गायाइं लूहेइ २ त्ता महरिहं वत्थारुहणं च मल्लारुहणं च गंधारुहणं च चुण्णारुहणं च वण्णारुहणं च करेइ २ त्ता (जाव) धूवं डहइ २ त्ता जन्नुपायपडिया पंजलिउडा एवं वयासी–जइ णं अहं दारगं वा दारियं वा प(या)यामि तो णं अहं जायं च जाव अणुवड्ढेमि त्तिकट्टु उवाइयं करेइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विपुलं असणं ४ आसाएमाणी जाव विहरइ जिमि(या)य जाव सुइभूया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागया। अदुत्तरं च णं भद्दा सत्थवाही चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु विपुलं असणं ४ उवक्खडेइ २ त्ता वहवे नागा (यणे) य जाव वेसमणा य उवायमाणी नमंसमाणी जाव एवं च णं विहरइ ॥ ४२ ॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही अन्नया कयाइ केणइ कालंतरेणं आवन्नसत्ता जाया यावि होत्था। तए णं तीसे भद्दाए सत्थवाहीए दोसु मासेसु वीइक्कंतेसु त(इ)ईए मासे वट्टमाणे इमेयारूवे दोहले पाउब्भूए–धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव कयलक्खणाओ (णं) ताओ अम्मयाओ जाओ णं विउलं असणं ४ सुवहुयं पुप्फ(वत्थ)गंधमल्लालंकारं गहाय मित्तनाइनियगसयणसंवंधिपरियणमहिलियाहि य सद्धिं संपरिवुडाओ रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोक्खरिणीं ओगाहेंति २ त्ता ण्हायाओ सव्वालंकारविभूसियाओ विपुलं असणं ४ आसाएमाणीओ जाव पडिभुंजेमाणीओ दोहलं विणेंति। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मम तस्स गब्भस्स जाव विणेंति, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहि अब्भणुन्नाया समाणी जाव विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पि(ए)या! मा पडिवंधं करेह। तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुन्नाया समाणी ह(ट्ठतु)ट्ठा जाव विपुलं असणं ४ जाव ण्हाया उल्लपडसाडगा जेणेव नागघरए जाव धूवं ड(द)हइ २ त्ता पणामं करेइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ। तए णं ताओ मित्तनाइ जाव नगरमहिलाओ भद्दं सत्थवाहिं सव्वालंकारविभूसियं करेंति। तए णं सा भद्दा सत्थवाही ताहिं मित्तनाइनियगसयणसंवंधिपरिजणनगरमहिलियाहिं सद्धिं तं विपुलं असणं ४ जाव परिभुं(ज)जेमाणी (य) दोहलं विणेइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं सा भद्दा सत्थवाही संपुण्ण(डो)दोहला जाव तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही नवण्हं मासाणं वहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं सुकुमालपाणिपायं जाव दारगं पयाया। तए णं तस्स

दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे जायकम्मं करेंति २ त्ता तहेव जाव विपुलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता तहेव मित्तनाइनियग० भोयावेत्ता अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति-जम्हा णं अम्हं इमे दारए बहूणं नागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य उवाइयलद्धे (णं) तं होउ णं अम्हं इमे दारए देवदिन्ने नामेणं। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति देवदिन्नेत्ति। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो जायं च दायं च भायं च अक्खयनिहिं च अणुवड्ढेंति ॥ ४३ ॥ तए णं से पंथए दासचेडए देवदिन्नस्स दारगस्स बालग्गाही जाए, देवदिन्नं दार(यं)गं कडीए गेण्हइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य डिंभियाहि य दारएहि य दारियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे (अभिरममाणे) अभिरमइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही अन्नया कयाइं देवदिन्नं दारयं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पंथयस्स दासचेडयस्स हत्थयंसि दलयइ। तए णं से पंथए दासचेडए भद्दाए सत्थवाहीए हत्थाओ देवदिन्नं दारगं कडीए गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य डिंभियाहि य जाव कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं एगंते ठावेइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य जाव कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे पमत्ते यावि (होत्था) विहरइ। इमं च णं विजए तक्करे रायगिहस्स नयरस्स बहूणि वाराणि य अववाराणि य तहेव जाव आभोएमाणे मग्गेमाणे गवेसमाणे जेणेव देवदिन्ने दारए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं सव्वालंकारविभूसियं पासइ २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स आभरणालंकारेसु मुच्छिए गढिए गिद्धे अज्झोववन्ने पंथ(यं)गं दासचेडं पमत्तं पासइ २ त्ता दिसालोयं करेइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं गेण्हइ २ त्ता कक्खंसि अल्लियावेइ २ त्ता उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं रायगिहस्स नगरस्स अवदारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव जिण्णुज्जाणे जेणेव भग्गकूवए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारयं जीवियाओ ववरोवेइ २ त्ता आभरणालंकारं गेण्हइ २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स सरी(रगं)रं निप्पाणं निच्चेट्ठं जी(विय)वविप्पजढं भग्गकूवए पक्खिवइ २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मालुयाकच्छयं अणुप्पविसइ २ त्ता निच्चले निप्फंदे तुसिणीए दिवसं ख(खि)वेमाणे चिट्ठइ ॥४४॥ तए णं से पंथए दासचेडे तओ मुहुत्तंतरस्स जेणेव देवदिन्ने दारए ठविए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं तंसि ठाणंसि अपासमाणे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे देवदिन्नस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स कत्थइ सुइं वा खुइं वा पउत्तिं वा अलभमाणे जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-एवं खलु सामी! भद्दा सत्थवाही देवदिन्नं दारयं ण्हायं स० मम ह(त्थंसि)त्थे दलयइ। तए णं अहं देवदिन्नं दारयं कडीए गिण्हामि जाव मग्गणगवेसणं करेमि। तं न नज्जइ णं सा(मि)मी! देवदिन्ने दारए केणइ ह(णी)ए वा अवहिए वा अ(वखि)क्खित्ते वा पायवडिए धण्णस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं निवेदेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंथयस्स दासचेडयस्स एयमट्ठं सोच्चा निसम्म तेण य महया पुत्तसोएणाभिभूए समाणे फ(प)रसुणियत्ते व चंपगपायवे धसत्ति धरणीयलंसि सव्वंगेहिं सन्निवडिए। तए णं से धण्णे सत्थवाहे तओ मुहुत्तंतरस्स आसत्थे प(च्छा)च्चागयपाणे देवदिन्नस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ देवदिन्नस्स दारगस्स कत्थइ सुइं वा खुइं वा प(उ)वत्तिं वा अलभमाणे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता महत्थं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता जेणेव नगरगुत्तिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं महत्थं पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मम पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए देवदिन्ने नामं दारए इट्ठे जाव उंवरपुप्फंपिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए (?)। तए णं सा भद्दा [भारिया] देवदिन्नं [दारगं] ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं पंथगस्स हत्थे दलाइ जाव पायवडिए तं ममं निवेदेइ। तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! देवदिन्नस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं कयं। तए णं ते नगरगोत्तिया धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा सन्नद्धवद्ध(वम्मिय)कवया उप्पीलियसरासण(व)पट्टिया जाव गहियाउहपहरणा धण्णेणं सत्थवाहेणं सद्धिं रायगिहस्स नगरस्स वहूणि अइगमणाणि य जाव पवासु य मग्गणगवेसणं करेमाणा रायगिहाओ नगराओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव जिण्णुज्जाणे जेणेव भग्गकूवए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स सरीरगं निप्पाणं निच्चेट्ठं जीवविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा अहो अकज्जमितिकट्टु देवदिन्नं दारगं भग्गकूवाओ उत्तारेंति २ त्ता धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थे(णं) दलयंति॥४५॥

तए णं ते नगरगुत्तिया विजयस्स तक्करस्स पयमग्गमणुगच्छमाणा (२) जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मालुयाकच्छ(यं)गं अणुप्पविसंति २ त्ता विजयं तक्करं ससक्खं सहोढं सगेवेज्जं जीवग्गाहं गेण्हंति २ त्ता अट्ठिमुट्ठिजाणु-कोप्परपहारसंभग्गमहियगत्तं करेंति २ त्ता अव(उडा)ओडगवंधणं करेंति २ त्ता देवदिन्न(ग)स्स दारगस्स [सव्वं] आभरणं गेण्हंति २ त्ता विजयस्स तक्करस्स गीवाए वंधंति २ त्ता मालुयाकच्छगाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव रायगिहे नयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता रायगिहं नयरं अणुप्पविसंति २ त्ता रायगिहे नयरे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरमहापहपहेसु कसप्पहारे य लयापहारे य छिवापहारे य

निवा(ए)यमाणा २ छारं च धूलिं च कयवरं च उवरिं पक्किरमाणा २ महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा एवं वयंति-एस णं देवाणुप्पिया! विजए नामं तक्करे जाव गिद्धे विव आमिसभक्खी बालघायए बालमारए, तं नो खलु देवाणुप्पिया! एयस्स केइ राया वा (रायपुत्ते वा) रायमच्चे वा अवरज्झइ (एत्थट्ठे) नन्नत्थ अप्पणो सयाइं कम्माइं अवरज्झंति-त्तिकट्टु जेणामेव चारगसाला तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता हडिबंधणं करेंति २ त्ता भत्तपाणनिरोहं करेंति २ त्ता तिसंझं कसप्पहारे य जाव निवाएमाणा २ विहरंति। तए णं से धण्णे सत्थवाहे मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणेणं सद्धिं रोयमाणे जाव विलवमाणे देवदिन्नस्स दारगस्स सरीरस्स महया इड्ढीसक्कार-समुदएणं नी(नि)हरणं करे(न्ति)इ २ त्ता बहूइं लोइयाइं मय(ग)किच्चाइं करेइ २ त्ता केणइ कालंतरेणं अवगयसोए जाए यावि होत्था ॥ ४६ ॥ तए णं से धण्णे सत्थवाहे अन्नया कयाइं ल(हू)हुसयंसि रायावराहंसि संपलत्ते जाए यावि होत्था। तए णं ते नगरगुत्तिया धण्णं सत्थवाहं गेण्हंति २ त्ता जेणेव चार(गे)ए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता चारगं अणुपवेसंति २ त्ता विजएणं तक्करेणं सद्धिं एगयओ हडिबंधणं करेंति। तए णं सा भद्दा भारिया कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ उवक्खडेइ २ त्ता भोयणपिंडए करेइ २ त्ता भो(भा)यणाइं पक्खिवइ २ त्ता लंछिय-मुद्दियं करेइ २ त्ता एगं च सुरभिवारिपडिपुण्णं दगवारयं करेइ २ त्ता पंथयं दासचेडं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छ(ह) णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं विपुलं असणं ४ गहाय चारगसालाए धण्णस्स सत्थवाहस्स उवणेहि। तए णं से पंथए भद्दाए सत्थवाहीए एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे तं भोयणपिड(यं)गं तं च सुरभिवरवारिपडिपुण्णं दगवारयं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव चारगसाला जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भोयणपि(डि)डयं ठावेइ २ त्ता उल्लंछेइ २ त्ता (भायणाइं) भोयणं गेण्हइ २ त्ता भायणाइं धोवेइ २ त्ता हत्थसोयं दलयइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं तेणं विपुलेणं असणेणं ४ परिवेसेइ। तए णं से विजए तक्करे धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-तु(मं)ब्भे णं देवाणुप्पिया! म(म)मं एयाओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेहि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं तक्करं एवं वयासी-अवियाइं अहं विजया! एयं विपुलं असणं ४ का(या)गाणं वा सुणगाणं वा दलएज्जा उक्कुरुडियाए वा णं छड्डेज्जा नो चेव णं तव पुत्तघायगस्स पुत्तमारगस्स अरिस्स वेरियस्स पडिणीयस्स पच्चामित्तस्स एत्तो विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेज्जामि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे तं विपुलं असणं ४ आहारेइ २ त्ता तं पंथगं पडिविसज्जेइ। तए णं से पंथए दासचे-

डे'तं भोयणपिडगं गिण्हइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स तं विपुलं असणं ४ आहारियस्स समाणस्स उच्चारपासवणे णं उव्वाहित्था। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं तक्करं एवं वयासी–एहि ताव विजया! एगंतमवक्कमामो जेणं अहं उच्चारपासवणं परिट्ठवेमि। तए णं से विजए तक्करे धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–तुब्भं देवाणुप्पिया! विपुलं असणं ४ आहारियस्स अत्थि उच्चारे वा पासवणे वा, ममं णं देवाणुप्पिया! इमेहिं बहूहिं कसप्पहारेहि य जाव लयापहारेहि य तण्हाए य छुहाए य परब्भवमाणस्स नत्थि केइ उच्चारे वा पासवणे वा, तं छंदेणं तुमं देवाणुप्पिया! एगंते अवक्कमित्ता उच्चारपासवणं परिट्ठवेहि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजएणं तक्करेणं एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे मुहुत्तंतरस्स बलियतरागं उच्चारपासवणेणं उव्वाहिज्जमाणे विजयं तक्करं एवं वयासी–एहि ताव विजया! जाव अवक्कमामो। तए णं से विजए धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–जइ णं तुमं देवाणुप्पिया! ता(त)ओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेहि तओ हं तु(मे)ब्भेहिं सद्धिं एगंतं अवक्कमामि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं एवं वयासी–अहं णं तुब्भं ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करिस्सामि। तए णं से विजए धण्णस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं से विजए धण्णेणं सद्धिं एगंते अवक्क(मे)मइ उच्चारपासवणं परिट्ठवेइ आयंते चोक्खे परमसुइभूए तमेव ठाणं उवसंकमित्ताणं विहरइ। तए णं सा भद्दा कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ जाव परिवेसेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयस्स तक्करस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंथगं दासचेडं विसज्जेइ। तए णं से पंथए भोयणपिडयं गहाय चार(गा)गसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गि(गे)हे जेणेव भद्दा (भारिया) सत्थवाही तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भद्दं सत्थवाहिणिं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए! धण्णे सत्थवाहे तव पुत्तघायगस्स जाव पच्चामित्तस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेइ ॥ ४७ ॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही पंथगस्स दासचेडगस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ता रुट्ठा जाव मिसिमिसेमा(णा)णी धण्णस्स सत्थवाहस्स पओसमावज्जइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे अन्नया कयाइं मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणेणं सएण य अत्थसारेणं रायकज्जाओ अप्पाणं मोयावेइ २ त्ता चारगसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव अलंकारियसभा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अलंकारियकम्मं क(रे)रावेइ २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

अह धोयमट्टियं गेण्हइ २ त्ता पोक्खरिणीं ओगाहइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ २ त्ता ण्हाए रायगिहं नगरं अणुप्पविसइ २ त्ता रायगिहस्स नगरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं (तं) धण्णं सत्थवाहं एज्जमाणं पासित्ता रायगिहे नयरे बहवे नियगसेट्ठिसत्थवाहपभि(त)इओ आढंति परिजाणंति सक्कारेंति सम्माणेंति अब्भुट्ठेति सरीरकुस(लं)लोदंतं सं-पुच्छंति। तए णं से धण्णे [सत्थवाहे] जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ। जावि य से तत्थ बाहिरिया परिसा भवइ तंजहा-दासाइ वा पेस्साइ वा भियगाइ वा भाइल्लगाइ वा (से) सा वि य णं धण्णं सत्थवाहं एज्ज(न्तं)माणं पासइ २ त्ता पायवडिया(ए) खेमकुसलं पुच्छ(न्ति)इ। जावि य से तत्थ अब्भितरिया परिसा भवइ तंजहा-मायाइ वा पियाइ वा भायाइ वा भइणीइ वा सावि य णं धण्णं सत्थवाहं एज्जमाणं पासइ २ त्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कंठाकंठियं अवयासिय बाहप्पमोक्खणं करेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे जेणेव भद्दा भारिया तेणेव उवागच्छइ। तए णं सा भद्दा धण्णं सत्थवाहं एज्जमाणं पासइ २ त्ता नो आढाइ नो परियाणाइ अणाढायमाणी अपरियाणमाणी तुसिणीया परम्मुही संचिट्ठइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे भद्दं भारियं एवं वयासी-किं णं तुब्भं देवाणुप्पिए! न तुट्ठी वा न हरिसे वा नाणंदे वा जं मए सएणं अत्थसारेणं रायकज्जाओ अप्पाणं विमोइए। तए णं सा भद्दा धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-कहं णं देवाणुप्पिया! मम तुट्ठी वा जाव आणंदे वा भविस्सइ जेणं तुमं मम पुत्तघायगस्स जाव पच्चामित्तस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेसि। तए णं से धण्णे भद्दं [भारियं] एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिए! धम्मोत्ति वा तवोत्ति वा कयपडिकइयाइ वा लोगजत्ताइ वा नायएइ वा [सं]घाडिएइ वा सहाएइ वा सुहित्ति वा ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागे कए नन्नत्थ सरीरचिंताए। तए णं सा भद्दा धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणी ह(ट्ठतु)ट्ठा जाव आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कंठाकंठिं अवयासेइ खेमकुसलं पुच्छइ २ त्ता ण्हाया विपुलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ। तए णं से विजए तक्करे चारगसालाए तेहिं बंधेहिं वहेहिं कसप्पहारेहि य जाव तण्हाए य छुहाए य परब्भवमाणे कालमासे कालं किच्चा नरएसु नेरइयत्ताए उववन्ने। से णं तत्थ नेरइए जाए काले कालोभासे जाव वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। से णं तओ उव्वट्टित्ता अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्सइ। एवामेव जंबू! जे णं अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा आयरियउवज्झायाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे विपुलमणि(मु)मोत्तियधणकणगरयणसारेणं लुब्भइ से वि(य) एवं चेव

॥ ४८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा नामं थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना कुल-संपन्ना जाव पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा जाव जेणेव रायगिहे नयरे जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति। परिसा निग्गया धम्मो कहिओ। तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स वहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना इहमागया इह–संपत्ता, तं इच्छामि णं थेरे भगवंते वंदामि नमंसामि ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं मङ्गलाइं वत्थाइं पवरपरिहिए पायविहार-चारेणं जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ। तए णं थेरा धण्णस्स विचित्तं धम्ममाइक्खंति। तए णं से धण्णे सत्थ-वाहे धम्मं सोच्चा एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते! निग्गंथे पावयणे जाव पव्वइए जाव वहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता भत्तं पच्चक्खाइत्ता मासियाए संले-हणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प०। तत्थ णं धण्णस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प०। से णं धण्णे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेहिइ ॥ ४९ ॥ जहा णं जंवू! धण्णेणं सत्थवाहेणं नो धम्मोत्ति वा जाव विजयस्स तक्करस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागे कए नन्नत्थ सरीरसारक्खणट्ठाए एवामेव जंवू! जे णं अम्हं निग्गंथे वा २ जाव पव्वइए समाणे ववगयण्हाण(उम्म)द्दणपुप्फगंधमल्लालंकारविभूसे इमस्स ओरालियसरीरस्स नो वण्णहेउं वा रूवहेउं वा (वल)विसयहेउं वा [तं विपुलं] असणं ४ आहारमाहारेइ नन्नत्थ नाणदंसणचरित्ताणं वहण(ट्ठ)याए से णं इहलोए चेव वहूणं समणाणं (वहूणं) समणीणं (वहूणं) सावगाण य सावियाण य अच्चणिज्जे जाव पज्जुवासणिज्जे भवइ। परलोए वि य णं नो (आगच्छइ) वहूणि हत्थच्छेयणाणि य कण्णच्छेयणाणि य नासाछेयणाणि य एवं हिय(य)उप्पायणाणि य वसणुप्पा(ड)यणाणि य उल्लंवणाणि य पाविहिइ अणाईयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं जाव वीईवइस्सइ जहा व से धण्णे सत्थवाहे। एवं खलु जंवू! समणेणं जाव संपत्तेणं दोच्चस्स नाय-ज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिवेमि ॥ ५० ॥ **गाहा**–सिवसाहणेसु आहारविरहिओ जं न वट्टए देहो। तम्हा धण्णोव्व विजयं साहू तं तेण पोसेज्जा ॥ १ ॥ **वीयं अज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! समणेणं २ जाव संपत्तेणं दोच्चस्स अज्झयणस्स नायाधम्मकहाणं

अयमट्ठे पन्नत्ते तइअस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था वण्णओ । तीसे णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए सुभूमिभाए नामं उज्जाणे होत्था स(व्वो)व्वउयपुप्फफलसमिद्धे सुरम्मे नंदणवणे इव सुहसुरभिसीयलच्छायाए समणुबद्धे । तस्स णं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उत्तर(ओ)पुरत्थिमे एगदेसंमि मालुयाकच्छए होत्था वण्णओ । तत्थ णं एगा व(र)णम(यू)ऊरी दो पुट्ठे परियागए पिट्ठुंडीपंडुरे निव्वणे निरुवहए भिन्नमुट्ठिप्पमाणे मऊरी-अंडए पसवइ २ त्ता सएणं पक्खवाएणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी सं(वि)चिट्ठेमाणी विहरइ । तत्थ णं चंपाए नयरीए दुवे सत्थवाहदारगा परिवसंति तंजहा-जिणदत्तपुत्ते य सागरदत्तपुत्ते य सहजायया सहवड्ढियया सहपंसुकीलियया सहदारदरिसी अन्नमन्नमणुर(त्तया)त्ता अन्नमन्नमणुव्व(य)या अन्नमन्नच्छंदाणुवत्तया अन्नमन्नहियइच्छियकारया अन्नमन्नेसु गिहेसु(किच्चाइं) कम्माइं करणिज्जाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ ५१ ॥ तए णं तेसिं सत्थवाहदारगाणं अन्नया कयाइं एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सन्निसण्णाणं सन्निविट्ठाणं इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-जन्नं देवाणुप्पिया ! अम्हं सुहं वा दु(क्खं)हं वा पव्वज्जा वा विदेसगमणं वा समुप्पज्जइ तं णं अम्हेहिं एगयओ समेच्चा नित्थरियव्वं-तिकट्टु अन्नमन्नमेयारूवं संगारं पडिसुणेंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था ॥५२॥ तत्थ णं चंपाए नयरीए देवदत्ता नामं गणिया परिवसइ अड्ढा जाव भत्तपाणा चउसट्ठिकलापंडिया चउसट्ठिगणियागुणोववेया अउणत्ती(सं)सविसेसे रममाणी एक्कवीसरइगुणप्पहाणा बत्तीसपुरिसोवयारकुसला नवंगसुत्तपडिबोहिया अट्ठारसदेसीभासाविसारया सिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसिय जाव ऊसिय(ज्झ)ज्झया सहस्सलंभा विदिन्नछत्तचामरबाल(वि)वीयणिया कण्णीरहप्पयाया(या) वि होत्था बहूणं गणियासहस्साणं आहेवच्चं जाव विहरइ। तए णं तेसिं सत्थवाहदारगाणं अन्नया कयाइं पु(व्वरत्तावरत्त)व्वावरण्हकालसमयंसि जिमियभुत्तुत्तरागयाणं समाणाणं आयन्ताणं चोक्खाणं परमसुइभूयाणं सुहासणवरगयाणं इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-(तं) सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फगंधवत्थं गहाय देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स (उज्जाणस्स) उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणाणं विहरित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता कल्लं पाउ(ब्भूए)प्पभायाए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं देवाणुप्पिया ! विपुलं असणं ४ उवक्ख(डे)डावेह २ त्ता तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फं गहाय जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे जेणेव नंदापुक्खरिणी तेणामेव उवागच्छह २ त्ता नंदाए

पोक्खरिणीए अदूरसामंते थूणामंडवं आहणह २ त्ता आसियसम्मज्जिओवलित्तं सुगंध जाव कलियं करेह २ त्ता अ(म्हे)म्हं पडिवालेमाणा २ चिट्ठह जाव चिट्ठंति। तए णं [ते] सत्थवाहदारगा दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव लहुकरणजुत्तजोइयं समखुरवालिहाणं समलिहियतिक्खग्गसिंगएहिं रययामयघंटसुत्तरज्जुपवरकंचणखचियनत्थपग्गहोवग्गहिएहिं नीलुप्पलकयामेलएहिं पवरगोणजुवाणएहिं नानामणिरयणकंचणघंटियाजालपरिक्खित्तं पवरलक्खणोववेयं जु(त्त)त्तामेव पवहणं उवणेह। ते वि तहेव उवणेंति। तए णं ते सत्थवाहदारगा ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालंकिय सरीरा पवहणं दुरूहंति २ त्ता जेणेव देवदत्ताए गणियाए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पवहणाओ पच्चोरुहंति २ त्ता देवदत्ताए गणियाए गिहं अणुप्पविसंति। तए णं सा देवदत्ता गणिया [ते] सत्थवाहदारए एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता ते सत्थवाहदारए एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमिहागमणप्पओयणं। तए णं ते सत्थवाहदारगा देवदत्तं गणियं एवं वयासी-इच्छामो णं देवाणुप्पिए! तु(म्हे)ब्भेहिं सद्धिं सुभूमिभागस्स (उज्जाणस्स) उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरित्तए। तए णं सा देवदत्ता तेसिं सत्थवाहदारगाणं एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाया कि ते पवर जाव सिरिसमाणवेसा जेणेव सत्थवाहदारगा तेणेव उवा(समा)गया। तए णं ते सत्थवाहदारगा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं जाणं दुरूहंति २ त्ता चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे जेणेव नंदापोक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पवहणाओ पच्चोरुहंति २ त्ता नंदापोक्खरिणीं ओगाहेंति २ त्ता जलमज्जणं करेंति जलकिड्डं करेंति ण्हाया देवदत्ताए सद्धिं पच्चुत्तरंति जेणेव थूणामंडवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थूणामंडवं अणुप्पविसंति २ त्ता सव्वालंकार(वि)भूसिया आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया देवदत्ताए सद्धिं तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फगंधवत्थं आसाएमाणा वि(वी)साएमाणा (परिभाएमाणा) परिभुंजेमाणा एवं च णं विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागया वि य णं समाणा (आयंता) देवदत्ताए सद्धिं विपुलाइं माणुस्सगाइं कामभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥५३॥ तए णं ते सत्थवाहदारगा पुव्वावरण्हकालसमयंसि देवदत्ताए गणियाए सद्धिं थूणामंडवाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता हत्थसंगेल्लीए सुभूमिभागे बहूसु आलिघरएसु य कयलीघरएसु य लयाघरएसु य अच्छणघरएसु य पेच्छणघरएसु य पसाहणघरएसु य मोहणघरएसु य सालघरएसु य जालघरएसु य कुसुमघरएसु य उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ ५४ ॥ तए णं ते सत्थवाहदारया जेणेव से मालुयाकच्छए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं सा वणमऊरी ते सत्थवाहदारए

एज्जमाणे पासइ २ त्ता भीया तत्था० महया २ सद्देणं केकारवं विणिम्मुयमाणी २ मालुयाकच्छाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता एगंसि रुक्खडालयंसि ठिच्चा ते सत्थवाहदारए मालुयाकच्छं च अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी २ चिट्ठइ। तए णं ते सत्थवाहदारगा अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–जहा णं देवाणुप्पिया ! एसा वणमऊरी अम्हे एज्जमा(णा)णे पासित्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा पलाया महया २ सद्देणं जाव अ(म्हे)म्हं मालुयाकच्छयं च पेच्छमाणी २ चिट्ठइ तं भवियव्वमेत्थ कारणेणं–तिकट्टु मालुयाकच्छयं अंतो अणुप्पविसंति २ त्ता तत्थ णं दो पुट्ठे परियागए जाव पासित्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमे वणमऊरी-अंडए साणं जाइमंताणं कुक्कुडियाणं अंडएसु (अ)पक्खिववावित्तए। तए णं ताओ जाइमंताओ कुक्कुडियाओ ए(ता)ए अंडए सए य अंडए सएणं पक्खवाएणं सारक्खमाणीओ संगोवेमाणीओ विहरिस्संति। तए णं अम्हं ए(त्थं)त्थ दो कीलावणगा मऊरपोयगा भविस्संति–त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता सए सए दासचेडए सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! इमे अंडए गहाय सगाणं जाइमंताणं कुक्कुडीणं अंडएसु पक्खिवह जाव ते (वि) पक्खिवेंति। तए णं ते सत्थवाहदारगा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स(उज्जाणस्स)उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरित्ता तमेव जाणं दुरूढा समाणा जेणेव चंपा नयरी जेणेव देवदत्ताए गणियाए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता देवदत्ताए गिहं अणुप्पविसंति २ त्ता देवदत्ताए गणियाए विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयंति २ त्ता सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता देवदत्ताए गिहाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था ॥५५॥ त(ए)त्थ णं जे से सागरदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए से णं कल्लं जाव जलंते जेणेव से वणमऊरीअंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तंसि मऊरीअंडयंसि संकिए कंखिए विइगिच्छसमावन्ने भेयसमावन्ने कलुससमावन्ने किन्नं ममं एत्थ कीलावणए मऊ(री)रपोयए भविस्सइ उदाहु नो भविस्सइ–त्तिकट्टु तं मऊरीअंडयं अभिक्खणं २ उव्वत्तेइ परियत्तेइ आसारेइ संसारेइ चालेइ फंदेइ घट्टेइ खोभेइ अभिक्खणं २ कण्णमूलंसि टिट्टियावेइ। तए णं से वण–मऊरीअंडए अभिक्खणं २ उव्वत्तिज्जमाणे जाव टिट्टियावेज्जमाणे पोच्चडे जाए यावि होत्था। तए णं से सागरदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए अन्नया कयाइं जेणेव से वणमऊरीअंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं मऊरीअंडयं पोच्चडमेव पासइ २ त्ता अहो णं ममं (एस) एत्थ कीलावणए मऊ(री)रपोयए न जाए–त्तिकट्टु ओहयमण जाव झियायइ। एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथो वा २ आयरियउवज्झायाणं अंतिए पव्वइए समाणे पंचमहव्वएसु जाव

छज्जीवनिकाएसु निग्गंथे पावयणे संकिए जाव कलुससमावन्ने से णं इह-भवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावगाणं साविगाणं हीलणिज्जे निंदणिज्जे खिंसणिज्जे गरहणिज्जे परिभवणिज्जे परलोए विय णं आगच्छइ बहूणि दंडणाणि य जाव अणुपरियट्ट(ए)इ ॥५६॥ तए णं से जिणदत्तपुत्ते जेणेव से मऊरीअंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तंसि मऊरीअंडयंसि निस्संकिए सुव्वत्तए णं मम एत्थ कीलावणए मऊ(री)रपोयए भविस्सइ-त्तिकट्टु तं मऊरीअंडयं अभिक्खणं २ नो उव्वत्तेइ जाव नो टिट्टियावेइ। तए णं से मऊरीअंडए अणुव्वत्तिज्जमाणे जाव अटिट्टियाविज्जमाणे (तेणं) कालेणं (तेणं) समएणं उब्भिण्णे मऊ(री)रपोयए एत्थ जाए। तए ण से जिणदत्तपुत्ते(तं) मऊरपोययं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे मऊरपोसए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! इमं मऊरपोयगं बहूहिं मऊरपोसणपा(उ)ओग्गेहिं दव्वेहिं अणुपुव्वेणं सारक्खमाणा संगोवेमाणा संवड्ढेह नट्टुल्लगं च सिक्खावेह। तए णं ते मऊरपोसगा जिणदत्तस्स पुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता तं मऊरपोयगं गेण्हंति २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं मऊरपोयगं जाव नट्टुल्लगं सिक्खावेंति। तए णं से (वण)मऊरपोयए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुपत्ते लक्खणवंजणगुणोववेए माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णपक्खपेहुणकलावे विचित्तपिच्छस(त्त)तचंदए नीलकंठए नच्चणसीलए एगाए चप्पुडियाए कयाए समाणीए अणेगाइं नट्टुल्लगसयाइं केकारवसयाणि य करेमाणे विहरइ। तए णं ते मऊरपोसगा तं मऊरपोयगं उम्मुक्क जाव करेमाणं पासित्ता (२) णं तं मऊरपोयगं गेण्हंति २ त्ता जिणदत्तस्स पुत्तस्स उवणेंति। तए णं से जिणदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए मऊरपोयगं उम्मुक्क जाव करेमाणं पासित्ता हट्ठतुट्ठे तेसिं विपुलं जीवियारिहं पीइदाणं जाव पडिविसज्जेइ। तए णं से मऊरपोयगे जिणदत्तपुत्तेणं एगाए चप्पुडियाए कयाए समाणीए नंगोलाभंगसिरोधरे सेयावंगे ओरालि(अवयारि)यपइण्णपक्खे उक्खित्तचंदकाइयकलावे केक्काइयसयाणि विमु(च)च्चमाणे नच्चइ। तए णं से जिणदत्तपुत्ते तेणं मऊरपोयएणं चंपाए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु स(इ)एहिं य साहस्सिएहि य सयसाहस्सिएहि य पणिएहिं य जयं करेमाणे विहरइ। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा २ पव्वइए समाणे पंच(सु)महव्वएसु छज्जीवनिकाएसु निग्गंथे पावयणे निस्संकिए निक्कंखिए निव्वितिगिच्छे से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं जाव वीइवइस्सइ। एवं खलु जंबू! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं नायाणं तच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्तेत्ति बेमि ॥५७॥

गाहाओ-जिणवरभासियभावेसु भावसच्चेसु भावओ मइमं। नो कुज्जा संदेहं संदेहोऽणत्थहेउत्ति ॥ १ ॥ निस्संदेहत्तं पुण गुणहेउं जं तओ तयं कज्जं। एत्थं दो

सिद्धिसुया अंडयगाही उदाहरणं ॥ २ ॥ कत्थइ मइदुब्बलेण तव्विहायरियविरहओ वा वि । नेयगहणत्तणेणं नाणावरणोदएणं च ॥ ३ ॥ हेऊदाहरणासंभवे य सइ सुट्ठु-जं न बुज्झिज्जा । सव्वण्णुमयमवितहं तहावि इइ चिंतए मइमं ॥ ४ ॥ अणुवकयपराणुग्गहपरायणा जं जिणा जगप्पवरा । जियरागदोसमोहा य णण्णहावाइणो तेण ॥ ५ ॥ **तच्चं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते ! समणेणं ३ नायाणं तच्चस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते चउत्थस्स णं नायाणं के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी होत्था वण्णओ । तीसे णं वाणारसीए नयरीए (बहिया) उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गंगाए महानईए मयंगतीरद्दहे नामं दहे होत्था अणुपुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलजले अच्छविमलसलिलपलिच्छन्ने संछन्नपत्तपुप्फपलासे बहुउप्पलपउमकुमुयनलिणसुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तकेसरपुप्फोवचिए पासाईए ४ । तत्थ णं बहूणं मच्छाण य कच्छभाण य गाहाण य मगराण य सुंसुमाराण य स(इ)या(ण)णि य (साहस्सियाण) सहस्साणि य सय(साहस्सियाण)सहस्साणि य जूहाइं निब्भयाइं निरुव्विग्गाइं सुहंसुहेणं अभिरममाणाइं २ विहरंति । तस्स णं मयंगतीरद्दहस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे मालुयाकच्छए होत्था वण्णओ । तत्थ णं दुवे पावसियालगा परिवसंति पावा चंडा रु(रो)द्दा तल्लिच्छा साहसिया लोहियपाणी आमिसत्थी आमिसाहारा आमिसप्पिया आमिसलोला आमिसं गवेसमाणा रत्तिं वियालचारिणो दिया पच्छन्नं(चा) वि चिट्ठंति । तए णं ताओ मयंगतीरद्दहाओ अन्नया कयाइं सूरियंसि चिरत्थमियंसि लुलियाए संझाए पविरलमाणुसंसि निसंतपडिनिसंतंसि समाणंसि दुवे कुम्मगा आहारत्थी आहारं गवेसमाणा सणियं २ उत्तरंति तस्सेव मयंगतीरद्दहस्स परिपेरंतेणं सव्वओ समंता परिघोलेमाणा २ वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति । त(य)याणंतरं च णं ते पावसियालगा आहारत्थी जाव आहारं गवेसमाणा मालुयाकच्छ(या)गाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव मयंगतीरद्दहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तस्सेव मयंगतीरद्दहस्स परिपेरंतेणं परिघोलेमाणा २ वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति । तए णं ते पावसियाला ते कुम्मए पासंति २त्ता जेणेव ते कुम्मए तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं ते कुम्मगा(ते) पावसियालए एज्जमाणे पासंति २ त्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया हत्थे य पाए य गीवाए य सएहिं २ काएहि साहरंति २ त्ता निचला निप्फंदा तुसिणीया संचिट्ठंति । तए णं ते पावसियाल(या)गा जेणेव ते कुम्मगा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ते कुम्मगा सव्वओ समंता उव्वत्तेंति परियत्तेंति आसारेंति संसारेंति चालेंति घट्टेंति

फंदेंति खोभेंति नहेहिं आलुंपंति दंतेहि य अक्खोडेंति नो चेव णं संचाएंति तेसिं कुम्मगाणं सरीरस्स आवाहं वा पबाहं वा वावाहं वा उप्पा(ए)इत्तए छविच्छेयं वा क(रे)रित्तए। तए णं ते पावसियालगा (एए) ते कुम्मए दोच्चंपि तच्चंपि सव्वओ समंता उव्वत्तेति जाव नो चेव णं संचाएंति करित्तए ताहे संता तंता परितंता निव्विण्णा समाणा सणियं २ पच्चोस(क्कं)क्कंति एगंतमवक्कमंति २ त्ता निच्चला निप्फंदा तुसिणीया संचिट्ठंति। तत्थ णं एगे कुम्म(गे)ए ते पावसियालए चि(रं)रगए दूरंगए जाणित्ता सणियं २ एगं पायं निच्छुभइ। तए णं ते पावसियालगा तेणं कुम्मएणं सणियं २ एगं पायं नीणियं पासंति २ त्ता (ताए उक्किट्ठाए गईए) सिग्घं चवलं तुरियं चंडं जइणं वेगियं जेणेव से कुम्मए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तस्स णं कुम्मगस्स तं पायं नखेहिं आलुंपंति दंतेहिं अक्खोडेंति तओ पच्छा मंसं च सोणियं च आहारेंति २ त्ता तं कुम्मगं सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव नो चेव णं संचा(इं)एंति करेत्तए ताहे दोच्चंपि अवक्कमंति एवं चत्तारि वि पाया जाव सणियं २ गीवं नीणेइ। तए णं ते पावसियालगा तेणं कुम्मएणं गीवं नीणियं पासंति २ त्ता सिग्घं चवलं ४ नहेहिं दंतेहिं (य) कवालं विहाडेंति २ त्ता तं कुम्मगं जीवियाओ ववरोवेंति २ त्ता मंसं च सोणियं च आहारेंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा २ आयरियउवज्झायाणं अंतिए पव्वइए समाणे पंच य से इंदिया (इं) अगुत्ता भवंति से णं इहभवे चेव वहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे परलो(गे)ए वि य णं आगच्छइ बहूणं दंडणाणं जाव अणुपरियट्टइ जहा (व) से कुम्मए अगुत्तिंदिए। तए णं ते पावसियालगा जेणेव से दोच्चे कुम्मए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं कुम्मगं सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव दंतेहिं अक्खुडेंति जाव करित्तए। तए णं ते पावसियालगा दोच्चंपि तच्चंपि जाव नो संचाएंति तस्स कुम्मगस्स किंचि आवाहं वा विवाहं वा जाव छविच्छेयं वा करेत्तए ताहे संता तंता परितंता निव्विण्णा समाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से कुम्मए ते पावसियालए चिरगए दूरगए जाणित्ता सणियं २ गीवं नेणेइ २ त्ता दिसावलोयं करेइ २ त्ता जमगसमगं चत्तारि वि पाए नीणेइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए कुम्मगईए वीईवयमाणे २ जेणेव मयंगतीरद्दहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मित्तनाइ-नियगसयणसंबंधिपरियणेणं सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं समणो वा समणी वा पंच (य) से (महव्वयाइं) इंदियाइं गुत्ताइं भवंति जाव जहा(उ) व से कुम्मए गुत्तिंदिए। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं चउत्थस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्तेत्ति बेमि॥ ५८॥ **गाहाउ**–विसएसु

इंदिआइं रुंभंता रागदोसनिम्मुक्का । पावंति निव्वुइसुहं कुम्मुव्व मयंगदहसोक्खं ॥ १ ॥ अवरे उ अणत्थपरंपरा उ पावेंति पावकम्मवसा । संसारसागरगया गोमाउग्गसियकुम्मोव्व ॥ २ ॥ **चउत्थं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते ! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं चउत्थस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते पंचमस्स णं भंते ! नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई नामं नयरी होत्था पाईणपडीणायया उदीणदाहिणवित्थिण्णा नवजोयणवित्थिण्णा दुवालसजोयणायामा धणवइमइनि(म्म)म्माया चामीयरपवरपागारा नाणामणिपंचवण्णकविसीसगसोहिया अलयापुरिसंकासा पमुइयपक्कीलिया पच्चक्खं देवलो(य)गभूया । तीसे णं बारवईए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए रेवयगे ना(म)मं पव्वए होत्था तुंगे गगणतलमणुलिहंतसिहरे नाणाविहगुच्छगुम्मलयावल्लिपरिगए हंसमि(ग)यमयूरकोंचसारसचक्कवायमयणसालकोइलकुलोववेए अणेगतडकडगवियरउज्झर(य)पवायपब्भारसिहरपउरे अच्छरगणदेवसंघचारणविज्जाहरमिहुणसंविच्चिण्णे निच्चच्छणए दसारवरवीरपुरिसतेलोक्कबलवगाणं सोमे सुभगे पियदंसणे सुरूवे पासाईए ४ । तस्स णं रेवयगस्स अदूरसामंते एत्थ णं नंदणवणे नामं उज्जाणे होत्था सव्वउयपुप्फफलसमिद्धे रम्मे नंदणवणप्पगासे पासाईए ४ । तस्स ण उज्जाणस्स बहुमज्झदेसभाए सुरप्पिए नामं जक्खाययणे होत्था वण्णओ । तत्थ णं बारवईए नयरीए कण्हे नामं वासुदेवे राया परिवसइ । से णं तत्थ समुद्दविजयपामोक्खाणं दसण्हं दसाराणं बलदेवपामोक्खाणं पंचण्हं महावीराणं उग्गसेणपामोक्खाणं सोलसण्हं राईसहस्साणं पज्जुन्नपामोक्खाणं अद्धुट्ठाणं कुमारकोडीणं संबपामोक्खाणं सट्ठीए दुद्दंतसाहस्सीणं वीरसेणपामोक्खाणं एक्कवीसाए वीरसाहस्सीणं महासेणपामोक्खाणं छप्पन्नाए बलवगसाहस्सीणं रुप्पि(णी)णिप्पामोक्खाणं बत्तीसाए महिलासाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं [रा]ईसरतलवर जाव सत्थवाहपभिईणं वेयड्ढगिरिसा(य)गरपेरंतस्स य दाहिणड्ढभरहस्स य बारवईए नयरीए आहेवच्चं जाव पालेमाणे विहरइ ॥ ५९ ॥ त(स्स)त्थ णं बारवईए नयरीए थावच्चा नामं गाहावइणी परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया । तीसे णं थावच्चाए गाहावइणीए पुत्ते थावच्चापुत्ते नामं सत्थवाहदारए होत्था सुकुमालपाणिपाए जाव सुरूवे । तए णं सा थावच्चा गाहावइणी तं दार(यं)गं साइरेगअट्ठवासजा(य)यं जाणित्ता सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि कलायरियस्स उवणेइ जाव भोगसमत्थं जाणित्ता बत्तीसाए इब्भकुलबालियाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेइ बत्तीसओ दाओ जाव बत्तीसाए इब्भकुलबालियाहिं सद्धिं विपुले सद्दफरिसरसरूववण्णगंधे जाव

भुंजमाणे विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठनेमी सो चेव वण्णओ दसधणुस्सेहे नीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासे अट्ठारसहिं समणसाहस्सीहिं चत्तालीसाए अज्जियासाहस्सीहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव बारवई नगरी जेणेव रेवयगपव्वए जेणेव नंदणवणे उज्जाणे जेणेव सुरप्पियस्स जक्खस्स जक्खाययणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। परिसा निग्गया धम्मो कहिओ । तए णं से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सभाए सुहम्माए मेघोघरसियं गंभी(रं)रमहुरसद्दं कोमुइयं भेरिं तालेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव मत्थए अंजलिं कट्टु एवं सामी ! तह त्ति जाव पडिसुणेंति २ त्ता कण्हस्स वासुदेवस्स अंतियाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव स(हा)भा सुहम्मा जेणेव कोमुइया भेरी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं मेघोघरसि(यं)यगंभीरमहुरसद्दं कोमुइयं भेरिं तालेंति । तओ निद्धमहुरगंभीरपडिसुएणं पिव सारइएणं बलाहएणं (पिव) अणुरसियं भेरीए । तए णं तीसे कोमुइयाए भे(रिया)रीए तालियाए समाणीए बारवईए नयरीए नवजोयणविच्छिण्णाए दुवालसजोयणायामाए सिंघाडगतियचउक्कचच्चरकंदरदरी (य) विवरकुहरगिरिसिहरनगरगोउरपासायदुवारभवणदेउलपडि(सु)स्सुयासयसहस्ससंकुलं(सद्दं) करेमाणे बारव(इं)ईए नय(रिं)रीए सब्भिंतरबाहिरियं सव्वओ समंता(से)सद्दे विप्पसरित्था । तए णं बारवईए नयरीए नवजोयणविच्छिण्णाए बारसजोयणायामाए समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव कोमुईयाए भेरीए सद्दं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा जाव ण्हाया आविद्धवग्घारियमल्लदामकलावा अहयवत्थचंदणो(क्कि)क्किण्णगायसरीरा अप्पेगइया हयगया एवं गयगया रहसीयासंदमाणीगया अप्पेगइया पायविहारचारेणं पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ता कण्हस्स वासुदेवस्स अंति(यं)ए पाउब्भवित्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे समुद्दविजयपामोक्खे दस दसारे जाव अंतियं पाउब्भवमाणे (पासइ) पासित्ता हट्ठतुट्ठ जाव कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउरंगिणिं सेणं सज्जेह विजयं च गंधहत्थिं उवट्ठवेह । तेवि (तहत्ति) तहेव उवट्ठवेंति जाव पज्जुवासंति ॥६०॥ थावच्चापुत्ते वि निग्गए जहा मेहे तहेव धम्मं सोच्चा निसम्म जेणेव थावच्चा गाहावइणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पायग्गहणं करेइ जहा मेहस्स तहा चेव निवेयणा जाहे नो संचाएइ विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नवणाहि य

आघवित्तए वा ४ ताहे अकामिया चेव थावच्चापुत्त(दारग)स्स निक्खमणमणुमन्नित्था (णवरं निक्खमणाभिसेयं पासामो, तए णं से थावच्चापुत्ते तुसिणीए सचिट्ठइ)। तए णं सा थावच्चा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता महत्थं महग्घं महरिहं रा(य)यारिहं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता मित्त जाव संपरिवुडा जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स भवणवरपडिदुवारदेसभाए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पडिहारदेसिएणं मग्गेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता तं महत्थं ४ पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम एगे पुत्ते थावच्चापुत्ते नामं दारए इट्ठे जाव (से णं)संसारभउव्विग्गे (भीए) इच्छइ अरहओ अरिट्ठनेमिस्स जाव पव्वइत्तए। अहं णं निक्खमणसक्कारं करेमि। इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! थावच्चापुत्तस्स निक्खममाणस्स छत्तमउडचामराओ य विदिन्नाओ। तए णं कण्हे वासुदेवे थावच्चागाहावइणिं एवं वयासी–अच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिए ! सुनिव्वु(या)यवीसत्था। अहं णं सयमेव थावच्चापुत्तस्स दारगस्स निक्खमणसक्कारं करिस्सामि। तए णं से कण्हे वासुदेवे चाउरंगिणीए सेणाए विजयं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे जेणेव थावच्चाए गाहावइणीए भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थावच्चापुत्तं एवं वयासी–मा णं तु(मे)मं देवाणुप्पिया ! मुंडे भवित्ता पव्वयाहि, भुंजाहि णं देवाणुप्पिया ! विउले माणुस्सए कामभो(ए)गे मम बाहुच्छायापरिग्गहिए, केवलं देवाणुप्पियस्स (अहं) नो संचाएमि वाउकायं उवरिमेणं गच्छमाणं निवारित्तए, अन्ने ण देवाणुप्पियस्स जं किंचि(वि) आवाह वा वि(वा)बाहं वा उप्पाएइ त सव्वं निवारेमि। तए णं से थावच्चापुत्ते कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–जइ णं (तुमं)देवाणुप्पिया ! मम जीवियंतकरणं मच्चुं एज्जमाणं निवारेसि जरं वा सरीररूवविणा(सि)सणिं सरीरं अइवयमाणिं निवारेसि तए णं अहं तव बाहुच्छायापरिग्गहिए विउले माणुस्सए कामभोगे भुंजमाणे विहरामि। तए णं से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे थावच्चापुत्तं एवं वयासी–एए णं देवाणुप्पिया ! दुरइक्कमणिज्जा, नो खलु सक्का सुबलिएणावि देवेण वा दाणवेण वा निवारित्तए नन्नत्थ अप्पणो कम्मक्खएणं। तए णं से थावच्चापुत्ते कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–जइ णं एए दुरइक्कमणिज्जा नो खलु सक्का सुबलिएणावि देवेण वा दाणवेण वा निवारित्तए नन्नत्थ अप्पणो कम्मक्खएणं तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! अन्नाणमिच्छत्तअविरइकसायसंचियस्स अत्तणो कम्मक्खयं करित्तए। तए णं से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं देवाणुप्पिया ! बारवईए नयरीए सिंघाडगति(य)ग जाव पहेसु (य) हत्थिखंधवरगया महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा

२ उग्घोसणं करेह–एवं खलु देवाणुप्पिया! थावच्चापुत्ते संसारभउव्विग्गे भीए जम्मणमरणाणं इच्छइ अरहओ अरिट्ठनेमिस्स अंतिए मुंडे भवित्ता पव्वइत्तए, तं जो खलु देवाणुप्पिया! राया वा जुवराया वा देवी वा कुमारे वा ईसरे वा तलवरे वा कोडुंबियमाडंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहे वा थावच्चापुत्तं पव्वयतमणुपव्वयइ तस्स णं कण्हे वासुदेवे अणुजाणइ पच्छाउरस्स वि य से मित्तनाइनियगसंबंधिपरिजणस्स जोग(खे क्खेम वट्टमाणं पडिवहइ–त्तिकट्टु घोसणं घोसेह जाव घोसंति। तए णं थावच्चापुत्तस्स अणुराएणं पुरिससहस्सं निक्खमणाभिमुहं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं पत्तेयं २ पुरिससहस्सवाहिणीसु सिवियासु दुरूढं समाणं मित्तनाइपरिवुडं थावच्चापुत्तस्स अंतियं पाउब्भूयं। तए णं से कण्हे वासुदेवे पुरिससहस्सं अंतियं पाउब्भवमाणं पासइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–जहा मेहस्स निक्खमणाभिसेओ तहेव सेयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ जाव अरहओ अरिट्ठनेमिस्स छत्ताइच्छत्तं पडागाइपडागं पास(न्ति)इ २ त्ता विज्जाहरचारणे जाव पासित्ता सी(सिवि)याओ पच्चोरुहइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तं पुरओ काउं जेणेव अ(रि)रहा अरिट्ठनेमी सव्वं तं चेव जाव आभर(णमल्लालंकारं)णं ओमुयइ। तए णं सा थावच्चा गाहावइणी हंसलक्खणेणं पड(ग)साडएणं आभरणमल्लालंका(रे)रं पडिच्छइ हारवारिधा(र)राछिन्नमुत्तावलिप्पगासाइं अंसूणि विणि(म)मुंचमाणी २ एवं वयासी–जइयव्वं जाया! घडियव्वं जाया! प(रि)रक्कमियव्वं जाया! अस्सिं च णं अट्ठे नो पमाएयव्वं। जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से थावच्चापुत्ते पुरिससहस्से(हिं)णं सद्धिं सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ जाव पव्वइए। तए णं से थावच्चापुत्ते अणगारे जाए इरियासमिए भासासमिए जाव विहरइ। तए णं से थावच्चापुत्ते अरहओ अरिट्ठनेमिस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं (इक्कारस अंगाइं) चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं जाव चउत्थेणं विहरइ। तए णं अ(रि)रहा अरिट्ठनेमी थावच्चापुत्तस्स अणगारस्स तं इब्भाइयं अणगारसहस्सं सीसत्ताए दलयइ। तए णं से थावच्चापुत्ते अन्नया कयाइं अरहं अरिट्ठनेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे अणगारसहस्सेणं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं से थावच्चापुत्ते अणगारसहस्सेणं सद्धिं तेणं उरालेणं उ(द)ग्गेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बहिया जणवयविहारं विहरइ॥ ६१॥ तेणं कालेणं तेण समएणं सेलगपुरे नामं नग(र)रे होत्था। सुभूमिभागे उज्जाणे। सेलए राया पउमावई देवी मंडुए कुमारे जुवराया। तस्स णं सेलगस्स पंथगपामोक्खा (णं) पंच मंतिसया

होत्था उप्पत्तियाए ४ (चउव्विहाए बुद्धीए) उववेया (रज्जधुरचिंतयावि होत्था) रज्जधुरं चिंतयंति। (तए णं) थावच्चापुत्ते (णामं अणगारे सहस्सेणं अणगारेणं सद्धिं जेणेव) सेलगपुरे (जेणेव सुभूमिभागे नामं उज्जाणे तेणेव) समोसढे। राया निग्गए (धम्मो कहिओ) धम्मकहा। धम्मं सोच्चा जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे उग्गा भोगा जाव चइत्ता हिरण्णं जाव पव्वइया तहा णं अहं नो संचाएमि पव्वइत्तए। अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव समणोवासए जा(व)ए अहिगयजीवाजीवे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। पंथगपामोक्खा पंच मंतिसया य समणोवासया जाया। थावच्चापुत्ते बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सोगंधिया नामं नयरी होत्था वण्णओ। नीलासोए उज्जाणे वण्णओ। तत्थ णं सोगंधियाए नयरीए सुदंसणे नामं नयरसेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए। तेणं कालेणं तेणं समएणं सुए नामं परिव्वायए होत्था रिउव्वेयज(उ)जुव्वेयसामवेयअथव्वणवेयसट्ठितंतकुसले संखसमए लद्धट्ठे पंच(जा)जमपंचनियमजुत्तं सोयमू-(लयं)लं दसप्पयारं परिव्वायगधम्मं दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणे पन्नवेमाणे (परूवेमाणे) धाउरत्तवत्थपवरपरिहिए तिदंडकुंडियछत्तछन्ना-(लि)लयअंकुसपवित्तयकेसरिहत्थगए परिव्वायगसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव सोगंधिया नयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता परिव्वायगावसहंसि भंडगनिक्खेवं करेइ २ त्ता संखसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं सोगंधियाए नगरीए सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ-एवं खलु सुए परिव्वायए इह(हव्व)मागए जाव विहरइ। परिसा निग्गया। सुदंसणो वि निग्गए। तए णं से सुए परिव्वायए तीसे परिसाए सुदंसणस्स(य) अन्नेसिं च बहूणं संखाणं (धम्मं) परिकहेइ-एवं खलु सुदंसणा! अम्हं सोयमूलए धम्मे पन्नत्ते। से वि य सोए (धम्मे) दुविहे पन्नत्ते तंजहा-दव्वसोए य भावसोए य। दव्वसोए य उदएणं मट्टियाए य। भावसोए दब्भेहि य मंतेहि य। जं णं अम्हं देवाणुप्पिया! किंचि असुई भवइ तं सव्वं स(ज्जो)ज्जपुढवीए आलि(प्पइ)म्पइ तओ पच्छा सुद्धेण वारिणा पक्खालिज्जइ तओ तं असुई सुई भवइ। एवं खलु जीवा जलाभिसेयपूयप्पाणो अविग्घेणं सग्गं गच्छंति। तए णं से सुदंसणे सुयस्स अंतिए धम्मं सोच्चा हट्ठे सुयस्स अंतियं सोयमूलयं धम्मं गेण्हइ २ त्ता परिव्वायए विउलेणं असणेणं ४ वत्थ० पडिलाभेमाणे जाव विहरइ। तए णं से सुए परिव्वाय(गवसहाओ)गे सोगंधियाओ नयरीओ निग्गच्छइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं (थावच्चापुत्ते णामं अणगारे सहस्सेणं अणगारेणं सद्धिं पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणु-

गामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव सोगंधिया णयरी जेणेव णीलासोए उज्जाणे तेणेव समोसढे) थावच्चापुत्तस्स समोसरणं। परिसा निग्गया। सुदंसणो वि निग्ग(ए)ओ थावच्चापुत्तं (नामं अणगारं आ०) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–तुम्हाणं किंमूलए धम्मे पन्नत्ते ?। तए णं [से] थावच्चापुत्ते सुदंसणेणं एवं वुत्ते समाणे सुदंसणं एवं वयासी–सुदंसणा ! विणयमूले धम्मे पन्नत्ते। से विय विणए दुविहे पन्नत्ते तंजहा–अगारविणए(य) अणगारविणए य। तत्थ णं जे से अगारविणए से णं पंच अणुव्वयाइं सत्त सिक्खावयाइं एक्कारस उवासगपडिमाओ। तत्थ णं जे से अणगारविणए से णं पंच महव्वयाइं तंजहा–सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं सव्वाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं सव्वाओ राइभोयणाओ वेरमणं जाव मिच्छादंसणसल्लाओ वेरमणं दसविहे पच्चक्खाणे बारस भिक्खुपडिमाओ इच्चेएणं दुविहेणं विणयमूलएणं धम्मेणं आणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ खवेत्ता लोयग्गपइट्ठा(णे)णा भवंति। तए णं थावच्चापुत्ते सुदंसणं एवं वयासी–तु(ब्भे)ब्भं णं सुदंसणा ! किंमूलए धम्मे पन्नत्ते? अम्हाणं देवाणुप्पिया ! सोयमू(ले)लए धम्मे पन्नत्ते जाव सग्गं गच्छंति। तए णं थावच्चापुत्ते सुदंसणं एवं वयासी–सुदसणा ! से जहानामए केइ पुरिसे एगं महं रुहिरकयं वत्थं रुहिरेण चेव धोवेज्जा तए णं सुदंसणा ! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण (चेव) पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि काइ सोही ? नो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव सुदंसणा ! तुब्भंपि पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं नत्थि सोही जहा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं चेव पक्खालिज्जमाणस्स नत्थि सोही। सुदंसणा ! से जहानामए केइ पुरिसे एगं महं रुहिरकयं वत्थं सज्जियाखारेणं अणुलिंपइ २ त्ता पयणं आ(रु)रोहेइ २ त्ता उण्हं गाहेइ २ त्ता तओ पच्छा सुद्धेण वारिणा धोवेज्जा से नूणं सुदंसणा ! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स सज्जियाखारेण अणुलित्तस्स पयणं आरोहियस्स उण्हं गाहियस्स सुद्धेणं वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स सोही भवइ ? हंता भवइ। एवामेव सुदंसणा ! अम्हंपि पाणाइवायवेरमणेण जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं अत्थि सोही जहा(वि) वा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स जाव सुद्धेणं वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि सोही। तत्थ णं (से) सुदंसणे संबुद्धे थावच्चापुत्तं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! धम्मं सोच्चा जाणित्तए जाव समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ। तए ण तस्स सुयस्स परिव्वायगस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु सुदंसणेणं सोयधम्मं विप्पजहाय विणयमूले धम्मे पडिवन्ने। तं सेयं खलु मम

सुदंसणस्स दिट्ठिं वामेत्तए पुणरवि सोयमूलए धम्मे आघवित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता परिव्वायगसहस्सेणं सद्धिं जेणेव सोगंधिया नयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता परिव्वायगावसहंसि भंडनिक्खेवं करेइ २ त्ता धाउरत्तवत्थ[पवर]परिहिए पविरलपरिव्वायगेणं सद्धिं संपरिवुडे परिव्वायगावसहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सोगंधियाए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सुदंसणस्स गिहे जेणेव सुदंसणे तेणेव उवागच्छइ। तए णं से सुदंसणे तं सुयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता नो अब्भुट्ठेइ नो पच्चुग्गच्छइ नो आढाइ नो परियाणाइ नो वदइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से सुए परिव्वायए सुदंसणं अ(ण)णुब्भुट्ठियं पासित्ता एवं वयासी-तु(मं)ब्भे णं सुदंसणा! अन्नया ममं एज्जमाणं पासित्ता अब्भुट्ठेसि जाव वंदसि, इयाणिं सुदंसणा! तुमं ममं एज्जमाणं पासित्ता जाव नो वंदसि, तं कस्स णं तुमे सुदंसणा! इमेयारूवे विणयमू(ल)ले धम्मे पडिवन्ने?। तए णं से सुदंसणे सुएणं परिव्वाय(ए)गेणं एवं वुत्ते समाणे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता करयल जाव सुयं परिव्वायगं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अरहओ अरिट्ठनेमिस्स अंतेवासी थावच्चापुत्ते नामं अणगारे जाव इहमागए इह चेव नीलासोए उज्जाणे विहरइ, तस्स णं अंतिए विणयमूले धम्मे पडिवन्ने। तए णं से सुए (परिव्वायए) सुदंसणं एवं वयासी-तं गच्छामो णं सुदंसणा! तव धम्मायरियस्स थावच्चापुत्तस्स अंतियं पाउब्भवामो इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छामो। तं जइ(णं) मे से इमाइं अट्ठाइं जाव वागरइ त(ए)ओ णं (अहं) वंदामि नमंसामि। अह मे से इमाइं अट्ठाइं जाव नो से वागरेइ तओ णं अहं एएहिं चेव अट्ठेहि हेऊहिं निप्पट्ठपसिणवागरणं करिस्सामि। तए णं से सुए परिव्वायगसहस्सेणं सुदंसणेण य सेट्ठिणा सद्धिं जेणेव नीलासोए उज्जाणे जेणेव थावच्चापुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थावच्चापुत्तं एवं वयासी-जत्ता ते भंते! जवणिज्जं ते अव्वाबाहं(पि ते) फासु(यं)यविहारं(ते)?। तए णं से थावच्चापुत्ते सुएणं (परिव्वायगेणं) एवं वुत्ते समाणे सुयं परिव्वायगं एव वयासी-सुया! जत्तावि मे जवणिज्जंपि मे अव्वाबाहंपि मे फासु(य)विहारंपि मे। तए णं (से) सुए थावच्चापुत्तं एवं वयासी-किं भंते! जत्ता? सुया! जं णं मम नाणदंसणचरित्ततवसंजममाइएहिं जोएहि जो(ज)यणा से तं जत्ता। से किं तं भंते! जवणिज्जं? सुया! जवणिज्जे दुविहे पन्नत्ते तंजहा-इंदियजवणिज्जे य नोइंदियजवणिज्जे य। से किं तं इंदियजवणिज्जं? सुया! जं णं म(म)मं सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं निरुवहयाइं वसे वट्टंति से तं इंदियजवणि(ज्जं)ज्जे। से किं तं नोइंदियजवणिज्जे? सुया! जं णं कोहमाणमायालोभा खीणा उवसंता नो उदयंति से तं नोइंदियजवणिज्जे। से किं तं भंते!

अव्वाबाहं? सुया! जं णं मम वाइयपित्तियसिंभियसन्निवाइया विविहा रोगायंका नो उदीरेंति से तं अव्वाबाहं। से किं तं भंते! फासुयविहारं? सुया! जं णं आरामेसु उज्जाणेसु दे(व)उलेसु सभासु प(व्वा)वासु इत्थीपसुपंडगविवज्जियासु वसहीसु पाडिहारियं पीढफलगसेज्जासंथारयं ओगिण्हित्ताणं विहरामि से तं फासुयविहारं। सरिसवया(ते) भंते! किं भक्खेया अभक्खेया? सुया! सरिसवया भक्खेयावि अभक्खेयावि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सरिसवया भक्खेयावि अभक्खेयावि? सुया! सरिसवया दुविहा पन्नत्ता तंजहा-मित्तसरिसवया य धन्नसरिसवया य। तत्थ णं जे ते मित्तसरिसवया ते तिविहा पन्नत्ता तंजहा-सहजायया सहवड्ढियया सहपंसुकीलि(य)या य, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया। तत्थ णं जे ते धन्नसरिसवया ते दुविहा पन्नत्ता तंजहा-सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य। तत्थ णं जे ते असत्थपरिणया ते समणाणं निग्गथाणं अभक्खेया। तत्थ ण जे ते सत्थपरिणया ते दुविहा पन्नत्ता तंजहा-फासु(गा)या य अफासुया य। अफासुया णं सुया! नो भक्खेया। तत्थ ण जे ते फासुया ते दुविहा पन्नत्ता तंजहा-जाइया य अजाइया य। तत्थ णं जे ते अजाइया ते अभक्खेया। तत्थ णं जे ते जाइया ते दुविहा पन्नत्ता तंजहा-एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य। तत्थ णं जे ते अणेसणिज्जा ते (णं) अभक्खेया। तत्थ णं जे ते एसणिज्जा ते दुविहा पन्नत्ता तंजहा-लद्धा य अलद्धा य। तत्थ णं जे ते अलद्धा ते अभक्खेया। तत्थ णं जे ते लद्धा ते निग्गंथाणं भक्खेया। एएणं अट्ठेणं सुया! एवं वुच्चइ सरिसवया भक्खेयावि अभक्खेयावि। एवं कुलत्थावि भाणियव्वा नव(रि)रं इमं नाणत्तं-इत्थिकुलत्था य धन्नकुलत्था य। इत्थिकुलत्था तिविहा पन्नत्ता तंजहा-कुलव(हु)हूया य कुलमाउया इ य कुलधूया इ य। धन्नकुलत्था तहेव। एवं मासा वि नवरं इमं नाणत्तं-मासा तिविहा पन्नत्ता तंजहा-कालमासा य अत्थमासा य धन्नमासा य। तत्थ णं जे ते कालमासा ते णं दुवालसविहा पन्नत्ता तंजहा-सावणे जाव आसाढे, ते णं [समणाणं २] अभक्खेया। अत्थमासा दुविहा प० तं०-रुप्प(हिरण्ण)मासा य सुवण्णमासा य, ते ण अभक्खेया। धन्नमासा तहेव। एगे भवं दुवे भवं अणेगे भवं अक्खए भवं अव्वए भवं अवट्ठिए भवं अणेगभूयभावभविएवि भवं? सुया! एगेवि अहं दुवेवि अहं जाव अणेगभूयभावभविएवि अहं। से केणट्ठेणं भंते! एगेवि अहं जाव सुया! दव्वट्ठयाए एगे[वि] अहं नाणदंसणट्ठयाए दुवेवि अहं पएसट्ठयाए अक्खएवि अहं अव्वएवि अहं अवट्ठिएवि अहं उवओगट्ठयाए अणेगभूयभावभविएवि अहं। एत्थ णं से सुए सबुद्धे थावच्चापुत्तं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तु(ब्भे)ब्भं अंतिए केवलिपन्नत्तं

धम्मं निसामित्तए। धम्मकहा भाणियव्वा। तए णं से सुए परिव्वायए थावच्चापुत्तस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म एवं वयासी–इच्छामि णं भंते! परिव्वायगसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता पव्वइत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! जाव उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए ति(डं)दंडयं जाव धाउरत्ताओ य एगंते एडेइ २ त्ता सयमेव सिहं उप्पाडेइ २ त्ता जेणेव थावच्चापुत्ते २ तेणेव उवागच्छइ जाव मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए सामाइयमाइयाइं (इक्कारस अंगाइ) चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जइ। तए णं थावच्चापुत्ते सुयस्स अणगार(स्स) सहस्सं सीसत्ताए वियरइ। तए णं थावच्चापुत्ते सोगंधियाओ (नयरीओ) नीलासोयाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहार विहरइ। तए णं से थावच्चापुत्ते अणगारसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव पुंडरी(ए)यपव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुंडरीयं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता मेघघणसन्निगासं देवसन्निवायं पुढविसिलापट्टयं जाव पाओवगमणं (कए)णुवण्णे। तए णं से थावच्चापुत्ते बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठि भत्ताइं अणसणाए जाव केवलवरनाणदसणं समुप्पाडेत्ता तओ पच्छा सिद्धे जाव प्पहीणे॥६२॥ तए णं से सुए अन्नया कयाइ जेणेव सेलगपुरे नगरे जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे (समोसरणं) तेणेव समोसरिए परिसा निग्गया सेलओ निग्गच्छइ धम्मं सोच्चा जं नवरं देवाणुप्पिया! पंथगपामोक्खाइं पंच मंतिसयाइं आपुच्छामि मंडुयं च कुमारं रज्जे ठावेमि तओ पच्छा देवाणुप्पियाणं अन्तिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि। अहासुहं। तए णं से सेलए राया सेलगपुरं नगरं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहास(णं)णे सन्निसण्णे। तए णं से सेलए राया पंथ(य)गपामोक्खे पंच मंतिसए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मए सुयस्स अंतिए धम्मे निसते से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, अहं णं देवाणुप्पिया! संसारभ(य)उव्विग्गे जाव पव्वयामि, तुब्भे णं देवाणुप्पिया! किं करेह किं व(से)वसह किं वा (ते) भे हियइच्छिए सामत्थे?। तए णं ते पंथगपामोक्खा सेलगं रायं एवं वयासी–जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! संसार जाव पव्वयह अम्हाणं देवाणुप्पिया! (किमण्णे)को अन्ने आधारे वा आलंबे वा अम्हे वि य णं देवाणुप्पिया! संसारभउव्विग्गा जाव पव्वयामो, जहा णं देवाणुप्पिया! अम्हं बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य जाव तहा णं पव्वइयाण वि समाणाण बहूसु जाव चक्खुभूए। तए णं से सेलगे पंथगपामोक्खे पंच मंतिसए एवं वयासी–जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! संसार जाव पव्वयह तं गच्छह णं देवाणुप्पिया! सएसु २ कुडुंबेसु जे(ट्ठे)ट्ठपुत्ते कुडुंबमज्झे ठावेत्ता

पुरिससहस्सवाहिणी[या]ओ सीयाओ दुरूढा समाणा मम अंतियं पाउब्भवह(त्ति)। तेवि तहेव पाउब्भवंति। तए णं से सेलए राया पंच मंतिसयाइं पाउब्भवमाणाइं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! मंडुयस्स कुमारस्स महत्थं जाव रायाभिसेयं उवट्ठवेह जाव अभिसिंचइ जाव राया जाए (जाव) विहरइ। तए णं से सेलए मंडुयं रायं आपुच्छइ। तए णं (से) मंडुए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव सेलगपुरं नयरं आसिय जाव गंधवट्टिभूयं करेह(य) कारवेह य क० २ त्ता ए(य)वमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं से मंडुए दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव सेलगस्स रन्नो महत्थं जाव निक्खमणाभिसेयं जहेव मेहस्स तहेव नवरं पउमावई–देवी अग्गकेसे पडिच्छइ सव्वेवि पडिग्गहं गहाय सीयं दुरुहंति अवसेसं तहेव जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव विहरइ। तए णं से सुए सेल(य)गस्स अणगारस्स ताइं पंथगपामोक्खाइं पंच अणगारसयाइं सीसत्ताए वियरइ। तए णं से सुए अन्नया कयाइं सेलगपुराओ नगराओ सुभूमिभागाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तए णं से सुए अणगारे अन्नया कयाइ तेण अणगारसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं विहरमाणे जेणेव पुं(पों)डरीयपव्वए तेणेव उवागच्छइ जाव सिद्धे ॥ ६३ ॥ तए णं तस्स सेलगस्स रायरिसिस्स तेहिं अंतेहि य पंतेहि य तुच्छेहि य लूहेहि य अरसेहि य विरसेहि य सीएहि य उण्हेहि य कालाइक्कंतेहि य पमाणाइक्कंतेहि य निच्चं पाणभोयणेहि य पयइसुकुमाल(य)स्स य सुहोचियस्स सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा कंडु(यु)दाहपित्तज्जरपरिगयसरीरे यावि विहरइ। तए णं से सेलए तेणं रो(गा)यायंकेणं सु(क्क)क्खे जाए यावि होत्था। तए णं [से] सेलए अन्नया कयाइं पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव सुभूमिभागे जाव विहरइ। परिसा निग्गया मंडुओऽवि निग्गओ सेल(यं)गं अणगारं (जाव) वंदइ जाव पज्जुवासइ। तए णं से मंडुए राया सेलगस्स अणगारस्स सरीर(यं)गं सुक्कं जाव सव्वाबाहं सरोगं पासइ २ त्ता एवं वयासी–अहं णं भंते! तुब्भं अहाप(वि)वत्तेहिं तिगिच्छिएहिं अहापवत्तेणं ओसहभेस(ज्जेणं)ज्जभत्तपाणेणं तिगिच्छं आउंटावेमि। तुब्भे णं भंते! मम जाणसालासु समोसरह फासु(अं)एसणिज्जं पीढफलगसेज्जासंथारगं ओगिण्हित्ताणं विहरह। तए णं से सेलए अणगारे मंडुयस्स रन्नो एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ। तए णं से मंडुए सेलगं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं से सेलए कल्लं जाव जलंते सभंडमत्तोवगरणमायाए पंथगपामोक्खेहिं पंचहिं अणगारसएहिं

सद्धिं सेलगपुरमणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव मंडुयस्स जाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता फासुय पीढ जाव विहरइ। तए णं से मंडुए (राया) ति(च्चि)गिच्छिए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! सेलगस्स फासुएसणिज्जेणं जाव ति(ते)गिच्छं आ(उट्टे)उंटेह। तए णं तिगिच्छया मंडुएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा सेलगस्स (रायरिसिस्स) अहापवत्तेहिं ओसहभेसज्जभत्तपाणेहिं तिगिच्छं आउट्टेंति। तए णं तस्स सेलगस्स अहापवत्तेहिं ओसहभेसज्जभत्तपाणेहिं से रोगायंके उवसंते जाए यावि होत्था हट्ठे (जाव) बलियसरीरे जाए ववगयरोगायंके। तए णं से सेलए तंसि रोयातंकंसि उवसंतंसि समाणंसि तंसि विपुलंसि असणंसि ४ मुच्छिए गढिए गिद्धे अज्झोववन्ने ओसन्ने ओसन्नविहारी एवं पासत्थे २ कुसीले २ पमत्ते २ ससत्ते २ उउबद्धपीढफलगसेज्जासंथारए पमत्ते यावि विहरइ नो संचाएइ फासुए-सणिज्जं पीढं पच्चप्पिणित्ता मंडुयं च रायं आपुच्छित्ता बहिया जाव विहरित्तए॥६४॥ तए णं तेसिं पंथगवज्जाणं पंचण्हं अणगारसयाणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं जाव पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणाणं अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु सेलए रायरिसी चइत्ता रज्जं जाव पव्वइए विउले (णं) असणे ४ मुच्छिए ४ नो संचाएइ चइउं जाव विहरित्तए। नो खलु कप्पइ देवाणुप्पिया! समणाणं जाव पमत्ताणं विहरित्तए। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं कल्लं सेलगं रायरिसिं आपुच्छित्ता पाडिहारियं पीढफलगसेज्जासंथार(गं)यं पच्चप्पिणित्ता सेलगस्स अणगारस्स पंथयं अणगारं वेयावच्चकरं ठा(ठ)वेत्ता बहिया अब्भुज्जएणं जाव विहरित्तए। एवं संपेहेंति २ त्ता कल्लं जेणेव सेल(ए)गरायरिसी० आपुच्छित्ता पाडि-हारियं पीढफलग जाव पच्चप्पिणंति २ त्ता पंथयं अणगारं वेयावच्चकरं ठावेंति २ त्ता बहिया जाव विहरंति॥६५॥ तए णं से पंथए सेलगस्स सेज्जासंथारउच्चारपासवणखेल्ल-सिंघाणमलाओ ओसहभेसज्जभत्तपाणएणं अगिलाए विणएणं वेयावडियं करेइ। तए णं से सेलए अन्नया कयाइ कत्तियचाउम्मासियंसि विउलं असणं ४ आहारमाहारिए पुव्वावरण्हकालसमयंसि सुहप्पसुत्ते। तए णं से पंथए कत्तियचाउम्मासियंसि कय-काउस्सग्गे देवसियं पडिक्कमणं पडिक्कंते चाउम्मासियं पडिक्कमि(उं)उकामे सेलगं रायरिसिं खामणट्ठयाए सीसेणं पाएसु संघट्टेइ। तए णं से सेलए पंथएणं सीसेणं पाएसु संघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे उट्ठेइ २ त्ता एवं वयासी–से केस णं भो एस अपत्थियपत्थिए जाव वज्जिए जे णं ममं सुहपसुत्तं पाएसु संघट्टेइ?, तए णं से पंथए सेलएणं एवं वुत्ते समाणे भीए तत्थे तसिए करयल जाव कट्टु एवं वयासी–अहं णं भंते! पंथए कयकाउस्सग्गे देवसियं पडिक्कमणं पडिक्कंते (चाउम्मासियं

पडिक्कंते) चाउम्मासियं खामेमाणे देवाणुप्पियं वंदमाणे सीसेणं पाएसु संघट्टेमि। तं खामेमि णं तुब्भे देवाणुप्पिया! खमन्तु मे अवराहं तुमं णं देवाणुप्पिया! नाइभुज्जो एवं करणयाए—त्तिकट्टु सेलयं अणगारं एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेइ। तए णं तस्स सेलगस्स रायरिसिस्स पंथएणं एवं वुत्तस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं रज्जं च जाव ओसन्नो जाव उउवद्धपीढ० विहरामि। तं नो खलु कप्पइ समणाणं २ पासत्थाणं जाव विहरित्तए। तं सेयं खलु मे कल्लं मंडुयं रायं आपुच्छित्ता पाडिहारियं पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणित्ता पंथएणं अणगारेणं सद्धिं बहिया अब्भुज्जएणं जाव जणवयविहारेणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव विहरइ॥ ६६॥ एवामेव समणाउसो! जाव निग्गंथो वा २ ओसन्ने जाव संथारए पमत्ते विहरइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे संसारो भाणियव्वो। तए णं ते पंथगवज्जा पंच अणगारसया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-[एवं खलु] सेलए रायरिसी पंथएणं बहिया जाव विहरइ। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं सेलगं [रायरिसिं] उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेंति २ त्ता सेलगं रायरिसिं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति॥ ६७॥ तए णं (ते सेलयपामोक्खा) से सेलए रायरिसी पंथगपामोक्खा पंच अणगारसया बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता जेणेव पुंडरीयपव्वए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जहेव थावच्चापुत्ते तहेव सिद्धा ४। एवामेव समणाउसो! जो निग्गंथो वा २ जाव विहरिस्सइ। एवं खलु जंवू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं पंचमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि॥ ६८॥ **गाहा**—सिढिलियसंजमकज्जा वि होइउं उज्जमंति जइ पच्छा। संवेगाओ तो सेलउव्व आराहया होंति॥ १॥ **पंचमं नायज्झयणं समत्तं**॥

जइ णं भंते! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं पंचमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते छट्ठस्स णं भंते! नायज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंवू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (णामं णयरे होत्था, तत्थ णं रायगिहे णयरे सेणिए नामं राया होत्था, तस्स णं रायगिहस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं गुणसिलए णामं उज्जाणे होत्था, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव रायगिहे णयरे जेणेव गुणसिलए उज्जाणे तेणेव समोसढे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ) समोसरणं परिसा निग्गया (सेणिओ वि णिग्गओ धम्मो कहिओ परिसा पडिगया)। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स

जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नामं अणगारे अदूरसामंते जाव सुक्कज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से इंदभूई जायसड्ढे जाव एवं वयासी–कहं णं भंते! जीवा ग(गु)रुयत्तं वा लहुयत्तं वा हव्वमागच्छंति? गोयमा! से जहानामए केइ पुरिसे एगं महं सुक्कं तुंबं निच्छि(ड्ड)ड्डं निरुवहयं दब्भे(हिं)हि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेणं लिंपइ २ त्ता उण्हे दलयइ २ त्ता सुक्कं समाणं दोच्चंपि दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेणं लिंपइ २ त्ता उण्हे दलयइ २ त्ता सु(क्कं)क्के समा(णं)णे तच्चंपि दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेणं लिंपइ। एवं खलु एएणं उवाएणं (सत्तरत्तं) अंतरा वेढेमाणे अंतरा लिंप्प(लिंपे)माणे अंतरा सु(क्क)क्कावेमाणे जाव अट्ठहिं मट्टियालेवेहिं आलिंपइ २ त्ता अत्थाहमतारमपोरिसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा। से नूणं गोयमा! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं गुरुययाए भारि(य)याए गुरुयभारिययाए उप्पिं सलिलमइवइत्ता अहे धरणियलपइट्ठाणे भवइ। एवामेव गोयमा! जीवावि पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं अणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ समज्जि-(णंति)णित्ता तासिं गरुययाए भारिययाए गरुयभारिययाए (एवामेव) कालमासे कालं किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे नरगतलपइट्ठाणा भवंति। एवं खलु गोयमा! जीवा गुरुयत्तं हव्वमागच्छंति। अहे णं गोयमा! से तुंबे तंसि पढमिल्लुगंसि मट्टियालेवंसि तिन्नंसि कुहियंसि परिसडियंसि ईसिं धरणियलाओ उप्पइत्ताणं चिट्ठइ। तयाणंतरं (च णं) दोच्चंपि मट्टियालेवे जाव उप्पइत्ताणं चिट्ठइ। एवं खलु एएणं उवाएणं तेसु अट्ठसु मट्टियालेवेसु तिन्नेसु जाव विमुक्कबंधणे अहे-धरणियलमइवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ। एवामेव गोयमा! जीवा पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं अणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ खवेत्ता गगणतलमुप्पइत्ता उप्पिं लोयग्गपइट्ठाणा भवंति। एवं खलु गोयमा! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ६९ ॥ **गाहाउ**–जह मिउलेवालित्तं गरुयं तुंबं अहो वयइ एवं। आसव-कयकम्मगुरू जीवा वच्चंति अहरगइं ॥ १ ॥ तं चेव तव्विमुक्कं जलोवरिं ठाइ जायलहुभावं। जह तह कम्मविमुक्का लोयग्गपइट्ठिया होंति ॥ २ ॥ **छट्ठं नाय-ज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते सत्तमस्स णं भंते! नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था। (तत्थणं रायगिहे नयरे सेणिए नामं राया होत्था, तस्स णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरिच्छमे दिसीभाए)

सुभूमिभागे उज्जाणे (होत्था)। तत्थ णं रायगिहे नयरे ध(णे)ण्णे नामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए। (तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स) भद्दा (नामं) भारिया (होत्था) अहीणपंचिंदियसरीरा जाव सुरूवा। तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स पुत्ता भद्दाए भारियाए अत्तया चत्तारि सत्थवाहदारगा होत्था तंजहा–धणपाले धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए। तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स चउण्हं पुत्ताणं भारियाओ चत्तारि सुण्हाओ होत्था तंजहा–उज्झिया भोगवइया रक्खइया रोहिणिया। तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं रायगिहे नयरे बहूणं राईसरतलवर जाव पभिईणं सयस्स कुडुंबस्स बहूसु कज्जेसु य कारणे(करणिज्जे)सु य कोडुंबेसु य मंतणेसु य गुज्झेसु रहस्सेसु निच्छएसु ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमा(णे)णं आहारे आलंबणे चक्खू मेढी–पमाणभूए सव्वकज्जव(ट्टा)ड्ढावए। त न नज्जइ(जं) णं मए गयंसि वा चुयंसि वा मयंसि वा भग्गंसि वा लुग्गंसि वा सडियंसि वा पडियंसि वा विदेस(त्थंसि)गयंसि व विप्पवसियंसि वा इमस्स कुडुंबस्स(कि) के मन्ने आहारे वा आलंबे वा पडिबंधे वा भविस्सइ। तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं आमंतेत्ता तं मित्तनाइनियगसयण० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं विपुलेणं असणेणं ४ धूवपुप्फवत्थगंध जाव सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तनाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स (य) पुरओ चउण्हं सुण्हाणं परिक्खणट्ठयाए पंच २ सालिअक्खए दलइत्ता जाणामि ताव का कि(ह)ह वा सारक्खेइ वा संगोवेइ वा संवड्ढेइ वा। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव मित्तनाइ० चउण्हं सुण्हाणं कुलघरवग्गं आमंतेइ २ त्ता विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ तओ पच्छा ण्हाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए (तं) मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गेणं सद्धिं तं विपुलं असणं ४ जाव सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता तस्सेव मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स (य) पुरओ पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जे(ट्ठा)ट्ठं सु(ण्हा)ण्हं उज्झिइ(या)यं (तं) सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं णं पुत्ता! मम हत्थाओ इमे पंच सालिअक्खए गेण्हाहि २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी विहराहि। जया णं अहं पुत्ता! तुमं इमे पंच सालिअक्खए जाएज्जा तया णं तुमं मम इमे पंच सालिअक्खए पडि(दि)नि ज्जाएज्जासि–त्तिकट्टु सुण्हाए हत्थे दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सा उज्झिया धण्णस्स तह त्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थाओ ते पंच सालिअक्खए

गेण्हइ २ त्ता एगंतमवक्कमइ एगंतमवक्कमियाए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि बहवे पल्ला सालीणं पडिपुण्णा चिट्ठंति, तं जया णं म(मं)म ताओ इमे पंच सालिअक्खए जाए(ए)सइ तया णं अहं पल्लंतराओ अन्ने पच सालिअक्खए गहाय दाहामि–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ते पंच सालिअक्खए एगंते एडेइ २ त्ता सकम्मसंजुत्ता जाया यावि होत्था। एवं भोगवइयाए वि नवरं सा छो(छ्ले)ल्लइ २ त्ता अणुगिलइ २ त्ता सकम्मसजुत्ता जाया यावि होत्था। एवं रक्खिया वि नवरं गेण्हइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए०–एवं खलु ममं ताओ इमस्स मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ सद्दावेत्ता एवं वयासी–तुमं णं पुत्ता! मम हत्थाओ जाव पडिनिज्जाएज्जासि–त्तिकट्टु मम हत्थंसि पंच सालिअक्खए दलयइ, तं भवियव्वं एत्थ कारणेणं–तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ते पंच सालिअक्खए सुद्धे वत्थे बंधइ २ त्ता रयणकरंडियाए पक्खि(वे)वइ २ त्ता उ(ऊ)सीसामूले ठावेइ २ त्ता तिसंझं पडिजागरमाणी २ विहरइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे त(स्से)हेव मित्त जाव चउत्थि रोहिणीयं सुण्हं सद्दावेइ २ त्ता जाव तं भवियव्व एत्थ कारणेणं (तं) तिकट्टु सेयं खलु मम एए पंच सालिअक्खए सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए सवड्ढेमाणीए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कुलघरपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! एए पंच सालिअक्खए गेण्हह २ त्ता पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि समाणंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेह २ त्ता इमे पंच सालिअक्खए वावेह २त्ता दोच्चंपि तच्चंपि उक्खयनि(क्ख)हए करेह २ त्ता वाडिपक्खेवं करेह २ त्ता सारक्खमाणा संगोवेमाणा आणुपुव्वेणं संवड्ढेह। तए णं ते कोडुंबिया रोहिणीए एयमट्ठं पडिसुणेंति (२ त्ता) ते पंच सालिअक्खए गेण्हंति २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खंति संगोविंति (विहरंति)। तए णं ते कोडुंबिया पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि समाणंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेंति २ त्ता ते पंच सालिअक्खए ववंति २ त्ता दोच्चंपि तच्चंपि उक्खयनिहए करेंति २ त्ता वाडिपरिक्खेवं करेंति २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खेमाणा सगोवेमाणा सवड्ढेमाणा विहरंति। तए णं ते साली (अक्खए) अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा संवड्ढिज्जमाणा साला जाया किण्हा किण्होभासा जाव निउरंबभूया पासाईया ४। तए णं ते साली पत्तिया वत्तिया गब्भिया पसू[इ]या आगयगंधा खीराइया बद्धफला पक्का परियागया सल्लइया पत्तइया हरियपव्वकंडा जाया यावि होत्था। तए णं ते कोडुंबिया ते साली(ए) पत्तिए जाव सल्लइ(ए)यपत्तइए जाणित्ता तिक्खेहिं नवपज्जणएहिं असि(य)एहिं लुणंति २ त्ता करयलमलिए करेंति २ त्ता

पुणंति। तत्थ णं चोक्खाणं सू[इ]याणं अखंडाणं अ(फो)फुडियाणं छ(ट्ट)डछडा-पूयाणं सालीणं मागहए पत्थए जाए। तए णं ते कोडुंबिया ते साली नवएसु घडएसु पक्खिवंति २ त्ता उ(पलिं)लिंपंति २ त्ता लछियमुद्दिए करेंति २ त्ता कोट्ठागारस्स एगदेसंसि ठावेंति २ त्ता सारक्खमाणा संगोवेमाणा विहरंति। तए णं ते कोडुंबिया दोच्चंसि वासारत्तंसि पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेंति २ त्ता ते साली ववंति दोच्चंपि (तच्चंपि) उक्खायणिहए जाव लुणंति जाव चलणतलमलिए- करेंति २ त्ता पुणंति। तत्थ णं सालीणं वहवे कुडवा जाव एगदेसंसि ठावेंति २ त्ता सारक्खेमाणा संगोवेमाणा विहरंति। तए णं ते कोडुंबिया तच्चंसि वासारत्तंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि वहवे केयारे सुपरिकम्मिए जाव लुणंति २ त्ता संवहंति २ त्ता खलयं करेंति २ त्ता मलेंति जाव वहवे कुंभा जाया। तए णं ते कोडुंबिया साली कोट्ठागारंसि प(क्खि)ल्लेवंति जाव विहरंति। चउत्थे वासारत्ते वहवे कुंभसया जाया। तए णं तस्स धण्णस्स पंचमयंसि संवच्छरंसि परिणममाणंसि पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु म(म)ए इओ अईए पंचमे संवच्छरे चउण्हं सुण्हाणं परिक्खणट्ठयाए ते पंच २ सालिअक्खया हत्थे दिन्ना, तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते पंच सालिअक्खए परिजाइत्तए जाव जाणामि(ताव)काए किहसारक्खिया वा संगोविया वा संवड्ढिया (जाव त्तिकट्टु) वा एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ मित्तनाइनियग० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं जाव सम्माणित्ता तस्सेव मित्त० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स पुरओ जेट्ठं उज्झि(य)यं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं पुत्ता! इओ अईए पंचमंसि संवच्छरंसि इमस्स मित्त० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ तव हत्थंसि पंच सालिअक्खए दलयामि जया णं अहं पुत्ता! एए पंच सालिअक्खए जाएज्जा तया णं तुमं मम इमे पंच सालिअक्खए पडिनिज्जाएसि-त्तिकट्टु (तं हत्थंसि दलयामि)। से नूणं पुत्ता! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। तं ण [तुमं] पुत्ता! मम ते सालिअक्खए पडिनिज्जाए(हि)सि। तए णं सा उज्झि (इ) या एयमट्ठं धण्णस्स पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव कोट्ठागारं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पल्लाओ पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता (धण्णं सत्थवाहं) एवं वयासी-एए णं ते पंच सालिअक्खए-त्तिकट्टु धण्णस्स हत्थंसि ते पंच सालिअक्खए दलयइ। तए णं धण्णे उज्झियं सवहसावियं करेइ २ त्ता एव वयासी-किं णं पुत्ता! (एए) ते चेव पंच सालिअक्खए उदाहु अन्ने?, तए णं उज्झिया धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-एवं खलु तुब्भे

ताओ! इओ अईए पंचमे संवच्छरे इमस्स मित्तनाइ० चउण्ह य जाव विहराहि। तए णं अहं तुब्भं एयमट्ठं पडिसुणेमि २ त्ता ते पंच सालिअक्खए गेण्हामि एगंतमवक्कमामि। तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि जाव सकम्मसंजुत्ता, तं नो खलु ता(ओ)या! ते चेव पंच सालिअक्खए एए णं अन्ने। तए णं से धण्णे उज्झि[इ]याए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे उज्झिइयं तस्स मित्तनाइ० चउण्हं सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ तस्स कुलघरस्स छारुज्झियं च छाणुज्झियं च कयवरुज्झियं च संपु(समु)च्छियं च सम्मज्जिअं च पाउवदा(इं)इयं च ण्हाणोवदा(इं)इयं च वाहिरपेसणका(रि)रियं [च] ठावेइ। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पव्वइए पंच य से महव्वयाइं उज्झियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे जाव अणुपरियट्टइस्सइ जहा सा उज्झिया। एवं भोगवइयावि नवरं तस्स कुलघरस्स कंडितियं च कोट्टंतियं च पीसंतियं च एवं रुचंतियं (च) रंधंतियं(च) परिवेसंतियं च परिभायंतियं च अब्भितरियं च पेसणकारि महाणसिणिं ठावेइ। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं समणो वा २ पंच य से महव्वयाइं फोडियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे ४ जाव जहा व सा भोगवइया। एवं रक्खिइयावि नवरं जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मंजूसं विहाडेइ २ त्ता रयणकरंडगाओ ते पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंच सालिअक्खए धण्णस्स हत्थे दलयइ। तए णं से धण्णे (स०) रक्खिइयं एवं वयासी-किं णं पुत्ता! ते चेव एए पंच सालिअक्खए उदाहु अन्ने (त्ति)?। तए णं रक्खिइया धण्णं (सत्थवाहं) एवं वयासी-ते चेव ताया! एए पंच सालिअक्खया नो अन्ने। कहं णं पुत्ता! ? एवं खलु ताओ! तुब्भे इओ पंचमंमि (संवच्छरे) जाव भवियव्वं एत्थ कारणेणं-तिकट्टु ते पंच सालिअक्खए सुद्धे वत्थे जाव तिसंझं पडिजागरमाणी यावि विहरामि। तओ एएणं कारणेणं ताओ! ते चेव (ते) पंच सालिअक्खए नो अन्ने। तए णं से धण्णे रक्खिइयाए अंति(ए)यं एयमट्ठं सोच्चा हट्ठतुट्ठे तस्स कुलघरस्स हिरण्णस्स य कंसदूसविपुलधण जाव सावएज्जस्स य भंडागारिणिं ठवेइ। एवामेव समणाउसो! जाव पंच य से महव्वयाइं रक्खियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे जाव जहा सा रक्खि[इ]या। रोहि(णि)णीयावि एवं चेव नवरं तुब्भे ताओ! मम सुबहुयं सगडीसागडं दला(हि)ह जा(जे)णं अहं तु(ब्भं)ब्भे ते पच सालिअक्खए पडिनिज्जाएमि। तए णं से धण्णे (सत्थवाहे) रोहिणिं एवं वयासी-कहं णं तुमं मम

पुत्ता ! ते पंच सालिअक्खए सगडसागडेणं निज्जा(इ)एस्ससि ? । तए णं सा रोहिणी धण्णं (सत्थवाहं) एवं वयासी–एवं खलु ताओ ! इओ तुब्भे पंचमे संवच्छरे इमस्स मित्त जाव बहवे कुंभसया जाया तेणेव कमेणं, एवं खलु ताओ ! तुब्भे ते पंच सालिअक्खए सग(ड)डीसागडेणं निज्जाएमि । तए णं से धण्णे सत्थवाहे रोहिणीयाए सुबहुयं सगडीसागडं दलयइ । तए णं रोहिणी सुबहुं सगडीसागडं गहाय जेणेव सए कुलघरे तेणेव उवागच्छइ (२ त्ता) कोट्ठागा(रे)रं विहाडेइ २ त्ता पल्ले उब्भिदइ २ त्ता सगडीसागडं भरेइ २ त्ता रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ । तए णं रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नं एवमाइक्खइ ४–धन्ने णं देवाणुप्पिया ! धण्णे सत्थवाहे जस्स णं रोहिणीया सुण्हा (जीए ण) पंच सालिअक्खए सगडसागडिएगं निज्जाएइ । तए णं से धण्णे सत्थवाहे ते पंच सालिअक्खए सगडसागडेणं निज्जा(ए)इए पासइ २ त्ता हट्ठ जाव पडिच्छइ २ त्ता तस्सेव मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघर(वग्गस्स)पुरओ रोहिणीयं सुण्हं तस्स कुलघरस्स बहूसु कज्जेसु य जाव रहस्सेसु य आपुच्छणिज्जं जाव वट्टावियं पमाणभूयं ठावेइ । एवामेव समणाउसो ! जाव पंच [से] महव्वयाइं संवड्ढियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं जाव वीईवइस्सइ जहा व सा रोहिणीया । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ७० ॥ **गाहाओ**–जह सेट्ठी तह गुरुणो जह णाइजणो तहा समणसंघो । जह वहुया तह भव्वा जह सालिकणा तह वयाइं ॥ १ ॥ जह सा उज्झियनामा उज्झियसाली जहत्थमभिहाणा । पेसणगारित्तेणं असंखदुक्खक्खणी जाया ॥ २ ॥ तह भव्वो जो कोई संघसमक्खं गुरुविदिण्णाइं । पडिवज्जिउं समुज्झइ महव्वयाइं महामोहा ॥ ३ ॥ सो इह चेव भवंमी जणाण धिक्कारभायणं होइ । परलोए उ दुहत्तो णाणाजोणीसु संचरइ ॥ ४ ॥ जह वा सा भोगवई जहत्थनामोवभुत्तसालिकणा । पेसणविसेसकारित्तणेण पत्ता दुहं चेव ॥ ५ ॥ तह जो महव्वयाइं उवभुंजइ जीवियत्ति पालिंतो । आहाराइसु सत्तो चत्तो सिवसाहणिच्छाए ॥ ६ ॥ सो एत्थ जहिच्छाए पावइ आहारमाइ लिंगित्ति । विउसाण नाइपुज्जो परलोयम्मी दुही चेव ॥ ७ ॥ जह वा रक्खियवहुया रक्खियसालीकणा जहत्थक्खा । परिजणमण्णा जाया भोगसुहाइं च संपत्ता ॥ ८ ॥ तह जो जीवो सम्मं पडिवज्जित्ता महव्वए पंच । पालेइ निरइयारे पमायलेसंपि वज्जेंतो ॥ ९ ॥ सो अप्पहिएक्करई इहलोयंमिवि विऊहि पणयपओ । एगंतसुही जायइ परम्मि मोक्खंपि पावेइ ॥ १० ॥ जह रोहिणी उ सुण्हा रोवियसाली जहत्थमभिहाणा ।

वड्ढित्ता सालिकणे पत्ता सव्वस्स सामित्तं ॥ ११ ॥ तह जो भव्वो पाविय वयाइं पालेइ अप्पणा सम्मं । अण्णेसिवि भव्वाणं देइ अणेगेसिं हियहेउं ॥ १२ ॥ सो इह संघपहाणो जुगप्पहाणेत्ति लहइ संसद्दं । अप्पपरेसिं कल्लाणकारओ गोयमपहुव्व ॥ १३ ॥ तित्थस्स वुड्ढिकारी अक्खेवणओ कुतित्थियाईणं । विउसनरसेवियकमो कमेण सिद्धिंपि पावेइ ॥ १४ ॥ **सत्तमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते अट्ठमस्स णं भंते ! के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं निसढस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं सीओयाए महानदीए दाहिणेणं सुहावहस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुर(च्छि)त्थिमेणं एत्थ णं सलिलावई नामं विजए पन्नत्ते । तत्थ णं सलिलावईविजए वीयसोगा नामं रायहाणी पन्नत्ता नवजोयणवित्थिण्णा जाव पच्चक्खं देवलोगभूया । तीसे णं वीयसोगाए रायहाणीए उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए (एत्थ णं) इंदकुंभे नामं उज्जाणे (होत्था) । तत्थ णं वीयसोगाए रायहाणीए बले नामं राया (होत्था) । त(स्सेव)स्स धारिणीपामोक्खं दे(वि)वीसहस्सं ओ(उव)रोहे होत्था । तए णं सा धारिणी देवी अन्नया कयाइ सीहं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा जाव महब्बले (नामं) दारए जाए उम्मुक्क जाव भोगसमत्थे । तए णं तं महब्बलं अम्मापियरो सरिसियाणं कमलसि(री)रिपामोक्खाणं पंचण्हं रायवरकन्नासयाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेंति । पंच पासायसया पंचसओ दाओ जाव विहरइ । (तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा नामं थेरा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव इंदकुंभे नामं उज्जाणे तेणेव समोसढा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति) थेरागमणं इंदकुंभे उज्जाणे समोसढे परिसा निग्गया बलो वि (राया) निग्गओ धम्मं सोच्चा निसम्म जं नवरं महब्बलं कुमारं रज्जे ठावेइ जाव एक्कारसंगवी बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता जेणेव चारुपव्वए मासिएणं भत्तेणं (अपाणेणं केवलं पाउणित्ता जाव) सिद्धे । तए णं सा कमलसिरी अन्नया कयाइ (जाव) सीहं सुमिणे (पासित्ताणं पडिवुद्धा) जाव बलभद्दो कुमारो जाओ जुवराया यावि होत्था । तस्स णं महब्बलस्स रन्नो इमे छप्पियबालवयंसगा रायाणो होत्था तंजहा-अयले धरणे पूरणे वसू वेसमणे अभिचंदे सहजा[य]या जाव सं(वड्ढिया ते)हिचाए नित्थरियव्वे-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति (सुहंसुहेणं विहरंति) । तेणं कालेणं तेणं समएणं (ध० थे० जे० इं० उ० ते० स०) इंदकुंभे

उज्जाणे थेरा समोसढा। परिसा निग्गया। (महब्बलोवि राया निग्गओ धम्मो कहिओ) महब्बले णं धम्मं सोचा जं नवरं (देवाणुप्पिया!) छप्पियबालवयंसए आपुच्छामि बलभद्दं च कुमारं रज्जे ठावेमि जाव छप्पियबालवयंसए आपुच्छइ। तए णं ते छप्पिय० महब्बलं रायं एवं वयासी-जइ णं देवाणुप्पिया! तुब्भे पव्वयह अम्हं के अन्ने आहारे वा जाव पव्वयामो। तए णं से महब्बले राया ते छप्पिय० एवं वयासी-जइ णं (देवाणुप्पिया!) तुब्भे मए सद्धिं जाव पव्वयह तो णं गच्छह जेट्ठे पुत्ते सएहिं २ रज्जेहिं ठावेह पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूढा जाव पाउब्भवंति। तए णं से महब्बले राया छप्पियबालवयंसए पाउब्भूए पासइ २ त्ता हट्ठ जाव कोडुंबियपुरिसे (सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! बलभद्दस्स कुमारस्स जाव तेवि तहेव जाव अभिसिंचइ०, तए णं से महब्बले बलभद्दं० आपुच्छइ)० बलभद्दस्स रायाभिसेओ जाव आपुच्छइ। तए णं से महब्बले जाव महया इड्ढीए (छ० स०) पव्वइए एक्कारसअं(गाइं०)गवी बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ। तए णं तेसिं महब्बलपामोक्खाणं सत्तण्हं अणगाराणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं इमेयारूवे मिहो-कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-जं णं अम्हं देवाणुप्पिया! ए(गं)गे तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तं णं अम्हेहिं सव्वेहिं (सद्धिं) तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव विहरंति। तए णं से महब्बले अणगारे इमेणं कारणेणं इत्थिनामगोयं कम्मं निव्वत्तेसु-जइ णं ते महब्बलवज्जा छ अणगारा चउत्थं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तओ से महब्बले अणगारे छट्ठं उवसंपज्जित्ताण विहरइ। जइ णं ते महब्बलवज्जा [छ] अणगारा छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तओ से महब्बले अणगारे अट्ठमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। एवं [अह] अट्ठमं तो दसमं अह दसमं तो दुवाल(सं)समं। इमेहि य णं वीसाएहि य कारणेहि आसेवियबहुलीकएहिं तित्थयरनामगोयं कम्मं निव्वत्तिंसु तंजहा-अरहंतसिद्धपवयणगुरुथेरबहुस्सुए तवस्सीसुं। वच्छल्लया य तेसिं अभिक्ख नाणोवओ(गे)गा य॥ १॥ दंसणविणए आवस्सए य सीलव्वए निरइया(रं)रो। खणलवतव(च्चि)च्चियाए वेयावच्चे समाही य॥ २॥ अ(प)पुव्वनाणगहणे सुयभत्ती पवयणे प(भा)हावणया। एएहिं कारणेहिं तित्थयरत्तं लहइ (जीओ) सो उ॥ ३॥ तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति जाव एगराइयं (भि० उव०)। तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा खुड्डागं सीहनिक्कीलियं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तजहा-चउत्थं करेंति २ त्ता सव्वकामगुणियं पारेंति २ त्ता

छट्ठं करेंति २ त्ता चउत्थं करेंति २ त्ता अट्ठमं करेंति २ त्ता छट्ठं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता अट्ठमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता चो(चाउ)द्दसमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता अट्ठारसमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता वीसइमं करेंति २ त्ता अट्ठारसमं करेंति २ त्ता वीसइमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता अट्ठारसमं करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता अट्ठमं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता छट्ठं करेंति २ त्ता अट्ठमं करेंति २ त्ता चउत्थं करेंति २ त्ता छट्ठं करेंति २ त्ता चउत्थं करेंति सव्वत्थ सव्वकामगुणिएणं पारेंति । एवं खलु एसा खुड्डागसीहनिक्कीलियस्स तवोकम्मस्स पढमा परिवाडी छहिं मासेहिं सत्तहि य अहोरत्तेहि य अहासु(त्ता)त्तं जाव आराहिया भवइ । तयाणंतरं दोच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेंति नवरं विग(इ)यवज्जं पारेंति । एवं तच्चा[ए]वि परिवाडी[ए] नवरं पारणए अलेवाडं पारेंति । एवं चउत्थावि परिवाडी नवरं पारणए आयंबिलेण पारेंति । तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा खुड्डागं सीहनिक्कीलियं तवोकम्मं दोहिं संवच्छरेहिं अट्ठावीसाए अहोरत्तेहिं अहासुत्तं जाव आणाए आराहेत्ता जेणेव थेरे भगवंते तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामो णं भंते ! महालयं सीहनिक्कीलियं (तवोकम्मं) तहेव जहा खुड्डागं नवरं चोत्तीसइमाओ नियत्त(ए)इ एगाए परिवाडीए कालो एगेणं संवच्छरेणं छहिं मासेहिं अट्ठार(से)सहि य अहोरत्तेहिं समप्पेइ । सव्वंपि सीहनिक्कीलियं छहिं वासेहिं दो(हि य)हिं मासेहि बारसहि य अहोरत्तेहि समप्पेइ । तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा महालयं सीहनिक्कीलियं अहासुत्तं जाव आरा(हे)हित्ता जेणेव थेरे भगवंते तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता बहूणि चउत्थ जाव विहरंति । तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा तेणं उ(ओ)रालेणं सुक्का भुक्खा जहा खंदओ नवरं थेरे आपुच्छित्ता चारु(वक्खार)पव्वयं [सणियं] दुरूहंति जाव दोमासियाए संलेहणाए सवीसं भत्तसयं (अणसणं) चउरासीइं वाससयसहस्साइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ त्ता चुलसीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता जयंते विमाणे देवत्ताए उववन्ना ॥ ७१ ॥ तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । तत्थ णं महब्बलवज्जाणं छण्हं देवाणं देसूणाइं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई । महब्बलस्स देवस्स पडिपुण्णाइं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई(प०) । तए णं ते

महब्बल(देव)वज्जा छप्पि(य) देवा (जयं)ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विसुद्धपिइमाइवंसेसु रायकुलेसु पत्तेयं २ कुमारत्ताए पच्चायाया(सी) तंजहा–पडिबुद्धी इक्खागराया, चंदच्छाए अंगराया, संखे कासिराया, रुप्पी कुणालाहिवई, अदीणसत्तू कुरुराया, जियसत्तू पंचालाहिवई। तए णं से महब्बले देवे तिहिं नाणेहिं समग्गे उच्चट्ठाण(ट्ठि)गएसु गहेसु सोमासु दिसासु वितिमिरासु विसुद्धासु जइएसु सउणेसु पयाहिणाणुकूलंसि भूमिसप्पिंसि मारुयंसि पवायंसि निप्फन्नसस्समेइणीयंसि कालंसि पमुइयपक्कीलिएसु जणवएसु अद्धरत्तकालसमयंसि अस्सिणीनक्खत्तेणं जोगमुवागएणं जे से हेमंताणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे फग्गुणसुद्धे तस्स णं फग्गुणसुद्धस्स चउत्थिपक्खेणं जयंताओ विमाणाओ बत्तीसं सागरोवमट्ठि(ई)इयाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे मिहिलाए रायहाणीए कुंभगस्स रन्नो पभावईए देवीए कुच्छिंसि आहारवक्कंतीए भववक्कंतीए सरीरवक्कंतीए गब्भत्ताए वक्कंते। तं रयणिं च णं चोद्दस महासुमिणा वण्णओ। भत्तारकहणं सुमिणपाढगपुच्छा जाव विहरइ। तए णं तीसे पभावईए देवीए तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं इमेयारूवे डोहले पाउब्भूए–धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ जाओ णं जलथलयभासुरप्पभूएणं दसद्धवण्णेणं मल्लेणं अत्थुयपच्चत्थुयंसि सयणिज्जंसि सन्निसण्णाओ संनिवन्नाओ य विहरंति एगं च महं सि(री)रिदामगंडं पाडलमल्लियचंप(य)गअसोगपुन्नागनागमरुयगदमणगअणोज्जकोज्ज-य(कोरंटपत्तवर)पउरं परमसुह(फास)दरिसणिज्जं महया गंधद्धणिं मुयंतं अग्घायमाणीओ डोहलं विणेंति। तए णं ती(से)ए पभावईए देवीए इमं ए(इमे)यारूवं डोहलं पाउब्भूयं पासित्ता अहासन्निहिया वाणमंतरा देवा खिप्पामेव जलथलय जाव दसद्धवण्णमल्लं कुंभग्गसो य भारग्गसो य कुंभगस्स रन्नो भवणंसि साहरंति एगं च णं महं सिरिदामगंडं जाव (गंधद्धणिं) मुयंतं उवणेंति। तए णं सा पभावई देवी जलथलय जाव मल्लेणं दोहलं विणेइ। तए णं सा पभावई देवी पसत्थदोहला जाव विहरइ। तए णं सा पभावई देवी नवण्हं मासाणं अद्धट्ठमाण य रायं(रत्तिं)दियाणं जे से हेमंताणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे मग्गसिरसुद्धे तस्स णं (मग्गसिरसुद्धस्स) एक्कारसीए पुव्व रत्तावरत्तकालसमयंसि अस्सिणीनक्खत्तेणं (जोगमुवागएणं) उच्चट्ठाण जाव पमुइयपक्कीलिएसु जणवएसु आरोगारोगं एगूणवीसइमं तित्थयरं पयाया॥ ७२॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अ(हो)हेलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारी(ओ)मयह(री)रियाओ जहा जंबुद्दीवपन्नत्तीए जम्मणं सव्वं (भाणियव्वं) नवरं मिहिलाए (नयरीए) कुंभ(राय)-गस्स (भवणंसि) पभावईए (देवीए) अभिलावो संजोएयव्वो जाव नंदीसरव(रे)र-

दीवे महिमा। तया णं कुंभए राया बहूहिं भवणवईहिं ४ तित्थयर(जम्मणाभिसेयं)-जायकम्मं जाव नामकरणं–जम्हा णं अ(म्हे)म्हं इमीए दारियाए (माउगब्भंसि चक्कममाणंसि) माऊए मल्लसयणीयंसि डोहले विणीए तं होउ णं नामेणं मल्ली (नामं ठवेइ) जहा महब्बले (नाम) जाव परिवड्ढिया–सा व(द्ध)ड्ढई भगवई दियलोयचुया अणोवमसिरीया। दासीदासपरिवुडा परिकिण्णा पीढमद्देहिं ॥१॥ असियसिरया सुनयणा बिंबोट्ठी धवलदंतपंतीया। वरकमलकोमलंगी फुल्लुप्पलगंधनीसासा ॥ २ ॥ ७३ ॥ तए णं सा मल्ली विदेहरायवरकन्ना उम्मुक्कबालभावा जाव रूवेण [य] जोव्वणेण य लावण्णेण य अईव २ उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया(या)वि होत्था। तए णं सा मल्ली (वि०) देसूणवाससयजाया ते छप्पि(य) रायाणो विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी २ विहरइ तंजहा–पडिबुद्धिं जाव जियसत्तुं पंचालाहिवइं। तए णं सा मल्ली(वि०) कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! असोगवणियाए एगं महं मोहणघरं करेह अणेगखंभसयसन्निविट्ठं। तस्स णं मोहणघरस्स बहुमज्झदेसभाए छ गब्भघरए करेह। तेसि णं गब्भघरगाणं बहुमज्झदेसभाए जालघरयं करेह। तस्स णं जालघरयस्स बहुमज्झदेसभाए मणिपेढियं करेह (तेवि तहेव) जाव पच्चप्पिणंति। तए णं [सा] मल्ली मणिपेढियाए उवरिं अप्पणो सरिसियं सरित्तयं सरिव्वयं सरिसलावण्णजोव्वणगुणोववेयं कणगम(इं)यं मत्थयच्छिड्डं पउमप्पलपिहाणं पडिमं करेइ २ त्ता जं विउलं असणं ४ आहारेइ तओ मणुन्नाओ असणाओ ४ कल्लाकल्लिं एगमेगं पिंडं गहाय तीसे कण(ग)गामईए मत्थयछिड्डाए जाव पडिमाए मत्थयंसि पक्खिवमाणी २ विहरइ। तए णं तीसे कणगामईए जाव मत्थयछिड्डाए पडिमाए एगमेगंसि पिंडे पक्खिप्पमाणे २ (पउमुप्पलपिहाणं पिहेइ) तओ गंधे पाउब्भवइ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव एत्तो अणिट्ठतराए अमणामतराए [चेव]॥ ७४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कोसला नामं जणवए (होत्था)। तत्थ णं सागेए नामं नयरे। तस्स णं उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं (महं एगे) महेगे नागघरए होत्था। तत्थ णं सागेए नयरे पडिबुद्धी नामं इक्खा(गु)गराया परिवसइ पउमावई देवी सुबुद्धी अमच्चे सामदंड०। तए णं पउमावईए देवीए अन्नया कयाइं नागजन्नए यावि होत्था। तए णं सा पउमावई नागजन्नमुवट्ठियं जाणित्ता जेणेव पडिबुद्धी० करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु सामी! मम कल्लं नागजन्नए (यावि) भविस्सइ, तं इच्छामि णं सामी! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी नागजन्नयं गमित्तए, तुब्भेवि णं सामी! मम नागजन्नयंसि समोसरह। तए णं पडिबुद्धी पउमावईए (देवीए) एयमट्ठं पडिसुणेइ।

तए णं पउमावई पडिबुद्धिणा रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी ह(ट्ठतु)ट्ठा जाव कोडुं-वियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम कल्लं नागजन्नए भविस्सइ। तं तुब्भे मालागारे सद्दावेह २ त्ता एवं वयह–एवं खलु पउमावईए देवीए कल्लं नागजन्नए भविस्सइ। तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! जलथलय(०)दसद्धवण्णं मल्लं नागघरयंसि साहरह एगं च णं महं सिरिदामगंडं उवणेह। तए णं जलथल-यदसद्धवण्णेणं मल्लेणं णाणाविहभत्तिसुविरइयं (करेह तंसि भत्तिंसि) हंससियमयूर-कोंचसारसचक्कवायमयणसालकोइलकुलोववेयं ईहामिय जाव भत्तिचित्तं महग्घं मह-रिहं विउलं पुप्फमंडवं विरएह। तस्स णं वहुमज्झदेसभाए एगं महं सिरिदामगंडं जाव गंधद्धणिं मुयंतं उल्लोयंसि आ(ओ)लंवेह २ त्ता पउमावइं देविं पडिवालेमाणा २ चिट्ठह। तए णं ते कोडुंविया जाव चिट्ठंति। तए णं सा पउमावई देवी कल्लं० कोडुंवि(यपुरिसे)ए (सद्दावेइ २ त्ता) एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सागेयं नयरं सब्भितरवाहिरियं आसियसम्मज्जिओवलित्तं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं सा पउमावई (देवी) दोच्चंपि कोडुंविय जाव खिप्पामेव लहुकरणजुत्तं जाव जुत्तामेव (उवट्ठवेह, तए णं तेवि तहेव) उव(ट्ठा)ट्ठवेंति। तए णं सा पउमावई अंतो अंतेउरंसि ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया धम्मियं जाणं दुरूढा। तए णं सा पउमावई नियगपरि(वा)यालसंपरिवुडा सागेयं नयरं मज्झंमज्झेणं नि(ज्ज)जाइ २ त्ता जेणेव पुक्खरणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पो(पु)क्खरणिं ओगा(ह)हेइ २ त्ता जलमज्जणं जाव परमसुइभूया उल्लपडसाडया जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव गेण्हइ २ त्ता जेणेव नागघरए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए ण पउमावईए दासचेडीओ वहूओ पुप्फपडलगहत्थगयाओ धूवक(डु)डच्छु(ग)यहत्थगयाओ पिट्ठओ समणुग-च्छंति। तए णं पउमावई सव्विड्ढीए जेणेव नागघ(रे)रए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता नागघ(रयं)रं अणुप्पविसइ २ त्ता लोमहत्थगं जाव धूवं डहइ २ त्ता पडिवुद्धिं (रायं) पडिवालेमाणी २ चिट्ठइ। तए णं पडिवुद्धी(राया) ण्हाए हत्थिखंधवरगए सकोरेंट जाव सेयवरचामरा(हिं)हि य (महया)हयगयरह(जोह)महयाभडचडगर-पहकरेहिं सागेयं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव नागघरए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता आलोए पणामं करेइ २ त्ता पुप्फमंडवं अणुपविसइ २ त्ता पासइ तं एगं महं सिरिदामगंडं। तए णं पडिवुद्धी तं सिरिदामगंडं सु(इ)चिरं कालं निरिक्खइ २ त्ता तंसि सिरिदामगंडंसि जायविम्हए सुवुद्धिं अमच्चं एवं वयासी–तुमं(णं) देवाणुप्पिया ! मम दोच्चेणं वहूणि गामागर जाव सन्निवेसाइं आहिंडसि वहू(णि)ण य रा(य)ईसर जाव गिहाइं अणुपविससि,

तं अत्थि णं तुमे कहिंचि एरिसए सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमे पउमावई(ए)देवीए सिरिदामगंडे ?। तए णं सुबुद्धी पडिबुद्धिं रायं एवं वयासी-एवं खलु सामी! अह अन्नया कयाइं तुब्भं दोच्चेणं मिहिलं रायहाणिं गए। तत्थ णं मए कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए (विदेहरायवरकन्नाए)संवच्छरपडिलेहणगंसि दिव्वे सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे। तस्स णं सिरिदामगंडस्स इमे पउमावईए [देवीए] सिरिदामगंडे सयसहस्सइमंपि कलं न अग्घइ। तए णं पडिबुद्धी(राया) सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-केरिसिया णं देवाणुप्पिया! मल्ली २ जस्स णं संवच्छरपडिलेहणयंसि सिरिदामगंडस्स पउमावईए देवीए सिरिदामगडे सयसहस्सइमंपि कलं न अग्घइ ?। तए णं सुबुद्धी (अमच्चे) पडिबुद्धिं इक्खागरायं एवं वयासी-(एवं खलु सामी!) मल्ली विदेहरायवरकन्नगा सुपइट्ठियकुम्मुन्नयचारुचरणा वण्णओ। तए णं पडिबुद्धी (राया) सुबुद्धिस्स अमच्चस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सिरिदामगंडजणियहासे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिया! मिहिलं रायहाणिं, तत्थ णं कुंभगस्स रन्नो धूयं पभावईए (देवीए) अ(त्त)त्तियं मल्लिं २ मम भारियत्ताए वरेहिं जइ वि य णं सा सयं रज्जसुंका। तए णं से दूए पडिबुद्धिणा रन्ना एवं वुत्ते समाणे हट्ठ जाव पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं पडिकप्पावेइ २ त्ता दुरूढे जाव हयगयमहयाभडचडगरेणं साएयाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव विदेहजणवए जेणेव मिहिला रायहाणी तेणेव पहारेत्थ गमणाए (१) ॥ ७५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अंग नाम जणवए होत्था। तत्थ णं चंपा नामं नयरी होत्था। तत्थ णं चंपाए नयरीए चंदच्छाए अंगराया होत्था। तत्थ णं चंपाए नयरीए अरहन्नगपामोक्खा बहवे संजत्तानावावाणियगा परिवसंति अड्ढा जाव अपरिभूया। तए णं से अरहन्नगे समणोवासए यावि होत्था अहिगयजीवाजीवे वण्णओ। तए णं तेसिं अरहन्नगपामोक्खाणं संजत्तानावावाणियगाणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं इमे(ए)यारूवे मिहोकहासमुल्ला(संला)वे समुप्पज्जित्था-सेयं खलु अम्हं गणिमं(च) धरिमं च मेज्जं च प(पा)रिच्छेज्जं च भंडगं गहाय लवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए-त्तिकट्टु अन्नम(न्नं)न्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता गणिमं च ४ गेण्हंति २ त्ता सग(डि)डीसाग(डि)डयं (च) सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स ४ भंडगस्स सगडसागडियं भरेंति २ त्ता सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति मित्तनाइ भोयणवेलाए भुंजावेंति जाव आपुच्छंति २ त्ता सगडीसागडियं जोयंति २ त्ता चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव

गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सगडीसागडियं मोयंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स(य) जाव चउविह(स्स)भंडगस्स भरेंति तंदुलाण य समियस्स य तेल्लस्स य घयस्स य गुलस्स य गोरसस्स य उदगस्स य उदयभायणाण य ओसहाण य भेसज्जाण य तणस्स य कट्ठस्स य आवरणाण य पहरणाण य अन्नेसिं च बहूणं पोयवहणपाउग्गाणं दव्वाणं पोयवहणं भरेंति (२ त्ता) सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तनाइ० आपुच्छंति २ त्ता जेणेव पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति। तए णं तेसिं अरहन्नग जाव वाणियगाणं परियणो जाव ता(रिसे)हिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं अभिनंदंता य अभिसंथुणमाणा य एवं वयासी–अज्ज! ताय! भाय! माउल! भाइणेज्ज! भगवया समुद्देणं अभिरक्खिज्जमाणा २ चिरं जीवह भद्दं च भे पुणरवि लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे नियगं घरं हव्वमागए पासामो–त्तिकट्टु ताहिं सोमाहिं निद्धाहिं दीहाहिं सप्पिवासाहिं पप्पुयाहिं दिट्ठीहिं नि(री)रिक्खमाणा मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठंति। तओ समाणिएसु पुप्फबलिकम्मेसु दिन्नेसु सरसरत्तचंदणदद्दरपंचंगुलितलेसु अणुक्खित्तंसि धूवंसि पूइएसु समुद्दवाएसु संसारियासु वलयबाहासु ऊसिएसु सिएसु झयग्गेसु पडुप्पवाइएसु तूरेसु जइएसु सव्वसउणेसु गहिएसु रायवरसासणेसु महया उक्किट्ठसीहनाय जाव रवेणं पक्खुभियमहासमुद्दरवभूयंपिव मेइणिं करेमाणा एगदिसिं जाव वाणियगा ना(वं)वाए दुरूढा। तओ पुस्समाणवो वक्कमुदाहु–हं भो! सव्वेसिमवि अत्थसिद्धी उवट्ठियाइं कल्लाणाइं पडिहयाइं सव्वपावाइं जुत्तो पूसो विजओ मुहुत्तो अयं देसकालो। तओ पुस्समाणएणं व(क्के)क्कमुदा(हि)हरिए हट्ठतुट्ठे कुच्छिधारकण्णधारगब्भि(ज)ज्जसंजत्तानावावाणियगा वावारिंसु तं नावं पुण्णुच्छंगं पुण्णमुहि बंधणेहिंतो मुंचंति। तए णं सा नावा विमुक्कबंधणा पवणबलसमाहया ऊसि(उस्सि)यसिया विततपं(पक्)खा इव गरु(ड)लजुवई गंगासलिलतिक्खसोयवेगेहिं संखुब्भमाणी २ उम्मीतरंगमालासहस्साइं समइच्छमाणी २ कइवएहिं अहोरत्तेहिं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढा। तए णं तेसिं अरहन्नगपामोक्खाणं संजत्तानावावाणियगाणं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढाणं समाणाणं बहूइं उप्पाइयसयाइं पाउब्भूयाइं तंजहा–अकाले गज्जिए अकाले विज्जुए अकाले थणियसद्दे अभिक्खणं २ आगासे देवयाओ नच्चंति एगं च णं महं पिसायरूवं पासंति तालजंघं दिवं–गयाहिं बाहाहिं मसिमूसगमहिसकालगं भरियमेहवण्ण लंबोट्ठं निग्गयग्गदंतं निल्लालियजमलजुयलजीहं आऊसियवयणगंडदेसं चीणचि(पिट)मिढनासियं विगयभुग्गभग्गभुमयं खज्जोयगदित्तचक्खुरागं उत्तासणगं विसालवच्छं विसालकुच्छिं पलंबकुच्छिं पहसियपयलियपयडियगत्तं पण-

च्चमाणं अप्फोडंतं अभिवयंतं अभिगज्जंतं बहुसो २ अट्टहासे विणिम्मुयंतं नीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासं खुरधारं असिं गहाय अभिमुहमावयमाणं पासंति। तए णं ते अरहन्नगवज्जा संजत्तानावावाणियगा एगं च णं महं तालपिसायं (पासंति) पासित्ता तालजंघं दिवंगयाहिं वाहाहिं फुट्टसिरं भमरनिगरवरमासरासिमहिसकालगं भरियमेहवण्णं सुप्पणहं, फालसरिसजीहं लंवोट्ठं धवलवट्टअसिलिट्ठतिक्खथिरपीणकुडिलदाढोवगूढवयणं विकोसियधारासिजुयलसमसरिसतणुयचंचलगलतरसलोलचवलफुरुफुरेंतनिल्लालियग्गजीहं अवयच्छियमहल्लविगयवीभच्छलालपगलंतरत्ततालुयं हिंगु(लु)लयसगब्भकंदरविलं व अंजणगिरिस्स अग्गिजालुग्गिलंतवयणं आऊसियअक्खचम्मउइट्टगंडदेसं चीणचि(पिड)मिढवंकभग्गनासं रोसागयधमधमेंतमारुयनिट्ठुरखरफरुसझुसिरं ओभुग्गनासियपुडं घ(घा)डउब्भडरइयभीसणमुहं उद्धमुहकण्णसक्कुलियमहतविगयलोमसंखालगलंवंतचलियकण्णं पिंगलदिप्पंतलोयणं भिउडितडि(य)निडालं नरसिरमालपरिणद्धचिंधं विचित्तगोणससुवद्धपरिकरं अवहोलंतपु(प्फु)प्फुयायंतसप्पविच्छुयगोधुंदरनउलसरडविरइयविचित्तवेयच्छमालियागं भोगकूरकण्हसप्पधमधमेंतलंवंतकण्णपूरं मज्जारसियाललइयखंधं दित्त(घुघु)घूघूयंतघूयकयकुंतलसिरं घंटारवेण भीमं भयंकरं कायरजणहिययफोडणं दित्तमट्टहासं विणिम्मुयंतं वसारुहिरपूयमंसमलमलिणपोच्चडतणुं उत्तासणयं विसालवच्छं पेच्छंताभिन्ननहमुहनयणकण्णवरवग्घचित्तकत्तीणि(व)यंसणं सरसरुहिरगयचम्मविययऊसवियवाहुजुयलं ताहि य खरफरुसअसिणिद्धअणिट्ठदित्तअसुभअप्पिय(अमणुन्न)अकंतवग्गूहि य तज्जयंतं पासंति तं तालपिसायरूवं एज्जमाणं पासंति २ त्ता भीया संजायभया अन्नमन्नस्स कायं समतुरंगेमाणा २ वहूणं इंदाण य खंदाण य रुद्दसिववेसमणनागाणं भूयाण य जक्खाण य अज्जकोट्टकिरियाण य वहूणि उवाइयसयाणि ओवाइयमाणा २ चिट्ठंति। तए णं से अरहन्नए समणोवासए तं दिव्वं पिसायरूवं एज्जमाणं पासइ २ त्ता अभीए अतत्थे अचलिए असंभंते अणाउले अणुव्विग्गे अभिन्नमुहरागनयणवण्णे अदीणविमणमाणसे पोयवहणस्स एगदेसंसि वत्थंतेणं भूमिं पमज्जइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता करयल(ओ) जाव एवं वयासी—नमोत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं, जइ णं अहं एत्तो उवसग्गाओ मुंचामि तो मे कप्पइ पारित्तए, अह णं एत्तो उवसग्गाओ न मुंचामि तो मे तहा पच्चक्खाएयव्वे-(त्ति)तिकट्टु सागारं भत्तं पच्चक्खाइ। तए णं से पिसायरूवे जेणेव अरहन्न(ए)गे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहन्नगं एवं वयासी—हं भो! अरहन्नगा अपत्थियपत्थिया जाव परिवज्जिया [!] नो खलु कप्पइ तव सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खा(णे)णपोसहोववासाइं चालित्तए वा एवं

खो(भे)भित्तए वा खंडित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परिच्चइत्तए वा। तं जइ णं तुमं सीलव्वयं जाव न परिच्चयसि तो ते अहं एयं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गेण्हामि २ त्ता सत्तट्ठतलप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उव्विहामि (२ त्ता) अंतोजलंसि निच्छोलेमि जा(जे)णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे असमाहिपत्ते अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तए णं से अरहन्नगे समणोवासए तं देवं मणसा चेव एवं वयासी-अहं णं देवाणुप्पिया! अरहन्नए नामं समणोवासए अहिगयजीवाजीवे, नो खलु अहं सक्का केणइ देवेण वा जाव निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणा(मे)मित्तए वा, तुमं णं जा सद्धा तं करेहि-त्तिकट्टु अभीए जाव अभिन्नमुहरागनयणवण्णे अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नगं समणोवासगं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! जाव (अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए) धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नगं धम्मज्झाणोवगयं पासइ २ त्ता बलियतरागं आसुरुत्ते तं पोयवहण दोहि अंगुलियाहिं गिण्हइ २ त्ता सत्तट्ठतलाइं जाव अरहन्नगं एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! अपत्थियपत्थिया! नो खलु कप्पइ तव सीलव्वय तहेव जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से पिसायरूवे अरहन्नगं जाहे नो संचाएइ निग्गंथाओ० चालित्तए वा (०ताहे)तहेव (उव)संते जाव निव्विण्णे तं पोयवहणं सणियं २ उवरिं जलस्स ठवेइ २ त्ता तं दिव्वं पिसायरूवं पडिसाह(र)रेइ २ त्ता दिव्वं देवरूवं विउव्वइ २ त्ता अंतलिक्खपडिवन्ने सखिंखि(णि)णीयाइं जाव परिहिए अरहन्नगं समणोवासगं एवं वयासी-ह भो अरहन्नगा! धन्नोसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव जीवियफले जस्स णं तव निग्गंथे पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, एवं खलु देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए बहूणं देवाणं मज्झगए महया [२] सद्देणं [एवं] आइक्खइ ४-एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे चंपाए नयरीए अरहन्नए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे नो खलु सक्का केणइ देवेण वा (दाणवेण वा) ६ निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा जाव विपरिणामित्तए वा। तए णं अहं देवाणुप्पिया! सक्कस्स (देविंदस्स) नो एयमट्ठं सद्दहामि(०)। तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०-गच्छामि णं [अहं] अरहन्न(य)गस्स अंतियं पाउब्भवामि जाणामि ताव अहं अरहन्नगं किं पियधम्मे नो पियधम्मे, दढधम्मे नो दढधम्मे, सीलव्वयगुणे किं चालेइ जाव परिच्चयइ नो परिच्चयइ-त्तिकट्टु एवं संपेहेमि २ त्ता ओहिं पउजामि २ त्ता देवाणुप्पियं ओहिणा आभोएमि २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं २

उत्तरवेउव्वियं० ताए उक्किट्ठाए(जाव)जेणेव लवणसमुद्दे जेणेव देवाणुप्पिया तेणेव उवागच्छामि २ त्ता देवाणुप्पि(याणं)यं उवसग्गं करेमि नो चेव णं देवाणुप्पिया भीया वा(०), तं जं णं सक्के ३ [एवं] वयइ सच्चे णं एसमट्ठे, तं दिट्ठे णं देवाणुप्पियाणं इड्ढी जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए। तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु मरहंतु णं देवाणुप्पिया! नाइभुज्जो (२) एवंकरणयाए–त्तिकट्टु पंजलिउडे पायवडिए एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेइ (२ त्ता) अरहन्नगस्स [य] दुवे कुंडलजुयले दलयइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव(दिसिं)पडिगए॥ ७६॥ तए णं से अरहन्नए निरुवसग्गमितिकट्टु पडिमं पारेइ। तए णं ते अरहन्नगपामोक्खा जाव वाणियगा दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीरए पोय(पट्टणे)ट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयं लंबेंति २ त्ता सगडिसागडं सज्जेंति (२ त्ता) तं गणिमं [च] ४ सगडि० संकामेंति २ त्ता सगडी० जो(एं)विंति २ त्ता जेणेव मिहिला(०) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए रायहाणीए वहिया अग्गुज्जाणंसि सगडीसागडं मोएंति २ त्ता (मिहिलाए रायहाणीए तं)महत्थं (महग्घं महरिहं) विउलं रायारिहं पाहुडं कुंडलजुयलं च गेण्हंति २ त्ता (मिहिलाए रायहाणीए) अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव कुंभए(राया) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव महत्थं दिव्वं कुंडलजुयलं उवणेंति। तए णं कुंभए(राया) तेसिं संजत्तगाणं जाव पडिच्छइ २ त्ता मल्लिं २ सद्दावेइ २ त्ता तं दिव्वं कुंडलजुयलं मल्लीए २ पिणद्धेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से कुंभए राया ते अरहन्नगपामोक्खे जाव वाणियगे विपुलेणं (अस०) वत्थगंधमल्लालंकारेणं जाव उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता रायमग्गमोगाढे(इ)य आवासे वियरइ [२ त्ता] पडिविसज्जेइ। तए णं अरहन्नगसंजत्तगा जेणेव रायमग्गमोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता भंडववहरणं करेंति (२ त्ता) पडिभं(डं)डे गेण्हंति २ त्ता सगडी० भरेंति जेणेव गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता भंडं संकामेंति दक्खिणाणु० जेणेव चंपा पोयट्ठाणे तेणेव पोयं लंबेंति २ त्ता सगडी० सज्जेंति २ त्ता तं गणिमं ४ सगडी० संकामेंति जाव महत्थं [महग्घं] पाहुडं दिव्वं च कुंडलजुयलं गेण्हंति २ त्ता जेणेव चंदच्छाए अंगराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं महत्थं जाव उवणेंति। तए णं चंदच्छाए अंगराया तं दिव्वं महत्थं(च) कुंडलजुयलं पडिच्छइ २ त्ता ते अरहन्नगपामोक्खे एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! वहूणि गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेहिं ओगाहेह, तं अत्थियाइं भे केइ कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे?। तए णं ते अरहन्नगपामोक्खा चंदच्छायं अंगरायं एवं

वयासी–एवं खलु सामी! अम्हे इहेव चंपाए नयरीए अरहन्नगपामोक्खा बहवे संजत्तगानावावाणियगा परिवसामो। तए णं अम्हे अन्नया कयाइ गणिमं च ४ तहेव अहीण(म)अइरित्तं जाव कुंभगस्स रन्नो उवणेमो। तए णं से कुंभए मल्लीए २ तं दिव्वं कुंडलजुयलं पिणद्धेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तं एस णं सामी! अम्हेहिं कुंभ[ग]रायभवणंसि मल्ली २ अच्छेरए दिट्ठे। तं नो खलु अन्ना कावि तारिसिया देवकन्ना वा जाव जारिसिया णं मल्ली २। तए णं चंदच्छाए(ते)अरहन्नगपामोक्खे सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता [उस्सुंकं वियरइ] पडिविसज्जेइ। तए णं चंदच्छाए वाणियगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जइ वि य णं सा सयं रज्जसुक्का। तए णं से दूए हट्ठ जाव पहारेत्थ गमणाए (२) ॥ ७७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुणाला नामं जणवए होत्था। तत्थ णं सावत्थी नामं नयरी होत्था। तत्थ णं रुप्पी कुणालाहिवई नामं राया होत्था। तस्स णं रुप्पिस्स धूया धारिणीए देवीए अत्तया सुवा(हु)हू नामं दारिया होत्था सुकुमाल जाव रूवेण य जोव्वणे(णं)ण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था। तीसे णं सुवाहूए दारियाए अन्नया चाउम्मासियमज्जणए जाए यावि होत्था। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई सुवाहुए दारियाए चाउम्मासियमज्जणयं उवट्ठियं जाणइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! सुवाहु(ए)दारियाए कल्लं चाउम्मासियमज्जणए भविस्सइ। तं(कल्लं)तुब्भे णं रायमग्गमोगाढंसि(चउक्कंसि)मंडवंसि जलथलयदसद्धवण्णमल्लं साह(रे)रह जाव सिरिदामग(डे)डं ओलइंति। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायमग्गमोगाढंसि पुप्फमंडवंसि नाणाविहपंचवण्णेहिं तंदुलेहिं नयरं आलिहह तस्स वहुमज्झदेसभाए पट्टयं रएह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई हत्थिखंधवरगए चाउरंगिणीए सेणाए महया भडचडगर जाव अंतेउरपरियालसंपरिवुडे सुवाहुं दारियं पुरओ कट्टु जेणेव रायमग्गे जेणेव पुप्फमंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पुप्फमंड(वं)वे अणुप्पविसइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे। तए णं ताओ अंतेउरियाओ सुवाहुं दारियं पट्टयंसि दुरुहेंति २ त्ता से(य)यापीयएहिं कलसेहिं ण्हाणेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता पिउणो पा(यं)यवंदि(उं)यं उवणेति। तए णं सुवाहू दारिया जेणेव रुप्पी राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पायग्गहणं करेइ। तए णं से रुप्पी राया सुवाहुं दारियं 'अंके निवेसेइ २ त्ता सुवाहु(ए)दारियाए रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य (जाव विम्हिए) जायविम्हए वरिसधरं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं

णं देवाणुप्पिया! मम दोच्चेणं बहूणि गामागरनगरगिहाणि अणुप्पविससि, तं अत्थियाइं ते कस्सइ रन्नो वा ईसरस्स वा कहिंचि एयारिसए मज्जणए दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमीसे सुबाहुदारियाए मज्जणए?। तए णं से वरिसधरे रुप्पिं करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी! अहं अन्नया तु(ब्भेणं)ब्भं दोच्चेणं मिहिलं गए, तत्थ णं मए कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए २ मज्जणए दिट्ठे, तस्स णं मज्जणगस्स इ(मे)मीए सुबाहु(ए)दारियाए मज्जणए सयसहस्सइमंपि कलं न अ(ग्घे)ग्घइ। तए णं से रुप्पी राया वरिसधरस्स अंति-(ए)यं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म(सेसं तहेव) मज्जणगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जेणेव मिहिला नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए (३)॥ ७८॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कासी नामं जणवए होत्था। तत्थ णं वाणारसी नामं नयरी होत्था। तत्थ णं संखे नामं कासीराया होत्था। तए णं तीसे मल्लीए २ अन्नया कयाइ तस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधी विसंघडिए यावि होत्था। तए णं से कुंभए राया सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! इमस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधिं संघाडेह। तए णं सा सुवण्णगारसेणी एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता तं दिव्वं कुंडलजुयलं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुवण्णगारभिसियासु निवेसेइ २ त्ता बहूहिं आएहि य जाव परिणामेमाणा इच्छ(न्ति)इ तस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधिं घडित्तए नो चेव णं संचाएइ (सं)घडित्तए। तए णं सा सुवण्णगारसेणी जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी! अज्ज तु(ब्भे)म्हे अम्हे सद्दावेह जाव संधिं संघाडेत्ता ए(य)वमा(णं)णत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं अम्हे तं दिव्वं कुंडलजुयलं गेण्हामो जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ जाव नो संचाएमो संघाडित्तए। तए णं अम्हे सामी! एयस्स दिव्वस्स कुंडलस्स अन्न सरिसयं कुंडलजुयलं घडेमो। तए णं से कुंभए राया तीसे सुवण्णगारसेणीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते ४ तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु एवं वयासी-(से के)केस णं तुब्भे कलायाणं भवह(?) जे णं तुब्भे इमस्स [दिव्वस्स] कुंडलजुयलस्स नो संचाएह संधिं संघाडित्तए? ते सुवण्णगारे निव्विसए आणवेइ। तए णं ते सुवण्णगारा कुं(भे)भगेणं रन्ना निव्विसया आणत्ता समाणा जेणेव साइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सभंडमत्तोवगरणमाया(ओ)ए मिहिलाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं निक्खमंति २ त्ता विदेहस्स जणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कासी जणवए जेणेव वाणारसी नयरी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अग्गुज्जाणंसि सगडीसागडं मोएंति २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हंति

२ त्ता वाणारसीए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखे कासीराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति २ त्ता (पाहुडं पुरओ ठावेंति २ त्ता संखरायं) एवं वयासी-अम्हे णं सामी ! मिहिलाओ (नयरीओ) कुंभएणं रन्ना निव्विसया आणत्ता समाणा इ(हं)ह हव्वमागया, तं इच्छामो णं सामी ! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसुहेणं परिवसिउं । तए णं संखे कासीराया ते सुवण्णगारे एवं वयासी-किं णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! कुंभएणं रन्ना निव्विसया आणत्ता ? । तए णं ते सुवण्णगारा संखं एवं वयासी-एवं खलु सामी ! कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए कुंडलजुयलस्स संधी विसंघडिए । तए णं से कुंभए सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ जाव निव्विसया आणत्ता । तं एएणं कारणेणं सामी ! अम्हे कुंभएणं निव्विसया आणत्ता । तए णं से संखे सुवण्णगारे एवं वयासी-केरिसिया णं देवाणुप्पिया ! कुंभ(ग)स्स [रन्नो] धूया पभावईदेवीए अत्तया मल्ली विदेहरायवरकन्ना ? । तए णं ते सुवण्णगारा सं(ख)खं रायं एवं वयासी-नो खलु सामी ! अन्ना का(इ)वि तारिसिया देवकन्ना वा गंधव्वकन्ना वा जाव जारिसिया णं मल्ली २ । तए णं से संखे कुंडल(जुअल)जणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव तहेव पहारेत्थ गमणाए (४) ॥ ७९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुरुजणवए होत्था । हत्थिणाउरे नयरे । अदीणसत्तू नामं राया होत्था जाव विहरइ । तत्थ णं मिहिलाए [तस्स णं] कुंभगस्स पुत्ते पभावईए अत्तए मल्लीए अणु[मग्ग]जायए मल्लदि(ण्णए)न्ने नामं कुमारे जाव जुवराया यावि होत्था । तए णं मल्लदिन्ने कुमारे अन्नया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे मम पमदवणंसि एगं महं चित्तसभं करेह अणेग जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से मल्लदिन्ने चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! चित्तसभं हावभावविलासविब्बोयकलिएहिं रूवेहिं चित्तेह जाव पच्चप्पिणह । तए णं सा चित्तगरसेणी तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सयाइं गिहाइं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तूलियाओ वण्णए य गेण्हइ २ त्ता जेणेव चित्तसभा तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुप्पविसइ २ त्ता भूमिभागे विरयइ २ त्ता भूमिं सज्जेइ २ त्ता चित्तसभं हावभाव जाव चित्तेउं पयत्ता यावि होत्था । तए णं एगस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्तगरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया-जस्स णं दुपयस्स वा चउ(प)प्पयस्स वा अपयस्स वा एगदेसमवि पासइ तस्स णं देसाणुसारेणं तयाणुरूवं [रूवं] नि(व्व)वत्तेइ । तए णं से चित्तगर(दार)ए मल्लीए जवणियंतरियाए जालंतरेण पायंगुट्ठं पासइ । तए णं तस्स(णं) चित्तगरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-सेयं खलु ममं मल्लीए २ पायंगुट्ठाणुसारेणं सरिसगं जाव गुणोववेयं

रूवं निव्वत्तित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता भूमिभागं सज्जेइ (२ त्ता) मल्लीए २ पायंगुट्ठा-
णुसारेणं जाव निव्वत्तेइ। तए णं सा चित्तगरसेणी चित्तसभं जाव हावभा(वे)त्तं
चित्तेइ २ त्ता जेणेव मल्लदिन्ने कुमारे तेणेव उवागच्छइ जाव ए(य)वमाणत्तियं पच्च-
प्पिणइ। तए णं मल्लदिन्ने चित्तगरसेणिं सक्कारेइ २(०) विपुल जीवियारिहं पीइदाणं
द(ले)लयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं मल्लदिन्न (कुमारे) अन्नया ण्हाए अंतेउ-
रपरियालसंपरिवुडे अम्मधाईए सद्धिं जेणेव चित्तसभा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता
चित्तसभं अणुप्पविसइ २ त्ता हावभावविलास(वि)विब्बोयकलियाइं रूवाइं पासमाणे
(२) जेणेव मल्लीए २ तयाणुरू(वे)वं निव्वत्तिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं
से मल्लदिन्ने (कुमारे) मल्लीए २ तयाणुरूवं निव्वत्तियं पासइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए
जाव समुप्पज्जित्था-एस णं मल्ली २ तिकट्टु लज्जिए वीडिए वि(अडे)ड्डे सणियं २
पच्चोसक्कइ। तए णं [तं] मल्लदिन्नं अम्मधाई [सणियं २] पच्चोसक्कंतं पासित्ता एवं
वयासी-किन्नं तुमं पुत्ता! लज्जिए वीडिए विड्डे सणियं २ पच्चोसक्कसि?। तए णं से
मल्लदिन्ने अम्मधाइं एवं वयासी-जुत्तं णं अम्मो! मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवय-
भूयाए लज्जणिज्जाए मम चित्तगरणिव्वत्तियं सभं अणुपविसित्तए?। तए णं अम्म-
धाई मल्लदिन्नं कुमारं एवं वयासी-नो खलु पुत्ता! एस मल्ली, एस णं मल्लीए २
चित्तगरएणं तयाणुरूवे निव्वत्तिए। तए णं [से] मल्लदिन्ने अम्मधाईए एयमट्ठं सोच्चा
निसम्म आसुरुत्ते [४] एवं वयासी-केस णं भो (!) [से] चित्त(य)गरए अपत्थियपत्थिए
जाव परिवज्जिए जे णं मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवयभूयाए जाव निव्वत्तिए-त्तिकट्टु
तं चित्तगरं वज्झं आणवेइ। तए णं सा चित्तगर(स)सेणी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा
जेणेव मल्लदिन्ने कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं जाव वद्धावेत्ता
एवं वयासी-एवं खलु सामी! तस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्त(क)गरलद्धी लद्धा
पत्ता अभिसमन्नागया-जस्स णं दुपयस्स वा जाव निवत्तेइ, तं मा णं सामी! तुब्भे तं
चित्तगरं वज्झं आणवेह, तं तुब्भे णं सामी! तस्स चित्तगरस्स अन्नं तयाणुरूवं दंडं
निव्वत्तह। तए णं से मल्लदिन्ने तस्स चित्तगरस्स संडासगं छिंदावेइ २ त्ता निव्वि-
सयं आणवेइ। तए णं से चित्तगरए मल्लदिन्नेणं निव्विसए आणत्ते (समाणे) सभंड-
मत्तोवगरणमायाए मिहिलाओ नयरीओ निक्खमइ २ त्ता विदेहं जणवयं मज्झंमज्झेणं
जेणेव कुरुजणवए जेणेव हत्थिणाउरे नयरे (जेणेव अदीणसत्तू राया) तेणेव
उवागच्छइ २ त्ता भंडनिक्खेवं करेइ २ त्ता चित्तफलगं सज्जेइ २ त्ता मल्लीए २
पायंगुट्ठाणुसारेण रूवं निव्वत्तेइ २ त्ता कक्खंतरंसि छुब्भइ २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं
गेण्हइ २ त्ता हत्थिणाउरं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव अदीणसत्तू राया तेणेव उवा-

गच्छइ २ त्ता तं करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं सामी! मिहिलाओ रायहाणीओ कुंभगस्स रन्नो पुत्तेणं पभावईए देवीए अत्तएणं मल्लदिन्नेणं कुमारेणं निव्विसए आणत्ते समाणे इ(ह)हं हव्वमागए, तं इच्छामि णं सामी! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिए जाव परिवसित्तए। तए णं से अदीणसत्तू राया तं चित्तगरदारयं एवं वयासी–किन्नं तुमं देवाणुप्पिया! मल्लदिन्नेणं निव्विसए आणत्ते?। तए णं से चित्त(य)गरदारए अदीणस(त्तु)त्तुं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी! मल्लदिन्ने कुमारे अन्नया कया(ई)इ चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम चित्तसभं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव मम संडासगं छिंदावेइ २ त्ता निव्विसयं आणवेइ, तं एवं खलु [अहं] सामी! मल्लदिन्नेणं कुमारेणं निव्विसए आणत्ते। तए णं अदीणसत्तू राया तं चित्तगरं एवं वयासी–से केरिसए णं देवाणुप्पिया! तुमे मल्लीए त(दा)हाणुरूवे (रूवे) निव्वत्तिए?। तए ण से चित्तगरे कक्खंतराओ चित्तफल(यं)गं नीणेइ २ त्ता अदीणसत्तुस्स उवणेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं सामी! मल्लीए २ तयाणुरूवस्स रूवस्स केइ आगारभावपडोयारे निव्वत्तिए, नो खलु सक्का केणइ देवेण वा जाव मल्लीए २ तयाणुरूवे रूवे निव्वत्तित्तए। तए णं [से] अदीणसत्तू (राया) पडिरूवजणियहासे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी तहेव जाव पहारेत्थ गम(णया)णाए (५) ॥८०॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पंचाले जणवए कंपि(ल्ले)ल्लपुरे (नामं) नयरे (होत्था)। जियसत्तू नामं राया पंचालाहिवई। तस्स णं जियसत्तुस्स धारिणीपामोक्खं दे(वि)वीसहस्सं ओरोहे होत्था। तत्थ णं मिहिलाए चोक्खा नामं परिव्वाइया रिउव्वेय जाव [सु]परिणिट्ठिया यावि होत्था। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मिहिलाए बहूणं राईसर जाव सत्थवाहपभिईणं पुरओ दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणी पन्नवेमाणी परूवेमाणी उवदंसेमाणी विहरइ। तए णं सा चोक्खा (परिव्वाइया) अन्नया कयाइं तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ (य) ४ गेण्हइ २ त्ता परिव्वाइगावसहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पविरलपरिव्वाइयासद्धिं सपरिवुडा मिहिलं रायहाणिं मज्झंमज्झेणं जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे जेणेव कन्नंतेउरे जेणेव मल्ली २ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उदयपरि(फा)फोसियाए दब्भोवरि पच्चत्थुयाए भिसियाए नि(सि)सीयइ २ त्ता मल्लीए २ पुरओ दाणधम्मं च जाव विहरइ। तए णं मल्ली २ चोक्खं परिव्वाइयं एवं वयासी–तुब्भे णं चोक्खे! किंमूलए धम्मे पन्नत्ते?। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लिं २ एवं वयासी–अम्हं णं देवाणुप्पिए! सोयमूलए धम्मे पन्न(वेमि)त्ते, जं णं अम्हं किंचि असुई भवइ तं णं उद-

एण य मट्टियाए जाव अविग्घेणं सग्गं गच्छामो। तए णं मल्ली २ चोक्खं परिव्वा-
इय एवं वयासी–चोक्खा! से जहानामए के(ई)इ पुरिसे रुहिरकयं वत्थं रुहिरे(ण)णं
चेव धोवेज्जा अत्थि णं चोक्खा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं धोव्वमाणस्स
का(ई)इ सोही? नो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव चोक्खा! तुब्भे णं पाणाइवाएणं जाव
मिच्छादंसणसल्लेणं नत्थि काइ सोही जहा (व) वा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहि-
रेणं चेव धोव्वमाणस्स। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लीए २ एवं वुत्ता समा-
(णा)णी संकिया कंखिया विइगिच्छिया भेयसमावन्ना जाया(या)वि होत्था मल्लीए
नो संचाएइ किंचिवि पामोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं तं चोक्खं
मल्लीए २] व(हु)हूओ दासचेडीओ हीलेंति निंदंति खिसंति ग(र)रिहंति अप्पेगइया
[ओ] हेरुया(ल)लेंति अप्पेगइया मुहमक्कडियाओ करेंति अप्पेगइया वग्घाडीओ करेंति
अप्पेगइया त(ज्ज)ज्जेमाणीओ (क० अ०) तालेमा(णि)णीओ (क० अ०) निच्छु(भं)
हंति। तए णं सा चोक्खा मल्लीए २ दासचेडियाहिं हीलिज्जमाणी जाव गरहिज्जमाणी
आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणी मल्लीए २ पओसमावज्जइ [२] भिसियं गेण्हइ २ त्ता
कन्नंतेउराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मिहिलाओ निग्गच्छइ २ त्ता परिव्वाइयासंपरिवुडा
जेणेव पंचालजणवए जेणेव कंपिल्लपुरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वहूणं राईसर जाव
परूवेमाणी विहरइ। तए णं से जियसत्तू अन्नया कयाइ अंतेउरपरियालसद्धिं संप-
रिवुडे एवं जाव विहरइ। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइयासंपरिवुडा जेणेव जिय-
सत्तुस्स रन्नो भवणे जेणेव जियसत्तू तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुपविसइ २ त्ता
जियसत्तुं जएणं विजएणं वद्धावेइ। तए ण से जियसत्तू चोक्खं परिव्वाइयं एज्जमाणं
पासइ २ त्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता चोक्खं (परिव्वाइयं) सक्कारेइ २(०) आस-
णेणं उवनिमंतेइ। तए णं सा चोक्खा उदगपरिफोसियाए जाव भिसियाए निविसइ
जियसत्तुं रायं रज्जे य जाव अंतेउरे य कुसलोदंतं पुच्छइ। तए णं सा चोक्खा
जियसत्तुस्स रन्नो दाणधम्मं च जाव विहरइ। तए णं से जियसत्तू अप्पणो ओरो-
हंसि (जाव विम्हिए) जायविम्हए चोक्खं (परिव्वाइयं) एवं वयासी–तुमं णं देवा-
णुप्पिया! वहूणि गामागर जाव (अडह) आहिंडसि वहूण य राईसरगिहाइं अणु-
प्पविस(सि)हि, तं अत्थियाइं ते कस्स(वि)इ रन्नो वा जाव एरिसए ओरोहे दिट्ठ-
पुव्वे जारिसए णं इमे म(ह)म ओ(उव)रोहे?। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया
जियसत्तुं (रायं) एवं (वयासी–)ईसिं अवहसियं करेइ २ त्ता एवं वयासी–(एवं च)
सरिसए णं तुमं देवाणुप्पिया! तस्स अगडदद्दुरस्स। केस णं देवाणुप्पिए! से अग-
डदद्दुरे? जियसत्तू! से जहानामए अगडदद्दुरे सिया, से णं तत्थ जाए तत्थेव वु(ड्ढे)-

ड्डिए अन्नं अगडं वा तलागं वा दहं वा सरं वा सागरं वा अपासमाणे (चेवं) मन्नइ-अय चेव अगडे वा जाव सागरे वा। तए ण तं कूवं अन्ने सामुद्दए दद्दुरे हव्वमागए। तए णं से कूवदद्दुरे तं स(सा)मुद्ददद्दुरं एवं वयासी-से केस णं तुमं देवाणुप्पिया! कत्तो वा इह हव्वमागए? तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूवदद्दुरं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अहं सामुद्दए दद्दुरे । तए णं से कूवदद्दुरे तं सामुद्दयं दद्दुरं एवं वयासी-केमहालए ण देवाणुप्पिया! से समुद्दे?। तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूव-दद्दुर एवं वयासी-महालए णं देवाणुप्पिया! समुद्दे। तए णं से कूवदद्दुरे पाएणं लीहं कड्ढेइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया! से समुद्दे? नो इणट्ठे समट्ठे, महालए णं से समुद्दे। तए णं से कूवदद्दुरे पुर(च्छि)त्थिमिल्लाओ तीराओ उप्फिडि-त्ताणं[पच्चत्थिमिल्लं तीरं]गच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया! से समुद्दे? नो इणट्ठे(समट्ठे)तहेव। एवामेव तुमंपि जियसत्तू अन्नेसिं बहूणं राईसर जाव सत्थवाह(प)प्पभिईणं भज्ज वा भगिणिं वा धूयं वा सुण्हं वा अपासमाणे जा(णे)णसि जारिसए मम चेव णं ओरोहे तारिसए नो अन्नस्स। तं एवं खलु जियसत्त! मिहि-लाए नयरीए कुंभगस्स धूया पभावईए अत्तिया मल्लीनामं(ति)२ रूवेण य(जुव्वणेग) जाव नो खलु अन्ना काइ देवकन्ना वा जारिसिया मल्ली। विदेहवररायकन्नाए छिन्नस्स वि पायंगुट्ठगस्स इमे तव ओरोहे सयसहस्सइमंपि कलं न अग्घइ-त्तिकट्टु जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया। तए णं से जियसत्तू परिव्वाइयाजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव पहारेत्थ गमणाए(६)॥ ८१ ॥ तए णं तेसिं जियस(त्तु)तूपामो-क्खाणं छण्हं राईणं दूया जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं छप्पि (य)दू(तका)यगा जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए अग्गुज्जाणंसि पत्तेयं २ खंधावारनिवेसं करेंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पत्तेयं(२)करयल जाव साणं २ राईणं वय-णाइं निवेदेंति। तए णं से कुंभए(राया)तेसिं दूयाणं(अंतिए)एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ते जाव तिवलियं भिउडिं(णिडाले साहट्टु)एवं वयासी-न देमि णं अहं तुब्भ मल्लिं २ तिकट्टु ते छप्पि दूए असक्कारिय असम्माणिय अवदारेणं निच्छुभावेइ । तए णं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं दूया कुंभएणं रन्ना असक्कारिया असम्माणिया अवद्दारेग निच्छुभाविया समाणा जेणेव सगा २ ज(जा)णवया जेणेव सयाइं २ नगराइं जेणेव स(गा)या २ रायाणो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु सामी! अम्हे जियस(त्तू)त्तुपामोक्खाणं छण्हं रा(ई)याणं दूया जमगसमगं चेव जेणेव मिहिला जाव अवदारेणं निच्छुभावेइ । तं न देइ णं

सामी ! कुंभए मल्लिं २। साणं २ राईणं एयमट्ठं निवेदिति। तए णं ते जियसत्तु-पामोक्खा छप्पि रायाणो तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा(निसम्म)आसुरुत्ता अन्नमन्नस्स दूयसंपेसणं करेंति (०) एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं छण्हं राईणं दूया जमगसमगं चेव जाव निच्छूढा । त सेयं खलु देवाणुप्पिया !(अम्हं) कुंभगस्स जत्तं गेण्हित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता ण्हाया सन्नद्धा हत्थिखंधवरगया सको(रं)रिंटमल्लदामा जाव सेयवरचामराहिं(०)महया-हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं सएहि[तो]२ नगरेहिंतो जाव निग्गच्छंति २ त्ता एगयओ मिलायंति(२त्ता) जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं कुंभए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे बलवाउयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव(भो देवाणुप्पिया !) हय जाव सेन्नं सन्नाहेह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं कुंभए(राया)ण्हाए सन्नद्धे हत्थि-खंधवरगए जाव सेयवरचाम(राहि)रए महया (०) मिहिलं(रायहाणिं)मज्झंमज्झेणं नि(ग्गच्छइ)ज्जाइ २ त्ता विदे(हं)हजणवय मज्झंमज्झेणं जेणेव देसअंते तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता)खंधावारनिवेस करेइ २ त्ता जियसत्तूपामोक्खा छप्पि य रायाणो पडिवालेमाणे जुज्झसज्जे पडिचिट्ठइ । तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा छप्पि(य) रायाणो जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता कुंभएणं रन्ना सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था। तए णं (ते) जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो कुंभयं रायं हयमहिय-पवरवीरघाइय(नि)विवडियचिंध(द्ध)धय(छत्त) पडागं किच्छप्पाणोवगयं दिसोदि(सि)-सं पडिसे(हि)हंति। तए णं से कुंभए (राया)जियसत्तुपामोक्खेहिं छहि राईहि हय-महिय जाव पडिसेहिए समाणे अत्थामे अबले अवीरिए जाव अधारणिज्जमितिकट्टु सिग्घं तुरियं जाव वेइयं जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मिहिलं अणुपवि-सइ २ त्ता मिहिलाए दुवाराइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं ते जिय-सत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं निस्संचारं निरुच्चारं सव्वओ समंता ओरुंभित्ताणं चिट्ठंति । तए ण से कुंभए(राया)मिहिलं रायहाणिं रुद्धं जाणित्ता अ(ब्भं)ब्भिंतरियाए उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं छिद्दाणि य विवराणि य मम्माणि य अलभमाणे बहूहि आएहि य उवाएहि य उप्पत्तियाहि य ४ बुद्धीहिं परिणामेमाणे २ किंचि आय वा उवायं वा अलभमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ । इमं च णं मल्ली ? ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं परि-वुडा जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कुंभगस्स पायग्गहणं करेइ । तए णं

कुंभए(राया)मल्लिं २ नो आढाइ नो परियाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं मल्ली २ कुंभगं(रायं)एवं वयासी–तुब्भे णं ताओ! अन्नया ममं एज्जमाणं जाव निवेसेह, किन्नं तुब्भ अज्ज ओहय जाव झियायह? । तए णं कुंभए मल्लिं २ एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता! तव कज्जे जियसत्तुपामोक्खेहिं छहिं राईहिं दूया संपेसिया । ते णं मए असक्कारिया जाव निच्छूढा। तए ण(ते)जियसत्तूपा(मु)मोक्खा तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा परिकुविया समाणा मिहिल रायहाणिं निस्संचारं जाव चिट्ठंति । तए णं अहं पुत्ता(!)तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं अंतराणि अलभमाणे जाव झियामि । तए णं सा मल्ली २ कुंभ(यं)गं रायं एवं वयासी–मा णं तुब्भे ताओ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह, तुब्भे णं ताओ! तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं पत्तेयं २ रह(सियं)स्सिए दूयसंपेसे करेह एगमेगं एवं वयह–तव देमि मल्लिं २ तिकट्टु संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि निसंत-पडिनिसंतंसि पत्तेयं २ मिहिलं रायहाणिं अणुप्प(वे)विसेह २ त्ता गब्भघरएसु अणुप्पविसेह मिहिलाए रायहाणीए दुवाराइं पिहेह २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठह । तए णं कुंभए(राया)एवं तं चेव जाव पवेसेइ रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं ते जियसत्तु-पामोक्खा छप्पि(य)रायाणो कल्लं(पाउब्भूया)जाव [जलंते] जालंतरेहिं कणगमयं मत्थयछिड्डं पउमुप्पलपिहाणं पडिमं पासंति एस णं मल्ली २ तिकट्टु मल्लीए २ रूवे य जोव्वणे य लावण्णे य मुच्छिया गिद्धा जाव अज्झोववन्ना अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणा २ चिट्ठंति । तए णं सा मल्ली २ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता जेणेव जालघरए जेणेव कण(य)गपडिमा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तीसे कण पडिमाए मत्थयाओ तं पउमं अवणेइ। तए णं गंधे निद्धा(व)वेइ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव असुभतराए चेव। तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा तेणं असुभेगं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरि(ज्जए)ज्जेहिं आसाइं पिहेंति २ त्ता परम्मुहा चिट्ठंति। तए णं सा मल्ली २ ते जियसत्तुपामोक्खे एव वयासी–किं णं तु(ब्भं)ब्भे देवाणुप्पिया! सएहि २ उत्तरिज्जेहिं जाव परम्मुहा चिट्ठह? । तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा मल्लिं २ एवं वयंति–एवं खलु देवाणुप्पिए! अम्हे इमेणं असुभेण गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ जाव चिट्ठामो । तए णं मल्ली २ ते जियसत्तूपामोक्खे एवं वयासी–जइ ताव देवाणुप्पिया! इमीसे कणग जाव पडिमाए कल्लाकल्लिं ताओ मणुन्नाओ असणाओ ४ एगमेगे पिंडे पक्खिप्पमाणे २ इमेयारूवे असुभे पोग्ग(ल)ले परिणामे इमस्स पुण ओरालियसरीरस्स खेलासवस्स वंतासवस्स पित्तासवस्स सु(क)क्कासवस्स सोणियपूयासवस्स दु(रूव)रूयऊसासनीसा-

सस्स दुरुयसुत्त(पु)पूइयपुरीसपुण्णस्स सडण जाव धम्मस्स केरिसए[य]परिणामे भविस्सइ ? तं मा णं तुब्भे देवाणुप्पिया! माणुस्सएसु कामभोगेसु सज्जह रज्जह गिज्झह मुज्झह अज्झोववज्जह । एवं खलु देवाणुप्पिया!(तुम्हे)अम्हे इ(माओ,मे तच्चे भवग्गहणे अवरविदेहवासे सलिलावईविजए वीयसोगाए रायहाणीए महब्बलपामोक्खा सत्त(वि)पियबालवयंसया रायाणो होत्था सहजाया जाव पव्वइया । तए णं अह देवाणुप्पिया! इमेणं कारणेणं इत्थीनामगोयं कम्मं निव्वत्तेमि-जइ णं तु(ब्भं)ब्भे चउ(चो)त्थं उवसंपज्जित्ताणं विहरह त(ए)ओ णं अहं छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि सेसं तहेव सव्वं। तए णं तुब्भे देवाणुप्पिया! कालमासे कालं किच्चा जयंते विमाणे उववन्ना । तत्थ णं तु(ब्भे)ब्भं देसूणाइं बत्तीसाइं सागरोवमाइं ठिई । तए णं तुब्भे ताओ देवलो(या)गाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ (जाव) साइं २ रज्जाइं उवसंपज्जित्ताणं विहरह । तए णं अहं(देवाणुप्पिया!)ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव दारियत्ताए पच्चायाया । किं(थ)च तयं पम्हुट्ठं जं थ तया भो जयंतपवरंमि । वुत्था समयनिबद्धं देवा तं संभरह जाइं ॥ १ ॥ तए णं तेसिं जियसत्तुपामोक्खाण छण्हं रा(या)ईणं मल्लीए २ अंतिए एयमट्ठं सोच्चा २ सुभेणं परिणामेणं पसत्थेणं अज्झवसाणेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहा(वू)पूह जाव सन्निजाईसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठं सम्मं अभिसमागच्छंति । तए णं मल्ली अरहा जियसत्तुपामोक्खे छप्पि रायाणो समुप्पन्नजा(इ)ईसरणे जाणित्ता गब्भघराणं दाराइं विहा(डावे)डेइ । तए णं(ते) जियसत्तुपामोक्खा जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति । तए णं महब्बलपामोक्खा सत्त पियबालवयंसा एगयओ अभिसमन्नागया(या)वि होत्था । तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे छप्पि(य)रायाणो एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! संसारभ(य)उव्विग्गा जाव पव्वयामि, तं तुब्भे णं किं करेह किं ववसह(जाव)किं भे हियसामत्थे ? । तए णं जियसत्तुपामोक्खा(छ० रा०)मल्लिं अरहं एवं वयासी-जइ ण तुब्भे देवाणुप्पिया! संसार जाव पव्वयह अम्हाणं देवाणुप्पिया! के अन्ने आलवणे वा आहारे वा पडिबंधे वा? जह चेव णं देवाणुप्पिया! तुब्भे अ(म्हे)म्हं इओ तच्चे भवग्गहणे बहूसु कज्जेसु य मेढी पमाणं जाव धम्मधुरा होत्था त(हा)ह चेव णं देवाणुप्पिया! इण्हिंपि जाव भविस्सह । अम्हे वि(य)णं देवाणुप्पिया! संसारभउव्विग्गा जाव भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पिया-(णं)सद्धिं मुंडा भवित्ता जाव पव्वयामो । तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी-(जं)जइ णं तुब्भे संसार जाव मए सद्धिं पव्वयह तं गच्छह णं तुब्भे

देवाणुप्पिया! सएहिं २ रज्जेहिं जे(ट्ठे)ट्ठपुत्ते रज्जे ठावेह २ त्ता पुरिससहस्स-वाहिणीओ सीयाओ दुरूहह(दुरूढा समाणा)२ त्ता मम अंतियं पाउब्भवह। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा मल्लिस्स अरहओ एयमट्ठं पडिसुणेंति। तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामो(क्खे)क्खा गहाय जेणेव कुंभए (राया) तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कुंभगस्स पाएसु पाडेइ। तए ण कुंभए (राया) ते जियसत्तु-पामोक्खा विउलेणं असणेण ४ पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ जाव पडिवि-सज्जेइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा कुंभएणं रन्ना विसज्जिया समाणा जेणेव साइं २ रज्जाइं जेणेव नगराइ तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सगाइं [२] रज्जाइं उवसंपज्जित्ता[णं] विहरंति। तए णं मल्ली अरहा संवच्छरावसाणे निक्खमिस्सामित्ति मणं पहारेइ ॥ ८२ ॥ तेणं कालेणं तेण समएणं सक्कस्स आसणं चलइ। तए णं सक्के देविंदे देवराया आसणं चलियं पासइ २ त्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता मल्लिं अरहं ओहिणा आभोएइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे मिहिलाए कुंभगस्स रन्नो मल्ली अरहा निक्खमिस्सामित्ति मणं पहारेइ। तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पन्नमणागयाणं सक्काणं (३) अरहंताणं भगवं-ताणं निक्खममाणाणं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं द(लि)लइत्तए तंजहा–तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीइं च हुं(हो)ति कोडीओ। असिइं च सयसहस्सा इंदा दलयंति अरहाणं ॥ १ ॥ एवं संपेहेइ २ त्ता वेसमणं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जाव असीइं च सयसहस्साइं दलइत्तए, तं गच्छह णं देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे (दीवे) भारहे वासे मिहिलाए कुंभगभवणंसि इमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहराहि २ त्ता खिप्पामेव मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि। तए णं से वेसमणे देवे सक्केणं देविंदेणं(०) एवं वुत्ते (समाणे) ह(०)ट्ठे करयल जाव पडि-सुणेइ २ त्ता जंभए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! जंबु-द्दीवं २ भारहं वासं मिहिलं रायहाणिं कुंभगस्स रन्नो भवणंसि तिन्नेव य कोडिसया अट्ठासीयं च कोडीओ अ(सि)सीयं च सयसहस्साइं अयमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहरह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते जंभगा देवा वेसमणेण जाव सुणेत्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमंति जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं वि(इ)उव्वंति २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव वीइवयमाणा जेणेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जेणेव मिहिला रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता कुंभगस्स रन्नो भवणंसि तिन्नि कोडिसया जाव साहरंति २ त्ता जेणेव वेसमणे देवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से वेसमणे देवे जेणेव सक्के ३ तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव पच्चप्पिणइ । तए णं मल्ली अरहा कल्लाकल्लिं जाव मागहओ पायरासो त्ति बहूणं सणाहाण य अणाहाण य पहियाण य पथियाण य करोडियाण य कप्पडियाण य एगमेगं हिरण्णकोडिं अट्ठ य अणूणाइं सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलयइ । तए णं (से)कुंभए (राया) मिहिलाए रायहाणीए तत्थ २ तहिं २ देसे २ बहूओ महाणससालाओ करेइ । तत्थ णं बहवे मणुया दिन्नभइ-भत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति (०) जे जहा आगच्छंति तजहा-पथिया वा पहिया वा करोडिया वा कप्पडिया वा पासंडत्था वा गिहत्था वा तस्स य तहा आसत्थस्स वीसत्थस्स सुहासणवरगयस्स तं विउलं असणं ४ परिभाएमाणा परिवे-सेमाणा विहरंति । तए णं मिहिलाए सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइ-क्खइ-एवं खलु देवाणुप्पिया ! कुंभगस्स रन्नो भवणंसि सव्वकामगुणियं किमिच्छियं विपुलं असणं ४ बहूणं समणाण य जाव परिवेसिज्जइ । वरवरिया घोसिज्जइ किमि-च्छियं दिज्जए बहुविहीयं । सुरअसुरदेवदाणवनरिंदमहियाण निक्खमणे ॥ १ ॥ तए णं मल्ली अरहा सवच्छरेणं तिन्नि कोडिसया अट्ठासी(ति)यं च होति कोडीओ अ(सिर्तिं)सीयं च सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसपयाणं दलइत्ता निक्खमामित्ति मणं पहारेइ ॥ ८३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं लोगंतिया देवा बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणपत्थडे सएहिं २ विमाणेहिं सएहिं २ पासायवडिसएहि पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहि तिहि परिसाहिं सत्तहिं अणिएहि सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहि अन्नहि य बहूहिं लोगंतिएहिं देवेहि सद्धिं सपरि-वुडा महयाहयनट्टगीयवाइय जाव रवेणं भुंजमाणा विहरंति तंजहा—सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य । तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य ॥ १ ॥ तए णं तेसिं लो(यं)गंतियाणं देवाणं पत्तेयं २ आसणाइ चलति तहेव जाव अरहताणं निक्खममाणाणं संबोहणं क(रे)रित्तए-त्ति तं गच्छामो णं अम्हे मल्लिस्स अरहओ संबोहणं करे(मि)मो-त्तिकट्टु एव संपेहेंति २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभा(यं०)गं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति(०) सं(खि)खेज्जाइं जोयणाइं एवं जहा जंभगा जाव जेणेव मिहिला रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अंतलिक्खपडिवन्ना सखिंखिणियाइं जाव वत्थाइं पवरपरिहिया करयल जाव ताहिं इट्ठाहिं (जाव) एवं वयासी-बुज्झाहि भगवं(!) लोग नाहा ! पवत्तेहि धम्मतित्थं जीवाणं हियसुहनिस्सेयसकरं भविस्सइ-त्तिकट्टु दोच्चपि तच्चंपि एवं वयंति (०) मल्लिं अरहं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भू(आ)या तामेव दिसिं पडिगया । तए णं मल्ली अरहा तेहिं लोगंतिएहिं देवेहि संबोहिए समाणे जेणेव

अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–इच्छामि णं अम्म· याओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करे(हि)ह। तए णं कुंभए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी- खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं [कलसाणं] जाव भोमेज्जाणं (ति) अन्नं च महत्थं जाव तित्थयराभिसेयं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे जाव अच्चुयपज्जवसाणा आगया। तए णं सक्के (३) आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं (कलसाण) जाव अन्नं च तं विपुलं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति। तेवि कलसा ते चेव कलसे अणुपविट्ठा। तए णं से सक्के देविंदे देवराया कुंभए य राया मल्लिं अरहं सीहासणंसि पुरत्थाभिमुहं निवेसेइ अट्ठसहस्सेणं सोवण्णियाणं जाव अभिसिंचंति। तए णं मल्लिस्स भगवओ अभिसेए वट्टमाणे अप्पेगइया देवा मिहिलं च सब्भित(रं)रबा(हिं)हिरं जाव सव्वओ समंता [सं]परिधावंति। तए णं कुंभए राया दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं जाव सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव मणोरमं सीयं उवट्ठवेह ते उवट्ठवेंति। तए णं सक्के (३) आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव अणेगखंभ जाव (मणोरमं) सीयं उवट्ठवेह जाव सावि सीया तं चेव सीयं अणुप्पविट्ठा। तए णं मल्ली अरहा सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव मणोरमा सीया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मणोरमं सीयं अणुपयाहिणीकरेमाणा मणोरमं सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे। तए णं कुंभए (राया) अट्ठारस सेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया मल्लिस्स सीयं परिवहह जाव परिवहंति। तए णं सक्के ३ मणोरमाए [सीयाए] दक्खिणिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ। ईसाणे उत्तरिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ। चमरे दाहिणिल्लं हेट्ठिल्लं बली उत्तरिल्लं हेट्ठिल्लं अवसेसा देवा जहारिहं मणोरमं सीयं परिवहंति–पुव्विं उक्खित्ता माणु(स)सेहिं (तो)सा हट्ठरोमकूवेहिं । पच्छा वहंति सीयं असुरिंदसुरिंदना(गें)गिंदा ॥१॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी। देविंददाणविंदा वहंति सीयं जिणिंदस्स ॥२॥ तए णं मल्लिस्स अरहओ मणोरमं सीयं दुरूढस्स इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपु(व्वीए)व्वेणं एवं निग्गमो जहा जमालिस्स। तए णं मल्लिस्स अरहओ निक्खममाणस्स अप्पेगइया देवा मिहिलं आसिय जाव अब्भितरवासविहिगाहा जाव परिधावंति। तए णं मल्ली अरहा जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २त्ता सीयाओ पच्चोरु(भ)हइ० आभरणालंकारं पभावई पडिच्छइ।

तए णं मल्ली अरहा सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ। तए णं सक्के ३ मल्लिस्स केसे पडिच्छइ (२त्ता) खीरोदगसमुद्दे साहर(पक्खिव)इ। तए णं मल्ली अरहा नमो(ऽ)त्थु णं सिद्धाणं-तिकट्टु सामाइय(च)चारित्त पडिवज्जइ। जं समयं च णं मल्ली अरहा चारित्तं पडिवज्जइ तं समयं च णं देवाणं [य] माणुसाण य निग्घोसे तु(रि)डिय(नि)णा(य)ए गीयवाइय-निग्घोसे य सक्क(स्स)वयणसंदेसेणं निलुक्के यावि होत्था। जं समयं च णं मल्ली अरहा सामाइ(यं)यचारित्तं पडिवन्ने तं समय च णं मल्लिस्स अरहओ माणुसधम्माओ उत्तरिए मणपज्जवनाणे समुप्पन्ने। मल्ली णं अरहा जे से हेमंताणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे पोससुद्धे तस्स णं पोससुद्धस्स एक्कारसीपक्खेणं पुव्वण्हकालसमयंसि अट्ठमेणं भत्तेणं अपाणएणं अस्सिणीहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं तिहिं इत्थीसएहिं अब्भिंतरियाए परिसाए तिहिं पुरिससएहिं बाहिरियाए परिसाए सद्धिं मुंडे भवित्ता पव्वइए। मल्लिं अरहं इमे अट्ठ ना(रा)यकुमारा अणुपव्वइंसु तंजहा—नंदे य नंदिमित्ते सुमित्तबलमित्त-भाणुमित्ते य। अमरवइ अमरसेणे महसेणे चेव अट्ठमए ॥ १ ॥ तए णं (से) ते भव-णवई ४ मल्लिस्स अरहओ निक्खमणमहिमं करेंति २ त्ता जेणेव नंदीस(रव)रे(०) अट्ठाहियं करेंति जाव पडिगया। तए णं मल्ली अरहा जं चेव दिवसं पव्वइए तस्सेव दिवसस्स पुव्वा(प०)वरण्हकालसमयंसि असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि सुहासणवरगयस्स सुहेणं परिणामेणं(पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं) पसत्थाहिं लेसाहिं (विसुज्झमाणीहिं) तयावरणकम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते जाव केवल[वर]नाणदंसणे समुप्पन्ने ॥८४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सव्वदेवाणं आ-सणाइं च(लं)लेंति समोसढा सुणेंति अट्ठाहि(य)यं म(हिमा)हा० नंदीस(रे)रं [जाव] जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव (दिसिं) पडिगया। कुंभए वि निग्गच्छइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि य रायाणो जेट्ठपुत्ते रज्जे ठावेत्ता पुरिससहस्सवाहिणी-याओ दुरूढा सव्विड्ढीए जेणेव मल्ली अरहा जाव पज्जुवासंति। तए णं मल्ली अरहा तीसे महइमहालियाए कुंभगस्स (रण्णो) तेसिं च जियसत्तुपामोक्खाणं धम्मं [परि]कहेइ। परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। कुंभए समणोवासए जाए पडिगए पभावई(य समणोवासिया जाया पडिगया) पि। तए णं जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो धम्मं सोच्चा आलित्तए णं भंते! जाव पव्वइया [जाव] चोद्दसपुव्विणो अणंते केव(ले)ली सिद्धा। तए णं मल्ली अरहा सहसंबवणाओ [पडि]निक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। मल्लिस्स णं (अरहओ) भिसग-(किसुय)पामोक्खा अट्ठावीसं गणा अट्ठावीसं गणहरा होत्था। मल्लिस्स णं अरहओ [अट्ठ]चत्तालीसं समणसाहस्सीओ उक्को०। बंधुम(ई)इपामोक्खाओ पणपन्नं अज्जिया-

साहस्सीओ उक्को० । सुव्वयपामोक्खा(मल्लिस्स ण अरह)ओ सावयाणं एगा सयसाहस्सी चुलसीइं (च) सहस्सा (०) सुगंदापामोक्खा(मल्लिस्स णं अरह)ओ सावियाणं तिण्णि सयसाहस्सीओ पण्णट्ठि च सहस्सा (०) छ(स्)ससया चोद्दसपुव्वीणं [संपया ।] वी(स)सं सया ओहिनाणीणं बत्तीसं सया केवलनाणीणं पणतीसं सया वेउव्वियाणं अट्ठसया मणपज्जवनाणीणं चोद्दससया वाईणं वीसं सया अणुत्तरोववाइयाणं । मल्लिस्स [णं] अरहओ दुविहा अंतगडभूमी होत्था तंजहा–जु(यं)गंतकरभूमी परियायंतकरभूमी य जाव वीसइमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी दुवा[ल]सपरियाए अंतमकासी । मल्ली णं अरहा पणवीसं धणू (०) उड्ढं उच्चत्तेणं वण्णेणं पियंगु(स)समे समचउरंससंठाणे वज्जरिसहनारायसंघयणे मज्झदेसे सुहंसुहेणं विहरित्ता जेणेव सम्मेए पव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता संमेयसेलसिहरे पाओवगमणुववन्ने । मल्ली णं अरहा एगं वाससयं अगारवासमज्झे पणपन्नं वाससहस्साइं वाससयऊणाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता पणपन्नं वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चे(चि)त्तसुद्धे तस्स णं चेत्तसुद्धस्स चउत्थीए भरणीए नक्खत्तेणं अद्धरत्तकालसमयंसि पंचहिं अज्जियासएहिं अब्भिंतरियाए परिसाए पंचहिं अणगारसएहिं बाहिरियाए परिसाए मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं वग्घारियपाणी खीणे वेयणिज्जे आउए ना(मे)मगोए सिद्धे । एवं परिनिव्वाणमहिमा भाणियव्वा जहा जंबुद्दीवपण्णत्तीए नंदीसरे अट्ठाहियाओ पडिगयाओ । एवं खलु जंबू ! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते–त्तिबेमि ॥ ८५ ॥ **गाहाउ**–उग्गतवसंजमवओ पगिट्ठफलसाहगस्सवि जियस्स । धम्मविसएवि सुहुमावि होइ माया अणत्थाय ॥ १ ॥ जह मल्लिस्स महाबलभवंमि तित्थयरनामबंधेऽवि । तवविसय–थेवमाया जाया जुवइत्तहेउत्ति ॥ २ ॥ **अट्ठमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते नवमस्स णं भंते ! नायज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था । (तीसे णं चंपाए नयरीए कोणिए नामं राया होत्था तत्थ णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए) पुण्णभद्दे(नामं) उज्जाणे(होत्था) । तत्थ णं मार्कदी नामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं भद्दा नामं भारिया होत्था । तीसे ण भद्दाए अत्तया दुवे सत्थवाहदारया होत्था तंजहा–जिणपालिए य जिणरक्खिए य । तए णं तेसिं मागंदियदारगाणं अन्नया कयाइ एगयओ इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–एवं खलु अम्हे लवणसमुद्दं पोयवहणेणं एक्कारस

वारा ओगाढा सव्वत्थ वि य णं लद्धट्ठा कयकज्जा अणहसमग्गा पुणरवि निय(य)-
गघरं हव्वमागया। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! दुवालसमंपि लवणसमुद्दं
पोयवहणेणं ओगाहित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठ पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव अम्मा-
पियरो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अम्हे अम्मयाओ! एक्कारस
वारा तं चेव जाव निय(यं)गघरं हव्वमागया, तं इच्छामो णं अम्मयाओ!
तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा दुवालस(मं)लवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए।
तए णं ते मागंदियदारए अम्मापियरो एवं वयासी—इमे (ते) मे जाया! अज्जग
जाव परिभाएत्तए, तं अणुहोह ताव जाया! विपुले माणुस्सए इड्ढीसक्कार-
समुदए, किं भे सपच्चवाएणं निरालंवणेणं लवणसमुद्दोत्तारेणं? एवं खलु पुत्ता!
दुवालसमी जत्ता सोवसग्गा यावि भवइ, तं मा णं तुब्भे दुवे पुत्ता! दुवालसमंपि
लवण जाव ओगाहेह, मा हु तुब्भं सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ। तए णं [ते]
मा(गं)कंदियदारगा अम्मापियरो दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-एवं खलु अम्हे अम्म-
याओ! एक्कारस वारा लवण जाव ओगाहित्तए। तए णं ते मा(गदी)कंदियदारए
अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य (आघवित्तए
वा पन्नवित्तए वा) ताहे अकामा चेव एयमट्ठं अणु(जाणि)मन्नित्था। तए ण ते
माकंदियदारगा अम्मापिऊहिं अब्भणुन्नाया समाणा गणिमं च धरिमं च मेज्जं च
पारिच्छेज्जं च जहा अरहन्नगस्स जाव लवणसमुद्दं वहूइं जो(अ)यणसयाइं ओगाढा
॥ ८६ ॥ तए णं तेसिं माकंदियदारगाणं अणेगाइ जोयणसयाइं ओगाढाणं समा-
णाणं अणेगाइं उप्पाइयसयाइं पाउब्भूयाइं तंजहा-अकाले गज्जियं जाव थणियसद्दे
कालियवाए तत्थ समुट्ठिए। तए णं सा नावा तेणं कालियवाएणं आहुणिज्जमाणी
२ संचालिज्जमाणी २ संखोभिज्जमाणी २ सलिलतिक्खवेगेहिं अइव(आय)ट्टिज्ज-
माणी २ कोट्टिमंसि करतलाहए विव तिं(ते)दूसए तत्थेव २ ओवयमाणी य उप्पयमाणी
य उप्पयमाणी-विव धरणीयलाओ सिद्धविज्जा विज्जाहरकन्नगा ओवयमाणी विव
गगणतलाओ भट्ठविज्जा विज्जाहरकन्नगा विपलायमाणी विव महागरुलवेगवित्तासिया
भुयगवरकन्नगा धावमाणी विव महाजणरसियसद्दवित्तत्था ठाणभट्ठा आसकिसोरी
निगुंजमाणी विव गुरुजणदिट्ठावराहा सु(य)जणकुलकन्नगा घुम्ममाणी विव वी(वी)-
चिपहारसयतालिया गलियलंबगा विव गगणतलाओ रोयमाणी विव सलिल[भिन्न]-
गंठिविप्पइरमाण(घो)थोरंसुवाएहिं नववहू उवरयभत्तुया विलवमाणी विव परचक्कराया-
भिरोहिया परममहब्भयाभिद्दुया महापुरवरी झायमाणी विव कवडच्छोम[ण]पओग-
जुत्ता जोगपरिव्वाइया नीस(निसा)समाणी विव महाकंतारविणिग्गयपरिस्सता

परिणयवया अम्मया सोयमाणी विव तवचरणखीणपरिभोगा च(य)वणकाले देवव-रवहू संचुण्णियकट्ठकूवरा भग्गमेढिमोडियसहस्समाला सूलाइयवंकपरिमासा फलहं-तरतडतडेंतफुट्टंतसंधिवियलंतलोह(की)खीलिया सव्वंगवियंभिया परिसडियरज्जुवि-सरंतसव्वगत्ता आमगमल्लगभूया अकयपुण्णजणमणोरहो विव चिंतिज्जमाणगुरुई हाहाकयकण्णधारनावियवाणियगजणकम्म(गा)करविलविया नाणाविहरयणपणियसं-पुण्णा बहूहिं पुरिससएहिं रोयमाणेहिं कंदमाणेहिं सोयमाणेहिं तिप्पमाणेहिं विलव-माणेहिं एगं महं अंतोजलगयं गिरिसिहरमासा(य)इत्ता संभग्गकूवतोरणा मोडिय(झ)-ज्झयदंडा वलयसयखंडिया क(र)डंकडस्स तत्थेव विद्दवं उवगया। तए णं तीए नावाए भिज्जमाणीए [ते] बहवे पुरिसा विपुलप(डि)णियभंडमायाए अंतोजलंमि निम-ज्जावि यावि होत्था। तए णं ते मार्कदियदारगा छेया दक्खा पत्तट्ठा कुसला मेहावी निउणसिप्पोवगया बहुसु पोयवहणसंपराएसु कयक(ण)गा लद्धविजया अमूढा अमूढहत्था एगं महं फलगखंडं आसादेंति। जं(सिं)सि च णं पएसंसि से पोयवहणे विवन्ने तंसि च णं पएसंसि एगे महं रयण(द्दी)दीवे नामं दीवे होत्था अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं अणेगाइं जोयणाइं परिक्खेवेणं नाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए पासाईए दरि(द)सणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे। तस्स णं बहुमज्झदेसभाए ए(त)त्थ णं महं एगे पासायवडेंसए होत्था अब्भुग्गयमूसि(य)ए जाव सस्सिरी(भू)यरूवे पासाईए ४। तत्थ णं पासायवडेंसए रयणदीवदेवया नामं देवया परिवसइ पावा चंडा रुद्दा खुद्दा साहसिया। तस्स णं पासायव(डिं)डेंसयस्स चउ(द्दि)दिसिं चत्तारि वणसंडा [पन्नत्ता] किण्हा किण्होभासा। तए णं ते मार्कदियदारगा तेणं फलय-खंडेणं उवुज्झमाणा २ रयणदीवंतेणं संवुढा यावि होत्था। तए णं ते मार्कदियदा-रगा थाहं लभंति २ त्ता मुहुत्तंतरं आ(स)सासंति २ त्ता फलगखंडं विसज्जेंति २ त्ता रयणदीवं उत्त(रं)रेंति २ त्ता फलाणं मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता फलाइं (गि(गे)ण्हंति २ त्ता) आहारेंति २ त्ता नालि(ए)यराणं मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता नालियराइं फोडेंति २ त्ता नालियरतेल्लेणं अन्नमन्नस्स गाया(गत्ता)इं अ(ब्भं)ब्भिंगेंति २ त्ता पोक्खरणीओ ओगा(हिं)हेंति २ त्ता जलमज्जणं करेंति २ त्ता जाव पच्चुत्तरंति २ त्ता पुढ-विसिलापट्टयंसि निसीयंति २ त्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया चं(पा)पं नयरिं अम्मापिउआपुच्छणं च लवणसमुद्दोत्ता(रं)रणं च कालियवायसं(स)मु(त्थ)च्छणं च पोयवहणविवत्तिं च फलयखंड[य]स्स आसायणं च रयणदी(वु)वोत्तारं च अणुचिंते-माणा २ ओहयमणसंकप्पा जाव झिया(यें)यंति। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मार्कं-दियदारए ओहिणा आभोएइ २ त्ता असिफलगवग्गहत्था सत्त[अ]ट्ठ(ता)तलप्पमाणं

उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए वी(इ)ईवयमाणी २ जेणेव मार्कंदियदारए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आसुरुत्ता [ते] मार्कंदियदारए खरफरुसनिट्ठुर-वयणेहिं एवं वयासी–हं भो मार्कंदियदारया ! (अपत्थियपत्थिया !) जइ णं तुब्भे मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरह तो भे अत्थि जीवि(अ)यं, अह(ण)णं तुब्भे मए सद्धिं विउलाइं नो विहरह तो भे इमेणं नीलुप्पलगवलगुलिय जाव खुरधारेणं असिणा रत्तगंडमंसुयाइं माउ(या)आहिं उवसोहियाइ तालफला-(णी)णिव सीसाइं एगंते एडेमि। तए णं ते मार्कंदियदारगा रयणदीवदेवयाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी—जन्नं देवाणु-प्पिया (!) वइस्सइ तस्स आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठिस्सामो। तए णं सा रयणदीव-देवया ते मार्कंदियदारए गेण्हइ २ त्ता जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असुभपोग्गलावहारं करेइ २ त्ता सुभपोग्गलपक्खेवं करेइ २ त्ता [तओ] पच्छा तेहिं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ कल्लाकल्लिं च अमयफलाइं उवणेइ ॥ ८७ ॥ तए णं सा रयणदीवदेवया सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहि-वइणा लवणसमुद्दे तिसत्तखुत्तो अणुपरिय(ट्टि)ट्टेयव्वे त्ति जं किंचि तत्थ तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा कयवरं वा अ(ई)इ पू(ति)यं दुरभिगंधमचोक्खं तं सव्वं आहुणिय २ तिसत्तखुत्तो एगंते एडेयव्वं–तिकट्टु निउत्ता। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मार्कं-दियदारए एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिए(णं)ण लवणाहिवइणा तं चेव जाव निउत्ता। तं जाव [ताव] अहं देवाणुप्पिया ! लवण-समुद्दे जाव एडेमि ताव तुब्भे इहेव पासायवडेंसए सुहंसुहेणं अभिरममाणा चिट्ठह। जइ णं तुब्भे एयंसि अंतरंसि उव्विग्गा वा उस्सुया वा उप्पुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे पुर(च्छि)त्थिमिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उ(ऊ)ऊ सया साहीगा तंजहा–पाउसे य वासारत्ते य। तत्थ उ कंदलसिलिंधदंतो निउरवरपुप्फपीवरकरो। कुडयज्जुणनीवसुरभिदाणो पाउसउऊ–गयवरो साहीणो ॥ १ ॥ तत्थ य–सुरगोवमणि-विचित्तो दद्दुरकुलरसियउज्झररवो। वरहिण(विं)वंदपरिणद्धसिहरो वासार(त्तो)त्तउ-ऊपव्वओ साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! वहुसु वावीसु य जाव सरसरपंतियासु [य] व(हू)हुसु आलीघरएसु य मालीघरएसु य जाव कुसुमघरएसु य सुहंसुहेगं अभिरममाणा [२] विह(रे)रिज्जाह। जइ णं तुब्भे त(ए)त्थ वि उव्विग्गा वा उस्सुया वा उप्पुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे उत्तरिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तंजहा–सरदो य हेमंतो य। तत्थ उ सणस(त्त)त्तिवण्णकउ-(ओ)हो नीलुप्पलपउमनलिणसिंगो। सारसच(क्का)क्कायरवियघोसो सरयउऊ–गोवई

साहीणो ॥ १ ॥ तत्थ य सियकुंदधवलजोण्हो कुसुमियलोद्धवणसंडमंडलतलो। तुसारदगधारपीवरकरो हेमंतउऊससी सया साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! वावीसु य जाव विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे तत्थ वि उव्विग्गा वा जाव उस्सुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे अवरिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तंजहा–वसंते य गिम्हे य। तत्थ उ सहकारचारुहारो किंसुयकण्णियारासोगमउडो। ऊसियतिलगव(उ)कुलायवत्तो वसंतउऊ–नरवई साहीणो॥ १ ॥ तत्थ य पाडलसिरीससलिलो म(लि)ल्लियावासंतियधवलवेलो सीयलसुरभिअनिलमगरचरिओ गिम्हउऊसागरो साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं बहूसु जाव विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! तत्थ वि उव्विग्गा [वा] उस्सुया [वा उप्पुया वा] भवेज्जाह तओ तुब्भे जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छेज्जाह ममं पडिवालेमाणा २ चिट्ठेज्जाह। मा णं तुब्भे दक्खिणिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं महं एगे उग्गविसे चंडविसे घोरविसे महाविसे अइका(य)ए महाकाए जहा तेयनिसग्गे मसिमहि(सा)समूसाकालए नयणविसरोसपुण्णे अंजणपुंजनियरप्पगासे रत्तच्छे जमलजुयलचंचलचलंतजीहे धरणियलवेणिभूए उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्खडवियडफडाडोवकरणदच्छे लो(गाहा)हागरधम्ममाणधमधमेंतघोसे अणागलियचंडतिव्वरोसे समु(हिं)हं तुरि(यं)यचवलं धमध(मं)मेंतदिट्ठीविसे सप्पे (य) परिवसइ। मा णं तुब्भं सरीर(ग)स्स वावत्ती भविस्सइ। ते मार्कंदियदारए दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोह[ण]णइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए लवणसमुद्दं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टेउं पयत्ता यावि होत्था ॥ ८८ ॥ तए णं ते मार्कंदियदारया तओ मुहुत्तंतरस्स पासायवडेंसए सइं वा रइं वा धिइं वा अलभमाणा अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! रयणदीवदेवया अम्हे एवं वयासी–एवं खलु अहं सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहिवइणा जाव वावत्ती भविस्सइ। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! पुरत्थिमि(ल्ले)ल्लं वणसंडं गमित्तए। अन्नमन्नस्स (एयमट्ठं) पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य जाव विहरंति। तए णं ते माकंदियदारगा तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव उत्तरिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति (२ त्ता) तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य विहरंति। तए णं ते मार्कंदियदार(या)गा तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव विहरंति। तए णं ते मार्कंदियदारगा तत्थवि सइं वा जाव अलभमाणा अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे रयणदीवदेवया एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणु-

प्पिया ! सक्क(स्स)वयणसंदेसेणं सुट्ठिए(ण)णं लवणाहिवइणा जाव मा णं तुब्भं सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ । तं भवियव्व एत्थ कारणेणं । तं सेयं खलु अम्हं दक्खिणिल्लं वणसंडं गमित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । त(ए)ओ णं गंधे निद्धाइ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अणिट्ठतराए(चेव) । तए णं ते मार्कदियदार(या)गा तेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं आसाइं पिहेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव उवागया । तत्थ णं महं एगं आ(घा)घयणं पासंति(०) अट्ठियरासिसयसकुलं भीमदरिसणिज्जं एगं च तत्थ सूलाइ(त)यं पुरिसं कलुणाइं कट्ठाइं विस्सराइं कुव्वमाणं पासंति(२ त्ता)भीया जाव संजायभया जेणेव से सूलाइ(य)ए पुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! कस्स आघयणे तुमं च णं के कओ वा इहं हव्वमागए केण वा इमेयारूवं आव(ति)यं पाविए ? । तए णं से सूलाइए पुरिसे[ते]माकंदियदार(ए)गे एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! रयणदीवदेवयाए आघयणे । अहं णं देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवाओ दीवाओ भारहाओ वासाओ का(गंदी)कंदिए आसवाणियए विपुलं पणियभंडमायाए पोयवहणेणं लवणसमुद्दं ओयाए । तए ण अहं पोयवहणविवत्तीए निव्वुड्डभंडसारे एगं फलगखंडं आसाएमि । तए णं अहं उवुज्झमाणे २ रयणदीवंतेणं संवूढे । तए णं सा रयणदीवदेवया ममं (ओहिणा) पासइ २ त्ता ममं गेण्हइ २ त्ता मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ । तए णं सा रयणदीवदेवया अन्नया कयाइ अहालहुसगंसि अवराहंसि परिकुविया समाणी ममं एयारूवं आवयं पावेइ । तं न नज्जइ णं देवाणुप्पिया ! तु(म्हं)ब्भं पि इमेसिं सरीरगाणं का मन्ने आवई भविस्सइ (?) । तए णं ते माकंदियदारगा तस्स सूलाइ(य)गस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म बलियतरं भीया जाव संजायभया सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी-कहं णं देवाणुप्पिया ! अम्हे रयणदीवदेवयाए हत्थाओ साहत्थि नित्थरिज्जामो ? । तए णं से सूलाइए पुरिसे ते माकंदियदारगे एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! पुरत्थिमिल्ले वणसंडे सेलगस्स जक्खस्स जक्खा(य)यणे सेलए नामं आसरूवधारी जक्खे परिवसइ । तए णं से सेलए जक्खे चाउ(चो)द्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु आगयसमए पत्तसमए महया २ सद्देणं एवं वदइ-कं तारयामि ? कं पालयामि ? तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! पुरत्थिमिल्लं वणसंड सेलगस्स जक्खस्स महरिहं पुप्फच्चणियं करेह २ त्ता जन्नुपायवडिया पंजलिउडा विणएणं पज्जुवासमाणा विहर(चिट्ठ)ह । जाहे णं से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एवं वएज्जा-कं तारयामि ? कं पालयामि ? ताहे

तुब्भे [एवं] वयह-अम्हे तारयाहि अम्हे पालयाहि । सेलए (भे) भो जक्खे परं रयणदीवदेवयाए हत्थाओ साहत्थिं नित्थारेज्जा । अन्नहा भो न याणामि इमेसिं सरीरगाणं का मन्ने आवई भविस्सइ ॥ ८९ ॥ तए णं ते मागंदियदारगा तस्स सूलाइयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सिग्घं चंडं चवलं तुरियं वेइयं जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोक्खरिणिं ओगाहें(गाहं)ति २ त्ता जलमज्जणं करेंति २ त्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव गेण्हंति २ त्ता जेणेव सेलगस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता आलोए पणामं करेंति २ त्ता महरिहं पुप्फच्चणियं करेंति २ त्ता जन्नुपायवडिया सुस्सूसमाणा नमंसमाणा पज्जुवासंति । तए णं से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एवं वयासी-कं तारयामि ? कं पालयामि ? । तए णं ते मागंदियदारगा उट्ठाए उट्ठेंति करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-अम्हे तारयाहि अम्हे पालयाहि । तए णं से सेलए जक्खे ते मागंदियदारए एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुब्भं मए सद्धिं लवणसमु(द्देणं)द्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमा(णे)णाणं सा रयणदीवदेवया पावा चंडा रुद्दा खुद्दा साहसिया बहूहिं खरएहि य मउएहि य अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य सिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य उवसग्गं करेहिइ । तं जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं आढाह वा परियाणह वा अव(ए)यक्खह वा तो मे अहं पिट्ठाओ वि(धु)हूणामि । अह णं तुब्भे रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं नो आढाह नो परियाणह नो अवयक्खह तो मे रयणदीवदेवया[ए] हत्थाओ साहत्थिं नित्थारेमि । तए णं ते मागंदियदारगा सेलगं जक्खं एवं वयासी-जं णं देवाणुप्पिया(!)वइस्संति तस्स णं उववायवयणनिद्देसे चिट्ठिस्सामो । तए णं से सेलए जक्खे उत्तरपुर(च्छि)त्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निस्सरइ दोच्चंपि(तच्चंपि)वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता एगं महं आसरूवं वे(वि)उव्वइ २ त्ता ते मागंदियदारए एवं वयासी-हं भो मागंदियदारया ! आरुह णं देवाणुप्पिया ! मम पिट्ठंसि । तए णं ते मागंदियदारया हट्ठ० सेलगस्स जक्खस्स पणामं करेंति २ त्ता सेलगस्स पि(ट्ठिं)ट्ठं दुरूढा । तए णं से सेलए ते मागंदियदारए दुरूढे जाणित्ता सत्त[अ]ट्ठतालप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ त्ता (य) ताए उक्किट्ठाए तुरियाए[चवलाए चंडाए दिव्वाए] देवयाए दे(दि०)वगईए लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव चंपा नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥९०॥ तए णं सा रयणदीवदेवया लवणसमुद्दं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टइ जं तत्थ तणं वा जाव एडेइ(२ त्ता)जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते मागंदियदारया पासायवडेंसए अपासमाणी

जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता तेसिं मार्कदियदारगाणं कत्थइ सुइं वा ३ अलभमाणी जेणेव उत्तरिल्ले (वणसंडे) एवं चेव पञ्चत्थिमिल्ले वि जाव अपासमाणी ओहिं पउंजइ (०) ते मार्कदियदारए सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ पासइ २ त्ता आसुरुत्ता असिखेडगं गेण्हइ २ त्ता सत्तट्ठ जाव उप्पयइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जेणेव मार्कदियदार(गा)या तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी–हं भो मार्कदियदारगा अपत्थियपत्थिया! किण्णं तुब्भे जाणह विप्पजहाय सेलएणं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणा ? तं ममं एवमवि गए जइ णं तुब्भे ममं अवयक्खह तो भे अत्थि जीवियं, अह णं नावयक्खह तो भे इमेणं नीलुप्पलगवल जाव एडेमि। तए णं ते मार्कदियदारगा रयणदीवदेवयाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अभीया अतत्था अणुव्विग्गा अक्खुभिया असंभंता रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं नो आढंति नो परियाणंति ना(णो अ)वयक्खंति अणाढायमाणा अपरियाणमाणा अणवयक्खमाणा[य]सेलए(ण)णं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयंति। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मार्कदि[यदार]या जाहे नो संचाएइ बहूहिं पडिलोमेहि य उवसग्गेहि य चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा (लोभित्तए वा) ताहे महुरे(हि)हिं[य]सिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य उवसग्गेउं पयत्ता यावि होत्था–हं भो मार्कदियदारगा! जइ णं तुब्भेहि देवाणुप्पिया! मए सद्धिं हसियाणि य रमियाणि य ललियाणि य कीलियाणि य हिंडियाणि य मोहियाणि य ताहे णं तुब्भे सव्वाइं अगणेमाणा ममं विप्पजहाय सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयह। तए णं सा रयणदीवदेवया जिणरक्खियस्स मणं ओहिणा आभोएइ २ त्ता एवं वयासी–निच्चंपि य णं अहं जिणपालियस्स अणिट्ठा ५। निच्चं मम जिणपालिए अणिट्ठे ५। निच्चंपि य णं अहं जिणरक्खियस्स इट्ठा ५। निच्चंपि य णं ममं जिणरक्खिए इट्ठे ५। जइ णं ममं जिणपालिए रोयमा(णीं)णिं कंदमाणिं सोयमाणिं तिप्पमाणिं विलवमाणिं नावयक्खइ किण्णं तुमं[पि]जिणरक्खिया! ममं रोयमाणिं जाव नावयक्खसि ? तए णं—सा पवररयणदीवस्स देवया ओहिणा (उ) जिणरक्खियस्स मणं। नाऊ(ण)णं वधनिमित्तं उव(रि)रिं मार्कदियदारगा(णं)ण दोण्हंपि॥ १॥ दोसकलिया स(लिलि)लिलयं नाणाविहचुण्णवाससमीसियं दिव्वं। घाणमणनिव्वुइकरं सव्वोउयसुरभिकुसुमवुट्ठिं पमुंचमाणी॥ २॥ नाणामणिकणगरयणघंटियाखिंखिणिने(ऊ)उरमेहलभूसणरवेणं। दिसाओ विदिसाओ पूरयंती वयणमिणं बेइ सा (स)कलुसा ॥ ३॥ होल वसुल गोल नाह दइय पिय रमण कंत सामिय निग्घिण नित्थक्क। थि(छि)ण्ण निक्किव

अकय(लु)न्नुय सिढिलभाव निल्लज्ज लुक्ख अकलुण जिणरक्खिय मज्झं हिययर-क्ख(गा)ग ॥ ४ ॥ न हु जुज्जसि एक्कियं अणाहं अबंधवं तुज्झ चलणओवायकारियं उज्झिउम(ह)धन्नं । गुणसंकर (! अ)हं तुमे विहूणा न समत्था (वि) जीविउं खणंपि ॥ ५ ॥ इमस्स उ अणेगझसमगरविविधसावयसया(उ)कुलघरस्स । रयणागरस्स मज्झे अप्पाणं वहेमि तुज्झ पुरओ एहि नियत्ताहि जइ सि कुविओ खमाहि ए(क्का)कावराहं मे ॥ ६ ॥ तुज्झ य विगयघणविमलससिमंड(ल)लागारसस्सिरीयं सारयनवकमलकुमुदकुवलयविमलदलनिकरसरिसनि(भं)भनयणं । वयणं पिवासा-गयाए सद्धा मे पेच्छिउं जे अवलोएहि ता इओ ममं नाह जा ते पेच्छामि वयण-कमलं ॥ ७ ॥ एवं सप्पणयसरलमहुराइं पुणो २ कलुणाइं वयणाइं जंपमाणी सा पावा मग्गओ समण्णेइ पावहियया ॥ ८ ॥ तए णं से जिणरक्खिए चलमणे तेणेव भूसणरवेणं कण्णसुहमणोहरेणं तेहि य सप्पणयसरलमहुरभणिएहि संजायविउण-[अणु]राए रयणदीवस्स देवयाए तीसे सुंदरथणजहणवयणकरचरणनयणलावण्णरूव-जोवण्णसिरिं च दिव्वं सरभसउवगूहियाइं (जातिं)विव्वोयविलसियाणि य विहसियस-कडक्खदिट्ठिनिस्ससियमलियउवललिय(ठि)थियगमणपणयखिज्जिय(पा)पसाइयाणि य सरमाणे रागमोहियमई अवसे कम्मवसगए अवयक्खइ मग्गओ सविलियं । तए णं जिणरक्खियं समुप्पन्नकलुणभावं मच्चगलत्थल्लणोल्लियमइं अवयक्खंतं तहेव जक्खे (य) उ सेलए जाणिऊण सणियं २ उव्विहइ नियगपिट्ठा(हि)हिं विगयस(त्थं)द्धे । तए णं सा रयणदीवदेवया निस्संसा कलुणं जिणरक्खियं सकलुसा सेलगपिट्ठाहिं ओ(उ)व-यंतं–दास ! मओसि त्ति जंपमाणी अ(प)पत्तं सागरसलिलं गेण्हिय बाहाहिं आरसंतं उड्ढं उव्विहइ अंबरतले ओवयमाणं च मंडलग्गेण पडिच्छित्ता नीलुप्पलगवल-अयसिप्पगासे(ण)णं असिवरेणं खंडाखंडिं करेइ २ त्ता तत्थ विलवमाणं तस्स य सरसवहियस्स घेत्तूण अंगमंगाइं सरुहिराइं उक्खित्तबलिं चउद्दिसिं करेइ सा पंजली प(हि)हट्ठा ॥ ९१ ॥ एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा अंतिए पव्वइए समाणे पुणरवि माणुस्सए कामभोगे आसायइ पत्थयइ पीहेइ अभिलसइ से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं जाव संसारं अणुपरियट्टिस्सइ जहा (वा) व से जिणरक्खिए । छलिओ अवय-क्खंतो निरावयक्खो गओ अविग्घेणं । तम्हा पवयणसारे निरावयक्खेण भवियव्वं ॥ १ ॥ भोगे अवयक्खंता पडंति संसारसा(य)गरे घोरे । भोगेहिं [य] निरवयक्खा तरंति संसारकंतारं ॥ २ ॥ ९२ ॥ तए णं सा रयणदीवदेवया जेणेव जिणपालिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बहूहिं अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य खरम(हुर)उयसिंगारे(हिं)हि

य कलुणेहि य उवसग्गेहिं य जाहे नो संचाएइ चालित्तए वा खोभित्तए वा वि(प)परिणामित्तए वा ताहे संता तंता परितंता निव्विण्णा समा(गा)णी जामेव दिसि पाउब्भूया तामेव दि(सं)सि पडिगया । तए णं से सेलए जक्खे जिणपालिएण सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ २ त्ता जेणेव चंपा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चपाए नयरीए अग्गुज्जाणंसि जिणपालियं प(पि)ट्ठाओ ओयारेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! चंपा-नयरी दीसइ-त्तिकट्टु जिणपालियं आपुच्छइ २ त्ता जामेव दिसि पाउब्भूए तामेव दिसि पडिगए ॥ ९३ ॥ तए णं जिणपालिए चंपं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अम्मापिऊणं रोयमाणे जाव विलवमाणे जिणरक्खियवावत्तिं निवेदेइ । तए णं जिणपालिए अम्मापियरो मित्तनाइ जाव परियणेणं सद्धिं रोयमाणाइं बहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करेंति २ त्ता कालेणं विगयसोया जाया । तए णं जिणपालियं अन्नया कया(इ)इं सुहासणवरगयं अम्मापियरो एवं वयासी-कँहण्ण पुत्ता! जिणरक्खिए कालगए?। तए णं से जिणपालिए अम्मापिऊणं लवणसमुद्दोत्तारणं च कालियवायसमुच्छणं[च] पोयवहणविवत्तिं च फलहखंडआसायणं च रयणदीवुत्तारं च रयणदीवदेवया(गिहं)-गेण्हिं च भोगविभूइं च रयणदीवदेवयाअप्पाहणं च सूलाइयपुरिसदरिसणं च सेलगजक्खआरुहणं च रयणदीवदेवयाउवसग्गं च जिणरक्खियविवत्तिं च लवण-समुद्दउत्तरणं च चंपागमणं च सेलगजक्खआपुच्छणं च जहाभूयमवितहमसंदिद्धं परिकहेइ । तए णं जिणपालिए जाव अप्पसोगे जाव विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ ॥ ९४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे (जाव जेणेव चंपा न(ग)यरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव) समोसढे (परिसा णिग्गया कूणिओ वि राया निग्गओ जिणपालिए) जाव धम्मं सोच्चा पव्वइए ए(क्का)गारसंग(विऊ)वी मासिएणं भत्तेणं जाव अत्ताणं झूसेत्ता सोहम्मे कप्पे दो सागरोवमाइं ठिई प० । ताओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता जेणेव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ । एवामेव समणाउसो! जाव माणुस्सए कामभोगे नो पुणरवि आसाइ से णं जाव वीईवइस्सइ जहा व से जिणपालिए । एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं नवमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥९५॥ **गाहाओ**-जह रयणदीवदेवी तह एत्थं अविरई महापावा । जह लाहत्थी वणिया तह सुहकामा इहं जीवा ॥ १ ॥ जह तेहि भीएहिं दिट्ठो आघायमंडले पुरिसो । संसारदुक्खभीया पासंति तहेव धम्मकहं ॥ २ ॥ जह तेण तेसि कहिया देवी दुक्खाण कारणं घोरं । तत्तो च्चिय नित्थारो सेलगजक्खाओ

नणत्तो ॥३॥ तह धम्मकही भव्वाण साहए दिट्ठअविरइसहावो । सयलदुहहेउभूओ विसया विरयंति जीवाणं ॥ ४ ॥ सत्ताणं दुहत्ताणं सरणं चरणं जिणिंदपण्णत्तं । आणंदरूवनिव्वाणसाहणं तह य देसेइ ॥ ५ ॥ जह तेसिं तरियव्वो रुद्दसमुद्दो तहेव संसारो । जह तेसि सगिहगमणं निव्वाणगमो तहा एत्थं ॥ ६ ॥ जह सेलगपिट्ठाओ भट्ठो देवीइ मोहियमईओ । सावयसहस्सपउरम्मि सायरे पाविओ निहणं ॥ ७ ॥ तह अविरईइ नडिओ चरणचुओ दुक्खसावयाइण्णे । निवडइ अपारसंसारसायरे दारुणसरूवे ॥ ८ ॥ जह देवीए अक्खोहो पत्तो सट्ठाण जीवियसुहाइं । तह चरणट्ठिओ साहू अक्खोहो जाइ निव्वाणं ॥ ९ ॥ **नवमं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते ! समणेणं० नवमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते दसमस्स(०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (नामं) नयरे (हो० तत्थ णं रा० न० से० णा० रा० हो० तस्स णं रा० न० व० उ० दि० एत्थ णं गु० णा० उ० हो० ते० का० ते० स० स० भ० म० पु० च० जाव जे० गु० उ० ते० स०) सामी समोसढे (प० नि० सेणिओ वि रा० नि० धम्मं सोच्चा प० प० तए णं)गोय(मसामी)मो (समणं ३) एवं वयासी–कहण्णं भंते ! जीवा वड्ढंति वा हायंति वा ? गोयमा ! से जहानामए बहुलपक्खस्स पाडिवयाचंदे पुण्णिमाचंदं पणिहाय ही(णो)णे वण्णेणं हीणे सो(म)मयाए हीणे निद्धयाए हीणे कंतीए एवं दित्तीए जुत्तीए छायाए पभाए ओयाए ले(स)साए मंडलेणं । तयाणंतरं च णं बीयाचंदे प(पा)डिव(यं)याचंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं । तयाणंतरं च णं तइयाचंदे बी(विति)याचंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं । एवं खलु एएणं कमेणं परिहायमाणे २ जाव अमाव(स)साचंदे चाउद्दसिचंदं पणिहाय नट्ठे वण्णेणं जाव नट्ठे मंडलेणं । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा जाव पव्वइए समाणे हीणे खंतीए एवं मुत्तीए गुत्तीए अज्जवेणं मद्दवेणं लाघवेणं सच्चेणं तवेणं चियाए अकिंचणयाए बंभचेरवासेणं । तयाणंतरं च णं हीणे हीणतराए खंतीए जाव हीणतराए बंभचेरवासेणं । एवं खलु एएणं कमेणं परिहायमाणे २ नट्ठे खंतीए जाव नट्ठे बंभचेरवासेणं । से जहा वा सुक्कपक्खस्स पडिवयाचंदे अमावसा(ए)चंदं पणिहाय अहिए वण्णेणं जाव अहिए मंडलेणं । तयाणंतरं च णं बीयाचंदे पडिवयाचंदं पणिहाय अहिययराए वण्णेणं जाव अहिययराए मंडलेणं । एवं खलु एएणं कमेणं परि(वु)वड्ढमाणे २ जाव पुण्णिमाचंदे चाउद्दसिं चंदं पणिहाय पडिपुण्णे वण्णेणं जाव पडिपुण्णे मंडलेणं । एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे अहिए खंतीए जाव बंभचेरवासेणं । तयाणंतरं च णं अहिययराए खंतीए जाव

वंभचेरवासेणं । एवं खलु एएणं कमेणं परिवड्ढमाणे २ जाव पडिपुण्णे वंभचेरवासेणं । एवं खलु जीवा वड्ढंति वा हायंति वा । एवं खलु जंवू ! समणेणं भगवया महावीरेणं० दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ॥९६॥ **गाहाओ**- जह चंदो तह साहू राहुवरोहो जहा तह पमाओ । वण्णाई गुणगणो जह तहा खमाई समणधम्मो ॥ १ ॥ पुण्णो वि पइदिणं जह हायंतो सव्वहा ससी नस्से । तह पुण्णचरित्तोऽवि हु कुसीलसंसग्गिमाईहिं ॥ २ ॥ जणियपमाओ साहू हायंतो पइदिणं खमाईहिं । जायइ नट्ठचरित्तो तत्तो दुक्खाइं पावेइ ॥ ३ ॥ हीणगुणो वि हु होउं सुहगुरुजोगाइजणियसंवेगो । पुण्णसरूवो जायइ विवड्ढमाणो ससहरोव्व ॥ ४ ॥ **दसमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते ! समणेणं० दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते एक्कारसमस्स(०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंवू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव गोयमे (समणं ३) एवं वयासी-कहं णं भंते ! जीवा आराहगा वा विराहगा वा भवंति ? गोयमा ! से जहानामए एगंसि समुद्दकूलंसि दावद्दवा नामं रुक्खा पन्नत्ता किण्ह-जाव निउ(रुं)रंवभूया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अईव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । जया णं दीविच्चगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं वहवे दावद्दवा रुक्खा पत्तिया जाव चिट्ठंति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा परिसडियपंडुपत्तपुप्फफला सुक्करुक्खओ विव मिलायमाणा २ चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! (जे) जो अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे वहूणं समणाणं ४ सम्मं सहइ जाव अहियासेइ वहूणं अन्नउत्थियाणं वहूणं गिहत्थाणं नो सम्मं सहइ जाव नो अहियासेइ एस णं मए पुरिसे देसविराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया णं सामुद्दगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं वहवे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा जाव मिलायमाणा २ चिट्ठंति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे वहूणं अन्नउत्थि(याणं व०)यगिहत्थाणं सम्मं सहइ वहूणं समणाणं ४ नो सम्मं सहइ एस णं मए पुरिसे देसाराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया णं नो दीविच्चगा नो सामुद्दगा ईसिं (पुरेवाया) पच्छावाया जाव महावाया वायंति त(ए)या णं सव्वे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा(०) । एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे वहूणं समणाणं ४ बहूणं अन्नउत्थियगिहत्थाणं नो सम्मं सहइ एस णं मए पुरिसे सव्वविराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया णं दीविच्चगा वि सामुद्दगा वि ईसिं (पुरेवाया पच्छावाया) जाव

वायंति तया णं सव्वे दावद्दवा (रुक्खा) पत्तिया जाव चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं पव्वइए समाणे बहूणं समणाणं ४ बहूणं अन्नउत्थियगिहत्थाणं सम्मं सहइ एस णं मए पुरिसे सव्वआराहए पन्नत्ते (समणाउसो !) । एवं खलु गोयमा ! जीवा आराहगा वा विराहगा वा भवंति । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ९७ ॥ **गाहाओ**–जह दावद्दवतरुवणमेवं साहू जहेव दीविच्चा । वाया तह समणाइयसपक्खवयणाइं दुसहाइं ॥ १ ॥ जह सामुद्दयवाया तहऽण्णतित्थाइकडुयवयणाइं । कुसुमाइसंपया जह सिवमग्गाराहणा तह उ ॥२॥ जह कुसुमाइविणासो सिवमग्गविराहणा तहा नेया । जह दीववाउजोगे बहु इड्ढी ईसि य अणिड्ढी ॥३॥ तह साहम्मियवयणाण सहमा गाराहणा भवे बहुया । इयराणमसहणे पुण सिवमग्गविराहणा थोवा ॥ ४ ॥ जह जलहिवाउजोगे थेविड्ढी बहुयरा यऽणिड्ढी य । तह परपक्खक्खमणे आराहणमीसि बहु य यरं ॥ ५ ॥ जह उभयवाउविरहे सव्वा तरुसंपया विणट्ठ त्ति । अनिमित्तोभयमच्छरुवे विराहणा तह य ॥ ६ ॥ जह उभयवाउजोगे सव्वसमिड्ढी वणस्स संजाया । तह उभयवयणसहणे सिवमग्गाराहणा वुत्ता ॥ ७ ॥ ता पुण्णसमणधम्माराहणचित्तो सया महासत्तो । सव्वेण वि कीरंतं सहेज्ज सव्वं पि पडिकूलं ॥ ८ ॥

एक्कारसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते बारसमस्स णं (०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा ना(मं)म नयरी । पुण्णभद्दे उज्जाणे । जियसत्तू [नामं] राया (होत्था) । (तस्स णं जियसत्तुस्स रण्णो) धारिणी (नामं) देवी (होत्था अही० जाव सुरूवा) । (तस्स णं जि० र० पुत्ते धारिणीए अत्तए) अदीणसत्तू नामं कुमारे जुवराया वि होत्था । सुबुद्धी [नामं] अमच्चे जाव रज्जधुराचिंतए [यावि होत्था जाव] समणोवासए (अ०)। तीसे णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमेणं एगे फरिहोदए यावि होत्था मेयवसारुहिरमंसपूय–पडलपोच्चडे मयगकलेवरसंछन्ने अमणुन्ने [णं] वण्णेणं जाव फासेणं से जहानामए अहिमडेइ वा गोमडेइ वा जाव मयकुहियविणट्ठकिमिणवावण्णदुरभिगंधे किमिजालाउले संसत्ते असुइविगयबीभच्छदरिसणिज्जे । भवेयारूवे सिया? नो इणट्ठे समट्ठे । एत्तो अणिट्ठतराए चेव जाव गंधेणं पन्नत्ते ॥ ९८ ॥ तए णं से जियसत्तू राया अन्नया कयाइ ण्हाए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे बहूहिं(रा)ईसर जाव सत्थवाहपभि(ति)ईहिं सद्धिं[भोयणमंडवंसि]भोयणवेलाए सुहासणवरगए विउलं असणं ४ जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागए जाव सुइभूए तंसि विपुलंसि अस(ण)णंसि ४ जाव

जायविम्हए ते बहवे ईसर जाव पभिईए एवं वयासी-अहो णं देवाणुप्पिया! इमे मणुन्ने असणं ४ वण्णेणं उववेए जाव फासेणं उववेए अस्सायणिज्जे वि(स)सायणिज्जे पीणणिज्जे दीवणिज्जे दप्पणिज्जे मयणिज्जे विंहणिज्जे सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए णं ते बहवे ईसर जाव पभियओ जियसत्तुं एवं वयासी-तहेव णं सामी! जण्णं तुब्भे वयह-अहो णं इमे मणुन्ने अस(णं)णे ४ वण्णेणं उववेए जाव पल्हायणिज्जे। तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे मणुन्ने असणे ४ जाव पल्हायणिज्जे। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स [रन्नो] एयमट्ठं नो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। [तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे मणुन्ने तं चेव जाव पल्हायणिज्जे।] तए णं (जियसत्तुणा) से सुबुद्धी [अमच्चे] दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे जियसत्तुं रायं एवं वयासी-नो खलु सामी! अ(हं)म्हं एयंसि मणुन्नंसि असणंसि ४ केइ विम्हए। एवं खलु सामी! सु(ब्भि)रभिसद्दा वि पो(पु)ग्गला दुरभिसद्दत्ताए परिणमंति दुरभिसद्दा वि पोग्गला सुरभिसद्दत्ताए परिणमंति। सुरूवा वि पोग्गला दुरूवत्ताए परिणमंति दुरूवा वि पोग्गला सुरूवत्ताए परिणमंति। सुरभिगंधा वि पोग्गला दुरभिगंधत्ताए परिणमंति दुरभिगंधा वि पोग्गला सुरभिगंधत्ताए परिणमंति। सुरसा वि पोग्गला दुरसत्ताए परिणमंति दुरसा वि पोग्गला सुरसत्ताए परिणमंति। सुहफासा वि पोग्गला दुहफासत्ताए परिणमंति दुहफासा वि पोग्गला सुहफासत्ताए परिणमंति। पओगवीससा-परिणया वि य णं सामी! पोग्गला पन्नत्ता। तए णं(से)जियसत्तू सुबुद्धिस्स अमच्चस्स एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जियसत्तू अन्नया कयाइ ण्हाए आसखंधवरगए महया-भडचडगर(ह)आसवाहणियाए निज्जायमाणे तस्स फरिहोद(ग)यस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। तए णं जियसत्तू (राया) तस्स फरिहोदगस्स असुभेणं गंधेणं अभिभूए समाणे सएणं उत्तरिज्ज(गे)एणं आसगं पिहेइ एगंतं अवक्कमइ (ते) २ त्ता बहवे ईसर जाव पभिइओ एवं वयासी-अहो णं देवाणुप्पिया! इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेणं ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए णं ते बहवे राईसर जाव पभियओ एवं वयासी-तहेव णं तं सामी! जं णं तुब्भे एवं वयह-अहो णं इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेणं ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेणं ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए णं[से]सुबुद्धी अमच्चे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जियसत्तू राया सुबुद्धिं अमच्चं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-

अहो णं तं चेव। तए णं से सुबुद्धी अमच्चे जियसत्तुणा रन्ना दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे एवं वयासी–नो खलु सामी! अम्हं एयंसि फरिहोदगंसि केइ विम्हए। एवं खलु सामी! सुरभिसद्दा वि पोग्गला दुब्भिसद्दत्ताए परिणमंति तं चेव जाव पओगवीससापरिणया वि य णं सामी! पोग्गला पन्नत्ता। तए णं जियसत्तू(राया) सुबुद्धिं (अमच्चं) एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया! अप्पाणं च परं च तदुभयं च बहूहि य असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेण य वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहराहि। तए णं सुबुद्धिस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–अहो णं जियसत्तू संते तच्चे तहिए अवितहे सब्भूए जिणपन्नत्ते भावे नो उवलभइ। तं सेयं खलु मम जियसत्तुस्स रन्नो संताणं तच्चाणं तहियाणं अवितहाणं सब्भूयाणं जिणपन्नत्ताणं भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठं उवा(इ)यणावेत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता पच्चइएहिं पुरिसेहि सद्धिं अंतरावणाओ नवए घड(य)ए य पडए य(प)गेण्हइ २ त्ता संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि निसंतपडिनिसंतंसि जेणेव फरिहोदए तेणेव उवाग(ए)च्छइ २ त्ता तं फरिहोदगं गेण्हावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु गालावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु पक्खिवावेइ २ त्ता [सज्जखारं पक्खिवावेइ] लंछियमुद्दिए का(क)रावेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ २ त्ता दोच्चंपि नवएसु घडएसु गालावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु पक्खिवावेइ २ त्ता सज्ज(क)खारं पक्खिवावेइ २ त्ता लंछियमुद्दिए का(र)रावेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ २ त्ता तच्चंपि नवएसु घडएसु जाव संवसावेइ। एवं खलु एएणं उवाएणं अंतरा गा(ग)लावेमाणे अंतरा पक्खिवावेमाणे अंतरा य (विपरि)वसावेमाणे (२) सत्तसत्त[य]राइंदिया[इं](वि)परिवसावेइ। तए णं से फरिहोदए सत्त(म)मंसि सत्तयंसि परिणममाणंसि उदगरयणे जाए यावि होत्था अच्छे पत्थे जच्चे तणुए फालिय(फलिह)वण्णाभे वण्णेणं उववेए ४ आसायणिज्जे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए णं सुबुद्धी(अमच्चे)जेणेव से उदगरयणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलंसि आसादेइ २ त्ता तं उदगरयणं वण्णेणं उववेयं ४ आसायणि(ज्जे)ज्जं जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जं जाणित्ता हट्ठतुट्ठे बहूहिं उदगसंभारणिज्जेहिं दव्वेहिं संभारेइ २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो पाणियघरियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं (च) णं देवाणुप्पिया! इमं उदगरयणं गेण्हाहि २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवणेज्जासि। तए णं से पाणियघरिए सुबुद्धि(य)स्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता तं उदगरयणं गेण्ह(गिण्हा)इ २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवट्ठवेइ। तए णं से जियसत्त राया तं विपुलं असणं ४ आसाएमाणे जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तरा(यया)गए वि य णं जाव परमसुइभूए तंसि उदगरय(णे)णंसि जाय-

विम्हए ते बहवे राईसर जाव एवं वयासी–अहो णं देवाणुप्पिया! इमे उदगरयणे अच्छे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए णं[ते] बहवे राईसर जाव एवं वयासी–तहेव णं सामी! जण्णं तुब्भे वयह जाव एवं चेव पल्हायणिज्जे। तए णं जियसत्तू राया पाणियघरियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं तु(ब्भे)मे देवाणुप्पिया! उदगरयणे कओ आसाइए?। तए णं से पाणियघरिए जियसत्तुं एवं वयासी–एस णं सामी! मए उदगरयणे सुबुद्धिस्स अंतियाओ आसाइए। तए णं जियसत्तू (राया) सुबुद्धिं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–अहो णं सुबुद्धी! केणं कारणेणं अहं तव अणिट्ठे ५ जेणं तुमं मम कल्लाकल्लिं भोयणवेलाए इमं उदगरयणं न उवट्ठवेसि? तं एस(तए) णं तुमे देवाणुप्पिया! उदगरयणे कओ उवलद्धे?। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एस णं सामी! से फरिहोदए। तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी–केणं कारणेणं सुबुद्धी! एस से फरिहोदए? तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एवं खलु सामी! तु(म्हे)ब्भे तया मम एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं नो सद्दहह। तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०–अहो णं जियसत्त संते जाव भावे नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ। तं सेयं खलु म(मं)म जियसत्तुस्स रन्नो संताणं जाव सब्भूयाणं जिणपन्नत्ताणं भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठं उवायणावेत्तए। एवं संपेहेमि २ त्ता तं चेव जाव पाणियघरियं सद्दावेमि २ त्ता एवं वदामि–तुमं णं देवाणुप्पिया! उदगरयणं जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवणेहि। तं एएणं कारणेणं सामी! एस से फरिहोदए। तए णं जियसत्तू राया सुबुद्धिस्स(अमच्चस्स)एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं नो सद्दहइ ३ असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरो(य)एमाणे अब्भिंतर(ट्ठा)-ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! अंतराव-णाओ नव[ए]घडए पडए य गेण्हह जाव उदगसं(हा)भारणिज्जेहि दव्वेहिं संभारेह। तेवि तहेव सभारेंति २ त्ता जियसत्तुस्स उवणेंति। तए णं से जियसत्तू राया तं उदगरयणं करयलंसि आसाएइ आसायणिज्जं जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जं जाणित्ता सुबुद्धिं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–सुबुद्धी! एए णं तुमे संता तच्चा जाव सब्भूया भावा कओ उवलद्धा?। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एए णं सामी! मए संता जाव भावा जिणवयणाओ उवलद्धा। तए णं जियसत्त सुबुद्धिं एवं वयासी–तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तव अंतिए जिणवयणं निसा(मे)मित्तए। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स विचित्तं केवलिपन्नत्तं चाउज्जामं धम्मं परिकहेइ तमाइ-क्खइ जहा जीवा बज्झंति जाव पंचाणुव्वयाइं। तए णं जियसत्तू सुबुद्धिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी–सद्दहामि णं देवाणुप्पिया!

निग्गंथं पावयणं ३ जाव से जहेयं तुब्भे वयह । नं इच्छामि णं तव अंतिए पंचा-णुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं (करेह) । तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिस्स (अमच्चस्स) अंतिए पंचाणु-व्वइयं जाव दुवालसविहं सावयधम्मं पडिवज्जइ । तए णं जियसत्तू समणोवासए जाए अ(भि)हिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं (थेरा जेणेव चंपा नयरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव स०) थेरागमणं । जियसत्तू राया सुबुद्धी य निग्गच्छइ । सुबुद्धी धम्मं सोच्चा जं नवरं जियसत्तुं आपुच्छामि जाव पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! । तए णं[से] सुबुद्धी जेणेव जियसत्तू तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी ! मए थेराणं अंतिए धम्मे निसंते । से(ऽ)वि य धम्मे इच्छि(य)ए पडिच्छिए ३ । तए णं अहं सामी ! संसारभउव्विग्गे भीए जाव इच्छामि णं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए (स०) जाव पव्वइत्तए । तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी-अ(च्छा)च्छसु ताव देवाणुप्पिया ! कइवयाइं वासाइं उरालाइं जाव भुंजमाणा । तओ पच्छा एगयओ थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइस्सामो । तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स रन्नो एयमट्ठं पडिसुणेइ । तए णं तस्स जियसत्तुस्स रन्नो सुबुद्धिणा सद्धिं विपुलाइं माणुस्सगाइं जाव पच्चणुब्भवमाणस्स दुवालस वासाइं वीइक्कंताइं । तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं । (तए णं) जिय-सत्तू धम्मं सोच्चा एवं जं नवरं देवाणुप्पिया ! सुबुद्धिं आमंतेमि जेट्ठपुत्तं रज्जे ठा(ठ)-वेमि तए णं तुब्भं [अंतिए] जाव पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! । तए णं जियसत्तू राया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबुद्धिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु मए थेराणं जाव पव्व(ज्जा)यामि, तुमं णं किं करेसि ? । तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी जाव के अन्ने आ(हा)धारे वा जाव प(व्वया)व्वामि । तं जइ णं देवाणुप्पिया ! जाव प(व्वयह)व्वाहि । गच्छह णं देवाणुप्पिया ! जेट्ठपुत्तं च कुडुंबे ठावेहि २ त्ता सीयं दुरुहित्ताणं ममं अंतिए सीया जाव पाउब्भ(वंति)वइ । (त० सु० जाव पाउब्भवइ) तए णं जियसत्तू कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! अदीणसत्तुस्स कुमारस्स रायाभिसेयं उव-ट्ठवेह जाव अभिसिंचंति जाव पव्वइए । तए णं जियसत्तू एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ बहूनि वासाणि परियाओ(पाउणित्ता)मासियाए संलेहणाए जाव सिद्धे । तए णं सुबुद्धी एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहूणि वासाणि जाव सिद्धे । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ॥ ९९ ॥ गाहा-मिच्छत्तमोहियमणा पावपसत्तावि पाणिणो विगुणा । फरिहो-दगं व गुणिणो हवंति वरगुरुपसायाओ ॥ १ ॥ बारसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स (णा०) अयमट्ठे पन्नत्ते तेरसमस्स (णं भंते! नाय०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे(०)गुणसिलए उज्जाणे (ते० का० ते० स० समणे ३ चउ(द्द)दसहिं समणसाहस्सीहिं जाव सद्धिं पु० च० जाव जे० गु० उ० ते० स० अ० उ० सं० त० अ० भा० विहरइ) समोसरणं परिसा निग्गया। तेणं कालेणं तेणं समएणं सोहम्मे कप्पे दद्दुरवडिसए विमाणे सभाए सुहम्माए दद्दुरंसि सीहासणंसि दद्दुरे देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं अग्गमहिसीहि सपरिसाहिं एवं जहा सू(सु)रिया-(भो)भे जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमा(णो)णे विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ जाव नट्टविहिं उवदंसित्ता पडिगए जहा सूरियाभे। भंते(ति)! त्ति भगवं गोयमे समणं ३ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एव वयासी-अहो णं भंते! दद्दुरे देवे महिड्डिए ६। दद्दुरस्स णं भंते! देवस्स सा दिव्वा देविड्डी ३ कहिं गया? कहिं (अणु)पविट्ठा? गोयमा! सरीरं गया सरीर अणुपविट्ठा कूडागारदिट्ठंतो। दद्दुरेणं भते! देवेणं सा दिव्वा देविड्डी ३ किन्ना लद्धा जाव अभिसमन्नागया? एवं खलु गोयमा! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे रायगिहे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया। तत्थ णं रायगिहे नंदे नामं मणियारसेट्ठी परिवसइ अड्ढे दित्ते०। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा! समोस(ढे)ड्ढे परिसा निग्गया सेणिए वि (राया) निग्गए। तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए पायचारेणं जाव पज्जुवासइ। नंदे धम्मं सोच्चा समणोवासए जाए। तए णं अहं रायगिहाओ पडिनिक्खंते बहिया जणवयविहारं विहरामि। तए णं से नं(दे)दमणियारसेट्ठी अन्नया कयाइ असाहुदंसणेण य अपज्जुवासणाए य अणणुसासणाए य असुस्सूसणाए य सम्मत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहि २ मिच्छत्तपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहि २ मिच्छत्तं विप्पडिवन्ने जाए यावि होत्था। तए णं नंदे मणियारसेट्ठी अन्नया [कयाइ] गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूलंसि मासंसि अट्ठमभत्तं परिगेण्हइ २ त्ता पोसहसालाए जाव विहरइ। तए णं नंदस्स अट्ठमभत्तंसि परिणममाणंसि तण्हाए छुहाए य अभिभूयस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-धन्ना ण ते जाव ईसरपभियओ जेसिं ण रायगिहस्स बहिया बहूओ वावीओ पोक्ख(र)रिणीओ जाव सरसरपंतियाओ जत्थ णं बहुजणो ण्हाइ य पियइ य पाणियं च संवहइ। तं सेयं खलु म(मं)म कल्लं (पाउ०) सेणियं रायं आपुच्छित्ता रायगिहस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभा(ए)गे वे[व]भारपव्वयस्स अदूरसामंते वत्थुपाढगरोइयंसि भूमिभागंसि(जाव) नंदं पोक्खरिणिं खणावेत्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव पोसहं पारेइ २ त्ता

ण्हाए मित्तनाइ जाव संपरिवुडे महत्थं जाव पाहुडं रायारिहं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ जाव पाहुडं उवट्ठवेइ २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं सामी! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे रायगिहस्स वहिया जाव खणावेत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया (!)। तए णं[से]नंदे सेणिएणं रन्ना अब्भणुन्नाए समाणे हट्ठतुट्ठे रायगिहं [नगरं] मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता वत्थुपाढयरोइयंसि भूमिभागंसि नंदं पोक्खरणिं खणा(वि)वेउं पयत्ते यावि होत्था। तए णं सा नंदा पोक्खरणी अणुपुव्वेणं ख(ण)म्ममाणा २ पोक्खरणी जाया यावि होत्था चाउक्कोणा समतीरा अणुपु(व्व)व्वं सुजायवप्पसीयलजला संछन्नपत्त(वि)भिसमुणाला वहु[उ]प्पलपउमकुमुदनलि(णि)णसुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्तसहस्सपत्त(पफुल्ल)पुप्फफलकेसरोववेया परिहत्थभमंतमत्तछप्पयअणेगसउणगणमिहुणवियरियस(हुन्न)द्दनइयमहुरसरनाइया पासाईया ४। तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी नंदाए पोक्खरिणीए चउदिसिं चत्तारि वणसंडे रोवावेइ। तए णं ते वणसंडा अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा (य) संवड्ढि(य)ज्जमाणा य (से) वणसंडा जाया किण्हा जाव नि(कु)उरंवभूया पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति। तए णं नंदे पुरत्थिमिल्ले वणसंडे एगं महं चित्तसभं करावेइ [२] अणेगखंभसयसंनिविट्ठं पासाइयं ४। तत्थ णं वहूणि किण्हाणि य जाव सुक्किलाणि य कट्ठकम्माणि य पोत्थकम्माणि य चित्त(०)-ले(लि)प्प(०)गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइ(म०)माइं उवदंसिज्जमाणाइं २ चिट्ठंति। तत्थ णं वहूणि आसणाणि य सयणाणि य अत्थुयपच्चत्थुयाइं चिट्ठंति। तत्थ णं बहवे नडा य नट्टा य जाव दिन्नभइभत्तवेयणा तालायरकम्मं करेमाणा विहरंति। रायगिहविणिग्गओ(य) त(ज)त्थ [णं] ब(हू)हुजणो तेसु पुव्वन्नत्थेसु आसणसयणेसु संनिसण्णो य संतुयट्टो य सुणमाणो य पेच्छमाणो य सा(सो)हेमाणो य सुहंसुहेणं विहरइ। तए णं नंदे दाहिणिल्ले वणसंडे एगं महं महाणससालं कारावेइ अणेगखंभ जाव रूवं। तत्थ णं वहवे पुरिसा दिन्नभइभत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति वहूणं समणमाहणअति(ही)हिकिवणवणीमगाणं परिभाएमाणा २ विहरंति। तए णं नंदे मणियारसेट्ठी पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे एगं महं ति(ते)गिच्छियसालं क(रे)रावेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं। तत्थ णं बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाणुया य जाणुयपुत्ता य कुसला य कुसलपुत्ता य दिन्नभइभत्तवेयणा वहूणं वाहिया(णं)ण य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य तेइ(च्छं)च्छकम्मं करेमाणा विहरंति। अन्ने य त(ए)त्थ बहवे पुरिसा दिन्नभइ० तेसिं वहूणं वाहियाण य रोगि(०)यगिला(०)णदुब्बलाण य ओसहभेसज्जभत्तपाणेणं पडियारकम्मं करेमाणा विहरंति। तए णं नंदे उत्तरिल्ले वणसंडे एगं

महं अलंकारियसभं कारेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं। तत्थ णं बहवे अलंकारि-य(पुरिसा)मणुस्सा दिन्नभइभत्त(वेय)पाणा बहूणं समणाण य [माहणाण य सनाहाण य] अणाहाण य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य अलंकारियकम्मं करेमाणा २ विहरंति। तए णं तीए नंदाए पोक्खरिणीए बहवे सणाहा य अणाहा य पंथिया य पहिया य करोडिया य (कारिया०) त(णा)णहारा पत्तहारा कट्ठहारा अप्पेगइया ण्हायंति अप्पेगइया पाणियं पियंति अप्पेगइया पाणियं संवहंति अप्पेगइया विस-ज्जियसेयजल्लमलपरिस्समनिद्दखुप्पिवासा सुहंसुहेणं विहरंति। रायगिह(वि)निग्गओ वि ए(ज)त्थ बहुजणो किं ते जलरमणविविहमज्जणकयलिलया(घ)हरयकुसुमसत्थर-यअणेगसउणगण(रु)कयरिभियसंकुलेसु सुहंसुहेणं अभिरममाणो २ विहरइ। तए णं नंदाए पोक्खरिणीए बहुजणो ण्हायमाणो य पीयमाणो य पाणियं च संवहमाणो य अन्नमन्नं एवं वयासी–धन्ने णं देवाणुप्पिया! नंदे मणियारसेट्ठी कयत्थे जाव जम्म-जीवियफले जस्स णं इमेयारूवा नंदा पोक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरत्थिमिल्ले तं चेव सव्वं चउसु वि वणसंडेसु जाव रायगिहविणिग्गओ जत्थ बहु-जणो आसणेसु य सयणेसु य सन्निसण्णो य संतुयट्टो य पेच्छमाणो य साहेमाणो य सुहंसुहेणं विहरइ। तं धन्ने कयत्थे [कयलक्खणे] कयपुण्णे कया णं लोया(!) सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले नंदस्स मणियारस्स। तए णं रायगिहे सिं(सं)घाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४–धन्ने णं देवाणुप्पिया! नंदे मणियारे सो चेव गमओ जाव सुहंसुहेणं विहरइ। तए णं से नंदे मणियारे बहुजणस्स अंतिए एय-मट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे धाराहयक(लं)यंब(गं)कं पिव समूस(सि)वियरोमकूवे परं सायासोक्खमणुभ(व)वेमाणे विहरइ॥ १००॥ तए णं तस्स नंदस्स मणिया-रसेट्ठिस्स अन्नया कयाइ सरीरगंसि सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा–सासे कासे जरे दाहे कुच्छिसूले भगंदरे। अरिसा अजीरए दि(ट्ठि)ट्ठीमुद्धसूले अ(गा)कारए॥ १॥ अच्छिवेयणा कण्णवेयणा कंडू दउदरे कोढे॥ तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी सोलसहिं रोयायंकेहि अभिभूए समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव(म०)पहेसु महया [२] सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! नंदस्स मणियार(सेट्ठि)स्स सरीरगंसि सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा–सासे जाव कोढे। तं जो णं इच्छइ देवाणुप्पिया! वि(वे)ज्जो वा विज्जपुत्तो वा जाणुओ वा २ कुसलो वा २ नंदस्स मणियारस्स तेसिं च णं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसा(मे)मित्तए तस्स णं (दे०!)नंदे मणियारे विउलं अत्थसंपयाणं दलयइ–त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि

घोसणं घोसेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह तेवि तहेव पच्चप्पिणंति। तए णं रायगिहे इमेयारूवं घोसणं सोच्चा निसम्म बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाव कुसलपुत्ता य सत्थकोसहत्थगया य (कोसगपायहत्थगया य) सिलियाहत्थगया य गुलियाहत्थगया य ओसहभेसज्जहत्थगया य सएहिं २ गिहेहिंतो निक्खमंति २ त्ता रायगिहं मज्झंमज्झेणं जेणेव नंदस्स मणियारसेट्ठिस्स गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता नंदस्स मणियारस्स सरी(रं)रगं पासंति [२] तेसिं रोयायंकाणं नियाणं पुच्छंति [२ त्ता] नंदस्स मणियारस्स बहूहिं उव्वलणेहि य उव्वट्टणेहि य सिणेहपाणेहि य वमणेहि य विरेयणेहि य सेयणेहि य अवदहणेहि य अवण्हा[व]णेहि य अणुवास(णे)णाहि य व(व)त्थिकम्मेहि य निरुहेहि य सिरावेहेहि य तच्छणाहि य पच्छणाहि य सिरा(वेढे)वत्थीहि य तप्पणाहि य पु(ट)डवाएहि य छल्लीहि य वल्लीहि य मूलेहिं य कंदेहि य पत्तेहि य पुप्फेहि य फलेहिं य बीएहि य सिलियाहि य गुलियाहि य ओसहेहि य भेसज्जेहि य इच्छंति तेसिं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसामित्तए नो चेव णं संचाएंति उवसामेत्तए। तए णं ते बहवे विज्जा य ६ जाहे नो संचाएंति तेसिं सोलसण्हं रो(गा)यायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसामित्तए ताहे संता तंता जाव पडिगया। तए णं नंदे [मणियारे] तेहिं सोलसेहिं रोयायंकेहिं अभिभूए समाणे नंदा[ए] पु(पो)क्खरिणीए मुच्छिए ४ तिरिक्खजोणिएहिं निबद्धाउए बद्धपएसिए अट्टदुहट्टवसट्टे कालमासे कालं किच्चा नंदाए पोक्खरिणीए दद्दुरीए कुच्छिंसि दद्दुरत्ताए उववन्ने। तए णं नंदे दद्दुरे गब्भाओ वि(णिम्मु)प्पमुक्के समाणे उ(म)मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमण[प]पत्ते नंदाए पोक्खरिणीए अभिरममाणे २ विहरइ। तए णं नंदाए पोक्खरिणीए बहुज(णे)णो ण्हायमाणो य पिय(माणो)इ य पाणियं च संवहमाणो(य)अन्नम(न्नस्स)न्नं एवमाइक्खइ ४–धन्ने णं देवाणुप्पिया! नंदे मणियारे जस्स णं इमेयारूवा नंदा पुक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरत्थिमिल्ले वणसंडे चित्तसभा अणेगखंभ(०)तहेव चत्तारि स(हा)भाओ जाव जम्मजीवियफले। तए णं तस्स दद्दुरस्स तं अभिक्खणं २ बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–से कहिं मन्ने मए इमेयारूवे सद्दे निसंतपुव्वे–त्तिकट्टु सुभेणं परिणामेणं जाव जाईसरणे समुप्पन्ने पुव्वजाइं सम्मं समागच्छइ। तए णं तस्स दद्दुरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०–एवं खलु अहं इहेव रायगिहे नयरे नंदे नामं मणियारे अड्ढे०। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे[इह]समोसढे। तए णं[मए]समणस्स ३ अंतिए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए जाव पडिवन्ने। तए णं अहं अन्नया कयाइ असाहुदंसणेण य जाव मिच्छत्तं

विप्पडिवन्ने । तए णं अहं अन्नया कया(ई)इं गि(म्हे)म्हकालसमयंसि जाव उवसंप-
ज्जित्ताणं विहरामि-एवं जहेव चिंता आपुच्छणा नंदापुक्खरिणी वणसंडा सहाओ तं
चेव सव्वं जाव नंदाए (पु(पो)क्ख०) दद्दुरत्ताए उववन्ने । तं अहो णं अहं अहन्ने
अपुण्णे अकयपुण्णे निग्गंथाओ पावयणाओ नट्ठे भट्ठे परिब्भट्ठे । तं सेयं खलु ममं
सयमेव पुव्वपडिवन्नाइं पंचाणुव्वयाइं (०) उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए । एवं संपेहेइ
२ त्ता पुव्वपडिवन्नाइं पंचाणुव्वयाइं जाव आरु(हे)हइ २ त्ता इमेयारूवं अभिग्गहं
अभिगिण्हइ-कप्पइ मे जाव(जी)ज्जीवं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं अप्पाणं भावेमाणस्स
विहरित्तए । छट्ठस्स वि य णं पारणगंसि कप्पइ मे नंदाए पोक्खरिणीए परिपेरंतेसु
फासुएणं ण्हाणोदएणं उम्मद्द(णो)णालोलियाहि य वित्तिं कप्पेमाणस्स विहरित्तए ।
इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ । तेणं कालेणं
तेणं समएणं अहं गोयमा ! गुणसिलए समोसढे परिसा निग्गया । तए णं नंदाए
पो(पु)क्खरिणीए बहुजणो ण्हा(य०)इ ३ अन्नमन्नं (०) जाव समणे ३ इहेव गुणसि-
लए उज्जाणे समोसढे । तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! समणं ३ वंदामो जाव पज्जुवा-
सामो । एयं (मे) णे इहभवे परभवे य हियाए जाव आ(अ)णुगामियत्ताए भविस्सइ ।
तए णं तस्स दद्दुरस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झ-
त्थिए० समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे ३ (०) समोसढे । तं गच्छामि णं वंदा-
मि (०) । एवं संपेहेइ २ त्ता नंदाओ पुक्खरिणीओ सणियं २ उत्त(र)रेइ (२ त्ता)
जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए ५ दद्दुरगईए वीईवयमाणे
जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए । इमं च णं सेणिए राया भिं(भं)भसारे
ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए हत्थिखंधवरगए सको(रं)रेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमा-
णेणं सेयवरचाम(रा)रे० हयगयरह० महया भडचडगर(०)चाउरंगिणीए सेणाए
सद्धिं संपरिवुडे मम पायवंदए हव्वमागच्छइ । तए णं से दद्दुरे सेणियस्स रन्नो
एगेणं आसकिसोरएणं वामपाएणं अक्कंते समाणे अंतनिग्घाइए कए यावि होत्था ।
तए णं से दद्दुरे अ(त)थामे अवले अवीरिए अपुरिस(का)क्कारपरक्कमे अधारणिज्जमि-
तिकट्टु एगंतमवक्कमइ (०) करयल(परिग्गहियं तिखुत्तो सिरसावत्तं म० अं० कट्टु)
जाव एवं वयासी-नमोत्थु णं अ(रु)रहंताणं (भगवंताणं) जाव संपत्ताणं । नमोत्थु णं
(समणस्स ३) मम धम्मायरियस्स जाव संपाविउकामस्स । पुव्विपि य णं मए
समणस्स ३ अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए ।
तं इयाणिंपि तस्सेव अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव सव्वं परिग्गहं पच्च-
क्खामि जावज्जीवं सव्वं असणं ४ पच्चक्खामि जावज्जीवं जंपि य इमं सरीरं इट्ठं

६७ सुत्ता०

कंतं जाव मा फुसंतु एयंपि [य] णं चरिमेहिं ऊसासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु । तए णं से दद्दुरे कालमासे कालं किच्चा जाव सोहम्मे कप्पे दद्दुरवडिंसए (विमाणे) उववायसभाए दद्दुरदेवत्ताए उववन्ने । एवं खलु गोयमा ! दद्दुरेणं सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा ३ । दद्दुरस्स णं भंते ! देवस्स केव(ति)इयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । [दद्दुरे णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा !] से णं दद्दुरे देवे (०) महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ [मुच्चिहिइ] जाव अंतं करेहिइ । एवं खलु [जंबू !] समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ॥ १०१ ॥ **गाहाउ**-संपन्नगुणो वि जओ सुसाहुसंसग्गिवज्जिओ पायं । पावइ गुणपरिहाणिं दद्दुरजीवोव्व मणियारो ॥ १ ॥ तित्थयरवंदणत्थं चलिओ भावेण पावए सग्गं । जह दद्दुरदेवेणं पत्तं वेमाणियसुरत्तं ॥ २ ॥

तेरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते चोद्दसमस्स (०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं तेयलिपु(रे)रं ना(मं)म नय(रे)रं (होत्था) । (त० णं ते० ब० उ० दि० एत्थ णं) पमयवणे (णामं) उज्जाणे (होत्था) । (तत्थ णं ते० णयरे) कणगरहे (णामं) राया (होत्था) । तस्स णं कणगरहस्स (रण्णो) पउमावई (णामं) देवी (होत्था) । तस्स णं कणगरहस्स रन्नो तेयलिपुत्ते नामं अमच्चे (होत्था) साम(दाम)दंडभेय(दंडे)-निउणे । तत्थ णं तेयलिपुरे कलादे नामं मूसियारदारए होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं भद्दा नामं भारिया (होत्था) । तस्स णं कलायस्स मूसियारदार-(य)गस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला नामं दारिया होत्था रूवेण य (जोव्वणेण य ला०) जाव उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा । तए णं [सा] पोट्टिला दारिया अन्नया कयाइ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया चेडियाचक्कवालसंपरिवुडा उप्पिं पासायवरगया आगासतलगंसि कणग(मएणं)तिंदूसएणं कीलमाणी २ विहरइ । इमं च णं तेयलिपुत्ते अमच्चे ण्हाए आसखंधवरगए महया भडचडगर[०] आसवाहणियाए निज्जायमाणे कलायस्स मूसियारदारगस्स गिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ । तए णं से तेयलिपुत्ते [अमच्चे] मूसियारदारगगिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे २ पोट्टिलं दारियं उप्पिं (पासायवरगयं) आगासतलगंसि कणगतिंदूसएणं कीलमाणी पासइ २ त्ता पोट्टिलाए दारियाए रूवे य (३) जाव अज्झोववन्ने कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! कस्स दारिया किनामधेज्जा [वा] ? । तए णं

कोडुंबियपुरि(से)सा तेयलिपुत्तं एवं वयासी-एस णं सामी! कलायस्स मूसियारदारयस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला नामं दारिया रूवेण य जाव [उक्किट्ठ]सरीरा। तए णं से तेयलिपुत्ते आसवाहणियाओ पडिनियत्ते समाणे अब्भितर(ट्ठा)ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! कला(द)यस्स २ धूयं भद्दाए अत्तयं पोट्टिलं दारियं मम भारियत्ताए वरेह। तए णं ते अब्भितरठाणिज्जा पुरिसा तेयलिणा एवं वुत्ता (समाणा) हट्ठ० करयल० तहत्ति जेणेव कलायस्स २ गिहे तेणेव उवागया। तए णं से कलाए मूसियारदार[ए]ते पुरिसे एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता आसणेणं उवणिमंतेइ २ त्ता आसत्थे वीसत्थे सुहासणवरगए एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणपओयणं (?)। तए णं ते अब्भितरठाणिज्जा (पुरिसा) कलायं २ एवं वयासी-अम्हे णं देवाणुप्पिया! तव धूयं भद्दाए अत्तयं पोट्टिलं दारियं तेयलिपुत्तस्स भारियत्ताए वरेमो, तं जइ णं जाणसि देवाणुप्पिया! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो ता दिज्जउ णं पोट्टिला दारिया तेयलिपुत्तस्स, (ता) तो भण देवाणुप्पिया! किं दलामो सुक्कं (?)। तए णं कलाए २ ते अब्भितरठाणिज्जे पुरिसे एवं वयासी-एस चेव णं देवाणुप्पिया! मम सु(क्के)क्कं जन्नं तेयलिपुत्ते मम दारियानिमित्तेणं अणुग्गहं करेइ। ते ठाणिज्जे पुरिसे विपुलेणं अस(ण)णेणं ४ पुप्फवत्थ जाव मल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ (०) पडिविसज्जेइ। तए णं [ते पुरिसा] कलायस्स २ गिहाओ पडिनि(क्खमं)यत्तंति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेयलिपुत्तं एयमट्ठं निवे(यं)इंति। तए णं कलाए २ अन्नया कयाइं सोहणंसि तिहि[करण]नक्खत्तमुहुत्तंसि पोट्टिलं दारियं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं सीयं (दुरूहइ) दुरु(हि)हेत्ता मित्तणाइसंपरिवुडे सया(सा)ओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सव्विड्ढीए [४] तेयलिपुरं [नयरं] मज्झंमज्झेणं जेणेव तेयलिस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ (०) पोट्टिलं दारियं तेयलिपुत्तस्स सयमेव भारियत्ताए दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं दारियं भारियत्ताए उवणीयं पासइ २ त्ता पोट्टिलाए सद्धिं पट्टयं दुरुहइ २ त्ता सेयापी(त)एहिं कलसेहिं अप्पाणं मज्जावेइ २ त्ता अग्गिहोमं करेइ २ त्ता पाणिग्गहणं करेइ २ त्ता पोट्टिलाए भारियाए मित्तनाइ जाव परि(ज)यणं विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पुप्फ[वत्थ] जाव पडिविसज्जेइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए भारियाए अणुरत्ते अविरत्ते उरालाइं जाव विहरइ॥ १०२॥

तए णं से कणगरहे (राया) रज्जे य रट्ठे य बले य वाहणे य कोसे य कोट्ठागारे य अंतेउरे य मुच्छिए ४ जाए २ पुत्ते वियंगेइ। अप्पेगइयाणं हत्थंगुलियाओ छिंदइ

अप्पेगइयाणं हत्थंगुट्ठए छिंदइ। एवं पायंगुलियाओ पायंगुट्ठए वि कण्ण(सक्कु)संकुली-(ए)याओ वि नासापुडाइं फालेइ अं(गमं)गोवंगाइं वियंगेइ। तए णं तीसे पउमाव-ईए देवीए अन्नया [कयाइ] पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४ समुप्पज्जित्था–एवं खलु कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगेइ जाव अंगमंगाइं वियंगेइ। तं जइ [णं] अहं दारयं प(या)यामि सेयं खलु म(मं)म तं दारगं कणगर-हस्स रहस्सि[य]यं चेव सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए विहरित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता तेयलिपुत्तं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! कण-गरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। तं जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारगं पयायामि तए णं तुमं कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खमाणे संगोवेमाणे संव-ड्ढेहि। तए णं से दारए उमुक्कबालभावे [जाव] जोव्वणगमणुप्पत्ते तव य मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पउमावईए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता पडिगए। तए णं पउमावई (य) देवी पोट्टिला य अमच्ची सममेव गब्भं गेण्ह-(न्ति)इ सममेव (गब्भं) परिवहंति (सममेव गब्भं परिवड्ढंति)। तए णं सा पउ-मावई नवण्हं मासाणं जाव पियदंसणं सुरूवं दारगं पयाया। जं रयणिं च णं पउ-मावई (देवी) दारयं पयाया तं रयणिं च णं पोट्टिला वि अमच्ची नवण्हं मासाणं विणि(हा)घायमावन्नं दारियं पयाया। तए णं सा पउमावई देवी अम्मधाइं सद्दा-वेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तु(मे)मं अम्मो! (तेयलि(पुत्त)गिहे) तेयलि-पुत्तं रहस्सिययं चेव सद्दावे(ह)हि। तए णं सा अम्मधाई तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता अंतेउरस्स अव(द्दा)दारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव तेयलिस्स गिहे जेणेव तेयलि-पुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! पउमावई देवी सद्दावेइ। तए णं तेयलिपुत्ते अम्मधाइए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा (णिसम्म) हट्ठतु(ट्ठ)ट्ठे अम्मधाईए सद्धिं सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता अंतेउ-रस्स अवदारेणं रहस्सिययं चेव अणु[प]पविसइ २ त्ता जेणेव पउमावई (देवी) तेणेव उवागच्छइ (२ त्ता) करयल जाव एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं मए कायव्वं। तए णं पउमावई तेयलिपुत्तं एवं वयासी–एवं खलु कणगरहे राया जाव वियंगेइ। अहं च णं देवाणुप्पिया! दारगं पयाया। तं तु(मं)ब्भे णं देवाणुप्पिया! (तं) एयं दारगं गेण्हाहि जाव तव मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ–त्तिकट्टु तेय-लिपुत्तस्स हत्थे दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पउमावईए हत्थाओ दारगं गेण्हइ उत्त-रिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अंतेउरस्स रहस्सिययं अवदारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव पोट्टिला भारिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोट्टिलं एवं वयासी–एवं

खलु देवाणुप्पि(या)ए! कणगरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। अयं च णं दारए कणगरहस्स पुत्ते पउमावईए अत्तए। (तेणं) तन्नं तुमं देवाणुप्पिए! इमं दारगं कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खाहि य संगोवेहि य संवड्ढेहि य। तए णं एस दारए उमुक्कबालभावे तव य मम य पउमावईए य आहारे भविस्सइ-त्तिकट्टु पोट्टिलाए पासे निक्खिवइ [२] पोट्टिला(ओ)ए पासाओ तं विणिहायमावन्नियं दारियं गेण्हइ २ त्ता उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अंतेउरस्स अवदारेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव पउमावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमावईए देवीए पासे ठावेइ (०) जाव पडिनिग्गए। तए णं तीसे पउमावईए अंगपडियारियाओ पउमावइं देविं विणिहायमावन्नियं (च) दारियं पयायं पासंति २ त्ता जेणेव कणगरहे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु सामी! पउमावई देवी म(इ)एल्लियं दारियं पयाया। तए णं कणगरहे राया तीसे मएल्लियाए दारियाए [महया] नीहरणं करेइ बहू(णि)ई लो(इ)गियाइं मयकिच्चाइं करेइ [२] कालेणं विगयसोए जाए। तए णं से तेयलिपुत्ते क(ल्ले)ल्लं कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव चारगसोहणं जाव ठिइपडियं जम्हा णं अम्हं एस दारए कणगरहस्स रज्जे जाए तं होउ णं दारए नामेणं कणगज्झए जाव अलंभोगसमत्थे जाए॥ १०३॥ तए णं सा पोट्टिला अन्नया कयाइ तेयलिपुत्तस्स अणिट्ठा ५ जाया यावि होत्था नेच्छइ (य) णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए नामगो(त्त)यमवि सवणयाए किंपुण दं(दरि)सणं वा परिभोगं वा (?)। तए णं तीसे पोट्टिलाए अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं तेयलिस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाया। नेच्छइ णं तेयलिपुत्ते मम नामं जाव परिभोगं वा ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिए! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुमं णं मम महाणसंसि विपुलं असणं ४ उवक्खडावेहि २ त्ता बहूणं समणमाहण जाव वणीमगाणं देयमाणी य द(दे)वावेमाणी य विहराहि। तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तेणं [अमच्चेणं] एवं वुत्ता समा(णा)णी हट्ठ० तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कल्लाक(ल्लं)ल्लिं महाणसंसि विपुलं असणं ४ जाव दवावेमाणी विहरइ॥ १०४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सुव्वयाओ नामं अज्जाओ इ(ई)रियासमियाओ जाव गुत्तबंभ(या)चारिणीओ बहुस्सुयाओ बहुपरिवाराओ पुव्वाणुपुव्विं [चरमाणीओ] जेणामेव तेयलिपुरे नयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हंति २ त्ता संजमे(ण)णं तवसा

अप्पाणं भावेमाणीओ विहरंति। तए णं तासिं सुव्वयाणं अज्जाणं एगे संघाडए पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ जाव अडमाणीओ तेयलिस्स गिहं अणुपविट्ठाओ। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ २ त्ता हट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ (०) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता विपु(लं)लेणं अस(णं)णेणं ४ पडिलाभेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं अज्जाओ! तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव दंसणं वा परिभोगं वा, तं तुब्भे णं अज्जाओ बहुनायाओ [बहु]सिक्खियाओ बहुपढियाओ बहूणि गामागर जाव आहिंडह बहूणं राईसर जाव गिहाइं अणुपविसह, तं अत्थि–याइं भे अज्जाओ! केइ क(हं)हिंचि चुण्णजोए वा मंतजोगे वा कम्मणजोए वा हियउड्डावणे वा काउड्डावणे वा आभिओगिए वा वसीकरणे वा कोउयकम्मे वा भूइकम्मे वा मूले [वा] कंदे [वा] छल्ली वल्ली सिलिया वा गुलिया वा ओसहे वा भेसज्जे वा उवलद्धपुव्वे जेणाहं तेयलिपुत्तस्स पुणरवि इट्ठा ५ भवेज्जामि [?]। तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए एवं वुत्ताओ समाणीओ दोवि कण्णे [अंगुलियं] ठवें(ठाइं)ति २ त्ता पोट्टिलं एवं वयासी–अम्हे णं देवाणुप्पिए! समणीओ निग्गंथीओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ। नो खलु कप्पइ अम्हं एयप्प(या)गारं कण्णे(हि)हिं वि निसा(मे)मित्तए किमंग पुण उव(दि)दंसित्तए वा आयरित्तए वा (?)। अम्हे णं तव देवाणुप्पिया! विचित्तं केवलिपन्नत्तं धम्मं प(डि)रिकहिज्जामो। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एवं वयासी–इच्छामि णं अज्जाओ! तु(म्हं)ब्भं अंतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं निसामित्तए। तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए विचित्तं धम्मं परिकहेंति। तए णं सा पोट्टिला धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० एवं वयासी–सद्दहामि णं अज्जाओ! निग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह, इच्छामि णं अहं तुब्भं अंतिए पंचाणुव्व(याइं)इयं जाव धम्मं पडिवज्जित्तए। अहासुहं [देवाणुप्पिया]। तए णं सा पोट्टिला तासिं अज्जाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव धम्मं पडिवज्जइ ताओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सा पोट्टिला समणोवासिया जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ॥ १०५॥ तए णं तीसे पोट्टिलाए अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए०–एवं खलु अहं तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव परिभोगं वा, तं सेयं खलु म(म)मं सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए पव्वइत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं (पाउ०) जेणेव तेयलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मए सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए धम्मे निसंते जाव अब्भणुन्नाया पव्वइत्तए। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी–एवं खलु

तुमं देवाणुप्पिए ! मुंडा पव्वइया समाणी कालमासे कालं किच्चा अ(न्न)णंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जिहिसि, तं जइ णं तुमं देवाणुप्पिए ! ममं ताओ देव-लो(या)गाओ आगम्म केवलिपन्नत्ते धम्मे वो(हि)हेहि तो हं विसज्जेमि, अह णं तुमं ममं न संवोहेसि तो ते न विसज्जेमि। तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं तेयलिपुत्ते विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तनाइ जाव आमंतेइ (०) जाव सम्माणेइ २ पोट्टिलं ण्हायं स० पुरिससहस्सवा(ह)हिणीयं सीयं दुरुहित्ता मित्तनाइ जाव [सं]परिवुडे सव्वि(ड्ढि)ड्ढीए जाव रवेणं तेयलिपु(रस्स)रं मज्झंमज्झेणं जेणेव सुव्वयाणं उवस्सए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पोट्टिलं पुरओ-कट्टु जेणेव सुव्वया अज्जा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पि(ए)या ! मम पोट्टिला भारिया इट्ठा ५, एस णं संसारभउव्विग्गा जाव पव्वइत्तए, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सिस्सिणि-भिक्खं (दलयामि)। अहासुहं मा पडिवंधं (करेह)। तए णं सा पोट्टिला सुव्वयाहिं अज्जाहिं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ० उत्तरपुर(च्छिमे)त्थिमं दिसीभा(ए)गं [अवक्कमइ २] सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव सुव्वयाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-आलित्ते णं भंते ! लोए एवं जहा देवाणंदा जाव एक्कारस अंगाइं वहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणस(णाइं)णेणं [छेएत्ता] आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ना ॥ १०६ ॥ तए णं से कणगरहे राया अन्नया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते यावि होत्था। तए णं [ते] राईसर जाव नीहरणं करेंति २ त्ता अन्नमन्नं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगित्था। अम्हे णं देवाणुप्पिया ! रायाहीणा रायाहिट्ठिया रायाहीण-कज्जा। अयं च णं तेयली अमच्चे कणगरहस्स रन्नो सव्वट्ठाणेसु सव्वभूमियासु लद्धपच्चए दिन्नवियारे सव्वकज्जव(ट्टा)ट्ठावए यावि होत्था। तं सेयं खलु अम्हं तेय-लिपुत्तं अमच्चं कुमारं जाइत्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेयलिपुत्तं एवं वयासी-एवं खलु देवा-णुप्पिया ! कणगरहे राया रज्जे य रट्ठे य जाव वियंगेइ, अम्हे (य) णं देवाणुप्पिया ! रायाहीणा जाव रायाहीणकज्जा, तुमं च णं देवाणुप्पिया ! कणगरहस्स रन्नो सव्व-(ट्ठा)ठाणेसु जाव रज्जधुराचिंतए [होत्था], तं जइ णं देवाणुप्पिया ! अत्थि केइ कुमारे रायलक्खणसंपन्ने अभिसेयारिहे तण्णं तुमं अम्हं दलाहि जण(जा)णं अम्हे

महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचामो। तए णं तेयलिपुत्ते तेसिं ईसर जाव एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कणगज्झयं कुमारं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं सस्सिरीयं करेइ २ त्ता तेसिं ईसर जाव उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! कणगरहस्स रन्नो पुत्ते पउमावईए देवीए अत्तए कणगज्झए नामं कुमारे अभिसेयारिहे रायलक्खणसंपन्ने मए कणगरहस्स रन्नो रहस्सिययं संवड्ढिए, एयं णं तुब्भे महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचह। सव्वं च तेसिं उट्ठाणपरियावणियं परिकहेइ। तए णं ते ईसर जाव कणगज्झयं कुमारं महया (२) रायाभिसेएणं अभिसिंचंति। तए णं से कणगज्झए कुमारे राया जाए महयाहिमवंत(मलय) वण्णओ जाव रज्जं पसा-(से)हेमाणे विहरइ। तए णं सा पउमावई देवी कणगज्झयं रायं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं पुत्ता! तव रज्जे जाव अंतेउरे य तुमं च तेयलिपुत्तस्स [अमच्चस्स] प(हा)भावेणं, तं तुमं णं तेयलिपुत्तं अमच्चं आढाहि परिजाणाहि सक्कारेहि सम्माणेहि इंतं अब्भुट्ठेहि ठियं पज्जुवासाहि वच्चंतं पडिसंसाहेहि अद्धासणेणं उवणिमंतेहि भोगं च से अणुवड्ढेहि। तए णं से कणगज्झए पउमावईए (देवीए) तहत्ति [वयणं] पडिसुणेइ जाव भोगं च से [सं]वड्ढेइ ॥ १०७॥ तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अभिक्खणं २ केवलिपन्नत्ते धम्मे संवोहेइ नो चेव णं से तेयलिपुत्ते संबुज्झइ। तए णं तस्स पोट्टिलदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु कणगज्झए राया तेयलिपुत्तं आढाइ जाव भोगं च संवड्ढेइ। तए णं से तेय(ली)लिपुत्ते अभिक्खणं २ संबोहिज्जमाणे वि धम्मे नो संवुज्झइ। तं सेयं खलु कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणा(मे)मित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणामेइ। तए णं तेयलिपुत्ते कल्लं ण्हाए आसखंधवरगए वहूहिं पुरिसेहि [सद्धिं] संपरिवुडे सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कणगज्झए राया तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलिपुत्तं अमच्चं जे जहा वहवे राईसरतलवर जाव पभियओ पासंति ते तहेव आढायंति परि(जा)याणंति अब्भुट्ठेंति २ त्ता अंजलिपरिग्गहं करेंति इट्ठाहिं कंताहिं जाव वग्गूहि आल(वे)वमाणा य संलवमाणा य पुरओ य पिट्ठओ य पासओ य मग्गओ य समणुगच्छंति। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव कणगज्झए तेणेव उवागच्छइ। तए णं [से] कणगज्झए तेयलिपुत्तं एज्जमाणं पासइ २ त्ता नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ अणाढायमाणे ३ परम्मुहे संचिट्ठइ। तए णं [से] तेयलिपुत्ते कणगज्झयस्स रन्नो अंजलिं करेइ। तए णं से कणगज्झए राया अणाढायमाणे तुसिणीए परम्मुहे संचिट्ठइ। तए णं तेयलिपुत्ते कणगज्झयं [रायं] विप्परिणयं जाणित्ता भीए जाव संजायभए एवं वयासी-रुट्ठे

णं मम कणगज्झए राया। हीणे णं मम कणगज्झए राया। अवज्झाए णं कणगज्झए (राया)। तं न नज्जइ णं मम केणइ कुमारेण मारेहिइ-त्तिकट्टु भीए तत्थे (य) जाव सणियं २ पच्चोस(क्के)क्कइ २ त्ता तमेव आसखंधं दुरु(हे)हइ २ त्ता तेयलिपुरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलिपुत्तं जे जहा ईसर जाव पासंति ते तहा नो आढायंति नो परियाणंति नो अब्भुट्ठेति नो अंज(लि)लिं० इट्ठा(हिं)इं जाव नो संलवंति नो पुरओ य पिट्ठओ य पासओ (य मग्गओ य)समणुगच्छंति। तए णं तेयलिपुत्ते जेणेव सए गिहे तेणेव उवाग-(च्छइ)ए। जा वि य से तत्थ बाहिरिया परिसा भवइ तंजहा-दासेइ वा पेसेइ वा भाइल्लएइ वा सा वि य णं नो आढाइ ३। जा वि य से अब्भिंतरिया परिसा भवइ तंजहा-पियाइ वा मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा सा वि य णं नो आढाइ ३। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव वासघरे जेणेव (सए) सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणिज्जंसि निसीयइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं सयाओ गिहाओ निग्गच्छामि तं चेव जाव अब्भिंतरिया परिसा नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ। तं सेयं खलु मम अप्पाणं जीवियाओ ववरोवित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता तालउडं विसं आसगंसि पक्खिवइ, से (य विसे) नो संकमइ। तए णं से तेयलिपुत्ते [अमच्चे] नीलुप्पल जाव असिं खं(धे)धंसि ओहरइ, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासगं गीवाए बंधइ २ त्ता रुक्खं दुरुहइ २ त्ता पा(सं)सगं रुक्खे बंधइ २ त्ता अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि य से रज्जू छिन्ना। तए णं से तेयलिपुत्ते महइमहा(ल)लियं सिलं गीवाए बंधइ २ त्ता अत्थाहमतारमपोरि(सि)सीयंसि उदगंसि अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि से थाहे जाए। तए णं से तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडंसि अगणिकायं पक्खिवइ २ त्ता अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि य से अगणिकाए विज्झाए। तए णं से तेयलिपुत्ते एवं वयासी-सद्धेयं खलु भो समणा वयंति, सद्धेयं खलु भो माहणा वयंति, सद्धेयं खलु भो समणा माहणा वयंति, अहं एगो असद्धेयं वयामि, एवं खलु अहं सह पुत्तेहिं अपुत्ते, को मेदं सद्दहिस्सइ? सह मित्तेहिं अमित्ते, को मेदं सद्दहिस्सइ? एवं अत्थेणं दारेणं दासेहिं [पेसेहि] परिजणेणं। एवं खलु तेयलिपुत्तेणं अमच्चेणं कणगज्झएणं रन्ना अवज्झाएणं समाणेणं तालपुडगे विसे आसगंसि पक्खित्ते, से वि य नो (सं)कमइ, को मेयं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते नीलुप्पल जाव खंधंसि ओहरिए, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला, को मेदं सद्दहिस्सइ? तेयलिपु(त्तस्स)त्ते पासगं गीवाए बं(धे)धित्ता जाव रज्जू छिन्ना, को मे(दं)यं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते महा(सिल)लियं जाव बंधित्ता

अत्थाह जाव उदगंसि अप्पा[णं] मुक्के, तत्थ वि य णं थाहे जाए, को मेयं सद्दहिस्सइ ? तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडे अग्गी विज्झाए, को मेयं सद्दहिस्सइ ?–ओहयमणसंकप्पे जाव झिया[य]इ। तए णं से पोट्टिले देवे पोट्टिलारूवं विउव्वइ २ त्ता तेयलिपुत्तस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वयासी–हं भो तेयलिपुत्ता! पुरओ पवाए पिट्ठओ हत्थिभयं दुहओ अचक्खुफासे मज्झे सराणि पतं(वरिसयं)ति, गामे पलित्ते रन्ने झियाइ रन्ने पलित्ते गामे झियाइ, आउसो (!) तेयलिपुत्ता! कओ वयामो ?। तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी–भीयस्स खलु भो! पव्वज्जा सरणं, उक्कं(ठि)ट्ठियस्स सदेसगमणं छुहियस्स अन्नं तिसियस्स पाणं आउरस्स भेसज्जं माइयस्स रहस्सं अभिजुत्तस्स पच्चयकरणं अद्धाणपरिसंतस्स वाहणगमणं तरिउकामस्स पवह(णं)णकिच्चं परं अभिओजिउकामस्स सहायकिच्चं, खंतस्स दंतस्स जिइंदियस्स एत्तो एगमवि न भवइ। तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अमच्चं एवं वयासी–सुट्ठु णं तुमं तेयलिपुत्ता! एयमट्ठं आया(णि)णाहि–त्तिकट्टु दोच्चंपि [तच्चंपि] एवं वयइ २ त्ता जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १०८ ॥ तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स सुभेणं परिणामेणं जाईसरणे समुप्पन्ने। तए णं (तस्स) तेयलिपुत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए ० समुप्पन्ने–एवं खलु अहं इहेव जंबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे पोक्खलावईविजए पोंड(री)रिगिणीए रायहाणीए महापउमे नामं राया होत्था। तए णं (अ)हं थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव चोद्दस–पुव्वाइं (०) बहूणि वासाणि सामण्णपरिया(ए)गं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए महासुक्के कप्पे देवे (उववन्ने)। तए णं हं ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं [भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता] इहेव तेयलिपुरे तेयलिस्स अमच्चस्स भद्दाए भारियाए दारगत्ताए पच्चायाए। तं सेयं खलु मम पुव्वदिट्ठाइं महव्वयाइं सयमेव उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता सयमेव महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता जेणेव पमयवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि सुहनिसण्णस्स अणुचिंतेमाणस्स पुव्वाहीयाइं सामाइयमाइयाइं चोद्दसपुव्वाइं सयमेव अभिसमन्नागयाइं। तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स अणगारस्स सुभेणं परिणामेणं जाव तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं कम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं पविट्ठस्स केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ १०९ ॥ तए णं तेयलिपुरे नयरे अहासन्निहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं देवीहि य देवदुंदु(भी)हीओ समाहयाओ दसद्धवण्णे कुसुमे निवाइए दिव्वे गीयगंधव्वनिनाए कए यावि होत्था। तए णं से कणगज्झए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे एवं वयासी–एवं खलु तेय(लिं)लिपुत्ते मए अव-

ज्झाए मुंडे भवित्ता पव्वइए तं गच्छामि णं तेयलिपुत्तं अणगारं वंदामि नमंसामि वं० २ त्ता एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेमि। एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए चाउरंगिणीए सेणाए जेणेव पमयवणे उज्जाणे जेणेव तेयलिपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेयलिपुत्तं (अणगारं) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एयमट्ठं च [णं] विणएणं भुज्जो २ खामेइ [२] नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ। तए णं से तेयलिपुत्ते अणगारे कणगज्झयस्स रन्नो तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ। तए णं से कणगज्झए राया तेयलिपुत्तस्स केवलिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं सावगधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता समणोवासए जाए जाव अ(हि)भिगयजीवाजीवे। तए णं तेयलिपुत्ते केवली बहूणि वासाणि केवलिपरियागं पाउणित्ता जाव सिद्धे। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ११० ॥ **गाहा**–जाव न दुक्खं पत्ता माणब्भंसं च पाणिणो पायं। ताव न धम्मं गेण्हंति भावओ तेयलिसुउव्व ॥ १ ॥ **चोद्(चउद)समं नाय(अ)ज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! समणेणं० चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते पन्नरसमस्स णं (०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा ना(मं)म नयरी होत्था पुण्णभद्दे उज्जाणे जियसत्तू राया। तत्थ णं चंपाए नयरीए ध(ण)णे नामं सत्थवाहे होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए। तीसे णं चंपाए नयरीए उत्तरपुरत्थिमे दि(सि)सीभाए अहिच्छत्ता ना(म)मं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा वण्णओ। तत्थ णं अहिच्छत्ताए नयरीए कणगकेऊ नामं राया होत्था (महया) वण्णओ। [तए णं] तस्स ध(ण)णस्स सत्थवाहस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–सेयं खलु मम विपुलं पणियभंडमायाए अहिच्छत्तं न(गरं)यरिं वाणिज्जाए गमित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता गणिमं च ४ चउव्विहं भंडं गेण्हइ (०) सगडीसागडं सज्जेइ २ त्ता सगडीसागडं भरेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! चंपाए नयरीए सिंघाडग जाव पहे(सुं)सु [एवं वयह—]एवं खलु देवाणुप्पिया! धणे सत्थवाहे विपु(ले)लं पणि(य०)यं [आदाय] इच्छइ अहिच्छत्तं नयरिं वाणिज्जाए गमित्तए। तं जो णं देवाणुप्पिया! चरए वा चीरिए वा चम्मखंडिए वा भिच्छुंडे वा पं(डु)डरगे वा गोयमे वा गोव(ती)त्तिए वा (गिहिधम्मे वा) गिहिधम्मचिंतए वा अविरुद्धविरुद्धवुड्ढसावगरत्तपडनिग्गंथप्पभिइपासंडत्थे वा गिहत्थे वा (तस्स णं) ध(ण)णेणं सद्धिं अहिच्छत्तं नयरिं गच्छइ तस्स णं धणे अच्छत्तगस्स

छत्तगं दलाइ अणुवाहणस्स ओ(उ)वाहणा(उ)ओ दलयइ अकुंडियस्स कुंडियं दलयइ अपत्थयणस्स पत्थयगं दलयइ अपक्खेवगस्स पक्खेवं दलयइ अंतरा वि य से पडियस्स वा भग्गलुग्ग[स्स] साहेज्जं दलयइ सुहंसुहेण य (णं) अहिच्छत्तं संपावेइ-त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि [घोसणं] घोसेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव एवं वयासी–हंदि सुणंतु भगवंतो चंपानयरीवत्थव्वा बहवे चरगा (य) जाव पच्चप्पिणंति । तए णं (से) तेसिं कोडुंबिय(घोस)पुरिसाणं [अंतिए एयमट्ठं] सो(सु)च्चा चंपाए नयरीए बहवे चरगा य जाव गिहत्था य जेणेव धणे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छंति। तए णं धणे [सत्थवाहे] तेसिं चरगाण य जाव गिहत्थाण य अच्छत्तगस्स छत्तं दलयइ जाव पत्थयणं दलाइ–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! चंपाए नयरीए बहिया अग्गुज्जाणंसि ममं पडिवालेमाणा चिट्ठह। तए णं [ते] चरगा य० धणेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा जाव चिट्ठंति। तए णं धणे सत्थवाहे सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तना(ई)इ आमंतेइ २ त्ता भोयणं भोयवेइ २ त्ता आपुच्छइ २ त्ता सगडीसागडं जोयावेइ २ त्ता चंपा[ओ] नयरीओ निग्गच्छइ (०) नाइविप्पगिट्ठेहिं अद्धाणेहिं वसमाणे २ सुहेहिं वसहिपायरासेहि अंगं जणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव देसग्गं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सगडीसागडं मोयावेइ (०) सत्थनिवेसं करेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम सत्थनिवेसंसि महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! इमीसे आगामियाए छिन्नावायाए दीहमद्धाए अडवीए बहुमज्झदेसभाए [एत्थ णं] बहवे नंदिफला नामं रुक्खा पन्नत्ता किण्हा जाव पत्तिया पुप्फिया फलिया हरिया रेरिज्जमाणा सिरीए अईव २ उवसोभेमाणा चिट्ठंति मणुन्ना वण्णेणं [४] जाव मणुन्ना फासेणं मणुन्ना छायाए। तं जो णं देवाणुप्पिया! तेसिं नंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद(०)तयपत्तपुप्फफलबीयाणि वा हरियाणि वा आहारेइ छायाए वा वीसमइ तस्स णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा २ अकाले चेव जीवियाओ ववरोवे(न्ति)इ। तं मा णं देवाणुप्पिया! केइ तेसिं नंदिफलाणं मूलाणि वा जाव छायाए वा वीसमउ मा णं से(ऽ)वि अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जिस्सइ। तुब्भे णं देवाणुप्पिया! अन्नेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव हरियाणि य आहारे(थ)ह छायासु वीसमह त्ति घोसणं घोसेह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं धणे सत्थवाहे सगडीसागडं जोएइ २ त्ता जेणेव नंदिफला रुक्खा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेसिं नंदिफलाणं अदूरसामंते सत्थनिवेसं करेइ २ त्ता दोच्चंपि तच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं

देवाणुप्पिया! मम सत्थनिवेसंसि महया [२] सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह-एए णं देवाणुप्पिया! ते नंदिफला [रुक्खा] किण्हा जाव मणुन्ना छायाए। तं जो णं देवाणुप्पिया! एएसि नंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद(०)पुप्फतयापत्तफलाणि जाव अकाले चेव जीवियाओ ववरोवेइ। तं मा णं तुब्भे जाव (दूरं दूरेणं परिहरमाणा) वीसमह मा णं अकाले [चेव] जीवियाओ ववरोविस्संति अन्नेसि रुक्खाणं मूलाणि य जाव वीसमह-त्तिकट्टु घोसणं [जाव] पच्चप्पिणंति। तत्थ णं अत्थेगइया पुरिसा धणस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं सद्दहंति जाव रोयंति एयमट्ठं सद्दहमाणा तेसिं नंदिफलाणं दूरंदूरेणं परिहरमाणा २ अन्नेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव वीसमंति। तेसि णं आवाए नो भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा २ सु(ह)भरूवत्ताए ५ भुज्जो २ परिणमंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पंचसु कामगुणेसु नो स(ज्जे)ज्जइ (नो रज्जेइ) से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे परलोए नो आगच्छइ, जाव वीईवइस्सइ। तत्थ णं (जे से) अप्पेगइया पुरिसा धणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति ३ धणस्स एयमट्ठं असद्दहमाणा ३ जेणेव ते नंदिफला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेसिं नंदिफलाणं मूलाणि य जाव वीसमंति तेसि णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा जाव ववरोवेंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा २ पव्वइए पंचसु कामगुणेसु सज्जइ जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व ते पुरिसा। तए णं से धणे सगडीसागडं जोयावेइ २ त्ता जेणेव अहिच्छत्ता नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहिच्छत्ताए नयरीए बहिया अग्गुज्जाणे सत्थनिवेसं करेइ २ त्ता सगडीसागडं मोयावेइ। तए णं से धणे सत्थवाहे महत्थं ३ रायारिहं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता बहुपुरिसेहिं सद्धिं संपरिवुडे अहिच्छत्तं नय(रं)रिं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता तं महत्थं ३ पाहुडं उवणेइ। तए णं से कणगकेऊ राया हट्ठतु(ट्ठ०)ट्ठे धणस्स सत्थवाहस्स तं महत्थं (३) जाव पडिच्छइ २ त्ता ध(ण)णं सत्थवाहं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता पडिविसज्जेइ [२] भंडविणिमयं करेइ २ त्ता पडिभंडं गेण्हइ २ त्ता सुहंसुहेणं जेणेव चंपा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मित्तनाइअभिसमन्नागए विपुलाइं माणुस्सगाइं जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं ध० धम्मं सोच्चा जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता [जाव] पव्वइए सामा[इयमा]इयाइं एक्कारस अंगाइं बहूणि वासाणि जाव मासियाए (सं०) जाव अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने (से णं देवे ताओ देवलोगाओ आउक्ख० चयं चइत्ता) महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ।

एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं पन्नरस[म]स्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ १११ ॥ **गाहाओ**–चंपा इव मणुयगई धणो व्व भयवं जिणो दएक्करसो। अहिछत्तानयरिसमं इह निव्वाणं मुणेयव्वं ॥ १ ॥ घोसणया इव तित्थंकरस्स सिवमग्गदेसणमहग्घं। चरगाइणोव्व इत्थं सिवसुहकामा जिया वहवे ॥ २ ॥ नंदिफलाइ व्व इहं सिवपहपडिवण्णगाण विसया उ। तब्भक्खणाओ मरणं जह तह विसएहिं संसारो ॥ ३ ॥ तव्वज्जणेण जह इट्ठपुरगमो विसयवज्जणेण तहा। परमानंदनिवंधणसिवपुरगमणं मुणेयव्वं ॥ ४ ॥ **पन्नरसमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं पन्नरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते सोलसमस्स णं भंते! नायज्झयणस्स (०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था। तीसे णं चंपाए नयरीए वहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सुभूमिभागे नामं उज्जाणे होत्था। तत्थ णं चंपाए नयरीए तओ माहणा भायरो परिवसंति तंजहा–सोमे सोमदत्ते सोमभूई अड्ढा जाव [अपरिभूया] रिउव्वेयजउव्वेयसामवेयअथव्वणवेय जाव सुपरिनिट्ठिया। ते(सि णं)सिं माहणाणं तओ भारियाओ होत्था तंजहा–नागसिरी भूयसिरी जक्खसिरी सुकुमा(ल)ला जाव तेसि णं माहणाणं इट्ठाओ वि(पु)उले माणुस्सए जाव विहरंति। तए णं तेसिं माहणाणं अन्नया कयाइ एगयओ समुवागयाणं जाव इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमे विउले धणे जाव सावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! अन्नमन्नस्स गिहेसु कल्लाकल्लिं विपुलं अस(णं)णपा(णं)णखाइ(मं)मसाइमं उवक्खडेउं (२) परिभुं(ज)जेमाणाणं विहरित्तए। अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति कल्लाकल्लिं अन्नमन्नस्स गिहेसु विपुलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता परिभुंजेमाणा विहरंति। तए णं तीसे नागसिरीए माहणीए अन्नया [कयाइ] भोयणवारए जाए यावि होत्था। तए णं सा नागसिरी [माहणी] विपुलं असणं ४ उवक्ख(डे)डावेइ २ त्ता एगं महं सालइयं ति(त्ता)त्तलाउ(अं)यं वहुसंभारसंजुत्तं नेहावगाढं उवक्खडावेइ एगं विंदुयं करयलंसि आसाएइ [२] तं खारं कडुयं अखज्जं (अभोज्जं) विस(व)भूयं जाणित्ता एवं वयासी–धिरत्थु णं मम नागसिरीए अ(ह)धन्नाए अपुण्णाए दूसगाए दूसगसत्ताए दूसगनिंवोलियाए जा(जी)ए णं मए सालइए वहुसंभारसंभिए नेहावगाढे उवक्खडिए सुवहुदव्वक्खए(णं) नेहक्खए य कए। तं जइ णं ममं जाउयाओ जाणिस्संति तो णं मम खिंसिस्संति। तं जाव–ताव ममं जाउयाओ न जाणंति ताव मम सेयं एयं सालइयं ति(त्ता)त्तलाउ[यं] वहुसंभार-

नेहकयं एगंते गो(वे)वित्तए अन्नं सालइयं महु(रा)रलाउयं जाव नेहावगाढं उव-क्ख(डे)डित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता तं सालइयं जाव गोवेइ [२] अन्नं सालइयं महुर-लाउयं उवक्खडेइ [२] तेसिं माहणाणं ण्हायाणं सुहासणवरगयाणं तं विपुलं असणं ४ परिवेसेइ। तए णं ते माहणा जिमियभुत्तुत्तरागया समाणा आयंता चोक्खा परम-सुइभूया सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था। तए णं ताओ माहणीओ ण्हायाओ सव्वालंकारविभूसियाओ तं विपुलं असणं ४ आहारेंति २ त्ता जेणेव सयाइं २ गि(गे)-हाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ताओ जायाओ ॥ ११२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा ना(म)मं थेरा जाव बहुपरिवारा जेणेव चंपा (नामं) नयरी जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं जाव विहरंति। परिसा निग्गया धम्मो कहिओ परिसा पडिगया। तए णं तेसिं धम्मघोसाणं थेराणं अंतेवासी धम्मरुई नामं अणगारे उ(ओ)राले जाव ते(उ)यलेस्से मासंमासेणं खम-माणे विहरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे मासखमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ २ त्ता बीयाए पोरिसीए एवं जहा गोयमसामी तहेव उग्गाहेइ २ त्ता तहेव धम्मघोसं थेरं आपुच्छइ जाव चंपाए नयरीए उच्चनीयमज्झिमकुलाइं जाव अडमाणे जेणेव नागसिरीए माहणीए गिहे तेणेव अणुपविट्ठे। तए णं सा नाग-सिरी माहणी धम्मरुइं एज्जमाणं पासइ २ त्ता तस्स सालइयस्स तित्तकडुयस्स बहु-(०)नेहावगाढस्स एड(निसिर)णट्ठयाए हट्ठतुट्ठा [उट्ठाए] उट्ठेइ २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं सालइयं तित्तकडुयं च बहुने(हं)हावगाढं धम्मरुइस्स अणगारस्स पडिग्गहंसि सव्वमेव नि(सि)स्सिरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे अहा-पज्जत्तमितिकट्टु नागसिरीए माहणीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता [जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छइ २] धम्मघोसस्स अदूरसामंते अन्न-पाणं पडि(दंसे)लेहेइ २ त्ता अन्नपाणं करयलंसि पडिदंसेइ। तए णं (ते) धम्मघोसा थेरा तस्स सालइयस्स नेहावगाढस्स गंधेणं अभिभूया समाणा तओ सालइयाओ नेहावगाढाओ एगं विंदु(गं)यं गहाय करयलंसि आसा(दे)दिंति ति(त्तगं)त्तं खारं कडुयं अखज्जं अभोज्जं विसभूयं जाणित्ता धम्मरुइं अणगारं एवं वयासी—जइ णं तुमं देवाणुप्पिया! एयं सालइयं जाव नेहावगाढं आहारेसि तो णं तुमं अकाले चेव जीवि-याओ ववरोविज्जसि। तं मा णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं सालइयं जाव आहारेसि मा णं तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तं गच्छ[ह] णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं सालइयं एगंतमणावाए अ(चि)च्चित्ते थंडि(ले)ल्ले परिट्ठवेहि २ त्ता अन्नं फासुयं एस-

णिज्जं असणं ४ पडिगाहेत्ता आहारं आहारेहि। तए णं से धम्मरुई अणगारे धम्मघोसेणं थेरेणं एवं वुत्ते समाणे धम्मघोसस्स थेरस्स अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सुभूमिभा(ग)गाओ उज्जाणाओ अदूरसामंते थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता ता(त)ओ सालइयाओ एगं विंदुगं ग(हेइ)हाय २ थंडि(लं)ल्लंसि निसिरइ। तए णं तस्स सालइयस्स तित्तकडुयस्स बहुनेहावगाढस्स गंधेणं बहूणि पिपीलिगासहस्साणि पाउब्भू० जा जहा य णं पिपीलिगा आहारेइ सा [णं] तहा अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जइ। तए णं तस्स धम्मरुइस्स अणगारस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-जइ ताव इमस्स सालइयस्स जाव एगंमि बिंदु(गं)यंमि पक्खित्तंमि अणेगाइं पिपीलि(का)गासहस्साइं ववरोविज्जंति तं जइ णं अहं एयं सालइयं थंडिल्लंसि सव्वं निसिरामि (तए) तो णं बहूणं पाणाणं ४ वहकरणं भविस्सइ। तं सेयं खलु मम एयं सालइयं जाव [नेहाव]-गाढं सयमेव आहा(रे)रित्तए मम चेव एएणं सरी(रे)रएणं निज्जाउ-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता मुहपोत्तियं [२] पडिलेहेइ २ त्ता ससीसोवरियं कायं पमज्जेइ २ त्ता तं सालइयं तित्तकडुयं बहुनेहावगाढं बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पा(णे)णएणं सव्वं सरीरको(ट्ठं)ट्ठगंसि पक्खिवइ। तए णं तस्स धम्मरुइ[य]स्स तं सालइयं जाव नेहावगाढं आहारियस्स समाणस्स मुहुत्तंतरेणं परिणममाणंसि सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा। तए णं से धम्मरु(ची)ई अणगारे अथामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु आयारभंडगं एगंते ठा(ठ)वेइ २ त्ता थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथारेइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसण्णे करयलपरिग्गहियं एवं वयासी-नमोत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं नमोत्थु णं धम्मघोसाणं थेराणं मम धम्मायरियाणं [मम] धम्मोवएसगाणं पुव्विं पि णं मए धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव परिग्गहे इयाणिं पि णं अहं तेसिं चेव भगवंताणं अंति(यं)ए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव परिग्गहं पच्चक्खामि जाव(जी)ज्जीवाए जहा खंदओ जाव चरिमेहिं उस्सासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालगए। तए णं ते धम्मघोसा थेरा धम्मरुइं अणगारं चि(रं)रगयं जाणित्ता समणे निग्गंथे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! धम्मरुइस्स अणगारस्स मास[क्]खमणपारणगंसि सालइयस्स जाव [नेहाव]गाढस्स निसिरणट्ठयाए बहिया निग्गए चिरा[वे]इ, तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! धम्मरुइस्स अणगारस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेह। तए णं ते समणा निग्गंथा जाव पडिसुणेंति २ त्ता धम्मघोसाणं थेराणं अंतियाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता धम्मरुइस्स अणगारस्स

सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा जेणेव थंडिल्लं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता धम्मरुइयस्स अणगारस्स सरीरगं निप्पाणं निच्चेट्ठं जीवविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा [!] अहो! अकज्जमितिकट्टु धम्मरुइस्स अणगारस्स परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति (०) धम्मरुइस्स आयारभंडगं गेण्हंति २ त्ता जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता गमणागमणं पडिक्कमंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अम्हे तुब्भं अंतियाओ पडिनिक्खमामो २ त्ता सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स परिपेरंतेणं धम्मरुइस्स अणगारस्स सव्वं जाव करेमा(णे)णा जेणेव थंडिल्ले तेणेव उवागच्छामो (०) जाव इहं हव्वमागया, तं कालगए णं भंते! धम्मरुई अणगारे इमे से आयारभंडए। तए णं (ते) धम्मघोसा थेरा पुव्वगए उवओगं गच्छंति २ त्ता समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जो! मम अंतेवासी धम्मरुई ना(म)मं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए मासंमासेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं जाव नागसिरीए माहणीए गि(हे)हं अणुपवि(ट्ठे)सइ। तए णं सा नागसिरी माहणी जाव निसिरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे अहापज्जत्तमि(ति)त्तिकट्टु जाव कालं अणवकंखमाणे विहरइ। से णं धम्मरुई अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं सोह(म्म)म्मे जाव सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं [अत्थेगइयाणं] (अ)जहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ [णं] धम्मरुइस्स वि देवस्स तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। से णं धम्मरुई देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥११२॥ तं धिरत्थु णं अज्जो! नागसिरीए माहणीए अधन्नाए अपुण्णाए जाव निंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू [साहुरूवे] धम्मरुई अणगारे मासक्खमणपारणगंसि सालइएणं जाव गाढेणं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए। तए णं ते समणा निग्गंथा धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म चंपाए सिंघाडग(तिग) जाव [पहेसु] बहुजणस्स एवमाइक्खंति [४]-धिरत्थु णं देवाणुप्पिया! नागसिरीए (माहणीए) जाव निंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू साहुरूवे सालइएणं जीवियाओ ववरो(वेइ)विए। तए णं तेसिं समणाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ एवं भासइ-धिरत्थु णं नागसिरीए माहणीए जाव जीवियाओ ववरोविए। तए णं ते माहणा चंपाए नयरीए बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव नागसिरी माहणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता नागसि(री)रिं माह(णीं)णिं एवं वयासी-हं भो नागसिरी! अपत्थियपत्थिए [!] दुरंतपंतलक्खणे [!] हीणपुण्णचाउद्दसे [!] धिरत्थु णं तव अधन्नाए अपु-

ण्णाए (जाव) निंबोलियाए जाए णं तुमे तहारूवे साहू साहुरूवे मासखमणपारणगंसि सालइएणं जाव ववरोविए उच्चाव(ए)याहिं अक्कोसणाहिं अक्कोसंति उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेंति उच्चावयाहिं निब्भ(त्थ)च्छणाहिं निब्भ(त्थं)च्छेंति उच्चावयाहिं निच्छोडणाहिं निच्छोडेंति तज्जेंति तालेंति त(ज्जे)ज्जित्ता ता(ले)लित्ता सयाओ गिहाओ निच्छुभंति। तए णं सा नागसिरी सयाओ गिहाओ निच्छूढा समाणी चंपाए नयरीए सिंघाडगतियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु बहुजणेणं हीलिज्जमाणी खिंसिज्जमाणी निंदिज्जमाणी गरहिज्जमाणी तज्जिज्जमाणी पव्वहिज्जमाणी धिक्कारिज्जमाणी थुक्कारिज्जमाणी कत्थइ ठाणं वा निलयं वा अलभमाणी २ दंडीखंडनिवसणा खंडमल्लयखंडघडगहत्थगया फुट्टहडाहडसीसा मच्छियाचडगरेणं अन्निज्जमाणमग्गा गि(गे)हं(गे)गिहेणं देहंबलियाए वित्तिं कप्पेमा(णी)णा विहरइ। तए णं तीसे नागसिरीए माहणीए तब्भवंसि चेव सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा—सासे कासे जोणिसूले जाव कोढे। तए णं सा नागसिरी माहणी सोलसहिं रो(या)गायंकेहिं अभिभूया समाणी अट्टदुहट्टवसट्टा कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्को(सेणं)सं बावीससागरोवम(ठिती)ट्ठिइएसु नेरइ(नर)एसु नेरइयत्ताए उववन्ना। सा णं तओ(ऽ)अणंतरं(सि) उव्वट्टित्ता मच्छेसु उववन्ना। तत्थ णं सत्थवज्झा दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा अहेसत्त(मी)माए पुढवीए उक्को(साए)स(तित्ती०)सागरोवमट्ठिईएसु [नरएसु] नेरइएसु उववन्ना। सा णं तओ(ऽ)णंतरं उव्वट्टित्ता दोच्चंपि मच्छेसु उववज्जइ। तत्थ वि य णं सत्थवज्झा दाहवक्कंतीए दोच्चंपि अहे सत्तमाए पुढवीए उक्को(सं)स(तेत्तीस)सागरोवमट्ठिइएसु नेरइएसु उववज्जइ। सा णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता तच्चंपि मच्छेसु उववन्ना। तत्थ वि य णं सत्थवज्झा जाव [कालमासे] कालं किच्चा दोच्चंपि छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं (०)। तओणंतरं उव्वट्टित्ता उरएसु एवं जहा गोसाले तहा नेयव्वं जाव रयणप्पभा(ए)ओ [पुढवीओ उव्वट्टित्ता] स(त्त)न्नीसु उववन्ना। तओ उव्वट्टित्ता जा(व)इं इमाइं खहयरविहाणाइं जाव अदुत्तरं च णं खरबायरपुढविकाइयत्ताए तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो ॥ ११४ ॥ सा णं तओणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे चंपाए नयरीए सागरदत्तस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि दारियत्ताए पच्चायाया। तए णं सा भद्दा सत्थवाही नवण्हं मासाणं दारियं पयाया सुकुमालकोमलियं गयतालुयसमाणं। तीसे [णं] दारियाए निव्व(त्ते)त्तबारसाहियाए अम्मापियरो इमं एयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति—जम्हा णं अम्हं एसा दारिया सुकुमाला गयतालुयसमाणा तं होउ णं अम्हं इमीसे दारियाए नामधे(ज्जे)ज्जं सुकुमालिया [२]। तए णं तीसे दारियाए अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति सूमालि॰

यत्ति। तए णं सा सूमालिया दारिया पंचधाईपरिग्गहिया तंजहा–खीरधाईए जाव गिरिकंदरमल्लीणा इव चंप(क)गलया नि(०)वा(ए)यनिव्वाघायंसि जाव परिवड्ढइ। तए णं सा सूमालिया दारिया उम्मुक्कबालभावा जाव रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था ॥ ११५ ॥ तत्थ णं चंपाए नयरीए जिणदत्ते ना(म)मं सत्थवाहे अड्ढे(०)। तस्स णं जिणदत्तस्स भद्दा भारिया सूमाला इट्ठा (जाव) माणुस्सए कामभो(ए)गे पच्चणुब्भवमाणा विहरइ। तस्स णं जिणदत्तस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए सागरए नामं दारए सुकुमाले जाव सुरूवे। तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे अन्नया कयाइ सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सागरदत्तस्स सत्थवाह(गिह)स्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। इमं च णं सूमालिया दारिया ण्हाया चेडियासंघपरिवुडा उप्पिं आगासतलगंसि कणग(तें)तिंदूसएणं कीलमाणी (२) विहरइ। तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे सूमालियं दारियं पासइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए रूवे य ३ जायविम्हए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया! कस्स दारिया किं वा नामधेज्जं से?। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जिणदत्तेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा ह० करयल जाव एवं वयासी–एस णं (देवाणुप्पिया!) सागरदत्तस्स २ धूया भद्दाए अत्तया सूमालिया ना(म)मं दारिया सुकुमालपाणिपाया जाव उक्किट्ठा। तए णं (से) जिणदत्ते सत्थवाहे तेसिं कोडुंबियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ण्हाए स० मित्तनाइपरिवुडे चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवाग(च्छइ)ए। तए णं [से] सागरदत्ते २ जिणदत्तं २ एज्जमाणं पासइ २ त्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता आसणेणं उवनिमंतेइ २ त्ता आसत्थं वीसत्थं सुहासणवरगयं एवं वयासी–भण देवाणुप्पिया! किमागमणपओयणं (?)। तए णं से जिणदत्ते (सत्थवाहे) सागरदत्तं (सत्थवाहं) एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! तव धूयं भद्दाए अत्तियं सूमालियं सागरस्स भारियत्ताए वरेमि। जइ णं जाणह देवाणुप्पिया! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो ता दिज्जउ णं सूमालिया सागर[दारग]स्स। तए णं देवाणुप्पिया! किं दलयामो सुंकं [च] सूमालियाए?। तए णं से सागरदत्ते (तं) २ जिणदत्तं [२] एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! सूमालिया दारिया (मम) एगा एगजाया इट्ठा [५] जाव किमंग पुण पासणयाए। तं नो खलु अहं इच्छामि सूमालियाए दारियाए खणमवि विप्पओगं। तं जइ णं देवाणुप्पिया! सागर[ए] दारए मम घरजामाउए भवइ तो णं अहं सागर(स्स)दारगस्स सूमालियं दलयामि। तए णं से जिणदत्ते २ सागरदत्तेणं २ एवं वुत्ते समाणे जेणेव सए गिहे तेणेव उवाग-

च्छइ २ त्ता सागरदारगं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु पुत्ता! सागरदत्ते २ म(म)मं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! सूमालिया दारिया इट्ठा तं चेव, तं जइ णं सागरदारए मम घरजामाउए भवइ ता[व] दलयामि। तए णं से सागरए दारए जिणदत्तेणं २ एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए। तए णं जिणदत्ते २ अन्नया कयाइ सोहणंसि तिहिकरणे वि(उ)पुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तना(ई)इ आमंतेइ जाव [सक्कारेत्ता] सम्मा(णि)णेत्ता सागरं दारगं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहि(णि)णीयं सीयं दुरुहावेइ २ त्ता मित्तनाइ जाव संपरिवुडे सव्विड्ढीए सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता चं(पा)पं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता साग(रगं)रं दारगं सागरदत्तस्स २ उवणेइ। तए णं [से] सागरदत्ते २ विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता जाव सम्माणेत्ता सागरं दारगं सूमालियाए दारियाए सद्धिं पट्टयं[सि] दुरुहावेइ २ त्ता सेयापी(त)एहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता [अग्गि]होमं करावेइ २ त्ता सागरं दारयं सूमालियाए दारियाए पाणिं गेण्हा(विंति)वेइ ॥ ११६ ॥ तए णं सागर(दार)ए सूमालियाए दारियाए इमं एयारूवं पाणिफासं (पडि)संवेदेइ से जहानामए असिपत्तेइ वा जाव मुम्मुरेइ वा (इतो) एत्तो अणिट्ठतराए चेव पाणिफासं संवेदेइ। तए णं से सागरए अकामए अवस(०)वसे (तं) मुहुत्त(मि)मेत्तं संचिट्ठइ। तए णं (से) सागरदत्ते २ सागरस्स (दारगस्स) अम्मापियरो मित्तनाइ विपुलं असणं ४ पुप्फवत्थ जाव सम्माणेत्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सागरए (दारए) सूमालियाए सद्धिं जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलि(गं)मंसि निवज्जइ। तए णं से सागरए दारए सूमालियाए दारियाए इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ से जहानामए असिपत्तेइ वा जाव अमणाम(य)तरागं चेव अंगफासं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। तए णं से सागरए दारए [सूमालियाए दारियाए] अंगफासं असहमाणे अवसवसे मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठइ। तए णं से सागरदारए सूमालियं (दारियं) सुहपसुत्तं जाणित्ता सूमालियाए दारियाए पासाओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणीयंसि निवज्जइ। तए णं सूमालिया दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा समाणी पइव्वया पइमणुरत्ता पइं पासे अपस्समाणी तलिमा(उ)ओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव से सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरस्स पासे णुवज्जइ। तए णं से सागरदारए सूमालियाए दारियाए दो(दु)च्चंपि इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ जाव अकामए अवसवसे मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठइ। तए णं (से) सागरदारए सूमालियं दारियं सुहपसुत्तं जाणित्ता सयणिज्जाओ उट्ठेइ २

त्ता वासघरस्स दारं विहाडेइ २ त्ता मारामुक्के विव काए जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ ११७ ॥ तए णं सूमालिया दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा पतिंवया जाव अपासमाणी सयणिज्जाओ उट्ठेइ सागरस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणी २ वासघरस्स दारं विहाडियं पासइ २ त्ता एवं वयासी-गए [णं] से साग(रे)रए-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ । तए णं सा भद्दा सत्थवाही कल्लं पाउप्पभा[या]ए दासचे(डियं)डिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिए ! व(हु)हूवरस्स मुह(सोह)धोवणियं उवणेहि । तए णं सा दासचेडी भद्दाए एवं वुत्ता समाणी एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ [२] मुहधोवणियं गेण्हइ २ त्ता जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ (०) सूमालियं दारियं जाव झियायमाणिं पासइ २ त्ता एवं वयासी-किन्नं तु(मं)ब्भे देवाणुप्पि(ए)या ! ओहयणमणसंकप्पा जाव झियाहि(सि) ? । तए णं सा सूमालिया दारिया तं दासचे(डी)डियं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! सागरए दारए म(म)मं सुहपसुत्तं जाणित्ता मम पासाओ उट्ठेइ २ त्ता वासघरदुवारं अवगु(ण्ड)णेइ जाव पडिगए । तए णं [हं] तओ (अहं)मुहुत्तंतरस्स जाव विहाडियं पासामि [२] गए णं से सागरए-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायामि । तए णं सा दासचेडी सूमालियाए दारियाए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरदत्ते [२] तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तस्स एयमट्ठं निवे(ए)देइ । तए णं से सागरदत्ते दासचेडीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते [४ जाव मिसिमिसेमाणे] जेणेव जिणदत्त[स्स] २ गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जिणदत्तं २ एवं वयासी-किन्नं देवाणुप्पिया ! ए(वं)यं जुत्तं वा पत्तं वा कुलाणुरूवं वा कुलसरिसं वा जण्णं सागर[ए] दारए सूमालियं दारियं अदिट्ठदो(सं)सवडियं पइवयं विप्पजहाय इहमाग(ओ)ए [?] बहूहिं खिज्जणियाहि य रुंटणियाहि य उवा(ल)लंभइ । तए णं जिणदत्ते सागरदत्तस्स [२]एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरए (दारए) तेणेव उवागच्छइ २ त्ता साग(रयं)रं दारयं एवं वयासी-दुट्ठु णं पुत्ता ! तुमे कयं सागरदत्तस्स गिहाओ इहं हव्वमाग(ते)च्छं-तेणं, तं गच्छह णं तुमं पुत्ता ! एवमवि गए सागरदत्तस्स गिहे । तए णं से सागरए जिणदत्तं एवं वयासी-अवि-याइं अहं ताओ ! गिरिपडणं वा तरुपडणं वा मरुप्पवायं वा जलप्प(वेसं)वायं वा जलणप्पवेसं वा विसभक्खणं वा सत्थोवाडणं वा वि(वे)हाणसं वा गिद्ध(पि)पट्ठं वा पव्वज्जं वा विदेसगमणं वा अब्भुवग(च्छि)च्छेजा(मि) नो खलु अहं सागरदत्तस्स गिहं ग(च्छि)च्छेज्जा । तए णं से सागरदत्ते २ कुड्डंतरि[या]ए सागरस्स एयमट्ठं निसामेइ २ त्ता लज्जिए वि(लेपाविट्ठे)लीए विड्डे जिणदत्तस्स [२] गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

सुकुमालियं दारियं सद्दावेइ २ त्ता अंके निवेसेइ २ त्ता एवं वयासी–किन्नं तव पुत्ता! सागरएणं दारएणं (मुक्का)? अहं णं तुमं तस्स दाहामि जस्स णं तुमं इट्ठा (जाव) मणामा भविस्ससि–त्ति सूमालियं दारियं ताहिं इट्ठाहिं [जाव] वग्गूहिं समासासेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से सागरदत्ते २ अन्नया उप्पिं आगासतलगंसि सुहनिसण्णे रायमग्गं ओलोएमाणे २ चिट्ठइ। तए णं से सागरदत्ते एगं महं दमगपुरिसं पासइ दंडिखंडनिवसणं खंड(ग)मल्लगखंडघडगहत्थगयं मच्छियासहस्सेहिं जाव अन्निज्जमाणमग्गं। तए णं से सागरदत्ते [सत्थवाहे] कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! एयं दमगपुरिसं विपुलेणं अस(ण)णेणं ४ प(लो)डिलाभेह (०) गिहं अणुप्प(वे)विसेह २ त्ता खंड(ग)मल्लगं खंडघडगं च से एगंते एडेह २ त्ता अलंकारियकम्मं कारेह २ त्ता ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेह २ त्ता मणुन्नं असणं ४ भोयावेह (०) मम अंतियं उवणेह। तए णं [ते] कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव से दमगपुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं दम(गं)गपुरिसं अस(णं)णेणं ४ उवप्पलो(भें)भंति २ त्ता सयं गिहं अणुप्पवेसिति २ त्ता तं खंड(ग)-मल्लगं खंड(ग)घडगं च तस्स दमगपुरिसस्स एगंते एडेंति। तए णं से दम(गे)गपुरिसे तं[सि] खंडमल्लगंसि खंडघडगंसि य (एगंते) एडिज्जमाणंसि महया २ सद्देणं आरसइ। तए णं से सागरदत्ते तस्स दमगपुरिसस्स तं महया २ आरसियसद्दं सोच्चा निसम्म कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी–किन्नं देवाणुप्पिया! एस दमगपुरिसे महया २ सद्देणं आरसइ?। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा एवं वयासी–एस णं सामी! तंसि खंडमल्लगंसि खंडघडगंसि (एगले) य एडिज्जमाणंसि महया २ सद्देणं आरसइ। तए णं से सागरदत्ते २ ते कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी–मा णं तुब्भे देवाणुप्पिया! एयस्स दमगस्स तं खंड जाव एडेह पासे [से] ठवेह जहा णं पत्तियं भवइ। ते(वि) तहेव ठावें(ठविं)ति (तए णं ते कोडुंबियपुरिसा) २ तस्स दमगस्स अलंकारियकम्मं करेंति २ त्ता सयपागसहस्सपागेहिं ते(ति)ल्लेहिं अ(ब्भं)ब्भिगेंति अब्भिगिए समाणे सुरभि[णा] गं(धुव्व)धवट्ट(णे)एणं गायं उ(व्वट्टिं)वट्टेंति २ त्ता उसिणोद(ग)गेणं गंधोदएणं [ण्हाणेंति] सीओदगेणं ण्हाणेंति (०) पम्हलसुकुमालगंधकासा(ई)इए गायाइं लू(हं)हेंति २ त्ता हंसलक्खणं प(ट्ट)डगसाडगं परि(हं)हेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता विपुलं असणं ४ भोयावेंति २ त्ता सागरदत्तस्स [समीवे] उवणेंति। तए णं [से] सागरदत्ते [२] सूमालियं दारियं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं क(रि)रेत्ता तं दमगपुरिसं एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया! मम धूया इट्ठा, एयं णं अहं तव भारियत्ताए द(ला)लयामि भद्दियाए भद्दओ भ(वि)वेज्जासि। तए णं से दमगपुरिसे

सागरदत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं वासघरं अणुपविसइ सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलिमंसि निवज्जइ। तए णं से दमगपुरिसे सूमालियाए इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ सेसं जहा सागरस्स जाव सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता वासघराओ निग्गच्छइ २ त्ता खंडमल्लगं खंडघ(डं)डगं च गहाय मारामुक्के विव काए जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं सा सूमालिया जाव गए णं से दमगपुरिसे-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ॥ ११८॥ तए णं सा भद्दा कल्लं पाउप्पभायाए दासचेडिं सद्दावेइ (२ एवं वयासी) जाव सागरदत्तस्स एयमट्ठं निवेदेइ। तए णं से सागरदत्ते तहेव संभंते समाणे जेणेव वास(ह)घरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियं दारियं अंके निवेसेइ २ त्ता एवं वयासी-अहो णं तुमं पुत्ता! पुरापोराणाणं [कम्माणं] जाव पच्चणुब्भवमाणी विहरसि, तं मा णं तुमं पुत्ता! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुमं णं पुत्ता! मम महाणसंसि विपुलं असणं ४ जहा पो(पु)ट्टिला जाव परिभाएमाणी विहराहि। तए णं सा सूमालिया दारिया एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता महाणसंसि विपुलं असणं ४ जाव दलमाणी विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं गोवालियाओ अज्जाओ बहुस्सुयाओ एवं जहेव तेयलिणाए सुव्वयाओ तहेव समोस(ढ्ढा)ढाओ तहेव संघाडओ जाव अणुपविट्ठे तहेव जाव सूमालिया पडिला(भि)भेत्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जाओ! अहं सागरस्स अणिट्ठा जाव अमणामा, नेच्छइ णं सागरए [दारए] मम नामं वा जाव परिभोगं वा, जस्स जस्स वि य णं दे(दि)ज्जामि तस्स तस्स वि य णं अणिट्ठा जाव अमणामा भवामि, तुब्भे य णं अज्जाओ! बहुनायाओ एवं जहा पोट्टिला जाव उवलद्धे [णं] जेणं अहं सागरस्स दारगस्स इट्ठा कंता जाव भवेज्जामि। अज्जाओ तहेव भणंति तहेव साविया जाया तहेव चिंता तहेव सागरद(त्तं स०)त्तस्स आपुच्छइ जाव गोवालियाणं अंति(ए)यं पव्वइया। तए णं सा सूमालिया अज्जा जाया इ(ई)रियासमिया जाव [गुत्त]बंभयारिणी बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अन्नया कयाइ जेणेव गोवालियाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी चंपा(ओ)ए बाहिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं सूराभिमुही आयावेमाणी विहरित्तए। तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं एवं वयासी-अम्हे णं अ(ज्जे)ज्जो! समणीओ निग्गंथीओ इ(ई)रियासमियाओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ, नो खलु अम्हं कप्पइ बहिया गामस्स [वा] जाव सन्निवेसस्स वा छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरित्तए, कप्पइ णं अम्हं अंतो-

उवस्सयस्स वइपरिक्खित्तस्स संघाडिबद्धियाए णं समतलपइयाए आया(वि)वेत्तए ; तए णं सा सूमालिया गोवालियाए (अज्जाए) एयमट्ठं नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमा(णे)णी ३ सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ ॥ ११९ ॥ तत्थ णं चंपाए (न०) ललिया नाम गोट्ठी परिवसइ नरवइदिन्न-(वि)पयारा अम्मापिइनियनिप्पिवासा वेसविहारकयनिकेया नाणाविहअविणयप्प-हाणा अड्ढा जाव अपरिभूया । तत्थ णं चंपाए (०) देवदत्ता नामं गणिया होत्था सू(सुकु)माला जहा अंडनाए । तए णं तीसे ललियाए गोट्ठीए अन्नया [कयाइ] पंच गोट्ठिल्लगपुरिसा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति । तत्थ णं एगे गोट्ठिल्लगपुरिसे देवदत्तं गणियं उच्छंगे ध(र)रेइ एगे पिट्ठओ आयवत्तं धरेइ एगे पुप्फपूर(यं)गं रएइ एगे पाए रएइ एगे चामरुक्खेवं करेइ । तए णं सा सूमालिया अज्जा देवदत्तं गणियं तेहिं पंचहिं गोट्ठि-ल्लपुरिसेहिं सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमा(णिं)णीं पासइ २ त्ता इमेयारूवे संकप्पे समुप्पज्जित्था-अहो णं इमा इत्थिया पुरापोराणाणं कम्माणं जाव विहरइ । तं जइ णं केइ इमस्स सुचरियस्स तवनियमबंभचेरवासस्स कल्लाणे फलवित्तिविसेसे अत्थि तो णं अहमवि आगमिस्सेणं भवग्गहणेणं इमेयारूवाइं उरा-लाइं जाव विहरिज्जामि-त्तिकट्टु नियाणं करेइ २ त्ता आयावणभू(मिओ)मीए पच्चो-रु(ह)भइ ॥ १२० ॥ तए णं सा सूमालिया अज्जा सरीर(व)बाउसा जाया यावि होत्था अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ [अभिक्खणं २] पाए धोवेइ सीसं धोवेइ मुहं धोवेइ थणंतराइं धोवेइ कक्खंतराइं धोवेइ गु(गो)ज्झंतराइं धोवेइ जत्थ [२] णं ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएइ तत्थ वि य णं पुव्वामेव उदएणं अब्भु(क्ख-इ)क्खेत्ता तओ पच्छा ठाणं वा ३ चेएइ । तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं एवं वयासी-एवं खलु (देवा० !) अज्जे ! अम्हे समणीओ निग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव बंभचेरधारिणीओ, नो खलु कप्पइ अम्हं सरीरबाउसियाए होत्तए, तुमं च णं अज्जे ! सरीरबाउसिया अभिक्खणं २ हत्थे धो(व)वेसि जाव चे(दे)एसि, तं तुमं णं देवाणुप्पिए ! एय(त)स्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि । तए णं सूमालिया गोवालियाणं अज्जाणं एयमट्ठं नो आढाइ नो परि(जाण)याणाइ अणाढायमाणी अपरि(जा)याणमाणी विहरइ । तए णं ताओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं अभिक्खणं २ (अभि)ही(लं)लेंति जाव परिभवंति अभिक्खणं २ एयमट्ठं निवा-रेंति । तए णं तीसे सूमालियाए समणीहिं निग्गंथीहिं हीलिज्जमाणीए जाव वारि-ज्जमाणीए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जया णं अहं अगारवासमज्झे

वसामि तया णं अहं अप्पवसा। जया णं अहं मुं(डे)डा भवित्ता पव्वइया तया णं अहं परवसा। पुव्विं च णं ममं समणीओ आढायंति इयाणिं नो आ(ढं)ढायंति। तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए गोवालियाणं अंतियाओ पडिनिक्खमित्ता पाडिएक्कं उवस्स(गं)यं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं(पा०) गोवालियाणं (अज्जाणं) अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पाडिएक्कं उवस्सयं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अणोहट्टिया अनिवारिया सच्छंदमई अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ जाव चेएइ तत्थ वि य णं पासत्था पासत्थविहा(री)रिणी ओसन्ना २ कुसीला २ संसत्ता २ बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ [२] अद्धमासियाए संलेहणाए तस्स ठाणस्स अणालोइय(अ)पडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे अन्नयरंसि विमाणंसि देवगणियत्ताए उववन्ना। तत्थेगइयाणं देवीणं नव-पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ णं सूमालियाए देवीए नवपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता॥ १२१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरे नामं नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं दुवए नामं राया होत्था वण्णओ। तस्स णं चुलणी देवी धट्ठज्जुणे कुमारे जुवराया। तए णं सा सूमालिया देवी ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरे नयरे दु(प)वयस्स रन्नो चुलणीए देवीए कुच्छिंसि दारियत्ताए पच्चायाया। तए णं सा चुलणी देवी नवण्हं मासाणं जाव दारियं पयाया। तए णं तीसे दारियाए निव्वत्तबारसाहियाए इमं एयारूवं(०) नामं(०)-जम्हा णं एसा दारिया दु(व)पयस्स रन्नो धूया चुलणीए देवीए अत्तया तं हो(उ)ऊ णं अम्हं इमीसे दारियाए नाम(धिज्जे)धेज्जं दोवई। तए णं तीसे अम्मापियरो इमं एयारूवं गो(गु)ण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं क(रि)रेंति दोवई। तए णं सा दोवई दारिया पंचधा(इ)ईपरिग्गहिया जाव गिरिकंदरमल्ली(ण)णा इव चंपगलया निवायनिव्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवड्ढइ। तए णं सा दोवई [देवी] रायवरकन्ना उम्मुक्कबालभावा जाव उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था। तए णं तं दोवइं रायवरकन्नं अन्नया कयाइ अंतेउरियाओ ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता दुवयस्स रन्नो पायवंदि(उं)यं पे(सं)सेंति। तए णं सा दोवई २ जेणेव दुवए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दुवयस्स रन्नो पायग्गहणं करेइ। तए णं से दुवए राया दोवइं दारियं अंके निवेसेइ २ त्ता दोवईए २ रूवे(ण) य ३ जायविम्हए दोवइं २ एवं वयासी-जस्स णं अहं [तुमं] पुत्ता! रायस्स वा जुवरायस्स वा भारियत्ताए सयमेव दलइस्सामि तत्थ णं तुमं सुहिया वा दु(क्खि)हिया वा भ(वि)वे-

ज्जासि । तए णं म(मं)म जावज्जीवाए हियय(डा)दाहे भविस्सइ । तं णं अहं तव पुत्ता ! अज्जयाए सयंवरं वि(रया)यरामि । अज्जयाए णं तुमं दिन्नं सयंवरा । (जे) जं णं तुमं सयमेव रायं वा जुवरायं वा वरेहिसि से णं तव भत्तारे भविस्सइ-त्तिकट्टु ताहिं इट्ठाहिं जाव आसासेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ ॥ १२२ ॥ तए णं से दुवए राया दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! बारवइं नयरिं । तत्थ णं तुमं कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपामोक्खे दस दसारे बलदेवपा(मु)मोक्खे पंच महावीरे उग्गसेणपामोक्खे सोलस रायसहस्से पज्जुन्नपा(मु)मोक्खाओ अद्धुट्ठाओ कुमारकोडीओ संबपामोक्खाओ सट्ठिं दुद्दंतसाहस्सीओ वीरसेणपा(मु)मोक्खाओ ए-(इ)क्कवीसं [राय]वीरपुरिससाहस्सीओ म(ह)हासेणपामोक्खाओ छप्पन्नं बलवगसाह-स्सीओ अन्ने य बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भ(सि)सेट्ठिसेणावइसत्थवा-हपभिइओ करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेहि २ त्ता एवं वयाहि-एवं खलु देवाणुप्पिया ! कंपिल्लपुरे नयरे दुवयस्स रन्नो धूयाए चुलणीए (देवीए) अत्तयाए धट्ठज्जुणकुमारस्स भ(गि)इणीए दोवईए २ सयं-वरे भविस्सइ । (तं) तए णं तुब्भे (देवा० !) दुवयं रायं अणुगिण्हेमाणा अकालपरि-हीणं चेव कंपिल्लपुरे नयरे समोसरह । तए णं से दूए करयल जाव कट्टु दुवयस्स रन्नो एयमट्ठं (विणएणं) पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तए णं से दूए ण्हाए अलंकार० सरीरे चाउग्घंटं आसरहं दु(रु)रूहइ२त्ता बहूहिं पुरिसेहिं सन्नद्ध जाव गहिया(ऽऽ)उहपहरणेहिं सद्धिं संपरिवुडे कंपिल्लपुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ (०) पंचालजणवयस्स मज्झं-मज्झेणं जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव बारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बारवइं नयरिं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं ठा(ठ)वेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता मणुस्सवग्गुरापरि-क्खित्ते पायचारविहा(रचा)रेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपा(मु)मोक्खे य दस दसारे जाव बलवगसाहस्सीओ करयल तं चेव जाव समोसरह । तए णं से कण्हे वासुदेवे तस्स दूयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ[तुट्ठे] जाव हियए तं दूयं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरि(सं)से सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! सभाए सुहम्माए सामुदाइयं भेरिं तालेहि । तए णं से कोडुंबियपु-

रिसे करयल जाव कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सभाए सुहम्माए सामुदाइया भेरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सामुदाइयं भेरिं महया २ सद्देणं तालेइ। तए णं ताए सामुदाइयाए भेरीए तालियाए समाणीए समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव महासेणपामोक्खाओ छप्पन्नं बलवगसाहस्सीओ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया जहाविभवइड्ढिसक्कारसमुदएणं अप्पेगइया [हयगया] जाव [अप्पेगइया] पाय(विहारचा) चारविहारेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव कण्हं वासुदेवं जएणं विजएणं वद्धावेंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेह हयगय जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समुत्तजालाकुलाभिरामे जाव अंजणगिरिकूडसन्निभं गयवइं नरवई दुरूढे। तए णं से कण्हे वासुदेवे समुद्दविजयपा(मु)मोक्खेहिं दसहिं दसारेहिं जाव म० छ० ब० सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव रवेणं बारव(इ)इं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचालजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कंपिल्लपुरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से दुवए राया दोच्चं [पि] दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छ[ह] णं तुमं देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरं नयरं, तत्थ णं तुमं पंडुरायं सपुत्तयं जुहिट्ठिल्लं भीमसेणं अज्जुणं नउलं सहदेवं दुज्जोहणं भाइसयसमग्गं गंगेयं विदुरं दोणं जयद्दहं सउ(णीं)णिं कीवं आसत्थामं करयल जाव कट्टु तहेव [जाव] समोसरह। तए णं से दूए एवं (व०–) जहा वासुदेवे नवरं भेरी नत्थि जाव जेणेव कंपिल्लपुरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। एएणेव कमेणं तच्चं दूयं चं(पा)पं नयरिं, तत्थ णं तुमं कण्हं अंगरायं स(से)ल्लं नंदिरायं करयल तहेव जाव समोसरह। चउत्थं दूयं सुत्तिमइं नयरिं, तत्थ णं तुमं सिसुपालं दमघोससुयं पंचभाइसयसंपरिवुडं करयल तहेव जाव समोसरह। पंचमगं दूयं हत्थिसी(स)सं नय(रं)रिं, तत्थ णं तुमं दमदंतं रायं करयल (तहेव) जाव समोसरह। छट्ठं दूयं महुरं नयरिं, तत्थ णं तुमं धरं रायं करयल जाव समोसरह। सत्तमं दूयं रायगिहं नयरं, 'तत्थ णं तुमं सहदेवं जरा(सिंधु)संधसुयं करयल जाव समोसरह। अट्ठमं दूयं कोडिण्णं नयरं। तत्थ णं तुमं रुप्पि मे(भे)सगसुयं करयल तहेव जाव समोसरह। नवमं दूयं विरा(ड)टं नय(रं)रिं, तत्थ णं तुमं की(कि)यगं भाउसयसमग्गं करयल जाव समोसरह। दसमं दूयं अवसेसेसु (य) गामागरनगरेसु अणेगाइं रायसहस्साइं जाव समोसरह। तए णं से दूए तहेव निग्गच्छइ जेणेव गामागर [तहेव] जाव समोसरह। तए णं ताइं अणेगाइं रायसहस्साइं तस्स दूयस्स

अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ० तं दूयं सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता पडिविस(ज्जि)ज्जेंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा पत्तेयं २ ण्हाया सन्नद्धहत्थिखंधवरगया महया हयगयरह(०)भडचडगरपहकर (०) सएहिं २ नगरेहिंतो अभिनिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पंचाले जणवए तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥१२३॥ तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! कंपिल्लपुरे नयरे बहिया गंगाए महानईए अदूरसामंते एगं महं सयंवरमंडवं करेह अणेगखंभसयसन्निविट्ठं लीलट्ठियसा(ल)लिभंजि(आ)यागं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से दुवए राया [दोच्चंपि] कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! वासुदेवपा(मु)मोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आवासे करेह। ते वि करेत्ता पच्चप्पिणंति। तए णं [से] दुवए राया वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आग(मं)मणं जाणेत्ता पत्तेयं २ हत्थिखंध जाव परिवुडे अग्घं च पज्जं च गहाय सव्विड्ढीए कंपिल्लपुराओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव ते वासुदेवपा(मु)मोक्खा बहवे रायसहस्सा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताइं वासुदेवपा(मु)मोक्खाइं अग्घेण य पज्जेण य सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता तेसिं वासुदेवपा(०)मोक्खाणं पत्तेयं २ आवासे वियरइ। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता हत्थिखं(धा)धेहिंतो पच्चोरुहंति २ त्ता पत्तेयं [२] खंधावारनिवेसं करेंति २ त्ता सए[सु] २ आवासे[सु] अणु[प]पविसंति २ त्ता सएसु (२) आवासेसु [य] आसणेसु य सयणेसु य सन्निसण्णा य संतुयट्टा य बहूहिं गंधव्वेहि य नाडएहि य उवगिज्जमाणा य उवनच्चिज्जमाणा य विहरंति। तए णं से दुवए राया कंपिल्लपुरं नयरं अणुप्पविसइ २ त्ता विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! विपुलं असणं ४ सुबहुपुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं च वासुदेवपामोक्खाणं रायसहस्साणं आवासेसु साहरह। ते वि साहरंति। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा तं विपुलं अस(णं)णपा(णं)णखाइ(मं)मसाइमं आसाएमाणा ४ विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागया वि य णं समाणा आयंता [चोक्खा] जाव सुहासणवरगया बहूहिं गंधव्वेहिं जाव विहरंति। तए णं से दुवए राया पुव्वावरण्हकालसमयंसि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तु(मे)ब्भे देवाणुप्पिया! कंपिल्लपुरे सिं(सं)घाडग जाव पहे[सु]वासुदेवपा(मु)मोक्खाण य रायसहस्साणं आवासेसु हत्थिखंधवरगया महया २ सद्देणं जाव उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! कल्लं पाउप्पभायाए दुवयस्स रन्नो धूयाए चुलणीए देवीए अ(त्त)त्तियाए धट्ठज्जु(ण)णस्स भगिणीए दोवईए २ सयंवरे भविस्सइ। तं तुब्भे णं देवाणु-

प्पिया ! दुवयं रायाणं अणुगिण्हेमाणा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया हत्थिखंधवरगया सको(रं)रेंट० सेयवरचामर० हयगयरह० महया भडच(र)डगरेणं जाव परिक्खित्ता जेणेव सयंवरामंडवे तेणेव उवागच्छह २ त्ता पत्तेयं नामंकेसु आसणेसु निसीयह २ त्ता दोवइं २ पडिवालेमाणा २ चिट्ठह घोसणं घोसेह [२] मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबिया तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सयंवरमंड(पं)वं आसियसंमज्जिओवलित्तं सुगंधवरगंधियं पंचवण्णपु(प्फपुंजो)प्फोवयारकलियं कालागरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्क जाव गंधवट्टिभूयं मंचाइमंचकलियं करेह कारवेह करेत्ता कारवेत्ता वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं पत्तेयं २ नामंकाइं आसणाइं अत्थुय(सेयव०)पच्चत्थुयाइं रएह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह (तेवि) जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा बहवे रायसहस्सा कल्लं (पाउ०) ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया हत्थिखंधवरगया सकोरेंट० सेयवरचामराहिं [महया] हयगय जाव परिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं जेणेव सयंव(रे)रामंडवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अणुप्पविसंति २ त्ता पत्तेयं २ नामं(के)कएसु निसीयंति दोवइं २ पडिवालेमाणा चिट्ठंति। तए णं से दुवए राया कल्लं ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरेंट० हयगय० कंपिल्लपुरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ (०) जेणेव सयंवरामंडवे जेणेव वासुदेवपा(०)मोक्खा बहवे रायसहस्सा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेसिं वासुदेवपा(०)मोक्खाणं करयल जाव वद्धावेत्ता कण्हस्स वासुदेवस्स सेयवरचामरं गहाय उववीयमाणे चिट्ठइ ॥ १२४ ॥ तए णं सा दोवई २ [कल्लं जाव] जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता [मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता] ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिया मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव अंतेउरे तेणेव उवागच्छइ। तए णं तं दोवइं २ अंतेउरियाओ सव्वालंकारविभूसियं करेंति, किं ते ? वरपायपत्तनेउरा जाव चेडियाचक्कवालम(यह)हयरगविंदपरिक्खित्ता अंतेउराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता किड्डावियाए लेहियाए सद्धिं चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ। तए णं से धट्ठज्जुणे कुमारे दोवईए कन्नाए सारत्थं करेइ। तए णं सा दोवई २ कंपिल्लपुरं (नयरं) मज्झंमज्झेणं जेणेव सयंव(र)रामंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठावेइ रहाओ पच्चोरु(ह)भइ २ त्ता किड्डावियाए लेहियाए (य) सद्धिं सयंवरमंडवं अणुपविसइ करयल [जाव] तेसिं वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहूणं रायवरसहस्साणं पणामं करेइ। तए णं सा दोवई २

एगं महं सिरिदामगंड[०] किं ते ? पाडलमल्लियचंपय जाव सत्तच्छयाईहिं गंधद्धणिं मुयंतं परमसुहफासं दरिसणिज्जं गे(गि)ण्हइ। तए णं सा किड्डाविया (जाव) सुरूवा जाव वामहत्थेणं चिल्लगं दप्पणं गहेऊण सललियं दप्पणसंकंतबिंबसंदंसिए य से दाहिणेणं हत्थेणं दरि(सि)सए पवररायसीहे फुडविसयविसुद्धरिभियगंभीरमहुरभणिया सा तेसिं सव्वेसिं पत्थिवाणं अम्मापि(ऊणं)उवंससत्तसामत्थगोत्तविक्कंतिकंतिबहुविहआगममाहप्परूवजोव्वणगुणलावण्णकुलसीलजाणिया कित्तणं करेइ। पढमं ताव वण्हिपुंगवाणं दसदसार[वर]वीरपुरि(साणं)स(ते)तिलोक्कबलवगाणं सत्तुसयसहस्समाणावमद्दगाणं भवसिद्धिपवरपुंडरीयाणं चिल्लगाणं बलवीरियरूवजोव्वणगुणलावण्णकित्तिया कित्तणं करेइ। तओ पु(णो)ण उग्गसेणमाईणं जायवाणं भणइ(य)-सोहग्गरूवकलिए वरेहि वरपुरिसगंधहत्थीणं जो हु ते [लोए] होइ हिययदइओ ॥ तए णं सा दोवई रायवरकन्नगा बहूणं रायवरसहस्साणं मज्झंमज्झेणं समइच्छमाणी २ पुव्वकयनियाणेणं चोइज्जमाणी २ जेणेव पंच पंडवा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते पंच पंडवे तेणं दसद्धवण्णेणं कुसुमदामेणं आवेढियपरिवेढि(यं)ए करेइ २ त्ता एवं वयासी-एए णं मए पंच पंडवा वरिया। तए णं (तेसिं) ताइं वासुदेवपामोक्खा(णं)इं बहूणि रायसहस्साणि महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा[इं]२ एवं वयंति-सुवरियं खलु भो! दोव(इ)ईए रायवरकन्नाए (२) त्तिकट्टु सयंवरमंडवाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छंति। तए णं धट्ठज्जु(ण्णे)णकुमारे पंच पंडवे दोवइं[च] रायवरक(ण्णं)न्नगं चाउग्घंटं आसरहं दुरू(ह)हेइ २ त्ता कंपिल्लपुरं मज्झंमज्झेणं जाव सयं भवणं अणुपविसइ। तए णं दुवए राया पंच-पंडवे दोवइं २ पट्टयं दुरूहेइ २ त्ता सेयापी[य]एहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता अग्गिहोमं करा(का)वेइ पंचण्हं पंडवाणं दोवईए य पाणिग्गहणं करावेइ। तए णं से दुवए राया दोवईए २ इमं एयारूवं पीइदाणं दलय(ती)इ तंजहा-अट्ठ हिरण्णकोडीओ जाव (अट्ठ) पेसणकारीओ दासचेडीओ अन्नं च विपुलं धणकणग जाव दलयइ। तए णं से दुवए राया ताइं वासुदेवपामोक्खाइं विपुलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंध जाव पडिविसज्जेइ ॥ १२५ ॥ तए णं से पंडू राया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरे नयरे पंचण्हं पंडवाणं दोवईए य देवीए कल्लाणकरे भविस्सइ, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया! ममं अणुगिण्हमाणा अकालपरिहीणं समोसरह। तए णं [ते] वासुदेवपामोक्खा पत्तेयं २ जाव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से पं(डु)डू राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! हत्थिणा-

उरे पंचण्हं पंडवाणं पंच पासायवडिंसए कारे(ह)हि अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ जाव पडिरूवे। तए णं ते कोडुंवियपुरिसा पडिसुणेंति जाव कार(करा)वेंति। तए णं से पं(डुए)डू राया पंचहिं पंडवेहिं दोवईए देवीए सद्धिं हयगयसंपरिवुडे कंपिल्लपुराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणाउरे तेणेव उवागए। तए णं से पंडुराया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं आगमणं जाणित्ता कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरस्स नयरस्स वहिया वासुदेवपामोक्खाणं वहूणं रायसहस्साणं आवासे कारेह अणेग(खं)थंभसय तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा वहवे रायसहस्सा जेणेव हत्थिणाउरे तेणेव उवागच्छंति। तए णं (से) पंडूराया ते(सिं) वासुदेवपामो(क्खाणं)क्खे [जाव] आग(मणं)ए जाणित्ता हट्ठतुट्ठे ण्हाए जहा दु(प)वए जाव जहारिहं आवासे दलयइ। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा वहवे रायसहस्सा जेणेव सया(इं) २ आवासा(इं) तेणेव उवागच्छंति (०) तहेव जाव विहरंति। तए णं से पंडूराया हत्थिणाउरं नयरं अणुपविसइ २ त्ता कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! विपुलं असणं ४ तहेव जाव उवणेंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा वहवे रा(या)यसहस्सा ण्हाया तं विपुलं असणं ४ तहेव जाव विहरंति। तए णं से पंडूराया [ते] पंचपंडवे दोवइं च देविं पट्टयं दुरुहेइ२ त्ता सीयापीएहिं कलसेहिं ण्हावे(न्ति)इ२ त्ता कल्लाण(का)करं करेइ २ त्ता ते वासुदेवपामोक्खे वहवे रायसहस्से विपुलेणं अस(ण)णेणं ४ पुप्फवत्थेणं सक्कारेइ सम्माणेइ (०) जाव पडिविसज्जेइ। तए णं ताइं वासुदेवपामोक्खाइं वहू(हिं)इं जाव पडिगयाइं॥ १२६॥ तए णं ते पंच पंडवा दोवईए देवीए (सद्धिं अंतो अंतेउरपरियाल) सद्धिं कल्लाकल्लिं वारंवारेणं उ(ओ)रालाइं भोगभोगाइं जाव विहरंति। तए णं से पंडू राया अन्नया कया(इ)इं पंचहिं पंडवेहिं कोंतीए देवीए दोवईए (देवीए) य सद्धिं अंतोअंतेउरपरियालसद्धिं संपरिवुडे सीहासणवरगए यावि विहरइ। इमं च णं कच्छुल्लनारए दंसणेणं अइभद्दए विणीए अंतो(२)य कलुसहियए मज्झ(त्थो)त्थउवत्थिए य अल्लीणसोमपियदंसणे सुरूवे अमइलसगलपरिहिए कालमियचम्मउत्तरासंगरइयव(त्थे)च्छे दण्डकमण्डलुहत्थे जडामउडदित्तसिरए जन्नोवइयगणेत्तियमुंजमेह(ल)लावागलधरे हत्थकयकच्छभीए पियगंधव्वे धरणिगोयरप्पहाणे संवरणावरणओवय(णउ)-ुप्पयणिलेसणीसु य संकामणि(अ)आभिओगपन्नत्तिगमणीथं(भ)भिणीसु य व(हु)हूसु विज्जाहरीसु विज्जासु विस्सुयजसे इट्ठे रामस्स य केसवस्स य पज्जुन्नपईवसंवअनिरुद्धनिसढउम्मुयसारणगयसुमुहदुम्मुहाई(ण)णं जायवाणं अद्धुट्ठाण[य]कुमारकोडीणं हिययदइए संथवए कलहजुद्धकोलाहलप्पिए भंडणाभिलासी वहूसु य सम(रेसु)रसयसंपराएसु

-ईसणरए समंतओ कलहं सदक्खिणं अणुगवेसमाणे असमाहिकरे दसारवरवीरपुरि-
-स(ति)तेलोक्कबलवगाणं आमंतेऊण तं भगव(तीं)इं प(ए)क्कमणिं गगणगमणदच्छं
उप्पइओ गगणमभिलंघयंतो गामागरनगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणसं(वा)वाह-
-सहस्समंडियं थिमियमेइणीतलं वसुहं ओलोइं(तो)ते रम्मं हत्थिणाउरं उवागए पंडु-
-रायभवणंसि अइवेगेण समोवइए। तए णं से पंडू राया कच्छुल्लनारयं एज्जमाणं पासइ
२ त्ता पंचहिं पंडवेहिं कुंतीए य देवीए सद्धिं आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कच्छुल्लना-
-रयं सत्तट्ठपयाइं पच्चुग्गच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ
नमंसइ वं० २ त्ता महरिहेणं आसणेणं उवनिमंतेइ। तए णं से कच्छुल्लनारए उद-
गपरिफोसियाए दब्भोवरिप(च्च)च्चुत्थुयाए भिसियाए निसीयइ २ त्ता पंडुरायं रज्जे
[य] जाव अंतेउरे य कुसलोदंतं पुच्छइ। तए णं से पंडूराया कोंती [य] देवी पंच
य पंडवा कच्छुल्लनारयं आढंति जाव पज्जुवासंति। तए णं सा दोवई देवी कच्छुल्ल-
नारयं अस्संज(यं)यअविर(यं)यअप्पडिहय[अ]पच्चक्खायपावकम्मं-तिकट्टु नो
आढाइ नो परियाणइ नो अब्भुट्ठेइ नो पज्जुवासइ ॥ १२७ ॥ तए णं तस्स कच्छु-
ल्लनारयस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-
अहो णं दोवई देवी रूवे(णं)ण य जाव लावण्णेण य पंचहिं पंडवेहिं अ(णुव)वत्थद्धा
-समाणी ममं नो आढाइ जाव नो पज्जुवासइ। तं सेयं खलु मम दोवईए देवीए
विप्पियं क(रि)रेत्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता पंडु(य)रायं आपुच्छइ २ त्ता उप्प-
यणिं विज्जं आवाहेइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव विज्जाहरगईए लवणसमुद्दं मज्झं-
-मज्झेणं पुरत्थाभिमुहे वी(इ)ईवइउं पयत्ते यावि होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं
धायइसंडे दीवे पुरत्थिमद्धदाहिणड्ढभरहवासे अ(म)वरकंका ना(म)मं रायहाणी
होत्था। त(ए)त्थ णं अ(म)वरकंकाए रायहाणीए पउमनाभे नामं राया होत्था महया
हिमवंत वण्णओ। तस्स णं पउमनाभस्स रन्नो सत्त देवीसयाइं ओरोहे होत्था।
तस्स णं पउमनाभस्स रन्नो सुनाभे नामं पुत्ते जुवराया(या)वि होत्था। तए णं से
पउमनाभे राया अंतोअंतेउरंसि ओरोहसंपरिवुडे सी(सि)हासणवरगए विहरइ।
तए णं से कच्छुल्लनारए जेणेव अवरकंका रायहाणी जेणेव पउमना(ह)भस्स भवणे
तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमनाभस्स रन्नो भवणंसि झ(त्तिं)त्ति वेगे(णं)ण समो-
वइए। तए णं से पउमनाभे(राया) कच्छु(लं)ल्लनारयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता आस-
णाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता अग्घेणं जाव आसणेणं उवनिमंतेइ। तए णं से कच्छुल्लनारए
उदयपरिफोसियाए दब्भोवरिपच्चत्थुयाए भिसियाए निसीयइ जाव कुसलोदंतं आपु-
च्छइ। तए णं से पउमनाभे राया नियगओरोहे जायविम्हए कच्छुल्लनारयं एवं

वयासी-तु(न्भं)मं देवाणुप्पिया! बहूणि गामाणि जाव गि(गे)हाइं अणुपविससि, तं अत्थि-याइं ते कहिंचि देवाणुप्पिया! एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं मम ओरोहे? । तए णं से कच्छुल्लनारए पउमनाभेणं (रन्ना) एवं वुत्ते समाणे ईसिं विह-सियं करेइ २ त्ता एवं वयासी-सरिसे णं तुमं पउम-नाभा! तस्स अगडदद्दुरस्स । के णं देवाणुप्पिया! से अगडदद्दुरे? एवं जहा मल्लिणाए। एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे [नयरे] दुपयस्स रन्नो धूया चुलणीए देवीए अत्तया पंडुस्स सुण्हा पंचण्हं पंडवाणं भारिया दोवई देवी रूवेण य जाव उक्किट्ठ-सरीरा। दोवईए णं देवीए छिन्नस्सवि पायंगुट्ठ(य)स्स अयं तव ओरोहे स(तिमं)यंपि कलं न अग्घइ-त्तिकट्टु पउम-नाभं आपुच्छइ (०) जाव पडिगए। तए णं से पउमनाभे राया कच्छुल्लनारयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म दोवईए देवीए रूवे य ३ मुच्छिए ४ (०) जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं जाव पुव्वसंगइयं देवं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे जाव [उक्किट्ठ]सरीरा, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! दोव(ई)इं देविं इहमा(णि)णीयं । तए णं पुव्वसंगइए देवे पउमनाभं एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया! ए(यं)वं भूयं वा भव्वं वा भविस्सं वा ज-न्नं दोवई देवी पंच-पंडवे मोत्तू(ण)णं अन्नेणं पुरिसेणं सद्धिं उ(ओ)रालाइं जाव विहरिस्सइ। तहावि य णं अहं तव पियट्ठ(त)याए दोवइं देविं इहं हव्वमाणेमि-त्तिकट्टु पउम-नाभं आपुच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव हत्थिणाउरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणाउरे [नयरे] जुहिट्ठिल्ले राया दोवईए देवीए सद्धिं उप्पिं आगासत(लं)लगंसि सुह[प]पसुत्ते यावि होत्था। तए णं से पुव्वसंगइए देवे जेणेव जुहिट्ठिल्ले राया जेणेव दोवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दोवईए देवीए ओसोवणियं दलयइ २ त्ता दोवइं देविं गिण्हइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव अ-वरकंका जेणेव पउम-नाभस्स भवणे तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता पउम-नाभस्स भवणंसि असोगवणियाए दोवइं देविं ठावेइ २ त्ता ओसोवणिं अवहरइ २ त्ता जेणेव पउमनाभे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! मए हत्थिणाउराओ दोवई देवी इ(ह)हं हव्वमाणीया तव असोगवणियाए चिट्ठइ। अओ परं तुमं जाणसि-त्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । तए णं सा दोवई देवी तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा समाणी तं भवणं असोगवणियं च अपच्चभिजाणमाणी एवं वयासी-नो खलु अम्हं एसे सए भवणे नो खलु एसा अम्हं स(गा)या असोगवणिया। तं न नज्जइ णं अहं

केण(ई)इ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा अन्नस्स र-न्नो असोगवणियं साहरिय-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ । तए णं से पउम-नाभे राया ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव असोगवणिया जेणेव दोवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दोव(तीं)इं दे(वीं)विं ओहय(०) जाव झियायमा(णीं)णिं पासइ २ त्ता एवं वयासी-कि-न्नं तुमं देवाणुप्पि-(ए)या ! ओहय जाव झियाहि ? एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! मम पुव्वसंगइएणं देवेणं जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणा(पु)उराओ नयराओ जुहिट्ठिल्लस्स र-न्नो भवणाओ साहरिया, तं मा णं तुमं देवाणुप्पि-या ! ओहय-जाव झियाहि, तुमं [णं] मए सद्धिं विपुलाइं भोगभोगाइं जाव विहराहि । तए णं सा दोवई (देवी) पउम-नाभं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे बारव(ति)ईए नयरीए कण्हे नामं वासुदेवे मम(प्पि)पियभाउए परिवसइ, तं जइ णं से छण्हं मासाणं म(मं)म कूवं नो हव्वमागच्छइ तए णं अहं देवाणुप्पिया ! जं तुमं वदसि तस्स आणाओवायवयणनिद्देसे चिट्ठिस्सामि । तए णं से पउ(मे)मनाभे दोवईए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता दोवइं देविं क-न्नंतेउरे ठवेइ । तए णं सा दोवई देवी छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ ॥ १२८ ॥ तए णं से जु(हु)हिट्ठिल्ले राया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धे समाणे दोवइं देविं पासे अपासमा(णो)णे सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता दोवईए देवीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा खुइं वा पवत्तिं वा अलभमाणे जेणेव पं-डूराया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पं-डूरायं एवं वयासी-एवं खलु ताओ ! म-म आगासतलगंसि [सुह]पसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा [किंपुरिसेण वा] किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा हिया वा नि(णी)या वा अ(व)क्खित्ता वा (?), [तं] इच्छामि णं ताओ ! दोवईए देवीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं क(यं)रित्तए । तए णं से पंडूराया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरे नयरे सिंघाडगति(य)गचउक्कचच्चरमहापहपहेसु महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह-एवं खलु देवाणुप्पिया ! जुहिट्ठिल्लस्स र-न्नो आगासतलगंसि सुहपसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा हिया वा नि(नी)या वा अ-क्खित्ता वा, तं जो णं देवाणुप्पिया ! दोवईए देवीए सुइं वा खुइं वा पवित्तिं वा परिकहेइ तस्स णं पंडूराया विउलं अत्थसंपयाणं (दाणं)दलयइ-त्तिकट्टु घोसणं घोसावेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं ते

कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से पंडू-राया दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा जाव अलभमाणे कोंतीं देवीं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिन्या ! बारवइं नयरिं कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं निवेदेहि । कण्हे णं परं वासुदेवे दोवईए (देवीए) मग्गणगवेसणं करेज्जा अन्नहा न नज्जइ दोवईए देवीए सु(तीं)इं वा खु(तीं)इं वा पव(त्ती)त्तिं वा उवलभेज्जा । तए णं सा कोंती देवी पंडु(रण)णा एवं वुत्ता समाणी जाव पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाया हत्थिखंधवरगया हत्थिणा(उ)पुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता कुरुजणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव सुर(ट्ठ)ट्ठाजणवए जेणेव बारवई नयरी जेणेव अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! जेणेव (बारवई ण०) बारवइं नयरिं अणुपविसह २ त्ता कण्हं वासुदेवं करयल[०] एवं वयह-एवं खलु सामी ! तुब्भं पिउच्छा कोंती देवी हत्थिणाउराओ नयराओ इ-हं हव्वमागया तुब्भं दंसणं कंखइ । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव कहेंति । तए णं कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसाणं अंतिए [एयमट्ठं] सोच्चा निसम्म [हट्ठतुट्ठे] हत्थिखंधवरगए हयगय[०] बारवईए(य) नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव कोंती देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोंतीए देवीए पायग्गहणं करेइ २ त्ता कोंतीए देवीए सद्धिं हत्थिखंधं दुरूहइ २ त्ता बारव(तीए)इं नय-(रीए)रिं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयं गिहं अणु-ए-पविसइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कों(तीं)तिं देविं ण्हायं जिमियभुत्तुत्तरागयं जाव सुहासणवरगयं एवं वयासी-संदिसउ णं पिउच्छा ! किमागमणपओयणं (?) । तए णं सा कोंती देवी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु पुत्ता ! हत्थिणाउरे नयरे जुहिट्ठिल्लस्स [रन्नो] आगासत(ले)लए सुह[प]पसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ अवहिया जाव अवक्खित्ता वा, तं इच्छामि णं पुत्ता ! दोवईए देवीए मग्गणगवेसणं कयं । तए णं से कण्हे वासुदेवे कों(तिं)तीपिउच्छिं एवं वयासी-जं नवरं पिउच्छा (!) दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा जाव लभामि तो णं अहं पायालाओ वा भवणाओ वा अद्धभरहाओ वा समंतओ दोवइं [देविं] साहत्थिं उवणेमि-त्तिकट्टु कों(तीं)तीपिउ(त्थिं)च्छिं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं सा कोंती देवी कण्हेणं वासुदेवेणं पडिविसज्जिया समाणी जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! बारवइं नयरिं एवं जहा पंडू तहा घोसणं घोसावेइ जाव पच्चप्पिणंति पंडुस्स जहा । तए णं से कण्हे वासुदेवे अन्नया अंतोअंते-

उरगए ओरोहे जाव विहरइ । इमं च णं कच्छुल्लए [नारए] जाव समोवइए जाव निसीइत्ता कण्हं वासुदेवं कुसलोदंतं पुच्छइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कच्छुल्लं नारयं एवं वयासी-तुमं णं देवाणुप्पिया ! बहूणि गामागर जाव अणुपविससि, तं अत्थि-याइं ते कहिं(वि)चि दोवईए देवीए सुई वा जाव उवलद्धा ? । तए णं से कच्छु(ल्ले)ल्लए (णारए) कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अन्नया [क्याइं] धायईसंडे दीवे पुरत्थिमद्धं दाहिणड्ढभरहवासं अवरकंकारायहाणिं गए, तत्थ णं मए पउमनाभस्स रन्नो भवणंसि दोवई देवी जारिसिया दिट्ठपुव्वा यावि होत्था । तए णं कण्हे वासुदेवे कच्छुल्लं एवं वयासी-तुब्भं चेव णं देवाणुप्पिया ! ए(वं)यं पुव्वकम्मं । तए णं से कच्छुल्लनारए कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे उप्पयणिं विज्जं आवाहेइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । तए णं से कण्हे वासुदेवे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरं पंडुस्स रन्नो एयमट्ठं निवे(दे)एहि-एवं खलु देवाणुप्पिया ! [दोवई देवी] धाय(इ)ईसं(डे)डदीवे पुर(च्छि)त्थिमद्धे अवरकंकाए रायहाणीए पउम-नाभभवणंसि [साहिया] दोवईए देवीए पउत्ती उवलद्धा । तं गच्छंतु पंच पंडवा चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा पुर-त्थिमवेयालीए ममं पडिवालेमाणा चिट्ठंतु । तए णं से दूए जाव भणइ [जाव] पडिवालेमाणा चिट्ठह । तेवि जाव चिट्ठंति । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सन्नाहियं भेरिं ता(डे)लेह । तेवि तालेंति । तए णं ती(से)ए सन्नाहियाए भेरीए सद्दं सोच्चा समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव छप्प-न्नं बलव(य)गसाहस्सीओ सन्नद्धबद्ध जाव गहियाउहपहरणा अप्पेगइया हयगया [अप्पेगइया] गयगया जाव [मणुस्स]वग्गुरापरिक्खित्ता जेणेव सभा सु(ध)हम्मा जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति । तए णं [से] कण्हे वासुदेवे हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं ध(धा)रिज्जमाणेणं सेयवर० हयगय(०) महया भडचडगरपहकरेणं बारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ (०) जेणेव पुर-त्थिमवेयाली तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं एगयओ मि(ल)लाइ २ त्ता खंधावार-निवेसं करेइ २ त्ता [पोसहसालं करेइ २ त्ता] पोसहसालं अणु-प्पविसइ २ त्ता सुट्ठियं देवं मण(सि)सीकरेमाणे २ चिट्ठइ । तए णं कण्हस्स वासुदेवस्स अट्ठमभत्तंसि परिणममाणंसि सुट्ठिओ जाव आगओ (,) [एवं वयइ-] भण देवाणुप्पिया ! जं मए कायव्वं । तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं (देवं) एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! दोवई देवी जाव पउमनाभस्स भवणंसि सा(हरि)हिया, तण्णं तुमं देवाणुप्पिया ! मम पंचहिं पंड-

वेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्गं वियरे(रे)राहि जा(ज)णं अहं अ-वरकंकारायहाणिं दोवईए कूवं गच्छामि । तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-किण(हं)णं देवाणुप्पिया! जहा चेव पउम-नाभस्स रन्नो पुव्वसंगइएणं देवेणं दोवई जाव साहिं(संहरि)या तहा चेव दोवई देविं धायईसंडाओ दीवाओ भारहाओ जाव हत्थिणाउरं साहरामि उदाहु पउम-नाभं रायं सपुरवलवाहणं लवणसमुद्दे पक्खिवामि? । तए णं [से] कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं देवं एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव साहराहि, तुमं णं देवाणुप्पिया! [मम] लवण-समुद्दे [पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं] अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं मग्गं वियराहि, सयमेव णं अहं दोवईए कूवं गच्छामि । तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं होउ [णं] । पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्गं वियरइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे चाउरंगि(णी)णिं सेणं पडिविसज्जेइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहि रहेहिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ २ त्ता जेणेव अ-वरकंका रायहाणी जेणेव अ-वरकंकाए [रायहाणीए] अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठा(ठ)वेइ २ त्ता दारुयं सारहिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! अ-वरकंकारायहाणिं अणु-प्पविसाहि २ त्ता पउम-नाभस्स र-न्नो वामेणं पाएणं पायपीढं अ[व]क्कमित्ता कुंतग्गेणं लेहं पणामेहि तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु आसुरुत्ते रुट्ठे कुद्धे कुविए चंडिक्किए एवं व०-हं भो पउम-ना(हा)भा! अपत्थियपत्थिया दुरंतपंतलक्खणा हीणपु-ण्णचाउद्दसा सि(री)रिहिरि(धी)धिइपरिवज्जिया [!] अज्ज न भवसि किन्नं तुमं न याणासि कण्हस्स वासुदेवस्स भगिणिं दोवइं देविं इहं हव्वमा(ण)णेमा(णे)णं? तं एयमवि गए पच्चप्पिणाहि णं तुमं दोवइं देविं कण्हस्स वासुदेवस्स अहव णं जुद्धसज्जे निग्ग-च्छाहि, एस णं कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं [सद्धिं] अप्पछट्ठे दोवई[ए] देवीए कूवं हव्वमागए । तए णं से दारुए सारही कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे (जाव) पडिसुणेइ २ त्ता अ-वरकं(का)कं रायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव पउमना(हे)भे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एस णं सामी! मम विणयपडिवत्ती इमा अन्ना मम सामिस्स समुहाणत्ति-त्तिकट्टु आसुरुत्ते वामपाएणं पायपीढं अ(णु)वक्कमइ २ त्ता कुं(को)तग्गेणं लेहं पणा-(म)मेइ (०) जाव कूवं हव्वमागए । तए णं से पउम-नाभे दारुएणं सारहिणा एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते तिवलिं भिउडिं निडाले साहट्टु एवं वयासी-(णो) न अप्पिणामि णं अहं देवाणुप्पिया! कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं । एस णं अहं सयमेव जुज्झस(ज्जो)-

ज्जे निग्गच्छासि–त्तिकट्टु दारुयं सारहिं एवं वयासी–केवलं भो ! रायसत्थेसु दू(यं)ए अवज्झे–त्तिकट्टु असक्कारि(य)यं असम्माणि(य)यं अव-दारेणं निच्छुभावेइ । तए णं से दारुए सारही पउम-नाभेणं असक्कारि-यं जाव निच(छू)छुढे समाणे जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव कण्हं (जाव) एवं वयासी–एवं खलु अहं सामी ! तुब्भं वयणेणं जाव निच्छुभावेइ । तए णं से पउम-नाभे बल-वाउयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! आभिसेक्कं हत्थिर-यणं पडिकप्पेह। तयाणंतरं च णं छेयायरियउव(दे)एसमइविकप्पणा(विगप्पेहिं)हि जाव उव(णे)णेंति । तए णं से पउमनाहे सन्नद्ध० अभिसेयं दुरूहइ २ त्ता हयगय जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से कण्हे वासुदेवे पउम-नाभं रायाणं एज्जमाणं पासइ २ त्ता ते पंच पंडवे एवं वयासी–हं भो दारगा ! किन्नं तुब्भे पउम-नाभेणं सद्धिं जुज्झि(हि)हह उयाहु पिच्छह(पेच्छिहि)ह ? । तए णं ते पंच-पंडवा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–अम्हे णं सामी ! जुज्झामो तुब्भे पेच्छह । तए णं पंच-पंड(वे)वा स-न्नद्ध जाव पहरणा रहे दुरूहंति २ त्ता जेणेव पउम-नाभे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी–अम्हे [वा] पउम-नाभे वा राय-त्तिक॒ पउमनाभेणं सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था । तए णं से पउमनाभे राया ते पंच-पंडवे खिप्पामेव हयमहियपवरविवडियचिंध(द्ध)धयपडा(गा)गे जाव दिसोदिसिं पडिसेहेइ। तए णं ते पंच-पंडवा पउम-नाभेणं र-न्ना हयमहियपवरविव-डिय जाव पडिसेहिया समाणा अत्थामा जाव अधारणिज्ज[मि]त्तिकट्टु जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति । तए णं से कण्हे वासुदेवे ते पंच-पंडवे एवं वयासी–कहण्णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! पउम-नाभे(ण)णं रन्ना सद्धिं संपलग्गा ? । तए णं ते पंच-पंडवा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा सन्नद्ध० रहे दुरूहामो २ त्ता जेणेव पउम-नाभे जाव पडि-सेहेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे ते पंच-पंडवे एवं वयासी–जइ णं तुब्भे देवाणु-प्पिया ! एवं वयंता–अम्हे नो पउम-नाभे रायत्तिकट्टु पउम-नाभेणं सद्धिं संपलग्गंता तो णं तुब्भे नो पउमन्ना-भे हयमहियपवर जाव पडिसे(हंते)हित्था तं पेच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! अहं नो पउम-नाभे रायत्तिकट्टु पउमनाभेणं रन्ना सद्धिं जुज्झामि रहं दुरूहइ २ त्ता जेणेव पउमनाभे राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेयं गोखी-रहारधवलं तणसोल्लियसिंदुवारकुंदेंदुसन्निगासं नियय[स्स] बलस्स हरिसजणणं रिउसेन्नविणासकरं पंचजन्नं संखं परामुसइ २ त्ता मुहवायपूरियं करेइ। तए णं तस्स पउम-ना(ह)भस्स तेणं संखसद्देणं बलतिभाए हए जाव पडिसेहिए। तए णं से कण्हे

वासुदेवे धणुं परामुसइ वेढो धणुं पूरेइ २ त्ता धणुसद्दं करेइ । तए णं तस्स पउम-नाभस्स दोच्चे बलतिभाए तेणं धणुसद्देणं हयमहिय जाव पडिसेहिए । तए णं से पउम-नाभे राया तिभागबलावसेसे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरि-सक्कारपरक्क(म)मे अधारणिज्ज-मि-त्तिकट्टु सिग्घं तुरियं जेणेव अ-वरकंका तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता अ-वरकं(कं)कारायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता वा(दा)राइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव अ-वरकंका तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता रहं ठावेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोह[ण]णइ (०) एगं महं नरसीहरूवं विउव्वइ २ त्ता महया २ सद्देणं पा(द)यदद्द-रियं करेइ । तए णं (से) कण्हेणं वासुदेवेणं महया २ सद्देणं पा-यदद्दरएणं कएणं समाणेणं अ-वरकंका रायहाणी संभग्गपागारगो(पु)उराट्टालयचरियतोरणपल्हत्थिय-पवरभवणसिरिघरा सर(र)सरस्स धरणियले सन्निवइया । तए णं से पउम-नाभे राया अ-वरकंकं रायहाणिं संभग(ग)गं जाव पासित्ता भीए दोवइं देविं सरणं उवेइ । तए णं सा दोवई देवी पउमनाभं रायं एवं वयासी-कि-न्नं तुमं देवाणु-प्पिया ! (न) जाणसि कण्हस्स वासुदेवस्स उत्तमपुरिसस्स विप्पियं करेमाणे (ममं इह हव्वमाणेसि) ? तं एवमवि गए गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! ण्हाए उल्लपडसाडए ओ(अव)चूलगवत्थ-नियत्थे अंतेउरपरियालसंपरिवुडे अग्गाइं वराइं रयणाइं गहाय ममं पुरओ-काउं कण्हं वासुदेवं करयल [जाव] पाय(प)वडिए सरणं उवेहि, पणिवइयवच्छला णं देवाणुप्पिया ! उत्तमपुरिसा । तए णं से पउमनाभे दोवईए देवीए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरणं उवेइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-दिट्ठा णं देवाणुप्पियाणं इड्ढी जाव परक्कमे । तं खामेमि णं देवा-णुप्पिया ! जाव खमंतु णं जाव नाहं भुज्जो २ एवं करणयाए-त्तिकट्टु पंजलि(वु)उडे पायवडिए कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं देविं साहत्थिं उवणेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे पउम-नाभं एवं वयासी-हं भो पउम-नाभा ! अ(प)पत्थियपत्थिया ४ कि-न्नं तुमं (ण) जाणसि मम भगिणिं दोवइं देविं इह हव्वमाणमाणे ? तं एवमवि गए नत्थि ते ममाहिंतो इयाणिं भयमत्थि-त्तिकट्टु पउम-नाभं पडिविसज्जेइ (०) दोवइं देविं गे(गि)ण्हइ २ त्ता रहं दुरूहेइ २ त्ता जेणेव पंच पंड-वा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचण्हं पंडवाणं दोवइं देविं साहत्थिं उवणेइ । तए णं से कण्हे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ १२९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धायइ-संडे दीवे पुर-त्थिमद्धे भारहे वासे चंपा नामं नयरी होत्था । पुण्णभद्दे उज्जाणे ।

तत्थ णं चंपाए नयरीए कविले नामं वासुदेवे राया होत्था (महया हिमवं०) वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा चंपाए पुण्णभद्दे समोसढे। क(पि)विले वासुदेवे धम्मं सुणेइ। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयस्स अरहओ [अंतिए] धम्मं सुणेमाणे कण्हस्स वासुदेवस्स संखसद्दं सुणेइ। तए णं तस्स कविलस्स वासुदेवस्स इमेयारूवे अ(ब्भ)ज्झत्थिए [४] समुप्पज्जित्था–किं मण्णे धायइसंडे दीवे भारहे वासे दोच्चे वासुदेवे समुप्पन्ने (?) जस्स णं अयं संखसद्दे ममं पिव मुहवायपूरिए वियंभइ [?] कविले वासुदे(वे)वा भ(स)द्दा(तिं)इ (सुणेइ) मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी–से नूणं (ते) कविला वासुदेवा! म(म)मं अंतिए धम्मं निसामेमाणस्स संखसद्दं आकण्णित्ता इमेयारूवे अ-ज्झत्थिए–किं मन्ने जाव वियंभइ। से नूणं कविला वासुदेवा! अ(यम)ट्ठे समट्ठे? हंता [!] अत्थि। [तं] नो खलु कविला! एवं भूयं वा भ(वइ)व्वं वा भविस्(सइ)सं वा जन्नं ए(गे)गखेत्ते एगजुगे एगसमए [णं] दुवे अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जिंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं खलु वासुदेवा! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणाउ(र)राओ नयराओ पंडुस्स रन्नो सुण्हा पंचण्हं पंडवाणं भारिया दोवई देवी तव पउमनाभस्स रन्नो पुव्वसंगइएणं देवेणं अवरकंकं नयरिं साहरिया। तए णं से कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं अवरकंकं रायहाणिं दोवईए देवीए कूवं हव्वमागए। तए णं तस्स कण्हस्स वासुदेवस्स पउमनाभेणं रन्ना सद्धिं संगामं संगामेमाणस्स अयं संखसद्दे तव मुहवाया० (इव) इट्ठे (कंते) इ(हे)व वियंभइ। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–गच्छामि णं अहं भंते! कण्हं वासुदेवं उत्तमपुरिसं [मम] सरिसपुरिसं पासामि। तए णं मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी–नो खलु देवाणुप्पिया! एवं भूयं वा ३ जण्णं अरहंता वा अरहंतं पासंति चक्कवट्टी वा चक्कवट्टिं पासंति बलदेवा वा बलदेवं पासंति वासुदेवा वा वासुदेवं पासंति। तहवि य णं तुमं कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी(ति)ईवयमाणस्स सेयापीयाइं धयग्गाइं पासिहिसि। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता हत्थिखंधं दुरुहइ २ त्ता सिग्घं २ जेणेव वेला(उ)कूले तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणस्स सेयापीया(हिं)इं धयग्गाइं पासइ २ त्ता एवं वयइ–एस णं मम सरिसपुरिसे उत्तमपुरिसे कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ–त्तिकट्टु पंचयन्नं संखं परामुसइ [२] मुहवायपूरियं करेइ। तए णं से कण्हे वासु-

देवे कविलस्स वासुदेवस्स संखसद्दं आय-ण्णेइ २ त्ता पंचयन्नं जाव पूरियं करेइ । तए णं दोवि वासुदेवा संखसद्द(सा)समायारिं करेंति । तए णं से कविले वासुदेवे जेणेव अ-वरकंका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अ-वरकंकं रायहाणिं संभग्गतोरणं जाव पासइ २ त्ता पउम नाभं एवं वयासी–किन्नं देवाणुप्पिया ! एसा अ-वरकंका संभग्ग जाव सन्निवइया ? । तए णं से पउमन्ना-भे कविलं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ इहं हव्वमागम्म कण्हेणं वासुदेवेणं तुब्भे परिभूय अ-वरकंका जाव सन्नि(वा)वडिया । तए णं से कविले वासुदेवे पउम-ना-भस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा पउम-ना(हं)भं एवं वयासी–हं भो पउमन्नाभा ! अप-त्थियपत्थिया [५!] किन्नं तुमं (न) जाणसि मम सरिसपुरिसस्स कण्हस्स वासुदेवस्स विप्पियं करेमाणे ? आसुरुत्ते जाव पउम-ना-भं निव्विसयं आणवेइ पउमन्ना-भस्स पुत्तं अन्वरकंका[ए] रायहाणीए महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ जाव पडिगए ॥ १३० ॥ तए णं से कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी-ईवयइ (गंगं उवागए) ते पंच-पंडवे एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! गं(गा)गं महा-न(दिं)इं उत्तरह जाव ताव अहं सुट्ठियं लवणाहिवइं पासामि । तए णं ते पंच पंडवा कण्हेणं २ एवं वुत्ता समाणा जेणेव गंगा महानदी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एगट्ठियाए नावाए मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता एगट्ठियाए नावाए गं-गं महान-इं उत्तरंति २ त्ता अन्नमन्नं एवं वयंति–पहू णं देवाणुप्पिया ! कण्हे वासुदेवे गं-गं महा-न-इं वाहाहिं उत्तरित्तए उदाहु नो प(भू)हू उत्तरित्तए–त्तिकट्टु एगट्ठियाओ (नावाओ) णूमेंति २ त्ता कण्हं वासुदेवं पडिवालेमाणा २ चिट्ठंति । तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइं पासइ २ त्ता जेणेव गंगा महान्न(दी)ई तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एगट्ठियाए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता एगट्ठियं अपासमाणे एगाए बाहाए रहं सतुरगं ससारहिं गेण्हइ एगाए बाहाए गंगं महान्न-ई बासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च वि(च्छि)त्थिण्णं उत्तरिउं पयत्ते यावि होत्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे गंगा[ए] महान्न-ईए बहुमज्झदेसभा(गं)ए संपत्ते समाणे संते तंते परितंते बद्धसेए जाए यावि होत्था । तए णं [तस्स] कण्हस्स वासुदेवस्स इमे(ए)यारूवे अ-ज्झत्थिए (जाव समुप्पज्जित्था)-अहो णं पंच पंडवा महाबलवगा जेहिं गंगामहा-न-ई बा(स)वट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च वि-त्थिण्णा बाहाहिं उत्तिण्णा, इच्छंतएहिं णं पंचहिं पंडवेहिं पउम-नाभे (राया) हयमहिय जाव नो पडिसेहिए । तए णं गंगा-देवी कण्हस्स वासुदेवस्स इमं एयारूवं अ-ज्झत्थियं जाव जाणित्ता थाहं वियरइ ! तए णं से कण्हे वासुदेवे मुहुत्तंतरं समासा(स)सेइ २ त्ता गं-गं महान्नदि बावट्ठिं जाव

उत्तरइ २ त्ता जेणेव पंच-पंडवा तेणेव उवागच्छइ (०) पंच पंडवे एवं वयासी-अहो णं तुब्भे देवाणुप्पिया! महाबलवगा जे[हिं] णं तुब्भेहिं गंगामहा-न-ई वा-वट्ठिं जाव उत्तिण्णा, इच्छंतएहिं [णं] तुब्भेहिं पउम[नाहे] जाव नो पडिसेहिए । तए णं ते पंच पंडवा कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ता समाणा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे तुब्भेहिं विसज्जिया समाणा जेणेव गंगा महा-न-ई तेणेव उवागच्छामो २ त्ता एगट्ठियाए मग्गणगवेसणं तं चेव जाव णूमेमो तुब्भे पडिवालेमाणा चिट्ठामो । तए णं से कण्हे वासुदेवे तेसिं पंच(ण्हं)पंडवाणं [अंतिए] एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव तिवलियं एवं वयासी-अहो णं जया मए लवणसमुद्दं दुवे जोयणसयसह(स्सा)स्सवि-त्थिण्णं वीईवइत्ता पउम-नाभं हयमहि(य)यं जाव पडिसेहित्ता अ-वरकंका संभग(ग०)गा दोवई साहत्थिं उवणीया तया णं तुब्भेहिं मम माहप्पं न वि-न्नायं इयाणिं जाणिस्सह-त्तिकट्टु लोहदंडं परा-मुसइ पंचण्हं पंडवाणं रहे सुसू(चू)रेइ २ त्ता निव्विसए आणवेइ २ त्ता तत्थ णं रह-मद्दणे नामं कोट्टे निविट्ठे। तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव सए खंधावारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सएणं खंधावारेणं सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव बारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अणु-प्पविसइ ॥१२१॥ तए णं ते पंच-पंडवा जेणेव हत्थिणाउरे (णयरे) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जेणेव पंडू [राया] तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु ताओ! अम्हे कण्हेणं निव्विसया आणत्ता। तए णं पं-डूराया ते पंच-पंडवे एवं वयासी-कहण्णं पुत्ता! तुब्भे कण्हेणं वासुदेवेणं निव्विसया आणत्ता?। तए णं ते पंच-पंडवा पं(डु)डुं रायं एवं वयासी-एवं खलु ताओ! अम्हे अ-वरकंकाओ पडि-नियत्ता लवणसमुद्दं दोन्नि जोयणसयसहस्साइं वीईवइ(त्ता)त्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे अम्हे एवं व(या०)-यइ-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! गं-गं महा-न-ई उत्तरह जाव (चिट्ठह) ताव अहं एवं तहेव जाव चिट्ठामो। तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइं दट्ठूण तं चेव सव्वं नवरं कण्हस्स चिंता न बुज्झ(जुज्ज(वुच्च)इ जाव (अम्हे) निव्विसए आणवेइ। तए णं से पं-डूराया ते पंच-पंडवे एवं वयासी-दुट्ठु णं [तुमं] पुत्ता! कयं कण्हस्स वासुदे-वस्स विप्पियं करेमाणेहिं । तए णं से पंडू-राया कोंतिं देविं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छ[ह] णं तुमं देवाणुप्पिया! बारवइं कण्हस्स वासुदेवस्स निवे-एहि-एवं खलु देवाणुप्पिया! तु(म्हे)मे पंच-पंडवा निव्विसया आणत्ता, तुमं च णं देवाणुप्पिया! दाहिणड्ढभरहस्स सामी, तं संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! ते पंच-पंडवा कयरं(दिसिं) देसं वा (वि)दिसिं वा गच्छंतु?। तए णं सा कोंती पंडुणा एवं वुत्ता समाणी हत्थिखंधं

दुरूहइ (०) जहा हेट्ठा जाव संदिसंतु णं पिउ(त्था)च्छा! किमागमणपओयणं-। तए णं सा कोंती कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु तुमे पुत्ता! पंच-पंडवा निव्विसया आणत्ता तुमं च णं दाहिणड्ढभरह[स्स] जाव (वि)दि(सिं)सं वा गच्छंतु (?)। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोंतिं देविं एवं वयासी-अपू(ई)यवयणा णं पिउ-च्छा! उत्तमपुरिसा वासुदेवा बलदेवा चक्कवट्टी। तं गच्छंतु णं (देवाणु०!) पंच-पंडवा दाहिणि(ल्लं)ल्लवेयालिं तत्थ पंडुमहुरं निवेसंतु म-म अदिट्ठसेवगा भवंतु-त्तिकट्टु कोंतिं देविं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ। तए णं सा कोंती (देवी) जाव पंडुस्स एयमट्ठं निवेएइ। तए णं पंडू राया पंच पंडवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे पुत्ता! दाहिणिल्लं वेयालिं, तत्थ णं तुब्भे पंडुमहुरं निवेसेह। तए णं [ते] पंच-पंडवा पंडुस्स र-न्नो जाव तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता सबलवाहणा हयग० हत्थिणाउराओ पडि-निक्खमंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वेयाली तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पंडुमहुरं [नाम] नग(रिं)रं निवे(से)संति (०)। तत्थ[वि] णं ते विपुलभोगसमिइसम-न्नागया यावि होत्था ॥१३२॥ तए णं सा दोवई देवी अन्नया कया(ई)इ आव-न्नसत्ता जाया(या)वि होत्था। तए णं सा दोवई देवी नवण्हं मासाणं जाव सुरूवं दारगं पयाया सूमालं निव्वत्तबारसाहस्स इमं एयारूवं-जम्हा णं अम्हं एस दारए पंचण्हं पंडवाणं पुत्ते दोवईए देवीए अत्तए तं हो(उ)ऊ (अम्हं) णं इमस्स दारगस्स नामधेज्जं पंडुसेणे[त्ति]। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं क(रेइ)रेंति पंडुसेणत्ति। बावत्तरिं कलाओ जाव [अलं]भोगसमत्थे जाए जुवराया जाव विहरइ। (तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा) थेरा समोसढा परिसा निग्गया। पंडवा निग्गया धम्मं सोच्चा एवं वयासी-जं नवरं देवाणुप्पिया! दोवइं देविं आपुच्छामो पंडुसेणं च कुमारं रज्जे ठावेमो तओ पच्छा देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामो। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं ते पंच-पंडवा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता दोवइं देविं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए! अम्हेहिं थेराणं अंतिए धम्मे निसंते जाव पव्वयामो, तुमं [णं] देवाणुप्पिए! किं करेसि?। तए णं सा दोवई (देवी) ते पंच-पंडवे एवं वयासी-जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! संसार-भउव्विग्गा [जाव] पव्वयह म-म के अ-न्ने आलंबे वा जाव भविस्सइ? अहं पि य णं संसारभउव्विग्गा देवाणुप्पिएहिं सद्धिं पव्वइस्सामि। तए णं ते पंच-पंडवा पंडुसेणस्स अभिसेओ जाव राया जाए जाव रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तए णं ते पंच-पंडवा दोवई य देवी अन्नया कया-इ पंडुसेणं रायाणं आपुच्छंति। तए णं से पंडुसेणे राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो [!] देवाणुप्पिया!

निक्खमणाभिसेयं जाव उवट्ठवेह पुरिससहस्सवा-हिणीओ सिवियाओ उवट्ठवेह जाव पच्चोरुहंति जेणेव थेरा [भगवंतो] तेणेव उवागच्छंति जाव आलित्ते णं जाव समणा जाया चोद्द[स]स पुव्वाइं अहिज्जंति २ त्ता बहूणि वासाणि छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १३३ ॥ तए णं सा दोवई देवी सीयाओ पच्चोरुहइ जाव पव्वइया सुव्वयाए अज्जाए सिस्सि(णी)णियत्ताए दलयइ ए(इ)क्कारस अंगाइं अहिज्जइ (०) बहूणि वासाणि छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं जाव विह-रइ॥१३४॥ तए णं थेरा भगवंतो अन्नया कया(ई)इ पंडुमहुराओ नयरीओ सहसंबव-णाओ उज्जाणाओ पडि-निक्खमंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति। तेणं कालेणं तेणं समएणं अ(रि)रहा अरिट्ठनेमी जेणेव सुरट्ठाजणवए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयंसि संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं बहुजणो अन्नम-न्नस्स एवमाइक्खइ ४-एवं खलु देवाणुप्पिया! अ-रहा अरिट्ठनेमी सुरट्ठाजणवए जाव विहरइ। तए णं (से) ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा बहुजणस्स अंतिए एय-मट्ठं सोच्चा अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अरहा अरिट्ठनेमी पुव्वाणुपुव्विं जाव विहरइ, तं सेयं खलु अम्हं थेरा आपुच्छित्ता अरहं अरिट्ठनेमिं वंदणाए गमित्तए। अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव थेरा भग-वंतो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामो णं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा अरहं अरिट्ठनेमिं जाव गमित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा थेरेहिं अब्भणुन्नाया समाणा थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता थेराणं अंतियाओ पडि-निक्खमंति (०) मासंमासेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं गामाणुगामं दू(इ)इज्जमाणा जाव जेणेव ह(त्थि)त्थकप्पे (नयरे) तेणेव उवागच्छंति (०) ह-त्थकप्पस्स बहिया सहसंबवणे उज्जाणे जाव विहरंति। तए णं ते जुहिट्ठिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा मास-क्ख-मणपारणए पढमाए पो(र)रिसीए सज्झायं करेंति बीयाए एवं जहा गोयमसामी नवरं जुहिट्ठिल्लं आपुच्छंति जाव अडमाणा बहुजणसद्दं निसामेंति। एवं खलु देवाणुप्पिया! अरहा अरिट्ठनेमी उ(ज्जिं)ज्जंतसेलसिहरे मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं पंचहिं छत्तीसेहिं अणगारसएहिं सद्धिं कालगए जाव पहीणे। तए णं ते जुहि-ट्ठिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा बहुजणस्स अंतिए (एयमट्ठं) सोच्चा ह-त्थकप्पाओ पडि-निक्खमंति २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव जुहिट्ठिल्ले अणगारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता भत्तपाणं प(च्चुवे)च्चक्खंति २ त्ता गमणागमणस्स पडिक्कमंति २ त्ता एसणमणेसणं आलोएंति २ त्ता भत्तपाणं पडिदंसेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु

देवाणुप्पिया (!) जाव कालगए। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! इमं पुव्वगहियं भत्तपाणं परिट्ठवेत्ता सेत्तुञ्जं पव्वयं सणियं २ दु(रु)रुहित्तए संलेहण(ए)झूसणा[झो]-सियाणं कालं अण(वकंख)वेक्खमाणाणं विहरित्तए-त्तिकट्टु अ-न्नम-न्नस्स एयमट्ठं पडि-सुणेंति २ त्ता तं पुव्वगहियं भत्तपाणं एगंते परिट्ठवेंति २ त्ता जेणेव सेत्तुञ्जे पव्वए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेत्तुञ्जं पव्वयं [सणियं २] दुरुहंति (०) जाव कालं अणवकं-खमाणा विहरंति। तए णं ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा सामाइयमाइयाइं चोद्दस-पुव्वाइं अहि(ज्जित्ता)जंति बहूणि वासाणि (सामण्णपरियागं पाउणित्ता) दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झो(सि)सेत्ता जस्सट्ठाए की(कि)रइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे जाव तमट्ठमाराहेंति २ त्ता अणंते जाव केवलवर-नाणदंसणे समुप्प-न्ने जाव सिद्धा ॥ १३५ ॥ तए णं सा दोवई अज्जा सुव्वयाणं अज्जियाणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूणि वासाणि (सा०) मासि-याए संलेहणाए आलोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा बंभलोए उववन्ना। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ णं दुव(ति)यस्स [वि] देवस्स दस-सागरोवमाइं ठिई प-न्नत्ता। से णं भंते! दुवए देवे ता(त)ओ जाव महाविदेहे वासे जाव अंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सोलसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ १३६ ॥ **गाहाउ**—सुबहुं पि तवकिलेसो नियाणदोसेण दूसिओ संतो। न सिवाय दोवईए जह किल सुकुमालियाजम्मे ॥ १ ॥ अमणुन्नमभत्तीए पत्ते दाणं भवे अणत्थाय। जह कडुयतुंबदाणं नागसिरिभवंमि दोवइए ॥ २ ॥ **सोलसमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते! समणेणं० सोलसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते सत्तर-समस्स (०) नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं सम-एणं हत्थिसीसे नामं नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं कणगकेऊ नामं राया होत्था वण्णओ। तत्थ णं हत्थिसीसे नयरे बहवे संजुत्ता-नावावाणियगा परिवसंति अड्ढा जाव ब(हू)हुजणस्स अपरिभूया यावि होत्था। तए णं तेसिं संजुत्तानावावाणियगाणं अन्नया कयाइ एगयओ (सहियाणं) जहा अरह-न्नओए जाव लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणस-याइं ओगाढा यावि होत्था। तए णं तेसिं जाव बहूणि उप्पा(ति)यसयाइं जहा मा-कं-दियदारगाणं जाव कालियवाए य तत्थ सं(स)मु(त्थि)च्छिए। तए णं सा नावा तेणं कालियवाएणं आ(घोलि)घुणिज्जमाणी २ संचालिज्जमाणी २ संखोहिज्जमाणी २ तत्थेव परिभमइ। तए णं से निज्जामए नट्ठमईए नट्ठसुईए नट्ठस-न्ने मूढदिसाभाए जाए यावि होत्था न जाणइ कयरं (देसं वा) दिसं वा विदिसं वा पोयवहणे [अ]व-

हिए-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। तए णं ते बहवे कुच्छिधारा य कण्णधारा य ग(ब्भि)ब्भेल्लगा य संजुत्ता-नावावाणियगा य जेणेव से निज्जामए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी–किन्नं तुमं देवाणुप्पिया! ओहयमणसंक-(प्पा)प्पे (जाव) झियायसि?। तए णं से निज्जामए ते बहवे कुच्छिधारा य ४ एवं वयासी–एवं खलु [अहं] देवाणुप्पिया! नट्ठमईए जाव अवहिएत्तिकट्टु तओ ओहय-मणसंकप्पे (जाव झियामि)। तए णं ते कण्णधारा [य ४] तस्स निज्जामयस्संतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया० ण्हाया करयल [जाव] बहूणं इंदाण य खं(दा)धाण य जहा मल्लिनाए जाव उवायमाणा २ चिट्ठंति। तए णं से निज्जामए तओ मुहुत्तंतरस्स लद्धमईए ३ अमूढदिसाभाए जाए यावि होत्था। तए णं से निज्जामए ते बहवे कुच्छिधारा य ४ एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! लद्धमईए जाव अमूढ-दिसाभाए जाए। अम्हे णं देवाणुप्पिया! कालियदीवंतेणं सं(वू)छूढा। एस णं कालियदीवे आलोक्कइ। तए णं ते कुच्छिधारा य ४ तस्स निज्जामगस्स अंतिए एय-मट्ठं सोच्चा हट्ठतुट्ठा पयक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव का(ली)लियदीवे तेणेव उवाग-च्छंति २ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्तरंति। तत्थ णं बहवे हिरण्णागरे य सुवण्णागरे य रयणागरे य वइरागरे य बहवे तत्थ आसे पासंति किं ते? हरिरेणुसोणिसुत्त(गा)ग आ(ई)इण्णवेढो। तए णं ते आसा(ते)ओ वाणियए पासंति (०) तेसिं गंधं आ(अग)घायंति (०) भीया तत्था उव्विग्गा उव्वि-ग्गमणा तओ अणेगाइं जोयणाइं उब्भमंति। ते णं तत्थ पउरगोयरा पउरतण-पाणिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसुहेणं विहरंति। तए णं [ते] संजुत्ता-नावावा-णियगा अन्नमन्नं एवं वयासी–किं(ण्हं)न्नं अ(म्हे)म्हं देवाणुप्पिया! आसेहिं? इमे णं बहवे हिरण्णागरा य सुवण्णागरा य रयणागरा य व(इ)यरागरा य। तं सेयं खलु अम्हं हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स य व-यरस्स य पोयवहणं भरित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स य व-यरस्स य तणस्स य कट्ठस्स य अ-न्नस्स य पाणियस्स य पोयवहणं भरेंति २ त्ता द(पय)क्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीरपोय(वहग)पट्टणे तेणेव उवाग-च्छंति २ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता सगडीसागडं सज्जेंति २ त्ता तं हिरण्णं जाव वइरं च एगट्ठियाहिं पोयवहणाओ संचारेंति २ त्ता सगडीसागडं संजो(इ)एंति (०) जेणेव हत्थिसी(सए)से नयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता हत्थिसीसयस्स नयरस्स बहिया अग्गुज्जाणे सत्थ-निवेसं करेंति २ त्ता सगडीसागडं मोएंति २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हंति २ त्ता हत्थिसीसं च न(ग)यरं अणु-प्पविसंति २ त्ता जेणेव [से] कण-

गकेऊ (राया) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव उवणेंति। तए णं से कणगकेऊ तेसिं संजुत्ता(णावा)वाणियगाणं तं महत्थं जाव पडिच्छइ [२] ते संजुत्ता-वाणियगा एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेणं ओगा(ह)हेह, तं अत्थि-या(इं)इ [त्थ] केइ भे कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे?। तए णं ते संजुत्ता-वाणियगा कणगकेउं (रायं) एवं वयासी–एवं खलु अम्हे देवाणुप्पिया! इहेव हत्थिसीसे नयरे परिवसामो तं चेव जाव कालि(य)यं-दीवंतेणं सं-छूढा। तत्थ णं बहवे हिरण्णागरा य जाव बहवे तत्थ आसे, किं ते? हरिरेणु जाव अणेगाइं जोयणाइं उब्भमंति। तए णं सामी! अम्हेहिं कालियदीवे ते आसा अच्छेरए दिट्ठपुव्वे। तए णं से कणगकेऊ तेसिं संजु(त्तगा)त्ताणं अंतिए एयमट्ठं सोचा ते संजुत्तए एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! मम कोडुं-बियपुरिसेहिं सद्धिं कालियदीवाओ ते आसे आणेह। तए णं ते संजुत्तावाणियगा कणगकेउं–एवं वयासी–एवं सामि–त्ति(कट्टु) आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेंति। तए णं [से] कणगकेऊ–कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! संजुत्तएहिं [नावावाणियएहिं] सद्धिं कालियदीवाओ मम आसे आणेह। तेवि पडिसुणेंति। तए णं ते कोडुंबि(य०)या सगडीसागडं सज्जेंति २ त्ता तत्थ णं बहूणं वीणाण य वल्लकीण य भामरीण य कच्छभीण य भंभाण य छब्भा-मरीण य विचित्तवीणाण य अन्नेसिं च बहूणं सो(तिं)यंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सग-डीसागडं भरेंति २ त्ता बहूणं किण्हाण य जाव सुक्किलाण य कट्ठकम्माण य ४ गंथिमाण य ४ जाव संघाइमाण य अन्नेसिं च बहूणं चक्खिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता बहूणं कोट्ठपुडाण य केयइपुडाण य जाव अन्नेसिं च बहूणं घाणिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता बहुस्स खंडस्स य गुलस्स य सक्कराए य मच्छंडियाए य पुप्फुत्तरपउमुत्तर० अन्नेसिं च जिब्भिंदिय-पाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता [अन्नेसिं च] बहूणं कोय(वया)वाण य कंबलाण य पा(वरणा)वाराण य नवतयाण य मलयाण य मसूराण य सिलाव-ट्टाण [य] जाव हंसगब्भाण य अन्नेसिं च फासिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं जाव भरेंति २ त्ता सगडीसागडं जो(एं)यंति २ त्ता जेणेव गंभीरए पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति (०) सगडीसागडं मो(एं)यंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता तेसिं उक्किट्ठाणं सद्दफ-रिसरसरूवगंधाणं कट्ठस्स य तणस्स य पाणियस्स य तंदुलाण य समियस्स य गोरसस्स य जाव अन्नेसिं च बहूणं पोयवहणपाउग्गाणं पोयवहणं भरेंति २ त्ता दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव कालियदीवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं

लंबेंति २ त्ता ताइं उक्किट्ठाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्तारेंति २ त्ता जहिं जहिं च णं ते आसा आसयंति वा सयंति वा चिट्ठंति वा तुयट्टंति वा तहिं तहिं च णं ते कोडुंवियपुरिसा ताओ वीणाओ य जाव (वि)चित्तवीणाओ य अन्नाणि बहूणि सो(इं)यंदियपाउग्गाणि य दव्वाणि समु(द्दी)दीरेमाणा ठवें(चिट्ठं)ति तेसिं [च] परिपेरंतेणं पा(सए)से ठवेंति (०) निचला निप्फंदा तुसिणीया चिट्ठंति। जत्थ जत्थ ते आसा आसयंति वा जाव तुयट्टंति वा तत्थ तत्थ णं ते कोडुंवि-या बहूणि किण्हाणि य (५) कट्ठकम्माणि य जाव संघाइमाणि य अन्नाणि य बहूणि चक्खिंदियपाउग्गाणि य दव्वाणि ठवेंति तेसिं परिपेरंतेणं पासए ठवेंति २ त्ता निचला निप्फंदा तुसिणीया चिट्ठंति। जत्थ जत्थ ते आसा आसयंति (४) तत्थ तत्थ [ते] णं (ते कोडुंवियपुरिसा) तेसिं बहूणं कोट्ठपुडाण य अन्नेसिं च घाणिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं पुंजे य नियरे य करेंति २ त्ता तेसिं परिपेरंते जाव चिट्ठंति। जत्थ जत्थ णं ते आसा आसयंति ४ तत्थ तत्थ गुलस्स जाव अन्नेसिं च बहूणं जिब्भिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं पुंजे य नि(क)यरे य करेंति २ त्ता वियरए खणंति २ त्ता गुलपाणगस्स खंडपाणगस्स पा(पो)रपाणगस्स अन्नेसिं च बहूणं पाणगाणं विय(रे)रए भरेंति २ त्ता तेसिं परिपेरंतेणं पासए ठवेंति जाव चिट्ठंति। जहिं जहिं च णं ते आसा (आस०) तहिं तहिं च ते बहवे कोयवया (य) जाव सिलावट्टया अन्नाणि य फासिंदियपाउग्गाइं अत्थुयपच्चत्थुयाइं ठवेंति २ त्ता तेसि परिपेरंतेणं जाव चिट्ठंति। तए णं ते आसा जेणेव (ए)ते उक्किट्ठा सद्दफरिसरसरूवगंधा तेणेव उवागच्छंति (०)। तत्थ णं अत्थेगइया आसा अपुव्वा णं इमे सद्दफरिसरसरूवगंधा (इ)तिकट्टु तेसु उक्किट्ठेसु सद्दफरिसरसरूवगंधेसु अमुच्छिया ४ तेसिं उक्किट्ठाणं सद्द जाव गंधाणं दूरंदूरेणं अवक्कमंति [२] ते णं तत्थ पउरगोयरा पउरतणपाणिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसुहेणं विहरंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा सद्दफरिस (रसरूवगंधा) जाव नो सज्जइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे जाव वी-ईव(य)इस्सइ॥ १२७॥ तत्थ णं अत्थेगइया आसा जेणेव उक्कि(ट्ठ)ट्ठा सद्दफरिसरसरूवगंधा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेसु उक्किट्ठेसु स(द्द०)द्देसु ५ मुच्छिया जाव अज्झोववन्ना आसेविउं पय(त्ते)त्ता यावि होत्था। तए णं ते आसा (एए) ते उक्किट्ठे स(द्द)द्दे ५ आसेवमाणा तेहिं बहूहिं कूडेहि य पासेहि य गलएसु य पाएसु य बज्झंति। तए णं ते कोडुंविया (एए) ते आसे गिण्हंति २ त्ता एगट्ठियाहिं पोयवहणे संचारेंति २ त्ता तणस्स [य] कट्ठस्स [य] जाव भरेंति। तए णं ते संजुत्ता(णावावाणियगा) दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीर[ए] पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति

२ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता ते आसे उत्तारेंति २ त्ता जेणेव हत्थिसीसे नयरे जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति (०) ते आसे उवणेंति। तए णं से कणगकेऊ (राया) तेसिं संजुत्तावाणियगाणं उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता सक्कारेइ संमाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से कणगकेऊ-कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता सक्कारेइ संमाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से कणगकेऊ राया आसमद्दए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम आसे विणएह। तए णं ते आसमद्दगा तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता ते आसे बहूहिं मुहबंधेहि य कण्णबंधेहि य नासाबंधेहि य वालबंधेहि य खुरबंधेहि य कडगबंधेहि य खलिणबंधेहि य अहिला(णे)णबंधेहि य पडियाणेहि य अंकणाहि य (वेलप्पहारेहि य) वि(चि)त्तप्पहारेहि य लयप्पहारेहि य कसप्पहारेहि य छिवप्पहारेहि य विणयंति (०) कणगकेउस्स रन्नो उवणेंति। तए णं से कणगकेऊ ते आसमद्दए सक्कारेइ २ (०) पडिविसज्जेइ। तए णं ते आसा बहूहिं मुहबंधेहि य जाव छि(वप्)वापहारेहि य बहूणि सारीरमाणसा(णि)इं दुक्खाइं पावेंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा पव्वइए समाणे इट्ठेसु सद्दफरिसरसरूवगंधेसु सज्ज(न्ति)इ रज्ज-इ गिज्झ-इ मुज्झ-इ अज्झोववज्ज-इ से णं इहलोए चेव बहूणं समणा(ण य)णं [बहूणं समणीणं] जाव साविया(ण य)णं हीलणिज्जे जाव अणुपरिय(ट्टिस्स)ट्टइ। [गाहा]—कलरिभियमहुरतंतीतलतालवंसकउहाभिरामेसु। सद्देसु रज्जमाणा रमं(ती)ति सोइंदियवसट्टा ॥ १ ॥ सोइंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। दीविगरुयमसहतो वहबंधं तित्तिरो पत्तो ॥ २ ॥ थणजहणवयणकरचरण-नयणगव्वियविलासियग(ती)एसु। रूवेसु रज्जमाणा रमंति चक्खिदियवसट्टा ॥ ३ ॥ चक्खिदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ ह(भ)वइ दोसो। जं जलणंमि जलंते पडइ पयंगो अबुद्धीओ ॥ ४ ॥ अ(गु)गरुवरपवरधूवणउउयमल्लाणुलेवणविहीसु। गंधेसु रज्जमाणा रमंति घाणिंदियवसट्टा ॥ ५ ॥ घाणिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। जं ओसहिगंधेणं बिलाओ निद्धावई उरगो ॥ ६ ॥ तित्तकडुयं कसायं(ब) [अविरं] महुरं बहुखज्जपेज्जलेज्झेसु। आसायंमि उ गिद्धा रमंति जिब्भिंदियवसट्टा ॥ ७ ॥ जिब्भिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। जं गललग्गुक्खित्तो फुरइ थलवि(र)रेल्लिओ मच्छो ॥ ८ ॥ उउभयमाणसुहे(सु)हि य सविभवहिययमणनिव्वुइकरे(सु)हिं। फासेसु रज्जमाणा रमंति फासिंदियवसट्टा ॥ ९ ॥ फासिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। जं खणइ मत्थयं कुंजरस्स लोहंकुसो तिक्खो ॥ १० ॥ कलरिभियमहुरतंतीतलतालवंसकउहाभिरामेसु। सद्देसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ ११ ॥

थणजहणवयणकरचरणनयणगव्वियविलासियगईसु। रूवेसु जे न रत्ता वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १२ ॥ अगरुवरपवरधूवण उउयमल्लाणुलेवणविहीसु। गंधेसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १३ ॥ तित्तकडुयं कसायं-महुरं[च]बहुखज्जपेज्जलेज्झेसु। आसा(ए जे)यंमि न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १४ ॥ उउभयमाणसुहेसु य सविभवहिययमण-निव्वुइकरेसु। फासेसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १५ ॥ सद्देसु य भद्दयपावएसु सोयविसयं उ(व)वागएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १६ ॥ रूवेसु य भद्द(ग)यपावएसु चक्खुविसयं उवगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १७ ॥ गंधेसु य भद्दयपावएसु घाणविस(यं उ)वमुवगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १८ ॥ रसेसु य भद्दयपावएसु जिब्भविस-यमुवगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १९ ॥ फासेसु य भद्दयपावएसु कायविस-यमुवगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ २० ॥ एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ १३८ ॥ **गाहाओ**—जह सो कालियदीवो अणुवमसोक्खो तहेव जइधम्मो। जह आसा तह साहू वणियव्वऽणुकूलकारिजणा ॥ १ ॥ जह सद्दाइअगिद्धा पत्ता नो पासबंधणं आसा। तह विसएसु अगिद्धा वज्झंति न कम्मणा साहू ॥ २ ॥ जह सच्छंदविहारो आसाणं तह य इह वरमुणीणं। जरमरणाइं विवज्जिय संपत्ताणंदनिव्वाणं ॥ ३ ॥ जह सद्दाइसु गिद्धा बद्धा आसा तहेव विसयरया। पावेंति कम्मबंधं परमासुहकारणं घोरं ॥ ४ ॥ जह ते कालियदीवा णीया अन्नत्थ दुहगणं पत्ता। तह धम्मपरिब्भट्ठा अधम्मपत्ता इहं जीवा ॥ ५ ॥ पावेंति कम्मनरवइवसया संसारवाहयालीए। आसप्पमद्दएहि व नेरइयाइहिं दुक्खाइं ॥ ६ ॥ **सत्तरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! समणेणं० सत्तरसमस्स (णायज्झयणस्स) अयमट्ठे पन्नत्ते अट्ठारसमस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं ध(ण)णे नामं सत्थवाहे (परिवसइ) होत्था भद्दा भारिया। तस्स णं ध(ण)णस्स सत्थवाहस्स पुत्ता भद्दाए अत्तया पंच सत्थवाहदारगा होत्था तंजहा–धणे धणपाले धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए। तस्स णं धणस्स सत्थवाहस्स धूया भद्दाए अत्तया पंचण्हं पुत्ताणं अणुमग्गजा(ती)इया सुंसुमा नामं दारिया होत्था सूमालपाणिपाया। तस्स णं धणस्स सत्थवाहस्स चिलाए नामं दासचेडे होत्था अहीणपंचिंदियसरीरे मंसोवचिए बालकीलावणकुसले यावि होत्था। तए णं से दासचेडे सुंसुमाए दारियाए बालग्गाहे जाए यावि होत्था सुंसुमं दारियं

कडीए गिण्हइ २ त्ता बहूहिं दारएहि य दारियाहि य डिंभएहि य डिंभियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं अभिरममाणे २ विहरइ। तए णं से चिलाए दासचेडे तेसिं बहूणं दारयाण य ६ अप्पेगइयाणं खुल्लए अवहरइ एवं वट्टए आडोलियाओ तिंदू(तेंदु)सए पोत्तुल्लए साडोल्लए, अप्पेगइयाणं आभरणमल्लालंकारं अवहरइ अप्पेगइ(या)ए आउ(स)सइ एवं अवहसइ निच्छोडेइ निब्भच्छेइ तज्जेइ अप्पेगइ-ए तालेइ। तए णं ते बहवे दारगा य ६ रोयमाणा य ५ साणं साणं अम्मापिऊणं निवेदेंति। तए णं तेसिं बहूणं दारगाण य ६ अम्मापियरो जेणेव धणे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ध(ण)णं २ बहूहिं खि(खे)ज्ज(णा)णियाहि य रुंटणाहि य उ(व)पालंभणाहि य खि ज्जमाणा य रुंटमाणा य उ(व)वालं(भे)भमाणा य धणस्स [२] एयमट्ठं निवेदेंति। तए णं [से] धणे २ चिलायं दासचेडं एयमट्ठं भुज्जो भुज्जो निवारे(न्ति)इ नो चेव णं चिलाए दासचेडे उवरमइ। तए णं से चिलाए दासचेडे तेसिं बहूणं दारगाण य ६ अप्पेगइयाणं खुल्लए अवहरइ जाव तालेइ। तए णं ते बहवे दारगा य ६ रोयमाणा य जाव अम्मापिऊणं निवेदेंति। तए णं ते आसुरुत्ता ५ जेणेव धणे २ तेणेव उवागच्छंति २ त्ता बहूहिं खिज्जणाहि (य) जाव एयमट्ठं निवे(दिं)देंति। तए णं से धणे २ बहूणं दारगाणं ६ अम्मापिऊणं अंतिए एयमट्ठ सोच्चा आसुरुत्ते चिलायं दासचेडं उच्चावयाहिं आउसणाहि आउसइ उद्धंसइ नि(ब्भच्छे)ब्भिछइ निच्छोडेइ तज्जेइ उच्चावयाहिं तालणाहिं तालेइ साओ गिहाओ निच्छुभइ ॥ १३९ ॥ तए णं से चिलाए दासचेडे साओ गिहाओ निच्छूढे समाणे रायगिहे नयरे सिंघाड(ए)ग जाव पहेसु देवकुलेसु य सभासु य पवासु य जूयखलएसु य वेसाघ(रे)रएसु य पाणघरएसु य सुहंसुहेणं परिवड्ढइ। तए णं से चिलाए दासचेडे अणोहट्टिए अणिवारिए सच्छंदमई सइरप्पयारी मज्ज-प्पसंगी चोज्ज-प्पसंगी (मंस०) जूयप्पसंगी वे(सा)सप्पसंगी परदारप्पसंगी जाए यावि होत्था। तए णं रायगिहस्स न-यरस्स अदूरसामंते दाहिणपुरत्थिमे दि-सीभाए सीहगुहा नामं चोरपल्ली होत्था विसमगिरिकडगको(डं)लंबसन्निविट्ठा वंसीकलंकपागारपरिक्खित्ता छिन्नसेलविसमप्पवायफरिहोवगूढा एगदुवारा अणेगखंडी विदितजण-निग्गम[प्]पवेसा अब्भिंतरपाणिया सुदुल्लभजलपेरंता सुबहुस्सवि कूवियबलस्स आगयस्स दुप्पहंसा यावि होत्था। तत्थ णं सीहगुहाए चोरपल्लीए विजए नामं चोरसेणावई परिवसइ अहम्मिए जाव अ(ध)हम्मकेऊ समुट्ठिए बहु-नगर-निग्गयजसे सूरे [२] दढप्पहारी साह(सी)सिए सद्दवेही। से णं तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाणं आहेवच्चं जाव विहरइ। तए णं से विजए तक्करे (चोर)सेणावई बहूणं चोराण य पार-

दारियाण य गंठिभेयगाण य संधिच्छेयगाण य खत्तखणगाण य रायावगारीण य अणधारगाण य बालघायगाण य वीसंभघायगाण य जूयकराण य खंडरक्खगाण य अन्नेसिं च बहूणं छिन्नभिन्न(व)बाहिराहयाणं कुडंगे यावि होत्था। तए णं से विजए (तक्करे) चोरसेणावई रायगिहस्स दाहिणपुरत्थिमं जणवयं बहूहिं गामघाएहि य नगरघाएहि य गो(ग्ग)गहणेहि य बंदिग्गहणेहि य पंथकुट्टणेहि य खत्तखणणेहि य उवीलेमाणे २ विद्धंसेमाणे २ नित्थाणं निद्धणं करेमाणे विहरइ। तए णं से चिलाए दासचे(डे)डए रायगिहे (णयरे) बहूहिं अत्थाभिसंकीहि य चो(रा)ज्जाभिसंकीहि य दाराभिसंकीहि य ध(णि)गएहि य जू(इ)यकरेहि य परब्भवमाणे २ रायगिहाओ नग(री)राओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सीहगु(फा)हा चोरपल्ली तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विजयं चोरसेणावइं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं से चिलाए दासचेडे विजयस्स चोरसेणावइस्स अग्गे असिल(ट्ठि)ट्ठिग्गाहे जाए यावि होत्था। जाहे वि य णं से विजए चोरसेणावई गामघायं वा जाव पंथकोट्टिं वा काउं वच्चइ ताहे वि य णं से चिलाए दासचेडे सुबहुंपि (हु) कूवियबलं हयमहिय जाव पडिसेहेइ [२] पुणरवि लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे सीहगुहं चोरपल्लिं हव्वमागच्छइ। तए णं से विजए चोरसेणावई चिलायं तक्करं बहू(इ)ओ चोरविज्जाओ य चोरमंते य चोरमायाओ य चोरनिगडीओ य सिक्खावेइ। तए णं से विजए चोरसेणावई अन्नया कया(ई)इ कालधम्मुणा संजुत्ते यावि होत्था। तए ण ताइं पंच-चोरसयाइं विजयस्स चोरसेणावइस्स महया २ इड्ढीसक्कारसमुदएणं नीहरणं करेंति २ त्ता बहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करे(इ)न्ति २ त्ता जाव विगयसोया जाया यावि होत्था। तए णं ताइं पंच-चोरसयाइं अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! विजए चोरसेणावई कालधम्मुणा संजुत्ते। अयं च णं चिलाए तक्करे विजएणं चोरसेणावइणा बहू-ओ चोरविज्जाओ य जाव सिक्खाविए। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! चिलायं तक्करं सीहगुहाए चोरपल्लीए चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचित्तए–त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता चिलायं (तीए) सीहगुहाए [चोरपल्लीए] चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचंति। तए णं से चिलाए चोरसेणावई जाए अहम्मिए जाव विहरइ। तए णं से चिलाए चोरसेणावई चोर-नायगे जाव कुडंगे यावि होत्था। से णं तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाण य एवं जहा विजओ तहेव सव्वं जाव रायगिहस्स [नयरस्स] दाहिणपुर-त्थिमिल्लं जणवयं जाव नित्थाणं निद्धणं करेमाणे विहरइ॥ १४०॥ तए णं से चिलाए चोरसेणावई अन्नया कयाइ विपुलं असणं ४ [उवक्खडावेइ] उवक्खडावेत्ता ते पंच चोरसए आमंतेइ तओ पच्छा ण्हाए भोयण-

मंडवंसि तेहिं पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं विपुलं असणं ४ सुरं च मज्जं च मंसं च सीधुं च
पसन्नं च आसाएमाणे ४ विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागए ते पंच चोरसए विपुलेणं धूवपु-
प्फगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया!
रायगिहे नयरे धणे नामं सत्थवाहे अड्ढे[०], तस्स णं धूया भद्दाए अत्तया पंचण्हं
पुत्ताणं अणुमग्गजाइया सुंसुमा नामं दारिया (यावि) होत्था अहीणा जाव सुरूवा, तं
गच्छामो णं देवाणुप्पिया! धणस्स सत्थवाहस्स गिहं विलुंपामो, तुब्भं विपुले धण-
कणग जाव सिलप्पवाले ममं सुंसुमा दारिया। तए णं ते पंच चोरसया चिलायस्स
(०) पडिसुणेंति। तए णं से चिलाए चोरसेणावई तेहि पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं अल्ल-
चम्मं दुरूहइ [२] पच्चावरण्हकालसमयंसि पंचहिं चोरसएहि सद्धिं सन्नद्ध जाव गहि-
याउहपहरणा माइयगोमुहि(एहिं)फलएहिं नि(क)क्किट्ठाहिं असिलट्ठीहिं अंसगएहिं
तोणेहिं स(जी)ज्जीवेहिं धणूहिं समुक्खित्तेहिं सरेहिं समुल्लालियाहि दीहाहिं ओसारियाहिं
उरुघंटियाहिं छिप्पतूरेहिं वज्जमाणेहिं महया २ उक्किट्ठसीहनाय(चोरकलकलरवं) जाव
समुद्दरवभूयं [पिव] करेमाणा सीहगुहाओ चोरपल्लीओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव
रायगिहे नयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता रायगिहस्स अदूरसामंते एगं महं गहणं
अणुप्पविसंति २ त्ता दिवसं खवेमाणा चिट्ठंति। तए णं से चिलाए चोरसेणावई अद्ध-
रत्तकालसमयंसि निसंतपडिनिसंतंसि पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं माइयगोमुहिएहिं फल-
एहिं जाव मूइ(आ)याहिं उरुघंटियाहिं जेणेव रायगिहे [नयरे] पुरत्थिमिल्ले दुवारे
तेणेव उवागच्छइ (०) उदग(व)वत्थिं परामुसइ (०) आयंते चोक्खे परमसुइभूए
तालुग्घाडणिविज्जं आवाहेइ २ त्ता रायगिहस्स दुवारकवाडे उदएणं अच्छोडेइ २
त्ता कवाडं विहाडेइ २ त्ता रायगिहं अणुप्पविसइ २ त्ता महया २ सद्देणं उग्घोसे-
माणे २ एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! चिलाए नामं चोरसेणावई पंचहिं
चोरसएहिं सद्धिं सीहगुहाओ चोरपल्लीओ इ( )हं हव्वमागए धणस्स सत्थवाहस्स
गिहं घाउकामे। तं (जो) जे णं नवियाए माउयाए दुद्धं पाउकामे से णं नि(ग)गच्छउ–
त्तिकट्टु जेणेव धणस्स सत्थवाहस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धणस्स गिहं
विहाडेइ। तए णं से धणे चिलाएणं चोरसेणावइणा पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं
गिहं घाइज्जमाणं पासइ २ त्ता भीए तत्थे ४ पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं एगंतं अवक्कमइ।
तए णं से चिलाए चोरसेणावई धणस्स सत्थवाहस्स गिहं घाएइ २ त्ता सुबहुं
धणकण(ग)गं जाव सावएज्जं सुंसुमं च दारियं गेण्हइ २ त्ता रायगिहाओ पडिनि-
क्खमइ २ त्ता जेणेव सीहगुहा तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ १४१ ॥ तए णं से धणे
सत्थवाहे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबहुं धणकणगं सुंसुमं च दारियं

अव(ह)हारियं जाणित्ता महत्थं ३ पाहुडं गहाय जेणेव नगरगुत्तिया तेणेव उवाग॰च्छइ २ त्ता तं महत्थं पाहुडं (जाव) उवणे(न्ति)इ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! चिलाए चोरसेणावई सीहगुहाओ चोरपल्लीओ इहं हव्वमागम्म पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं मम गिहं घाएत्ता सुबहुं धणकणगं सुंसुमं च दारियं गहाय जाव पडिगए, तं इच्छा(मो)मि णं देवाणुप्पिया! सुंसुमा[ए] दारियाए कूवं गमित्तए, तु(ब्भ)ब्भं णं देवाणुप्पिया! से विपुले धणकणगे ममं सुंसुमा दारिया। तए णं ते न(ग)गरगुत्तिया धणस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता सन्नद्ध जाव गहियाउहपहरणा महया २ उक्किट्ठ जाव समुद्दरवभूयं पिव करेमाणा रायगिहाओ निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव चिलाए चोरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता चिलाएणं चोरसेणावइणा सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था। तए णं [ते] नगरगुत्तिया चिलायं चोरसेणावइं हयमहि(या)य जाव पडिसेहेंति। तए णं ते पंचचोरसया नगर(गो)गुत्तिएहिं हयमहिय जाव पडिसेहिया समाणा तं विपुलं धणकणगं विच्छ(ड्डे)ड्डमाणा य विप्पकि(रे)रमाणा य सव्वओ समंता विप्पलाइत्था। तए णं ते नगरगुत्तिया तं विपुलं धणकणगं गेण्हंति २ त्ता जेणेव रायगिहे तेणेव उवागच्छंति। तए ण से चिलाए तं चोरसेन्नं तेहिं नगरगुत्तिएहिं हयमहिय (जाव) [पवर]भीए [जाव] तत्थे सुंसुमं दारियं गहाय एगं महं अ(गा)मियं [illegible] दीहमद्धं अडविं अणुप्पविट्ठे। तए णं धणे सत्थवाहे सुंसुमं दारियं चिलाएणं अडवीमु(हिं)हं अवहीरमाणिं पासित्ताणं पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे [illegible] निग्गमस्स प(द)यमग्गेहिं (अभिगच्छति) अणुगच्छमाणे अभिग(ज्जं)ज्जंते हक्कारेमाणे पुक्कारेमाणे अभितज्जेमाणे अभितासेमाणे पिट्ठओ अणुग[illegible]। तए णं से चिलाए तं धणं सत्थवाहं पंचहिं पुत्तेहिं [सद्धिं] अप्पछट्ठं सन्नद्धबद्धं [illegible] २ त्ता [illegible] सुंसुमं दारियं निव्वाहित्तए [illegible] परितंते [illegible] सुंसुमाए दारि[illegible] अडविं अणुप्पविट्ठे। तए णं [से] [illegible] [illegible] पर(ह)ट्ठदि[illegible]। एवामेव समणाउसो! जाव [illegible] निग्गंथस्स वा निग्गंथीए वा [illegible] जाव [illegible] ४ हीलणिज्जे [illegible]। तए णं से धणे सत्थवाहे पंचहिं [illegible] [illegible] पडिसाहेमाणे २ [illegible] चिलायं चोरसेणावइं सा[illegible]

गिण्हित्तए। से णं तओ पडिनियत्तइ २ त्ता जेणेव सा सुंसुमा बालि(दारि)या चिलाएणं जीवियाओव वरोवि(ल्लि)या (तेणं)तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुंसुमं दारियं चिलाएणं जीवियाओ ववरोवियं पासइ २ त्ता परसुनिय(न्तेव)त्तेव्व चंपगपायवे[०]। तए णं से धणे सत्थवाहे (पंचहिं पु०) अप्पछट्ठे आसत्थे कूवमाणे कंदमाणे विलवमाणे महया २ सद्देणं कु(ह)हुकु-हु(सु)स्स परुन्ने सुचि(रं)रकालं बा(वा)ह[प्प]मोक्खं करेइ। तए णं से धणे [सत्थवाहे] पंचहिं पुत्तेहिं अप्पछट्ठे चिलायं तीसे आ-गामियाए सव्वओ समंता परिधाडेमा(णा)णे तण्हाए छुहाए य प(रि)रब्भं(रद्धं)ते समाणे तीसे आगामियाए अडवीए सव्वओ समंता उदगस्स मग्गणगवेसणं करे(न्ति)इ २ त्ता संते तते परितंते निव्वि-ण्णे [समाणे] तीसे आगामियाए (अडवीए उदगस्स मग्ग-णगवेसणं करेमाणे नो चेव णं उदगं आसादेति तए णं) उदगं अणासाएमाणे जेणेव सुंमुमा जीवियाओ ववरो(एल्लि)विया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जेट्ठं पुत्तं धणे (स०) सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु पुत्ता! सुंसुमाए दारियाए अट्ठाए चिलायं तक्करं सव्वओ समंता परिधाडेमाणा तण्हाए छुहाए य अभिभूया समाणा इमीसे आगामि-याए अडवीए उदगस्स मग्गणगवेसणं करेमाणा नो चेव णं उदगं आसादेमो। तए णं उदगं अणासाएमाणा नो संचाएमो रायगिहं संपावित्तए। तण्णं तुब्भे ममं देवा-णुप्पिया! जीवियाओ ववरोवेह [मम] मंसं च सोणियं च आहारेह (०) तेणं आहा-रेणं अव(हिट्ठा)थद्धा समाणा तओ पच्छा इमं आगामियं अडविं नित्थरिहिह राय-गिहं च संपावि(हि)हह मित्त-नाइ(य)० अभिसमागच्छि-हह अत्थस्स य धम्मस्स य पुण्णस्स य आभागी भविस्सह। तए णं से जे(ट्ठ)ट्ठे पुत्ते धणेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ते समाणे धणं २ एवं वयासी—तुब्भे णं ताओ! अम्हं पिया गु(रू)रुजण(या)य-देवयभूया ठावका पइ(ट्ठा)ट्ठवका संरक्खगा संगोवगा। तं कहण्णं अम्हे ताओ! तुब्भे जीवियाओ ववरोवेमो तुब्भं णं मंसं च सोणियं च आहारेमो? तं तुब्भे णं ताओ! ममं जीवियाओ ववरोवेह मंसं च सोणियं च आहारेह आगामियं अडविं नित्थर[हि]ह तं चेव सव्वं भणइ जाव अत्थस्स जाव (पुण्णस्स) आभागी भवि-स्सह। तए णं धणं सत्थवाहं दोच्चे पुत्ते एवं वयासी—मा णं ताओ! अम्हे जेट्ठं भायरं गु(रुं)रुदेवयं जीवियाओ ववरोवेमो, तुब्भे णं ताओ! म-मं जीवियाओ ववरोवेह जाव आभागी भविस्सह। एवं जाव पंचमे पुत्ते। तए णं से धणे सत्थवाहे पंचपुत्ताणं हियइच्छियं जाणित्ता ते पंच पुत्ते एवं वयासी—मा णं अम्हे पुत्ता! एग-मवि जीवियाओ ववरोवेमो। एस णं सुंसुमाए दारियाए सरी(रए)रे निप्पाणे जाव जीवविप्पजढे। तं सेयं खलु पुत्ता! अम्हं सुंसुमाए दारियाए मंसं च सोणियं च

आहारेत्तए। तए णं अम्हे तेणं आहारेणं अव(त)थद्धा समाणा रायगिहं संपाउणिस्सामो। तए णं ते पंच-पुत्ता धणेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा एयमट्ठं पडिसुणेंति। तए णं धणे सत्थवाहे पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं अरणिं करेइ २ त्ता सरगं (च) करेइ २ त्ता सरएणं अरणिं महेइ २ त्ता अग्गिं पाडेइ २ त्ता अग्गिं संधुक्खेइ २ त्ता दारुया(ति)इं प(रि)क्खेवे)क्खिवइ २ त्ता अग्गिं पज्जालेइ २ त्ता सुंसुमाए दारियाए मंसं च (पइत्ता) सोणियं च आहारे(न्ति)इ। तेणं आहारेणं अव थद्धा समाणा रायगिहं नय(रिं)रं संपत्ता मित्त-ना(ई)इनियग० अभिसम-न्नागया तस्स य विउलस्स धणकणगरयण जाव आभागी जाया(वि होत्था)। तए णं से धणे सत्थवाहे सुंसुमाए दारियाए बहूइं लोइयाइं [मयकिच्चाइं] जाव विगयसोए जाए यावि होत्था ॥ १४२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे गुणसिलए उज्जाणे समोसढे। (से) तए णं धणे सत्थवाहे सपु(संप)त्ते धम्मं सोच्चा पव्वइए एक्कारसंगवी मासियाए संलेहणाए सोहम्मे उवव(ण्णो)न्ने महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ। जहा वि य णं जंबू! धणेणं सत्थवाहेणं नो वण्णहेउं वा नो रूवहेउं वा नो बलहेउं वा नो विसयहेउं वा सुंसुमाए दारियाए मंससोणिए आहारिए नन्नत्थ एगाए रायगिहं संपावणट्ठयाए एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा इमस्स ओरालियसरीरस्स वंतासवस्स पित्तासवस्स सुक्कासवस्स सोणियासवस्स जाव अवस्(सं)सविप्पजहियव्वस्स नो वण्णहेउं वा नो रूवहेउं वा नो बलहेउं वा नो विसयहेउं वा आहारं आहारेइ नन्नत्थ एगाए सिद्धिगमणसंपावणट्ठयाए से णं इह-भवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं अच्चणिज्जे जाव वीईवइस्सइ। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं अट्ठारसमस्स (णायज्झयणस्स) अयमट्ठे प-न्नत्ते त्ति बेमि ॥ १४३ ॥ **गाहाओ**—जह सो चिलाइपुत्तो सुंसुमगिद्धो अकज्जपडिबद्धो। धणपारद्धो पत्तो महाडविं वसणसयकलियं ॥ १ ॥ तह जीवो विसयसुहे लुद्धो काऊण पावकिरियाओ। कम्मवसेणं पावइ भवाडवीए महादुक्खं ॥ २ ॥ धणसेट्ठी—विव गुरुणो पुत्ता इव साहवो भवो अडवी। सुयमंसमिवाहारो रायगिहं इह सिवं नेयं ॥ ३ ॥ जह अडविनयरणित्थरणपावणत्थं तएहिं सुयमंसं। भुत्तं तहेह साहू गुरूण आणाए आहारं ॥ ४ ॥ भवलंघणसिवपावणहेउं भुंजं(भुज्ज)ति ण उण गेहीए। वण्णबलरूवहेउं च भावियप्पा महासत्ता ॥५॥

अट्ठारसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते! समणेणं० अट्ठारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते एगूणवीसइमस्स (०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे

दीवे पुव्वविदेहे सीयाए महान-ईए उत्तरिल्ले कूले नीलवंतस्स दाहिणेणं उत्तरिल्लस्स सीयामुहवणसंडस्स प(च्छि)च्चत्थिमेणं एगसेलगस्स वक्खारपव्वयस्स पुर-त्थिमेणं एत्थ णं पुक्खलावई नामं विजए प-न्नत्ते। तत्थ णं पुंडरिगिणी नामं रायहाणी पन्नत्ता नवजोयणवि-त्थिण्णा दुवालसजोयणायामा जाव पच्चक्खं देवलो(य)गभूया पासाईया दरिसणीया अभिरूवा पडिरूवा । तीसे णं पुंडरिगिणीए नयरीए उत्तरपुरत्थिमे दि-सीभाए नलिणिवणे नामं उज्जाणे होत्था (वण्णओ)। तत्थ णं पुंडरिगिणीए राय-हाणीए महापउमे नामं राया होत्था । तस्स णं पउमावई नामं देवी होत्था । तस्स णं महापउमस्स रन्नो पुत्ता पउमावईए देवीए अत्तया दुवे कुमारा होत्था तं जहा– पुंडरीए य कंडरीए य सुकुमालपाणिपाया[०]। पुंडरीए जुवराया। तेणं कालेणं तेणं समएणं (धम्मघोसा थेरा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं सं० पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा जाव ण० उज्जाणे तेणेव स०) थेरागमणं महापउमे राया निग्गए धम्मं सोच्चा पुं(पों)डरीयं रज्जे ठवेत्ता पव्वइए पुंडरीए राया जाए कंडरीए जुवराया । महापउमे अणगारे चोद्दस-पुव्वाइं अहिज्जइ। तए णं थेरा बहिया जणवयविहारं विहरंति। तए णं से महापउमे बहूणि वासाणि जाव सिद्धे ॥ १४४ ॥ तए णं थेरा अन्नया कया-इ पुणरवि पुंडरिगिणीए रायहाणीए नलिणवणे उज्जाणे समोसढा । पुं-डरीए राया निग्गए। कंडरीए महाजणसद्दं सोच्चा जहा म(ह०)हाबलो जाव पज्जुवासइ । थेरा धम्मं परिकहेंति पुंडरीए समणोवासए जाए जाव पडिगए। तए णं कंडरीए उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जाव से जहेयं तुब्भे वयह जं नवरं पुंडरीयं रायं आपुच्छामि तए णं जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं से कंडरीए जाव थेरे वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता [थेराणं] अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता तमेव चाउ[ग्]घंटं आसरहं दुरू-हइ जाव पच्चोरुहइ जेणेव पुंडरीए राया तेणेव उवागच्छइ (०) करयल जाव पुंड-रीयं [रायं] एवं वयासी–एवं खलु (देवा०!) मए थेराणं अंतिए (जाव) धम्मे निसंते से धम्मे अभिरुइए। तए णं (देवा०!) जाव पव्वइत्तए। तए णं से पुंडरीए कंडरीयं एवं वयासी—मा णं तुमं भाउ(देवाणुप्पि)या! इ(दा)याणिं मुंडे जाव पव्वयाहि, अहं णं तुमं म(हया २)हारायाभिसेएणं अभिसिं(चया)चामि। तए णं से कंडरीए पुंडरीयस्स र-न्नो एयमट्ठं नो आढाइ जाव तुसिणीए सचिट्ठइ। तए णं पुंडरीए राया कंडरीयं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं पुंडरीए कंडरीयं कुमारं जाहे नो संचाएइ बहूहिं आघवणा(हिं)हि य प-न्नवणाहि य ४ ताहे अकामए चेव एयमट्ठं अणुमन्नित्था जाव निक्खमणाभिसेएणं अभिसिचइ जाव थेराणं सीसभिक्खं दलयइ पव्वइए अणगारे जाए एक्कारसंग-वी । तए णं थेरा

भगवंतो अन्नया कया-इ पुंड(री)रिगिणीओ नयरीओ नलि(णी)णिवणाओ उज्जाणाओ पडि-निक्खमंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति ॥ १४५ ॥ तए णं तस्स कंडरीयस्स अणगारस्स तेहिं अंतेहि य पंतेहि य जहा सेलगस्स जाव दाहवक्कंतीए यावि विहरइ । तए णं थेरा अन्नया कया(ई)इ जेणेव पोंडरिगिणी तेणेव उवागच्छ(इ)न्ति २ त्ता नलि(णि)णीवणे समोसढा । पुं-डरीए निग्गए धम्मं सुणेइ । तए णं पुंडरीए राया धम्मं सोच्चा जेणेव कंडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता कंडरीयस्स अणगारस्स सरीरगं सव्वाबाहं सरो(यं)गं पासइ २ त्ता जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थेरे भगवंते वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहण्णं भंते! कंडरीयस्स अणगारस्स अहापवत्तेहिं ओसह-भेसज्जेहिं जाव तिगि(तेइ)च्छं आ(उट्टा)उंटामि, तं तुब्भे णं भंते! मम जाणसालासु समोसरह । तए णं थेरा भगवंतो पुंडरीयस्स पडिसुणेंति (०) जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरंति । तए णं पुंडरीए (राया) जहा मंडुए सेलगस्स जाव बलियसरीरे जाए । तए णं थेरा भगवंतो पुं-डरीयं रायं [आ]पुच्छंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति । तए णं से कंडरीए ताओ रोयायंकाओ विप्पमुक्के समाणे तंसि मणु-न्नंसि असण-पाणखाइमसाइमंसि मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोवव-न्ने नो संचाएइ पुं डरीयं आपुच्छित्ता बहिया अब्भुज्जएणं (जणवयविहारं) जाव विहरित्तए तत्थेव ओस-न्ने जाए । तए णं से पुं-डरीए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव कंडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं तिक्खुत्तो आयाहि(णं)ण-पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–धन्नेसि णं तुमं देवाणुप्पिया! कयत्थे कयपु-ण्णे कयलक्खणे, सुलद्धे णं देवाणुप्पिया! तव माणुस्सए जम्मजीवियफले जे णं तुमं रज्जं च जाव अंतेउरं च [वि]छ(ड्ड्इ)ड्डेत्ता विगोवइत्ता जाव पव्वइए, अहण्णं अह-न्ने [अपुण्णे] अकयपु-ण्णे रज्जे [य] जाव अंतेउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने नो सचाएमि जाव पव्वइत्तए, तं धन्नेसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव जीवियफले । तए णं से कंडरीए अणगारे पुंडरीयस्स एयमट्ठं नो आढाइ जाव संचिट्ठइ । तए णं से कंडरीए पोंडरीएणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे अकामए अव(स)सवसे लज्जाए गारवेण य पुं-डरीयं (रायं) आपुच्छइ २ त्ता थेरेहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरइ । तए णं से कंडरीए थेरेहि सद्धिं कं(कि)चि कालं उग्गंउग्गेणं विह(रति)रित्ता तओ पच्छा समणत्तणपरितंते समणत्तण-निव्वि(ण)णे समणत्तण-निब्भ(त्थि)च्छिए समणगुणमुक्कजोगी थेराणं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ २ त्ता जेणेव पुंडरिगिणी

नयरी जेणेव पुंडरीयस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवणियाए असोगवर-पायवस्स अहे पुढविसिलापट्टगंसि निसीयइ २ त्ता ओहयमणसंकप्पे जाव झियाय-माणे संचिट्ठइ। तए णं तस्स पोंडरीयस्स अंब(अम्म)धाई जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं अणगारं असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिला(व)-पट्ट-गंसि ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता जेणेव पुं-डरीए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुं-डरीयं रायं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! तव पि(उ)य-भाउए कंडरीए अणगारे असोगवणियाए असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिला-पट्टे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। तए णं [से] पुं-डरीए अम्मधा(इ)ईए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म तहेव संभंते समाणे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव असोगवणिया जाव कंडरीयं तिक्खुत्तो (०) एवं वयासी-ध-न्नेसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव पव्वइए, अहं णं अध-न्ने[३] जाव [अ]पव्वइत्तए, तं धन्नेसि णं तुमं देवाणु-प्पिया! जाव जीवियफले। तए णं कंडरीए पुंडरीएणं एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए संचिट्ठइ दोच्चंपि तच्चंपि जाव चिट्ठइ। तए णं पुंडरीए कंडरीयं एवं वयासी-अट्ठो भंते! भोगेहिं? हंता [!] अट्ठो। तए णं से पुं-डरीए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! कंडरीयस्स महत्थं जाव रायाभिसे-(अ)यं उवट्ठवेह जाव रायाभिसेएणं अभिसिंचइ ॥ १४६ ॥ तए णं [से] पुंडरीए सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमेव चाउज्जामं धम्मं पडिवज्जइ २ त्ता कंडरी-यस्स संतियं आयारभंड(यं)गं गेण्हइ २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ-कप्पइ मे थेरे वंदित्ता नमंसित्ता थेराणं अंतिए चाउज्जामं धम्मं उवसंपज्जित्ताणं तओ पच्छा आहारं आहारित्तए-त्तिकट्टु इमं (च) एयारूवं अभिग्गहं अभिगि(ण्हे)-ण्हित्ताणं पुं-ड-रिगिणी(ए)ओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे [जेणेव] थेरा भगवंतो तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ १४७ ॥ तए णं तस्स कंडरीयस्स र-न्नो तं पणीयं पाणभोयणं आहारियस्स समाणस्स अइजाग(रि)-रएण य अइभोयणप्पसंगेण य से आहारे नो सम्मं परिण(मइ)ए। तए णं तस्स कंडरीयस्स र-न्नो तंसि आहारंसि अपरिणममाणंसि पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि सरी(रं)रगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला विउला पगाढा जाव दुरहियासा पित्तज्ज-रपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरइ। तए णं से कंडरीए राया रज्जे य रट्ठे य अंतेउरे य जाव अज्झोववन्ने अट्टदुहट्टवसट्टे अकामए अव-सवसे कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववन्ने। एवामेव समणाउसो! जाव पव्वइए समाणे पुणरवि माणुस्सए कामभो(गे)ए आसा-

(इए)एइ जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व से कंडरीए राया ॥१४८॥ तए णं से पुं-डरीए अणगारे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थेरे भगवंते वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता थेराणं अंतिए दोच्चंपि चाउज्जामं धम्मं पडिवज्जइ छट्ठ[क्ख]खमणपारण-गंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ २ त्ता जाव अडमाणे सीयलुक्खं पाणभोयणं पडिगाहेइ २ त्ता अहापज्जत्तमितिकट्टु पडि-निय(त्त)त्तेइ जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भत्तपाणं पडिदंसेइ २ त्ता थेरेहिं भगवंतेहिं अब्भणुन्नाए समाणे अमुच्छिए ४ विलमिव प-न्नगभूएणं अप्पाणेणं तं फासुएसणिज्जं असण ४ सरीरको-ट्ठगंसि पक्खिवइ। तए णं तस्स पुंडरीयस्स अणगारस्स तं कालाइक्कंतं अरसं विरसं सीयलुक्खं पाणभोयणं आहारियस्स समाणस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्म-जागरियं जागरमाणस्स से आहारे नो सम्मं परिणमइ। तए णं तस्स पुंडरीयस्स अणगारस्स सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा पित्तज्जरपरिगय-सरीरे दाहवक्कंतीए विहरइ। तए णं से पुंडरीए अणगारे अत्थामे अवले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे करयल जाव एवं वयासी—नमो-त्थु णं अ(रि)रहंताणं [भगवंताणं] जाव संपत्ताणं। नमो-त्थु णं थेराणं भगवंताणं मम धम्मायरियाणं धम्मोवएसयाणं। पुव्विं पि य णं मए थेराणं अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जाव मिच्छादंसण-सल्ले (णं) पच्चक्खाए जाव आलोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे उव-वन्ने। तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। एवामेव समणाउसो! जाव पव्वइए समाणे माणुस्सएहिं कामभोगेहिं नो सज्जइ नो रज्जइ जाव नो विप्पडिघायमावज्जइ से णं इहभवे चेव वहूणं समणाणं वहूणं समणीणं बहूणं साव(या)गाणं वहूणं सावियाणं अच्चणिज्जे वंदणिज्जे पूयणिज्जे सक्कारणिज्जे सम्माणणिज्जे कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जे—त्तिकट्टु परलोए वि य णं नो आगच्छइ वहूणि दंडणाणि य मुंडणाणि य तज्जणाणि य ता(ड)ल-णाणि य जाव चाउरंतं संसारकंतारं जाव वीईवइस्सइ जहा व से पुं-डरीए अणगारे। एवं खलु जंवू! समणेणं भगवया महावीरेणं आ(दि)इगरेणं तित्थगरेणं [सयंसंवुद्धेणं] जाव सिद्धिगइ-नामधेज्जं ठाणं संपत्तेणं एगूणवीसइमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते। एवं खलु जंवू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव सिद्धिगइ-नामधेज्जं ठाणं संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स पढमस्स सुयक्खंधस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते त्ति बेमि। तस्स णं सुयक्खंधस्स एगूणवीसं अज्झयणाणि ए(क)गासरगाणि एगूणवीसाए दिवसेसु सम-प्पंति ॥ १४९ ॥ **गाहाउ**—वाससहस्सं पि जई काऊणं संजमं सुविउलं पि। अंते किलिट्ठभावो न विसुज्झइ कंडरीउव्व ॥ १ ॥ अप्पेण वि कालेणं केइ जहा-

गहियसीलसामण्णा । साहिंति निययकज्जं पुंडरीयमहारिसिव्व जहा ॥ २ ॥
एगूणवीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ नायाधम्मकहाणं पढमो सुयक्खंधो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वण्णओ । तस्स णं रायगिहस्स [नयरस्स] बहिया उत्तरपुर-त्थिमे दि-सीभाए तत्थ णं गुण(सी)सिलए नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मा नामं थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना कुलसंपन्ना जाव चो(चउ)इसपुव्वी चउ-नाणोवगया पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दू(दु)इज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव रायगिहे नयरे जेणेव गुण-सिलए उज्जाणे जाव संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति । परिसा निग्गया धम्मो कहिओ परिसा जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तेणं कालेणं तेण समएणं अज्जसुहम्मस्स (अणगारस्स) अंतेवासी अज्जजंवू नामं अणगारे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-जइ णं भंते ! समणेणं (३) जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स पढम[स्स] सुयक्खंधस्स ना(यसु)याण अयमट्ठे पन्नत्ते दोच्चस्स णं भंते ! सुयक्खंधस्स धम्मकहाणं समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंवू ! समणेणं० धम्मकहाणं दस वग्गा पन्नत्ता तंजहा-चमरस्स अग्गमहिसीणं पढमे वग्गे, वलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो अग्गमहिसीणं बीए वग्गे, असुरिंदवज्जियाणं दाहिणिल्लाणं इंदाणं अग्गमहिसीणं त(इ)ईए वग्गे, उत्तरिल्लाणं असुरिंदवज्जियाणं भवणवासिइंदाणं अग्गमहिसीणं चउत्थे वग्गे, दाहिणिल्लाणं वाणमंतराणं इंदाणं अग्गमहिसीणं पंचमे वग्गे, उत्तरिल्लाणं वाणमंतराणं इंदाणं अग्गमहिसीणं छट्ठे वग्गे, चंदस्स अग्गमहिसीणं सत्तमे वग्गे, सूरस्स अग्गमहिसीणं अट्ठमे वग्गे, सक्कस्स अग्गमहिसीणं नवमे वग्गे, ईसाणस्स [य] अग्गमहिसीणं दसमे वग्गे । जइ णं भंते ! समणेणं० धम्मकहाणं दस वग्गा पन्नत्ता पढमस्स णं भंते ! वग्गस्स समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंवू ! समणेणं० पढमस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा प-न्नत्ता तंजहा-काली राई रयणी विज्जू मेहा । जइ णं भंते ! समणेणं० पढमस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पन्नत्ता पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंवू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुण-सिलए उज्जाणे सेणिए राया चे(ल)ल्लणा देवी सामी समोस(रिए)ढे परिसा निग्गया जाव परिसा पज्जुवासइ । तेण कालेणं तेणं समएणं काली (नामं) देवी चमरचंचाए रायहाणीए कालव-डेंसगभवणे कालंसि सीहासणंसि चउहिं

सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं मयहरियाहिं सपरिवाराहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अन्नेहि(हिं) य ब(हुएहि य)हूहिं कालवडिंसयभवणवासीहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडा महयाहय जाव विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी २ पासइ एत्थ(त)त्थ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे रायगिहे न-यरे गुणसिलए उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं ओगि(उगि)ण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिया पीइमणा जाव (हय)-हियया सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता तित्थगराभिमुही सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता दाहिणं जाणुं धरणियलंसि निहट्टु तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणियलंसि निवेसेइ (०) ईसिं पच्चु-न्नमइ २ त्ता कड(य)गतुडियथंभियाओ भुयाओ साहरइ २ त्ता करयल जाव कट्टु एवं वयासी–नमो-त्थु णं अरहंताणं (भगवंताण) जाव संपत्ताणं। नमो-त्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहग(ए)-या पासउ मे समणे ३ तत्थ-गए इह-गयं–तिकट्टु वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सीहा-सणवरंसि पुरत्थाभिमुहा निसण्णा। तए णं तीसे कालीए देवीए इमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था [तंजहा]–सेयं खलु मे समणं ३ वंदित्ता जाव पज्जुवासित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता आभिओगि(ए)या दे(वे)वा सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे ३ एवं जहा सू-रियाभो तहेव आणत्तियं देइ जाव दिव्वं सुर-वराभिगमणजोग्गं करेह २ त्ता जाव पच्चप्पिणह। तेवि तहेव करेत्ता जाव पच्चप्पि-णंति। नवरं जोयणसहस्सवि-त्थिण्णं जाणं सेसं तहेव। तहेव नामगोयं साहेइ तहेव नट्टविहिं उवदंसेइ जाव पडिगया। भंते त्ति भगवं गोयमे समणं ३ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–का(लि)लीए णं भंते! देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ कहिं गया? कूडागारसालादिट्ठंतो। अहो णं भंते! काली देवी महिड्ढिया [३]। का-लीए णं भंते! देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ कि-न्ना लद्धा कि-न्ना पत्ता कि न्ना अभिसम-न्ना-गया? एवं जहा सूरियाभस्स जाव एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आमलकप्पा ना-मं नयरी होत्था वण्णओ। अंबसा-लवणे उज्जाणे। जियसत्तू राया। तत्थ णं आमलकप्पाए नयरीए काले नामं गाहा-वई होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए। तस्स णं कालस्स गाहावइस्स कालसिरी नामं भारिया होत्था सुकुमाल(पाणिपाया) जाव सुरूवा। तस्स णं काल(ग)स्स गाहाव-इस्स धूया कालसिरीए भारियाए अत्तया काली नामं दारिया होत्था वड्ढा वड्ढकुमारी

जुण्णा जुण्णकुमारी पडियपुयत्थणी निव्वि-ण्णवरा वरपरिवज्जिया वि होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे अरहा पुरिसादाणीए आइगरे जहा वद्धमाणसामी नवरं नवहत्थुस्सेहे सोलसहिं समणसाहस्सीहिं अट्ठत्तीसाए अज्जियासाहस्सीहिं सद्धिं संपरिवुडे जाव अंबसालवणे समोसढे। परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तए ण सा काली दारिया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठ जाव हियया जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ! पासे अरहा पुरिसादाणीए आइगरे जाव विहरइ, तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी पासस्स [णं] अरहओ पुरिसादाणीयस्स पायवंदिया गमित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेहि। तए णं सा का(लिया)ली दारिया अम्मापिईहिं अब्भणुन्नाया समाणी हट्ठ जाव हियया ण्हाया सुद्धप्(प)पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवर परिहिया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा चेडियाचक्कवालपरिकिण्णा साओ गिहाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियं जाणपवरं दुरूढा। तए णं सा काली दारिया धम्मियं जाण[प्]पवरं एवं जहा दोवई (जाव) तहा पज्जुवासइ। तए णं पासे अरहा पुरिसादाणीए कालीए दारियाए तीसे य महइमहा(ल)लियाए परिसाए धम्मं कहेइ। तए णं सा काली दारिया पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियया पासं अरहं पुरिसादाणीयं तिक्खुत्तो वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह जं नवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिए!। तए णं सा काली दारिया पासेणं अरहया पुरिसादाणीएणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ जाव हियया पासं अरहं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता तमेव धम्मियं जाणप्पवरं दु-रूहइ २ त्ता पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अंतियाओ अंबसालवणाओ उज्जाणाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता जेणेव आमलकप्पा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आमलकप्पं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियं जाण प्-पवरं ठवेइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल[परिग्गहियं] जाव एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ! मए पासस्स अरहओ अंतिए धम्मे निसंते, से वि य धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं अहं अम्मयाओ! संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं इच्छामि णं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी पासस्स अरहओ अंतिए मुंडा भवित्ता आ-गा-

राओ अणगारियं पव्वइत्तए । अहासुहं देवाणुप्पि-ए ! मा पडिबंधं करे-हि । तए णं से काले गाहावई वि-उलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधि-परियणं आमंतेइ २ त्ता तओ पच्छा ण्हाए विपुलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारे(त्ता)इ सम्माणे-इ [२] तस्सेव मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरियणस्स पुरओ कालियं दारियं सेयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहि(णीय)णिं सीयं दु-रूहेइ २ त्ता मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरि-यणेणं सद्धिं संपरिवु(डा)डे सव्विड्ढीए जाव रवेणं आमलकप्पं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव अंबसालवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता छत्ताइए तित्थगराइ(स)ए पासइ २ त्ता सीयं ठा-वेइ २ त्ता [कालियं दारियं सीयाओ पच्चोरुहइ । तए णं तं] कालियं दारियं अम्मापियरो पुरओ काउं जेणेव पासे अरहा पुरिसादा-णीए तेणेव उवागच्छ(इ)न्ति २ त्ता वंद-न्तिति नमंस-न्तिति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! काली दारिया अम्हं धूया इट्ठा कंता जाव किमंग पुण पासण-याए ? एस णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा इच्छइ देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडा भवित्ता (णं) जाव पव्वइत्तए, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं सिस्सिणिभिक्खं दलयामो, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सिस्सिणिभिक्खं । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं (करेह) । तए णं [सा] काली कुमारी पासं अरहं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता उत्तरपुर-त्थिमं दि-सीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव लोयं करेइ २ त्ता जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासं अरहं तिक्खुत्तो वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-आलित्ते णं भंते ! लोए एवं जहा देवाणंदा जाव सयमेव पव्वा(वि)वेउं । तए णं पासे अरहा पुरिसादाणीए का(लिं)लियं सयमेव पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सिणियत्ताए दलयइ । तए णं सा पुप्फ-चूला अज्जा कालिं कुमारिं सयमेव पव्वावेइ जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । तए णं सा काली अज्जा जाया इ-रियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी । तए णं (सा) काली अज्जा पुप्फचूला[ए] अज्जाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ बहूहिं चउत्थ जाव विहरइ । तए णं सा काली अज्जा अन्नया कया(तिं)इ सरीरबाउसिया जाया(या)वि होत्था, अभिक्खणं २ हत्थे धो(व)वेइ पाए धो-वेइ सीसं धो-वेइ मुहं धो-वेइ थणंतरा(इं)णि धो-वेइ कक्खंतराणि धो-वेइ गुज्झंतरा(इं)णि धो-वेइ जत्थ जत्थ वि य णं ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएइ तं पुव्वामेव अब्भु(क्खे)क्खित्ता तओ पच्छा आसयइ वा सयइ वा । तए णं सा पुप्फचूला अज्जा का-लियं अज्जं एवं वयासी-नो खलु कप्पइ देवाणुप्पिए ! समणीणं निग्गंथीणं सरीरबाउसियाणं होत्तए,

तुमं च णं देवाणुप्पिए! सरीरबाउसिया जाया अभिक्खणं २ हत्थे धोवसि जाव आसयाहि वा सयाहि वा, तं तुमं देवाणुप्पिए! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पायच्छित्तं पडिवज्जाहि। तए णं सा काली अज्जा पुप्फचूलाए अज्जाए एयमट्ठं नो आढाइ जाव तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं ताओ पुप्फचूलाओ अज्जाओ कालिं अज्जं अभिक्खणं २ हीलेंति निंदंति खिं(सं)सेंति ग-रहंति अवम-न्नंति अभिक्खणं २ एयमट्ठं निवारेंति। तए णं तीसे कालीए अज्जाए समणीहिं निग्गंथीहिं अभिक्खणं २ हीलिज्जमाणीए जाव वारिज्जमाणीए इमेयारूवे अ-ज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जया णं अहं अ(आ)गारवासमज्झे वसित्था तया णं अहं सयंवसा। जप्पभिइं च णं अहं मुं(डे)डा भवित्ता अ-गाराओ अणगारियं पव्वइया तप्पभिइं च णं अहं परवसा जाया। तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते पाडि(क्कि)क्कयं उवस्सयं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते पाडि(ए)क्कं उवस्सयं गे(गि)ण्हइ तत्थ णं अणिवारिया अणोहट्टिया सच्छंदमई अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ जाव आसयइ वा सयइ वा। तए णं सा काली अज्जा पासत्था पासत्थविहा० ओस-न्ना ओस-न्नविहा० कुसीला कुसीलविहा० अहाछंदा अहाछंदविहा० संसत्ता संसत्तविहा० बहूणि वासाणि साम-ण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अ(त्ता)प्पाणं झूसेइ २ त्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेएइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा चमरचंचाए रायहाणीए कालवडिंसए भवणे उववायसभाए देवसय-णिज्जंसि देवदूसंतरिया अंगुलस्स असंखे(ज्जाइ)ज्जभागमेत्ताए ओगाहणाए कालीदे-(वी)वित्ताए उवव-न्ना। तए णं सा काली देवी अहुणोवव-न्ना समाणी पंचविहाए पज्जत्तीए जहा सूरियाभो जाव भासामणपज्जत्तीए। तए णं सा काली देवी चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव अ-न्नेसिं च बहूणं कालवडेंसगभवणवासीणं असुरकुमा-राणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरइ। एवं खलु गोयमा! कालीए देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ लद्धा पत्ता अभिसम-न्नागया। कालीए णं भंते! देवीए केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता? गोयमा! अड्ढाइज्जाइं पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। काली णं भंते! देवी ताओ देवलोगाओ अणंतरं उ(व)वट्टित्ता कहिं गच्छि-हिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ [जाव अंतं काहिइ]। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं पढम[स्स] वग्गस्स पढमज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते त्तिबेमि॥ १५०॥ (**धम्मकहाणं पढमज्झयणं समत्तं**)॥

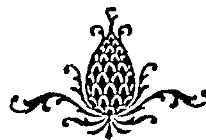
जइ णं भंते! समणेणं० धम्मकहाणं पढमस्स वग्गस्स पढमज्झयणस्स

अयमट्ठे प-न्नत्ते विइयस्स णं भंते! अज्झयणस्स समणेणं (३) जाव संपत्तेणं के अट्ठे प-न्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे न-यरे गुण-सिलए उज्जाणे सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं राई देवी चमरचंचाए रायहाणीए एवं जहा काली तहेव आगया नट्ट-विहिं उवदं(से)सित्ता पडिगया। भंतेत्ति भगवं गोयमे पुव्वभवपुच्छा। एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं आमलकप्पा नयरी अंबसालवणे उज्जाणे जिय-सत्तू राया राई गाहावई रा(ई)इसिरी भारिया राई दारिया पासस्स समोसरणं राई दारिया जहेव काली तहेव निक्खंता तहेव सरीरवाउसिया तं चेव सव्वं जाव अंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! बि(इ)ईयज्झयणस्स निक्खेवओ॥ जइ णं भंते! तइय-ज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे एवं जहेव राई तहेव रयणी वि नवरं आमलकप्पा नयरी रय(णी)णे गाहावई रयणसिरी भारिया रयणी दारिया सेसं तहेव जाव अंतं काहिइ। एवं विज्जू वि आमलकप्पा नयरी वि(ज्जु)ज्जू गाहावई विज्जुसिरी भारिया वि-ज्जू दारिया सेसं तहेव। एवं मेहा वि आमलकप्पाए नयरीए मेहे गाहावई मेहसिरी भारिया मेहा दारिया सेसं तहेव। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं धम्मकहाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पन्नत्ते॥ १५१॥ जइ णं भंते! समणेणं॰ दोच्चस्स वग्गस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! समणेणं॰ दोच्चस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा—सुंभा निसुंभा रंभा निरंभा म(द)यणा। जइ णं भंते! समणेणं॰ धम्मकहाणं दोच्चस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा प न्नत्ता दोच्चस्स णं भंते! वग्गस्स पढमज्झयणस्स के अट्ठे प-न्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुण-सिलए उज्जाणे सामी समोस(ढो)ढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सुंभा देवी बलिचंचाए रायहाणीए सुंभवडेंसए भवणे सुंभंसि सीहासणंसि कालीगमएणं जाव नट्टविहिं उवदंसेत्ता जाव पडिगया। पुव्वभवपुच्छा। सावत्थी नयरी कोट्ठए उज्जाणे जियसत्तू राया सुंभे गाहावई सुंभसिरी भारिया सुंभा दारिया सेसं जहा का(लिया)लीए नवरं अद्धुट्ठाइं पलिओवमाइं ठिई। एवं खलु जंबू! निक्खेवओ अज्झयणस्स। एवं सेसावि चत्तारि अज्झयणा सावत्थीए नवरं माया पिया सरिस-नामया। एवं खलु जंबू! निक्खेवओ वि(ती)इयवग्गस्स॥ १५२॥ उक्खे(वओ)वो तइयवग्गस्स। एवं खलु जंबू! समणेणं॰ तइय(स्स)वग्गस्स चउप-न्नं अज्झयणा प-न्नत्ता तंजहा—पढमे अज्झयणे जाव चउपन्नतिमे अज्झयणे। जइ णं भंते! सम-णेणं॰ धम्मकहाणं तइय-वग्गस्स चउप्प(न्न)न्नं [अ]ज्झयणा पन्नत्ता पढमस्स णं

भंते! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अ(इ)ला देवी धर(णी)णाए रायहाणीए अलाव(डं)डेंसए भवणे अलंसि सीहासणंसि एवं कालीगमएणं जाव नट्टविहिं उवदंसेत्ता पडिगया। पुव्वभवपुच्छा। वाणारसीए नयरीए काममहावणे उज्जाणे अले गाहावई अलसिरी भारिया इला दारिया सेसं जहा कालीए नवरं धरण(स्स)अग्गमहिसित्ताए उववाओ साइरे(ग)गं अद्धपलिओव(म)मं ठिई सेसं तहेव। एवं खलु निक्खेवओ पढमज्झयणस्स। एवं क(मा सते)मसोतरा सोयामणी इंदा घ(णा)णया विज्जुया वि। सव्वाओ एयाओ धरणस्स अग्गमहिसीओ (एव)। एए छ अज्झयणा वेणुदेवस्स वि अविसेसिया भाणियव्वा, एवं जाव घोसस्स वि एए चेव छ अज्झयणा। एवमेते दाहिणिल्लाणं इंदाणं चउप्पन्नं अज्झयणा भवंति सव्वाओ वि वाणारसीए काममहावणे उज्जाणे। तइयवग्गस्स निक्खेव(ओ)गो ॥ १५३ ॥ चउत्थस्स उक्खेवगो। एवं खलु जंबू! समणेणं० धम्मकहाणं चउत्थवग्गस्स चउप्पन्नं अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा—पढमे अज्झयणे जाव चउप्पन्नइमे अज्झयणे। पढमस्स अज्झयणस्स उक्खेवगो। एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं रूया देवी रू(भू)याणंदा रायहाणी रूयगव(डिं)डेंसए भवणे रूयगंसि सीहासणंसि जहा कालीए तहा नवरं पुव्वभवे चंपाए पुण्णभद्दे उज्जाणे रूयगगाहावई रूयगसिरी भारिया रूया दारिया सेसं तहेव नवरं भूयाणं(द)दा अग्गमहिसित्ताए उववाओ देसूणं पलिओवमं ठिई। निक्खेवओ। एवं खलु सुरूया वि रूयंसा वि रूयगावई वि रूयकंता वि रूयप्पभा वि। एयाओ चेव उत्तरिल्लाणं इंदाणं भाणियव्वाओ जाव महाघोसस्स। निक्खेवओ चउत्थवग्गस्स ॥ १५४ ॥ पंचमवग्गस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! जाव बत्तीसं अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा—कमला कमलप्पभा चेव, उप्पला य सुदंसणा। रूववई बहुरूवा, सुरूवा सुभगा वि य ॥ १ ॥ पुण्णा बहुपुत्तिया चेव, उत्तमा भारिया वि य। पउमा वसुमई चेव, कणगा कणगप्पभा ॥ २ ॥ वडेंसा के(उ)ऊमई चेव, वइरसेणा रइप्पिया। रोहिणी नवमिया चेव, हिरी पुप्फवई(ति) वि य ॥ ३ ॥ भुयगा भुयगवई चेव, महाकच्छा(ऽ)परा(फुडा)इ(य)या। सुघोसा विमला चेव, सुस्सरा य सरस्सई ॥ ४ ॥ उक्खेवओ पढमज्झयणस्स। एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं कमला देवी कमलाए रायहाणीए कमलवडेंसए भवणे कमलंसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए तहेव

नवरं पुव्वभवे नागपुरे नयरे सहसंववणे उज्जाणे कमलस्स गाहावइस्स कमल-सिरीए भारियाए कमला दारिया पासस्स(०) अंतिए निक्खंता कालस्स पिसायकुमारिंदस्स अग्गमहिसी अद्धपलिओवमं ठिई। एवं सेसा वि अज्झयणा दाहिणिल्लाणं वाणमंतरिंदाणं भ(भा)णियव्वाओ (सव्वाओ) नागपुरे सहसंववणे उज्जाणे मायापि-(या)यरो धूया सरिसनामया ठिई अद्धपलिओवमं। पंचमो वग्गो समत्तो ॥ १५५॥ छट्ठो वि वग्गो पंचमवग्गसरिसो नवरं महाका(लिंदा)याईणं उत्तरिल्लाणं इंदाणं अग्गमहिसीओ। पुव्वभवे सागे(य)ए नयरे उत्तरकुरुउज्जाणे मायापि-यरो धूया सरिसनामया। सेसं तं चेव। छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ १५६ ॥ सत्तमस्स वग्गस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! जाव चत्तारि अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा–सूरप्पभा आयवा अच्चिमाली पभंकरा। पढमज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सूरप्पभा देवी सूरंसि विमाणंसि सूरप्पभंसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए तहा नवरं पुव्वभवो अरक्खुरीए नयरीए सूरप्पभस्स गाहावइस्स सूरसिरीए भारियाए सूरप्पभा दारिया सूरस्स अग्गमहिसी ठिई अद्धपलिओवमं पंचहिं वाससएहिं अब्भहियं सेसं जहा कालीए। एवं सेसाओ वि सव्वाओ अरक्खुरीए नयरीए। सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ १५७॥ अट्ठमस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! जाव चत्तारि अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा–चंदप्पभा दोसि–नाभा अच्चिमाली पभंकरा। पढम-(स्स अ)ज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं चंदप्पभा देवी चंद-प्पभंसि विमाणंसि चंदप्पभंसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए नवरं पुव्वभ(वे)वो महुराए नयरीए भंडि(चंद)वडेंसए उज्जाणे चंदप्पभे गाहावई चंदसिरी भारिया चंदप्पभा दारिया चंदस्स अग्गमहिसी ठिई अद्धपलिओवमं पन्ना(साए)सवाससहस्सेहिं अब्भहियं, सेसं जहा कालीए। एवं सेसाओ वि महुराए नयरीए मायापियरो(वि) धूया सरिस-नामा। अट्ठमो वग्गो समत्तो ॥ १५८॥ नवमस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! जाव अट्ठ अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा–पउमा सिवा सई अंजू रोहिणी न(व)मिया [इ य।] अ(च)यला अच्छरा॥ पढमज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं पउमावई देवी सोहम्मे कप्पे पउमवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए पउमंसि सीहासणंसि जहा कालीए एवं अट्ठ वि अज्झयणा कालीगमएणं नायव्वा नवरं सावत्थीए दो-जणीओ हत्थिणाउरे दो-जणीओ कंपिल्लपुरे दो-जणीओ

सा(गेयनयरे)एए दो-जणीओ पउमे पियरो विजया मायराओ सव्वाओ वि पासस्स अंति(ए)यं पव्वइयाओ सक्कस्स अग्गमहिसीओ ठिई सत्त पलिओवमाइं महाविदेहे वासे अंतं काहिंति । नवमो वग्गो समत्तो ॥ १५९ ॥ दसमस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू! जाव अट्ठ अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा–कण्हा य कण्हराई रामा तह रामरक्खिया वसू-या । वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा चेव ईसाणे ॥ १ ॥ पढमज्झयणस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं कण्हा देवी ईसाणे कप्पे कण्हवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए कण्हंसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए एवं अट्ठवि अज्झयणा कालीगमएणं ना(णे)यव्वा नवरं पुव्वभ-वो वाणारसीए नयरीए दो-जणीओ रायगिहे नयरे दो-जणीओ सावत्थी(ए)नयरीए दो-जणीओ कोसंबीए नयरीए दो-जणीओ रामे पिया धम्मा माया सव्वाओ वि पासस्स अरहओ अंतिए पव्वइयाओ पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सि(णी)णियत्ताए ईसाणस्स अग्गमहिसीओ ठिई नवपलिओवमाइं महाविदेहे वासे सिज्झिहिंति बुज्झिहिंति मुच्चिहिंति सव्वदुक्खाणं अंतं काहिंति । एवं खलु जंबू! निक्खेव-गो दसमवग्गस्स । दसमो वग्गो समत्तो ॥ १६० ॥ एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसोत्तमेणं [पुरिससीहेणं] जाव संपत्तेणं धम्मकहाणं अयमट्ठे पन्नत्ते । धम्मकहा सुयक्खंधो समत्तो । दसहिं वग्गेहिं नायाधम्मकहाओ समत्ताओ ॥ १६१ ॥ बीओ सुयक्खंधो समत्तो ॥ **नायाधम्मकहाओ समत्ताओ** ॥



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

उवासगदसाओ

तेणं कालेणं तेणं समएणं चम्पा नामं नयरी होत्था । वण्णओ । पुण्णभद्दे उज्जाणे । वण्णओ ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मे समोसरिए जाव जम्बू पज्जुवासमाणे एवं वयासी-जइ णं भन्ते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव सम्पत्तेणं छट्ठस्स अङ्गस्स नायाधम्मकहाणं अयमट्ठे पण्णत्ते, सत्तमस्स णं भन्ते! अंगस्स उवासगदसाणं समणेणं जाव सम्पत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जम्बू! समणेणं जाव सम्पत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, तंजहा-आणन्दे १, कामदेवे य २, गाहावइचुलणीपिया ३, सुरादेवे ४, चुल्लसयए ५, गाहावइकुण्डकोलिए ६, सद्दालपुत्ते ७, महासयए ८, नन्दिणीपिया ९, सालिहीपिया १० ॥ २ ॥ जइ णं भन्ते! समणेणं जाव सम्पत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते! समणेणं जाव सम्पत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था । वण्णओ । तस्स [णं] वाणियगामस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुर(त्थि)च्छिमे दिसीभाए दूइपलासए नामं उज्जाणे [होत्था] । तत्थ णं वाणियगामे नयरे जियसत्तू राया (होत्था) । वण्णओ । तत्थ णं वाणियगामे आणन्दे नामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं आणन्दस्स गाहावइस्स चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वु(व)ड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ, चत्तारि वया दस-गोसाहस्सिएणं वएणं होत्था । से णं आणन्दे गाहावई वहूणं राईसर जाव सत्थ-वाहाणं वहूसु कज्जेसु य कारणेसु य मन्तेसु य कुडुम्बेसु य गुज्झेसु य रहस्सेसु य निच्छएसु य ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे (य) पडिपुच्छणिज्जे, सयस्सवि य णं कुडुम्बस्स मेढी पमाणं आहारे आलम्बणं चक्खू, मे(ढी)ढिभूए जाव सव्वकज्ज-व(ट्टा)ड्ढावए यावि होत्था । तस्स णं आणन्दस्स गाहावइस्स सि(वा)वनन्दा नामं भारिया होत्था, अहीण जाव सुरुवा आणन्दस्स गाहावइस्स इट्ठा आणन्देणं गाहा-

वइणा सद्धिं अणुरत्ता अविरत्ता इ(ट्ठा)ट्ठे सद्द जाव पञ्चविहे माणुस्सए कामभोए पच्चणुभवमाणी विहरइ । तस्स णं वाणियगामस्स बहिया उत्तरपुर-च्छिमे दिसीभाए एत्थ णं कोल्लाए नामं सन्निवेसे होत्था, रिद्धत्थिमिय जाव पासादीए (४) । तत्थ णं कोल्लाए सन्निवेसे आणन्दस्स गाहावइस्स बहुए मित्तनाइनियगसयणसम्बन्धि-परिजणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसरिए । परिसा निग्गया, कूणिए राया जहा तहा जियसत्तू निग्गच्छइ (२ त्ता) जाव पज्जुवासइ । तए णं से आणन्दे गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे जाव विहरइ, तं महाफलं [जाव] गच्छामि णं जाव पज्जुवासामि' एवं सम्पेहेइ, सम्पेहित्ता ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालङ्कियसरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता सको(रे)रण्टमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते पायविहारचा-रेणं वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणामेव दू(दु)इपलासे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वन्दइ नमंसइ जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे आणन्दस्स गाहावइस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए जाव धम्मकहा, परिसा पडिगया, राया य ग(ए)ओ ॥ ३ ॥ तए णं से आणन्दे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव एवं वयासी-'सद्दहामि णं भन्ते! निग्गन्थं पावयणं, पत्तियामि णं भन्ते! निग्गन्थं पावयणं, रोएमि णं भन्ते! निग्गंथं पावयणं, एवमेयं भन्ते!, तहमेयं भंते!, अवितहमेयं भन्ते!, इच्छियमेयं भन्ते!, पडिच्छियमेयं भन्ते!, इच्छियपडिच्छिय-मेयं भन्ते!, से जहेयं तुब्भे वयह'त्तिकट्टु जहा णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए बहवे राई-सरतलवरमाडम्बियकोडुम्बियसेट्ठि[सेणावइ]सत्थवाहप्पभि(इया)ईओ मुण(डे)डा भवित्ता अ-गाराओ अणगारियं पव्वइया नो खलु अहं तहा संचाएमि मुण्डे जाव पव्वइत्तए, अहं णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि । अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करे(हि)ह ॥ ४ ॥ तए णं से आणन्दे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए तप्पढमयाए थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं न करे(इ)मि न कारवे-(इ)मि मणसा वयसा कायसा' १ । तयाणन्तरं च णं थूलगं मुसावायं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं न करेमि न कारवेमि मणसा वयसा कायसा' २ । तयाणन्तरं च णं थूलगं अ(दत्ता)दिण्णादाणं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं

तिविहेणं न करेमि न कारवेमि मणसा वयसा कायसा' ३ । तयाणन्तरं च णं सदारसन्तो(सी)सिए परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एक्काए सिवनन्दाए भारियाए, अवसेसं सव्वं मेहुणविहिं पच्चक्खा(इ)मि मणसा वयसा कायसा' ४ । तयाणन्तरं च णं इच्छाविहिपरिमाणं करेमाणे हिरण्णसुवण्णविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ चउहिं हिरण्णकोडीहिं निहाणपउत्ताहि, चउहि वु-ड्ढिपउत्ताहिं, चउहिं पवित्थर-पउत्ताहि, अवसेसं सव्वं हिरण्णसुवण्णविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं चउप्पयविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ चउहिं वएहिं दसगोसाहस्सिएणं वएणं, अवसेसं सव्वं चउप्पयविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं खेत्तवत्थु-विहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ पञ्चहिं हलसएहिं नियत्तणसइएणं हलेणं, अवसेसं सव्वं खेत्तवत्थुविहि पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सगडविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ पञ्चहिं सगडसएहिं दिसायत्तिएहिं, पञ्चहिं सगडसएहिं संवाहणिएहि, अवसेसं सव्वं सगडविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं वाहणविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ चउहि वाहणेहिं दिसायत्तिएहिं, चउहिं वाहणेहिं संवाहणिएहिं, अव-सेसं सव्वं वाहणविहि पच्चक्खामि ३' ५ । तयाणन्तरं च णं उवभोगपरिभोगविहिं पच्चक्खाएमाणे उल्लणियाविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगाए गन्धकासाईए, अवसेसं सव्वं उल्लणियाविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं दन्तवणविहि-परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं अल्ललट्ठीमहुएणं, अवसेसं दन्तवणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं फलविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं खीरामलएणं, अवसेसं फलविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं अब्भङ्गणविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं, अवसेसं अब्भङ्गणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं उव्वट्ट(ण)णाविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं सुरहिणा गन्धट्टएणं, अवसेसं उव्वट्ट-णाविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं मज्जणविहि-परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ अट्ठहिं उ(ट्टि)ट्टिएहिं उदगस्स घडएहिं, अवसेसं मज्जणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं वत्थविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं खोमजुयलेणं, अवसेसं वत्थविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं विलेवणविहि-परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ अ(ग)गुरुकुंकुमचन्दणमादिएहिं, अवसेसं विलेवणविहिं पच्च-क्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं पुप्फविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं सुद्धपउमेणं मालइकुसुमदामेणं वा, अवसेसं पुप्फविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं आभ-रणविहिंपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ मट्ठक[ण]णेज्जएहि नाममुद्दाए य, अवसेसं आभरण-विहि पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं धूवणविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ अगरुतु-

रुक्खधूवमादिएहिं, अवसेसं धूवणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं भोयणविहि-परिमाणं करेमाणे पेज्जविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगाए कट्ठपेज्जाए, अवसेसं पेज्जविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं भक्खविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेहिं घयपुण्णेहिं खण्डखज्जएहिं वा, अवसेसं भक्खविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं ओदणविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ कलमसालिओदणेणं, अवसेसं ओदणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सूवविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ कलायसूवेण वा मुग्गमाससूवेण वा, अवसेसं सूवविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं घयविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ सारइए(ण)णं गोघयमण्डेणं, अवसेसं घयविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं सागविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ वत्थुसाएण वा सुत्थियसाएण वा, अवसेसं सागविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं माहुरयविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं पालङ्गामाहुरएणं, अवसेसं माहुरयविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं जेमणविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ सेहं(व)-वदालियं(वे)वेहिं, अवसेसं जेमणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं पाणियविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं अन्तलिक्खोदएणं, अवसेसं पाणियविहि पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं मुहवासविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ पञ्चसोगन्धिएणं तम्बोलेणं अवसेसं मुहवासविहिं पच्चक्खामि ३' ६ । तयाणन्तरं च णं चउव्विहं अणट्ठादण्डं पच्चक्खाइ, तंजहा-अवज्झाणायरियं पमायायरियं हिंसप्पयाणं पावकम्मोवएसे ३, ७ ॥ ५ ॥ इह खलु 'आणन्दा'(इ)ई समणे भगवं महावीरे आणन्दं समणोवासगं एवं वयासी-"एवं खलु आणन्दा! समणोवासएणं अभिगयजीवाजीवेणं जाव अणइक्कमणिज्जेणं सम्मत्तस्स पञ्च अइयारा पेयाला जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-संका, कङ्खा, विइगिच्छा, परपासण्डपसंसा, परपासण्डसंथ-(वो)वे । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स पाणाइवायवेरमणस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा पेयाला जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-बन्धे, वहे, छविच्छेए, अइभारे, भत्तपाणवोच्छेए १ । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स मुसावायवेरमणस्स पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-सहसा[ऽ]भक्खाणे, रहसा[ऽ]भक्खाणे, सदारमन्तभेए, मोसोवएसे, कूडलेहकरणे २ । तयाणन्तरं च णं थूलगस्स अदिण्णादाणवेरमणस्स पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-तेणाहडे, तक्करप्पओगे, विरुद्धरज्जाइक्कमे, कूलतु(ल)लकूडमाणे, तप्पडिरूवगववहारे ३ । तयाणन्तरं च णं सदारसन्तोसिए पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-इत्तरियपरिग्गहियागमणे, अपरिग्गहियागमणे, अणङ्ग(किड्डा)कीडा, परविवाहकरणे,

कामभोगतिव्वाभिलासे ४। तयाणन्तरं च णं इच्छापरिमाणस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-खेत्तवत्थुपमाणाइक्कमे, हिरण्ण-सुवण्णपमाणाइक्कमे, दुपयचउप्पयपमाणाइक्कमे, धणधन्नपमाणाइक्कमे, कुवियपमाणाइक्कमे ५। तयाणन्तरं च णं दिसि(०)वयस्स पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-उड्ढदिसिपमाणाइक्कमे, अहोदिसिपमाणाइक्कमे, तिरियदिसिपमाणाइक्कमे, खेत्तवुड्ढी, सइअन्तरद्धा ६। तयाणन्तरं च णं उवभोगपरिभोगे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-भोयणओ य कम्मओ य। तत्थ णं भोयणओ [य] समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-सचित्ताहारे, सचित्तपडिबद्धाहारे, अप्पउलिओसहिभक्खणया, दुप्पउलिओसहिभक्खणया, तुच्छोसहिभक्खणया। कम्मओ णं समणोवासएणं पण्णरस कम्मादाणाइं जाणियव्वाइं न समायरियव्वाइं, तंजहा-इङ्गालकम्मे, वणकम्मे, साडीकम्मे, भाडीकम्मे, फोडीकम्मे, दन्तवाणिज्जे, लक(खा)खवाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विसवाणिज्जे, केसवाणिज्जे, जन्तपीलणकम्मे, निल्लंछणकम्मे, दवग्गिदावणया, सरदहतलावसोसणया, असईजणपोसणया ७। तयाणन्तरं च णं अणट्ठादण्डवेरमणस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-कन्दप्पे, कुक्कु[इ]ए, मोहरिए, संजुत्ताहिगरणे, उवभोगपरिभोगाइरित्ते ८। तयाणन्तरं च णं सामाइयस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-मणदुप्पणिहाणे, वयदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, सामाइयस्स सइअकरणया, सामाइयस्स अणवट्ठियस्स करणया ९। तयाणन्तरं च णं देसावगासियस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-आणवणप्पओगे, पेसवणप्पओगे, सद्दाणुवाए, रूवाणुवाए, बहिया पोग्गलपक्खेवे १०। तयाणन्तरं च णं पोसहोववासस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियसिज्जासंथारे, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियसिज्जासंथारे, अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियउच्चारपासवणभूमी, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियउच्चारपासवणभूमी, पोसहोववासस्स सम्मं अणणुपालणया ११। तयाणन्तरं च णं अहासंविभागस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-सचित्तनिक्खेवणया, सचित्त(पे)पिहणया, कालाइक्कमे, प(रो)रववदेसे, मच्छरिया १२। तयाणन्तरं च णं अपच्छिममारणन्तियसंलेहणाझूसणाराहणाए पंच अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-इहलोगासंसप्पओगे, परलोगासंसप्पओगे, जीवियासंसप्पओगे, मरणासंसप्पओगे, कामभोगा-

संसप्पओगे १३ ॥ ६ ॥ तए णं से आणन्दे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं सावयधम्मं पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-'नो खलु मे भन्ते! कप्पइ अज्जप्पभिइं अन्नउत्थिए वा अन्नउत्थियदेवयाणि वा वन्दित्तए वा नमंसित्तए वा, पुव्विं अणालत्तेणं आलवित्तए वा संलवित्तए वा, तेसिं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दाउं वा अणुप्पदाउं वा, नन्नत्थ रायाभिओगेणं गणाभिओगेणं वलाभिओगेणं देवयाभिओगेणं गु(रू)रुनिग्गहेणं वित्तिकन्तारेणं । कप्पइ मे समणे निग्गन्थे फासुएणं एसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्वलपायपुंछणेणं पीढफल(ग)यसिज्जासंथारएणं ओसहभेसज्जेण य पडिलाभेमाणस्स विहरित्तए'त्तिकट्टु इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, अभिगिण्हित्ता पसिणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठाइं आदियइ, आदिइत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वन्दइ, वंदित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियाओ दूइपलासाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता जेणेव वाणियगामे नयरे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सिवनन्दं भारियं एवं वयासी-'एवं खलु देवाणुप्पिए! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मे निसन्ते, सेऽवि य धम्मे मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरूइए, तं गच्छ णं तुमं देवाणुप्पिए! समणं भगवं महावीरं वन्दाहि जाव पज्जुवासाहि, समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जाहि' ॥ ७ ॥ तए णं सा सिवनन्दा भारिया आणन्देणं समणोवासएणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा कोडुम्बियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-'खिप्पामेव लहुकरण जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे सिवनन्दाए तीसे य महइ जाव धम्मं कहेइ । तए णं सा सिवनन्दा समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव गिहिधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता तमेव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूहइ, दुरूहित्ता जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ८ ॥ 'भन्ते'त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-'पहू णं भन्ते! आणन्दे समणोवासए देवाणुप्पियाणं अन्तिए मुण्डे जाव पव्वइत्तए?' नो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा! आणन्दे णं समणोवासए वहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणिहिइ, पाउणित्ता जाव सोहम्मे कप्पे अरुणे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । तत्थ णं आणन्दस्स[ऽ]वि समणोवासगस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई

पण्णत्ता । तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ बहिया जाव विहरइ । तए णं से आणन्दे समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तए णं सा सिवनन्दा भारिया समणोवासिया जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ ॥ ९ ॥ तए णं तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स उच्चावएहिं सीलव्वय-गुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहि अप्पाणं भावेमाणस्स चउ(चो)द्दस संवच्छराइं वइक्कन्ताइं, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अन्तरा वट्टमाणस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्ता-वरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिन्तिए पत्थिए मणोगए सङ्कप्पे समुप्पज्जित्था–'एवं खलु अहं वाणियगामे नयरे बहूणं राईसर जाव सयस्सवि य णं कुडुम्बस्स जाव आधारे, तं एएणं वि(व)क्खेवेणं अहं नो संचाएमि समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरित्तए, तं सेयं खलु ममं कल्लं जाव जलन्ते विउलं असणं० जहा पूरणो जाव जेट्ठपुत्तं कुडुम्बे ठवेत्ता तं मित्त जाव जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता कोल्लाए सन्निवेसे नायकुलंसि पोसहसालं पडिलेहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता णं विहरित्तए' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता कल्लं विउलं[०] तहेव जिमियभुत्तुत्तरागए तं मित्त जाव विउलेणं पुप्फ[०] ५ सक्कारेइ सम्माणेइ, सक्कारित्ता संमाणित्ता तस्सेव मित्त जाव पुरओ जेट्ठपुत्तं सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी–'एवं खलु पुत्ता ! अहं वाणियगामे बहूणं राईसर[०] जहा चिन्तियं जाव विहरित्तए, तं सेयं खलु मम इदाणिं तुमं सयस्स कुडुम्बस्स आलम्बणं ४ ठवेत्ता जाव विहरित्तए' । तए णं जेट्ठपुत्ते आणन्दस्स समणोवास(ग)-यस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ । तए णं से आणन्दे समणोवासए तस्सेव मित्त जाव पुरओ जेट्ठपुत्तं कुडुम्बे ठवेइ, ठवेत्ता एवं वयासी–'मा णं देवाणु-प्पिया ! तुब्भे अज्जप्पभिइं केइ मम बहूसु कज्जेसु जाव आपुच्छउ वा पडिपुच्छउ वा, ममं अट्ठाए असणं वा ४ उवक्खडेउ [वा] उवकरेउ वा । तए णं से आणन्दे समणोवासए जेट्ठपुत्तं मित्तनाइं आपुच्छइ, आपुच्छित्ता सयाओ गिहाओ पडिणि-क्खमइ, पडिनिक्खमित्ता वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्ग-च्छित्ता जेणेव कोल्लाए सन्निवेसे जेणेव नायकुले जेणेव पोसहसाला तेणेव उवा-गच्छइ, उवागच्छित्ता पोसहसालं पमज्जइ, पमज्जित्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता दब्भसंथारयं संथरइ, दब्भसंथारयं दुरूहइ, दुरूहित्ता पोसहसालाए पोसहिए दब्भसंथारोवगए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता णं विहरइ ॥ १० ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए उवासगपडि-

माओ उवसम्पज्जित्ता णं विहरइ । पढमं उवासगपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहा-मग्गं अहातच्चं सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोहेइ तीरेइ कित्तेइ आराहेइ । तए णं से आणन्दे समणोवासए दोच्चं उवासगपडिमं, एवं तच्चं चउत्थं पञ्चमं छट्ठं सत्तमं अट्ठमं नवमं दसमं एक्कारसमं जाव आराहेइ ॥ ११ ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए इमेणं एयारूवेणं उरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं तवोकम्मेणं सुक्के जाव किसे धमणिसन्तए जाए । तए णं तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्ता जाव धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयं अज्झत्थिए ५- एवं खलु अहं इमेणं जाव धमणिसन्तए जाए, तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धाधिइसंवेगे, तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे सद्धाधिइ-संवेगे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ता मे सेयं कल्लं जाव जलन्ते अपच्छिममारणन्तियसंलेहणाझूसणा-झूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स कालं अणवकङ्खमाणस्स विहरित्तए' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता कल्लं पाउ जाव अपच्छिममारणन्तिय जाव कालं अणवकङ्खमाणे विहरइ । तए णं तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स अन्नया कयाइ सुभेणं अज्झव-साणेणं सुभेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तदावरणिज्जाणं कम्माणं खओ-वसमेणं ओहिनाणे समुप्पन्ने । पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे पञ्चजोयणस(याइं)इयं खेत्तं जाणइ पासइ, एवं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेण य, उत्तरेणं जाव चुल्लहिमवन्तं वासधर-पव्वयं जाणइ पासइ, उड्ढं जाव सोहम्मं कप्पं जाणइ पासइ, अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं नरयं चउरासीइवाससहस्सट्ठिइयं जाणइ पासइ ॥ १२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसरिए, परिसा निग्गया जाव पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अन्तेवासी इन्दभूई नामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाण-संठिए वज्जरिसहनारायसङ्घयणे कणगपुलगनिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्त-तवे घोरतवे महातवे उराले घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबम्भचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेउलेसे छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ, बिइयाए पोरिसीए झाणं झियाइ, तइयाए पोरिसीए अतुरियं अचवलं असम्भन्ते मुहपत्तिं पडिलेहेइ, २ त्ता भायणवत्थाइं पडिलेहेइ, २ त्ता भायणवत्थाइं पमज्जइ, २ त्ता भायणाइं उग्गाहेइ, उग्गाहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता

एवं वयासी–'इच्छामि णं भन्ते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए छट्ठक्खमण(स्स)पारणगंसि वाणियगामे नयरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमु(द्दा)दाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए'। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबन्धं करेह। तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियाओ दूइपलासाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता अतुरियमचवलमसम्भन्ते जुगन्तरपरिलोयणाए दिट्ठीए पुरओ ई(इ)रियं सोहेमाणे जेणेव वाणियगामे नयरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता वाणियगामे नयरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमु-दाणस्स भिक्खायरियाए अडइ। तए णं से भगवं गोयमे वाणियगामे नयरे जहा पण्णत्तीए तहा जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्तं भत्तपाणं सम्मं पडिग्गाहेइ, पडिग्गाहित्ता वाणियगामाओ पडिणिग्गच्छइ पडिणिग्गच्छित्ता कोल्लायस्स सन्निवेसस्स अदूरसामन्तेणं व(वी)ईवयमाणे बहुजणसद्दं निसामेइ। बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४–'एवं खलु देवाणुप्पिया! समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तेवासी आणन्दे नामं समणोवासए पोसहसालाए अपच्छिम जाव अणवकंखमाणे विहरइ'। तए णं तस्स गोयमस्स बहुजणस्स अन्तिए ए(यं)यमट्ठं सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४–'तं गच्छामि णं आणन्दं समणोवासयं पासामि' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता जेणेव कोल्लाए सन्निवेसे जेणेव आणन्दे समणोवासए जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ। तए णं से आणन्दे समणोवासए भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता हट्ठ[तुट्ठ] जाव हियए भ(ग)यवं गोयमं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–'एवं खलु भन्ते! अहं इमेणं उरालेणं जाव धमणिसन्तए जाए, (नो) न संचाएमि देवाणुप्पियस्स अन्तियं पाउब्भवित्ता णं तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाए अभिवन्दित्तए, तुब्भे णं भन्ते! इच्छाकारेणं अणभिओएणं इओ चेव एह, जा णं देवाणुप्पियाणं तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाएसु वन्दामि नमंसामि'। तए णं से भगवं गोयमे जेणेव आणन्दे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ ॥ १३ ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए भगवओ गोयमस्स तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाएसु वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–'अत्थि णं भन्ते! गिहिणो गि(हि)हमज्झावसन्तस्स ओहिनाणे (णं) समुप्पज्जइ?' हन्ता अत्थि। जइ णं भन्ते! गिहिणो जाव समुप्पज्जइ, एवं खलु भन्ते! ममवि गिहिणो गिहिमज्झावसन्तस्स ओहिनाणे समुप्पन्ने–पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे पञ्च जोयणसयाइं जाव लोलुयच्चुयं नरयं जाणामि पासामि। तए णं से भगवं गोयमे आणन्दं समणोवासयं एवं वयासी–'अत्थि णं आणन्दा! गिहिणो जाव समुप्पज्जइ, नो चेव णं एमहालए, तं णं तुमं आणन्दा! एयस्स ठाणस्स

आलोएहि जाव तवोकम्मं पडिवज्जाहि' । तए णं से आणन्दे समणोवासए भगवं गोयमं एवं वयासी–'अत्थि णं भन्ते ! जिणवयणे सन्ताणं तच्चाणं तहियाणं सब्भूयाणं भावाणं आलोइज्जइ जाव पडिवज्जिज्जइ ?' नो इणट्ठे समट्ठे । 'जइ णं भन्ते ! जिणवयणे सन्ताणं जाव भावाणं नो आलोइज्जइ जाव तवोकम्मं नो पडिवज्जिज्जइ तं णं भन्ते ! तुब्भे चेव एयस्स ठाणस्स आलोएह जाव पडिवज्जह' । तए णं से भगवं गोयमे आणन्देणं समणोवासएणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए विइगिच्छासमावन्ने आणन्दस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता जेणेव दूइपलासे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूर-सामन्ते गमणागमणाए पडिक्कमइ, पडिक्कमित्ता एसणमणेसणं आलोएइ, आलोएत्ता भत्तपाणं पडिदंसेइ, पडिदंसित्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–'एवं खलु भन्ते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए तं चेव सव्वं कहेइ जाव तए णं अहं संकिए ३ आणन्दस्स समणोवासगस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमामि, पडिनिक्खमित्ता जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, तं णं भन्ते ! किं आणन्देणं समणोवासएणं तस्स ठाणस्स आलोएयव्वं जाव पडिवज्जेयव्वं उदाहु मए ?' 'गोयमा' इ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–'गोयमा ! तुमं चेव णं तस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि, आणन्दं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेहि' । तए णं से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ, आणन्दं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेइ । तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए बहूहिं सीलव्वएहिं जाव अप्पाणं भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणित्ता एक्कारस य उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कन्ते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोह-म्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरच्छिमेणं अरुणे विमाणे देवत्ताए उववन्ने । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं आण-न्दस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । आणन्दे णं भन्ते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणन्तरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ १५ ॥ निक्खेवो ॥ **सत्त-मस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं पढमं अज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भन्ते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, दोच्चस्स णं भन्ते! अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चम्पा नामं नयरी होत्था। पुण्णभद्दे उज्जाणे। जियस(त्तु)त्तू राया। कामदेवे गाहाव(इ)ई। भद्दा भारिया। छ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, छ(हि०)वु-ड्ढिपउत्ताओ, छ-पवित्थरपउत्ताओ। छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। (तेणं का० तेणं स० भगवं म०) समोस(ड्ढे)रणं। जहा आणन्दो तहा निग्गओ, तहेव सावयधम्मं पडिवज्जइ। सा चेव वत्तव्वया जाव जेट्ठपुत्तं मित्तनाइं (आपुच्छइ) आपुच्छित्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जहा आणन्दो जाव समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ॥ १६॥ तए णं तस्स कामदेवस्स समणोवासगस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे मायी मिच्छ-द्दिट्ठी अन्तियं पाउब्भूए। तए णं से देवे एगं महं पिसायरूवं विउव्वइ। तस्स णं देवस्स पिसायरूवस्स इमे एयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते–सीसं से गोकिलञ्जसंठाण-संठियं, सालिभसेल्लसरिसा से केसा कविलतेएणं दिप्पमाणा, महल्लउट्टियाकभल्लसंठा-णसंठियं निडालं, मुगुंसपुंछं व तस्स भुमगाओ फुग्गफुग्गाओ विगय(वी)बीभ(त्थ)-च्छदंसणाओ, सीसघडिविणिग्गयाइं अच्छीणि विगय-बीभच्छदंसणाइं, कण्णा जह सुप्पकत्तरं चेव विगयबीभच्छदंसणिज्जा, उरब्भपुडसन्निभा से नासा, झुसिरा जम-लचुल्लीसंठाणसंठिया दो[ऽ]वि तस्स नासापुडया, घोडयपुंछं व तस्स मंसूइं कविलक-विलाइं विगयबीभच्छदंसणाइं, उट्ठा उ(ट्ट)ट्टस्स चेव लम्बा, फालसरिसा से दन्ता, जिब्भा ज(ह)हा सुप्पकत्तरं चेव विगयबीभच्छदंसणिज्जा, हलकु(डा)द्दालसंठिया से हणुया, गल्लकडिल्लं च तस्स खड्डं फुट्टं कविलं फरुसं महल्लं, मुइङ्गाकारोवमे से खन्धे, पुरवरकवाडोवमे से वच्छे, कोट्ठियासंठाणसंठिया दो-वि तस्स बाहा, निसापाहाणसं-ठाणसंठिया दो-वि तस्स अग्गहत्था, निसालोढसंठाणसंठियाओ हत्थेसु अंगुलीओ, सिप्पिपुडग(संठाण)संठिया से नक्खा, ण्(ह)हावियपसेवओ व्व उरंसि लम्बन्ति दो-ऽ-वि तस्स थणया, पोट्टं अयकोट्ठओ व्व वट्टं, पाणकलन्दसरिसा से नाही, सिक्कगसंठाणसंठि(या)ए से नेत्ते, किण्णपुड(संडवसण)संठाणसंठिया दो-ऽ-वि तस्स वसणा, जमलकोट्ठियासंठाणसंठिया दो-ऽ-वि तस्स ऊरू, अज्जुणगुट्ठं व तस्स जाणूइं कुडिलकुडिलाइं विगयबीभच्छदंसणाइं, जंघाओ क(रक)क्खडीओ लोमेहिं उवचि-याओ, अहरीसंठाणसंठिया दो-ऽ-वि तस्स पाया, अहरीलोढसंठाणसंठियाओ पाएसु अंगुलीओ, सिप्पिपुड(सं०)संठिया से नक्खा, लडहमडहजाणुए विगयभग्गभुग्ग-

(भमुहे)भुमए अवदालियवयणविव(रे)रनिल्लालियग्गजीहे सरडकयमालियाए उन्दुर-मालापरिणद्धसुकयचिंधे नउलकयकण्णपूरे सप्पकयवेगच्छे अप्फोडन्ते अभिगज्जन्ते भीममुक्कट्टहासे नाणाविहपञ्चवण्णेहिं लोमेहिं उवचिए एगं महं नीलुप्पलगवलगुलिय-अयसिकुसुमप्पगासं असिं खुरधारं गहाय जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणो॰वासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता आसु(रु)रत्ते रुट्ठे कुविए चण्डिक्किए मिसिमि-सीयमाणे कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! समणोवासया! अप्प-त्थियपत्थिया दुरन्तपन्तलक्खणा हीणपुण्णचाउद्दसिया हिरिसिरिधिइकित्तिपरिवज्जिया धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया मोक्खकामया धम्मकंखिया पुण्णकंखिया सग्गकंखिया मोक्खकंखिया धम्मपिवासिया पुण्णपिवासिया सग्गपिवासिया मोक्ख-पिवासिया नो खलु कप्पइ तव देवाणुप्पिया! जं सीलाइं वयाइं वेरमणाइं पच्चक्खा-णाइं पोसहोववासाइं चालित्तए वा खोभित्तए वा खण्डित्तए वा भञ्जित्तए वा उज्झित्तए वा परि(च्चि)चइत्तए वा, तं जइ णं तुमं अज्ज सीलाइं जाव पोसहोववासाइं न छ(ड्ड)-ड्डेसि न भञ्जेसि तो ते अहं अज्ज इमेणं नीलुप्पल[०] जाव असिणा खण्डाखण्डिं करेमि, ज-हा णं तुमं देवाणुप्पिया! अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं पिसायरूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए अतत्थे अणुव्विग्गे अक्खुभिए अचलिए असम्भन्ते तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ ॥ १७ ॥ तए णं से देवे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव धम्मज्झाणोवगयं विहरमाणं पासइ, पासित्ता दोच्चं-पि तच्चं-पि कामदेवं (समणोवासयं) एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! समणोवासया! अपत्थियपत्थि॰ जइ णं तुमं अज्ज जाव ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से देवे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता आसु-रत्ते (५) तिव-लियं भिउडिं निडाले साहट्टु कामदेवं समणोवासयं नीलुप्पल-जाव असिणा खण्डा-खण्डिं करेइ। तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव दुरहियासं वेयणं सम्मं सहइ जाव अहियासेइ ॥ १८ ॥ तए णं से देवे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता जाहे नो संचाएइ कामदेवं समणोवासयं निग्गन्थाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे सन्ते तन्ते परितन्ते सणियं सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिनिक्ख-मइ, पडिनिक्खमित्ता दिव्वं पिसायरूवं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं हत्थि-रूवं विउव्वइ, सत्तङ्गपइट्ठियं सम्मं संठियं सुजायं पुरओ उदग्गं पिट्ठओ वाराहं अया-

कुच्छि अलम्बकुच्छि पलम्बलम्बोदराधरकरं अब्भुग्गयमउलमल्लियाविमलधवलदन्तं कञ्चणकोसीपविट्ठदन्तं आणामियचावललियसंविल्लियग्गसोण्डं कु(म्मिव)म्मपडिपुण्णचलणं वीसइनक्खं अल्लीणपमाणजुत्तपुच्छं मत्तं मेहमिव गुलगुलेन्तं मणपवणजइणवेगं दिव्वं हत्थिरूवं विउव्वइ, विउव्वित्ता जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! समणोवासया! तहेव भणइ जाव न भञ्जेसि, तो ते अज्ज अहं सोण्डाए गिण्हामि, गिण्हित्ता पोसहसालाओ नीणेमि, नीणित्ता उड्ढं वेहासं उव्विहामि, उव्विहित्ता तिक्खेहिं दन्तमुसलेहिं पडिच्छामि, पडिच्छित्ता अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो पाएसु लोलेमि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं हत्थिरूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता दोच्चं-पि तच्चं-पि कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! तहेव जाव सो-ऽ-वि विहरइ। तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता आसु(र)रुत्ते ४ कामदेवं समणोवासयं सोण्डाए गिण्(ह)हेइ, गिण्हित्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ, उव्विहित्ता तिक्खेहि दन्तमुसलेहिं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो पाए(पदे)सु लोलेइ। तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ॥१९॥ तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं समणोवासयं जाहे नो संचाएइ जाव सणियं सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता दिव्वं हत्थिरूवं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं सप्परूवं विउव्वइ, (तं) उग्गविसं चण्डविसं घोरविसं (दिट्ठिविसं) महाकायं म(सि)सीमूसाकालगं नयणविसरोसपुण्णं अंजणपुंजनिगरप्पगासं रत्तच्छं लोहियलोयणं जमलजुयलचञ्चलजीहं धरणीयलवे(णी)णिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्कसवियड(फु)फडाडोवकरणदच्छं लोहागरधम्ममाणधमधमेन्तघोसं अणागलियतिव्वचण्डरोसं सप्परूवं वि(वे)उव(वे)वइ, २ त्ता जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! समणोवासया! जाव न भ(ञ्ज)ञ्जेसि तो ते अ(ज्ज)ज्जेव अहं सरसरस्स कायं दु(रू)रुहामि, २ त्ता पच्छिमेणं भाएणं तिक्खुत्तो गीवं वेढेमि, वेढेत्ता तिक्खाहिं विसपरिगयाहि दाढाहिं उरंसि चेव निकुट्टेमि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं सप्परूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ, सो-ऽ-वि

दोच्चं-पि तच्चं-पि भणइ, कामदेवो-ऽ-वि जाव विहरइ। तए णं से देवे सप्परुवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता आसु-रत्ते ४ कामदेवस्स समणोवास(ग)-यस्स सरसरस्स कायं दुरुहइ, दुरुहित्ता पच्छिमभाएणं तिक्खुत्तो गीवं वेढे(इ)इ, वेढेत्ता तिक्खाहिं विसपरिगयाहिं दाढाहिं उरंसि चेव निकुट्टेइ। तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ ॥ २० ॥ तए णं से देवे सप्परुवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता जाहे नो संचाएइ कामदेवं समणोवासयं निग्गन्थाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे सन्ते ३ सणियं सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता दिव्वं सप्परुवं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं देवरुवं वि-उव्वइ, हारविराइयवच्छं जाव दस-दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं पासाईयं दरिसणिज्जं अभिरुवं पडिरुवं दिव्वं देवरुवं विउव्वइ, विउव्वित्ता कामदेवस्स समणोवासयस्स पोसहसालं अणुप्पविसइ, अणुप्पविसित्ता अन्तलिक्खपडिवन्ने सखिंखिणियाइं पञ्चवण्णाइं वत्थाइं पवरपरिहिए कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी-'हं भो कामदेवा! समणोवासया! धन्ने सि णं तुमं देवाणुप्पिया! स(म)पुण्णे कयत्थे कयलक्खणे, सुलद्धे णं तव देवाणुप्पिया! माणुस्सए जम्मजीवियफले, जस्स णं तव निग्गन्थे पावयणे इमेयारुवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया। एवं खलु देवाणुप्पिया! सक्के देविन्दे देवराया जाव सक्कंसि सीहासणंसि चउरासीईए सामाणियसाहस्सीणं जाव अन्नेसिं च बहूणं देवाण य देवीण य मज्झगए एवमाइक्खइ ४-एवं खलु देवा(०)! जम्बुद्दीवे दीवे भारहे वासे चम्पाए नयरीए कामदेवे समणोवासए पोसहसालाए पोसहि(ए)यबम्भ(चेरवासी)चारी जाव दब्भसं(थ)थारोवगए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्ति(ए)यं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ, नो खलु से स(क्का)क्को केणइ देवेण वा दाणवेण वा जाव गन्धव्वेण वा निग्गन्थाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा। तए णं अहं सक्कस्स देविन्दस्स देवरण्णो एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ इहं हव्वमागए, तं अहो णं देवाणुप्पिया! इड्ढी ६ लद्धा ३, तं दिट्ठा णं देवाणुप्पिया! इड्ढी जाव अभिसमन्नागया, तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमन्तु मज्झ देवाणुप्पिया! खन्तुम(रु)रहन्ति णं देवाणुप्पिया! नाइं भुज्जो करणयाए'त्ति-कट्टु पायवडिए पञ्जलिउडे एयमट्ठं भुज्जो भुज्जो खामेइ, खामेत्ता जामेव दि(सिं)सं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए। तए णं से कामदेवे समणोवासए निरुवसग्गं (इइ) तिकट्टु पडिमं पारेइ ॥ २१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ। तए णं से कामदेवे समणो-

वासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ, तं सेयं खलु मम समणं भगवं महावीरं वन्दित्ता नमंसित्ता तओ पडिणियत्तस्स पोसहं पारित्तए'त्ति कट्टु एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता सुद्धप्पावेसाइं वत्थाइं जाव मणुस्स-वग्गुरापरिक्खित्ते सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता चम्पं नगरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे जहा संखो जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे कामदेवस्स समणोवासयस्स तीसे य जाव धम्मकहा समत्ता ॥ २२ ॥ कामदेवा! इ समणे भगवं महावीरे कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–से नूणं कामदेवा! तुब्भं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अन्तिए पाउब्भूए, तए णं से देवे एगं महं दिव्वं पिसायरूवं विउव्वइ, विउ-व्वित्ता आसुरुत्ते ४ एगं महं नीलुप्पल–जाव असिं गहाय तुमं एवं वयासी–हं भो कामदेवा! जाव जीवियाओ ववरोविज्जसि, तं तुमं तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरसि, एवं वण्णगरहिया तिण्णि-वि उवसग्गा तहेव पडिउच्चारेयव्वा जाव देवो पडिगओ। से नूणं कामदेवा! अट्ठे समट्ठे? हन्ता, अत्थि। 'अज्जो! इ समणे भगवं महावीरे वहवे समणे निग्गन्थे य निग्गन्थीओ य आमन्तेत्ता एवं वयासी–जइ ताव अज्जो! समणोवासगा गिहिणो गि(हिं)हमज्झावसन्ता दिव्वमा-णु(स)सतिरिक्खजोणिए उवसग्गे सम्मं सहन्ति जाव अहियासेन्ति, सक्का–पुणा(इ)इं अज्जो! समणेहिं निग्गन्थेहिं दुवालसङ्गं गणिपिडगं अहिज्जमाणेहिं दिव्वमाणुसति-रिक्खजोणिए सम्मं सहित्तए जाव अहियासित्तए। तओ ते वहवे समणा निग्गन्था य निग्गन्थीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स त(हि)हत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसु-णन्ति। तए णं से कामदेवे समणोवासए ह० जाव समणं भगवं महावीरं पसिणाइं पुच्छइ, अट्ठमादियइ, समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमं-सित्ता जामेव दि-सिं पाउब्भूए तामेव दि-सिं पडिगए। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ चम्पाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता वहिया जणवय-विहारं विहरइ ॥ २३ ॥ तए णं से कामदेवे समणोवासए पढमं उवासगपडिमं उव-सम्पज्जित्ताणं विहरइ, तए णं से कामदेवे समणोवासए वहूहिं [सीलवएहिं] जाव भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणित्ता एक्कारस उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासेत्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कन्ते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्म-वडिंसयस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरत्थिमेणं अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, (तत्थणं) काम-

देवस्स-ऽ-वि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। से णं भन्ते! कामदेवे (देवे) ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणन्तरं चयं चइत्ता कहिं गमिहिइ, कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ (जाव सव्वदुक्खा०) ॥ २४ ॥ निक्खेवो ॥ **सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं बीयं अज्झयणं समत्तं** ॥

उक्खेवो तइयस्स अज्झयणस्स। एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी(होत्था), कोट्ठ(गनाम)ए उज्जाणे, जियसत्तू राया। तत्थ णं वाणारसीए न(य)गरीए चुलणीपिया नामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए। सामा भारिया। अट्ठ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, अट्ठ-वु-ड्ढिपउत्ताओ, अट्ठ-पवित्थरपउत्ताओ, अट्ठ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं, जहा आणं(दो)दे राईसर[०] जाव सव्वकज्जवड्ढावए यावि होत्था। सामी समोस(ढे)ढे, परिसा निग्गया, चुलणी-पिया-वि जहा आणन्दो तहा निग्गओ, तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ। गोयमपुच्छा तहेव सेसं जहा कामदेवस्स जाव पोसहसालाए पोसहिए बम्भचारी समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ ॥ २५ ॥ तए णं तस्स चुलणीपियस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अन्तियं पाउब्भूए। तए णं से देवे एगं (महं) नीलुप्पल-जाव असिं गहाय चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी-हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! जहा कामदे(वे)वो जाव न भञ्जसि तो ते अहं अज्ज जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता तओ मंससोल्ले करेमि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आ(इं)यञ्चामि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोवि(ज्जा)ज्जसि ॥२६॥ तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता दोच्चं-पि तच्चं-पि चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी-हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! तं चेव भणइ, सो जाव विहरइ। तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासित्ता आसु-रुत्ते ४ चुलणीपियस्स समणोवास-यस्स जेट्ठं पुत्तं गिहाओ नीणेइ, नीणेत्ता अग्गओ घाएइ, घाएत्ता तओ मंससोल्लए करेइ, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेइ, अद्दहेत्ता चुलणीपियस्स समणोवासयस्स गायं मंसेण य सो(णी)णिएण य आयञ्चइ। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ। तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता दोच्चं-पि चुलणी-

पियं समणोवासयं एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! अपत्थिय-प(त्थि)त्थया [!] जाव न भञ्जसि तो ते अहं अज्ज मज्झिमं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, जहा जेट्ठं पुत्तं तहेव भणइ, तहेव करेइ। एवं तच्चं-पि कणीयसं जाव अहियासेइ ॥ २७ ॥ तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता चउत्थं-पि चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी–"हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! अपत्थियप-त्थ० ४ जइ णं तुमं जाव न भञ्जसि तओ अहं अज्ज जा इमा तव माया भद्दा सत्थवा(हिणी)ही देवय-गुरुजणणी दुक्करदुक्करकारिया तं ते साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता तओ मंससोल्लए करेमि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आयञ्चामि जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि"। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता चुलणीपियं समणोवासयं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! तहेव जाव ववरोविज्जसि। तए णं तस्स चुलणीपियस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ५–अहो णं इमे पुरिसे अणारिए (अणारियबुद्धी) अणारि(याइं पावाइं)यकम्माइं समायरइ, जेणं म(म)मं जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेइ, नीणेत्ता मम अग्गओ घाएइ, घाएत्ता जहा कयं तहा चिन्तेइ जाव गायं आयञ्चइ, जेणं म-मं मज्झिमं पुत्तं साओ गिहाओ जाव सोणिएण य आयञ्चइ, जेणं ममं कणीयसं पुत्तं साओ गिहाओ तहेव जाव आयञ्चइ, जा-ऽ-वि य णं इमा ममं माया भद्दा सत्थवाही देवयगुरुजणणी दुक्करदुक्करकारिया तं-पि य णं इच्छइ सा(सया)ओ गिहाओ नीणेत्ता मम अग्गओ घा(इ)एत्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उ(ट्ठा)द्धाइए, से-ऽ-वि य आगासे उप्पइए, तेणं च खम्भे आसाइए, महया महया सद्देणं कोलाहले कए, तए णं सा भद्दा सत्थवा-ही तं कोलाहलसद्दं सोच्चा निसम्म जेणेव चुलणीपिया समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी–किण्णं पुत्ता! तुमं महया महया सद्देणं कोलाहले कए? तए णं से चुलणीपिया समणोवासए अम्मयं भद्दं सत्थवाहिं एवं वयासी–एवं खलु अम्मो! न जा(या)णामि, केवि पुरिसे आसुरुत्ते ५ एगं महं नीलुप्पल–जाव असिं गहाय ममं एवं वयासी–हं भो चुलणी-पि० समणोवासया! अपत्थियप-त्थया ४ वज्जिया जइ णं तुमं जाव ववरोविज्जसि।

(न०णं) अहं तेणं पुरिसेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि। तए णं से पुरिसे ममं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता ममं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी–हं भो चुलणीपि० समणोवासया! तहेव जाव गायं आयञ्चइ। तए णं अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि। एवं तहेव उच्चारेयव्वं सव्वं जाव कणीयसं जाव आयञ्चइ, अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि। तए णं से पुरिसे ममं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता ममं चउत्थं-पि एवं वयासी–हं भो चुलणीपि० समणोवासया! अपत्थिय-पत्थया जाव न भञ्जसि तो ते अज्ज जा इमा (तव) माया (भ०) गुरु[०] जाव ववरोविज्जसि। तए णं अहं तेणं पुरिसेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि। तए णं से पुरिसे दोच्चं-पि तच्चं-पि ममं एवं वयासी–हं भो चुलणीपि० समणोवासया! अज्ज जाव ववरोविज्जसि। तए णं तेणं पुरिसेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि ममं एवं वुत्तस्स समाणस्स इ(अय)मेयारूवे अज्झत्थिए ५,–अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समायरइ, जेणं म-मं जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ तहेव जाव कणीयसं जाव आयञ्चइ, तु(ज्झे)ब्भे-ऽ-वि य णं इच्छइ साओ गिहाओ नीणेत्ता मम अग्गओ घाएत्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उद्धाइए, से-ऽ-वि य आगासे उप्पइए, मए-ऽ-वि य खम्भे आसाइए, महया महया सद्देणं कोलाहले कए॥ २८॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी–नो खलु के(इ)ई पुरिसे तव जाव कणीयसं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेइ, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएइ, एस (न) णं केइ पुरिसे तव उवसग्गं करेइ, एस णं तुमे विदरिसणे दिट्ठे, तं णं तुमं इ(दा)याणिं भग्गव्वए भग्गनियमे भग्गपोस(होववासे)हे विहरसि, तं णं तुमं पुत्ता! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए अम्मगाए भद्दाए सत्थवाहीए तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ॥ २९॥ तए णं से चुलणीपिया समणोवासए पढमं उवासग-पडिमं उवसम्पज्जित्ता–णं विहरइ, पढमं उवासगपडिमं अहासुत्तं जहा आणन्दो जाव ए(इ)क्कारस-वि। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं उरालेणं जहा कामदेवो जाव सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरत्थिमेणं अरुणप्पभे विमाणे देवत्ताए उववन्नो(न्ने)। चत्तारि पलिओवमाइं ठिई (जाव) पण्णत्ता। महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ५॥ ३०॥ निक्खेवो (तहेव)॥ **सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं तइयं अज्झयणं समत्तं**॥

उक्खेवओ चउत्थस्स अज्झयणस्स। एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं सम-एणं वाणारसी नामं नयरी। कोट्ठए उज्जाणे। जियस-त्तू राया। सुरादेवे गाहाव-ई,

अड्ढे (जाव अपरिभूए)। छ हिरण्णकोडीओ जाव छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। धन्ना भारिया। सामी समोसढे। जहा आणन्दो तहेव पडिवज्जइ गिहिधम्मं। जहा कामदेवो जाव समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ ॥ ३१ ॥ तए णं तस्स सुरादेवस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था। से देवे एगं महं नीलुप्पल-जाव असिं गहाय सुरादेवं समणोवासयं एवं वयासी-हं भो सुरादे० समणोवासया! अपत्थियपत्थया ४ जइ णं तुमं सी(लव्वया)लाइं जाव न भञ्जसि तो ते जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता पञ्च (मंस)सोल्लए करेमि, (२ त्ता) आ(या)-दाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आ(-च)-यञ्चामि, जहा णं तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। एवं मज्झि(मं)मयं, कणीयसं, एक्केक्के पञ्च सोल्लया, तहेव करेइ, जहा चुलणीपियस्स, नवरं एक्केक्के पञ्च सोल्लया। तए णं से देवे सुरादेवं समणोवासयं चउत्थं-पि एवं वयासी-हं भो सुरा-देवा! समणोवासया! अपत्थियपत्थया ४ जाव न परिच्चय(भंज)सि (त)तो (अहं) ते अज्ज (तव) सरीरंसि जमगसमगमेव सोलस रोगायङ्के पक्खिव(वे)वामि, तं-जहा-सासे, कासे जाव को(ढए)ढे, ज-हा णं तुमं अट्टदुहट्ट[०] जाव ववरोविज्जसि। तए णं से सुरादेवे समणोवासए जाव विहरइ। एवं देवो दोच्चं-पि तच्चं-पि भणइ जाव ववरोविज्जसि ॥ ३२ ॥ तए णं तस्स सुरादेवस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ (समु०)-अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समायरइ, जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं जाव कणीयसं जाव आयञ्चइ, जे-ऽ-वि य इमे सोलस रोगायङ्का ते-ऽ-वि य इच्छइ मम सरीरगंसि पक्खिवित्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उ-द्धाइए। से-ऽ-वि य आगासे उप्पइए, तेण य खम्भे आसाइए, महया महया सद्देणं कोलाहले कए ॥ ३३ ॥ तए णं सा धन्ना भारिया कोलाह(लसद्दं)लं सोच्चा निसम्म जेणेव सुरादेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता एवं वयासी-किण्णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं महया महया सद्दे(ण)णं कोलाहले कए? तए णं से सुरादेवे समणोवासए धन्नं भारियं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए! के(इ)-ऽ-वि पुरिसे तहेव कहेइ जहा चुलणीपिया। धन्ना-ऽ-वि पडि-भणइ-जाव कणीयसं, नो खलु देवाणुप्पिया! तुब्भं के-ऽ-वि पुरिसे सरीरंसि जमग-समगं सोलस रोगायङ्के पक्खिवइ, एस-णं के-वि पुरिसे तुब्भं उवसग्गं करेइ, सेसं जहा चुलणीपियस्स तहा भणइ। एवं सेसं जहा चुलणीपियस्स निरवसेसं जाव सोहम्(म)मे कप्पे अरुणकन्ते विमाणे उववन्ने। चत्तारि पलिओवमाइं ठिई, महा-

विदेहे वासे सिज्झिहिइ ५ ॥ ३४ ॥ निक्खेवो ॥ **सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं चउत्थं अज्झयणं समत्तं** ॥

उक्खेवो पञ्चमस्स । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं आ(लं)लभिया नामं नयरी-। सङ्खवणे उज्जाणे । जियसत्तू राया । चुल्लसयए गाहावई(परिवसइ), अड्ढे जाव छ हिरण्णकोडीओ जाव छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। बहुला भारिया। सामी समोस-ढे । जहा आणंदो तहा (धम्मं सोच्चा) गिहिधम्मं पडिवज्जइ, सेसं जहा कामदे-वो जाव धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ ॥ ३५ ॥ तए णं तस्स चुल्लसय-गस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अन्तियं जाव असिं गहाय एवं वयासी-हं भो चुल्लसय० समणोवासया ! जाव न भञ्जसि तो ते अज्ज जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेमि, एवं जहा चुलणीपियं, नवरं एक्केक्के सत्त मंससोल्लया जाव कणीयसं जाव आयञ्चामि । तए णं से चुल्लसयए समणोवासए जाव विहरइ । तए णं से देवे चुल्लसयगं समणोवासयं चउत्थं-पि एवं वयासी-हं भो चुल्लसयगा ! समणोवासया ! जाव न भञ्जसि तो ते अज्ज जाओ इमाओ छ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, छ वु-ड्ढिपउत्ताओ, छ पवित्थरपउत्ताओ (सव्वाओ) ताओ साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता आ-लभियाए नयरीए सिङ्घाडग[०]जाव पहेसु सव्वओ समन्ता विप्पइरामि, ज-हा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि ॥ ३६ ॥ तए णं से चुल्लसयए समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ । तए णं से देवे चुल्लसयगं समणोवासयं अभीयं जाव पासित्ता दोच्चं-पि तच्चं-पि तहेव भणइ जाव ववरोविज्जसि। तए णं तस्स चुल्लसयगस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्तस्स समाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४-'अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जहा चुलणीपिया तहा चिन्तेइ जाव कणीयसं जाव आयञ्चइ, जाओ-ऽवि य णं इमाओ म-मं छ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ छ वु-ड्ढिपउत्ताओ छ पवित्थरपउत्ताओ ताओ-ऽवि य णं इच्छइ ममं साओ गिहाओ नीणेत्ता आ-लभियाए नयरीए सिङ्घाडग-जाव विप्पइरित्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए' त्ति-कट्टु उ-द्धाइए जहा सुरादे-वो तहेव भारिया पुच्छइ तहेव कहे०। सेसं जहा चुलणीपियस्स जाव सोहम्मे कप्पे अरुणसिट्ठे विमाणे उववन्ने, चत्तारि पलिओवमाइं ठिई। सेसं तहे(तं चे)व जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ[५]॥ ३७ ॥ निक्खेवो ॥

सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं पञ्चमं अज्झयणं समत्तं ॥

छट्ठस्स उक्खेवओ । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं कम्पिल्लपुरे नयरे । सह(स)सम्बवणे उज्जाणे । जियसत्तू राया । कुण्डकोलिए गाहावई । पूसा

भारिया। छ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, छ वु-ड्डिपउत्ताओ, छ पवित्थरपउ-त्ताओ, छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। सामी समोसढे। जहा कामदेवो तहा साव-यधम्मं पडिवज्जइ। (से) स(व्वे)च्चेव वत्तव्वया जाव पडिलाभेमाणे विहरइ ॥ ३८ ॥ तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए अन्नया कयाइ पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया जेणेव पुढविसिलापट्टए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता नाममुद्दगं च उत्तरिज्जगं च पुढ(वी)विसिलापट्टए ठवेइ, ठवेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ ॥ ३९ ॥ तए णं तस्स कुण्डकोलि-यस्स समणोवासयस्स एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे नाममु(द्दगं)द्दं च उत्तरि(यं)ज्जं च पुढ-विसिलापट्टयाओ गे(गि)ण्हइ, २ त्ता सखिंखिणिं[०] अन्तलि-क्खपडिवन्ने कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी-हं भो कुण्डकोलि०समणोवासया! सुन्दरी णं देवाणुप्पिया! गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती, नत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वी(वि)रिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा, नियया सव्व-भावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती, अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा, अणियया सव्वभावा ॥ ४० ॥ तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए तं देवं एवं वयासी-जइ णं देवा-! सुन्दरी गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती-नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव नियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती-अत्थि उट्ठाणे इ वा जाव अणियया सव्वभावा, तुमे णं देवा-! इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे किणा लद्धे, किणा पत्ते, किणा अभि-समन्नागए, कि उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेणं, उदाहु अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं? तए णं से देवे कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मए इमेयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरि-सक्कारपरक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया। तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए तं देवं एवं वयासी-जइ णं देवा-! तुमे इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, जेसिं णं जीवाणं नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा, ते कि न देवा? अह णं देवा-! तुमे इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ उट्ठाणेणं जाव परक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, तो जं वदसि-सुन्दरी णं गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती, नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव नियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती-अत्थि उट्ठाणे इ वा जाव अणियया सव्वभावा, तं ते मिच्छा। तए णं से देवे कुण्ड-

कोलिएणं समणोवासएणं एवं वुत्ते समाणे संकिए जाव कलु(स)सं समावन्ने नो संचाएइ कुण्डकोलियस्स समणोवासयस्स किंचि पा(मु)मोक्खमाइक्खित्तए, नाममुद्दयं च उत्तरिज्जयं च पुढविसिलापट्टए ठवेइ, ठवेत्ता जामेव दि-सिं पाउब्भूए तामेव दि-सिं पडिगए । तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे । तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे हट्ठ(तुट्ठ) जहा कामदेवो तहा निग्गच्छइ जाव पज्जुवासइ । धम्मकहा ॥ ४१ ॥ 'कुण्डकोलिया' इ समणे भगवं महावीरे कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी-से नूणं कुण्डकोलिया ! कल्लं तुब(मं)भ पुव्वावरण्हकालसमयंसि असोगवणियाए एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था । तए णं से देवे नाममुद्दं च तहेव जाव पडिगए । से नूणं कुण्डकोलिया ! अट्ठे समट्ठे ? हन्ता अत्थि । तं धन्ने सि णं तुमं कुण्डकोलिया ! जहा कामदेवो । 'अज्जो' इ समणे भगवं महावीरे समणे निग्गन्थे य निग्गन्थीओ य आमन्तित्ता एवं वयासी-जइ ताव अज्जो ! गिहिणो गि-हमज(ज्झे)ज्झावसन्ता णं अन्नउत्थिए अट्ठेहिं य हेऊहिं य पसिणेहि य कारणेहि य वागरणेहि य निप्पट्ठपसिणवागरणे करेन्ति, सक्का पुणाइं अज्जो ! समणेहिं निग्गन्थेहिं दुवालसङ्गं गणिपिडगं अहिज्जमाणेहिं अन्नउत्थिया अट्ठेहि य जाव निप्पट्ठपसि(णा)णवागरणा करित्तए । तए णं समणा निग्गन्था य निग्गन्थीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेन्ति । तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता पसिणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठमादियइ, २ त्ता जामेव दि-सं पाउब्भूए तामेव दि-सं पडिगए । सामी वहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ४२ ॥ तए णं तस्स कुण्डकोलियस्स समणोवासयस्स वहूहिं सील[०]जाव भावेमाणस्स चोद्द[स]स संवच्छराइं व(वि)इक्कन्ताइं, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अन्तरा वट्टमाणस्स अन्नया कयाइ जहा कामदेवो तहा जेट्ठपुत्तं (कुडुंवे) ठवेत्ता तहा पोसहसालाए जाव धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता णं विहरइ । एवं एक्कारस उवासगपडिमाओ, तहेव जाव सोहम्मे कप्पे अरुणज्झए विमाणे जाव अन्तं काहिइ ॥ ४३ ॥ निक्खेवो ॥ **सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥**

सत्तमस्स उक्खेवो । पोलासपु(र)रे नामं नयरे । सहस्सम्बव(णं)णे उज्जा-णे । जियसत्तू राया । तत्थ णं पोलासपुरे नयरे सद्दालपुत्ते नामं कुम्भकारे आजीविओवासए परिवसइ, आजीवियसमयंसि लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगयट्ठे अट्ठिमिंजपेमाणुरागरत्ते य, अयमाउसो ! आजीवियसमए अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठेत्ति (एवं) आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तस्स णं सद्दालपुत्तस्स

आजीविओवासगस्स एक्का हिरण्णकोडी निहाणपउत्ता, एक्का वुड्ढिपउत्ता, एक्का पवित्थरपउत्ता, ए(गे)क्के वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं। तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओवास(य)गस्स अग्गिमित्ता नामं भारिया होत्था। तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स पोलासपुरस्स नगरस्स बहिया पञ्च कुम्भकारावणसया होत्था। तत्थ णं बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं बहवे करए य वारए य पिहडए य घडए य अद्धघडए य कलसए य अलिञ्जरए य जम्बूलए य उट्टियाओ य करेन्ति। अन्ने य से बहवे पुरिसा दिन्नभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं तेहिं बहूहिं करएहि य जाव उट्टिया(हिं)हि य रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति॥ ४४॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए अन्नया कयाइ पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे अन्तलिक्खपडिवन्ने सखिंखिणियाइं जाव परिहिए सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी-एहिइ णं देवाणुप्पिया! कल्लं इ(ह)हं महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे तीयपडुप्पन्नमणागयजाणए अरहा जिणे केवली सव्वण्णू सव्वदरिसी तेलोक्कवहियमहियपूइए सदेवमणुयासुरस्स लो-गस्स अच्चणिज्जे वन्दणिज्जे (पूयणिज्जे) सक्कारणिज्जे संमाणणिज्जे कल्लाणं मङ्गलं देवयं चेइयं जाव पज्जुवासणिज्जे त(वो)च्चकम्मसम्पयासम्पउत्ते, तं णं तुमं वन्देज्जाहि जाव पज्जुवासेज्जाहि, पाडिहारिए-णं पीढफलगसिज्जासंथारएणं उवनिमन्तेज्जाहि, दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयइ वइत्ता जामेव दि-सं पाउब्भूए तामेव दि-सं पडिगए॥ ४५॥ तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तेणं देवेणं एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ समुप्पन्ने-'एवं खलु म-मं धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मङ्खलिपुत्ते, से णं महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव त-च्चकम्मसम्पयासम्पउत्ते, से णं कल्लं इहं हव्वमागच्छिस्सइ। तए णं तं अहं वन्दिस्सामि जाव पज्जुवासिस्सामि, पाडिहारिएणं जाव उवनिमन्तिस्सामि'॥ ४६॥ तए णं कल्लं जाव जलन्ते समणे भगवं महावीरे जाव समोस(ढे)रिए। परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं, वन्दामि जाव पज्जुवासामि' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे मणुस्सवग्गुरापरिगए साओ गिहाओ पडिणि-(ग्गच्छ)क्खमइ, २ त्ता पोलासपुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता

जेणेव सहस्सम्बवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता जाव पज्जुवासइ ॥ ४७ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तीसे य महइ जाव धम्मकहा समत्ता। 'सद्दालपुत्ता' २ समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी-'से नूणं सद्दालपुत्ता! कल्लं तुमं पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया जाव विहरसि। तए णं तुब्भं एगे देवे [अन्तियं] पाउब्भवित्था। तए णं से देवे अन्तलिक्खपडिवन्ने एवं वयासी-ह भो सद्दालपुत्ता! तं चेव सव्वं जाव पज्जुवासिस्सामि'। से नूणं सद्दालपुत्ता! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। (तं) नो खलु सद्दालपुत्ता! तेणं देवेणं गोसालं मङ्खलिपुत्तं पणिहाय एवं वुत्ते। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासयस्स समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४-'एस णं समणे भगवं महावीरे महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव तच्चकम्मसम्पया-सम्पउत्ते, तं सेयं खलु ममं समणं भगवं महावीरं वन्दित्ता नमंसित्ता पाडिहारिएणं पीढफलग[०]जाव उवनिमन्तित्तए' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-'एवं खलु भन्ते! ममं पोलासपुरस्स नयरस्स बाहिया पञ्च कुम्भकारावणसया। तत्थ णं तुब्भे पाडिहारियं पीढ[०]जाव संथारयं ओगिण्हित्ता-णं विहरह'। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स पञ्चकुम्भकारावणसएसु फासुएसणिज्जं पाडिहारियं पीढफलग-जाव संथारयं ओगिण्हि(त्ता)त्ता-णं विहरइ ॥४८॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए अन्नया कया(इ)इ वायाहययं कोलालभण्डं अन्तो सालाहिंतो बहिया नीणेइ, नीणेत्ता आयवंसि दलयइ। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी-'सद्दालपुत्ता! एस णं कोलालभण्डे कओ?' तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-एस णं भन्ते! पुव्विं मट्टिया आसी, तओ पच्छा उदएणं निमिज्जइ, २ त्ता छारेण य करिसेण य एगयओ मीसिज्जइ, २ त्ता चक्के आ(रु)रोहिज्जइ, त(त्तो)ओ बहवे करगा य जाव उट्टियाओ य कज्जंति। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीवि-ओवासयं एवं वयासी-'सद्दालपुत्ता! एस णं कोलालभण्डे किं उट्ठाणेणं जाव पुरिस-क्कारपरक्कमेणं कज्ज(न्ति)ति, उदाहु अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं कज्ज-ति?' तए णं से सद्दालपु(त्तो)त्ते आजीविओवासए समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-

'भन्ते! अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं(कज्जति), नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा, नियया सव्वभावा' ॥ ४९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी-'सद्दालपुत्ता! जइ णं तुब्भं केइ पुरिसे वायाहयं वा पक्केल्लयं वा कोलालभण्डं अवहरे(ज)ज्जा वा वि(क्खरि-)क्खिरेज्जा वा भिन्दे-ज्जा वा अच्छिदे-ज्जा वा परि(ठ)ट्ठवे-ज्जा वा, अग्गिमित्ताए वा भारियाए सद्धिं विउ(उरा)लाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणे विहरे(-वा)ज्जा, तस्स णं तुमं पुरिसस्स किं दण्डं [नि]वत्तेज्जासि?' भन्ते! अहं णं तं पुरिसं आओसे-ज्जा वा हणे-ज्जा वा वं(वंधि)धेज्जा वा महे-ज्जा वा तज्जे-ज्जा वा ताले-ज्जा वा निच्छोडे-ज्जा वा निब्(भं)भच्छे-ज्जा वा अकाले चेव जीवियाओ ववरो(वि)वे(-वा)ज्जा। सद्दालपुत्ता! नो खलु तुब्(भ)भं केइ पुरिसे वा(त)याहयं वा पक्केल्लयं वा कोलालभण्डं अवह(रे)रइ वा जाव परिट्ठवेइ वा, अग्गिमित्ताए वा भारियाए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणे विहरइ, नो वा तुमं तं पुरिसं आओसेज्जसि वा ह(णे)णिज्जासि वा जाव अकाले चेव जीवियाओ ववरो-वेज्जसि, जइ(णं)नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा नि(ति)यया सव्वभावा। अ(हं)ह णं तुब्भं के(ई)इ पुरिसे वायाहयं जाव परिट्ठवेइ वा, अग्गिमित्ताए वा जाव विहरइ, तुमं वा तं पुरिसं आओसेसि वा जाव ववरो(-ज्ज)वेसि, तो जं वदसि नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव नियया सव्वभावा तं ते मिच्छा। एत्थ णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए सम्बुद्धे ॥ ५० ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-'इच्छामि णं भन्ते! तुब्भं अन्ति(यं)ए धम्मं निसामेत्तए'। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तीसे य जाव धम्मं परिकहेइ। तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए जहा आणंदो तहा गिहिधम्मं पडिवज्जइ। नवरं एगा हिरण्णकोडी निहाणपउत्ता, एगा हिरण्णकोडी वु-ड्ढिपउत्ता, एगा हिरण्णकोडी पवित्थरपउत्ता, ए(ग)गे वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं, जाव समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वन्दित्ता नमंसित्ता जेणेव पोलासपुरे नयरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पोलासपुर नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव अग्गिमित्ता भारिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता अग्गिमित्तं भारियं एवं वयासी-'एवं खलु देवाणुप्पिए! समणे भगवं महावीरे जाव समोस-ढे, तं गच्छाहि णं तुमं समणं भगवं महावीरं, वन्(द)दाहि जाव पज्जुवा(स)साहि, समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिव-ज्जाहि' ॥ ५१ ॥ तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया

सद्दालपुत्तस्स समणोवासगस्स 'त-ह'त्ति एयमट्ठं विणए-णं पडिसुणेइ। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए कोडुम्बियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी-'खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्तजोइयं समखुरवालिहाणसमलिहियसिंग(हि)एहिं जम्बूणयामयकलावजोत्तपइविसिट्ठएहिं रययामयघण्टसुत्तरज्जुगवरकञ्चणखइयनत्थापग्गहोग्ग-हि(य)एहिं नीलुप्पलकयामे(ला)लएहिं पवरगोणजुवाणएहिं नाणामणिकणगघण्टिया-जालपरिगयं सुजायजुगजुत्तउज्जुगपसत्थसुविरइयनिम्मियं पवरलक्खणोववेयं जुत्तामेव धम्मियं जाणप्पवरं उवट्ठवेह, उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह'। तए णं ते कोडुम्बियपुरिसा जाव पच्चप्पिणन्ति ॥ ५२ ॥ तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा (जाव) चेडिया-चक्कवालपरिकिण्णा धम्मियं जाणप्पवरं दुरुहइ, दुरुहित्ता पोलासपुरं नग(णय)रं मज्झं-मज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणेव सहस्सम्बवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता धम्मियाओ जाणाओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता चेडियाचक्कवालपरिवुडा जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो जाव वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता नच्चासन्ने नाइदूरे जाव पञ्जलिउडा ठिइया चेव पज्जुवासइ ॥ ५३ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अग्गिमित्ताए तीसे य जाव धम्मं कहेइ। तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-'सद्दहामि णं भन्ते! निग्गन्थं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे व(द)यह, जहा णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए वहवे उग्गा भोगा जाव पव्वइया नो खलु अहं तहा संचाएमि देवाणुप्पियाणं अन्तिए मुण्डा भवित्ता जाव अ(ह)हं णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहि-धम्मं पडिवज्जिस्सामि'। अहासुहं देवाणुप्पिया! (म)मा पडिबन्धं करेह। तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्त-सिक्खावइयं दुवालसविहं गिहि(सावग)धम्मं पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता त(ता)मेव धम्मियं जा(णं)णप्पवरं दुरुहइ, दुरुहित्ता जामेव दि-सं पाउब्भूया तामेव दि-सं पडिगया। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पोलासपुराओ [नयराओ] सहस्सम्बव(ण)णाओ (उज्जा-णाओ) पडि-निग्गच्छइ, पडिनिग्गच्छित्ता वहिया जणवयविहारं विहरइ ॥५४॥ तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तए णं से गोसाले मङ्खलिपुत्ते इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे-'एवं खलु सद्दालपुत्ते आजीवियसमयं वमि-

(चइ)त्ता समणाणं निग्गन्थाणं दिट्ठिं पडिवन्ने, तं गच्छामि णं सद्दालपुत्तं आजीविओ-वासयं समणाणं निग्गन्थाणं दिट्ठिं वामेत्ता पुणरवि आजीवियदिट्ठिं गे-ण्हावित्तए' त्ति-कट्टु एवं सम्पेहेइ, सपेहित्ता आजीवियसङ्घसम्परिवुडे जेणेव पोलासपुरे नयरे जेणेव आजीवियसभा तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता आजीवियसभाए भण्ड-(ग)निक्खेवं करेइ, करेत्ता कइवएहिं आजीविएहिं सद्धिं जेणेव सद्दालपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छइ। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मङ्खलिपुत्तं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता नो आढाइ, नो परिजा(णा)णइ, अणाढा[य]माणे अपरिजाण-माणे तुसिणीए संचिट्ठइ ॥ ५५ ॥ तए णं से गोसाले मङ्खलिपुत्ते सद्दालपुत्तेणं समणो-वासएणं अणाढाइज्जमाणे अपरिजाणिज्जमाणे पीढफलगसिज्जासंथारट्ठयाए समणस्स भगवओ महावीरस्स गुणकित्तणं करे(ति)माणे सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी-'आगए णं देवाणुप्पिया! इहं महामाहणे?' तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मङ्खलिपुत्तं एवं वयासी-'के णं देवाणुप्पिया! महामाहणे?' तए णं से गोसाले मङ्खलि-पुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी-'समणे भगवं महावीरे महामाहणे' 'से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया! एवं वु(उ)च्चइ-समणे भगवं महावीरे महामाहणे?' 'एवं खलु सद्दालपुत्ता! समणे भगवं महावीरे महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव महिय-पूइए जाव त-च्चकम्मसम्पयासंपउत्ते, से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया! एवं वु-च्चइ-समणे भगवं महावीरे महामाहणे' 'आगए णं देवाणुप्पिया! इहं महागोवे?' 'के णं देवाणुप्पिया! महागोवे?' 'समणे भगवं महावीरे महागोवे' 'से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया! जाव महागोवे?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे न(त)स्समाणे विणस्समाणे खज्जमाणे छिज्जमाणे भिज्जमाणे लुप्पमाणे विलुप्प-माणे धम्ममएणं दण्डेणं सा(सं)रक्खमाणे संगोवेमाणे निव्वाणमहावा(डे)डं साहत्थिं सम्पावेइ, से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे महागोवे' 'आगए णं देवाणुप्पिया! इहं महासत्थवाहे?' 'के णं देवाणुप्पिया! महासत्थवाहे?' सद्दालपुत्ता! समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे' 'से केणट्ठेणं (देवाणु० महासत्थ-वाहे)?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे न-स्समाणे विणस्समाणे जाव विलुप्पमाणे (उम्मग्गपडिवण्णे) धम्ममएणं पन्थेणं सा-रक्खमाणे निव्वाणमहापट्ट(णंसि)णाभिमुहे साहत्थिं सम्पावेइ, से तेणट्ठेणं सद्दा-लपुत्ता! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे' 'आगए णं देवाणु-प्पिया! इहं म(ह)हाधम्मकही?' 'के णं देवाणुप्पिया! महाधम्मकही?' 'समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही' 'से केणट्ठेणं समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही?' 'एवं

खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे महइमहालयंसि संसारं(मि)सि वहवे जीवे न-स्समाणे विणस्समाणे [खज्जमाणे छिज्जमाणे भिज्जमाणे लुप्पमाणे विलुप्पमाणे] उम्मग्गपडिवन्ने सप्पहविप्पणट्ठे मिच्छत्तवलाभिभूए अट्ठविहकम्मतमपडलप(डि)डो-च्छन्ने वहूहिं अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य चाउरन्ताओ संसारकन्ताराओ साहत्थिं नित्थारेइ, से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे महाधम्म-कही' 'आगए णं देवाणुप्पिया! इहं महानिज्जामए?' '(से) के णं देवाणुप्पिया! महानिज्जामए?' 'समणे भगवं महावीरे महानिज्जामए' 'से केणट्ठेणं (समणे०)?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे संसारमहासमुद्दे वहवे जीवे न-स्समाणे विणस्समाणे [जाव विलुप्पमाणे] वु(वु)ड्डमाणे नि(वु)वुड्डमाणे उप्पियमाणे धम्ममईए नावाए निव्वाणतीराभिमुहे साहत्थिं सम्पावेइ, से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे महानिज्जामए' ॥ ५६ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मङ्खलिपुत्तं एवं वयासी-'तुब्भे णं देवाणुप्पिया! इयच्छेया जाव इयनिउणा इयनयवादी इयउवएसलद्धा इयविण्णाणपत्ता, पभू णं तुब्भे मम धम्मायरिएणं धम्मोवएसएणं (समणेणं) भगवया महावीरेणं सद्धिं विवादं क(रि)रेत्तए?' 'नो ति(इ)-णट्ठे समट्ठे' 'से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया! एवं वुच्चइ-नो खलु पभू तुब्भे मम धम्माय-रिएणं जाव महावीरेणं सद्धिं विवादं क-रेत्तए?' 'सद्दालपुत्ता! से जहानामए केइ पुरिसे तरुणे जुगवं जाव निउणसिप्पोवगए एगं महं अयं वा एलयं वा सूयरं वा कुक्कुडं वा तित्तिरं वा वट्टयं वा लावयं वा कवोयं वा कविञ्जलं वा वायसं वा सेणयं वा हत्थंसि वा पायंसि वा खुरंसि वा पुच्छंसि वा पिच्छंसि वा सिङ्गंसि वा विसाणंसि वा रोमंसि वा जहिं जहिं गिण्हइ तहिं तहिं निच्चलं निप्फन्दं धरेइ, एवामेव समणे भगवं महावीरे ममं वहूहिं अट्ठेहि य हेऊहि य जाव वागरणेहि य जहिं जहिं गिण्हइ तहिं तहिं निप्पट्ठपसिणवागरणं करेइ, से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता! एवं वुच्चइ-नो खलु पभू अहं तव धम्मायरिएणं जाव महावीरेणं सद्धिं विवादं क-रेत्तए' ॥ ५७ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मङ्खलिपुत्तं एवं वयासी-'जम्हा णं देवाणुप्पिया! तुब्भे मम धम्मायरियस्स जाव महावीरस्स संतेहिं तच्चेहिं तहिएहिं (सव्वेहिं) सब्भूए-हिं भावेहिं गुणकित्तणं करेह तम्हा णं अहं तुब्भे पाडिहारिएणं पीढ-जाव संथारएणं उवनिमन्तेमि, नो चेव णं धम्मो-त्ति वा तवो-त्ति वा, तं गच्छह णं तुब्भे मम कुम्भारावणेसु पाडिहारियं पीढफलग-जाव ओगिण्हि(उव-संपज्जि)त्ताणं विहरह'। तए णं से गोसाले मङ्खलिपुत्ते सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता कुम्(भका)भारावणेसु पाडिहारियं पीढ जाव ओगि-

ण्हि-त्ता-णं विहरइ। तए णं से गोसाले मङ्खलिपुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं जाहे नो संचाएइ बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य सण्णवणाहि य विण्णवणाहि य (परुवणेहि य) निग्गन्थाओ पावयणाओ (सं)चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे सन्ते तन्ते परितन्ते पोलासपुराओ नगराओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ॥ ५८॥ तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स बहूहिं सील-जाव भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छरा व(वी)इक्कन्ता, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अन्तरा वट्टमाणस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले जाव पोसहसालाए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स (अंतिए) पुव्वरत्तावरत्तका(लसमयंसि)ले एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे एगं महं नीलुप्पल-जाव असिं गहाय सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी-जहा चुलणीपियस्स तहेव देवो उवसग्गं करेइ, नवरं एक्केक्के पुत्ते नव (२) मंससोल्लए करेइ जाव कणीयसं घाएइ, घाइत्ता जाव आयञ्चइ। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे सद्दालपुत्तं समणोवासयं अभीयं जाव पा(से)सित्ता चउत्थं-पि सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी-'हं भो सद्दालपुत्ता! समणोवासया! अपत्थियप-त्थया जाव न भञ्जसि तओ ते जा इमा अग्गिमित्ता भारिया धम्मसहाइया धम्म(वि)विइज्जिया धम्माणुरागरत्ता समसुहदु(ह)क्खसहाइया तं ते साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता नव मंससोल्लए करेमि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आयञ्चामि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्ट[०] जाव ववरोविज्जसि'। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे सद्दालपुत्तं समणोवासयं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी-'हं भो सद्दालपुत्ता! समणोवासया! तं चेव भणइ। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्तस्स समाणस्स अयं अज्झत्थिए ४ समुप्प(ज्जित्था)न्ने। एवं जहा चुलणीपिया तहेव चिन्तेइ-'जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं, जेणं ममं मज्झि-मयं पुत्तं, जेणं म-मं कणीयसं पुत्तं जाव आयञ्चइ, जा-ऽ-वि य णं म-मं इमा अग्गिमित्ता भारिया समसुहदु-क्खसहाइया तं-पि य इच्छइ साओ गिहाओ नीणेत्ता मम अग्गओ घाएत्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए' त्ति-कट्टु उ-द्धाइए जहा चुलणीपिया तहेव सव्वं भाणियव्वं, नवरं अग्गिमित्ता भारिया कोलाहलं सु(णे)णित्ता भणइ, सेसं जहा चुलणिपियावत्तव्वया, नवरं अरुणभूए विमाणे उव(वाओ)वन्ने, जाव महाविदे(ह)हे वासे सिज्झि-

हिइ (५)॥ ५९ ॥ निक्खे(वो)वओ ॥ **सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥**

अट्ठमस्स उक्खेवओ । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे । गुणसि(लए)ले उज्जाणे । सेणि(य)ए राया । तत्थ णं रायगिहे महासयए नामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे-जहा आणन्दो । नवरं अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ निहाणपउत्ताओ, अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ वु(-ड्ढी)ड्ढिपउत्ताओ, अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ पवित्थरपउत्ताओ, अट्ठ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । तस्स णं महासयगस्स रेव(इ)ईपामोक्खाओ तेरस भारियाओ होत्था, अहीण[०] जाव सुरूवाओ । तस्स णं महासयगस्स रेवईए भारियाए कोल(ह)घरियाओ अट्ठ हिरण्णकोडीओ, अट्ठ-वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं होत्था । अवसेसाणं दुवालसण्हं भारियाणं कोल-घरिया एगमेगा हिरण्णकोडी, एगमेगे य वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं होत्था ॥ ६० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोस-ढे । परिसा निग्गया । जहा आणन्दो तहा निग्गच्छइ, तहेव साव(ग)यधम्मं पडिवज्जइ । नवरं अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ उच्चारेइ, अट्ठ वया, रेवईपामोक्खाहिं तेर(से)सहिं भारियाहिं अवसेसं मेहुणविहिं पच्चक्खाइ, सेसं सव्वं तहेव । इमं च णं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ-कल्लाकल्लिं [च णं] कप्पइ मे बे(वे-दो)दोणियाए कंसपाईए हिरण्णभरियाए संववहरित्तए । तए णं से महासयए समणोवासए जाए अभिगय-जीवाजीवे जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६१ ॥ तए णं तीसे रेव-ईए गाहावइणीए अन्नया कया-इ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कु(टु)डुम्ब[०] जाव इमेयारुवे अज्झत्थिए ४-'एवं खलु अहं इमासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं विघाएणं नो संचाएमि महासयएणं समणोवासएणं सद्धिं उ(ओ)रालाइं माणुस्सयाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणी विहरित्तए, तं सेयं खलु म-मं एयाओ दुवालस-वि सवत्तियाओ अग्गिप्पओगेणं वा सत्थप्पओगेणं वा विसप्पओगेणं वा जीवियाओ ववरोवित्ता, एयासिं एगमेगं हिरण्णको(डीं)डिं एगमेगं वयं सयमेव उवसम्पज्जित्ता-णं महासयएणं समणोवासएणं सद्धिं उरालाइं जाव विहरित्तए' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अन्तराणि य छिद्दाणि य वि(रहा)वराणि य पडिजागरमाणी विहरइ । तए णं सा रेवई गाहावइणी अन्नया कया-इ तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अन्तरं जाणित्ता छ सवत्तीओ सत्थप्पओगेणं उद्दवेइ, उद्दवेत्ता छ सवत्तीओ विसप्पओगेणं उद्दवेइ, उद्दवेत्ता तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं कोलघरियं एगमेगं हिरण्णकोडिं एगमेगं वयं सयमेव पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता महासयएणं

समणोवासएणं सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणी विहरइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी मंसलोलुया मंसेसु मुच्छिया जाव अज्झोववन्ना बहुविहेहिं मंसेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य सुरं च महुं च मेरगं च मज्जं च सीधुं च पसन्नं च आसाएमाणी ४ विहरइ ॥ ६२ ॥ तए णं रायगिहे नयरे अन्नया कयाइ अमा(रि)घाए घुट्ठे यावि होत्था। तए णं सा रेवई गाहावइणी मंसलोलुया मंसेसु मुच्छिया ४ कोलघरिए पुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-'तुब्भे (णं) देवाणुप्पिया! म(मं)म कोलघरिएहिंतो (गो)वएहिंतो कल्लाकल्लिं दुवे दुवे गोणपोयए उद्दवेह, उद्दवेत्ता मम्मं उवणेह। तए णं (ते) कोल-घरिया पुरिसा रेव-ईए गाहावइणीए 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसु(णे)णन्ति, पडिसुणेत्ता रेवईए गाहावइणीए कोलघरिएहिंतो वएहिंतो कल्लाकल्लिं दुवे दुवे गोणपोयए वहेन्ति,वहेत्ता (तं) रेवईए गाहावइणीए उवणेन्ति। तए णं सा रेवई गाहावइणी तेहिं गोणमंसेहिं सोल्लेहि य ४ सुरं च ६ आसाएमाणी ४ विहरइ ॥ ६३ ॥ तए णं तस्स महासयगस्स समणोवासगस्स बहूहिं सील-जाव भावेमाणस्स चो(चउ)द्दस संवच्छरा वइक्कन्ता। एवं तहेव जे(ट्ठ)ट्ठं पुत्तं ठवेइ जाव पोसहसालाए धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी मत्ता लुलिया विइण्णकेसी उत्तरिज्जयं विकड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मोहुम्मायजणणाइं सिङ्गारियाइं इत्थिभावाइं उवदंसेमाणी २ महासययं समणोवासयं एवं वयासी-'हं भो महासय(गा)या! समणोवासया! धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया मोक्खकामया धम्मकङ्खिया ४ धम्मपिवासिया ४ किण(कि)णं तुब्भं देवाणुप्पिया! धम्मेण वा पुण्णेण वा सग्गेण वा मोक्खेण वा [?] जण्णं तुमं मए सद्धिं उ-रालाइं जाव भुञ्जमाणे नो विहरसि(?)'। तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए एयमट्ठं नो आढाइ, नो परियाणाइ, अणाढायमाणे अपरियाणमाणे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी महासययं समणोवासयं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी-'हं भो! (म० स०) तं चेव भणइ, सो-ऽ-वि तहेव जाव अणाढायमाणे अपरियाणमाणे विहरइ। तए णं सा रेव-ई गाहावइणी महासयएणं समणोवासएणं अणाढाइज्जमाणी अपरियाणिज्जमाणी जामेव दि-सिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडिगया ॥ ६४ ॥ तए णं से महासयए समणोवासए पढमं उवासगपडिमं उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ। पढमं अहासुत्तं जाव एक्का-रस-ऽ-वि। तए णं से महासयए समणोवासए तेणं उरालेणं जाव किसे धम-णिसन्तए जाए। तए णं तस्स महासययस्स समणोवासयस्स अन्नया कया(इ)ई

पुव्वरत्तावरत्तकाले धम्मजागरियं जागरमाणस्स (इमेयारूवे) अयं अज्झत्थिए ४- 'एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं जहा आणन्दो तहेव अपच्छिममारणन्तियसंलेहणा-(ए झो)झूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए कालं अणवकङ्खमाणे विहरइ। तए णं तस्स महासयगस्स समणोवासगस्स सुभेणं अज्झवसाणे(परिणामे)णं जाव खओवस-मेणं ओहिणाणे समुप्पन्ने। पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे जोयण(स)साह(स्स)स्सियं खे(त्तं)त्तं जाणइ पासइ, एवं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं जाव चुल्लहिमवन्तं वासहरपव्वयं जाणइ पासइ, अहे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं नरयं चउ(चो)रासी[इ]वा-ससहस्सट्ठिइयं जाणइ पासइ ॥ ६५॥ तए णं सा रेवई गाहावइणी अन्नया कया-इ मत्ता जाव उत्तरिज्जयं विकड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए समणो-वासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता महासययं तहेव भणइ, जाव दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी-'हं भो तहेव। तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्ते समाणे आसु-रुत्ते ४ ओहिं पउंजइ, पउंजित्ता ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी-'हं भो रेव(ई)इ! अपत्थियपत्थिए-!-४ एवं खलु तुमं अन्तो सत्तरत्तस्स अलसएणं वाहिणा अभि-भूया समाणी अट्टदुहट्टवसट्टा असमाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अहे इमीसे रयण-प्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुए नरए चउरासी(ई)इवाससहस्सट्ठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए उववज्जिहिसि'। तए णं सा रेवई गाहावइणी महासयएणं समणोवासएणं एवं वुत्ता समाणी (भीया) एवं वयासी-'रुट्ठे णं म-मं महासयए समणोवासए, हीणे णं म-मं महासयए समणोवासए, अवज्झाया णं अहं महासयएणं समणोवासएणं, न नज्जइ णं अहं केणवि कुमारेणं मारिज्जिस्सामि'त्ति-कट्टु भीया तत्था तसिया उव्विग्गा सञ्जायभया सणियं २ पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ओहय[०]जाव झियाइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी अन्तो सत्तरत्तस्स अलसएणं वाहिणा अभिभूया अट्टदुहट्टवसट्टा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्प-भाए पुढवीए लोलुयच्चुए नरए चउरासीइवाससहस्सट्ठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए उववन्ना ॥ ६६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे, समोस-रणं, जाव परिसा पडिगया। 'गोयमा'-!-इ समणे भगवं महावीरे एवं वयासी-'एवं खलु गोयमा! इहेव रायगिहे नयरे म-मं अन्तेवासी महासयए नामं समणोवासए पोसहसालाए अपच्छिममारणन्तियसंलेहणाए झूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए कालं अणवकङ्खमाणे विहरइ। तए णं तस्स महासयगस्स रेवई गाहावइणी मत्ता जाव विक(ड्ढ)ड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए तेणेव उवागच्छइ, उवा-गच्छित्ता मोहुम्माय[०]जाव एवं वयासी-तहेव जाव दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी

तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्ते समाणे आसु-रुत्ते ४ ओहिं पउंजइ, पउंजित्ता ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी-जाव 'उववज्जिहिसि'। नो खलु कप्पइ गोयमा ! समणोवासगस्स अपच्छिम[०]जाव झूसियसरीरस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स परो सन्तेहिं तच्चेहिं तहिएहिं सब्भूएहि अणिट्ठेहिं अकन्ते-हिं अप्पिएहिं अमणुण्णेहिं अमणामेहिं वागरणेहिं वागरित्तए, तं गच्छ(ह)णं देवाणुप्पिया ! तुमं महासययं समणोवासयं एवं वयाहि-नो खलु देवाणुप्पिया ! कप्पइ समणोवासगस्स अपच्छिम-जाव भत्तपाणपडियाइक्खियस्स परो सन्ते-हिं जाव वागरित्तए। तुमे य णं देवाणुप्पिया ! रेवई गाहावइणी संतेहिं ४ अणिट्ठेहिं ५ वागरणेहिं वागरिया, तं णं तुमं एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव जहारिहं च पायच्छित्तं पडिव-ज्जाहि'। तए णं से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता रायगिहं न(ग)यरं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ, अणुपविसित्ता जेणेव महासयगस्स समणोवासयस्स गिहे जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ। तए णं से महासयए (समणोवासए) भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता ह(ट्ठे)ट्ठ जाव हियए भगवं गोयमं वन्दइ नमंसइ। तए णं से भगवं गोयमे महासययं समणोवासयं एवं वयासी-'एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ भासइ पण्णवेइ परूवेइ-नो खलु कप्पइ देवाणुप्पिया ! समणोवासगस्स अपच्छिम जाव वागरित्तए, तुमे णं देवाणुप्पिया ! रेवई गाहावइणी सन्तेहि जाव वागरि(या)आ, तं णं तुमं देवाणुप्पिया ! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिव-ज्जाहि'। तए णं से महासयए समणोवासए भग(वं)वओ गोयमस्स 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव अहारिहं च पायच्छित्तं पडिवज्जइ। तए णं से भगवं गोयमे महासयगस्स समणोवासयस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समण भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता संजमे(णं)ण तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कया-इ रायगिहाओ नयराओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६७ ॥ तए णं से महासयए समणोवासए बहूहि सील-जाव भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवास-यपरिया(गं)यं पाउणित्ता ए-क्कारस उवासगपडिमाओ सम्मं काए-ण फासित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झू-सित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कन्ते समाहिपत्ते कालमासे

कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणवडिंसए विमाणे देवत्ताए उववन्ने । चत्तारि पलिओवमाइं ठिई । महाविदे-हे वासे सिज्झिहिइ ॥ ६८ ॥ निक्खेवो ॥ **सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥**

नवमस्स उक्खेवो । एवं खलु जम(बु)बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नयरी । कोट्ठ(ग)ए उज्जाणे । जियस-त्तू राया । तत्थ णं सावत्थीए नयरीए नन्दिणी-पिया नामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे । चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वु-ड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ, चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । अस्सिणी भारिया । सामी समोसढे । जहा आणन्दो तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ । सामी बहिया (विहारं) विहरइ । तए णं से नन्दिणीपिया समणोवासए जाए जाव विहरइ । तए णं तस्स नन्दिणीपियस्स समणोवासयस्स बहूहिं सीलव्वयगुण[०] जाव भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छराइं वइक्कन्ताइं । तहेव जेट्ठं पुत्तं ठवेइ, धम्मपण्णत्तिं, वीसं वासाइं परियागं, नाणत्तं अरुणगवे विमाणे उववाओ । महाविदे-हे वासे सिज्झिहिइ ॥ ६९ ॥ निक्खेवो ॥ **सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं नवमं अज्झयणं समत्तं ॥**

दसमस्स उक्खेवो । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी न-यरी । कोट्ठए उज्जाणे । जियस-त्तू राया । तत्थ णं सावत्थीए नयरीए सालिही-पिया नामं गाहावई परिवसइ । अड्ढे दित्ते । चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वु-ड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थर-पउत्ताओ । चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । फग्गुणी भारिया । सामी समोस-ढे । जहा आणन्दो त(ह)हेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ, जहा कामदेवो तहा जेट्ठं पुत्तं ठवे(इ)त्ता पोसहसालाए समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्तिं उवसम्प-ज्जित्ताणं विहरइ । नवरं निरुवसग्गाओ एक्कारस-वि उवासगपडिमाओ तहेव भाणिय-व्वाओ । एवं कामदेवगमेणं नेयव्वं जाव सोहम्मे कप्पे अरुणकीले विमाणे देवत्ताए उववन्ने । चत्तारि पलिओवमाइं ठिई, महाविदे-हे वासे सिज्झिहिइ ॥ ७० ॥(०)॥ **सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दसमं अज्झयणं समत्तं ॥**

दसण्ह-वि पणरसमे संवच्छरे वट्टमाणाणं चिन्ता । दसण्ह-वि वीसं वासाइं समणोवासयपरियाओ । एवं खलु जम्बू ! समणेणं जाव सम्पत्तेणं सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७१ ॥ उवासगदसाओ समत्ताओ । उवासगदसाणं सत्तमस्स अङ्गस्स एगो सुयखन्धो दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिस्सिज्जंति तओ सुयखन्धो समुद्दिस्सिज्जइ अणुण्णविज्जइ दोसु दिवसेसु, अङ्गं तहेव ॥

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

अंतगडदसाओ

[पढमो वग्गो]

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा-नामं न(ग)यरी (हो० व० तत्थ णं चं० न० उ० दि० ए०) पुण्णभद्दे (णा०) उज्जाणे (हो०) वण्णओ, (ती० चं० न० को० ना० ए० हो० म० हि० व०) तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मे (थे० जाव पं० अ० स० सं० पु० च० गा० सु० वि० जे० चं० न० जे० पु० उ० ते०) समोसरि(ते)ए परिसा निग्ग(ता)या जाव पडिग-या, तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी अज्जजंबू जाव पज्जुवास(माणे)इ, एवं व(दासि)यासी–ज-(ति)इ णं भंते ! समणेणं (भ० म०) आ(इग)दिकरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते अट्ठमस्स णं भंते ! अंगस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अट्ठ वग्गा पण्णत्ता, जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अट्ठ वग्गा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! वग्गस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०–'गोयम-समुद्द-सागर-गंभीरे चेव होइ थिमिए य । अयले कंपिल्ले खलु अक्खोभ-पसेण(ती)इ(वण्ही)विण्हू ॥ १ ॥' जइ णं भंते ! सम-णेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झ-यणा पण्णत्ता (तं० गो० जाव वि०) पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई-नामं नयरी होत्था, दुवालसजोयणायामा नवजो(अ)यणवित्थिण्णा धणवइम-इणिम्माया चामीकरपागारा नाणामणिपंचवण्णकविसीसग(परि)मंडिया सुरम्मा अल-कापुरिसंकासा पमुदियपक्कीलिया पच्चक्खं देवलोगभूया पासा(दी)दिया ४, तीसे णं

बारवईणयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं रेवयए नामं पव्वए होत्था तत्थ णं रेवयए पव्वए नंदणवणे नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ, सुरप्पिए नामं जक्खायतणे होत्था, असोगवरपायवे[०], तत्थ णं बारवइ(ए)ग-यरीए कण्हे नामं वासुदेवे राया परिवसइ महया[०] रायवण्णओ, से णं तत्थ समुद्दविजयपा(मु)मोक्खाणं दसण्हं दसाराणं बलदेवपा-मोक्खाणं पंचण्हं महावीराणं पज्जुण्णपामोक्खाणं अद्धुट्ठाणं कुमार-कोडीणं संबपामोक्खाणं सट्ठीए दुइंतसाहस्सीणं महसेणपामोक्खाणं छप्पण्णाए बल-च(रु-ग)यसाहस्सीणं वीरसेणपामोक्खाणं एगवीसाए वीरसाहस्सीणं उग्गसेणपामो-क्खाणं सोलसण्हं रायसाहस्सीणं रुप्पिणीपामोक्खाणं सोलसण्हं दे(वि)वीसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं ईसर जाव सत्थवाहाणं बारवईए नयरीए अद्धभरहस्स य सम-(न्त-त्त)त्थस्स आहेवच्चं जाव विहरइ, तत्थ णं बा(वा)रवईए नयरीए अंधग(वि-ण्हू)वण(णी)ही-नामं राया परिवसइ, महया० रायवण्णओ, तस्स णं अंधगवण्हिस्स रण्णो धारिणी नामं देवी होत्था वण्णओ, तए णं सा धारिणी देवी अण्णया कयाइं तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि (एवं) जहा महब्बले 'सुमिणदंसणकहणा जम्मं बाल-त्तणं कलाओ य। जोव्वणपाणिग्गहणं (कंता) कण्णा पासायभोगा य ॥ १ ॥' नवरं गोयमो नामेणं अट्ठण्हं रायवरकण्णाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेंति अट्ठट्ठओ दाओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी आ-दिकरे जाव विहरइ चउव्विहा देवा आगया कण्हे-वि निग्गए, तए णं तस्स गोयमस्स कुमारस्स[०] जहा मेहे तहा णिग्गए धम्मं सोच्चा (णि०) जं नवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि देवाणुप्पि-याणं० एवं जहा मेहे जाव अणगारे जाए [इरिया समि-ए] जाव इणमेव निग्गंथं पावयणं पुरओ काउं विहरइ, तए णं से गोयमे (अ०) अण्णया कया(इ)इं अरहओ अरिट्ठणेमिस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहि(ज्ज)-ज्जेइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ, (तएणं) ते अरिहा अरिट्ठणेमी अण्णया कया-इं बारवईओ [नयरीओ] नंदणवणाओ (उ०) पडिणिक्खमइ (२ त्ता) बहिया जणवयविहारं विहरइ, तए णं से गोयमे अणगारे अण्णया कया-इं जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आया-हिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए, एवं जहा खंदओ तहा बारस भिक्खुपडिमाओ फासेइ (०) गुणरयणं-पि तवोकम्मं तहेव फासेइ निरवसेसं जहा खंदओ तहा चिंतेइ तहा आपुच्छइ तहा थेरेहिं सद्धिं सेत्तुज्जं दुरूहइ मासियाए संलेहणाए बारस वरिसाइं परियाए जाव सिद्धे (५) ॥ १ ॥ एवं

खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं पढम[स्स]वग्ग[स्स]पढम[स्स]अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, एवं जहा गोयमो तहा सेसा वण्ही पिया धारिणी माया समुद्दे सागरे गंभीरे थिमिए अयले कंपिल्ले अक्खोभे पसेणई विण्(हुए)हू एए एगगमा, पढमो वग्गो दस अज्झयणा पण्णत्ता ॥ २ ॥

[दोच्चो वग्गो]

जइ दोच्चस्स वग्गस्स[०] उक्खेवओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं बा-रवईए नयरीए वण्ही पिया धारिणी माया–अक्खोभसागरे खलु समुद्दहिमवत-अ(य)चलनामे य । धरणे य पूरणे-वि य अभिचंदे चेव अट्ठमए ॥ १ ॥ जहा पढ(मो)मे वग(गो)गे तहा सव्वे अट्ठ अज्झयणा, गुणरय(ण)णं तवोकम्मं, सोलस-वासाइं परियाओ, सेत्तुज्जे मासियाए संलेहणाए (जाव) सि(द्धे)द्धी (०) ॥ ३ ॥

[तच्चो वग्गो]

जइ तच्चस्स[०] उक्खेवओ एवं खलु जंबू ! (स० जाव सं० अ० अं०) तच्चस्स वग्गस्स अंतगडदसाणं तेरस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०–अणीयसे(ण) अणंतसेणे [अजियसे-णे] अणिहय(वि)रि(उ)ऊ देव(जसे)सेणे सत्तुसेणे सारणे गए सुमुहे दुम्मुहे कूवए दारुए अणादिट्ठी । जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं (०) तच्चस्स वग्गस्स अंतगडदसाणं तेरस अज्झयणा प० (तं० अ० जाव अ०) तच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स पढम-अज्झयणस्स अंतगडदसाणं (०) के अट्ठे प०? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं भद्दिलपुरे नामं न(य)गरे होत्था (रि०) वण्णओ, तस्स णं भद्दिलपुरस्स (न०) उत्तरपुर(त्थि)च्छिमे दिसीभाए सिरिवणे नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ, जियसत्तू राया, तत्थ णं भद्दिलपुरे न-यरे नागे नामं गाहावई होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए, तस्स णं नागस्स गाहावइस्स सुलसा नामं भारिया होत्था सू(सु-कु)माला जाव सुरूवा, तस्स णं नागस्स गाहावइस्स पुत्ते सुलसाए भारियाए अत्तए अणीय(ज)से-नामं कुमारे होत्था सू-माले जाव सुरूवे पंचधाइपरिक्खित्ते तं०–खीर-धाई[०] जहा दढपइण्णे जाव गिरि० सुहंसुहेणं परिवड्ढइ, तए णं तं अ(णि)णीयसं कुमारं सा(इ)तिरेगअट्ठवासजायं अम्मापियरो कलायरिय[०] जाव[०] भोगसमत्थे जाए यावि होत्था, तए णं तं अ-णीयसं कुमारं उम्मुक्कबालभावं जा(णे)णित्ता अम्मा-पियरो सरि[सियाणं] जाव बत्तीसाए इब्भवरकण्णगाणं एगदिवसे पाणिं गेण्हावेंति, तए णं से नागे गाहावई अणीयसस्स कुमारस्स इमं एयारूवं पीइदाणं दलयइ तं०–बत्तीसं हिरण्णकोडीओ[०] जहा म(ह०)हाबलस्स जाव उप्पिं पासायवरगए फुट्ट० विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठ[णेमी] जाव समोसढे सिरि-

वणे उज्जाणे ज(अ)हा जाव विहरइ परिसा निग्गया, तए णं तस्स अणीयसस्स (कु०) तं (म०) जहा गोयमे तहा नवरं सामाइयमाइयाइं चोद्दस-पुव्वाइं अहिज्जइ वीसं वासाइं परियाओ सेसं तहेव जाव सेत्तुञ्जे पव्वए मासियाए संलेहणाए जाव सिद्धे (५)। एवं खलु जंबू! समणेणं[०] अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स पढम-अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, एवं जहा अणीयसे एवं सेसा-वि अणं· तसे(णो)णे जाव सत्तुसेणे छ-अज्झयणा ए(ग)क्कगमा बत्तीसओ दाओ वीसं वासा परियाओ चोद्दस [पु०] सेत्तुञ्जे (जाव) सिद्धा ॥ छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥ ४ ॥ (ज० णं० भं० उ० स०) तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए नयरीए जहा पढ(मे नव-रं)मं वसुदेवे राया धारिणी देवी सीहो सुमिणे सारणे कुमारे पण्णासओ दाओ चोद्दस पुव्वा वीसं वासा परियाओ सेसं जहा गोयमस्स जाव सेत्तुञ्जे सिद्धे ॥ ५ ॥ जइ[०] उक्खे[व]ओ अट्ठमस्स एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए नयरीए जहा पढमे जाव अरहा अरिट्ठणेमी सामी समोसढे। तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतेवासी छ अणगारा भायरो सहोदरा होत्था सरिसया सरित्तया सरिव्वया नीलुप्पलगुलियअयसिकुसुमप्पगासा सिरिवच्छंकियवच्छा कुसुम· कुंडलभद्दलया नलकु(व्व)ब्बरसमाणा, तए णं ते छ अणगारा जं चेव दिवसं मुंडा भवेत्ता अ(आ)गाराओ अणगारियं पव्वइया तं चेव दिवसं (अरहं) अरिट्ठणेमिं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी—इच्छामो णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवकम्मसंजमेणं तवसा अप्पाणं भावे-माणे विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह, तए णं (ते) छ अण-गारा अरहया अरिट्ठणेमिणा अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विह(रें)रंति, तए णं-छ अणगारा अण्णया कयाइं छट्ठक्खमणपार(णं)णयंसि पढ-माए पोरिसीए सज्झायं करेंति ज(ह)हा गोय(मसा०)मो जाव इच्छामो णं (भं०) छट्ठक्खमणस्स पार(णा)णए तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा तिहिं संघाडएहिं बार-वईए नयरीए जाव अडित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह, तए णं-छ अणगारा अरहया अरिट्ठणेमिणा अब्भणुण्णाया समाणा अरहं अरिट्ठणेमि वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियाओ सह(स)संबवणाओ (०) पडिणि क्खमंति २ त्ता तिहिं संघाडएहिं अतुरियं जाव अडंति, तत्थ णं एगे संघाडए बार-वईए नयरीए उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमा· णे (२) वसुदेवस्स रण्णो देवईए देवीए गेहे अणुपविट्ठे, तए णं सा देवई देवी ते अणगारे एज्जमाणे पासइ पा(सइ)सेत्ता हट्ठ जाव हियया आसणाओ अब्भुट्ठेइ २

त्ता सत्तट्ठ-पयाइं (अ० २ त्ता) तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव भत्तघ(रे)रए तेणेव उवाग(च्छइ २ त्ता)या सीहकेसराणं मोयगाणं थालं भरेइ (०) ते अणगारे पडिलाभेइ (०) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता पडिविसज्जेइ, त(दा)याणंतरं च णं दोच्चे संघाडए बारवईए (न०) उच्च[०] जाव विसज्जेइ, तयाणंतरं च णं तच्चे संघाडए बारवईए न-गरीए उच्च-जाव पडिलाभेइ २ त्ता एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया! कण्हस्स वासुदेवस्स इमीसे बारवईए नयरीए (दु०) नवजोयण० पच्चक्खदेवलोगभूयाए समणा निग्गंथा उच्च–जाव अडमाणा भत्तपाणं नो लभंति (?) जण्णं ताइं चेव कुलाइं भत्तपाणाए भुज्जो २ अणुप्पविसंति ?, तए णं ते अणगारा देवइं देविं एवं वयासी–नो खलु देवा०! कण्हस्स वासुदेवस्स इमीसे बारवईए नयरीए जाव देवलोगभूयाए समणा निग्गंथा उच्च-जाव अडमाणा भत्तपाणं णो लभंति नो [जं] चेव णं ताइं ताइं कुलाइं दोच्चं-पि तच्चं-पि भत्तपाणाए अणुपविसंति, एवं खलु देवाणुप्पि०! अम्हे भद्दिलपुरे न-गरे नागस्स गाहावइस्स पुत्ता सुलसाए भारियाए अत्तया छ भायरो सहोदरा सरिसया[०] जाव नलकुब्बरसमाणा अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा-संसारभउव्विग्गा भीया जम्म(ण)मरणाणं मुंडा जाव पव्वइया, तए णं अम्हे जं चेव दिवसं पव्वइया तं चेव दिवसं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदामो नमंसामो वं० २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हामो–इच्छामो णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा जाव अहासुहं०, तए णं अम्हे अरहओ (अ०) अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरामो, तं अम्हे अज्ज छट्ठक्खमणपारणयंसि पढमाए पोरिसिए जाव अडमाणा तव गेहं अणुप्पविट्ठा, तं नो खलु देवाणुप्पिए! ते चेव णं अम्हे, अम्हे णं अण्णे-देवइं देविं एवं वदंति २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया, (तए णं) तीसे देवईए (देवीए) अयमेयारूवे अ(ब्भ)ज्झत्थिए ४ समुप्पण्णे, एवं खलु अहं पोलासपुरे नयरे अइमुत्तेणं कुमारसमणेणं बालत्तणे वागरिया तुमण्णं देवाणुप्पिए! अट्ठ पुत्ते पयाइस्ससि सरिसए जाव नलकु-ब्बरसमाणे नो चेव णं भरहे वासे अण्णाओ अम्मयाओ तारिसए पुत्ते पयाइस्संति तं णं मिच्छा, इमं णं पच्चक्खमेव दिस्सइ भरहे वासे अण्णाओ-वि अम्मयाओ (खलु) एरिस जाव पुत्ते पयायाओ, तं गच्छामि णं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदामि (न० वं०) २ त्ता इमं च णं एयारूवं वागरणं पुच्छिस्सामीतिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसा सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी लहुकरणप्पवरं[०] जाव उवट्ठवेंति, जहा देवाणंदा जाव पज्जुवासइ,-ते अरहा अरिट्ठणेमी देवइं देविं एवं वयासी–से नूणं तव देवई! इमे छ अणगारे पासेत्ता अयमेयारूवे

अ(ज्झ)ब्भत्थिए० एवं खलु अहं पोलासपुरे नयरे अइमुत्तेणं तं चेव जाव निग्ग-च्छसि २ त्ता जेणेव ममं अंतियं हव्वमागया से नूणं देवई ! अ(त्थे)ट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि, एवं खलु देवाणुप्पिए ! तेणं कालेणं तेणं समएणं भद्दिलपुरे नयरे नागे नामं गाहावई परिवसइ अड्ढे०, तस्स णं नागस्स गाहावइस्स सुलसा-नामं भारिया होत्था, सा सुलसा गाहावइणी बालत्तणे चेव ने(नि)मित्तएणं वागरिया-एस णं दारिया णिंदू भविस्स०, तए णं तीसे सुलसाए गाहावइणीए भत्तिबहुमाणसुस्सूसाए हरिणेगमेसी-देवे आराहिए यावि होत्था, तए णं से हरिणेगमेसी देवे सुलसाए गाहावइणीए अणुकंपण(ट्ठया)ट्ठाए सुलसं गाहावइणिं तुमं च (णं) दो-वि समउ-उयाओ करेइ, तए णं तुब्भे दो-वि सममेव गब्भे गिण्हह सममेव गब्भे परिवहह सममेव दारए पयायह, तए णं सा सुलसा गाहावइणी विणिहायमावण्णे दारए पया(इ)यइ, तए णं से हरिणेगमेसी देवे सुलसाए अणुकंपणट्ठाए विणिहायमावण्णए दारए करयलसंपुडेणं गेण्हइ २ त्ता तव अंतियं साहरइ (२) तं-समयं च णं तुमं-पि नवण्हं मासाणं० सुकुमालदारए पसवसि, जे-वि (अ)य णं देवाणुप्पिए ! तव पुत्ता ते-वि य तव अंतियाओ करयलसंपुडेणं गेण्हइ २ त्ता सुलसाए गाहावइणीए अंतिए साहरइ, तं तव चेव णं देव(इ)ई ! एए पुत्ता णो चेव सुलसाए गाहावइणीए, तए णं सा देवई देवी अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव ते छ अणगारा तेणेव उवागच्छइ [२ त्ता] ते छप्पि अणगारा वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता आगयपण(हु)हया पप्फुयलोयणा कंचुयपडिक्खित्तया दरियवलयबाहा धाराहयकलंबपुप्फगंपिव समूस-सियरोमकूवा ते छप्पि अणगारे अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी २ सुचिरं निरिक्खइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव अ(रि)रहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहि(णं)णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता तमेव धम्मियं जाणं दु(रु)रुहइ २ त्ता जेणेव बारवई-नयरी तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता बारवइं नयरिं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव सए वासघरे जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयंसि सयणि-ज्जंसि निसीयइ, तए णं तीसे देवईए देवीए अयं अब्भत्थिए ४ समुप्पण्णे-एवं खलु अहं सरिसए जाव नलकुब्बरसमाणे सत्त पुत्ते पयाया, नो चेव णं मए एगस्स-वि बालत्तणए समुब्भूए, एस-वि-य णं कण्हे वासुदेवे छण्हं छण्हं मासाणं ममं अंतियं पायवंदए हव्वमागच्छइ, तं धण्णाओ णं ताओ अम्माओ जासिं मण्णे णियगकुच्छि-

संभूययाइं थणदुद्धलुद्धयाइं महुरसमुल्लावयाइं मंमण(प)जंपियाइं थणमूलकक्खदेस-भागं अभिसरमाणाइं मुद्धयाइं पुणो य कोमलकमलोवमेहिं हत्थेहिं (गेण्हंति) गिण्हिऊण उच्छंगि णिवेसियाइं देंति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए अहं णं अधण्णा अपुण्णा अकयपुण्णा एत्तो ए(क)क्कतरमपि न पत्ता, ओहय० जाव झियायइ। इमं च णं कण्हे वासुदेवे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए देवईए देवीए पायवंदए हव्वमागच्छइ, तए णं से कण्हे वासुदेवे देवइं देविं० पासइ २ त्ता देवईए देवीए पायग्गहणं करेइ २ त्ता देवइं देवी एवं वयासी–अण्णया णं अम्मो! तुब्भे ममं पासेत्ता हट्ठ जाव भवह, किण्णं अम्मो! अज्ज तुब्भे ओहय[०] जाव झियायह?, तए णं सा देवई देवी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु अहं पुत्ता! सरिसए जाव समाणे सत्त-पुत्ते पयाया नो चेव णं मए एगस्स-वि बालत्तणे अणुब्भूए तुमं-पि(य)णं पुत्ता! ममं छण्हं २ मासाणं ममं अंतियं पादवंदए हव्वमागच्छसि तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव झियामि, तए णं से कण्हे वासुदेवे देवइं देविं एवं वयासी–मा णं तुब्भे अम्मो! ओहय-जाव झियायह अहण्णं तहा घ(त्ति)इस्सामि जहा णं ममं सहोदरे कणीयसे भाउए भविस्सतीतिकट्टु देवइं देविं ताहिं इट्ठाहिं (कं० जाव) वग्गूहिं समासासेइ (२) तओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जहा अभओ नवरं हरिणेगमेसिस्स अट्ठमभत्तं पगेण्हइ जाव अंजलि कट्टु एवं व-यासी–इच्छामि णं देवाणुप्पिया! सहोदरं कणीयसं भाउयं विदिण्णं, तए णं से हरिणेगमेसी (देवे) कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–होहिइ णं देवाणुप्पिया! तव देवलोयचुए सहोदरे कणीयसे भाउए से णं उम्मुक्क[०] जाव अणुप्पत्ते अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियं मुंडे जाव पव्वइस्सइ, कण्हं वासुदेवं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वदइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए, तए णं से कण्हे वासुदेवे पोसहसालाओ पडिणि० जेणेव देवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवईए देवीए पायग्गहणं करेइ २ त्ता एवं वयासी–होहिइ णं अम्मो! म(मं)म सहोदरे कणीयसे (भाउ-ए)त्तिकट्टु देवइं देविं ताहिं इट्ठाहि जाव आसासेइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए। तए णं सा देवई देवी अण्णया कयाइं तंसि तारिसगंसि जाव सीहं सुमिणे पासेत्ता पडिबुद्धा जाव पाढया हट्ठ(तु०)हियया (तं ग० सु०) परिवहइ, तए णं सा देवई देवी नवण्हं मासाणं जासु(म)मिणारत्तबंधुजीवयलक्खारससरसपारिजातकतरुणदिवायरसमप्पभं सव्वणयणकंतं सुकुमालं जाव सुरुवं गयतालुयसमाणं दारयं पयाया जम्मणं जहा मेहकुमारे जाव जम्हा णं अम्हं इमे दारए गयतालुसमाणे तं होउ णं अम्ह एयस्स दारगस्स नामधेज्जे गयसुकुमाले (२), तए

णं तस्स दारगस्स अम्मापियरे नामं करेंति गयसुकुमा(ले)लो-त्ति सेसं जहा मेहे जाव (अलं-) भोगसमत्थे जाए यावि होत्था । तत्थ णं बा-रवईए नयरीए सोमिले नामं माहणे परिवसइ अरिड०वे० जाव सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था, तस्स सोमिलमाहणस्स सोमसिरी नामं माहणी होत्था सू-माल०, तस्स णं सोमिलस्स (मा०) धूया सोमसिरीए माहणीए अत्तया सोमा-नामं दारिया होत्था सो(सुकु)माला जाव सुरूवा रूवेणं जाव लावण्णेणं उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा यावि होत्था, तए णं सा सोमा दारिया अण्णया कयाइ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता राय-मग्गंसि कणगतिंदूसएणं कीलमाणी (२) चिट्ठइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी समोसढे परिसा निग्गया, तए णं से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए गयसुकुमालेणं कुमारेणं सद्धिं हत्थिखंधवरगए सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरेज्जमाणेणं से(य)अवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं बारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं अरहओ अरिट्ठणेमिस्स पायवंदए निग्गच्छमाणे सोमं दारियं पासइ २ त्ता सोमाए दारियाए रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य जाव विम्हिए, तए णं (से) कण्हे[०] कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे-देवाणु-प्पिया ! सोमिलं माहणं जायित्ता सोमं दारियं गेण्हह २ त्ता कण्णंतेउरंसि पक्खि-वह, तए णं एसा गयसुकुमालस्स कुमारस्स भारिया भविस्सइ, तए णं कोडुंबिय जाव पक्खिवंति, तए णं से कण्हे वासुदेवे बारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्ग-च्छइ २ त्ता जेणेव सह-संबवणे उज्जाणे जाव पज्जुवासइ, तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हस्स वासुदेवस्स गयसुकुमालस्स (कुमारस्स) तीसे य धम्मकहाए कण्हे पडि-गए, तए णं से गयसुकुमाले (कु०) अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंति(यं)ए धम्मं सोच्चा जं नवरं अम्मापियरं आपुच्छामि जहा मेहो (णवरं) महेलियावज्जं जाव वड्ढियकुले, तए णं से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जेणेव गयसुकुमाले—तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता गयसुकुमालं (०) आलिंगइ २ त्ता उच्छंगे निवेसेइ २ त्ता एवं वयासी—तुमं ममं सहोदरे कणीयसे भाया तं मा णं तुमं देवाणुप्पिया ! इयाणिं अरहओ (अ०अं०) मुंडे जाव पव्वयाहि, अहण्णं बारवईए नयरीए महया (२) रायाभिसेएणं अभि-सिंचिस्सामि, तए णं से गयसुकुमाले-कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं से गयसुकुमाले-कण्हं वासुदेवं अम्मापियरो य दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! माणुस्सया कामा खेलासवा जाव विप्पजहियव्वा भविस्संति,तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए (स०) अरहओ अरिट्ठणे-

मिस्स अंतिए जाव पव्वइत्तए, तए णं तं गयसुकुमालं कण्हे वासुदेवे अम्मापियरो य जाहे नो संचाए० वहुयाहिं अणुलोमाहि जाव आघवित्तए ताहे अकामाइं चेव एवं वयासी-तं इच्छामो णं ते जाया! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए निक्खमणं जहा महावलस्स जाव तसाणाए तहा[०]तहा जाव संजमइ, से गयसुकुमाले अणगारे जाए ई(इ)रिया(०) जाव[०]गुत्तवंभयारी, तए णं से गयसुकुमा(रे)ले(अ०) जं चेव दिवसं पव्वइए तस्सेव दिवसस्स पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरह अरिट्ठणेमि तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं० वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तुब्भेहि अब्भणुण्णाए समाणे महाकालंसि सुसाणंसि एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ता-णं विह(रे)रित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिवंधं करेह, तए णं से गयसुकुमाले अणगारे अरहया अरिट्ठणेमिणा अब्भणुण्णाए समाणे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंति० सह-संववणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव महाकाले सुसाणे तेणेव उवागए २ त्ता थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता (उच्चार-पासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता) ई(सिं)सिपब्भारगएणं काएणं जाव दो-वि पाए साहट्टु एगराइं महापडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, इमं च णं सोमिले माहणे सामिधेयस्स अट्ठाए वा-रवईओ नयरीओ वहिया पुव्वणिग्गए समिहाओ य दब्भे य कुसे य पत्तामोडं च गेण्हइ २ त्ता तओ पडिणियत्तइ २ त्ता महाकालस्स सुसाणस्स अदूर-सामंतेणं वीईवयमाणे (२) संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि गयसुकुमाल अणगारं पासइ २ त्ता तं वेरं सरइ २ त्ता आसुरुत्ते ५ एवं वयासी-एस णं भो! से गय(सू)सुकुमाले कुमारे अ(प)पत्थिय जाव परिवज्जिए, जे णं मम धूयं सोमसिरीए भारियाए अत्तयं सोमं दारियं अदिट्ठदोसपइयं कालवत्तिणिं विप्पजहेत्ता मुंडे जाव पव्वइए, तं सेयं खलु ममं गयसुकुमालस्स कुमारस्स वेरनिज्जायणं करेत्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता दिसापडिलेहणं करेइ २ त्ता सरसं मट्टियं गेण्हइ २ त्ता जेणेव गयसुकुमाले अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ग(ज)य-सुकुमालस्स कुमा(अणगा)रस्स मत्थए मट्टियाए पालिं वंधइ २ त्ता जलंतीओ चिययाओ फुल्लियकिंसुयसमाणे ख(य)इरंगारे कहल्लेणं गेण्हइ २ त्ता गय-सुकुमालस्स अणगारस्स मत्थए पक्खिवइ २ त्ता भीए ५ तओ खिप्पामेव अवक्कमइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए, तए णं (से) तस्स ग-य-सुकुमालस्स अणगारस्स सरीरयंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा, तए णं से गय-सुकुमाले अणगारे सोमिलस्स माहणस्स मणसा-वि अप्पदुस्समाणे तं उज्जलं जाव अहियासेइ, तए णं तस्स गय-सुकुमालस्स अणगा-

रस्स तं उज्जलं जाव अहियासेमाणस्स सुभेणं परिणामेणं पसत्थज्झवसाणेणं त(या)दावरणिज्जाणं कम्माणं खएणं कम्मरयविकिरणकरं अपुव्वकरणं अणु[प]पविट्ठस्स अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे, तओ पच्छा सिद्धे जावप्पहीणे, तत्थ णं अहासंनिहिएहिं देवेहिं सम्मं आराहियंतिकट्टु दिव्वे सुरभिगंधोदए वुट्ठे दसद्धवण्णे कुसुमे निवाडिए चेलुक्खेवे कए दिव्वे य गीयगंधव्वणिणाए कए यावि होत्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए हत्थिखंधवरगए सको(रं)रेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरेज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धु(प्प)व्वमाणीहिं महया भडचडगरपहकरवंदपरिक्खित्ते वा-रवइं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से कण्हे वासुदेवे वारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छमाणे ए(गं)क्कं पुरिसं पासइ जुण्णं जराजज्जरियदेहं जाव (किलंतं) महइमहालयाओ इट्टगरासीओ एगमेगं इट्टगं गहाय बहियारत्थापहाओ अंतोगिहं अणुप्पविसमाणं पासइ, तए णं से कण्हे वासुदेवे तस्स पुरिसस्स अणुकंपणट्ठाए हत्थिखंधवरगए चेव एगं इट्टगं गेण्हइ २ त्ता बहिया रत्थापहाओ अंतोगिहं अणुप्पवेसेइ, तए णं कण्हेणं वासुदेवेणं एगाए इट्टगाए गहियाए समाणीए अणेगेहिं पुरिससएहिं से महालए इट्टगस्स रासी बहिया रत्थापहाओ अंतोघरंसि अणुप्पवेसिए, तए णं से कण्हे वासुदेवे वारवईए न-गरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागए २ त्ता जाव वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता गयसुकुमालं अणगारं अपासमाणे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—कहि णं भंते! से मम्मं सहोदरे कणीयसे भाया गयसुकुमाले अणगारे (?) जा(ज)णं अहं वंदामि नमंसामि [?], तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एव वयासी—साहिए णं कण्हा! गयसुकुमालेणं अणगारेणं अप्पणो अट्ठे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी—कहण्णं (भंते!) गयसुकुमालेणं अणगारेणं साहिए अप्पणो अट्ठे?, तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी—एवं खलु कण्हा! गयसुकुमाले णं (अणगारे णं) ममं कल्लं पुव्वावरण्हकालसमयंसि वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तए णं तं गयसुकुमालं अणगारं एगे पुरिसे पासइ २ त्ता आसुरत्ते ५ जाव सिद्धे, तं एवं खलु कण्हा! गयसुकुमालेणं अणगारेणं साहिए अप्पणो अट्ठे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी—(केस) से के णं भंते! से पुरिसे अ-पत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए (?) जे णं ममं सहोद(रं)रे कणीय(सं)से भाय(रं)रे गयसुकुमा(लं)ले अणगा(रं)रे अकाले चेव

जीवियाओ ववरोविए [?], तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–मा (णं) कण्हा! तुमं तस्स पुरिसस्स पदोसमावज्जाहि, एवं खलु कण्हा! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स अणगारस्स साहिज्जे दिण्णे, कहण्णं भंते! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स णं सा(हे)हिज्जे दिण्णे?, तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–से नूणं कण्हा! ममं तुमं पायवंदए हव्वमागच्छमाणे बारवईए नयरीए (एगं) पुरिसं पाससि जाव अणु-प्पविसिए, जहा णं कण्हा! तुमं तस्स पुरिसस्स साहिज्जे दिण्णे एवमेव कण्हा! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स अणगारस्स अणेगभवसयसहस्ससंचियं कम्मं उदीरेमाणेणं बहुकम्मणिज्जरत्थं साहिज्जे दिण्णे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी–से णं भंते! पुरिसे मए कहं जाणियव्वे?, तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–जे णं कण्हा! तुमं बारवईए नयरीए अणु-पविसमाणं पासेत्ता ठियए चेव ठिइभेएणं कालं करिस्सइ तण्णं तुमं जा(णे)णिज्जासि एस णं से पुरिसे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव आभिसे(ये)यं हत्थिरय(णे)णं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिं दु-रुहइ २ त्ता जेणेव बारवई नयरी जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए, (तए णं) तस्स सोमिलमाहणस्स कल्लं जाव जलंते अयमेयारूवे अ-ब्भत्थिए ४ समुप्पण्णे–एवं खलु कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं पायवंदए निग्गए तं नायमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया सि(द्ध)ट्ठमेयं अरहया भविस्सइ कण्हस्स वासुदेवस्स, तं न नज्जइ णं कण्हे वासुदेवे ममं केणवि कुमारेणं मारिस्सइत्तिकट्टु भीए ४ सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, कण्हस्स वासुदेवस्स बा-रवइं नयरिं अणु-प्पविसमाणस्स पुरओ सपक्खिं सपडिदिसिं हव्वमागए, तए णं से सोमिले माहणे कण्हं वासुदेवं सहसा पासेत्ता भीए ४ ठि(ए य)यए चेव ठिइभेयं कालं करेइ धरणि(त्त)तलंसि सव्वंगेहिं धसत्ति संणिवडिए, तए णं से कण्हे वासुदेवे सोमिलं माहणं पासइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं (भो) देवाणुप्पिया! से सोमिले माहणे अ-पत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए जे(ण)णं ममं सहोयरे कणीयसे भायरे गयसुकुमाले अणगारे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए[ति]त्तिकट्टु सोमिलं माहणं पाणेहिं कड्ढावेइ २ त्ता तं भूमिं पाणिएणं अब्भोक्खावेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए सयं गिहं अणु-प्पविट्ठे, एवं खलु जंबू! जाव अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स अट्ठमज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ६ ॥ नवमस्स (उ) उक्खेवओ, एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए नयरीए जहा पढमए जाव विहरइ, तत्थ णं बारवईए–बलदेवे नामं राया होत्था वण्णओ, तस्स

णं वलदेवस्स रण्णो धारिणी-नामं देवी होत्था वण्णओ, तए णं सा धारिणी सीहं सुमिणे जहा गोयमे नवरं सुमुहे नामं कुमारे पण्णासं कण्णाओ पण्णासओ दाओ चोद्दस-पुव्वाइं अहिज्जइ वीसं वासाइं परियाओ सेसं तं चेव (जाव) सेत्तुञ्जे सिद्धे निक्खेवओ। एवं दुम्मुहे-वि कूव(दार)ए-वि, तिण्णिवि वलदेवधारिणीसुया, दारुए-वि एवं चेव, नवरं वा(व)सुदेवधारिणीसुए। एवं अणा(धि)दिट्ठी-वि वा-सुदेवधारिणीसुए, एवं खलु जंवू! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स तेरसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७ ॥

[चउत्थो वग्गो]

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं (अं०) तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चउत्थस्स (णं भं० व० अं० स० जाव सं०) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंवू! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स (अं०) दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०-जालिमयालिउवया(लि)ली पुरिससेणे य वारिसेणे य। पज्जुण्णसंवअणिरुद्धे सच्चणेमी य दढणेमी (य) ॥ १ ॥ जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं (भं०) अज्झयणस्स (स०जाव सं०) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंवू! तेणं कालेणं तेणं समएणं वा-रवई (णा०) नयरी (हो०), तीसे जहा पढमे कण्हे वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ, तत्थ णं वारवईए नगरीए वसुदेवे राया, [तस्स णं वसुदेवस्स रण्णो] धारिणी [नामं देवी होत्था] वण्णओ जहा गोयमो नवरं जालिकुमारे पण्णासओ दाओ वारसंगी सोलस-वासा परियाओ सेसं जहा गोयमस्स जाव सेत्तुञ्जे सिद्धे। एवं मया-ली उवया-ली पुरिससेणे य वारिसेणे य। एवं पज्जुण्णे-वि-त्ति, नवरं कण्हे पिया रुप्पिणी माया। एवं संवे-वि, नवरं जंववई माया। एवं अणिरुद्धे-वि, नवरं पज्जुण्णे पिया वेदब्भी माया। एवं सच्चणेमी, नवरं समुद्दविजए पिया सिवा माया, (एवं) दढणेमी-वि, सव्वे एगगमा, चउत्थ[स्स] वग्गस्स निक्खेवओ ॥ ८ ॥

[पंचमो वग्गो]

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते पंचमस्स (णं भं०) वग्गस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंवू! समणेणं जाव संपत्तेणं पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०-'पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य। जंवव(ई)इसच्चभामा रुप्पिणिमूलसि(री)रिमूलदत्ता-वि ॥ १ ॥' जइ णं भंते! [समणेणं जाव संपत्तेणं] पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा प० पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स-के

अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई-नगरी-जहा पढमे जाव कण्हे वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ, तस्स णं कण्हस्स वासुदेवस्स पउमावई ना(मं)म देवी हो(हु)त्था वण्णओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी समोसढे जाव विहरइ, कण्हे वासुदेवे निग्गए जाव पज्जुवासइ, तए णं सा पउमाव(इ)ई देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा (समाणी) हट्ठ० जहा देवई जाव पज्जुवासइ, तए णं अ-रहा अरिट्ठणेमी कण्हस्स वासुदेवस्स पउमावईए (दे०) य धम्मकहा परिसा पडिगया, तए णं कण्हे वासुदेवे अरह अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं०'२ त्ता एवं वयासी-इमीसे णं भंते ! बारवईए न-गरीए-नवजोयण[०] जाव देवलोगभूयाए किंमूलाए विणासे भविस्सइ ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! इमीसे बा-रवईए नयरीए-नवजोयण-जाव[०] भूयाए सुरग्गिदीवायणमूलाए विणासे भविस्सइ, (तए णं) कण्हस्स वासुदेवस्स अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए ए(यमट्ठं)यं सोच्चा निसम्म (अ०) एयं अब्भत्थिए ४-धण्णा णं ते जालिमयालि(उ०)पुरिससेण-वारिसेणपज्जुण्णसंबअणिरुद्धदढणेमिसच्चणेमिप्पभियओ कुमारा जे णं (चिच्चा) चइत्ता हिरण्णं जाव परिभा(ए)इत्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियं मुंडा जाव पव्वइया, अहण्णं अधण्णे अकयपुण्णे रज्जे य जाव अंतेउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए ४ नो संचाएमि अरहओ अरिट्ठणेमिस्स जाव पव्वइत्तए, कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठ-णेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-से नूणं कण्हा ! तव अयम-ब्भत्थिए ४-धण्णा णं ते जाव पव्वइत्तए, से नूणं कण्हा ! अ(यम)ट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि, तं नो खलु कण्हा ! तं एवं भू(यं)तं वा भव्वं वा भविस्सइ वा जण्णं वासुदेवा चइत्ता हिरण्णं जाव पव्व-इस्संति, से के-णं [अ]ट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-न ए(वं)यं भूयं वा जाव पव्व-इस्संति ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! सव्वे-वि य णं वासुदेवा पुव्वभवे नि-दाणगडा, से ए(ए)तेणट्ठेणं कण्हा ! एवं वुच्चइ-न एयं भूयं० पव्वइस्संति, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी-अहं णं भंते ! इ(ओ)तो कालमासे कालं किच्चा कहिं गमिस्सामि (?) कहिं उववज्जिस्सामि ?, तए णं अ-रहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! बारवईए नयरीए सुरग्गिदीवायण(कुमार)कोवनि(द्द)दड्ढाए अम्मापिइनियगविप्पहूणे रामे(ण)णं बल-देवे-णं सद्धिं दाहिणवेयालिं अभिमुहे जो(जु)हिट्ठिल्लपामोक्खाणं पंचण्हं पंडवाणं पंडुरायपुत्ताणं पासं पंडुमहुरं संपत्थिए कोसंबवणकाणणे नग्गोहवरपायवस्स अ(धे)हे पुढविसिलापट्टए पीयवत्थपच्छाइयसरीरे ज(र)राकुमारेणं तिक्खेणं कोदंडविप्पमुक्केणं इसुणा वामे पा(ये)दे विद्धे समाणे कालमासे कालं किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए

पुढवीए उज्जलिए नरए नेरइयत्ताए उववज्जिहिसि, तए णं कण्हे वासुदेवे अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म ओहय-जाव झियाइ, कण्हाइ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया! ओहय-जाव झियाहि, एवं खलु तुमं देवाणुप्पिया! तच्चाओ पुढवीओ उज्जलियाओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जं(बूदी)बुद्दीवे भारहे वासे आगमेसाए उस्सप्पिणीए पुंडे(पुण्णे)सु जणवएसु सयदुवारे वारसमे अममे नामं अरहा भविस्ससि, तत्थ तुमं बहूइं वासाइं केवलपरियागं पाउणेत्ता सिज्झिहिसि ५, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० अप्फोडेइ २ त्ता वग्गइ २ त्ता तिवइं छिंदइ २ त्ता सीहणायं करेइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता तमेव आ(अ)भिसेक्कं ह(त्थिर०)त्थिं दु-रूहइ २ त्ता जेणेव बारव-ई नयरी जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए अभिसेयहत्थिरयणाओ पच्चोरुहइ (०) जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सए सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! बारवईए नयरीए सिंघाडग[०] जाव उवघोसेमाणा एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! बारवईए नयरीए-नव-जोयण-जाव-भूयाए सुरग्गिदीवायणमूलाए विणासे भविस्सइ, तं जो णं देवाणु-प्पिया! इच्छइ बा-रवईए नयरीए राया वा जुवराया वा ईसरे तलवरे माडं-बियकोडुंबियइब्भसेट्ठी वा देवी वा कुमारो वा कुमारी वा अरहओ अरिट्ठ-णेमिस्स अंतिए मुंडे जाव पव्वइत्तए तं णं कण्हे वासुदेवे विसज्जेइ, पच्छातुर-स्स-वि य से अहापवित्तं वित्तिं अणुजाणइ महया इ[ड्ढि]ड्ढीसक्कारसमुदएण य से निक्खमणं करेइ, दोच्चं-पि तच्चं-पि घोसणयं घोसेह २ त्ता मम ए(यमाणत्ति)यं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबिय जाव पच्चप्पिणंति, तए णं सा पउमावई-देवी अरहओ०अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ[०] जाव हियया अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते! निग्गंथं पा(प)वयणं० से जहेयं तुब्भे वदह जं नवरं देवाणुप्पिया! कण्हं वासुदेवं आपुच्छामि, तए णं अहं देवा० अंतिए मुंडा जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पि०! मा पडि-बंधं करे(हि)ह, तए णं सा पउमावई देवी धम्मियं जाणप्पवरं दुरूहइ २ त्ता जेणेव बा-रवई-नयरी जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियाओ जाणाओ पच्चोरु(भ)हइ २ त्ता जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० अंजलिं कट्टु (कण्हं वा०) एवं वयासी–इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया

समाणी अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए मुंडा जाव पव्व०, अहासुहं०, तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबिए (पु०) सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव (भो दे०) पउमावईए (०) महत्थं निक्खमणाभिसेयं उवट्ठवेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से कण्हे वासुदेवे पउमावइं देविं पट्टयं[सि] दु-रूहेइ (०) अट्ठसएणं सोवण्णकलस जाव महाणिक्खमणाभिसेएणं अभिसिंचइ २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सि(वि)वियं दुरु(हावे)हेइ २ त्ता वारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव रेवयए पव्वए जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयं ठवेइ (०) पउमावई देवी सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एस णं भंते! मम अग्गमहिसी पउमावई-नामं देवी इट्ठा कंता पिया मणुण्णा मणा(मा अ)भिरामा जाव किमंग पुण पासणयाए? तण्णं अहं देवाणुप्पिया! सिस्सि(णी)णिभिक्खं दलयामि पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सिस्सिणिभिक्खं, अहासुहं०, तए णं सा पउमावई (०) उत्तरपुर-च्छि(मे)मं दिसीभा(गे)गं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-आलित्ते जाव धम्ममाइक्खि(तं)उं, तए णं अरहा अरिट्ठणेमी पउमावइं देविं सयमेव पव्वावेइ २ त्ता सयमेव मुंडावेइ सयमेव जक्खिणीए अज्जाए सिस्सिणिं दलयइ, तए णं सा जक्खिणी अज्जा पउमावइं देविं स(यं)यमेव पव्वा० जाव संजमियव्वं, तए णं सा पउमावई जाव सजमइ, तए णं सा पउमावई अज्जा जाया ईरियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी, तए णं सा पउमावई अज्जा जक्खिणीए अज्जाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं० अप्पाणं भावेमा(णी)णा विहरइ, तए णं सा पउमावई अज्जा बहुपडिपुण्णाइं वीसं वासाइं सामण्णपरियागं [पाउणइ] पाउणित्ता मासियाए संलेह-णाए अप्पाणं झू(झो)सेइ २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणस(णेणं)णा-ए छेदेइ २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ जिणकप्पभावे थेरकप्पभावे जाव तमट्ठं आराहेइ चरिमुस्सासेहिं सिद्धा ५ ॥ ९ ॥ (उ० य अ०) तेणं कालेणं तेणं समएणं वारवई (ण०) रेवयए उज्जाणे नंदणवणे तत्थ णं वारवईए नयरीए कण्हे वासुदेवे० तस्स णं कण्ह[स्स]वासुदेवस्स गोरी देवी वण्णओ अरहा (अ०) समोसढे कण्हे णिग्गए गोरी

जहा पउमावई तहा निग्गया धम्मकहा परिसा पडिगया, कण्हे-वि, तए णं सा गोरी जहा पउमावई तहा निक्खंता जाव सिद्धा ५। एवं गं(गां)धारी। लक्खणा। सुसीमा। जंववई। सच्चभामा। रुप्पिणी। अट्ठ-वि पउमाव[इ]ईसरिसाओ अट्ठ अज्झयणा ॥ १० ॥ ("न०) तेणं कालेणं तेण समएणं वारवई[ए]नयरीए रेवयए (प०) नंदणवणे (उ०) कण्हे०, तत्थ णं वारवईए नयरीए कण्हस्स वासुदेवस्स पु(त्तए)त्ते जंववईए देवीए अत्तए संवे नामं कुमारे होत्था अहीण०, तस्स णं संवस्स कुमारस्स मूलसिरी-नामं भारिया होत्था वण्णओ, अरहा-समोसढे कण्हे निग्गए मूलसिरी-वि निग्गया जहा पउमावई जं नवरं देवाणुप्पिया! कण्हं वासुदेवं आपुच्छामि जाव सिद्धा। एवं मूलदत्ता-वि। पंचमो वग्गो ॥ ११ ॥

[छट्ठो वग्गो]

जइ (णं भं०) छट्ठ(म)स्स उक्खेवओ नवरं सोलस अज्झयणा प०, तं०-'म(मं)काई किक(म)मे चेव मोग्गरपाणी य कासवे। खेमए धिइ(ध)हरे चेव केलासे हरिचंदणे ॥ १ ॥ वारत्तसुदंसणपुण्णभद्दसुमणभद्दसुपइट्ठे मेहे। अइमुत्ते अ[ह] अलक्खे अज्झयणाणं [उ] तु सोलसयं ॥ २ ॥' जइ सोलस अज्झयणा प०[०] पढमस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंवू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नगरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया (तत्थ णं) म-काई-नामं गाहावई परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आदिकरे गुणसिलए जाव विहरइ परिसा निग्गया, तए णं से म-काई गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे जहा पण्णत्तीए गंगदत्ते तहेव इमो(ऽ)वि जेट्ठपुत्तं कुडुंवे ठवेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीए सीयाए निक्खंते जाव अणगारे जाए ईरियासमिए०, तए णं से म-काई अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ सेसं जहा खंदगस्स, गुणरयणं तवोकम्मं सोलसवासाइं परियाओ तहेव वि(पु)उले सिद्धे। (दो० उ०) किक्कमे-वि एवं चेव जाव वि-उले सिद्धे ॥ १२ ॥ (त० उ० ए० ख० जं०) तेण कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (ण०) गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया चेल्लणा-देवी[वण्णओ], तत्थ णं रायगिहे-अज्जुणए नामं मालागारे परिवसइ, अड्ढे[०] जाव अपरिभूए, तस्स णं अज्जुणयस्स मालायारस्स वंधुमई-नामं भारिया होत्था सूमा०, तस्स णं अज्जुण-यस्स मालायारस्स रायगिहस्स नयरस्स वहिया एत्थ णं महं एगे पुप्फारामे होत्था कि(क)ण्हे जाव नि(कु-गु)उरंवभूए दसद्धवण्णकुसुमकुसुमिए पासाईए ४, तस्स णं पुप्फारामस्स अदूरसामंते तत्थ णं अज्जुणयस्स माला(गा)यारस्स अज्जय-

पज्जयपिइपज्जयागए अणेगकुलपुरिसपरंपरागए मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणे होत्था, तत्थ णं मोग्गरपाणिस्स पडिमा एगं महं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं गहाय चिट्ठइ, तए णं से अज्जुणए मालागारे बालप्पभिइं चेव मोग्गरपाणिजक्ख(स्स)भत्ते यावि होत्था, कल्लाकल्लिं प(च्छि)त्थि(या)यपिडगाइं गेण्हइ २ त्ता रायगिहाओ न-यराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव पुप्फारामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुप्फुच्चयं करेइ २ त्ता अग्गाइं वराइं पुप्फाइं गहाइ २ त्ता जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मो(मु)ग्गरपाणिस्स जक्खस्स महरिहं पुप्फच्चणयं करेइ २ त्ता जण्णुपाय(व)पडिए पणामं करेइ, तओ पच्छा रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणे विहरइ, तत्थ णं रायगिहे नयरे ललिया नामं गोट्ठी परिवसइ अड्ढा[०] जाव अपरिभू(या)ता जंकयसुकया यावि होत्था, तए णं रायगिहे न-यरे अण्णया कयाइ पमो(ए)दे घुट्ठे यावि होत्था, तए णं से अज्जुणए मालागारे कल्लं पभूयत(राए)रेहिं पुप्फेहिं कज्जमितिकट्टु पच्चूसकालसमयंसि बंधुमईए भारियाए सद्धिं प-त्थियपिडग्गाइं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता रायगिहं न-गरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पुप्फारामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बंधुमईए भारियाए सद्धिं पुप्फुच्चयं करेइ, तए णं तीसे ललियाए गोट्ठीए छ गोट्ठिल्ला पुरिसा जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागया अभिरममाणा चिट्ठंति, तए णं से अज्जुणए मालागारे बंधुमईए भारियाए सद्धिं पुप्फुच्चयं करेइ (०) अग्गाइं वराइं पुप्फाइं गहाय जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ, तए णं-छ गोट्ठिल्ला पुरिसा अज्जुणयं मालागारं बंधुमईए भारियाए सद्धिं एज्जमाणं पासंति २ त्ता अण्णमण्णं एवं वयासी—एस णं देवाणुप्पिया! अज्जुणए मालागारे बंधुमईए भारियाए सद्धिं इहं हव्वमागच्छइ तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं अज्जुणयं मालागारं अव(उ)ओडयबंधणयं करेत्ता बंधुमईए भारियाए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणाणं विहरित्तए-त्तिकट्टु एयमट्ठं अण्णमण्णस्स पडिसुणेंति २ त्ता कवाडंतरेसु निलुक्कंति निच्चला निप्फंदा तुसिणीया पच्छण्णा चिट्ठंति, तए णं से अज्जुणए मालागारे बंधुम(ईए)इभारियाए सद्धिं जेणेव मोग्गरपाणिजक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ (०) आलोए पणामं करेइ (०) महरिहं पुप्फच्चणं करेइ (०) जण्णुपायपडिए पणामं करेइ, तए णं-छ गो(ट्ठे)ट्ठिल्ला पुरिसा दवदवस्स कवाडंतरेहिंतो निग्गच्छंति २ त्ता अज्जणयं मालागारं गेण्हंति २ त्ता अवओड(ग)यबंधणं करेंति (०) बंधुमईए मालागारीए सद्धिं वि-उलाइं भोगभोगाइं

भुंजमाणा विहरंति, तए णं तस्स अज्जुणयस्स मालागारस्स अयमज्झत्थिए ४ (स०), एवं खलु अहं वालप्पभिइं चेव मोग्गरपाणिस्स भगवओ कल्लाकल्लिं जाव कप्पेमाणे विहरासि, तं जइ णं मोग्गरपा(णि)णी जक्खे इह संणिहिए होंते से णं किं ममं एयारूवं आवइं पावेज्जमाणं पासंते ?, तं नत्थि णं मोग्गरपा-णी जक्खे इह संणि-हिए, सुव्वत्तं तं एस कट्ठे, तए णं से मोग्गरपा-णी जक्खे अज्जुणयस्स मालागारस्स अयमेयारूवं अ-ब्भत्थियं जाव विया(णि)णेत्ता अज्जुणयस्स मालागारस्स सरीरयं अणु-पविसइ २ त्ता तडतडतडस्स वंधाइं छिंदइ, [छिंदित्ता] तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं गेण्हइ २ त्ता ते इत्थिसत्तमे पुरिसे घाएइ, तए णं से अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा जक्खेणं अण्णाइट्ठे समाणे रायगिहस्स न-गरस्स परिपेरंतेणं कल्लाकल्लिं छ इत्थिसत्तमे पुरिसे घाएमाणे विहरइ, (तए णं) रायगिहे नयरे सिंघाडग-जाव महापहपहेसु वहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा अण्णाइट्ठे समाणे राय-गिहे नयरे वहिया छ इत्थिसत्तमे पुरिसे घा(य)एमाणे विहरइ, तए णं से सेणिए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे कोडुंविय० सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्जुणए मालागारे जाव घाएमाणे जाव विह-रइ तं मा णं तुब्भे के-इ कट्ठस्स वा तणस्स वा पाणियस्स वा पुप्फफलाणं वा अट्ठाए सइरं निग्गच्छउ मा णं तस्स सरीरस्स वावत्ती भविस्सइत्तिकट्टु दोच्चं-पि तच्चं-पि घोसणयं घोसेह २ त्ता खिप्पामेव ममेयं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुं-विय[०] जाव पच्चप्पिणंति, तत्थ णं रायगिहे न-गरे सुदंसणे नामं सेट्ठी परि-वसइ अड्ढे०, तए णं से सुदंसणे समणोवासए यावि होत्था अभि(म)गय-जीवाजीवे जाव विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं जाव समो-सढे [०] विहरइ, तए णं रायगिहे न-गरे सिंघाडग० वहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव किमंग पुण विपुलस्स अट्ठस्स गहणयाए [०] एवं तस्स सुदंसणस्स वहुजणस्स अंतिए ए-यं सोच्चा निसम्म अयं अ-ब्भत्थिए ४–एवं खलु समणे जाव विहरइ तं गच्छामि णं [०] वंदामि०, एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० अञ्जलिं कट्टु एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ ! समणे जाव विहरइ तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि नमंसामि जाव पज्जुवासामि, तए णं (तं) सुदंसणं सेट्ठिं अम्मापियरो एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता ! अज्जु(णे)णए मालागारे जाव घाएमाणे विहरइ, तं मा णं (तुमं) पुत्ता ! समणं भगवं महावीरं वंदए निग्गच्छाहि, मा णं

तव सरीरयस्स वावत्ती भविस्सइ, तुमण्णं इहगए चेव समणं भगवं महावीरं वंदाहि नमंसाहि, तए णं सुदंसणे सेट्ठी अम्मापि(तरो)यरं एवं वयासी–किण्णं(तुमं) अहं अम्मयाओ! समणं भगवं महावीरं इहमागयं इह-पत्तं इह समोसढं इहगए चेव वंदिस्सामि(न०)?, तं गच्छामि णं अहं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे (स०) भगवं महावीरं वं(दा० जाव प०)दए, तए णं-सुदंस(ण)णं सेट्ठिं अम्मापियरो जाहे नो संचा(यं)एंति बहूहिं आघवणाहिं ४ जाव परूवेत्तए ताहे एवं वयासी–अहासुहं०, तए णं से सुदंसणे अम्मापिईहिं अब्भणुण्णाए समाणे ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव सरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणस्स अदूरसामंतेणं जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव प(पा)हारेत्थ गमणाए, तए णं से मोग्गरपाणी जक्खे सुदंसणं समणोवासयं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं (२) पासइ २ त्ता आसुरुत्ते ५ तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं उल्लालेमाणे २ जेणेव सुदंसणे समणोवासए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से सुदंसणे समणोवासए मोग्गरपाणिं जक्खं एज्जमाणं पासइ २ त्ता अभीए अतत्थे अणुव्विग्गे अक्खुभिए अचलिए असंभंते वत्(थए)थंतेणं भूमिं पमज्जइ २ त्ता करयल० एवं वयासी–नमोऽत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं नमोऽत्थु णं समणस्स जाव संपाविउकामस्स, पुव्विं (च) पि णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए थूलए मुसावाए थूलए अदिण्णादाणे सदारसंतोसे कए जावज्जीवाए इच्छापरिमाणे कए जावज्जीवाए, तं इदाणिं-पि णं तस्सेव अंतियं सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए (०) मुसावायं (०) अदत्तादाणं (०) मेहुणं (०) परिग्गहं पच्चक्खामि जावज्जीवाए सव्वं कोहं जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि जावज्जीवाए सव्वं असणं पाणं खाइमं साइमं चउव्विहं-पि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, जइ णं एत्तो उवसग्गाओ मुच्चिस्सामि तो मे कप्पेइ पारेत्तए अह णो एत्तो उवसग्गाओ (न) मुच्चिस्सामि तओ मे तहा पच्चक्खाए चेवत्तिकट्टु सागारं पडिमं पडिवज्जइ। तए णं से मोग्गरपा-णी जक्खे तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं उल्लालेमाणे २ जेणेव सुदंसणे समणोवासए तेणेव उवाग(च्छ०)ए नो चेव णं संचाएइ सुदंसणं समणोवासयं तेयसा समभिपडित्तए, तए णं से मोग्गरपाणी-जक्खे सुदंसणं समणोवासयं सव्वओ समंताओ परिघोलेमाणे २ जाहे नो [चेव णं] संचाएइ सुदं-

सणं समणोवासयं तेयसा समभिपडित्तए ताहे सुदंसणस्स समणोवासयस्स पुरओ सपक्खि सपडिदिसि ठिच्चा सुदंसणं समणोवासयं अणिमिसाए दिट्ठीए सुचिरं निरिक्खइ २ त्ता अज्जुणयस्स मालागारस्स सरीरं विप्पज(हा)हइ २ त्ता तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं गहाय जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए, तए णं से अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा जक्खेणं विप्प(ज०)-मुक्के समाणे धसत्ति धरणियलंसि सव्वंगेहिं (सं)निवडिए, तए णं से सुदंसणे समणोवासए निरुवसग्गमितिकट्टु पडिमं पारेइ, तए णं से अज्जुणए मालागारे त(ओ)त्तो मुहुत्तंतरेणं आसत्थे समाणे उट्ठेइ २ त्ता सुदंसणं समणोवासयं एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! के कहिं वा संपत्थिया?, तए णं से सुदंसणे समणोवासए अज्जुणयं मालागारं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अहं सुदंसणे नामं समणोवासए अभिगयजीवाजीवे गुणसिलए उज्जाणे समणं भगवं महावीरं वंदए संपत्थिए, तए णं से अज्जुणए मालागारे सुदंसणं समणो-वासयं एवं वयासी-तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! अहमवि तुमए सद्धिं समणं भगवं महावीरं वं(दे)दित्तए जाव पज्जुवा(से)सित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह, तए णं से सुदंसणे समणोवासए अज्जुणएणं मालागारेणं सद्धिं जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता अज्जुणएणं मालागारेणं सद्धिं समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासइ, तए णं [से] समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स समणोवास-गस्स अज्जुणयस्स मालागारस्स तीसे य० धम्मकहा०, सुदंसणे पडिगए। तए णं से अज्जुणए [मालागारे] समणस्स भगवओ महावीरस्स अंति(ए)यं धम्मं सोच्चा [निसम्म] हट्ठ० सद्दहामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं जाव अब्भुट्ठेमि, अहासुहं०, तए णं से अज्जुणए मालागारे उत्तर० सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ [करित्ता] जाव अणगारे जाए जाव विहरइ, तए णं से अज्जुणए अण-गारे जं चेव दिवसं मुंडे जाव पव्वइए तं चेव दिवसं समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं उ(ग्गे-ओगे)ग्गिण्हइ-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स विहरित्तए-त्तिकट्टु अयमेयारूवं अभिग्गहं ओगेण्हइ २ त्ता जावज्जीवाए जाव विहरइ, तए णं से अज्जुणए अणगारे छट्ठक्खमणपारणयंसि पढ(म)माए पोरिसीए सज्झायं करेइ जहा गोयमसामी जाव अड(विहर)इ, तए णं तं अज्जुणयं अणगारं रायगिहे नयरे उच्च[०] जाव अडमाणं बहवे इ(त्थिया)त्थीओ य पुरिसा य

डहरा य महल्ला य जुवाणा य एवं वयासी-इमे-णं मे पिता-मा(र)रिए [माता मारि-या] भाया० भगिणी० भज्जा० पु(त्त)त्ते० धूया० सुण्हा० इमेण मे अण्ण-यरे सयणसंबंधिपरियणे मारिएत्तिकट्टु अप्पेगइया अक्कोसंति अप्पेगइया हीलंति निंदंति खिंसंति गरिहंति तज्जेति तालेंति, तए णं से अज्जुणए अणगारे तेहिं वहूहिं इत्थीहि य पुरिसेहि य डहरेहि य महल्लेहि य जुवाणएहि य आ-तो-सिज्जमाणे जाव तालेज्जमाणे तेसिं मणसा-वि अपउस्समाणे सम्मं सहइ सम्मं खमइ तितिक्खइ अहियासेइ सम्मं सहमाणे० रायगिहे नयरे उच्चणीय-मज्झिमकुलाइं अडमाणे जइ भत्तं ल-हइ तो पाणं न लभइ जइ पाणं तो भत्तं न लभइ, तए णं से अज्जुणए (अ०) अदीणे अविमणे अकलुसे अणाइले अविसा(ई)दी अपरितंतजोगी अडइ २ त्ता रायगिहाओ न-गराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे जहा गोयमसामी जाव पडिदंसेइ २ त्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए अमुच्छिए ४ विलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं तमाहारं आहारेइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया (क०) राय० पडिणिक्खमइ २ त्ता बहि जण० विहरइ, तए णं से अज्जुणए अणगारे तेणं ओ(उ)रालेणं (वि०) पयत्तेणं पग्गहिएणं महाणुभागेणं तवो-कम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे वहुपुण्णे छम्मासे सामण्णपरियागं पाउणइ,[पाउ-णित्ता] अद्धमासियाए संलेहणाए अप्पाणं झू[झु]सेइ [२ त्ता] तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव सिद्धे ३ ॥ १३ ॥ (उ० च० अ० ए० ख० जं०)

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे न-गरे गुणसिलए उज्जाणे (तत्थ णं) सेणिए राया कासवे नामं गाहावई परिवसइ जहा म-काई, सोलस वासा परियाओ विपुले सिद्धे ४। एवं खेमए-ऽवि गाहावई, नवरं का(गं)यंदी नयरी सोलस वासा परियाओ विपुले पव्वए सिद्धे ५। एवं धिइहरे-वि गाहावई का(मं)यंदीए नयरीए सोलस वासा परियाओ (जाव) विपुले सिद्धे ६। एवं केलासे-वि गाहा-वई नवरं सागेए नयरे वारस-वासाइं परियाओ विपुले सिद्धे ७, एवं हरि-चंदणे-वि गाहावई साएए वारस-वासा परियाओ विपुले सिद्धे ८। एवं वारत्तए-वि गाहावई नवरं रायगिहे न-गरे वारस-वासा परियाओ विपुले सिद्धे ९। एवं सुदंसणे-वि गाहावई नवरं वाणिय[ग]गामे नयरे दूइपलासए उज्जाणे पंच-वासा परियाओ विपुले सिद्धे १०। एवं पुण्णभद्दे-वि गाहावई वाणिय-गामे नयरे पंच-वासा परियाओ विपुले सिद्धे ११। एवं सुमणभद्दे-वि गाहावई सावत्थीए नयरीए बहुवा(स-सा)साइं परि० सिद्धे १२। एवं सुपइट्ठे-वि गाहावई सावत्थीए नयरीए

सत्तावीसं वासा परियाओ विपुले सिद्धे १३ । एवं मेहे वि गाहावई रायगिहे नयरे बहूइं वासाइं परियाओ विपुले सिद्धे १४ ॥ १४ ॥ (उ० प० अ० ए० व० ए० ख० जं०) तेणं कालेणं तेणं समएणं पोलासपुरे न-गरे सि-रिवणे उज्जाणे, तत्थ णं पोलासपुरे नयरे विजये नामं राया होत्था, तस्स णं विजयस्स रण्णो सिरी-नामं देवी होत्था वण्णओ, तस्स णं विजयस्स रण्णो पुत्ते सिरीए देवीए अत्तए अइमुत्ते नामं कुमारे होत्था सू-माले[०], तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव सि-रिवणे विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभू(ई)ती जहा पण्णत्तीए जाव पोलासपुरे नयरे उच्च-जाव अडइ, इमं च णं अइमुत्ते कुमारे ण्हाए सव्वा-लंकारविभूसिए बहूहिं दारए[हिं]हि य दारिया-हि य डिंभएहि य डिंभियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे स(या)ओ गिहाओ पडिणिक्ख-मइ २ त्ता जेणेव इंदट्ठाणे तेणेव उवागए तेहिं बहूहिं दारएहि य ६ संपरि-वुडे अभिरममाणे २ विहरइ, तए णं भगवं गोयमे पोलासपुरे न-यरे उच्च जाव अडमाणे इंदट्ठाणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासइ २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागए २ त्ता भगवं गोयमं एवं वयासी—के णं भंते ! तुब्भे ? किं वा अडह ?, तए णं भगवं गोयमे अइमुत्तं कुमारं एवं वयासी—अम्हे णं देवाणुप्पिया ! समणा निग्गंथा ईरियासमिया जाव बंभयारी उच्च-जाव अडामो, तए णं अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी—एह णं भंते ! तुब्भे (जेणेव) जा णं अहं तु(ह)ब्भं भिक्खं दवावेमीतिकट्टु भगवं गोयमं अंगु-लीए गेण्हइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए, तए णं सा सि-रिदेवी भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागया भगवं गोयमं तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहि० वंदइ० विउलेणं असण० जाव पडिविसज्जेइ, तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी—कहि णं भंते ! तुब्भे परिवसह ?, तए णं [से] भगवं गोयमे अइमुत्तं कुमारं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम धम्मायरिए धम्मोवएसए भगवं महावीरे आइगरे जाव संपाविउकामे इहेव पोलासपुरस्स न-गरस्स बहिया सिरिवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गि-ण्हित्ता संजमेणं जाव भावेमाणे विहरइ, तत्थ णं अम्हे परिवसामो, तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी—गच्छामि णं भंते ! अहं

तुब्भेहिं सद्धिं समणं भगवं महावीरं पायवंदए, अहासुहं०, तए णं से अइमुत्ते कुमारे भग(वं)वया गोयमेणं सद्धिं जेणेव समणे (भ०) महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिं-णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ जाव पज्जुवासइ, तए णं भगवं गोयमे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागए जाव पडिदंसेइ २ त्ता संजमेणं तव० विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अइमुत्तस्स कुमारस्स तीसे य धम्मकहा, तए णं से अइमुत्ते (कु०) समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० जं नवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं [करेह], तए णं से अइमुत्ते [कुमारे] जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागए जाव पव्वइत्तए, अइमुत्तं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–बाले-सि जा(ता)व तुमं पुत्ता! असंवुद्धे-सि० किं णं तुमं जा(णा)णसि धम्मं ?, तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–एवं खलु (अहं) अम्मयाओ। जं चेव जाणामि तं चेव न जा(या)णामि जं चेव न जा-णामि तं चेव जाणामि, तए णं तं अइमुत्तं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–कहं णं तुमं पुत्ता। जं चेव जा-णसि जाव तं चेव जा-णसि ?, तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापियरो एवं वयासी– जाणामि अहं अम्मयाओ! जहा जाएणं अवस्समरियव्वं न जाणामि अहं अम्मयाओ! काहे वा कहिं वा कहं वा केच्चिरेण वा ?, न जाणामि-अम्मयाओ! केहि कम्मायणेहिं जीवा नेरइयतिरिक्खजोणिमणुस्सदेवेसु उववज्जंति, जाणामि णं अम्मयाओ। जहा सएहि कम्मायणेहिं जीवा नेरइय[०] जाव उववज्जंति, एवं खलु अहं अम्मयाओ। जं चेव जाणामि तं चेव न जा-णामि जं चेव न जा-णामि तं चेव जाणामि, इच्छामि णं अम्मयाओ। तुब्भेहि अब्भणुण्णाए जाव पव्वइत्तए, तए णं तं अइमुत्तं कुमार अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति बहूहि आघव० तं इच्छामो ते जाया! एगदिवसमवि रा(ज)यसिरिं पासेत्तए, तए ण से अइमुत्ते कुमारे अम्मापिउवयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ अभिसेओ जहा महाबलस्स निक्खमणं जाव सामाइयमाइयाइं अहिज्जइ बहूइ वासाइं सामण्णपरियागं गुणरयणं जाव विपुले सिद्धे १५। (उ० सो० अ० ए० ख० जं०) तेणं कालेणं तेणं समएणं वा(बा)णारसीए नयरीए काममहावणे उज्जाणे, तत्थ णं वाणारसी(इ)ए अलक्खे नामं राया होत्था, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे जाव विहरइ परिसा निग्गया, तए णं [से] अलक्खे राया इमीसे कहाए

लद्धट्ठे (स०) हट्ठतुट्ठ० जहा कूणिए जाव पज्जुवासइ धम्मकहा०, तए णं से अलक्खे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए जहा उदायणे तहा निक्खंते नवरं जेट्ठपुत्तं रज्जे अहिसिंचइ एक्कारस अंगाइं वहू वासा परियाओ जाव विपुले सिद्धे १६ । एवं जंबू ! समणेणं जाव छट्ठ-स्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ १५ ॥

[सत्तमो वग्गो]

जइ णं भंते ! सत्तमस्स वग्गस्स उक्खेवओ[०] जाव तेरस अज्झयणा पण्णत्ता तं०-'नंदा तह नंद(मती)वई नं(दो)दुत्तर नं(द)दिसेणिया चेव । म(हया)रुय सुमरु-य महमरु-य मरु(द्दे)देवा य अट्ठमा ॥ १ ॥ भद्दा य सुभद्दा य सुजाया सुमणा(तिया)वि य । भूयदि(त्ता)ण्णा य वो(द्ध)धव्वा सेणिय-भज्जा(ण)णं नामाइं ॥ २ ॥' जइ णं भंते !० तेरस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया (व०) तस्स णं सेणियस्स रण्णो नंदा नामं देवी होत्था वण्णओ, सामी समोसढे परिसा निग्गया, तए णं सा नंदा-देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा (स० जाव हट्ठ०) कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता जाणं जहा पउमावई जाव एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता वीसं वासाइं परियाओ जाव सिद्धा । एवं तेरस-वि देवीओ नंदागमेण नेयव्वाओ (णि०) ॥ सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ १६ ॥

[अट्ठमो वग्गो]

जइ णं भंते ! अट्ठमस्स वग्गस्स उक्खेवओ-जाव दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०-काली सुकाली महाकाली कण्हा सुकण्हा महाकण्हा । वीरकण्हा य वो-धव्वा रामकण्हा तहेव य ॥ १ ॥ पिउसेणकण्हा नवमी दसमी महासेणकण्हा य । जइ० दस अज्झयणा[०] पढमस्स (णं भं०) अज्झयणस्स (स० जाव सं०) के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं न-गरी होत्था पुण्णभद्दे उज्जाणे, तत्थ णं चंपाए नयरीए कोणिए राया वण्णओ, तत्थ णं चंपाए नयरीए सेणियस्स रण्णो भज्जा कोणियस्स रण्णो चुल्लमाउया काली नामं देवी होत्था वण्णओ जहा नंदा जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, वहूहिं चउत्थ० जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ, तए णं सा काली (अज्जा) अण्णया कयाइ जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागया २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समा-णा रयणावलिं तवं उवसंपज्जेत्ताणं विहरेत्तए, अहासुहं०, तए णं सा काली अज्जा अज्जचंदणाए अब्भणुण्णाया

समा-णा रयणावलिं (त०) उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ तं०-चउत्थं करेइ चउत्थं करेत्ता सव्वकामगुणियं पारेइ सव्वकामगुणियं पारेत्ता छट्ठं करेइ छट्ठं करेत्ता सव्व-कामगुणियं पारेइ २ अट्ठमं करेइ २ सव्वकाम० २ अट्ठ छट्ठाइं करेइ २ सव्वकाम० २ चउत्थं करेइ २ सव्वकाम० २ छट्ठं करेइ २ सव्वकाम० २ अट्ठमं करेइ २ सव्वकाम० २ दसमं करेइ २ सव्वकाम० २ दुवालसमं करेइ २ सव्वकाम० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ बावीसइमं० २ सव्व० २ चउवीसइमं० २ सव्व० २ छव्वीसइमं० २ सव्व० २ अट्ठावीसइमं० २ सव्व० २ तीसइमं० २ सव्व० २ बत्तीसइमं० २ सव्व० २ चोत्तीसइमं० २ सव्व० २ चोत्तीसं छट्ठाइं करेइ २ सव्व० २ चोत्ती(सइमं)सं करेइ २ सव्व० २ बत्ती-सं० २ सव्व० २ तीसं० २ सव्व० २ अट्ठावी-सं० २ सव्व० २ छव्वी-सं० २ सव्व० २ चउवी-सं० २ सव्व० २ बावी-सं० २ सव्व० २ वी-सं० २ सव्व० २ अट्ठार(समं)सं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ बारसमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठ छट्ठाइं करेइ २ सव्व० २ अट्ठमं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं करेइ २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० एवं खलु एसा रयणावलीए तवोकम्मस्स पढमा परिवाडी एगेणं संवच्छरेणं तिहिं मासेहिं बावीसाए य अहोरत्तेहिं अहासुत्ता जाव आराहिया भवइ, तयाणंतरं च णं दोच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ २ छट्ठं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ (०) एवं जहा पढमाए-वि नवरं सव्वपारणए विगइ-वज्जं पारेइ जाव आराहिया भवइ, तयाणंतरं च णं तच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेइ चउत्थं करेत्ता अलेवाडं पारेइ सेसं तहेव, एवं चउत्था परिवाडी नवरं सव्वपारणए आयंबिलं पारेइ सेसं [तहेव] तं चेव,-'पढमंमि सव्वकामं पार-णयं बिइयए विगइवज्जं। तइयंमि अलेवाडं आयंबि(लमो)लं चउत्थंमि ॥ १ ॥' तए णं सा काली अज्जा रयणावली-तवोकम्मं पंचहिं संवच्छरेहिं दोहि य मासेहिं अट्ठावीसाए य दिवसेहिं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवा० २ त्ता अज्जचंदणं अज्जं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता बहूहिं चउत्थ[०] जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ, तए णं सा काली अज्जा तेणं उ(ओ)रालेणं जाव धमणिसंतया जाया यावि होत्था से जहा इंगाल० जाव सुहुयहुयासणे इव भासरासिपलिच्छण्णा तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अ-तीव

उवसो-हेमाणी चिट्ठइ, तए णं तीसे कालीए अज्जाए अण्णया कयाइ पुव्वरत्ता-वरत्तकाले अयम-ब्भत्थिए जहा खंदयस्स चिंता जहा जाव अत्थि उट्ठा० ताव ता(व) मे सेयं कल्लं जाव जलंते अज्जचंदणं अज्जं आपुच्छित्ता अज्जचंदणाए अज्जाए अब्भणुण्णायाए समाणीए संलेहणाझूसणाझूसियाए भत्तपाणपडियाइक्खियाए पायोवगयाए कालं अणवकंखमाणीए विहरेत्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जचंदणं (अज्जं) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं अज्जो! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी संलेहणा० जाव विहरेत्तए, अहासुहं०, (तओ) काली अज्जा अज्जचंदणाए अब्भणु-ण्णाया समाणी संलेहणा० जाव विहरइ, सा काली अज्जा अज्जचंदणाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं अट्ठ संवच्छराइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अ(प्पा)त्ताणं झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छे(दे)दित्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव चरिमुस्सासनीसासेहिं सिद्धा ५॥ निक्खे(वो)वओ॥ [पढमं] अज्झयणं [समत्तं]॥ १७॥ (उ० बि० अ० ए० ख० जं०) तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा-ना(म)मं नयरी पुण्णभद्दे उज्जाणे कोणिए राया, तत्थ णं सेणियस्स रण्णो भज्जा कोणियस्स रण्णो चुल्लमाउया सुकाली-ना-मं देवी होत्था जहा काली तहा सुकाली-वि निक्खंता जाव बहूहिं चउत्थ-जाव भावेमाणी विहरइ, तए णं सा सुकाली अज्जा अण्णया कयाइ जेणेव अज्जचंदणा अज्जा जाव इच्छामि णं अज्जो! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी कणगावली-तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए, एवं जहा रयणावली तहा कणगावली-वि, नवरं तिसु ठाणेसु अट्ठमाइं करेइ जहा रयणावलीए छट्ठाइं एक्काए परिवाडीए संवच्छरो पंच मासा बारस य अहोरत्ता चउण्हं पंच वरिसा नव मासा अट्ठारस दिवसा सेसं तहेव, नव वासा परियाओ जाव सिद्धा॥ १८॥ एवं महाकाली-वि, नवरं खुड्डागं सीहनिक्कीलियं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तं०—चउत्थं करेइ २ सव्वकामगुणियं पारेइ २ छट्ठं करेइ २ सव्वकामगुणियं पारेइ २ चउत्थं करेइ २ सव्वका० २ अट्ठमं करेइ २ सव्वका० २ छट्ठं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दुवाल-सं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ (बारसमं) दुवाल-सं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ अट्ठार-सं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ वीस० २ सव्व० २ अट्ठार० २ सव्व० २ वीस० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठार० २ सव्व० २ चोद्द-सं०

२ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २-दुवालसं० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २-दुवालसं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्वकामगुणियं पारेइ-तहेव चत्तारि परिवाडीओ, एक्काए परिवाडीए छम्मासा सत्त य दिवसा, चउण्हं दो वरिसा अट्ठावीसा य दिवसा जाव सिद्धा ॥ १९ ॥ एवं कण्हा-वि नवरं महालयं सीहणिक्कीलियं तवोकम्मं जहेव खुड्डागं नवरं चोत्तीसइमं जाव नेयव्वं तहेव ऊसारेयव्वं, एक्काए वरिसं छम्मासा अट्ठारस य दिवसा, चउण्हं छव्वरिसा दो मासा वारस य अहोरत्ता, सेसं जहा कालीए जाव सिद्धा ॥ २० ॥ एवं सुकण्हा-वि नवरं सत्तसत्तमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, पढमे सत्तए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ एक्केक्कं पाणयस्स, दोच्चे सत्तए दो दो भोयणस्स दो दो पाणयस्स पडिगाहेइ, तच्चे सत्तए तिण्णि० चउत्थे० पंचमे० छ० सत्तमे सत्तए सत्त दत्तीओ भोयणस्स पडि(ग)गाहेइ सत्त पाण-यस्स, एवं खलु एयं सत्तसत्तमियं भिक्खुपडिमं एगूणपण्णाए रा(इं)तिंदिएहिं एगेण य छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्ता जाव आराहेत्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागया [२ त्ता] अज्जचंदणं अज्जं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं अज्जाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी अट्ठट्ठमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए, अहासुहं०, तए णं सा सुकण्हा अज्जा अज्जचंदणाए अब्भणुण्णाया समाणी अट्ठट्ठमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, पढमे अट्ठए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ एक्केक्कं पाण(ग)यस्स जाव अट्ठमे अट्ठए अट्ठट्ठ भोयणस्स (दत्तिं) पडिगाहेइ अट्ठ पाण-यस्स, एवं खलु एयं अट्ठट्ठमियं भिक्खुपडिमं चउसट्ठीए रा-तिंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासु(त्तं)त्ता जाव नवनवमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता-णं विह-रइ, पढमे नवए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ (य) एक्केक्कं पाणयस्स जाव नवमे नवए नव नव द० भो० पडि०–नव २ पाणयस्स, एवं खलु नवनव-मियं भिक्खुपडिमं एकासी-ईराइंदिएहिं चउहिं पंचोत्तरेहिं भिक्खासएहिं अहा-सुत्ता जाव दसदसमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, पढमे दसए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ-एक्केक्कं पाणयस्स जाव दसमे दसए दस २ भोयणस्स द(त्तिं)त्ती[ओ] पडि-गाहेइ दस २ पाण[य]स्स०, एवं खलु एयं दसदसमियं भिक्खुपडिमं एक्केणं राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव

आराहेइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव मासद्धमासविविहतवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ, तए णं सा सुकण्हा अज्जा तेणं उ-रालेणं जाव सिद्धा ॥ निक्खे-वओ ॥ पंचम(अ)ज्झय(णा)णं ॥ २१ ॥ एवं महाकण्हा-वि नवरं खुड्डागं सव्वओभद्दं पडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, (तं०-) चउत्थं करेइ २ सव्वकामगुणियं पारेइ २ छट्ठं करेइ २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ दुवाल-सं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल-सं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० एवं खलु एवं खुड्डागसव्वओभद्दस्स तवोकम्मस्स पढमं परिवाडिं तिहिं मासेहिं दसहिं दिवसेहिं अहासुत्तं जाव आरा(हे)हित्ता दोचाए परिवाडीए चउत्थं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ २ जहा रयणावलीए तहा एत्थ-वि चत्तारि परिवाडीओ पारणा तहेव, चउण्हं कालो संवच्छरो मासो दस य दिवसा सेसं तहेव जाव सिद्धा ॥ निक्खे-वओ ॥ [छट्ठं] अज्झयणं ॥ २२ ॥ एवं वीरकण्हा-वि नवरं महालयं सव्वओभद्दं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ, तं०-चउत्थं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्द(चउद)सं० २ सव्व० २ सोल(सं)समं० २ सव्व० २ (प० लया) दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ सोल-समं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ (वि० ल०) सोल-समं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ (ति० ल०) अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल-सं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ (च० ल०) चोद्द-सं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ (पं० ल०) छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ (छ० ल०)

दुवाल० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० (स० ल०) एक्केक्काए लयाए अट्ठ मासा पंच य दिवसा चउण्हं दो वासा अट्ठ मासा वीसं दिवसा सेसं तहेव जाव सिद्धा ॥ २३ ॥ एवं रामकण्हा-वि नवरं भद्दोत्तरपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तं०–दुवालसमं करेइ २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ दुवाल-सं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठार-समं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० एक्काए कालो छम्मासा वीस य दिवसा, चउण्हं कालो दो वरिसा दो मासा वीस य दिवसा, सेसं तहेव जहा काली जाव सिद्धा ॥ २४ ॥ एवं पिउसेणकण्हा-वि नवरं मुत्तावलीतवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तं०–चउत्थं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठार-समं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ बावीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ चउवीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छव्वीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठावीसं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ तीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ बत्तीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ चोत्तीसइमं०[सव्व०] (२ त्ता च० २ त्ता स० २ त्ता व० २ त्ता) एवं तहेव ओसारेइ जाव (चउत्थं करेइ) चउत्थं क(रे-इ)रित्ता सव्वकामगुणियं पारेइ, एक्काए कालो एक्कारस मासा पणरस य दिवसा चउण्हं तिण्णि वरिसा दस य मासा सेसं जाव सिद्धा ॥ २५ ॥ एवं महासेणकण्हा-वि, नवरं आयंबिलवड्ढमाणं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तं०–आयंबिलं करेइ २ चउत्थं करेइ २ बे आयंबिलाइं करेइ २ चउत्थं

करेइ २ तिण्णि आयंविलाइं करेइ २ चउत्थं० २ चत्तारि० २ चउत्थं० २ पंच० २ चउत्थं० २ छ० २ चउत्थं० २ एवं एकोत्तरियाए वड्ढीए आयंविलाइं वड्ढंति चउत्थंतरियाइं जाव आयंविलसयं करेइ २ चउत्थं करेइ, तए णं सा महासेणकण्हा अज्जा आयंविलवड्ढमाणं तवोकम्मं चोद्दसहिं वासेहिं तिहि य मासेहिं वीसहि य अहोरत्तेहिं अहासुत्तं जाव सम्मं काएणं फासेइ जाव आरा-हित्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवा० २ त्ता (अ० अ०) वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता बहूहिं चउ(त्थेहिं)त्थ जाव भावेमाणी विहरइ, तए णं सा महा-सेणकण्हा अज्जा तेणं उ-रालेणं जाव उवसोभेमाणी चिट्ठइ, तए णं तीसे म(ह)हासेणकण्हाए अज्जाए अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकाले चिंता जहा खंद-यस्स जाव अज्जचंदणं(-आ)पुच्छइ जाव संलेहणा[०] कालं अणवकंखमाणी विहरइ, तए णं सा महासेणकण्हा अज्जा अज्जचंदणाए अज्जाए अंतिए सामाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं सत्तरस वासाइं परियायं पालइत्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झू-सित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छे-दित्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव तमट्ठं आराहेइ [आराहित्ता] चरिमउस्सासणीसासेहिं सिद्धा वुद्धा [०]। अट्ठ य वासा आ(दी)ई एक्कोत्त(रि)रयाए जाव सत्तरस। एसो खलु परियाओ सेणियभज्जा-णं नायव्वो ॥ १ ॥ एवं खलु जं(वु)वू! समणेणं (भगवया महावीरेणं आ-दिगरेणं) जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगड-दसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते (०) ॥ अंगं स(सं)मत्तं ॥ २६ ॥ अंतगडदसाणं अंगस्स एगो सुयखंधो अट्ठ-वग्गा अट्ठसु चेव दिवसेसु उद्दि[स्सि]सिज्जंति, तत्थ पढमविइय-वग्गे दस दस उद्देसगा तइयवग्गे तेरस उद्देसगा चउत्थपंचमवग्गे दस दस उद्देस(या)गा छट्ठवग्गे सोलस उद्देसगा सत्तमवग्गे तेरस उद्देसगा अट्ठमवग्गे दस उद्देसगा सेसं जहा नायाधम्मकहाणं ॥ २७ ॥



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

अणुत्तरोववाइयदसाओ

[पढमो वग्गो]

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (णा०) [नयरे] (हो० से० ना० रा० हो० चे० दे० गु० उ० व० ते० का० ते० स० रा० न०) अज्जसुहम्म(णा० थे०)स्स समोस(रिए)रणं परिसा निग्गया जाव जंबू (जाव) पज्जुवासइ० एवं वयासी–जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते नवमस्स णं भंते ! अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ?, (तेणं०) तए णं से सुहम्मे अणगारे जं(बू)बुं अणगारं एवं वयासी–एवं खलु जम्बू ! समणेणं जाव संपत्तेणं नवमस्स अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं तिण्णि वग्गा पण्णत्ता, जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं नवमस्स अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं (ति०) तओ वग्गा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं (के) कइ अज्झयणा पण्णत्ता ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०-(गा०-)जालिमयालिउव(मा-जा-लि)याली पुरिससेणे य वारिसेणे य दीहदंते य लट्ठदंते य वे(वि)हल्ले वेहा[य]से अभए इ य कुमारे ॥ जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे रिद्धत्थिमियसमिद्धे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया धा(र)रिणी-देवी सी(ह)हो सुमि(णं)णे (पा० प० जाव) जाली-कुमा(रेजाए)रो जहा मेहो (जाव) अट्ठट्ठओ दाओ जाव उप्पिं पासाय० विहरइ, (तें० का० ते० स० स० भ० म० जाव) सामी समोसढे सेणिओ निग्गओ जहा मेहो तहा जाली-वि निग्गओ तहेव निक्खंतो जहा मेहो, एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, गुणरयणं तवोकम्मं [जहा खंदयस्स] एवं जा चेव खंद(य)ग[स्स] वत्तव्वया सा चेव चिंतणा आपुच्छणा थेरेहिं सद्धिं वि(पु)उलं तहेव दु(रु)रुहइ, नवरं सोलस वासाइं सामण्णपरियागं

पाउणित्ता कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम०सोहम्मीसाण जाव आरणच्चुए कप्पे नव-य-गेवे(ज्जे)ज्ज(य)विमाणपत्थडे उड्ढं दूरं वी(इ)ईवइत्ता विजयविमाणे देवत्ताए उववण्णे, त(या)ए णं (ते) थेरा भगवंतो जालिं अणगारं कालगयं जा(णे)णित्ता परिणिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ त्ता पत्तचीवराइं गेण्हंति तहेव उत्त(ओय)रंति जाव इमे से आयारभंडए, भंते! त्ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी जा(लि)ली नामं अणगारे पगइभद्दए से णं जाली अणगारे कालगए कहिं गए कहिं उववण्णे? एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी तहेव जहा खंदयस्स जाव काल० उड्ढं चंदिम जाव विज(य)ए विमाणे देवत्ताए उववण्णे। जालिस्स णं भंते! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। से णं भंते! ताओ देवलो(गा)याओ आउक्खएणं ३ कहिं गच्छिहिइ २? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ (जाव स० अं० क०), (ता) एवं [खलु] जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढम[स्स]-वग्गस्स पढम[स्स अ]ज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते। (इति प० प० स०) एवं सेसाण-वि अट्ठ(नव)ण्हं भाणियव्वं, नवरं (सत्त) छ धा-रि(णी)णिसुआ वे-हल्लवेहा-[य]सा चेल्लणाए (अ० णं०), आइल्लाणं पंचण्हं सोलस वासाइं सामण्णपरियाओ तिण्हं बारस वासाइं दो(ण्ह)ण्हं पंच वासाइं, आइल्लाणं पंचण्हं आ(अ)णुपुव्वीए उववा(ओ)यो विजए वेजयंते जयंते अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे, दीहदंते सव्वट्ठसिद्धे, उ(अणु)क्कमेणं सेसा, अभओ विजए, सेसं जहा पढमे, अभयस्स नाणत्तं, रायगिहे नयरे सेणिए राया नंदा देवी (माया) सेसं तहेव, एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ १ ॥ [(इति) पढमो वग्गो समत्तो ॥]

[दोच्चो वग्गो]

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते दोच्चस्स णं भंते! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स तेरस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०--दीहसेणे महासेणे लट्ठदंते य गूढदंते य सुद्धदंते [य] हल्ले दुमे दुमसेणे महादुमसेणे य आहिए ॥ सीहे य सीहसेणे य महासीहसेणे य आहिए पुण्णसेणे य बो(द्ध)धव्वे तेरसमे होइ अज्झयणे ॥ जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स तेरस अज्झयणा प० दोच्चस्स णं भंते! वग्गस्स

पढम-ज्झयणस्स समणेणं (२) जाव संपत्तेणं के अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया धा-रिणी देवी सी(हे)हो सुमिणे जहा जाली तहा जम्(मणं)मं बालत्तणं कलाओ नवरं दीहसे(णे)णो कुमा(रे)रो स(च्चे)व्वेव वत्तव्वया जहा जालिस्स जाव अंतं काहिइ, एवं तेरस-वि रायगिहे (न०) सेणि(ए)ओ(प्पि)पिया धारिणी माया तेरसण्ह-वि सोलस-वासा परियाओ, आणुपुव्वीए (उ०) विजए दोण्णि वेजयंते दोण्णि जयंते दोण्णि अपराजिए दोण्णि, सेसा महादुमसेणमाई पंच सव्वट्ठसिद्धे, एवं खलु जंबू ! समणेणं० अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, मासियाए संलेहणाए दोसु-वि वग्गेसु ॥ २ ॥ [त्ति(०बीओ) दोच्चो वग्गो समत्तो ।]

[तच्चो वग्गो]

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते तच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०--धण्णे य सुण-क्खत्ते [य], इसिदासे (अ) य आहिए । पेल्लए रामपुत्ते य, चंदिमा पि(पु)ट्ठिमा-इ(या)य ॥ १ ॥ पेढालपुत्ते अणगारे, नवमे पो(पु)ट्ठिले (इ) वि य । वे-हल्ले दसमे वुत्ते, इमे(ते)य दस (ए० अ०) आहि(ते)या ॥ २ ॥ जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स दस अज्झयणा प० पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं का(गं-कं)यंदी ना(म)मं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा सह(स)संबवणे उज्जाणे स०(वोउुए)वउउ० जि(अ)यस(त्तु)तू राया, तत्थ णं का-यंदीए नयरीए भद्दा-नामं सत्थवाही परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभू(आ)या, तीसे णं भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते धण्णे ना(मए)मं दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे पंचधा[इ]ई-परिग्गहिए तं०--खीरधाई[ए] जहा म(हाव)हब्बले जाव बावत्त(रि)रिं कलाओ अ(हि०)हीए जाव अलं-भोगसमत्थे जाए यावि होत्था, तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण(ण)णं दारयं उम्मुक्कबालभावं जाव भोगसमत्थं या(वा)वि(या)जा-णि(या)त्ता बत्तीसं पासायवडिंसए कारेइ अब्भुग्गयमूसिए जाव तेसिं मज्झे भवणं अणेग-खंभसयसंणिविट्ठं जाव बत्तीसाए इब्भवरकण्णगाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेइ (२) बत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासाय० फु(ट्टे)ट्टंतेहिं जाव विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे० समोसढे परिसा निग्गया राया जहा कोणिओ तहा जियसत्तू

निग्गओ, तए णं तस्स धण्णस्स तं महया (ज०) जहा जमाली तहा निग्ग-ओ, नवरं पाय(विहा)चारेणं जाव जं नवरं अम्मयं भद्दं सत्थवाहिं आपुच्छामि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए जाव पव्वयामि जाव जहा जमाली तहा आपुच्छइ मु(पु)च्छिया वुत्तपडिवुत्तया जहा म-हव्वले जाव जाहे नो संचाएइ जहा थावच्चा-पुत्तो जियसत्तुं आपुच्छइ छत्तचामराओ० सयमेव जियसत्तू निक्खमणं करेइ जहा थावच्चापुत्तस्स कण्हो जाव पव्वइए (०) अणगारे जाए ई(इ)रियासमिए जाव [गुत्त]बंभयारी, तए णं से धण्णे अणगारे जं चेव दिवसं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तं चेव दिवसं समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-[एवं खलु] इच्छामि णं भंते ! तुब्भे(णं)हिं अब्भणुण्णाए समाणे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विह(रे)रित्तए छट्ठस्स-वि-य णं पारण(गं)यंसि कप्(प)पेइ [मे] आयंबिलं पडि(ग्गहि)गाहेत्तए नो चेव णं अणायविलं तं-पि-य संसट्ठं नो चेव णं असं-सट्ठं तं-पि-य णं उज्झियधम्मियं नो चेव णं अणुज्झियधम्मियं तं-पि-य (णं) जं अण्णे बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा नावकंखंति, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह, तए णं से धण्णे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठ० जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से धण्णे अणगारे पढमछट्ठ(क्ख)खमणपारण-यंसि पढमाए पो(र)रिसीए सज्झायं करेइ जहा गोयमसामी तहेव आपु-च्छइ जाव जेणेव का(कं)यंदी नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता का-यंदीए नयरीए उच्च० जाव अडमाणे आयंबिलं [नो अणायंबिलं] जाव नावकंखंति, तए णं से धण्णे अणगारे ताए अब्भुज्जयाए (पयययाए) पयत्ताए पग्गहियाए एसणाए [एसमाणे] जइ भत्तं लभइ तो पाणं न लभइ अह पाणं (ल०णो) तो भत्तं न लभइ, तए णं से धण्णे अणगारे अदीणे अविमणे अकलुसे अविसा(यी)दी अपरितंतजोगी जयणघडणजोगचरित्ते अहापज्ज(त्त)त्तं समु(दा)द्दाणं पडिगाहेइ २ त्ता का-यंदीओ नयरीओ पडिणिक्खमइ [पडिणिक्खमित्ता] जहा गोयमे जाव पडिदंसेइ, तए णं से धण्णे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे अमु-च्छिए जाव अणज्झोववण्णे बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आहारं आहा-रेइ २ त्ता संजमेणं तवसा० विहरइ, [तए णं] समणे भगवं महावीरे अण्णया कया(इं)इ का-यंदी(ए)ओ नयरीओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ, तए णं से धण्णे अणगारे समणस्स भग-

वओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ [अहिज्जित्ता] संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से धण्णे अणगारे तेणं उ(ओ)रालेणं (त०) जहा खंदओ जाव० चिट्ठइ, धण्णस्स णं अणगारस्स पायाणं अय(इ)मेयारूवे तवरूवलावण्णे होत्था, से जहा-नामए सुक्कछल्ली-इ वा कट्ठपाउया-इ वा जरग्ग(उ)ओवाहणा-इ वा, एवामेव धण्णस्स अणगारस्स पाया सुक्का (लुक्खा) निम्मंसा अट्ठिचम्मछिरत्ताए पण्णायंति नो चेव णं मंससोणियत्ताए, धण्णस्स णं अणगारस्स पायंगुलियाणं अयमेयारूवे० से जहा-नामए कलसंगलिया-इ वा मुग्ग(सं०)माससंगलिया-इ वा तरुणिया छिण्णा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी मिलायमाणी २ चिट्ठंति, एवामेव धण्णस्स (अ०) पायंगुलियाओ सुक्काओ जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स (णं अ०) जंघाणं अयमेयारूवे० से जहा० काकजंघा-इ वा कंकजंघा-इ वा ढेणियालि(य)याजंघा-इ वा जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स (णं) जाणूणं अयमेयारूवे० से जहा० का(ली)लिपोरे-इ वा मयूरपोरे-इ वा ढेणियालियापोरे-इ वा एवं जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स उरुस्स० जहा नामए सामक(रे)रिल्ले-इ वा वो(रि)रीकरिल्ले-इ वा सल्लइकरिल्ले-इ वा साम-लिकरिल्ले-इ वा तरुणिए (छि०) उण्हे जाव चिट्ठइ एवामेव धण्णस्स उरू जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स कडिप(ट्ट)त्तस्स इमेयारूवे० से जहा० उट्टपा(ए)दे-इ वा जरग्गपाए-इ वा [महिसपाए-इ वा] जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स उदरभायणस्स इ(अय)मेयारूवे० से जहा० सुक्कदिए-इ वा भज्ज-(णय)यणकभल्ले-इ वा कट्ठकोलंबए-इ वा, एवामेव उदरं सुक्कं[०], धण्णस्स पा(पां)सुलि(या)यक(रं)डयाणं इमेयारूवे० से जहा० थासयावली-इ वा पाणावली-इ वा मुंडावली-इ वा[०], धण्णस्स पि(ट्ठ)ट्ठिकरंड-याणं अयमेयारूवे० से जहा० कण्णावली-इ वा गोलावली-इ वा वट्टयावली-इ वा, एवामेव०, धण्णस्स उ(रु)रक-डयस्स अयमेयारूवे० से जहा० चित्त(य)कट्टरे-इ वा वियणपत्ते-इ वा तालियंटपत्ते-इ वा एवामेव०, धण्णस्स बाहाणं० से जहा-नामए समिसंगलिया-इ वा प(वा)हा(य)यासंगलिया-इ वा अगत्थिय-संगलिया-इ वा एवामेव०, धण्णस्स हत्थाणं० से जहा० सुक्कछगणिया-इ वा वडपत्ते-इ वा पलासपत्ते-इ वा, ए(व)वामेव०, धण्णस्स हत्थंगुलियाणं० से जहा० क(लाय)लसंगलिया-इ वा मुग्ग(०)माससंगलिया-इ वा तरुणिया छिण्णा आयवे दिण्णा सुक्का समाणी एवामेव०, धण्णस्स गीवाए० से जहा० करगगीवा-इ वा कुंडियागीवा-इ वा उच्च(त्थ)ट्ठवणए-इ वा एवामेव०, धण्णस्स णं हणु(आ)याए० से जहा० लाउ(य)फले-इ वा हकुवफले-इ वा अंवगट्ठिया-इ वा एवामेव०, धण्णस्स-उट्ठाणं० से जहा० सुक्कजलोया-इ वा सिलेसगुलिया-इ वा अलत्त(ग)-

गुलिया-इ वा एवामेव०, धण्णस्स जिब्भाए० से जहा० वडपत्ते-इ वा पलासपत्ते-इ वा (उंबर०) सागपत्ते-इ वा एवामेव०, धण्णस्स ना(सिया)साए० से जहा० अंबगपेसिया-इ वा अंबाडगपेसिया-इ वा माउ(लि)लुंगपेसिया-इ वा तरुणिया एवामेव०, धण्णस्स अच्छीणं० से जहा० वीणाछि(डे)ड्डे-इ वा व(द्धी)द्धी(पव्वी)सगछिड्डे-इ वा पा(प)भाइयता(रि)रगा-इ वा एवामेव०, धण्णस्स कण्णाणं० से जहा० मू(लि)लछल्लिया-इ वा वालुंक० कारेल्लय(च)छ(ल्ली)ल्लिया-इ वा एवामेव०, धण्णस्स (अ०) सीसस्स० से जहा० तरुणगलाउए-इ वा तरुणगएलालु(यत्ति)ए-इ वा सिण्हा(लू)लए-इ वा तरुणए जाव चिट्ठइ, एवामेव धण्णस्स अणगारस्स सीसं सुक्कं लुक्खं निम्मंसं अट्ठिचम्म(च्छि)छिरत्ताए पण्णायइ नो चेव णं मंससोणियत्ताए, एवं सव्वत्थ(मेव), नवरं उ(द)यरभाय(ण)णं क(ण्ण)ण्णा जीहा उट्ठा एएसिं अट्ठी न भण्णइ चम्म छिरत्ताए पण्णायइ-त्ति भण्णइ, धण्णे णं अणगारे णं सुक्केणं लु(भु)क्खेणं पायजंघोरुणा विगयतडिकरालेणं कडिकडाहेणं पिट्ठम(व)स्सिएणं उदरभायणेणं जोइज्जमाणेहिं पा(सं)सुलि[य]कडएहिं अक्खसुत्तमाला(ति वा)विव (गणिज्जमालाति वा) ग(णि)णेज्जमा(णा)णेहिं पिट्ठिकरंडगसंधीहिं गंगातरंगभूएणं उरकडगदेसभाएणं सुक्कसप्पसमाणाहिं बाहाहिं सि(प)ढिलकडाली-विव चलं(चल्ले)तेहि य अग्गहत्थेहिं कंपणवा-इ(ओ)एविव वेवमाणीए सीसघडीए पव्वायवयणकमले उब्भडघ(डा)डमुहे उव्वुड्डणयणकोसे जीवं-जीवेणं गच्छइ जीवं-जीवेणं चिट्ठइ भासं भासिस्सा(मीति)मि त्ति गिला(य)इ ३ से जहा नामए इंगालसगडिया-इ वा जहा खंदओ तहा जाव हुयासणे इव भासरा(सी)सिपलिच्छण्णे तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए (अ०) उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसढे परिसा निग्गया सेणि(ओ)ए निग्ग-ए धम्मकहा परिसा पडिगया, तए णं से सेणिए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इमासि णं भंते ! इंदभूइपामोक्खाणं चो(चउ)द्दसण्हं समणसाहस्सीणं क(य)यरे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्जरयराए चेव ? एवं खलु सेणिया ! इमासिं इंदभूइपामोक्खाणं चोद्दसण्हं समणसाहस्सीणं धण्णे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्ज(रा)रयराए चेव, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ इमासिं जाव साहस्सीणं धण्णे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्ज(-कार)रयराए चेव ? एवं खलु सेणिया ! तेणं कालेणं तेणं समएणं का-यंदी ना-मं नयरी होत्था [०] उप्पिं पासायवडिंसए विहरइ, तए णं अहं अण्णया कयाइ पुव्वाणुपु-

(व्वि)व्वीए चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव का-यंदी नयरी जेणेव सह-संब-वणे उज्जाणे तेणेव उवागए [उवागमित्ता] अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हामि २ त्ता संजमेणं जाव विहरामि, परिसा निग्गया, तहे(तं चे)व जाव पव्वइए जाव बिलमिव जाव आहारेइ, धण्णस्स णं अणगारस्स पादाणं सरीरवण्णओ सव्वो जाव उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं सेणिया ! (इमं) एवं वुच्चइ-इमासिं चउदसण्हं (समण)साहस्सीणं धण्णे अणगारे महादुक्करकारए महानिज्जरयराए चेव, तए णं से सेणि(य)ए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंति(यं)ए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ० समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहि(णं)णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव धण्णे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं अण-गारं तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहिणं करेइ २ त्ता वं(दे)दइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-धण्णे(ऽ)सि णं तुमं देवाणुप्पिया ! सुपुण्णे(०) सुकयत्थे कयलक्खणे सुलद्धे णं देवाणुप्पिया ! तव मा(म)णुस्सए जम्मजीवियफलेत्तिकट्टु वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो (जाव) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जामेव दि(सिं)सं पाउब्भूए तामेव दि-सं पडिगए ॥ ४ ॥ तए णं तस्स धण्णस्स अणगारस्स अण्णया कया(इं)इ पुव्व-रत्तावरत्तका(ले)लसमयंसि धम्मजागरियं० इमेयारूवे अ(ज्झ)ब्भत्थिए० एवं खलु अहं इमेणं उ-रालेणं [०] जहा खंदओ तहेव चिंता आपुच्छ(णा)णं थेरेहिं सद्धिं वि(-लप०)उलं दुरु(हंति)हइ मासिया संलेहणा नव-मा(स)सा परियाओ जाव काल-मासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम जाव नव-य-गे(वि)वेज्ज(वि०)विमाणपत्थडे उड्ढं दूरं वीईवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे विमाणे देवत्ताए उववण्णे, थेरा तहेव उ(त्त)यरंति जाव इमे से आयारभंडए, भंतेत्ति भगवं गोयमे तहेव पुच्छइ जहा खंदयस्स भगवं वागरेइ जाव सव्वट्ठसिद्धे विमाणे उववण्णे । धण्णस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! ता(त)ओ देवलोगाओ (आ० ३) कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदे(ह)हे वासे सिज्झिहिइ ५ । तं एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स अज्झय-णस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ५ ॥ (इ० ति० व०) पढ(म)मं अज्झयणं समत्तं ॥ जइ णं भंते ! [०] उक्खेवओ एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं [का-यंदी (ना०) नयरी (हो०) जियस० राया तत्थ णं] का-यंदीए नयरीए भद्दा-नामं सत्थ-वाही परिवसइ अड्ढा०, तीसे णं भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते सुणक्खत्ते नामं दारए होत्था अहीण० जाव सुरूवे पंचधाइपरिक्खित्ते जहा ध(न्ने)ण्णो त(हेव)हा बत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासायव(डें)डिंसए विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं (सामी)

समोस(ड्ढे)रणं जहा ध-ण्णो तहा सुणक्ख(त्ते-ऽ)त्तो-वि निग्ग(ते)ओ जहा थावच्चापुत्तस्स तहा निक्खमणं जाव अणगारे जाए ई-रियासमिए जाव बंभयारी, तए णं से सुणक्खत्ते (अणगारे) जं चेव दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे जाव पव्वइए तं चेव दिवसं अभिग्गहं तहेव जाव बिलमिव [०] आहारेइ संजमेणं जाव विहरइ [०] वहिया जणवयविहारं विहरइ एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ [०] संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से सुणक्खत्ते (अ०) तेणं ओ-रालेणं [०] जहा खंदओ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया सामी समोसढे परिसा निग्गया राया निग्गओ धम्मकहा राया पडिगओ परिसा पडिगया, तए णं तस्स सुणक्खत्तस्स अण्णया कया-इ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजा० जहा खंदयस्स व(हु)हू वासा परियाओ गोयमपुच्छा तहेव कहेइ जाव सव्वट्ठसिद्धे विमाणे दे(वे)वत्ताए उववण्णे तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, से णं भंते !० महाविदे(-वासे)हे सिज्झिहिइ ॥ [(इ०) वी(वी)यं अज्झयणं समत्तं ॥] एवं (ख० जं०) सुणक्खत्तगमेणं सेसा-वि अट्ठ भाणियव्वा, नवरं आ-णुपुव्वीए दोण्णि रायगिहे दोण्णि साएए दोण्णि वाणियग्गामे नवमो हत्थि(ण)णापुरे दसमो रायगिहे नवण्हं भद्दाओ जणणीओ नवण्ह-वि बत्तीसओ दाओ नवण्हं निक्खमणं थावच्चापुत्तस्स सरिसं वेहल्लस्स-पिया करेइ छम्मासा वेहल्लए नव धण्णे सेसाणं व-हू वासा(इं) मासं संलेहणा स०(वे)वट्ठसिद्धे महाविदे-हे सि(ज्झणा)ज्झि(हिं)स्संति [एवं दस अज्झयणाणि] । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं लोगणाहेणं लोगप्पदीवेणं लोगपज्जोयगरेणं अभयदएणं सरणदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरणाणदंसणधरेणं जिणेणं जाणएणं वुद्धेणं वोहएणं मोक्केणं मोयएणं तिण्णेणं तारएणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वावाहमपुणरावत्तयं सिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ६ ॥

अणुत्तरोववाइयदसाओ समत्ताओ ॥ (अणुत्तरोववाइयदसाणामं सुत्तं) नवममंगं समत्तं ॥

[अणुत्तरोववाइयदसाणं एगो सुयखं० तिण्णि व० तिसु चेव दिवसेसु उं० तत्थ पढमे वग्गे दस उद्देस० विइ(वी)ए वग्गे तेरस उद्देस० तइए वग्गे दस उद्देस० सेसं जहा धम्मकहा ने(ना)यव(वं)वा ॥ ७ ॥]



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

पण्हावागरणं

नमो अरिहंताणं नमो सिद्धाणं नमो आयरियाणं नमो उवज्झायाणं नमो लोए सव्वसाहूणं। (तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा-नाम नगरी होत्था, पुण्णभद्दे उज्जाणे असोगवरपायवे पुढविसिलापट्टए, तत्थ णं चंपाए नयरीए कोणिए नाम राया होत्था, धारिणी देवी, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मे नाम थेरे जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने बलसंपन्ने रूवसंपन्ने विणय-संपन्ने नाणसंपन्ने दंसणसंपन्ने चरित्तसंपन्ने लज्जासंपन्ने लाघवसंपन्ने ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोभे जियनिद्दे जिय-इंदिए जियपरीसहे जीवियासमरणभयविप्पमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे मुत्तिप्प-हाणे विज्जापहाणे मंतप्पहाणे वंभप्पहाणे वयप्पहाणे नयप्पहाणे नियमप्पहाणे सच्चप्पहाणे सोयप्पहाणे नाणप्पहाणे दंसणप्पहाणे चरित्तप्पहाणे चोद्दसपुव्वी चउनाणोवगए पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपा न(ग)यरी तेणेव उवागच्छइ जाव अहापडिरूवं उग्गहं उगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति। तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी अज्जजंवू नामं अणगारे कासवगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव संखित्तविपुलतेयलेस्से अज्जसुहम्मस्स थेरस्स अदूरसामन्ते उड्ढं-जाणू जाव संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से अज्जजंवू जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले उप्पन्नस(ड्ढे)ड्ढे २ संजायस-ड्ढे ३ समुप्पन्नस-ड्ढे २ उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव अज्जसुहम्मे थेरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जसुह-म्(मे)मं थे(रे)रं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने नाइदूरे विणएणं पंजलिपुडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते! सम-णेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं णवमस्स अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं अय-मट्ठे प० दसमस्स णं (भं०) अंगस्स पण्हावागरणाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प०? जंवू! दसमस्स अंगस्स समणेणं जाव संपत्तेणं दो सुयक्खंधा पण्णत्ता—

आसवदारा य संवरदारा य, पढमस्स णं भंते ! सुयक्खंधस्स समणेणं जाव संपत्तेणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता ? जम्बू ! पढमस्स णं सुयक्खंधस्स समणेणं जाव संपत्तेणं पंच अज्झयणा पण्णत्ता, दोच्चस्स णं भंते !० एवं चेव, एएसि णं भंते ! अण्हय-संवराणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ?, तते णं अज्जसुहम्मे थेरे जंबूनामेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे जं० अणगारं एवं वयासी–) जंबू ! इणमो अण्हयसंवर-विणिच्छयं पवयणस्स निस्संदं । वोच्छामि णिच्छयत्थं सुहासियत्थं महेसीहिं ॥ १ ॥ पंचविहो पण्णत्तो जिणे[हिं]हिं इह अण्हओ अणादीओ । हिंसामोसमदत्तं अब्बंभ-परिग्गहं चेव ॥ २ ॥ जारिसओ जंनामा जह य कओ जारिसं फलं देति । जेविय करेंति पावा पा(णि)णवहं तं निसामेह ॥ ३ ॥ पा-णवहो नाम एस निच्चं जिणेहिं भणिओ–पावो चंडो रुद्दो खुद्दो साहसिओ अणारिओ णिग्घिणो णिस्संसो महब्भओ पइभओ १० अतिभओ बीहणओ तासणओ अणज्जो उव्वेयणओ य णिरवयक्खो णिद्धम्मो णिप्पिवासो णिक्कलुणो णि-रयवासगमणनिधणो २० मोहमहब्भयपयट्टओ मरणावेमणस्सो २२ ॥ पढमं अधम्मदारं ॥ १ ॥ तस्स य नामाणि इमाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा–पाणवहो १ उम्मूलणा सरीराओ २ अवीसंभो ३ हिंसविहिंसा ४ तहा अकिच्चं च ५ घायणा ६ मारणा य ७ वहणा ८ उद्दवणा ९ तिवायणा य १० आरंभसमारंभो ११ आउयकम्मस्सुवद्दवो भेयणिट्ठवणगालणा य संवट्टगसंखेवो १२ मच्चू १३ असंजमो १४ कडगमद्दणं १५ वोरमणं १६ परभव-संकामकारओ १७ दुग्गतिप्पवाओ १८ पावकोवो य १९ पावलोभो २० छविच्छेओ २१ जीवियंतकरणो २२ भयंकरो २३ अणकरो य २४ वज्जो २५ परितावणअण्हओ २६ विणासो २७ निज्जवणा २८ लुंपणा २९ गुणाणं विराहणत्ति ३० विय तस्स एवमादीणि णामधेज्जाणि होंति तीसं पाणवहस्स कलुसस्स कडुयफलदेसगाइं ॥ २ ॥ तं च पुण करेंति केई पावा अ(स)संजया अविरया अणिहुयपरिणामदुप्पयोगी पाणवहं भयंकरं बहुविहं बहुप्पगारं परदुक्खुप्पायणप्पसत्ता इमेहिं तसथावरेहिं जीवेहिं पडिणि-विट्ठा, किं ते ?, पाठीणतिमितिमिंगिलअणेगझसविविहजातिमंडुक्कदुविहकच्छभणक्क-मगरदुविहगाहादिलिवेढयमंडुयसीमागारपुलुयसुंसुमारबहुप्पगारजलयरविहाणाकते य एवमादी, कुरंगरुरुसरभचमरसंवर(हु)उरब्भससयपसयगोणरोहियहयगयखरकरभ-खग्गवानरगवयविगसियालकोलमज्जारकोलसुण(का)कसिरियंदलगावत्तकोकंतियगोक-ण्णमियमहिसविग्घछगलदीवि(य)यासाणतरच्छअच्छ(ा)मल्लसद्दूलसीहचिल्ललचउप्प-यविहाणाकए य एवमा(यी)दी, अयगरगोणसवराहिमउलिका(ओ)उदरदव्वसपुप्फ-यासालियमहोरगोरगविहाणककए य एवमादी, छीरलसरंबसेहसेल्लगगोधुं(हु)दरणउ-

लसरडजाहगमुगुं(सी-सा)सखाडहि(ला)लवाउ(प्पि)प्पइय[घी]घरोलियसिरीसिवगणे य एवमादी, कादंच(कं)कवकवलाकासारसआडासेतीयकुललवंजुलपारिप्पवचकीवसउण-[पि]पीपीलिय[दीविय]हंसधत्तरिट्ठगभासकुलीकोसकुंचदगतुंडढेणियालगसू-(यी)ईमुहकविलपिंगलक्खगकारंडगचक्कवागउक्कोसगरुलपिंगुलसुयबरहिणमयणसाल-नंदीमुहनंदमाणगकोरंगभिंगारगकोणालगजी(वं)वजीव(ग)कतितित्तिरवट्टकलावककपिंजलककवोतक[काग]पारेवयग(च)चिडिगाढिंककुकुडवेसरमयूरगचउरगहयपोंडरीय-सालग[करक]वीरल्लसेणवायसयविहंग(भे)भिणासि(य)चासवग्गुलिचम्मट्ठिलविततपक्खिखहयरविहाणाकते य एवमादी, जलथलखगचारिणो उ पंचिदिए पसुगणे वियतियचउरिंदिए विविहे जीवे पियजीविए मरणदुक्खपडिकूले वराए हणंति वहुसंकिलिट्ठकम्मा। इमेहिं विविहेहिं कारणेहिं, किं ते ?, चम्मवसामंसमेयसोणिय-जगफिप्फिसमत्थु[लि]लुंगहितयंतपित्तफोफसदंत(ट्ठी)ट्ठा अट्ठिमिंजनहनयणकण्णण्हारुणिनक्कधमणिसिंगदाढिपिच्छविसविसाणवालहेउं, हिंसंति य भमरमधुकरिगणे रसेसु गिद्धा तहेव तेंदिए सरीरोवकरणट्ठयाए किवणे वेंदिए वहवे वत्थोहरपरिमंडणट्ठा, अण्णेहि य एवमाइएहिं वहूहिं कारणसतेहिं अवुहा इह हिंसंति तसे पाणे इमे य एगिंदिए वहवे वराए तसे य अण्णे तदस्सिए चेव तणुसरीरे समारंभंति अत्ताणे असरणे अणाहे अवंधवे कम्मनिगलवद्धे अकुसलपरिणाममंदबुद्धिजणदुव्विजाणए पुढ(वी)-विम[ये]ए पुढ-विसंसि(ये)ए जलमए जलगए अणलाणिलतणवणस्सतिगणनिस्सिए य तम्मयतज्जिते चेव तदाहारे तप्परिणतवण्णगंधरसफासवोंदिरूवे अचक्खुसे चक्खुसे य तसकाइए असंखे थावरकाए य सुहुमवायरपत्तेयसरीरनामसाधारणे अणंते हणंति अविजाणओ य परिजाणओ य जीवे इमेहिं विविहेहि कारणेहिं, किं ते ?, करिसणपोक्खरणीवाविवप्पिणिकूवसरतलागचितिवे(दि)तियखातियआरामविहारथूभपागारदारगोउरअट्टालगचरियासेतुसंकमपासायविकप्पभवणघरसरणलेणआवणचेतियदेवकुलचित्तसभापवाआयतणावसहभूमिघरमंडवाण य कए भायणभंडोवगरणस्स विविहस्स य अट्ठाए पुढविं हिंसंति मंदवुद्धिया जलं च मज्जणयपाणभोयणवत्थधोवणसोयमादिएहि पयणपयावणजलावणविदंसणेहिं अगणिं सुप्पवियणतालयंटपेहुणमुहकरयलसागपत्तवत्थमादिएहिं अणिलं अगारपरिवा(डि-या)रभक्खभोयणसयणासणफल(क)गमुसलउखलततवितताताेज्जवहणवाहणमंडवविविहभवणतोरणाविडंगदेवकुलजालयद्धचंदनिज्जूगचंदसालियवेतियणिस्सेणिदोणिचंगेरिखीलमेढकसभापवावसहगंधमल्लाणुलेवणंवरजुयनंगलमइयकुलियसंदणसीयारहसगडजाणजोग्गअट्टालगचरिअदारगोपुरफलिहाजंतसूलियलउडमुसंढिसतग्घिबहुपहरणावरणुवक्खराण कते,

अण्णेहि य एवमादिएहिं बहूहिं कारणसतेहिं हिंसन्ति ते तरुगणे भणिता एवमादी सत्ते सत्तपरिवज्जिया उवहणन्ति दढमूढा दारुणमती कोहा माणा माया लोभा हस्सरती अरती सोय-वेदत्थी जीयकामत्थधम्महेउं सवसा अवसा अट्ठा अणट्ठाए य तसपाणे थावरे य हिंसंति (हिंसंति) मंदबुद्धी सवसा हणंति अवसा हणंति सवसा अवसा दुहओ हणंति अट्ठा हणंति अणट्ठा हणंति अट्ठा अणट्ठा दुहओ हणंति हस्सा हणंति वेरा हणंति रती-य हणंति हस्सवेरारती य हणंति कुद्धा हणंति लुद्धा हणंति मुद्धा हणंति कुद्धा लुद्धा मुद्धा हणंति अत्था हणंति धम्मा हणंति कामा हणंति अत्था धम्मा कामा हणंति ॥ ३ ॥ कयरे ते ?, जे ते सोयरिया मच्छबंधा साउणिया वाहा कूरकम्मा वाउरिया दीवितबंधणप्पओगतप्पगलजालवीरल्लगायसीदब्भवग्गुराकूडछेलिहत्था (दीविया) हरिएसा[सा]उणिया य वीदंसगपासहत्था वणचरगा लुद्धयमहुघातपोतघाया एणीयारा पएणियारा सरदहदीहिअतलागपल्लपरिगालणमलणसोत्तबंधणसलिलासयसोसगा विसगरस्स य दायगा उत्तणवल्लरदवग्गिणिद्दयपलीवका कूरकम्मकारी इमे य बहवे मिलक्खुजाती, के ते ?, सकजवणस[व]-वरबब्बरगायमुरुंडोदभडगतित्तियपक्कणियकुलक्खगोडसीहलपारसकोंचंधदविल(चि)-विल्लपुलिंदअरोसडोवपोक्कणगंधहारगवहलीयजल्लरोममासवउसमलया चुंचुया य चूलिया कोंकणगा मेतपण्हवमालवमहुरआभासियाअणक्कचीणल्हासियखसखासिया नेहुरमरहट्ठमुट्ठि(अ)यआरबडोविलगकुहणकेकयहूणरोमगरुरुमरुगा चिलायविसयवासी य पावमतिणो जलयरथलयरसणप्फतोरगखहचरसंडासतोंडजीवोव(व)घायजीवी सण्णी य असण्णिणो य पज्जत्ता असुभलेस्सपरिणामा एते अण्णे य एवमादी करेंति पाणातिवायकरणं पावा पावाभिगमा पावरुई पाणवहकयरती पाणवहरूवाणुट्ठाणा पाणवहकहासु अभिरमंता तुट्ठा पावं करेत्तु हों(हो)ति य बहुप्पगारं । तस्स य पावस्स फलविवागं अयाणमाणा वड्ढंति महब्भयं अविस्सामवेयणं दीहकालबहुदुक्खसंकडं नरयतिरिक्खजोणिं, इओ आउक्खए चुया असुभकम्मबहुला उववज्जंति नरएसु हुलितं महालएसु वयरामयकुड्डरुद्धनिस्संधिदारविरहियनिम्मद्दवभूमितलखरामरिसविसमणिरयघरचारएसुं महोसिणसया[व]पतत्तदुग्गंधविस्सउव्वेयजणगेसु बीभच्छदरिसणिज्जेसु निच्चं हिमपडलसीयलेसु कालोभासेसु य भीमगंभीरलोमहरिसणेसु णिरभिरामेसु निप्पडियारवाहिरोगजरापीलिएसु अतीवनिच्चंधकारतिमिस्सेसु पतिभएसु ववगयगहचंदसूरणक्खत्तजोइसेसु मेयवसामंसपडलपोच्चडपूयरुहिरुक्किण्णविलीणचिक्कणरसियावावण्णकुहियचिक्खल्लकद्दमेसु कुकूलानलपलित्तजालमुम्मुरअसिक्खुरकरवत्तधारासुनिसितविच्छुयडंकनिवातोवम्मफरिसअति-

दुस्सहेसु य अत्ताणासरणकडुयदुक्खपरितावणेसु अणुबद्धनिरंतरवेयणेसु जमपुरिससंकुलेसु, तत्थ य अन्तोमुहुत्तलद्धिभवपच्चएणं निव्वत्तेंति उ ते सरीरं हुंडं बीभच्छदरिसणिज्जं बीहणगं अट्ठिण्हारुणहरोमवज्जियं असुभ-गंध-दुक्खविसहं, ततो य पज्जत्तिमुवगया इंदिएहिं पंचहिं वेदेंति असुभाए वेयणाए उज्जलबलविउलउक्कडक्खरफरुसपयंडघोरबीहणगदारुणाए, किं ते ?, कंदुमहाकुंभियपयणपउलणतवगतलणभट्ठभज्जणाणि य लोहकडाहुकड्ढणाणि य कोट्टबलिकरणकोट्टणाणि य सामलितिक्खग्गलोहकंटकअभिसरणपसारणाणि फालणविदालणाणि य अवकोडकबंधणाणि लट्ठिसयतालणाणि य गलगबलुल्लंबणाणि सूलग्गभेयणाणि य आएसपवंचणाणि खिंसणविमाणणाणि विघुट्ठपणिज्जणाणि वज्झसयमातिकाति य एवं ते । पुव्वकम्मकयसंचयोवतत्ता निरयग्गिमहग्गिसंपलित्ता गाढदुक्खं महब्भयं कक्कसं असायं सारीरं मानसं च तिव्वं दुविहं वेदेंति वेयणं पावकम्मकारी बहूणि पलिओवमसागरोवमाणि कलुणं पालेन्ति ते अहाउयं जमकातियतासिता य सद्दं करेंति भीया, किं ते ?, अविभायसामि(माम)भायबप्पतायजितवं मुय मे मरामि दुब्बलो वाहिपीलिओऽहं किं दाणिऽसि ? एवंदारुणो णिद्दय मा देहि मे पहारे उस्सासेतं (एयं) मुहुत्तयं मे देहि पसायं करेहि मा रुस वीसमामि गेविज्जं मु(च)य[ह] मे मरामि, गाढं तण्हातिओ अहं देह पाणीयं हंता पिय इमं जलं विमलं सीयलंति घेत्तूण य नरयपाला तवियं तउयं से देंति कलसेण अंजलीसु दट्ठूण य तं पवे[पि]वियंगोवंगा अंसुपगलंतपप्पुयच्छा छिण्णा तण्हाइयम्ह कलुणाणि जंपमाणा विप्पेक्खन्ता दिसोदिसिं अत्ताणा असरणा अणाहा अबंधवा बंधुविप्पहूणा विपलायंति य मिगा इव वेगेण भयुव्विग्गा, घेत्तूण बला पलायमाणाणं निरणुकंपा मुहं विहाडेत्तुं लोहडंडेहिं कलकलं ण्हं वयणंसि छुभंति केइ जमकाइया हसंता, तेण दड्ढा संतो रसंति य भीमाइं विस्सराइं रुवंति य कलुणगाइं पारेवतगाव एवं पलवितविलावकलुणाकंदियबहुरुन्नरुदियसद्दो परि[वे]देवितरुद्धबद्धयनारकारवसंकुलो णीसट्ठो रसियभणियकुवियउक्कूइयनिरयपालतज्जिय गेण्ह–क्कम पहर छिंद भिंद उप्पाडेहुक्खणाहि कत्ताहि विकत्ताहि य भुज्जो हण विहण विच्छुभोच्छुब्भ आकड्ढ विकड्ढ किं ण जंपसि ? सराहि पावकम्माइं दुक्कयाइं एवं वयणमहप्पगब्भो पडिसुयासद्दसंकुलो तासओ सया निरयगोयराण महाणगरडज्झमाणसरिसो निग्घोसो सु[च]व्वए अणिट्ठो तहियं नेरइयाणं जाइज्जंताणं जायणाहिं, कि ते ?, असिवणदब्भवणजंतपत्थरसूइतलक्खारवाविकलकलन्तवेयरणिकलंबवालुयाजलियगुहनिरुंभणउसिणोसिणकंटइल्लदुग्गमरहजोयणतत्तलोहमग्गगमणवाहणाणि, इमेहिं विविहेहिं, आयुहेहिं कि ते ? मोग्गरमुसुं-

ढिकरकयसत्तिहलगयमुसलचक्ककोंततोमरसूललउलभिंडिमालस[द्द]द्धलपट्टिसचम्मेट्ठ-दुहणमुट्ठियअसिखेडगखग्गचावनारा(यं)यकणककप्पणिवासिपरसुटंकतिक्खनिम्मल-अण्णेहि य ए(य)वमादिएहिं असुभेहिं वेउव्विएहिं पहरणसतेहिं अणुबद्धतिव्ववेरा परोप्परवेयणं उदीरेंति अभिहणंता, तत्थ य मोग्गरपहारचुण्णियमुसुंढिसंभग्गमहितदेहा जंतोवपीलणफुरंतकप्पिया केइत्थ सचम्मका विगत्ता णिम्मूल(ल्ल)लूणकण्णोट्ठणासिका छिण्णहत्थपादा असिकरकयतिक्खकोंतपरसुप्पहारफालियवासीसंतच्छितंगमंगा कलकलमाणखारपरिसित्तगाढडज्झंतगत्तकुंतग्गभिण्णजज्जरियसव्वदेहा विलोलंति महीतले (निग्गयग्गजीहा) विसूणियंगमंगा, तत्थ य विगसुणगसियालकाकमज्जारसरभदीवियवियग्घगसद्दूलसीहदप्पियखुहाभिभूतेहिं णिच्चकालमणसिएहिं घोरा-ऽऽ-रसमाणभीमरूवेहिं अक्कमित्ता दढदाढागाढडक्ककड्ढियसुतिक्खनहफालियउद्धदेहा विच्छिप्पंते समंतओ विमुक्कसंधिबंधणावियंगमंगा कंककुररगिद्धघोरकट्ठवायसगणेहि य पुणो खरथिरदढणक्खलोहतुंडेहिं ओवतित्ता पक्खाहयतिक्खणक्खविकिन्नजिब्भंछियनयणनि-(द्ध)द्दओलुग्गविगतवयणा, उक्कोसंता य उप्पयंता निपतंता भमंता पुव्वकम्मोदयोवगता पच्छाणुस[ये]एण डज्झमाणा णिंदंता पुरेकडाइं कम्माइं पावगाइं तहिं २ तारिसाणि ओसन्नचिक्कणाइं दुक्खाति अणुभवित्ता ततो य आउक्खएणं उव्वट्टिया समाणा, वहवे गच्छंति तिरियवसहिं दुक्खुत्तरं सुदारुणं जम्मणमरणजरावाहिपरियट्टणारहट्टं जलथलखहचरपरोप्परविहिंसणपवंचं इमं च जगपागडं वरा[का]गा दुक्खं पावेन्ति दीहकालं, किं ते?, सीउण्हतण्हाखुहवेयणअप्पईकारअडविजम्मणणिच्चभउव्विग्गवासजग्गणवहबंधणताडणंकणनिवायणअट्ठिभंजणनासाभेयप्पहारदूमणछविच्छेयणअभिओगपावणकसंकुसारनिवायदमणाणि वाहणाणि य मायापितिविप्पयोगसोयपरिपीलणाणि य सत्थग्गिविसाभिघायगलगवलआवलणमारणाणि य गलजालुच्छिपणाणि प(ओ)उलण-विकप्पणाणि य जावज्जीवि[क]गबंधणाणि पंजरनिरोहणाणि य सयूहनिद्धाडणाणि धमणाणि य दोहणाणि य कुदंडगलबंधणाणि वाडगपरिवारणाणि य पंकजलनिमज्जणाणि (य) वारिप्पवेसणाणि य ओवायणिभंगविसमणिवडणदवग्गिजालदहणाइं य, एवं ते दुक्खसयसंपलित्ता नरगाउ आगया इहं सावसेसकम्मा तिरिक्खपंचेंदिएसु पाविंति पावकारी कम्माणि पमायरागदोसबहुसंचियाइं अतीव अस्सायकक्कसाइं भमरमसगमच्छिमाइएसु य जाइकुलकोडिसयसहस्सेहिं नवहिं चउरिंदियाण तहिं तहिं चेव जम्मणमरणाणि अणुभवंता कालं संखेज्जकं भमंति नेरइ[अ]यसमाणतिव्वदुक्खा फरिसरसणघाणचक्खुसहिया तहेव तेइंदिएसु कुंथुपिप्पीलिकाअवधिकादिकेसु य जातिकुलकोडिसयसहस्सेहिं अट्ठहिं अणूणएहिं

तेइंदियाणं तहिं २ चेव जम्मणमरणाणि अणुहवंता कालं संखेज्जकं भमंति नेरइय-समाणतिव्वदुक्खा फरिसरसणघाणसंपउत्ता (तहेव बेइं(वें)दि(ये)एसु) गंडूलयजलूय-किमियचंदणगमादिएसु य जा(ती)तिकुलकोडिसयसहस्सेहिं सत्तहिं अणूणएहिं बेइंदि-याण तहिं २ चेव जम्मणमरणाणि अणुहवंता कालं संखिज्जकं भमंति नेरइयसमाणति-व्वदुक्खा फरिसरसणसंपउत्ता पत्ता एगिंदियत्तणंपि-य पुढविजलजलणमारुयवणप्फति सुहुमबायरं च पज्जत्तमपज्जत्तं पत्तेयसरीरणाम-साहारणं च पत्तेयसरीरजीविएसु य तत्थवि कालमसंखेज्जगं भमंति अणंतकालं च अणंतकाए फासिंदियभावसंपउत्ता दुक्खसमुदयं इमं अणिट्ठं पाविंति पुणो २ तहिं २ चेव परभवतरुगणग(ह)णे कोद्दालकुलियदालणसलिलमलणखुंभणरुंभणअणलाणिलविविहसत्थघट्टणपरोप्पराभिह-णणमारणविराहणाणि य अकामकाइं परप्पओगोदीरणाहि य कज्जपओयणेहि य पेस्स-पसुनिमि[त्तं]त्तओसहाहारमाइएहिं उक्खणणउक्कत्थणपयणकोट्टणपीसणपिट्टणभज्जण-गालणआमोडणसडणफुडणभंजणछेयणतच्छणविलुंचणपत्तज्झोडणअग्गिदहणाइया-(ति)त्तिं एवं ते भवपरंपरादुक्खसमणुबद्धा अडंति संसारबीहणकरे जीवा पाणाइ-वायनिरया अणंतकालं जेविय इह माणुसत्तणं आगया क(हिं वि)हंचि नरगा उव्वट्टिया अधन्ना तेविय दीसंति पायसो विकयविगलरूवा खुज्जा वडभा य वामणा य बहिरा काणा कुंटा पंगुला विउला य (अविय जल)मू(या)का य मंमणा य अं(धि-ल्ल)धयगा एगचक्खू विणिहयस(पिस-वे)च्चिल्लया वाहिरोगपीलियअप्पाउयसत्थवज्झ-बाला कुलक्खणुक्किन्नदेहा दुब्बलकुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा किविणा य हीणा हीणसत्ता निच्चं-सोक्खपरिवज्जिया असुहदुक्खभा[ग]गी णरगाओ [उव्वट्टिया] इहं सावसेसकम्मा, एवं णरगं तिरिक्खजोणिं कुमाणुसत्तं च हिंडमाणा पावंति अणंताइं दुक्खाइं पावकारी एसो सो पाणवहस्स फलविवागो इहलोइओ पा(प)-रलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भयो बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चती, न य अवेदयित्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति एवमाहंसु, नायकुल-नंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो क(हइ सीह)हेसी य पाणवह(ण)स्स फलविवागं, एसो सो पाणवहो चंडो रुद्दो खुद्दो अणारिओ निग्घिणो निसंसो मह-ब्भओ बीहणओ तासणओ अणज्जो उव्वेयणओ य णिरवयक्खो निद्धम्मो निप्पिवासो निक्कलुणो निरयवासगमणनिधणो मोहमहब्भयपवड्ढओ मरणवेमणस्सो पढमं अहम्मदारं समत्तंतिबेमि ॥ ४ ॥ जंबू! बितियं च अलियवयणं लहुसगलहु-चवलभणियं भयंकरं दुहकरं अयसकरं वेरकरगं अरतिरतिरागदोसमणसंकिलेसवियि-रणं अलियनियडिसातिजोयबहुलं नीयजणनिसेवियं निस्संसं अप्पच्चयकारकं परम-

साहुगरहणिज्जं परपीलाकारकं परमकिण्हलेस्ससहियं दुग्गइविणिवायवड्ढणं भवपुणब्भवकरं चिरपरिचियमणुगतं दुरन्तं कित्ति(यं)तं वितितं अधम्मदारं ॥ ५ ॥ तस्स य णामाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा-अलियं १ सढं २ अणज्जं ३ मायामोसो ४ असंतकं ५ कूडकवडमवत्थुगं च ६ निरत्थयमवत्थयं च ७ विद्देसगरहणिज्जं ८ अणुज्जुकं ९ कक्कणा य १० वंचणा य ११ मिच्छापच्छाकडं च १२ साती उ १३ उच्छन्नं १४ उक्कूलं च १५ अट्टं १६ अब्भक्खाणं च १७ किब्बिसं १८ वलयं १९ गहणं च २० मम्मणं च २१ नूमं २२ निय(डी)यी २३ अप्पच्चओ २४ असमओ २५ असच्चसंधत्तणं २६ विवक्खो २७ अवही(आणाइ)यं २८ उवहिअसुद्धं २९ अवलोवोत्ति ३०, अविय तस्स एयाणि एवमादीणि नामधेज्जाणि होंति तीसं सावज्जस्स अलियस्स वइजोगस्स अणेगाइं ॥ ६ ॥ तं च पुण वदंति के[ई]इ अलियं पावा असंजया अविरया कवडकुडिलकडुयचटुलभावा कुद्धा लुद्धा भया य हस्सट्ठिया य सक्खी चोरचारभडा खंडरक्खा जियजूईकरा य गहियगहणा कक्कुरुगकारगा कुलिंगी उवहिया वाणियगा य कूडतुलकूडमाणी कुडकाहावणोवजीवी पडगारकलायकारुइज्जा वंचणपरा चारियचाटुयारनगरगोत्तियपरिचारगा दुट्ठवायिसूयकअणवलभणिया य पुव्वकालियवयणदच्छा साहसिका लहुस्सगा असच्चा गारविया असच्चट्ठावणाहिचित्ता उच्चच्छंदा अणिग्गहा अणियता छंदेण मुक्कवाता भवंति अलियाहिं जे अविरया, अवरे नत्थिकवादिणो वामलोकवादी भणंति नत्थि जीवो न जाइ इह परे वा लोए न य किंचिवि फुसति पुन्नपावं नत्थि फलं सुकयदुक्कयाणं पंचमहाभूतियं सरीरं भासंति हे ! वातजोगजुत्तं, पंच य खंधे भणंति केई, मणं च मणजीविका वदंति, वाउजीवोत्ति एवमाहंसु, सरीरं सादियं सनिधणं इहभवे एगे भवे तस्स विप्पणासंमि सव्वनासोत्ति, एवं जंपंति मुसावादी, तम्हा दाणवयपोसहाणं तवसंजमबंभचेरकल्लाणमाइयाणं नत्थि फलं नवि य पाणव[हे]हअलियवयणं न चेव चोरिक्ककरणपरदारसेवणं वा सपरिग्गहपावकम्मकरणं-पि नत्थि किंचि न नेरइयतिरियमणुयाण जोणी न देवलोको वा अत्थि न य अत्थि सिद्धिगमणं अम्मापियरो नत्थि नवि अत्थि पुरिसकारो पच्चक्खाणमवि नत्थि नवि अत्थि कालमच्चू य अरिहंता चक्कवट्टी वलदेवा वासुदेवा नत्थि नेवत्थि के[वि]इ रिसओ धम्माधम्मफलं च नवि अत्थि किंचि वहुयं च थोवकं वा, तम्हा एवं विजाणिऊण जहा सुवहु इंदियाणुकूलेसु सव्वविसएसु वट्टह णत्थि काइ किरिया वा अकिरिया वा एवं भणंति नत्थिकवादिणो वामलोगवादी, इमंपि वितीयं कुदंसणं असब्भाववाइणो पण्णवेंति मूढा-संभूतो अंडकाओ लोको सयंभुणा सयं च निम्मिओ, एवं एय

अलियं-पयावइणा इस्सरेण य कयंति केति, एवं विण्हुमयं कसिणमेव य जगंति केई, एवमेके वदंति मोसं एको आया अकारको वेदको य सुकयस्स दुक्कयस्स य करणाणि कारणाणि सव्वहा सव्वहिं च निच्चो य निक्किओ निग्गुणो य अ(न्नो अ)णुवलेव-ओत्ति-विय एवमाहंसु असब्भावं, जंपि इहं किंचि जीवलोके दीसइ सुकयं वा दुकयं वा एयं अदिच्छाए वा सहावेण वावि दइवतप्पभावओ वावि भवति, नत्थेत्थ किंचि कयकं [तत्तं]कयं च लक्खणविहाणनियती[ए]य कारि[यं]या एवं केइ जंपंति इड्ढि-रससातगारवपरा वहवे करणालसा परूवेंति धम्मवीमंसएण मोसं, अवरे अहम्मओ रायदुट्ठं अब्भक्खाणं भणेंति-अलियं चोरोत्ति अचोरयं करेंतं डामरिउत्तिवि-य एमेव उदासीणं दुस्सीलोत्ति य परदारं गच्छतित्ति मइलिंति सीलकलियं अयंपि गुरुतप्पओ, अण्णे एमेव भणंति उवाहणंता मित्तकलत्ताइं सेवंति अयंपि लुत्तधम्मो इमोवि विस्सं-भ[वाइ]घायओ पावकम्मकारी अकम्मकारी अगम्मगामी अयं दुरप्पा बहुएसु य पा(प)वगेसु जुत्तोत्ति एवं जंपंति मच्छरी, भद्दके वा गुणकित्तिनेहपरलोगनिप्पिवासा, एवं ते अलियवयणदच्छा परदोसुप्पायणप्पसत्ता वेढेन्ति अक्खातियवीएण अप्पाणं कम्मबंधणेण मुहरी असमिक्खियप्पलावा निक्खेवे अवहरंति परस्स अत्थंमि गढि-यगिद्धा अभिजुंजंति य परं असंतएहिं लुद्धा य करेंति कूडसक्खित्तणं असच्चा अत्थालियं च कन्नालियं च भोमालियं च तह गवालियं च गरुयं भणंति अहरगति-गमणं(कारणं), अन्नंपि य जातिरूवकुलसीलपच्चयं मायाणिगुणं चवल पिसुणं पर-मट्ठभेदकम[स]संतकं विद्देसमणत्थकारकं पावकम्ममूलं दुद्दिट्ठं दुस्सुयं अमुणियं निल्लज्जं लोकगरहणिज्जं वहबंधपरिकिलेसवहुलं जरामरणदुक्खसोयनिम्मं असुद्धपरिणामसंकि-लिट्ठं भणंति अलिया(हिं)हिसं(ति)धिसंनिविट्ठा असंतगुणुदीरका य संतगुणनासका य हिंसाभूतोवघातितं अलियसंपउत्ता वयणं सावज्जमकुसलं साहुगरहणिज्जं अधम्म जणणं भणंति अणभिगयपुन्नपावा, पुणोवि अधिकरणकिरियापवत्तका वहुविहं अणत्थं अवमद्दं अप्पणो परस्स य करेंति, एमेव जंपमाणा महिससूकरे य साहिंति घायगाणं सस-यपसयरोहिए य साहिंति वागुराणं तित्तिरवट्टकलावके य कविंजलकवोयके य साहिंति साउणीणं झसमगरकच्छभे य साहिंति मच्छियाणं संखंके खुल्लए य साहिंति म(गिग)-गराणं अयगरगोणसमंडलिदव्वीकरे मउली य साहिंति वा(यलिया)लवीणं गोहा सेहग सल्लगसरड[गे]के य साहिंति लुद्धगाणं गयकुलवानरकुले य साहिंति पासियाणं सुकबरहिणमयणसालकोइलहंसकुले सारसे य साहिंति पोसगाणं वधबंधजायणं च साहिंति गोम्मियाणं धणधन्नगवेलए य साहिंति तक्कराणं गामागरनगरपट्टणे य साहिंति चारियाणं पारघाइयपंथघातियाओ सा(हं)हिंति य गंठिभेयाणं कयं च चोरियं

नगरगोत्तियाणं लंछणनिल्लंछणधमणदुहणपोसणवणणदवणवाहणादियाइं साहिंति बहूणि गोमियाणं धातुमणिसिलप्पवालरयणागरे य साहिंति आगरीणं पुप्फविहिं फलविहिं च साहिंति मालियाणं अग्घमहुकोसए य साहिंति वणचराणं जंताइं विसाइं मूलकम्मं आ(हिव्व)हेवण[आविंधण]आभिओगमंतोसहिप्पओगे चोरियपरदारगमणबहुपावकम्मकरणं उक्खंधे गामघातियाओ वणदहणतलागभेयणाणि बुद्धिविसविणासणाणि वसीकरणमादियाइं भयमरणकिलेसदोसजणणाणि भावबहुसंकिलिट्ठमलिणाणि भूतघातोवघातियाइं सच्चाइंपि ताइं हिंसकाइं वयणाइं उदाहरंति पुट्ठा वा अपुट्ठा वा परतत्तियवावडा य असमिक्खियभासिणो उवदिसंति सहसा उट्टा गोणा गवया दमंतु परिणयवया अस्सा हत्थी गवेलगकुक्कुडा य किज्जंतु किणावेध य विक्केह पयह य सयणस्स देह पियय दासिदासभयकभाइल्लका य सिस्सा य पेसकजणो कम्मकरा य किंकरा य एए सयणपरिजणो य कीस अच्छंति [?] भारिया भे क(रिंतु)रेन्तु कम्मं गहणाइं वणाइं खेत्तखिलभूमिवल्लराइं उत्तणघणसंकडाइं डज्झंतु सूडिज्जंतु य रुक्खा भिज्जंतु जंतभंडाइयस्स उवहिस्स कारणाए बहुविहस्स य अट्ठाए उच्छू दुज्जंतु पीलिज्जंतु य तिला पयावेह य इट्टकाउ मम घरट्ठयाए खेत्ताइं कसह कसावेह य लहुं गामआगरनगरखेडकब्बडे निवेसेह अडवीदेसेसु विपुलसीमे पुप्फाणि य फलाणि य कंदमूलाइं कालपत्ताइं गेण्हेह करेह संचयं परिजणट्ठयाए साली वीही जवा य लुच्चंतु मलिज्जंतु उप्(फ)पणिज्जंतु य लहुं च पविसंतु य कोट्ठागारं अप्पमहउक्कोसगा य हंमंतु पोयसत्था सेणा णिज्जाउ जाउ डमरं घोरा वट्टंतु य संगामा पवहंतु य सगडवाहणाइं उवणयणं चोलगं विवाहो जन्नो अमुगम्मि उ होउ दिवसे सुकरणे सुमुहुत्ते सुनक्खत्ते सुतिहिंमि य अज्ज होउ ण्हवणं मुदितं बहुखज्जपिज्जकलियं कोतुकं विण्हावणकं संतिकम्माणि कुणह ससिरविगहोवरागविसमेसु सज्जणपरियणस्स य नियकस्स य जीवियस्स परिरक्खणट्ठयाए पडिसीसकाइं च देह देह य सीसोवहारे विविहोसहिमज्जमंसभक्खन्नपाणमल्लाणुलेवणपईवजलिउज्जलसुगंधिधूवावकारपुप्फफलसमिद्धे पायच्छित्ते करेह पाणाइवायकरणेणं बहुविहेणं विवरीउप्पायदुस्सुमिणपावसउणअसोमग्गहचरियअमंगलनिमित्तपडिघायहेउं वित्तिच्छेयं करेह मा देह किंचि दाणं सुट्ठु हओ सुट्ठु हओ सुट्ठु छिन्नो भिन्नत्ति उवदिसंता एवंविहं करेंति अलियं मणेण वायाए कम्मुणा य अकुसला अणज्जा अलियाणा अलियधम्मणिरया अलियासु कहासु अभिरमंता तुट्ठा अलियं करेत्तु होंति य बहुप्पयारं ॥ ७ ॥ तस्स य अलियस्स फलविवागं अयाणमाणा वड्ढेति महब्भयं अविस्सामवेयणं दीहकालं बहुदुक्खसंकडं नरयतिरियजोणिं तेण य अलिएण समणुबद्धा

आइद्धा पुणब्भवंधकारे भमंति भीमे दुग्गतिवसहिसुवगया, ते य दीसंतिह दुग्गया दुरंता परवसा अत्थभोगपरिवज्जिया असुहिता फुडियच्छविबीभच्छविवन्ना खरफरुसविरत्तज्झामज्झुसिरा निच्छाया लल्लविफलवाया असक्कतमसक्कया अगंधा अचेयणा दुब्भगा अकंता काकस्सरा हीणभिन्नघोसा विहिंसा जडवहिरन्ध(मू)या य मम्मणा अ(क)कंतविकयकरणा णीया णीयजणनिसेविणो लोगगरहणिज्जा भिचा असरिसजणस्स पेस्सा दुम्मेहा लोकवेदअज्झप्पसमयसुतिवज्जिया नरा धम्मवुद्धिवियला अलिएण य तेणं पडज्झमाणा असंतएण य अवमाणणपट्ठिमंसाहिक्खेवपिसुणभेयणगुरुबंधवसयणमित्तवक्खारणादियाइं अब्भक्खाणाइं बहुविहाइं पावेंति अ(मणोर)णुवमा[णि]इं हिययमणदूमकाइं जावज्जीवं दुरुद्धराइं अणिट्ठ(स)खरफरुसवयणतज्जणनिब्भच्छणदीणवदणविमणा कुभोयणा कुवाससा कुवसहीसु किलिस्संता नेव सुहं नेव निव्वुइं उवलभंति अच्चंतविपुलदुक्खसयसंपलित्ता। एसो सो अलियवयणस्स फलविवाओ इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चइ, न य अवेदयित्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति, एवमाहंसु नायकुलनंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य अलियवयणस्स फलविवागं एयं तं वितीयंपि अलियवयणं लहुसगलहुचवलभणियं भयंकरं दुहकरं अयसकरं वेरकरगं अरतिरतिरागदोसमणसंकिलेसवियरणं अलियणियडिसादिजोगवहुलं नी-यजणनिसेवियं निस्संसं अप्पच्चयकारकं परमसाहुगरहणिज्जं परपीलाकारकं परमकण्हलेससहियं दुग्गतिविनिवायवड्ढणं (भव)पुणब्भवकरं चिरपरिचियमणुगयं दु(रुत्तं)रंतं वितियं अधम्मदारं समत्तं ॥ ८ ॥ जंबू! तइयं च अदत्तादाणं हरदहमरणभयकलुसतासणपरसंतिगऽभेज्जलोभमूलं कालविसमसंसियं अहोऽच्छिन्नतण्हपत्थाणपत्थोइमइयं अकित्तिकरणं अणज्जं छिद्दमंतरविधुरवसणमग्गणउस्सवमत्तप्पमत्तपसुत्तवंचणक्खिवणघायणपराणिहुयपरिणामतक्करजणबहुमयं अकलुणं रायपुरिसरक्खियं सया साहुगरहणिज्जं पियजणमित्तजणभेदविप्पीतिकारकं रागदोसबहुलं पुणो य उप्पूरसमरसंगामडमरकलिकलहवेहकरणं दुग्ग[त्ति]इविणिवायवड्ढणं भवपुणब्भवकरं चिरपरिचितमणुगयं दुरंतं तइयं अधम्मदारं ॥ ९ ॥ तस्स य णामाणि गोन्नाणि होंति तीसं, तंजहा—चोरिक्कं १ परहडं २ अदत्तं ३ कूरि(कुरुड्य)क(यं)डं ४ परलाभो ५ असंजमो ६ परधणंमि गेही ७ लोलिक्कं ८ तक्करत्तणंति-य ९ अवहारो १० हत्थल(हु)त्तणं ११ पावकम्मकरणं १२ तेणिक्कं १३ हरणविप्पणासो १४ आदियणा १५ लुंपणा धणाणं १६ अप्पच्चओ १७ ओ(अ)वीलो १८ अक्खेवो १९ खेवो २० विक्खेवो २१ कूडया २२ कुलमसी य २३ कंखा २४ लालप्पणपत्थणा य २५ (आससणाय)

वसणं २६ इच्छामुच्छा य २७ तण्हागेहिं २८ नियडिकम्मं २९ अपरच्छंति ३० विय तस्स एयाणि एवमादीणि नामधेज्जाणि होंति तीसं अदिन्नादाणस्स पावकलिकलुसकम्मबहुलस्स अणेगाइं ॥ १० ॥ तं पुण करेंति चोरियं तक्करा परदव्वहरा छेया कयकरणलद्धलक्खा साहसिया लहुस्सगा अतिमहिच्छलोभग(च्छा)त्था दद्दरओवीलका य गेहिया अहिमरा अणभंजकभग्गसंधिया रायदुट्ठकारी य विसयनिच्छूढलोकबज्झा उद्दोहकगामघायपुरघायगपंथघायगआलीवगतित्थभेया लहुहत्थसंपउत्ता जूइकरा खंडरक्खत्थीचोरपुरिसचोरसंधिच्छेया य गंथिभेदगपरधणहरणलोमावहारअक्खेवी हडकारका निम्मद्दगगूढचोरकगोचोरगअस्सचोरगदासिचोरा य एकचोरा ओकड्ढकसंपदायकउच्छिंपकसत्थघायकबिल(चोरी)कोलीकारका य निग्गाहविप्पलुंपगा बहुविहतेणिक्कहरणबुद्धी, एते अन्ने य एवमादी परस्स दव्वा हि जे अविरया। विपुलबलपरिग्गहा य बहवे रायाणो परधणंमि गिद्धा सए व दव्वे असंतुट्ठा परविसए अहिहणंति ते लुद्धा परधणस्स कज्जे चउरंग(सम)विभत्तबलसमग्गा निच्छियवरजोहजुद्धसद्धियअहमहमितिदप्पिएहिं [सेन्नेहिं] संपरिवुडा पउमसगडसूइचक्कसागरगरुलवूहातिएहिं अणिएहिं उत्थरंता अभिभूय हरंति परधणाइं अवरे रणसीसलद्धलक्खा संगामं[मि] अतिवयंति सन्नद्धबद्धपरियरउप्पीलियचिंधपट्टगहियाउहपहरणा माढि(गुड)वरवम्मगुंडिया आविद्धजालिका कवयकंकडइया उरसिरमुहबद्धकंठतोणमाइतवरफलहरचितपहकरसरहसखरचावकरकरंछियसुनिसितसरवरिसचडकरक(भंते)मुयंतघणचंडवेगधारानिवायमग्गे अणेगधणुमंडलग्गसंधिताउच्छलियसत्तिकणगवामकरगहियखेडगनिम्मलनिक्किट्ठखग्गपहरंतकोंततोमरचक्कगयापरसुमुसललंगलसूललउलभिंडमालासव्वलपट्टिसचम्मेट्ठदुघणमोट्ठियमोग्गरवरफलिहजंतपत्थरदुहणतोणकुवेणीपीढकलियईलीपहरणमिलिमिलिमिलंतखिप्पंतविज्जुज्जलविरचितसमप्पहणभतले फुडपहरणे महारणसंखभेरिवरतूरपउरपडुप(हडा)डहाहयणिणायगंभीरणंदितपक्खुभियविपुलघोसे हयगयरहजोहतुरितपसरितउद्धततमंधकारबहुले कातरनरणयणहिययवाउलकरे विलुलियउक्कडवरमउडतिरीडकुंडलोडुदामाडोविय[म्मि]पागडपडागउसियज्झयवेजयंतिचामरचलंतछत्तंधकारगम्भीरे हयहेसियहत्थिगुलुगुलाइयरहघणघणाइयपाइक्कहरहराइयअप्(फा)फोडियसीहना[या]यछेलियविघुट्ठुक्कुट्ठकंठगयसद्दभीमगज्जिए सयराहहसंतरुसंतकलकलरवे आसूणियवयणरु[द्दे]दभीमदसणाधरोट्ठगाढद[ट्ठे](द)ट्ठसप्प[ह]हार(कर)णुज्जयकरे अमरिसवसतिव्वरत्तनिद्दारितच्छे वेरदिट्ठिकुद्धचिट्ठियतिवलीकुडिलभिउडिकयनिलाडे वहपरिणयनरसहस्सविक्कमवियंभियवले वग्गंततुरगरहपहावियसमरभडा आवडियछेयलाघवपहारसाविता समूसवियबाहुजुय(लं)ले

मुक्कट्टहासपुक्कंतबोलबहुले फुर(फल)फलगावरणगहियगयवरपत्थितद(प्पि)रियभड-खलपरोप्परपलग्गजुद्धगव्वितविउसितवरासिरोसतुरियअभिमुहपहरिंतछिन्नकरिकरवि-भंगितकरे अवइ[द्ध]द्धनिङ्कद्धभिन्नफालियपगलियरुहिरकतभूमिकद्दमचिलिचिल्लपहे कुच्छि(वि)दालियगलित[रुलिंत]निभेल्लंतंतफुरुफुरंतविगलमम्माहयविकयगाढदिन्न-पहारमुच्छितरुलंतवेंभलविलावकलुणे हयजोहभमंततुरगउद्दाममत्तकुंजरपरिसंकित-जणनिव्वुक्कच्छिन्नधयभग्गरहवरनट्ठसिरकरिकलेवराकिन्नपतितपहरणविकिन्नाभरण-भूमिभागे नच्चंतकबंधपउरभयंकरवायसपरिलेंतगिद्धमंडलभमंतच्छायंधकारगंभीरे वसुवसुहविकंपितव्व पच्चक्खपिउवणं परमरुद्दबीहणगं दुप्पवेसतरगं अभिवयंति संगाम-संकडं परधणं महंता अवरे पाइक्कचोरसंघा सेणावतिचोरवंदपागड्ढिका य अडवीदेस-दुग्गवासी कालहरितरत्तपीतसुक्किल्लअणेगसयचिंधपट्टबद्धा परविसए अभिहणंति लुद्धा धणस्स ,कज्जे रयणागरसागरं उम्मीसहस्समालाउलाकुलवितोयपोतकलकलेंतकलियं पा(ता)याल(कलस)सहस्सवायवसवेगसलिलउद्धम्ममाणदगरयरयंधकारं वरफेणप-उरधवलपुलंपुलसमुट्ठियट्टहासं मारुयविच्छुभमाणपाणियजलमालुप्पीलहुलियं अविय समंतओ खुभियलुलियखोखुब्भमाणपक्खलियचलियविपुलजलचक्कवालमहानईवेग-तुरियआपूरमाणगंभीरविपुलआवत्तचवलभममाणगुप्पमाणुच्छलंतपच्चोणियत्तपाणिय-पधावियखरफरुसपयंडवाउलियसलिलफुट्टंतवीतिकल्लोलसंकुलं महामगरमच्छकच्छ-भोहारगाहतिमिसुंसुमारसावयसमाहयसमुद्धायमाणकपूरघोरपउरं कायरजणहिययकं-पणं घोरमारसंतं महब्भयं भयंकरं पतिभयं उत्तासणगं अणोरपारं आगासं चेव निरवलंबं उप्पाइयपवणधणितनोल्लियउवरुवरितरंगदरियअतिवेगवेगचक्खुपहमुच्छ-रंतकच्छइगंभीरविपुलगज्जियगुंजियनिग्घायगरुयनिवतितसुदीहनीहारिदूरसु[च्चं]व्वंत-गंभीरधु(गु)गधुगंतसद्दं पडिपहरुंभंतजक्खरक्खसकुहंडपिसायरुसियतज्जायउवसग्ग-सहस्ससंकुलं बहूप्पाइयभूयं विरचितबलिहोमधूवउवचारदिन्नरुधिरच्चणाकरणपयतजो-गपययचरियं परियन्तजुगंतकालकप्पोवमं दुरंतमहानईनईव[इ]ईमहाभीमदरिसणिज्जं। दुरणुच्चरं विसमप्पवेसं दुक्खुत्तारं दुरासयं लवणसलिलपुण्णं असियसियसमूसियगे(हि)-हिं दच्छ(हत्थ)तरके-हिं वाहणेहिं अइवइत्ता समुद्दमज्झे हणंति गंतूण जणस्स पोते परदव्वहरा नरा निरणुकंपा नि(रा)रवयक्खा गामागरनगरखेडकव्वडमडंवदोण-मुहपट्टणासमणिगमजणवते य धणसमिद्धे हणंति थिरहिययछिन्नलज्जा वंदिग्गह-गोग्गहे य गेण्हंति दारुणमती णिक्किवा णियं हणंति छिंदंति गेहसंधिं निक्खित्ताणि य हरंति धणधन्नदव्वजायाणि जणवयकुलाणं णिग्घिणमती परस्स दव्वाहि जे अविरया, तहेव केई अदिन्नादाणं गवेसमाणा कालाकालेसु संचरंता चियकापज्ज-

लियसरसदरदड्ढकड्ढियकलेवरे रुहिरलित्तवयणअखतखातियपीतडाइणिभमंतभ(य)यं-करं जंबुयक्खिक्खियंते घूयकयघोरसद्दे वेयालुट्ठियनिसुद्धकहकहितपहसितवीहण-कनिरभिरामे अतिदुब्भिगंधबीभच्छदरिसणिज्जे सुसाणवणसुन्नघरलेणअंतरावणगिरि-कंदरविसमसावयसमाकुलासु वसहीसु किलिस्संता सीतातवसोसियसरीरा दड्ढच्छवी निरयतिरियभवसंकडदुक्खसंभारवेयणिज्जाणि पावकम्माणि संचिणंता दुल्लहभक्खन्न-पाणभोयणा पिवासिया झुंझिया किलंता मंसकुणिमकंदमूलजंकिंचिकयाहारा उव्विग्गा उप्पुया असरणा अडवीवासं उवेंति वालसतसंकणिज्जं अयसकरा तक्करा भयंकरा का(कस)स हरामोत्ति अज्ज दव्वं इति सामत्थं करेंति गुज्झं वहुयस्स जणस्स कज्जकरणेसु विग्घकरा मत्तपमत्तपसुत्तवीसत्थछिद्दघाती वसणब्भुदएसु हरणबुद्धी विगव्व रुहिरमहिया परेंति नरवतिमज्जायमतिक्कंता सज्जणजणदुगुंछिया सकम्मेहिं पावकम्मकारी असुभपरिणया य दुक्खभागी निच्चाइलदुहमनिव्वुइमणा इह-लोके चेव किलिस्संता परदव्वहरा नरा वसणसयसमावण्णा ॥ ११ ॥ तहेव केइ परस्स दव्वं गवेसमाणा गहिता य हया य वद्धरुद्धा य तुरियं अतिधाडिया पुरवरं समप्पिया चोरग्गहचारभडचाडुकराण तेहि य कप्पडप्पहारनिद्दयआरक्खियखरफरुसवयण-तज्जणगलच्छल्लुच्छल्लणाहिं विमणा चारगवसहिं पवेसिया निरयवसहिसरिसं तत्थवि गोम्मियप्पहारदूमणनिब्भच्छणकडुयवयणभेसण(गभया)गाभिभूया अक्खित्तनियं-सणा मलिणदंडिखंडनिवसणा उक्कोडालंचपासमग्गणपरायणेहिं (दुक्खसमुदीरणेहिं) गोम्मियभडेहिं विविहेहिं वंधणेहिं, किं ते ?, हडिनिगड[वा]वालरज्जुयकुदंड-गवरत्तलोहसंकलहत्थंदुयवज्झपट्टदामकणिक्कोडणेहिं अन्नेहि य एवमादिएहिं गोम्मिक-भंडोवकरणेहिं दुक्खसमुदीरणेहिं संकोड[ण]मोडणाहिं वज्झंति मंदपुण्णा संपुड-कवाडलोहपंजरभूमिघरनिरोहकूवचारगकीलगजूयचक्कविततवंधणखंभालणउद्धचलण-वंधणविहम्मणाहि य विहेडयन्ता अवकोडकगाढउरसिरवद्धउद्धपूरितफुरंतउरकडग-मोडणामेडणाहिं वद्धा य नीससंता सीसावेढ[उ]ऊरुया[व]लचप्पडगसंधिवंधणतत्त-सलागसूइयाकोडणाणि तच्छणविमाणणाणि य खारकडुयतित्तनावणजायणाकारण-सयाणि वहुयाणि पावियंता उरक्खोडीदिन्नगाढपेल्लणअट्ठिकसंभग्गसुपंसुलीगा गलका-लकलोहदंडउरउदरवत्थि-पिट्ठि-परिपीलिता म[त्थं]च्छंतहिययसंचुण्णियं(गुपं)गमंगा आणत्तीकिंकरेहिं केति अविराहियवेरिएहिं जमपुरिससन्निहेहिं पहया ते तत्थ मंदपुण्णा चडवेलावज्झपट्टपाराइंछिवकसलतवरत्त[नें]वेत्तप्पहारसयतालियंगमंगा किवणा लंवंतचम्मवणवेयणविमुहियमणा घणकोट्टिमनियलजुयलसंकोडियमोडिया य कीरंति निरुच्चारा एया अन्ना य एवमादीओ वेयणाओ पावा पावेंति अदन्तिंदिया

वसट्टा बहुमोहमोहिया परधणंमि लुद्धा फासिंदियविसयतिव्वगिद्धा इत्थिगयरूवसद्द-रसगंधइट्ठरतिमहितभोगतण्हाइया य धणतोसगा गहिया य जे नरगणा पुणरवि ते कम्मदुव्वियद्धा उवणीया रायकिंकराण तेसिं वहसत्थगपाढयाणं विलउलीकारकाणं लंचसयगेण्हगाणं कूडकवडमायानियडिआयरणपणिहिवंचणविसारयाणं बहुविहअलि-यसतजंपकाणं परलोकपरम्मुहाणं निरयगतिगामियाणं तेहि य आणत्तजीयदंडा तुरि(य)यं उग्घाडिया पुरवरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु वेत्तदंड-लउडकट्ठलेट्ठुपत्थरपणालिपणोल्लिमुट्ठिलयापादपण्हिजाणुकोप्परपहारसंभग्गमहियगत्ता अट्ठारसकम्मकारणा जाइयंगमंगा कलुणा सुक्कोट्ठकंठगलकतालुजीहा जायंता पाणीयं विगयजीवियासा तण्हादिता वरागा तंपिय ण लभंति वज्झपुरिसेहिं धाडियंता तत्थ य खरफरुसपडहघट्टितकूडग्गहगाढरुट्ठनिसट्ठपरामुट्ठा वज्झकरकुडिजुयनियत्था सुरत्त-कणवीरगहियविमुकुलकंठेगुणवज्झदूतआविद्धमल्लदामा मरणभयुप्पण्णसेदआयतणे-हुत्तुपियकिलिन्नगत्ता चुण्णगुंडियसरीररयरेणुभरियकेसा कुसुंभगोकिन्नमुद्धया छिन्नजी-वियासा घुन्नंता वज्झ[या]पाण[भीता]पीया तिलं तिलं चेव छिज्जमाणा सरीर-विक्किन्तलोहिओलि[त्ता]त्तकागणिमंसाणि खावियंता पावा खर[फरु]करसएहिं तालिज्जमाणदेहा वातिकनरनारिसंपरिवुडा पेच्छिज्जंता य नागरजणेण वज्झनेवत्थिया पणेज्जंति नयरमज्झेण किवणकलुणा अत्ताणा असरणा अणाहा अबंधवा बंधुविप्पहीणा विपिक्खिता दिसोदिसिं मरणभयुव्विग्गा आघायणपडिदुवारसंपाविया अधन्ना सूलग्गविलग्गभिन्नदेहा, ते य तत्थ कीरंति परिकप्पियंगमंगा उल्लंबिज्जंति रुक्खसालासु के-इ कलुणाइं विलवमाणा अवरे चउरंगधणियबद्धा पव्वयकडगा पमुच्चंते दूरपात-बहुविसमपत्थरसहा अन्ने य गयचलणमलणयनिम्मद्दिया कीरंति पावकारी अट्ठारस-खंडिया य कीरंति मुंडपरसूहि के-इ उक्कत्तकन्नोट्ठनासा उप्पाडियनयणदसणवसणा जि[ब्भिंदियं]ब्भंछि[या]यछिन्नकन्नसिरा पणिज्जंते छिज्जन्ते य असिणा निव्विसया छिन्नहत्थपाया पमुच्चंते जावज्जीवबंधणा य कीरंति केइ परदव्वहरणलुद्धा कारग्गल-नियलजुयलरुद्धा चारगा[व]ए हतसारा सयणविप्पमुक्का मित्तजणनि[रिक्खि]र(क्खि)-क्कया निरासा बहुजणधिक्कारसद्दलज्जायिता (अलज्जाविया) अलज्जा अणुबद्धखुहापार-द्धसीउण्हतण्हवेयणदुग्घट्टघट्टिया विवन्नमुहविच्छविया विहलमतिलदुब्बला किलंता कासंता वाहिया य आमाभिभूयगत्ता परूढनहकेसमंसुरोमा छगमुत्तंमि णियगंमि खुत्ता तत्थेव मया अकामका बंधिऊण पादेसु कड्ढिया खाइयाए छूढा तत्थ य व(व)गसुणगसियालकोलमज्जारवंदसंदंसगतुंडपक्खिगणविविहमुहसय[ल]विलुत्त-गत्ता कयविहंगा केइ किमिणो य कुहियदेहा अणिट्ठवयणेहि सप्पमाणा सुट्ठु कयं जं

भउत्ति पावो तुट्ठेणं जणेण हम्ममाणा लज्जावणका य होंति सयणस्सवि-य दीहकालं मया संता, पुणो परलोगसमावन्ना नरए गच्छंति निरभिरामे अंगारपलित्तककप्प-अच्चत्थसीतवेदणअस्साउदिन्नसयतदुक्खसयसमभि(भू)द्दुते ततोवि उव्वट्टिया समाणा पुणोवि प(डि)वज्जंति तिरियजोणिं तहिंपि निरयोवमं अणुहवंति वेयणं, ते अणंतकालेण जति नाम कहिं(चि-वि)पि मणुयभावं लभंति णेगेहिं णिरयगतिगमणति-रियभवसयसहस्सपरियट्टेहिं तत्थवि-य भवं[त]तिऽणारिया नीचकुलसमुप्पण्णा आरियजणेवि लोगवज्झा तिरिक्खभूता य अकुसला कामभोगतिसिया जहिं निबंधंति निरयवत्तणिभवप्पवंचकरणपणोल्लि पुणोवि संसा(र)रावत्तणेममूले धम्मसुतिविवज्जिया अणज्जा कूरा मिच्छत्तसुतिपवन्ना य होंति एगंतदंडरुइणो वेढेंता कोसिकारकीडोव्व अप्पगं अट्ठकम्मतंतुघणबंधणेणं एवं नरगतिरियनरअमरगमणपेरंतचक्कवालं जम्म-जरामरणकरणगम्भीरदुक्खपखुभियपउरसलिलं संजोगवि[यो]ओगवीचीचिंतापसंग-पसरियवहबंधमहल्लविपुलकल्लोलकलुणविलवितलोभकलकलितबोलबहुलं अवमाणण-फेणं तिव्वखिंसणपुलंपुलप्पभूयरोगवेयणपराभवविणिवातफरुसधरिसणसमावडियक-ठिणकम्मपत्थरतरंगरंगंतनिच्चमच्चुभयतोयपट्ठं कसायपायालसंकुलं भवसयसहस्सजल-संचयं अणंतं उव्वे(व)यणयं अणोरपारं महब्भयं भयंकरं पइभयं अपरिमियमहिच्छ-कलुसमतिवाउवेगउद्धम्ममाणआसापिवासपायालकामरतिरागदोसबंधणबहुविहसंक-प्पविपुलदगरयरयंधकारं मोहमहावत्तभोगभममाणगुप्पमाणुच्छलंतबहुगब्भवासपच्चो-णियत्तपाणि[यं]यप(वाहिय)धावितवसणसमावन्नरुन्नचंडमारुयसमाहयामणुन्नवीची-वाकुलितभग्गफुट्टंतनिट्ठकल्लोलसंकुलजलं पमातबहुचंडदुट्ठसावयसमाहयउद्धायमाणग-पूरघोरविद्धंसणत्थबहुलं अण्णाणभमंतमच्छपरिहत्[थं]थअनिहुतिंदियमहामगरतुरिय-चरियखोखुब्भमाणसंतावनि[च]च्चयचलंतचवलचंचलअत्ता(ण)णाऽसरणपुव्वकयक-म्मसंचयोदिन्नवज्जवेइज्जमाणदुहसयविपाकघुन्नंतजलसमूहं इड्ढिरससायगारवोहारग-हियकम्मपडिबद्धसत्तकड्ढिज्जमाणनिरयतलहुत्तसन्नविसन्नबहु[ला]लअरइरइभयविसा-यसोगमिच्छत्तसेलसंक[डं]डअणातिसंताणकम्मबंधणकिलेसचिक्खिल्लसुदुत्तारं अमर-नरतिरियनिरयगतिगमणकुडिलपरियत्तविपुलवेलं हिंसालियअदत्तादाणमेहुणपरिग्ग-हारंभकरणकारावणाणुमोदणअट्ठविहअणिट्ठकम्मपिंडितगुरुभारक्कंतदुग्गजलोघदूरप-णोलिज्जमाणउम्(मु)मग्गनि-मग्गदुल्लभतलं सारीरमणोमयाणि दुक्खाणि उप्पियंता सातस्सायपरित्तावणमयं उव्वुड्डनिवुड्डयं करेंता चउरंतमहंतमणवयग्गं (रुंदं) रुद्दं संसार-सागरं अट्ठि[यं]यअणालंबणमपतिठाणमप्पमेयं चुलसीतिजोणिसयसहस्सगुविलं अणा-लोकमंधकारं अणंतकालं निच्चं उत्तत्थसुण्णभयसण्णसंपउत्ता (संसारसागरं) वसंति

उव्विगावासवसहिं जहिं आउयं निबंधंति पावकम्मकारी बंधवजणसयणमित्तपरिचज्जिया अणिट्ठा भवंति अणादेज्जदुव्विणीया कुठाणासणकुसेज्जकुभोयणा असुइणो कुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा बहुकोहमाणमायालोभा बहुमोहा धम्मसन्नसम्मत्तपब्भट्ठा दारिद्दोवद्दवाभिभूया निच्चं परकम्मकारिणो जीवणत्थरहिया किविणा परपिंडतक्का दुक्खलद्धाहारा अरसविरसतुच्छकयकुच्छिपूरा परस्स पेच्छंता रिद्धिसक्कारभोयणविसेससमुदयविहिं निंदंता अप्पक कयंतं च परिवयंता इह य पुरेकडाइं कम्माइं पावगाइं विमणसो सोएण डज्झमाणा परिभूया होंति सत्तपरिवज्जिया य छोभासिप्पकलासमयसत्थपरिवज्जिया जहाजायपसुभूया अवियत्ता णिच्चनीयकम्मोवजीविणो लोयकुच्छणिज्जा मोघमणोर[हा]हनिरासबहुला आसापासपडिबद्धपाणा अत्थोपायाणकामसोक्खे य लोयसारे होंति अफलवंतका य सुट्ठुविय उज्जमंता तद्दिवसुज्जुत्तकम्मकयदुक्खसंठवियसित्थपिंडसंचयप[क]राखीणदव्वसारा निच्चं अधुवधणधण्णकोसपरिभोगविवज्जिया रहियकामभोगपरिभोगसव्वसोक्खा परसिरिभोगोवभोगनिस्साणमग्गणपरायणा वरागा अकामिकाए विणेंति दुक्खं णेव सुहं णेव निव्वुतिं उवलभंति अच्चंतविपुलदुक्खसयसंपलित्ता परस्स दव्वेहिं जे अविरया, एसो सो अदिण्णादाणस्स फलविवागो इहलोइओ पारलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चति, न य अवेयइत्ता अत्थि उ मोक्खोत्ति, एवमाहंसु णायकुल-णंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य अदिण्णादाणस्स फलविवागं एयं तं ततियंपि अदि-ण्णादाणं हरदहमरणभयकलुसतासणपरसंतिक्कभेज्जलोभमूलं एवं जाव चिरपरिगतमणुगतं दुरंतं ततियं अहम्मदारं समत्तं तिबेमि ॥ १२ ॥ जंबू! अबंभं च चउत्थं सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पत्थणिज्जं पंकपणयपासजालभूयं थीपुरिसनपुंसवेदचिंधं तवसंजमबंभचेरविग्घं भेदायतणबहुपमादमूलं कायरकापुरिससेवियं सुयणजणवज्जणिज्जं उड्ढनरयतिरियतिलोक्कपइट्ठाणं जरामरणरोगसोगबहुलं वधबंधविघातदुव्विघायं दंसणचरित्तमोहस्स हेउभूयं चिरपरि[गय]चितमणुगयं दुरंतं चउत्थं अधम्मदारं ॥ १३ ॥ तस्स य णामाणि गोन्नाणि इमाणि होंति तीसं, तं०—अबंभं १ मेहुणं २ चरंतं ३ संसग्गि ४ सेवणाधिकारो ५ संकप्पो ६ बाहणा पदाणं ७ दप्पो ८ मोहो ९ मणसं[खेवो]खोभो १० अणिग्गहो ११ वुग्गहो १२ विघाओ १३ विभंगो १४ विब्भमो १५ अधम्मो १६ असीलया १७ गामधम्म[ति]तत्ती १८ रती १९ राग(चिंता)कामभोगमारो २१ वेरं २२ रहस्सं २३ गुज्झं २४ बहुमाणो २५ बंभचेरविग्घो २६ वावत्ति २७ विराहणा २८ पसंगो २९ कामगुणोत्ति ३० विय

तस्स एयाणि एवमादीणि नामधेज्जाणि होंति तीसं ॥ १४ ॥ तं च पुण निसेवंति सुरगणा सअच्छरा मोहमोहियमती असुरभुयगगरुलविज्जुजलणदीवउदहिदिसिपवणथणिया १० अणवन्निपणवन्नियइसिवादियभूयवादियकंदियमहाकंदियकूहंडपयंगदेवा ८ पिसायभूयजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसमहोरगगंधव्वा ८ तिरियजोइसविमाणवासिमणुयगणा जलयरथलयरखहयरा य मोहपडिवद्धचित्ता अवितण्हा कामभोगतिसिया तण्हाए बलवईए महईए समभिभूया गढिया य अतिमुच्छिया य अबंभे उस्सण्णा तामसेण भावेण अणुम्मुक्का दंसणचरित्तमोहस्स पंजरं पिव करेंति अ(ण्णमण्णं)न्नोऽन्नं सेवमाणा, भुज्जो असुरसुरतिरियमणुअभोगरतिविहारसंपउत्ता य चक्कवट्टी सुरनरवतिसक्कया सुरवरुव्व देवलोए भरहणगणगरणि[य]गमजणवयपुरवरदोणमुहखेडकव्वडमडंबसंवाहपट्टणसहस्समंडियं थिमियमेयणियं एगच्छत्तं ससागरं भुंजिऊण वसुहं नरसीहा नरवई नरिंदा नरवसभा मरुयवसभकप्पा अब्भहियं रायतेयलच्छीए दिप्पमाणा सोमा रायवंसतिलगा रविससिसंखवरचक्कसोत्थियपडागजवमच्छकुम्मरहवरभगभवणविमाणतु(रंग)रयतोरणगोपुरमणिरयणनंदियावत्तमुसलणंगलसुरइयवरकप्परुक्खमिगवतिभद्दासणसुरुविथूभवरमउडसरियकुंडलकुंजरवरवसभदीवमंदिरगरुलद्धयइंदकेउदप्पणअट्ठावयचावबाणनक्खत्तमेहमेहलवीणाजुगछत्तदामदामिणिकमंडलुकमलघंटावरपोतसूइसागरकुमुदागरमगरहारगागरनेउरणगणगरवइरकिन्नरमयूरवररायहंससारसचकोरचक्कवागमिहुणचामरखेडगपव्वीसगविपंचिवरतालियंटसिरियाभिसेयमेइणिखग्गंकुसविमलकलसभिंगारवद्धमाणगपसत्थउत्तमविभत्तवरपुरिसलक्खणधरा बत्तीसं वररायसहस्साणुजायमग्गा चउसट्ठिसहस्सपवरजुवतीण णयणकंता रत्ताभा पउमपम्हकोरंटगदामचंपकसुत(त्त)यवरकणकनिहसवण्णा सुजायसव्वंगसुंदरंगा महग्घवरपट्टणुग्गयविचित्तरागएणिपेणिणिम्मियदुगुल्लवरचीणपट्टकोसेज्जसोणीसुत्तकविभूसियंगा वरसुरभिगंधवरचुण्णवासवरकुसुमभरियसिरया कप्पियछेयायरियसुकयरइ[त]यमाल(कुं)कड(लं)गंगयतुडियपवरभूसणपिणद्धदेहा एकावलिकंठसुरइयवच्छा पालंबपलंबमाणसुकयपडउत्तरिज्जमुद्दियापिंगलंगुलिया उज्जलनेवत्थरइयचेल्लगविरायमाणा तेएण दिवाकरोव्व दित्ता सारयनवत्थणियमहुरगंभीरनिद्धघोसा उप्पन्नसमत्तरयणचक्करयणप्पहाणा नवनिहि(य)वइणो समिद्धकोसा चाउरंता चाउराहिं सेणाहिं समणुजातिज्जमाणमग्गा तुरगवती गयवती रहवती नरवती विपुलकुलवीसुयजसा सारयससिसकलसोमवयणा सूरा तेलोक्कनिग्गयपभावलद्धसद्दा समत्तभरहाहिवा नरिंदा ससेलवणकाणणं च हिमवंतसागरंतं धीरा भुत्तूण भरहवासं जियसत्तू पवररायसीहा पुव्वकडतवप्पभावा निविट्ठसंचियसुहा अणेगवाससयमायुवंतो भज्जाहि य जणवयप्पहाणाहिं लालियंता

अतुलसद्दफरिसरसरूवगंधे य अणुभवेत्ता तेवि उवणमंति मरणधम्मं अवितत्ता कामाणं। भुज्जो [भुज्जो] वलदेववासुदेवा य पवरपुरिसा महाबलपरक्कमा महाधणुवियट्टका महासत्तसागरा दुद्धरा धणुद्धरा नरवसभा रामकेसवा भायरो सपरिसा वसुदेवसमुद्दविजयमादियदसाराणं पज्जुन्नपतिवसंवअनिरुद्धनिसढउम्मुयसारणगयसुमुहदुम्मुहादीण जायवाणं अद्धुट्ठाणवि कुमारकोडीणं हिययदयिया देवीए रोहिणीए देवीए देवकीए य आणंदहिययभावनंदणकरा सोलसरायवरसहस्साणुजातमग्गा सोलसदेवीसहस्सवरणयणहिययद[यि]इया णाणामणिकणगरयणमोत्तियपवालधणधन्नसंचयरिद्धिसमिद्धकोसा हयगयरहसहस्ससामी गामागर-णगरखेडकव्वडमडंवदोणमुहपट्टणासमसं(वा)वाहसहस्सथिमियणिव्वुय-प-मुदितजणविविह[सर]सासनिप्फज्जमाणमेइणिसरसरियतलागसेलकाणणआरामुज्जाणमणाभिरामपरिमंडियस्स दाहिणड्ढवेयड्ढगिरिविभत्तस्स लवणजलहिपरिगयस्स छव्विहकालगुणकामजुत्तस्स अद्धभरहस्स सामिका धीरकित्तिपुरिसा ओहवला अइबला अनिहया अपराजियसत्तुमद्दणरिपुसहस्समाणमहणा साणुक्कोसा अमच्छरी अचवला अचंडा मितमंजुलपलावाहसियगंभीर-महुर(परिपुण्णसच्चवयणा)भणिया अब्भुवगयवच्छला सरण्णा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणपमाणपडिपुन्नसुजायसव्वंगसुंदरंगा ससिसोमागारकंतपियदंसणा अमरिसणा पयंडडंडप्पयारगंभीरदरिसणिज्जा तालद्धउव्विद्धगरुलकेऊबलवगगज्जंतदरितदप्पितमुट्ठियचाणूर(चू)मूरगा रिट्ठवसभघातिणो केसरिमुहविप्फाडगा दरितनागदप्पमहणा जमलज्जुणभंजगा महासउणिपूतणारि[ऊ]वू कंसमउडमोडगा जरासिंधमाणमहणा तेहि य (अब्भपडलपिंगलुज्जलेहिं) अविरलसमसहियचंडमंडलसमप्प(हे)भेहिं (मंगलसयभत्तिच्छेयचित्तियखिंखिणिमणिहेमजालविरइयपरिगयपेरंतकणयघंटियपयलियखिणिखिणितसुमहुरसुइसुहसद्दालसोहिएहिं सपयरगमुत्तदामलंवंतभूसणेहिं नरिंदवामप्पमाणरुंदपरिमंडलेहिं सीयायववायवरिसविसदोसणासएहिं तमरयमलवहुलपडलधाडणपहाकरेहिं मुद्धसुहसिवच्छायसमणुवद्धेहिं वेरुलियदंडसज्जिएहिं वयरामयवत्थिणिउणजोइयअडसहस्सवरकंचणसलागनिम्मिएहिं सुविमलरययसुछुच्छइएहिं णिउणोवियमिसिमिसिंतमणिरयणसूरमंडलवितिमिरकरनिग्गयपडिहयपुणरविपच्चोवयंतचंचल-सूर-(म)मिरी(इ)यकवयं विणिम्मुयंतेहिं सपतिदंडेहिं आयवत्तेहिं धरिज्जंतेहिं विरायंता ताहि य पवरगिरिकुहरविहरणसमुट्ठियाहिं निरुवहयचमरपच्छिमसरीरसंजाताहिं अमइलसियकमलविमुकुलुज्जलितरययतगिरिसिहरविमलससिकिरणसरिसकलहोयनिम्मलाहिं पवणाहयचवलचलियसललियपणच्चियवीइपसरियखीरोदगपवरसागरुप्पूरचंचलाहिं माणससरपसरपरिचियावासविसदवेसाहिं कण-

गगिरिसिहरसंसिताहिं उवाउप्पातचवलजयिणसिग्घवेगाहिं हंसवधूयाहिं चेव कलिया नाणामणिकणगमहरिहतवणिज्जुज्जलविचित्तदंडाहिं सललियाहिं नरवतिसिरिसमुदयप्पगासणकरीहिं वरपट्टणुग्गयाहिं समिद्धरायकुलसेवियाहिं कालागुरुपवर कुंदुरुक्कतुरुक्कधूवव[र]सवासविसदगंधुद्धुयाभिरामाहिं चिल्लिकाहिं उभयोपासंपि चामराहिं उक्खिप्पमाणाहिं सुहसीतलवातवीतियंगा अजिता अजितरहा हलमुसलकणगपाणी संखचक्कगयसत्तिणंदगधरा पवरुज्जलसुकतविमलकोथूभतिरीडधारी कुंडलउज्जोवियाणणा पुंडरीयणयणा एगावलीकंठरतियवच्छा सिरिवच्छसुलंछणा वरजसा सव्वोउयसुरभिकुसुमसुरइयपलंबसोहंतवियसंतचित्तवणमालरतियवच्छा अट्ठसयविभत्तलक्खणपसत्थसुंदरविराइयंगमंगा मत्तगयवरिंदललियविक्कमविलसियगती कडिसुत्तगनीलपीतकोसिज्जवाससा पवरदित्ततेया सारयनवथणियमहुरगंभीरनिद्धघोसा नरसीहा सीहविक्कमगई अत्थमि(य)या पवररायसीहा सोमा बा[बा]रवइपुण्णचंदा पुव्वकयतवप्पभावा निविट्ठसंचियसुहा अणेगवाससयमा(उ)युवंतो भज्जाहि य जणवयप्पहाणाहिं लालियंता अतुलसद्दफरिसरसरूवगंधे अणुभवेत्ता ते-वि उवणमंति मरणधम्मं अवितत्ता कामाणं। भुज्जो मंडलियनरवरेंदा सबला सअंतेउरा सपरिसा सपुरोहिया[ऽ]मच्चदंडनायकसेणावतिमंतनीतिकुसला नाणामणिरयणविपुलधणधन्नसंचयनिहीसमिद्धकोसा रज्जसिरिं विपुलमणुभवित्ता विक्कोसंता बलेण मत्ता तेवि उवणमंति मरणधम्मं अवितत्ता कामाणं। भुज्जो उत्तरकुरुदेवकुरुवणविवरपा[य]दचारिणो नरगणा भोगुत्तमा भोगलक्खणधरा भोगसस्सिरीया पसत्थसोमपडिपुण्णरूवद(र)रिसणिज्जा सुजातसव्वंगसुंदरंगा रत्तुप्पलपत्तकंतकरचरणकोमलतला सुपइट्ठियकुम्मचारुचलणा अणुपुव्वसु(जायपीवरं)संहयंगुलीया उन्नयतणुतंबनिद्धनखा संठि(त)यसुसिलिट्ठगूढगोंफा एणीकुरुविंदवत्तवट्टाणुपुव्विजंघा समुग्गनि(सु)मग्गगूढजाणू वरवारणमत्ततुल्लविक्कमविलासितगती वरतुरगसुजायगुज्झदेसा आइन्नहयव्व निरुवलेवा पमुइयवरतुरगसीहअतिरेगवट्टियकडी गंगावत्तदाहिणावत्ततरंगभंगुररविकिरणबोहियविकोसायंतपम्हगंभीरवियडनाभी साहतसोणंदमुसलदप्पणनिगरियवरकणगच्छरुसरिसवरवइरवलियमज्झा उज्जुगसमसहियजच्चतणुकसिणनिद्धआदेज्जलडहसुकुमालमउयरोमराई झसविहगसुजातपीणकुच्छी झसोदरा पम्हविगडनाभा संनतपासा संगयपासा सुंदरपासा सुजातपासा मियमाइयपीणरइयपासा अकरंडुयकणगरुयगनिम्मलसुजायनिरुवहयदेहधारी कणगसिलातलपसत्थसमतलउवइयविच्छिन्नपिहुलवच्छा जुयसंनिभपीणरइयपीवरपउट्ठसंठियसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसुनिचियघणथिरसुबद्धसंधी पुरवरवरफलिहवट्टियभुया भुयगीसरविपुलभोगआयाणफलिहउच्छूढदीहबाहू रत्ततलोवतियमउयमंसलसुजायल-

क्खणपसत्थअच्छिद्दजालपाणी पीवरसुजायकोमलवरंगुली तंबतलिणसुइरुइलनिद्ध-न-क्खा निद्धपाणिलेहा चंदपाणिलेहा सूरपाणिलेहा संखपाणिलेहा चक्कपाणिलेहा दिसासोवत्थियपाणिलेहा रविससिसंखवरचक्कदिसासोवत्थियविभत्तसुविरइयपाणिलेहा वरमहिसवराह[सीह]सहूल[सी](सिं)रिसहनागवरपडिपुन्नविउलखंधा चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसग्गीवा अवट्ठियसुविभत्तचित्तमंसू उवचियमंसलपसत्थसद्दूलविपुलहणुया ओयवियसिलप्पवालबिंबफलसंनिभाधरोट्ठा पंडुरससिसकलविमलसंखगोखीरफेणकुंददगरयमुणालियाधवलदंतसेढी अखंडदंता अप्फुडियदंता अविरलदंता सुणिद्धदंता सुजायदंता एगदंतसेढिव्व अणेगदंता हुयवहनिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्तत[ला]लतालुजीहा गरुलायतउज्जुतुंगनासा अवदालियपोंडरीयनयणा कोकासियधवलपत्तलच्छा आणामियचावरुइलकिण्हब्भराजिसंठियसंगयाययसुजायभुमगा अल्लीणपमाणजुत्तसवणा सुसवणा पीणमंसलकवोलदेसभागा अचिरुग्गयवालचंदसंठियमहानिडाला उडुवतिरिव पडिपुन्नसोमवयणा छत्तागारुत्तमंगदेसा घणनिचियसुबद्धलक्खणुन्नयकूडागारनिभपिंडियग्गसिरा हुयवहनिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्तकेसंतकेसभूमी सामलीपोंडघणनिचियछोडियमिउविसतपसत्थसुहुमलक्खणसुगंधिसुंदरभुयमोयगभिंगनीलकज्जलपहट्ठभमरगणनिद्धनिगुरुंबनिचियकुंचियपयाहिणावत्तमुद्धसिरया सुजातसुविभत्तसंगयं(गमं)गा लक्खणवंजणगुणोववेया पसत्थवत्तीसलक्खणधरा हंसस्सरा कुंचस्सरा दुंदुभिस्सरा सीहस्सरा ओघ(उज्ज)सरा मेघसरा सुस्सरा सु[स]सरनिग्घोसा वज्जरिसहनारायसंघयणा समचउरंससंठाणसंठिया छायाउज्जोवियंगमंगा पसत्थच्छवी निरातंका कंकग्गहणी कवोतपरिणामा सगुणिपोसपिट्ठंतरोरुपरिणया पउमुप्पलसरिसगंधुस्सासससुरभिवयणा अणुलोमवाउवेगा अवदायनिद्धकाला विग्गहियउन्नयकुच्छी अमयरसफलाहारा तिगा[ऊ]उयसमूसिया तिपलिओवमट्ठि(ती)तिका तिन्नि य पलिओवमाइं परमाउं पालयित्ता ते-वि उवणमंति मरणधम्मं अवि[त]तित्ता कामाणं। पमया-वि य तेसि होंति सोम्मा सुजायसव्वंगसुंदरीओ पहाणमहिलागुणेहिं जुत्ता अतिकंतविसप्पमाणमउयसुकुमालकुम्मसंठियसिलिट्ठच[र]लणा उज्जुमउयपीवरसुसाहतंगुलीओ अब्भुन्नतरतितत्तलिणतंबसुइनिद्धनखा रोमरहियवट्टसंठि[अ]यअजहन्नपसत्थलक्खणअकोप्पजंघजुयला सुणिम्मितसुनिगूढजाणूमंसलपसत्थसुबद्धसंधी कयलीखंभातिरेकसंठियनिव्वणसुकुमालमउयकोमलअविरलसमसहितसुजायवट्टपीवरनिरन्तरोरू अट्ठावयवीइपट्ठसंठियपसत्थविच्छिन्नपिहुलसोणी वयणायामप्पमाणदुगुणियविसालमंसलसुबद्धजहणवरधारिणीओ वज्जविराइयपसत्थलक्खणनिरोदरीओ तिवलिवलियतणुनमियमज्झियाओ उज्जुयसमसहियजच्चतणुकसिणनिद्धआदेज्जलडहसुकुमाल-

मउयसुविभत्तरोमरातीओ गंगावत्तगपदाहिणावत्ततरंगभंगरविकिरणतरुणबोधितआकोसायंतपउमगंभीरविगडनाभा अणुब्भडपसत्थसुजातपीणकुच्छी सन्नतपासा सुजातपासा संगतपासा मियमाियिपीणरतितपासा अकरंडुयकणगरुयगनिम्मलसुजायनिरुवहयगायलट्ठी कंचणकलसपमाणसमसहियलट्ठ[चू]चु(चू)चुयआमेलगजमलजुयलवट्टियपओहराओ भुयंगअणुपुव्वतणुयगोपुच्छवट्टसमसहियनमियआदेज्जलडहबाहा तंबनहा मंसलग्गहत्था कोमलपीवरवरंगुलीया निद्धपाणिलेहा ससिसूरसंखचक्कवरसोत्थियविभत्तसुविरइयपाणिलेहा पीणुण्णयकक्खवत्थिप्पदेसपडिपुन्नगलकवोला चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसगीवा मंसलसंठियपसत्थहणुया दालिमपुप्फप्पगासपीवरपलंबकुंचितवराधरा सुंदरोत्तरोट्ठा दधिदगरयकुंदचंदवासंतिमउलअच्छिद्दविमलदसणा रत्तुप्पलपउमपत्तसुकुमालतालुजीहा कणवीरमुउलऽकुडिलऽब्भुन्नयउज्जुतुंगनासा सारदनवकमलकुमुतकुवलयदलनिगरसरिसलक्खणपसत्थअजिम्हकंतनयणा आनामियचावरुइलकिण्हब्भराइसंगयसुजायतणुकसिणनिद्धभुमगा अल्लीणपमाणजुत्तसवणा सुस्सवणा पीणमट्ठगंडलेहा चउरंगुलविसालसमनिडाला कोमुदिरयणिकरविमलपडिपुन्नसोमवदणा छत्तुन्नयउत्तमंगा अकविलसुसिणिद्धदीहसिरया छत्तज्झयजूवथूभदामिणिकमंडलुकलसवाविसोत्थियपडागजवमच्छकुम्मर[ह]थवरमकरज्झयअंकथालअंकुसअट्ठावयसुपइट्ठ(मयू)अमरसिरियाभिसेयतोरणमेइणिउदधिवरपवरभवणगिरिवरवरायंसससलियगयउसभसीहचामरपसत्थवत्तीसलक्खणधरीओ हंससरि(त्थ)च्छगतीओ कोइलमहुरगिराओ कंता सव्वस्स अणुमयाओ ववगयवलिपलितवंगदुव्वन्नवाधिदोहग्गसोयमुक्काओ उच्चत्तेण य नराण थोवूणमूसियाओ सिंगारागारचारुवेसाओ सुंदरथणजहणवयणकरचरणणयणा लावन्नरूवजोव्वणगुणोववेया नंदणवणविवरचारिणीओ-व्व अच्छराओ उत्तरकुरुमाणुसच्छराओ अच्छेरगपेच्छणिज्जियाओ तिन्नि य पलिओवमाइं परमाउं पालयित्ता ताओऽवि उवणमंति मरणधम्मं अवितित्ता कामाणं ॥ १५ ॥ मेहुणसन्नासंपगिद्धा य मोहभरिया सत्थेहिं हणंति एक्कमेक्कं विसयविस उदीरएसु, अवरे परदारेहिं हम्मंति वि(सु)सुणिया धणनासं सयणविप्पणासं च पाउणंति, परस्स दाराओ जे अविरया मेहुणसन्नसंपगिद्धा य मोहभरिया अस्सा हत्थी गवा य महिसा, मिगा य मारेंति ए[क्कं]क्कमेक्कं, मणुयगणा वानरा य पक्खी य विरुज्झंति, मित्ताणि खिप्पं भवंति सत्तू समये धम्मे गणे य भिंदंति पारदारी, धम्मगुणरया य बंभयारी खणेण उल्लोट्टए चरित्ताओ जसमन्तो सुव्वया य पावेंति अ[य(ज)स]किर्त्ति रोगत्ता वाहिया पवड्ढेंति रोयवाही, दुवे य लोया दुआराहगा भवंति-इहलोए चेव परलोए परस्स दा(र)राओ जे अविरया, तहेव केइ परस्स दारं गवेसमाणा गहिया

हया य बद्धरुद्धा य एवं जाव गच्छंति विपुलमोहाभिभूयसन्ना, मेहुणमूलं च सुव्वए तत्थ तत्थ वत्तपुव्वा संगामा जणक्खयकरा सीयाए दोवईए कए रुप्पिणीए पउमावईए ताराए कंचणाए रत्तसुभद्दाए अहिल्लियाए सुवन्नगुलियाए किन्नरीए सुरूवविज्जुमतीए रोहिणीए य, अन्नेसु य एवमादिएसु बहवो महिलाकएसु सुव्वंति अइक्कंता संगामा गामधम्ममूला इहलोए ताव नट्ठा परलोएवि-य नट्ठा महया मोहतिमिसंधकारे घोरे तसथावरसुहुमबादरेसु पज्जत्तमपज्जत्तसाहारणसरीरपत्तेयसरीरेसु य अंडजपोतजजराउयरसजसंसेइमसंमुच्छिमउब्भियउववादिएसु य नरगतिरियदेवमाणुसेसु जरामरणरोगसोगबहुले पलिओवमसागरोवमाइं अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति जीवा मोहवससन्निविट्ठा। एसो सो अबंभस्स फलविवागो इहलोइओ पारलोइओ य अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुचती, न य अवेदइत्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति, एवमाहंसु नायकुलनंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य अबंभस्स फलविवागं एयं तं अबंभंपि चउत्थं सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स पत्थणिज्जं एवं चिरपरिचियमणुग[तं]यं दुरंतं चउत्थं अधम्मदारं समत्तंति बेमि ॥ १६ ॥ जंबू! इत्तो परिग्गहो पंचमो उ नियमा णाणामणिकणगरयणमहरिहपरिमलसपुत्तदारपरिजणदासीदासभयगपेसहयगयगोमहिसउट्टखरअयगवेलगसीयासगडरहजाणजुग्गसंदणसयणासणवाहणकुवियधणधन्नपाणभोयणाच्छायणगंधमल्लभायणभवणविहिं चेव बहुविहीयं भरहं णगणगरणियमजणवयपुरवरदोणमुहखेडकब्बडमडंबसं-वाहपट्टणसहस्सपरिमंडियं थिमियमेइणीयं एगच्छत्तं ससागरं भुंजिऊण वसुहं अपरिमियमणंततण्हमणुगयमहिच्छसारनिरयमूलो लोभकलिकसायमहक्खंधो चिंतासयनिचियविपुलसालो गारवपविरल्लियग्गविडवो नियडितयापत्तपल्लवधरो पुप्फफलं जस्स कामभोगा आयासविसूरणाकलहपकंपियग्गसिहरो नरवतिसंपूजितो बहुजणस्स हिययदइओ इमस्स मोक्खवरमोत्तिमग्गस्स फलिहभूओ चरिमं अहम्मदारं ॥ १७ ॥ तस्स य नामाणि इमाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा-परिग्गहो १ संचयो २ चयो ३ उवचओ ४ निहाणं ५ संभारो ६ संकरो ७ (एवं) आयरो ८ पिंडो ९ दव्वसारो १० तहा महिच्छा ११ पडिबंधो १२ लोहप्पा १३ मह[द्दी]ई १४ उवकरणं १५ संरक्खणा य १६ भारो १७ संपाउप्पायको १८ कलिकरंडो १९ पवित्थरो २० अणत्थो २१ संथवो २२ अगुत्ती २३ आयासो २४ अविओगो २५ अमुत्ती २६ तण्हा २७ अणत्थको २८ आसत्ती २९ असंतोसोत्तिविय ३०, तस्स एयाणि एवमादीणि नामधेज्जाणि होंति तीसं ॥ १८ ॥ तं च

पुण परिग्गहं ममायंति लोभघत्था भवणवरविमाणवासिणो परिग्गहरुती परिग्गहे विविहकरणबुद्धी देवनिकाया य असुरभुयगगरुलविज्जु[ज]जलणदीवउदहिदिसिपवण-थणियअणवंनियपणवंनियइसिवातियभूतवाइयकंदियमहाकंदियकुहंडपतंगदेवा पिसा-यभूयजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसमहोरगगंधव्वा य तिरियवासी पंचविहा जोइसिया य देवा बहस्सतीचंदसूरसुक्कसनिच्छरा राहुधूमकेउबुधा य अंगारका य तत्ततव-णिज्जकणयवण्णा जे य गहा जोइसम्मि चारं चरंति केऊ य गतिरतीया अट्ठावीसति-विहा य नक्खत्तदेवगणा नाणासंठाणसंठियाओ य तारगाओ ठियलेस्सा चारिणो य अविस्सामसंडलगती उवरिचरा उद्धलोगवासी दुविहा वेमाणिया य देवा सोह-म्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलोगलंतकमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुया कप्पवरविमाणवासिणो सुरगणा गेवेज्जा अणुत्तरा दुविहा कप्पातीया विमाणवासी महिड्ढिका उत्तमा सुरवरा एवं च ते चउव्विहा सपरिसावि देवा ममायंति भवण-वाहणजाणविमाणसयणासणाणि य नाणाविहवत्थभूसणा-णि य-पवरपहरणाणि य नाणामणिपंचवन्नदिव्वं च भायणविहिं नाणाविहकामरूवे वेउव्वितअच्छरगणसंघाते दीवसमुद्दे दिसाओ विदिसाओ वणसंडे पव्वते य गामनगराणि य आरामुज्जाण-काणणाणि य कूवसरतलागवाविदीहियदेवकुलसभप्पववसहिमाइयाइं बहुकाइं कित्त-णाणि य परिगेण्हित्ता परिग्गहं विपुलदव्वसारं देवावि सइंदगा न तित्तिं न तुट्ठिं उवलभंति अच्चंतविपुललोभाभिभू[त]यास[त्ता]न्ना वासहरइक्खुगारवट्टपव्वयकुंडल-रुचगवरमाणुसोत्तरकालोदधिलवणसलिलदहपतिरतिकरअंजणकसेलदहिमुहऽवपातु-प्पायकंचणकचित्तविचित्तजमकवरसिहरकूडवासी वक्खारअकम्मभूमिसु सुविभत्त-भागदेसासु कम्मभूमिसु, जेऽवि-य नरा चाउरंतचक्कवट्टी वासुदेवा बलदेवा मंड-लीया इस्सरा तलवरा सेणावती इब्भा सेट्ठी रट्ठिया पुरोहिया कुमारा दंडणायगा माडंबिया सत्थवाहा कोडुंबिया अमच्चा एए अन्ने य एवमाती परिग्गहं संचिणंति अणंतं असरणं दुरंतं अधुवमणिच्चं असासयं पावकम्मनेम्मं अवकिरियव्वं विणास-मूलं वहबंधपरिकिलेसबहुलं अणंतसंकिलेसकारणं, ते तं धणकणगरयणनिचयं पिंडिंता चेव लोभघत्था संसारं अतिवयंति सव्वदुक्खसंनिलयणं, परिग्गहस्स[स]सेव य अट्ठाए सिप्पसयं सिक्खए बहुजणो कलाओ य बावत्तरिं सुनिपुणाओ लेहाइयाओ सउणरुयावसाणाओ-गणियप्पहाणाओ-चउसट्ठिं च महिलागुणे रतिजणणे सिप्पसेवं असिमसिकिसिवाणिज्जं ववहारं अत्थसत्थ(इसु)ईसत्थच्छरुप्प(वा)गयं विविहाओ य जोगजुंजणाओ अन्नेसु एवमादिएसु बहूसु कारणसएसु जावज्जीवं नडिज्जए संचिणंति मंदबुद्धी परिग्गहस्सेव य अट्ठाए करंति पाणाण वहकरणं अलियनियडिसाइसंपओगे

परदव्वअभिज्जा सप[रि]रदारअभिगमणासेवणाए आयासविसूरणं कलहभंडणवेराणि य अवमाणणविमाणणाओ इच्छामहिच्छप्पिवाससततितिसिया तण्हगेहिलोभघत्था अत्ताणा अणिग्गहिया करेंति कोहमाणमायालोभे अकित्तणिज्जे परिग्गहे चेव होंति नियमा सल्ला दंडा य गारवा य कसाया सन्ना य कामगुण-अण्हगा य ईंदियलेसाओ सयणसंपओगा सचित्ताचित्तमीसगाइं दव्वाइं अणंतकाइं इच्छंति परिघेत्तुं सदेवमणुयासुरम्मि लोए लोभपरिग्गहो जिणवरेहिं भणिओ नत्थि एरिसो पासो पडिबंधो अत्थि सव्वजीवाणं सव्वलोए ॥ १९ ॥ परलोगम्मि य नट्ठा तमं पविट्ठा महयामोहमोहियमती तिमिसंधकारे तसथावरसुहुमबादरेसु पज्जत्तमपज्जत्तग एवं जाव परियट्टंति दीहमद्धं जीवा लोभवससंनिविट्ठा । एसो सो परिग्गहस्स फलविवाओ इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चइ, न-य-अवे(त)तित्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति, एवमाहंसु नायकुलनंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य परिग्गहस्स फलविवागं । एसो सो परिग्गहो पंचमो उ नियमा नाणामणिकणगरयणमहरिह एवं जाव इमस्स मोक्खवरमोत्तिमग्गस्स फलिहभूयो चरिमं अधम्मदारं समत्तं । एएहिं पंचहिं असंवरेहिं रयमा[दि]चिणित्तु अणुसमयं । चउव्विहग[ति]इ(पज्जं)पेरंतं अणुपरियट्टंति संसारं ॥ १ ॥ सव्वगई पक्खंदे का[हिं]हिंति अणंतए अकयपुण्णा । जे य ण सुणंति धम्मं सो(सुणि)ऊण य जे पमायंति ॥ २ ॥ अणुसिट्ठंपि बहुविहं मिच्छादिट्ठी (य जे) णरा अ(हमा)बुद्धीया । बद्धनिकाइयकम्मा सु(णं)णेंति धम्मं न य करेंति ॥ ३ ॥ किं सक्का काउं जे जं णेच्छह ओसहं मुहा पाउं । जिणवयणं गुणम[धु]हुरं विरेयणं सव्वदुक्खाणं ॥ ४ ॥ पंचेव य उज्झिऊणं पंचेव य रक्खिऊण भावेण । कम्मरयविप्पमुक्का सिद्धिवरमणुत्तरं जंति ॥ ५ ॥ (त्तिबेमि ॥) २० ॥ जंबू !–एत्तो संवरदाराइं पंच वोच्छामि आणुपुव्वीए । जह भणियाणि भगवया सव्वदुहविमोक्खणट्ठाए ॥ १ ॥ पढमं होइ अहिंसा बितियं सच्चवयणंति पन्नत्तं । दत्तमणुन्नाय संवरो य बंभचेरमपरिग्गहत्तं च ॥ २ ॥ तत्थ पढमं अहिंसा तसथावरसव्वभूयखेमकरी । तीसे सभावणा(ए)ओ किंची वोच्छं गुणुद्देसं ॥ ३ ॥ ताणि उ इमाणि सुव्वय ! महव्वयाइं लोक[हियस]धिइअव्वयाइं सुयसागरदेसियाइं तवसंजममहव्वयाइं सीलगुणवरव्वयाइं सच्चजवव्वयाइं नरगतिरियमणुयदेवगतिविवज्जकाइं सव्वजिणसासणगाइं कम्मरयविदारगाइं भवसयविणासणकाइं दुहसयविमोयणकाइं सुहसयपवत्तणकाइं कापुरिसदुरुत्तराइं सप्पुरिस(तीरि)निसेवियाइं निव्वाणगमणमग्ग-सग्ग(प)प(याण)णाय[गा]काइं संवरदाराइं पंच कहियाणि उ भगवया ।

तत्थ पढमं अहिंसा जा सा सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स भवति दीवो ताणं सरणं गती पइट्ठा निव्वाणं १ निव्वुई २ समाही ३ (संती) सत्ती ४ कित्ती ५ कंती ६ रती य ७ विरती य ८ सुयंगतित्ती ९–१० दया ११ विमुत्ती १२ खन्ती १३ सम्मत्ताराहणा १४ महंती १५ बोही १६ बुद्धी १७ धिती १८ समिद्धी १९ रिद्धी २० विद्धी २१ ठिती २२ पुट्ठी २३ नंदा २४ भद्दा २५ विसुद्धी २६ लद्धी २७ विसिट्ठदिट्ठी २८ कल्लाणं २९ मंगलं ३० पमोओ ३१ विभूती ३२ रक्खा ३३ सिद्धावासो ३४ अणासवो ३५ केवलीण ठाणं ३६ सिवं ३७ समिई ३८ सी[ल]लं ३९ संजमोत्ति य ४० सीलपरिघरो ४१ संवरो ४२ य गुत्ती ४३ ववसाओ ४४ उस्सओ ४५ जन्नो ४६ आयतणं ४७ जतण मप्पमातो ४८–४९ अस्सासो ५० वीसासो ५१ अभओ ५२ सव्वस्सवि अमाघाओ ५३ चोक्खपवित्ता ५४–५५ सूती ५६ पूया ५७ विमल ५८ पभासा ५९ य निम्मलतर ६० त्ति एवमादीणि निययगुणनिम्मियाइं पज्जवनामाणि होंति अहिंसाए भगवतीए ॥२१॥ एसा सा भगवती अहिंसा जा सा भीयाण विव सरणं पक्खीणं पिव ग(ग)मणं तिसियाणं पिव सलिलं खुहियाणं पिव असणं समुद्दमज्झे व पोतवहणं चउप्पयाणं व आसमपयं दुहट्ठियाणं (व) च ओसहिवलं अडवीमज्झे विसत्थगमणं एत्तो विसिट्ठतरिका अहिंसा जा सा पुढविजलअगणिमारुयवणस्सइबीजहरितजलचरथलचरखहचरतसथावरसव्वभूयखेमकरी एसा भगवती अहिंसा जा सा अपरिमियनाणदंसणधरेहिं सीलगुणविणयतवसंयमनायकेहिं तित्थंकरेहिं सव्वजगजीववच्छलेहिं तिलोगमहिएहिं जिणचंदेहिं सुट्ठु दिट्ठा ओहिजिणेहिं विण्णाया उज्जुमतीहिं विदिट्ठा विपुलमतीहिं विविदिता पुव्वधरेहिं अधीता वेउव्वीहिं पतिन्ना आभिणिबोहियनाणीहिं सुयनाणीहिं-ओहिनाणीहिं-मणपज्जवनाणीहिं केवलनाणीहिं आमोसहिपत्तेहिं खेलोसहिपत्तेहिं जल्लोसहिपत्तेहिं विप्पोसहिपत्तेहिं सव्वोसहिपत्तेहिं बीजबुद्धीहिं कुट्ठबुद्धीहिं पदाणुसारीहिं संभिन्नसोतेहिं सुयधरेहिं मणबलिएहिं वयबलिएहिं कायबलिएहिं नाणबलिएहिं दंसणबलिएहिं चरित्तबलिएहिं खीरासवेहिं म(धु)हुआसवेहिं सप्पियासवेहिं अक्खीणमहाणसिएहिं चारणेहिं विज्जाहरेहिं चउत्थभत्तिएहिं एवं जाव छम्मासभत्तिएहिं उक्खित्तचरएहिं निक्खित्तचरएहिं अंतचरएहिं पंतचरएहिं लूहचरएहिं समुदाणचरएहिं अन्नइलाएहिं मोणचरएहिं संसट्ठकप्पिएहिं तज्जायसंसट्ठकप्पिएहिं उवनिहिएहिं सुद्धेसणिएहिं संखादत्तिएहिं दिट्ठलाभिएहिं अदिट्ठलाभिएहिं पुट्ठलाभिएहिं आयंबिलिएहिं पुरिमड्ढिएहिं एक्कासणिएहिं निव्वितिएहिं भिन्नपिंडवाइएहिं परिमियपिंडवाइएहिं अंताहारेहिं पंताहारेहिं अरसाहारेहिं विरसाहारेहिं लूहाहारेहिं तुच्छाहारेहिं अंतजी–

[वि]वीहिं पंतजी-वीहिं लूहजी-वीहिं तुच्छजी-वीहिं उवसंतजी-वीहिं पसंतजी-वीहिं विवित्तजी-वीहिं अखीरमहुसप्पिएहिं अमज्जमंसासिएहिं ठाणाइएहिं पडि[मंठा]मट्ठाईहिं ठाणुक्कडिएहिं वीरासणिएहिं णेसज्जिएहिं डंडाइएहिं लगंडसाईहिं एगपासगेहिं आयावएहिं अप्पावएहिं अणिट्ठु[व]भएहिं अकं[ड्ड]डुयएहिं धुतकेसमंसुलोमनखेहिं सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्केहिं समणुचिन्ना सुयधरविदितत्थकायबुद्धीहिं धीरमतिबुद्धिणो य जे ते आसीविसउग्गतेयकप्पा निच्छयववसाय(विणीय)पज्जत्तकयमतीया णिच्चं सज्झायज्झाणअणुबद्धधम्मज्झाणा पंचमहव्वयचरित्तजुत्ता समिता समितिसु समितपावा छव्विहजगवच्छला निच्चमप्पमत्ता एएहिं अन्नेहि य जा सा अणुपालिया भगवती इमं च पुढविदगअगणिमारुयतरुगणतसथावरसव्वभूयसं(य)जमदयट्ठयाते सुद्धं उञ्छं गवेसियव्वं अकतमकारिमणाहूयमणुद्दिट्ठं अकीयकडं नवहि य कोडिहिं सुपरिसुद्धं दसहि य दोसेहिं विप्पमुक्कं उग्गमउप्पायणेसणासुद्धं ववगयचुयचावियचत्तदेहं च फासुयं च न नि(सि)सज्जकहापओयणक्खासुओ[व]णीयंति न तिगिच्छामंतमूलभेसज्जकज्जहेउं न लक्खणुप्पायसुमिणजोइसनिमित्तकहकप्पउत्तं नवि डंभणाए नवि रक्खणाते नवि सासणाते नवि दंभणरक्खणसासणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि वंदणाते नवि माणणाते नवि पूयणाते नवि वंदणमाणणपूयणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि हीलणाते नवि निंदणाते नवि गरहणाते नवि हीलणनिंदणगरहणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि भेसणाते नवि तज्जणाते नवि तालणाते नवि भेसणतज्जणतालणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि गारवेणं नवि कुहणयाते नवि वणीमयाते नवि गारवकुहवणीमयाए भिक्खं गवेसियव्वं नवि मित्तयाए नवि पत्थणाए नवि सेवणाए नवि मित्तपत्थणसेवणाते भिक्खं गवेसियव्वं अन्नाए अगढिए अदुट्ठे अदीणे अविमणे अकलुणे अविसाती अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोगसंपउत्ते भिक्खू भिक्खेसणाते निरते, इमं च णं सव्वजीवरक्खणदयट्ठाते पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभावियं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विउसमणं ॥ २२ ॥ तस्स इमा पंच भावणातो पढमस्स वयस्स होंति पाणातिवायवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए-पढमं ठाणगमणगुणजोगजुंजणजुगंतरनिवातियाए दिट्ठीए ईरियव्वं कीडपयंगतसथावरदयावरेण निच्चं पुप्फफलतयप[वा]वालकंदसूलंदगमट्टियबीजहरियपरिवज्जिएण सं[स]मं, एवं खलु सव्वपाणा न हीलियव्वा न निंदियव्वा न गरहियव्वा न हिंसियव्वा न छिंदियव्वा न भिंदियव्वा न वहेयव्वा न भयं दुक्खं च किंचि लब्भा पावेउं एवं ईरियासमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए

सुसाहू, वितीयं च मणेण पावएणं पाव[गं]कं अहम्मियं दारुणं निस्संसं वहबंधपरिकिलेसवहुलं जरा(भय)मरणपरिकिलेससंकिलिट्ठं न कयावि मणेण पावतेणं पावगं किंचि-वि झायव्वं एवं मणसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असवलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू, ततियं च वतीते पावियाते पाव-कं-अ० कं.....वइए पाविया(ओ)ए पावगं-न किंचिवि भासियव्वं एवं वतिसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असवलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसओ संजओ सुसाहू, चउत्थं आहारएसणाए सुद्धं उंछं गवेसियव्वं अन्नाए अ[गढिते]कहिए अ[दु]-सिट्ठे अदीणे अकलुणे अविसादी अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोग-संपओगजुत्ते भिक्खू भिक्खेसणाते जुत्ते समुदाणेऊण भिक्खचरियं उंछं घेत्तूण आगतो गुरुजणस्स पासं गमणागमणातिचारे पडिक्कमणपडिक्कंते आलोयणदायणं च दाऊण गुरुजणस्स गुरुसंदिट्ठस्स वा जहोवएसं निरइयारं च अप्पमत्तो, पुणरवि अणेसणाते पयतो पडिक्कमित्ता पसंते आसीणसुहनिसन्ने मुहुत्तमेत्तं च झाणसुहजोगनाणसज्झाय-गोवियमणे धम्ममणे अविमणे सुहमणे अविग्गहमणे समाहियमणे सद्धासंवेगनिज्जरमणे पवतणवच्छ(ल)भावियमणे उट्ठेऊण य पहट्ठतुट्ठे जहारायणियं निमंतइत्ता य साहवे भावओ य विइण्णे य गुरुजणेणं उपविट्ठे संपमज्जिऊण ससीसं कायं तहा करतलं असुच्छिते अगिद्धे अगढिए अगरहिते अणज्झोववण्णे अणाइले अलुद्धे अणत्तट्ठिते असुरसुरं अचवचवं अदुतमविलंवियं अपरिसाडिं आलोयभायणे जयं पयत्तेण ववगयसंजोगमणिंगालं च विगयधूमं अक्खोवंज-णव-णाणुलेवणभूयं संजमजायामाया-निमित्तं संजमभारवहणट्ठयाए भुंजेज्जा पाणवारणट्ठयाए संजएण समियं एवं आहार-समितिजोगेणं भाविओ भवति अंतरप्पा असवलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू, पंचमं आदा[नं]णनिक्खेव[ण]णाससिई पीढफलगसिज्जा-संथारगवत्थपत्तकंवलरयहरणचोलपट्टगमुहपोत्तिगपायपुंछणादी एयंपि संजमस्स उववूहणट्ठयाए वातातवदंसमसगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहितं परिहरितव्वं संजमेणं निच्चं पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण होइ सययं निक्खियव्वं च गिण्हियव्वं च भायणभंडोवहिउवगरणं एवं आयाणभंड-निक्खेवणासमितिजोगेण भाविओ भवति अंतरप्पा असवलमसंकिलिट्ठनिव्वण-चरित्तभावणाए अहिंसए संजते सुसाहू, एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होति सुप्पणिहियं इमेहिं पंचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं णिच्चं आमरणंतं च एस जोगो णेयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो-अपरिस्सावी-असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुन्नातो, एवं पढमं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं

तीरियं किट्टियं आराहियं आणाते अणुपालियं भवति, ए(यं)वं नायमुणिणा भगवया पन्नवियं परूवियं पसिद्धं सिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवितं सुदेसितं पसत्थं पढमं संवरदारं समत्तं तिबेमि [इति पढमं संवरदारं] ॥ २३ ॥ जंवू ! वितियं च सच्चवयणं सुद्धं सुचियं सिवं सुजायं सुभासियं सुव्वयं सुकहियं सुदिट्ठं सुपतिट्ठियं सुपइट्ठियजसं सुसंजमियवयणवुइयं सुरवरनरवसभपवरवलवगसुविहियजणवहुमयं परमसाहुधम्मचरणं तवनियमपरिग्गहियं सुगतिपहदेस[गं]कं च लोगुत्तमं वयमिणं विज्जाहरगगणगमणविज्जाणसाहकं सग्गमग्गसिद्धिपहदेसकं अवितहं तं सच्चं उज्जुयं अकुडिलं भूयत्थं अत्थतो विसुद्धं उज्जोयकरं पभासकं भवति सव्वभावाण जीवलोगे अविसंवादि जहत्थमधुरं पच्चक्खं दयिवयंव जं तं अच्छेरकारकं अवत्थंतरेसु वहुएसु माणुसाणं सच्चेण महासमुद्दमज्झेवि चिट्ठंति न निमज्जंति मूढाणिया-वि पोया सच्चेण य उदगसंभमंमिवि न वुज्झइ न य मरंति थाहं ते लभंति सच्चेण य अगणिसंभमंमिवि न डज्झंति उज्जुगा मणूसा सच्चेण य तत्ततेल्लतउलोहसीसकाइं छिवंति धरेंति न य उज्झंति मणूसा पव्वयकडकाहिं मुच्चंते न य मरंति सच्चेण य परिग्ग(ही)हिया असिपंजरगया समराओ-वि णिइंति अणहा य सच्चवादी वहवंधभियोगवेरघोरेहिं पमुच्चंति य अमित्तमज्झाहिं निइंति अणहा य सच्चवादी सादेव्वाणि य देवयाओ करेंति सच्चवयणे रताणं । तं सच्चं भगवं तित्थकरसुभासियं दसविहं चोद्दसपुव्वीहिं पाहुडत्थविदितं महरि(सि)सीण य समय(पइ)प्पदि(न्नचि)न्नं देविंदनरिंदभासियत्थं वेमाणियसाहियं महत्थं मंतोसहिविज्जासाहणत्थं चारणगणसमणसिद्धविज्जं मणुयगणाणं वंदणिज्जं अमरगणाणं अच्चणिज्जं असुरगणाणं च पूयणिज्जं अणेगपासंडिपरिग्गहितं जं तं लोकंमि सारभूयं गंभीरतरं महासमुद्दाओ थिरतरगं मेरुपव्वयाओ सोमतरगं चंदमंडलाओ दित्ततरं सूरमंडलाओ विमलतरं सरयनहयलाओ सुरभितरं गंधमादणाओ जेविय लोगम्मि अपरिसेसा मंतजोगा जवा य विज्जा य जंभका य अत्थाणि य सत्थाणि य सिक्खाओ य आगमा य स(च्चा)व्वाणिवि ताइं सच्चे पइट्ठियाइं, सच्चंपि-य संजमस्स उवरोहकारकं किंचि न वत्तव्वं हिंसासावज्जसंपउत्तं भेयविकहकारकं अणत्थवायकलहकारकं अणज्जं अववायविवायसंपउत्तं वेलंवं ओजधेज्जवहुलं निल्लज्जं लोयगरहणिज्जं दुद्दिट्ठं दुस्सुयं असुणियं अप्पणो थवणा परेसु निंदा न तंसि मेहावी ण तंसि धन्नो न तंसि पियधम्मो न तं कुलीणो न तंसि दाण[व]पती न तंसि सूरो न तंसि पडिरूवो न तंसि लट्ठो न पंडिओ न वहुस्सुओ नवि य तं तवस्सी ण यावि परलोगणिच्छियमतीऽसि सव्वकालं जातिकुलरूववाहिरोगेण वावि जं होइ वज्जणिज्जं दु(हओ)हिलं उवयारमतिक्कंतं एवंविहं सच्चंपि न वत्तव्वं,

अह केरिसकं पुणाइ सच्चं तु भासियव्वं ?, जं तं दव्वेहिं पज्जवेहि य गुणेहिं कम्मेहिं बहुविहेहिं सिप्पेहिं आगमेहि य नामक्खायनिवाउवसग्गतद्धियसमाससंधिपदहेउजोगियउणादिकिरियाविहाणधातुसरविभत्तिवन्नजुत्तं तिकं दसविहंपि सच्चं जह भणियं तह य कम्मुणा होइ दुवालसविहा होइ भासा वयणंपि-य होइ सोलसविहं, एवं अरहंतमणुन्नायं समिक्खियं संजएण कालंमि य वत्तव्वं ॥ २४ ॥ इमं च अलियपिसुणफरुसकडुयचवलवयणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभाविकं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाणं विओसमणं, तस्स इमा पंच भावणाओ वितियस्स वयस्स अलियवयणस्स वेरमणपरिरक्खणट्ठयाए, पढमं सोऊणं संवरट्ठं परमट्ठं सुद्धु जाणिऊण न वेगियं न तुरियं न चवलं न कडुयं न फरुसं न साहसं न य परस्स पीलाकरं सावज्जं सच्चं च हियं च मियं च गाहगं च सुद्धं संगयमकाहलं च समिक्खितं संजतेण कालंमि य वत्तव्वं एवं अणुवीतिसमितिजोगेण भाविओ भवति अंतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपुन्नो, वितियं कोहो ण सेवियव्वो, कुद्धो चंडिक्कि[यो]ओ मणूसो अलियं भणेज्ज पिसुणं भणेज्ज फरुसं भणेज्ज अलियं पिसुणं फरुसं भणेज्ज कलहं करेज्जा वेरं करेज्जा विकहं करेज्जा कलहं वेरं विकहं करेज्जा सच्चं हणेज्ज सीलं हणेज्ज विणयं हणेज्ज सच्चं सीलं विणयं हणेज्ज वेसो हवेज्ज वत्थुं भवेज्ज गम्मो भवेज्ज वेसो वत्थुं गम्मो भवेज्ज एयं अन्नं च एवमादियं भणेज्ज कोहग्गिसंपलित्तो तम्हा कोहो न सेवियव्वो, एवं खंतीइ भाविओ भवति अंतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपन्नो, ततियं लोभो न सेवियव्वो लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं खेत्तस्स व वत्थुस्स व कतेण १ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं कित्तीए लोभस्स व कएण २ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं रिद्धी(ए)य व सोक्खस्स व कएण ३ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं भत्तस्स व पाणस्स व कएण ४ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं पीढस्स व फलगस्स व कएण ५ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं सेज्जाए व संथारकस्स व कएण ६ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं वत्थस्स व पत्तस्स व कएण ७ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं कंवलस्स व पायपुंछणस्स व कएण ८ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं सीसस्स व सिस्सिणीए व कएण ९ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं अन्नेसु य एवमादिसु वहुसु कारणसतेसु, लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं तम्हा लोभो न सेवियव्वो, एवं मुत्तीय भाविओ भवति अंतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपन्नो, चउत्थं न भाइयव्वं भीतं खु भया अइंति लहुयं भीतो अवितिज्जओ मणूसो भीतो भूतेहिं घिप्पइ भीतो अन्नं-पि हु भेसेज्जा भीतो तवसंजमं-पि हु मुएज्जा भीतो य भरं न नित्थरेज्जा

सप्पुरिसनिसेवियं च मग्गं भीतो न समत्थो अणुचरिउं तम्हा न भातियव्वं भयस्स वा वाहिस्स वा रोगस्स वा जराए वा मच्चुस्स वा अन्नस्स वा ए(वमादिय)गस्स-वा- एवं धेज्जेण भाविओ भवति अंतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपन्नो, पंचमकं हासं न सेवियव्वं अलियाइं असंतकाइं जंपंति हासइत्ता परपरिभवकारणं च हासं परपरिवायप्पियं च हासं परपीलाकारगं च हासं भेदविमुत्तिकारकं च हासं अन्नोन्नजणियं च होज्ज हासं अन्नोन्नगमणं च होज्ज मम्मं अन्नोन्नगमणं च होज्ज कम्मं कंदप्पाभियोगगमणं च होज्ज हासं आसुरियं किव्विसत्तणं च जणेज्ज हासं तम्हा हासं न सेवियव्वं एवं मोणेण भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकर-चरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपन्नो, एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुप्पणिहियं इमेहिं पंचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं निच्चं आमरणंतं च एस जोगो णेयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असंकिलिट्ठो-सुद्धो-सव्वजिणमणुन्नाओ, एवं वितियं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं तीरियं किट्टियं अणुपालियं आणाए आराहियं भवति, एव नायमुणिणा भगवया पन्नवियं परूवियं पसिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवितं सुदेसि(यं)तं पसत्थं वितियं संवरदारं समत्तं तिबेमि [इति वितियं दारं] ॥ २५ ॥ जंबू ! दत्तमणुण्णायसंवरो नाम होति ततियं सुव्वता ! महव्वतं गुणव्वतं परदव्वहरणपडिविरइकरणजुत्तं अपरिमियमणंततण्हाणु-गयमहिच्छमणवयणकलुसआयाणसुनिग्गहियं सुसंजमियम[णो]णहत्थपायनिभियं निग्गंथं णेट्ठिकं निरुत्तं निरासवं निब्भयं विमुत्तं उत्तमनरवसभपवरबलवगसुविहित-जणसंमतं परमसाहुधम्मचरणं जत्थ य गामागरनगरनिगमखेडकव्वडमडंबदोणमुह-संवाहपट्टणासमगयं च किंचि दव्वं मणिमुत्तासिलप्पवालकंसदूसरययवरकणगरयणमादिं पडियं पम्हुट्ठं विप्पणट्ठं न कप्पति कस्सति कहेउं वा गेण्हिउं वा अहिरन्नसुवन्निकेण समलेट्ठुकंचणेणं अपरिग्गहसंवुडेणं लोगंमि विहरियव्वं, जंपिय होज्जाहि दव्वजातं खल(थल)ग(यं)तं खेत्त-गतंरन्न-मंतरग(यं)तं वा किंचि तणकट्ठसक्करादि अप्पं च बहुं च अणुं च थूलगं वा न कप्प(ती)ति उग्गहंमि अदिण्णंमि गिण्हिउं जे, हणि हणि उग्गहं अणुन्नविय गेण्हियव्वं वज्जेयव्वो [य] सव्वकालं अचियत्त-घरप्पवेसो अचियत्तभत्तपाणं अचियत्तपीढफलगसेज्जासंथारगवत्थपत्तकंबलरयहरण-निसेज्जचोलपट्टगमुहपोत्तियपायपुंछणाइ भायणभंडोवहिउवकरणं परपरिवाओ परस्स दोसो परववएसेणं जं च गेण्हइ परस्स नासेइ जं च सुकयं दाणस्स य अंतरातियं दाणविप्पणासो पेसुन्नं चेव मच्छरित्तं च, जेविय पीढफलगसेज्जासंथारगवत्थ(पत्त)-पायकंबल[रयहरणनिसेज्जचोलपट्टग]मुहपोत्तियपायपुंछणादिभायणभंडोवहिउवकरणं

असंविभागी असंगहरुती तवतेणे य वइतेणे य रूवतेणे य आयारे चेव भावतेणे य सद्दकरे झञ्झकरे कलहकरे वेरकरे विकहकरे असमाहिकरे सया अप्पमाणभोती सततं अणुवद्धवेरे य निच्चरोसी से तारिसए नाराहए वयमिणं, अह केरिसए पुणाइं आराहए वयमिणं ?, जे से उवहिभत्तपाणसंगहणदाणकुसले अच्चंतवालदुव्वलगिलाणवुड्ढखमके पवत्तिआयरियउवज्झाए सेहे साहम्मिके तवस्सीकुलगणसंघट्ठे य निज्जरट्ठी वेयावच्चं अणिस्सियं दसविहं वहुविहं करेति, न य अचियत्तस्स गिहं पविसइ न य अचियत्तस्स गेण्हइ भत्तपाणं न य अचियत्तस्स सेवइ पीढफलगसेज्जासंथारगवत्थपायकंवलरयहरणनिसेज्जचोलपट्टयमुहपोत्तियपायपुंछणाइभायणमंडोवहिउवगरणं न य परिवायं परस्स जंपति न यावि दोसे परस्स गेण्हति परववएसेणवि न किंचि गेण्हति न य विपरिणामेति कं(कि)चि जणं न यावि णासेति दिन्नसुकयं दाऊण य [काऊण य] न होइ पच्छाताविए सं-वि-भागसीले संगहोवग्गहकुसले से तारिसते आराहते वयमिणं, इमं च परदव्वहरणवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहितं अत्तहितं पेच्चाभावितं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विओ[व]समणं, तस्स इमा पंच भावणातो ततियस्स (वयस्स) होंति परदव्वहरणवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए, पढमं देवकुलसभप्पवावसहरुक्खमूलआरामकंदरागरगिरिगुहाकम्मउज्जाणजाणसालाकुवितसालामंडवसुन्नघरसुसाणलेणआवणे अन्नंमि य एवमादियंमि दगमट्टियवीजहरिततसपाणअसंसत्ते अहाकडे फासुए विवित्ते पसत्थे उवस्सए होइ विहरियव्वं, आहाकम्मवहुले य जे से आसितसंमज्जिउस्सित्तसोहियछायणदूमणलिंपणअणुलिंपणजलणभंडचाल[णे]ण अंतो वहिं च असंजमो जत्थ व[ड्ढ]ती संजयाण अट्ठा वज्जेयव्वो हु उवस्सओ से तारिसए सुत्तपडिकुट्ठे, एवं विवित्तवासवसहिसमिइजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा निच्चं अहिकरणकरणकारावणपावकम्मविरतो दत्तमणुन्नायओग्गहरुती । वितीयं आरामुज्जाणकाणणवणप्पदेसभागे जं किंचि इक्कडं व कठिणगं च जंतुगं च परामेरकुच्चकुसडब्भपलालमूयगवक्कयतणकट्ठसक्करादी गेण्हइ सेज्जोवहिस्स अट्ठा न कप्पए उग्गहे अदिन्नंमि गेण्हि(गिण्हे)उं जे हणि हणि उग्गहं अणुन्नविय गेण्हियव्वं एवं उग्गहसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा निच्चं अहिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते दत्तमणुन्नायओग्गहरुती । ततीयं जस्सेव उवस्सते वसेज्ज सेज्जं तत्थेव गवेसेज्जा न निवायपवायउस्सुगत्तं न डंसमसगेसु खुभियव्वं एवं, संजमवहुले संवरवहुले संवुडवहुले समाहिवहुले धीरे काएण फासयंतो सययं अज्झप्पज्झाणजुत्ते समिए एगे चरेज्ज धम्मं, एवं सेज्जासमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा निच्चं अहिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते

दत्तमणुन्नायउग्गहरुती । चउत्थं साहारणपिंडपातलाभे भोत्तव्वं संजएण समियं न सायसूयाहिकं न खद्धं ण वेगितं न तुरियं न चवलं न साहसं न य पर[स्स]पीलाकर-सावज्जं तह भोत्तव्वं जह से ततियवयं न सीदति साहारणपिंडपा[त]यलाभे सुहुमं अदिन्नादाण-विरमण-वयनियम(वेरम)णं, एवं साहारणपिंडवायलाभे समितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा निच्चं अहिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते दत्तमणुन्नाय-उग्गहरुती । पंचमगं साहम्मिए विणओ पउंजियव्वो उव[ग]करणपारणासु विणओ पउंजियव्वो वायणपरियट्टणासु विणओ पउंजियव्वो दाणगहणपुच्छणासु विणओ पउंजियव्वो निक्खमणपवेसणासु विणओ पउंजियव्वो अन्नेसु य एवमादिसु बहुसु कारणसएसु विणओ पउंजियव्वो, विणओवि तवो तवोवि धम्मो तम्हा विणओ पउंजियव्वो गुरुसु साहूसु तवस्सीसु य, एवं विणतेण भाविओ भवइ अंतरप्पा णिच्चं अधिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते दत्तमणुन्नायउग्गहरुई । एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुपणिहियं एवं जाव आघवियं सुदेसितं पसत्थं ततियं संवरदारं समत्तंतिबेमि ॥ २६ ॥ जं(बु)बू ! एत्तो य बंभचेरं उत्तमतवनियमणाणदंसणचरित्तसम्मत्तविणयमूलं य[ज]मनियमगुणप्पहाणजुत्तं हिमवंतमहंततेयमंतं पसत्थगंभीरथिमितमज्झं अज्जवसाहुजणाचरितं मोक्खमग्गं विसुद्धसिद्धिगतिनिलयं सासयमव्वाबाहमपुणब्भवं पसत्थं सोमं सुभं सिवमचलमक्खयकरं जतिवरसारक्खितं सुचरियं सु[भासि]साहियं नवरि मुणिवरेहिं महापुरिसधीरसूरधम्मियधितिमंताण य सया विसुद्धं भव्वं भव्वजणाणुचिन्नं निस्संकियं निब्भयं नित्तुसं निरायासं निरुवलेवं निव्वुतिघरं नियमनिप्पकंपं तवसंजममूलदलियणेम्मं पंचमहव्वयसुरक्खियं समितिगुत्तिगुत्तं झाणवरकवाडसुकयमज्झप्पदिन्नफलिहं संनद्धोच्छइयदुग्गइपहं सुगतिपहदेसगं च लोगुत्तमं च वयमिणं पउमसरतलागपालिभूयं महासगडअरगतुंबभूयं महाविडिमरुक्खक्खंधभूयं महानगरपागारकवाडफलिहभूयं रज्जुपिणिद्धो व इंदकेतू विसुद्धणेगगुणसंपिणद्धं जंमि य भग्गंमि होइ सहसा सव्वं संभग्गम(हि)थियचुन्नियकुसल्लियपल्लट्टपडियखंडियपरिसडियविणासियं विणयसीलतवनियमगुणसमूहं तं बंभं भगवंतं गहगणनक्खत्ततारगाणं (व) वा जहा उडुपती मणिमुत्तसिलप्पवालरत्तरयणागराणं (च) व जहा समुद्दो वेरुलिओ चेव जहा मणीणं जहा मउडो चेव भूसणाणं वत्थाणं चेव खोमजुयलं अरविंदं चेव पुप्फजेट्ठं गोसीसं चेव चंदणाणं हिमवंतो चेव ओसहीणं सीतोदा चेव निन्नगाणं उदहीसु जहा सयंभुरमणो रुयगवरे चेव मंडलिकपव्वयाण पवरे एरावण इव कुंजराणं सीहोव्व जहा मिगाणं पवरे प[ग]वकाणं चेव वेणुदेवे धरणो जह पण्णगइंदराया कप्पाणं चेव बंभलोए सभासु य

जहा सवे सुहम्मा ठितिसु लवसत्तमव्व पवरा दाणाणं चेव अभयदाणं किमिरा[उ]ओ चेव कंवलाणं संघयणे चेव वज्जरिसभे संठाणे चेव समचउरंसे झाणेसु य परमसुक्कज्झाणं णाणेसु य परमकेवलं तु सिद्धं लेसासु य परमसुक्कलेस्सा तित्थंकरे जहा चेव मुणीणं वासेसु जहा महाविदेहे गिरिराया चेव मंदरवरे वणेसु ज[हा]ह नंदणवणं पवरं दुमेसु जहा जंवू सुदंसणा वीसुयजसा जीय नामेण य अयं दीवो, तुरगवती गयवती रहवती नरवती जह वीसुए चेव राया रहिए चेव जहा महारहगते, एवमणेगा गुणा अहीणा भवंति एक्कंमि वंभचेरे जंमि य आराहियंमि आराहियं वयमिणं सव्वं, सीलं तवो य विणओ य संजमो य खंती गुत्ती मुत्ती तहेव इहलोइयपारलोइयजसे य कित्ती य पच्चओ य, तम्हा निहुएण वंभचेरं चरियव्वं सव्वओ विसुद्धं जावज्जीवाए जाव सेयट्ठिसंजउत्ति, एवं भणियं वयं भगवया, तं च इमं–पंचमहव्वयसुव्वयमूलं, समणमणाइलसाहुसुचिन्नं । वेरविरामणपज्जवसाणं, सव्वसमुद्दमहोदधितित्थं ॥ १ ॥ तित्थकरेहिं सुदेसियमग्गं, नरयतिरिच्छविवज्जियमग्गं । सव्वपवित्तिसुनिम्मियसारं, सिद्धिविमाणअवंगुयदारं ॥ २ ॥ देवनरिंदनमंसियपूयं, सव्वजगुत्तममंगलमग्गं । दुद्धरिसं गुणनाय[ग]कमेक्कं, मोक्खपहस्स वडिंस[क]गभूयं ॥ ३ ॥ जेण सुद्धचरिएण भवइ सुवंभणो सुसमणो सुसाहू सइसी समुणी ससंजए स एव भिक्खू जो सुद्धं चरति वंभचेरं, इमं च रतिरागदोसमोहपवड्ढणकरं किंमज्झपमायदोसपासत्थसीलकरणं अब्भंगणाणि य तेल्लमज्जणाणि य अभिक्खणं कक्[खा]खसीसकरचरणवदणधोवणसंवाहणगायकम्मपरिमद्दणाणुलेवणचुन्नवासधूवणसरीरपरिमंडणवाउसि(य)कहसियभणियनट्टगीयवाइयनडनट्टकजल्लमल्लपेच्छणवेलंवक(ज्जा)जाणि य सिंगारागाराणि य अन्नाणि य एवमादियाणि तवसंजमवंभचेरघातोवघातियाइं अणुचरमाणेणं वंभचेरं वज्जेयव्वाइं सव्वकालं, भावेयव्वो भवइ य अंतरप्पा इमेहिं तवनियमसीलजोगेहिं निच्चकालं, किं ते ?–अण्हाणकअदंतधावणसेयमलजल्लधारणं मूणवयकेसलोए य खमदमअचेलगखुप्पिवासलाघवसीतोसिणकट्ठसेज्जाभूमिनिसेज्जापरघरपवेसलद्धावलद्धमाणावमाणनिंदणदंसमसगफासनियमतवगुणविणयमादिएहिं जहा से थिरतर[गं]कं होइ वंभचेरं इमं च अवंभचेरविरमणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं-अत्तहितं-पेच्चाभाविकं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विउसवणं, तस्स इमा पंच भावणाओ चउत्थ(व)यस्स होंति अवंभचेरवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए, पढमं सयणासणघरदुवारअंगणआगासगवक्खसालअभिलोयणपच्छवत्थुकपसाहणकण्हाणिकावकासा अवकासा जे य वेसियाणं अच्छंति य जत्थ इत्थिकाओ अभिक्खणं मोहदोसरतिरागवड्ढणीओ कहिंति य कहाओ वहुविहाओ तेऽवि हु वज्जणिज्जा इत्थिसंसत्तसंकिलिट्ठा

अन्नेवि य एवमादी अवकासा ते हु वज्जणिज्जा जत्थ मणोविब्भमो वा भंगो वा भंस(गो)णा वा अट्टं रुद्दं च हुज्ज झाणं तं तं वज्जेज्ज वज्जभीरू अणायतणं अंतपंतवासी, एवमसंसत्तवासवसहीसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा आरतमणविरयगाम-धम्मे जि[तें]तिदिए वंभचेरगुत्ते। वितियं नारीजणस्स मज्झे न कहेयव्वा कहा विचित्ता वि(व्वो)व्वोयविलाससंपउत्ता हाससिंगारलोइयकहव्व मोहजणणी न आवाहविवाहवरकहाविव इत्थीणं वा सुभगदुभगकहा चउसट्ठिं च महिलागुणा न वन्नदेसजातिकुलरूवनामनेवत्थपरिजणकहा इत्थियाणं अन्नावि य एवमादियाओ कहाओ सिगारकलुणाओ तवसंजमवंभचेरघातोवघातियाओ अणुचरमाणेणं वंभचेरं न कहेयव्वा न सुणेयव्वा न चिंतेयव्वा, एवं इत्थीकहविरतिसमितिजोगेणं भावितो भवति अंतरप्पा आरतमणविरयगामधम्मे जितिंदिए वंभचेरगुत्ते। ततीयं नारीण हसितभणि(त)तं चेट्ठियविप्पेक्खितगइविलासकीलियं विब्बोतियनट्टगीतवातियसरीर-संठाणवन्नकरचरणनयणलाव-ण्णरूवजोव्वणपयोहराधरवत्थालंकारभूसणाणि य गुज्झोवकासियाइं अन्नाणि य एवमादियाइं तवसंजमवंभचेरघातोवघातियाइं अणुच-रमाणेणं वंभचेरं न चक्खुसा न मणसा न वयसा पत्थेयव्वाइं पावकम्माइं, एवं इत्थीरूवविरतिसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा आरतमणविरयगामधम्मे जितेंदिए वंभचेरगुत्ते। चउत्थं पुव्वरयपुव्वकीलियपुव्वसंगंथगंथसंथुया जे ते आवाह-विवाहचोल्लकेसु य तिथिसु जन्नेसु उस्सवेसु य सिंगारागारचारुवेसाहिं हावभावपललिय-विक्खेवविलाससालिणीहिं अणुकूलपेम्मिकाहिं सद्धिं अणुभूया सयणसंपओगा उदुसुह-वरकुसुमसुरभिचंदणसुगंधिवरवासधूवसुहफरिसवत्थभूसणगुणोववेया रमणिज्जाउज्ज-गेयपउरनडनट्ट(ग)कजल्लमल्लमुट्ठिकवेलंबगकहगपवगलासगआइक्खगलंखमंखतूणइल्ल-तुंववीणियतालायरपकरणाणि य बहूणि महुरसरगीतसुस्सराइं अन्नाणि य एवमादि-याणि तवसंजमवंभचेरघातोवघातियाइं अणुचरमाणेणं वंभचेरं न तातिं समणेण लब्भा दट्ठुं न कहेउं नवि सुमरिउं जे, एवं पुव्वरयपुव्वकीलियविरतिसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा आरयमणविरतगामधम्मे जिइंदिए वंभचेरगुत्ते। पंचमगं आहारपणीयनिद्धभोयणविवज्जते संजते सुसाहू ववगयखीरदहिसप्पिनवनीयतेल्लगुल-खंडमच्छंडिकमहुमज्जमंसखज्जकविगतिपरिचत्तकयाहारे ण दप्पणं न वहुसो न नितिकं न सायसूपाहिकं न खद्धं तहा भोत्तव्वं जह से जायामाता-य भवति, न य भवति विब्भमो न भंसणा य धम्मस्स, एवं पणीयाहारविरतिसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा आरयमणविरतगामधम्मे जिइंदिए वंभचेरगुत्ते। एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुपणिहितं इमेहिं पंचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरि-

रक्खिएहिं णिच्चं आमरणंतं च एसो जोगो णेयव्वो धितिम(या)ता मतिमात-अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुन्नातो, एवं चउत्थं संवरदारं फासियं पालितं सोहितं तीरितं किट्टितं आणाए अणुपालियं भवति, एवं नायमुणिणा भगवया पन्नविय परूवियं पसिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवियं सुदेसितं पसत्थं चउत्थं संवरदारं समत्तंतिवेमि ॥ २७ ॥ जंबू ! अपरिग्गह-संवुडे य समणे आरंभपरिग्गहातो विरते विरते कोहमाणमायालोभा एगे असंजमे दो चेव रागदोसा तिन्नि य दंडगारवा य गुत्तीओ तिन्नि तिन्नि य विराहणाओ चत्तारि कसाया झाणसन्नाविकहा तहा य हुंति चउरो पंच य किरियाओ समिति-इंदियमहव्वयाइं च छज्जीवनिकाया छच्च लेसाओ सत्त भया अट्ठ य मया नव चेव य बंभचेरवयगुत्ती दसप्पकारे य समणधम्मे एक्कारस य उवासकाणं वारस य भिक्(खूणं)खुपडिमा किरियठाणा य भूयगामा परमाधम्मिया गाहासोलसया असंजमअबंभणायअसमाहिठाणा सवला परिसहा सूयगडज्झयणदेवभावणउद्देस-गुणपकप्पपावसुतमोहणिज्जे सिद्धातिगुणा य जोगसंगहे तित्तीसा आसातणा सुरिंदा आदिं एक्कातियं करेत्ता एक्कुत्तरियाए व[ड्ढि]ड्ढीए तीसातो जाव उ भवे तिकाहिका विरतीपणिहीसु अविरतीसु य (अ०) एवमादिसु वहूसु ठाणेसु जिणपसत्थेसु अवितहेसु सासयभावेसु अवट्ठिएसु संकं कंखं निराकरेत्ता सद्दहते सासणं भगवतो अणियाणे अगारवे अलुद्धे अमूढमणवयणकायगुत्ते ॥ २८ ॥ जो सो वीरवरवयणविरतिपवित्थर-वहुविहप्पकारो सम्मत्तविसुद्धमूलो धितिकंदो विणयवेतितो निग्गततिलोक्कविपुलजस-नि[विड]च्चियपीण[प]पीवरसुजातखंधो पंचमहव्वयविसालसालो भावणतयंतज्झाण-सुभजोगनाणपल्लववरंकुरधरो वहुगुणकुसुमसमिद्धो सीलसुगंधो अणण्हवफलो पुणो य मोक्खवरबीजसारो मंदरगिरिसिहरचूलिका इव इमस्स मोक्खवरमुत्तिमग्गस्स सिहरभूओ संवरवरपादपो चरिमं संवरदारं, जत्थ न कप्पइ गामागरनगरखेडकव्व-डमडंबदोणमुहपट्टणासमगयं च किंचि अप्पं व वहुं व अणुं व थूलं व तसथावरकाय-दव्वजायं मणसावि परिघेत्तुं ण हिर-ण्णसुव-ण्णखेत्तवत्थु न दासीदासभयकपेसहय-गयगवेलगं (च) वा न जाणजुग्गसयणा-सणा-इ ण छत्तकं न कुंडिया न उवाणहा न पेहुणवीयणतालियंटका ण यावि अयतउयतंबसीसककंसरययजातरूवमणिमुत्ताधार-पुडकसंखदंतमणिसिंग(सेस)सेलकायवरचेलचम्मपत्ताइं महरिहाइं परस्स अज्झोव-वायलोभजणणाइं परिग्गहेउं गुणवओ न यावि पुप्फफलकंदमूलादियाइं सणसत्तरसाइं सव्वधन्नाइं तिहिवि जोगेहिं परिघेत्तुं ओसहभेसज्जभोयणट्ठयाए संजएणं, कि कारणं?, अपरिमितणाणदंसणधरेहिं सीलगुणविणयतवसंजमनायकेहिं तित्थयरेहिं सव्वजग-

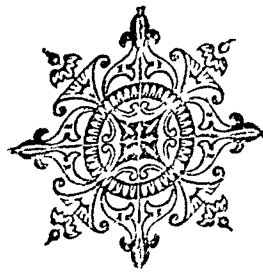
[जी]जीववच्छलेहिं तिलोयमहिएहिं जिणवरिंदेहिं एस जोणी जगा[जंगमा]णं दिट्ठा न कप्पइ जोणिसमुच्छेदोत्ति तेण वज्जंति समणसीहा, जंपिय ओदणकुम्मासगं[जं]जतप्पणमंथुभुज्जियतिलपुप्फपिट्ठसूपसक्कुलिवेढिमवरसरकचुन्नकोसगपिंडसिहरिणिवट्टमोयगखीरदहिसप्पितेल्लगुलखंडमच्छंडियखज्जकवंजणविधिमादिकं पणीयं उवस्सए परघरे व रन्ने न कप्प-ति तंपि सन्निहिं काउं सुविहियाणं, जंपि-य उद्दिट्ठठवियरचियगपज्जवजातं पकिण्णपाउकरणपामिच्चं मीसकजायं कीयकडपाहुडं च दाणट्ठपुन्नपगडं समणवणीमगट्ठयाए व कयं पच्छाकम्मं पुरेकम्मं नि[च्च]तिकम्मं मक्खियं अतिरित्तं मोहरं चेव सयग्गहमाहडं मट्टि[उ]ओवलित्तं अच्छेज्जं चेव अणीसट्ठं जं तं तिहीसु जन्नेसु ऊसवेसु य अंतो व बहिं व होज्ज समणट्ठयाए ठवियं हिंसासावज्जसंपउत्तं न कप्प-ति तंपि-य परिघेत्तुं, अह केरिसयं पुणाइ कप्पति ?, जं तं एक्कारसपिंडवायसुद्धं किणणहणणपयणकयकारियाणुमोयणनवकोडीहिं सुपरिसुद्धं दसहि य दोसेहिं विप्पमुक्कं उग्गमउप्पायणेसणाए सुद्धं ववगयचुयचवियचत्तदेहं च फासुयं ववगयसंजोगमणिंगालं विगयधूमं छट्ठाणनिमित्तं छक्कायपरिरक्खणट्ठा ह[णि]णिं ह-णिं फासुकेण भिक्खेण वट्टियव्वं, जंपि-य समणस्स सुविहियस्स उ रोगायंके बहुप्पकारंमि समुप्पन्ने वाताहिकपित्तसिंभअतिरित्तकुविय तह सन्निवातजाते व उदयपत्ते उज्जलबलविउल[तिउल]कक्खडपगाढदुक्खे असुभकडुयफरुसे चंडफलविवागे महब्भ[ये]ए जीवियंतकरणे सव्वसरीरपरितावणकरे न कप्प-ति तारिसे-वि तह अप्पणो परस्स वा ओसहभेसज्जं भत्तपाणं च तंपि संनिहिकयं, जंपि-य समणस्स सुविहियस्स तु पडिग्गहधारिस्स भवति भायणभंडोवहिउवकरणं पडिग्गहो पादबंधणं पादकेसरिया पादठवणं च पडलाइं तिन्नेव रयत्ताणं च गोच्छओ तिन्नेव य पच्छाका रयोहरणचोलपट्टकमुहणंतकमादीयं एयं-पि-य संजमस्स उववूहणट्ठयाए वायायवदंसमसगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहियं परिहरियव्वं संजएण णिच्चं पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण होइ सततं निक्खिवियव्वं च गिण्हियव्वं च भायणभंडोवहिउव(क)गरणं, एवं से संजते विमुत्ते निस्संगे निप्परिग्गहरुई निम्ममे निन्नेहबंधणे सव्वपावविरते वासीचंदणसमाणकप्पे समतिणमणिमुत्तालेट्ठुकंचणे समे य माणावमाणणाए समियरते समितरागदोसे समिए समितीसु सम्म(द्दि)दिट्ठी समे य जे सव्वपाणभूतेसु से हु समणे सुयधारते उज्जु[त्ते]ते संजते स साहू सरणं सव्वभूयाणं सव्वजगवच्छले सच्चभासके य संसारंतट्ठिते य संसारसमुच्छिन्ने सततं मरणाणुपारते पारगे य सव्वेसिं संसयाणं पवयणमायाहि अट्ठहि अट्ठकम्मगंठीविमोयके अट्ठमयमहणे ससमयकुसले य भवति सुहदुक्ख-

निव्विसेसे अब्भितरवाहिरंमि सया तवोवहाणंमि य सुट्ठुज्जुते खंते दंते य हिय(थिति)-निरते ईरियासमिते भासासमिते एसणासमिते आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिते उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्ल[प]पारिट्ठावणियासमिते मणगुत्ते वयगुत्ते कायगुत्ते गुत्ति-दिए गुत्तबंभयारी चाई लज्जू धन्ने तवस्सी खंतिखमे जिर्तिदिए सोधिए अणियाणे अवहिल्लेस्से अममे अकिंचणे छिन्न(सोए)-न्गंथे निरुवलेवे सुविमलवरकंसभायणं व मुक्कतोए संखेविव निरंजणे विगयरागदोसमोहे कुम्मो इव इंदिएसु गुत्ते जच्चकंचणगं व जायरूवे पोक्खरपत्तं व निरुवलेवे चंदो इव सोम(भाव)याए सूरो-व्व दित्ततेए अचले जह मंदरे गिरिवरे अक्खोभे सागरो व्व थिमिए पुढवी-व सव्वफाससहे तवसा च्चिय भासरासिछन्निव्व जाततेए जलियहुयासणो विव तेयसा जलंते गोसीसचंदणं-पिव सीयले सुगंधे य हर(ए)यो विव समिय(ता)भावे उग्घोसियसुनिम्मलं व आयंसमंडलतलं व पागडभावेण सुद्धभावे सोंडीरे कुंजरोव्व वसभेव्व जायथामे सीहे वा जहा मिगाहिवे होति दुप्पधरिसे सारयसलिलं व सुद्धहिय(ये)ए भारंडे चेव अप्पमत्ते खग्गिविसाणं व एगजाते खाणुं चेव उड्ढकाए सुन्नागारेव्व अप्पडिकम्मे सुन्नागारावणस्संतो निवायसरणप्पदीपज्झाणमिव निप्पकपे जहा खुरो चेव एगधारे जहा अही चेव एगदिट्ठी आगासं चेव निरालंबे विहगे विव सव्वओ विप्पमुक्के कयपरनिलए जहा चेव उरए अप्पडिवद्धे अनिलोव्व जीवोव्व अप्पडिहयगती गामे गामे ए[ग]करायं नगरे नगरे य पंचरायं दूइज्जंते य जिर्तिदिए जितपरीसहे निब्भओ वि(सुद्धो)ऊ सच्चित्ताचित्तमीसकेहिं दव्वेहिं विरायं गते संचयातो विरए मुत्ते लहुके निरवकंखे जीवियमरणासविप्पमुक्के निस्संधि निव्वणं चरित्तं धीरे काएण फासयंते सततं अज्झप्प(ज)झाणजुत्ते निहुए एगे चरेज्ज धम्मं । इमं च परिग्गह-वेरमणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभाविकं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विओसमणं तस्स इमा पंच भावणाओ चरिमस्स वयस्स होंति परिग्गहवेरमणरक्खणट्ठयाए–पढमं सोइंदिएण सोच्चा सद्दाइं मणुन्नभद्दगाइं, किं ते ?, वरमुरयमुइंगपणवदद्दुरकच्छभिवीणाविपंची-वल्लयिवद्धीसकसुघोसनंदिसूसरपरिवादिणिवंसतूणकपव्वकतंतीतलतालतुडियनिग्घोस-गीयवाइयाइं नडनट्टकजल्लमल्लमुट्ठिकवेलंवककहकपवकलासगआइक्खकलंखमंखतूण-इल्लतुववीणियतालायरपकरणाणि य वहूणि महुरसरगीतसुस्सराति कंचीमेहलाकलाव-पत्तरकपहेरकपायजालगघंटियखिंखिणिरयणोरुजालियछु[द्दि]ड्डियनेउरचलणमालिय-कणगनियलजालभूसणसद्दाणि लीलचंकम्ममाण णूदीरियाइं तरुणीजणहसियभणिय-कलरिभितमंजुलाइं गुणवयणाणि व वहूणि महुरजणभासियाइं अन्नेसु य एवमादिएसु-

सद्देसु मणुन्नभद्दएसु ण तेसु समणेण सज्जियव्वं न रज्जियव्वं न गिज्झियव्वं न मुज्झियव्वं न विनिग्घायं आवज्जियव्वं न लुभियव्वं न तुसियव्वं न हसियव्वं न सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि सोइंदिएण सोच्चा सद्दाइं अमणुन्नपावकाइं, किं ते ?, अक्कोसफरुसखिंसणअवमाणणतज्जणनिब्भंछणदित्तवयणतासणउक्कूजियरुन्नरडियकंदियनिग्घुट्ठरसियकलुणविलवियाइं अन्नेसु य एवमादिएसु सद्देसु अमणुण्णपावएसु न तेसु समणेण रूसियव्वं न हीलियव्वं न निंदियव्वं न खिंसियव्वं न छिंदियव्वं न भिं[भि]दियव्वं न वहेयव्वं न दुगुंछावत्तियाए लब्भा उप्पाएउं, एवं सोतिंदियभावणाभावितो भवति अंतरप्पा मणुन्नाऽमणुन्नसुब्भिदुब्भिरागदोसप्पणिहियप्पा साहू मणवयणकायगुत्ते संवुडे पणिहितिंदिए चरेज्ज धम्मं । बितियं चक्खिंदिएण पासिय रूवाणि मणुन्नाइं भद्दकाइं सचित्ता[ऽ]चित्तमीसकाइं कट्ठे पोत्थे य चित्तकम्मे लेप्पकम्मे सेले य दंतकम्मे य पंचहिं वण्णेहिं अणेगसंठाणसं(थि)ठियाइं गं[थि]ठिमवेढिमपूरिमसंघातिमाणि य मल्लाइं बहुविहाणि य अहियं नयणमणसुहकराइं वणसंडे पव्वते य गामागरनगराणि य खुद्दियपुक्खरिणिवावीदीहियगुंजालियसरसरपंतियसागरविलपंतियखादियनदीसरतलागवप्पिणीफुल्लुप्पलपउमपरिमंडियाभिरामे अणेगसउणगणमिहुणविचरिए वरमंडवविविहभवणतोरणसभप्पवावसहसुकयसयणासणसीयरहसयडजाणजुग्गसंदणनरनारिगणे य सोमपडिरूवदरिसणिज्जे अलंकितविभूसिते पुव्वकयतवप्पभावसोहग्गसंपउत्ते नडनट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलंवगकह[क]गपवगलासगआइक्खगलंखमंखतूणइल्लतुंबवीणियतालायरपकरणाणि य बहूणि सुकरणाणि अन्नेसु य एवमादिएसु रूवेसु मणुन्नभद्दएसु न तेसु समणेण सज्जियव्वं न रज्जियव्वं जाव न सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि चक्खिंदिएण पासिय रूवाइं अमणुन्नपावकाइं, किं ते ?, गंडिकोढिककुणिउदरिकच्छुल्लपइल्लकुज्जपंगुलवामणअंधिल्लगएगचक्खुविणिहयसप्पिसल्लगवाहिरोगपीलियं विगयाणि य मयकक्लेवराणि सकिमिणकुहियं च दव्वरासिं अन्नेसु य एवमादिएसु अमणुन्नपावतेसु न तेसु समणेण रूसियव्वं जाव न दुगुंछावत्तियावि लब्भा उप्पातेउं, एवं चक्खिंदियभावणाभावितो भवति अंतरप्पा जाव चरेज्ज धम्मं । ततियं घाणिंदिएण अग्घाइय गंधाति मणुन्नभद्दगाइं, किं ते ?, जलयथलयसरसपुप्फफलपाणभोयणकुट्ठतगरपत्तचोददमणकमरुयएलारसपिक्कमंसिगोसीससरसचंदणकप्पूरलवंगअगरकुकुम्मकक्कोलउसीरसेयचंदणसुगन्धसारंगजुत्तिवरधूववासे उउयपिंडिमणिहारिमगंधिएसु अन्नेसु य एवमादि-ए-सु गंधेसु मणुन्नभद्दएसु न तेसु समणेण सज्जियव्वं जाव न सतिं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि घाणिंदिएण अग्घातिय गंधाणि अमणुन्न-

पावकाइं, किं ते ?, अहिमडअस्समडहत्थिमडगोमडविगडुणगसियालमणुयमज्जार-सीहदीवियमयकुहियविणट्ठकिविणवहुदुरभिगंधेसु अन्नेसु य एवमादि-ए-सु गंधेसु अमणुन्नपावएसु न तेसु समणेण रूसियव्वं जाव पणिहियपंचिंदिए चरेज्ज धम्मं । चउत्थं जिब्भिंदिएण साइय रसाणि उ मणुन्नभद्दकाइं, किं ते ?, उग्गाहिमविविहपाणभोयणगुलकयखंडकयतेल्लघयकयभक्खेसु वहुविहेसु लवणरस-संजुत्तेसु निट्ठाणगदालियंवसेहंवदुद्धदहिसायबहुप्पगारेसु भोयणेसु य मणुन्नवन्नगंधरस-फासवहुदव्वसंभितेसु अन्नेसु य एवमादिएसु रसेसु मणुन्नभद्दएसु न तेसु समणेण सज्जियव्वं जाव न सइं च मतिं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि जिब्भिंदिएण सायिय रसातिं अमणुन्नपावगाइं, किं ते ?, अरसविरससीयलुक्खणिज्जप्पपाणभोयगाइं दोसीणअमणुन्नाइं तित्तकडुयकसायअंविलरसलिंडनीरसाइं अन्नेसु य एवमा(ति)इएसु रसेसु अमणुन्नपावएसु न तेसु समणेण रूसियव्वं जाव चरेज्ज धम्मं । पंचमगं -परावेक्खाए-फासिंदिएण फासिय फासाइं मणुन्नभद्दकाइं, किं ते ?, दगमंडवहार-सेयचंदणसीयलविमलजलविविहकुसुमसत्थरओसीरमुत्तियमुणालदोसिणापेहुणउक्खे-वगतालियंटवीयणगजणियसुहसीयले य पवणे गिम्हकाले सुहफासाणि य वहूणि सयणाणि आसणाणि य पाउरणगुणे य सिसिरकाले अंगारपतावणा य आयवनिद्ध-मउयसीयउसिणलहुया य जे उदुसुहफासा अंगसुहनिव्वुइकरा ते अन्नेसु य एवमादि-तेसु फासेसु मणुन्नभद्दएसु न तेसु समणेण सज्जियव्वं न रज्जियव्वं न गिज्झियव्वं न मुज्झियव्वं न विणिग्घायं आवज्जियव्वं न लुभियव्वं न अज्झोववज्जियव्वं न तूसियव्वं न हसियव्वं न सतिं च मतिं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि फासिंदिएण फासिय फासातिं अमणुन्नपावकाइं, किं ते ?, अणेगवधवंधतालणंकणअतिभारारोवणए अंग-भंजणसूतीनखप्पवेसगायपच्छणणलक्खारसखारतेल्लकलकलंततउअसीसककाललोह-सिंचणहडिवंधणरज्जुनिगलसंकलहत्थंडुयकुंभिपाकदहणसीहपुच्छणउव्वंधणसूलभेय-गयचलणमलणकरचरणकन्ननासोट्ठसीसछेयणजिब्भंछणवसणनयणहिय[य]यंतदंतभं-जणजोत्तलयकसप्पहारपादपण्हिजाणुपत्थरनिवायपीलणकविकच्छुअगणिविच्छुयडक्क-वायातवदंसमसकनिवाते दुट्ठणिसज्जदुनिसीहियदुब्भिकक्खडगुरुसीयउसिणलुक्खेसु वहुविहेसु अन्नेसु य एवमाइएसु फासेसु अमणुन्नपावकेसु न तेसु समणेण रूसियव्वं न हीलियव्वं न निंदियव्वं न गरहियव्वं न खिंसियव्वं न छिंदियव्वं न भिंदियव्वं न वहेयव्वं न दुगुंछावत्तियं च लब्भा उप्पाएउं, एवं फासिंदियभावणाभावितो भवति अंतरप्पा मणुन्नामणुन्नसुब्भिदुब्भिरागदोसपणिहियप्पा साहू मणवयणकायगुत्ते संवुडे पणिहितिंदिए चरिज्ज धम्मं। एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ

सुप्पणिहियं इमेहिं पंचहि-वि कारणेहिं मणवयकायपरिरक्खिएहिं निच्चं आमरणंतं च एस जोगो नेयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुन्नातो, एवं पंचमं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं तीरियं किट्टियं अणुपालियं आणाए आराहियं भवति, एवं नायमुणिणा भगवया पन्नवियं परूवियं पसिद्धं सिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवियं सुदेसियं पसत्थं पंचमं संवरदारं समत्तंतिबेमि। एयाति वयाइं पंचवि सुव्वयमहव्वयाइं हेउसयविचित्त-पुक्कलाइं कहियाइं अरिहंतसासणे पंच समासेण संवरा वित्थरेण उ पणवीसतिस-मियसहियसंवुडे सया जयणघडणसुविसुद्धदंसणे एए अणुचरियसंजते चरमसरीरधरे भविस्सतीति ॥ २९ ॥ पण्हावागरणे णं एगो सुयक्खंधो दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जंति एगंतरेसु आयंबिलेसु निरुद्धेसु आउत्तभत्तपाणएणं अंगं जहा आयारस्स ॥ ३० ॥



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

विवागसुयं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था वण्णओ, (० चं० ण० उ०-दि० एत्थ णं) पुण्णभद्दे (णा०) उज्जाणे (हो० व०) ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मे-नामं अणगारे जाइसंप-न्ने वण्णओ चउ(द)द्दसपुव्वी चउनाणोवगए पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं जाव जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, परिसा निग्गया धम्मं सोच्चा निसम्म जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडि-गया, तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्म(स्स)अंतेवासी अज्जजंबू-नामं अणगारे सत्तुस्सेहे जहा गोयमसामी तहा जाव झाणकोट्ठो[वगए] विहरइ, तए णं अज्ज-जंबू-ना(मे)मं अणगारे जायसड्ढे जाव जेणेव अज्जसुहम्मे अणगारे तेणेव उवागए तिक्खुत्तो आयाहि(णं)णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पज्जुवासइ, [२] एवं वयासी—जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं दसमस्स अंगस्स पण्हावागरणाणं अयमट्ठे प-न्नत्ते, एक्कारसमस्स णं भंते! अंगस्स विवागसुयस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प-न्नत्ते ?, तए णं अज्जसुहम्मे अणगारे जं(बू)बुं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अंगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा प-न्नत्ता, तं०—दुहविवागा य सुहविवागा य, जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अंगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा पन्नत्ता, तं०—दुहविवागा य सुहविवागा य, पढमस्स णं भंते! सुयक्खंधस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं (के) कइ अ(ट्ठे)ज्झयणा प-न्न(त्ते)त्ता ?, तए णं अज्जसुहम्मे अणगारे जं-बुं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू! समणेणं० आइगरेणं तित्थगरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दस अज्झयणा प-न्नत्ता, तं०—'मियापुत्ते य उज्झियए अभग्ग सगडे व(व)हस्सई नंदी। उंबर सोरियदत्ते य देवदत्ता य अंजू य ॥ १ ॥' जइ णं भंते! समणेणं० आइगरेणं तित्थ(य)गरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दस अज्झयणा प-न्नत्ता,

तं०-सियापुत्ते य जाव अंजू य, पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते ?, तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबुं अणगारं एवं वयासी-एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं मिय[ग]गामे नामं नयरे होत्था वण्णओ, तस्स णं मियगामस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुर(च्छि)त्थिमे दिसीभाए चंदणपायवे नामं उज्जाणे होत्था सव्वोउय....वण्णओ, तत्थ णं मियग्गामे नयरे विजए-नामं खत्तिए राया परिवसइ वण्णओ, तस्स णं विजयस्स खत्तियस्स मिया-नामं देवी होत्था अहीण....वण्णओ, तस्स णं विजयस्स खत्तियस्स पुत्ते मियाए देवीए अत्तए मियापुत्ते-नामं दारए होत्था जाइअंधे जाइमूए जाइबहिरे जाइपंगुले (य) हुंडे य वायव्वे य, नत्थि णं तस्स दारगस्स हत्था वा पाया वा कण्णा वा अच्छी वा नासा वा, केवलं से तेसिं अंगोवंगाणं आ(ग)गिई आगिइ(मि)मेत्ते, तए णं सा मिया-देवी तं मियापु(त्त)त्तं दारगं रहस्सियंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागरमाणी २ विहरइ ॥ २ ॥ तत्थ णं मि(या)यग्गामे नयरे एगे जाइअंधे पुरिसे परिवसइ, से णं एगेणं सचक्खुएणं पुरिसेणं पुरओदंडएणं पग(ढि)ड्ढिज्जमाणे २ फुट्टहडाहडसीसे मच्छियाचडगरपहकरेणं अन्निज्जमाणमग्गे मि-यग्गामे नयरे गे(गि)हे २ कालुणवडियाए वित्तिं कप्पेमाणे विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसरिए जाव परिसा निग्गया । तए णं से विजए खत्तिए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जहा कू(को)णिए तहा निग्गए जाव पज्जुवासइ, तए णं से जाइअंधे पुरिसे तं म(हा)हया जणसद्दं जाव सुणेत्ता तं पुरिसं एवं वयासी-किं णं देवाणुप्पिया ! अज्ज मियग्गामे नयरे इंदमहे-इ वा जाव निग्गच्छइ ?, तए णं से पुरिसे तं जाइअंधपुरिसं एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया ! इंदमहे-इ वा जाव निग्गच्छइ, एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे जाव विहरइ, तए णं एए जाव निग्गच्छंति, तए णं से अंधपुरिसे तं पुरिसं एवं वयासी-गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! अम्हे-वि समणं भगवं जाव पज्जुवासामो, तए णं से जाइअं(ध)धे पुरिसे [तेणं] पुरओ-दंडएणं [पुरिसेणं] पगड्ढिज्जमाणे २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागए (२ त्ता) तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे विजयस्स खत्तियस्स तीसे य० धम्ममाइक्खइ(०) जाव परिसा (जाव) पडिगया, विजए-वि गए ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभू(ति)ई नामं अणगारे जाव विहरइ, तए णं से भगवं (२) गोयमे तं जाइअंधपुरिसं पासइ २ त्ता जायसड्ढे जाव एवं वयासी-अत्थि णं भंते ! के(ई)इ

पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे ? हंता अत्थि, क[हं]हि णं भंते ! से पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे ? एवं खलु गोयमा ! इहेव मियग्गामे नयरे विजयस्स खत्तियस्स पुत्ते मियादेवीए अत्तए मियापुत्ते नामं दारए जाइअंधे जाइअंधारूवे, नत्थि णं तस्स दारगस्स जाव आ-गिइ-मेत्ते, तए णं सा मियादेवी जाव पडिजागरमाणी २ विहरइ, तए णं से भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणु-न्नाए समाणे मियापुत्तं दार(यं)गं पासित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया !, तए णं से भगवं गोयमे समणेणं भग-वया महावीरेणं अब्भणु-न्नाए समाणे ह(ट्ठे)ट्ठतुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता अतुरियं जाव सोहेमाणे (२) जेणेव मि-यग्गामे नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मि-यग्गामं नयरं मज्झंमज्झे(ण)गं जेणेव मिया(ए)-देवीए गि(गे)हे तेणेव उवाग(च्छइ)ए, तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ जाव एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किमागमण-[प]प(यो)ओयणं ?, तए णं [से] भगवं गोयमे मियादेविं एवं वयासी–अहं णं देवा-णुप्पि(या)ए ! तव पुत्तं पासिउं हव्वमागए, तए णं सा मियादेवी मियापुत्तस्स दार-(य)गस्स अणुमग्गजायए चत्तारि पुत्ते सव्वालंकारविभूसिए करेइ २ त्ता भग(वं)वओ गोयमस्स पाएसु पाडेइ २ त्ता एवं वयासी–एए णं भंते ! मम पुत्ते पासह, तए णं से भगवं गोयमे मि(यं)यादे(वीं)विं एवं वयासी–नो खलु देवा० अहं एए तव पुत्ते पासिउं हव्वमागए, तत्थ णं जे से तव जेट्ठे (पु०) मियापुत्ते दारए जाइअंधे जाइअंधारूवे जं णं तुमं रहस्सियंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागर-माणी २ विहरसि तं णं अहं पासिउं हव्वमागए, तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एवं वयासी–से के णं गोयमा ! से तहारूवे नाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एसमट्ठे मम ताव रह(स्सि)स्सीकए तुब्भं हव्वमक्खाए जओ णं तुब्भे जाणह ?, तए णं भगवं गोयमे मियादे-वि एवं वया(सि)सी–एवं खलु देवाणु-प्पिए ! मम धम्मायरिए समणे भगवं महावीरे (जाव) जओ णं अहं जाणामि, जावं च णं मियादेवी भगवया गोयमेण सद्धिं एयमट्ठं संलवइ तावं च णं मियापुत्तस्स दारगस्स भत्तवेला जाया यावि होत्था, तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एवं वयासी–तुब्भे णं भंते ! इ(ह)हं चेव चिट्ठह जा णं अहं तुब्भं मियापुत्तं दार-गं उव-दंसेमित्तिकट्टु जेणेव भत्तपाणघ(रए)रे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वत्थपरिय(ट्टं)ट्टयं करेइ २ [त्ता] कट्ठसगडियं गिण्हइ २ [त्ता] वि(पु)उलस्स असणपाणखाइमसाइमस्स भरेइ २ [त्ता] तं कट्ठसगडियं अणुकड्ढमाणी २ जे(णे)णामेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ

२ त्ता भगवं गोयमं एवं वयासी-एह णं तुब्भे भंते ! म(मं)म अणुगच्छह जा णं अहं तुब्भं मियापुत्तं दार-गं उवदंसेमि, तए णं से भगवं गोयमे मि-यादेविं पिट्ठओ समणुगच्छइ, तए णं सा मियादेवी तं कट्ठसगडियं अणुकड्ढमाणी २ जेणेव भूमिघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चउप्पुडेणं वत्थेणं णासिगं बंधेइ णासिगं बंधमाणी भगवं गोयमं एवं वयासी-तुब्भे(ऽ)वि णं भंते ! एवं करेह तए णं से भगवं गोयमे मियादेवीए एवं वुत्ते समाणे तहेव करेइ, तए णं सा मियादेवी परंमुही भूमिघरस्स दुवारं विहाडेइ, त(ओ)ए णं गंऽधे निग्गच्छइ से जहा-नामए अहिमडे-इ वा सप्पकडेवरे इ वा जाव तओ(ऽ)वि[य]णं अणिट्ठ-तराए चेव जाव गंधे प-न्नत्ते, तए णं से मियापुत्ते दारए तस्स वि-उलस्स असण-पाणखाइमसाइमस्स गंधेणं अभिभूए समाणे तंसि वि-उलंसि असणपाणखाइम-साइमंसि मुच्छिए० तं वि-उल असणं ४ आसएणं आहारेइ २ त्ता खिप्पामेव विद्धंसेइ २ त्ता तओ पच्छा पूयत्ताए य सोणियत्ताए य परिणामेइ तं-पि-य णं पूयं च सोणियं च आहारेइ, तए णं भगवओ गोयमस्स तं मियापुत्तं दार-गं पासित्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए [५] समुप्पज्जित्था-अहो णं इमे दारए पुरा-पोराणाणं दुच्चिण्णाणं दुप्पडिक्कंताणं असुभाणं पावाणं कडाणं कम्माणं पावगं फलवित्तिविसेसं पच्चणु(ब)भवमाणे विहरइ, २ पच्चक्खं खलु अयं पुरिसे नर-गपडिरूवियं वेयणं वे(एईति)यइत्तिकट्टु मियं देविं आपुच्छइ २ त्ता मियाए देवीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मियग्गामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु (भं०) अहं तुब्भेहिं अब्भणु-न्नाए समाणे मियग्गामं नयरं मज्झंमज्झे-णं अणुप्पविसामि [२] जेणेव मियाए देवीए गि-हे तेणेव उवागए, तए णं सा मियादेवी ममं एज्ज-माणं पासइ २ त्ता हट्ठा तं चेव सव्वं जाव पूयं च सोणियं च आहारेइ, तए णं मम इमे अज्झत्थिए(०) समुप्पज्जित्था-अहो णं इमे दारए पुरा जाव विहरइ ॥ ४ ॥ से णं भंते ! पुरिसे पुव्वभवे के आ(सि)सी [? किं-नामए वा किगोए वा] कयरंसि गामंसि वा नयरंसि वा [?] किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा समायरित्ता केसिं वा पुरा जाव विहरइ ?, गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सयदुवारे नामं नयरे होत्था रिद्ध(त्थ)त्थिमि(ए)य वण्णओ, तत्थ णं सयदुवारे नयरे धणवई नामं राया हो(हु)त्था वण्णओ, तस्स णं सयदुवारस्स नयरस्स अदूरसामंते

किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोससागरोवम(ठि-)ट्ठिइएसु जाव उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता स(सि)री(सि)सवेसु उववज्जिहिइ, तत्थ णं कालं किच्चा दोच्चाए पुढवीए उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं...., से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता पक्खीसु उववज्जिहिइ, तत्थ-वि कालं किच्चा तच्चाए पुढवीए सत्त सागरोवमाइं..., से णं तओ सीहेसु य...., तयाणंतरं (च णं) चो(चउ)त्थीए (पु०) उरगो पंचमी० इत्थी० छट्ठी० मणु(आ-ओ)या० अहे-सत्त(मा)मीए, त(तोऽ)ओ अणंतरं उव्वट्टित्ता से जाइं इमाइं जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मच्छकच्छ(भ)वगाहमगर(सु)सुंसु-मारा(दी)ईणं अ(द्ध)द्धतेरस जाइकुलको(डी)डिजोणिपमुहसयसहस्साइं....तत्थ णं एगमेगंसि जो(णी)णिविहाणंसि अणेगसयसहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता २ तत(थेव)थ भुज्जो २ पच्चायाइस्सइ, से णं तओ उव्वट्टित्ता....एवं चउ(प)पएसु उरपरिसप्पेसु भुयपरिसप्पेसु खहयरेसु चउरिंदिएसु तेइंदिएसु बेइंदिएसु वणप्फइएसु कडुयरुक्खेसु कडुयदुद्धिएसु वा(ऊ)उ० ते-उ० आ-उ० पुढ(वि)वी० अणेगसयसहस्सखुत्तो...., से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता सुपइट्ठपुरे नयरे गोणत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्क जाव अ-न्नया कया-इ पढमपाउसं(मि)सि गंगाए महा-नईए खली(य)णमट्टियं खणमाणे तडीए पेल्लिए समाणे कालगए तत्थेव सुपइ(ट्ठे)ट्ठपुरे नयरे सेट्ठिकुलंसि पु(त्त)मत्ताए पच्चायाइस्सइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे जाव जोव्वणगमणु[प]पत्ते तहारूवाणं थेराणं अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म मुंडे भवित्ता अ(आ)गाराओ अणगारियं पव्वइस्सइ, से णं तत्थ अणगारे भविस्सइ ई(इ)रियासमिए जाव बंभयारी, से णं तत्थ बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्(म)मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइं कुलाइं भवंति अड्ढाइं....जहा दढपइ-न्ने सा चेव वत्तव्वया कलाओ जाव सिज्झिहिइ [५]। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्तेत्तिबेमि ॥ ६ ॥

पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते दोच्चस्स णं भंते! अज्झयणस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प-न्नत्ते?, तए णं से सुहम्मे अणगारे जं-बुं अणगारं एवं वयासी–एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था रि(द्धि)द्धत्थिमियसमिद्धे। तस्स णं वाणियगामस्स (नग०) उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए दूइपलासे नामं उज्जाणे होत्था, तत्थ णं वाणियगामे मित्ते नामं राया होत्था वण्णओ, तस्स णं मित्तस्स र-न्नो

सिरी-नामं देवी होत्था वण्णओ, तत्थ णं वाणियगा(मण०)मे कामज्झया-नामं गणिया होत्था अहीण जाव सुरूवा बावत्त(री)रिकलापंडिया चउसट्ठिगणियागुणोववेया ए(कू)-गूणतीसविसेसे रममाणी एक्कवीसरइगुणप्पहाणा बत्तीसपुरिसोवयारकुसला नवंग-सुत्तपडिबोहिया अट्ठारसदेसीभासाविसारया सिंगारागा(रु)रचारुवेसा गीयरइ(य)-गंधव्व-नट्टकुसला संगयगय० सुंदरथण० ऊसिय(ध)ज्झया सहस्सलंभा विदिण्णछत्त-चामरवालवीयणीया कण्णीरहप्पयाया यावि होत्था, बहूणं गणियाणं आहेवच्चं जाव विहरइ ॥ ७ ॥ तत्थ णं वाणियगामे विजयमित्ते नामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे०, तस्स णं विजयमित्तस्स सुभद्दा-नामं भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं विजयमित्तस्स पुत्ते सुभद्दाए भारियाए अत्तए उज्झियए नामं दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे (जाव) समोस(ड्ढे)ढे परिसा निग्गया राया(वि) जहा कू-णिओ तहा निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा पडिगया राया य गओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभू(इ)ई नामं अणगारे जाव ले[स]से छट्ठंछट्ठेणं जहा पन्नत्तीए पढम जाव जेणेव वाणियगामे [नयरे] तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उच्चनीय''''अडमाणे जेणेव रायमग्गे तेणेव (उ०) ओगाढे, तत्थ णं बहवे हत्थी पासइ संनद्धबद्धवम्मियगुडिय-उप्पीलियकच्छे उद्दामियघंटे नाणामणिरयणविविहगे(वि)वेज्जउत्तरकंचुइज्जे पडि-कप्पिए झयपडागवरपंचामेलआरूढहत्थारोहे गहियाउहप्पहरणे अ-न्ने य तत्थ बहवे आसे पासइ संनद्धबद्धवम्मियगुडिए आविद्धगु(डि)डे ओसारियपक्खरे उत्तरकंचुइय-ओचूलमुहचंडाधरचामरथासगपरिमंडियकडिए आरूढ(अस्)आसारोहे गहियाउह-प्पहरणे अन्ने य तत्थ बहवे पुरिसे पासइ संनद्धबद्धवम्मियकवए उप्पीलियसरा-सणप(ट्टी)ट्टिए पि(णि)णद्धगेवेज्जे विमलवरबद्धचिंधपट्टे गहियाउहप्पहरणे, तेसिं च णं पुरिसाणं मज्झगयं (एगं) पुरिसं पासइ अव(उ)ओड(ग)यबंधणं उक्कित्तकण्ण-नासं नेहतुप्पियगत्तं वज्झक(रक)क्खडियजुय-नियत्थं कंठेगुणरत्तमल्लदामं चुण्णगुंडिय-(गायं)गत्तं चुण्णयं व[ब]ज्झपाण(पी)पियं तिलंतिलं चेव छिज्जमाणं का(क-णी)-गणिमंसाइं खावियंतं पावं खक्खरगसएहिं हम्ममाणं अणेग-नर-नारीसंपरिवुडं चच्चरे चच्चरे खंडपडहएणं उग्घोसिज्जमाणं, इमं च णं एयारूवं उग्घोसणं पडिसुणेइ-नो खलु देवा० ! उज्झियगस्स दारगस्स केइ राया वा रायपुत्तो वा अवरज्झइ अप्पणो से सयाइं कम्माइं अवरज्झन्ति ॥ ८ ॥ तए णं से भगवओ गोयमस्स तं पुरिसं पासित्ता इमे अज्झत्थिए ५-अहो णं इमे पुरिसे जाव न(णि)रयपडिरूवियं वे(द)यणं वे(दे)एइत्तिकट्टु वाणियगामे नयरे उच्च-नीयमज्झिमकु(ले)लाइं जाव अडमाणे अहापज्जत्तं समु(या)-

दा(गं)णियं गिण्हइ २ त्ता वाणियगा(मं)मे नय(रं)रे मज्झंमज्झेणं जाव पडिदंसेइ, [२] समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं भंते! तु(ज्झे)ब्भे(हि)हिं अब्भणु-न्नाए समाणे वाणियगामं जाव तहेव (नि)वे-एइ, से णं भंते! पुरिसे पुव्वभवे के आ-सी जाव पच्चणु-भवमाणे विहरइ? एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणा-उरे नामं नयरे होत्था रिद्ध०, तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे सुनंदे नामं राया होत्था महया०, तत्थ णं हत्थिणाउरे (ण(य)गरे) वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे गोमंड(वे)वए होत्था अणेगखंभसयस-न्निविट्ठे पासाईए ४, तत्थ णं वहवे न(य)गरगोरूवाणं सणाहा य अणाहा य न-गरगा(वि)वी(उ)ओ य नगरवसभा य न-गरव(लि)लीवद्दा य न-गरपड्डुया-ओ य पउरतणपाणिया निब्भया निरुवसग्गा सुहंसुहेणं परिवसंति, तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे भीमे नामं कूडग्गा(ही)हे होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे। तस्स णं भीमस्स कूडग्गाहस्स उप्पला-नामं भारिया होत्था अहीण०, तए णं सा उप्पला कूडग्गाहिणी अ-न्नया कया(ई)इ आव-न्नसत्ता जाया यावि होत्था, तए णं तीसे उप्पलाए कूड[ग]गाहिणीए तिण(ह)हं मासाणं वहुपडिपुण्णाणं अयमेयारूवे दोहले पाउब्भूए–धन्ना-ओ णं ताओ अम्मयाओ ४ जाव सुलद्धे जम्मजीवि(ए)यफले जाओ णं वहूणं न-गरगो-(रु)रूवाणं सणाहाण य जाव वसभाण य ऊहेहि य थणेहि य वसणेहि य छे-(छ-छि)प्पाहि य ककुहेहि य वहेहि य कण्णेहि य अ(च्छि)च्छीहि य नासाहि य जिब्भाहि य ओ(उ)ट्ठेहि य कंवलेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य परिसुक्केहि य लावणेहि य सुरं च महुं च मेरगं च जाइं च सी(धुं)हुं च पस-न्नं च आसाएमाणीओ विसाएमाणीओ परिभाएमाणीओ परिभुं(ज)जेमाणीओ दोहलं वि(णयं)णेति, तं जइ णं अहमवि वहूणं न-गर जाव विणिज्जामित्तिकट्टु तंसि दोह-लंसि अविणिज्जमाणंसि सुक्का भुक्खा निम्मंसा ओलुग्गा ओ-लुग्गसरीरा नित्तेया दीणविमणवयणा पंडुल्लइयमु(ही)हा ओमंथियनयणवयणकमला जहोइयं पुप्फवत्थगं-घमल्लालंकाराहारं अपरिभुंजमाणी करयलमलिय-व्व कमलमाला ओहय जाव झिया-(य)इ। इमं च णं भीमे कूडग्गाहे जेणेव उप्पला कूडग्गा(ह)हिणी तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता ओहय जाव पासइ २ [त्ता] एवं वयासी–किं णं तु(मे)मं देवाणु-प्पि-ए! ओहय जाव झियासि?, तए णं सा उप्पला भारिया भी(म)मं कूडग्गाहं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! ममं तिण्हं मासाणं वहुपडिपुण्णाणं दोह(ले)ला पाउब्भू(ए)या-ध-न्ना णं ता० जा-ओ णं वहूणं गो० ऊ(ह०)हेहि य जाव

लाव(णए)णेहि य सुरं च ६ आसाएमाणी[ओ]० दोहलं वि(णिं)णेंति, तए णं अहं देवाणुप्पिया ! तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि जाव झियामि। तए णं से भी(म)मे कूडग्गा-हे उप्पलं भारियं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया ! ओहय० झियाहि, अहं णं (तं) तहा करिस्सामि जहा णं तव दोहलस्स संपत्ती भविस्सइ, ताहिं इट्ठाहिं ५ जाव वग्गूहिं समासासेइ, तए णं से भी-मे कूडग्गा-हे अद्धरत्तकालसमयंसि एगे अबीए संनद्ध जाव पहरणे सया(सा)ओ गिहाओ निग्गच्छइ २ [त्ता] हत्थिणाउ(रं)रे नयरे मज्झंमज्झेणं जेणेव गोमंडवे तेणेव उवाग(-२ त्ता)ए बहूणं न-गरगो-रूवाणं जाव वसभाण य अप्पेगइयाणं ऊहे छिंदइ जाव अप्पेगइयाणं कंवले छिंदइ अप्पेगइयाणं अ-न्नम-न्नाणं अंगोवंगाणं वियंगेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उप्पलाए कूडग्गा-हिणीए उवणेइ, तए णं सा उप्पला भारिया तेहिं बहूहिं गोमंसेहि य सोल्ले(सूले)हि य सुरं च [५] आसाएमा० तं दोहलं विणेइ, तए णं सा उप्पला कूडग्गा(ही-)हिणी संपुण्णदोहला संमाणियदोहला विणीयदोहला वोच्छिन्नदोहला संप-न्नदोहला तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ, तए णं सा उप्पला कूडग्गाहिणी अन्नया कया(इं-)इ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दार-गं पयाया ॥ ९ ॥ तए णं तेणं दारएणं जाय-मेत्तेणं चेव महया महया सद्देणं विघुट्ठे विसरे आरसिए, तए णं तस्स दारगस्स आरसियसद्दं सोचा निसम्म हत्थिणाउरे नयरे बहवे न-गरगो-रूवा जाव वसभा य भीया''''उव्विग्गा सव्वओ समंता विप्पलाइत्था, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं नामधेज्जं करेंति, जम्हा णं अम्(हे)हं इमेणं दारएणं जायमेत्तेणं चेव महया महया चिच्चीसद्दे‌णं विघुट्ठे विस्सरे आरसिए तए णं एयस्स दारगस्स आरसि(यं)यसद्दं सोचा निसम्म हत्थिणाउरे बहवे न-गरगो-रूवा जाव भीया ४ सव्वओ समंता विप्पलाइत्था तम्हा णं होउ अम्हं दारए गोत्तासए नामेणं, तए णं से गोत्ता(से)सए दारए उम्मुक्कबालभा० जाए यावि होत्था, तए णं से भी-मे कूडग्गाहे अन्नया कया(इं-इं)इ कालधम्मुणा संजुत्ते, तए णं से गोत्तासे दारए व(हू)हुएणं मित्त-नाइनियगसयणसंबंधिपरि(ज)यणेण सद्धिं संपरिवुडे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे भीमस्स कूडग्गा(हि)हस्स नीहरणं करेइ २ [त्ता] बहूइं लोइयमय(कज्जा)किच्चाइं करेइ, तए णं से सु-नंदे राया गोत्तासं दारयं अन्नया कयाइ सयमेव कूडग्गा-हत्ताए ठा(ठ)वेइ, तए णं से गोत्तासे दारए कूडग्गाहे जाए यावि होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तए णं से गोत्तासे दारए कूडग्गा(हे)हित्ताए कल्लाकल्लिं अद्धर(त्त)त्तियकालसमयंसि एगे अबीए संनद्धबद्धकवए जाव गहि(आ)याउह[प]पहरणे सया-ओ

गिहाओ नि(ज्जा)ग्गच्छइ [२] जेणेव गोमंडवे तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] वहूणं न-गरगो-रूवाणं सणाहाण य जाव वियंगेइ २ त्ता जेणेव सए गे(गि)हे तेणेव उवा-ग(च्छइ)ए, तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे तेहिं वहूहिं गोमंसे(हिं)हि य सोल्लि-हि य.... सुरं च ६ आसाएमाणे विसाएमाणे जाव विहरइ, तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे एय-कम्मे....सुवहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता पंचवाससयाइं परमाउयं पालइत्ता अट्टदुह-ट्टोवगए कालमासे कालं किच्चा दोच्चाए पुढवीए उक्कोसं तिसागरोवमठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए उवव-न्ने ॥ १० ॥ तए णं सा विजयमित्तस्स सत्थवाहस्स सुभद्दा नामं भारिया जाय-निंदुया यावि होत्था जाया जाया दारगा विणिहायमावज्जंति, तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे दोच्चा(ओ)ए पुढवी(ओ)ए अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव वाणिय-गामे नयरे विजयमित्तस्स सत्थवाहस्स सुभद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उव-व-न्ने, तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही अ-न्नया कया(इं)इ नवण्हं मासाणं वहुपडि-पुण्णाणं दार-गं पयाया, तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही तं दारगं जायमेत्तयं चेव एगंते उ(कु)क्कुरुडियाए उज्झावेइ उज्झावेत्ता दोच्चं-पि गिण्हावेइ २ त्ता अ(आ)णुपुव्वेणं सारक्(ख)खेमाणी संगोवेमाणी संवड्ढेइ, त-ए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो ठिइवडियं [च] चंदसूरदंस(णियं)णं च जागरियं [च] महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं करेंति, त-ए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो ए(इ)क्कारसमे दिवसे निव्वत्ते संपत्ते वार(साहे)समे दिवसे इममेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति, जम्हा णं अम्हं इमे दारए जाय-मेत्तए चेव एगंते उक्कुरुडियाए उज्झिए तम्हा णं होउ अम्हं दारए उज्झियए नामेणं, तए णं से उज्झियए दारए पंचधाईपरिग्ग(ही)हिए तं० खीरधाईए (१) मज्जणधाईए (२) मंडणधाईए (३) कीलावणधाईए (४) अंकधाईए (५) जहा दढपइ न्ने जाव निव्वाघाए गिरिकंदरमल्लीणे [वि]व चंप-गपायवे सुहंसुहेणं विहरइ, तए णं से विजयमित्ते सत्थवाहे अ-न्नया कया-इ गणिमं च १ धरिमं च २ मेज्जं च ३ पारिच्छेज्जं च ४ चउव्विहं भंडगं गहाय लवणसमुद्दं पोयवहणे(णं)ण उवागए, तए णं से विजयमित्ते तत्थ लवणसमुद्दे पोय-विवत्तीए नि[व्व]वुड्डभंडसारे अत्ताणे असरणे कालधम्मुणा संजुत्ते, तए णं तं विजयमित्तं सत्थवाहं जे जहा वहवे ईसरतलवरमाडंबियकोडुंवियइब्भसेट्ठिसत्थवाहा लवणसमुद्दे पोयविवत्तीए छूढं निव्वुड्डभंडसारं कालधम्मुणा संजुत्तं सुणेंति ते तहा हत्थ-निक्खेवं च वाहिरभंडसारं च गहाय एगं(तं)ते अवक्कमंति। तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही विजयमित्तं सत्थवाहं लवणसमुद्दे पोयविवत्तीए निव्वुड्ड० कालधम्मुणा संजुत्तं सुणेइ २ त्ता महया पइसोएणं अप्फु-न्ना समाणी परसु-नियत्ता-विव चंपगलया

धस-त्ति धरणीयलंसि सव्वंगे(हिं)ण संनि(प)वडिया, तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही मुहुत्तंतरे-ण आसत्था समाणी बहूहिं मित्त जाव परिवुडा रोयमाणी कंदमाणी विलवमाणी विजयमित्तसत्थवाहस्स लोइयाइं मयकिच्चाइं करेइ, तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही अ-न्नया कया-इ लवणसमुद्दोत्तरण च लच्छिविणासं च पोयविणासं च पइमरणं च अणुचिं(त)तेमाणी २ कालधम्मुणा संजुत्ता ॥ ११ ॥ तए णं ते न-गर-गुत्तिया सुभद्दं सत्थवा(हं)हिं कालगयं जाणित्ता उज्झियगं दारगं सया-ओ गिहाओ निच्छुभंति निच्छुभित्ता तं गिहं अ-न्नस्स दलयंति, तए णं से उज्झियए दारए सयाओ गिहाओ निच्छूढे समाणे वाणियगामे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु जूय-(ख)खेलएसु वेसियाघ-रेसु पाणागारेसु य सुहंसुहेणं परिवड्ढइ, तए णं से उज्झियए दारए अणोह[ट्टि]ट्टए अणिवारिए सच्छंदमई सइर[प]पयारे मज्जप्पसंगी चोरजूयवेसदारप्पसंगी जाए यावि होत्था, तए णं से उज्झियए अ-न्नया कया-इ कामज्झयाए गणियाए सद्धिं संपलग्गे जाए यावि होत्था, कामज्झयाए गणियाए सद्धिं विउलाइं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, तए णं तस्स विजयमित्तस्स र-न्नो अ-न्नया कया-इ सिरीए देवीए जो(णी)णिसूले पाउब्भूए यावि होत्था, नो संचाएइ विजयमित्ते राया सि(रि)रीए देवीए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए, तए णं से विजयमित्ते राया अ-न्नया कया-इ उज्झियदारयं कामज्झयाए गणियाए गिहाओ निच्छुभावेइ २ त्ता कामज्झयं गणियं अब्भिंतरियं ठावेइ २ त्ता कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तए णं से उज्झियए दारए कामज्झयाए गणियाए गिहाओ निच्छुभेमाणे कामज्झयाए गणियाए मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोवव-न्ने अ-न्नत्थ कत्थइ सुइं च रइं च धिइं च अविंदमाणे तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तयप्पियकरणे तब्भावणाभाविए कामज्झयाए गणियाए बहूणि अंतराणि य छि(द्दा)ड्डाणि य विवराणि य पडिजागरमाणे २ विहरइ, तए णं से उज्झियए दारए अ-न्नया कया-इ कामज्झयं गणियं अंतरं ल(भे)ब्भेइ, [२] कामज्झयाए गणियाए गिहं रहसियं अणुप्पविसइ २ त्ता कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। इमं च णं मित्ते राया ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए मणुस्सवागुरा(ए)परि[खि]क्खित्ते जेणेव कामज्झयाए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तत्थ णं उज्झियए दारए कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं जाव विहरमाणं पासइ २ त्ता आसुरुत्ते [४] तिवलियभिउडिं नि(लाडे)डाले साहट्टु उज्झिय-गं दार-गं पुरिसेहिं गिण्हावेइ २ त्ता अट्ठिमुट्ठिजाणुकोप्परपहारसंभग्गमहियगत्तं करेइ

२ त्ता अव-ओड-यवंधणं करेइ २ त्ता एएणं विहाणेणं वज्झं आणावेइ, एवं खलु गोयमा! उज्झियए दारए पुरापोराणाणं कम्माणं जाव पच्चणु-भवमाणे विहरइ ॥ १२ ॥ उज्झियए णं भंते! दारए इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहि० कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! उज्झियए दारए पणवीसं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सूलीभि-न्ने कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्व-ट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले वा-णरकुलंसि वाणरत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे तिरियभो(ए)गेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोवव-न्ने जाए जाए वा-णरपेल्लए वहेइ तं एयकम्मे [एयप्पहाणे एयविज्जे एय-समुदायारे] कालमासे कालं किच्चा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भार(ह)हे वासे इंदपुरे नयरे गणियाकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, तए णं तं दार(गं)यं अम्मापियरो जाय(सि)मेत्तकं वद्धेहिंति नपुंसगकम्मं सिक्खावेहिंति, तए णं तस्स दार-यस्स अम्मापियरो निव्वत्तबारसाहस्स इमं एयारूवं नामधेज्जं क(रेहि)रेंति तं०–हो(ऊ)उ णं [अम्हं इमे दारए] पियसेणे नामं नपुंसए, तए णं से पियसेणे नपुंसए उम्मुक्कबालभावे जोव्वण-गमणुप्पत्ते विण्(णा)णयपरिणय-मेत्ते रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठे उक्किट्ठसरीरे भविस्सइ, तए णं से पियसेणे नपुंसए इंदपुरे नयरे बहवे राईसर जाव पभि(इ-य)ईओ बहूहि य विज्जाप[यो]ओगेहि य मंतचुण्णेहि य हियउड्डावणाहि य निण्हवणेहि य पण्हवणेहि य वसीकरणेहि य आभि-ओगिएहि य अभि-ओगित्ता उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरिस्सइ, तए णं से पियसेणे नपुं-सए एयकम्मे० सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता ए-क्कवीसं वाससयं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, त(ओ)-त्तो सरीस(सिरिसि)वेसु सुंसुमारे तहेव जहा पढमो जाव पुढवि० से णं तओ अणं-तरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे चंपाए नयरीए महिसत्ताए पच्चाया-हिइ, से णं तत्थ अ-न्नया कया-इ गोट्ठिल्लएहिं जीवि(आ)याओ ववरोविए समाणे तत्थेव चंपाए नयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबाल-भावे तहारूवाणं थेराणं अंतिए केवलं बोहिं····अणगारे सोहम्मे कप्पे जहा पढमे जाव अंतं करेहिइ ॥ निक्खेवो ॥ १३ ॥ **बिइयं अज्झयणं समत्तं** ॥

तच्चस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं पुरिमताले नामं नयरे होत्था रिद्ध०, तस्स णं पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए एत्थ णं अमोहदंसणे उज्जाणे होत्था, तत्थ णं पुरिमताले (ण०) म(ह०)हाबले नामं

राया होत्था, तत्थ णं पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए देसप्पंते अडवी संठिया, एत्थ णं साला-नामं अडवी-चोरपल्ली होत्था विसमगिरिकंदरकोलं-बसं-निविट्ठा वंसीकलंकपागारपरिक्खित्ता छि-न्नसेलविसमप्पवायफरिहोवगूढा अब्भि-तरपाणीया सुदुल्लभजलपेरंता अणेगखंडी-विदियजणदि-न्ननिग्गम[प्प]पवेसा सुवहुय-स्स-वि कुवियस्स जणस्स दुप्पहंसा यावि होत्था, तत्थ णं सालाडवीए चोरपल्लीए विजए नामं चोरसेणावई परिवसइ अहम्मिए जाव (हणछिन्नभिन्नवियत्तए) लोहिय-पाणी बहु-नयर-निग्गयजसे सूरे दढप्पहारे साहसिए सद्दवेही परिवसइ (अहम्मिए०) असिलट्ठिपढममल्ले, से णं तत्थ सालाडवीए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाणं आहेवच्चं जाव विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से विजए चोरसेणावई बहूणं चोराण य पारदारि-याण य गंठिभेयाण य संधिच्छेयाण य खंडपट्टाण य अ-न्नेसिं च बहूणं छि-न्नभि-न्न-बाहिराहियाणं कुडंगे यावि होत्था, तए णं से विजए चोरसेणावई पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमिल्लं जणवयं बहूहिं गामघाएहि य न-गरघाएहिं य गोग्गह-णेहि य वंदिग्गहणेहिं य पंथकोट्टेहि य खत्तखणणेहि य ओ-वीलेमाणे (२) विद्धंसे-माणे तज्जेमाणे तालेमाणे नित्थाणे निद्धणे निक्कणे कप्पायं करेमाणे विहरइ, महब्ब-लस्स र-न्नो अभिक्खणं २ कप्पायं गे-ण्हइ, तस्स णं विजयस्स चोरसेणावइस्स खंदसि(रि-)री नामं भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं विजयचोरसेणावइस्स पुत्ते खंदसिरीए भारियाए अत्तए अभग्गसेणे नामं दारए होत्था अहीणपुण्णपं(चें)-चिंदियसरीरे वि(ण्णा)न्नयपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणु-पत्ते । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुरिमताले नयरे (जे० अ० उ० ते०) समोसढे परिसा निग्गया राया निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा राया य पडिगओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी गोयमे जाव रायमग्गं समोगाढे, तत्थ णं बहवे हत्थी पासइ बहवे आसे पुरिसे संनद्धवद्धकवए ते(सि)सिं णं पुरिसाणं मज्झगय एगं पुरिसं पासइ अव-ओडय जाव उग्घो(से)सि-ज्जमाणं, तए णं तं पुरिसं रायपुरिसा पढमं(मि)सि चच्चरंसि नि(सि)सीया(विं)वेंति २ त्ता अट्ठ चुल्ल[प्पिय]पिउए अग्गओ घाएंति २ [त्ता] कसप्पहारेहि तालेमाणा २ कलुणं का-गणिमंसाइं खावेंति खावेत्ता रुहिरपा(णी)णियं च पा(यं)एंति तयाणंतरं च णं दोच्चंसि चच्चरंसि अट्ठ चुल्ल(लहु)माउयाओ अग्गओ घा-एंति एवं तच्चे चच्चरे अट्ठ महापिउए चउत्थे अट्ठ महामाउयाओ पंचमे पुत्ते छट्ठे सुण्हा सत्तमे जामा-उया अट्ठमे धूयाओ नवमे नत्तुया दसमे नत्तुईओ एक्कारसमे नत्तुयावई वारसमे नत्तुइणीओ तेरसमे पिउस्सियपइया चो(चउ)द्दसमे पिउसियाओ प-न्नरसमे माउ-

सियापइया सोलसमे माउ(स्सि)सियाओ सत्तरसमे मा(सि)मियाओ अट्ठारसमे अव-सेसं मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरि-यणं अग्गओ घा-एंति २ त्ता कसप्पहारेहिं तालेमाणा २ कलुणं का-गणिमंसाइं खावेंति [२] रुहिरपा-णियं च पाएंति ॥ १५ ॥ तए णं से भगवं गोयमे तं पुरिसं पा(स)सेइ २ त्ता इमे ए(अयमे)यारूवे अज्झ-त्थिए (पत्थिए) समुप्प-न्ने जाव तहेव निग्गए एवं वया-सी-एवं खलु अहं णं भंते ! तं चेव जाव से·णं भंते ! पुरिसे पुव्वभवे के आसी जाव विहरइ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पुरिमताले-ना-(म)मं नयरे होत्था रिद्ध०, तत्थ णं पुरिमताले नयरे उदिओदिए-नामं राया होत्था महया०, तत्थ णं पुरिमताले निन्नए-नामं अंडयवाणियए होत्था अड्ढे जाव अपरि-भूए अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं नि-न्नयस्स (अंडयवाणिय-ग-स्स) वहवे पुरिसा दि-न्नभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं कु(को)द्दालियाओ य पत्थि(या)यपिडए [य] गि-ण्हंति, [२] पुरिमतालस्स नयरस्स परिपेरंतेसु वहवे काइअंडए य घू(घू)इअं-डए य पारेवइ० टिट्टिभिअंडए य ख[ग्गि]गि अं० मयूरि० कुक्कुडिअंडए य अ-न्नेसिं च बहूणं जलयरथलयरखहयरमाईणं अंडाइं गेण्हंति २ त्ता पत्थियपिडगाइं भरेंति [२] जेणेव नि-न्नयए अंडवाणियए ते[णामे]णेव उवागच्छन्ति २ त्ता नि-न्नय(ग)स्स अंडवाणियस्स उवणेंति, तए णं (से) तस्स नि-न्नयस्स अंडवाणियस्स वहवे पुरिसा दि-न्नभइ० बहवे काइअंडए य जाव कुक्कुडिअंडए य अ-न्नेसिं च वहूणं जलयरथल-यर(खेच)खहयरमाईणं अंडयए तवएसु य कवल्लीसु य कं(डु)दुएसु य भज्जणएसु य इंगालेसु य त(लिं)लेंति भ(ज्जं)ज्जेंति सो(ल्लिं)ल्लेति तलेंता भ(ज्जि)ज्जंता सो-ल्लेंता रायमग्गे अंतरावणंसि अंडय(एहि य)पणि(ग)एणं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, अप्प(णो)णा-वि य णं से नि-न्नयए अंडवाणियए तेहिं वहूहिं काइ(य)अंडएहि य जाव कुक्कुडिअंडएहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भ(ज्जे)ज्जिएहि य सुरं च····आसाएमाणे विसाएमाणे विहरइ, तए णं से नि-न्नए अंडवाणियए एयकम्मे ४ सुवहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता एगं वाससहस्सं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा तच्चाए पुढ-वीए उक्कोससत्तसागरोवमठि-इएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए उवव-न्ने ॥ १६ ॥ से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव सालाडवीए चोरपल्लीए विजयस्स चोरसेणावइस्स खंदसिरीए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उवव-न्ने, तए णं तीसे खंदसिरीए भारियाए अ-न्नया कया-इ तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं इमे एयारूवे दोहले पाउब्भूए-ध-न्ना-ओ णं ताओ अम्मया० जाओ णं वहूहिं मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरियणमहिलाहिं अ-न्नाहि य चोरमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुडा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया वि-उलं

असणं पाणं खाइमं साइमं सुरं च म० च आसाएमाणी विसाएमाणी० विहरंतिं जिमियभुत्तुत्तरागयाओ पुरिस-नेवत्थिया संनद्धवद्ध जाव [गहियाउहप्]पहरणा(वरणा) भरिए(हि य)हिं फ(लि)लएहि निक्किट्ठाहिं असीहिं अंसागएहिं तोणेहिं सजीवेहिं धणूहिं समुक्खित्तेहिं सरेहिं समुल्लालिया-हिं दा(हा)माहिं लंबिया-हि य ओसारियाहिं ऊरुघंटाहिं छिप्पतूरेणं वज्जमाणेणं २ महया उक्किट्ठ जाव समुद्दरवभूयं-पिव करेमाणीओ सालाडवीए चोरपल्लीए सव्वओ समंता ओलोएमाणीओ २ आहिंडमाणीओ (२) दोहलं विणेंति, तं जइ (णं) अहं-पि जाव [दोहलं] विणिज्जामित्तिकट्टु तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि जाव झियाइ । तए णं से विजए चोरसेणावई खंदसि-रिभारियं ओहय जाव पासइ, २ [त्ता] एवं वयासी–किं णं तुमं देवाणुप्पि-या ! ओहय जाव झियासि ?, तए णं सा खंदसिरी (भा०) विजयं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! म-म तिण्हं मासाणं जाव झियामि, तए णं से विजए चोरसेणावई खंदसिरीए भारियाए अंति(यं)ए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म खंदसिरिभारियं एवं वयासी–अहासुहं देवाणुप्पियत्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ, तए णं सा खंदसि(री)रिभारिया विजएणं चोरसेणावइणा अब्भणु न्नाया समाणी हट्ठतुट्ठ० बहूहिं मित्त जाव अन्नाहि य वहूहिं चोरमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुडा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया वि-उल असणं ४ सुरं च ६ आसाएमा(णा)णी ४ विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागया पुरिस-नेव[च्छा]त्था संनद्धवद्ध जाव आहिंडमाणी दोहलं विणेइ, तए णं सा खंदसि-रिभारिया संपुण्णदोहला संमाणियदोहला विणीयदोहला वोच्छि-न्नदोहला संप-न्नदोहला तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ, तए णं सा (खंदसिरी) चोरसेणावइणी नवण्हं मासाणं वहुपडिपुण्णाणं दार-गं पयाया, तए णं से विज(य)ए चोरसेणावई तस्स दारगस्स महया इ(ड्डि)ड्ढीसक्कारसमुदएणं दसरत्तं ठिइवडियं करेइ, तए णं से विजए चोरसेणावई तस्स दारगस्स एक्कारसमे दिवसे वि-उलं असणं ४ उवक्खडावेइ [२]मित्त-नाइ० आमंतेइ २ त्ता जाव तस्सेव मित्त-नाइ० पुरओ एवं वयासी–जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि गब्भगयंसि समाणंसि इमे एयारूवे दोहले पाउब्भूए तम्हा णं होउ अम्हं दार(गे)ए अभग्गसेणे नामेणं, तए णं से अभग्गसेणे कुमारे पंचधाई(ए) जाव परिवड्ढइ ॥ १७ ॥ तए णं से अभग्गसेणे कुमारे उम्मुक्कबालभावे यावि होत्था अट्ठ दारियाओ जाव अट्ठओ दाओ....उप्पिं पासा०....भुंजमाणे विहरइ, तए णं से विजए चोरसेणावई अ-न्नया कया(ई)इ कालधम्मुणा संजुत्ते, तए णं से अभग्गसे(ण)णे कुमारे पंचहि चोरसएहि सद्धिं संपरिवुडे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे विजयस्स चोरसेणावइस्स महया इड्ढीसक्कार-

समुदएणं नीहरणं करेइ २ त्ता वहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करेइ २ त्ता के(व)णइ-कालेगं अप्पसोए जाए यावि होत्था, तए णं ते पंच चोरसयाइं अन्नया कया(इं)इ अभग्गसेणं कुमारं सालाडवीए चोरपल्लीए महया २ चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचंति। तए णं से अभग्गसे-णे कुमारे चोरसेणावई जाए अहम्मिए जाव कप्पायं गि-ण्हइ, तए णं (से) ते जाणवया पुरिसा अभग्गसेणेणं चोरसेणावइणा वहुगामघायावणाहिं ताविया समाणा अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अभग्गसेणे चोरसेणावई पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरिल्लं जणवयं वहूहिं गामघाएहिं जाव निद्धणं करेमाणे विहरइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! पुरिमताले नयरे म-हाबलस्स र-न्नो एयमट्ठं वि-न्नवित्तए, तए णं ते जा(ज)णवया पुरिसा एयमट्ठं अन्नमन्नेणं पडिसुणेंति २ त्ता महत्थं महग्घं महरिहं रा(य)यारिहं पाहुडं गि-ण(हें)हंति २ त्ता जेणेव पुरिमताले नयरे तेणेव उवाग० २ त्ता जेणेव म-हावले राया तेणेव उवाग० २ त्ता म-हावलस्स र-न्नो तं महत्थं जाव पाहुडं उवणेंति [२] करयल""अंजलिं कट्टु म-हावलं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी! सालाडवीए चोरपल्लीए अभग्गसेणे चोरसेणावई अम्हे वहूहिं गामघाएहि य जाव निद्धणे करेमाणे विहरइ, तं इच्छामि णं सामी! तु(ब्भं)ज्झं वाहुच्छायापरिग्गहिया निब्भया निरु-वसग्गा सुहेणं परिवसित्तएत्तिकट्टु पा-य वपडिया पंजलिउडा म-हावलं रायं एयमट्ठं वि-न्नवेंति, तए णं से म-हावले राया तेसिं जा-णवयाणं पुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सोचा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु दंडं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तु० देवाणुप्पिया! सालाडविं चोरपल्लिं विलुंपाहि २ त्ता अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीवग्गाहं गि-ण्हाहि २ त्ता म-मं उव-णेहि, तए णं से दंडे तहत्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ, तए णं से दंडे वहूहिं पुरिसेहिं संनद्धवद्ध जाव पहरणेहि सद्धिं संपरिवुडे मग्गइएहिं फलएहिं जाव छिप्पतूरेणं वज्जमाणेणं महया जाव उक्कि(ट्ठिं)ट्ठ जाव करेमाणे पुरिमतालं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सालाडवी(ए) चोरपल्ली(ए) तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तएणं तस्स अभग्गसेणस्स चोरसेणावइ(य)स्स चारपुरिसा इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा जेणेव सालाडवी चोरपल्ली जेणेव अभग्गसेणे चोरसेणावई तेणेव उवाग(या)च्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! पुरिमताले नयरे म-हावलेणं र-न्ना म(हया)हाभडचडगरेणं दं(डं)डे आणत्ते–गच्छह णं तु(मे)ब्भे देवाणुप्पिया! सालाडविं चोरपल्लिं विलुंपाहि अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीव(ग)गाहं गेण्हाहि २ त्ता मम्मं उवणेहि, तए णं से दंडे महया भडचडगरेणं जेणेव

सालाडवी चोरपल्ली तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई तेसिं चारपुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म पंच-चोरसयाइं सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले नयरे म-हाबले जाव तेणेव पहारेत्थ गमणाए (आगए, तए णं से अभग्गसेणे ताइं पंच-चोरसयाइं एवं वयासी–) तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं तं दंडं सालाडविं चोरपल्लिं असंप(त्तं)त्ते अंतरा चेव पडिसेहित्तए, तए णं ताइं पंच-चोरसयाइं अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स तहत्ति जाव पडिसुणेंति, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई वि-उलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ २ त्ता पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं ण्हाए भोयणमंडवंसि तं वि-उलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणे ४ विहरइ, जिमियभुत्तुत्तरागए-वि (अ) य णं समाणे आयंते चोक्खे परमसुइभूए पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं अल्लं चम्मं दु(रु)रूहइ २ [त्ता] सं-नद्धबद्ध जाव पहरणेहिं मग्गइएहिं जाव रवेणं पुव्वा (पच्चा)वरण्हकालसमयंसि सालाडवीओ चोरपल्लीओ निग्गच्छइ २ [त्ता] विसमदुग्गगहणं ठिए गहियभत्तपाणे तं दंडं पडिवालेमाणे चिट्ठइ, तए णं से दंडे जेणेव अभग्गसेणे चोरसेणावई तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] अभग्गसेणेणं चोरसेणावइणा सद्धिं संपलग्गे यावि होत्था, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई तं दंडं खिप्पामेव हयमहिय जाव पडिसेहि० तए णं से दंडे अभग्गसेणे-णं चोरसेणावइणा हय जाव पडिसेहिए समाणे अ(त)थामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु जेणेव पुरिमताले नयरे जेणेव म-हाबले राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० एवं वयासी–एवं खलु सामी ! अभग्गसेणे चोरसेणावई विसमदुग्गगहणं ठिए गहियभत्तपा(णि)णीए नो खलु से सक्का केणइ सुबहुएणावि आसबलेण वा हत्थिबलेण वा जोहबलेण वा रहबलेण वा चाउरंगिणि-पि० उरंउरेणं गिण्हित्तए ताहे सामेण य भे-एण य उवप्प(दा)याणेण य वि[स](वी)संभमाणे उ(प)वयए यावि होत्था, जे-वि (य) से अब्भिंतरगा सीसग(स)भमा मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरियणं च वि-उलधणकणगरयणसंतसारसाव(इ)एज्जेणं भिंदइ अभग्गसेणस्स य चोरसेणावइस्स अभिक्खणं २ महत्थाइं महग्घाइं महरिहाइं पाहुडाइं पेसेइ [२] अ(भंग)भगासेणं चोरसेणावइं वी(वि)संभमाणेइ ॥ १८ ॥ तए णं से म-हाबले राया अ-न्नया क़या-इ पुरिमताले नयरे एगं महं महइमहालियं कूडागारसालं करेइ अणेगक्खंभसयसंनिविट्ठं पासा(इ)ईयं दरसणिज्जं०, तए णं से म-हाबले राया अ-न्नया कया-इ पुरिमताले नयरे उस्सुक्कं जाव दसरत्तं पमोयं (उग्)घोसावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरि(सं)से सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया !

सालाडवीए चोरपल्लीए तत्थ णं तु[ब्भे]म्हे अभग्गसेणं चोरसेणावइं करयल जाव एवं व०-एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले नयरे महाबलस्स र-न्नो उस्सुक्के जाव दसरत्ते पमो-ए उग्घोसिए तं किं णं देवाणुप्पिया ! वि-उलं असणं ४ पुप्फवत्थ-(गंध)मल्लालङ्का(रे य)रं ते इहं हव्वमाणिज्जउ उदाहु सयमेव गच्छि[त्था]त्ता ?, तए णं [ते] कोडुंबियपुरिसा म-हाबलस्स र-न्नो करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता पुरिमतालाओ नयराओ पडि० नाइविकिट्ठेहिं अद्धाणेहिं सुहेहिं वस(हिं)हीपायरासेहिं जेणेव सालाडवी चोरपल्ली तेणेव उवागच्छंति [२] अभग्गसेणं चोरसेणावइं करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले नयरे म-हाबलस्स र-ओ उस्सुक्के जाव उदाहु सयमेव गच्छि-त्ता ?, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई ते कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी-अहं णं देवाणुप्पिया ! पुरिमता(ले)लनय(रे)रं सयमेव गच्छामि, ते कोडुंबियपुरिसे सक्कारेइ....पडिविसज्जेइ, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्त जाव परिवुडे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए सालाडवीओ चोरपल्लीओ पडि-निक्खमइ २ त्ता जेणेव पुरिमताले नयरे जेणेव म(-ल)हाबले राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० म(हब्ब)हाबलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं उवणेइ । तए णं से म-हाबले राया अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स तं महत्थं जाव पडिच्छइ, अभग्गसेणं चोरसेणावइं सक्कारेइ संमाणेइ पडिविसज्जेइ कूडागारसालं च से आवसहं दलयइ, तए णं [से] अभग्गसेणे चोरसेणावई म-हाबलेणं र-न्ना विसज्जिए समाणे जेणेव कूडागारसाला तेणेव उवागच्छइ, तए णं से म(-ल)हाबले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! वि-उलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह २ त्ता तं वि-उलं असणं ४ सुरं च ६ सुबहुं पुप्फ[वत्थ]गंधमल्लालंकारं च अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स कूडागार-सा(लाए)लं उवणेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा करयल जाव उवणेंति, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्त-नाइ जाव सद्धिं संपरिवुडे ण्हाए सव्वालंकारवि-भूसिए तं वि-उलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणे ४ पमत्ते विहरइ, तए णं से म-हाबले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तु(ब्भे)म्हे देवाणुप्पिया ! पुरिमतालस्स नयरस्स दुवाराइं पिहे० अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीव-गाहं गिण्हह [२] ममं उवणेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता पुरिमतालस्स नयरस्स दुवाराइं पिहेंति अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीवगाहं गिण्हंति [२] म-हाबलस्स र-न्नो उवणेंति, तए णं से म-हाबले राया अभग्गसेणं चोरसेणा-वइं एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ, एवं खलु गोयमा ! अभग्गसेणे चोरसेणावई

पुरा(पु)पोराणाणं जाव विहरइ । अभग्गसेणे णं भंते ! चोरसेणावई कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहि० कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा ! अभग्गसेणे चोरसेणावई सत्तत्तीसं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव्र तिभागावसेसे दिवसे सूलभिन्ने कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोस....नेरइएसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता....एवं संसारो जहा पढ(मो)मे जाव पुढवीए, तओ उव्वट्टित्ता वाणारसीए नयरीए सूयरत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ सो[सू]यरिएहिं जीवियाओ ववरोविए समाणे तत्थेव वाणारसीए नयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे....एवं जहा पढमे जाव अंतं काहिइ ॥ निक्खेवो ॥ १९ ॥ **तइयं अज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते !....चउत्थस्स उक्खेवो, एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं साहंजणी-नामं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा, तीसे णं साहंजणीए बहिया उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए देवरमणे नामं उज्जाणे होत्था, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए महचंदे नामं राया होत्था महया०, तस्स णं महचंदस्स र-न्नो सुसेणे नामं अमच्चे होत्था सामभेयदंड० निग्गहकुसले, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए सु(दं)दरिसणा-नामं गणिया होत्था वण्णओ, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए सुभद्दे नामं सत्थवाहे (हो०) परिवसइ अड्ढे०, तस्स णं सुभद्दस्स सत्थवाहस्स भद्दा-नामं भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं सुभद्द(स्स)सत्थवाहस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए सगडे नामं दारए होत्था अहीण०, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे....समोसरणं परिसा राया य निग्गए धम्मो कहिओ परिसा (रा०) पडिग(ओ)या, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जाव रायमग्गमोगाढे तत्थ णं हत्थी आसे पुरिसे.. 'ते-सिं च णं पुरिसाणं मज्झग[ए]यं पासइ एगं सइत्थीयं पुरिसं अव-ओड-यबंधणं उक्खित्त जाव घो(सेण)सिज्जमाणं चिंता तहेव जाव भगवं वागरेइ, एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे छगलपुरे नामं नयरे होत्था, तत्थ सी(सिं)हगि(रि)री नामं राया होत्था महया०, तत्थ णं छगलपुरे नयरे छ(ण्णि)णिए नामं छागलि(छगली)ए परिवसइ अड्ढे० अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं छ-णियस्स छा(छ)गलियस्स बहवे अ(जा)याण य ए(ला)लयाण य रोज्झाण य वसभाण य ससयाण य सूयराण य पसयाण य सिंघाण य हरिणाण य मयूराण य महिसाण य सयवद्धाण य सहस्सबद्धाण य जूहाणि वाडगंसि संनिरुद्धाइं चिट्ठंति, अ-न्ने य तत्थ बहवे पुरिसा दि-न्नभइभत्तवेयणा बहवे अए य जाव महिसे य सारक्(ख)खेमाणा संगोवेमाणा चिट्ठंति,

अ-न्ने य से वहवे पुरिसा अयाण य जाव गिहंसि निरुद्धा चिट्ठंति, अ-न्ने य से वहवे पुरिसा दि-न्नभइभत्तवेयणा वहवे सय(अ)ए य (जाव) सहस्(महि)से य जीवियाओ ववरो-वेंति [२] मंसाइं क(प्पि-णी)प्पणिकप्पियाइं करेंति [२] छ(णी)णियस्स छाग-लि-यस्स उवणेंति, अन्ने य से वहवे पुरिसा ताइं व(हू)हुयाइं अयमंसाइं जाव महि-समंसाइं तवएसु य कवल्लीसु य कं(दू)दुएसु य भज्जणेसु य इंगालेसु य त(लं)लेंति य भज्जेंति य सो(ल्लयं)ल्लेंति य ० तओ रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, अप्पणा-वि-य णं से छ(न्निय-)णिए छाग(ली)लिए तेहिं वहुवि० मंसेहिं जाव महि-समंसेहिं सोल्लेहि य त(ले)लिएहि य भ(ज्जे)ज्जिएहि य सुरं च ६ आसाएमाणे विहरइ, तए णं से छ(न्नी)णिए (य) छगलि-ए एयकम्मे""सुवहुं पावकम्मं कलि-कलुसं समज्जिणित्ता सत्त-वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा चो-त्थीए पुढवीए उक्कोसेणं दससागरोवमठिइएसु नेरइयत्ताए उवव-न्ने ॥ २० ॥ तए णं तस्स सुभद्द-सत्थवाहस्स भद्दा भारिया जा(व)यनिंदुया यावि होत्था, जाया जाया दारगा विणिहायमावज्जंति, तए णं से छ-णिए छाग(ले-)लिए चो-त्थीए पुढवीए अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव साहंजणीए नयरीए सुभद्दस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उवव-न्ने, तए णं सा भद्दा सत्थवाही अ-न्नया कया-इ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दारगं पयाया, तए णं तं दारगं अम्मापियरो जायमेत्तं चेव सगडस्स हे(ट्ठ)ट्ठा[ओ] ठावेंति (०) दोच्चं-पि गिण्हावेंति (०) अणुपुव्वेणं सारक्(खं)खेति संगोवेंति संवड्ढेति जहा उज्झियए जाव जम्हा णं अम्हं इमे दारए जायमेत्ते चेव सगडस्स हेट्ठा ठाविए तम्हा ण हो-उ णं अम्हं एस दारए सगडे नामेणं, सेसं जहा उज्झियए, सुभद्दे लवणसमुद्दे कालगए माया-वि कालगया, से(ऽ)वि सयाओ गिहाओ निच्छूढे, तए णं से सगडे दारए सया-ओ गिहाओ निच्छूढे समाणे सिं(सं)घाडग""तहेव जाव सु-दरिसणाए गणियाए सद्धिं संपलग्गे यावि होत्था, तए णं से सुसेणे अमच्चे तं सगडं दारगं अ-न्नया कया-इ सुदरिसणाए गणियाए गिहाओ निच्छुभावेइ [२] सु-दरिस(णं)णियं गणियं अब्भिंतरियं ठा-वेइ २ त्ता सुदरिसणाए गणियाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, तए णं से सगडे दारए सुदरिसणा(ओ)ए गिहाओ निच्छूढे समाणे अ-न्नत्थ कत्थ(इ)वि सुइं वा ""अलभ० अ-न्नया कया-इ रह(स्सि)सियं सुदरिसणा-गेहं(सि) अणुप्पविसइ २ त्ता सुदरि(सि)सणाए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं सुसेणे अमच्चे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए मणुस्सवग्गुराए जेणेव सुदरिसणा[ए] गणियाए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] सगडं दारयं सु-दरिसणाए

गणियाए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ २ त्ता आसुरुत्ते जाव मि(स)सिमिसेमाणे तिवलियं भिउडि निडाले साहट्टु सगडं दारयं पुरिसेहिं गिण्हावेइ [२] अट्ठि जाव महियं करेइ [२] अव-ओड-यवध(णगं)ण करेइ २ त्ता जेणेव महचंदे राया तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता करयल जाव एवं वयासी—एवं खलु सामी! सगडे दारए म-मं अंते-उरंसि अवरद्धे, तए णं से महचंदे राया सुसेणं अमच्चं एवं वयासी—तुमं चेव णं देवाणुप्पिया! सगडस्स दारगस्स दंडं (नि)वत्तेहि, तए णं से सुसेणे अमच्चे महचंदेणं र-न्ना अब्भणु-न्नाए समाणे सगडं दारयं सुदरिसणं च गणियं एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ, तं एवं खलु गोयमा! सगडे दार-ए पु(पो)रा-पोराणाणं....पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥ २१ ॥ सगडे णं भंते! दारए कालगए कहिं गच्छिहिं० कहिं उववज्जिहिइ? सगडे णं दारए गोयमा! सत्ताव-न्नं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे एगं महं अ(ओ)-योमयं त(त्त)त्तं समजोइभूयं इ(त्थी)त्थिपडिमं अवयासाविए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता रायगिहे नयरे मातंगकुलंसि जुग(जम)लत्ताए पच्चायाहिइ, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नि[०]वत्तवारस(म)गस्स (दि०) इमं एयारूवं गोण्णं नामधेज्जं करिस्संति, तं हो-उ णं दार० सगडे नामेणं हो-उ णं दारिया सुदरिसणा-नामेण, तए णं से सगडे दारए उम्मुक्कबालभावे जोव्वण....भविस्सइ, तए णं सा सुदरिसणा-वि दारिया उम्मुक्कबालभावा (विण्(णा)णय) जोव्वणगमणुप्पत्ता रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा यावि भविस्सइ, तए णं से सगडे दारए सुदरिसणाए रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य मुच्छिए ४ सुदरिसणाए (भ०) सद्धिं उरालाइं (मा०) भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरिस्सइ, तए णं से सगडे दारए अ-न्नया (कया(इ)इं) सयमेव कूड-गा-हित्तं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सइ, तए णं से सगडे दारए कूड-गाहे भविस्सइ अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे एयकम्मे० सुबहुं पावकम्मं (जाव) समज्जिणित्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उवव-न्ने, संसारो तहेव जाव पुढवीए, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता वाणारसीए नयरीए मच्छत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तत्थ (णं) मच्छवंधिएहिं वहिए तत्थेव वाणारसीए नयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ बोहिं बु(ज्झे)द्धे० पव्व० सोहम्मे कप्पे....महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ निक्खेवो ॥ २२ ॥ **चो-त्थं अज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते!....पंचमस्स (अज्झयणस्स) उक्खे(वओ)वो, एवं खलु जंबू! तेणं

कालेणं तेणं समएणं कोसंबी-नामं नयरी होत्था रिद्धत्थिमिय० बाहिं चंदोयरणे उज्जाणे, तत्थ णं कोसंबीए नयरीए सयाणीए नामं राया होत्था महया०, (त० णं स० र०) मियावई (णा०) देवी (हो० अ० जाव सु०), तस्स णं सयाणीयस्स (र०) पुत्ते मिया(वतीए)देवीए अत्तए उदायणे नामं कुमारे होत्था अहीण० जुवराया, तस्स णं उदायणस्स कुमारस्स पउमाव(इ)ई-नामं देवी होत्था, तस्स णं सयाणीयस्स सोमदत्ते नामं पुरोहिए होत्था रिउ[व्]वेय०, तस्स णं सोमदत्तस्स पुरोहियस्स वसुदत्ता नामं भारिया होत्था, तस्स णं सोमदत्तस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए व(ब)हस्सइदत्ते नामं दारए होत्था अहीण०, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे....समोस(रिए)रणं, तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं गोयमे तहेव जाव रायमग्गमोगाढे तहेव पासइ हत्थी आसे पुरि(से)समज्झे पुरिसं चिंता तहेव पुच्छइ पुव्वभवं भगवं वागरेइ–एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सव्वओभद्दे नामं नयरे होत्था रि-द्धत्थिमियसमि० तत्थ णं सव्वओभद्दे नयरे जियसत्तू (ना(णा)मं) राया (हो०), तस्स णं जियसत्तुस्स रन्नो महेसरदत्ते नामं पुरोहिए होत्था रिउव्वेय जाव अथ-व्वणकुसले या(आ)वि होत्था, तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए जियसत्तुस्स रन्नो रज्जबलविवद्धणअट्ठाए कल्लाकल्लिं एगमेगं माहणदारयं एगमेगं खत्तियदारयं एग-मेगं वइस्सदारयं एगमेगं सुद्ददारयं गिण्हावेइ २ त्ता तेसिं जीवंतगाणं चेव हिय-उंडए गिण्हावेइ [२] जियसत्तुस्स रन्नो संतिहोमं करेइ, तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठमीचोद्दसीसु दुवे २ माहणखत्तियवइस(वे)स सुद्दे चउ(चो)ण्हं मासाणं चत्तारि २ छण्हं मासाणं अट्ठ २ संवच्छरस्स सोलस २ जाहे जाहे(ऽ)वि-य णं जियसत्तू राया परबलेणं अभिजुंजइ ताहे ताहे-वि-य णं से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठसयं माहणदारगाणं अट्ठसयं खत्तियदारगाणं अट्ठसयं वइस्सदारगाणं अट्ठसयं सुद्ददारगाणं पुरिसेहिं गिण्हावेइ गिण्हावेत्ता तेसिं जीवंताणं चेव हियउंडीओ गिण्हावेइ २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो संतिहोमं करेइ ॥ २३ ॥ तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए एयकम्मे० सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता तीसं वाससयं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा पंच(मा)मीए पुढवीए उक्कोसेणं सत्तरससागरोवमट्ठिइए नरगे उववन्ने, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव कोसंबीए नयरीए सोमदत्तस्स पुरोहि-यस्स वसुदत्ताए [भारियाए] पुत्तत्ताए उववन्ने, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो निव्वत्तबारसाहस्स इ(मं)यं एयारूवं नाम(धि)धेज्जं करेंति, जम्हा णं अम्हं इमे दारए सोमदत्तस्स पुरोहियस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए तम्हा णं होउ अम्(ह)हं दारए ब-ह-

ओभासिया वेसाणिया णंगोलिया, तेसि णं दीवाणं चउसु वि दिसासु लवणसमुद्दं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० हयकण्णदीवे, गयकण्णदीवे गोकण्णदीवे सक्कुलिकण्णदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० हयकण्णा गयकण्णा गोकण्णा सक्कुलिकण्णा, तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं पंच पंच जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प०तं० आयंसमुहदीवे मेंढगमुहदीवे अओमुहदीवे गोमुहदीवे। तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा भाणियव्वा, तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं छ छजोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसमुहदीवे हत्थिमुहदीवे सीहमुहदीवे वग्घमुहदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं सत्तसत्तजोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ ण चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसकण्णदीवे हत्थिकण्णदीवे अकण्णदीवे कण्णपाउरणदीवे। तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं अट्ठ अट्ठजोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० उक्कामुहदीवे मेहमुहदीवे विज्जुमुहदीवे विज्जुदंतदीवे तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं णव णव जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० घणदंतदीवे लट्ठदंतदीवे गूढदंतदीवे सुद्धदंतदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० घणदंता लट्ठदंता गूढदंता सुद्धदंता। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे सेसं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव सुद्धदंता ॥ ३७५ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसि लवणसमुद्दं पंचाणउइजोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं महइमहालया महालिजरसंठाणसंठिया चत्तारि महापायाला प० तं० वलयामुहे केउए जूवए ईसरे, तत्थणं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे ॥ ३७६ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थणं चउण्हं वेलंधरणागरायाणं चत्तारि आवासपव्वया प०तं० गोथूभे उदयभासे संखे दगसीमे, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति तं०गोथूभे सिवए जाव मणोसिलए। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयन्ताओ चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं चउण्हं अणुवेलंधरणागराईणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० कक्कोडए विज्जुप्पभे

केलासे अरुणप्पभे। तत्थ णं चत्तारि महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया देवा परिवसंति तं० कक्कोडए कद्दमए केलासे अरुणप्पभे ॥३७७॥ लवणे णं समुद्दे चत्तारि चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, चत्तारि सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा, चत्तारि कत्तियाओ जाव चत्तारि भरणीओ, चत्तारि अग्गी जाव चत्तारि जमा, चत्तारि अंगारया जाव चत्तारि भावकेऊ ॥ ३७८ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स चत्तारि दारा प० तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए, ते णं दारा णं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं पण्णत्ता, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति विजए जाव अपराजिए ॥३७९॥ धायइखंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ ३८० ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बहिया चत्तारि भरहाइं चत्तारि एरवयाइं, एवं जहा सद्दुद्देसए तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं, जाव चत्तारि मंदरा चत्तारि मंदरचूलियाओ ॥ ३८१ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउद्दिसिं चत्तारि अंजणगपव्वया प० तं० पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वए दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए, पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए, ते णं अंजणगपव्वया चउरासीइजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं तदणंतरं च णं मायाए मायाए परिहाएमाणा परिहाएमाणा उवरिमेगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं प० मूले एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं उवरिं तिण्णि २ जोयणसहस्साइं एगं च छावट्ठं जोयणसयं परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पिं तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिया सव्वअंजणमया अच्छा जाव पडिरूवा, तेसिणं अंजणगपव्वयाणं चउद्दिसि चत्तारि २ णंदाओ पुक्खरणीओ प० तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणखंडा प० तं० पुरच्छिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं दाहिणओ होति सत्तवण्णवणं, अवरेण चंपगवणं, अंबवणं उत्तरे पासे ॥ १ ॥ तत्थ णं जे से पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसि चत्तारि णंदापोक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदा णंदुत्तरा आणंदा णंदिवद्धणा, तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा प० तेसिणं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ चत्तारि तोरणा प० पुरच्छिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणखंडा प० तं० पुरओ दाहिणओ पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं जाव अंबवणं उत्तरे पासे। तासिणं पुक्खरणीणं बहुमज्झदेसभाए चत्तारि दहिमुहगपव्वया प० ते णं दहिमुहगपव्वया चउसट्ठिं जोयण-

सहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्समुव्वेहेणं, सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसजोयणसए परिक्खेवेणं सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। सेसं जहेव अंजणगपव्वयाणं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अंबवगं उत्तरेपासे। तत्थ णं जे से दाहिणिल्ले अंजगगपव्वए तस्सणं चउद्दिसि चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ प० तं० भद्दा विसाला कुमुया पोंडरीगिणी। सेसं तं चेव जाव दहिमुहगपव्वया जाव वणखंडा। तत्थणं जे से पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसि चत्तारि णंदाओ पोक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदिसेणा अमोहा गोथूभा सुदंसणा, सेसं तं चेव, तहेव दहिमुहगपव्वया तहेव जाव वणखंडा। तत्थणं जे से उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसि चत्तारि णंदाओ पोक्खरणीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया, तहेव दहिमुहगपव्वया, तहेव जाव वणखंडा। णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउसु विदिसासु चत्तारि रतिकरगपव्वया प० तं० उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपुरत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए, ते णं रतिकरगपव्वया दसजोयगसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसयाइं उव्वेहेणं, सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाणसंठिया, दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं, एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। तत्थ णं जे से उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदोत्तरा णंदा उत्तरकुरा देवकुरा। कण्हाए कण्हराईए कामाए कामरक्खियाए, तत्थ णं जे से दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसि सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणाओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० सुमणा सोमणसा अच्चिमाली मणोरमा। पउमाए सिवाए सईए अजूए। तत्थणं जे से दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसि सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० भूया भूयवडिंसा गोथूभा सुदंसणा। अमलाए अच्छराए नवमियाए रोहिणीए। तत्थ णं जे से उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउदिसिमीसाणस्स चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० रयणा रयणोच्चया सव्वरयणा रयणसंचया। वसूए वसुगुत्ताए वसुमित्ताए वसुंधराए॥ ३८२ ॥ चउव्विहे सच्चे प० तं० **णामसच्चे ठवणसच्चे दव्वसच्चे भावसच्चे** ॥ ३८३ ॥ आजी-

वियाणं चउव्विहे तवे प० तं० उग्गतवे घोरतवे रसनिज्जूहणया जिब्भिंदियपडि-संलीणया ॥ ३८४ ॥ चउव्विहे संजमे प० तं० मणसंजमे वइसंजमे कायसजमे उवगरणसंजमे । चउव्विहे चियाए प० तं० मणचियाए वइचियाए कायचियाए उवगरणचियाए, चउव्विहा अकिंचणया प० तं० मणअकिंचणया वइअकिंचणया कायअकिंचणया उवगरणअकिंचणया ॥ ३८५ ॥ **चउत्थट्ठाणस्स बीओ-द्देसो समत्तो ॥**

चत्तारि राईओ प० तं० पव्वयराई पुढविराई वालुयराई उदगराई । एवामेव चउव्विहे कोहे प० तं० पव्वयराइसमाणे पुढविराइसमाणे वालुयराइसमाणे उदग-राइसमाणे । पव्वयराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, पुढविराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, वालु-यराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, उदगराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ, चत्तारि उदगा प० तं० कद्दमोदए खंजणोदए वालुओदए सेलोदए, एवामेव चउव्विहे भावे प० तं० कद्दमोदगसमाणे खंजणोदगसमाणे वालुओदगसमाणे सेलोदगसमाणे । कद्दमोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ एवं जाव सेलोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ३८६ ॥ चत्तारि पक्खी प० तं० रुयसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने, रूवसंपन्ने णाममेगे णो रुयसंपन्ने, एगे रुयसंपन्ने वि रूवसंपन्ने वि, एगे णो रुयसंपण्णे णो रूवसंपन्ने, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रुयसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ ॥ ३८७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं करेमित्ति एगे पत्तियं करेइ, पत्तियं करेमित्ति एगे अपत्तियं करेइ, अपत्तियं करेमित्ति एगे पत्तियं करेइ, अपत्तियं करेमित्ति एगे अपत्तियं करेइ, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे पत्तियं करेइ णो परस्स, परस्स णाममेगे पत्तियं करेइ णो अप्पणो ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, पत्तियं पवेसामित्ति एगे अपत्तियं पवेसेइ, अपत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, अप-त्तियं पवेसामित्ति एगे अपत्तियं पवेसेइ, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाम-मेगे पत्तियं पवेसेइ णो परस्स ४ ॥ ३८८ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० पत्तोवए पुप्फोवए फलोवए छायोवए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तो वा रुक्ख-समाणे पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे छायो वा रुक्खसमाणे ॥ ३८९ ॥ भारं णं वहमाणस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ णं अंसाओ अंसं साहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे पण्णत्ते, जत्थ वि य णं उच्चारं वा पासवणं

वा परिठावेति तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं णागकुमारावासंसि वा सुवन्नकुमारावासंसि वा वासं उवेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं आवकहाए चिट्ठइ जाव आसासे प०, एवामेव समणोवासगस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ वि य णं सीलव्वयगुणव्वयवेरमणपञ्चक्खाणपोसहोववासाइं पडिवज्जइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं सामाइयं देसावगासियं सम्ममणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाजूसणाजूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० ॥ ३९० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उदिओदिए णाममेगे, उदियत्थमिए णाममेगे, अत्थमिओदिए णाममेगे, अत्थमियत्थमिए णाममेगे । भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी णं उदिओदिए, बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी उदियत्थमिए, हरिएसबलेणमणगारे अत्थमिओदिए, काले णं सोयरिए अत्थमियत्थमिए ॥ ३९१ ॥ चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुम्मे तेयोए दावरजुम्मे कलिओए, णेरइयाणं चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुंमे जाव कलिओए, एवमसुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं, एवं पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइबेदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं वाणमंतरजोइसियाणं वेमाणियाणं सव्वेसिं जहा नेरइयाणं ॥ ३९२ ॥ चत्तारि सूरा प० तं० खंतिसूरे तवसूरे दाणसूरे जुद्धसूरे, खंतिसूरा अरिहंता तवसूरा अणगारा; दाणसूरे वेसमणे जुद्धसूरे वासुदेवे ॥ ३९३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उच्चे णाममेगे उच्चच्छंदे उच्चे णाममेगे णीयच्छंदे णीए णाममेगे उच्चच्छंदे णीए णाममेगे णीयच्छंदे ॥ ३९४ ॥ असुरकुमाराणं चत्तारि लेस्सा प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा तेउलेस्सा, एवं जाव थणियकुमाराणं एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वाणमंतराणं सव्वेसिं जहा असुरकुमाराणं ॥ ३९५ ॥ चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते जुत्ते णाममेगे अजुत्ते अजुत्ते णाममेगे जुत्ते अजुत्ते णाममेगे अजुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए, जुत्ते णाममेगे अजुत्तपरिणए ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे जुत्ते णाममेगे अजुत्तरूवे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया

प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४। चत्तारि जुग्गा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवं जहा जाणेण चत्तारि आलावगा तहा जुग्गेणवि पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया जाव सोभेत्ति, चत्तारि सारही प० तं० जोआवइत्ता णाममेगे णो विजोयावइत्ता, विजोयावइत्ता णाममेगे णो जोयावइत्ता, एगे जोयावइत्तावि विजोयावइत्तावि, एगे णो जोयावइत्ता णो विजोयावइत्ता, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया, चत्तारि हया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवं जुत्तपरिणए जुत्तरूवे जुत्तसोभे सव्वेसिं पडिवक्खो पुरिसजाया। चत्तारि गया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवं जहा हयाणं तहा गयाणवि भाणियव्वं। पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया, चत्तारि जुग्गारिया प० तं० पंथजाई णाममेगे णो उप्पहजाई उप्पहजाई णाममेगे णो पंथजाई एगे पंथजाई वि उप्पहजाई वि एगे णो पंथजाई णो उप्पहजाई। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ ॥ ३९६ ॥ चत्तारि पुप्फा प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो गंधसंपन्ने गंधसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने एगे रूवसंपन्नेवि गंधसंपन्नेवि एगे णो रूवसंपन्ने णो गंधसंपन्ने। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो सीलसंपन्ने ४ ॥ ३९७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने कुलसंपन्ने णाममेगे णो जाइसंपन्ने ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने बलसंपन्ने णाममेगे णो जाइसंपन्ने ४। एवं जाईए रूवेण य चत्तारि आलावगा, एवं जाईए सुएण य ४। एवं जाईए सीलेग ४ एवं जाईए चरित्तेण ४। एवं कुलेण बलेग ४। कुलेण रूवेण ४। कुलेण सुएण ४। कुलेण सीलेग ४। कुलेण चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवं बलेण सुएण ४। एवं बलेण सीलेग ४। एवं बलेग चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो सुयसंपन्ने ४। एवं रूवेण सीलेण ४। रूवेण चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुयसंपन्ने णाममेगे णो सीलसंपन्ने ४। एवं सुएण चरित्तेण य ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीलसंपन्ने णाममेगे णो चरित्तसंपन्ने ४। एए इक्कवीसं भंगा भाणियव्वा ॥ ३९८ ॥ चत्तारि फला प० तं० आमलगमहुरे मुद्दियामहुरे खीरमहुरे खंडमहुरे, एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० आमलगमहुरफलसमाणे जाव खंडमहुरफलसमाणे ॥ ३९९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयवेयावच्चकरे णाममेगे णो परवेयावच्चकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं०

करेइ णाममेगे वेयावच्चं णो पडिच्छइ पडिच्छइ णाममेगे वेयावच्चं णो करेइ ४। ॥ ४०० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे माणकरे णाममेगे णो अट्ठकरे, एगे अट्ठकरेवि माणकरेवि एगे णो अट्ठकरे णो माणकरे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे ४, च० पु० जा० प० तं० गणसंगहकरे णाममेगे णो माणकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणसोभकरे णाममेगे णो माणकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणसोहिकरे णाममेगे णो माणकरे ४ ॥ ४०१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवं णाममेगे जहइ णो धम्मं धम्मं णाममेगे जहइ णो रूवं एगे रूवंपि जहइ धम्मंपि जहइ, एगे णो रूवं जहइ णो धम्मं, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० धम्मं णाममेगे जहइ णो गणसंठिइं ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पियधम्मे णाममेगे णो दढधम्मे दढधम्मे णाममेगे णो पियधम्मे, एगे पियधम्मेवि दढधम्मेवि एगे णो पियधम्मे णो दढधम्मे ॥ ४०२ ॥ चत्तारि आयरिया प० तं० पव्वावणायरिए णाममेगे णो उवट्ठावणायरिए उवट्ठावणायरिए णाममेगे णो पव्वावणायरिए, एगे पव्वावणायरिएवि उवट्ठावणायरिएवि, एगे णो पव्वावणायरिए णो उवट्ठावणायरिए, चत्तारि आयरिया प० तं० उद्देसणायरिए णाममेगे णो वायणायरिए ४ धम्मायरिए सम्मत्तपओ णायव्वो ॥ ४०३ ॥ चत्तारि अंतेवासी प० तं० पव्वावणंतेवासी णाममेगे णो उवट्ठावणंतेवासी ४ जाव धम्मंतेवासी, चत्तारि अंतेवासी प० तं० उद्देसणंतेवासी णाममेगे णो वायणंतेवासी ४ ॥ ४०४ ॥ चत्तारि णिग्गंथा प० तं० रायणिए समणे निग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, रायणिए समणे निग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, चत्तारि णिग्गंथीओ प० तं० राइणिया समणी णिग्गंथी ४ एवं चेव, चत्तारि समणोवासगा प० तं० रायणिए समणोवासए महाकम्मे ४ तहेव, चत्तारि समणोवासियाओ प० तं० रायणिया समणोवासिया महाकम्मा तहेव चत्तारि गमा ॥ ४०५ ॥ चत्तारि **समणोवासगा** प० तं० अम्मापिइसमाणे भाइसमाणे मित्तसमाणे सवत्तिसमाणे। चत्तारि **समणोवासगा** प० तं० अद्दागसमाणे पडागसमाणे खाणुसमाणे खरकंटकसमाणे ॥ ४०६ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स समणोवासगाणं सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ४०७ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु

इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइप्पगप्पं पगरेइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए पेमे वोच्छिण्णे दिव्वे पेमे संकंते भवइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं एवं भवइ, इयण्हिं गच्छं मुहुत्तेण गच्छं तेणं कालेणमप्पाउआ मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, उड्ढं पिय णं माणुस्सए गंधे जाव चत्तारिपंचजोयणसयाइं हव्वमागच्छइ ४ इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥४०८॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि खलु मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा उवज्झाएइ वा पवत्तीइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेण मए इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा तवस्सीइ वा अइदुक्करदुक्करकारए तं गच्छामि णं भगवन्तं वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववन्ने देवे जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि पासंतु ता मे इममेयारूवं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मित्तेइ वा सुहीइ वा सहीइ वा सहाएइ वा संगइए वा तेसिं च णं अम्हे अण्णमण्णस्स संगारे पडिसुए भवइ, जो मे पुव्विं चयइ से संबोहियव्वे इच्चेएहिं जाव संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ४०९ ॥ चउहिं ठाणेहिं लोगंधगारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं, अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे जायतेए वोच्छिज्जमाणे, चउहिं ठाणेहिं लोउज्जोए सिया तं०अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, अरिहंताणं परिनिव्वाणमहिमासु, एवं देवंधगारे देवुज्जोए देवसन्निवाए देवुक्कलिया देवकहकहए,

चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति, एवं जहा तिठाणे जाव लोगंतिया देवा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं जाव अरिहंताणं परिनिव्वाणमहिमासु ॥ ४१० ॥ चत्तारि दुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा **पढमा दुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए निग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेयसमावन्ने कलुससमावण्णे निग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, निग्गंथं पावयणं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे मणं उच्चावयं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ पढमा दुहसेज्जा, **अहावरा दोच्चा दुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए सएणं लाभेणं णो तुस्सइ परस्स लाभमासाएइ पीहेइ पत्थेइ अभिलसइ परस्स लाभमासाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ दोच्चा दुहसेज्जा, **अहावरा तच्चा दुहसेज्जा**, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए दिव्वे माणुस्सए कामभोगे आसाएइ जाव अभिलसइ दिव्वे माणुस्सए कामभोए आसाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं णियच्छइ, विणिघायमावज्जइ तच्चा दुहसेज्जा, अहावरा **चउत्था दुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जया णं अहमगारवासमावसामि तया णमहं संवाहणपरिमद्दणगायब्भंगगाउच्छोलणाइं लभामि जप्पभिइं च णं अहं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तप्पभिइं च णं अहं संवाहणं जाव गाउच्छोलणाइं णो लभामि से णं संवाहणं जाव गाउच्छोलणाइं आसाएइ जाव अभिलसइ से णं संवाहणं जाव गाउच्छोलणाइं आसाएमाणे जाव मणं उच्चावयं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ चउत्था दुहसेज्जा ॥ ४११ ॥ चत्तारि **सुहसेज्जाओ** प० तं० तत्थ खलु इमा **पढमा सुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए निग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए, णिव्वितिगिच्छिए, णो भेयसमावण्णे णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ णिग्गंथं पावयणं सद्दहमाणे पत्तियमाणे रोएमाणे णो मणं उच्चावयं नियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ पढमा सुहसेज्जा, अहावरा **दोच्चा सुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए सएणं लाभेण तुस्सइ, परस्स लाभं णो आसाएइ, णो पीहेइ, णो पत्थेइ, णो अभिलसइ, परस्स लाभमणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ, दोच्चा सुहसेज्जा, **अहावरा तच्चा सुहसेज्जा**, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभोगे णो आसाएइ जाव णो अभिलसइ, दिव्वमाणुस्सए कामभोगे अणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं नियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, तच्चा सुहसेज्जा,

अहावरा चउत्था सुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जइ ताव अरिहंता भगवंता हट्ठा आरोग्गा बलिया कल्लसरीरा अन्नयराइं ओरालाइं कल्लाणाइं विउलाइं पयत्ताइं पग्गहियाइं महाणुभागाइं कम्मक्खयकारणाइं तवोकम्माइं पडिवज्जंति किमंगपुण अहं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं णो सम्मं सहामि खमामि तितिक्खेमि अहियासेमि ममं च णं अब्भोवगमिओवक्कमियं सम्ममसहमाणस्स अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किंमण्णे कज्जइ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ ममं च णं अब्भोवगमिओ जाव सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किंमण्णे कज्जइ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ, **चउत्था सुहसेज्जा** ॥ ४१२ ॥ चत्तारि **अवायणिज्जा** प० तं० अविणीए, विगईपडिबद्धे, अविओसवियपाहुडे, मायी, चत्तारि **वायणिज्जा** प० तं० विणीए, अविगईपडिबद्धे, विओसवियपाहुडे, अमायी ॥ ४१३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंभरे णाममेगे णो परंभरे, परंभरे णाममेगे णो आयंभरे, एगे आयंभरेवि परंभरेवि, एगे णो आयंभरे णो परंभरे ॥ ४१४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गए, दुग्गए णाममेगे सुग्गए, सुग्गए णाममेगे दुग्गए, सुग्गए णाममेगे सुग्गए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुव्वए, दुग्गए णाममेगे सुव्वए, सुग्गए णाममेगे दुव्वए, सुग्गए णाममेगे सुव्वए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुप्पडियाणंदे, दुग्गए णाममेगे सुप्पडियाणंदे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइगामी, दुग्गए णाममेगे सुगइगामी ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइं गए, दुग्गए णाममेगे सुगइं गए ॥ ४१५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमे, तमे णाममेगे जोई, जोई णाममेगे तमे, जोई णाममेगे जोई, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमबले, तमे णाममेगे जोईबले, जोई णाममेगे तमबले, जोई णाममेगे जोईबले, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे नाममेगे तमबलपलज्जणे, तमे नाममेगे जोईबलपलज्जणे, ४ ॥ ४१६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे, परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे, एगे परिण्णायकम्मेवि परिण्णायसण्णेवि, एगे णो परिण्णायकम्मे णो परिण्णायसण्णे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे, परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे ४ ॥ ४१७ ॥ चत्तारि [पु]रिसजाया प० तं० इहत्थे णाममेगे णो परत्थे परत्थे णाममेगे णो इहत्थे ४ । चत्तारि

पुरिसजाया प० तं० एगेणं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, एगेणं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ एगेण हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ ॥ ४१८ ॥ चत्तारि कंथका प० तं० आइन्ने णाममेगे आइन्ने, आइन्ने णाममेगे खलुंके, खलुंके णाममेगे आइन्ने, खलुंके णाममेगे खलुंके, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइन्ने णाममेगे आइन्ने, चउभंगो। चत्तारि कंथका प०तं० आइन्ने णाममेगे आइन्नत्ताए विहरइ, आइन्ने णाममेगे खलुंकत्ताए विहरइ ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० आइन्ने णाममेगे आइन्नत्ताए विहरइ, चउभंगो। चत्तारि पकंथका प०तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे चउभंगो। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे नो बलसंपन्ने ४। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो जयसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने ४। एवं कुलसंपन्नेण य बलसंपन्नेण य ४। कुलसंपन्नेण य रूवसंपन्नेण य ४। कुलसंपन्नेण य जयसंपन्नेण य ४। एवं बलसंपन्नेण य रूवसंपन्नेण य ४। बलसंपन्नेण य जयसंपन्नेण य ४। सव्वत्थ पुरिसजाया पडिवक्खो, चत्तारि कंथगा प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो जयसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिस० ॥ ४१९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सियालत्ताए विहरइ, सियालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सियालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सियालत्ताए विहरइ ॥ ४२० ॥ चत्तारि लोगे समा प० तं० अपइट्ठाणे णरए, जंबुद्दीवे दीवे, पालए जाणविमाणे, सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे, चत्तारि लोगे समा, सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० सीमंतए णरए समयक्खेत्ते उडुविमाणे ईसिंपब्भारा पुढवी ॥४२१॥ उड्ढलोए णं चत्तारि बिसरीरा प०तं० पुढविकाइया आउवणस्सइका० उराला तसा पाणा, अहे लोगे णं चत्तारि बिसरीरा प०तं० एवं चेव, एवं तिरियलोएवि ४ ॥४२२॥ चत्तारि पुरिसजाया प०तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते ॥ ४२३ ॥ चत्तारि सेज्जपडिमाओ प० चत्तारि वत्थपडिमाओ प० चत्तारि पायपडिमाओ प० चत्तारि ठाणपडिमाओ प० ॥४२४॥ चत्तारि सरीरगा जीवफुडा प० तं० वेउव्विए आहारगे तेयए कम्मए; चत्तारि सरीरगा कम्मुम्मीसगा प०तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए ॥४२५॥ चउहिं अत्थिकाएहिं लोगे फुडे प० तं० धम्म-

त्थिकाएणं अधम्मत्थिकाएणं जीवत्थिकाएणं पोग्गलत्थिकाएणं । चउहिं बायरकाएहिं उववज्जमाणेहिं लोगे फुडे प०तं०पुढविकाइएहिं आउकाइएहिं वाउवणस्सइकाइएहिं । चत्तारि पएसग्गेणं तुल्ला प०तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए लोगागासे एगजीवे । चउण्हमेगसरीरं नो सुपस्सं भवइ तं० पुढविआउतेउवणस्सइकाइयाणं ॥ ४२६ ॥ चत्तारि इंदियत्था पुट्ठा वेदेंति तं० सोइंदियत्थे घाणिंदियत्थे जिब्भिदियत्थे फासिंदियत्थे ॥४२७॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा य पोग्गला य णो संचाएन्ति बहिया लोगंतागमणयाए तं० गइअभावेणं निरुवग्गहयाए लुक्खत्ताए लोगाणुभावेणं ॥ ४२८ ॥ चउव्विहे णाए प० तं० आहरणे आहरणतद्देसे आहरणतद्दोसे उवन्नासोवणए । आहरणे चउव्विहे प० तं० अवाए उवाए ठवणाकम्मे पडुप्पन्नविणासी । आहरणतद्देसे चउव्विहे प० तं० अणुसिट्ठी उवालंभे पुच्छा णिस्सावयणे । आहरणतद्दोसे चउव्विहे प० तं० अधम्मजुत्ते पडिलोमे अंतोवणीए दुरुवणीए । उवण्णासोवणए चउव्विहे प० तं० तव्वत्थुए तदन्नवत्थुए पडिणिभे हेऊ ॥ ४२९ ॥ **चउव्विहे हेऊ** प० तं० जावए थावए वंसए लूसए, **अहवा हेऊ चउव्विहे** प० तं० पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे **अहवा हेऊ चउव्विहे** प० अत्थित्तं अत्थि सो हेऊ अत्थित्तं णत्थि सो हेऊ णत्थित्तं अत्थि सो हेऊ णत्थित्तं णत्थि सो हेऊ ॥४३०॥ चउव्विहे संखाणे प० तं० पडिकम्मं ववहारे रज्जू रासी ॥ ४३१ ॥ अहोलोगे णं चत्तारि अंधयारं करेंति तं० णरगा णेरइया पावाइं कम्माइं असुभा पोग्गला, तिरियलोगे णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० चंदा सूरा मणी **जोई,** उड्ढलोगे णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० देवा देवीओ विमाणा आभरणा ॥ ४३२ ॥ **चउट्ठाणस्स तइओद्देसो समत्तो** ॥

चत्तारि पसप्पगा प० तं० अणुप्पन्नाणं भोगाणं उप्पाएत्ता एगे पसप्पए, पुव्वुप्पन्नाणं भोगाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए, अणुप्पण्णाणं सोक्खाणं उप्पाइत्ता एगे पसप्पए पुव्वुप्पण्णाणं सोक्खाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए ॥ ४३३ ॥ णेरइयाणं चउविहे आहारे प० तं० इंगालोवमे मुम्मुरोवमे सीयले हिमसीयले । तिरिक्खजोणियाणं चउव्विहे आहारे प० तं० कंकोवमे बिलोवमे पाणमंसोवमे पुत्तमंसोवमे । मणुस्साणं चउव्विहे आहारे, असणे पाणे खाइमे साइमे । देवाणं चउव्विहे आहारे प० तं० वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते ॥ ४३४ ॥ चत्तारि जाइआसीविसा प० तं० विच्छुयजाइआसीविसे मंडुक्कजाइआसीविसे उरगजाइआसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे । विच्छुयजाइआसीविसस्स णं भंते केवइए विसए प० ? पभूणं विच्छुयजाइआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं

विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए विसएसे विसट्ठयाए नो चेव णं संपत्तीए करिंसु वा करेंति वा करिस्संति वा मंडुक्कजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं मंडुक्कजाइआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं तं चेव जाव करिस्संति, उरगजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं उरगजाइआसीविसे जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा। मणुस्सजाइआसीविसपुच्छा, पभूणं मणुस्सजाइआसीविसे समयक्खेत्तपमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए विसएसे विसट्ठयाए नो चेव णं जाव करिस्संति वा ॥ ४३५ ॥ चउव्विहा वाही प० तं० वाइए पित्तिए सिंभिए सन्निवाइए, चउव्विहा तिगिच्छा प० तं० विज्जो ओसहाइं आउरे परियारए, चत्तारि तिगिच्छगा प० तं० आयतिगिच्छए णाममेगे णो परतिगिच्छए परतिगिच्छए णाममेगे णो आयतिगिच्छए जाव चउभंगो ॥ ४३६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणपरिमासी, वणपरिमासी णाममेगे णो वणकरे, एगे वणकरेवि वणपरिमासीवि, एगे णो वणकरे णो वणपरिमासी, चत्तारि पुरिसजाया प०तं० वणकरे णाममेगे णो वणसारक्खी ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणसंरोही ४ ॥ ४३७ ॥ चत्तारि वणा प० तं० अंतो सल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतो सल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४। चत्तारि वणा प० तं० अंतो दुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे, बाहिंदुट्ठे णाममेगे णो अंतो दुट्ठे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतो दुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे ४ ॥ ४३८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसे, सेयंसे णाममेगे पावंसे, पावंसे णाममेगे सेयंसे, पावंसे णाममेगे पावंसे। चत्तारि पुरिसजाया प०तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसेत्ति णाममेगे सेयंसेत्ति मण्णइ, सेयंसेत्ति णाममेगे पावंसेत्ति मण्णइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए मन्नइ सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए मन्नइ ४ ॥ ४३९ ॥ चत्तारि पु० प० तं० आघवइत्ता णाममेगे णो परिभावइत्ता, परिभावइत्ता णाममेगे णो आघवइत्ता ४। चत्तारि पु० प० तं० आघवइत्ता णाममेगे णो उंछजीवियासंपन्ने, उंछजीवियासंपन्ने णाममेगे णो आघवइत्ता ४ ॥ ४४० ॥ चउव्विहा रुक्खविगुव्वणा प० तं० पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए ॥४४१॥ चत्तारि वाइसमोसरणा प० तं० किरियावाई अकिरियावाई अण्णाणियावाई वेणइयावाई, णेरइयाणं चत्तारि वाइसमोसरणा प० तं० किरियावाई जाव वेणइयावाई, एवमसुरकुमाराणवि जाव थणियकुमाराणं, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणि-

याणं ॥ ४४२ ॥ चत्तारि मेहा प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता, वासित्ता णाममेगे णो गज्जित्ता, एगे गज्जित्तावि वासित्तावि, एगे णो गज्जित्ता णो वासित्ता, एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता, विज्जुयाइत्ता णाममेगे णो गज्जित्ता ४ । एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४ । एवामेव चत्तारि पु० प० तं० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४ । चत्तारि मेहा प० तं० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी, अकालवासी णाममेगे णो कालवासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी ४ । चत्तारि मेहा प० तं० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४ । एवामेव चत्तारि पु० प० तं० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४। चत्तारि मेहा प० तं० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता, णिम्मवइत्ता णाममेगे णो जणइत्ता ४ । एवामेव चत्तारि अम्मापियरो प० तं० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० देसवासी णाममेगे णो सव्ववासी ४। एवामेव चत्तारि रायाणो प० तं० देसाहिवई णाममेगे णो सव्वाहिवई ४ । चत्तारि मेहा प० तं० पुक्खलसंवट्टए पज्जुण्णे जीमूए जिम्हे । पोक्खलसंवट्टए णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवाससहस्साइं भावेइ, पज्जुण्णे णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवाससयाइं भावेइ, जीमूए णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवासाइं भावेइ, जिम्हे णं महामेहे बहुवासेहिं एगं वासं भावेइ वा ण भावेइ वा ॥ ४४३ ॥ चत्तारि करंडगा प० तं० सोवागकरंडए वेसियाकरंडए गाहावइकरंडए रायकरंडए, एवामेव चत्तारि आयरिया प०तं० सोवागकरंडगसमाणे, वेसियाकरंडगसमाणे, गाहावइकरंडगसमाणे, रायकरंडगसमाणे ॥ ४४४ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए ४। एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए एरंडे णाममेगे० ४ । चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४ । एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४। **गाहा** सालदुममज्झगारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे (१) एरंडमज्झगारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (२) सालदुममज्झयारे एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुलआयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे (३) एरंडमज्झयारे, एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुलआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (४) ॥४४५॥ चत्तारि मच्छा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी, अंतचारी

मज्झचारी, एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी ॥ ४४६ ॥ **चत्तारि गोला** प० तं० मधुसित्थगोले जउगोले दारुगोले मट्टियागोले, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मधुसित्थगोलसमाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० अयगोले तउगोले तंबगोले सीसगोले एवामेव चत्तारि पु० प० तं० अयगोलसमाणे जाव सीसगोलसमाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० हिरण्णगोले सुवण्णगोले रयणगोले वयरगोले एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० हिरण्णगोलसमाणे जाव वयरगोलसमाणे ॥ ४४७ ॥ चत्तारि पत्ता प० तं० असिपत्ते करपत्ते खुरपत्ते कलंबचीरियापत्ते, एवामेव चत्तारि पु० प० तं० असिपत्तसमाणे जाव कलंबचीरियापत्तसमाणे ॥ ४४८ ॥ चत्तारि कडा प० तं० सुंबकडे विदलकडे चम्मकडे कंबलकडे एवामेव चत्तारि पु० प० तं० सुंबकडसमाणे जाव कंबलकडसमाणे ॥ ४४९ ॥ चउव्विहा चउप्पया प० तं० एगखुरा दुखुरा गंडीपदा सणप्पदा, चउव्विहा पक्खी प० तं० चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी विययपक्खी। चउव्विहा खुद्दपाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया ॥ ४५० ॥ चत्तारि पक्खी प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता परिवइत्ता णाममेगे णो णिवइत्ता एगे णिवइत्तावि परिवइत्तावि एगे णो णिवइत्ता णो परिवइत्ता एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता ४॥४५१॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिक्कट्ठे णाममेगे णिक्कट्ठे णिक्कट्ठे णाममेगे अणिक्कट्ठे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिक्कट्ठे णाममेगे णिक्कट्ठप्पा णिक्कट्ठे णाममेगे अणिक्कट्ठप्पा ४। चत्तारि पु० प० तं० बुहे णाममेगे बुहे बुहे णाममेगे अबुहे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बुहे णाममेगे बुहहियए ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयाणुकंपए णाममेगे णो पराणुकंपए ४ ॥ ४५२ ॥ चउव्विहे संवासे प० तं० दिव्वे आसुरे रक्खसे माणुसे, चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ देवे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे० ४। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे मणुस्सीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे णाममेगे रक्खसीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ ४ चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे

णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० रक्खसे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे माणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४ ॥ ४५३ ॥ चउव्विहे **अवद्धंसे** प० तं० आसुरे आभियोगे संमोहे देवकिब्बिसे, चउहिं ठाणेहिं जीवा आसुरत्ताए कम्मं पकरेंति तं० कोहसीलयाए पाहुडसीलयाए संसत्ततवोकम्मेणं निमित्ताजीवयाए, चउहिं ठाणेहिं जीवा आभिओगत्ताए कम्मं पगरेंति तं० अत्तुक्कोसेणं परपरिवाएणं भूइकम्मेणं कोउयकरणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा सम्मोहत्ताए कम्मं पगरेंति तं० उम्मग्गदेसणाए मग्गंतराएणं कामासंसपओगेणं भिज्जानियाणकरणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवकिब्बिसियाए कम्मं पगरेंति तं० अरिहंताणं अवण्णं वयमाणे अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वयमाणे, आयरियउवज्झायाणमवण्णं वयमाणे चाउवण्णस्स संघस्स अवण्णं वयमाणे ॥ ४५४ ॥ **चउव्विहा पव्वज्जा** प० तं० इहलोगपडिबद्धा परलोगपडिबद्धा दुहओ लोगपडिबद्धा अप्पडिबद्धा, चउव्विहा **पव्वज्जा** प० तं० पुरओपडिबद्धा मग्गओपडिबद्धा दुहओपडिबद्धा अप्पडिबद्धा, चउव्विहा **पव्वज्जा** प० तं० ओवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा विहगगइपव्वज्जा चउव्विहा **पव्वज्जा** प० तं० तुयावइत्ता पुयावइत्ता मोयावइत्ता परिपूयावइत्ता, चउव्विहा **पव्वज्जा** प० तं० णडखइया भडखइया सीहखइया सीयालक्खइया, चउव्विहा किसी प० तं० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया एवामेव चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया, चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० धण्णपुंजियसमाणा धण्णविरल्लियसमाणा धण्णविक्खित्तसमाणा धण्णसंकट्टियसमाणा ॥ ४५५ ॥ **चत्तारि सण्णाओ** पण्णत्ताओ तं० आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा **चउहिं ठाणेहिं आहारसण्णा समुप्पज्जइ** तं० ओमकोट्ठयाए छुहावेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं, चउहि ठाणेहिं **भयसण्णा** समुप्पज्जइ तं० हीणसत्तयाए भयवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं, चउहिं ठाणेहिं मेहुणसण्णा समुप्पज्जइ तं० चियमंससोणिययाए मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं, चउहिं ठाणेहिं परिग्गहसण्णा समुप्पज्जइ तं० अविमुत्तयाए लोभवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं ॥ ४५६ ॥ **चउव्विहा कामा** सिंगारा कलुणा वीभच्छा रोद्दा, **सिंगारा** कामा देवाणं, **कलुणा** कामा मणुयाणं, **वीभच्छा** कामा तिरिक्खजोणियाणं, **रोद्दा** कामा णेरइयाणं ॥ ४५७ ॥ **चत्तारि उदगा** प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदए उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदए गभीरे णाममेगे उत्ताणोदए गंभीरे णाममेगे

गंभीरोदए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए उत्ताणे णाममेगे गंभीरहियए ४ चत्तारि उदगा प०तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी, उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। चत्तारि उदही प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदही, उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदही ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए ४। चत्तारि उदही प०तं०उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी ४ ॥४५८॥ **चत्तारि तरगा** प०तं० समुद्दं तरामित्ति एगे समुद्दं तरइ, समुद्दं तरामित्ति एगे गोप्पयं तरइ, गोप्पयं तरामित्ति एगे ४। चत्तारि तरगा प० तं० समुद्दं तरित्ता णाममेगे समुद्दे विसीयइ, समुद्दं तरित्ता णाममेगे गोप्पए विसीयइ ४ ॥ ४५९ ॥ चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे पुण्णे णाममेगे तुच्छे, तुच्छे णाममेगे पुण्णे तुच्छे णाममेगे तुच्छे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी, पुण्णे णाममेगे तुच्छोभासी ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे पुण्णे णाममेगे तुच्छरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे ४। चत्तारि कुंभा प०तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे, पुण्णेवि एगे अवदले, तुच्छेवि एगे पियट्ठे तुच्छेवि एगे अवदले, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे ४। तहेव, चत्तारि कुंभा प०तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ, पुण्णेवि एगे णो विस्संदइ, तुच्छेवि एगे विस्संदइ, तुच्छेवि एगे णो विस्संदइ। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ ४ तहेव। चत्तारि कुंभा प० तं० भिन्ने जज्जरिए परिस्साई अपरिस्साई। एवामेव चउव्विहे चरित्ते प० तं० भिन्ने जाव अपरिस्साई। चत्तारि कुंभा प० तं० महुकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे महुकुंभे णाममेगे विसपिहाणे विसकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे विसकुंभे णाममेगे विसपिहाणे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४। हिययमपावमकलुसं जीहा वि य महुरभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ से मधुकुंभे महुपिहाणे (१) हिययमपावमकलुसं, जीहा वि य कडुयभासिणी णिच्चं; जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से मधुकुंभे विसपिहाणे, (२) जं हिययं कलुसमयं जीहा वि य मधुरभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे मधुपिहाणे (३) जं हिययं कलुसमयं, जीहा वि य कडुयभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे विसपिहाणे (४) ॥ ४६० ॥ **चउ-**

व्विहा उवसग्गा प० तं० दिव्वा माणुसा तिरिक्खजोणिया आयसंवेयणिज्जा। **दिव्वा उवसग्गा चउव्विहा** प० तं० हासा पओसा वीमंसा पुढोवेमाया, **माणुस्सा उवसग्गा चउव्विहा** प० तं० हासा पाओसा वीमंसा कुसीलपडिसेवणया, **तिरिक्खजोणिया उवसग्गा** चउव्विहा प० तं० भया पदोसा आहारहेउं अवच्चलेणसारक्खणया, **आयसंचेयणिज्जा उवसग्गा चउव्विहा** प० तं० घट्टणया पवडणया थंभणया लेसणया ॥ ४६१ ॥ **चउव्विहे कम्मे** प० तं० सुभे णामं एगे सुभे, सुभे णाममेगे असुभे, असुभे० ४ । चउव्विहे कम्मे प० तं० सुभे णाममेगे सुभविवागे, सुभे णाममेगे असुभविवागे, असुभे णाममेगे सुभविवागे, असुभे णाममेगे असुभविवागे । **चउव्विहे कम्मे** प० तं० पगडीकम्मे, ठिइकम्मे, अणुभावकम्मे पदेसकम्मे ॥ ४६२ ॥ **चउव्विहे संघे** प० तं० समणा समणीओ सावगा साविगाओ ॥ ४६३ ॥ **चउव्विहा बुद्धी** प० तं० उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया, पारिणामिया, **चउव्विहा मई** प० तं० उग्गहमई ईहामई अवायमई धारणामई **अहवा चउव्विहा मई**, अरंजरोदगसमाणा, वियरोदगसमाणा सरोदगसमाणा सागरोदगसमाणा ॥ ४६४ ॥ चउव्विहा **संसारसमावण्णगा** जीवा प० तं० णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा, चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० मणजोगी वइजोगी कायजोगी अजोगी, अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसकवेयगा अवेयगा, अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी, अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० संजया असंजया संजयासंजया णोसंजयाणोअसंजया ॥ ४६५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प०तं० मित्ते णाममेगे मित्ते, मित्ते णाममेगे अमित्ते, अमित्ते णाममेगे मित्ते, अमित्ते णाममेगे अमित्ते, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मित्ते णाममेगे मित्तरूवे चउभंगो ॥ ४६६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्ते मुत्ते णाममेगे अमुत्ते ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्तरूवे ४ ॥ ४६७ ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चउगइया चउआगइया प० तं० पंचिंदियतिरिक्खजोणिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणा णेरइएहिंतो वा, तिरिक्खजोणिएहिंतो वा, मणुस्सेहिंतो वा, देवेहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से पंचिंदियतिरिक्खजोणिए पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्तं विप्पजहमाणे णेरइयत्ताए वा जाव देवत्ताए वा उवागच्छेज्जा, मणुस्सा चउगइया चउआगइया एवं चेव मणुस्सावि ॥ ४६८ ॥ बेइंदिया णं जीवा असमारंभमाणस्स चउव्विहे संजमे कज्जइ तं० जिब्भामयाओ सोक्खाओ अववरोवित्ता भवइ, जिब्भामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ, फासामयाओ

सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, फासामयाओ दुक्खाओ असंजोगेत्ता भवइ, बेइंदिया णं जीवा समारंभमाणस्स चउव्विहे असंजमे कज्जइ तं० जिब्भामयाओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ जिब्भामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ फासामयाओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ फासामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ ॥ ४६९ ॥ सम्मदिट्ठियाणं णेरइयाणं चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ तं० आरंभिया, परिग्गहिया मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया, सम्मदिट्ठियाणमसुरकुमाराणं चत्तारि किरियाओ प० एवं चेव। एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं॥४७०॥ चउहिं ठाणेहि संते गुणे णासेज्जा तं० कोहेणं पडिनिसेवेणं, अकयण्णुयाए, मिच्छत्ताहिणिवेसेणं। चउहिं ठाणेहिं संते गुणे दीवेज्जा तं० अब्भासवत्तियं, परछंदाणुवत्तियं, कज्जहेउं, कयपडिकइएइ वा; णेरइयाणं चउहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं जाव वेमाणियाणं, णेरइयाणं चउठाणणिव्वत्तिए सरीरे तं० कोहनिव्वत्तिए जाव लोभनिव्वत्तिए, एवं जाव वेमाणियाणं। चत्तारि धम्मदारा प० तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे ॥ ४७१ ॥ चउहिं ठाणेहि जीवा णेरइयत्ताए कम्मं पगरेंति तं० महारंभयाए, महापरिग्गहयाए पंचिंदियवहेणं कुणिमाहारेणं, चउहि ठाणेहिं जीवा तिरिक्खजोणियत्ताए कम्मं पगरेंति तं० माइल्लयाए नियडिल्लयाए अलियवयणेणं कूडतुलकूडमाणेणं, चउहिं ठाणेहिं जीवा मणुस्सत्ताए कम्मं पगरेंति तं०पगइभद्दयाए पगइविणीययाए साणुक्कोसयाए अमच्छरियाए। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवाउयत्ताए कम्मं पगरेंति तं० सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं बालतवोकम्मेणं अकामणिज्जराए ॥४७२॥ चउव्विहे वज्जे प०तं० तते वितते घणे झुसिरे, चउव्विहे णट्टे प०तं०अंचिए रिभिए आरभडे भिसोले, चउव्विहे गेये प० तं० उक्खित्तए पत्तए मंदए रोविंदए, चउव्विहे मल्ले प० तं० गंथिमे वेढिमे पूरिमे संघाइमे चउव्विहे अलंकारे प० तं० केसालंकारे वत्थालंकारे मल्लालंकारे आभरणालंकारे, चउव्विहे अभिणए प० तं० दिट्ठंतिए पाडंसुए सामंतोवायणिए लोगमब्भावसिए ॥ ४७३ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा चउवण्णा प० तं० णीला लोहिया हालिद्दा सुक्किल्ला। महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं चत्तारि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ४७४ ॥ चत्तारि उदगगब्भा प० तं० उस्सा महिया सीया उसिणा, चत्तारि उदगगब्भा प० तं० हेमगा अब्भसंथडा सीओसिणा पंचरूविया माहे उ हेमगा गब्भा फग्गुणे अब्भसंथडा, सीओसिणा उ चित्ते, वइसाहे पंचरूविया (१) चत्तारि माणुस्सीगब्भा प० तं० इत्थित्ताए पुरिसत्ताए णपुंसगत्ताए विंबत्ताए अप्पं सुक्कं बहुं ओयं इत्थी तत्थ पजायइ, अप्पं ओयं

वहुं सुक्कं पुरिसो तत्थ पजायइ (१) दोण्हं पि रत्तसुक्काणं, तुल्लभावे नपुंसओ; इत्थीओतसमाओगे, विंवं तत्थ पजायइ (२) ॥ ४७५ ॥ उप्पायपुव्वस्स णं चत्तारि चूलियावत्थू प०, चउव्विहे कव्वे प० गज्जे पज्जे कत्थे गेए ॥४७६॥ णेरइयाणं चत्तारि समुग्घाया प० तं० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए एवं वाउकाइयाणवि ॥ ४७७ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स चत्तारि सया चोद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसंनिवाईणं जिणो इव अवितहवागरमाणाणं उक्कोसिया चोद्दसपुव्विसंपया होत्था, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ ४७८ ॥ हेट्ठिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प० तं० सोहम्मे ईसाणे सणंकुमारे माहिंदे, मज्झिल्ला चत्तारि कप्पा पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिया प० तं० बंभलोगे लंतए महासुक्के सहस्सारे, उवरिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प० तं० आणए पाणए आरणे अच्चुए ॥ ४७९ ॥ चत्तारि समुद्दा पत्तेयरसा प० तं० लवणोदए वरुणोदए खीरोदए घओदए, चत्तारि आवत्ता प० तं० खरावत्ते उन्नयावत्ते गूढावत्ते आमिसावत्ते, एवामेव चत्तारि कसाया प०तं० खरावत्तसमाणे कोहे उन्नयावत्तसमाणे माणे, गूढावत्तसमाणा माया, आमिसावत्तसमाणे लोभे। खरावत्तसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, उन्नयावत्तसमाणं माणं एवं चेव गूढावत्तसमाणं मायमेवं चेव आमिसावत्तसमाणं लोभं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ ॥ ४८० ॥ अणुराहा णक्खत्ते चउतारे प० पुव्वासाढे एवं चेव। उत्तरासाढे एवं चेव ॥ ४८१ ॥ जीवा णं चउट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णेरइयणिव्वत्तिए तिरिक्खजोणियणिव्वत्तिए मणुस्सणिव्वत्तिए देवणिव्वत्तिए। एवं उवचिणिंसु वा उवचिणंति वा उवचिणिस्संति वा एवं चिणउवचिणवंधोदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥ ४८२ ॥ चउप्पएसिया खंधा अणंता प० चउप्पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० चउसमयठिईया पोग्गला अणंता प० चउगुणकालगा पोग्गला अणंता जाव चउगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥४८३ ॥ **चउट्ठाणस्स चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ चउट्ठाणं समत्तं ॥**

पंचमट्ठाणं

पंचमहव्वया प० तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं, **पंचाणुव्वया** प० तं० थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, थूलाओ मुसावायाओ वेरमणं, थूलाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं, थूलाओ

मेहुणाओ वेरमणं (सदारसंतोसे), इच्छापरिमाणे ॥ ४८४ ॥ पंच वण्णा प० तं० किण्हा नीला लोहिया हालिद्दा सुक्किल्ला, **पंच रसा** प० तं० तित्ता कडुया कसाया अंबिला महुरा, **पंच कामगुणा** प० तं० सद्दा रूवा गंधा रसा फासा, पंचहिं ठाणेहिं जीवा सज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं, एवं रज्जंति मुच्छंति गिज्झंति अज्झोववज्जंति, पंचहिं ठाणेहिं जीवा विणिघायमावज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं, पंच ठाणा अपरिण्णाया जीवाणं अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० सद्दा जाव फासा, पंचठाणा सुपरिण्णाया जीवाणं हियाए सुभाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० सद्दा जाव फासा, पंच ठाणा अपरिण्णाया जीवाणं दुग्गइगमणाए भवंति तं० सद्दा जाव फासा, पंचठाणा परिण्णाया जीवाणं सुगइगमणाए भवंति तं० सद्दा जाव फासा ॥ ४८५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं जीवा दुग्गइं गच्छंति तं० पाणाइवाएणं जाव परिग्गहेणं, पंचहिं ठाणेहिं जीवा सोगइं गच्छंति तं० पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं ॥ ४८६ ॥ पंच **पडिमाओ** प० तं० भद्दा सुभद्दा महाभद्दा सव्वओभद्दा भद्दुत्तरपडिमा ॥ ४८७ ॥ पंच **थावरकाया** प० तं० इंदे थावरकाए बिंबे थावरकाए सिप्पे थावरकाए संमई थावरकाए पायावच्चे थावरकाए, पंच **थावरकायाहिवई** प० तं० इंदे थावरकायाहिवई, जाव पायावच्चे थावरकायाहिवई ॥ ४८८ ॥ पंचहिं ठाणेहिं **ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामेवि** तप्पढमयाए खंभाएज्जा तं० अप्पभूयं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, कुंथुरासिभूयं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, महइमहालयं वा महोरगसरीरं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, देवं वा महिड्डियं जाव महेसक्खं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, पुरेसु वा पोराणाइं महइमहालयाइं महाणिहाणाइं पहीणसामियाइं पहीणसेउयाइं पहीणगुत्तागाराइं उच्छिण्णसामियाइं उच्छिण्णसेउयाइं उच्छिण्णगुत्तागाराइं जाइं इमाइं गामागरणगरखेडकब्बडमंडवदोणमुहपट्टणासमसंबाहसंनिवेसेसु सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु णगरणिद्धमणेसु सुसाणसुण्णागारगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठावणभवणगिहेसु संनिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए खंभाएज्जा ॥ ४८९॥ पंचहिं ठाणेहिं केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा तं० अप्पभूयं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा सेसं तहेव जाव भवणगिहेसु संनिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा, सेसं तहेव, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णो खंभाएज्जा ॥ ४९० ॥ णेरइयाणं सरीरगा पंचवण्णा

पंचरसा प० तं० किण्हा जाव सुक्किला तित्ता जाव मधुरा, एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ ४९१ ॥ पंच सरीरगा प० तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए, ओरालियसरीरे पंचवण्णे पंचरसे प० तं० किण्हे जाव सुक्किल्ले, तित्ते जाव महुरे, एवं जाव कम्मगसरीरे, सव्वे वि णं बादरबोंदिधरा कलेवरा पंचवण्णा पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा ॥ ४९२ ॥ पंचहिं ठाणेहिं पुरिसपच्छिमगाणं जिणाणं **दुग्गमं** भवइ तं० दुआइक्खं दुविभज्जं दुपस्सं दुतितिक्खं दुरणुचरं। पंचहिं ठाणेहिं मज्झिमगाणं जिणाणं सुगमं भवइ तं० सुआइक्खं सुविभज्जं सुपस्सं सुतितिक्खं सुरणुचरं ॥ ४९३ ॥ पंचठाणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं निग्गंथाणं **णिच्चं वण्णियाइं णिच्चं कित्तियाइं** णिच्चं बुइयाइं णिच्चं पसत्थाइं णिच्चमब्भणुण्णायाइं भवंति तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे, पंचठाणाइं समणाणं जाव **अब्भणुण्णायाइं** भवंति तं० सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ ४९४ ॥ पंचठाणाइं समणाणं जाव **अब्भणुण्णायाइं** भवंति तं० उक्खित्तचरए णिक्खित्तचरए अंतचरए पंतचरए लूहचरए, पंचठाणाइं जाव **अब्भणुण्णायाइं** भवंति तं० अन्नायचरए अन्नवेलचरए मोणचरए संसट्ठकप्पिए तज्जायसंसट्ठकप्पिए, पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० उवनिहिए सुद्धेसणिए संखादत्तिए दिट्ठलाभिए पुट्ठलाभिए, पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० आयंबिलिए निव्वियए पुरिमड्ढिए परिमियपिंडवाइए भिन्नपिंडवाइए, पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे, पंचठाणाइं जाव भवंति तं० अरसजीवी विरसजीवी अंतजीवी पंतजीवी लूहजीवी, पंचठाणाइं जाव भवंति तंजहा–ठाणाइए उक्कुडुआसणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए णेसज्जिए, पंचठाणाइं जाव भवंति तं० दंडायइए लगंडसाई आयावए **अवाउडए** अकंडुयए ॥ ४९५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे **महानिज्जरे** महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए आयरियवेयावच्चं करेमाणे एवं उवज्झायवेयावच्चं थेरवेयावच्चं तवस्सिवेयावच्चं गिलाणवेयावच्चं करेमाणे, पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे **महानिज्जरे** महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए सेहवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए कुलवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए गणवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए संघवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए साहम्मियवेयावच्चं करेमाणे ॥ ४९६ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे **साहम्मियं संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ** तं० सकिरियट्ठाणं पडिसेवित्ता भवति पडिसेवित्ता णो आलोएइ आलोएत्ता णो पट्ठवेइ पट्ठवेत्ता णो णिव्विसइ जाइं इमाइं थेराणं ठिइप्पकप्पाइं भवंति ताइं अइयंचिय २ पडिसेवेइ से हंद हं पडिसेवामि

किं मे थेरा करिस्संति ? पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे साहम्मियं पारंचियं करेमाणे णाइक्कमइ तं०सकुले वसइ कुलस्स भेयाए अब्भुट्ठेत्ता भवइ, गणे वसइ गणस्स भेयाए अब्भुट्ठेत्ता भवइ हिंसप्पेही छिद्दप्पेही अभिक्खणं अभिक्खणं पसिणायतणाइं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंचवुग्गहट्ठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए णं गणंसि आणं वा धारणं वा नो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि आहाराइणियाए किइकम्मं णो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारेन्ति ते काले २ णो सम्ममणुप्पवाएत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसिं गिलाणसेहवेयावच्चं णो सम्मम‌ब्भुट्ठेत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि अणापुच्छियचारी यावि भवइ, णो आपुच्छियचारी, आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंच **अवुग्गहट्ठाणा** प०तं० आयरियउवज्झाए णं गणंसि आणं वा धारणं वा सम्मं पउंजित्ता भवइ एवमहाराइणियाए सम्मं किइकम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारेन्ति ते काले २ सम्ममणुपवाइत्ता एवं गिलाणसेहवेयावच्चं सम्मं अब्भुट्ठित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि आपुच्छियचारी यावि भवइ, णो अणापुच्छियचारी ॥४९७॥ **पंच निसिज्जाओ** प० तं० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया पलियंका अद्धपलियंका॥४९८॥ पंच **अज्जवट्ठाणा** प०तं० साहुअज्जवं साहुमद्दवं साहुलाघवं साहुखंती साहुमुत्ती ॥४९९॥ पंच विहा जोइसिया प० तं० चंदा सूरा गहा णक्खत्ता ताराओ ॥ ५०० ॥ **पंच विहा देवा** प० तं० भवियदव्वदेवा णरदेवा धम्मदेवा देवाइदेवा भावदेवा ॥ ५०१ ॥ पंचविहा **परियारणा** प० तं० कायपरियारणा फासपरियारणा रूवपरियारणा सद्दपरियारणा मणपरियारणा ॥ ५०२ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो पंच अग्गमहिसीओ प० तं० काली राई रयणी विज्जू मेहा, बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो पंच अग्गमहिसीओ प० तं० सुभा णिसुभा रंभा णिरंभा मयणा ॥ ५०३ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए महिसाणिए रहाणिए, दुमे पायत्ताणियाहिवई सोदामे आसराया पीढाणियाहिवई कुंथू हत्थिराया कुंजराणियाहिवई लोहियक्खे महिसाणियाहिवई किण्णरे रहाणियाहिवई, बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए, महादुमे पायत्ताणियाहिवई महासोदामे आसराया पीढाणियाहिवई मालंकारे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई महालोहिअक्खे महिसाणियाहिवई किंपुरिसे रहाणियाहिवई, धरणिंदस्स णं णागिंदस्स नागकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया

पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए भद्दसेणे पायत्ताणियाहिवई जसोधरे आसराया पीढाणियाहिवई सुदंसणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई नीलकंठे महिसाणियाहिवई आणंदे रहाणियाहिवई । भूयाणंदस्स नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए, दक्खे पायत्ताणियाहिवई सुग्गीवे आसराया पीढाणियाहिवई सुविक्कमे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई सेयकंठे महिसाणियाहिवई णंदुत्तरे रहाणियाहिवई वेणुदेवस्स णं सुवण्णिंदस्स सुवन्नकुमाररन्नो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए एवं जहा धरणस्स तहा वेणुदेवस्स वि । वेणुदालियस्स य जहा भूयाणंदस्स, जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प०तं० पायत्ताणिए जाव उसभाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई वाऊ आसराया पीढाणियाहिवई एरावणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई दामड्ढी उसभाणियाहिवई माढरे रहाणियाहिवई ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो पंच संगामिया अणिया जाव पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए उसभाणिए रहाणिए, लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई महावाऊ आसराया पीढाणियाहिवई पुप्फदंते हत्थिराया कुंजराणियाहिवई महादामड्ढी उसभाणियाहिवई महामाढरे रहाणियाहिवई जहा सक्कस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव आरणस्स जहा ईसाणस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव अच्चुयस्स । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं पंच पलिओवमाइं ठिई प० ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अब्भिंतरपरिसाए देवीणं पंच पलिओवमाइं ठिई प०॥५०४॥ पंचविहा **पडिहा** प० तं० गइपडिहा ठिइपडिहा बंधणपडिहा भोगपडिहा बलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमपडिहा ॥ ५०५ ॥ पंचविहे **आजीवे** प० तं० जाइआजीवे कुलाजीवे कम्माजीवे सिप्पाजीवे लिंगाजीवे ॥ ५०६ ॥ पंच **रायककुहा** प० तं० खग्गं छत्तं उप्फेसं उवाहणाओ वालवीयणी ॥ ५०७ ॥ पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे णं उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा खमेज्जा तितिक्खेज्जा अहियासेज्जा तं० उदिन्नकम्मे खलु अयं पुरिसे उम्मत्तगभूए तेण मे एस पुरिसे अक्कोसए वा अवहसइ वा णिच्छोढेइ वा णिब्भच्छेइ वा बंधइ वा रुंभइ वा छविच्छेयं करेइ वा पमारं वा णेइ उद्दवेइ वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुच्छणमच्छिंदइ वा विच्छिंदइ वा भिंदइ वा अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिन्ने भवइ तेण मे एस

पुरिसे अक्कोसइ वा जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं असहमाणस्स अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किं मन्ने कज्जइ ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ ममं च णं सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स कि मन्ने कज्जइ ? एगंतसो मे निज्जरा कज्जइ इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे उदिन्ने परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ ५०८ ॥ पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिन्ने परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा तं० खित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा दित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिन्ने भवइ तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं सहमाणं खममाणं तितिक्खमाणं अहियासेमाणं पासित्ता बहवे अन्ने छउमत्था समणा निग्गंथा उदिन्ने परिसहोवसग्गे एवं सम्मं सहिस्संति जाव अहियासिस्संति इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिन्ने परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ ५०९ ॥ पंच **हेऊ** प० तं० हेउं न जाणइ हेउं न पासति हेउं ण बुज्झइ हेउं नाभिगच्छइ हेउमण्णाणमरणं मरइ, पंच **हेऊ** प० तं० हेउणा ण जाणइ जाव हेउणा अण्णाणमरणं मरइ, पंच **हेऊ** प० तं० हेउं जाणइ जाव हेउं छउमत्थमरणं मरइ, पंच **हेऊ** प० तं० हेउणा जाणइ जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरइ, पंच **अहेऊ** प० तं० अहेउं न जाणइ जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरइ, पंच **अहेऊ** प० तं० अहेउणा न जाणइ जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ, पंच अहेऊ प० तं० अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं मरइ, पंच अहेऊ प० तं० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं मरइ ॥ ५१० ॥ **केवलिस्स णं पंच अणुत्तरा** प० तं० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए ॥ ५११ ॥ पउमप्पहे णं अरहा पंच चित्ते होत्था तं० चित्ताहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते चित्ताहि जाए चित्ताहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए चित्ताहिं अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने चित्ताहिं परिनिव्वुए। पुप्फदंते णं अरहा पंच मूले होत्था मूलेणं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, एवं चेव एएणं अभिलावेणं इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ ॥ पउमप्पभस्स चित्ता मूले पुण होइ पुप्फदंतस्स; पुव्वाइं आसाढा सीयलस्सुत्तर विमलस्स भद्दवया (१) रेवइया अणंतजिणो पूसो धम्मस्स संतिणो भरणी, कुंथुस्स कत्तियाओ अरस्स तह रेवईओ य (२) मुणिसुव्वयस्स सवणो आसिणि नमिणो य नेमिणो चित्ता, पासस्स विसाहाओ **पंच य हत्थुत्तरे वीरो** (३) सेसं जहा आयारे ॥ ५१२ ॥ **पंचमट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

नो कप्पइ निग्गंथाणं वा, निग्गंथीणं वा इमाओ उद्दिट्ठाओ गणियाओ वियंजियाओ पंच महण्णवाओ महाणईओ अंतो मासस्स दुक्खुत्तो वा, तिक्खुत्तो वा, उत्तरित्तए वा संतरित्तए वा तं० गंगा जउणा सरऊ एरावई मही, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा, दुब्भिक्खंसि वा, पव्वहेज्ज व णं कोई उदयोघंसि वा एज्जमाणंसि, महता वा अणारिएहिं, णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा पढमपाउसंसि गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा दुब्भिक्खंसि वा जाव महता वा अणारिएहिं, वासावासं पज्जोसवियाणं णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा निग्गंथीणं वा गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए आयरियउवज्झाया वा से वीसुंभेज्जा आयरियउवज्झायाणं वा वहिया वेयावच्चं करणयाए ॥ ५१३ ॥ पंच **अणुग्घाइमा** प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे मेहुणं पडिसेवेमाणे राइभोयणं भुंजमाणे सागारियपिंडं भुंजमाणे रायपिंडं भुंजमाणे, पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे रायंतेउरमणुपविसमाणे नाइक्कमइ तं० णगरं सिया सव्वओ समंता गुत्ते गुत्तदुवारे वहवे समणा निग्गंथा णो संचाएन्ति भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा तेसिं विण्णवणट्ठयाए रायंतेउरमणुपविसेज्जा पाडिहारियं वा पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणमाणे रायंतेउरमणुपविसेज्जा हयस्स वा गयस्स वा दुट्ठस्स आगच्छमाणस्स भीए रायंतेउरमणुपविसेज्जा परो वा णं सहसा वा वलसा वा वाहाए गहाय रायंतेउरमणुपविसेज्जा वहिया व णं आरामगयं वा उज्जाणगयं वा रायंतेउरजणो सव्वओ समंता संपरिक्खिवित्ता णं निविसेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे जाव णाइक्कमइ ॥ ५१४ ॥ पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं असंवसमाणी वि** गब्भं धरेज्जा तं० इत्थी दुव्वियडा दुन्निसन्ना सुक्कपोग्गले अहिट्ठेज्जा, सुक्कपोग्गलसंसिट्ठे वा से वत्थे अंतो जोणीए अणुपविसेज्जा सयं वा सा सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा परो वा से सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा सीओदगवियडेण वा से आयममाणीए सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा, इच्चेएहि पंचहिं ठाणेहिं जाव धरेज्जा, पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धरेज्जा** तं० अप्पत्तजोवणा अइक्कंतजोवणा जाइवंझा गेलन्नपुट्ठा दोमणंसिया इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धरेज्जा, पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धरेज्जा** तं० निच्चोउआ अणोउआ वावन्नसोया वाविद्धसोया अणंगपडिसेविणी इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धरेज्जा, पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धरेज्जा** तं० उदुंसि णो णिगास-

पडिसेविणी यावि भवइ, समागया वा से सुक्कपोग्गला पडिविद्धंसंति उदिन्ने वा से पित्त-सोणिए पुरा वा देवकम्मुणा पुत्तफले वा नो निद्दिट्ठे भवइ इच्चेएहिं जाव णो धरेज्जा ॥ ५१५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं **निग्गंथा निग्गंथीओ य एगयओ ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति** तं० अत्थेगइया निग्गंथा निग्गंथीओ य एगं महं अगामियं छिन्नावायं दीहमद्धं अडविमणुपविट्ठा तत्थेगयओ ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा २ गामंसि वा णगरंसि वा जाव रायहाणिंसि वा वासं उवागया एगइया जत्थ उवस्सयं लभंति एगइया णो लभंति तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा णिग्गंथीओ य णागकुमारावासंसि वा सुवन्नकुमारावासंसि वा वासं उवागया तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, आमोसगा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ चीवरपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, जुवाणा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ मेहुणपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णाइक्कमंति। पंचहिं ठाणेहि समणे णिग्गंथे **अचेलए** सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे नाइक्कमइ तं० खित्तचित्ते समणे णिग्गंथे निग्गंथेहि अविज्जमाणेहिं अचेलओ सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे नाइक्कमइ एवमेएणं गमएणं दित्तचित्ते जक्खाइट्ठे उम्मायपत्ते निग्गंथीपव्वावियए समणे निग्गंथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं निग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ ॥ ५१६ ॥ **पंच आसवदारा** प० तं० मिच्छत्तं अविरई पमाओ कसाया जोगा, **पंच संवरदारा** प० तं० सम्मत्तं विरई अपमाओ अकसाइत्तं पसत्थजोगित्तं, **पंच दंडा** प० तं० अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठिविपरियासियादंडे। **पंच किरियाओ** प० तं० आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया मिच्छादंसणवत्तिया, मिच्छदिट्ठिनेरइयाणं **पंच किरियाओ** प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया एवं सव्वेसिं निरंतरं जाव मिच्छादिट्ठियाणं वेमाणियाणं। णवरं विगलेंदिया मिच्छादिट्ठी न भन्नंति सेसं तहेव **पंच किरियाओ** प० तं० काइया अहिगरणिया पाओसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया, नेरइयाणं पंच एवं चेव निरंतरं जाव वेमाणियाणं, पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया णेरइयाणं पंच जाव वेमाणियाणं। **पंच किरियाओ** प० तं० दिट्ठिया पुट्ठिया पाडुच्चिया सामंतोवणिवाइया साहत्थिया एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, **पंच किरियाओ** प० तं० णेसत्थिया आणवणिया वेयारणिया अणाभोगवत्तिया अणवकंखवत्तिया, एवं जाव वेमाणियाणं, **पंच किरियाओ** प० तं० पेज्जवत्तिया दोसवत्तिया पओगकिरिया समुदाणकिरिया इरियावहिया एवं मणुस्साण वि सेसाणं

णत्थि ॥ ५१७ ॥ **पंच विहा परिण्णा** प० तं० उवहिपरिण्णा उवस्सयपरिन्ना कसायपरिण्णा जोगपरिन्ना भत्तपाणपरिण्णा ॥ ५१८ ॥ पंच विहे **ववहारे** प० तं० आगमे सुए आणा धारणा जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुए सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा णो से तत्थ सुए सिया एवं जाव जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, आगमेणं जाव जीएणं जहा २ से तत्थ आगमे जाव जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा से किमाहु भंते ! आगमवलिया समणा णिग्गंथा ? इच्चेयं पंच विहं ववहारं जया जया जहिं जहिं तया तया तहिं तहिं अणिस्सिओवस्सियं सम्मं ववहरमाणे समणे णिग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥ ५१९ ॥ **संजयमणुस्साणं सुत्ताणं पंच जागरा** प० तं० सद्दा जाव फासा संजयमणुस्साणं जागराणं पंच सुत्ता प० तं० सद्दा जाव फासा असंजयमणुस्साणं सुत्ताणं वा जागराणं वा पंच जागरा प० तं० सद्दा जाव फासा ॥ ५२० ॥ पंचहिं ठाणेहि जीवा रयं आइज्जंति तं० पाणाइवाएणं जाव परिग्गहेणं । पंचहिं ठाणेहिं जीवा रयं वमंति तं० पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं । पंचमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स कप्पंति पंचदत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए पंचपाणगस्स ॥ ५२१ ॥ पंच विहे **उवघाए** प० तं० उग्गमोवघाए उप्पायणोवघाए एसणोवघाए परिकम्मोवघाए परिहरणोवघाए **पंचविहा विसोही** प० तं० उग्गमविसोही उप्पायणविसोही एसणाविसोही परिकम्मविसोही परिहरणविसोही, **पंचहिं ठाणेहिं जीवा दुल्लभबोहियत्ताए कम्मं पगरेंति** तं० अरिहंताणमवण्णं वदमाणे अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वदमाणे आयरियउवज्झायाणमवण्णं वदमाणे चाउवण्णस्स संघस्स अवण्णं वदमाणे विविक्कतववंभचेराणं देवाणं अवण्णं वदमाणे, पंचहि ठाणेहिं जीवा **सुलभबोहियत्ताए** कम्मं पगरेंति, अरिहंताणं वण्णं वदमाणे, जाव विविक्कतववंभचेराणं देवाणं वण्णं वदमाणे ॥ ५२२ ॥ पंच **पडिसंलीणा** प० तं० सोइंदियपडिसंलीणे जाव फासिंदियपडिसंलीणे, **पंच अपडिसंलीणा** प० तं० सोइंदियअपडिसंलीणे जाव फासिदियअपडिसंलीणे, **पंच विहे संवरे** प० तं०— सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे **पंचविहे असंवरे** प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव फासिंदियअसंवरे ॥ ५२३ ॥ **पंचविहे संजमे** प० तं० सामाइयसंजमे छेदोवट्ठावणियसंजमे परिहारविसुद्धियसंजमे सुहुमसंपरायसंजमे अहक्खायचरित्तसंजमे, एगिंदिया णं जीवा असमारंभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ तं० पुढविकाइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे, एगिंदिया णं जीवा समारंभमाणस्स पंचविहे असंजमे

कज्जइ तं० पुढविकाइयअसंजमे जाव वणस्सइकाइयअसंजमे, पंचिंदिया णं जीवा असमारंभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ तं० सोइंदियसंजमे जाव फासिंदियसंजमे, पंचिंदिया णं जीवा समारंभमाणस्स पंचविहे असंजमे कज्जइ तं० सोइंदियअसंजमे जाव फासिंदियअसंजमे, सव्वपाणभूयजीवसत्ता णं असमारंभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ तं० एगिंदियसंजमे जाव पंचिंदियसंजमे, सव्वपाणभूयजीवसत्ता णं समारंभमाणस्स पंचविहे असंजमे कज्जइ तं० एगिंदियअसंजमे जाव पंचिंदियअसंजमे ॥५२४॥ **पंचविहा तणवणस्सइकाइया** प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया बीयरुहा ॥ ५२५ ॥ **पंचविहे आयारे** प० तं० णाणायारे दंसणायारे चरित्तायारे तवायारे वीरियायारे, **पंचविहे आयारपकप्पे** प० तं० मासिए उग्घाइए मासिए अणुग्घाइए चउमासिए उग्घाइए चउमासिए अणुग्घाइए आरोवणा, **आरोवणा पंचविहा** प० तं० पट्ठविया ठविया कसिणा अकसिणा हाडहडा ॥ ५२६ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमे णं सीयाए महानईए उत्तरेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० मालवंते चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले, जंबूमंदरस्स पुरओ सीयाए महाणईए दाहिणेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे सोमणसे, जंबूमंदरपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० विज्जुप्पभे अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं पंच वक्खारपव्वया प० तं० चंदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए गंधमायणे, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं देवकुराए कुराए पंचमहद्दहा प० तं० निसहदहे देवकुरुदहे सूरदहे सुलसदहे विज्जुप्पहदहे, जंबूमंदरउत्तरेणं उत्तरकुराए कुराए पंचमहद्दहा प० तं० नीलवंतदहे उत्तरकुरुदहे चंददहे एरावणदहे मालवंतदहे, सव्वेवि णं वक्खारपव्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मंदरं वा पव्वयंतेणं पंचजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंचगाउयसयाइं उव्वेहेणं, धायइसंडे दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० मालवंते एवं जहा जंबुद्दीवे तहा जाव पोक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे वक्खारा दहा य वक्खारपव्वयाणं उच्चत्तं भाणियव्वं, समयक्खेत्ते णं पंच भरहाइं पंच एरवयाइं एवं जहा चउठ्ठाणे बिइए उद्देसे तहा एत्थवि भाणियव्वं जाव पंच मंदरा पंचमंदरचूलियाओ णवरं उसुयारा णत्थि ॥ ५२७ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था बाहुबली णं अणगारे एवं चेव। बंभी णं अज्जा एवं चेव एवं सुंदरीवि, पंचहिं ठाणेहिं **सुत्ते वि**

वुज्झेज्जा तं० सद्देणं फासेणं भोयणपरिणामेणं णिद्दक्खएणं सुविणदंसणेणं, पंचहिं ठाणेहिं **समणे णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंवमाणे वा णाइक्कमइ** तं० णिग्गंथिं च णं अन्नयरे पसुजाइए वा पक्खीजाइए वा ओहाएज्जा तत्थ णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंवमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं दुग्गंसि वा विसमंसि वा पक्खलमाणिं वा पवडमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलंवमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं सेयंसि वा पंकंसि वा पणगंसि वा उदगंसि वा उक्कस्समाणिं वा उवुज्झमाणिं वा गिण्हमाणे वा अवलंवमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं णावं आरुहमाणे वा ओरुहमाणे वा णाइक्कमइ खित्तइत्तं दित्तइत्तं जक्खाइट्ठं उम्मायपत्तं उवसग्गपत्तं साहिगरणं सपायच्छित्तं जाव भत्तपाणपडियाइक्खियं अट्ठजायं वा निग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंवमाणे वा णाइक्कमइ ॥ ५२८ ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि **पंच अतिसेसा** प० तं० आयरियउवज्झाए अंतोउवस्सयस्स पाए निगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स उच्चारपासवणं विगिंचमाणे वा विसोहेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए पभू इच्छा वेयावडियं करेज्जा इच्छा णो करेज्जा आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा एगागी वसमाणे णाइक्कमइ। आयरियउवज्झाए वाहिं उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा वसमाणे णाइक्कमइ। पंचहिं ठाणेहिं आयरियउवज्झायस्स गणावक्कमणे प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा नो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि अहारायणियाए किइकम्मं वेणइयं नो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारिंति ते काले णो सम्ममणुपवादेत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि सगणियाए वा परगणियाए वा निग्गंथीए वहिल्लेसे भवइ, मित्ते णाइगणे वा से गणाओ अवक्कमेज्जा तेसिं संगहोवग्गहट्ठयाए गणावक्कमणे पण्णत्ते। **पंचविहा इड्ढिमंता मणुस्सा** प० तं० अरहंता चक्कवट्टी वलदेवा वासुदेवा भावियप्पाणो अणगारा ॥ ५२९ ॥ **पंचमट्ठाणस्स बिइओ उद्देसो समत्तो** ॥

पंच अत्थिकाया प० तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए धम्मत्थिकाए अवन्ने अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे से समासओ पंचविहे प० तं० दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगं दव्वं खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते कालओ ण कयाइ णासी न कयाइ न भवइ न कयाइ न भविस्सइत्ति भुविं भवइ य भविस्सइ य धुवे णितिए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, भावतो अवन्ने

अगंधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे य (१) अधम्मत्थिकाए अवन्ने एवं चेव णवरं गुणओ ठाणगुणे (२) आगासत्थिकाए अवन्ने एवं चेव णवरं खेत्तओ लोगालोगप्पमाणमित्ते गुणओ अवगाहणागुणे सेसं तं चेव (३) जीवत्थिकाए णं अवन्ने एवं चेव णवरं दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, अरुवी जीवे सासए, गुणओ उवओगगुणे, सेसं तं चेव (४) पोग्गलत्थिकाए पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे रूवी अजीवे सासए अवट्ठिए जाव दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ णासी जाव णिच्चे भावओ वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते, गुणओ गहणगुणे ॥ ५३० ॥ **पंच गईओ** प० तं० निरयगई तिरियगई मणुयगई देवगई सिद्धिगई । पंच **इंदियत्था** प० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे **पंच मुंडा** प० तं०–सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे, **अहवा पंच मुंडा** प० तं० कोहमुंडे, माणमुंडे, मायामुंडे, लोभमुंडे, सिरमुंडे ॥ ५३१ ॥ अहे लोगे णं पंच वायरा प० तं० पुढविकाइया आउ० वाउ० वणस्सइकाइया उराला तसा पाणा ॥ उड्ढलोगे णं पंच वायरा, एए चेव, तिरियलोगे णं पंच वायरा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया । पंच विहा बादरतेउकाइया प० तं० इंगाले जाला मुम्मुरे अच्ची अलाए, **बादरवाउकाइया** पंचविहा प० तं० पाईणवाए पडीणवाए उदीणवाए दाहिणवाए विदिसिवाए **पंचविहा अचित्ता वाउकाइया** प० तं० अक्कंते धंते पीलिए सरीराणुगए संमुच्छिमे ॥ ५३२ ॥ **पंच नियंठा** प० तं० पुलाए बउसे कुसीले नियंठे सिणाए । **पुलाए पंच विहे** प० तं० णाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए नामं पंचमे । **बउसे पंचविहे** प० तं० आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे णामं पंचमे । **कुसीले पंचविहे** प० तं० णाणकुसीले दंसणकुसीले चरित्तकुसीले लिंगकुसीले अहासुहुमकुसीले णामं पंचमे । **नियंठे पंचविहे** प० तं० पढमसमयनियंठे अपढमसमयनियंठे चरिमसमयनियंठे अचरिमसमयनियंठे अहासुहुमनियंठे णामं पंचमे । **सिणाए पंच विहे** प० तं० अच्छवी असबले अकम्मंसे संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अपरिस्सावी ॥ ५३३ ॥ कप्पइ निग्गंथाणं वा निग्गंथीणं वा **पंचवत्थाइं धारेत्तए** वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए खोमिए साणए पोत्तिए तिरीडपट्टए णामं पंचमए । कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा पंच रयहरणाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा, तंजहा–उण्णिए उट्टिए साणए पच्चापिच्चियए मुंजापिच्चिए णामं पंचमे ॥ ५३४ ॥ **धम्मं चरमाणस्स पंच निस्साठाणा** प० तं० छक्काए गणो राया गिहवई सरीरं । **पंच णिही** प० तं०

पुत्तणिही मित्तणिही सिप्पणिही धणणिही धन्नणिही **पंचविहे सोए** प० तं० पुढविसोए आउसोए तेउसोए मंतसोए बंभसोए, **पंचठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ** तं० धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवं असरीरपडिबद्धं परमाणुपोग्गलं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव परमाणुपोग्गलं । **अहे** लोगे णं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया प० तं० काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे, उड्ढलोगे णं पंच अणुत्तरा महइमहालया **महाविमाणा** प० तं० विजये वेजयंते जयंते अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे ॥ ५३५ ॥ **पंच पुरिसजाया** प० तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते उदयणसत्ते **पंच मच्छा** प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी सव्वचारी, एवामेव पंच भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी जाव सव्वसोयचारी **पंच वणीमगा** प० तं० अतिहिवणीमए किवणवणीमए माहणवणीमए साणवणीमए समणवणीमए । **पंचहिं ठाणेहिं अचेलए पसत्थे भवइ** तं० अप्पा पडिलेहा लाघविए पसत्थे रूवेवेसासिए तवे अणुण्णाए विउले इंदियनिग्गहे **पंच उक्कला** प० तं० दंडुक्कले रज्जुक्कले तेणुक्कले देसुक्कले सव्वुक्कले **पंच समिईओ** प० तं० इरियासमिई भासा जाव पारिठावणियासमिई ॥ ५३६ ॥ **पंचविहा संसारसमावन्नगा** जीवा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया, एगिंदिया पंचगइया पंचागइया प० तं० एगिंदिए एगिंदिएसु उववज्जमाणे एगिंदिएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से एगिंदिए एगिंदियत्तं विप्पजहमाणे एगिंदियत्ताए वा जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा, बेइंदिया पंचगइया पंचागइया एवं चेव, एवं जाव पंचिंदिया पंचगइया पंचागइया प० तं० पंचिंदिया जाव गच्छेज्जा ॥ ५३७ ॥ **पंचविहा सव्वजीवा** प० तं० कोहकसाई जाव लोभकसाई अकसाई, अहवा पंचविहा सव्वजीवा प० तं० नेरइया जाव देवा सिद्धा, अह भंते ! कलमसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगसईणपलिमंथगाणं एएसि णं धन्नाणं कुट्ठाउत्ताणं जहा सालीणं जाव केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पंच संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव तेण परं जोणीवोच्छेदे पण्णत्ते ॥ ५३८ ॥ **पंच संवच्छरा** प० तं० णक्खत्तसंवच्छरे जुगसंवच्छरे पमाणसंवच्छरे लक्खणसंवच्छरे सणिचरसंवच्छरे, **जुगसंवच्छरे पंचविहे** प० तं० चंदे चंदे अभिवड्ढिए चंदे अभिवड्ढिए चेव, **पमाणसंवच्छरे पंचविहे** प० तं० णक्खत्ते चंदे उऊ आइच्चे अभिवड्ढिए **लक्खणसंवच्छरे पंचविहे** प० तं० समगं नक्खत्ता जोगं

जोयंति समगं उऊ परिणमंति; णच्चुण्हं णाइसीओ बहूदओ होइ णक्खत्ते (१) ससिसगलपुण्णमासी जोएइ विसमचारिणक्खत्ते कडुओ बहूदओ या तमाहु संवच्छरं चंदं (२) विसमं पवालिणो परिणमंति, अणुदूसु देंति पुप्फफलं; वासं ण सम्म वासइ तमाहु संवच्छरं कम्मं (३) पुढविदगाणं तु रसं पुप्फफलाणं तु देइ आदिच्चो; अप्पेण वि वासेणं सम्मं निप्फज्जए सस्सं (४) आइच्चतेयतविया खणलवदिवसा उऊ परिणमंति; पूरिति रेणुथलयाइं, तमाहु अभिवड्ढियं जाण ५ (५३९) **पंचविहे जीवस्स निज्जाणमग्गे** प० तं० पाएहिं ऊरूहिं उरेणं सिरेणं सव्वंगेहिं पाएहिं निज्जाणमाणे णिरयंगामी भवइ ऊरूहिं णिज्जाणमाणे तिरियगामी भवइ उरेणं णिज्जाणमाणे मणुयगामी भवइ सिरेणं णिज्जाणमाणे देवगामी भवइ सव्वंगेहिं णिज्जाणमाणे सिद्धिगइपज्जवसाणे पण्णत्ते, **पंचविहे छेयणे** प० तं० उप्पायच्छेयणे वियच्छेयणे बंधच्छेयणे पएसच्छेयणे दोधारच्छेयणे, **पंचविहे आणंतरिए** प० तं० उप्पायणंतरिए वियणंतरिए पएसाणंतरिए समयाणंतरिए सामण्णाणंतरिए। **पंचविहे अणंते** प० तं० णामणंतए ठवणाणंतए दव्वाणंतए गणणाणंतए पएसाणंतए, अहवा **पंचविहे अणंतए** प० तं० एगओऽणंतए दुहओणंतए देसवित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ५४० ॥ पंचविहे **णाणे** प० तं० आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे **पंचविहे णाणावरणिज्जे कम्मे** प० तं० अभिणिबोहियणाणावरणिज्जे जाव केवलणाणावरणिज्जे, पंचविहे **सज्झाए** प०तं० वायणा पुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा, पंचविहे **पच्चक्खाणे** प० तं० सद्दहणसुद्धे विणयसुद्धे अणुभासणासुद्धे अणुपालणासुद्धे भावसुद्धे **पंचविहे पडिक्कमणे** प० तं० आसवदारपडिक्कमणे मिच्छत्तपडिक्कमणे कसायपडिक्कमणे जोगपडिक्कमणे भावपडिक्कमणे **पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं वाएज्जा** तं० संगहट्ठयाए उवग्गहणट्ठयाए निज्जरणट्ठयाए सुत्ते वा मे पज्जवयाए भविस्सइ सुत्तस्स वा अवोच्छित्तिणयट्ठयाए **पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं सिक्खिज्जा** तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए वुग्गहविमोयणट्ठयाए अहत्थे वा भावे जाणिस्सामीति कट्टु, सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचवण्णा प० तं० किण्हा जाव सुक्किल्ला (१) सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० (२) बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं पंचरयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० (३) णेरइया णं पंचवण्णे पंचरसे पोग्गले बंधेसु वा बंधंति वा बंधिस्संति वा तं० किण्हे जाव सुक्किल्ले, तित्ते जाव मधुरे, एवं जाव वेमाणिया ॥ ५४१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं गंगामहाणइं पंचमहाणईओ

समप्पेंति तं० जउणा सरऊ आदी कोसी मही (१) जंबूमंदरस्स दाहिणेणं सिंधुमहाणई पंचमहाणदीओ समप्पेंति तं० सयद्दू विभासा वितत्था एरावती चंदभागा (२) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तामहानई पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० किण्हा महाकिण्हा नीला महानीला महातीरा (३) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तावई महाणई पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० इंदा इंदसेणा सुसेणा वारिसेणा महाभोया (४) ॥ ५४२ ॥ **पंच तित्थयरा कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडा जाव पव्वइया** तं० वासुपुज्जे मल्ली अरिट्ठनेमी पासे वीरे । चमरचंचाए णं रायहाणीए **पंच सभा** प० तं० सुहम्मासभा उववायसभा अभिसेयसभा अलंकारियसभा ववसायसभा, एगमेगे णं इंदट्ठाणे णं पंच सभाओ प० तं० सुहम्मासभा जाव ववसायसभा । पंच णक्खत्ता पंच तारा प० तं० धणिट्ठा रोहिणी पुणव्वसू हत्थो विसाहा, जीवा णं पंचट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० एगिंदियनिव्वत्तिए जाव पंचिंदियनिव्वत्तिए एवं चिण उवचिण वंध उदीर वेद तह णिज्जरा चेव, पंचपएसिया खंधा अणंता प० पंचपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० जाव पंच गुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ५४३ ॥ **पंचमट्ठाणस्स तइओ उद्देसो समत्तो, पंचमट्ठाणं समत्तं** ॥

छट्ठाणं

छहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ गणं धारित्तए तं० सड्ढी पुरिसजाए, सच्चे पुरिसजाए, मेहावी पुरिसजाए, वहुस्सुए पुरिसजाए, सत्तिमं, अप्पाहिगरणे, छहिं ठाणेहिं निग्गंथे निग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंवमाणे वा नाइक्कमइ, तं० खित्तचित्तं, दित्तचित्तं, जक्खाइट्ठं, उम्मायपत्तं, उवसग्गपत्तं, साहिगरणं ॥ ५४४ ॥ छहिं ठाणेहिं निग्गंथा निग्गंथीओ य साहम्मियं कालगयं समायरमाणा णाइक्कमन्ति तं० अंतोहिंतो वा वाहिं णीणेमाणा, वाहिंहिंतो वा निव्वाहिं णीणेमाणा, उवेहमाणा वा, उवासमाणा वा, अणुन्नवेमाणा वा, तुसिणीए वा संपव्वयमाणा ॥ ५४५ ॥ छ ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायमधम्मत्थिकायमागासं जीवमसरीरपडिवद्धं परमाणुपोग्गलं सद्दं एयाणि चेव उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे जाव सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव सद्दं ॥५४६॥ छहिं ठाणेहिं सव्वजीवाणं णत्थि इड्ढीति वा जुत्तीति वा जसेइ वा वलेइ वा वीरिएइ वा पुरिसक्कार जाव परक्कमेति वा तं० जीवं वा अजीवं करणयाए,अजीवं वा जीवं करणयाए, एगसमएणं वा दो भासाओ भासित्तए, सयं कडं वा कम्मं वेएमि वा मा वा वेएमि,

परमाणुपोग्गलं वा छिंदित्तए वा भिंदित्तए वा, अगणिकाएण वा समोदहित्तए, बहिया वा लोगंता गमणयाए ॥ ५४७ ॥ छजीवनिकाया प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५४८ ॥ छ तारग्गहा प० तं० सुक्के, बुहे, वहस्सई, अंगारए, सणिच्चरे, केऊ ॥ ५४९ ॥ छव्विहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५५० ॥ पुढविकाइया छगइया छआगइया प० तं० पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव तसकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, सो चेव णं से पुढविकाइए पुढविकाइयत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा जाव तसकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा, आउकाइयावि छगइया छआगइया, एवं चेव जाव तसकाइया ॥ ५५१ ॥ छव्विहा सव्वजीवा प० तं० आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी, अन्नाणी ॥ ५५२ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया, अणिंदिया ॥ ५५३ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० तं० ओरालियसरीरी, वेउव्वियसरीरी, आहारगसरीरी, तेयगसरीरी, कम्मगसरीरी, असरीरी ॥ ५५४ ॥ छव्विहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया बीयरुहा संमुच्छिमा ॥ ५५५ ॥ छठाणाइं सव्वजीवाणं णो सुलभाइं भवंति, तं० माणुस्सए भवे, आयरिए खित्ते जम्मं, सुकुले पच्चायाती, केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स सवणया सुयस्स वा सद्दहणया, सद्दहियस्स वा पत्तियस्स वा रोइयस्स वा सम्मं काएणं फासणया ॥५५६॥ छ इंदियत्था प० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे णोइंदियत्थे ॥ ५५७ ॥ छव्विहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे णोइंदियसंवरे ॥ ५५८ ॥ छव्विहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे, जाव फासिंदिअअसंवरे, णोइंदिअअसंवरे ॥ ५५९ ॥ छव्विहे साए प० तं० सोइंदियसाए जाव नोइंदियसाए ॥ ५६० ॥ छव्विहे असाए प० तं० सोइंदियअसाए, जाव नोइंदियअसाए ॥ ५६१ ॥ छव्विहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे, पडिक्कमणारिहे, तदुभयारिहे, विवेगारिहे, विउस्सग्गारिहे, तवारिहे ॥ ५६२ ॥ छव्विहा मणुस्सा प० तं० जंबूदीवगा, धायइखंडदीवपुरच्छिमद्धगा, धायइखंडदीवपच्चत्थिमद्धगा, पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धगा, पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धगा, अंतरदीवगा, अहवा छव्विहा मणुस्सा प० तं० संमुच्छिममणुस्सा, कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा, गब्भवक्कंतियमणुस्सा कम्मभूमिगा अकम्मभूमिगा अतरदीवगा ॥ ५६३ ॥ छव्विहा इड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० अरहंता, चक्कवट्टी, वलदेवा, वासुदेवा, चारणा, विज्जाहरा ॥ ५६४ ॥ छव्विहा अणिड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० हेमवंतगा हेरन्नवंतगा हरिवंसगा रम्मगवंसगा कुरु-

वासिणो अंतरदीवगा ॥ ५६५ ॥ छव्विहा ओसप्पिणी प० तं० सुसमसुसमा जाव दुसमदुसमा, छव्विहा उस्सप्पिणी प० तं० दुसमदुसमा जाव सुसमसुसमा ॥५६६॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीताए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए मणुया छच्च धणुसहस्साइं उड्ढमुच्चत्तेणं हुत्था, छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालयित्था ॥५६७॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एवं चेव ॥५६८॥ जंबू० भरहेरवए आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एवं चेव, जाव छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालइस्संति ॥ ५६९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया छधणुस्सहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालेंति ॥ ५७० ॥ एवं धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धे चत्तारि आलावगा जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चच्छिमद्धे चत्तारि आलावगा ॥ ५७१ ॥ छव्विहे संघयणे प०तं० वइरोसभणारायसंघयणे, उसभणारायसंघयणे, नारायसंघयणे, अद्धनारायसंघयणे, कीलियासंघयणे, छेवट्ठसंघयणे ॥ ५७२ ॥ छव्विहे संठाणे प०तं० समचउरंसे, णग्गोहपरिमंडले, साई, खुज्जे, वामणे, हुंडे ॥ ५७३ ॥ छट्ठाणा अणत्तवओ अहियाए असुभाए जाव अणाणुगामियत्ताए भवंति, तं० परियाए परियाले सुए तवे लाभे पूयासक्कारे ॥ ५७४ ॥ छट्ठाणा अत्तवतो हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० परियाए परियाले जाव पूयासक्कारे ॥ ५७५ ॥ छव्विहा जाइआरिया मणुस्सा प० तं० अंबट्ठा य कलंदा य वेदेहा वेदिगाइया; हरिता चुंचुणा चेव छप्पेया इब्भजाइओ ॥ ५७६ ॥ छव्विहा कुलारिया मणुस्सा प० तं० उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा णाया कोरवा ॥ ५७७ ॥ छव्विहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही उदहिपइट्ठिया पुढवी पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा अजीवा जीवपइट्ठिया जीवा कम्मपइट्ठिया ॥ ५७८ ॥ छद्दिसाओ प० तं० पाईणा पडीणा दाहिणा उईणा उड्ढा अहा ॥ ५७९ ॥ छहिं दिसाहिं जीवाणं गई पवत्तइ तं० पाईणाए जाव अहाए एवमागई वक्कंती आहारे वुड्ढी निवुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे दंसणाभिगमे णाणाभिगमे जीवाभिगमे अजीवाभिगमे एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणवि मणुस्साणवि ॥ ५८० ॥ छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे आहारमाहारेमाणे णाइक्कमइ तं० वेयणवेयावच्चे इरियट्ठाए य संजमट्ठाए, तह पाणवत्तियाए छट्ठं पुण धम्मचिंताए, छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे आहारं वोच्छिदमाणे णाइक्कमइ तं० आतंके उवसग्गे तितिक्खणे वंभचेरगुत्तीए पाणिदया तवहेउं सरीरवुच्छेयणट्ठाए ॥ ५८१ ॥ छहिं ठाणेहिं आया उम्मायं पाउणेज्जा तं० अरहंताणमवण्णं वदमाणे, अरहंतपन्नत्तस्स

धम्मस्स अवण्णं वदमाणे, आयरियउवज्झायाणमवन्नं वदमाणे, चाउवण्णस्स संघस्स अवन्नं वदमाणे, जक्खावेसेण चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं ॥ ५८२ ॥ छव्विहे पमाए प० तं० मज्जपमाए, णिद्दपमाए, विसयपमाए, कसायपमाए, जूयपमाए, पडिलेहणापमाए ॥ ५८३ ॥ छव्विहा पमायपडिलेहणा प० तं० आरभडा संमद्दा, वज्जेयव्वा य मोसली तइया, पप्फोडणा चउत्थी विक्खित्ता वेइया छट्ठी (१) छव्विहा अप्पमायपडिलेहणा प० तं० अणच्चावियं अवलितं, अणाणुबंधिं अमोसलिं चेव छप्पुरिसा णव खोडा पाणी पाणविसोहणी (२) ॥ ५८४ ॥ छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा, एवं मणुस्सदेवाण वि ॥ ५८५ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ५८६ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारन्नो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ५८७ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स मज्झिमपरिसाए देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ५८८ ॥ छ दिसिकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूवा रूतंसा सुरूवा रूववई रूवकंता रूयप्पभा, छ विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया ॥ ५८९ ॥ धरणस्स णं नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो छ अग्गमहिसीओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया, भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छ अग्गमहिसीओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूववई रूवकंता रूयप्पभा, जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स, जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसि उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स ॥ ५९० ॥ धरणस्स णं नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो छसामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, एवं भूयाणंदस्स वि जाव महाघोसस्स ॥ ५९१ ॥ छव्विहा उग्गहमई प० तं० खिप्पमोगिण्हइ बहुमोगिण्हइ बहुविधमोगिण्हइ धुवमोगिण्हइ अणिस्सियमोगिण्हइ असंदिद्धमोगिण्हइ ॥ ५९२ ॥ छव्विहा ईहामई प० तं० खिप्पमीहइ, बहुमीहइ, जाव असंदिद्धमीहइ ॥ ५९३ ॥ छव्विहा अवायमई प० तं० खिप्पमवेइ जाव असंदिद्धमवेइ छव्विहा धारणा प० तं० बहुं धारेइ बहुविहं धारेइ पोराणं धारेइ दुद्धरं धारेइ अणिस्सियं धारेइ असंदिद्धं धारेइ ॥ ५९४ ॥ छव्विहे बाहिरए तवे प० तं० अणसणं ओमोयरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायकिलेसो पडिसंलीणया ॥ ५९५ ॥ छव्विहे अब्भंतरिए तवे प० तं० पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ झाणं विउस्सग्गो ॥ ५९६ ॥ छव्विहे विवादे प० तं० ओसक्कइत्ता उस्सक्कइत्ता अणुलोमइत्ता पडिलोमइत्ता भइत्ता भेलइत्ता ॥ ५९७ ॥

छव्विहा खुड्डा पाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया तेउकाइया वाउकाइया ॥ ५९८ ॥ छव्विहा गोयरचरिया प० तं० पेडा अद्धपेडा गोमुत्तिया पतंगवीहिया संवुक्कवट्टा गंतुंपच्चागया ॥ ५९९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंतमहानिरया प० तं० लोले लोलुए उद्दड्ढे निद्दड्ढे जरए पज्जरए ॥ ६०० ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंता महानिरया प० तं० आरे वारे मारे रोरे रोरुए खाडखडे ॥ ६०१ ॥ बंभलोए णं कप्पे छ विमाणपत्थडा प० तं० अरए विरए नीरए निम्मले वितिमिरे विसुद्धे ॥ ६०२ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो छ णक्खत्ता पुव्वंभागा समखेत्ता तीसइमुहुत्ता प० तं० पुव्वाभद्दवया कत्तिया महा पुव्वाफग्गुणी मूलो पुव्वासाढा ॥ ६०३ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो छ णक्खत्ता णत्तंभागा अवड्ढखेत्ता पन्नरसमुहुत्ता प० तं० सयभिसया भरणी अद्दा अस्सेसा साई जेट्ठा ॥ ६०४ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो छ णक्खत्ता उभयंभागा दिवड्ढखेत्ता पणयालीसमुहुत्ता प० तं० रोहिणी पुणव्वसू उत्तराफग्गुणी विसाहा उत्तरासाढा उत्तराभद्दवया ॥ ६०५ ॥ अभिचंदे णं कुलकरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥६०६॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं महाराया हुत्था ॥६०७॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स छस्सया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाणं संपया होत्था ॥६०८॥ वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे जाव पव्वइए ॥६०९॥ चंदप्पभे णं अरहा छम्मासे छउमत्थे होत्था ॥६१०॥ तेइंदियाणं जीवाणं असमारभमाणस्स छव्विहे संजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवति घाणामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ जिब्भामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ एवं चेव फासामाओ वि ॥ ६११ ॥ तेइंदियाणं जीवाणं समारभमाणस्स छव्विहे असंजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ घाणामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ जाव फासमएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ ॥ ६१२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ६१३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे ॥ ६१४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते निसढे नीलवंते रुप्पी सिहरी ॥ ६१५ ॥ जंबूमंदरदाहिणे णं छ कूडा प० तं० चुल्लहिमवंतकूडे वेसमणकूडे महाहिमवंतकूडे वेरुलियकूडे निसढकूडे रुयगकूडे ॥ ६१६ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं छकूडा प० तं० नीलवंतकूडे उवदंसणकूडे रुप्पिकूडे मणिकंचणकूडे सिहरिकूडे तिगिच्छकूडे ॥६१७॥

जंबुद्दीवे दीवे छ महद्दहा प० तं० पउमद्दहे महापउमद्दहे तिगिच्छद्दहे केसरिद्दहे महापोंडरीयद्दहे पुंडरीयद्दहे ॥ ६१८ ॥ तत्थ णं छ देवयाओ महड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० सिरी हिरी धिई कित्ती बुद्धी लच्छी ॥ ६१९ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं छ महानईओ प० तं० गंगा सिंधू रोहिया रोहियंसा हरी हरिकंता ॥ ६२० ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरे णं छ महानईओ प० तं० णरकंता णारिकंता सुवण्ण-कूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई ॥ ६२१ ॥ जंबूमंदरपुरच्छिमे णं सीयाए महानईए उभयकूले छ अंतरनईओ प० तं० गाहावई दहावई पंकवई तत्तजला मत्तजला उम्मत्तजला ॥ ६२२ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमे णं सीओयाए महानईए उभयकूले छ अंतरनईओ प० तं० खीरोदा सीहसोया अंतोवाहिणी उम्मिमालिणी फेणमालिणी गंभीरमालिणी ॥ ६२३ ॥ धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धेणं छ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एवं जहा जंबुद्दीवे २ तहा णई जाव अंतरणईओ जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थि-मद्धे भाणियव्वं ॥६२४॥ छ उऊ प० तं० पाउसे वरिसारत्ते सरए हेमंते वसंते गिम्हे ॥ ६२५ ॥ छ ओमरत्ता प० तं० तइए पव्वे सत्तमे पव्वे एक्कारसमे पव्वे पन्नरसमे पव्वे एगूणवीसइमे पव्वे तेवीसइमे पव्वे ॥ ६२६ ॥ छ अइरत्ता प० तं० चउत्थे पव्वे अट्ठमे पव्वे दुवालसमे पव्वे सोलसमे पव्वे वीसइमे पव्वे चउवीसइमे पव्वे ॥ ६२७ ॥ आभिणिबोहियणाणस्स णं छव्विहे अत्थोग्गहे प०तं० सोइंदियत्थोग्गहे जाव नोइंदियत्थोग्गहे ॥ ६२८ ॥ छव्विहे ओहिणाणे प० तं० आणुगामिए अणाणुगामिए वड्ढमाणए हीयमाणए पडिवाई अपडिवाई ॥ ६२९ ॥ नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा इमाइं छअवयणाइं वइत्तए तं० अलियवयणे हीलि-यवयणे खिंसियवयणे फरुसवयणे गारत्थियवयणे विउसवियं वा पुणो उदीरित्तए ॥ ६३० ॥ छ कप्पस्स पत्थारा प० तं० पाणाइवायस्स वायं वयमाणे मुसावायस्स वायं वयमाणे अदिन्नादाणस्स वायं वयमाणे अविरइवायं वयमाणे अपुरिसवायं वयमाणे दासवायं वयमाणे इच्चेए छ कप्पस्स पत्थारे पत्थरेत्ता सम्ममं-परिपूरेमाणे तट्ठाणपत्ते ॥ ६३१ ॥ छ कप्पस्स पलिमंथू प० तं० कोकुइए संजमस्स पलिमंथू मोहरिए सच्चवयणस्स पलिमंथू चक्खुलोलुए इरियावहियाए पलिमंथू तिंतिणिए एसणागोयरस्स पलिमंथू इच्छालोभिए मुत्तिमग्गस्स पलिमंथू भिज्जाणि-दाणकरणे मोक्खमग्गस्स पलिमंथू सव्वत्थ भगवया अणिदाणता पसत्था ॥६३२॥ छव्विहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेओवट्ठावणियकप्पठिई निव्विसमाण-कप्पठिई णिव्विट्ठकप्पठिई जिणकप्पठिई थिविरकप्पठिई ॥ ६३३ ॥ समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं मुंडे जाव पव्वइए ॥ ६३४ ॥ समणस्स णं

भगवओ महावीरस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पण्णे ॥ ६३५ ॥ समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ६३६ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ६३७ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जगा सरीरगा उक्कोसेणं छ रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ६३८ ॥ छव्विहे भोयणपरिणामे प० तं० मणुन्ने रसिए पीणणिज्जे विंहणिज्जे [मयणणिज्जे दीवणिज्जे] दप्पणिज्जे ॥ ६३९ ॥ छव्विहे विसपरिणामे प० तं० डक्के भुत्ते निवइए मंसाणुसारी सोणियाणुसारी अट्ठिमिंजाणुसारी ॥६४०॥ छव्विहे पट्ठे प० तं० संसयपट्ठे वुग्गहपट्ठे अणुजोगी अणुलोमे तहणाणे अतहणाणे ॥ ६४१ ॥ चमरचंचा णं रायहाणी उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥ ६४२ ॥ एगमेगे णं इंदट्ठाणे उक्कोसेणं छम्मासा विरहिए उववाएणं ॥ ६४३ ॥ अहेसत्तमा णं पुढवी उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥ ६४४ ॥ सिद्धिगई णं उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥ ६४५ ॥ छव्विहे आउयबंधे प० तं० जाइणामनिधत्ताउए गइणामणिधत्ताउए ठिइणामणिधत्ताउए ओगाहणाणामणिधत्ताउए पएसणामणिधत्ताउए अणुभावणामणिधत्ताउए ॥ ६४६ ॥ णेरइयाणं छव्विहे आउयबंधे प० तं० जाइणामणिधत्ताउए जाव अणुभावणामणिधत्ताउए एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ६४७ ॥ णेरइया णियमा छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पगरेंति, एवामेव असुरकुमारावि जाव थणियकुमारा, असंखेज्जवासाउया सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिया णियमं छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पगरेंति, असंखेज्जवासाउया सन्निमणुस्सा णियमं जाव पगरेंति, वाणमंतरा जोइसवासिया वेमाणिया जहा णेरइया ॥ ६४८ ॥ छव्विहे भावे प० तं० ओदइए उवसमिए खइए खयोवसमिए पारिणामिए संनिवाइए ॥ ६४९ ॥ छव्विहे पडिक्कमणे प० तं० उच्चारपडिक्कमणे पासवणपडिक्कमणे इत्तरिए आवकहिए जंकिंचिमिच्छा सोमणंतिए ॥ ६५० ॥ कत्तियाणक्खत्ते छतारे प० ॥ ६५१ ॥ असिलेसाणक्खत्ते छत्तारे प० ॥ ६५२ ॥ जीवा णं छट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० पुढविकाइयनिव्वत्तिए जाव तसकायनिव्वत्तिए एवं चिण उवचिण बंध उदीर वेय तह णिज्जरा चेव ॥६५३॥ छप्पएसिया णं खंधा अणंता प० ॥६५४॥ छप्पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥६५५॥ छसमयठिईया पोग्गला अणंता प० ॥ ६५६ ॥ छगुणकालगा पोग्गला जाव छगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ६५७ ॥ **छट्ठाणं छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥**

सत्तमट्ठाणं

सत्तविहे गणावक्कमणे प० तं० सव्वधम्मा रोएमि एगइया रोएमि एगइया णो रोएमि सव्वधम्मा वितिगिच्छामि एगइया वितिगिच्छामि एगइया नो वितिगिच्छामि सव्वधम्मा जुहुणामि एगइया जुहुणामि एगइया णो जुहुणामि इच्छामिणं भंते ! एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए ॥ ६५८ ॥ सत्तविहे विभंगणाणे प० तं० एगदिसिलोगाभिगमे, पंचदिसिलोगाभिगमे, किरियावरणे जीवे, मुदग्गे जीवे, अमुदग्गे जीवे, रूवी जीवे, सव्वमिणं जीवा, तत्थ खलु इमे पढमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासइ पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीण वा उड्ढं वा जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने एगदिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु पंचदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एव माहंसु **पढमे विभंगणाणे**, अहावरे **दोच्चे विभंगणाणे** जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा उड्ढं जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे पंचदिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु एगदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु **दोच्चे विभंगणाणे**। अहावरे **तच्चे विभंगणाणे** जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाणे अइवाएमाणा, मुसं वएमाणे अदिन्नमादितमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे परिग्गहं परिगिण्हमाणे, राइभोयणं भुंजमाणे वा पावं च णं कम्मं कीरमाणं णो पासइ तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने किरियावरणे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु णो किरियावरणे जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु **तच्चे विभंगणाणे**। अहावरे **चउत्थे विभंगणाणे** जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता पुढेगत्तं णाणत्तं फुसिया फुरित्ता फुट्टित्ता विकुव्वित्ता णं विकुव्वित्ता णं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणसमुप्पन्ने मुदग्गे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अमुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु **चउत्थे विभंगनाणे**, अहावरे **पंचमे विभंगणाणे** जया णं तहारूवस्स समणस्स जाव समुप्पज्जइ, से णं तेणं

विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भिंतरए पोग्गलए अपरियायिइत्ता पुढेगत्तं णाणत्तं जाव विउव्वित्ता णं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि जाव समुप्पन्ने अमुदग्गे जीवे, संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु मुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, **पंचमे विभंगणाणे** । अहावरे **छट्ठे विभंगणाणे,** जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जति, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता वा, अपरियायिइत्ता वा पुढेगत्तं णाणत्तं फुसेत्ता जाव विकुव्वित्ता चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ, अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने रूवी जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अरूवी जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु **छट्ठे विभंगणाणे** । अहावरे **सत्तमे विभंगणाणे** जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासइ सुहुमेणं वाउकाएणं फुडं पोग्गलकायं एयंतं वेयंतं चलंतं खुब्भंतं फंदंतं घट्टंतं उदीरेंतं तं तं भावं परिणमंतं तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, सव्वमिणं जीवा संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु जीवा चेव अजीवा चेव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तस्स णमिमे चत्तारि जीवनिकाया णो सम्ममुवगया भवंति तंजहा पुढविकाइया आऊ तेऊ वाउकाइया, इच्चेएहिं चउहिं जीवनिकाएहिं मिच्छादंडं पवत्तेइ, सत्तमे विभंगणाणे ॥ ६५९ ॥ सत्तविहे जोणिसंगहे प० तं० अंडया पोयया जराउया रसया संसेयया संमुच्छिमा उब्भिया, अंडगा सत्तगइया सत्तागइया प० तं० अंडगे अंडगेसु उववज्जमाणे अंडएहिंतो वा पोयएहिंतो वा जाव उब्भिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से अंडए अंडगत्तं विप्पजहमाणे अंडयत्ताए वा पोययत्ताए वा जाव उब्भियत्ताए वा गच्छेज्जा, पोयया सत्तगइया सत्तागइया, एवं चेव, सत्तण्हवि गइरागई भाणियव्वा जाव उब्भियत्ति ॥ ६६० ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्तसंगहठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा सम्मं पउंजित्ता भवइ, एवं जहा पंचट्ठाणे जाव आयरियउवज्झाए गणंसि आपुच्छियचारी यावि भवइ, नो अणापुच्छियचारी यावि भवइ आयरियउवज्झाए गणंसि अणुप्पन्नाइं उवगरणाइं सम्मं उप्पाइत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि पुव्वुप्पन्नाइं उवकरणाइं सम्मं सारक्खेत्ता संगोवइत्ता भवइ नो असम्मं सारक्खेत्ता संगोवित्ता भवइ ॥ ६६१ ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त असंगहठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा नो सम्मं पउंजित्ता भवइ, एवं जाव उवगरणाणं नो सम्मं सारक्खेत्ता संगोवेत्ता

भवइ ॥ ६६२ ॥ सत्त पिंडेसणाओ प० ॥ ६६३ ॥ सत्तपाणेसणाओ प० ॥६६४॥ सत्त उग्गहपडिमाओ प० ॥ ६६५ ॥ सत्त सत्तिक्कया प० ॥ ६६६ ॥ सत्त महज्झयणा प० ॥ ६६७ ॥ सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा एगूणपन्नयाए राइंदिएहिं एगेण य छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्तं (अहा अत्थं) जाव आराहिया यावि भवइ ॥ ६६८ ॥ अहे लोगे णं सत्त पुढवीओ प० सत्त घणोदहीओ प० सत्त घणवाया प० सत्त तणुवाया प० सत्त उवासंतरा प० एएसु णं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततणुवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु तणुवाएसु सत्त घणवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु घणवाएसु सत्त घणोदधी पइट्ठिया एतेसु णं सत्तसु घणोदहीसु पिंडलगपिहुणसंठाणसंठिआओ सत्त पुढवीओ प० तं० पढमा जाव सत्तमा, एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त णामधेज्जा प० तं० घम्मा वंसा सेला अंजणा रिठ्ठा मघा माघवई, एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त गोत्ता प० तं० रयणप्पभा सक्करप्पभा वालुअप्पभा पंकप्पभा धूमप्पभा तमा तमतमा ॥ ६६९ ॥ सत्तविहा वायरवाउकाइया प० तं० पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए उड्ढवाए अहोवाए विदिसिवाए ॥ ६७० ॥ सत्त संठाणा प० तं० दीहे रहस्से वट्टे तंसे चउरंसे पिहुले परिमंडले ॥ ६७१ ॥ सत्त भयट्ठाणा प० तं० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए वेयणभए मरणभए असिलोगभए ॥ ६७२ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं छउमत्थं जाणेज्जा तं० पाणे अइवाएत्ता भवइ मुसं वइत्ता भवइ अदिन्नमाइत्ता भवइ सद्दफरिसरसरूवगंधे आसाएत्ता भवइ पूयासक्कारमणुवूहेत्ता भवइ इमं सावज्जंति पण्णवेत्ता पडिसेवेत्ता भवइ णो जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ ६७३ ॥ सत्तहिं ठाणेहि केवली जाणेज्जा तं० णो पाणे अइवाएत्ता भवइ जाव जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ ६७४ ॥ सत्त मूलगोत्ता प० तं० कासवा गोयमा वच्छा कोच्छा कोसिया मंडवा वासिठ्ठा । जे कासवा ते सत्तविहा प० तं० ते कासवा ते संडेल्ला ते गोल्ला ते वाला ते मुंजइणो ते पव्वपेच्छइणो ते वरिसकण्हा, जे गोयमा ते सत्त विहा प० तं० ते गोयमा ते गग्गा ते भारद्दा ते अंगिरसा ते सक्कराभा ते भक्खराभा ते उदगत्ताभा, जे वच्छा ते सत्त विहा प० तं० ते वच्छा ते अग्गेया ते मित्तिया ते सामिलिणो ते सेलयया ते अठ्ठिसेणा ते वीयकम्हा, जे कोच्छा ते सत्तविहा प० तं० ते कोच्छा ते मोग्गलायणा ते पिंगलायणा ते कोडीणा ते मंडलिणो ते हारिता ते सोमया, जे कोसिया ते सत्त विहा प० तं० ते कोसिया ते कच्चायणा ते सालंकायणा ते गोलिकायणा ते पक्खिकायणा ते अग्गिच्चा ते लोहिता, जे मंडवा ते सत्तविहा प० तं० ते मंडवा ते अरिठ्ठा ते समुता ते तेला ते एलावच्चा ते कंडिल्ला ते खारातणा, जे वासिठ्ठा ते

सत्तविहा प० तं० ते वासिट्ठा ते उंजायणा ते जारेकण्हा ते वग्घावच्चा ते कोडिन्ना ते सण्णी ते पारासरा ॥ ६७५ ॥ सत्त मूलणया प० तं० नेगमे संगहे ववहारे उज्जुसुए सद्दे समभिरूढे एवंभूते ॥ ६७६ ॥ सत्त सरा प० तं० सज्जे रिसभे गंधारे मज्झिमे पंचमे सरे, धेवते चेव णिसादे सरा सत्त वियाहिया (१) एएसि णं सत्तण्हं सराणं सत्त सरट्ठाणा प० तं० सज्जं तु अग्गजिब्भाए उरेण रिसभं सरं, कण्ठुग्गएण गंधारं मज्झजिब्भाएँ मज्झिमं (२) णासाए पंचमं बूया दंतोट्ठेण य धेवयं, मुद्धाणेण य णेसायं सरठाणा वियाहिया (३) सत्त सरा जीवनिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मयूरो कुक्कुडो रिसहं सरं, हंसो णदइ गंधारं मज्झिमं तु गवेलगा (४) अह कुसुमसंभवे काले कोइला पंचमं सरं, छट्ठं च सारसा कोंचा णिसायं सत्तमं गया (५) सत्तसरा अजीवनिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मुइंगो गोमुही रिसभं सरं, संखो णदइ गंधारं मज्झिमं पुण झल्लरी (६) चउच्चलणपइट्ठाणा गोहिया पंचमं सरं, आडंबरो य रेवइयं महाभेरी य सत्तमं (७) एएसि णं सत्त सराणं सत्त सरलक्खणा प० तं० सज्जेण लभइ वित्तिं कयं च ण विणस्सइ, गावो मित्ता य पुत्ता य णारीणं चेव वल्लभो (८) रिसभेण उ एसज्जं, सेणावच्चं धणाणि य; वत्थगंधमलंकारं इत्थीओ सयणाणि य (९) गंधारे गीयजुत्तिण्णा वज्जवित्ती कलाहिया, भवंति कइणो पन्ना जे अन्ने सत्थपारगा (१०) मज्झिमसरसंपन्ना भवंति सुहजीविणो, खायती पीयती देती, मज्झिमं सरमस्सिओ (११) पंचमसरसंपन्ना भवंति पुढवीपई, सूरा संगहकत्तारो अणेगगणणायगा (१२) धेवयसरसंपन्ना भवंति कलहप्पिया; साउणिता वग्गुरिया सोयरिया मच्छवंधा य (१३) चंडाला मुट्ठिया सेया, जे अन्ने पावकम्मिणो; गोघातगा य जे चोरा, णिसायं सरमस्सिता (१४) एएसि णं सत्तण्हं सराणं तओ गामा प० तं० सज्जगामे मज्झिमगामे गंधारगामे, सज्जगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० मंगी कोरव्वीया हरी य रययणी य सारकंता य, छट्ठी य सारसी णाम सुद्धसज्जा य सत्तमा (१५) मज्झिमगामस्स णं सत्तमुच्छणाओ प० तं० उत्तरमंदा रयणी उत्तरा उत्तरासमा; आसोकंता य सोवीरा, अभीरू हवइ सत्तमा (१६) गंधारगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० णंदी य खुद्दिमा पूरिमा य चउत्थी य सुद्धगंधारा, उत्तरगंधारा वि य पंचमिया हवइ मुच्छा उ (१७) सुट्ठुतरमायामा सा छट्ठी णियमसो उ णायव्वा अह उत्तरायया कोडीमायसा सत्तमी मुच्छा (१८) सत्त सराओ कओ संभवंति गेयस्स का भवइ जोणी? कइ समया उस्सासा कइ वा गेयस्स आगारा? (१९) सत्त सरा णाभीओ भवंति, गीयं च रुयजोणीयं; पादसमा ऊसासा तिन्नि य गेयस्स आगारा (२०) आइमिउ

आरभंता, समुव्वहंता य मज्झगारंमि; अवसाणे तज्जविंतो तिन्नि य गेयस्स आगारा (२१) छद्दोसे अट्ठगुणे तिन्नि य वित्ताइं दो य भणिईओ जाणाहिंति सो गाहिइ सुसिक्खिओ रंगमज्झम्मि (२२) भीतं दुतं रहस्सं गायंतो मा य गाहि उत्तालं, काकस्सरमणुणासं च होंति गेयस्स छद्दोसा (२३) पुन्नं रत्तं च अलंकियं च वत्तं तहा अविघुट्ठं; मधुरं सम सुकुमारं अट्ठ गुणा होंति गेयस्स (२४) उरकंठसिरपसत्थं च गेज्जंते मउरिभिअपदवद्धं; समतालपडुक्खेवं सत्तसरसीहरं गीयं (२५) निद्दोसं सारवंतं च हेउजुत्तमलंकियं, उवणीय सोवयारं च मियं मधुरमेव य (२६) सममद्धसमं चेव सव्वत्थ विसमं च जं, तिन्नि वित्तप्पयाराइं चउत्थं नोवलब्भइ (२७) सक्कया पागया चेव दुहा भणिईओ आहिया; सरमंडलम्मि गिज्जंते पसत्था इसिभासिया (२८) केसी गायइ महुरं केसी गायइ खरं च रुक्खं च, केसी गायइ चउरं केसि विलंवं दुतं केसी (२९) विस्सरं पुण केरिसी? सामा गायइ मधुरं काली गायइ खरं च रुक्खं च, गोरी गायइ चउरं, काण विलंवं दुतं अंधा (३०) विस्सरं पुण पिंगला, तंतिसमं तालसमं पादसमं लयसमं गहसमं च, नीससिऊससियसमं संचारसमा सरा सत्त (३१) सत्त सरा य तओ गामा मुच्छणा एगवीसई ताणा एगूणपण्णासा समत्तं सरमंडलं (३२) **सरमंडलं समत्तं** ॥ ६७७ ॥

सत्तविहे कायकिलेसे प० तं० ठाणाइए उक्कुडुयासणिए पडिमठ्ठाई वीरासणिए णेसज्जिए दंडाइए लगंडसाई ॥ ६७८ ॥ जंवुद्दीवे दीवे सत्तवासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरन्नवए हरिवासे रम्मगवासे महाविदेहे ॥ ६७९ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते निसहे नीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे ॥ ६८० ॥ जंवुद्दीवे २ सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा रोहिया हिरी सीया णरकंता सुवण्णकूला रत्ता ॥ ६८१ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेति तं० सिंधू रोहियंसा हरिकंता सीतोदा णारिकंता रुप्पकूला रत्तवई ॥ ६८२ ॥ धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धे णं सत्त वासा प० तं० भरहे जाव महाविदेहे, धायइसंडदीवपुरच्छिमे णं सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते जाव मंदरे धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ कालोयसमुद्दं समप्पेति तं० गंगा जाव रत्ता, धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू जाव रत्तवई, धायइसंडदीवे पच्चत्थिमद्धे णं सत्त वासा एवं चेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोदं सेसं तं चेव ॥ ६८३ ॥ पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धे णं सत्त वासा तहेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समुद्दं

समप्पेति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोदं समुद्दं समप्पेंति सेसं तं चेव एवं पच्चत्थिमद्धेवि णवरं पुरत्थाभिमुहीओ कालोदं समुद्दं समप्पेंति, पच्चत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समप्पेंति, सव्वत्थ वासा वासहरपव्वया णईओ य भाणियव्वाणि ॥ ६८४ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासेऽतीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तंजहा–मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयंपभे; विमलघोसे सुघोसे य महाघोसे य सत्तमे ॥ ६८५ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था तं० पढमित्थ विमलवाहण चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे; तत्तो य पसेणइ पुण मरुदेवे चेव नाभी य (१) एएसि णं सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारियाओ हुत्था, तं० चंदजसा चंदकंता सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य; सिरिकंता मरुदेवी, कुलकरइत्थीण नामाइं (२) ॥ ६८६ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा भविस्संति तं० मित्तवाहण सुभोमे य सुप्पभे य सयंपभे; दत्ते सुहुमे [सुहे सुरूवे] सुबंधू य आगमेस्सिण होक्खइ ॥६८७॥ विमलवाहणे णं कुलगरे सत्तविहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छिंसु तं० मत्तंगया य भिंगा चित्तंगा चेव होंति चित्तरसा; मणियंगा य अणियणा सत्तमगा कप्परुक्खा य (१) ॥ ६८८ ॥ सत्तविहा दंडनीई प० तं० हक्कारे मक्कारे धिक्कारे परिभासे मंडलबंधे चारए छविच्छेदे ॥ ६८९ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स णं सत्त एगिंदियरयणा प० तं० चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे दंडरयणे असिरयणे मणिरयणे काकणिरयणे ॥ ६९० ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त पंचिंदियरयणा प० तं० सेणावइरयणे गाहावइरयणे वड्ढतिरयणे पुरोहियरयणे इत्थिरयणे आसरयणे हत्थिरयणे ॥ ६९१ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढं दुस्समं जाणेज्जा, तं० अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाधू पुज्जंति साधू ण पुज्जंति गुरुहिं जणो मिच्छं पडिवन्नो मणोदुहया वइदुहया ॥६९२॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं० अकाले ण वरिसइ काले वरिसइ असाधू ण पुज्जन्ति साधू पुज्जन्ति गुरुहिं जणो सम्मं पडिवन्नो मणोसुहया वइसुहया ॥६९३॥ सत्तविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० नेरइया, तिरिक्खजोणिया, तिरिक्खजोणिणिओ, मणुस्सा, मणुस्सीओ, देवा, देवीओ ॥ ६९४ ॥ सत्तविहे आउभेदे प० तं० अज्झवसाणनिमित्ते, आहारे, वेयणा, पराघाए, फासे, आणापाणू, सत्तविहं भिज्जए आउं ॥ ६९५ ॥ सत्तविहा सव्वजीवा प० तं० पुढविकाइया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ० तसकाइया अकाइया, अहवा सत्तविहा सव्वजीवा प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा अलेसा ॥ ६९६ ॥ बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्त धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं सत्त य वाससयाइं परमाउं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा अहे

सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ६९७ ॥ मल्ली णं अरहा अप्पसत्तमे मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए तं० मल्ली विदेहरायवरकण्णगा, पडिबुद्धी इक्खागराया, चंदच्छाए अंगराया, रुप्पी कुणालाहिवई, संखे कासीराया, अदीणसत्तू कुरुराया, जियसत्तू पंचालराया ॥ ६९८ ॥ सत्तविहे दंसणे प० तं० सम्मदंसणे मिच्छदंसणे सम्ममिच्छदंसणे चक्खुदंसणे अचक्खुदंसणे ओहिदंसणे केवलदंसणे ॥ ६९९ ॥ छउमत्थवीयरागे णं मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेएइ, तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, वेयणियं, आउयं, नामं, गोयमंतराइयं ॥ ७०० ॥ सत्त ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं न जाणइ न पासइ, तं० धम्मत्थिकायं, अधम्मत्थिकायं, आगासत्थिकायं, जीवं असरीरपडिबद्धं, परमाणुपोग्गलं, सद्दं, गंधं ॥ ७०१ ॥ एयाणि चेव उप्पन्नणाणे जाव जाणइ पासइ, तं० धम्मत्थिकायं जाव गंधं ॥ ७०२ ॥ समणे भगवं महावीरे वयरोसभणारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ ७०३ ॥ सत्तविकहाओ प० तं० इत्थिकहा, भत्तकहा, देसकहा, रायकहा, मिउकालणिया, दंसणभेयणी, चरित्तभेयणी ॥७०४॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त अइसेसा प० तं० आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स पाए णिगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ एवं जहा पंचट्ठाणे जाव बाहिं उवस्सयस्स एगरायं वा दुरायं वा वसमाणे णाइक्कमइ उवगरणाइसेसे भत्तपाणाइसेसे ॥ ७०५ ॥ सत्तविहे संजमे प० तं० पुढविकाइयसंजमे जाव तसकाइयसंजमे अजीवकायसंजमे ॥७०६॥ सत्त विहे असंजमे प०तं० पुढविकाइयअसंजमे जाव तसकाइयअसंजमे, अजीवकायअसंजमे ॥ ७०७ ॥ सत्तविहे आरंभे प० तं० पुढविकाइयआरंभे जाव अजीवकायआरंभे एवमणारंभेवि एवं सारंभे वि एवमसारंभे वि एवं समारंभेवि एवं असमारंभेवि जाव अजीवकायअसमारंभे ॥७०८॥ अह भंते ! अयसिकुसुंभकोद्दवकंगुरालग (वराकोद्दूसगा) सणसरिसवमूलगबीयाणं एएसि णं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं जाव पिहियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव जोणीवोच्छेदे प० ॥ ७०९ ॥ बायरआउकाइयाणं उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं ठिई प० ॥ ७१० ॥ तच्चाए णं वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं नेरइयाणं सत्त सागरोवमाइं ठिती प० ॥ ७११ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं नेरइयाणं सत्तसागरोवमाइं ठिती प० ॥ ७१२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ७१३ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सत्त अग्ग

महिसीओ प० ॥ ७१४ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ७१५ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ७१६ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ७१७ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अग्गमहिसीणं देवीणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ७१८ ॥ सोहम्मे कप्पे परिग्गहियाणं देवीणं उक्कोसेणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥७१९॥ सारस्सयमाइच्चाणं सत्त देवा सत्त देवसया प० ॥ ७२० ॥ गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा प० ॥ ७२१ ॥ सणंकुमारे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७२२ ॥ माहिंदे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं साइरेगाइं सत्तसागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७२३ ॥ बंभलोए कप्पे जहन्नेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७२४ ॥ बंभलोयलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥७२५॥ भवणवासीणं देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प०, एवं वाणमंतराणं एवं जोइसियाणं सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जगा सरीरा सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ७२६ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त दीवा प० तं० जंबुद्दीवे २ धायइसंडे दीवे पोक्खरवरे वरुणवरे खीरवरे घयवरे खोयवरे ॥ ७२७ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त समुद्दा प० तं० लवणे कालोए पुक्खरोदे वरुणोए खीरोदे घओदे खोओए ॥ ७२८ ॥ सत्त सेढीओ प० तं० उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखुहा दुहओखुहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ॥ ७२९ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए महिसाणिए रहाणिए नट्टाणिए गंधव्वाणिए दुमे पायत्ताणियाहिवई एवं जहा पंचट्ठाणे जाव किन्नरे रहाणियाहिवई रिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयरई गंधव्वाणियाहिवई बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए महद्दुमे पायत्ताणियाहिवई जाव किंपुरिसे रहाणियाहिवई महारिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयजसे गंधव्वाणियाहिवई, धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए रुद्दसेणे पायत्ताणियाहिवई जाव आणंदे रहाणियाहिवई नंदणे णट्टाणियाहिवई तेतली गंधव्वाणियाहिवई भूयाणंदस्स सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए दक्खे पायत्ताणियाहिवई जाव णंदुत्तरे रहाणियाहिवई रई णट्टाणियाहिवई माणसे गंधव्वाणियाहिवई एवं

जाव घोसमहाघोसाणं णेयव्वं सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई जाव माढरे रहाणियाहिवई सेए णट्टाणियाहिवई तुंबुरू गंधव्वाणियाहिवई ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवइणो प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई जाव महासेए णट्टाणियाहिवई रए गंधव्वाणियाहिवई सेसं जहा पंचट्ठाणे एवं जाव अच्चयस्स वि णेयव्वं ॥ ७३०–७३१ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा जाव सत्तमा कच्छा, चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स पढमाए कच्छाए चउसट्ठि देवसहस्सा प० जावइया पढमा कच्छा तब्बिगुणा दोच्चा कच्छा तब्बिगुणा तच्चा कच्छा एवं जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा एवं बलिस्स वि णवरं महद्दुमे सट्ठिदेवसाहस्सिओ सेसं तं चेव धरणस्स एवं चेव णवरं अट्ठावीसं देवसहस्सा सेसं तं चेव जहा धरणस्स एवं जाव महाघोसस्स णवरं पायत्ताणियाहिवई अन्ने ते पुव्वभणिता ॥ ७३२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो हरिणेगमेसिस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा एवं जहा चमररस तहा जाव अच्चुयस्स, णाणत्तं पायत्ताणियाहिवईणं ते पुव्वभणिया देवपरिमाणमिमं सक्कस्स चउरासीइं देवसहस्सा ईसाणस्स असीईं देवसहस्साइं देवा इमाए गाहाए अणुगंतव्वा, 'चउरासीइ असीइ बावत्तरि सत्तरी य सट्ठीया; पन्ना चत्तालीसा तीसा वीसा दससहस्सा' (१) जाव अच्चुयस्स लहुपरक्कमस्स दसदेवसहस्सा जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा ॥ ७३३ ॥ सत्तविहे वयणविकप्पे प० तं० आलावे, अणालावे, उल्लावे, अणुल्लावे, संलावे, पलावे, विप्पलावे ॥ ७३४ ॥ सत्तविहे विणए प० तं० णाणविणए, दंसणविणए, चरित्तविणए, मणविणए, वइविणए, कायविणए, लोगोवयारविणए ॥ ७३५ ॥ पसत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे अकिरिए निरुवक्केसे अणण्हकरे अच्छविकरे अभूताभिसंकमणे ॥ ७३६ ॥ अपसत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हकरे छविकरे भूयाभिसंकमणे ॥ ७३७ ॥ पसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे जाव अभूयाभिसंकमणे ॥ ७३८ ॥ अपसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० पावए, जाव भूयाभिसंकमणे ॥ ७३९ ॥ पसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं० आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं निसीयणं आउत्तं तुअट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया ॥ ७४० ॥ अपसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं०

अणाउत्तं गमणं, जाव अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया ॥ ७४१ ॥ लोगोवयार-विणए सत्तविहे प० तं० अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेउं कयपडिकिइया अत्तगवेसणया देसकालण्णुया सव्वत्थेसु यापडिलोमया ॥ ७४२ ॥ सत्त समुग्घाया प० तं० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेजससमुग्घाए आहारगसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए, मणुस्साणं सत्त समुग्घाया प० एवं चेव ॥ ७४३ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तित्थंसि सत्त पवयणनि-ण्हगा प० तं० बहुरया जीवपएसिया अवत्तिया सामुच्छेइया दोकिरिया तेरासिया अवद्धिया, एएसि णं सत्तण्हं पवयणनिण्हगाणं सत्तऽधम्मायरिया होत्था तं० जमाली तीसगुत्ते आसाढे आसमित्ते गंगे छलुए गोट्ठामाहिल्ले, एएसि णं सत्तण्हं पवयणनि-ण्हगाणं सत्त उप्पत्तिनगरा होत्था तं० सावत्थी उसभपुरं सेयविया मिहिलमुल्ल-गातीरं पुरिमंतरंजि दसपुर णिण्हगउप्पत्तिनगराइं ॥ ७४४ ॥ सायावेयणिज्जस्स कम्मस्स सत्तविहे अणुभावे प० तं० मणुन्ना सद्दा मणुण्णा रूवा जाव मणुन्ना फासा मणोसुहया वइसुहया ॥ ७४५ ॥ असायावेयणिज्जस्स णं कम्मस्स सत्तविहे अणु-भावे प० तं० अमणुन्ना सद्दा जाव वइदुहया ॥ ७४६ ॥ महाणक्खत्ते सत्ततारे प० ॥ ७४७ ॥ अभिईयाइया सत्तनक्खत्ता पुव्वदारिया प० तं० अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वाभद्दवया उत्तराभद्दवया रेवई, अस्सिणियाइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया प० तं० अस्सिणी भरिणी कत्तिया रोहिणी मिगसिरे अद्दा पुणव्वसू, पुस्साइया णं सत्त णक्खत्ता अवरदारिया प० तं० पुस्सो असिलेसा मघा पुव्वाफ-ग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता, साइयाइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया प० तं० साई विसाहा अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वाआसाढा उत्तरासाढा ॥ ७४८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सोमणसे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० तं० सिद्धे सोमणसे तह बोधव्वे मंगलावईकूडे, देवकुरु विमल कंचण विसिट्ठकूडे य बोद्धव्वे ॥ ७४९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे गंधमायणे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० तं० सिद्धे य गंधमायण बोद्धव्वे गंधिलावईकूडे उत्तरकुरुफलिहे लोहियक्ख आणंदणे चेव ॥ ७५० ॥ बिइंदि-याणं सत्त जाइकुलकोडिजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ ७५१ ॥ जीवा णं सत्त-ट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० नेरइयनिव्वत्तिए जाव देवनिव्वत्तिए एवं चिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ७५२ ॥ सत्तपएसिया खंधा अणंता प० ॥ ७५३ ॥ सत्त पएसोगाढा पोग्गला जाव सत्त-गुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ ७५४ ॥ **सत्तमट्ठाणं समत्तं, सत्तम-मज्झयणं समत्तं ॥**

अट्ठमट्ठाणं

अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहति एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए तं० सड्ढी पुरिसजाए सच्चे पुरिसजाए मेहावी पुरिसजाए वहुस्सुए पुरिसजाए सत्तिमं अप्पाहिगरणे धिइमं वीरियसंपन्ने ॥ ७५५ ॥ अट्ठविहे जोणिसंगहे प० तं० अंडया पोयया जाव उब्भिया उववाइया, अंडया अट्ठगइया अट्ठागइया प० तं० अंडए अंडएसु उववज्जमाणे अंडएहिंतो वा जाव उववाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से अंडए अंडगत्तं विप्पजहमाणे अंडगत्ताए वा पोयगत्ताए वा जाव उववाइयत्ताए वा गच्छेज्जा एवं पोययावि जराउयावि सेसाणं गइरागई णत्थि ॥ ७५६ ॥ जीवा णं अट्ठ कम्मपयडीओ चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं वेयणिज्जं मोहणिज्जं आउयं नामं गोत्तं अंतराइयं, नेरइया णं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणिंसु वा ३ एवं चेव, एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं २४. जीवाणमट्ठकम्मपगडीओ उवचिणिंसु वा ३ एवं चेव एवं चिण उवचिण बंध उदीर वेय तह णिज्जरा चेव, एए छ चउवीसा दंडगा भाणियव्वा ॥ ७५७ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं माई मायं कट्टु नो आलोएज्जा नो पडिक्कमेज्जा जाव नो पडिवज्जेज्जा, तं० करिंसु वाऽहं करेमि वाऽहं करिस्सामि वाऽहं अकित्ती वा मे सिया अवण्णे वा मे सिया अवणए वा मे सिया कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसो वा मे परिहाइस्सइ, अट्ठहिं ठाणेहि माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० माइस्स णं अस्सिं लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आजाई गरहिया भवइ एगमवि माई मायं कट्टु नो आलोएज्जा जाव नो पडिवज्जेज्जा णत्थि तस्स आराहणा एगमवि माई माय कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा अत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई मायं कट्टु नो आलोएज्जा जाव नो पडिवज्जेज्जा नत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव अत्थि तस्स आराहणा आयरियउवज्झायस्स वा मे अइसेसे णाणदंसणे समुपज्जेज्जा, से तं ममालोएज्जा माई णं एसे माई णं मायं कट्टु से जहा नामए अयागरेइ वा तंबागरेइ वा तउआगरेइ वा सीसागरेइ वा रुप्पागरेइ वा सुवन्नागरेइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ वा वुसागणीइ वा णलागणीइ वा दलागणीइ वा सोंडियालिच्छाणिवा भंडियालिच्छाणि वा गोलियालिच्छाणि वा कुंभारावाएइ वा कवेल्लुयावाएइ वा इट्टावाएइ वा जंतवाडचुल्लीइ वा लोहारंवरिसाणि वा तत्ताणि समजोइभूयाणि किंसुकफुल्लसमाणाणि उक्कासहस्साइं विणिम्मुयमाणाइं २ जालासहस्साइं पमुंचमाणाइं इंगालसहस्साइं परिकिरमाणाइं अंतो २ झियायंति एवामेव माई मायं कट्टु अंतो २ झिया-

यइ जइवि य णं अण्णे केइ वदंति तं पि य णं माई जाणइ अहमेसे अभिसंकिज्जामि माई णं मायं कट्टु अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति तंजहा नो महिड्ढिएसु जाव नो दूरंगइएसु नो चिरट्ठिईएसु से णं तत्थ देवे भवइ णो महिड्ढिए जाव णो चिरट्ठिईए जावि य से तत्थ वाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महारिहेणमासणेणं उवनिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति मा वहुं देवे! भासउ से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति तं० अतकुलाणि वा पंतकुलाणि वा तुच्छकुलाणि वा दरिद्दकुलाणि वा भिक्खागकुलाणि वा किवणकुलाणि वा तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ से णं तत्थ पुमे भवइ दुरूवे दुवण्णे दुग्गंधे दुरसे दुफासे अणिट्ठे अकंते अप्पिए अमणुण्णे अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठसरे अकंतसरे अपियस्सरे अमणुण्णस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणपच्चायाए जाविय से तत्थ वाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महरिहेणं आसणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति मा वहुं अज्जउत्तो! भासउ माई णं मायं कट्टु आलोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अण्णतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० महिड्ढिएसु जाव चिरट्ठिईएसु से णं तत्थ देवे भवइ महिड्ढिए जाव चिरट्ठिईए हारविराइयवच्छे कडगतुडियथंभियभुए अंगदकुंडलमउडगंडतलकन्नपीढधारी विचित्तहत्थाभरणे विचित्तवत्थाभरणे विचित्तमालामउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिए कल्लाणगपवरगंधमल्लाणुलेवणधरे भासुरवोंदी पलंववणमालधरे दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं रसेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेस्साए दसदिसाओ उज्जोएमाणे पभासेमाणे महयाऽहयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, जावि य से तत्थ वाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ, सावि य णं आढाइ परिजाणाइ महारिहेण आसणेणं उवनिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति वहुं देवे! भासउ से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएणं २ जाव चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति, इड्ढाइं जाव वहुजणस्स अपरिभूयाइं तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ, से णं तत्थ पुमे भवइ

सुरूवे सुवन्ने सुगंधे सुरसे सुफासे इट्ठे कंते जाव मणामे अहीणस्सरे जाव मणामस्सरे आदेज्जवयणे पच्चायाए जाऽविय से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं आढाइ जाव बहुमज्जउत्ते! भासउ ॥ ७५८ ॥ अट्ठविहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मणसंवरे वइसंवरे कायसंवरे, अट्ठविहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव कायअसंवरे ॥ ७५९ ॥ अट्ठ फासा प० तं० कक्खडे मउए गरुए लहुए सीए उसिणे निद्धे लुक्खे ॥ ७६० ॥ अट्ठविहा लोगठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही एवं जाव छट्ठाणे जाव जीवा कम्मपइट्ठिया अजीवा जीवसंगहीया जीवा कम्मसंगहीया ॥७६१॥ अट्ठविहा गणिसंपया प० तं० आयारसंपया सुयसंपया सरीरसंपया वयणसंपया वायणासंपया मइसंपया पयोगसंपया संगहपरिण्णाणाम अट्ठमा ॥ ७६२ ॥ एगमेगे णं महानिही अट्ठचक्कवालपइट्ठाणे अट्ठट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ७६३ ॥ अट्ठसमिईओ प० तं० इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई मणसमिई वइसमिई कायसमिई ॥ ७६४ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ आलोयणा पडिच्छित्तए तं० आयारवं आहारवं ववहारवं ओवीलए पकुव्वए अपरिस्साई निज्जावए अवायदंसी ॥ ७६५ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोइत्तए तं० जाइसपन्ने कुलसपन्ने विणयसंपन्ने णाणसंपन्ने दंसणसंपन्ने चरित्तसंपन्ने खंते दंते ॥७६६॥ अट्ठविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउस्सग्गारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे ॥ ७६७ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा प० तं० जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए ॥ ७६८ ॥ अट्ठ अकिरियावाई प० तं० एगावाई अणेगावाई मितवाई निम्मितवाई सायवाई समुच्छेदवाई णियावाई ण संति परलोगवाई ॥ ७६९ ॥ अट्ठविहे महानिमित्ते प० तं० भोमे उप्पाए सुविणे अंतलिक्खे अंगे सरे लक्खणे वंजणे ॥ ७७० ॥ अट्ठविहा वयणविभत्ती प० तं० निद्देसे पढमा होइ बिइया उवएसणे; तइया करणंमि कया चउत्थी संपयावणे (१) पंचमी य अवायाणे छट्ठी सस्सामिवायणे; सत्तमी सन्निहाणत्थे अट्ठमी आमंतणी भवे (२) तत्थ पढमा विभत्ती निद्देसे सो इमो अहं वत्ति १–बिइया उण उवएसे भण कुण व इमं व तं वत्ति (३) तइया करणंमि कया णीयं च कयं च तेण व मए वा, हंदि णमो साहाए हवइ चउत्थी पयाणंमि (४) अवणे गिण्हसु तत्तो इत्तोत्ति व पंचमी अवादाणे; छट्ठी तस्स इमस्स व गयस्स वा सामिसंबंधे (५) हवइ पुण सत्तमीयं इमंमि आहारकाल-

भावे य; आमंतणी भवे अट्ठमी उ जह हे जुवाणत्ति (६) ॥ ७७१ ॥ अट्ठ ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायं जाव गंधं वायं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जाणइ पासइ जाव गंधं वायं ॥ ७७२ ॥ अट्ठविहे आउवेए प० तं० कुमारभिच्चे, कायतिगिच्छा, सालाई, सल्लहत्ता, जंगोली, भूयवेज्जा, खारतंते, रसायणे ॥ ७७३ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० पउमा सिवा सई अंजू अमला अच्छरा णवमिया रोहिणी ॥ ७७४ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० कण्हा कण्हराई सामा सामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा ॥ ७७५ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० ॥ ७७६–७७७ ॥ अट्ठ महग्गहा प० तं० चंदे सूरे सुक्के बुहे वहस्सई अंगारए सणिंचरे केऊ ॥७७८॥ अट्ठविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० मूले कंदे खंधे तया साले पवाले पत्ते पुप्फे ॥ ७७९ ॥ चउरिंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स अट्ठविहे संजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ फासामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ ॥ ७८० ॥ चउरिंदिया णं जीवा समारभमाणस्स अट्ठविहे असंजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेणं संजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ० ॥ ७८१ ॥ अट्ठ सुहुमा प० तं० पाणसुहुमे पणगसुहुमे बीयसुहुमे हरियसुहुमे पुप्फसुहुमे अंडसुहुमे लेणसुहुमे सिणेहसुहुमे ॥ ७८२ ॥ भरहस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठपुरिसजुगाइं अणुबद्धं सिद्धाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं तं०–आइच्चजसे महाजसे अइबले महाबले तेयवीरिए कित्तवीरिए दंडवीरिए जलवीरिए ॥ ७८३ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा होत्था तं० सुभे अज्जघोसे वसिट्ठे बंभयारी सोमे सिरिधरे वीरिए भद्दजसे ॥ ७८४ ॥ अट्ठविहे दंसणे प० तं० सम्मद्दंसणे मिच्छदंसणे सम्मामिच्छदंसणे चक्खुदंसणे जाव केवलदंसणे सुविणदंसणे ॥ ७८५ ॥ अट्ठविहे अद्धोवमिए प० तं० पलिओवमे सागरोवमे उस्सप्पिणी ओसप्पिणी पोग्गलपरियट्टे तीतद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा ॥ ७८६ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स जाव अट्ठमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी दुवासपरियाए अंतमकासी ॥ ७८७ ॥ समणेणं भगवया महावीरेणं अट्ठ रायाणो मुंडे भवेत्ता अगाराओ अणगारिअं पव्वाविया तं० वीरंगय वीरजसे संजयए णिज्जए य रायरिसी, सेयसिवे उदायणे (तह संखे

कासिवद्धणे) ॥ ७८८ ॥ अट्ठविहे आहारे प० तं० मणुण्णे असणे पाणे खाइमे साइमे अमणुण्णे जाव साइमे ॥ ७८९ ॥ उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हेट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणे पत्थडे एत्थ णमक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ प० तं० पुरच्छिमेणं दो कण्हराईओ दाहिणेणं दो कण्हराईओ पच्चच्छिमेणं दो कण्हराईओ उत्तरेणं दो कण्हराईओ, पुरच्छिमा अब्भंतरा कण्हराई दाहिणं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, दाहिणा अब्भितरा कण्हराई पच्चच्छिमगं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पच्चच्छिमा अब्भंतरा कण्हराई उत्तरं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, उत्तरा अब्भंतरा कण्हराई पुरच्छिमं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पुरच्छिमपच्चच्छिमिल्लाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ छलंसाओ उत्तरदाहिणाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ तंसाओ सव्वाओ वि णं अब्भंतरकण्हराईओ चउरंसाओ, एयासि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठ नामधेज्जा प० तं० कण्हराईति वा मेहराईति वा मघाति वा माघवईति वा वातफलिहेति वा वातपलिक्खोभेति वा देवपलिहे वा देवपलिक्खोभेति वा, एयासि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठलोगंतियविमाणा प० तं० अच्ची अच्चिमाली वइरोयणे पभंकरे चंदाभे सूराभे सुपइट्ठाभे अग्गिच्चाभे, एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतिया देवा प० तं० सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य, तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव बोधव्वा (१) एएसि णं अट्ठण्हं लोगंतियदेवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७९० ॥ अट्ठ धम्मत्थिकायमज्झपएसा प० अट्ठ अहम्मत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव अट्ठ आगासत्थिकायमज्झपएसा प० एवं चेव अट्ठ जीवमज्झपएसा प० ॥ ७९१ ॥ अरहंता णं महापउमे अट्ठ रायाणो मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वावेस्सति तं० पउमं पउमगुम्मं नलिणं नलिणगुम्मं पउमद्धयं धणुद्धयं कणगरहं भरहं ॥ ७९२ ॥ कण्हस्स णं वासुदेवस्स अट्ठ अग्गमहिसीओ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अंतिए मुंडा भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया सिद्धाओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणाओ तं० पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य जंबवई सच्चभामा रुप्पिणी कण्हअग्गमहिसीओ ॥ ७९३ ॥ वीरियपुव्वस्स णं अट्ठ वत्थू अट्ठ चूलियावत्थू प० ॥ ७९४ ॥ अट्ठ गईओ प० तं० णिरयगई तिरियगई जाव सिद्धिगई गुरुगई पणोल्लणगई पब्भारगई ॥ ७९५ ॥ गंगासिंधुरत्तारत्तवइदेवीणं दीवा अट्ठ २ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ७९६ ॥ उक्कामुहमेहमुहविज्जुमुहविज्जुदंतदीवाणं दीवा अट्ठ २ जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ७९७ ॥ कालोदे णं समुद्दे अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ ७९८ ॥

अब्भंतरपुक्खरद्धे णं अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० एवं वाहिर-पुक्खरद्धेवि ॥ ७९९ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठ सोवन्निए काकिणिरयणे छत्तले दुवालसंसिए अट्ठकण्णिए अधिकरणिसंठिए प० ॥ ८०० ॥ मागधस्स णं जोयणस्स अट्ठ धणुसहस्साइं निधत्ते प० ॥ ८०१ ॥ जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं वहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं प० ॥ ८०२ ॥ कूडसामली णं अट्ठ जोयणाइं एवं चेव ॥ ८०३ ॥ तिमिसगुहा णमट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं ॥ ८०४ ॥ खंडप्पवायगुहा णं अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं चेव ॥ ८०५ ॥ जंवूमंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं सीताए महानईए उभओ कूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे नलिणकूडे एगसेले तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे ॥ ८०६ ॥ जंवूमंदरपच्चच्छिमेणं सीओयाए महाणईए उभओकूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० तं० अकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे चंदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए ॥ ८०७ ॥ जंवूमंदरपुरच्छिमेणं सीआए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० कच्छे सुकच्छे महाकच्छे कच्छगावई आवत्ते जाव पुक्खलावई ॥ ८०८ ॥ जंवूमंदरपुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणमट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० वच्छे सुवच्छे जाव मंगलावई ॥ ८०९ ॥ जंवूमंदरपच्चच्छिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० पम्हे जाव सलिलावई ॥ ८१० ॥ जंवूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० वप्पे सुवप्पे जाव गंधिलावई ॥ ८११ ॥ जंवूमंदरपुरच्छिमेणं सीताए महाणईए उत्तरेणमट्ठ रायहाणीओ प० तं० खेमा खेमपुरी चेव जाव पुंडरीगिणी ॥ ८१२ ॥ जंवूमंदरपुरच्छिमेणं सीताए महाणईए दाहिणेणमट्ठ रायहाणीओ प० तं० सुसीमा कुंडला चेव जाव रयणसंचया ॥ ८१३ ॥ जंवूमंदरपच्चच्छिमेणं सीओआए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ रायहाणीओ प० तं० आसपुरा जाव वीतसोगा ॥ ८१४ ॥ जंवूमंदरस्स पच्चच्छिमेणं सीओआए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ रायहाणीओ प० तं० विजया वेजयंती जाव अउज्झा ॥ ८१५ ॥ जंवूमंदरस्स पुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं उक्कोसपए अट्ठ अरिहंता अट्ठ चक्कवट्टी अट्ठ वलदेवा अट्ठ वासुदेवा उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा ॥ ८१६ ॥ जंवूमंदरपुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव ॥ ८१७ ॥ जंवूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव ॥ ८१८ ॥ एवं उत्तरेणवि जंवूमंदरपुरच्छिमेणं सीआए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा अट्ठ तिमिसगुहाओ

अठ्ठ खंडगप्पवायगुहाओ अठ्ठ कयमालगा देवा अठ्ठ णट्टमालगा देवा अठ्ठ गंगाकुंडा अठ्ठ सिंधुकुंडा अठ्ठ गंगाओ अठ्ठ सिंधूओ अठ्ठ उसभकूडपव्वया अठ्ठ उसभकूडा देवा प० जंबूमंदरपुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं अठ्ठ दीहवेयड्ढा एवं चेव जाव अठ्ठ उसभकूडा देवा प० णवरमेत्थ रत्तारत्तावईओ तासिं चेव कुंडा ॥ ८१९ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थि० सीओआए महाणईए दाहिणेणं अठ्ठ दीहवेयड्ढा जाव अठ्ठ गंगाकुंडा अठ्ठ सिंधुकुंडा अठ्ठ गंगाओ अठ्ठ सिंधूओ जाव अठ्ठ उसभकूडा देवा प० जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओआए महाणईए उत्तरेणं अठ्ठदीहवेयड्ढा जाव अठ्ठ नट्टमालगा देवा अठ्ठ रत्तकुंडा अठ्ठ रत्तावइकुंडा अठ्ठ रत्ताओ जाव अठ्ठ उसभकूडा देवा प० ॥ ८२० ॥ मंदरचूलिया णं बहुमज्झदेसभाए अठ्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ ८२१ ॥ धायइसंडदीवे पुरत्थिमद्धेणं धायइरुक्खे अठ्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० बहुमज्झदेसभाए अठ्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अठ्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं प० एवं धायइरुक्खाओ आडवेत्ता सच्चेव जंबूदीववत्तव्वया भाणियव्वा जाव मंदरचूलियत्ति एवं पच्चच्छिमद्धेवि महाधायइरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति ॥ ८२२ ॥ एवं पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धेवि पउमरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति एवं पुक्खरवरदीवपच्चत्थिमद्धे महापउमरुक्खाओ जाव मंदरचूलियत्ति ॥ ८२३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए भद्दसालवणे अठ्ठ दिसाहत्थिकूडा प० तं०–पउमुत्तर नीलवंते सुहत्थी अंजणागिरी, कुमुए य पलासए वडिंसे अठ्ठमए रोयणागिरी ॥ ८२४ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स जगई अठ्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं बहुमज्झदेसभाए अठ्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ ८२५ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए अठ्ठ कूडा प० तं० सिद्धे महाहिमवंते हिमवंते रोहिया हरीकूडे, हरिकंता हरिवासे वेरुलिए चेव कूडा उ ॥ ८२६ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं रुप्पिंमि वासहरपव्वए अठ्ठ कूडा प० तं० सिद्धे य रुप्पी रम्मग नरकंता बुद्धि रुप्पकूडे या, हिरण्णवए मणिकंचणे य रुप्पिंमि कूडा उ ॥ ८२७ ॥ जंबूमंदरपुरच्छिमेणं रुयगवरे पव्वए अठ्ठ कूडा प० तं०–रिठ्ठे तवणिज्ज कंचण रयय दिसासोत्थिए पलंबे य; अंजणे अंजणपुलए रुयगस्स पुरच्छिमे कूडा (१) तत्थ णं अठ्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमठ्ठिईयाओ परिवसंति तं० णंदुत्तरा य णंदा य आणंदा णंदिवद्धणा, विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया ॥ ८२८ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं रुयगवरे पव्वए अठ्ठ कूडा प० तं०–कणए कंचणे पउमे नलिणे ससि दिवायरे चेव, वेसमणे वेरुलिए रुयगस्स उ दाहिणे कूडा (१) तत्थ णं अठ्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमठ्ठिईयाओ परिवसंति तं० समाहारा

सुप्पइन्ना सुप्पबुद्धा जसोहरा; लच्छिवई सेसवई चित्तगुत्ता वसुंधरा ॥ ८२९ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सोत्थिए य अमोहे य हिमवं मंदरे तहा, रुअगे रुयगुत्तमे चंदे अट्ठमे य सुदंसणे (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०— इलादेवी सुरादेवी पुढवी पउमावई, एगनासा नवमिया सीया भद्दा य अट्ठमा ॥ ८३० ॥ जंबूमंदरउत्तररुअगवरे पव्वए अट्ठकूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए या सव्वरयणे रयणसंचए चेव, विजये य वेजयंते य जयंते अपराजिए (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०—अलंबुसा मितकेसी पोंडरी गीतवारुणी, आसा य सव्वगा चेव सिरी हिरी चेव उत्तरओ ॥ ८३१ ॥ अट्ठ अहेलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० भोगंकरा भोगवई सुभोगा भोगमालिणी; सुवच्छा वच्छमित्ता य, वारिसेणा वलाहगा (१) अट्ठ उड्ढलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं०— मेघंकरा मेघवई सुमेघा मेघमालिणी, तोयधारा विचित्ता य पुप्फमाला अणिंदिता २ ॥ ८३२ ॥ अट्ठ कप्पा तिरियमिस्सोववन्नगा प० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे ॥ ८३३ ॥ एएसु णं अट्ठसु कप्पेसु अट्ठ इंदा प० तं० सक्के जाव सहस्सारे ॥ ८३४ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं इंदाणं अट्ठ परियाणिया विमाणा प० तं० पालए पुप्फए सोमणसे सिरिवच्छे णंदावत्ते कामकमे पीइमणे विमले ॥ ८३५ ॥ अट्ठट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा णं चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव अणुपालियावि भवइ ॥ ८३६ ॥ अट्ठविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० पढमसमयनेरइया अपढमसमयनेरइया एवं जाव अपढमसमयदेवा ॥८३७॥ अट्ठविहा सव्वजीवा प०त० नेरइया तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ मणुस्सा मणुस्सीओ देवा देवीओ सिद्धा ॥ ८३८ ॥ अहवा अट्ठविहा सव्वजीवा प० तं० आभिणिबोहियनाणी जाव केवलनाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी ॥ ८३९ ॥ अट्ठविहे संजमे प० तं० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, पढमसमयवादरसंजमे, अपढमसमयवादरसंजमे, पढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, पढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे ॥ ८४० ॥ अट्ठ पुढवीओ प० तं० रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा ईसिपब्भारा ॥ ८४१ ॥ ईसिप्पब्भाराए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए अट्ठजोयणिए खेत्ते अट्ठ जोयणाइं वाहल्लेणं प० ॥ ८४२ ॥ ईसिपब्भाराए णं पुढवीए अट्ठ नामधेज्जा प०

तं० ईसीइ वा, ईसिपब्भाराइ वा, तणूइ वा, तणुतणूइ वा, सिद्धीति वा, सिद्धालएइ वा, मुत्तीइ वा, मुत्तालएइ वा ॥ ८४३ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं सम्मं संघडियव्वं जइयव्वं परक्कमियव्वं अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं भवइ, असुयाणं धम्माणं सम्मं सुणणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सुयाणं धम्माणं ओगिण्हणयाए उवधारणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, पावाणं कम्माणं संजमेणमकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, पोराणाणं कम्माणं तवसा विगिंचणयाए विसोहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, असंगिहीयपरियणस्स संगिण्हणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सेहं आयारगोयरगहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, गिलाणस्स अगिलाए वेयावच्चकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, साहम्मियाणमधिकरणंसि उप्पण्णंसि तत्थ अणिस्सिओवस्सिओ अपक्खग्गाही मज्झत्थभावभूए कह णु साहम्मिया अप्पसद्दा अप्पझंझा अप्पतुमंतुमा उवसामणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ ॥ ८४४ ॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ८४५ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठसया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ ८४६ ॥ अट्ठसामइए केवलिसमुग्घाए प० तं० पढमे समए दंडं करेइ बीए समए कवाडं करेइ तइए समए मंथानं करेइ चउत्थे समए लोगं पूरेइ पंचमे समए लोगं पडिसाहरइ छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ ॥ ८४७ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठ सया अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं जाव आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था ॥ ८४८ ॥ अट्ठविहा वाणमंतरा देवा प० तं०-पिसाया भूया जक्खा रक्खसा किन्नरा किंपुरिसा महोरगा गंधव्वा ॥ ८४९ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं वाणमंतरदेवाणं अट्ठरुक्खा प० तं०-कलंबो अ पिसायाणं वडो जक्खाणमेव य; तुलसी भूयाणं भवे रक्खसाणं च कंडओ (१) असोओ किन्नराणं च किंपुरिसाण य चंपओ; नागरुक्खो भुयंगाणं गंधव्वाण य तेंदुओ (२) ॥ ८५० ॥ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठजोयणसए उड्ढबाहाए सूरविमाणे चारं चरइ ॥ ८५१ ॥ अट्ठ नक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति तं० कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू महा चित्ता विसाहा अणुराहा जेट्ठा ॥ ८५२ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स दारा अट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०-सव्वेसिंपि दीवसमुद्दाणं दारा अट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ८५३ ॥ पुरिसवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स जहण्णेणं अट्ठसंवच्छराइं बंधठिई प० ॥ ८५४ ॥ जसोकित्तीनामएणं कम्मस्स जहन्नेणं अट्ठ मुहुत्ताइं बंधठिई प० ॥ ८५५ ॥ उच्चगोयस्स णं कम्मस्स एवं चेव

॥ ८५६ ॥ तेइंदियाणमट्ठ जाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ ८५७ ॥ जीवा णं अट्ठठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं०-पढमसमयनेरइयनिव्वत्तिए जाव अपढमसमयदेवनिव्वत्तिए एवं चिण उवचिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ८५८ ॥ अट्ठपएसिया खंधा अणंता प० ॥ ८५९ ॥ अट्ठ पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ ८६० ॥ जाव अट्ठगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ ८६१ ॥ **अट्ठमं ठाणं समत्तं** ॥

नवमट्ठाणं

नवहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ तं०-आयरियपडिणीयं उवज्झायपडिणीयं थेरपडिणीयं कुल० गण० संघ० नाण० दंसण० चरित्तपडिणीयं ॥ ८६२ ॥ नव बंभचेरा प० तं० सत्थपरिन्ना लोगविजओ जाव उवहाणसुयं महापरिण्णा ॥ ८६३ ॥ नव बंभचेरगुत्तीओ प० तं० विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भवइ णो इत्थिसंसत्ताइं नो पसुसंसत्ताइं नो पंडगसंसत्ताइं १ नो इत्थीणं कहं कहेत्ता २ नो इत्थिठाणाइं सेवित्ता भवइ ३ नो इत्थीणमिंदियाइं मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता निज्झाइत्ता भवइ ४ नो पणीयरसभोई ५ नो पाणभोयणस्स अइमत्तं आहारए सया भवइ ६ नो पुव्वरयं पुव्वकीलियं समरेत्ता भवइ ७ णो सद्दाणुवाई णो रूवाणुवाई णो सिलोगाणुवाई ८ णो सायसोक्खपडिबद्धे यावि भवइ ९ ॥ ८६४ ॥ नव बंभचेरअगुत्तीओ प० तं० नो विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भवइ इत्थीसंसत्ताइं पसुसंसत्ताइं पंडगसंसत्ताइं इत्थीणं कहं कहेत्ता भवइ इत्थीणं ठाणाइं सेवित्ता भवइ इत्थीणं इंदियाइं जाव निज्झाइत्ता भवइ पणीयरसभोई पाणभोयणस्स अइमायमाहारए सया भवइ पुव्वरयं पुव्वकीलियं सरित्ता भवइ सद्दाणुवाई रूवाणुवाई सिलोगाणुवाई जाव सायासुक्खपडिबद्धे यावि भवइ ॥ ८६५ ॥ अभिणंदणाओ णं अरहओ सुमई अरहा नवहिं सागरोवमकोडिसयसहस्सेहिं विइक्कंतेहिं समुप्पन्ने ॥ ८६६ ॥ नव सब्भावपयत्था प० तं० जीवा अजीवा पुण्णं पावो आसवो संवरो णिज्जरा बंधो मोक्खो ॥ ८६७ ॥ णवविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेइंदिया जाव पंचिंदियत्ति ॥ ८६८ ॥ पुढवीकाइया नवगइया नव आगइया प० तं० पुढवीकाइए पुढवीकाइएसु उववज्जमाणे पुढवीकाइएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से पुढवीकाइए पुढवीकायत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं आउकाइयावि जाव पंचिंदियत्ति ॥ ८६९ ॥ नवविहा सव्वजीवा प० तं० एगिंदिया बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया नेरइया पंचिंदियति-

रिक्खजोणिया मणुस्सा देवा सिद्धा ॥ ८७० ॥ अहवा नवविहा सव्वजीवा प० तं० पढमसमयनेरइया अपढमसमयनेरइया जाव अपढमसमयदेवा सिद्धा ॥ ८७१ ॥ नवविहा सव्वजीवोगाहणा प० तं० पुढविकाइओगाहणा आउ० जाव वणस्सइकाइओगाहणा बेइंदियोगाहणा तेइंदियोगाहणा चउरिंदियोगाहणा पंचिंदियोगाहणा ॥ ८७२ ॥ जीवा णं नवहिं ठाणेहिं संसारं वत्तिंसु वा वत्तंति वा वत्तिस्संति वा तं० पुढविकाइयत्ताए जाव पंचिंदियत्ताए ॥ ८७३ ॥ नवहिं ठाणेहिं रोगुप्पत्ती सिया तं० अच्चासणाए अहियासणाए अइणिद्दाए अइजागरिएणं उच्चारनिरोहेणं पासवणनिरोहेणं अद्धाणगमणेणं भोयणपडिकूलयाए इंदियत्थविकोवणयाए ॥ ८७४ ॥ णवविहे दरिसणावरणिज्जे कम्मे प० तं०-निद्दा निद्दानिद्दा पयला पयलापयला थीणगिद्धी चक्खुदरिसणावरणे अचक्खुदरिसणावरणे ओहिदरिसणावरणे केवलदरिसणावरणे ॥ ८७५ ॥ अभीई णं णक्खत्ते साइरेगे नवमुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएइ ॥८७६॥ अभिईआइआ णं णवनक्खत्ता णं चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति तं०, अभिई सवणो धणिट्ठा जाव भरणी ॥ ८७७ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णवजोअणसयाइं उड्ढं अवाहाए उवरिल्ले तारारूवे चारं चरति ॥ ८७८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे णवजोअणिया मच्छा पविसिंसु वा पविसंति वा पविसिस्संति वा ॥ ८७९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव बलदेववासुदेवपियरो होत्था तं० पयावई य बंभे य रोद्दे सोमे सिवेइया, महासीहे अग्गिसीहे दसरह नवमे य वसुदेवे (१) इत्तो आढत्तं जहा समवाये निरवसेसं जाव एगा से गब्भवसही सिज्झिस्सति आगमिस्सेणं ॥ ८८० ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साए उस्सप्पिणीए नवबलदेववासुदेवपियरो भविस्संति नव बलदेववासुदेवमायरो भविस्संति, एवं जहा समवाए निरवसेसं जाव महाभीमसेणे य सुग्गीवे य अपच्छिमे; एए खलु पडिसत्तू कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं सव्वेवि चक्कजोही हम्मेहंती सचक्केहिं ॥ ८८१ ॥ एगमेगे णं महानिही नवनव जोयणाइं विक्खंभेणं प० एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स णव महानिहओ प० तं० "णेसप्पे पंडुयए पिंगलए सव्वरयण महापउमे, काले य महाकाले माणवग महानिही संखे (१) नेसप्पंमि निवेसा गामागरनगरपट्टणाणं च, दोणमुहमडंबाणं खंधाराणं गिहाणं च (२) गणियस्स य बीयाणं माणुम्माणस्स जं पमाणं च, धन्नस्स य बीयाणं उप्पत्ती पंडुए भणिया (३) सव्वा आभरणविही पुरिसाणं जा य होइ महिलाणं, आसाण य हत्थीण य पिंगलगनिहिम्मि सा भणिया (४) रयणाइं सव्वरयणे चोद्दस पवराइं चक्कवट्टिस्स, उप्पज्जंति एगिंदियाइं पंचिंदि-

याइं च (५) वत्थाण य उप्पत्ती निप्पत्ती चेव सव्वभत्तीणं, रंगाण य धोयाण य सव्वा एसा महापउमे (६) काले कालण्णाणं भव्वपुराणं च तीसु वासेसु; सिप्पसयं कम्माणि य, तिन्नि पयाए हियकराइं (७) लोहस्स य उप्पत्ती होइ महाकालि आगराणं च, रुप्पस्स सुवण्णस्स य मणिमोत्तिसिलप्पवालाणं (८) जोधाण य उप्पत्ती आवरणाणं च पहरणाणं च, सव्वा य जुद्धनीई, माणवए दंडनीई य (९) नट्टविही नाडगविही, कव्वस्स चउव्विहस्स उप्पत्ती, संखे महानिहिम्मी, तुडियंगाणं च सव्वेसिं (१०) चक्कट्ठपइट्ठाणा अट्ठुस्सेहा य नव य विक्खंभे, बारसदीहा मंजूससंठिया, जन्हवीइ मुहे (११) वेरुलियमणिकवाडा कणगमया विविहरयणपडिपुन्ना, ससिसूरचक्कलक्खण-अणुसमजुगबाहुवयणा य (१२) पलिओवमट्ठिईया णिहिसरिणामा य तेसु खलु देवा; जेसि ते आवासा अक्किज्जा आहिवच्चा वा (१३) एए ते नवनिहओ पभूयधणरयणसंचयसमिद्धा जे वसमुवगच्छंती सव्वेसिं चक्कवट्टीणं" (१४) ॥ ८८२ ॥ नव विगईओ प० तं० खीरं दहिं णवणीयं सप्पिं तेलं गुलो महुं मज्जं मंसं ॥ ८८३ ॥ नवसोयपरिस्सवा बोंदी प० तं० दो सोत्ता दो णेत्ता दो घाणा मुहं पोसे पाऊ ॥ ८८४ ॥ णवविहे पुन्ने प० तं० अन्नपुन्ने पाणपुन्ने वत्थपुण्णे लेणपुन्ने सयणपुन्ने मणपुन्ने वइपुन्ने कायपुन्ने नमोक्कारपुन्ने ॥८८५॥ णव पावस्सायतणा प० तं० पाणाइवाए मुसावाए जाव परिग्गहे कोहे माणे माया लोहे ॥ ८८६ ॥ नवविहे पावस्सुयपसंगे प० तं० उप्पाए निमित्ते मंते आइक्खिए तिगिच्छए, कला आवरणे अन्नाणे मिच्छापावयणेति य ॥ ८८७ ॥ णव णेउणिया वत्थू प० तं० संखाणे निमित्ते काइए पोराणे पारिहत्थिए परपंडिए वाइए भूइकम्मे तिगिच्छए ॥ ८८८ ॥ समणस्स णं भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स नव गणा होत्था तं० गोदासगणे उत्तरबलिस्सहगणे उद्देहगणे चारणगणे उद्दवाइयगणे विस्सवाइयगणे कामड्ढियगणे माणवगणे कोडियगणे ॥ ८८९ ॥ समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णवकोडिपरिसुद्धे भिक्खे प० तं० ण हणइ ण हणावइ हणंतं णाणुजाणइ ण पयइ ण पयावेइ पयंतं णाणुजाणइ ण किणइ ण किणावेइ किणंतं णाणुजाणइ ॥ ८९० ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारन्नो णव अग्गमहिसीओ प० ॥ ८९१ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अग्गमहिसीणं णवपलिओवमाइं ठिई प० ॥ ८९२ ॥ ईसाणे कप्पे उक्कोसेणं देवीण णव पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ८९३ ॥ नव देवनिकाया प० तं० "सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य" ॥ ८९४ ॥ अव्वाबाहाणं देवाणं नव देवा नव देवसया प० एवं अग्गिच्चावि एवं रिट्ठावि

॥ ८९५-६ ॥ णव गेवेज्जविमाणपत्थडा प० तं० हेट्ठिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे हेट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हेट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ ८९७ ॥ एएसि णं णवण्हं गेविज्जविमाणपत्थडाणं णव नामधिज्जा प० तं० भद्दे सुभद्दे सुजाए सोमणसे पियदरिसणे, सुदंसणे अमोहे य सुप्पबुद्धे जसोधरे ॥ ८९८ ॥ नवविहे आउपरिणामे प० तं० गइपरिणामे गइबंधणपरिणामे ठिइपरिणामे ठिइबंधणपरिणामे उड्ढंगारवपरिणामे अहेगारवपरिणामे तिरियंगारवपरिणामे दीहंगारवपरिणामे रहस्संगारवपरिणामे ॥८९९॥ नवनवमिया णं भिक्खुपडिमा एगासीए राइंदिएहिं चउहिं य पंचुत्तरेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव आराहिया यावि भवइ ॥ ९०० ॥ नवविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे जाव मूलारिहे अणवठ्ठप्पारिहे ॥ ९०१ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं भरहे दीहवेयड्ढे नव कूडा प० तं० सिद्धे भरहे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, भरहे वेसमणे या भरहे कूडाण णामाइं ॥ ९०२ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं निसभे वासहरपव्वए णवकूडा प० तं० सिद्धे निसहे हरिवास विदेह हरि धिइ अ सीओया, अवरविदेहे रुयगे निसभे कूडाण नामाणि ॥ ९०३ ॥ जंबूमंदरपव्वए णंदणवणे णव कूडा प० तं० णंदणे मंदरे चेव निसहे हेमवए रयय रुयए य, सागरचित्ते वइरे बलकूडे चेव बोद्धव्वे ॥ ९०४ ॥ जंबूमालवंतवक्खारपव्वए णव कूडा प० तं० सिद्धे य मालवंते य उत्तरकुरु कच्छ सागरे रयए, सीया तह पुण्णणामे हरिस्सहकूडे य बोद्धव्वे ॥ ९०५ ॥ जंबू० कच्छे दीहवेयड्ढे नव कूडा प० तं० सिद्धे कच्छे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, कच्छे वेसमणे या कच्छे कूडाण णामाइं ॥ ९०६ ॥ जंबू० सुकच्छे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे सुकच्छे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा; सुकच्छे वेसमणे या सुकच्छि कूडाण णामाइं ॥ ९०७ ॥ एवं जाव पोक्खलावइंमि दीहवेयड्ढे एवं वच्छे दीहवेयड्ढे एवं जाव मंगलावइंमि दीहवेयड्ढे ॥ ९०८ ॥ जंबू० विज्जुप्पभे वक्खारपव्वए नव कूडा प० तं०—सिद्धे अ विज्जुणामे देवकुरा पम्ह कणग सोवत्थी, सीओयाए सजले हरिकूडे चेव वोद्धव्वे ॥ ९०९ ॥ जंबू० पम्हे दीहवेयड्ढे नव कूडा प० तं०—सिद्धे पम्हे खंडग माणी वेयड्ढ एवं चेव जाव सलिलावइंमि दीहवेयड्ढे एवं वप्पे दीहवेयड्ढे एवं जाव गंधिलावइंमि दीहवेयड्ढे नव कूडा प० तं०—सिद्धे गंधिल खंडग माणी वेयड्ढ पुन्न तिमिसगुहा; गंधिलावइ वेसमण कूडाणं होंति णामाइं (१) एवं सव्वेसु दीहवेयड्ढेसु

दो कूडा सरिसणामगा सेसा ते चेव ॥ ९१० ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं नीलवंते वासहरपव्वए णव कूडा प० तं० सिद्धे नीलवन्त विदेहे सीया कित्ती य नारिकंता य, अवरविदेहे रम्मगकूडे उवदंसणे चेव ॥ ९११ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं एरवए दीहवेयड्ढे नव कूडा प० तं० सिद्धे रयणे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, एरवए वेसमणे एरवए कूडणामाइं ॥ ९१२ ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणिए वज्जरिसहणारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए नव रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ ९१३ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तित्थंसि णवहिं जीवेहिं तित्थगरणामगोत्ते कम्मे णिव्वत्तिए तं० सेणिएणं सुपासेणं उदाइणा पोट्टिलेणं अणगारेणं दढाउणा संखेणं सयएणं सुलसाए सावियाए रेवईए ॥ ९१४ ॥ एस णं अज्जो ! कण्हे वासुदेवे, रामे बलदेवे, उदए पेढालपुत्ते, पुट्टिले, सयये गाहावई, दारुए नियंठे, सच्चई नियंठीपुत्ते, सावियबुद्धे अंबडे परिव्वायए, अज्जाविणं सुपासा पासावच्चिज्जा, आगमेस्साए उस्सप्पिणीए चाउज्जामं धम्मं पन्नवइत्ता सिज्झिहिंति जाव अंतं काहिंति ॥ ९१५ ॥ एस णं अज्जो ! सेणिए राया भिंभिसारे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सीमंतए नरए चउरासीइवाससहस्सट्ठिईयंसि निरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिति से णं तत्थ णेरइए भविस्सइ काले कालोभासे जाव परमकिण्हे वन्नेणं से णं तत्थ वेयणं वेदिहिती उज्जलं जाव दुरहियासं से णं तओ नरयाओ उव्वट्टेत्ता आगमेस्साए उस्सप्पिणीए इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे णयरे संमुइस्स कुलगरस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुमत्ताए पच्चायाहिइ तए णं सा भद्दा भारिया नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुन्नपंचिंदियसरीरं लक्खणवंजण० जाव सुरूवं दारगं पयाहिती जं रयणिं च णं से दारए पयाहिती तं रयणिं च णं सयदुवारे णयरे सब्भंतरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिति तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वइक्कंते जाव बारसाहे दिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फण्णं नामधिज्जं काहिंति जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे नयरे सब्भिंतरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वुट्ठे तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स नामधिज्जं महापउमे तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधिज्जं काहिति महापउमेत्ति, तए णं महापउमं दारगं अम्मापियरो साइरेगं अट्ठवासजायगं जाणित्ता महया रायाभिसेएणं अभिसिंचिहिंति से णं तत्थ राया भविस्सइ महया हिमवंतमहंतमलयमंदररायवन्नओ जाव रज्जं पसाहेमाणे विहरिस्सइ तए णं तस्स

महापउमस्स रन्नो अन्नया कयाइ दो देवा महिड्डिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति तं० पुण्णभद्दए माणिभद्दए तए णं सयदुवारे णयरे बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहप्पभिइयो अन्नमन्नं सद्दावेहिंति एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं महापउमस्स रन्नो दो देवा महिड्डिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं करेंति तं० पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया ! महापउमस्स रन्नो दोच्चेवि नामधेज्जे देवसेणे, तए णं तस्स महापउमस्स दोच्चेवि नामधेज्जे भविस्सइ देवसेणेति २ तए णं तस्स देवसेणस्स रण्णो अण्णया कयाइ सेयसंखतलविमलसन्निकासे चउदंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिहिति तए णं से देवसेणे राया तं सेयसंखतलविमलसन्निकासं चउद्दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सयदुवारं णगरंमज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अइज्जाहि य णिज्जाहि य, तए णं सयदुवारे णगरे बहवे राईसरतलवर जाव अन्नमन्नं सद्दावेहिंति २ एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं देवसेणस्स रन्नो सेयसंखतलविमलसन्निकासे चउदंते हत्थिरयणे समुप्पन्ने तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया ! देवसेणस्स रण्णो तच्चेवि णामधेज्जे विमलवाहणे तए णं तस्स देवसेणस्स रन्नो तच्चेवि णामधेज्जे भविस्सइ विमलवाहणे २ तए णं से विमलवाहणे राया तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं गुरुमहत्तरएहिं अब्भणुन्नाए समाणे उदुंमि सरए संवुद्धे अणुत्तरे मोक्खमग्गे पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहि ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुन्नाहिं मणामाहिं उरालाहिं कल्लाणाहिं धन्नाहिं सिवाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीआहिं वग्गूहि अभिणंदिज्जमाणे अभिथुवमाणे य वहिया **सुभूमिभागे उज्जाणे** एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयाहिति तस्स णं भगवंतस्स साइरेगाइं दुवालस वासाइं निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केई उवसग्गा उप्पज्जंति तं० दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा ते उप्पन्ने सम्मं सहिस्सइ खमिस्सइ तितिक्खिस्सइ अहियासिस्सइ तए णं से भगवं इरियासमिए भासासमिए जाव गुत्तवंभयारी अममे अकिंचणे छिन्नगंथे निरुवलेवे कंसपाईव मुक्कतोए जहा भावणाए जाव सुहुयहुयासणेइव तेयसा जलंते, कंसे संखे जीवे गगणे वाए य सारए सलिले, पुक्खरपत्ते कुम्मे विहगे खग्गे य भारंडे (१) कुंजर वसहे सीहे नगराया चेव सागरसक्खोभे, चंदे सूरे कणगे वसुंधरा चेव सुहुयहुए (२) नत्थि णं तस्स भगवंतस्स कत्थइ पडिवंधे भवइ, से य पडिवंधे चउव्विहे प० तं०—अंडए वा पोयए इ वा उग्गहेइ वा पग्गहिएइ वा जं णं जं णं दिसं इच्छइ तं णं तं णं दिसं अपडिबद्धे सुइभूए लहुभूए अणप्पगंथे संजमेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरिस्सइ, तस्स णं भगवंतस्स

अणुत्तरेणं नाणेणं अणुत्तरेणं दंसणेणं अणुत्तरेणं चरित्तेणं एवं आलएणं विहारेणं अज्जवे मद्दवे लाघवे खंती मुत्ती गुत्ती सच्च संजम तवगुणसुचरियसोवचियफलपरिनिव्वाणमग्गेणं अप्पाणं भावेमाणस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जिहिति, तए णं से भगवं अरहा जिणे भविस्सइ केवली सव्वन्नू सव्वदरिसी सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स परियागं जाणइ पासइ सव्वलोए सव्वजीवाणं आगइं गइं ठिइं चवणं उववायं तक्कं मणोमाणसियं भुत्तं कडं परिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं अरहा अरहस्स भागी तं तं कालं मणसवयसकाइए जोगे वट्टमाणाणं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्वभावे जाणमाणे पासमाणे विहरइ, तए णं से भगवं तेणं अणुत्तरेणं केवलवरनाणदंसणेणं सदेवमणुआसुरलोगं अभिसमिच्चा समणाणं णिग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छच्च जीवनिकायधम्मं देसेमाणे विहरिस्सइ से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं एगे आरंभठाणे पण्णत्ते एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं एगं आरंभठ्ठाणं पन्नवेहिति, से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं दुविहे बंधणे प० तं० पेज्जबंधणे, दोसबंधणे, एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं दुविहं बंधणं पन्नवेहिती तं० पेज्जबंधणं च दोसबंधणं च से जहानामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडा प० तं० मणदंडे ३ एवामेव महापउमेवि समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडे पण्णवेहिति तं० मणोदंडं ३ से जहानामए एएणं अभिलावेणं चत्तारि कसाया प० तं० कोहकसाए ४ पंच कामगुणे प० तं० सद्दे ५ छज्जीवनिकाया प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया एवामेव जाव तसकाइया से जहाणामए एएणं अभिलावेणं सत्त भयठ्ठाणा प० तं० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं सत्त भयठ्ठाणा पन्नवेहिति, एवमठ्ठ मयठ्ठाणे, णव बंभचेरगुत्तीओ दसविहे समणधम्मे एवं जाव तेत्तीसमासायणाउत्ति से जहानामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं **थेरकप्पे जिणकप्पे** मुंडभावे अण्हाणए अदंतवणे अच्छत्तए अणुवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कठ्ठसेज्जा केसलोए बंभचेरवासे परघरपवेसे जाव लद्धावलद्धवित्तीओ प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं **थेरकप्पं जिणकप्पं** जाव लद्धावलद्धवित्ती पण्णवेहिती, से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं आहाकम्मिएइ वा उद्देसिएइ वा मीसजाएइ वा अज्झोयरएइ वा पूइए कीए पामिच्चे अच्छेज्जे अणिसठ्ठे अभिहडेइ वा कंतारभत्तेइ वा दुब्भिक्खभत्तेइ वा गिलाणभत्ते वद्दलियाभत्तेइ वा पाहुणभत्तेइ वा मूलभोयणेइ वा कंद० फल० बीय० हरियभोयणेइ वा पडिसिद्धे एवामेव महापउमे वि अरहा समणाणं०

आहाकम्मियं वा जाव हरियभोयणं वा पडिसेहिस्सइ, से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वइए सपडिक्कमणे अचेलए धम्मे प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वइयं जाव अचेलगं धम्मं पण्णवेहिती, से जहाणामए अज्जो! मए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए दुवालसविहे सावगधम्मे प० एवामेव महापउमेवि अरहा पंचाणुव्वइयं जाव सावगधम्मं पण्णवेस्सइ, से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं सेज्जायरपिंडेइ वा रायपिंडेइ वा पडिसिद्धे एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं सेज्जायरपिंडेइ वा जाव पडिसेहिस्सइ, से जहाणामए अज्जो! मम णव गणा इगारस गणहरा, एवामेव महापउमस्स वि अरहओ णव गणा इगारस गणहरा भविस्संति। से जहाणामए अज्जो! अहं तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दुवालस संवच्छराइं तेरस पक्खा छउमत्थपरियागं पाउणित्ता तेरसहिं पक्खेहिं ऊणगाइं तीसं वासाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता बायालीसं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिस्सं जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सं, एवामेव महापउमेवि अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता जाव पव्विहिति दुवालस संवच्छराइं जाव बावत्तरिवासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिहिती जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिती, "जंसीलसमायारो अरहा तित्थंकरो महावीरो, तस्सीलसमायारो होइ उ अरहा महापउमे ॥ ९१६ ॥ **महापउमचरिअं समत्तं ॥**

णव णक्खत्ता चंदस्स पच्छंभागा प० तं० अभिई सवणो धणिट्ठा रेवइ अस्सिणि मग्गसिर पूसो, हत्थो चित्ता य तहा पच्छंभागा णव हवंति ॥ ९१७ ॥ आणयपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु विमाणा णव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९१८ ॥ विमलवाहणे णं कुलगरे णव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ ९१९ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए णं इमीसे ओसप्पिणीए णवहिं सागरोवमकोडाकोडीहिं विईकंताहिं तित्थे पवत्तिए ॥ ९२० ॥ घणदंतलठ्ठदंतगूढदंतसुद्धदंतदीवा णं दीवा णवणवजोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ९२१ ॥ सुक्कस्स णं महागहस्स णव वीहीओ प० तं०-हयवीही गयवीही णागवीही वसहवीही गोवीही उरगवीही अयवीही मियवीही वेसाणरवीही ॥ ९२२ ॥ नवविहे नोकसायवेयणिज्जे कम्मे प० तं०-इत्थिवेए पुरिसवेए णपुंसगवेए हासे रई अरई भये सोगे दुगुंछे ॥ ९२३ ॥ चउरिंदियाणं णव जाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ ९२४ ॥ भुयगपरिसप्पथलयरपांचिंदियतिरिक्खजोणियाणं नवजाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥९२५॥ जीवा णं णवट्ठाणनिवत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ ॥ ९२६ ॥ पुढवि-

काइयनिवत्तिए जाव पंचिंदियनिवत्तिए एवं चिण उवचिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ९२७ ॥ णव पएसिया खंधा अणंता प० ॥ ९२८ ॥ णव पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ ९२९ ॥ जाव णव गुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ ९३० ॥

नवमं ठाणं नवममज्झयणं समत्तं ॥

दसमट्ठाणं

दसविहा लोगट्ठिई प० तं० जण्णं जीवा उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायंति, एवं एगा लोगट्ठिई प० १ जण्णं जीवाणं सया समियं पावे कम्मे कज्जइ एवं एगा लोगट्ठिई प० २ जण्णं जीवा सया समियं मोहणिज्जे पावे कम्मे कज्जइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ३ ण एवं भूयं वा भव्वं वा भविस्सइ वा जं जीवा अजीवा भविस्संति अजीवा वा जीवा भविस्संति एवं एगा लोगट्ठिई प० ४ ण एवं भूयं ३ जं तसा पाणा वोच्छिज्जिस्संति थावरा पाणा वोच्छिज्जिस्संति तसा पाणा भविस्संति वा एवं पि एगा लोगट्ठिई प० ५ ण एवं भूयं वा ३ जं लोगे अलोगे भविस्सइ अलोगे वा लोगे भविस्सइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ६ ण एवं भूयं वा ३ जं लोए अलोए पविस्सइ अलोए वा लोए पविस्सइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ७ जाव ताव लोगे ताव ताव जीवा जाव ताव जीवा ताव ताव लोए एवं एगा लोगट्ठिई प० ८ जाव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए ताव ताव लोए जाव ताव लोए ताव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए एवं एगा लोगट्ठिई प० ९ सव्वेसु वि णं लोगंतेसु अवद्धपासपुट्ठा पोग्गला लुक्खत्ताए कज्जंति जेणं जीवा य पोग्गला य नो संचायंति वहिया लोगंता गमणयाए एवं एगा लोगट्ठिई पण्णत्ता ॥ ९३१ ॥ दसविहे सद्दे प० तं० नीहारि पिंडिमे लुक्खे भिन्ने जज्जरिए इय; दीहे रहस्से पुहत्ते य, काकणी खिंखिणिस्सरे ॥ ९३२ ॥ दस इंदियत्थातीता प० तं० देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु देसेण वि एगे रूवाइं पासिंसु सव्वेण वि एगे रूवाइं पासिंसु एवं गंधाइं रसाइं फासाइं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं पडिसंवेदेंसु ॥ ९३३ ॥ दस इंदियत्था पडुप्पन्ना प० तं०—देसेण वि एगे सद्दाइं सुणेंति, सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणेंति, एवं जाव फासाइं, दस इंदियत्था अणागया प० तं०—देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति एवं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं पडिसंवेदेस्संति ॥ ९३४ ॥ दसहिं ठाणेहिं अच्छिन्ने पोग्गले चलेज्जा तं०—आहारिज्जमाणे वा चलेज्जा, परिणामेज्जमाणे वा चलेज्जा, उस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, निस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, वेदेज्जमाणे वा चलेज्जा, णिज्जरिज्जमाणे वा

चलेज्जा, विउव्विज्जमाणे वा चलेज्जा, परियारिज्जमाणे वा चलेज्जा, जक्खाइट्ठे वा चलेज्जा, वायपरिग्गहे वा चलेज्जा ॥ ९३५ ॥ दसहिं ठाणेहिं कोहुप्पत्ती सिया तं० मणुन्नाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइमवहरिंसु, अमणुन्नाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं उवहरिंसु, मणुन्नाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं अवहरइ, अमणुन्नाइं मे सद्दफरिसजावगंधाइं उवहरइ, मणुण्णाइं मे सद्द जाव अवहरिस्सइ, अमणुण्णाइं मे सद्द जाव उवहरिस्सइ, मणुण्णाइं मे सद्द जाव गंधाइं अवहरिंसु वा अवहरइ अवहरिस्सइ, अमणुण्णाइं मे सद्द जाव उवहरिंसु वा उवहरइ उवहरिस्सइ, मणुण्णामणुण्णाइं सद्द जाव अवहरिंसु अवहरइ अवहरिस्सइ उवहरिंसु उवहरइ उवहरिस्सइ अहं च णं आयरियउवज्झायाणं सम्मं वट्टामि ममं च णं आयरियउवज्झाया मिच्छं पडिवन्ना ॥ ९३६ ॥ दसविहे संजमे प० तं० पुढविकाइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे बेइंदियसंजमे तेइंदियसंजमे चउरिंदियसंजमे पंचिंदियसंजमे अजीवकायसंजमे ॥ ९३७ ॥ दसविहे असंजमे प० तं० पुढविकाइयअसंजमे, आउ० तेउ० वाउ० वणस्सइ० जाव अजीवकायअसंजमे ॥ ९३८ ॥ दसविहे संवरे प० तं०—सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मण० वय० काय० उवकरण० सूचीकुसग्गसंवरे ॥९३९॥ दसविहे असंवरे प० तं०—सोइंदियअसंवरे, जाव सूचीकुसग्गअसंवरे ॥ ९४० ॥ दसहिं ठाणेहिं अहमंतीति थंभिज्जा तं०—जाइमएण वा कुलमएण वा जाव इस्सरियमएण वा णागसुवन्ना वा मे अंतियं हव्वमागच्छंति, पुरिसधम्माओ वा मे उत्तरिए अहोहिए नाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ ९४१ ॥ दसविहा समाही प० तं०—पाणाइवायवेरमणे, मुसा० अदिन्ना० मेहुण० परिग्गह०इरियासमिई भासा० एसणा० आयाण० उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई ॥ ९४२ ॥ दसविहा असमाही प० तं० पाणाइवाए जाव परिग्गहे, इरियाऽसमिई जाव उच्चार० ॥ ९४३ ॥ दसविहा पव्वज्जा प० तं०—छंदा रोसा परिजुन्ना सुविणा पडिस्सुआ चेव सारणिया रोगिणिया अणाढिया देवसन्नत्ती वच्छाणुबंधिया ॥ ९४४ ॥ दसविहे समणधम्मे प० तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ ९४५ ॥ दसविहे वेयावच्चे प० तं० आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सि० गिलाण० सेह० कुल० गण० संघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे ॥ ९४६ ॥ दसविहे जीवपरिणामे प० तं० गइपरिणामे इंदियपरिणामे कसायपरिणामे लेस्सा० जोग० उवओग० णाण० दंसण० चरित्त० वेयपरिणामे ॥९४७॥ दसविहे अजीवपरिणामे प० तं० बंधणपरिणामे गइ० संठाण० भेद० वण्ण० रस० गंध० फास० अगुरुलहु० सद्दपरिणामे ॥ ९४८ ॥ दसविहे अंतलिक्खिए असज्झाइए प० तं०—

उक्कावाए दिसिदाघे गज्जिए विज्जुए निग्घाए जूयए जक्खालित्ते धूमिया महिया रयउग्घाए ॥ ९४९ ॥ दसविहे ओरालिए असज्झाइए प० तं०-अट्ठि मंसं सोणिए असुइसामंते सुसाणसामंते चंदोवराए सूरोवराए पडणे रायवुग्गहे उवस्सयस्स अंतो ओरालिए सरीरगे ॥ ९५० ॥ पंचिंदियाणं जीवाणं असमारभमाणस्स दसविहे संजमे कज्जइ तं०-सोयामयाओ सुक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, सोयामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ, एवं जाव फासामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ, एवं असंजमोवि भाणियव्वो ॥ ९५१ ॥ दससुहुमा प० तं०-पाणसुहुमे, पणगसुहुमे जाव सिणेहसुहुमे, गणियसुहुमे, भंगसुहुमे ॥ ९५२ ॥ जंवूमंदरदाहिणेणं गंगासिंधुमहाणईओ दसमहाणईओ समप्पेंति तं० जउणा, सरऊ, आवी, कोसी, मही, सिंधू, विवच्छा, विभासा, एरावई, चंदभागा ॥ ९५३ ॥ जंवूमंदरउत्तरेणं रत्तारत्तवईओ महाणईओ दस महाणईओ समप्पेंति तं०-किण्हा, महाकिण्हा, नीला, महानीला, तीरा, महातीरा, इंदा जाव महाभोगा ॥ ९५४ ॥ जंवुद्दीवे दीवे भारहे वासे दस रायहाणीओ प० तं० चंपा, महुरा, वाणारसी य, सावत्थी, तह य साएयं, हत्थिणाउर, कंपिल्लं, मिहिला, कोसंबि, रायगिहं ॥ ९५५ ॥ एयासु णं दस रायहाणीसु दस रायाणो मुंडा भवेत्ता जाव पव्वइया, तं०-भरहे, सगरो, मघवं, सणंकुमारो, संती, कुंथू, अरे, महापउमे, हरिसेणो, जयणामे ॥ ९५६ ॥ जंवूमंदरपव्वए दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दसजोयणसयाइं विक्खंभेणं दसदसाइं जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० ॥ ९५७ ॥ जंवुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स वहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं अट्ठ पएसिए रुयगे प० जओ णं इमाओ दस दिसाओ पवहंति तं० पुरच्छिमा, पुरच्छिमदाहिणा, दाहिणा, दाहिणपच्चत्थिमा, पच्चत्थिमा, पच्चत्थिमुत्तरा, उत्तरा, उत्तरपुरच्छिमा, उड्ढा, अहो ॥९५८॥ एएसि णं दसण्हं दिसाणं दस णामधिज्जा, प० तं०-इंदा अग्गीइ जमा णेरई वारुणी य वायव्वा, सोमा ईसाणावि य विमला य तमा य वोद्धव्वा ॥ ९५९ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयणसहस्साइं गोतित्थविरहिए खेत्ते प० ॥ ९६० ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयणसहस्साइं उदगमाले पन्नत्ते ॥ ९६१ ॥ सव्वेवि णं महापायाला दसदसाइं जोयणसहस्साइं उव्वेहेणं प० मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० वहुमज्झदेसभागे एगपएसियाए सेढीए दसदसाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० उवरिं मुहमूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० तेसिं णं महापायालाणं कुड्डा सव्ववइरामया सव्वत्थसमा दस जोयणसयाइं वाहल्लेणं प० सव्वेवि णं खुड्डा पायाला दस जोयणसयाइं

उव्वेहेणं प० मूले दसदसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं बहुमज्झदेसभाए एगपएसियाए सेढीए दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० उवरिं मुहमूले दसदसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं प० तेसि णं खुड्डापायालाणं कुड्डा सव्ववइरामया सव्वत्थ समा दस जोयणाइं बाहल्लेणं प० ॥ ९६२ ॥ धायइसंडगा णं मंदरा दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं धरणितले देसूणाइं दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ९६३ ॥ पुक्खरवरदीवड्ढगा णं मंदरा दस जोयण एवं चेव ॥ ९६४ ॥ सव्वेवि णं वट्टवेयड्ढपव्वया दसजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ९६५ ॥ जंबुद्दीवे दीवे दस खेत्ता प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरन्नवए हरिवस्से रम्मगवस्से पुव्वविदेहे अवरविदेहे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ९६६ ॥ माणुसुत्तरे णं पव्वए मूले दस बावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ९६७ ॥ सव्वेवि णं अंजणगपव्वया दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरि दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ९६८ ॥ सव्वेवि णं दहिमुहपव्वया दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ९६९ ॥ सव्वेवि णं रइकरयपव्वया दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाणसंठिया दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ९७० ॥ रुयगवरे णं पव्वए दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं, मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरि दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० एवं कुंडलवरेवि ॥ ९७१ ॥ दसविहे दवियाणुओगे प० तं० दवियाणुओगे माउयाणुओगे एगट्ठियाणुओगे करणाणुओगे अप्पियणप्पिए भावियाभाविए बाहिराबाहिरे सासयासासए तहणाणे अतहणाणे ॥ ९७२ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तिगिच्छिकूडे उप्पायपव्वए मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ९७३ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सोमस्स महारन्नो सोमप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ९७४ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो जमस्स महारन्नो जमप्पभे उप्पायपव्वए एवं चेव, एवं वरुणस्सवि एवं वेसमणस्स वि ॥ ९७५ ॥ बलिस्स णं वइरोयणिदस्स वइरोयणरन्नो रुयगिंदे उप्पायपव्वए मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ९७६ ॥ बलिस्स णं वइरोयणिदस्स सोमस्स एवं चेव, जहा चमरस्स लोगपालाणं तं चेव बलिस्स वि ॥ ९७७ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररन्नो धरणप्पभे उप्पायपव्वए

दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं ॥ ९७८ ॥ धरणस्स नागकुमारिंदस्स णं नागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो महाकालप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं चेव, एवं जाव संखवालस्स, एवं भूयाणंदस्स वि, एवं लोगपालाणंपि से जहा धरणस्स, एवं जाव थणियकुमाराणं सलोगपालाणं भाणियव्वं, सव्वेसिं उप्पायपव्वया भाणियव्वा सरिसणामगा ॥९७९॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सक्कप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसहस्साइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ९८० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारन्नो जहा सक्कस्स तहा सव्वेसिं लोगपालाणं सव्वेसि च इंदाणं जाव अच्चुयत्ति, सव्वेसिं पमाणमेगं ॥ ९८१ ॥ बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० ॥ ९८२ ॥ जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० उरपरिसप्पथलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं एवं चेव ॥ ९८३ ॥ संभवाओ णं अरहाओ अभिनंदणे अरहा दसहिं सागरोवमकोडिसयसहस्सेहिं वीइक्कंतेहिं समुप्पन्ने ॥९८४॥ दसविहे अणंतए प० तं० णामाणंतए ठवणाणंतए दव्वाणंतए गणणाणंतए पएसाणंतए एगओणंतए दुहओणंतए देसवित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ९८५ ॥ उप्पायपुव्वस्स णं दस वत्थू प० ॥ ९८६ ॥ अत्थिणत्थिप्पवायपुव्वस्स णं दस चूलवत्थू प० ॥९८७॥ दसविहा पडिसेवणा प० तं०—दप्प पमाय णाभोगे आउरे आवईसु य, संकिए सहसक्कारे भय प्पयोसा य वीमंसा ॥९८८॥ दस आलोयणा दोसा प० तं० आकंपइत्ता अणुमाणइत्ता जंदिट्ठं बायरं च सुहुमं वा, छण्णं सद्दाउलगं बहुजण अव्वत्त तस्सेवी ॥ ९८९ ॥ दसहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोएत्तए तं०—जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने एवं जहा अट्ठट्ठाणे जाव खंते दंते अमाई अपच्छाणुतावी ॥ ९९० ॥ दसहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए तं०—आयारवं अवहारवं जाव अवायदंसी पियधम्मे दढधम्मे ॥ ९९१ ॥ दसविहे पायच्छित्ते प० तं०—आलोयणारिहे जाव अणवठ्ठप्पारिहे पारंचियारिहे ॥ ९९२ ॥ दसविहे मिच्छत्ते प० तं०—अधम्मे धम्मसण्णा धम्मे अधम्मसण्णा उम्मग्गे मग्गसण्णा मग्गे उम्मग्गसण्णा अजीवेसु जीवसन्ना जीवेसु अजीवसण्णा असाहुसु साहुसण्णा साहुसु असाहुसण्णा अमुत्तेसु मुत्तसण्णा मुत्तेसु अमुत्तसण्णा ॥ ९९३ ॥ चंदप्पभे णं अरहा दस पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ९९४ ॥ धम्मे णं अरहा दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव-

प्पहीणे ॥९९५॥ णमी णं अरहा दस वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे ॥ ९९६ ॥ पुरिससीहे णं वासुदेवे दसवाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ ९९७ ॥ णेमी णं अरहा दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस य वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ९९८ ॥ कण्हे णं वासुदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसवाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ ९९९ ॥ दसविहा भवणवासी देवा प० तं०–असुरकुमारा जाव थणियकुमारा ॥ १००० ॥ एएसि णं दसविहाणं भवणवासीणं देवाणं दस **रुक्खा** प० तं०–आसत्थ सत्तिवण्णे सामलि उंबर सिरीस दहिवन्ने, वंजुल पलास वप्पे तए य कणियाररुक्खे ॥ १००१ ॥ दसविहे सोक्खे प० तं०–आरोग्ग दीहमाउं अड्ढेज्जं काम भोग संतोसे; अत्थि सुहभोग निक्खम्ममेव तत्तो अणाबाहे ॥ १००२ ॥ दसविहे उवघाए प० तं०–उग्गमोवघाए उप्पायणोवघाए जह पंचमे ठाणे जाव परिहरणोवघाए णाणोवघाए दंसणोवघाए चरित्तोवघाए अचियत्तोवघाए सारक्खणोवघाए ॥ १००३ ॥ दसविहा विसोही प० तं०–उग्गमविसोही उप्पायणविसोही जाव सारक्खणविसोही ॥ १००४ ॥ दसविहे संकिलेसे प० तं०–**उवहिसंकिलेसे उवस्सयसंकिलेसे** कसायसंकिलेसे भत्तपाणसंकिलेसे मणसंकिलेसे वइसंकिलेसे कायसंकिलेसे णाणसंकिलेसे दंसणसंकिलेसे चरित्तसंकिलेसे ॥ १००५ ॥ दसविहे असंकिलेसे प० तं० उवहिअसंकिलेसे जाव चरित्तअसंकिलेसे ॥ १००६ ॥ दसविहे बले प० तं०–सोइंदियबले जाव फासिंदियबले णाणबले दंसणबले चरित्तबले तवबले वीरियबले ॥ १००७ ॥ दसविहे सच्चे प० तं०–जणवय सम्मय ठवणा नामे रूवे पडुच्चसच्चे य, ववहार भाव जोगे दसमे ओवम्मसच्चे य ॥ १००८ ॥ दसविहे मोसे प० तं०–कोहे माणे माया लोभे पिज्जे तहेव दोसे य, हास भए अक्खाइय उवघायनिस्सिए दसमे ॥ १००९ ॥ दसविहे सच्चामोसे प० तं० उप्पन्नमीसए विगयमीसए उप्पन्नविगयमीसए जीवमीसए अजीवमीसए जीवाजीवमीसए अणंतमीसए परित्तमीसए अद्धामीसए अद्धद्धामीसए ॥ १०१० ॥ दिट्ठिवायस्स णं दस नामधेज्जा प० तं० दिट्ठिवाएइ वा हेउवाएइ वा भूयवाएइ वा तच्चावाएइ वा सम्मावाएइ वा धम्मावाएइ वा भासाविजएइ वा पुव्वगएइ वा अणुजोगगएइ वा सव्वपाणभूयजीवसत्तसुहावहेइ वा ॥ १०११ ॥ दसविहे सत्थे प० तं०–सत्थमग्गी विसं लोणं सिणेहो खार मंबिलं, दुप्पउत्तो मणो वाया काया भावो य अविरई ॥ १०१२ ॥ दसविहे दोसे प० तं०–तज्जायदोसे मइभंगदोसे पसत्थारदोसे परिहरणदोसे, सलक्खण क्कारण हेउदोसे संकामणं निग्गह वत्थुदोसे

॥१०१३॥ दसविहे विसेसे प० तं०–वत्थु तज्जायदोसे य दोसे एगट्ठिएइ य, कारणे य पडुप्पण्णे दोसे निव्वे हि अट्ठमे; अत्तणा उवणीए य विसेसेति य ते दस...॥१०१४॥ दसविहे सुद्धावायाणुओगे प० तं०–चंकारे मंकारे पिंकारे सेयंकारे सायंकारे एगत्ते पुहुत्ते संजूहे संकामिए भिन्ने ॥ १०१५ ॥ **दसविहे दाणे** प० तं० **अणुकंपा** संगहे चेव भये कालुणिएइ य; लज्जाए गारवेणं च, अहम्मे पुण सत्तमे ॥ धम्मे य अट्ठमे वुत्ते काहीइ य कयंति य ॥ १०१६ ॥ दसविहा गई प० तं०–निरयगई, निरयविग्गहगई, तिरियगई, तिरियविग्गहगई, एवं जाव सिद्धिगई, सिद्धिविग्गहगई ॥ १०१७॥ दसमुंडा प० तं०–सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे, कोहमुंडे जाव लोभमुंडे दसमे सिरमुंडे ॥ १०१८ ॥ दसविहे संखाणे प० तं०–परिकम्मं ववहारो रज्जू रासी कलासवन्ने य, जावंतावइ वग्गो घणो य तह वग्गवग्गो वि, कप्पो य ॥ १०१९ ॥ दसविहे पच्चक्खाणे प० तं०–अणागयमइक्कंतं कोडीसहियं नियंटियं चेव, सागारमणागारं, परिमाणकडं, निरवसेसं, संकेयं चेव अद्धाए, पच्चक्खाणं दसविहं तु ॥ १०२० ॥ दसविहा सामायारी प० तं०–इच्छा मिच्छा तहक्कारो आवस्सिया निसीहिया, आपुच्छणा य पडिपुच्छा छंदणा य निमंतणा, उवसंपया य काले सामायारी भवे दसविहा उ ॥ १०२१ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे तं०–एगं च णं महाघोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिवुद्धे १ एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुविणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ३ एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ४ एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ५ एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ६ एगं च णं महासागरं उम्मीवीचीसहस्सकलियं भुयाहिं तिन्नं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ७ एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ८ एगं च णं महं हरिवेरुलियवन्नाभेणं नियएणमंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परिवेढियं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे ९ एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाओ उवरिं सीहासणवरगयमत्ताणं सुमिणे पासित्ता णं पडिवुद्धे १० जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिवुद्धे तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किलपक्खगं जाव पडिवुद्धे तं णं समणे भगवं

महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्त-विचित्तपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइयं चित्त-विचित्तं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ तं० आयारं जाव दिट्ठिवायं ३ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणा जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पण्णवेइ, तं०–अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइण्णे संघे तं०–समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्णवेइ, तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसवासी वेमाणवासी ६ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं उम्मीवीची जाव पडिबुद्धे तं णं समणेणं भगवया महावीरेणं अणाईए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंतसंसारकंतारे तिन्ने ७ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणकरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पन्ने ८ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोगे उराला कित्तिवन्नसद्दसिलोगा परिगुव्वंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इइ० ९ जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलिपन्नत्तं धम्मं आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदंसेइ १० ॥ १०२२ ॥ दसविहे सरागसम्मद्दंसणे प० तं०–निसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव, अभिगम वित्थाररुई किरिया संखेव धम्मरुई ॥ १०२३ ॥ दससण्णाओ प० तं०–आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा नेरइयाणं दस सण्णाओ एवं चेव एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं २४ ॥ १०२४ ॥ नेरइया णं दसविहं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं भयं सोगं जरं वाहिं ॥ १०२५ ॥ दस ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं न जाणइ ण पासइ तं०–धम्मत्थिगायं जाव वायं अयं जिणे भविस्सइ वा ण वा भविस्सइ अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जाणइ पासइ जाव अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ ॥ १०२६ ॥ दस दसाओ प० तं०–कम्मविवागदसाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववायदसाओ, आयारदसाओ, पण्हावागरणदसाओ, बंधदसाओ,

दोगिद्धिदसाओ, दीहदसाओ, संखेवियदसाओ ॥ १०२७ ॥ कम्मविवागदसाणं दस अज्झयणा प० तं०–मियापुत्ते य गोत्तासे अंडे सगडेइ यावरे, माहणे णंदिसेणे य सोरियत्ति उदुंबरे १ सहसुद्दाहे आमलए कुमारे लेच्छई इइ २ ॥१०२८॥ उवासगदसाणं दस अज्झयणा प० तं०–आणंदे कामदेवे अ गाहावइ चूलणीपिया, सुरादेवे चुल्लसयए गाहावइ कुंडकोलिए (१) सद्दालपुत्ते महासयए णंदिणीपिया सालइयापिया ॥ १०२९ ॥ अंतगडदसाणं दस अज्झयणा प० तं०–णमि मातंगे सोमिले रामगुत्ते सुदंसणे चेव, जमाली य भगाली य किंकंमे पल्लएइ य (१) फाले अंवडपुत्ते य एमेए दस आहिआ ॥१०३०॥ अणुत्तरोववाइयदसाणं दस अज्झयणा प० तं०–इसिदासे य धण्णे य सुणक्खत्ते य काइए, सट्ठाणे सालिभद्दे य आणंदे तेयली इय (१) दसण्णभद्दे अइमुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०३१ ॥ आयारदसाणं दस अज्झयणा प० तं० वीसं असमाहिट्ठाणा एगवीसं सवला तेत्तीसं आसायणाओ अट्ठविहा गणिसंपया दस चित्तसमाहिट्ठाणा एगारसउवासगपडिमाओ वारस भिक्खुपडिमाओ पज्जोसवणाकप्पो तीसं मोहणिज्जट्ठाणा आजाइट्ठाणं ॥ १०३२ ॥ पण्हावागरणदसाणं दस अज्झयणा प० तं० उवमा संखा इसिभासियाइं आयरियभासियाइं महावीरभासियाइं खोमगपसिणाइं कोमलपसिणाइं अद्दागपसिणाइं अंगुट्ठपसिणाइं वाहुपसिणाइं ॥ १०३३ ॥ वंधदसाणं दस अज्झयणा प० तं०–वंधे य मोक्खे य देवद्धि दसारमंडलेवि य, आयरियविप्पडिवत्ती उवज्झायविप्पडिवत्ती भावणा विमुत्ती साओ कम्मे ॥ १०३४ ॥ दोगेहिदसाणं दस अज्झयणा प० तं० वाए विवाए उववाए सुक्खित्ते कसिणे वायालीसं सुमिणे तीसं महासुमिणा वावत्तरिं सव्वसुमिणा हारे रामे गुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०३५ ॥ दीहदसाणं दस अज्झयणा प० तं० चंदे सूरए सुक्के य सिरिदेवी पभावई दीवसमुद्दोववत्ती वहुपुत्ती मंदरेइ य थेरे संभूयविजए थेरे पम्ह ऊसासनीसासे ॥ १०३६ ॥ संखेवियदसाणं दस अज्झयणा प० तं० खुड्डियाविमाणपविभत्ती महल्लियाविमाणपविभत्ती अंगचूलिया वग्गचूलिया विवाहचूलिया अरुणोववाए वरुणोववाए गरुलोववाए वेलंधरोववाए वेसमणोववाए ॥ १०३७ ॥ दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणीए दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणीए ॥ १०३८ ॥ दसविहा नेरइया प० तं०–अणंतरोववन्ना परंपरोववन्ना अणंतरावगाढा परंपरावगाढा अणंतराहारगा परंपराहारगा अणंतरपज्जत्ता परंपरपज्जत्ता चरिमा अचरिमा एवं निरंतरं जाव वेमाणिया ॥ १०३९ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए दस निरयावाससयसहस्सा प० ॥ १०४० ॥ रयणप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं दसवाससहस्साइं

ठिई प० ॥ १०४१ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं नेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १०४२ ॥ पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १०४३ ॥ असुरकुमाराणं जहन्नेणं दस-वाससहस्साइं ठिई प० ॥ १०४४ ॥ एवं जाव थणियकुमाराणं वायरवणस्सइकाइ-याणं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ १०४५ ॥ वाणमंतराणं देवाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० ॥ १०४६ ॥ बंभलोए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥१०४७॥ लंतए कप्पे देवाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १०४८ ॥ दसहिं ठाणेहिं जीवा आगमेसिभद्दत्ताए कम्मं पगरेंति तं०–अणिदाणयाए, दिट्ठिसंपन्नयाए, जोगवाहियत्ताए, खंतिखमणयाए, जिइंदिययाए, अमाइल्लयाए, अपासत्थयाए, सुसामण्णयाए, पवयणवच्छल्लयाए, पवयणउब्भावणयाए ॥ १०४९ ॥ दसविहे आसंसप्पओगे प० तं०–इहलोगासंसप्पओगे, परलोगासस-प्पओगे, दुहओलोगासंसप्पओगे, जीवियासंसप्पओगे, मरणासंसप्पओगे, कामासंस-प्पओगे, भोगासंसप्पओगे, लाभासंसप्पओगे, पूयासंसप्पओगे, सक्कारासंसप्पओगे ॥ १०५० ॥ दसविहे धम्मे प० तं०–गामधम्मे, णगरधम्मे, रट्ठधम्मे, पासंड-धम्मे, कुलधम्मे, गणधम्मे, संघधम्मे, सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे ॥ १०५१ ॥ दसथेरा प० तं० गामथेरा, णगरथेरा, रट्ठथेरा, पसत्थारथेरा, कुलथेरा, गणथेरा, संघथेरा, जाइथेरा, सुअथेरा, परियायथेरा ॥ १०५२ ॥ दसपुत्ता प० तं०–अत्तए खेत्तए दिन्नए विन्नए उरसे मोहरे सोंडीरे संवुड्ढे उवयाइए धम्मंतेवासी ॥ १०५३ ॥ केवलिस्स णं दस अणुत्तरा प० तं० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए अणुत्तरा खंती अणुत्तरा मुत्ती अणुत्तरे अज्जवे अणुत्तरे मद्दवे अणुत्तरे लाघवे ॥ १०५४ ॥ समयखेत्ते णं दस कुराओ प० तं०–पंच देवकुराओ पंच उत्तरकुराओ तत्थ णं दस महइमहालया महादुमा प० तं०–जंबू सुदंसणा धायइरुक्खे महाधायइरुक्खे पउमरुक्खे महापउमरुक्खे पंच कूडसामलीओ तत्थ णं दस देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति तं० अणाढिए जंबुद्दी-वाहिवई सुदंसणे पियदंसणे पोंडरीए महापोंडरीए पंच गरुला वेणुदेवा ॥१०५५॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं दुस्समं जाणेज्जा तं०–अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाहू पूइज्जंति साहू ण पूइज्जंति गुरुसु जणो मिच्छं पडिवन्नो अमणुण्णा सद्दा जाव फासा ॥ १०५६ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं०–अकाले न वरिसइ तं चेव विवरीयं जाव मणुण्णा फासा ॥ १०५७ ॥ सुसमसुसमाए णं समाए दस-विहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छंति तं०–मत्तंगया य भिंगा तुडियंगा दीव

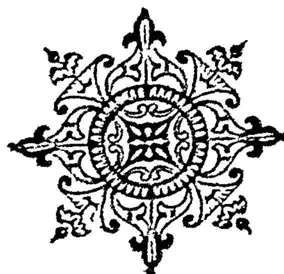
जोइ चित्तंगा; चित्तरसा मणियंगा गेहागारा अणियणा य ॥ १०५८ ॥ जंबूदीवे २ भारहे वासे तीताए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा होत्था तं०-सयज्जले सयाऊ य अणंतसेणे य अमितसेणे य, तक्कसेणे भीमसेणे महाभीमसेणे य सत्तमे (१) दढरहे दसरहे सयरहे ॥ १०५९ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमीसाए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा भविस्संति तं०-सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे विमलवाहणे संमुई पडिसुए दढधणू दसधणू सयधणू ॥ १०६० ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स पुरच्छिमेणं सीयाए महानईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० तं०-मालवंते चित्तकूडे विचित्तकूडे बंभकूडे जाव सोमणसे ॥ १०६१ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमे णं सीओआए महाणईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० तं०-विज्जुप्पभे जाव गंधमायणे एवं धायइसंडपुरच्छिमद्धेवि वक्खारा भाणियव्वा जाव पुक्खरवरदीवद्धपच्चत्थिमद्धे ॥ १०६२ ॥ दसकप्पा इंदाहिट्ठिया प० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे पाणए अच्चुए एएसु णं दससु कप्पेसु दस इंदा प० तं०-सक्के ईसाणे जाव अच्चुए एएसु णं दसण्हं इंदाणं दस परिजाणियविमाणा प० तं०-पालए पुप्फए जाव विमलवरे सव्वओभद्दे ॥ १०६३ ॥ दस दसमिया णं भिक्खुपडिमा णं एगेणं राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहिं य भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव आराहियावि भवइ ॥ १०६४ ॥ दसविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं०-पढमसमयएगिंदिया अपढमसमयएगिंदिया एवं जाव अपढमसमयपंचिंदिया ॥ १०६५ ॥ दसविहा सव्वजीवा प० तं०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेइंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया ॥ १०६६ ॥ अहवा दसविहा सव्वजीवा प० तं० पढमसमयनेरइया अपढमसमयनेरइया जाव अपढमसमयदेवा पढमसमयसिद्धा अपढमसमयसिद्धा ॥ १०६७ ॥ वाससयाउयस्स णं पुरिसस्स दस दसाओ प० तं०-बाला किड्डा य मंदा य बला पन्ना य हायणी, पवंचा पब्भारा य मुंमुही सावणी तहा ॥ १०६८ ॥ दसविहा तणवणस्सइकाइया प० तं०-मूले कंदे जाव पुप्फे फले बीए ॥ १०६९ ॥ सव्वओवि णं विज्जाहरसेढीओ दसदसजोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १०७० ॥ सव्वओवि णं आभिओगसेढीओ दस दस जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १०७१ ॥ गेविज्जगविमाणाणं दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०७२ ॥ दसहिं ठाणेहिं सह तेयसा भासं कुज्जा, तं० केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा से तं परितावेइ, से तं परितावित्ता तामेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए समाणे देवे, परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा से तं परि-

तावेइ से तं २ तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए देवे य परिकुविए दुहओ पडिण्णा तस्स तेयं निसिरेज्जा ते तं परितावेंति ते तं परियावेत्ता तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति ते फोडा भिन्ना समाणा तामेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए देवे परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति, ते फोडा भिन्ना समाणा तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए देवेवि य परिकुविए ते दुहओ पडिण्णा ते तस्स तेयं निसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति, सेसं तहेव जाव भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति तत्थ पुला संमुच्छंति ते पुला भिज्जंति, ते पुला भिन्ना समाणा तामेव सह तेयसा भासं कुज्जा, एए तिन्नि आलावगा भाणियव्वा केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएमाणे तेयं निसिरेज्जा से य तत्थ णो कम्मइ णो पकम्मइ अंचियं अंचियं करेइ करेत्ता आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ से णं तओ पडिहए पडिणियत्तइ २ त्ता तमेव सरीरगमणुदहमाणे २ सह तेयसा भासं कुज्जा जहा वा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवतेए ॥ १०७३ ॥ दस अच्छेरगा प० तं०—उवसग्ग गब्भहरणं इत्थीतित्थं अभाविया परिसा, कण्हस्स अवरकंका उत्तरणं चंदसूराणं (१) हरिवंसकुलुप्पत्ती चमरुप्पाओ य अट्ठसयसिद्धा, असंजएसु पूआ दसवि अणंतेण कालेण २ ॥१०७४॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणे कंडे दसजोयणसयाइं बाहल्लेणं प० ॥१०७५॥ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए वयरे कंडे दस जोयणसयाइं बाहल्लेणं प० एवं वेरुलिए लोहितक्खे मसारगल्ले हंसगब्भे पुलए सोगंधिए जोइरसे अंजणे अंजणपुलए रयए जायरूवे अंके फलिहे रिट्ठे जहा रयणे तहा सोलसविहा भाणियव्वा ॥ १०७६ ॥ सव्वेवि णं दीवसमुद्दा दसजोयणसयाइं उव्वेहेणं प० ॥ १०७७ ॥ सव्वेवि णं महादहा दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १०७८ ॥ सव्वेवि णं सलिलकुंडा दसजोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १०७९ ॥ सीआसीओया णं महानईओ मुहमूले दस दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥१०८०॥ कत्तियाणक्खत्ते सव्वबाहिराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १०८१ ॥ अणुराहा णक्खत्ते सव्वब्भंतराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १०८२ ॥

दस णक्खत्ता णाणस्स विड्ढिकरा प० तं० मिगसिरमद्दा पुस्सो तिन्निय पुव्वाइं मूलमस्सेसा, हत्थो चित्ता य तहा दस विड्ढिकराइं णाणस्स ॥ १०८३ ॥ चउप्पय-थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्सा प० उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसय-सहस्सा प० ॥ १०८४ ॥ जीवा णं दसठाणनिव्वत्तिया पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ तंजहा-पढमसमयएगिंदियनिव्वत्तिए जाव फासिंदियनिव्वत्तिए, एवं चिण उवचिण बंध उदीर वेय तह णिज्जरा चेव ॥ १०८५ ॥ दसपएसिया खंधा अणंता प० ॥ १०८६ ॥ दस पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ १०८७ ॥ दससमयठिईया पोग्गला अणंता प० दसगुणकालगा पोग्गला अणंता प० ॥ १०८८ ॥ ॥ एवं वण्णेहिं गंधेहिं रसेहिं फासेहिं दसगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ १०८९ ॥ **दसमं ठाणं समत्तं ॥ दसमं अज्झयणं समत्तं ॥**

ग्रंथसंख्या ॥ २७०० ॥

ठाणं समत्तं



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

समवाए

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ [इह खलु समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसुत्तमेणं पुरिससीहेणं पुरिसवरपुंडरीएणं पुरिसवरगंधहत्थिणा लोगुत्तमेणं लोगनाहेणं लोगहिएणं लोगपईवेणं लोगपज्जोअगरेणं अभयदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं सरणदएणं जीवदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मनायगेणं धम्मसारहिणा धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरनाणदंसणधरेणं वियट्टच्छउमेणं जिणेणं जावएणं तिन्नेणं तारएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं सव्वन्नुणा सव्वदरिसिणा सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणराविसिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपाविउकामेणं इमे दुवालसंगे गणिपिडगे पन्नत्ते, तं जहा–आयारे १ सूयगडे २ ठाणे ३ समवाए ४ विवाहपन्नत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अंतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणं १० विवागसुए ११ दिट्ठिवाए १२ ॥ २ ॥ तत्थ णं जे से चउत्थे अंगे समवाए त्ति आहिते तस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते–तं जहा] एगे आया, एगे अणाया, एगे दंडे, एगे अदंडे, एगा किरिआ, एगा अकिरिआ, एगे लोए, एगे अलोए, एगे धम्मे, एगे अधम्मे, एगे पुण्णे, एगे पावे, एगे बंधे, एगे मोक्खे, एगे आसवे, एगे संवरे, एगा वेयणा, एगा णिज्जरा ॥ ३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। अप्पइट्ठाणे नरए एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। पालए जाणविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। अद्दानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते। चित्ताणक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते। सातिनक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते ॥४॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। इमीसे णं रयणप्पहाए पुढवीए नेरइआणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। दोच्चाए पुढवीए नेरइयाणं जहन्नेणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं उक्कोसेणं एगं साहियं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं अत्थेगइआणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अत्थेगइआणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसण्णिमणुयाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। वाणमंतराणं

देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। जोइसियाणं देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं जहन्नेणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं अत्थेगइआणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं जहन्नेणं साइरेगं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। जे देवा सागरं सुसागरं सागरकंतं भवं मणुं माणुसोत्तरं लोगहियं विमाणं देवत्ताए उववन्ना तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। ते णं देवा एगस्स अद्धमासस्स आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं एगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जे जीवा ते एगेणं भवग्गहणेणं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५ ॥ दो दंडा पन्नत्ता, तं जहा–अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव। दुवे रासी पन्नत्ता, तं जहा–जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव। दुविहे बंधणे पन्नत्ते, तं जहा–रागबंधणे चेव, दोसबंधणे चेव। पुव्वाफग्गुणी नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते। उत्तराफग्गुणी नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते। पुव्वाभद्दवया नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते। उत्तराभद्दवया नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते ॥ ६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। दुच्चाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचेंदियतिरिक्खजोणिआणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसन्निपंचिंदियमाणुस्साणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। ईसाणे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। माहिंदे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। जे देवा सुभं सुभकंतं सुभवण्णं सुभगंधं सुभलेसं सुभफासं सोहम्मवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ ७ ॥ ते णं देवा दोण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं दोहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। अत्थेगइया भवसिद्धिया

जीवा जे दोहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ८ ॥ तओ दंडा पन्नत्ता, तं जहा-मणदंडे, वइदंडे, कायदंडे। तओ गुत्तीओ पन्नत्ताओ, तं जहा-मणगुत्ती, वयगुत्ती, कायगुत्ती। तओ सल्ला पन्नत्ता, तं जहा-मायासल्ले णं, नियाणसल्ले णं, मिच्छादंसणसल्ले णं। तओ गारवा पन्नत्ता, तं जहा-इड्ढीगारवे णं, रसगारवे णं, सायागारवे णं। तओ विराहणा पन्नत्ता, तं जहा-नाणविराहणा, दंसणविराहणा, चरित्तविराहणा। मिगसिरनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते। पुस्सनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते। जेट्ठानक्खत्ते तितारे पन्नत्ते। अभीइनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते। सवणनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते। अस्सिणिनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते। भरणीनक्खत्ते तितारे पन्नत्ते ॥ ९ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तिन्नि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। दोच्चाए णं पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। तच्चाए णं पुढवीए नेरइयाणं जहण्णेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयसन्निगब्भवक्कंतियमणुस्साणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मीसाणेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। जे देवा आभंकरं पभंकरं आभंकरपभंकरं चंदं चंदावत्तं चंदप्पभं चंदकंतं चंदवण्णं चंदलेसं चंदज्झयं चंदसिंगं चंदसिट्ठं चंदकूडं चंदुत्तरवडिसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥१०॥ ते णं देवा तिण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं तिहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ११ ॥ चत्तारि कसाया पन्नत्ता, तं जहा-कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए। चत्तारि झाणा पन्नत्ता, तं जहा-अट्टज्झाणे रुद्दज्झाणे धम्मज्झाणे सुक्कज्झाणे। चत्तारि विगहाओ प०, तं जहा-इत्थिकहा भत्तकहा रायकहा देसकहा। चत्तारि सण्णा पन्नत्ता, तं जहा-आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा। चउव्विहे बंधे पन्नत्ते, तं जहा-पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे, चउगाउए जोयणे पन्नत्ते ॥ १२ ॥ अणुराहानक्खत्ते चउतारे पन्नत्ते। पुव्वासाढानक्खत्ते चउतारे पन्नत्ते। उत्तरासाढानक्खत्ते चउतारे पन्नत्ते ॥ १३ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थे-

गइयाणं नेरइयाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। जे देवा किट्ठिं सुकिट्ठिं किट्ठियावत्तं किट्ठिप्पभं किट्ठिजुत्तं किट्ठिवण्णं किट्ठिलेसं किट्ठिज्झयं किट्ठिसिंगं किट्ठिसिट्ठं किट्ठिकूडं किट्ठुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १४ ॥ ते णं देवा चउण्हऽद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसिं देवाणं चउहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। अत्थेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ १५ ॥ पंच किरिया पन्नत्ता, तं जहा–काइया अहिगरणिया पाउसिया पारितावणिया पाणाइवायकिरिया। पंचमहव्वया पन्नत्ता, तं जहा–सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदत्तादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं। पंच कामगुणा पन्नत्ता, तं जहा–सद्दा रूवा रसा गंधा फासा। पंच आसवदारा पन्नत्ता, तं जहा–मिच्छत्तं अविरई पमाया कसाया जोगा। पंच संवरदारा पन्नत्ता, तं जहा–सम्मत्तं विरई अप्पमत्तया अकसाया अजोगया। पंच निज्जरट्ठाणा पन्नत्ता, तं जहा–पाणाइवायाओ वेरमणं, मुसावायाओ वेरमणं, अदिन्नादाणाओ वेरमणं, मेहुणाओ वेरमणं, परिग्गहाओ वेरमणं। पंच समिईओ पन्नत्ताओ, तं जहा–इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिई। पंच अत्थिकाया पन्नत्ता, तं जहा–धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए ॥ १६ ॥ रोहिणी नक्खत्ते पंचतारे पन्नत्ते। पुणव्वसुनक्खत्ते पंचतारे पन्नत्ते। हत्थनक्खत्ते पंचतारे पन्नत्ते। विसाहानक्खत्ते पंचतारे पन्नत्ते। धणिट्ठानक्खत्ते पंचतारे पन्नत्ते ॥ १७ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं पंच पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं पंचसागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पंचपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पंचपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पंच सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। जे देवा वायं सुवायं वायावत्तं वायप्पभं वायकंतं वायवण्णं वायलेसं वायज्झयं वायसिंगं वायसिट्ठं वायकूडं वाउत्त-

रवडिंसगं सूरं सुसूरं सूरावत्तं सूरप्पभं सूरकंतं सूरवण्णं सूरलेसं सूरज्झयं सूरसिंगं सूरसिट्ठं सूरकूडं सूरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाणं उक्कोसेणं पंच सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १८ ॥ ते णं देवा पंचण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं पंचहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पंचहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव अंतं करिस्संति ॥ १९ ॥ छ लेसाओ पण्णत्ता, तं जहा–कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा तेउलेसा पम्हलेसा सुक्कलेसा । छ जीवनिकाया पन्नत्ता, तं जहा–पुढविकाए आउकाए तेउकाए वाउकाए वणस्सइकाए तसकाए । छव्विहे बाहिरे तवोकम्मे पन्नत्ते, तं जहा–अणसणे ऊणोयरिया वित्तीसंखेवो रसपरिच्चाओ कायकिलेसो संलीणया । छव्विहे अब्भिंतरे तवोकम्मे पन्नत्ते, तं जहा–पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं सज्झाओ झाणं उस्सग्गो । छ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता, तं जहा–वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतिअसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए । छव्विहे अत्थुग्गहे पन्नत्ते, तं जहा–सोइंदियअत्थुग्गहे चक्खुइंदियअत्थुग्गहे घाणिंदिअअत्थुग्गहे जिब्भिंदियअत्थुग्गहे फासिंदियअत्थुग्गहे नोइंदियअत्थुग्गहे ॥ २० ॥ कत्तियानक्खत्ते छतारे पन्नत्ते । असिलेसानक्खत्ते छतारे पन्नत्ते ॥ २१ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं छ सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं छ सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । जे देवा सयं वाई सयंभुं सयंभूरमणं घोसं सुघोसं महाघोसं किट्ठिघोसं वीरं सुवीरं वीरगतं वीरसेणियं वीरावत्तं वीरप्पभं वीरकंतं वीरवण्णं वीरलेसं वीरज्झयं वीरसिगं वीरसिट्ठं वीरकूडं वीरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छ सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ २२ ॥ ते णं देवा छण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं छहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २३ ॥ सत्त भयट्ठाणा पन्नत्ता, तं जहा–इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए आजीवभए मरणभए असिलोगभए । सत्त समुग्घाया पन्नत्ता, तं जहा–वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए ।

समणे भगवं महावीरे सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासहरपव्वया पन्नत्ता तं जहा–चुल्लहिमवंते महाहिमवंते निसढे नीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे। इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासा पन्नत्ता, तं जहा–भरहे हेमवए हरिवासे महाविदेहे रम्मए एरण्णवए एरवए। खीणमोहेणं भगवया मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेए(ज्ज)ई ॥ २४ ॥ महानक्खत्ते सत्ततारे पन्नत्ते। कत्तिआइआ सत्त नक्खत्ता पुव्वदारिआ प० (अभियाइया सत्त नक्खत्ता) महाइआ सत्त नक्खत्ता दाहिणदारिआ प०। अणुराहाइआ सत्त नक्खत्ता अवरदारिआ प०। धणिट्ठाइआ सत्त नक्खत्ता उत्तरदारिआ प० ॥ २५ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प०। तच्चाए णं पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प०। चउत्थीए णं पुढवीए नेरइयाणं जहण्णेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प०। सणंकुमारे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प०। माहिंदे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं सत्त सागरोवमाइं ठिई प०। बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त साहिया सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा समं समप्पभं महापभं पभासं भासुरं विमलं कंचणकूडं सणंकुमारवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ २६ ॥ ते णं देवा सत्तण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे णं सत्तहि भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २७ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा पन्नत्ता, तं जहा–जातिमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए। अट्ठ पवयणमायाओ प० तं जहा–इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई मणगुत्ती वइगुत्ती कायगुत्ती। वाणमंतराणं देवाणं रुक्खा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। कूडसामली णं गरुलावासे अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। जंबुद्दीवस्स णं जगई अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। अट्ठसामइए केवलिसमुग्घाए पन्नत्ते तं जहा–पढमे समए दंडं करेइ, बीए समए कवाडं करेइ, तइए समए मंथं करेइ, चउत्थे समए मंथंतराइं पूरेइ, पंचमे समए मंथंतराइं पडिसाहरइ, छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ, सत्तमे समए कवाडं

पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ, तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ। पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणिअस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा होत्था, तं जहा–सुभे य सुभघोसे य, वसिट्ठे वंभयारि य। सोमे सिरिधरे चेव, वीरभद्दे जसे इय ॥ १ ॥ अट्ठ नक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति, तं जहा–कत्तिया, रोहिणी, पुणव्वसू, महा, चित्ता, विसाहा, अणुराहा, जेट्ठा ॥ २८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प०। चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । वंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा अच्चिं अच्चिमालिं वइरोयणं पभंकरं चंदाभं सूराभं सुपइट्ठाभं अग्गिच्चाभं रिट्ठाभं अरुणाभं अरुणुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० ॥ २९ ॥ ते णं देवा अट्ठण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति वुज्झिस्संति जाव अंतं करिस्संति ॥ ३० ॥ नव वंभचेरगुत्तीओ पन्नत्ताओ, तं जहा–नो इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणि सिज्जासणाणि सेवित्ता भवइ, नो इत्थीणं कहं कहित्ता भवइ, नो इत्थीणं गणाइं सेवित्ता भवइ, नो इत्थीणं इंदियाणि मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता निज्झाइत्ता भवइ, नो पणीयरसभोई, नो पाणभोयणस्स अइमायाए आहारइत्ता, नो इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलिआइं समरइत्ता भवइ, नो सद्दाणुवाई नो रूवाणुवाई नो गंधाणुवाई नो रसाणुवाई नो फासाणुवाई नो सिलोगाणुवाई, नो सायासोक्खपडिबद्धे यावि भवइ। नव वंभचेरअगुत्तीओ पन्नत्ताओ तं जहा–इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणं सिज्जासणाणं सेवणया जाव सायासुक्खपडिबद्धे यावि भवइ। नव वंभचेरा पन्नत्ता, तं जहा–सत्थपरिण्णा लोगविजओ सीओसणिज्ज सम्मत्तं। आवंति धुत विमोहा [यण] उवहाणसुयं महपरिण्णा। पासे णं अरहा पुरिसादाणीए नव रयणीओ उद्धं उच्चत्तेणं होत्था ॥ ३१ ॥ अभीजी नक्खत्ते साइरेगे नव मुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएइ। अभीजियाइया नव नक्खत्ता चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति, तं जहा–अभीजि सवणो जाव भरणी। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नव जोयणसए उड्ढं आवाहाए उवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ ॥ ३२ ॥ जंवुद्दीवे णं दीवे नवजोयणिआ मच्छा पविसिंसु वा ३। विजयस्स णं दारस्स एगमेगाए वाहाए नव

नव भोमा पन्नत्ता। वाणमंतराणं देवाणं सभाओ सुहम्माओ नव जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। दंसणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स नव उत्तरपगडीओ प०, तं जहा–निद्दा पयला निद्दानिद्दा पयलापयला थीणद्धी चक्खुदंसणावरणे अचक्खुदंसणावरणे ओहिदंसणावरणे केवलदंसणावरणे ॥ ३३ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं नव पलिओवमाइं ठिई प०। चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं नव सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं नव पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं नव पलिओवमाइं ठिई प०। बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं नव सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा पम्हं सुपम्हं पम्हावत्तं पम्हप्पभं पम्हकंतं पम्हवण्णं पम्हलेसं पम्हज्झयं पम्हसिंगं पम्हसिट्ठं पम्हकूडं पम्हुत्तरवडिंसगं सुज्जं सुसुज्जं सुज्जावित्तं सुज्जपभं सुज्जकंतं सुज्जवण्णं सुज्जलेसं सुज्जज्झयं सुज्जसिंगं सुज्जसिट्ठं सुज्जकूडं सुज्जुत्तरवडिंसगं रुइल्लं रुइल्लावत्तं रुइल्लप्पभं रुइल्लकंतं रुइल्लवण्णं रुइल्ललेसं रुइल्लज्झयं रुइल्लसिंगं रुइल्लसिट्ठं रुइल्लकूडं रुइल्लुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं नव सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ३४ ॥ ते णं देवा नवण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं नवहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे नवहि भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३५ ॥ दसविहे समणधम्मे पन्नत्ते, तं जहा–खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे। दस चित्तसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता, तं जहा-धम्मचिंता वा से असमुप्पण्णपुव्वा समुप्पज्जिज्जा सव्वं धम्मं जाणित्तए, सुमिणदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा अहातच्चं सुमिणं पासित्तए, सण्णिनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा पुव्वभवे सुमरित्तए, देवदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं पासित्तए, ओहिनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं जाणित्तए, ओहिदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं पासित्तए, मणपज्जवनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा जाव मणोगए भावे जाणित्तए, केवलनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा केवलं लोगं जाणित्तए, केवलदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा केवलं लोयं पासित्तए, केवलिमरणं वा मरिज्जा सव्वदुक्खप्पहीणाए। मंदरे णं पव्वए मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प०। अरिहा णं अरिट्ठनेमी दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। कण्हे णं वासुदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। रामे णं

बलदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । दस नक्खत्ता नाणवुड्डिकरा प० तं जहा-"मिगसिर अद्दा पुस्सो, तिण्णि अ पुव्वा य मूलमस्सेसा । हत्थो चित्तो य तहा, दस वुड्डिकराइं नाणस्स" अकम्मभूमियाणं मणुआणं दसविहा रुक्खा उवभोगत्ताए उवत्थिया प० तं जहा-"मत्तंगया य भिंगा, तुडिअंगा दीव जोइ चित्तंगा । चित्तरसा मणिअंगा, गेहागारा अनिगिणा य ॥ १ ॥" ३६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए दस निरयावाससयसहस्साइ प० । चउत्थीए पुढवीए नेरइयाणं अत्थेगइयाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । असुरिंदवज्जाणं भोमिज्जाणं देवाणं अत्थेगइआणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । वाणमंतराणं देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा घोसं सुघोसं महाघोसं नंदिघोसं सुसरं मणोरमं रम्मं रम्मगं रमणिज्जं मंगलावत्तं बंभलोगवडिसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ३७ ॥ ते णं देवा दसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं दसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे दसहि भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३८ ॥ एक्कारस उवासगपडिमाओ प० तं जहा-दंसणसावए, कयव्वयकम्मे, सामाइअकडे, पोसहोववासनिरए, दिया बंभयारी रत्ति परिमाणकडे, दिआ वि राओ वि बंभयारी असिणाई विअडभोई मोलिकडे, सचित्तपरिण्णाए, आरंभपरिण्णाए, पेसपरिण्णाए, उद्दिट्ठभत्तपरिण्णाए, समणभूए आवि भवइ समणाउसो ! लोगंताओ इक्कारसएहिं एक्कारेहि जोयणसएहि आबाहाए जोइसंते पण्णत्ते । जंबूदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स एक्कारसहि एक्कवीसेहि जोयणसएहिं अबाहाए जोइसे चारं चरइ । समणस्स णं भग-

चओ महावीरस्स एक्कारस गणहरा होत्था, तं जहा–इंदभूई अग्गिभूई वायुभूई विअत्ते सोहम्मे मंडिए मोरियपुत्ते अकंपिए अयलभाए मेअज्जे पभासे। मूले नक्खत्ते एक्कारसतारे पन्नत्ते। हेट्ठिमगेविज्जयाणं देवाणं एक्कारसमुत्तरं गेविज्जविमाणसतं भवइ त्ति मक्खायं। मंदरे णं पव्वए धरणितलाओ सिहरतले एक्कारसभागपरिहीणे उच्चत्तेणं प० ॥ ३९ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प०। पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प०। लंतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा बंभं सुबंभं बंभावत्तं बंभप्पभं बंभकंतं बंभवण्णं बंभलेसं बंभज्झयं बंभसिंगं बंभसिट्ठं बंभकूडं बंभुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं (उक्कोसेणं) एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ४० ॥ ते णं देवा एक्कारसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं एक्कारसण्हं वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे एक्कारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ४१ ॥ बारस भिक्खुपडिमाओ पन्नत्ताओ, तं जहा–मासिआ भिक्खुपडिमा, दोमासिआ भिक्खुपडिमा, तिमासिआ भिक्खुपडिमा, चउमासिआ भिक्खुपडिमा, पंचमासिआ भिक्खुपडिमा, छमासिआ भिक्खुपडिमा, सत्तमासिआ भिक्खुपडिमा, पढमा सत्तराइंदिआ भिक्खुपडिमा, दोच्चा सत्तराइंदिआ भिक्खुपडिमा, तच्चा सत्तराइंदिआ भिक्खुपडिमा, अहोराइआ भिक्खुपडिमा, एगराइआ भिक्खुपडिमा। दुवालसविहे संभोगे प० तं जहा–"उवहीसुअभत्तपाणे, अंजलीपग्गहे त्ति य। दायणे य निकाए अ अब्भुट्ठाणेति आवरे। कितिकम्मस्स य करणे, वेयावच्चकरणे इअ। समोसरणं संनिसिज्जा य, कहाए अ पबंधणे"। दुवालसावत्ते कितिकम्मे पन्नत्ते, तं जहा–"दुओणयं जहाजायं, कितिकम्मं बारसावयं। चउसिरं तिगुत्तं च, दुपवेसं एगनिक्खमणं"। विजया णं रायहाणी दुवालस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प०। रामे णं बलदेवे दुवालस वाससयाइं सव्वाउयं पालित्ता देवत्तं गए। मंदरस्स णं पव्वयस्स चूलिआ मूले दुवालस जोयणाइं विक्खंभेणं प०। जंबूदीवस्स णं दीवस्स वेइआ मूले दुवालस जोयणाइं विक्खंभेणं प०। सव्वजहण्णिया राई दुवालसमुहुत्तिआ प०। एवं दिवसोऽवि नायव्वो। सव्वट्ठसिद्धस्स णं महाविमाणस्स उवरिल्लाओ चूलिअग्गाओ

दुवालस जोयणाइं उड्ढं उप्पइआ ईसिपब्भारनामपुढवी पण्णत्ता। ईसिपब्भाराए णं पुढवीए दुवालस नामधेज्जा पण्णत्ता, तं जहा–ईसित्ति वा ईसिपब्भाराति वा तणूइ वा तणूयतरि त्ति वा सिद्धित्ति वा सिद्धालए त्ति वा मुत्तीति वा मुत्तालए त्ति वा बंभे त्ति वा बंभवडिंसए त्ति वा लोकपरिपूरणे त्ति वा लोगग्गचूलिआइ वा ॥ ४२ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइआणं नेरइयाणं वारस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं वारस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं वारस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं वारस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं वारस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा महिंदं महिदज्झयं कंबुं कंबुग्गीवं पुंखं सुपुंखं महापुंखं पुंडं सुपुंडं महापुंडं नरिंदं नरिदकंतं नरिदुत्तरवडिसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं वारस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ४३ ॥ ते णं देवा वारसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं वारसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिआ जीवा जे वारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ४४ ॥ तेरस किरियाठाणा प० तं जहा—अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठिविपरिआसिआदंडे मुसावायवत्तिए अदिन्नादाणवत्तिए अज्झत्थिए माणवत्तिए मित्तदोसवत्तिए मायावत्तिए लोभवत्तिए इरिआवहिए नामं तेरसमे। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु तेरस विमाणपत्थडा प० । सोहम्मवडिसगे णं विमाणे णं अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प० । एवं ईसाणवडिसगे वि। जलयरपंचिंदिअतिरिक्खजोणिआणं अद्धतेरसजाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्साइं प० । पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प० । गब्भवक्कंतिअपंचेदिअतिरिक्खजोणिआणं तेरसविहे पओगे प० तं जहा–सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चामोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चामोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालिअसरीरकायपओगे ओरालिअमीससरीरकायपओगे वेउव्विअसरीरकायपओगे वेउव्विअमीससरीरकायपओगे कम्मसरीरकायपओगे। सूरमंडलं जोअणेणं तेरसे (स) हिं एगसट्ठिभाग (गे) हिं जोयणस्स ऊणं पन्नत्तं ॥ ४५ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प०। पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेरस

पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइआणं देवाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे अत्थेगइआणं देवाणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा वज्जं सुवज्जं वज्जावत्तं वज्जप्पभं वज्जकंतं वज्जवण्णं वज्जलेसं वज्जरूवं वज्जसिंगं वज्जसिट्ठं वज्जकूडं वज्जुत्तरवडिंसगं वइरं वइरावत्तं वइरप्पभं वइरकंतं वइरवण्णं वइरलेसं वइररूवं वइरसिंगं वइरसिट्ठं वइरकूडं वइरुत्तरवडिंसगं लोगं लोगावत्तं लोगप्पभं लोगकंतं लोगवण्णं लोगलेसं लोगरूवं लोगसिंगं लोगसिट्ठं लोगकूडं लोगुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ४६ ॥ ते णं देवा तेरसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं तेरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे तेरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ४७ ॥ चउद्दस भूअग्गामा पन्नत्ता, तं जहा–सुहुमा अपज्जत्तआ सुहुमा पज्जत्तया वादरा अपज्जत्तया वादरा पज्जत्तया वेइंदिया अपज्जत्तया बेइंदिया पज्जत्तया तेंदिया अपज्जत्तया तेंदिया पज्जत्तया चउरिंदिआ अपज्जत्तया चउरिंदिया पज्जत्तया पंचिंदिआ असन्निअपज्जत्तया पंचिंदिया असन्निपज्जत्तया पंचिंदिआ सन्निअपज्जत्तया पंचिंदिया सन्निपज्जत्तया । चउदस पुव्वा प० तं जहा–उप्पायपुव्वमग्गेणियं च तइयं च वीरियं पुव्वं । अत्थीनत्थि पवायं तत्तो नाणप्पवायं च ॥ १ ॥ सच्चप्पवायपुव्वं तत्तो आयप्पवायपुव्वं च । कम्मप्पवायपुव्वं पच्चक्खाणं भवे नवमं ॥ २ ॥ विज्जाअणुप्पवायं अवंझ पाणाउ वारसं पुव्वं । तत्तो किरियविसालं पुव्वं तह विंदुसारं च ॥ ३ ॥ अग्गेणीअस्स णं पुव्वस्स चउद्दस वत्थू पन्नत्ता । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चउद्दस समणसाहस्सीओ उक्कोसिआ समणसंपया होत्था । कम्मविसोहिमग्गणं पडुच्च चउदस जीवट्ठाणा पन्नत्ता, तं जहा–मिच्छदिट्ठी सासायणसम्मद्दिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी अविरयसम्मद्दिट्ठी विरयाविरए पमत्तसंजए अप्पमत्तसंजए निअट्टिवायरे अनियट्टिवायरे सुहुमसंपराए उवसामए वा खवए वा उवसंतमोहे खीणमोहे सजोगीकेवली अजोगीकेवली । भरहेरवयाओ णं जीवाओ चउद्दस चउद्दस जोयणसहस्साइं चत्तारि अ एगुत्तरे जोयणसए छच्च एगूणवीसे भागे जोयणस्स आयामेणं पन्नत्ता । एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स चउद्दस रयणा पन्नत्ता, तं जहा–इत्थीरयणे सेणावइरयणे गाहावइरयणे पुरोहियरयणे वड्ढइरयणे आसरयणे हत्थिरयणे असिरयणे दंडरयणे चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे मणिरयणे कागिणिरयणे । जंबुद्दीवे णं दीवे चउद्दस महानईओ पुव्वावरेण लवणसमुद्दं समप्पेति, तं जहा–गंगा सिंधू रोहिआ रोहिअंसा हरी

हरिकंता सीआ सीओदा नरकंता नारिकंता सुवण्णकूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई ॥ ४८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं चउदस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं जहण्णेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सिरिकंतं सिरिमहिअं सिरिसोमनसं लंतयं काविट्ठं महिंदं महिदकंतं महिंदुत्तरवडिसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ४९ ॥ ते णं देवा चउद्दसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं चउद्दसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिआ जीवा जे चउद्दसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५० ॥ पन्नरस परमाहम्मिआ पन्नत्ता, तं जहा—अंबे अंबरिसी चेव, सामे सबले त्ति आवरे । रुद्दोवरुद्दकाले अ, महाकाले त्ति आवरे ॥ १ ॥ असिपत्ते धणु कुंभे, वालुए वेअरणीति अ । खरस्सरे महाघोसे, एते पन्नरसाहिआ ॥ २ ॥ णमी णं अरहा पन्नरस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । धुवराहू णं बहुलपक्खस्स पडिवए पन्नरसभागं पन्नरसभागेणं चंदस्स लेसं आवरेत्ताणं चिट्ठति, तं जहा—पढमाए पढमं भागं बीआए दुभागं तइआए तिभागं चउत्थीए चउभागं पंचमीए पंचभागं छट्ठीए छभागं सत्तमीए सत्तभागं अट्ठमीए अट्ठभागं नवमीए नवभागं दसमीए दसभागं एक्कारसीए एक्कारसभागं बारसीए बारसभागं तेरसीए तेरसभागं चउद्दसीए चउद्दसभागं पन्नरसेसु पन्नरसभागं । तं चेव सुक्कपक्खस्स य उवदंसेमाणे २ चिट्ठति, तं जहा—पढमाए पढमं भागं जाव पन्नरसेसु पन्नरसभागं । छ णक्खत्ता पन्नरसमुहुत्तसंजुत्ता पन्नत्ता, तं जहा—सतभिसय भरणि अद्दा असलेसा साई तहा जेट्ठा । एते छण्णक्खत्ता पन्नरसमुहुत्तसंजुत्ता ॥ १ ॥ चेत्तासोएसु णं मासेसु पन्नरसमुहुत्तो दिवसो भवति, एवं चेत्तासोएसु णं मासेसु पन्नरसमुहुत्ता राई भवति । विज्जाअणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पन्नरस वत्थू पण्णत्ता । मणूसाणं पण्णरसविहे पओगे प० तं जहा—सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चमोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चमोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालिअसरीरकायपओगे ओरालिअमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे

आहारयसरीरकायपओगे आहारयमीससरीरकायप्पओगे कम्मयसरीरकायपओगे ॥ ५१ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइआणं नेरइआणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइआणं नेरइयाणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइआणं देवाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे अत्थेगइआणं देवाणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा णंदं सुणंदं णंदावत्तं णंदप्पभं णंदकंतं णंदवण्णं णंदलेसं णंदज्झयं णंदसिंगं णंदसिट्ठं णंदकूडं णंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ५२ ॥ ते णं देवा पण्णरसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं पण्णरसहि वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे पन्नरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५३ ॥ सोलस य गाहा सोलसगा पन्नत्ता, तं जहा– समए वेयालिए उवसग्गपरिन्ना इत्थीपरिण्णा निरयविभत्ती महावीरथुई कुसीलपरिभासिए वीरिए धम्मे समाही मग्गे समोसरणे आहातहिए गंथे जमईए गाहासोलसमे सोलसगे । सोलस कसाया पन्नत्ता, तं जहा–अणंताणुबंधी कोहे, अणंताणुबंधी माणे, अणंताणुबंधी माया, अणंताणुबंधी लोभे, अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खाणकसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, पच्चक्खाणावरणे माणे, पच्चक्खाणावरणा माया, पच्चक्खाणावरणे लोभे, संजलणे कोहे, संजलणे माणे, संजलणे माया, संजलणे लोभे । मंदरस्स णं पव्वयस्स सोलस नामधेया पन्नत्ता, तं जहा–मंदर मेरु मणोरम, सुदंसण सयंपभे य गिरिराया । रयणुच्चय पियदंसण, मज्झे लोगस्स नाभी य ॥ १ ॥ अत्थे अ सूरिआवत्ते, सूरिआवरणे त्ति अ । उत्तरे अ दिसाई अ, वडिंसे इअ सोलसमे ॥२॥ पासस्स णं अरहतो पुरिसादाणीयस्स सोलस समणसाहस्सीओ उक्कोसिआ समणसंपदा होत्था । आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं सोलस वत्थू पन्नत्ता । चमरबलीणं ऊवारियालेणे सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प० । लवणे णं समुद्दे सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहपरिवुड्ढीए पन्नत्ते ॥ ५४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइ-

याणं देवाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा आवत्तं विआवत्तं नंदिआवत्तं महाणंदिआवत्तं अंकुसं अंकुसपलंबं भद्दं सुभद्दं महाभद्दं सव्वओभद्दं भद्दुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ५५ ॥ ते णं देवा सोलसहिं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं सोलसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे सोलसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५६ ॥ सत्तरसविहे असंजमे पन्नत्ते, तं जहा–पुढविकायअसंजमे आउकायअसंजमे तेउकायअसंजमे वाउकायअसंजमे वणस्सइकायअसंजमे बेइंदिअअसंजमे तेइंदियअसंजमे चउरिंदियअसंजमे पंचिंदियअसंजमे अजीवकायअसंजमे पेहाअसंजमे उवेहाअसंजमे अवहट्टुअसंजमे अप्पमज्जणाअसंजमे मणअसंजमे वइअसजमे कायअसंजमे । सत्तरसविहे संजमे पन्नत्ते, तं जहा–पुढवीकायसंजमे आउकायसंजमे तेउकायसंजमे वाउकायसंजमे वणस्सइकायसंजमे बेइंदिअसंजमे तेइंदियसंजमे चउरिंदिअसंजमे पंचिंदिअसंजमे अजीवकायसंजमे पेहासंजमे उवेहासंजमे अवहट्टुसंजमे पमज्जणासंजमे मणसंजमे वइसंजमे कायसंजमे । माणुसुत्तरे णं पव्वए सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ते । सव्वेसिं पि णं वेलंधरअणुवेलंधरणागराईणं आवासपव्वया सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता । लवणे णं समुद्दे सत्तररा जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं पन्नत्ते । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सातिरेगाइं सत्तरस जोयणसहस्साइं उड्ढं उप्पतित्ता ततो पच्छा चारणाणं तिरिआ गती पवत्तति । चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो तिगिछिकूडे उप्पायपव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ते । बलिस्स णं असुरिंदस्स रुअगिंदे उप्पायपव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ते । सत्तरसविहे मरणे पन्नत्ते, तं जहा–आवीईमरणे ओहिमरणे आयंतियमरणे वलायमरणे वसट्टमरणे अंतोसल्लमरणे तब्भवमरणे बालमरणे पंडितमरणे बालपंडितमरणे छउमत्थमरणे केवलिमरणे वेहासमरणे गिद्धपिट्ठमरणे भत्तपच्चक्खाणमरणे इंगिणिमरणे पाओवगमणमरणे । सुहुमसंपराए णं भगवं सुहुमसंपरायभावे वट्टमाणे सत्तरस कम्मपगडीओ णिबंधति, तं जहा–आभिणिबोहिअणाणावरणे सुयणाणावरणे ओहिणाणावरणे मणपज्जवणाणावरणे केवलणाणावरणे चक्खुदंसणावरणे अचक्खुदंसणावरणे ओहिदंसणावरणे केवलदंसणावरणे सायावेयणिज्जं जसोकित्तिनामं उच्चागोयं दाणंतरायं लाभंतरायं

भोगंतरायं उवभोगंतरायं वीरिअअंतरायं ॥ ५७ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइआणं नेरइयाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं जहण्णेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइआणं देवाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। महासुक्के कप्पे देवाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सामाणं सुसामाणं महासामाणं पउमं महापउमं कुमुदं महाकुमुदं नलिणं महानलिणं पोंडरीअं महापोंडरीअं सुक्कं महासुक्कं सीहं सीहकंतं सीहवीअं भाविअं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ५८ ॥ ते णं देवा सत्तरसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिआ जीवा जे सत्तरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५९ ॥ अट्ठारसविहे बंभे पन्नत्ते, तं जहा–ओरालिए कामभोगे णेव सयं मणेणं सेवइ, नो वि अन्नं मणेणं सेवावेइ, मणेणं सेवंतं पि अण्णं न समणुजाणाइ ओरालिए कामभोगे णेव सयं वायाए सेवइ, नो वि अण्णं वायाए सेवावेइ, वायाए सेवंतं पि अण्णं न समणुजाणाइ, ओरालिए कामभोगे णेव सयं काएणं सेवइ, नो वि यऽण्णं काएणं सेवावेइ, काएणं सेवंतं पि अण्णं न समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं मणेणं सेवइ, णो वि अण्णं मणेणं सेवावेइ, मणेणं सेवंतं पि अण्णं न समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं वायाए सेवइ, णो वि अण्णं वायाए सेवावेइ, वायाए सेवंतं पि अण्णं न समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं काएणं सेवइ, णो वि अण्णं काएणं सेवावेइ, काएणं सेवंतं पि अण्णं न समणुजाणाइ। अरहतो णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठारस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था। समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं सखुड्डयविअत्ताणं अट्ठारस ठाणा पन्नत्ता, तं जहा–वयछक्कं कायछक्कं; अकप्पो गिहिभायणं; पलियंक निसिज्जा य, सिणाणं सोभवज्जणं ॥ १ ॥ आयारस्स णं भगवतो सचूलिआगस्स अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं पन्नत्ताइं। बंभीए णं लिवीए अट्ठारसविहे लेखविहाणे पन्नत्ते, तं०–बंभी जवणी लियादोसा ऊरिया खरोट्ठिया खरसाविया पहाराइआ उच्चत्तरिआ अक्खरपुट्ठि(त्थि)या भोगवयता वेणतिया णिण्हइया अंकलिवि गणिअलिवी गंधव्वलिवी[भूयलिवि]

आदंसलिवी माहेसरीलिवी दामिलिवी बोलिंदिलिवी । अत्थिनत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू प० । धूमप्पभाए णं पुढवीए अट्ठारसुत्तरं जोयणसयसहस्सं बाहल्लेणं प० । पोसासाढेसु णं मासेसु सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ते दिवसे भवइ सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ता राती भवइ ॥ ६० ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठारस(पलिओवमाइं ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठारस)सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प० । सहस्सारे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प० । आणते कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा कालं सुकालं महाकालं अंजणं रिट्ठं सालं समाणं दुमं महादुमं विसालं सुसालं पउमं पउमगुम्मं कुमुदं कुमुदगुम्मं नलिणं नलिणगुम्मं पुंडरीअं पुंडरीयगुम्मं सहस्सारवडिसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं(उक्कोसेणं)अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६१ ॥ ते णं देवा णं अट्ठारसेहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं अट्ठारसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया (जीवा)जे अट्ठारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ६२ ॥ एगूणवीसं णायज्झयणा पन्नत्ता, तं जहा–उक्खित्तणाए संघाडे, अंडे कुम्मे अ सेलए । तुंबे अ रोहिणी मल्ली, मागंदी चंदिमाति अ ॥ १ ॥ दावद्दवे उदगणाए, मंडुक्के तेत्तली इअ । नंदिफले अवरकंका, आइण्णे सुंसमा इअ ॥ २ ॥ अवरे अ पोंडरीए, णाए एगूणवीसमे । जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिआ उक्कोसेणं एगूणवीसं जोयणसयाइं उड्ढमहो तवयंति । सुक्के णं महग्गहे अवरे णं उदिए समाणे एगूणवीसं णक्खत्ताइं समं चारं चरित्ता अवरेणं अत्थमणं उवागच्छइ । जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स कलाओ एगूणवीसं छेअणाओ पन्नत्ता । **एगूणवीसं तित्थयरा अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं अगाराओ अणगारिअं पव्वइआ** ॥ ६३ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइआणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एगूणवीस पलिओवमाइं ठिई प० । आणयकप्पे[अत्थेगइयाणं] देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । पाणए कप्पे[अत्थेगइयाणं]

देवाणं जहण्णेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा आणतं पाणतं णतं विणतं घणं सुसिरं इंदं इंदोकंतं इंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६४ ॥ ते णं देवा एगूणवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं एगूणवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिया जीवा जे एगूणवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ ६५ ॥ वीसं असमाहिठाणा पन्नत्ता, तं जहा–दवदवचारि यावि भवइ, अपमज्जियचारि यावि भवइ, दुप्पमज्जियचारि आवि भवइ, अतिरित्तसेज्जासणिए, रातिणिअपरिभासी, थेरोवघाइए, भूओवघाइए, संजलणे कोहणे, पिट्ठिमंसिए, अभिक्खणं अभिक्खणं ओहारइत्ता भवइ, णवाणं अधिकरणाणं अणुप्पण्णाणं उप्पाएत्ता भवइ, पोराणाणं अधिकरणाणं खामिअविउसविआणं पुणोदीरेत्ता भवइ, ससरक्खपाणिपाए, अकालसज्झायकारए यावि भवइ, कलहकरे, सद्दकरे, झंझकरे, सूरप्पमाणभोई, एसणाऽसमिते यावि भवइ। मुणिसुव्वए णं अरहा वीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वेऽविअ णं घणोदही वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पन्नत्ता । पाणयस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वीसं सामाणिअसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । णपुंसयवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ बंधओ बंधठिई प० । पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू । उस्सप्पिणिओसप्पिणिमंडले वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो पन्नत्तो ॥ ६६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । पाणते कप्पे देवाणं उक्कोसेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । आरणे कप्पे देवाणं जहण्णेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सायं विसायं सुविसायं सिद्धत्थं उप्पलं भित्तिलं तिगिच्छं दिसासोवत्थियं पलंबं रुइलं पुप्फं सुपुप्फं पुप्फावत्तं पुप्फपभं पुप्फकंतं पुप्फवण्णं पुप्फलेसं पुप्फज्झयं पुप्फसिंगं पुप्फसिद्धं पुप्फुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६७ ॥ ते णं देवा वीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं वीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे वीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति

बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ६८ ॥ एक्कवीसं सबला पण्णत्ता, तं जहा–हत्थकम्मं करेमाणे सबले, मेहुणं पडिसेवमाणे सबले, राइभोअणं भुंजमाणे सबले, आहाकम्मं भुंजमाणे सबले, सागारियं पिंडं भुंजमाणे सबले, उद्देसियं कीयं आहट्टु दिज्जमाणं भुंजमाणे सबले, अभिक्खणं अभिक्खणं पडियाइक्खेत्ता णं भुंजमाणे सबले, अंतो छण्हं मासाणं गणाओ गणं संकममाणे सबले, अंतो मासस्स तओ दगलेवे करेमाणे सबले, अंतो मासस्स तओ माइठाणे सेवमाणे सबले, रायपिंडं भुंजमाणे सबले, आउट्टिआए पाणाइवायं करेमाणे सबले, आउट्टिआए मुसावायं वदमाणे सबले, आउट्टिआए अदिण्णादाणं गिण्हमाणे सबले, आउट्टिआए अणंतरहिआए पुढवीए ठाणं वा निसीहियं वा चेतेमाणे सबले, एवं आउट्टिआ चित्तमंताए पुढवीए एवं आउट्टिआ चित्तमंताए सिलाए कोलावासंसि वा दारुए ठाणं वा सिज्जं वा निसीहियं वा चेतेमाणे सबले, जीवपइट्ठिए सपाणे सबीए सहरिए सउत्तिंगे पणगदगमट्टीमक्कडासंताणए तहप्पगारे ठाणं वा सिज्जं वा निसीहियं वा चेतेमाणे सबले, आउट्टिआए मूलभोअणं वा कंदभोअणं वा तयाभोयणं वा पवालभोयणं वा पुप्फभोयणं वा फलभोयणं वा हरियभोयणं वा भुंजमाणे सबले, अंतो संवच्छरस्स दस दगलेवे करेमाणे सबले, अंतो संवच्छरस्स दस माइठाणाइ सेवमाणे सबले, अभिक्खणं अभिक्खणं सीतोदयवियडवग्घारियपाणिणा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पडिगाहित्ता भुंजमाणे सबले ॥ ६९ ॥ णिअट्टिबादरस्स णं खवियसत्तयस्स मोहणिज्जस्स कम्मस्स एक्कवीस कम्मंसा संतकम्मा प० तं जहा–अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खाणकसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खाणावरणकसाए कोहे, पच्चक्खाणावरणकसाए माणे, पच्चक्खाणावरणकसाए माया, पच्चक्खाणावरणकसाए लोभे, संजलणकसाए कोहे, संजलणकसाए माणे, संजलणकसाए माया, संजलणकसाए लोभे, इत्थिवेदे, पुंवेदे, णपुंवेदे, हासे, अरति, रति, भय, सोग, दुगुंछा। एकमेक्काए णं ओसप्पिणीए पंचमछट्ठाओ समाओ एक्कवीसं एक्कवीस वाससहस्साइं कालेणं प० तं जहा–दूसमा दूसमदूसमा । एगमेगाए णं उस्सप्पिणीए पढमबितिआओ समाओ एकवीसं एकवीसं वाससहस्साइं कालेणं प० तं जहा–दूसमदूसमाए दूसमाए य ॥ ७० ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइआणं एक्कवीसपलिओवमाइं ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एक्कवीससागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगवीसपलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइ-

याणं देवाणं एक्कवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । आरणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अच्चते कप्पे देवाणं जहण्णेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सिरिवच्छं सिरिदामकंडं मल्लं किट्टं चावोण्णतं अरण्णवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७१ ॥ ते णं देवा एक्कवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं एक्कवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ७२ ॥ बावीसं परीसहा प० तं जहा–दिगिंछापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीतपरीसहे, उसिणपरीसहे, दंसमसगपरीसहे, अचेलपरीसहे, अरइपरीसहे, इत्थीपरीसहे, चरिआपरीसहे, निसीहिआपरीसहे, सिज्जापरीसहे, अक्कोसपरीसहे, वहपरीसहे, जायणापरीसहे, अलाभपरीसहे, रोगपरीसहे, तणफासपरीसहे, जल्लपरीसहे, सक्कारपुरक्कारपरीसहे, पण्णापरीसहे, अण्णाणपरीसहे, दंसणपरीसहे । दिट्ठिवायस्स णं बावीसं सुत्ताइं छिन्नछेयणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए बावीसं सुत्ताइं अछिन्नछेयणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए । बावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासियसुत्तपरिवाडीए । बावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए । बावीसविहे पोग्गलपरिणामे पन्नत्ते, तं जहा–कालवण्णपरिणामे, नीलवण्णपरिणामे, लोहियवण्णपरिणामे, हालिद्दवण्णपरिणामे, सुक्किल्लवण्णपरिणामे, सुब्भिगंधपरिणामे, दुब्भिगंधपरिणामे, तित्तरसपरिणामे, कडुयरसपरिणामे, कसायरसपरिणामे, अंबिलरसपरिणामे, महुररसपरिणामे, कक्खडफासपरिणामे, मउयफासपरिणामे, गुरुफासपरिणामे, लहुफासपरिणामे, सीतफासपरिणामे, उसिणफासपरिणामे, णिद्धफासपरिणामे, लुक्खफासपरिणामे, अगुरुलहुफासपरिणामे, गुरुलहुफासपरिणामे ॥ ७३ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं बावीस पलिओवमाइं ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए (नेरइयाणं)उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अहेसत्तमाए पुढवीए [अत्थेगइयाणं]नेरइयाणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अच्चुते कप्पे देवाणं (उक्कोसेणं) बावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जगाणं देवाणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा महियं विसूहियं विमलं पभासं वणमालं अच्चुतवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं बावीसं साग-

रोवमाइं ठिई प० ॥ ७४ ॥ ते णं देवा बावीसाए अद्धमासएणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं बावीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बावीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ७५ ॥ तेवीसं सुयगडज्झयणा पन्नत्ता, तं जहा-समए, वेतालिए, उवसग्गपरिण्णा, थीपरिण्णा, नरयविभत्ती, महावीरथुई, कुसीलपरिभासिए, वीरिए, धम्मे, समाही, मग्गे, समोसरणे, आहत्तहिए, गंथे, जमईए, गाथा, पुंडरीए, किरियाठाणा, आहारपरिण्णा, [अ]प्पच्चक्खाणकिरिआ, अणगारसुयं, अद्दइज्जं, णालंदइज्जं । जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीसाए जिणाणं सूरुग्गमणमुहुत्तंसि केवलवरनाणदंसणे समुप्पण्णे । जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीस तित्थकरा पुव्वभवे एक्कारसंगिणो होत्था, तं जहा-अजित संभव अभिणंदण सुमई जाव पासो वद्धमाणो य, उसभे णं अरहा कोसलिए चोद्दसपुव्वी होत्था । जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे ओसप्पिणीए तेवीसं तित्थंकरा पुव्वभवे मंडलिरायाणो होत्था, तं जहा-अजित संभव अभिणंदण जाव पासो वद्धमाणो य, उसभे णं अरहा कोसलिए पुव्वभवे चक्कवट्टी होत्था ॥ ७६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणाणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । हेट्ठिममज्झिमगेविज्जाणं देवाणं जहण्णेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७७ ॥ ते णं देवा तेवीसाए अद्धमासाणं (मासेहिं) आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं तेवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिया जीवा जे तेवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥७८॥ चउव्वीसं देवाहिदेवा प० तं जहा-उसभअजितसंभवअभिनंदणसुमइपउमप्पहसुपासचंदप्पहसुविधिसीअलसिज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लीमुणिसुव्वयनमिनेमीपासवद्धमाणा । चुल्लहिमवंतसिहरीणं वासहरपव्वयाणं जीवाओ चउव्वीसं चउव्वीसं जोयणसहस्साइं णववत्तीसे जोयणसए एगं अट्ठत्तीसइभागं जोयणस्स किंचि विसेसाहिआओ आयामेणं प० । चउवीसं देवठाणा सइंदया प० सेसा अहमिंदा अनिंदा अपुरोहिआ ।

उत्तरायणगते णं सूरिए चउवीसंगुलिए पोरिसीछायं णिव्वत्तइत्ता णं णिअट्टति। गंगासिंधूओ णं महाणदीओ पवाहे सातिरेगेणं चउवीसं कोसे वित्थारेणं प०। रत्तारत्तवतीओ णं महाणदीओ पवाहे सातिरेगे चउवीसं कोसे वित्थारेणं प० ॥७९॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। हेट्ठिमउवरिमगेविज्जाणं देवाणं जहण्णेणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ८० ॥ ते णं देवा चउवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं चउवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइआ भवसिद्धिया जीवा जे चउवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ८१ ॥ पुरिमपच्छिमगाणं तित्थगराणं पंचजामस्स पणवीसं भावणाओ प० तं जहा—इरियासमिई, मणगुत्ती, वयगुत्ती, आलोयभायणभोयणं, आदाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिई, अणुवीतिभासणया, कोहविवेगे, लोभविवेगे, भयविवेगे, हासविवेगे, उग्गहअणुण्णवणया, उग्गहसीमजाणणया, सयमेव उग्गहं अणुगिण्हणया, साहम्मियउग्गहं अणुण्णविय परिभुंजणया, साहारणभत्तपाणं अणुण्णविय पडिभुंजणया, इत्थीपसुपंडगसंसत्तगसयणासणवज्जणया, इत्थीकहविवज्जणया, इत्थीणं इंदियाणमालोयणवज्जणया, पुव्वरयपुव्वकीलिआणं अणणुसरणया, पणीताहारविवज्जणया, सोइंदियरागोवरई, चक्खिदियरागोवरई, घाणिंदियरागोवरई, जिब्भिंदियरागोवरई, फासिंदियरागोवरई। मल्ली णं अरहा पणवीसं धणु उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि दीहवेयड्ढपव्वया पणवीसं जोयणाणि उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता पणवीसं पणवीसं गाउआणि उव्विद्धेणं प०। दोच्चाए णं पुढवीए पणवीसं णिरयावाससयसहस्सा पन्नत्ता। आयारस्स णं भगवओ सचूलिआयस्स पणवीसं अज्झयणा पन्नत्ता, तं जहा—सत्थपरिण्णा लोगविजओ सीओसणीअ सम्मत्तं। आवंति धुय विमोह उवहाणसुयं महपरिण्णा। पिंडेसण सिज्जिरिआ भासज्झयणा य वत्थ पाएसा। उग्गहपडिमा सत्तिक्कसत्तया भावण विमुत्ती। निसीहज्झयणं पणवीसइमं। मिच्छादिट्ठिविगलिंदिए णं अपज्जत्तए णं संकिलिट्ठपरिणामे णामस्स कम्मस्स पणवीसं उत्तरपयडीओ णिबंधति—तिरियगतिनामं विगलिंदियजातिनामं ओरालियसरीरणामं तेअग-

सरीरणामं कम्मणसरीरनामं हुंडगसंठाणनामं ओरालिअसरीरंगोवंगणामं छेवट्ठसंघयणनामं वण्णनामं गंधणामं रसणामं फासणामं तिरिआणुपुव्विनामं अगुरुलहुनामं उवघायनामं तसनामं बादरणामं अपज्जत्तयणामं पत्तेयसरीरणामं अथिरणामं असुभणामं दुभगणामं अणादेज्जनामं अजसोकित्तिनामं निम्माणनामं । गंगासिंधूओ णं महाणदीओ पणवीसं गाउयाणि पुहुत्तेणं दुहओ घडमुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं पवातेण पडंति । रत्तारत्तवईओ णं महाणदीओ पणवीसं गाउयाणि पुहुत्तेणं मकर (घड) मुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं पवातेण पडंति । लोगबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प० ॥ ८२ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइआणं नेरइयाणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणे णं देवाणं अत्थेगइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जाणं देवाणं जहण्णेणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमउवरिमगेवेज्जगविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ८३ ॥ ते णं देवा पणवीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं पणवीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिआ जीवा जे पणवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ८४ ॥ छव्वीसं दसकप्पववहाराणं उद्देसणकाला पन्नत्ता, तं जहा–दस दसाणं छ कप्पस्स दस ववहारस्स । अभवसिद्धियाणं जीवाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स छव्वीसं कम्मंसा संतकम्मा पन्नत्ता, तं जहा–मिच्छत्तमोहणिज्जं सोलस कसाया इत्थीवेदे पुरिसवेदे नपुंसकवेदे हासं अरति रति भयं सोगं दुगुंछा ॥ ८५ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणे णं देवाणं अत्थेगइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । मज्झिममज्झिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववन्ना तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ८६ ॥ ते णं देवा छव्वीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं छव्वीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया

जीवा जे छव्वीसेहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ८७ ॥ सत्तावीसं अणगारगुणा पन्नत्ता, तं जहा–पाणाइवायाओ वेरमणं, मुसावायाओ वेरमणं, अदिन्नादाणाओ वेरमणं, मेहुणाओ वेरमणं, परिग्गहाओ वेरमणं, सोइंदियनिग्गहे, चक्खिंदियनिग्गहे, घाणिंदियनिग्गहे, जिब्भिंदियनिग्गहे, फासिंदियनिग्गहे, कोहविवेगे, माणविवेगे, मायाविवेगे, लोभविवेगे, भावसच्चे, करणसच्चे, जोगसच्चे, खमा, विरागया, मणसमाहरणया, वयसमाहरणया, कायसमाहरणया, णाणसंपण्णया, दंसणसंपण्णया, चरित्तसंपण्णया, वेयणअहियासणया, मारणंतियअहियासणया। जंबुद्दीवे दीवे अभिइवज्जेहिं सत्तावीसाए णक्खत्तेहिं संववहारे वट्टति। एगमेगे णं णक्खत्तमासे सत्तावीसाहिं राइंदियाहिं राइंदियग्गेणं पन्नत्ते। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणपुढवी सत्तावीसं जोयणसयाइं बाहल्लेणं पन्नत्ता। वेयगसम्मत्तबंधोवरयस्स णं मोहणिज्जस्स कम्मस्स सत्तावीसं उत्तरपगडीओ संतकम्मंसा पन्नत्ता। सावणसुद्धसत्तमीसु णं सूरिए सत्तावीसंगुलियं पोरिसिच्छायं णिव्वत्तइत्ता णं दिवसखेत्तं नियट्टेमाणे रयणिखेत्तं अभिणिवद्धमाणे चारं चरइ ॥ ८८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। मज्झिमउवरिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा मज्झिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ८९ ॥ ते णं देवा सत्तावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तावीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सत्तावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ९० ॥ अट्ठावीसविहे आयारपकप्पे पन्नत्ते, तं जहा–मासिआ आरोवणा, सपंचराईमासिया आरोवणा, सदसराइमासिया आरोवणा, (सपण्णरसराइमासिआ आरोवणा, सवीसइराइमासिआ आरोवणा, सपंचवीसराइमासिआ आरोवणा) एवं चेव दोमासिआ आरोवणा, सपंचराईदोमासिआ आरोवणा, एवं तिमासिआ आरोवणा, चउमासिआ आरोवणा, उवघाइया आरोवणा, अणुवघाइया आरोवणा, कसिणा आरोवणा, अकसिणा आरोवणा, एतावता आयारपकप्पे एताव ताव आयरिअव्वे। भवसिद्धियाणं जीवाणं

अत्थेगइयाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स अट्ठावीसं कम्मंसा संतकम्मा पन्नत्ता तं जहा-सम्मत्तवेअणिज्जं मिच्छत्तवेयणिज्जं सम्ममिच्छत्तवेयणिज्जं सोलस कसाया नव णोकसाया। आभिणिबोहियणाणे अट्ठावीसइविहे प० तं० सोइंदियअत्थावग्गहे, चक्खिंदियअत्थावग्गहे, घाणिंदियअत्थावग्गहे, जिब्भिंदियअत्थावग्गहे, फासिंदियअत्थावग्गहे, णोइंदियअत्थावग्गहे, सोइंदियवंजणोग्गहे, घाणिंदियवंजणोग्गहे, जिब्भिंदियवंजणोग्गहे, फासिंदियवंजणोग्गहे, सोतिंदियईहा, चक्खिंदियईहा, घाणिंदियईहा, जिब्भिंदियईहा, फासिंदियईहा, णोइंदियईहा, सोतिंदियावाए, चक्खिंदियावाए, घाणिंदियावाए, जिब्भिंदियावाए, फासिंदियावाए, णोइंदियावाए, सोइंदियधारणा, चक्खिंदियधारणा, घाणिंदियधारणा, जिब्भिंदियधारणा, फासिंदियधारणा, णोइंदियधारणा। ईसाणे णं कप्पे अट्ठावीसं विमाणावाससयसहस्सा प०। जीवे णं देवगइम्मि वंधमाणे नामस्स कम्मस्स अट्ठावीसं उत्तरपगडीओ णिवंधति, तं जहा-देवगतिनामं, पंचिंदियजातिनामं, वेउव्वियसरीरनामं, तेयगसरीरनामं, कम्मणसरीरनामं, समचउरंससंठाणणामं, वेउव्वियसरीरंगोवंगणामं, वण्णणामं, गंधणामं, रसणामं, फासनामं, देवाणुपुव्विणामं, अगुरुलहुनामं, उवघायनामं, पराघायनामं, उस्सासनामं, पसत्थविहायोगइणामं, तसनामं, वायरणामं, पज्जत्तनामं, पत्तेयसरीरनामं, थिराथिराणं सुभासुभाणं (सुभगनामं, सुस्सरनामं), आएज्जाणाएज्जाणं दोण्हं अण्णयरं एगं नामं णिवंधइ, जसोकित्तिनामं, निम्माणनामं। एवं चेव नेरइया वि, णाणत्तं अप्पसत्थविहायोगइणामं, हुंडगसंठाणणामं, अथिरणामं, दुब्भगणामं, असुभनामं, दुस्सरनामं, अणादिज्जणामं, अजसोकित्तीणामं, णिम्माणणामं ॥ ९१ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा मज्झिमउवरिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ९२ ॥ ते णं देवा अट्ठावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठावीसाए वाससहस्सेहि आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ९३ ॥ एगूणतीसइविहे पावसुयपसंगे

णं प० तं० भोमे, उप्पाए, सुमिणे, अंतरिक्खे, अंगे, सरे, वंजणे, लक्खणे, भोमे तिविहे प० तं० सुत्ते वित्ती वत्तिए, एवं एक्केक्कं तिविहं, विकहाणुजोगे, विज्जाणुजोगे, मंताणुजोगे, जोगाणुजोगे, अण्णतित्थियपवत्ताणुजोगे । आसाढे णं मासे एगूणतीसराइंदिआइं राइंदियग्गेणं पन्नत्ताइं । (एवं चेव) भद्दवए णं मासे । कत्तिए णं मासे । पोसे णं मासे । फग्गुणे णं मासे । वइसाहे णं मासे । चंददिणे णं एगूणतीसं मुहुत्ते सातिरेगे मुहुत्तग्गेणं प० । जीवे णं पसत्थऽज्झवसाणजुत्ते भविए सम्मदिट्ठी तित्थकरनामसहिआओ णामस्स णियमा एगूणतीसं उत्तरपगडीओ निबंधित्ता वेमाणिएसु देवेसु देवत्ताए उववज्जइ ॥ ९४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । उवरिममज्झिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ९५ ॥ ते णं देवा एगूणतीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं एगूणतीसं वाससहस्सेहि आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणतीसभवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ९६ ॥ तीसं मोहणीयठाणा प० तं० जे यावि तसे पाणे, वारिमज्झे विगाहिआ । उदएण कम्मा मारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ १-१ ॥ सीसावेढेण जे केई, आवेढेइ अभिक्खणं । तिव्वासुभसमायारे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २-२ ॥ पाणिणा संपिहित्ता णं, सोयमावरिय पाणिणं । अंतोनदंतं मारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३-३ ॥ जायतेयं समारब्भ, बहुं ओरुंभिया जणं, अंतोधूमेण मारेई(ज्जा), महामोहं पकुव्वइ ॥ ४-४ ॥ सिस्सम्मि जे पहणइ, उत्तमंगम्मि चेयसा । विभज्ज मत्थयं फाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ ५-५ ॥ पुणो पुणो पणिधिए, हरित्ता उवहसे जणं । फलेणं अदुवा दंडेणं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ६-६ ॥ गूढायारी निगूहिज्जा, मायं मायाए छायए । असच्चवाई णिण्हाई, महामोहं पकुव्वइ ॥ ७-७ ॥ धंसेइ जो अभूएणं, अकम्मं अत्तकम्मुणा । अदुवा तुम कासित्ति, महामोहं पकुव्वइ ॥ ८-८ ॥ जाणमाणो परिसओ, सच्चामोसाणि भासइ । अक्खीणझंझे पुरिसे, महामोहं पकुव्वइ ॥ ९-९ ॥ अणायगस्स नयवं, दारे तस्सेव धंसिया । विउलं विक्खोभइत्ता

णं, किच्चा णं पडिवाहिरं ॥ १० ॥ उवगसंतं पि झंपित्ता, पडिलोमाहिं वग्गुहिं । भोगभोगे वियारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ ११-१० ॥ **अकुमारभूए जे केई, कुमारभूए त्ति हं वए** । इत्थीहिं गिद्धे वसए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १२-११ ॥ अवंभयारी जे केई, वंभयारी त्ति हं वए । गद्दहेव्व गवां मज्झे, विस्सरं नयई नदं ॥ १३ ॥ अप्पणो अहिए वाले, मायामोसं वहुं भसे । इत्थीविसयगेहीए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १४-१२ ॥ जं निस्सिए उव्वहइ, जससाहिगमेण वा । तस्स लुब्भइ वित्तम्मि, महामोहं पकुव्वइ ॥ १५-१३ ॥ ईसरेण अदुवा गामेणं, अणिसरे ईसरीकए । तस्स संपयहीणस्स, सिरी अतुलमागया ॥ १६ ॥ ईसादोसेण आविट्ठे, कलुसाविलचेयसे । जे अंतराअं चेएइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १७-१४ ॥ सप्पी जहा अंडउडं, भत्तारं जो विहिंसइ । सेणावइं पसत्थारं, महामोहं पकुव्वइ ॥ १८-१५ ॥ जे नायगं च रट्ठस्स, नेयारं निगमस्स वा । सेट्ठिं वहुरवं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९-१६ ॥ वहुजणस्स णेयारं, दीवं ताणं च पाणिणं । एयारिसं नरं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०-१७ ॥ उवट्ठियं पडिविरयं, संजयं सुतवस्सियं । वुक्कम्म धम्माओ भंसेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१-१८ ॥ तहेवाणंतणाणीणं, जिणाणं वरदंसिणं । तेसिं अवण्णवं वाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २२-१९ ॥ नेयाइअस्स मग्गस्स, दुट्ठे अवयरई वहुं । तं तिप्पयंतो भावेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २३-२० ॥ आयरियउवज्झाएहिं, सुयं विणयं च गाहिए । ते चेव खिंसई वाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २४-२१ ॥ आयरियउवज्झायाणं, सम्मं नो पडितप्पइ । अप्पडिपूयए थद्धे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २५-२२ ॥ अवहुस्सुए य जे केई, सुएणं पविकत्थई । सज्झायवायं वयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २६-२३ ॥ अतवस्सीए य जे केई, तवेण पविकत्थइ । सव्वलोयपरे तेणे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २७-२४ ॥ साहारणट्ठा जे केई, गिलाणम्मि उवट्ठिए । पभू ण कुणई किच्चं, मज्झं पि से न कुव्वइ ॥ २८ ॥ सढे नियडीपण्णाणे, कलुसाउलचेयसे । अप्पणो य अवोहीय, महामोहं पकुव्वइ ॥ २९-२५ ॥ जे कहाहिगरणाइं, संपउंजे पुणो पुणो । सव्वतित्थाण भेयाणं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३०-२६ ॥ जे अ आहम्मिए जोए, संपओजे पुणो पुणो । सहाहेउं सहीहेउं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३१-२७ ॥ जे अ माणुस्सए भोए, अदुवा पारलोइए । तेऽतिप्पयंतो आसयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३२-२८ ॥ इड्ढी जुई जसो वण्णो, देवाणं वलवीरिय । तेसिं अवण्णवं वाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३३-२९ ॥ अपस्समाणो पस्सामि, देवे जक्खे य गुज्झगे । अण्णाणी जिणपूयट्ठी, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३४-३० ॥ ९७ ॥ थेरे णं

मंडियपुत्ते तीसं वासाइं सामण्णपरियायं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। एगमेगे णं अहोरत्ते तीसमुहुत्ते मुहुत्तग्गेणं पन्नत्ते। एएसि णं तीसाए मुहुत्ताणं तीसं नामधेज्जा प०, तं जहा–रोद्दे, सत्ते, मित्ते, वाऊ, सुपीए, अभिचंदे, माहिंदे, पलंबे, बंभे, सच्चे, आणंदे, विजए, विस्ससेणे, पायावच्चे, उवसमे, ईसाणे, तट्ठे, भाविअप्पा, वेसमणे, वरुणे, सतरिसभे, गंधव्वे, अग्गिवेसायणे, आतवे, आवत्ते, तट्ठवे, भूमहे, रिसभे, सव्वट्ठसिद्धे, रक्खसे। अरे णं अरहा तीसं धणु(णू)इं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सहस्सारस्स णं देविंदस्स देवरन्नो तीसं सामाणियसाहस्सीओ प०। पासे णं अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए। समणे भगवं महावीरे तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए। रयणप्पभाए णं पुढवीए तीसं निरयावाससयसहस्सा प० ॥ ९८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। उवरिमउवरिसगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा उवरिममज्झिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ९९ ॥ ते णं देवा तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०० ॥ एक्कतीसं सिद्धाइगुणा पन्नत्ता, तं जहा–खीणे आभिणिबोहियणाणावरणे, खीणे सुयणाणावरणे, खीणे ओहिणाणावरणे, खीणे मणपज्जवणाणावरणे, खीणे केवलणाणावरणे, खीणे चक्खुदंसणावरणे, खीणे अचक्खुदंसणावरणे, खीणे ओहिदंसणावरणे, खीणे केवलदंसणावरणे, खीणे निद्दा, खीणे णिद्दाणिद्दा, खीणे पयला, खीणे पयलापयला, खीणे थीणद्धी, खीणे सायावेयणिज्जे, खीणे असायावेयणिज्जे, खीणे दसणमोहणिज्जे, खीणे चरित्तमोहणिज्जे, खीणे नेरइआउए, खीणे तिरिआउए, खीणे मणुस्साउए, खीणे देवाउए, खीणे उच्चागोए, खीणे निच्चागोए, खीणे सुभणामे, खीणे असुभणामे, खीणे दाणंतराए, खीणे लाभंतराए, खीणे भोगंतराए, खीणे उवभोगंतराए, खीणे वीरिअंतराए ॥ १०१ ॥ मंदरे णं पव्वए धरणितले एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चेव तेवीसे जोयणसए किंचिदेसूणा परिक्खेवेणं पन्नत्ता। जया णं सूरिए

सव्वबाहिरियं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स एक्क-तीसाए जोयणसहस्सेहिं अट्ठहि अ एक्कतीसेहिं जोयणसएहिं तीसाए सट्ठिभागे जोय-णस्स सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ। अभिवड्ढिए णं मासे एक्कतीसं सातिरेगाइं राइंदियाइं राइंदियग्गेणं पन्नत्ते। आइच्चे णं मासे एक्कतीसं राइंदियाइं किंचि विसेसूणाइं राइंदियग्गेणं पन्नत्ते ॥१०२॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एक्कतीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एक्कतीसं पलि-ओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कतीसं पलिओ-वमाइं ठिई प०। विजयवेजयंतजयंतअपराजिआणं देवाणं जहण्णेणं एक्कतीसं साग-रोवमाइं ठिई प०। जे देवा उवरिमउवरिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १०३ ॥ ते णं देवा एक्कती-साए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं एक्कतीसं(स)वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कतीसेहि भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०४ ॥ बत्तीसं जोगसंगहा प०, तं जहा–आलोयण, निरवलावे, आवईसु दढधम्मया। अणिस्सिओवहाणे य, सिक्खा निप्पडिकम्मया ॥ १ ॥ अण्णायया, अलोभे य, तितिक्खा अज्जवे सुई। सम्मदिट्ठी समाही य, आयारे विणओवए ॥ २ ॥ धिईमई य संवेगे, पणिही सुविहि संवरे। अत्तदोसोव-संहारे, सव्वकामविरत्तया ॥ ३ ॥ पच्चक्खाणे विउस्सग्गे, अप्पमादे लवालवे। झाणसंवरजोगे य, उदए मारणंतिए ॥ ४ ॥ संगाणं च परिण्णाया, पायच्छित्तकरणे वि य। आराहणा य मरणंते, बत्तीसं जोगसंगहा ॥ ५ ॥ १०५ ॥ बत्तीसं देविंदा प०, तं जहा–चमरे बली धरणे भूआणंदे जाव घोसे महाघोसे चंदे सूरे सक्के ईसाणे सणंकुमारे जाव पाणए अच्चुए। कुंथुस्स णं अरहओ बत्तीसहिया बत्तीसं जिणसया होत्था। सोहम्मे कप्पे बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०। रेवइणक्खत्ते बत्ती-सइतारे पन्नत्ते। बत्तीसतिविहे णट्टे पन्नत्ते ॥ १०६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढ-वीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थे-गइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। जे देवा विजयवेजयंतजयंतअपराजियविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०।

ते णं देवा बत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं बत्तीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बत्तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०७ ॥ तेत्तीसं आसायणाओ पन्नत्ताओ, तं जहा–सेहे राइणियस्स आसन्नं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स पुरओ गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स सपक्खं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स आसन्नं ठिच्चा भवइ आसायणा सेहस्स, जाव सेहे राइणियस्स आलवमाणस्स तत्थगए चेव पडिसुणित्ता भवइ आसायणा सेहस्स। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो चमरचंचाए रायहाणीए एक्कमेक्कबाराए तेत्तीसं तेत्तीसं भोमा प०। महाविदेहे णं वासे तेत्तीसं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं विक्खंभेणं प०। जया णं सूरिए बाहिराणंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इह गयस्स पुरिसस्स तेत्तीसाए जोयणसहस्सेहिं किंचिविसेसूणेहिं चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ ॥ १०८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए कालमहाकालरोरुयमहारोरुएसु नेरइयाणं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। अप्पइट्ठाणनरए नेरइयाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। विजयवेजयंतजयंतअपराजिएसु विमाणेसु उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १०९ ॥ ते णं देवा तेत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा निस्ससंति वा। तेसि णं देवाणं तेत्तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेत्तीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ११० ॥ चोत्तीसं जिणाइसेसा प० तं जहा–अवट्ठिए केसमंसुरोमनहे, निरामया निरुवलेवा गायलट्ठी, गोक्खीरपंडुरे मंससोणिए, पउमुप्पलगंधिए उस्सासनिस्सासे, पच्छन्ने आहारनीहारे अदिस्से मंसचक्खुणा, आगासगयं चक्कं, आगासगयं छत्तं, आगासगयाओ सेयवरचामराओ, आगासफालिआमयं सपायपीढं सीहासणं, आगासगओ कुडभीसहस्सपरिमंडिआभिरामो इंदज्झओ पुरओ गच्छइ, जत्थ जत्थ वि य णं अरहंता भगवंतो चिट्ठंति वा निसीयंति वा तत्थ तत्थ वि य णं तक्खणादेव संछन्नपत्तपुप्फपल्लवसमाउलो सच्छत्तो सज्झओ सघंटो

सपडागो असोगवरपायवो अभिसंजायइ, ईसिं पिट्ठओ मउडठाणंमि तेयमंडलं अभिसंजायइ अंधकारे वि य णं दस दिसाओ पभासेइ, बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे, अहोसिरा कंटया जायंति, उऊ विवरीया सुहफासा भवंति, सीयलेणं सुहफासेणं सुरभिणा मारुएणं जोयणपरिमंडलं सव्वओ समंता संपमज्जिज्जइ, जुत्तफुसिएणं मेहेण य निहयरयरेणूयं किज्जइ, जलथलयभासुरपभूतेणं विटट्ठाइणा दसद्धवण्णेणं कुसुमेणं जाणुस्सेहप्पमाणमित्ते (अचित्ते) पुप्फोवयारे किज्जइ, अमणुण्णाणं सद्दफरिसरसरूवगंधाणं अवकरिसो भवइ, मणुण्णाणं सद्दफरिसरसरूवगंधाणं पाउब्भाओ भवइ, पच्चाहरओ वि य णं हिययगमणीओ जोयणनीहारी सरो, भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ, सा वि य णं अद्धमागही भासा भासिज्जमाणी तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं दुप्पयचउप्पअमियपसुपक्खिसरीसिवाणं अप्पणो हियसिवसुहयभासत्ताए परिणमइ, पुव्वबद्धवेरा वि य णं देवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगा अरहओ पायमूले पसंतचित्तमाणसा धम्मं निसामंति, अण्णउत्थियपावयणिया वि य णमागया वंदंति, आगया समाणा अरहओ पायमूले निप्पलिवयणा हवंति, जओ जओ वि य णं अरहंतो भगवंतो विहरंति तओ तओ वि य णं जोयणपणवीसाए णं ईती न भवइ, मारी न भवइ, सचक्कं न भवइ, परचक्कं न भवइ, अइवुट्ठी न भवइ, अणावुट्ठी न भवइ, दुब्भिक्खं न भवइ, पुव्वुप्पण्णा वि य णं उप्पाइया वाही खिप्पमिव उवसमंति ॥ १११ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे चउत्तीसं चक्कवट्टिविजया प० तं जहा–बत्तीसं महाविदेहे दो भरहे एरवए। जंबुद्दीवे णं दीवे चोत्तीसं दीहवेयड्ढा प०। जंबुद्दीवे णं दीवे उक्कोसपए चोत्तीसं तित्थंकरा समुप्पज्जंति, चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो चोत्तीसं भवणावाससयसहस्सा प०। पढमपंचमछट्ठीसत्तमासु चउसु पुढवीसु चोत्तीसं निरयावाससयसहस्सा प० ॥ ११२ ॥ पणतीसं सच्चवयणाइसेसा प०। कुंथू णं अरहा पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। दत्ते णं वासुदेवे पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। नंदणे णं बलदेवे पणतीस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। बितियचउत्थीसु दोसु पुढवीसु पणतीसं निरयावाससयसहस्सा प० ॥ ११३ ॥ छत्तीसं उत्तरज्झयणा प० तं जहा–विणयसुयं, परीसहो, चाउरंगिज्जं, असंखयं, अकाममरणिज्जं, पुरिसविज्जा, उरब्भिज्जं, काविलियं, नमिपव्वज्जा, दुमपत्तयं, बहुसुयपूजा, हरिएसिज्जं, चित्तसंभूयं, उसुयारिज्जं, सभिक्खुगं, समाहिठाणाइं, पावसमणिज्जं, संजइज्जं, मियचारिया, अणाहपव्वज्जा, समुद्दपालिज्जं, रहनेमिज्जं, गोयमकेसिज्जं, समितिओ, जन्नतिज्जं, सामायारी, खलुंकिज्जं, मोक्खमग्गगई, अप्पमाओ, तवोमग्गो, चरणविही, पमायठाणाइं, कम्मपयडी, लेसज्झयणं, अणगारमग्गे, जीवा-

जीवविभत्ती य। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो सभा सुहम्मा छत्तीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स छत्तीसं अज्जाणं साहस्सीओ होत्था। चेत्तासोएसु णं मासेसु सइ छत्तीसंगुलियं सूरिए पोरिसिछायं निव्वत्तइ॥११४॥ कुंथुस्स णं अरहओ सत्ततीसं गणा सत्ततीसं गणहरा होत्था। हेमवयहेरण्णवयाओ णं जीवाओ सत्ततीसं जोयणसहस्साइं छच्च चउसत्तरे जोयणसए सोलस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स किंचि विसेसूणाओ आयामेणं पन्नत्ताओ। सव्वासु णं विजयवेजयंतजयंतअपराजिआसु रायहाणीसु पागारा सत्ततीसं सत्ततीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे सत्ततीसं उद्देसणकाला प०। कत्तियबहुलसत्तमीए णं सूरिए सत्ततीसंगुलियं पोरिसिछायं निव्वत्तइत्ता णं चारं चरइ॥ ११५॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अट्ठतीसं अज्जिआसाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया होत्था। हेमवयएरण्णवईयाणं जीवाणं धणूपिट्ठे अट्ठतीसं जोयणसहस्साइं सत्त य चत्ताले जोयणसए दस एगूणवीसइभागे जोयणस्स किंचि विसेसूणा परिक्खेवेणं पन्नत्ता। अत्थस्स णं पव्वयरण्णो बितिए कंडे अट्ठतीस जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए बितिए वग्गे अट्ठतीसं उद्देसणकाला प०॥ ११६॥ नमिस्स णं अरहओ एगूणचत्तालीसं आहोहियसया होत्था। समयखेत्ते एगूणचत्तालीसं कुलपव्वया प०, तं जहा–तीसं वासहरा, पंच मंदरा, चत्तारि उसुकारा। दोच्चचउत्थपंचमछट्ठसत्तमासु णं पंचसु पुढवीसु एगूणचत्तालीसं निरयावाससयसहस्सा प०। नाणावरणिज्जस्स मोहणिज्जस्स गोत्तस्स आउयस्स एयासि णं चउण्हं कम्मपगडीणं एगूणचत्तालीसं उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ॥ ११७॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स चत्तालीसं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। मंदरचूलियाणं चत्तालीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता। संती अरहा चत्तालीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। भूयाणंदस्स णं नागकुमारस्स नागरन्नो चत्तालीसं भवणावाससयसहस्सा प०। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे चत्तालीसं उद्देसणकाला प०। फग्गुणपुण्णिमासिणीए णं सूरिए चत्तालीसंगुलियं पोरिसीछायं निव्वट्टइत्ता णं चारं चरइ। एवं कत्तियाए वि पुण्णिमाए। महासुक्के कप्पे चत्तालीसं विमाणावाससहस्सा प०॥ ११८॥ नमिस्स णं अरहओ एगचत्तालीसं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। चउसु पुढवीसु एक्कचत्तालीसं निरयावाससयसहस्सा प०, तं जहा–रयणप्पभाए पंकप्पभाए तमाए तमतमाए। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे एकचत्तालीसं उद्देसणकाला प०॥ ११९॥ समणे भगवं महावीरे बायालीसं वासाइं साहियाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। जंबुद्दीवस्स णं

दीवस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं बायालीसं जोयणसहस्साइं अबाहातो अंतरं पन्नत्तं। एवं चउद्दिसिं पि दओभासे संखोदयसीमे य। कालोए णं समुद्दे बायालीसं चंदा जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा बायालीसं सूरिया पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा। संमुच्छिमभुयपरिसप्पाणं उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं ठिई प०। नामकम्मे बायालीसविहे पन्नत्ते, तं जहा–गइनामे, जाइनामे, सरीरनामे, सरीरंगोवंगनामे, सरीरबंधणनामे, सरीरसंघायणनामे, संघयणनामे, संठाणनामे, वण्णनामे, गंधनामे, रसनामे, फासनामे, अगुरुलहुयनामे, उवघायनामे, पराघायनामे, आणुपुव्वीनामे, उस्सासनामे, आयवनामे, उज्जोयनामे, विहगगइनामे, तसनामे, थावरनामे, सुहुमनामे, बायरनामे, पज्जत्तनामे, अपज्जत्तनामे, साहारणसरीरनामे, पत्तेयसरीरनामे, थिरनामे, अथिरनामे, सुभनामे, असुभनामे, सुभगनामे, दुब्भगनामे, सुसरनामे, दुस्सरनामे, आएज्जनामे, अणाएज्जनामे, जसोकित्तिनामे, अजसोकित्तिनामे, निम्माणनामे, तित्थकरनामे। लवणे णं समुद्दे बायालीसं नागसाहस्सीओ अब्भिंतरियं वेलं धारंति। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए बितिए वग्गे बायालीसं उद्देसणकाला प०। एगमेगाए ओसप्पिणीए पंचमछट्ठीओ समाओ बायालीसं वाससहस्साइं कालेणं पन्नत्ताइं। एगमेगाए उस्सप्पिणीए पढमबीयाओ समाओ बायालीसं वाससहस्साइं कालेणं पन्नत्ताइं ॥ १२० ॥ तेयालीसं कम्मविवागज्झयणा प०। पढमचउत्थपंचमासु पुढवीसु तेयालीसं निरयावाससयसहस्सा प०। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं तेयालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउद्दिसिं पि दगभागे संखे दयसीमे। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे तेयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ १२१ ॥ चोयालीसं अज्झयणा इसिभासिया दियलोगचुयाभासिया प०। विमलस्स णं अरहओ णं चउआलीसं पुरिसजुगाइं अणुपिट्ठिं सिद्धाइं जाव प्पहीणाइं। धरणस्स णं नागिंदस्स नागरण्णो चोयालीसं भवणावाससयसहस्सा प०। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए चउत्थे वग्गे चोयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ १२२ ॥ समयखेत्ते णं पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेण प०। सीमंतए णं नरए पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प०। एवं उडुविमाणे वि। ईसिपब्भारा णं पुढवी एवं चेव। धम्मे णं अरहा पणयालीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। मंदरस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसि पि पणयालीसं पणयालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। सव्वे वि णं दिवड्ढखेत्तिया नक्खत्ता पणयालीसं मुहुत्ते

चंदेण सद्धिं जोगं जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा–तिन्नेव उत्तराइं, पुणव्वसू रोहिणी विसाहा य। एए छ नक्खत्ता, पणयालमुहुत्तसंजोगा ॥ महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पंचमे वग्गे पणयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ १२३ ॥ दिट्ठिवायस्स णं छायालीसं माउयापया प०। बंभीए णं लिवीए छायालीसं माउयक्खरा प०। पभंजणस्स णं वाउकुमारिंदस्स छायालीसं भवणावाससयसहस्सा प० ॥ १२४ ॥ जया णं सूरिए सव्वब्भितरमंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इहगयस्स मणूसस्स सत्तचत्तालीसं जोयणसहस्सेहिं दोहि य तेवट्ठेहिं जोयणसएहिं एक्कवीसाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सूरिए चक्खुफासं हव्वमागच्छइ। थेरे णं अग्गिभूई सत्त-चालीसं वासाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १२५ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अडयालीसं पट्टणसहस्सा प०। धम्मस्स णं अरहओ अडयालीसं गणा अडयालीसं गणहरा होत्था। सूरमंडले णं अडयालीसं एकसट्ठिभागे जोयणस्स विक्खंभेणं प० ॥ १२६ ॥ सत्तसत्तमियाए णं भिक्खुपडिमाए एगूणपन्नाए राइंदिएहिं छन्नउइभिक्खासएणं अहासुत्तं जाव आरा-हिया भवइ। देवकुरुउत्तरकुरुएसु णं मणुया एगूणपन्ना राइंदिएहिं संपन्नजोव्वणा भवंति। तेइंदियाणं उक्कोसेणं एगूणपन्ना राइंदिया ठिई प० ॥ १२७ ॥ मुणिसुव्व-यस्स णं अरहओ पंचासं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। अणंते णं अरहा पन्नासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। पुरिसुत्तमे णं वासुदेवे पन्नासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं दीहवेयड्ढा मूले पन्नासं पन्नासं जोयणाणि विक्खंभेणं प०। लंतए कप्पे पन्नासं विमाणावाससहस्सा प०। सव्वाओ णं तिमिस्सगुहाखंडगप्पवा-यगुहाओ पन्नासं पन्नासं जोयणाइं आयामेणं प०। सव्वे वि णं कंचणगपव्वया सिहरतले पन्नासं पन्नासं जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १२८ ॥ नवण्हं बंभचेराणं एकावन्नं उद्देसणकाला प०। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररन्नो सभा सुधम्मा एका-वन्नखंभसयसंनिविट्ठा प०। एवं चेव बलिस्स वि। सुप्पभे णं बलदेवे एकावन्नं वाससयसहस्साइं परमाउं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। दंसणावर-णनामाणं दोण्हं कम्माणं एकावन्नं उत्तरकम्मपगडीओ पन्नत्ताओ ॥ १२९ ॥ मोहणि-ज्जस्स णं कम्मस्स बावन्नं नामधेज्जा प०, तं जहा–कोहे, कोवे, रोसे, दोसे, अखमा, संजलणे, कलहे, चंडिक्के, भंडणे, विवाए, माणे, मदे, दप्पे, थंभे, अत्तुक्कोसे, गव्वे, परपरिवाए, अक्कोसे, अवक्कोसे (परिभवे), उन्नए, उन्नामे, माया, उवही, नियडी, वलए, गहणे, णूमे, कक्के, कुरुए, दंभे, कूडे, जिम्हे, किव्बिसे, अणायरणया, गूह-णया, वंचणया, पलिकुंचणया, सातिजोगे, लोभे, इच्छा, मुच्छा, कंखा, गेही,

तिण्हा, भिज्जा, अभिज्जा, कामासा, भोगासा, जीवियासा, मरणासा, नंदी, रागे। गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापायालस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं बावन्नं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं दगभासस्स णं केउगस्स संखस्स जूयगस्स दगसीमस्स ईसरस्स। नाणावरणिज्जस्स नामस्स अंतरायस्स एतेसि णं तिण्हं कम्मपगडीणं बावन्नं उत्तरपयडीओ पन्नत्ताओ। सोहम्मसणंकुमारमाहिंदेसु तिसु कप्पेसु बावन्नं विमाणावाससयसहस्सा प० ॥१३०॥ देवकुरुउत्तरकुरुयाओ णं जीवाओ तेवन्नं तेवन्नं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं आयामेणं पन्नत्ताओ। महाहिमवंतरुप्पीणं वासहरपव्वयाणं जीवाओ तेवन्नं तेवन्नं जोयणसहस्साइं नव य एगतीसे जोयणसए छच्च एगूणवीसइभाए जोयणस्स आयामेणं पन्नत्ताओ। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तेवन्नं अणगारा संवच्छरपरियाया पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु देवत्ताए उववन्ना। संमुच्छिमउरपरिसप्पाणं उक्कोसेणं तेवन्नं वाससहस्सा ठिई प० ॥ १३१ ॥ भरहेरवएसु णं वासेसु एगमेगाए उस्सप्पिणीए ओसप्पिणीए चउवन्नं चउवन्नं उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, तं जहा–चउवीसं तित्थकरा बारस चक्कवट्टी नव बलदेवा नव वासुदेवा। अरहा णं अरिट्ठनेमी चउवन्नं राइंदियाइं छउमत्थपरियायं पाउणित्ता जिणे जाए केवली सव्वन्नू सव्वभावदरिसी। समणे भगवं महावीरे एगदिवसेणं एगनिसिज्जाए चउप्पन्नाइं वागरणाइं वागरित्था। अणंतस्स णं अरहओ चउपन्नं गणहरा होत्था ॥ १३२ ॥ मल्लिस्स णं अरहओ [मल्ली णं अरहा] पणपन्नं वाससहस्साइं परमाउं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्चच्छिमिल्लाओ चरमंताओ विजयदारस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं पणपन्नं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउद्दिसिं पि विजयवेजयंतजयंतअपराजियं ति। समणे भगवं महावीरे अंतिमराइयंसि पणपन्नं अज्झयणाइं कल्लाणफलविवागाइं पणपन्नं अज्झयणाइं पावफलविवागाइं वागरित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। पढमबिइयासु दोसु पुढवीसु पणपन्नं निरयावाससयसहस्सा प०। दंसणावरणिज्जनामाउयाणं तिण्हं कम्मपगडीणं पणपन्नं उत्तरपगडीओ प० ॥ १३३ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे छप्पन्नं नक्खत्ता चंदेण सद्धिं जोगं जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा। विमलस्स णं अरहओ छप्पन्नं गणा छप्पन्नं गणहरा होत्था ॥ १३४ ॥ तिण्हं गणिपिडगाणं आयारचूलियावज्जाण सत्तावन्नं अज्झयणा प० तं जहा–आयारे सूयगडे ठाणे। गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापायालस्स बहुमज्झदेसभाए एस णं सत्तावन्नं जोयणसहस्साइं अबाहाए

अंतरे प० । एवं दगभासस्स केउयस्स य संखस्स य जूयस्स य दयसीमस्स ईसरस्स य । मल्लिस्स णं अरहओ सत्तावन्नं मणपज्जवनाणिसया होत्था । महाहिमवंतरुप्पीणं वासहरपव्वयाणं जीवाणं धणुपिट्ठं सत्तावन्नं सत्तावन्नं जोयणसहस्साइं दोन्नि य तेणउए जोयणसए दस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं प० ॥ १३५ ॥ पढमदोच्चपंचमासु तिसु पुढवीसु अट्ठावन्नं निरयावाससयसहस्सा प० । नाणावरणिज्जस्स वेयणियआउयनामअंतराइयस्स एएसि णं पंचण्हं कम्मपगडीणं अट्ठावन्नं उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ । गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापायालस्स बहुमज्झदेसभाए एस णं अट्ठावन्नं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउदिसिं पि नेयव्वं ॥ १३६ ॥ चंदस्स णं संवच्छरस्स एगमेगे उऊ एगूणसट्ठिं राइंदियाइं राइंदियग्गेणं प० । संभवे णं अरहा एगूणसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे जाव पव्वइए । मल्लिस्स णं अरहओ एगूणसट्ठिं ओहिनाणिसया होत्था ॥ १३७ ॥ एगमेगे णं मंडले सूरिए सट्ठिए सट्ठिए मुहुत्तेहिं संघाइए । लवणस्स णं समुद्दस्स सट्ठिं नागसाहस्सीओ अग्गोदयं धारंति । विमले णं अरहा सट्ठिं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स सट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । बंभस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सट्ठि सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । सोहम्मीसाणेसु दोसु कप्पेसु सट्ठि विमाणावाससयसहस्सा प० ॥ १३८ ॥ पंचसंवच्छरियस्स णं जुगस्स रिउमासेणं मिज्जमाणस्स इगसट्ठिं उऊमासा प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स पढमे कंडे इगसट्ठिजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चंदमंडले णं एगसट्ठिविभागविभाइए समंसे प० । एवं सूरस्स वि ॥ १३९ ॥ पंचसंवच्छरिए णं जुगे बासट्ठिं पुन्निमाओ बावट्ठिं अमावसाओ पन्नत्ताओ । वासुपुज्जस्स णं अरहओ बासट्ठिं गणा बासट्ठिं गणहरा होत्था । सुक्कपक्खस्स णं चंदे बासट्ठिं भागे दिवसे दिवसे परिवड्ढइ, ते चेव बहुलपक्खे दिवसे दिवसे परिहायइ । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु पढमे पत्थडे पढमावलियाए एगमेगाए दिसाए बासट्ठिं बासट्ठिं विमाणा प० । सव्वे वेमाणियाणं बासट्ठि विमाणपत्थडा पत्थडग्गेणं प० ॥ १४० ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए तेसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं महारायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । हरिवासरम्मयवासेसु मणुस्सा तेसट्ठिए राइंदिएहिं संपत्तजोव्वणा भवंति । निसढे णं पव्वए तेसट्ठिं सूरोदया प० । एवं नीलवंते वि ॥ १४१ ॥ अट्ठट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव भवइ । चउसट्ठि असुरकुमारावाससयसहस्सा प० । चमरस्स णं रन्नो चउसट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । सव्वे वि दधि मुहाणं

पव्वया पल्लासंठाणसंठिया सव्वत्थ समा विक्खंभुस्सेहेणं चउसट्ठिं जोयणसहस्साइं प० । सोहम्मीसाणेसु बंभलोए य तिसु कप्पेसु चउसट्ठिं विमाणावाससयसहस्सा प० । सव्वस्स वि य णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स चउसट्ठिलट्ठीए महग्घे मुत्तामणि-(मए)हारे प० ॥ १४२ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे पणसट्ठिं सूरमंडला प० । थेरे णं मोरियपुत्ते पणसट्ठिवासाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । सोहम्मवडिंसयस्स णं विमाणस्स एगमेगाए वाहाए पणसट्ठिं पणसट्ठिं भोमा प० ॥ १४३ ॥ दाहिणड्ढमाणुस्सखेत्ता णं छावट्ठिं चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा । छावट्ठिं सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा । उत्तरड्ढमाणुस्सखेत्ता णं छावट्ठिं चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा । छावट्ठिं सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा । सेज्जंसस्स णं अरहओ छावट्ठिं गणा छावट्ठिं गणहरा होत्था । आभिणिबोहियनाणस्स णं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १४४ ॥ पंचसंवच्छरियस्स णं जुगस्स नक्खत्तमासेणं मिज्जमाणस्स सत्तसट्ठिं नक्खत्तमासा प० । हेमवयएरन्नवयाओ णं वाहाओ सत्तट्ठिं सत्तट्ठिं जोयणसयाइं पणपन्नाइं तिण्णि य भागा जोयणस्स आयामेणं प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोयमदीवस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तसट्ठिं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प० । सव्वेसिं पि णं नक्खत्ताणं सीमाविक्खंभे णं सत्तट्ठिं भागं भइए समंसे प० ॥ १४५ ॥ धायइसंडे णं दीवे अडसट्ठिं चक्कवट्टिविजया अडसट्ठिं रायहाणीओ प० । उक्कोसपए अडसट्ठिं अरहंता समुप्पज्जिंसु वा समुप्पज्जंति वा समुप्पज्जिस्संति वा । एवं चक्कवट्टी वलदेवा वासुदेवा । पुक्खरवरदीवड्ढे णं अडसट्ठिं विजया एवं चेव जाव वासुदेवा । विमलस्स णं अरहओ अडसट्ठिं समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था ॥ १४६ ॥ समयखित्ते णं मंदरवज्जा एगूणसत्तरिं वासा वासधरपव्वया प० तं जहा-पणतीसं वासा तीसं वासहरा चत्तारि उसुयारा । मंदरस्स पव्वयस्स पच्चच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोयमदीवस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं एगूणसत्तरिं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प० । मोहणिज्जवज्जाणं सत्तण्हं कम्मपगडीणं एगूणसत्तरि उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ ॥ १४७ ॥ समणे भगवं महावीरे वासाणं सवीसइराए मासे वइक्कंते सत्तरिएहिं राइंदिएहिं सेसेहिं वासावासं पज्जोसवेइ । पासे णं अरहा पुरिसादाणीए सत्तरिं वासाइं वहुपडिपुन्नाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । वासुपुज्जे णं अरहा सत्तरिं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । मोहणिज्जस्स णं कम्मस्स सत्तरिं सागरोवमकोडाकोडीओ अवाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेगे प० ।

माहिंदस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सत्तरिं सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ ॥ १४८ ॥ चउत्थस्स णं चंदसंवच्छरस्स हेमंताणं एक्कसत्तरीए राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं सव्ववाहिराओ मंडलाओ सूरिए आउट्टिं करेइ । वीरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स एक्कसत्तरिं पाहुडा प० । अजिते णं अरहा एक्कसत्तरिं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए । एवं सगरो वि राया चाउरंतचक्कवट्टी एक्कसत्तरिं पुव्व जाव पव्वइए त्ति ॥ १४९ ॥ वावत्तरिं सुवन्नकुमारावाससयसहस्सा प० । लवणस्स समुद्दस्स वावत्तरिं नागसाहस्सीओ वाहिरियं वेलं धारंति । समणे भगवं महावीरे वावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे वुद्धे जाव प्पहीणे । थेरे णं अयलभाया वावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । अब्भिंतरपुक्खरद्धे णं वावत्तरिं चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, वावत्तरिं सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा । एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स वावत्तरिपुरवरसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । वावत्तरि कलाओ प० तं जहा–लेहं, गणियं, रूवं, नट्टं, गीयं, वाइयं, सरगयं, पुक्खरगयं, समतालं, जूयं, जणवायं, पोक्खच्चं, अट्ठावयं, दगमट्टियं, अन्नविहीं, पाणविहीं, वत्थविहीं, सयणविहीं, अज्जं, पहेलियं, मागहियं, गाहं, सिलोगं, गंधजुत्तिं, मधुसित्थं, आभरणविहीं, तरुणीपडिकम्मं, इत्थीलक्खणं, पुरिसलक्खणं, हयलक्खणं, गयलक्खणं, गोणलक्खणं, कुकुडलक्खणं, मिंढयलक्खणं, चक्कलक्खणं, छत्तलक्खणं, दंडलक्खणं, असिलक्खणं, मणिलक्खणं, कागणिलक्खणं, चम्मलक्खणं, चंदलक्खणं, सूरचरियं, राहुचरियं, गहचरियं, सोभागकरं, दोभागकरं, विज्जागयं, मंतगयं, रहस्सगयं, सभासं, चारं, पडिचारं, वूहं, पडिवूहं, खंधावारमाणं, नगरमाणं, वत्थुमाणं, खंधावारनिवेसं, वत्थुनिवेसं, नगरनिवेसं, ईसत्थं, छरुप्पवायं, आससिक्खं, हत्थिसिक्खं, धणुव्वेयं, हिरण्णपागं सुवन्नपागं मणिपागं धातुपागं, वाहुजुद्धं दंडजुद्धं मुट्ठिजुद्धं लट्ठिजुद्धं जुद्धं निजुद्धं जुद्धाइजुद्धं, सुत्तखेडं नालियाखेडं वट्टखेडं धम्मखेडं चम्मखेडं, पत्तच्छेज्जं कडगच्छेज्जं, सजीवं निज्जीवं, सउणरुयं । संमुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं वावत्तरिं वाससहस्साइं ठिई प० ॥ १५० ॥ हरिवासरम्मयवासयाओ णं जीवाओ तेवत्तरिं तेवत्तरिं जोयणसहस्साइं नव य एगुत्तरे जोयणसए सत्तरस य एगूणवीसइभागे जोयणस्स अद्धभागं च आयामेणं प० । विजए णं वलदेवे तेवत्तरिं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे ॥ १५१ ॥ थेरे णं अग्गिभूई गणहरे चोवत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । निसहाओ णं वासहरपव्वयाओ तिगिच्छिओ णं दहाओ सीतोयामहानदीओ चोवत्तरिं

जोयणसयाइं साहियाइं उत्तराहिमुही पवहित्ता वइरामयाए जिब्भियाए चउजोयणायामाए पन्नासजोयणविक्खंभाए वइरतले कुंडे महया घडमुहपवत्तिएणं मुत्तावलिहारसंठाणसंठिएणं पवाएणं महया सद्देणं पवडइ। एवं सीता वि दक्खिणाहिमुही भाणियव्वा। चउत्थवज्जासु छसु पुढवीसु चोवत्तरिं नरयावाससयसहस्सा प० ॥ १५२ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ पन्नत्तरि जिणसया होत्था। सीतले णं अरहा पन्नत्तरि पुव्वसहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए। संती णं अरहा पन्नत्तरिवाससहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १५३ ॥ छावत्तरि विज्जुकुमारावाससयसहस्सा प०। एवं-दीवदिसाउदहीणं, विज्जुकुमारिदथणियमग्गीणं। छण्हं पि जुगलयाणं, छावत्तरि सयसहस्साइं ॥ १५४ ॥ भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्तहत्तरि पुव्वसयसहस्साइं कुमारवासमज्झे वसित्ता महारायाभिसेयं संपत्ते। अंगवंसाओ णं सत्तहत्तरि रायाणो मुंडे जाव पव्वइया। गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्तहत्तरि देवसहस्सपरिवारा प०। एगमेगे णं मुहुत्ते सत्तहत्तरि लवे लवग्गेणं प० ॥ १५५ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणे महाराया अट्ठहत्तरीए सुवन्नकुमारदीवकुमारावाससयसहस्साणं आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महारायत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणे पालेमाणे विहरइ। थेरे णं अकंपिए अट्ठहत्तरि वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। उत्तरायणनियट्टे णं सूरिए पढमाओ मंडलाओ एगूणचत्तालीसइमे मंडले अट्ठहत्तरिं एगसट्ठिभाए दिवसखेत्तस्स निवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिनिवुड्ढेत्ता णं चारं चरइ, एवं दक्खिणायणनियट्टे वि ॥ १५६ ॥ वलयामुहस्स णं पायालस्स हिट्ठिल्लाओ चरमंताओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं एगूणासि जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं केउस्स वि जूयस्स वि ईसरस्स वि। छट्ठीए पुढवीए बहुमज्झदेसभायाओ छट्ठस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं एगूणासीति जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बारस्स य बारस्स य एस णं एगूणासीइं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ १५७ ॥ सेज्जंसे णं अरहा असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। तिविट्ठे णं वासुदेवे असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। अयले णं बलदेवे असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। तिविट्ठे णं वासुदेवे असीइवाससयसहस्साइं महाराया होत्था। आउबहुले णं कंडे असीइ जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं प०। ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो असीई सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ। जंबुद्दीवे णं दीवे असीउत्तरं जोयणसयं ओगाहेत्ता सूरिए उत्तरकट्ठोवगए पढमं उदयं करेइ ॥ १५८ ॥ नवनवमिया णं भिक्खु-

पडिमा एक्कासीइ राइंदिएहिं चउहि य पंचुत्तरेहिं (भिक्खासएहिं) अहासुत्तं जाव आराहिया । कुंथुस्स णं अरहओ एक्कासीतिं मणपज्जवनाणिसया होत्था । विवाहपन्नत्तीए एकासीति महाजुम्मसया प० ॥ १५९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे वासीयं मंडलसयं जं सूरिए दुक्खुत्तो संकमित्ता णं चारं चरइ, तं जहा–निक्खममाणे य पविसमाणे य । समणे भगवं महावीरे वासीए राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए । महाहिमवंतस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं वासीइं जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प०। एवं रुप्पिस्स वि ॥१६०॥ समणे भगवं महावीरे वासीइ राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं तेयासीइमे राइंदिए वट्टमाणे गब्भाओ गब्भं साहरिए । सीयलस्स णं अरहओ तेसीइं गणा तेसीइं गणहरा होत्था । थेरे णं मंडियपुत्ते तेसीइं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । उसभे णं अरहा कोसलिए तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं जाव पव्वइए । भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता जिणे जाए केवली सव्वन्नू सव्वभावदरिसी ॥ १६१ ॥ चउरासीइ निरयावाससयसहस्सा प० । उसभे णं अरहा कोसलिए चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । एवं भरहो बाहुबली बंभी सुंदरी । सिज्जंसे णं अरहा चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । तिविट्ठे णं वासुदेवे चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता अप्पइट्ठाणे नरए नेरइयत्ताए उववन्नो । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । सव्वे वि णं बाहिरया मंदरा चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वे वि णं अंजणगपव्वया चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । हरिवासरम्मयवासियाणं जीवाणं धणुपिट्ठा चउरासी जोयणसहस्साइं सोलस जोयणाइं चत्तारि य भागा जोयणस्स परिक्खेवेणं प० । पंकबहुलस्स णं कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं चोरासीइ जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । विवाहपन्नत्तीए णं भगवतीए चउरासीइं पयसहस्सा पदग्गेणं प० । चोरासीइ नागकुमारावाससयसहस्सा प० । चोरासीइ पइन्नगसहस्साइं पन्नत्ताइं । चोरासीइं जोणिप्पमुहसयसहस्सा प० । पुव्वाइयाणं सीसपहेलियापज्जवसाणाणं सट्ठाणट्ठाणंतराणं चोरासीए गुणकारे प० । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स चउरासीइ गणा चउरासीइ गणहरा होत्था, उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स उसभसेणपामोक्खाओ चउरासीइ समणसाहस्सीओ होत्था । सव्वे वि चउरासीइ विमाणावाससयसहस्सा

सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खायं ॥ १६२ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स पंचासीइ उद्देसणकाला प०। धायइसंडस्स णं मंदरा पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प०। रुयए णं मंडलियपव्वए पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प०। नंदणवणस्स णं हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं पंचासीइ जोयणसयाइं अवाहाए अंतरे प० ॥ १६३ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ छलसीइ गणा छलसीइ गणहरा होत्था। सुपासस्स णं अरहओ छलसीइ वाइसया होत्था। दोच्चाए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभागाओ दोच्चस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं छलसीइ जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प० ॥ १६४ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प०। मंदरस्स णं पव्वयस्स दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ दगभासस्स आवासपव्वयस्स उत्तरिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प०। एवं मंदरस्स पच्चच्छिमिल्लाओ चरमंताओ संखस्स आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प०। एवं चेव मंदरस्स उत्तरिल्लाओ चरमंताओ दगसीमस्स आवासपव्वयस्स दाहिणिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प०। छण्हं कम्मपगडीणं आइमउवरिल्लवज्जाणं सत्तासीइं उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ। महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइ जोयणसयाइं अवाहाए अंतरे प०। एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ १६५ ॥ एगमेगस्स णं चंदिमसूरियस्स अट्ठासीइ अट्ठासीइ महग्गहा परिवारो प०। दिट्ठिवायस्स णं अट्ठासीइ सुत्ताइं पन्नत्ताइं, तं जहा–उज्जुसुयं परिणयापरिणयं एवं अट्ठासीइ सुत्ताणि भाणियव्वाणि जहा नंदीए। मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठासीइं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प०। एवं चउसु वि दिसासु नेयव्वं। वाहिराओ उत्तराओ णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगते अट्ठासीति एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स निवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिनिवुड्ढेत्ता सूरिए चारं चरइ। दक्खिणकट्ठाओ णं सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे चोयालीसतिमे मंडलगते अट्ठासीई एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स रयणिखेत्तस्स निवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिनिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ ॥ १६६ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए इमीसे ओसप्पिणीए ततियाए सुसमदूसमाए (समाए) पच्छिमे भागे एगूणणउए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्व-

दुक्खप्पहीणे। समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउत्थाए दूसमसुसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणनउइए अद्धमासेहिं सेसेहि कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। हरिसेणे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी एगूणनउइं वाससयाइं महाराया होत्था। संतिस्स णं अरहओ एगूणनउई अज्जासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया होत्था ॥ १६७ ॥ सीयले णं अरहा नउइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। अजियस्स णं अरहओ नउई गणा नउई गणहरा होत्था। एवं संतिस्स वि। सयंभुस्स ण वासुदेवस्स णउइ वासाइं विजए होत्था। सव्वेसि णं वट्टवेयड्ढपव्वयाणं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ सोगंधियकण्डस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं नउइ जोयणसयाइं अवाहाए अतरे प० ॥ १६८ ॥ एकाणउई परवेयावच्चकम्मपडिमाओ पन्नत्ताओ। कालोए णं समुद्दे एकाणउई जोयणसयसहस्साइं सहियाइं परिक्खेवेणं प०। कुंथुस्स णं अरहओ एकाणउई आहोहियसया होत्था। आउयगोयवज्जाणं छण्हं कम्मपगडीणं एकाणउई उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ ॥ १६९ ॥ बाणउई पडिमाओ पन्नत्ताओ। थेरे णं इंदभूती बाणउइ वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे। मंदरस्स णं पव्वयस्स बहुमज्झदेसभागाओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं बाणउइं जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प०। एवं चउण्हं वि आवासपव्वयाणं ॥ १७० ॥ चंदप्पहस्स णं अरहओ तेणउई गणा तेणउई गणहरा होत्था। संतिस्स णं अरहओ तेणउई चउद्दसपुव्विसया होत्था। तेणउइमंडलगते णं सूरिए अतिवट्टमाणे वा निवट्टमाणे वा समं अहोरत्तं विसमं करेइ ॥१७१॥ निसहनीलवंतियाओ णं जीवाओ चउणउइ जोयणसहस्साइं एकं छप्पण्णं जोयणसयं दोन्नि य एगूणवीसइभागे जोयणस्स आयामेणं प०। अजियस्स णं अरहओ चउणउइ ओहिनाणिसया होत्था ॥ १७२ ॥ सुपासस्स णं अरहओ पंचाणउइ गणा पंचाणउइ गणहरा होत्था। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स चरमंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइ पंचाणउइ जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता चत्तारि महापायालकलसा प० तं जहा—वलयामुहे केऊए जूयए ईसरे। लवणसमुद्दस्स उभओ पासं पि पंचाणउयं पंचाणउयं पदेसाओ उव्वेहुस्सेहपरिहाणीए प०। कुंथू णं अरहा पंचाणउइ वाससहस्साइं परमाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। थेरे णं मोरियपुत्ते पंचाणउइ वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे ॥ १७३ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स छण्णउई छण्णउई गामकोडीओ होत्था। वाउकुमाराणं छण्णउइ भवणावाससयसहस्सा प०। ववहारिए णं दंडे छण्णउइ अंगुलाइं अंगुलमाणेणं। एवं धणू नालिया जुगे अक्खे मुसले वि हु। अब्भितरओ आइमुहुत्ते छण्णउइअंगुलछाए प० ॥ १७४ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्चच्छिमि-

ल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्ताणउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते। एवं चउदिसिं पि । अट्ठण्हं कम्मपगडीणं सत्ताणउइ उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ। हरिसेणे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी देसूणाइं सत्ताणउइ वाससयाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं जाव पव्वइए ॥ १७५ ॥ नंदणवणस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ पंडुयवणस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं अट्ठाणउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्चच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठाणउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउदिसिं पि । दाहिणभरहद्धस्स णं धणुप्पिट्ठे अट्ठाणउइ जोयणसयाइं किंचूणाइं आयामेणं पन्नत्ते । उत्तराओ णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे एगूणपन्नासतिमे मंडलगते अट्ठाणउइ एकसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स निवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिनिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ । दक्खिणाओ णं कट्ठाओ सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे एगूणपन्नासइमे मंडलगते अट्ठाणउइ एकसट्ठिभाए मुहुत्तस्स रयणिखित्तस्स निवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिनिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ । रेवईपढमजेट्ठापज्जवसाणाणं एगूणवीसाए नक्खत्ताणं अट्ठाणउइ ताराओ तारग्गेणं पन्नत्ताओ ॥ १७६ ॥ मंदरे णं पव्वए णवणउइ जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ते । नंदणवणस्स णं पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं नवनउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ उत्तरिल्ले चरमंते एस णं णवणउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । उत्तरे पढमे सूरियमंडले नवनउइ जोयणसहस्साइं साइरेगाइं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। दोच्चे सूरियमंडले नवनउइ जोयणसहस्साइं साहियाइं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। तइए सूरियमंडले नवनउइ जोयणसहस्साइं साहियाइं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अंजणस्स कंडस्स हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ वाणमंतरभोमेज्जविहाराणं उवरिमंते एस णं नवनउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते ॥ १७७ ॥ दसदसमिया णं भिक्खुपडिमा एगेणं राइंदियसतेणं अद्धछट्ठेहिं भिक्खासतेहिं अहासुत्तं जाव आराहिया वि भवइ । सयभिसया नक्खत्ते एक्कसयतारे पन्नत्ते । सुविही पुप्फदंते णं अरहा एगं धणूसयं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। पासे णं अरहा पुरिसादाणीए एक्कं वाससयं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । एवं थेरे वि अज्जसुहम्मे। सव्वे वि णं दीहवेयड्ढपव्वया एगमेगं गाउयसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वे वि णं चुल्लहिमवंतसिहरीवासहरपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० एगमेगं गाउयसयं

उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं कंचणगपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० एगमेगं गाउयसयं उव्वेहेणं प० एगमेगं जोयणसयं मूले विक्खंभेणं प० ॥१७८॥ चंदप्पभे णं अरहा दिवड्ढं धणुसयं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । आरणे कप्पे दिवड्ढं विमाणावाससयं प० । एवं अच्चुए वि ॥ १७९ ॥ सुपासे णं अरहा दो धणुसया उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वे वि णं महाहिमवंतरुप्पीवासहरपव्वया दो दो जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० दो दो गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । जंबुद्दीवे णं दीवे दो कंचणपव्वयसया प० ॥ १८० ॥ पउमप्पभे णं अरहा अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । असुरकुमाराणं देवाणं पासायवडिंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १८१ ॥ सुमई णं अरहा तिण्णि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अरिट्ठनेमी णं अरहा तिण्णि वाससयाइं कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए । वेमाणियाणं देवाणं विमाणपागारा तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स भगवओ महावीरस्स तिन्नि सयाणि चोद्दसपुव्वीणं होत्था । पंचधणुसइयस्स णं अंतिमसारीरियस्स सिद्धिगयस्स सातिरेगाणि तिण्णि धणुसयाणि जीवप्पदेसोगाहणा प० ॥१८२॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अद्धुट्ठसयाइं चोद्दसपुव्वीणं संपया होत्था । अभिनंदणे णं अरहा अद्धुट्ठाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १८३ ॥ संभवे णं अरहा चत्तारि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वे वि णं णिसढनीलवंता वासहरपव्वया चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वया णिसढनीलवंतवासहरपव्वयए णं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं पन्नत्ते । आणयपाणएसु दोसु कप्पेसु चत्तारि विमाणसया प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ १८४ ॥ अजिए णं अरहा अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सगरे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १८५ ॥ सव्वे वि णं वक्खारपव्वया सीआसीओआओ महानईओ मंदरपव्वयंतेणं पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वासहरकूडा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, मूले पंच पंच जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० । उसभे णं अरहा कोसलिए पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सोमणसगंधमादणविज्जुप्पभमालवंताणं वक्खारपव्वयाणं मंदरपव्वयंतेणं पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं

उच्चत्तेणं पंच पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सव्वे वि णं नंदणकूडा वलकूडवज्जा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १८६ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चुल्लहिमवंतकूडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं छ जोयणसयाइं अवाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं सिहरीकूडस्स वि । पासस्स णं अरहओ छ सया वाईणं सदेवमणुयासुरे लोए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाईसंपया होत्था । अभिचंदे णं कुलगरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १८७॥ बंभलंतएसु कप्पेसु विमाणा सत्त सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स सत्त जिणसया होत्था । समणस्स भगवओ महावीरस्स सत्त वेउव्वियसया होत्था । अरिट्ठनेमी णं अरहा सत्त वाससयाइं देसूणाइं केवलपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ महाहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं सत्त जोयणसयाइं अवाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ १८८ ॥ महासुक्कसहस्सारेसु दोसु कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमे कंडे अट्ठसु जोयणसएसु वाणमंतरभोमेज्जविहारा प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठसया अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठहिं जोयणसएहिं सूरिए चारं चरइ । अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठ सयाइं वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाईसंपया होत्था ॥ १८९ ॥ आणयपाणयआरणअच्चुएसु कप्पेसु विमाणा नव नव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । निसढकूडस्स णं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ णिसढस्स वासहरपव्वयस्स समे धरणितले एस णं नव जोयणसयाइं अवाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं नीलवंतकूडस्स वि । विमलवाहणे णं कुलगरे णं नव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नवहिं जोयणसएहिं सव्वुवरिमे तारारूवे चारं चरइ । निसढस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ सिहरतलाओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमस्स कंडस्स बहुमज्झदे-

सभाए एस णं नव जोयणसयाइं अवाहाए अंतरे पन्नत्ते। एवं नीलवंतस्स वि ॥ १९० ॥ सव्वे वि णं गेवेज्जविमाणे दस दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ते। सव्वे वि णं जमगपव्वया दस दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०, मूले दस दस जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प०। एवं चित्तविचित्तकूडा वि भाणियव्वा। सव्वे वि णं वट्टवेयड्ढपव्वया दस दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० मूले दस दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०, सव्वत्थ समा पल्लगसंठाणसंठिया प०। सव्वे वि णं हरिहरिस्सहकूडा वक्खारकूडवज्जा दस दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, मूले दस दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०। एवं बलकूडा वि नंदणकूडवज्जा। अरहा वि अरिट्ठनेमी दस वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। पासस्स णं अरहओ दस सयाइं जिणाणं होत्था। पासस्स णं अरहओ दस अंतेवासीसयाइं कालगयाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं। पउमद्दहपुंडरीयद्दहा य दस दस जोयणसयाइं आयामेणं प० ॥ १९१ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं विमाणा एक्कारस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। पासस्स णं अरहओ इक्कारस सयाइं वेउव्वियाणं होत्था ॥१९२॥ महापउममहापुंडरीयदहाणं दो दो जोयणसहस्साइं आयामेणं प०॥१९३॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वइरकंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ लोहियक्खकंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं तिन्नि जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे प० ॥१९४॥ तिगिच्छिकेसरिदहाणं चत्तारि चत्तारि जोयणसहस्साइं आयामेणं पन्नत्ताइं ॥ १९५ ॥ धरणितले मंदरस्स णं पव्वयस्स वहुमज्झदेसभाए रुयगनाभीओ चउदिसिं पंच पंच जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे मंदरपव्वए पन्नत्ते ॥ १९६ ॥ सहस्सारे णं कप्पे छ विमाणावाससहस्सा प० ॥ १९७ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणस्स कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ पुलगस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे पन्नत्ते ॥ १९८ ॥ हरिवासरम्मयाणं वासा अट्ठ जोयणसहस्साइं साइरेगाइं वित्थरेणं प० ॥ १९९ ॥ दाहिणड्ढभरहस्स णं जीवा पाईणपडीणायया दुहओ समुद्दं पुट्ठा नव जोयणसहस्साइं आयामेणं प०। अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं नव ओहिनाणसहस्साइं होत्था, मंदरे णं पव्वए धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं पन्नत्ते, जंबूदीवे णं दीवे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं प०, लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ २०० ॥ पासस्स णं अरहओ तिन्नि सयसाहस्सीओ सत्तावीसं च सहस्साइं उक्कोसिया सावियासंपया होत्था ॥ २०१ ॥ धाय-

उच्चत्तेणं पंच पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सव्वे वि णं नंदणकूडा बलकूडवज्जा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १८६ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चुल्लहिमवंतकूडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं छ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं सिहरीकूडस्स वि । पासस्स णं अरहओ छ सया वाईणं सदेवमणुयासुरे लोए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाईसंपया होत्था । अभिचंदे णं कुलगरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥१८७॥ बंभलंतएसु कप्पेसु विमाणा सत्त सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स सत्त जिणसया होत्था । समणस्स भगवओ महावीरस्स सत्त वेउव्वियसया होत्था । अरिट्ठनेमी णं अरहा सत्त वाससयाइं देसूणाइं केवलपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ महाहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं सत्त जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ १८८ ॥ महासुक्कसहस्सारेसु दोसु कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमे कंडे अट्ठसु जोयणसएसु वाणमंतरभोमेज्जविहारा प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठसया अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठहिं जोयणसएहिं सूरिए चारं चरइ । अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठ सयाइं वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाईसंपया होत्था ॥ १८९ ॥ आणयपाणयआरणअच्चुएसु कप्पेसु विमाणा नव नव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । निसढकूडस्स णं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ णिसढस्स वासहरपव्वयस्स समे धरणितले एस णं नव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं नीलवंतकूडस्स वि । विमलवाहणे णं कुलगरे णं नव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नवहिं जोयणसएहिं सव्वुवरिमे तारारूवे चारं चरइ । निसढस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ सिहरतलाओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमस्स कंडस्स बहुमज्झदे-

सभाए एस णं नव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते । एवं नीलवंतस्स वि
॥ १९० ॥ सव्वे वि णं गेवेज्जविमाणे दस दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ते ।
सव्वे वि णं जमगपव्वया दस दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस दस गाउ-
यसयाइं उव्वेहेणं प०, मूले दस दस जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । एवं
चित्तविचित्तकूडा वि भाणियव्वा । सव्वे वि णं वट्टवेयड्ढपव्वया दस दस जोयण-
सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० मूले दस दस जोय-
णसयाइं विक्खंभेणं प०, सव्वत्थ समा पल्लगसंठाणसंठिया प० । सव्वे वि णं हरि-
हरिस्सहकूडा वक्खारकूडवज्जा दस दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, मूले दस दस
जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० । एवं बलकूडा वि नंदणकूडवज्जा । अरहा वि अरिट्ठ-
नेमी दस वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । पासस्स
णं अरहओ दस सयाइं जिणाणं होत्था । पासस्स णं अरहओ दस अंतेवासीसयाइं
कालगयाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं । पउमद्दहपुंडरीयद्दहा य दस दस जोयणस-
याइं आयामेणं प० ॥ १९१ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं विमाणा एक्कारस जोय-
णसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । पासस्स णं अरहओ इक्कारस सयाइं वेउव्वियाणं होत्था
॥१९२॥ महापउममहापुंडरीयदहाणं दो दो जोयणसहस्साइं आयामेणं प०॥१९३॥
इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वइरकंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ लोहियक्ख-
कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं तिन्नि जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥१९४॥
तिगिच्छिकेसरिदहाणं चत्तारि चत्तारि जोयणसहस्साइं आयामेणं पन्नत्ताइं ॥ १९५॥
धरणितले मंदरस्स णं पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए रुयगनाभीओ चउदिसिं पंच पंच
जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे मंदरपव्वए पन्नत्ते ॥ १९६ ॥ सहस्सारे णं कप्पे
छ विमाणावाससहस्सा प० ॥ १९७ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणस्स
कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ पुलगस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोय-
णसहस्साइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते ॥ १९८ ॥ हरिवासरम्मयाणं वासा अट्ठ जोय-
णसहस्साइं साइरेगाइं वित्थरेणं प० ॥ १९९ ॥ दाहिणड्ढभरहस्स णं जीवा पाईण-
पडीणायया दुहओ समुद्दं पुट्ठा नव जोयणसहस्साइं आयामेणं प० । अजियस्स
णं अरहओ साइरेगाइं नव ओहिनाणसहस्साइं होत्था, मंदरे णं पव्वए धरणि-
तले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं पन्नत्ते, जंबूदीवे णं दीवे एगं जोयण-
सयसहस्सं आयामविक्खंभेणं प०, लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं
चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ २०० ॥ पासस्स णं अरहओ तिन्नि सयसाह-
स्सीओ सत्तावीसं च सहस्साइं उक्कोसिया सावियासंपया होत्था ॥ २०१ ॥ धाय-

इखंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पन्नत्ते ॥ २०२ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं पंच जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते ॥ २०३ ॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं रायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ २०४ ॥ जंबूदीवस्स णं दीवस्स पुरच्छिमिल्लाओ वेइयंताओ धायइखंडचक्कवालस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते ॥ २०५ ॥ माहिंदे णं कप्पे अट्ठ विमाणावाससयसहस्साइं पन्नत्ताइं ॥२०६॥ अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं नव ओहिनाणिसहस्साइं होत्था ॥ २०७ ॥ पुरिससीहे णं वासुदेवे दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता पंचमाए पुढवीए नेरइएसु नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ २०८ ॥ समणे भगवं महावीरे तित्थगरभवग्गहणाओ छट्ठे पोट्टिलभवग्गहणे एगं वासकोडिं सामन्नपरियागं पाउणित्ता सहस्सारे कप्पे सव्वट्ठविमाणे देवत्ताए उववन्ने ॥ २०९ ॥ उसभसिरिस्स भगवओ चरिमस्स य महावीरवद्धमाणस्स एगा सागरोवमकोडाकोडी अबाहाए अंतरे पन्नत्ते ॥ २१० ॥ दुवालसंगे गणिपिडगे पन्नत्ते, तं जहा–आयारे, सूयगडे, ठाणे, समवाए, विवाहपन्नत्ती, णायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुए, दिट्ठिवाए । से किं तं आयारे? आयारे णं समणाणं निग्गंथाणं आयारगोयरविणयवेणइयट्ठाणगमणचंकमणपमाणजोगजुंजणभासासमितिगुत्तीसेज्जोवहिभत्तपाणउग्गमउप्पायणएसणाविसोहिसुद्धासुद्धग्गहणवयणियमतवोवहाणसुप्पसत्थमाहिज्जइ । से समासओ पंचविहे पन्नत्ते, तं जहा–णाणायारे, दंसणायारे, चरित्तायारे, तवायारे, विरियायारे । आयारस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ । से णं अंगट्ठयाए पढमे अंगे दो सुयक्खंधा, पणवीसं अज्झयणा, पंचासीइं उद्देसणकाला, पंचासीइं समुद्देसणकाला, अट्ठारस पदसहस्साइं पदग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासया कडा निबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं णाया एवं विण्णाया । एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से त्तं आयारे ॥ २११ ॥ से किं तं सूअगडे? सूअगडे णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति, ससमयपरसमया सूइज्जंति, जीवा सूइज्जंति, अजीवा सूइज्जंति, जीवाजीवा सूइज्जंति, लोगो सूइज्जति, अलोगो

सूइज्जति, लोगालोगो सूइज्जति । सूअगडे णं जीवाजीवपुण्णपावासवसंवरनिज्जरण-बंधमोक्खावसाणा पयत्था सूइज्जंति । समणाणं अचिरकालपव्वइयाणं कुसमयमोह-मोहमइमोहियाणं संदेहजायसहजबुद्धिपरिणामसंसइयाणं पावकरमलिनमइगुणविसोह-णत्थं असीअस्स किरियावाइयसयस्स चउरासीए अकिरियवाईणं सत्तट्ठीए अण्णा-णियवाईणं बत्तीसाए वेणइयवाईणं तिण्हं तेवट्ठीणं अण्णदिट्ठियसयाणं वूहं किच्चा ससमए ठाविज्जति णाणदिट्ठंतवयणणिस्सारं सुट्ठु दरिसयंता विविहवित्थराणुगमपरम-सब्भावगुणविसिट्ठा मोक्खपहोयारगा उदारा अण्णाणतमंधकारदुग्गेसु दीवभूआ सोवाणा चेव सिद्धिसुगइगिहुत्तमस्स णिक्खोभनिप्पकंपा सुत्तत्था । सुयगडस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ । से णं अंगट्ठयाए दोच्चे अंगे दो सुयक्खंधा तेवीसं अज्झयणा तेत्तीसं उद्देसणकाला तेत्तीसं समुद्देसणकाला छत्तीसं पदसहस्साइं पय-ग्गेणं पन्नत्ताइं, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । सेत्तं सूअगडे ॥ २१२ ॥ से किं तं ठाणे ? ठाणे णं ससमया ठाविज्जंति, परसमया ठाविज्जंति, ससमयपरसमया ठाविज्जंति, जीवा ठाविज्जंति, अजीवा ठाविज्जंति, जीवाजीवा ठाविज्जंति, लोगा ठाविज्जंति, अलोगा ठाविज्जंति, लोगालोगा ठाविज्जंति, ठाणेणं दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपयत्थाणं–सेला सलिला य समुद्दा, सूरभवणविमाणआगरणदीओ । णिहिओ पुरिसज्जाया, सरा य गोत्ता य जोइसंचाला ॥ १ ॥ एक्कविहवत्तव्वयं दुविह जाव दसविहवत्तव्वयं, जीवाण पोग्गलाण य लोगट्ठाइं च णं परूवणया आघविज्जंति । ठाणस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए तइए अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झ-यणा, एक्कवीसं उद्देसणकाला, (एक्कवीसं समुद्देसणकाला), बावत्तरिं पयसहस्साइं पयग्गेणं पन्नत्ताइं । संखेज्जा अक्खरा, (अणंता गमा) अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघवि-ज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति (दंसिज्जंति) निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं ठाणे ॥ २१३ ॥ से किं तं समवाए ? समवाए णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति,

ससमयपरसमया सूइज्जंति, जाव लोगालोगा सूइज्जंति । समवाए णं एकाइयाणं एगट्ठाणं एगुत्तरियपरिवुड्ढीए, दुवालसंगस्स य गणिपिडगस्स पल्लवग्गे समणुगाइज्जइ ठाणगसयस्स, बारसविहवित्थरस्स सुयणाणस्स जगजीवहियस्स भगवओ समासेणं समोयारे आहिज्जति । तत्थ य णाणाविहप्पगारा जीवाजीवा य वण्णिया वित्थरेण, अवरे वि अ बहुविहा विसेसा नरगतिरियमणुअसुरगणाणं आहारुस्सासलेसाआवाससंखआययप्पमाणउववायचवणओगाहणोवहिवेयणविहाणउवओगजोगइंदियकसाय, विविहा य जीवजोणी, विक्खंभुस्सेहपरिरयप्पमाणं विहिविसेसा य मंदरादीणं महीधराणं, कुलगरतित्थगरगणहराणं सम्मत्तभरहाहिवाण चक्कीणं चेव चक्कहरहलहराण य, वासाण य निगमा य समाए । एए अण्णे य एवमाइ एत्थ वित्थरेणं अत्था समाहिज्जंति । समवायस्स णं परित्ता वायणा जाव से णं अंगट्ठयाए चउत्थे अंगे एगे अज्झयणे एगे सुयक्खंधे एगे उद्देसणकाले एगे समुद्देसणकाले एगे चउयाले पदसतसहस्से पदग्गेणं पन्नत्ते । संखेज्जाणि अक्खराणि जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं समवाए ॥ २१४ ॥ से किं तं वियाहे ? वियाहेणं ससमया विआहिज्जंति परसमया विआहिज्जंति ससमयपरसमया विआहिज्जंति, जीवा विआहिज्जंति अजीवा विआहिज्जंति जीवाजीवा विआहिज्जंति, लोगे विआहिज्जइ अलोगे विआहिज्जइ लोगालोगे विआहिज्जइ । वियाहेणं नाणाविहसुरनरिंदरायरिसिविविहसंसइअपुच्छियाणं जिणेणं वित्थरेण भासियाणं दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपदेसपरिणामजहच्छियभावअणुगमनिक्खेवणयप्पमाणसुनिउणोवक्कमविविहप्पकारपगडपयासियाणं लोगालोगपयासियाणं संसारसमुद्दरुंदउत्तरणसमत्थाणं सुरवइसंपूजियाणं भवियजणपयहिययाभिनंदियाणं तमरयविद्धंसणाणं सुदिट्ठदीवभूयईहामतिबुद्धिवद्धणाणं छत्तीससहस्समणूणयाणं वागरणाणं दंसणाओ सुयत्थबहुविहप्पगारा सीसहियत्था य गुणमहत्था । वियाहस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ । से णं अंगट्ठयाए पंचमे अंगे एगे सुयक्खंधे एगे साइरेगे अज्झयणसते दस उद्देसगसहस्साइं दस समुद्देसगसहस्साइं छत्तीसं वागरणसहस्साइं चउरासीइं पयसहस्साइं पयग्गेणं प० । संखेज्जाइं अक्खराइं अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया से एवं णाया से एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं वियाहे ॥ से किं तं णायाधम्मकहाओ ? णायाधम्मकहासु णं णायाणं णगराइं उज्जाणाइं वणखंडा रायाणो अम्मापियरो

समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढीविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियागा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायायाइं पुणबोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति जाव नायाधम्मकहासु णं पव्वइयाणं विणयकरणजिणसामिसासणवरे संजमपइण्णपालणधिइमइववसायदुब्बलाणं तवनियमतवोवहाणरणदुद्धरभरभग्गयणिस्सहयणिसिट्ठाणं घोरपरीसहपराजियाणं सहपारद्धरुद्धसिद्धालयमग्गनिग्गयाणं विसयसुहतुच्छआसावसदोससमुच्छियाणं विराहियचरित्तनाणदंसणजइगुणविविहप्पयारनिस्सारसुन्नयाणं संसारअपारदुक्खदुग्गइभवविविहपरंपरापवंचा। धीराण य जियपरिसहकसायसेण्णधिइधणियसंजमउच्छाहनिच्छियाणं आराहियनाणदंसणचरित्तजोगनिस्सल्लसुद्धसिद्धालयमग्गमभिमुहाणं सुरभवणविमाणसुक्खाइं अणोवमाइं भुत्तूण चिरं च भोगभोगाणि ताणि दिव्वाणि महरिहाणि ततो य कालक्कमचुयाणं जह य पुणो लद्धसिद्धिमग्गाणं अंतकिरिया। चलियाण य सदेवमाणुस्सधीरकरणकारणानि बोधणअणुसासणाणि गुणदोसदरिसणाणि दिट्ठंते पच्चये य सोऊण लोगमुणिणो जहट्ठियसासणम्मि जरमरणनासणकरे आराहिअसंजमा य सुरलोगपडिनियत्ता ओवेंति जह सासयं सिवं सव्वदुक्खमोक्खं। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य। णायाधम्मकहासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे दो सुअक्खंधा एगूणवीसं अज्झयणा, ते समासओ दुविहा पन्नत्ता, तं जहा–चरिता य कप्पिया य, दस धम्मकहाणं वग्गा, तत्थ णं एगमेगाए धम्मकहाए पंच पंच अक्खाइयासयाइं एगमेगाए अक्खाइयाए पंच पंच उवक्खाइयासयाइं, एगमेगाए उवक्खाइयाए पंच पंच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइं, एवमेव सपुव्वावरेणं अद्धुट्ठाओ अक्खाइयाकोडीओ भवंतीति मक्खायाओ, एगूणतीसं उद्देसणकाला एगूणतीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं पन्नत्ता, संखेज्जा अक्खरा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं णायाधम्मकहाओ ॥ २१५ ॥ से किं तं उवासगदसाओ? उवासगदसासु णं उवासयाणं णगराइं उज्जाणाइं वणखंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा उवासयाणं सीलव्वयवेरमणगुणपच्चक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणयाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणा पडिमाओ उवसग्गा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुणो बोहिलाभा अंतकिरियाओ आघविज्जंति। उवासगदसासु णं उवासयाणं रिद्धिविसेसा परिसा वित्थरधम्मसवणाणि बोहिलाभअभिगमसम्मत्तविसुद्धया

थिरत्तं मूलगुणउत्तरगुणाइयारा ठिईविसेसा य बहुविसेसा पडिमाभिग्गहग्गहणपालणा उवसग्गाहियासणा णिरुवसग्गा य तवा य विचित्ता सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाण-पोसहोववासा अपच्छिममारणंतिया य संलेहणाझोसणाहिं अप्पाणं जह य भावइत्ता बहूणि भत्ताणि अणसणाए य छेअइत्ता उववण्णा कप्पवरविमाणुत्तमेसु जह अणुभ-वंति सुरवरविमाणवरपोंडरीएसु सोक्खाइं अणोवमाइं कमेण भुत्तूण उत्तमाइं तओ आउक्खएणं चुया समाणा जह जिणमयंमि वोहिं लद्धूण य संजमुत्तमं तमरयोघ-विप्पमुक्का उवेंति जह अक्खयं सव्वदुक्खमोक्खं । एते अन्ने य एवमाइअत्था वित्थ-रेण य । उवासयदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा दस उद्दे-सणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता । संखे-ज्जाइं अक्खराइं जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं उवासगदसाओ ॥२१६॥ से किं तं अंतगडदसाओ ? अंतगडदसासु णं अंतगडाणं णगराइं उज्जाणाइं वणाइं राया अम्मापियरो समोसरणा धम्मायरिया धम्मकहा इहलोइयपरलोइयइड्ढिवि-सेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं पडिमाओ बहुविहाओ खमा अज्जवं मद्दवं च सोअं च सच्चसहियं सत्तरसविहो य संजमो उत्तमं च बंभं आकिं-चणया तवो चियाओ समिइगुत्तीओ चेव तह अप्पमायजोगो सज्झायज्झाणेण य उत्तमाणं दोण्हं पि लक्खणाइं पत्ताण य संजमुत्तमं जियपरीसहाणं चउव्विहकम्म-क्खयम्मि जह केवलस्स लंभो परियाओ जत्तिओ य जह पालिओ मुणिहिं पाओ-वगओ य जो जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेअइत्ता अंतगडो मुणिवरो तमरयोघविप्प-मुक्को मोक्खसुहमणुत्तरं च पत्ता । एए अन्ने य एवमाइअत्था वित्थारेणं परूवेइ । अंतगडदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगह-णीओ, जाव से णं अंगट्ठयाए अट्ठमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा सत्त वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं प० संखेज्जा अक्खरा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं अंतगड-दसाओ ॥ २१७ ॥ से किं तं अणुत्तरोववाइयदसाओ ? अणुत्तरोववाइयदसासु णं अणुत्तरोववाइयाणं नगराइं उज्जाणाइं वणखंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोगपरलोगइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियागो पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपाणपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं अणुत्तरोववाओ सुकुलपच्चायाया पुणो वोहिलाभो अंतकिरियाओ य आघविज्जंति । अणुत्तरोववाइयदसासु णं तित्थकरसमोसरणाइं परमंगलजगहियाणि

जिणातिसेसा य बहुविसेसा जिणसीसाणं चेव समणगणपवरगंधहत्थीणं थिरजसाणं परिसहसेण्णरिउबलपमद्दणाणं तवदित्तचरित्तणाणसम्मत्तसारविविहप्पगारवित्थरपसत्थगुणसंजुयाणं अणगारमहरिसीणं अणगारगुणाण वण्णओ उत्तमवरतवविसिट्ठणाणजोगजुत्ताणं जह य जगहियं भगवओ जारिसा इड्ढिविसेसा देवासुरमाणुसाणं परिसाणं पाउब्भावा य जिणसमीवं जह य उवासंति जिणवरं जह य परिकहंति धम्मं लोगगुरू अमरनरसुरगणाणं सोऊण य तस्स भासियं अवसेसकम्मविसयविरत्ता नरा जहा अब्भुवेंति धम्ममुरालं संजमं तवं चावि बहुविहप्पगारं जह बहूणि वासाणि अणुचरित्ता आराहियनाणदंसणचरित्तजोगा जिणवयणमणुगयमहियभासिया जिणवराण हिययेणमणुण्णेत्ता जे य जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेअइत्ता लद्धूण य समाहिमुत्तमज्झाणजोगजुत्ता उववन्ना मुणिवरोत्तमा जह अणुत्तरेसु पावंति जह अणुत्तरं तत्थ विसयसोक्खं तओ य चुआ कमेण काहिंति संजया जहा य अंतकिरियं एए अन्ने य एवमाइअत्था वित्थरेण। अणुत्तरोववाइयदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए नवमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा तिन्नि वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं प०। संखेज्जाणि अक्खराणि जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं अणुत्तरोववाइयदसाओ॥ २१८॥ से किं तं पण्हावागरणाणि? पण्हावागरणेसु णं अट्ठुत्तरं पसिणसयं अट्ठुत्तरं अपसिणसयं अट्ठुत्तरं पसिणापसिणसयं विज्जाइसया नागसुवन्नेहिं सद्धिं दिव्वा संवाया आघविज्जंति। पण्हावागरणदसासु णं ससमयपरसमयपण्णवयपत्तेअबुद्धविविहत्थभासाभासियाणं अइसयगुणउवसमणाणप्पगारआयरियभासियाणं वित्थरेणं वीरमहेसीहिं विविहवित्थरभासियाणं च जगहियाणं अद्दागंगुट्ठबाहुअसिमणिखोमआइच्चमाइयाणं विविहमहापसिणविज्जामणपसिणविज्जादेवयपयोगपहाणगुणप्पगासियाणं सब्भूयदुगुणप्पभावनरगणमइविम्हयकराणं अईसयमईयकालसमयदमसमतित्थकरुत्तमस्स ठिइकरणकारणाणं दुरहिगमदुरवगाहस्स सव्वसव्वन्नुसम्मअस्स अबुहजणविबोहणकरस्स पच्चक्खयपच्चयकराणं पण्हाणं विविहगुणमहत्था जिणवरप्पणीया आघविज्जंति। पण्हावागरणेसु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए दसमे अंगे एगे सुयक्खंधे पणयालीसं उद्देसणकाला पणयालीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं पन्नत्ता। संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं पण्हावागरणाइं॥ २१९॥ से किं तं विवागसुयं? विवागसुए णं सुक्कडदुक्कडाणं कम्माणं फलविवागे आघविज्जंति से समासओ दुविहे